





क्षेत्रियक-श्रीतारमा सम्ब

মহর্ষি শ্রীকৃষ্ণদ্বৈপায়ন বেদব্যাস প্রণীত সমস্ত বেদ, পুরাণ ও উপনিষদের সারাতিসার

অমল পুরাণ

(অখণ্ড সংস্করণ)

কৃষ্ণকৃপাশ্রীমূর্তি

শ্রীল অভয়চরণারবিন্দ ভক্তিবেদান্ত স্বামী প্রভূপাদ

আন্তর্জাতিক কৃষ্ণভাবনামৃত সংঘের প্রতিষ্ঠাতা ও আচার্য

কৰ্তৃক

ইংরেজী শ্রীমন্তাগবতের সহজ-সরল প্রাঞ্জলপূর্ণ বঙ্গানুবাদ অবলম্বনে গল্পাকারে সংকলিত



ভক্তিবেদান্ত পাবলিশিং হাউস

শ্রীধার নারাপুর, নদীরা, পশ্চিমবছ



AMAL PURAN (BENGAL!)

প্রকাশক ঃ কেলোগ্টেরাক দলে একচারী

প্রথম প্রকাশ ঃ ব্রীগৌরাক মহাগ্রাভুর আবির্ভাহ তিবি মহান্ত্রেসক।
২১ মার্চ ২০০৮ ব্রিস্টাক,
২ টের ১৪১৪ বলাপ,
২৯ লোকিব ৫২১ গৌরাক,
৫০০০ কবি।

ক্রম্বার । ২০০৮ ভতিকোত গাবলিশিং হাউস কর্তৃক সর্বায়ে সংক্রমিত

পৃষ্ঠাসকল ও বাবিকেশ দাস ক্রমচারী

मृत्य ह विभागाशृत इस टाम वृश्य कृत्य करून विभागाशृत, १४५०५७ स्थाया, श्रीकृत्यम् व्या(०८४१२) २४४-२५०, २४४-२४४

সূচীপত্ৰ

	-		
विवय	পৃষ্ঠা	विषय	পৃষ্ঠা
ভূমিকা	6	সন্ত্রদর্শ অধ্যাত্ত	
•		কলিব হণ্ড এবং পুরস্কার	310
প্রথম স্কন্ধ	2	चर्टान्न चथात	
প্ৰথম অধ্যায়		মহারাজ পরীক্তির রাজগ-হালকের ছারা জকিশন্ত	89
कविकता अर्थ	4	উনবিংশতি অধানত	
क्रिजीत पासान	-	ক্ষমেৰ গোৱামীক আৰিকাৰ	40
विश्व कार क विश्व <i>(गर्म</i>	- 46	CS -	-
क्रुटोत कर्याव	_	হিতীয় স্কন্ধ	୯୬
क्रिका पुरस्क अवस संस्थातिक हैया	- 61	श्राच्या चारहात	
छ ठ्यं स्थाप		ভগবাদ-উপলব্রির প্রথম স্তব্	28
बैजक वृत्ति चानिश्रंद	Te.	বিতীয় অধ্যান	
ধ্বস অধ্যা		PRINCIPAL STREET	44
नामागरक श्रीवहात्रक महरक		ভূতীয় কথাৰ	
দেবৰি নারদের নির্দেশ	30	७६ पाँक १ समरतात्र गतिवर्धम	43
मर्च जलार		इस्ट् कवाड	
भोको धूनि अवर बाजराससा करणांशकरन	30	मृद्धि-क्षयन्त	40
ज्ञवर व्यवस		नक्ष अध्य	
জেলগুর ছতিত	24	वर्ष क्षातरम्ब कर्ताच	45
च्हेंद्रम चलाम		वहं प्रदास	
कृतीत्त्रचेत्र शार्थमा अस् नतिष्यस्य द्यानस्य	314	পুরুষ-সূত্তের স্থীকৃতি	軸
जन्म अन्यार		मस्य अधार	
ভগৰান শ্ৰীকৃত্তের উপস্থিতিতে ভীম্মদেবের প্রয়াধ	24	निभिद्धे कार्य अन्यानरामा कना निभिद्धे जनराजभन्त	99
क्षा चनारा		साहेम जनाम	
গুলবান শ্রীকৃত্যার শারকা করা	26	মহারাজ প্রাক্তিকের প্রশ্ন	45
अध्यक्त अधार्ष		নধ্য কণ্ডাট	
पान्तर जीकृतका स्थापन शालन	29	क्षनगढ़ात समीत वर्गमा मानाटम केला	98
वामनं प्रश्वास		নশম অধ্যয়	
মহারাজ পরিক্রিকের রাশ্ব	-00	ब्रियक्श श्वर्थ अमन् श्रद्धन केन्द्रत	44
बद्धानम् व्यवस्		TOTAL WIND	-
দ্ভরাষ্ট্র গৃহত্যাগ করদেন	68	তৃতীয় স্বন্ধ	P.7
इन्दुर्भन् कामास		श्रम् व्यवस्थ	
अकृतका विरताशत केना	-th	निवृत्तक शक्ष	\$4
नामारम् मध्यात		क्टिया प्रभारत	
ব্ধানমনে পাঁওবলের জনসভ রাত্র	OF	ভগৰান জীকৃত্যে শাচন	9.6
(सक्न वर्धप्रत		कृष्टीत व्यवास	
কিভাবে পরীক্ষিত কলিবুগের সন্মুখীন হন	63	বৃষ্ণাবনের বৃহিত্তে অগতনের সীলাবিলাস	৮৭

6	t.	A			4.	, , , ,	
विषद्	পৃষ্ঠা	वियम	शृं ष्ट्रा	বিষয়	<u> शृंक</u> ी	विषश	পৃঠা
চতুর্ব অধ্যার		অবিশেতি অধ্যায়		भक्ता समाप्त		ক্রয়েকিলতি জন্যার	•
মৈজ্যে সমীপে কিচুরের গমল	p.9	কর্ম মূলি ও কেবহুতির পরিবয়	309	PARCE SIGN	26.2	नृष् महाजारकत कनवस्तरम संमन	২ -৩৮
পুৰুষ ক্ষ্মায়		ভবেবিংলতি অধ্যাত্ত		वर्ष व्यथान	400	সূৰ্ ব্যাস্থ্যকৰ ভাৰতৰ ব্যাস্থ ভত্তিশৈতি অধ্যাস্থ	400
विमृत-स्मिरतान महत्वान	92	দেবহুতির অনৃতাপ	349	ব্ৰহ্মা শিবকে প্ৰসম কালেন	200	सङ्ग्रीय कीर्डम	283
বৰ্চ জধ্যার		চতুৰ্বিংশতি অধ্যান		সপ্তম কথাত	200	नक्षतिःनकि चक्षात	403
निवासका मृद्धि	36	কৰ্মম মুনির বৈরাগ্য	380	यत्स्य स्था कार्यन	296	शका शृद्धारमा कारिमी	284
সন্তম অধ্যার		পঞ্চবিংশতি অস্কার	*00	कडिम कर्शाव		अस्ति। गुप्रकारमञ्जू करावनाः अस्तिरमञ्जू व्यथातः	400
বিদ্বের অভিবিক্ত প্রশ	2.4	ভগবন্ধবিদ্য মহিলা	>84	क्ष्म महाराहणा वृहकारंग क करनावर	333	পুরঞ্জনের স্বাহার প্রদা ও উরে মহিশীর শ্রেণ্ড	340
व्यष्टम वशाय		ৰচকিৰতি অধ্যয়	100	भवम व्यथात		পুরস্কালের ক্ষরতার প্রকাশ ও ভার করেবার ক্রেক্ত সন্তবিংলতি অধ্যার	540
গৰ্ডেগৰুপায়ী বিষ্ণু খেকে ক্লাৰে আনিৰ্ভাব	22			क्षा अवातारकात वृद्धः श्रधानकेन	556	भूतकारम्य नम्बीटक क्ट्रस्टमंत्र चावन्यन	
भेवम ज्ञथाति		সন্তবিংশতি অধ্যায়	389	भूनांत कराहर	-	अवर कानकतात हैनानाम	
স্কনী শক্তির করু ক্রমার প্রার্কন	304	ৰাড়া প্ৰকৃতিৰ উপলঙ্কি		प्रकारक गर्म क्षेत्र गरामारक गुन	403	অইবিশেতি অধ্যায়	444
क्षणंत्र व्यक्तांत		वर्षेत्रन्धि वसाव	245	একাশে অধ্যায়			240
শৃষ্টির বিভাগ	304	कत्रवद्धकि जन्मासम् जनस्य कनिमाहस्यतः हेन्द्रसम		क्षा प्रशासकारक कृत यह कारक		পরবর্তী রূপে পুরস্তানে স্কীণ প্রাধ্যি উন্তরিপতি অধ্যয়	148
क्षारम च्यार		केनीवरनिक चथाव	268	चारात्व समृत डेन्टनन	500	माझ । जाना शाहीनवर्दित कर्पाश्कथन	246
প্রমাপু থেকে কালের প্রদা	304			प्राप्त चार्यम		ক্রিপেতি অধ্যায়	404
चारल चर्यास		জন্মান কশিলাবের কর্মুক ভাগবন্ধবিদ্ধ ম্যাধ্যা বিশেতি অধ্যায়	264	क्षमा प्रशासकार प्रथमकार गाम	404	शास्त्राच्या कार्यक्याम्	
कृमात के काशानात्मत मृष्टि	503			TRANSPORT		একত্রিপেতি অধ্যন	146
जटरायम् च्यमान		क्तरान क्रिन्स्सर कर्म्स		क्षा व्यवस्थात स्थापनसम्बद्धाः वर्गना	409	श्रातका अधि व्यवस्था वेशस्य	***
व्यवसारमञ्जू चाविक्य	334	অতত সভাব কর্মের কর্মন	3150	प्रकृतिन अधाप		BOAKS SIG STANK STORY	594
চতুৰ্দশ অধ্যয়		বৰ্মিশেতি অধ্যাহ		ৰেণ বাজরে কাহিনী	424	প্রম ক্র	295
সামকোলে বিভিন্ন পর্যধারণ	226	জীবের বড়ি সমতে ভাষান		element mental			710
न्यान क्यांत		कणिनास्थायतः केल्यान	244	পৃথু বহারাজের অবিকার ও অভিবেক	430	समा अवस्य	
क्षावद्यात्मा वर्णमा	224	যারিলেডি অধ্যান		ट्याङ्ग जन्मात		মহারাক প্রিয়েকের কার্যকলাপ	545
বেড়াৰ অধ্যাৱ		নভাৰ কৰ্মের বছন	346	वकीरमत्र पावा भृष् महाबारणव सुवि	434	विक्रीय जन्माय	
रेनकूरफेत मूचे चात्रशाम बाब ७ विकासस्य		बर्जाकिरनिधं चमान		मश्चम् चश्चाव		ক্যানাক আগ্নীখেন চরিত্রককা	494
ভবিদের অভিনাপ	255	क्षिणासस्य कार्यकतान	565	णुविवीत शक्ति पृषु त्रहातारकत <i>दा</i> लप	529	তৃতীয় অধ্যান	
সন্তৰ্গ অধ্যয়				च्यांचन चरहास		মহারাম্ম নাতির পদ্ধী মেনুদেবীর পার্ক	
वेकारका नर्गतरक दित्रशासका विकास	244	চতুৰ্থ হয়	45	পৃথু অহারাজ কর্তৃক পৃথিবী সোহন	155	শ্বৰক্ষেত্ৰৰ আবিৰ্ভাৰ	398
অষ্ট্ৰমশ অধ্যয়		श्चिम कर्ताव		উন্দিশ্তি অধ্যয়		চতুৰ্ব অধ্যয়	
क्वांबरमरका मरक विश्वणाक रेक्टवान मुख	249	मन्वनारम् रामानम्	>94	शृत् चारतारकार भक्त चनारका चक्क	448		500
উনবিংশতি অধ্যায়		বিতীয় জন্যায়	374	বিংশকি অধ্যায়		नकर करतार	
रिजन्ताक वश्	>5%	Strate and war		पृष् प्रश्तासम् क्याप्ता काराम निकृत का	रिकेश २२१	पुजारमन श्रीके क्षणवान क्षणकरमदवन केन्द्रमण	164
বিশেতি অধ্যান্ত	. 40	তৃতীয় অন্ধান	246	একবিংশতি অধ্যান		वर्ष चर्चाड	
टेमटबार-विकृत महवास	>0>	Be on the -to-		পূৰ্ব সন্মাননা উপন্তল	400	ভাবন ক্ষত্যাবে কাৰ্যকল্প	284
একবিংশতি অধ্যয়		চতুৰ্ অধ্যায়	299	वानिरम्ब्रि वकास		সত্তৰ অধ্যায়	
क्नु-कर्वत्र मरवान	308	THE CHARGE		চতুৰসালের সঙ্গে পৃথু আইরোজের ক্রিবন	500	মহারক্ত করকের চরিত্রকপা	549
			243		(@	
	(8	J			-		

সৃষ্টীপত্ৰ

विषक्	পৃত্য	[द्यम्	পৃষ্ঠা	विसम	পৃষ্ঠা	বিবয়	পৃষ্ঠা
राष्ट्रिय व्यवस्त्र		বড়বিংশতি অধ্যার			4	প্ৰদেশ অব্যায়	
ভরত মহারাজের চরিত্র বর্ণনা	230	নরকের বর্ণনা	980	সন্তদশ অধ্যয়	disp	সভ্য মানুষদের প্রতি উপদেশ	800
नवा क्षाव		4		চিত্ৰকেত্বৰ প্ৰতি গাৰ্থীৰ অভিশাপ	000	40 41400	
জড় ভরতের পর্য মহৎ চরিত্র	490	सर्छ ऋश	©84	অন্তল্প অধ্যয়	oha	অন্তম কন্ধ	847
कृत्य कार्यास		প্রথম অধ্যায়		দেবনার ইন্তকে বধ করার জন্য দিতির রাজ	Orace		
ক্ষত ভাতের সঙ্গে মহারাজ রয়ুগণের সাক্ষাৎ	599	অভ্যানিদের উপাধ্যান	48b	উন্দিংশতি অধ্যান	800	उथा बद्धा	5468
একদশ অধ্যার		দিতীয় অধ্যার		পুসেৰনৱত অনুষ্ঠান বিধি	900	প্ৰজাবের প্ৰশাসক মনুৰ্বণ	
মহারার মধ্পাশের প্রতি মাড় ভারতের উপায়েশ	表表を	বিৰুদ্ধ কৰ্ডুক জন্তাহিল উদ্ধান	020	সপ্তম স্কন্ধ	809	विटीत व्यक्षात	848
दाम्ल व्यक्षात		ভূতীয় ভাষান্য				ग्रह्माद्वाच अक्षी	2.40
মহারাম্ব রমুগণ এবং অঞ্ করতের বার্তালাগ	602	ব্যস্তবেদ প্রতি ব্যস্তাজের উপজেপ	909	প্ৰথম অধ্যয়	-	তৃতীয় জধানি	866
হয়েদশ অধ্যয়		চতুৰ্থ অধ্যায়		ভগৰাৰ সকলের গ্রতি সমদশী	BOA	मरकारकार्थ जन	
त्राका बर्वरन्त्र शक्ति कड़ कारका		ভগবানের উদ্দেশ্যে প্রজ্ঞাপতি কন্দের		বিতীয় অধ্যাহ		চতুৰ্ব অধ্যায়	844
অভিরিক্ত উপদেশ	600	ररमञ्चा शार्थना	00%	নৈভ্যাক্স হিত্তকশিপু	877	वास्त्रात्मक देवकृत्वे द्यावास्त्रवर्ग	D off
চতুৰ্যল অধ্যায়		नक्षम चर्याव		তৃতীয় অধ্যক্ত		न्यात कार्यात	840
সদোর সুধভোগের মহা অরুদ্ধ	400	নারদ সুনির প্রতি প্রজ্ঞাপতি দক্ষের অভিনাপ	000	হিনপ্তলিপুত আৰু হ্ৰয়ার পৰিকল্পৰ	834	क्षत्वारमंत्र कारक् स्थाबारमञ्जूनको शीर्कना	B-10
शक्तम थयाह		वर्षे व्यथाना	-	চতুৰ্থ আন্তায়		वर्ष वर्शाव	898
মহারাভ প্রিপ্রেকের কর্মেধরদের সহিখা	674	वस्त्रकारका वरन	946	ব্রজাতে হিরক্তকশিপুর সম্ভান	824	দেবকা এবং অনুয়নের সন্ধি	910
ব্যেড়শ কথার		मतुर वाधान	- 000	न्या वयात		न्तर चथाव	404
क्युपीरभन्न वर्गना	866	দেবতক বৃহস্পতিকে ইংক্লের আগন্তান	966	ব্ৰিক্তৱালিপুৰ মহলে পুত্ৰ প্ৰচুল	843	বিষণান কৰে নিকেই ব্ৰহ্মাও ব্ৰহ্ম	896
नदाम चयात		सहित्र व्यथान		भक्ते चारात		অষ্ট্ৰম অধ্যায়	***
THE WORLD	67.6	41114-445	460	নৈত্যৰাপ্ৰকলৰ প্ৰতি প্ৰচুলেৰ উপলেপ	844	कीशमयुक्ष भक्ष	893
वर्शन वर्शन	***	स्वम खर्शिय	-	সংক্র অধ্যান		নংম অধ্যান	
क्रमसारमा श्रवि क्रमुक्कैभवातीसम्ब श्रार्थमा	473	নুত্রাসূরের আবির্ভাব	643	প্রচুথ মানুগর্কে কি লিখেনিশ	849	মোহিনীফ্ডিক্সপে ভগবানের অবতার	87-4
ज्ञातिवासि वास्तात	438	वन्त्र संश्रात	014	च्छेच व्यन्तम		समय क्यांस	01-0
प्रवृष्टिशा चिवितिक वर्गम	৩২৩		999	क्षाताम नृजिरहरकरवड रेमधाडाक वध	803	(भरत) व मानवरमध् मुक्	848
বংশতি অধ্যায়	040	দেবতা এবং বুরাস্থের মধ্যে মুক্ত একালশ অধ্যায়	V34	नवर्भ चःश्राहा		একাপৰ অধ্যান	
कार्यन गर्वन नर्वन	444	কুরাসুরের নিবা ওপাকণী	490	शहासन शार्थना मृतिरदरस्यत द्वागर्थाभाग्ने	8-04	रासताच रेट्सन क्रेस्सन्य अस्ति।	866
ক্ষিত্ৰ গ্ৰহণ ৰাম্য ক্ষিৰোতি অধ্যান্ত	959		0.0	श्रम्ब क्रमान		बीवन क्षशांव	
(र्वत गरित क्लेन		चामन व्यवस्था		अक्टाना टाउम	482	মেহিনীযুঠিত শিব বিমোহৰ	89.9
বিংশতি অধ্যায়	4007	বুজাগুরের মহিনাছির মৃত্যু	40.7	क्रांमन क्रशांव		अर्ग्याम्म प्रसाव	
एस्ट्रना क्रमन्त्र		करवानन कर्याच		আমৰ্শ সমাজ—চাকুৰ্বৰ্ণ্য	884	कारी बनुरमक वर्गमा	148
	005	দেবরাজ ইরেন রক্ষহত্যাজনিত পাণ	ON-Si	ধ্যমশ অধ্যাত		চতুৰ্মশ্ অধ্যয়	
য়েধিশেতি অধ্যান		চতুর্মশ অধ্যয়		আমূৰ্ণ সমাজ-চনুমান্তৰ	883	রক্ষাতের ব্যবস্থাপনার পদ্ধতি	668
ত্মার-চক্র	408	মহারাক্ষ ডিরকেপুর লোক	obd	SECTION SECTION		भक्तन क्रवाह	
বিশেতি অধ্যায়		পঞ্জাল অধ্যার		क्रिक शुक्रदयन चाठक्रम	883	ৰ্জি মহারাজের স্বৰ্গলোক কর	848
তাললেকের বর্ণনা	406	রালা ভিত্তকভূতে নাজ ও অজিরার উপদেশ	Op.9	इ न्डर्वन ज्ञनात		ক্ষেত্ৰ কন্তন	
জবিংশতি অধ্যান		ব্যেকৃশ অধ্যায়	-	साम्नं वृद्यु-शियम	803	প্রের্থের	894
त्याच चानवुरमस्बद्ध गरिमां	40%	ভগবানের সমে রাজা চিত্রকেতুর সাক্ষাংকার	69.5	Sec. 334	0	6	
	(60	7			-	9	

(6)

- 49	۸.		_
343	٦×	и,	悪
719		P	ef.

		4.5						
विवय	পৃষ্ঠা	विषय	পৃষ্ঠা		विवत	शृष्टी	विषय	शृक्षा
		क्ष्म्य व्यक्षाह			তৃত্যীয় অধ্যায়		থাবিংশতি অধ্যান	
नश्चेष्य व्यस्ताव	899	च्हताय विशामकरव्यक्त मीला	483		এককো মান	41/1	कृरक्षक कृताती (पाणीरमन बतास्तव	484
ভগৰানের অদিভিত্ত পুরস্ক স্থীকার	0.04	SERVICE CONTRACTOR AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADD	404		6 न्दर्श कामाच		ভরেবিংশতি অধ্যার	
অন্তালৰ অধ্যাত্ত	603	প্রীরামচন্ত্রের পৃথিকী শাসন	486		कश्टमत व्यकारधान	690	ব্ৰাহ্মগণদ্বীদেৰ প্ৰতি অনুগ্ৰহ	484
वास्त्रप्रवादानं क्षत्रवादावं क्षत्रवादा	603	and the second	400		अधार जवास		চত্ৰিপেতি অধ্যায়	
জ্ববিংশতি অধ্যাৰ	404	হাগপ অব্যায়	405		স্প মহারাজ এবং বসুদেবের মিলন	43/0	निवि-त्यायर्थेन भूगा	483
বলি মহারাজের কাছে বামনদেবের যানভিকা	600	প্রিয়াফজের পূত্র কুলের বংশবিদ্যা	689		वर्ष कर्मान		भक्तवरमञ्जि कथारा	
বিংশতি অধ্যায়	444	अरहास्त वसाव			गृह्या वर्ष	696	উক্তের বিবি-গোবর্থন উত্তোপদ	462
বলি সহায়াকোর সর্বাহ্ন সমর্থণ	409	मधातास निर्मित क्ला	640		महाय खराहा		ষদ্ধবিংশতি অধ্যান	
একবিশেতি ভাষাত্ত		हर्जुर्मण क्षेत्राच			তুশাবর্তাসূর বাধ	430	चन्त्रं शिक्ष	930
ভগৰান কৰ্মক বুলি মধ্যবাজেন বছন	404	উৰ্বনীৰ খাৱা যোহিত রাজা পুক্রবা	445		कट्टिम कथाता		সপ্তাবিশেতি অধ্যায়	
वादिरनाछि चन्त्रस		नकान वार्थात			श्रीकृरकात मृत्यन मध्या विश्वाल कार्यम	905	দেবরাজ ইক্স ও মাতা সুরতির প্রার্থনা	444
ৰলি মহারাজের আক্রসবর্ণন	620	ভববালের বোদ্ধা ক্ষরতার পরশুরাম	448		নৰম অধার		च्यहित्रचित्र व्यथास	
ক্রেনিঃশতি 'হধ্যার		त्वाकृत अस्तात			সা বলোদার রক্ষার ভাষা কৃষ্ণকে বক্ষা	608	ব্যালয়ে বেকে লগ মহার্যাক্তক উপার	94.9
(मनकारम गुनवात पार्टासि	475	ক্ষরান পরত্যাধের পৃথিবীকে নিক্ষেত্রিয়করণ	449		सन्त्र व्यक्तांत		8 न्दिश्लिट व्यक्तात	
চতুৰিংশতি এখাৰ		সন্তুদশ অধ্যক্ত			হ্মপার্জন কৃষ্ণ উভার	405	ৱাসনৃত্যের উদ্দেশ্যে প্রীকৃষ্ণ ও শ্বেণীদের মিলন	46.4
ভাষানের মহন্যাবভার	628	পুরুরবার পুরমের বলে বিবরণ	499		একদশ অব্যায়		রিংশতি অধ্যাদ্র	
নবম স্কন্ধ	623	केंद्रिक्षण क्रमास			क्षेत्रका बामानीमा	90%	লোশীগলের কৃষ্ণ অধ্যেবণ	990
444 44	639	রাজা খ্যাতির পুনর্ফীকা প্রাধ্রি	240		ভালৰ অধ্যায়		একব্রিপেতি অধ্যায়	
द्यप्र व्यक्ति		উনবিংশতি অধ্যান			व्यवामुत्रं वध	674	গোপীগশ্বে বিরহ্ মীতি	900
ৰাজা সুসুত্ৰের খ্রীক প্রাপ্তি	440	বাজা খবাতির সৃত্তিলাভ	446		क्रामण संयास		যাত্রিশেতি অধ্যান	
বিতীয় অধ্যার		বিশেতি অগ্যাহ	2.00	1	মুখা কৰ্ডক গোপবালক একং গোলতা হৰব	424	পুনর্মিত্র	948
मनुश्वरमञ्ज वरन	653	পুরুত্ত বলে বিবরূপ	44.4		চতুৰ্দশ অধ্যাব		ক্তরারিশেতি অধ্যয়	
তৃতীয় অভায়		একবিংশতি অধ্যান	4304		ভগৰান শ্ৰীকৃত্তের প্রতি ক্রন্ধার ছব	443	ৰাসনৃত্য	delate
मूकन्द्रा अवर हाका मृतित विसंह	450	करराज्य राज विस्तान			नक्षान द्वसार		চতুর্ত্রিলেতি অধ্যান	
एकृपं क्रशास		বাবিংশতি অধ্যাত্র	444		ट्यन्यान्स वर्ष	950	লক জ্বানাক উভান ও শত্যাস্থ বৰ	400
क्षत्रीय महाबारक्षत हतरण पूर्वामा मुन्तिः कामतान	424				বোড়ল অধ্যায়		শক্ষরিশেতি অধ্যায়	
नाममं वाशास		च्यानीएक वरण विश्वव	449		श्रीकृरकात कालिय समय	459	कृरकार अवश्रवदान शांभीरमत वित्रस्तीति	449
पूर्वामा यूनित कीवन क्रमा	400	अरवादिरमञ्ज अशाह			मत्त्रम् व्यम्पद		মট্তিপেডি অধ্যয়	
वर्ष चाराहर		ववाकित गुजरमत पर्य विस्तान	494	.0	কালিবের ইতিহাস	804		435
সৌতরি সুনির পাথপেন্তন	605	চতুৰ্বিংশতি অব্যাস		-1	चहुरम् जनाय		সপ্তরিশেতি অব্যাত্র	
নথুন অধ্যয়		পরশেক ভগবান শ্রীকৃষ্ণ	698		প্রীকারামের প্রদায়ানুর বর্ষ	904	কেশী ও ব্যোষামূর বধ	498
MATERIA MANISTRA	202				দুনবিংশতি অধ্যায়		অন্তরিংশতি অধ্যান	
वर्डेस संशाम		मेन्स्र ऋख्	493		গ্রেম্স প্রাথ	404	चार्यस्ता वृद्धांबरम चांत्रका	694
चनवाम क निकास्टवस महाम		ज्ञपत्र करतम			বিশ্বেতি অধ্যান		উন্চন্ধরিংশতি অধার	
সাধা-সন্তানক্ষর সাক্ষাৎ	203	জীকৃত্যের আবির্ভাব ৫ ছবিকা	43-4		कृषावरम वर्ग ७ भवर अकू	400	আন্তুতবন বিষ্ণুতবাক কৰিব	444
नवत्र संस्थाव		क्रिकेट अनुसाय	640		একবিংশন্তি জ্বগ্যান		চহাত্রিশেন্ডি অধ্যান	
बराज्यातः राज		দেবভাষের খারা পর্কত্ব শ্রীকৃক্ষের ক্যানা			গোণীপণের কৃষ্ণের বংশীখানির সহিষা কীর্তন	485	च्यक्रतम शार्थना	99.2
			448				5	
	(p)				(a)	

অমল পুরাণ

	-	1 3801	
विरम	পৃষ্ঠা	विसन्न	পৃষ্ঠা
একচন্দারিশেতি অধ্যায়		উনব্যক্তিক অধ্যাহ	
दिक्क e कातारमत वश्तात शरका	2010	मज्ञानुस कथ	402
নিচডারিশেতি অধ্যায়		ষষ্টিতম অধ্যান	
पक्षपुरण अनुर्केष	666	ভগৰান প্ৰীকৃত ৰাণী ক্লবিদীকে উত্তান্ত কালে	908
ত্রিচ হারিংশতি অধ্যার		একবস্টিতম অধ্যার	
कृत्वासीक वर्ष	446	প্ৰীৰদ্যাম ক্লীকে বৰ করনেন	404
চতুশ্চভারিশেতি অধ্যার		বিষষ্টিতহ অংলহ	
करम वर्ष	490	উয়া ও অনিক্রছের মিলন	985
পক্ষাকৃত্রিংশতি অধ্যায়		बिगिष्ठिटम क्याहि	
শ্ৰীকৃষ্ণা তাৰ ওলপুত্ৰকে উদ্ধান কালেন	545	নীকৃষ্ণ বাগাসুরের সঙ্গে যুদ্ধ করলেন	980
ক্তভারিশেতি অধ্যায়		চড়বভিতম অধ্যায়	
উচ্চবের বৃন্দাবনে আগায়ন	464	सामा नृत्र देखात	984
সন্তভাবিংশতি অধ্যাত্র		পক্ষরিতম অধ্যার	
वारत जनीव	497	শ্রীবলরামের বৃদ্ধাবন পরিবর্ণার	981
ক্ষীতশাবিংশন্তি অধ্যাদ		বট্ৰটিতৰ অধ্যায়	
রীকৃত্ব উর অভালের ভূট করেন	902	मक्क शत्रुप्रवस्त्री भीतुः	960
উনপ্রালভ্য কর্মার		সভ্যতিত্ব অধ্যায়	
व्यक्तात इकिंगानून कान	408	শ্রীনলরাম বিবিদ মহাবানরকৈ বধ করবেল	900
পকাপত্য অব্যান		অটবটিত্য অধ্যাত	
বীকৃষ্ণ খ্যাকাপুৰী প্ৰতিষ্ঠা কললেন	906	সাম্মের বিবাহ	948
একপঞ্জাতম অধ্যার		উনস্বতিত্য অধ্যয়	140
मृष्ट्रस्था विद्यात	403	নানদদ্দি বারকাণ জীকৃত্বের প্রামানতালি মেবলের	2905
নিপকাশতম অধ্যয়		সপ্ততিভয় অধ্যায়	
শ্ৰীকৃষ্ণের প্রতি ক্লম্বিণীর বার্তা	930	খগবান শ্রীকৃত্তের হৈনেদিন কার্যকল্পণ	960
তিপ্ৰাশতম অধ্যয়		একস্টেতিতম অধ্যাত্ত	100
নীকৃষ্ণ ক্লিপ্ৰিকৈ হাব কালেন	430	ব্রীভগবানের ইন্তথ্যহে পদন	140
स्ट्रा नकान ट्य संशास		নিগর্যোত্তম অধ্যায়	100
নীকৃষ্ণ ও কৰিবীয় কিবাহ	450	জনাসৰ বহ	0.00
পঞ্চপদাশক্ষ অধ্যায়		ত্ৰিসপ্ততিক্তম অধ্যয়	100
ইন্যুজের ইতিকথা	445	দুক্ত রাজাখনের প্রতি শ্রীকৃষ্ণের কুপা	642
বট্পজাশ্ভম অধ্যায়		চতুৰ্গপ্ৰতিভয় অধ্যান	960
ন্যমন্ত্ৰক হৰি	948	রাজসুর বজে শিশুপাল উদ্ধার	
ন্তপ্ৰান্তৰ অধ্যৱ		প্ৰস্তুতিতৰ ঋধাৰ	990
নটাজিং হত্যা ও হণি প্রস্তার্পণ		STATUTE SOUNDERS COM-	
মন্তিপালাক্তম অধ্যান্ত		ৰ্ট্সপ্ৰতিভয় অধ্যায়	990
विकृष गीठ वासकतारक निवाद कप्रत्यन		MINE OF ACCOUNTS SHOWN	
		Secretary and de	994

ৰিষয়	शृक्षा	बिशव	शृष्ट
সভ্সপ্ততিতম অধ্যাহ		তৃতীয় অধান	
ভগবান প্রকৃষ্ণ দানৰ শাশ্বকে বধ করলেন	999	মানার কবল থেকে মুক্তি লাব	744
ভাষন ভাষন বাদ্য	***	एडर्श क्रमाव	
ছন্তবাচ, বিদ্বাৰ ও ব্যোহত্ৰণ ৰখ উন্নেৰ্থনিততম অধ্যাত	443	নিমিরাজকে ফ্রন্সিক প্রীক্ষণবালের অবতারসমূহের ব্যাখ্যা শোনান	pes
श्चितनदारम्य स्रीएर्थ शक्न	965	পুঞ্জম অধ্যায়	
অৰ্ণাতিক্ৰম অধ্যয়	10.0	क्ष्मुटकटवन क्षत्रि श्रीजावन मृत्रित	
ত্রাক্ষণ সুদামার স্বারকার শীকৃক্ষ পরিকর্মন	900	উপয়েশের শেষাশে	1000
ৰক্সীতিশ্ৰম অধ্যাত		क्डं कश्चार	680
সুধানা রাজ্বকে ভগরান অশিবিদ করলেন অশীতিতম অধ্যার	49.0	বাদৰদের প্রভাবে প্রত্নিম সংগ্রম অধ্যায়	
कृषा ও बललास कृष्णकावानीरमञ्ज्ञ मरम		উদ্ধানে ভগদান জীকৃষেদা উপদেশ	V68
খিপিত হলেন	460	सहैत वस्ता	
নাপীতিত্য অধ্যায়		भिक्रमा वादिनी	68%
द्योशी कृष्ट्यशिक्ता मह्म विनिध श्रमा	CKP	भवम श्रशाव	
চত্ৰীতিত্য আলাহ		জড় জারতিক সবকিছু খেকে নিরাসন্তি	460
কুঞ্চালতে কবিকে শিকা	938	मन्य अन्तात	
শক্ষপীতিত্য অধ্যায়		मकाश करमें सकृष्टि	P48
মন্দেবকে জীকুজের উপদেশ প্রকান		क्कामन संयोग	
ও মেবনীত পুরুষের উপার	200	বন্ধ ও মুক্ত জীবের লাকগানি	249
বড়পীতিত্ব অধ্যার		वामन कथाय	
অর্থুনের সৃত্যা হরণ ও তার অন্তর্পতে		मधान ७ उद्ग्रह्मातम व्यव्य	800
প্রীকৃত্যের জানীবাদ প্রদান	805	बद्धानेन वर्धाव	
সল্পৌতিত্য অধ্যম		ম্পোৰতার রক্ষার পুরদের প্রদান উত্তর	
मृत्रिमाम (स्थममृहस्त्र क्षापंत्रा	404	প্রধান করয়েল	papa
অন্তাশীভিতম প্ৰধান		চতুর্গল অধ্যার	
কুকাসুরের কাছ থেকে দেবানিয়েব পিব		শ্রীউদ্ধবের সিকট ভরবান শ্রীকৃষ্ণের	
क्षणा ८०१रमान	230	যোগপভতি বৰ্ণন	A-40
উন্নৰভিত্য অধ্যয়		भुकामम् 'करात	
শ্রীকৃষ্ণ ও অর্জুন প্রাথ্যপুত্রকে উদ্ধান করলেন	425	ভগৰান শ্ৰীকৃক্ষ কৰ্তৃক যোগসিদ্ধি বৰ্ণন	640
নবভিত্তা অধ্যায়		বোড়শ অধ্যায়	
ভগবনে শ্রীকৃষ্ণের মহিমাসমূহের সংকিশ্রসার	924	नतरमध्य क्रावात्म्य बीचर्य	P-90
		সন্তাদন অধ্যয়ে	
একাদশ কন্ধ	279	ছখবান প্ৰীকৃষ্ণ কৰ্তৃক বৰ্ণাপ্ৰৰ পদ্ধতি বৰ্ণন	499
जन्म संशास		च्छाम्न च्यारा	
জুবংশ্যে প্রতি অভিশাপ	640	ৰণাশ্ৰম ধৰ্মের ৰণনা	44.5
বিতীয় অধ্যান		উনবিংশতি অধ্যার	
निमि महाबारकन मार्च नगरनारशस्त्रक माकार	255	পারস্বার্থিক জ্ঞানের পূর্ণতা	9.98
	(3	3	

(20)

विषय	78	ि विषग्र	शुक्र
মিশেনি অধ্যান		वर्ष प्राप्ताच	
বন্ধতকি ৷ আন ও বৈরপ্তে অপেকা প্রেট একবিপেটি কথ্যার	b%*		200
জীকুক্ত কৰ্তৃক বৈদিক পথেৰ ব্যাধ্যা ছবিংশতি সংগ্ৰহ	620		>80
ক্ষক সৃষ্টির উপাদান উলোবিংশন্তি অফ্যায়	530		én 48>
ক্ষবাটী রাশানের নীত চতুর্বিনেতি অধ্যয়	499	मार्केट७ वर्धने कथनाटना जासानकि	
नारका कर्नम जवादिएक्टि सम्बाह	200	नन्य व्यक्तम	284
श्रेकृष्टिश विरोध क प्रश्रुदर्श वर्षादरमध्य कथान	205	ভগৰান লিব এবং উন্না কৰ্ড্ৰক সাক্ষ্যেৰ অধিন প্ৰশ্বলো	>89
শ্রীপ পীত সন্তবিংশতি ক্ষণ্যায়	hos	একাদশ অধ্যার বিরটি পুরুষের সংক্রিপ্ত কর্মনা	200
শীবিশ্রাহ পর্যান বিবাদে কলনাল শীকৃষ্ণেদে উপ্ত অত্যাবিংশতি কাধ্যাত্ত	POR PHY	রাধন অধ্যার শ্রীমন্ত্রাপনতের সারসংক্ষেপ	
व्यवस्थात विनादि व्यवस	730	बद्धामन चम्बद्धा	244
জকিবের বিশেষ্ট করাম	920	শ্রীসভাগরতের মহিমা	26.0
পুৰবশ্যে অনুৰ্বাদ একভিংশতি অধ্যান	939	অমল প্রাণ মাহাছ্য	808
कारान क्षेत्ररकार करावीन	222	শাতিকা মূলি কৰ্ম্বক ব্ৰজত্মিক কৰ্মনা বিতীয় অধ্যায়	200
ছাদশ ক্স তথ্য ব্যাচ	250	ক্ষাবাংনা মাহাস্থ্য কীৰ্তনভাৱী গৰীপিৰ ও কৃষ্ণ-ভাৰ্যাগ্ৰহণৰ উদ্ধানৰ নাজাং লাভ	
কলিযুগের অধ্যাপতিক রাজ্যকণে বিতীয় অধ্যায়	248	फ़्टी क खशात	200
কলিপুৰের সকল কলিপুৰের সকল কলিয়া	>54	ক্তা ভ বোতার খোলোভখন প্রাপ্তি চতুর্ব অধ্যায়	344
इटल व्यक्तात इति बीडा इ.व. व्यक्तात	243	শীমস্তাগৰতের বৈশিক্ষ্য, বক্তা ও জোতার সভ ক্ষম প্রকণ পদ্ধবিদ্য প্রতিষ্ঠা	****
कारका स्कृतिष शास्त्र काम स्थाप	903	नका प्रशास वीमहानंदड संपर्दक क्यांका व	
एतक भीक्तिक वर्ष वैन क्षरस्य		चेरे जनन-विद्धारीतम् चनक्षत्र नर्गम	263
গোহামীর ধ্যক্ত উপ্তেশ	hod	বশেপরম্পরা সার্বনী	

কর্তমান যুগে পৃথিনীতে প্রতিনিয়ার মতন নতুন হাজার হাজার ধর্মগ্রন্থ প্রকাশিক হজে। জার জাগিক নিতা নতন উইয়েন্ড বর্ম সম্প্রান্তথ দিকে দিকে গলিতে উঠাত। আর ভার দ্বারা প্রভাবিত হতে সহজ সরজ ধর্মপ্রাণ মানুবেরা দিকরান্ত হতে বিশুপে চালিত হতে নিশ্বরান্ত হাছে। আর সেইসাথে তথ্যকথিত অন্ধ বিশ্বাসে বিশ্বাসী बान्य(मत मर्थ) बिनविन कमणः विश्वा-विरवद इन्टिट পতে বিবাহিন্দা এক খলাবি ও অগ্নামকতার দাবানক নিকে বিকে প্রস্থানিত হক্ষে। কলিবুদ ক্লমপ্ম বত অভাগর कृत करुरे क्ष्म अकावन केराजानमें गृहि इस्ट शाकरन। अकारत **भाकर २**स्ट शाकन তথ্যকথিত ধর্মধানী সাধু কেশবারী প্রতারকেল প্রকৃত ধর্ম श्राहात्वे भविवर्धं मास्त्रिकारात ७ व्यथमंदर वर्षे विज्ञात्व সম্রাক্তে প্রতিবিত করতে সচেষ্ট হ'বে, বেকথা হাজার হাজদা করে আধে বৈধিক শারে ভবিবাংবাণী করা ছয়েছে। আৰু আমরা কলিসুখ্যে স্চনাতে একজন আৰু বেয়ন আর এককম ক্ষেত্রর হারা পরিচালিত হতে পর্তের হলে পতিত হয়, সেইগ্রকম একই দৃশ্য সাল পৃথিবীতে विषाभाग (पश्चि।

প্রকৃতপক্ষে, কোন সাধারণ বঙ জীব কথনও কোন ধর্মগ্রহ জনো করতে পারেন না। ধর্ম তু সাক্ষাৎ ভবকা প্রদীতম-ধর্মনাপ্র হবং ভগকনী কেবল প্রদান করেন। বিভিন্ন যুগে স্থান-কাল-পাত্র বিসাবে ভগবান স্বস্থং নিজে কিখা তাঁর কোন একজন শতন্তবেশ অবভারের মাধ্যকে জগতে প্রকৃত ধর্মকে স্থানন করেন। নেকথা ভলক্ষ্ণীতায় (ক/৭) স্বাহ ভগবন প্রীকৃষ্ণ বলেচ্ছে---

यमा यमा हि वर्षमा शानिर्छविङ सामाउ ! च्याचनम्थर्मम् स्थाचनर नुसामध्य ।

স্তির প্ররাজে প্রামেশ্বর ভসকন প্রকৃষ্ণ সর্বপ্রথম সভর পায়ে জান এই জগতের প্রথম সৃষ্ট জীব ব্রজা বিনি স্বাং উন্ন লাভিপন্ধ থেকে উত্তন্ত ছয়েছিলেন উন্নে द्रमान कार्यन । ८९८म क्रम समा व आधिकवरक-अनुसाव ভনৱ শ্ৰীকৃষ্ণ আদি কবি প্ৰথাৰ ছানৱে সৰ্বপ্ৰথম বৈদিক ক্ষান প্রদান করেছিলেন। তাই সন্বাহন ধর্ম নিতঃ। ক্রীয় ভরবানের অংশবন্তত হওরার কলে যেমন নিত্যু সন্ততন

তেমনই নিজ। ভগবান এই ছাড় স্লাপ্ত দৃষ্টির আগে প্রথমে প্রস্থাকে বৈদিক জ্বান প্রদান করেন। তারগার সেই দিবা বৈদিক স্থান জীতুকা থেকে প্রকা, ক্রমা থেকে নারন, এইচাবে ওক্তপরস্পরা বারায় কর্মের মাধ্যমে ওক্ত থেকে শিবের মধ্যে ক্রমন্তে সভাবিত হয়ে থাবাবাহিক ভাবে প্রবাহিত হতে থাকে। তাই বেদের হার এক নাম 'প্রতি'।

কিন্তু কলিবুগ তেই প্ৰস্কু হলেই তথন মানুহেই ইটো কলিৰ প্ৰভাবে সমস্ত সদগুণানলী বীরে বীরে লোপ (भएड पाटक) अवर डाड़ा क्रमभूद्र गर्डीद्रकारव चाहात

> प्रातादेख कीएका माठि क्या कृष्णकार । জীবেরে কলায় বৈদ্য কাছ বেল-পুরার ১

> > (চ্রন্তনা-চরিহারত)

মাররে প্রভাবে আছের বর জীব তার নিরের চেইটার কুলামতি ভাগবিত করতে গরে না। তাই নীকৃষ্ণ ঠাব অহৈতৃকী কুপার প্রভাবে জীবকে বেদ ও পুরাণ আদি भारत अक्रुक्ती ध्यान करदरस्य।

বৈদিক জানের ভারার অগুরুর ও অসীম। তথালি এই স্বগতে সমস্ত বৈদিক জান কেবল একটি মাঙ্ক (बदस्य मह्या दिमायान फिल्। छाँदै (बदन्त सम्बर थात এক নাম ছল্লে 'কান', বা খেকে আমত্র সমন্ত বিহর সম্বন্ধে অকাত হতে পান্তি। কিন্তু কলিবুগের মান্তাবন্ধ সাধানণ স্বীবেনের গলে মেই বেনের জ্ঞান সম্পূর্ণকরে क्षभग्रमम् कता प्रकृष नम्। जाहे बाह्य विकिश स्ट्रहर्द ব্যক্তিরা প্রত্যেকেই কেই বৈধিক জ্ঞান সহজে লাভ করতে भारतम रमकन दर्गाम रामान कर्म, मान, कब्रु त सर्थर्य এই চারভাগে ভাগ করা ইয়। তরেপর সন্ধু, ইবের ও ত্যোত্ৰণসম্পন্ন বিভিন্ন ব্যক্তিদের জন্য বেলের মধ্যে থেকে বিভিন্ন কাহিনী সংকলন করে ১৭টি পুরাপ রচিত হয়। খাখ্যান ১০৮টি উপনিখা, কোল্ড-সূত্র, ইয়াভারত আদি বৰ শাৱতহ প্ৰশীত হয় খাতে সমুক্তের এক্রকি সূৰ্ব নিৰ ব্যৱেদ পুৰ, খ্ৰী ও বিভবস্থানত সেই আন প্ৰাপ্ত হয়ে জীলেকে সুনমন ও জালকান করে গতে ভুলতে পারে। কিছু ব্যাসদেব সকলের হিতার্থে সেই সমস্ত শাস্ত্রতাহ ধর্মও ভগবান প্রথম কর্বলবম উপসিষ্ট হওয়ার কলে। প্রণান করা। মন্তেও নিজে আত্মতপ্ত লাভের পরিবর্তে

क्ष्मातः चलुर्वता चनुटर कराजा। यका रिजि उता और অসভ্যেকের কারণ তারে পরমায়াধ্য ওক্তদেও নারধস্মনিকে কিলাসা কলে। তথন ডিনি ডাঙ্গে কেন্দের অপ্রনিহিত সারমর্থ সকল ভগবানের রূপ-ওপ-গীলা সম্বিত ওচ শ্রেম্মী ডভিষ্ক 'শ্রীমন্তাগরঙ' উপস্থাপনা করার জন্য ক্ষামাণিত করেন। ভবন বীল বাসাদের ভার ওক্সদেই কর্তৃক অনুপ্রাণিত হতে বৈদিক জানের সকচেত্রে পূর্ণক ও প্রামণিক ভাষা সমন্তিত এই সমস্ত বৈদিত স্বাস্ত্র ব্যক্তর ৰূপক ফলকংগ পতিচিত প্ৰছরাম, অফল পুরাণ 'শ্ৰীমপ্ৰাগবাৰ' প্ৰশাসন কৰেন।

স্থারণতঃ কেন, পুরুষ, উপনিবদ আদি পাওচছে কর্মকার, ক্লমকার ও উপাসনাকারে ধর্ম, কর্ম, ক্লম ও বোক-এই চত্ধগের করা হলেছে। তথ্যকবিত বেশের অনুসামী ধার্মিক ব্যক্তিরা বেশের নিৰ্দেশিত সেই সমস্ত বাগ-বক্ত আদি বিভিন্ন কৰ্ম অনুষ্ঠানের মাধ্যমে বড় জোর কর্ম সুবল্ডোক করতে করতে প্রক্রেন। ভিন্ন ভারেদর কথনও জন্ম-মৃত্যু-জরা-ব্যাধি রাল সংসার-চত্তের বন্ধন খেকে চিবতরে মুক্তি লাভ করা সমূব 정 지1

कर्मकाच, सामकाच (क्यम विस्ता प्राप्त, 'सन्छ' दक्षिण (क्वा श्रव १ नाना त्यानि मन दिखा, कार्य एकन रुख, তার কর মধ্যেশতে বার গ্

(তৈতনা চরিভারত) সেইজন্য যে সমস্ত ভবাকবিও দাসুহাত্ত্ব পর্যোধর ভ্যমানের অত্যন্ত মহিমান্তি এবং নির্মল খ্রীতি वंशवंद्यात्व कीईम क्या एव मा. च्ये शतक व्यवदीन। (व रानी बनार शर्विद्वसदी सम्बद्धित प्रदेश करता गर কালে নত্ত পুক্ষেরা কাকেবের তীর্থ বলে বিকেনা করে। ভগবছামে নিধাসভারী পর্যাহংসের সেধানে কোনতকল আনক্ষ অনুভাষ করেন না) পাকানেরে যে সাহিত্য অনুষ্ঠান প্ৰয়েশৰ ভলবানের নাম, কল, কণ, वीना रेटाफ़ित वर्गनार भूगी छ। मिरा मृत्य-कारण भविभूगी এক অপূর্ব সৃষ্টি, ন্ত এই ক্লান্তের উদ্ভাক্ত ক্রমদাধ্যক্তপর भाग-मुक्तिम कीरहर क्क विहास्त्री मुख्या करता और বাহাকৃত সাহিত্য সং এক নির্মন চিত্ত সাধুরা ধাবণ কলে; কার্য্য কলে এবং প্রদুর কলে। আছোলনরিয়

জ্ঞান সবৈ প্রকমের জান্ত সামের্গ-বিহীন হলেও ভা মুদি অচ্যত ভগবানের মহিমা কান্য বা করে ভা হলে ভা অর্থহীন। ভেমনই, বে স্কাস কর্ম ওঞ্চ থেকেই क्ष्मासक अवर धानिका, सा योग भारत्यका स्थानात्मक ভতিযুক্ত সেবার উদ্দেশ্যে স্থিত না হয় ভা হলে ভার কি প্রয়োজন ? ভাগকাকে মাডা ক কিছু কান্য করা হোক मा (कन छ। मन्दे विकित ऋग, नाम अन्द्र भविगामका, भ মানুবের চিত্তকে উবিগ্ন এবং উত্তেজিত করবে। ঠিক বেজতে একটি আশ্রানিহীদ দৌৰা বাবুর ধারা তাড়িত হয়ে ইভতত বিশিল্প হয়। অধনাধানৰ কাচক্ৰিকভাতে ভোগের হাতি আলকে এবং ধর্মের মাত্রে ভালের ভোগের অনুপ্রার্থিত কল্প বিশেষভাবে নিক্ষনীয় এবং ছাইনেচকের घटल करन श्रंप । किनमा श्रंप करण छाता श्रंपंत्र नाटर अवृत्ति बार्ज लिख इर्ज धावर निरृष्टि भाग चाहा चानुनवन क्यंद्रन नाः

> পৃথিবীতে যাহা কিছু ধর্ম নামে চলে ৷ ভাগৰত কহে তাহা পরিপূর্ণ ছলে 🛭

भर्माः त्याकवित्रहेकान्द्रशास्त्रः भवत्यः निर्मरभवामार अनुहर -ধর্ম, অর্থ, কাম, মেকেরণ কভ বাসনাযুক্ত সব রকমের ধর্ম সম্পূর্ণরূপে কর্মন করে এই ভাগকত পুরাণ প্রম সভাকে প্রকাশ করেছেন, বা কেবল সর্বলেভাবে নির্মাৎসূত্র ভাজরাই হাবরেশন করতে গারেন। পরাম সভ্য হতেন প্রত্ন সঙ্গদর অভং বন্ধ সেই সভাকে ক্রান্তে পারকে ব্ৰিভাগ সুংগ সমূলে উৎপঞ্জীত হয়। মহাসুদি কেবেৱাগ উপল্ডির পরিপক অবস্থার এই জীমতাগবত রচনা करवास्त अवर अववसङ्ख्यान स्त्याच्य कार्य और ग्राहरी ক্ষেত্র। সুভরাং ক্ষান্য কোনও শার্মাক্তরে ক্ষান্ত কি श्राह्मन १ क्कि एक्न श्राह्मका क्रिस अन्य आनाधारा সহকারে এই ভাষৰতের বাধী প্রবদ করেন, ভাষন ভার ফালে ভগৰতবৃহ্বাম প্ৰকাশিত হয়। তাই সহজ বিচক্ষা ও চিন্তাশীল মানুৰ অভিই ক্ষাকুল্যালী বৈদিক পালন্ত্ৰত অত্যন্ত সূপঞ্জ কৰা প্ৰীমন্ত্ৰাপ্তত অবলাই আসাদন করকে। কেলা ডা শ্রীণ ওক্তবে লোকমীর শ্রীমুখ থেকে নিংস্ত হওয়ার ফলে এই স্বন্ধটি জারও অধিক ওলালের হরেছে, বা মুক্ত পুরুষেকা পর্বন্ধ আক্ষাক্ত করে থাকেন (

म रेव भूरमार भरता भरता वरहा जीहरराभाकरक । धरेश्कार्जान्यन वस्ता भ्रष्टगीयन् ।

(BIL 5/9/6)

সমাজ মানুধের পরম ধর্ম হক্তে সেই ধর্ম বার ছারা ইন্দিরভাও জানের অতীত জীকুকের আহেত্তী এক অপ্রতিহতা ভব্তি পাত কর বার। সেই ভবিবলে খানই নিবৰি হয়ে আছা বখাৰ্থ প্ৰসন্তন বাস্ত করে सन्दर्भागनम् माकाइतिरसकारराकरमः ।

*ब्लाकभाकानच्छा विद्याल्डाक माइउमाहि*छाम् ३

फीरवह कार्यांक्क मृश्य-मृर्जना, के स्टाक टाउ कारक कन्म, क्रक्तिरदार्भर माश्रास क्रिट्रवेडे छात देशभाम स्त्र। किन्द्र महसाराम सामान का साहत जा अवर राहि प्रशासानी বাসেদের পরসভন্থ সমন্তিত এই মাতৃত সংগ্রিতা প্রকল্প करहरामा ।

> करक प्रवासीभगरक पर्यकानाभिक्ति भव । करमेरे संडेपनाट्यर नुहानाटकाङ्ग्रह्माणिकाः । (TI 5/0/80)

ধর্ম জন আদি সহ প্রীকৃত্য ব্যায়ে গ্রন কালে, পারসাথিক দৃষ্টিরহিত কলিখুবের জীবদের হিত সাংখনের থানা এই পুরাগরাল সূর্য উলিত ছারছে।

> इयर कामरकर मात्र भुतापर अच्चर्मान्त्रकम् । **উत्तराकातिण्ड इकात करवान्या ॥** निरामकाराम् स्मानका अनंद बनायनर महर 🗈

(98/0/6 20)

এই জীমনুগোৰত হচ্ছে পর্যোগন ভগবানের বাছত বিশ্রহ এবং ভা সংকলন করেছেন ভানানের অবভার শ্রীপ ব্যাসনের। তার উদ্দেশ্য হলে সমস্ত মানুকো চরম মকক সাধন করা এবং এটি সর্বতোভয়ের সার্কর, পূর্ব জানধর থকে সর্বভ্রেভাবে পরিপর্ব।

'नर्वद्वभाश्रमात्रर वि श्रीटाञवटप्रियारण'

(88 59/56/54)

,প্রীয়ন্তাপবতকে সমঞ্জ কেলভ দর্শনের সার বলে জেবল কর হয়। যিনি এই প্রীয়প্তানবংশুর রুসার্ভে ওপ্তি ব্যক্ত নত্যেলে, তিনি কৰাই আয় অন্য কেলেও গ্ৰন্থের প্রতি আকর্ষণ জেগ করকে। মা। অস্যান্য বৈদিক গ্রহরারি এবং পৃথিবীর জন্যান্ড শাহ্রসমূহ তভার্বনই

প্রাধান্য নিপ্তার করে পাকে, বর্তানন পর্যন্ত এই ইয়েপ্রপারত যথাব্যবহাণ ৯০ত এবং উপলব্ধ কা ইয়। ইমিয়াগ্রত (৪৫ ১/২/৮) হড়ে অমৃতের মহাসাগর একং পবম গ্রন্থ। শ্রীমন্ত্রাগরত मध्यक स्थल, केंटिन क्या विष्टरण क्याराण और करते। শ্রীল ক্রতিলয়ার সরস্করী ঠাকুর মধ্বা ধরুছেল বে, ভগতে সমত হয় বৃহ ইয়ে কেলেও তেবলমাত্র প্রীমরাপ্রের সমার জনতের মধন সাধন ও উভাল করতে

> विश्वभागाः कथा शकार सम्बन्धामाम्बहारम वधा । टेक्कामार वर्षर पद्धः मुहानायिकः उत्था । (88 24/20/28)

তিক যোৱন সভার নদীয় মধ্যে পালা মেইছেমা, সমাই ब्यानाका विश्वहरू कर्या सकुल्टरे नत्य, विकानतन्त्र मास्त শিবই শ্রেষ্ঠতম ভেমনি এই শ্রীমন্ত্রাগরত ইক্ষে পুরাপের ময়ে লেউভয়।

> क्ष्याचार देवत ऋर्ववार स्था कानी शनस्या । उथा भूराप्रसादानार सीघाडानाग्यर विकास ह (81: 52/50/54)

হে ব্রাজপাদ, তীর্থকেরসমূক্ষে মধ্যে কাশী বেমন বেষ্টভার অন্তিক্রান্ত, ঠিক তেমনই সমত পুরাম্বের মধ্যে শ্ৰীমন্ত্ৰপুৰত মুক্ত **লে**ছভঃ।

क्षेत्रद्वाधरकः भूगानयनम् गरेवसमानाः विवाः याचिक नावज्ञवरम्हरम्हरूकभग्रामः स्थानेर नक्तर नीवरङ । <u>एक बानियमण्डलिम्बर्श्स्यः निवर्गमाधिकयः</u> एएका मुन्नेन विहानननहा फला। निम्दाननता ह

(403 25/20/24) বীন্দ্রাগবত হচ্ছে জন্ম পরাব। এই গ্রন্থ কৈন্দ্রের অতি প্রিয়, ক্ষেত্রর এতে পরমহাসদের প্রাক্ত পরম আন্ত জ্ঞান বর্লিড ইয়েছে। এই জীমহাগবৎ দিবা খলে, বৈলেয় এবং ভবিব সঙ্গে কড় জনং খেতে মুখ্রির উপায় ব্যক্ত করে। যে কোন বালি যদি আহুবিকভাবে শ্রীমহাগরে উপান্ধি করের চেষ্ট্র করেন, ভাতিকত ভিতে কর্মাংগভাবে প্ৰকা কীৰ্ডন কৰেন, তিনি পূৰ্ণকাপ যুক্তি কৰে কৰেন।

दियर कशरका नर्बर बनाएन नाटिनकरब প্রমেশ্বর ভারতান পর্যপ্রথমে প্রশালে এই অর্থনীয় দিবাজানের প্রমীণ সদল জীহতাপনত প্রদান কর্বেছদেন। ক্রমা ভারণ্ড তা এরেন্দ্রনিকে বর্নেরিক্রম এক করেন্দ্রনি ভা কৃষ্ণদৈপায়ন কোব্যাসকে বগেছিলেন। শ্রীক ব্যাগনেক এই শ্রীমন্ত্রগারত মহাসুদি শ্রীক ওকদের প্রোমার্থীয় কাছে মন্তে মহাহিলেন এবং শ্রীক ভ্রমনের গোসার্থী কৃপাপূর্বক এই জ্ঞান পরীক্তিং মহারাজকে বলেভিলেন।

বর্তমারে আন্তর্জাতিক কৃষ্ণভাবনামূত সংস্থোর (ইসকন) প্রতিষ্ঠাতা-আচার কককণান্ত্রীমৃতি শ্রীল অভয়চরণারবিত্র ভতিবেলত স্বামী প্রভানে উরু পরমারাধ্য ওক্তদের স্বার র্ব্ব বিস্কুগান পর্মহলে পরিবাক্তকার্যার্থ আটোরের শত জীল श्रुष्टि निश्चाञ्च नवक्ती केक्ट्रव विदर्गभागुनाटक শাস্ত্রভালেশে প্রচারের জনা ইংগ্রেজীতে শ্রীমন্ত্রণবড়ের প্রতিটি সংস্কৃত হোকের শবার্থ, অনুবাদ ও বিদশ্ব ভাষ্যসহ বিশদ আকারে প্রদান করেন। ইসকনের প্রতিষ্ঠাত্য আর্টার্থ শ্রীল প্রস্তুলালের স্বটেরে ওরস্থালুর্ণ অবহন হলো তাঁর প্রছাবলী। দিবা আন সম্ভিত ব্রীসভাগবতাদি প্রশ্নাকলীর প্রামাণিকতা, পভীরতা এবং স্বল্থন জন্ম বিহান সমাজে এওলি উচ্চ মৰ্থলা অৰ্জন करवरक बनार माजा दिखान निष्ठित विश्वविभागरक शामाना পাঠাপুক্তকরণে অনুমোলিত হয়েছে। বিশেষ করে বীঞ প্রভুগালের পূর্বে অন্য কেউ এখন বিশাস আলোৱে বীবস্তাগৰকের ভাষা প্রদান করেন নি। বীল প্রভূপানের, সমজেপ্রেদী স্কুর, স্কুল ভাগবঙের ভক্তিপোর ভাব্য সাবা জনতে এক বিবা পার্যাবিক আলোড্য সৃষ্টি **4335**1

এই 'জনল দুয়াণ' প্রখৃটি হলো সর্ব্যেটি আঠারো হাকার লোকসমন্থিত জীমপ্রাপবতের দ্বাদশটি স্বয়ের প্রতিটি মোবের জীল প্রভূপাদ কর্তৃক সংক্র, দরল ইং রেলী গল্যানবাদের ফর্লনা ক্যান্ত অর্থণ্ড সংকরণ। বে সমন্ত গর্মাণ ব্যক্তি প্রমূর্যক্ত, আমল পুরাণ, প্রীমন্ত্রাগবতের শিক্ষার অনুপ্রাধিত হতে নিজের জীবনকে পরিচালনার রতে রতী হয়েছেন, ভারা ফো স্থবাই উগবাদ থেকে অভিন্ন এই অফলা গ্ৰহ 'ইমেডগাখড'-কে সৰ্বদা ক্রীকাসসী চিসেবে স্থান করতে পারেন, সেইক্রণ্য আমরা সামসন প্রবাস করেছি মার। আমানের এই প্রচেটার ফলে যদি একচনত ব্যক্তি কর্মক্ষরণী বৈদিক শাগ্রের অত্যন্ত সুগৰু কল 'অমল প্রাপ' কামানন করে প্রেমেরী কথকা দেবার যুক্ত ছয়ে পরম পুরুষার্থ গুরু কৃষ্ণারেম লাভ করেন এবং লড় জগতের ব্রিডাপ দুগে থেকে মৃত হতে চিন্তঃ ভগৰতামে কুকের সালিখা পাওয়ার সুযোগ লাভ কলাও পারেন ভাহতে আমাদের স্কল প্রটেটা সকল दरव ।

সুয়েখা সম্পন্ন পাঠকদের উদ্দেশ্যে বিশেষভাবে জনগত করানো মাধ থে, বাঁরা এই আমল পুরাপের বিশ্বেষণ মূলক ভাংগর্ব হলতেমন করতে চান টারা অবলাই কৃষক গাতীমূর্তি শ্রীল অভয়ত রবার বিশ্ব চাতিবেশত কর্মী প্রভাগত কর্মী প্রভাগত ক্রিমান বিশ্ব বর্ণিত শ্রীমন্তাগ্যক প্রস্থান পাঠ করলে অবশাই পারমার্থিক তম্বভাগ অভয়তে বিশেকভাবে উপকৃত হবেন।

প্রথম স্কন্ধ

(সৃষ্টি)



ঋষিদের প্রশ্ন

হে ক্যুদেৰ ক্ষায় নীকৃষ্ণ, হে সৰ্ববাল্য প্ৰয়েশ্য ভৰষান, আমি আগনাকৈ আমার সামার প্রণতি নিবেদন করি। আমি শ্রীকৃত্যার ধান করি, কেনবা তিনি হাজেন প্রকাশিও ক্রমান্ড সমূহের সৃষ্টি, ছিণ্টি এবং প্রদারের পরম করণ। তিনি প্রভাক এবং গরেকভাবে স্ব কিছু সভাবে অবগত এক তিনি সম্পূৰ্ণভাৱে সংগিন, কেননা ভার অতাত আৰু কেলও কলে। নেই। তিনিই আদি কৰি जनातः कुमरतः नर्वतथम रेवनिक ब्यान श्रमान करतकिरमा। ওঁরে ছারা মহান কবিরে এবং ফর্গের দেবভারত মেহাক্সর হরে পড়েন, টিক কেন্সাবে মোহাচ্ছর হয়ে পঢ়ালে আওনে खन मन्त्र रहा, चथन करन राहि कर्नन रहा छाउँ প্রভাবে জন্ম প্রকৃতির তিনটি ওপের মাধ্যমে জড় জনং তা-ই নর, তা আপনি রাখ্যাও করেছেন।" সামরিকভাবে প্রকাশিত হব এবং ভা অলীক হলেও সভ্যৰৎ প্ৰতিভাৱ হয়। ভাই আমি সেই প্ৰয়েখ্য क्षत्रमा क्षेत्रहरू स्थान कवि, विभि सक् सनएका प्राप्त খেকে সম্পূৰ্যভাবে মৃক্ত ভার ধাবে নিভাকাল বিভাগ করেন। আবি তার ব্যান করি, কেননা তিনিই ইঞ্চেন পর্যা করে ৷

करत और जामवर्क भूतान भाग भकारक जंकान करतात् য তেকে সর্বভোতারে নির্মণের ভাননাই ক্রান্তমন করতে পারেন। পরম শতা হচেই পরম রক্ষণময় সাস্তব বন্ধঃ নেই সভাকে জানতে গারলে বিভাগ যুগে সমূলে ইংপটিত হয়। মহানুমি কেবলে (উপলব্ধির পরিপঞ্চ धनपुरः) अरे कैमडायरक रहना करवरका वानः ক্রমনের ক্রমানত করেও এই প্রেটিই ক্রমন্ট। সূতরাং বন্য কোনও শাস্ত্রান্তের ভার কি প্রয়োজনং কেন্ট্র বধান প্রদানেত চিবে এবং একপ্রতা সহকারে এই ভাগবড়েক বাণী প্রবাদ করেন, ছখন তাঁত কাবতে ভারবতার্থান SPIPPE TEL

हा भिन्नम अन्य क्रियानीम कान्य, मधनुकारणी दिवस्थ भारकः चटात मृतक क्षम क्षैत्रदानगढ कांचामा स्ट्रमः। ধা জ্বাস ওকচেৰ গোধানীৰ জ্বাস্থ্য খেকে নিল্ভে इर्राह्मण । कार्य अमें अभागि भाइक समिक छैनारमब

হরেছে, যদিও এই খান্তমর শ্রুর মৃক্ত পুশবেরা পর্বন্ত আছাদন করে থাকেন। এক সময় শৌনক আদি ছবিধা প্রথেশ্বর জগবান এবং জার ভাতদের প্রীতি সাধানের জন্য विकृ-दीर्व निधियांतरण अस्तं वर्व वाली अन्न पक कार्यका করেছিলেন

একদিন প্রাত্তকালে সেই শৌনকাধি কবিরা বভারিতে আন্তি ধনন করে সভাগত আসনে উপনিষ্ট জীল সূত (माराबीटक संदात महा विकास क्रांतिकान-"हर পরম রাছের পৃত গোলামী, আগনি সম্পূর্ণকলে নিকাল। আপনি মহাভারত আনি ইতিহাস সহ আইদশ পুরাদ এবং সমস্ত ধর্মশার সদ্ওরন্ধ কাছে অধ্যয়ন করেছেন। তথ্

ংহে সর্বপ্রকীশ কেনাকবিদ সূত গোলামী, জাপনি कश्वारम्य व्यवकात् सामारभरमा कान आचा स्टब्स्स, असर ৰে সম্ভ কৰিয়া ভৌতিক এবং আধিভৌতিক আন পূৰ্বক্ৰণে লাভ ক্ষেন্তেৰ ভাষের কাছ খেকেও আপনি জানপ্রাপ্ত হরেছেন। বেহেতু আগমি প্রভাগীল এবং কিনীত, ভাই আলনার গ্রন্থদেকের বিশেষভাবে অনুগ্রহ ক্ষত্ব বাসনাযুক্ত সৰ মক্তনের ধর্ম সম্পূর্ণভাবে ধর্মন করেছেন। কেন মা, মিধ্ব কলবসম্পন্ন আর্জন প্রতিশীস শিব্যের কার্টেই গুরুবর্গ অতি নিগ্র রহণ্য ককে করেন। হে আয়ুখ্যন। আপনি জনসাধারণের পরম ফলন কিভাবে সাধিত হয়, তা সহজ্ঞবোধ্যজ্ঞাবে আমাদের কাছে পোনার।

> "হে মহাধ্বনী, এই কলিয়ুমের মনুক্রের প্রায় সকলেই অক্সায়। তাথা কন্তপ্রিয়, অক্স, মন্দর্গতি, ভাগ্যহীন এবং সর্বোপরি তারা নিংকর রোগাদির দারা উপক্রত। কর্মবর नाव तरमध्य क्रमर (महे मध्य भारत नान त्रकरम् कर्टना-कट्रमंत्र मिट्रमंत्र मिट्रकेश स्टब्स्स, यो कर दश्चन बदस বিভাগ্যক্তমে পাঠ করার ফলে কেঞ্চল জানতে পাকা কৰ ৷ তাই হে মাংবি, দায়া করে আদানি সেই সমন্ত শাংকে সার্য্য সমক্ত শীবের মন্ত্রের জনা বিশ্লেষণ করে শোনান, বাঙে তাদের হানর সম্পূর্ণভাবে সূত্রসম হতে भारत ।"

"হে সৃত গোৰামী। ক্ষপনার সক্ষিধ মঙ্গল হোক।

যাখনিও থালের আন্তেম সে কি উল্লেখন প্রত্যাধন क्षपदान सम्राप्त्य-भाष्टी राम्यकीत शर्छ आर्थिछ ड **५**एकोब्द्रशन । बीत कर्यकार क्या व्यक्तिकार समझ औरक्ट भक्तम अवर मध्येषद क्रमा इत्त भारत, सादश ताई मानुरमद्दव नीनामयुक्त स्थल कराएक स्वरूकार्यी। साननि অনুপ্রত করে ওক্ত-পরাধ্যার লঙ্ক সেট জান আহাতেও কাছে বাগের ককম, কেম না ডা প্রবণ ও কীঠনে উভাৱেই কলাৰ সাধিত হয়।"

"কল-সভার ভরতর আবর্তে আগত মানুর বিংশ হয়েও পর্যেশ্য ভগবান শ্রীক্ষের দিবা নাম উচ্চারন কবতে করতে অভিবেই সেই সংগারভক্ক থেকে মৃত্য হয়, সেই নাম হয়ং মহাধানও ঠীত হন। হৈ মৃত ঘোষামী, ৰে সমস্ত মহৰ্তিবা সৰ্বচেতাজ্যৰে প্ৰমেশ্বৰ ভগবানেৰ बीलानभरका चाधर ग्रहन करवाद्या, प्रीएस्ट सक्र-प्रशास অৰ্থাৎ কৰ্মৰ মান্তই জীৱ পৰিয় হয়, কিছা সুবসুনী গলাৰ রক সাক্ষাৎ সেরা অর্থাৎ স্পার্শন, অবসাহন আদি করার পরেই কেবল মানুরকে পরিত্র করে। কলিব্রের পাশ-পৰিল অবস্থা থেকে যুক্ত হওবার আকান্তকী একা কে আছে যে পরামের ফলয়ানের অপ্রাকৃত মহিলা ক্রান করতে অনিজ্কঃ প্রমেশর ভগবানের অপ্রাক্ত কার্বকলাপ অতান্ত মুক্ত ও উদার এবং নাক্ত আদি মুক্তন चिवक का कीर्टन करतन। का संबंध करात कना चामता অভ্যন্ত আকৃত হরেছি, মহা করে আপনি বিভিন্ন অকঠারে উয়ে বিভিন্ন জীলাবিলাসের কলা আমাদের বলুন 🖰

াতে ব্যক্তানী সভ পোকানী, সহা কারে আলনি च्यांकारमञ्ज कारक महाराज्यन क्षणनारमञ्ज प्राप्ता का कार्यकारम् राधारक्य औषपरिकार्यक कथा क्षेत्र कंकर , भारत्यक ভাৰতে ইক্ডেই সেই পত্ৰ মহন্তহ উপাবিধাস সম্পর্কত হর ঠার ভিং শক্তি বোধমারের ছলে। উওম লোকের কারা বলিও হন বৈ কর্মকা ভগবান, তার মালাকত ক্ৰীলাকথা বড়ই আমল ধৰণ কৰি সা কেন্ चाजारम्य क्रिक्ष प्रश्न जा। बीह्य केंग्र महत्र मन्नर्करस्य হওয়ার অঞ্চকত কৰা আকাৰৰ কবেছেল ইব্যা নিবছর ইব্য मिलाविकारमञ्जू कुम कालाम्ब करवन। सहराज्यस्य स्थानान জিক্ত উন্ন জাতা কল্যানের সূত্রে মনকারণে লীলেনিকার करदाहान, अबर अंडे ठारव फीत फाइन स्थानन स्टाप किन ক অন্টোকিড ভার্যজন্ম সম্পাদন করেছেন। কলিবুৰের আলমন হতেছে জেনে ভানবা এই বৈধান-टकड देवीयरायरक शीर्यकान नाजी यक कन्हेर्यन्त बन्ध এনে উপস্থিত ইবেদি: এখন আমানের ইবিভগ্ন প্রবাসের অবসর লাভ রতেছে। আমধা মানুবের সংগ্রগ অলচবলকাৰী ফলিখেল-মূল ফুৰ্লন্তৰ সময় উঠাল ছাড় উজ্জ। সমূত্রের পরপারে পরন করতে উজ্জ মানুদের কাছে কৰিবে সূত্ৰ আননাৰে বিধান্তই আমানের কাছে नाहित्व जानमञ्ज वर्गम नाम पहित्यको। नाम देक কেন্দেশ্বৰ জীতৃত্বৰ সম্প্ৰতি উত্ত নিভা থাকে আন্তৰ্গন জগ অপ্রবাদ জীলার প্রবেশ করলে সর্বাচন ধর্ম করে শরুলাপর इर्शक स स्थानिक स्टब्स

দ্বিতীয় অধ্যায়

দিব্য ভাব ও দিব্য সেবা

(बाधशर्वन-नुक वैद्यक्तवा (भूद (बाधापी) (नीककानि ব্রাক্ষণদের সেই নব প্রয়ো সম্পর্ণকর্পে পরিওপ্র হবে উল্লেখ ধনাবাদ স্থানাপেন এবং উল্লেখ প্রথম উত্তর দিতে কুক করালের i

হীল দুও গোজানী কালেন--"আমি দেই মহুবিকে (তক্ষেপ (পারানী) আমার প্রশৃতি নিবেজন কর্মায়, বিনি अस्तर केंद्रका कराव सरका करात बादका दिनि प्रकार সম্ভাব অবস্থান করার ক্রমণ উপন্যান অনুষ্ঠান হওয়াব আপেই প্রত্যাপ করে চলে বাচিলেন, তথন তার পিতৃত্বে প্রীপ জাসদেন তার বিবহে আতর হয়ে তালে 'মে পুরা মে পুরা।' বলে আত্যান করেছিলেন, তথন উল্ল ভাবনার ক্রমার বৃক্ষরাক্রিপ্ত বিরহ্কাতর পিতার ব্যাধার রাখিত হয়ে প্রত্যাপ্তর করেছিল। সংসাররাল গভীর অক্তন্তর উত্তীপ ইওরার অভিন্যারী বিষয়াসক মাণুবারের কাছে কৃপা করে যিনি বীর প্রভাব-জাপক সমস্ত বৈনিক আনের সারত্ত অনুপম আত্যত্ত প্রকাশক বীপ-সমূল সর্বপ্রাপ-রহসা প্রীমন্তাপক বংগছিলেন, সেই মুনিগণের তাল ব্যাপ-তনত্ত প্রীল তক্ষাব্যক জারি আমার সপ্রজ প্রদান করের পূর্বে পরমেশর ভগবান নারারণ, সর্বজের্ছ মানুর ক্রা-নারারণ করি নামণ ভগবান নারারণ, সর্বজের্ছ মানুর ক্রা-নারারণ করি নামণ ভগবান নারারণ, কর্মার্ল মানুর ক্রা-নারারণ করি নামণ ভগবান করি। আমার সপ্রজ প্রাপ্তি

"হে কৰিপণ, আলনামা আনাকে বথাৰ্থ প্ৰথই বিৰোমা করেছে। আপ্নাদের প্রবাতনি অভি উত্তম, কেন ব দেওলি কৃষ্ণ বিবস্তক এবং তাই ডা জগতের মদল সাধ্য করে। এই ক্রনের পরিপ্রক্রের দারাই কেবল আত্ম সন্পূৰ্ণপ্ৰশে প্ৰসন্ধ হয় সমস্ত মানুখের পৰম ধর্ম চ্চেচ্ সেই ধর্ম বার ইপ্রিয়ক্ষাত আনের অতীত শ্রীকৃথে আহৈতুকী এবং অপ্রতিহতা ভক্তি লাভ করা ধার। সেই ককিবলৈ অনৰ্থ নিৰ্ভি হয়ে আৰা বধাৰ্থ প্ৰসত্নতা লাভ করে। ছক্তি সহকারে পরমেশ্বর জানান শ্রীকৃকোর দেবা क्वा रत्न चिठित्वहें ७६ कार्त्स्य ग्रेमक हव अवर ভঙ্জাগতিক বিষয়ের প্রতি ক্রানেন্ডি আনে। খীয় বৃত্তি অনুসংক্ত বৰ্ণাক্তম পালন জগ স্ব-ধৰ্ম অনুষ্ঠান করার কলেও বলি পর্মেশ্র ভগবানের মহিমা প্রকা-কীর্ডনে আস্তির উদর দা হয়, তা হলে তা বুখা প্রম মান। সমক ধর্মের উদ্দেশ্যই হচেছ চরম মুক্তি কাভ করা। জ কণনো জড় বিবয় লাভের আশার অনুষ্ঠান করা উচিত না। অধিকার, তথ্যস্টা মহবিঁরা নির্দেশ বিবে গেছেন বে, করা পরম ধর্ম অনুষ্ঠানে বুক্ত হবেছেন, ভারা ফেন কৰাই ইপ্ৰিয়-পৃথজোগের উদ্দেশ্যে অড-আগতিক লাভের প্রত্যাপী ব হন। ইন্মির সৃখভোগকে কৰনই ক্রিবনের উদেন্য থকে গ্ৰহণ কয়। উচিত নৱ। সৃত্ জীকা বাপন ক্ষা কথৰা অংশকৈ নিৰ্মণ রাক্ষ্য বাসনাই কেন্দা কয়

उठिछ, दबस ना आसर कीवरतर है स्थाना इतक नजम-छन्न भवाद व्यनुभवान कहा। व वाइन व्यन्त स्थाना है रिस्ता नित्त कर्य कहा देविक मा। या व्यवस कहा, व्यवंश वक वक्त, व्यक्तिश वासन कहा, व्यानीशन कारकई नवस्त्र विकास वस्ता। (भेरे क्युक्त आया, नवस्त्राचा व व्यान्त्र वस्त्र विविध मरकात मरविष्ठ व व्यक्ति हम। व्यान्त्र वस्त्र विवस्त्र महिन्द विवस्त्र मृतिशन व्यव वस्त्र रिस्तामानुक इत्य नाच व्यवस्त्र विकास कर्मित व्यन्त वस्त्र रिस्तामानुक इत्य नाच व्यवस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र स्वर स्वर वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र स्त्र स्त्य

"तर विकासकं, छारे जिकाल कवा श्राहर ता, चीत्र द्यंतपद्य कानुजात वर्षाव्यम वर्ष भागन कतात्र माधारम भारत्यकः कथवान मीशतित जवादि-विधान कतारे श्राहर क वर्षा उत्तम कथा। छारे अकाश क्रिया, निराम कलकरामा कथवात्मा महिवा भाग, क्रीर्जन, न्याम अवर द्वार कानुभव कता। कर्ष्या। भारत्यका कथवात्मा कर्मुन्यका स्था छत्रपतिम क्राम कथार्य कानी भूकरवता कर्म-वक्षम (स्था करात) छारे तारे कथवात्मा कथान त्यरे वा ग्रहिपुक स्राहर अवर ना

^গহে প্রাক্ষণ করিগণ, সর রক্তমের লাগ বেকে সম্পূর্বভাবে মৃক্ত জনবত্তকার সেবা করার কলে মহৎ-দেবা সাধিত হয়। और ধরনের দেখার কলে কৃতাকথা প্রবংশ আসন্তির উদয় হয়: পরফেশ্য ভগবান প্রকৃষ্ণ, বিনি পরমান্তারতেশ সকলের হলটেই বিরাক্ত করেন এবং বিনি হচ্ছেন সাবুৰগের সুক্ল, তিনি টার পবিত্র কথা মধ্য এবং কীৰ্তনে ছতিবৃক্ত ভক্তনের হামধ্যে সমস্ত জ্যের বাসন্ত বিধাপ করেন। নির্মিকভাবে শ্রীমঞ্জাবন্দ প্ৰবৰ্ণ কৰলে এবং ভগবাটনাঃ গুল্ক ভণ্ডেন সেবা কচলে ফদকের সমস্ত কল্ব সম্পূর্ণরূপে বিনট হর এবং ভবন উত্তয় প্রোকের বারা বর্ভিত গরমেশক জগবান ঐকৃকেৎ প্রতি প্রেমমরী ভক্তি নুদ্দরণে প্রতিষ্ঠিত হয়। যথন ইাদরে নৈটিকী ভক্তির উদর হয়, তথন রক্ত ও ত্যোগ্ৰের প্রভাবকাত করে, ক্রোধ, লোক ইত্যাদি রিপুসমূহ হাদর খেকে বিদ্রিত হরে বার। তথ্য তত্ সক্তণে অধিন্তিত হতে সম্পূর্ণরূপে প্রদান হব। এইভাবে ৩৯-সত্তে অধিষ্ঠিত হয়ে ভাতিকোগে যুক্ত হওয়াৰ কৰে বার চিত্ত প্রসাম হরেছে, তিনি সংক্রমা জড়-বছন মৃক্ত

ए.स. क्ष्मानस्य निव्यान केन्स्याद्ध करदानः काराष्ट्र बराष्ट পরমান্ত্রা অপকানকে ধর্ণনি হলে হলবগুরি ছিল হয়, সমস্ত সংশর বর হর এবং সমস্ত কর্মকল কর্মসাপ্ত হয়। ডাই সমস্ত পরমার্থবাদীরা চিরকাল গভীর আনন্দ সহকারে পর্যেশ্বর রূপনান জীক্তানর সেবা করে অন্সংক্তা, কেন ৰা এই ধ্যানের প্রেমমন্ত্রী সেরা আত্মাকে অন্ত্রানিত করে। প্রয়েশ্য ভগবান সভু, বস্তু এবং তম নাম্ভ কড়া প্ৰকৃতিৰ তিনটি ওশের সঙ্গে গরোকভাৱে বলা। জন্ত স্বাদতের সৃষ্টি, পালন এবং বিনালের স্কন্য তিনি ব্রক্ষা, বিষ্য এবং লিখ এই ডিনটি ওপজাত লগ ধরুৰ করেন। এই বিনটি জনোর মধ্যে, সমস্ক জনমট সম্বত্নভাত রূপ বিশ্বর খেকে সাভান্তিক মাল লডে করতে প্ররেশ। কাঠ क्ट्रम युक्तिकार निकार, किन्द्र द्वीशा कर्ड ८७८क ८०६। আৰু ক্ষয়ি ভার খেকেও জোন, কেন না ক্ষয়ির দারা (বৈকিক ব্যক্তর সাধ্যমে) উচ্চতর কান লাভ করা বার। তেমনই, রজোণ্ডণ ভয়েণ্ডণ অপেক্ষা ক্রেয়, কিছা সবাধন गर्वरक्षकं, रकन ना गर्वाचरना वाता वरायता भारत गरहरूक উপদক্তি করতে পারি ("

"পূর্ণে সমন্ত মহর্ষিরা পরমেশার জগবানের সেবা করেছিলেন, কেন বা তিনি জন্ম প্রকৃতির তিনটি গ্রন্থের অতীত। তারে জন্ম লগতের বছল থেকে মুক্ত হয়ে আতারিক সমন্য সাধনের জন্য তার আরাজন করেছিলেন। বারা সেই সমন্ত ভাহস্থানের পনাক অনুসরণ করেন, উল্লাভ এই জড় জগতের বছল থেকে মুক্ত হওয়ার বোগাড়া আর্জন করেন। বারা মুক্তি লয়ভের জন্য ঐক্যানিকভাবে আগ্রহী, তারা অবলাই অনুযারহিত এবং তারা সকলের প্রতি লছাপন্যরণ। তথালি তারা ভরতর আনুক্তি বিলিষ্ট পেন-ধেনীদের ভাগে করে কেবল পরমেশ্য ভগবান ব্রীবিষ্ণ এবং তার জনে অবভারনের বিয়া জনেশ্যনা করেনে আরাজন করেন। বারা রক্ত ও ভাষেত্রণের অধীন, ভারা শিতৃপুক্রব, ভৃত এবং প্রজ্ঞানতিবের পূঞা করে, কেন স্ম তারা স্ত্রী, ঐবর্ব, শক্তি এবং সন্তান-সন্ততি আদি জড় বিবর-ভোগের বাসনার স্করা প্রভাবিত।"

"देवनिक भारत सारमन श्रदम कैरमभा प्रदेशन পরক্রেশ্বর স্কলবান জীকক। যক্ষা সম্পাদনের উক্ষেশ্য হতে ভগবানের প্রীতি-বিধান এবং বোগের উদ্দেশ্য হতে फीटक काना । जाता मकाव करार्थ हता कल सिनिह भार করেন। পরম খানে এবং সমস্থ তপদ্ধর্বার উদ্দেশ্য হতে ভাৰে ভাৰা এক ভার প্রতি প্রেমমনী সেবার বক্ত হওয়াই হতে ধর্মের উন্দেশ্য। ডিনি হতেন জীবনের পর্যয উব্দেশ্য। এই পরফেশ্য ভাগবান স্বরুং নির্ভণ হয়ে প্রথমে কাৰ্ব-কাৰণাক্তিকা ক্লিপ্ৰসমী শ্ৰীম বহিবলা পক্তি মাধাকে নিবীক্ষণ করে এই বিশ্ব সৃষ্টি করেছিলেন। ক্ষম্ভ কর্মং সৃষ্টি করার পর ভগরান (বাসুদেন) নিয়েকে নিসের করে তমা মধ্যে প্রবেশ করেন। যদিও তিনি লভা প্রকৃতির ওপওলির মধ্যে অবস্থিত একা বলিও মদে হয় যে এই থাত খানতে তাম সৃষ্টি হয়েছে, তত্তত তিনি তাম অভাকৃত ন্তরে অধিষ্ঠিত এক পূর্ণ জানমন। আন্তন যেমন কাঠের মধ্যে নিবিভ থাকে, তেমনই প্রমেশ্র ভগবাসও পরমারারূপে সব কিন্তু মধ্যে পরিবারে। যদিও তিনি অভিতীয় প্ৰথ পুৰুষ, ভৰ্ও মনে হয় তিনি ছেন मानाकरण संकाणिक बरवारकतः। भगवान्ता संक्षित स्टापत দালা প্রভাবিত তার সৃষ্ট প্রীতেবের মেয়ে প্রবেশ করেন এবং সৃত্যু মনের ভারা ভাষেত্র এই সমস্ত ওপগুলির প্রতিক্রিয়া ভোগ নধান। এইভাবে সমস্ত স্করতের পতি দেবতা, মনুষ্য এবং পশু অধ্যবিত সমস্ত প্ৰহ লোকওলি প্রতিগালন করেন। বিভিন্ন অবভারে তিনি উরে সীল্য-বিলাস করে বিভন্ধ-সংখ্যে অধিষ্ঠিত জীবসমূহকে উদ্ধান



তৃতীয় অধ্যায়

শ্রীকৃষ্ণ হচ্ছেন সমস্ত অবতারের উৎস

"गृञ्जारठाएउत्र अक चरण गर्छामा अपन करत स्वर्थन्त्र विश्वा करका। छोत्र नाछि स्थार अरुक्ष भवा रिक्निट इत अस् (भेरे भवा स्थारके प्रवाणिक्त भिक्ष अस्म क्षेत्रका करना। मन्ना विश्व वाचा प्रमुख्य विश्वा महित्र कर्वाहर, किन्न छेत्र मुद्रै और व्यक्त क्षिणागरम् महिल् ठेत्र स्वरूप भवा-शक्ति छोत मन्नीत भवान करका महकारत भवा-शक्ति चार्यक्ति वाचा कर्वाहरू भवा क्ष्या क्ष्या भवा क्ष्या क्ष्या

শুনির অর্নিতে প্রথমে রক্ষার চরেকন অনিনাহিত পুন (চতুংকন বা কুমানেরা) ছিলেন, যানা প্রথমের অবলম্বন করে পরন সভাকে উপক্ষি করার ক্ষান করেন ওপসা। করেনিকো। এই প্রথমী কন্য নগাভালে পতিত হরেছিল, তথ্য এই বিশ্বেম মধ্যের কন্য পৃথিবীতে উদ্ধান করতে ইস্কুল হয়ে সমস্ত ক্ষরের পরম ভোজা বজেনার বিশ্ব নিউত ভালাবে করাহ কন্য নাক্ষান্ত হার ভূতীয় প্রত্যাহেশ কন্যমান ক্ষেমি নাক্ষান্ত হার ভূতীয় প্রভাবেশ মনভারে আর্হিন্ট হন। হেলের যে সমান্ত কর্মনা কল্য ছিল এবং নিয়ার কর্ম সম্বাচন ক্ষান্তিক।

চতুর্থ ক্ষরতারে ক্ষরতান বর্মনাক্ষের পার্টার গার্মে নর এবং नाराक्षण समक वसक शृक्षकारण व्यक्तिक सराविश्वन । केला देखित-भारतामध्य चारणं संबर्धन कतात सन्। कार्यन ভপদ্যা করেছিলেন। পঞ্চম অবভারে ভিনি কবিভেট শ্রীকনিক নামে অক্তরল করেন। তিনি আসুরি মারক প্রামাণ্ডে সৃষ্টির উপাদনেসমূহ বিশ্লেষণ করে সাংখ্য দর্শন প্রদান করেন, কেন বা কালের প্রভাবে সেই জান সূপ্ত হরে দিয়েছিল : পরার পুরুষের কট পাকতার হাছেন মহর্বি অরিন পুন ভরবান কজনোর। মাধ্য অনসূত্রর প্রার্থনায় ভিনি তীয় গতেঁ সক্ষেত্ৰৰ কৰেছিলেনঃ তিনি অধ্যা शहान कवर चना चहनकरक गहरमाधिक काम शाम কংগছিলে: সপ্তম অবভার ক্ষেম প্রজাপতি কটি ও উল্ল পদ্ধী আকৃতির পুর বর্জ। 'কারজুব মহন্তরে তিনি এই ব্রহ্মণ্ড পর্যান করেছিলেন এক তার পুত্র বাম তাদি দেবতারা ভাঁতে দেই কার্যে লাহারা করেছিলেন, ভগবানের অন্তম অকথার হজেন মহামাক নাডি ও তার পদী ফেন্টেল্ড পুএ মহারাজ স্বর্ভনেব। এই অবভারে ভগবান পূর্ণ সিদ্ধি লাভের পদ্ধা প্রথমন কর্মোচ্চেন, যে পায় সর্বাভ্যান্তারে ক্রিভেন্তিয় এবং সমস্ত কর্ণ ও আক্রমের মানুবদের খাতা পৃঞ্জিত পর্মহংসরা অবলখন করে স্থাবৈদ্য স

গদর্ভারেশে আনিউত ইর্মেন্সেন, এক রয়েনাল অবতারে তিনি মের্কিনাকলে অস্তর্ভার সংখ্যাকত করে নেবভানের ঋনুত পাই করতে দিকেছিলেন। চতুর্নন অবতারে শুসক্ষা নৃশিংহরত্ব অর্থিক্ত হতে তার নাথের হারা দৈতাব্যক্ত হিরেশ্যমানপুর সুষ্টে পরীর কিনীর্ল করেছিকেন, হৈক ক্ষেত্ৰয়ৰ একজন সুৱাৰর এয়কা তুল বিশীৰ্গ করে। প্ৰদেশ অবতারে ভাগনে বাফসাপ ধানৰ করে সৈতারাজ বলির মুজানুদ্র পুমন করেছিলেন। ব্যাধিক তিনি দেবভালের কান্তে বির্নিবার কেন্তবার জন্য ব্রিভবন কবিকাধ ফলতে যাচিত্রের, কিন্তু ভতুও তিনি কেবল মিলার স্থাম ভিকা করেছিকো। বেডেশ অবতারে ভগবান ভ্রতগতিরবেশ অবতীর্ণ হতে ক্ষত্রির রাজানের দেব-দিয়া বিষেধী মেৰে ভাষে প্ৰতি কৰা হয়ে পথিনীকে একপায়ৰ করিবপুনা করেছিলেন। ভার্থপুন স্থাপুন অবভারে ভগবান শ্রীবাাসকেরবে পরাপত মনির পত্নী সভাবতীর পতে আবৈওঁত হন। মানবৰ্গের ভিতর বৃদ্ধিমন্তার ক্ষাত্য দর্শন করে তিনি তানের কল্যাপের জন্য কেব্যক্ষের বিভিন্ন শালা প্ৰশালা বিস্তার করেছিলেন। অষ্টাদশ অবতারে ভগক। ইরোমচন্দ্ররূপে আবিষ্ঠত হয়েছিলেন। মেবঙাদের অভীষ্ট সিদ্ধির জন্য তিনি সেতবছন তথা বাৰত-ৰত আৰি কাৰ্ব সম্পাদন কমে উন্ন অনুসাধিক পত্তি প্রদর্শন করেছিলে। উনবিংশতি এবং বিংশতি অবতরণে পরমেশ্বর ভাগেরন শ্রীকারাম এক শ্রীককারণে বৃত্তিকুলে। (বদু বংলে) আবিষ্ঠাত ছবে পৃথিবীৰ ভাৰ প্ৰহণ করেছিলেন। ভারাপর কলিবগের প্রারম্ভে ভগবান फगदिराधि नाजिकस्मा मा वाहिए कवात सन्। वसरम्ब নামে পরা প্রথেপে অঞ্চনার প্ররাপে আবির্ভত হাকে ভারণর ব্যক্তিশে অবতারে বুব সমিকালে, অর্থাৎ क्षणिकारका चार्क नुभाविता यक्त मनुष्या सात यात, क्षभन ভগবাদ কৰি অবভাগ নামে বিকাশণ নামক ভাকাপের প্রায়েশে অবতরণ কবকো 🖺

"তে ব্রক্ষাণসাধ, বিশাল জালালর থেকে বেমন আসংখ্যা নথী প্রবাহিত হয়, তিত হেমনই অগবানের থেকে অসংখ্য অবতার প্রকাশিত হন। সমস্ত খবি, মনু, সেবজা এবং করুর বংশধরেরা বাধ্যা বিশেষ শক্তিসম্পার, উমাও হতেনে জালানের আল এক কলা। প্রকাশিতরাও এই অংশ ও কলার অন্তর্গত। পূর্বোরিশিক এই সমস্ক

धनडाहारा इएकम कार्यान्य साम प्रश्न क्ला सरहार, किन्न हिन्द्रक इटकम महाद्रमध्य कार्याम प्रश्ना दर्भ मान्त्रकाल प्रशासन बहे श्वाराह्य प्रश्ने इस्ता एक करात क्ला क्रम्यान बहे श्वाराह्य प्रश्नेत्रक इस्तान्त्र इस्ता प्रान्त्र महाराह्य क्या महाराह्य इस्तान्त्र इस्तान्त्र अवस्थ प्रश्ने प्रश्नेत्र क्या महाराह्य इस्तान्त्र श्राह्म क्रिन्ट्रिक भाडे बरहर, हिनि क्रम् क्ष्मार्थ्य मनक मृत्य-मृतन्त्र (१९१४ मूक्त इस्ता)

ेक्टर क्रभारत स्थायत्मा एवं विकार क्रा.च्या धावण् ण क्याध्यकः। सं कार्यक्ष्मभन्न प्रमुद्धमः (अर. स्य. ভক্তদের) ভগবানের ক্রল সম্বন্ধে ব্যবদা তদান করার ৰুন্। কিছু প্ৰকৃতপক্ষে ভগবনের কোন প্রাকৃত বা ৰাড় রাশ সেই। মেদ এবং থালিকত ব্যস্ত করে বাহিত হয়, কিন্তু অধ্যাধিসম্পান মানুকোন কলে যে আকাৰ ছেকান্তৰ এবং বাহ কাশ্যার : তেওকী, তারা আভার করু পরীতের श्वापम् जाटकम् करतः। अदै कृत अरुश्व बारुशत जिरुश्त আরকটি সন্ম রূপ রয়েছে, যার কোন পরিণত রূপ দেই धका या (भभ वाद ना, थारक श्लान याद ना अना या অপ্রকাশিত। এই সুন্তা করের উর্ফো হলে জীরের ম্বরূপ, তা ব্য হলে যে বার্নাল্ডের প্রবাহরণ করতে পারত না। আছোলবাঁদর ব্যৱা কেউ হবন সুমহপ্রর করতে পারে বে কুম এবং সৃক্ষু পরীক্ষে মরে ওছ আছার বোন সম্পর্ক রেই, তথ্য সে নিরোকে এবং পরমেশ্র क्शकात्क पर्यंत कट्ठ। क्षप्रवास्त्र कृशाय रचन মায়াশভিদ্র প্রভাব প্রশাসত হয় এবং ক্রীম পূর্ণ জ্ঞানশুর হন, তথা তিনি অভ্যানের আলেন্ড উত্তানিত হন এবং স্বীর মহিমার অদিভিত হল। এই চতুর বিভাবেরা সেই রূপার্যাহিত এবং প্রাকৃত কর্মার্যাহত কর্মসারের রূপা এবং কর্মের বর্ণমা করেব, বা বৈদিক শালেরও অনাবিস্তত। किन्दि वटान कराउपना"

শ্যার চবিত্র সর্বনাই নির্মাণ এবং নির্মান, সেই ভাগান বড় ইন্দিরের এবং বড় ঐবর্থের অংশিপ্তর, তিনি কোনচারে প্রভাবিত বা হতে এই বিহু দৃষ্টি কাজন, গালন কাজন এবং কালে কজে। তিনি প্রতিটি জীবের অধ্যার বিরাক্ত করের এবং তিনি সর্ব অবহুত্তেই সম্পূর্ণভাবে ধার্থন। নানিং অভিনয়েশকের প্রথমের ভাগবান্তর নাম কল এবং জীলাবিসালের অপ্রাক্ত করার বিভ্রত

মনোভাৰাপট্ট মূৰ্ব মানুহেরা জানতে পারে না। ভাবা তালের ব্রথমা-করনার অথবা যাকোর মাধামে ভা থাক कर्ष नाम न। योजा प्रस्कीर ३५६कश्री समयान প্রীকৃষ্ণের শ্রীপাদগম্বে অনুক্রসভাবে আহতকী এবং অর্থতিহতা দেবাগরায়ণ, তারাই কেবল ভগতের সৃষ্টিকর্তন্য পূর্ণ মহিমা, শক্তি এবং দিব্য ভাব সম্বত্তে ঘৰনত হতে পাঞে।"

সকল হওৱা বার এবং পূর্ণ জান গাঁভ করা যথে। ক্লেন ন্ম এই গুরুতার প্রশ্ন স্থাসংগতি পরমেশ্যর স্থাপারতার প্রতি অপ্রকৃত প্রের বিকলিত করে এবং গণা-স্থানে অবংক আবর্ত কেকে জীবকে সম্পূর্ণভাবে মৃক্ত করে।"

কাসকে। তার উদেশ্য হরে সফর মানুষের পরব समन नक्त क्या अवर अधि नर्गरशासाय नार्थक, वर्ग व्यानमध्ये क्षर प्रदेश्यास्य भविभूगः। जीम कामरमन সমস্ত বৈদিক স্বান্ত একং এই রক্ষাতের ইতিহাসের

সাধতত আহবৰ করার পর সমত আত্তরানীতের भुक्रेशविश्वताम छोत्र भुक्राक छ। मान करविश्वता। ব্যাসদেবের পুত্র শুক্তদের গোলাসী গলার ভাটে প্রারোপবেশনে উপবিষ্ট এবং মহাল কবিদের দ্বারা পরিবেটিত নহারাজ পরীক্ষিতকে প্রীমন্তাধ্বত ভনিয়েছিলেন। শ্রীকৃষ্ণ বর্থন তার লীলা সংবরণ করে ৰৰ্থ ও তত্তভানসহ নিজ থামে গমন করলেন্ ভখন "এই वन्नान तथ काह माधाराहे क्यम वह बनाक नृत्री माठा होष्युक वाहे भूनारपत केमन १८७८६। কলিবুগের অঞ্চারে আল্বন্ন ভলবং-দর্শনে অক্স সন্বের এই গুরাগ থেকে আলোক প্রাপ্ত ছবে।"

"হে ভবকানী প্ৰাক্ষণণণ, মেহারালা প্রীক্ষিতের সমক্ষে) শুকুপের গোন্ধারী বখন শ্রীমন্তাপ্তবত কীর্তন "এই শ্রীসন্তাপনত হতে পরমেশর ভগবানের কাশ্বর করেন, তখন নিবিষ্ট চিত্তে আমি তা শ্রবণ করেছিলাম বিশ্ৰহ এক ভা সংকাল করেছে। ভগবানের আবধার শ্রীল" এক ভাই সেই মহান শক্তিশালী নিপ্তর্বিত্ত কুপার আহি শ্রীমন্তাগনত হলরক্ষম করেছিলাম। এখন তার কাছ থেকে আমি বা খনেছিলমে, তা আমান উপলব্ধি অনুসারে আপনকের পোনাতে চেটা করব।"

চতুর্থ অধ্যান্ন

শ্রীনারদ মুনির আবির্ভাব

সূত কোখাখাৰে এই ভাবে কলতে ওয়ে সেই হতেছিল। মহামূলি প্ৰীকৃক-বৈপাৱন বাসে কোঝা থেকে विस्कानकारी रक्ष अनुहोत्। इक भगक क्रिक्त प्रशा मक कारेएक धनीन अबर विधान (मॅलन्ड ब्लि छै।एक र्यक्रमच कान्द्रि काल्य-"(र गृड (धारावी, वैस चार्ति कहार्ड नार्क्त अवर कन्द्रक नारका, चेहारहे मरह य प्रदान पश्चिमाली बर्दार द्वीन एक्ट्राब (भाराधी कर्ड्ड

এই সাম্ম প্রবাদন করার অনুত্রেরণা লক্তে করেছিলেন? ঠার (ব্যাসদেরের) পুর ছিলেন এক মহান ভক্ত, এক অভিতীয় ভত্তভানী এবং ঠার চিন্ত ছিল সর্বদাই পরমার্থ সাধ্যে একাশ্ৰ। তিনি সৰ সুক্ত আৰু-আগড়িছ আপনিই ছুচেন্ড সৰ চাইতে ভাগাবান এবং অভাই। কাৰ্বকলাপের উধেই ছিলেন এবং বনিও তিনি জানী। আপনি কর করে শ্রীনায়গুলারের প্রিত্ত কলী করিন করেন, ছিলেন, কিছু আপান্তস্তিতে তাকে সেখে একজন মৃত্ লোক বলে মানে হও। শ্রীমা বাসাদের হথন তীর পুরাকে পূর্বে বর্লিড হয়েছিল। কোন সময়ে এবং কোন ছানে অনুসরণ করছিলেন, তথন নথ অবস্থার আনরতা সুকরী অ প্রথম ওক হরেছিল, আর কেনই আ ভা গ্রহণ করা। কুবাঠারা, ব্যার ব্যারদেশের নগ্র মুবক-পুরকে সেখে কেন

दुक्य नव्या धानस्य कार्यम्ब, श्रीवा अन्धा सामग्रहस्य দেশে লক্ষ্যাবশন্ত ওঁটোর বন্ধ পরিধান করেছিলেন। সেই সম্ভৱে ব্যাস্থের বরুন উচ্চের জিজাসা করেছিলেন, জন্ম **ारे क्वडीया फेलन मिरविस्ताम दन, फेल शुर्दान शरीन** महिटक हो। बाबर शुक्रात त्यान त्यार किन मा, विन्ह मर्दार्वत দৃষ্টিতে সেই তেব ছিল। কৃক্ল এবং জাসল প্রমেশে উন্মান, মুক এবং অন্তথ্য মতো বিচরণ করে তিনি করন হত্তিনাপুর (অংগুনিক দিল্লী) নগরে প্রকেশ করলেন, ভবন शृतकात्रीक्ष वात्रप्रक-छन्त श्रीम श्रकरस्य श्राकात्रीर**ः** ় কিডাৰে চিনতে পারকেন ৷ কিডারে মহারাজ পরীক্ষিতের মতে এটা মচৰ্বিৰ সাক্ষাৎ চল, বাৰ ফলে সমস্ত কেন্দ্ৰে অপ্রাকৃত নির্বাস (বীমস্তাগবত) তার কাছে ক্রীর্তিত भर्येख शरुटार्थितमा मुनारत कारकान कराएक अवर किन्दि ভা করতেন কেবল ভাষের গৃহত্যে পরিশ্র করার জনা 🖰

"ক্ষতিত আছে যে, অভিমন্য পূর মহারাজ পরীক্ষিৎ হতেহন পরত্যেশ্বর ক্ষলবানের এক মহান ভক্ত একং জীর ক্ষন্ম এবং কর্মকল্যপ অভ্যন্ত অন্তও। দরা করে আগনি আয়ানের জার কথা বলন। তিনি ছিলেন এক মহান मताह अवर कीय वार्रकाश मधक वेश्वरम् किलि विरूप पारीका। जिमे बाउँद प्रश्नितिक बिरुन ता, जिमे नांच-बराजा कर वर्धन करतकिरकमा। दिले स्था गढ किस পরিত্যাদ করে প্রসায় তীরে উপবিষ্ট হয়ে অনশনরত অবসার মৃত্যুর প্রতীক্ষা করছিলেন : তিনি ছিলেন এতই মহাম এক সমাট বৈ, তার সমস্ক শুক্ররা উন্থ পদতবে প্রকৃতি নিবেশন করে ভালের নিজেদের মসপের জন্য ভালের সমস্র ঐবর্ধ সমর্গণ করত। তিনি ছিলেন পূর্ণ (बीकलण्या प्रश्नवीत अवः किमि दिलाम चरीप उत्सकीत ঐবর্ধের অধীনর। ভিনি কেন সব কিছু এমন কি উরব ক্ষীকা পর্যন্ত ভাগে করতে ইচ্ছা করেছিলে। বাঁরা পর্যেশ্বর ভগবানের প্রতি ভক্তিপর্যারণ, তারা কেবল অলয়ের ফলর সাধন, উল্লভি কথন এবং সুখ-প্রবাদের ক্ষম ক্ষীবন থাকে করেন। ওঁয়ো কোন ক্ষম স্বার্থসিছিত। জন্য জীবন থাপন করেন না। তাই মহারাজ (পরীক্তিম)। যদিও সৰ সুৰুত্ব কণ্ড-ক্লাগতিক বিধয়াসভি থেকে মৃত ছিলো, তাৰ কোন ডিমি উল্ল গেছডাৰে করলেই, স্ক ছিল অন্যাত্তৰ আত্ৰয়সক্ষপ হ' আছেৱা স্থানি ছে, বেশের

करतकारि चारण वाकीक अभन्न विवस्तान व्यर्थ अन्यत्व আপুরি বিশেষভাবে পারদশী এক ভাই আমরা অপনাকে বে প্রশ্নকর্ম করেছি ভারে উত্তর আপনি স্পট্টভাবে বিরোক্ত কবাতে পারের।^ক

শ্ৰীস্ত গোলামী মলদেন—"রেডা এবং মাণরের কুমপর্বারে কলু-সুহিতা সভ্যবতীয় গর্ছে পরাশর মুনির প্রকাপে মহবির (ব্যাসদেকের) কর হয়। একসমরে তিনি (ব্যাসদেব) সূর্বোদতের সময় সূত্রভূতী নদীর জলে প্রাত্যবাদ করে একাকী উপবিষ্ট হয়ে ধানর হলেন। प्रकृषि (राजवात्र वही यूर्वाह वर्ध-विशवी प्रचीन कारतानः। কলের অনুন্ধ শক্তির প্রভাবে বিভিন্ন কুলে পুনিবীতে ভা হরে বাকে। পূর্ণ স্থানসম্পদ্ধ মহর্বি তার নিজ দৃষ্টির ক্ষার এই বৃদ্ধে প্রভাবে কড় কলতের অক্ষণতা কর্ণন করজেন। তিনি দেখলেন যে, এই সুগের প্রভাহীন জনসাধারকের আনু জতান্ত হ্রাস পারে এবং দক্ষণ্ডশের অভাবে থারা ধৈর্যতীন হরে পথকে। ভাই তিনি সমঞ भूगे जनर चाराटमत मानुरस्त कि चारव सम्मानाध्य करा बार त्येंहे हिन्द्र कंदरना। विभि तन्दरन त्य. त्यान निएम्निक रक्ष-अनुशास्त्र केंद्रमण शरक जानुरक वृत्ति অনুসাত্তে ভার ভার্যক্ষাপকে পবিত্র করা। এই প্রক্রিয়াকে সম্পীকত করার উলোলো তিনি এক কেকে চার কালে ভার করেছিগেন, মানবের মধ্যে থা বিজ্ঞার করের কন। জ্ঞানের আদি উৎস বেদকে চাবটি বিভিন্ন ভাগে ভাগ কর হরেছিল। কিছু ঐতিহাসিক তথ্য এবং পুরাণে উল্লিখিত সতা কর্মনাওলিকে পক্ষম কেদ কর্মা হ'ব। বেদকে চারটি ভাবে ভাগ করার পর, পৈল কবি হলেন কলবেনের वाशानक, देवनिति श्राप्तम जामार्यहरूत वाशानक अधा বৈশস্পাহন বস্তুৰ্বদের দারা মহিমাছিত হলেন। সুমন্ত্ খনি অনিরা, বিনি অভান্ত হছা সহকারে সেবাশরারণ हितान, छैरक राधर्ग जम राम कहा स्टारिक अवर स्टाराज পিজ রোম্হর্বদ কবির হাতে পরেদ এবং ঐতিহাসিক অধ্যসমূহ অর্থণ করা হ্রেছিল। সেই সমস্ত ভরুপ্তা পৰিবা বিভিন্ন বেদকে তাৰেড় দিবা, প্ৰশিষ্য এবং প্রতিষ্কের লিখ্যদের প্রদান কংগছিলেন একং এইখ্যাবে ওক্ত-পিয়া-পরস্পার্জ জনর শাখার বেদ-অনুশীলন ওর হয়। এইভারে অধ্যানীদের প্রতি অভার কৃপান মহর্নী কেনালে কো সংকলন করেন, ঘাতে বাধাবৃদ্ধিসম্পান মানুংবল জ

₹

হানবজন করছে পারে। খ্রী, শুর এবং ছিজেডিড ভগবনীবিহীন ক্রকণ কুলেন্ড্রুড মদুখনের বেলের ভাগবর্ব হানবজন করার ক্রমতা নেই, ভাই ভালের প্রতি কুণাপরবাদ হয়ে মহর্ষি বেদবাস মহাভারত নামক ইতিহাস রাজে করলেন, হাতে ভারা ভাগের কীবনের শরম ইন্দেশ্য লাভে সবর্ষ হতে পারে।"

"ह विकास, यसिक किसि मध्ये अस्याप्त म्यांनीय कलाथ मध्या महाहे इहाकिस्ता, छन्छ छैले हिए मखरे वित्र मा। क्षण्टक खरामक इट्स बेट वि छश्यापार महीत्रहार्थ विहार कलाक छोन कहाला। छिसे वर्गछक् महाह्य कर्यथ्ड किला, छोटे छिसे भाग प्राप्त छाय्छ छार्थास्ता। छटेला तक खरामक छहा सिक्ष्मिकार खामि राम, एकवर्ग तक ख्यासित भूता करति। खानि छीएमा मिहाँ व व्याययकार्य भागम करति। बानि छीएमा ওল পর স্পারাক্রমে শব্দ জান মহাভাবতের মাধ্যমে বিধেবণ করেছি, যাতে ত্রী, শুম এবং জনা সকলে (মিজবছুরা) ধর্মের পথ অবলয়ন করতে পারে। যদিও আমি বৈদিক দর্শনের অভিপ্রেড সমস্ত যোগাফা জন্মন করেছি, তথালি আমার প্রদক্তে জামি অপূর্ণতা অনুতব করছি। আমি যে বিশেষভাবে তগবত্ততি বর্ণনা করিছি, আ ক্রমহংসাদের এবং অচ্যুত পরমেশ্বর ভদবানের অভার প্রিয়, তাই হয়ত আমার এই অসন্তেক্রের করেণ।"

"এইভাবে ব্যাসদেব বর্তন জীর অসভেবের জন। অনুশেচনা কর্রছিলেন তর্তন নারা খুনি সরস্কটী নদীর চীত্রে উল্ল অর্ড্রমে এনে উপস্থিত হলেন। প্রীনরেন মুনির ওভাগমনে প্রীচ্ন রাম্যদেব প্রভা সহকারে উঠে দাঁতিয়ে সৃষ্টিকপ্রা প্রভাবে ক্ষেত্রের সম্পান করা হয়, সেইভাবে ভাবে অভ্যর্তনা কর্তনন।"

* * *

ভাষল পুরাণ

পঞ্চম অধ্যায়

ব্যাসদেবকে শ্রীমন্তাগবত সম্বন্ধে দেবর্ষি নারদের নির্দেশ

সূত পোরাধী কর্মন—"ভবন দেবর্তি (মরণ) সূথে উপবিষ্ট হয়ে সিত্র হেসে পরালয়-পুর ব্যাসদেবকে সংখ্যান করে জিল্লাক্স কর্মসে—ভূমি কি ত্যোমার দেব অথবা মনকে তেমার বরুপ বলে মনে করে সভ্তত্ত হারেছ? সোনার প্রথওলি ছিল পূর্ব এবং ভোমার অপতার কাল্যান হারেছে, আর তুমি বে সমন্ত কৈন্দি নির্দেশ বিশ্বনিতভাবে বিপ্রেবণ করে মহৎ এবং অন্তত্ত মধ্যালয়কৈ সম্পান করেছে কেন্দ্র মধ্যালয়কৈ করে মহৎ এবং অন্তত্ত মধ্যালয়কৈ করে করেছে সম্পান করেছে করে তৎসংগ্রহ জান করেছে পূর্ণারকে উপবাহিত করেছ এবং তৎসংগ্রহ জান করেছে পূর্ণারকে উপবাহিত করেছ এবং তৎসংগ্রহ জান করেছে। তথাপি ছে প্রান্ত, তুনি কোন নির্দেশ্যক অন্তত্যার্থ করেছে। তথাপি ছে প্রান্ত, তুনি কোন নির্দেশ্যক অন্তত্যার্থ বিলো মধ্যে করেছে বির্দাণ্ডান্ত হয়েছে।"

শ্রীক ব্যাস্থান বাংলেন—"তর্গনি আমার সম্বাদ্ধ আ বলেনে আ সম্পূর্ণ সভা, কিছু এ সমস্ত সংগ্রেও আমার সম্বর সম্বন্ধ ইটাই না। ভাই আমি আপনাকে আমার এই অসজাবের মূল কারণ জিজাসা করছি, কেন না কয়ন্ত্রব (রখা) সন্তোন আপনি অসীয় জানের অধিকারী। হৈ প্রভাগ সমস্ত গোপন তার সম্বন্ধ আপনি অবনত, কোন বা আপনি এই জড় জাগতের সৃষ্টিকতা ও আসেকতা এবং কিং জগতের পালনকতা পরমেশত ভাগবানের উপাসনা করেন, মিনি জড় জগতের তিনটি থানের অতীভ। সূর্যের মধ্যে আপনি গ্রিকাশনে সর্বর বিচ্বান জনতে পারেন এবং বাধুর মধ্যে আপনি অনুযামীর মধ্যে সর্বরান্ত। ভাই দরা করে আপনি বুঁছে দেখুন ধর্ম আচরণে এবং ব্রুত পাসনে নিজ্ঞাত থাকা সংস্তৃত আফার অক্সমতা কোওৱা।"

ঠানবৰ মুনি কাংগ্ৰম—"তুমি প্রথমেন্ড ভগবালের মতন্ত্ৰ মহিমাদিত এবং নিৰ্মেণ কাঁতি কথাৰ্থভাবে কাঁতন জন্ম। যে দৰ্শন প্ৰযোগৰ ভগবালের অধাক্ত ইনিয়েত্রগার সম্বাঠি বিধান করে না, হা অর্থহীন। হে মহান কৰি, বহিণ্ড ভূমি ধৰ্ম আদি চতুৰ্বৰ্গ কতাত বিস্তৃতভাবে ধর্ণনা করেছ, কিন্তু চুমি গ্রন্থেকা জনকন ক্সুদেংখন মহিলা বৰ্ণনা কৰ্মন। যে বাৰী কণ্ড श्रीरक्षकाती संगतहत्त्व यांद्रया कांना काड मा, चारक मन পুরুষের। কাকেষের জীর্থ বলে বিংকানা করেন। ভূদবন্ধাৰে নিৰাসকারী পরমহংসরা সেবানে কোন বৰুত আন্দু অনুবাৰ করেন না। পৃত্যাধ্বরে বে সাহিত্য আহুইন প্রমেশন ভগবানের নাম, রূপ, হব, দীলা ইত্যাদির क्लिस पूर्व, का सिक्स अध-करात्र भतिपूर्व तक सपूर्व সৃষ্টি, আ এই কাহতের উদ্ভান্ত জনসাধায়ণের পাণ-পতিস খীবনে এক বিশ্ববেদ্ধ সূচনা করে। এই অপ্রাকৃত সাহিতা यकि निर्देगकार्य ग्रहिष्ठ ताथ रह, चन् का नाः क्या निर्मा क्रिन्न शासूचा अवन करवन, जीन्डन करवन जनर उरन थर्जन। चारश्चनमञ्जूदेह स्थान मेर्न त्रग्रहात जन्न गरमानिकीन रहार स वनि चहार स्थारहामा प्रतिन स्थान स ভাহলে জ অবহান। তেমনই যে সভাৰ কৰা ওয় বেকেই ক্রেশনারক এবং অনিতা, কা যদি প্রদেশর ভগবনের ভতিযুক্ত নেবার উদেশ্যে মহিত না হয় জ श्ल करा कि श्रद्धाका ?"

তি বাদেশৰ, তোমার দৃষ্টি সর্বতোভাবে পূর্ব।
তাই ক্ষান্যবারশের কর বর্ত্তর প্রান্তর প্রান্তর করে সহার্ত্তির।
তাই ক্ষান্যবারশের কর বর্ত্তর মোচল করের কর কুনি
সমাধিনাম হরে প্রমেশন ভগবানের নীলাসমূহ কর্ত্তর
করতে পার। ভগবানকে বাড়া তুরী করে বা কিছু কর্ত্তর
করতে চাঙ, ভা সবই বিভিন্ন তাপ, নার এবং
পরিশামকেশ মানুদের চিউকে উনির এবং উত্তেজিত
করের, ঠিক কেতাবে একটি সাত্ত্যবিহীন নৌকা বাটুর
করের তিত্তি হরে ইতক্তর বিভিন্ন হয়। ক্রমনাংশন
পাথাবিকজাবেই ভোগের প্রতি ক্রমক এবং ধর্মের করে
কৃষি ভাবের কর্তেত ক্রমির প্রবং ক্রিকেক্সের মতের কর্মের
ক্রিকেক্সির। ক্রিকেক্সির ব্রবং ক্রিকেক্সের মতের কর্মের

ছরেছে। তেথার দারা এইভাবে নির্দেশিত হলে ভারা কর্মের নামে প্রবৃধি মার্থে শিগু হবে এবং নিবৃদ্ধি মার্থ মার জনুসরণ করবে নাং

"প্রত্যেশ্বর ভাগার অর্থার। জড় সুবভোগের বাসনা থেকে বিবস্ত, অত্যন্ত বিচক্ষণ ব্যক্তিরাই কেবল এই পারবার্থিক স্তত্তকার উপলব্ধি করার কোন। তাই কারা কড় বিষয়াসন্তির ফলে এই বাবে আনিটিত হতে পারেনি, ত্যেমার মধ্যে মধ্য আনহস্পার ব্যক্তির কঠবা হলে পর্মেশ্য গুগবাদের অফ্রকৃত জীলাবিলানের জাহিনী বলি করার মাধ্যমে আনের প্র-তমর্শন করে। ভগবানের শেষধানি দেখায় যুক্ত হওয়াও জনা বিনি জাগতিক কঠকা পরিতাপ করেছেন, অপক অবহার বনি কেন করেছে ঠার পতনও হয়, তবুও ভার বিঞ্চল ইওয়ার কোন সভাবৰ থাকে মা। পঞ্চাবৰে, অভস্ক যদি সৰ্ববোজাৰে र्जिप्रिकेश वर्ष व्यक्तिक वृक्ष व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति প্রান্ত হর না। যে সমস্ত হানুহ হথাবই বুরিয়ন এবং পারমার্থিক বিবটে উৎসাহী, আন্দে কর্তব্য হক্ষে সেই চাবে বাস্থে উপনীত হওয়ার জন্ম প্রয়াস করা, স্বা এই ব্রজাণের সংগ্রিক কোন্ড (ক্রক্তান্ডে) (খনে ওরু করে স্ট্রিই লোক (পাতাফ জোক) পর্যন্ত হয়ল করেও লাভ कता बात न। देशिएका प्रांशास्त्र शक् रव छक् मून, क्ष কালের প্রভাবে স্বাপনা থেকেই লাভ হর, টিভ যেজন আকাশ্বন্ধ মা করকেও আমান মুঃখডোগ করে বাকি 🖺

শহে হিছে খ্যাস, ভেনা না কোন ভারণে কুনাভার্তের
পতন হলেও তাকে কনাই অনুন্দার মতো (সভার করী
ইত্যাদি) সংসার-তত্তে পতিও হতে হব না, কেন না, বে
বানুক গ্রহনার পর্যোগার ভাগবানের জীপানপারের অনুত
আগানন করেছেন তিনি নিরন্তর ভাগবানের বানে করা
ভালা আর কিছুই করতে পারেন না। পর্যাননার ভাগবান
ভালা আর কিছুই করতে পারেন না। পর্যাননার ভাগবান
ভালা এই বিষ, তথানি তিনি তার অতীত। তার খেকেই
এই প্রশান তথানি তিনি তার অতীত। তার খেকেই
এই প্রশান গ্রহা প্রশাহে পর ঠাব হারাই আ কাম
ভারে ফার্ল ত্রিমান গ্রহা প্রশাহে পর ঠাব হারাই আ কাম
ভারে ফার্ল ত্রিমান কর্মানার ভানতে পর কেন না ক্রম
ভারানের ক্রমানার ভাগবানারে ভানতে পর কেন না ক্রম
ভারানের ক্রমানার ভাগবানারে ভানতে পর কেন না ক্রম
ভারানের ক্রমানার ভাগবানারে ভানতে পর কেন না ক্রম
ভারানের ক্রমানার হারাক সংখ্যাব ক্রমানা ক্রমি ভারানার ক্রমানার হারাক স্থাবির হ

আৰিপ্ত হুকেই। তাই দয়া করে চুমি পরমেশন ভগকন শীক্ষেত্র বিধা দীলাসমূহ অত্যন্ত উল্পুন্নকরে বর্ণন করে। তত্ত্বীয় মুহবিনা কথাকবভাবে সিকাশ্ব করেকেন কে ভগত্ত্বী, কেলাঠ, বলা, মহোকালন এবং বাল আনিয় একমান্ত উদ্দেশ্য হুলেই উন্তম্প্রেক, ক্ষান্ত্রের অপ্রকৃত্ত দীলাবিলাসের কর্মনা করা।"

"(इ यूमिनस, शृर्वकां कामि (यहक कहिएस श्रीकर्वात्रक वश्च सामीत शृरतारण कमाध्यम करतक्षित्रमः । वर्षकां कर हारति मार्ग छैताः वश्चम व्यवस्था कम्बाम कर्मकां करम कामि छैराम रास्ताः मिनुक कियान। पणित छैता किराम मन्नमी, (मेर्ड क्लाक मृतिता छैराम पणित कामि छका कियाम व्यवहि क्लाक मान, निश्च छन्छ। पणित कामि छका कियाम व्यवहि क्लाक मान, निश्च छन्छ। पणित कामि छका कियाम व्यवहि क्लाक मान, निश्च छन्छ। पणित कामि छका कियाम व्यवहि क्लाक मान, निश्च छन्छ। पणायुकार द्वित केमामीतः। छन्नमीत, कामि पृत्यह हिनाम में वरा कामि श्रीकाव्यत्तत्र कठितक कथा कालम मा। व्यवस्था क्लाम धनुपति श्रदम शृर्वक कामि छैराम केलिहे श्रीम करतिकाम वरा काम करण कामि छैराम केलिहे श्रीम एव व्यवस्था स्थान एवंद कामिता क्राम क्राम

িছে ব্যাসকৈৎ, সেবালে সেই কবিতা প্রতিধিন পর্মেশন ভালেন জীকৃত্তের চিত্তাকর্মক কার্যকলাপের ধর্মনা করছেন। গ্রীকের অনুপ্রছে আমি ভা এবন ক্রতাম। এইতাবে নিনিষ্ট ছিছে ভা ধাবন করার কলে र्टीत भएर भारतका क्षेत्रकात प्रतिका स्थाप कार्या क्रि বৃদ্ধি পেতে থাকে। হে মহর্দি, গর্মেশস কলক্তনের প্রতি अहं नार नता वार्ड काचाना यदिय करण पानि हिछ মতিসম্পন্ন হরেছিলার। সেই রাচি বভ বৃদ্ধি পেতে থাকে, ভাতই আমি কৃষতে গামি যে আমান অজ্ঞানতার ফলে আমাৰে এই মূল এবং সৃষ্ধ শতীর প্রহণ করতে ক্ষরছে কেন না ক্ষাবন এবং জীব উভয়ই প্রণজাতীত। क्षेर्काल वर्षा कार महरू—क्ष्रे मृष्टि चञ्चार (महे सहाव व्यवस्थित वाहा बीडिंग्ड नवस्त्रम्थ स्थाराम बीहर्सर बीर्डम শোনাৰ গৌডাগ্য আমাদ ইয়েছিল। গুণৰত্বক্তির প্রতি আমন প্রবৃত্তি কথম প্রবৃত্তির হতে প্রক্র করেছে, ভবন কর अनर एटमाशास्त्र सारतन निर्मतिक सरक **रमन**। सामि

तिहै व्यवस्थित वाछि व्यञ्गास व्यापक स्टार्यकात । आयास स्वस्था किन तथ अवर कैरानत त्या करात करात करान आयास अवस नाम साम स्टार्थका। आयास समस्य कैरानत शिख गरीत व्यक्ष विम। आयि व्यापत मारक रेखित किरान आया व्यक्तिकार अवर आयास त्यास काम करात विमाय। गीनवरमान त्यादे किरान्य व्यापत अवस करान वर्गाविद्यात। काम केरात काम कम्यम क्ष्म करान वर्गाविद्यात। काम कराविद्यात। त्यादे क्ष्मका व्यापत व्यापत क्ष्मित मुक्तिकार अवस्था क्ष्मका क्ष्मित क्षापत क्ष्मित क्षापत क्ष्मित क्ष्मका क्ष्मित क्ष्मका क्ष्म

ৈৰে প্ৰাৰণ, শাহভাৱা বলে গেছেন যে বিভাগ দুংখ নিবামরের সর্বমেন্ট উপায় হচ্ছে প্রমেশ্র ভগ্রম নীকৃক্ষের উক্ষেশ্যে সমক কর্ম সমর্পণ করা। হে ভাগরন-নিষ্ঠ জাগনেত্ বেই মধ্যের প্রভাবে যোগ স্বায়ায়, সেই হৰ্বাই কৰা কৰা ত্ৰৱ বা ঔবধের সঙ্গে রসায়ন-কেশে নিজিও হর, গুখন খা গ্রহণ করার ফলে সেই **उत्तरभाव कि निवृत्ति एह ना** । जनुरक्ता देनशिक्षिक कामा कर्यमन्द मरमात्र-सक्त वा त्यामि-सम्प्रश्व कारण। किन्त त्नरे प्रवक्त कवी क्या शहराच्या क्रमकारमा जिल्लाहमा সমর্গিত হয়, ককা ভা কর্মরাণী কুককে বিনাশ করতে भवर्ष हता। 💐 कीवटन महत्त्वपत्र फलस्ट्रान्त अकृष्टि निवादनत क्षेत्र (व कर्य कडा एवं, कारक कहा श्व ভক্তিযোগ ৰা পালেশৰ ভগবানের প্রতি প্রেরমারী দেবা এবং সৰ বুক্তমৰ আন ভখন ভাৰ কৰীন ভত্তমৰে আপন থেকেই প্রভালিত হয়। ভক্ত বধন লয়মেশ্র **भगवन वीकृतका छैनाम चनुमात का करान, छच्छ** जिने भूतः भूतः क्षेत्रका ७१ ७ नागमुक् कीर्टम कराम अंदर प्रशास करवा ("

শ্রেণ্ডবর্মাণ হে প্রীকৃষ্ণ, জাপনি বাসুদেব, সন্তর্মণ, প্রসূত্রে ও অনিভঙ্ক এই চড়ুর্বাহারকে; আপনাক্ষে মনের ভারা নমভার ও বান করি। এইভাবে বিনি বাসুদেব আন চার মৃতির নামানক মারে ভারা মান্ত্রেক চিনাইরাকী অথক প্রাকৃত কৃতিবহিত বাজেশ্বর্মকে পূজা করেন, তিনিই হঙ্গেল প্রকৃত জানবান।" "ছে ব্রাহ্মণ, পরমেশ্ব ছব্বান শীকৃষ্ণ আনকে ক্ষেত্র জান দান করেন এবং সেওলার অধিয়া আদি দিব্য ঐশ্বর্থ সাল করেন এবং সেওলার প্রতি আমার অলাসজি দর্শন করে তিনি আমাকে প্রেম অধান কর্মেছিলা। তাই দল্ল করে তুনি স্বর্ণাক্তমান ভাষানো ক্ষর্যকলাপের কর্তিনী কন্য কর, যা তুনি ত্যেমার কিশাল

তৈনিক জনে থেকে জানতে পেরেছ। কেন না, তা
জানলৈ মহান কিয়নদের সব কিছু জানা হব এবং সেই
সক্ষে সাধারণ মানুকো বারা নিরক্তর জড়কাগতিক দুঃব
ভোগ করছে, ওংকের দুঃব-দুর্গপার সমাপ্তি হয়। বা হাড়া
দুঃব-নির্তির খার কোন উপার নেই।



शर्क व्यक्ताय

নারদ মুনি এবং ব্যাসদেবের কথোপকথন

স্ত গোষামী কালেন—"হে প্রক্ষণণা, এইভাবে দেবর্বি নারণের কাম এবং কর্ম-বৃহত্তর প্রথম সংক্ষতে প্রবন্ধ করে সভাবতী-তনপ্র ভাগবানের শন্তাবিশ অবভাৱ প্রিয়াসনের জীনারনকে পুনরার ক্ষিত্রানা করেনে—'হে দেবর্বি, আপনার সেই ওহা ভাগবভন্ধকান বিবরে উললেন্দাতা পরিপ্রাক্তরের কাম দুরনেরে বাদন করেনে, তথ্য পূর্ব জীবনের সেই ফাগাবছার আপনি কি করেছিলেন্টে' "

"হে প্রকার পুত্র, আপুনি নীকা প্রহণের পর কিন্তাবে আপনার জীবন অতিবাহিত করেছিলেন এবং আপনার পূর্ব কেছে বধাসমধ্যে ভারুব করার পর কিনাবে আপুনি কই সেহ প্রধা ফাং"

"दर प्रश्नि, वधानभारत कान जब किंदू किंगान करत. ज राज विकारत और विवय-कड कार्यन एस्ट अक्रीवर म रहा ध्वानभारत मृत्तिएक अध्यक्ष केंग्रानकारण विद्याम कारक।"

বীনারল মূনি কালেন—"নেই মর্থের, বাঁর আবাকে পারমার্থিক তত্ত্বজ্ঞান দান করেছিলেন, তাঁরা দুর সেশে গমন করলেন এবং আমি এইভাবে আমার কীবন অতিবাহিত করেছিলায়।"

"আমান হাজ ছিলেন একজন অতি শাধানত শ্রীলোক কাং তিনি ছিলেন দাসী, আনি ছিলান তাঁঃ একমাত্র পুত্র। অতি মুদ্ধা বার করে করা কেনও আতার বিদ না, তাই তিনি আয়াকে তার তেত্বের বছরে আবদ্ধা করে রেখেরিকে। তিনি বথাবেওতারে আয়াকে প্রতিপালন করতে চাইতেন, কিন্ধু বেহেতু তিনি বথার ছিলেন না, তাই তিনি আমার করা কিন্তুই করতে পারতেন না। এই বন্ধাং সর্বজ্ঞেরের প্রফেরর জনবানের নিরম্বণারীন, তাই সকলেই করে হাডের কাঠো পুতুলের মতো। আমার বর্গম বখন মান পাঁচ বছর, তথার আমি রাম্মণারীক বিদ্যালয়ের অব্যান কর্মিশার। আমি আমার মারের সেবের উপন নির্ভর্গনিক ছিলাম এবং আমার সোরের অভিযান্তর বিশ্ব রাং"

"এক সমরে আমার অভাপিনী যা বন্ধ রাভিবেদ্য গো-মোহন করতে ব্যক্তিদেন, তব্দ মহাকালের প্রভাবে তার পারের প্রায় আহত একটি সূর্প তাকে ফলেন করে। সেই গটনাটিকে আমি শুভনবাদ্য শুনহানের বিশেষ কৃপ্য বলে বলে করে উপ্রয় দিকে বারা করি।"

শৃষ্ধতাপ করার পদ আমি বছ সমুখলালী জনপদ,
দান, প্রায়, গোলালা ভূমি, বলি, ক্ষেত্র, উপত্যকা, যাগ্যান,
উপকা এবং কা অভিযান করেছিলায়। জামি খুপ,
রৌগা এবং ভাল আদি যাসুতে পূর্ণ পাহার এবং পর্বত
অভিযান করেছিলায়, এবং সুখার পারাকুলে সুলোভিত,
বিপ্রায় কমর এবং সঙ্গীতমুখর পাধিনের হারা অনুষ্ঠ

ৰংগতি ব্যৱসায়ের উপায়ক্ত কলাশয় এবং স্থাসভূমি। অতার গরীয়ে ও ক্রতিমধ্য করে আমার অন্তরের বেন্দা অভিক্রম করেছিলাম। তাবপর আফি নগ, বাশ, শর, কুল, সাহাওকা ইত্যাদিকে পূর্ণ কাতান্ত দুর্গায় কারণ্যানী। এডারী অতিক্রম করেছিলার। আহি ভুরুরর क्षक्रकाराष्ट्रक विभागन्त्रम् यदनक्ष ग्राट्य निर्द्ध निर्द्धान्त्रयञ्ज ষা ছিল সর্গ, পেচক এবং লুগাল্ডের বিচরণজ্জের। এইজাবে লম্প করে আমি দৈছিক একং স্থানসিক উভয় দিক দিয়েই পরিবাত হয়ে পড়েছিলাম, এক আমি ভ্রঞার্চ च कुषाउँ स्टातिसाध। छचन नवीराङ अयर हरन सान করে এবং দেখানকায় আল পান করে ও শপ্স করে मार्थि पासार काकि मृत करत्रिकाश। करत्रनु জনমনব্দুনা এক অরণ্যে একটি অখুখ বৃহত্তর নিচে উপ্ৰেশন করে আমি আমার বৃদ্ধি করা মৃক্ত পুরুষদের কাছ খেকে ক্লিক বেজাৰে প্ৰথম কৰেছিলাম, সেই বৰ্ণনা অনুসারে আনত্র অন্তরের অন্তরেরে বিরাজমান পরবান্তর বালি করতে ওক করেছিলার। আহি করে আমার করে। পরমেশ্ব ভগবানের চরণাধবিন্দের ধ্যান করতে ৬ক করেছিল্মে, ভালে আমার ভিত্তে এক প্রপ্রাকৃত ভাবের অভিবেই পরবেক্স ভগতন শ্রীহনি, আমার ক্রমক্সবলে আহিণ্ডত হরেছিলেন ("

े (६ बानरमद, रन्दे मधा अवन कामरमत चन्द्रविट्य অভিভূত করে পঞ্জর কলে আমার কেন্দের প্রতিটি ঋষ্-প্ৰভাৱ পূৰ্বতিত হলেছিল। আনন্দের সমুদ্ধে নিবর হয়ে। আমি সেই মুবূর্তে ভগবানকে এক নিক্তেকও মর্লন করতে পাধছিলকে না। ভগবানের অধাকৃত ক্লাপ ঘ্যাব্যভাবে মনের বাসনা পূর্ণ করে এখা সব রক্তমের মান্ত্ৰিক বৈহার মূহ করে। টার কেই দ্বাপ মূর্পন করতে না পেরে, অভান্ন প্রির বস্তু হারালে মানুম বেচাবে কিলিত হরে পড়ে, সেইভাবে কিলিত হরে আমি হঠাং উঠে গাঁডিকেভিলান। আমি ভদবানের সেই অগ্রাকৃত রূপ সংখ্যার দর্শন করতে চেরেছিলম, বিশ্ব ওাঁকে পুনবার দর্শন কালার আপার একার চিত্রে ক্রমান্তাভারে কনি করেয় চেষ্টা করা সংস্কৃত প্রক্রিক আমি আরু দেবতে পাইদি প্রবং এইস্তাৰ অস্থ হয়ে আৰি অন্তৰ লোগানুৱ হয়ে পদ্ভবিষয়ন। সেই নির্মন স্থানে আনার প্রান্তেই দর্শন করে। সমস্থ আৰু কৰিলা অতাঁত যে পালেকার ভাগবান, তিনি

উপ্দাম করার জন্য কলদেন, 'হে নারক, এই জীলনে হানি আর আনাকে দর্শন করতে গাঁওবে না। বাদেব ক্রেন পূৰ্ব হয়নি এবং যাত্ৰা সৰ রক্ষা হাড় কলুৰ থেকে সম্পূর্ণকাপে মুক্ত হাতে পারেনি, ভাষা আমাকে কার্যাচন দর্শন করতে পারে। হে নিজ্ঞান, তুমি কেবল একবর মাত্র আমার প্রশা দর্শন করেছ এবং আ কেবল আহাব প্রতি ভোষার আগতি বৃদ্ধি করার কনা; কেনর ভূমি যতই আমাকে লাভ করার মধ্য লাগারিত হবে, ভতই ত্মি সমস্ত জন্ত ক্ষেনা-বাসনা কেনে মুক্ত হবে। অৱকানের জনাও ইবি ভগবন্ধত সাধু-সেক করা হয় তা হলে আমার প্রতি সুদুচ মতি উৎপন্ন হয়। তার কলে মে বুংখনায়ক এই ছড় ক্ষরৎ জ্যাল করার পর আমার অস্তাক্ত থামে আমার প্রেক্ত লাভ করে। জানার মেবার নিবম্ব বৃদ্ধি কখনই প্রতিহাত হতে পারে না। স্টির সময় এফা কি প্রশক্তের সময়েও আহার কুপার তোদার স্থাতি আগতিহত কারবে।' "

"ভাৰপৰ সেই পধাৰ দিখা, বিনি শতেৰ দাৱা टेन्ड इर्राइल, **वादर रन्**यत **चक्का**रिंट इर्राईल कर: अशनित क्यर एक्न दाता कान्य, **नित्र भरम कड़**ड, छैन বালী শেষ করলেন। গভীয় কৃতজ্ঞজ ক্ষাত্তৰ করে করে নত মন্তবে ভাঁকে আমার প্রথতি নিকেনে করেছিলাম। এইডাৰে সৰ মুক্তম সামাজিক দৌলিকতা উল্লেখ্য করে चान्य चनवारमा मिचा नाम वाक्स ग्रहिया निवसन कीर्टन করতে ওর করি। ভগবানের অংগকৃত লীলা এইভাবে কীর্তন এবং স্বরণ অভান্ত রঙ্গজনত। এইভাবে ভাৰদেনৰ মহিলা কীৰ্তন খনতে কলতে আমি সৰ্বভোজাৰে ত্ব হয়ে জড়াৰ ভিনীত এবং নিৰ্মণন চিবে সমস্ত পৃথিবী পর্যাত করতে থাকি।"

"হে ব্ৰহ্মণ ব্ৰঃদৰে, আমি মধন শ্ৰীকৃষ্ণের চিত্তক সন্পূর্ণরংগ কর হয়েছিলার, তথ্ন আনর আর কোন আস্কি ছিল না। স্ব রক্ষের আড় কঞ্ছ খেকে সম্প্রাংগ সুক্ত হয়ে জানার মৃত্যু হয়েছিল, রিক বেভাবে তড়িং এবং আলোক বুৰণংভাবে দেখা বার।"

⁴পর্মেশ্বর জনবানের সাম করার উপস্তুত একটি চিন্দা শরীর লাভ করে আমি পঞ্চতেতিক কেটে তাগ করি এবং ভার কলে আবার গমন্ত কর্মতন নিগত হা।। কলাতে কৰু প্রমেশ্বর ভগবাদ নারাবণ কারণ বারিতে

শংল করজেন, ক্রমার কথন সৃষ্টির সমস্ত উপারনেওলি লৈয়ে তীর মধ্যে *প্রবেদ্ধ করার*ক, এক আমিও তথন তীর निर्धारमध्ये प्राप्तास्य केल मत्या करून कर्दाक्रमान् ।"

'৪৬০,০০,০০,০০০ সৌর বংসরের পর ব্রহ্মা হথন জ্বলায়াচার উচ্চা অনুসর্বাচ্চ পুনরার সৃষ্টি করের জন্ম মর্নাচিত্র অভিযা, অতি অৰ্লি অধিদের জীৱ দিবা ক্ষেত্ৰ থেকে সৃষ্টি করেন, ডক্স উানের সলে আমিও আবিউড ব্যারিলাম। তথ্য থেকে মর্বলভিমান বিফার কুলার আমি অপ্রাকৃত क्षारक क्षम कर क्षारका क्षित्रक वर्धारहरूलाव সর্বহ বরণ করত। কেন লা কর্মে নিরপ্তর তপকলের প্রেম্মরী সেকার প্রায়ত ইতেছি। এইভাবে কামি लहरूमध्य फलवान कीकृषा कर्डक शल्द और वैस्त गाँउएउ স্বাহ্যক বিভূমিত ভগরনের মহিমা নির্ভঃ কীর্তন কবি . হখনই আমি পর্যোশ্য ভল্যান ক্রিক্ডের মত্যন্ত ক্রডিমধ্য ক্রিয়া এবং কর্মকলাল ক্রার্ডন করতে এক করি, তৎকলাৎ তিনি আমার হানত আসতে আতির্ভুত হন, ्यम काराय करके करने विभि करने *चार्मन*। चाहि বান্তিগত অভিয়ত্তার মাধ্যমে মেগেছি যে বারা কর্ববাই ইনিয়ের হার বিধান্তাগৃথবাসনাম আড়া, ভারা এক ছতি

উপযুক্ত নৌকার করে ভর্মসন্থ পার হতে পারে—তা **্রেজ নিমন্তঃ পর্যমেশ্বর ভগবানের অপ্রাক্ত মহিমা কীঠ**ন ख्या। व्याप-ध्रमाकेन भागा डेन्डिय मध्यपट व्यन्नेम्परस्य মাধানে কাম এবং লোৱের ইভাব ধেকে মৃত ইওয়া বেতে পারে, কিন্তু আন্থান আন্তাতবীপ পবিভারির কন্য স্থা যথেষ্ট নত, এট পশিত্যির কেবল প্রদেশ্বর ভাগবানের ভতিত্ত দেবার মাধ্যমেই লাভ করা যায়ে।"

"হে বাসেখের, তথি নিজ্ঞাপ। তাই টোরার প্রায় অনুসারে আমি আমার করা এবং কার্যক্রের কথ **एटावारक वक्काव। छा एटाव्यव महर्शिक्यानक महाराक 103** /*

সূত গোকামী কোনো--"এইভাবে বাসবী-সূত कामायदरक मिर्फिन बिद्ध केंग्र बातन मुनि केन्न कान् থেকে বিসায় নিলেন এবং ঠার বীশা ফলাতে বাজাতে তিনি উল ইফাটেয়ে বিচরণ করর জন্য শেশন থেকে ध्रप्रशं करातमः। द्वीत भारत भनित्र मारुका कर्परक হোড়া ধোন না ভিনি পরবেশর ভাগবালের মহিয়া কাঁঠন करतम, अवर का करते हिनि फारूप खाशासन करतर अवर मृश्य-वर्णनाक्षिके कार्यक्ष चार्यक बार्य कार्यक ।"



সপ্তম অধ্যায়

দ্রোপপুত্র দণ্ডিত

ोमक वरि क्रिकाम कहालम—"(१ मृष्ठ शहरामी, অভ্যন্ত, মহৎ এক দিবা হুগণালার ব্যাসনের ছীনারলয়নির কাছ থেকে সৰ ভিছ কনেছিলন। সুভয়াং নাঞ্চ মুনি চলে যাওয়ার পা ব্যাস্থানে বি কর্জেন?"

রীস্ত গোস্বাসী কালেন—"বেদের সঙ্গে ভতি অন্তর্গভাবে সম্পর্কিত সংঘতী মনীয় পশ্চিম তটে অবিদের চিপ্তর ভার্যকলাপের ব্যক্তে বর্ধনকারী সম্মান্তাস नामक क्राप्त क्यारि चाराम चाटा। त्यरे क्राप्त, क्रीम ব্যাস্টেব বলবী ৰক্ষ পরিবৃত জান্ত আন্তমে উপবেশন করদেন এবং জন স্পর্ণ করে হার চিত্তকে পাঁহর করত্ত মান্য খ্যানত হলেন। এই হাবে গ্ৰান্ত খনতে একল করে লড় কল্ব খেকে সর্বভাগ্রেভাবে মৃত হতে তিনি বৰম পূর্বজনে ভাতিবোরে যুক্ত হার্টেরেন, ভাতা তিনি প্ৰমেশ্বৰ ভগধানকৈ ঠাব মাহাদক্তি সহ ছবন করেছিলেন, যে যায়। পূর্ণকাপে তার কণীতত ছিল। এই ব্যব্যসা শান্তর প্রভাবে জীব জন্ম প্রকৃতির তিনটি ভারে অতীত হওৱা সংস্থা নিবেকে সভা প্ৰকৃতি সম্ভাত বলে যনে করে এবং তার কলে জন্ত জগ্যন্তর দংখ ভোগ सदा। बीट्स सार्विक गून-पूर्वना, या श्राम छात्र कार्ड सार्व, किल्प्स्याप्त श्रामात्र श्राहित्य कार्ड क्रिन्म एतः। किस माधात्र श्राप्त स्व सार्व मा, अवर छारे मेशस्यनी बाम्याप्त अध्यास्त स्वारित और माझ मर्गाह माधाय सर्वाह्म। क्ष्मण्या देविक माझ क्ष्मण करात्र भाषात्म मात्र पूक्त स्वित्रका क्षण कित व्यव करात्र भाषात्म मात्र (पाक, स्वार अवर कर्ड व्यवस्था स्वार्थ क्षा) सीमहावयक वहना करात्र भार स्वार्थ क्षा क्षा क्ष्मण मून्वित्र पूर्व का मरास्थान करान अवर क्ष्म कीर पूज सीस्वाह पाक सामार्थिक सिक्त क्षा करान, विभि हेलिम्स्याह निवित सार्व निवल क्षित्मम।"

56

ইশৌনৰ সৃত খোষাবীৰে জিজালা কর্ণেন— "ইক্কেনেৰ খেষামী ইভিমধ্যেই নিবৃত্তি মূর্সে নিরত হিলেন কম ভার কলে তিনি হিলেন আন্মান্তম ৷ ভা হলে ক্লে ভাকে এই লিখাল সাহিত্য অধ্যয়ন ক্ষায় কট্ট বীকার ক্ষান্তে হরেছিল।"

নীস্ত গোষানী কললেন—"সমন্ত ভাষাবানেরের, বিশেষ করে বারা নিবৃত্তি হার্লে নিরত, সধ করেরে কর্ বন্ধা থেকে হুক হওয়া সভ্তেও প্রথমেবার ভগগানের ভাষাকের বিশ্ব ভাষাকের ভাষাকের বিশ্ব ভাষাকের ভাষাকের বিশ্ব ভাষাকের ভাষাকের ভাষাকের ভাষাকের ভাষাকের ভাষাকের বিশ্ব ভাষাকের ভাষাকের বাজাকের বিশ্ব ভাষাকের স্থানের বাজাকের বাজ

ঁকীরব এবং পাণ্ডৰ উভয় পক্ষের বীবেরা ভ্রম কুকক্ষেত্রত রুপারণে হও হরে উদ্দের পান্তবাহুল প্রাপ্ত হল এবং বন্ধন ভীয়ের ধ্যাবাতে ভ্রম উক্ত মৃত্যায়ুপুত্র পোন্ধ করেও করতে ধ্যাবারী হয়, ভ্রমন প্রোপাচার্যের পুত্র (অবসামা) প্রোপানীর পভাপুত্রকে নিরিত অবস্থায় মতার করে ভালের বন্ধক ভার প্রভুকে পুনকার্যকালে দান করে। মুর্বের রতো সে যান করেছিল বে ভার করে

পূর্বোধন প্রসম হবে। দুর্বোধন কিছ তার এই পর্বিত কর্ম অনুযোগন করেনি এবং সে ভাতে মোটেই প্রীত হয়নি। পাতবলের পাঁচ প্রের জননী শ্রৌপদী তাঁর পুরুদের মুক্ত भरवार अंशर काञ्च धाळाशूर्व महात धाकुमाधारे उत्पन्न করতে থাকো। কর গভীর শোষ্ঠ শান্ত করার চেষ্টার অর্থন ঠাকে কালেন, 'টে কয়ে, আমার গাতীবের জেকে নিভিন্ন তীর দিয়ে তোমার প্রাদের হত্যাকারীর মন্তর দ্রেমন করে আমি ভোমাকে তা উপইয়ে দেব। ভক্তা আৰি ভোষৰ চোখের মূল মৃছিরে দেব একং আনি ভোমাকে সাজনা দেব। ভারপর, ভোমার প্রদের স্তবেদ ক্ৰেন্স কলে তমি তার মাধার উপর গাঁডিয়ে হল করো পর্যাব, বাঁকে পরমেশর ভাগরন শ্রীমচ্যুত সৰা এক সামাধিকশে সৰ্ববা পৰিচালিত করেন, তিনি 📸 ধরনের ব্যক্তের ভারা শ্রৌপদীকে স্থানের দিশেন। ভারনার ভয়ঙ্গা অনুস্থারের দারা সন্দিত হরে রূপে চতে ভিনি ঠার অন্তর্গকর পুর অর্থখামার প্রক্রারণ কর্তেন। রাজগুরনের হত্যাকারী অপাধায়া বৃদ্ধ থেকে অর্জুনকে হুছত প্রতিকে ভার দিকে আসতে দেখে অভার ক্রীড एक भारत कीवन संभाग समा ग्राप भारत नामास करत. টিক বেভাবে ব্ৰহ্ম ক্ষেত্ৰের ভয়ে পদায়ৰ ভবেছিলেন। বিৰুপুৰ (অৰুপ্ৰয়া) কৰম গেখল বে কাৰ অৰ্ণকলি ক্লান্ত হরে পরেছে, তথন সে বিকোনে করণ বে ব্রক্তালির নামক (পরসাদন্দিক আত্র) চবম আরু ব্যবহার করা প্রভান তরে আত্তরকা স্করার আর কোনও উপায় নেই। ভার জীবন विश्व देशसा करण हा क्षण व्यक्तिक चारुमा करन ব্ৰক্লিৰ আৰু প্ৰয়োগ করার খন্য একাশ চিত্তে আ উচ্চাপন করন, বনিও সে জনত বা কিভাবে সেই অপ্রতিকে সংকরণ করা বাব। তারা করে এক প্রচও তেজনালি স্বনিকে ছড়িয়ে গড়ল। খ্যা এব প্রচণ্ড ছিল বে অর্জুন মনে কর্মেছদেন নে তার জীবন বিলয় এবং ভবন তিনি শ্রীকৃষকে সম্বোধন করে নগলেন, 'হে কৃষ্ণ, ত্রি হল সর্বশক্তিমান প্রমেশর ভগবান। ভোষার নিভিন্ন শক্তির কোন সীমা নেই। তাই ভূমি তোমনা ভাভব্যের হালতে অভার খান কয়তে পার আভ জগতের যুক্ত-দুর্বলার তালে সন্ধ সকলেরই মুক্তির পথ হছে ভূমি। তুমিই হচ্ছ সেই আমি পুরুষ ভগবান বিমি সৃষ্টির সর্বন নিজেকে বিস্তার করেছেন এবং যিনি হতেনে মারাশতির

হতীত। তুনি জোনায় চিং শক্তির প্রকাশে জড়া প্রকৃতির প্রভাব প্রতিহত করেছ। তুনি সর্বলাই চিকার জান এবং আন্তর্গ অধিচিত। বিশিক চুনি এই জড়া প্রকৃতির অতীত, ভবুও বন্ধ জীবের পরম সকল সাধানের জনা ভূমি চতুর্বর্গনি জনুষ্ঠান করে মানুবকে মৃতির পথ প্রকশি কর। এইভালে জু-ভার হরণ করার জন্ম এবং ভোনার কথা ক্ষাণের ও ভোনার অনন্য ভাতবের নিয়ন্তর ভোনার কথা ক্ষাণ করাবার জন্য তুনি অন্তর্গে কর। হে কেবলাকো দেবতা, এই ভয়মার ভেলা কিভাবে সর্বন্ন বিস্তুত হাজে। তা ভাগেছে কোলা থেকে। অনি ভা মুন্ততে গারহি না। "

পরমেশর ভগবান বলদেন—"এটি ফ্রোপ্রের কর্ম।
বলিও লে সেই অন্ধ সংবরণ করার উপার ভারে না,
তকুও লে এই ফ্রেপ্রের অস্ত্র নিজেল করেছে। সে ভার
ভারাম মৃত্যুভরে ভীত হরে এই কাল করেছে। হে
অর্কুন, আর একটি ফ্রেপ্রের অস্ত্র প্ররোধ্যের হরেই কেলা
এই আন্তর্ম প্রভাব প্রতিহত করা হাবে। ভূমি হল্ছ
অপ্রবিশারদ, ফ্রেমর নিজের অন্তর্ম থারা ভূমি এই
অপ্রের ভেলা প্রতিহত করা।"

ইনিত গোড়ামী কালেন—"প্ৰমেশ্বা কল্মানের শ্বন্ বেকে সে কথা তনে অর্থন পবিত্র হতরার জনা স্কল ব্দার্শ করে আচমন করতের এবং ভারণর পরতেশর ভগরান মীকৃষ্ণকে প্রদক্ষিণ করে তিনি ব্রহাণির খাস্ত্রকে প্রতিহত করার জন্য তার রক্ষণির তার প্রয়োগ করলেন। নেই দুটি ব্ৰহ্মশির অন্তের তেলপুরের সংখ্যাব্র কলে সূৰ্বমন্তকের মতো এক প্ৰকাশ্ব অন্তিলিক মডোমণ্ডল একং সমস্ক প্রহণেদি আঞ্চাদিত করেছিল। ব্রিভয়নের সমস্ত অধিবাসীরা সেই অন্ত দুটির সংখ্যরে আওনের তাপ অনুভৰ করে প্রদায়কালীন সংবর্জন অন্তর্ভার কথা ভারতে লাগলেন। এইভাবে জনসাধান্তশকে উপভ্ৰুত যেখে একং থ্যসমূহের অবল্যতারী ধ্বনে আশকা করে অর্থন তংকলাৎ ভগবান প্রীক্ষেদ ইছো অনুসারে সেই দুটি वक्तित प्राप्तकोरे छश्कमा । जरवान चरायान । वार्ज्य, ্রেল্যাে খার সেব দৃটি আছ-প্রেলকের মধ্যে রক্তিম হরে উঠেছিল, কিগুভাবে গৌভসীর পরকে শ্রেপ্তার করে একটি পাতর মতো দক্তি নিয়ে বেঁবে কেলালেন।"

"অবাধায়াকে রজানত্ত করনে পর অর্থন ভাকে নিবিরে নিরে থেতে ভেয়েছিলেন। পরয়েশের ভাগমন শ্রীকৃষ্ণ एका एश गर्या प्रस्ता भूका एका काम करा वृष्टिकार करते क्रक छक्षि सार्थ वालिएका, 'दह भार्थ, दर कामचारा नित्रभवाय, निवृष्ट निरुद्धार वालिएका रहा कराइ, वालिएका वालिएका वालिएका वालिएका कराइ, वालिएका कराइ, वालिएका कराइ, वालिएका कराइ, वालिएका छाउँ निरुद्धार कराई, वालिएका कराई, वालिएका कराई, वालिएका वालिएका कराई काम कराई का

সূত গোগোমী কালেন—"এইভাবে অর্জুনের ধর্মনিষ্ঠা পরীক্ষা করতে করতে জীকৃষ্ণ বাধিও তাকে উর্লেজ্য কর্মেলেন, তবুও বহাবা আর্থন তার ফরে তেও প্রহার হলেও ওয়ণার করণামাকে ইড্যা ক্ষাতে চাইলেন মা। ভারণার শ্রীকৃষ্ণকে বিনি স্থা ও সার্থিসাংগ খ্রুণ करविहासन, रहरे वार्चन निक भिविद्ध डिमप्टिड शहर নিহত পুরুশাকরতা পর্ত্তী টোপদীর করে অপসমাতে সমর্পণ করলেন। পাতর মতো রক্ষাবদ্ধ এবং অস্ট্রের জাবনা কর্বে করার ফলে আধ্যেকান একং যৌন ওপ্রপৃত্তকে শর্পন করে মতান্ত লোভন-চরিতা রোপনী মনর চিত্রে ব্যবে তাকে প্রশাম করকো। এইভাবে অবধামাকে বৃষ্ণুবন্ধ অবস্থার দেখে সাধারী ট্রেনিলী সমগ্রনে কলে डिअरमन----क्री रेकन (शंडन करें) क्या रेकन (शंडन करें) কেন বা ব্ৰাহ্মণ দ্ব সুমুহুই আহোত্ৰত প্ৰাৰ্থ প্রোণাচার্যের কুপার প্রভারেই আগনি গোপনীয় মন্ত্র সহ धनुर्दिगास अंदर अस्तर्भ ७ देननस्थास स्टॉन्ट्स उन्ह उदस् ক্ষরে শিক্ষালার করেছেন। পুরুনীর ফ্রোলচার্য চার পুরু এই সম্বাদ্যারাপেট বিস্তান। তার কর্মান্তনী কলীও सीविष कारका, तका वा बीत नह अपदिनी बरण दिनि তার মৃত গতিও সহস্তা হননি। হে ধর্মবৈষ, হে মহাযশবী। সর্বল জাপনাদের পূক্তা এবং কানীর ওরপুন ক্ষে দাৰ্থপ্ৰাপ্ত না হল। আমি মেন প্রহার হার অপ্রপৃথ এরনে নিরন্তর রোগন করছি, এই অথবামার মাতা পতিরন্তা গৌতমী কেন সেতাবে রোগন না করেন। অস্বেতমনা কে সমস্ত করিম রাজগকুলের ক্রোথ করেন, সেই কুন্দ রুমাকৃল সেই করিয় কংগকে সপরিবারে গোকে নিয়ক্ষিত করে গাঁছ নাই করে।"

সূত গোষায়ী বদলেন—"হে ব্রাহ্মণনগণ! বর্মপুরা
ঘূরিন্তির ধর্মনীতি অনুসারে উক্ত রাপীর সেই ন্যারসকত
মহৎ সকলপ এবং সমতাপুর্ণ উক্তি সমর্থন করেছিলেন।
মহারাক্ত যুবিনিরের কনিও ইফ্রান্তা নকুল ও সহদেব এবং
সাতাকি, অজুন, পর্যোক্ত ওসবান দেবকীপুর শ্রীকৃষ্ণ
এবং জন্যান্য সমস্ত মহিলার সকলেই মহারাজের স্থা একমত হলেন। তীম বিত্র তাদের সলে একমত হতে
গারালেন না। তিনি মুক্তার প্রভাব করালেন, যে জন্মা সুর্বান্ত নিক্তিক শিশুমের ক্ষারেক হত্যা করেছে, ডাকে বধ্ব করাই উন্তিক।"

পর্মেশ্বর ভগবান ক্রাক তীম, দৌপদী এবং আনানাদের কথা তনে তার বন্ধু অর্জনের মুখমতল দর্শন করতেন এবং মৃদু হোলা বলতে ওক করতেন— "এক্সবন্ধুকে হত্যা করা টেডিত নয়, কিন্তু সে বমি আততাধী হয়, তা হলে ভাকে অবশাই হতা। করতে হবে। এই সমস্ত নির্দেশ শাস্ত্রে রয়েছে এবং তোমার কর্তব্য হচ্ছে সেই নির্দেশ অনুসারে আচরণ করা। ভোমার প্রিয় পত্নীর কাছে ভোমার প্রতিজ্ঞাও ভোমাকে রক্ষা করতে হবে এবং ভোমাকে ভীমসেন এবং হয়ে।র সম্ভারিবিধানের আনা আচকর করতে হবে।"

শ্রীসৃত গোঝারী কালেন—"ঠিক সেই সমরে অর্জ্বন
ভগবানের নির্দেশ হলরজয় করলেন একং গ্রার ভরবারির
বারা তিনি অবধানার মন্তকের কেশরাশি একং মণি জেনন
করলেন। শিশু হত্যা করার কলে অবধানার গেহের
দীর্য়ে ইতিমধাই হারিরে গিরেছিল, এবং এখন ভার
মন্তকের মণি কেটে নেওয়ার ফলে সে সম্পূর্ণভাবে
ভেকহীন হরে গড়ল। এই অবস্থার তাকে বছনরুত
করে শিবির থেকে বার করে সেওয়া হল। মন্তক মুওস
করা, সম্পন্ন থেকে বার্মিত করা এবং নাসম্থান থেকে
বাহিমার করে মেওয়া হচ্ছে রাশ্ববদ্ধর উপযুক্ত শান্তি।
দৈহিকভাবে ভাকে হত্যা করার নির্দেশ নেই। ভারপর
পাশুবেরা এবং টোগদী শোকার্ড চিন্তে তাকের মৃত্ত
আর্থীরদের সংকার জনুন্তান সম্পাদন ম্বরেছিলেন।"



অন্তম অধ্যায়

কুন্তীকেরীর প্রার্থনা এবং পরীক্ষিতের প্রাণরক্ষা

সূত গোখারী বললে তারণর পরলোকগত আবাহ-বজনতে উজেপে কল অর্থণ করার মানসে পাতকো টোপনিলহ পজাতার গ্রুম করলেন। মহিলালা অপ্রভাগে ব্যক্তিলেন। তার্বার জনা বিলাপ করে তারণ করেনেন এবং প্রায় প্রান্ধ করিনেন, কেনা সেই জক কর্মেন্সকের শ্রীপাদগণ্ডের থালকো মিশ্রিত হয়ে পরিন্তার লাভ করেছে। সেখানে তৌরক-স্পতি মহারাজ ব্যক্তিক উর অনুজ লাভ্রন্থ এবং ধ্রার স্থিতী ও টোপনিরহ শোকাভিত্ত হয়ে

বসেছিলেন। ওপবান শ্রীকৃষ্ণও সেধানে ছিলেন।
সর্বশক্তিয়ানের দুর্বার বিধি-নির্মানি এবং জীবের উপরে
শেওলির প্রতিফ্রিয়ার কথা উল্লেখ করে পর্যেশর ওগবান
শ্রীকৃষ্ণ এবং উপস্থিত মুনিরণ আর্ড ও শোকাভিত্ত
সকলকেই সান্ধনা দিতে লাগলেন। ধূর্ত-নুর্যোধন এবং তার
ধলকল জ্বভাত শক্ত সহারাজ বুধিভিত্তের বাজা
কপটতাপ্রবা জলহরণ করেছিল। পর্যেশরের কৃপরে
তার পুনক্তার কর্মে সুসম্পন্ন হরেছিল এবং মুর্যোধনের
সাথে ধে সমস্ত তাসং রাজারা বোগ দিরেছিল, তাদেরও

পর্মেশন ব্য কর্মেন্ত্রনা। রাণী শ্রৌপদীর কেলাকর্মণ করার কলে যাদের আয়ু কর ইরেছিল, ভানেরও মৃত্যু ইরেছিল। পর্মেশর জনদান শ্রীকৃষ্ণ মহারাক্ষ খুনিউরের ভারাবানে ভিনাট সুসম্পন্ন অধ্যেধ হল্প জনুষ্ঠানের উদ্যোপ করিয়েছিলেন এবং ভার মাধ্যমেই শত বল অনুষ্ঠানকারী ইল্পের মতের যুর্গিউর মহাধানের ধর্ম-বাজি সর্বাদকে মহিমানিত করে ভূলতে প্রণোধিত করেছিলেন। পর্মেশর জনবান শ্রীকৃষ্ণ ভারন প্রস্থানের জনা প্রভাত ইয়েছিলেন। শ্রীক ব্যাসন্মের্মুখ ব্রাহ্মণগণ কর্তৃক পুজিত ইয়ে তিনি সাভাবি ও উদ্ধবসই পাত্রবদের আমন্ত্রণ জানিরেছিলেন। জানের দ্বারা পুজিত হয়ে ভগবনও ভালের প্রতি পূজা করলেন। যে মৃত্তুর্তে তিনি রথে আরোহণ করে প্রনান্যত ইয়েছেন, সেই সমন্ন তিনি মেন্ত্রেরণ আসন্তের। ভারে ব্যাকৃল হয়ে জার নিক্ষে

উত্তরা বললেন, "হে দেবতাদের দেবতা, হে
আগনীরব, হে মহাবোগী। আমাকে রক্ষা করনা, করেব
ক্রেডার সমষ্টিত এই জগতে আপনি ক্যুড়া আয় কেউ
আয়াকে গুড়ার করাল প্রান থেকে রক্ষা করতে পারতে
না। হে পরনেধর, আপনি সর্বশক্তিমান। একটি ক্লাড
লোহবাৰ আয়ার প্রতি ভ্রুডগতিতে বাবিত হক্ষে। হে
নাথ, খবি অপনার ইক্ষা হব তাহলে এটি আয়াকে লঙ্ক
করেব, কিছু এটি খেন আমার গর্ডাহ্ সন্তানটিকে লঙ্ক না
করে। যে পরমেধার, আমাকে এই কুপা কর্মন।"

সূত্র গোহারী কলকোন—"তাঁর কথা থৈর্ব সহকারে ক্রবণ করে ভড়বংসল পর্যোশর ভগবান ভংকণাং কুরারে পারেলের বে রোলাচার্টের পুত্র অথখারা গাতের বংশের পের বংশধরটিকে বিনষ্ট করার জনা রুজার নিজেল করেছে। যে মুনিবের্র (শৌনক), গাওবেরা ভখন জলর রজার তাঁদের অভিযুবে আসতে মেথে তাঁদের পাঁচটি নিজ নিজ জর তুকে নিজেন। সর্বলভিয়ান পর্যা পুরুষ ভগবান রীকৃষ্ণ যথন দেখলেন যে নর্বভোতারে তারে পরশাসত জননা ভঙ্গদের মহা বিপদ্ধ উপস্থিত হরেছে, ভখন ভিনি তাঁদের রক্ষা করার জন্য আপন জরা সুমর্শন চক্র ধারণ করারের ক্রাণ্ডা করার বিশ্বম করারের ক্রিয়ার বিশ্বম করারের বিশ্বম করার ক্রিয়ার করার করার ক্রাণ্ডা করার বিশ্বম করার ক্রাণ্ডা করার বিশ্বম করারের ক্রিয়ার করার ক্রিয়ার করার ক্রাণ্ডারারের বিরক্তি করেলে। তাই কুকবলে রক্ষা করার

প্রমান তাব যোগমায়ার দারা তিনি ইতরার গর্ভ আবৃত করালেন। ছে শৌনক, বদিও অধনায় কর্তৃক নিকিন্তু এক্ষান্ত্র ছিল অবার্থ এবং অনিবার্থ, তথাপি শ্রীবিষ্ণুর (শ্রীকৃষ্ণের) ডেক্সের দারা প্রতিক্রম্ভ ইওয়াতে তা সম্পূর্ণকাপে নিস্তির এবং বার্থ হল। হে প্রাক্তনপদ, বে অস্পর্যমন ও অন্যুত পর্যমেশ্বর ভাগরান তার মারানাজির হারা এই অভ্ ক্রমতের সৃষ্টি করেন, গানান করেন ও ধ্যমেন করেন এবং বিনি প্রাকৃত জন্মরহিত, তার প্রেক্ এই রক্ষান্ত্র প্রশাসন-কার্য বিশেষ বিশ্বয়ন্তর বলে মনে কর্বনে না। এইভাবে প্রকারের ডেক্স থেকে মৃত্ত হরে কৃষণ্ডক সাধানী কৃত্তী উল্লে পক্ষণুর এবং শ্রৌপদীসহ এক্যোগে শ্রীকৃষ্ণের কর করতে সাগলেন। শ্রীকৃষ্ণ ভগন বারকার অভিমুক্তি প্রশোল্যক হলেন।"

ই্রামতী কুর্তাদেবী বললেন—"হে কৃষ্ণ, আমি ভোমাকে আমান সভ্ৰছ প্ৰদণ্ডি নিকোম করি। কাবশ ভূমি আমি পুরুব এবং জড়া প্রকৃতির সমস্ত ওপের আঠীত। ভূমি সকলের জন্তরে ও বাহিরে অবস্থিত, তথাপি ভোমাকে কেউ দেখতে গায় না। তৃথি ইন্দ্ৰিয়ক জ্ঞানের অতীত, তুমি মারারালা কর্মকার বারা আঞ্চাদিত, অবাক্ত ও অচ্যত। মৃত্তের ধেনন অভিনেতার সালে সাক্তিত শিৰ্মীকে দেখে সাধারণত চিনতে গান্তে না, তেফাই জন্ম বান্তিরা হোমাকে দেখতে পাছ না। পরয়ার্থের পথে উরও পরমহসেমের, মুনিখের এবং ভয় ও চেতনের পাৰ্যক্য নিজনৰ কৰাৰ মাধ্যমে বাঁহেৰ আছৰ নিৰ্মাণ হয়েছে, ডানের অভনে অভাকৃত ভাক্তবোগ-বিজ্ঞান বিকলিত করার জন। তুমি শবং অবতরণ কর। ভাহতে আনর মধ্যে শ্রীলোকেরা কিতাবে শ্রোমাকে সম্বাকরণে জানতে পারবেঃ বসুদেবতনত্ত, ক্বেতীনক্ষা, গোলবাঞ্চ ৰক্ষে পুৰ একং গাভী ৰ ইন্সিরসমূহের আদন্দগতা পর্যেশর শ্রীকৃষ্ণকে আমি বায় বায় ভামার সঞ্জর প্রশতি নিবেদন করি।"

"হে পরমেশর, তোমার উপড-কেন্তের নাভিন্দেশ পরসমৃশ আবর্তে চিহ্নিত, খলাদেশে পরের মালা নিরত শোভিত, ভোমার বৃদ্ধিপাত পরের মালা রিশ্ব এবং পাদবর পর চিহ্নাভিত, ভোমাকে জামার সম্রক প্রগতি নিবেদন করি। হে হাবীকেশ, সকল ইন্দ্রিরের অধিপতি ও সর্বেশবেশর, ভোমার জননী ক্ষেক্টাতে ইর্নাপররেশ কলে কিংকল হাকং ক্যান্তৰ কলে প্ৰথাতে তিনি শোকে অভিতৃত হলে তুমি জাতে ৰায়ামুক্ত করেছিলে, তেমনই তুমি জমারে এবং আফা পুতদের বারে বারে বিপদমাশি (शरक मूख करतहा (ह कृषा, शतरमबद खीरति। निष, খহা অধি, নরবাদক কাজস, পাপচক্রাপ্তময় সভা, करकट्टनत मुक्त्य-कडि (शरक, अशर मृश्य वस प्रश्तवतीत গ্রদথাতী অসুসমূহ খেলে তুরি আমাধের গরিয়াশ করেছ। আর এখন অবস্থানার প্রকাশ্র থেকে তুমি আমাদের প্রকা कराता। ८६ क्यमीश्य, व्यक्ति कावना कर्ति एक राहे সমজ্ঞ সন্ধট করে করে উপস্থিত হয়, যায়ত বারে বারে আমেরা ভোমাকে মূর্লন করতে পারি। কারণ তোমাকে দর্শন করনেই আমনের বার লখা-মৃত্যুর চাক্র আর্থতিত **इट्ट इंटर मा था और जरमात ठाए मर्गम कराउँ इंटर मा**। ८६ वहरूपथत, योता सक् धानशिक्त्य शरवरक, कृति সহজেই ভাষের হোচহাতিত হও। আমা হৈ ব্যক্তি ক্ষতভাগতিক প্রথতিগঙ্কী এখা সম্রাক্ত কলোকত ইয়ে বিশুল ঐবর্থ, উচ্চ লিখ্য, দৈহিক দৌল্যর্থ নিয়ে জাপন উপ্রতি করতে সচৌ, সে ঐকান্তিক তার সহকারে ডোমার কাৰে আসতে পারে নাঃ জড় বিবরে বারা সম্পর্কভাবে নিকে, ভূমি সেই অকিঞ্চল্যন্তা সম্প্রণ। ভূমি প্রকৃতির ওলের ক্রিয়া-প্রতিক্রিয়ার অতীত। ভূমি সম্পূর্ণরূপে আৰম্ভণ্ড এক ভাই ভূমি সৰ্বপ্ৰথম আনদা-বাসনা ৱহিত হলে প্ৰশান্ত এক, বৃক্তি পানে সমর্থ। 'আমি ভোমাকে আমায় সম্রাভ প্রণতি নিবেশন করি। হে পর্যমেশর, অর্থনি মনে করি যে ভূমি লিভাকালকলপ, পরম নিয়ন্তা, আদি ও অন্তইন এক সৰ্ববাদ্ধ। ভূমি সমভাবে সকলের প্রতি তেমার কলা বিভরণ কর। পরশ্পরের সঙ্গে সামাজিক त्याशास्त्रात्मक करण कीरनक शत्त्र कराइ इत। इर পরক্ষেত্র, ডোমার অল্লাক্ত গীলা কেউই বুথতে পারে ন, য অপোত্যয়িতে সাধানৰ মানুষের কার্যকলাপের মতো কলে মনে হয় এক: তাই তা বিভাগিওনক। কেউই তোষ্ট্র কিষেত কুপরে অথবা বিষেক্তে পার নহ। মানুব কেবল অক্সমেশনত মান করে যে ভূমি পক্ষপাতিত্বপূর্ণ। হে দিয়াৰা, তুৰি প্ৰাকৃত কৰ্মহিত হওৱা সংখ্ৰত কৰ্ম का, भूति आहर कार्याहरू तका मन्द्रमा नवमाना एउथा अरक्ट बन्धरह। करा। छति गठ, शत्रुव, वर्षि अवर

বিমেহিতকা। হে কৃষ্ণ, গবিভাগ ভঙ্গ করার অপরাধে श्रामा स्थान रहाभारक काल करात करा तका श्राम श्राम করেছিলেন, ভখন ভোষার নয়ন অঞ্চর ধারা প্রাবিত হতেছিল এবং তা তোমার নরনের অঞ্চন বিধীত चरतक्षिः। चत्रः उरत्दर्ध करायक्रण स्त्री उपन स्राप्त चील शर्ताहरूम। (छायात भिष्टे चावश चायात कारह এখনও বিমেহিতকর। কেউ কেউ বলেন পুশাবার রাজানের মহিমাধিত করার কর অঞ্চ করাছণ করেছে এক কেউ কেউ বলেন তোমার অন্যতম প্রিয়ভক যদুর ध्यमक विश्वस्ता कर एमि बच्छारित रूख्या मरदेव स्थ्य লে অন্যাহণ করেছ। মলায় পর্বতের কণ বৃদ্ধির মন্য বেলন সেবাটো চলান বৃক্ষের জন্ম হয়, ডেমনই ভূমি মহারাক্স মদুর করেশ ভাত্মহাহণ করেছ। ভানা কেউ কেউ বলেন হে বসুদেব এবং দেবকী ভোমার কাছে প্রার্থনা করার তুমি ভালে পুরুরলে জনপ্রথশ করেছ। নিঃসলেহে ভূমি প্রাকৃত স্বাস্থ্যহিত, তথাপি ভূমি তাঁলের মালন সাধনের জন্য এক কেববিদেরী অসুরদের সংহার করার धाना अन्यव्यक्ष करत्वः। धारमध्ये वरमन रच मामुरादे मस्त्र নৌকার হতো পৃথিবী অতি ভারে ভারারণক হবে দারণভাবে পাঁড়িড হলে ভোষর পুর রখ্যা ভোষর कारक व्यर्कन कानतन, चला छाड़े जुनि दलों, कांत्र कंतर করার অন্য অবতীর্ণ হরেছ। আবার অন্য আরও অনেকে বলেন যে অভিয়োজনিত কাম এবং কর্মের বঙ্কান আবস্ক অভ্যাৰতিক দুংৰ-বুৰ্ণনাথক বছজীবেয়া যাতে ভক্তিযোগের সুযোগ নিয়ে আন্ত আগতের বছন থেকে মুক্ত হতে গাড়ে, সেই উল্লেখ্যেই ঋবণ, শারুণ, অর্চন আদি ভক্তিয়েলের পর্যাসমূহ পুনঃপ্রবর্তনের মান্য ভূমি অবতাল কর্মেছলে। হে ব্রীকৃষ্ণ, বারা ভোনার অপ্রাকৃষ্ট চরিত-কথা নিজের এক। করেন, শীর্তম করেন, স্মরণ করেন এবং অধিয়াম উচ্চারণ করেন অথবা অন্যে তা করলে আনন্দিত হন, উল্লেখনোই তোমার শ্রীপাদপথ অচিরেই কর্মন করতে পারেন, যা একমার অন্য-মৃত্যুর প্রকারে নিবৃত্ত করতে করে। হে প্রভু, ভূমি ভোমার সমত্ত কঠনা বরুং সম্পাদন করেছে। ফ্রিও আমনা गर्यटासार एसमात कृतास देनत विस्तृतील अवर पूर्वि भागा भागातात तथा कताव पता क्यें क्यें क्ये व्याप জগচর কুপে অবভরণ করঃ স্পান্ততেই এ সাক্তে অভ্যক্ত সমক্ত জমদত্র আফাদের প্রতি বিছেবপ্রারণ, সেই অবস্থান

তুনি কি ভাগু আন্মনের ছেকে চলে খাদং ক্রীবাশার প্রয়াপ ঘটতোই বেকন কোন মেহেব নাম ও মণ লেব इटह रहेत, स्टबन्से छुटि यनि भाषाहस्य मा तम्ब जारस्य আমাদের সমস্ত হব ও কীঠি পাণ্ডৰ এবং বৰুদের সংস ভংকণাৎ দেব হয়ে বাবে। হে বদাধর (প্রিকৃষ্ণ), আমাৰের প্রাক্ত এখন তোমার জীপাদশয়ের সুলক্ষপযুক্ত চিহ্ন খানা অভিত হতে শোকা পালে। কিছ তুনি চলে গোলো হায়ে তেমন গোলা গাবে মা। এই সমস্ত জমগাই সর্বতোভাতে সমৃত ছয়েছে, কারণ গুড়ত পরিমাণে শস্য ও উর্বাধি উৎপক্ষ হচ্ছে, বৃক্ষপমূহ পরিপক্ষ করে পূর্ণ হয়েছে, নদীওলি প্রবাহিত হজে, গিরিসমূহ ধাড়তে পূর্ব इरहरू अस मध्य मन्त्रात भूगं इरहरू। यहा अ मन्द्रे হয়েছে দেগলৈর উপন ভোমার শুক্ত দৃষ্টিপাতের কলে। ८६ क्षत्रशिक्त, ८६ मर्दाक्यांची, ८६ विचलल, पदा करत ভূমি আনায় কাবীয়-বন্ধন, পাতৰ এক সাধ্যনের প্রতি গভীর হৈছেও বঞ্চন ছিল করে থাও। হে হধুপতি, পাল বেমন অংশতিহতভাবে সমূত্র ছড়িসুখে প্রণাহিত হর, তেমনই আমার একনিষ্ঠ যতি যেন নিজন্তা ভোমাতেই আকৃষ্ট হয়। হে প্ৰিকৃষ্ণ, হে অৰ্থনা স্থা, হে वृत्तिवृत्तरक्षकं, वृधियेस्ट व्यवस्थानस्य । बाजनायस्यं वृत्ति হিনাগৰারী। তুরি থাকা বীর্ম, তুরি ব্যালোক্যধিলন্তি। গাড়ী, রাখণ এবং অঞ্চলের পুংগ বুর করার স্থান্য ভূমি খ্যবস্তরশ কর। তুনি ঝেংগের, জগদ্ধ্যন, নর্বশক্তিমন ভগবান ৰবং ফোৰাকে আমি বাৰবাৰ সম্ভৱ প্ৰণতি নিকেশন করি 🗥

ৰীসূত গোসামী কালেন—"পামেশ্য ভগবান ওঁলা মহিলা কীওঁনের উদ্দেশ্যে স্নির্বাচিত শব্দমালার স্বারা ब्रक्तिक कृषीरमनीत सार्थना क्षेत्रकारय स्वयं करत पृष् হাসদে। সেই হাসি ব্যান বোগশভিত্র ঘতেই ছিল

মনোকুৰকর। স্তীনতী কৃষীদেনীর প্রার্থন এইভাবে গ্রহণ করে প্রমেশ্র ভগবান পরে ছড়িনাপুরের প্রাসাংগ शर्यमण्डिक काराना महिमाहस्त देख दिमाहात कथा জনাদেন। কিন্তু তিনি গমকোনত হলে মহাবাজ বুণিতির কারে মেনভরে অনুনয় করে নিবালে করনেন। ব্যাসদের প্ৰথম মহবিদাৰ এবং অনুভক্ষ কৰা জীকৃষ্ণ ইতিহাস আদি শালসমূহের প্রমাণ উল্লেখপূর্বক উপলেশ দেওয়া সপ্তেও শ্রেকসকলু মহারাক খুখিছির শান্তি পেলেন না।"

হে সুনিগণ, বৰ্মপুত্ৰ মহাবাজ বৃথিতিও উল্ল আৰীর ও বনুবর্গের মৃত্যুতে সাধানে আগতিক মানুবের মতো শোকভিত্ত হত্তভিকে কথা এইভাবে হেছ ও মোহের ক্ষাকৃত হরে তিনি ক্যতে লগলেন, "হয়ে। আৰি অতাত্ত ব্যপিষ্ঠ ! আমার ভাগর প্রতীয় অক্সমতার আছেন। এই গেছ যা অবশ্যের কার্যের কর্মা, তারই ক্রমু ভারি বছ বা অপেটাইশী দেয়া বা কাৰেছি। আমি বা বালক, शांचन, मुक्तम, शबा, चिकुवा, कामान क्षवर वाध्यस्त्र वस করেছি। তাই এই সমস্ত পাপের কলে আমার জলা বে अद्भव बाज चाजा, जन्म कम बद्ध क्षींदर शब्दक्ष एः (থকে আমার মৃতি হবে নাঃ নাবেসস্ত কারণে প্রকাপালক রাজা শহু বন করেছে কোন পাপ হব না। কিছ শালের এই সমন্ত অনুশাসন খানের ক্ষেত্রে প্রবোজা নয়। আমি ব্রীলোকনের কং পতি ও বাছজুক হয় করেছি এবং এইভাবে আমি এতই বনুত্র। সৃষ্টি করেছি যে অভযাগতিক কল্মাণ সাধকের বার আ অপনেশ্বর কর সন্তব নর। কর্মনের বারা বেমন কর্মসন্ত ভাগ পরিজনেই করা যার না পথের সুবস্ত ছাত্র বেমন সুব্র-কর্মাছত পার পবিত্র করা বাব মা, তেমনই বজে পণ্ডবধ করে নরহস্তাক্রিত পাপও রোধ করা বাই বা।"



स्वय अधाप्त

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের উপস্থিতিতে ভীত্মদেবের প্রয়াণ

ত্ৰীসূত সোভাষী কালেন—"কুলকেন্ত্ৰৰ কুণালনে হছ স্থানত অভ্যৰ্থনা স্থানালেন। প্ৰথমখন জীকু কা প্রকা হত্যা করার জন্য খীও হরে কৃষ্টির মহারাজ অভ্যাপন ধর্মতন্ত্ব জানটো জনা নেই বৃদ্ধকোনো পালে করদেন। দেখানে ভীত্তাৰ শৱলব্যার শারিত হরে মুখ্যার প্রতীক্ষা কর্মন্তিকল। সেই সমধ্যে জীয়ে সমস্ত প্রতিয়া কর্ণালয়রে সন্ধিত উত্তর অনুদের চলিত অভার কুৰৰ কুৰৰ আৰু আনুহাত্ত করে গ্রাম অনুষ্ঠান কালেন। তাঁদের কলে স্থানবেদ, পাওবদের প্রধান পুরোহিত **(री)मत मरण पवित्र क्षेप्र आजाता हिल्ह्य**ि

"(र विश्वरिं, भंतरमचन क्षतवान शिक्**राट** कर्ज्यान নকে একটি বংশ চড়ে উদ্ধয় অনুখনন কয়লেন। এইভাবে বৃধিতির মধানভাকে জভাব আভিজাভাস-পা বলে মনে হতে লাগল, ঠিক বেমন কুক্তেকে গ্ৰহটক আৰি সামী পরিবৃদ্ধ অংকুলে মনে হয়। আঞানমার্গ থেকে বিচাত এক দেকতার করে। তাঁকে (ভীক্সনেবৰে) স্থানিকে পাটের সেতের পাঁডাবরারা মুখিটির জীয় কনিট वाटारमा क्य क्षत्रका क्षेत्रका गरम केल प्रेस्टरक क्रांडि निर्मात कार्यातः। स्वाड मरावारका संभवकारमा बरब विनि वित्तन एका, अरे कीवानवर कर्मन कराव মন্য কলতের সমস্ত কর্মানার, অর্থাৎ সম্বতনে স্থিত (सर्वर्वे अष्वर्वि ও ताकविंवा रण्यातः ममस्यक स्टार्वेहरूनः। সেখানে পর্বতমূলি, কারমকুলি, বৌজা, ভাগকাবতার খ্যাসন্তের কৃত্যখ, ভরবাজ, পরশুরাম ও ঠার শিবাবর্গ, ৰশিষ্ঠ, ইল্লপ্ৰয়ৰ, ব্ৰিভ, গৃৎসমৰ অসিভ, ককীবান, গৌতম, অনি, ভৌশিক এবং শুকালের মধ্যে হচুন মুদি-কৰিয়া উপস্থিত ছিলেন?"

ंट्र **क्रांबनध्न**, क्रमुख़ एक्ट्रसर खत्ने **व्यक्त** अस्ट्राहर्त्त्रभा এবং কক্ষণ ও আদিয়ান প্রমুখ মুদ্রিশান উচ্চের নিক নিক শিকা পরিষ্ঠ হয়ে সেকানে উপস্থিত হতেছিলেন। বৰ্মতন্ত্ৰকে সেপ্-কাল-পাত্ৰ অনুসাৱে কাৰ্য সম্পাদৰে तक, सहैक्ट्रकं छीदावर तहे मध्य वस्थानकाती

মড্যেকেরই হলতো অধিষ্ঠিত ররেছেন, তবুও তিনি ক্রার অন্তর্না শভিবলৈ নিজ অতাকৃত বরূপ প্রকাশিত করে থাকেন। সেই পরয়েশ্বর্থই জীয়াকেবের সম্মূরণ উপরিষ্ট ছিলান এবং কেন্তের ভীন্তদেব ওচর মহিমা সভাছে অবগত ভাই তিনি বধায়েগ্যভাবে জীকুকোর পূজা করবেন। মহানাদ পাণ্ডুর প্রেরা তাঁকের মরংলমুখ লিভামকের মতি প্ৰীতিবৰত অভিত্ত হতে নিংশৰৈ কাতেই বৰ্ষেছিলেন। তাই দেখে জীকানৰ ভাগাথেখে উংকের অভিনক্ষ ক্ষান্ত্রেন। বাঁলের প্রতি শ্রীত প্রবং প্রেন্থে বৰে তিনি অভিড্ভ হয়েছিলেন বলে তাঁর চোৰে অংব্যাপ্রস্থের আরু দেখা দিখা।"

তীশ্বনের কালের-শহার, সাক্ষান ধর্মের পুত্র হওয়ের বলে ডোমন বী জীকা গুৰু-কট এবং কী ভীকা অন্যত্ত আচরণ জোন করেছ। সেই ভবরর অবস্থার মধ্যে জেলদের জীবিত জন্মে কথা নহ, গুবুও প্রাক্ষণ, ভগবান क्षक स्टब्स् बलारे प्यापन मृत्रक्षिक स्टब्स्ट्रिम्। भवावची শাত্র মৃত্যুর পর আমার পুরবাধু কুতী বন শিও-সক্তনাদিনত বিখবা হন, এবং সেইজন্য বহু মূখে কঠ তিনি कान करतन। जातं देशन क्लिमता केल हरत छेठेता, ভবনও ভোনাদের কার্বকল্যপর স্কন্য কর্মে প্রভূত বৃহত্ব-ৰত্ত ভোগ করতে হয়েছে। আমার মতে, এই স্বাই चटिए अभिनर्य कारमा असारा, बाह बाहा श्रीकृष्टि कारम প্রতিটি প্রীব নির্মান্তিত হকে, ঠিক বেমন মেখনালি জয়ুর বরে। বাহিত হতে থাকে। অনিবার্থ কালের প্রভাব কি ष्यदुष्ठ। होहे श्रम्बाव ष्ट्रभविकर्तनीह—का मा दरम, वर्जनूब রাজা দুর্ঘিরির কেবানে, গলাধারী মহাযোগা ভীমকেন ও শক্তিশালী অনু শাতীবধারী মহাধনুর্ধর অর্জুন বেখানে, এবং সর্বোগরি পাণ্ডবংশ্য সংকাৎ সূত্রে পর্যান্তর ভাগবান প্রীতৃত্ব বেবানে, দেখানে প্রতিকৃত্তে হয় কি করে?"

র্জাবসের দেবানে উপত্তিত থেখে ক্যাব্যভাবে তাবের কেউই স্থানতে পারে না। এফানি, নহান দার্শনিকেরাও

বিশ্বন অনুসন্ধিংসা সহকারে নিরোজিত খেকের কেবলই বিভাপ্ত হন। হে ভবতকৃত্যতিলক (যৃথিষ্ঠির), আমি তাই মান কৰি যে এ সবট পর্যালের ভগরতের স্থাকের খালেতি। প্রামেশর ভগবানের অধিচিত্ত সম্বর্থক বীকার করে মিমে তোমাপে তা কল্টে মেনে ইলতে হবে। ত্তি এখন সংগ্ৰন্ত প্ৰশাসনিক পূপে অধিক্তিত হয়েছ ছে मार्च, अपन कहा जनाप इटवर्ड, (गरे गर्व अकारमत पप এবন স্থোমনে দিতে হবে। এই নীক্ষ সক্ষেৎ মচিয়া, আদি পরুষ। তিনি আদি নাগারণ, পরম তোকা। কিছ তিনি ঠার নিজের সৃষ্ট মারাল্যক্তির ইভাবে আমাদের মুদ্ধ করে ব্যক্তিকুশেরই এককানের হতের হতে জানের মাথে বিচঞা করছেন। হে রাজন, শিব, নেবর্লি নারম এক ভগৰদ্যবভাৱে কলিলদেৰ আদি সকলেই সাঞ্চাৎ नर"नर-पंत संस्टर दीत करि जिन्ह परियादांकि प्रश्रद ব্দবস্ত। হে রাজন, নিতাতই মোহের ববে বাঁকে ভোষরা ভোষাদের মাতৃত্ব-পুত্র, অভি করিষ্ঠ বস্থু, ওডাকাডেন্টা, মন্ত্রণালতা, কৃত, হিডকারী, সারগী ইত্যাদি বলে মনে করেছ, তিনিই হচ্ছেন সেই পরত পুরুষ ভগরন প্রিকৃত। করন-জা পরমেশর ভগরন ইওরর बाना किमि व्यक्तरका कार्या विशासकाम । किमि अकरका মতি সহতাৰে কম্পূৰ্ণীক, ভেমবৃদ্ধিক্তিত অভিযানক্ষ এক সকল প্রকার আসন্তিরহিত। তাই তিনি ছা করেন, का भरदे कर विकासभूत। छिनि समहावाश्य भूतव। সকলের প্রতি সমদলী ইওয়া সংস্থেত তিনি আমার ধীবানের অভিম সময়ে কথা করে আমাকে কর্মন বিধ্যে এলেছেন, কাৰণ আমি তীবে ঐকাজিক সেবক। ভব্তিসমাহিত ভিবে বে ভব্তেরা ভারে ভাবে আবিষ্ট হয়ে তার মহিসা কীর্তন করেন, তিনি তাঁলের জড়ান্থে ভারণের नमा कर्मा क्या (थए कुछ क्यान) चामा शह विनि চতুর্তৃক্ত এক বার ক্ষনক্ষক স্বোদিত সূর্বের মতে রক্তিম নের ও প্রথম হাসের বার স্পোভিত, তিনি কুলা করে আনম এই রভনেত্ পরিজ্ঞাপের মৃত্তর্গে আমার জন। ਬਣੀਆਂ ਕਰਕ ।"

ত্রীবৃত্ত ব্যাহামী কল্যেন—"ক্ষীন্থাবোৰা সেই मर्जन्मनी राजा असन करत, महाताक यूर्वकीय नामक महान বিৰয়ক বিভিন্ন কৰ্তব্যকৰ্মনিক অভ্যাবশ্যক নীতি-নিয়মনি

সংক্রণর প্রস্থ কিন্সাসা করতে লাগলেন। মধ্যরাজ वृधिहिर्द्ध सन्त्रिक्षरभाव श्रीकृश्यद अध्य मान्र्यद স্থাবনের স্বভাব ও বোগাড়া অনুস্থানে সমগু কর্ম এবং আৰম বিভাগের সংজ্ঞা বিবত কাপেন। তারণর তিনি বধান্তবে বৃষ্ট শ্ৰেণীবিভাগেদ মাধ্যমে জনাসজিত धिकरवाची जिल्हा अवर चामिकत चताकिता वर्गमा ক্রদের। ভারতর তিনি বিভাগ অনুসারে সামধর্ম ক্রডথর্ম একং যোক্ষধর্মসমূহ ব্যাখ্যা করলেন। তারপর ভিনি जीत्राक वारा कलामद कर्यवाकशीन माकिस वयर বিস্তারিত পুডাবেই বর্গনা করন্তোন। হে খবি, ভারপর ধর্ম, কর্ম, কাম এবং ফেকলাভের উপারাদি কথাপূর্বক ৰূপে প্ৰসন্ধে ভবল ভীতাৰে ইতিহাস থেকে দুইনত উল্লেখ করে বিভিন্ন কর্ণ একং আশ্রামের কর্তবা কর্ম সম্বাচন নিব্ত করেছিলেনঃ তান বৃদ্ধি অনুহারী ফাঠনা-কর্মের বিহরে ভীতদের উপদেশ দিক্সিলেই, তথা সূর্বের প্রতিশব উত্তর গোণার্থের অভিমুখী হয়। সিক্ষবালীরা বাঁল 'फारार देखनुचारी बद्धारान कराठ हार, छात्रा और विश्वब সময়টির অভিসাধ করে থাকেন। অধিকলে সেই ৰভিট, বিদি সহত্ৰ কৰ্ম সময়ে বিভিন্ন বিবাদে উপদেশ बिएको, विनि महत्त महत्त बनामान मध्याम कर्राहरून अन्य नश्ये नश्य मनुबाक राम्य करविश्तनम्, टिमि सुन्ध যোগ কালেন এবং সমস্ত করন থেকে সম্পূর্ণভাবে মুক্ত হলে সমস্ত বিংলা খেকে উল্লেখন প্রভাহার করে নিংক্ত ঠার নরম-সাত্তক যে দীবিষয় উজ্জ্ব দীতব্যসংগরী চতুর্ত্ত আদি পর্য পুরুষ ক্রম্বান রীকৃষ্ণ পাঁড়িছে ছিলেন, জার বিকে ভাকা প্রসায়িত নির্নিয়েক দৃষ্টি নিবছ করে মুইলেন। বিভান্ত খ্যালে মন্ত হতে ভাগায়ন শ্রীকৃৎখন্ত দৰ্শন ব্যস্ত করাৰ কলে ডিনি শুড় জার্থকে সমস্ত বাতে বিহয় খেৰে তথককং মুক্ত হৰেন এবং সরাবাতে প্রাপ্ত নমক দৈবিত কেলার উপস্ম হল। এইভাবে তার ইজিয়াদির মাহ্যিক কার্যকল্পে ভংকলং কর স্থা বিবেছিল কম তিনি উঠে জড়বেহ পরিভাগের সময় সমস্ত জীবের নিমন্ত্র উদ্দেশ্যে অনেকৃতভাৱে স্থাৰ কাতে

তীয়ুদেৰ কালেৰ—"ভাষার ঠিয়া, অনুচতি একা কৰিবৰ্শের সম্ভক্তে শরশবাশানী ভীনাদেনে কাছে ধর্ম- ইক্ষা, বা এত্যান বিভিন্ন বিবন্ধ এবং কৃতিয়াত ভাঠৰে নিয়েকিও ছিল, জ এখন স্থানিক্তান জালত শ্রীকৃত্যে

বিনিয়েক্ত হোক। তিনি সর্বন্য আত্মতপ্ত, কিন্তু শুখনো। কৰনো ভাতকুলপ্ৰেষ্ঠ-কাৰে তিনি এই জড় ভগতে অবতরণ করে অঞ্চলত অনুনদ উপভোগ করেন, বদিও এই হব হুপং জার কেবেই সৃষ্ট হয়েছে। বিলোকের (वर्ष, वर्ष क्या भारामा) माथा नरहारत मुखब, स्थारतव যতে এগৈত কাবুক, স্বকিরপো মতো নির্মণ বীপ্র বদৰে নভাবিত এবং কৃষ্ণিত কেপ্সামে আৰুত মুখপায় সম্বিত নিব্য পরীরবারী এই অর্থ্য-স্থা স্ত্রীকৃত্যের প্রতি সামার কর্মকল-বানকরছিত চিত্তবৃত্তি আস্তি লাভ ক্ষক। মুদ্ধকরে (কেবনে প্রীক্ত সথা করত ভার্যনের রংগর সার্থি হুরেছিলেন) জীকুরোর আল্লাধিত কেনরাশি আন বুবোখিত ধুনির বারা ধুসর বর্ণ ধারণ क्षत्रक्ति अवः गरिकाम करत छैत पुरश्कन वालिम्स ৰদা দিক স্ক্রাছিল। উন্ন এই দম্ভ লেকা আফা তীক্ষ শরাজভের কভতিবৃদ্ধী হারা প্রভাতিত হয়ে তাঁও উপভোগ্য হরেছিলঃ শেই জীক্ষেদ প্রতি আখার চিস্ত ব্যক্তি টোক। অর্কুনের ছানেশ শালনার্থে করে সভা ভগৰান জীকৃষ্ণ কুটকেনের মুগাননৈ অর্থা এবং मृर्(वाध्यात द्वित्रहरम्य वाक्याहर छात्र उपि निर्व ক্ষিত্রেল এবং ভাবন সেক্ষরে তার কুপা-কট্যকের नित्क अपूमात छोत्र पृष्टिभाएठत करमन्दे का अधिक हम। काशत विष्ठ (मेरे कीकृतक निरुद्ध (हान) मृतकृत वृहर मिनायहिनीर प्रचंति बदा मिहे मिनावहिनीर অভ্যাদহিত কলন বীওপুরুষকে দর্শন কমে আলাভ অজ্ঞানের কলে কল্বিড বৃদ্ধির প্রভাবে কর্মুন স্বতম মনে কর্মেন্ত্রের যে আর্থীত-কলনের বিধানের ফলে ওয়ে পান্ हर, ७९८ कडाइंड बाज शत करत विति (मेरे संबंधना মূহ করেছিলেন সেই জীকৃত্যের জীপারপথ আমার আসন্তিন নিবর ছোক। আমার অভিনাম পূর্ণ করার জন্ তিনি তাঁর নিজের প্রতিক্তা ভাল করেও রখ থেকে সেলে এনে বাধের চাঞা ভূলে নিয়েছিলেন এবং ছব্তিকৈ কা कतात करा संका काम कामा निराम्त मराज भूकिनी ৰুশ্বিত করে তিনি জাত্তার নিকে ধারিত হয়েছিকে। তথ্য তার উত্তীক্ষানিও তার ন্ত্রীর খেতে পাদে পদ্ নিয়েছিল। বলকেরে আমার জীক্ত শরে ক্ষত-নিকত ব্রে বিধান্ত কৰ্ম নিয়ে ককাকে কলেকানে কেন স্থাপাতিক কাম

48

चाभारक वस करात करत शरका (दर्भ चामात किरक हरो) वारमात, (मेरे पुलिम्माल क्षेत्रकात पुरुष्य श्रीराम्बर शिक्क আমার পরম গতি হোন। মৃত্যার সময় পরক্ষেত্র ভাগরার क्षेत्ररकत श्रष्टि कामन क्रप्टन राम्मुर्गतरम चाङ्ड आक। দক্ষিণ হড়ে চাৰক এবং কম হড়ে আৰু কণ্যালারী সর্ব উপৰে অৰ্নেৰ হৰের ৰকাকারী সার্গেরতা পোভযান বীকুৰে আমি আমার ভিত্ত একাশ্র করছি। কুক্তকের ক্ষাসনে উচকে খালা মৰ্থন করে মৃত্যবরণ করেছিলেন্ র্তারা সকলেই তালে সমল প্রাপ্ত হমেছে। সামার ছিত্ত শ্রীকৃষে নিজ হোক, খার সুখর গমনভাগ, মধুর ছাস্ এবং গ্রেমপূর্ণ উচ্চদ ক্রমগোলিকাদের **আকর্বণ ক**র্যোলে। (মাসন্তঃ থেকে ওঃর অভহিতি হওচার পর) ব্রহ্মগোলিকারে তাঁর বিয়াহে উদান্তবং হরে ভাঁত গ্রহ্মগেদি **७ विदिध कार्यकलार एवं कान्कान कर्**वस्थित। कर्वसाक ৰুবিচিয়ের রাজসুধ ফল্পে সমস্ত মুনি, কৰি এবং লেচ नवन्छित्रत प्रदान मनाराम शरहिम बन्द राग्हे मध्या প্রিকৃষ্ণ পরক্ষেক্ত ভগজনরণে সকলের বারা পৃথিত ইমেছিলেন। আমি ভা প্রথাকস্তাবে কর্মে করেছিলাম এবং উরু চরণে আত্রর চিত নিবছ করের জন্য আত্র সেই খটনা সমাণ করছি৷ এখন আমি পূর্ব একাশ্রনা থানাই বিপক্ষ লভার আনু হরণ করে নিলেন। শত্রুর সাহকরে আমার নম্মুদে উপস্থিত ভগবান জীকুকের ধানে করতে পারি, করণ তার সম্বদ্ধে আমার হৈতভাকে সমত মোই এখন দুর হতে গেছে। তিনি এক এবং অবিতীয় হওয়া সংস্থেও সকলের ফদরে, এমনকি কলোক্সীদের इतरा पर्रव निवास करान। जुर्व किस किस कार्य প্ৰতিভাষ হলেও কুৰ্ম একটিই।"

স্ভ গোৱামী কালেন—"এইভাবে ভীয়দেব ভার मन, जन्म ७ हम् अल्डिट हेरिया कृषि बाता छोत (हरूकरक প্রমাণ্ডা ভগবান জীকৃত্তে আবিষ্ট করে শেষ নিয়োগ ত্যাস করলেন। অন্তর্হান পরপ্রকো শ্রীভীন্মনের মিলিড হরেছেন জেনে সেধানে উপস্থিত সকলে দিবাবসাচন পাধিদের মতো মৌলভাবে অবস্থান করতে জানকেন। অভ্যাপর বর্ণের দেবভাবৃন্দ এবং মর্চোর খানবেরা ভার প্রতি সন্মান শুলামি করে দৃশ্ভি ধ্বানি করলেন। সং প্রকৃতির রাজন্যকর্ণ সম্পান ও প্রথম প্রদর্শন ওক্ত করচেন এবং আৰম্ভ (থকে পুন্দাবৃদ্ধি চতে লাখল।"

"হে **কৃত**বলেভিনাক (শৌনক), শ্বীলানেকের মৃতবেদের

অন্তোমিক্তিয়া সম্পানন করে মহারাক্ত যুগড়ির কণিকেন ছলা দুয়েশ অভিন্তেত হলেন। সমস্ত মহর্ষিগণ গঢ় থৈনিক মধ্যের দ্বারা সেখানে উপস্থিত ভগবান শ্রীকৃত্তের ওব কীঠন কর্মেন। তারণার জীকফাকে স্থানরে বারণ করে काता खारार क्रिक भिक्न चारतस्य श्रद्धान्तर्धन कन्नरहरू। অব্যঃপর মহারাজ বৃধিতির অর্চাবেই পরমেশ্বর প্রীকৃষ্ণাসং ঠার রাজধানী হতিনাপুরে পানন করে ঠার জ্যেতভাত

ধুভন্নায় ও জাতপত্নী ভগবিদী বাভাহীকে সাক্ষা লিয়েছিলেন। ভারপণ্ড মহান ধর্মরাক বুমিন্তিব জ্যোকতাত ধৃতরাট্টের অনুক্ষা এবং পর্মেশ্বর প্রীকৃষ্ণের সম্মতি कनुजारत शार्मंड विश्वम ६ हासकीड वीटि-निष्ट्रमासि কটোরভাবে পালন করে ভার পিতৃ-পিতামহের পদায় অনুসংগে রাজালাসন করতে লাগদেন ।"



দশম অধ্যায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের দ্বারকা যাত্রা

ाँनिक पूर्वि किकामा क्यापान--"पैत सावा केंस्जिनिकाद क्रिमेश्वनकारी अवर मानाक्षकाद क्रानिके স্বাধনকারী শরেদিগকে অনুজনানের সহারতার বধ করে ধার্মিকাপ্রদান্য রাজ্য ব্যধিষ্ঠিত কিন্তাবে জীর রাজ্য শাসন করেইলেনং অবশাই ডিনি কুঠাশুনা চিষে তার রাজা চোপ করতে পরেননি*"*

স্ত গোঝামী কালেন—"পর্যেশ্য ভাষরত জীকুনা, বিনি সমন্ত ভগতের পালনকর্তা, ক্রোধাহিকার সাবানকে নিম্পেনিত ক্যুনংগকে গুনাস্থাগিত করে এবং সুধিতিরকে ষ্ঠার স্বাহেলা স্থাপন করে প্রসম চিগ্ত হতেছিলেল। ভীত্যনের এবং ভগতন প্রীক্ষেত্র উপালে প্রথা করে। মহানাক বুধিতির মেহমুক্ত হতে পূর্ণভাম রাও কংগ্রিকান এবং প্রীকৃষ্ণের আপ্রান্তে শুরু অনুস্থানী অনুস্থাপনত ইলের মতো স্লাগর। পৃথিবী পালন করেছিলেন। মহারাম্ব বৃথিতিরের রাজত্কানের মেবরাম্বি মানুবের धरताधन बर्छा घरचंड मानिदर्श्य कराउ बरा पूर्वियो

অন্তর্গক্র বুধিভিত্তে রাজপ্রকালে কথনে কোন প্রাণীনের चावाजिक, काविट्ठोडिक अवर काविटेनरिक क्रम, কোন্ত্ৰম মাকেই, জোগ-জাগা এবং পীতোঞ্জনিকনিত क्के किन मा। शास्त्रवास्त्र त्याक अन्यासामात्मा कन्य धारा ভলিনী সভন্তার প্রীতি কামনার ইংরি, পর্যাধনা ওপরান শ্রীকৃত্য করেক মান হতিবাগুরে অবহান করেছিলে।"

"পরে পর্যোধর ভগবান বাছার খন্মতি চাইলেন क्षर भ्रम्ताम अनुपति निरमन, एका नत्यकः कीवृक्त মহারাজ মুনিভিরের ছবলে প্রণত হরে প্রভা নিরেছন करामा धेवर प्रशंताच केएक चालिकमावच कदाना। ভারপর পরমেবর খাল্যান্য সকলেরও আছিলনাকর ছয়ে এবং ভাগের অভিকাশন রহণ করে উপ্লে এংখ আলোহখ करामन। क्षेत्रस मुख्या, और्तिमेरी, कृती, क्रेस्ट्रस, ब्रह्माती, গুডরাষ্ট্র, মুবুৎসু, শুলাচার্য, নকুলা, সহকের, ভীহাসের, ্র্যায়্য এবং সভাবতী সকলেই শ্রেধর প্রয়েশ্বর প্রীকৃষ্ণের বিবহু সহা করতে ঝ পেরে পোকে যুহামান মানুবের সমস্ত প্রয়োজনই পর্যাপ্তভাবে পূর্ব করত। হলে পড়েন। সাধুনক প্রভাবে বৃদ্ধিমান ব্যক্তিয়া একবার দুখবতী প্রস্থলমনা প্রতীদের শ্রীত ক্তম থেকে করিত। যাত্র ভগবানের মহিয়া করু করে খাকলেও গরমেশ্বর দুছে গোচারবড়নি নিক হত। নদী, সাধর, বৃক্ত ও লক্ষা - ভগধনকে উপলত্তি করনে কলে বিষয়ীয় অসং সুত্র করে। সমষ্টিত পর্বতসমূহ, শদ্য, তথ্যি বৃথিতির মহারাজের করে ভগরনের মহিমা প্রশে করা থেকে মৃত্তের জন্ত রাখে। প্রতি খততে প্রচুর পরিমধ্যে কর প্রদান করত। নির্ভা হতে পারের লা, ভাহতে পাত্রেরা, রারা

श्रीकेश्वर नर्वन उभरातन मन्य, ग्लानंत, चामानं, भरत, कारकार के अक्टूड कारान करतांद्राकर, कि करत कीरमंत्र च्या देश विवह गाउँ भेरा महाद । चैतास्य मध्याना द्यारा লেহপালে আৰু হয়ে বিৰ্মালত হজিল। তাঁৱা অপলক নেয়ে শ্রীকৃষ্ণকে দর্শন করছিলেন, এবং হতবৃদ্ধি হছে ইউজত বুরে কেন্টের্লেয়া মেকেটানান ক্যাধান শ্রীকৃষ্ণা প্রসোষ থেকে রখন বেবিয়ে এলেন, ছখন অভিলয় উংকল্প হেতু আছীত সুহৰীগণের নতন অঞ্চল্লবিত হতেছিল, কিন্তু ব্যৱহাৰ সমায় জীকুৰেলৰ ৰাতে কোনবঞ্চয় অধ্যাপ না হয়, সেইজন্ম উলো বহু কটো উলের বিগলিত আৰু সংৰক্ষণ কৰেছিলেন। প্ৰিকৃষ্ণ ইখন ছন্তিনাপুর থেকে কিন্তু নিকিলেন, তথন তাকে সম্পান প্রদর্গন करात बन्द निविध बदानव एक-रामम्, मृश्य, माग्रहा, कुरी, फारक, कुनुस्ति अवर नाम क्रकामत वीनि, वीना, গোহৰ ও ভেনী আৰি নমন্ত কানাব্য এক সাথে অঞ্চতে লাবল ৷ ভগৰনে ত্ৰীকৃষ্ণকে লগম ক্ষরার ব্যাসনায় কুমারারবর্গীর স্পানার্য প্রান্ত-শীর্থে অর্যোগ্র করে অনুরাম ও ক্র্যান্ডরে স্থিতহাসাবৃক্ত নরনে গ্রুবে ফর্নন করতে করতে তার উলঃ পুল্ধবর্ণ করতে স্মান্তের। **मिट् नवटत अंतरमध्य क्रमयात्मत व्यक्तक मधा महात्याका** এক ভিতনিক অর্কুন বিরুত্তর পর্যেশর ভাগবান জীক্ষেত্র মতকে যুক্তামান্তমতিত ও বনুৰ্নিহিত সংগ্ৰহত খেতছা ধানৰ কৰ্মেন। উদ্ধা ও সাভাকি অভি চমৰপ্ৰৰ চামচ খানা পর্যেশ্বর ভগদানকে ব্যক্তন করতে লাগ্লেন, এবং মধুগতিকাশে প্রয়েশ্বর ভগবান কুসুমার্কীর্শ অ্যেনে উপন্তি হতে পৰ চলতে চলতে উদের সির্দেশ দিতে লাক্তক: বাঞ্চলক কর্তৃক উচ্চারিত আশীর্বাক-চর্মন সর্বন্ধ শোলা ফেতে লাখল : ত্রিওণাতীত পর্যয়নসংস্কাপ ত্ৰীকৃত্ৰৰ প্ৰতি এই একতা আশীৰ্বাদ বলিও অনুপত্ত, किन्द्र नदश्रद्रण सीमा पर्यक्रमकाडी स्थानातम् श्रिष्ठ शायनात्त्व अहे आनीतात् अन्यक्तरे हराहिन। উল্লেখ্যকে হয়া বনিত ভগবনেৰ অঞ্চন্ত প্ৰশ্নকীয় ক্তিরে সাধা হতে কুর-কুলবেংগীরা পর্মেশার ভগবান किंद्राक्षर कवा चार्माङन्य कत्राङ मार्ग्युक्तः। ईर्यम् वीह আগোচন বৈনিক মনের চেবেও অধিক আকংশীয় स्टर्सका ("

केला बर्जास्त्रमा-- केलि त्नरे धालि भूकरवास्त्र

ভগবান, বান্ধ কৰা আমনা শানৰ করে থাকি। প্রকৃতির स्प्रमाद भृष्टि २७वाह भूटर्व किनिष्ट (करणमात) विवादामान ছিলেন এবং থেহেডু ভিনিই প্রদেশর ভগবাদ, ভাই কেবলমার ভারই মধ্যে নিশাকালে নিরা বাওয়ার মতো সমস্ত জীব শক্তিরহিত হরে লীন হরে বারঃ প্রয়েশত তথকৰ পুনরতে উরে বিভিন্ন অংশখনলে জীবদের সাম এবং রূপ প্রদান করনে কামবার, আছা প্রকৃতির ভাষাবারে ভাষের নাক্ত করেন। কাবই শক্তির প্রভাবে, জড়া প্রকৃতি পুনরার সৃষ্টি করার লক্তি অর্থান করেনঃ জীবকুলের क्ट्रंत-क्यारि विकार क्रान्त्र केंट्रब्ट्य किनिये बार्याने প্রণয়ন করেনঃ ইনিই সেই পরফোর ভগবান, বাঁর অপ্রাকৃত ক্রপ ক্রিতেভির সংবর্ত-চিত্ত অহলারা গ্রহান ভঞ্জপৰ ঐকাত্তিক ভক্তিবোধের বাধ্যমে কর্মন করে পাকেন। জীবের অভিয় নির্মাণ ও ওছা করার সেটিই বল একমাত্র পদ্বার্থ

"व्य अपि, वेलिये त्नवे जनसम्बद्ध फनवान, वीज আকৰ্ণীয় ও গুহা লীল্যসমূহ বৈদিক শানের অতি প্রক্রম অংশগুলিতে ভার ফলে ভক্তগণের বাত্ত বর্ণিত হয়েছে। रेनिर त्येर तक्यात पुरुष बिरि तरे कड़ क्यारका गृहि, हिए अन्द क्षातकार्द माध्य कता **वा**रमा अगर छ। नाएक তিনি তার হারা প্রভাবিত হন হা। কবনই যালা ও শ্লেকবৃত্ন ভয়োওপের ছারা আচ্ছাবিও হরে অধর্য আচবণপূৰ্বক পণ্ডৱ মতো জীবন অগন করে, ভখন এই ভগৰান প্ৰীকৃষ্ণই কাৰ অধাকৃত লাপে বিভিন্ন যুগে বকটিত হরে উন্ন সর্বশক্তিমত্ত পর্যস্তাতা বিশ্বস্থানের ত্ৰতি বিশেষ কৃপা এবং অন্তৃত ক্ৰিয়াকল্যপ সম্পাদন জাদি শীলা বিক্রম প্রকাশ করে অংকন। অহা, বসুবংশ পরায় महिमात महिमाबिष्ठ अन्दर प्रकृत एकहिएक नृगासर (कम्मन धरे भूतरपाचय अन्द्रीनिक श्रीत्रि चढर यमुराहन सन्धारन क्टब्रह्म क्षत्रः ट्रेक्बर्ड स्वृताद विशास क्रिक्ट्नः নিঃসংলহে এটি পায়ৰ আশ্চংক্ত বিভাগ যে ভাবকা সংগ্ৰি মহিমাকেও লাভিত করেছে একং পৃথিবীর পুণ্য প্রসিদ্ধি বৃদ্ধি করেছে। স্বারকাবাসীর সর্বদাই সমক জীবাধার আলা প্রকৃষ্ণকে ভার হোমহর কল-বৈশিটো দর্শন করছেন। তিনি মধুর হাস্যাবর কুপাদৃত্তি বারা তাঁনের অনুগ্রীত করছেন।"

"হে সমিগণ, তিনি বাঁড়ের পালিগ্রহণ করেছেন, সেই

সমতে পৃথিবীদেশ কথা একবার চিপ্তা কর। তারে অধ্যাসেট থেকে এখন অহনত (চুখনের হাবারে) সুধা আক্রমনের कना निष्ठारकारम भूदेकरम दीता करहे से इंड भागन. পত সান, ফরচোমাণি, আৰু পরমোজে সম্যক আরাধনা করেছেন। ব্রজভারির ক্লেনাসা ৩৭ তেমনই অনুকম্পার আলার মুক্ত মুর্বাসার হারন। জনুত্র, সাক্ষ, আর, শ্রম্প अस्ट्राहर बन्दी, क्वापी, मटाबास शक अस्ट्रिस प्रत्य ব্যানীয়ের তিনি কাণ্যকৈ তাঁলের সভাবরসভা খেলে জন করেন এবং ভৌমানুর ও তার সহল-সহল সহচরতে দিচত মতে পৰে তিনি অন্যান্ মহিলাদেরও বলপুর্বক হরণ করেন। এই সন মহিলারা সকলেই মহিসাধিত। নেই সমস্ত নাটালন নিভাৱে অপবিত্র ও বাড্যোইন হওয়া স্ত্ৰেও পবিক্ৰমাৰে অভিআৰিত হ্ৰেছেনঃ উচ্চের পতি কমললোচন প্রমেশ্বর ভাষনে ত্রীকৃষ্ণ কামূল্য সামগ্রী আহক করে উপহারশ্বরূপ প্রদানপূর্বক তাঁদের ক্যায়ের बहुनम दर्धन कारराञ्चन अवर केरमञ्ज निरुगम खारण संगटन ভিনি পুত্ তেকে নিৰ্গমন করেন না। সাজধানী হজিনাপুরের পুরনরীকা কান এইভাবে বালাকাপ করছিলেন এবং ওয়কে ছাতিনক্ষর জানাচ্চিত্রেম, ভখন পরমেশর ভগবান শ্রীহরি শ্রিডহাস্যো তাঁদের শুন্ত অভিনন্ধন প্রহণ করলেন এক ভাষেত্র উপরে কুগাদৃষ্টি নিক্ষেত্ৰত ৰখন পৰিত্যাৰ কৰে চলে থেকে।। মহান্তাক বাধিতিক অকাডেশক ইলেও, অনানা শরুপের

হাতে ঋ আদি অসুক্ষর শক্ত ভাগান শ্রীকৃষের ক্ষেত্রও অনিটের আশহরে তার অভিরক্ষার করা একা লেহবশেও তাৰ সাধে হতী, কৰে, কৰ একং পদাতিক সৈনা সম্মাৰত এক বিবাট চতবাস-বাহিনী প্রেরণ কর্বোচনেন । প্রীকৃষ্ণের প্ৰতি সভীৰ মেহেৰ বৰে বিজেধ-বাকুল কুচকাশীৰ গাণ্ডকো কান্য পর্বন্ধ শ্রীকৃত্তের সহপ্রস করেছিলেনঃ তথ্য উদ্দের কিরে কেতে ব্রক্তী করিরে পরকের ভাগনে श्रीकार कार कारण कारणारीत है महत्र कीई ছারকাপরীতে বহন করকে।"

"হে ক্রমেন্স শৌনক, ভারণর ভারতন প্রকৃষ্ণ বমুনা ডটবর্তী কুরুলারল, পাকাল, পুরসেনা, ইকাবর্ড, কুলভেত্ত, সংস্কৃত, সারকটো প্রকেশ এবং করিবীন ও অন্ধ জনবিশিষ্ট ভালতালে সমূহ বীরে বীরে অভিনাম করে সূত্ৰৰ পৰিপ্ৰান্ত অবস্থাৰ অৰবাহিত হৰে সৌকীয় ও चाठीय जात्मन र्गान्डवरडी छापन बाह्यसम् व्यवसाय উপস্থিত ব্লেন ৷ এই সম্ভ প্রদেশওলির মধ্য দিয়ে পবিভাগনকালে সেকানকার স্থানীয় অধিবাসীয়া পর্যাস্থর ভগবান উত্তিকে অভাৰ্মন কানিবেছিল, আরাধনা করেছিল এক বিভিন্ন উপস্থার-সাম্প্রী নিবেদন করেছিল। সম্মানেত্ব সকল প্রান্থে পর্যোগ্য ভাগরান সাম্বাক্তনীন ধৰ্মীৰ কুডাসহত আচৰপের ক্ষমা তার ক্ষমা ভূমিত রাখালে। পশ্চিম বিগরে সমূহথকে সূর্য অন্তমিত ইংগ মির্যান্ডভাবেই ডিনি এই বিশি পালম করতেন "



একাদশ অধ্যায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের দারকায় প্রবেশ

সৃত পোৰামী কালেন—"তিনি (শ্রীকৃষ্ণ) আনর্তদের উপস্থিত হরে তার আগফা-বার্তা ব্যেক্ষা করে কো শেই পেশবাসীর বিষয়তা প্রশাহনের কনাই তার ফাল-শুখটি : (পাঞ্চজন্য) খানিত কালেন। ওর স্থাতিভাগর পথেটি।

প্রমেশ্র উপবানের কবকমধ্যে বিধৃত হতে তারে হার দেশে (ঘারকা) উল্ল অতি সমূদ্রশালী মহানগরীর প্রাক্তে স্বানিত হলে, তার অপ্রকৃত অধ্যান্তের স্পর্টের স্থানি রভিমান হলে উঠেছিল। তথ্য মনে হছিল, একটি ভা রামহনে কো হতি হার কলেনকোর মুগল হথ্যে উচ্চরতে দেলা করছে। সংসাকে মহাত্তা ভিনালক সেই স্বা

निसाध छहन, शक्क छक्कन्यमा स्थानको नगरमधन क्षतान्त्व धर्मान वस्टाँ किछ नामना बादकाराशी क्रक्तां छात्र छछि अन्य धानिक छात्मना नगरमाशीस क्षत्रक छण्डा आर्थ मिन भूगं निर्देश क्षत्रकार गमा क क्षत्रिक स्टान अस्ट विनि भूगं निर्देश क्षत्रकार गमा क्षि विनि छोत्र क्षांचन मिन्छत बाद्य अवकारक मिन्छत नव किश् विति क्षांक्य, फाँएक द्वारी क्षत्रकार मिन्छत नव क्षि विराध क्षांक्य, फाँएक द्वारी क्षत्र मुद्दि क्षांक् श्रीन विराणका क्षर्योग क्षत्री क्षत्र मुद्दि क्षांक् श्रीन विराणका क्षर्योग क्षत्रकार क्षत्र मिन्छत्रकार अधारम करा क्षांक, त्यरेकारके समस्यामीता चन्नद्वमान क्षत्रकार क्षत्रकार क्षांक, त्यरेकारके समस्यामीता चन्नद्वमान क्षत्रकार क्षत्रक

38

গ্রন্থার কালেন—"হে প্রকৃ, আগমি ব্রন্ধা, চত্যসূত্র अवर देशानि रायकारमञ्ज भूमिकः। यात्र सीवद्भात भूतम् কলাশ লাভ করতে চার, আপনি ভানের পরায় বডি। আপনি অভাতীত প্রমেশন ভগনান এবং অহাতিহত কালত খ্যানবার উপর ভার মাজন বিস্তার করতে পারে ন। হে ক্রমণ্ডের সৃষ্টিকর্জা, আণ্ডি আমানের সাতা, গুভালম্বনী, প্ৰভু, পৰি, লিডা, গুৰু এবং খাৱাধ্য ক্ষপ্ৰান। স্থাপনার ক্ষকে অনুসরণ করে আমর্থ সর্বতোভাবে সার্থক হরেছিঃ ভাই আফল প্রার্থনা করি কো আগনি সর্বাই আমনের উপর আগনার কৃপা কর্মন ক্রেন। আহা, এট আমাদের পরম সেঁতোদা বে, नुमत्त्र। चाननात कृषांच क्रमाथ चामक क्रमाच क्रमाचे, আপনি হর্মের দেবসেমের মুর্গত দর্শন। আপনি ফিরে অন্যান, আপানত স্বৈত্ হাল্যবৃদ্ধ মেংস্টিময় বদনমঞ্জ এবং বর্তমালমার এই আলাকৃত রাল আহরে কর্মন করতে পারছি। হে কক্ষাক্তেন প্রহিনি, ককা আগনি স্থাপনার বৰুবের মধ্যে সাক্ষাৎ করের কবা আহানের পরিস্তান করে মধুনা, কৃপাকা বা হতিদাপুরে গমন করেন, তথা कानमा विकास-विकार कर मृहुई मसाव कामारमा सार् त्यकि तमके **ब्या**तर प्रत्य प्रत्य हो। (ह अनुष्ठ, छन्न ब्याम्बर वरम् भूर्यः विज्ञा १५१० रहिन्छ रुक्त गर्द হা। হে প্ৰস্কৃ, অংশনি কৰি এইচ্যাৰে সৰ সময় প্ৰবাদে থাকেং, ডা হলে সময় ভাগ মোচনলগ্নী সুন্দর হাস্য শোষিত আপনত মুখবন্তন কৰি বা করতে পেরে किकार्थ कामता जीवन शंका कवरक नामि १"

"ভাষা ভাভাবংসক ভাগবাদ প্রভাগের এই প্রকার <u>जिल्लामनाकानम् इति करते स्थल केत</u> हिन्तुप्र ম্বন্তিগাতের জারা কৃপা বিস্তার করতে করতে ছারকা নপরীতে প্রবেদ করলেন। লাগলোকের রাজধানী ক্ষেপবতী কেন্দ্ৰ নামনের হারা সুরক্ষিত, তেমনই দ্বারকা नभरी जैकरकारे मध्य कानामी प्रथ, एसक, प्रनाट, चाई, কুকুর, অন্তম ও যুক্তিপ্রের যারা সুরক্ষিত ছিল। ভারনা মগরী সমজ মাজম সার্থবিদ ঐথর্য ও সম্পানে পরিপূর্ণ জিল : সেবাংন সর্বত্র পথিত্র কৃষ্ণ ও সভা, জাতাম, উল্যান, উপকা, বিলাগকুঞ্জ এবং বিকলিত পাছে পূর্ণ সালেবর हिन । शहरमध्य क्रांबन्यक साथक सहस्रवाह, सन्। शृहहार, পৃথবার একা পশিপারে নির্মিত ভোরণসমূহ উৎসবের हिरूपक्रम श्रम, शहाका, स्थमीतृष्म, चावशहर, পুশ্পমালোর বারে সুন্দরভাবে সাক্ষানো হয়েছিল এবং সেওনি সংকেজনাৎ সুৰ্বিজনাকে ক্লছ করে ছারা সৃষ্টি करहरिन । पाम नथः, महीर्थ नथः, ननाविननि छवर चननगर्थ चडाव मुन्तकार्य भविकत कता शताबिम अवर তারণর সুমানিত করিছে পরিনিক হয়েছিল। ভগবন জীকৃষ্ণতে স্বাগত জনাবার জন, কল, ফুল এবং অভগ্ন শশ্যানির অভ্রসমূহ সর্বত্ত হৃত্যানে হতেছিল। প্রতিটি আবাসগৃহের ক্ষরে করে কবি, কভয় কল, ইন্দু এবং कराभूनं कात्र शक्ति धारतिक जारडी सभा स्टाहित একং পূজার উপকরণ, মূপ এবং দীপ হাড়তির দ্বারা সুশোভিত করা হরেছিল। তিরতহ জীকৃষ্ণ স্থানভাগামে আসক্ষে বনে বংকা বস্থাৰ, অনুন, উপ্ৰদেশ, অনুত ৰলশালী বলদেৰ, প্ৰসূত্ম, চাক্তকেঞ্চ ও আগ্ৰবতী-সন্ধা সংখ, সকসেই আনশের আভিশধ্যে উদ্ধৃসিও চ্য়ে লয়ন, আসন, প্রেক্তন পরিভাগে করেছিলেন। পুস্পাদি যাগসিক হবাসহ ক্লাৰ্থের সঙ্গে নিছে জিলা রূপে চড়ে ফতবেংগ ক্রীকৃষ্ণের সলে মিলিভ হওরার জন্য গ্রেম করাসেন। ঠানের করে ছিল সেঁভোগ্যের প্রতীক্ষরাশ রাজহন্তী। তথ্য কথা এবং তুর্ব ধানিত ছজিল এবং লৈকিক মন্ত্র উচ্চারিত হজিল। এইভাবে তারা তাঁদের প্রশাসপূর্ণ করা নিবেদন কৰেছিলেন। ওখন শত শত বিখ্যাত ব্যারবনিভাগন শ্রীকৃষ্ণতে দর্শন করার গুল্ম অভ্যন্ত উৎসূক হরে বিবিৰ স্থাসস্থা আরেছে করে উর প্রতি ধারিত হ হৈছিল। ভাগেৰ কুম্বৰ মূখ-সভলে সেংকুলামান

ব্র্থাজন কণ্ডল প্রেডা পাঞ্চিল, যার কলে ভাষের মধ্যোলবেশের সৌন্দর্য থুছি পেতেছিল। সুমঞ্চ स्टिक्टिक्टावन, निशीदच वर्डक्यन, शास्क्रनन, (कार्याक्षकान, छात्रिनन क्रायर सायकान मकरतार जीकृत्यात আলাতিক নীলা চবিওকধানমূহের বারা অনুপ্রাণিত হয়ে ঠাতে যে হয়ে মতো অভার্থনা করতে লাগলেন। গরখেবর ভগবান শীক্ষা বছ-বাধ্ব, আমীর-মজন, পুরুত্বসী এবং আর বারা উত্তে ভাগত জানাতে এসেছিল, ভাগেৰ সংখ মিলিও হয়ে ভাগের সকলকে অথাচিত সংক্রম এবং প্রান্তা প্রদর্শন করলেন। সর্বশক্তিমান জ্ঞাবান প্ৰীক্ষা কাউকে সভাৰ অবনত করে নমন্তবে, কাউকে অভিবাদন করে, কাউকে আলিক্সন, কাউকে হস্ত হারা বা অভীষ্ট বৰ এবং অভয় প্ৰদান কৰে, আচখাল সকলকেই ৰথোচিত সম্বাদ করেছিলেন। ভারপর সলক্ষ্ম বৃদ্ধ ওক্ষমন্ত্ৰৰ ও জাঞ্চল্যৰ সম্ভিব্যাহাৰে ভগবাদ ছারজাগরীতে প্রকৌ করলেন। সকলেই তাঁকে খ্যালীর্যার বার্যালন এবং শুনে মহিমা কীর্তন করলোন 🖰

"*(*ह विधान**, क्षेत्रक क्या उत्धानम मिटा माहित्या**, তথ্য ভারকার কুলরফ্বীগণ তাক্তে ফর্পন করার ক্রম্য প্রাসাদসমূহের শীর্ষে আরোহণ করেছিলে। তাঁপের কাছে ভা এক মহোৎসকো হতে। মনে হুরেছিল। স্থানকাবাসীয়া সর্বথা সমস্ত সৌশহর্যত আমাতখনাশ অচাত ভর্মান বীক্ষকে দর্শন করেও তুরি দ্যার করতেন মাং क्षीकृरवात्र कान्यूल मान्दिरमयीत विधानकृतः। क्षेत्र पृष्ठकः ৌশর্যক্রণ অমৃত গলের অন্যক্তকীদের পানগরেবরাণ। উমা কা গোকপালনের আন্তর এক উমা জীপাদপর উমা भरिमा कैर्डनकारी एक एकएमत स्वयः। क्रेक्स १४म স্বামকার রাজ্যপথ বিশ্রে অভিনেত্রত, ক্রথম কার মাপার উপর ব্যেত ছব্র শোক্তা পাত্রিল, খেও চারায় ব্যক্ষন করা হতিলে बनर भूष्ण ५छित करन आज तथ भूष्णाक्यमित व्हार्वका। তথ্য পীতবাস ও কামান্ত শোভিত শ্রীকৃষ্ণকে একসঙ্গে मुद्दी हक्त, देखका क विशेष स्वाहित का व्यापन माला মনে হজিল। ভারণর জন লিভার আলরে প্রবেশ করে তিনি দেবতী আদি ভার মাতালের যারা আলিগিত হলেন থক তিনি মন্তৰ ক্ষমত কৰে উল্লেখ প্ৰণতি নিকেন ক্যবেন। জালের পঞ্জকে আলিক্স করে মাতারা তাঁকে।

তাদের তেতো বসালেন। ভালন সেহবলত তাদের ক্রম থেকে গুল্ক ভালত হতে সাংসদ এবং আনশালের রাজ তারা তথ্য প্রীকৃষণ্ড অতিবিক্ত করেবিকেন। ভারণের বেশানে তাঁর বোলা ছালোরেশ্বর অধিক পত্নী বাস করতেন, সেই সর্ব অতিবিশ্রম সর্বেশকৃষ্ট তাঁর প্রসাদসমূহে ভারনা প্রবেশ করকেন।

"দীর্ঘ প্রয়াসের পর গতিকে পুরু প্রত্যাবর্তন করতে (साथ श्रीकृष्टमा नहीरमत समय नहामान्य पूर्व इस, উল্লেখ্য চকু ও করে লক্ষাকাত হল এবং জারা উল্লেখ্য আসন এবং চিতামত অবস্থা থেকে তৎকলং উলিও হদেন। ভানের দুবন্ধ ভাব ছিল এতই প্রবদ শে লক্ষালীলা মহিবীরা প্রথমে ভগবানকে তাঁগের পরিরের অব্যাহাল আলিকা করকোন। ভারণার জানা জীকে চৌৰ দিয়ে আধিক্ষা করনের। ভারণর উাকে আদিক্ষা করে क्षम् केला केरम्ब श्रुद्धस्य श्रादेशम्ब (अवर का दिन নিজেরট অনিখন কন্যা করে।। কিছু হে ভাওবেট। বদিও জালা উল্লেখ অনুভতিকে চেপে সাধার চেটা মরেরিলেন, আ সংখণ্ড, অনিকাত্তভাবেট তারে অঞ नर्वर कराहित्सन। खीवक रनित नर्वरा कवालधार তাদের পালে অবস্থান কর্তেন, ভবুও উার শ্রীপাদপথকাল প্রতিক্রণ শ্রীকের করে বর নররমান বলে महा रहा। दीशकीत्वरी वन्ति इकनप्रकार, विन्नु दिनि ভগবানের পানপদ কথনো পরিতাপে করতে পারেন মা। অভ্নের কোন নারী একবার সেই প্রক্রোপের আরার প্রচন মত্তে তাঁয় মেৰা খেকে বিবত হতে পাৰ্ত্ৰো? বায়ু কেন্দ নাপে কলে গরম্পর সংঘর্ষদের হারে হারি উৎপর করে বাঁশ কাকে বন্ধ করে, টিক প্রেমেই পৃথিবীয় ভারতরাপ শ্বৰ, থাৰ, হথ পদাতিক সংবিত্ত বৰ আক্ৰীচিৰী সেনাবৃক্ত গাড়িক রাজানের পরশ্বরের ছথ্যে পরুতা **बेरशास्त्रन्थंक क्षत्रात्र क्षित्रक बटर एएएस वर** করেছিলেন। সেই পরফোর ভগবান হীকৃষ্ণ ভাইততী কুপায়া প্রভাবে তাঁর অন্তর্জা শক্তিকে আগ্রহ করে এই পৃথিবীতে অবতীর্ল হরে প্রাকৃত লোকের হতে। মর্বপ্রেছ র্মণীদের মধ্যে ঋবস্থান করে আনক ভীপ্তেপ করেছিলেন। বনিও পরমাসুখরী মহিবীকো গুল ভরিস্কৃত নিৰ্মাণ মানেকে হান্ত একং সদক্ষ দৃষ্টিপাতে বাহং কলপথ পরভূত হয়ে হতান্তর তার পুলাতর পরিত্যার করেন

এক বহাবৈর্যদালী মাকাৎ মহাধেকও ম্যোহয়ার হন क्षि छद्व छात्मत स्माहिनी विका अवर धाकवरी मासिन বারা কারা অধ্যক্তন জীকুকোর ইন্ডির বিচলিত করেতে পারেননি। ময়োবৃদ্ধ বিষয়াসক মানুবেরা ঠীকুফাকে তাদেরই মতে একজন সাধ্যান মনুধ বলে মনে করে। তত্বলানের অভাবে ভালা নিবাসক, প্রাকৃত স্কাতীত প্রীকৃষ্ণকে মডের খানা প্রভাবিত প্রকৃতির সর্বী বলে মনে করে। পর্যেশর ভগবানের এমনই ঐশী প্রথাে— প্ৰকৃতিৰ বন্ধৰ্মক সাৱা-প্ৰশংক অংশিত হয়েও তিনি

প্রকৃতির ওপের বারা প্রভাবিত হল না তেমনই জীব চনদান্তর প্রচন করেছেন যে সকল ভক্ত, তাঁরাও ভাতা প্রকৃতির বংশর হারা প্রভাবিত হল না। সেই সবাদা ও অবলা দ্বীপদ উদ্দের প্রিয়তম পতি শ্রীকব্যের মহিয়া না খোনে মেহবলত তাকে জানের বলীভত ও একার অনুখণ্ড বলে ছনে কর্ডেন। নাজিকোর বেমন ভাগানের প্ৰমেশবৰ উপদান্তি কয়তে পাৰে মা ভেফাই ভাষা তাদের পতির মহিমারাজির পরিসীমা সম্বত্তে অবগত फ़िरमन नह*।*"



ভাদেশ অধ্যায়

মহারাজ পরীক্ষিতের জন্ম

শৌনকমুমি বলকো— অক্সামার বারা উপস্ট **करवर वरः कश्वादक बचादक वाना महाराज** পরীক্ষিতের জননী উত্তর্জাদেশীর গর্ভ বিনষ্ট হয়ে निध्वक्ति। विश्व शतरमस्त्र कंपनात्मत्र सात्रा प्रशासक পরীকিং রখা পান। অতীব কুঁছসম্পান কর পরম ভাউ, মহান নৃত্যট পরীজিং কেমন করে সেই গর্ভে আদা निरश्चास्तिना । **रक्**यन करश्चे क क्षेत्र मुकु दश, धनर केंग्न মৃত্যুল পরে ডিনি কোন্ গতি লাভ করবেন? বে মহারাজ পটাজিতের করে জিওকলের পোলারী অয়াকৃত তব্যস্তান প্রদান করেন, আমার সকলে করে সংকারে উদ্ধ ৰূপা ক্ৰেতে চাই। সন্ম করে এই নিমত্তে কিছু বলুন।"

শ্রীসূত পোরামী কালেন—"মহারাজ বৃথিতির কার রাজকুকালে স্থান্ত্রে সুখ-সৃষ্টি প্রেন করেছিলেন। তিনি ব্রিকান ঠিক জাল লিভার মতো। ভগরান শ্রীপুরেয়ে গ্রদগতে নিরব্রজ্ঞানে সেন্দ্র সম্পাদনের কলে তিনি वास्तित्वक क्षेत्राकाक्ष्मा अवर जनन सन्तव है किन नविद्वतिहरू विवश (शतक मुक्त विद्यानः) वृधिकित महत्वादक्षा পাধিব ঐশর্যের কথা, অর্থাৎ যে সমস্ত করা অনুষ্ঠানের बात दिनि डेंक्टरन शहनक्या कार्ड राजवित्यन कान क्या,

केर विश्वीतम् कथा, क्षेत्र भराक्षणाणी वास्त्रस्य कथा, তার বিক্ত রাজ্যের কথা, এই পৃথিবীর উপর তার আধিশতের কথা এবং উনে ফা ইডার্নির কথা স্থালেনে পর্যন্ত লৌহে বিরেছিল। হে রাজ্যপথ, মহারাজ र्याविताः जेवरं असलेरे सत्तामृक्षका विन एव वार्शत অধিবাসীয়াও আ লাভ করার বাসনা করতেন। কিন্তু (करण् विनि समग्रास्मा स्मात वच सिमन, कारे समान-সেবা ভিত্ত অন্য কিছুই তাকে সমূচ করতে পারত না।"

"হে তৃথনখন (শৌনক), যাতা উভরার সর্ভে অবস্থানকালে ইচাবীন প্রীক্তিং (আৰখাত কঠুক নিকিন্তু) রক্ষাত্রের ভাগে রখন দল হচিংগের, ভবন ভিনি नवदम्बा क्यकरक मर्गन क्यबिहानः। छिनि (कावान) ছিলেন যাও অসুষ্ঠ পরিমাণ দীর্ঘ, কিন্তু সম্পূর্বসংগ জড়ার্ভাত। তার অচুগত এবং অপুর্ব সুন্দর দেহটি ছিল ফল্যাম বর্ণ, তার পরনে তড়িং বর্ণ গাঁডবদন একং মতকে উচ্ছল স্বৰ্ণমূকুট ছিল। এইভাবে লিও পৰীক্ষিৎ ষ্ঠাকে নর্ক্ত করেছিলেন। ভগবান ছিল্ড চতুনুক্তমশপার, क्षेत्र कर्न किन एक्काबरम्य कृष्टम स्वर द्वमध्यम्य केन्द्र চন্দু হর্মেনে আবক্তিম। তিনি করে গরিওমন কর্বছিলেন,

ভগন তার গলা উদ্ধান মতে। নিরন্তর ভারে চতুর্নিকে খনছিল। সূর্ব যেমন হিমরাশি কাশীকৃত করে, তোমনই ছলবান ভারে গদার প্রভাবে অধ্যক্ষা নিশিলে সেই ক্ষবাল্লের তেক বিনাশ করেছিলেন। পর্ভন্তিত শিশু ওঁরেক দর্শন করেছিলেন এবং তিনি কে ছিলেন, সে সম্বাহ্ন মনে মনে চিন্তা করেছিলেন। এইভাবে শিশু পরীক্ষিণকে কর্পন দান করে, স্থান ও জ্যাদের অতীত, স্বাদিক ব্যাপ্ত, সর্বশক্তিয়ান, ধর্মরক্ষক শরক্ষের ভগবান গ্রীহরি অন্তর্হিত হর্টের। ভারণার ওও এহসমূহ কার্যান্ত অনুকৃষ প্রহুর্যাণ্ড সঙ্গে সন্মিলিত হলে, গাণু সদৃশ তেজনী পাণ্ডর বংশধর बाचायक्ष कश्रामन। शाहे नामा वर्गवाचा वृतिहित् প্রকর্মাচন্তে সেই নকজাত ব্যলকের জাতকর্ম সম্পাদন করিখেডিলেন। ধ্রীমা, কগাচার প্রহণ তক্তম প্রাণাণের। মানগজনক স্বান্তিবাচন পাঠ কৰেছিলেন। কিন্তানে, কথন ७ क्लाबार नाम कारक हत, हम विवदा व्यक्तिक प्रश्ताक বুধিন্তির পুরসভানের অথ উপলক্ষ্যে হাজগদের মর্থ, গাভী, ভামি প্ৰাম, হন্তী, কৰা ৰ উন্তৰ বন্ধ-সংগাৰি দান করেছিলেন। বিভান প্রাক্ষাবের মান বাতে অভান্ত সঙ্গাই হয়ে মহামাজ বুধিটিখনে প্রকলতেও বলে সংখ্যক। করে কালেন যে, তাঁর পুরতি অকণাই পুরু কালের উপযুক্ত (*

बाक्यन्त्र। कारम्य—"मराज्ञकायमानी बक्त गर्ववाख পর্মেশ্বর জগবান জীবিকা আপদাবের প্রতি জাতুর করে এই নির্মল সন্তানটিকে পুনক্তরে করেছে। এক অব্যর্থ অতি প্ৰাৰুত ব্ৰহ্মান্তের প্ৰভাবে ৰখন জান বিনাপ জনিবাৰ্য क्रावित्र, छचन फेर्ड्स अभ्य कहा क्रावितः। अत्राप्त्रात ভগৰন বিশ্ব কৰ্তৃক তেহেত রক্ষিত হারেছিলেব, ভাই এই শিশুটি আগতে বিভূৱাত নাবে সুশ্রনিক ছখেন। হে মহাতাগ্যক্ত, এই শিশুটি বে ভাগালের উত্তম ছক্ত হকে। এবং সমস্ত সদ্ভূপে ভূবিত হতেন, সে সহছে জোম সালের *সে*ট।"

ধর্মরাক্ষ (ব্রিটির) জিল্লানা কথপেন—"হে ভালেনট্রন হরেন।" बराव्यापर, अबे नवसाठ कृतात कि अन्तन के जर कीर्टित ছালা আন্মানৰ কংশ্ৰের পৰিত্ৰকীৰ্ত্তি সহামান্য রাভবিদের অনুসরণ করতে পায়বেং"

बालक माध्यक्ष अनुन्त हैक्ष्युक करना श्रक्तक्षक धारा

कारकालक जैताकातम बर्का जानातक विटन्ती ए ব্রহুণ্ড নীতিগরালা, বিশেষ্ট সভার্রাভক্ত হকে। এই লিএট উশীনর ব্যক্তার বাজা কারী নিবিত হতে কান্য দ্বাধ্য ও শইগাগান্তর গালত হবেন, ও মহারাজা করেনে পুত্র ভরতের মতে। জ্ঞাতিবর্গ ও অক্তিকসহ তার বংশের কা বিভাৱ করবেন। ধনুর্ধারীদের মধ্যে এই শিব सर्वातक बरका त्यांके स्टबन। दिनि व्यक्ति बरका पूर्वर्व এক সমস্রের মতো দুরুর হকো। এই লিওটি সিংহের ৰতো বিৰুদ্ধশালী, হিমাগছের মতো সুমহান আনার, ধরিরীর মতো থৈগুলীল এবং উরু শিতামান্তর মডেই সহন্দীল হলে। এই পিডটি মান্সিক সামাভার তার শিতামত বাঁধতির অথবা ব্রহ্মার সমত্তর হবেল, বৈকাস পর্যন্তর অধিকতি নিষ্কে মধ্যে তিনি মহাকানা হথেন क्षक भाषीत्मवीदक जात्रवरून नवस्थान धनवान শ্ৰীনারারণের মধ্যেই তিনি প্রত্যেকের থাকের হকে। এই শিশুটি ঐক্ফের' ব্যায় অনুসর্থ করে সহজ বিব্যবশ্বদলিত মহিমার জীরই মডো হবেন। তিনি कॅमलाकाम बराहाच्या वर्तिहरूच अवद धर्मराच्यात बहाहाच्या বৰ্ষালৈ মতে হতেনঃ এই শিশুটি থৈৰ্টে বলি মচাক্ৰাৰে মতো হকে, রহাদ মহারাজের মতো নৈতিক ক্ষাভক वेंदरम् अस् कर्न्ट्रस्थ वेका क्रिन्ट्रीय क्षत्रद्वा असर दक्ष ७. অতিকা শালিকের অনুনামন করকের। এই লিগুটি রাজবিনের জামধান্ত হতেন। বিকাশান্তি ও ধর্মের স্বার্থে, তিনি উজ্জ্বল ও কলংগ্রিয় সকলেতই সংগাতা হরেন। এক প্ৰাৰণ্ডমৰ কৰ্তৃত হোৱিত এক ডাকক নামের দংলানে তার মৃত্যু হবে, তা লোনার পরে, তিনি সমস্ত ক্ষতজাগতিক জাগতি থেকে মুক্ত হকেও একা প্রিম প্রয়েশর ভর্ষন ঐহ্নির শ্রীলাদশতে আত্রর গ্রহণ क्टरबन। (र कामन। धारे कालकि (दरशास्त्रक संज उमर्वि केम्प्राहरू युव (बाक प्रवाध काक्कार काम्प्र ইন্দুক হকো এবং সমস্ত ছন্ত আসন্তি পৰিস্তান করে

"বোরিত্র-মান্ত্রে গারদশী এবং নবজাত শিতর ভাগ্য গণনার দক্ত সেই বেলক ক্রান্তগেরা এইভাবে মহারাধা বুলিজিরকে নক্ষাতে লিওর ভবিবাৎ লয়কে উপলেল দিয়ে, রাজণেরা কালেন—"হে কুট্টানজন বৃথিতিত, এই প্রান্ত পরিমাণে কালিভাবিক ব্যক্ত করে করে করে প্রভাবের্তন क्राला ("

"এই বালক জনতে পরিখিৎ মানে (বিনি পরীকা करतन) अभिन्न दायन, रकनत छिनि चीत करवत नुर्द ধে পুরুষ্টের কর্মন করেছিকান, তাঁটো অনুসভানে সমস্ক মানবাদের পরীক্ষা করতে অনুব্যক। এইভাবে তিনি নিক্সে জারই কথা চিন্তা করকে। স্রজনুত (পরীকিৎ) জ্ঞার পিডামহনের অভিতারকছে সমেহে প্রতিশালিত ছয়ে ওঞ্জনক্ষের চন্দ্রের মড়ো নিনে দিনে বর্ধিত হতে। লাচেন। মেই পরীকিং বালক অবস্থাতেই বভাবত ধার্মিক, লক্ষ্যের প্রিক্তারন, হত্যান্তক্ত এবং বৃত্তিমান **स्टरकिरमध**ा"

শাপ খেকে মুক্ত ইওমার আই এক অখনের হয়া অনুষ্ঠান कतार कथा विरवाना कराहिएएत। किन्न विक वार्थ উৰত তহৰিল বা বাৰায় কয় এক স্বারীয়ালা আগায় কয় ছাতা কৰ্ব সংগ্ৰহের আৰু কোনত উপায় ছিল না। ভাষা করলেন।" মহান্তাৰের ঐক্তিক অভিনার সম্বন্ধে অবনার লাহ জান

ভাইতেরঃ জীকৃদ্ধের উপলেশ অনুসারে উত্তর দিকে नक्रमभूकं (स्थाताक सक्रएका भतिराक) अनुस काराय गर গ্রহ করে এনেবিধনের। সেই সম্পদের ধারা সহারাত বুলিছির মধ্যের উপকরণ সংগ্রহ করে তিনটি অভানেধ হজের অনুষ্ঠান কাহত পেরেছিলেন। এইভাবে কুরুকেও ৰতে আত্তীৰ-ক্ষান কংজনিত পাপের ভবে তাঁত ধর্মরাভ ব্যক্তির পর্মেশ্বর ভগবান শ্রীহরির সভান্তি বিধান করেছিলেন। মহারাজ যুগিনির কর্তক সেই যথে আহও হত্তে প্রবেশ্বর ভগকন প্রীকৃষ্ণ সেখানে আগমনপূর্বক (বিজ) ব্রাক্তবদের বারা কল স্পাদন করিয়ে আর্থাক "ক্ৰিক এই লাবে মহাপ্ৰাঞ্চ বুৰ্বাধিত জাতিবৰজানিত 'বজনদেৰ জানন্দ বিধানের জান্য কয়েক মান সেখানে অবস্থান করেছিলেন।"

"CE (मीनव), क्साना (शोशमीनक महाराम वृधिकित मध्यरहरू क्या एक्टर टिमि क्रिकेश स्टाइस्टिम, एकवा - धना नक्ष्याकरएक विवास कानिएई कर्मनगर स्वादान প্রীপৃক্ত ব্যবহরণ পরিবেম্বিত হরে হারকা সগরীর উদ্দেশ্যে



ত্রবোদশ অধ্যায়

ধৃতরাষ্ট্র গৃহত্যাগ করলেন

মৈরেকো করে জীকো পরম পতি সমছে ক্লান কাত करत विद्त रहिमाणुह काटा किटा (भरतमः। दिनि वैदेविकतक मध्ये बाल गान्ड कर्रकीरकार। ट्रिस्टरा धूनित কাছে দলে বৃত্য প্ৰৱ কৰে শ্ৰীকৃকের প্ৰতি ঐতাশ্বিক চক্তি লাভ করার পর হয়তে হাল করা থেকে কিনুর विक्रक चरामा (*

"वर्षन विनुदास शासारत किरत चामार राज्यान,

জীসুত ক্ষেত্ৰটো জালেন—"তীৰ্থ পৰ্যান জালে মহাৰ্থি অনেক পদ্ধীগণ এক সন্তানানিক্ত অন্যান্য মহিলান্য সৰ্কাই মহানশে হ্র-ড দেখানে এলেন। মনে হতিংল কেন দীর্কমন পর জীয়া আবদ্র ভালের চেডনা ফিরে গেলেন। বেন জ্ঞানের পেনে পুনরয়ে প্রাণ ক্রিরে এসেছে, এইভাবে পরন আকৃতান্তর সূত্রে ভারা সকলে মধ্যনতে ভার কাছে ষ্ট্রট বিরোধ্যনে। তারা সরশ্বন বিভিন্ন প্রবৃতি বিনিমর ক্রেছিলেন এবং পরস্পর্ভে আলিক্স করে জভার্থনা कानन करतिहरूला। केरणके अनर मीर्च विकारमञ्ज करण, তথা সমস্ত বৃহত্তাসী—সহাধ্যক বৃথিতির, উদ্ধ কনিউ ্তার সকলে সেরের কলে কারতে লাগলেন। মহারাজ রাতারা, পৃতরাষ্ট্র, সাভ্যক্তি, স্বরুর, কুপাচার্ব, কুরী, সুধিতির ভবন উপবেশনের আসন প্রান্থনের আয়োধন क्रक्ती, त्रीली, मुख्या, केरब, कृती, त्रीतपान चानक कत्राधन अवर चानाचन। विभूगचारय

ভোজনাতে বিধান কৰে দিনুর আর্মনারক একটি আসনে ৪০তেশন করলেন। তথা মহাব্যক বুণিটির স্বভাবসিভ তিনা ও নগ্ৰতা সম্পাত্ত তীয়ে সজে কৰা কৰতে লাগলেন এবং উপস্থিত সকলে তা ওনতে লগালেন।"

মুচালার ব্যথিতির কালোল-"হে শিতৃতা, আপনার কি মুনে আছে, কিচাৰে আগনি আমানের জনবী সহ সহালকে স্থাপ্ৰায় দুৰ্বোগ থেকে নিবন্তৰ ব্ৰহা ক্রবেছিলেন। প্রাথির জনার মতো আপনার পঞ্চপাত্রনপ খনো বিৰ প্ৰৱেশ একা অভিসংক্ষেদ খেকে আন্নানের বাঁচিয়ে রেবেছিল। জ্বলনি ভূমগুল পরিক্রমণকালে কোন বৃত্তির স্থানা গেহবারা নির্বাহ করতেন গুলেন কেনে প্রথম পরিবরণার এবং তীর্ষের সেরা আগনি করেছেন চ প্রকৃ, জাপনার মধ্যে মহান ক্রমবন্তক্তবাই ছয়ং পবিব তীর্থধাম করুল। জারণ আপনাদের হালরে অর্বাস্থ্রত গুনাধারী পরম পুরুবোন্তম ভগন্মনের প্রবিশ্বতা বছন করে সমান স্থানকেই তীৰ্ষে গৰিণত কৰে থাকেন। হৈ পিতব্য, আপনি নিশ্বরই ভারকার নিরেছিলেন। সেই পবিভারেন व्यामारका सक्रवाचन कार मध्यस्थर्व रामरका बढारका वंदर পরক্রেপরে জীকুকার দেবর সন্মের ব্যক্তের। আপনি निकाके केलन काश्रतन स श्रीतन क्या उत्त भावत्ता। তারা সকলে তানের স্বাস্থ গুছে সুখে আচেন জোং"

"अहेजारक वर्षात्रक एविकित क्षत्र कटला, मध्या विनुध ঘদবলে ধনকের সম্প্রার বাতীত, ব্যক্তিগভঙাৰে বেসব অভিয়তা তিনি লাভ কৰেছিলেন, ডা ক্ৰমণ বৰ্ণনা করলেন। করুণায়ত সহাত্মা বিস্তু কোন সংহই। পান্তমকের দর্মনা পেনতের পারতের না। তাই তিনি মন্তির चात्र चमक्तीत् क्षेत्र चंद्रेनात् क्या शकान करताय ना। কারণ দর্বোগাদি আপনা হতেই কালে। এই সহায়া নিদুর তার জাতি-সম্প্রদারের সকলের কাছে টিক দেবপুর। মানুবের মতেটে সমানুভ হরে কিছুবিন সেখানে রইকেন যাতে উন্ন জোষ্ঠ হাজা গুডৱান্ত্ৰীন মনেবৃত্তিৰ মসলসাধন ক্ষাতে পারেন এবং তার হারা আন সকলেবও প্রীতিশিক্ষা यम्ब्रा करत ।"

"মণ্ডক মুদ্রির কার অভিনপ্ত হবে বিশ্বর বডজি পুরব ধারণ করে ছিলেন, সেই ল্ডবর্বব্যালী অর্থনা পালীদের পাশকর্ম জনসারে বধার্থ ২৩ বিবাসের জন্য ব্যবহাকের পদাভিবিক্ত হয়েছিলেন 🖺

্ষ্যালাক স্থানিকির তাম রাজ্য করে করে এবং তার कार्लक प्रदान बेर्रिटश कर्णन नारवाद केमयुक्त अरु শৌচের ভাষের ফর্মন লাভ করার পরে, শাবিতে সাজন্ব কর্মেছলেন এবং ভার কনিউ বাডারা, বারা ছিলেন ক্রসাধারকের কাছে সকলেই নক প্রশাসক, উন্দের সহ ব্যেপিতা নিৰে তিনি অসমোনা ঐশ্বৰ্থ ভোগ করেছিলেন। খারা স্থ-পরিবার বিষয়ে অত্যন্ত আসন্ত এবং সর্ববাহি সেই ভিতর হল থাকে, পরস দুয়ুর অনস্ত কল অন্তাতনারে ভাগের ছাডিক্রার করে বায়।"

মহাকা বিদ্যু এই সমস্থ বিহতে অবগত বিকোল এবং ভাই তিনি বৃহস্পাইকে কালেন, "হে বাজন, শাঁয় আপনি এবান থেকে বেরিয়ে পড়নঃ আর বিগস্থ করকো নাঃ বেশুন, মহাভয় কিজাবে আপনাকে আমোর করছে। এই ক্ষত্ৰ কাতেৰ কোনও মানুৰের থারা এই খ্যাবহ পরিস্থিতির প্রতিকার হতে পারে না। মে হারু, পরম প্ৰবেশ্বৰ ভগতনই মহাকাল্যাণে স্বামানের সকলের সম্মরে উপস্থিত হতেনে। বে-ই মহাকানের হার। গুরুবারে হয়, তাঙ্কে অবলাই তার সর্গাপেক্ষ প্রিয় প্রাণই স্তর্গণ কর্মত হয়, এক ধন-সম্পদ্ধ, খন-মর্যাল, সন্তান-সম্ভতি, জমি-কভি এই সংখ্যে মধ্যে খন্যানা কিনিদের क्क चारा की क्लान चारहर च्यानस्त्र निज्ञा, काटा, यह, পত্ৰবৰ্ণ সকলেই হয় এবং হায়ান্ত। আপনি নিক্ষেও আপনাৰ জীবনেৰ ৰেপিৰ ভাগ সময় অভিবাহিত করেনের, জাগনার মেত্ এখন করালক, এবং আপনি অনের গুয়ে খান করছেন। জাপনি রুক্তনাল থেকেই বছ, এক সম্প্রতি কালনার প্রকাশকিও হাস পেয়েছে। অপনার শ্বতিদক্তি মুর্বল হরে পড়েছে, এবং বৃদ্ধিপ্রলে शहर। स्थलनात मस्तानि सीर्प शहराह, धालनात स्ट्रास्टर এটি ঘটেছে এবং আগনার কলির নতে সলকে কক নিৰ্গত হতে। আন্ত, তোমত জীবের বেঁকে খাকার আসা কী কাৰতী! ৰখাওঁটু, আলনি ঠিক এণ্টা পোৰা कृत्रात्म माध्यक्षे एवंटा वेरणाह्य पात्र कीरमा एकता উভিট আ গ্ৰহণ করছেন। কাদের জাগনী অধিতে निरक्त भरह अवर विश करकारण क्या करान क्या करदिशतन, जारभर पाकिरल क्रिकंड करन खंदानाँगढ ছীলে স্থাপন কৰবল কোনও প্ৰলোভন নেই। আপুনি ভালে ব্রীমেরও একজনকে অপমানিতা করেছিলের এবং

তালের রাজ্য ও ধন-সম্পদ অগহরণ করে নিরেছিলেন। মুড্যবহনে আপন্তর অনিক্ষা সকেও এবং মান-মর্যালা নট चरह (बैट्रा धाकात क्रमा जाभमात चाकातका चकारमत. আগনাৰ কাৰ্শগাৰ্ট দেহটি অকৰাই একটা প্ৰনে পোলাকের মধ্যে করাগ্রন্ত প্রবং ক্ষরগ্রের হবে। ওঁবেকই बीह क्या दश विभि क्षान पासक पुरस्तरन करन सन, ध्या माड पातिक (पाठ पूर्व क्रा. सक् (पक्षी क्या অবাৰহাৰ্য হয়ে পড়ে ভখন তা ভ্যাপ করেন। বিনি निरमक केंद्रभारत वा घरनात काम (घटक करन আছুজনসম্পদ্ধ হাত্ত ওঠেন এবং এই মাড ভাগতের च्यीक प्राप्त चात्र मृश्य-मृर्गना छेशमकि कटान, द्वार, छाउँ পৃহত্যাপ করে পরিপূর্ণভাবে তার হর্মস্থিত পরম পুরুষ স্কাৰন জীহৰিতে ভৱনা বাবেন, সুনিভিতভাবে ভিনিট गर्वाच्य प्रामनगर्छ। व्यवधार चाननि प्रमृहण करत ক্ষাপন্তর আধীয়-ক্ষান্যগর ক্ষান্তসারে উত্তর নিকে গ্রহন কলে, কাৰণ শীয় এমন একটি সময় আসংছে, বাৰ विचार व्यनुवास्त्र मार**ाजनी नडे श्र**ह सार ।"

"এইভাবে তার কনিট ব্যাতা বিদুর কর্তৃক উপনিষ্ট করলেন।" হয়ে আক্ষমির বলেজ মহারাজ ধৃতরাষ্ট্র আহাজিক জন (প্রকা) পরে করে চিতের শৃচভার ভারা আশীনবর্তের নিবিড় ত্রেহণাশ বিচ্চ করে গৃহ থেকে মুখ্টিসাভের পরে ৰহিৰ্মত হলেন। বুদ্ধে ভীন আক্ষাত পাওৱা সংক্ষ প্রশাক্তিক বোগার মতো সম্রাদ্যক করেলখনকারী নহ্যাসীদের আনন্দদায়ক যে হিমান্য পর্বতমালা, সেই অভিযুক্ত তাঁর পতিকে গমন করতে দেবে পাছসংক্রম স্কলের কল্য পতিরতা মধ্যী পাছালী ওঁর অনুবামিনী হলেন: অফাতশক বৃধিতির মহারাজ সভাচ-কথনান क्रिका धक्त एक्सिक कार्य जमानस क्यत क्रिक, नार्टी, कृति ও চক্সদির ব্যাল **গ্রাক্ষপ্**দের প্রথতি নিবেনঃ করে ও ওক্তজন্তের ক্ষুত্র করুছে জন্য প্রাক্ষাদে প্রবেশ করে সেখানে শিতৃকা বিধ্র ও গৃতকাই এবং সুবল-ডনজা त्राद्यावीतक सम्बद्ध (भरमन न्यः"

উন্নিয়চিত বুধিভিত্ন দেখাদে সম্ভাৱতে সমুপৰিষ্ট দেখে किकामा कार्यक्र—"(इ मक्स, चामार्गन वृद्ध अंवर स्वय লিতৃত্ব লেবার ৷ আফলের প্রম আখীর পুরস্তাত বিদুর এবং হত-পুত্র ্যাকলতরা মাতা পান্ধার্নীই বা তোধার গিরেছেনঃ আনাম জোকতাত গৃতরাষ্ট্র তার, পুঞ্জ এবং

পৌরদের স্থাতে শুড়ান্ত বিবহকাতর। নিঃসপেই আহি অভার অকৃতভা। তিনি কি আমার সেই অপরাধে নিধারণ কৃত্র হতে তার পড়াসহ গলার আর্থবিসর্জন দিলেন : যাখন আয়ালের পিতা পান্ধ শাযাগত হলেন, এবং আমরা সকলে নিভান্ত লিড, ছখন এই দৃই পিতৃক্ অন্তর্যুদ্ধে সকল প্রকার দূর্যোগ থেকে রক্ষা করেছিলেন উরো সকল সমূহে ছিলেন জামাদের মসলমূহ কভাকাতখী: হার, ওারা এখন থেকে কোধা<u>য়</u> গৈলেন 🖰

সৃত গোসামী কালেন—ভিন্ন প্রভু ধৃতরাট্রকে না ामटच वितरकाणत मस्या पदा उदार (अञ्चलीक विकास्य) হেপু অত্যন্ত কাতঃ হওয়ার মহারাজ বুলিচিকের সেই প্রবের যথাবার প্রকৃতির প্রদান করতে পারকেন না। প্রথমে ডিলি বীরে ধীরে ডার বৃদ্ধির দারা ফনকে সংহত করে, ভারপর তাঁর দুই হাত দিয়ে চোকো লগ মুছে এবং তার প্রভু বৃতরাষ্ট্রের চত্রশবুগাল কান করতে করতে, অন্তাতনক্ত মহারাজ সুখিতিবৃত্তে প্রত্যুত্তর দিতে ওঞ্

সভার বৈদ্যালন—"টে কুকবংগ্রের কণেখন, আগনায় ষ্ট পিড়বা এক গাছারীর অভিগ্রার কিছুই আমি জানি ন্ত। সে শব্যবাহের, আমি সেই মহাৰাদণ কর্তৃক বঞ্চিত क्रतकि।"

ীনজন ৰখন এইভাবে কাছিলেন, তখন বীণা হতে মহাভাগবন্ড নারুদ সেইখানে আবিপুত হলেন। মহারাখ বুৰ্ঘিটিয় তথন তাঁর ভাইদের সঙ্গে দিল আসন কেছে উঠে মাজিৰে নামৰ মুনিকে অভিযাননপূৰ্বক পূচা করে অভ্যৰ্থনা ক্রান্সলের।"

মহারাক যুগিতির ক্যাত্তন—"হে ভাগবত, আনার গুই পিতৃৰ কোষায় গেছেল তা আমি জানি না, এবং নমন্ত প্রহীনা, শেষ-কাতরা আমার হাড়সম ভপখিনী গাছারীকেও আমি পেবতে পাছি ন। আপুনি মহাসাগ্যে কর্মধারের মতো আফ্রনের ক্রকাশব দেখাতে পারেন।"

এইজনে বুধিচিরের কথা ৩নে মহাভাগতত, দার্থনিক চন্দ্ৰতে দেধৰি নামণ ফলতে লাগলেন—"হে ধাৰ্মিক ক্ষজন, করেও জন্য শোক করে। না. কারণ প্রত্যেকেই পরদেশন ভাগবানের অধীন। ভাই সমস্ত জীব একং ভাদের পাদকবর্গ প্রার্থনা করে থাকেন কেন নির্বিয়ে

ধ্যকতে শারেন। ভগবানই ভাদের হিলিত করেন এবং প্রিচন্ত্রণ করেন। পাতী খেমন মাসিকার রুচ্ছুর ছারা আৰম্ভ হংৰ থাকে, তেখনি মাৰুবেরাও বিভিন্ন অনুশ্রসনাদির ধারা আবর্ত্ত হয়ে পর্যেশ্র ভগবানের আন্তেশ প্রেন করতে বাং। হয়। কেনেও বেংপারাড় ধ্যেন তার নিকের ইত্যামতো তার খেলার ভিনিদগর সাজার আর ছ্যাঞ্চর করে ফেলে, তেমনই ভাগেনের नवस देखांत्र संगुरवत सिमन ६ विग्रहम वर्ते चार्छ।"

°cের রাজ্যে, যদিও মানুবকৈ জীব বাপে নিচ্য ≪ দেহক্রপে অনিতা, অথবা অনির্বচনীয় হেতু নিত্য ও অনিতা উত্তম সংগই অংগনি মনে কয়েন, তবে বে কোন অবস্থা খেকে বিচার করকে তায়া আপনার শোকের পাই নয়। মোহজনিত স্নেই বাতীও শোংকর আর ক্ষম্য কোন কাৰণ নেই। অভএব আৰ্থকাণে অজ্ঞানতাভ্ৰমিত আপনার এই উৎকঠা পরিত্যাগ করন। আপনি এখন ভাবছেন, বারা জনাথ অসহাত, সেইস্থ জীবেরা আপনকে হাড়। কিডাবে প্লাপ ধারণ করবে। এই পাকটোতিক শরীরটি কাল, কর্ম, ও ওপের কাবতী। তার কলে সর্পথন্ত হরে থাকার মতো সেই পরীর किञात बनाएक उन्हा करता र इस्तरिय धारीना হওপুক্ত প্রাণীদের শিকার, প্রবৃহিত বারা, ভারা চতুষ্পদ श्रद्धित्तव निकार पूर्वन जीरकत काराम जीरवरना जीवन श्रद्धात्व करमा अवर अक सीव कमा सी(का चाम)--अनिरे সাংখ্যে ব্রীতি হরে দাঁড়িরেছে। অতএর হে রাজন, আপনি কেবলমাত্র সেই প্রমেশন ভগবানতেই অবলোকন করন—হিনি এক এবং অবিতীয়, ভিনি বিক্রি শক্তির মধ্যমে নিজেকে প্রকটিত মরেন এবং বিনি অনুরে ও বহিতে দু'ভাবেই প্রকাশিত টো।"

"হে মহারাজ, সেই ভৃতভাবন প্রথ পুরুষোভ্রম क्षणान क्षिपुक, फनरम्-विद्वशिष्टम क्लान करात कन्। নৰ্বপ্ৰামী কালজনে পৃথিনীতে অবতীৰ্থ হয়েছেন। পর্যামধ্য ভগবান দেবতালের সাহায্য করার উদ্দেশ্যে ইতিমধ্যেই ক্ষা কর্তব্যকর্ম সম্পন্ন করেছেন একং একন তিনি অবশিষ্ট করেঁর প্রতীক্ষা করছে। বচকা পর্যন্ত ভদবান এই পৃথিবীতে আছেন সেই পর্যন্ত আপনাত্র পার্ডব্রের অপেক্ষা ঝরে থাকতে পারেন।"

"হে গ্লাজন, খ্যাপন্ত গিতৃবা শৃতবাষ্ট্ৰ, খ্যান আমে বিদুর এবং উর পড়ী পাছরী সহ হিমালতের ঘটিশ দিকে রিবেছেন, বেখানে অবিসের আরো আছে। সেই স্থানে প্ৰিত্ৰ পক্ষান্দী সপ্তাক্ষরির প্রীতি স্পশাহনের জন্য নিজেকে সন্ধারার বিভাগ করেছেন, সেই জন্য এই স্থানকে লোকে সপ্তায়েত তীর্ষ কলে। সেই সল্প্রেতা নদীর ভীরে, ধৃতরাষ্ট্র প্রতিদিন সঞ্চাল, গুপুর এবং সন্ধান্ত সান করে, অগ্নিয়োর যক্ষ সম্পাধনপূর্বক কেবলমার ক্রমপান करत चडान-रणन समुनीयन एक करतरहरे। यह क्रमुनीभाग प्रत व्हरूर हिलाई मरदाप्त महाइक क्षक प्रानुवरक পুত্র-কলরের আগতি থেকে সম্পূর্ণ রূপে মুক্ত করে। বিনি বৌগিক আসনের পদ্ধতি এবং স্বাস-প্রক্রিয়াদি আহও করেছেন, তিনি হাড় বিষয় থেকে হয় ইলিয প্রত্যাহার করে পরযোগর ভাগরান শীহরির ভাবনায় মধ চ্চে গারেন এবং শেইভাবে কড়া প্রকৃতির সন্ধ, রজো একং তমোগুলছনিত কলুই থেকে মুক্ত থাকতে পারেন। ধৃতরাষ্ট্রবৈ আত্তরান-বজাগ বৃদ্ধির সাথে আপন শুদ্ধ পরিচয়ের সংযোগ সাধন করতে হবে এবং জন্তপরে পর্য মুক্তর সাথে এক জীবসভাজণৈ ঠার ওপাত একস্বতাৎ আন অর্থন করে পরম স্বার মাৰে সাধুদ্র খ্যান্ত করতে হবে। স্বভনাগতিক থাকা আকাশ থেকে মৃক্ত হয়, कारक किनाकारन खेतीन करण करन। देखिएतन मधन ভার্যকলাপ বাইরে থেকেও সংগ্রস্ত করে এবং ভোকের বৃদ্ধিতে বাহ্য বিবাহ আহৰৰ কাপ জন্তঃ প্ৰকৃতিৰ গুলবৈশিস্থানির বারা প্রভাবিত সর্ব প্রকার ক্রিয়া থেকে নিবস্ত হবে স্থানুর মতো নিগলভাবে তাকে অবস্থান করতে হবে সৰ রকম জডজনতিক কঠেব পরিত্যাপ করবার পরে, সেই পথের সমস্ত বিশ্ব অভিক্রম করে, ঠাকে অনিচল হয়ে অধিষ্ঠিত হতে হবে।"

°হে গ্রাহ্মন, আন্তে খেকে খুব সম্ভবত পঞ্চন দিনে ভিত্রি দেহত্যাগ করকে এবং তার মেই দেহ ভাষে <u>এরিণত হবে: বাইরে খেকে পর্ককৃতিকেছ ভারে পতির</u> দেহ যোগায়িতে দক্ষ হতে দেশে শতিক্রমে লক্ষ্মী গাঙাবীও সেই অগ্নিতে প্রবেশ করে একালচিত্র তার পতির क्रमुवर्किमी शहरू।"

"হে কুরুমকন, ডখন বিদৃধত সেই আকর্য ঘটনা দর্শন করে হর্ব এবং বিষ্ণাদ অভিত্ত হয়ে তীর্থাদেশার জন্য সেই পুণা পৰিত্ৰ তীৰ্মছল পরিত্যাগ করকো। এই করংখন এবং বৃথিতির মহারাজ্যও নারদের বাদী হাদত্তে বলে দেববি নারদ তার বীপা হলে স্বর্গে খন্যোহণ ধ্বরণ করে শোক পরিত্যাগ করলেন।"

***** * *

চতুর্দশ অখ্যার

শ্রীকৃষ্ণের তিরোধান লীলা

শ্বীপৃথ লোকানী নাগেন—"শ্রীকৃষ্ণ এবং ক্ষরান্ত বন্ধান দর্শন করার জন্য এবং পুণ্যাক্ষক শ্রীকৃষ্ণের চরিত্র ব পরবর্তী অভিগ্রান্ত জানবার করা আর্থ্য বারকায় বিয়েছিলেন।"

'कशाक याम चंड शामक **अर्जू**न किरव अरमान मा। মহারাজ যুটাটির তথ্য ভাতের অনিটস্চক অম্পান किस्तृति मन्द्रां कटाड भागासम्ब किति (पदानर सि, मास्त्र नहि चठाव छहारह हात डेटोट, क्युक्तिह दर्श বিপর্যন্ত হরেছে। ক্রেন্স, লোভ ও সিধ্যা সমস্ত স্কর্পনের প্রবৃত্তি হয়ে উঠেকে এবং সেই কন্য ভারা পালের প্র অনুসরণ করে জীবিক: নির্বাহ করেও আরম্ভ করেছে। रक्षात्र बाधाक मञ्ज बाठाविक चानान-क्षमा अवर बाहरनम् कमहेकभूर्व अवर गरेकार कमृषिष्ठ हरूर कीन। আর পারিকানিক ব্যাপারাদির মধ্যেও পিতামধ্যে, পুত্রকল্যা, শুক্লবর্ণ এমন কি ত্রাতৃক্পের ম্বোও নিরুত সভাত্তর ক্টতে লাগল। গতি-পত্নীর মধ্যেও সর্বলা উৎকঠা আর কলহ বিগাদ ঘটাইল: কালক্রেমে, এমন হয়ে উঠল বে, লোকের মেটেম্বরী লোভ, কোন করে নরে এর বলে পড়েছিল। এই সং অৱত লক্ষ্যাদি দেৱে বৃথিতিত্ত ম্বান্তর উর ভেট ভাই খীনক্ষেত্র ফল্লেন, "আমি कर्बृन्त्व दाव क्षुताः महत्त्र मानाः कताः कन्। दावर नवरवर्षत्र छत्ररात **बीकृत्यन कर्यमृत्री सा**नवान सन्। ছারঞ্জর পাঠিমেছিলাম। সাত মাস ইয়ে প্রেক্ত সে খেছে। তবু এখনও সে কিলে এল না। সেখানে কি হচে, ভা আমি কিছুই কানতে পানছি না। দেবৰি নানছ যে ন্দেহিলেন, পর্যালয় কাব্যন প্রীকৃত্য টার উদ্ভাগতিক

নীকা কংগ্রেপ করবেন, সেই সময় কি একনি উপস্থিত ইংচাছে। উপৰান কি পৃথিবী থেকে অসকট হতে চানছেন। তাঁৰ কাছ থেকেই আমানের বাবতীয় বাক্তীয় তাঁথৰ সমৃতি সম্পান, মাক্তপাট, ওপৰতী স্ত্রী, ক্ষানকুল, অম্পানুক্রক, প্রস্লাপালন, শক্রকায় এবং উচ্চতর প্রথানকানির মধ্যে ভবিবাধ সংস্থান লাভের সম্ভাবন স্থা কিছুই অর্জন করেছি। এই সবই আমানের প্রতি ভার অহৈতৃকী কৃপাং কলেই হারছে।"

"দেখ দেখ, হে নরব্যাস্থ, প্রহুলক্ষরাদির প্রভাবক্ষরিত (আধিদৈবিক), জাপতিক প্রতিক্রিকা সত্ত (আনিভৌতিক), এবং দৈহিক আগাদি থেকে উত্বস্ত (আধ্যক্তিক) কত বৰ্তমত শুবছন উৎপাত উপস্থিত हरबरह या जाशारमञ्ज वृश्चिरक जाम्हत्र करत जन्द ভৰিব্যক্তের বিপদাশভার ইজিত নিজে। আমার বাদ উর্জ, বাম নয়ন ও বাম বাম সবই জাংকের স্পশ্তিত হলে। আশ্বার আহার হানত বানংক্র কম্পিত হচ্ছে। এই সমন্তই অবাস্থিত অধনতোর সূচনা ইনিত করছে। হে ভাষ, ঐ দেখ, এই শৃগালী মুখ খেকে জনল উন্পার করতে তরতে উদীরমান সূর্বের দিকে তাঝিতে কিকট ব্যর্তনাপ করছে কাল এই কুকুলটা নির্ভন্ন চিত্তে আমাল দিকে ভাকিরে বিকট ভাবে শব্দ করছে। হে জীমদেন, পুরুষধায়ে, এখন পার্কাদের মতো উপকরী প্রথম কামার यात चिक मिर्छ हरून सारक उदार भर्मकरमंत्र सरका. নিমবোনির অভাচ পভরা আমাকে প্রদৃষ্টিণ করছে। আমার ক্ষাধান কেন আমাকে কেনে ব্যোপন করছে বলে মনে হছে। দেখ। এই পাররাটিকে তেন হমদূত কলে

মান হলে ৷ পোটা এবং ভার প্রতিষ্ণী কাবের কর্তন মার আমার ক্ষর কম্পিত হলে। মনে ইংক্ত তারা যোন সারা বিশা ব্রশান্তকে শুনা করে কেবতে চাইছে। নেৰ বৃদ্ধ বিভাৱে আকাশে বৃত্তে বেভারেছ। মনে ইকেই ভেন পথিবী ভার পাছান্ত পর্বত জ্বাপছে। শেস, বিনা মেশে বছপাত হয়েছ এবং দেখ, মীল আকাশ খেকে বিশ্বাহ মেয়ের আসছে। পুলিবাশিতে নিগত্ত অঞ্চলন করে। প্রচণ্ড কেলে বার প্রবাহিত মতে। বেলসমূহ অভি হীভ<সরালে চতুর্দিকে রক্ত বর্বপ করছে। স্থাকিরপ निवाह हरत वाटक अवर चाकार्त शरू-नकत्रकाले परान्तव হছ করছে বলে মনে হলে। নিরাপ্ত প্রাণীরা খেন ঋষ্টিতে প্রথমিত হতে জন্মন কলছে। নাম, নামী, সারোক্ত, क्रमाभशावि अवर धन जबरे विकृष श्टाक। व्याहिक প্রদানের কমি আর প্রথমিত হতে ম। এ কি দ্যুসময়। ঞানি বা, কি আতে চলেছে: গোৰংসলৰ আৰ গোমানের ক্রম পান করছে বং গাডীলের ক্রম থেকেও खार पृथ्वमता रिममिष्ठ इराष्ट्र भा। छात्रा चळग्रेनी दरत নাডিকে থেকে হোলন কৰছে এবং গোচারণ ভামিতে ব্রগণত আৰু আনন্দ প্রকাশ করছে না। সন্দিরে দেবপ্রতিমাওলি তেন পর্মাক্ত কলেবরে রোগন করনেন। উল্লেখন স্থান ভাগে কৰে চলে যেতে উপত হয়েছেন। धरे नमक भट्ड, कमनम, झकाब, धनिनामा, छैनान-च्याच्यापि नवेषे राज अच्छा और वोष्टे अवर निहानक सरारह। মানি না, আরও কড নিপর্বর আমানের জনো প্রতীক্ষা করে আছে। এই সমস্ত অন্তও লক্ষণ করি করে আমার मत्न दर्ज्य (स. प्यास नविदीत भौजिला विन्हे स्टार्ट्स) প্রদেশর ভাগবাধের পাদপতের চরপচিক্রে চিকিড হওয়ার শৌভাগা অৰ্ডন করেছিল ধরিবী। এই সৰ প্রক্রণাধি निर्दित कहरू (४, छ) छात भारत्य मा 🖰

"হে প্রায়ণ শৌনক, গৃথিবীতে নেই সময়ে এই সমস্ত অশুন্ত লক্ষণ দর্শন করে মহামাজ বৃথিতির ফল শত্যুব বৃশ্চিবারের হয়েছিলোন, তথা অর্জুন বারকাপুরী থেকে কিলে একো।"

"অৰ্জুন বাংন শ্ৰীৰ চৰণগ্ৰহো নিগতিক হলেন, তথন মৰানাৰ বৃথিকির কাজা বহুলেন যে, খ্ৰীৰ আক্তাহাৰ কো অভূতপূৰ্ব। খ্ৰীয়ে মুখ ছিল আক্তান্ত ও নতনকালে থেকে কিছু বিশ্ব আন্তা মেয়ো আসাছিল।"

यार्ज्जातक अहिस्तारक हामसन्त्राची स्टेट्स-स्टेटकर्मात কাশ্রিহীন অকস্থাট লেখে, মহারাজ যুগিতির নামদ মুনিব ইনিও পর্য করে স্তানবর্ধের সমক্ষে অর্থকে কিলোক ভাগেন—"ভাই, সামাৰে বল, আমানের বছবান্ধর আর वाचीर-वक्ताना-म्यू, रहाक, भगई, वार्ट, शायण, আহক ও বৃত্তিয়ে অর্থাৎ ব্যুবস্থানের সকলে কুল্লে আছেন কো আমার প্রথমে মাতাকং শুরুসেন মহলে আন্টো ভাং আয়ে আমায় মাতল বসুগের এবং তাঁর কনিষ্ঠ ভাউলো কুন্দে আছেন ডঃ সেবকী প্রমুখ নসুনেবের সাত গড়ী পরস্পারের প্রতি ভগ্নীভাষাপত্র। তারো সকলেই তাদের পুর ও পুরববুগণসহ সুবে আছেন ও গ দীর পুর অভান্ত প্রচারী, সেই উপ্সেম রাজা এবং তার কনিষ্ট সহেলর মেরত এখনর জীবিত আছেন তং উপ্তাসন সুবে আছেন ত হানিক এবং থার পুত্র ক্তবর্মা, অনুত্র, জবল্প, পদ সালা ও সার্ভনিৎ এরা নকলে স্তাল আছেন ডং ভার্ডাদের প্ৰভু কালনে কুললৈ আছেন ভাগ বৃদ্ধি কংগ্ৰেছ মহান সেনাণ্ডি প্রশৃষ্ট কেম্স আছে। আরু হছে ছাতিশ্র । भग्नक्रमभागी, क्षावादनंत्र साथ अकार्य, सन्तिक्य सामार्थ चार्क्स छ। मृत्यम् अवस्थाः, बाद्यवदेशः नृत्र मात्र अवस জীক্ষের অনুমন্ প্রধান প্রধান পুর্পণ কাজানি তাদের পুরসই ভাল আহেন ডা এডালের, উদ্ধর প্রভৃতি প্রীকৃত্যের অনুচরগণ এবং জীবলরাম ও প্রীকৃত্যের বাহবলে সরক্ষিত সুনাম, নাম প্রস্তৃতি আমারের অন্যান্ত পরম সূত্রন স্মন্তত শ্রেষ্টনগ কুনলে আন্মেন ভা তাঁরা আমানের কুশল চিতা করেন তাং সেই প্রাক্তপথেত হিতকারী ভক্তবংস্ক শেকিছ, পরম পুরুষোধ্যম ভাগলে প্রকাশ ভারতা পুরীতে সুধর্ম নামক সঞ্চাত সুহারতার্ পরিবেশিত হতে দুক্তে আছেন তঃ"

"আদি পুরুষ ভাগবান প্রীকৃষ্ণ লারা ক্ষণান্তর সকল সাধন, প্রতিশালন এবং উপ্রতি সাংবর্গ উদ্দেশে। বনুকুলবার সম্প্রের মধ্যে অন্তর্গের বলরামস্থ অবস্থান করকো। আর বনুকালীয়ের প্রীকৃষ্ণের বাকরারের ছারা সংক্রিক আর নিজনগরী বারকালুরীতে কৈকুঠনারের অনুকরবর্গের মধ্যে জিলেক পুরিশ্ব হয়ে প্রম আনক্রে বিহার কর্মান। সভাটানা প্রশ্বর বালকার মহিনীকল ভগবানের ভরগ-সৈবাকন মুখ্য কর্ম সকলার করে ভগবানের ভরগ-সেবাকন মুখ্য কর্ম সকলার করে

ৰবেছিলে। এইভাৰে ঠাৰ মহিবীয়া ইন্তপদ্ধী শচীদেবীয় (कांगरयाचा (भाविकात भूवन) केन्(कान कर्त्रम) वन् वीवत्रम् नदरमञ्जतः संभवादमस् बास्वरानतः असारम প্রতিপালিত হকে সর্বত্যেভাবে ভ্যাহীন হরে থাকেন, খার তাঁই মেণ্ঠ দেবভাষের বোগা এবং বংংপূর্বক অধিকৃত স্ধর্মা করে সভাবহতিতে ভারা উামের চরণ হারা পদালিত করে বিচরণ করেন*ে*

^{*}হে বাড়ো অৰ্জুন, ভোষার নিজের সমগ্র কুশাস ও ! স্তোমায় শারীরিক দীন্তি নট হলে পেতে বলে মনে হচেছ। তুমি দীৰ্ঘকাল হারকার ছিন্তে বলৈ কি ভারা ভোষার অবলা প্রদর্শন করেন্দ্রের ব্যাধার বর্গেটিত সামান কলা করেননি? কেই কি ডোমাকে অপ্রীতিকর অওত কথা বলেছে কিংবা বে কিছ প্ৰাৰ্থন কলেছে, তাকে দাকিবা দেখাতে প্রচলি, কিবো কাউকে প্রক্রিকতি দিয়ে তবি কি তা পূর্ব করতে পারনিং ডুমি সর্ববাই শরশাগত বোধা

জীকথারেই আধার প্রদান করে ধাক। আৰু কি কোন শরণাথত ব্রাহ্মণ, বালক, গাভী, বৃষ্ণ, জেনী, স্মাঁলোক किरवी काम काम जोगेंदर आवरणात कक्य उत्पन्ध তুমি কি কোন অগমা খ্রীতে গমন করেছে কিবেছ কোন গমা জীলোকের প্রতি কথাকা অভ্যন্ত কলনি কথকা পথে তোহার সমকক বা তোমার বেকে অবন ব্যক্তির কাছে পরাজিত হতেছ। তোমার সাবে একরে ভোজন করবার যোগা বৃদ্ধ বা বালখনের তুমি কি যন্ত্র সাওনি ৷ ভালের বাদ নিয়ে ভূমি কি একাই কোজন করেছে। ক্ষায়র অবোধ্য কোনও গর্হিড কর্ম কি ছবি করেছ? পরধন্ম তোমার অতি প্রিরগম সধা শ্রীকৃকের বিরহে ভূমি 🌬 मुनाका (याथ कड़क् है (है कब्र्यून करि) 🛥 सका (कामक এই রঝন অশান্তির আর খোনত কারণই আনি ভাবতে भागम् सार्



লঞ্চদৰ্শ অধ্যায়

যথাসময়ে পাণ্ডবদের অবসর গ্রহণ

ক্ষালৰা অৰ্থনকৈ উন্ন জ্যেষ্ঠ ব্যক্তে মহামাঞ্চ বুধিছিয় এইভাবে নাম প্রকাচ আশবাসুক গ্রন্থ কিলাস্থ করলেন।"

িগতীয় লেকে অৰ্থনের কুব এবং হানগ্রথা তথ হয়েছিল। তাই তাও বের প্রভাষীন হয়েছিল। এখন, পর্মেশ্বর ভগবান জীত্তকর স্থতি উদয় হওবার কলে তার পক্ষে উত্তর দেওয়া অভ্যন্ত কটকর হয়েছিল। স্বৰন হিনি ঘটি কটে থিবলিড শোকাঞ্চ সংবরণ করফোন, धान्नभारता राज्य पार्ट्स व्यक्तिंद कारतान । बीक्टकार धारणीत তাত্ত পুৰাই উৎকটা ছাতেছিল বলে অভ্যন্ত কাণ্ডৰ হয়ে। প্রভারের 🏳

গ্রীক্ষেত্র স্বাহ্মর, মিরস্তা, বছর একা সামগ্য আদি नदर्भर कथा परान करत पार्क्त सामा गरमा परा प्रशास

সূত লোকাৰী কালোন—"শ্ৰীকৃষ্ণের বিরহে কাডর - ব্যবিভির্কে কাডে সাগলেন—"মহারাজ। পরমেশব ভগবান শ্রীহরি, তিনি আমার প্রতি বনিষ্ঠ বছর মতে। আচৰণ কৰাখেন, তিনি আৰু আমাকে ছেছে চলে লেটেন চাই আমার হৈ বিপুল তেজ দেবতালেরও বিশ্বর উৎপাদন করত, তা অপাদত হতেছে। আমি তাকে হারিয়েছি বাঁর ক্ষাকালের বিরহে এই সমগ্র ভবনের সব কিনুই প্রাণহীন সেহের মড়ো অপ্রির এবং শুনা বলে यहन हरा। जायि स्वयंत्र डीसी कुलाई बहन क्लीवम् ३६७ হ্রূপদ রাজভবনে করারের সভার সমাপ্ত কামোণত মুপতিদের প্রভাব পরাভুক্ত করেছিলাম। আমার ধনুকের क्या चारताभव करत यश्मातानी सका विक करवहिनाम এবং ভার ফলে টোপদীকে লাভ করেছিলার। ডিলি নিকটে ছিলেন খলেই শক্ষতা সহকারে আমি দেবতাগণ

প্র মুক্তাবলবান ইক্লানেখনে কর করতে সঞ্চত হয়েছিলমে, সংখ্যা করের আনু পাতীনকরী আহরে বাধানুগলের অধ্যাত্র এবং ভাই অভিনেত্তক পাণ্ডৰ বন নহন করতে নিতে। গ্রহণ করেছিলেন। হে আজমীয় রাজবংশের বংশধার, লের্বেছিলাম। কেবল তারেই করণার সেই কুলর বাতধ একন করিই গ্রহণ পুরুষোক্তর ক্ষণধানকে হারিবেছি, বার বানের মধ্যে খেকে মান্যানক রক্ষা পেরেছিল, এক, তাই প্রভাবে আমি এত পাঁক-শালী স্বয়েছিলার। কৌরবাদের অনুমানের আশ্বৰ্ক স্থাপতা শিক্ষমতিত সাধামতী সভাগৃংকী "সামত্তিক শক্তি ছিল বহু আক্ষের প্রাণী সমন্বিত সমুদ্রের ভাষো গড়ে তুলতে পেরেছিলাম—যে সভাপ্তে সমস্ত व्यानकिया वाकभूत वरसाय अनुसारम मार्थक रखास्तान क्षर चार्य्यात्क क्षकार्य ज्ञित्यसम् करत्रिहरूमः। चन शुक्रात ব্যুতির শতি সম্বিত আপমার ব্যুক্ত কলবানেরই কুলার ক্ষা করেছিলেক ক্ষরালক্ষকে, বার প্রকৃত্য কা নৃত্তিত্তর ছারা পৃক্তিত হত। জরাসক্ষের মহাতৈরক হতে বলি रम्ख्यात कर्ना धेरे ममन्त्र प्राकारमंत्र निरंत चामा एराहिन, কিন্তু শুরো এইজাবে মুক্ত হয়েছিলেন। পরে জারা व्याननाटकं क्ये शानन क्येट्रिक्टनः। त्राक्टन्ड स्टब्स्ट्रास्ट्रार বিশেষভাবে পবিত্র এবং সৃন্দর বস্তু আভরণে সঞ্জিক। ভোমার পদ্ধীকে বখন দুয়ুগুকারীরা কেশাকর্মণ করেছিল, শ্বৰণ সে অক্ষমিক নৱদে জীকৃত্তার চরণে গড়িছ হরেছিল এখা তিনিই সেই সুস্কুতভারীদের পদীনের কেব (वनेंद्रपुकः कट्डक्टिलनः। श्वामास्वद्ध कार्यात्तव नगतः, আমাদের ভয়ন্তর সহটে কেলার জন্য আমাদের শক্তরা, দুর্বলো মুনিকে, যিনি তাঁর অবৃত শিবাসং ভোজন করেন, আমাদের আলমে গাঠিছেছিলেন। সেই বয়ন তিনি (প্রিকৃক), শাকারের অবশিষ্ট্যার গ্রহণ করেই আমাদের রক্ষা করেছিলেন। ঐত্যাবে ডিনি অর রহণ করেছিলন ৰলে নদীতে সনসত সুনিগোচী বিশুল পৰিমাণে আহমের পরিতৃত্তি অনুভৰ করেছিলেন আর সমস্ত হিত্তুনাও ভাতে পরিভূপ্ত হরেছিল। উন্নাই প্রভাবে আমি বৃদ্ধে কেবলিকে মহাদেবকৈ এক তার পত্নী পার্বতীকে বিশারাহিত করতে সমর্থ হরেছিলাম। ডিনি (শিব) ভবন আমান হাতি প্রসা হত্তে তাঁর নিক্ষের অন্ত প্রদান করেছিলেন। জনা দেবতারাও তাঁসের নিজের নিজের অন্ত আয়াকে দান করেছিলেন এবং ভা ছাড়াও এই শহীরেই স্বামি স্বৰ্গলোকে যেতে পোৰেছিলাম এবং দেববাৰ ইড় তাৰ সভার আয়াকে উার মহান আসনের অহ'ডার কান करविराजनः यथम काधि करिविताल करवत जिल्ला करा वर्गासाहक कारवृत्त कर्णाकार, छथन (नरवाक ইপ্রসহ সমস্ত দেবতারঃ নিবাতকবচ ব্যাক এক অসুহতে

্মতো একা ভার কলে ভা ছিল বুরতিক্রমা। কিন্তু করে সাপে কাড়ের কলে, আনি, রবারত হয়ে তা অভিনেয করতে সময় হরেছিলাম। জীরই কুগার প্রভাবে আমি সোধন কিরিতে জানতে এবং সঞ্চক্ত তেজের উৎস কালে क्त राकारका मरिका निरम्भूका कानुकंक मधाव कहाओ সক্ষয় হতেভিলানঃ তিনিই ভাষের আৰু চবৰ করে নিরেছিলেন এক তিনিই কুছক্ষেত্রে তীন্ত্র, চর্লা, প্রোণচার্য, শুলা গুমুখ কৌরব রাজন্যবর্গের ছারা ইচিত বিপুল क्रियमध्या (१९८० भरतस्था अतः १८० १३०) करवस्तिगत। ভাদের আয়োজন এক দক্ষরা কণ্যাপ্ত ছিল, কিছু তিনি (জীকৃষ্ণ) কৰ অনুভাৱে চানাৰ ওলার সময়ে এই সমন্থ कार्य अन्यतम्ब कटर्कार्शमनः। अनुस्तरम् वश्चनमृह स्थमन নুলিংছদেকে পরম সেকে প্রয়াদের আন স্পার্থ করতে পারেনি, থেমনই তাও (জীকৃথেজ) কৃপায় জীবা, রোপ, कर्ग, कृतिकारा, जूनमा, चला, कवारच अंदर अङ्गीक शास्त्रिक হীজ্ডানশিকে প্ৰযুক্ত অনৰ্থ বীৰ অসুসমূহ আমান কেৰ ক্ষা করতেও সমর্থ হয়নি। মধন আমার ভূজাই আংলের ক্ষম কল আনতে করি হব থেকে নেমেরিলাম, তথ্য তাঁথই কৃপার শক্তব্য আমাকে বৰ করতে দিবা করেছিল। আর জগতের উদ্ধারকর্তা আমার সেই পরক্ষের অধ্যনেরই প্রতি আমার কুম্প্রিনেও তাঁকে আমাৰ কৰেৰ সাব্যিকংগ নিৰ্ভ কবাত পুলোহসী হতেবিলাখ, কারণ কোটা থাকিবা পর্যন্ত মুক্তিকাতের জন্য জান্তই উলোল্য ভলনা করেন এবং ভড়িনেবা নিধেবন कट्टा कार्डन (*

"হে ব্যক্তন ৷ নেই মাৰৰ ভাষৰে প্ৰতি ৰে স**ং**ক গতীৰ কৰাচ সুন্দা হাসিয়াৰা পৰিহাস কৰা হাজেপ कर्राकर परत चारतंत्र कमान '(इ नार्व, (इ चर्चून, (इ সংখ, বে কুরুলকা ইত্যাধিকালে কে সম্ভ গ্রুমর মনোকা সংখ্যান্ত সংখ্যাপত করতেন, আৰু সেই সৰ मारून करडे कांद्राव एताई चाराई वार्क्त स्टब्स् সাধায়ণত আহল সুক্ষাে একার লালে, উপ্রেশন, বাংশ

ও ভোজনাদি করতাম। বীবছবাঞ্জত কাজের আবাপ্রশংসার সমতে বনি দৈবাং কোন কার্যের বা নাকোর
বাতিক্রম ঘটত, ডক্তর আমি তাঁকে "ওয়ে। তুমি ও বর
সভাবাদী" এইককম বর্তাতিতে ভিরম্ভার করতাম। কিন্তু
সবা ফেন্স স্থায় এবং লিডা খেমুং পুরের অপরাধ সম্ভ মর্মেন, সেইভাবে দেবপ্রা পরমান্তা হলেও ভিনিব ম্বামতি আমার সমত্ত অপরাধই নিজভাব সহ।
করতেন।"

"दर त्रावदावर्ष, क्षण्य कामात भवम वर्ष, भवम मुश्राम, भृत्रदावर्ष कार्यक वर्षि छाउ रहारि क्षण छाउ कामात राम प्रमान कार्यक कार्यक वर्षि हाल महन प्रमान कार्यक कार्यक

ঁহে রাজন, আপুনি খারকাপুরীর যে সুফার্নের কথা

জিজ্ঞানা করলেন, রাজপদের অভিপানে তামের

কিশেষভারে মাহে উপস্থিত হর, পরে আর থেকে প্রস্তুর

রাকণী নামক মদিরা পনে করার তামের এফন

চিত্তোভভভা উপস্থিত হর বে, তারা বেন পরপ্রের

গরশ্বকে চিন্তে নং পেরে এফকা খতের হারা
পরশ্বকে চিন্তে নং পেরে এফকা খতের হারা
পরশ্বকে চান-পাঁচ জন অবশিষ্ট আছেন। বার্থাবিকর,
পরমেশার ভাগবানের ইচ্ছা শক্তির প্রভাবে বীর কর্কাও
বা পরশ্বর পালন করে।"

"বে বহারাজ, সমুদ্রে বৃহৎ এবং অধিকতর কলপানী অকতের প্রানীরা ব্যেত কৃষ্ট এবং দুর্বল জনতের প্রানীয়ের ভক্তৰ করে ভেগ্নাই গরতেশের ভগরান স্বল্য এবং বৃহৎ যদুদের বারা দুর্বল এবং পৃথ্ যদুদের সংহাব কবিছে পৃথিবীর ভার নাচ্চত করেছেন। পরখেমর ভগবনে (শোকিম) প্রদায় উপনেশতলির প্রতি এখন আমি আকৃষ্ট হচ্ছি, কেননা এওলি দেশ এবং কালের সময় লারাছিলিতে ধন্দরের ভাপ প্রশ্মিত করার সারগর্ভ উপনেশে পৃথিং

স্ত লোকামী খনলেন--"এইভাবে অভ্যন্ত গভীর সৌহার্যা স্থকারে জীকুবের মান কমল চিথা করতে করতে অর্কুনের অভ্যক্তণ শোকরতিত হরেছিল এদং জড স্বস্থতের সমস্ত কলুখ থেকে মুক্ত হরেছিল। নিরভঃ ভগরান প্রীকৃষ্ণের প্রীপাদনক্ষের বাসা ক্যার কলে অতি মুখ্য গতিতে অন্তানের ভক্তি বর্ষিত হরেছিল এবং উন্ন মন থেকে সমস্ত মল কিবুরিড হরেছিল। ভগৰানের শীলাবিলাস এবং কার্যকলাপের ফলে এবং তাঁও অনুপরিতিত কলে, মান হর্মেজন কেন অর্জুন তার সেওর সমস্ত উপৰেশ ভালে থেকে। ক্রিন্ত প্রকৃত্তপক্ষে ভা হয়নি, এবং তিনি পুনরার তার ইক্রিয়সমূহের বাভ হবেছিলে। এই অলপুত সম্পদ লাভ করার কলে তিনি বিধাকনিও সমস্ত সংশয় ছিঃ করেছিলেন। তার যকে তিনি প্রকৃতির বিন অশের প্রভাব থেকে মৃক্ত হরে নির্ভণ করে অধিষ্ঠিত হুফেরিনেন। জার জার জার জার না বছৰে কাৰ্যৰ ইওৱাৰ কোন সন্তাধৰ ছিল মা, কাৰণ তিনি ক্ষত্ত শ্বহীর খেকে মাক্ত হরেছিলেন।"

শ্রীকৃষ্ণের স্থানে প্রভাবর্তনের কথা, এবং এই
পৃথিবী থেকে বনুকুলের বিনালের কথা শুনে নিশ্রমানি
মধানাল বুলিনির স্থানে মীকৃষ্ণের কথা শুনে নিশ্রমানি
মধানাল বুলিনির স্থানে মীকৃষ্ণের কথা কিবে মেতে ছির
সংকর করলেন। কুর্তীনেনীও অর্কুনের মুখে করু করেশর
কিবল এক জাবান মীকৃষ্ণের অসকট ইওয়ার করা প্রকণ
করে একার ককি সহকারে ইপ্রিয় জানাতীতে ভাবান
শ্রীকৃষ্ণের পাদপরে ভার ভিন্ত সমর্গণ করে এই মড়
জাবাব ব্যাগ করলেন। কর্মা নিয়ে করি ভোলার পর
ক্ষেম সেই পৃতি কর্মানেই কেলে দেশুরা হব, ডেমনই
ক্রম্মানির্হিত পর্যোধ্যর ভগবান প্রীকৃষ্ণও ব্যাহ্যালর ছার।
ধরিত্রীর ভারেকাশ অস্বধ্যর বধ মধ্যন করে পৃথিবীর
ভার হবণ কর্মেন্ট্রেন এবং ভারপর ভারেন্ড অপ্রকট
কর্মির্যাল্যালন, কারণ ভার করে উল্লেট্ট সমান। ঠিন
ক্ষেম একজন যাদ্বের এক বেই পরিভালে করে অন্য

লেং বাংশ করে, তেন্নলই লবমেশ্বর ভগরনে লুগিনীর ভার দুরণ করের ফ্রন্ খংস্যু-আমি কর্তিব রূপ পাঁতাহ করেন এবং প্রয়োজন সাক্ষরে পর সেই সমস্ত রূপ অপুন্ত ক্ষবেন। বাঁর পবিত্র ফণ প্রবশ করা বিধের, সেই পরম পুলৰ পুগৰমে মৃতুৰদেৰ মীকৃষ্ণ ৰেদিন মৰ্লীয়ে এই পৃথিবী পরিত্যাপ করলেন, সেইদিনই অবিহেকী জনসমূহের অনসকের কারণ যে তলি ইতিপ্রেই কিছুটা প্রকটিত হংমাছিল, সে আপরিলত ছেতলানিশিউ মানুষদের **জীয়নে অওও পরিছিতি সৃষ্টির উদ্দেশ্যে পরিপূর্ণভাবে** প্রকটিত হল। লোক, মিখ্যা, কুটিনতা ও হিংসা প্রভৃতি অধর্মচন্দ্র বিভার লড়ে করতে থেখে বিক্ষা খুণিবির গ্ৰন্থকাৰ বৃৰদেশ ৰে, তীয় প্ৰাৰ্থকালীতে, বাজে, পুত্ৰ এবং নেতেও ক্ষিত্র সভার হাছে, তাই তিনি মহাপ্রস্থান কাবার উপকৃষ্ণ বসনসমূহ পরিধান করপেন। অভঃপর, সত্রট ৰুথিষ্ঠির স্বাংশে তাঁর মতো গুণবান, কিনীত পৌর প্রীক্ষিতকে সসাপরা পৃথিতীয় অধীপরস্থানে হরিবন্দ্রের সিংহাসদে অভিবিক্ত কৰেছিলেন। তারণর তিনি चनित्रशस्त्र गृष्ट (विकृत्यक (गोत्र) व्याप्त गृहामस्यत অধিপঞ্জিলে বধুরাই অতিবিক্ত করলেন। ভারণর মহারাজ যুঁথটির রাজাগতা কজের অনুষ্ঠান করে পাইছা কীবন পৰিত্যাপ করে বাওয়ার উদ্দেশ্যে আপন্যতে অগ্রি আরোপ কালেন। মহারাজ মুমিন্টির ভংকলাং ভারে কাম ও বলমানি ব্ৰজকীয় মৰ্যাদাগঞ্জৰ আনভাৱসায়্য পৰিবাসি कर्त सारकांत्रं अवर अवस्था कर्मन कंग्रहान अवर छोत् प्रव কিছুর বছন ছিল কর্তনে। ভাষনুর বিনি রাক-আদি ইঞ্জিনশমূহকে জনের মধ্যে, সদকে জাশে, প্রশাকে নিকোনো अनामवाहरू अनामवर्गरक मुद्रारक प्रवृतक अक्ट्रुटावक সেহে লীন কয়লেন একং শীবনের ঋড়জনতিক খালা বেকে মুক্ত হালেন। ভারতার সেই মুখি যুখিছিল পক্ষপৃত্যের ঐকাক্যানে অভ কেহকে অভা প্রকৃতির তিন তাপ বীন কলে, সেই ওপত্ৰকে একংখ যা অভিনাস শীন করকোন প্রকা ভারপর কবিনাকে আছাই এবং আবাকে অন্যয় প্রশোলীন কর্মন্তঃ ভারণর সুধিষ্টিও মহানাক বিন্তবন্ত পরিধান কছে, সৰ বক্তম আহার বর্জন করে, খৌনী ভাগ জনলন্ধন করে, খালুনাহিত কো হাই

নিজেকে জন্ব, উপাদ ও পিশাড়ো মাছা বাব দেখিয়ে অনুমানি কানও অনুধান লা করে এক ববিলে। মতো জানও কোনত কথায় কর্ণনাত না করেই গৃহ থেকে বহিপত হলে।"

"এক্সচিত্তে গরতকোন খ্যান করতে করতে, বেংিং**ক** প্রন করলে খার কিবঙে হয় না, মহাবারী বে পথে গ্রম করেছিলেন, যুদিভির মহাক্রক সেই উজা দিকেই নমন করবেন। অধ্যেত বস্তু কলিব প্রভাবে পায়। পৃথিবীর প্রজ্যাদের অধর্ম-খ্যান্মণের প্রবৃত্তি করা আক্রাত্ত দেৰে বৃথিষ্টিমের কনিষ্ট জাতারাও অফিচলিত ভিতে তাঁৰ चन्त्रक करतानः। किथ भागतता स्रकार धर्म, चर्म, কাম ও মোক রূপ চতুর্বর্গকে সমাক কাপে আকর कट्य दिलाम, अधानि छीता छणनान श्रीकृत्यन इत्रमध्यम्मा(क्षे सीरका शहर नृक्यार्थ (करूर, महम यहन র্তমাই ধ্যান ধারণা করছে সাগতেন। নিরন্তা ভগবাঢ়েনা কথা শরণ করার কলে উল্লৱ ফেডেই নির্মিণ ত্ওাল চিলাকাশে তাঁরা প্রথ নাবারণ, পর্মেশ্র ভগবান শ্বীকুকের লাসনাধীন চিত্রর বাম লাভ কর্জেছলেন। সেই ধ্যম ঠোনাই শ্রাপ্ত হুন, বারা ঐকাভিকভাবে ভাগবালো খ্যান ক্রেন। গোলোক কুলনের নামক ভগবানের সেই ধান ক্ষ্ণ বিশ্বসাসক মানুকেটা কঞ্চনী লাভ কলতে পাৰে না। किन भारतरात्र मनस अन् कमून मण्ल्महात्व विरशेष ছমেনিক বলে জনা সন্বীতে সেই ধার প্রাপ্ত ইর্মেন্ডনন। বিদৃত্তে প্রীকৃষ্ণের চিতার আবিষ্ট হছে প্রভাগ তীর্নে কেন্ দ্বিত্যাৰ করে পিতৃস্পন্ধ বছানে বছা কবলেন। টোলনীও সেধানের খে, উন্ন পরিবাদা আধ্য কেউই উন্ন অপেকা না করে একে একে সকলেই চলে গেলেন। তিনি গ্রুমেন্ত ভগল্প অনুধেত্ত উত্তর্থাণেই कारतक्य। किमि अवर मुख्या केल्ट्डरे केव्ट् একজনতে চিত সমর্শণ করে তাবে পহিষ্ণেরই কন্তান मूरका पार्कन कारणन ("

"কুলনানের প্রিত্ত পার পান্তবাপের এই পরত পরিত্র পরত মান্তবাদ মহাপ্রস্থান কাহিনী হিনি বাছা সহক্রের রাক্ষ করেন, তিনি কারণ্যই ভাগমহাকি বাভে করে পরত গাড়ি প্রস্তু হন।"

যোড়শ অধ্যায়

কিভাবে পরীক্ষিৎ কলিযুগের সম্মুখীন হন

প্ৰদাৰ পাৰদৰী পতিভাৱ সহায়াৰ প্ৰীক্ষিত্ত কৰেব मयत छीत (व मधन मधन धनावतीर कथा बार्ल्यस्ता), কামান্ত্ৰ তিনি সেই সমস্ত বেষ্ঠ কৰ্ণাবলীতে বিভূষিত हरेंच अक्का नहार काश्यक्ताल अनर दार्क हरेचनरान উপদেশ অনুসাতে পৃথিবী শাসন করতে সাথকেন। করেছিলেন, এবং সেই ইয়াবড়ীর গর্যে জনমেজহানি हांबर्छ भूतं बन्धधस्य करतस्य। मराजांब नदीकिर কুপাচার্যকে ওক্তরূপে করণ করে কারে তীরে ভিনটি অৰ্মেৰ ৰজ অনুষ্ঠান কৰেছিকেনঃ সেই কছে ভিলি এক শূলাবম, কৰি, একটি গাড়ী এক একটি বৃষকে গাবে আখাত কাছে। বাজা তক্ষেদাৎ ভাকে ধরে উপায়ুক্ত মঙ पान करता केवार इसा^ल

বহানক পর্বাভিৎ কেন জাঙে কেনেই সামদ্য কর কান করেছিলেন এই সময়ে বটনা মনি কৃষা সম্ভীয় হয়, জা হলে দলা করে জাপনি আমানের কাছে তা কান্ত कश्य। अभवदृत्कता सनवाद्भव श्रीनाम नतक श्रृ লেহনভাৱী। বে সমস্ত বিবত কেনল মানুকের মূল্যকন জীবনের ঋণচন করে সেই সমস্ত নিম্মান কি প্রয়োজন চ (ह श्वेष (पाश्रामी), विश्व भानुन करणावानी स्ट्रांत करणा (शरक मुक्त रात लिंका बींका मारका टायम करका) ভারা মৃত্যুর নিরপ্তা সময়াব্দকে আহ্রান করে মৃত্যুর করাল প্ৰাস থেকে কৰা পান স্তুত্তৰ কাৰণ কৰাণ কৰবাৰ যতকৰ এখনে উপস্থিত যাককো, ততকৰ কাৰও কৃত্যু হবে বা , ভগজনের প্রতিনিধি, বৃত্যুর নির্মান ব্যারাক্ত

সূত গোলামী কালেন—"ছে পতিও রাজ্যবাদ, ভাগ্য - কবলিত, ভাগের কর্তবা পরমেশর ভাগবানের অমৃত্যান কীলাসমূহেৰ কৰ্ণনা প্ৰকণ কৰাৰ সুযোগ গ্ৰহণ কৰাঃ क्यापुर्वि अवर क्या जागुर्विनिष्ठै कालम आनुरवदा निक्षात बाडा ভাদের রাত্রি অভিনাহিত করে এবং অবহীন কার্যকল্যাপে নিন অভিনাহিত কৰে।"

সূত পোৰামী কালেন—"মহাতাজ পরীকিৎ যাখন মহমোক পরীক্ষিৎ উজ্জ মুপতির করা ইয়াবতীকে বিবাহ কুক সংস্থাকোর প্রাঞ্চধানীতে অবস্থান করছিলেন, তার্থন কলিবুনের লকশানি তার বাজো অনুহাকেশ করতে শুরু করে। সেই সবোদ তিনি বৰ্ম শান, তৰন তাঁর কাছে জ দেটেই শ্রীতিশ্রম ধলে ফুন হয়ন। অবশা ভার ফলে তিনি সংখ্যাৰ করার একটি সুযোগ গেয়েছিলেন। ভিনি প্রদূর মন্দিন্য দান করেছিলেন এবং এই হজে সাধারণ - ভার কনুর্বাণ ভূলে নিয়ে সামরিক কার্কেলাপে প্রবৃত্ত মনুহেকাণ বংগর দেবতাদের দর্শন করতে পেরেছিলেন। সংগ্রের জন্য প্রস্তুত হরেছিলেন। মধ্যরাজ পরীক্ষিৎ, রুধী, এক সময়, মহানেন্দ্ৰ পরীক্ষিৎ করন পৃথিবী ক্ষয় করতে। অক্ষাবোহী, গজ এবং পদাতিক সৈন্য পরিবৃত হয়ে, ক্ষেট্রেছিলেন, তখন তিনি খেবতে পান রাজকেশধারী কৃষ্ণকর্শ অখ্যালিত এবং সিংহচিহ্নিত ক্ষজাশোভিস্ত রাখে চড়ে দিবিজতের উদ্দেশ্যে নগরী থেতে বাহির হলেন। মহাবাক পরীকিং ভ্রাণ, কেতুমাল, ভারত, উত্তর কুকুলাসন্, কিন্দুকুৰ ইত্যাদি পৃথিবীর সমন্ত অংশ হা শৌনক কৰি কিকাশ্য কৰকো—"সেই শুধাংত কৰি কয় করে সেই সকত দেশের শাসকদের কাছ থেকে রাজকো ধানুণ করে গান্টীকে হার প্রবাস্ত করে সত্তেও, উপ্টৌকনাদি আকার করেছিকেন। রাজা যেখানেই বির্নেছনেন, সেখানেই উন্ন মহান ভদবক্তত পূর্বপুরুষদের अपर कीकृतका बाहाचा क्षत्रम् करतहिरमात। छिनि निर्माक কিতাবে অবস্থানর অক্টো প্রচন্ত তেজোরশিঃ থেকে রক্ষা লেবেছিলেন, মে-কথাও প্রবশ করেছিলেন। সোকে জার কাছে বৃক্তি কাং পৃথাৰ বংশধনদের কেশকো প্রতি গভীয় রের এক ভত্তির কথাও কলত। এই প্রকার মহিলা ্তীর্তনতারীদের প্রতি অভ্যন্ত প্রদান হয়ে মহারাজ গভীর कृषि महत्त्वाद छोत छन्त्वह छैग्रीनिङ करतक्तिका अवर ৰহাবদান্ত সহকারে তাদের অতি মুলাবান কঠচাব এবং বসন হার করেছিলেন। মহারাক্ত পরীক্তিক শুনেছিলেন কেপবান জীকৃক (বিকৃ), বিনি সারা জগতে মান্য, মর্বার্থরা সেখানে আন্তর্না জানিব্যান্ত্রনা। জারা ঠার সার্বার করে করেন্ত্রিনা ভৌত্য করেন্ত্রিনা, সম্যুক্তরাপ

ক্রানের সহচর হয়েছিলেন, করে উপুক্ত ভরবারি হতে ঠালের প্রহুরী। করেছিলেন এবং এইভাবে কালের **ইচ**ন্ত খ্যাসারে ঠানের নানা প্রকার সের করেছিলেন। কনিষ্ঠ क्षांजारण दिने डेराम्ब अपीठ निरंतान करहोत्स्वन वक्र कारमध्य मिटार्मन भागान कंटर्राइटनन । यह कटन प्रधाताक নঠাতিং ভগবানের শ্রীপাদপরের প্রতি ভারতে আঁতভঙ চার্টেডলেন।^শ

"হখন মহারাজ প্রীক্ষিৎ তার পূর্বপুরুষকে সৃক্তি বিষয়ক কথা প্রবণ করে দিন যাগন কর্তাছলেন এবং অভিদান আন্তর্য হয়ে দিলের পর দিন ঠানেরই চিন্তর মধ্য হলে থাকতেন, তথন কী বটোছিল, তা এখন আগমারা আমার কাছে ৩নতে পারেন 🖺

"ধর্মনীতির রক্ষক ধর্মরাজ একটি বুবের দাল বারণ করে ইতন্তেত বিচরণ করছিলেন। জার ভবন শুরু দেখা হয়েছিল পাতীরূপী ধরিত্রী মাতার সাথে—তিনি কেন বংসহার। গোয়াভার মতোই নিবা হতে ছিলেন। তার চোপে ছিল অশুধরা, আর তার সেহের সৌলর্য কো হারিয়ে গিথেছিল। ভটে ধর্মরয়ে ভঙা ধবিত্রীসভাকে थत्र करतिहरून—'एर बास्त्र, ज्वर्गनि कि मण्युर्ग कुनात *(नेरे १ जाननाटक राज्य प्रत्यस्थायाः प्राप्त ३(१६१ जान*नात মূখ সামানা অন্ধকারাজয় দেখাছে। আপনি কি অন্তরে কোনও আধিব্যাধিতে কষ্ট পাছেন, কিবে কোনও আখীত-বন্ধ দূৰে চলে গেছে, ভার কথা ভাবকো? व्याभाव दिनाँदै भा खामि शतिहानि व्याद धामि वाका वक्ति মার পারে দাঁড়িয়ে রয়েছি। আমার এই রকম কবয়া (मरभ चाशनि कि मुक्त क्याद्यम करता करता चाँचा विभि-অমদাকারী মালেডুক শৃষ্ণ, এর পর অরং আমাধে প্রাস কাৰে বলে জালনি ভি নিনাকৰ উদ্বেশাকুল হঞ্ছেন*ং* অথবা বর্তমানে কোনই ৰজানি অনুষ্ঠিত হয় না বলে পেবতালের উদ্দেশ্যে বঞ্চ-উৎসর্থের ভাগ অপস্থত হলে **ारे जानान कि शांकन शहरका: किया पृष्टिक अवर** অনাকৃত্তির ফলে জীবদের দুংখ-ঞ্জেন কথা কেবে জাপুনি कि भ्यारवाकुन व्यवस्था । कालकानवार्थिक अनुवर्गन काल পরিতাকে অসহাত আগ্রহাইন অসুধী স্থালোক এবং **শিশুনের আন্য আলনি कि काशा जन्छ। कार्यार कि:ब** ধর্মনীতি বিবোধী কার্যকলালে মন্ত প্রাক্তপালের স্থারা বাগ্দেবী পরিচালিত হচ্ছে বলে কি আগনি অসমুষ্ট হরেছেন । অথবা যে সমস্ত দলতকর প্রাক্ষণা সংকৃতিকে

मान कंदा सा. ठाकरचरा कारकाई काटर व्याध्य निराहर বলে মালনি কি দুৰ্গুৰত। তথাকথিত ক্ষতিত পাসকবৰ্গ একা এই কলিয়ুগের প্রভাবে বিপ্রায় হয়ে গেছে, আর তাই ভারা সমস্ত ভাষ্টাত স্বার্থকলাগ বিপর্যস্ত করে কেনেছে। আপুন ভি এই বিপর্যনের জন্য পোক্রচিচ্চত হয়েছেবং এখন সাধারণ সোকে আছার, নিত্রা, পান, ৰৌন কলেৰ্গ ইত্যানি ব্যৱশাৰে বিগেনিয়মানি কিন্তই মেনে हरण जा, बात रम-अब कांध दाता बहारता देशांगरण करते পাকে। আর জনা আগমি কি পুরবিত।"

"হে থবিনী মান্ত, পরম পুরুষেত্রম ভগবান শ্রীছরি স্বয়ং প্রথেশর ভব্তান জীকক্ষরতা অবভারত প্রহণ कर्राहरूक (करणहें चालनात रामुख छात्र मायदार सन्।। এখানে তাঁর সকল লীলা সম্পাদনই অহাকৃত, আর সেওলি মোকলাভের পথ সূত্র করে তোলে। এখন তিনি বস্তৰ্হিত হয়েছেন বলে আপনি নিশ্চয়ই তার नीताकवा नारम करहारा अवर यहन का स्मर्थनंत्र प्राध्यक (लाकाकुन्ह इराह्म) (३ क्रान्त वमुक्कता, मकुन जेपार्यक व्यानि व्यावतः। व्यन्धद् कत् कानमञ्ज सम्बद्धान्त मुन কাকা আমাকে কৰুন, বাৰ ফলে আপনি মুখে ক্রেপে জর্জনিত হরে এমন দুর্বল কীপতন হয়েছেন। আগর মধ্যে হয়, কানের দারুণ প্রভাব হা অভি বলিষ্ঠতেও পরতেও করে, তরে ছারাই জাপনার সমগ্র সৌভাগ্য অসহতে হয়েছে, বে-সৌভাগ্য দেবস্তাদের শ্বারাও বন্দিত

ৰবিত্তী (গাড়ী রূপী) ভাই ধর্মবাচ্চকে (বৃথ রূপ) উপ্তর নিজ্ঞা—"ছে ধর্মরাজ, আমার কাছে বা কিছু ब्यानरक क्राइड्स, जनहें ब्याशनि निकारहे ब्याटनर । 👌 সমস্ত প্রথমবই আমি উত্তর কেওয়ার চেটা করব। একদা আপনিও চারটি গলের ওপরে অভিন্তিত ছিলেন এবং পরমেশার জগবানের কুপরে সারা বিশ্ব প্রখ্যাতের সূত্র বর্জন करविराजन। चैल अस्य कारिकिक वरदरक् (১) সম্মাননিজ, (২) ওচিডা, (৩) জনেরঃ দুংগে জসংনীয়ন্তা, (5) মেন্থ সংখ্যান ক্ষতা, (2) কল্পে ভৃত্তি, (6) कब्रुक, (६) ब्रह्म करूपसंस, (৮) वाट्यांक्रणमित्र भारवत्, (৯) কঠব্য-অকঠব্যের দারিত্তলান, (১০) সামাভাব, (১১) শহনশীলভা, (১২) শক্তমির ছেলাভেদ-শুনাতা, (১০) বিশক্তভা, (১৪) জান, (১৫) ইপ্রিয় কুরিন্তে विरुष्ण, (১৬) (सङ्घ, (১५) (नीर्य, (১৮) ज्ञहम, (১৯)

সব কিছু সন্তুব করার ক্ষথতা, (২০) বধারবভাবে গারিত্ব-কর্তব্য পাধনের সক্ষতা, (২১) সম্পূর্ণ বভর্তা (পরাধীনতাপুন্য), (২২) কর্মকুশলতা, (২০) সমাক্ (मान्यर्वप्र मान्य्वंडा, (२८) উष्टपक्षीन देवर्ग, (२८) प्रमुखा, (२७) कांकिनवंश, (२९) कक्षणकार, (२৮) मृख श्**रक का**न-माकिना, (२৯) वृष्ट् श्राणिका, (७०) नराम জানের পরিভন্ধি, (৩১) বথার্থ কর্ম প্রয়াস, (৩২) সবল ভোগাবলুডে অধিকায়, (৩৩) উৎকৃপ্নডা, (৩৪) হৈৰ, (७१) मिर्डदरवाभुष्ठा, (७६) वर्ष, (७९) माननीयका, (४৮) पर्यभूगाञा, (७৯) क्षणवत्ता, (४०) निकाश अवर बानामा चामक बाराव बारावृध्य क्यार्ट्सियापि ब निका বিরাজহান ও বেওলি কথনই তার থেকে বিভিন্ন করু বাৰ মা: সকল স্মত্বিকতা একা সৌন্দৰ্যের আধার পুরুষোত্তম ভগবান পরফেশ্বর শ্রীকৃষ্ণ এই পৃথিবীয় বৃধ্বে এখন তার অভাকৃত লীকা সংববণ করেছেন। তার অপ্রকটকালে কলিব্দ কর্মে ভার প্রভাব বিস্তার করেছে, তাই আমি এই গরিখিতি লক্ষ্য করে বৃচৰিত হছি।"

"रह स्थादाने, रक्षामार क्या चामात निर्मात क्या সকল দেবতা, খবি, পিতৃলোকবাসী, ভগবস্তুজন এবং मानव ममास्कद्र वर्ग क कालब शबाब कनुमद्रवकादी সকলের অবস্থা বিবেচনা করে জানি শোক করছি। এখা। প্রমুখ দেবতারা অগনানের দারদাপত হওয়া সংস্থেও বে সম্বীদেবীয় বিভিৎ কালাকলৈ লংগৰ আশাস কৰেল তপ্স্যা করেছিলেন, সেই লক্ষ্টাংগরী ভার নিবাস্থল পথকা পরিত্যাল করে অভ্যন্ত অনুস্তাগ সংকারে হে

क्षेक्रकाव निर्मन हरूकाइनाव ल्यांचर्च निर्माहत स्था ক্ষরেন্ সেই ভগরান প্রীকৃষ্ণের ধাকে, বন্ধ, অধুল ও পরা আৰু চিহ্নে চিহ্নিড ঐচরপের বারা আমি সমাকরণে অলংকত হয়েছিলার, তথন ত্রিলোকের সমস্ত সৌন্দর্যই অধ্যের সৌম্বর্কের কাছে পরাজিও হয়েছিল, কেননা আমি ভাষা ভাষানের কাছ বেকে বিভৃতি লাভ করেছিলাম। ভারণর বর্ম সেই বিভতি নালের সময় উপছিত হল, क्रका कामात क्रम नर्व हुन। (बाथ इस, मिट्टै गर्व पर्व কররে স্কন্যই ভগবান আমাধে স্ত্যাগ কবেছে।"

ংখ্যে মৃতিমান ধর্ম, আমি যখন অনুরবলীর রাজাদের শত শত অকে হিবী রূপ ওঞ্চারে আক্রান্ত হয়েছিলাম, ভব্দ ভগবান সেই অস্বদের সংহার করে আমার গুৰুতার হবন করেছিলেন। তেমনই ভূমি দুর্মলাগ্রন্ত অবস্থার বন্দা (পাদরত বিহীন হয়ে) দাঁড়াবার ক্ষমতা হারিয়েছিলে, তখন ভোমকে সৃত্ব করার জন্য তিনি উল্ল অবরেলা শক্তির প্রভাবে মনুকুলে জন্মগ্রহণ করে পরম রমণীর শরীর ধারণ করেছিলেন। বিনি প্রেমপূর্ণ অবলোকন, ক্রচিত হাস্য ও খণুর সম্ভাহণ করলে, সভ্যভাষা গ্ৰভৃতি ষধুমানিনী কামিনীপৰ ধৈৰ্য ও মান হারাভেন, বাঁর চরণ চিহ্নে জনবেশুত হয়ে এবং চরল স্পর্ন चनुच्य बंदा चामात चम भूगविक रक, त्यरे भूतरवासम ক্ষরতার বিশ্বহু কে সহা করতে পারে ।"

"भृषियी अयर धर्म यचन शरूराधा अहे छाट्य কথোনকথন কবছিলেন, ডব্দ পরীকিং নামক য়াছবি প্ৰনিক্বাহিনী সরস্কতী নদীর তীরে উপস্থিত হলেন।"

সপ্তদশ অধ্যার

অমল পুরার্ণ

কলির দণ্ড এবং পুরস্কার

সূত গোঝারী বন্ধনে—"সেখানে উপস্থিত হরে। প্রহার করছে। বৃষটি খেওপজের মতের শুন্তবর্গ। প্রচার

মহারার পরীক্তিং দেশকেন বৈ, এক শুদ্র রাজকেশ ধানশ । প্রহারে গে এমনি ভয়ভীত হরে পড়েছিল বে, মূত্র ত্যাপ করে একটি গতের বাবা অনাথকং একটি গাড়ী ও বৃষ্টে কাজে কম্পিত ছজিল এবং এক পারে গাঁড়িয়ে ছিল।

গাভীটি ধর্মকারী হওয়ার কটো অভান্ত ওওলা হলেও **डिमि (क्स मीना अवर क्रक्ट्रिन) मुत्राप्ट क्षेत्र अवर** আধাত করছিল। ভাই তার নাম অঞ্চলিক এবং হিমি আতাত কৃশা হয়ে তুব ভাষণ করবার জন্য বাংগারকা গ্ৰকাশ কর্মাছদেন 🖺

স্বর্ণমচিত রথে আরগড় হতে, ধনুর্বাণে সুসন্দিত মহস্রাজ পরীজিৎ সেই পুগ্রকে জ্বপ্রতীয় জন্ম জিজাসা क्शास्त्र-"लूदै त्कः समस्य एउता गरस्य पूरे और পৃথিবীতে আমার আনিত অসহায়দের হত্যা কাভে সহস काहिंग । पूरे माम बाज सकरण धाम कार्राह्न करें, কিছু তোমে কাৰ্যকলাল ক্ষান্তৰ নীতির বিলেধী। স্তিক্ষ नाशीयगती कार्युनगर मुद्रा शक्त करवरका कान छुट्टे कि নিৰ্মানে নিয়প্তাৰ প্ৰাণীকৈ বৰ ক্যানে সাংস কৰ্মান্য ভার কলে তোর বে ঋণরাৎ ছলেছে ভাছে ভূই বংগা উপসূক্ত ।"

মহারাজ প্রীকিং ভঞা বৃষ্টকে জিলাবা ক্যাণেন--"আপনি কেঃ আপনি কি মুশ্যকতৰ কোন বৃষ, না কোনও দেবভাগ আপনি চিনটি চরণ হাতিয়েছেন এবং মাত্র এক পদে নির্ভয় করে বিভাগ করছেন। স্বাপনি कि टक्सन्त एक्वज वृष्ट्रतन वायन करत चार्याएस इनना করছেন ঃ কৌরবলের্চ বীরদের ভূজ বলে সূর্বকিত কোনও প্লাজ্যে এই প্ৰথম আগনাকে অঞ্চললে অনুভগ্ন হতে দেখলাম। এখনও পর্যন্ত এই পৃথিবীতে রজকীয় অবহেলার ফলে কারও গ্রহ্মপাত হতে দেখা বারনিঃ হে সুরতীনক্ষন, আগনার আর শোক করার প্রয়োজন নেই। নিসন্তেশীর শুস্টিকে ভঙ্গ পাধ্যারণ লাকার নেই। আর্ হে গোখাতা। অন্নেনিও আর রোকন করতেন বা। দুষ্টদের খ্যাসনকর্তা আমি জীবিত **অখতে আ**গনার সক[া]ই হবে। হে সাধিব, বে রাজার রাজে প্রকারা অসং অভিযান হার: সম্রুপ্ত হয়, সেই সুগ্রাচন নরপতির কা, भवमानु, (मेरिकाम्) ७ भारतास्य केर्न्हे भूगवीवाधि नथी মাৰ প্ৰাথ্য হয় ৷ উৎপুঞ্জিতৰে পুঃখ-মুখাৰা সুয় কল অবশ্যই রাজার পরম ধর্ম, তাই আমি অতীব রাজ্য এই মানুখটির প্রাণ ক্ষবদাই সংহার করব, কালে সে কাল্যন প্রাশীদের প্রতি হিল্লে হরে **উ**টেছে:

তিনি (মহারাজ পরীকিং) সেই ব্যানিক পুনরার ভিজ্ঞাস্য করলেন—"য়ে সুমনীনকং, (ক আগনার তিনী পা কেন করেছে? প্রদেশ্য ভগবান শ্রীকৃষ্ণের অনুবতী প্রভাগের প্রভাগ আপনার মধ্যে দুর্গ ত আর কবিও

"(ह वृष, काली निवसतार अवर जन्मूर्ग जारु अवस्तिः ভাই আপনত সর্বাদীশ কলে হেকে। মধ্য করে আপনি আমাকে কল্ব কোন্ দৃষ্টকলে আগবাৰ কাল ছেবন করেছে, বার কলে পৃথাপুদ্রামের হল ও কাঁতি কল্যিত হাছে । খারা নিরপরাধ জীবের কাউর কারণ, এই ক্রপ্তের সর্বরই আনি ভাষের কাবে ভারের কারণ। ৰুৰ্ভানের কমনের মধ্যমে বাভাবিকভাবে যে কেউই সাধুবাৰো স্বলাব সংগ করেন। যে গুর্বত নির-রোধ बाँद्रस्य शक्ति विरम्त करह चलतावी व्यवस्त हो। यसि चर्सा क्य-समरक्ष मानल् स्वच्छ हा, ध्रद् चामि ध्रत बार (इस काळ (कावर) बारो भारतार चानुनामा चानुनारत निक्ष जिल्ह क्षा शक्षान करतन, छोरस्त शासन कहा अवर বৰন বছনী কৰে খাকে না, তক্তৰ বাল শাহনিৰ্বি উন্নয়ক করে আগংশুন অভাবিক বয়কেও বিগপসামী হয়, ডাদের কর্মণাত্র ভিত্রকার করাই শাসনকারী রাজার भाग धर्वर"

ধর্মবান্ধ কালেন-"ৰে গাণ্ডবদের ভণ্ডিভাবনর গুৰুবৈশিট্যাদিকে বিদুগ্ধ হলে জনবান প্ৰীকৃষা পৰ্যন্ত খৌত্যাদি কৰ্তব্যকৰ প্ৰদান কৰেছিলেন, আগদি দেই পাওফাদরই বশেষকের মতো উপস্ত কথাই বলেছে। टर सहरक्षे. कान् विराग्य मुझाइन्द्री ता व्यापारमझ मृत्य-मूर्वना परित्यात का निर्मत कडा चुंदरे कडिन कातन क्य হত্যকশ্বী কশনিকদের বিভিন্ন সৰ অভিন্তের হারা আমরা বিপুদ্ধ হরে গেছি৷ কিছু বালনিক নীরা সৰ মুক্তমো বৈভভাৰ অধীকার ক্ষেদ্র, তাবা প্রচার করেন त्व, कीश निरक्षरे निरकत मृथ-पृश्चन कना नाडी। অন্যোগ বলে বে, অভিমানবীয় শক্তিই সুখ-দুয়েশন কৰ संग्री। काला व्यत्यात व्यक्त (व, कारी मृथ-मृग्रका कर्णः हरकी भारत बक्क्सील साम हा, प्रकार से धक्छि स्वागरम्य मृत-मृत्यम् नाव्यं कात्रन्। किन् व्योगी कार्यन्, देश क्यान करतन (स. कृष्टि विश्वास आहारण मृत्य-শেহৰের কারণ নিশ্ব করতে কেউ পারে বা, খা করনার সম্পূত্তেও আ জানৰে পাৰে মা, আকল ভাৰার প্রবাদ করতেও পারে ন। হে সকরি, ছাগনার নিজের মনীবার

সাহত্রমা এই সকল বিবাহে চিয়া করে আপনি নিজেই বিচার করন।"

সত বোকাই) কালেন—"হে বিক্লেষ্ঠ, এইডাবে शहातुक्क श्रोतिकर धर्मतारकार कथा स्थल करत अन्वर्ण हेराव निरमन 🗅

थातः। त्रवे क्रम चाननम् चनिष्ठकातीतः (क्राप्तवः) व्यंपनि छात्र भक्तिम निष्मल ना, मुख्तार मिश्वरहे व्यापनि भाष्यर वर्ग-वृत्रका शहा करत्यक गाउ। अर्थेकाल क्षेत्री माध्यत गठि निष्ठत बीरवरंगद कर करूर पारकात्र মণেতর, এতে কেনও সংকর নেই। সভায়ুগে ভগস্যা, পৌচ, বরা ও সভ্য রূপ কেবের চারটে পা প্রতিষ্ঠিত बिन। किन्नु अवन चामि तार्थी (६, चर्डाह, चीनम এক দেশকনিত সভাতা কলে বৰ্ণমান অধৰ্মের প্রভাবে একটি মার পাতের উপর ভর করে কোন মতে পাড়িরে भारतः। किन्नु अमे भारतिनी वनि क्रमन अस्तान्त्र मूल সংবৰ্ণিত হয়ে আগময় নী গৰ্ণটিও কালে কৰাৰ চেটা कारकः नारमधा कारकः बार चारका कारकर स्थिति। कात इंडर करविद्वाला। किसि क्षेत्र बंधार व्यवस्थ সৰ্বচোভাবে পৃথিবীর মধ্য সাধিত হতেছিল। পূর্বাধ্যকত সম্ভাৱন ভালন কর্তৃত্ব পরিভাজা হয়ে माफी क्षीडी, भागादक अस्मा विकारी मृत्यात असत स्टा ভোগ করবে'—এই বৃধ্ধে শোক করতে করতে অঞ ভাগ কৰ্মসূত্ৰনাঃ এইভাবে মহারখী সেহল শক্তর স্থাল এককভানে সংগ্ৰাম কন্ততে সক্ষম) পদীক্তিৎ 'ধাৰ্য থাকা পৃথিবীকে সাত্ৰ কল কৰে, অধ্যেত কাৰণ স্বৰূপ বৰ্ণদেও সংস্থাৰ কৰাৰ জন্ম জীত বঙ্গৰ প্ৰচল কয়লেন। ৰ্মান কেবলেন বে, বাজা তাকে বৰ কয়তে উদাত, তব্দ ডবে বিভূপ হরে যে তার বাদ্রবেশ পরিভাগে করে ক্তাৰ প্ৰবাহন অব্যাহনত নিপ্তিত হয়ে আন্তুসফৰ্পন করন। বীনবংস্কা, নরশাসত পালক, চলতী মহানীর বহার্ড স্ট্রাভিব ভাকে চত্ত্তলে নিস্তিত দেবে

কুপাঞ্চত ভাষে ব্য ক্রনেন না এবং কেন ঈবং ছাসা कटाए कदार बनाए माधरमन, 'आमझ चार्युरनद वापर উত্তর্জিকারী, ভাই ভূমি বন্দা কৃতান্তলিপূটে আমার শ্রশাগত হয়েছ, তথ্য আমি ভোমাকে কা করন মা, কিন্তু দ্বস্তই হলেন এবং নির্ভুল ও বিগতমের হয়ে তিনি ভার - ডুবি আমার রাজ্যের বোন স্থানে খাকডে পারবে না, কেননা ভমি অধ্যের প্রধান সহচর। কলি বা অধর্মকে सराक्षण नहीं कि समहास-"हह नुस्तानवादी धर्मभा: सन् ताका के ताहे (नदासर) चाहतन कराक (नदाप्र) है। नर्य नारक रका १४ (व. क्वापिक म शामाजनीत (व क्वान क्वा केटल क्वान्याके लाक, विश्वा, क्रीर्व, क्वामाजी, সাচ হয়, কর্মে নির্দেশকেরও সেই স্থান লাভ হরে। বিশাসঘাতকতা, দুর্দ্বাল্য, কর্নাচ্চা, কন্মহ ও দশ্ব প্রভৃতি অধর্মমন্ত প্রকলভাবে বৃদ্ধি পাবে। অভএব, ছে অধর্মবছ। পর্বেশ্বর ভগবানের সন্তুষ্টি বিধানের জন্য বেখানে গভা ও বর্মের ভিত্তিতে বল্ল বিভারনিপর বাজিকেরা হল অনুষ্ঠান করেন, সেই প্রকারত প্রদেশে জোনার পালা উচিত না। বলে যদিও কখনও কখনও জেন দেবল পুঞ্জিত হল, তথাপি সেই পুঞার মাধ্যমে পর্যেশ্বর জনবানেটে পূজা হতে আপে, করেব তিনি স্থাবর ও জন্ম সকলেরই আখা এবং তিনি বায়র সভো জেনার তিন্টে পা ভর হারছে। এখন আগুনি সভ্যরাগ সকলেরই স্বস্তুরে ও বাইরে অবস্থিত। সেই ভাগোন বীকৃরি বাজন করা সভাই হরে সাজিকদের সর্বাসীশ মঞ্চল সাধন করেন ి "

বীস্ত গোৰামী কালেন—"এইভাবে মহাকাল পরীক্ষিত ভর্তুত জানিই হয়ে কলি জান কালতে দালল। তরবারি হল্পে ভাকে ২৭ করতে উদাত পরীকিং ক্রেন, তথ্য তার সমস্থত প্রতিহ্নে প্রভাবে স্থাবাজকে তথ্য ভার করে ক্রেন্তালের স্থানে স্থান হরেছিল। তথ্য সে মারাজ প্রতিকিউকে কান্তে লাগল, 'ত্ পৃথিবীর একমাত্র সমেটি, আপনার আমানুসারে অংমি বেবারে বাস করব বলে ফল্ম করছি, সেবানে আমি ধদুৰ্বাণস্থ অপন্যকে দেখতে পাছিছ। অন্তএৰ, তে বাৰ্মিক-কেই, অংশদী এজন কোন স্থান নিয়েলি কজন, বেখানে আমি খ্রিনটিকে জাপনার জাতা পালন করতে

> पूर (चात्रामी का<u>लान—"कनिड वोरै च्या</u>रकान अवन করে মহান্তান্ত পরীক্রিং ভাকে বেঝনে সূত ভীড়া, বাসব পান, ফাবেন প্রান্ত এবং পাত হত্যে হয়, সেই সেই স্থানে শাকবান অনুমতি দিলেন। কলি (উন্ত চতুৰি। স্থান শাওয়া সংখ্রে) পুলবার স্থান প্রার্থনা করলে মহারাজ পরীক্ষিৎ তাকে সূর্গে ক্যক্সের অনুষ্ঠিত প্রধান ক্যুকেন।

ক্রেন্য রেখানেই সুবর্গ সেবানেই মিখ্যা, মলতা, কাম সংখ্যমে পথিবীর প্রভৃত উল্লভি কাংন করেছিলেন। মহা _{এবং} ডিংলা বর্তমান।, অধর্মাঞ্জর কলি, উত্তরালগন *নটালি*তের আলা শিরেধর্য করে উন্ন দেওয়া সেই নাচটি স্থানে বাস করতে লাগল। অভায়ে যে যানুব। রাজেলগুরু সিংগ্রসনে সেই সুময় উপবিষ্ট হাসেন। এখন प्रमाणक सर्गांक कारमध्यम् करान, निरमक करत ताला, स्टोर तालवि, महाकान, ठळन्यटी, महायमा, नहींकिर *(माकरमण), पर्यस्तरण, द्वाचन धवर मामानी--फेल्स*ब भाषा है जमन पाधर्म चलता निश्च एउता कवाना উচিত না। ভারণর মহাত্ত প্রাক্তিং ব্রুলণ প্রমের ভাগঃ, শৌচ এবং গৰাজপ ভিনটি উপ্ন চয়ণ পুনঃ ্রলেই আপনানের পক্ষে এই প্রভাগ হয় করা সন্তব প্রতিষ্ঠিত কর্মেছেশন এবং তার আখানপূর্ণ কার্যকলাপের হারেছে।"

স্টোভাগালী সম্ভাট মহারাজ পরীকিং ধনগমনে অভিনাৰী পিতাহত মহারাজ বুধিষ্ঠির কর্তৃক অপিত কৌরৰ রাজলক্ষ্যির দ্বারা ছহিমাণিত হয়ে ইবিনাপুরে অংশুন করছে। আভ্নন্ত-পুত্র মহারাজ পরীর্ণশ্বং এতই भएर एक्स्प्रेच्या हम, केंद्र शहा और भुष्टियी मानिक इटस्ट्र

অষ্টাদশ অধ্যায়

মহারাজ পরীক্ষিৎ ব্রাহ্মণ-বালকের দ্বারা অভিশপ্ত

মাতৃগতে অবভানকাকে, প্রোল্ডচতের পুর অবখামার রকার বারা বন্ধ হওরা সংখও অমুস্তকর্মা ওগবান বীকৃষ্ণের কৃণার কুরামুখে মিগতিত হননি। অধিকল্প, মহাবাজ পরীক্ষিৎ সর্বদা জাতসাত্রে পর্যেশ্বর ভগরনের শরণাগত ফিলেন এবং তাই তিনি গ্রাহ্মণের অভিশাণে তক্ষক দলেনে প্ৰাণ সমট হলেও সেই ভৱে বিচলিও হননি। ভারপর, সমস্ত সম পরিতাপে করে মহারাম পরীটাদর ব্যাসনেকের পুত্র শুক্তবাব প্রেরামীর সরগাগত ইরে উরে শিব্যন্ত কলে করেছিখেন এবং ভগকনের তব্ নিমাকভাবে অবগত প্ৰয়ে গলাব তীব্ৰে তাৰ মেহ তাপ করেছিলের। ওার একেম হুলো বিভিন্ন বয়, কেবলা বীরা উত্তমক্রোক ভগবানের কঠাতেই অধিরত রত থাকে।, থানা নিরম্ভর ভগনানের কথ্যক্রপ সেই ঋত্মত পান করেন ধবং তার চরণ-ক্ষম শরণ করেব, জীবনের অভিয সময়েও ভাগের বৃদ্ধি-বিজয় হয় না। অভিযন্তনশন মহারেশ পরীক্ষিৎ বড়বিন এই পুথিবীর এককরে স্থাট विरागन, कालमिन करिन और श्रविदीत सर्वत श्रविक रागध

হীস্ত গোৰামী বললেন—"হংগ্ৰাক পৰীক্ষিৎ তাই প্ৰভাব বিস্তান কৰতে সমৰ্থ হয়নি। ভাষনে ঐত্যা বেদিৰ যে মুহূৰ্তে এই ধরাধান পৰিত্যান করেছিলেন, খধর্মের খালে। কমি সেই মিন সেই মৃহতেই এখানে প্রবেশ করেছিল: অহারাজ পরীক্ষিৎ ছিলেন মধুকরের মতো সাক্ষাহী। তিনি খুং জলভাবেই জানতেন বে, এই কলিয়াণ ক্ত কর্ম সম্পাদন করের ইন্যানাড্রই ভার কল পাওয়া কয়, কিছু অভাত কৰ্মসমূহের কেয়ে সেনাগ হয় বা, সেওলি অনভিত হলেই কল কনে করে। ভাই তিনি কলিয়নের প্রতি বিয়েখী বিবেদ বা। মহারাজ পরীক্তিং বিবেচন করেছিলেন বে, নির্বেখ মানুবেরাই ভেলা কলিকে অভাত শক্তিশালী বলে অনে কাৰে, ভিত্ত যাত্ৰ আৰুদৰেত ভাষেৰ কলি আৰু কোন শুৱ পাকৰে जा। महादास अवैक्रिक दिश्यन निश्च प्रदेश পরাক্রমশালী এবং তিনি মূর্ব এবং আনভর্ক ব্যক্তিদের तका क्टारिश्चमः। Ot चित्रक्ष, काश्चरता धाधारक स्थ ক্ল করেছিলন, সেই অনুসরে আমি আপ্নামের মহারাজ পরীক্ষিকো পথিত্র ইতিবাসের প্রসঙ্গে ভববার প্রীকৃষ্ণের ' कथा कर्तम करहरि। येथा केंद्रमत बीचद्रमा भूग निर्देश

সাহায়ে এই সকল থিবতে চিন্তা করে জাপনি নিজেই বিচাৰ কৰুন।"

85

न्छ भाषायी कारका—"दर विकटकां, अरेकाद मश्रातक भड़ीकिए वर्गवास्था कथा अवस करत गण्या अबड़े इरामन वानर निर्देश के विश्वयरबाद इरहा किने छात्। উত্তর দিলেন।"

ধর্ম করে ধলা হয় যে, ক্লথমিক স্বা পাপচারীর বে স্থান मास १६ वर्ष विस्नित्यत्व तह चार तार १ए३ থাকে। দেই জন্য আগনার অনিউজারীতে (জনেও আশনি থান পরিচয় বিশেস বা, সুভরত বিশ্বনাই অংশনি সালাং ধর্ম—বুমরার ধারণ করেছেন মার। এইভাবে रियो अक्षा वर्ति लेख्य औरवास का अस् बारमत আগাল, এতে কোনও সংখ্য দেখৈ। সভাকৃত্য কলাকা, পৌচ, দল ও সভ্য স্কাশ ভোমার চারটি পা প্রতিষ্ঠিত ছিল। কিছু এখন আমি বেখনি হে, অহনার, শ্রীদ্য এবং দেশাক্ষিত মহতা ক্রণে কামান অবর্মের প্রভাবে লোমার ভিনটি পা ভার হরেছে। এখন আগনি সভারাপ এবটি মার পাজে উপর ভার করে কোন মতে মাড়িয়ে भारतः। किन्नु बहे धर्मातनी क्रिन क्या शक्कात सरा সংবৰ্গত হয়ে অপনার ঐ পদতিও কলে কলা চেটা कराइ। भारतम्ब धनका तकः व्यत्नत वक्षण्टे ग्विदीर कांत्र १९९९ करत्रविहरूकः। छिनि वेचार वांधारन कारकत्रकः कर्त्रम, कवन कीन बक्तमम् अविदर्शन शकारः वर्षाकार्य भृषितीत क्षत्रम नारिक स्टब्स्सितः দুর্ভাগ্যকাত প্রয়েশক ক্ষান্ত্র কর্তৃক পরিভাগ্য হয়ে সালী ধবিত্রী, আনাকে জাকণ বিষেধী শ্রেকা কালা হয়ে। জোৰ করংগ'—এই বলৈ দোক করণ্ডে করণ্ডে ভার লাগ কর্মছলেন। এইভাবে মহারকী (সহজ শত্তন সংগ এককভাবে সংগ্ৰম কৰতে সভয়) প্ৰীকিং ধৰ্ম এবং পৃথিবীক্ষে সাধান কৰে কৰে, অৰ্থের কংগ্ৰ হজাগ কলিকে সহোয় করার জন্য তাঁকে বড়গ প্রকৃত করকোন। কলি থকা দেখাকা যে, রালা ভাতে কা কবড়ে উদ্যুত, করে মহারাত্ত গরীকিং ভাকে বেবানে দ্যুত ক্রীড়া, আস্ব ভখন হয়ে বিশ্বে হয়ে যে তার রাজ্যবেশ শহিত্যার করে। क्षेत्र नामग्राम अस्तरभक्षण निर्मातक स्टब्स जाक्रमधर्मन করে। টানবংসল, শ্রথাগত পালক, ফলবী মহাবীর মহাগ্যক প্রতীক্তিং ভাকে ইরপ্রলে নিগতিত মেনে

ঞ্চলাবশত ভাষে বধ কংগ্ৰেন না এবং ধেন দীবৎ সাসা করতে করতে কণতে পাগপেন, 'আমরা অর্জনের যথেত উত্তর্যধিকরী; তাই ভূমি বন্দ কৃতাঞ্চিপুটে আমার লালেণত হয়েছ, তৰন আমি ডোমাকে বৰ কন্ত না, নিয়া ত্মি আমায় রাজ্যের কোন ছামে থাকতে পারতে না কেনৰ তুমি অধ্যান প্ৰধান সহচয়। কৰি বা অধ্যানে মহারাজ পরিকিৎ কালেন--"হে বৃষৱগধারী ধর্মঝ। বনি মাজ বা বাইনেতারণে আচরণ করতে গেওয়া হয়, ভা হৰে ভৰনাই লোভ, মিখ্যা, চৌৰ্য, অসভ্যতা, বিশাসবাতকতা, পূৰ্ভাগা, কলটভা, কলছ ও দল প্ৰভৃতি चवर्षमध्य श्रवतकारम युक्ति भारत। चलकार, (र অবর্থবন্ধ। প্রমেশব ভগবানের সন্তৃষ্টি বিধানের জন্য বেশ্বনে সভ্য ও ধর্মের ভিত্তিতে বন্ধ বিস্তারনিপুণ যাজিকের হল অনুষ্ঠান করেন, সেই ব্রহ্মাবর্ড প্রমেশে ভোনার বাঞ্চ উচিত নর। হলে বলিও কখনও কথনও কোন দেবতা পৃত্তিত হয়, ভখাপি সেই পূজার যাধ্যমে **भत्रदश्यक्ष सम्बद्धान्त्रदेश भूक्ष दात्र प्राटक, कार्ट्स शिले श्वारक** ও জন্ম দক্ষেই অংশা এবং তিনি বার্থ মতে৷ नजानहरे चलुदा । यहेदा चरक्छ। तारे भगवान নীবরি ব্যৱসাধার সভট কর বাজিকদের সর্বাসীশ মঙ্গল সাধ্য করেন ("

> क्षेत्र्य (गायामी कालम-"धरेषात महादाव পর্যাঞ্চিক কর্তৃক আনিষ্ট হরে কলি ভারে বাঁগতে লাগল। ভৱবাৰি হত্তে ভাকে বৰ কৰতে উদাভ প্রীক্ষিৎ ৰহাৰাজকৈ ওখন ভাৱ কাছে ব্যৱাধের মতো ঘনে হয়েছিল। ভাৰত সে মহাজ্ঞত্ত পৰ্মীকিতকে কাতে লাগল, ংহ পৃথিবীর একমাত্র সম্রাট, আপনার আক্রানুসারে আমি বেবনে যাস করব বলে জনতু করতি, দেখানে আমি ক্ৰাণ্যহ আকুনাকে কেবতে পাছিছ অভবংগ, ছে ধার্মিক-হোট, জাপনি এমন কোল স্থান নির্দেশ করুল, বেবানে আমি ব্রিচিতে জাপনার আন্তা পানান করতে

পান, অবৈধ খ্রীসম এবং পত হত্যা হয় সেই সেই ছানে খাকবাৰ অনুমতি দিলেন। কলি (উক্ত চতুৰিঁধ স্থান পাওরা সম্ভেত) পুনরায় স্থান গার্থনা করনো মহারাজ পরীক্তিং তাকে মুবর্গে বসবালের অনুমতি প্রদান করকেন।

क्षिमना क्यानिक मुक्त भिषानिक विधा, बहुत, अप এবং হিংলা বর্তমান।, অংশান্তর কলি, উত্তরানকন «বিশিক্তের আজা লিরোধার্য করে ওার **লেওরা সেই** बोधित कारत साथ स्वारक स्थापनाः चारुवाद का मान्यः মুসলমর প্রার্থত আকাপ্তকা কবেন, বিশেষ করে রাজা, रकाकतारा, धर्मध्नरा, **डायन** करा नवामी---डायन भएक, जे मधन व्यवम् व्यवदार मिश्र इंडवा कंपरता উচিত নয়। ভারণৰ মহাবাদ পরীক্ষিৎ বৃষরাধ প্রমের । হছৎ ক্রমাশ্রে বে, শ্রম ভারা এই পৃথিবী প্রামিত হয়েছে তুলঃ, শৌচ এবং স্থাকণ তিনটি ভগ্ন চৰণ পুনঃ ।বলেই আপনাদের সন্দে এই প্রকার মন্ধা করা সভব প্রতিষ্ঠিত করেছিলের এবং হাঁর আন্তাসলর্থ কার্যকলাপের 📑 হরেছে 🖰

মাল্যমে পথিবীর প্রভৃত উয়তি সাধন করেছিলেন। মহা সৌতলাশালী সমাট মহারাল পরীক্ষিৎ ব্যাগমনে অভিনামী শিতামহ মহারাজ বৃধিষ্টির কর্তৃক অপিও ब्रास्तान्त्रक जिल्लामध्य (नहीं जात्रत चेन्द्रति द्वारामे । क्षेत्रम সেই রাজর্বি, মহাভাগ, চক্রবালী, মহাবালা, পরীক্ষিৎ কৌতৰ ব্যৱসংখ্যাত কৰা মহিনাৰিত হয়ে মন্ত্ৰিনাপুৰে অবস্থান করকো। অভিমন্ত-পূত্র মহাত্রাজ পরীক্ষিৎ এতই

*

অষ্ট্রদশ অধ্যায়

মহারাজ পরীক্ষিৎ ব্রাহ্মণ-বাদকের দ্বারা অভিশপ্ত

মাত্রগর্ভে অবস্থানকালে, মোণাচার্যের পুন অবসামার ব্ৰহ্মান্ত হারা কর হওয়া সতেও অব্রভকর্মা ওপবান ফীকৃষ্ণের কুলার মৃত্যুমুখে নিগতিত হননি। অধিকন্ধ, भशासक भरोकिए गर्वमा छाङ्गाङ भवस्माद समयान्य শরণাগত ছিলেন এবং তাই তিনি ব্রাক্ষণের অভিশাপে **৬৯৯ দলেনে প্রাণ সভট হলেও সেই ভরে বিচলিত** হননি। ভারপার, সমগ্র সদ পরিত্যাস করে বংরোজ পরীকিং ব্যাসদেকে পুর ওক্তাব গোলামীর শহরাগত হয়ে তার শিবাত কলে করেছিলেন এবং ভগকনের তব সমাকভাবে অবগত হয়ে পলার তীরে টার বেই ভাগ ক্ষেত্রিলে। তার এরকার হওয়ে বিচিত্র নয়, কেন্দা জন্ম উন্নয়ন্ত্ৰাক ভগবালে বাঠাতেই অধিবত কড বাকে?... যাঁরা নিরন্তর স্কলকারের কথারাগ সেই অমৃত গাম করেন এবং তার চরণ-ক্ষমল শরেণ করেন, জীবনের অভিম সময়েও ভালের বৃদ্ধি-বিভ্রম হয় না। অভিমন্সন্দন মহারাজ পরীক্ষিৎ বড়দিন এই পৃথিবীর এক্ষরে সমটি हिरगन, एएकिन कमि अहे भूपिरीड मर्दा द्वविष्ठ स्टान्ड

শ্রীসত গোসামী কালে—"মহারার পরীকিং তার প্রভাব বিভার করতে সমর্থ হয়ন। ভাগরন শ্রীকার द्यन्ति द्य प्रकृत्वं अहे धडाधार भदिउत्तर कर्द्राहरूका. অবর্মের অন্সের কলি সেই দিন সেই মুহতেই এখানে প্রকো কর্মেছল। মহারাজ পরীক্ষিৎ ছিলেন মধকরের बर्खा मार्ग्यारी। जिसे कर काम गारंकर काम एक रहा. এই কলিবলৈ ভাত কৰ্ম সম্পাদন কৰাৰ ইক্সমোৱাই তাৰ মল পাওয়া মার, কিন্ধ অধ্যক্ষ কর্মসমূতের ক্ষেত্রে সেরুল হয় না, মেওলি অনুষ্ঠিত হলেই কল দান করে। স্কাই िक्ती कशिवादवा क्षांचे विदयवी हिटलम भार । महाहास भन्नीकिक विरक्षम्य अरङ्ग्रिका एवं, निर्दाय प्रानुरहराहि ক্ষেক্ত কৰিকে অভ্যন্ত শক্তিশালী বলে মনে করতে, কিছ ৰাবা আধুসংখ্য ভাগের কলি থেকে কেনে ভার থাকবে না। বহাদাক পৰীকিং ছিলেন দিংহের মতো भवासभागी बदा ठिनि पूर्व क्षदा चामठक वाक्षितक রক্ষা করেছিলেন। হে কবিবৃদ্ধ, আপনারা আহাতে তে প্রধান্তরের, সেই অনুসারে আমি আপনাবের মহারাজ পরীক্তির পরিত্র ইতিহাসের প্রসতে ভগরান প্রাক্তিরের कथा वर्गना करविहै। योदा छोटका कीवाज्य नुर्व निर्देश

অভিনানী, তাঁমের অবশ্য প্রদাবনত চিত্তে অভতকর্মা পর্যেশের ভগবানের প্রতাক্ত ওপ একং কার্যকলাপ সম্বন্ধীয়ে কথা জবদ করা কণ্ডবা।"

পবির কালেন—"তে সৌমা সূত গোসামী। অংশনি नीपीत् रम अस्य फारह रूप मण्ड कटन, (काला चापनि অত্যক্ত সুন্দরভাবে পর্যেশর ভগবান ঐক্যান कार्यकर्मानं जाधारम्य करण कर्यतः करतरहतः। व्यायासम् মতে কলেনীল জীবেকের কাছে যে ঠিক আমৃতের মতে। আমরা বে বন্ধ অনুষ্ঠান কর্মী, সেই অনুষ্ঠানে ভুসক্রটিজনিত বহুবিধ নিয়ের সম্ভাবনা, তাই আমর জানি ন্ম নিশ্চিতভাবে ভার ফল লাভ করে রাখে কি না। খুসের দারা বিবর্ণ আমাদের দেহকে আগনি শ্রীল্যেবিকের **চালাববিদের অয়ত পান করিয়েছেন। অগকনেজীর সং**ভ নিমেবমার সদ করম কলে জীবের বে অসীম মঙ্গল সাধিত হয়, ভার সঙ্গে কর্ম বা মোলেনাও ভূগানা করা বায় না, তথ্য মনশাীল মানুকো জাগতিক বদুদ্ধির কথা আৰ কি কাৰ আছে! প্ৰয়েশৰ ভাৰতৰ শ্ৰীৰকা (গোবিশ) পরম শ্রেষ্ঠ মহাল্লাদের একমাত্র ভাশ্রর। শিব, ক্রমা প্রমুখ বোগেছরেরাও ভার অপ্রাক্ত ওপসমূহের ইবস্তা করতে গাজেন না। কোনও রসঞা ব্যক্তি कि ওঁবে মহিমা প্রকা করে কথনো পূর্ণরূপে তথ্য হতে পারেন। হে সূত গোৰাহী, স্মাপনি বিদ্যান এবং ভগবানের গুছ ভারত কারণ ভাগবালের দেবাই আগনার একমার উদ্যোগ। ভাই আপনি মহা করে আহাদের ভগবানের লীলানমহ কৰি। কঞ্জন, আ সমস্ত ভৌতিক বিচার বাবায় অতীত, ক্ষেপা, সেই বাদী গ্রহণ করতে আমরা ঐকাধিকভাবে আত্রহী। যে সূত গোৰামী, সেই মহাভাগৰত মহারাজ পরীকিং বাস্থানৰ ওকলেকে করে যে ভাগেং ভরভান সাভ করে গরুড়ধার শ্রীকৃষ্ণের পাদপত্ম প্রাপ্তিরূপ বোক্তক লাভ বয়েরিলেন, সে কথা অংশনি হরা করে। আহাজে করে করি। করন। ইয়া করে আপনি আমাজে। কাছে শেই ক্ষমন্ত সন্তার মহিমা বর্ণনা করন, কেননা ভা পবিক্রফারী এবং সর্বজেট ে ভা মহারাজ পরীক্ষিতকে *(मानाइन श्वादिम अ*वर ख ठिखरार) नर्ग श्वास करन কগবানের ওছ কলের অভান্ত প্রিয়।"

शीमा आवारी कालन-"चारा। यनिक चामता সম্ভৱ কর্পাত্রত তথালি অফাবৃদ্ধ মহাপুরুষদের সেবা করার

কলেই কেবল সফলকলা হয়েছি। এই প্রথম মহাকাদের সঙ্গে কেবল কঠালাপ করার কলেই নিম্নুক্ত সম্ভানিত चरबाजाला चहिन्दारे विनुतिक शता योग। चात्र योगा महान ভড়ের নির্দেশ অনুসারে অসীম শক্তিসম্পন্ন থনজের নিজ नाम कीर्डन करतन, छोरमत कि कथा १ शतरामक छवतानत প্রতি করে এবং ওগবেলী দিবা, তার নাম জনত। এবানে প্রতিপার হল বে. পরমেশ্রর ভগবান অনন্ত এবং কেউই উার সমতুদার না। ভাই কেউই অপেটভাবে উার भवटक कन्दरक भारतम भा। जहान (एक्टरहा प्रदेशक প্রার্থনা করেও বে লক্ষ্মীদেবীর কুপা লাভ করতে পারেন या, तारे माहीतारी संभवतम्त्र बीभागनावत्र तार्व वदान, যদিও ভগবান এই প্ৰকাশ সেবার আক্ষেত্রকী নত। একা বাঁর পালনার নিলেক সালিল সংগ্রহ করে আর্থাপ্রভাগ কা मरारायक निरंदक करत्व (बना क्रान्त), अवर वा মহাদেশসহ সমগ্র মাণতকে পথিয় করছেন, এই জনতে ুনাই মুদুন্দ বিয়া অন্য কে ভগবং শব্দবাচা হতে প্যকোপ প্রযোগ্য ভাগান ঐক্যে জনক আছ-সংবাধ ব্যক্তিয়া সহস্য एन तर बन्ध मृत्यु का यह बन्नवार्वाहरू भागति পরিত্যাগ করে সম্মাস আপ্রমের চরম সিন্ধি পারমহসোর शाबित बना नक्षाण करत हरण धन, यह घरण पहिराग তথা বৈরগো বাভাবিকভাবে সম্পাদিত হর।"

"হে সূৰ্যসদুল দীবিয়ান কৰি।ল। ঐবিষয়ে অল্রাকৃত শীলা আমি আমার জান অনুসারে কথাসংখ্য কর্মনা করাই চেষ্টা করব। পাবিরা বেমন ভাবের শক্তি অনুসারে আতালে বিচরণ করে, প্রেমনট পরিতেরাও উচ্চের डेनलडि चमुत्रारत सनवातमा नीमा कीर्डम करवन।"

"এক সময় মহারাক পরীক্ষিৎ পরাসনে পর বোজন করে সুগরাবে যথে মুখের অনুসলো বর্গতে করতে অত্যন্ত ক্লান্ত এবং কৃথা থা দিপালাৰ কাতৰ হয়ে পড়ালেন। জলাশরের অবেষণ করতে করতে তিনি পরীক কবির প্রসিদ্ধ আশ্রমে প্রবিদ্ধী হলের একং কেবলের বে, এক মুনি নকা নির্মালিত করে প্রশানভাবে উপবেশন করে আয়েন। (गेरे भृतित रेशिक, धान, यम अंगर वृद्धि गश्लारे बाह्य नियत (पदक श्रद्धाशस इदहरिन, अयर दिनि काशस, पश्च ६ স্বৃত্তি এই ত্রিবিধ অবস্থাত অতীত ভূরীর পদ প্রত্ত एरविएमन परम टिमि अच्छन्छ ७ निर्विकात हिर्दान। সমাধিক সেই মুনির কেই ইডব্রেড বিশ্বিপ্ত কটা এবং

প্রণাচর্মের কারা অফার্যানিত ছিল। পুনারে রাজর আশু করেছে, আমার আদেশক্রমে তঞ্চক দর্গ সভ্য দিনে লাল বিভন্ন হলে লড়েছিল, তাই তিনি সেই সমাধিত্ব প্রনিত কাছে অল প্রথমা করেছিকেন। রয়ের কথন নোবালের যে, বুনি উত্তক ফুলানার, ছান, আর্থা কিছুই প্রদান । উত্তর লিতার প্রসাদেলে মুক্ত কর্প দেখে অভাক্ত দুর্বধর हरतान मा, बावन कि जिल्ल केटन अहायत्त्व क्यापन मा und তিনি নিজেকে অবদানিত মনে করে অভার क्रावर्थनक स्टान्न। (स् जान्यनस्य। कृथार्थ अवर फुकार्थ মচারেক প্রীক্তিতের সেই ক্লাবির হাতি জেশ্য এবং প্রধ্যেকা বিশ সম্পূর্ণ অভ্যতপূর্ব। পূর্বে রাজা কথনো এরকার আচনশ করেননি। এইভাবে অপসামিত হয়ে মহারাক্ত পরীক্তিৎ ক্লেধবন্দত প্রকর্ষির ক্সমহারণ একটি মত সৰ্গ কাকেৰ অপ্ৰভাগ হয়ে ছালা কৰে উল্ল क्रक्टामारम श्रणांवर्डम करामा ।. शृह् श्रणांवर्डम करा তিনি মতন মনে ভাষতে লাগলেন, সেই বাই কি সতি সন্তি তাৰ ইপ্ৰিয়সকু ৰক্ষা করে নিৰ্বাদিত কেনে খুন কংগ্রিকা, নাকি, একজন করবছকে কন্তর্কর স্ব করার ক্ষাল্য সংঘ্যিকর ত্রালার ভাল করছিলেন।"

"সেই মুনির একটি পুম ছিল, সে **রাজ্ঞা**পুর স্থায়ন কলে অভ্যন্ত শক্তিয়ান ছিল। সে কৰু অধ্য বালকদের সঙ্গে খেলা করছিল, কবন সে জানকে পারে য়াখা কিবাৰে জান লিভাকে গাছিক করেছে। জংকলং সেই ত্ৰাৰণকাৰ শুলী কাল, 'সেৰ। শাসকো কি মুক্ত বাব व्यक्तिमभ्यतिक व्रवादः। जन धन्त् व्यवस्थन कृत्रस्य সক্ষে মধ্যের ভূগানা হয়েও পারে, আঞ্চ কি বা জারাই প্রভূগ প্রতি পাশাচরণে প্রবৃত্ত হরেছেঃ ব্রাভাগের করবভূবের वृद्धक्क कुकृत वर्गदै निव्यक्ति बरारदः। स्तार अवन्ति খানদেশে পাকবে। কলে ভানা কিনেন ভিত্তিতে গুটো য়ালে খান্ত প্ৰভূম সংস্থ এক পাৰে কোনাৰ কৰাৰ সাহস পর্যাণ সকলের পরম শ্রমক প্রয়েশ্বর শুক্তান প্রীকৃতা সংগতে গতন করেছেন বলে এই সংগ্র উন্নুখল লোকেয় **अर्**गद्र शंकाय विकास कारके। काँदे कांत्रि जारमद मध्यान করছিঃ তোমরা আমরে শক্তি দেব বিধানক শৃতীর চকুষর ফ্রোধে আরক্ত হরেছিল, সে ভারে থেলার হবে। ভার ফরে ভারা কেলা কর্থনৈতিক উর্লিড ও নাধীদের সঙ্গে এইডাবে কল কাতে কাতে কৌনিকী নদীর মধ্যে আক্রমন করে কল্লোপন করু উচ্চাকে করণ। সেই প্রাক্তপের পুত্র রাজকে অভিশান দিল, 'যে কুলাসার মর্যদা শহরে করে অমার পিডাকে এইডাকে জনমানর

ভাকে দলের করবে।"

অবিকুষার এই বলে আল্লেমে প্রভ্যাশমন করল একা সঙ্গে উচ্চস্থরে রোধন করতে সাগল—"হে *ভালপণা*ণ। আদিরা বুনির গেরে উর্ভে কেই শ্মীক কবি তার পুরের ক্ৰমন কৰা কৰে বীৰে বীৰে তীয় মেকাং উন্মীলিত कंग्रासा बना कींग्र भगामत्व अक मुख नर्भ व्यापाट পেলেনঃ তিনি সেই সাপটকে একপালে ইড়ে কেলে ষ্ঠায় পুরুষে বিশ্ববস্থা করবোগ, কলে। কি জন্ত ছত্তি ক্রম্পন করছে? কেউ কি ডোমার অনিষ্ট করেছে? সে কথা বনে ব্যবহানৰ ভার পিজকে সমস্ত কুবাৰ বলেছিল।"

শ্ৰীয় পৰ অভিস্কাতেৰ অনুগৰ্ক সেই মহালাৰ প্রীক্তিত্বে তপ দিয়েছে শুনে সেই গ্রাহ্মণ পর্যাক কৰি ষ্ঠার প্রায়ে প্রথমে করলেন হা। প্রকার্করে, তিনি **श्राद्धक क्रार्ट्सन, काश्र की हारका दिवत! क्रुनि क्**श्र शार्थ করেছ। ভূমি লবু অগরাধে ওঞ্জর মত প্রধান করেছ। হে ৰংগ। ত্যেমার বৃদ্ধি স্বাপরিপত এবং ভাই যে রাজা सक्रमं ध रिकृष्णा क्ल विभिन्न, यीत पूर्विवह एक्टबन প্রভাবে সময় প্রভাৱা নুমক্তিও হরে নির্ভাৱে সুধৈপুর্ব জেন করে, ডাঁকে সাধারণ অনুবের সমতুলা বলে মনে করা ভেদেরে উচিত হরদি। হে বংগ, চক্রধারী শ্রীভাষাদের প্রতিনিধি হচ্ছেন রামা। সেই রামা কর্মেইড इरम औ नृषिवीए क्रूड कार्यक क्रमुलंग इरव बक्र প্ৰভাৱা বৃক্তৰবিহীন যেৰপালের মতো মৃত্তের মধো বিনষ্ট হবে। সাক্ষতন্ত্রের সমান্তির কলে দস্য ও ধূর্ণত তুকুঁক জনসাধারণের সম্পণ্ডি কৃতিত তুওয়ের কলে ভরকর স্মেটিক সম্ভ দেখা সেবে। মানুৰ প্রস্থানকে কিলে কাৰে এবং পণ্ড, 🛊 ও ধা অগহাণ কাৰে। আর এই সমস্ত্র পাশের ক্ষান্য আমরা সামী হবং। তখন মানুর কো ৰিহিত কৰ্মানৰ ব্যক্ষাৰ প্ৰাচিতীল সভাভা থেকে বিহাত देशियकृष्टि सम्बद्धाः क्ष्मिंत्रकरे यस श्रास्त्र । त्यरे स्थल কৃতিকরের সৃষ্টি হবে। জারা কুকুর ও বানরের বতো সন্ত্রনগরতি উৎপুসন করবে। ধর্মরক্ষক, মহাকারী, भूतर स्रोत्स्ट, स्वयूर्य सक्तकाती असर्थि मूचा, पृथा व পরিবামে কাপর হতে বিপল্লভাবে আমানের কাছে আগত সেই পৰীকিৎ মহারাজ কোন মতেই আহাকের च्यक्तिगारभव भाग सा

"তথন সেই কৰি, সৰ্ববাপ্ত পর্যযোগ ভাগবঢ়েও কাছে প্রার্থনা করলেন তিনি কো ওয়ে বৃদ্ধিইন অপরিণত বালালপুত্রকে করা করেন, যে সমস্ত পাল থেকে মুক্ত জর মহান ভক্তকে অভিদাশ দিলে মহা অপরাধ করেছে। ভগবানের ভক্ত এতই মহিন্দ যে, যদি ভারে অপমানিত, প্রভাবিত, অভিনপ্ত, বিচলিত, উপেক্ষিত, এমন কি

নিহতও হন, আ হলেও উরো কখনো প্রতিশোধ নেওয়ার কৰা ভাজে না। সেই মুনিগ্ৰেষ্ঠ শমীক জাঁৱ পুনের অগরাধ চিক্তা করে এইভাবে অনুতান করতে লাগালেন, কিন্তু ভিনি নিজে বে রাজার ঘারা অপমনিত হয়েছিলেন সেই অপ্রারের কথা একবারও চিন্তা করকেন বা। সংসারে গ্ৰামই সাধুন অন্য কৰ্তৃত সুখ-সুখে প্ৰাপ্ত হলেও ভাতে বিচ্ল হম মা, কেবল তাঁৱা সুখ-দুঃৰ আহি ভাৰে

উনবিংশতি অধ্যায়

ওকদেব গোস্বামীর আবির্ভাব

वीन्छ शायामी कारतन-"ताका (पहाडाक প্রীক্ষিক) গৃহে প্রত্যাবর্তন করার সময় ভাবতে লাগলেন ৰে, ডিনি একজন নিৰ্দোৰ এবং ডেজখী ব্ৰাশ্বদের প্ৰতি অত্য ক্ষা এক ক্ষিত্র আক্রম করেছে। জর কলে তিনি অন্তরে **অতল্য ব্য**থিত হয়েছিলেন।"

মহালাক পরীক্তিং ভারবোন-"ভগবানের অনুদশ **ध**नमान्ना कड़ात कड़ा करन्त्र छरियारक व्यासन करनाहे फतका विना स्मृत्रिक श्रुव, तारे विश्वत (कार स्थात নেই। সেই বিগদ পাঁত্ৰই উপস্থিত হোক, ভা হলেই আমার পাণের উপযুক্ত প্রায়ন্তির হবে এবং পুনরার আমি त्नदे ठकात गर्दिक कर्ड अनुड इस मा। डाम्बना भरवृति, ভব্বং দ্রেজনা এবং খেনেকার অ্বট্রের করার কলে व्यति वालांच कामका असर भागी। करि व्यति और हर, আফার রাজ্য, পরাক্রম এবং ধন-সম্পদ্ধ প্রাক্তাপেত কোণাছিতে একৰি ভাৰ হ'ছে গ্ৰাক্, বাকে আমি ভবিব্যক্তে এই প্রকার আমাধনকানক মনোভাবের দ্বারা কৰনে প্ৰভাবিত মা হতে পারি।"

'জন্ম বৰন এইতাৰে অনুশোচনা করছিলেন, তথান তিনি সংবাদ পোলন হে, অধিপুত্রের অভিনাপের কলে

সংবাদতি থকা স্বাচার বলে মানে করেছিলেন, আরণ ভার কলে জামতিক বিষয়ের প্রতি তার বৈরাদ্য উৎসাম হবে। প্ৰীক্ষেত্ৰ জীপাদগৰেত সেধা সৰ্ববিধ পুৰুষাধেত্ৰ সানাতিসার জেনে, মহানার পরীকিং আত্ম-উপলব্ধির অন্য সমস্ত পদ্ধ পরিভাগে করে সেই জীকৃষ্ণের প্রীপাদপরে তাঁর চিত ককার করার জনা সূত্দুনী গঙ্গার তীরে প্রায়োলকেন করকেন। বে সুরকনী শ্রীঞ্জন চরণরেণু বিমিনিত কুলদীদদের সংস্পর্লে সর্বোৎকৃষ্ট স্লিসরাদি বহুল করছে বিনি মহাকের পর্বত কেবভালের क्का अन्य गारित केवा गरित कार्यन, मुक्त निकीवर्जी **অনে কোনু মানুব সেই গবিত্র জানীরবীর সেবা মা**

"লাভবনের উপায়ুক্ত কপেধর পরীক্ষিৎ মহারাক্ত তথন দিয় কর্মের্কেনে যে, গালর তীরে উপবেশন করে আমান জনপদ করবেন এবং বৃতিদাতা ভগবান ঐতৃংক্তর श्री नामभरण निरक्रतक मुन्त्वृत् क्राल निर्वनम क्यारका। ভাই, সর ব্রক্তম আগতি এবং সঙ্গ পরিত্যাপ করে ভিনি মুনিদের মড়ো শাক্তাব অবলয়ন করেছিলেন। সেই ্ চক্ষকো দলেনে অচিত্রেই ঠাও মুখ্যু হবে। রাজা সেই এনে উপস্থিত হলেন। সাধুরা স্বাবেই তীর্থ বিভাগ, ভাঁজ সময় ভূমেলকো মহানুভং মুনিরা উদ্দেহ শিখ্যসহ সেখানে

সার্বনাচনচাল তীর্থাসকলকে পরিত্র করেন। অতি, বশিষ্ঠ চ্যুবন, পরহান, অবিউনেমি, ডাঙ, অসিবা, পরাপার, বিভামিত্র, পরস্তরাম, উত্থা, ইল্লপ্রমদ, ইব্যবাধ, মেলতিনি, মেবল, আর্ম্ভিকেশ, ভারকেজ, গৌত্তম, লিককান, टेबटबर, क्षेत्रं, करव, कुंबटवानि, दिशायम, क्रमवान संहरू প্রথা মহর্ষিয়া ক্রমান্তের বিভিন্ন স্থান থেকে সেখানে दे-र्वत्रक स्ट्राइस्मा । बा श्रष्टा कता करनक स्नवर्दि, হচৰি এবং রাজৰি এবং অরশ আদি কবিপৰ দেখানে একে উপজিত হয়েছিকে। সমবেত শ্ৰেষ্ঠ ছবিনের দর্শন করে রাজা তাদের স্বধানিধি পূজা করলেন এক সভাক ছারা ভূমি স্পর্শ করে তীদের প্রণাম করকেন। ভারপার, উল্লা সঞ্চপেই ৰখন সুখে উল্লেখন ক্যলেন, তথা বালা উাদের পুনতার প্রশাস করলের এখং বিনীতভাৱে কতাঞ্জিপুটে তাঁর প্রবোধেশনের অভিলাবের কথা क्षायां होता है ।

নেট জাগবোন রাজা ধললেন—"আমরা বলাগট মহাস্থানো কথা লাভের শিক্ষা শিকিত অতাত প্রমাণীন ধারুদের মধ্যে মহা সৌভাগ্যকর। সাধারণত আপন্যক্র (মহর্বিরা) মতে করেন বে, রাজকুল আবর্মনার ফরে গুরে ক্রনীর। ভিনমে ও জড় জগতের নিয়ন্তা প্রমেশক ক্ষণবাদ প্ৰাক্ষণেৰ সাধকুণে অমাকে জভাৱ কথা করেছে। আমি নিরবন গ্রহের প্রতি কভাব আসক হিলাই, কিন্তু ভাগবান আমাকে বক্ষা করার জন্য এমনভাবে আমার সম্মূরণ উপস্থিত হরেছেন যে, ভরের বৰে সামি এই জগতের প্রতি বিরক্ত হব।"

"হে হ্রাগ্যনগণ, জারাকে সম্পূর্ণরূপে আক্রমন্তিত বলে প্রহণ করন করে ভগবনের প্রতিনিধি যা পলও আমারে সেইভারে স্বীকার মধান কেন্সা আমি ভারতের ব্রীপাদপত্র আমার জনতে বারপ করেছি। এখন প্রাচ্চক ক্ষমৰ খেবিত ভাষকই হোক বা কৃত্যই হোক আন্দৰ্ বংশন করুক_ে আমার একমার বাসনা বে আপনারা সকলে ভাষা বীবিষুদ্ধ লীলাসমূহ কীঠা করন। অমি সময় ব্রহমণনের প্রণতি নিবেদন করে পুনরছে ধ্রর্থনা করছি বে, যদি আহাকে আধার এই লগতে লতাহণ করতে হয়, তবে জেন করত ভগবান স্থিকবের প্রতি আমায় পূৰ্ব আস্তি খাকে, আমি বেদ সৰ্ববা ভার ভক্তদের সাধ মান্ত করতে পারি এক সমন্ত জীবের প্রতি তের আমার মৈত্রীভাল থাকে। সম্পূর্ণরূপে আরু-সংবদ্ধ মহাবাদ্ধ পরীক্ষিৎ তার পুরের ছাতে রাফান্ডার শাস্ত করে, গলার যদিন তীবে পূর্মল কুলাসনে উত্তরমূপী হরে केशरकका कर**ा**न ।"

"মহারাজ গরীকিং রখন এইছারে প্রারোগদেশন करातार, क्रबंध कार्यन (सराधाना केन्न कार्यन अन्यन) करत गुन्नवृद्धि कहरू महमहत्त्रम अयर मुम्बि खबाएक नागरना । সেবানে সমবেত সমস্ত মহর্বিরা মহারাজ পরীক্ষিতের मरकरकत श्रमात्मा कररामा अवश 'माथ' 'माथ' वरम छ। कन्द्रमामन कार्यकः। अस्ति। भ्रष्टावर्ड्ये माधातम मानुवरसय কল্যাল সাধনে উত্থাৰ, কালো তীয়া প্ৰমেশৰ ভাগবানের সমন্ত প্ৰবে ওপৰিত। ভাই গুৱা ভগৰতক মহাবাক পরীক্ষিতকে কেৰে গাতাৰ প্রসায় করেছিলেন এবং বলেছিলেন, 'হে ভগবলৈ জীকুনেওর নিষ্ঠাপরারণ অনুসর্বাক্তারী পান্ড কলৌর ক্লার্মেরিদের কুর্নাতশকঃ আপনি ৰে পরমেধা ভগবানের নিডা সারিধা পাতেব জন্য বহ রাজানের রাজসূত্রট শোভিড জাগনার বিহেনেন পরিভাগে করেছেন, তাতে আকর্ষ হওয়ার কিছু নেই। বাংকল পর্বন্ত তলনালের তেওঁ ভক্ত সহায়াকা লই কিং কান্য মান্ত কণুৰ এবং সৰ্ব প্ৰকাৰ পোৰু খেছে পৰ্বজনে মুক্ত হয়ে পরম খামে কিয়ে না বান, ততকা পর্যন্ত আররা সকলে এবালে প্রতীক্ষা করব (* "

"থাঁবরা হা বলেন্ডেন ভা অভ্যন্ত ক্রতিমধ্ব, পারীর অর্থপূর্ব এবং পূর্বকলে সতা ছিল। ভাই স্তা ওলে সহারাক্ত পরীক্তিৎ শ্রীকৃত্তের কার্যকলাগ লেনেবার অভিনাৰে সেই মহৰিদেৰ অভিনামন কালিয়ে বলতে লাগদেন—'হে মহবিৰণা সাপনারা সকলে জথাত কুপাপরবর্ণ হয়ে প্রক্ষাধের সমস্ত দিক খেকে এবনে এসেছেন। জাপ্যাতা সভলে গ্রিভাবনের উল্বে (সভালোকে) বিয়াজনাৰ মুৰ্তিমান কোসমহের মডো। কেনবা অগরের প্রকি অনুপ্রহ করাই আলনানের সভাব अवर हा सुखा और स्रोधक स्वयंत नदवटी बीवक আপনাদের কোন বার্থ মেই। তে বিশাসভাকন ব্রাক্ষণপাণ আমি একা আপনাদের করে ক্ষয়ের আসম कर्टना मक्टक विकास कर्राष्ट्र। महा कर्टन, क्वारपछारन কিলে করে আখাকে বলুন, সমন্ত পরিস্থিতিতে প্রতিটি মানুৰেই, বিশেষ কৰে যে মানুৰ মনপ্ৰোত্মৰ, ভান কৰেন্ট कर्डवा कि 🖰 "

*১খন ব মুমারঃ গড়িনা পুরু চম্রোসমন পাবরী न्दील कर छ दलहर अस । ६० १० १७ १० १० रिक्री करिक्त बार्शविकास कार्यात्र, एक बाला विक्राप्तिक विकासकीन, धाकाबाब up बदवर ,रवकारा संधाः साराम (वर्ष मर्च व यान, कर , वर्ष करत प्रम বালেদেরক সেট পুরের বর্ম হৈত কোন বছর পার हाम इ.स. क हुए। अल् इस क नाप एका न देव অনামা সমত এক চল ১০০৫ ইত্তল্পে স্টাত ছিল। the and the ten and here of the ম্যাপত হৈ ক্ষা কৰা কুটি কিব টেৰ এটা আপেৰ। हैज भूकारक त्या २०१३ क्वारों ५ छ। देत वंश्यान किन पाराण पूर्वाते । या नरका भागा मुख्य है। ৰটের স্বাভাগেই অদ্ধি হাংগের হারা অধ্যুত বক্ষাকৃত বিশ্বল সৰ্ভাচ, নাডিববল গভীন খণেটো মতে, উনর দ্রিকটা ক্লেবার আমিস্ট। তাঁর ব্যৱস্থান দীর্থ করে কুঞ্চিত কেন্দায় ইয়ে সুদর বৃষয়ওবের উপর ইতন্তত বিত্তীর্ণ। फ्रिक्नबृहरे ठेम यह अस् छेस चक्रताहि चमाताहर বিশৃক্তে মতে মতি কালীয়। শুন কালারি লামকে এক নত্নীবনন্ধনিত জতার সুন্দর। তাঁর ভেতের तिन्दि सद यहुत श्रामि स्वर्गेतम्ह कार्ड रावगीत हिंगः। মনিও তিনি তার স্থানাক্ত অহিবা লুকাবার চেটা कार्राक्षण्य, विष्यु (अवाहत देशिक प्रश्रार्थक विकास দেৱেৰ কালৰ বিচাৰে গটু, একা ভাই তাঁকে এক বিশ্বস্থান্থৰ চিন্তে গেতে ঠাত উল্লেখ আনুন গেতে क्रिके वेर्तिक से विकास अपनि अपनित करा तर । अस्तिक প্ৰীতিক বিনি জীবিয়া কৰ্ত্ৰ চক্তিত প্ৰথমে কলে, হিম্মাত বলৈ পৰিছিত, ভক্তমন্তকে ইয় সুখ্য অভিনি ৩কাৰে লোভাইট্ৰে খাগত জন্মালেন। প্ৰথম প্ৰকাশ্যে আনুবাদী নিক্তের স্বাক্ত-ক্ষিক্তরে কুরে পান্তমে করণ। क्रम्बरण इनामाधी जनकृताः सम्बद्ध शहर करतः इनके स्वत्रम्य Betreen कर्मन ्यर् मृद्धाः उत्तरि, क्रमारं करः इन्तरित्पुरः निविष् हता अत वीर्वका कवतन कवा ক্ষালয়ৰ প্ৰান্তস্থানিত্য পৰিবেদিত সৰেও মতে অভি অপুর লোভা ধানে কাবছিলেন তথ্য মুনিবর প্রকারে

কর কর করে ছ আর করে কারের মাধ্যান্ত করিকার করে উত্ত করে এ মাধ্যার্ককরে প্রতিত নালেন করেকার, এরা হাত ক্রেড করে সুমধুর করে বাত প্রত্যান্তর্ভাব

संभागान वास्ता नरीएकर वन्त्रामान-"(इ वाकान প্রকলি কুপা করে জন্মার আতাগুরুলে টেলাস্থত হয়ে নামানের উপ্তেশ নাজ্য পরিব্র করেছেন। আপনার কৃপায় ঘারণা অংগ্রাণ কলিঃ হওয়া সতেও ভাকদের সেবা করার টোলান্ডা কর্মন করেছি কেবলমার আপ্নাক্তর শ্বরণ করাই কলে আনাচের গৃহ তৎক্ষণাৎ পরিত্র হরে হার, অভাগে আলনাকে মান্দ্র, লগান্দ্র, পাদ প্রজালন একা পুছে আনন্দি দান করার ফলে যে কি লাভ হয়, আ তে বর্ননা করতে পারে। হে মহাবোগী। বিদুদা সারিধা যাবাই কোন অসুরোর বিনাশ আন্ত হয়, ডেমনাই আপনার দৰ্শন সামই জীয়েয়া মন্ত পাতকসমূহ তৎকলাৎ নাপ প্ৰাপ্ত হত। পাতৰদের অভান্ত হিন্ত ভগবান শ্রীকৃকা, তার ভাইদের বাঁতি সম্পাদনের জন্য আমাকে ভার প্রভিক্তার করেনে। তানা হলে বি আমানে মতো পাশিষ্ট মানুষ কখনত এই আসম নৃত্যুকালে আপনার কমি নাজ করতে পারতঃ কেনা প্রাপন্তঃ মতো মহাপুক্তবরা আপনাদের পরিচর স্যোপন রেখে ব্দুশাভাবে বিচরণ করেন। আগমি পরাম বোগী এবং ভক্তদেশৰ অল। তাই আমি আপনাতে কাছে প্ৰাৰ্থনা কৰ্মি আপুনি স্কলেঃ এবং বিশ্বেৰ করে কে-নানুখেছ মুত্য আসত্ত, তার সিভিনাতের পরা রামর্থন করন। বয়া ৰয়ে আনকে কলুন অনুৰেও কি কংগ কৰা টেচিড, কীৰ্ত্তৰ কর উঠিত, শুরুৰ করা উচ্চিত বাবে ভারাম করা উচিত, আর তথা সা করা আঁচত নয়, ডাও আমাকে কুপা করে বছন। হে মন্ত্ৰ কেকৰা দ্ৰাকা। আলন্ত কৰ্ণন আচাও क्ष्मीत । त्याना काव त्य, त्य जवत्थत ब्रह्मी श्राकी কেন্দ্ৰ করা কাচ, আগানি ভাষণাক কোনক প্রচেপ্ত পুরে कंत्रकात करका सा 🗥

বাদ্ধ সেনে কলাছনে তথা মুনির প্রমেণ জীনুত গোলারী কলালে, "প্রাক্তা পরীজিত মধুব বাদ্ধারী উপত্ত ভিত্তে উপন্থেকন করলেন। তাম কুনি জিন ভারতে উপ্তার্থ ইন্যা এক তিনি মোনাকেন্স সভার হাছের জানাল আন্তেমন ভারতে উত্তর নিতে তথা ক্রালেন।"

বিতীয় কন্ধ

(জগতের প্রকাশ)



ভগবদ্-উপলব্ধির প্রথম স্তর

হে কসুদেব-ওনায়, সর্বব্যাপ্ত গরমেশ্বর ভগবান। আমি আপনাকে আমার সমস্ক প্রণতি জানাই।

জীতক্ষণের গোখারী কালেন—"শ্রে সামান, আগনার প্রথ কথাকী মহিমাধিত, কেননা তা সমস্ত মানুরের পরম হিতকর। এই বিবাটি সমস্ত প্রবণীর বিবয়ের মধ্যে ভেত্তৰ এবং আৰতভ্ৰম মৃত্যুক্ত কৰ্ত্তৰ অনুযোগিত। হে রাজ, প্রষ্ঠ, আশ্বতক্ষমান আলোচনার উদাসীন, विषयामक जुरुराम्हीरस्य कामस्या क्षरणीय, कीर्डमीय अवस শ্বরণীয় বিষয়সমূহ আছে। এই প্রকার মাৎসর্থপরারণ পুরুষেরীরা নিপ্রমান হরে অথকা রতিক্রিয়ার ভাবের রাজি অভিবাহিত করে, এবং আধীর-সক্ষনদের প্রতিপাদনের জন্ম অর্থ উপর্ক্তনের চেন্টার দিবাভাগের অপচয় করে। অস্বতন্ত্রক্ষনরহিত ব্যক্তিক দেহ, পুর, পত্নী আদি অনিত্য সৈনাদের প্রতি কভান্ত আগভ হয়ে জীবনের প্রকৃত गम्भावनि मधावात्स्य त्थान (७६) क्टब ना। अरे मधन বিষয়ের অনিত্যক্ষ সমূহে কথেই অভিয়েতা সংক্রে ভার তাদের অবশ্যকারী বিনাশ কর্মন করে না। হে ভারত, সমগ্ৰ কুঃখ-মুৰ্কন্ম কেকে যে মুক্ত কলোৱ ৰাজনা করে ভাজে ভারণাই পরমায়ে, পরম নিয়ন্তা এবং সমস্ত সূহৰ হরণভারী পত্রমেশর স্কলবামের কথা মবণ, কীর্তন এবং পারণ করতে হবে। স্বর্ক একং তেতন সম্বন্ধীর বধাবধ মান লাভের পরা বা সংখ্য আন, মেগ অনুশীসন অথবা ববাবথভাবে বর্ণাশ্রম অনুশীলম—এই সক্তটি গছারই পরৰ উব্দেশ্য হতে অন্তিম সময়ে পরমেশর জগাবানকে শ্বরণ কর।"

"হে মহারাজ গরীকিং, সহ রক্তম বিধিনিবেংর অতীত সর্বনেষ্ঠ মুনিগৰ ভগবানের মহিমা কীর্তন করার মাধ্যমে অপ্রাকৃত আনক আকানন করেন। জীমন্ত্রাগবত নামক সমস্ত নৈনিক সংখ্যে নির্বাসকলে এই পুরাণ আমি জানা মুগের পেরে অধ্যয়ন করেছি। হে রাজনিঃ আমি নির্বাপ প্রথম বিশেবভাবে মধ্য থাকবেও উৎসেধ্যেক লীভান ধরা আমার তিও আকৃত হওয়াতে এই আধ্যান করার সংগ্রহ। অবি নির্বাপ জন্যান করেছি। অবি নেই শ্রীমন্ত্রাগবত

আপনাকে পোনার, কেনর আপনি জগবান শ্রীকৃষ্ণের অতাত নিষ্ঠাপরাক্ষ করে। বে ব্যক্তি পূর্ণ মনোবোম এবং মন্ত্র সহকারে শ্রীমন্ত্রাপকত প্রধান করেন, তার শীঘ্রই মুক্তিদাতা ভগবান মুকুক্ষে রতি উৎপন্ন হয়।"

"হে রাজন্। মহান আচার্যদের প্রদর্শিত পান্ অনুসর্গ করে নিবরর ভগবানের পবিত্র নাম কীর্তম করা সকলের জন্য সিজি লাভের নিশ্চিত গুলা নিত্তীক মার্গা। এমনকি বীর সমস্ত জড় কামন নাসকা থেকে মুক্ত ব্যোহেন, বীরা সবরক্য জড়-জাগতিক সুবজোনের প্রতি আসন্ত, এবং বীরা নিজ জান লাভ করার জলে আছা-তৃত্ত ব্যোহেন, তাঁগের সকলের লাভেকরার জলে আছা-তৃত্ত ব্যোহেন, কার্যক্রীবনে কি লাভার ভার থেকে বাবং পূর্ণ চেতনাসম্পান এক মুহুর্তত জের, কেননা ভার ফলে প্রমার্থ সাধনের অলেক্য ওক্ত হর। রাজবি বটুলে কর্থন জনতে প্রবাদন যে তীর আরুর আর এক মুহুর্ত মান্ত্র অবলিক্ট আয়ে, তিনি তৎক্ষণাৎ সমস্ত জড়-জাগতিক বিবার গবিভালে করে প্রীহ্রির জন্তর্যকলে শ্রণগত ম্যোজিকেন।"

"হে কৃত্যবেশ-শ্রমীপ মহারাজ পরীকিং। আগনার অবৃত্যবেশর আর মাত্র সালেনির অবশিষ্ট আছে। অভ্যাব এই সময়ের মধ্যেই আগনার পারনৌরিক উন্দেশ্য সাধ্যা করন। জীবনের অব্যাব সময়ে বৃত্যবেশ্য তীত না হরে অনাসভিক্রণ অরের করা দেহ ও দেহ সম্পর্নিত সমস্ত বছন বেগন করা উচিত। পুর থেকে নিস্কান্ত হরে আক্রসবেই অনুশীকন করা মানুবের কর্তব্য। কেন্ত্র বিশ্বর হরের এবং নির্ভাব করে তিনি কথাবথভাবে পরির হরের এবং নির্ভাব হলে আনন করে তিনাট চিত্রর অব্যাব বিশ্বনিক করে তিনাট চিত্রর অব্যাব বাবে আন্তর্নার করে করে করিছা করের আক্রম করে বিশ্বনিক করে তিনাট চিত্রর অব্যাব বাবে আন-শ্রমানের করের বাবে মধ্যে করের বাবে আন-শ্রমানের বিশ্বনিক করে তিনাট চিত্রর অব্যাব বাবে আন-শ্রমানের বিশ্বনিক করে করিছার বাবে আন-শ্রমানের বাবে করিছার করের মধ্যে করিছার করের বাবে আন-শ্রমানের বাবে করের করের করের করের করের বাবের বাবের

"হে রাজন্ । এই প্রকার লারংকে বারা এবং সর্বমান্ত্রর ভগবানের সনিশেষ রূপ দর্শনের অভ্যান করের কলে অভিকেই সাক্ষাং ভাগবানের আহর লাভ করে ভার প্রমানত্রী সেহার বৃক্ত হওরা বার।"

शानातान काला भरीकिए किसामा कंदरमन, "(र सम्बन, मत्रा करत सामाक दिलाविरुक्तर स्थान प्रनादक कालाम अन्तर किसाद अकाश करता हर्द अन्तर किसाद धानमा क्रिक कन्नरण हर्द, यात्र करने प्रताद मसले कन्नर कृत कन्ना साथ ।"

শ্রীক গুণ্ডাবের গোরামী উত্তর বিজেন, "আসম বিরম্পনির ভারা ভিতাসন, প্রাধারম ছারা ভিতথাস, জিতেরির ও সভারতি হবে প্রথমে বৃত্তিবের্থন ভগরাসের কুলরপে (বিরট নামক রলে) মানুক নিমুক করতে হবে। এই বিশ্বরুকর জড় জগতের বিরটি রূপ ভগরাসেরই করপ। তৃত, ভবিরাধ এবং বর্তমান কাল সমষ্টি এই সমগ্র বিশ্ব তাতেই প্রকাশিত হাছে। প্রভাবরুপ বিরটি বেহু সত্ত জাররাপের ভারা আবৃত। তার মধাবতী বিরটি পুরুবই ধারণার আশ্রর করুপ। তর্কা ব্যক্তির অধ্যক্ত কুরবই ধারণার আশ্রর করুপ। তর্কা ব্যক্তির অধ্যক্ত করেজে যে পাতালালোক সেই হিন্তট পুরুবের প্রমান্ত রসাতল ভাষা পদেত জন্ম ও লক্ষাবাল, মহাতল তার পদ্মরের ওল্ক প্রদেশ এবং তলা ও অওল লোক তার ক্ষাবার। সুতল সেই বিশ্বর্তি বিরটি পুরুবের জানুষ্য

এবং বিচল ও খড়ল ভার উক্তার, মহীতল ঠার জন্ম (मन, मक्ष्म वा स्वात्मक छैव माकि अहरावह। স্বৰ্গাল্যক ভার ক্ষম্পান, মহতেতি ভার জীবা, জনগোক উন্ন মুৰমণ্ডল, ভল্লোক ঠাৰ ললটি এবং সভালোক সেই সহত্য শীর্ষ বিবাট পুরুত্তের লিরছেল ইন্সানি শেষতারা বিবাট প্রবেশ কর, নিকসমূহ জার কর্ম, শব্দ खेल कर्नमृह, कवितीकृष्यत इत ाहे नतम भूतराव मृहि নানাবছ, মীত অনল ভাষ মুখ। আকাশ তাঁর নোগোলক, দূৰ্ব উত্ত নেঞা, দিন ও ব্যক্তি উত্ত দৃষ্টি নেঞা-পাহ, মুক্তপথ তথ্য জ-ভঞ্জি, জানের নিয়েন্ত্রণত বরুপ তথ্য ভালুদেশ একে বন জৈয় ভিন্তু। কথিত হয় যে কোনমুহ সেই অন্য বিবটি পুরুষো প্রথমের, মৃত্যুর ক্ষেত্রত করকার হজেন ওরে নষ্ট্রো, বেহকরা হছে উল্ল শ্বপর্যক্ত এবং অভ্যন্ত অক্সবীয় মান্তাশক্তি তাঁর মুস্তা। অপর সংসার সমূত্র তীয় কটাব্দগাত। সক্ষা গ্রায় উপরের বর্ত, পোড ঠার অধ্যর, ধর্ম ঠার জন, অধর্ম উল্লে পৃষ্টদেশ, প্রজাপতি উল্ল শিশ্ব, মিরাবরণ তার জতকোর ভয়, সমূহ সকল केल कृष्टि जनर नर्स्क मसूर ऐस्त्र छहिन्तान । एर तकन्। व्योजपूर तिर स्थित् वित्रहे चुक्तस्य ग्राही, नुकारपूर উর রোধ, অনুষ্ঠ বিশ্বয় বারু তাঁব নিখেলে, কাল ক্রম গুয়ন এবং প্রকৃতির ভিনতশ্বে প্রতিহিন্যা বছের উর দিব अर्थनमान्। (३ कृष्टात्रके। समाजरी त्यार स्टाप्ट केरा বেশদাম, সন্মা তাঁৰ বন্দন, স্বাদং সৃষ্টির প্রথমে করেব হকে উর বৃদ্ধি এক সমস্ত বিকারের আধারকরণ চক্রমা হুছে উর ফা. ছড়িজ ব্যক্তির বলেন বে বহুতর সেই স্ব্যাপ্ত বিবাট পুৰুৰেয় চেত্ৰা এবং কল্ডৰে তাৰ श्रहकात । सन्। सन्तरहरे, हेंचू, श्रीत एक्टि केल तन এবং সমত চতুশাল পায় তাঁৰে কটিলো ৷ বিভিন্ন প্ৰকার নাধীরা তাঁর নিচিত্র শিক্ষ নৈপুণা। স্থানবজাতির শিতা মনু তার বিচারবৃদ্ধির প্রকাশ এবং সানবজাতি তার আবাসকুল। পাছৰ্ব, কিনামৰ, হাজৰ, গুৰুৱা আদি উচ্চতঃ লেড নিবাসী অনুবেল উপ্ন সমীতাকৰ কুলেন্ট্ৰী এবং আস্বিক সৈনিকেরা জীপ্ত শক্তিঃ ত্রাক্ষণগণ সেই হিনটপুরুষের মুখ, ভবিরুষণ গাঁম বাই, বৈলাগণ তার ক্রমনুনাল, কৃষ্ণার্থে পুরুষণ প্রতি পদায়িত। সহস্থ পুরুষীয়ে ক্ষেত্ৰপ্ৰতি উন্ন অধ্যক্তি এক স্বৰ্গেরই কৰ্তনা হচে উপযুক্ত হত্য-সামনীৰ কৰা ৰক্ষা সম্পূৰ্ণৰ কৰাৰ মাধ্যৰে

সেই ভগৰানের সন্তুষ্টি বিধান করা। এই বিরাট বিশ্রহের । যিনি বিভিত্ররংগে নিজেকে প্রকাশ করেছেন, ঠিক যেজন কেননা এই অভ স্বাগতে তা ছাড়া আৰু নিছু নেই। ছবে।" मानुरका कर्दन्। भारत्मका स्थानस्य मान्त्र अक्टो कहा,

যে সমাজ অবরৰ সংস্থান, সেগধ আমি আপনাৰ কাছে। মানুৰ সংখ্য ছাজার হাজাব কাপ সৃষ্টি করে। সেই ধর্মনা করনাম। মৃত্তিকামী ব্যক্তিরা তাঁদের বৃদ্ধিবোধে। সর্বানক্ষয় পরম সংখ্যেই কেবল মন্ত্রক একাপ্র করে ভাগানের উক্ত সুদ্দ শ্রীরে তাঁলের হন একালী করেন, 'উচিত, তা না হলে কাকালেট হলে অধ্যাপতিত হতে

থিতীর অধ্যার

হদয়াভ্যমুরস্থ ভগবান

वीन क्षत्राच शाचामी स्वातनम्-"विक्रमृद्धित भूर्त ক্রমা বিরটে ক্রপের ধর্মন কবার মাধ্যমে ক্রপনানের সন্তৃতি नियान करत छोत्र मृश्च राज्यना किरता रनटविश्वासन अवस् এই বিধ প্রসায়ের পূর্বে ঠিক বেমন ছিল ক্লিড সেইভাবে ভার সৃষ্টি করতে সক্ষম হরেন্টেলেন ("

"रेविष्टि कानित बादा अपनिष्ठ भय वस्त्रे सार्थ्यती (व. शतृत्वत वृद्धि का चाल क्षवेदीन निकट वार्विछ इत। বৰ জীৰ সৰ্বলোধে অনীক সুখডোগের বাবে আবিট रव, किङ्क श्रृङ्गात्क (मेर् जमङ्ग कृत्म त्म (कामसक्य প্ৰকৃত সূত্ৰ আহ্মান কয়তে পাৰে না। অভনৰ ভত্তৰানী ব্যক্তি জীলাধিসমন্ত্ৰিত এই জগতে কেবল নূন্যতথ অনেশ্যকভাওদির জন্য প্রয়াদ করকো। গ্রার কর্তবা বুদ্দিমারা সংক্রের হির হওরা এবং কণ্ডের অবাছিত বস্তুর জন্য কোনে রক্তম শ্রেমাস না করা, কেননা তিলি ক্ষান্তরিকভাবে উপদাধি করেছেন বে, সেই সমস্ত প্রচেট্টা ক্ষেপ অৰ্থহীন পৰিলম হাত্ৰ ভৃত্তিলৰ ব্যা পাৰতে नाइन्त्र क्रम्। वाँग्रे क्षेत्रः नामसम्बद्ध कि शरवास्त्रमः। बास थाकरक केनाबादम्य कि टाराचिम? चात्र वक्त चक्कि वर्तधान, कक्षा वस्त्रमा भारतकी वा कि अरहासन । विक् ७ तुक सक्तानि धानरण नतात कि द्यंताकान । भएत

ক্রছে নাং নদীওলি কি ওকিলে গেছে, বার কলে তারা चात कृत्वार्थरक समानात कार्य गर गर्गरका करांकति বি কছ হয়ে গেছে এবং সর্বোপরি মর্বপঞ্জিমান ভগবাদ বি শরপানতকৈ আর রক্ষা করছেন নাই আ হলে অকাকন मृतिकांस्त रूम जेक्ट्स् पूर्व चन्न क्या शाफ राजिएमा তোবাথেৰ করতে বারণ এইভাবে ছিও হয়ে ওায় नर्वर्गक्तिभक्षात्र शक्तात्व भक्तात्व शक्ताव विवासमान পরবাদার কের করা কর্তন্ত। বেহেতু তিনি নর্বশক্তিমান পরবেশ্য ওলবান, নিত্য এক অনুস্থান, তিনিই জীবসেয় পরম লক্ষ্য এবং তার আরংকার কলে মানুষ সংসাকের হেতুরাণ অবিদ্যাত্ত কৃত্ত করতে পারে। খোর জড়কানী খড়া কার কে পারমাধিক বিবরে চিকা না করে অনিচয় विवासन क्रिया करावश मृत्य-मूर्यमास अमी देकतनीत्क পভিত হয়ে ভাকে শীয় কৰ্মপ্ৰতি ক্ৰিভাগ ভোগ কয়তে হর, ডা দেখা সংখ্যুও পণ্ড হাড়া আর কোন্ ব্যক্তির বিবলে স্পৃত্য হবে। অনেকা (বোগীয়া) ভাগের দেহের অভ্যন্তরত্ব হলত-গছরে বিয়াজিত চতুর্ভুজ শব্দ চক্র-পদা-প্ৰধানী প্ৰদেশমান ধানশান কৰে ক্ষেপ কৰে প্ৰকেন। তার মুখনগুল তার প্রসালন ব্যক্ত করছে। তাঁর চকুবর ি কোন জীর্ণ কর গড়ে নেইং অন্যদের পালন করার কোনের মতো গীত কর্ণ এবং ডিনি কং মূলাবান জন্ত বাদের অন্তিম্ব, সেই বৃক্তর কি আর ভিক্স লান রম্বসমূহের হারা বিভূতিত। মন্তারত্বর্গতিত ফর্ণমার তিরীট

ও ৰাওল মহামূল্যবাদ স্থিসমূহের ভাষা বিলেক্ডাবে জীবিমান। তার শ্রীপাদগর মহানু যোগাঁলের বিকশিত ক্রমত প্রের কর্ণিকারণে আবাসে সংস্থাপিত। তার রক্তমতে প্রীবংগ চিহনুক কৌন্তড-মণি শোক্ত প্রক্রে এই উল্লেখ্য কলেতকর রত্তসমূহ, এক উর পলদেশ অসম শোভা সমন্তিত কমেলার বেটিড।

ঠার কটিমেশ খেললার দারা এবং অসুলিওলি বহনুক্ত an ৰচিত অনুবীর ছারা সুশোভিত। তীর জন্মন অস মধ্যে করুৰ কলি বৰ মুল্যবাদ অলকারে সুসন্ধিত। উর হুৰমণ্ডল কৃষ্ণিত জিব আৰল নীলবৰ্ণ কেলের যারা ভাতিপত্ত শোভাষান এবং হাস্য বারা পর্য মনোহর। ভারতের উদার লীগা এবং হাসাবৃত কটাকলাতে বে sacast আত্ত্ৰী দীপ্ৰিমান হয়, তাতে তাম কতাৰ কৰেছ লর্ণরতে স্টিত হয়। তাই কতকা থানের বারা সমকে নিৰভ কলা বাৰ, অফকাই কাধবাসেল এই দিবা লাগেল উল্লেখ্যতে বিব করা উচিত। খলমানের শ্রীলালনর বেকে শুরু করে জীন ছাস্টোজ্বল মুখমগুলের বাম করা উচিত। প্রথমে তাব শ্রীপারপথে মনকে কিং কর উচিত, ভারণর ওলাক ভারণার জভার এবং এইভাবে উচ্চ থেকে ইচ্চতর অন্সের স্থান করা উচিত। প্রিপ্ত বর শুদ্ধ হবে, গুল কটাই পদীরকা লাভ করবে। সভালা পর্বন্ত সূল আড়বাদীদের আড এবং চেতন উভৱ জগতেরই হটা, পর্যেশার ওলবানে প্রেম ভবিষে উনয় না হয়, ভবন্দা পৰ্বন্ধ ভাষেত্ৰ কৰ্ডখ্যকৰ্ম সম্পাদনেৰ পৰ কছুপ্ৰক ভগবানের বিরাট কলেরই ধরণ করা উচিত।"

ঁহে রাজন, যোগী বৰদ এই অনুবালোক ভাগে করতে ইম্ম করেছ, ভাৰন উন্ন উচিত উপদুক্ত স্থান এবং কালের তিক্সর উবিশ্ব না হরে সুবক্তর কলেতে উপনিট হয়ে আগ 🖜 ইজিরসমূহকে মধ্রে জরা সংবত করা। ভারণর, খোগীন কর্তন্ত হল্পে শুন্ত মির্মাণ কৃত্যির হারা শুনা ক্ষাকে আন্তার লীন করা এবং ডারেপর আন্তাকে পরসামার বিশীদ করা। ভার করেন পূর্ণনতেন তথ্য জীব ছান্তর পরম অবস্থা লাভ করে অন্ত সমগু কার্যকলাণ থেকে বিরস্ত ইন। সেই সভোগলান্তি বাবে, স্বর্গের ক্ষেতানেরও নিয়বা ও সংখ্যক্রারী কাল কোন প্রভাব বিস্তার করতে পারে ন্ম, আন সামান দেবতা—বারা প্রকৃত জগতেই কেবল

আধিগতা করেন, জারা কি প্রভাব বিস্তার করকে? মেবানে সন্ধ, রক্তো অথবা ডমোগুণ এবং অহমার তত্, खन्ड करान ममूछ, धरान वा शक्किर स्मानहे शक्का लहे। रथार्च भन्नमार्थकरीका चाटमा त्व, भन्नम भरम मब किष्ट्रे পরক্ষের জনবাম প্রীবিবৃদ্ধ সঙ্গে সম্পর্কিত, তাই জারা বা কিছ ভগবানের সভে সুস্পর্কবিহীন আ পরিত্যাগ করেন। স্তলখনের সঙ্গে পূর্ণ গ্রীডির সম্পর্কে সম্পর্কিত ওছ ভাজরা তাই কখনো বৈষয়ের সৃষ্টি করেন না, পকারতে জারা ভগবানের জীপানপারতে হলতে ধারণ ছরে সর্বন্ধণ তার আবাধন করেন। এইভাবে মুনিয়া প্রক স্বৰূপে অবস্থিত হবে খালুজানেই প্ৰভাবে বিবয় द्यमनामध्य मञ्जल विगष्टे करत शासम्बन्धः काम बुनाथातरम হল্ম করের, এবং প্রাণবায়কে বটসুনে উঠাত করে উদ্দের ক্ষত দেহ জ্যান করেন। ধ্যানগরায়ান ভক্ত নাডি থেকে প্ৰাণবাচুকে হাদয়ে, ভারণর সেবাম খেকে কঠের আধাদেশবিত বিওছ চল্লে নিয়ে বাবেন। ভারপর ক্ষিতটিত হুনি বৃদ্ধির বারা অনুসরণ করে আকে বীরে ৰীরে তালুমূলে নিয়ে বাকে। তারপর উন্ভিযোগী তার প্রাণবাহকে জ-বর্তের মধ্যে চালিত করে প্রাণবাহর বহিৰ্লয়নের সাডটি পব, অর্থাৎ শোলহয়, নেল্লহয়, নাসিকারর ও মুখগছর জন্ধ করে তারে প্রকান্ত আলার ভদবদ্ধামে তার কর্যন । তিসি মদি সমস্ত কথ তেৰেবসৰা থেকে সম্পূৰ্ণ মুক্ত হয়, ভাহতে তিনি প্ৰথমেত্ৰ কেন করে সমস্ত জন্ম সম্পৰ্ক পরিভাগেপুৰ্বক পৰম পতি প্ৰাপ্ত ছবেন।"

"হে রাজন, বোণীর বনি ব্রহ্মণন, আইসিছি, ভাওৱা বৈহারসপের সংক্র অন্তরীক্ষে জহল করার অসনাধি অভ্যমেনের অফারজা থাকে, তা বলে তিনি দেহতালের সময় মন ও ইন্দ্রিরসমূহকে আগ না করে সেওলি সহ সেই সেই লোকে ভোগার্থে প্রমণ করবেন। পরমার্থবাধীরা চিম্বর শরীর লাভের প্রয়েশী। ভগবভ্রতি, ভণশ্চর্যা, বোগ এবং দিব্য আন্দের প্রভাবে ভালের গড়ি ঋত জগতের অন্তরে একং বাহিছে অপ্রতিহত। সকাহ কর্মারা, অথবা অভবাদীরা কখনো সেই প্রকার অপ্রতিহত গতিতে ব্যনাগমন করতে পারে না। হে জন্মন, এই প্রকার যোগীয়া রথমে খারাপথে ক্রফালোকের মার্থসক্রম

জ্যোতিমরী সুবুলা নাড়ীব বোগে অধিন দেবতা বৈধানর

লোকে যান। এখানে জারা সম্পূর্ণরূপে ফলুফ-বিধৌত

হরে আরও উধের্য শিশুমার চক্রে বান, বেখানে ভারা

পরকেরর ভগবাদ শ্রীহরির সঙ্গে সম্পর্ক লাভ করেন।

এই শিশুসা সমগ্র রখাতের আবর্তদের মেরাবিশ্, এবং

फर**् बना रह शै**विरुद्ध (शर्फाभकनारी विकृत) शक्ति।

বোগীরাই কেবল লিভখনে চক্র পতিক্রম করে সহর্লোক

থাও হন বেখানে ছঙ গুড়তি মহবিধা

e.৩০,০০,০০,০০০ সৌৰ বংসর ব্যাপী দীর্ঘার উপভোগ

করেন। এই প্রহলোকটি আধ্যাত্তিক করে অধিকিও

श्ववित्तर्भः भृष्या । सम्बद्धः यनमः चनस्त्राम् सम्बद्धाः स्थाप्तितः ।

ৰায়া শোকনাৰ পৰা হয়, ভখন তিনি ওছা মহাৰাদের

বিয়ানে করে সভ্যাল্যকে গমন করেন। সভ্যাল্যকের

আর্হস ১,৫৪,৮০,০০,০০,০০০ সৌর বংগর।

সভ্যলোকে শেক, জনা, মৃত্যু, মূহৰ, উদ্বেগ এই সমস্ত

কিছুই নেই, কেবল চেডনা অনিড এক প্রকার দৃংখ

রয়েছে। নেই দুঃখের ভারণ এই বে, ভাগবন্তুক্তি সম্বন্ধে

অঞ্জ জড় জগতের বন্ধ জীবদের অনের দুয়ে ধর্মন করে।

ভাদের প্রতি জানের ক্ষলার উত্তেক হয়। সভালোক

প্রাপ্ত হুওয়ার পর ভক্ত নিতীকভাবে বাহাত স্থলদেহসপুশ

क्कि मुख (महरू शाक्त कर्डन वक्त क्यांश्राह प्रक्रिकाच

থেকে কলমূর্তি প্রান্ত হব এক ভারণর জ্যোতিমর মূর্তি

अवर वायवीय मूर्जि धादा दन, जवर धवरन्यव चाकान अभ

ধাও হন। এইভাবে কন্ত লাগেন্ডিরের গ্রাহ্য গন্ধ,

দ্রসনেজিয়ের গ্রাহ্য রুস, চম্মুর প্রয়ে রূপ, ছকের গ্রাহ্য

चनर्भ, अवर्षक्तिरवय शहर काकार्त्रय ७५ मन,

कार्यक्षित्वत आधा क्षक क्रिया कारि नमुद्रक चिक्रक्ष

করেন। এইভাবে ভঞা স্কভূত, সৃদ্ভুত ও

তৃতীয় অধ্যয়

শুদ্ধ ভক্তিঃ হৃদয়ের পরিবর্তন

নীল শুক্ষের গোরাষী বলনেন—"হে মহারাজ ল্টাফিং, বেস্তাবে আগনি আমাকে ফলোকুৰ বৃদ্ধিমান মানুবদের কর্তবা সাধারে জিজাসা করেছেন, সেই জনুসারে আমি আগনাকে উত্তর দিয়েছি।"

্ৰে ন্তুক্তি ব্ৰহ্মতেজ কামনা কলেন, তান কোপতি (প্রক্ষা অধবা বৃহস্পতির) আবাধনা করে উচিত বিনি ইন্সিয়-শুর্লণের পঢ়িতা কামনা করেন, তার কেরাজ ইয়ের আবাধনা করা উচিড, এবং বিনি প্রাদি কামনা কণ্ডেন, তার প্রস্কাপতিদের আরাধনা করা উচিত। যিনি হী ক্ষেনা করেন, তাঁর প্রকৃতির অধিষ্ঠানী দুর্গদেবীয় স্কারাধনা খলা উচিত। বিনি তেজ কামনা করেন ঠার অগ্নিকে অপ্লোধনা করা উচিত, এবং বিনি ধন কামনা করেন, তাঁর অষ্টকানুর আক্রথনা করা ইচিত। বিনি বল এবং বীর্থ ক্যমনা করেন, তার লিবের অংশ ক্লের অব্রাহন করা উচিত। বিনি ফুর পরিষদে শ্না কামন কতেন, তার অনিতির ভারাধন করা উচিত্ত বিনি কর্ম কামনা করেন, তাঁথে আদিতাবের উপাদন করা উচিত। বিনি রাজা কামশ্য করেন, তার বিশ্বসেবের উপপেশ্য কর केंक्टिड, अवर पिलि कमनाधारत्यत अत्थ कमित्रको नाक কৰতে চাম, তাঁর সাধাদেকে পুঞা করা উচিত। বিনি দীর্বায়ু কামনা করেন, তার অধিনী কুংকেয়ের আরক্ষা ৰুৱা উচিত, এবং যিনি বেহের পৃষ্টি ৰামনা করেন, তাঁর পৃথিবীকে পূঞ্জা করা উচিত। বিদি প্রতিষ্ঠা কর্বাৎ স্বপরে দ্বিত থাকার কামনা কড়েন, গুঁরে অনুবীক ও পৃথিধীর অব্যাধনা করা উচিত্র। হিনি রূপ করেন করেন, ঠার গভর্বরূপ আরাধনা করা উচিত। বিনি 🕏 জাননা করেন, জন উইশী-অকবার আরফনা করা উঠিত। বিনি সকলের উপর অধিগত্য কামনা ককেন, উর রক্ষাকে আরাধনা করা উচিত। বিলী যূল থাকেডজ করেন, জাঁচ গরমেবর ভগকানের আরাধনা করা উচিত এবং বিনি ধন সক্ষরের ক্ষভিলাবী, তাঁর কুবেরেই আবাহনা করা উচিত। যিনি विमान्त्रस्थतं चालिमान करतन, ठीव मिरवत चातास्त कत

উচ্চিত্ৰ, প্ৰথম বিনি সাম্পাত্য-প্ৰেম কাৰণ্ড কৰেন, উন্না সতী উমানেবীর অবর্থন করা উচ্চ। পারমার্থিক আনের উহতি সাধনের কর্ম ঐবিক্ ক্ষকর ঠার ভক্তের चात्राध्यः क्या फॅल्डिं। देशा म्हानांकि क्यम क्रम् ঠানের পিতৃত্বের জারাধনা করা উচিত, জারা সুরক্ষা ক্য়েন করেন, উদ্দেহ পূধ্যনন ক্ষমসমূহের এবং তীরা কা कामन करतम, केरस्य विकित (स्वरास्था कालका) करा উচিত। বিনি রাজার কামনা করেন, তারে মনুদের খামানা বলা উচিত। বিনি শঞ্জবিকারের জালাবকা ৰতেন, তাঁয় অসুহায়ে অল্লাখনা করা উচিত, এক বিনি ইবিষ সুৰ্জেদ্যের বাসনা করেন, গুরি চক্রচেবের আরাধন কর উচিত। কিছু বীর কোন ছক সুবডোগের ব্যস্ক নেই, ওঁয়ে প্রমেশ্ব ওলবানের আরাধনা করা উচিত। যে ব্যক্তিক বৃদ্ধি উদরে, তিনি সম রচম অভ करकरहरू है होत. थरना मान कड़ नामन त्यरक पृथ्ये হোল, অধন ৰাড় ক্ষাতের বছন খেকে যুক্তিলাভেং প্রয়ানীই হোন, উরে কর্মবা সর্বজ্যেতারে পরক্ষেত্র ভাগানের অল্লখন কর। বিভিন্ন দেবদেবনৈ প্রকের এই পৃথিবীতে ভগৰনেও তছ ছন্তেও সাই প্ৰভাৱে পর্যেশ্য ভগক্ষের প্রতি বে বাভাবিক আতর্যনরণ অবিচলিত ভড়ি ব্যস্ত করেন, তারই করে তীনেত স্থেতিয় কল্যান থানিত হয়। পরচেশ্বর ভারবান ঐহিবি अपकीत निया साथ सक्षा धक्षित करनद उत्पत्त সম্পূৰ্ণজনে নিশৃত কৰে। এই আন মাডা প্ৰকৃতিৰ প্ৰভাৰ থেকে মৃক হওয়ার কলে আত্মতৃত্তি প্রদান করে, এবং অতাকৃত হুলার ফলে মহাত্মাণ্য কর্তৃক বিকৃত। কে এট আনেও হাতি আকৃষ্ট না হতে পাততে পাবে ।"

व्यापक कार्यान — "सामाभारता मून द्वील एक्टाब (बारांनी हिटान कार्यान खिंछ विधान खिं वास दिने कार्याद खाणांत्र मद विष्टु वर्णना कराय मात्राका। छैति कार्याद व्याणांत्र मद विष्टु वर्णना कराय मात्राका। छैति कार्य (बारां वे अब दिवस द्वांश करात्र वय वर्षेणिक्ट बहातात छीरक भूनदात्र कि क्रियामा बार्याक्ट्रांचा?"

ই জিবসমূহের সায় স্থান এবং সাল্লিক, বাজসিরা ও প্রমাসক অহন্তর প্রাপ্ত হলে সেই কংলাবের সালে বিজ্ঞান তর বা মহৎ তথ্যে গালে করেন, এবং তারপর তিনি ওছ আন্ত-উপলব্ভির স্তরে উনিও হন। সম্পূর্ণকলে বিনি পরিয়া হয়েছেন, কেবল তিনিই তার স্থান্স প্রথমে হার্থ হয়ে পূর্ণ আনন্দ এবং তৃত্তির সলে পর্যান্তর প্রথমের প্রথমের সমস্পাত করতে পারেন। মিনি ভগবন্তুতির এই পূর্ণতার কর লাত করেছেন, তিনি অর কর্তন্ত এই আড় অগতের একি আড়াই হন না এবং এখানে কিরে আনেন না ।"
"হে ক্সমন, আপনার হারের উত্তরে আমি যা বললায় তা বেনের কনিন বিলে আন্তর্ন এবং তা নিতা সভা।

"হে রাজন্, আপনার হাছের উভরে আমি যা বললায় ভা বেনের কনা বলে আনকেন এবং ভা নিডা সভা। ব্রহ্মর আরাধনাত ভূট হরে পরকেন্দর ভগবান মীকৃষ্ণা বরং ভাবে ভা বলেছিলেন। ক্রন্সাতে আমামল জীবদের ভগবানের প্রেমমরী সেবার পছা ব্যতীত ভববছন মোচনের ভার কেন মঙ্গলার পছা নেই।"

"মহাজা হলা, গণ্ডীর মনোনিবেল সহকারে কালচিত্রে তিনবায় কে জন্মার করেছিলেন, এবং তা পুথানৃপুথভাবে বিচার করে স্থির করেছিলেন কে পরমেশর জনবান শুক্তরে প্রতি আকর্ষণীই হল্পে ধর্মানুষ্ঠানের পরম পূর্ণতা। পরমেশ্য ভাগবান শীকৃষ্ণ প্রতিটি জীবের হলরে অনুর্বামীরহেপ বিরাজ করেন। কন্ম কারা এবং ধূমি দারা কিনবপ্রক সেই সভ্য অনুভব করা বাব।"

শৈবে রাজন, তাই প্রতিটি মানুবের কর্তব্য হচ্ছে সর্বত্ত এবং সর্বহা সেই গরমেশ্বর ভগবনে শ্রীহরির প্রবণ, কীর্তম ও শরক জরা। বারা জন্তানের অভ্যন্ত প্রিত্ত ভগবনে শ্রীকৃক্তের কথাদৃত কর্ণকৃহরের হারা লাম করেন, তারা বিষয় ভোগে পৃথিত অধ্যক্তনশকে পরিত্র করেন এবং ভগবনের শ্রীলাদশহের স্বীলে গ্রাম করেন।"

\$ \$ \$\$ \$\$\$

"হে বিভান সৃক্ষ খোহামী। হয়া কলে আপনি चामार्थक बन्ना अञ्चल के इरहाहित, रचनना चहपता छ। ভনতে ঐকব্যিকভাবে অপ্রহী। ভগবছভের সভার যে কথা হয় ডা নিশ্চনই ছবিকটা ব্যতীত খার কিছু হতে লারে মঃ। পাতবদের পৌত্র মহারাজ পরীক্ষিৎ তাঁর লৈপৰ খোকেই প্ৰকল্পন মহান ক্ষপবাটক ছিলেন। প্ৰভল দিয়ে খেলার ছলে ডিনি পরিবারের শ্রীবিহাছে প্রধার অনুকরণে ভাগরন জীকুজের পূজা করতেন। জাসদেশ্যে नुव एकरक्य निव च्याद्ध भूनं हिल्ला द्वार किनि बजुदान-ভাগে জীপুৰেন্দ্ৰ মহান কৰা ছিলেন। অন্তথ্য বছাল ছাভাগের সমাধ্যে মীকুকের গুপরীর্জনরাগ উদার কথাই হয়েছিল। সূৰ্যদেৰ প্ৰতিদিন উদিও ও অন্তখন হছে जकरनर चार् २३० क्टबर, फिंड बीडा जर्रवक्तपर প্রফোর প্রধানের কথা আলোচনা করে তাঁপের সাংস্কো সন্তবহার করেন, তাঁলেরই আরু থেকা তিনি হরণ করেন মা। কুকসমূহ কি বেঁচে থাকে দাং কামানের হাপর ৰাসগ্ৰহণ ও পরিজ্ঞান করে না । আমাধ্যে চডর্বিকে পতরে কি আহার ও খ্রী-সংস্থাপ করে নাণ কুকুর, পকর, की करा भर्रापन यहक सन्त्यता फाइनस्ट धनामा करा. বানা সমস্ত অণ্ডত কেনে উৎন্যাগায়ী স্কার্ন জীকুকোর पिवा मीनामध्य क्यस्य क्षत्र कात वा। (व व्यक्ति ভাগানের শৌর্থ এক খন্তত ফর্যকল্যগের কথা প্রকা करानि उत्तर क्रमवातन उत्तराचा वीर्जन करानि, क्षा

कर्मराध गर्मिक चार्टिक माराज अवर करत किया राजस्कर আহার মতো। ক্রেশ্যের উষ্ট্রীয় এবং কির্বাটির করে। মন্তৰ শোভিত প্ৰকলেও তা ৰদি মন্তিগতা ভগবাসৰ প্ৰীচরণে প্ৰথম আ হয়, তবে খা কেবল অভায়ে ভাই একটি বোজার মতো। আর যে হতকর উচ্ছল সুবর্ণ কছপের ছরো অলখত, ডা যদি ভাগকন প্রীয়রির সেবার इंक ना दश, **क राम का भारता राउ**ति गरक। (व नवन শ্ৰীবিশ্বন শ্ৰীবিশ্বৰ দৰ্শন কৰে না তা মতুর পুলে অভিত চপুর মতে, এক বে পদ পরমেশ্যর ভদধনের শীলাভমি য়া তীর্থসমূহে কিরণ করে না আ বুকের যাতো ছারর। য়ে যাতি কথনো ভার মন্তব্দে স্তাগালের ওছ কলের চরশবেদ ধানে করেনি, সে জীবিত থাবলেও ভার দেহটি মত। আল্লানে ক্রকি ক্রণবারের জীপাদগরের কুলবীনালর সুগঙ্ধ আমান কৰেনি, সে বাস গ্ৰহণ কয়লেও জন্ম মেহটি युक्त। इतिनाम श्रदण कार भरावुक्त मान स्थान स्थितिक स्थ या. त्यार काम भूग रह या अवर त्यागनगर कामरूप প্লকিত হয় বা, তার জবর অবশাই ইম্প্রতের আবরণে আক্রামিত 🗥

"হে দুভ গোহাটী। আগনার বাণী ঘছাত মনোমুক্তকর। ভাই, আত্তবিদ্যা-বিশারের মহাভাগরত শ্রীল ভক্ষেৰ খোলামী মহানাজ পৰীক্ষিৎ কঠক জিলাসিত হরে অভাত দলভান সাম জীকে যে সমগ্র উপদেশ মিরেছিলের সে কথা আমানের কাছে কীর্তন করুব।"



চতুৰ অধ্যায়

শ্রীসূত লোখানী কালেন—"শুক্ষের গোখানীর আখাড়াম নির্ণায়ক বাদী কাল করে উজ্ঞানখন পরীক্ষিৎ দিল্লা সহকারে তার মনতে কণকাম প্রীকৃত্যে একার कटावितात। क्रमाबा शिक्तमा त्रति गर्राध्यकारण चार्ग्ड হতক্ষর ফলে মহায়ান্য পরীক্ষিৎ তাঁর দেই, ভাজ, পুর,

প্রামান, হাতি, মোড়া ইড্যালি পণ্ড, রাজনের, বন্ধ-বান্ধর এবং আধীর-বজনদের এতি গুড় আসন্তি চিপ্রকরণের গুলা ভ্যাগ করতে সক্ষম হয়েছিলেন। হে মহর্বিপুর। মহাবা মহারাক্ত পরীক্তিক নিরক্তর শ্রীক্রকার কাবনার স্বপ্ন হরে, তার যুদ্ধ আগর জেনে ধর্মানুষ্ঠান জনি সবক্রম সকায়

কর্ম, ক্ষাৰ্থনৈতিক উন্নতি এবং ইঞ্জিত ভৃতি সাধন। পূর্ণ এবং তার কার্যকলণে অভিন্তঃ। আমি পুনবার পূর্ণ দৰ্শতেভাবে পৰিত্যাগ কৰে ভগবান প্ৰিকৃত্বেল প্ৰতি জৈৱ দ্বাতাবিক প্রেমকে আরও দৃহতাবে নিযুক্ত করেছিলেন আহার সম্রন্ধ প্রণতি নিকেন করি, বিনি পুশুবান অকলো এবং আপনালা বেজাৰে আমাকে প্ৰশ্ন করছেন ঠিক সেই সমস্ত সংকট খেকে উত্তান করেন এবং আনক অসুক্রমের त्रवत क्षत्र विकास करतविहरूनः (*

প্রাণনি সবকিছুই জানেন, কেনা আগনি সবরক্ষ প্রভ কলুৰ খেকে মুক্ত। ভাই আপনি আমাকে আ কিছু সমসায়ে সৃষ্টি কলো ঠাকে আমি আমার সমস্ক প্রথম মনেছেল তা কথাবহৈ বলে প্রতীত হতে। আগনর কণী নিবেছন করি। তিনি অভ এবং চেতন উত্তর ভগতেনই বীয়ে বীরে আমার ক্ষমানের ক্ষমান দূর করছে ক্ষেত্র चार्गन नहरमका चर्नवाहमा चन्द्र वर्तना काराहत। व्यप्ति আপনার কাছে জানতে চাই পরদেশ্বর ওলবান কিন্তাবে क्षेत्र ध्याच्यायमां वांता और क्रिक मृति क्राज्य, वा व्यान (वयस्तरमञ् शटक्क मृर्तायः। मस्त्र करत चार्गन कपून সর্বশক্তিমান পরমেশ্বর ভগবান ক্রীড়াছেলে তার বিভিন্ন শক্তি এবং নিজিয় অংশদের কেমনজারে এই স্বগতের काल्य कार्र्स कार्र्स कार्र्स कार्र्स सिक्ष्क करका।"

"হে বিহান <u>রাক্ষণ, পরবেশর ভগবানের শ্বর্তাকৃত</u> কর্মকাণ ক্ষতাও আন্তর্গন্তমঙ, এবং তা যদিও কন মনে হয়, কেননা মহানু পণ্ডিকবের মহতী প্রচেইকে জা বোধার অন্য পর্বাস্ত লয়। পরমেশর কাবান এক, ভা रिनि व्यक्तारे शक्कित चर्चक सता कार्य कतन, चयव মুগৰত সংলাপে নিজেকে বিভাগ করন কথন প্রকৃতির থপুসমূহ পরিচালনা করার করা প্রমাণ নিজেকে বিস্তাং ক্ষণ ৷ দল করে আপনি জ্যন্ত সমস্ত সংখ্যাহো নিরসা কালে। আগমি কেবল বৈদিক শাহে গড়ীয় জানসম্পন্ন এবং আয়ুতভূবেরাই নাং, আগুনি ভাগনে শ্রীকৃত্তের একজন মহান তক্ত এক ভাই আগনি ভগবানেট जेन्द्रका 🖰

মিশ্ব লোকমী কলক্ষ—"রাজ্য কর্তৃত্ব এইডাবে क्यवारम् भूकमाथक पश्चि वर्षमा क्वारठ शाविक स्टा ক্ষমেৰ গোৰামী সৰ্বেজিৰ পঞ্চি ভগবান প্ৰীকৃষ্ণকে স্বৰণ করে প্রত্যুক্তঃ দিতে ওক্ত কবলেন।"

বীদ ওক্তেৰ গোণামী কালেন—"আমি তেই উংবানকে জামার সমস্ত প্রবাহ নিবেনস করি, বিনি ভক কণতের সৃষ্টির জন্য প্রকৃতির বিনটি ৩৭ বাসীখনি করেন। তিনি প্রতিটি শ্বীকের শরীরে বিয়াক্তমান পারন

অভিত এবং অব্যাপ্ত রূপ স্থাপিত প্রমেশ্য জনসংক্র বান্তিক মনেবান্তি কৃতিতে কৰা কোন পানামাৰ্কিক সিছিল বহারাক্স পরীক্তিব, বলালেন—"হে বিশ্বাস প্রাক্তণ। সর্বেচ্ছ স্তত্ত অধিস্থিত পরবছদেন্তের তিনি বিশিষ্টপদ কর করের ৷ কাবলৌরকর পার্বন এবং জনতকের বিধি সর্বনা পরম ভোকা, তথালি তিনি চিমাকলে তার লীলানিকান করেন। কেউই তার সমক্ষ নয়, কেন্দ্র তার অংগকৃত जेवर सम्बंध सन्द समीत। सहित (मेरे मुर्वस्तरप्रस ক্ষাবাদ শ্ৰীকৃতকৈ আছে সমাৰ প্ৰথম নিকেই কঠি, জ্ঞা बनगाथा कीर्दर, नकान, धर्मार, राजम, असन कवर भूका(सा ক্ষে সমগ্র পাণরালী অভিরেই বৌত হয়। আমি সর্বনাল ভগবান রীকৃষ্ণকে ব্যবহার আমার প্রশতি निरकान करि। सैध्य जिलकमरानद्र भारत् अस्य कराइ करन পত্ৰ বৃদ্ধিমান বাজিতা বৰ্তমান এক ওবিবাহতর সমস্ত ক্তম আস্তি খেৰে মৃত হন এবং অনায়াসে চিক্ত খনকের হতি অসমর হব। আমি সর্বমানসময় ভাগবান ত্রীকৃষকে বারবের অ্যার সঞ্জ লেডি নিবেছন করি, ক্ষেম্যা ভগস্যা পরারণ মহান্ অবিগণ, স্মানীল কর্মীকং, প্ৰতিষ্ঠাৰন কৰ্মীগৰ, কৰ্মী বা বোগীগৰ, দেশৰ মা উচ্চারণকারীগণ ক্ষথন্ত সনচারী পুরুষণণ কেউই সেই সমান্ত শ্বন্ধ কৰে ছাত্ৰ ভাষাকো সেক বা করে ফাক লাভ করতে সমর্থ হন না। কিরাত, মুণ, আছে, পুলিক, नृक्षन्, जाठीतः, ७६, स्तम्, रम एथा चमामा नम्स স্ত্রতির পাণ্যসন্ধ ফানুবের বীর ভাকদের পরণ প্রহণ করমে কলে তথ্য হতে পারে, আমি সেই পরম প্রিক্তালী প্রক্রেব্য ভারত্ত্ব হাজা সক্রম প্রবৃত্তি নিজেন করি। छिनि कार्याण्यस्तरा शृक्यसम्ब भवात्रका वर्गर शहरांचतः। তিনি বেব ধর্মপান্ত এক কণ্ডলার মূর্তিমান প্রকাশ। তিনি ক্লা, নিব এবং কপটকা নহিত সমস্ত ব্যক্তিকে ভাৱ পৃষ্ঠিতেঃ এই প্রকার প্রথম ও সম্রামের আন্দান প্রথমের ভাগৰান আমাৰ প্ৰতি প্ৰসাম হোল। সমস্ত ভাল্ডাৰ অল্লাব্য ভাগৰাৰ, অৰ্ক, বৃক্তি গ্ৰন্থৰ কৃষ্ণানীয় রাজাবের প্রাক এবং গৌরুর ও সৌরেস্যে অধিকারী কর্ম্মানুক্রীর



পতি, সমস্ত যজের নির্দেশক এবং সেই সতে সমস্ত चीरका नदश्क, ममल वृद्धिरखात निवास, बाठ अवर १६४८न সমস্ত লোকসমূহের অধীনার এবং পৃথিবীর পরম অবতার (সর্বেদর্ব) ভগবম শ্রীকৃষ্ণ খামর প্রতি প্রসা হোন। **'शर्मक क्षमका क्षेत्रकर शतका पृक्षिमादा। कशकाम** পদায় অনুসরণ করে প্রতিক্ষা তার চরণকমধ্যের চিশ্র করার কলে ভগবঙ্গগুন্ত সমাধিতে সেই পর্যে সভাকে पर्यंत कारण जारावा । किन्द्र प्राताश्वरी कानीता कारणत ক্ষানা অনুসাথে তাঁকে অনুমান কয়তে চেটা করে। সেই পর্যোগর জনবান আমার প্রতি রুমার হোল। নিনি স্থারির প্ৰারহে ব্ৰহ্মার হন্দরে পক্তিপালী আম বিকশিও করেছিলেন এবং সৃষ্টি ও তাঁয় নিজেঃ সম্বন্ধে পূর্ব জান প্রদান করে অনুগ্রাপিত করেছিলেন, এবং দেই বেনরূপা সরক্ষী রক্ষর হব থেকে প্রকলিক হরেছিলের। সমস্ত क्यानमाठा चरिएपत घटना विनि नर्वटकां रनहें भारतथात ভগরান আমার প্রতি প্রদার হোন। যে পরমেশ্বর ভগরান

রক্ষাণ্ডের অভ্যত্তের শ্রম করে প্রকৃতির উপাদান খেকে
সৃষ্টি সমান্ত শ্রীরাকে উজ্জীবিত করেন, এবং
প্রকারবভাররাপে জীবাকে ভার জড় শরীবের জনক
কোপটি ওপের (একাদশ ইন্নিম্ন এবং পদা বহান্ত্রত)
অধীনমূ করেন, সেই জনবান কো আমার প্রতি প্রসা
হয়ে আমার বালীকে জনক্ষেত করেন। আমি বৈনিক
শার্রের সকল্বনার্তা, বাসুলেকে অবতার শ্রীল আসনেব্রক
আমার সকল্বনার্তা, বাসুলেকে অবতার শ্রীল আসনেব্রক
আমার সকল্ব প্রশৃতি নিবেদন করি। শুদ্ধ ভাতেরা
ভগবানের মুখার্থিক থেকে নির্মুত অমৃত্রার দিবাকান
পার করেন।"

"হে রাজন্ প্রথম জন্ম, জন্ম থেকেই বাঁর মধ্যে বৈনিক জানের সভার হরেছিল, তাঁর সেই পুত্র প্রকাতে স্তর্থন নিজ মূখে বে জান লাম করেছিলেন, প্রভাও নারদ কর্ড্ডক জিচ্চানিত হবে তাঁকে সেই কথাই বলেছিলেন।"



পঞ্চম অধ্যায়

সর্ব কারণের কারণ

শ্রীনারসমূদি প্রকাশে কালেক—"হে কেবাদিনেব। আপনি সমস্ত প্রাণীনের হব্যে প্রথম কালা, আহি আপনাকে আমান সমার প্রগতি নিকোন করি। কুপা করে আপনি আমাকে দিয়ে জন দান কালা, আ মানুহকে আরা এবং পর্যাক্ষার তথা বিশেষভাবে জ্ঞাপন করে।"

"হে পিতা। কুলা করে আপনি আমাকে এই কণ্ড কলতে ব্যক্তিক প্রকানমূহ কলি কলন। তথা আত্রা কিং কিডাবে ভার সৃষ্টি হরেছে? কিডাবে ভার সংক্রমণ হরং এবং কার নিয়েশে এই সংক্রিছু সম্পাদিত হঙ্গেং হে পিতা, এই সব কিছুই আপনি বিজ্ঞানসম্মতভাবে আনেন কেননা পূর্বে আপনি যা কিছু সৃষ্টি করেছেন, ভবিবাতে যা কিছু সৃষ্টি হবে এবং বর্তমানে যা কিছু সৃষ্টি

श्राम, अवर अपे अचारक वा किंदू वरहरक् छ। नवरे भागनात इस्तिश्च अवरि खांभागीय मरहा। द्व निर्धाः भागनात सारान्य छैरन कि र भागनि कार्य करायन । सारान्तर वास्तिक हिंदि कि र खागनि के खांभनात मस्तिक बाता कछ छेगामान्तर मरहारण मध्य भीवरमत नृष्टि करहम। माक्रम्मा स्वम्न करायारम स्माता धांस्य महाकृत मा स्टार कार्य मृष्टि करत, भागनिक एक्समे कना कराय महावा वास्तिक, भागनात कारणण्यू परित्य द्वकारन नृष्टि करहम। नाम, क्रम, कर्य येकानिक प्रधार बिरम्य वस्त्र मश्याद खामता वा किंद्र भागरक श्वाति, धा छेरक्से, निकृष्टे खरश मधान स्टारक करवा निर्मु यो स्वनिक्त द्वारक, धा মবই আপুনি ছাড়া আম কারো বাবা সৃষ্টি হতনি, আপুনি
ক্রেই নমান্। আপুনি বনিও সৃষ্টির ব্যাপারে অভান্ত
অভিপালী, তথাপি আপুনি যে পূর্যক্রপে অনুপানন
অনুসরশ করে কটোর তপস্যা করেছেন সে কথা তেবে
লামবা আক্রর্যবিত চিত্তে অনুমান কবি বে, আপুনার
ক্রেকেও অধিক অভিশালী আর কেউ একজন রয়েছে।
তে পিতা। আপুনি স্বকিছু জানেন, এবং আপুনি
স্কুলেন নিবলা। তাই আনি বে সমস্ত হার আপুনার
কারে করেছি, আপুনি কুপা করে আমানে কার উল্লে কিন
বার্থে আনি আপুনার শিব্যকাশে তা ইন্যাক্রম করতে
পারি।"

কৰি প্ৰকা কালেন—"য়ে কলে নাবৰ, সকলের প্ৰতি কুলালারকা মূল (একম্কি আমার হাতিও) ভূমি এই সমস্ত প্রস্তানি করেছ, বেননা তার করে পরমেশ্বর ভগবানের প্রায়েক কর্পন করে অনুগ্রাপিত হয়েছি। ভূমি জ্ঞানর স্কল্কে আ বলেছ তা বিখ্যা নয়, কেনদা বতকা পৰ্যন্ত কেন্ট্র আমার থেকে পরতর পরম সভা, প্রমেশ্বর ভগরন সম্বাচ্চে অংশত না হয়, ভাচাৰণ পৰ্যন্ত সে অংশ্যই আনায় বীর্বক্তী ভার্যক্ষাণ কর্নন করে মোহিত হয়। ওগবাস তাৰ খীয় জেনতি (বক্ষজোতি) হায়া জনং সৃষ্টি করার পত্র তাঁরেই শক্তিতে সেই ভগবৎ তকাশিত বন্ধকে আমি পুনরাম সৃষ্টির দারা প্রকাশ করি, ঠিক ক্ষেম সূর্য, অধি, চন্ত, আকাশ, প্রভাবশালী সহসমূহ, একটা আবি প্রকাশিত হয় ৷ আমি প্রয়েশ্য ভগ্যম বাসুদেব শীকৃষকে আমার সম্রক প্রদতি নিজেন করি এক তাঁর स्तान करीं, दौर मूर्जन माधा चल दृष्टिभण्ना सनुवरण ৰফান্ডাবে প্ৰজাবিত কৰে বে, জেনা আমৰে পরম নিহন্ত दरण महम कहता। स्वताहमध मातः विक स्ता কার্যকলাপের জালা লক্ষাবেধে করার কলে জাবানের সন্মূৰে আগতে পারেল না। কিছু যে সমস্ত জীব মায়ার মারা মোহিত হয়েছে, তারা স্বব্যাই 'আমি' এবং 'আমম' এই চিন্তান কয় হয়ে সৰ্বকল প্ৰধাপ কৰে। সৃষ্টির পঁচটি মৌদিক উপাধান স্থা পঞ্চ মহাতৃত, কৰ্ম, শাসত কাৰ্য, वीरसः एका अवः चीव, वरं मध्यतं भारमसः भारत वानुरमस्ता दिख्या धार्च, बचर वानुरमव स्वरूक ग्रहण বেলন ভিন্ন সংগ্ৰা নেই। সমস্ত বৈদিক পাছ প্ৰথেক্য ভগবান নামায়ণ কর্তৃক প্রশীত হরেছে এক নেখনি উন্নই

নিমিত্র, সমন্ত দেবসারা উন্তই কম খেকে উত্তপ্ত এবং ভারা সকলেই ঠাব নেকক, ক্বর্ণ আনি বিভিন্ন লোকসমূহ তারট জন্ম এক বিভিন্ন প্রকার কর অনুষ্ঠানের উপেশ্ব কেবল ভারে সম্পন্ন বিধান করা। সর্বভাবর ধানে এবং বোল চল্লে নান্তপক্তে ভালাম মিনিক উপায়, সৰ্বপ্ৰকাৰ তপদ্বার উদ্বেশ হয়ে করালকে হাত হত্যা। দিব্য আনের সংখ্যতির উদ্দেশ্য হয়েছ নারারণের সর্বন লাউ कता अवर प्रतिक तकर करका शतक बारावर्धक खरम প্রবেশ করা। জান স্বারা অনুপ্রাণিক হয়ে, সর্বব্যাপ্ত श्रामकृतिन <mark>की। ्रि</mark>प्रश्रास क्षत्रप्र विभि न्यूकी वा श्री করেছে। আমি কেবল আ গুলপ্রধাণ করি। এফনকি আমিও খাঁবই সৃষ্টিঃ প্রমেশ্বর ক্ষরানুদ্ধ স্থান্ত চিত্ৰা এক জ সমস্ত ভক্ত হংগৰ অঠাত, ভক্ষণি সম ভগতের সৃষ্টি, পালন এক কাচেনর জন্য ভিনি উর বহিত্তপ পতিও মাধ্যমে সন্ধ, রক্ষো এবং তথ্যে লয়ক প্রকৃতির তিনটি গণ খীলার করেন। প্রকৃতির এই তিনটি ওপ রখ্য, জাল এবং রিমারেশে প্রকাশিত হয়ে দিতা শ্বৰত জীবকে ভাই সমগ্ৰ কৰ্মকণাশ্বে জন্ম নাই। করে श्राटक कार्र अवर कार्यपत वकटा चारक करत !"

"ত্ৰে স্থাপন সভদ[†] সেই পৰা ভাটা পৰ্যয়েশৰ ভগৰান প্রকৃতির তিনটি অংশক ধরে প্রভাবিত বছ জীবের জড় ইলিফো অপেচর। তিনি সকলের, এমনকি আমাতও बिरखं अपन्त गणित विरक्त छसदान, जेस मिल्ट गाउँ। নিত্যকলা, সমন্ত প্ৰীৰেব অণুষ্ট এবং তামেৰ সভাব সৃষ্টি ৰবেন, এক তিনি শুনবাৰ ৰচয়ভাবে তালের নিম্নের মধ্যে বিলীন করে দেন। প্রথম পুরুষাবভাবের (स्रान्तिकारी रिकृ) का रहता व क्य गृतिह जड् প্ৰকলিড হৰ, অৱশ্ব থাল প্ৰকট হয়, এবং কাল্ডাৰ্ড ভিনটি চল প্ৰকলিত হয়, প্ৰকৃতির অৰ্থ হচ্ছে ডিনটি ওপের অভিব্যক্তি। সেওলি কার্বে কলান্তবিত হয়। মহত্য বিশ্ব হতবার খনে এক কার্যকলালের উত্তৰ হয়। প্ৰথমে সঞ্চাপ এবং ব্যৱস্থাকাৰৰ কলানুৱ হয় এবং প্রকাম অনোওণের প্রকাশে মধ্য, আন এবং মিনাশান্তির উত্তৰ হয়ঃ অভাকেত্ৰিক অহৰান তিন ক্লাপে কলাছবিত হুৰে কৈচাবিক, তৈলস এবং ভাষস অৰ্থাৎ সাধিক कर्णा, तामन कर्णार व छात्रम करणांव और जिम প্ৰদায়ে উত্ত হয়। সংযদ কাহৰার কেনে এবা ৰকি,

রাজন অহন্তমে খেলে ক্রিয়া শক্তি এবং সাহিক অহন্তার খেকে জানশক্তি প্ৰকাশ হয়। হে নাবৰ, ভাটি ভা হুদারক্ষ করতে সক্ষ। ভাষস অহতর থেকে প্রথমে পক্ষ মহাভূতের প্রথম উপাধান আকাশের উৎপত্তি হয়েছে। সেই আকাশের সৃষ্ণারল ছক্তে শব্দ, ঠিক কেবন প্রটার সংখ দুশোর সম্পর্ক। জানাদের রূপান্তরের কলে শার্শ ওপর্যুক্ত বাস্থ্রর উৎগত্তি হয়েছে, এবং ক্রেণ্ড্রোপ তাতে আকাশের সম্বন্ধ পাকাশের বাইতেও শ্বরুপ अदारहा वास्टे वास्थाला, हेलिन चन्छति, बन्दिन का 🖷 শরীরের শক্তির হেড় কাল, কর্ম ও পভাবংশত বাহুর বিকারের কলে আক্র উৎপত্র হয়। আক্রের ওপ রূপ। আকাশ ও করে ভেলোর কারণ হওলেতে তেজেও রাগসহ শব ও শ্রুপ ওপ বিরক্ষিত। স্কাণ্ডলের বিবরের কলে , মাধাৰক অংশর উৎপত্তি হয়। অংশ আকাশ, বার ও তেকোর কারণজাপ সাক্ষা থাকাতে ভাতে করাক্রামে শব্দ, স্পর্ন ও লগ বর্তমান। জলের বিধার খেকে মাট উৎপদ্ধ হয়। আটির বাতাবিক ওপ পদ্ধ। এই মাটিতে चारीन, यह, (देख ६ चानत सतनक्षर मध्य चीनाए মাটিকে সেওলির ওপ শব্দ, স্পর্শ, রূপ ও রস বর্তমান। কৈল্পনিক অংকার থেকে হল উত্তপ্ত হয়ে ব্যক্ত হয়েছে, শেই সঙ্গে পরীয়ের গতি নিজেন ক্ষমটি দেবতাও প্রকট हरतराज्ञमः। बाँडे जानक ध्रांचकाना हराग्यन मिकनमस्याव নিয়ন্ত্ৰ, জন্তুৰ নিয়ন্ত্ৰ পকালেৰ, সৰ্বদেৰ, দক্ষ প্ৰধাপতির নিয়ে, অধিনী সুন্দেশ্য, কেবলে ইয়া, সংগ্রি নীবিপ্রছ উলেন্ড, আনিত্যদেশবংশর প্রধান মিত্র একং প্রজানতি ব্রস্থা। রাজস অহমার বিধার প্রথা হলে ভা থেকে कानगरिक, युद्धि अपर क्रियानिक श्राप्तरह कर्ग, एक, নাসিকা, চকু, বিহা, বাক, পাৰি, উপছ, পাৰ এবং পার **ार्ड क्यार्ड देखिएका केश्यांक दत्र।**"

"द्र (अर्ह इष्टिंग न्हला। वह गरक ग्रह कलावना, ৰথা পৰা মহাভণ্ড, ইলিয়-সহত, জা এবং প্ৰকৃতিৰ ওপওলি ৰচকল পৰ্যন্ত না মিলিড হয়, ভঙকণ পৰ্যীয় সৃষ্টি সভাৰ হয় লা। এইডাবে ক্ষণবালো শক্তির ব্যৱ এইওলি একরিড হওরার কলে সুক্তির মুখ্য এবং সৌধ ভাষানসভার জীতার ভারে এই ক্রখাণ্ড প্রকট ব্রারেছে। **ारे** आर्थ नेपन उपार्थनपर राजार राजार कार करन-

সমতের অংক নিম্মিকত ছিল: করেপর সমস্ত বাঁকের ঈশর ভগবাদ ভাষের মধ্যে প্রবিষ্ট হয়ে দেওলিকে পর্ণরূপ সন্ধীর করেন। বলিও ভগরান (মহাবিড়া) কাচন সমত্রে পাবিত রয়েছেন, তথাপি তিনি ভার থেকে নির্গত इस्स निस्मारक हिन्दुशाधकंत्रस्य दिकक करन श्राप्तिक द्वचारिक शेरकम करहरूम अवर १५८-वर्ग्य भाग, एक. हुन, ছক্তি, মন্তক ইত্যানি সহ বিপ্লাটরাণ পরিপ্রহ করেছেন। বত বত দাশনিকের সক্ষম করে যে প্রকাশের সমস্ত লোকসম্বর্ধ ভাগবাদের বিরটিরন্তের উর্ম্ব এবং নিম্ন ভালের विश्वित भाष-श्रास्त्रका श्रमणीन । जान्यद्वासा भागवस्त्रसा प्रम ক্ষরিয়েয়া উরু বাধ, বৈশ্যরা তার ক্ষরতা এবং প্রথম ষ্ঠার পথ বৃগণ থেকে উৎপন্ন হয়েছে। পৃথিবীর প্রদ পর্যর সমস্ত অব্যলেক তার প্রকৃপলে অবস্থিত। তার উর্বো ভবরোক তার নাভিমেশে অবশিত। ভারত উর্বো নেবভাষের বাসভাস কর্মলোক উল্ল কলমে অর্থস্থিত এক বহান মনি-কবিয়া কেখানে নিরাশ করেল নেই মহলেকি গুল ৰক্ষে ঋবন্তিত বলে কবিত হয়েছে। সেই নিমাট পক্তমে প্ৰীবাদেশে জনকোক অধস্থিত, স্কুন্ধৱ তেপালোক এবং মন্তকে এই রক্ষাতের মর্বোচ্চ লোক সভ্যবেচক অবছিত। তার উর্ফো বে বৈকৃপ্তব্যেক জা নিজ্য (অর্থাৎ এই স্ট কথতের অন্তর্বতী নয়)।"

"হে পুত্র নারদ, আমার খেলে অবদণ্ড হও যে ক্রমাতের চতর্মশ ভবনের মধ্যে সাভাট হাছে অধ্যালাক। জতল নামক প্রথম লোকটি লেই বিয়াট পুরুবেছ কটিবেলে অবস্থিত, বিভীয়লোক বিকল করে উলোরে অবস্থিত, তৃতীয়লোক সূতল গুলা আনুষয়ে অবস্থিত, চতর্যদোক ভলাভন তার ক্ষত্রকারে কর্যক্তি, পঞ্চমলোক মহাতল তার ওল্ফেবে অবস্থিত, বর রুগাতল তার পদব্যক্তে অপ্রভাগে অবস্থিত এবং সপ্তমাল্যক পাতাল ষ্ঠার প্রথমের অবস্থিত। এইডাবে ক্ষরবানের বিবটি রূপ সমজ কোকে পূৰ্ব। অৰোৱা হক্ষাঙের সমগ্র লোকসমূহকে ডিনটি ভাগে বিভাভ করতে পারে। খবা ভাগবানের বিবাট রহেপর পামস্পালে অবস্থিত পাতাল লোক বেকে বরু করে এই পৃথিবী পর্যন্ত ফর্লোক, মান্ডিয়েশে অবস্থিত ভ্ৰমদোৰ, এবং বন্ধ খেকে ৩৮ করে মন্তব বৰ্ণত কৰিয়ক মামৰ উৰ্বলোকসময়।"

যুক্ত আধ্যায়

পুরুষ-সৃক্তের স্বীকৃতি

এবং তান অধিচাত্রী দেবতা অগ্নির উৎপত্তি স্থান, তার ৰুক অনুদি সপ্তথাতু গায়ত্ৰী আদি বেদের সন্ত ছবেন (क्या) कील किए। एवा (एवकाएक सह), करा (निस्ट्रस्य कात), कामून्ट (अनुवादमत काम), अधुतानि वस्त्रिय বলের উৎপতিহান। তারে নাগাবছতা সমস্ত জীবের প্রাথের ও ব্যবহুর উৎপত্তিত্বল, ঠার প্রাণেজির থেকে অনিনী কুমানতা ও সর্বশ্রকার ওসধি উৎপঞ্ন মূত্রেছে একং **বালেন্তি থেকে বিভিন্ন প্রকার সুগর্মি উৎপান হরেছে**। ঠার বেল রাপসমূহের এবং রাপ প্রকাশক বছসমূহের উংগতিকুল। তার নেরগোলেকমা বর্গ এবং সূর্বের র্বংগতিমূল। তাঁর কর্ণধর দিকসমূহ এবং সমস্ক বেলের উৎপত্তি স্থান এবং ওঁরে আবংশন্তির আকাশ এবং সর্বপ্রকার শব্দের উৎপত্তিক্তল। তার শরীর বর্বলতি সমূত্রে এবং দৌভাগের স্থান। উন্ন ক্ক বভিশীল বরু, স্পূৰ্ণ এখং দৰ্বপ্ৰকার যজের উৎপত্তিস্থা। তাৰ রোমসমূহ সমস্ত কনস্পতির উৎপত্তিস্থল। শুরু কেলনম क माळाजगृह स्वयनमृहदत प्रदर्शन श्रुम अवर प्रोत নৰসৰুহ বিদ্যুত্তর, শিলা ও ধাতৃত্ব উৎপত্তি স্থান। অনবানের বাংগ্রে মহান্ মেকতা এবং জনসাধ্যমণের রাজক নেডাবের উৎপত্তিস্থল। সেই পুরুবের পদক্ষেপ ভূর্বেক, কুবর্জোঞ্চ প্রবং স্বর্টোকের আগ্রের। তার শ্রীপ্রদশন আমাদের দক্তন প্রকার প্রয়োজনীয় বস্তুসমূহকে রক্ষ করে, সর্বাহকার ভার খেকে রক্ষা করে এবং স্ববিধ কাম ध मक्न अन्तर का जानीवीतमा धाधवस्य । सभवतम सन्दर्भक्षित (थर्क सन, दीर्व, सन्त, वृष्टि अवर তজাপতিদের উৎপবি হয়েছে। তাঁর জনস্থের সমস্ত मृत्यतः कातंत्र वा कन्यतः खुन्तः मार्ग्य करतः।"

"(ह नातम, रूरेंद्र शुक्ररसा छर्छावित श्राम् वस मिन क क्याकारभर कृत, अवर कात भागू विरम, गूर्वाम, गूर्व अवर सहर्यका जासार यहन शासा । त्यवे विदाप शुक्रदाव পুঠাৰৰ প্ৰাক্তৰ, আধৰ্ম ও অভ্যানের হৃদে, ভার

্রত্বা কালেন—"সেই বিয়টি পুরুষ্কো মূখ বাক ইলিয় । বাড়ীসমূহ কা-নদীর এবং ভার অভিবয়ক্তি পর্বতসমূহের অধিষ্ঠান। সেই বিরাট প্রক্রের নির্বিশেষ রূপ মহাসাপর সমূহের আশ্রমন্থল। ওার ইনর তৌতিক দৃষ্টিভে নির্থক श्रीकृषद् व्यक्तिह। ऐस्स समय कीरएला एक्स नहीं एउट আলার। পৃথিমান মানুষেরা এইভাবে ওাকে আনের। (मेरे मध्य शृक्तका क्रथन वर्षात, व्यथात, क्षामात अवर गतक, गताक्षम, माथ, कृतात अवर माध्यम, और जात कृत्रहरूको काञ्चलका। अहे अन्या नन्त्र अवर निया আন্মেণ্ড আনার। আমান (রকা) খেকে ৬ক করে ওমি. ध्य (नित), रहामात चलक महत्त वर्षकान, (नदराजन, साम्बर्गन, प्रमुशानन, शानमपृष्ट, भक्कीकृत, सामुनन, স্থীস্পূৰণ, গ্ৰুব্ৰণ, অৰুৱাগণ, ক্ৰসন্ত, চুল্ডস্চাণ, ভূতপৰ, উরুষ (সর্ণানি), পভসমূহ, পিতৃপৰ, সিছসৰ, विमाधकार, जावनगर, नुकड़ाकि अवः कन, भूग छ क्रवरीकारती क्रमाम विविध शाबीयमुद् अवर द्रव, जन्मक. रमत्त्रक, कांत्रक, कक्षिर, (प्रवसान्त्र, श्वष, कविशेष स ৰঠমান যে কিছু সকলেই সেই পুৰুষ। অৰ্থাৎ ক্টান্ত থেকে বিশ্বনাই ভিত্ত সন্থা নেই। যদিও ডিনি এক বিশ্বৎ গ্রিমাণ (না ইঞ্জি) স্থানারে অভিটিত, তথালি তিনি और विश्वक भागूत करत चारका। সূর্য বেজা বিভিন্নগর মাধ্যমে ক্ষান্ত এবং বাহিত উভয়ই আলোকিড করে, ভেছনই সেই প্রথ পুৰুষ বিবট রূপ প্রকাশ করে ক্রমানের অন্তরে এবং যহিতে সক্তিমু বালম করেন।"

"হে ব্রাহণ নাজ, সেই গানেবর কারন অস্ত এবং অভ্যান্ত নিক্ষা। তিনি মৃত্যু এবং সভ্য কথাতের স্ববাস কর্মের অতীত। ভাই সেই গামসথরের মহিন্স অনীম। প্রমেশ্য ভগবান জাঁর পঞ্জির প্রত-চতুর্বাহশের বারা এই জন্ম প্রদান প্রকাশ করেছেন, কেবানে স্থান্ত বছ জীয়ের। विसमा भरत। विन्ह रिजिंग वैक्सान उत्तरका अवर कड़ লগতের আব্যাণের উল্লে ব্যিত ভগবভার অধ্যতা, নির্ভাগতা এবং করা ও জাবির উৎকর্জ বেকে মুক্ত নিয়া নিবাস। ক্রিক্সপত, স্ক ক্রমবাক্তে স্থিতি বিন্ন-চতুর্থালে,

चना यातक क्यांत्व शुरुवांत्र शत शत वाता সংস্ঞা-জীবনের প্রতি আগন্ত এবং কঠোর ব্রস্কর্য প্রত পালন করে মা, ভাগের কড ক্ষমতের প্রিলোকের মধ্যেই থাকতে হয়। সর্ববাধ্যে পরফেরর ভাগরন ডাও নজির প্রভাবে, বাবা কছ ক্ষমতের উপন আধিপতা করতে চার এক বালে ভাৰতমুক্তিপথানৰ উভয়েন্ত্ৰই প্ৰথ নিয়ন্ত। তিনি সর্বাবস্থাতেই জন্মন এবং বার্ত্তবিক জনে উভয়েরই পরন রার। সেই পরমেশ্বর ভগরাম থেকে সমন্ত প্রদাত এবং ব্ৰদ্ধ উপাদান, ৩৭ এবং ইজির সময়িত বিরাটকাপ উভত হবেছে। ভঞ্জণি তিনি এই সময় ক্ষা প্রকাশ ভাগ থেকে ভিন্ন ব্যক্তে। আমি বঞ্চ মহাপুরুষের (মহা বিশুণ) নাতি পস্ক থেকে স্কল্পগ্ৰহণ করেছিলাম, তথন च्याना करक् रका चनुर्वान करात कर शिरे प्रश् गुकरसा অধ্যুব স্বাতীক অন্য কোন সামগ্ৰী ছিল না। হঞ चन्त्रात्म बन् वर्षानवृक्त कानवर् (काउ) शृंभ्य, भव, कृत के क्यानुधि-क्षे नक्ष क्या नामग्रीत श्रेरपायन হয়। কর অনুষ্ঠানের কান্ত সমস্ত উপকরণ্ডলি হাছে नाम, भना, एक, वर्ड, वर्ड, वृत्तिका, सना, बंग्(तक, वक्दर्वन, जामदयन अवर वक्ष जम्मापनकाती हात्रकम পুরোরিত। বজের ক্ষরতার প্রয়োজনতাল হলে বিভিন্ন নাৰ বিশিষ্ট মত্ৰ, ইড এবং দক্ষিণাও ছাত্ৰা বিভিন্ন (एक्ट)एक्त च्यापूर्ण कन्त्र। और चारान निर्मिष्ठ श्रेरप्राचन बाक्त विक्रिक्त विक्रिय काम किएक्ट नाटकर मिटर्गन व्यनुसारक হওয়া উঠিত। গালেকা কগালের অস থেকে আমি ক্ষেত্ৰ এই সভন্ত স্থানী সংগ্ৰহ করেছি। ক্ষেত্ৰদেয় ৰাথ উচ্চাত্ৰণ করায় সাধানে ক্রমণঃ চাথে লক্ষ্য বিশ্বহাৰ দাক করা বার এবং এইভাবে প্রারশ্ভিত এবং চরম আইভ প্রতেপ সম্পর্জিত হয়। এইভাবে স্থামি সম্ভ ৰ্জের পারৰ ভোক্তা, পর্মেশার ভাগতদের সেহের অস বেকে করা অনুটানের কন্য সমত সামগ্রী এবং সভাচ नृष्टि करत रहा पान प्रानुकेश करता अभारत रहरक नश्चर कडारिकाम (*

হাজাপতি, ব্যাস এবং অধ্যক্ত বৃহিপ্তকার পুরুষদের প্রসার করার জন্য কথাকথ অনুষ্ঠানের মাধ্যমে করা সম্পার

স্থা আৰু জনতের কাহিরে অংশ্বিত এবং সেই স্থান জনের করেছিল। ভারনার জনতা জাতির শিতা জনুগণ, মহান ক্ষিত্ৰ, দেবতাকৰ, বিষয়ে পণ্ডিতগৰ, দেবতাগৰ, মৈতাপৰ এবং মানবগৰ বংকর ছারা সেই প্রমেশ্বর ক্ষাবানকে আয়াধন করেছিলেন। ক্ষণবানর শক্তিশালী জভা প্রকৃতিতে এই বিশ্ব অধিষ্ঠিত। ভগুবান সম্যা ফণ্ডণ रुवता मरक्ट महि कार्य, नामन कार्य बना किरानकार्य সাধনের করা প্রকৃতির ওপসমূহ প্রহণ করেন। ওঁরে हैकांब चानि अधि कति, लिन जरहात करतम अकर किनि বাল নিতা ক্ষমজনহল্পে সংক্ৰিছ পালন করেন। তিনি এই জিল শক্তিক শক্তিকাল নিবজা।"

"হে পুরুঃ ভবি আমার কাছে যা কিছু হলা করেছ, জেকে সম্পূৰ্ণ কৰে। ঠিক বেজন সূৰ্ব ভাৱ কিলৰ এবং আছি ভা জেঞাকে এইভাবে কলনাম। ভূমি নিশ্চিতভাৱে (कारन (डाटन) एवं (कार्ड अंगर (डाउन चनाएड)) कार्य अंशर অসপরতো যা কিছু বর্তমান, আনের কোন কিছুই পরযোগ্য ভিগ্ৰাম খেকে খণ্ডা না 🗥

*হে নাল। বেহেড আমি পরমেশ্য ওপরান জীহরিত বীণাদপত খাতাত ঐকাতিকতা সহকারে ধারণ করেছি, ভাই আৰি যা কিছু বলি আ কখনেই মিখ্যা হয় যা। जामान गरमन अमिक कथाना जायक एक या धारा আমার ইন্দ্রিরসমূহ কথনে বিবরের অনিতা আস্তিতে खदः निष्ण इत ना। (वरप्रत, छर्शायत क्षेत्र धनागवित्यत्र इता भूक्ति श्रम् अक्षा हित्स निमृत्या সহকারে বোগ সমানার করেও ইখন জন্মগতার সহকে জনতে পর্যান, তথা জামার সৃষ্ট অন্যান্য জীবের। কিছাৰে সেই পুৰুবকৈ জানতে পায়ৰে ৷ আই জন-মৃত্যুৱ ক্লেণ খেকে উৎসাক্ষরী শুরু প্রত্যাংশ আছ-সফর্ণণ করাই স্বামরে পক্তে সর্বাপেক্স মেরজর। এই আস্থ-সমর্পদ সর্বজন্মত এক ভার কলে স্বর্গতকর সুধ লাভ হয়। चांकान त्यान निरक्षे निरक्षत्र क्षेत्र नात गा. रष्टमनेरै ভগন্তনত জার সীম অনুমান করতে গারেন না। অভএহ খনের কিটাবে আ করতে পরে : কেছেড় আমি, ভূমি এক লিব সেই চিমার আনহাত অবধি অনুমান করতে শারী না, করা দেবখানা জ কিভাবে জনবে? বেহেডু আখল সকলেই ক্ৰমবনেৰ আহাৰ কমা বিযোহিত, কাঁপ 'মে পুনা: অনপার ভোনার ব্যাক্তা আতা, বানা হতে । মালা বিনির্বিত এই বিশ্বতে আনতা আখালের নিজ নিয়ে क्याला कन्नाता क्रम्ब कडि। कासमा त्यहे शतरायक ভদক্তনতে আমানের সম্রন্ধ প্রশতি নিবেদন করি, বাঁর

ক্রিক্সকে বিস্তার করে এই ব্যক্ত জগতের সৃষ্টি করেন। মনুবালোকের অধিপতিগণ, পাতালাদির অধিগতিগণ, ক্ষাৰ মাধ্যক্তি অবল্য সৃষ্টি প্ৰকাশিত হব, এবং জড় পদাৰ্থ । পৃথুৰ্ব, বিষয়ধন ও চানপ্ৰসাধেত অধিপতিৰণ, বন্ধ, 🚜 🚌 অভিব্যক্তি সংই তিনি বরং। কিছুকালের জন্ম । রাজস্, হর্ম ও লাবকুলের নারখণ্ণ, করিপণ ও ভিত্ৰি স্বাহেনর পালান কর্মেন এবং গুরুপর তিমি পুনরার क्षात्रक काल्यांच्य करत हमा। नाराव्यक कालाम गर्न कर्य are are ৰাণতের সমস্ত কল্ম থেকে মুখ্য। তিনি পাত্রা সতা একা পূৰ্ব আনের মুর্ড বিচছ। তিনি সর্ববারে, অন্তিতীয়, ক্ষমানি এবং ক্ষমন্ত। হে মহার্থি মারস, মহান ছনিয়া স্বর্থকম অভ কমেন্ড-বাসনা বেকে মঞ্চ ইটো কমন অধিচলিত ইন্সিনের শর্প গ্রহণ করেন, তান তাকে कारह भारतन। चन्त्रचा, तुवा स्टर्कत बाता मदकिस् বিক্তা হতে আৰু একং গুলবান আন্যানের দৃষ্টির আগোচরে करत सान । अवन्यार्थनाची विक भवदानव छगवाह्न প্ৰথম জনতাৰ, এবং তিনি নিডাকাল, মডাৰ, ক্র্যেকারণাক্ষক প্রকৃতি, ক্ষা, মহাভূত, অহুষ্ঠার-তত্ত্ব, अकृष्टित राजगार्य, वेदिस्तानपुर, विसामान, ग्रार्टानकनारी

অবংকে এবং কার্যসমূহ আমতা অহিমা কীর্তনের জন্য পান । বিষ্ণু, কুনায়, জন্ম আদি সমস্ত কীৰ সমষ্টির ইপর । ্রুরি অনিও জার অক্সপে তাকে পূর্ণকাপে জানা প্রার । আমি স্বরং (রজা), লিব, ভগবান বিষ্ণু, দক্ষ আদি প্রসার। সেই আদিশুরুর পরমেশ্বর শুস্থান শ্রীকৃষ্ণ প্রস্তাপতি, ভোনর নোরন তথা কথারেপণ) ইয়া, চন্দ্র আদি _{মান্ত্রিত} হওয়া সম্বেধ প্রথম অবভার মহাবিষ্ণু রূপে স্বর্গলোকের অধিপতিরণ, ভবরেন্ট্রের অধিপতিরণ, িপিওগণের হজে বারা মেউ, লৈত্যের, নিজেবর ও সামধ্যেরপান, জন্যান্ত যে সকন্ত প্রেন্ত, নিলার্ড, ক্বড, ক্ষাত, জনচর, গত এবং পঞ্চারুলের অধিপতিদশ এবং এই স্বপতে বা কিছু ঐপর্যকৃত, তেজবৃত্ত, ইঞিব শক্তিবৃক্ত, মনোৰভিৰ্ক্ত, বলবান, শোতাসম্পন্ন, मच्चामुख, रिकृष्टिमण्डाब, वृद्धिमुख, च्यान्डरंकनक, क्रमदान ও অরণ আ সকলেই পরমেশ্র ভাগবালের অনত শক্তির এক জলে হর।"

"हर माना, त्यहे नवा नृकरका मीनावसायपा कथा শ্রবণ করলে জন্য কথা শ্রবণ করের বাসনারূপ করেব বিপরিত বর। সেই সমস্থ বীলা অত্যন্ত শ্রুতিমধুর এবং আবাদনীর। ভাই ভারা আমার হাদরে সর্বদাই विशिक्षणम् 🕻



সপ্রম অধ্যায়

বিশিষ্ট কার্য সম্পাদনের জন্য নির্দিষ্ট অবতারসমূহ

द्वारा बनारमन्-"राज्य सामग्र मिलमानी समयम शर्छ-শমুক্তে নিমক্ষিত গৃথিবীকে উদ্ধান করার করা লীপাকলে ব্যাহ জাল ধাৰণ কংগ্ৰিছেন, তখন আদি দৈতা (ফিল্ডাক্স) সেখানে এসে উপন্থিত হয়েছিল এবং ক্যাবান থাকে থার হত থাবা বিশীর্থ কংগ্রেপ্রেন, সর্বপ্রথমে হ্বজাপতি কবির পদ্ধী আকৃতির গর্ম্ভে সূজে নামে পুর উৎপদ্ম হতেছিল। ভারপার স্বাচনা তীয় পায়ী মন্দিশার পর্ভে সুক্র প্রমূপ দেকতাবেও উৎপাদন করেছিলেন।

मुख्य देखानकारण क्रिलाका (दिश्रा, व्यथा ध्रेयर प्रभावकी) मधान मृत्यकात स्टब्प कर्डास्ट्राजन । बक्चारकत ধাৰতাৰ ব্যৱ কৰেছিলেন বলে মানৰ জাতির শিকা স্বায়ন্ত্ৰৰ মন ভাতে হয়ি নামে অভিহিত্ত কলেছিলেন। ক্ষনবান তারণর কণিলাদের ক্ষাপ প্রজাপতি কর্ময় এবং ষ্ঠার পরী ক্ষেত্তির প্রক্রমণ নয়ক্ষন রহণীসছ (ভারী) অবতরণ করেছিলেন। তিনি ঠার ফরেকে আব্রহ্মান মুন কর্মেছদেন, বার কলে তিনি এই অগেই প্রকৃতির ক্রান্তন 95

পক্ষ থেকে সম্পূৰ্ণজ্ঞালে বিধ্যেত হয়ে কলিলাদেবের প্রদর্শিত পদ্বার মুক্তি লাভ করেছিলেন। অন্তি কবি সন্তান कामना करक कश्चारमञ्जू जाडाध्या करद्रक्तिक, अगर ভগৰান তাঁরে প্রতি প্রসায় হবে তাঁকে প্রতিক্রতি দিয়েছিলেন, 'আমি আমাকে ভোষাৰ প্ৰভাগে দান করলমে।" ভার খলে ভাগরনের নাম দ্যারের হয়েছিল। উন্ন শ্রীপাদগরের পরাগ হারে পবিত্র হয়ে বছ, হৈছর আদি নৃপতিগণ ঐহিক ও পাহলৌকিক ঐশৰ্ম ক্ৰড করেছিলেন। বিভিন্ন লোক সৃষ্টি খলান বাসৰ করে আমি ক্তপন্যা করেছিলাম, এবং আমার প্রতি সন্তাম হরে ক্তপনান ছখন চতঃসন রূপে (সনক, সনংক্রয়র, সুনখন এবং সনাহন) আবিঠিত হয়েছিলে। পূৰ্বকলে প্ৰদৰ্শে আকৃতন্ত বিনট হয়েছিল, কিন্তু চত্যুসনেরা ভা এত সুস্বরভাবে বর্ণনা করেছিলেন কে বুনিগণ জা ভবকণাৎ প্রভালের मर्थन कराय मक्त्र शरहिस्तान। जनकरी बहर কুলুসাধনের নিজন্ম গল্প প্রদর্শনের অন্য তিনি ধর্মের পতী क्योर सरकड़ कना। युखिंड शर्फ नत क्यार भारतपुर करे বিনিব স্বরূপে কল্মানে করেনেন। ক্যাদেবের সঞ্জিনী অপরাপে তার তগস্যা ছব করতে এবে করে কেবল যে ভালের মজে ২২ সম্মরীপশ তার দেহ থেকে নির্গত হচেছ, ভখন তারা বিকশ মনোবৰ হয়েছিল। শিবের মতো মহাকলকান ব্যক্তিয়া জাঁদের রোধকুক দৃষ্টিও স্থানা ভাষকে দত্ত কবতে পারেল, ভিন্তু উদ্দের নিজেনের ক্রোধের প্রভাব থেকে মৃক্ত হতে গারেন না। কিছ জোধের অভীত ভগবানের আন্দ অব্যক্ষাণ ক্রোব কৰ্মনা প্ৰবেশ করতে পারে না, অভৱৰ তাঁর মনে কিভাবে কাম আরম্ভ প্রহন করবেং"

"রাজন সমক্ষে এন বিমানের বাজবাণে রাজনিত হরে অপমানিত বেধ করেছিনেই, এবং ব্যবহুত হওয়া সংক্রেও কঠোর ভগদ্যা করার জন্ম বনে গমন করেছিলেন। ভগবাৰ ভখন একো প্ৰতি প্ৰদাহ হয়ে ভাঁকে প্ৰকলেক প্রদান করেন, উপরিস্থিত এবং অধ্যত্তিত মহবিদ্দ হাঁর ক্ষত করে থাকেন। মহারাজ কে উৎপথগামী হয়েছিল এবং তথ্য স্থাধান্তে বছ-কঠোর শাণবাকো ভার পৌরুষ ও ঐশর্য হয়। সে নার্যে পরিস্ত ছতে থাকলে ব্রাহ্মণ্ডের প্রথমিয়া এবং ভাকে পবিরাশ করার

এবং সর্বপ্রকার শাস্য পৃথিবী খেতে সোহম করেন। মহেরাজ এতি এবং তার পত্নী সুদেবীর পুরসালে ভগনান আবির্ভন্ত হতে কবভাবের মধ্যে পরিচিত লাভ করেন। किनि भटनत भाषाकार मारकत बना बक-रवाश कन्नीनन करविद्रालन। अपे क्षत्रकारक शासम्बद्धांतमा या प्रक्रित प्रसा দিছ অবস্থা বলে মধে করা হয়, বৈ বংরে জীব তার সমূলে অর্থান্তত হরে পর্ণক্রণে প্রশান্ত চিত্ত হর। ভগবান আমার (রক্ষার) অনুষ্ঠিত বল্পে হয়প্রীর অবতার রূপে इन्हें एउद्दिनन। जिने मुक्तर यस अवर जैत चत्रकाति স্বৰ্গস্বরূপ। তিনি সাক্ষণ বেদ এবং সমস্ত দেবতাদের পরমারা। বখন তিনি বাস গ্রহণ করেছিলেম, ভখন উল্ল নাসাৰত্ৰ থেকে সমস্ত হণ্ড বৈনিক ভোটো ধ্যনিত वर्षयक्ति।"

"করান্তে সভারত নামক ভাবী বৈধন্বত মন দেখতে প্যাক্ত হে সংস্যাক্তারজ্ঞাপে ভববনে পৃথিকী পর্যন্ত সর্বপ্রকার জীবাত্মাদের জাগ্রর। কোনা কলান্তে প্রদায়-বরির ভরে ভীত হতে কেন-সমূহ আমার (প্রকার) মুখ থেকে নিৰ্মত হয়, এবং ভগৰান তথম সেই বিদান্ত বলরালি মানি করে উৎফুল হন এবং কো-সমূহকে রাজ করেন। আধিকের ভগবান কুর্মনার ধারণ করে অর্ডনাতের জন্য ক্ষীর-সমূদ্র ফ্রান্ডারী দেবতা ও वानवरमञ्ज्ञ अञ्चलकक्षणाना अवश्व अर्थल भूरहे शादन করেছিকেন। সেই পর্যভার কুর্বনের কলে অর্থনৈতিত অবস্থার ভগরান কণ্ডার সুখ অনুভার করেছিলেন। পর্যেশন ভগরান দেবতাদের মহাভয় পুর করার ঋন্য ভরতর জাকুটি, মন্ত ও ভীৰণ বন্ধনবৃদ্ধা নৃসিংহরাণ ধ্যেপপূর্বক গদা হকে আক্রমণকারী দৈত্যরাজকে (হিরণ্ডকশিপুরু) তার উরুদেশে স্থাপন করে নথ স্থারা ভার বক্ষাভূগ বিদীর্থ করেছিলেন। অধিক বলগালী কুমীর কর্ম জলের মধ্যে তুপশতি গলসাভের পদ ধারণ করে, তখন সেই গলবাল লতাও ফাতর হয়ে তার ততের দারা একটি পদ ধারণ করে ভগুবানকে সংখ্যাধন ক্ষে ৰলেছিল, 'হে আৰি পুক্ৰৰ, আপনি সমস্ত প্ৰসাহেত্য পতি ! যে পরিরাশকারী, জাপনি তীর্থক্ষেত্রের মতো বিখ্যাত। আগনার দিখা নাম স্মরণ করা রামই সমধ্যে পৰিব হয়, ভাই আগনায় নাম স্বীৰ্তনীয়। চক্ৰেপাৰি ক্ষান্য ক্ষণবান পূত্র ক্ষরতারে তার পুরুত্ব দীকার করেন । মীহরি সেই প্রণানী পক্ষয়েকের আর্তনাদ প্রবণ করে

अवस्थातः अकर्डन भएके चाटास्थभूनक सेन हरकद क्राय লগ্নীপ্রের খাল বিপণ্ডিত করেছিলেন একা কুলাপুর্বক প্রভাবের বঁড় করে ভাষে কুনালের মুখ থেকে উৎস করেছিলেন।"

"ললাতীত ভগবান অদিতি-গত্ত আদিতাদের মধ্যে সমাসে সর্বভনিষ্ঠ হাগেও তথে সর্বপেকা শ্রেষ্ট্য বিজেন। মেট ব্লামিটাতা ভগবান বিষ্ণু পদনিক্ষেপ্তে ছারা ব্যাতের সমস্ত লোক অতিক্রম করেন। রিপাল ভূমি क्रिका करात करन जिले शामनकर भ वर्ते प्रकाराक्षत অধিকত সময় ভূকা অধিপ্রহণ করেছিলেন। তিনি विकास प्राप्त का ग्रंदर्भ करत्रविद्याने, रकनक विकास अक चम्राहरू कहाएँ अभर्ष भारतहा जल किन् कहाएँ भारतन्त হস্তএর ব্যতিয়েকে সংগ্রহামী জড়িকে ঐপর্বনাই কর ভাষেত্ৰও কৰ্তবা নৱ! বলি মহাধান, নিনি ভার সভাবে ভগবানের পদর্যোত মাল হয়েশ করেছিলেন, ভার ওকর নিবেৰ সংকও তিনি তাঁর প্রতিপ্রতি ব্যতীত অন্য আর কিছু চিন্তা করেননি। গুলবালের শুতীর চরশ রাক্ষার কর তিনি তার দেহ নিবেদন করেছিকেন। এই প্রকান কভিত্র কাছে স্পরিক্রাও মুক্তহীন, বা তিনি খীর বলের বার অধিকার করেছিলেন।"

*হে নারদ! সেই ভগবান হংসাবভারে ভোমার ঐকাত্তিক ভক্তিতে পরিস্ট হয়ে জোমাকে পরিপূর্বভাবে কভিযোগ এক জাবন্তব্যক্তিক বিশ্বেক করেছিলেন। বাসমেকে ঐক্তভিভ ভক্তভটি কেলা সেই আন প্রন্তবহুত্ব করতে পারেন। মহতর অবভাবে ভাগবান ফার বংশকরেশে র্ডার স্থানর্পন চত্তের স্বারা স্কুডকারী রাজ্যদের সমন করেন। সর্বারকার অগ্রভিহতভাবে তাঁর রাজ্য শাসনের महिमा अवर केल कीर्डि जिल्लानक डेटक्ट् इकारक সর্বোচ্ছবার সভালোতেও বিশের লাভ করেছিব। भगवान सम्बद्धिकारण चवर्तीर्ण चरत विवस्त क्रम चीवरस তীম স্বীয় কীতির স্বামা অভিনেই জোল নিবামত কলেন थरेर फार अकारवेर एक्काला शेर्च कीवन मांच करका। এইভাবে শুরেমধর জলবাম নিরান্তর মহিমানিত **হন।** পূর্বে দৈত্যদের হারা যে জন্মভাগ অবস্থা চারেছিল, ভাও তিনি উদায় করেন। ডিনি এই প্রখাতে আরুর বিধাক ক্লে বা চিকিৎসা লাভ প্রবর্তন ফ্রেন। স্থান করির নামধারী শাসকো পরম সভেত্র পথ খেকে বট হয়ে নরক বছণা

ভোগের অভিনামী হয়েছিল, তথন পরভারামধ্যুপে অবতীৰ্ণ হতে ভগৰান পৃথিনীয় কটকম্বলগ সেই সমস্ত রাজাদের উজেদ করেছিলে। এইভাবে তিনি তার তীক্তমার কঠানের জার একুশবার ক্ষরিয়াখের কিনাশ সাধ্য কবেছিলের।"

্বিত্র ব্রহ্মাণ্ডের সমস্ত জীবের প্রতি অহৈতৃকী কুপার প্রভাবে ভববান তার কলেনহ মহারাক ইক্তক্র বংশে অন্তরনা-শক্তি সীতাদেবীর পতিকাপে আবির্ভূত स्राहितन। ऐस्र निष्टा प्रशासक वन्त्रत्यतं चाकानुमास তিনি তাৰ পৰী এবং কমিল বাতাসহ বনে পমন করেছিলেন এক দীর্ঘকাল সেবানে কাবাস করেছিলেন। কতাত্ত পভিশালী কামুও রাকা তার প্রতি মহা অপরাধ च्यांका अवः जार करन कारम का विनामधाश स्थाकिन। প্রক্রেশ্বর ভাগতন জীলামচন্ত্র, তার প্রিয়তক সীহরা বিশ্বহ বাধিত হয়ে (ফ্রিপুর পশ্ধ করতে ইঞ্জে) মহাদেকে মতে। ক্রোধে আরম্ভিয় নয়নে রাবপের নগরী সন্থার প্রতি দৃষ্টিপাত কর্মোছনের। তথ্য সমূদ্র ভরে কম্পমান হরে উত্তে পথ প্ৰসান করেছিলেন, কেনল তার আশীয়-বজন, জনচর মবর, সর্গ, কুমীর প্রভৃতি ভগবানের ফ্রোধারির ভাগে গাছ হাজিল। বাবের কথা কৃষ্ণ করাজিল ভালে তার ব্যৱস্থানে সমে সংঘর্ষ হওয়ার কলে কেবরক ইন্দের ব্যক্তর ঐর্যান্ড হর্তীর সন্তর্গাক্তি ভাই হর্মেছল এবং ওয়ানে ভপ্ন অংশসমূহ ইভন্তত বিশ্বির হওরার দিকসমূহ আলোকিত হরোজন, রাকা ভক্তা হয়ে শবিদ্য ধর্বে গর্বিত হুৱে উভয় পক্ষের সৈত্ত্বের মধ্যে মট্টিয়ালা করতে কলতে কিবেশ কর্মেইজ। কিছু শ্রীরমেচন্দ্র সেই পরব্রী চরপকারী রাবণের সেই হাসাকে ওার ক্রকের টকার প্রত্যুত্ত প্রামের সালে বিনাপ করেছিলেন।"

"পথিবী কান অসুরস্করাণ নপতিয়ের কৈনাগনুহৈন খার ভারত্রেন্ড হয়েছিল, তথ্য সে ভার অপনোদনের ভাল ভাৰতা জৈব অপেন্ত আহিণ্ডত হল। সুন্দৰ কৃষ্ণবৰ্ণ কেন্দ্ৰামূল্ ভগ্লা ভার কালিকাণে আবিওঁত হয়ে অনৌতিক কর্মকলাপ সম্পাদম করার সাধ্যমে তার অপ্রাক্ত অহিন্য বিভাগ করেন। তাই মহিমা কেউই যদাৰখভাবে অনুসাম কংতে পাৰে না প্ৰিকৃষ্ণ বে প্রয়েশ্বর ভগবান সে সম্বন্ধে কোন সন্দেহ দেই। মাত্রক্রেডভিত শৃত্র শিশুক্রণে বিশক্ষ শরীরা পূতনা র্ফেসীর প্রাণধন, ডিনেমসের লিও ক্ষবন্ধার পদাবাতে ৰকট ভঞ্জন, হাজাথনি দিয়ে গ্ৰহণ্যক পদৰাপৰী অতি উচ্চ কার্য্যনবৃক্ষযুগনের কভাবারে প্রবেশ করে ভায়ের উৎপাটন, এই সমাভ কার্য পরাং ভাগানে ছাড়া আর কার পক্ষে সময় । মধন পোপ বালাকের এবং আনেই পভাটা ব্যনার বিষ্যাক্ত থকা পান করেছিল, ভাগনান (তাঁর বালা) অবস্থার) উল্লি ভূপাপুর্ব দৃষ্টিপাতের বার্য ভাষের পুনরাক্ষীবিত করেছিলে। বসুনার খলকে বিগত করার ক্ষার ভাতে ক্ষাল নিয়ে ডিনি খেলার ছলে বিকের ভরম **উम्बीद्धनकारी कानीय साधाक वर्क गान कार्यक्**रिका। লংঘেপট কাবল কটীত পে এইটকার অসভৰ কার্য সম্পাদন কান্তে পারে ৷ কানীয় মাগুকে ৭৩ বান করে পর সেই করেই কল ক্রমবাসীরা নিশ্চিতে নিয়া কর ছিলেন, তথ্য কৰু পাতা খেকে বলৈ মাৰনল প্ৰথমিত क्षवाद बना बक्रकारीत्मक क्रीका मर्बड वटन केंद्रक ছপথান কানেকার কেবলখার তাঁর চকু নিয়ীলন করার श्रीशास केरका अच्छा करहिएका। अकरेर कर्तिकिक क्रभवराम् कार्यकश्चना"

"গোপরসদী (জীক্ষের মাতা বলোনা) কর্মা প্রচর কুমার খানা বীক্ষকে বঙ্কা করার জন্য চেটা করতে লাগলেন, ভাঁতে বছন কৰণা গলে লে সমস্ত মান্দুই স্পর্যাপ্ত বলে প্রতিভাও হয়েছিল। স্ববলেধে হতেও হয়ে নেই প্রয়ান জাগ করণে জীকুম বীরে বীরে জ্বান করের स्ता क्षेत्र कृष बालक अरुत्रविशामः छत्तर सेता व्ह केत মুখ্যে ডিডর সংগু মুলাও স্থান করে মনে মনে আপ্তিক করে উঠকেও জার পুরের বোপসভার প্রকাবে তিনি ভিত্তাৰে আৰম্ভ হয়েছিলেন। শ্ৰীকৃষ্ণ গ্ৰায় নিতা নশ মহানক্ষকে বৰুদ্দাশের তর খেকে কুক্ত কুরেছিলেন, এবং মবদান্তের পুর কবন গোপবাল্কদের পর্যাতের ওহার আটক করে রেপেছিল, তথ্য তিনি তানের রক্ষ করেছিলেন। ফ্রজনাসীয়া কথন সার্যদিন করেনা পরিবাস করার ক্ষান্ত বাজে বাজীর নিজার মধ্য ছতেন, তথ্য শ্রীকৃষ্ণ তাঁলের চিক্ষগতের সর্বোচ্চ ক্রেকে উরীত করে পুরস্ত করতেন। এই সমস্থ কার্বকলাপ আলাক্ত এবং ফা নিঃসংক্ষেত্র জীক্তকর ভাগবড়া প্রয়াণ করে। কুপাব্যনর সোপের। বখন শ্রীকৃষের নির্দেশে ইপ্রের কর।

वस अस्य निराहित्सम, फन्म जार्थानम बस्त निनश्च মনসংখ্যার বৃদ্ধী হতে থাকণো কুশাবন ভেসে রাওমার উপক্রের চুর্যেছিল। একবাসীদের প্রতি তার করিত্তী। ৰূপাৰ প্ৰভাবে জীকুল উপন সাত বছর বরন্ধ বালক সভায় সভাত ব্ৰহ্ম পাত্ৰাব্ৰে ক্ষমা কৰাৰ কৰা পোৰ্থক পর্বক্তকে সাত মিন একটি ফুডার মধ্যে এক হয়তে ধারণ করেছিলেন। ক্ষণবাদ বখন শুল্ল চল্লাকিবৰে উত্তাসিত নিশিতে বৃশাবনের অনে মধুর সমীতের বারা একবেধুদের কামলীতা উন্দৈশিত করে রাসনতা করতে উন্মূল হতেন, তথ্য ধন্যাঃ কৰেৱেৰ অনুচৰ শ্ৰহত নামক মৈতা সেই এজরবর্ণীয়ের হাল করকে এক ভাগকা শ্রীকৃষ্ণ তথ্য ভার थक ध्यंतक प्रकारि (स्थाप करायक) शहार, (अनुक, यक, কেশ্বী, অবিষ্কা, চাপুর, মৃষ্টিকা, কুবলয়ালীভ বজী, কংস্ক হৰন, মংকালুর একং গৌপ্রতের মতো অনুরের। তথা শালের করে মহারথী, মিবিং খানর এবং কবনে, দক্তমা-मरहत्व, भारत, विवृद्ध क्यार अभि त्रयूष हानिक जासाग्य, धार कारकाल, अध्या, कुल, भूतवा धार रककर श्रम् भहात त्याच्याम सम्बद्ध श्रीइतित महार चापन स्वाहत्य, অর্থন, ভীম ইত্যাদি নামে তাঁমই সঙ্গে গ্রহণ করে। এইভাবে নিহত ছঙ্চার কলে এই সমস্ত অস্ত্রের। নিৰ্বিশেষ ৰক্ষৰ্যোতি প্ৰাপ্ত হতে পাণৰা বৈকৃষ্ঠলোকে क्ष्मवादनो चीत्र थाम शास शहर । क्षमञ्जन प्रामासका ব্যবন সন্থতিত বৃদ্ধি এবং আৰু আবুসম্পন্ন হবে, ভাষন ভানের পক্তে বৈশিক আন ভানচন্দ্রম করে কঠিন হবে বলে বিকেন্দ্র করে ঋগবাদ সহারতীর পুত্র (খ্যাসদেখ) যাপে আনির্ভূত হতে বুলের পরিস্থিতি অনুসারে বেদরালী ক্ষবৃক্ষকে বিভিন্ন শাখার বিভঞ্জ করকো। নাতিক चमुरतदा रेक्कि विकारन चठाक रूक हरा, ऋक्किनी মরণদাৰ কর্তৃক নির্মিত মহাকাশবানে হতে প্রণনমার্থে অদৃশ্যভাবে বিচরণ করবে, তথ্য ভালের বোহাজ্য করে জন্য অভ্যক্ত আকৰ্ষণীয় গৃছ মূপে আবিৰ্ভত হয়ে তিনি উপধর্ম প্রচার করবেন।"

"তারপর কলিব্বের শেষে, বনন ভথাকথিত সংখু এবং উচ্চতন তিন বর্ণের সম্ভাত বাতিবের পৃত্তেও ভগনানের কথা আলোচনা হবে না এবং বর্ণন রাষ্ট্রের শাসন-ব্যবস্থা জনসাধারণ তর্তৃক নির্বাচিত খুল অথবা হল্য লেকেও নিশ্নী করের মানুক্ষের হাতে নাক হরে, এবং কলে খাহা, খবা, বৰট ইজাদি বৈদিক মগ্ৰ আৰু শোনা লাব না, তখন ভগকন পরত বঙ্গাডারবেগ **আ**বিঠত इरबार प्रष्टित क्षात्र**क क्ष**श्रमा, चामि (बका) काः প্রালাভাতিগাপ: তারাপার স্থিতি সমারে জীবিছা, নির্মাণার প্ৰমতা সময়িত দেবতাগণ কৰা বিভিন্ন কোকের ব্যক্তাগণ্ড बक्द मरहायकारण कंपर्व, क्य, क्ष्यर क्रांवी नाडिक কুতানি এরা সকলেই বহু শক্তিধারী ভগবানের শক্তিপ নিভিত্র প্রতিনিধি। শ্রীনিকুর পরাক্রম কে সম্পূর্ণকরে। করি করতে গারে? তেনে বৈজ্ঞানিক রক্ষাণ্ডের সমস্ত গুরুষ্ণ প্রণা করে **শ্বকতে** প্ররো, কিছ ভার প্রকর विकास वीर्य अनुसा कहा जारूप मता। (क्ष्म्यता किनि कैस রিবিক্রম অবভাবে এই রক্ষাতের সর্বোচ্চ লোক সভালোকেরও উবর্গ প্রকৃতির তিন ওপের সাম্য ওবল পর্যন্ত তার পদ বিক্ষেপ করেছিলেন, এবং তার করে সমন্ত ব্ৰহ্মাণ্ড কম্পানন হয়েছিল। অনুষ্ঠি বা জোমার অগ্ৰন্থ মুনিগণ্ড সৰ্বশক্তিমাৰ প্ৰয়েশই ভগৰানকৈ পূর্বরূপে জানতে পারি না, সুফরাং আমাধ্যে পরে বালের বাম হয়েছে ভারা কিডাবে ভাকে কামবেং ভগবানের প্রথম অনভার শেষ সহলে কানে তার ওপাবলী নিকর। রান করেও এখনও পর্যন্ত ভার সীমা পাননি। বানা নিক্সটে পর্যেশ্য ভদকনের শালগত হারেছেন, তারা चनवास्त्रत विरूप कृतात शकात पृक्षत भव-नवृत छेठीर्ग ইতে পাত্রের এবং ভালনাকে জনতে পাবেন। কিন্তু দারা ক্ষুত্র শ্বামনের কক্ষা এটা মান্ত দেহটির প্রতি জানত, ভারা কথনেটে তা পারে না।"

"বে মারণ, যদিও ভগবানের শক্তি অজের এবং অপরিমের, তথানি উরে শ্রনগত হওয়ার ফলে আননা কানি কিভাবে তিনি তার ব্যোগমায়ার দারা কার্য করেন। এইভাবে ভগবানের শক্তি ভূমি, ভগবান শিব, দৈতারেট প্রমুখ, স্বায়ন্ত্রই মানু, উরঙ্গ পারী শতরাপা, মানু-স্বানন তিবান্ত, উল্লেখন, অনুনতি, কেন্তুতি, প্রসৃতি, প্রতীনবাহী, শতু, বেনের লিভা আস, মহারাজ গ্রন, ইন্থান, এল, ক্রিপুণ, মহারাজ জনক, বামি, রপু, অন্বরীদ, সগর, গর, নাক্র, মান্তাতা, অনুর্ক, শতবানু, অনু, রভিনের, তীভ, বলি, স্বান্ত, দিলীল, সৌভবি, উভঙ্ক, পিবি, ক্রেম্পুল, ব্যান্ত, স্বান্ত, বিভিন্ন, দিলীল, সৌভবি, উভঙ্ক, পিবি, ক্রেম্পুল,

পিঃলাদ, সারগ্রত্ত, উভব, পরাদার, স্থারিবেশ, বিতীবশ, হনুমান, গুকারের সোহামী, অর্ন্স, অরিষ্টানেন, বিমুর্ শ্রুতদের ইত্যাদি ব্যক্তির অবগত আছেন। গুরু ভর্কের শরণাগত হ'ওয়ার কলে এবং ভত্তি জোগে তালের পশাৰ অনুসরণ করার কলে জী, দুল, বুণ, শবর আহি গদেঞ্জীবীয়াও ব্যন্তি গ্র-গাধিরা পূর্বন্ত ভগবভাগ-বিজ্ঞান অবণত হয়ে মারার মোহময় করন থেকে মুক্ত হতে পারে ৷ কল-উপলভি শোকরতিত অসীম আনক্ষে পূর্ব হা করপাই পরম পুরুষ ভদবঢ়েনর পরম পদ। তিনি নিতা জেভবন্তিত এবং অভার। তিনি জঙ গদার্থের বিপরীত পূর্ণ চেতলামর। নির্মাণ এবং ভেগরহিত তিনি সময়ে করেণ এবং কার্বের পরত্র কারণ। উন্নে সক্ষে कर्रात किम्हरना क्या चन्छ। एन्ड धरताचन दश मा, धनर যায় তাঁর সাধনে কবছার করতে পারে মা। এইপ্রকর অপ্রাক্ত অবস্থার, জানী অথবা খোগীদের মতো, কৃত্রিমভাবে করেক সংকর কলাই, মনোমর্মপ্রসূত ক্রকর্মা-क्यानी करान प्रथम शहर करान द्वरताकत इस माँ, हिक বেমন বর্ণার নিজ্ঞালকারী দেবরাক ইপ্রতে কাম পাওয়ার ভানা কথ কৰন কৰার কট্ট কমতে হয় বছ। বা কিছু ফলনার লে সবেরই পরম প্রত হতেল পর্যোক্তর কলবান, ক্ষেমা কর বংখা চিত্রর অভিবে ক্ষীরে সমস্ত কর্বের কল ডিনিই প্রদান করেন। তাই ডিনি ইঞ্ছেন পরম শ্বলকারী। প্রতিটি শ্বীবই জন্মরহিত, ভাই লেহের चकारत विशेषकान संबंध मत्या धार्चात या बीत्या অবিদ্য ক্ষত লেহের বিনাপের পরেও বর্তমান আকে।"

"হে গুত্র, আমি ভোমাতে সংক্রেণ লহমেশ্র ভাগানের ওছ কর্না করলাম, বিনি হজেন এই প্রকাশিত ভাগতের প্রায়। সেই প্রক্রেশ্বর ভাগান হরি নিলা এই ব্যক্ত এবং অব্যক্ত কগতের আর অন্য ক্ষেম করেন নেই। হে মারগ, এই ওগবেরভ-বিজ্ঞান, শ্রীমন্ত্রাগবত পরমেশ্বর ভাগানে সংক্রেশ আমাকে ক্যেছিলেন। এই ওগবতত্ত্ব-বিজ্ঞান হলের উন্নে বিভিন্ন শক্তির সমন্বরের কর্ননা। ভূমি এই বিজ্ঞান সম্ভাশরিত কর। নির্দ্ধা সহক্রেশে এই ভগবতত্ত্ব ভূমি কর্মন কর বাবে মানুর সমস্ক জীবেন পর্মানা এবং সমস্ক শক্তির পর্য উৎস্, পর্যমন্থর ভগবান শ্রীহ্বির প্রতি কর্মকৃত তক্তি লাক ক্ষান্তে করে।

ভগবানের বিভিন্ন শক্তির সংক্ষা সম্পর্কিত উপবানের সমকানে তা করা হলে জীন কখলোই মানার ভাষা যোগত কাইফলাপ, তার শিকা অনুসারে কীর্তন, অভিনন্দন এবং প্রবৰ করা উচিত। নিয়মিত ভাবে ভক্তি ও ক্রম



অন্তম অধ্যায়

মহারাজ পরীক্ষিতের প্রশ্ন

মহারাজ পরীকিং ওক্ষেব কোলামীকে ভিজাসা কালেন—"হে প্রকল, ক্রকা কর্তৃক উপনিট হার দেবজন नहरू पर्णान विलिष्ठ वीनासमञ्जन (क्षेत्रनकाद्य क्षावर कादरत লাহে প্রাকৃত করাহিত নীজনবানের অপ্রাকৃত করকাট वर्षना कदावित्तवर ह"

হাজা বাদদেন—"খামি ঋণুৰ্ব শক্তিকান গ্ৰীহাইর কণ্ড अन्य कत्रहरू देखुक, वा ममस मारक्य ममस कीरता পঁজে কল্যাক্ষর i"

"हर महासामाञ्चल ककरणव त्यानामी, गढा करत আপনি আঁময়াগৰতের কথা কর্মনু করতে থাকুল হাতে আনি আড় ওপ কেকে সম্পূৰ্তিকে মৃক্ত ধনে সামাৰ करक नत्रमासात, नत्रक्षत्र छवदाव वीरेन्टक मिरवनिश করে আমার কলেবর পরিত্যাগ করতে গারি। বারা দিরনিপ্তভাবে প্রকাশর্কক প্রীমন্তাগরত প্রকা করেন, তামের संबद्ध अंतरमात् समयम श्रीकृषा चिरते श्रवानिक स्व । গরমাধা, পরমেশা ভাগান প্রাকৃত্যে শব্যালী অবভাগ (অর্থাৎ বীমন্ত্রগবত) শরাল নিছ শক্তের ভারে প্রবেশ করে ভাররণ কমন্যসনে অধিকিত হয় এবং কমে, ক্লেম্ লোভ আদি প্ৰকৃষ্ণাগতিক জাসভি প্ৰসৃত সহতু

ক্রেশ্বর পথ কমপের পর পৃত্তে প্রভাবর্তন করে প্রিষ্ঠ সম্পূৰ্বভাগে ভাগে হয়।"

"CE निवान जानार। क्रिया आचा कवा १४६ १५८७ ভিত্র। শ্রীধ কি কোন কারণের বলবতী হলে নাকি খালচেকে আৰুশ্বিক দেই প্ৰাপ্ত ইয়াং আপৰি ভা बाइन, जारे वांगनि शाः करा बाबारक छ। काम। यीत উদর ছেকে পথ নাল প্রানুষ্ঠত হরেছে সেই প্রয়েখন ওগবান কৰি ভার কথতা কৰে শরিমিত অনুসারে বিরাট শ্রীরবৃক্ত কর্ ভাহলে তাঁর সেই শ্রীর এক স্যথমাণ খীরের শহিত্রের মধ্যে গার্থক্য কোন্সর ? হাঁর জন্ম কোন জড় উৎস থেকে হরনি, গজান্তরে ভগবাদের নাম্ভি বেকে উত্তপ্ত কমল খেলে হলেহে এবং সেই সূত্রে হিনি ক্ষানহিত, সেই ক্ষা কড় ক্ষাড়ের সমস্ত প্রাণীসমূহের নাম। ভাগৰদের কৃশার শেই রাজা তাঁকে করতে সকল হরেছিল। ভূগা করে আগনি সেই প্রমেশর ভগবানের কথা বলুস মিনি পরসামারকাশে সকলের কারে বিরাজ করেন কবং বিনি সমক পৃথিয় উপদ্ধ ইলেও বহিনাল মালাভি বাঁকে পাৰ্ল করতে পারে না^ল

"रह विदान आचन्, नृहर्व निरक्षयन कहा शरहरह *हो* মলিনগাকে বিশ্বিত কৰে, ঠিক দেবৰ শৰৎ কতুত মন্দাণেই সমস্ত গ্ৰহশোক ভাবের পালকগণসহ বির্টি আগমনে কাহেও জলাশধ্যের মধিনেয়া সম্পূর্ণভাবে কিন্তি। পুরুষো বিরাট পরীরের বিভিন্ন অংগ অবস্থিত। আমি হয়ে বার। ভগবন্ধবিদ প্রভাবে গাঁচ বালা নির্মণ প্রয়াছ, এও ওলেকি যে বিভিন্ন ফুবন হতে বিপ্লাই পুরুষের বিরুট ভগৰানের সেই ভক্ত কবানোই উপস্থাধ গ্রীকৃতিনার পরীয়। কিছু তালের প্রকৃত ছিতি কিং দলা করে আপনি ঠীখালগুৰেন করবার পরিভাগে করেন বা। কেনের কি তা বিক্লেক করবেনং নয়া করে আগনি সৃষ্টি এবং সেখানে তিনি পরত্র কৃত্তি লাভ করেন, ঠিক হেনার তীর্ব । প্রদানের **অন্তর্বতী কাল (কল), গৌণ সৃষ্টি (নিকল)** এবং

कारील, वर्टमान क्षेत्र करिकार करका वाल मुक्ति कार्कर नातुमगुद्ध निर्देश कि, क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार की প্ৰকৃতি সকলে হিলেকৰ ককনঃ মেৰতা, আনুধ ইতানি মান্তে পতিচিত বিভিন্ন প্রচলেকেন বিভিন্ন জীপের আছুত কাল এবং পরিমিতি সমকেও বিদ্যারণ করন।"

বহুত পরিমিতির কারণ এবং ক্ষর্ম অনুসারে কালেত क्रिकारक महत्त हुई, हा कर्मना कंक्स । क्रिकारक दिख्यि ওপ থেকে উৎপন্ন কলের এবং স্কীবের বাসনা অনুসায়ে নীৰ নেৰতা থেকে অত্যন্ত নদশ্য প্ৰাৰ্থী পৰ্বন্ত উঠীত হয় খাবল ভাষাপতিত হয়, সেই সম্বন্ধেত খাপনি দরা করে -বিহোকৰ কৰুন।"

হীপু এক সেই সমস্ত হালে যে সমস্ত প্রশীরা বাদ করে। আমি জাগুনার শারণাগত, আপনি আমানে মে সমস্কে ভাষের উৎপত্তি কিভাবে হয়। পান্ত ও অভ্যক্তর ভোষে। পুন্ধিমে প্রথম করুন। ছে মহর্বি। আনুধেনি ব্রন্তর এই প্রস্কাণ্ডের পরিমাণ্ড, মহাত্মাদের চারিত্র এবং যে তে সাংখ্যা আপনিই একমার এই কিলাসিত বিবস্তু সমুহের দক্ষণ ও স্কাৰ অনুসভাৰ কৰিও আনামৰ্থ নিটিউ হয়, ভন্তবেছা। এই আগতে অন্যান্য সকলে পূৰ্ববাতী ভাও কুপা করে করে। বিভিন্ন কুদ, ভালের পরিশার, জানীনাধের আচরিত বিবরেবই জনুসর্গ করেন। এই মুগধর্মসমূহ এবং পর্যাদেশ্য ভাগান প্রীহরির মুগদকার্যার প্রাথাণ। বেছেছু আবি জাননরে বাণী-সমূত্র যেকে অতি আন্দৰ্য কাৰ্যকল্পন আন্দৰ্ম কুণা কলে কৰ্মন ক্ষমন क्या करत क्षेत्र क्यार व्ह भागर महारकत माधारण धर्म कि. वर्ध चानकाराज कि:नव कर्डदा कि. कांग्रम धर्म कि. शासविद्यात वर्ष कि. वाक्ष विश्वभाषा प्रानुकामन वर्ष कि? সৃষ্টির শুপুসমূহ এবং ভাবের সংখ্যা, ভাবের করেব এবং তানের লক্ষণ, ভগবভাগ্রির পট্টা এবং অটাম বোগেয় বিধিও অংগনি দল্লা করে বর্ণনা করুব। খহান বোগীবের ঐশ্বর্য কি এফা তাঁলের প্রথম উপলব্ধি কিং নিছ বোগী। কিন্দাৰে তাল সৃদ্ধ শ্ৰমীর খেকে মুক্ত হ্বাং ইতিহাস পুরাণ জানী শাখা সহস্থিত বৈদিক দারাসমূহের প্রকৃত कार कि? मता करत काननि कान बीरका वेंध्यकि क्रिकारन क्षा, क्रिकारक कारणा भागत क्षा अन्य क्रिकारन উদ্বেদ্ধ সংগ্ৰেদ্ধ কৰু। ভগকত্তভিন্ন অনুকৃত্য ও প্রতিকৃত্ विषय कि कि। रेशिक विधि अवर क्षरका जन्मारी

हिस्ट्यंत गाररम्ड विधि कि है नक करते साथि विद्वारण করন ভগবানের সর্বাধে সীনপ্রাপ্ত জীবাদির সৃষ্টি হর কিডাবে, পাবতাঁকের উৎপত্তি হয় কিডাবে, এবং জীবেৰ "_{টো} ছিন্তারেট! করা করো অপনি কালের স্বাস্ট একং বছন এবং হোকেট কালে কি এবং তার স্বরুগে নে কিডাবে অবস্থান কৰে। স্বাভন্ত প্ৰয়োগৰার জগবাদ উল অন্তরকা শক্তির ছারা ঠার লীপা আবাচন করেন, এবং প্রলব্বের সময় তিনি সে সমত ঠার ব্যবিক্স শক্তিতে পরিভাগে করের, এবং ভিনি কেবল সংক্রীরাণে করন্থান করেন। পরফের। ভগরানের প্রতিনিধি যে ক্যামনি, আমি शबद (यस्क चाननाद कराइ (व मंत्रक श्रद करवेहि अवर "হে বিজ্ঞান্তে ! বরা করে আপনি কর্মন করন ভূমি, সে সমস্ত বিজ্ঞা এর করতে পরিনি, কুশাপুর্বক আপনি लालान, विक, स्थातमन, क्रम, मक्तव, नर्बंठ, नरी, मध्यत, क्यायवक्षतक तम भवत विश्वत वर्षना कथन। त्यायक গুৰাইত অনুষ্ঠ প্ৰদেশ্য কৰ্মণতন্ম কথানৃত পান কৰেছি, তাই আমি অনানাজনিত কোন মোটা অনুতৰ কনছি না

সূত গোষামী কোনেদ--"হলুৱাল পৰীক্তিৎ কঠক এইভাবে ভক্তমন্ত্ প্রীকৃত্যের কলা কলতে আমন্ত্রিত হরে ওক্তরের গোখানী জভাত অনেশির হলেন। বহারাজ **এই।কিন্তের প্রশার উত্তরে তিনি সৃষ্টির প্রারতে সর্বপ্রথ**র কুমে ভারতান প্রকারে বে কেলাও ভারণত নামক পুরার বলেছিলের, তা বলতে আরম্ভ কবলেন। সহায়াক नहीं किए हिल्हा नाक्यराना दाई वेक्सरिकारी, अंबर ভাট ভিনি উপযুক্ত ব্যক্তির করে উপযুক্ত প্রশ্ন করেছে अक्ट इटरविस्तान। क्यान्य श्लाचारीक वहाताव পরীক্রিতে। সেই সমস্ত প্রথমের উত্তর প্রধান করার জন্ম নিৰেকে হকুও খনুলেন।"



নবম অধ্যায়

আমল প্রাণ

ভগবানের বাণীর বর্ণনার মাধ্যমে উত্তর

পর্যেশ্বর ভগরদের শক্তির হারা প্রভাবিত না হলে ৫%। আছাৰ ৩% চেডনায় জড় দেহেৰ দলে সম্পৰ্কিত হওয়ার কোনী কর্ম হয় না। সেই সম্পর্ক স্বয়ন্তমের পথন্ট কেন্ত্রে কার্যকলাপ পর্ণন করার মধ্যে। অগবলের বহিরসা শক্তির প্রভাবে মোহাজর হরে জীব নান ক্লপবিশিষ্ট হয়ে প্রকাশ পার, এবং সেই মাহারই গুণসমূহে অভিনিবিট হয়ে 'খামি' ও 'আমান' এই প্রকার অভিযান করে। জীব বখন ভার মহিমাণিত বন্ধান অনুষ্ঠিত হয়ে কলে একে জড়া প্ৰকৃতিৰ অভীত অপ্ৰাঞ্চ खानक डेनरलान कारत कर करत, एकारे बीचरता वरे पृष्ठि काल शहरतह (चाहि अयर क्लंपत) स्था (पर्क प्रूक হরে ভার ওভ মতানে পূর্বমনে অধিষ্ঠিত হয়।"

"হে ব্যাধন। ত্রন্ধার ভক্তিমর নিক্রণট কণালার অভার প্রদান হয়ে পরবেশর ভাগতন তার সম্পর্যে নিজের লাৰত দিব্য জল প্ৰকাশ কল্পজন। বৰ্ম জীবসের পৰিত্র করত এইটি হালে অভীউ লকা। প্রথম ওর এক ইবাতের সর্বনেট কীৰ হওয়া সক্তেও হকা উল कमलानास्तर केंद्र होटक त्यात्रास मा, अवर कड़ क्या र সুমি কথার বিষয়ে তিনি কথা জিল্ল কর্মছিলের তথা তিনি মুখে উঠতে পারেননি কিডানে এই কার্য ওক কর বার। তিনি ব্যাতে পারেননি কেন পছার এই কর্ম সম্পাদন क्षा गा। छिने क्षत व्यवस्थात हिन्ता करहित्यम्, कस्म স্বালের মধ্য থেকে পৃটি অক্সর তিনি দুবর উচ্চারিত হতে **७**मरक (भारतन)। स्मेरे मरमंत्र श्रथम रूपीं चलने वर्सन ব্যোপন অক্ষা (আর্থাৎ ন্ত) এবং বিতীয় বংটি স্পূর্ণ वार्यत तकविरण (चर्यार ए)। (स ताकनः वर्षे छन মকটি নিছিল্ল ত্যাগাঁর একমাত্র হন বলে পরিভাও। নেই শৃষ্টি ভাষে ত্রন্ধা চতার্দিকে সেই প্রের উচ্চায়ণকারীকে অবেষণের চেষ্ট্য করেছিলেন। কিন্তু খন্য কাউকে খানে না পেয়ে তিনি ছিল করেছিলেন যে উল্ল कालामक डेमसिंडे एका, तारे निर्मा कामाख प्रकारतान

শ্ৰীল ওকদেৰ কোশাহী কালেন—"হে বাজন, দিয়ে তপস্য কৰাই সমীচীন। ব্ৰহা এক সহত দিয় বর্ষ তপস্যা করেছিলেন। তিনি আকাশে এই অগ্রাক্ত শক্ষ-জনাত্র প্রবাদ করেন এবং তিনি তা দিয়ে বলে প্রচাদ भद्धक्रियान) चाँरेकार जिनि केंद्र यन चरः रेखितनम्हत्व সংযাত করেছিলেন একং যে ওপন্যা তিনি করেছিলন ভা अब्रह्म कीरका भएक अन्य कार्या निका। औरप्राप्त पिनि সম্ভ তপ্ৰীয়ের মধ্যে শ্রেষ্ঠ তপাৰী বলে দীকৃত ইতেনের। একার ওপদারে অভার টোল ইরে পর্যমেশ্র ভাবদ ভাবে সভত লোকের উধের্ব তার পরম ধার दिक्केरणाक धार्मन कतिरश्रहित्यत्। क्रमशाद्यक स्वरे अञ्चाक्क संग मस्त्रकम एक क्रम अंगर मरमात छह তেকে হল্ড আছন্দিদের হারা প্রিক্ত। স্থাধানের সেই शास देखा । उटमाछ९ तारे, असामि स्थापन সম্বাচনকর প্রভান নেই। সেখানে বহিরসা মারালভিব शकार एका पुरस्त कथा, वारमस्य शकार जिए। यात्रा **मिनाओ श्रांतम कराएँ भारत मा। मूल क्रमर कामून** উভৱেই কোনকেন্স ভেমক্তি না করেই কগবানের পূজা करदन। रेस्क्रियामीएसः वर्तना करतः क्या श्रद्धारः व क्रीहा সকলেই উজ্জ্বল স্থামকর্ণ, উদের নরন পদ্ধ কুলের মতো, কাল লীভকা, থাৰ অতি কমনীয় ও সূত্যার; ওয়ো সকলেই হড়র্ড্র, ছতাত প্রভানালী, মণিবচিত প্রকাতরশৈ সম্পর্কেও ও অভ্যার ভেজারীঃ ভীনের आदा चलकानि श्वाल, देशूर्व न प्रशासन प्रत्य, जनर ভারা অভি দীখিমন কুওল, মুকুট ও যাল্যনবৃহে বিভূমিত। বিদ্যুৎশোভিত নিবিত্ব মেশবালামতিত গুলনমণ্ডল বেয়ন শোভাশালী, তেমনই সেই বৈকৃষ্ঠগাম प्रशासकार विश्वासकार विश्वासकारी शता करा क्रियानकार রমনীদের বিশ্বান্তের মতো উজ্জাল কান্তির বারা শোভিত। নিব্য রূপ সমষ্টিত সম্প্রিদেনী উচ্চ সহচরী নিভতিগণ সহ ভগবালের শ্রীপারপথের প্রেমমারী সেবা করেন। সেই লক্ষ্মীদেবী অসম্পন্ধরে অন্যোগিতা এবং বসতের অন্যাস ব্যবস্থ কর্তৃক আনুসীত হয়ে উন্ন চিন্নতম ভদনানের

পুতিয়া সাম কালে। ব্ৰক্ষা দেবলৈন ৰে নেই বৈপুঠা क्षमानव छन्, शक्षवरि, सश्रमित, मच्चीवरि স্কর্ণাক্তমান ভগবান সেলানে সুনন্দ, নগা, প্রকা, অংগ প্রকৃতি পার্বস্থার স্থাবা পরিস্থেটিত ও প্রেমপুর্বক স্থেতিত হতে বিবাস করখেন। পর্মেশর শুরুবান সেখানে উব ছুত্যদের প্রসাম বিভরণের জন্য উদ্প্রীব। ভীব সালকভাপুর্ণ আকর্মনীর ভ্রাপ অভাব প্রসম্ভাগর। জন শ্বালেশক্ষণ মুন্দ্রপুণ অকণ নয়ন শেভিড, তার মন্ত্রত ভিটালোভিত, কৰ্পে কুণ্ডল, ডিলি চকুৰ্ভুৰ একং উর ক্ষতক্ষ আঁতিই ভূষিও। সেই পর্যোগ্য ভগবান জেই মিছোসাৰ উপৰিষ্ট এবং তিনি চতুং বোড়ণ ও পছ প্রতিক প্রারা পরিবেটিক, এবং স্কন্যান্য সৌণ পরিকর ৰভৈত্যপূৰ্ব ৷ তিনি ভার সীৰ ধানে বনাসং প্ৰভৃত नवरअन्य कनवान। करेकारन न्नेकान नवरप्रवर क्रथरमारक कर्पन करून क्या अवदह कारूप विद्गा रातन এবং দিব্য শ্রের ও আনশে কার নের প্রেমারুবে পূর্ণ হল। তিনি ভানে ভাগবনের শ্রীগানগরে প্রণত হলে। প্রনহংস্থের মার্গ অনুসর্গ করলেই কেবল এই পরম সিছি গাড় হয়। তথান প্রেমবশ কাব্যন সমুষ্ট হিছে উপ্দেশ প্রবাদের যোগা পার প্রকার প্রতি অভার্ড প্রীতিবৃক্ত হরে তাঁব হাত ধরে ঈষৎ করিব হাস সহকরে সুমণুর সভাবণে কাড়ে ওঞ্চ কংগেন ি

প্রম সুন্ধ পরক্ষেত্র ভর্মের ক্রমের কর্তন "হে বেদগৰ্ভ ব্ৰহ্মা। সৃষ্টির ব্যাসনায় তৃত্রি বে দীর্থকান ভূপস্যা করেছ, তাম কলে আমি তোমান হতি কলাড প্ৰসম হৰেছি। কৰ্ণট যোগীয়ে কৰ্ণট আমন সন্থাট বিধনে করতে পাবে বাঃ হে ক্রমাঃ কোনার ফ্রক হোক, ভূমি খামার কাছে অভীয় বহু প্রার্থনা কর। কেনা আমিই একন্যত্র কা প্রদানের কর্তা। মের লাভিয ক্ষন্য সকলে যে পবিশ্রম করে, আমরে র্পনিই তরে হরম কল। সৰ্বলৈচ একং পূৰ্ণতম সক্ষতা হলে আমার ধান ব্যক্তিগতভাবে দর্শন করা, এবং ডেমোর প্রে ডা সরব হমেছে কেনন আমাৰ নিৰ্দেশ অনুসংখ ভূচি প্ৰকা সহকারে কঠোর তগল্যা করেছ। বে নিলালে **র**গা আমান কাৰে অবগত হও বে, সৃতিত প্ৰাৰতে ভূমি কৰন তেমের কর্তনা সমূহত কিংকর্ডনাবিষ্ঠ হারহিলে তথ্ ক্ষমিই তেজাকে তলনা করন নির্দেশ সিয়েরিয়ান। এই

তুশন্যা আনার হাবর প্রাং কামি তপ্যার আয়া। তাই থুনস্যা থানের থেকে অভিন। এই প্রকান উপস্যান কার্য আমি এই বিশ্ব সৃষ্টি কৰি, পালন কৰি এবং সেই শক্তিয় দ্বাবাই আমি তা সংবরণ করি। অতঞ্জ তপসাই হচ্ছে হান্তবিক পরিব।"

इका कर्माम्स—"(इ स्थायाम। श्रम् मिष्ठवातरःश আননি প্রতিটি জীবের সুনরে অবস্থিত এবং ডাই আশনি আপনার অংশতিহন্ত শুরুরে প্রভাবে সকলেরই প্রচেটা সহতে অবসত। হে প্রকৃণ হে সংস্থেও অধি আলনর কাছে প্ৰাৰ্থনা কৰিছ আগনি কৃপা কৰে আমাৰ বাসলা চবিতাৰ ক্ষম। কয় কৰে আপনি আন্যাকে কন্ন, অব্যানার চিশ্বর মার্শ সাম্বেশ্ব আপুনি কিন্তাহ্ব অস্ট্ রাশ পরিচাই করেছেন, বাধিও আপনাম সে রক্তম কেলে জগ हिरे। জানমি বিভাবে আপনার নিভিত্ত শক্তির সময়কের शक्तम महारा करतन, मृष्टि करतन दक्त नामझे करतने। (र प्राव्दः) मञ्जा कर्त्व (त अवन्त विस्तत स्वादात्क मर्नातन्त्र স্থানে অবণত কলে: উপনতের হতো অপনি খাপনার শীর শক্তি স্থানা নিজেকে অগৃত কবেন, এক আপনার সংক্ষা অনুষ্ঠ। ধরা করে আপনি আহাকে করুন য়াড়ে আমি আপনার ছাত শিক্ষিত হবে আপ্রার প্রতিমিধিকশে ক্রীম সৃষ্টির কার্য করতে পানি এবং সেই सकात कार्य कुछ एथाई मराबंध कड शहर वा शहि। (१ शहर दि जान । कह (शका राष्ट्रत मात्र करावर्थ करते, আপনিও সেভাবে আবর সঙ্গে করেছেন (কেন আবি আগনের সময়ক)। বিভিন্ন প্রকার জীক্তে সৃষ্টির ব্যাপানে আমি বৃক্ত হব এবং এইজাবে আমি আপনার সেবার নিবৃক্ত হব। আমি ফিলিয় হব ন, কিছু আমি আগনার কাৰ্ছে প্ৰথম কৰি কেন ভাব কৰে আমি নিজেৰে পরমেশর বলে যনে করে পর্বাহিত না হুই।"

अस्ट्राप्ट्य स्थापन कार्यन कार्य स्थापन ্যে অনুম বলিত স্ভালে জা ভাঙাছ গোপনীয়, এবং আ চক্তি সহতারে উৎমেতি করতে হয়। সেই শহরে আনুবলিক অসসমূহ আমি বিশ্রেকা কর্মে তুমি তা বহ সহকারে প্রহণ কর। আমার সহকিছু, যথা আমার নিভাবন ধৰা আৰম্ভ চিৰম অভিস্ক, কৰ্ম, ওপায়নী এবং ভাৰতলাপ, ইয়েৰ অহিচ্চুকী পুপার প্ৰভাৱে কর্ডৰ উলল্ভির মধ্যমে ভোনার অন্তরে প্রথালিত হেকে:"

হলতের পরেও পরমেশ্বর ভসরন একমার আমি অর্থানী জ্বতন, হে দ্রজ্য। আমান সংক্র সম্পর্কর্যন্তর বলি কোল विकृ कर्पनुर्व करण अर्थीतकाम स्था का करण काल राजन বারকল নেই। ভারে আরো কলা বলে কেনে, যা इतम् यक्ताः अभिविद्यक्षं क्रांतः (द क्षाकः, स्थानः स्थ ৰে মহাজ্বজনমূহ বেচন উচ্চনীত সমস্ত সৃষ্টিতে প্ৰবিষ্ট হুয়েও অত্যবিষ্ট্যকুলে স্বভ্রুলেরে বর্তমান, তেমনাই আমিও ৰাণতে সৰ্বভূতে প্ৰনিষ্ট হওৱা সভ্যেও প্ৰত্যেক বস্তু খোকে পুদক থানি। যে খাতি পরর স্তারেপ আমার অনুসন্ধান করে, অকে ককন্ট তাজক একং পরেকভাবে সর্বস্থানে, भर्रकार्ण क्या मर्रावद्याः क्षे विवास गविश्य कारण হবেঃ হে কথা! ভূমি একার চিতে আমার এই নিভাবের অনুসরণ কর, ভা হলে কভে ও বিকলে কোন্তকম অহমান্ত কোনকে বিচলিত করবে না।"

ব্রতিকাদের পোক্ষরী মহারাজ পরীক্ষিত্ততে কালেন— "পর্মেকা ভগকন বাঁহেবি লোকসমূহের পর্য আধিপত্যে বিত প্রকাশে এইভাবে উপদেশ এদান করে তার সামমে ভক্তদের বিব্য জ্বান্দে ক্রানেকর্তী পরখেরে ভাগরন শ্রীকৃরি चलरिंध दाल नर्रकृष्टात त्मरे तथा क्षेत्र छेटमत्था

"হে ক্রলা। সৃষ্টির পূর্বে প্রয়োজন ভগতেন আহিই । কন্ধাঞ্জলি হয়ে পূর্বপূর্ব কর্মের মতো এই বিভ সৃষ্টি একমান বর্তমান ছিলাম, এবং প্রথম আমি মুখ্য জন্ম কিছু । ভারেছিলেন। একমা প্রমাণতি এবং ধর্মপতি ব্রখ্যা সমস্ত ছিল মা। এফাকি এই সৃষ্টির কারণীভূত শুকৃতি পর্যন্ত জীকো হালা কামনা কবে এবং নিজের প্রয়োচন সাধনের ছিল না। সৃষ্টির পরেও একমার আন্টিই আছি এবং জন্য বিবিপূর্বক বম নিয়মসমূহ অনুষ্ঠান করেছিলেন। ব্রস্থার উত্তর্গধকারী পুরুষের মধ্যে সবচাইতে প্রিয়ন্তর নারণ, বিনি সর্বদা জার সেবায় তৎপর, এবং তার পিতার উপদেশসমূহ সুশীল আচরণ, কিন্তু এবং ইন্দ্রির সংক্ষেত্র বারা গালন করতেন। হে রাজন। মহর্নি এবং ভক্ত বেষ্ট নারদ ঠার নিভাকে অভাক প্রদান করেছিলের ক্রম্ বারেশর বিশ্বর সমস্ত শক্তি সম্বন্ধে জানতে ইঞ্চা করেছিলেন। হে মহারাজ, জালনি এখন আমাকে বে সমন্ত প্ৰথ জিলালা কাজেন, দেবৰি নাবৰ লোকসমূহের প্রশিতামর সাঁয় শিতা প্রকাকে প্রসঙ্গ দেশতে পেরে সেই সমন্ত প্রমাই করেছিলেন। এরেশর পিকা (ক্রনা) তীর্ পুর নারদের প্রতি শ্রেমর হয়ে দশটি লক্ষণ বিশিষ্ট ভাগবড় পুরাণ উপদেশ নিবেছিলেন, যা তিনি স্বরং ভাগবানের কছে (परक्टे क्षत्र स्वाहित्तनः) (र त्रामन्) भवान्भवासस्य দেবর্বি নারদ সরস্বতীর তীরে ভতিবেসে ক্রিত হরে পরন সভা প্রমেশ্বর ভগবানের ধ্যানমধ্য অনভ পঞ্জিসম্পার खामामयदक वीमखानवछ छेनारम निराहितन। एर রাজন্ঃ ভগবানের বিরটি সাগ থেকে রাজাতের প্রকল পেকে ঠার সেই অঞ্চক্ত লাগ অভাইত করখেন। হয়, এবং অন্যান্য যে সমন্ত গুরু আগনি করেছেন শেশসির জ্বিলা আমি পূর্বোক্ত চারটি মেদকো কাব্য মণে বিভারিতভাবে বিভাবৰ করব।"



শ্রীমন্তাগৰত সমস্ত প্রশ্নের উত্তর

প্রীপ ওঞ্জের গোসামী কাল্ডে— "েই বীমন্ত্রাগকত সক্ষণ কর্নিত হয়েছে। সভার ভত্তে (আরাকের) নিওছ द्वनारका देश्नीत, देशनहि, लाकन्धृत्सा विकि एतवान चालाहनात सन्। भूवं सर्वति स्वन्त वस्तावा देवविक

कर्णक नामार कर्मदानना, सक्छत, कनवल्डसमान, धामानत वाता, कथमध सा नाकार विद्यारानत वाता, ভগৰতামে প্ৰব্যান্তন, মুক্তি এবং আন্তৰ-এই দ্ৰটি কৰ্মত বা সংক্ষিত্ত আকাৰে ব্যাখ্যা করে কৰ্মন করেছেন। ব্যেত্রণ উপসাদের সৃষ্টি যথা—শগামহাকুড (থিছি, অণ্ (क्क, अवर, (वाप्त), तल, तन, भंग, तक, न्यूर्ग, इक्. ঞা, লাসিকা, জিল্লা, ত্বক এবং মন-এদের বলা ব্য সূর্য। লার শ্বন্ডা প্রকৃতির ওপের প্রতিক্রিয়াকে বলা হর বিদর্গ। জ্ঞান্তানের সৃষ্ট কল্পসমূহের মর্যাস পাসন হারা বে উৎকর্ব, তাৰ নাম স্থিতি'; তার ভক্তের প্রতি ভগবানের বে অনগ্রহ, এর ন্য়ে 'পোষণ', তার অনুপ্রীত মনুদের জনবদ্ধাসনার নির্দেশ করুপ ধর্মই 'সভার্ম': এই প্রকাশ ভিত্তিতে বে কাৰিখ কৰ্মধাসনা, তাৰ নাম 'উতি '। শ্রীহরির অবভারসমূহের অনুচরিত্র এখা জার ওকদের মানাবিধ উপাধানে "ঈপকথা" বলে উক্ত হতেছে। মহাবিকার কোর্যনিয়ার পর উপাধিস্য ভীবনের যে পরন, তার মার "নিরোধ", মারিক খুল-স্পার্যাপ পরিহার করে ভঙ্ক বক্তবে কবস্থানের নাম "মৃত্যি"। বার বেকে এই क्रमर श्रेक्षभिक देश अवस् गीत (बंदन गृष्टि व मंत्र देश, তিনি পরম প্রকা আ পরমান্তা বলে অভিহিত হন। তিনি আত্ৰহ—তিনি পৰম সভা।"

"বিবিধ ইন্তির সময়িত স্বতম্ন বাজিকে কণা হয় আধ্যান্তিক পুরুব, ইন্দ্রিরসমূহের নিয়ন্ত্রপকারী দেকতাকে বলা হয় আধিদৈবিক পুৰুষ এবং চকুগোলকে দৃষ্ট ব্যক্তিকে খলা হয় আধিটোতিক প্রস। জীবাদার (ইপ্রির) ও ভার অধিষ্ঠাত দেবতা ছবি প্রকলিত ছলেন। উপরোক্ত তিনটি অবস্থা পরস্পরের উপর নির্ভরগীল। একটির অনুপশ্রিতিতে অন্যটির অন্তিত্ব উপলব্ধি করা বার ন্দ। কিন্তু পরমেশব, যিনি সমশ্র আরবের আরব হিসাবে লে সব কটি অবস্থাই দর্শন করেন, তিনি সেওলি থেকে স্বত্তর, এবং তাই তিনি হজেন পর্য আশ্রত। সঙ্গে পদক্রনকারী স্বাচুর অধিষ্ঠাড় দেবতাও প্রকাশিত বিভিন্ন বন্ধান্ত সৃষ্টি করে সেই বিয়ট পুরুষ (মহাবিষ্ণ), কারণ-সমূদ্র থেকে বেরিয়ে এসে প্রতিটি রক্ষাতে প্রকেশ क्यालन क्षेत्र महत्र कतात हैला कर्ड विदा सन (সর্ভোদক) সৃষ্টি করকোন। পর্যাসপুর ভাগবাদ নির্বিশেষ ৰুম এক ভাই স্পষ্টিভাবে ভিনি মা হা পুরুষ। সেই শরস পুঞৰ থেকে উত্তন্ত সেই দিবা জলগাদি তাই নাম ৰলে কথিত। বেহেও ডিনি সেই জলে শরন করেন ডাই ভার নৰে নাব্যৱশ্। মিজের সৃষ্ট সেই কলে ডিমি হাকার হাজার করে বাদ করতে লাগদেন। নিশ্চিতভাবে জেনে वाचा प्रक्रिक (स. मध्यक्ष प्रवा, कर्ध, कान, बस्पव धका धरे শব্দে ভোকা জীব কেবল গুলু কুলার প্রভাবেই কর্তমান,

এবং তিনি উংগল করলে আর তাদের অভিও খার্কে मा। अतरम्बर भूभरात का सार्थ शकानित हर है देखा ৰয়ে বোগনিয়া খেকে উল্ডি ছলেন এবং ভিন্তুর বীর্যকে ম্যাপ্তির হয়ে তিনভাগে বিভক্ত করকেন

"ভাষানে ৰভি কিভাবে অধিকৈ অধিকাৰ এবং অহিচত এই ভিন্তাশে বিভক্ত হয়, ভা আমার কাছে প্রকার কর। মহাবিধন দিবা শবীরের ভালহাকাশ থেকে ইন্দ্রিরশক্তি, মার্মেনির ও দেহেশক্তি উৎপন্ন হল। ভারগর সমজ জীকী শক্তির উৎসক্তরল প্রাণশক্তি উৎপন্ন হল। অজার অন্চরের তেমন ভাষের প্রভার অনুগমন করে, ভেমন্ট জীবদেহের বার্টি প্রশাসমূহ (ইপ্রিরসমূহ) মুখ্য প্রত্যের পান্তি কারা ভালিও হয়। সবং প্রাণ নিশ্চেট হতো नवक बीनरवरबंद वैक्रियात कार्यक्रमानक स्था देव। গ্ৰাপন্তি কৰ্তক জেভিত হৰে বিবট পুৰুৰেই সুধা এবং তুকার উত্তেড হয়, এবং খনন তিনি আহার এবং পান করতে ইজা করেব ভাল তার হব বিকশিত হয়। হব থেকে ভাল প্রকট হয় এবং তাবদর কিছা উৎপদ্ধ হয়। ভারণর নিভিত্র প্রকার স্থাদের উৎপত্তি হয় বাতে জিহা ভাষের আক্ষম করতে পারে। পর্যেশর ভগবাম হথম কৰা কৰতে ইজা করেছিকেন তখন ওঁরে মুখ থেকে বাক পরে তিনি বখন জলে শহন করেছিলন, ডখ্যা এই সমস্ত ক্রিয়া নিক্ত বিল। ভারণার পরম পুরুষ যাক্র প্রাণ কবাৰ ইয়ের করবেন, তথন নানিকা এবং খান-প্রদাস উৎশা হল, এবং জার্লেন্ডর ও গড় প্রকাশিত হল। সেই হলেনঃ এইভাবে সম কিছু বখন অস্কলারে ছিল, জগবান তখন নিজেকে এক জ কিছু তিনি সৃষ্টি করেছিলেন সেই अर किंदू मर्गन कराय देखा कराहिएतः। अर्थन हक्त कालात्कर स्वयस मुर्च, मृष्टिनिकि करा मृत्यु राष्ट्रमभूए मृद किंदू इक्ट शतक्ति। चित्रपत कारता हैका दिक्षिक হবার করে কর্ন, ধাবণ শক্তি, প্রবংগর অধিষ্ঠান্ত মেবতা এক ক্রেন্ডের বর্ত্তসমূহ প্রকট হয়েছে। কবিছৰ সর্ব্রান্তা সমতে জানবার অসম করেছিলেন। কথন কোমলতা, কারিনা, উক্তর, শীতদারা, লবুড়া এবং ওকত্ব ইত্যাদি ভৌতিক কণাৰদী অনুভাগ করার কালনা ব্যৱহিল, কথা ছক, রোমকুণ, মেহের লোম এবং ভাদের নিয়ন্ত্রণকারী

ফেবডারন (বৃক্তসমূহ) উৎপদ্ম হয়েছে। ছবের ভিতরে अरर बाहित्व वाह्य कारधन तरधरण, चात श्रवास স্পর্নানুত্তি প্রবট হয়েছে। ভারণার পরব পুরুষ রখন विविध कर्ष व्यन्तित काल देखा क्टाट, कका चंद्रा क्टाउन, তাবের নিয়ন্ত্রণ করার দক্তি এবং কর্মের কেবলা ইস্র अव्यक्तिक इन, त्रारे महार क्या अवर हाराठा विवद्धारहे उन्ह निर्वतनील कार्यं अवदे हत। एकाना गाँउ निर्वतन করার ইলোক কলে ভার পা প্রকট হয়, এখা ভার পা থেকে পালের অধিতাত লেখতা বিষ্ণু উৎপত্ন হল। তাঁর क्षित्रक क्ष्मुद्रभाग सन्द्रमा रक्ष कर्नुकारकम् छार्ग्य कर्षन्तकर्द्ध कुरू दशः कार्यनंत्र देवपुन मूरभा कता, সন্তান-সন্তাতি উৎপাদনের জন্য ধাবং বর্গের অমৃত আসাদনের কনা ভগজন কমনেশ্রিত প্রথমে করেছেন। সমে হল কেন তিনি সেই সমার কার্যক্ষালে নিখ্য।" এই স্থাননেপ্ৰিয়ের অধিষ্ঠাড় দেব হচ্ছেন প্ৰকাশতি। दिश्वन मृत्यंत शिवत अवर सात व्यक्तिंत्र (क्टब्स फ्लंबाटाव উপস্থের নিচেশাবীন। কারপর ভুক্ত অহাদির অনারাংশ ত্যাগ করতে ইয়া করণে কান্তম মন্ত্রণ কমিইন উৎশ্র হল এবং তারপর পার্-ইত্রিয় ও তার অধিবাড় *কেন্দ্র*। থিত প্ৰথানিত হলেন। পাৰ ইবিছে এবং জ্ঞা বস্তু উভরেরই আরম হছেন মির দেবতা। অরণর যখন छिलि धक नगीत (थरक खना नगीरत संश्रदाव देखा क्तरमार, छन्न नाकि, चनान बाद और कृष्ट्रा अक्नाह्र मृष्टि एरप्रक्षिण। पृष्ट्रां करार कामान सम् क्षेत्रहरूरे कामान হলে নাজি। ধকা তাম আহার এবং পান করার ইয়ের হ্ৰেছিল ডখন কৃষি, যায়, ও নাড়ীসমূহ প্ৰকাশিত बरक्षितः स्त्री असः महत्त्रमप्र पृत्ति क्या भृष्टिन वेच्छ। হখন ঠাব খীচ ফারে ভার্যকলাপ সম্বন্ধে চিক্ত করার हेका हराक्षिण, छन्ना समात (आनंद्र कविकेत्र), अब, हसा, म्हरू अन्य चारिन्यान विश्वतं स्टार्मान। *व्हा*ट्स मत्त्रपाकु, क्या क्षक, धर्म, बहन, तक, तक, स्वता नक, व्यक्ति केश्नात स्टाटम् पाठि, बाग बागर कवि (धटक) करा ক্ষকাশ, প্ৰশ্ন এক বাৰু থেকে প্ৰাণবাহু প্ৰকলিত ন্যাহে। वैश्वित्रमध्य बाक्। श्रृष्ठित शर्मत मरण कुछ, अवर ওপনশৃহ অহৰার থেকে উৎপায়। মন দাৰ্ব প্ৰকার ক্লড়

व्यावस्थान द्वाता कानुष्ठ, सा व्यक्ति भूति व्याभनाम कर्यु दिस्तवन करतकि।"

"বাতএৰ এম (জড় স্থাগতের) আতীত এক দিবা सन्द इरहरू स मृज (धर्फ मृज्युक्त) (मेर्ड संभरक ध्यानि, संध अन्य ध्या (मेटें; कार्रे का यांनी धाधवा विद्याव भाउँकि असर का बाब धारणा (धरण किया। बाक मंदिरकान থেকে ভগবানের যে উপরোক্ত কর্মনা আপনার কাছে ক্ষালাম, আ ভদবানো সদকে অধ্যতি ওছি ভক্তদের ছাল শীকৃত হয়নি। প্রক্রেখন ভগবান তার চিন্দর ব্যাহ त्रभ, बीना, शतिका क्यर रेगिन्सात विवत हरत निरम्हरू এক স্বান্ত রূপে প্রকাশ করেন। যদিও তিনি এই সমস্ত কাৰ্যকলনের দাম কৰনে প্রভাবিত হন না, তথাদি

"হে রাজন্। জেনে রাখুন জে, নমন্ত জীবই তাদের পূৰ্বকৃত কৰা অনুসাৰে প্ৰয়েখৰা ভগবান কৰ্তৃত সৃষ্ট হরেছে। ক্রমা এবং দক্ষ আদি প্রজাপতিদশ, বৈবেশ্বত জ্যু প্ৰমুখ জ্যুগণ, ইন্ত, চাল্ল, কান্দ আদি দেবআগৰ, ভৃত, वाम, विनक्ते चामि वरिगम, निकृतमात्र अवर निकृतमात्रका অধিবাসীগণ, চারদ, গন্ধর্ব, বিধ্যাধর, অসুর, কক, ঝিরব, क्षमंत्रा, न्त्रत्, नार्ग, किष्णुत्रच, ना, चरण, तरकम, निमाठ, মেড, ভৃত, বিনারক, কৃত্বাও, উপ্পান, বেতাল, বাতুবান, बर, भून, नरु, कुछ, मडीमून, नर्वछ, स्वादह धरर समय कीरमपूर, कतापुक, चराक, (बनक, धरार উद्धिक, चार्नि চতুৰিৰ প্ৰাণী, মালচন, ভূচন ও খেচরসমূহ সুখী, অসুখী অথক সুখ সুমান্য নিধা অবস্থায় সমস্ত আঁহ তিনি সৃষ্টি क्रांत्रिक छाएको कृतिकृष्ट कर्म धनुनारत । नव, तरका अंगर करण, शकुकित और विनादि क्षा चानुनाहत हरन, सत अकर सम्बद्धी, और छिन शकाद कींच प्रस्करका हर होछन्। এফনকি একটি তপ প্রকৃতিক অপর সৃটি তংগর সঙ্গে বিবিশ্ব হয়ে পুনার ভিনটি তাপ বিভক্ত হত, এইভাবে প্রতিটি জীব জন্য ওপ সন্তের দার প্রভাবিত হয়ে ভানের অভ্যাস অর্থন করে। প্রমেশ্ব ভূগবান সমগ্র স্কগতের পালনকর্তা রূপে, লৃচির পর বিভিন্ন স্নাপে অবতীর্থ হয়ে অভিজ্ঞান (সূপ এবং গুৰে) শুরা প্রভাবিত হয়, এবং প্রকম কর জীবদের উদ্ধার করেন। ভারণরে কলাতে बन्ता, मनुरकालक सीवनभूद धरार त्यकारमङ स्ट्या नव বৃদ্ধি মনের বিবেচনা করার ক্ষমতাক্রেল। এইভাবে ভগবান ক্ষমবংশ সমগ্র সৃষ্টিকে সংহার করকো, ঠিক পরবেশন ভগবানের বহিবকা জল পৃথিতী আদি ক্ষষ্ট বেমন বায়ু মেধরানিকে উড়িয়ে নিয়ে বায়। মহান্

ত্যব্রমনীরা এইজেনে পরমেশ্বর শুগবানের কার্বকলণ মানা করেন, কিছ ওছ ভক্ত এই সমস্ত রবের অতীত ভগবাদের অধিক মহিমামণ্ডিত দিব্দ কার্বকজন দর্শন কলা উপযুক্ত। এই ক্লড় জগতেৰ সৃষ্টি এক সংহার কংব ওগবাম সারাসবিভাবে যুক্ত হন না। বেলে তার প্রভাক ইবাকেশের বৈ কর্মনা রয়েছে ভা কেবল কর। धक्**टि (व धक्टेर मध, मिटे धारण अंत्रिकेर क**बात करा। क्षाण भएकान गृष्टि अवर मरशासक या शक्तिका वर्गना कता स्टाइटर, का अन्यात अवर्गशहना विशेष निधान। आहे মালতকে সৃষ্টিরও বিবি, বাতে ফ্রকতি নিহিত বাকে /ী

"হে রাজন, যথাসময়ে আমি খ্রুল এবং সুদ্ধা রহণ সহয়ের মার্ল এবং আনের বিশিষ্ট লক্ষাসমূহ করি করে। ক্রিছ এখন আমি আপনার কাছে পাছকলের বিবরে কাৰে, প্ৰবণ কথান। শৌলক খৰি সৃষ্টি সহছে সং কিছ ধ্বৰণ করন্ত পর সৃত পোষামীর কাছে বিদুর সময়ে প্রথ

করলেন, কেনবা সৃত গোহামী ভাঙে পূর্বে উল্লেখ করেছিলেন, কিভাবে বিদুর তার অতি অপবিহার্য আখীয়-ম্বন্ধনের মর্বন করে পুছত্যাগ করেছিলেন ^{শে}

শৌনক পৰি কালেন—"সহা করে আগনি আযাদের वन्त्र, विनुष्ठ अवर देशद्वादात बदश क्रशांच विवदा कि चार्ताक्त एरशक्ति। विनुत कि क्षत्र करर्राष्ट्रमा अवर তম উত্তরে সৈত্রের কি ফলেছিলেন। দলা করে আপনি ब्याबारमा अब च्यान निष्ठा त्यान छैल ब्याबीय-चक्रमहरूत সমে সম্পর্ক বির করেছিকেন, এবং কেন তিনি পুনরার গ্যহে কিয়ে এসেছিলেন। তীর্থ পর্যটন করায় সময় বিদুর कि कराहितान कार्य जाननि खात्रारस्य काम।"

সূত লোগামী উদ্ভৱ নিলেন—"মহাপ্রাঞ্চ পরীক্ষিতের প্ৰবের উভতে মহামূলি জ বলেছিলেন, সেই বিষয়ে আমি আপিনাৰ্টেক গুৰুত কৰে। দিয়া কৰে তা প্ৰবৈশ কর্মন 🏳

ষিতীয় কৰু সমাপ্ত

তৃতীয় স্কন্ধ (সৃষ্টির ছিভি)



বিদুরের প্রশ্ন

क्षिण एकरमय (गांवामी कारहान—"महान छन्वहरू विद्र केंद्र न्द्राहिणानी गृह कार्यपूर्वक वटा श्राह्म कर्द्र सागवर कृशामृष्टि विवि टिम्ट्डिस्ट्रक और श्राह्म कर्द्रिस्ट्रनः गांकराना गृंद्रस कथा जात कि क्यांत बाद्दर असरमात कार्याम मीकृष्क केंद्रस्त महीत कार्य कर्द्राह्मस्त । किनि केंद्रस्त गृहद्व निस्कृत महाने बह्न महाने कर्द्र द्रिशादन श्राह्म कराक्ष्म असर किनि मूर्गाश्ट्रस्त श्रामान मृण्ण्यंत्रद्रम् क्यारहण्य कराक्षित्रनः।"

विण क्रकार (भाषात्रीक प्रशास क्रिकाश क्राह्म्म-"त्मेषात्र अवर क्रक प्रशास विद्वास त्रह्म प्रशासक देवस्य क्रिंग भाषार हरमहिल स्वर छीत्रत प्रथा के व्यापालन स्टाह्म्म रह छक्, नम क्रव व्यापी का व्यापालन स्टाह्म्म क्रवम। वहाका विद्या हित्स क्रमशत्म स्वयम प्रशास क्रव छा स्वर छाई क्रावर क्रमहिं क्रिंग देवसार क्रवा क्रव टक्का हिल व्यापी व्यापाल स्टाहम क्रव टक्का स्वर विकास क्रवमार व्यापालक।

ক্ষীসূত গোসামী বললেন—"বহুবি গুৰুদেব গোন্ধায়ী ছিপেন ক্ষত্যন্ত অভিন্তা এবং মহারাজা পরীক্ষিতের প্রতি তিনি ক্ষত্যন্ত প্রসাম ইয়েছিলেন। রাজা কর্তৃক এইজানে জিজাসিত হয়ে, তিনি তাকে বলেছিগেন, "অনুৱাহ করে। মনোধোণ সহকারে সেই বিধায়ে শ্রমন করন।"

कीन एकएमन (शाचामी कारणन—"ग्राव्या कृठगृष्टि छात करूर भूजएम्द्र नार्श्यम्य प्रतिकार्य कराव शाक्तित कारा एकपिठ एत कर्ल्युविदीन एत नार्क्यम् अवर छात्र करन दम छात निक्दीन कार्क्यम् नार्क्यम्य अवर अवर शास्त्र अविद्र कथ करार केन्य एत्विन। (वयद्रम्य प्राच्या पृथिविद्या प्रशिवित कार्यम्य करात निक्नीक अर्थ (धरक वृज्याद्व छात्र गृज कृत्यम्यक निवादन करति, व्याप द्रिम्मीय द्राव्यक्य छात्र क्याप्टरम्य कृत्यक्य विद्रांक करतिन। क्यांक्रम्य कृतिका कार्य पृथ्वित कार्य प्रतिकार कारायकार नार्विक स्टामित्वन। क्यांक्रम्य विद्रांक महाविद्यक्य। छात्र किनि वदन निर्वादिरम्य। विद्यान महाश्राव्यक्य, छात्र किनि वदन निर्वादिरम्य। विद्रानम्यत्य का (बर्ग्य विद्या बरन विभि वदन क्रिन्न ग्राह्मम्य न्द्रास्त्रक्र अरम्कान किंद्रद्ध (मध्यात सन्द्र आर्थत वर्ड्स एक्ना (आर्थात वर्ड्स एक्ना है केंद्र अध्यानाम कर्डिस । अर्थ्य कर्म कर्डिस सम्बद्ध कर्डिस स्ट्राईस कर्डिस स्ट्राईस अर्थ्य क्रिक स्ट्राईस अर्थ्य क्रिक स्ट्राईस अर्थ्य क्रिक स्ट्राईस अर्थ्य क्रिक्ट स्ट्राईस अर्थ्य क्रिक स्ट्राईस अर्थ्य प्रदिनि। त्राच्य (पृष्ठताहै अर्थ्य प्रदिनि। त्राच्य (पृष्ठताहै अर्थ्य प्रदिनि। विमुत्र स्थम क्रिक स्ट्राईस क्रिक (पृष्ठताहै) कर्यू क्रिक क्रिक स्ट्राईस स्ट्राईस स्ट्राईस क्रिक स्ट्राईस स्ट्राईस स्ट्राईस क्रिक स्ट्राईस स्

বিদুর বলেছিলেল—"আগনার অন্যায়ের কলে দূর্বিবহ যাওনা হে অকাততে সহ্য করছে সেই অভাতনক ৰ্থিভিনের শাল রাজ্যভাগ আগৰি ভাকে ফিরিরে নিন**্** সে ভার কনিষ্ঠ রাজাদের সঙ্গে অংশকা করছে, যাদের মধ্যে ররেছে প্রতিবেশ্বপরারণ জীয়, যে সাপের মধ্যে দীর্ঘনিঃখান জাস করছে। অবল্যই আগনি তার ভরে ভীত। পরমেশর ভগরন নীকৃষ্ণ পুশর পুরধের তার च्यरीमतारभ वीत्रात बराहकूर अवह भृषिवीत नामक प्राथाना क्षेत्रका नत्क बरहरून। कीव गृहर किमि केव পরিবারবর্গ, বনুবংশীয় কলা ও গ্রাজপুত্রসংক্ষ্ বিবাজ कत्रका, केता काराना शाकारमा का करतराहर तथर छिलि হতেন উচ্চের সময়ের প্রভূ। আপনি মৃতিয়ন প্রপক্ষাণ দূর্বোধনকে আপন্যর হিন্তু পুরুত্বলৈ প্রদান করছেন, কিছ সে কৃথাবিদ্ববী এবং বেচেড় আপনি এইভাবে এখনন কৃষ্ণবিধেবীকে পালন করছেন, ভাই আপনি সমঞ মদলজনক ওপাননী হানিয়েছেন। বত পীয় সভব এই লক্ষ্মীকভাকে পরিভাগে করে আগনি সমস্ত কাপের মঙ্গল माध्य कराना ^ल

"বাঁর চরিত্রের ওশাবলী সমস্ত ক্রের ব্যক্তিশব ব্যমানন করেন সেই বিশ্ব ধ্যান এইভাবে ক্লাহিলেন, তথ্য দুর্ঘোকা ক্লোবোলীয়ে হয়ে কল্পিড অধ্যে উদ্ধে অপ্যান করেছিল। দুর্ঘোধন ভবন কর্ম, ভার কনিউ ভ্রাপ্তাগণ ও তার করা শকৃতিসম পরিবৃত বিদা। এই মানীপুরকে এসানে কে ফেকে এনেছে। এ এতই কৃতিল যে, যানের অন্তে পুতি হরেছে, তানেবই বিপক্তর আচরবে প্রকৃত হরে শক্তর সাহযোগের্থ নিযুক্ত হরেছে। একে এখনি প্রাসাম থেকে নির্বাসিত করা হোও এবং তেবল তার শ্বাসমার কেন সে ভার নমে নিরো থেতে পারে।"

"এইডানে কৰ্মকেনী বাবের মতো ডীকু বাকো মুমানত হয়ে বিশুর বারে তাঁর ধনুক রেখে তার বাতার धानाम गतिरुवाण कारणनः। क्रणतरुवा भागत द्याना तरम মনে ৰংগ তিনি ভাতে কিছুমাত্র কথিও চননি। বিদ্যা ভার পুণাকদের প্রভাবে কৌরবদের পুণার্কিত সৌভাগ্য ধার্মান মর্বোছলেন। হাজিনাপুর হুপ্রপ করার পর, তিনি ক্ষণবানের শ্রীপাদপক্ষরতা বা তীর্বস্থানের আশ্রর গ্রহণ করেছিলেন। মে সমস্ত ভীর্যছানে ভাগননের শব্দ সহস্র চিন্মর বিশ্রহ অধিক্তিত, অতি উরত স্তরের পুণা সংক্রের যাসনায় তিনি সেই সমস্ত তীর্থপর্যনৈ করেছিলেন। তিনি অবোধ্যা, ভারকা, মধুরা আমি নিভিন্ন তীর্থস্থানে কেবল শ্রীক্তের কথা স্বরণ করতে করতে একাকী প্রমণ करतिहरूलम्। भूगायस् । निकल्य जनका, गर्यछ, कृतः, নদী, সংক্রমর এবং বে সমস্ত প্রাক্রানে উপজন অনজের বিগ্রহসমূহ মন্দির আগম্বত করে বিরাজমান, সেই সমস্ক क्राप्त रिनि किन्द्रम् क्राप्ट मानामन। धरेजार् सिनि তীর্থপর্যান করেছিগেন। পুথিবী পর্যান করের সমার্চ তিমি ক্ষেত্ৰত গুলনা শ্ৰীহৰিও সম্ভাইবিধানের এড পালন করেছিলেন। উল্লেখনি ছিল পবিত্র ও ফত্র। যদিও তার কেব ছিল অবধ্যতের মতো এবং ভূমি ছিল তার শব্যা, তত্ত্বও পরিব্র তীর্ষে ক্লম করার কলে ডিসি সর্বদা পবিত্র ছিলেন। এইভাবে তিনি তার আগ্রীবক্তনদের অপোচৰ ভিজেন। এইভাবে ভারতমর্যের সমস্ত ভীর্থপাটীন করতে করতে তিনি প্রভাসকেরে এসে উপস্থিত হলেন: সেই সমাৰ বহাতাৰ কৃথিতির জীকুকেনা সহবেতার পথিবীর একছের সমাটকাপে এক সামরিক শক্তির ক্ষরীনে পথিবী শাসুদ ক্ষরিক্রেন। প্রভাসতীর্থে উপস্থিত হতে জিনি ভনতে পেলেন বে, বাঁলের বর্বশেয় কলে উৎপত্ন আওলে বেফা সমস্ত কা বৰ্ড হয়, কেমনি পরস্পরের বিরোধানলে উর সমস্ত স্বধনবর্গ বিনষ্ট

হয়েছে। ভারপর তিনি পশ্চিরবাহিনী সরস্বতী নদীর ব্রভিষ্ণ কমন কমেনে। সরস্বতী নদীর ত্রান্তে এগারোটি তার্থ রেছেছে কথা—(১) ক্রিভ, (২) উপনা, (৬) মনু, (৪) পৃথু, (৫) অতি, (৬) অনিত, (৭) যায়ু, (৮) সুদান, (৯) গো, (১০) ওহ ও (১১) আছাদেখা বিদ্রা সেই সমস্ত ভার্ম কমন করে বলালিনি ধর্মীর অনুষ্ঠান করেছিলেন। এছাড়া মহান কমি ও সেবভারণ কর্তৃক প্রতিষ্ঠিত প্রযোধর ভারতা মহান কমি ও সেবভারণ কর্তৃক প্রতিষ্ঠিত প্রযোধর ভারতা ক্রিক্র ক্রপনামের প্রধান চিক্রসমূহের ছারা অভিত ছিল এবং সেওলি সর্বদাই মানুবতে আদিপুরুর পর্যোধনার ভারতা ক্রিক্র ক্রপা করে। এই সম্ভ

িভারণর সমৃত্যিশালী সৌনাই প্রদেশ, সৌবীর, মংস্য, ব পশ্চিম শুমেনের কুম্মানন নামক প্রকাশয়ত অতিক্রম করে যখন তিনি বসুবার তাঁরে উপনীত হলেন, তথন সেখনে প্রীক্ষের মহান ভক্ত উপ্পের সংগ উন্ন সাক্ষাৎ বর। অরপর তিনি গভীর চেম এবং অনুকৃতি সংকারে শ্ৰীকাৰণা পাৰ্যদ, প্ৰশান্তমূৰ্তি ও বৃহস্পতিৰ প্ৰখ্যাত প্রশিষ্য উদ্ধর্কে আজিলন করলেন। বিদ্রু তারপর छाएक भारत्यका स्थवन अक्टबन गतिकात गतिकारमञ সংবাদ জিয়োসা করলেন। ভগবাদের নাতিপদ্ধরণত রক্ষার অনুরোধে হে সনাতন পুরুষ্কর এই পুথিবীতে অবতীর্ণ হতেত্বের এখা বারা সকলের মনলস্থান করে श्रीधरीत नमृष्टि दृष्टि करतरहरू, देखा (क्षीड्रक-स्तराम) শুরনেচনর গৃহে সক্ষাব্দ আছেন তোপ হে উদ্ধবং কৃত্ৰকুলেয় পথ্ৰ হিভিডী, আমানের ভাগনীপতি বসুদেব ভাগ আছে। তেও তিনি খতার উপর। তার ভরীনের হাতি ভিনি লিডকং কেচগুৱাৰণ এবং তিনি সর্বল উন্ন পত্নীদের পরেরবিধান করেন। যে উপায়। কর্মের সেনানায়ক এবং পূৰ্বকথে বিনি ছিলেন কামাণৰ, সেই প্রদান এখন কেহন আছেন। ক্রমিণী রাজগদের সন্তুষ্টিবিধান করে তাঁলের কুপায় ভগৰান জীক্তার কাছ থেকে তাকে প্রকরণ লার হয়েছিলেন। হে কর। সাহত, বৃদ্ধি, ভোজ ও সালাইদের আবিপতি মহাক্রজ উপ্রশেষ এখন ভাল জন্মে ভোগ তিনি বাছসিংহাস্থের সমন্ত আপা পরিকোগ হয়ে দুরুগণে অবক্রম কর্মেছলেন,

কিন্তু প্রীকৃত্য তাকে পুনরার রাজনিংহাননে অভিডিও করেছিলে। *তে সৌম*্য। সাথ ভাল থাকে ভো? ওঁল রুল ঠিক শ্রীকৃষ্ণের মতো। পূর্বমধ্যে শিবপদ্ধী অধিকার पट्ट कर्डिएक्ट्रकरूप फीड़ सम्ब श्राहरिय अश्र अश्र अश्र और মূত্রে ক্ষুফাহিনী আত্ত্বতী আনেক প্রস্ত অনুষ্ঠানের কলে ষ্ঠাকে উল্ল পুত্রতাপে পাও করেছেন। তে উছব। বৃত্বধান স্থালো আছেন ভো ৷ তিনি অৰ্জনে ভালে ধনুবিধান ৰহস্ম শিক্ষা করেল এবং তিনি ভগবান শ্রীকৃত্যার সেখা ম্বরে ব্যাহীদেশত দূর্ঘত চিম্মর পদ লাভ করেছেন। ব্যবহানৰ অহন ভাগ আছে৷ ভো ং তিনি নিশাল এবং প্রবেশর শ্বনানের প্রণাগত। এক সমর তিনি গণের মধ্যে শ্রীক্ষের পর্যাচিত বর্ণন করে অগ্রাক্ত প্রেমানকে বৈর্যহাক হয়ে সেই পথের বুলোর সুনিয়ে পঠেরিকান। স্পে যেমন ফর্মকিস্তারস্কল অর্থকে প্রকাশ करनन, एकंग्नरे एक्क एकाक्षत्राक्षत्र कन्ना एक्की দেলাভা অধিতির মতো পরখেবর ভগরানকে জার গর্জে ৰাজ্য করেছিলেন। তিনি (দেবকী) ভাগ আছেন তেন **থানিকৰ কুলালে আন্তেন তেন্তে তিনি সমস্ত তাৰ ভাওনের** সমন্ত কৰাৰ পুৰুষকাৰী এবং অভীত কৰা খেতেই উত্তক क्यारवरमा अवर्थक बर्क विरक्ताना कहा হয়। छिनि स्टनव श्चर्यक बना विकास एक्यं युक्त (स. म्हिस) अस्तरत ধারা জীকুককেই তানের অন্তর্গদারতে জেনে চিরকাল कारहे कनुम्बन करतन, हमहे हासीक हारूएक, 🕬 📽 সভাতামাৰ প্ৰ--এবা সকলে তাল আছেন তোং बरावाक वृधिष्ठित वर्ष शक्तिभाषान करत अन्त वर्रात वर्षाना क्षा करह सामान्यमान केसराहत रका है। नुर्स्य पूर्ण्यका মুধিভিরের এতি উর্বার যন্ত হড়িংগ কেননা তিনি (ছার্মান্টর) তাঁকে বাধ্যয়সদৃশ শ্রীকৃত্য ও অর্জুন কর্তৃক मुत्रचित्र विरम्मः। निनि एक्टक्टा श्रमः पूर्वन कन्नरस করতে বিভিন্ন মার্কে খমন করতেন একা বাঁর স্থাবাড় समञ्जा महा कहरड गोर्स्ट मा, स्मेरे महर्गत महारा घराहा ক্রেমেলরারণ, অক্সের ডীয়ে লালীদের প্রতি ভার बैर्चकारमद गाँकड तामभ भविकान कडारक रहार द क्कार्यक वार्यक कार्य काल्ड प्रतिक क्रमते কিবাতকোধারী শিব তার যুদ্ধনৈপূণ্যে সজ্ঞার্ক কাড় करविस्तान अन्तर बहावचीरम्ब सरक्ष क्षां कीर्छियान

গাভীব কুর্যারী সেই অর্জুন শরুদের বিনাশ করে সুখে আছেল তোঁ । বে বমক মতেরত তাঁলের আলানের ধারা সুর্বাক্ত, উরো ভাগ আছেন তেং চক্র যেখন পল্পের যায় কাণ্ড থাকে, ভেমনি উল্লো পুথার পুরুষের যায়া দরক্ষিত। গরুও বেমন বছখারী ইন্দের মূব থেকে অমৃত আহরণ করেন, জানাও তেমনি মুদ্ধে পূর্ণোধনের बाद १९८७ फैर्स्स नाग्रामच्छ क्षमा विनिद्ध निर्द्याहरून। হে উল্লবঃ পথ্য কি এপনও বেঁতে জাছেনঃ ডিন্রি কেবল ভার পিত্তীন প্রাধের জনাই জীবনধারণ कर्राहरलन, का ना रहन व्यविकीत स्वाच्य बन्ध करियन दिमि अकाकी धनुक्यात जहात करन क्रथमिंस क्षत করেছিলেন, সেই রাফমিলের্ড পাণ্ড ব্যতীত ওয়ে পঞ্চে বেঁচে থাকা অসম্ভব কিল।"

"হে নৌদো সে বৃতরাট্ট মৃত প্রভা লাণুট অনাথ সক্রনদের প্রতি বিজ্ঞান্থ আচরণ করে বাভার জ্লোন্ স্করেছে, বিনি উল্লেখ্যমের অনুধতী হলে অয়াকে উল্ল গৃহ থেকে নির্বাসিত করেছেন, যদিও আমি হুছি টার ববার্থ হিত্যকান্তনী, সেই অধ্যাণ্ডিত শুভরাট্রের জন্য আহি অনুশোচনা করি। ভাতে আহি অভর্য হইনি। সকলের অলক্ষ্যে আমি পৃথিবী কর্মণ করেছি। প্রফেশ্বর ভগবাদ শ্রীকৃষ্ণের নরবং দাঁলাসমূহ এই মর্ত্যুলাকে माधारण मानदावर कार्यकमारणात्र मराठा थाना महत्र उत्तर তহি ভা অসের পাকে খেহেজনৰ, কিন্তু আমি ভার কথায় প্রভাবে তার মহিমা উপলব্ধি করতে পেরেছি এবং ভার কলে আমি নৰ্বতোভাৰে সুখী। ধন, কৰ ও বিধা। এই তিন প্রকার গরের বারা উৎপথসামী ছয়ে তে সমস্ত নৃপতিয়া ভাগের প্রবল সাময়িক শক্তি প্রবেশ করে नुधिनीय गुरुष छिरशामन करताह, फाटनत विजान करह পরিবাগত ভারতের দুংখ বৃদ্ধ করতে সমর্থ হয়েও ভারতন ব্ৰীকৃষ্ণ সৰ বৰুত কল্মাধে কল্মাধ্যক কুকুৰের কিবল করেনী। ভাগান ওপাহিত হওয়া সংক্র সূর্বভাষে বিনাশের জন্য আবিওঁত হয়, কর্মান্তিত হওয়া সংস্তেও সকলতে আকর্ষণ করাম জন্য তিনি তার লীলাবিলাস সম্পাদন করেন। কা বা হলে ওপাতীত প্রয়েশর ভগবাৰের এই পৃথিবীতে আগার কি কারণ থাকতে भारत ? ८६ मत्या छाँहै पञ्च करत लाहे अनुनातन्त्र

ৰত। তিনি আন, তৰ্থ ইন্ধাণ্ডের সমান্ত প্রপাণত ভক্ত বলুগের বালে আবিওত হবেছেন।" MINACUA প্রতি তার অহৈত্নী কুপার প্রভাবে তিনি

ছতিয়া নীঠন কর বাঁব মহিমা তীর্থবানসমূহে বীতিত অনতীর্থ হয়েবেন। তাঁছের উল্লেখনটৈ তিনি ভার **স্থা**নস

দ্বিতীয় অধ্যার

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের স্মরণ

মহাভাগতত উদ্ধবকে প্ৰিয়তম (ওগবান শ্ৰীকক্ষ) সংস্থীৰ কথা কাতে অনুবোধ করলেন, তথা ভাকং স্মৃতিজনিভ তীয় উৎকর্তার কলে উদ্ধন ভবক্ষণাৎ উত্তরভাবে আকর হলেন। তিনি বাল্যকালে, গাঁচ কলা কাণে, জীককের দেবার এমনই হয় পাকতেন বে. তার মা তাকে প্রান্তররূপ করার জন্য ভাগলেও তিনি থা চহণ করতে ইলা করতেন হয়। উত্তৰ এইতাৰে ঠান বৈশৰ থেকে নিক্ষা প্রসাধানের সেবা করেছিলেন এক কর্বকোও জান এই দেবাবৃত্তি হ্রাস পায়নিঃ প্রীকৃষ্ণের বার্তা তাঁকে বিশ্বাস্থ করা হলে তংকনাৎ তার ক্ষুসক্ষীর সং কর পারণ ২তেহিল। ক্রাকালের কল উদ্ধাং পূর্ণ বৌদতা কবলকা করণের এবং দীয়ে যের কচল হয়ে ইইল। তীত্ৰ অক্তিযোগে তিনি ভগৰানের শ্রীপাশনৰ স্কাৰণাক্র भग्न जासमान मन्भूनंतर्भ निमन श्रव संदेशन क्या তথ্য হলে হজিলে ডিনি কো গড়ীর খেকে গড়ীরতন আনকে হয় হতেন। জিন পূর্ব ক্সবং গ্রেকলিক विकासमपूर केवरसा मर्गाएम शकान (नाटक स्वराजन) উল্ল ইবং উন্মালিত নেজ্বর খেকে কল্ল করে পড়তে সামস। বিদুর কৃষ্ণতে পায়কোন বে, উত্তৰ প্রবাচ ভাষকং প্রেমদার করে কুতার্থ হরেছে।"

হহাত কক্ত উত্তৰ শীঘ্ৰই ভগবভাৰ থেকে মনুবালেকে বিয়ে এলেন এবং চোন মূহে তাঁঃ পূৰ্ব স্মৃতি আগবিত করে প্রসন্ন চিতে তিনি বিদ্যুক্ত বলতে লংগলেন—"হে প্ৰিচ বিদ্নঃ কৃষণাণ সূৰ্য অঞ্চিত

প্রিল ওঞ্চনের গোলামী বললেল—"বিদুর খবন হওয়ের কাল্যাণ মহাদর্গ আমামের গুড়কে আন করেছে অভ্যান আন্তাৰে কুলা সম্ভাৱ আনি আৰু কি বলৰ। সমস্ত প্রবৃদ্ধানসমূ এই ক্রমত অভার দূর্ভাগ্যশালী এবং থাৰে থেকে অধিক দুৰ্ভাগ্য হলে ক্যুবংগাল সদস্যৰ্থা, কেন্দ্র তীরা শ্রীছবিকে প্রক্রেমর ভগবানরতে চিনতে +Rরেনি, ঠিক যেমন চন্দ্র সমূত্রে ক্ষ÷র সময় মাকের গ্রেকে চিনতে গারেনি। স্বাদকের সকলেই ছিলেন অভিয়া ভক্ত, তারা লোকের চিত্তর কবে জনাম ব্যাপারে অভার एक अवर शालिक हिरमा। जररानिक छाटा जर्वमहि শ্রীক্ষেত্র সংখ প্রীক্তা করতেন, কিছু জা সংবর্ধ তারা কেবল জাঁকে অন্তর্গামীরাংশই কানতেন। ভগবানের ক্যান ধলে বিশ্বান্ত ব্যক্তিকের কত্যে কেন অবস্থাতেই পূর্ণরাপে ভগবালে শাসাগত ব্যক্তিকের বৃতিকট করতে পারে লা। ভগবান শ্রীকৃষ্ণ, বিনি পৃথিবীর সকলের সন্থাৰ উন্ন শাৰত হলত প্ৰকাশ কৰেছিলেই, আৰৱ হারা আবন্যকীয় ভানকর্মা বা কথার কলে ভাকে হলাবৰভাবে ফৰ্ম কৰাও অব্যান্ত ছিল, তিনি শ্ৰীৰ স্বাধাৰ্য সেই সমস্ত ব্যক্তিবের বৃত্তির আসেত্র করেছিলেন। ভগবান এই বাড় কাণতে ঠার যোগমাজাবলৈ আবিও্ড ধ্যমেনে তার নীকার উপনেনী কর নিজ শাবত জগে टिनि अम्बद्धाः। त्यदे मीनाभक्त अस्ति प्रत्यसम् त्यः ভাতে ঐশর্বমনে গবিত সকলের, এমেকি বৈকুচাবিশতি ভগ্রানেরও বিশার উৎলাচন হয়। তাই জীপুরেশ্য চিম্মা त्वर् मध्य कृषाच्य कृष्यक्तनः। दिक्यन्तः मध्य যেবভারা মহাবাজ বুলিভিবের রাজসূত হলে ভববন

क्षीकरकार नरामानक्षका साथ वर्गन करण करे धानुभाग कटर्निहरूक रण, विभाजार बहुना निर्माण दिनरह रण देनभूका दिन, का नम्बारे और बीभूडि जनाता निर्देशमिल श्रास्त्रकः খাল্য, প্রমোদ ও দৃষ্টি বিনিমছের জীলাবিলালের পর टीकुमा क्या क्रम्पूनवीरामा कार्य करतांतरणय, क्या केर्य व्यक्तात संवित्र हरगोहरकतः। कालव मनीमसिरसय महत्र फैरमत क्रिक्ट कीवृद्धका चानुगायी एरवर्षमा, अवर फीएमत ক-ছ কাৰ্য সমাধ্ৰ আ হলেও, তীৱা নিল্ডেটের মতো **चवश्राम करविद्यान**ः"

hib

্রেজন ও জন্ধ উভয় সৃষ্টিরই পরম কপাময় নিয়ন্তা প্রশেক্ত ভগরন ভাল, কিন্তু বভা ঠার দার্থনিষ্ট ভস্ত क्षर बका उक्जित स्वरीन कार्किएन प्रत्य जावर है। তথ্য তিনি মহতবসহ অধিসদুৰ আনিওঁত হন। আমি বৰ্ণ শ্ৰীকৃত্যের কৰা ভিন্ত করি-কাত্যহতিত হওয়া সংখ্য তিনি ক্যাগ্যরে ক্ষরতাত্ত করেছিলেন, স্কার করে তিনি আহুগোপন করে তাঁন লিভার প্রতিমুক্তা থেকে দূরে ব্রক্তে ক্ষস কৰেছিলেন এবং অসীয় শক্তিশালী হওয়া সংখ্যুত তিনি ভারে মধ্বা থেকে পলারন করেছিলেন—এই সমস্ত বিহান্তিকর বাটনা জাগ্রর মনে খেল উৎপন্ন করে। শ্রীকৃষ্ণ কংসের ভয়ে দূরে ব্যক্তর জন্য ওঁরে শিতামাতার চরণ সের করতে অকম হওবার কলে তানের কাছে কমা किया कराविश्या। दिनि वरमहिरामा, "दह प्रावश। दह শিতঃঃ দুৱা করে আপনারা আমাদের আমার ও कारताहरू) सम्बद्धां कार्य कारता ।" धनवाहन्त्र वहें धकात মার সমস্ত আচন্দ্রের স্থান্ত আমার হুমেয়কে রাখানের ক্যাছঃ অর পৃথিবীকে ভাত্মক্রনত করেছিল, ভগবান জীকৃষ্ণ বশ্বমার তীরে ফাড্লিরাপ কৃত্যন্তের খারা তাপের मरशह करतिहरूमा। केंद्र इतनकश्रास्त्र (तम् अध्यक्ति একবার মঞের বিনি কারাণ করেছেন, তিনি কি আর স্থা বিশ্বত হতে পাজেনং আগমি নিয়েও দেখেছেন কিভাবে চেনিয়াল (লিওপাল) কুমাবিয়েখী ইওয়া সংস্কৃত, যোগীয়া সমাক বোপ অনুশীসন করাত হাতাবে তে সিছি বাঞ্চা করেন, সেই সিদ্ধি লাভ করেছিল। ঠার বিরাহ কে সহা করতে পারেঃ ভেমনই অন্য যে স্মর্য যোগ্যা কুক্তকেরের ক্যান্তরে অর্জুনের বাংশঃ আখাতে পবিত্র स्टर्गाहरूका, क्षेत्रुरका बाजानकात प्रचनप्रतात (नाग्र) डेर्ड्य नेवन बादा शत कराउ केंद्र झेंग्छाम

করেছিলেন, তীবাও ভিসনানের ধাম প্রাপ্ত ইয়েছিলেন ভগুকা শ্ৰীকৃষ্ণ ভিনের ক্ষরীষ্ঠে এবং সমস্ত ঐথর্ডের অধিকারী মতম পরম প্রথ। অসংক্ত সোক্তপালের। তানের মতে তার জীলাকলনে স্পর্ণ করে বিবিধ সামগ্রীর शांता केल अस्त अस्त ।"

ेक्ट विनंद, साम्रजिस्हागरम **चारीम উ**धारमास्य गण्यस्य पंचातमा इटड वचन दिनि (बीक्ना), "महावास, महा करत অবধান কৰণৰ" এই বাবে নিবেনন করতেন, সেই কথা শারণ হওয়ার ফলে আমার মতে। ভূতাগের করে:ভরণ কি বাধিত হয় নাং"

"আহা। দটা পুতনা রাক্ষমী শ্রীক্ষের প্রাণ সংহার করার উদ্দেশ্যে কাণকট মিদ্রিত জন পান করিবেও ধারীর বোগা পঠি লাভ করেছিলঃ জীয়া খেকে দ্যাল স্বায় কে অহন যে, আৰি ভার শ্রহণাপর ছবং বিশক্তির অধীধর জীকুকের প্রতি যে অসুরের কৈরীভাষালয় হতে ঠার প্রতি অভিনিবিট চিত্তে ভার্কা (কল্বল) পুর পরবভার ক্ষে চক্ত হল্কে উন্তেভ ভাষের সম্পূৰ্য দৰ্শন করেছিল, সেই অনুরনেরও আমি অধিক ভাগালের বস্তু বলে মনে করি। পরমেশ্বর ভাগরন ঐক্তে পুর্ববীর কল্যাপের জন্য বন্ধা কর্তক প্রার্থিত ছবে, ভোষরাঞ্চের কারাগানে बनुस्पवनची स्वयंकीय नार्क कार्यकृष्ट स्टब्स्ट्रिसन। তারপর, কালের ভারে জীও নিজে কর্তৃক আনীও হারে, নৰ মহারাজের গোচারণভূমিতে তিনি এগার বছত অভ্যাদিত অগ্নির মতে। বলাদেবসহ বাস করেছিলেন। সর্বশক্তিয়ান জগবান উন্ন শৈশকে গোলবালক এবং গো-কংলে পরিকৃত হয়ে পানীকুলের কার্মনী কুমানে মুধরিত ষ্টা ৰুক্তস্ত্ৰা বনুনাতটের উপবনে বিচরণ করতেন। ভগধান কৰু উন্ন কুলালীলা প্ৰদৰ্শন করেছিলেন, ভাৰন छ। रक्तका कुकवानीरमञ्जू भारतेरै अकी सुराधित। स्वयंत्रक जिले दिक अवधि निजन घटका द्वापन करतेहिएका दावर কৰ্মণ ব্যস্ত করেছিলেন এবং ভালে ভালে একটি মুখ निध्र-निका मध्य अचल। भारत मुख्य प्राकी स दुवस्तत চারণ করতে করতে সমস্ত ঐথর্ম ও সৌভাগের আরুর ভগবন ওার কবী রক্তাতেন। এইভাবে তিনি ওার বিশ্বক্ত অন্তর গোপবালকদের উল্লেখিত করতেন। ডোকরক ধনে বর্তক কাষ্ট্রপথারী হয় মাহাবী चतुरसा क्षेत्रकाक राजा कता क्षेत्र विवक स्टाविश.

ক্রিছ ক্রলনের বীলাক্ষলে অবলীলাক্রেমে তাদের হড়াঃ ক্রারেছিলেন, রিক বেচন একটি শিশু ভার পুড়ক ভেড়ে (सरण): कामीत अरर्गत किन्द्र वधन दशुनात **धक फ**रूप বিভাক হলে নিয়েছিল, তথা কুদাধনের অধিবাসীয়া মহা _{মাৰ্শ}ৰায় বিলাক হয়ে পড়োছিলেন। কলনান কৰান সেই লগ্রাক্তক সভগ্ন করে সেখন থেকে নির্বাসিত করেছিলের, ভারণার নদী থেকে উঠে এলে, বসুনার জন তে স্বাভাবিক অবস্থা প্রাপ্ত হতেছে স্বা প্রমাণ করেছ জনা श्चित्र त्राडीरका त्यदे जन गाम कतिरहास्त्रियः। प्रशासक নক্ষেত্র সমৃতিশালী বিভাসমূহ পো-পৃথার ব্যবহার করার বাসদার এবং দেবরাঞ্চ ইপ্রেকে শিক্ষা দেওয়ার উদ্দেশ্যে, গরমেশর ভাগরান প্রীকৃষ্ণ তার পিতাকে উপদেশ

দিলেছিলের অভিনয় প্রাক্তব্যক সাহাতেঃ পো, অর্থাৎ গোচাৰণ ভূমি ও পাত্ৰীদের পূজা অনুষ্ঠান কথার জনা।" "বে সৌন্য বিদৃত। কেবলক ইন্স অপমানিত হওমার करण, कुणकान अकलकारव बाहि वर्षण करतीकरणन अवर ভাগ কলে ভুজকৃতিত অধিকানীয়া ভীনেশভাবে বিশর্যন্ত হরেছিলের, কিন্তু পর্য় দ্বালু খলজন প্রীকৃষ্ণ গোবর্ধন भवेद्यक प्रदास व्यक्तात नातन करात कीलाकिनाटना बात ওঁলের সেই বিপম খেকে ক্লমা করেছিলেন। শরৎকালের পূৰ্ব চল্লের জোহনায় উচ্ছাল যাতে ভগবান জীকৃষ্ণ মনোহর সঙ্গীতের দাস গোলীদের আকৃষ্ট করে রঞ্জী-সমাজের ভ্রমনারণ সুনের্ডিত হরে আলক উপড়োর করেছিকেন ।"



ততীয় অধ্যায়

বৃন্দাবনের বহিরে ভগবানের লীলাবিলাস

শ্ৰীউত্তৰ বলালেন---"ভাৰণৰ জীক্ষা কলােবৰস্থ মপুরাপুরীতে লিয়ে জীলের শিতমোতার আনদ্বিধানের জন্য জনসাধান্তশের সেতা কংসকে তার সিংহাসন খেকে টেনে এনে মহাবলে ভাকে ভূমিতে কেলে হড়া স্বরেছিদেশ। ভার গড় সানীপনি মুনির কাছে থেকে ক্ষেত্ৰ একবার মাত্র শ্রবণ করে ডিমি বিভিন্ন শাখা সমেস্ক সমগ্ৰ কো সুসম্ভৱ করেছিলেন একা জার ওজানেকো প্রার্থন অনুসাত্তে উল্ল পুরক্তে কালোক বেকে বিভিন্ন এমে তাঁকে উপহার বিয়েছিলেন। ব্রজা ভীত্মকের কন্যা ক্লিণীয় সৌদৰ্য ও সেঁভাগ্নে আকৃত হয়ে ব**হ রাজা** এবং রাজপুত্র ওঁচকে বিজহু কররে আন্য স্থাংবর সভার स्मितिक स्टासिका । किन्न वीकृष्क मिरे मध्य सकामन মণ্ডকে প্ৰকেশ করে, গলড় বেভাবে অনুধ কাল নিয়ে निराक्ति, डिक स्मिरेटार्य कांस्तीएक एटम कद्रिक्ति। অবিশ্বনাস্য সাতটি বুবকে কমা করে তিনি ব্রাহাকুমারী बाद्यक्रिकीएक प्रसल्यत विवाद क्राव्यक्त। चनिक स्थायन

কুন্যাবস্থাটিকে কর ক্রেছিলেন, কর্ও নেই ব্যক্তখন্যার পাণিপ্রহাণ অভিনয়নী ঠান মহিতদনীলা উন্ন বিকাজ অন্তধারণ করেছিলেল এবং ভাল কলে উল্লেখ মধ্যে সংখ্যম ক্রেছিল। অন্তর্ণনে কুনজ্জিত ভব্বন জানের স্বল্পে হওর করেছিলেন অথবা আহত করেছিলেন, কিছু ডিনি নিজে অকত ছিলেন। সাধ্যমণ মানুৰ বেভাবে পৰ্যার প্রীতিসাধ্য করে, তেজনই ভার পদ্ধীকে সম্ভাই করম জন্য জীকুল কর্ম কেন্সে পরিকাশ্ত কৃষ হ্রাণ করে निर्देश (ब्रह्मिक्टिका) आर्थि (ब्रम्बाक्य देख स्वत्र नहीत প্রয়োচনার (জৈ ছগুখার কলে), কগুখানের সঙ্গে বৃদ্ধ করনে জন্য ভার সমগ্র সামরিক শক্তিসহ উরু পিছু পিছু ধ্ববিত ব্যৱস্থিত। প্রবিটার পুর ন্যাকাস্থ সমত গানেমধান ভার শরীক্রের ছার্য় প্রায় করতে চেয়েছিল এক সেই কর খতে শ্বশক্ষা তাকে হতা করেব । তার বাঙা তথ্য ভগবাদের কাছে প্রাথমা করেছিলেন, তার কলে ম্ব্ৰুকাৰ্মের রাজা তিনি তার পুরুকে ফিমিরে দেন এবং অধনর তিনি সেই অস্তরে অত্যপ্তে প্রবেশ করেছিলেন। মন্তব্যার কর্তক অপদ্রেষ্ঠা রাম্বরন্যারা আর্থবছ শ্রীহরিকে ম্পন্ন করে, ভংকদাং উঠে দাঁড়িয়ে খতার জনসং, লক্ষা ও অনুবাগযুক্ত দৃষ্টির বারা তাঁকে পতিরতেশ গ্রহণ করেছিলেন। জ্রীকথা তার অন্তরতা শতির প্রভাবে শালা পরে অবস্থিত সেই সাজে রাজকলানের অনুরূপ ভিত্র ছিছ প্ৰকাষ্ট কৰা থাকৰ কৰে, একই নমৰে লাভ বিধিমতে উম্বর বিবহ করেছিলেন। তাঁর অপ্রাক্ত রূপে নিঞ্চেক বিভাৱ করার কল্য ভগবাম উমনের প্রভ্যাকর পার্ড টিক ভার নিমের বাড়ো ওগ্যাপার কান্সলটি পুর উৎনাকর क्राउदिस्ता। कामरुक, अनश्चाक क्राउसके व्यव परन्य স্টেমনে মধুরাপরী অবরোধ করেছিল, তথন ভলতন ভার च्छालय एटक अर्थात यक्षत धना फाल्य का करवली। नच्छ, दिवित, शान, शता, रूपवन स मस्यक स्वापि वर चत्रद्रापन कर्यक्कारक छिलि निरक्ष वद करवन अवर অন্যদের শ্রীবলদের ইত্যাদির দারা বহু করিরেভিলের।"

"হে বিষয়। ভারপয় কুরুকেরের বৃত্তে আগনার বাড়প্রদের গর্জপাতী হতে আগত সেই সমস্ত ক্রজামেরও ভগবান বিনাপ করেছিলের। সেই সমস্ত রাজ্যা এত শক্তিশালী ছিল বে, মুদ্ধক্ষেরে ভাগের পদক্ষেণ পৃথিবী থশিক হয়েছিল। কর্ম কুপোসন গু সৌজনর কৃষ্মানর দুর্যোধন হতনী এবং হতনে হতেছিল। ভার অনুচরবর্গনত লে বঞ্চ ছার উরু হতে ভূমিতে ব্লিকিল, জীপুন্ধ সেইভাবে ভাকে দৰ্ভন করে আক্রিকিভ

কৃতক্ষেত্রের বাজ্যে পর ভগরান বাজছিলেন— " 'মোশ, ভীন্ধ, অর্থা এক ভীমের সহারতার অইমান অক্টেছিনীযুক্ত পৃথিধীয় বিশাল ভার হরণ হরেছে, কিছ জা সংখ্য আমার খেখে উৎপন্ন বনুবংশের মহাভার একনও বৰ্তমান, বা পৃথিবীয় পাকে অভান্ত পুনিবছ হতে পারে। উর্বন সেই যাদবেরা মধুপানে উক্সর হরে আরক্ত লোচনে পরস্পারের সকে কলহে প্রবৃত্ত হবে, ভগন মেই विकार सामा किताना कारण घटन करा करा त्यान উপারে হা সভব বৰ। আমার অধ্যানের পর ভা গট্রের । কণকং প্রীকৃষ্ণ এইভাবে মনে মনে চিগ্র, করে, ধর্মপুত্র বৃধিচিন্নকে জাম নাজে ক্লাপন করে এক লাখুনের

পুরুবাল্যনের যে স্রাণটি মহানীর মাডিমন্য কর্তক তার নতী উত্তর্য়র বর্ডে সংস্থাপিত হয়েছিল, তা গ্রেণপুঞ অধ্বাসার প্রস্নাত্ত দশ্ধ চয়েছিল। কিন্তু প্রবর্তীকালে ভাগরের থা পদরার রক্ষা করেছিলেন। পরমেশ্বর জগবান প্ৰতিক্ষা ধৰ্মপথ্য যদিভিবকৈ দিয়ে ভিনটি অপমেধ খেল मण्यापन कविर्धिक्ताम अवर पदावाण वृथिकित मर्तना পর্যেশ্য ভগবান শ্রীকৃষ্ণের অনুবতী হয়ে, তার কনিষ্ঠ বাডাদের সহায়তার পৃথিধী পালন করে, আনক্ষে কালয়াপন করেছিলেন। তিথা অন্তর্গায়ী ভগবানও সারকাপ্রীতে অবস্থান করে বৈনিক নিজার অনুসারে की बनरात्मन करतः कालक का चलन करत हिरातन । हिन्नी नारक पर्यालय विदर्शन चनुनाता काम अवर देवदारना অবস্থিত ছিলেন। ভগবান শ্রীকক্স ভাঁব স্থিত সহাস্থা चयानाकन, व्यम्प्रप्रमा धर्व वाका, निर्दास हविद्यम् লন্দ্রীদেবীর নিবাসমূলখনণ তার অপ্রকৃত জীবিপ্রচ্ সেখানে বিরাজমান ছিলেন। ভগবান জীক্তা এই পৃথিবীতে এবং অন্যান লোহক (উজতা নিবালোকে) বিশেষ করে যাদবখের সঙ্গে তার দীলাসমূহ উল্ভোগ কর্মেছদেন। সারে অবসর সময়ে তিনি হার লতীবের মৰে সৌহাৰ্দপূৰ্ব দাম্পত্য হেম উপজেপ করেছিলেন। এইভাবে ভগবান বহু বহুত পুনন্ত জীবনে প্রবণ্ড ছিলেন, ভারণর প্রথমে প্রকৃতিত গ্রস্থুসূত্ত কণ্ডস্ক कामरकारभव कीवम श्राटक ध्यवनात शक्त काला वामना छैत **पर्वतरम् अकालिक धरप्रक्रिम**ि

"প্ৰয়েক্ত্ৰক ক্ৰীৰ দৈব কৰ্তৃক নিয়ন্ত্ৰিত এবং ভাৰ ক্ৰে তার ইঞ্জির সুখভোগও সেই দৈকে। জাই ভক্তিব্যেরে ভগকনের সেকা ভরার হাধ্যমে বাঁরা ক্ষাপ্তনের ভক্ত হতে পেরেছেন, জারা খান্টা ক্ষাব্রে পক্ষে ভগবান প্রীকৃষের অপ্রকৃত ইন্সিয়ের কার্যকলাপে প্ৰভা বা প্ৰীতি ছাপ্ন কলা সকল সভ। এক সময় কৰু ও ভোজবংশীয় বাজকুমারেরা খেলা করতে করতে মুনিমের ক্লোধ উৎপাদন করেছিলেন একা ভার কলে, ভগরানের ইক্ষ্য অনুসারে, সেই মুনিকা উল্লেক অভিসান নিবেছিলেন। তার করেক জান পর, এইকৃক্ত কর্তৃক বিমোহিত হয়ে, দেবতাবের ক্ষরভার বৃক্তি, তোকা এবং অভকবংশীরেরা মহা আনশে ভানের রূপে চাড়ে প্রভাস বর্ষ প্রদর্শন করে সুক্রব্যের অন্তর্ভাবনার করেছিলেন। তীর্থে সিরেছিলেন। কিছু যারা ছিলেন ভগবানের নিডা

ভঞ্জ, উরো শ্বারকান্তেই ছিলেন। সেবানে গিলে ভারা সবলে সান করেছিলেন এবং নেই তীয়র্থর জল দিয়ে ক্রিবুরুল, মেবস্তা ও অধিনের সন্তুতিবিধানের ক্রম ভর্নার बरविसम्बन्। फारान्य केला संघर्नेत्रकात्व अन्यनस्य क গান্তীরনে করেছিলেন। ত্রামাণদের কেবল সুপট গাতীই कार कवा करानि, फीएमब चर्नभृष्टी, ब्रक्टक, नवा, क्या, प्रश्रहर्थ, कथान, तथ, दांडि, द्याप्ता, कन्त्र बावर

ল্লাবিকানির্বাহের জন্য পর্বাস্ত ভূমিও লাম করা হয়েছিল। ভারেনর ভারে সেট সমার প্রাক্ষণমের ভানবারকে নির্বেদিত भटात मक्त कारत्वा निरंदान करत. यतक कता कृषि স্পর্শ করে। জানের প্রদান করেছিলেন। সেই সমস্ত राण्यक्ता बाकी अर्थ अक्षणायन बंका कृता आधारम পরিবর্গ জ্ঞানর্প জীবন জগন করেছিলেন 🗀



চতুর্থ অধ্যায়

মৈত্রেয় সমীপে বিদুরের গমন

উদ্ধব বললেন—"তাবপর ঠারা সকলে (বৃক্তি এক: আমি দর্শন করেছিলায়) বদিও তিনি লক্ষ্মীদেখীর (सामकानीयमन) (महि अन्तर्गासम् चनुर्वाद्यक्ताः (सामन সমাপন করে মদিরা পান করেছিলেন। ভার কলে ওঁরে। কর্মছিলেন। জনবান ঠীকুজের ফ্রাঁবিগ্রহ উজ্জ্বল শ্যামধর্ণ সকলে হতভাম হয়ে উপজে মতে পরস্পারের ক্রতি কটুক্তি প্রয়োগ করে পরস্পানের মর্থ স্পর্ণ করেছিলেন। সুর্বের মতো অনশংগ। তাম চতুর্ভন্ত ও বিভিন্ন প্রকার বাঁশের ঘর্বশেষ্ট ফলে ফেনে বিনাপ সংঘটিত হয়, তেমনই সূর্ব অন্ধনত হলে সুরাপানে উদের সকলের চিন্ত বিকৃত ষ্ট্রেছিল এবং তাঁলের বিনাপ স্থানে ইতেছিল। পর্যোগর ভব্বান প্রীকৃষ্ণ উল্ল অন্তরমা শক্তির প্রভাবে (ভার বংশের) গতি ঘর্শন করে সরস্বতী নদীর ভীরে বিয়েছিকেন প্রবং আচমন করে একটি বুকের মূলে **छैनरमाथ बरदिहरून। क्रमताम परमागरका मृश्य मुक्ती** হরণ করেন। ভাই, ভার হীর বলে কংস্পাধন করব ইজা করে, তিনি পুরেই আমাধে কার্নিকা আমানে বেকে निर्देश विद्यविद्यामा"

°হে শুক্তসমনকারী বিদুর† তাঁর বদুবংশ কাংসের অভিগ্রার ক্ষরণত হওরা সংক্রে, গ্রভুর শ্রীপাদপার ফর্নন-विराहरूक पुरुष महान चामप्रथ हरत, कावि क्षेत्र कम्भूतमन করেছিল্যের এইভাবে ভারে অনুসরণ করে, জারার সংবাদক এবং প্রভু ভগবান শ্রীকৃতকে সর্বাচী নদীর তীরে প্রতীয় চিন্তার মধ্য হরে, এতাকী উপনিষ্ট অবস্থার আন্তর্ভাগ, তবুর তিনি নিরামারভাবে বেশানে বিরাধ এবং ব্যক্তিবানশময়। তার নেক্রের প্রশান্ত এবং প্রভাত লক্ষ্য এবং নীতক কৌলের ব্যক্তর মারা অন্তি তৎক্ষণাৎ চিনতে পেরেমিলার বে, ডিনিই হলেন পরমেশর উপরান প্রীকৃষ্ণ। তিনি একটি নবীন অবাধ বক্ষে প্রথমের রেখে, বাহ উক্ত উপরে দক্ষিণ পাদপর স্থানন করে উপরিষ্ট ছিলে। যদিও তিনি কঠেবছা দুংসুৰ ভাগে কৰেছিলেন, তবুও তাতে জানসপূর্ণ বলে মনে ছারছিল। তথন ককাৰেপায়ন বেমবায়েনর স্কাৎ ও সাধা মহাভাগেবত दिवास वर्षि विकृतस शरीन कराव करात बरुवाजार সেশানে এনে উপস্থিত ইলেন 🖰

"জীতগধানে প্রতি অত্যন্ত অনুবস্ত মৈরের মুনি প্ৰসত চিটে ভগৰানের কথা কৰা করচিলের। তথন প্রভার তার মন্তক অবনত হতেছিল। ভগবং কথা প্রথণস্বাহন সেই মুনির স্পাধন ভাগনে তুরুক অনুরাগ ও হাস্যুবক্ত দৃষ্টির করা কামার জান্তি অপ্নেক্ষা করে কাতে লাগদেন-তে কা! প্রাকানে কান খট কা अवर धमाना (वेवराता इच्चारका मुहिनाई विज्ञातन करा বলা করেছিলেন, শুকা তুরি আদার সল লাভের বাসনা ভবেছিলে। তোমার অভারে জবছান করে ভোমার মনের নেই বাসনা আমি জানতে পেরেছিলান। জনানের জন্য যদিও আ দুআপা, বিশ্ব আমি ভোমাকে আ দান করেছি। হে সংখা। ভোমার সমক জামো মথো কটমান জাইছ চর্ম জন্ম, কেন্দ্রা ভূমি এই জামা মথো কটমান জাইছ চর্ম জন্ম, কেন্দ্রা ভূমি এই জামা মথো কটমান জাইছ করেছ। একা ভূমি এই মউলোক পরিভাগ করে আমার দিয়া হাম বৈকুকে গ্রমন করতে পার। ভোমার ঐতহারিক ভভিনা প্রভাবে সৌভাগারেশ্যে এই নির্ভাগ স্থাকে ভূমি আমার কর্মন করতে করলে। হে উদ্ধান প্রক্রাকে পার ক্ষেত্র, সৃত্তির প্রারহে আমার নাভিপত্তে অব্যাহিক আমি আমার অপ্রাক্ত মহিলা কর্মি কর্মেইলান, মনীবিদান ভাষেই সীমান্ত্রগথন্ত ব্যক্তন।"

উद्धव क्लालन—"हर विष्ठा अवस्थान स्थान কর্তৃক এইভাবে অনুধূহীত হয়ে এবং তাঃ সামর উক্তি মাকা করে গভীর আবেংগ আমার কঠ কর হয়েছিল এবং শরীর রোমাজিত হয়েছিল। ভবন আমি খায়েছ অঞ্চ মুহে কুতাপ্ৰদিপটে তাঁকে এই সভয় সংগদিয়াৰ---'হে প্রকৃ। যে ভাক আলনার খ্রীলারণারের অসাকৃত (रायमधी (अवार एक, छोड़ कारह वर्ब, कर्ब, काम अवः যোক এই চতুর্বপের মধ্যে কেনটিই দুর্গন্ত নর। কিন্তু হে মতাব : আমি কেবল আপন্তত চরণারবিন্দের গ্রেম**্ম**রী নেবতেই যুক্ত হতে চাই। *হো হাড়*। খাণানি বে নিন্তির হওয়া সংক্ৰে কৰ্ম করেন, ভক্ষবহিত হয়েও জন্ম খীকায় করেন, কালের নিরস্তা হওরা সক্তেও শত্রুভারে পদারন करतम ७ मूर्ण पायत्र अस्य करतम करा पासत्रकि स्टाउ বং খ্রী পরিবৃত হরে গৃহস্থ আত্রম বীবদর করেন—এই সমত বিব্যৱস্থা সমাধান কয়তে গিয়ে বিভাগ কৰিবেয়ও वृद्धि जर्भारवत पात्रां थित देते। 🖎 शक् । कारमा पात्रा অৰ্থতিত, অন্তৰ্গীন জ্ঞান সমৰিত এবং সংগ্যানহিত হওয়া সত্ত্বেও জ্বাপনি ৰে আমাকে তেকে এনে আমার পরামর্প গ্ৰহণ কৰুছেন, আপনি মোহপ্ৰাপ্ত না হৰেও বে. মোহাজারার মধ্যে এই সম আচলে করতেন, জ আমাকে বিমেছিত করছে। হে প্রভুঃ আগনি আগনার নিজের ३६**मा श्र**काल करवे. (व महम छहा कल देखारक বলেভিলেন, ডা বুলি আমানের প্রহণের যোগা বলে মনে

कदान, छोट्टि कृता कदा का न्याया करान। छा अंतर ক্ষরতা আহলে ক্ষায়তে সংগবে দুংগ ক্ষতিক্রয় করতে পারব : আমি বন্দর পর্যোগর ভগবানকে আমার ক্রপথের বাসনার কথা বাগেছিলার, তথ্য কম্পানয়ন কগবান আমাৰে তাৰে অধাকৃত ছিডি সম্বৰে উপদেশ বির্ফেলেন। আমি আমার ওক্ত প্রমেশ্র ভগবান क्षेत्रकार कार्ड भारत जनकारना भाग भागात करते, फेर শ্রীপাদপরে স্থপায় ও তাঁকে প্রদক্ষিণপূর্বক বিরহকান্তর হিন্তে এখানে উপস্থিত হয়েছি। হে প্রিয় বিদুর। তার দর্শন-আন্ত থেকে বঞ্চিত হওয়ার কলে আমি এখন **छेक्टल**ङ घटन स्टाइ बदर त्यारे दक्ता चलानात्त्व करा, काबि क्षत्र एक गाएक करा दिशानहार वर्गतका আলমে যাছি, যে লখাছে তিনিই আমাতে উপদেশ দিরেন্তিকের। সেই নদরিকা আরমে ভগবান নর এবং নারারণ নামক ভবিকালে অবভরণ করে সমস্ত সং জীবান্তমের কলাগের করা দীর্ঘকমে ধরে কঠেরে তলস্যা कतरहर 🐧 🖰

বীল ওকদেব গোখামী কালেন—"উদ্বেশ্ব কাছ থেকে কিলে কিন্তু তার আধীরখনে এবং বন্ধুবারুবদের আর্ডা কাল করে, দিবা জ্ঞানের ছারা তার অসহ্য লোক অনিক করেছিলেন। ভগবানের প্রেট্ড অন্ত উদ্ধুব যথন করিকা অপ্রেমে চলে ছাজিলেন, তথন কুলপ্রেট্ড বিদুর ভার প্রতি ছেহ এবং বিশাস্থ্যত এই কথাওলি বলেছিলেন—'হে উদ্ধুব। বেংছে ভগবানের দেবকোন অনামের সেবা করের জন্য সর্বন বিচরণ করেছ, তাই ভগবান বরং যে জ্ঞান আপনতে প্রদান করেছেন, দেই আশ্ব-ভদ্বজ্ঞান কুণাপুর্বক কর্মনা করা আপনার প্রেক্ত সর্বজ্ঞেনে উলম্ব্রু। "

শীউদ্বৰ কালেন—"আপনি মহাৰ্থি মৈছেই কাছে কান প্ৰাপ্ত হ'ছে পালেন, বিনি নিকটেই অবস্থান কাছেন এবং বিনি বিকালান প্ৰাপ্ত ইওয়ায় কলে পূজনীয়। এই মৰ্ক্যলোক আৰু কালা কিব পূৰ্বে অগবান বাং তাকে উপলেশ বিভেছিলেন।"

ক্ৰীৰ তক্ষেৰ গোখাৰী মনপেন—"হে রাজন্। বনুনাঃ তীলে বিদুৰ্গে সঙ্গে ভগবানো দিও নাম, মশ, তপ ইতালি সভজে আলোচনা কৰে উত্তৰ গভীৱ গোকে অভিনয়ত হয়েছিলেন। সেই ন্নর্তরটি কেন সুকুর্তের করে। অভিনয়তিত হরেছিল। তারপর তিনি সেক্সা খেতে গ্রন্থা করেছিলেন।"

দ্বালা কিলাসা কথাকেন—"সমস্ত বীর ব্যেতাধের দ্বালান্তিদের ফলপতি বুলি এবং ছোকবংশীবেরা দ্বালাপে বিনট হলে, ত্রিলোকের ক্ষরীবর ভগবান গ্রহিরিও যথা তীর সীলা সংবল্প ক্রেড্রিক, ভাহাল ক্ষেত্র উদ্ধানিকারে ক্ষরিত মুইকেনং

প্রিল শুকানের গেরখানী উত্তর বিবেক — হৈ লকণ্।
ব্রাধানের অভিনাপ ছিল কেবল একটি ছলনামার,
প্রকৃতপক্ষে ভগনালের পরম ইকাই উর নীকা সংবরণের
প্রকৃত কারণ ছিল। সংখারে অভান্ত পরিবর্ধিত তার
পরিবারের সন্দর্শনের ভগনালার মেরল করার পর্ তিনি
দরং পৃথিনী ত্যাল করতে ইকুক হরে, এইভানে চিন্তা
করেছিলেন। আমি এই কড় কনতের দৃষ্টি বেকে
ভারতট হলে, আমার প্রেট ভক্ত উত্তরই কেবল আমার
স্বাধীয় তত্ত্বান সমান্ত্রানে অবশত হতবার কোন্
হকো। উত্তর আমার থেকে কোন আগেই কয় নর,
কোনা তিনি কথনত জড়া হন্দতির গ্রেণ্ড হলা প্রভাবত
নন। তাই তিনি ভবনা ভারতান বিবরণ করার জন্ম
এই ক্রণতে ভারতান করান।

ওক্ষের প্রোক্তারী মহাজ্ঞার পরীক্ষিপ্তক বলেছিলেন CL "Prate Cefre miche Ben aus latenten 60 প্ৰযোগৰ ভাষান জীকাল ভাইক আনিট হাতে উদ্ধৰ কৰিবল কান্তমতীৰ্থ উপল্লিখ প্ৰচলিখনৰ এবং স্কাৰণালয় नशरिविध्यत्तव स्था नशरिवध स्थापितातः। नवसासा ইক্ষেয় এই জড় কণতে আবিশ্বাৰ এবং ডিরোভাব সহতে নিচুত্ৰও উছাবের কাছ কেকে প্রকা কর্বোছকেন, বে বিষয়ের অনুসভাস মহর্তির অত্যন্ত অধ্যবসায় সহকারে হত্তে শ্বকো। ভগবানের মহিমাধিত কার্যকলাপ এবং এই কড অগতে ওঁরে অর্গোকিক বীলাকিয়নের কন্য মিনিয়া প্ৰকাষ অংশকৈ কৰা প্ৰকৃষ্ট আৰু জাতীৰ আৰু কাৰোৰ বাকে বোৰা অভাৱ কঠিন এবং কৰীৰ চিত্ত, প্ত-স্থাৰ ও ভাৰৰ বহিৰ্দুৰ পাৰভাষ্যে স্কলা জা কেবল স্তানিক ব্যানর করে। প্রীকৃষ্ণ বে এই প্রাণং গেলে বিশার নেওয়ের সময় ভাঁতে সমুগ করেছিলান, সেই ভাগা श्राम करन दशरण विद्या हरत, विद्या कैकायरक स्तापन কলতে গাগলেন। (৫ কুল্পেট) প্রায় ভাগকত বিদুর ক্ষেত্ৰিৰ বৰুদায় ভটে হাগ কৰাৰ পৰ, গঞ্জা তীত্ৰে बक्रम करतिकरणम्, त्यवाहम प्रहर्षि देवद्भाव विशास क्वक्टिशनः"



পঞ্চম অধ্যয়

বিদুর-মৈত্রেয় সংবাদ

শ্রীল ওকদেব গোলারী আনেন—"তুরুনোর্চ বিদুর
বিনি কানবন্তবিভাকে পূর্ণবাধে নিজাত ছিলেন, এইকাবে
সূরধ্নী গলার উৎসভালে (হ্রিছার) পৌছে জলার
আনেসম্পন্ন রাহর্শি সৈত্রেরকে উপনিষ্ট অবস্থাত কানি
করলেন। সৌন্যাভার পবিপূর্ণ এক জিলা কর্মেনতভাবে পতিপৃষ্ট বিদুর তথন তাকে জিলাসা কর্মেন—
'হে মহর্শি। এই জগতে সকলোই জক সুরভোগের জলা
সকান কর্মে বিশ্ব হয়, বিশ্ব ভার ফলে আনের জড় সুন্ত

বাক হা যে অবন্য সুহাৰ্থক নিবৃত্তি হয় না, পৰ্যন্তহে, কালের অধিক থেকে অধিকতা মুক্তী পাত হয়। তাই আপনি হয়া করে জালাকের কলে, প্রকৃত সুধ লাকের কাল ফিলানে আলাকের জীকনবাপন করা কঠন। যে প্রকৃণ কহিবলা পাতিক প্রভাবে কৃষ্ণ-বহিছিত, অবর্থনবারণ, আতার মুখ্য মুক্তনাপ্রক বাজিকের অনুপ্রহ করবার জনা প্রোপক্তারী সহাপ্রকারত ভগতানের প্রতিনিধিরতাপ এই মন্তালাকে পরিভাগে করেন। অনুপ্রহ করবার কালা

আপ্তি বামানের সেই অপ্তাক্ত ভগৰত্তভিত্ত নিবয়ে **डिशराब्य प्राप्त बढ़ावा, यात रुएम जन्मराम इक्टा विशासमान** পর্যোশ্যর ভাষানা সম্পূর্ণজ্ঞান আমাধিত হয়ে, কুপাপুর্বক ছান্তব্যের জন্মসূত্র থেকে কে এবং পুরালের প্রামাণিক আম্ব-শুরুমানে তা ভিনি কেবল তার ভঙ্ক ভঙ্গনেরই দান करतेथ का तका बहुमारात कार्य अंशल करान। तह মহর্বি। সম্পর্ণরূপে হুড্ছ, সিম্পৃত, রিলোকের অধীন্দর এবং সমস্ত শক্তির নিয়ন্তা পরমেশর ভগকন বিভাবে অধ্যক্তৰ কৰে এই আগং সৃষ্টি করেন এবং আ পালনের क्रम मध्यमा बीचिका निर्दाद करत्य, ज्याननि नक्ष करत चा वर्षरा करून। छिनि छोत्र इसक्षकारण नानि करतन ধান এইভাবে সমত্ত সৃষ্টিতে সেই স্থানে জাগন করে रुकम अफ़िष्ठा भग्नेट७ इस मा, क्लममा किमि नयस যোগশক্তিশ অধীশর এবং সহ বিষয়ে ছবিপত্তি। এইভাবে তিনি সময় জীব থেকে পৃথক। প্রাশ্বন্থ গাতী একং দেকতাদের কল্যান সাধনের জন্য, যে জনবান নিভিত্র মাপে অফটাপ করে, তার অস্তম্য চরিতাবদী আন্ট্র অন্যাদের কাছে বছা করে করে করন। তার অপ্রাক্ত কাৰ্যকলাপ নিৰ্বৰ প্ৰবৰ কৰা সংস্কৃত আনাৰের ক্লা কথনত পুর্নারলে পরিত্ত হয় না। শমত মাজানের পান রক্ষা বিভিন্ন প্রহালাক এবং ব্যসস্থান নির্মাণ করেছেন, বেখানে জীব ভালের প্রবৃত্তি ও কর্ম অনুসারে অবস্থান मागक्तक मृष्टि करवाधन। ८१ विकासके। कृभी करत আমানের বসুন কিভাবে বিশ্বটো, কালেম্পূর্ণ নারারণ করেছেন। হে প্রভূ! খামি ব্যাসদেবের মুখ থেকে का का अपने कटवीई अंदर और जाना प्रतिकितका विवत **एरेनि। वाँड इत्यक्तान ममञ्ज कीर्यकाला ममहि वास** বিদী মহান কৰিবৰ ও ভাজপৰ কৰ্তৃক পৃথিত, সেই সৰ্বনাই ক্ষমবানের অত্যকৃত ভিডার কয় কাকে।" " প্রেম্পর ভগরনের মহিমা পর্বাপ্তরূপে হবল না করে, দিকে প্রবেদ করার মাধ্যমে, যে কেউ ক্রমেক্স ও

লাকিবনিক আসাক্তি ছোনা করণ্ডে গারে। আপনার স্থা মহর্ষি কৃষ্ণদৈগায়ন ব্যাস পুরেই তার মহান রচনা अक्षानारक व्यवस्थातम् विचा क्यावनीतः वर्धना क्यावनाः। কিছ তার প্রকৃত অভিযায় ছিল জনসাধারণের কর্ম ও কাম বিবয়ক প্রায়া কথা প্রবদ করার তীর প্রবদতার माधारत, भ्राप्तक घटनारवागरक कृष्टकवात (क्षात्रभृगीठा) গ্রতি আকট্ট করালে। বিনি নিরবার কৃষ্ণকথা খ্রাক করতে উৎস্ক, তিনি ক্রমণ অন্য সমস্ত নিবয়ের প্রতি বির্ভ হরে পড়েন। মে কণ্ড নির্ভন থ্রীঞ্জের মীপাদপদ্ধ আরণ করার হাতে মিবা জনিক আহামন কংগছে, তার সৰ রবাহ দঃখ-কট অভিনেই পরাভত হয়।

"হে ফার্বি। যে সমস্ত মানুক ভালের পাপকর্মের তিনি বিভিন্ন বোলিতে প্রকাশিক বহু জীবন্তহেও নিজেকে । কলে হরিকনার বিমূপ এবং ভার কলে মহাভারতের বিকাশ করেন। তাঁকে তার ভরণগোরণের জনা কোন অংগর্ক (ভগকানীতা) সমূত্রে আজ, ভারা শোচনীয়েগেরও ংশাচনীর। ভাষের জন্য আমিও লোভ করি, কেননা আৰি দেশৰি কিভাবে ভাৱা দাৰ্শনিক থাকবিত্ঞায় খীবনের বাদা সহছে নার রক্ষ মতকা সৃষ্টি করে এবং বিভিন্ন প্রকার অর্থহীন আচার অনুষ্ঠানের অনুষ্ঠানন করে শাৰত কালের প্রভাবে তাদের ছাত্র কর করছে। হে আৰ্ডকা মৈটোটা ভাষা কেখাৰে কৃষ্ণ থেকে মূল আহলে করে, তেমনই আগনিও সমস্ত কথার সাক্ষাত পরিত্র খীর্তি শ্রীহতির কথাই সারা জগতের মন্তালর জন্য আমাদের ক্ষত্রে কীর্তন করন। এই বিধের উৎপত্তি ও পাল্যমের জন্ম সর্বশক্তিসম্পন্ন হয়ে বিনি ক্ষান্তরৰ ক্ষরেন, করছে। ভগৰানই নেই সমস্ত ছানের রাজা এবং সেই পরহ নিয়ন্ত, পর্য পুরুষ ভগতানের ছতিমানবীয় सिया जीकाविकाममञ्जूष जाननि गन्न करत वर्गना काला।"

दील एक्ट्राव (शाकामी काग्रामा—"अऐकार विश्व विकित कीएका चकाव, कर्ब, सन, चाकृष्टि अक्ट शहर शृष्टि कर्जुक किकाशिक स्टार पश्चि दिवस्ता निमृत्यक वर श्रानश्मा করে সমস্ট মানুবের পরম মঙ্গাদের জন্য কলতে ওয়া মানবসমাজের উচ্চতার এবং নিম্নতর জাতির ধর্ম সংক্ষে কথাকেন—'য়ে বিদুয়। আগনায় জয় লোক। আপনি স্বাসন্ম কাছে শে প্রবা করেছেন তা নিশিল মললের চর্ম্ম প্রকাশ করে তৃত্ত হরেছি কিন্তু কৃষ্ণকগান্ত করে তৃত্ত প্রতাশ এবং এইতাকে আগনি সমগ্র অবং ও জামান প্রতি আগনার কুণা প্রদর্শন করেছেন, কেনার আগনার ক্লা

"হে বিদুর : আপনি কে কণাজভাবে ভগবানকে কাচ কৃপ্ত হতে পালে । এই সমস্ত নিবর কেবল ফর্পারক্ত করেছেন, আ মোটেই আশ্চর্যক্তনক নয়, কেনের জাপনি মহৰ্বি কোল্যাসের বীর্য থেকে কল্মসংল করেছে। আমি

ভানি যে, জার্লান প্রবিদ্ধার প্রজা সংগ্রহত হয় ভিলেন, सासदा स्थित पानिकाल विकिन्दीएर्वेड कार्याकार्त अर्देशस প্ৰামীয় পূৰ্বে সভাবতীপুত্ৰ ব্যাস্থেত্বৰ বীৰ্ষে আৰ্ল্ড **च**ण्यश्चर्य स्ट्राह्म । सामध्य नगरमञ्जू सम्बद्धाः निर्देश পার্বদ এবং ভয়বান তার কায়ে কিন্তে বাওলার সময়, चालमात क्रमा चामार कराइ मिटर्गन (तर्थ निरहरका) ভাই আমি জাপনার কাছে ঋণবান কিডাবে এট জগতের সৃষ্টি, পালন এবং কহেন্তের জন্য উচ্চ অন্তর্জ্য শক্তি বিহুর করে পীলাবিলাস করেন ভা একে একে করে। कर्त्य 🗂

সৃষ্টির পূর্বে নিরাজ্বান ছিলেন। তার ইক্ষার প্রভাবেই (करन गृष्टि भक्टर इस बार भूगताह यन किए छीत प्रदेश কীন হতে যাও। এই পত্ৰ আছা বিভিন্ন নামে উপল্পিত হয়। সৰ কিছুৰ একজ্ঞ অধীৰঃ প্ৰচেশ্ব ভগবান ছিলেন একথার ছটা। সেই সময় এক জনং ছিল দা এক ভাই তিনি ঠার মালে একা বিভিন্নলে ৰাজীত নিজেকে অপূৰ্ব বলে অনুভাগ করেছিকে।। বহিন্দা প্রকৃতি ভাষা সুধ্ব অবস্থার ছিল, যদিও তার অন্তরণ প্রকৃতি ভাল প্রকাশিত ছিল। ভাগতন হজেন মন্ত্ৰী এবং বাঁবেশা শাঁক হছে গুলা, বা কৰু সন্তিঃ করণ এবং কার্য উভয়বালে ক্রিয়ালীল হয়। হে মহ)দৌভাগাৰান বিবর। এই বহিরখা শক্তি নারা নামে পরিচিত একং তার স্বাধ্যয়েই কেবল সমগ্র জন্ত সন্তি সক্ষ হর। প্রমেশ্ব ভগবার প্রকারতার কুলে নিজেকে বিষয়ে করে ত্রিগুলন্ধিকা রূপ্তা প্রকৃতিতে পর্ভাগান করেন अवर छात्र करण निर्माकारमञ्जू अखारव औरकार्य चारिएईक হয়। তারপত্ত কালের প্রতিক্রিয়ার প্রভাবে বহুত্ব व्यक्तिं रारक्षित अस और विश्वत मस्त्रका मश्रात ভগবান তার শীর শরীর ধেকে রখ্যত প্রকাশকারী বীক্ষ বশন পরেছিলেন। ভাষণার ভাবী জীবদের উৎন্যারণে মহতত্ত্ব বিভিন্নজনে রালান্তবিত চ্চেছিল। মহতত্ত্ব উমোওৰ প্ৰধান এবং ভাল খোলে অহতানের উপ্তব হয়। এটি পৃষ্টিভালে চেতনা সমন্তিত এবং ফলগ্রস করম আল সমন্তিত পরবেশনার ভেগবানের একটি অংশ। 'ইংকর বা মহান কারণিক সভা আহতারে রূপান্তরিত হয়, বা कारण, कार्य करत कर्छ। और छिम नार्व अकलिए रहे।

এট প্ৰায় ব্যক্তিকাশ অন্তৰিক প্ৰবে সম্পৰ্কিত হয় এবং এপ্রলির তিন্তি রাছ পঞ্জ হয়ারত, তুল ইলিংসমূহ e স্থানিক মাহানাগৰন। সত, হল এখা তম এই তিনটি ওপে ব্যৱহার প্রকাশিত হয়। সর্বভাগের সঙ্গে প্রতিভিক্সর करने चल्हार प्रदान क्षणार्श्वरह रहा। (व मान्य (भवहार) প্ৰকাশ্যয়ৰ স্বৰণ্ডৰ নিয়ন্ত্ৰ কৰেন উপৰে কেই একই তত থেকে, অৰ্থাৎ অহমার এবং সম্বর্গনে প্রতিরিক্তা থেকে উৎপন্ন হতেছেন। ইতিহওলি নিশ্চিতভাবে রাজ্য অংহার থেকে উত্তত। আরু সাই, ককনা-ককন ভিত্তিক লপনিক ঋদ এক সভাম কর্ম প্রথমত ব্যক্তারণ প্রথমিক "नमक बीरतम यकु भरामभन्न फनगम कारकारण केरना द्वा **फाठान मरमह गरिमाय क्र**स मन द्वार्यक करबादरक संभावतः वर्षाः, सर्वाम भवशस्य প্রতীকারক প্রতিনিধি। ভারপর প্রচেম্বর ভরবান আকালের প্রতি উক্তন করেন জ নামত কাল এবং র্বাহরত্ম শক্তির আর্থনিক মিশ্রণ এবং তার কলে স্পর্ন অনুচ্তির বিকাশ হয়, ঋর খেকে আকাশে থাকুর উত্তব হয়। ভারপর অভান্ত নাজিশালী বার আক্রেনের সঙ্গে বিষয়া প্রাপ্ত হয়ে ভালতভাত্র সৃষ্টি কর্মেছ এবং জনতভাত্র থেকে ভূকা প্ৰকাশক জোভি সৃষ্টি হতেছে। সেই ল্যোবি কান বারর সঙ্গে মিনিত হয় একং পর্যাক্ষর ভগবানের সৃষ্টির বিবরীকৃত হয়, তথ্য কলে ও সারের অংশ্যেকে রুল্ডবাত্ত এবং কলের উৎপত্তি হাছেল। ভারপর জ্বোভি থেকে উত্তত কল ভাগবাকের দৃষ্টিগোচর रह अवर साहड काम व महार महरनाटन गय सनास्थित नथिरीत मि श्रहाहित।"

"হে সঞ্জন পুরুষ, সমস্ত ভৌতিত উপাদানসন্ত, ক্ষাতাশ থেকে হাট পৰ্যন্ত সৰ কটি ভৌতিক উলালয়ে প্রকাশিত হয় কেবল পর্যোধ্য ওলবালের লাইপান্তরাল য়ন্তির স্পর্নের করে। উট্টেবিত ভৌতিক উপদ্যানগুলির নিয়ন্ত্রকারী কেবলার ভাগবান জীবিষ্ণা শক্তগবিষ্ট আরু। ষ্টারা বহিমধ্য শক্তির অধীন শাখর কালের প্রভাবে থেছ ধাল করেন এবং ভারে ঠাব বিভিন্ন বাংল। উদ্দেহ উপা प्रभारश्च विकिन्न अर्रकार्यना छात्र कर्नन करा सर्राका এবং সেওলি সম্পাদন করতে অক্স হতে ভারা ভূতার্মনিপুটে প্রমেশ্র ভাগবনের উদেশ্রে মধ্যমুক্তর প্রার্থনা নিকেন্ড করেছিলেন।

(म रहादी सम्हातन-"(६ ६ १२ राजा । च्यानाव

র্যারা তাঁদের ঐক্যাধিক মনোভাবের ক্ষণ কেবল আপনার यर्छ छ।शाय কথায়ত পালে প্রকট্টকরে বর্তিত অভির ধারা হৈরাগোর

বিশ্বরূপের সৃষ্টি

মৈন্তের কবি বলগেক—"এইভাবে ভগবনে মহনত আদি তাঁর নিক্ষক শক্তির পরস্পর অমিনিতভাবে धारकात्ना सन्त विश्व बाजाय अनुश्च कार अस्त कारणन। পরম শাঁক্তমান ভগতান কথা কেনী কলীসহ ত্রামেবিলেতি তথ্যে অভাররে প্রবেশ করলেন। এই ফালী প্রার বহিরসা প্রকৃতি, বিলি বিভিন্ন উপলানত্রিকে সংশিষ্ট করেন। ভারপর পর্যেশ্বর ভগবান হথন টার শক্তির वार्ता के नमक चट्च शहरून कारणार, कका नमक और विकित कार्यकारण कड़न एक, ठिक (बान प्रमुख पूर (अटक केंद्रि कार्य शतक शता। अवन अटहाविर**म**ि **७च्यम् स्थातत्म रेक्ट्रांडिन चात्र महिन राहिन**, তখন ভাগেলের বিধরণে সৃষ্টি হয়েছিল। ভাগরুর হরব তার অংশের বাজ বিশ্ব সৃষ্টির উপান্যনে প্রবেশ করলেন তখন সেইওলি নিরাটেয়াগে গরিণত হল, যাতে সমস্ত সোকসমূহ একং চরতের ক্লগৎ অবহান করে। হিরম্মর মামৰ বিবাট পুতৰ এক হাজার দিবা বংগর রক্ষাণ্ডের ফলে বাস কর্মেছলেন এবং সমস্ত জীবেরও উরে সংক শায়িত ছিল। মহতছের সঞ্চ শক্তি, বিবটনলে খবং নিমেকে জীকো জান-শক্তি, ক্রিয়া-শক্তি এবং আব-শক্তিতে বিভক্ত করে, পুনরার সেগ্রালকে বথাবথভাবে এক, দশ এবং তিন প্রকারে বিভান্ত করণেন। বিনাট পুরুষ পরমধ্যার প্রথম অবভাগ এবং অংশ। তিনি অসংখ্য জীবাভার আছা এবং তাঁও মধ্যে সমগ্র সৃষ্টি বিরাজ করে, জ এইভাবে সংবর্ধিত হয়। টিন, দশ এবং এবের খারা নিরটি প্রকল্পের প্রতিনিধিত হয়, অর্থান তিনিই শরীয়, ফা ও ইন্সির। তিনিই কা ক্রমর প্রাপশক্তির দার চালিত সমক পতিবিধির নিয়ন্ত্রণকারী শক্তি এবং তিনিই এক হাদর, যেখানে প্রথণন্ডি উৎপন্ন হয়। পর্যোকা ভগবাদ বিশ সৃষ্টির হারিডাসম্পন্ন সমস্ত সেইটামের পরমান্তা। দেবতারণ কর্তক এইভাবে প্রর্থিত হরে তিনি --বিজে নিজে বিচার করেছিলেন এবং উন্নেট অংগতির মুল্য বিরাটক্রপের প্রকাশ করেছিলের 🗥

বৈত্যের কাণ্ডেনে—"লয়মেশার ভারতন জৈন বির্ভিতনাপ

সারধরাপ জনে লাভ করেন, ভারা অচিরেই চিলাকালে रिक्ट्रेस्सक क्षांच रून। च्यत्यता, वीता विचय चान **উপস্থারর প্রভাবে সাম্র হরেছেন এবং আ**রের সাঞ্চিশালী

চরণারবিশ শরণালত জীবেনের কাছে একটি ছাত্রর মতে: য়া উংদের সংসারের সমস্ত ক্রেশ থেকে ব্রহণ করে। সেই আমত্তে অর্থিত মহর্বিগণ সমস্ত অভজামতিক রেশ মূবে ইচ্ছে কেলে মেন। তাই আমন্ত্র আপনার শ্ৰীপাদগৰে আমাদের সমাভ প্রণতি নিবেনন করি। টে পিলা, হে প্রন্ত, হে পর্যোধর ভগবান। এই কড় কগতে पीएरता क्यान्ड भूकी इस्ड चारत ता, रकतना काता जिल्ला দুংখের হারা অভিকৃত। তাই তারা জাননার জ্ঞানে পরিপূর্ব বীলাগপতের ছারার আনার গ্রহণ করে। আমবৃতে সেই জীলাদলাক্তর আত্রর প্রহণ করি। ক্ষরবানের প্রীপাদপর সমস্ত তীর্তের আশ্ররক্ষণ। নির্মন চিত্ৰ ফাৰ্ডিয়া কোৱালী পাখার ছাত্রা বাহিত হতে নিরক্তা অপুনর স্থকম্পরাধ নীডের অগ্রের আবেবদ করেন। তানের কেউ কেউ পাগনাপিনী সরিংশ্রেষ্টা পলার শরণ রলে করের মধ্যের প্রতিগবৈ আগনার শ্রীপাদপক্ষাে শরণ হলে করেন। প্রদান ও ডক্তি সহকারে কেবল জাপনার শ্ৰীপদাপৰ সকলে প্ৰকাশ করার কলে এবং হালতে ভার ধ্যান করাই কলে, মানুহ তৎকপাৎ ব্যানের আলোকে উপ্রাসিত হর এবং বৈরাণ্যবলে শহুর হর। গুরুই, আমানের অবল্য কর্তম হতের জাপনার শ্রীপ্রসপ্তের শ্রাণ প্রহণ स्था (" ै(र फनवन) कनरहत गृष्टि, हित्ति के धनरका कन्।

च्यानी व्यवस्था अर्थ करान क्या छाई, धामना व्यवन्तर श्रीभागभरका भारत श्रद्ध कति, स्थान छ। प्रवंश काश्रद्धाः ভাত দেও স্থাতি ও আন্তর প্রদান করে। হে প্রভ আশ্বীক্ষরজনসহ পুরুর দের-প্রেহাদিতে ক্লের 'আনি' ও 'আমার' এই অবাঞ্চিত বাসনা প্রবাস, সেই সমস্ত মানুষদের দেহপুরে জাগদি অন্তর্গামীকাপে ভারতান ক্সালেও বে পাদপত্ম ডাদের দুখ্যাপা, আহরা সেই भावभवत्क कवना कति। (ह श्रेट्रायश्रेत कश्रेटाम। (व সমস্থ পাপীনের অন্তর্গন্তি বহিনের জড়বাদী কার্যকল্যপের মলে অভার দ্বিক হয়েছে, ভারা আগনার জীগাংলয় শর্কি করতে পাত্রে না, কিছু, আগনার বীলার অগ্রাকৃত আনন্দ আসমন করাই বাঁচের একমার কন্যা, সেই ৩% ছতেরা জাপনার জীপাদপথ দর্শন করেন। তা গ্রন্ত।

জনমা ঐক্যবন্ধভাবে কার্য করতে পারিমি (* "হে খক। কুলা করে জ্বগদি আমানের সেই স্বর্গ थ माधन मच्छा साथ योग करून, वा धनुमाल करात क्रम प्राप्तत्रा प्रतणनात क्रेशास्त्रात्रत्र कमा नम्स्ट क्रम क्रम সামগ্রী অর্থণ করতে পারি, বার কলে আমরা এবং এই স্বাসক্ষের জনা সমস্ত প্রাণীয়া নির্বিছে জীখনযাপন করতে भारत अनर जाननाथ सना छ चामारमय निरामान समा ফীবনের সমন্ত আবশ্যকভাওলি প্রনারাসে সংগ্রহ করতে नाति। आश्री नमस (एक्ट्रापड वादर विकिन द्रवरी-বিভাগের অমি অধিষ্ঠাতা। আপমি পুরাণ পুরুষ একং অপরিবর্তনীর। হে ভাগরা। আপনার কোন উৎস নেই এবং আপনার থেকে ধরিষ্ঠ কেন্ট সেই। প্রাকৃত ক্ষরহিত আগনি আলাভি সায়তে মহতকল বীর্থ काराम कहारास्त ("

প্রভাবের খারা প্রকৃতির ওপ সার করেছেন, তারাও

অংশনাতে প্রবেশ করেন, কিন্তু তাথের কেবল অতান্ত

ক্রেশই লাভ হয়, অবর উত্তেখা কেবল ভগবত্রকি

मन्त्रामम करतम अवर कीरमत और अन्मत रकाम करें नहा

করতে হয় না। বে আদি পুরুষ। তাই, আমরা কেবল

আপনারই। মনিও আমার আপনার সৃষ্টি, আমার প্রকৃতির

তিনতাশ্য প্ৰভাবে একে একে জনগুলা করেছি এবং এই

কারণে আমাদের কার্যকলার প্রশারের থেকে ভিত্র।

ভাই, সৃষ্টির পর আপনাকে দিবা অনম্প প্রধান করার জন্য

"(र भरकता। अस्ति चानिए मरपद (दर्क स কার্যের জন্য আমন্ত্র উত্তন্ত হরেছি, মরা করে আপনি আয়াদের নির্দেশ দিন কিন্তাবে আমরা আপনার আকা পালন করব। সরা করে আগনি আনাচনর পূর্ণ ব্যান এবং পর্ব শক্তি প্রদান করুল বহুতে আমরা আপনার সৃষ্টির বিভিন্ন বিভাগে অংগনায় অভিনাথিত কাৰ্য সম্পাদন করতে

প্রকাশ করার পর কিডাবে নিজেকে বিভিন্ন ক্ষেত্যবারেশ পৃথকীকত করেছিলেম, আ একং আগন্ধি আহরে কাডে লবদ করন। উপ্ল মুখ খেকে অগ্নি বা ভাগ প্রকরণে প্রকলিও হলে, সমস্ত লোকগালগদ উল্লেখ বীভ সুনস্থ ভাতে প্রবেশ করগেন। সেই ব্যক্তশভিদ্য ভারাই জীন व्यक्तात प्राथरम निरक्षरक क्षकल करता। इचन दिवाउँ পুৰুবের ভালু পৃথকভাবে প্রকাশিত হরেছিল, তথ্য লোকপাল ৰক্ষণ ভাতে প্ৰবেশ কৰকোন। এইভাবে कीरका किञ्चत क्षेत्रा १६० किन्त चार श्रद्ध क्षेत्राय क्षेत्रक লাভ হয়। ভগবানের সুই নাসারত বৰণ পৃথকভাবে প্ৰকলিত হয়, প্ৰথন অধিনীকুমালছৰ উদ্বেদ্ধ উপবৃত্ত সেই স্থানে প্ৰবিষ্ট হল। ভার কলে জীৰ হেভ্যেক বছর স্থাপ প্রহণ করতে পারে। ভারপা, বিবাট পুলুকো চকুবর পৃথকভাবে প্রকাশিত হয়। আলেয়কের পরিয়ালক সূর্যদেব দৃষ্টিরূপ নিজ অংশসহ আডে প্রবেশ করলের এবং তার ফলে শ্রীব রূপ দর্শন করতে পারে। বিবাইরূপ থেকে হৰৰ প্ৰক্তাৰে ইকের প্ৰকাশ হয়, ভাৰৰ বাছত পরিচালক লোকপাল অমিল শ্রুপেন্দ্রিয়সছ ভাতে প্রথেপ করপেন। তার কলে জীবের স্পর্শকরন করত হয়। বখন বিনাটকাপের কর্মধন প্রকাশিত হয়, ভব্দ দিকসমূহের দিরন্তাকারী দেবতাগণ খীয় প্রবেশক্রিরপ্রপ আশেসভ অতে প্ৰবেশ কালেন, তাঃ কৰে কৰে জীব শব্দ এবং কবার কমাজ্য প্রাপ্ত হয়। বর্কন শ্বক পৃথককালে প্রবাহনিত হয়, কৰন স্পৰ্যের মিরজনকারী কেবলা ঠার অংশসহ তাতে প্রবেশ করলেন। ভার খলে জীবের স্পর্শক্ষরিত त्रवं अदर क्युवन व्हें इसकानित खनुकद हुई। (नई दिव्हें भूतरक छेनक् देशिक भूककारक धललिक हरन, প্রজাপতি রাকা ওক্ররণ অংশসহ সেই ইন্সিরে প্রনিষ্ট মুল্লের। তার করে জীন মৈধুন জ্ঞান উপত্তার করতে পাবে। বিবাট পুরুষের গায় পৃথকরণে প্রকাশিত হলে, পার ইন্দ্রিয়ার লোকনাল সূর্ব তার অধিনেবভারতে ভাতে প্রতিষ্ট হব। প্রায় কলে কীন মল জাগ করতে সক্ষয় ছয়। ভারণর বৰণ বিবাট প্রাক্তে ইতার প্রকরণে



প্ৰকাশিত হয়, তথন স্বৰ্গলোকেঃ শাসক ইন্তা ভাতে প্ৰবেশ কয়েগেন। ভার খলে জীব তার জীবিদা নির্বাহ করতে সক্ষ হয়। ভারপর বিরটিরপের পদম্ম পৃথকভাবে প্রকাশিত হয় এবং জন কলে বিষ্ণু নামক ঘেৰতা (প্রয়েশ্য ভগ্রন ন্ন) গমনরূপ অলেসই ভাতে ইবিশ করেন। ভার কলে জীব তার গন্তবাস্থলে পৌলাতে সক্ষয় शा। दिद्रॉप्टेन्स्भत वृद्धि रका नृथकत्तरभ क्रमानिङ रहा, তথন হেদের অধিকান্তা ক্রকা তার বোধনাণ অংশসহ ভাতে প্রকেশ করেন। ভার কলে জীব জাতেব্য বিষয় উপল্ডি করতে পারে। তারপর, বিভাট পুরুষের ক্রমর পুথকরতে প্রকৃতি হয় এবং চন্ত্রথের মন্ত্রণ বীর খাশেনাই আছে প্রবেশ করলেন। জীব সেই মনের খারা সংকল আদি ক্রিয়া সম্পন্ন করেও ভারপর, বিরাট পুরুবার অনুষ্ঠার পৃথকরতে প্রকাশিত হলে, অব্যানের নিয়ন্ত কর খবং বৃতিরূপ খংশসহ ততে প্রবিষ্ট হন। সেই অহুং বৃত্তির করে। জীব কর্তব্যকর্ম সম্পাদন করে। ভারণার, তাঁর চেতার বধন ভিয়াকাশে প্রকাশিও হয়, প্রথম মহন্তৰ ভার আংশিক চেডনাসহ ভাতে প্রথেশ করে। এইভাবে জীব বিশেষ জান গ্রাপ্ত হতে সক্ষম হয়। তাংগর, বিবাটকাগের মন্তক খেকে কাঁলোখ প্রকাশিত হয়, পদ্মর খেকে পৃথিবী এক নাডিমেশ খেকে আলশ উৎপর হয়। সেই সমর ছানে মতা প্রকৃতির ওপ व्यनुप्राद्धः स्वरता शक्ति धक्ये दत्त। म्यूक्ट्यन मूर्त्त्वभ বৈশিয়ামণ্ডিত হয়ে দেবতারা দর্শলোকে অধিটিও হয়, আর রজোওপের দ্বাল প্রভাবিক মানধ ভালের অধীনক चौतमह शृथिवीरण कम करा। (व मक्क चीन इरक्षा পার্বদ, ভারা অভা প্রকৃতির তৃতীর ওপ ভয়োওপের হার। আছের। ভারা পৃথিবী এবং বর্গলেচকর বধ্যবাতী অন্তরীকে অবস্থিত। হে কুরুরেষ্ঠ! বিবটে পুরুষের মুখ থেকে বৈনিক জ্ঞান প্ৰকাশিত হয়। কৰা এই বৈদিক আনের প্রতি উপাধ, তাঁলের কলা হয় প্রাক্ষণ একং তাঁরা স্থাক্ষের অন্যাত্ত বর্ণের প্রভৃত লিক্ষক ও পারমার্থিক পথপ্রদর্শক। ভারেশর সেই বিরাট পুরুবের বাহরুগল (धटक भागम कतात वृधि जन् (गर्ड वृधित कम्प्रदेशकारी) कवित्र केंद्रश्री हत। कविष्यान का हरू रहत वार দৃষ্টতক্ষীয়েন্দ্ৰ উপদ্ৰব মেকে সমাৰূকে কৰা। সমগ্ৰ

20

भानुस्तत जीरिक, सर्थार मधा विस्ताका अवर अकार्यक মধ্যে ভার বিভারণ করার বৃত্তি ভগবানের বিবাটগ্রাগের **डिल्म्स (बदक डियुड इरम्रह**ू और कार्य मण्यासन कराव ভার গ্রহণ করেন হে সমস্ত ব্যবসায়ী মানুব, ঠানের কলা হয় বৈশা। তারপর, পরতেশার স্থগবানের পদস্কর থেকে धर्म कनुकेत्वस निष्टित कन्द्र गतिक्ष्मंत्र दक्षि सेटनक द्य। েই বিমট পুরুষের গলতে শুরোরা অর্থারত, করা সের বৃতির খারা ভগবানকে সম্ভষ্ট করে। এই সমত বিভিন্ন প্রকার ক্ষাব্র বৃত্তিসহ সামাজিক বিভাগ পরমেশ্বর ভগবার থেকে উৎপদ্ম হয়েছে। ভাই পারমার্থিক উপলব্ধি এবং মৃক্ত জীবন লাভের জন্য ওক্তদেকো নির্দেশ অনুসারে, স্থীয় বৃত্তি আচরণের পারা পরমেশর শুগবালের আরখনা करा कर्रसा"

"হে বিদুর! পরমেশ**ঃ** ভগবানের **অন্তরনা** শক্তিয় ছারা প্রকাশিত বিরুটকাশের দিবা কাল, কর্ম এবং শক্তির মাহাত্মা কে নিরুপণ করতে পারে বা মাগতে পারে? আমার অবেশ্যতা সংস্কৃত, আমার শুরুদেবের জীয়খ থেকে আহি ৰভটা প্ৰকা কৰতে গেৱেছি এবং আমি নিজে জু কথতে পেঞ্জেই, ভার যারে আমি বিজ্ঞ কর্ণীর খ্রাধ্যমে ভগবারের মহিমা কীর্তন করছি। জন জামি আ না করি, ভাহতে আমার ব্যবশক্তি অসভা থেতে ছবে। প্ৰায়েক ভাষানের কার্যকল্প এবং গুৰাবলী কীর্তন कर्राष्ट्र ब्रह्मवसीयत्मव मर्ट्याक निश्चि। श्रन्थात्मव असे সমস্ত কার্যকলাপ মহান কবিগণ এমনই সুকরভাবে লিপিবত্ব ভারেছেন ছে, কেবল তার সমীপবতী হওরার খবলাই প্রবংশবিধের প্রকৃত উদ্দেশ্য সাধিত হয়। হে बर्ज । जानि कदि द्वाचा अक महस्र मिख क्यमत शान করমে পর, কেবল এইটকুই জানতে পেরেছিলেন বে. श्रद्धमान्त्रद्ध प्रश्चिम च्यष्टिश्रा। श्रद्धमान्द्रद्ध स्थलाहरू क्षान्द्रयक्षानक पश्चि देखन्तम् नृष्टिकारी मारायाणीरमः। पर्यव সন্মেহিত কৰে। ভগবানের এই দক্তি স্বয়ংসম্পূর্ণ ভগবানেরও অভ্যন্ত, অতএই অণার ব্যক্তিই আর কি কথা। বাণী, হন এবং অহতার ভাষের সিহপুল্কারী দেবভাগৰসহ ওকজনকে জানতে অসমর্থ হরেছে। ছাই, चाभारत शक्तिव स्टब छेल श्री छ। चाम्यराह गर्मक প্রবৃতি নিকোন খরতে হবে ("

সপ্তম অধ্যায়

বিদুরের অতিরিক্ত প্রশ্ন

हीन ठकरण्य भाषामी यनानम—"(स दासन) क्रमहेंद्रशासन सामारस्थत विश्व शुद्ध विसूत बर्धार्य रेमरक्रायत এট উপবেশ প্রথম করে মধ্য মাকে: ভারে প্রথম করেছিলেন—ছে মহান রাখাণঃ থেকেও পর্যোধন ভরকান পূর্ব ভিশ্বর এবং অপরিবর্তনীয়, ভার্যেন তিনি কিভাবে জভা থকুভিত্ন ওপ এবং কার্তকলাগের সঙ্গে সম্পর্কিত : এইওলি যদি ঠার লীলা হয়, তাহলে অধিকারীয় কার্যকল্প কিডারে সম্পন্ন হয় এক প্রকৃতির রেণরস্থিত ওপারলী কিভাবে প্রদর্শন করেন ! স্বালক্ষ্যো আন্য বাজকদের সঙ্গে খেলায় অথবা বিভিত্ত আমোদ প্রযোগে উৎসাহী, কেননা ভারা কাননার দ্বারা অনুতাশিত কিছ প্রযোগ্য ভগরানের কেলার সেই রক্স কোন বাসনাৰ সন্তাৰমা নেই, কেননা ডিনি আত্মণ্ডণ্ড এবং সর্বদাই দ্ব কিছুত্ব প্রতি আন্যাসক। তাঁক স্ববন্ধিত ক্রিপ্রশাক্তিক মারা ভগরন এই বিশা প্রচন করিরেছেন। তার ছারা ডিনি এই গৃষ্টি পরণান করেন धावर नकारहरत, का धारमध करको। अहेकारूव भूमा भूमा সৃষ্টি এবং বাংস কর্ম সম্পাদিত হয়। এক কাব্য বিশ্বদ তৈওনাসম্পান এবং আ কখনই দেশ, কলে, অবস্থা, কল থাথকা অন্য করেশের ইয়ো অচেডন হর না। তাহকে কিতাৰে গে অবিলাম দাবা আছম হয়? ওপ্ৰাম পরমাধারতে প্রতিটি স্থীবের হাগরে করছিত। ভাছলে ক্ষীবের কার্যকলাল কেন দুর্ভাগ্যস্তাক অবস্থার এবং मृत्य-मूर्वनात शर्वदंगिङ स्त्र १ (६ प्रश्नन क्वीटीवर्ग। ब्वी অবিদান্ত নিত সহটের প্রভাবে আমার মন বতার মোহাদের হয়েছে এবং ভাই আমি আপনার কাছে প্রার্থনা কর্ছি, আপনি যেন কুলা করে আমার এই মোহ দুর করেন ট

ত্রীল ওতনেও গোহামী কালেন—"হে রাজন্। তব-কিবাস বিদুর কর্তৃক এইভাবে ফিলাসিত হরে হৈতেই भूमि (सम श्रम्बाम अक्ष्रे भागार्थ श्रवांस्थान, किन्नु काराना তিনি নিসেক্ষেতে উতা দিতে ওক কর্মেক্ষেন, কেননা তিনি ছিলেন সম্পূৰ্ণজনে তথকং ভাকনময়।"

প্রীমেরের বললেন—"কোন কোন বন্ধ দ্বীব এই তাম সিদ্ধান্ত উপস্থানন করে যে, পরমরক্ষা বা পরত্রেশ্বর ভগবান মায়া কর্তৃক মোহাজর হন, জাবার কেই সঙ্গে থেয়ে এও মানে বে, জনবাদ বর্ম কর। এই দিয়াট সময় বৃত্তির বিরোধীঃ সংখ বেমা মানুৰ পারনও কবনও দেখে যে, তার মাধা কেটে থেকা হরেছে, প্রেমনই জীব তার প্রকৃত করেল বিশ্বত হয়, যদিও ডা নিগ্যা প্রতীতি যাত্র। স্বাক্ত থেমন চল্লের প্রতিবিশ্বে কম্পন কানি মানের ধর্ম দাই হয়, তেমনীই মানের সংখ্য সম্পর্কের शकार वाचारक कर एस राम श्टीए इत। किन्न, বিষয়ের প্রতি অনামঞ্চ হরে ভগবছন্তির প্রা कर्तनिकासक करम्, भटरमध्य ७१पाम बामुरस्टर कृतात প্রভাবে নিজের কুলেগ সক্ষরে এই ভার ধরেকা কেন্টে ধীরে ধীরে মুক্ত কুওরা যার। ইন্দ্রির হলি কলা এটা-भरमाद्या भर्तम्बर्ध स्थवनात्व शास्त्र हरतः मन्त्र्वकरन পনিতৃত্র হয়, ওপন সুবুর ব্যক্তির হতের ঠার সমস্ত ক্রেস সর্বভোডারে বিদ্রিত হয়। জগবান জীকুকের অপ্রাকৃত নাম, লগ ইত্যাৰি প্ৰকে এক ফীৰ্ডনের দ্বাবাই কেংল মানুৰ অন্তৰ্হীন বৃহত্ব-মূৰ্যপানৰ্থ পৰিস্থিতি থেকে মূক্ত হতে পাবে। আই খার ভগবানের সুগদ্ধকুত চরণবেশুর সেবর প্ৰতি আলক হয়েছেন, তানের সমতে আর কি বল্যব

বিদ্ৰ কালেন—"হে মহাশন্তিশ্যদী কৰি! হৈ ততঃ স্থাপনার প্রত্যক্ষ উৎপাদনকারী হাত্যরূপ অব্যের দারা পর্বেশ্ব ভগবান এবং দীব সক্ষে আমার সমস্ত मरन्द्रा अका मन्त्र्वहरून विव शहराई। व्याप्तक का अवस श्रृषंकर्ण अहे पूरे विराम श्रातम कडाए। एक लिएन মহরি। আপনার ব্যাক্ত অভ্যন্ত সম্পূ এক হংগতিও। ষ্ঠগৰানের বহিবল দক্তির গতি বাতীত বন্ধ জীবের ধ্যখ-বূর্যপার করে আর কোন ভিতি নেই। এই স্কর্যাড যারা সকাইতে মূর্ব এবং ইয়া প্রভৃতির অতীত পর্যালের ভগলনকৈ প্ৰাপ্ত হয়েছেই থানা উভয়েই সুৰ প্ৰাপ্ত হয়

আর বানা এই বুবের মধ্যবতী করে রবেছে, তারা ৰাভকাগতিক সুংখ-বুৰ্ণৰা ছোৰ করে। কিন্তু, হে প্ৰথ। আমি জাননার কাছে কৃততা, কেন্দ্রা আমি একা কুমতে পেরেছি বে. এই বাভ অবং অন্যতগাউতে বাঙাৰ বগে প্রতীয়মন মূলেও প্রকৃতবংশ ও খনরে। এখন খামর कृष्ठ विश्वक शरकरक तथ, ब्याननात बीहनारश्व द्रमक्त शावा আমি এই বাস্ত ধারণা পরিত্যার করতে সক্ষম হব। প্রিকর্মনেকো চরপর্যালের নেবার করা হয় সৈতেরে অপরিকর্তনীয়া শত্রু পরযোগ্য ভাগরনের লেয়খনিও চিগ্রহ অফাল গাড় হয় এবং ভার কলে অভয়ায়তিক ক্রেল যেতন হর। আন সুকৃতিস্পান কুজিবের প্রকে কৈর্চ-পদক্ষমী ওছ ভভষের থের করার স্বোধ লাভ কর পুৰুত্ৰ। শুৰু উত্তেপ্তর সমস্ত গেৰতাদের দেবতা এবং সমস্ত জীবের নিরম্পকারী পরফেশ্বর ভগবানের মহিম্র সৰ্বত্যেন্ডাৰে কীৰ্তন করেন। সমগ্ৰ থক্ক শক্তি সহক্ষ मृष्टि कताब भार अवर देखियमपूर-मूर दिवार विन्दर्शन প্রকাশ করার পার, পরমেশার ক্ষণবাদ ভাতে গ্রেশ कत्रत्या। क्षत्रन्त्रम्यभारी नुस्थावशतरू कार हा कह मृष्टिक चानि भुक्त्य अवर छीव निवार्ड करणह पर्या (माकममूद कार धारका चविनामी गुन निराम करहा, छैत क्ष अध्य हता क शम वरहरहा। (व धरान डाक्स)। क्षांन्ति तन्दे क्यिन्तुरुद्धाः, देखियनवृद्धः, देखिरस्य विस्ताः एर दक्त अपबंद, दिन अकत बीक्नीलिक नपाद करेंग क्रांट्स्स अवन जानमि स्त्रा करत विरूप विरूप वर्षत्र নিজিন বিভূতি সকলে নিয়েকা কালা। হে প্ৰভূ। সামি মনে করি যে, এই সকল বিভূতিতেই পুর, গৌর, শৌহিত্র এবং কুটুকরণস্থ বিভিন্ন ভারাণার প্রজাসমূহের चरहान क्षर कारमङ बातारे की निष-त्रकाल साथ अंतराहे। तह विश्वन आवन्। च्यानी क्या कहा कहा দেৰভাদের ব্যৱধ প্রকাপতি ক্রমা কিভাবে সক্তরের নেভা विभिन्न बन्दरस्य निकुक्त कद्याः। एका भराई प्रमृहस्य कथा क्षकः कीरमञ्ज करमध्यस्य कथान वर्गमा कथान। हर रेमरक्छ। भृथियी कार काम केरमर्थ क निरम्न एक লোকসক্ত বর্তমান, জনের আকার, জনস্থান এবং পরিয়েল वटा करत वर्गन कतन। वटा करत करति मार्गनि मन्दरास्त्र,

কাটে ধর্ণনা করন। সরা করে প্রকৃতির তিন ভবের ध्वरणात क्षणा, विवध अवर भ्रष्ट्रचार्यस सर्वना करान। কলাপর্বক পর্যয়েশ্য ভগবানের অবভার এক, তাঁল উপায় কার্যক্ষার্থকে কর্মনা করুল। হে মহর্মিং জবল, আন্তর্ এক শম, ধর আনি কভাব অনুসারে মানবসমাজের ধর্ণ একং আশ্রম বিভাগ, মহান ক্ষিদের জন্ম ও কর্ম এবং বেদের বিভাগ সহজেও আপনি মহা করে কর্ননা কচন। আপনি সহা করে বিদি-বিধানস্থ বজের বিস্তার, অইলে যোগের পদ্ম, নৈক্ষর্য আন, সাংখ্য কর্মন এবং ক্রানহাতিক পদ্ম বৰ্ণনা কলে। হয়া কয়ে পাষ্ঠ মাৰ্লেন অপূৰ্ণতা धवर देवरमा, इन्हिल्हम धवर धन छ वर्ग कनुमात विश्वित বোলিতে জীবের প্রতিবিধি জাগদী বর্ণন করন। ধর্ম অর্থ, কাম এবং মোক এই চতুর্বর্গের পরস্পার অবিকর্ম মিহিলুসমূহ, জীবিকা নিৰ্বাহেন বিভিন্ন উপরু এবং বৈশিক শারে বেডাবে অর্থণায় বর্ণিত হরেছে, ভা জালনি বরং করে আমনের কাছে বর্ণনা কমন। তে ক্রক্সন। আগনি ধয়া কয়ে মামবিধি, পিতৃক্যেকের সৃষ্টি, প্রযু, নকর ও ভারকারদীর কালচক্র এবং তালো অবস্থান সম্বাদ্ধ কর্মন करन। कृषाभूर्यक मान, फलमा। अवर क्रमानस करन প্রভৃতি কর্মের হে কল একং প্রবাসী ও নিশ্চপ্রক সানুকের য় কঠবা, তা আপনি কনো করন। হে নিজানঃ বেখের সমত জীবের নিবর প্রমেশ্য ভাবর সমত ধর্মের এবং ধর্মাচরণে প্রত্যাশী সমস্ত ফুলির পিজ, কল করে জাপনি ফান সেই ভগবানকে কিজনে সম্পূর্ণকরে সভট করা ব্যব।"

"(र विवासके। ध्यामण चालाव मीनवध्यक्। छारमा चमुत्रामीतम्ब शक्ति, निरासक शक्ति अन्त नुबरसा शक्ति তামা অভ্যন্ত সমাধ্য এবং ওক্তাৰে ভাচনৰ খন্তা বিজ্ঞানিত ना रहात छरपंत्र ममन स्वाम द्याम करवन । हवा करव দাপনি বৰ্ণনা কৰনে জড়া প্ৰকৃতিৰ ডব্ছের কড প্ৰকাৰ প্রকার হয় এবং প্রকারে কান্যার কান কোনিহার শরন করেন, তথন জার সেধা করার জন্য কারা বেঁচে থাংখন ৷ খীব এবং পারমেশ্বর জাগানের তথু ভি, জীনের चतान कि । देवनिक कारत्या विरुपंत देवनिक्रा कि । वावर एक व निरंपात श्रदशंखन कि । चनवाटन निष्माद মনুবা, দেবতা, সরীসুগ, পানী, জরার্জ, ছেগজ, জওজ ভান্তেরা এই প্রকার জানের উৎস সক্ষেত্র উল্লেখ এবং উজিল ইডানির সৃষ্টি এবং অনুবিভাগনমূহ আমানের করেছেন। সেই সমগু ভাতাদের সহায়তা বাতীত

সরব !"

াছে মহার্টি। পর্যায়খন ভাগবান প্রীহরির দীলাবিদ্যান সমূহত জানতে ইল্ক হয়ে আমি এই সমগ্র প্রথ করেছি। জ্ঞানরি সকলের সৃহতে, তাই বরা করে নষ্ট-দৃষ্টি ব্যক্তিক क्रमार्ट्य सन् वाननि वह मध्य द्वावस देखा क्रा করন। হে নিশাগ। আগনার দেওরা এই সমস্ত প্ররের উত্তর সমস্ত ঋত ফ্রেশ থেকে অবাংগতি প্রদান করবে।

ভক্তিযোগ এবং বৈরাগ্য সম্বন্ধে জান লাভ করা কিতাবে । এই প্রকার বান সমস্ত বৈদিক বলা, ভগস্যা, দান ইত্যাদি त्थरक दक्क ।"

> গ্ৰীওকলেৰ গোৱামী কালেন—"সৰ্বদাই প্রমেশ্বর ক্ষুবানের কথা কর্মন করতে উৎসাহী মুনিত্রেট হৈত্রের বিশ্ব কর্তৃক এইভাবে অনুপ্রাণিত হয়ে, পুরাণের বর্ণনা অনুসারে ব্যাখ্যা করতে লাগ্যালক। ভগবানের অপ্রাক্ত মহিমা কৰি করে তিনি কতার আননিত হয়েছিলেন ^{চা}



অইম অধ্যায়

গর্ভোদকশায়ী বিষ্ণু থেকে ব্রহ্মার আবির্ভাব

প্রাঞ্চয়পে গুদ্ধ অক্টলের সেবা করার যোগা, কেননা এই বংশের সন্তান-সন্ততিরা পরমেশর ভগবানের প্রতি थि चलार चान्हर्सन विका त्य, चाननात शतारका करन সরবেশার স্করণানের অভাক্ত লীলাসমূহ প্রতিক্ষণ নব স্বারমানভাবে আহমনায়েন্দ্র হচ্ছে। আমি একা ভারত পুরাশ কীর্তন করব, যা অতি আয় সুপের আপার হয়। **২**ঃখে পতিত জীবদের মঙ্গল সাধনের জন্য স্বরং পরফেবর ভগবাদ মহান কবিগের ভনিত্রেরিকেন।"

"কিছুকাল পূর্বে, ঐবর্যন্তক্রথারে জানতে ইচ্ছক হয়ে, চতুঃসন্ধেষ্ঠ সনংখ্যার খন্যান্য মহবিশ্বসহ টিক আপনারই যতে রক্ষতের নিম্নভাবে আসীন বার্যবৈধ কাছে বাসুদেৰ-তৰ সম্বন্ধে প্ৰস্ত কন্তেবিকোন। সেই সময় ভাগতান স্বৰ্জণ জীয় প্ৰমান্ত্ৰী ভাগতানের ধ্যালে স্থা হিংগা, খাৰে অভিন্ন বাভিন্ন বাস্থ্যবন্ধপে এছা জাপন करते पारकतः। किन्न स्मार्ट प्रदान कविरका भारतार्थिक উল্লক্তি সাধ্যমের জন্য তিনি নপ্তন-কালে ইবং উন্মিলিড করে কলতে লাগলেন, 'কবিনৰ প্রভার কলের মাধ্যমে गर्दाक एक धारक मर्दारक लाएक आर्माहरूम क्या

यहर्षि टेमदास विकृत्यक कारम्य—"प्रदाताम भूक्या काँदे ध्यैत्यत बाँग निक दिन। ध्या कगराद्वास क्रानकप्रन স্পূৰ্ণ কৰেছিকে, স্বান্ধান্তের কন্যারা পতি ক্রভেন সাসসার প্রেমন্তরে ক্রনবিধ উপহায় সহকারে প্রা অনুবক্ত। আপনিও এই পৰিবাৰে জনাগ্ৰহণ করেছেন। করেব। সন্ধকুষার প্রমূপ কুমারপণ, বাঁরা সকলেই ভাৰতনা অপ্ৰাক্ত লীলাসমূহ সম্বন্ধে অবলত ছিলেন, फेल क्टीड अनुराम अवर (2) पूर्व भूकारवील प्राप्ता मुक्त ছব্দে ভগবানের মহিষ্য কার্ডন করেছিলেন। সেই সময় ভগবান সকর্বপের সহলে উহত কবার স্থিত কিরীটের উচ্ছল মণির কিরণে চতুর্দিক উদ্রাসিত হংগ্রছিল। তগৰান সভৰ্ষণ এই প্ৰকাৰ নিবৃত্তি প্ৰায়ণ মহৰি সন্ধ্ৰুমান্ত শ্ৰীমন্তাসকতের এই ভাংপৰ বিল্লেহণ করেছিলেন। ভারণের সনংকুমারও সাংখ্যারন ভবি কর্তৃক ভিজানিত হয়ে, খেডাবে ভিনি ভগবান সভাগের ভাছে শুনেছিলেন, সেইভাবে শ্রীমন্ত্রগব্দকা খ্যান্ডা করেছিলেন। **बहर्षि मारकारक किलान गमछ नाग्यहरमामा गाया प्रथम** এবং তিনি বৰুৰ শ্ৰীমন্তাপৰত অনুসাত্ৰ কণবালেঃ মহিন্ত কীৰ্তন কৰছিলেন, চাৰল আহাৰ ওকাৰৰ পৰালৱ এবং ৰহস্পতি উভৱেই উল্ল কছ থেকে খা প্ৰকা কৰেছিলেন। মহবি পদক্ষ কঠক উপনিষ্ট হবে প্রেক্ত মহবি প্রাণর এই সর্বক্ষেষ্ঠ পুরাণ (শ্রীমন্তাপনত) আমাকে বলেছিলেন। হে কংল, বেংগুর তুমি আমার শ্রদ্মাপরারণ অনুগামী, তাই বেভাবে আমি প্রবশ করেছি, তোমার কাছেও আমি হা रुर्वता करूव। 🐣

"প্রিত্রন করন জলমগ্ন ছিল, ভবন বর্জেলকশারী বিকা এককৌ মহামাগ কমতের পধ্যার শারিত ছিলেন। ষ্টিও প্রতীত হজিল বে, ডিমি বহিবসা শতিক ক্রিবার শ্বতীত তাঁর অন্তরনা শক্তিতে নিম্রিত ছিলেন, ভরও ভার দেৱে পূৰ্ণকংশ নিৰ্মীনিত ছিল না। ঠিক যেমন কাঠের মধ্যে আওনো খাহিকা দক্তি বাকে, তেমনই ভগতন সমস্ত জীবেশের স্বাচের সৃত্য শরীরে নিমন্দিত করে, প্রশার করিছে অবস্থান করেছিলেন। তিনি উর নিজের বারা সংক্ষিত কাল নামক শশুভতে শরুন করেছিলেন। ভগবান তাৰ অভবন্ধ শক্তিতে সহল চতৰ্যৰ পৰন কারেছিলের এবং তার বহিরলা শক্তির ছারা প্রতীত ছমেছিল ধেন তিনি জন্তের মধ্যে লয়ন করে আছেল। য়খন কৰে শক্তিৰ হাবা প্ৰেম্লিড হতে জীবসমূহ ভাতের স্বৰাম কৰ্মেত বিভাগ কথার জন্য বেরিছে আসতে ৩ক করে, ভথা ক্ষরবাদ তান চিন্মর বেছকে নীলাভক্রণে দর্শন কালেন। সৃষ্টির সৃষ্টা বিষয়ে স্কার্যনের মনোযোগ অভিনিবিষ্ট ভিল, বা রকোণ্ডাপের দারা ক্ষেভিত হয় এবং ভার ফলে স্থির সুস্থারাল ভার মান্তিদেশ ভেদ করে উত্তত হয়। জীবের স্কার কর্মের এই সমগ্র করণ। ছনবান শ্রীবিক্তর নাতি কেন করে একটি পরের কলির মতে: জাকার বাজা করণ এবং ভগবংনের ইজার ভা একটি দুর্বের ছতো সব কিছুকে উল্লাসিত করে, কিশাল প্রদার বারি ওকিতে দিল। সেই সর্বলোক্যার প্রকৃতন सत्रथम विकृष चंदर भवमानावार्थ श्रुटवर्ग करका अवर এইভাবে কথা ভা প্রকৃতির সকত ওপের ব্যস্তা পরিপূর্ণ इब, फबन ट्रेनिक कार्त्सन मुर्छ विद्याह, बीटक प्रश्नाद कहा হর, তিনি উৎপত্ন হয়েছিলেন। একা প্রকৃত থেকে আবিওঁত হন এবং পরের ঋণিকায় অনস্থিত হওয়া সংস্কৃত তিনি এই স্কাৰ্থক বৰ্ণন করতে পারলেন না। তাই, किनि गर्दश काम काह राष्ट्रमिंदक मृष्टिभाक करात्का धावर । वर्गसा बिन, किन्न क्षमधानात मनितन वरिक मुक्ति (गर्दे তার কলে তিনি চাবটি মুখ লাভ কবলেন। সেই পাছে । পর্যতের সুর্থনিয়ে শুসতে উপচাস কর্মেল। সেই পর্যতের সম্পূৰ্ণীন ব্ৰম্মা দৃষ্টি সম্বাহ্ম, সেই পত্ন সমূহে অথবা অৱশা, ওবধি অসি ও পুশ্পনত দৃশ্যাবলী কো সেই निरमय मचरक वधावधवारत ठ्वरूट जावरणक ना। चर्यरक्त समात प्रामा वर्षम प्रता कवित्त, किश्व प्रशिवपू,

করান্তে প্রসারকালীম বায়ু কলকে উদ্দেশিত করেছিল এবং উপ্তাৰ ভরতে নেই পদ্মটি ঘূর্ণিত হলিলে। একা ঠার অন্তানেশত ভাবতে শান্তান, এই কমপের উপর বিয়াক্রয়াম আমি কেণ কোপা থেকে এইটি বিকলিও হয়েছে? এর নীচে জলের জভাগ্যরে নিশ্চমই কিছু রয়েছে বার থেকে এই কমলটি উত্তত হরেছে। এইভাবে বিচার করে ব্রুখা পথনালের ছিছ দিয়ে জলে অংশ কল্লেন। কিন্তু সেই নালে প্রচেশ করে বিবৃধ্য নাভির নিকটবতী হওয়া সম্বেও, ডিনি ভার মুগা বুঁঞে বেশবেশন না ।"

"হে বিদর্গ গ্রন্থা ভার অভিস্ক সময়ে এইভাবে অন্তেকৰ করতে করতে তার অন্তিম কাল উপনীত হল, स इतक छन्याम विकास राष्ट्रपुर मानाच इतक अपर वी बुक्तव सरका प्रतिक विद्यास विद्या कर विश्वता करता। ভারণর অভীষ্ট রাজ্য লাভে অকৃতকার্য হরে, ভিনি সেই অর্থেশ থেকে বিরক্ত ছয়ে, সেই শক্ষের উপর কিরে গেলেন। এইভাবে সমস্ত ইন্দ্রির বিষয় *বেকে নিবু*ষ ছতে, তিনি তার ফাকে প্রদেশন ভগবানের চিতার কেন্দ্রীতত করেন। প্রভার একশত করেন পরে তার ধান বৰন পৰ্ব হল, ডকা তিনি মডীট জান লাভ করেছিকেন এবং তার ফলে তিনি জার অন্তরের অন্তরের পর্যায়নে পর্যা পুরুষকে দর্শন করেছিলেন, তার স্কলন প্রচেটা সংক্ত শীকে ডিনি পূর্বে দর্শন করতে পারেননি। ফ্রন্ম নেই ক্ষণ্ডে এক বিশাস পদাসনুষ্য স্বতা কেবতে পেনেছিলেন, था किंग रमकनारमञ्ज नदीत क्षवर खाटक नतरम्बद चनवान একাকী শারিত ছিলেন। চাচুর্দিক শেষনহপের মাধার মণির কিবাপে উত্তাসিত ছিল এবং সেই জ্যোতি মেখানখার সমস্ত অধ্বকার দুর করেছিল। ক্ষাবাচনর চিশ্বর শরীরের কান্তি প্রবাদ পর্যন্তের সৌন্দর্যকে উপচাস করছিল। সেই প্রবাদের পর্বত সাল্লা কর্মকাশের ছারা অভাত সুধরভাবে সঞ্জিত ছিল, কিছু ভগবানের শীত বসন সেই সৌন্ধর্যকে উপজ্ঞা কর্মাছন। পর্যক্ষে চড়াটি

মতিশাল শতীত, হস্ত ও পট সেই পর্যতের সৌন্দর্যকে क्रमान करकिन। फीड क्रियह स्मय रेमर्स के ब्राइ ক্রাক্রিডে জিল এবং তা খর্গ, মঠ্য ও পাতাল এই डिस्टका विडाउ किया। देखा क्यि। विध्य चनुनाम काम अस्त বিভিন্ন অসমানে বিচ্বিত হুওৱান কলে কয়েপ্রকাশিত হরেছিল। ভগতন তার চরণারবিদ উর্জেলিত করে লেখাভিবেনঃ সমত লাভ কণ্য থেকে যুক্ত ভঞ্জিয়োগের করা লভা সমস্ত পুরস্কারের উৎস ভার চক্তক্ষণ । এই সমস্ত প্রকার তাঁলোই জনা বাল ৫% ভবিত্র করে উপ্ল করেম। উরে হক্ত এ চরণের চল্ৰসমূল নৰ খেকে বিন্ধুরিত অপ্রাকৃত ক্যোতির প্রথম জনের পাণভিত্ত মতো মধ্যে হজিক। ডিনি ঠার সুমর হাসিৰ স্বাধা অক্তানের সেবা কলে কলে জানের ক্রেশ দর করেন। কুওল শেভিত তার মুখ্যকপের প্রতিবিদ অন্যন্ত মুনোহর কেন্সা তা তার অধ্যন্তর কিলা এক তার নাসিকা ও অধুদলের সৌন্দর্ভের হার উত্তাসিত ছিল। তে প্রিয় বিদয় : ভাগানের নিভখনেশ কাশকুলের কেনর ৰপেন্ত হেপুৰ ছত্তো পীত বৰ্ণেই বসনের বারা আছেপিত ত্রিল এবং ভাতে বেষ্টন করেছিল অত্যন্ত সুসরভাবে অলহও একটি মেখল। তার বন্ধছেল ঐবংস চক अबर अक चानमा कडेशास्त्रत क्या विद्वविध क्रिया। इन्यन পুষ্ণ বেষণ সুগৰ পুষ্প ও শাখাসমূহের বারা সুশোভিত হর, তেমনই ভগবানের প্রীবিশ্নহ মূলাধন মনিরস্থ ও সূত্রসমূহের দার ভলষ্ড ছিল। তিনি হসেন শত সহর শাখা স্মন্তিত অন্তক্ত মূল মুক্তের হতো। তিনি জগতের ক্ষমা সকলের প্রস্তু। চন্দদ পুষ্ণ ক্ষেত্র কা সংগ্রা হয়ে। বেষ্টিত থাকে, ভেচ্মই ভগবানের জীখনও জনতাশকের

মতেল, ভূমতালৈরে ও পুষ্পামালয়ে বিভূষিত ভাগবঢ়েন্য কশার হারা আছেদিত ছিল। বিশাল পর্বতের মতে ভগবান সমায় স্থাপ্তা 👁 প্রাপম জীবসমূহের নিবাসরূপে শোড়া গাছিলেন। ডিনি সর্বনের বছু কেননা 🖭 আনুষ্ঠান উম স্থা। পর্যত্যে কেনা শত সহত শিকা আছে, তেমনই কথবান শত সহল মুকুট লোভিড অনজনপের স্থান হালা বিভবিত হিচামে এবং গর্বত হেমন কংলও কখনও মনিরতে পূর্ণ বাকে, তেমনই ভারত্ত্রের অপ্রাকৃত শ্রীবিশ্রহণ মূল্যবান রয়সমূহের গারা পূর্ণরালে বিভূষিত ছিল। পর্বত বেজন কথনও কথনও সমূলের জলে নিয়নিকত হয়, তেরনই ভালনেও কানেও কৰনও প্ৰদায় বাদিছে নিৰ্মান্তক হকিলেন। এইভাবে পর্যসেদ্ধ ভারদেকে কর্মন করে প্রকা ছির করেন্দ্র বে, তিনিই ইচ্ছেন পরমেশ্বর শুগতম প্রীহরি। তিনি দেখলেন ্রে, উর স্কর্যুক্ত বৈদিয় জানের নীতিমালা ওপ্রনকরী ক্রমান্ত হতাই সুক্রতাকে শোকা গামে। সুক্রি হক হাঁতে এমনভাবে হক্ষা করছে বে, সূর্ব, হল, বাহু, অয়ি প্রভণ্ডিও তার কাছে পৌস্তাতে পারে না। ব্রক্তাতের ভালাবিখাতা ব্রস্থা কলা এইভাবে ভলবানকে পর্নন ক্ষরনের, তথম তিনি সমগ্র সৃষ্টির প্রতিও বৃটিপাত ত্যকেন। রক্ষা ভগকন বিশ্বর নারি সরোক্ত, পরস্থান, প্রশার বারি, প্রশার বারু ও আকোন করি করলেন। স্ব किङ् प्रथम जीत शाहरीकृष शराहित। अरेपाय হজেওপের হারা প্রণোদিত হবে প্রশা কৃষ্টি করতে অনুধাৰিত হুল এবং ভারণার প্রবেশন ভগবান কঠক নিষ্টি সৃষ্টির পাঁচটি কারণ দর্শন করে তিনি সুক্তনেযুগ হনোবৃত্তির ক্ষতীষ্ট মার্লে ঠার সম্রন্ধ প্রর্থনা নিক্ষেন ক্ষাতে ওঞ্চ করকেন।"

305



नवय खशार

সৃজনী শক্তির জন্য ব্রহ্মার প্রার্থনা

ব্ৰহ্ম কালেন—"হে প্ৰস্থা। বহু বহু বহুনে। তুলসায় । আগতিক চিয়া। হতবৃদ্ধিপ্ৰক হ'বে গড়ে—ভাবা সৰ্বদাই भन्न चाक व्यक्ति चानमारक कामरच ट्यरहरि । शत्र দেহধারী জাঁতের কি দুর্ভাগা কে তার আপন্যকে জনস্র चरपान्छ। (ए शकु, चार्गानीहे अक्यांत काउना निवध, কেনা অপুনর অঠত জর কোন পর্যবস্তু নেই! যদি আপনাৰ খেকেও মেট ফোন বন্ধ বাকে, তবে ভা পর্যক্তব্ব না। আপনি কড় তক্ষের সৃষ্টি শক্তি প্রদর্শন কটে পরম পুরুষরতে বিরক্তে করেন। যে রূপ আরি नर्गत करकि का बच्च कत्य (चर्च क्रिकाम मुक्त बावर ভণ্ডদের কুলা করার জন্য অন্তরেকা শক্তির প্রকাশরেশে তা অধির্ভূত হরেছে , এই অক্তর অন্য বহু অবভারদের উৎস এবং জাগনার নাডিয়েশ থেকে উত্তৃত কমলে আমন কাম হতেছে। হে লভু। আপনার এই নিভা जानसम्बद्ध धावर बाक्तराम मुक्तन (धारक दक्षके जाना रोक्ट রূপ আয়ি দেবি নাঃ চিদাকাশে আগনায় দির্নিশের ব্ৰহ্মক্যোতিৰ কোন সাময়িক পরিবর্তন হয় বা এবং আপনাৰ অন্তরন্ধ শতিক কোন অকজন হয় বা। আমি আপনার কাছে আবসমর্থণ করন্ধি কেননা আমি আমার ক্ষড় দেহ এবং ইন্সিনের গর্বে মন্ত, অখন আগদী সমগ্র জনতের পরম করেব হওয়ে সন্তেও অন্ধাতীত। আপনার এট কর্তমান বক্তপ, অথবা পরমেশ্বর ভগবনে প্রীকৃষ্ণের অন্য বে কোন জগ, সমগ্র ক্লয়ভের জন্য সমানভাবে মুদ্রপান্ত। বেনেভূ আগুনি আগুনার এই নিতা শাস্তরাগ প্রকাশ করেছেন, বে সংশে কাশনার ককেরা আপনার ধ্যান করে, আমি ভাই আগনাকে আমার সভার প্রগতি নিবেনর করি। তারা নরকগারী, ভাসা আগনার সবিশেষ রূপের উপোঞ্চ করে, কেনদা তারা রুড় বিষয়ের চিন্তার

আপন্য চনপ্ৰথকে মৌরত বার উপের করিছের বার আন্ত্রশ করেকে, উরা অক্সার মেমগরী সের অসীকার করেন। তাঁদের ক্**যটেশয়** খেকে আপনি কর্মান্ত নির্মিয়া इन मा। एर थकुः धारे संगटकर धानुरवज्ञा कर त्रक्यः

ভয়ভীত বাকে। তার সর্বক্রণ ভাগের ধন, মেহ এবং আৰীয়বঞ্জনদের এখন করার চেক্টা করে, তাই ভারা সূর্বক্রণ শেক এবং অধৈন বাসনর পূর্ণ থাকে। তারা অন্নি'এবং 'আমল্ল' এই নবর ব্যৱসায় ভিভিতে সোভের কাৰতী হয়ে সমস্ত উদ্যোগ করে। যতকণ পর্বত্ত সা ভার আপনার নিরাপন জীগানপ্রোর আত্রত প্রকৃষ করে, ততখন পৰ্যন্ত কৰা এই প্ৰকাৰ সুশ্চিতাৰ পূৰ্ব থাকে।"

"হে গ্রন্থ। বারা আগমারে সূর্ব মঞ্চলগ্রন্থ দিব্য দীলাসমূহ কীৰ্তন ও প্ৰথমে ৰঞ্জিত, ভাৱা অৰণাই অভাও দুর্ভাগা এবং বিরেক্টীন। তারা অতি অঞ্চল্পের স্থান্য ইক্সিয় সুখ উপকোর করে, করেন্ড কার্যকলালে লিও হয়। হে বহাৰ অভিনেতা। হে নতু। এই সমন্ত হতভাগ্য জীবের নিরন্তর কুখা, তৃত্তর, প্রচন্ত সৈতা, শিল্ত, ফুক **छैरनामक नीछ, उथन श्रीष, युष्टि धापि गामाविश छैन्छरका** चात्रा गर्दमा विक्रामण इड धावर छीत्। स्वीन चार्यमञ 🗢 অন্দর্শন ফ্রোধের অধা নির্ভর অভিভূত হয়। আবি অবেদ্ধ প্রতি কঞ্চলা অনুভব করি এবং ভাবেদ্র এই দুর্গলা দেৰে আমি অভ্যন্ত মুংৰ অনুষ্ঠাৰ কৰি। হে প্ৰজু। অস্থান নক্ষে অভ্যক্তানতিক বুলে-কটেন বাক্তবিক অন্তিত্ব নেই। তবুত বডকা গর্মন্ত বন্ধ ক্রীব দেহাকর্ভিতে লাক্ত থেকে ইন্টির সুখ্ডোগের চেটার লিখা বাবে, ভতৰৰ পৰ্যন্ত যে আগনায় বহিন্তৰা শক্তিত প্ৰভাবে, ৰাড় ক্ষমতের মূর্য-মূর্যালা বেকে মুক্ত হতে গারে না। এই প্রকার অভক্তেরা ভাগের ইজিরওলিকে অভ্যন্ত কটনাত্রক ও কঠোর পরিবামে নিযুক্ত করে। মারে ভারা অনিঞা রোপ কোণ করে, কেলনা আনের বৃদ্ধি নিময়েও নানা প্রথম *হে প্ৰকৃণ বৈনিক শ্ৰ-ভাৰতল বাহুৰ বায়া বাহিত মনোধৰ্ম-প্ৰসূত জ্বনা-ক্ষনা কয়া ভাষের নিয়া ভাৰ করতে বাকে। আধিনৈবিধ শৃক্তির হারা তাবের সমগু প্ৰকল্প পরিকল্প। বার্থ হয়। এমনকি মহান কবিয়াও হবি চিশ্বর বিষয়ের প্রতি কিবুর হর, ভাইকে ভারাও এই সংসারে জাবর্কিত হতে পাকে "

"শ্রে প্রায়া আপারে ভাতেরা বিধাবধভাবে মাবদ ক্রবার মাধ্যমে আপুনাকে পর্ণন করতে পারের এক ওানের চল্লার তথ্য নির্মণ হয় এবং সেখানে আগনি আগনার আসন গ্রহণ করেন। আপনার ভক্তদের প্রতি আপনি এতই কুপামর বে, কেই কালে জারা নিরক্তা আপ্নাতে চিত্র করেন, উল্লেখ করে আগনি আপনার সেই প্রকার क्रिया अवेर मामार महामा क्रियम क्रियम। (स. अस्। प्रदा ভাতকরে, বিবিধ উপচার সহস্রের আপ্নার পূজা করণেও वाजा भारता क्षकात करू कामना-वागनाङ भूकी रावे गयस ক্রেডারেল পুরুষে আপনি ওওটা প্রসায় হন বা। স্থাপনার অহৈণ্ডতী কৃপা প্রদর্শন করার জন্য আগনি সকলের जनरह नहमाचालान दिवांच करतम अवर च्यानि मक्टनव দিয়া ওড়াকারকী, ভিত্ত মাহস্ত দের কাছে আলনি জলপ্তা। বৈদিক বিবির অনুষ্ঠান, ক্ষান, ফলভর্বা, চিত্মর দরিতার্য, তার সক্তকারে আগনার জনাধনা এবং আগনার সন্তুত্তিবিধানের জন্য আপনাকে কর্মমণ্য নিবেদন করা ইডাটে বে সমত পুণা কর্ম, তা সধই মসলকনক। এই धकरा धर्म चनकेन रूपत्र वर्ष का आ। चानि भवन চিত্ৰর ভাগনকে আমার প্রথতি নিবেদন করি, বিনি তাঁর অন্তরণ শক্তির শ্বারে নিজ হৈশিষ্ট্রমণ্ডিত। ওঁরে নির্বিশেষ क्रभ आंचे केंननिक स्पीनाद बाता क्षतरंत्रम करा कार। স্বামি তাঁকে স্থানার প্রণতি নিবেদন করি, বিনি তাঁর দীলায় অন্য ব্রক্ষাণ্ডের সৃষ্টি, স্থিতি একা প্রলয়ের মাধ্যমে অনক উপজেও করেন। আমি পর্যেশ্য ভগরনের শর্ম প্রত্যু করি, বাঁর স্করতায়, ওণাকনী এবং কর্মেকান লৌখিন্দ ব্যবহারের ওচ্সামর অনুকরণ। কেউ বহি মেহত্যাগ করার সমত্ব স্বজ্ঞাতসংক্রেও তার দিবা নাম উচ্চারণ করেন ভাহলে ডিনি উবলাই ভংকলাং ভার ৰক্-ৰত্মান্তলে সৰভ পূৰ্ব থেকে মুক্ত হয়ে তাঁকে লভে করেন 🏲

"হে প্রভা অলেনি এই ক্রবারকাণী ব্যাপর আদি মূলঃ সেই সুফটি প্ৰথমে কথা বকুতির ভিনটি কর ভেন কৰে বৰ্ষিত হয়েছে। সেই তিনটি বন্ধ কৰে সৃষ্টিকৰ্তা আমি, সংহারকর্তা শিশ এবং সর্যশক্তিয়ার পালনকর্তা আপনি এবং আহর। তিন ধরে ক পাবার বর্ণিত হয়েছি। তাই স্বাধ্যেণী ৰক্ষাজন আননাকে মাৰ্চৰ আমায় প্ৰণুত্তি निरस्त कति। ज्यानिस्थात धालनार धाल बन्नाधारणा

न्य अर्म्मात्त्व क्रमा (व मद्यक्ष अन्य व्यवस्थान व्यवस्थान স্তিত হয়েছে স্পর্ভার অনুসল না করে, ভার অর্থহীন কাৰ্যনাল্যাল ব্ৰু ইয়। মতকৰ পৰ্যন্ত এই সমাত্ৰ মূৰ্য কাৰ্যকলাপে যুক্ত হওৱাৰ প্ৰকাতা ব্যৱহা থাকে, ভডক্ৰ कारण्य कीतन मध्यास्थ्य मण्ड भविकश्चना विश्वविक एए। আমি তাই দাৰত কাশ্যালে ক্রিয়ালীল আপন্তকে আমায় প্রণতি নিবেদন করি। হে প্রস্কৃ। অবিধার কাম এবং সমার্য বাজের ভোক্তা আংশনকে আমি আমার সক্ষয় প্ৰশতি নিবেন্দ্ৰ কৰি। যদিও ক্ষমি এমন স্থাৰে অধিভিত क हुँके अवार्थकाम अर्वत विरायम थाएक, वन्तिक चाकि ব্ৰহ্মাণ্ডেৰ অন্য সমস্ত লোকের অধিপতি কর বলিও আমি আৰু উপপ্ৰিয় জৰু বাং বাং বাং বাং কৰা करतन्ति, प्रमुख शामि भानमाहरू भागात अन्य निरंतन्त्र ভরি। হে গ্রভা আপনার নিজের ইম্পার, মতাকত मैलादिनारमंत्र बाग् व्यन्ति हिर्दक, मनुष्ठा, द्वरका कावि বিভিন্ন বোদিতে অবিভিন্ন হল। আপনি কলেও কড अभूरवन बाता असाविक हम आ। अर्थ नरकाश्वरता महिला সম্পাদনের জনাই আগনি আবির্ভন্ত হব, মাই হে গরমেশ্বর জগবান, এইভাবে বিভিন্ন করেশ রকাশিত হওয়ার জন্য আমি জাননাকে আফার লগতি নিবেশন করিঃ রে প্রকৃঃ প্রকৃষ্ণ ভরস্পানার উদ্দেশিত প্রবৃত্ বাবিতে জাগনি নিয়া-সূপ উপজ্বেল করেন। শের সহায় শরন করে আগমি বৃদ্ধিয়ান কভিগের আপনার মিপ্রার चामच श्रममी करवत। (महे नवद, नवध इकाल আপুনার উদরে অবস্থান করে। হে আথার পুরুনীর। আগনার কুলার প্রদান্ত সৃষ্টি করার জন্য আমি আগনার নাভিগক্ষাল পুত থেকে উৎলয় হয়েছি। আপুনি বৰদ নিত্ৰ-সুৰ উপভোগ কাছিলেন, তথা ব্ৰহ্মাণ্ডের স্মণ্ড ত্রহণ্ডলি আপনার চিমার উদরে অবশ্বিত বিগঃ এখন, নিত্র অবসাদে প্রভাতের প্রস্কৃতিত পরের মধ্যে জ্বপনার নের উর্ত্রালিত হয়েছে। পায়েশ্বর ভগবান আমার এতি প্ৰদান হৈছে। ভিনিই এই স্কাল্ডের সমস্ত স্বীক্ষা একম্মা বৰ্ ও প্রমান্ত্র এক সকলের চারে সুপর কর তীর মারু ঐপর্যের স্বারা তিনি সকলকে পালন করেব। তিনি আমাকে ৰূপা ক্ষাম বাতে আমি পূৰ্বের মতে৷ সৃত্তি কুলুর ক্ষর তাঁৰ শক্তিতে ক্ষাইছ হতে কড়েন্টিসন্দান হতে পরি, ক্ষেত্র অমিত জার প্রির সক্ষরণত অস্থানের এককা।

প্রত্যেশ্র ভগবান সর্বাদাই প্রপাপত আখাদের কল্যাপ সাধন করেন। তার কার্বকলাল সর্বনাই তার অন্তরনা শব্দি রমাদেরী বা লগ্নীদেরীর হারা সম্পন্ন হয় : স্বামি প্রার্থনে করি, করে ভাগতের সৃষ্টিকর্মের মাধ্যমে আমি কেন কেবল উরুর সেবার বৃক্ত হতে পরি। আমি প্রার্থনা করি (म. चामाड को कार्यकनारभग्न पाता प्राप्ति राज कका প্রকৃতি কর্তৃক প্রভাবিত হয়ে না পঞ্জি, কেন্দা তার কলে নিয়েকে হট্টা বলে মনে করার অহন্তারকে আমি আগ করতে সভয় হব। পরবেশর ভগবানের শক্তি অনন্ত। তিমি বৰ্ণন প্ৰথম ব্যৱস্থে পৱন করেছিলেন, তথ্য উদ্ধ মাডি-সরোবর থেকে বে পথ বিক্লীড হর্মোধন, ভাতে ব্রস্থাতের সামপ্রিক শক্তিকাশে জন্মি জন্মগ্রহণ করেছি। আমি এখন স্বৰ্ণংকাণে প্ৰকাশিত তাই বৈচিত্ৰাপূৰ্ণ শক্তিসমূহের প্রকাশে নিবৃক্ত আছি। তাই আমি প্রার্থনা ষ্করি বে, আমার জড়জাগতিক কার্য সম্পাদন কারে সমার আমি খেন কৈছিছ বছ উচ্চারণের মার্গ থেকে বিচ্যুত না হই। সেই পুরুষ পুরুষ ভারমে অপার করুণামর। আমি ভাষনা করি যে, তিনি খেন তার মতন-কমল উনীলিত করে শিত হলে স্থকার আমার প্রতি উরে আশীর্বাদ নর্যণ করেন। তিনি ক্ষুণাপূর্বত সুত্রপুর বাক্সে উপদেশ ক্রদান করার স্বধ্যমে সমগ্র স্বপতের উপান সাধন করতে পারেন এবং জয়েদের বিষয়ন বৃত্ত করতে পারেন।"

মহর্বি তৈত্রের কলকেন—"হে বিশ্ব। ক্রন্থা তার আবির্জাবের উৎস পরমেন্তর জলবানকে দর্শন করে তার কুপা লাতের জন্য মন এবং অধীর ক্রমতা অনুসারে প্রথমা করেছিলেন। এইভাবে প্রার্থন করে তিনি নীরব ম্যোজিনান, ক্রেম তার ওপান্যা, জানবার প্রচেট্টা এবং খান ক্রায় করে তিনি পরিপ্রান্ত হরে পড়েছিলেন। জগবান মেশেছিলেন যে, ক্রন্থা বিভিন্ন প্রহণোকের সৃষ্টি ও পরিক্রনার বালগারে অত্যক্ত চিত্তিত হয়েছিলেন এবং প্রদানবারি সর্পনে অত্যক্ত বিভাগত হয়েছিলেন। তিনি ক্রমার অভিপ্রায় বুরুতে পেক্র স্ক্রীন, চিন্তালীল কব্যের ক্রমার অভিপ্রায় বুরুতে পেক্র স্ক্রীন, চিন্তালীল কব্যের ক্রমার অভিপ্রায় বুরুতে পেক্র স্ক্রীন, চিন্তালীল কব্যের ক্রমার অভিপ্রায় বুরুতে পেক্র স্ক্রীন, চিন্তালীল কব্যের

পর্যারশার জনবান ওখন ফলগোন—"হে বেদগর্ভ ক্রমাঃ সৃতিকার্য সম্পাননের বিবরে তুনি বিধানগ্রন্ত অকল উরিপ্ন করে। নাঃ তুনি আমার কাছে আ প্রার্থনা করছ, তা পুরেই তেমোকে প্রশাম করা প্রোছে। যে ক্রশা,

আমার অনুপ্রয় লাভের জন্য ভূমি তপস্যায় ও গালে নিজেকে প্রতিষ্ঠিত কর এবং ভরুজানের অনুশালন কর। সেই কর্মের ভারা পুনি ডোমার ফলরাভ্যমার থেকে বং किছु कानरूष भारत्व। (ए उन्ना! पूर्वभ शका स्रोक्तराहर সমান্তি হবে, ওবন ভোমার সৃষ্টিকরের, ভোমার মধ্যে এবং সমগ্ৰ বিশ জুড়ে আঘাকে দেশতে পাৰে এবং ভূমি দেবৰে যে, শুমি, সমগ্ৰ মাগুং ও সমস্ত কীৰ--সকলেই আহার মধ্যে অবস্থিত। ভূমি সম্পর্ক জীবান্থার এক সম্প্র বিখে আমাকে কর্মন করবে, ঠিক ক্ষেম আগুন কাঠেছ মধ্যে অবস্থান করে। সেই প্রকার দিবা দ্বিসম্পদ হওৱার কলেই কেবল ডুমি সর্বপ্রকার মোহ খেকে মুক্ত হতে পারবে। গুনি যখন হল একং সৃত্যু দেহের ধারণা বেকে মুক্ত হবে এক ডোমাত ইন্সিমণ্ডলি কটা প্রকৃতিয় সমস্ত প্ৰভাৰ থেকে সুক্ত হবে, তথ্য ভূমি আন্তাৰ স্বাহচৰ্যে ভোমার ওছ বরাপ উপদায়ি কান্তে পারবে। ভালা ভূমি শুৰু ক্ৰেন্ডনার অবস্থিত হবে। বেহেত তুলি অসংবারেশে গুলা বৃদ্ধি করার খ্যাসনা করেছ এক তোমার বিভিন্ন সেবা বিভান করার ইচ্ছা করেছ, ভাই এই বিষয়ে সোমার কখনও জোন কট হবে মা, কেমনা টোমার প্রতি আধার অহৈত্তী কৃষ্ণ বিরকাশের জন্য নিবরের বার্ডের অকবে। তুনি আদি থকি এবং কেন্ডেড প্ৰজা সৃষ্টির কাজে নিযুক্ত হওয়া সবেও ডোমার মদ সর্বদাই আমাজে নিবিষ্ট, ভাই পাপ প্রসারকারী রজেণ্ডেশ স্বাধনই ভোমান্কে স্পর্ন করতে পাবৰে না। খনিও বছ জীবদের পক্ষে আনাকে জান দৃষ্ণর, আঞ্চ পুনি আমাকে জানতে পেতেছ, কেননা তুমি জন যে আমার রূপ কোন শুড় গদার্থ, বিশেষ করে পাঁচটি সুল এবং তিনটি সুন্দ্র তত্ত্ব থেকে নির্মিত হরনি। ভূমি কৰা কিন্তা করছিলে, যে কমলটি খেকে ভোলাঃ থার হরেছে তার নাগটির কোন উৎস ভাতে বিনা, দ্বান ভূমি সেই পক্ষনালেও প্ররেশ করেছিলে, ভবে ভূমি কিছুই পুঁজে গাওনি। কিন্তু সেই সমতে আমি ভোনার অন্তরে আমার পরাপ প্রকাশ করেছিলাম। হে প্রসাধ আহার চিপ্তর লীলার মহিমা বর্ণনা করে ভূমি যে প্রার্থন্য করেছ, আমাকে জানার জনা ভূমি যে তাগদ্যা করেছ এবং আমার ठाँठ रहामात गुरु निका-और मगरे चामात चाँदश्रादी कृषां दरम (करन्य)। छूबि एवं विश्वात क्षणस्वी कानुमारत আমার বর্ণনা করেছ, তার ফলে আমি খোরার প্রতি

হাত্রাপ্ত প্রস্তাহ হয়েছি। বিষয়াসন্ত মানুষেরা এই কনিকে প্রাকৃত বলে মনে করে। ফামি হোমাকে বর দান করছি, ভোষার কার্যকলালের ছারা তুমি বে সমস্ত জনগুকে মহিমাধিত করতে ভাও, তোমার সে বাসনা সমল হবে।

"ৰে মানুৰ প্ৰকাশ মতো থাৰ্কনা করে এবং এইডাৰে আমান পূজা করে, অচিয়েই তার সমান কাসনা পূর্ণ হবে, তেনালা কানিই হজি সূর্ব বন প্রথাকা ওডাকটাকের অভিনাত হলে বে, সর্ব প্রকাশ প্রথাকা ওডাকট্ তপাচাল, বজা, ক্ষান, ক্ষোন, সমানি ইত্যালির চরান কাজা—আমান সমানিহিন্দান কারা। আমি সমান্ত জীবের প্রমানা। ভারি পরর পরিচালক এবং প্রিরাভর। মানুর র্যাহিকশন্ত বুল এবং সূত্র পরীরের প্রতি আরক্ত হক, কিন্তু বাংদর কর্তন্ত কেবল আমার প্রতি অনুরক্ত হকর।। আমার নির্দেশ অনুসংগ করে, পূর্ণ হৈদিক জানের জারা এবং সর্ব কারনো পরম কারণ আমার থেকে সরাস্থিতিকার তুমি কে মেছ প্রাপ্ত হরেছ, তার ছারা তুমি এখন পূর্বের হতো গুরু। সৃষ্টি কর।"

মংশি মৈতের বনলেন—"রক্তাণ্ডের ক্রী রক্ষাকে এইচনে বিভার করম নির্দেশ নিয়ে আদি পুকর প্রমেশন ওপকা জীনারারণ অর্মান্ড ইংকে।"



मभाग व्यक्ताय

সৃষ্টির বিভাগ

ইনিবৃদ্ধ কালেল—"হে বহুৰি। দরা করে আপনি আমাকে কানুন ভগবানের বহুর্যানের গর লোকনিপ্রায়হ রুপা কিন্তাবে উল্লেখবিত এবং মন থেকে কীরেনের শরীর সৃষ্টি করেছিলেন। হে খহাকানী। বস্তা করে আপনি আমার সমন্ত সলেহ নির্দান করন এবং আদি খেকে করে পর্যন্ত জানি আপনাকে যে সন প্রশ্ন করেছি, সে স্থানে আমাকে জানদান কর্তন।"

পূত শোষাটো কালেগ—"হে ড়০পুত্র। বিশুর কর্তৃত এইডারে জিলাসিত ছরে মহর্তি মৈত্রের অভ্যক্ত অনুভাগিত হয়েছিলো। সব কিছুই জার হাসতে ছিল এবং তিনি এইডারে একে একে সেই সমত প্রশেষ উবর সিতে ওক কর্মকো।"

মহর্থি মৈত্রের কল্লেন—"হে বিদুর। পর্যাপর জনবানের উপরেশ অনুসারে ক্রমা এইভাবে একাণ্ড দিবা কর্ম বরে তপস্যা করেছিলেন এবং নিগেন্ডে জনবন্ধতিতে যুক্ত করেছিলেন। তারপর ক্রমা দেবলেন, বে পরে বিনি অবস্থিত ছিলেন এবং যে ছানের ভিতর সেই কম্পাট উত্তুত ছারেছিল, আয় উভাই প্রচণ্ড বারুর প্রভাবে কম্পিত

ভুমিল। দীর্থ জললা এবং আছ-উপদাধির চিন্তর জন লাভ করের **কলে প্রকা ব্যবহাতিক জন্মর প্**রথম আপ্ত জুরস্থিতন এবং ডাই তিনি জগনহ কেই বহু সম্পূর্ণহাপ পার ক্রেছিলেন। ভারপর ডিনি ফেখ্যালন, যে প্রে তিনি বল্লালৈ ছিলেন জ সভা কৰাও স্থাকে কান্ত, তথ্য दिनि विश्व कार्याहरूकी, भूग्यं अन्ताहर नमह औ कमान ৰে প্ৰহুসমূহ শীন হয়েছিল, সেইগুলি তিনি ভিডাৰে সৃষ্টি কর্মের। এইভাবে পর্মেশ্ব ভর্মানের দেবছ বুর্ত हरा, बच्चा भिर्दे चारतन कर्निकार्ड अंदर्भ कराहान करर সমগ্র রখাও কুড়ে বিশ্বত সেই পত্নতিক তিনি প্রথমে তিনটি জাগে এবং ভারপর ভৌকটি বিভাগে বিভাও করনেন। একা হাজন ক্রমাণ্ডের সংস্কৃতিতে মহান বাকি। কেনা উরে পরিপক চিত্রক আনের প্রভাবে তিনি পার্ডেশ্ব জনবড়ের প্রতি অংগ্রেকী অভিপরারণ। থাই তিমি বিভিন্ন প্ৰকাৰ জীকো বলের জনা চতুলা ভূকা সৃষ্টি করেছিলেন ("

বিৰুধ হৈতেয়ের কাটে জিল্লাস্য করতেন—ীয়ে অভু! হে কম্বজানী মহবি! পদ্য করে শাসত কাল সম্বত্ত আপনি বর্ণনা করনে, যা অস্তুতকর্মা নরংসেরার জগবাদের একটি রূপ। সেই শাখত করের সক্ষম কিং কৃপা করে বিস্তাবিভভাবে ভা আপনি আন্তরের কাছে কর্মন করন।"

মৈন্ত্রে ফালেন—"পাশত কল হচে জন্তা প্রকৃতির তিনটি থংশর পারশ্বরিক ক্রিয়ার আর্থ উৎস। তা অপরিষ্ঠনীয় ও অসীম, এবং আ প্রাকৃত সৃষ্টিতে ভাগবাদের লীবারে নিমিত হরে। এই জগং জড়। প্রকৃতিরূপে পরমেশর জগবানের নির্বিশেষ প্রকাশ অরক কালের দ্বরো ভগবান থেকে বিক্রিয়। স্থা বিক্রময়োর প্রভাবে ভগবনের বন্ধদত অভিবাভিয়েলে অবস্থিত। এই যাও সৃষ্টি এবল বেজন আছে, পূর্বেও শুসনই ছিল এবং ভবিষ্যতেও তেমনই থাকবে। গণের পারস্পরিক রিন্মার ফলে স্বাভাবিকভাবে বে সৃষ্টি হয়, এ ছাড়া আরও নাটি বিভিন্ন প্রকার সৃষ্টি ররেছে। শাবত কল, বান্ধ উপাদান वायर रक्तने वास्त्रित राजगढ करमेंड करण दिन डाकाड शाला अस्टर्स्। यस अकता मृतिय शंधमि स्टब्स् बर्खन् व मन्त्रा মাড় উপাধানজনিও সৃষ্টি, যাতে প্রমেশ্বর ভগবানের উপস্থিতির কলে প্রকৃতির গুলগুলি পরুপারের সামে কিন্ত করে। বিতীর সৃষ্টিতে, অহন্যায়ের উত্তব হর বাতে জড উপাদানসমূহ, ভৌতিক জ্ঞান এক প্রাকৃত কর্মের উদয় হর। তৃতীয় সৃষ্টিতে ভগান না ইপ্রিয়ের অনুভূতি সৃষ্টি হরেছে একং ভার থেকে উপদানসমূহের উত্তধ হয়েছে। চতুর্থ সৃষ্টিতে জ্বন এবং কর্মক্ষক। সৃষ্টি হয়েছে। সাত্তিক **অহমার থেকে ভাত দেবতাগদ এবং ফা হচ্ছে পক্তা** সৃষ্টিঃ বৰ্ড সৃষ্টি হলে অজ্ঞান অভকর, জঃ কলে জীন বুবিহীনো মতো আচরণ করে 🖺

"উপরোক্ত এই সমন্ত সৃষ্টিওলি ভাগবানের বহিওখা শক্তির প্রাকৃত সৃষ্টিঃ এখন গুলুমার কাছে রজোওপের ভাবভার রামার সৃষ্টির বিষরে শ্রবণ কর, সৃষ্টি রচনার বিষরে মার মেবা ভাগবানেরই মজো। সভ্যম সৃষ্টি ছাবরসমূদের সৃষ্টি, ভা জা প্রদায়—কাম্পতি (পুন্দবিহীন ফাগরান বৃক্ষ), ওবিধি (বে গাছ কল পাক্ষােম মরে মার), লাতা, ভাক্যনা (বেশু বৃক্ষ), হীকাধ (আরোহােশ ভাক্য

गर्थ), धर्वर क्रम (गुन्नम्प्र्रह्स श्रास सम्मनान)। अधिक স্থাবর প্রাণী আহারার্থে উধ্বর্য সঞ্চরণশীল। ভারা প্রার অচেডন, কিন্তু ভাষের অনুত্রে কেনার অনুভৃতি আছে। তরো বিভিন্নরূপে প্রকাশিত। 'অটম সৃষ্টি নিম ভরের প্রাণীদের সৃষ্টি। ভারা বিভিন্ন প্রকারের এবং ভাষের भरका कठेला। **अंत चलक पूर्व कर कल।** अंत গ্রাপের দারা ভাদের অভীষ্ট বস্তব্দে জনতে পারে, কিন্তু ভাগের ভাগরে কোন বছর শারণ করতে অক্স। তে বিশুদ্ধার্য্য বিদুর ! নিয় ক্রবের প্রদের মধ্যে বাতী, ছাগল, মহিষ, কৃষ্ণনাম, শৃক্তর, গবর, হরিণ, ক্রেড়া, উট এমা সকলে দুই বৃহবিশিষ্ট। অৰু বচ্চর, গর্মড, পৌর, শরভ এবং চমরী এরা এক পুরবিশিষ্টা একন ভূমি আমার কাছে গঞ্জ মধ্বিশিষ্ট পশুদের কথা প্রবণ কর। कृकृत, मुनाम, राज, कुर, विद्याल, मनक, मकाङ्ग, निश्र, বানর, হস্তী, কুর্ম, কুমির, জেলাপ ইত্যাদি পঞ্চ নথবিশিষ্ট প্রাণী। ট্রেটাঞ্চ, শকুনি, বহু, বাজ, ভাস, ভাসুক, মর্ম, হথে, সরস, চক্রবাক, কাক, প্রেক ইন্ড্যানি হতে, পকী। निप्रशामी बाल्जामी-विनिष्ठ (व क्यूबाट्ट्री), स्त्र क्यू अरु প্রকার এবং ভারা হতে নবম সৃষ্টি। সাশ্বলো মধ্যে রক্ষোওণের প্রাথন্য অভ্যন্ত অধিক। তাই মানুৰ নানা इक्स प्रच-मुर्मनात मध्यात नर्वमा कर्मठरशत अवर छाता সর্বভোগ্রাবে নিজেনের সুধী বলে মনে করে। হে সভয विषुत्र। आहे त्याम किन्सी मृष्टि अवर स्मवकारस्य मृष्टि (एनम गृष्टि) स्टास्ट रेस्क्य गृष्टि, या नर्स वर्षिक शाक्य সৃষ্টি থেকে ভিন। চতুকেনদের সৃষ্টি প্রাঞ্চর ও বৈকৃত উভग्राधक। देक्सक्रिकं त्ववमृत्ति काँग्रे अकात—(५) त्वव, (३) निष्ठ, (७) चमूत (३) नवर्ष च धानता, (८) पण ও রাক্ষ্য, (৬) সিছ, লুলা ও বিদ্যাধন, (৭) ভূত, প্রেড च विनाह क्षर (৮) विकार रेखानि । मजारवार क्षेत्र क्षता औरमञ्जूष्टि करतन।"

"এখন আমি মনুর বংশধরনের কথা করিব করব। পরমেশ্বর ওপবানের রজোওপের অলম্প্র সৃষ্টিকর্তা রজা অবার্থ সংকর সহবারে প্রতি ক্যান ব্যানি সৃষ্টি করেব।"

* * *

একাদশ অধ্যায়

পরমাণু থেকে কালের গণনা

মৈরের কালেন-"জড় ক্যাতের বে কুমতম অংশ অবিভালা এবং দেহরগে যার গঠন হয় না, তাকে করা হর প্রমাণু। ভা সর্বদা ভার অদৃশ্য অভিত্র নিরে विरायाम बाटक, अधनकि धनराम नरतक। वाह शाद और প্রকার প্রমাণ্ড স্মতর, কিন্তু সাধারণ মানুবেছ সেই স্বৰে বাত ধানদা কলেই। প্ৰথম বাই কাৰ্ড কাৰ্ড চর্য অবস্থা। খবন জেরা বিভিন্ন প্রকারের শরীর নির্মাণ না করে ভানের স্বরূপে স্থিত থাকে, তথন ভানের বনা হুর পরম-মহুং। ভৌতিক রূপে নিশ্চরই অনেক প্রকারের শ্রীর রয়েছে, কিন্তু পরস্বাসুর স্কান্ত সমপ্ত কাপং সৃষ্টি হয়। পরস্বাপু-সম্বাদিক পরীক্ষাে পরিবিধির মাণ অনুসারে কালের গ্ৰদা কৰা বাৰ। কাল সৰ্বশক্তিমান পায়মেশয় জগবান শ্রীচ্টির শক্তি, দিনি অভ জগতের অপোচর ফুলিও সমস্ত भगार्यंत मधिविधि निकार करता। श्रीमानुस साहस्तरूक অভিক্রম করে ক্ষেত্র সময়, সেই অনুসারে পারমাপরিক करिनद्व जातकरूक संभी द्व। (व कार नवट नवपानुह সামশ্রিক অব্যক্ত সমষ্টিকে অবৃত করে, শ্রুকে বলা হর পরম-মধ্ৎ কলে।"

"कृण कारणित शक्त विश्वितिकेव्यत क्या दे!— वृष्टि श्वाप्ताशृत्व क्ष्मि व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त क्ष्मि व्याप्त क्ष्मि व्याप्त क्ष्मि व्याप्त व्यापत व

থারা নির্মিত চার অগুলি গরিমান শার্মধার ছাত্রা হয় পদ (ক্লেক কাউন্স) পরিমিত ভাষপাত্তে একটি ছিন্ত করে সেই পান্রটি যদি কলে রাখা হয়, ভাহলে সেই গনেট কলে পূৰ্ব হুছে বাজকা সময় লাগে, সেই সমহকে বলা হয় নান্তি অথবা দত। চার গ্রহনো বা বাবে মানুবদের দিন এবং চার প্রহরে মারি হয়। পঞ্চনত নিক মানে এক शक रहा अन्य पड़ थ कुछ और गुरे गरण अरू मान হয়: দুই গলেও গদটিকে এক অস হয় এবং তা भिजुरमञ्जूका अक मिन अवर सदि। पुरे मार्ग अक कड़ इत अवर स्थ वारम अरू खडान दश, छा प्रक्रिय ७ छेउत (छात विदिन) मुँहे चल्लाद राजकारका अक मिन अवर বারি হয় এবং ফেবডাগের সেই দিবাবার মানুবদের কলাৰ এক বন্ধা হয়। সানুকলের আৰু এক শত কলে। প্রভাবনালী নকক, প্রহ, ক্লোভিড এবং পরমাণু সমগ্র বিধে পরফোর ভগবানের নির্দেশনর তান র্যাচনিবি লাখন্ত কালের প্রতাবে ভাষের স্বীয় ককলৰে আবর্তিত হলে। আৰাশে সুৰ্ব, বৃহস্পতি, চল্ল, বছর ও জ্যোতিত্তের পাঁচটি কলেন বিভিন্ন নাম করেছে এবং ভাগের প্রত্যক্তের ক-ক স্বেশ্বর <u>রাক্তে</u>।"

"(ह विभूव! मूर्व दीव क्रमीय छान बार वारमारका बाता मध्या बीरवान धानवब करका। दिनि मध्या बीरता बाधू क्या करका गरक दाता बातत क्या (भरक पूक्त हरू नाता बाद दिनि चार्च देती द स्थामा नथ अभाग करतम। बहैकार दिनि धानक गरिएट प्रश्नाम नथ नहिकान करान बाद दावी मध्याम कर्वन १८व्य श्रीव नीठ सहात बावाम मूळात कर्वन तिरका मदनात देशक बादा निरमार करा।"

বিদুর বললেন—"আমি এখন লিড়লোকের, বর্ণলোকের এখা অনুবালোকের অধিবাদীকের অর্থনাল সম্বত্ত অবগত ব্যাছি: এখন আপনি বর। করে সেই সমস্ত আনী ও একে জীবেনের আরু সক্তে কন্স করা বল্লের সীমার জনীত। যে চিম্বর শক্তিসম্পনা। আপনি

পর্যেশর ভগকনের নিয়ন্ত্রণকারীরূপ পাশ্নত কালের গতিবিধি মহতে অংগত। আপনি বেহেড় আৰু-**ভববেন্তা,** তাই আপনি আপনরে বিধ্য দৃষ্টির প্রভাবে সৰ किंकू कर्मन अवस्थ भारतम।"

रेक्टडचे रनारमध--"(ए जिन्ना । हात दुशरक रामा हरू সত্য, ব্ৰেকা, আপর এবং কলিবৃগ। এই চরে যুগের সমস্থার বে সময়, ভা দেকভাদের বার হারলর ক্রেও সভাৰুৰের ক্তিকাল দেবতাদের ৪,৮০০ বছরের সমাদ; রোভাযুগের স্থিতিকাল দেবভাষের ৩,৬০০ করের সমান্ শাপর কুমর ছিতিকাল দেবজনের ২,৪০০ কারের সমান: এবং কলিবুলের স্থিতিকাল দেবভাগের ১,২০০ বছরের সমান। প্রতিটি বুগের প্রথম এবং দেব সন্ধিকন, যা मिक्सिन नमक शकाह शर्मात धानुकार नाम्मक १३।"

°হে কিবুৰ : সভাদুৰো মানুক বধ্যবহু নীতি অনুসায়ে পূর্ণরূপে ধর্মের আচরপ করত, কিন্তু অন্য মূগে অধ্যেতি যুদ্ধির ফলে এক এক পাল করে ধর্মের হ্রাস পেতে धारकः विरमारुधा (धर्म, वर्ष्ट) उत्तर नाथानरमारकः) बाँदेख उष्णात कारक क्षक शकात एए गूँटन कर कि रत। তেমনই প্রস্কার প্রাত্তিকালও তন্তবাদি, এবং বিশের मुक्तिककी क्षेत्रका (भारे मध्या निक्षा वान) क्षेत्रकार विभारक वचन क्षणांत विर एक एक, छथन भूनवास जिल्हात्का भृष्टि ৩ক হর এবং ভারা চতুর্বশ খানুর আনুদ্ধান পর্বন্ত বর্তহান পারে। প্রত্যেক হনু একজেন চতুর্গের কিছু অধিক কাল শর্মর জীকা উপজেদ করেন। প্রত্যেক মনুব অবসালে, कैरानत्र वरणवत्रभष-नहं भववटी मनुत चाविकांव दश, विनि বিভিন্ন প্রকাশকার করেন, কিন্তু সন্তর্বিকণ এবং ইতের মতো দেবতাগণ ও গছর্বদের মতো ঠানের অনুবামীকৰ সকলেই মনুর সঙ্গে খুবলৰ আবিভৃত হব। সৃষ্টিতে ব্রক্তার দিবাভাগে, ঝর্গ, মর্তা ও লাভাল এই শেখনকার তির্বক, মানুব, মেব ও পিতৃরৰ আদি অধিবাদীদের আবিঠাব ও ডিরোভাব হয়। প্রভাক मेरपरा, नारम्या क्रमका प्रमु अवर चनामा करवासाल्य তাঁর জন্তদা শক্তি প্রভাগ শক্তে আনির্ভূত হল। এইভেনে

मिनारक, सरमाकरनव कृत आरटनव सनीहन, विरूद শক্তিশালী অভিযক্তিও রর্য়ত্রর অন্তক্তরে শীন হয়ে যায়। শাশত কান্দের প্রভাবে অসংখ্য জীব তখন প্রকারে বিজীন एक भारक अपर छचन नव किंदु नैदिन दरत यात। क्षण्यद 🤜 वथन वाजि एक इत्, छचन लाकडात थानूना हर्स सर এবং ঠিক স্থাননশ মাজির মতো তখন চল্র ও পূর্ব নিদেছ হরে কর। সকর্বশ্রে মুখনিঃসূত অগ্নির কলে এই চলত হয় এবং ডকা ছহরোকের অধিবাসী ভূও আদি কবিসৰ ত্তিলোকসম্বকাৰী প্ৰজ্বনিত অধিন ভাগে গীভিত হরে জনগোকে গমন করে। প্রতায়ের ওক্তে সমস্ত সমুদ্র বার্যাত হয় এবং প্রচত বায়ুবেশে ভরসসমূহ উর্বেশিত হংছ, ত্রিভূকনকে পরিপ্লাকিত করে। পরমেশ্বর ক্রণবান শ্রীহরি পূর্বের উল্লেখ অনুসারে কেবলমার কয়েক শত বংগর, তথন মূত্রিত নমনে জলের উপর অনত শধ্যমে শরুন তাকেই অভিন্ন জোঠিইনে স্থানতা কলে ব্যক্তো। এই 'ক্ষেত্ৰ এবং জনগুৰুকের অধিবাসীয়া তথ্য কৃতাক্সনিপূট্য ঠান ক্তৰ কৰেন। এইখনৰে ব্ৰুৱানত প্ৰভাক শ্ৰীদ্ৰবাহ খানু ক্ষমশ্রপ্ত ইয়। বিভিন্ন লোকে কালের বভি অনুসারে সকলেরই আরু একশত কংসর। রক্ষার শতকর্য আরু দুখালে বিভক্ত। তার আবৃত্ত প্রথম অর্থভাগ ইতিসংগ্রাই ণত হতেছে এবং বিভীয়ার্থ এখন চলছে। ব্রসার জীবনের পূর্ব প্রাথের প্রাক্তর রাক্ষ-কর নামক কলে রাক্ষ্য আবিৰ্ভাৰ হয়েছিল। কেন্দ্ৰ আবিৰ্ভাৰ এবং ফুৰাৰ কৰ একসংক্র হয়েছিল। প্রথম ক্লেক্ত-কর্মের প্রের করতে বলা ইন শাখ-কা, কেননা সেই কলে ভাগবান প্রীহরির নান্তি সারোক্ত থেকে প্রকাতরাগ কমল নিকলিত হতেছিল। (१ क्षात्र । इकार काहून विकीवार्थन क्षा काहर-পর নামেও প্রসিদ্ধ, ঝেলার সেই কলে পরয়েবার ভারবান দ্রীহরি বরাহরতে অবভ্যম করেছিলেন। রক্ষান জীবনের বৃটি পরার্থকাশ, বা পূর্বে উল্লেখ করা ক্রোছে, খা বিভার-য়হিত, আনায় এবং বৰ্ষ জগতের পৰাম কারণ প্রয়োধন ভগবানের এক নিমের ক্ষর।"

"নাৰ্ভ কাল অবলাই প্ৰমাণু থেকে বঞ্চ করে বিলোকের আবর্তন হব এবং সভাম কর্ম অনুসারে, এখার জীবনকাল পর্যন্ত বিভিন্ন জারভদের সিরজ্ঞা কিছ স্তা সংক্রে স্থা পর্যায়ক। সংক্রের নিয়ন্ত্রকারীন। কাল কেবল ভানেত্ৰই নিজ্ঞান কয়তে পাৰে, বানা দেইচেতনত্ত বারা প্রভাবিত, এফনকি সভালেকে পর্যন্ত বা প্রকাশেন অব্যান্য উচ্চতন লোকেও কালের এই প্রস্তাব বিব্যযান। ক্ষার পরিস্তান করে ছিলি বিশ্বের পাদান করেন। আটটি স্বান্ত উপাদানের সমধ্যে যোড়াগ প্রকার বিকার

প্রেটে প্রকাশিত এই যে রাধ্যত, তার অভ্যন্তর পঞ্চাশ । এক বিশাল সময়রে প্রমাণুর মত্ত্যে প্রতিভাত হয়। তাই

(काहि क्षात्रम विञ्चल क्षयः निर्माणीय**ः व्यक्ता**पत बाता । भद्रतमात क्षाताम श्रीकृषक नर्ववस्थान भाग कारम वना আরম্ভ। ব্রাক্তাওকে আবিত করে যে সমস্ত তথ্য হা। ইয়েছে। এইভাবে বিশ্বর চিম্মার ধাম নিংসাদেয়ে সংখত উত্তরোগুর সমাত্র অধিক বিস্তৃত এবং সমার ক্রমাণ্ডতাল । এবং তা সমার প্রকাশের মূল উৎস মহাবিষ্ণার বার ।"

থাদশ অধ্যায়

কুমার ও অন্যান্যদের সৃষ্টি

ছৈলো কৰি কালেৰ—"হে অভিজ বিদুর। এতখন আমি আপনার কাছে পর্যেশ্বর ভগবানের কাল নামক রুপের মহিষ্য কর্মনা করলমে। এখন আগনি হয়ের কাছে বেদগৰ্ভ প্ৰকাৰ সৃষ্টি সম্বন্ধে প্ৰথম কৰান।"

"ক্ৰন্তা প্ৰথমে জীবেই সভাগের অপ্ৰকাশক তম, দেহাদিতে অহংবৃদ্ধি এবং থেছে ও ভেমনত ইচ্ছা, ভামিস্ত বা ভোগেচ্ডার কথা থেকে ক্রোমের সঞ্চর, অন্ধতমির বা ভোগ্যবন্ধর নথেশ আমার মৃত্যু ঘটনা এইকাণ কৃতি---এই সমক এবং অন্যান্য জভান ব্রিসমূহ সৃষ্টি করেছিলেন। এই প্রকার প্রয়োৎদানক সুয়িকে পার্লীয়সী। কৃত্য বলে দর্শন করে, ব্রহ্ম তীর কর্বেকনাশে অধিক অনশ অনুভব কমেননি এবং তাই তিনি ভগবানের ধান করার মাধানে জার অন্তঃকরণ নির্মল করে অবালা সৃষ্টি ওর করেছিলেন। প্রথমে ব্রক্তা সমর, সমস্ক, সন্যতন ७ मनरकृत्रात्र माथक ठाव्रथम प्रदर्शिक मृद्धि करहरितनः। টারা সকলেই ছিলেন উপর্বরতা এবং তাই ভারা জড়বাৰ্যাতৰ কৰ্মকলাপে নিপ্ত হতে অনিমূক বিলে।। রক্ষা তারে পুরুষের সৃষ্টি করে তারের কালেন, 'হে পুরাগর। এখন ডোমরা থকা খৃষ্টি কর। ক্রিন্ত পর্যবেশর ভগবান বাসুদোকো প্রতি ভক্তিপরায়ণ ছওয়ার কলে, भाक्तपर्यक्रिके कृष्यालका छन्द्रे कार्स केलक करिया जन्म করলেন। তামের লিডার জ্বাদেশ পালন করতে অধীকার করের কলে, ক্রখার আত্তরে দুর্বিবন্ধ রেলধ উৎপন্ন ইংয়ছিল, বা ভিনি তথ্য সংবহণ কৰুতে চেষ্টা কৰু এবং কেছেতু তুমি একজন প্ৰজ্ঞাপতি, ভটে তুমি কা

করেছিলেন। যদিও ডিনি উল্ল ক্লেখ সংবরণ করের চেটা শরেছিশেন, ডাবুর ভা ওঁরে মার মধ্য থেকে বেরিয়ে এসেছিল এক ভবেশাৎ নীল-লৈহিত অৰ্থায় একটি শিও উৎপদ্র হয়েছিল। তার জন্মের পর তিনি ক্রনান করতে **बदाउ कारड नागरभा—'छ दियाला! एड बन्धराज्यः**। मात्र करत व्यापति काभाव नाम ६ श्वनतमूर निर्मण करत দিন।' পত্ৰকানি ভগবাস প্ৰথা তখন মন বাকোর ধরা সেই বালকটিকে শাব্র করেন এবং উরু অনুরোধ স্বীকার करत कारका---'जन्मन करता ना। छूनि ना क्रिक्ट छ। আমি অংশাই করও।' তারপার ব্রন্ধা বর্জনাল-'(ছ সরবেট। বেহের ভমি উৎকৃতিত হয়ে দ্রুপন করেছ, ভাই প্রকাশন্ত জেমাকে ক্রয় নামে অভিনিত করব। হে পুরা হলা, ইবিব, প্রাণবার, আকাশ, বারু, অনি, অস, ্পৃথিকী, সূৰ্ব, চন্দ্ৰ ও ভগস্যা—এই সমস্ত স্থান আমি भरवि रहायात्र कता मिर्थातिक करत दररहि। हना কালেন—হে প্রিয় কুমার রূপ্ত। তোমার এগার্থট আরও माम प्राह्मक (मारेशानि राज्य-मनु), मनु, महिनन, महास দিব, খান্ডাংখ, উপ্তেক্তর, তার, কার্য, কার্যনের ও প্রক্রত। হে কর! সুমাণী নামক খোমার একলেল পত্নীও হয়েছে वाक्त डॉरक्स नाम शाक्र-मी, ५७८, इमला, डिमा, मिश्र मर्नि, रेन्त्र, चर्षिक, रेट्रावठी, यथा क भीत्रम । 🗯 शिव কুমার: এখন ভূমি ভোমার এবং ভোমার বিভিন্ন পত্নীদের জন্য এই শব্দর নাম এবং নিনিষ্ট কান স্থীকার

প্রথা সৃষ্টি কর ি সকাইতে শক্তিশালী রুদ্ধ বীর সেহের বৰ্ণ নীল ও লাল রঙের মিশ্রণ, তিনি তারই যতো খাড়ড়ি শক্ত ও উপ্র সভাবসন্দার বাং সজন-সজুতি সৃষ্টি करतिहरूका। इन्छ त्यास्य मुद्दै कील क्षत्राच्य सूत्र अपर পৌত্রপণ সমবেত হতে জগৎ প্রাস করতে উপ্তত হয়েছিল, কৰা প্ৰজাপতি ক্ৰমা সেই পৰিস্থিতি দৰ্শন কৰে **ए** प्रकीष इंटर्क्स्यन । इसा क्ष्मा क्षा कारनन—'स्ट भूतत्वके। असे अस्मा असा भृष्ठि करात रक्षा शरतासन নেই ৷ জন্ম অংকর চকুনির্গত প্রকৃতিত অভিন করে৷ দিকসমূহ ভাসে কয়তে ওঞা করেছে এবং ভারা আহতে পৰ্বন্ন আক্ৰমণ কৰেছে। হে পুন্ত। ভূমি কণ্যায় चनुकेल कर, स निविध चौरवर गएक प्रतनका कर ग তোমতেও সর্বাদীশ কল্যাণ-সাধ্য করবে। ভগস্যার প্ৰতাৰেই পূৰ্ব কৰের ক্ষতো ভূমি এই বিধা সৃষ্টি পৰতে পারবেঃ ভলসার করাই কেবল প্রমেশ্ব ভলবানের সমীপ্রতী ইওয়ে যাছ যিনি স্কলের ফলরে নির্ভ্যান **হওয়া সম্বেও** ইন্দ্রিয়ের উপলব্ধির অতীভা^{১ জ}

এনৈত্রের কাল্ডের—"এইভাবে রখ্যা কর্তৃক জানিট হবে, রমা উলা বেগণতি রামানে প্রদক্ষিণ করে, উর নিৰ্দেশ অনুদায়ে ভাগন্ত কালে আনু কানে প্ৰাংশৰ কালেন। প্রথেবর অধ্বানের পরিকাত আরিট রক্ষা প্রবা সৃষ্টির ম্মাণয়ের ক্রিক্স করে, সক্তান-সন্ততি বিসায় করার ক্রন্ মণ্টি পুত্র উৎপান্স করেছিকে। মরীটি, অতি, অসিয়া, পুলারে, পুলার, ফ্রাডু, ভূগু, বলিষ্ঠ, ক্ষা ও ধ্বার পুরা হয়ক এইভাবে জন্মাল করেছিলে। প্রকার শবীরের সর্বনেট আৰু নিব্ৰ ভাগো খেকে নামদেন আৰু মুখেছিল। বলিটোঃ লগু হয়েছিল তার নিংখাল বেকে, দক্ষ তার বৃদ্ধাতৃতি থেকে, ভৃগু ভাঁম ক্বক খেকে এনং ক্রাতু জার মন্ত থেকে। পুশস্তা আৰু খেকে, অভিনা মূৰ খেকে, অতি নেয়া খেকে, মহাট হণ থেকে এবং পুনহ রক্ষার নাতি থেকে উৎপন্ন ইয়েছিলেন। ফুখার বে জনে পান্সেখন কণাকন নমায়েশ चतञ्चान करान, राजाम (धर्म धर्म छैरुना स्टारिन क्षार चर्च होता गृष्ठेरका स्थरक छकानिक स्टाब्सिं। बहे মধর্ম থেকে লোকের ভারতর মৃত্যু সংঘটিত হয়। সংয 🛊 কলৰ ব্ৰহম জাত থেকে উত্তত হয়েছে, কোধ জীৱ

পাপের উৎস্থার রক্ষ ক্ষমন্য কার্যকলাপ ঠার সল্ভাব থেকে উৎপদ হয়েছে। মহিমানরী দেহসূত্র পতি মহর্বি বৰ্ষৰ ব্ৰহ্মাই ছায়া খেকে উৎপন্ন হত্যেছিলেন। এইভাবে ক্ষণতের সমস্ত শস্ত প্রকার পরীর অথবা মন থেকে **देश्यम ए**टटरम् ।"

"হে কিয়াঃ আমরা ওনেছি বে, ক্রভার বাড় নারী এক কন্যা ছিলেন, বিনি তার পরীত্র থেকে উৎপত্র হরেছিলেন। এখা। কারে উল্লভ হরে ঠাকে ভড়িকার करतकितान, किन्तु त्मरे कता निर्देशक कितान। प्रदीक्ति গ্রহুৰ প্রকার পুরোমা এইডাবে তাঁলের পিতাকে নিতাত হবে অনৈতিক আচরণ কাতে কেখে, গতীৰ প্রস্কা সহকারে তাঁকে বলবোন—'হে পিশ্র। এই প্রকার কর্ম বর কলে আগনি নিজেকে সমস্যাগ্রক করছেন, ভা পূর্বে কোন ব্রহ্ম কানও করেননি, অন্য কেট করেনি, অধবা পূৰ্ব কলে আগনিও সংক্ৰমনি এবং কবিবাতেও কেট জ করতে সাহস করবে না। এই ব্রক্তাতে আপ্রি হচেন সর্বনের্চ প্রাণী, ভারলে কিয়াবে আপনি অপনার ফলার সঙ্গে বৌন সম্পর্কে লিপ্ত হতে চান এবং আগনার সেই বাদনাকে সংখত করতে গাঙের মাঃ আপনি বদিও সকাইতে শক্তিশালী শুক্তি, তবুও এই আসাৰ আপনায় শোকা পার মা কেনাস পারমার্থিক উচ্চতি সাধনের ক্ষান্ জনবৰ জাপনাৰ চরিত্রের অনুসরণ করে। জামরা भवटरबंद कथवानक चामारबंद मध्यक समित निर्देशन করি, বিনি আৰম্ হওয়া সংযও শুনা স্বীর জ্যোতির স্বান্ধ এই জন্ম সৃষ্টি করেছেন। সর্বাদীন কল্যানের জন্ম তিনি (यन वंतः कट्ड वर्मटक प्रका कट्डन । शकानिक्तिय निका ব্ৰহ্ম উর পুই সমস্ত প্রধাপতিকের ঐত্যের কাতে দেখে জন্যত্ত লাজিক হরেছিলের এবং ভংকলাব, তিনি উর শবীর ভাগে করেছিলেন। তানা সেই শবীর তথন স্বনিকে অক্কারে প্রকঃ কুত্রটিকারণে প্রকাশিত হরেছিল ("

"কোন এক সময়, কান হকা চিন্তা করছিলেন, किछाद छिन्ने विश्वष्ठ करबात बरका किंध मृष्टि कहरूका, কৰন তার চার মুখ খেকে বিধিধ আন সম্বিত চতুর্বেদ প্রকাশিক হয়েছিল। অধিধারে ব্যক্তর চার প্রকার স্থান্থবলের কর কেন্ডে, লোভ তার ভাধরের মধ্য থেকে, উপকত্তণ—বধ্যমান (সম্মান্তবল), হেতো, করি এবং ষাণী তার মুখ থেকে, সমূহ তার নিবা থেকে, সময় উপবেদের নির্দেশ স্কন্মানত সম্পাদিত কর্ম প্রকাশিত

চল্যাভিত । ওরংগর ধর্মের চারটি তথা (সভা, ভগ, গায়া -৫ (নীড়) এবং চারটি কর্ণের কর্তবা সব কিন্নই প্রকলিত চৰ 🖺

নালমি আমার কাছে বিয়োগে করন, কিছাবে এবং কর करवर्ष्ट्रश्रमम् 🖺

স্থাক্রের কক, কর্ম, সাম ও অথর্ব এই চারটি বেদ প্রকলিত হয়। ভারণর, পূর্বে অনুচ্চারিত বৈদিও হয়, ইজা (শৌরোহিতা), স্বতিকোদের প্রতিপালা বিষয়, · প্রারণ্ডির (চিত্রর কার্যক্ষাণ) ক্রমাররে প্রতিষ্ঠিত হরেছিল। তিনি চিকিৎসা বিজ্ঞান, যন্ত্ৰকলা, সুসীতকলা শ্বাপত্য বিজ্ঞান—এই সমস্ত বেদ থেকে বচনঃ করেছিলেন। এইওলি খাঁর পূর্ব হয় থেখে ওঞ্চ করে একে একে প্ৰকাশিত হয়েছিল। বেহেত ডিনি সমগ্ৰ সময়িত।" অতীত, কর্তমান ও ভবিত্যৎ দর্শন করতে পারের, ভাই তিনি তথন তার সমস্ত হব থেকে পঞ্চয় বেদ-পরাদ ও ইতিহাস সৃষ্টি করেছিলেন। বিভিন্ন প্রকারের বঞ (८वाकनी, केंक्थ, श्रुवीवि, मध्युहाव, कार्यावीव, चिकितात. राकरणा च (मागर) देवात पूर्व पूच (पर्क क्ष्माभित वरश्रह। विभाः मान, कशन्तर्था के नका-এইগুলিকে মর্মের চারটি পা করা হয় এবং সেইগুলি कानका कन कीरत्स्त्र ठाव्यँ काट्यम अप पदि कार्यात চারটি কবিভাগ রয়েছে। ধারাবাহিক ক্রম জনসারে রক্ষ শেইওলি সৃষ্টি করেছেন। ভারপর সাবিত্র বা বিকল্পের **উপনৱন সংখ্যার প্রৱল্পতা আ বর্ষবাদী এর অবলয়ন** ब्राम च (वर अर्थ, ब्रह्मक्क क प्राप्तान ट्रेवरिक अपार्टर, বার্জা বা বৈনিক নির্দেশ অনুসারে স্থাঁবিকা-নির্বাস্থ, সক্ষয় ৰা ৰাজনামি বৃত্তি, শালীম ৰা অধ্যচিত বৃত্তি একং শিলোছ पा गविकाक कात मध्यक्त दाता सीविका निर्वाह - **वर्ष** সমস্ত পুনের কঠন্যসমূহ ব্রহ্মা সৃষ্টি করলেন। বানপ্রস্থ আশ্রমের চারটি শিভাগ হক্তে—বৈধানস, বাসবিশ্য, উদুখর ও কেলগ। সমানে আশ্রমের হারট কিলান राज-कृष्ठीतक, वर्शमक, शत क निद्धित। अरेशन ঐক্যার খেকে প্রকাশিত হারেছিল। ভর্কবিদ্যা, খেব-নির্বারিত জীবনের লক্ষ্যু আইম-পুঝলা, নীতিশার এবং

ত্রসিদ্ধ মন্ত্র ভূরা ও হা, এই সমই প্রভার মুখ থেকে হ্রকাশিত হয়েছে এক প্রথম প্রকাশিত হয়েছে উন্ন হালর থেকে। ভারনর সর্বনজিত্তার প্রকাশতির সেহের বিধের বললেন—"হে তলোধন মহর্নি। দথা করে লোম থেকে উঞ্চিক্ নামক বৈদিক ক্যু প্রক থেকে প্রধান বৈদিক মন্ত্র পায়ত্রী, ফালে থেকে ত্রিষ্টপ, সার্থ সাভাগো একা তাৰ মুখনিঃশৃক বৈদিক জনে প্ৰতিষ্ঠা, থেকে অনুষ্ঠপ এবং অতি থেকে জনতী হল উৎপন্ন হারেছে। পদা শোধার কার বা পাচকি উন্ন মাকা খেকে रिश्तवह समाज्ञत—"उक्कांत जुर्वानि वृथ (४१८० हिरशह १८३१६ अस वृद्दती नवन कहत अरू अरूत इस প্রজাপতির প্রাণ থেকে উৎপদ্ধ হয়েছে। রাসার আসা থেকে স্পাধর্ণ, মেহ থেকে স্বরুগ, ইন্সিম থেকে উন্মর্গ, ৰল বেকে অন্তঃপ্তৰ্ক এবং তার ইন্সিরের কার্যকলাপ খেকে সমীতের সভাট হর উত্তর হতেছে। শব্দ-একের উৎস্কালে একা পরমেশ্বর ভগবানের বাজিগত প্রতিনিধি এক তাই তিনি ব্যক্ত ও অব্যক্ত ধারণার অতীত। প্রখা হামেল পরম ভড়ের পূর্ণ প্রকাশ এক তিনি নিবিধ শক্তি-

> "ভারপত হলা অব্য ভার একটি শরীর প্রচ্য करतहिराजन, यात पाराध्य (वीमकीका निरिद्ध हिंग नी, **बरेडार किन महिकार्य महानित्यः कर्दाहरूम। ८१** কৌরব। প্রদা বখন দেখলের হে জ্যাবীব্রাং ভবিয়ের दैनविकि माच्छ स्थामरका नवीद नांत्रवारन विके रनाम না, তথন তিনি গভীতভাবে চিন্তা করতে ওক করগেন কিতাবে ভালসংখ্যা বৃদ্ধি করা নার।"

ব্রখ্যা মনে মনে ভাবলেন—"আহা, कि ভাশ্চর্য। আমি দৰ্বণা দৃষ্টিকাৰ্যে বাংগুত লাহেছি, তবুও জামার প্রজাসমূহ বিরোধ পাছ কাছে মা। কৈব দ্বাভা এই দর্ভালোর স্বার জনা কোন জন্তুগ নেই। এইভাবে তিনি কল চিন্তাময় ছিলেন এক দৈব-ডিচ নির্বাহন কর্মছলেন, কৰৰ কাঁৱ যেহ খেকে জন্তত মুইটি মুৰ্ভি প্ৰকাশিত হরেছিল। সেইওলি প্রকার কের কলে জনিছ। সরা কিচন্ত বেহ মৃতি বীন সম্পর্কের থারা মুক্ত হয়েছিল। উম্বত মধ্যে বিনি পুরুষ হৈনি সারস্থা জু করে পরিচিত হন এক মিনি ট্রী তিনি মহাখা করু কহিবী শতরুবা নামে পরিচিতা হয়েছিলেন। সেই নালা থেকে হৈথন-বৰ্মের হারা প্রজাসমূহ বীরে বীরে বৃদ্ধি পেতে লালল। (র ভারতঃ বধাসময়ে তিনি (মনু) শতরুপু ছোক नीवित महान साह्य स्टब्स्ट्रिक्स पुरे भूत क्षिप्रवृत्त छ

পিতা মনু উল্লে প্রথম কল্যা আকৃতিকে মাতি নামক ধরিকে। পান করেন। উল্লেখ্ন থেকে সমাত্র কালং মনসংখ্যায় পূর্ণ शान करता. वर्णाया कना, त्यस्त्रिटक कर्मथ नामक कांशक

উত্তানপাদ এবং ভিনটি করে আঙ্ডতি, দেক্তি ও প্রসৃতি। সাম করেন এবং কনিটা কন্যা প্রসৃতিকে গজের নিবট इट्ट्रेट्ड ("



ব্রয়োদশ অধ্যায়

শ্রীবরাহদেবের আবির্ভাব

ক্ৰীল ওকদেশ গোখাৰী বললেন—"হে ব্যক্তন। এইভাৱে বলেছিলেন। আপনি সমস্ত জীবের পিডা এক মংবি হৈজে কাই বেকে এই সমস্ত পুণাতর বার্তা প্রক करात भत्न, विमुद्ध कशका चानुरार्यन कथा अवर्षा श्रव ◆खिन्दितन, स छिनि चामकन्दंक छमएक (इराहित्सम।"

विष्य कारणन—"एर महर्वि: प्रकाद नुस कारध्य তাৰ প্ৰিয়তম পৰীকে লাভ কৰাৰ পৰ কি মৰেছিলেন গ হে সাধুলেও ৷ আৰি প্ৰজ্বালেন্ত (মন্) ছিলেন পর্যোধন ভগবান প্রীত্তবির মহাল ভক্ত এবং ভাই তার উদাস্ত চরিত্র ও কার্যকলাপ ক্রব্যোগ্য। দরা করে আপনি তা কৰে। করন। আনি তা ওনতে অভার উৎস্ক। বাঁরা সন্থক্তর কাছ থেকে পরিপ্রমণুর্বক मीचनान नर्वंड अवर्थ अव्हर, छोरमव ७६ जलाराज हरिय ও কার্বকলাপ সহত্তে ওছ ভভাদের মূদ থেকে প্রবণ कता डेविछ। एक छएउना नियंत्रत छोएमत समस्य ভক্তবের মুক্তিলাভা পর্যেশ্বর ভগবানের জীপাদগরের ধ্যান কবেন।"

क्षील करकर कारायी कारणल-"नहस्माह स्थापन প্ৰসম হতে বিভূবেদ অংক তাত জীপাদপত্ম স্থাপন করেছিলের, কেনা বিনুর ছিলের অভান্ত বিনীত ও বিশ্ব। মহর্দি মৈত্রের বিদ্রের কথার অভ্যন্ত প্রীত হয়েছিলেন এবং ভার মতনভাবের বারা প্রভাবিত হয়ে তিনি বলতে **থক করেছিলেন।**"

মহর্মি মৈরের বিদ্যুক্ত বদক্ষেত্র—"মানবজাতির পিতা মন তার পত্নীসহ আবির্ভত হরে, সমক্ত বৈদিক আনের **छैरम उत्पाद शक्ति यसकारत शाकि निरंतन करात गर्**त,

ভাষের জীনিকা নির্বাহের উৎস, কেন্দর ভারা সক্ষে আপুনার থেকে উৎপন্ন হয়েছে। মরা করে আপুনি আমাদের আদেশ করুৎ, কিডাবে আমরা আপনার সেধা कड्राप्ट भाति। एर भूकतीयः। भाननि भागारमञ् কর্মক্ষমতা অনুসারে কর্তব্য সম্পাদ্ধ করার নির্দেশ স্থান কলন, বাতে আমরা ভা অনুসরণ করে ইংগোকে যশোলাভ করতে পারি এবং গরলোকে স্পর্গতি প্রাপ্ত হতে পাবি।"

ক্রমা মললে:--"হে প্রির পুর: হে কিতীপর। তমি নিধপটে আন্তরিকভাবে শিক্ষা নাভের কর আমার কাছে আন্দর্মপূর্ণ করেছ, তাই আমি ভোমার প্রতি অভাত প্রসম ইয়েছি। আমি ভোমাদের উভয়ের সর্বান্টীণ মঞ্চল কামনা করি। হে বীর। শিশুর সঙ্গে পুরের সম্পর্কের আনর্শ সৃষ্টাও ভূমি প্রদান করেছ। গুরুত্বনাদের প্রতি এই প্রকার জন্ম আনুনীয়। বিনি ইবলৈ সীখার অভীত এবং সংযতিত তিনি মহান্তেশ লিভার আনেশ শীকার করেন এবং ভারে পূর্ব ক্ষমভা অনুসারে তা পাধান করেন। বেহেড় ভূমি আখর অভ্যত অঞ্চল্যান্দকারী পুত্র, ডাই আমি জেমাকে আদেৎ দিছি, ডেমোর পত্নীর গর্ডে ভোমারই মতে ওধাবলীসম্পন্ন সম্ভান উৎপাদন কর। ভগবড়ভিন্দ সিদ্ধান্ত অনুসারে পৃথিধী শাসন কর এবং व्यष्टिकार्य पक्षा कर्नुकारनंत्र बाजा कन्यनारस्य क्रत्यक्ष्य करे । হে রাজদ। ভূমি যদি জড় লগতে জীবেদের বদায়থভাবে রক্ষণাবেক্ষণ করতে পার, ভাহতে সেটিই

লাৰ অৱসাৰ প্ৰতি ভোষাৰ মেট সেবা। প্ৰয়েশ্বৰ তা কিনাগ পাবাংশর মতো হয়েছে। তাৰ কলে আমার mergint प्रथम (मध्यक्ष त्य, फुरिय वक्क सीरशहरू ह সম্বাদ্ধানে রক্ষণাধ্যক্ষণ করছ, ভবন ছবিংকেশ বীকৃষ্ণ নিশ্বেই ডোনার গতি অতার গ্রন্থ হকে। জনার্ক (প্রক্রেকা) রহপে পর্যমেশ্বর জগবান সমস্ত ই(জর কল शहब करतन। **डिबि विने मच्छे ना इम, डा**र्टन देल्लार्गायस्य উट्टिश मनुस्था नथक भरितम वर्ष का≀ ভিনি হতেনে প্ৰথ আৰা এবং ভাই মাৰা ঠাব সম্বাহিতিকান না করে, ভারা অবশাই দার্থ রকার ভারহেনা **37**₹ | **7**

রীয়েল ফালেম--"তেই সর্বলডিখান গ্রন্থ। এই সর্ব লাধনাশকঃ থানি জাগনার আমেশ পালন করব। গরা রবে আপনি আমাকে বসুন, আমার স্থান কোধার এবং আমার থেকে উৎপন্ন প্রকাদের স্থান কোবার। হে নেবাদিকেবঃ আগমি কৃপা করে প্রকর-সলিলে মিমগ্ন পৃথিবীকে উদ্ধান করার প্রবন্ধ করুন, কেন্দ্রই তা ২টিছ সমার জীবেদের স্বাগরান। জাপনার প্রচেটা ও পরমেশ্বর ভূপবানের কৃণাও তা করা সভব হবে।"

ইতিমনের কালেন—"এইভাবে জলমধ্য দেখে, ব্রহা শীর্বকাল ধরে চিন্তা করেছিলেন, কিডাবে তাকে উভার করা খার। ক্রম্ম ভাবকেন, খামি বংন সৃষ্টিসার্থে মন্ত ছিলাম, ভঙ্ম পৃথিৱী জনমাধিত হয়ে সমূত্রের গভীতে গমন করেছে। সৃষ্টি প্রচনার কার্যে বুক আমরা এখন কি করতে পারিং সকটেতে জল হর যদি সর্বশক্তিখন ভগবাদ আমাবেও নির্দেশ ফেনঃ হে নিন্দান বিদ্র। ব্রহা খবন এইভাবে চিন্তা করছিলেন, তথা সহস্য ইয়া নাশাক্ত থেকে একটি খনাহরাল বহির্গত হরেছিল। সেই বরাহতির আরতন হিল অকৃষ্ঠ পরিমাধ। হে ভারত। ক্রমার সক্রকে সেই করাই অক্টেপড় হরে, এক মহাকার ইক্টোর মতো এক বিশাল আক্যর বাবণ করেছিল। আকাৰে অবস্থিত আন্তৰ্যক্ৰমৰ সেই ব্যাহয়ল দৰ্শন করে বিশ্বয়াভিভূক হয়ে, নরীচি প্রযুধ প্রাক্ষণ, কুমরেগণ ব बनुनर् बच्चा नाना अकार छर्ड-विटर्ड कराफ मानास्था। কোন অস্থারেশ ব্যক্তি কি হ্বাবেশে শ্বররতণ আবির্ভ रतरहर अवह चलुड चल्डांक्रम देखा र. विहे অমার নাগালক থেকে জনির্ভুত হরেছেন। প্রথমে এই नतार चलूटं नतियान नृष्टे स्टाब्स्न अवः चनित्वतं सार्ध्ये

ান বিশ্ব হয়েছে। ইনি কি প্রয়েশক জগবান বিশ্বং उच्या क्यार दीव शुक्रवतमञ् अवेठारव विश्व कडिएमन, তথা প্রমেশ্য ভগবান জীবিক বিশাস পর্বতের মধ্যে প্রচার পর্যার করেছিলেন। সর্বলন্ডিমান পরফোর ভাগবান উরে অন্যাধারণ করের ছারা পুনরার গর্জন করে, রক্ষা ७ छन्। गरक देखा क्रामनसन्त्र चान्यविद्या करविद्यान क्षक (महे शामि क्यमिंटक व्यांटकानिङ इरविना) पश्च খনলেড, ডপোলোড ও সংযোগাকো অধিবলী বহান মুনি ও খবিবল ভগবান ব্যাহদোক্তে নেই প্রচণ পর্যান এবন করেছিলেন, আছিল পরত কল-বাজা জানানের সর্ব মসসময় কণী, তথন ওলা তিন কো খেকে পৰিব হয় উচ্চারণ করেছিলেন। মহান ভক্তাদের বৈনিক মা উচ্চারণের উভরে, একটি পরেক্রের মধ্যে ক্রীডা করতে করতে তিনি প্ৰয়ায় বৰ্জন কৰে জলে অবেশ করেছিলেন। ভগমেন হলেন কৈনিক মন্ত্রের প্রতিপাদ্য বিশ্বর এবং আই ডিনি কুছতে পেরেছিলেন যে, কন্ডালের शार्थमा छाउँदे वेरचरचा मिरवनिक स्टाहिन। पृथिवीरक উদ্ধার করার অন্য অংশ প্রবেশ করার পূর্বে, ভগবান ব্যাহদের তার পুক্ত উত্তেলন করে আকাশে উথিত হাজন, কৰা ঠার কাগের কঠেন কোসমূহ কশিনত ব্যাহন। ঠার বৃষ্টিপাত ছিল ক্ষতার উচ্চাল এবং তিনি ঠান প্রের থারা ও উজ্জান গুড়কর্ণ করের দারে আকাশের (अस्टानि हिवारिक करतहिरूका। किनि हिरूका **प**र्श ভাষান বিষ্ণু এবং ভাই তিনি চিকা, ভত্ত প্ৰা-পানীৰ ধারণ কলা করু ভিনি হাংশ্যে করা পৃথিবীর অংহবর্ণ করেছিলেন। তাঁৰ কৰা ছিল ক্ষতান্ত ভালনা এবং তিনি খ্যার প্রবক্ষরী প্রায়েশ কড়ালে প্রতি পৃষ্টিপাত করেছিলে। এইভাবে তিনি ছবে প্রকো করেছিলে। বিশাস পর্বতের হতো জলে দিপজিত হয়ে, ৰবাহনেৰ হত্যসমূত্ৰের হত্যকাৰ বিবীৰ্ণ কৰেছিলেন, ভখন বৃটি খতি উচ্চ তরক সমুদ্রের कृत मरु धकी श्रामित अन्य मून स्टर्शन नमूत राम ভবে ভ্ৰমন্ত্ৰণ দীৰ্ঘ কৰু বিভাগ কৰে ভগধানের কাৰ্চে जार्चना कावित्रका, 'दि बरक्यतः।, स्वाधारक এইखारक বিওক্ত ক্যাকো নাঃ বহা করে জাদনি আগ্রাকে রক্তা কান (কান্তান কাহনেৰ তীক্ষ বাংলা কৰা পুৰুত্ব কাহ ক্ষলকে বিনীৰ্শ করেছিলেল এক অসীৰ সমূলের সীমা

আৰু ছবেছিলেন। সেখানে তিনি সমস্ত জীবের আপলরে অবস্তরণ ইচ্ছে সর্বপ্রকার দীক্ষার বাসনা। আধ্যমন পৃথিবীকে সৃষ্টির পূর্বের মতো পারিত বেৰোছনেও এবং ভখন তিনি ছয়ং তাকে উত্তেশন करविद्यामः। क्षमदान व्यवद्याय करणीनाकरम नविदेशिक তার স্থানারে বরণ করে জল থেকে উত্যোগন করলেন : ভাৰৰ তীয় বালে চতুৰ্বিক আলেবিত হয়েছিল। সেই শমর উপা জেবন সুদর্শন চাক্রের মতের উন্দীপ্ত হয়েছিল। किनि छरकपुर रेस्ड विज्ञायस्य वर बराबिस्मा, बनिक সে ভাগবানের সঙ্গে কৃত্ব করার চেটা কপেরিল। ভারণার ভগৰান ব্যাহ্রের জন্মের মধ্যে সেই লৈভাকে স্থোর क्यानन, विक रवसन वासी। निरह राजीतक मरावा सरवा। ক্তান্যনের বাধ্যমেশ ও কিছা খেতোর রক্তে আর্লাক্তিয হবেছিল, ক্রিক ছেমন পাকেলে গৈনিক মুন্তিকা করন করনে সময় অমাতিক হয়ে ওঠে। তথ্য ভাগৰদ এক ব্যৱস্থান भएका क्षीका कत्रात्व कत्रात्व कांत्र क्षत्र क्षत्राधकारण পৃথিবীকে ধারণ করেছিলেন। জার অভকাত্তি ছিল कमाला भारतं नीमास करः छोटे, अन्य अनुध महर्तिकः কুৰতে পেরেছিকেন যে, তিনিই ছফেল প্রয়েশ্যর ভগবান अवर क्षेत्रा छैएक छीएम्ब मत्त्रक श्रेपकि निरंबनन क्टरहिरमर /"

শ্ৰহীৰ শ্ৰহা বহুকাৰে সমস্ত্ৰ কৰিব। ভৰ্**ন** यामहितान—'(ह प्रसिक्तः) हा सम्बद्धान्। जाननि সৰ্বপ্ৰেক্তাৰে কৰবুক্ত হোল। আগমি সমস্ত বেগের মূর্তিয়ান বিভারত্বল বিচারণ করছে। আলবার বিভারের রোমকুশে বহাশাধরসমূহ নিমঞ্জিত হরে রচেছে। জেল কারণকাত (পৃথিবীকে উচ্চোক্তা করন্তা কর্ন) আগস্থি একা ব্যাহ্রাণ পরিপ্রত্ করেছেন। হে ভাবেন। আলন্তর প্রীণৃতি বজ্ঞ অনুষ্ঠানের বামা পৃত্যনীর, কিছু জর পুরামা জাল ভা লবন করতে পারে নাঃ পাতরী কং कता मनक रेविनिक एक बाल्यान प्रश्नित न्यान विज्ञासकान । जाननात नहीं ताल त्यासकीटक कुन चान, আপন্তর নেত্রে কৃত এবং আপনার চার পারে চার প্রকার कर्ष विशेष करते। (इ. छश्रवार) कार्यवार किहा सूक, काशनक नामिका कूर, काशनांत्र क्षेत्रत हैका अवर काशनांत्र কর্ণ-চিবর চনান। আপনার মূখে ক্রমভান পার প্রশির, च्येन्न्यत भेना ध्या नासक मामनाज बक्त चाननि वा धर्मन

আপন্তর শ্রীক্র তিন প্রকার ইচ্ছার ক্রম এবং ছাপ্নার মশ্বন শীক্ষার মধ্য এবং সমস্ত বাসনার সমাপ্তি। আপনার জিপ্তা দীক্ষার প্রার্থাক্তক কর্ম, আগনার রঞ্জক স্থোধারিত অধি ও উপাসনায় পথি এবং আপনার প্রাণ সমস্ত বাসনার সমষ্টি। হে ভগবান। সোম নামক ফল অপনার বীর্য। আপনার বৃদ্ধি প্রত্যক্ষণীন শার্ত্তীর আচার অনুষ্ঠান। আপনার ভুক আদি সপ্ত থাকু অভিটোম হথেবে সপ্ত উপাদান। আপনায়া দেহসন্থি বার কিববালী আনুষ্ঠিত বিভিন্ন প্রকার যজেন প্রতীক। ভাই আগনি সোম ও करमाथ फैक्स शक्स ममस बरका विवह बांदर मेरस्का যানট্ৰ কেবল আপনি আৰম্ভ হল। যে প্ৰভ। আপনি नवट्यका क्रमवान अवर मधक क्षाव्यांत कावा, रेपिक মরের থান ও ফল্ডা উপকারের খারা জাগনি পৃথনীয়। আখরা অপেনাকে আমানের প্রখতি নিজেন করি। খন रका मुना क चामुना अब तकत करू करूव (बट्क श्रृष्ठ হয়, ভৰম আপনাকে উপলব্ধি করা বার। ভক্তিমরী ক্ষানের পরর প্রক্ত আপনাকে আমন্ত প্রতিবের সংক্র প্রণতি নিবেদন করি। হে গৃথিবী ধারণকারী, জাপনি অংশনার দশনাগ্রভাগে কর্যভাগর যে পৃথিবী ধারণ করেছেন, তা জব্দ থেকে বহিণতি মন্ত প্রজনাক্তের সংগ্রেড সগর পরফুলের মতো শ্রেডা পাছে। তে ওপবান। महान नर्वछर्जनीत मुक्तमध्य (स्थम (सक्ताकित शास অলম্ব্রত হতে শোভা পার, তেমনই আপনার ক্ষান-অভভাগের হারা পৃথিবীকে ধাকা করার কলে, আপনার অধ্যকৃত বিশ্ৰহ সৌন্দৰ্বমতিত হবেছে। হে ভগকন। इत्ता ७ करून गम्छ चीरक कमझन १७वास करून, এই পৃথিবী আগনার সন্ধী এক আগনি হজেন ধরত পিতা। যাতা ধরিত্রীসত্ জনের জাপনতে জাতাদের नबक् थर्पाठ मिर्काम कति। भृषिगीत शर्मा शासनि আগন্ধা খীর শতি নিহিত করেছেন, ঠিক ক্ষেম প্রকল্পন সূদক বাজিক অনুণি কার্ছে অন্তি স্থাপন করেন। সে ক্ষাব্যৰ, আগমি ছাড়া আয় কে জলেয় ভিডার কেকে পৃথিবীকে উদ্ধান কলতে পানেং কিন্তু আপনার পক্তে ত 🙌 একটা আশ্বর্কজনক নয়। কেননা অংশনি জতান্ত আক্রর্যক্রভাবে বিশ্বের নির্মানকর্ম সম্পাদন করেছেন। করেন তা হছে অধিহয়ে। অধিকন্ত, হে প্রকৃত বালকর আগনার মানার মানা আগনি এই আন্তর্গরাক কর্মং সৃষ্টি

ক্রান্তেশ্যান । হে গরমেশার ভাগবান । নিম্নেশেকে অমেক্র সকলে কন, তাল ও সভাগোকি নামক অভান পুশাবান লোকসমূহের নিবাসী, কিন্তু ডা সর্বেও আপনার প্রটবের ক্ষণালের কবে আগনার কেশবের অগ্রভাগ থেকে বে #লকৰ পতিত ইংকছে খার করা অভিনিক্ত **হরে** কানৱ পরির হয়েছি। হে জগবান, আগনার আন্চর্যক্ষনক ভারতি লাগের কোন সীখা নেই। বারা আপনার আভাইজনত কাৰ্যকলাপের সীমা স্থানতে চার, ভারা ক্রিপ্রার কামের্থ। এই জগতে সকলেই হভাবলালী বোগপভিত্ন ব্যৱ্য আৰম্ভ। কুলা করে আগমি সেই সমস্ক বছ জীবদের প্রতি আগনরে অহৈত্কী কৃপা প্রদান क्षकारं ("

सहित रिप्रदेश अभरतान-"এই जारव सहित छ। ব্ৰহ্মধানীপৰ ভাঠৰ ক্ষত হয়ে, উপবান ভীত বুল দায়ে পৃথিবীকে শ্লেপ করে, ভাকে জলের উপর ছাপন कराजात। अञ्चलाम मगस्य कीराया भागनकर्वा प्रतरमध्य গুলবাস বিশু বালেয় ভিতর শেকে পৃথিবীকে উদ্মার করে,

তাকে জালের উপর স্থাপন করে, ভারে স্বীর ধারে श्रद्धालर्डन करविश्वन (°

"কেই যদি ছতি সহকারে কাহদেকে এই সকলময়ী কাহিনী প্রবণ ও বর্ণনা করেন, ভারতে সকলের জনতে বিভাজমান প্রয়েশ্য ভগ্যান অসাত্ত প্রসাম হন। শর্মেশ্রর ভগবান কথন করেও গ্রন্থি প্রদার হন্, তথন ঠার অপ্রাপ্য অর কিন্তই থাকে নাঃ চিশ্বর উপলবিনা ধরে। যানুৰ বুৰুতে পাৱে যে, ভগবহুকি ব্যতীত অন্য সৰ किन्दें निवर्षक। विभि क्षणवाहमद ध्यामती स्ववाह दुक হল, তিনি প্রতিটি জীবের হলতে বিরাজযান হরং কগবান कर्ट्रक भूर्वतक्ष प्रदर्शक स्टब्स डिबीस्ट इत। (व अनुव नत्र, ्रा अपन और क्रमांख करने कात तक पहल्ल, तब कीट(नत প্ৰায় পুৰুষাৰ্থ সন্থাৰে খাত্ৰহী নহাঃ এমন কে আছে, ৰে জনবানের কীক্ষধারণ আমৃত প্রভাগন করণ্ডে পারে, খা নিজেই মানুবকে তার সব রকম আর্থাতক ফ্রেম্ বেকে খণ্ড করতে পারে?"



চতর্মশ অধ্যায়

সায়ংকালে দিতির গর্ভধারণ

জীল ওকদেৰ গোহায়ী বগলেন--"মহৰ্মি মৈত্ৰেনের कार्य करवारमा वदाव कारवारमा क्या करून कराम ना ब्रेजनिए निर्व कृष्णश्रामिन्द्री होता कारह सन्दर्भ करतन, ৰাতে তিনি কৃণাপুৰ্বক স্থলহানের অন্যান্য অপ্রাকৃত শীলাসমূহ কর্মনা করেন, কেননা ডিনি (বিদুর) তথনও পূর্ণকলে কর হাতে প্রেকনি।"

टीनिशृत कारम्य—"(व प्रतिदार्थ। चराणवातारम আমি ভানছি বে, আমি দৈত্য হিম্বগ্যাক কলম্ভি পরমেশ্বর ভগবান (ব্যহুহুদ্র) ফর্তুক নিহত্ত হয়েছিল। হে ব্রাহ্মণ। ভবকুন হথন ক্রীড়াচচুলে পৃথিবীকে উদ্ধার কঃছিলেন, ভখন জি ভারণে দৈয়ারাভাত সংখ

नशहरमञ्जू एक ११३किन । जामल कर चटान क्रिकान হুরেছে, ভাই আমি ভাগোনের অবশ্রেরে কর্মন শ্রক্ষ করে তপ্ত হতে পাবছি না। খাপনি কুপা করে এক মন্দ্রবান ভন্তের কাছে আরও বেলি কত্রে কর্মন করুম।"

মহর্মি মৈত্রের বজকোন—"হে বীব! আগনি ভড়ের উপস্কুত হল করেছেন, কেননা ডা প্রমেশন ভগবানের অংভারের সম্বন্ধে। তিনিই হচ্ছেন মন্ত্রনীল ব্যক্তিগের জন্ম-মৃত্যা বঙ্কন (পকে মুখ্যির উপার। মহর্বি (মারলেখ) কাছ থেকে এই সমক বিবর প্রবদ করে, মহাগ্রাল্ল উন্তাল্যানের পূর (প্রাব) পর্যোধন উপক্রে স্থতে বারন গান্ত করেছিলেন এবং হাত্যৰ মন্তকে পদাৰ্থক করে

क्षणबद्धाः भारतास्य बरतविरक्ताः। बतास्कानी क्षणबाराय সঙ্গে দৈতা হিরণাক্ষের যুদ্ধের ইতিহাস 🖚 বছর আগে কথন দেকতাদের খারা জিঞাসিত হরে দেকতেও ব্রহ্মা কানা করেছিলেন, তখন আহি জা শ্রবণ করেছিলাম।"

"বক্তবন্য দিওি কামশ্যৰে গীড়িতা হতে, সম্ভাকালে ষ্ঠার পটি মরীচিপুত্র কলাপের কাছে সন্তান লাডের बामदार, मध्याद्यमात्र देशपूरत किन्तु ४७४४म अन्तु आद्यान করেছিলেন। পূর্ব বধন অন্ত বাহ্ছিল, তখন সেই মহর্বি ব্যালার অধিক্ষিত্র নীবিক্ষা উদ্দেশ্যে আছতি প্রদান করত মাধ্যমে গলা করে সমাধিছ ছিগেন। সেই ছানে সুন্দরী মিঠি জান বাগনা বাস্ত করে কালেল—'হে বিজ্ঞা-(खंडे, अंध श्वी (एक्स कमसी कुक्दक गैरिकेफ करत. তেমন্ট্র কম্বর্ণ উদ্ধ পরাসন প্রহণ করে আত্মকে কলপূর্বক পীতিক করছেন। ডাই আপনি আমার প্রতি মরাপরকণ ছবে সম্পর্ণ অনগ্রহ প্রদর্শন করন। আমহা সপরীদের সমৃতি কৰ্মন করে আমি অভান্ত ক্ষতিত হয়েতি এবং ভাই জমি সপ্তান কামনা করি। এই কার্য সম্পন্ন করে আপনি সুধী জুকা। পড়ির আশার্কনে পত্নী কাচত সম্ভান লাভ করেন এবং আপনার মতের পতি সন্ধান লাভ করে কারী। ছকো, কেন্দ্র ভাগনরে উদ্দেশ্য হচ্ছে এই স্বগতে প্রকা বৃদ্ধি কল্ল। পুরকালে, আমানের অত্যন্ত ঐথর্বপালী ও দৃষ্ট্ভবংকল পিডা দক্ষ আমাদের প্রত্যেককেই পৃথক-পথকভাৰে বিবাসা কৰেছিলন—স্যোগন কৰে পভিছে ব্যুণ ক্যুতে চাও। আফাদের বভারতভানী নিজ পঞ আমাদের অভিলাধ জানতে পেতে, ভার ভেরজন क्यारकरे जाननात्र शत्य धर्मन प्रत्यान अवर छचन থেকেই আময়া সকলে আপনার অনুরভা। ছে ৰ্থনালেচন। কুণা করে আমার বাসনা পূর্ণ করার ছার। অংশর মান্তা-বিধান গঠন। আর্থ ব্যক্তি কথন কোন মধ্যসূত্রক পরশ প্রহুণ করে, ভাকা ভার নিবেন্ন কিকা क्ष ला"

দীনা ও কামের খারা কপবিস্তা দিতিকে সংক্রনা মিয়ে, থেকে ক্রিকা নিজি লাভ হয়, ভার সংখ্যা কে বা পূর্ণ করেং অলমানের সাহাত্তে বৈষ্ণা সমূদ্র পঞ্জ হওল বাব, ও অনুসোপনের দারা হার লাকন-পালন করে, সেই স্থাক

তেমনই পড়ীর সঙ্গে আন করার মাধ্যমে ভয়বর ভবসম্ভ উঠীৰ্ণ কল্পো বাৰ। হে মৰ্ফাল। পান্ধী এতই সহায়তা-প্রচেশ্র হয় যে, গতির সমস্ত পবিত্র কার্যকল্যাপে অংশগ্রহণ করার ফলে, তাকে গতির অর্থাক্রনী বলা হয়। পট্টার উপায় সমত্ত দায়িত নাজ কৰে, ফানুৰ নিশ্চিকৈ নিচনৰ করতে পারে। দুর্গগতি বেমন ক্ষনায়ালে স্কাক্রমণকারী দস্যদের পরাজিত করে, তেমনই পঠার আজা নিয়ে মনের ইঞ্জিয়সমূহকে কর করতে পারে, বা অন্যান্য অন্তর্মানের শব্দে পর্যার। হে বহেবরি। আমরা তোমার **হতো হতে পারৰ মা এবং সাকা জীবন এমনকি** স্বাধারের প্রভাগকার করে ভোমার কর্ন শোধ করতে भारत मा। अध्यक्ति वाहा कुल्लिन्छ अनावनीत अन्तमानही। ভাগের প্রকেও ভোগের কর্ম নোধ করা সম্ভব মহ। যদিও তোমার ৰূপ শ্যেষ করা সক্তব নত্ত, তথও অচিব্ৰেই সন্তান লাভের কর ছোমার কামবাসক আমি তর করব। কিছ ভোমাৰে কিছকৰ প্ৰতীকা করতে হবে যাতে चान्स्रका चामात्र निचा व्य कातः। अर्थे विशास मध्याप्रि স্বচাইতে ঋণ্ড, কেন্দ্র এই স্থায় ভারত্তর দর্শন फुठरश्रक ७ एउन्छि अप्रात्त व्यनुदरस्य विदयन कहरू হে সাধিব। ভক্তপতি শিৰ এই সভ্যাকালে ভক্তপ্ৰ পরিবেষ্টিত হরে, তাঁর কাহন ববন্ডের পিঠে চড়ে কাশ করেন। ভাগরান লিকের নির্মল স্বর্গাভ হের ভাগের হার। আচ্চাদিত। তার অটাঞ্ট ভালানের বর্ণিবায়র বৃদির প্রভাবে গুরু খর্ণ। তিনি ভোষার কেনা একং তিনি জীয় जिस्स्टर्म्स वासा जब किन्द्र चर्चन क्याटक्ष्य । क्रांश्वास निय কাউকে তার আগীয় বলে মনে করেব না, অখচ এমন কেউ নেই বিনি তার সলে সম্পর্কিত নাম ডিনি কাউকেই অন্তৰ্ভণীয় বা নিক্ষায় বলে মতে করেন নাঃ আময়া খাঁর উভিটে অহ কথা সক্ষারে পূজা করি এবং আমাদের ক্রত হচ্ছে উরে পরিতাক বন্ধ প্রহণ কর্মা। হবিও এই মত স্বৰ্গতে কেউই ভগৰান লিবেৰ সমান অথবা উন্ন খেতে "হে বীর (বিদ্র)। মর্নীচিতনর কল্যণ কতোবিশী, মহস্কে নম এক যদিও মহাস্থাপা ওঁকের কবিয়ারাশি দুর করার জন্য তার অনবদ্য চরিত্র অনুসরশ করেন, তবুও এইবাবে বর্লেছকেন। হে ভরতীতা। ভূমি বা অভিন্যৰ - তিনি সমস্ত ভগবন্তভাৰের মৃতি শেওয়ার ক্রন্য স্বরং করত ভা আমি অধিনতে পূর্ব করব, কেননা তে নী। পিশানের মতো আরের করেব। কুকুরের ভকা এট শরীরকে যারা আত্তর্থনি করে এবং বছা, আগভাগ, যাব্য

কার্যকলাপের উপজ্ঞা করে। ব্রহ্মার মজে দেবতাবাও केल करता क्रमुनिक धर्म-आरुएन क्रमुन्द्रन क्रद्रतः। डिनि ক্রমার্যতিক সৃষ্টির কারণস্করণ যাহার নিয়প্ত। তিনি প্রচান এবং তাই তার পিশাচবং আচরুং কেন্স অভিনয়

মৈত্রের বললেন—"দিতি তাঁর পতির বারা এইভাবে বিঞাপিত হওয়া সংহও কামোশ্বলা কেশ্যার মতো ক্রান্তর্ভার হয়ে, প্রকার্বি কশ্যশের বসন ধানে করেছিলে। কাৰ পত্নীৰ উদ্দেশ্য অবলত হতে, তিনি নিৰিশ্ব কৰ্ম করতে রাধ্য হবেছিলেল এবং পুরুনীর লিয়তির প্রতি করেন, সেইজাবে ভালের সংহার করকেন।" প্রণতি নিবেশন করে, তিনি নির্জন স্থানে তার সঙ্গে শতন ক্রেছিলেন। তারপর সেই শ্রাক্ষণ কলে জান করে, পর্যােশ্র ভাগবাসের হজের বারা উলারতাপূর্বক নিহত প্রানামামপূর্বক করে সংবেম করেইকেন এবং স্থাতন ব্রক্তভ্যেতির খান করে পবিত্র গাবরী মত্র কণ করেরিকেন। হে ভারত। ভার গম দিতি উদ্ধ কেবের্ড লাচবেশ্য কর্না লক্ষ্যবশন্ত আধাত্বী হয়ে জান পতির সমীপৰতী হারছিলেন এবং তাঙ্গে বলেছিলেন—"কে প্ৰাক্ষণ। সমত জীবেদের পতি করের করে আমি বহা অপরুথ করেছি, সেই জন্য তিনি কেন আমার বর্ভ কিনষ্ট না করেন। সেই ক্রম্রক্তপ ভগবান শিবকে আমি কামার প্রশৃতি নিবেশন করি, সিনি ফুলপুং ভরতর মহান দেবতা धक्र मञ्जू कक् वामधाः भूर्यकारी। छिन्ने मर्वयक्रमञ्जू এবং ক্ষমানীল, কিন্তু দণ্ড দিতে তার বেশুর উার্কে ডংকশ্বং উল্লভ করতে পারে। তিনি আমার ভাগনী সতীর পতি হওরার কলে আমার ভগ্নীপতি, ভাই ডিনি प्राम्मापत्र द्ववि द्ववह द्वान। किनि नशक त्रश्येतम পুজনীয় প্রত। তিনি সমগ্র ঐপর্বের বিহাহ এবং অসকা ব্যাধ্যমন্ত কাত্ত্ স্বয়নীখের প্রতি তিনি কুলা প্রকর্ণন করতে পারেন।"

भिरता बागाला---"शिष्ठ क्षेष्ठ शरवरका बटन करन কশ্বিত কলেবরা তার স্ত্রীকে মহর্বি কশ্বাপ এইভাবে সম্বোকন করজের। দিতি কুকতে পেরেছিলের 🗷 তিনি क्ता भण्डिक श्रांकिनकार मह्या-निवय मधाननकार्य निवस করে অপরাধ করেছিলেই, শুকুও ভিনি সংসারে তাঁর সঞ্জনদের কল্যাপ কাহল করেছিলেন।"

বিদ্ধান কল্পনা বলালেন—"ব্যেহতু ভোজাঃ প্ৰিত পুথিত

মর্মেরা ডিনি (শিব) বে আবারায় জ না জেনে তার ছিল, সম্যাক্তান মুহুর্ড ছিল অপবিত্র, স্তান্ত্রার কুমি चामत दासन नेहाम कटाइ अस (मरधारमंत्र करास) ৰংছে ভাই সম কিন্তু অভাছ ছিল। হে জোধনীলা। ত্যেরে অভিনপ্ত গর্ভ থেকে বৃটি কুন্যাবর পুর স্বায়াহন করকে। ছে ভাগাহীনা। ভারা রিলোকের স্কলের নিবস্তুর লৈকের কারণ হবে। ভারা শীন, নিম্লান প্রাণীদের হত্যা করবে, নারীদের অভ্যানার করবে এবং মহাস্থাদের জেন্ধ উৎপানন করবে। সেই সময় সমস্ত জীবের ওড়াকান্তকী স্বল্পীশ্বর ভ্রমতার শ্বরতীর্শ হয়ে, ক্রিক বেজারে ইন্স টার বজের জারা পর্বভগগৃহকে চুর্ব

> দিতি কালেন-"অমেয়া পুরের যে সুগর্নন চক্রধারী হ্রব, জ জতার ওড়। হে সামীন। ভারা দেন কখনও প্রাক্ষণ ভগবত্রভাদের ক্রোধের দারা নিহত না হয়। বে বৃত্তি প্ৰকাশের হারা অভিশপ্ত হয়েছে কথক সর্বদা অন্য ধ্রশীলের তার প্রদান করে, নামকীরাও ভাতে কৃপা করে ৰা, অথবা বেট খোনিডে ভার ৰূপ হয়, সেই খোনির প্রদীরাও তথ্য প্রতি অনুত্রহ করে না।"

व्यक्तान कमाण कमात्वन--"(राज्ञान (नाक, वन्यन्) বখাবধ বিচার, পরমেশ্বর ভগবারের শ্রন্তি তোমার ঐকান্ত্রিক ভক্তি একং শিব ও আমার প্রতি ভোষার প্রস্কার কলে, তোমায় প্রের (হিরশ্বকলিপুর) প্রমের মধ্যে একজন (প্রয়েদ) ভগনান্তে এক সর্বক্রন্য ভক্ত হকে এবং প্রার জীতি জলবানেরই কাঁতির মধ্যে বিস্তাব লাভ করবে। তার লক্ষর অনুসরণ করার জন্ম, সাংক্র বৈত্রী ভাব ক্ষেত্র প্রভা হওরার অভ্যাস করে, তার ফতে চরিত্র ল্যাভের টেয়া কাবে, ঠিক বেডাবে নিয় বারের বর্ণকৈ সংশোধনের উপাত্তের ছারা শোখন করা হয় । তাঁর প্রতি সকলেই প্ৰসা হৰেন, কেনৰ যে কক কণকৰ কঠাত কৰা কৰ কিছু কাহনা কলো মা, ওঁয়ে প্রতি সমগ্র বিশেষ নির্ম্ম প্রতেখন ভাগান সর্বদা প্রসর থাকেন। সেই সর্বচর্ত্রট **७४८डक प्रशंको, यहान्यत ७ प्रशंकार्यत प्रशं** সকাইতে মহৎ হকো। জন্ম পরিশক ভাতির করে, তিনি অবলাই চিপ্রতাধ-সম্ভিত্ত অংকিত হাকে এক এই ক্ষত্ত ক্ষাৎ ত্যাগ ক্ষায় পর চিৎ ক্ষাতে প্রকো করবেল। তিনি ধার্মিক, সুশীল, সমস্ক সংগ্রহের আবার हरतनः छिनि अनुमूर्ण मुची, अनुमूरण मुख्यी अवर অজ্যতশক্র হকে। চন্ত্র বেষন দ্রীত্মকালীন সূর্যের তাপ पुत्र करतम, एक्समेर्ड किलि क्यारक्षत्र (मार्क क्ष्मण कहारका) বস্থীরূপা বলবর ভূষণযক্তব, ডভের ইচ্ছা অনুসারে রূপধারপ্রার্থী, কুওল-পোভিড মুখমওগ্, কমলনরন জেনে নিতি মনে মনে অত্যক্ত প্রদায় হয়েছিলেন।"

পর্যেক্র ভগজনকে তোমার পৌত্র সর্বদা অগুরে ও বাইরে দর্শন করবেন।"

মহর্ষি মৈত্রের কালেন—"উরু পৌর একজন মহান ভক্ত হরেন এবং উরা পুরেরা জীক্তাের হারা নিহত হবে



অমল পুরাণ

পঞ্চদৰ অধ্যার

ভগবদ্ধামের বর্ণনা

বীনৈরের কালে:—"হে বিদুরঃ কশাংগর গল্পী দিভি বুবতে পেবেছিলেন বে, ডায় বর্ডছু সন্তান দেবতাদের ও অন্যালের শীদ্ধাদারক হবে, ভাই তিনি ক্ষাপের প্রতিপালী বীর্থ দক্ষ কংসর খনে ধারণ करविद्यान । निक्ति वार्षत एकत्वा वाता गर्भके हरू मूर्व के हरवान अकान क्रम सरविक्त और विकिन (शास्त्र) শেশসার সেই ভেজের বল্লা বিচলিত হরে রক্ষাবের প্রতী बचारक विश्वाम कर्ष्यहरून, 'मर्गिरक बहै অন্ধবন্যাঞ্চলতার কালে 🕞 🖰

'आगावान (शवकास कार्त्याः—"(इ प्रशान) **अहे** অন্তব্যর বা আমাশের উত্তেশ্য করণে ইরেছে, জা আপনি (मधून) जानमि और श्रवकारतर कारन कारमम्, स्थारकु কালের প্রতাব আগনাকে কর্মা করতে পারে না, ভাই আপনার কাছে কিছুই অকলত নেই। হে দেবলিকে। হে বিশ্বের পালসকর্তাঃ হে ক্ষান্ত লোকের দেকতালের মুকুটমলি। আপনি চিং ও জড় উভর ক্রপডেরই সমস্ত भीरकारत चाकियांत माजन। 🗷 मन 👁 दिस्तानिक আলের আদি উৎস, অংশব্যক প্রদৃতি নিকোন ভরি। আপনি পর্মেশর ভাষরে খেলে পৃথকীকৃত রজোণ্ড ৰীকার করেছেন। বহিনগা শক্তির সহারতার জাপনি অব্যক্ত উৎস থেকে আবির্ভুত হয়েছেন। আপনাকে আম্যা সর্বভোভারে ক্রান্তি নিবেদন করি। হে ভগবান, এই সমর গ্রহ আগনর মধ্যে অবহিত এক সমস্ত ধীন

আপনার বেকে উৎপর হরেছে। ভাই আপনি এই বিবের কারণ এবং বে যান্তি অবিচারিতভাবে আপদার ধ্যান করেন, তিনি ভণ্ডি সাভ করেন। খাঁরা তাঁলের খাস-প্রধানের ক্রিয়া নিরম্বণ করার মাধ্যকে জনের মন ও ইপ্রিয়নমূহ সংবত করেছে, সেই পরিপক যোগীদের কক্ষণে এই ক্ষাতে পরাক্ষর হয় যা। কেনা। এই প্রবাস বোগনিভিন প্রভাবে জারা আপনার কৃপা লাভ করেছেন। কুৰ যোক্তা আন্নে ন্যালিক স্বালান বালান নিয়ন্তিত হয়, তেমনই ব্ৰহ্মতের সমস্ত জীব বৈদিক নিৰ্দেশৰ ছালা সঞ্চালিত হয়। বৈনিক শানের নির্দেশ কেউ স্বরুদ করতে পাতে মা। যে ক্রখন পুরুষ সেই যেগ প্রদান করেছেন, উক্তে-আমরা আমাধের সমান্ত প্রবৃত্তি নিকেন

বেৰভাৱ প্ৰকাৰ কাছে প্ৰথম কয়কে—"দরা করে আগনি অক্সের প্রতি কৃপাপূর্বক দৃষ্টিপাত করনা, কেনর আৰু পুৰ্ণনামন্ত অবস্তুত্ত পতিত হয়েছি। এই অস্কান্তের কলে আমানের সমস্ক কর্ম সুপ্ত হয়েছে। অভিমান্তার ইছন প্ররোধের কলে আওন বেমন অক্লোনিত হরে বার, তেমনই সিভিন্ন কর্ডে কণ্যপের বীর্ব থেকে উৎপন্ন জন সৰহ ব্ৰহাও ভূড়ে এই শ্রিপূর্ণ অভকার সৃষ্টি করেছে।"

বীদেরের কালেদ—"বিভ শক্তপ্রদার ভারা বাঁকে ধ্যনা বায়, সেই বিধান্ত রক্ষা দেকসদের প্রার্থনায় প্রসন্ত হরে, তাপের সন্ধান্তি-বিধানের চেষ্টা করেছিলেন।"

ক্লাংকমার, আমার এই চার মানসগুর ভোমানের পূর্বে জনাসকৰ কৰেছিলেন। ভাৱে কেন নিৰ্দিষ্ট বাদনা শুডাই क्राह्मक क्षत्रमा करू वस्त्रात्म क क्रियाकात्म विज्ञान करत খ্যাবেন। এইভাবে সমগ্র ব্রহ্মান্ডে ব্রহণ করে ভারা ন্তব্যোগে প্রবেশ কবেছিলেন, কেননা জার সহ রকম ভাত কলুৰ খেকে মুক্ত ছিলেনঃ চিদাকাণে পাংমেশর ভাগবালের ও ওঁরে তত্ত্ব অভাগের নিবালয়ান বৈকৃষ্ট নামক চিয়ার লোক ব্যাছে। সেই স্থান কড় কমতের সমস্ত লোকের অধিকাসীনের দারা পৃক্তিত ৷ কৈলুচলোকে সমস্ত শুলা সকলেই ইপ্রিক্তবির কাননাশন ছবে, প্রমেশন ভাগানের ভক্তিমহী শেলার বৃক্ত। ক্রৈণ্ডলোকে জানি পক্তম প্রমেশ্বর ভাগবান বিরাক্ত করেন এবং ওাঁকে বৈধিক শারের মাধ্যমে জন্য কর। তিনি ৩% সভ্যর, কতে রজ ও তথেওপের কোন স্থান নেই। তিনি কভাবের ধর্মীয় প্রগতি বিধান করেন। সেই কৈকুটলোকে অভার মুদলমর অনুনক কন প্ররেছে। সেই সমস্ক বনের কৃষ্ণালী অভীউপ্রশাস্থানী কথাপুক এবং সমস্ক কছতে সেইওলি ভুজা 👁 ফলে পরিপূর্ব থাকে, কেননা কৈতৃঠলোকে সব কিছুই চিথার ও স্বিশেষ। কৈক্টলোকের অধিবাসীরা তাঁদের পরী ও পার্বদগলসহ বিমানে বিচরণ করেন এক निरुक्त कथवात्मध हतिछ । जीनानम्बर् श्रम करका, वा সর্বদাই অমন্তল্মনক হাত্যার বেখে মুক্ত। ঐভিনবনের মহিয়া বৰম ভালা কতিন করেন, ওবন ইযুপ্র মাধবীপতার প্রস্থাটিত কুরের সুগরকেও আ উপহাস করে। বর্ণ প্রমরাদের অধিপতি উচ্চকরে ৩৪ন করে ভগবানের মহিমা কীর্তন করে, ভগন কপোত, কোকিল, সংবস, চক্ৰবাৰ, হাতৰ, হংস, গুৰু, ভিক্তিৰ, বন্ধুৰ প্ৰভৃতি रिएक्ट्रान्त कन्नाव क्यास्त्र क्या एक एव। फ्लवार्नात प्रदिमा अर्थन कतात करो, और नवक व्याकृत বিহক্ষেরা ভালের নিজেনের পান বন্ধ করে কর। বনিও মকার, কৃষ্ণ, করবক, উৎপদ, চত্পক, অর্থ, পুলাগ, নাগ্কেশর, বকুল, কমল ও পারিলতে বৃত্তসমূহ অস্ত্রাকৃত সৌরভাবিত পুশে পূর্ণ, তবুও জন্ম সুলমীয় তপশ্চর্যার মন্য তাঁকে কং সন্মান করে। কেন্দ্রর ভগরন ভুলসীকে वित्नव प्रवाश क्षण्यम करतत्त्वम तवर जिले चनर

প্রীরন্ধা বললেন—"সনক, সনাতন, সনন্দন ও তুলসীগরের মূল্য কর্ষ্টে ধারণ করেন। বৈকুটবাসীরা মরকত, বৈদুর্য ও কর্ণ নির্মিত ওালের বিমানে আরোহণ করে কিরণ করেন। ব্যথিত জারা ওক্স নিত্যখিনী, স্মিত হাস্যেক্তর সমন্তিত সুকর মুখমণ্ডল লোভিতা পত্নী পরিবঙ্গ, কিছ ওবও তাঁকের হাস্য-পরিবাস ও সৌন্দর্যের জ্ঞাকৰণ ভাষেৰ কামভাব উদ্দীপ্ত কয়তে পাৰে না। देक्केलाह्य इत्रनीता मचीरमरीत मारुटि मुन्ती। अरे প্রকার অপ্রাক্ত সৌন্দর্যমণ্ডিও রুমণ্টার হত্তে দীলাপর श्वत्रम कराम अन्तर कीरमान हजरणत मुग्त (घटक किकिनि-श्राणि देश, वज्रास्थल खणवादका कृशापृष्टि कारणव অধিবাসীরা প্রয়েশর ভাগতান্তা মতো লগ সমনিত। সালার কথনও করেও করে। সূবর্থ সংবৃত্ত স্ফটিকময় (१९४१/१६मि मन्दार्जन क्ट्रान) मन्दीरम्यी मानी भनिपूर्ण হয়ে প্রবাদ পতিও দিন্ত জলাশরের তীরে তাঁর বাগানে ভলসীয়ল নিৰ্বেশ করে প্রয়েশ্বর প্রস্বামের গ্র্জা करहरत। कनवारमञ्जू नृष्टा कशुक्त मुख्य, छैला येथम करन উরত মানিকা-সময়িত তাঁলের সুন্দর মুখমগুলের প্রতিবিশ্ব মর্থন করেন, তথক তালের কাছে তা আরও অধিক সুসর বলে হলে হয়, কেনল গ্ৰহদের হুখ ভগবান কর্তৃক চুখিত হয়েছে। দুর্ভাগা সানুখেরা থৈকুপ্তলোকের কর্মন সম্বন্ধে আলোচনা না করে, খা প্রবংশর অবোদ্য ও বৃদ্ধিকে থিয়াপ্ত কৰে, সেই সমন্ত অনৰ্থক বিশ্বৰ সমতে কৰণ करत. श्रा काञाच (नारकत निवत) शाहा रेडकुके-विवरसत कर्मत जान करा कर कार नदरह चारनांहना करते. অন ব্যৱহানৰ পভীরওম হুদেশে প্রক্রিপ্ত হয়।"

<u> শ্রীরশা কালেন—"প্রির কেবভাগণ! মদৃবাধীকর</u> এতই বহুবূৰ্ণ বে, আমরাও সেই জীবন প্রাপ্ত হওয়ার ব্যস্তা করি, কেননা বনুবাজীবনে ধর্মতভূ ও জান পুৰ্বজন্মে লাভ করা আর ৷ কেউ যদি মনুবাজীকা লাভ কল্প সংখ্যে পরবেশন ভগরেন ও তার ধাম বাদরসথ ন করে, ভাহলে কুথতে হবে বে, সে বহিবসা প্রকৃতির প্রভাবের স্বায়া কড়ান্ড প্রভাবিত। বাঁনের বের ফ্রেমানকে विकार शांध रह बार: वीता मीर्चकान साथ करतन बना करवारनंद्र प्रदिश्व जावन करास करन पर्याप्त इस, फैसा ধান ও আনুৰ ভগন্যার যদেকা না করগেও ভগনানের রজ্যে উঠীত হন। জাবানের রাজ্য জড় জগতের উর্থে चदन्त्रित कार छ। इन्हां चानि (स्वटारायक न्यूट्रेरीतः। **अप्टेस्टर्स अस्ट, अन्यटन, जनमन ७ अन्यर्क्शा**त नामक

মহর্মিপর জাঁদের বোর্যপত্তির প্রভাবে চিৎ জগতে উপয়োক্ত কৈচুঠলোকে পৌহৰ অভ্যতপূৰ্ব আনৰ অনুভৱ করেছিলেন। জারা কেখেছিলেন থে, সেই পরকোষ সংখ্যের ভাজাবের ধারা চালিত প্রম অল্ভত বিমানসমূহের হারা দীপ্রিমান এক ব্রবং ভগবানের হারা অধিকৃত। ভগবানের আধাস নৈকুঠপুরীর হয়টি হার তাঁর অভিক্রম কালেন। মেন্ডনকার সাক্রমকার প্রতি এডা/ও चाम्हर्य चन्छ्य भा करता, छेला भक्तम बारत बलायती, সমবরক্ষ ও জ্যোতির্মর মুখন কর্মনান্তকে ধর্ণন কর্মেন্ ৰাজ্য অভ্যন্ত মুগাবাদ কেবুর, মুগুল, কিবঁটি আদি অলভাবে ভবিত ছিলেন। সেই ব্যৱসালবহ বত অস্বর্গেটিত কমোলার বারা কৃষিত্র স্থিকেন, আ ওালের बील वर्ग बाकापुष्ठरका परश्च विनाश दिल। कारक वर्षक শ্রভনি, অসম্ভুট নাসংগুট ও আরভিম সোচনো শ্রম **উভয়কেই किन्द्री कृत दल महा दक्तिल।** जनकारि স্ববিচনা গতি সৰ্বাঃ ক্ষবাহিত ছিল। জীয়া 'জাগন' ও 'পর', এইরাপ থৈবন্য জ্ঞানরহিত ছিলেন। উক্ত অন্তরে তালে পর্ব বা হীকক নির্মিত অন্য ছলট বার কেচাবে অভিত্রম করেছিলেন, সেইভাবে ভারা সপ্তম থাকেও প্রবেশ করলেন। সেই চারজন নিগমর বালক-খবিরা यनिक विराम अभव सीरवास्त्र अरहा अकावेरण एक व আন্ধ্র-ভারুবেরা, তবুও তাঁদের দেখতে ক্রিক পাঁচ বছরের শিকা মতো। কিন ভগবনের অগব্যেককারক ক্ষাব সমষ্টিত সেই ছালপালেরা কথন খবিলের দেখলেন, ভখন ঠারা উংগের মহিমান অবজা করে তাদের পথ অবরোধ করকো, বনিও পরিদের প্রতি ভাঁচের এই ব্যবহার বিল অনুচিত। সকাইতে যোগ্য হওয়া সংখণ্ড কুমারের করন বৈকৃত্তত্ব কেবভানের দৃষ্টির সমক্ষে শ্রীহরির গেই বৃইজন শ্বরণালদের দ্বারা প্রতিহত হলেন, তথা তানের পরম প্রিক্ত প্রস্তুত প্রত্যাল প্রীকৃতিকে দর্শন করার পর্যার আকান্তকার কলে জারা ফ্রন্থ ক্লেন এবং ভালের চক্ अवना बक्तिश करत केंग्रेन।"

মহবিশিশ বললেম--"এই কুক্সৰ কেণ্ড বাঁৰো ভুগবানের দেবার অধিষ্ঠিত, তাদের মধ্যে ভুগবানেরই মতো ওপাক্ষীর বিকাশ হয়, কিন্তু ভগবানের দেবার সর্বোচ্চ পরে প্রতিষ্ঠিত হওয়া সংহত এপের এই বিষয় ক্ষাৰ ক্ষেত্ৰ এৱা বৈকুটে বাস কৰছে কিভাবেণ

दितीराधानम् मानुस्तत् छवनात्मम् भारत् अर्तन् महत् रातरह विश्वादवश स्थवराज्य काम भक्त (मेरे) स्थापन কে তার প্রতি ইর্নাপরারণ হতে পারে ৷ সভবত এই দুই ব্যক্তি ভণ্ড। তাই তাম কলাবেৰও ভালেই মতে। বাস মনে করে। কৈকুটলোকে শেখানকর অধিকাদীদের সঙ্গে লম্ভান্তর ভগবানের পূর্ব সাম্বালনা করেছে, ঠিক যেমন ক্ষ আকাপের সঙ্গে মহাকাশের সামঞ্চান্ত মতো। ভাবলে এই সামজন্যের ক্ষেত্রে এই ভারের বীঞ্চ কেন। এই দৃই কব্দি কৈকুটকালীদের মতে। কেলগারণ করেছে किया अपना और चनाप्रकारा आला करना (शहरू ? छाई আমর। বিচার করে দেখন, এই দুজন কল্মিড ব্যক্তিদের কিন্দ্ৰৰে দণ্ড দেওৱা উচিত। এই মণ্ডবিধান উপযুক্ত হওরা উচিত, বার ফলে গুরিগানে এদের উপকর হবে। হেখেড় এরা বৈশুটে ভেদ ভাব দর্শন খরছে, তাই ভার कम्चिक करर अरमन अनाम (नरक सफ सन्दर्ध স্থানার্ভারত করা উচিত, বেখানে কীথানে তিন প্রকার খ্যান तरप्रदर्श विकास स्मिन् पुरेक्क बाराधान, बीहा कारणाहे ভগবানের ভক্ত ছিলেন, ভারা করন করতে পারদেন যে, সেই দ্রাক্ষণেরা উদ্দেশ অভিদাশ দিতে যাজেন, তথন তারা অভ্যন্ত ভীত হয়ে কাতভোগে সেই খুনিয়ের পারে বরে ভাগতে নিগভিত হয়েছিলেন, কেনল কোন আয়ে বার্থে ব্রাহ্মধ্যে অভিশান নিবারত করা কর ন।"

ঋৰিদের দ্বারু অভিসন্ত হয়ে তারনাশেরা কর্মেন— "আপনাদের হতো মহবিষের সম্মান বা করার সঞ্চন আপনারা থে আহাদের বর দিরেছেন, ভা উচিডই হয়েছে। কিন্তু আমতা প্রার্থনা করি বে, আমাদের খন্তাপ দর্শন করে আগনারা এই অনুগ্রহ করন, আমানে উত্তােরে অধ্যোগামী হওয়ার সময়েও বেন ক্ষাবৎ বিশ্বতিঋষিত মোহ স্মান্তাদের অভিভাত না করে। নাডি খেকে পথ উত্তও হওরার হলে বাঁর নাম পথনাড त्यर धर्मभावनं राक्तियर कानक्ष्यल नहरूपदा कार्यान জানতে পেরেছিলেন যে, উর ভ্রত্তের মহর্তিদের অপমান করেছেন। সেই মৃহর্তে পরমহলে মুনিদের করেবদীর চরণ-বুগল চালম করতে করতে তার পত্নী পালীদেশীসহ खिने *क्रमाव*र शिखांप्रकार ("

"नुदर्व वीत्क तकका जमाशिक्षात्म काराज समग्राह्मास्टा দর্শন করেছিলের, সেই পরক্রেবর ক্যারনকে সমক প্রয়প আনিকা ওঁলের চাফুর হারা প্রত্যাক্ষয়াবে কর্মন করছেন। উপপঞ্জির প্রতি আগক্ত হওয়া করেও তালে তথ্য তালের তিনি কথা আহিছে আহাছিলেন, তথন তীয় পাৰ্বদেৱা আ, সেছ কৰা মধ্যে এক পতিবৰ্তন অনুকৰ কৰেছিলেন। লাক্ষা আদি উপক্রপদাহ তার দক্ষে আদিরেশে। তার ভারত্তের মুখ্য মুখ্যতাল উর্বের করে বীল প্রবেরণের 👸 লার্ডে হংসের মতেল বেতবর্গ প্রাক্রমার এবং মহকে। মতো মসে হরেছিল এবং ভগবারের ভিত হলে তালের 🙀 শেক্তিত ছিল। চার পাশে মৃষ্টা বিস্থিত হয় বাবু। কাছে প্রস্কৃতিত কৃষ্ণসূত্রের হতে। হতে ছতেছিল। স্কারে স্কালিড হাজল এবং স্থা দেশে মনে হজিল স্কালনের সেই কুন করি করে, মহর্নির পূর্ণমণে পরিভত্ত (को कोई इस एक्टक कामरको निम् यहत अनगर कार प्रतिकास अवर फेला कार कारक कारक कारक প্রতে। গুনবার সমস্ত আনক্ষের উৎস। উটা ফালময় জনপ্রিতি সকলের কল্যাপের জন্য এবং তীয় ক্ষেপুর্ণ জীপ্সপথেয়ে নথ মর্পন করেছিলন। এইনেবে তীরা বার syn ও বৃষ্টিপাও হালরের অভ্যত্নতক স্পর্ন করে। বার ভারতের চিত্রর বিহ্নহ ভারণেরেশ করেছিলেন এখা ক্ষাবালে সুকর কেন্টো কাঁ ইটেই দ্যাম এই জার প্রশ্নত জার কলে তারা ক্ষণবালের সবিশেষ রহাপর ধ্যান am सम्बोधिकोस निवासका, विनि पर्शास्त्रका नीर्व कृत अस्तिहरूत। अस्ति कृतवस्ता स्मि अल केत सान সময় ক্রিয়র জগতকে গৌরবাহিত করেন। এইতাবে মনে বোগীরা করে থাকেন এক এই রূপ উলের কাছে পরম ছাজ্ঞা বেন ভগবান স্বয়ং তাঁর চিকার কৈছাখামের (मेलवर्ष **क (में**।काश विख्यन क्यक्तिमा) छोत विश्वन নিতৰ প্ৰদেশে শীত বসমের উপর কচিওবর শোকা পালে, জাৰ বন্ধস্থলে কামালা সুশোক্তিত বাবে অধিকৃত তথান করে এক বিশেষ বৈশিষ্ট্য প্রদান কর্মছল। জীর সুৰায় মনিবঙ্কে ৰক্ষা শোক্তা পাজিল, উয়ে এক হাত উচ্চ - যদিও সমস্ত জীবেয় অহাত্ৰে বিভাজ কৰেন, গুৰুত আপনি অহন গৰুতেৰ ছাই নাও হিন ৰাখ অনু হাতে তিনি। সুসন্দানে খাছে প্ৰধানিত হন না। তিছু আগুনি ছবিও ৰক্ষী পথ পুৱালিবলেন। জীয় মুখ্যালে ইকনাকৃতি অনহ, গুৰুও আৰু আপনাকে আমন্ত্ৰা প্ৰস্তুতক্তৰ কৰ্মন কুওলের শোকা বর্ধনকারী পশুস্থালর যাম দৌশর্থমণ্ডিত করলান। আনালের শিশু প্রস্থার বে স্বল্যাল আরয় ছিল, আ বিদ্যালয় শোভাকেও বিভার নিভিন্ন। তীয় অসিকা ছিল উন্নত একা উন্ন সক্ষম ঘশিকা দুকুটাৰ কাৰ্য স্থাপাপুৰ্ণ উপস্থিতিৰ কালে আমধ্য ভা কথাবেতভাৱে সুপোতির বিলঃ তার সৃদ্ধ বাং ৪০%তে মধ্যে এক 'কার্যার করতে গারনার। আমার ভানি ছে, আপনি क्षानुर्व क्षेत्रस्य नाविक दिन क्षार क्षार क्षेत्रमा (क्रीवार) মণিতে শোভিও ছিল। নানারণের অনুনম সৌদর্য উর ভড়ংকৰ বৃদ্ধিৰ স্বাহা বহু গুৰু পরিবর্ধিত হয়ে একই আৰুবৰীয় হাবেছিল যে, তা কন্দ্ৰীদেবীয় সক্তাইতে সুস্প ইতরার পর্বকে ধর্ব করেছিল। হে প্রির মেবতারণ। এইডাকে কে ভগবান নিজেকে প্রকাশ করেছিলেন তিনি আমার, নিবের এবং তোমাণের সকলের পুন্তনীয়। যুদ্ধিমন সেই স্থ ব্যক্তিয়ে পর্যেশ্ব ভগবানের কীওঁনীয় কৰিলৰ অভুন্ত সহলে উচ্চে দৰ্শন করে আনকভংগ উৰ শ্ৰীপাধনত্বে উদ্দেৱ হান্তক অবনত করে প্ৰণতি নিকেন ঞ্চেছিলেন। ভাগৰানের শ্রীপাদগরের অসুনি থেকে তুলদীগজের সৌরও খনে বাবু বাহিত হবে, সেই कविरम्भ मामानटा शरमण करतक्ति, निर्विष्टम इक

চের্মেন্ত্রেন, তথন উল্লেখনের মনির মত্যে বিভিন্ন উল कामकाहरू। और अन शास्त्रिक भा, राज्य, का महान বোগীরা অনুযোগ্য করে গেকেন। ভগকন আই এখর্ববৃত্ত, কিছু জনাদের গলে সেই নিছি পূর্বজন্য নাড क्या साध्य नहीं "

কুমারপথ কালেন—"হে প্রিয়তত হাতু! আপনি কৰ্ণ-বিষয়ের ছাত্রা জবৰ করেছিলাম, এখন আপন্তর হুক্তেন প্রথতের প্রয়েশ্য জনভাগ, বিনি বিশ্বস্ক সংখ ইন্ন দিক বাল কৰেন করেন। আক্রায় এই চিবাং, নিজ স্থাৰ অপ্ৰতিহতা ভতিৰ কাণ্ডৰে কৰা কেকা আগনায় কৃপায় স্বাহী ক্ষাৰমুখিৰ প্ৰভাৱে নিৰ্মণ্ডাৰ মত্ৰিপৰ জ্যুল্য ক্ষতে গালে: যে সমত খাতি অত্যত নিশুৰ এবং সৰ কিছু কথাকখনাৰে বুৰতে সক্ষ, সকাইতে अस्तीत असनाया नीनातन्त्र अस्ता १८६ इत। अहै एकस्य क्वलिया पृष्टित घरका अर्थत्यके खड्कानटिक অনুকাৰেও প্ৰায় কলৈ এ। খাতনা আগতাকৃত কৰ प्रश्न वर्ष-गृहस्त्र कथा कि चाउ कारत कारह?"

*সে প্রকৃঃ আগদার কাছে আগদা প্রার্থন করি বে,

আন্নালের প্রবাস্থ এবং সাল কৈন সর্বাল আপ্নারে। তাতে কোন ক্ষতি নেই। তে প্রভা: তাট আনতা শ্ৰীপাদপায়ের সেবার বৃষ্ট থাকে, ভূলামীয়ের বেজন আপনার পারত ভগবং স্বাপতে আমাণের সম্রাভ প্রণতি चानगढ खीनार नरक तिरविष्ठ इंच्छाव करन সৌন্দর্বমন্তিত হয়ে ওঠে, তেমনই আমানের ক্রণীও কেন্স সন্মুখে প্রকাশ করেছেন। ভাগ্যহীন, মল-সুধি ব্যতিরো चानमा भीनामस्य वर्गन करात करा मिल्पंपरिक इत चरनमा च्याक्छ मिला एतम कराउँ भारत स्थ क्षवर भाषात्मत वर्ग-विवद (क्षम भाननाव भ्रष्टाक्छ । **एनासमीत कीर्डल नर्वम नूर्व बारक, छाङ्गान १६ रकार - छत्ति चानुकर करताह**ाँ ন্যঃকীর পরিস্থিতিতে আয়ালের ক্রম হেকে না ক্রেন্

নিবেদন করি, জা জাপনি জত্যন্ত ফুপাপুর্বক জামাদের किक त्नीहें जान भारत करते चामारामा का धारा त्या शहर

যোড়শ অধ্যার

বৈকুণ্ঠের দুই দ্বারপাল জয় ও বিজয়কে ঋষিদের অভিশাপ

करत, देवकृतेभिक्त भवरबन्धा सम्बद्धाः व्यवस्थाः विकास विकास क्षत्र अवर विकास माजक चरकत और गार्ट(पत्र) चामारक অবল্যা করার কবে আপনাথের প্রতি মহা অপরাধ । মেন্দ্র করতে আমি ইতন্তত করে না।" क्टाइ। इह बहर्वितन। चानमह चामह विके जनतक. फाँदे चालनाता (र छाएल वर मान करतरका छ। चालि मर्रपाक अपर मर्पादिक क्रिया आयां निकासाकता (व चर्मक श्रीर्मन कराया स्ट च्यापटे का का एतास. क्लाना (ग्रेडे कार्रगारकार चाराजंडे गतिसकः व्यापि घटन । করি যে, এই খাণরাত আনিই করেন্টি তাই এই খাঁনের । তাঁর কুণালের লাভ করার জানা প্রিয় গ্রন্থ অনুষ্ঠান कत् चामि चानमात्वत कार्य क्या किया की। कुछ। करते। ये ममन श्रीकाराश छोरान्त्र कार्यकराह्नाह्न मूमन খৰি কোন জগতাৰ করে, ভাইলে জনসাধানৰ সেই খন্ড - ফল আমাকৈ নিৰেদন করেছেন একং খাঁৱা আমার প্রসাদ প্ৰভাগে সেৰা দেয়, ঠিক কেনা শৰীকো কোন আন কেও প্ৰথম কৰে পৰিছেও থাকেও, থাকেও মুখে নিৰ্বেখিত কুঠ হলে, তার কলে সময় পারীর বৃধিক হলে আর: পুতপ্ত সুখার আহার আমি বতটা আনপ সহকারে নিবিল বিৰে বে কোন ব্যক্তি, এফাৰি কুতুরের মানে - উপজ্ঞান করি, আমার একটি মুখ যে যাথায়ি, ভাতে রন্ধন করে কোনন করে কে চবাল, সেও আমার নাম, ক্রমানের মারা অনিত ছবিভেও আমি ভওটা আহানন

क्षित्रका कारताम—"कविरम्त मुक्क व्यतित क्षारमा छ०कमा० वरित ६॥। क्षानमाता मिःनरपर्रह कामारक विश्वनिक करवास्त्रम्, मुख्यार स्थायात्र विरक्षत्र यास्य यमि আপনাদের প্রতি প্রতিকৃষ্ণ আচরণ করে, ভাহলে আকেও

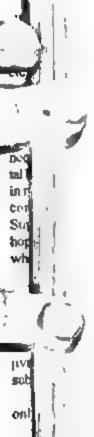
ভৰ্বান আৰও বললেন—"বেহেত আমি আমার ভক্তদের মেকা, তাই ক্ষায়র ভালকমল এতই পরিছ হয়ে অনুমোদন কর্মনাম। আন্মান কাছে রাজ্পেতাই হজেন পেছে যে জারা তংকণাং সমস্ত পাপ যোচন করে এবং আমি এনৰ কলেৰ অৰ্থন কৰেছি বে, লক্ষ্মীনেৰী আমাকে হেড়ে বাদ না, যদিও শীর প্রতি আমার কোন আস্থান্ট নেই এক অন্যের তাঁর সৌপর্যের প্রদর্গের করে এক রূপ ইত্যাদির মহিষ্য শ্রমণের হার অবশায়ন করার কলে। করি না। আমি আমার অপ্রতিহতা আক্রাস্থা পঢ়িব্য স্থানের

দলিলেশার মধ্যমের বঁটার মাজতে ভা ধারণ করে পবিষ্য আলনার অভিনার বুবাতে আমার প্রকাশ, থেমারা বলিও हुन। বুলি আমি কৈমনের চরণ-ক্ষক আমার মারকে ধারণ। আপনি সকলের পরুর কারীকা, ভারুর আপনি কার্যার ক্রতে পারি, ভারলে এমন কে আছে বে **আ অধীকার করে আ**মানের এই কথাওলি বলছেন যেন আমরা ক্ষাবে? প্রাক্তা, গাড়ী এবং রাককহীন প্রাণীয়ে আনায় আনন্যম কোন উপভার কংবছি। হে প্রভু! আপনি নবীর। পালের ফলে যাগের বিচারবৃদ্ধি নষ্ট হয়ে সেছে, রক্ষণা সংখ্যতির পারে পরিচালক। নিজে হরচরণ করে আরা এলেরকে আমার থেকে ভিন্ন বলে মনে করে। অন্যক্তে শিক্ষা দেওবার কান্য আপনি প্রাক্তনালয় সর্বোচ্চ ভাষা ঠিক খুন্দ সংগঠি মতে এবং পাণীদের প্রধানন পদ কান করেছেন। প্রকৃত পক্ষে জাপনি কেবল সমরাজের পকুনিসমূল সূতের কুম হয়ে ভাষের চক্ষ্য কেন্দ্রেমেরই পরত পুরুর কর আপনি প্রমাণ্ডারও পরম বাবা ভারনেরকে ভিনতিন করে। পক্ষাধ্বে, ক্রকাশের, উপাদা। আপুনি সমস্ত জীবের পানত ধর্মের উৎস এবং কর্মশ ব্যক্ত প্রয়োগ করকেও বাঁহা করে আনন্দিত এবং আগন্ধ ভাববং করেশ বহু রূপে প্রকলিত হয়ে আগনি প্রাক্তপদের প্রতি প্রকাশকারণ বাকেন এবং বাঁদের সর্বাহ ধর্মকে রক্ষা করেছেলঃ আপুনি ধর্মতক্ষের পরস্ব মুখ্যখনৰ অমৃতের মধ্যে শিক হাসিতে উজ্জ্বা, উল্ল উড়েশ্য এবং জ্বলাংখ্য মতে আগনি নিতা, অধ্যত ও ध्यमात्र स्थाप्त क्वीकृत क्टब्र्स्स । चेता अक्वरस्य कामसः निर्देशसः। वस्यम्यः क्वयस्याः कृतासः, त्यांत्री अवस् चतान करण महार करतन अवस हामनुर्व करवान करा উদ্যোগ প্রশাসন করে শশুর করেন, ঠিক কেরাখে পুন বিদ্য কৃত নিভাকে শাও করে কথবা কেলবে ক্ষমি ভোনালে। শান্ত কবৰি। আহার এই সেবছেরা ভাষের প্রভূত अस्टियात सा ८०६८, च्यानन्तरका विश्वत्व चनसम् वरश्रद्रश क्रोरे पनि चाननातां और चारमंग शन त्य, चेस्ट त्यन তীলের অপরাধ্যে কল ভোগ করে শীয়ই আবর কাছে বিশ্বে আলে এবং জ্ঞানে ধ্বম খেকে উন্নের নির্বাচনের কাল অভিন্নে অভিনাহিত হয়, ভাহলে আ আবনা প্রতি সমান, জন নিবাস বুলে (আপনার জীবাদগরে) জীর স্থান चाननारम्य चनुश्रद वर्ग चानि वरन करव

ব্ৰহ্ম বলতে লাগলেন—"কৰিবৰ বনিও জেনজৰ সর্পের দ্বারা দংশিত হরেছিলেন, ভবুও বৈদিও করের প্রবাহের মধ্যে ভদবানের মধুরোজ্বল জব্ম কার কর ঠারা ভূত্র হতে গাতেননি। পবিশ্ব কর্ণ প্রসংগ করে মনেনিকেশ সহকারে ভববানের অনুর্ব বলী প্রকা কর সংখ্য, মহন্তপূর্ণ অভিয়োধ এবং গড়ীয় কৈন্ট্র-সমন্ত্র শেই বাণীর মর্ম কুলবঞ্চন করা উল্লেখ কাছে কঠিন ইমেজিন। তাঁতা কুমতে পাতেশনি ভগবাদ কি করতে क्रिटाबिस्मान । पश्चक चन्नवस्ता वर्गन आक करत स्थापन প্রকর্মি অভান্ত আনন্দিত স্থানিজ্ঞান এবং তালের সারা শরীর রোমাজিত হরেছিল। তঞ্চা বিদি উল্ল জন্তাশা শক্তি যোগদায়ার খারা উলা কীর্তিমালা উদ্দের কাছে থকাশ করেছিকেন, সেই প্রায়েশ্বর ভ্রমবানের উল্ফেশ্ব

্রবার আমার পালেনক গলা রিভূকাকে পরিত্ত করে এক: তাঁর কৃতাঞ্চলিপুটে বালহিলেন—হে পরযোগ্য কাবান। প্রস্থার্থনাদিশ সমস্ত ছাড় কার্মান-জননার নিবৃত্তি সাধন करत सम्बद्धानाम् स्टब-मानव नाव स्टब स्टब्स् भारत्यस्ट क्षमधारक क्ष्मुंध्ये कहा करा क्षमक शतक महाव तह। হে সংগ্রীদেবীর পদধূলি জন্য সকলে উপের মন্তবে বারণ করেন, সেই লাল্লীদেরী আপনার দাসীয় মতে: খ্যাপন্তে আহেনের অপেকা করেন, কেননা কোন ভাগ্যবাৰ ভক্ত কৰ্তক আপন্মৰ চৰূপে নিবেৰিত ভাগনীৰলের নবীন অলিকার সঞ্চত্ত্ব করে যে জনরদের সূত্ৰভিত প্ৰাক্ত কন্য তিনি সৰ্বান উৎকৃতিত থাকেন।"

"হে প্ৰভু! আগবাৰ গুৰু শুকুমেৰ কাৰ্যকলাশে প্রতি আপনি অভ্যন্ত অনুরক্ত, ভকুও বিনি সর্বনা আপনার অপ্রাক্ত প্রেমারী দেবার কুড, সেই কর্মীদেবীয় প্রতি আপুনি আহকে না। অভানে গ্রাক্তনের যে গথে বিচরণ बहुतरक्ष, त्यारे गटका धृतित कता भागति विन्हारत गरिज হতে পারেন এবং **আগনার বংগর উপর যে প্রী**বর্তস চিত্, ক্ষম কৰা আপনি বিভাগে মহিনাধিত হাতে পালে। চ (र काको। काफी गराव धर्मा मृदिशम वितर। ए**रि** हिनकुत निकार समा करा चाननि शुरुत अर्थर समाध প্রাণী সমন্বিত এই বিধ-রাজাণ্ডতে পালন করেন, আপনায় एक अवस्थ अन्य अर्थानमा वा ध्याननारी चनुप्रदश्च पात াবেরা এবং প্রকাশনের কল্যান সাধনের জন্য আশনি রক্ষ ও ভয়েওকে উন্নদমণ্ডলিকে নিম্না করে। হে সভা



CORP OF PROPERTY

भारति विश्वासकेत्वत तककः च्यानि विश्व विषयः विश्व विश्व विश्व क्षापि नामी, एवर प्राप्ति जा कार्य आ। মধুৰ বাৰী প্ৰৱোগ কৰে তাঁকে কৰা না কডেন, ভাহৰে অবলাই আপনার দক্তি ও অধ্যক্ষতার আচরবলীক আনসাধারণ অর্চনের পবিত্র পাত পরিভাগে করবে। সে প্রভূঃ খাপনি সমস্ত মহলের উৎস, ভাই আপনি কখনও । কাছে কিয়ে আসহিলেন, ভানা আমি নিপ্রায় কর্মদায় চান না বে, কালবার পথ কিন্টে হয়ে যাক। কেবল ক্ৰমান্তৰ্ভের ৰসলেও জন্য আপন্যৰ মধান শক্তিব স্বাধ্য আপনি অকড তথেৰ বিনাশ-সাধন করেন। আপনি ত্রিলোকের উপর এবং সম্প্র বিশের পালনকর্তা। তাই জেন্তের বশবতী হয়ে বোগ অনুশীলনের কলে, জালনি যথম বিনীতভাবে আচনৰ করেন, ভাৰৰ ভার কলে অপন্যা প্ৰভাব কীণ হয় মা । পকান্ততে, এইডাৰে বিনীত হওৱাই মাধামে আপনী আপনার চিক্তর লীগা धनर्मन करतन। १ए शकः वारे पृष्टे कर निवनताथ ব্যক্তিয়ের অথক আয়ালেরও যে ২৬ই আপনি নিতে চান, का भामता निक्रमार्डे अरुए कराव । भागता कुबर्फ (महताहि । हमरे पूरे भाग कातमान अध्यानात्मत कराव हिरोसर्व अर (द. मृद्धे कर निर्फाद शक्तिक च्हम्मत चिन्नाम निरमिक्षी"

ক্ষাৰান উন্তৰ্ন দিলেন—"হে ঠাখণখৰ ৷ আপনারা **क्टिंट** क्रेक्ट **(य. चार्यनाव चंत्रमा ता एक मिरवर**क जा প্ৰকৃতপক্তে আমানেই সানা নিৰ্ধানিত একা ভাই উল্ল অধ্যাপতিও হরে দৈতাকুলে অপপ্রেছণ করবে। কিন্ত নেলকো বালা উৎপত্র মনের একপ্রতার বালে তাকে আমার পঙ্গে শতভাবে কড় কৰে এক কচিবেই জন্ম আমান প্রথম কলোল সম্প্রতি নিতির পর্যে প্রথম করে, কলাপ **अका**टन किंद्र कांश्रत।"

दिक हेटलाटक अवनामन्यावक दिक् हेनाथ नव्हध्यव ক্তপথানকে মর্শন করে সেই শিক্ত ধাম ভ্যাপ করলেন। ক্ষমিশ্বর ভারষানকে প্রদক্ষিণ করে, তাঁকে প্রণতি নিজেন कार अवर रेपकारामध्य विका जेवर्र मण्डल चारमंच वरत. অভ্যন্ত প্ৰসর্কিতে উচ্দের অ-অ স্থানে প্রত্যাবর্তন বিশেষ সৃষ্টি, দ্বিভি এবং প্রসারের কারণঃ" ব্যার করেনিলেন।"

क्षारकार--"और प्राप्त (भारत शहान को), विन्ह (काम का) (काम काशासित अंको कराएह भारतम) और विवास किया ৰবে না। জেয়াদের কল্যাণ হোক। প্রাক্তান্ত্রে অভিনাপ - করে উন্ত কোন উদ্দেশ্য আহরা সাধন করতে পারবার"

পক্ষান্তরে, এই অভিশাস আমার অনুমেদিত। কৈন্ঠ (अटक एक्टामाएमर अर्थ क्षत्राम मण्डी (भवीद बाह्य नर्गी-पिट्टे हिन। दिनी चन्न चामार धन दार्थ क्या नंसाय चामार चटन एकामक छैरक बारत सभा निर्दातरण जगर छल घरना তিনি অভান্ত ক্ৰছ হয়েছিলেন। ভগবান সেই দুই জন रेक्केश्वी कर धर विकास प्राचन विस्त सम्बन्ध--ব্রুক্রাদের অবহেলা করার পাপ থেকে ভোলনা মুখ্য হবে এবং ছচিবেই আমার কাছে কিয়ে আসবে। এইভাবে ভাগনা ব্যৱশালয়ে আদেশ নিয়ে, নিবা বিমান রেশী মান ভাষিত এবং সর্বোদ্ধন ঐশ্বর্য ও সম্পলে পরিপূর্ণ ঠার থায়ে তিনি প্রবেশ করলেন। কিন্তু দেবতালো মধ্যে শ্রেষ্ঠ ভেজ হাতিয়ে, বিবাৰগ্ৰয় হয়ে, ভবননের ধান তৈত্টালোক থেকে অনঃগতিত হলেন। ভারপর, জর এবং বিজয় যক্ষ ক্ষান্তময় ধাম থেকে পতিত হজিলেন, ভাল অপূর্য বিমানে উপবিষ্ট দেকতানের কট খেকে মহা হাহাকার क्षनि **উचि**ड इस्स्रिक्ति ।"

ব্রস্থা বলতে শাগলেন--"ভাগবানের সেই দুই জন মনির শক্তিশালী দীর্মের কার কান্যাদিত হয়েছের। সেই শ্ৰীপ্ৰবা কলেন—"ভাৰণৰ দেই অবিগণ বৰপ্ৰকাশ পূৰ্ব অনুৱেগ তেন্ত্ৰেৰ ৰাখা তোমাদেশ তেন্ত এখন তিরক্ত হতরার কলে, ভোগরা বিচলিত ব্যাল্য বা প্রতিবিধন করার শক্তি আমার সেই, কেন্সা ভাগবানোই रेजाक्टम अहे मन निष्कु इरहरक्। रहे विद शुक्रमण। ভগবাম হজেন প্রকৃতির তিন তংগর নিরতা এক তিনি আশ্চর্যজনক সুন্ধনী শক্তি কোগুমারাকে বোণেপটোরাও फ्लबार एक्ट कांट बन्छ **बन् दरा विकार मराब कुक्क भारत** ना। त्रदे वाल भूतव क्रावनहें

मञ्जनम् काशास

ব্রহ্মাণ্ডের সর্বদিকে হিরণ্যাক্ষের বিজয়

ত্রীনেত্রের কালেন—"বিকুল খেকে কর হরেছিল। পেচকেরাও তানের সঙ্গে বোল বিত্তে শব্দ করেছিল। ক্রায় সেই ব্রাকার কাছ খেকে সেই পাত্রকারের করেব प्रमाण करन करत, पर्भावाकसनी (स्वटात नवत कर থেকে মুক্ত হয়েছিলেন। কমেণার উল্লে উল্লেম্ব লোকে প্রভারবর্তম করেছিলেন। সাধনী রমণী নিতি তার নর্মান্ত সন্তানদের থেকে দেবতাদের উপাব আলখা এবং উপতের মতো নার্ডার রব করতে করতে চতনিকে ক্রার এবং তার পতির কাছ থেকেও সেই ভাবৈত্ত্বালী প্রকা করে, অভার উরিপ্ত হরে, শতবর্ষ পূর্ণ হলে দুইটি পাথিয়া দল করতে করতে ভাগের বীড়া থেকে উড়ে ষ্যাকে পুৰু প্ৰসৰ কৰছেন।"

करहीएक मान। युक्तम कीटिश्रम अंदर कान्द्रवंश्वनक कीका शरा मुख्य नहिंदर्श करू वर्गन करविह्न, क्राव्हनि প্রাক্তিক বুর্বোগ দেখা দিকে লাগল। তথ্য পর্বত হয়। পুঁত বর্ষণ করেছিল, ক্লেব-প্রতিহা সকলে ক্লেব আরু পৃথিৱী কম্পিত হয়েছিল এবং মনে হয়েছিল জে সর্বন বিসর্জন করেছিল এবং বিনা বায়তে বৃক্ষসময় ওপতিত আওন কুলছে৷ উপা, কেন্ত এবং বছুপাত বহু পনি क्रमि स्र कारमागृहक इद छन्। देविक सर्वकाः। न्यार्थः ष्ट्रश्यकत् तासूत्रमृष्ट् क्षतक् अधिकार्क रेजना अयः । व क्यतन्त्र नक्षत्रस्य विकास करतिका अर्थ दक्ष पीठा युनिमयुक्टक सरका करते, विशल युक्तकि मयुक्त दात अकारके करते अर्थन महन्मरस्त्र महन मरण्डित ইংগাটন করে, প্রচণ্ডভাবে পর্যান করতে করতে প্রবাহিত। সৃষ্টি করেছিল। এই সমস্ত এবং অনাস্থ্য অনুকে অওক হতে লাগল। সেই সমর বিমাৎজণ অভিযান্যকুচ भावतनित सता गरधामध्यात स्थापिकमध्य व्यवस्थित পোঃ সর্বাহ অভারত্তের স্থাবার কলে, কান্স বহন পোন विश्वे राज्या शाल जा। जग्न राज स्थावनाम्य स्टब केव ভাষধানি মহ প্রবলভাবে গর্ভন করতে লগল এক তর কলে তার উদরবু অগ-জন্মদানুহ কোভিড হরেছিল। नमें। ध अह्यान्यतम्बर्धः विकास स्ट्राहित अनः स्थानन्यनः পদবাজি ৩% হয়ে পিয়েছিল। আৰু বার সূর্য একং চন্দ্রথারপের সমার সূর্য এবং চল্লের চার পাশে কুরালাক্তা শবিধি প্রকাশ পেতে লগেল। তিরা মেঘেও আলাতের শব্দ শোনা বেজে লাগাল এক পর্বতের ওবা বেকে রখ-মিজা নির্দানের মাচা দাল উপিত হাত লাগল। প্রাথের रेश्य भूभागील काराह एव (बदक कवि केन्सील करत चप्रज्ञातृहच हिरकात करतिहत, अवर पुनान च

কুকতের বেখানে সেখানে প্রীবা উত্তোপন করে, কথনও সঙ্গীতের জ্বতে, কাবনও বা ক্রম্মনের মধ্যে বিবৈষ্টাবে চিংকার করতে লাগাল। হে বিশ্ব । পার্যনেরা পদক্ত হরে কানের তীক্ত পরের দাল পৃথিবীকে আফাত করে शारिक इट्ड मानम्। नर्माटका सर्वाद सहस्र ठीउ इटड. গেল এবং গোলালার ও অরক্তে পওরা ভাঁতে হবে বার "সেই সভান্যর ভূমিট হলে কাল্যেকে, ভূমেকে ও বার বিটা ও যুৱ পরিত্যাস করেও লাগল। প্রভীপর্শ হছেছিল। সাম্ব, শনি আদি অওও গ্রহসমূহ অভ্যক্ত উজ্জান হয়ে বুধ, বহুপাতি এবং ৩ঞ্চ আমি ওজ প্রহ সক্ষা দৰ্শন করে, ক্লবারে মেং ক্লম কবিপুরে বার্থনিত ক্লব जनता, बीहा बाह अंदर विकट्टा चया गरिए द्रांड निविद शृक्षकारण बान्धान्त्या तरुगा नवरण चरुगठ वितान स्ट. ঠারা অভ্যন্ত ভ্রম্বভীত হতেছিলেন। জালা মনে করেছিলের বে, জগতের প্রদান উপস্থিত হরেছেঃ

"এই কুইটি হৈছে বায়া পুরস্কানে আবির্ভূত সক্রেছিল, অভিবেট ভাষা ভাষেত্ৰ ক্ষমাধানৰ দৈহিক বঠন প্ৰকৰ্ম করতে এর করন। ইম্পাকের মধ্যে অনের পরীয় দুইটি কিবাৰ পৰ্বভেগ যতো বৃদ্ধি পেতে লাগল ৷ আৰক্ষ কেছ এত বীর্থ হারেছিল বে. মনে হর্তিকা করা কো ভাষের ক্ৰিযুক্টৰ আগবাসের মান্তা আকাশকে চুক্ত করছে। তার। ভালের পরীরের বারা বিকস্বৃত্ কথরে। করেছিল এবং আদের প্রতি পথকেবের স্বাহা পৃথিবীকে কম্পিত उट्टिम् । अर्पत स्र उच्चन चमास्य बाहा बनाइक

हिल अयर च्यान्त सुन्यत स्वयंना त्विष्ठ करिएत्त्व वाता जता तम मूर्यक च्यान्तानिक करतिहा। शकाएमत स्वां श्रमां विकाशि कमाने जीत समस नृज्यामत स्वयं वात श्रम्याम क्या स्टाहिल, जात मान मिराहिलम दिवशाक अवर निर्धि श्रमां वात्म गर्स्स धात्म करतिहरूनम, जात मान मिराहिलम दिवशुक्तिन्। स्वांध भूज दिवशक्तिशृत शिकृतम कारात कार्य मृज्य च्या हिल मा, स्थमन मा इकार कार्य वत नाच करतिहन। तारे चरतत श्रमार मान क्या स्टाहिल। च्या किल्पाल च्या हिल्पाक कार्य मान श्रमां स्टाहिल। च्या किल्पाल च्या स्वयंत्र कार्य कार्य श्रमां क्या कार्यक्तालित हाता मर्वमारे मच्छे कार्य श्रमां करता कार्यक्तालित हाता मर्वमारे मच्छे कार्य श्रमां करता कार्यक्तालित होता मर्वमारे मच्छे कार्य श्रमां करता कार्यक्तालित्व क्या मर्वमारे मच्छे कार्य श्रमां करता कार्यक्तालित्व क्या मर्वमारे मच्छे

"হিরপ্যাক্ষের রেলধ বিল দুঃসহ। তার পারে বিল শব্দারমান খর্শের মৃপুর, সে বৈজয়ন্তী মালার বারা অলকৃত ছিল এবং তার এক স্কন্ধদেশে ছিল একটি বিশাল প্রমা। তার মাদলিক ও গৈহিত শক্তি এবং লেই সঙ্গে হ্রসার বরে শে অতাত পর্বিত হরেছিল। কাবও গ্রাডে তার নিহত হওয়ার ভর ছিল না এবং ভার গতি রোধ করার ক্ষমতাও কারোর ভিল লা। তাই ভার দর্শন মাত্রই धक्रफटक स्मर्थ मार्थिया क्षिप्राच भनावन करत. বেবভারাও নেইডাবে **ড**ার ভীত হরে লুকিয়েছিলেন। देश अवर प्रमामा (भवकाता, योजा नृदर्व जीएमत निकत গর্বে প্রমন্ত হয়েছিলেন, জামের দেখতে না পেরে একং ষ্ঠীরা বে তার তেজবলে ভীত হয়ে পলারন করেছেন, তা খুখতে পোরে, সেই লৈত্যরক্তে ভীষণভাবে গর্জন করতে লাগল। স্বর্গ বেকে ফিরে এনে, সেই বলবান দৈতা ভর্তর গর্জনশীল পতীর সমূদ্রে ক্রীড়া করার মানলে মন্ত মান্তলের মতো বাঁপ দিয়েছিল। সে সমগ্রে প্রবিষ্ট হতে, বরুপের সৈন্য-স্বরূপ অল-অন্তুসমূহ ভরাজর

হয়ে অভি দুরে পধায়ন করেছিল। এইতাবে, আযাভ ना करतरे दिवसाध्य छात एउक धनर्यन करतिहरा। वस वर वस्त्र भद्रत अभूदक विष्त्रम् करत्, मश्च वनवान विज्ञम्हाक ভার সৌহ-নির্মিত গদার ছারা বাহু বিকুত্ত বিশাল ভরত্বমালাকে ধার বার আঘাত করেছিল একং ভার পর মে বরুপের রাম্বধানী বিভাববীতে গিরে পৌছাল। অসুরুদের ব্যুসমূল গাসেল-ল্যেকর গালক এবং জল-चन्द्राप्तव शक् वक्ररपट शह इतन्द्र विकानती। राजाहर হিবল্যাক ক্ষণদেকের কাছে সিমে নীচবং প্রলিগতে করার পরে, ভারে উপহাস করে শ্রিত হাস্য সহকারে বলেছিল, 'হে অধিরাজঃ আমাকে বৃদ্ধ দান করন। আপনি একজন মহা ফশদী লোকপাদাধিগতি। আপনি দারিক ७ भारकाती बीजरमंत्र मर्ग द्वाप करत्रहिरमा अवर अदे ক্সতের সমস্ত সৈত্য ও গালবাস্যে গরাতত করেছিলেন। এক সময় আগনি ভগবানের সন্তুষ্টি-বিধানের জন্য রাজসূত্র কল অনুষ্ঠান করেছিলেন (এইজাবে অপ্রতীন মদমন্ত শত্ৰু কৰ্তৃক উলহসিত হলে, পুৰা অলাধিপতি ক্রম হয়েছিলেন, কিছ তিনি তার বৃত্তির বারা নেই সমুখিত ক্লোধকে সংকরণ করে উত্তর দিয়েছিলেন—'হে (मञ्जाबा) अञ्चल वृद्ध इश्वरात करण, जामता अन्त कृद থেকে বিরত হয়েছি। আলনি মুছে এত নিশুণ বে, খালি পুরুষ বিষ্ণু ছাড়া খার কাউকে আমি দেখি না বিনি আপনাকে বৃদ্ধে সন্তুষ্টি-বিধান ক্যান্ডে সমর্থ। তাই, হে অসুররাজ, এমন কি আপনার মতে। বীরেরাও খার কব করেন, তার কাছেই জাপনি গমন করন।"

বঞ্চলের বলতে লাগলেন—"তার করে নৌছালে। আপনি অতি শীয়ই নউ-পর্ব হরে কুকুরদের ধারা পরিবৃত অবহার বৃদ্ধকেরে চির নিপ্রায় শায়িত হবেন। আপনার মতো গৃষ্ট ব্যক্তিদের বিনাশ করার জনা এবং সাধুদের অনুপ্রহ করার জনা তিনি করাহ আদি বিবিধ রাণ ধারণ করেন।"

* * *

অস্টাদশ অধ্যায়

বরাহদেবের সঙ্গে হিরণ্যাক্ষ দৈত্যের যুদ্ধ

মৈত্রের বলতে লাগলেন—"পর্বেছত এক অহন্তরী হৈতাটি বকাৰে সেই বাকা বিশেষ প্রায় করল ন। হে প্রির বিদুর, সে নরবের কাছ থেকে পরক্ষের ভগবানের অবস্থান অবগত হতে, শ্রুত বেশে রসাতালে প্রবেশ করেছিল। সে তথন সেবানে কর্ম শক্তিমান পরবেশরের উন্নে করাহরতে তার বলনাপ্রের হারা পৃথিবীকে উর্মে উন্নেলন করতে মেখেছিল। তিনি তার অরক্ত নেরের ছারা সেই মৈতোর ভেজানাশি হরণ করেছিলেন। সেই গৈত্যে উপন উপস্থান করে বলেছিল—'ও, এইটি একটি উভলা করে!"

ভগবানকে গ্রেম্বন করে সেই সৈতা কাল—"রে

শ্কর-জাগধারী দেবপ্রের । আমার করা লোন্।

রগতেলবারী আমাদেরকে এই পৃথিবী প্রকান করা হরেছে

একা আমার বারা আহত না হরে, আমার উপাছিতিতে

তুই ডা নিয়ে বেতে পারবি মা। রে দুই। আমাদের

হত্যা করার আনা তুই আমাদের শত্রবের বারা পুট

হরেছিল এবং আদৃশ্য থেকে তুই করেককান দৈত্যের

কথে করেছিল। রে মুর্ব। তোর শক্তি কেবল অেগমার।

তাই আজা তোকে হত্যা করে। আমি করমার আবীর
বজনের পোক বুর করব। আমার হন্ত নিজিয়ে পানর

হারা তোর মন্তক করা চুর্ব হবে এবং ডোর মৃত্যা হবে,

তথ্য দেবতা এবং অবিয়া করা তক্তি সহকারে তোকে

বজ্ঞতাগ নৈকের্য নিকোন করে, তারাও সমূকে উৎপাটিত

ব্লেক মতো আগধান থেকেই বিনট হবে।"

"ভগবান বনিও সেই অসুরের কটু বাকারাণ অবের ভারা ব্যথিত হরেছিলেন, তথুও তিনি সেই কোনা সহা করেছিলেন। তার কনাপ্রে অবহিত গৃথিবীকে তীতা দেশে, তিনি জালের মধ্য খেকে বেরিয়ে এলেন, রিক ক্ষেন কৃথিরের করা অহতে হ্বী তার হতিনী সহ নির্থত হয়। ভগবান কনা জল খেকে নেরিয়ে এলেন, তথন হিরণ্যাক, তার মাধ্যে চুল ছিল কর্ণাভ এবং বার গাঁও ছিল ভারতার, সে ভগবানের পশ্যভাবন করেছিন, রিক

বেমন পুনির হার্তাকে অনুসরণ করে । করের মতো পর্যান ততে সে বলেছিল--খন্ডে আহানকারী প্রতিদ্বনীর কাছ পেকে এইতাকে পালিয়ে বেতে তোৱে কক্ষা করে নাং निर्मेख धार्नीय नाइक एकम किन्द्री मिन्करीय सरा। फक्यम পৃথিবীকে জলের উপর তার গোচরীভত স্থানে সংস্থাপন করে, ভাতে তার আধার দক্তি সন্ধার করেছিলেন, কতে সেইটি জলে ভেলে থাকতে পারে। তার শত্র বখন সেখানে দাঁড়িরে তাঁকে দেখছিল, তখন রক্ষাণ্ডের সৃষ্টিকর্তা দ্রখ্যা ভগবানের ছতি করেছিকেন এবং খান্যান্য দেবতারা তার উপর পুষ্প-বৃষ্টি করেছিলেন। সেই দৈত্যটি, যায় দেহ বহু মূল্যবাদ অলকার, কলন এবং সুলয় স্থৰ্ণভাৱ বৰ্তেই সন্মিতি ছিল, এক বিশাল পলা নিয়ে ভগবানের পশ্চাতে ধাবিত হবেছিল। ভগবান ডায় হরতেনী কটার্ক সহা করেছিলেন, কিছু আকে প্রভারত দেওৱাৰ জন্য ডিনি ডাৰ ভৱতৰ বেলধ প্ৰকাশ করেছিলেন 🗥

नदरम्भव सन्दान कारतन-"वाध्वा दशावी ক্রবাদী প্রাণী এক আহমা ভোর মতো কুকুরবের শিকারের অবেকা শর্মাই। বারা মৃত্যু-পাশ থেকে মুক্ত, ওঁরো ভোর অবহীন প্রমাশকে প্রায় করেন না, কেননা ড়াই মৃত্যুক্ত নিরমের ধারা আবর্ত। আমরা অকশাই বুস্তেলবাসীদের অধিকৃত ধন হরণ করে লক্ষাহীন হরেছি। তোর শক্তিশালী গুলর হারা আহত ইওয়া সংখণ্ড, আমি কিছুকাল এই জনে থাকব, কেননা তেরে মতো শ্রিশালী শরর সঙ্গে বিরোধ উৎপত্ন করে, আমার একা বাওয়ার ফোবাও খান বাক্তে না। ভূই বং পদান্তিক সৈনোর সেনাপতি এবং একন ভূই আমাপের প্রস্তেত করার জন্য শীন্তই প্রয়েষ্ট্য করতে পারিস। তেরে মূর্য ক্ষকালাপ পরিত্যাস করে এবং আরাদের হত্যা করে, তের আন্তীয়-সক্ষনদের ঋঞ্জ মোচন করার চেন্টা কর। হে গর্বোক্তর কৃত্তি নিজের প্রতিক্ষর মর্বাদা রাখতে পারে না, সে সভার বসার অংশান্ত।"

উনবিংশতি অধ্যায়

হিরণ্যাক্ষ বধ

প্রীমেরের কললেন—"সৃষ্টিকর্তা ব্রজার সেই নির্গট এবং অমৃতের যতেঃ মণুর বাণী প্রথণ করে ভগবান আন্তরিকতাম সংক্ষ হেসেছিলেন এক তেমপূর্ণ কৃষ্টিপাতের ধারা তার সেই প্রার্থনা বীকার করেছিলো। ভগবান, বিনি প্রকার মাক থেকে আবিঠুত হুর্নোছদেন, তিনি লাক নিয়ে উর সপুথে নিতীকভাবে বিচরণালৈ উর শঙ বিশ্বপ্যক্ষের চিবুক ক্ষা করে, তাঁও পদার বারা আয়ত ক্রলেন। কিন্তু নৈত্যের গদার অধ্যেতে ভগবানের হাত থেকে উন্ন গদা কিচত হয়ে খুবতে বুবতে নিয়ে গতিত হল এবং ওখন তা এক অপূর্ব শোল্ড বিপ্তার কর্মছল। ড়া অত্যন্ত অস্পর্যক্ষনক ছিল, কেননা ভগনানের গলাট আন্তুতভাবে দীখি বিস্তার করে ঝলমল করছিল। দৈতাট যদিও তার নিরশ্র শক্রকে আখাত করার এক অপূর্ব সূক্ষ भूरवाच भ्याताहरू, छतुष म कृद्ध-स्टार्स नैतिक र्राप्त वस्त्र প্রদর্শন করেছিল, তার কলে প্রয়েশ্বর ওপ্রয়েনর ক্রোধ উক্দীপ্ত হয়েছিল। গুলবানের গলা খবন ভূতিতে গড়ে গিয়েছিল, তখন খে-সফর খবি এবং দেবতাকা উচ্চের সেই সূত্র বেগছিলেন, তারা হাছাবদা করে উঠেছিলন। তখন প্রদেশন জগবালে দৈত্যের ধর্ম-জচরপের প্রতি অনুৱাধের প্রশংসা করে, তীয় সুদর্গর চরুকে সারব কর্মেপ্রকা। চক্রটি হথা কগবনের হতে পুরতে লগস এবং নিজিয় কৰম পুত্ৰ বিস্নায়কজনে আম-এক্সকটো উন্ন প্ৰধান পাৰ্যদেৱ সংগ ভগৰান বৰন সুবোদ্ধি বুছ কন্সছিলো, তথ্য বানা ভাষের বিষয় থেকে নেই কুট দেশছিলেন, জারা চতুর্বিক খেকে নিচিত্র ক্ষতা কাতে লাবলেন। ভগবানের প্রকৃত পরিচর সম্বাদ্ধ উদ্দের ক্ষার্থ ছিল মা এবং ওারা বলেছিলেন—'আলনার জয় হোকঃ কুপা করে একে ছত্যা করন। এল সঙ্গে আই আই কাৰেন না।' সেই সৈতাটি গম-গৰাল-লোনে গৰনেকা ভাৰত্ৰকে সুদৰ্শন চন্ত্ৰ হাতে ভাগ সামলে অৰ্থাছত গেখে, অভান্ত ক্লোঙে বিকলেজিৰ হবেছিল। সে ভীবল জোবে তার সাঁতের বারা অধর সপেন করে সংগ্রে হতো দীর্ঘ-

নিৰোম ভাৰে কমতে ওল কৰেছিল। ভয়ৰৰ সংট্ৰযুক্ত সেই দৈতা কো ভগবানকে ভার দৃষ্টিপাণ্ডের ছারা দছ করবে, সেইভাবে নির্বাচন করে, স্কানানের নিকে তার পুল উত্তোলন করে লাক দিয়ে বলল, 'ভূই এখন নিহও বুলি।' হে স্মধ্যে কিনুত্র। সমস্ত ব্যক্তর ভোকো, বাংগ্রহ-রূপধারী স্তুপধার শক্ষের সর্বন্ধ সমক্ষেই তার স্বাম পারের খারা অবসীপাক্রমে সেই পদক্ষে নিবারণ করগেন, যদিও তা প্রচত ভারের বেলে তার প্রতি নিকিন্ত হর্মেছিল।"

ভৰৱন জখন কালেন—" ভুট হখন আমাকে কর করতে একই আক্রহী, ভবন আবল্ল অনুধারণ করে চেটা कर्न । अदेखारन चारक इस्त, त्नहे क्षेत्रहा भूतवात ভগ্নমাৰে প্ৰকা করে গলা নিকেণ করক এবং ভরকর গ্রম্ভন করতে লাগল। ভগতন করন সেখলের যে, সেই গদা উপ্লে দিকে ভীৰণ বেগে খাসছে, তখন তিনি দেশনেই অকিলিডভাবে নিভিত্তে খেকে অসলীপাক্তনে অ ধরে কেলনেন, ঠিক বেভাবে পর্কীরাজ গুরুত্ব একটি স্থাপকে ধরে। এইভাবে তার গৌরুষ বার্থ ছওরার, সেই মহা দৈলে হত-কৰ্ম এক অঞ্চতিত হয়েছিল। ভগৰান তার পাল প্রত্যার্শন করতে চাইদেও, সে আ এখন করতে ইতা কলে ন। ইয়াগরকা ব্যক্তি যেকা পনিত্র প্রাথগোচ অনিষ্ট সংখ্যাৰ উথেংখা ভাৰ তপ্স্যালৰ অভিচাৰ (মালে, উচ্চটন আমি) হয়োগ করে, তেহনট সেই বৈত্য স্থালয় অন্তঃ ক্ষান্তল্যান এক ভাষকা বিশ্বা সমস্থ क्रांक्षण एकाव्या कर्मकारमञ्जू करणाया निरूक्षण करणा। उद्य কাবদ সেই বৈতা কর্তৃত চালে বেলে নিকিন্ত নেই বিশ্ব আকৰে উত্যক্তমে প্ৰতিকাত হয়েছিল। কিছ প্রদেশ্য ভণ্না ভা উর শীক্ষার সুনর্শন চলের ধরা क्ष करविस्तान, क्षिक स्वाम देख सक्त्यूम अतिहास একটি পূক কোন করেছিলেন। প্রত্নধর জনবানের চহেদ ভারা ভার বিশ্ব বও বও ব্রুলার, দৈয়টি चटान कृष श्रामंत्रः। अरे (न क्रम्पकार नर्धाः कार्ड করতে ভাগবানের অভিযুগে থাবিত হতে, জীবংন

हिरियद्वात कारतान—"स्वतान वश्न क्षेत्रसान तिर्दे দৈতাটিকে মুক্তে আহান করণেন, গুখন সে অভাব কুছ এবং উত্তেখিত হয়ে, আহত প্ৰতিষ্কী ক্ষিত্ৰত বিষধ্য সংখ্যা মতো মোধে কশিত হতে লাক। রেণ্ডের करण कांद्र नगरक देखिक किलिंड इरहरिंग अनर धन कर নিঃখাস ভাগে করে সেই সৈতাটি শ্রুত কেনে ভনবানের উপ্স বাণিয়ে পর্যে তার শতিশালী কার বার ভাকে থাৰত করেছিল। কিছু ছাম্বান এক পালে ইবং সংব বিষ্যে, তাঁৰ ফক্ষের উপর নিকিন্ত শত্রুর প্রচত প্রদায় খাৰত এড়িরে নির্যোধনের, টিক বেমন নিম্ব কোগী। মৃত্যুকে বক্ষরা করে। সেই দৈত্যটি পুনরার তার কর গ্ৰহণ করে ডা বার করে বোকতে ঘোরতে মেধকণত নান্তের ধারা হারা ক্ষবর কলেন করতে আরম্ভ কর্মা, ভালন পরদেশ্য জগনান খতান্ত ক্রন্ত হয়ে, সেই সৈত্যের দিকে ধাবিত হলেন। ভারণের, ভগরন ভার পদা নিরে সেই শক্তর ভান দিকের করে বধ্যে আঘাত করেছিলেন। হে সৌমা নিয়ন, কিছা থেকেও নেই কৈডাট বুছে নক মিল, তাই সে তার সুনিপুৰ ক্যা চালনার থানা আছবকা করেছিল। এইভাবে, হর্মক দৈত্যে এবং পরবেশ্বর ভাগরন উভারে কৃষ্ণ হয়ে, জন্ন লাভের বাদনার পরস্পরতে श्रीत्स विनाम त्रमात पाता चाचाक कत्रक मानातमा। पृष्टे (वाषात मार्थ) शक्त श्राटिकिंग्डा श्रातिका। श्रीपत श्रीक बमात बापराठ केकरतवरे एवं बार्क राजवंश करा তাদের ক্ষত থেকে নিগতি রভেন্ন গছ পেরে, উভরেই অভিনয় কোবোদীও হর্মেছিলে। উভয়েই পরস্পার

254

"(६ कृत नरमकः) अधारकत्र स्मर्गकारकत्र महन्त्र जन চাইতে কলে কুলা তান অনুগানী অধিপদ কর্তৃক পরিবৃত हरह, नृथियीत निभिन्न मिर्ट रेक्फ) अवर अहारकानी পর্যোগর ক্ষণবালের মধ্যে সেই ২৮৩ যুদ্ধ দর্শন করতে

बारतक देव्हास जना गुरस्ता नाना क्षणता स्थितन क्षणता

করেছিলেন। পাতীয় জন্য দুইটি মন্ত কু বেমন সংগ্রাম

কৰে, জানের ভাষা ঠিক সেই রক্তর মনে হছিল।"

এসেছিকেনঃ সেই কুছকেতে উপস্থিত হয়ে সহকে গতি क्षार अश्चाकारमा द्वारा उत्ता त्यरे देवचारक व्यवस्थान, त्य এক অভ্যতপূৰ্ব শক্তি প্ৰাপ্ত হৰ্মেছল ৰে, কেউই ভার महार पुष्ट कहर छ सकत दिल ना।"

ব্ৰুখ্যা তথ্য আদি ব্যাহনেৰ শ্ৰীণিকৃতক কললেন—"ছে ভাষান। এই গৈতাটি মেবতা, প্রাথাণ, গাড়ী এবং সর্বদট আপনার শ্রীশাল-পরের আনাধনার উপর নির্ভরশীল সমস্ত নিৰ্মাণ ও সরল ব্যক্তিকে কণ্টক-বরূপ। সে অন্যৰ্ক গ্রাকের প্রাণ প্রদান করার, জানের করের নারণ হয়েছে। অধ্যা কাছ খেকে বয় লাভ করে সে এক মহালভিশালী रेनट्टा नविन्छ श्राहरू धेवर त्म मर्यमाई छेलब्छ व्यक्तिन्दीत करहेक्द कारण कारण प्रचारका गर्ववेर *जि*हे चान् इत्याना-माध्यम् धना निरुत्तन करत्। ८१ शिव ভারনা এই সর্পত্না হৈতের সঙ্গে খেলা করার কোন अरहाकर (वर्षे, स्कला अ मातारी अवर परसंघठ, स्मरे সলে যে নিরত্বা এবং ভয়তার দৃষ্ট। তে ভগবাদ। জাগদি অচ্যুত্তঃ আসুরিক বেলা উপস্থিত হওয়ের পূর্বে আগুনি বলা করে এই পাপী দৈতাট্টকে সংহয়ে করুন, কেনা ওখন সে জন্ন অনুকৃত্য করা কোন ভয়কর পরীর বারণ করতে বাবে। আপনার অধ্যরতা শক্তির হারা चार्थने निःमान्यस् अर्क मरशतं कत्ररूष भारतन। रह ভদক্তন। সমস্থ জগৎ আচনুনান্তরী ভয়ন্তর অস্থানারকর সন্ধা হৰু বনিৰে আসছে। বেহেও আপনি সমথ আবাৰ আখা, তাই দায় করে তাকে হত্যা করে, আপনি বেবতাবের বিভায় সম্পাদক কর্মন। বিভারের জন্য সব চাইতে উপস্থুত অভিজিৎ নামক শুন্ত খোগ, যা মধ্যাকে ৩৯ হরেছিল ভা গতগ্রার, ভাই, খাপনার সূহাৎক্রের स्वरूपक्ष करन काननि फॉल्टराई और मुख्या भऊरक वर করন। সৌভাগ্যাকর এই সৈভারি খেলার আপনার करिए अरमाप्ट अपर चार्यमाह प्राहरि उहा मृत्यु इत्य पत्न বির হয়েছে ভাই, জাননার বিক্রম প্রদান করে, আগনি একে বৃহত্ব কিবাপ করে কলতে শান্তি স্থাপন করুল।"

চিহাছিত ভাগবালের ককে মৃত্তির বাবা কটোরভাবে আগতে স্বংগ্রিক এবং তার পর সে অন্তর্হিত হরেছিল।"

200

"তে বিদুর: আবি কার্যকাশ কাবেন দৈতাটির বারা এইভাবে আহত হলে, তার মেহের কোন অবই স্থা-দাব্ৰায়ত বিচলিত হল বা, ক্লিক বেজন কুণেয় মালান বায়া আহত হয়ে, হরী কথনও বিচলিও হয় না। তারণর সেই সৈজ্ঞা আেশবারাবীশ শ্রীহনির প্রতি না-যবিং মারা-ভাল বিশুদ্ধে কংতে কালা। ভা মেৰে সাধানে মানুভোৱ অভান্ত শক্তিত হয়েছিল এক মনে করেছিল যে, জগতের প্রদর্গনকাল সমুপত্মিক ছয়েছে। চার নিক থেকে প্রচণ্ড বারু প্রবাহিত হতে লাগল, ভার কলে ধুলি এবং শিশাবৃত্তির হাল চতুর্নিক ভ্রমানের হরে পড়ল এবং সর্বর পাশ্বর পতিত হতে লাগল, কো সেইওলি ক্ষেপনালের क्या निकित प्रक्रिया। महस्रामध्य विदार वस वस वस যেবের বারা আঞ্চাদিক ছঙ্গার নক্ষরতারি বিল্পু **इराजिन अश जानम (शरक श्रीक, रक्म, अल, प्रमा, प्रक्र** 🗴 অন্থি কণি ছতিলে। হে দিন্দান বিদ্যা। ভালে মধে হয়েছিল খেন পর্বতভাগি নামানির ক্ষাপ্ত বর্বপ করছিল এক তার পর আনুসারিত কেশা শুল-বাহিণী কতওবি মধ দ্বাক্ষণী এমে উপস্থিত হয়েছিল। পদাতিক, অখারোচী, গঞ্চনোহী এবং রখারেটী বং আততারী বন্ধ এবং ব্রক্ষা হিংসাত্মক ও নিষ্ঠর কাঞ্চা প্রয়োগ করতে লাগণ। সমস্ত য়ক্ষে ভোড়া ভাবাদ ভঙা সেই অনুর কর্তৃত প্রকাশিত মারা কিন্দা করার অন্য তাঁর তির সুদর্শন চক্র প্রয়োগ करबिद्यमा। छारे सम्म विस्थादका माल पिछित हो। হাকেশ্যন হয়েছিল এবং শতি কল্ডগের বাকা উল্লেখ্যনা रम क्यर केल क्ष्म क्ष्म इन्ह करन रूप मानन। দৈতটি ৰখা দেখল বে. ভাঃ মান্ত্ৰণতি প্ৰতিহত হয়েছে, সে তথ্য প্ৰৱায় প্রক্রেপর ভাগান কেলকের সামুলে উপস্থিত হল এবং মোলকরে তার দুই রাজ্য দারা উচক জানটে মতে গেবৰ কলম চেষ্টা কলল। কিন্তু অভ্যন্ত चान्हर्वे हरत राम राध्या राम, ४४१वान छात्र वाश्यात्रय बहिर्माल मेलिया बरवरका। रेस्लाडि छथन बह्वलम् কঠোৰ যুষ্টির হারা ভগকানকে আঘাত করতে, লাগল, কিন্তু শ্রুপকার আধােকজ তার হস্ত ব'বা তার কর্ণবলে আঘাও করকে , ঠিক খেডাবে মঞ্চলেতি ইয়া ব্রাস্থ্যকৈ আহাত কংব্ৰিংলন। বিশ্বভিৎ গুগৱান বদিও

অবলীলাক্রেরে সেই মৈত্যকে আখাত করেছিলেল, ভারে ফর্নেই সেই দৈতের দরীর ঘূর্ণিত হতে লাগল। ভার চন্দ্ৰর অন্ধি-কোটর থেকে বেরিকে এল। ভার হন্ত-পদ তথ্য হল, মাথার কেশ অফুলারিত হল এবং সে প্রচন্ত বায়ে-বেঙ্গে সমূলে উৎপাটিত বিশালা কুন্দের মন্টো মৃত অবস্থার পতিত হল। অজ (একা) এবং অন্যের সেখালে এলে দেখলেন যে, সেই ভীকা মন্ত-বিশিষ্ট দৈত্যটি তার অধর দংশন করে ধরশানী হয়েছে, অসচ ভার দীপ্তি মলিন হয়নি। ভার্মন ক্লয়া ভার প্রশংসা করে बलाइटनम---वादां। धेरै छक्ता जीकाग्रकनक मुक्ता (क লাভ করতে গারে ?"

ব্রখ্যা বলতে লাগদেন—"মেগীর নির্মান স্থানে খেল-সমাধির খারা অনিতা ঋড় দিল শরীরের বছন থেকে মুক্ত হওতার আকাপ্তকার বে জীপাদ-পজ্ঞের বাস করেব, েই শহরে ধারা আহত হতে হৈতেনোঠ ওঁরে শ্রীমুখ-পৰ দৰ্শন কৰণ্ডে কৰুতে ভাৰ নাৰত শ্ৰীয় ভাগে করেছিল। অভিশাধ হথবার কলে, পরমেশ্বর ভগবালের এই দুই পার্যনকে অসুরক্তন ক্ষমগ্রহণ করতে হয়েছিল। এই প্রবার করেক জন্মের পর, ভারা ভাগের স্ব-স্থানে প্ৰভাগৰ্তন কথাৰে।"

ভগবানের উদেশো সেকতার কালেন—"হে ভগবান, আপনাকে আমতা পূন্য পূন্য হাপতি নিবেছন করি। আপনি সমস্ত যজের স্বোক্তা এবং রূপতের পালনের জন্য অংশনি শুদ্ধ নাই ব্যৱহানা ধানা করেছেন। স্বাগৎ-নিৰ্বাতনকারী এই সৈত্যেই সৌভাগ্যক্রয়ে আপনার বাল নিহত হয়েছে এবং আপনার শ্রীপাদপক্ষে ভক্তিপরারণ আমরাও এখন আখন্ত হয়েছিং"

প্রীমৈরের বললেন---"এইভাবে অভার ভরানক হিরণ্যক দৈশুকে সংহার করে, আদি হয়াত ভগবান শ্রীহরি তার নিতা আনন্দমর ধাবে প্রত্যাবর্তম করলেন। তথ্য ব্ৰহ্মা প্ৰসূত্ৰ সমস্ত দেবতালের কান্ত কলকান সংস্তৃত হরেছিলেন। হে প্রিয় বিদুর। অমে তোমর কাছে অসি ব্যক্তরপে প্রমেশ্ব ভাগেনের অব্ভরণ এবং মহান বৃদ্ধে অমিত বিক্রম হিরপ্যাক্তকে ক্রীডনকের মডো কা কার কারিনী বর্ণনা করলাম। আমি আনার ওজনেবের কার থেকে বেভাবে ভা প্রকা করেছিলাম, সেইভাকেই ভা चानि वर्गमा करति।"

শ্রীগত গোখামী কলতে লাগলেন—"হে হাকার। **ातम् सारायण करा।** (निषुत) मर्ग्स कीयातारकः (माजार ছনিব) কাৰ্ খেকে প্ৰয়েশ্য ক্ষাবানের কীলা-বিলাদের আধানে প্রবদ করে দিবা আনক লাভ করেছিলেন এক প্ৰায় কলে তিনি অভান্ত প্ৰদান ধ্যোক্তিক। অনুভ-ফণৰী कारतक्षकाम् भार्यकमाश अस्त करत स्था विश् काल्य আৰ্দান কৰা হয়, তখন বীৰংস চিক্ৰিড ব্যং ক্রান্তরের লীলা-বিলানের কথা কি ভার কারে ভাছে। কুমান কর্তৃক আবদক গলেজ যখন উন্ন জীপান-পদ্মের হাল কথেছিলেন, তখন ভগৰাৰ ওঁকে উদাৰ করেছিকেন। সেই সময় তার সহপ্রমিনী হতিনীরা স্কান্ত্রতাবে আর্তনাম করেছিল এবং শুগবান তাদের আন্তর স্বেট থেকে রক্ষা করেছিলেন। নির্মন চিপ্ত অন্স্যা-শাল ভক্তােৰ হাৰা ভগৰনে সহকোই প্ৰসম হন, কিছ

অসাধ্যের পক্ষে তিনি দুবারাধা। এমন কৃতক্ষ জীন কে আছে বে, দেই পাৰেকাৰ ভগবানের বাতা মহান প্রভূকে **८५००की रजव कराव ना**?"

াহে প্রজ্ঞানসং। পুথিবীকে উদ্ধান করন্য জন্য আদি वतास्त्रदेश **भारिस्ट अवस्था सम्बद्धाः ए**ता स्तिपी**क** बरका और कश्रुष्ठ खानाम निति स्थन कराम, कीर्डन ক্ষুব্ৰন সংখ্যা হাতে আনৰ ক্ষুত্ৰ করেন, তিনি প্ৰকাহত্যা-ক্ষমিত মহা পাৰ্য কেকেও মৃতি লাভ করতে পারেল। औ शहर गरित कारहर कारपूर, मन्भर, रूप, बाह এবং সমস্ত ইপিত বস্তু ভ্রমান করে। সুক্ষাময়ে তা প্রাপ ধাবং কর্মেন্ডিয়ের শক্তি বুর্বিত করে। রে গৌনক। কেউ की ऐति कीवाना कवित्र नमात्र का तल काल, हा হলে তিনি ভগবানের পরম ধাম প্রেপ্ত হব।"

বিংশতি অধ্যায়

মৈত্রেয়-বিদুর সংবাদ

প্রীলৌদক জিজাসা করলেন—"হে সৃত গোখামী। भृथिये। क्यानार्थ भूतवात हानिक राम, बाद बादार्थ वाच-अञ्चलकाती भीरवासक पृत्तित काल माधकूव वर्ग कि मार्ग श्रमन्त्र क्टासिस्माः क्षत्रपासम् देशस्य निकृतः वक्षयः क्यांत करण, भेरु भूग नह कीत (महर्त सरवर्त नहें दिनि ভাগে করেছিলেন, কলবান জীকুকেন পাম ওক্ত এবং সংখ, সেই জিনুৱের সখতে পৌনক ধনি প্রথ করেছিলন। न्यागरभरका रण्ड रथरण विमृत्तत जन्म श्रतक्रिंग अनर छिनि খান থেকে কোন কলে মূল ছিলন না। এইজাৰে চিনি সর্বান্তঃকরণে শ্রীকৃষ্ণের প্রে-প্রের আধার গ্রহণ পৰিব তীৰ্থ-স্থানসমূহে পৰ্যান কৰে বিদূৰ সৰ্বভোজাৰে , নৈমিবাজানৰ সম্বিধণ কঠক এইকাৰে জিজাসিত হয়ে, করেছিলেন এবং তার শুক্তদের প্রতি অনুরক্ত ছিলেন : कर्मुवक्क स्ट्राहितम् अवः खन्तरमस्य रक्षितस्य स्मीरम् তিনি কর্ন আেট পরমার্থ-তদ্ববিং মহর্বি হৈয়েররেন সাক্ষাং

লাভ করেছিলেন এবং তাঁত কাৰে নানা রক্তঃ গ্র**ত** করেছিকে। বিশ্বর কথা হৈজেরের মধ্যে বে বার্তালাপ श्रावित, उत्तर स निकार कश्राताला निर्मन नीना-বিনাদের অলোচনা হতেছিল। সেই সমান্ত আধান কাৰ মন্ত্র রিক গলার জলে স্থান করার মতের, কেল্য তার বলে মানুৰ বাব সমস্ত পাণ থেকে মুক্ত থাকে। (म् त्यूच (भाषायी, चाननाव अर्थत्यास्त्र भाग काणाः) হয় করে আগনি আমানের কার্ছে আগন্ত উন্নয় এবং কীউনিয় ক্ষমতের কার্যকল্প কমি কামণ এক। কেন্ কত ব্যৱহাৰ বিনি কাৰানেও এই অন্তম্মী দীলা-विशासिक वर्गमा अवन करत कृत रहत नारकन ह ভাববানের অপ্রাকৃত সীলা-বিলাদে হল বিল, তিনি কালেন—আমি এখন বা কাৰ, বয়া করে আগনার। তা

245

স্ত পোস্বামী বলতে লাজুলেল—'স্বীয় দৈবী মারার প্রভাবে বরাছ জলধারী ভগতান কিভাগে জীলাককো পথিবীকে মুশাওল খেকে উদ্ধান করেছিলেন এবং অবলীলাক্তরে হিরণ্যাক্তরে কা করেছিলের, সেই কথা ওনে, ভাষত বংশক নিদুর অভাব আনন্দিন্ত হয়েছিলেন। কৰি। বেহেড় জাপনি জামাধের গঠিতা বিবর সমূহে ক্ষকত, ভাই দল করে আফাকে বলুন, খীবেদের আদি জনত প্রজাপতিবের উৎপত্ন কররে পর, স্ক্রীব সৃষ্টির জন্য इन्हा कि करविहरून । वड़ीहि, बाइस्टर वन धानि প্রজাপতিখন কিভাবে ব্রক্তার নির্দেশ অনুসারে সৃষ্টি করেছিলেন এবং ভিভাবে তারা এই ক্ষাধ্যক প্রকাশ করেছিলেনঃ ভারা কি ভানের পদ্ধীকের সহযোগিতার সৃষ্টি করেছিলে। অবহু বহুত্বভাবে সৃষ্টি করেছিলে। কিবে সকলে মিলিত হয়ে এই জগং সৃষ্টি করেছিলেন?"

মৈত্রের বল্লেক—"প্রকৃতির ওগরতের সাধা অবস্থা रथन भीरका चन्हें, महाविक अवर काल भक्तित हाता ক্ষোত্রিত হর, তথ্য সহত্ত উৎপদ হর। জীবের অনুটের (দৈকে) প্রেলার ইজোওপ-প্রথম মহত্তর খেকে বিদ প্ৰকার অধ্বাধ্যে উত্তৰ হয়েছিল। সেই অহমার বেকে পাঁচটি পাঁচটি করে তক্ষের উপ্তব হয়েছে। পুরুষ পুৰুক্তাৰে কৰু কৰং সৃষ্টি করতে কৰুম হয়ে, ঐ সমগ্ৰ ট্রপামানওলি পরখেশর ছগবানের শক্তি সহযোগে মিলিতভাৰে একটি সুপৰিও ঋণ সৃষ্টি করেছিল। সেই দিরমার জাণ্টী অচেত্য অবস্থায় এক সহর বংস্বেরত অধিক কাল কারণসমূহের আলে শারিত ছিল। ভারে পর कश्यान वार्र्शक्कनावी विकृतात्म खारक श्रेट्सनं करहन। গর্জেনকণ্যত্তী বিকৃত্র নাডি থেকে একটি সহল সূর্বের মধ্যে উজ্জ্বল পছ উত্তত হতেছিল। সেই পদ্মটি সমস্ত नक कीएस विविद्यान बसान अवर श्रथम कीर नर्द শক্তিমান ক্লয়া সেই পথটি খেকে আহিওঁত হরেছিলেন। বৰন পৰ্ভেলকশারী প্রয়েশ্বর ভাগবান ব্রক্তার হাণ্যে প্ৰকেৰ কালোৰ, ভাৰৰ প্ৰকাশ কৃষ্টিৰ উলোহ হয়েছিল এখা সেই বৃদ্ধিৰ অৱা ভিনি বৃদ্ধান্তকে পূৰ্বের হতো সৃষ্টি করতে তক করেছিলে। সর্ব প্রথমে দ্রালা তার দার।

्षरा वह बीरररभत्र प्रविकास प्राथनम् मृष्टि कर्राहरभा। তা গাঁচ প্ৰকাৰ এবং সেই চলিকে ৰকা হয়--ভামিত্ৰ, অন্ধতামিক, তথ্য, যোগ এবং মহাতম। কিনক হরে রখ্যা সেই অবিদ্যামর শরীর ত্যাগ কর্মেছপেন। সেই শরীর প্রাক্তিতে পরিপ্ত হল এবং বন্দ ও রাক্সের ভা অধিকার করার জন্য তংগর হয়েছিল। সেই রারি কুধা এবং তকার উত্তৰ-খুল। কৃথা এক ক্ষায়ে কান্তর হয়ে, ভারা বিদুর ক্ষান্তা বৈত্রের কবিকে কবিক লাগে লাগকেন—হে পবিত্র প্রাথাকে ক্ষান্তা ক্ষান্তা ক্ষান্ত কর্তুনিক ক্ষেকে ব্যবিত হয়েছিল अरुर हिश्काह करहे बर्लाहरू, आक् (करका मा) आक পেরে বেল ে দেবপ্রেষ্ঠ ব্রহ্মা করন বর্তের জীত হয়ে ভাগের কালেন, আমাতে থেয়ো না, আমাতে ডোমনা বন্দা কর। তেমের আমার থেকে উৎপর হয়েছ<u>,</u> তেমের আমার পুত্র। ভাই তোমরা যক এবং রাক্স মাসে পৰিচিত হও ৈ ভার পার তিনি সম্বভ্যানর প্রভাব দ্বালা ধীপ্রিমান মুখ্য দেবতাদের সৃষ্টি করেছিলেন। তালের সামনে ডিনি বিবসের জ্যোতির্মন্ত কাল পরিত্যাস करतिस्त्रन अस् ऐता क्षीफायरन का अस्य करतिस्त्रनम। রশা ভখন তাত্র জফাদেশ থেকে অসরদের সৃষ্টি করেছিলেন এবং ভারা অভান্ত মৈথুনাগড় ছিল। অভান্ত কাম্পেরন্ত হয়ে, ভারা মৈপুনের ঋন্য রক্ষার প্রতি ধার্মান হরেছিল। পুরুলীর রক্ষা প্রথমে ভাষের পুরুষ্টের মেতে হেসেহিলেন, কিন্তু পরে যাক্ষ ভিনি দেখাগ্রেন যে, নির্মাজ অসুরেরা তাঁর প্রতি বশিত মুখেছে তথন তিনি কতাক ক্রন্ত হয়েছিলের একং ভীত হতে হও বেশে পলায়ন করেছিলেন। তথ্ন তিনি পরমেধ্য ভলগ্রনের সমীপরতী হলেন, বিলি ভার জীপালনছে শরণাগত ছাঞ্চানের সমস্ত ক্রেশ দুর করেন এবং ঋণ্ডীষ্ট খল প্রদান করেন। তিনি তান ভাতদের খ্যানক দান করণে আতু তার ভাসংখ্য নিত্র রূপ প্রকাশ করে। ভাগবাদের সমীপবতী হয়ে প্রসা তাৰে এইভাবে বলেছিলেন-ছে গ্ৰন্থ। এই সমখ গালিও অসুরদের থেকে আমারে রখা করুন, যাদের অমি আপনার নির্দেশ অনুসারে সৃষ্টি করেন্দ্র, কিছু তারা মৈপুনাগন্ত হয়ে এখন খামেকে ধর্মণ কয়তে উদ্যুত হরেছে। হে প্রস্কু। আগনিই কেবল ক্লেল প্রাপ্ত জনগণের প্রেল-সংখ্যক এবং কর আপনার চরণার্রিশে শরণ প্রহণ করে বা ভাগের জাগনিছ ক্রেশ হান করেন। অসমা কা বিদ্ধি সমাকারণে ধর্ণন করতে পারেন, সেই

«তাহারর ভাগবান স্ত্রীগরি ক্রমার ক্রেম্ দর্শন করে তাঁতে প্রচেছিলেন, 'তোনার এই কল্পিত শরীর ভাগে কর।' এটভাবে জগনান কর্তৃক আনিষ্ট ছয়ে ব্রহ্মা ঠার ছেছ रतात्र कार्याक्रमस्य (*

নিল এক বাজির সন্ধিক্ষা এবং স্থা কামকে উদ্দীপ্ত হয়ে। করেছিল।" সম্ভা অস্থের, বারী উভারত কাম্ক এবং র্জোওপ্র জনা প্রভাবিত, ভারা সেই সন্মাতে স্তীনাপে প্রহণ কাল, সহকারে, যেন খারে নিজের সৌন্দর্বকে নিজে উপজোধ बीच ४२००६ नृभूत्वत्र धरनिएए भागात्रभाग, योत (मजबर्य মান-বিচ্চা, যাঁর কটিশেল সুপ্ত ব্যাের স্থার আহাসিত এবং ক্র-ভেৎলার হলে বেটিত। তার পরেধরতার পরস্পর हेलप्रस्थात करने चाउन्ह देवन अनर गुरुधान मृत्यु इरह লোভিত, জার নাসিকা ও বন্ধ অতি সুকর, উরে ঋথরে - ভুত্ত আং পিশাচনের সৃষ্টি করেছিকের, কিছু ভাবের অতি সুক্ষা এক হালি খেলা কর্ম্বল এবং তিনি দীলান্তলে অসমদের প্রতি কটাকপাত করেছিলেন। তাম ক্ষতিত কেল্পার ক্ষম লগ্নের কর্ণ এবং তিনি কেন ক্ষিত্রত । করীয় তালে করকে, ভত ও লিলাচেরা সেই স্বরীয় প্রহণ হয়ে নিজেকে আৰম্ভ করেছিলেন। সেই রমনীকে দর্শন করে অসরের। বৌন ক্ষাবলত ভার প্রতি অনুরক্ত চার্ডের। উর প্রশংসা করে অস্তের কাতে লাগ্স— भारो, कि क्षेत्र्य (नैक्षिय) कि चायक्करिक व्याच-गररात्र। 🗣 মনোহর নবীম বৌকা। স্বার প্রতি কাগাসক আমাদের সকলের হতে সে সম্পূর্ণকরে করে-মৃত্যেক মতো বিচরণ করছে। সেই কর্ত্মিসালার অসুবেরা প্রথাকৃতি সমাজে একজন কুতেই স্থীতালে বিকেলা করে, ক প্রকার ভর্ম-রিভর্ক করেছিল। তার পর প্রণয়বশত শ্রদ্ধা স্থানতে তাঁকে ভিন্ধাসা করেছিল। হে সুক্র্মী বালিকাঃ ভূমি কেং ভূমি কর পদ্ধী অথবা কর কন্যাং আর কি উল্লেখ্যে তুরি আমানের সমূবে এবানে প্রকট হবেছ। জেমার এই জনুলা সৌন্দর্যরূপ পশ্য হবেত দারা খেল ভূমি দুর্ভাগা আমাদের প্রশৃত করছে: হে অবলো: তুমি ষেই হও না কেন, আমাদের জন্যকণে তোমন দৰ্শন থেলেছি। তৃতি ৰকা ঋণুক নিয়ে বেলা কর, তথ্য সমস্ত দর্শকদের খন তৃমি কিলিত কর। (ই সুন্দরী! ভূমি করন ব্যব্ধ ব্যব্ধ কর তোষাই করতলের স্থারা ক্ষুকটকে বাটিতে আখাত করাই ডকা ভোমার চর্মা-কমন এক জামগাৰ বিভ গাতহে নাঃ চোনাই পূৰ্ণবিকলিও স্তুনের স্বাহত যেত জেনার কটিদেশ আছ

रताहरू अन्तर एटाञ्चल एक मृति बहुत स्टाउट्ट साहा, হোমার সুক্তর কেশ্যাম কি লোগে। বিভার করছে: স্বৃত্ বৃদ্ধি অস্থানে এইভাবে সেই সংগ্ৰেক সন্মাকে তাব प्रार्थशीकर्ण निर्वास श्रवानवर्षको वक कृष्ट्री श्रवणी "तुन्नाल नविडाङ एक सकात अने ध्रवन करन, या । काने मान कटकिन अवर काना देशक कान्**र्वक ध्रविका**त

"তম পর পুজনীয়ে ব্রস্থা কটার জব-ব্য**রুক হা**ল্য করে, গছর্ব এক অভয়ানের সৃষ্টি করেছিলেন। ভারপর ব্ৰহ্ম সেই কাল্ডিমটা হিয়া জ্যোৎকার রূপ পরিতার কর্পেন। বিধাবস্ প্রমুখ বছর্বেরা ভাষা জা সাধারে প্রহণ করেছিলেন। তার পর জনধন ব্রখ্য তার জনস্ম থেকে সকলকে নম্ভ একং মৃত্যু কেল মেখে, তিনি তার নেজ্যর নিমীলিত করেছিলেন। জীবের মন্তা রক্ষা ক্রমারক করল। এইটি লালা করা নিমা নামেও পরিচিত। যে-সমস্ত মানুৰ অপৰিত্ৰ ভাবের কৃত ও পিশাচেরা অক্রমণ করে এবং ভাষের সেই আক্রমণতে বলা হর উন্নাদনত অবস্থা। জীবস্টা পুজনীর ব্রক্তা নিজেকে বাসনা এবং नशिरक नुर्व करन करन करडा, देख कानूना कर पढ़ आफि থেকে সাধ্য এবং লিভানের সৃষ্টি করেছিলেন। লিভাগ श्रीरावत पांतिरावत केच्या त्याचे पान्या भागीत श्रीव করেছিলেন। সেই অপুন্ধ পরীরের মাধ্যমে কর্মমার্গে গণ্ডিত ব্যক্তিরা সাধ্য এবং পিড়মের (পরলোকগভ পূৰ্বপৃঞ্চবদের) আছা উপজক্ষে পিও বান করে। ভার नह द्वार केंद्र धनुन्त संस्था करता नाता निष्क अरह विकासकरमञ्जू मृष्टि करविक्रियम अवस् कारमा "मर्ख्यान" মানক খতি পাছত বেছ প্রদান করেছিলেন।"

"এक मिन कीय अच्छा क्रमा करण केला निरक्तक প্রতিবিশ্ব কর্মন করেছিলেন এবং নিজেই নিজের প্রকাস করে, সেই প্রতিবিশ্ব খেকে কিম্পুরুষ একং বিধারনের সৃষ্টি করেছিলেনঃ কিম্পুরুষ এবং কিছের। ক্রমার পরিত্যক্ত সেই প্রতিবিশ্বিত রূপটি হছদ করেছিলেন। তাই ঠারা ভালের পরীক্ষা কৃষ্ণ প্রতিক্রিন উল্লেখনে উর अर्रकलारमध वर्षम करत संस क्यमान करान है

"এক সময় ক্রমা উলি দেহ পূর্ব মান্তর প্রসারণ করে

ন্য সেৰে অভাৱে চিমাছিত হার্যাছলেন এবং জোধবলত মনুদের দর্শন করে, দেবতা গছর্ব আদি পূর্বে বাঁছের সৃষ্টি । শক্তি, জনশুর্কা, কভি এবং বৈরোধানুক বিল।"

শরন করেছিলেন। তিনি জর সৃষ্টিকার্য বৃদ্ধি প্রাপ্ত হচ্ছে স্থারেছিল, তীবা প্রকাশতি ভক্ষাকৈ প্রশাসনা করতে লুগলেন। তার প্রর্থন করেছিলেন—হে এক্ষাণ্ডের স্টার। ডিনি তথ্য উত্ত সেই শ্রীরও পরিভাগ করেছিলন। হে আমরা অভ্যন্ত আনন্দিত হতেছি। আপনি বা সৃষ্টি প্রিয় বিদুর! প্রসার মেই পরীরের কেন চ্যুত হয়ে সর্পে করেছের আ অতি উপ্তর। ফেছে এই কর্মসমূহ মনুষ্য-রাপান্তরিত হল এবং হক্ত-পদানি সন্ধৃতিত হরে নেই খেহ শ্রীবনে সংগ্রেমন্তরে প্রতিষ্ঠিত হরেছে, তাই আসরা বৰুল কৰিল পতিতে গমন করছিল, ভৰুন বিশ্বত কথা- সকলে বঞ্চত্তাৰ প্ৰথণ করতে সক্ষয় হব। গুলস্যা, বিশিষ্ট অভ্যন্ত হিয়ে সাগমের সৃষ্টি হয়েছিল। এক দিন উপাসনা, খাল একং ভক্তিবৃক্ত সমাধির ধারা ঠার প্রথম সৃষ্ট জীন সমন্ত প্রথম তার জীবনের উদ্দেশ্য সার্বক - ইপ্রিয়সমূহ ক্রীভৃত করে, সমন্ত রক্ষা তার চিত্র প্রভাগে হয়েছে বলে মনে করে, তার মনোর ধারা লগত অবতের । ধবিশের সৃষ্টি করেছিলেন। ইম্মানের স্রাট্টা করা ক্রমা স্কল্যাপ সাধনকারী মনুদের সৃষ্টি করেছিলেন। আন্ধ-কারক। তাঁর প্রত্যেক পুত্রকে তাঁর কেনের এক একটি অংশ বান ম্বাট্ট প্রাথ্য সানুষ্ঠার তার স্বীয় রূপ দান করেছিলেন। করেছিলেন, যা প্রতীর খ্যান, মনের স্মাধি, অলোকিক

একবিংশতি অধ্যায়

মনু-কর্দম সংবাদ

বিশ্ব ফ্লালেন, "হে পূজা কৰি, সামস্থৰ মনুৱ কৰে। কণ হাজায় কৰুৰ ধৰে সৰক্ষী নদীৰ জীৱে স্থপন্য कारण। बाह्य व्यवस्था पूर्व व्यवस्था भूत-विद्यात्राच्या अस्य উত্যালনাথ ধর্মেয় অনুশাসন অনুসারে সন্ত-শীল্বতী **गृथिवीहरू मानम करतक्तिका। ८६ गरिय डायम। ८६** निष्णानः व्यापनि (स्वरृष्टि मास्य छैत करता दिवत ধনা করেছেন, বিলি ছিলেম প্রজাপতি কামের পড়ীঃ সেই কা যোগী কেপেয় খটি সিঙি সম্বিত ভাৰত-হান যাধ্যমে কর সন্তম উৎগাদন করেছিলেনঃ প্রবলেজ্ আমাকে মরা করে আগনি তা করুন। হে পবির পবি। কৃপা কৰে আফাকে বসুন একার পুর গক এবং ক্লচি বারস্ত্রক মনুর করা দুই কনাকে পদ্ধীরতে প্রাপ্ত হরে किरुद्ध महाम वेश्यामन कटाहित्सम?"

মহর্বি মৈরের উজা নিরেছিলেন—"প্রকা সৃষ্টি করের कन्। उत्पात रामा चानिकै हरत, भंतर मृंबा कर्मर सूनि

অভ্যক্ত সম্মানগুক্ত। এই ৰংশে নিগুন-ধর্মের বারা করেছিলেন। মহবি কর্মন সমাধির হলে অভিযুক্ত কেলৰে প্ৰজা কৃতি প্ৰাপ্ত হয়েছে, গয়া কয়ে ডা কৰিব। সেকৰ বাধ্যমে সেই ভণাকৰ্মা অনুশীক্ষম কন্তান্ত সময়, পরশাবতবের সমস্ত বর আও প্রদানকারী পরক্ষেত্র ভগবানের আরাধন করেছিলে। ভগন সভা মূপে, পক্ষপোটন প্রমেশ্বর ভাগরান কর্মার খুনির প্রতি প্রশাস হয়ে, ঠাকে জার চিন্দা কাল দেখিচারিকেন, যা কেবল বেজে माध्यान्ये कान्य महा। कर्षम भूनि कह कणून-अरिक, मूर्यहा মতো উজ্জ্বণ থেত পথ এবং কুমূদ জলায় বিভূবিত পর্যেশর ভগবানের নিতঃ লগ বর্ণন করেছিলেন। ভাগবানের পরনে জিল নির্মল পীত বদন এবং জীয় পদ্ধ-নদৃশ সুন্দর মুনমতল কৃষ্ণিত কাল কেশদানের হারা সুশোভিত ছিল: ডিনি কিরীট এক কর্ম-কুবলে শোভিত, ঠার তিন হাতে শব্द, হক এবং গল বিংক্তরন এবং চতুর্থ হত্তে শেত **উৎপদা**রণ ক্রীড়নক শোভযান। তাঁর হাস্যেক্ষণ গৃত্তি সমগু ভব্ডের হলত হলে করে। ভার

_{মতে} প্রীবংস চিক্ত, ফলদেশে কৌন্ধন্ত মণি এবং তিনি। তার তেরটি ৮৩ (অর), তিন শত **যটিটি পর্ব, ছ**য়টি ক্ষনাথসের পর্শ হওয়ার, তিনি অভার প্রসন্ত হরেছিলেন। পারে না।" ভিনি জাঃ মন্ত্ৰত বাবনত করে ভাষতে বিলাইত হতে, অধানতের জীপাসপথে প্রশতি নিকেন করেছিলেন। ভার হানে স্বাভাবিকভাবেই জনকং গ্রেমে পূর্ণ ছিল্ এবং ডিনি ভভাতদিশ্বত ভগবাবের তথ করে কাকে প্রসং करवित्तरम् ("

সহত ভণ্ডিছের উৎস, জাগনাকে দর্শন করে আমার চক্ষার আজ পূর্ণরূপে সূর্যক হল। যন্ত্রন বোগীয়া জন্ম-ক্ষান্তর ধরে পভীর খ্যানের মধ্যমে আপনার চীয়র স্থান ৮টা করার আক্ষরেক করেন। প্রাপনার শ্রীপালবর সংসার-সমূহ উত্তীৰ্ণ হওৱার আনৰ্শ তথপী। মাহাই প্ৰভাবে মানো বৃদ্ধি এট হয়েছে, কেবল কংগ্ৰই নাঃকীলেরও প্রাপ্য অনিতা ইন্দ্রির সংখ্য জন্য সেই পাদগত্রের আরাধনা परतः। किन्तु, रह श्रष्ठः। भागनि अटरे पदायतः स्थ, अस्त কি ভালের প্রতিও কলা বর্ষণ করেন। ভাই কামধ্যের মতো যে আমার সমস্ত কাম-বাসনা পূর্ব করবে, সেই প্ৰকার আহাত্ত্রী মতো সমান বিশিষ্ট্য ক্ষয়াকে বিবাহ করার স্বাসনার আমিত স্থাপনার শ্রীপার-পথ্নের আমার করণকা করেছি, কেনমা আপনি করবৃক্ষ-সদৃপ লি

"হে ভারন। স্থাপনি সমস্ত জীবাদ্ধানের প্রভ এবং (मछा: भानमात्र भविष्ठानमाद समञ्ज यह भौरका ক্ষমুখনের মতে নিরবর ভাগের ইছির ভাগে সাধনের চেটার যুক্ত। হে ধর্ম-মূর্তে। ভাবের অনুসরণ করে, আমিও শাখত কাল্যাপী আপনাকে প্ৰার মৈবেদ্য নিবেষৰ কবছি। কিছু বাঁরা বীধাধরা বাত-জাগতিক বিবর্জে এক এই সকল বিবরের পণ্ডভুগ্র অনুসাহীদের সহিত্যাস করেছে এক পরস্কারের সঙ্গে আপরার ওপাবলী এবং কার্যকলাপের মাদকতা সৃষ্টিকারী অনুত আমানন করে আপন্যৰ প্রীপানপুষ্ণের উত্তর্ভার আরম গ্রহণ স্করেন্টে, জারাই ক্ষম্ম কেন্তের সৌনিক আবশ্যকতাওলি থেকে সুস্ত হতে পারেনঃ অংশনর তিন নাভি-সমন্বিত চক্র অপনা রশ্বের অক্সন্তের উপর আর্বার্ডত হছে। ওখারে পুত্র সম্ভাট স্বায়ন্ত্রর মনু, দিনি ঠার ধর্ম আচরপের

নকতের আছে তাঁর চরণমর স্থাপন করে ভাকালে। পরিধি এবং ছাতে অসংখ্য পত্র পঠিত রয়েছে। যদিও ছতারমান ছিলেন। কর্মম মুনি যখন সংকাশতাকে তার আবর্তন সমস্র সৃষ্টির আরু হরণ করছে, কিন্তু প্রচণ্ড লবামেশর ভগবানকে ধর্শন করকেন, ভখন তার দিব্য । ধেগে ধানিত এই চক্র ফলবন্ধভার আরু স্পর্ণ করতে

200

"ছে জগবন। আপনি একলাই রক্ষাওসমূহ সৃষ্টি করেন। এই পর্যালের। এই জগৎ সৃষ্টি করার বাসনার, আপনর অন্তরন্ম তথা বিতীয়া শক্তি, যোগমায়র অধীনস্থ শক্তিয় বালা আপনি ভাবের সৃষ্টি করেন, পানন করেন এবং পুনার বিনাপ করেন, ঠিক বেমন একটি উর্পনায় ছচর্বি কর্মন ক্রাপেন—"হে পরে আরখ্য ক্রমন। তার শতিক হারা স্থাল বানে এক পুনরায় তা গ্রাস করে। মে কাধ্যম। আপনার ইবার না থাকালেও, কোলা আনানের ইন্সির-ভৃত্তির জন্য আগনি সুল এবং সৃষ্ট্ উপাদান-সম্বিত এই জগৎ সৃষ্টি করেন। আপনাত্র অহৈত্কী কথা আমানের উপর বর্ষিত হোক। কেননা ভলসী গৱের মালার শোডিত আকারে শবেত রূপে আপনি আমাদের সম্বাধে প্রকাশিত ব্রেছেন। আনি নিরন্তর শাংশ প্রস্থানর বোগা আলনার শ্রীলাদলতে আমার সত্ৰত্ব প্ৰণতি নিবেদন করি, কেননা আপনি নগণ্য ক্তিদের উপরও সর্বন্য আপনরে আশীর্তাদ বর্বণ করেন। আপনার মারা পতির দারে আপনি এই কড কপং বিভার কবেছেন, ব্যাস্তে সমস্ত্র জীব আপনাতে উপলব্ধি করার স্বাধ্যমে সভাম কর্ম থেকে বিরক্ত হতে পারে।"

মৈতেৰ কৰি সললেন—"সেই বাকেৰে ৰাখা ঐকাতিকভাবে সন্তেড হয়ে, গলভের ক্ষমে অভান্ড সুস্বভাবে নিরক্ষমান প্রীবিক্ অমৃত মধুর বাকে। উত্তর দিবেছিলেন। স্নেহলূৰ্ব ঈৰং হাস্য সহকারে কবির প্রতি দৃষ্টিপাত করার সময়, পভীর ছেছে তার ফার্পল সঞ্চালিত হরেছিল 🖱

প্রমেশ্বর ওলবান বলগেন-"বে ঋলা তথি মন এবং ইন্দ্রির সংব্যাহর ছারা আমার আরাধনা করেছ, ভোষার সেই মনোভাৰ অকাত হয়ে, আমি পৰেই তাৰ ব্যবস্থা করেছি। মে জীবাধাক কৰি। বারা আয়ার আরাধনার থানা ভক্তি সচকারে আমার সের করে, বিশেষ করে লেমর মতো বাজিবা, বারা ভালের সর্বত্ব আহাকে অর্পন করেছে, ভালের নিরাশ কওয়ার কোন প্রশ্নই ওঠে না। জন্য অভান্ত বিখ্যাত, তিনি ব্রক্ষাবর্তে অবস্থান করে, সপ্ত সাগের-সমবিতা এই পথিবী শাসন করছেন। হে ব্রাক্তন। ধর্ম অনুষ্ঠানে কৃষক, সেই বিখ্যাত সভ্রাট ভার পত্নী শতরূপা সহ তোষাকে দর্শন করার জন্য পরও দিন क्षारम जागरन। क्रांत क्षेत्र क्षाः शोशा, गुण्या राधार क्षार नर क्यांच्यो नगरिक कृष्ध-मधन क्या अतहह। त्य शत উপত্ত পতির আধেবণ করছে। হে মহোদর। ভার পিতা-মাত্র সর্বতোভাবে তার মোগ্য প্রার্থী তোমার হস্তে ভাষের কথাকে ভোমার পদ্ধীরেশে অর্পর করার জন্য ভোষাকে দৰ্শন করতে ভাসবে। হে গবিত্র কৰি। কৃথি अप अस्त धरत यात्र कथा एकामात्र शामरत किया अरतक. সেই রাজকুমারী ঠিক সেই রকমই হবে। অচিরেই সে তোমরা হবে এবং পূর্ণ তৃত্তি বাংলাদনপূর্বক তেমের সেবা ব্যৱহ। ভোগার বীর্য ধারণ করে সে নরটি কবা প্রসং করনে এবং সোমার সেই কন্যানের অধ্যানে কৰিবা সক্তন উংগালন কর্তন। জ্যার খালেপ বধ্যবধ্যারে গালন কথার কলে তুমি নির্মল হলর-সম্পন্ন হয়ে, কেসের সমস্ত কর্মের কল আহাকে সমর্পণ করে, ভূমি অবশেষে আফরে প্রাপ্ত হবে। সমস্ত জীবের প্রতি দরা প্রদর্শন করে, ভূমি আছতৰ উপলব্ধি করবে। সভদকে অভ্যা প্ৰদান করে, তৃমি নিজেকে এবং সভাগ জগৎকে আয়ায় মধ্যে দর্শন করবে এবং আভাকেও ভোষার মধ্যে দেখতে শাবে। হে মহর্মি। তোমার পত্নী দেববুতির শর্কে (क्रमत ना कना मह कवि वागत क्रम-क्रमा टकर करन जन्द सन्दर्शिक भारत प्रभाग समाज निका नाम कराव ।"

206

মৈনের কৰি কলতে লাগলেক—"এইভাবে কর্মা মুদ্দিকে উপয়েল নিয়ে, কেনগ কৃষ্ণভক্তি পরায়ণ ব্যক্তির মরন-পেরর প্রথেক্ত ভগবান সরস্বতী নদী বেষ্টিত বিস্থ সজেকা খোক অন্তৰ্হত হলেন। কৰ্মন কৰি দেবতে লাগদের, মহান মৃক্ত পুরুক্রোও খে-প্থের কর্মনা করেন্ নেই কৈনুষ্ঠ মার্গে ঋগবাদ কর্ত্তহিত হলেন। তিনি ব্যক্তিরে থেকে প্রকা করলেন, ক্রপব্যসের বাহন প্রক্র ৰখন ভাঁকে নিৰে উজে বাজিলেন, ভখন ভাঁৱ প্ৰভ সকলেকে কলে সামবেদের মাসেমুহ স্পালিক হজিল। তার পর, ভগবানের অন্তর্যানের পর, পৃক্তনীয় কর্মস স্কৃতি किन्-जरताबद्धाः कीरतः, क्षत्रवाम (द-कथा धरमहिरमा कार

ध**ील वस अवश्रम कर्तादर्शन। ऋगद्द**ी प्रमु छैति कार्यः त्रष्ट् चर्नाकतम् प्रक्षितः त्रद्रश्च कारताद्रश्च करताहरूकतः। তার পর, তাঁর কন্যাকে তাঁর উপরে সংস্থাপন করে, পৃথিবী পর্যটন করতে গুরু করেছিলেন।"

"হে বিদুর। স্কণবান কর্তৃক পূর্ব-নির্দিষ্ট দিনে ক্ষিত্র কলকর্মা হাড সম্পূর্ণ হলে, তারা উর ক্ষান্তরে উপস্থিত एक्किल्ला। (ग्रेड् मृद्धि विभूभक्तावत महश्वही नमीह জনের মারা পরিপ্রত ছিল এবং ভা মহর্বিগণ ফর্ডক মেকিত ভিল। তার পবির জল কেবল মাসলপ্রমই ছিল ना, पत्र विक परमुख्या महारा मधुन। अपि महारावहत्त्रः नाथ ছিল বিশ্বকরোবর, কেননা শরণাগত কবির প্রতি গভীর করপার অভিকৃত হওয়ার কলে, ভগবানের মের খেকে সেখানে শ্বন্ধবিন্দু পভিত হয়েছিল। সেই সরোকরের ভট পৰিত্ৰ বৃক্ষরাজি ও কড়ার বারা সুলোভিড ছিল এবং সমস্ত কতা কৰু ও কুলের বারা সেইওনি সমন্ত ছিল। ভা বিবিধভাবে কুমানরত পরিত্র পাত-পাখিষের আগ্রায় দান करतक्षिण। चा क्यं वृक्षतक्षित कृत्वन त्याकान वात বিভূষিত ছিল। সেই স্থান আনম্পে বিহুল পক্ষীদের কুছনে প্রভিধ্যনিত হত। সমুমন্ত প্রমন্তের সেখানে অনকে বিচরণ করতো, উমার মধুবেরা কর্বভরে নৃত্য করতে এবং আনক্ষেক্ত কেকিলেয়া পরশ্পর্কে আগ্রন করছো। বিশ্ সরোধ্য কমছ, চাপক, অশোক, করঞ, रुक्त, कामन, कृत, मकाइ, कृष्ण कानि शृत्का छता कृष এবং তরুপ আর বৃক্তের ছরে। সুশোভিত ছিল। সেবলিকার বাহ্র কারতাব, প্লব, ক্রব, ক্লাকুরুট, সারদ, চঞ্চবাঞ্চ, দক্ষের হড়েডি পন্টীয়ের মনোপ্রা কুরুনে নিনাদিত দিল। বিশু সরোবরের ওট ছবিশ, মরাছ, শক্ষাক, প্ৰৰ, হাতী, গোপুঞ, বান্য, সিছে, ছাণ্ডট, নকুল, কন্তুনী মুখ প্রভৃতি পাতমাণ পরিবৃত ছিল। সেই পবিত্র স্থানে चानियाक साराज्य का फीत करहा जब शरिष्ठ दरात करा কৰিব নিকট গিয়ে কেখলেন বে, পৰিব অভিতে আছতি নিবেদন ক্ষয়ে সেই খৰি জাত জ্ঞাতে। উপলিষ্ট ব্যৱহাৰ। যদিও তিনি দীর্ঘ কলে কটোর ভলন্যা করেছিলেন, তনুও উর বেহ ছিল অত্যন্ত জ্যোতির্মন্ত এবং তা কীল হয়ে পড়েনি, কেননা পর্যেশ্বর ভগবান তার প্রতি তার মেহযুক্ত কটাক্ষগাত করেছিকেন একং তিনি ভাগবাঢ়েয় इस-जपुन भूशपुत कथामुक नाम कटक्टिका । त्यह करिय

নারীর ছিল দীর্ঘে, নরন কমপদলের মধ্যে কিন্ত, ঠার স্কুত্রক জটাভার এবং পরনে চীর করন। তার স্মীপবতী ছবে ব্যৱস্থাৰ মনু তাঁকে অপোধিত মন্তির হতো মন্তিন দেশতে খেলেন। রাখাকে উন্ন আরহে উপস্থিত হতে क्रांच अवर केल जापूर्य क्षत्रकि निरंत्रक कार्य आर्थ. **এরি ওাকে উপযুক্ত স্থান প্রদর্শন করে আনীর্যালগর্ক** অভিনশন জানিবেছিলেন। ছবির সম্মান প্রচণ করে, বজা মেনীকৰ অকাষনপূৰ্বক আসন গ্ৰহণ কৰেছিলে। তথ্য কৰ্মৰ খুলি ভগবানের আমেশ শবংশ করে, রাজার প্রীতি উৎপাদনপূর্বক সুষধুর কাকো বলতে লাগলেন— तह त्वच । भागनि निग्ठवर नाश्रुलत्र नरवचन वदः श्रामाधुरमञ्ज विनारमञ्ज सन्। ब्रोहेस्टाह्य गर्यक्र कदरह्य, কেন্য আপনি উগধন শ্রীহরিত পালনকারী শক্তির মুর্ত প্রকাশ। অবস্থাকতা অনুসারে, আগনি সুর্ব, চন্ত, অধি, चर्मताब हेता, सह, रम, धर्म, रतम शहरित तल धारन ¥हडर। स्तरानी समयान श्रीविक्ष गाउँगड स्वत (कडे का, ना×श्रम कहरवा।"

তাই আপনাকে আমি সৰ্বত্যেতাকে নমন্ত্ৰত করি। আপনি যদি নর্বাকি বিভূষিত এই কয়শীল রখে আল্লেংশ করে. ধনুকের টক্রারের স্থারা ভরত্তর শব্দ করে, ধর্ম-বিভ্রোধী পাৰতীদের ভার উৎপাদন কলে, আপনান বিশাল ন্দোবৰ্ছনীয় পদ-প্ৰয়ানের ধারা ভূমওবাকে কশ্বিত করে সূৰ্বের মতো এই পূথিবী প্রথকিক না করতেম, কা হলে বরং ভগরন কর্তৃক প্রবর্তিত বর্ণাশ্রম ধর্ম সংস্থাসক সমস্ত ধর্মনীতিই পূর্বন্ত অসুরদের বারা তিনী হুগু। আপনি কমি পৃথিবীর পরিস্থিতির চিন্তা তালে করেন, আ হলে কথরেন বিকার হবে, কেন্দ্রা ভান এন-লোপুণ মন্বাক্ষ বাধা শেওরার মতো থেওঁ থাকবে না। ভারন সেই সমস্ত हुईरस्त्र जारायम् भद्रस्य त्यार और क्या किन्हे हरूत करन। ভা সন্তেও, আমি আপনাকে কিবাসা ভংকি, হে नश्चक्रमानी शक्तः कि फेरबला जिला जाननि अचाहर এসেক্ষে, জ কান, আমি সর্বান্তঃকরণে নিধপটে ভা



ধাবিংশতি অধ্যায়

কর্দম মুনি ও দেবহুতির পরিণয়

ইংমানের কল্পন—"সলান্ত্রে অধ্যে গুণালী একং কার্যকলাপের মহিখা ধর্ণনা করে, ঝৰি মৌন ছলেন এবং সমাট কৰু নিজের প্রশংসা প্রবণ করে, প্রজিত হয়ে কবিকে কললেন। কোনাল ক্রমা বৈধিক জান বিজ্ঞান করার অন্য তাঁর মুখ খেকে আগনার মতে প্রকাশনির সৃষ্টি করেছিলেন, বাঁরা তপস্যা, আন এক ঘোণে বৃত এবং ইপ্রিয় সুখের প্রথি পরাস্থা। প্রাক্ষণধের রক্ষার कता, मञ्दरनार अतर्मका सेत्र मध्य वस (शटक वार्यास्त অর্থাৎ করিরনের সৃষ্টি করেছেন। সেই হেডু রক্ষণদের क्या एवं छोत इसम् अवर ऋधिश्रम् वया एड छोत सह। সেই অন্য প্রাক্তর করের করিয় পরাধ্যকে কর করে भाषांच निर्वारकत सका करतमः ध्या भरपायन सम्बन्धः

বিলি কার্য ও কারণকার ২৫বা সংক্রাও কার্য, প্রকৃত পরে তিনিই গ্ৰুস্থারের মাধ্যকে ভাকেরকে রক্ষ করেন। অলেনার ফর্লনের কলেই কেবল আমার সমস্ত সংগঠ দুর হয়েছে, কেন্দ্ৰ আপনি অভ্যন্ত কুপাপুৰ্বক প্ৰভাগাননে আপ্রতী মূজার কর্তব্য স্থাৰে স্পষ্টভাবে বিশ্লেষণ चरतराहर । चारात भ्रोतकाराज्यस्य चरावि च्यानस्य सर्वन লভে করেছি, কেনমা হারা তালের ফাকে বত্ত করেমি এবং ইপ্রিরতলিকে সংব্যুর কবেনি, ভাগের পুরুষ আপনার মূর্বর লাভ করা পুরে। এইটি আমার পরস্ব সৌভাগা বে অন্তি অপনায় পবিত্ত পদধূলি আমার মন্তক হাত্র স্পূৰ্ণ কৰতে গেৰেছি। আমন্ত সৌতাপ্তের কলে আমি খাননৰ উপদেশ নাক করেছি একং এইডাবে খালুনি আহাৰ উপৰ কৰ্ৎ কুপা বৰ্ণ ক্লেছেন। আনি क्रमताबद्ध कार्याः कार्यः कति (त. चामि कार्यः कर्य-কুহরের দ্বারা আপনার বিভন্ন বাণী তাবণ করতে পেরেমি 🛗

"হে মহর্ষি। কলাপুর্বক আমার প্রতি প্রসাম হরে, স্বাপনি স্থানার বিনীত নিবেশন প্রবং করন, কেনলা খ্যায়ের করের প্রতি ক্ষেত্রপথ আমার কা ব্যাকৃত হতেছে। স্বাহনর 🚵 কনাটি প্রিহরত ও উন্তানপালের ভগ্নী। সে বক্লা, চাইনা এবং কাংগুণ-কামৰিত উপায়ক প্ৰতিয় আৰেছণ कारक। तम पुरुष्ट तम नातम पुनित काक प्रथक धालनात উরত চরিত্র, বিধ্যা, কল, বরস ও ওপাববীর কথা প্রকা মব্ৰে, ভাৰা খোৰে সে আগনকেই পতিতে বলৈ সমবে भरत शृह जन्म करदरह। चरडवन, (१ वाचन(टार्ड) नहां করে আপনি একে প্রচন করন, কেন্সা আমি মধ্য महत्वादक चार्नमात कारह अरब जिरवहन कराहि। चामाप्त এই কল্ম সৰ্বভোজতে অপনায় পদ্ধী তথ্যায় উপযুক্ত এক সে অপনার গৃহত্ব জাশ্রমের সমস্ত কর্তনা কর্মের মারিক প্রহণ করতে পারবে! বেছেও বিবরের প্রতি বিরক্ত ব্যক্তিরও আগন খেকে উপস্থিত বিষয়কে প্রত্যাধ্যম কর উচিত নয়, মতগ্রন যে স্ক্রমাসক তার সকৰে আৰু কি কলৱ আছে। যে হান্তি আপনা থেকে আগত কাম কল্পা অনানা করে, গলে কুগণের কাছে ভিক্স করে, ডিনি মন্ত প্রতিষ্ঠানালী হলেও ঠার কণ কর हर धन फरास्त्र कनका क्या करा करा नेस महामेश किसे ₹第 [

হে আপনি কিন্ত কাতে প্ৰস্তুত আছে। সহা করে আপনি আহম হয়ে অনিভ এই কন্তার পানিপ্রহণ করত, কেনব আগমি আজীকা ব্ৰহ্মাৰ্য পালনের ব্ৰচ প্ৰচুপ भरकारी ("

সেই কৰা সভা। অধ্যান কন্মও কৰা কাৰও কাছে প্রতিক্রমর মর কিবে বিধাহিতা মর। মাতঞা বৈদিক বিধি অনুসারে অব্যাদের বিবাহ সম্পান হতে পারে। আপনার কন্যাৰ বিবাহের আনুনা, বা বৈচিক পাল্বের ধারা च्या व्यक्तिक, चा पूर्व (शंकः) दिनि श्रव्हेरे मुच्ही (द, प्रीत স্বাদক্ষিত্র করা করা স্বাদক্ষরেরও পোনা তিরস্কৃত হয়, স্তরাং কোন্ পুরুষ সমাধ্যপূর্বক তার পাশিগ্রহণ না

করবে 🗈 আমি ওলেছি বে, আগন্যর কলা বর্তন প্রাসাদের স্থানের উপর কব্দ নিয়ে খেলা কর্মকা, চাধন ঠাও পারের নৃশ্রের শবে তার সৌকর্ষ আরও অধিক শোভাকুক হয়েছিল এবং কলুকের প্রতি নিবন্ধ তার মাষ্ট্র চক্ষক হয়েছিল, ডখন বিখাবসু নামক সম্বৰ্ধ উচ্চক সৰ্পন করে, সংখ্যাহকণত বিয়ত চিত হতে তার বিমান থেকে পড়ে গিরেছিলেন। রমণীকুলের ভবণ-বর্মাণ, সামন্তব मन्द्र कर्ता अवर केंस्प्रमभात्मक क्रिनी और कन्माहित्क কেন দুখিমান ফুক্তি সাদরে প্রহণ করবে নাং সারা প্রশ্নীদেবীয় চরণ-কমলের সেক্ত করেনি, ভারা ওঁকে দর্শন গর্মন্ত করতে পারে বা অবচ ইনি কেলার আনাকে পতিবাপে বৰণ করার জন্য এখানে এগেছেন। অভএব এই সংখ্যী কন্যাৰে আমি একটি শতে পদ্দীকাণে প্ৰথণ करर--- यञ्चिम नर्वत क जिमे साधात बीर्व धारण करहत. ততনিৰ পৰ্যন্ত আমি কাৰ ভাৰনা কাৰ এবং ভাৰ পৰ **পরমহাদের জাবর্তান্তর কেলছা অবলখন করেন, আমি** সেই খ্রীমে গ্রহণ করবঃ সেই পর করবার শ্রীবিষ্ণ र्शन्य करर्राष्ट्रातन अवर का दिश्या-गरिए। येना स्थाय এই বিচিত্র জগৎ উপ্তত হয়েছে, বিনি জ পালন করছেন এবং ছতে বাঁর মধ্যে ভা দীন হয়ে বাবে, সেই খনত পরসেশ্বর জনতন আমার পরহ গ্রন্ত। তিনি এই জনতে चौरवामस सम्मानकारी श्रमानविद्यातक केरन ("

নীমৈকের বলকেল---"হে মহান বেদয়া বিপুর্ : মহার্বি বর্মম কেবল এই পর্যন্ত বলেই ঠার আরাধ্য অর্থিখনাত ভারবান বিকুল চিন্তা করে মৌদ হলেন। তাঁর শিহত স্বাসমূপ অনু ক্ষান্তের—"হে জ্ঞানবান। অন্তি ওনেছি স্বাস্তার দ্বারা শেলিত মুগমঙল ভালা কেন্দ্রতির মন হংগ পৰেছিল এবং তিনি কৰা সেই মহৰ্টিং বান কাতে ওয় করেছিলেন। সমাট কার মহিবী এক ভার কন্যার অভিযার স্পট্টাবেশ করনত হয়ে, মড়ের আনক্ষের সঙ্গে ৰু ওগৰিত সেই মুকিকে জান উপযুক্ত কন্দ্ৰ সংখ্যাসাস মহর্বি উত্তর বিলেন, "আমি বিবাহ করতে ইন্দৃক, কুরেছিনেন। মধ্যেন্ত্রী পভর্মণা শ্রীভিগুরে ক্ষম্পা অপৰায়, কান এক পুত্ৰে বিনিধ উপৰয়ণ বৌতুক-ব্যাপ দশ্বতিকে প্ৰদান করেছিলেন। এইভাবে তাঁর কন্যাকে উপযুক্ত পাত্তে সম্প্ৰদান করে ভাতত্ত্ব মনু তাঁরে সারিও থেকে সুক্ত হরেছিলেন, কিছ তাঁক মন কবন বিজেন কোনাৰ ব্যক্তিত করেছিল এবং উকা ভিনি খেল্ডেরে তার पूरे वाक क्षाता और कनाटक व्यक्तिका करविद्यान। कमान निवह त्रहा करण ने १५११, मधी "दर माठ!

কে বংলে!" এইভাবে সংখ্যাধন করতে করতে ভাতরেলে ঠার কনারে সতক সিক্ত করেছিলেন। মহর্বির অনুমতি দিয়ে সভাট ভার পত্নী কং করে আরোহণ করে, ভার অনগামীলৰ সহ রাজধানী অভিনুধে হাত্রা করবেন। **লাখ** তিনি কৰিলের হিতনাধিনী সরপতী নদীর উভয় **४४३ शनाय कविएमा भारतस्था भारत-मन्त्रन ११४८७** পেলেন। তাঁর আগবন কর্তা গেরে আনকে উক্তল হতে। ক্রভাবর্ত থেকে জার প্রকারা উদ্দের প্রভাবে স্বাগ্ত ভানাবার ভন্য সংগীত, বাদ্য এক ছতি সহকারে এগিয়ে এসেছিলেন। সর্ব সম্পদ-সমন্বিত বর্তিপাতী নগরী এই নাম প্রাপ্ত হতেছিল কেননা কগবান প্রিবিদ্ধ যথন ব্যাপ্রবালে প্রকট ছয়েছিলেন, তথন তার রোধ এই ছানে প্ৰতিত্ত হয়। তিনি বৰ্তম কেই কম্পন কৰেছিলেই, প্ৰথম উন্ন রোম এই ছানে পভিত হরে, চির হরিং কুশ এবং কাশ বাসে স্প্রপান্তরিত হয়, যাই মধ্য কবিয়া কলে বিশ্ব সৃষ্টিকারী অনুরবের পরাভূত করে পর ত্রীবিশ্বর উপাসনা করেছিলেন। বার সুপার কর এই ভ্রমগুলের উপর আধিপতা সাভ করেছিকেই, কৃশ এক কাশ নির্মিত আরন বিভিত্তে তিনি সেই পরমেশ্বর ভগবাবের আরাখনা করেছিলেন। যে বর্হিক্সডী নগরীতে মনু পূর্বে ধান ক্ষান্তের, সেখানে জনমন করে তিনি ব্রিপ্তান কুখ-মালক জসালে প্ৰকেশ করপেন। স্বারম্বর কর্ম উন্ন পদ্ধী এবং প্রজাপন সহ জীবন উপজোল করেছিলেন এবং ধর্ম-বিক্তম অব্যক্তিত কাৰ্যকল্যালয় বানা কিলিত হৈ হয়ে, তিনি ঠায় বাসনাসমূহ পূর্ব করেছিলেন। সন্তীক সূরগারকেরা ঠার সং কীর্তিসমূহের মান করেতের একং প্রতিদিন প্রস্থাবে, তিনি প্রেমাসক চিত্তে ভগবানের মহিনা কীর্তন প্রবৰ্ণ করতেন।"

"স্বায়ন্ত্রৰ মন ছিলেন একেনদ হামার্বি। ব্যক্তি তিনি অভ স্বতোশে লিপ্ত ছিলেই তবুও সর্বল ক্ষতাকন্মই পরিবেশে জড় সুধ উপতেংগ করের জন্য তিনি নিক্টডম কীবাম অধ্যাপতিত হুমমি। তার কলে, যদিও বীকে गीत अक प्रश्चत-महानी होत नीई चाव नवाद रहत এসেছিল, তত্ত্বত অধিকের অন্তর্ভ ভার কর্ম অধ্যান হয়নি, কেনা তিনি সূর্বল ভালতনের বীলা প্রবণ, কনন, সেখন क्षर कैठिल वस हिटान। दिनि नर्दन वानुस्मदन क्या চিন্তা করে এবং অস্থলেকের সঙ্গে সাম্পর্কিত বিবরে বুরু থেকে, তাৰ জীৱন কাল একাড়ই চতুৰ্ব (৭১×৪৩,২০,০০০ বংগৰ) অভিন্যু করেছিলেন। এইডাগে ভিন্নী গতিয়াৰ অভিক্ৰম করেছিকেন 🖺

"बाठका 🙉 विषव। बौदा फलिस्बारण पर्यटासाय श्रीकरकात नहरू शहर करहराज्य, कीएमड भागीविक, মানসিক, দৈবিক এক জন্যান্য মানুৰ ও শ্বীবংগর হারা চনত ক্রেশ কিভাবে গীড়া নিতে পারে? অধিপণ কর্তৃক জিবাসিত প্রবের উত্তরে, সমস্ত শ্রীক্তে প্রতি কুলা-লক্তব शास रिनि (कावज्ञव अम्) शादाका यानुस्वत अवर विक्रिय বৰ্ণ ও জাপ্ৰয়েত নানাবিধ পৰিত্ৰ কণ্ঠব্য সম্বাচ্ছ উপৰেপ বিয়েছিলেন। আমি কীর্তনের যোগ্য আদিয়াক কলা এই অন্তত চরিব ভোমার কাছে কাঁবা করণায়, একা ঠার कना (स्वर्धित शहरका वर्गन झना का ।"

Called 1 CAUGO ರಾಚನಾ

ত্রয়োবিংশতি অধ্যায়

দেবহুতির অনৃতাপ

সৈবের বল্লেন--"জার লিভা-মতা প্রস্থান করলে, স্মধনী দেবছড়ি, মিনি জার পতির ছনোভাব বুধাও শারতেন, নিরন্তর গভীর শ্রীতি সংকারে জর গতির সেবা করেছিলেন, রিশ্ব বেজন গার্বতী দেবী তাঁব পতি লিবের মেলা করেন। বে সিদুর। কেবচুতি আন্তবে একং বাহিতে পবিত্র হতে, অনুবসভাবে, পভীর প্রছঃ সহকারে, সংবত চিন্তে, প্ৰীতি এক মধুৰ কাকোর বারা তাঁৰ পতিত সেবা बरदक्षितम्। चरिकाणिकसार्वे अवर केमाम महत्वरत कार्य करते, जमने कार्य, शक्त, रक्तरं, रजाक, जालाहत्रण अंतर অংশ্বর পরিতারে করে, তিনি ঠার অভান্ত তেক্ষণী পতির সম্ভষ্টি বিধান করেছিলেন। জনুর করে, বিনি ছিলেন ওঁরে পতির প্রতি সম্পূর্ণরূপে অনুরক্ত, তিনি তার পতিকে বিধানের খেকেও বড় বলে মনে করতেন। ভাই, ভিনি তার ভাছ থেকে মহা আলীবাঁৰ প্রত্যাপা করেছিলেন। দীর্ব বাল ব্রন্ত আচরণপূর্বক তার দেবা কথার কলে, তার नरीड पूर्वन क्या कीन स्टाहिन। फेन द्वारे अवश्व स्टाप দেবরিশ্রেষ্ঠ কর্মন বাথিত হয়েছিকেন এবং গভীর গ্রেমে গাগৰ বাবে তাকে বলতে লাগদেন—য়ে বাবেরৰ মন্ত্র স্থানীয়ে কন্যা: আৰু আমি ভোমার গভীর অনুপ্রগময়ী দেহধারীনোর স্বাক্তে আদের দেহ আতাত্ত হিলা, কিন্তু পরি েই বেহুকেও আহার ক্ষম ক্ষম করতে বিধারের কর্মম দেখে, আমি কভান্ত আন্তৰ্গ হলেছি। আমি স্বধাৰ্ম কভ বেকে রপসা, ধ্যান এক ক্ষতভিত্র খাচরণ করে, क्षाच्यास्य व्यत्नीर्थम लाक करति। एवि वनिक का अवर শোক-বহিত এই উপলব্ধিওলি একাও আগতৰ কৰেই তথ্য সেইওলি আমি তোমাকে লাম করব, কেননা ভূমি ভঙ্জি সহকাৰে আমার সেবা করেছ। দেব, আমি তেমহাক দিবা দৃষ্টি প্রকাশ করেই, যার হারা ভূমি বেখাতে পাবে সেইগুলি মত সুন্দর। ভগবানের কৃপা ব্যস্তীত অন্য উপত্যোগে কি কভে ৷ পরমেশর ভারেন ঐরিকার ভোনার পতিরভা ধর্মের প্রভাবে, তুমি মিবা উপজ্যবসমূহ वालं स्टबर् अन्य और नमक पिना जन्मक कछि जहान কলে রূপ্রহেদকারী এবং প্রভৃত ক্ষ-সম্পর্যের অধিকারী মাজিকো গলেও দুৰ্গত।"

"সৰ্ব প্ৰকাশ দিবা আনে অবিতীয় জান পড়িয় বাৰী রূপ। করে, ক্ষকত্ব দেবহুতি ক্ষতান্ত প্রসায় ক্রেছিলেন। তাম হুখসওল ভিত হান্য এবং ঈবং সংবাচপূর্ব मृष्टिभारका करण, चयत्रक भूषण सहय बेट/बिल अबर किनि প্ৰণয় ও বিনয়-জনিত কানাম স্বরে বলতে প্রণালেন---रह दिन गाँठ। *द*र विकासके। धानि सानि हम, धाननि সৰ্ব সিভি লাভ করেছেল একং আগমি সমস্ত স্ক্রান্ড

বোগ-শক্তিৰ অধিকারী, কেনল আগনি যোগমানার আগ্রের রয়েকো। কিছু এক সময় আপনি প্রতিকা करहरिएलम (ब. जामारात पिटिक नियम नार्थक हरू, ক্ষেত্রত হয়ত পতি প্রাপ্ত হয়ে, সাধনী দ্রীর সভান বাভ করা একটি হয়ে বন্ধ ওবং হোড। আমি আপনার প্রতি কামার্ক্স হয়েছি। তাই বছা করে আপনি ক্ষান্তের নিৰ্দেশ অনুসাৰে ব্যবস্থা কৰম, যাতে অভুগ্ন ৰতিম্প্ৰভা হেড আমন্ত্রা কৃষ শরীর খালনার বোগ্য হতে পারে। সেই উদ্দেশ্য সাধনের উপযুক্ত একটি গুহের কথাও আপনি বিকেন কৰুব।"

মৈরের কবি কলনেন—"হে বিদুর। তাঁর তার পত্নীর হীতি সাহনের উদ্দেশ্যে, কর্মম মূলি তার ঘোণ-শক্তি প্রয়োগ করে, ভংকদাং ইকা অনুসারে গমনগীল এক ছড়ি এবং হেমপূর্ণ কেবাছ অভ্যন্ত প্রদান হয়েছি। আন্তর্ধ-সূত্রণ বিশ্বন সৃষ্টি করেছিলেন। সেইটি ছিল সং ক্রকর রাখে ব্যক্তিত, মশি-মাশিক্যের স্বাস্থে শোভিও এবং সমস্ত খাদনা পুরণকারী এক আন্তর্যক্ষনক প্রাসাদ। েইটি সৰ প্ৰকাৰ আসবাবপত্ৰ এবং ঐশৰ্মের বারা সংশাধিক বিদ্যু বা কাগ্যক্তবে ক্রমণ বর্ধননীল বিগ। त्निए धानामधि नर्न धकाव धरवाकनीय नावशीव पाता সুসন্দিত বিশ এবং আ সর্ব কড়তে সুধ্যারক ছিল। ভার চারনিকে পতাবা, পঞ্জিকা এবং বিভিন্ন কর্মের শিল্পকলার ৰামা ব্যক্তিত হিল। তা সুন্দা পুন্দা-মালার সুস্থিতে ছিল, ব্যব্র প্রতি আকৃষ্ট হরে মধকরের ওঞ্জন করছিল এক ভা দুকুল, কৌৰ, কৌশের প্রভৃতি নানাবিধ বয়ের স্বারা সুসন্দিত বিল। সেই প্রাস্থ্যমে উপর্যুগরি নিরচিত বুকৃতি সঞ্চলনে সমস্ত জড় বিবর কালে হতে যায়। সাভটি ভালাক স্থানে স্থানে প্রায়, পালাক, ব্যক্তন ও আসনাদির বারা সুসন্ধিত থাকার, তা অভ্যন্ত মনেবর প্রতিভাত হবেছিল। সেই প্রাসাদের দেওয়ালওলি নানবিধ পিছ-কার্বের হারা শুনিত থাকরে, তার গোডা আরও বর্ধিত হর্মেছিল। সেই প্রসাদের মেরে ছিল মরকত মণির বারে রচিত এবং সেখানে প্রবাদ বারা রচিত বেশিসমূহ বিরাজ করছিল। প্রবাদ নির্মিত হারদেশ এবং হীয়ক ৰচিত কপাট সমন্থিত হওৱায়, সেই প্রাসাদ ৰাজ্যন্ত সৌন্দর্বমণ্ডিও ছিল। ইক্রনলৈ মণি মচিত হাস্যানে। চুড়ার, শ্র্যানমূহ মৃকুটের মতো শোকা গাজিল। হীরকারে বেওরালে শ্রেষ্ট পর্যবাধ মণিসমূহ খচিত সাধ্যর, মুদ্র ছজিল কেন ভারা চলুকান। কা বিভিন্ন চল্লাভগের খায়া

সঞ্জিত ছিল এবং তাতে ৰচমুগ্ত সোনার ভোরণ ছিল। মেট প্ৰাসায়ৰ ইতবাত বৰ জীবৰ হ'লে এবং পাৱাৰত ছিল अवर वर कृतिय दरन ध शतावटक हिल, (क्टॉलटक নেখতে একই জীবন্ধ বলে যদে হত যে, প্ৰকৃত জীবন্ধ ছলে ও পারাবজের বীক সেইওলিকে ভালেরই মতে। খাঁবত পদী বলে মনে করে, খানের উপর বার খার উত্ত कारका अवर फान करना तने धानान नकीय कारका য়র্থারত ছিল। সেই প্রাস্থানের ঐতিহানুল, বিশ্রের কক, পত্ৰৰ কৰা, প্ৰাঙ্গৰ এক বহিনাক্ষন এমন অৱত্যসায়কভাৱে সন্ধিত ছিল বে, তা করং কর্মম মুনিরও বিশ্বর উৎপাদন কবেচিল।^ম

"কর্মম মূলি যথন দেখলেন যে, দেখেতি অগ্রসায় চিত্তে সেই বিশাল, ঐশর্যমতিত প্রাসামটিকে দেবছেব, তথন তিনি করে মনোভার কুমতে গেরেছিলেই, কেন্সা তিনি সকলেরই হামরের ভাবনা জানতে সক্তর ছিলেন। গুটে তিনি ওমা পদ্ধীকে বলেছিলেন—হে প্রির কেবছতি। জোনাৰে আত্যন্ত ভীতা বলে মনে হতে। ভূমি কলং সুক্ষা কৰু এবং মনোহন আনুগলের বান্না উপ্তাসিও ছিল। ভগবান বিকার সৃষ্ট এই নিন্দু সরোবনো সাম কর স্ক মানুখেৰ সমস্ত বাসনা পূৰ্ণ করতে পাত্তে এখং ভার পর अरे विभारत चारदाश्य करा। कथन-सक्ता (मरहक्ति कीव পতির সেই খাকা খীকার করেছিলেন। গুরু বসন বিল মলিন এবং তার মাধার চল ছিল ছটায়ক, ভাই তাঁকে দেখাও খুব একটা আকর্ষণীয়া লাগছিল না। তাঁর দেহ ধনি-প্রের ক্র আন্তর্গে ন্যাক্তর ছিল এবং তার **खनवृत्तम विवर्ग इत्त तीरहरित। टिनि त्मरे चुरवाटवे** সরস্বতীর পবিত্র ছলে পূর্ব সেই সরোবরে প্রবেশ করেছিলেন। সেই সভেষতের মধ্যে একট গুছে তিনি এক হাজার বালিকাকে কেখতে পেলেন, ভারে সকলেই ছিলে বিশেষ কলো এক প্রথম। উদ্ধে বেবে সেই বালিকার তংক্ষণ উঠে নাভিত্তে করকোড়ে কালেং "व्यक्ता च्यन्नका भविश्वविका। वदा करा चारास्त्र स्तृ?. মামর খালনার জন্য ভি করতে পারিং" সেই বলিকার মেবর্তির প্রতি অভ্যন্ত সম্মান প্রদর্শন করে, অভি ফুল্বন তৈলাদিয় খালা ভাল পাত্ৰ আন কৰিছে ভাল কৰিবেছিল এবং ভার পর ভার পরিধানের জন্ত নতুন এবং সুস্থ নিৰ্মল বস্ত্ৰ নিৰ্বেছিল। তথা পত্ৰ ভাৱা ভাৰে শ্ৰেষ্ঠ এবং ক্ষ্মুল্য অলভার ভারে তাজিয়েছিল, বা উজ্জন জ্যোতি

বিভিন্ন কর্মান। তার পর তারা তাঁকে সর্ব ৩৭-সমন্বিত केंद्रव चाहार्व असर चामन नामक अक शकाह प्रश्नेत भागीत পান ক্ষরিকেছিল। ভার পর তিনি আয়েনার তারে নিজের প্রতিবিশ্ব দর্শন করলেন। উল্লাক্তে সৰ রক্তম মল থেকে সম্পূর্ণরূপে মুক্ত হরেছিল একং তিনি একটি মাণেরে বাবে অলম্বত ছিলেন। তীয় পট্টনে ছিল এক নিৰ্মেণ বস্ত্ৰ এবং তিনি গুড় ভিলৰ চিহেনা ছাত্ৰা বিভূমিত ছিলেন। জীৱ পরিচারিকানের দ্বারা তিনি অভান্ত ক্রম্ম সহকারে সেবিভ হকিলেন। মতক সহ ঠার সার শহীর সম্পূর্ণরূপে সাত হতেছিল, ডিনি সর্বাচে নাম খলভারে বিচ্চবিতা ছিলেন। ত্তীয় গলার ছিল একটি পদকর্মত এক বিশেষ হার। তাঁর হাতে করে এক পদযুগলে শুকাহমান কর্মপুর পোডা পাজিল। তিনি ঠার কটিলেশে বহু রম্ব-হচিত এক মূর্ব-मिनेना गविधान करदहिराजन अवर बागाजारम अव ক্ষেপ্রকার মুক্তেরে মালা ও নানাবিধ মালা মন্য দিরে তাকে আনও বিভাবত করা হয়েছিল। তাম মধ্যতল জন সুনিত অনামনুক্ত মের পরকলির সৌন্দর্যকে পরকে কর্মারা। উর ব্রহতন কৃত্তিত কমা কেলারে ভারত বিল। কান তিনি কবিলের মধ্যে অপ্রণার ভাব পরম তিৰ পতি কৰি মুনিকে জ্বৰণ করেছিলেন, ভাৰৰ ডিমি তার পরিচারিকারণ সত্র তৎক্ষাৎ তার সমকে উপস্থিত হয়েছিকেন। ভাঁত পতিত্ব সমক্ষে সংগ্ৰ পৰিচাৰ্ত্ৰিক। পরিবৃতা হয়ে এক উর পতির বেগ-শক্তি কর্মন করে, তিনি নিখিতা হরেছিলেন।"

184

কর্মম মুনি মেখলেন কে. প্রেবৃতি ক্লন করে নির্মল যুৱে, এমন সুপরভাবে শোভা পাঞ্চিকেন হে, তিনি ধেন শ্রম পর্যের পদী হল। তিনি খার পর্যের রাজকন্যার মতো বৌৰ্ক কিন্ত গেড়েছিলে। অত্যন্ত সুন্দা বসদে আবন্ত উঠা মনোহন কৃতবৃদ্দা শেকো পাজিল এবং এক হাজার বিদ্যাগরী তার দেবা করার প্রতীক্ষা করছিল 🗥

"য়ে শত্রুহারি, পর্যার প্রতি কাম মনির অনুবাস তকা বৰিত হুৱেছিল এবং ডিলি তাঁকে সেই প্ৰান্যযোগৰ विश्वत्र चारवाक्ष वांत्रपहित्यमः विमानवीशन कर्डक সেবিভা প্রিয়াম পরীর প্রতি স্থাপাত দৃষ্টিতে জাসভ इरलक, कर्मच युनिश प्रदिधा मुख एत्रनि, का दिल कीव बाबगरराव। तर्वे शामाय-मध्य विवादन वर्षत्र स्नि

পঠিচারিকাশশ কর্তৃক পরিবেটিত হতে শোলা পরিবলেই, ঠিক বেজা আকাশে কৃষ্ণ প্ৰকাশক চন্দ্ৰ ভাষকা-বেচিঙ হয়ে শ্বেকা গায়। সেই প্রমোলোপম বিমানে তিনি মেক পর্যতের প্রমোশ উপভাকার কলে করেছিলো, যা কায উদীপৰ দীওৰ, দুগৰিত হল অহুৰ প্ৰভাৱে আৰও অধিক সুকর হরেছিল। সেই সমস্ত উপভা্করে **म्बरकामक क्रायामक क्राया मुख्यी सम्मीवर् अदिवृ**ष्ट মূরে এবং সিম্বালের বাজা বশিক হয়ে, সাধায়ণত আনার উপজেগ করেন। কর্মন স্থানিও জান পদ্ধী ও সুস্করী রমণীকের করা পনিশৃত হয়ে দেবাকে নিরোছিলান এবং ক্ষ কং বছা বয়া খনেব উপজোগ করেছিলেন। জার পত্নী কৰ্তৃত সম্ভৱ হয়ে, দিনি সেই নিয়নে কেবল মেচ नर्वराध्ये नहः देवस्यकः मुख्यमः सन्तरः नृष्णस्यस्य क হৈত্ৰপথ হাচুতি উপায়ৰ একা খানৰ সংক্ৰ**ং**কে খালক উপভোগ করেছিলেন। অনু বেছন ক্ষরেছিতভাবে সর্বন নিচল ক্ষাতে গাৰে, টক শেইভাবে তিনি বিভিন্ন লেয়কে বিরেশ করেছিলেন। তার সেই অভ্যন্ত রেষ্ঠ, বীরিশালী এবং ইচ্ছানুসায়ে গমনশীল বিষালে চড়ে ডিলি বৰন গান-মার্গে বিচরণ করছিলেন, ডখন তিনি মেধতাদেরও অভিক্রম করেছিলেছ। খারা গরমেশর ভগবানের শ্রীলাদগরের খরণ প্রহণ করেছেন, সেই গৃড় সংকরচিত ব্যক্তিলের গকে জি জেন বস্তু দূর্বত হতে পারে ৷ তার শ্রীপাদপথ সংসাম কর মানকারী ব্যার মতো পৰিত্র মধীন উৎস। তাঁর পরীকে কং আকর্ষে পূর্ব ব্রহ্মানের विकित २०म जन्मी असिता, यह तारी काँव पूनि वैहा নিজের আন্তানে প্রভাবর্তন করেছিলেন। তাঁর আন্তান क्रिया नाम, विकि तका केरमुका मनुकन्ता (सरापुरितक त्रकि পুৰ খলাল কৰাৰ জন্য নিজেকে নম্বল্যগৈ বিভক্ত कार्राहिका। अधेकार किने केन महत्र कर करमा धन অনুষ্ উপজেল করেছিলেন, যু তাঁর কাছে এক মুখুর্তের মতো প্রতীয় ছরেছিল। দেববৃতিও নেই বিমানে রববেলা কর্নকারী পারম উৎকৃষ্ট পাষ্যার উল্লেখনতার জনকা পতির সঙ্গে রমণকরা থাকার, কও সমর বে অতিবহিত হয়ে গিয়েছিল, ভা বৃথকে পারেননি। সেই কুন্দারি করা কার-সূথের জন্ম জনার পানারিত হয়ে ব্যাপ-পূৰ উল্জেখ কৰ্মান্ত্ৰণৰ, কৰন এক শৃত শূৰং কঠ

আৰু কালের মতো অতিবাহিত হয়েছিল।"

>84

: +

"नविन्तानी कर्षत्र भूनि नक्तमा बदना कथा कानएउन असर रिक्नि ज्ञाकरणा वाजना भूगी कहरण नातरका । परण-তত্ত্বিৎ কর্মস মূলি দেবচুড়িকে তারে অর্থাসিনীজনে विरक्षन कर्रावरक्त। मिरबाक नक्स विरुक्त करत, ठिनि মেবহুতির শর্মে নয়বার বীর্যপাত করেছিলো। তার টিক গরেই, সেই সিনই, দেবস্তি নয়টি কন্য-সভান প্রসৰ कटाविजन। (गरे कनाम मकटनरे हिन मर्वामगुक्ती এবং তাদের মেহ খেকে বস্ত-শক্ষের সুগত নির্মত क्रिएम।"

"তিনি যখন দেখলেন বে, উনা পতি গৃহ ত্যাগ কঃতে উদাত হয়েছেন, তথ্য তিনি বাইরে ঈবৎ হাস্থিতা হলেও, কড়ার কতার কিলিক এক সহত হরেছিকেন। সেখনে দীঞ্জি তাঁর মনি-সদৃশ দেয়ভাগুড প্ৰদৰ্শন্ম ছায়া ভিনি কৃমি লিখন কয়তে (লাগ কটিতে) नागामनः। भारतामुची एता, प्रथमात्र अरवज्ञ अरव, किनि সুমধ্য কলে ইয়ে বীয়ে ক্ষতে লগালেন।"

দেবচুতি কলজেন—"হে প্রত্যে। অংগনি আন্দর कार्ड (व जब शिव्सिक्ति विराहितन), का नवरे जाननि পূর্ণ করেছেন, কিছ আমি বেহেতু আপনার শারণাগত, তাই কুণা করে জাগনি খ্যানাকে অভন কম করুন। হে গ্রাখল, আলনার স্বন্যারা ওমদের উপস্কুত পতি ভাষেকা করে ভালের পতিপ্তে চলে বাবে। কিন্দু সহায়নী হতে আপনি যনে চলে যাওয়ার পর, তে আমাকে সাধুনা দেৰেঃ এতকাল পৰ্যন্ত জানি ভগকং তথকালের অনুশীকা না কয়ে, কেকা ইপ্রিয়-তৃত্তি সাধনের বিদরে আমান সময় বৃধা অভিবাহিত করেছি। ভর্মে ইবিজের বিষয়ে খাসক হৰে স্থাপনাৰে ভাল কেন্টেলাম, অলনার চিয়র হিতি সহকে আমি তথন জনতে পারিল। কিছু জা সংক্ষা আধ্যান হাতি আমার কে-জ্ঞান্তি, ভা আ্যাতে সমর্ব তর থেকে মৃত করক। ইবিরে কৃত্তি-পররেশ ব্যক্তিদের সদ অবশাই সংসার করনের বার্থ। কিছু সেই সাধা যদি অক্সাচন্যারেও সানুদের সংখ করা श्रा, कः इत्म का मुक्तित कात्रग-प्रताश करत शादक। *र*व ব্যক্তির কর্ম ভাকে ধর্মান্তিমুখী করে মা, বায় ধর্ম অনুষ্ঠান জড় বিষয়ের প্রতি বির্নালয় উৎপাদন করে মা এবং স্বার হৈছাগ্য প্রমেশ্বর ভগবানের প্রতি প্রেমমরী দেবার পর্ববলিত হয় না, সেই ব্যক্তি খীনিত হলেও মৃত। 🕬 অধারন : আমি অবশাই পরমেশ্বর তথবালের সুরতিক্রমন্ত্র মারাগজির বারা প্রবশভাবে প্রভারিত হযেছি, কেন্দ্র।

সংসার বরন থেকে ঘুক্তি প্রদানকারী জ্ঞাননার সঙ্গ লাও কল সংস্থাত, আমি যুক্তিৰ অক্টেবৰ কৰিবি।"



চতুর্বিংশতি অধ্যার

কর্দম মুনির বৈরাগ্য

रेमध्यतः कवि चलरलन--"धनः(त्रमीता कन्यमाः progress বৈরাগ্যপূর্ণ **অশী ত্রবল করে, দরালু কর্মার শ্রু**নি ভাষান প্রীবিশ্বর বাশী শারণপূর্বক বলতে লাগনেন—হে প্রশংসনীরা রাজকন্যা, তমি নিরাশ হরো না। অচ্যুত পর্যমেশ্র ভগবান অচিরেই তোমার পুত্রকাপে তোমার রভে প্রবেশ করকো। তুমি পবিত্র ব্রত পালন করেছ। ভাষান তোম্বর কল্যান সামন করকো। তাই এক তৃনি গভীয় শ্রহা, ইন্মির সংয়ম, ধর্ম অনুশীদান, তপভার্য এবং ধন খান করার মাধ্যমে ভগবানের স্বারখনা কর। তোমার ছারা আরাধিত হয়ে, পরখেদা স্কণবাদ আন্দল কা বিভাগ করে ভোষার পুরুরতে করু গ্রহণ করকো। তিনি ভোষাকে ব্রখ্যকান শিকা ধান করে, ভোষার ক্রার-তরি (क्षमन कराएकर (*

শ্রীমৈছের বললেন—"দেক্ত্তি তাঁর পতি প্রজাগতি কালের আদেশের প্রতি জতার প্রথমিক। ছিলেন। 🗷 বহর্বি। এইভাবে তিলি সকলের চলরে বিরাক্তমন রক্ষাতের পতি পর্যোশ্বর ভগরতের আরখনা করতে ওঞ করেছিলেন। বছ বংগম পর, পরমেশ্বর ভব্বন মধুসুকা কর্মম মুনির বীর্বে প্রবিষ্ট হরে, দেকচ্চির পঠ খেকে আবিষ্ঠুত হয়েছিলেন, ঠিক কেডাৰে ব্যক্তের কার্ছ থেকে অগ্নি প্রকাশিত হয়। তথ্য পৃথিবীকে ওার খবতরশের ব্যবহ, ক্ষেত্ৰতার প্রথম-মণ্ডলে ফ্রাইমান কেকে ফ্রাডা তাদের বাদাবন্ধ বাজাতে সাগলেন। স্বর্ণের পায়ক গৰাবঁরা ভগবানের মহিমা কীর্তন করে গান গাইতে শাগনের এবং অক্রামা পরম আনকে সচতে নাগলেন।

ক্ষুবানের আবির্ভাবের সময় প্রক-মার্থে মুক্তকাপ विकासकी (सरकार भूगन-दि स्टार्व(स्ता) स्थान महस्त विक-प्रदेश, बन्नवानि अस नकरनत क्रिन चटान धना ए(इस्ति। वर्रेक्के चानि जनिष्ण मह बहद हवा महावटी নদী পরিবেট্টিত কর্মম ফুনির আগ্রহে নিয়েছিলেন।"

মৈত্রের বলতে লাগলেন—"হে শত্র- সংহারক। জ্ঞান আহরণে প্রায় সম্পূর্ণ মতত্র ভাল ক্রমা বুকারে পেরেছিলের যে, পরফেরর ক্ষণবারের এক কংশ সাংখ্য ব্যেণ নামত পূর্ণ জান বিভাকা করার জন্ত, উমা কর সন্মৰ স্বল্পে দেববুতিৰ কর্মে আবির্ভুত হরেছেন। অবতাৰকাণে উল্ল কাছিত কাৰ্যকলাপের অন্য প্রথম উল্ল প্রভাট ইপ্রিয় এক নির্মণ অন্তর্কাংশর বার ভগবানক স্বাধানৰ করার পর, তিনি কর্মন এবং দেবচুতিতে কালেন—হে তিয় পুৰ কৰ্মাং। ভূমি বেংকু নিৰুপটে, মন্ত্রা সহকারে, পূর্ণরাগে জামার নির্দেশ পালন করেছ, ভার কলে ভূমি বধারখভাবে আমার পূঞা করেছ। ভূমি আহলে সমস্ত নিৰ্দেশ পালন করেছ এবং ভারে ছারা ভূমি আয়াকে সামান প্রদর্শন করেছ। পুরেও কর্তব্য টিপ এইতাথে নিজার দেবা করা। অনুকো কর্মন্ত থকে নিজা चरश क्रम्परस्य च्यानम् 'रस्य चान्ना' वरण मन्यान जर्कारत जानम करा है

े बैदाना एका काँव वृत्ति मदार करात अन्तात अन्ता কালেল—"তোমার এই সমস্ত সুলোভন কন্যারা নিচসপেত্র অভার কাবী। ভারা বে-জানের বংশবরদের ব্যৱা বিভিন্নভাবে এই সৃষ্টি বৃদ্ধি করবে, সেই সঙ্কছে

আমাৰ কোন কলেছ নেই। অভানৰ, জাৰাই ভূমি ভোষার কর্মনের স্থতাৰ এবং রুক্তি অনুসারে, শ্রেষ্ট খবিদের হাক্তে তাবের সাক্ষমেন কর, ভা হলে সারা ব্ৰহাও খুড়ে ভোগত বন্দেন্সনি বিস্তৃত হবে। হে ক্ৰমি। আমি জানি বে, আনি পুরুষ পরমেশত ভগবাদ তাঁর বৌপামায়ার প্রকাশ করেছেন। তিনি ৰীবেদর সমস্ত আসনা পূৰ্ণকাৰী এবং এখন তিনি ৰ্যাপল धूनिय क्षेत्रं कारण कट्डरहर । जूनर्ग वर्ग दर्ग-जयविष्ठ, कमन-नक्षम अवर शक तिरुक्त भाषनक ममसिछ क्लिन्स्पर रक्ष्या क्षता अवर माञ्चलक कवशातिक হায়োগের হারা জাগতিক কর্মের কামনা সমূচে বিনষ্ট করকে।"

>83

প্রীপ্রাপ্তর বেংগ্রেডিকে কালেন--"হে মনুকরা। হিনি কৈটভাসুরকে বধ করেছিলেন, সেই প্রযোগর ভৰ্মন এখন ভোমত্র গতে প্রবিষ্ট হতেছেন। তিনি (छापात नमच चरिन्हा अवर गरणराम <u>बहि स्थान कार्</u>का। তার পর তিনি সারা গৃথিবীতে বিচরণ করখেন। তোমার পুত্র সমস্ত সিদ্ধ লীকার্যদের অধীবন হবেন। তিনি থকত আৰু কোনে থক অচাৰ্যনের খানা অনুমোণিত शुद्धा क्षरा, प्रानुवास्त्र अध्य किमि क्लिंग नाह्य विकास হকো। মেকুতির পুর নামে তিনি ভোখন বশ বৃদ্ধি क्तरदन।"

ट्येरियटका कारका—"कर्मम मृति करा केस भर्गी। নেবছতিকে এইভাবে মধ্যে, ক্লমাতের নির্মান্ত ক্রমা, বিনি হলে লামেও পবিভিত্ত, ডিনি তাঁর বাংল হলে হতে চার কমার এবং নারদ সহ ত্রিভ্রানের সর্বেক্ত লোকে প্রভারতন করেছিলেন। হে বিদুর, ইন্দার প্রস্থানের পর, উন্ন নিৰ্দেশ অনুসাঙ্কে, কৰ্মম মুনি নিশ্বের প্ৰজা মন্টা সেই ময়ন্তম মহবিদের তার নয়টি কব্য সম্ভাগন করেছিলেন। কৰ্মাং মনি মনীটিকে কলা, অভিন্যে অলনুয়া, অসিবাকে क्षको अपर शुक्ताहरू वृतिर्जु नाथक कन्ता भाग करतिहरूतमः। প্ৰচাৰে গতি, ক্ৰান্তকে পতিকো ক্ৰিয়া, ছখাপে আভি একং বলিষ্ঠতে অক্সমতী নামক কন্যা সমর্থন করেছিলেন। তিমি পান্তি-বাতী কনাকে অথবার নিকট সম্প্রধান करतहरूनमः अवे भातित भागा यक्ष धन्तरेम खानकारन সম্পর্টিত হয়। এইভাবে দর্বনোর্চ ব্রাক্ষণদের বিবহুকার্য

স্পাদন করার পর, তিনি তাঁপের স্থীক লালন-পালন স্বরতে লাকলে। হে বিদুর। এইভাবে হিবাহিত হয়ে, থবিরা কর্মির বুলির থেকে বিধার প্রহণ করে, আনস্থিত অন্তর তাদের নিজ-লিভ আশ্রমে প্রভাবর্তন করেছিলেন। ক্ষেপ্রেট প্রফেবর ভগবাস প্রীবিকু অবতীর্গ চয়েছেন (कार), कार्य पूर्ण निर्कारन केल जारी-भावकी करण, केलक क्ष्मिक विद्रवन कर्त कारक समहातम- आहा, वि-मधक দুর্গশক্তিউ জীবভারে ভালের পাথ কর্মের কলে, সংসার গছনে আৰক্ষ ইয়ে নানা প্ৰকার সুঃখ-বুর্দপ্য ভোগ করছে, দীৰ্য কল পত্ৰে ব্ৰহ্মাকৈ কেবলৰ ভাগের প্ৰতি প্ৰদান ছরেছেন। কং শ্বন্ম ধরে, বং পরিশক বোগীবা পূর্ণ मधानित्यात्त्र निर्मन भूति नवदमब्द जनवास्त्र श्रीभागमध ঘৰ্মন করম চেষ্টা করেন। অন্যাদের মতো সাধারণ গুরুত্বর কর্মা গণ্ড মা করে, সেই প্রমেশর কথবান কেবল তার ভাভনের পঞ্চপাতিত্ব করার জন্মই আমানের नार थक्ड श्रास्त। वर अध्यान, जाननि मर्दनाई আপনার ভক্তদের সম্মান বৃদ্ধি করেন, ভাই আপনি স্থাপনার প্রতিক্ষা পূর্ণ করার ক্ষন্য এবং প্রকৃত ক্ষানের পদ্ধ উপদেশ কেওয়ার ক্ষন্য আমার গৃহে অবভীর্থ হরেছেন। হে ভগওন। যদিও আপনার কেন কর রূপ নেই, তকুও আগনাে ক্ষাল্ড ক্লগ ক্লাছে। সেই সব কংটি রুপট আপনার চিকা বিচ্ছ, বা আপনার ভাতদো অভ্যন্ত প্ৰিয়। হৈ জগৰান। আপনাৰ জীপাদপৰা সৰ্বদাই প্ৰস্তৰ সমূহে জানতে আগ্ৰহী সমস্ত মহবিদের चक्किवास्ट्रस्स व्हान्छ। खानमि जेचर्य, देश्यामा, मिना चन, **ब्रा**म, दीर्च क्वर श्री—क्देर रुख्यिब क्वेबर्ट्च भत्रिभून, छाँदे আহি আপনাৰ জীলালগাড়ের স্থলালন্ড হয়েছি। আমি কবিন্দুদ্রণে অবতীর্ণ শর্মকার ভগবানের শরুণ প্রহণ করি, মিনি ক্ষেত্রতাকে শক্তিমান এবং দিবা, বিনি পরম পুরুষ এবং ফ্রন্তের ও মহাকাল, বিনি রিওপান্থিকা বিধের সর্বতা পালনকর্তা এবং যিনি জ্যান্তের পর সমগ্র ঋত কাশ্যক धापनार करत कात। नारह कीएक श्रेष्ठ चार्यनार कारह আৰু আমাৰ কিছ কিবাসা কথার হতেছে। বেহেডু আপনি আমাকে আমার পিড়-কা থেকে মৃক্ত করেছেন এক আমার সমস্ত সাধন পূর্ণ হরেছে, তাই আমি কডাস আন্তর অবসম্ভন করতে চাই। এই গৃহস্থ স্তীকা ভাগে

ক্তরে, শোক-রহিত হয়ে, আপনাকে সর্বসাই স্করণ করে: আমি ইতপ্রত বিচরণ করতে চাই ("

সবাসন্তিভাবে অথবা শালে আমি আ কিছু বলি, জ লগতের সকলের কাছে সর্বত্যভাবে প্রামণিক। আরি নাৰ প্ৰৱৰ কপ্পৰ, ভা সভা প্ৰতিশাল কমান উদ্দেশ্যে আন্তি অধ্যানৰ কৰেছি। এই ক্লগতে আমন্ত আবিনাকে বিশেষ द्वारकन्छ करूक मार्थ्य मन्द्री विद्वारण कहा, वा कार्थ्यन ভাউ বাসনার বছন থেকে যুক্ত ইওয়ার অভিসাতী খ্যক্সের বারা অভ্যন্ত স্মাপুত। বহুত উপদক্ষির এই मुर्स्कार भए। कार्यन अखाद अचन मुख शता तरहा, त्मरे कराहितान।" भर्गन मानव-जमारक भूनवार द्यवर्डन कराह क्या अवर বিভাগের কলের জন্য, আমি কল্যিকালী এই সেই বারার **म**्बहि वहन सान्यक्ता। धारम कामात पाता कामि**रे** एरव. আপনার সমস্ত কর্যেকলাপ আমাতে অর্পণ করে আপনি ৰেখানে ইব্য দেখানে বৈতে গালেন। বাজের মৃত্যুতে খাৰ কৰে, অনুভত্ব সাংখ্যে জনা আগনি আমান ওজনা करान। कालनि धालनात पुक्ति धारा जाननात समाहर, भग्न कीरका चन्द्रत क्ष्मका भग्नमकात्रत्न वितासमान चामांटक मुक्ता मन्ति कहरणतः। सात्र करण चानति त्याक अबर क्षत्र (बर्क मुक्त निका कीका शाद्य हर्सन। व्यक्ति আম্মা মাতাকেও পারমার্থিক ক্রীবনের বার-খলগ এই গ্রম আন কর্মন করণ, জতে তিনিও সমত সংগম কর্মের া বছন থেকে যাত হয়ে আৰু উপলব্ধি কাতে পাকেই একং পূর্ণতা লাভ করতে পারেন। খামা কলে তিনিও সমন্ত অভ-জাগতিক ভব্ন থেকে মুক্ত হয়ে পার্যকৈ।"

নীমৈতের বলুলেন—"এইভাবে জার পুর কলিল ক্ষ্পুৰ্ক পূৰ্বমাপে উপন্ধিষ্ট হয়ে, প্ৰজাপতি কৰ্মম মুলি উন্নক সময়েশ্বর দ্বগবান বশিলাদের বলাগেন—"য়ে মুদ্রে, পরিক্রানা করে, প্রসন্ধ ভিত্তে ভংকশাৎ করে প্রহন করেছিলের। সর্বাধা পরক্রেশ্বর ভগবানকে স্করণ করার क्यां अवर नर्वरणाख्यद चीह भारत अस्य क्षेत्रा साम्, वर्ग्य পূর্বে জ্ঞাপন্যকে বলেছিলয়ম বে, জ্ঞাপনার পুরক্তাপে ফাটি। মূদি মৌনরত ভাবকরম করেছিলেন। নিলেল হয়ে, একজন সম্যাসীক্ষণ তিনি পৃথিবীর সর্ব্য ক্রিরণ করতে লাগলের অধি এবং কলেব্রর সঙ্গে তার কোন সম্পর্ক दिन मा। दिनि छोत्र करके कार्य-काराशव करहीय, অকৃতির ডিনটি চংগর প্রকাশক, ক্যাতীয়ে এবং ঐকাশ্যিক ভতির বারা অনুভূত পরদেশ্বর স্কাধান পরবেক স্থির

"এই তাৰে তিনি ক্ৰমণ অহমাত খেকে মুক্ত इरविद्राम अवर अम्छानुना करविद्राममः। व्यक्तिमित्रः সকলের প্রতি সমধ্বী এক হৈত ভাব-রুহিত হয়ে, তিনি যথাৰ পড়াবে আৰু পূৰ্বন কৰৈছিলেন। তাঁর জন ব্যৱস্থাৰী হরেছিল এবং ডিনি ভরবের হারা হাবিচলিত সমুদ্রের মধ্যে প্ৰদান্ত হয়েছিলেন। এইভাবে তিনি বছ জীকা থেকে যুক্ত হয়ে, সর্বান্তর্মাধী সর্বভা প্রমেশ্বর ভাগবান बनुपारक निय क्षायारी क्षाया कुछ इराहिएक। स्थि (रचलम (वं, भवश्यवात क्षत्रात मकरमत्हे क्षार्क অবস্থিত এবং সকলেই ঠার মধ্যে অবস্থিত, কেনবা তিনিই হতেন সকলের প্রমান্ত। নিম্নার কাবছঙি সম্পাৰন কররে কলে, সমস্ত হোৰ এবং ইবল খেকে মুক্ত ्रहरू, जकरमत श्रुष्ठि जयमनी क्षता, वर्षत्र यूनि काश्यवदी चरि शहा स्टब्सियन।"

পঞ্চবিংশতি অধ্যায়

ভগবন্তক্তির মহিমা

শ্রীশৌনক কালেন—"পর্যেশ্বর ভাগবান ক্ষার্থবিত হওম সংখণ উন্ন অন্তরনা শক্তির দান খণিল মুনি মূলে ক্ষার প্রথম করেছিলেন। সমস্র মানব-জাতির কল্ডাগর্মে দিও জন প্রথম করের হলে তিনি অবতরণ করেছিলে। ধাফন কেউ দেই বিনি জাধানের থেকে বেলি জানেনং র্টার ব্যেকে অধিক পুরুলীয় অথবা তাঁর থেকে উত্তয (बादी) (क्यें (ब्रेंड्र)) छोटे जिनेहें स्टापन (ब्राप्ता शह अन्त সর্বল উল্লেখ্যমে প্রবং করার কলেই ইলিজে প্রকৃত एति मान्य हो। छारे कृषा रहा राज्यम चारा शहरमध ভনধনের সভত কার্যকল্যাল এবং দীলাসমূহ স্পষ্টভাবে বর্ণন কলন, বিনি ওঁরে অন্তর্নলা শক্তির বারা এই সমত কার্ককরণ সম্পাদন করেন।"

ক্ষীৰত বোজানী কালেন--"পরম লক্ষিমান বরি থৈয়ের ছিলেল ব্যাসদেবের সংখ। নিত্র জ্ঞান সম্বাচ विकृत्यक व्यव्य चनुधानिक अन्य द्वान क्रान ट्रिकटन অসম্ভিন্ন, কর্ম কথন বলে গ্রন্থন করেছিলেন, ভাগন छनका कनित्र छैत मध्य अवदृष्टित क्षणाचा विवास्ता কৰ তিবু-স্থোধ্যের তীরে অবহান করেছিলেন। পর্যতন্ত্রের টারে লক্ষ্যের মার্গ প্রদর্শক কলিলারের কর্মন कर्म निरुष्ठ हरत चवश्रम करहिएका, चन्न श्रवहर्षि ক্রথমে স্বাধী স্মরণ করে উচ্চে প্রশ্ন করেছিলেন—হে প্রভাঃ আমি আমার অসং ইপ্রিয়ের নিয়া-কভিন্ম থেকে অভ্যন্ত হাত হরেছি, সেই অভিনাৰ পূৰ্ণ করতে করতে আদি ভাষমান্ত সংগ্যার-কৃপে গতিত হরেছি। হে ছানক। অন্তানের কর্মনার থেকে মুক্ত ইওবার কর। আগনিই আহ্বের একারের উপায়, কেনাল আগনি ছফেন আবাদ্ধ নিক নেত্র, যা পাণনাম কুণার প্রভাবেই কেবল **वर वाप-वाचार**का शत चामि मास करतन्। चारानि পর্মেশ্বর ভাগবান, আপুনি সমস্ত ভীবের আদি এবং धारीचन । जन्म विद्यान कामान कामाना कृत कर्माह करा, আপনি মূর্বের মতে উদিত ব্যানেক। যে প্রভূত আপনি স্থানন প্রতি প্রস্থা হতে, স্কাথনে মন্ত্র (মাই সূত্র কালন।

चात्रातं चरुचारस्य करम्, काबि चाननाव बावतं पात्रा वर्षः হরেছি এবং আমরে দেহকে জানি এবং কেহের সঙ্গে সম্পর্কিত বস্তুসমূহকে খাখন বলে অন করছি। আমি আগনৰে গ্ৰীপাদগল্পেৰ শৱৰ গ্ৰহণ কটেছি, কেননা चाननिष्ठ अक्ष्याक भक्षणः। चाननि त्यरे क्ठांत, बात द्यात সংসার-কল্প জেনন করা বার। আমি ভাই আপন্যকে আমর প্রণতি নিবেদন করছি, কেননা আগনি সমস্ত তত্ত্বানী পুরুষধার মধ্যে সর্বজেষ্ট। স্থামি স্থাপনর कारह शुक्रम ७ शक्कि अवर व्याप्ता ७ व्याप्ता मार्थ्य (व সম্পর্ক, সেই সম্বন্ধে জনতে চাই।"

মৈনের বললেন—"তার মানের অধ্যক্ত উপস্থিত নিয়ন্ত্ৰ বাসনা কৰে করে, ভালান উচ্চে সেই প্ৰথ কৰেছ জন্য অন্তরে ধন্যবাদ জ্ঞাপন করলেন এবং দীবং সানা महकारक व्यक्ताकरामीत्मक अर्थ नवरक न्याचा করেছিকে।"

পরমেশর ভগবান উত্তর সিলেন—"বে বোগ-পঞ্চতি ভগবান এবং শ্লীধ্বের সম্পর্ক নির্বারিত করে, স্ব শ্লীবের চরম মাল কালে করে এক স্বা আড়-জাগতিক সমস্ত সুখ এক পুরবের নিবৃত্তি সাকা করে, সেটিই হলে সর্বভার্ত বেদের পদ্র। হে পমা পবিত্র মাতা। খামি পুরাকালে ৰহান ঋষিদেয় ভাতে যে বোগ-পঙ্জি বিয়েহণ করেছিলাম, সেই প্রাচীন ব্যাক্তের পশ্বা আমি এখন আপনার কাছে কাব। এইটি সর্বচ্চোভাবে উপজোগী একং স্বৰহারিক। বেই ক্ষমন্ত্র্য় জীকো চেতনা প্রবৃতির কিনটি থানে হারা আকৃষ্ট হর, ভাকে করা হয় কর জীকা। কিছ কৌ চেতৰ কৰা পাছেৰ্য় ছপৰকো প্ৰতি আগত হর, তবল তিনি মুক্ত হল। অনুৰ কবন আমি' এবং 'জনান' এই আন্ত পনিচিতি-প্ৰসূত্ত কাম, লোভ ইত্যাদি কপুৰ থেকে সম্পূৰ্ণকংগ নিৰ্মণ হন, তথন গ্ৰন্থ মন শুদ্ধ হর। সেই ওছ অবস্থায় তিনি গুণাকবিত আৰু সুৰ এবং দুংখ্যে অতীত হন। তথা জীৱন্তা অনুসদৃশ হলেও নিকেকে জড়া প্ৰকৃতিয় অতীত, জ্যোতিৰ্বা, অৰ্থতিভাগে

क्रक्तियक्त काल अवर दिवारमान कोती तक कियु अहै छाएक धक्छित करने प्रदान कुछ वा इरह. মধারণভাবে দর্শন করেন; তথন তিনি জড় বিজ্ঞা প্রতি ট্রদাসীন হন এবং তাঁৰ উপর জড়া প্রকৃতির প্রভাব শ্রীনরের হয়। পরমেশর স্থপবাদের প্রতি ভবিত্বত বা হলে, কোন প্ৰকাশ কোপীই আৰু উপলব্ধিত নিছি বছঙ sace গারেন বা, কেনবা সেইটি হলে একমার ফালজনক পরা। প্রতিটি তত্তকানী ব্যক্তিই ভালভাবে আনেন বে, আন্ত আসন্তি আমার সং চাইতে বড় বছন। বিত্ৰ সেই আগতি বন্দ ব্যাপ-সিদ্ধ কভাষেত্ৰ প্ৰতি প্রয়োগ করা হয়, তথ্য তার কাছে যুক্তির কার উল্লভ ছত্তে থার। সাধ্য সকল হতে ডিনি সহনদীল, বরালু ant সময় জীবো সুহাং। তার কোন ৰাচ নেই, তিনি লার, তিনি স্থান্তের নির্দেশ করসারে খ্যানরণ করেন এবং থিনি সমস্ত সনতপ্নে ছারা বিভূষিত। এই প্রকার সাক্র এখনিষ্ঠ ভঞ্জি সহকারে থাকিলিকডাবে ভগবানের সেব করেন। অসক্রনের জনা তারে তানের আতীত্ব-ক্ষম এবং হয়-সমূদ পরিভাগ করেন। নিরন্তর আমার কথা এবং এবং কীৰ্তন কৰে, সাধুৱা কোন প্ৰকাৰ ৰূপ-আগতিক छोन कन्छन करहार ना, रक्तमा छोत्रा मर्गमाहै कनगढ हिस (*

"হে মাতঃ। হে সাধি। এইখনি সমস্ত **আস**ঙ্কি বেকে মুক্ত মহান কন্ডানের কুনাবলী। অ্যানরে অব-র কঠন এই প্ৰকাশ সাধ্যকে প্ৰতি আসক হতবাৰ চেটা করা, কেনবা তার কলে ছাত্র আসন্তি-জনিত সমগ্র গোৰ নিবৃত্ত হয়। গুদ্ধ ভাজনের মঙ্গে পার্যেশ্বর ভাগবানের मीना-विनाम क्षेत्र: कार्यक्रमार*न*त चारमाञ्च ७ কর্ণের প্রীতি সম্পাদন করে এবং সম্ভষ্টি বিধান করে। धोरे छक्त बाह्या चारमाहमात घरम, वीहर वीध प्रांतन পৰে অঞ্চলা হতকা বাৰ। এই ভাবে মুক্ত হওকা পাই ৰবাজনে প্ৰকৰে নাৰা, পৱে বাতি ও অবশেষে প্ৰেম-ভবিত্র উময় গুরু। এইভাবে ভক্ত গলে ভরবর্ত্তাকতে মুক্ত হয়ে, নিরন্তর ভগবানের কার্যকলাপ সংখ্যে চিক্ত च्याच करण, इंट्रलास्क धवर अवस्ताक देखिव শুপতেরেশন প্রতি বির্যাভিত্র উপর হয়। এই শুফারভিত শীয় হচ্ছে সৰ চাইতে সহজ্ঞ-সরণ বেগা অনুবীগনের শহা, কেউ বধন ভাগবন্ধজিতে বধায়ধভাবে যুক্ত হন, ভুক্ত প্রধাকে জীপ করে বেচঃ বে গুড় ভক্ত সর্বদাহ

🛥 রাজে পারে। আবা উপপারির সেই অবহায়, মানুর - তিনি তথম তারে প্রমাক সংবাচ করতে সক্ষম হন। क्षाचादवावर विक्रिक्ट कहा, देखान्छद्व बाल मार्च कहा क्षवर नदायमञ् क्षत्रवात्मद त्मवाद कन्दक क्षणेदी करत, বোগ অনুশীপনের দ্বারা লে এই শীবনেই আমার সম লাভ কৰে, জেননা আমি ছক্ষি প্রথতত্ত্ব প্রয়েশর ভগবান 🖺

ভগবানের এই যাগী তথে, দেবহুতি জিলাসা कदरकार-"कामि कि शकात करिक विकास कदन अवर चलान करन, यह करन चारि चनाहात अस नीहरे আপন্যর শ্রীপাদপয়ের সেবা প্রাপ্ত হতে পারি ৷ আপনি নিয়েবণ করেছেন যে, বোগের লক্ষ্য কলে পরমেশ্বর ভগৰাৰ এবং তাৰ উম্পেট মুক্তে সম্পূৰ্ণভাগে জড-कांगठिक कविरवंड निवंचि नावन कडा। यहां करत আপনি বন্ধুন সেই যোগ কি প্রকার একা কভভাবে সেই আলৌকিক যোগকে বোঝা যাবং হে আমার প্রির পুর কণিলঃ আমি একজন বীলোকঃ আমাৰ পক্তে পর্যাক্তর সময়সম করা অভার কটিন কেনার আমার বৃদ্ধি च्याः किन्द्र स्थानामि वनि रहा करत दिखारण करतन, सा হলে হন্দবৃদ্ধি ইণ্ডাই সম্বেণ্ড আমি তা কুমতে পালে এক তমে কলে দিবা সুখ অনুভৰ করতে পায়ব।"

वैधियात्रय रहरतन—"ठीड प्राप्तम क्या छत्। কলিলনেৰ তাঁৱ উদ্দেশ্য অধ্যন্ত ছবোঁছলেন এবং উল প্রতি তিনি কুপাপয়বল ছরেছিকেল কেনল তার শেহ বেকে উল্ল আৰু হতেছিল। ডিনি উল্ল কাছে সাংখ্য দৰ্শন কানা করেছিকেন, বা ওক্তগরস্পত্তর চক্তি এক তেপ্তের লমহত ।"

কলিকাদের কালেন--"ইপ্রিয়সমূহ নেকলটোর প্রতীক একং তাদের স্বাভাবিক প্রধান্তা হুকে বৈশিক দির্দেশ অনুসারে কার্য করা। ইল্লিকণ্ডলি থেকা থেকচানের ু প্রতীক, তেমনই হল পরমেশ্বর ভগবানের প্রতিনিধি। মৰের বাতাবিক খবি হক্ষে সেবা করা। সেই সেবার ভাব হুন্তম কোন ব্ৰুতম উদ্দেশ্য ব্যতীত ভগৰানের দেবাৰ বুল হব, তথ্য তা বৃদ্ধির থেকেও অনেক অধিক ৰোছর। ভবি শীবেং সৃত্যু দেহকে অভিবিক্ত প্রয়াস বালোঁতই কর করে কেলে, ঠিক বেঞা কঠরায়ি সমন্ত আবার শ্রীপাধপানের ক্রেড যুক্ত, তিনি কথনও আমার সঙ্গে এক হয়ে কেকে চান বা। এই প্রথমে ঐকাত্তিক क्षक मर्वमाने सामान मीलाविकारमः अवर कार्यकलाटभन কীর্তন করেন। হে মাতঃ। আমার ভারেরা সর্বদাই উনীয়মন প্রভাতী সূর্বের মডো অরশ গোচনযুক্ত আমার প্ৰসূত্ৰ মুখমণ্ডক-সমন্বিত ৰূপ অংলোকন করেন। তাঁরা আহল সৰ্ব মঞ্চলমৰ বিভিন্ন স্কুপ দৰ্শন করতে চান এবং অনুক্ষতাৰে আমাৰ সঙ্গে বাডালিংগ করতে চারঃ স্থান্যক্রে ব্যব্দেশকর এক আকর্ষক রূপ স্থান করে এবং তীয় অভ্যন্ত মনুর বাদী মাবদ করে, ওছ ভারেনা খালে। ডেভাগ হামিলে কেলে। কালের ইন্দ্রিরচলি অনা সমস্ত কার্যকলাপ থেকে মুক্ত হয়ে, সংগ্রানের প্রোমমরী লেখার হথা হয়। ভার করে উদ্দেশ মৃতি কাতের স্পৃত্য না থাকণেও, তীয়া আপনা থেকেই মুক্ত ইয়ে যান। এইডাৰে স্বাপ্ৰকলে আমান চিন্তান মধা পাকান কলে, ছক্তের ক্রান্তোকের এমন কি সভ্যাদ্যকের সর্ব থেক -বৈশ্বৰ্থণ কামন কলে। লা। তালা বোগের আই-সিন্ধিও কামন্ত করেন না, একন কি উরো কৈক্টলোকে পর্যন্ত উন্নীত হতে হান না। কিছু নেইওলি না চাইলেও, এই ম্বীবনেই ভাল্স সমস্ত ভাগবতী সম্পদ ভোগ করেন*ে*

"হে বাতঃ: ভড়েবা বে নিব্ৰ ঐপৰ্য লাভ করেন, তা কখনও নট হয় না কোন বুকুম অপ্ত এমন কি ঞ্চলচক্রও দেই ঐপর্য বিনষ্ট করতে পারে না। বেহেত

च्हालुक चामारक केरपत जना, काबीम, भूम, धक, जुल_र आकर देशेरमध्यका करन करन करतान, फाँड फाएमत खेकर থেকে ভারা কবনত ব্যক্তি হন দা। বারা ইংলোকে ধন-সম্পদ, সম্ভান-সভতি, পশু, গৃহ অথবা দেহের সাদ্র সম্পর্কিত সমস্ত বস্তু, এজন কি কর্মলোকে উনীত হওয়ার বাসনা পর্বন্ত পরিভাগে কমে, অনন্য ভক্তি সহকারে সর্ব বাহি বিশ্বেষ্ণ আহাকে কৰানা করে, আমি তাদের সংসাধ-সমজের পরশারে নিয়ে বাই। জামি শুলীত ঋণা করেও শালে প্ৰহণ করাৰ কলে, কেউই জীবণ জন্ম-মৃত্যুর স্তন্ত থেকে যুক্ত হকে পাতে না, কেনদা আমি হজি সর্ব नक्तियान, नमक मृष्टित मूल क्रिया अंदर ममक चापात পর্ম আরা, পর্মেশর উপবান ৷ আহার ভবে হার প্রবাহিত হয়, সূর্ব কিলা বিভয়ণ করে, মেকের রাজা ইন্ত বারি বর্মণ করে, আহি সহল করে এবং মৃত্যু বিচরণ করে। খোলীপৰ টোলের শহুগত ল্যাভেয় জন্য বিব্য জ্ঞান একং বৈরুত্তপুক্ত ভক্তিবের্ডা ভাষার স্বীপালপায়ের শারণ গ্রহণ করেন এবং আমি কেন্ডেড পরমেশ্বর স্কণবান, ভাই ওারা নিউত্তে আমায় ধানে হাকে কালে যোগাতা ধার্মান করেন। প্তাই বাঁনের মন কলবালের চরলে নিবেদিও হতে ছিব ম্বেছে উরেই সুড় নিষ্ঠা সহকরে জাবছড়ির অনুশীলন করেব। জীকনের চরম সিদ্ধি লাভের সেটিই একমার

বডবিংশতি অধ্যায়

জড়া প্রকৃতির মৌলিক তত্ত্ব

ব্যারি পরমতক্ষের বিভিন্ন বিভাগ সহকে আগনায় করে। প্রতি অস্তিনাল রাগতেরি মেনা করা বার । পরমেশ্য বৰ্ণনা কৰে, যা জাননা কলে যে কেনে ব্যক্তি জড়া। शक्तिम करमत शकाव (बदक मुक्त इरह शरहान) आध উপদৰ্শন চনৰ পূৰ্ণতা হলে জান। আমি সেই জান। অভিজ্যে অভীতঃ ভিনি সৰ্বত্ৰই উপলব্ধ হন কোনা

ভগবান কলিককেৰ কৰলেন—"হে মাজ্য। এখন আপনার কাছে বিধেৰত করব, বার ছারা ঋভ স্বাথকো ্ ক্ষরবাদ হলেনে প্রয়াল্য এবং গ্রান্ত আদি নেই। তিনি সভা প্ৰকৃতিৰ কৰেৰ অতীত এবং প্ৰভ-জাগতিক

RG बतर अंकरण अंवर कींग बंदमत (क्यांक्रित बाता म्हान স্তিত পালন হয় ৷ পাদমেশ্বর ভাষধ্যন, যিনি মহাভের ্রেকেও প্রতীয়ান, তার বীলাকংশ সৃদ্ধ জড়া প্রকৃতিতে शहन करतरकर, या जिल्लाहरूका अवर शिविष्ठात महत्र _{সম্প্রিত।} জড়া প্রকৃতি ভার জিড়েশ্রে বারা নিচিত্রক্তেশ बिक्क इता, जीएका साथ मृष्टि करत अवर और छ। ४५%। করে মারার ক্রান আবালকারী রূপের দারা মোহিত হয়। বর্ণনা করেছি থে, কলা হচ্ছে পরমেশন্ত ভলকন, প্রকৃতির Bas বাদ তার বিশারশের ফলে, বাড়া চাঞ্*তির প্রভাবকে* তার কর্মকের বলে মনে করে এবং এইভাবে প্রভাবিত হয়ে, শে আন্তিশাত নিজেকে ভাগ কর্মের কঠা বলে মতে । বাইরে কালরাগে বিরক্ত করে, প্রযোগ্য ভগবান তাঁর প্ৰারে। জড় চেডনাই বছ জীবনের কারণ, বে ধ্রিক্তিতে অকা প্রকৃতি জীবের উপর বিভিন্ন অবস্থা সাধন করেন। জড়া প্রকৃতিতে ভাগবান করে দীর ক্লগুৰ্বক প্ৰয়োগ কৰে। জীবাৰা বাণিও কিনুই করে মা এক সে এই প্রকার কর্মকন্যাপের অতীষ্ঠ, উত্তর সে বছ ভীবনের বারা এইভাবে প্রভাবিত হয়। বছ ভীবের জড় পরীয়া, ইন্দ্রিক এবং ইন্সিয়ের অধিষ্ঠান্তা দেবতানের কালে **१८३६ वन्ता अनुन्छे। विका क्**चित्रा **छ। धा**रुन) **क**छ। প্রদর্ভিন স্বাধীত বে জীব, তার সুখ এবং গুলুবা অনুভৃতি क्यर काकान बाहारि केंद्रशास क्या !"

(मरद्**षि अन्तर्यन**—"(क् नंत्रप्रचन स्नत्यन। चंत्रा করে আপনি আমার কাছে পুরুষ এবং তাঁরে শক্তিসমূহের লক্ষ্প কৰ্মনা কৰুন, কেনল তা উভয়েই এই প্ৰকট এবং चटकरे मुस्ति कारण ।"

পরমেশ্বর ভাগতার বললোক—"ডির ওপের শার্পত অব্যক্ত সক্ষর ব্যক্ত অক্সাম কারণ এবং তাকে করা হয় প্রথান। জন্ম ব্যক্ত অবস্থান্তে করু হয় প্রস্থান্তি। প্রাচাট দুশ তহু, পাঁচটি সুস্কু ভাষু, চারটি অন্মর্কার, পাঁচটি আনেত্রির এবং গাঁচটি কর্মেভ্রিয়ের সমষ্ট্রিকে বলা হয় क्ष्माः नौठिक कुल छनायान वराव्य स्त्री, कल, कारान, व्या अन्त चान्सन्। नीहर्ति मुक्त छेनारान स्टास् तक, तम, ^{जान}, न्न्नर्भ कार, भूष । स्वाटनस्त्रित करा करामीसरसर गरेना रूप, क्यां-स्वरंगित्रव, चारंगित्रव, प्लरंगित्रव, বৰ্ণনৈজিক, ভাৰেজিৰ, কাপেজিৰ, হণ্ডবৰ, পৰ্বৰ, क्रमहाक्षित्र अवर भाव । जुन्त क्रमहातित हार अकार. ক্ষ—জ, বৃদ্ধি, অহমার এক মধ্যবিত হেতন। স্থানের বৃদ্ধি এবং লক্ষণ অনুসাবেট কেনল ভাবের পার্বকা নিটাপৰ কৰা ব্যৱ। এই সকলতে কলা হয় সতৰ ব্ৰহ্ম। ডমোওপের প্রভাৰ অনুসারে পাতৃত্ব, বেন্দ্রর এবং বিষ্ণুত্ব

এনের সময়র সাধ্য করে হে কলে, তাকে গভাবিশেতি তৰ বলৈ বিবেচনা করা হয়। ভাগবানের প্রভাই কালে चनुष्ठद कता शात, बाह करता कड़ा शक्छित मरण्यर्ग আসরে ফলে, অহমতের করা বিশেবকারে মেহাছেই कीरवरमन मृहा-छत्र ठेरभक्त रह।"

"(३ वाटा: (३ वाटक्व क्यूट क्या: चावि गृहाँ**३** সাধ্য অন্যক্ত অনহা বিশ্বৰ হওয়ার কলে, বাঁর খেকে সৃতির ওজ হয়। অভনে প্রয়োজনের অবস্থান করে একা শক্তি প্ৰদৰ্শন করেন এবং এই সমস্ত নিভিন্ন তথ্যেই সমস্বয় অন্তঃসং শক্তিকে আখন করেন, ভবন প্রকৃতি মহন্তক द्वमत करतम्, सर्वः कन्नः स्त्रः दिवसः। सद्यं द्वकृष्टि स्थल বৰ জীবে৷ অনুটের জনা জোভিতা হন, তৰদ ভা সংঘটিত হব। এইভাবে, বৈচিত্ৰ প্ৰদাপ কৰায় পা জ্যোতিৰ্যন নত্তৰ, বাৰ মতে সমন ক্ৰমণ্ড নিছিত महारहे, के तमने क्याएंट खबूत-बसल बनर अंगरहर नमर्थ मा दिनके हरड वांच ना, का तांनाका नमाव कांव জ্যোতিকে আবৃত করে যে তথ, ছাকে পান করেছিল অর্থাৎ লোগ করেছিল। সভ্তব, ভ বজ, পাছ, জনবং উন্পরির বান এক করে সংগ্রেপত কাগুদের বা চিত্ত বলা হয়, আ মহতেছে প্রকাশিত হয়। মহতারের প্রকাশ হতপ্রম পর, এই সকর বৃত্তিওলির একলাথে উনর হয়। ঋণ বেদৰ পৃথিবীয় স্পৰ্লে আন্তম পূৰ্বে, তাম স্বাভাবিক ক্ষবস্থার স্বাস্থ, মধুর এবং শান্ত থাকে, তেয়নই ওছ চেতনাৰ বিশিষ্ট নকৰ হলে লাভত, বচ্চথ এখা অবিভারিত। সহতত থেতে অহতাতের উত্তব হয়, যা স্তদৰনের বীর শক্তি থেকে উৎপার। অহতার প্রবারত তিন প্রকার ক্রিয়াশভি সমষ্টিউ—কৈলাইক, তৈন্ত্রস একং ত্যের। এই তিন প্রকার অংকর খেকে কন, জানেপ্রিয়, कर्मिक और भक्त ब्राइट्टराइ छेड्डर रहे। जकर्न मानक পুরুষ, বিটা ব্যক্তন সকল শির-সমবিত ভাগরন জনস্তাদের, ভিমি রিবিধ সহধারের ক্ষণ, কর বেকে ভূত, ইত্রির अवर कारत वेशनीं कारता। अहे कारवात करेंच. कारणपु अन्त कार्यएकः कारण दिवाहः। जन्, तक अंदर

সংকাশনুহ আঠে প্রত্যক হয়। বৈধানিক অহভার থেকে আন এক সকলে কিবলৈ সংঘটিত হয়। তাম থেকে মনেন देनव दश अवर महत्तव अक्षण अवर किन्मा (धरक कास्प्रत উৎপত্তি হয়। জীবের হন ইচ্ছিত্সগ্রের অধীশর খনিকৰ নামে পরিকাত হয়। শুয়া অসকান্তি শাসকালের নীত কমলের মতো বর্ণ-বিশিষ্ট। বেলিগণ দীরে ধীরে উহত প্ৰস্তু হব।"

"तह मही। देखका कश्कारतह विकासत करन. বৃদ্ধিতক্ষের উৎপত্তি হয়। বৃদ্ধির কার্য হলে হত্য রখন গেচবীতৃত হয়, তথ্য অন্যে প্রকৃতি নিরুপণ করা এবং ইন্সিকতলিকে সাহাব্য করা। সংশগ্ন আন্ত আন, সঠিক আন, স্থৃতি এক নিজ্ঞাল্পক পৃথক সৃতিভেকে বৃদ্ধির ৰয়েকটি লক্ষণ বলে কথিত হয়। তৈমাল অহৰার থেকে দুই প্ৰকাৰ ইপ্ৰিৰেড উত্তৰ হয়—আনেজিৰ এবং কমেজির। কমেজির প্রাণশন্তির উপর আবিত এবং আনেত্রিত বৃদ্ধির উপর আপ্রিত। ভারণ অহতার করন প্রয়েক্ষা ক্ষরতানা বীর্ষো বাল উর্ভেক্তি হল, তথ্য শৃত্য-তৰাবের প্রকাশ হয় এবং শৃত্য থেকে আকাশ এবং প্রবলেরিছের উৎপত্তি হয়। ^শলচিকাল এবং বাঁলের প্রকৃত क्रम्मान इत्याद, कावा क्ला व्यर्गयातक वायर क्रकार উপন্থিতির ইনিভকারী আক্রাপর সম্মন্ত্রণ বলে শব্দের মনের কার্যক্ষের ছওয়া। শব্দ থেকে উত্তর মাকাশ क्टाइता अध्याद करून किया अर्थिष्ठ २६। यह अवर - ७५०मि गाँगिए न्तरात सन्। वरखन जानि धाँरै नवर्थ देश-गाँउ दह। और करनार विकारनार कन-पाराण पातिः। साधा नगरमात कानान सान, वर्ष अवर सन् ग्रह क्षाहरू উৎপক্ষ হয় এবং কর্ণনেত্রিয় বিভিন্ন বর্ণের বিভিন্ন জল मर्गन भरत (" 🔒

"CE शाख्या आकृष्ठि, सन अवर वास्त्रियस शाहा প্রশের কৃতি কোণা খনে। অধিন মাণা তার জ্যোতির খারা উপজৰ হয়। অধিকে জানা বার ভার জ্যোতি। রন্ধন কথার কমতা, পরিখাক, শীতলভা বিনাস, बान्गीकाम बार मुन्द, कृत्व, शतका च भारतः केरहरूक यक्ता। च्यप्ति अवर वर्गाटनविद्यक्ता विर्धाक्तवात करण, टेन्ट्यत ক্ষরতাপনিত্র রুল-ভক্ষারের উত্তব হয়। মুদ্র থেকে জালের উত্তৰ হয় এবং বল প্ৰচুপকারী জিল্লাও উত্তত হয়। খন বনিও ক্লাভ এক, কিছু অন্যান্য পলাপের সংসংগ ভা ক্ষার, বধুর, ভিক্ত, কটু, আর ও প্রথণ ইত্যানি বং প্রকারে বিভক্ত হয়েছে। স্বায়ীকলা, বিভিন্ন নিঞ্চাকে লিওঁকৈরণ, ভূপ্তি উৎপূদন, জীবিভঙাৰ, মুক্তরৰ, ভাগ নিবারৰ, বার वात छेड्छ श्रमाव कमानात भूना भूना छेन्समस धार ভব্ম নিবারণ এইওলি জনের বৃত্তি। জনের সঙ্গে রস-ভন্মতের মিবন্ধিতার কলে, দৈব ব্যবস্থাপনার পদ-ভক্ষামো উত্তৰ হয়। আ থেকে মাটি এবং প্ৰাণেশ্ৰিয় উংগর হয়, হয় কর আন্দ্রা পৃথিবীর গম্ভ অনুভথ কাতে পারি। পশ্ব এক হওয়া সন্থেও, মবেদ সামার্গ্য মাঞ অনুসারে—থিবা, শূর্বাড়, শার, উঠা, আরু ইত্যাদি পৃথক পুথক ভাগে বিভক্ত হয়েছে: পরমন্ত্রমার স্বরূপকে আকরে প্রদান করে, ব্যাসম্ভান নির্মাণ করে, বল রাখার পার महत्व क्षणान करतन। च्याकात्मस कार्य अपर मध्यम स्टब्स् देखरि कहा संख्यानि कार्य भारित सम्बन्ध। नायक्सरत समा সমস্ত প্রাণীদের বাহ্য এক আভাতরীপ অভিছের ছান বার বে, গৃথিবী সমস্ত ভরের আশ্রমহুল। রে ইব্রিমের क्षक च्यानकार द्वारात कार्य, वर्षा-धापराष्ट्र, देखित क्षेत्र, विवत क्ष्यक गण चारक करा हा। अवस्थित क्षर यात বিষয় হচ্ছে স্পর্ল ভাকে করা হত তথেলৈয়। যে করেলার পরিয়া প্রকারে নিকার প্রাপ্ত হয়ে, যা থেকে স্পর্ণ- ইপ্রিয়ের নিবার হতে, মাপ যা আইর বিশেষ রুপ, তাকে ভক্ষাৰের উৎপত্তি হয় এবং ভা থেকে বার এবং খলা হয় দর্শনেজিয়। যে ইজিয়ের বিষয় হলে বস য স্প্রেরিয়ের উৎপত্তি হয়। জোনলভা, কঠোরভা, জালাং নিশের তব, ভাতে করা হয় রুমনেরিয়। সে শীওলতা এবং উক্তরে—এইওলি স্পর্লের লক্ষ্য। এই ইন্সিরের বিষয় হঙ্গে গছ যা পথিবীর বিশেষ গুল, ভাতে স্পূৰ্ণ হলে বাহুৰ ভন্মৰ। আম্মেলন, ফিশ্ৰন, শব্দ একং কলা হয় ছাপ্ৰেন্তিক। বেহেন্ত কাল্ৰণ কাৰ্বেও কিশ্মান অন্যান ইবিৰ অনুভতিত্ৰ বিষয়েন প্ৰতি সংযোগ করা। খাকে, ভাই পূৰ্ববাহী ভাভের ওপত্নি পাৰ্কতী ছাতে দেখা এবং অন্যান্ত সমস্ত ইন্সিরগুলিকে বিধাৰখন্তাবে কার্য। সেই কারণে আক্রাল আমি ভাত চতুষ্টারের বিশেষ স্পাৰ্শেক্তিকে নিৰ্মান্ত কৰে, বৈজে প্ৰভাবে কলের সম্ভাতৰ বৰুত অনিনিত কৰেনে ছিল, ওৰন সৃষ্টির আমি প্রবেশ করেছিলেন। ক্ষরবানের উপস্থিতির কলে সেই সত্ৰ তৰ সমিনা এবং মিলিত হুংগ্ৰাম কলে, এক অঞ্চলন

আনত উৎপত্তি ইয়েছিল। সেই অন্ত থেড়ে বিরাট প্রস্তুত্ব **शक्ति ए**एवर्गस्यान ।"

"এই ব্রকাণ্ডকে বলা হর ক্ষতা প্রকৃতির প্রকাশ। च्याक सन्त, व्यक्ति, नावु, व्यक्तन, व्यक्तत व्यक्त प्रकार व्यक्त দ্ধে অৱবয়ণ সমেন্ড, আ ক্রমান্তরে পূর্ণটির খেকে পরবর্তী আহলেটি কণ গুণ অধিক এক তার পের আবরণটি হচে शशास्त्रक कारतम्। अर्थे क्रमारक क्रमग्रास्त्र विवास्त्रम् বিভাগে কলাই, বাব সেহের একটি অংশ হুচ্ছে চতুৰ্যাল upon) প্রকেশ্বর জনবাদ নিরাট পুরুষ সেই শ্বর্ণরত্ব অভারেরে প্রকেশ করলেন, আ জলে পারিত ছিল এবং ভিনি ভাৰে নিভিন্ন বিভাগে বিভক্ত করলেন। সর্ব প্রথমে তার মূখ প্রকট হয়েছিল এবং ভার পর অভিনেৰ সহ প্রবেজিত প্রকাশিত হয়েছিল। অভিনেব হজেন সেই ইন্ডিয়ের অবিষ্ঠান্ত থেকতা। তার পর দুইটি নাসারছ প্রকাশিক হরেছিল এবং ভাতে সাংগল্পির ও প্রাণধারের প্রভাগ ছয়েছিল। আশেন্তিরের সঙ্গে বারুদেনের ভাবির্তাব সরেভিত, মিনি সেই ইপ্রেয়ের অধিষ্ঠান্ত। ভার পর বিরুট প্ৰকল্পে চল্পাৰ প্ৰথম বাখাছিল এবং ভার মধ্যে ছিল দর্শনেশ্রির। শেই ইনিজের প্রকাশের দলে, সেই ইনিজের অবিষ্ঠাতা সূৰ্বদেবো আবিষ্ঠান হয়েছিল। তার পর তাঁর प्रदेषि कर्न अक्लिज इस्सिक्त करा छारनड मरश हिल ব্রুপ্রের এবং সেই সঙ্গে দিকসমূহের অধিষ্ঠাতা দিক-দেবভাষের আবির্ভাব হারেবিল। ভার পর ভাগবানের বিরটি পুরুষ বিশ্বরূপ জান করু প্রকাশ করেন এবং তার পর ষ্ঠার প্রোত্ত, বান্ধি এবং গুলুলু প্রকাশিত হয়। তার পর সমস্ত ওয়ার্থ প্রকট হয় এবং তার পর তার জননেত্রিয় প্রকাশিত হয়। ভার পর বীর্ষ এবং জনের অধিষ্ঠাতুদেব প্রকট ব্রেছেন। ভার পর ওয়ারার ও মল ভারণের ইতির এবং ভার পর স্তার ক্ষেত্রর প্রকাশ হর, বাঁকে সমগ্র ব্রহ্মণত জুড়ে সকলে ভর করে: ভার পর चनवारम्य विविद्यालया प्रदेषि शृष्ट तकामित सरवित अस সেই সঙ্গে বল্ল থকার এবং কেলার ক্ষমতার উপয হয়েছিল এবং ভার পর ইপ্রবেদকে আবির্ভাব হয়েছিল। সৈত্ৰ পৰ পদৰত প্ৰকাশিত হাচেছিল একং সেই সংগ পদনাগমনের প্রতিক্ষা এবং তার পর ভাগরন ইপ্রিয় প্রতট रामित्रका। विवासकाना समनी प्रकानित हम अवर जात পর হক্ত উৎপন্ন হয়, ভার পর নদী সমূহের (ধমনীব

অধিষ্ঠান্তবেৰ) এবং ভাব পর উপর প্রকাশিত হয়।"

"তার পর পুলা ও পিশারের কন্তর্ভির উলর হয়েছিল এবং তার পর সমূরের প্রকাশ হতেছিল। ভার পর কাষর धकर दश कर दलव (यहक का धकलिए दश। यहनत भारत करा अवस् करा। एसा भार कृषित अध्यान एवं अवर বৃদ্ধির পর ব্রহা প্রকট হল। তার পর আহম্বর প্রকট ষ্টা এক ভার পর নিব। নিবের অবিভারের পর চেতনা এক চেতনার কবিবাঁত কেবতার প্রকাশ হয়। বখন দেবভানা এবং নিভিত্ন ইপ্রিয়ের অধিষ্ঠাতাপন এইভাবে প্ৰকট হলেন, ভাৰন উল্লে জানের আনিকাকে উৎস্কে কাগাতে চেবেছিলেন। কিন্তু আ করতে ক্ষক্তম হয়ে। খারা বিরাট পুরুষকে জাগারার জন্ম একে ঠার লেহে পৃথ্য প্রবেশ করেছিলেন। অগ্নিকেন বার্গেন্ডির সহ তার মূবে প্রবেশ করেছিলের, কিন্তু বিরাট পুরুষকে ভিনি স্কাগতে পায়কের বা। জন্ম কার্যের প্রাপেন্তির সহ তার নাসিকার প্রবেশ করলেন, কিছু ভবও বিরাট পুরুত चानतिक स्टान ना। नुर्यस्य कथा वर्गातिक्षाः नस् वितर्ध প্ৰথমে চক্ৰমে প্ৰকেশ কৰেছিলেন, কিন্তু ভা সংখ্য বিবট পুরুষ উইলেন মা। তেহনট্ নিকসমূহের অধিষ্ঠাত বেবতাগৰ প্ৰবৰ্ণোন্তৰ সহ ঠাও কৰ্ণে প্ৰবেশ করেছিলেন কিন্তু তথও তিনি উঠকেন না। ছকের অধিকাঠ দেবতা তথ্য ওত্তবিসমূহ কৃত জ্বেছ-সংখিত কিটে পূজকে ভূকে প্ৰবেশ কৰেছিলেন, কিন্তু আ সভাও বিবাট পুৰুৰ স্বাগৰিত हरशय था। छत्रन करनद स्वरत रीव नह छै। জননেপ্রিয়তে প্রথম করলের, কিছু আ সম্ভেও বিবাট পুরুষ জাগরিত হলেন মা। সূত্রা ক্ষেত্র ক্রম অপান বাৰ সহ বিবটি পূজকের পাছতে প্রকেশ করলেন কিছ তা সংৰও তিনি জাকে কৰ্মে অনুপ্ৰাপিত কয়তে পায়পেন মা। তথ্য ইন্সদেশ হাতের শক্তি বহু তার হত্তে প্রকো ক্র্যেন, কিন্তু বিরাট পুরুষ আ সম্ভেত কাগরিত হলেন না। ভারতন বিষ্ণু ভারন ব্যার্থায়মের ক্ষাতা সহ ওঁর পাৰে প্ৰবেশ কালেন, কিন্তু আ সংৰও বিবাট পুৰুষ উঠে ক্ষতালের না। ক্ষরে জীসমূহ রক্ত এবং বক্ত সক্ষান্তরের श्चाका मह केल शबनीएट शरान कररामा, विश्व एक्क বিবটি পুরুষ্টে নাটাতে পাইখেন না। সমূহ ভালে ক্থা এবং ভাষা মার্থ জাঁব উদ্ধ্যে প্রবেশ করলেন, তবুও বিনাট পুরুর জুলারিত হলের না। চারানের ক্রমন মন সহ জার

অন্তর্কানের নিজ্ঞা চিত্ত সহ আর কারে প্রকেশ স্কলেন, ঠিক তথ্য বিপ্লট পুরুষ কাল্য-বারি থেকে উভিড হরেন। থেকে ভিন্ন 🖰

হনলে প্ৰকেশ কৰণেন, কিন্তু ভৰুও বিশ্বট পুৰুষ জাগবিত ্ৰেন্ত বখন নিজিত থাকে, ভাৰম ভাৰ সমজে জন্ত হলেন ন। একা তথ্য বৃত্তি কর তার হলতে প্রকেশ কমতাওলি—কথা প্রাধশক্তি, জামেপ্রিয়, কর্মোপ্রয়, জ कारानाम, किन्न का मरक्क विवास भुक्तपत्क केठेरक ताली। अवर वृष्टि---'ठारक खार्गावक केटरक चारत मा। ⊘ा করানে গোল মা। ক্রানের ভবন আহ্বার সহ তাঁর। ভবনই জাগরিত হয়, যখন পরমান্তা ভাবে সাহার্য করে। হাদরে প্রকেশ করকোন, কিন্তু জা সংক্ষেত্র বিপ্রাট পুরুষ স্বাভাবন, স্বাধানের ঐকান্তিক সেবার বারা কর্ম ভঞ্জি, महाराज को। कि**या रेक्न का**रता चांचरोड़ एक्का था। रेक्ना व्यव शारतार्थिक कारता वाधारम क्री भर्तीरव বিয়ায়মেন পরমান্তার ধরন করে উচিত, যদিও তিনি ভা

সপ্তবিংশতি অধ্যায়

জড়া প্রকৃতির উপলব্ধি

ভাষাৰ কণিলাদেৰ ক্যান্তে সাগদেন—"বিষয়ে-রহিত कार अर्जुदानिकानमा २७३६ भए। सीथ वचन क्षेप्राय অভ্য প্রকৃতির ওপের হারা অপ্রভাবিত অকে, তথন ছড় पर्द चवरूम कडलां । अल्डा इटिकिस (पाक प्रक পাঞ্চে, ঠিক বেফা সূর্য ভার জগেও প্রতিবিশ্ব পেকে মতরভাবে অবস্থান করে। অনুদ্রা করন মার্চা প্রকৃতির মোহ এবং অংকানের কারা আজার হতে, ভার মেহকে তার বল্প কলে মনে করে, তাবন লে ঋত-আগতিক कार्यकारण रक्ष रहा अन्य चलकारक धारा शकारित सहा. त्र निकार पर किइवरे वर्ण वर्ण प्रत्न करता ब्रेरेसारव वह बीर धक्कि दास्त ग्रह शकार छहा बरा নীচ বিভিন্ন বেনিতে মেহান্তরিক হয়। বতক্ষ পর্যন্ত না সে জড়-আগতিক কার্যকলাগ থেকে বুক্ত হয়, ততক্ষ তাৰে ভার কর্মণাৰে এই অবস্থা দীকার করতে হয়। প্ৰড়ওপকে জীব ৰুড় অভিডের অতীত, কিছু জড়া প্রকৃতির উপর আহিণতা করার মনেজাধ্যে কলে, তার क्रवतकातमः निर्देश हा। वा अवर ता प्रथमः नावा प्रकार খনর্থের দারা ফ্রান্টিত হয়। প্রতিটি বন্ধ জীবের কর্তব্য হঞ্জে জড় স্বভাগের প্রতি জাসক ভার কগুবিত চেতনাকে বৈরাধা সংকারে জতার ঐকারিকভাবে

ভগবানের দেবার বুক্ত করা। ভার ফলে ভার কা একং চেতৰা পূৰ্বজনেপ ৰদীভূত হবে। সম আমি যোগের বিভিন্ন পছার অনুশীলনের বারা একাবান হওয়া এবং আমার কথা প্রবশ এবং কীর্তনো বারা ওছ ভতির করে **डिवैरेड एक्स घटना कर्डश** [™]

"छत्रदङ्खि मान्नानम कत्रद्रछ श्रंम, मद्रस्तु कीरस्त श्री नमधान्त्रभन्न ग्राड इस, कार्स्स श्रीड देखी। अन्य ব্যাতে নেই, কানও সঙ্গে আবার বনিষ্ঠ সম্পর্কও রাবতে নেই। ইকার্য পালম করতে হয়, মৌনপ্রত জনপরন করতে হয় এবং পর্যেশের ভগতনকে সমস্ত কর্মের কল নিবেদন করে স্বর্থ অনুষ্ঠান করতে হয়। ভাকের উচিও অন্যয়াসে যা উপাৰ্জন করা যায় তা নিছে সভাই ভাকা। তাঁর হয়োজনের অতিরিক্ত আহার কর। উচিত নর। তাঁর নির্জন স্বয়ে বাস করা উচিত একং সর্বদাই চিক্তাবীল শাল, মৈটাপূর্ব, ধনাপু এবং আস্ব-তত্ত্বক হওৱা উচিত। মাদুৰের কঠবা হলে চেডম একং আড়ের আনের বারা সপন-শতি বৃদ্ধি করে। অনর্থক হতে সেহটিকে সমাণ বলে খনে কয়া উচিত নৰ এবং তার কলে লেহের সম্পর্কর প্রতি অনুরক্ত হওয়া উচিত নর ৷ বাভ চেতনর উর্কে চিমান করে অধিন্তিত হওয়া উচিত এবং জীবনের

খান্য সমস্ত খারণা থেকে মৃষ্ট থাকা উচিত। এইভাবে ২৩রার, পুনবার সেই তর জাবির্ভূত হতে পাবে।" অহমার খেকে ব্রক্ত হরে, আকালে হেরন সূর্যকে মূর্নার অধ্যেক্ষক এবং অহস্তারেও প্রতিবিশ্বরূপে প্রকাশিত কিছু খড়ীব নিপ্ৰায় সময় হোৱা অহতার দূর হরে বাওখন थरण, त्म जान्यसार भाग करत रह, तम महे शरह शरह, ঠিক যেমন খন-সম্পদ হারাবার কলে মানুর গভীর পুরুষ অভিত্ত হৰ এবং মনে করে যে, সে নিজেব নট হয়ে থেছে। কোন ব্যক্তি ৰখন জন্ত পরিপঞ্চ জানের বাসা ঠাৰ ৰাজ্যিসভাকে উপপত্তি করতে পাবেদ, উপন धारवारता शकार किमि एव धारका शैकात करायान का ঠাৰ কাছে প্ৰকাশিত হয়।"

বেবহুতি জিআনা কঃলেন—"হে রক্ষেণ। জড়া প্ৰকৃতি কি কৰ্মণ জীবাদ্বাকে মৃতি দেৱং বেহেণ্ড অন্যের পরস্পারের আকর্ষণ নিজা, তাই তাদের বিক্রেয কিন্তাৰে সভব ৷ পৃথিবী এবং গছের অথবা ৰূপ এবং রনের বেষন পরস্পর থেকে পৃথক কোন থারিক নেই एकान्दे युक्ति अवर क्राञ्जात भाग्यात स्थरण भूथक स्थान অভিদ্ব থাকতে পারে না। অভ্যান, সমন্ত কর্মো নিস্কির অনুষ্ঠাতা হলেও, বতক্ষণ পর্যন্ত করা প্রকৃতি জার উপর তার প্রভাব বিভাগে করে এবং আকে বেঁথে গ্লাবে, ভতকা ভার পাঞ্চ মুক্ত হওলা কিভাবে সভব? ব্যিও হার, তিমি তাঁর পদ্ধর থাকে তাওি কবিচলিভভাবে भरमधर्मधर्म् आम क्या जब विधास बाता सम्बद्धाः মহাভয় বিদূরিত হয়েও বাকে, কিছু ভার কারণ নই না আধাক্ষীন। সেটাই হলে জীবেং হতে নিছিন পরস

चर्यायाः ७५तान यक्तर्यन—"इति (**४**ॐ কলা আছ, ঠিক দেইভাবে আধাকে দর্শন কলা উচিত। ঐক্যান্তিকভাবে আনান সেৱা কৰেন এবং তাৰ কলে দীৰ্য ৰাল গৱে অনুসা সম্বন্ধে অথবা আনহা হাছ থেকে উল পরমেশ্বর ওলবানকে মুক্ত জীব উপদানি করতে পারেন। করেন, তা হকে তিনি মুক্তি কান্ত করতে পারেন। তিনি অন্ত কারণের আন্তাহ এবং তিনি সভ কিছুতে প্রবিষ্ট এইন্ডান্ত স্থবর্ষ আচরণ করার কলে, কোন প্রকার হয়েছেন। তিনি এক এবং অন্নিতীয় প্রমণ্ডছু এবং তিনি। কর্মভালের উদ্ধুৰ মূখে না.এবং তিনি ঋড় জনতের কন্দুৰ মারার চন্দু। সূর্ব আকাশে অবস্থিত হওয়া সন্তেও বেমন । থেকে মুক্ত হয়ে মাকেন। পূর্ব জনে এবং চিকার তক্ষ্ প্রথমে জলে প্রতিবিশ্বরূপে এবং ব্যক্ত দেওয়েলে মিতীয় । দর্শন স্কুকারে গুড়াংপুর্বক এই ভক্তি অনুষ্ঠান করা কর্তব্য প্রতিনিক্তরণে সূর্বকৈ উপলব্ধি করা বার, ক্রিক শেইভাবেই । ব্রুপ্রাপ্তর্কক বার্যক্রমানিকে বার স্থাপ্রকার করা বার্ পরমেশন ভগবানের উপস্থিতি উপস্থি করা বাং। কৈরণ্যসূক্ত হওয়া উচিত এবং ভশস্বা ও মটাদ বোগ ভয়েতা আছা এইভাবে প্রথমে তিনিধ কংকারে এবং করে। কর্নার করে উচিত। করা প্রকৃতির প্রভান ক্রীবন্ধ भक्त (सब् देखिन धनर मान शिर्धिपिए हा। प्रिथ मान चान्छ कात द्वाराष्ट्र बनर प्राप्त करण कान हार एक सीव হয় যে অভ পক্ষাতে, ভোগের বিধান, এছ ইত্রিয়ে নিবছন ক্ষান্ত ভরিতে সম হতে। কিন্তু ঐকাত্তিকভাবে क्षार को के मुक्तिएए मीन होते इत्हारहर, छन्छ नगरछ । छत्यद्वकि चन्द्रोग करात करत, क्षेत्र उछाव नुव करा হুৰে যে তিনি জান্তত এবং অহমার থেকে মুক্ত। স্বীব নামুৰ, ঠিক বেছন কর্মা খেকে উৎপায় আওনে স্কেই স্থায়িয়ালে স্পরিভাবে তার অভিয়ে উপনামি করতে পারে, কার্যে তার হবে মার। করা প্রভৃতির উপর অধিপত্য ক্যার ব্যক্তার দেব দর্শন করে এবং তাই জা পরিত্যাপ কৰে জীব তথা ছয়ে হয় এবং খীর মহিমার ভিত হয়। বধাবভার অনুষ্যে চেতন প্রার আঞ্চার্থিত থাকে এবং उद्या नहेता इकता चाउक वस पर्यंत होते, विश्व देवन (त জেলে ইটা পর্ণ চেতন্য অধিষ্ঠিত হয়, তথ্য আর এই সমার বিশুন্ত কর ভাকে হোহাকের কর্মতে পারে লাং আৰাব্যা ব্যক্তি ৰাত-জাপতিক কাৰ্যসকালে মুক্ত হলেও, মতা ভক্তির ভালে কখনও ঠান অপন্যা কালে পারে না, কেনাম তিনি পানেতছ সন্বছে জবগত এবং তাঁর মন প্রফোর ভগবালে দ্বির ছবেছে। কেউ বর্গন বছ वर्रवानी अस वर कच-बांग्रस्ट चंद्र संग्रद-त्यव अस আৰু উপল্ডিতে এইভাবে বৃক্ত হন, তিনি ক্ৰেলেক পর্যন্ত এই কল্প জগতের হে কোন লোকের সুখ উল্ভেম্মর প্রতি সম্পূর্ণক্রশে বিরক্ত হল, তার চেতনা সম্পূর্ববারে বিকশিও হয়। আমার ভক্ত প্রকৃতপর্যে আমাৰ অন্তৰ্গন কাহেতুকী কুপাৰ স্বানা আৰু উপদাৰি नार्थ करवंग अनर कार करने, मुद्रक मरनद रशस्य एक অংসর হুন, ভা আহার অব্যবিদ অনস্বাহন প্রাং শক্তিয়

কংনও কিরে আফো নাঃ সিঙ বোগীয় চিব্র বর্ধন বহিরদা শক্তির হাথা প্রকাশিত বেগ-সিদ্ধির প্রতি খার

348

লক্ষা। তার কর দেহ ত্যাব করন পর, যোগীওক সেই আকৃষ্ট হয় না, তখন তিনি আমার চতি আগতারিক সতি বিশা বামে গমন করেন এবং সেখান খেকে তিনি আর প্রাপ্ত হল এবং জখন মৃত্যু আর তাঁকে পরাভূত করতে পরে কা।"



অষ্ট্রবিংশতি অধ্যায়

ভগবন্তক্তি সম্পাদন সম্বন্ধে কপিলদেবের উপদেশ

পরত পত্তির পথে অগ্রসক হতে পারে। মানুবের পৰিত্যাৰ কৰা উচিত ৷ তথকালের কুপায় জিনি বা প্রাপ্ত হন, ভা নিরে তার সম্ভূষ্ট পানা উচিত এবং শ্রীগুরুদেরের हर, तमेरे मक्क शामा वर्ष शतिकाश करत. बुक्तिय भाष चत्र तमेरे पाम काल कहा अवर काराभाव बाम काल ঞ্চিরে দিয়ে বার বে-ফেল্ড ধর্ম, ভার প্রতি আকৃষ্ট করা। স্বাধ্বর, বিপরীতভ্রমে, প্রথমে স্বাস্থ ভ্যান করা, श्रुवा। जिलाराती शरक अर्थना निर्कत सारत वान कता। छात्र भाग बादेरत भारत कता अवर खबरान्टर बारन উচিত, বাতে জীবনে চবম নিছি লাভ করা বাব। গ্রহণ করা। এইভাবে প্রাণবায়ুর পথ গোধন করতে হর? মানুৰের উচিত আইলো এক সকতা অনুশীলন করা, টোর্ববৃত্তি থেকে বিরত থাকা একং জীবন ধারণের ঋন্য ফত্যুকু প্রয়োজন ওভটুকুই সংগ্রহ করে। তীয়া উচিত इक्टर्य भागत कहा, फ्रम्यह चर्न्ड्झ कहा, भहिकत शाका, (बस कावाइम कड़ा ध्वेर शतरमक क्षत्रवात्मक आहाधन স্কর। মৌন অবলম্বন করা, বিভিন্ন প্রকার যোগ আসন च्यातारमञ्जू सारा देशवें लाख कहा, शामकाह जिल्हान कहा, ইত্রিত্রতালিকে বিধন খেকে প্রত্যাহার করা এবং এইভাবে মন্ত হলতে একার কর বোধীর গলে অংশ কর্তন্। তাপনাম্ব এবং ক্লাকে দেহাভাগনে আপের হ্যাট চত্রেস

প্রথেক্স ভগবান বললেন—"হে মাতঃ। হে কোন একটিতে ধারণ করে, মনকে পরমেশ্র ভগবানের রাজপুরী। একন আমি কাণনরে কাছে যোগের সক্ষণ কালাকুত জীলার ধানাই করার নামই হচ্ছে সমাধি বা दर्गता करूब एतः हिरम्प हत्व करूक अक्षा करा। यहै अस्तर अभागत। यहै पहार बाजा करना करा। कान नक्ष जनुनीमरमञ्ज करम, सन्दर क्षमा १८७ नारत अवर अहिक नक्षम बाता कम्पिक अवर सक् मूचरकारमञ्ज क्षकि দর্বদাই আকৃষ্ট অসংখত মনকে নিয়ন্ত্রিত করা অবশ্য বন্দসাধ্য স্থার্য আচরণ করা উচিত এবং নিধর্য আচরণ । কর্তবা। এইভাবে নিমেকে পর্মেশ্বর ভাগবানের চিন্তার चित्र करूक १६। अन भरवड करत किप्टामन रहा, निर्धन এবং পবিত্র স্থানে আদন বিভিন্নে, সহজ্ঞ মুদ্রার উপনিষ্ট জিলাদলকের আরাধন্য করে উঠিত। সানুষ্টের কর্তব্য হরে, দেহ করু প্রেমে প্রাণার্থম করেরে করতে হর। হতে প্রচারিত প্রথা অনুসারে স্থান্থবিত বে-শর্ম আচরণ - বোগীর কর্তব্য আতার গভীরতাবে শ্বাস গ্রহণ করা, তার का क्रम वंत करल कर काइका दरत दित दरह भारत। অন্নি এবং ব্যক্তর হারা সক্ষর হলে, বর্গ ধেনন সমস্ভ মার্গ পেকে মৃক্ত হয়, বোগীও তেমন প্রান্তরার অভ্যান করার কলে, অভিনেই সমন্ত মানসিক উপ্যাৰ খেকে মুক্ত হল। প্রাদারামের ব্যব্ধ সমস্ত শারীক্রিক লেব সম্পূর্ণরূপে মূর হয় এবং ব্যৱশার ব্যায় সমস্ত পাপকর্ম ব্যেকে মুক্ত ইওয়া বার। প্রত্যাহারের ধারা বিষয় সংস্থাক্তরিক বোষ থেকে मुख्य एउना यस अवर भंदरभवन प्रभवादनन वाहनन बाहर কড় কগতের আসভিজনিত তিন ওপের বন্ধন থেকে মুক্ত বঙলা বাব। যোগ অভ্যাসের ছারা মন বখন

কুপের ধানে কবড়ে হয়।"

মতো অৰুণ বৰ্ণ, অন নীল উৎপান বলের মতেঃ শ্যাম। পুঞ্জিতঃ এবং সৃষ্টিকতী প্রস্তার স্কানী। তিনি সুর্বনা হর্ম। তারে তিন হাতে তিনি পথ, চঞা, এবং গলা ধারণ । সভিসালকর স্কাধ্যনের পা এবং জন্তর তার করণকারে করে ময়েছেন। তাঁর কটিদেশ পথ-কেশরের মধ্যে শীত । ছারা ভাতার করা সহকারে সেবা করে প্রয়েকন। তার উজ্জ্বল গট্টবল্লে আন্তর্জনিত। তার বন্ধপুরে শ্রীকাস চিত্ন। পর বোলী পর্যালের ভগবানের উসপ্রের ধানে করকো, ঠাৰ কঠে দীবিশালী কৌক্সৰ মণি নিগাজিত। তাঁর বা সমস্ত শতিত আধার। জার উরুধত জতালী পুশোর কলকেনে কনমালা বিলম্বিত সংক্ৰমে একং মধুর গতে মন্ত্র মাজে তাই-শ্যামল একং ভগবাদ করন কলেতের উচ্ছ ক্রমরেরা মালার স্বরিশাশে ওরান করছে। ডিমি বহু মূল্য । বাহিত হন, জন্ম তা সহ চাইতে সুন্দর কলে প্রতিভাত মুক্তাহার, কিন্টাট, অসদ এবং নুগুরের বারা জঠান্ত হয়। ভার পর বোদী প্রশাক্ষণে পর্যন্ত লভিড পীত সুমারভাবে সঞ্জিতঃ উচা মটোনেশ কলিখনে, তিনি উর্ব নদনোপরি কাঞ্চিয়াম-কেন্টিত ভগবাবের স্থোল গুলেনা হলের-কমনে স্বরাধয়ন। তার হতো সুন্দর নিতহনেদের ধান করনে। তার পা বোদী কর্মবনের ক্ষনীর বস্তু তার কিছু নেই এবং ওার ক্ষান্ত বিজহু উন্ন উনরের মন্যভাগে এভি-সরোধারের ধানে করকেন। সেই স্তক্ত-সর্গতের মন এবং নরনের জানাক বর্ধন করে। নাতি কেতে কুখনসমূহের অভিচাম-করাল একটি পক क्रमधान भारतस मुग्नम-प्रमूच अवर सिनि कर्गामास्कृत आपूर्वस सर्वाचन। त्यारे नव शाक अवन मुद्दे कीन क्षणात আরাধা। তিনি নিজ্য নবকিলের এক সর্বদাই তার আবাসকুন। তার পর বোগী ভরকনের ব্যনহরের বান শক্তাকে প্রতি কৃশা বিভাগে উৎসুক। স্থানানের কহিয়া। করতের আ উৎকৃষ্ট মরকত মনির স্কারা অলম্ভ এবং হা সর্বদটি কীর্তন করায় বোগা, কাবণ জনা মহিমা তাঁল জাক আমাৰ দুখনকো মুন্তামালার কিবলের প্রভাৱে শেতাও ভক্তদের মহিমা বর্মন করে। ভাই ভগতান এবং ঠার বংগ প্রতীত হয়। স্বার পর কোনীয়ে কর্তব্য মধ্যকানীর ছাতেৰ কান করা উচিত। আন বভকৰ না বিধ হয়, আবাসপ্ত গরবেশ্ব ভগবানের ব্যক্তর খানে করা। ছালকৰ পূৰ্বান্ত জগৰালের সমূৰত জপেয় ধান করা উচিত। জনবানের কক কলে সমস্ত নিয় বালেকের উৎস এবং এইখনৰে ভগবড়জিকে নিগৱন শা হবে, বোগী কৰে হলতে ভাগনেকে পতারদন্দ, গঞ্চনীল, উপবিষ্ট অথবা শায়িত অবস্থার কর্মন করেন, করেন প্রমেশ্য ভারেনের নীলানমূহ সর্বদট্ট অভান্ত সুস্থা এক অন্স্বলীর। ভার ক্ষাকে স্কলবানের লাশত মাণে নিকছ করে, বোণী सम्बद्धाः भूपं चरत्राका मधक् वर्णः न करः, कर-अर्थः অংশ সনকে শ্বিদ্ধ কথাকো। ভক্তেৰ কৰ্ময় হছে প্ৰথমে ধ্যক্ত, বস্ত্ৰ, অধুশ এবং পক চিহ্নিত ক্যবানের চরণ-ক্ষণের ব্যান করা। সেই চরণ-কর্মনের স্বাতার সুমর রস্কেবর্গে শোডমান নগলপ চন্তালগুলের বিরপক্টার সুকর্মন চড়েব খান করা উচিত এবং ঠান করেল-সন্ধ ছালয়ের খন অস্ককার বুরীভূত হয়: ভাগবানের চরণ-কৃষ্ণৰ প্ৰকাশিত জল খেকে উৎপত্ন গলায় পৰিত্ৰ ক্ষণ মন্তকে বারল করে, শিবত মঙ্গলমর প্রেটে। ভারবাদের শ্ৰীপাদপত্ম হাসিও বস্তোর মতে, যা ধানকারীৰ মনে করার মধ্যে, জাবের শোপিতপত্তে সিন্তাঃ করারত

স্বন্দৃৰ্ববংশ শুক্ত হয়, ডখন আই নিৰ্মাণিত নেৱে বীয়ে সক্ষিত পৰ্যত-সন্থ পাণসমূহ কংস করে, আভাবে শীর্থ নাসিকার অঞ্জানের দৃষ্টিপাত করে, গরমেশর ভাগবানের । বাল খাবং ভগবানের প্রিচংশারশিক গলে করা উচিত।"

"एकरीट्स करून म्हालामान व्यरकारी मानीसरीत "প্রমেশ্বর স্কেগনানের মুখপর সুলেনা, নরন পরাগর্ভের 🕒 কার্বকলাপ ভাবরে খানে করা, বিনি সম্প্র ক্রেসনানের স্বার্থ নমনো পূর্ব সংখ্যা জামধারী। তার পর বোগী সংখ্য বিধের ছারা পৃত্তিত ভগবানের কটাবেশ হালরে ধান ক্যানো। ভারেনের কঠ জার বঞ্চার্তে দেকুল্যার **ভৌশ্বান্ত খনিব সৌন্দর্য বর্তা। করে পর বেগানির** স্তাগরনের চারটি বাবর খ্যান করা উচিত, বা করা পর্যাপ্ত বিভিন্ন কার্যের নিজ্ঞোকারী দেবতাকের সমস্ত শক্তির উলে। তাৰ পৰ মালৱ পৰ্যতের মূৰ্বনের কৰে উচ্ছাৰ ষ্টাৰ বাতের অপমানগুলির ধান করা উচিত। ইছে হতপুত সহত কৰা সমনিত এবং কুসেব তেজসম্পন্ন হরে রভহত্তর মতো প্রতীয়মন বহুতেও ধান কর ক্টটিউ। শুনবানের কতি প্রিয় ক্টোমোলকী পালর খান কর উচিত। এই গল বৈধী-ভারাগর অনুবঢ়ান সংখ্যে

ঘণুকরকুলের খানা সর্বন পরিবেটিত তার অতি সুস্বর क्यमानात अवर अर्था क्रमवात्ना त्यवा पुरू विकड ৰীবেডছ-বন্ধাপ তাঁৰ সমাৰ পুডাহাৰেরও খান করা উচিত। ভারে পর বোগী ভগবানের কমল-সন্প মধ্যতানের ধান করকে, বিনি ইমা উৎসুক ভক্তানো জনকশলা করার জন্ম উন্ন নিজিত্র মাল এই জগতে প্রকট করেন। তার সুকোমল পথকা দীরিয়ান মকর কুওলের সকলেনে উজ্জ এবং উন্ন উন্নত বাসিকা তার মুখ-কমানকে এক অপূৰ্ব লোকাৰ উন্ধানত করেছেঃ যোগী एक्ट नह समयारम्ड मुन्त मुन्देरक्रिया श्रीत केहरकर, य কৃষ্ণিত কেশবান, পথ-সমূপ নাম এবং মৃত্যাপা সম্পালের ছারা লোডিড। তারে মুখকমল মধুকর পরিবেষ্টিড প্রকৃত্তে লক্ষ্য দের এবং উঠা নেরবার তাপের শোডার যারা সন্তরণশীল বীনধুগলকে লক্ষা দের। বোগীর কর্তবা পর্ন ভক্তি সহকারে ভারবাবের অনুকশ্বাপূর্ণ চক্ষর অবলোকন একাপ্রচিত্তে ধ্যান করা, করেণ ভা ভার ভতদের ভরভঃ রিভাগ দৃহদ দেকে হন্ত করে। জার সুমিশ্ব হালাবুক পৃতিপাত তার অত্তীন কুপার পূর্ব। ৰোগীয় এইভাবে ভগৰান প্ৰহৰিত অহন্তে মনোৱম হাসের ধ্যাদ কর উঠিত, বা **তা**র শরণাগতের গভীর **শেক খেকে উৎপদ্ধ করে।** বোগীর ভাগবালের বছিম জানুগলেকর ধ্যান করা উচিত, বা সাধুষের উপকারার্থে কার্যদেবকে যোহিত করার জন্য তিনি তার অন্তরনা শক্তি খেকে প্রকট করেছেন। যোগীর ক্তব্য মেল্লাড ভড়ি সহকারে ভগত্তা প্রথিকর মধ্য হাস্য তার হলতের অক্তহতে ধ্যান কর। বিষ্ণার এই राजा बाधने अध्याज्य हर, का चमातात्म श्राम करा हात्। পর্যালের ভাগের কর্ম হাসের, তারে কৃষ্ণকনির পঞ্জতির মতো উল্ল কুম ক্রুরছি উল্ল অধ্রোতের ফারিতে অঞ্চলত হয়ে বটে। বোগী কৰন একগর তাঁর মনকে ভববানের এই মধ্য হাল্যে ছিল করেব, তথন আর তার **च**ना किंदू पर्नात कतात राजना पारक ता। «दे शक्त অনুসরপের বাজা বোগীর চিত্তে ভগবান শ্রীহরির প্রতি ৰীংল বাঁৰে ভাবের উপর হয়। ভাল আন্দের श्राहिनारक केल लाए स्थानक एवं अवर केल हिन्द ভাতিমধ্যে মুণাত্তর বার, তিনি কুবুন গতীর হেছেম নিয়ন্তর व्यक्त व्यक्तर्थः वनगार्व कराने। वहनित पाता शास्त्रक

আকর্ষণ করার মতো তাঁব চিত্ত, বা তগকনকে আকর্ষণ করার ঋন্য ব্যবহাত হয়, তা ধীরে ধীরে কাঞ্চ-জার্গাতক কার্যকলাপ থেকে সুক্ত হতে কর।"

"অন খবন এইভাবে সমস্ত জড় কলুৰ খেকে মুক্ত হয় এবং জড় বিবয় খেকে বিবস্ত হয়, ভবন দীললিখা বেমন তৈলের অভাবে নির্বাপিত হলে যায়, তেমনই মনও ইলিয়সমূহের বিধা সহপের প্রবাহ থেকে প্রতিনিপুর হয় এবং বাবধান-রচিত হলে পর্মেশর ভগবানকে প্রতাক করে। এইভাবে কর্বোচ্চ চিত্রর ক্তরে অধিষ্ঠিত হওয়ায় খলে, খন সমস্ত কৰ্মকল খেকে নিবৃত হতে, সমস্ত আছ সুধ এবং সংখ্যে ধারণার অতীত শীর মহিমার অর্থাসূচ হয়। বোগী কৰন পরমেশ্বর ক্রথনানের সঙ্গে ভার সম্পর্ক উপকৃত্তি করেন। ঠিনি তথন কুখতে পারেন হৈ, मुच-पूर्व क्यर कालह श्रीविक्षित्रा, स्थानित कार्य विनि স্থাং বলে মনে করেছিলেন, প্রকৃতগক্তে তা অভিনামনিত অব্ভারের ফল। বেহেও তিনি তার অলপ উপস্থি করেছেন, পূর্ণরূপে সিদ্ধ রীবের ভাই আর তথ্য বোধ भारक था, क्षेत्र क्षष्ठ मारूपि किन्नात्व क्लारका कडरह अवर কাৰ্য করছে, ঠিক বেমন মধ্য পালে উপ্সন্ত ব্যক্তি করতে পারে মা, তার শরীরে বসন আছে কি নেই। এই প্রকর মন্ত্র বোগীর ইজির সহ পরীরের থারিত পর্যেশ্র चगवान प्रथा अञ्च करतन अवर त्याँहे (एक चातक कर्यत সমান্তি পৰ্যন্ত কৰি কৰে। স্বায়াল লাখ্যত মুক্ত কক এইডাবে বোগের চরম সিঙ্ক ক্ষবন্ধা সমাধিতে ক্ষবন্ধিত रहा, त्यरे पारक अवर तार मन्नार्किक भूत-कनातामिक পার ভক্তমা করেন না। এইভাবে তিনি তাঁর দেখের সংগ্রহণাপ্তে স্বয়দ্ট কার্যকলাপ হলে স্থান করেন। পরিবার এবং সম্পতির প্রতি অত্যধিক কেনো খলে, মানুষ বেমন তার পুর একং তার বিবকে নিজের বলে মনে করে এবং ভার ছড় লগীনের প্রতি আসন্তির কলে, তার এই প্রকার মান্ধ জেন হয়। কিন্তু প্রকৃতলক্ষে মনুব বুৰতে পাতা ৰে, ভার গরিবার এবং ভার বিভ ভার বেকে ভিন্ন, ডেমনই মুক্ত খীৰ বৃষ্ণতে পারে বে, ভান দেই ডার থেকে ভিষঃ স্বন্দর অগ্নি বেজন অগ্নিশিখা থেকে, স্ফুলিস থেকে এবং ধুম থেকে ভিন্ন, যদিও দ্বারা সকলেই ভাগত কাওঁ খেকে উত্তপ্ত হণ্ডৱাত কলে. পরস্পারের সংক্র খনিষ্ঠভাবে সম্পর্কিত। পরফোর

দ্বপবান, বিনি পাৰেক্তে বংলা পৰিচিত, তিনি হলেন হায়। অন্তি মেনন বিভিন্ন প্ৰকাশ কাটে বিভিন্ন প্ৰদেশ প্ৰতিভাত কিনি পঞ্চ মচাচুত, ইবিম এবং চেতন সংযুক্ত জীবাৰা **যা বাটি লীন থেকে ভিন্ন। বোলাঁর ফর্চন্য সমস্থ প্রকাশে** গেই একই আহাতে কর্ণন করে, কারণ যা কিছু বিদ্যান স্তা স্বাই গ্রন্থের জগবানের বিভিন্ন শক্তির প্রধাশ। স্থিত হতে পারেন। এই মাল্ল জত সৃষ্টির কর্মে এবং এইভাবে ককেন কর্তম কেন্দ্রাব-রহিত হয়ে সমস্থ জীবেদের কনি কর। সেইটি হচ্ছে পর্যাক্ত উপলব্ধি।

টা, ডেম্বট জন্ম চন্দ্রতির ওপের বিভিন্ন পরিস্থিতিতে ৩% জীবাদা বিভিন্ন *কেনে* **গুণট হয়। এইভাবে** মানার मुद्रठावा स्मार्थ्यो धटार बड़ करहे, स्थ्यो टीव बेक्स्स স্থারণরূপে উপস্থিত, তাই তাকে জানা অত্যন্ত কঠিন।"

6.3

উনত্রিংশতি অধ্যায়

ভগবান কপিলদেব কর্তৃক ভগবদ্ধক্তির ব্যাখ্যা

भर्मन सनुभारत मान्तुर्व अक्रिक अवर साहाद मध्य धाराह বিজ্ঞান-সম্বাওভাবে কর্মা-করেছে। একা স্থানি আপনার सरह अर्थना करहि तो, चाननि एक्टिन भाग याग्रह करह সবিস্তারে বর্ণন করন, জ সমস্ত কর্ণনের চরম পবিশতি। (र शहा कृता करत चायात करा करा करमाधादणाई सान्, अन्य-प्रकृति निहन्ति श्रीक्रियातक वर्गना क्यान, कार्यन সেই সমস্ত বিশদের কথা হবৰ করে, আমরা জড়-জাগতিক কার্য থেকে বিরক্ত হতে গারি। সুপা করে আপনি শাখত কালেরও বর্ণনা করুন, বা আপন্যরই ব্যাপের প্রতিনিধিত করে এবং বার প্রভাবে জনসাধারণ भुष्क कटर्न क्षमुक्त का। यह समस्यम्। ध्यापनि मृटर्सः मध्यः, কাৰণ আপনি জীবের অস্কারান্ত্র বন্ধ স্বীধনকে আলেকিড করে। কেন্তে তালে অন্যস্থ ট্রবীলিউ হ্বনি, ভাই আপনার আন্তঃ ব্যতীত ভারা পেই অছকারে ভারা চিরনিয়িত এক শুটি ভারা বড়-বাগতিক কর্মে অনর্থক ব্যস্ত আকে এক ভালের অভ্যন্ত পৃথিয়ার বলে मत्म इत्।"

औरेश्ट्राच कार्यन—"(स कुक्ट्यां) । प्रशापुति কণিশদেৰ উন্নঃ কণ্ৰী জতায় এই সুৰৱ থকা প্ৰকা কৰে অন্তঃভ প্ৰসন্ধ হলে, কলণা বিগলিত চিত্ৰে সেই বাক্যের

ক্ষেবছতি কালেন-"হে ছাতো। আপনি পূর্বে সাংখ্য অভিনক্ষ করে ঠাও মাচাকে কাছে নাগলেন, হে মহদাশরাঃ অনুষ্ঠনেভাবীর বিভিন্ন ৩৭ অনুসারে ভাবছবির অনের পরা ক্রছে। মেন্ট্র, তেগ্যন্ট্র, রিপ্সা মার ও বাংসর্য-প্রায়ন ব্যক্তি ভারার প্রতি *হ*ই ভাঙি कार, सा कावतिक। अ दांकि दिश्य, यन अंदर हेनार्रह, हेरकर® (क्रम्पनी ईस चायत पूक्त करर, कार स्मि ভক্তি ব্ৰহ্মসিক। ভক্ত হখন সকলে কৰ্মেই কল থেকে মন্ত ইওয়ার উদৈনের পরবোধর ভাগবানের পুলা করেন এবং উল্ল কাৰ্যৰ কল ভাগৰেছৰ ভিত্তেল কাৰে, তথন তাৰ চাড়ি সাহিত। প্ৰয়েশ্বৰ ভাগবনের দিব নাম এবং **७शक्ती क्ल पत्न गाउँ, मकान्द्र कार्द्र निरमक**री कार्यहरू श्रीत कारण १६ चरेशहरू अंदर ऑर्राइड আকর্যনের উদর হয়, তাই হক্ষে নির্ভণ ভারিত লক্ষন। কুলত ক্লম কেন্দ্ৰ প্ৰতাহিত কাৰ্য্য বহুৰ কৰি কাৰ্যাইত হয়, এই প্রকার ভাগবয়াকর খালাবিক ভাকিও বিক ভোনভাবে কান্যনের রতি কার্নিত হয়। বছ ভঙ্ স্থান্ত্ৰ সাই সামীপা, সামপু অধব একছ-এই সামা মুক্তির কোনটি প্রচুণ করেন না, এমন কি ভাগবান ্ৰেইডলি ঠালো দান কয়দেও ঠাক ভা প্ৰকৃত করেন বা। या चामि मूर्त वर्गना बर्ग्स्टी, तमे सम्बद्धानित महर्गक ন্তুর করে করে, ভল্ক প্রকৃতির তিন ওপ্রের প্রকার

ছাতিক্রম করতে পারেন এবং ক্যাবানের চিন্তম ভাব প্রাপ্ত ছতে পারেন।⁶

"ছান্তের কর্তব্য কোন রকম বাড-বাগতিক লাবের श्रष्टााचा विमा, चथर्य चाहवन करा, स चलात মহিমামতিত। অভাধিক হিংস্যে না করে, নির্মিতভাবে ছাত্তির কার্য সম্পাদন করা উচিত। ভারের নির্মেটভাবে মন্দিরে আমার শ্রীবিগ্রহ করি করা, আমার শ্রীলাবশন্ত স্পর্ক করা এবং আমার উপেন্টে পুজার উপচার এবং প্রার্জন সিবেদন করা উচিত। তার উচিত সক্তাশে নিকান চিত্ৰে প্ৰতিটি ক্ৰীবাৰে চিত্ৰৰ ভাষ-সমষ্টিত বলে কৰ্মন করা। তথ্য ছালের উচিত শুরুলের এবং সাচার্যকের প্রতি স্বৈতি সম্মান প্ৰদান কৰে ভগবছকি সম্পাদন করে। দীনজনদের প্রতি তার কপা প্রদর্শন করা উচিত এবং সমতলা ব্যক্তিশের সঙ্গে মিত্রতা স্থাপন করা উচিত, কিছ তাঁৰ সমন্ত কাৰ্যকলাপ ইন্তিয় সংখ্য এক বিধি-নিকেৰ অনুসরণ করার দারা সম্পাদন করা উচিত। ভাকের कर्डता रहाक मर्वभारे चाथापिक विवाद ज्ञवन कहा अवर সর্বদাই জগবানের দিব্র নাম সংকীর্তন করে তাঁর সময়ের সহাবহার কর। তার অচেরণ সর্বনাই সরণ হওরা উচিত স্কলের প্রতিই বছভাবাপয়, তবুও হারা আধ্যান্ত্রিক বিচারে উহত মর, ডালের সঙ্গ গুলু বর্ধন করা উঠিত। কেউ যথম এই সমস্ত দিবা ওপাবলীর দায়ে সম্পর্বরূপ খপাছিত হন এবং তার কলে তার ফেতর পর্ণরাগে তার হয়, তিনি তৎক্ষণাৎ আমার নাম এবং আনার দিবা धनायनी अपन क्या प्राउदे, भागात शक्ति चान्डे दन। বাহুনাল বৃহু যেমন পদ্ধকে ভার উৎপত্তি প্রান থেকে বহন করে ছাপেপ্রিতে লৌছে করে, তেখনই বিনি নিরবার শৃক্ষভাষনাত্র ভাগিত হয়ে ভক্তিবোগে হস্ত, ডিনি সর্ব बात नंद्रमाबादक वाद्य दन :"

"পরমান্তারূপে স্বামি প্রতিটি ফীবে ক্রিক্সমন। কেউ ৰদি সৰ্বত্ত বিব্যালয়ান সেই প্রথালাকে অব্যাননা করে মশিরে শ্রীবিশ্রহের সেবার বুক্ত হর, আ হলে তা কেবল বিভাগৰা মাত্ৰ। বে ব্যক্তি মন্দিয়ে ভগগানের বিশ্রপ্রের পূজা করে, কিন্তু জানে যা যে, পরমেশর ভাগনান পর্যাক্তরতে সমত স্থাবের হুমরে বিরাজ্যান, সে

অবশ্যই অধ্যানাক্ষ এবং তার নেই পূজা ভলে থি ঢালার সভোই অর্থহীন। বে ব্যক্তি আমার্কে প্রদা निकान करा किन्द्र धना कीरवासक शक्त हिरमानदासन সেই তেলপুৰী কড়ি অন্ত জীবেলের প্রতি শত্রুতানুলক অক্তরণ করার কলে, কথনও মনে শাবি লাভ করতে भएत ये ("

°হে যাতঃ। বারা সমক্ষ জীবের ক্ষরতে আমার উপস্থিতি সমূহে অবহু তারা যদি কথাকা অনুষ্ঠানের হারা হুনিরে জামার বিশুনের পূজাও করে, গেই পূজার আমি श्रमा हो या। यजका भर्यंत ना निरक्ता क्रमात धनर খন্য সমন্ত খীতের হানতে আহার উপস্থিতি উপদৃত্ধ হয়, ততকৰ পৰ্যন্ত কঠন্ত কৰ্ম দালনামৰ কৰে, অৰ্চা-বিপ্ৰচেৰ পুজা করে কার্য্যা উঠিত। যে ব্যক্তি নিজের ও অন্যের যধ্যে অপমায়ত ভিন্ন বৰ্ণন কৰে, মৃত্যুৱ প্ৰকৃতিত অহিন্তৰে আমি ভার মহা ভার উৎপক্ল করি। অভএব, मान, जानान क्षर विक्रीभून चालतस्त्र चाता जमस सीवाक সম দৃষ্টিতে ধর্মন করে, সমস্ত জীবের আশ্বরে স্বরূপে বিব্রম্থেমন আমর পুনা করা উচিত।"

"হে কলাশী মাজ। আচেডন পদাৰ্থ থেকে জীব क्षवर रामिक किमि कारक शकि नेवीभवादन मेन करा । एकई क्षवर खारान घरण वारा कीवरन्स नामन शकान करा তারা শ্রেষ্ট। ভাষের খেকে শ্রেষ্ট হচ্ছে যাদের চেতনা বিকলিত হলেছে এবং তালের থেকেও শ্রেষ্ঠ হল্পে খাদের ইল্রিবান্ড্ডি বিকলিত হরেছে। যে সমস্ত জীবের ইজিনস্ভূতি বিকশিত হরেছে, ভাষ্ণো মধ্যে বারা রস বাজ্যৰ কমত পারে, জন্ম শর্পানভতি বিকলিত হরেছে তে-সমস্ত জীব ভাষের জেকে মেট। রস আভাষ্ঠ করতে গারে বে-সমস্ত কীব, ভাগের খেকে প্রাণ প্রহণ করতে পারে বে-সমস্ত জীব ভারা শ্রেষ্ঠ এবং ভাষের (धरकक द्रमणे स्टब्स् बारमत संवरणिया विकणित स्टार्ट्स) ক্রবশক্ষম প্রাণীদের থেকে রূপের পার্থকা নির্মণণ করতে সক্ষ জীবের। শ্রেষ্ঠ। ভাষের থেকে দুই পঞ্জি দক্ত বিশিষ্ট প্রাণীরা ভোষ্ঠ থকা তালের খেকেও প্রেষ্ঠ হলে ক্ষ পদ-বিশিষ্ট প্রাণী। তামের থেকে প্রেষ্ঠ চতুপার এবং ভাষের বেকেও শ্রেষ্ট হচ্ছে দিগদ-বিশিষ্ট মানুব। मानुबरमन मार्थ (ब-अमान छन अवर कर्म छन्जारत रुप्तर्भ विकास कारकार का त्यांत्रे, स्कृतंतर्भत प्राप्ता <u>क्रा</u>चन

মামক বুদ্ধিমান মানুকের কর্মেন্ডম। ক্রাক্তপ্তের মাধ্য করে तम क्षेत्रहरू कहारहून छोता हमहे बचर दाएक हाकारहरू মধ্যে বাঁরা বেদের ভাৎপর্য সম্বন্ধ অবগত ঠাত। সর্বোশ্রম। যের ভাৎপর্যবিৎ ব্রাক্তর থেকে দীয়াসেক ব্রাষ্ট্রণ ব্রেট্ড প্রথম জার ব্যক্তেও ক্লেট্ড ব্যক্তের স্বর্ধরাও প্রাদান। ক্ষমনিক প্রাদেশ থেকে মুক্তদান প্রাদেশ থেকি এবং তাঁর খেকেও বোট হয়েন গুড় ডাক, বিনি কোন মধ্যের প্রত্যাশা না করে ভগবর্ত্ত সম্পাদন করেন। পর্মেশ্বর কানানের শ্বরে বারু প্রবাহিত হয়, সূর্য কিরণ चारुक्त चामाहक क्षाकृत चाना चाना काम किनुत्त हा- विरुक्त कात हिंदा वालि दर्शन करत कार अध्यासमूह केंग्सि ছাতির আকর্ষণ নেই এবং তাই বিনি জান্ত সমস্ক কর্মা, প্রথমণ করে। প্র্যেশার ভগবানের ভরে বৃক্ষ, লাভা, ভার জীবন—তার স্বকিয়ু—আহাকে নিবেনন করে, কর্মের এবং বরসূত্রি বাছেল আপন আপন সমতে কুল অধ্যবহিতভাবে আমার শালারত হরেছে। সেই প্রকার এবং কল ধারণ করে। পরমেশ্বর ভগবানের ভরে কর্তৃত্যক্তিমানপুন্ধ, সমদশী পুরুষ থেকে কোন জীবকেই -জীবনুহ প্রবাহত হয় এবং সমুদ্র কেলা-ভূমি অতিক্রম আমি বেষ্ট দেখতে পাই না। এই প্রদার জালা ভক্ত করে প্রায়িত হয় না। তাঁরই ভরে অধি প্রছালত হয় সমরা জীবেদের আন্তা নিবেদন করেন, করণ তিনি মৃত্য এবং পর্যন্ত সহ পৃথিবী প্রকাণ্ডের কলে নিপ্রক্রিক হয় বিধাস সহকারে জানের যে, পরমেশর ভাগরন পরকাল না। পরমেশর ভগরনের নিয়ন্ত্রণ করেন্দ কর্মেরিক বা নিজন্তারূপে প্রতিটি বীবের পরীত্তে প্রবেশ করেছে। ে বিভিন্ন প্রহণের স্থান প্রস্কার, কেবানে অসংখ্য প্রাণী

ভগবন্তক্তি এবং অষ্টাম্ব বোগের সাধন করেন ভিত্নি কেবল ভতির হারাই পরমেশ্র ভারবারের পরে বার প্রাপ্ত रूप्ट भारतम। **बारे नुक्रम, योग्क साथ २७३३ की**एक অবশ্য কর্তব্য, তিনি হচ্ছেন ক্লম এবং ব্যুমান্ত্রকংব गतिष्ठिक गतरमस्य क्षत्रकारम्य स्त्रम्। विभि दशस्य स्मि পুরুষ এবং তারে সমস্ত কার্যকল্প সর্বাহ্যেলয়ে চিম্ম। বিভিন্ন মাড় প্রকাশের স্থাপান্তর সংখ্যকারী কাল ছল্ছে भंद्रदेशको स्थानगुरुख स्वात अन्निके क्रम । यात्र स्वात मा (य. यांन स्टाह ट्रांडे द्यारे खनका, खता कारमद कटा ভীত হয়। সমস্তে হজের ভোক্তা প্রয়েশ্বর ভবক্ত

বাঁথিক বলেন কলে এবং সমন্ত প্রভুৱ প্রভুৱ । তিনি সম্প্ৰের হাল্যে তবেশ করেন, তিনি সকলের আরহে এই ভাবেৰে হয়। কৰা সদত্ত ভাবেৰের সংহাৰ করেন। কেউই প্রমেশ্বর ক্রম্যানের তির নর মধনা ফলিত নয়। কেউই ইয়া বছু নৱ কথবা দক্ষে নৱ। কিছু হারা তাঁকে कृतन राजनि, रिक्ति चीरलंड चनुरक्षतन क्षता करवा असर বার ঠাকে কুলে পেছে তিনি অংগর সংহার করেন। "হে মাডা। হে মনুকন্যা। বে ভক্ত এইভাবে বাদ করে। তার পরর মিরোণে সমগ্র ক্রোভের বির্ত্তি শ্রীর সন্ত আবল কর বিশুত হর। পরযোগ্য ভগবানের হরে মাজ প্রকৃতির ওপের নিবছা দেবতারণ সৃষ্টি, পালম এবং সংখ্যে কর্ম সম্পাদন করেন। এই ছার জন্মতের भूगको अन्य कारण ज्ञान किन्द्री टीएम्ड निरम्भादीत। कारण জনাবি এবং ক্ষমন্ত। তা কাডালাত-সমূপ এই ছাড ক্ষপতের এটা পরক্ষেত্র ক্ষপরক্ষের প্রতিনিধি। ক্ষান্ধ এই ক্ষাতো ক্ষাৰ। ভা এক ব্যক্তির বারা ক্ষা ব্যক্তির স্কান দেববার মাবানে বেমন সৃষ্টিকার্য সম্পাদন করে, আবার তেমনই হতার দেবতা বমরক্ষেণ্ড বিনাপ সাধন করে क्षार्थक क्षत सम्मामस करतः

ত্রিংশতি অধ্যায়

ভগবান কপিলদেব কর্তৃক অণ্ডভ সকাম কর্মের বর্ণনা

প্রমেশ্ব ভাগণান বললেন—"মেবপ্ত যেমন শঙিশালী বায়ুর প্রভাব জানে না, ঠিক ডেমনই জড় চেওনার আছে ব্যক্তি কালের অসীম বিক্রম স্থানতে পাতে না, হার মারা সে চয়দিত হয়। তথ্যক্ষিত সুপের জন্য জড়বাদীরা অভার কট বীকার করে কেন্সর থয়েজনীয় বস্তু উপার্জন করে, কাল্যসংগ প্রমেশ্ব फशराम का मददै दिनाम करतम अवर रमरे बना वब ক্ষীৰেরা লোক করে। পথপ্রই জড়বাদী ব্যক্তি জানে না হে, তার দেহটি অনিত্য এবং তার দেহের নাস সন্দর্শিত গৃহ, কের এক সন্দগ-নেই সবও অনিজ। चक्रामध्यक्षक (भ जब किंदुरक विका वर्ज वर्ज वर्ज वर्ज) ক্ষীৰ এই সংসারে বে বেই বেলিডে ক্ষম প্রদে করে, সেই যোনিতেই সে নিশেৰ সজ্ঞেৰ পাৰ্ড করে এবং সেই অবস্থার সে কথনও বিরক্ত হয় না। বে বিশেষ ব্যেনিতে क्य कीय जाताह, फारफरे दम मण्डे धारक। मानज আবরণাশ্বক প্রভাবের শারা বিমোহিত হরে, নরকে থাকদেও, তার সেই শরীরকে সে ভ্যাগ করতে ভার না, কারণ সেট নারকীয় অবছাকেই সে সুখকন বলে মনে श्रंत । (सर्, डी, नूड, वृद, नक, वब, वब् अवृक्तित अधि গভীঃ খাসকিৰ কলে, খীৰ তার মড়-জাগভিক জীবনে और जनात गरहार धनुसर करते। और जनात गर्न जस्तर क्य बीच निरक्तरक कुछार्थ वरण मरन करत। छैरकछात्र সর্বক্ষণ কর ছওরা সংস্থেত, এই প্রকার মূর্ণেরা ভাবের তথ্যকবিত কৃট্যুয়ের তরণ-পোরণের জন্য দুরাশায়ের हाता, गर्रमा नामा अकार भानकार्य निश्च रहा (व उपनी মারার দ্বারা ভাকে মোহিত করে, তাকেই সে ভার হালর बक्तः देखित कर्मन करतः। निर्मन द्वारत रत छस आनिवन ধকে গোপন আলমপের বারা শুরু সমসূধ উপভোগ করে এবং শিশুদের আধ-আধ মিটি বুলিতে সে মুদ্ধ হতে ধারে। অসক গৃহরত ব্যক্তি কূর্টনাঠি এবং রাজনীতিতে পূর্ব পারিবারিক জীবনে অবস্থান করে। দর্বদা দুঃখ

290

বিভার করে এক ইত্রিয়া-ভৃত্তির কার্বের ছারা নিয়ন্ত্রিত হয়ে, সে सत्त्र कृत्य-गृशंचात्र निवृत्ति शाधानत कराहे (करण कर्ष करता। वनि त्य रमेरे बुरूप-पूर्वनात निवृष्टि मागरा সমৰ্থ হয়, ভঙ্গা লে নিখেকে সুধী বলে যনে করে। সে ইতত্তত হিংসা জানান করে খন-সম্পদ ধর্মান করে এবং যদিও তার পরিবারের ভাগ-পেষশের জন্য সে জ করে, কিন্তু সে নিজে কেবল সেই অর্থের ছারা কেনা আদ্যের ক্স মার অংশই আহায় করে একং এইভাবে মালের জন্য সে পনাবভাবে ধন সংক্রম করেছিল, তাদেবই জন্য সে সরকরামী হয়। ককা ভার জীবিকার সে কর্ব হয়, তকা সে বন্ধ করা ভারে অবস্থার উন্নতি সাধনের চেটা করে, নিজ্ব ভার সমস্ক চেষ্টরে সে বখন বার্থ হয় এবং কিটে হয়, ভঙ্গা যে অন্তর্ভিক লোভের কারণে, অন্যের ধন গ্রহণ করে। কবন সেই দুর্ভাগ্য তার পরিবারের সদস্যদের ভরণগোষণে অক্স হয়ে হতনী হয়, তথন সে ভার অর্থতায় কথা চিন্তা করে শীর্থ নিঃখাস ভয়ণ করে শোক করে। তাদের পালন-পোরণে ভাকে অসমর্থ দেখে, তার भद्दी दक्त कनामा काबीरामा करक कम बारभा बरका अचान करत मा, ठिक राजन निर्मा कृथरकता कृश कानरक অবদ্ধ করে। কিন্ধ ভা সংখণ্ড সেই মূর্ব সংসার জীবনের ত্রতি বিরক্ত হয় না। সালের লে এক সমর পালন क्रातिक, स्रामन्द्रे श्राचा व्यवसायतः मा भागित एउ। জনার প্রভাবে বিরুপাতৃতি হরে, সে মৃত্যুর প্রতীক্ষা করে। এইভাবে সে গৃহে টিক একটি পেৰো কুকুরের মডো থাকে এবং ভাবহেলাভন্ত ভাকে বা দেওৱা হয়, ভাই শে बाता । जारियाना, फक्कि जानि ताना त्रकार (संपर्धक शर्ज, সে কেবল আৰু একটু আহার করে এবং থাকাম হওলের কলে, কোন ব্ৰক্ত কাৰ্য কাৰ্যতে পাৱে না। সেই স্বৰ্থ ব্দবস্থার, ভিতরের বারুর চাপে, ভার চক্ষু ক্লিকরে বেরিটো আলে এবং ককের হারা তার হাসনালী কর হরে আই। তার নিখোল নিয়ে জখন খুব কট হয় এবং তার গণা

क्ति 'युठ-युव' चन (दर्ड १४। क्रोटेडाइट (म म्हानहात्र শক্তন করে। তার আর্থার এবং কছুরা ভাকে *বিরে* ভংন শোড় করতে বাকে এবং যদিও সে তাদের সঙ্গে এখা বনতে চাব, তবুও কালপাপের কানতী হয়ে যে মার জ্যানের কেন্দে প্রয়োর উত্তর নিচে পারে না। এইভারে, আসংখত ইত্রিয়ের ছালা কুটুছভরতে বয়গৃত ব্যক্তি ভার আৰীয়-বঞ্চনদের এইভাবে ব্রন্থন করতে দেখে গভীর মুহৰে ভারে প্লাপ ভালে করে। সে অসহা কোনায় অন্তেভন হতে অত্যন্ত ককৰ অৱস্থাই সৃত্যবাহৰ করে। মৃত্যুর সময়, সত্রেশধনের ভরতর ব্যস্তাদের সে ভার কাৰ্ছে আসতে মেৰ্থে এবং তথ্ন হয়তকৈ সে হল-মূত্ৰ প্রাাধ করতে থাকে। রাজ্যের পাহারদোরের বেমন খাণবাধীকে বন্ধ কেওয়ার জন্য প্রেপ্তার করে, তেমনই (ब-तिशि क्रभत्रधकतक देशिय-इन्द्रित कार्स दृष्ट क्रिन् ভাষে সমন্তের একটি শভ দটি দিয়ে জান পদার বাঁবে এবং জার সৃষ্টা দেহকে আবৃত করে, কতে আকৈ অভার কঠেরে হও দেওয়া বার। এইভাবে বনস্তের বনন छाटक निर्दा थाता, एतन अस हत्त्व विनीर्ग सा अपर छात्र মর্থ শ্রীর জাগতে থাকে। পথিমধ্যে ভূকুরের তাকে कामफूर्ड चर्च कर जन्म हा जन मन्द्र नानकर्वत कथा अञ्चल करता। अरेकाल दन करना सनिव सा। অপরাধীকে তীর সূর্ব-বিধারণ, তপ্ত অনুকার করা নিয়ে र्रोडी (सर्छ इस, यह बुंगार्थ मध्यम ब्रह्मा द्रा रध्य ইটিতে অসমৰ্থ হয়, তথা কাৰ্তের কাল নিঠে চাবুক বিয়ে আঘাত কংকু এবং সে কুমা এবং কৃষ্ণার পীড়িব হলেও পূৰ্বাগ্যকান্ধ সেবালে কোন কৰা দেই কানো দেই এবং বিভামে। কোন স্থান সেই। ব্যালাকের গথে কেবে যেতে সে পরিবান্ত হয়ে পড়ে বার এবং কথনও কথনও সে অন্তেজন হত্তে পড়ে, কিন্তু হাকে জোর করে উঠতে অধ্য করা হয়। এইডানে শীঘ্রই ডাকে বন্যাকের সামনে লিয়ে আদা হয়। এইভাবে দুই তিন মৃতুর্কের মধ্যে তাকে নিরান্ধী হাজার জেজন পথ অতিক্রম করতে হর এবং উাব পর তাকে তৎক্ষণৎ যোর বহুদাপারক 🖰 খন কর ইর, যা ভোগ করতে সে বাধ্য হয়। তাকে স্থলান্ত অন্যত্তের মধ্যে রেছে, ভার অঙ্গ-গ্রভাক করা হয়, কৰনও কথনও তার নিজের বাবে জাকে খেতে বাৰ্থ

कर्ता इत यथना यानस्त छाद्र भागम् चाहा। नदर्शनः कृष्ट्रेह थवर अकृतिहा हात नाहि अवना छित्र वाह करते थया তা সংস্কৃত সে স্কর্ণিনিড থাকে এবং যে ছেখে। সংগ্ ্বুলিডে, সংশক ইত্যাদি প্রাণী তাকে দশেন করে এবং তার ্টালে সে অত্যন্ত বেম্বর অনুভাই করে। তার পর তার 'ক্ষা-প্রভারতাদি বত বত করে কটা হয় এবং হণ্ডীর দার্ম বিদীর্শ করা হয়। ভাকে পর্বতন্ত্র থেকে ভূরে থেকা হাঁৰ এবং জালে অথবা গুছার সেকে অবক্রম করা হয় পুরুষ এবং স্ত্রী, সামের জীবন অবৈধ বেঁলি আচরপের মাধ্যমে অভিনাহিত হরেছিল, ভাষের ভাষিত্র, অভানাতি बार (ब्रोडन नामक महत्व नाम शक्त चाला स्थान वहरू

"হে সাতঃ। কখনও কখনও কৰা **হয় যে,** এই পুৰিবীতেই মাৰ অথবা সৰ্পের অনুকৰ হয়, কাৰণ কৰমৰ কৰমৰ এই পৃশিবীয়েও মান্তবীয় বহুণ্য কোপ क्तरंड राजा गतः। रह मानुब भाग क्रार्थन वाला निर्करक এবং তার পরিবারের সমসাদের ভরদ-পোরণ করেছিল, এই দারীর তর্মা করনা পর, তাকে নারকীর বাসে জেপ ৰসূত্ৰে হয় এবং কাষ আৰীয়-কজন্দেৰত বছণা কোৰ করতে হয়। ভার বর্তমান শরীর ভাগে করার পার, সে क्षकता महत्वत भठीरकम प्राप्तकत शरमान शरान करत अबर क्षमा शानीहमा शकि दिल्ला भट्ट रम रब-धन पर्धन क्ट्राह्म, त्यहे भाभरक भारधाततरण दन मदन निरंत वर्ष। **ब्रदेशास नवस्थान अनवास्त्र वादशाननार कृ**ट्रेप শোরণকাবী ব্যক্তিকে তার পাগ কর্মের কল ভোগ কংলে জন্ম নামকীয় অবস্থার নিজেশ করা হয়, তার অবস্থা ভুখন হাত-সর্বহ ব্যক্তির মধ্যে হয়। অভঞ্জ, যে ব্যক্তি ক্ষাৰেৰ উপাছের হাতা ভাব পরিবায় এবং আস্থীত-ক্ষমৰ পালনে অভান্ত উৎসুক, গে অন্তথ্যমিজ নামক সরকের গভীবতম অন্ধন্যর প্রদেশে প্রবেশ করে। সময় কটবন নরকীয় অবস্থা তোগ কথার পাই এবং নিয়ত্ত্য গভ-ক্ষীকা থেকে মনুষ্য কলেম পূর্ব পর্যন্ত সমস্ত কর ক্রমণ অভিক্রম করে এবং এইভাবে হওতোগ করার মাধায়ে পাথ মেৰে মুক্ত হতে, সে পুনৱার এই পৃথিবীতে অনুব্যাদৰ্শে জন্ম গ্ৰহণ কৰে ৷"



একব্রিংশতি অধ্যায়

ভামল প্রাব

জীবের গতি সম্বন্ধে ভগবান कशिलारमरवर উপদেশ

ভূগবান খনকেন—"প্রমেধনের অধ্যক্তার জীবাধা শ্ৰেম পূৰ্বকৃত কৰ্মের কম অনুসারে, বিশেষ প্রকার সরীর ধরেশ্যে কক, পুরুষের রেজন্য আত্তার করে স্থীর পর্যে প্রবেশ করে। সেই রেডকণ গর্চে পণ্ডিড হলে, এক ব্যুক্তে শোশিতের সঙ্গে নিজিত হয়, গঞ্চ ব্যক্তিতে কুনুদের चाकार शतु वृद्ध, वन निरम्म मर्था या दक्ति श्रास वनती মধ্যে মতে হা কা ভার পা বীরে বীরে ভা মার্যেপথে অথবা অতে পরিণত হয়। এক মাসের মধ্যে তার বস্তুক পঠিত হয় এবং দুই মাসের মধ্যে ভার বাত, পা এবং ক্ষমানে বহু পঠিত হয়। তিন মানো মধ্যে তার নগ, चामक, लाग, चलि । वर्ष अवस्थि इत अवर (गरे महा খাননেরিয়া ও শেহের ছিহওলি মধা--চন্দ্র, নকে, কান, মূল ও পার প্রকটিত হয়। পর্ত ধারণের চার মাসের **पर्या भरीतात मध्य भावत होगा हत, (२००० स्टब्स्--**पन, महारा, स्थित, (मन, प्राप्ति, मध्या अवर एउस) १९६ महिन्स मार्था छात्र कृषा अवर कृषात्र जन्नव रहत छत्र করে এবং বর্ড হালে পরাস্থ্য হারা করণত তাল দক্ষিণ কৃষ্ণিতে ব্ৰমণ করে। মাড্ডত অপ্রপান্যদির থাবা সেই বাদ বৰ্ণিত হতে খালে এবং সৰ বুঙাৰ কৰি কীটেৰ উৎপর্যবস্থা, অভ্যন্ত অধন্য সেই মল-মুন্নোর গর্বে তাকে থাকতে হয়। উনমুহ কুথার্ড কৃষিরা ভার সুকোমল **মেহটিকে সর্বাক্তা ক্ষান্ত করাতে থাকে।** ভার করে। সে অসহ বলে অনুভৰ কলে, বাহ বাহা সুৰ্থিত হতে থাকে। মাতার কৃষ্ণ ভিক্ত, যীথ, মাতার স্বব্যান্ত অপক भारतक केन बारतान बाता लिए छात्र अर्वाटन खारहा स्थान অনুভৰ্ম করে। ভিতরে জগ্রানুর শ্বারা অনুত এবং বহিত্রে মর্মণ্ডর খারা বেটিত হাত, পৃষ্ঠ ও ত্রীবাগেশ ক্রকের মতো বাঁকা কবপুরে এবং তার মতক উদরের সঙ্গে সংলগ্র খনখার, সে ছাতার উপরের এক পালে অবস্থান করে। শিক্তি তথ্য নিয়াহত্ব পঞ্চীৰ মডো আৰু সঞ্চালনে অসমর্থ হয়ে, গর্জের মধ্যে বল করে। সে ধনি ভাগ্যবন

হর, ভবন ভার পূর্বের শত জালের সমস্ত বুংখ-দুর্ঘশার কথা ভার পারণ হয় এবং সে তথন দীর্থনিবশাস পরিস্রাগ করে। সেই ঋথস্থার মনের শান্তি লাভ করা कि করে সক্তব 🕆 পর্যে ব্যৱস্থার সাতে মাস পর তার চেতনা কাভ হয়, ভখন প্রশংকা করেক সন্তাহ পূর্ব থেকে যে প্রসক-বার নীচের নিকে চাপ নিকে থাকে, সেই বায়ুর সারা চালিত হয় এবং সেই নোংৱা জখনা উদরে ভাত কৃথিয় মজে দে এক সানে স্থিত হয়ে থাকতে গারে না। সেই ভাৰত অবস্থাৰ, সপ্ত পাতৃত্ব আবাংশে বন্ধ জীব হাত জোড় করে ভাগানের তুর করতে ৩৫ করে, যিনি ভাকে সেই অনেস্থার মূলন করেছেন। মানব-দের প্রাপ্ত আদ্বা করেছে शास्त्र-वाधि अयरमध्य अध्यास्तव हर्षन-कम्मानव শংশাগত হলাম, বিনি তার বিভিন্ন নিত্য করণে আবির্ভত हरत, और भृषिरी। नृतंत्र तिहत्रम् अरहतः। **शा**त्रि स्मन्तम् তাঁরই শহর গ্রহণ করি, করণ তিনি আমাকে সর্বভোভাবে অভয় প্রদান করতে পারেন এবং তার খেকে আমি बीवरनद और क्यान क्षाय शहरी, वा व्यागव शहनकर्यन জন্য সর্বভোতাবে উপবস্থা (*

"विश्वक काचा जानि भागात कर्यन वकत्न, माताव व्यवकानाव अन्छ-कठेल नाविष्ठ क्रायहि। धामि छैएक चामत भवन रागिः विरामन कति, यिनि वागान चामतरे সঙ্গে ব্যৱস্থেন, কিন্তু তিনি অবিকারী এবং चनविवर्दन्तीम्। छिनि चनीप्र क्षि मल्हा समता पीएक দৰ্শন করে বার। উচ্চে আমি আমান সভার প্রণতি নিকোন করি। আমি এই প্রভান্তর্যাধ ঋত শরীয় খারণ করার কলে, পরমেশ্বর ভগবানের থেকে বিভিন্ন হত্তে পড়েছি এবং ডাই আমি প্রকৃতপক্ষে চিত্রা হতেরা সংক্রে, আমার ওপ এবং ইছিরের জগব্যবহার হকে। থেহেড পরমেশ্বর কগবান এই প্রকার রাড় পরীর শ্বহিত, তাই ফিনি কীৰ এবং জড়া প্ৰকৃতিয় অতীত এবং কেহেত তিনি সর্বনাই তার চিক্সা ওবে মহিমান্বিত, তাই আমি ভাঁকে

আয়ার সপ্রক প্রণতি নিবেক্ত করি। মনুগ্য শরীর প্রাপ্ত शाबा शर्वम करा-चीन महान क्नीक्ट रहा, महमूख-চক্রে তার অভিবের জন্য কঠোর গরিপ্রর করছে। ভ্যাবানের সঙ্গে উরে সম্পর্কের কথা ভূগে কণ্ডরার करन्हें, त्मे धरे छात्वं वह इस गरफ। कडबर. ক্তরবানের স্কৃপা বাতীত, সে কিডাবে পুনবার স্করানের ভাশাকত প্রেমমরী দেবার বুক হতে পারে গ^ল

"লচ্চমধ্য অগবান, বিনি তার অংশ অনুর্যামী नव्यात्मात्रात्भ नकरमत श्रम्यत नित्रक कारहर, विने क्षत्र ব্যার কে সামস্ত স্থাবর এবং ক্রমণ স্বস্তুদর পরিচাপন ক্যতে পারেন ৷ তিনি অতাত, বর্তমান এক ভবিবাদ, আনের এই ভিনটি খবস্তার বিরাজ করেন। তীর্ট নিৰ্বেপনাত্ৰ বন্ধ জীব বিভিন্ন কাৰ্যৰসাপে বৃক্ত হয় এবং বছ জীৱনের বিভাগ দুঃগ খেকে মৃক্ত হওয়ার জন্ম আলানের কেবল ভারেই পরণাসত হতে হবে। তার भारतत केमदा करू, भग धवर भूदात कृत्य गाउँउ हरत क्षर कात बादास करेताचिएंड एक एक, एन्डी क्रीक्श সেখ্য থেকে বেরিয়ে আসার কর উলিয় হয়ে যাস भारता करत अरा धार्थना करत, 'तर क्षत्रराम। अरे ছড়ালা জীব কথা এই কারালার থেকে মৃত হবে?' ক্তে ভগবান। অংশনার অহৈতৃকী কুপার, বলিও সামি ষ্টে দশ মাস বরক্ষ, তবুও আমার চেখন আবারিত হরেছে। এই অহৈতৃকী কুপায় কক, পরিড জীবের বন্ শর্মেশ্য ভগব্দকে কৃত্যঞ্জিশ্ট প্রথম নিমেন কর ছাড়া, আমার কৃতজ্ঞতা নিকেন করার আন কেন উপায় নেই। অন্য প্রকার শরীরে জীব কেবল ভার সহভাত প্রবৃতিই অনুভব করে, সে ভার সেই বিশেষ শরীজের সৃখকর এবং দুঃগদায়ক ইক্লিয় অনুভৃতিই কেবল অনুভব করে। কিন্তু আমি এখন এখন্ট শরীর পেরেছি, যতে আমি আমার ইভিন্ন গমন করে আমার প্রকৃত উচ্ছেশ্য সম্বন্ধে অবগত হতে পারি: ডাই আমি পর্যাম্বর ভগবাসকে আমার সম্রস্ক প্রণতি নিবেদন করি, বীর আশীর্বাদে আমি এই দেহ লাভ করেছি এবং বাঁর সুগার আমি অন্তরে এবং আইরে তাঁকে করি করতে পরি। অওএব, হে প্রজু। মুদ্রিও আমি একটি ভারতর অংহার বাস কর্মি, ভবুও অঞ্-আগতিক জীবনের সক্ষুণে পুদরার পতিত হওয়ার কন্য, আমি আমার মাতৃগর্ভ খেকে মির্গত হতে চাই না। আপনত বহিরকা প্রকৃতি

দৈবীয়ায় তৎক্ষার ক্রকান্ত লিভকে আক্রয় করবে এবং মে ওংক্রমাধ মিধ্বা পরিচিতির ধারা প্রভাবিত হবে, আ থেকে নিরন্তর রূক-মৃত্যুর আর্বর্ডিড ছভরার সুচনা হয়। व्यक्तवर, स्वाह बहुद्दम ना भूरत, व्यक्ति व्यक्ताद वस्तुलकी নিৰ্মল চেতনাৰ সাহাত্যে, অজ্ঞানেৰ অঞ্চলৰ থেকে নিক্ষেকে উদ্ধান করব। কেবল কথবান জীবিব্যর শ্রীপানপথ আমার মনের মধ্যে ধরেল করে, বার বার করে क्षर पूरात क्षेत्र) कराक प्राप्तत ग्रह्म श्रह्म क्या (पर्ट নিক্লেকে উদ্ধার করব !"

350

"गर्ड फरश्राम कारम, क्या यात्र वसक्ष गर्डक कीन बरेशास वामना करता किन्न रचन स्म बरेशास স্তাবলো তুব করে, তথা প্রস্তার স্কানীভূত বস্তু হাতে श्राराम्भी करत क्रांगर्क इंट्रांस करा श्राप्तन करता। ভকলাৎ সেই বাহুর হাতা অধ্যভিত্ত হতে এবং অধ্যেহনক হয়ে, বাঁচ কটে নেই লিও বেনিটো আনে, (मेरे नमक कमरा कानता राष्ट्र बाग रुक सा अवर 'वृद्धि বিনুধ্য হয়। শিশু রক্তাক কলেবরে ভূমিতে পরিত হতে, বিঠান্ত্রান্ত কৃত্রির মতো থক সঞ্চালন করতে থকে। সে স্তার উচ্চতর জান হারিয়ে, যামার প্রভাবে ফ্রাক্স করতে থাকে। গর্ভ থেকে বেভিরে আসার পঞ্চ, শিক প্রতিপালিত হয় সেই সমস্ত ব্যক্তিমের বারা, বারা বৃষ্ণতে গুৰে না সে কি চাব। তাকে বা দেওৱা হয় তা প্রত্যাপ্যাস করতে অসমর্থ হয়ে, সে এক অব্যক্তিত প্রবিছিতিতে পতিও হয়। খেকজাত কীটসমূহে পূর্ব ময়ুলা বিশ্বনার স্থানিত সেই বৃষ্ঠাগা লিওটি চুলকানি খেকে জারাম প্রতান করা তার থকা চলকাতে পারে ৰা, তার উঠে বসা, দাঁড়ানে অথবা চলাকেরা করা তো পুরের কর্ম। ছতার পেনেল ভর-বিনিট সেই লিওটিকে ভার অসহার অবস্থার জান, মধ্য, স্বারণোক্ত ইতান্তি কামডাতে বাবে, টেক বেমন ছেট কৃষি বছ কৃমিকে সংশ্ল করে। বিগতকান নিভটি তথন উচ্চবরে ক্রাণম করতে খাকে। এইভাবে শিশুটি করা রক্তর দুঃখ-কট ভোগ কৰে, ভার শৈশক অবস্থা অভিক্রেম করে কলাবেশ্বর প্রদার্থণ করে। সাল্যবেয়ারও সে অপ্রাণ্য বস্তুর বাসবা করে এবং জ না পেছে যে দুঃৰ অনুভৱ করে। এবং व्यरेकात सम्मानकारणयः, तम कृषा करण मृत्रियस एउ। নের বৃদ্ধির সালে সালে, আছার বিনালের জন্য, জীব ভার থাতিখন এবং ক্লেম বৰ্ণিত কাতে বাকে এবং তাল কলে

গারিংশতি অধ্যায়

সকাম কর্মের বন্ধন

ঙগবান কণ্যেন—"ৰে কব্দি পুৰুত্ৰতীয় জীবন সূতা হয়। ঐতব্যক্তিকা কড়া প্ৰকৃতির মুই পরার্থ নামক অবদাস্থন করে জড়-জার্যাতক উর্যন্তি সংখ্যান্ত জন্য ধর্ম ক্যবাস্থানার কায়ের অভিয়াতার পর রক্ষা পূথিবী, জন, অনুষ্ঠান করে এবং তার কলে সে অওনৈতিক উমতি নামু, অন্নি, আকাশ, মন, অহভার ইত্যাদির ভারা সাধন এবং ইন্সিত-তৃত্তি সাধনের ব্যক্ত চবিতার্থ করে। আজানিত জড় ব্রজাণ্ডের অবদান স্কধন করে ভগবানের সে বার বার এক*ইডা*বে আচরণ করে। ইন্সিয়-র্নাপ্তর প্রতি অভ্যত্ত আমন্ত হওরার কলে, এই প্রকার কভিত্রা সর্বদাই ভতিবিহীন ধাবং ভাই, বহিও ভারে ৰূম প্রকার ব্যক্ত অনুষ্ঠান করে এবং দেবতা ও লিভুপুরুবটোর প্রস্তা করার জনা বড় বড় এত পাদন করে, তবুও ভারা ভাৰতভিতে আগ্ৰহী না। এই প্ৰকান বিজ্ঞানত ব্যক্তির ইমিম স্থাতোগের মাতি আকট হয়ে এবং পিও ও দেবতাদের প্রতি একাব্ড হরে, হললেকে উঠাত হতে পারে, ধেখারে ভারা সোমরস পার করতে পারে। ভার পর তার। পুনরার এই লোকে কিবে আলে। প্রত্যাপর क्षमध्य श्रीवृति बच्चा ध्यनस्थान न्याक नर्गनराम नर्गरत চন, তথন চপ্ৰলোক আৰি কৰ্মলোক সহ বিবয়াসক ব্যক্তিদের সমস্ত লোক কংগে হরে আরঃ খাঁরা বৃদ্ধিকন এবং বাঁদের চেতনা ৩%, তাঁরা কৃষ্ণভাকনর সম্পূর্ণকংগ ত্তপ্র থাকেন। জন্তা প্রকৃতির ওপ থেকে মৃত হরে, উরো ইপ্রির সুখডোগের কন্য কোন কর্ম করেন নঃ পক্ষান্তরে, (सरस्ट्र कांस कार्य नितंत, कार्ड कांस विवास कन्यात কার্য করেন। আসভি-রহিত হরে এবং গ্রন্থ করে। বাসনা-প্রহিত হরে অথক অহক্যরশূল্য হরে, নিজের বৃত্তি অনুসারে কর্তব্য-কর্ম সম্পাদনের হারা, শ্রীন ওছ চেতন व्याप्त हम अपर पापन (म छात्र पातरण प्रांत्रिक हर। এইতাৰে ভথাকবিত বাড়-বাগতিক কৰ্তন সম্প্ৰদানে দান, মানুষ অনায়ানে ভাকভাই প্ৰবেশ করাত পারে। এই প্ৰকাম কৃষ্ণ পুৰুষ জ্যোতিনাৰ পৰ্যের মাধ্যমে, পূৰ্ণ 'পরমেশর কণনামকে প্রাপ্ত হন, মিনি জড় কলং ও চিং-क्षण्टला प्रशेषक असर मृद्धि । किनारमञ्जू महार कारण। পরমেশ্বর ভাগবালের হিবশ্যবর্ত প্রকাশের উপাসকের এই জনতে পূই পরার্থের শের পর্যন্ত থাকেন, ছবন ব্রস্থারেও এবং ভর্মের পরিবারের বা সমাজের পাধর; রাষ্ট্রীয়

করে কিরে কন। বে যোগী প্রশ্বরাহ এক মার্নেনিপ্রক্রো খার কড জগতের প্রতি বিরস্ত হয়ে, কা দুরে ব্রহ্মলোঞ্চ ল্লান্ত হল, দেহত্যানের পর ডারে প্রকার পরীরে পরিষ্ট হন এবং তাই একা বৰ্ড মুক্তি লাভ করে পর্যায়ক পরবেশ্বর প্রথবানের ক্ষতে খান, তথন এই বোগীরাও ভগবছামে প্রবেশ করেন।"

"অভ-এব, হে হাডঃ। বিদি সকলের হারতে বিরাজ্যান, ভগবহুভিও মাধ্যমে স্থাসহিত্যবে, সেই असरिकार क्षत्रवादास जान द्वरूप करूप । (र घाउँ। কেউ বিশেষ স্বার্থে প্রয়েশ্য স্বথায়নের পুরা করতে भारत, किस उचार शरका सम्बद्धा समय-कृषाहरू वार्क धनि अवर अग्रीतिन मास्त्र यूनित्मत्त्व मृतित मान अप्रै सन्दर्भ कृत्यात्र किया जागरत हा। अकृतिक दिन ५८५३ পারস্পরিক ক্রিয়া হবন ওরু হয়, ভবন দৃশ্য কগাড়ের এটা বেলহর্ত প্রবাধে এবং আধ্যাত্মিক মার্গ ও বেলা-পদ্ধতিৰ প্ৰবৰ্তক মহান অধিদেৱও কালের প্ৰতাবে কিন্তে অসতে হয়। উল্লে উল্লেখ নিয়াম কর্মের প্রভাবে মৃত এবং ঠারা প্রথম পুরুষ অবভারকে প্রস্ত হয়, কিছু সৃষ্টির जरह छैहरत भूरवंड मटक खन क्या भूरत छैड़ा किरड আন্দেন। করা এই কড় কগতের প্রতি অভ্যন্ত আগত। काश कुर मुक्तकार्य अवर गठीत सांचा मध्यार छाउएत কৰ্মৰ কৰ্ম সম্পাদৰ কৰে। তালা প্ৰতিনিম এই সমস্ত रेश कर्रम् कर्व ज्ञानामा करत, किन्नु करकरमा शिट পাদতিশ্বর হয়ে, ভাষা ভা করে। রজোওলের হাব शक्तिक स्टा, भी तकात कांक्स मर्दगी वेशकात नुर्व প্ৰাক্ত এক অসংৰত ইতিন্তের প্ৰভাবে সৰ্বনাই ইতিক-ভূপ্তি সাকলে অভিনানী হয়। ভারা শিতৃদের পূচা করে

তান্ট্ হতো অন্যাস কানুক ব্যক্তিদের সঙ্গে আর শঞ্জার সৃষ্টি হয়। और शक्ता काकारना करण, कीन नककुरणा যায়। দ্বিহিত আন্ত খেহটিকে ভার ব্যৱগ বলে মনে করে। এই ব্যক্ত ধ্যাপায় ভিভিন্নে, গে সমস্ত অনিত্য বস্তুকে 'আমার' বলে বলে করে এই অভকারণমার কাবতে ভার ক্ষালা বৃদ্ধি কৰে। খাঁকে বে সেহটি ভাই নিবছৰ क्रिएमंत्र बहुतन क्षांस्त्र संकाम के मकाब कर्रात केस्ट्र আৰম্ভ হওয়ার কলে বা ভার অনুগমন করে, সেই (पर्कित कर) (म जूना श्रमण कर्स करा), या छात्र निरुद्धाः ক্ষা-মৃত্যু হলে পভিত হওমার করেণ হয়। অভ্যথ জীব যদি কামুক ব্যক্তিদের কর প্রভাবে বৌল সূপ এবং বিহার তাদ চরিতার্থ করার বালা অসং পথ অবস্থান করে, তা হলে ডাকে পুনরার কাকে প্রবেশ করেও হয়। অসং সামর প্রভাবে সভা, শৌচ, দল, মৌন, গারাবর্বিক বৃদ্ধি লক্ষা, ওপন্যা, কণ্, কংয়, ফলান্তন, ইপ্রিয়-সবের, সৌভার খাদি রমন্ত কাওব নট হয়ে যাব। **और श्रमात चनारा, प्रमुख्यान-अश्चित, मृह, चनारा लावनीत** এবং ক্রিনিক্সের প্রতে ক্রীডামধ্যে নাগ্র অসাধ ব্যক্তির त्रत्र करा कंपनों कर्रश नहाँ

268

ও বছন সৃষ্টি করে, ক্ষন্ত কোন বল্লপ্র সংস্কর্যে সেই স্বৰুত্ব বর না। প্রবা তার নিকের কন্যকে কর্ম করে ভার রূপ-ক্ষরেশ্ব মোহিক হরেন্ট্রিলন এবং দে কর্মন ভূগীরূপ ধান করে, তথ্য ব্রহা দুগরাল ধরণ করে নির্লকোর মতে ভার পিছনে পিছনে বাবিত হরেছিলেন। প্রস্থার मृद्धे भवत कीरवड वर्षा, रचा—अनुवा, सबका अस পত্ৰেৰ মধ্যে নানায়ল কৰি ব্যতীত অৱ কেইই ব্ৰীক্ৰণী मातात्र व्यक्तंत्रा दाता दिवृद्ध मा वरत व्यक्रक शास मा । হী মালনী আমার হাজর প্রজন দেশুন যে কেবল তান জন্তবিদ খারা এই *ক্*পতের দূর্ব প্রেট বীন্তবে ভার भवाकार करक बारच। विनि स्वारणत मार्राक भवाकारे। লাভ প্ৰতে চান এবং আমাত সেবার খালা বিনি আখু-উপদ্ধি লাভ করেছেন, ভাবের কথনই সুদরী রমণীর সদ করা উচিত নয়, কলন শাশ্রে ঘেরণা করা হয়েছে (व, चरकत अन्त नहीं) नहरंकत चार चहान। धनवारना

নিৰ্মিতা নদী মায়ত্ৰ প্ৰতিনিধি এবং বে ব্যক্তি সেধা অসীকার করে এই মাহার সদ করে, তার নিশ্চিতভাবে লেনে ক্লব্য উচিত বে, আ কুণাচ্ছানিক কুপের মডো তার মৃত্যু-বন্ধপ। জীব জন পূর্বজন্মে নারীর প্রতি জাসক क्ष्मान करन, अहे सत्य जीकन शांख क्रांटर अवर মোহৰণত পুরুষরালী মারাকে সম্পন্ন, সহাম, গৃহ আদির द्यपाद्या बदन बदन करता। न्याध्यत मनील व्यवस्थ प्रत्यक्ष গক্তে মুদ্ধার কারল, তেমনাই পতি, পুত্র, পুত্ ইত্যাদিকে ভ্যবহনের বহিবলা শতির ব্যরে তার মৃত্যুর আয়োজন বলে শ্রীর মনে করা উচিত। বিশেষ ধরনের শরীর হুওয়ের ২০ছে, বিষয়াসন্ত জীব তার সভায় কর্ম অনুসারে, এক লোক থেকে জার এক লোকে ব্রমণ করে। এইডাবে সে সকাম কর্মে লিপ্ত হরে, নিরন্তর তার থক ভোগ করে। এইতাৰে জীব ভার কর্ম প্রন্সায়ে, জন্ত ক্ষা এবং ইন্তিভ-সূম্যবিত একটি উপবৃক্ত শানীর প্রাপ্ত হয়। হখন বিশেষ কর্মের মাল সমাপ্ত হয়, সেই সমাপ্তিকে বলা হয় মৃত্যু এবং মান জোন বিশেষ কর্মফলের ভক্ত হয়, সেই ভরতে করা হয় কর। পর্ণন রাজে রোগরও হতমার কলে, চকু কলন রত থাওো রূপ দর্শনের ক্ষমতা "বীসদ এবং বীসদীও দদ বীবের দে-প্রধার কেন্দ্র ছারিয়ে কেন্দ্রে, কর্মন সর্গনেরির মৃতভার হলে মার। তথ্য চক্ত এক শুলা উভরের প্রটা কীব তার দর্শনের ক্ষমতা হারিছে কেলে। তেমনই, বন্ধর অনুভৃতির হুল কড় পরীর কাম অনুভা করতে অক্ষম হরে পড়ে, তাবন च्यारक क्या दश प्रदूष। सीच यचन छात्र ब्याउ (सद्दरक অর স্ক্রাণ বলে দর্শন করতে ওরু করে, তাকে বলা হয় ৰাম। অভএৰ, হুপুর ভয়ে জীত হওৱা উচিত না পেছকে আৰু বলেও মনে করা উচিত নয়, জীবনের আৰশ্যকভাওলি বৰ্তিত করে সেইওলি উপভোগ করার চেটা করার উচিত বর। জীবের বাভবিক প্রকৃতি উপসৰি কথে আস্তি-গৃহিত হয়ে এবং উদেশেও ছিব হয়ে এই লগতে বিচরণ করা উচিত। সমূক দৃষ্টি-সমষ্টিত হলে, ভাবেড্রভিন ধ্যান পঞ্জি-সমষ্টিত হলে একা অভ পরিচারের প্রতি উদাসীন হার, কৃতিক ছারা এই সারিক জনতে পাড় গেহটি প্রস্তর্গণ করা উচিত তার

কলে এই বাড় জনতের প্রতি উপাসীন হওয়া হার।"



बीवदन्य क्योर्ट्सक्क উद्धि शश्रान्त कर्ना भिया-ताब कर् খাকে। এই প্রকার ব্যক্তিদের কলা হর ত্রৈবর্গিক, কারল ধ্যকা বিকর্ণ সাধনে উৎসাহী। বন্ধ কীথেনের আদকর্তা প্রক্রেশ্বর ভগবানের প্রতি ডারা বিমুখ। ভারা প্রক্রেশ্বর क्षप्रधासन जीना संस्था कार्यरी मह, या केन कटाक्क विज्ञरश्य कर्मा अस्तीय। और धकार गासिना कभवात्मा পর্য আমেশ অনুসারে মতিত হর। কেহেতু উরো फनवारनत कीनाजन चामाजा शकि विभूग, कारे कारमत विशेष्टाओं भुक्दरत महा कुमना कता एत। कर्ता चनवातम् हिन्द्रम् जीमा-विचारमञ्जूषा मा करने, বিব্যাস্ত মানুধানের স্থাসিত কার্থকাপের কথা মাবদ করে। এই প্রকার বিহরসেক্ত ব্যক্তিরা সূর্বের দক্ষির ভাষন **পর্যে পিড়ালোকে গমন করে, তার পর সেখান থেকে** बहै शह, भुमवत वहै लाउन जानत निरम्यान भविकात জন্মান্ত করে জীবনের অন্ত পর্যন্ত পুনরার সেই সকায় খমই করতে বাকে। ভাষের পুণ্য কর্মের কল নিঃশেব হয়ে সেলে, তারা খৈবধান পুনরার অধ্যাপতিও হয়ে এই লোকে কিরে আনে, ঠিক যেমা উচ্চপদে উহীত কোন याखिएक करनत कबनद महला भगहाठ करा इरा?"

"ছে যাতঃ। খামি ডাই সাপলতে উপযোগ নিচি হে, আপনি প্রয়েশন স্তগবাদের নীপাদপরের করেন **अरुन करान, अरुन हैस्त्र श्रीनामनाद्य क्याराध्य । नृपं क्रकि** এবং প্রের সহকারে ভা এখন করন, কারণ ভার কলে আপনি দিবা ভগবড়ঞ্জিতে অধিষ্ঠিত হতে পারকো। কৃষ্ণভাৰতা বৃদ্ধ হলে এবং নীকৃষ্ণকে ছক্তি করলে, শীর্থই কাল ও বৈবাগা এবং আগু-উপলব্ধি লাভ হর। ইপ্ৰিবের কাৰ্যকলাপের যাধ্যকে, উন্নীত ভক্তের প্ৰম भक्तभी का अन्य कान वहाँदे द्वित अन्य स्थान कहाँद्वि অপ্রির, ডিনি এই ধারণার অভীত হন। ৩% ভারু তাঁর অপ্রকৃত বৃদ্ধির প্রভাবে সমদশী কা এক নিজেকে জড়ের ৰস্থিত প্ৰভাব থেকে মৃত্যুলনে দৰ্শন ৰয়েন। তিনি **रका**ल चक्रकां के प्रथम का चारमाग्रंथ मर्चन बराबन मा अवर তিনি ক্রপতভাবে ক্রগবানের সমান ইওয়ার কলে, মিকেকে চিকা কৰে অধিষ্ঠিত বলে কৰেব কৰেব*ৈ*

"পর্যুবন্ধর ভাগবানী হচেনে পূর্ণ ডিমার অহারকান, তিছ উনপান্তর বিবিধ পদ্ধ অনুসারে তিনি ব্রক্ষ, প্রয়োগা, পর্মেশ্বর ভবধার আববা প্রকাবতাররাধে প্রতীত হয়।

সমত ৰোগীদের ক্ষম্য সর্ব তেওঁ উপদত্তি হাক্ষ্ নিবয়ের প্রতি পূর্ব বিরুদ্ধি। বিভিন্ন প্রকার মোগ-পর্যাতর দার। কেবল সেইটুকুই লাভ হয়। খনম চিমান তবের প্রতি প্যাথাৰ, তায়া তামের কলনামূলক ইপ্রিয় কানুকৃতির দানা প্রয়তব্যকে ডিম ভিহরতে দর্শন করে এবং তাই ভাগের ्राष्ट्रे क्षांत कवानात्र करण, अन किवृष्टे छारवत कारध আলেকিক বলে মনে হয়। মহতক বা সমগ্ৰ শক্তি থেকে, অহন্তার, তিন ওপ, পঞ্চ মহাত্বত, বাষ্টি চেতনা, একালে ইলির এবং জড় সেহ আরি উৎপম করেছি। ভেমনই, সামার খেকেই (প্রথেশর ভগবান থেকে) সংখ্র ব্রসাও প্রকাশিক হরেছে। এই পূর্ণ জান তিনিই লাভ করতে পাবেন, যিনি এছা, ছিব্রতা এবং পূর্ণ বৈরাগ্য সহকারে ভগতপ্রক্তিতে বুক্ত হতেছে এবং বিনি সর্বদাই পরমেশ্বর ভগবানের চিতার নিমধ। তিনি রুড সঙ্গ (बर्क मृत्त बारकम ("

"হে মাঙের বাতাঃ আমি ইতিপূর্বে পরমতত্তক জানার পদ্ম আগনার কাছে ফানা করেছি বার দারা কড .इवर (5फ*्रिज़ धेक्*ड **क्यू अ**वर फ्रिक्ड जन्नके दलवजप করা বায়। সাশনিক গবেরপার চরম পরিপতি হচে পর্যেশ্বর ভগবানকে হলরসম করা। এই জান লাভ করে বৰন প্রকৃতির ওপ থেকে যুক্ত ছওলা বার, কবন क्षत्वस्थिय स्था धार्थ इत्या यात। श्रेजाक्षात्व ভাবত্ততির হারা অথবা মার্শনিক গ্রেবন্দার হারা, একই हिमा वस शारी हरड हत अवर था शरक भन्नस्थान ভাগবাল। একট বন্ধু হৈমন ভার বিভিন্ন চলের কলে, ভিন্ন ভিন্ন ইজিবের বারা ভিন্ন প্রকারে প্রকাশিক হয়, তেমনই ভনবান এক, কিছ বিভিন্ন শান্তীৰ নিৰ্দেশ बनुगात, जिले कित्र करण राजीक हुन। अकाम कर्म अगर क्षा कन्द्रेशमत बाह्य, मान्यत बाह्य, कन्यकर्म कन्द्रेशमध বালা, বিবিধ সান্ধে অধারনের খারা, খার্শনিক প্রেমণার पाता, भर निजरकृत चाता, देखित नरबर्ध्यत पाता, नजान श्रद्धनत बाह्य अवर वर्गात्मम क्षम् बानुकेह्नत बाह्य, ह्यारंगत বিভিন্ন অনুশীলন্যে খালা, ভাববৃত্তির খালা এবং প্রবৃত্তি ও নিবৃত্তি লক্ষণকৃত ভক্তিকোর প্রদর্শনের বর্মা, আছতত্ব উপলব্ধির ধারা এবং তীর বৈরোগ্য জাগ্রত করার ধরো আছ-উপ্লেজির বিভিন্ন পরা হলরকম করতে যিনি দক্ষ, তিনি পরমেশ্বর ভগবানকে, মাড জগতে এক চিৎ-

ক্ষানতে বেতাবে তাঁম স্বামান তিনি প্রকাশিত, সেউভাবে অভক এক ভগবান ও ভগবানের ভাতদের এতি নিবেষ-উপলব্ধি করেন।¹⁶

চারেটি আন্তংম এর স্বরাগ করি। করেছি। শাখাত কলে। নির্থংসর, সমস্ত জীবের প্রতি হৈছোঁতার সর্মায়ত কম ৰে কিন্তাৰে সকলের কাছে অগুলা (খতে, সমস্ত**িকাল ও নিটা সহকারে সেবা করতে উৎসুক, উ**হকেই শ্রীবেদের পশ্সাভাপন করে, তাও আমি সাপন্তর কাছে। কেনল উপদেশ নেওয়া উচিত। ধারা কাবত প্রতি বর্ণন করেছি। অভ্যান-জানত বা আন্ধাবিশ্বত হরে বর্ম। ইর্নাগরারণ নান, খারা সম্পূর্ণরূপে ওছা বারা কৃত্যেত্য করার কলে, সেই কর্ম অনুসারে জীবের নানা প্রকার করু- বিষয়ে নিরন্ত এবং বারা পর্যায়কার ভাষানাত্ত সৰ চাইতে জ্ঞাতিক স্থিতি লাভ হয়। যে মাত্য়ং কেই কথন সেই। প্রিয় বলে তহন করেছেন, ওক্তান ভানেবই এই জ্ঞান বিস্মৃতিতে প্রধান করে, তথন সে বৃথতে পারে বা, তথা পর কর্মন। সাধা ধ প্রীতি সংকরে বিনি একবার প্রতি কোথার শেষ হবে। এই উপয়েশ কখনও চর্যালু, আহর ব্যান করেন এবং আমার বিবরে রাকা ও কীর্তম অক্টিনীত অথবা দুরাচারীদের দেওরা উচ্চিত নব। এই করেন, নিংসদেহে তিনি ওয়ে চকুত আলর কর্মকরাহে উপদেশ कांत्रिक क्षेत्रर धर्मश्रक्तीरमध् कर, नव। सुद्धः किरत संद्धः।" অভান্ত লোভী, পাবিবাবিক জীবনের প্রতি অভান অভান্ত

ভাবদার, জনের কথনও এই উপয়েশ নেওরা উঠিও নর। "হে মাজঃ। অতি আগনকে ভতিবোদ্যে পদা এক । যে মাছাপদায়ণ ভক্ত কক্ষেধের প্রতি প্রস্থানীল,

ব্রয়েক্তিংশন্তি অধ্যায়

কপিলদেবের কার্যকলাপ

ন্ত্ৰীহৈত্তের ৰূপদেন—"এইডাৰে ভগবান কণিলহেৰের যালা এবং কর্মম যুদির পড়ী দেববৃতি ভগবড়তি এবং দিবা ক্লান সম্পর্কিত সমস্ত অবিদ্যা কেনে যুক एरवविरमन। पूचित्त्र गरेकृति-यक्तव शास्त्र मर्गटन्त প্রধর্তক জগবান কপিবদেবকৈ ডিনি নিম নিবিত ছতিয় স্থারা প্রথম করেছিলেন।"

দেববৃত্তি বনলেন—"ব্ৰহ্মণেক ভলমেশে সমূত্ৰে শরিত জানমার মাতিকমল থেকে উশ্বন্ধ হরেছেন বল, ত্রকাকে থকা করা হয়। আগনার স্করির অনব প্রকাতের উৎস, কিন্ধু স্থান্তাও ভেবল আপনাবই খ্যান করেছিলেন। হে ভগবান ৷ কবিও আগনাৰ কমনীয় বিশ্বু নেই, তবুও আগনি আগনার স্কিকে জড়া প্রকৃতির করের শাসাপরিক ক্রিয়ার বিভক্ত করেছেন, বার করে স্লগাংগ সৃষ্টি, স্থিতি ও প্রসম সম্পাধিত হয়। হে ভারেন। कांगनि जला-जन्म तयरं तमक बीरवर बहरायंत्रः।

कार्या क्या जान्ति और कड़ करूर मृति करत्यार अवर খনিও আপুনি এক, আগনার নিনিধ শক্তি নানাতাবে কার্য ভবতে গারে। সেইটি জামদের কাছে অভিতা। প্রয়েশ্য ভগরানরাপ আগনি আন্তঃ পর্যে কাল্ডংগ क्टराक्ता दि शकुः दील केल्ड नकट लिए करहार করে, সেই পরযোগনের পাকে কিনেবে জা সভবং করে উত্তর ছক্ষে এই যে, তা সরস ভালে কলতে আপনি একটি শিশুরাণ বারণ করে আপনার পারের অঙ্গুলি চুহতু চুম্বত প্রকলা একটি কটপাতরে শহন করেন। হে ভূপবানঃ পড়িত্নের পাশকর্মের অভ্যান্তর হাক্ত এবং ভাবেৰ ভাকি ও মৃত্তিৰ জান বৃদ্ধি জন্ম আপনি এই শ্লীর প্ররণ মরেছেন। বেহেতু এই সমস্ত পাশাছরে আপনার নির্দেশের উপর নির্ভাগনীল, তাই আপনি কেন্দ্রার হরাছ আদি তথ্য দিয়ে অবহরণ করেনঃ তেমনী, আগনৰে আনিত্যের বিবা জান বিভাগে কলার জন্য

আপনি প্রবট হবেছে। কুপুরতোঞ্জী পরিবরে। বার জন্ম হয়েছে, সেও বৰ্ম একবার প্রয়েশ্বর ভগবালের শিল্প নাম উচ্চারণ করে, ওার বীলা প্রবণ করে, ভাকে প্রথতি নিকোন করে অথবা উচ্চে শহর করে, জ হলে সে छरक्तार देविक कहा धानुष्ठीहर रक्तता हत, काठवन केत প্রভাকভাবে প্রক্রেক্স কবন্যকে কবি করেন, উদ্দের আবাদ্বিক উন্নতি সকলে কি আর ক্লার আছে। আহা । হারা আপনার পবিত্র হয়ে কীর্তন করেব, তারা কড চন। कुक्दरकाकी अधिवादत सन्धार्य कारणाव और शकार বাভিত্র পূজা। বারে জাগনার পবিত্র নাম কীর্তন করেন, শ্ৰাম সৰ্ব প্ৰকাৰ জনস্মা একং অমিহোত কৰা সম্পাদন करहरून अभर केला कार्यरम्य नगन्त नगानव कार्यन করেছো। জাপনার পরিত্র সাম গ্রহণ করার জন্য তারা নিশ্চরই সমস্ত পবিত্র তীর্লে ছান করেছেন, কো অন্যরন করেছে এবং সমস্ত আকগুকতা পূর্ণ করেছে। তে ওলবান! আমি বিখাস কবি যে, জাগনি ইজেন কপিল মানক ভগবান শ্রীতিক একা আগনি হচেনে পরমেবর জনবান পরবরক। ইত্তির এবং মনের বিক্ষেত থেকে **मुक्त इरहा, बद्याचा धवर वरिता जानजार शाम कर**्जन, কারণ আগনার কগায় প্রভাবেই কেবল মানুব কডা প্রকৃতির কিন কপের গঞ্জন থেকে মুক্ত হতে পারে। প্রদারের সময়, সমস্ত ধের আপনিই রক্ষা করেছিলেন। এইভাবে তার ফারের বাবের প্রদান হরে, সাড়কংসল ভগৰান কশিল গড়ীরভাপুর্বক উত্তর দিরেছিলেন।"

भवरमध्य धनवान वस्तम—"ए माउः! धामि धाभनारम धाध-उनमहित य भाग मद्दा उनराम मिताहि धा धाराच महत्ता। धाननि धानावारम धा धानुकेन कराय भारतन तथर धा धानुनीमन कराय वर्ग, धाननि धाननार वर्षमा महीरतरे, धार्च मीता प्रृष्ठ माठ कराय भागतारम। एर शराः। बीता श्रमुख्य धारामनारी, छेता धाननारम श्रमुख धामाह तथे छनराम धानुमत्तम करान। धाननि निष्ठिष्ठाराव (धारा सध्यक्ष महत्तम। धाननि निष्ठिष्ठाराव (धारा सध्यक्ष महत्तम। धाननि निष्ठिष्ठाराव धारा सध्यक्ष महत्तम। धाननि निष्ठिष्ठाराव धारा सध्यक्ष महत्तम। धाननि निष्ठिष्ठाराव धारा स्थान मानुना स्थान धाननि निष्ठिष्ठाराव धाराक मानुनाम स्थान धाना तथे धाना स्थान स्थान धाना करें धाना श्रमुल धाना कराय भागता क्ष्यार धाना मुद्दान हता धाना करें धाना श्रमुल स्थान कराय भागता कराये बाल-मृत्यूल हता धारा करें

औरप्रदेश मनराज-"भारमध्य छनरात क्रिलाएव তার প্রির মাতাকে উপদেশ দিয়ে, তার উদ্দেশ্য সাধন হওয়ার কলে, তারে মাজের অনুমতি নিয়ে গৃহ ভাঙ্গ করেছিলেন। কেবছতিও তার পুরের দারা উপদিষ্ট হয়ে. সেই আরমে ভতিবোগ অনুশীক্ষা করতে শুক্ত করপেন। তিনি কর্মম মুনিয় পুড়ে সমর্থি-বোগ অভ্যাস করেছিলেন এবং সেই গৃহটি কুলের ধারা এত সুপরভাবে অপকৃত ছিল যে, সেইটিকে সময়তী নদীর পুস্প-মুকুট বলে সঙ্গ করা হও। তিনি বিনে ভিনবার সান করতেন থবং ভার কলে ওয়ে কুজিও কৃষ্ণ কেলহার মটাযুক্ত এবং দিয়ল কৰি ছবেছিল। তার কঠোর তপজার কলে, তার সেহ বীরে বীরে দীর্গ হয়েছিল এখং তার কান জীর্গ হয়েছিল। প্রজাপতি কর্মনা হর একং গৃহস্থালি তার ওপদ্যা একং वारभन कल करूरे जन्छ दिन व, बीना अवर्तीएक বিমানে বিচরণ করেন, তারোও তার ঐশর্যের প্রতি ইবাপরারণ হতেন। এখানে কর্মম মূদির গুছের ঐপর্য वर्गत करा शरास्त्र। तारे भटता महा हिंग हुन-स्मानिक, আসনসমূহ হতীপত্ত নিৰ্মিত এবং সেইতলি সোনার ন্দরিবৃক্ত বস্ত্রের শ্বাহা আঞ্চাদিত ছিল এবং পাদমতাল ছিল সেনার তৈরি এক বালিশতদি ক্ষতান্ত কোমল ছিল। মেই গ্রের ক্লছ ক্ষটিক-নির্মিত মেওরালগুলি মহা বুল্যবান মণিবপ্লের বারা অলম্ভ ছিল। সেবানে प्यानारका काम श्रदाक्षम किम मा, कारन ग्रांडे गृह ग्रिडे সমস্ত মধির কিরণে আলোকিত ছিল। সেই গৃহের রমণীক্র সকলেই সুন্দর অলভারে বিভবিতা ছিলেন। সেই পুরুত্র অসন সুন্দর বাগানের খারা বেষ্টিড ছিল, বেখানে জত্যন্ত মধুর সৌরভযুক্ত কুল ছিল এবং অনেক বৃক্ষ দ্বিল, বেওলিতে ভাকা কল উৎপন্ন হ'ভ এবং সেইওলি উত্ত একং সুন্দর ছিল। সেই মাগ্যনের আকর্ষণ ছিল বুজের উপধ কুজনরত পাচীকুল এবং ওঞ্জনরত মধুকর। তথা দেই পরিবেশকে অভ্যন্ত মনোরম করে ডুলেছিল। দেবছতি হথম সেই মনেরম উদ্যাদের পথপূর্ণ স্থানেররে প্রান্ন করবার জন্য প্রবেশ করতেন, তর্মন सर्पत्र (भवकारण्य व्यनुक्त प्रकर्तका कार्यम भूनित गार्थश) ক্রীবনের সহিমা গান করতেন। তার মহান পত্তি কর্মম छै। के नर्वमा नद स्वयः मुक्तका दक्षान करविहरूनन। यशिक ঠান স্থিতি সৰ্বভোছাৰে অভ্যনীয় ছিল, ভবুও

কর্ণলকনাদেরও বাঞ্চিত তীয় সমস্ত ঐকর্য থাকা সংগ্রও,
সাধাী দেবতৃতি তার প্রের বিক্রম-খনিত বিবহে করের
হয়ে, সেই সমস্ত সুধ আগ কর্মেছেনে। কেন্ট্রের পতি
ইতিমধাই পৃষ্টতাশে করে সমান আগ্রম খনলক্ষম
করেছিলেন করে ভার পর তার করমার পুর কণিলদের
পুর ভাগে করেছিলেন। যদিও তিনি কীকা করং খুড়ার
সমস্ত ভাগ করেছিলেন। যদিও তিনি কীকা করং খুড়ার
সমস্ত ভাগ করেছিলেন। বিশ্বে করি ক্রিন ক্রিনে ভিনি
কংসহারা পাতীয় মতেই করের হ্যেছিলেন।

"ছে বিপুর, এইভাবে সর্বদা তার পুর পর্যালবর ক্ষাবাদ কশিশাদেকে খাল করে অতি সুদরভাবে সাক্ষাত ঠার গাহের প্রতি তিনি জনাসক হর্মোদশেন। তার গর. তার পুর প্রসাম বছন ভাগবাস কলিলায়েরের কাছ খেলে সমস্ত বভান্ত গভীর আগ্রহ সংকরে একা করে, কেন্দুভি নিবভার পর্যাক্ষর কাণবানের বিক্রমণের ধান করতে ওক করেছিলেন। তিনি ঐকান্তিগভাবে তভিবৃত ইটে ভা করেছিলেন। বেহেড় ওঁরে কৈন্সত প্রবদ ছিল, আই তিনি कांत्र (भारत्य प्राराज्यसम्ब बन्ध क्रिक बर्डोड्ड व्यक्तानः, তত্যকুই কেবল গ্ৰহণ করেছিলেন। পরমন্তর্ভুকে ইপদাৰি कड़ाड़ करन, छिनि खाटन हिरु बर्टाबरनन, छैह दसर ৩% হতেছিল, তিনি প্রমেশ্বর ভারবানের ব্যানে अञ्जूर्यकारण अध करविहरणन अवर खड़ा शकृष्टित প্রভাবজাত সমত দুর্ভাবনা দুর হরেছিল। ভার ফা भाग्नुर्गकान करवाहर वस स्टास्स्य अप छिने चाना থেকেই নিৰ্নিশেৰ ব্ৰহ্মজনে উপগতি কৰেছিলে। ব্ৰহ্ উপদৰ্শ্ব আদারণে তিনি ঋতৃ-আগতিক শ্রীক্রের ধারণা প্রসূত সমত উপাধি থেকে মৃক্ত খ্রেছিকেন। এইভাবে উর পরত্ত ভৌতিক ক্রেপের নিবৃদ্ধি হরেছিল এবং তিনি চিম্মর আলম্ব প্রাপ্ত ম্যোইলেন। জড়া প্রকৃতির তা থেকে উৎপদ্ধ প্রম খেকে মৃক্ত মূরে এক দিয়া সমধ্যিত অবস্থিত হয়ে, ডিনি ভার জড় দেংবের কবা ভূবে নিয়েছিলেন, ঠিক বেজন মানুব জেগে ওঠার পর, ভাব **४५-मृष्ठे भरी**रतम कथा कुरम यहा। छीत भूति कर्मम সৃষ্ট দেবাকনারা উল কেনের পালন-পোলা করের এবং তাঁর কোন রকম খানসিক উৎকটা না পাকার, ঠার দেহ কৃশ হয়দি। উক্তে তৰু টেক ধ্যাতঃ বহিব মতে গুঠীত

ইয়েছিল। বেছেতু তিনি সর্বাণ পর্যমেশ্ব ভগবানেই চিন্তাঃ মশ্র বিধেন, ভাই কথন বে তান চুক আলুলাবিত হর্মেছিল এবং কথন বে তান বসন অধিন্যক্ত ইয়েছিল, নেই সম্মান্ত তাল কেতনাই ছিল না।"

"एर लिए।। अभिनातिय कर्नुक द्वेभीन्द्र शर्भ पानुमाल करत (क्ल्ड्रूट पांहरत्त्र इन्द्र सभारत्य क्रम (४१६ पृथ्व इर्ट्याहरणन अवर पानाडार्ग भवस्थान क्रम्यान्यक भवश्यकार्ण शास इर्ट्याहरणन। एर स्थित त्मृद्धः (यदै इत्यान त्म्यूट्डि मिक्त स्थान कर्ट्याहरणन, (मद्दे इन्मिटिक भरितक्य क्रम प्राप्त क्रम हो। ध्रा क्रिम ल्याह्म स्थितिक प्रमानक्ष्यः। शिव्व विद्याः। क्षेत्र स्मारक रहीरिक प्रमानक्ष्यः स्थान्य इर्ट्याह्म अक्ष्य क्ष्यक्ष व्यक्ति नगैस्तर्थः स्थाहिक स्थान, वा मध्यक स्थान प्रस्त पृथ्वक्या। (स्थ्व स्थाहिक स्थान, वा मध्यक स्थान प्रस्त पृथ्वक्या। (स्थ्व स्थाहिक व्यक्त कर्त्यन, व्यक्ति स्थान स्थान क्ष्यका।

'হে বিয়রং ভাগৰাল মহার্বি কপিল ঠার মারেড অনুবৃত্তি নিয়ে, জার লিতার আগ্রম হয়েগ করে উত্তর-পূৰ্বদিকে গ্ৰহন করেছিলেন। তিনি যথন উত্তর-পূৰ্বনৈকে প্রার কর্মানুসান, শুরুর চাকা, গারুর, মুনি, জালরা আনি ক্র্যান্ডের অহিবাসীলা ঠার কাছে প্রার্থনা করেছিলেন _{প্}বং শ্রীকে সংখ্যান প্রদর্শন কর্রোজন্ম। সমূহ শ্রীকে কর্মা নিবের্ডন কর্মোছনের এক বসবাদের স্থান প্রদান कर्राहरूका। जिल्लास्थ्य यह जीरशमा उदारत करा कांतर कृति अकार त्यारम श्राधिक ब्रह्मास करा मुख्य मार्थकार्रवा देश गुका बरहर । द्व शृक्ष । दुनि বেংকু জানাকে জিজানা করেছ, ভাই আমি উত্তর শিয়েছি। যে বিশ্বাপ কলিবদেৰ এবং ইয়ে যাতার গুন্তার এক তালের কার্বকরাণ সমস্ত আপোচনার মধ্যে প্রম পরিষ্ট। কণিকাদের এবং উরে মাতরে আচরপের প্ৰতি অন্তান্ত লোপনীয়। সেই স্বভাৱ বিনি একা কংগ্ৰহ क्षक्य भूते करहा, दिनि भन्नकृत्वक भराप्रका क्षवदानंत्र তত হয়ে বান এবং ভার পর প্রমেশ্য ভগবানের অতাকৃত প্ৰেমন্ত্ৰী কেণ্ডৰ বুক্ত হওয়ার কৰা কান্ডোমে श**्ला करू**के।"

চতুর্থ স্কন্ধ (ভগবস্তক্তদের প্রতি অনুগ্রহ)



মনুকন্যাদের বংশাবলী

শুভালো থেকে তিনটি কন্যা লাভ করেছিলের এবং প্রাচনর নাম হচ্ছে—আকৃতি, দেবহুতি এবং প্রবৃতি। আকৃতির বজন ভাই ছিল, কিন্তু তা সংক্রণ স্করণ মনু **4**हे नार्थ छैएक शकानकि क्षति इस्त जन्मान করেছিলেন বে, তার থেকে যে পুরের কব হবে, তাকে মনুর বাহে তার পুররূপে কিরিয়ে পেথরা হবে। তার পত্নী প্ৰচল্মণা এই শঠটিকে অনুযোগন করেছিলেন। ক্রন্দ্রগেটিড প্রশানসীতে অভ্যন্ত পক্তিসাশর কটি প্রস্থাপতির পরে নিবৃক্ত হয়েছিলেন এবং তার পদ্ধী আকৃতির গর্ডে তিনি একটি পুর ও একটি কন্যা লাভ করেছিলেন। আঞ্চিত দৃষ্টি সন্তানের মধ্যে, প্রস্থানটি বিষ্ণের প্রায় জনবানের কবতার এবং তাঁর নাম ছিল কল, ষা হতে, ছগবান বিকৃত্ব আৰু একটি বাস। আর ৰ-বাসভানটি ছিলেন ভগৰান শ্ৰীবিধার নিতা সহচরী পক্ষীরে অংশাবভার। পাবস্তুর মধু অভাত अजहजनर्वक रक्ष जायक चन्द्र जुन्दर सामकरिएक पुरस् নিৰে এনেছিলেন এক ঠার আমাতা ক্ষমি তাঁক কনায় র্যাক্তাকে উল্ল কাছে প্রতেছিলেন। মধ্যের ঈশর জাগনে পরবর্তী কালে দক্ষিণাতে বিবাহ করেছিলেন, খিনি ব্যৱস্থের ভারত্যকে ঠার পতিবলৈ লাভ করে কামর কর্মের্ছকেন। স্থাপান ভার সেই পথীয় প্রতি ক্ষতাও ध्यक्त शरत, नार**े भ**त नाफ कटाहिसान। **एक अ**न्ह पब्लिय बारि शुरू असे दिल-एडाव, अस्टाव, अस्टाव, ভয়, শাব্দি, ইড়াপতি, ইং, কবি, বিভু, বংং, সুদের এক ব্যেচন ৷ সামস্ত্রত মহন্ততে এই পুরুৱা দেবতা হর্মেছিলেন বাঁলের বৌধভাবে ভবিত কলা হয়। মবীটি সপ্রবিধের প্রথম হরেছিলেও এবং হক্ষ শেবতাদের রাজা ইন্ত इराहित्सन। ऋष्ठकुर मनुष मुद्दे गृत क्षिप्रेक्क त्राप्त উড়ানপাম অভ্যন্ত পজিপালী বাজা হয়েছিলেন এবং তাৰের পুর ও পৌত্রেরা সমত ত্রিভূবন ক্ষড়ে বিস্তান লাভ करविष्य ।"

প্ৰীমেন্ত্ৰেৰ কলকেৰ—"বাচৰুৰ মনু ভাৰে পড়ী সেই কৰা অন্তি পূৰ্বেই আগনাধে বলেছি এবং আপনিও का आह्र अल्लूब अका करताहर । याववृद भगु केल काह প্রসৃতিকে ব্রহ্মার পুত্র এবং প্রজাপতিকের অন্যতম দক্ষের शरक्ष भाग करविक्रणा । माध्यम परम्भरवता जिल्लाक सुरक বিস্তার সাথ করেছে। আমি আপনাকে কর্মম মুনির নরটি कतार्थ विरुद्ध भूतिहै जलाहि, वीरमत महक्रम स्वामितिक नाम कहा इट्लिक्स। अपन प्याप्ति त्यारे नामम क्याप्ति वर्त्तस्त्रप्रश्च क्यां वर्षम्य क्याः। एता करत चाननि छ। व्याधात कार्यः क्षरण कवान । वर्षधः प्रतिव बन्ता कार्यः মধীনির সভে খার বিবাহ হয়েছিল, তিলি বলাপ এবং পূর্ণিয়া নামক দৃটি সম্ভান প্রদার করেছিলেন। ওঁচনের কপেধরেরা সারা কিছ কুছে বিক্ত হয়েছে। হে বিশুর। কল্যপ এবং পূর্ণিমা নামক দুই সন্তানের মধ্যে পূর্ণিমার বিরয়ে, বিশ্বগ এবং কেব্রুবড়া নামক তিনটি সন্তান উৎপন্ন श्रामित्। श्रीमा ग्राम प्राप्तकृतमा क्लि नंद्रास्थन ভগবানের শ্লীপাদপত্ব-টোও জন, বা পবনতী কালে কুৰ্বামাৰে প্ৰসায় জলাভৱিত হয়েছিল। অৱি পৃথিৱ পত্নী আনসূত্রা তিনজন অভি প্রসিদ্ধ পুরের জন্ম নিরেছিলেন, वशा--- (महाय, मखाद्वात अवर मृतीमा, बीडा फिरनम अना, বিষ্ণ এক শিবের আলোকভার। সোন ব্রহ্মার, মভারের বিকৃষ এবং ধূর্বানা শিবের অংশাবভার ছিলেন 🖺

> তা লেনার পর, বিদ্যু গৈরেরকে ভিজাসা অপ্রতিবেদ-"হে ওঞ্চনে। ক্রমা, বিফ এক শিব, বাঁগা সময় সৃষ্টির সৃষ্টিকর্তা, প্রলাকর্তা এবং সংহারকর্তা, টারা ভাত্রি মুনির পান্টীর সাভান কিভাবে হয়েছিলেন ং"

মৈরের কালেন--"অভি মুদ্দি যাবন অনুসরুকে বিকাহ করেন, তথন ক্রমা ভাঁকে প্রজা সৃষ্টি করার আদেশ দেন। ভবন অতি মূলি ভার পত্নী সহ কঠোর ভপস্য করার ভনা কক নামত পর্যক্তর উপতাকার গিয়েছিলেন। সেই পর্যতের উপভাষার নির্বিদ্যা নামক মধী প্রনায়িত প্রচেত্র। নেই নদীর ডটে অলোক, পদাশ আদি পুশ্রবৃত্ পুষ্পার্থকৈ সুপোরিত দিশ এবং সেখানে কবনার জন িয়ে ধংস। স্বাধায়ৰ মনু তীয়ে ভালত প্ৰিয় কন্যা। সৰ্বদা মধুর কানি উৎপন্ন করে প্রদাহিত হতিক। পতি দেহপুতিতে কর্মন যুদ্ধির করেছ সম্প্রদান করেছিলেন। এবং গল্পী সেই অতি সুখন স্থানে উপস্থিত হয়েছিলেন।

সেই মহর্বি সেখানে প্রাণ্ডার অভানের করা টেল করেছ একত কার্যাদলেন এক এইভাবে তার সমত আর্যাক अरबाक करते, क्षेत्र भारतर क्षेत्रह अञ्चलका हार, रकरण বাৰ আহার করে এক শত বছর ওপন্যা কর্বেছকা। তিনি কামনা করেছিলেন—অমি বাঁও পরণ প্রচন করেছি, ০ট ৰগদীপর কৃপাপূর্বক আনাতে ঠিক ঠাকী মতে। একটি পুত্র প্রধান ককন। আহি হানি হখন এই*তা*ছে करोहा छननाए वृक्त हिलम, छन्म धानागरम् अस्पत উলে মন্তব্য খেলে এক প্রকাশিত ঘণ্ডি নির্গত কর্মেক अवर जिल्लाहरू दिलका पूजा (स्वका (मेर्ड कवि कर्जा) कर्त्वाहरूका। (सर्वे मध्यतः, चन्नतः, तन्तरं, निष्कः, किन्नवन् মাৰ প্ৰকৃতি কুৰ্ববাদীকৰ বাহ তিন কেবল কৰি মুনিয় খ্যান্ত্রের একেবিকেন। খণসারে প্রথানে বিখ্যান নেই হুবুর্বির আগ্রহের শুনো এইভাবে গ্রহেশ করেছিলেন। কৰি এক পারে দাঁড়িয়ে ছিপেন, কিন্তু সেই বিনালন লোভান্যে একরে তার কাছে আসতে নেখে, তিমি এত প্রদান হয়েছিলেন বে, অভায়ে এট হত্যা সম্বেও ডিলি এক नारत छैरामा करक निरंबिर्गन। छात्र नत छिनि त्येरे ভিনন্তন মেবতাকের ককরা করেও ওঞ্চ করেছিলেন, বাঁরা উচনের বাহন-কুর, হলে ও গরুরে উপরিষ্ট ছিলেন এক **डारमत हारछ फवक, कुम बाव व हक दिल। यूनि** ভূমিতে পতিত হরে, তামের মওবং প্রণতি নিকেন করেছিলেন। সেই ভিন্তান দেবতাকে তার প্রতি প্রদা (मर्च कडि भूमे थायाच चार्नाचक श्रुविशमा। केर्बंद দেহনিৰ্গত ইণ্মিক্টেছ জীৱ চোৰ স্বলগে বিয়েছিল এলং ভাই তিনি সেই সময় উার নেত্র নির্মালিত কর্মেছলেন। কিছ খেতেতু উন্ন হুনৰ খুৰেই সেই দেববাৰে প্ৰতি আকৃষ্ট ছিল, ভাই তিনি জোনক্রমে সচেতন হয়ে, কৃতাঞ্জনিপুটে মধুৰ শশেষ বাবা হক্ষাতের প্রবান ক্রেডারের ক্লক করণ্ডে লাগলেন।"

महर्ति वाजि क्नारम्थ-⁴८६ प्रका, विकृ अंतर निव, জ্ঞানারা প্রশৃতির তিন কর বীকার করে তিন ভাগে আপনাকেনে বিভস্ক করেছে, বেলথে আপনায় প্রতি करण सभएजा मृष्टि, जिकि अन्य शमासक सन्त अस থাকো। হারি জাগনানে সকাকে হয়ে। নরত প্রতি निरक्त करि अवर खात्रि खन्नासम कर्ड् बानए हरि, আমার তার্থনার বালা আপত্রেশা তিনকনের মধ্যে কাকে আমি আচ্যুদ্র করেছি। আমি পর্যোশন কমবানের ফ্রিয়ে পত্ৰ লাভের সামনা করত হৈছে আত্মান করেছি এবং তামি ্ৰেবল তাবই কথা চিন্ত করেছি। কিন্তু যদিও বি^{ৰ্দ্}-मनुरक्त प्रत्येत क्लान्य कडीड, ठट्ठ व्याननाच दिनक्रम প্রবাসে প্রসেচেন। পর করে আর্থাকৈ করন কিলেকে **भारत्या अस्तरहरू, कारत स्टोरे विराद कार्य क्यां** निर्मियाकका इत्सकि।

बर्सर्व क्रिएडक रमास्त्रम—"चाँत पुनित स्पष्टे क्याँ ন্তম, ভিনয়ন মধন দেবল ক্ষু হেমেছিলের এবং উলা बद्ध पता डेस्ट निर्द्यास्ट्रांस (

তিন্তন দেবতা যাই স্থিতে বৰকেন—"হে প্ৰকাশ ভতি সভাসকৰ এক ভাই তুমি বা চেয়েছ, খা ধৰে ভাব কোন অনাখা হবে শাঃ অংকর সকলেই সেই পুরুষ বীর খ্যান তারি করেছ একং তাই আনরা সকলে তোকো করে এসেছি। আবাদের পরিবর কলে-ধরাল পুত্র ভূমি লাভ ক্ষাৰে এক কেন্টে আনক ভোষার সর্বাচীৰ ফাল জাননা হরি।, ভাই জোনার সেই পুরুরা সমত উপং কৃতি (कार्या का विकास कहर) और करण, यदि भूतिए देश चित्रमिक कु धनान कहा, (मेरे विमान मृत्यक इंचा) বিশ্ব এক মাছেন্ডে সেই দক্ষজিন দৃষ্টিপথ খেকে অভতিত হতে গোলেন। তাৰ পত প্ৰকাল কৰে কেন্দে কোনেই ক্রণ্ড ছার্যেছিল, বিশুল কলে খোকে মহাবোলী সভারেত ভার চ্যাধিল এবং শক্তারে মংশ খেকে *মুর্বাসার পা*র হরেছিল। একা ভাপনি ভাষার কছে খেতে ভালিতে অনেক পৃত্ৰ স্বাংগী তাৰণ কৰন।"

"ব্যলিবার পথী করা চাবটি কন্যার দার পিয়েছিলেন श्रीत्वयं नाथ विग--विनीयाती, कृष्ट्, ज्ञास्त्र अन्य चनुप्रवित्रः की गंबारी कना गांधीट दीत कातंत्र गुरी गुढ शहरीला। फीर्मा क्रमारमा मार जिल्ला अंदर फाग्यक रहिला गरेव বিহাল কুমুস্পতি। পুলকা তীল পদ্ধী হলিকুঁই খাংগ্ৰেছ অধব্য নামক এক পুর বাত করেছিকো, বিনি পরবঠী ল্পার্য বর্ত্তারি হয়েছিলে। তা হতা পুনাজের ক্ষম একট बहात भाद अवस्थित जुड स्टरिंग, क्षार ताम हिंग रिकार। বিশ্রবার দুই পরী ছিলেন। প্রথম পরী ইভৃবিদ্ধা খেকে ক্রকণতি কুরোও জর হরেনির এবং আনু পরী কেনিনী কেন্ডে ব্রাবণ, কুছকা ও বিভীবণ, এই জিল পুরের জন্ম হারেছিল। পুলাই কবির পদ্ধী হাতি ফিনটি পুরের কব

विद्यविद्यान, बीरमण नाम दिल--कमंटाई, स्टीवान **व** স্তিকু এবং উল্লা সকলেই ছিলেন মহান পৰি। ইন্ডার পদ্মী ক্রিয়ে বাগবিদ্য নামক মাট হেবাল মহবিব স্বাস্থ निर्दाहरूका। और मुख्य अधिया कावाधिक सार्व्य करात केंद्र विराम्य अवर केंद्रपथ भारतय शहरत केंद्रपथ नवीय জ্যোতিৰ্মন ছিল। মহৰ্ষি ৰশিক তাৰ পত্নী উৰ্বাং জন্ম আৰু এক নাম অক্সবাতী, তাৰ খেকে চিন্তকেও আদি সাতটি নিৰ্মাণ মহৰ্ষির ক্ষা দান করেছিলেন। সেই अल्बान कार्रित नाम-क्रियाक्ष्य, मुख्यक, विका, विज्ञा, विज्ञा, উন্দৰ, কাতব্যান এবং দ্যাযান। স্থানিটো অব্য পত্নী থেকে আনও করেকজন অভান্ত বোগ্য পুত্র হয়েছিল। चावर्रक नहीं हिन्दे कराफ नामक क्रम वाल कर्मानता जायक शुरुवत्र साथ निराहित्यम। जायन भागनि भाषात कार कार्नि कृतन बर्गनतास्त्र महत्व क्षेत्रन कन्नन। ५० মনি ছিলেন অভান্ধ ভাগাবালঃ তিনি ওয়া পতী ভাতি থেকে বাতা এবং বিবাতা নামক দুই পুত্র এবং 🛍 নামী 40 क्या शास शरकविरामन। अहे क्याहि शहराश्वर ভগবানের প্রতি অভান্ত ভক্তিমতী ভিজেন। স্বহর্তি মেক फैस मुद्दे करता चाराजि अवर निराधितक बाजा अवर विशाधात হণ্ডে সম্প্রাধন করেন। আরতি এক নিয়ন্তি থেকে মূকত अपर क्रम भारत पृष्टि शहरात संध स्त्री । पुरुष त्यादन মাৰ্কতেও কবিৰ জন্ম হয় এবং প্ৰাণ খোকে কোলিবা चरित क्षेत्र हत, केंग्र गुढ़ दिरमा छैनल (श्वास्त्रार्य), विनि কৰি নাবেও পন্নিচিত। এইজাৰে কৰিও ক্লৱ-বলীয়।"

396

"दा विषुत्र। अदेशाय स्टाम सविद्यान अवर कर्पत्र भूमित कन्द्रारमञ् अञ्चनरमञ्ज प्रता और क्रमाएक्ट सका यहि ইয়েছিল। কে-ব্যক্তি কল্পা সহকারে এই বংশের আখ্যান প্রকা করেন, তিনি সমস্ত পাগ থেকে হক্ত হবেন। क्षत्रकि न्यभक् कर्म क्षत्रम् कनास् विवाद् श्रामीका द्वाचारा পুনা মণ্ডের সঙ্গে। তার পত্নী প্রসৃতি থেকে মন্ডের অতাপ্ত সুকরী কমল-বয়ন বোলটি কন্মন্ত লক হারছিল। যোলটি কনার হথে তেরটিকে তিনি ধর্মকে এবং একটি। ৰুমায় অভিনেক সাক্ষরদান করেন। অর্কানট বট করার একটিকে ভিনি লিওখোককে ক্ষম করেছিলেন, কেবলে বিদি অভার প্রতিপূর্বক বাস করছেন এবং অপর ৰনাটিকে হিনি প্ৰিকে হতে সক্তমদ করেন, বিনি গাণী যান্তিলের ভালভার থেকে উদ্ভার করেন। গঞ্চ থে তেনটি

कन्ता वर्धरक नाम करहास्तिनान, फीरनत नाम करान- अच्छा. देवती, पता, भारत, कृष्टि, शृष्टि, विश्वा, केर्याट, वृष्टि, दाना, ভিভিশা, দ্রী এবং মৃতি। এই ছেরটি বন্যা যে-সমগ্র সংগ্রনদের আন্ম বিয়েছিলের তারা হতেন্স--লক্ষ্ম থেকে ওড়, মৈত্ৰী থেকে প্ৰস্থান, দলা থেকে অভান, দান্তি থেকে সুখ, তৃষ্টি থেকে মুখ, পৃষ্টি থেকে শায়, ক্রিয়া থেকে যোগ, উন্নতি থেকে দৰ্গ, বুদ্ধি থেকে অৰ্থ, মেধা খেকে পাতি, তিতিকা থেকে কোন এবং হী থেকে থখার। সমস্ত সংগ্রহার আধার মূর্তি, পরমেশ্বর ভগবান শ্রীনর-নারার্থানের জন্ম দিয়েছিলেন। নর-নারারণের আবির্তাবের काल, जमध धानर चानरम नुर्ने हरत बैठिहिन। जनरलह মন প্ৰশাস্ত হয়েছিল একং এইজাৰে সৰ্বত্ত কাৰু, নদীসমূহ, नर्रधमपुर् पाणक महनारत स्टारिन। पर्मानारक सकन्त বাজতে ওঞ্ন করেছিল এবং আকাশ থেকে পূপ্প-বৃষ্টি शहरतिम । अविदा शमा शहर देवमिक सन केलावन करविरागन, गचर्च अन्तर किनारतना भाग गरिएक एक करवेडिश्यन अवर चार्यन चार्यकार वाहरण एक कारकिरम्म । अप्रैकार्य मक्रमाधाराया चार्विकारक अनव সমস্ত মনগদ্যক বাদশ দেখা গিরেছিল। সেই সময ব্রহ্মা আদি মহান মেবতারাও ক্রছা সহকারে ভাঁনের शार्थना निरंतमा करतकिर**ा**न (*

মেখতায়া বলালেন-"আমরা প্রমেশ্বর ওপবানকে আমাদের সত্রত্ব প্রগতি নিকোন করি, বিনি শুদ্ধ বঁকালা শক্তিল্লাপে এই কাণং সৃষ্টি করেছেন: বারে এবং মেধ মেয়ন অনুর্বাক্তে অবস্থিত, এই সৃষ্টিও তেমন করে মধ্যে অবস্থিত। এখন তিনি নর-নাবারণ অধিরতে ধর্মের সূর্যে আবির্ভত হয়েছে। বিভঙ প্রামাণিক শাস্ত্র বেলের ভাগ্র বাঁকে জানা কর এবং যিনি জন্ত জনতের প্রশাস্থানার নিব্যৱস জন্য করি এবং সমৃদ্ধি মৃষ্টি করেছেন, সেই পরমেশ্বর ভগবান ক্ষেত্রামের উপর ভার ক্লাপ্র দৃষ্টিপাত কৰন। তাঁর ক্লাপর্গ দৃষ্টিগাত লক্ষ্যুদেবীত আলয় নিৰ্মণ খলের সৌন্দর্যকেও অভিক্রম করে।"

"হে বিবর। মর-নারারণ ছবিকলে আবিঠত পরমেশ্বর উপবান এইভাবে ক্ষেবভাষের ক্ষমার জারা পুলিত হয়েছিলেন। স্কান্তান তথা উচ্চের উপর উচ্চ ক্লাপূর্ণ দৃষ্টিপাত করেছিলেন এবং তার পার সভযাধন পর্বতে চলে গিয়েছিলেন। সেই নয়-নরোরণ থবি, খাঁরা

ছাজন জীকুকো জংক-প্রথান, সভাতি ঠাল ভূতার সাধিক জখন নির্বাধক। এই সময় বিভূষের পরী हतानत बना का क्षेत्र कुक्कार्थ क्षेत्र व शहरकार्थ অধিষ্ঠত হয়েছেন। আধ্যনের তার পত্নী বাহাতে গাবক, সক্ষপান কল হতেকিন, তার বন্ধুনা এক বাহিনী নামক প্ৰমান এবং ৩চি নামক ডিনটি সন্তান উৎপাদন ক্রবেছিকেন, বীরা মঞ্চাচিত্তে নির্বেখিত আগতি ভোজন লিভাষ্য বহু অন্নিদেবের সংব্যা মেট উনপ্তাল। কেন পুর হানে। সিং নির্দেশ হওয়া সংবৃধ সতীয় নির্বিশেষবাদী রাজবংদের ফ্রানিডে অপিন্ত অপতির পিতা ক্র ঠার নিখা করতেন। তাই, টে'লে চাল্ডির ভোজা এই উনপ্ৰাশক্ষৰ অগ্নিদেবতা। অগ্নিহাত, পূৰ্বেই, সতী জেগ প্ৰভাৱৰ উন্ন কেবটাল কৰ্মেছিলেন। वर्तितन, भौगा अवर चाकानभग दरक्त निहा। है।

स्टामन हरका महत्त्वत करता कथा। कथा महत्व भारत विश्वहरूप मुद्री कार एक। केशा केरहारे जिल्ला विरित्नवरणी अंक ন্দিৰ ও বৈদিৰ স্বাস্থ্য প্ৰক্ৰমী। সহী নামৰ ব্যেড্ৰান্তৰ করেন। এই তিন পুর থেকে পরতারিশ বংশযন্তের কর কন্যার্ক্ত ছিলেন শিক্ষে পদ্ধী। তিনি র্যান্ত সর্বন প্রস্তা হয়েছে এবং ঠারাও ইছেন অভিনের। পিতা এবং সহকারে ঠার পতির কেবার বৃক্ত ছিলেন, তবুও ঠার



ভিতীয় অধ্যার

শিবের প্রতি দক্ষের অভিশাপ

অভান্ত বেরপরায়র ছওয়া সংখ্যে কেন সভীকে অবশেক করেছিলেন এবং সুনীক ব্যক্তিদের মধ্যে সর্বজেষ্ঠ লিজে প্রতি মর্বালরারণ হয়েছিলনঃ সমগ্র রবজের ওক লিং নিবৈরী, শান্ত এক আছারাম। তিনি সক্ত দেববাদের মধ্যে সর্বক্রের। কিন্তু আ সক্তেও দক্ষ কেল এই প্রকার একজন মনসময় ব্যক্তির প্রতি বৈরীজবণন ব্যক্তিলেনঃ হে ফৈলোঃ। দেহতাগ করা অতার কঠিন। আপনি कि बड़ा करत प्राप्तात कारक स्थाना कतरका, कि काला चंदन क्षत्र सामाका क्षमन्दे किछ बनाइ निव इंटर्ड्स्ट्रिक्न, यांच करन मशायती नही (बक्छान क्टर्शास्त्रकान १ "

रेपामक कवि बनारमान-"नुबक्तारण हकारणह সৃষ্টিকার্কো নেতৃত্বনীয় ব্যক্তিকা এক মহাব্যক্তন অনুক্রম करतिहरूका, बार्ड अबदा बहरिंगान, यूनिन्न, सर्वटाका এবং অভিনেত্ৰণ তানের অনুসামীলা সহ সমবেত ইবেছিলেন। প্রজাপতিকের অধিপত্তি কঞ্চ কাল সেই

বিশ্ব জিলাস। করবেন--"মক তার করের প্রতি সভার প্রবেশ করেছিলে, করা সূর্বের হালে তার উজ্জন धन-तहार मध्य नहा बालांकिर हार्राहर अस रीव সামাস সভাৰ সমৰেত সমায় অভিনান নিতালই সগল্ তাৰ হয়ে হয়েছিল। ক্ৰয়া এবং লিব কাতীত, সমত শ্ববিদেশনৰ এবং সেই মহাসভার অন্যান্য সমধ্যেত अध्यक्षण केल महीरका स्थापिक बात शकाविक हरा। ভাষের স্বাস্থ্য থেকে করে ব্যক্তিকেছিলেন। সেই মহান সমায় সমাগতি কথা শক্তে বৰাবোৰ্য সভান প্ৰবৰ্তন করে স্থানত ভানিয়েছিলন। প্রস্কাবে প্রস্কা নিকেন করে দক্ষ উল্ল আসন এইশ করেছিকেন। কিন্তু আসন প্রহণ করার পূর্বে, উাকে সংগ্রন প্রবর্ণন আ করে শিবকে বনে থকতে দেবে দক বতার কণমনিত মর্চাচ্চকন। তথা হঞ্চ এত মৃদ্ধ হয়েছিলের যে, তাঁর চেপে নৃটি ছলছিল। किमी जन्म कराव करामानहरू मिरना निकास समार ওক কংগছিলেন। উপস্থিত সমস্ত অবিশ্বপু, ক্রাক্তপদা क्षर चक्षित्वकर्षः। ।शा कटक बटनाट्याम् महकाट খাল্লাক খালা কথা প্ৰণ কৰুৰ : স্বামি স্বাস্থালত क्रम्यक प्राप्त्रदर्यंद करण का समृद्धि माः स्ताकशानारम्य लाई अनर का निर विन्हें करहाइ अनर अनाठारवंत गणा কদ্বিত করেছে। যেহেতু সে নির্গক্ষ, ভাই গে জানে না কিডাৰে আচ্বৰ কথা উচিত। সে অধি এবং গ্রাহ্মগরের সময়ের আহার কথার পাদিপ্রবে করার কলে, **प**र्वते काक् क्**रमा**ः त्म चायात मावती मान्य कतारक विवाह करताह अयर फंपन रूप ठिंक अकबान माधुर घरका ভান করেছিল। ভার চোপ ঠিক কানরের মতের, বর্ণত শে আমার ফুলনার। কন্মকৈ কিনাই করেছে। তা সংস্থেত শে উঠে দাঁডিয়ে আমাকে অভিবাদন করেনি এবং মিট হাজ্যের ছাত্র জায়াকে স্থাগড় জানানো উপযুক্ত বলেও মনে কবেনি। শিষ্টাচারের সমন্ত নিরম-জসকারী এই বাভিটিকে আমার উনাপান ধরার কোন রকম ইচ্ছা ছিল। मा। कत्वन वर्तकृष्ठ विधि नियमश्राम शासन मा क्याह কলে, লে অপবিম, কিন্তু শৃত্রকে কেং পাঠ কবানোর মতে কমি বামার কন্যাবে তথ্য হতে সংখ্যান করেছি। সে স্বাক্তনের মতের অপবিত্র স্থানে বাস করে এবং ভ্রুত-তেখেকা হলে ভার সহতব। সারা পরীরে চিতাভার **(अ.स. डेकारमा गर्डा नेध शहा, त्म क्यान्त शहा अवर** কৰ্মৰ কাৰে: সে নিয়মিডভাবে পাল করে না এবং ভার অনের ভূষণ হচেহ মুওমালা এবং অরি। ভাই দে কেবল মামেই শিব বা ওড; বিশ্ব প্রফুডগুলে, সে সব চাইতে উক্ত এবং শণ্ড। তাই সে ভ্যোতবাজা উদ্ধান ব্যক্তিনের অভ্যন্ত প্রিয় এবং ভালের অধিপতি। হক্ষরে অনুবোধে আমি আমার কন্যানে ভার চতে সম্প্রকার করেছি, মনিও সে নমণ্ড প্রকল্প লৌচরহিত এবং ভার ক্রান্ত রাখন্যভাগ নোরেরে পূর্ব 🖰

ম্মর্ডি মৈরের ফালেন—"এইভাবে পিবকে চার নক্ত बहुन बहुन करत भक्त बन स्थित च्यक्तका करत निरुद्ध অভিনাল দিংগছিলেন। দেবতারা কঞ্জের নৈকের লাভের অনিকরি, ডিশ্ব সমস্ত্র দেবভার মধ্যে সর চাইতে অধয় পিৰ ৰক্ষতাগ পাবে না। হে বিদ্যা বক্ষসভাৱ সম্পাদের অনুপ্রেধ মধ্বেও, সক্ষ ভাত্যত ক্ষম হয়ে নিয়ক অভিনাপ দিয়েছিকেন এবং ভার পর সেই সভা ভ্যাপ **स्ट** डीव पुरु विरक्ष भिराधित्वयः। निव**रक व्य**क्तिमान् (सथडा एउटरा) कार्यात (भएत, भिएतत क्षराम भारतिसमू क्याद्वा अनीत्रक क्षेत्राच कृष्ट हम। (क्याद्व देख इक्

আর্রন্থিন মূলে ৬টো এবং নক ও সেধানে উপস্থিত ছে-সমস্ত ব্রাক্ষণেরা মন্ত্রের কর্মল বাকো লিংকে আভলান দেওয়া সহা ক্রেছিলেন, ডিনি উচ্দের সকলকেট অভিনয়ন দিয়ে মান্তু করেন। যে ব্যক্তি দক্ষকে সর্বাচেন্ত পুরুষ বালে মনে করে টার্মাধণাত শিক্তক অবহেলা কথেছে, াৰ মূৰ্য, ভার এই জেলভাবোর কলে সে নিশা আন খেৰে ব্যক্তিত হবেঃ কণ্ট ধর্মপরামণ মে-গৃহত্ব নীপনে মানুষ অভ-আগতিক সংখ্যা প্রতি অভান্ত আসক্ত হয় এবং ভার ফলে বেনের আপাত ব্যাখার হতি আকৃষ্ট হয়, ভাতেই ভার বৃদ্ধি এট হয় এবং সে সকাম কর্মকেই জীবনের চরম লক্ষ্য বলে যমে করে ভাতে লিগু হয়। বন্ধ ভার বেছকেই স্বৰ্ণ বলে মনে করেছে। ভাই বেছেও সে বিকৃপাৰ বা বিকুগতিয়া কবা ছলে গেছে এবং কেবল প্রীসন্তোপের মতি খাসন্ত হারেছে, তাই অচিবেই সে क्षकडि श्वभारमञ्ज सुर्व क्षान्त इरव। बाख्य साफ किया क्षवर वृद्धित चनुनीमास्त्र करम चर्छत मरधा निर्दास इरह শেষে, তারা অক্ষানভাবশত সকাম কর্মে পিপ্ত হয়। কার বোনেওনে নিবের নিকা করেছে, ভাই তারা ঋণ্য-মুদ্রার চক্রে বার বার বাহাতিত হতে থাকুক। বারা বেমেব মেহমনী শ্রতিকার পৃষ্পামনী ভাষার আকৃষ্ট এবং ভার কলে স্বড়তে পরিশত হয়ে লিখের প্রতি বিধেবভারাশয় इरहरू, छाहा नर्दमा नकाम कटाँह शक्ति फानल शाक्का। এই সমক্ত গ্রাক্ষণেরা কেবল তাদের দেছ ধারণের জন্য শিক্ষকতা, তপশ্চৰা এবং এত প্ৰহণ কৰে। ভানের ভক্ষ্যভক্ষ্য বিচার থাকবে না। ভারে কেবল দেহসুখের ব্দন্য থারে থারে গিরে ভিকা করে ধন সংগ্রহ করবে। নন্দীবর জাতি-ব্রাহ্মণদের এইভাবে অভিবাপ প্রদান কংশে, কৃত মুনি তবন শিবের অনুগারীদের ভর্নদান করে शक्त क्रमानाम मिरविह्याना । यहा निहत्त प्रसृष्टि विश्वयम् খন্য এত প্রহম করেছে কববা ছারা এই নির্মা পালন করে, ভারা নিশ্চিতভাবে নান্তিক হবে এবং দিব লাখ-নির্দেশের বিক্রম্ব আচরণ করবে। হারা শিক-পূজার রত গ্রহণ করে, তারা এডই মূর্ব বে, তারা কটা, ভাষা এবং থাছি বালো করে তাঁর অনুকরণ করে। তার করন দিবের উপাসনার দীক্ষিত হয়, তখন ভারা ফা, মানে, এই প্রকার च्या शहर करवा"

१५० भूमि वकारणम—"(बाराकु पुत्रि तक अवः रेवमिक

নিদ্রালনে অনুসালনকারী প্রাক্তলনের নিক্ষা করেছে, তাই। তাঁজনা, তারন তারকা নিক কত্যায় বিষয় করেছিলেন। কুলতে কৰে যে, তুলি লাভিক মান্তৰাদ অনুনাধন কৰেছে। কিছু লা পৰে, ঠান অনুনামীপুৰৰ সমূচ পেই আমাধন মানক সভাত্তৰ কলাত্ত্ৰ জন্ম বেদ শাৰত বিবাৰ শুকুম করে, যা প্রাকার প্রেক নিষ্ঠা সম্বাদ্ধ অনুসংগ করা প্রচাদনির এইভারে সম্বাদ্ধ বারে এক বার অনুষ্ঠান হয়েছে। তার সূত্র প্রমাণ হয়েনে পর্যাহর ভাগতে, কর্ণেপ্রের, করণ কর্মেন্ত ভাগতে তীর্ত্তি পূচা কর্মা लवड क्रिलाव क्राजनाइकी वर्तन वेशक क्रमार्थन क्या दह। अनेरबच्चे लक्षा हरण वस्त्र। रह कर्नक्यांदी रिट्डा সাধু ব্যক্তিবের নিজন্ধ এবং গরহ পদর্শন বৈশিক নিয়নের । বন্ধবর্তা সমস্থ নেবছারা হক্ত সময়িক পর, ধন্স এবং ক্লিকা করে, ছাও-পত্তি লিক্ষে অনুসামী চোনহা কমান । হতুবাৰ সময়ে কমে কৰেছিলেন। এই ভালতে কলা হয়

মৈত্রের কৰি কালেন—"বকা শিক্ষে জনুত্র এক। इ-র ধন্য প্রত্যাবর্তন কর্তেছেরন।" লক ৫ ওতার পাক অবলব্যকারীকো মুখ্য প্রধানাকার

থেকে চলে পিয়েলিকের। হৈ কিছে। প্রসাধের সমস্থ নিমেনের অধ্যাপতিত হতে পালপ্রতি পরিলত হতে।" অবঞ্জনাম। এইভাবে অস্তার পরির হতে, ইতে উপ্লে



ভতীয় অধ্যায়

শিব এবং সতীর বার্তালাপ

মৈছের কলনে—"এইডারে নীর্বনাল করে কার পতিকো সাম সেই যারে নোলার করে জন সংসাক্তা. এবং জানুতা, অৰ্থাৎ দক্ষ এবং পিছে বিশ্ববভাষ বৰ্তমান প্ৰথম তিনি তাঁৰ পতি ভ্ৰতনাংগৰ কৰে। পিছে পত্ৰৰ ছিল। রাখ্য ধান্য দলকে সমত প্রকালভিকের অধিনতিক উৎস্থা সহকারে এই কথাওলি ভারতিকেন, যে ভিত পদে অভিতিক্ত ক্তেন্ তথন গক বাতাৰ পৰ্যোজত হারেছিলেন। লক্ষ ব্যবস্থার রামক এক বছ ওক করেছিলেন এবং ফ্রান্টার সমর্থন সম্বর্জে বঁটা করেছে সূচ । সেখানে সামেন্দ্র। যদি সাপনার ইঞ্চা হব তিনে চনুন, বিশাস স্মেছিল। তার পর তিনি বৃহস্পতিসং ব্যাক আরু আমরাও সেখনে হাই। সন্ত হয় আমন ভূমিনিক একটি কলা অনুষ্ঠান করেছিলেন। কলা কলা অনুষ্ঠান উপ্তাৰ অভিযান সালে আছিল-কলান্ত্ৰত কৰি কৰুৰ ইনিবল, ভাৰম হাৰ ব্ৰাকৰি, দেবৰি, পিতৃ এবং মেংতালৰ । বাননাৰ সেই মহানাৰ আনুষ্ঠানে পিয়ানে। স্বাহান পিতৃ-অত্যন্ত সুখন্তকাৰে অসকারের বারা সঞ্জিন্ত ভারের পরীসাল সহ ব্রহ্মান্তর বিভিন্ন প্রত্তে থেকে সেবারে একে " বেনারার করের কন্য বেরে চাই। জানার রুনিনীসন সমবেত হরেছিপেন। পরম সাধ্য কচকর সতী কাল-মার্সে বিচরণাধারী কালোকবানীনের গরশার অনুকালনের অন্তর্ণা, কর্মান করানে নিশ্বই সমবের করেনে, তাই তনতে পোরেছিলেন যে, তার পিতা এক মহান বরা কৰাৰ্যা। বৰুম ছিনি সেখালের যে, সমস্ত নিক খেতে। পাৰা। সেখানে আহি উন্টোচ্চাই ব্যালয়ের এবং কৰিবাসীৰের উজ্জ্বল ফুনবছনা পর্যাহন অতি সুস্থা আনে। অংকিনা কর্তৃত অনুষ্ঠিত বজ্ঞত স্পর্য করণ্ডে পানব। ছে এবং কঠান্তা ও ভপঞ্চালে বিভূষিতা হলে, ঠানের চির পৃতি, সেই সমাত ক'বলে মাতি কেবলে বেচে

পতি পিয়া প্রাপ্তার প্রতর প্রথম এক হয়বাল সাক্ষাসন भरतुम् अस तथी ५३क निर्माप्त वरह नराष्ट्र (सरहारा প্ৰান্ত ভালভাৱে সন্ধিত হাই, আহিও লেই সভাই মাত্রকারণ, উল্লেখ্য পতিকা একা অন্যান ক্রেক্সের অমি ক্লি কেয়নে কই, হা হলে আমি উচ্চের চেখতে

ছাত্রে উৎপরিত। এই দুন্দ কর্মন রিপ্রাণয় পারস্পরিক ক্রিয়া বা প্রযোগর ভগবানের বহিরাদা পান্তির এক আন্তৰ্যজনক সৃষ্টি। সেই তক্ত আগনি সম্পূৰ্ণকাৰে। অবগুড়া কিছু আপনি কালেন বে, আমি একজন ডড়জানহীন। অবলা খ্রী। তাই আমি আর একবার খ্যামার স্বাস্থানী ফর্মন করতে চাই। হে ক্ষতন, হে नीलक्षे । इन्दर्भ च्याना चाचीत्र-वक्रास्त्रादे नत्र, चन्त इप्रशीक्षध मुक्त व्यवस्था अवर स्थापनात विश्वविका हरत. **ऐ**रस्पत्र शक्ति बन्दर सहरूपक्ष महार स्मारत वारणन। দেশুন, উভার শ্রেড বিমানসমূহ কিডানে সমস্ত অবলাকে সুপোভিত করেছে। হে দেবলো: পিতৃপুত্ে উৎস্কো ৰূপা ওনে কন্যার দেহ কিছেরে অকিলেড পাৰতে পারে ং আপনি বমি মনে করেন যে, আমাকে সেখনে নিমান করা হানি, কিন্তু বন্ধু, স্বামী, ৩ক অথকা শিতার शहर का किन निश्चारमध्य प्रकार भागा। हर प्रधान निया কুপুৰ্বক আপনি আমার মনোবাধ্য পূৰ্ব করান। আপনি षायारक षाभवान संशिक्षितीकरण श्रीकार करतरहनः অভ্যান আমা এতি কুলা প্রদর্শনপূর্বক আগনি আহার

মনুরেধ স্থীকার করন।" प्रश्रवि स्पादव कारणम---"देकनाम अर्थरणत अनकाती. শিক্ষে যদিও ভাল বিশ্বস্টানের সম্মূর্য করে প্রতি দলের মর্মতেদী ক্টভিত কথা সালা হ্রেছিল, তবু ডিনি জ্যা धिष्ठमा भड़ीत शका श्रव करहे, द्वाम केंद्र নিমেছিলেন। হে সুন্ধরী। ভূমি বলেছ বে, অন্যন্ত ररक्ष वक्ष गुरूर यांचवा याता। तम्हें कथा माँछा, यनि प्रिटे के अधिकर्तके स्थाप प्रश्नात करण ज्ञान १८४ (तार वर्णन का करता। विमा, धनगरा, विस, औरवर्ग, বৌধন এবং অভিনাত্য—এই ছগ্রট মহামানের ওপ, কিছ বাত্ৰা সেইওলি লাভ কলাই কলে ধৰ্যাত্ৰ বাৰং ছার স্থান আবো কাবুছি বা বিকেও হারিখে কেনে, কেবানে যাথ, ভা ছলে ভবিষাতে ভোমার ভাল হবে এ। তথা তারা মধুং ব্যক্তিনের মহিলা করি করতে পারে ना। यादा चनारवस-हिन्छ एथसाह करना, चिकिप्रावह বাকুটি-করাল ক্লেবনেকে দর্কন করে, তাদের আস্থীয় বা क्ष दान व्यत क्याव, जाएन गृहर राजवा देविक नव।"

দিব কালেন—"আৰ্থীয়াসের কট্ডি বালা ম্যাতিত হলে যে প্রকল্প কর্মার জন্তত হয়, পরের বাথের দার জাহত হগেও সেই প্রকার কাপা হয় না, কেননা সেই क्षका विभवान्य समाराज्य विभीनं काळ । एवं जन्मदी। कार्याः कानि हा, मतका नामक कमाहनत महाद पूर्व रहक नव চাইতে আগরের করা, কিছু আমার পত্নী বলে তুমি ওয় গুছে সুখ্যান লাভ করবে লা। পাকাপ্তরে, খ্যামার সুক্ষে সম্পর্কের ছলে ভূমি বুংবিত বোধ করবেঃ হারা অংশারে শার পরিচালিত কথায়া কলে, সর্বদা মন একং ইপ্রিয়ের বার্যা সভগ্র হয়, তারা কবনও আর-তত্ত্ত ব্যক্তিদের ঐশর্থ সহা করতে পাত্তে নাঃ আন্ধ-উপপাত্তিত ব্যরে উরীর্ট হতে অকম হলে তারা সেই সমস্থ ব্যক্তিমের প্রতি ইবাপরারণ হর, ঠিক বেমন অস্তেরা পরযোগ্য **७४वन्यक देश करा। ८**६ मुनदी। काडीइक्**स** अस বন্ধ-বান্ধব্যে অবশ্যে প্রকল্পকে প্রতি প্রত্যাধান, নয়স্কল **७ वर्ग**ल्सम्मानि करते भारकम्। किन्नु व्येख हिपात स्टब्स উহীত হয়েছে। শুয়া কথাৰ্থ কম্বন্ধন লাভ কলা কৰে। সেই শত্মে দেহাউমানী হাজিদের না করে, দেহের অভারের নির্ভিত্তার প্রথাপাকে করে প্রক্রের। ভর্মে নৰ্বন এছ কৃষ্ণভাতৰঃ ভাগান কানুনেহকে আমাৰ প্ৰণতি দিবেদ্দ করি। কৃষ্ণতেজনাই হচ্ছে গুৰু চেতনা, কাতে বাসুদেব নামে অভিনিত্ত পর্যেশ্বর ভগবান কাবরণপুনা হরে প্রকাশিত হন। ভোষার গিলা কণিও ভোমার মেহের স্মান্ত, স্তব্ধ বেহেড় তিনি এবং তার অনুধারীর আয়ার প্রতি বিবেদ-পরায়ণ, ভাই উদ্ধে দর্শন করা তোমার উঠিত নয়। হে করাজনে। মাতদর্গ-প্রায়ন হুওরার কলে, আমার জ্বেল অপরাধ কা পাকলেও, নিটুর যক্ষের হারা তিনি ব্যৱহাকে ভিরন্থার করেছে। স্বাধার এই উল্লেখ সংখ্য বলি ভূমি অমের বলী উপেকা করে ভূমি পতাক্ষ সন্ধানীয়া এবং তুমি বলি জোমার কলনের যারা অপমানিত হও, ভা হলে সেই অপমান তংকদাৎ মুড়াতলা হৰে।"



চতুর্থ অধ্যান্ত

সভীর দেহত্যাগ

मानीरक्षक क्षम की व्यवस्थान । एक्क्स्पान क्षरह विभिन्न मानारना स्ट्रांक्स। मही क्षम केस चनुप्रदास महि একথার পুর খেকে নির্গত হয়ে পুর মুহুর্তে আবার পুরু । বজায়ালে উপস্থিত হালের, ভাষা বংকার ভাষে কোটাই প্রকেশ কর্মান্ত্রেল। এইডাবে উল্লে পিডার গুটো উল্লে কাল্য সন্ধান্ত আলাক্রেল বাং কিছু উর্ছ হাজ चार्शिक-क्वानस्मत स्पॅटिस वामनीत व्हापाट १७४३ घटन, अन्य क्वीन चळलूर्न नहर्स अन्य श्रुर्वाश्चास व्यक्त देहर मठी च्छात विश्व इरहविश्वन अवर छै।एन धाँच मरताह चानियन करतहित्तन अवर च्याहर प्रमुद करन গ্ৰেমাতিল্যাকণ্ড তাৰ ভাগ দিবে অঞ্চলত কৰে। পড়ালে। অভান্ত বিহল হয়ে তিনি কাগান লখলেন এবং জ্যেবভাৱে তাঁর অস্থােধর্ম পতি শিবের প্রতি এখনভাবে ভাকিবেছিলেন, ফেন তিনি ভাৰ সেই ক্রেখাখির বারা তাঁকে ভার করে কেলনে। তার বর সতী ঠাৰ বহিছে টেনি ভেনেৰ বলে ঠাকে ঠাৰ কৰিছ शासक करवाज्ञिकाम, *(मो*डे निर्दाण स्थिताम करवे, दानव । सनिर्मित हैं धारा (नाटका रास्त्र) मीर्च निरमात्र गरितकाम कराउ नाटक খার লিভার পাতে গামন করেছিখেন। বুর্বল ব্রীকরাককাত ডিনি এই প্রকার নির্বোধন মধ্যে ঘাচরণ কর্মেবলন। হণিয়ান, জা আদি শিবের হাজার হাজার অনুচারের একং বাৰ পাৰ্যচন্ত্ৰা বৰম মেখনের বে, সঠী একানিনী হুত গতিতে প্রস্থান করছেন, স্থানা ওয়ের ব্যক্তে নর্মানে আর করে সতীর কল্ডাৎ কল্ডাং ধাবিত হলেন। শিবের चनुष्टका मडीएक बुरुका छैना विश्वतिहरूको अन्य देशक তীর পোধা পাধিটি দিয়েছিলেন। তারা কমল, দর্শব ইড়োদি উলা উলাভালের সমস্ত সামগ্রীতনি নির্মেছলেন এবং ঠার হাবার উপর একটি বিশাল চল্লভেপ गिक्टिसहितात। मुम्पूछि, मह्यू त्वन् देखानि महस्मात दीव छीव मान शब्द श्रद्धानियान अवर छीतमा ताहे चाउर**ङ** থক অতি আভক্ষপূর্ণ রাজনীর শোলবার্ডার মধ্যে মনে হয়েছিল। সভী যথন জার বিভূগ্যে প্রকেশ করলেন, रूपन ाथान वक वनुष्टान इकिन बदा गाँद रक्षपूर्ण

স্বচ্চি মৈরের ক্লাণেন—"বিধারের সভীকে এইজাবে তথন সকলে বৈনিক মন্ত্র উপ্লোধন কর্মেণেন। সেখানে উপাদেশ নিয়ে পিৰ নীয়ৰ ইলেন। সভী উন্ত লিভুগুৱে। মহৰ্বিধৰ, ক্ৰায়ণ্ডশ ও কেবভাৰণ কাৰ্যেত চয়েণিখেন धार्वीय-दक्षनरमद्र मर्गम कथांद्र धना चटला है।व्विष्ट क्षेत्र यस्त्र ब्राम्य ब्रम्म स्थापम व्य नाच नाचा स्थापिक करा চবেছিলেন, কিন্তু সেই সংখ তিনি শিৰের স্থাৰণাল স্থানিকা, স্লৌত, খৰ্ম, কাষ্ঠ, কুল ৩ চর্যানাথিত ভাওসমূহ देश मात्र करतमान करतीलमा। वीन्य देश एटी अस মাতা ঠাকে সালের প্রহণ করেছিলের, কিছু সাঠী ঠালের द्याराठ कारनंत रहाने केंद्रद्र राज्यांन करा यापिए देख আসন ও উপায়ের প্রধান করা ব্যাহরিক, তিনি সেওলিয়া কোনটিই প্ৰহণ কৰেন্দ্ৰি, কালগ জৈব লিছে৷ ইয়ে সংক (कार कथा स्टाप्पर्टी असे इसने अपने सहार सेहत स्मार

"रक्षत्रतः भिरत गर्धी सन्दर्भन स्व. छात्र नर्दर শিবকৈ ভোন বজন্তাৰ সেওৱা ব্যন্তি। তথা তিনি ব্যাত প্রের্থারকার যে, নিয়ত শুরু নিয়ে হাজে আম্প্রান ল করে কেলা কর্মাই করেনিং অধিনয় ঠাঃ মহিতী পরীকের স্থানার করেছে। তার কলে তিনি এত কুম হয়েছিলের যে, তিনি ঠার লিখনে প্রতি এফাচারে **এটিশাত করেছিলেন বেন তিনি তাকে করে করে** কেলকো। শিক্ষ অনুচর ভাতের দক্ষকে আঘাত করেই क्या करत कडाए शहर हार्याल, किंद्र मही सहार নিবৃত্ত ইতাহার আন্দেশ কোনা তিনি আতার প্রস্ক ও বিষয় হয়েছিলের এক ভবন তিনি কর্ম-রাপ্রে বঞ্চ-প্রদার দিক এবং বারা মেই অংটান ও কটকা কর অনুষ্ঠান করে। बरत चराद बार्लक्षण हरे, बाराव सर्वजन कराह ५३ মধ্যেরের। তিনি বিশেষ করে সকলের সমাক্ষ তাব পিতাই নিশা করেছিলাই।"

(परी कारम्भ-- निय मध्य मीरक दिए हर। केव

কোন প্রতিকাশী নেই। কেউ তার জতাত বিষ ময়, তা হলে কাপ্তিক সেই নিপুকোর ভিস্থা টেমন করা উচিত সেই সর্ব প্রকার শত্রুতা থেকে মৃক্ত এই প্রকার বিবাদার व्यक्ति मेर्गानशासन रहक नारन में। (र फिन्म (एक)। আপনার মতে ব্যক্তিরাই অনোর ওপের মধ্যে গোন ধর্ণন करता। किन्न निव एकता धारावननीर का, वर्ग कारत भरता अब्देश क्या फाक, या शता दिल का प्रदेश बाग প্রশাসে করেন। বুর্তগ্যেকণত, আপনি নেই প্রকার একজন प्रशासन क्रांच पर्यान करवाको। यहा काल काल करकी क करन फरफ चान्धर्व रूथपात विद् तरि। बाह्र निवास আসন্ত ব্যক্তিকের এই প্রথমে উর্জ্ঞ অতি উত্তম, কারণ পদরেশুসমূহ ভয়েশর তেকা নাশ করে।"

1

"হে পিতা। গৃই কাশন-সমন্বিত জন নাথ উচ্চাবলের करण रामक नाभ विनष्ठे हह अवर यानुव नवित्र हह, जीव **भारतन कंपने ने ने क्या कहा गांद्र गाँ, ट्राइँ निराद्ध शक्ति** বিষেধ-ভাষাপন্ন হয়ে, আপনি কোন্নতন অপরাক করছেন। শিব সর্বদাই পবিত্র এবং বলল-স্বরাধ এবং আপটি স্রায়া স্পান্ন কেউই উন্ন প্রতি ধেব করেন না। স্পাধনি গ্রেট निर्देश अठि हिरमा क्वाइन, विनि जिङ्गदन्त मध्य প্রাণীদের বন্ধু। তিনি সাধাকা মানুবদের সমস্থ স্কাসনা পূর্ণ করেন এবং বঁরা প্রকাশনরূপ অস্থতের অক্টেমণে তাঁর শ্রীপানপজের ধ্যান করেন, সেই সমস্ত মহাধানেরও ডিনি কৃপা করেব। জাপনি কি মনে করেন, বিনি স্বাপানে লিনাচন্দ্রে নজে থাকেন, বাঁর জটেকুট জার সালা পরীবে বিশিন্ত, খীর পদার ইওমালা এক ক্ষণানের ভার ক্রীয় সর্বাচে শিল্প, দিব ব্যানক সেই আশিক (অমানাজনক) ব্যক্তিটিকে আগনার খেকে অনেত বেদি সম্মানিও প্রস্থা चानि त्यरकावन बादका हो। क्षेत्र और क्रम्स चलक তণ থাকা সংখ্যত প্রকার হতো মহাপুরুবর্যা গতীর প্রধ্য সহত্যরে তার শ্রীপাদপন্মে নিবেদিত পূম্প মতকে ধারণ क्टूडर/"

আধার কেই তার শত্রুও নয়। আপনি ছাত্র আর কেউই অথবা তাকে বব করা উচিত। তার পর নিজের স্তানিত ভাগে করা উচিত। ভাই আমি আর এই অংবংগ্য করিব ধারণ করব মা, স্বা আমি স্বাপনার কাছ খেকে প্রাপ্ত हरथि कारन जाननि निरंपत निष्म करवरका। किंद्र ग्रीव ভাত্তিকণত কোন বিহাক্ত আলা ভাকা করে কেনে, ভা হলে তা বানে করাই তার নিরান্ত্রের বেষ্ঠ উপায়। অনের সমালেচনা না করে নিজের কর্তব্য কর্ম সম্পর্যান করাই লেও। অভি উচ্চ ক্রক্যে পরমার্থবাদীরা করুত আৰু বলে মনে কৰে, তাৰা বে দৰ্কা বহাপানের নিশা - কখনও বেদের বিধি-নিখের সভাবন করেন, ভারণ জীয়ের সেইওলি অনুসরণ করার অবলাকতা হয় না, ঠিক হৈছে দেবতারা অন্তরীকে বিচরণ করেন, কিছু সাধারণ মন্যুক্র ভাৰ কলে ভাষা লথঃপতিভ হয়। কহাপুরুষদের ভূপ্টে লম্প করে। বেকে দুই প্রকরে কর্মের নির্দেশ अट्टार्-विरुप्तानक व्यक्तिभव बाना श्रद्रिक मार्ग दक्त निवंद नितर्छ क्षिप्रस्त कन निर्देश प्रश्री। अहे मुद्दे शकक क्षत्रं अनुजात, कित नक्त-जनविक वृद्दे शकात मानुध রয়েছে। যদি কেউ একই ব্যক্তিতে দুই প্রধার কর্ম সেখতে হান, ডা হলে পরস্পার-বিরোগী হবে। কিছা বিনি চিমর স্থারে অবস্থিত, তিনি এই ঘৃই প্রভার কার্যকলাপই

"হে পিজ। আমাদের কাহে বে ঐদর্থ রয়েছে, ভা আপনার এবং আপনার ভোষামোদকবীদের ক্লুনারও অতীত। বারা মহান বঞ্চ অনুষ্ঠান করে সকাম কর্মে প্রকৃত হয়, তারা কেবল ক্রায়ে ভোরন করে ভারের মেহের আবশ্যকতাশুলিই চরিত্যর্থ করার ব্যাগারে স্বয় थारक, किन्तु चामला रक्तन देव्हात बाला बरामारमङ ग्रेन्स গুদর্শন কয়তে পারিঃ বিশ্বরের গুড়ি জনাসক আত্মতখনেরা মহাপুরুবেরাই কেবল সেই প্রবার ঐপূর্য সাপ্ত করতে পাতেন) আগনি পিতের চরগ-কমগ্রে व्यनवाथ करवरका अवर मुर्दाशास्त्रक व्यायात और नदीत আপনার বেকে উৎপন্ন হরেছে। আপনার সভে আমার এই দৈহিৰ সম্পৰ্কের কলে জাতি অভান্ত লক্ষিত। मराजुनेट्सत हत्रण-कमरमार शिंड चानवासी वास्त्रित महा "বলি কোন বালিডজানহীন ব্যক্তি ধর্মকেক প্রকৃত্ব সম্পর্কের তালে, আমার এই বের ব্যবিভ হারেছে বলে নিধা করে, তা হলে ভূতেরে ভর্তব্য হলে ভাতে হওবলে আমি নিজেকে বিভার নিই। শিব বধন আমাকে করতে সমর্থ লা হলে, তার কল আহোদন করে সেধান সংখ্যানশী খলে সংখ্যান করেন, জনান আগনার সামে কোৰ কৰে অভয়। কিছু ডিনি যদি মানতে সকথ হব, অন্যান্ত সম্পর্কের কথা হবে হবে, আমি অভ্যন্ত বিবঞ্চ

st এবং ব্যানার অসম ও হাসি ডংকশং অনুদা হতে। হংগলিন। সকলেই মলুত লাগ্রেক-করে: পুরুত্তি ভাগ হয়। তবি আনি এই শর্নার স্কাল করব।"

তিনি সমস্য অনর্থ থেকে মুক্ত হয়েছিলেন এবং নতিনত তর্গেন্দ থেকে ঠানের শক্তি প্রাপ্ত হয়েছিলেন। অভ ভাষের খ্যান করে প্রস্থালিও অভিত্তে তাঁর শেহ ভাগে। কেবলবা করন বজান্তি খেকে স্থানত সনিব নিচে ভাব কর্বোছকেন (*

তথ্য সমগ্র রক্ষাও জুড়ে এক সুমহান হা হা হব সমূখিত। সভাব ইরোছিল কোলে ক্রমতেকের জন্ম ।"

হার। একটি থানির মতো আমার এই দেহতি যে। কেবচা পিনের পত্নী সভী কেব এইভারে কেবতার্গ ল্লাপনার থেকে উৎপত্ন হরেছে সেই জন্য কামের অস্তান্ত কর্মেন হ এটি অস্তান্ত জালচার্যন বিবর যে, প্রকাশতি দক্ষ, হিনি সময় জীবের পালনকর্তা, তিনি রায় করি रिक्षात्रक कवि विरुद्धात कारणस—े (६ नक्षणकारण । माधी अस सर्वाचनी कना महीचे छठि अस सनान्त्र ছভার্যে তার পিতাকে এইডারে বলে, নতী উন্তর্নী । কর্মের্যনে বে, তার ভারতের করে তিনি ক্রেডার প্ৰয়ে ছাহিতে উপ্ৰেশন করেছিলেন। গৈতিক কাল কন্তেলুন। কক এতই কালে কলাই যে, তিনি প্ৰাথাণ প্রবিহিতা সতী ভার পর জল শার্ল ধারা নিজে পরিয়া। তওয়ার অবেলার উয়ে জনাতে শেহতাল খেতে নিজন aca, চঞ্চ নির্মালিত করে যৌগিক গছতে ধ্যানমন্ত না করে তথ্য কনার প্রতি ক্ষারহার কনা কর ভারতন রবেছিলেন। প্রথমে ডিনি নিন্টি ব্রডি অনুসরে জাননে। নিকে এটি জড়ার বিষেধ করে করে, ঠার করেন উপজেন্স করেছিলের এবং তার পর তিনি প্রাণ বাসুকে। অপরণ রাস্ত হবে। সভীর এই আন্তর্যক্তনক **পেস**্ত উপ্রেটী করে নাতিচ্ছে সাম্যাবছরে ছাল্স কর্মেছরেন। স্বতাতে স্বধ্য সকলে এইভাবে করা ক্রাছিলেন, কর্মন ভার পর তিনি বৃদ্ধি মর প্রাণ বাযুক্ত ফলবে এলে তার । মতীর মাম নিবের বে-সমস্ত অন্তরেরা একেছিলেন, ধ্য় বীরে বীরে কুসকুস মার্ব থেকে জনুগলের ফার্ড জীনা জীনের অনুসন্ত নিরে সঞ্চকে হত্যা করতে উদায় নিয়ে বিবেছিলে। মার্কে এক মহাবাদের প্রকর্তম নিয় । হর্ষেদকার। ভাগের প্রথম বেশে আসতে কেখে, কৃত হৈ দেছ বাঙান্ত আনায় এবং শ্ৰীতি সহকলে তাৰ কোলে । বুনি বিগাদ সাপক্ষা করে, সভাবিত্রসকারীয়ের বর্মচারে হত্যা স্থাপন করতের, তাঁরে পিতা মাকন ক্রিও লোকলার কেই - করার উচ্চেশ্যে তংকশার বস্তুত্তীর হয় উচ্চারেশপুর্বত বেহু ভাগে কররে জন্ম সতী ঠান লেইন ভিজন বহিমার । বজিন বিকার স্বাহিতে আর্থিন প্রদান করেছিলেন। 'তুক বাৰ্থ খ্যান কমতে শুক্ত করেছিলেন। সতী ঠাব। সুনি করে হলে আক্তি নিচ্ছেই, ভগজনাৎ করু ব্যৱস্ চেত্রনাতে একার্ত্রাভাড করে ইয়া নতি ভাগতক নিকে। সাজার সাধার কেবল প্রবট হরেছিলে। ইয়া সকলেই পৰিত্র চনপ্রকাশনের ব্যানে মধ্য হংহতিসেত। এইভাবে ভিডেন অতার পরি-শালী এবং ভারা সেরে অধাৎ এবং ওত্যকারে আঞারণ করেছিকেন, তথন সভীর সেই শদরী হবন জেনধ্যশে বঁল দেহ ভাল কর্মেন্ডলেন, সমস্ত অনুচারো বিভিন্ন দিকে ললকে করেছিলেন। স্ক



পঞ্চম অধ্যয়

দক্ষযভ্য নাশ

অপমানিতা ২৩বার কলে দেহত্যাগ করেছেন এবং ঠার - হতে অংক ধংকার করেছিলেন এবং গুরিং ও বহিনিখার

হৈতেৰ কলকো—"পিয় যথা কাৰ্যদেৱ কাছ খেকে কৈন্তেই কড় দেবতাদেই বালা বিভাজিত ইয়েছে, তথা কন্দেনে যে, তার পত্নী সতী প্রধাপতি দক্ষের হার। তিনি অতান্ত কৃষ্ণ হয়েছিলেন। সিব ভবন অতান্ত কৃষ

মতো ইন্প্রশালী এক ওক চুল উন্ন মণ্ডক থেকে উৎপাটন করকেন এবং ডকেশাৎ গারোধান করে পরীর **খ্যুক অ**ট্রহালা করতে করতে সেই কটাকে ভূমিতে বিক্ষেপ করলেই। তথ্য আকাশের মধ্যে উঠু এবং ভিনটি সূর্বো মড়ো উচ্চল এক ভরকা শামকা অসুক্রো मृष्टि श्रुप्तरिम, चैन्नः मीठामी विम क्राया कावन अस তথ্য মানার কেনরালি বিল খালন্ত অধির মতো। বিভিন্ন অক্সাক্রারী সহয় ক্ষ-সম্ববিত তার প্রসার ছিল নরমুগ্রের শ্বন্ধ। সেই মহাকার অসুর বন্ধন কুজারলিপুটে শিক্ত ভৰ্মই ভূতনাথ শিৰ ডাকে আগেশ বিজেছিলৰ, 'বেংছড় ভূমি আজৰু দেহ খেন্ডে উৎপা হয়েছ, ভাই খুমি হজ च्यापात नामन भार्यपास चारिताहरू। च्याठका, नामकाण विश्व एवि एक दबर शत रेत्रनिक्तम मरहात का। (ह जिल्हा *ा*दि क्थापर्य करिक्कि विकास न्यादास्य कपवास्ता **(अग्र**च्छ वृटिश्चेन क्षेत्रम् ध्वेरः छिनि मिरका चेद्राम्मं भागन ক্ষতে গলত বিশেষ। এইভাবে, তিনি বে-কেন বিরোধী । শক্তির সলে লোঝাগত্য করতে নিজেকে সমর্থ বলে মনে করে শিবকৈ প্রথমিশ করেছিলেন। প্রচরভাবে গর্মন করতে বরতে লিফো জন্য বং সৈনিকেরা সেই ভয়কর অভিতে অনুসরণ কবতে লাগল। তার হাতে দিল এক বিশ্বল ত্রিশুল, বা হত্তাকে পর্যন্ত বর করতে সমর্থ ছিল ৰবং তাঁর পদক্ষেপের কলে তাঁর পারের সূপ্রতাশিও কো গৰ্জন ক্যান্তা। তথ্য, সেই বজে উপস্থিত পুরোহিত, ৰাজ্যতন, প্ৰাক্ষণ একং জীলের পাঠীয়ে সকলে আন্তর্গ হয়ে ভাষতে লাখনেন, এই অভাসায় এল কোনা বেকে। ভার পা দ্বামা কুমতে পেরেছিলেন যে, সেটি ছিল একটি বুলির হ্বভ এবং তখন তারা সকলে অত্যন্ত উৎক্ষিত रतिहरून। (तरे वराज्य मात्रथ मध्य कनुवान करत তাম ৰলেছিলেল—বায়ু প্ৰবাহিত হচ্ছে ৰা, কেউ স্বাকীয় পাল আডন্য করেও নিয়ে ফাছে বা, গলালের দৌরান্দ্রের कर्मा करें वर्ष मध्य नहा, करिय क्यान श्राम প্রক্রেখনারী রাজা বহি তাদের মণ্ড দেওয়ার জন্য ব্রীতিত প্রক্রেন। তা হলে এই ধৃতির বড় সমূহিত मध्य स्थाहित श्राहरू[®]

সমস্ত স্ত্রীলোকের অভ্যক্ত উলির হরে কলতে লাগলেন---প্রস্কার্গতি দক্ষ নিরপরাং সতীকে অবজা করার কলে মতী হে তার ভলিনীদের সমক্ষে কেহত্যার করেছেন (महे भारतरहे करन करें मध्ये छेशहिल हरताs) প্রলয়ের সময়, শিকের ফাটাকলাশ বিশিশ্য হয় এবং ডিটা উন্ন জিলুদের করা নিক-সক্ষেত্রদের বিভ করেন। বঞ বেমন খেষসমূহকে সর্বত্র বিশ্বেক্ত করে, তেমনভাবেই উর बारकेन श्वकारम्थ् विज्ञात करा विनि घड्डेशान् कराउ করতে নৃত্যু করেন। সেই বিশ্বাস কৃষ্ণকার ব্যক্তিটি তাঁও ভিজ্ঞালা করলেন, 'হে প্রাভূ, এখন আহি কি ধনব।' ভয়ত্তর মতবাজি প্রদর্শন করেছিলেন। তাঁর ইংভূটির প্রভাবে নক্ষমসমূহ কক্ষ্যাত হয়েছিল এবং তিনি তার প্রচণ্ড তেবের হারা তাদের অনুদর্শনিও করেছিলেন। দক্ষের অনং অক্ররপের তলে, উন্নর পিজ প্রসা পর্যন্ত েই গ্ৰহণ ক্লেম প্ৰদৰ্শন মেৰে নিজাৰ ব্যক্ত করতে পায়তেন না। এইভাবে বৰন সকলে নিজেদের হথে। আলোচনা কর্মছিলেন, তখন দক পৃথিবীতে এবং আকাশে ভয়ৰৰ সমন্ত অভঙ ইনিত দেখতে নাগদেন।"

"(र विद्वा निस्त नवक चनुरुदान लोहे क्कार्स्य (क्टेन क्राविता) छाता हिम पर्यकृति अन्य विकास समा অৱশক্তে সন্ধিত, তাদের উপর এখা মুখ মকরের মতো কৃষ্ণ এবং গাঁড লাভ ছিল। ভারা বঞ্চভারির সর্বর ब्रेजेब्री करा यहा प्रेरणाव जडि कर्ताब्य। किंबु रेजन বঞ্জ-মতপের শুস্ত ভোঙে ফেলেছিল, কেউ কেউ পতীশালায় চুকে পড়েছিল, কেউ ফলস্থল কিন্তু করছে ওট উর্জেইন এক কেউ আর্যসূত্রল ও প্রকলাগ্যয়ে প্রবেশ করেছিল। ভারা বছলের ভেতে কেলেছিল, কেউ কেউ ম্ভারি নিভিত্তে দিরেছিল, কেউ বজাছলেই শীমানুর হিছে ফেলেছিল এবং কেউ কেউ বছাবৃত্তে মুক্তকাপ করেছিল। কেউ কেউ প্রসারনকারী মুনিদের পশ রোধ করেছিল, কেউ কেউ পেশানে সমলেভ শ্রীদের তিরকার করেছিল এবং কেউ কেউ মণ্ডণ থেকে পলায়নকারী দেকতাদের কৃষ্ণি করেছিল। শিকো এক অনুচর মণিমান ভূঞ মুনিকে ক্লি করেছিলেন এবং ৰূজকায় অসুত্ৰ বীৱন্তত্ৰ প্ৰজ্ঞাপতি দৃষ্ঠাকৈ বন্ধি इतक राज्या १९६० । इतम कि अहे अरहत असरहत । कार्यक्षाता । इत्तम नायक निरस्त पान अकावन समुहत भूबाइक वन्ति कदाविताल अवर क्यीन्त छन एवकाइक "ৰক্ষেত্ৰ পাত্ৰী প্ৰসৃতি এবং সেধানে সমবেও জন্ম কৰি করেছিলেন। নিবস্তৰ প্ৰস্তুত্ৰ বৰ্ষিত ছজিল এবং

সমস্ত পুরোহিত ও যজান্তাল সমরেত সমস্ত সমসার রূপে (জ্ঞান করতে প্রপৃত হলেন) তিছু সংকর পরীত (ক্র্ডে ছাল এক মহা দকটো পতিত ইয়েছিলেন। উল্লেখনের - উল্লেখনত বিজিত্ব করতে প্রবাসন না। তিনি আই এবং লীবনের ভবে বিভিন্ন দিকে প্রায়ন করতে ওক খন্তের বারাও নক্ষের মন্তক হেদন করার চেটা করেছিলেন। বিনি সুধ হত্তে বজায়িতে আর্থান্ত নিকেনে । করেছিলেন, কিন্তু তাঁরে চর্যা সায়ও ক্ষেত্র করেছে পারলেন অর্নান্ত্রান, বীরভত্ত সেই ত্বত মুনির শব্দেরাতি উৎপট্নে ক্রমেভিয়েন। কক্ষ মধন শিক্ষে নিলা কর্মচলেন, তথন তথা বীনতঃ যুক্তমূলে পশুনলি কেওয়ার বৃপকার কর্মন ভাৰ ক্ষমতে উৎসাহিত করেছিলেন, লেই কারণে বীবেরত নেশতেরে তাঁকে ভূমিতে নিকেশ করে উর চক্ষর উৎপাটন করেছিলেন। অনিকটের বিবাহের সময় এবং নিনারের। সাধু সাধু অল কেলোরের করে উঠান, মুত্রেনিড়াকালে কল্ডের রেডারে কলিসরাক ল্যারেন প্রবাজি উৎপাটন করেছিলেন, সেইভাবে যে নক নিজে: করে উঠন। বীয়ন্তম তথ্য প্রথা ক্রেমে কর্মের মর্যকটি নিভার সমারে দার প্রকাশ করেছিলেল এক তথ্য কেই - নিয়ে দক্ষিণ নিকর কলাভিতে তা আর্থভার মধ্যে নিক্ষেণ্ भिनास महर्थात करते (व गुक्तक जेत शहराकि श्रम्भी करते । कराशिकार । बहैसारर निरम्त प्रमुख्यात दरका निरम्त হেসেইটানা, বীরত্য উন্নের উন্নেরই দছকতি উৎপটন আহোজন তচনত্ত করে এবং সমস্ত বজাস্থান আগুন করেছিলেন। করে নেই বিশাসকার বীনতার কর্মের জানিরে উন্নের প্রভুর ধান কৈলালের উন্নেশ্য প্রস্থান ব্যক্ত উপর বলে জীক্ষার বড়েগর করা ঠার মন্তক কর্মেরেন।"

ান। তার কলে বীব্রস্তা অতাত অস্টর্যাধিত হরেছিলেন। करत शांव बाबा क्रम्बद प्रक्षक (क्रम्ब क्राउकित्स्य) ীরভক্তের মেই কার্য দর্শন করে, শিংশুক্তীয় শুত, প্রেড किन वस चन्हेमकाही द्वांबालत स्टब्स प्रशास शहासन

वर्षे प्रशास

ব্রহ্মা শিবকে প্রসন্ন করলেন

মৈন্তের কালেন—"সমন্ত পুরোহিত, বঞ্চসভর সংস্ট এবং কেবতারা দিবের ফেল্ডের বারা পর্যাক্তিত হতে রিশৃশ, ভারবরি ইতানি মধ্যে মধ্য সর্বাসে আহত হছে, ভরবিহুল চিত্তে ব্রজার কাছে উপস্থিত হরেন। তাঁকে थनकि निरुक्त कराह भरा, म्हण्य यहण स कि स्ताहित ভা সবিভাৱে উলা নিবেন্স করতে এক করলেন। এজা करा विकृष केंद्राव मृत्येष्ट्र आगरक श्रातक्तिमा (व. দক্ষণতো এই সমত ক্ষীনাথলি কাৰে, তাই উল্লা সেই व्यक्त सम्बद्धाः ("

(मक्स बद (गेर क्षक जल इर्फ्टरी माग्रामा न्यक रहन्त अका कात होता स्मातिल-"प्रश्नुकरका নিকা করে এবং ভার ফলে তার চরণ-করতো গুণারাব

কলে বন্ধ অনুষ্ঠান বলো তোহনা কৰনই সুখী বলুক পাহৰে ন। এইডাৰে তোমনা কথনই সুৰ লাভ কলতে পাণৰে না। নিবকৈ উন্ন হয়ালে থেকে বঞ্চিত করের কলে, তোনের সকলেই তার জিলাদপতে অপরাধ করেছ। ত্বও বলি তোমরা এক অন্তক্তনে তার ঐপানপ্রে প্ৰশাস্ত হয়ে তাৰে শাসুণ প্ৰহণ কৰা আ হলে বিনি আহাৰ প্রশন্ত হবেন। ক্রামা ভারেনা উপরেশ দিয়ে ধন্যক্রন থে। নিয় এবই প্রিপালী যে, ডিনি ফুড হাল কোরণান সূত্ৰ স্বয়ন্ত প্ৰথমেনাক ভাৰতভাগে বিনাই কালেও পাছেন। ভিনি আরও বলেছিলেন বে, লিং তার ভিততমা পত্নীর বিবেশে অভার বাধিত হতেকে এবং দক্ষের নিষ্ট্র বাজের স্বারা তিনি বিশেষভাবে মর্মাচ্য হতেকে। এই

অবস্থান, একা উদ্দেশ উপদেশ দিয়েছিলেন যে, তৎকলাৎ কথা—কাঠৰ কথল, সাঞ্চনি, মালতী, কুঞা, মহিনেত শিকে কৰে দিয়ে কম ডিকা কনাই উপেন প্ৰুক হালালেক হবে। ত্রাখা বলেছিলেন যে, নিব বে কত শক্তিশালী আধিনি বয়ং, ইন্ত: বৰুসভার সময়েত সমস্ত সমপোৱা, অথবা সমস্ত মুনি অধিয়া, কেউই জানের না। সেই অবস্থান কে ভার জীপালগুলে অপরুধ করতে সাহস केवरत *"

"अदेशास व्यवसायत हे भाग विरात, निस्त्रम् इक्सनिकाम अंदर क्रिक्शनंत्र शह हत्या होत स्थाम (५८७) শিক্ষে তিরাধ্য আলার দিরিবাদ্ধ বৈধ্যাসের উদ্দেশে মাত্র কংলেন। কৈলান নামক বাম বিভিন্ন ওয়ৰি এবং ক্ষাপতিতে পূর্ব, তা বৈদিক মন্ত্র এবং ক্ষেপ অভ্যয়ের দার পরিব। ভাই সেই ধামের কবিবসীর কলস্ত্র দেশতা এক তারা সমস্ত যোগপতি সমন্বিত। ভা ছাঙ रमधारम कम्म बानुरवसा संरारक्त, गोरसा समा इस कियत এবং শহর্ব, সেখানে ঠারা উলের অধ্যরা নামক সুপরী স্তীক্ষের সংক্ষ বিরাজ করেন। হৈচলাম সমস্ত প্রকার ক্ষমূল্য মণিরত্ব এবং ধাতুতে পূর্ণ পর্বত-সংখিত এবং নানা প্রভার মুশ্যবাস বৃক্ষ এবং শতার ছার পরিবৃত। সেই পর্যন্তপুদ বিভিন্ন প্রকার ছবিগণের দলা বিভূমিত। লেখনে বাং করনা জনতে এবং পর্বতে অনেক স্পার ওয়া ক্ষরের, কেবলে কিছা রমধীপণ উচ্চের কান্ত সূত্ বিশ্বার করেন। কৈলাল পর্বত সর্বদা হয়ুরের কেবাবে, বছরের ७३०, त्यांक्टमा कृत्य अवर कामाव क्षीरमा कृताः। মুখরিও। কৈল্পে পর্বভেগ কল্প লাখা-সমবিও সৃতীত কুল**ালি জেন হবা প্রদানন** করে বিহুক্তরে আনুনি করে। মতনগৰ কান ইভক্ত বনৰ কৰে, ভখন মনে হয় কো কৈলাল পর্বত মহার বাতিতে ভালের সহথে প্রমা করছেল। ধুলিকপার ছারা বিশেবভাবে পরিবার্থ ম্বরুলা (ব্যক্তি ক্রমান সকলে জন্ম পাড়ে, উপন মানে হয় কো কৈলান পৰ্বত্ব কলকটে কীৰ্তন কলছে। সংগ্ৰ কৈলাস পর্বভটি বিভিন্ন প্রকার বৃক্ষের করা শোনিত। তাবের করেকটির নাম এখানে উল্লেখ করা মানছে— মানাণ, পাঠিয়াত, সরক, তারাগ, তাল, কোবিদান, আসং, सर्गः, च्या, कश्य, धृतिन्यसम्, श्रम, गुप्तान, हण्लाह, गरिन चर्गार, कृष्ण, कृष अर कुलक। समूह गरीकी এট সমস্থ ৰূপেৰ ধৰা শোড়িত ৰাতে বুৰভিত কুল

अबर महस्यी । देवलाम शर्वक चन्नामा (म-मन्न प्राप्तन्त्र দারা শোভিত, সেওলি হক্ষে ইতাল, অথপ, প্রক नारक्षात्र जन्म हि:-विश्वतानको वृक्तः स्वचारम मुक्तात्र फुर्ब नव, शृंग, शाकशृंग, बाचु देख्यति कृष्ण हरवरह। সেবাংন করম, প্রিয়াল, মধুক এবং ইকুল কৃষ্ণ কাছে। আর ভা ছাজ বেণু, কীচক এক অন্যান্য বিবিধ প্রকার বীশ গাছ রয়েছে, যা কৈলান পর্বতকে পরিশোভিত করে আছে। সেখানে কুমুন, উৎপঞ্জ, লঙপঞ্ল আদি মানা ত্ৰকাৰ পথ মহেছে। সেই কা সুশোভিত উদানের মধ্যে প্রতীত হয় এবং সেখানকার তেট খেটি সরোবরওলি বিভিন্ন প্রকার পর্যবিদ্ধ অতি বশুর কৃষ্ণতে মুখরিত। সেই স্থানতি হরিণ, বানম, শুকর, নিংহ, ঋষ, শুলাক, নীল গাই, বল্য পৰ্যন্ত, আছ, ৰুক্ত, মহিখ ইত্যাদি নাম প্ৰকাৰ পণ্ডতে পূর্ব, তারা সেধানে ভানের জীকা উপভোগ করে থাকে। দেশ্বনে কৰ্মন্ত, প্ৰবণদ, অবাস্থা, বৃচ এবং কন্তনী প্ৰভৃতি নানবিধ মৃশ বাস করছে। পাংস্কের পারে সরেনেরের **छीए**। कर कथनी कृष अश्रद मुवका दिला। कदाए। নেখানে খালকনন্দা নামে ছেটে ইমটিভে সতী সাম কালের এবং সেই ত্রুদটি বিশেষভাবে পরিব। কৈলান প্ৰতিয়ে অপূৰ্ব মৌদৰ্য এবং মহান ঐপৰ্য দৰ্শন করে সেহতার। বিশ্বরাহিত হরেছিলেন। দেবতারা সৌগৰিক ন্যাক, অৰ্থাৎ সূৰ্বাছে পৰিপূৰ্ণ এক বলে কলকা নামক अक सन्दं मुख्य इस कर्पन कर्राव्यक्तन। अहे बरू अहर পথকুলের জন্য তার নাম ব্রেছিল সৌগতিত। তারা नामा अवर प्रमानकम् नामक पूरी मेरी ४ वर्षत करविद्यालन। এই নদী পৃটি পরমেশ্বর ভগতন গোরিকের শ্রীলাদগায়ের

"হে বিদুর। জগের সুদারীকা গ্রাহণর পাতিগল সহ বিষয়ে চড়ে এই বৰ্গীতে ঋবভৰণ কৰেন এবং नमध्कीकृत शत, चल्ल शत्क नात चेत्रमा मध्यम चार কল বিক্তম করে তাঁবা জানক উপজোগ করেন। निरमभागित प्राप्ता करक, जेराका मात्रपटि वह कृमकूरमत সংবেদ্যে সেই দুর্মী নবীর জন গীতকা হয়ে ওঠে। তথ্য প্রানের করা সেবানে কলত হান্তিনীরন সহ হতীয়া कृष्णर्थं ना श्रंटणके, स्मेरे क्रमा नान करता। चर्नवातीरमञ ক্ষেত্র। কন্যান কৃষ্ণ সেই পর্যপ্রক কুনেরিড কনেজ, বিজনকালি মৃক্ষা, লোনা এবং ক্যমুগ্য ওপ্নবচিত।

rater(कत् गर्म स्टि स्वांवामीएनड दूसना कहा उत्पक्ता প্রহণকালে দেবতারা সৌগরিক নামক সেই কটে আহিপ্ৰাম কৰাখন, বা বিবিধ প্ৰকার কুল, কুল এবং ভরবকে পূর্ব। সেই বলের উপর সিয়ে যাওয়ার সংখ্যা देख स्टब्क्स वृदयद्भ भूतिक मर्गन कहाता। 🕬 प्रिया दर्भ 👫 भारि फिल बार्मित भगति का दिन जान अवर ভাবের সধুর সংবর সংগ্র প্রমরক্ষের ওঞ্জন মিলিড श्रातिका। स्थानकार महात्वराक्षण समहरण क्षार कारण মুশালসমূহের বারা সুশোভিত ছিল। সেই পরিকো চক্ষা কৰে সমবেত কৰু ইন্তীয় পালকে প্ৰকাৰত করে ককা ক্রমাকে লগন করা মারই তিনি উত্তে সাঁতিয়ে অক্তনত সেক্তরে স্টারণ কম্পত্রীবের চিত ক্তি সুখের জন উর্যাধত করে। তাম বারুও দের্থাছলের বে, সেক্সকর য়ানের ঘট ও লেগুলির লোপানরেনী হৈনুর্ব রূপির ছারা বিমিত। সেলালকার সরোধরগুলি ছিল লভে পর্ব। ঐ সমস্ত শরোবর অভিচেম করে দেবসার একটি বিশাল ৰ্বট বৃক্ষ দৰ্শন করলেব। সেই বট কৃষ্ণটি ছিল খাট লস্ত অইশ দীৰ্থ এবং তাৰ পাৰতেলি বহু শত মাইল পৰ্যন্ত বিভ্ৰম্ভ ছিল। সেই বৃষ্ণট স্থাপৰ কৃষ্ণা বীৰেল ছাতা বিস্তাৰ কৰেছিল, কিন্তু তবুও লেখানে কোন গাগিত আপনি কড সৃষ্টির অতীত প্রমন্ত্রকণ। এই ডাবে আত্রি (कार्यक्ष्म विक सा ("

উপৰিষ্ট ছিলেন, যে ধুখাট ৰোগাঁলেৰ সিভি প্ৰদান কলকে। এবং সমস্ত মানুবনেই মৃক্ত উল্লেখ্ড সক্ষম। আলভ কালেব মতেঃ প্ৰতীৰ নিয়কে ভাৰন সমস্ত মেৰখ কেনে বস্তু বলে মনে মর্মেরন। প্রশার্থবিয়হ দিব ওব্যক্তার পালত কুলো এক চার ক্যায়েশের মতের মাধ্যাধানের ধারা পরিপ্রত হতে। লেখানে বলে ছিলেন। সেখডারা দেখনেন, লিব ইন্সিড, জ্ঞান, সকাল কৰ্ম এবং সিভিমাৰ্গের ক্ষমীপার্থাপ সকলের অতি পর্বরূপে হেম্পনারশ ইণ্ডরের কলে, তিনি 💢 পরাম মাসক্ষমর ভূপাল্ডর : আপত্তি স্বর্গলোক

আকালে কৰে কৰে বিৰুধ-উপাহত কৰা উত্তৰিত উপায়েল দিছেলে। উন্ন কৰ কামনত সক্ষি উপায়েল এক বায়সভু কাম উওচেপ্ৰ ভূপিত ছিল। ইয়া হান হাতে জিল জন্তাকের সালে। এই আনুনার কলা হয় বীলাসন। তিনি ভার্নাল্ডে ভার্নাল ধারণ করে বীলাসাম উপৰিষ্ট ছিলেন। সমস্ত মুনি এবং ইন্দ্ৰান্ত লেবতাবা ক্রেঞ্জলিপ্টে নিবঞ্জে সপ্তন্ত চলতি নিক্তেন করেছিলেন। সমস্ত ইন্সলীল মুদিনের অন্তর্গন মধ্যেদের করে যোগগাই অসমস্বন করে সমাধিমত হতেছিলেন। লিখ্যে ইংলালনর দেবতা এবং আনুর উত্তরের ছারাই পঞ্চিত হয়। বিশ্ব জন মতি উচ্চ পদ সৰেও, জন সমস্ত স্পেতাকে মধ্যে ৰক্তকে উন্ন ভীগাদগৰ স্পৰ্গ কৰেছিলেন, টিক বেভাবে वायनप्रद कला व भूतिएक जञ्जूब शलीख निरंदारन করেছিকে। সাধ্য আছি জন কেন্দ্রন্ত কবিব নিথের চারিপালে উপবিষ্ট ভিলেই ভারের ব্রক্তক উপ্তের সম্রাভ তৰ্শত নিকেন করেছিলে। এইভারে প্রভাত হয়ে, প্রখ্যা টকং ছেলে শিবকে কাতে লাললেন, 'য়ে স্কালনে শিব। আহি ভানি বে, আগনি সমগ্র ভঙ ভাগতের নিয়ে। ক্ষত সন্তিৰ পিতা একং মাকা উত্তৰই ক্ষেত্ৰৰ আপত্ৰি এবং আগনতা তার অংশত আছি। কে ভগবান: আগনি "দেবতারা ফের্বেছিলের যে, শিব নেই কুম্বের নীতে - অপানার ব্যক্তিগত বিভারের দ্বারা এই দুল্য দ্বাপং সৃষ্টি करहर, भारत करहर अंगर गरहार करता, दिन रहाओ ্ট্রপশান্ত ভারে স্রাক্ষা বছনা করে, সেটি পরভান করে এবং কবশ্বের ভা ওটিরে মের। ছে উপ্রে: ভাপতিট সক্ষের মাধ্যমে বঞ্চাধা প্রবর্তম করেছেন, আতে মানুহ ধর্ম অনুষ্ঠান এবং অংকৈতিক বছরি সংক্রমন কম কান্ত করতে পারে। আপনত বিহি-বিশ্যুনই চতুর্বর্ণ এক চত্ত্বাৰ্থমেৰ মৰ্যাল নিৰীত হতেছে। ভাউ প্ৰাক্তাৰ্থ অংশিত। তিনি ছিলেন সময় উপত্তের সুধুনা এবং ত্রহখ্যপপূর্বক নিষ্ঠা সহকরে সেই প্রথা প্রকাম করেন। অভান্ত বন্ধ্যাপকাৰীঃ তিনি একটি মুগচৰ্যে উপনিষ্ট হৈত্ওলোক এবং নিৰ্বিশ্ৰৰ ব্ৰহ্মালক প্ৰাপ্ত ইওহাৰ हिलान क्या तथ तथम चनामा क्यान्तिकार। चीत त्यर प्रकारक वार्यकात्मय विश्वा उनाम वरताहा। (द्यानी) ভাৰতানিত দিন বলে, তাঁকে সন্মানালীন মেখ্য মতে । তাৰ ভাষ্টে অনুষ্ঠানতাৰী পুৰুতাকী ভাষ্ট্ৰ ক্লয় দেখাজিল। তিনি ঠার নগাটে জেলেখা প্রতীতী-চিক্ বিভিন্ন প্রবাদ ভারের নাকের সৃষ্টি জাল্ডেন। ভিন্ন তাত ধানে করেছিলে। তিনি কলাসনে উপনিষ্ট ছিলেন এবং - কর্মণ কর্মণ কেনা বার ছে, উভ নিয়াবের বিপর্যন स्माध्य क्रेमीड्ड भारत सानि प्रतिस्ति कार्ड भटनक्ष । इतः कट्न निर्मय करा चरन्तु ठाउँन। इत् कार्यनः

বে সমন্ত ভক্তরা সর্বতোভাবে আগনার শ্রীপাদলয়ে छोरात कीक कर्नर करताक, छाता श्रांटिक बीएका ग्रांस পরমান্তারূপে আপন্যম উপরিতি দর্শন করেন এবং করে **ফলে** জন্ম বিভিন্ন গ্রীবের মধ্যে কোন রকম ভোন দর্শন **भरतम नः। अरे क्षणात गालिका नमल जीरदा। वांध्ये** সমদনীঃ তারা কথনই গতের মতো ফ্রেমডের কনীভত হল না, বন্ধাণ প্ৰভাৱ ভেৰতাৰ ব্যতীত কোন কিন্তু দৰ্শন করতে পারে না। বে-সমন্ত ব্যক্তি তেমপুঞ্জি সহকারে मेर किंदू मानि करा, कहा किंका मक्ता कराई मिश्र, बाह्य দুট আগও কৃত-, বৰে অনেত্ৰ উন্নতি দুৰ্লনে প্ৰবাস चनुष्ठवं करत अवर वाता ठर्कन से मर्भएकमी बारकाह शास জনাদের বান্ধ দের, ভারা ইকিমধ্যেই কৈব কর্তৃক নিহত হমেছে। তাই আগন্যা মতো মহান কবিদা পক্ষে পুনরা। फॅरमत का करेड़ा (कानचे ध्यासकत एत मो। (ह फ्लायंट। भद्रस्थारका मुर्गक्षण माराज कारा स्थानाकत विवतानक যাতিরা বলি কবনও কোন আগরাথ করে, সাধু পুরুষ দত্তবৰ্গত ভাষের সেই অগরাধ গুরুতরভাবে প্রহণ করেন মা। তিনি জানের বে, হারা ক্রীভূত হয়ে ভারা জগরার फार, छाँदे च्हालंद किनान कहात बाना चेंद्र नहाद्वाय अकान

করেন 🕮। হে ভগবান। আগমি কখনও পর্যায়েশ্র ভগবানের অধিক প্রভাবশানিনী মাহার ধারা বিমোহিত হন নাঃ তাই আপনি দৰ্বল এবং যাবা দেই মায়ার ধারা মোহিত এবং সকলে কর্মের প্রতি অভ্যন্ত আসক্ত, ভালের প্রতি আপনার কুপাপরবল হওয়া উচিত। হে ভগবান নিব। জাগনি বঞ্জভাগের অধিকারি একে আপনি ৰূপ যশনক্ষী। कু-বাঞ্চিকের আপন্তকে আপন্তা ভাগ প্রদান করেনি, ভাই আপনি সব কিছু ধানে করেছেন এবং ভার ফলে কর জনস্পূর্ণ হরে রয়েছে। এখন জাপনি বা প্রয়োজন আ করন এবং আপনার ন্যায় পার্য প্রহণ কলে। 💢 ভগবান। আপনার কুগার বহুমান (রাজা ৰক) পুনৰীবিঙ হোন, ভাগৰে হাঁয় চকু পুনাগ্ৰান্ত হোন, कुछ मुनित भारत अकर भुवशासका बस्ताति भूनतार भूर्ववर জ্যেক। হে ভাগেন নিব। আগনার নৈন্যদের তাল্ল এবং রবারের আভাতে কে-সমস্ত দেবতা এবং পুরোহিতদের অস্বত্যসামি ভয় হয়েছে, কারা আপনার অনুধারে শীয় অবোশ্য লাভ করন। হে বক্তনশক। বয়া করে আপনি व्याननात्र बकाञान अरुन कन्नम अवर कृशानुर्वक वसा भूनी



সপ্তম অধ্যায়

দক্ষের যজ্ঞ অনুষ্ঠান

रेमदाह वर्ष कारणः—"(ह मक्तशास्त्र) विनुद्र । अवस्त অদুন্ধের বজা পরিভূট হরে, তার উত্তরে শিব স্থাপাপুর্বক অংশহিলে, 'য়ে পূজ দিতে বন্ধা। দেবতারা বে কালে এই দেবজন শিওসুলভ নির্বেশ, জেন্যে অগকাবে ওকর আমি কেন্স নিই না ঠানের সংগোল করে। ক্ষাই কোনা আমি দও নিয়েছি। যেহেছু বংকর মন্ত্রক শ্বীকৃত হয়ে জন্মনাৎ হলেছে ভাই ভিনি একটি স্বাগনের श्चिक शांश हर्रक। छन मानक स्नरक मिर्जन स्वरंडर

দারা তাঁর ব্যৱস্থার দেখতে পারেন। পূব্য কেবল তাঁর निवारमञ्ज मरदात्र काम धर्वन कत्रारक नांतरका, किनि यक्ष ধ্রকলা থাককে, ভংন তাঁকে কেবল শিষ্টক ভোজন ধ্বপরাধ করেছেন, সেই জন্য আমি কিছু মনে করি না। করেই সম্ভুট হতে হবে। কিছু মে-লমস্ত্র বেবভারা আসাকে ফাচডাপ দিতে সক্ষত হয়েছেই, টাংগর সর্বালের क्षक (बदक क्षेत्रा जन्मूर्व जूक स्टब केंद्रेस्क) चौरमत बार (कार्ड शादक कीरमा करिकीकुमातरका वाकत वाका कार्क कतरण शत्य जन्म चीरमङ ग्रांड कारंग त्यरक् छोरमङ भूका হক্ষে মান্ন কর্ম করতে হবে। পুরেছিডদেরও সেইভাবে

কার্ম করতে ব্রে, আর ছণ্ড ছাগলের দান্তি প্রার্ ছবেন।"

बर्श्व रेमद्वय कारका—"त्व विमृता स्त्रवास উপস্থিত সমস্থ শান্তিয়া বলনেকাবীদের মধ্যে সর্বত্রেষ্ঠ শিবের বালী এবন করে ভারনে সভার সম্ভন্ত হরেছিলেন। তার পর মধর্বি প্রধান তও শিবকে করাস্থাল অসেতে আয়ন্ত্রণ জনিরেছিলেন। এইজেবে কবিগুণ, নিব ও প্রকা সূহ মেবভারা দেই ছানে পিরেন্ডিলন কেবানে মহাবন্ধ अमृतिक बन्धिम । जब किंदु क्रिक निरंबर निर्द्धक समुख्य সম্পন্ন হওরার পর, মক্ষের সেহে মধ্যের নিবিত্ত পত্ন সভাষ ব্যেক্তনা করা হয়েছিল। সধ্য দক্ষের পরীরে লভর মন্তব সংবেজিও হবেছিল, তথ্নই তিনি চেতনা হাও হরে সুখোজিতের কটো লাগবিত হরেছিলের এবং তাঁর সম্মানে লিবকে কণ্ডায়ামান ক্ষেত্ৰত পোৰ্যোছকোন। ভাৰন युवकाक निवास सर्भन करत, निवासरी सरभव कर्नावड रामत ७९७७१६ महरकालीन महताबहरू भरता निर्मण হয়েছিল। রাজা দক সিজে তার করতে চেরেছিলের কিন্তু তাঁর কন্যা সতীর মৃত্যুর কথা স্মান হওয়ার তাঁর চোৰ অভ্যানার পূর্ণ হর্জেছন এবং গভীর ক্রেকে তার क्के क्रक शराबित अबर जिले तथ कराज नमर्थ कालि: সেই সময় গ্রাকা লক ত্রেহ ও অনুরাধের ছারা বিহুল হয়েছিলেন এবং ভখন উল্ল ভঙ্ক খুডি স্বাণনিত হয়েছিল। चारि करहे रिजि क्षेत्र कारण भाव करविष्टामा, चैत স্থাবাধেন সংগ্ৰন্ত কর্মেছিলের এবং শুরু ফ্রেডনার তিনি শিবের এথ করতে এক করেছিলেকা

রখ্যে সক্ষ ক্লালেল—"ছে ক্লাক্তন বিবঃ আতি আপনার চরপে সভ্য অপরাধ করেছি, কিছু অপনি এতই কৃশামর বে, আপনার অনুপ্রর থেকে ব্যৱহাতে ইভিড করার পরিবর্তে, আপনি আফাকে কংলা করে আমার প্রতি অসীম কুণা প্রদর্শন করেছেন। আগনি এবং শ্রীবিকু क्षान्य चर्यामा शाक्ष्यरमञ्ज कर्यान साह অভএৰ চন্দ্ৰ অনুষ্ঠানে বৃক্ত আমাকে আপনি কেন **উপোঞ্চা करारका? ८६ यश्रम क्ष्यर गश्चिमानी निय**ः কিলা, তথ্ প্ৰত এবং আৰু-তথ্পতাৰৰ প্ৰাক্তব্য কৰা করার জন্য প্রথমে ত্রখা তাঁর যুখ থেকে আপনাকে সৃত্তি করেছিলেন। যোলালক বেখন গভ হত্তে পাতীকের সক্ষ

রুঞ্জা ভররে ফলে ধর্মতে রক্ষা করেন। আমি জাপনার পূর্ব মহিয়া জানতাম না। তাই সভাস্থান জাপনার উপর चारि पूर्वकालन वन कर्न कर्नाहमार, शॉन्ट काननि छ প্রহা করেনি। জাপনার মধ্যে পরার পুজা ব্যক্তিকে অবস্থা কলে, আমি মনকে অধ্যাণতিত প্ৰতে বাসিলাম, কিছু আপনি কুলাপুর্বত আমাকে বর্গনান করে রকা করেছেনঃ আমি আপনার কাছে প্রার্থনা করি হে আপনি কুপাপুর্বত প্রদান হোন, কারণ আহার কথার বারা আগনকে প্রদান করার কবত। আবার নেই।"

মহৰ্বি মৈতেৰ কণ্ডান—"এইভাবে শিব দখকে কয় ক্রতে এবং রাজা করু ব্রহার আজার উপাধারি ও কত্বিকাশ সহ পুনরার সক্ষকার্য আবস্ত কালেন। ভার नद्य, रक्तकार्य एक क्याद समा अक्टानमा अवटा वीटाउट একং লিবের অন্যান্য হোড পার্বগরের স্পর্যাক্তরিত লোগের শ্ৰমির এন করের করেছিলেন। তান পর প্রারা অভিতে পুরোডাশ নামত আক্তি কেওরার বাবস্থা করেছিলেন।"

"दिव विद्वा । विद्या दिख क्षेत्र अका एक वक्ट्*वि*व वर्ष সূহ বলো যুত আহতি দেওৱা মাত্রই, ভথবান জীবিষ্ণ তার আদি বারাক্রবরূপে সেখানে প্রকট হয়েছিলেন। ভাগৰান নায়াহণ বিশাল পাকবন্ত ভাৰ্ক্য বা গড়বড়ের স্কান্ধ আরুত ক্রিকেন। ভাগরান সেখানে আবির্ভন্ত হওরা মারই সমত নিৰ আলোকে উত্তাসিত হয়ে উঠেছিল একং তাব হলে সেবত। উপস্থিত ব্রহ্ম এবং করা সকলের ক্লোডি वर्ष स्ट्रांका। द्वीय कालगांक न्यायर्थ, यह काली घटन লীও এবং ওঁমে ফিবীট সূর্কো মতের লেমীপারাম। তার ্বেশরাশি ভ্রমরের মতো নীলাভ এবং টার স্বত্যক্তর কাক্ওল-লোভিত। তার ভাট হাতে শহা, চক্র, গলা, পদা, ধনুক, বাশ, চাল ও ভরবারি এবং ঠার বছসকল বলর, অসম আমি কর্ম আভালে সন্ধিত। তীৰ সার **অন পৃত্যিত বৃক্ষের হতে। গোডা ধারণ করেছিল।** कन्नवान क्षेत्रिक्ट नकन्नुतम मधीरूकी दश कर्ष কালুবের জালা বিরাজিও ছিল, তাই উচ্চে আসাধানে সৌশর্বমণ্ডিও লেখারিল। তার হথমণ্ডল মধ্য হাসিব স্থানা সুপোলিভ জিল, স্থা সারে জলংকে, বিশেষ করে ভারতের মোহিত করতে পারে। তার উত্তর পরের ক্রেড হালের মতো খেড চারর আন্দোলিত হাছে, এবং ঠাব করে, তেমনট অংশনিও প্রাক্ষণদের সমস্ত বিশাস খেকে। অধার উপরে চারের ফরের থেতে চন্দ্রারণ বিরাজ কংছে।

সেখানে উপস্থিত সমস্ত দেকজগদ সকলে উদ্দের সক্রভ মণ্ডবং প্রদৃতি নিকোন করেছিলেন। মারারণের দেছনির্গত হণিজটোর সকলের প্রভাব দ্বান ছবেছিল এক সকলেই मीत्रव हराहिरकत। अञ्चय क्षेत्र स्टब्स् क्ष्यकील हरत. উপস্থিত সমলেই কৃতাপ্রলিপুটে অকাত মন্তকে অধ্যেকজ প্রয়েশ্বর ভগবানের স্তব্য করতে উদ্যান্ত হরেছিলেন: বসিও ব্রস্থাদি দেবতরোও স্বণবানের অনন্ত মহিমা অনুমান করতে স্বাসমর্থ, তবুও ভগবানের কুপার উরো ঠার চিন্তর ত্রাপ দর্শন করতে পেরেছিলেন। কেবল তার সেই কুপার প্রভাবেই জালা উদ্দেশ সামর্থ্য অনুসারে ভার প্রতি ক্রম मिटवर्षम क्वारक *भारतविश्वान* (*

"তথ্য ভগৰান নিঞ্ হলে নিবেদিত আৰ্থি প্ৰহণ কর্মেন, করম প্রজাপতি ক্য কতাত্ত আনশা সহকারে তীর শ্বতি করতে ব্যারক করেছিলেন। পরয়েশ্বর ভালধান প্ৰকৃতপক্ষে সমত যজেও ঈশ্বৰ এবং সমস্ত প্ৰজাপতিকের ওক এবং ডিনি মৰ ও সুনৰ জাৰি পাৰ্বদ্ৰমের জনাও শেবিত ৷"

পর্মেশ্র ভগবানকে স্থেধন করে দক কালেন— "হে প্রকৃ। আপনি কমনপ্রসূত সমস্ত অবস্থার অতীত। चार्गाने मान्पूर्वशदन हिच्छ, निर्देश क्षार नई चक्कार्ट्ड খাপনি মারাধীন। যদিও মাপনি ভাড়া প্রকৃতিতে আবিষ্ঠুত হন, কিছু জাপনি সাচাতীত। আপনি সর্বনাই জড় করুৰ বেকে যুক্ত কেনাথ আগনি সম্পূৰ্ণকংশ শভঃ।"

ভদকাতে সংখ্যাক করে কড়িকেয়া কর্জা—"ড়ে ছগবান। আপনি কড় কর্বের জডীত, লিবের অন্ট্রদের অভিন্যাপর কলে আমর সংগ্রহ কর্মে ব্যুসন্ত হয়েছি এবং ভার কলে আমার একন অবংগতিত হয়েছি এবং আপনার বিষয়ে তাই আমগ্র কিছুই জানি না। হল করার অধ্যহাতে আমরা এখন বৈনিক আনেং তিনটি বিভাগের অনুশাসনে ভতিতে পথেছি। আমার জানি হে, খাপনি দেবতাদের দীয়ে ভাগ প্রদান করার আয়োজন **कर्**दराक्षम (**

नेटार नेनेमाता सरायभिक्तं नत्वाचन करत कसून्य--"য়ে সক্তা জীবনের একমার আরবঃ! বর জীবনের এই মুর্ভেণা বুর্বে কালরুলী সর্গ সর্বলা দলেন করতে উলাত

ভাবেদ শ্রীবিশ্বকে সমাগত দেখে ক্রলা, শিব, গছর্ব এবং 🛮 হরে মহেছে। এই স্কান্ধ তথ্যকথিত সুধ এবং দুঃবের शहर्क वर्ष अवद स्माचारम वस विश्व भक्त सर्वमा चाउन्त्रम করতে উমাও। লোকরুলী অভি বর্মনা সেবানে ক্লাডে: द्धार क्षणीक मृत्या प्रवेक्तिक मर्वन क्षीवरक अरवारिक कारक, किन्द्र था त्यरक काशत चार्ट्याको रकाँग जान छाउँ। ভাই অন্ধ ব্যক্তিরা ক্লম মৃত্যুর চক্রে, সর্বন্য তাদেও ভাৰত্ৰবিত কঠবোর ভাবে ভারাক্রমন্ত হথে নাম করছে এবং আমল জানি মা কবন তারা আপনার শ্রীপাদগয়ের चारतर शहप कराव 🖰

> দিৰ কালেন—"হে ভাগবান। আমার মন এবং চেতৰ নিবস্তুৰ আপনাৰ শ্ৰীপাদগয়ে ছিব থাকে, যা সমস্ত অতীউলো ইওয়ার জলে সমস্ত মুক্ত মহার্যদের জারা পুরিস্ক। অপেনর চরণ-কমলে আমার মন পূর হতেছে বলে, বারা আখার কার্যকলাপ জণ্ড কলে আহরে নিশা করে, ভাদের স্থানা আমি আর বিচলিত হই নাঃ ভালের দোবারোপে আমি কিছু মনে করি না এবং স্থাকণত আমি আলো ক্ষমা করি, ঠিক বেমন জ্ঞাপনি সমস্ত জীবদের প্রতি আপনার করুবা প্রদর্শন করেন।"

> ইড়িড ব্যালেন—'হে ভগবান: প্রাণা থেকে ওক করে একটি কৃষ্ণ শিশীলিকা পর্বন্ধ সকলেই জাপনার দুর্গভন্ধ মারার প্রভাবে আক্রম এবং ভার কলে ভারা অদের শ্বরূপ সহতে অবদত হয়। প্রত্যেকেই ভার বেচটিকে আৰু কৰাৰ বলে বলে কৰে এবং ভানু কলে তারা যোগের অন্ধকারে আছে। আপনি বে প্রত্যেক ৰীবের হাবরে পরমানারংগ বিরাধ করেন, ভা ভারা। বস্তুত বুর্বতে পারে মা, এমন কি ভারা আপনায় পরম পদও বৃহত্তে পারে না। কিছু জাপনি হচেনে সহত শরণাগত জীবের সূহাৎ এবং রক্ষণ। ভাই, আপনি অনাদের প্রতি কৃশ্য পরকা হয়ে আরমের সমস্র অপর্যাধ

> হ'কা কলকো—"বদি কেউ কান লাভের বিভিত্ন পছার যাধ্যমে আপনাকে জানার চেটা করেন, ভা চ্পে ঠিনি কৰনই আপনায় ব্যক্তিৰ এবং নিডা কালে বুকতে শামকো না। আপনার ছিতি সর্বনাই বাড় সৃষ্ট্রির ঘাতীত, কিছু অভিজ্ঞান্তলৰ জানের বারা আপনাকে জানার প্রয়াস যক্তে ভের্মিতক, কারণ সেই মধ্য কার্কনের উপার একং উব্দেশ্যও ভৌতিক।"

দেবর্জ ইয়া বলফো--"হে ভলকা: প্রতিটি হরে: হার-সম্বিত আপনার এই মউত্ত নিম রূপ সম্প্র विरुद्ध कन्।एस्त बना ठकरे हह अंग ख का ब करहर ছতোর আনন্দর্শারক। এই কাপ আপনি ভক্ত-বিভেগী चानशामद २७ (१५रात कमा अर्गम ७०५३।"

ক্ষতিক-পত্নীগৰ কলনে---"হে ভগৱন) ব্ৰহুত निर्दिष धरे बर्खन सारहाकन कना इस्तकिन, किन्न দুর্ভাগাবশৃত দক্ষের প্রতি ক্রম্ম হয়ে শিন এই বল নই ক্রেছিকেন এবং উরে জেনকের কলে কলে বলিব পদর पृष्ट इता भएक वरशरह। कहि बरका नमन एकाँउ नहे হয়েছে। এখন আপনার পরপদাল-দেকতের দৃষ্টিপাতের धारा और वक्षाश्चलक भूग्द गरिव करून।"

ক্ষরিরা প্রার্থনা করেছিলেন—"হে ক্ষারান। স্বাপনার কর্ষেকলাপ পরম আছত এবং যদিও আগনি আগনাও বিভিন্ন শতির বারা সব কিছু সম্পালন করেন, ভবুও অলপনি সেই সমন্ত কার্ককলাপের প্রতি মোটেই অসন্ত নন। এখন কি আপনি কন্দীদেবীর প্রতিও বাসত নং चीत कुणा जाएडत कम् तथाह अरुक्ष अरुक्त स्वयंत्रतीय তার পূজা করেন।"

সিদ্ধারণ প্রার্থমা করেছিলেন—"হে ভগবান। স্বাব্যন্ত্রপ্রিট্ট হাত্তী থেজন নদীর জন্ম প্রবেশ করে তার সমস্ত্র প্রেম্প ভূলে যায়, তেমনট্ট বামানের মন অপনার দিবা লীলামুডের স্বীতে সর্বল নিয়ঞ্জিত বাকার কলে, সেই চিমার আনশ কথনই পরিস্তান করতে চার না, স্ব ব্রহ্মনেশের খেকেও অধিক জনস্পাধক।"

দক্ষণত্তী প্রার্থনা করেছিলেন—"হে ভগরনঃ অপনি বে বল্পাল লাবির্ভ হরেছের ভা পভার সৌভাগ্যজনক। আমি জ্বণন্যকে আমন্ত সভৰ প্ৰণতি নিবেদন করি এবং আহি আপনার কাছে অনুত্রের করি যেন আপনি এই উপলক্ষে প্রশান স্তেব। আপনি ক্রতীয় **এই वक्काल हिक अवधि अञ्चलकीय कराइक अंदर्श** ਕੈਵੈਸ।"

বিভিন্ন লোক লালেব। বললেন—"ছে স্কৰণান। আমরা কেবল আরাদের প্রভাক অনুত্তিকেই বিধান করি, কিন্ধু এই পরিস্থিতিতে আন্সা মানি না বে, আংগ আথালের জড় ইন্সিরের হলে আগনাকে লানি করেছি কি না। আমানের কড় ইপ্রিবের হয়ে আমর কেবণ এই . করে জগতি আমানের রক্ষা করন।"

দুশা কৰ্মাই ফৰ্ম কুৰুতে পাৱি, কিন্তু আপুনি পঞ্চতুতের অটার। অপরি মার জা। হাই সামপ্র লাগনাকে ঋড় ক্ষরতা স্থানিক্তাপ কর্মন কর্মার।"।

37.4

प्रशासिक काराया-"(इ खबवान। भीता আপন্তে সমার জীবনে প্রমান্তাক্তপ ছেলে, আপন্তে प्टेरक (४८७ घटिनकरण वर्णन करवन, ठेरता निकारी আপনার অতান্ত প্রির। বাঁরা আপনাকে প্রান্ত বলে মনে क्टा क्या विकासकारक व्याननात मान क्टा वटन क्टा আগন্তঃ ভালিম্বরী সেবার হস্ত খাকে, ঠানের মাতি আর্লনি জন্তার কল্যালক্ষ্যকে হন। আলনি ভাষের প্রতি वर्गम कन्नम । बहुरसा अहरूतमा प्रश्ननाम बाहारमञ् সমত প্ৰণতি নিৰেণন কৰি, বিনি নিভিন্ন প্ৰকাই বৰ্ষ \$रन्त्र करताचन कार खाएमा शृष्टि, भागन कार विनाटनंत জন্ম অংশৰ জন্ম জনতেও তিনটি ওংগৰ বৰ্ণাপ্তত করেছেন। তিনি করু বহিরকা শতিক নিয়েকারীন মন; উর্ব ক্ষালে তিনি কয় ওলের বৈচিত্ত থেকে সম্পূর্ণরূপে ভিন্ন এবং মারার হান্ত পরিচিতি থেকে মুক।"

মৃতিহাৰ বেদপৰ বদদেৱ—"হে ভগবান! আনরা আপন্তে আহাবের সভাত প্রতি নিবেদন করি, করেব আপুনি স্থান্তৰে আত্ৰত হওৱার কলে সমায় ধর্ম, তপ্ৰা এবং কুছু সাধনেও উৎস। আপনি সমস্ত তের্বিতর ভাগের আর্হান্ত এবং তেওঁই আগনারে অংকা আপন্য প্ৰকৃত বিভি জানে না 🗓

ভবিবেদৰ বলকো—"হে ভগবান! আমি আপনাকে জানার সম্রাধ প্রথতি নিবেশন কবি, কালে আপনার কুলার ভাগি প্রভালিত অধিং মতো তেজখী এবং বজে নির্বেশিত क्षक विकित होने कीकार करिया कहारीय धनुस्थाद सीक প্রকার হবি আধানাই বিভিন্ন শক্তি এবং পাঁচ প্রকার दिनिक सञ्ज व्यापनि भृतिक दन। यस कार्य अरहरूपत ভারতান অপনাকেই বোঝানো হয়।

(सरकार्यः समामान—"(हः कंगलनः) भूतर्वः अस्परदः प्रश्र थान्त्रि करु क्यांट्ड रिन्डि महि प्रश्रक्त খবেছিলেন) েই সময়, সমস্থানি উর্জা গোকবাসীর काशाहिक कार्यन्द्र कृता कान्यत्व शहर कर्राहरूका। অভ্যাহ স্বাধানি প্রাচ্চা আদি পুরুষ এবং জাধনি প্রদার-হাবিতে (লক্ষণ-লব্যার মধন করেন। এখন ভাপনি चालदार त्यक कामाया मानुदर १४३३ स्टास्काः वस

शब्दर्वता बलारहरू—"Ol धनवान! निव, तथा, रेख च्छलि मध्य (स्वरक्षा असः वर्तीति व्यक्ति वर्शरंभन (कर्मा ব্যালনত দেহের বিভিন্ন ব্যাপ। আগনি হলেন পর্যা শক্তিমান বিস্তু: সমগ্র নিশ জাপনার জীড়ার উপকরণ মার: আমার সর্বদটি আননাকে পরযোগ্য ভাগবাদ বলে দীলাৰ কৰি এবং আখবা কংগদানে আমানের সম্রন্ধ প্ৰদতি নিকোন করি।¹⁰

বিদয়বাহেল কালোক—"হে জগবাদ। এই মনুখা শ্বীৰ স্বাক্ত দিছি লাভের করু, কিছু আপনার বহিবজ শক্তির ক্লীড়ত হয়ে বাঁহি মার্ডিকাট তার দেহকে আৰু বলৈ মনে কৰে এক তথা কণ্ডে মধ্যের দ্বারা প্রভাবিত क्टब रन कड़ नृपर्श्वरभव माध्यम नृपी कटक होता। পদল্ভ হয়ে সে সর্বদা অনিতা, মারিক সুখের প্রতি ष्मान्डे रत्। किस पाननस निदा कार्यनाम अउँदे प्रका राधारमञ्जा त्य, त्यांचे वर्गि (गरे विवास अला अवर ৰ্কীৰ্তনে বৃক্ত হল, ভা হলে ভিনি এই স্বেছ থেকে উদ্ধান काठ अंग्रेट भंग्रेडन ("

রাজ্যপাপ কালেন—"ছে জাবান। আগনি সাকাং হক্ষপুক্ত। আপনি হবি, আপনি অখি, আপনি বৈনিক বজ্জনত্ত, জাগনি সমিত্র, জাগনি পিখা, প্রাথনি কৃপ এবং व्यन्ति रक्तभातः। जाननि वक्त व्यन्तेतकारी नृद्यादिक, আগনি ইপ্রাদি দেবতা এক আগনি ব্যক্তর পশু। ব্যঞ্জ य किंदू डेंध्यर्भ क्या हत छ। धाननि करना धानसह সক্তি। হে ভগবান। হে বৃতিমান বৈদিক জাব। বহুতাল পূর্বে মন্ত্রম ধরাত্ অবভারে আপানি পৃথিবীকে ৰাদ্য খেকে উৰ্জেশন কৰেছিলেন, ঠিক বেমন একটি হাত্তী জনানালে সরোকা খেকে একটি প্রকৃত উদ্যোগন করে। रिनाम बतादकरन चानमि १४० नर्धम करतप्रिमान, ट्राई দিবা শশতরক বজারত্ব বংশ কীকরে করা হরেছিল এবং সনকাৰি বহৰিকৰ ভার ধান কয়ে আপনায় গুৰ করেছিকে। হে ভগবদ। আমল আক্রম দর্শনের প্রাষ্ট্রাক্তা কর্মান্ত্রাম, করেশ আমরা বৈশিক বিধি অনুসারে বঞ্জ কলতে অসমর্থ হয়েছিলাম। ভাই আমরা আপনার কাছে প্রার্কত করি, দল্ল করে আপদি আমাধের প্রতি প্রসা হেন। কেবল আগনান পনিত্র নাম কীর্তন করার কলে, সমস্ত কৰ-বিপত্তি অভিক্রম করা বায়। আমক আপনার সমকে আপুনকে অন্যেক্তে সম্ভন্ধ প্ৰথতি নিজেন করি।"

ট্রীমেরের মানুদেন—"দেখানে উপত্নিত সকলের বারে এইভাবে শুলবান বিশ্ব ফলিড ইওমার পর, কক ওছ অন্তক্তবৃধ পুনরার মধ্য অনুষ্ঠানের আয়েরজন করেছিলেন, स भिरुष्क कन्ठजरमा बाता निकास स्टार्यक्त । ८१ निष्माम বিদুর। ভারতার শ্রীবিশ্বর চ্চেরে প্রকৃতিগক্ষে সমস্ত মজকলের ভোতনং কিছু বা সঞ্জের সমস্ক জীবের শরমান্ত্র হওয়ার ফলে, তিনি কেবল ফলের তাঁর অংশ প্রাপ্ত হয়েই সন্তুষ্ট ছিলেন। তিনি ভাই প্রসমভাবে লক্ষকে সংস্থান করে বর্গোছলেন-ক্রমা, পির এবং সামি কড় ভাগতের পরন করে। আনি পরনার, বরংসভর্গ সাকী। কিন্তু নিৰ্বিশেষভাবে প্ৰকা, শিব এবং আমার म्दश्च रकात शार्थका अहै।"

িহে সন্ধ বিশ্ব। আমি হক্তি আমি ভগতন, কিন্তু এই অভ অনতের সৃষ্টি, পালন এবং সংহারের কার্য আমি আমার জড়া গ্রন্থভির মাধ্যমে করে থাকি এক বিভিন্ন প্রকার কর্ম অনুসারে, আমার প্রতিনিধিয়ের ভিত্র ভিত্র নাম বৰেছে। অভ ব্যক্তিরাই কেবল হলা, পিব আদি দেশতাদের আমার থেকে খতর বলে ফান করে, এজন কি ৰ্বীবনেরও অভয় বলে হলে করে। সাধারণ दुष्प्रियसमान्या प्राप्त प्रकृष अन्य भंगीद्वत सन्ताम चारतर বধ্যে কেল ব্ৰুম প্ৰথম কৰ্মন কৰে না। ভেমনই, আমার ভালার সর্বব্যান্ত ভাগান বিষ্ণু এবং আন্ত কোন वह व कवित मध्य शक्ष स्वय एक कर्न करान मा। বিনি উপা, বিষ্ণু, নিৰ এবং জীবখালের গররুল ছেকে ভিমন্ত্রপে দর্শন করেন না এবং নিনি ক্রকটে কানেন, তিনি প্রকৃতপক্ষে শান্তি উপপত্তি করেন অনুধা করে আ।"

মৈনের মারি বলগোল—"এইভাবে ভারান কর্তৃত সুট্ভাবে আদিউ হয়ে, সমস্ত প্রজাপতিকের প্রধান কর क्षींप्रकृत व्यक्ति स्ट्राबिश्चन । व्यक्तियोग वस्ता श्रीएक शृक्त करात गत, एक गुथककारव उन्हां क्षत्र निरंदे गुका করেছিলেন। দক্ষ শিবকে উর ব্যৱস্থাত নিবেন্তর করে, সম্প্রমণুর্বক সর্বভোজাবে পূজা করেছিলেন। বাজিক অনুষ্ঠান সমাও করার পর, তিনি ক্ষর সমস্ত কেবজা একং মেবানে সমবেত সমঞ্চ কাজিমের সভৃতি বিধান কর্মেছনে। তার পর, পুরোহিতগল বছ সমস্ত কর্তব্য नमाश्च कृताव भव, किनि कान करविस्तान करा নাশূর্ণকলে সম্বন্ধী হয়েছিলেন। এইভাবে বিধিপূর্বত বজ

অন্টানের বারা ভাগনান জাশিদুদা পূজা করের পর্ জ্ঞা পরিছিতা বিশেন, তিনি কিংকে পুনরতে ঠাই পতিবংশ প্রক্রাপ্তরেশ ধর্মসংখ দ্বিত হর্মেছিলেন। অধিকাছ, সেই সাম্য কর্মেছলেন, ঠিক ক্রেন্স পর্যাক্তর ভগকানের বিভিন্ন ক্ষাক্ষা সমাপ্ত সমাজ দেবতার। উচ্চে পুশা লাচেড পাঙি মতুন সৃষ্টিং সময় কর্ম করে। হে বিনুধ। শিশের আলীবাঁদ করে, স্থানোকে ফিবে লিখেছিকেন। কামি স্বাস্থা বিধান্ত সক্ষমজের এই কর্ণানী আমি বৃষ্টস্পতির ভারতি যে, মক্ষ কেতে হাত্ত স্থীর হাঙা করার পর, নিয়া হয়াভাগরত উত্তরের কল্পে ওনেছিলাম। টে ল্যকারণী (সক্ষকনা) বিষ্ণারের রাজ্যে জন্মগ্রণ ক্রনান্য। প্রানের জনরন প্রবিশ্ব কর্তৃক প্রিচালিত कार्यक्रियां। जिलि (अनकार कमान्यून क्रावेदारेन और प्रकारकार कांद्रमें) योग एकडे अला कर्तन अला जी ক্রাবেছিলেন। এই কথা আমি প্রামাণ্য সূত্রে ভানেছি। অনালের পোনান, ভা হতে তিনি নিশ্চিতভাবে সমত উভ चाचिका (पर्शारमधी), विभि मान्यादवी (लडी) क्रांश करूब (थएक प्रक्ष इमा)'



क्षरीय क्षरापि

ধ্রুব মহারাজের গৃহত্যাগ ও বনগমন

क्टूबि टेस्ट्र्य क्ल्युलन—"जनकामि हार कुमल, नात्ता, क्छ, इरम, ऋतनि अवर पछि—द्वापात और ममस नुस्रता গুহে অবস্থান লা করে উর্চারেডা অর্থাৎ নৈটিক ক্রজনাত্রী হয়েছিলেন। ব্রক্ষার আর এক পুত্র হতেবন কংগা, বাঁর পর্ত্তীর নাম হাজে মিখ্যা। তামের নিলনের কলে কর कर, क्या माधक मुद्दी चानुतिक नुष्ठ धका कमान बाव ११६) निर्माहे मानव चानुः यत (कान नवान कि। मा. त्य 🗟 मृद्धि चानुदर्भ अस्य करत्तिकः। 🗷 मगु**र्चाः** 🔫 ও নারা থেতে লোভ এবং শক্তা কথার। ভাগের विनातम करन दानम धना हिरमान बाच हो। अन्य खारक মিলনের কলে কলি এবং তার ভগিনী দুর্লাকর আরু হয়। (६ मागुरक्षके। कणि अवर मुक्रकित विकारका करन पृद्धा এবং ভীতি নর্মক সন্তানের ঋষ হয়। মৃত্যু এবং ভীতির দিশনের হঞ্জ বাত্যা এক নিরন্ন সামক সভানের জন্ম दम। (म् विनुत्र। चापि प्रसम्पर्ण धनातक करण विधाना করেছি। যে ব্যক্তি এই কর্ণনা জিনবার প্রমণ করেন, ইম আত্মান সমস্ত কলুৰ বিশৌত হয় এবং ডিনি শুণ কৰ্মন क्रवन ।"

িটে কুকভোট। আমি এখন আপুনার করেছ বাতস্কৃত

মনুর কাশহরদের কথা কর্মা করক, বিনি প্রয়োগর ভববাৰের অংশের অংশকালে জন্মহত্ব কর্মেছবেন। शहरूदर वन् करा छैल गड़ी अंडलनाट संख्यनक कर চিত্রেও নামৰ সৃটি পুর ছিল। বেহেতু তাতা ইভারেই ছিলেন ভগৰাৰ বাস্তেবের অংশের বংগানে, ভাই উলা वरे इकार भारत कराउ करा ग्रंजामा भारत व राज কবাতে অভান্ত সমর্থ ছিলেন। সহাবাজ নীডামপানের সুনাতি এবং সুক্রচি ধ্যমক দুই পান্ধী ছিলেন। সুক্রতি ছিলা মহারাদেশ অত্যা হিছ, কিছু সুনিতি, কর পুর ছিলে ৯ব, তিনি রাজার ভতটা প্রিত দিলেন বা। এক স্থাৰ মহাব্যক উভানপাৰ স্কতিৰ পুত্ৰ উভানতে তাৰ অছে স্থাপন করে জাদর কর্মেলেন, সেই সময় এং হয়প্রাক্তব রাজ্যর কোলে উঠকর চেষ্টা কর্মেরনার, কিছ প্রজা তাঁকে বিশেষ সমাকঃ করেননি। খনন নিও ক্রব হয়বাৰ ঠার পিতার কোলে বঠার চেইচ কর্নাচ্চানন, তৰ্জ ঠান্ন বিমত্যে সুকটি শ্ৰুত ভাতি অভ্যান উদ্বাদয়ালে হয়ে, অভান্ত পরিভভাবে রাজ্যকে ক্রমিয়ে ওনিয়ে বলাকে লাগদেন—হে কলে : ভূমি কাৰ্ম্পাংহাসকে কাৰে লাগায় জেলে বসায় হোগা নও। নিমেকেন্ড কৃষ্টি বাজার পুর,

কিছ বেহেত তুমি আমার বর্তে জন্মত্রণ করনি, তাই তমি তোমার নিতার কোনে বসায় বোগা নও। হে २९%। कृति कान न (स. सामात तर्ल बन्धवरून न करत, প্রায়ি জন্য কোন জীন গতে জনগ্রহণ করেছ। তাই ভোষার জোনে রাখা উচিত বে, ভোমার এই প্রচেটা ধার্য। ত্মি এমন একটি বাসনা পূৰ্ণ করার চেটা করছ, যা পূৰ্ণ ছুওরা অসম্ভব। তমি যদি রাম্বসিংহারতে **আ**রোহণ করতে ১াও, ভা হলে ভোনাকে কঠোর ভলজা করতে ছবে। প্রথমে তেখেকে পরমেশর ভগবান নাবারগকে প্ৰদান কৰতে হবে এবং তাল পাল তাল কুপাৰ তোমাকে। প্রবর্তী **অবে আমার মর্তে ভন্মত্রহণ করতে হরে**।"

566

হৈত্তের কবি কলকো—"হে বিদুর। তাঁর বিষয়ভার স্কৃতি কাঠোর ছাল আহত হলে, এব মহালাভ দওবেড সংগরি মাজ্য ক্যানেশকে দীর্ঘনিংখ্যাস আগে করতে শাগদের। তিনি যাক দেবলের যে, তার পিতা কোন श्रष्टियाम मा करत मीतव प्रशासन, एएकनार, छिनि (नर्दे ক্ষম তাল করে তার যাবের কারে নির্মেচনের। এব মহারাজ করন জার মাতের জারে সিবেছিলেন, ভাগন ক্রোধে তার অধ্যাের কম্পিত হক্ষিল এবং তিনি অভাস্ক ক্যালয়ের ফলন কর্বাছলেন। সুনীতি ভালাই উল্লে উয় (सारम प्रश्न निराक्तिका अवर पान्-नुक्वानीया क्षेत्र कार् ভৰ্ম সুকৃতিৰ সমস্ত দুক্তিৰ কৰা স্বিস্তাৱে কৰিছ করেছিলেন। ভার ফলে সুনীতিও অভ্যন্ত ব্যথিত। হর্মেছনেন। তিনি গাণানির মধ্যে স্থিত বর্মতকার রভো শোশামিতে গৰ্ম হলে নোনন করেছিলেন: ঠার সপরীত বাকা যতই ঠার স্থানপায়ের উদিত হতে লাগল, ভতাই তার কমলের মতো সুদর মুখদওল অভাবরার নিভ হর্মেদের এবং তখন তিনি এইভাবে মনোভাব কান্ত কর্মেছদেন। তিনিও দীর্ঘনিংখাস ভাগে করছিলেন এবং সেই দুঃবদায়ক পরিস্থিতি নিরুদ্দের কোন উপায় ঠার জানা জিল না। ভাই তিনি জান পুত্ৰকে বলেছিলেছ-'হে কলে। ভূমি কথনও অন্যের অঞ্চল কর না। কেউ क्थन क्षेत्रहरू पृथ्व (पाय, क्रांबर ट्रा निरक्षेत्रे ट्राई क्षेत्र তোপ ছরে ট "

ক্ষেমার পিতা রাজ্য আফারে গুরে পত্নী কেন, গুরু দাসী বলেও মনে করেন কাঃ আমাতে স্থানিবার করতে তিনি

লক্ষরবোধ করেন। ভাই, ভূমি যে একজন দুর্ভাগার গঠে चार्यक्रव्याच्या करवाच्या अवर कार्य क्षेत्र भाग करत् के करवाच्या সেই করে ঠিকটা। হে কংসং তোমার বিমাতা সুক্তি প্রোমারক বা কলেছেন, জা বানতে অভ্যায় কটু ইলেও ভা সভা। ভাই ভূমি মদি ভোষার সংভাই উত্তয়েও মতো बार्कामध्यामन माछ कराय हात, का एटन मार्थमर्व পরিত্রাথ করে এখনই তোমার বিমানার আংশে পালন করতে চেষ্টা কর। ভূমি অধিলাখে পরফেরা ভগবানের হীশাদপুরের অ্যার্ডনা কর। পর্যােশর ভগবান এতই মহান হে, কেবল উরু শ্রীপাদপর ছারাখনা করার দারা ভোষার প্রশিক্তমহ ক্রছ এই বিশ্ব সৃষ্টি করার উপরুক্ত যেগ্রেডা ভার্মন করেছেন। যদিও ডিনি অব্ধ এবং সমস্ত জীবদের মধ্যে প্রধান, তবুও তিনি তার সেই সুমহান পদ প্রাপ্ত হারেছের, কেবলমার সেই ভগবানেকই কলার, বাঁকে মধ্যন যোগীয়াও জানের মানবার নিয়ন্ত্রণ করার বারা মন সংব্যের সাধ্যমে করে। ভোষায় পিতামহ भावत् मन् अन्त भारतद मार्गात्व मञ्जून वक्तमपूर् धानुकेल করে, একনিষ্ঠ ছব্ডি সহকারে পরমেশ্রর জগরান প্রীধরির আর্মনা করে উহক সভুষ্ট করেছিলেন এবং তার ফলে তিনি ভৌতিক সুৰ এবং ভারণার মৃত্তি লাভ করেছিলেন, য় দেবতানের পূঞা কথার দাবা লাভ করা আগরব। তে বংসা ভূমির ভাতবংসল ভগবানের পরণ প্রহণ ভার। বারা ননোক্র-চক্র থেকে মৃত্তি লয়েজর আছেবণ করেন, ষ্টাবাও সর্বদ ভবিষয়েরে ভগরনের চরণভয়নের আশ্রয় ক্রমে করেন। কথা অনুশীকনের দ্বারা পবিত্র হরে, পুথি তোমরে হদরে ভগরনকে স্থাপন কর এবং অবিচলিও চিতে ভার দেবার সর্বনা বুক্ত হও। হে প্রবাং কমল-নম্ভৰ ভাগনান ব্যতীত আন্য আৰু কাউকে আনি মেছি মা, বিনি তোমার দুৰে অপনেমন করতে পরকো। প্রবল্প আমি ক্ষেত্ৰায় যে সন্ধানেতাত খুলা আছেল করেন, সেই লক্ষ্মীদেবীক প্ৰাহত্তে সৰ্বদা সেই প্রয়েশ্বর ভাগবানের ्रमत् कतात करा ७९भत् **भारत**ा"

মধূৰি মৈত্ৰের কালেক—"প্ৰকৃতলক্ষে প্ৰকৃ মুখ্যমাজের অত্যাঁট নিছিত্ৰ জন্য উল্লেখ্যকা সুনীতি উল্লেখেই "ছে কংগ। সুক্রতি বা বংগছে তা ঠিকই, কাবদ উপদেশ নিরোছদেন। ভাই, সেই সছতে গভাঁরভাবে বিবেচনা করে এবং বুদ্ধির হার্যা সংকর্ম ছির করে, তিনি তার শিতর। পুরু জ্যাপ করেছিলেন। মছবি নারদ সেই সংবাদ তানেছিলেন এবং এব বছাতালের কার্যকলাপ সহকে আত হয়ে, তিনি বিশ্বয়াহিত হয়েছিলেন। তিনি একবর কাছে পিয়ে ইয়া পবিত হত্তের ভারা তাব মন্তব স্পর্ল করে বর্লোচনেন। আলা: পরিচনের তেঞ্চ রী। অত্তঃ তারা থাকের সম্মানের কর লানিও সচা করতে भारतभ मा। अनुमान करता (१५०। और रामकी अवदि হোট পিও, কিছু তা সড়েও জার বিদ্যাতার মৃততি ভার কাছে ভানহা হবেছে।"

একটি বালক মাত্র, করে একন খেলাখুলার আগতে আভার কথা। তোমার সম্মান হানিকর কথার ভূমি এইভাবে विक्रिक्ट रहम् (कन १ ८६ इन्द्र) छुन्नि निर्माण कड एव रक्षमञ्ज चाच-मचात्मत शनि स्टल्ट, क शक्त रहान । অসন্তোধের কেনে করণ নেই: এই প্রকার অসন্তোধ অভার প্রিনীত, তাই আগনার উপায়ণ প্রহণ করছি না बाबादरे चात्र अवसी भाषा, धांठि कीची उस भूर्रकृड कर्य व्यनुभारत निरातिक वृष्ट अवर कार्ड जून अवर पृथ्न । कर्म, व्याप्ट अवन इएईहर व्याप्टल विचाला तुनकी देख ভোগ করার জন্য বিভিন্ন প্রকার জীবন রুছেছে। দুর্জাক্তরণ বাংগর খালা ভালের প্রথম বিভান করেছেন, মানুহের কঠেয়া সেই পদ্ধা অবলয়ন করে, অনুকৃত্য কা নে। হে তথ্যানী প্রাক্তা। আমি এমনই একটি পদ প্রতিক্ষতার বিচার না করে, সব কিছুই ভগবংকে ইন্য বলে মনে কৰে সন্তুষ্ট থাকা। ভূমি ভোগৰ কভাব कें भरपन चम्रतारक, कंशवारक कृतां कारक कना ধানেবেংগর পছা অবলয়ন করতে মনৰু করেছ কিছ আমাৰ মতে কোন সাধারণ মানুহের পক্ষে এই প্রকার তপশ্চর্যা সত্তব নর ৷ পরমেশ্বর ভগবানকৈ সভাই করা অভ্যন্ত কঠিন। সমন্ত মাদ্র কলুম-রহিত হয়ে, 🗛 ভলস্যা করে এবং নিরন্তর সমাধিমত হতে, বছ বেংগী ভক্ত-ঋশ্যানুৰ ধাৰে চেষ্ট্ৰ কৰা সংব্ৰ ভগবানকে উপলব্ধি कतात भव चंद्रम भानमि। चल्डक्ट (इ.स्टम) क्ये दुवा প্রচেট্টা থেকে ডুমি নিবৃত্ত হও, এই করে সকল হতে না। তোমার পক্ষে এখন গুরে কিরে বাওয়াই বেরস্কর হবে। হবন ডুমি বড় হবে, ভখন ভগলনের কুলার ডুমি এই যোগ অনুশীলনের সুজেখ পাবে। তথন পুনি औ কার্য সম্পাদন কয়। স্বীবনের ছে-কোন অংকাতেই, জ বুংখনায়ক হোক অথকা সুখনায়ক হোক, পর্যেখন ভগবানের পরাম ইচ্ছার হারা প্রধার বলে ভোনে সম্ভাই ধাকা উচিত। এইভাবে যে বাজি সহিষ্ণ হয়, সে

অন্যানে ব্যক্তনভার অনুকার অভিনেম করতে সক্তম হয়। স্কলেন্ট্ কর্ত্ব্য নিজের খেকে অধিক কালেন্র ব্যক্তিক দৰ্শন বহুৰ অত্যন্ত আনন্দিত ইওয়া, নিজের থেকে বন্ধ প্ৰশাসনাৰ ব্যক্তিকে কৰ্মন কৰে তাৰ প্ৰতি কৰালবায়ৰ হওৱা, এবং নিজের সমান ওবহন্ত ব্যক্তির সংগ হৈটো জানন কর। তা হলে এই কর কগতের ত্ৰিভাগ ধূৰে কথনই ভাতে অভিভাত কথাতে পাঞ্ছৰ মা।"

क्षत प्रशासक क्लालक-"इर साहत कवि : वास्तव प्रदर्शि मार्वाप कृत्यक वनतम्म-"(इ वध्यः। एति इत्यत्र क्षण्ड क्षण्डक मूच अवर पृत्यत्र द्वारा विर्ह्णगढ, তাৰের মন্তে শান্তি ব্যাতের মন্য আগনি কুপাপুর্বক যে উপদেশ পিরেছেন, তা করণাই অত্যন্ত বক্ষাক্রনক। কিছু আমি অবলানর অক্সরে আক্ষম এবং তাই এই প্রকার দৰ্শন আমায় হাল্যকে স্পৰ্শ করেনি। হে প্রভাগ আমি किन्दु और वाप्यत (कार नह। कांग्रहकृत्व सम्बद्धक स्थाद প্রমেশ্বর জ্ঞাবানের প্রতিবিধি অভ্যন্ত বিভিন্ন। বৃত্তিমাস তাই আপনার মুল্যবান উপনেশ আমার কারে সুস্ন পাছে অধিকর করতে চাই, যা আছা পর্যন্ত এই ব্রিচুবলের কেউ बाढ करएड नारदननि, अपन कि चापान निष्टा द्वरर পিতাহত্ব প্যকেনি। জাপনি যদি জাহাতে প্রনূত্র ক্রতে চান, তা হলে দরা করে আপনি আন্তর্কে সেই সং পদ্ধা প্রদর্শন করন, যা অনুসরেশ করে আমি আমার জীবনের সেই উদ্দেশ্য সংখ্যা করতে পারব। হে ভারব। আগনি ব্ৰহ্মার বেল্য পুত্র এবং আগনি সারা স্কাগতের মন্দর্ভের জন্য বীশা বভিয়ে সর্বত্র বিচরণ করেন। আগনি ঠিত সূর্বের মতো, যে সূর্ব সমস্ত ছীবের উপক্রান্তে জন माय अकारक कावर्डन करा।⁴

> হৈয়ের পরি কালেন—"এর মহাবাজের উঠি মধ্য ্বনুর মহাস্থা নরবদ মুনি জান গ্রন্তি পাতান্ত রুপাপুরায়ণ হর্ষেছলেন এবং আন গ্রন্তি তাঁব কাইছেকী কুপা প্রদর্শন মনার মান তিনি নিত্রলৈখিত উপক্রেল বিরোচিপের।"

হত্যি করণ এক হত্যাক্তকে কালেন—"তোহার যা দুনীতি ভোষকে যে ভগবছাক্তৰ পদ্ধা অনুসৰ্ভৰ কংগ্ৰে উপকেশ দিকেছেন, তা ভোষার মধ্য সর্বভোচাবে উপযুক্ত। ভাই ভোমাৰ ইচিত ভগবপ্তজিতে গুণকলে

भग्न १०छ। (६ काकि धर्म चर्च, कार्य अन्तर (मार्क, अहै। চতার্ব্য থামনা করেন, তার কর্তব্য হলে পর্যান্তর ভাগবালো অভিতে বৃক্ত ২৩মা, কারণ তার শ্রীপাদপানের कारतबस्य करण और मध्यक राजना भून एउ 🖺

"হে ৰংস। ভোমার ৰুদ্যাণ হোক। ভূমি বসুনার ভটে ষধুকা নামক বলে যাও এখা দেখালে গিছে পৰিত্ৰ হও। সেখানে যাওরার ফলে মানুব পরমেশ্র ভাগেটের নিকটবতী হয়, কারণ ভগকন সেধানে সর্বদা বিভাগ মবেন। সূত্রদ সনি ভাকে উপাদেশ বিভেক্তিকেন—মে ধনে: কালিকী বা যানুনার মধ্যে ভূমি প্রতিক্রি তিনবার মান কর, জারণ সেই জল অত্যন্ত কৰা, পৰিব এবং নির্মণ। তান করের পর, তথি করিক-ব্যোপর আকর্মনীর। বিষিক্তি পালন করে, কোন নির্মান ছানে আসনে উপক্রের কর। আসনে উপবেশন করে, প্রাণারাখের ভিনটি অভ্যাদ অনুশীলন করে হীরে হীরে প্রণকার্ম, ফন একং ইতিহ সংখ্য কর। এইভাবে স**ল্পত কত কল্**য থেকে বিচ্যুত হয় যা।" থেকে সম্পূৰ্ণকালে মুক্ত হয়ে, গভীর ধৈর্য সহকারে **च्यारमंड उपरादात शाम एक बंद। (अशाम स्थराहम** देल करी क्या श्राह ।) अनुवासन पुरुषका खराह भारता रहेग जान हत ने अवर दिनि मर्तराई छैरकर कुना ক্ষাৰ আধ্যম সমুখতিক মুকুট, গালায় কটকাৰ একং জাতে। ইয়ে অভ্যক্ত শাস্ত ও ছিবচিন্ত ক্ষমে উচিত একং কলে

খলত, তাৰ কঠে কেডিছে মণি শোজা পাজে এবং ওার পরতে নীত পট্টবর। শ্রার নিডখণেশ ফেবদরা ছারা পরিবেটিত এবং চরণধ্যন ক্র-মুক্তর সুলোভিত। উপ্ত দেহের সমত অস-প্রতাস ওতাত আকর্ষণীর এবং অনন্দানত। ডিনি সর্বদা শাব্র ও মিন্ড এবং তাঁর রূপ সম্ভৱ ও মনের আনস্থারক। প্রকৃত বেগী হানমুক্তপ প্রভার কলিকার অবহিত ভগবানের চিয়ার রূপের বাচন कटबन, बीत अध्यक्तमा प्रशित्रमुख अध्यत्यक कित्रम् উল্লাসিত। ভগবানের মুখমধন সর্বদাই মধ্য ছাসিতে উপ্রসিত এক উত্তের কর্মন্ত উপন্যদের সেই ভরুসংসদ কল নিংকা হৰ্ণন করা। বালকারীর কর্তন্ম সমুক্ত काक्षतानकाती शहरमध्ये समयानारक **धरेकारथ पर्ना**र कहा। বিনি এইডাবে সর্বদা ভগরনের মালমার রাগের খানে মনকে প্রকাশীভূত করেন, তিনি অচিরেই সমস্ত হায় কলুৰ থেকে মুক্ত হৰ এক তিনি কৰণণ্ড জনবানের ধ্যান

"হে রাজপুত্র। আমি ভোষাকে এখন সেই মন্ত্র সক্ষে বৰুও, যা এই খ্যানের পদার ত্রপ করা কর্তবা। দাবধ্যতার সামে সাত ব্যক্তি এই যাছ ৰূপ কয়াক, সুন্দর একা নিবারে প্রসার। ভারের স্থায়িতে ভারে কর্মারে কর্মেরিকে বিচরপ্রচারী সিদ্ধপুরুষকারে দর্শন করা বায়। ও নয়ে ভারতে বাস্থাবার। এটি শ্রীকারের জারাধনার কাতে প্রকৃত বাকে। তার মহন, তার সুন্দর জয়গল, স্থানগালর হয়। তাবোনের শ্রীবিংহে স্থানিত করে এবং তার উরত নামিকা এবং তার পথসেন অভ্যক্ত সুন্দর। মন্ত্র উভারণ করে মুল, ফল ও বিবিধ প্রদান্ত্র প্রমাণিক তিনি সমস্ত ক্ষেত্ৰাদের থেকেও অধিক সুক্ত। বিধি সহকারে ভগত্তনকে নিকোন করা উঠিও। তবে ভদবানের রূপ সর্বসাই ভরশ। তাঁর দেহের রতিটি আছ 👿 লেশ, কাল এবং সৃথিধা 🕏 আসুবিধা বিকেনা করে সুক্ষাক্তাৰে বঠিত এবং নিপুঁও। তার চক্ষু এবং কটাধন করা উচিত। তথা জন, তথা কুন্যালয়, কন্যু, মুখ্য এবং উদীয়মন সূর্বের মডো রভিম। তিনি সর্বদটে সাক-স্বক্ষিত্র ধারা, বা ঝনে পাওয়া হার, অথবা নবীন শ্বপাৰতকে আন্তঃদান কৰতে প্ৰস্তুত এবং যে পূৰ্বাকান, পূলোন কলি, এফা কি ৰাজ্যে স্কুল বিয়ে পৰ্যন্ত শৌভাস্থান ব্যক্তি ডাঁকে অবলোহন করেন, তিনি পূর্ব ভগবানের পূজা করা উচিত, আর বদি সপ্তব হয়, তা তৃত্তি অনুভৱ করেন। তিনি সর্বদাই শরণাখনের গ্রন্থ হলে ভূলসীপন্ন নিবেদন করা উচিত, বা প্রমেশর হওরার খোপ্ত, করেন তিনি হচ্ছেন করুনার বিশ্ব। ভানবানের অভ্যন্ত প্রির। মাটি, মাল, মণ্ড, কঠি এবং মাডু ক্তপৰাম হলেনে প্ৰবিৎস বা কান্দ্ৰীগেৰীৰ আসনকলে। ইতানি টোডিক উপাদান নিয়ে নিৰ্মিত কলকানের রূপের তিহুসমন্ত্রিত এক তাঁর আৰু কান্তি কা নীলবর্ণ। তিনি। আয়াধনা করা সম্ভব। বনে মাটি এবং অনুসত্ত আত্তরিক পুরুষ, হার কারর কানুকের মালা এবং তিনি ক্যা, চক্র, অন্য কিছু দিয়ে অঠাবিশ্রহ তৈরি করা সম্ভব কর, ভাই কার ও পদ্ধবারী চতুর্ভুজ্জার নিজ্য প্রকাতিত। পরক্ষেত্রত আ দিলে তৈরি বিপ্রত্যেরই উপরোক্ত বিভি অনুসারে ভগৰান শ্ৰীৰাসুংবেৰ সমা খাল সন্মত্ৰণে নিভূমিত। আনাধনা কৰা উচিত। যে ভক্ত পূৰ্ণভাগে আন্মান্যেত,

ৰে মুপানুল পাওলা বার, ভা খেয়েই ভাব সন্তুষ্ট বাঞ উচিত। যে জাই। প্রতিদিন তিনবার ভগ্নাকের क्षितिहरिक करवाधनी अगर यह क्रम कता गुडीह, होह পরম ইসা এবং বীর পান্তির পারা প্রদর্শিত ভারেনের বিভিন্ন অবভাৱের চিন্মর কার্যকলাপের খানে করাও ভোমার কর্তবা। নিটিউ উপচরে সম্পারে কিন্তাবে ভগবানের অমাধন করা উচিত, সেই সম্পর্কে পূর্বতন ভূপনাত্রকালর পদান্ত অনুসাল করা উচিত, অথবা হালরের অক্সমণে মা থেকে অভিন্ন ভালনাকে মা উচ্চায়াল বারা পঞ্চা করা উচিত। এইতাবে বিনি ঐকান্ত্রিকতা এক মিষ্ঠা সহকাৰে কালেনেশ্যকে উপল্লেৰ সেৰা কালে এক বিধি অনুনারে জনবর্তনে কর্মকলণে বস্ত, জনবন তাঁকে তাঁর বাসনা অনুসাতে ব্যানার করেন। ভক্ত বলি ব্যক্ত ধর্ম, অর্থনৈতিক উন্নতি, ইন্মিনসুখ্যি অধবা প্রভ অপতের বছন থেকে মৃত্তি লাভ করতে চান, তা হলে ভগৰান তাঁকে তাঁর বাসনা অনুসায়ে সেই কন প্রদান করেব। কেউ বৰি মৃতি পাতের কন্য কথান্ত ভারতী হন, তা হলে তাঁর পক্ষে দিনের মধ্যে চরিশ কটাই ভাবাবিট হয়ে ভগবানের অপ্রাকৃত প্রেমনী সেবার যুক্ত হল্যা উচিত এক ইপ্রিয় তবিমনিত কার্যকলাণ কেকে অবশ্যই করে থাকা উচিতঃ"

"রাজপত্র প্রশ্ন মহারাজ খনন এইডাবে দেবর্নি কংল কর্তক উপান্ট হলেন, তথম তিনি ওঁমে ঐওলন্থে নরন মুনিকে পরিপ্রবা করে সম্রন্ধ প্রণতি নিজেন করেছিলেন। ভার পর, ভাগবান প্রীকৃষ্ণের প্রান্ধব্যর চিহ্ন বারে অভিত হওয়ের কলে, বিশেষভাবে পরিম সেই মধুকলে উদ্দেশ্যে তিনি মাত্র করেছিলেন। এন মহারাজ কবন ওপনার্থকৈ সম্পাদনের বালা মধুবনে বিরোছিলেন, প্রথম নরক বুনি প্রাসাদে বাজা কিডাবে আছেন জা নেবতে বেতে বনস্ क्टाहित्ता। माहा धूनि श्रथम (मनारम माराम, छन्न রালা ভাঁতে সংল্ক প্রদতি নিধেশন করে বধারণভাবে অভ্যৰ্থনা কৰেছিলেন। সূত্ৰে আগতে উপনিষ্ট হয়ে নারৰ মুনি ব্যাহিগেন—হে মহারাজ। আপনার মুখ বাতাত ব্ৰদ্ধ মলে বানে হকেছ এবং আপুনি বেন বীৰ্থখনৰ ধৰে কোন বিষয়ে গভীবভাবে চিন্তা করছেন। কিছু কেন এই चर्यक्ष इरवाहरू कालगात धर्म जनकारन, कपरैनांडक উর্বতি সাধ্যম কথবা ইপ্রিয়তপ্তি সাধ্যম কি কোন কথ गाँठ वटचटक १[®]

ব্যক্তা উত্তর দিলেন—"তে প্রাক্তপাত্রক। আমি ভাতার লৈ এবং আমি এইট অধ্যাপতিত যে, আমি আমার शक्तरहाँ राज्यस्य डॉटन वडाड मिनेट स्टाई। (स र्थावत अक्रमा वर्षासा अवर सगरणनव अक बहान च्ये. তৰও তার মতো সহ তাকে ফামি নির্বাদিত করেছি। হে श्राक्षतः चामस्य पूर्वस्य मुनम्स्यतः विक अवन्ति भयपूर्णानं মতে। আমি তার বিপথকে অবস্থার কথা চিন্তা কর্মছ লে অর্কুক্ত এবং লে হয়খো অতার কুংবর্ত। বনৈত কোপাও সে হয়তো ওটো আছে এবং নেৰণ্ডটা ভাতে খাওলর জনা হয়তো আক্রমণ করেছে। হরে! ছেবে দেশৰ আমি আমৰে গ্ৰীয় কণ্ড বশীত্ৰতঃ আমাত্ৰ নিষ্ঠতার কথা একট কলন করব। প্রেমবরে আসার মেই সুপুর অয়োর কোলে গঠার টেটা করেছিল, কিছু অনি ভাকে আদ্য কৰিছি, এজা কি ভান্তের জনাও ভারি হাতে রেই-সহালে কবিনি। তেনে দেরুন আহি ਾਵਨ ਜਿਸਤ।"

দেবৰি নাকা উল্লং দিকেল-"কে ব্ৰাঞ্চন : আপনি আপনার পুরের জনা পোরু কর্মের হয়। মে পর্যনেশ্ব ভগরান কর্তৃত্ব পূর্বরবেশ রক্ষিত। অবস্থানী হানিও ভার প্রভাগ সম্বাট্টে যথায়খন্তারে অধ্যাত নাম, ভিছা ভার কিন্তি ইতিমধ্যে সাবা ঋণং ঋতে পবিবারে ইতেছে। হে রাজন। আপনরে পুর অভার সুরোগ্য। সে এনন কর্মে गण्यामा कारत, से प्रदान सका अंदर परिरान्ड भएकत অসম্ভব। অচিতেই সে ভার কর্ম সম্পাদন করে গড়ে কিন্তে আসবে। স্বাপনি ক্রেন্তে রাস্থ্রন মে, সে সারা ক্রপং ক্তে আলনার হলও বিহার করবে।"

মণ্ডৰি মৈলেই কল্লেন-"মাকা ক্ৰিও ছাতা উপান্তি হরে, বাজা উত্তলপান জার বিশাস ঐশবহর রাজের সমন্ত কর্মে পরিক্রাণ করে, কেবল ঠার পুর প্রথমে কংগ্র চিতা করতে লাগলেন। এদিকে ক্রম মহায়ের ভর্তন भौरहे, बयुम् नमीरङ ज्ञान कर्टाहरूका अवर कर्टेन्ट মনোবোল সহকারে সেই রাজে উপবাস করেছিলেন। তায় পর দেবর্ধি মার্থের উপ্লেখ অনুসংগ্র তিনি প্রত্যেপর ভারবারের আরাক্ষরে মার হর্তেছিলের। প্রথম মাসে এব মধ্বার কেবল উদ্ধ দের করেলের ক্লান, প্রতি বিম দিন অন্তর কেবল কলিখ এবং বর্তে জন ১৯৯৭ ক্ষরে। এইভাবে ডিনি প্রয়োধন ক্রান্তান ক্রান্তানত



798

উহতি সাধন করতে ধাকেন। বিতীয় যাদে এন মহাবাজ ত্রতি হয় দিন অন্তর কেবল তার গুণ এবং পরা আহার ধরতে থাকেন। এইভাবে তিনি ভগবানের আর্থনা করতে থাকেন। ভূতীয় মানে গ্রন্তি নর দিন অন্তর্জ তিনি কেংল ৰূপণাৰ করেছিলেন। এইভাবে প্রসাপে সমাধিময় হয়ে, তিনি উত্তয়প্রেক প্রথমনা কগবানের প্রবোধনা করেন্ডিলেন। চতুর্থ ফালে ৯ব বহারাজ প্রাণায়ামের প্রক্রিকা সম্পূর্ণকরে আরম্ভ করেছিলেন এবং তার কলে তিনি কেবল প্রতি বারে দিন অবর স্থানগ্রহণ করেছিলেন। এইভাবে সম্পর্ণরূপে ব্যৱসায় হয়ে, তিনি **শরদের ক্রাব্যনের অরক্তান করেছিলেন। পঞ্চম সাসে**, মুক্তপুত্র এন তার স্বাস এফনভাবে নিত্রপু করেছিলেন ৰে, তিনি একটি ব্যৱের মতো নিকলভাবে একগারে মীড়িয়ে থাকতে সমর্ছ ইয়েছিলেন। এইভাবে তিনি ভার মনকে গররকো সম্পূর্ণরূপে একাশ্র করেছিলন। ভিনি मन्भूर्गकरण केत देखिश्यक्षण व काम्स विवयनपुर निरुद्धर করেছিলেন এবং এইভাবে তার ফনতে আর কোন বিহত্তে নিক্তি বা হতে দিয়ে, তিনি পরমেন্তা ভগবলের রূপে क्काश करविश्यक्त। अन यहाताच इतन और ठाएन मध्य জড় সৃষ্টির আনর এবং সমস্ত জীবের গ্রন্থ ভগবানকে ধারণ করেছিলেন, তখন রিভ্রন কম্পিত হতে এক করেছিল। প্রজপুম এন কথন উলা এক গায়ের উপর অবিচলিতভাবে দাঁড়িরেছিলেন, ডখন তাঁর প্লাবুর্তের পীড়নে নিপাঁড়িতা হয়ে ধবিত্রীর কর্বাপে ক্ষমত হয়েছিল,

ঠিক ছেন্ত্ৰ একটি হাতিকে নৌকায় কৰে নিয়ে যাওয়ার সময়, ভার দলিশ এবং বামলগ পরিবর্তনে মৌকাটি প্রকাশনত হয়। এক মহানাজ কথন তার পূর্ব একাপ্রতার প্রভাবে, সমগ্র চেত্রবর উৎস কগবান জীবিস্থার মতো ভারী হয়ে সিরোছদেন, ভাল তার মেয়ের স্বারতার্গ রুছ কররে করে, সমগ্র প্রকারের স্থাস রুদ্ধ হয়েছিল। সমগ্র লোকের সমস্ত হতান দেবতারা এইভাবে রুজনাস হওয়ার কলে, পরমেশর ভগবানের শরণ গ্রহণ করেছিলেনা

ক্ষেত্রতা কালেন-"হে ভগবান। আপনি **স্থা**বর একং অসম সমস্ত জীবেদের আগ্রহণ আমরা অনুভব कहि त्य, मनव कीरवरस्त चाम तक श्राड (श्राह । शार्व প্রমানের কখনও এই বক্ষ কোন অভিজ্ঞান হয়নি। বেহেড় আপনি সমস্ত দ্বাগাগত জীবেলের চরম আপ্রয়, তাই অহথ্যা আপনার লরপাগত হয়েছি, দল করে আপনি আমালের এই বিশ্বা থেকে উদ্ধার ককন।"

भवरमध्य खशकान केंद्र विद्याहिश्लम-"द्य (भवजायन) (कादजा विक्रणिक इंट्रा मा: प्रशासक উত্তানপাদের পুর, যে এখন সম্পূর্ণরূপে আমার চিপার মান হয়েছে তাল কঠোন তাল্যা এবং দুন সংক্ষেত্র কলে ভা হরেছে। সে ক্রমাণ্ডের নিম্মাস-প্রস্থাসের ক্রিয়া প্রোধ করেছে। ভোষরা ভোষাদের নিঞ্চ নিঞ্চ পুছে এখন নিরালনে কিয়ে বেভে পার। আরি সেই বালকটিকে এই ফটোৰ ভগনায় খেকে নিৱক্ত করৰ এবং ভার কলে তোমরা এই পরিস্থিতি থেকে রক্ষা পাবে।"



নবম অ্যায়

ধ্রুব মহারাজের গৃহে প্রত্যাবর্তন

মহার্থি মৈত্রের বিশুরাকে কল্লেন—"ভাগনান ককা পাছ পরমেশ্বর ভাগনান, বিনি সহত্রাদীর্যা অবভার পেকে ভাৰ খেকে মুক্ত হয়ে, উচকে জনের প্রণতি নিবেদন করে আপন আপন কাপেকে প্রভাবর্তন করেছিলেন। ভার

এইভাবে নেকভানের আখান নিকেন, ডখন ভারা সমগু অভিন্ন, ভিনি বরুত্বপৃত্তে আরোহণ করে ভার সেবক क वर्त वर्तन कतात कता वसूचरम शिरपहिरमन। ৰোগগৈন্বির প্রভাবে গ্রন্থ মহারাজ বিবৃত্তের মতো উজ্জ্**ল**

পরমতকের সম্পর্ক সমান্ত অংগত হরেছিলেন। সর্ব বিবাতে বিশ্ব জীতি প্রয়েশ্বর ভগবানের প্রতি ভক্তিজনিত প্রেমে গরিমুভ হরে, এব মহারাজ, বিনি ভবিবাতে এজন একটি পোক প্রান্ত হবেন, জ প্রসারের সময়েও বিনষ্ট হবে মা, তিনি ফানশীল এবং নির্ণয়ারক প্রার্থনা নিধেয়ন কবেছিলের।"

সর্বশক্তিমান। আহরে অন্তরে প্রাবেশ করে অংশনি আমার হস্ত, পদ, কর্ম, দ্বাস, আদি সূত্র ইপ্রিয়ণনিকে স্থাপনিক খারেখেন, বিশেষ করে আমার বাঞ্ শক্তিকে। আমি আপুনাকে আমার হতত প্রথমি নিবেন করি। হে ভগরনঃ আগনি সর্বশ্রেষ্ঠ, বিত্ত আগনত বিভিন্ন শক্তিব

ভগবাঢ়ের যে বালের যানে ময় হতেছিলেন, সেই রূপ । প্রকাতে প্রকাশিত হয়। আপনি আপনের বহিবলা শক্তির সহসা অপুর্বিত ব্যোজিন। প্রব মহাব্যক্ত তথা অত্যন্ত স্থারা কত করতে মহাধ আদি শক্তি সৃষ্টি করে, विक्रमित इर्त्माल्यम अन्य केत शाम एक इर्त्साका। किन्नु नवरायहरूत्वान अहे कह अवहरूत चाराच्या चरका करना। উল্লেখ্য উর্যানিত করা মাত্রই তিনি ঠিক কেতারে তাব । অপনি নরত পুরুষ, এবং জয়া প্রকৃতির সমস্থায়ী ওলের क्रभाइ नहराबाद संभवनिक् वर्णन कर्राहरणन, हिक अक्षाद सामनि नामा शहर कान अकान करना, हिक সেইভাবে তাঁকে তাঁর সম্মাণ দেখতে গেরেছিলে। কেলে ছাট্টি বিভিন্ন আকৃতির কার্ট্ডর করিছি হয়ে ভালেনকে সন্মান দর্শন করে এক মহারাজ অভার বিহুল - বিভিন্নবাদে প্রকাশিত হয় ৷ যে করু : রাখ্যা পূর্ণকর্মণ হুৱেছিলেন এবং শ্রদ্ধা সহকাত্তে তাঁকে প্রণতি নিকেন। আগনার সরবালত। সৃষ্টির আলিতে আগনি তাঁকে জান कर्त्वाहरूपन। श्रीरक प्रथमक अपिट निरंदान करते, दिनि अगत कर्त्वाहरूपन, एस्त करण दिनि गम्बद्ध द्वाचारा मर्गन क्षांबर श्रिप्त यक्ष सर्वोद्धलन। इन दशनाय सन्तिहै क्यार श्रिप्तिस्तिन अवर सम्बन्ध कराज श्रिप्तिस्तिन, হয়ে উগবানকে এমনভাবে দর্শন কর্মছালন, কেন তিনি। ট্রিক কেমন স্বাধ্যাধিক ব্যক্তি পুন থেকে **ভেগে** ওঠার তার চকুর দারা ভগবানের সৌকর্য পান কর্মাধনের, পরেই তার কর্তনা উপলব্ধি করতে পারে। আপনি ভগবাদের শ্রীপাদপর চান্দ করে, তিনি তার করে করা । মুক্তিকাম্ট্রান্দ একমার আত্রর একা আপনি সমস্ত আর্ত चौरूक चालिकन क्रांक्टिका। अन्य भवदाक्ष विशेष हिल्ला । वास्तिका यह। चारुवा भूगीवान क्षेत्र सरहरून रव रिक्र একটি ছোট্ট বাসাথ, তবুও তিনি উপত্তে পথেব জ্বলা - ব্যক্তি, তিনি কিতাৰে আপনাকে বিশ্বাস্থ হাতে সারেন চ পর্যাক্তর ভগবানের কলনা করতে ক্রেটেলেন। সিদ্ধ স্থারা এই চারভার প্রকিটির ইভিয়েট্রির জন্য কেবল যেহেন্ড তিনি ছিলেন অমতিক্ষা, তাই তিনি ভংকশার আপনার পরা করে, তারা অবলাই আপনার মারাপতিত্ব যথাবধুৱাৰে নিয়েকে ব্যক্ত কৰতে পালেনি। সৰ্ব বালা প্ৰচাৰিত। সলোব-বছন খেলে যুক্ত ইণ্ডবুল কাংল-অনুষ্ঠামী প্রমেশ্ব জ্বাবান এই মহাব্যান্তর কেই বিহল - ক্লেপ আপনার মাটো কর্তক্তকে পাওরা সাক্তি, আমার অবস্থা বধ্যতে পেয়ে, উর অহৈত্যকী ক্লার ভ্রচারে উর । মতো মূর্ব ব্যক্তিক সেই ইভিয়ন্ত্রতি লাভের জন্য আপনার শুখের ছারা টার সম্মান কৃত্যঞ্জিপুটে সভারমান শ্রুব। করে বর সার্থন করে, যা নরকেও লাভ হয়। হে মহারাজের মন্ত্রক ক্ষার্ল করেছিলেন। সেই সমধ্য এই ভগবানঃ আপনার প্রিলাদপারের ধ্যানের করেছ আপন্ মহাব্ৰাম্ক বৈদিক সিন্ধান্ত সমূহৰ সম্পূৰ্ণকালে অংগত আপনাই এছ ভাজেব কৰে থেকে আপনাহ মহিলা শ্ৰাক হয়েছিলেন এবং প্ৰয়তভূষে ও সমস্ত মীৰের সঙ্গে কৰেব কৰে, যে চিয়ের আনন্দ লাভ হয়, তা নিৰ্দিশের ্রন্তে দীন হতে পেছে বলে যনে কবার বা পরম পদ প্রাপ্ত হওয়ার আনন্দ থেকে আনেক অনেক ওপ অধিক। বেরেড় ভাবের প্রেমানবের কার্ছে ব্রহ্মানকও পরাভাত ২য়ে বার, সুতবাং কালরূপ তরকবিং ছারা কিন্ট হয়ে যায় বে ক্ষপত্নায়ী কানুৰ, মেই সহছে আর কি লান্ত चारका पर्मात्मारक विज्ञीन रामक कामकरव नगरता শ্রুর মহারাভ কর্মান—"হে ভগরার: আপনি "পর্যাত হরে মর্ত্যালয়ের অংগণতিত হতে হয়।"

"হে অনত ভগতাৰ: কুলা কৰে আপত্নি আফাকে অপীর্বাধ করম, কে নিবের আগনার দেবর মৃক্ত ৩% ভতকে সহ ভাবি লাভ করতে পদী। এই প্রসূত্র নিয় ভক্তবা সম্পূৰ্ণকৰে নিছলুৰ। আমাত পূৰ্ণ বিশ্বাস সংক্ৰেছ বে, তথ্যস্থাক্তির প্রভাবে আমি ছচপু অভিন ভাল্ড-দ্বারা আপনি চিংক্ররতে এবং রাভ একাড তিয় কিয় নমছিত ভাগের ভবসমূহ পাব হতে পাবে। তা ভাগের

পক্ষে অভাগ্ন সহস্ক হথে, কেননা আমি আপনার শাশত দিব্য ওপাবলী এবং লীবছদমূহ প্রবল করার জন্য উন্মন্ত ছাখেছি। ছে ক্ষণনাত ভগবান। দিনি আপনার প্রীপাদপানের সেঁরিজে নিরন্তর লোপুপ জড়ের বর্ম কলেন, ডিমি কখনও বিষয়াসভা অনুষদের অভ্যন্ত শ্রিক ৰে বেহ এবং সেই দেহের সজে সম্পর্কিত স্বাচীয়-ছঞা, সন্তান সন্ততি, বছবাছৰ, গৃছ, বিত্ত ও পদ্ধীয় প্ৰতি মাসক হন না। প্রকৃতপক্ষে তিনি সেইওলি প্রাহাই करतन ना। ८६ ७५वन्। ८६ फान्। धाप्ति सानि ८६. পণ্ড, কৃষ্ণ, পক্ষী, সঙ্গীসূপ, দেব, ক্ষমৰ, সানুষ ইত্যাদি বিভিন্ন প্রকার জীক্ষারা মহস্তম থেকে উত্তত ব্রক্তাণ্ডের সর্বন্ন ছড়িবে ররেছে। আনি জানি বে, সেই জীবাস্থার কথাও হাত এবং কথাও অন্যক্ত, কিছু আমি এই প্রকার শর্ম ক্রপ কথনও দর্শন করিনি জ আমি এখন দেখছি। একা মতবাদ সৃষ্টি করার জন্য ভর্ত-বিভর্তের সমান্তি হতেছে। মে ভগবান। কলাতে ভগবান গতেনকলায়ী। বিশ্বু সমগ্র ব্রহ্মণ্ড উরে উদরের মধ্যে সন্মিরিট কবেন। তিনি শেষদাধ্যের পর্যাই পরম করেন এবং ভারন ভারে মাজি খেকে একটি বৰ্ণমন কমল উবিত হয় এবং ভাতে ঐকার ক্রাম করেছিল। আমি করতে পারতি বে, তাপনি হক্ষেন সেই পরক্ষের ভগবান। ভাই অন্তি আলনকে আমাৰ সভাৰ প্ৰণতি নিবেদন কৰি। টে ভগবান। অংশনা অখণ চিকা দৃষ্টিপাজ্যে হারা আপনি কৃতির कार्एत नमक चरहात नतम माकी। चर्नान निठा हरू. আপন্তর অভিয় তথ্য সত্তে অবস্থিত এবং প্রমঞ্জারণে আপন্যর অধিক অধ্বিবর্তনীর। আগুনি বাড়েধর্বপূর্ব আদি পরমেশার ওসবাদ এবং আপনি বাস্তা প্রভৃতির তিন ওণের পাৰত ঈশব। ভাই আগনি সমস্ত সাধারণ শ্রীর থেকে ভিত্ন। **জীবিশুনরূপে আগনি সমূ**ত ভ্রমণতকে সর্বচোত্তারে পালন করেন একং আপনি করের পাকলেও न्यान प्रकारणात (ठास्था) (६ संभवतः साभागत निर्दरम्प ब्रह्मात एकारन पुढि भागभावितकरी एक्-बास बागः अधिना मञ्ज दिसम्बद्धतः। चानमञ्ज विदिधः मिक्क নিবন্তন প্রকাশিত, কিছু নিবিশের রাক, মা অবত, আদি, অপ্তিবৰ্তনীৰ, অসীত্ৰ এবং আনস্বনহ, তা হতেই স্কন্ধ ক্ষণান্তের করেল। যেহেতু আপনি হতেনে সেই নির্বিশেষ তথ্য, তাই আমি আপনকে আনার করছ গ্রণতি নিকেন

794

করি। হে ভারবালঃ হে প্রমেশর! আপনি সমস্ত আশীর্বাদের মূর্ত রূপঃ ভাই, বিনি অনা সমস্ত বাসনা-রহিত হলে ভতি যুক্ত চিন্তে আপনার শ্রীপাদপরের আরাধনা করের জার কাছে রক্তপদও নিতাত নগত হয়ে মান। আপনার শ্রীলাদপথের আরাধনা করার রাধনই আশীর্বাদ। পাতী বেঘন তার নবকাত শংসকে পুরুষান করে, আপনিও তেমন আপনার অহৈতৃকী কৃপার প্রভাবে, আমার মাতা অভ্যান ভতকে পালন করুন।"

মহর্নি মৈরের কললেন—"হে বিদুর। সং বাসনায় পূৰ্ব অন্তক্ষণ-সময়িত প্ৰশ মহারাজ কৰন উল্ল প্রার্থনা শের করকেন্ ওবন ভরবংসস ভগবান উর্বে অভিনদ্ধ জানিয়ে মলেছিলেন, 'মে ব্রহ্মপুত্র প্রথ। তৃমি পবিত্র ব্রত পালন করেছ এক আমি ভোমার অন্তরের বাসনা সম্বন্ধে অবসত। বলিও তোমার অভিসাধ অভ্যান্ত উঠা এক পর্ণ ৰত অভান্ত কঠিন, তা সন্তেও আমি ভোমায় সেই কসনা পূর্ণ করন। ভোষরা সর্বতোভাবে মঙ্গল হোক। হে এন। অনি ভোমাকে প্রবলোক নামক এক উজ্জাল গ্রহ প্রদান করব, বার অভিত করাতে প্রলয়ের পরেও অক্তর থাকবে। সমস্ত সৌহরওল, গ্রহ এবং মকত্রয়াজি পরিবেটিত সেই লোকে এক্ষও পর্যন্ত কেউ আহিপত্য করেন। নভামথলের সমস্ত জ্যোতিত সেই প্রহকে প্রদক্ষিণ করে, ঠিক বেহন কাদসমূহ পদা ফাড়াইবের সময় মেবীদতের চারণানে প্রদক্ষিণ করে। ধর্ম, ভাগ্নি, কশ্বপ, ওক আদি কর্মেগুল অধ্যুতিত নকন্তরালি সেই ঞ্জব নক্ষত্ৰকে থক্তিৰে প্ৰেৰে সভত প্ৰদক্ষিণ করে। বধন তোত্তর শিশু তোমার হক্তে রাজ্য ভার সমর্গণ করে বলে গমন করকে, তথ্ন ভূমি ছত্তিশ হাজার বছর ধরে অপ্রতিহতভাবে সমগ্র পৃথিবী শাসন করবে। ভোমার সমস্ত উল্লিয় এখনকার মডেই শক্তিশালী থাকৰে। তমি क्षत्रे कृष्ट रख ना ।"

ভিনিবাতে কোন এক সময়ে, তোমার বাডা উন্তম মৃথ্যা করতে কনে বিষে নিহত হবে এবং তথন তোমায় নিয়ালা সুকতি তথা পুনের মৃত্যুতে অত্যক্ত শোকানুকা হয়ে আকে খুলাকে বচনা মধ্যে সাধানকে প্রকেশ করবে। আনি সমস্ত বজ্ঞার ভাগা। তুমি বহু মহান করা অনুষ্ঠান করতে সক্ষম হবে এবং প্রভৃত পানও করবে। এইভাবে এই

ভীবনে জড়-ভাগতিক সুবৈদ্য আশীর্বান ভোগ করতে শারনে এবং জীবনারে তুরি আনাকে স্থান করতে শারনে। যে এবং তোমর জড়-জার্গতের জীবনের পর এই শ্রীরে তুরি আমার সোকে বাবে, আ সর্বল জন্ত সমস্ত প্রথমেকের অধিবাসীনের ভারা রমস্কৃত। তা স্তার্থিমকলের উংগ্র এবং দেখানে একবার খেলে ভার এই জড় জগতে কিরে খাসতে হয় নাং"

নাচারি মৈত্রের খনালেন—"অলক এক মহাবাদ্ধ বাব্য পুলিত এক সন্মানিত হয়ে এক উচকে উার বীর বাম প্রদান করে, ভগবান জীবিকা পকারের পিঠে আবোহণ করে জান বীর বামে প্রভাবর্তন করকোন। করবানের চরণ-কমালের উপাশনার জারা এক মহারাদ্ধ তার ইনিভ কল লাভ করেছিলেন, কিছু ভা সক্তেও তিনি প্রদান হননি। এই ভাবে তিনি উচ্চ পুন্ধ প্রভাবেত্ন করেছিলেন।"

शैथिपूर श्रम करायमः—"(इ सामन। क्षमधान्य स्वयं शाश्च इथवा कराय करिन। कराय स्वरंभागन स्वयं कृतायह क्षमदान्य श्रम्मश्च विश्वनकरी एक करिन प्राति (कर्यन का नाक कराधितान स्वयं किन कराये स्वयं स्थानक का नाक कराधितान स्वयं किन कराय स्वरंभाग स्वरंभागी स्वयं विद्वनी। का स्टम, स्वयं किन श्रम्म स्वरंभागी

মৈলো উত্তর দিলেন—"গ্রুব মহাবালের হানর হাঁব বিমান্তার বাক্যবালে বিদ্ধ হওবার কলে. তিনি অন্তর্ভ সভার হয়েছিলেন এবং তাই তিনি হবন তার ক্রীবনের লক্ষ্য নির্যারিত করেছিলেন, ভবনও তিনি তাঁর বিমানের দূর্ব্যবহার ভূলতে পালেননি। তিনি এই ক্ষড় কবং থেকে প্রকৃত মৃতি প্রার্থনা করেননি। তাই তার ভতিতে ক্ষত্মন্ত হয়ে প্রমেশ্বর জনবান হবন তার সামানে এগেছিলেন, তথ্য তার অন্তরের ক্ষড় বাসনার ক্ষন তিনি লক্ষিত হয়েছিলেন।"

"প্রন সহারাক্ত মনে মনে ভাবতোর—কাল্যবের চাক-কমনের আরার পাতের প্রচেটা করা কোন সহক্ত কাল নর, কারণ কালান প্রযুগ মহান ব্রক্তাবীরাও সমাধিতে ভাইলে যোগের সাধনা করে বহু কলেন পর ভাবতারের ব্রিপাদপলের আগ্রায় লাভ করেছিলেন। কিছু আমি কেবল হুর মালের মধ্যেই সেই কাল প্রাপ্ত হরেছি, কিছু তথুও, ভাগরান ব্যান্ডীত আন্ত বিধারে অভিনানে বাকার মধন, অনি অধাপতিত হয়েছি। হার। দেশ আমি কত কুটালা। আমি ভগবানের শ্রীপানপথের স্মীপবাধী হার্মান্তার, বিনি ভগা-মৃত্যুর বছন অভিনে কোন করতে পারেন, কিছু ভা সংক্রে, মৃশ্তানগত, আমি তার কাছে এমন বছু প্রার্থন করেছি হা নগত। সংগ্রি দেবতারা, বীদের আবার অধাপতিত হয়ে হয়ে, তারা আমাকে ভগবার্থিকের প্রভাবে বৈকুইলোকে উঠাত হতে দেখে ইর্মান্তার হয়েছেন। এই সমাক্ত অসহিন্ধু মেবতারা আমার বৃত্তি বিকৃত করে নিরেছেন এবং তাই কামি নারম মুনির উপাধান অনুসারে বধার্থ বর প্রার্থনা করতে পারিনিঃ

্বন মহায়ার অনুতাপ করেছিলেন—আমি মাধার অন্তর ছিত্তে, প্রকৃত তথ্য সক্ষয় অন্তানপ্রতা কলে, আমি মানের কোলে নিহিত ছিলান। দিতীয় অভিনিকেশ-জনিত তেন দৰ্শক্ৰের কলে, আমি আমার ভাইকে শক্ত কলে যান ৰবেছিলাম এবং ফ্ৰান্ডিবৰ্ড অন্তৰে বাথিত হয়ে মনে कर्राह्मात, "द्यारा घटमार भाइत" भारताबार क्षाराज्यक প্ৰদান কৰা আহাত কঠিব, কিছু আহি সমান্ত প্ৰকাশেনৰ প্ৰমেশ্বকে প্ৰসম্ভ করা সংঘণ্ড ঠার কাছে কোনা করেনটা ক্ষাহীন বস্তু প্রার্থনা ক্রেছি। আমার ক্রেকেশুগ ট্রিক একটি যুৱ ব্যক্তিকে চিকিৎসা করার মধ্যে। দেশ আমি कि पूर्वतान, कारण, कार्य प्रदान राजन (क्रान्स्थाती श्रेट(प्रश्व ভাগবানের সঙ্গে সাক্ষাৎ হওৱা সক্তেও আমি কেবল সেই বছনট প্রথমে করেছি। ভগবান যদিও আমাকে ঠাব নেঅ-সম্পদ প্ৰদান কৰেছিলেন, তবও নিতার মুর্যভাবোত बस भूगाहर घटायरमण, चार्ति (करम नाव-रण बरा জাগতিক উন্নতি কামনা করেছি। জামার জবস্থা টিক এক শবিহু ব্যক্তির মতে, বিনি এক মহাম সম্রাটের কারে মূৰ্যভাৰণত কেবল বাবটু খুন ক্লিকা করেন, যদিও ভার প্ৰতি প্ৰশাসকলত সম্ভাট ষ্টাকে যে কেলে কিছু দিতে रेक्ट्र 🖺

মন্তর্নি মৈত্রের বাদালেন—"ছে নিশুর ং তোমার মন্তো বাকিবা, খারা মুকুশের (নিনি মৃতি মান কান্তে পারেম, পেই পর্যান্থর কান্যানের) শ্রীপাদপথের ওক্ত ভক্ত এবং ইবা সর্কাই বার শ্রীপাদপথের মধুর প্রতি কাপ্তান্ত খানেত, খাবা সর্বাহাই খার শ্রীপাদপথের সেবা কাবেই প্রসায় খাবেন। স্থীবনের খে-কোর কাব্যানেই এই প্রসায় ঘটেরা সম্বন্ধ থাকেন এবং শুট্ট খারো ভগকনের কাছে। কথনও জড়জাগতিক উন্নতি প্ৰথনা করেন ক।"

"ক্ষারাজ উতালপাদ রক্তা শুন্দেল বে, পুত্র এল পুত্রে ফিরে স্থাসভেন, তথন তার মনে হর্জেন্স খেন প্রক তার মুড়ার পর কিরে আসমেন। ডিনি সেই সংবাদ বিধাস করতে পারেননি, কারণ ডিনি ভেবেছিলেন কি করে তা সন্তব। তিনি নিজেকে খাতার মূর্ভাগা বলে মনে করেছিলেন এক ভাই তিনি মনে করেছিলেন বে, তার পক্তে এই প্ৰভাৱ সৌভাগ্য কাভ কথা অসম্ভৰ। তিনি यपिक होते कार्याचाश्यक कथा। विचान कारफ चारकानि, ভবুও বেবর্বি নারদের ক্রণীতে উন্না কুর্ণ বিধান ছিল। ডাই সেই সংবাদে তিনি অভান্ত বিহল ছয়েছিলেন এবং ভব্দেশাৎ সেই বাৰ্জনাহকের প্ৰতি অভ্যন্ত প্ৰসন্ন হয়ে, তিনি ভয়ক এক অতি মুন্যবান মুক্তার কঠায়ার শান করেছিলেন। মহাবাজ উদ্ভানপাদ তার হারানো পুত্রের মূধ কৰি করতে প্রভান্ত উৎসুক হতে, ভাৰন অতি উত্তর অবযুক্ত, কর্ণভূমিত রবে থারোহণ করে, ধেনজ প্রান্তন, भविवारक मध्य ध्वीम सम्मामन, सक्षतपंठाती, म्ही अवर অধ্যক্ষ বছগণসূহ ভংকগাৎ নগরী থেকে বেরিরে बारमहिला। (माठायाजा महकारत हिनि दश्य चाहिएसम्, क्षमा नवा, मुम्पूकि, बर्ग्य, वालि अन्तवसम् कारास्त्र ধ্বনিত হজিল এবং সৌভাগান্তক বৈদিক মাসমূহ উচ্চারিত হাছিল। মহারাম্ম উন্তানপার্যের উভর পরী मुमीछि अवर मुक्कि अवर छेल छन्। चुन छेखा गर শিবিকার অারোহর করে সেই শোডাঅতার সঙ্গে সঙ্গে যাজিলেন। এব মহারাজকে উপকলে সমিকটে আগত বেংখ মহানাজ উতালগদ অভি শীল্ল তাৰ বন্ধ থেকে অবভরণ করলে। তিনি তার পুর ক্রবকে দীর্থকার না দেখার কলে অভ্যন্ত উৎকরিত ছিলেন এক ভাই গভীর প্রমে তাঁকে থালিকন করার করা তিনি তাঁর হারানো न्द्रब मिरक अभिरत (अराज्य। नीर्थधान क्कारण কেলতে মহারাজ কৃহতে দিয়ে জড়িয়ে ধরে জাকে আলিকৰ করলেন। এৰ মহাবাস তিয়ু পূৰ্বেৰ মতো ছিলেন না, প্রমেশ্য ভগবানের শ্রীলামগরের স্পর্লে ডিনি সম্পূৰ্ণকলে পৰিত্ৰ হবে ক্ষুৰ্মাৰ্থক উল্লন্ডি সাংল করেছিলেন। এব মহারাজের সঙ্গে মিধানের কলে, রাজা **উত্তানপানের गोर्थकाल्या মনোবাসনা পূর্ব হরোছল এবং**

ভাই ভিনি বার বার একের মারকা আয়েল কার্যদিশেন এলা অনুসমান্ত্ৰার স্থান্ত হৈছে সাম করিয়েছিলেন। সংক্রনাজাল এন মহাবাজ প্রধান তার পিতার চন্দ্রপূর্ণক কলন করবের এবং উতানলাদ অল্টার্বাদ ও কুলল প্রথানির খার ভার প্রক্রে সম্ভাবণ করলেন। ভার পর এব মহাগ্রাভ তার মাত্তরকে ভূমিষ্ঠ হয়ে প্রণাম করলেন। 🚓 মহারাজের ছেট যা সুক্রচি যকা শেখলেন ছে, সেই নিল্লাপ বালকটি তার চরণে প্রথত হরেছে, তৎকণাৎ তিনি তাঁকে তলে নিয়ে আলিখন কালেন এবং অঞ ব্যাপার খন্তে উাকে আশীর্বাদ করে কালেন, "হে প্রিয় পুর! তমি ভিন্নীহাঁ হও।" খল বেমন স্বাভানিকভাবেই নিম্নামী হয়, তেফাই পরমেধর জানানের প্রতি মৈত্রী-ভাষাপর হওয়ার কলে, দিন্ত ওপাবলীতে বিভূমিত ব্যক্তির প্ৰতি সমন্ত জীৰ প্ৰভাশীল হয়। উত্তম এবং 🌬ব মহারাজ দুই ভাইও প্রেমে বিহল হরে পরস্পরক আলিক্স করেছিল। উভারের অসম্পর্নে উরেশ্ব সেছ त्तामाणिक शराहित शवर फेक्टवरे मूक्ष्र चानलाक विज्ञान करतिहरूमा। क्षत्र करतारणत सननी जुनैहि छैत গ্রানের থেকেও অধিক শ্রিয় পুরের স্বক্ষেক্ত অস স্পর্ন করে, গভীর প্রসম্বভার তার সমস্ত বেধনা বিশ্বত स्टापिस्थन। (र किन्ना वीत-अन्तिनी नृतीकित सन्वापन থেকে ক্ষরিত দুয়ের সঙ্গে তার অশ্রনার মিশ্রিত হরে ধ্বৰ মহারাধ্বের সমগ্র অস্থ নিত কর্তেছিল। সেটি ছিল একটি অভ্যন্ত গুড় বন্ধন ("

भूभवानीया बाक्यश्रिवी जुनौजिब धनश्मा कर**व** कारश्य-"(ह श्राची । शीवकार शूर्व चाशका शिव शूब হারিছে বিভেক্তির এবং আপনার মহা সৌভাগেরৰ ভবে, এখন তাকে কিয়ে পেয়েছেন। আগনায় এই পুর পীর্ঘকাল আপনাকে বক্ষা কর্ত্তে এবং আপনার সমস্ত শেক দুর করবে। হে রুনী। আগমি নিশ্চাই পর্যানের ভাষানের পূজা করেছেন, যিনি করে ভাতুদের মহা বিশং (थरक कुल करतर। यीता निरुद्धा ठीड थान करतन, छीत আন্ধ-মতার পথ অভিক্রম করেন। এই প্রকার সিদ্ধি লাভ কথা অভাৱে ৰাচিন।"

ঁছে বিশ্বর। এইভাবে সকলে বখন এল মহারাজেন প্রদানের কর্মারিকার, তথন ব্যক্তা অভান্ত আনন্দিত হয়েছিলেন এবং এক ও উন্ন প্রতা উত্তরতে একটি

হস্তিদীয়া পূৰে আংলাংগ কবিয়ে তিনি ঠাও লাভধানীয়ত - পিতঃ অতাস্থ আঞ্চারত সক্ষে ঠানুক লাজন-পালন ক্তিরে প্রিকেন্টের, বেখানে সকলেই উন্ন প্রশাসা কর্মভিন। সমস্ত নগরী কুল ও ফলের গুজসর্মায়ত কর্মনী बहुक्कत (इ.स. अयर नवीन श्रमांक छक्कत क्षाता जाकराजा হুরেছিল এবং আসান্দান্ত মকর-ত্যেরেল রুচিত হুরেছিল প্রতিটি বার আমশানৰ, বন্ধ, মালা ও মন্তলগ্রের ছার। অসংবাদের বিদারর ছিল। সেই রাজগুলান মরকত সুসক্ষিত ছিল এবং বহিৰ্দেশে সারি সারি জলপুর্ব ভলস এবং তার সামনে দীপানলী লোভা পাঞ্জিল। মগরীর ভিল এবং তাতে হতুত ভর্মান্ত রহুমার দীপসম্বিত সুস্তর সমার প্রাসাদ সন্মার এবং প্রাচীর কবিষ কবিজন্দ বিভবিত হয়েছিক। প্রান্থের শিধ্যথনি উল্পান্তাবে লোপ্তা লাগ্রিক এবং নগ্রহীয় সভূমিকৈ উচ্চে বেভাগ্নিক কা কৃষ্ণ ছিল। সেই বুল্কে বিচ্চা-তিপুন সুস্থার কৃষ্ণন শেষ্ট বিমান, সেওলির শিখরওলিও অভার সন্মরভাবে শোভা গাজিল। নগরের সমস্ত চত্তর, वाक्षणंब, बीने बंदर जालाव स्माएंड दमयाव केंक दानश्रीन भूव फाल करत शरिकात कहा इस्साहित क्या इस्साहित निसं कहा स्टाइन: धात वेरे. एवं, श्रम, कृत, वेले वेरेर অন্য আনেক প্রকার মাদলিক উপহরে সামগ্রী নগরীর সৰ্বত মজালো ইয়েছিল। এইডাবে ৰখন এৰ মহাৰাজ পথ বিচ্ছে মাজিংগেন, তথা সমন্ত সতী পুৰবাসনাগৰ **छैटक पर्नाम अनुस्य सम्य नामान्य एटाव्यान्य अन्य साराज्या** ক্ষেত্রে তাঁরে তাঁকে আশীর্বাদ করে তাঁর উপর ক্ষেত্র সর্বপ্ यम्, सरे, अत्, मृदी, कल अतः कृत वर्तन कर्ताकृतः। **ारेश्वर अन प्रशासक द्वारस प्रतास्त तीउ क्षर करा**र করতে উরে পিতার প্রানাশে প্রকো শ্ররেছিগেন।"

"ভাষ পাৰ প্ৰনা মহাবাজ বাং খুলাবান মলিবড়ে সঞ্জিত তম্য লিতার প্রামানে মল করেছিলেন। তান কেছনীল

কৰেছিলেন এবং তিনি সেই প্ৰামানে স্বাৰ্থন ক্ষেত্ৰাটোৰ মতো সুধে বাস ভরতে লাগদেন। সেই বাসামে १६८७ मन्द्रिक चाराज ध्या अजिल्ड मिर्मिट, वर्गमक প্রতিষ্ঠ বিশিষ্ট প্রা, মহাত্রর আমন এবং সোনার আদি মন্ত্রিক্ত বচিত্ত স্কাটাকের প্রতীপরের কার্যা পরিবেটিত ব্রীফুর্তিগতিত ছিল। ব্রাক্তার প্রাথান উদ্যানসমূহের কারা পরিবেটিত ছিল, থেবানে কর্মলোক থেকে নিয়ে আলা কর্মান এবং সংগ্রাকেশত স্থাবারের রাম্প্রন করে বাম তব্ছিল। দেশনকার স্বোব্যক্তি পাছার তৈবি কেণানাকীৰ কৰা শোভিত ছিল, তাতে পৰা, উৎপদ ६ कुमुन्याकि शाक्षित किम अबर शता, कारधन, उउन्याक, अतल देखापि शकीपुर्म (भी करण विराद कर्राहरू) जानमें प्रस्तानक केत क्या अरक्ष मीरण करन करने अर তাৰ প্ৰভাৰ কৰে কৰে কৰাৰ বিশিষ্ট সংগতিকাৰ, কালা अरस्य कार्यकाल दिन भागारीकरः। छारभन् ब्रहात्त्व ট্রালানার বিরেট করে কেবলেন বে, এবা মহারাক রাজ) পরিস্কার উপত্ত বরস তার সরেক্স এবং স্ট্রির সম্মত আছে এবং প্রভাবেও উরে প্রতি বিশেষ অনুবস্ত, তকা হিনি মুনকে সার পৃথিতিত সভারে পরে অভিনিত্ত কারেন। তার কুমবার বিবেশে করে এবং তার আধার কলালে কৰা জিন্ত করে, মহারক্ত উত্তানপান বিষয়ের হতি বিশ্বত হয়ে কৰে গতন কৰলেন।"

দুগায় অধ্যায়

যক্ষদের সঙ্গে ধ্রুব মহারাজের যুদ্ধ

করেছিলেন। তার কর এবং কলের নামক বৃষ্ট পুত্র। কল্য। তার প্রতে তিনি উৎকল নামক একটি পুত্র এবং

ছত্ৰি হৈছের বলনেন—"ছে বিদুর। ভার পর হল । হাবেছিল। অত্যন্ত শক্তিসালী হল হংলাকের ইলা নারও মহাবাল প্রজাপতি শিশুমানের কণ্যা প্রথিকে বিবাহ তল আর প্রকর্তন পত্নী ছিল, হিনি ছিলেন বস্থুস্বতার महातारक्षत्र अनिके काठा फेंड्य, बिनि फचनक व्यक्तिगरिक ছিলেন, এক সময় স্থান্তর দিয়ে, বিষয়নর পর্বতে এক ঋতি কলকা ব্যক্তের ভারা নিহত হল। তীর বাতা সুরুচিও মরেছিলেন)। হিমালর পর্বতে মকের হাতে ওরে বাতা উভয়ের মৃত্যু ইয়েছে, সেই সংবাদ পেরে প্রদা মহারেজ শোক এবং ক্রেছে অভিচৃত হয়ে, তাঁর ববে চড়ে रक्नुती वा ध्यत्कानुदी विकास कार्यन विदर्शन स्टास्टिवन। 4-व बहाबाब উछात्राचित्रूच विभावत वर्गछ बमन । ষ্বেছিলেন। সেখানে একটি উপত্যক্ষে স্থানেয় অনুচরণণ অধ্যবিত একটি নগরী তিনি দর্শন করলেন।"

"হে বিপুৰ: অসভাপুৰীকে পৌহুছে ক্ষাই, ক্লা মহারাজ ভার ক্ষে কুৎকার দিরেছিলেন এবং সেই শব্ধবনি সমত আকাশ কুড়ে এবং সমস্ত দিকে প্রতিকলিত হয়েছিল। তা ওলে বন্ধ-রমনীপা অভ্যন্ত ভয়তীত হয়েছিল। ভাষের চোৰ বেখে কোনা মাজিল (न, कारस्त्र क्षमङ केरकशांक पूर्व करते केरते हैं। बरादीत विद्वा अन्य करात्रसम्बन्ध मुख्यवनि जस्त कत्रहरू না পেরে, বহাবলী কছবীরের অন্তর্গন্তে সন্দিও হরে, **এন** মহারাজকৈ আক্রমণ করার জন্য নগরী থেকে বেবিছে এল। মহা ধনুধারী ও সহারতী এক সহারাজ নেই ৰক্ষ-লৈনাকের অপ্রসম হতে সেখে, একসঙ্গে ভিন-তিনটি করে বাগ নিক্ষেণ করে ভাষের হওর করতে भागतानः अवन्यीतात अन्य स्थान (स. इत वहातातात ব্যারা জনের মন্তক ক্রি হতে চলেছে, তথন ভারে সহকেই চালের সম্ভটজনক পরিস্থিতি উপলব্ধি করতে পেরেছিল এবং ভারা বুকতে পেরেছিল যে, ভালের পরাধায় चर्यन्यज्ञारी। विश्व बीत विभारत, छात्र अन्य महात्रारकत কার্নের প্রদাসো করেছিল। সর্গাধেন ক্রাম্পর্ন সহতে অসমর্থ, সেই বক্ষাও তেমন এব মহারাজের भाग्वर्राजनक दीवक मध्य कारण का त्थरत, फालब बनुक ব্যেক একসলে হাটি করে নাগ জার হাতি নিকেন ভাতে দাগদ এবং এইভাবে ভারা তাদের বীরত্ব প্রদর্শন कर्राहरू। अन्य देगद्रगत गरुवा दिश अक सक दिन হাজান এবং তারা সকলেই অতাঞ্চ কুক হরে অন্বতকর্মা ধ্বৰ বহালাভতে পরাত্ত ভবতে ইন্যা কর্কেছিল। ভাগের

এক অভি সুস্থী কন্যারত্ম উৎপাদন করেছিলেন। 🗗 সমস্ত শক্তি সহকারে তারা রথ এবং সার্রথি সহ এব মহারাজের উপর পরিষ, নিঞ্জিল, গ্রানাশুল, পরস্বধ, পক্তি, খাঁই, ভূততী এবং বিচিত্র পক্ষবিশিষ্ট বাগ নিকেশ করতে नाशन। मिरावर चाह्य सर्वटन्द्र करने अन्य ग्रहाराख ষ্টার পুরের পর অনুসর্গ করেছিলেন (মৃত্যুবরণ সম্পূর্ণরাগে আছাদিও হয়ে মিরোছিলেন, ঠিক কেন। নিংজ্ঞা বর্ধদের কলে পর্বত সমাজ্ঞা ইরে দৃটির আগোচর হয়। উচ্চতর জেকের সমস্ত সিম্বরা আঞাশ থেকে সেই বৃদ্ধ দেখভিলেন এবং বখন তারো দেখলেন কে এন মহারক্ত শত্রুপক্ষের বাদ-ধর্যদে আক্রাদিত হয়ে গেছেন্ ডখন তারা হাহাকার করে উঠেছিলেন, 'হার। মনুর নৌত্র এন সূর্যবং এখন সকলের সমূত্রে অর্তানত হল।' কভেয়া সাময়িকভাবে কর লাভ করে উল্লসিঙ হরে চিংকৰে কর্মান্ত বে, ভারা এব মহারাজকে পরাক্ত **भटराइ। विन्ह ७५न इंडोर अन महातारकत तेन व्यक्टिंड** रुष, ठिक रायम कुषांटिका राज्य करते गरना भूरकी शकान देश। अन महातारपात धनुरक्त विकास क्यर दार्थ्या कृशकात শক্তদের হৃদতে বিবাদ উৎপন্ন করেছিল। তিনি নিরন্তর বাৰ নিজেপ করতে লাগদেন এবং ভার ফলে ব্যুক্ত অস্ত্রণার চুপরিচুপ হল, ঠিক কেমন প্রবল বাতু আকাংশর মেবরাশি ছিলবির করে। এই মহারাজের ক্রুক কেকে বিনিৰ্মৃত সেই সৃতীক্ষ বালগুলি শঞ্চদেয় কৰ্ম ডেল কৰে ভাষের শরীরে প্রবেশ করেছিল, ঠিক বেকা কেবলভা ইজের বন্ধ পর্বতগার বিদারণ করে।"

> "(६ विषुत्र। अन्य यहात्रारक्तक वारावत वारावत यक्क कि श्राप्तित, (अरेशन कर्नकृष्टन अवर केकीटवर ৰদ্যা অভি সুখরভাধে অলম্ব ছিল। সেই সরীরের অধ্যাওলি ছিল সুকৰ্ণ কৰ্ণ তালগায়ের মধ্যে সুন্দর, আনের ব্ৰহণ্ডলি সৌনার কমন এবং কেয়ুরের হয়ে। সুসন্মিত ছিল এবং তাদের মন্তব্দে মহা মূল্যবান স্থাস্কুট শোভা পাছিল। সেই রগড়মিতে এই সমক্ত অনকার বিক্তিপ্ত থাকার কলে, আ অভ্যান্ত আকর্ষণীয় হয়েছিল এবং ভা একজন বীরের পক্ষেও যনোহর হরেছিল। আর বে নমন্ত ককরা, বারা নিহত হরদী, ভালের পরীরের কক প্রত্যের মহান বোদ্ধা এব মহান্তাজের বান্দের বারা খণ্ড খণ্ড খনেছিল। ভাই ভারা ভখন পালিরে বেতে লাগল, ঠিক বেষন সিংহের ছারা পরাক্ত হয়ে হক্তী পালারল করে। নরবেষ্ঠ ধুনা বহরেকে ভাবন দেখলেন বে, সেই বিশাল

পরিকলনা কেউই জালে না।^{*} ইতিমধ্যে প্রথ সহারাভ সার্থির সংক কথা বলখিলেন, তখন কারা এক প্রচ্ছ শ্বৰ ভাৰতে পোলেল, বেল সমগ্ৰ সমূহ সেখানে এসে भटिकटक् बायर कैति। सिचटनन हम, शहक बाहुरतरात्र চতুৰিকৈ ধূলিবাশি সমূখিত হচ্ছে। কৰিকের মধ্যে আকলৈ কন মেবমওলের করো আকরে হল, প্রচত শক্তে বছুপাত হতে শাগল, বিদাৎ চমকাতে লাগল এবং সেই সমে প্রকলভাবে বৃটি পড়তে ওরু করল। হে সিন্দান विष्या कथन क्षम, क्षापा, जूंबा, विक्रा, मूत्र अन्य आन বর্ষণ হতে লাগ্য এবং গগনমগুল থেকে একের সম্মুদে - লাগ্যাল পরকোর ভাষান, বিনি জীয় ভাগদের সমস্ত দুংগ বহু বহু শিবুর্বতে দেহু গতিত হতে দাগল। আর পর অকোশে একটি বিশাস পর্বত দৃষ্ট হল এক তা বেকে इंक्ट्रॉर्स्क डाल्स वृद्धि संबर मिट्टे गएन शना, भतिष, निजित्न ও মুখল ইত্যাদি পভিত্ত হতে লাগল। এব মহারাজ মেখলেন যে, ক্রেণেন্র্য চকুসমন্তিক নিশালাকার সর্গেরা ব্রার। এইকারে ভাশবস্তুক্ত পরিব্রাণ পাই।" ভাষের সুধ খেতে অধি উদ্গিরণ করতে করতে তাঁকে

কুরুক্সেয়ে একটিও স্পত্ন শত্রুদেন। যতাহ্যমান নেই। প্রান্ত করার জন্য প্রতিয়ে অরপত্নে প্রবাহ সেই সলে উক্সর তথ্য তিনি আলকাপুরী দর্শন করার ইক্ষা করেছিলেন - হাজী, নিংছ এবং ব্যায় দলে কলে উরে দিকে ছুটে কিন্তু তিনি মনে মনে চিন্তা কর্মেছদেন, 'যায়াবী কককের আসছে। ভার পর ভীকার্যুর্তি সমূচ কো প্রশারকাশীন ভয়ৰৰ মূল বালে কৰে, প্ৰবল জনাৰ সহবোগে সামে কিৰ মুখন প্রায়াধী শঞ্জনের পুনঃ আন্তেখপের অপকা করে উল্ল**ু প্রায়িত করতে করতে ভীবৰ পর্যান করতে পা**সালা। चामृतिक बद्धाना कहानटरे कटाव कृत अव टास्क আগুতিক মাহার দ্বারা তারে অনেক আন্তর্যক্ষনক ব্যাপরি সৃষ্টি করে আছল ব্যক্তিবের তর বেশতে পারে। व्हर्न्सम् काम ७ रहन (म. कन्द्रदात अस्स अस् वार्या শক্তি খনোগ করেছে, তথন জীবা ভংকদাং সেখানে উপস্থিত হতে, তাঁকে কল্যালকৰ অনুপ্ৰেৰণা দিকে ওক

সমগু মুনির বল্ডো—"হে উত্তানপাদের পুত্র ধন। থেকে উভান করেব, তিনি তোমার শত্রুগের সংখ্যা করন। ভগবানের পৰিত্র নাম ভগবানেরই মতে। শক্তিসম্পন্ন, তাই ভগবংনের পর্যন্ত নাম কীঠন এবং कारभाव कारावे (कारण कारणा मुट्टी (पाटण हाका गाउना



একদেশ অধ্যায়

ধ্রুব মহারাজকে যুদ্ধ বন্ধ করতে স্বায়ম্ভব মনুর উপদেশ

প্রীমৈরের কললেন—"হে বিদুর। এশ কলকা प्रकृषिहरूम समृद्धान्नगामध्य वानी अवन कहा, सह न्यानी কৰে আন্তঃত্ৰন কৰালেন কাবং ভাগ পৰ ভগবাদ নানাবংশৰ নির্মিত মাণ আর চনুকে যুক্ত করলেন। এন মহারক্ত ধনুকে নারারণায় যেকন করা মাত্রই ফকনির্যিত মাজ গুড় হৰে কেন, ঠিক যেখন পূৰ্ণনৰে খ্যাৰ-তৰ্মজন লাতের

करण, मञ्जू कड़-बार्गाटेक मृत्य असे मुच मूत हरह जा। এব মহাঝাৰ কৰা নায়াল কৰি নিৰ্মিত সেই আন্তৰ্গী ঠান क्ष्मू (बार्डम कार्मान, प्रथन वो (पर्क मुक्तीवर क्ष) हुन এক কল্যানের পালের হতের পালক-সম্বিত প্রমযুহ নিস্তে হল। মহুরের বেখন জীবল শব্দ করতে করতে वानक माथा शायन करने, त्मद्रे भरतपुर (चमनदे

শত্রসেনর যথে। প্রবিষ্ট হল। সেই সমন্ত ভীক্রধার বাব। गढ-रेमनाराम विञ्चलिक करतिहरू, बाह्य शाह बहिड हरहे পড়েছিল। কিন্তু বৃদ্ধক্ষেরে কলা কলেক যক ভালের অপ্ৰথম উল্লেখন করে, মহা জেনং ধন মহারাজক আক্রমণ কবার জন্য ভার প্রতি ব্যবিভ হল। সূর্ণ বেমন কণা উন্নত করে পরুভের দিকে ধারিত হর, সমস্ত কর সৈনিকেরাও সেইডামে ভানের ভার উত্তোলন করে প্রব মহারাক্তকে পথান্ত করার কলা তার প্রতি ধানিত জার্যভিগ **৯**ম মহাবাৰ কৰে শেবলেন যে, কৰল ভাঁত প্ৰতি এলিৱে আসহে, ভংকশাং তিনি উন্ন ব্যান্ত হালে ভানের বঙ পত করেছিলেন। ভাষের পরীর পেকে বাছ, পা, রাখা, পেট আলাদা করে, তিনি সেই ফলবের দূর্বসভাবের উপরিস্থিত ক্ষেক প্রদান করেছিকেন, বা কেবল মর্বেশ্বর ু ধন। পক্ত মহাভূত থেকে মাড় কণ্যতের সৃষ্টি শুরু হয়। चैथां(एका अभागतीयाँदे शास दव। यन्त्र सारहर अनु দেশদেন মে, উরু পৌত্ত প্রব প্রথম অন্নাক ফছনের হয় করছেন, বারা প্রকৃতপক্ষে অপরাধী নয়, ভারা ভিনি শতান্ত কুলাল্বকৰ হয়ে, মহবিখন সহ এন সহাজাঞ্জের **সাহে এলে জাঁকে মং উপজেল নিজেনিকোন**ি

প্ৰিমা কালেন—"হে কলে। এই যুদ্ধ বন্ধ কর। অনর্থক ফুল্ক হওয়া সমীচীন নাম, ওা হড়েছ নারকীয় জীবনের পথ। প্রকৃতপকে ধারা অপরাধী নয়, সেই দমত কম্পের হত্য করে একা তুমি ভোগার সীম্য আহিত্যৰ কাছ। হে পুৰে। শুৰি হে নিৰ্দেশ কৰ্মদেৱ यथ कड़ाइ जा महाजनसम्ब बाता शीकृक हमूनि अवर छ। আমানের পরিবারের উপযুক্তও নর, কারণ ধর্ম এক: অধর্মের নিয়ম সক্ষরে তানের অবদত থানের কথা। হে কংগঃ ভূমি যে ডোমার হাতার প্রতি অত্যন্ত লেহগীল এবং বক্ষের হাতে তার কুড়াতে ভূমি যে অভার মর্যাহত रेटवर ठा रक्ता वाटक, किन्न विरक्षा करत करत একজন মাত্র বন্ধের অপরাধে, তুমি অন্য কডজন নির্মেষ एकरक वस करतह। सहरक कंपनत बाचा वरण करहे কল উচিত নয় এবং তার কলে জনের দেহকে পারে মতে হত্যা করা উচ্চিত নয়ঃ স্কাৰগ্রতিক পদ অনুসরণ ছবেন যে সমস্ত সংখু, তীকের পক্ষে এই ধরনের আচরণ বিশেষতাবে ব্যক্তীয়। ঋণকান প্রীচ্ডির ধান কৈকুচালকে গ্রান্থ সংক্রা অভার কঠিন, কিন্তু ভূমি এতই ভাগাবান যে, प्रमंत्र कीरका नज़द्र संघ क्रिन्धनारका चानाधना कतात

करन, एकि ইতিমাধাই সেই ক্ষম প্রাপ্ত হবেছ। কেন্ডের ছমি ঋণবানের ওদ্ধ ভক্ত, তাই ঋণবান সর্বানাই তোরের কথা চিবা করেন এবং তুমি তার অন্তর্গ ভালুনারত भागा। ट्यामस श्रीका एटाइ चलार्च चाउर(पर भिवात । ভাই ভোমাকে এই প্রকার নিশ্বনীর কার্ছে জিল ছতে মেখে আমি খাতান্ত নিশ্মিত হয়েছি। ভক্ত বর্থন জনালের शक्ति विक्रिक्त, पता, रेस्डी अक्त नमश्च अपनंत करका, ভাৰৰ ভাগৰান সেই ভাণ্ডেৰ প্ৰতি খাতাৰ প্ৰস্তা হুন। কেউ কল্ম প্রকৃতপঞ্জে পর্মেশর ভগদানকে প্রসায় করেন তিনি তাৰ জীবদশাতেই স্থল এবং সৃষ্ধ চড অবস্থা থেকৈ মৃক্ত হয়ে যদ। এইভাবে ছভা প্রকৃতির সমস্ত তৰ থেকে মুক্ত হয়ে, ডিনি অন্তর্হীন চিন্মর আনন্দ প্রাপ্ত সেই পক্ষত স্তীদেহ এবা পুরুষদেহে পরিপত্র হয়। স্ত্রী बतर शृक्रदेश मिनाहन और मानाहत धानाना ही अवर পুরুষের সৃষ্টি হয়।"

িহে এক মহারাজ। পরখেদর ভগবানের মাহিক কর শক্তির বারা এবং জড়া প্রকৃতির তিনটি ওপের বিপ্রভিত্ত ছারা সৃষ্টি, স্থিতি এবং প্রদার সংঘটিত হয়। হে প্রদা প্রমেশ্য কর্মকান জন্তা প্রকৃতির অপের ভারা কলচিত ক্র না। তিনি হামেল এই কড় রূপতের সৃষ্টির নিমিত্ত করেল। তিনি কথন প্ৰেরণা দেন, ওখন জন্য আনেক স্বারণ এবং অর্থ উৎপর হর এবং তার কলে সমগ্র ব্রহ্মত পরিচর্যুলত হর, ঠিক বেমন চুছকের আকর্ষণে লৌহ চালিত হয়। প্রমেশ্বর ভগবান তার অচিন্তনীয় কালকেশ পরম শক্তির দারা প্রকৃতির তিন ওাপের বিবন্তিয়ার কারণ হন এবং তার কলে বিভিন্ন প্রকার দ্বারি প্রকট হয়। মনে ইয় কেন তিনি কাৰ্য করছেন, কিছু তিনি কৰ্তা মধ। তিনি হত্যা ক্যাছেন, কিন্তু তিনি হন্তা নন। এইতাবে ধোৱা ধার বে, জন অভিন্য শক্তির ধননেই কেবল সব বিশ্ব ঘটছে। হে ্রুব। পরবেশ্বর ভগবান নিতা, কিছু কালকণে তিনি স্ব কিছুর সংহারকতা। উন্নে জানি নেই, যদিও তিনি স্ব কিছুর আদি, তিনি অব্যর, যদিও কাল্ডেন্টে কর কিছু কেছ रुटक यात्र। निष्ठात साथाहम बीरयत मुक्ति एव अवर मुक्तत পারা তার কিবাশ হয়, কিন্তু তিনি সর্বদাই ক্রান্ত স্থান থেকে মৃত। ভালক্রপে পরফেশ্বর প্রস্থান কর্ড কগতের সর্বন্ধ বিদ্যান এবং সকদেশ্রেই প্রতি সমভাবাশয়। তাঁর

ব্যক্তে কেউই ঠাব মির নয় অথবা শঞ্চ না। স্থানেৰ অধীনে সকলেই ভানের কর্মধন অনুসারে সুধ ঋথকা দ্বাধ জোগ করছে। বেজন, বাস্ত্রর প্রবাহের কলে ধূলিকন্ম ওছে, তেমনই শ্লীৰ তার বিশেষ কর্ম অনুসারে, ক্রক্ত হারণা এক জীবনে সুখ একা দূরণ ভোগ করে। প্রয়েশ্বর স্তুপকান ট্রানিকু সর্বশক্তিমান এবং তিনি জীবকে তার কর্মকল প্রথম করেন। এইভাবে বলিও কোন 🗗বের আৰু মত্যন্ত অন্ধ এবং অন্য কোন স্বীবের ভাবে অভ্যন্ত ধীর্থ, তবুও তিনি সর্বদাই চিশ্বর স্থিতিকে অবস্থিত এবং উন্ন নিজের অবহুর হ্রাস অথবা বৃত্তির কোম লগ্যই ওঠে না। কেউ কেউ বিভিন্ন প্রকার কীবানের মধ্যে পার্থকা এক তাদের সৃধ-দুঃশকে কর্মের কল বলে। জন্য কেন্দ্র বলে বে, তার কারণ হড়ে স্বভাব, তালার অভানে কলে কাল, তেওঁ কেউ বলে ভালা এবং অবের কেউ বলে ৰে, ভার কারণ হচ্ছে কাম। পরম সভা ব চিশ্বর ওছ কথনীই অপূৰ্ণ ইভিয়ন্ত্ৰতিৰ ব্যেপগন্ত নয়, অথক প্ৰতাক অভিক্রতার বিধর নয় ৷ ডিমি ঋষা প্রকৃতি আদি বিভিন্ন শক্তিৰ উৰৱ এবং ঠাৰ পৰিক্ষমা অথহা কাৰ্যকলাপ কেউই হাদরপথ করতে পারে না: তাই বৃষ্টেত হবে খে. যদিও ডিনি ইচ্ছেন সূৰ্ব কারণের প্ৰয় কবেব, কিন্তু মনোধর্মপ্রসূত ক্ষমা-ক্ষমার হারে কেউ ঠাকে জানতে প্রবে ব্যাল

ভোমর প্রভা উত্তাহর কর্মকর্তা নত। জীকে কর এক মৃত্যু সর্ব করেশের পরস কারণ ভগবানের হারটে হয়। পর্মেশ্বর ডগঝন এই জড় মাগৎ সৃষ্টি করেন, প্রদান क्खन अन्त क्या नगता कारन कडन, किन्न (४८१३ डिमि এই সমন্ত কার্যকলাপের অতীক, ভাই তিনি কবনৰ এই म्यक कार्यक्रमिक चार्रकारका वाता वाधक बामा अर्फाला ওবের ভাষা প্রভাবিত হুন না। প্রয়েশ্বর স্থাবাদ সমস্ত बीट्यर अस्प्राता। स्टिन नकरमा निरुष अदर नाम्यकर्ताः ষ্ঠার বাঁচবলা গলিব মাধ্যমে ডিনি সকলের সৃষ্টি করেন, পালন করেল এবং সংখ্যর করেন। হে এন। ভূমি পর্যালের স্থাবানের ল্যুপালত হত, যিনি জগতের উর্যাতক भवम क्या इसा सामि त्वराभन नर्मन मञ्जू रेरिये निरम्भन कार्य कराइन, द्विक (राधन मानानक क्लीटर्स खार

अपूर कार्य कराउ तक हत। दर धना: प्राप्त नेक राहा ব্যবে ভোষৰ মাত্ৰৰ মতানের বাগাতে মতার মনাহত ইবৈ, হোমার মাবের ফলের তয়গ করে ভগবানকে পাওয়ার উদ্দেশ্যে তুরি যোগপছতি অনুশীলন করার জন্য বনে নিরোধকে। তার কলে তার ইতিমধ্যেই তিত্তবনের মর্ব্যেক পদ প্রাপ্ত হয়েছে। ছে চন্দ্রণ প্রাষ্ট্র তমি অঞ্চয় রক্ষা পরমেশর প্রথমটোর প্রতি তেনের চেত্রা নিবছ কর। তোমার করণে অধিভিত হতে তথি পর্বেশ্য তগবালের প্রতি উত্তর হও এবং তার কলে, আছ-উপস্থির মারা তথি কেববে বে, জন্ত-লাগতিক সমস্ত ভেষ্ঠাল নিতারই কণকারী। এই চাবে ভোমার বাভাবিক দিতি প্রাপ্ত হরে এবং সমস্ত অন্যক্ষের উৎস ও পরসাধারতাপে সমস্ত জীবের হালয়ে বিরাজনান পরমেশ্বর শুগরালের লেবা করার গুরা গুরি অভিত্রেই 'আমি' এক 'অহনার' এই মোহ থেকে মুক্ত হবে।"

"হে অক্তা। অমি জেয়কে যা বলছি, সেই সময়ে একটু বিভাগ কর: ভা বেলেনা উত্থের মতের কাজ করবে। তোমার জেনং সংবংশ কর, ভারণ লাগ্রমার্থিক উপদ্ধিত পৰে প্ৰেক্ত হয়ে হয় চাইছে বন্ধ দ্বার। স্বামি হোমার সর্বাদীর ফলল কামলা করি। তাহি আমার উপদেশ পালন কর। যে ব্যক্তি এই ছাত লগাং থেকে মৃতি লাবের আকারকী, তার ভথাই ক্রোপের ফ্রাইড "হে বংস। ফুরেরের অনুচর এই সমস্ত ককরা। হওৱা উঠিত নয়, কারণ লেগথাতিভূত বাজি অন্য সকলের উদ্ধেশ্যর মধান হয়। হে প্রবাং তামি মধ্যে করে। যে, কমর জেবার ক্রমেক হল্ম করেছে এবং তাই রুবি কাসংখ্যক কামকে ইতা কবেছ। কিছু ডোহার এই আচরণের খারা ভূমি শিক্ষে বাতা, বিনি কেবতাকের কোষাব্যক্ত সেই কুরেইভে কুছু করেছ। ভূমি ভূমে কের থে, তোমার আচকা কুকো এবং শিখের প্রতি আতার चमचानमञ्ज शरहाकः (६ दश्यः (अई कार्टान्, কুবেৰের জোমে আমানের বলে অভিভূত হওয়ার প্রেই किरण करत, शर्माके अबर चुलिंद चारा डीएक श्रमण कर। স্থায়ন্ত্ৰৰ মনু তাঁর পৌত্ত প্ৰাৰ মহাবাজকে এইভাবে শিক্ষা প্রদান করে তার বাধা সংস্তৃত হরে, মহার্থিক সং তার আনরে পরন করেছিলেন 🖰



শঞ্জনেশ্যর মধ্যে প্রবিষ্ট হল। মেই সমস্ত তীকুবার বাপ শক্ত সৈনাদের বিচলিত করেছিল, খরা প্রায় মুর্ছিত হয়ে পড়েছিল। কিন্তু খৃছকেরে জনা অনুনৰ কল জানের অন্তৰ্গন্ত উল্লোপন কৰে, সহা ক্লেখে এন মহাবাধকে আক্রমণ করেব জন্য তার প্রতি থাকিত হল। সর্প বেমন খন্য উন্নত করে গুরুতের নিকে ধানিত হয়, সঞ্চন্ত বঞ্চ সৈনিক্ষোও সেইভাবে ভালের বার উজোলন করে এন মহাবাজ্যৰ পরেন্ত কৰার ক্ষম শুনি প্রতি ধাবিত হয়েছিল। হ্রান মহারাজ কথন দেখালেন বে, কথার তার প্রতি এলিয়ে আসহে তথকৰাৎ তিনি তাম কাৰের স্বাসা ভালের বঙ थय करहिराजन। छारमह भरीध (धरक यह, भा, प्राप्त, পেট আলমা করে, তিনি সেই বাক্ষরে সূর্যথনটোর উপারেল প্রকানীয়াই প্রাপ্ত হয়। করন সায়কুর মন্ত্র দেখালেন যে, ঠার পৌত্র প্রদ গ্রহন খনেক করনো কা করছেন, যারা প্রকৃতপক্তে অপরাধী নয়, তথ্য তিনি काराह कुनानश्रयक श्रंता, क्यार्टिनक मेर् क्ष्य धरेलाएकव कारक बारम फीरक मेर केशतान मिरवहिराजन हैं

वीश काशम-'१६ रूपा। वह युद्ध स्व अतः। কাৰ্যক ক্ৰম হওৱা সমীচীৰ নয়, ভা হকে নারতীয় कीर्यस्थ करा। अक्टनर्क संश कन्सवी तर, (८१) সমন্ত বঞ্চলের হত্যা করে একন তবি ভোমার সীমা অভিনয় করছ। হে পুত। ভূমি যে মির্লের কর্মদের ৰধ করছ হা মহাজনগের ছাল কীকৃত হয়নি এবং কা व्यापाएक शतिवादव केशवृक्तक नत्न, कातन वर्ष अवर च्यथरर्वत निश्च त्रचळ कारस्य च्यथन बाकात कथा। 🕫 ২ংসং পুষি ৰে তেনের ক্রান্ডার প্রতি অভ্যন্ত ক্রেইনীক্র এবং শক্তে হাতে ভার মৃত্যুতে তুমি যে অত্যন্ত সর্যাহত इंटरक का त्याका चामक, किन्न विरंताना कात (कर) থাকরন মাত্র বক্তের খালকাথে, তুমি অন্য কাচজন নির্দোধ वक्रत्य वर्ष करतेहैं। (सहरूक केवनक चाका करण बर्द ক্ষা উচিত ময় এবং ভার কলে অনুদা কেন্দ্রে গভন মতে হত্যা করা উচিত নর। ভারত্তির পথ অনুসরণ कार्यन (व नयान गानु, कीरमह नर्गक और महत्या चाहतान কিশেষভাবে বৰ্মনীর। ভগৰান জীহরির কম কৈনুষ্ঠলোক থাও হওয়া অভ্যন্ত কটিন, দিছ তুবি এতই ভাল্যকা হে, नयत कीएका भत्रव धम क्षेत्रभवात्मक व्यवस्था क्यात

करन, एमि देखिमरपाँदै भिद्ये थाम द्याख दरमञ् । स्वाद्युक्त তমি ভগবদের ওব ভক্ত, তাই ভগবান পর্বদাই তোমার ককা চিল্লা করেন এবং তুমি তাঁর অন্তরক ভাতংদরও মানা। ভোমার জীবন হতে জাবর্ণ আচরণের নিমিন্ত। ভাই ভোষাকে এই প্ৰকাৰ নিশ্মীৰ কাৰ্যে লিগু হ'ছে দেশে আমি অভ্যন্ত বিশ্বিত হরেছি। ভণ্ড বখন অন্যানত প্রতি ভিতিকা, দরা, মৈত্রী একং সমতা প্রদর্শন করেন, ভব্দ ভগবান সেই ভভেন্ন প্রতি অতার প্রসম হন। কেউ বৰণ প্ৰকৃতগকে প্রথেক্র ভগরনকে প্রস্তু করেন তিনি তার জীবশনাতেই বুল এবং সৃষ্ট ক্রড অবস্থা থেকে মুক্ত হয়ে যান। এইভাবে জড়া প্রকৃতির সমস্ত তপ খেকে মুক্ত হয়ে, তিনি অন্তর্থীন চিন্তর আনৰ প্রাধ উপরিস্থিত লোক প্রকাশ করেছিকেন, আ কেবল সর্বোদ্রম , হন। পাল মহাভুক্ত থেকে জন্ত জগতের সৃষ্টি শুরু হয়। সেই পক্ষত্ত শ্রীদেহ এবং পুরুষদেহে পরিণত হয়। শ্রী अवर शुकरबन विकास और मरमारह बातामा ही अवर পুৰুষের সৃষ্টি হয়।"

> ^শহে এন মহারাজ। প্রযোগর ভাগনানের মাহিক জভ শক্তিক জানা এবং জড়া প্রকৃতির তিনটি ওপের বিপদ্ধিয়ের মান সৃষ্টি, স্থিতি এবং প্রবাহ সংঘটিত হয়। হে ক্রবং পরমেশ্যর ভগবান জড়া প্রকৃতির ওপের হারা কল্পিত হুন मा। फिनि स्टाइन और बाह्य सागटका मुक्ति निभिन्त समान। टिनि रचन क्षत्रमा सम, छन्म चन्द्र चत्नम कात्रम बरर কর্মে উৎপদ্ধ ব্য় এবং তার ফলে সমগ্র ব্রহ্মাও পরিমেলিত হর, ঠিক বেমন চুমকের আকর্বণে লৌহ চালিত হয়। পর্য়েশ্বর ভগবান ঠার অচিক্রীয় কালরূপ প্রয় পঞ্জির ধার প্রকৃতির জিন গেগের মিথন্ট্রিরার কলেশ হল এবং ভার কলে বিভিন্ন প্ৰকাশ পক্তি প্ৰকট হব। মূদে হয় কেন छिने कार्य कारहन, किंखु छिने कर्का मध्य। छिने एका করছে, কিন্তু ডিনি হস্তা নন। এইভাবে বোজ বাছ বে, উন্ন অভিন্ত শক্তিক বানাই কেবল সৰ কিছু মটছে। হে প্রব। পর্যাস্থর ভগরান নিতা, কিন্তু কালরতে তিনি স্ব क्षिक मरराज्यको। क्षेत्र वापि होट्टे विपेश किमि मत विकृत कापि, छिनि कार्यत्र, यसिक कार्यास्त्रक तत किंधू त्यार হতে কর। পিতার মাধ্যমে খ্রীকের সৃষ্টি হয় এবং মৃত্যুর হারা ভার বিনাপ হর, কিন্তু তিনি সর্বদট্ট রূক্ত-মৃত্যুত থেকে মৃক্ত। সালন্ত্রণ পরমেশ্বর কলবল কল্প লগতেব সর্বত্ত বিশ্বাসনে এবং সকলেরই প্রতি সমভাবাগের : ভার

শ্রাছে কেউই তার নিত্র নয় অথবা শক্ত নত কালের धारीहरू अकटनरे कारमत कर्यक्त सनुमारत मुख करावा দুঃৰ ভোগ কৰছে। কেমন, বায়ুৰ প্ৰবাহের কলে দুলিকৰা ওছে, তেমনই জীব ভার বিশেষ কর্ম অনুসারে, কড-আগতিক জীবনে সুৰ এবং দুঃৰ ডোগ করে। প্রমেশ্ব। ভগবান শ্রীবিষ্ণ সর্বশক্তিমান এবং তিনি জীবতে ভাব কর্মকল প্রথম করেন। এইভাবে যদিও কেন স্ত্রীয়ের আৰু মত্যন্ত জন এবং অন কোন ক্ৰীবের আৰু মতাও দীৰ্ঘ, তবুও তিনি সৰ্বদাই চিন্ময় স্থিতিতে খলস্থিত এবং উল্লে নিজের আনুর হ্রাস অথবা বৃদ্ধির কোন প্রথই ওঠে না। কেট কেট বিভিন্ন প্রকার জীবনের মধ্যে পার্যকা এবং তানের সুখ-দুঃখকে কর্মের ফল বলে। জন্য কেউ থলে যে, তার করেশ হচ্ছে কভাব, আবার অন্তেত বলে কাল, কেউ কেউ বলে ভাগা এবং আবার কেউ বলে বে, তার কারণ হচেৎ কান। পরম সতা ল চিমার তথ কৰনই অপূৰ্ণ ইন্দ্ৰিয়নুভূতিৰ বোধগন্য নয়, কৰব প্ৰভাগ অভিজ্ঞতার বিবয় মর। তিনি স্বায়া প্রকৃতি আদি বিভিন্ন শক্তিৰ মুখৰ এবং ঠার পবিকলন অথক কাৰ্যকলাৰ কেউই হলেক্সম করতে পারে না, তাই বৃক্তে হবে যে, যদিও ডিনি হচ্ছেন সর্ব কারণের পর্য কারণ, কিন্ত মনোধর্মপ্রসূত জনন-কলনার ধারা কেই তাঁকে জানতে भारत नहर"

"ছে কলো কুবেরের অনুচর এই সফর বন্ধরা জেমার প্রতা উত্তয়ের বংকর্তা নর। জীবের কর এবং মত্য সর্ব কারণের পরম কারণ ভণবানের বারটি হর। পর্মেশ্রম শুগবান এই ঋত ঋণ্য সৃষ্টি করেন, পালন करका उत्तर वंशा प्रवास धारत कराम, किन्न (परहरू विनि এই সমস্ত কাৰ্বকৰাপের ঘাতীত, ডাই তিনি কথনও এই সমস্ত কাৰ্যক্ৰনিত বাহভাৱেঃ করা কথক শ্ৰন্তা প্ৰকৃতির ওপের বারা প্রভাবিত হন না। পর্যেশার ভগবান সমস্ত भीटिका नवधान्तः। छिन्नि अकामक विश्वता अवर नामनकर्जाः উদ্ধ বহিবলা শক্তির মাধারে তিনি সঞ্চলের সৃষ্টি করেন, नामन करवन अवर नरहात करतन। दर क्रवः छुपि পর্যালের ভাগবাটনর পরসাগত হও, বিনি জাগতের উর্মতির পরম লক্ষা। একা আদি দেবতাগণ পর্যন্ত সকলেই উন্নই নিয়ন্ত্ৰণে কাৰ্য করছেন, ঠিক বেজন নাসাকৰ কনীবৰ্ণ তাৰ

थन्त्र कार्य कराठ तथा हत। यह क्रम । यात्र गीठ गहर ব্যবে ভোমার মাতার সতীনের কথিতে অভাব মর্মাহত হৰে, তোমহা মাতেৰ আপ্ৰয় ভাগে কৰে ভগবানকৈ পাওরার উন্দেশ্যে ত্রমি বোপগছাতি অনুশীক্ষা করার জন্য বনে পিবেছিলে। ভার ফলে তুমি ইতিমধ্যেই বিভূবনের সর্বোচ্চ কা প্রাপ্ত হয়েছ। হে প্রকা ভাই ভূমি মাকর ত্ৰক পরফোর ক্ষমবাটের প্রতি তোলার চেতনা নিকত্র কা। তোলর করণে অধিষ্ঠিত হরে তমি প্রমেশ্বর ভগৰানের প্রতি উশ্বৰ হও এবং তার কলে, আছ-উপলব্ভির বারা ভূমি দেশবে যে, কড়-জার্গাভক সমস্ত ভেদওলি নিভান্তই কণপ্রাধী। এইভাবে ভোমার স্বাভাবিক প্রিতি প্রাপ্ত হয়ে এবং সমস্ত আনম্পের উৎস श्वयाचाकरण गम्छ कीरदब स्पार्थ विद्राक्त्रधन প্রদেশ্য ভাগোনের সেবা করার বারা ত্রমি অচিবেই 'আহি' এক 'আনপ্র' এই মোর থেকে মুক্ত হরে।"

200

"तह ग्रामनः। चामि त्सामातः च सरमहि, त्मेरे मध्य একট বিচার কর। তা রোগের উবধের মতো কর কবৰে। হোহার ক্রেণ্ড সংকলে কর, কারণ পারমার্থিক উল্লেখির পানে ক্রেম্ব হচের সর চাইতে বড় পাক্র। আমি ভোমার সর্বাদীণ মধন করেনা করি। তুরি আমার উপদেশ গালন কর। যে ব্যক্তি এই প্রস্ক করণ থেকে মৃতি বাজের অকান্তকী, তম কনেই জেখের বর্ণাভড হওয়া উচিত নয়, কাৰণ মোণখাভিড্ড ব্যক্তি অন্য সকলের উদ্বেশ্যে করণ হয়। হে এব। তুমি মনে করছ ৰে, ৰক্ষা ভোষায় বাভাকে হত্যা করেছে এবং ভাই ভাষ ব্যসংখ্যক ৰক্ষকে হত্যা করেছ। কিছু স্থোমার এই অন্তরণের বারা তবি লিবের ব্যাহা, যিনি শেষতাগের লোবাধ্যক দেই ফুবেরকে ক্সম্ভ করেছ। তামি ভেবে দেশ ৰে, তোমাৰ আচৰণ কৰেৰ এক শিকেই প্ৰতি অভ্যান্ত धानपानवानक इंद्राटक। दक्ष क्षत्र : त्रिके क्षत्र स् কুৰেকে জেনাৰ আমাৰে কৰে অভিকৃত ইওয়ার প্ৰেই बिनव रहन, अपरि अपर चाँठन पात छ। व अप वस् বায়ন্ত্ৰৰ কণ তাৰ পৌৰে এৰ মহাক্ৰকাকে এইডাবে লিকা এলন করে তাঁর বাবা সংস্তৃত হয়ে, মহর্ষিত্রণ সহ তাঁর আলয়ে গমন করেছিলেন।"



দ্বাদশ অধ্যায়

ধ্রুব মহারাজের ভগবদ্ধামে গমন

মহার্থি মেরের কললেন—"হে বিদুগ। এব মহারাকের লোব প্রশ্নীত হল এবং তিনি সম্পূর্ণরূপে ফালের হত্যা করা খেকে নিবৃত্ত হলেন। খনগতি কুরের কবন নেই সংকার গেলেন, তখন তিনি রক্ষ, কিয়র এবং চরেগদের করা পৃথিত হরে এব মহারাকের সম্মূর্য উপস্থিত হলেন এবং অঞ্জিবন হরে কবা মহারাকের সম্মূর্য উপস্থিত হলেন এবং অঞ্জিবন হরে কবা মহারাকের এবং মহারাক্ষকে তথা তিনি বালতে সামালেন।"

ধাপতি কুরের বললেন--"হে নিজাল করিওপুর। তোমার পিতামহের উপদেশে ভূমি যে দুরাক্র বৈরীভাব ভাগ করেছ, সেই কল আমি ভোমায় প্রতি থালার প্রদান रामहै। शक्रमाम, पुरि क्काश्व श्ला करनि अवः ভারাও ভোষার ভাইকে হত্যা ভরেনি, কারণ সৃষ্টি একং সংসারের পরম কারণ হচ্ছে প্রয়েশক ভগ্রানের भागमानी शकान । रमशाबद्धांका करन, निरक्षत्र अवर অণরের হাতি 'আমি' এবং 'চুমি' এইরেল হারা ধারণাত্র करान श्राप्त करिनातः। अहे त्यवाचनुक्तिहे श्राप्त नृतः नृतः আক্ত-মৃত্যুর কারণ এবং ভা আমাদের সংশারচক্রে নিরন্তর আবর্তিও করে। হে প্লব: ভরমার কাছে এলো। ভাগনা সর্বন তোমার মদল ধরণ। অধ্যেক্ত ক্রণবান সমস্ত ৰীক্ষে পৰ্যাশ্বা এক এইভাবে বৈধন-মহিত হয়ে সমত জীবই এক। তাই, সমস্ত জীবের পরম আনের পরক্রেক ভগবানের দেই চিকা রূপের দেবা করতে ওঞ্চ কর। छारे, मान्नुर्वतरम् स्वववातन्त्र स्टब्स्बरी स्ववास् निर्वास কৃত কর, ভারণ তিনিই কেকা আহাদের এই জড়-ৰাখড়িক বছন খেকে উদ্ধান করতে পারেন। ভাগবান যদিও জড়া প্রকৃতির সঙ্গে কুড়, তত্ও তিনি এই জড়া প্রকৃতির ভার্বকলগে থেকে আলাল **খলেন**। এই স্কন্ জনতের সব কিছুই সংঘটিত হচ্ছে পরমেশ্বর খনবানের অঠিভা শক্তির প্রকারে। যে মহারক্ষ উল্লেখনের পুর ধ্রুব মহারাজঃ আমল্ল ওনেছি বে, তুরি নিরন্তর পদাশত প্রবেশ্বর ভাগবালের কিন্ত শ্রেমানী লেকার মৃত। আই ভূমি আহাদের কাছ খেকে সম রক্তর বন্ধ প্রবাসে। অভ্যাব নির্দিধন ভূমি আমার কাছ থেকে কা প্রার্থনা করতে পান।"

बद्धवि देशहरूत क्लारमन-"(ह निम्दे। विभागक कृत्यः বৰন এক মহারাক্ষকে বা প্রার্থনা করার ক্ষানা বলালেন ভৰন মহাভাগৰত মহামতি এনে মহাবাজ প্ৰাৰ্থনা करविहरमन-छिनि एक नंतरअन्त्र छन्तरत्त्व शिष्ठ থাকির্নাত শুন্তি ব্যক্ত করে মৃত্যুর অজ্ঞান-সমূহ পার হতে পারেন। ইড়বিড়ার পুরা কুকো একো প্রতি খেতার প্রসায় হলেছিলন এক জনখিত চিত্তে তাঁর বাঞ্চিত বর প্রধান করেছিকে। ভার পর তিনি এবের সমূপে সভুর্বিভ হলে। ধ্ৰণ সহারাজও তথন তার সাজধানীয়ত প্রভাবর্তন করলেন। এব মহারাজ বাচ দিন পুরু ছিলেন ভঙ দিন তিনি সমস্ত কলের কোন্তা পরমেশ্বর ভগবাদের मस्ति विशासका संनद वर माहान पत्ना चन्त्रांग वरतविरागन। শাহবিহিত কল জনুষ্ঠানের বিশেষ উদ্দেশ্য হচ্ছে গুলধান वैदिकुत अमरा विभाग सभा, विभा मास वर्ताम प्रतामा बक्द विभि व्यक्तत क्या श्रमान करतन। अन्य महाताक ইকান্ডিক ভাজি সহকারে সব কিছুর উৎস প্রমেশ্র ভগবনের দেখ করেছিলেন। ভগবস্তুতি সম্পাদন কারে সময় তিনি টোপেছিলেন যে, সৰ কিছু কেবল টোর মধ্যে খবছিত এক তিনি সমন্ত জীকের অন্তরে বিরাজযান। ভগতনকৈ কর হর অচ্যত, কারণ তিনি কখনও তার ভক্তকে রক্ষা করার করের করের কেনে বিচাত হন না। ধ্ব বহারতে সমভ বিবা ওপসম্পন্ন হিলেন। তিনি ভগবভাচনের প্রতি অভাত প্রভাগ, দবিত ও নিরীত্ वाकिरना शकि बदानु अवर शर्मात्र प्राथक हिर्द्राम । क्षेत्र এই নমস্ত ওলের স্বান্য উন্নে প্রজারা তাঁকে তাঁলের লিভা কলে মনে করতেন। এন মহারাক ভোগের ভারা পুশ কর্ম এবং তলসার হয়ে অভত কর্মের কল কর করে, इतिमा शंकात वद्या थात और शृथियी भागन कार्रास्टरना। गरकठ-रेजित यहाचा अन्य सराताच औरछारूव धर्म, चर्च এবং কারপ্রাণ বিধর্গ অনুকৃতভাবে অনুষ্ঠানের খালা কংকার

অভিকৃতিত করে, অবশেষে ওঁরে রাজনিজাসনের ভার তার পুত্রকে দিরেছিকেন। এক মহারাক উপক্রি करहरितन (प. और अन्य पत्त न माधानाहरूत पट्टा चीरवरमव रमाश्यक्ष करत, यातन चा भदरमञ्ज क्षत्रकारमञ् যহিবল ন্যালন্তিৰ দলে নচিত। এইভাবে ধন মহানাম ক্ষবশ্ৰে সমগ্ৰ পৃথিৱী জুড়ে ব্যাপ্ত একং মহাসাগৰ পরিবৃত ভূমওল জুড়ে বিক্ত তীর রাখা ভাগে কবেছিলেন। তিনি তার মেধ, গত্তী, সভ্তম, বছ-বছন, নৈনাসামত, সমূদ্ধ ব্লাক্ষকোৰ, তীৰ ক্ষতান্ত আৱামচন প্রাসদ এবং রস্পীর বিহারস্থল মারা রচিত বিকেনা করে, वानश्रम् व्यवनायन करत दिशामरस्य वस्तिकाश्राम পিবেছিলেন। স্ফটিকের মতো বুল্ল পবিত্র জলে নিয়মিডভাবে সাম করার কলে, দ্রুৰ হয়বাজের ইন্দ্রিয়ণ্ডলি সম্পূর্ণরালে পরির হয়েছিল। তিনি বেলাননে উপবিষ্ট হয়ে প্রাণাত্যমের হারা তার স্থাসনিমা এবং প্রাণবার সংঘ্য করেছিলেন। এইভাবে তিনি জন ইপ্রিয়ণ্ডলিকে সম্পর্ণরূপে প্রভাহার করেছিলেন। ভার পর তিনি তার মনকে ভগবালের প্রতিরূপ কর্চা বিপ্রহে ধ্যানত্ব করেছিলেন, এইডাবে ভগবানের ধ্যান করতে করতে তিনি পূর্ণ সমাধিতে প্রবেশ করেছিলেন। চিত্রর আনক্ষে অভিযুক্ত হওরার কলে, গ্রার নাল-বুনল বেকে অধিবল ধারার অঞ্চ প্রবৃত্তিত হতে লাগল একং অঞ্চ পুলকে বাধ্যে হয়ে উঠন। এইভাবে ভগবছন্তিতে সমাধিস্থ ইওরার করে, এব মহারাজ তার জড় লেহের অভিন্ন বিশ্বত হলে এবং তরে কলে ডংকলং কর দেবের বন্ধন থেকে ডিনি যুক্ত হলেন। সক্তির সেই লক্ষণভালি প্রকট হওয়া হয়ে, তিনি বেখতে পেলেন বে, একটি সুদত বিহাস গলদিক জ্বলোভিড করে আকাশ থেকে অবভাৱন মন্ত্ৰয়ে, কো পূৰ্যভন্ন আৰম্প থেকে নীতে নেয়ে আসছে। এন মহারাজ সেই নিমানে বৃইজন কবি সাধার বিজ্ঞান্তিয়নের কোন্ডে পেলেন। জালা চতুর্ভুগ্র धारर फीएम्स धानकाचि न्यायकर्ग, चीता किर्मात नहक अनर फीरास्य महान कमराना बरला अञ्चलको। छीरान शरफ গল ছিল এবং তাঁমের পরিখনে ছিল অত্যন্ত সুন্দা কর্মন একং মাথায় ছিল মুকুট, আৰু ভীরে শুরু, অকন, কুওল ইতানি অলম্ভারের করা ছবিত ছিলে। সেই আসাধানণ বান্ধিদের ভাগানের পর্যেদ খলে চিনতে পেরে, 🕬

বংগ্রেজ ভংকশাং উঠে গাঁড়িবেছিগেন। কিন্তু, কিংকর্তথা-বিফুচ হয়ে গড়ার কলে, তিনি বে নিভাবে তাঁদের স্থাগত জানাবেন তা ভূলে নিয়েছিলেন। তাই তিনি কেবল কবজোড়ে তাঁদের প্রশৃতি নিধেনন করে, জগবঢ়নো পরিব নাম্যে মহিনা উচ্চারৰ করেছিলেন।"

"ক্ৰম মহানাজ সৰ্বনাই জনবাম শ্ৰীকৃত্বেৰ জীলালপাৰেই চিত্রাঃ মধ্য থাকতেন। তার হাংর সম্পূর্ণরালে কৃথামর क्रिया। क्षत्र नाम अवर जुनमा नामक कशवारनंत्र मृदे অন্তর্জ লার্কন সহস্তে কলে উন্ন কছে এসেছিলেন, চখন এন মধ্যমে হাতজেভ করে উঠে পর্মন্তরে, বিনীতভাবে ওঁরে মন্ত্রক অবনত করেছিলেন। তারা কবন তাঁকে সংখ্যাল করে ব্যার্থান্তলন—হৈ বাজন। আপনার কল্যাপ গোত। আমত্র হা কলব হা মনেপ্রধান সহকারে প্রবর্ণ काम। व्यानि यस्त यात्र नीत बक्त वहरूतः हिरानः রখন আপনি কঠের তপস্য করেছিগেন এবং তার কলে কণনানকে অভ্যন্ত প্রসাম করেছিলেন। আমেরা সময় জনতের প্রত্নী পার্ক বাহক ধনক ধারণতারী স্থানানের প্রতিনিধি। আপনাকে বৈশুন্তালোকে নিয়ে যাওয়ার জনা বিশেষভাবে নিম্প করে, আনহা এখানে এসেছি। এই বিকৃত্যাক থাড় হওল অত্যন্ত কঠিব, কিছু আপনার क्लानाम रक्षा चाननि छ। यस क्राउएक। यहान व्यक्तिक এক দেবতাগণত সেই পদ প্রাপ্ত হল না। সেই পর্য धार्य (विश्वदर्शाक) रक्त्रक सर्की करात सत्ता मूर्व, इस्त अंतर অন্যান্ত সমস্ত প্রথ নকত ঐ ক্যান্তে নিরন্তর প্রদক্ষিণ करत। जामनि कामृत, मिश्रास क्रेश्यक्त करा काम्या অপনকে সাগত জনানি 🖺

"एर परांताक करा। जानगरा नृर्वनृत्वरका धरवा जन क्षि तो दिवस भाक करान्छ शांत कारि। तारे इस विकृताहर आर्थ निरिष्ठिक मार्याक्त ना, रापादन क्षित्वृत घर यान कराना। अर्थ क्षणांत्वक मारक आरानाक्ष्य व्यक्तिमीतन्त्र कारा का नृक्षिक एव। महा करा जानि जामारम्य मारक जान्न अरा त्यांत्रका निर्देशमा यान करान। तर जान्न अरा त्यांत्रका विकासी कार्यन नातिरहाइन, वीम इस्ति केस्मादाह्मका वाम करा एक अरा विनि मारक कीर्याशास्त्र निर्देशमा।"

মহর্বি মৈত্রের বললেও—"শ্রুব মহারাক্ত ভগবানের

অতান্ত প্ৰিয় পাত্ৰ ছিলেন। বৈকৃষ্টলোকের মুখা ওপংং প্রাক্তার সমধ্য বাশী প্রধা করে তিনি পুন্ম জন সমাপন করলের এবং উপস্থা আভাবে ভবিত হয়ে, উন্ন নিজ মামলিক কথা সম্পন্ন করেছিলেন। ভার পর সেখানে উপস্থিত সমস্ত মহবিনের সম্রন্ধ প্রণতি নিবেনন করে উল্লেব আলীবাদ প্রচণ করেছিলের। বিয়ারে ভারোহন করবার পূর্বে, এন বহার্যক্ত নেই বিধানটিকে প্রথকিব **कट्डेड्ट्लिन अवर निकृष भार्यपट्टाय धनछि निरंदणन** করেছিলেন। তথ্ন তম রূপ তপ্ত-কাঞ্চনের মতো फेक्टन एटर फेटरेकिन। ब्रहेक्टर स्टिन (गई निस्त विदाय) चारतार्थः स्वरारं शक्क रहाहित्यन। अन्य प्रधातास क्यान সেই চিম্মা বিমানটিতে আরোহল করতে বাজিলেন, ভখন তিনি দেখলেন যে, মূর্তিমান মৃত্যু তার করে একেছে। কিছ ভাকে একেবারে প্রায় না করে, তিনি তার মন্ত্রকে পা রেখে, সেই নিমানটিতে আরেহণ করেছিলেন, স্বা ভিল একটি বিশাল গুহের মতে। তখন আকাশে দুপুতি, সুন্ত ও পদৰ বাজতে শুক্ত করেছিল, মুখা গছর্বেরা পান भारेएड एक कराविस्थान दक्त चनामा एक्टावा अन সহারাজের উপর পুশ্বরটি করেছিখেন। এব মহাব্যক্ত বিমানে আরোহণ করার পর, বিমান কবা বাড়কে বাছিল, তথ্য ডিনি জার দু:বিধা মাতা সুনীতির কবা স্থাপ कंद्रलानः। किनि यस्न घरन धनवत्त्रनः, "च्छयस्य पृत्रविजी ध्वमीतक रकतन हारच, धार्ति कि करन रिक्डेरमारक **2019** 7 ⁷⁴

"বৈকুষ্ঠসেবের পুঁই মধুন ভারতং পার্কা নক ও স্কাল अन्य महातारकात महत्त्व कथा कानरक (भारत, कारक रमिश्रविद्यालय (४, ईस अका मुरीकि छन) चात अवसी বিমানে শ্ৰীয় পুৰোজালে বাজেন। অনুবীক নিছে ক্ষুব্ৰায় সময়, ক্লব বহুলোক ক্লমেশ সৌরবণ্ডলের সমস্ত প্রবৃত্তি मिनरि (भरताम व्यवस् भरता केला केला भूगम-वर्गनकारी) ত বিভিন্ন বিষয়নে নিচন্নগৰারী সমস্ত গেকচানের দেখতে পেলেন। এইভাবে এন মহারাজ সপ্রবিমণ্ডল অতিক্রয় করেছিলেন। সেই স্থানের উবর্ধ লোকে তিনি শাশত হিমার পদ প্রাপ্ত ব্যুরন্তিকন, যেখানে প্রীবিষ্ণু খাল করে।। বৈশুঠলোত শীর জ্যোতির হারা উল্লাসিতঃ এই স্বন্ধ স্থাতের উজ্জ্ব ল্যেকসমূহ সেই জ্যোতির প্রতিমলনের करमरे छेन्द्रभ रह। यादा क्रमामा बीरवर र्याष्ट

কৃণ্যশ্রকা নর, ভারা ককনও সেই লোকে যেতে পারে श्रीत निरुद्ध कीर्ट्स क्याप्तक्रक कार्यक्यार युक्त. ওারটে সেই কৈক্টলোকে প্রবেশ করতে পারেন। খারা नाष्ट्र, नयमनी, निर्मन ७ भनित अनः संता चना नवन बीएरएम्स किन्द्रात्व धनवाना विधान कहरू दश का आहत्त. তারা ভগবরুভাগের বন্ধ, ভারাই কেবল জনারাপে ভগবভাৱে কিৰে সাওৱাৰ সিদ্ধি লাভ কাতে পারেল। এইভাবে বছারাজ উন্তানগদের জত্যন্ত মহিমারিত পঞ क्षत्र प्रशासक भूगीसर्थ वृष्यकायनायस शहर विर्लाटका भार्याच्य नम् शास्त्र स्टब्स्टिन्स ।"

यहर्षि देशदाव बनारनान-"(ह क्यानमा दिश्व। বলীবর্ণ রেমন মেচদতের ভারপাশে পরিভারণ ভরে, ব্রকাণ্ডের সমার জ্যোতিক ঠিক সেইভাবে প্রবস্বেরে এব ছহাবাজের এমটে প্রদক্ষিণ করছে। এন মহাবাজের মহিমা কর্ণন করে, নাজ্য মুনি গুলা বীপা বাজিয়ে প্রতেজনের বল্পে মহা আনকে পরবর্তী তিনটি জ্রোক গেয়েছিলেন।"

দেবর্বি নারণ বল্পাক্ষ—"পতিত্বতা স্নীতির পত্র এব মহারক্ষ তার আবাছিক উহতির প্রভাবে একং আতান্ত শক্তিশালী ভগল্যার প্রভাবে, এমন এক উচ্চপদ প্রাপ্ত হয়েছিলেক, বা কেলভবিদ ক্লাবাদীয়াও লাভ করতে भारतन मा। भुक्तार माधातम प्रानुस्यत स्वाह कि कस्ता। দেব, কিভাবে প্রশ্ন মহামাজ ভার বিমাতার বাকাবাবে মৰ্মাহত হয়ে: কেবল পাঁচ ৰঙ্গা ৰয়লে বনে গিয়েছিল এবং অব্যার নির্দেশে তেপসার করেছিল। ভগবান বদিও অক্সের, ডবুও এব মহানাক ভড়োচিত বিশেষ ওপাবলীয় वाता केरक नताक करतिहरू। हो माने धरत करतेत তপাসরা করার পার, এবা মহারাকা পাঁচ কথবা হয় বৰ্ম बहरून भारत केळ नव शास सरहासितान। भारत। (कान বহাৰ করির বাং বাং বহা ধরে তপায়া করার পারেও এই পদ লাভ করতে পারে না "

अध्वि जिल्ला बगलान—"(३ विष्टा अस प्रश्नातान মহান কৰা এবং চামিক সম্বাহে তুমি বা কিছু প্ৰধা আমাকে कर्जाहरून, चानि मन्दिनारत छ। वर्गना करत्रहि। महाचा এক ভগবস্থান্তর এব মহারেজের বিষয়ে একে করতে অভ্যন্ত আগ্রহবেশ করেন। এব মহারাল্লের আখ্যান ক্রব্যকারীর হন্দ কণ এবং আছু বৃদ্ধি গায়। তা এতেই ৰা ১ন্যালাক ঠাপু হওৱা যায়। এট আখান এডই বিনাই হয়। বিনি এন মহারাজের এই জান্যান ধারণ कुलराज्य कराह करा का यह गात जाराज कराव, रिशेष ७६ । ভাতির জা প্রাথ্য হরে ওছ ভতি সম্পাদন করেন। এই প্রকার কর্মকল্যপর দার কড় জনভিক জীখনের বিভাগ-मृहर्भक निवृद्धि एक। विभि क्षेत्र यहाबारक्षम् अके प्राचान শ্রবণ করেন, তিনি ঠাবই মতো উত্তম ওপাকনী ভার্তন করেন। খাঁপ্র মহিমা, শক্তি কথক প্রভাব লাভ করতে চান, এই পদার বারা টোর ভা পাত করতে পারেন, আর बीबा विद्यानीम अवर अन्धादम्ब व्यावस्थली, वीरपंत नाका-পুরপেরও এটি হচ্ছে উপবৃক্ত উপায়।"

মহৎ চরিত্র ও কার্যকলাপ ব্রাহ্মণ বা নিজনের সলে যাল্লে সম্পূৰ্ণবাংশ ভগবানের চরদ-কথলের শরণ প্রহণ

পৰিও বে, কেবলমার তা প্রকণ করের করেই কর্ণালেক । করেছেন, উল্লেখ্য কেন্দ্র করে লারিপ্রতিক ব্য মিরে, শ্রুব মহালায়ের এট জালাম কাঁচিন কথা উচিত। বিলেষ করে মহিমালিত হে, তা প্রবংগর করে কেবতারা গর্মন্ত প্রস্তুত্ব পর্যায়, অনুস্কায়, ছার্মনী, প্রবন নকরের উপরে, বিশেষ হুন এবং তা এতই শতিশালী বে, তার কলে সমন্ত পাপ ্তিধিক সমান্তিতে, বাতীপাতে, সংক্রান্তিতে অথবা মহিলাগরে এই আধান কীর্তন করা উচিত। এই ভাবে, करतम अभर बांबा ७ डाकि महाधारत देश तक हाँदा। एका कुक्य सामग्राहिक देएभाग दिना, और बालाम की ईन क्या हरन, दका अवर क्यांटा प्रेडरवर मिश्रिमाक करान। এন অসমেধ্যের আখ্যান আনতার সাতের পরন মহিমাণিত ভান। তথ্য পাম সভা সম্বন্ধে অবস্ত সম্ব, এই জ্ঞানেয় হয়ে। তালের সংগ্রের পূথে পরিচালিত কল্ল বার। বাঁল निया महान्छित करण, बैज्यानारक हका कराव मासिक গ্ৰহণ করেন, তারা আগনা খেকেই দেবতানের কৃপা এবং অশীর্তাদ জত করেন। এন মহারাজের নিধ্য কার্যকলাপ সাৱ্য জগতে প্ৰসিদ্ধ এবং তা কত্যন্ত বিভাৰ। এব ফ্রারাক্ত শৈশবেই বনন্ত শেলার সামগ্রী পরিয়াস করে মহর্বি মৈরের নির্দেশ দিয়েছিলেন—"এন মহারাজের তান ফারের আরর তাপ করে, ঐকান্তিক নিষ্ঠাসহকারে ভববন প্রীবিশ্বর শরণ প্রথণ করেছিলেন। হে বিনুর। প্রত্যাকালে এবং সন্থার একপ্রতিয়ে কীঠন কর উচিত। আমি এই আবান এখন সমাধ্র করেছি, কাবণ সোমার কাজে আমি তা বিভাবিতভাবে কানা করেছিল



जरप्राप्तन जन्माय

গ্রুব মহারাজের বংশধরদের বর্ণনা

শ্রীসূত ব্যোদ্ধানী দৌনকাদি সমত কবিমের सम्प्राप्तम---"द्वादक्षः कवित काद्यः अन्य समुद्रादक्षत्र विकृष्यदेश আলোহাণের কর্ণনা শ্রকণ করে, ভগকনের প্রতি বিদ্রের ভক্তি আমার মৃততা প্রাপ্ত করেছিল এবং তিনি মৈত্রেছকে পুনবার জিল্লাসা করলেন, 'বে মহান ভক্ত। প্রক্রেকারা কেং কেনে কুলে খানের ৰাম হরেছিলং ভারা করে স্ব্যাপ্ত ভড়। তিনি ভগবছন্তির পাঞ্চরাত্তিক বিবি

धन्यम करद्राह्न अवर चढर छश्रवात्नव मान मान्यर कर्पराह्ने। अंग्रेटला क्या यक्ष चनुस्थाति होते वेकन्त्र ক্ষমবানের জারুখনা কর্রাহ্রনের, শুবন এব মহাবারের নিবা ওপ্রবাদী নেবর্থি নার্ডার কর্মনির কর্মেছিলেন। হে প্রাক্ষার নারৰ মুদ্দি কিতাৰে পরামেশ্বর স্বপান্তরে মহিল্লা কীর্ত্তন করেছিকের এবং সেই সভার ভগবানের কোন লীকা পুত্র ছিলের এবং বেগজর তারে সেই মহান বন্ধ জনুষ্ঠান । কনির করা হারেছিল ং আমি ভা ওনতে অভান্ধ আর্রহী। করেছিলেন হ আছি জানি কে, কেবৰি নারদ হাজেন জন্ম করে আপনি পূর্ণকরে ভগবানের সেই মহিমা কর্মন্

মহর্বি মৈরের উত্তর দিলেন—"হে বিদুর। মহারাজ **इ**न्द्र राजन वहर अञ्चल कदरहरू, कदन दीत शृत केरकन তাৰ পিতাৰ ঐশ্বৰ্যমতিত ও সাৱা পৃথিবীৰ উপৰ गार्दरहोमन जननवादी वास्तिरदातम अला स्थाटः धन्यन । উৎবল উঠা মাত্র থেকেই সাম্পূর্ণরূপে সন্তুট্ট এবং সংস্থারের প্রতি জনাসক্ষ হিলেন। তিনি ছিলেন সমদশী, কারণ তিনি প্ৰত্যেক বন্ধকে প্ৰথমন্ত্ৰে এবং প্ৰত্যেকের বসাৰে পর্যাক্তকে বিরাজ্যান শেবতেন। পরার ক্রমের জ্ঞানের প্রদারের বারা, তিনি ইতিয়তেই জার জড় সেংহর বছন খেকে মুক্ত হয়েছিলেন। এই মুক্তিকে কলা হয় নিৰ্বাল। তিনি নিক জনতে বার ভিজেন এক সেই জ্যানত্তর विकिटकर किने नर्वम निशास करायन, या समान वर्विछ र्राक्ष्म। निरुद्ध एक्टियारभड़ कर्नीमहत्स करन केंद्र পক্ষে আ সভাৰ হয়েছিল। অভিযোগকে অভিয় সংগ্ৰ पुराना कर्ता हो।, कारत का कहा वामनावर्ध माना मान দত্ত করে। তিনি সর্বনাই তার আছ-উপদত্তির স্বরুপে অথিটিত ছিলো এবং ভগবনের অতিনিক্ত কর কিছুই किम राष्ट्रका मा कार किम गर्मा केलो राजारक कुछ থাকতেন। পরে কিরব করার সময় আরব্দ্ধি-সম্পন্ন मानुरवंश डेंश्कारक कड़, फड़, ववित्र, डेवर कर वृष्ट বলে মনে করত, মনিও প্রকৃতপক্তে তিনি আ ছিলেন না তিনি ডান্মজানিত স্থানা শিখাবিহীন স্বাধীর মধ্যে স্বাহতান ক্রতেন। সেই করণে মন্ত্রী একং কুলনুদ্বন্ধ উৎকল্পক বৃদ্ধিহীন ও উক্তর বলে মনে করেছিলেন এক ভাই ওঁরে कनिष्ठं बाधा समिनका क्रमदाख भृथियीय सम्बन्धः অভিবিক্ত করেছিলেন ৷ মহারাক্ত কলেরের করীবি নামক অত্যন্ত হৈছে পদ্ধী ছিলেন, তিনি পূম্পার্ণ, ডিগ্মকেডু, ইব, অন্য সমস্ক শাসকদের থেকে অধিক প্রভাবপানী।" होती, राष्ट्र अप नामक क्षा शृज शाम करवन। भुभ्यतम् यसं दसः भाषा नायक कृष् भद्गी किया अस्त शास्त्र, प्रश्नाचित्रम् अवर जायम् आयक किन भूत हिला স্থাটের পদ্মী পৃত্রনিদী এবং তিনি সর্বতেজা নামে এক অতি পজিপালী পুত্র প্রদান করেন। সর্বতেজার পদ্ধী बाक्षि हाचुन सामक भूत श्रमक नदान, विनि महस्तुरा তিনি পুঞ্চ, কুৎস ক্রিড, কুঃখ্ন, সভ্যবান, কড, রড, অধিটোৰ, অভীয়াত, অনুস্থ, নিবি এক উন্মুক নামক

७६७ित श्रामत अमर करतन। भारतकाम श्रामत भारत উন্মত তার পত্নী পৃথবিশীয় গর্ডে ছাম্মী পুর উৎপাদন করেছিলেন। ওঁরে অভান্ত সুসন্তান বিলেন এবং তাদের নাম ছিল আছ, সুমনা, খ্যাতি, ফ্রন্ড, অনিয়া এবং গর। থালের পদ্মী সুনীথা বেব নামক একটি পুরু প্রস্তব করেন, এই বেশ বিদ অভ্যন্ত কৃটিল। তার অভ্যন্ত গৃষ্ট সভাবে মর্মাহত হবে, রাজবিঁ অঙ্গ গৃহ ড্যাগ করে বলে চলে সিমেছিলেন। হে বিদুর। মহর্বিদের অভিশাল করের মতো কঠোর। তাই জারা কাল ক্রম হয়ে বেশ রাজাকে অভিশাপ নিরেছিলেন, তখন তমা মৃত্যা ছয়েছিল। ভার সভার পর কোন রাজা না থাকায়, দস্য ভেছরদের প্রভাগ उक्ति भारतिका, सारका विमुचका माना पिरप्रक्रिय जावर সমধ্য প্রজারা ভীকাভাবে দুখে-স্কট্ট ছোগ করছিল। স্থা দেখে, ফার্বিরা থেপের দক্ষিণ হস্তটিকে মছন করেছিলেন এক জাঁদের মহনের ফলে, জগবান বিশ্বর আলে জানি রাজা পৃথু আবির্ভুত হয়েছিলেম ("

বিশ্বর মহবি মৈত্রেয়কে জিকালা কয়লেন-"ছে প্রকেশ। মহারাজ্য কর ছিলেন অভান্ত সুশীল। তিনি অভান্ত চয়িচাৰৰ ও সাধু পুকৰ বিলেন এবং ব্ৰহণাৰ সংস্কৃতিয় প্রতি অনুরক ছিলেন। তা হলে এই প্রকার মহাস্থার বেশর মতে কুল্যান কিন্তাবে উৎপন্ন হয়েছিল, যাও জন তিনি কিরক্ত হলে রাজ্য ত্যাগ করেছিলেন ? ধর্মঝ মহর্ষিরা ঝেন শাসন-কর ধারণকারী রাজা বেশকে ব্রস্থাপ দিয়েছিকেন প্রজানের কর্তন্ত চক্রে, রাজ্য হনি কৰ্মত অভ্যন্ত গাণপূৰ্ণ আচনৰ করেও বাকেন, ভবুও জন্মে অপমান না কর। কারণ ডিনি তাঁর তেজের বারা

বিশুর মৈত্রেগকে অনুরোধ করণেত্র--- "ছে ব্রাক্ষণ! আগদী অতীত এবং ভবিষ্যং উভৰ ৰালের সমত বিবরের সমতে পুর ভালভাবে অবগত আছে। ভাই সোনায় প্ৰদেশে, নিশিত একং বুটে নামক তিন পুত্ৰ ছিল। কেপ ৰাজ্যান সমস্ত কাৰ্যকল্যাপ সক্ষয়ে আমি আপনাৰ কাছে খনতে চাই। স্থামি আপনার প্রভাবনে ভাঙ, ভাই। বরা করে আপনি ভা কনি করুল।"

ব্রীমেরের উত্তর বিলেন—"হে কিবেঃ এক সমত ষঠ মনু হয়েছিলেন। চাকুৰ মনুৱ পদ্ধী-ছিপেন নঞ্জা, সংক্ষা হাল হাল অধ্যাহৰ নামক এক মহাকল অনুষ্ঠানের আরেজন করেছিলেন। সেধানে উপস্থিত সমস্ত অভিজ রাজপেরা জানতেন, কিডাবে দেবতানের আহাম করতে

হয়, কিন্তু জীনের চেটা সবেও কেনে দেবতা সেই যালে करन शहर करएड पारामारि।"

সেই বন্ধে নিযুক্ত পুরোহিতরা তখন রাজা অসকে कारका-"(ह राजन्। ध्याधरा वंधापपञ्चात वरत पट আক্তি দিছি, কিন্তু আমানের সমস্ত প্রচেষ্টা সংস্কৃত দেবতারা তা প্রহল করছেন না। হে রাজন, আহর জানি বে, বন্ধা অনুষ্ঠানের সকল সামগ্রী আপনি গভীর প্রছা अन्त भारदानका महन्यात मध्यह कान्यान अन्त छ। मुविछ নর। আমাদের উচ্চারিত বৈদিক মন্ত্রও বীর্বহীন নত্ত, ব্যাল উপস্থিত সমত ব্রাহ্মণ ও প্রোচিতরা কর্মকভাবে ব্যব্দ অনুষ্ঠানে পারদর্শী এবং এই হব্দ তারা দক্ষতা সহকারে অনুষ্ঠান করছেন। হে রাজন। দেবতারা বে কেন অনমানিত অথকা উপেক্ষিত বলে অনুভব করাকে, ভার ক্ষেত্র করেশও আমধ্য পুঁজে পাঠছ বা, ডিগ্ধ ভা সংস্থাও ব্যক্তির সাক্ষী দেখভারা ভাঁনের স্বক্ষাণ প্রকা করছের না। কেন যে এই রুগম হতে ভা আমত্র রুগতে প্রকৃতি লা 🖰

त्मरे श्रात्मच केंच्रात रेमाता बंगालय (व. "প্ৰোহিওদের সেই কথা ওলে রাজা আদ ঘতাত বিষয় হয়েছিলেন। তথন তিনি গুরোহিতদের কাছ থেকে কিছু বলার অনুমতি নিরে, সেই বজহুলে উপস্থিত সমস্ত পুরোহিতদের জিজাসা করেছিলেন 🖰

পুরোহিতদের সম্থোধন করে রাজা অস বললেন-**হে* প্রোইভগণ! নৱা করে আমাকে ক্রুন, আমি কি অপুরুষ করেছি। শেবতার আমন্ত্রিত হওরা সম্বেত, তারা এই ছব্দে আসমেন না এবং তাঁদের ইচ্চতার হাংপ कतरहर सा ("

প্রধান প্রোহিতগণ কালেন—"হে রাজনঃ এই শীবনে আলবর কোন পাপ নেই, এমন কি আপনায় করেছিলন, যার কলে অতাত্ত ধার্মিক হওয়া সম্বেত্ত আপনার কোন পুর সপ্তান নেই। তে রাজন। আপনার কল্যাৰ হোক। আপনি ঋপুত্ৰক, কিছু দ্বাপনি হনি फशवातम् कार् नृत् मारकत् कन्। द्यार्थमा कराने अवर মেই উন্দেশ্যে যজ করেন, ডা হলে ব্যোধন ভাগবান আপনার বাসনা পূর্ণ করবেন। যখন বঞ্চপুরুব ইরি অবপনার পুত্র লাভের বাসনা পূর্ণ করার জন্য আর্যন্তিত

হকে, তথ্য সমস্ত ঘেবতারা তার সঙ্গে আসংকা এবং कारमञ्जू रक्षकाम अवन करत्या। धक्षकर्थः (कर्मकारका অন্তৰ্গত) যে বাসনা নিয়ে কগবানের পুরুষ করে, স্তার (औं शास्त्र) भूषे हो। धीरेकार्य कथा ध्यत्रत मृत्र-मार्ड्स উন্নেশ্যে, উপা সময় কাঁবের হালয়ে অবস্থিত জীবিকুল প্রতি আর্হান্ত প্রদান করতে মনত্ব করেছিলেন। যজে আহতি দেওৱার মাধ্যমেই, যজাপ্তি থেকে সুখৰ্ণ মালাভবিত এক খেত বহু পরিহিত এক পরুৰ অবিঠত হলে। তিনি একটি কণিয়ত্তে পারেল নিরে এসেছিলে। क्रम हित्तन चारात देनत क्रम क्रमाराज चनुमंत्र निहा, खिनि **ध्या**मित्रह १८३ *भि*रे भारत्य अला करत्रहरूम्य कार ভার ল্লাণ প্রমুগ করে তিনি তার পারীকে তা প্রদান করেছিলেন। প্রহীনা বারী স্বরীকা প্রোংগাদক সেই পারেস ভক্ষণ করে উল্ল পাঁতর সাহচর্যে পর্ভবতী হন धार सभी नगरत धक श्रा शनव करहिस्ता। स्टिस राजकवित कथ शराहिन चार्त्यकवार्य चथर्मा दरत्य। एक माजमर किन नामकर मुद्धा अवर मा छात्र माद्यास्टरत অনুগভ হরেছিল: ডার কলে সে অভার অধ্যমিত ছরেছিল। সেই নিষ্ঠর বালক ধনুর্বাণ নিকে বনে গিরে, অকারণে নিরীয় হরিপানে বং করতঃ তাকে আগতে দেশা সাএই প্রকারেরা টিংকার করত, "নিষ্ঠার বেপ আসছে! নিষ্ঠাৰ বেশ আসছে?" সেই বালক এড নিষ্ঠার ছিল যে, খেলার সময় সে ভার সমবরত্ব বলকদেও পতার বাজে হড়র করত। রাজা আন তথ্য পুর বেশ্বের নিষ্ঠার ও নির্ময় আচরণ দর্শন করে, তাকে সংশোধন করার क्या नाना क्षमात्र एक मिराब्रिसम्, विश्व का मार्चक रिजि ভাকে সংগ্ৰহে নিৱে আসতে সুক্ত হতেন না। ভার কলে তিনি কত্যর বিষয় ইয়েছিলেন।"

রাজা হনে মনে ভাবলেন—"বারা অপুরুক জীবা নিভরই তাগালন। ভারা কলাই পুর্বজন্ম ভগবানের মনেও কোন পাপ নেই। কিন্তু পূৰ্ব জীবনে আপনি পাপ – আত্ৰাধনা, কৰেছিলেন, ব্যস্ত কৰে। কুপুতের স্বায়া আঁথের মানহা প্ৰেডেগৰ কৰতে হয় হয়। পালী পুৱেৰ ফলে मानुरस्त्र भग नहें हुई। एसा प्यर्थ भाष्ट्रद्रपद एएन्, शुरू অধর্ম এবং বিবেধের সৃষ্টি হয় এবং তা কেবল অনুহীন উৎকণ্ডা সৃষ্টি করে। এমন কেনে বিকেক এবং বৃদ্ধিয়ান ব্যক্তি আছেন, বিনি এই প্রকার কুপুত্র কামেন কর্পকো? धरे असाव गृह कीरवद (साहरकारका कावन श्रुप्त) याव কিছু নয় এবং তার নিমিত্ত গৃহ ক্রেশগায়ক হতে থাকে।"

তার পর রাজা মনে মনে কিরে করেছিলেন—''সুপুত্র থেকে কুপুত্র কাল, কারণ সুপুত্র থেকে গুয়ের প্রতি चामिक्त मृति एवं, किन्तु कृतुः श्वादक सा एत मा। কুপুর পৃথকে মরকে পরিপত করে, মার ফলে বৃদ্ধিমান মানুৰ সহকেই সেই সৃহের প্রতি বিরক্ত হয়। এইভাবে किया करत, तावन काम जारता प्रभाएक मातरकार ना। किनि পুরস্থ জীবনের প্রতি সম্পূর্ণরূপে উপাসীন ব্রেছিলেন। তাই, একদিন গভীর রামে তিনি শহা থেকে উপিড ছলেন এক গভার নিরার মধ্য বেশের মাতাকে (গ্রান পর্যাকে) জার্স করে চলে গেলেন। তিনি ওার অত্যন্ত ঐশর্ষার রাজ্যের প্রতি সমস্ত আসন্তি ভাগে করেছিলেন বৰং সকলের অভ্যাতসংব, তিনি সিলেকে তার গৃহ ও সমস্তে ঐশর্য পরিত্যাধ করে কনে ধরন করেছিকেন।

সকলে ৰখন কৃততে গেরেছিলেন বে, গ্রহল উদাসীন হতে প্রত্যাপ করেছেন, ভবন সমস্ত প্রকার।, প্রোহিতরা, বর্ত্তীয়া, সুহামেরা এবং জনসাধারণ অভ্যন্ত লোকবিহুল হরেছিলেন। উদ্ধা পুথিবীর সর্বায় তার ভংকের করতে ওল করেছিলেন, ঠিক বেডাবে একছনে খনেডিজ খোনী ভার শশুরে প্রমান্তার অধ্বেশ করে। সর্বর রাজার অবেষণ করা সংক্রক তাঁকে বুঁজে না থেকে, নাগরিকেরা चकार निजम स्टब्सिनन अवर केवा मध्येति साँदे सात কিরে এর্মেছিকেই, শেখানে মাজের সমস্ত মহর্ষির রাজার অনুপন্থিতির কলে করবেও ইমেছিলেন। সাগরিকেরা चक्कर्ग नवान महि महर्विभव श्रंपि निराम करत সবিজ্ঞানে জাদের জাদিয়েছিলেন বে, তারা কোঞ্চানত <u>রকাকে খুঁকে পদনি।"</u>



চতুর্দশ অধ্যায়

বেণ রাজার কাহিনী

মহর্বি মৈত্রের কালেন—"হে মহাকীর কিনুর। ভ্রুত আৰি স্ববিধ্য সূৰ্বধাই জনসাধারণের কল্যাণ কামনা করতেনঃ যখন তারা দেখদেন বে, রাজ্য অংকর অনুপর্বিতিতে জনসাধারকের হিতসাধন করের মতে কেউ व्यष्टे, क्यान कीता क्यारक (भरतिहरूमार व्य. भागक म्य चाकात करन यानुरस्ता काहीन क्यार व्यवस्थक इस्त वास्त्र। মহর্বিশা ভাষন রাজমাজ সুনীংগ্রাকে ডেকে এনে, তার অনুসতিক্রমে বেগকে পৃথিবীগতিগ্রপে রাজসিংহাসনে অভিবিক্ত করেছিলন। তদিও ভাতে ম্ফ্রীলের সম্মতি फिन मा। त्यां ता चारता करता अवर निकृत किंगा, (स्ट्रे ৰুম্ম আংগ থেকেই সকলের জানা ছিল; ভাই *ে*ং मजनिरहनान भारतारू। क्यार्थ (गान मजरे, नमक रन् ধ্রকা ভন্তকো অভান্ত কীত চ্যোছিল,এবং স্থাপের ভাষে মুবিক বেমন পুনিয়ে গড়ে, তেমনই ভানাৰ ইভৱত পুকিবে। পড়েছিল। রাজসিংহাসনে খ্যুরোহণু করে, বেণ

অন্ট ঐপর্যযুক্ত হরে সূর্ব শক্তিমান হয়েছিল। তার কলে নে অভান্ত গর্নিত হতে উঠেছিল। গাহদারে মন্ত হতে সে নিজেবে সর্বলেই বলে মনে করত। ভার কলে সে মহান ব্যক্তিদের অপমান করতে ৩০ করে। ভারে ঐশ্বর্যের গর্বে আন্ত হলে রাজা কেণ হলে আয়োহণ করে, অস্পতাড়নরহিত হকীর মতো দ্যুগোঞ্চ এবং ভূগোঞ্চ কশ্পিত করে, ভার রাজ্যে বিচরণ করতে লাগল। রাজা বেশ তেরী নিন্যদের যালে রাজ্যের সর্বন যোগণা করেছিল বে, ব্রক্তিরো করে কোন প্রকার কর কর্তন করতে भारत्यन मा, बान कन्नरक भारत्यन मा व्य दश्य काणि विका कदरक शहरका आ। व्यक्ति जब तकव वर्ध-क्रम्केल जा কর করে বিরোহিল। নিষ্কুর বেশের অভ্যানের লর্জন করে, সমস্ত मर्श्वेत्रा धकरता मिनिङ स्टार विकास करविद्यान (ग. माज वृश्वितीय मानुबरसा अक गरा विनान ग्रेनशिए श्टाराई। তাই ভারা সল্লাপরবাশ হলে নিরেপের মধ্যে আলোচনা

করতে শুকু করেছিলেন, স্কারণ শ্রীরা ময়ং মরা জীবন হাগেন হাছে, তার বর্গলোধে উরীত হয়, যা সমস্ত অনুভানকারী হিলেন। মহবিরা প্রশানেও লক্ষে শোক এবং মুখ্য-মূর্ণনা থেকে মুক্ত। এইডালে কর্তৃ-আধোচনা করে দেখদের যে, জনসাধারণ উভয় নিক - জনঠিক প্রভাব থেকে যুক্ত হয়ে অস্তা ক্ষর্যান সুধ প্রাপ্ত থেকে বিপদগ্রক ময়েছে। কাঠের উত্তর নিক প্রকলিন্ত , হয়। হে বীর। সেই হেডু জনসাধারণের পারমার্থিক হলে বেমন তার মধাবতী পিপীলিকারা করের অবহার। স্ত্রীকে নষ্ট করের নিমিও হওরা তোমার উচিত নয়। যদি সম্পূর্ণীন হয়, ঠিক ডেমনই, সেই সময়ে জনসাধারণ ভোমার কার্যকল্যগের কলে ভাগের পারমার্থিক জীকন अवस्थितक लाग्निककार्यशैन अक ज्ञामा करा स्वर्गामक प्रमुख-তব্ৰৰ আদিৰ মূৰে বিশ্বাপন হৰ্মেছন। অব্যক্তকতা (भरक ब्राह्म)(क राष्ट्र कवार कमा, चरिता विरक्तन कराय ওক করবেন থে, কো অবোগা হওলা সংহও, রাজনৈতিক সম্বর্তনৈ কলে, তাকে উর্জে রাজা করেছিলেন। কিছু হার। এখন জনসাধারণ সেই প্রকার ছাতাই উৎপীড়িত হচে। এই অবহার মানুৰ সুবী হাত পাবে কি করে 🗥

व्यविद्या हिन्ता क्याएक एक क्याएक - "मृजीयात पर्छ থেকে উৎপায় ইওয়ার কলে, রাজা কো কলকেই যত্যের पूर्वे । और पूर्वे वास्तद्रक मधर्मन कहा क्रिक पूर्व मिर्ज मान পোহার মতো। একা যে বধ রকম দুক্তে করেন इट्डरक्। श्रेकाएस सक्न करात्र कर कामता और धनरक য়ারাণমে অভিবিক্ত করেছিনাম, কিন্তু একন 🔑 রজানের শঙ্গতে পরিণত হয়েছে। ভার এই সমস্ত এটি সর্বেও, আস্থ্যা তাকে এখন ব্যেকান্তে চেট্টা করব। ভার কলে। ভার পাপ জন্মদের স্পর্শ করবে না

বৰ্ষিত্ৰা বিৰোচনা কৰণেগ—"তার দৃষ্ট কথান সমজে আমরা সাম্পরিরেশ অবগত হিন্যে। কিছা জা সংক্র धारदा तगर ताकिरहात्राम वरिकेड बंदाहिकायः बद्धन।" আমন্ত্ৰ বৃদ্ধি প্ৰাক্তে আমানের উপত্তলে কালে কালে কালে না পারি, ডা হলে সে বানসাধারণের বারা নিশিত হবে এক আমদাও ভাষের সঙ্গে বেল দেবঃ এইভাষে আমানে ভেজেন জন ভাবে ডাগীড়ার করব। এইভাবে मरक्या शहर, कविया श्रीहरात जिल्हा मराभागमन्त्रीय दिन রাজার কাছে গিরেছিলেন এবং তাকে মধুর ককে সার্কা। भित्र और कथाकन समिहित्या—'हर डाक्यः छाप्रात्य সং উপনেশ শেওৱার আবু আমহা এনেছি। বরা করে ক্তীক মনোবোগ সহকারে হা প্রবণ কর। ভা করার কলে, ভোমার আতু ঐধর্য, বীর্য এবং জীর্তি বৃদ্ধি পাবে। याश करा, मन, क्या अवर दुवित सता वर्ष फाउरमपूर्वक

किती दश, का हरन कृषि करनाई कायत वेचर्च कर ব্যক্তপম খেকে পতিত হৰে। গালা বন্দা দুষ্ট আমাতাৰৰ ও মন্য-ভয়রদের উৎপাত থেকে প্রজাদের রক্ষা করেব, ভাৰত ভিন্তি পেট পুশাক্ষেত্ৰ কলে, প্ৰকাশের থেকে গুৰু **अर्थ करता। और अनात जुनायम ताका देशक्राल अर्थ** পরজন্মেও নিশ্চিতভাবে সূপ প্রাপ্ত ইনঃ যে রাজাত রাজ্যে এবং নারে জনস্মগরণ নিষ্ঠাসহকারে চতুর্বর্ণ এবং **छ्डुलाव्यस मधान-लन्द्रा भागम कृद्ध अस् मसन् शंका**ल ভাষের বিশেষ বিশেষ বৃতির স্বার্য পরমেশ্বর স্বাধব্যকের অস্তাধন্যে মুক্ত, সেই রাজাকে পুলুবন খলে বিকেনা क्यां रहें । "

"হে মহাভাৰ! রয়ো যদি লেখেন বে, ভৃতভাকন विशासा क्रमंत्रान वेशायक्षाता सुविष्ठ म्हणून, क्री महरू জনবাদ ঠার প্রতি প্রদার হল। ক্রমণেরের নিম্পুর মহান দেবতানের ছারা পরবেশন স্থানক প্রিত হন। তিনি বক্তম প্রসায় হন, প্রকা কোনে কিছু লাভ করা আর অসম্বং হয় সা। সেই জন বিভিন্ন গ্রহদোকের পালক দেবতার এবং সেই সমস্ত প্ৰথমেকের অধিবাসীয়া ভগবানতে সমগ্র প্রকার থৈকের নির্বেদন করে মহা জানখা অনুকর

"টে রাখান্! সমস্ত প্রচ্পোকে সমস্ত হজকলেও ভোকো হচ্ছেন তথান দেবতাগৰ সহ পর্যালয় ভগবন। ভগবান তিন বেদের নার করণে, তিন্টি নার কিছুর ঈশ্বর একং স্থান্ত প্রশাসার চরার লক্ষা। অভানে ভোমার উর্মান্তর ক্ষান্ত ভোষার দেশবাসীখের বিভিন্ন প্রকার হলা অনুষ্ঠান করা উচিত। বাস্তবিকণ্ডক জোনার কর্তব্য হকে। সর্বদা করা অনুষ্ঠান করার জন্য তাকের পরিচালিত করা। বৰ্জা তোমাৰ জড়ো সমন্ত ব্ৰাহ্মণেক বন্ধ অনুষ্ঠানে বাঠী **इतका, ७३२ कत्रतातम वत्य-अब्रुट स्परदाता छै**एम्ब তার্যজন্মশের ছাত্র অভান্ত প্রসাম ক্রেন এবং ভেগ্নের অভিনবিত হল তাব্য প্রদান করকো। আঙাবে, হে বীর ।

रण चनुरोम राष्ट्र करता मा। कृषि धनि छा यह कर, छा दर्भ (११४५)(५४ **सरका क्**स क्र्रा

ব্ৰজা ৰেণ উভা দিল—"ভোমরা সকপেই দিতাপুই क्ष्मण (ट्यामक त्व क्षममेंद्व धर्म बद्ध बद्ध करता, का অত্যক্ত সূত্ৰৰ বিষয়। তোমানের অবস্থা বস্তুত পালুল-গোরণকারী পভিত্তে পরিস্তার করে উপপভিত্তে আমেধনকারী স্ত্রীর মডেন। আল বোর অজ্ঞানস্তরণত प्राकातानी कारवारता भूका करत जा, एता देशमारक वकर পরলোধে সূত্র অনুভব করতে করে না। তোনরা (मनजारम्ब शक्ति अट चनुनक्ष, किन्न छाना (कः দেবতাদের হাতি তোমানের এই শ্রীতি বস্তুতই মুনার শ্রীর বিবাহিত জীকা উপোন্ধা করে, উপপাতির প্রতি অনুসক্ত श्वाह अव्याह अविकृत क्षाह मिन, ऐस, सबू, अस, সূর্যদেব, পর্জনা, কুবের, চজদেব, পৃথিবী, অভি, বরুপ धन्त क्या भवनन, यहा चान छ वह असम कहाक नाट्य, दाव अकरनाँदे वाकार (भारत ध्यक्तिम करत। ४वेरे सकारक कर्नाम्बरम् सन्। इह। इंटक्ष्य क्या नकानरे ब्राह्माः करे শরীরের অংশ। অভএন হে বিশ্বকা। কেদেরা অ্যান করেছিলে।" হুড়ি মংসর্থা পরিত্যাগ করে, ফোমানের অনুভিত কাৰ্কনাশের ছাত্রা স্কান্ত পূজা কং এবং আমার উष्पटना भव किंकु निरंबरन करा। क्षिपता समि दृष्टियोग হও, আ হলে বুখাতে পারবে খে, আনার খেতে শ্রেষ্ট কেউ নেই, বে সমস্ত বজের অৱভাগ গ্রহণ করতে भंगेरत 🐣

স্বাৰ্থ থেকে এই হওৱার কলে, বাজা বেশ যতিগ্ৰহ স্থ্যাছিল এবং কর্মধার সৌজাহা কেকে বঞ্জিত হয়েছিল। সংবিঁতা পভীর সভান সহকারে ভাকে বে অনুরোধ ক্ষেছিলন, ডা সে প্রহণ করতে গাড়েনি এবং ভার কলে সে বিশ্বত হয়েছিল। হে বিদুর। ভোষার স্বাদীণ সময় ম্পেক। সেই মূৰ্ব ব্ৰজা নিকেকে মন্ত বড় গতিত বলে মনে করে এইভাবে সেই মচর্বিধের অপ্যান করেছিল এবং রাজার কলে মর্মাহত করে তারে তার প্রতি কতাত 🕶 स्टबर्वरतार ।"

সমত্র মহান অবিখ্যা তথ্য করে বংশবিদ্যাল---"একে সংহার কর। একে সংগ্রেকর। এ অভ্যক্ত

েদে সার পৃথিবীকে অভি শীয়ই ঋণালাং করনে। এই দ্যাসনী দান্তিক ব্যক্তিটার রাজসিংহাসনে কসার কোন বোগ্যতা নেই। সে এফনই নিৰ্মন্ধ কে, ভগ্ৰান শ্রীবিশৃহক পর্যন্ত অপমান করে দুফোল্য করে। কে-সনবালের পৃণাভারন ২বে এই ফক্তি সমগ্র লৌভাব্য এবং এই প্রকার অধর্য করে করে, মৃতিযান পাপসকৃপ সক্ষা কো কড়া, করে কেই থা সেই ভগবানের নিকা ক্রতে পরে: খতির এইভাবে থাঁকের আক্রমিত নেক্ প্রকাশ করে, ভংকাশাৎ রাজা বেশকে হত্যে করতে ছির করেছিলেন। পরফেশার ভগরদের নিকা করার করে, রাজ্য বেশ পুরেই হত হরেছিল। এইখানে কেন থকার चन्न द्वरतान मा करत, वरिता क्लान क्लान क्लीन क्लीन রাজা বেশকে সংহার করেছিলেন। তার পর কবিয়া নিজ নিয়া স্বাধানে প্রস্থান করেছিকোঃ বেশ-জননী সুনীখা তথা তাঁর পুরের মৃত্যুতে অভার কভার হয়েছিলে। তিনি তার পুরের মৃতদের বিশেষ উল্লেখনের মালেলের বাৰে এবং মন্ত্ৰের করে (মন্ত্ৰ-কেন্দ্ৰেন) সংক্ৰমণ করতে দ্বিত

্ৰিক সময় সেই মহাভাগৰ সৱকতী নদীতে সাধ করে কল কলান্তিতে আরতি প্রশাস করে, তালের দৈনশিন कुछ। चनुष्ठान करतकितन। छात चन्न, नमीत छही देशस्त्रका करत, जैला क्रिया स्थानस्त्र कीला व्यास्थातन्त् করতে শুরু করেছিলেন। সেই সময় রাজ্যে নানা প্রকার উপরব হওরার কলে, সমজে আতকের সৃষ্টি হরেছিল। মহর্থি মৈজের বল্পেন—"শুর পৃথকর্থের করেল এবং তাই লেই কবিয়া নিরেমের মধ্যে কালোচনা করাতে শুক্ত व्यवस्थितन-त्यरस्य जनात मुख्य स्टबार अवर गृथिवीरक त्रका कत्रक मध्य (नवे अहे, छाँदै रहरूण प्रमु-शक्कारह প্রভাবে প্রকালে সকলৈপার স্থাত পারে। করেন করিব করন এইতাবে আলোচন। কাছিলেন, উপন ওয়া দেখালন হে, সবিদ্যান আৰু খুলিয়ে কাট উবিভ হয়েছে। নাগ্রিকদেয় । স্ঠনে ৰক প্ৰা-ভক্ষাদের চতুদিকে থাকিত হবানের কলে এই ঝড় উঠেছিল। সেই ধূলির ঝড় ধর্ণন করে কবিলা বৃশতে পেরেছিলেন থে, রাজা থেপের মৃত্যুর ফলে, মহা বিশৃত্যকার সৃষ্টি হয়েছে। শাসক না থাকার কলে, রাজ্য वाहिन ७ मुखना-वरिक स्टाट्ड धनर कांद्र अंदन करका धन्-छत्रकास्त अस्तर्भ स्था निरंत्रकः यसः अस्ति। ভারতর ও পানী। এ তবি বেঁচে খাকে, তা হলে অবশ্রেই সম্পন্ন হলে করছে। সেই মহান খবিত্রা ব্রবিত উল্লেখ

লারতের—টিক খেডারে তারা রাজা বেলকে সংহার **করেছিলেম – শুরুও তারা আ করা অনুচিত বলে বিবেচন** করেছিলেন। তাই তারা সেই উপপ্রব বন্ধ করার চেষ্টা करतानी। यदान चरिता किरदाना करतान हो, शाकान হলিও পার্নিপ্রায় এবং সকলেও প্রতি সমল্পী করেন্স কলে নিরপেক্ত, তথ্ঞ দীনজনদের অবহেলা হয় তার কঠবা নত। এই প্রকার অবহেলার ফলে, ব্রাক্ষণের ব্রাক্তিক ক্ষম হয়, ক্রিক কেনো একটি ভরণাত্র থেকে কল বরে পতে ৷ পবিল বিবেচনা করেছিলেন বে, রক্তবি আমের এই বলে এফেবারে ধানে হওরা উচিত নর, কারণ এই বংশের বীর্থ অভান্ত শন্তিশালী এবং এই বংশের সভ্যনের ভাগবন্ততি পরাধার হয়। কবিয়া এইফারে স্থিরনিভার করে, অভিবেশে এবং এক বিশের পছার, বৃত লাকা বেশের উক্তাশ মহুন করেছিলেন। ভর কলে সঞা যেপের শরীয় থেকে এক বামন প্রবেড উৎপত্তি

নিজেনের শক্তির ছারা সেই উপায়র উপাশ্ব করতে 'হতেছিল। ব্যক্তা বেশের উকলেশ থেকে যে ব্যক্তিটি উৎপন্ন হয়েছিল, তার নাম ছিল বাহক, তার গাড়ের বং কাৰের মতো কথাবৰ্ণ ছিল, তার লেহের সমস্ত ভাল-প্ৰভাৱত জি অভ্যন্ত ধৰ্ব, ভাই বাহ এবং গা ধৰ্ব এক ভাৱ মোরাল ছিল খণ্ডান্ত বিশাল। ভার নামিক অনুমত, তার চকু বক্তপৰ্য এক অৱ কেশ অৱকা ছিল। সে অভ্যাত্ত বিনীত ও মত জিল এবং তার ক্রমেল পরেই সে অবনত হতে এর করেছিল, 'মহাশরং আনি কি করেছ' কবিরা তথা উমর দিরেছিলেন, 'নিনীম অর্থাৎ উপবেশন কর' **এইভাবে নৈবাদ জাভির জনক নিবাদের জন্ম হঠেছিল।** ভার (নিবাসের) জন্মের পরেই, সে রাঞ্চা যেশের সমস্ক भागवर्षात्र एक अस्य कराहित। छारै औरै निराध काठि সর্বল্য চরি, অংগতি এবং শিকার আদি পাগতর্মে সর্বদা क्क भारत। जात करण जारमङ क्कारताड भर्तएड क्या অরপেটি ধাস করতে হয়।"

পঞ্চদশ অধ্যাত্ত

পৃথু মহারাজের আবির্ভাব ও অভিযেক

মছর্বি মৈনেয় কললেন—"হে বিদুর। ভার পর। তিনি সারা পৃথিবী জ্বাড় তাঁর কণ বিশুর করবেন। উল্ল ক্ষিণৰ বৈহিক আনে প্রক্রমত হিলেন। তাবা বখন বেলের বৃহ্ন থেকে একজন পুরুষ এক অভস্তান স্ত্রীকে উৎপদ্ধ ইড়ে দেখলেন, ডখন তাতা অভ্যন্ত প্ৰসন্থ एरविद्रालय, अन्तम खेला कुमान (भारतिहरूमा (स. भारति মিকুন ক্ষেত্ৰৰ জীবিকুক অংশসভাও 🖺

মহান কবিগণ কংগোল— তেই পুৰুষ কণ্যান বিফুর पुरम-भागन चर्ल धरा औ श्रीवित कारात्मक कराठनी शर्भीत चरभजवृष्टाः क्षेत्र मृक्टलत मध्यः विनि भूक्रमः

ত্রাহ্মণ ভ ভবিত্রা পুনরতে প্রাধ্যা বেশের মৃত করীরের । নাম হবে পৃথ্। এক্তগতে তিনি হতের স্বত্রা রক্ষেদের বালের মানুন করেছিলেন এবং করে কলে তার বাং থেকে। মধ্যে আগুনী। আভার সুন্দারী এবং সমস্ক সন্ত্তাংশ একলন পুরুষ এবং একলন হী উৎপর হাড়েছিল। সেই বিভূষিতা এই রম্বাটি স্ববংশরও স্বৰ্থ-সন্তাপা হাজে। গ্ৰার মৰে হবে আঠি। ভবিষাতে তিনি পুশু হয়তালকে তাঁর পত্তিরাপে বরণ করকে। পৃথু মহারাজকংগ পর্মেশ্বর ক্ষাবান তাঁর শক্তির এক অহশের ছারা বিশ্বের সমত মানুবলের রক্ষা করার করা আবির্ভুত ছ্রেছেন। ভগৰানের নিতাসনিনী হকেন লক্ষ্যনেখী এবং ঠানট অংশে অচিক্রণে পুথু মহারাজের রানী হওয়ার স্কন্য '**जेवरीर्ग सारक्ष्य**ा"

মহৰ্বি নৈমের কংলেন—"হে বিদুর! তথ্য সমত

গছবৰ্বনা কাৰ বলোপ্তম কংগছিলেন, সিজনা পুস্পাবৃষ্টি करविरुक्त अवर कर्षी केनावा है। कानरूप नहा करतिहरूक। चल्हीरक नंच, कर्न, मध्य अवर मध्यि বামতে লগল। বিভিন্ন লোক থেকে দেবতা, মহবি এক পিতৃগৰ ভৰন এই গৃথিবীতে এনেছিলেন। দেবতা ও মেবলেউপণ সহ সময় একাণ্ডের প্রান্ত প্রাথা সেখানে **अटमिक्टिनः) बहाराख १५५ प्रक्रिम कराउटम विश्वत** शरका साथ अवर पूरे नक्छरत भशक्ति वर्गन करत देखा। বৃষ্টতে পেরেছিলেন যে, মহারাজ পুশ্ব ইচ্ছেন ভাগালের चर्प। करून येत काच्छा ध्यारतचा चना द्वापत पात প্রতিব্যৱ হয় বা ঝা বিশৃপ্ত হয় বা, তাঁকে পরফেন্ড অসহাৰে সক্ষিত হতে, বাজসিংহাসনে অভিত্তিস্ক অৰ্ক সহ রাজা অধির মধ্যে বিশ্বক কর্মজ্ঞান।"

भृष्टक सङ् पृष्टि कामा अवस्थ **स्ट**बस्टिनमः *पर्वतास चैदक* রঞ্জত প্রদান করেছিলেন। ত্রকা পূর্ব মন্যান্তকে চিখায় প্রকাশিত হবে, ভবন ভোগার এইভাবে আহার প্রশাসন জাননির্মিত একটি বর্ম প্রদান করেছিলেন। প্রসাধে পদ্ধী। করো। সভা ব্যক্তিকা ভগবানের উদ্দেশ্যে বে-প্রবস্তুতি ভারতী (সর্বতী) ভাঁকে এক বিব্য খার প্রদান করে, সেই সমস্ত ওপাননী কক্ষও মানুবের উপেল্যে করেছিকোন। ভাগকন বিকুং গ্রামে সুদর্শন চক্রা দান। নিবেমন করে। না, খ্যাদের মধ্যে প্রকৃতপত্তে সেই ওপতানি

ত্রাব্যালয়ে পুরু মহারাজের মহিয়া কীর্তন করেছিলেন, প্রেষ্ঠ সম্পন্ন প্রধান করেছিলেন। নিব ভারে দল চারা ভারিত একটি কৰবাৰি প্ৰদান সংকৃতিবেল এবং কাঁৱ পাত্ৰী মুগাদেৱী ভাঙে লও হল অভিড একটি চাল প্ৰদান কার্যেছকেন। মজাদের জাকে অমুভাগর কার্যকালী অনু প্ৰদান কৰেছিলেন এবং বিশ্বকৰ্মা উচ্চৰ একটি অভাৱে भुष्पत तथ अपान कटर्राइटमन। अधिराध्य केंग्रक इन्न ७ গোলুস-নিমিত একটি ধনুক প্রদান করেছিলেন। পূর্বদেব তাকে সুর্বর্গনির মতো উজ্জ্ব হার প্রদান করেছিলেন। ভূপেকের অধিকারী ভূমিনেবী জাকে মোলগাঁও-সমন্বিত সুটি পানুকা প্রদান করেছিলের এবং আকাশের দেবতারা পুনঃ পুনঃ পুঞ্চবৃত্তি করেছিলেন। আকাশ্যারে विषयनकारी नवर्ग, निरामक कापि स्वरकारा अध् ভগৰানের অংশ-অবতার বলে বুখতে হবে। ভর্ম। মহারাজকে নাটা, গ্রীত, ঝদ্য এবং নিজের ইচ্ছা খনুসারে ব্রখাবাদী ব্রাখারেরা ব্রাছার অভিযেকের আয়োজন। অন্তর্হিত হয়ে কাওরার কৌশল প্রদান করেছিলেন। করেছিলেন। লোকেরা তথন চভূমিক খেলে সেই মহবিরা ওাকে-ভাছের অযোগ আশীর্বদে প্রচল অনুষ্ঠানর জন্য নিবিদ প্রধানভার সংগ্রছ করেছিলেন। করেছিলেন। সমুদ্র ভারে সনিলসভাত পঞ্চ উপহার এইভাবে সেই অনুষ্ঠান সাথক হয়েছিল। সমস্ক মধী, নিয়েছিলেন। সমুন্ত, গৰ্বত, নদী উচ্ছে জিব বাধার টার সমূত, নিমি, পর্যন্ত, মাস, পাতী, পাতী, পাও, স্বর্গদোঞ্চ । রাথ চালাবার আন্ত পথ প্রদান করেছিল। তার পর সৃত, এবং পৃথিনীয় সমস্ত জীবের আদের কমশুং অনুসারে । মাধ্য এবং কবীয়া আদের নিক নিজ বৃত্তি অনুসারে ভার রাজানে বেওরার জন্ম নিবিধ প্রকার উপহার সংগ্রহ প্রব করার জন্য দেখানে এনে উপস্থিত হবেছিলেন। কৰেছিল। এইডাবে মহানাজ পৃথ্ অভ্যন্ত সুন্দার বয় ও বেশের পুর পরত শক্তিশালী মহারাজ পৃথ্ কথন ভার নম্মুৰে সেই সমস্ত জড়িকের কেবলেন, তথন তিনি হয়েছিলেন, এবং কড়ার সুপর অসমারে বিভ্বিতা পত্নী তালের অভিনয়ন জানিতে, মৃতু হেলে অঞ্চন-পরীবস্থরে কলতে সানকেন, 'হে দৌখা সৃত, যাগধ একং থকিলণ্, "হে বিশ্ব। সংযোজ পৃথুকে কুৰো এক ফানিনিত জেমজা আময়া বে-সমন্ত গণাবলীয় কৰা বৰ্ণনা কৰেছ নিংখ্যানৰ উপহাৰ নিৰ্মেইদেন। ব্যৱস্থানৰ জাকে একটি তা এখনও অপ্তকানিত। সুভবাং বে-সমস্ত তথে আমি ছা উপরার বিরেছিকের, যা চল্লের মতো উজ্জাল এবং গুণারিত নই, সেই সমস্ত গুণার প্রশাস কেন করত। ষা খেলে নিগজন সৃষ্ট্য ধানিবিশ্ব বৰ্ষিত হয়। সহাবাদ্ধ আনি চাই না বে, জোনালের এই নাজ্যবলী আসাতে শ্রবর্ক হরে বিশ্বরক্তাশ প্রতিশার হোক, ভাই ভোষাদের কণ-বর্তাকারী এক পুশ্রমান্ত প্রদান করেছিলেন; দেবরাজ এই গুর্ব ক্ষন্ত বেখন ছোল্য ব্যক্তিক উল্লেখ্যে প্ররোগ করে। ইল উদ্ধে এক মহামূদ্যকন মৃত্যু প্ৰদান কৰেছিলেন; এবং হে মধুরভাবী জাবকৰণ। তেখেনে বে-সমস্ত ওপের কথা ষমরার তাঁকে সার। পৃথিবী স্থাসন করার জন্য একটি। বর্থনা করেছে সেওলি কথা প্রকৃতপক্ষে আম্বার মধ্যে করেছিলের এবং কিবুলা গায়ী সামান্তিকেরী তাকে কালা নেই। এই সমস্ত মহান ওপাবলী ধারণে সক্তম কোন্

বৃদ্ধিসাম ব্যক্তি আছে বে, বাস্তনিকপক্ষে সেই ওগওলির । ধ্যমে ওার নিক্ষমীয় ভারতবাগের কথা ভারতে সান না, ক্ষাধিকারি না হয়ে, বিভাগে তার অনুগারীধের ভাগ তেনেই বতান্ত বিখাত এবং পরারামশালী ব্যক্তি নিজের প্রশংসা করতে নিতে গারে । কেন মানুহকে যদি এই প্রশাসে ওনতে চান না।" হলে প্ৰশংলা কৰা হয় যে, ৰবি সে শিক্ষিত হণ্ড, জ হলে নে কেকৰ মহা পৰিত হত অথবা একজন মহাপুৰুৰ আমার কাৰ্যতলালের হারা একনও জামি প্রসিদ্ধ হইনি, হত, তা হতে সেটি প্রতরেশ ছাজ করে কিছু নর। বে কারণ তোষাদের কমনীর কোন কর্ম একনও পর্বন্ত আমি মূর্ব ব্যক্তি এই প্রকার প্রদানে কাল্ড ক্যা, লে। কবিনি। ভাতএব একটি শিশুর মতে আমি কিভাবে খানে না বে, এই প্ৰকাৰ প্ৰশংসাকন্য প্ৰকৃতগক্তে ভাব তোৱাগের আহার ওপানে কার্বে নিবৃত করতে পারি :" প্রতি অলমান-সূচক। সম্মানিত এবং উল্লেখ্যর ক্রডি

মহারাজ পুরু কারেনে—"হে সৃত জানি ককেবণঃ

22 27 22

বোড়শ অধ্যায়

বন্দীদের দ্বারা পৃথু মহারাজের স্তুতি

এটাভাবে বলকোন, ভাৰন ভার কিবতপূর্ণ অনুভাষর কাণী গারকদের অভান্ত প্রসন্নতঃ নিক্তন করেছিল। ভারন তাঁবা মুলিকের প্রেরণাক্রকে পুনরার ছবি ভবি প্রশ্বকার স্বারা वाकराज कथना कदरक भागराम ("

ভগৰান বিশ্বত ভাবতার এবং তার্বই ঘটেডুকী কুণায় আপনি এই পৃথিবীতে অবভাগ করেছেন। অভঞা, আপনার সহিনাধিত কর্মকার্যনা বধাকণভাবে ওপগান করা আমাদের গতের সভাব মর। বাদিও আগনি রাজা বেশের শর্মীর খেলে আবির্ভত হয়েলেই, তবুও ব্রহ্মা সমি দেবতানের মতের মহান বন্ধানের গঞ্জেও আপনার মহিমারিত কার্যক্রণালের সঠিক বর্ণনা করা সন্তব নত। যদিও ক্যায়খভাবে আকারে মহিলা কীর্তন করার ক্ষমতা অংশদের নেই, তদুও খালনের সহিষ্য কীর্তম করের নিব্য বাদ আগরা পেরেছিঃ গুনিকবি মহাকন্যের কছে থেকে লগণ্য। হে ব্রাক্ষা। বেহেন্তু আগনি ভাষকুন্যে সাজাৎ নাগনিকখের প্রতি অভ্যক্ত দরালু ছবেন। ভোন আর্থ

महर्षि देशमात कार्र्ड मान्युलन-"नुष् प्रेश्नाय राजन । क्यातात, छाँदै चाननात राम्स कार्यकरान कार्र्ड हैमान अवर जनारजनीतः। अदि नृष् बद्धातक वर्ष जानारकारीहरू মধ্যে বেষ্ঠ। তিনি সম্পূৰ্কে ধর্মে প্রস্তুত করতে। এবং ধর্মকে ক্রন্স করকেন। ধর্ম-ভিরেনীয়নের এবং নাস্তিভাগের कारा छिनि शतम बद्धान मध्याला। अदे श्राप्त, स्थानशर, পাছাকের ক্রেকে—"হে রয়েন। আপনি সাক্ষাং। সমস্ত খ্রীবেনের পানম করের জন্য এবং সুক্ষর ভবস্থার রাখনে জন্য বিভিন্ন প্রকারে বিভাগীর কর্ম সম্পাদন করতে নিকেকে বিভিন্ন কেবতারূপে প্রকাশ করকে। এইভাবে ভিমি প্রজালের বৈশিক কলা অনুষ্ঠান করতে অনুস্রাণিত করে কর্মদাক পালান করকো। যুবাসমূহে তিনি উপস্থে বারি বর্মণের বালা এই স্কুর্লোক পালন করবেন। এই **पुष् मराज्ञास मृतर्रत्र बदल भक्तिभागी इत्या अवर मुर्पास्य** বেষন সকলকে সমানভাৱে ভার কিবন বিপ্তরণ করেন, মহারাজ পুশুও সমানভাবে স্কলের প্রতি ঠার বরণা বিতরণ করকো। পূর্ব বৈহন বছরের মধ্যে আট হাস খনে জল বাংশে পরিগত করে, বর্ষকোলে প্রচুতভাবে জ্ব বে-উপদেশ আমল প্রাপ্ত হরেন্ট সেই অনুসারে আমরা বিন্তারে ক্ষেত্র ক্ষেত্র সহলেঞ্জ পুশুও নাগরিকদের আগতার ছবিধা কীর্তন করার চেটা করে। কিছু বে কান্ত্ থেকে কর আনরে করে, প্রয়োজনের সাধ্য ভালের কানিট আমরা করি আ মাধ্য নিচার অগ্যান্ত এবং তা কিবিটো লেকে। এই পুণু মহাতার সমস্ত হাতি যদি বিধি-বিধান অবহেণা করে রাজার মন্তব্দে পদার্পণও করে, তা হলেও ডিনি জার অহৈত্বী সুপার ৰূপে, কিছু মানে দা করে তাকে ক্ষমা ক্যকো। পৃথিবীব नालककारन किनि नृथियोत्तरे यत्का क्र्यून्नील इरका। ছখন বৃষ্টি হবে না এবং ছালের অভাবে প্রজানের ভীবণ ক্ষ্ট হবে, তখন ভগবানের অংশসন্ত্রত এই রাজা নিজেই ইল্লেৰ মডো বাৰি বৰ্ষণ করকে। এইভাবে ভিনি धानग्रातन सनाविष्ठे (थरक श्रवाहासा क्रमा कारका। अहे পৃথু মহারক্ষে উন্ন হেংচিক্ত দৃষ্টিপাতের ছারা একং হাস্যেতকুল সুন্দর মুখচজিমার ছারা সকলের আনক করি क्यारक। भूव प्रशासका चनुभूठ प्रार्थ (क्छे वृक्षक পারবে না। তার কার্যকলাগও অত্যন্ত ক্ষেপন থাকবে এবং ডিনি বে কিভাবে ভারে সমস্ত কার্যকলাপ। সর্বল কুন্ম প্রদর্শন করকো। রাজা জন্য রমণীদের সাফল্যমন্তিও করকেন, ভাও কারও গব্দে বোরা সঞ্জয ছবে মা। তাঁর রাজকোর সকলের অজ্ঞাত থকেবে। তিনি অন্তর্হীন মাহাত্মাসম্পন্ন হকের একে সমস্ত ওলের चाधात एरका। केंद्र जर जाती करा अकत काकरर, हिक মধীপরতী হতে সক্ষম হবে না। তার শত্রুবের কয়েছ ক্ষরীখন্ন এক তিনি সাক্ষাং ভগবানের শক্তিতে আনিষ্ট। তিনি মুক্তমহ হবেন, কারণ তার অতি নিকটে খাতনেও তিনি নির্বিকার একা অধ্বাদের শত্যাবেশ অবভার। মুক্ত ভারা তাঁর কাছে আগতে পারবে না। কেউই পূর্ণ ও পূর্ণপ্রক ছবেরও হলে, ডিনি সমন্ত লড় বৈচিত্রাকে মহারতের শতিকে পরাভূত করতে পারবে না। পূথু অর্থটো বলে মানে করেন, করেন সেওলি মুল্ড ভবিদান দমত কাৰ্যকলাপ দেখতে সমৰ্থ ছবেন। তবুও ভার প্রাপনায়ু বেমল বাহ্যিক এবং আত্যন্তনীপভাবে কার্যকলাপ । প্রদক্ষিক কার্যকা এবং কিনি উন্যাচন পর্যন্ত সমগ্র ক্ষুখণ্ড করা সবেও সর্ব বিবরে সর্বন্য নিরপেক্ষ থাকে, পূথু পাসন কর্মেন। বর্থন এই স্লাল্য করা পৃথিবী শ্রমণ (यदर्षु झाला अर्थमा धर्मनतम भाकरतम, कारी जिनि छात्र নিজের পুর এবং উচ্চ শরুর পুর, উচ্চরের প্রতি নিরপেক থাককে। শতর পুত্র যদি অলওনীয় হয়, ভা হলে তিনি **छाटक एकपान कडरवन ना, निष्कु केल निरक्तत क्या अपि** মতনীয় হয়, তা হলে তিনি তৎক্ষণাৎ তাকে দও মেবেন।

সূর্বদের বেষন অপ্রতিহতভাবে তার উজ্জন কিরপ মানসাচৰ পর্বন্ত বিভাগ করে, মহারাজ পুগুর প্রভাবন্ত ভেম্বন মুডারিন পর্যন্ত ডিনি ফ্রাঁবিত থাকবেন, ভাঙলিন भर्वतः भागमहत्रा भर्वतः विज्ञतः पाकरमः। बारे आका छैत ব্যবহারিক কর্মকলালের হালা সকলের মনোরঞ্জন করবেন এবং উরে সমস্থ প্রস্থারা জার প্রতি অতাও সম্ভন্ত প্রকরে। সেই কারবে নাগরিকেরা পরম প্রসমতা সহকারে তাঁকে खाएक भागनकारी संभावरण दल्प करविन। **वर्षे स**भा দ্যৱন্ত এবং সর্বল্ সভ্যপ্রতিক হবেল। তিনি প্রকাশ্য সংস্কৃতির অনুরাগী ছবেন, বৃদ্ধবার সেধা করাকে এখা প্রবাপ্তদের আর্রারকন করকে। তিনি সকলকে সন্মান চাৰ্লন কাৰেন এবং দীন ও অসহায় **ব্যক্তি**লের প্রতি মাতৃবৰ প্ৰস্থা কর্ত্তন এবং তার নিজের শ্লীকে থার দেহের অর্থ অসসন্শ মনে করকো। তিনি তাঁর প্রকাদের नृज्ञक्द रक्षाद्य नामान कवरका धावा छिमि मिरकारक मर्वात ভগবানের মহিষা প্রচারকারী ভরুদের পরস আজাকারী যেমন সমূতের দেকতা বৰুণ সর্বায় জনের বারা আজ্ঞানিক । সাম বলে মনে করকেন। রাজা সমস্ত দেহধারী জীবদের পাকেন। অরণি কাঠ থেকে রেমন অধি উৎপাদ হয়, আত্মতুলা তিয় বলে মনে করানে এবং তিনি সর্বদা ঠিক তেমনই বেশ রাজার হও শ্রীণ্ড থেকে পুণু সুক্রবের আনন্দ কর্মন। তিনি মৃক্ত পুরুষদের मराहारकत क्षेत्र रहाहित। छाँदै पूर्व मरावाक मर्वताई । मात्र पनिकेचार मन कारका क्षरा चामाव व्हिस्ता छिनि चित्रित प्रकार करकान कर्यपन अन्य कीत महत्त्वा कीत । करहेत्वकारच मनवान कर्यपन। अहे हाजा विस्तरपत्र মহারক্তে তার সমস্ত প্রজাদের আভান্তরীশ এবং বাহ্যিক ক্ষমে রচিত। অহিতীয় প্রাক্তমশালী এই বীত রাজ্যক ্ৰেন প্ৰতিবাদী পাৰুবে লা। তিনি উন্ন হাতে ধনুক ধানা ওপ্তের ব্যবস্থা কেউই জানতে পার্থে না। দেহাভান্তরভূ করে, গ্রার বিজয়ী রূপে চড়ে সূর্বের হাস্কা পুমঞ্জ মধ্যেকও তেনে প্রদাসা এবং নিক্ষা উপসীন থাককে। 'করকে, তথা ঋন্ত সমস্ত বাছায়া এবং দেবতার তাকে নান্য প্রকার উপহার প্রদান করকে। ভাগের মহিবীরাও चीटक इरक इन्हें अवर भगविक्तादी चापि ताला वरन বিবেচনা করে ভারে ঋণ গান করবেন, ফারল ভিনি শ্রেমের ভগকনের মতো ফারী হডেন।"

"প্রজাবংসল এই অসাধয়দ রাজা প্রজাপতিদের মতো

প্रधा भारत करदन। अधारत श्रीविक जञ्जावरका कर তিনি গোকরপা এই পৃথিবীকে মোহন করকে। কেবল তাই নয়, শেবরকা ইন্ত বেখন তাঁও শক্তিশালী বছের শার। পর্যন্ত বিনীর্থ করেন, তেমনই তিনি উরে মনুকো তীক্ত অভ্যতাদের বারা দিরিপর্বত চূর্ব করে পৃথিবীর পৃষ্ঠ मध्यक्त कतर्यन। भिरह वर्धन छात्र शृक्ष देतर ऋत रहत विहत्तर करत, छक्त काम जाम जारह कारह अंतरह मृहिट्स পড়ে। তেমনই, পুখু মহারাজ কান ওয়া কেব ও বুকে পুসনির্মিত এবং বৃত্তে অপ্রতিহত অনুকে টকন্য নিতে জন্ম রাজ্যে বিচৰণ করকো, তথ্য সমস্ত আগুরিক-ভারাপার মূৰ্বৰ ও মন্যুখা চতুৰ্নিকে পালাবন কৰে লুকাৰিত হবে।"

"সরবাতী মধীর উৎসমূলে এই রাজা একশত अभूरप्रथ वश्य अनुकेत कारकः। त्यर स्थारि चनुकारसः সমর সেববাজ ইন্স বাজের কথা কণহরণ করকে। পুণ্

মন্বর্যাক্ত তীর প্রবেদ স্পেয়ে উপবনে চতুরসনদের অন্যতম সনংক্রমান্তর সহ লাভ করকো। রাজা ভিভিসহকারে ঠার আরখন করখেন এবং যে জানের ছারা পরম আনস্ শাত করে যার, সেই দিবা জান প্রাপ্ত হবেদ। এইভাবে वचन प्रश्नास भृष्ट वीदकृष्णं कार्यकराण सन्दर्शसाहण বিষ্ঠিত হবে, তথম পুথু মহাবাজ তাঁব অবিতীয় नवाज्ञायनामी कार्यकनात्मव कर्मन व्यक्तिक मर्यवा कमार्थ পাকে। কেউই পৃথু মহারাজের আদেশ জনান্য করতে পারবে মা। সারা পৃথিবী ছব করে তিনি প্রজাদের রিভাগ দুর্গে সম্পূর্ণরেশ বিনষ্ট করকে। স্বাস উর খাতি সাত্ৰা পৃথিবী জুড়ে বিস্তৃত হবে এবং সূত্ৰ ও অসুভার সকলেই ওয়া উল্লেখ্য কর্তকল্পনের মহিলা কীর্তন করবে।"



স্পুদেশ অধ্যার

পৃথিবীর প্রতি পৃথু মহারাজের ক্রোধ

यहातारबात क्यांक्ली बार बीत्रकुर्ग कार्यकारना वर्गन করেছিলেন। ভার পর পুধু মহারাজ প্রকাশে অবলা ভার चैप्रमत व्यक्तित्रका अवर प्रेमिक वस अवल कर चैप्रमत गत्ताक विश्वम करहिल्ला। बहेराएर महाहे स्ता पृष् प्रदासक्त अरक्षन अर्थर कारामा वर्णन (मटारमन, केंप्र সেবকদের, তাঁর মন্ত্রীদের, গুরোহিতদের, নাগবিকদের, স্থারণ দেশবাসীদের, অন্যান্য জাতির অনুবদের, श्रम्भकरमम् अवर करान्। अक्तरक दशनक मन्त्रन धनर्गन करतकिट्रमन अवर छात्र करण केला मकरम चटाउ আনন্দিত হয়েছিলেন ("

বিশ্ব সহর্বি সৈরেয়কে জিবলসা করেছিদেল—"হে আৰুবঃ কল্পেণ ধন্তৰে সমৰ্থা পৃথিৱী কেন স্বাভীচাৰ ধারণ করেছিলেনঃ এবং পৃথু মহারাজ ছবন তাঁকে দোহন করেছিলেন, ভবন ৰংগ কে হরেছিল এবং

प्रदर्शि रेग्राज्य कारणम्—"अवस्थार्थ क्याँना पृष् साधनन्त्रव वि व्हार्थनः। पृथिनी वस्त्रदर्शे धनन्त्रम्, কিছু পৃথু মহারাজ কিডাবে তাকে সমতল করেছিলেন চ আৰু দেবরাজ ইণ্ডাই স্বাকেন তার বজার ক্ষণহরণ करवाहिरमारः शास्त्रीं शृष्ट् दार्थविषरभव मरशा स्थित স্মাংক্যারের কাছ থেকে ভক্তানে লাভ করেছিলেন। সেই আন প্রান্ত হওরার পর, ডিনি কিডারে তার জীবনে सुरक्षत्रिकश्चारक स्था प्राचान करतिकृतक अवर विभि कि প্ৰকাৰ পৰ্যি প্ৰাপ্ত ক্ষেডিলেনণ পূৰ্ব মহাবাৰ বিলেন चनवान क्षेत्र (क्षत्र मस्त्राद्यम चरचारः कार्ड् कार् কার্বকলাপের বে-কোন কর্বনা অবশুই অভান্ত অভিমধ্য बक्त छ। नर्व (मैंकिम्स्ट्रम) आदि नर्दम आध्नात बदर অধ্যেক্তর ভগবঢ়ের ভক্ত। তাই বরা করে পুধ্ মহারারের কাহিনী ধর্মনা করণ, বিনি রাজা বেলের भुवकरण बार्टीकणी नृष्टिकेरण (शहन करहिएनन।"

शिम्छ (नावारी स्तालन-- विमृत रूप्य स्थापन

প্রিকৃষ্ণের নিবিদ্ব অবস্তারের কার্যকলাপ শুনতে অনুগ্রানিত হর্মেছিলন্ ভবন মৈরেগণ অনুসাণিত হরে এবং কিংবের প্রতি অভ্যন্ত প্রসম হয়ে, তাঁর প্রশংসা করেছিলেন। ভার भार देशव्यक्त चरमान्द्रशास-एक दिवृत्। कदम शाल्यन **७** খৰিবা পুৰু বহারাজকে বাজসিংহাসনে অভিবিক্ত করেছিলেন এবং উচ্চে প্রকাশের সক্ষর বলে যোগণা क्रांशिकन, क्ष्म चलाकार स्टारिश। चनाराटा असारमङ (मर गठरिक्ट्रे चीन स्ट्राइन)। छाटे छात्रा ताकात काटाः এনে ভাষের প্রকৃত অবস্থার কথা জানিত্রেছিল। হে রাজন্ঃ বৃক্তের কেটেরছ অধি হেমন বীরে বীরে বৃশ্বটিকে ওকিয়ে কেলে, ডেমনই আমরা আমাদের ক্ষঠরান্তির প্রভাবে ওকিরে বর্নছ। আগনি শরণাগতকের क्रम्भ अन्य चरमारस्य सीविका धमारमञ्जूषा घरणनि নিবৃক্ত হতেকো। তাই আমান সকলে আপন্তর কার্ছে क्रामिक, बारक चार्यान च्यायास्य प्रथम क्राइत। चार्यान কেবল একজন স্থলাই নম, আপনি জগবানের কবভারও। বাক্তবিকশক্তে আগনি সমস্ত রাজাংগর রাজা। আগনি আবাদের সর্বপ্রকার জীবিকা প্রদান করতে পারেন, কারণ আপনি আমাদের জীবিকাপতি। তাই, হে রাজাধিরাক। क्या करा विश्वत करा आधारि चाराया कृथत নিশ্বি-সাধন কান। করা করে জাগনি আমাদের কল करूपे, क्यापात क्याशास धामारात मृष्ट्रा हरेर।"

"হে বিদুরঃ পুতু মহারাজ প্রকাদের এই প্রকার বিদ্যাপ প্রকা করবোন এবং তাদের করনে করতা কর্মন করে, তথ্য অন্তর্নিহিত কালে জানবার জন্য কাজন ধরে চিতা কবৈছিলনঃ সেই বিষয়ে ছিন্ন সিভাত দিয়ে সাজা লেখে সম্ভ কর্মণ সংগ্রহকরী ব্রিপুরারির মতে শরসেন कर्ष करलाव कर श्रितीरक तका करह कारह शह বোজন করলের। পৃথিবী করন দেখলেন যে, মহারাজ পুৰু ঠাকে সংখ্যা ক্যায় জন্ম তার ধনুক একং বল প্রহণ করেছেন, কথা তিনি কড়ান্ড ভাতীত হয়ে কাগতে ওক করেছিগেন। তিমি তথন পৃথু মহারাজের ভারে একটা শাড়ীর রাল বারণ করে, বাাধ তাড়িড হরিবীর মতো **টেভবৈশে প্রদায়ন কর্তে ওক্ত করেছিলেন। তা মেহে** মরারাক্ত পুরু অভান্ত ক্রম্ম হরেছিলেন একা ভার চকু द्वेतें प्रयास मृदर्वत अएका च्यातांश्वाध हत्वाहित । चेतन-सन्तक বাশ বোজন করে, ভিনি সেই গাড়ীরানী পৃথিবী কেথানেই

পদারন কর্মাধ্যেন, তার পাতাক্যান কর্মিয়েন। শেলেনী পৃথিনী খালোক ও ভূগোকের মধ্যে ইভন্তত পলায়ন কর্বাছদেন এবং কেখানেই তিনি ব্যক্তিকেন, মহারেজ পুখু ধনুবাঁণ নিয়ে সেখানেই তাত্ত গণসভাকা কর্যছলেন মানুৰ বেমন নিঠন মুড়াই হাত থেকে নিজাই পাই না, তেমনই লোগণী পৃথিনী বেণপুত্র পূথ মহারাজের হাত বেকে নিজারের কোন উপায় নেই দেখে, অবলেবে ভাঁত ও দ্বাধিত চিত্তে তিনি পলাক্ষা-কর্বে খেকে নিবত হলেন। यहा जेक्षर्वभागी भूष प्रशासकटक धर्म-छक्टरवता अवर শরশাগত-বংসল বলে সম্বোধন করে পৃথিবী বলালেন---"অপেনি সমত জীবের বৃক্তক। এবন আপনি এই লোকের রাজারণে অবস্থিত হরেছেন, সুতরাং দরা করে অপনি আয়কেও কল করন।"

গাড়ীরালী পৃথিবী বাজার কারে আবেধন করতে লগেলেন--"আমি অভ্যন্ত দীন এবং আমি কোন পাপকৰ্ম করিন। তা হলে কেন আপনি আমাকে হত্য করতে চানং বর্মক হওয়া সংকও কেন অপনি আমার প্রতি বিজ্ঞান-পরার্থণ হয়েছেন এবং কেন আপনি একজন অবলা ক্রমণীকে এইভাবে হুভা। করতে টুলার্ড হরেছেন <u>চ</u> রাজন। কোন শ্রীলোক যদি ক্ষপরাথ করে, আ হলেও যানুৰ ভাকে প্ৰহার করে না, অভএব আপনার মধ্যে रधान, शकादकक ७ वीमनरजन साक्षात चात्र कि कचा। হে ক্লেন্। আমি একটি সুন্যু ভরণীর মড়ে এবং সমগ্র বিশ আমাতেই প্রতিষ্ঠিত রয়েছে। আগনি বনি আমাকে বিশীৰ্শ করেন, জা হলে আপনি কিভাবে নিজেকে এবং জাপনার প্রজাদের নিমন্ত্রিত ইওয়া থেকে রকা कत्रद्वन १"

পুৰু মহারাজ ধবিত্তীকে ফালেল—"হে বসুষ্করে। **पृथ्वि जायान कार्यम ७ भागन करका करवह**। দেবতারূপে তুমি আমানের ব্যাহান প্রহল করেছ, কিছ তার বিনিধরে তৃত্বি হলেট খালালতা উৎপাদন করনি। সেই ব্যৱশ্বে আমি ডোমাকে অফশ্যুই বহু করব। ববিও তৃথি প্রতিদিন তৃপ ভক্ষণ কর, ওবুও তৃথি আমাদের केनदबारगत क्या राजायस मुख्य पनि **भू**र्य करण् या। বেহেতু তুমি জেনে-ওলে এই স্কান্যাথ করছ, তাই তুমি स्मारक भार मा (व. शास्त्रीतान शहन करतक वरण, ভোষাকে মধ্যনাম কথা উঠিত নয়। তুনি এতই সন্দৰ্ভি

ৰে, পুনাকালো একা ৰে-সমন্ত ওহনি ও শাসের বীজ সৃত্তি । অন্তয় শক্তির হন্তা সমস্ত ক্তাবে ও **জ**নম প্রাণীনের সৃষ্টি করেছিলেন, সেগুলি কৃতি নিজের মধ্যে লুকিয়ে জেখেছ করেছিলেন। সেই পাঁকর করে এখন আপনি জীবদের এবং আহতে আচেন্দ সংৰও তুমি সেওলি প্ৰদান কৰছ। ক্লো কংগুত গুৱত। আগনিই ধর্মের পরম রক্ষর। তা না। আনার বাংগর ধারা তোনাকে বও বও করে কেটে, হলে কেন আমি গাওঁজেল করণ করা সংকও আনাকে তোমার বাংগ্রেম্ব স্থানা আমি আমার লাজ্যের এই সমস্ত সংহার করতে আপলি ইকা করছেন ৷" ক্ষাত্র প্রকালের আর্তনাল পান্ত করও। যে নিচুত্র ব্যক্তি—তা সে পুকর হোক, স্ত্রী হোক কংবা ক্লীব প্রচিন্ত প্রক্রি ছারা আগনি নিচেকে বছরণে বিশ্রম হোক—সে বৰ্ষিৰ কেবল নিজেয় ভৱণ-পোষপেই জাগাবেই কৰেছেন। প্ৰকাশ মাধ্যমে জাগতি এই প্ৰখাও সৃষ্টি काधरी इद वानर भाग जीवरान क्षति पता अर्थन अ করে, জা হলে রাজ্য ভাকে ২৪ বছতে পারে। এই গ্রহণ্ড - হথেছ অভিজ্ঞতা-সম্পদ্ধ নয়, ভারা আপনার ডিয়ার কৰ প্ৰকৃত কৰ কলে মনে কয়া হয় যা। ভূমি অভান্ত। কাৰ্বকল্যাণ বুৰতে পাছে না, কৰুণ ভানা আপন্যৰ মাহাৰ পূর্বোক্ত ও উল্লন্ত হরেছ। এখন তুমি কোলার স্থারা আজন। হে ভগবান; আপনার স্থাঁর শক্তির ধারা খোনপতির প্রভাবে গাতীরত ধারণ করেছ, কিছ জ আন্দি সমস্ত হত উপাধ্যনের, ইভিয়সভূতে, নিম্প্রকারী হলেও আমি আমার নাপ্তে বাল ডোমাকে ভিল ডিল করে খণ্ডবিখণ্ড করব এবং তার পর আবার জোগারিন। কারণ। আপনার শক্তির ছারা আগনি এই রুড় জগৎ প্रভাবে আরি নিমেট এই সমত প্রজানের খানে করব। সৃষ্টি, পুসনে ও সংহার করেন। আনবাদ শান্তর প্রভাবেট তথ্য সংকাৎ ৰমনাজ-সদৃশ পৃথু মহানাজ ক্লেখনটা মূৰ্তি কোল সৰ বিছু কৰনও প্ৰকাশিত হ'ই এবং কংনও ধারণ করেছিলেন। অর্থাৎ তিনি কেন জবন মূর্তিমান অপ্রকাশিত হয়। তাই আপন্থি হচ্ছেন সর্ব করেশের কোধরণে প্রতিভাত হয়েছিলে। তার বাজ প্রকা করে। पृथियी **करत कम्प्याना इ**रहरिक्ता। सद्दाक्षण भरूकातः अध्यक्ष अपिक निरस्ता करि। हा समस्त्रा। चान्ति चक्क। পুথু বহারাজ্ঞকে প্রথতি নিবেশন করে, থাঁংকী কাতে। এক সময় আপনি ব্যাহ্রাপ ক্রমণের ক্রিক্রাণে রুমানের मागरकान-- (३ भंतरभाग छशराम) (३ ४४) व्यन्नात द्विति निया अपर चार्यन चार्यन्त पायत क्यां अर्थन्त अर्थन अर्थन स्टाप्ट स्टाप्ट स्टाप्ट कराव कराव कराव कार्यन प्रस्तु তিন ওপের বিপন্তিরার মাধ্যরে করেছের এবং বছ ভৌতিত উপাধান, ইতিহসমূহ এবং জনর সৃষ্টি করেছে। (बानिट्रक विज्ञात करतरामा भागनि प्रदेश निया विदिश्क অবস্থিত এবং বিবিধ জাড়-জাগতিক ক্রিয়া-প্রতিক্রিয়ার অধীন বড় সৃষ্টির দারা খাগনি প্রভাবিত হন ন। জ্ঞা কলে আপনি লড়-ক্রাণ্ডিক ক্রাইলনাপে নেক্সই কা না। হে ভগবান। আগনি ছড় সৃষ্টির পূর্ব পরিচালক। আগমি এই কড় ভাগ্য ও প্রকৃতির তিন্টি চণ উৎপর করেছেন এবং ভাই খাণনি সমন্ত জীকো আগুবছুল-'মরণ পৃথিবীরূপে আমাকেও সৃষ্টি করেছে। তবুও যে प्रकृ. चार्थाने गर्दनाई मन्भूर्गत्सम् चन्त्रः। *अबन* व्यननि অমার সম্পূর্ব উপস্থিত হয়ে, আগবার আন্ত উন্নত করে । কর্মকেন্নগণ্ড হৃদরকম করা বাছ বা, অভাবে আননার আমাকে হত্যা করতে প্রস্তুত হরেকো, তথা আরি আর কার শরণ প্রহণ করব। সৃষ্টির প্রবন্ধে অংশনি আগনার

"হে জাবনে! খনিও আগনি এক, তবুও আগনার করেছেন। ভাই মাপনি হলেনে যার ভাগান। যারা क्ष्मित् प्रकार का का अने किन्द्र कानि পরম কাপে প্রথমপার ভাগতন। অন্তর্ম আপলতে ভারত ংখৰে আমাৰে উদ্ধয় কৰেছিলে। আপনায় সীয় পশ্চিত ছে ভালার। এইডাবে এক সহত আপনি কল ছেতে আগতে উদ্ধান করেছিলের এবং তাই জাপনি ধরাকা भारत त्रिष्ट स्टारका। किन्नु करन अध्यान महादेशकात् আপনার ত্রীকু ব্যাপের করে। আপনি আনাকে সংহার ৰমূতে উল্লাভ হতেছেন। কিছু আনি তো কেকে জনের हेन्द्र व्यक्ति जीवात बहुता मर क्षित्र काणिहरू हता परि। ্রে ভগবান) আমিও জাগনের **অতা প্রকৃতি**» তেন **ওব** থেকে উৎপদ হয়েছিঃ ভার কলে আমি আপনার কার্যকলাপের বারা থেয়েকর ব্যবস্থি। আপনার ভারতার নীলা সহতে ভি ভার কলার জাতা। এইভাবে সং বিশুই, अहरूक दिहारी अदर चान्डरकम्क वान पदन हर।"

অন্তাদশ অধ্যায়

পৃথু মহারাজ কর্তৃক পৃথিবী দোহন

পৃথিৱী এইভাবে তথ করা সন্তেও পুগু হতারাজের লেশ্য উপশ্ৰ হল দা এবং কভান্ত জেনাখন ৰূপে তাঁর কাণ্য তথ্য কশিও হজিল। পৃথিৱী বভাৱ ভীডা হওল সংস্থিত, প্রস্তাবে আগন্ত করার কর এইডাবে বাল্ড ওয়া করেছিকেন। হে ভগবান। দক্ত করে আপনি ক্লেব गरवत्रम बक्षम अवर काम घरणाहरू वा मिरवान करहि, का देश निर्कारक अवश करान । एका करता और विश्वाद আপুনি একটু বিকেন্দ্ৰ কলে। আহি অত্যন্ত বীন হতে করে, ট্রক ডেমনই প্রতিও ব্যক্তি সমস্ত নিবল পেকেই তার সারতার প্রথম করেব। স্থপ্ত স্থান্ত-স্থান্তের मनरमञ्ज चना, तक्यम हेस्टनाटकरे नह, नहामारक प्रमुख्य डेवर्ड अवस्म बन् छक्त्यी धूनिवरिता विदिव উপায় নির্ণয় করে সেহেন। বিনি পূর্বতন মহবিদের প্রদর্শিত উপরে ব্যবহারিক উল্লেখ্য সাধ্যের জন্য ৰথাবধভাবে অনুসরণ করেব, তিনি অনায়নে তার জীবনের উদ্দেশ্য সংখ্য করতে প্ররেম। বে সংবস্ত সূর্ব यमुक निर्जुन निर्जुन क्षशानकाडी कर्रिटिश्वर क्षांशानिकका অধীকার করে, ভালের কাজ ইচ্ছা অনুসারে করিত উপায়সমূহ উদ্ধান করে মেণ্ডে মেই সমস্ব প্রচেটা क्कार वह वह निकल रहा।"

"হে বাকান্। পুরাকালে প্রকা কে-সমস্ত বীক্র, মূল, ওবৰি এবং শক্ত সৃষ্টি করেছিলেন, ভা এখন সমস্ত কাড়কেরা ভোগ করখে, বারা স্ব প্রকল আধ্যান্ত্রিক জানরাইড। হে স্থাক্। কেকা কর এবং ধর্মই অভবদের খারা অলং উদ্বেশ্য করেত হাতে, তাই নছ, যথাৰণভাবে আমান পালনও হলে না। ইলিবভূখি স্বাধনের উদ্দেশ্যে বাধ্যপন্ত স্ববহার করে বারা চেয়ের পরিশত হরেছে, সেই সমার দুর্গভাগের নাওগালে আক্রম রাজকের হারাও লামি ক্রনদৃতা। ভাই অনুয সমস্ত বাঁক কুকিৰে ভেখেছি, কাৰণ সেওলি প্ৰকৃতপকে যজ

यहर्षि देशदरक विकृत्दक कशत्मम-"(ह विभूतः। जनुकेत्मत जना स्वयदात कतात कथा। गैर्शकान स्वयात ভিতর সঞ্চিত থাকার ফলে, এই সমস্ত শস্যবীক নিকাই জীৰ্থ হয়েছে। ভাই আচাৰ্য বা দাল নিৰ্দেশিত উপৰ্ক্ত উপারে, সেই সমজ বীজগুলি এখনই উভার করা অপনার কর্তক। হে মহাবীর। হে ভতভাবন। জ্বাপনি दनि शहर बागुलना शनाम करन कीथरमत कडे नियातन স্বৰতে চান, আপনি যথি আনাকে গোহন করে ভালের পোৰৰ করতে চান, আ হলে আগনি উপযুক্ত ৰংগ্ ষোদনপার ও শোগ্ধ নিরূপণ করন, বাতে আমি সামার পানি, কিন্তু মধুকন ক্ষেত্ৰ প্ৰতিটি কুল থেকে মধু সংগ্ৰহ - বংসেও প্ৰতি অভ্যন্ত বংসেতা হয়ে, আগনার বাসনা অনুসাবে দুখ্য প্রদাস করতে পারি। হে ক্রায়ান। খাপনি चांशांक वामनस्थात नारकन करान, त्यन नर्या कर त्यन হয়ে বেলেও, ইন্সদেৰ-বৰ্ষিত জল আমাত্ৰ উপনিভাগে সর্বএই সমভাবে থাঞ্চতে পারে এবং পৃথিবীকে জার্ত্র রাখতে গারে। তরে ফলে সর্বপ্রকার উৎপাদনের জনা ভা প্ৰতান্ত শুক্ত হবে।"

"পৃথিবীয় এই প্রিয় ও হিডকর বাক্য ধানণ করে পৃথ মহারদ্ধ প্রদান হরেছিলেন। তার প্র তিনি **খারেছ্**ব মনুকে কংশ রূপে গ্রহণ করে, উরু নিজের হাতকে গোহন পাত্ররূপে পরিণত করে, পুথিবীরূপ গাড়ী থেকে সমস্ত ध्यमि च भना (मध्य करतिहरमम। चान्ततः, सेवा नृष् মহারাজের মতের বৃত্তিমান ছিলেন, ভারতে পৃথিবী খেকে সার প্রহণ করেছিলেন। বান্তবিকগঞ্চে সকলেই সেই সুখোৰ প্ৰহণ করেছিলেন এবং পুণু মহানাজের পালৰ অনুসরণ করে, ভালের বাসনা অনুসারে জন্ম পৃথিবীর কাছ থেকে সমত কথা প্রাপ্ত হয়েছিলেন। ফছর্বিগণ বৃহস্পতিকে বংলে পবিশত করে এবং তাঁকের ইঞ্জিয়সমূহকৈ লোহমপানে পরিণত করে, জানের বাণী, মন ও ধারণ গাঁকির করার জন্য সর্বপ্রকার বৈদিক জান आदल करहिर्द्धमा। मध्य भवकाता भवताम हैन्द्रक কলে পরিশত করে, পৃথিবী কেকে সোমরসরূপ অমৃত দেহন করেছিলেন। তার ফলে তাদের মানসিক কমতা,

দেৱের ক্ষমতা এবং ইপ্রিরের ক্ষমতা অভান্ত প্রবল ছয়েছিল। দৈতা-দানবৈরা অসুরকুলারেট প্রভূপে মহারাজ্যক কলে কানিছে, বিভিন্ন প্রকার সূত্রা একং আসক लाह्य करहरिक, च धारा मिरिशास्त्र स्ट्रानीका। नवर्ग ও অলারারা বিশাবসূকে করে বানিছে, লক্ষড়ালের পারে দুল্ল লেখন করেছিলেন। সেই দুল্ল মধুর সঙ্গীতকলা ও *(मेरेक्टर्स) ज्ञान व्यक्त कटावित*। आफ्रक्टर्स्स पुन्ध (मक्क শৌভাগ্যবাদ পিত্ৰপু অৰ্থমাকে বংগ বানিতে অত্যন্ত প্রভাসহকরে অলক মুখ্র পাত্তে করা সোহন করেছিলেন, আ হতে লিভাগের উদ্দেশ্যে নিবেদিত অন। ভার পর সিন্ধল্যেক-ব্যসীতা এবং বিদ্যাধন্তলোক-ঝসীত্তে কপিল মুনিকে বংসরূপে পরিগত করে একা আকশকে পার করে, অলিমা আদি যোগসিঙ্কি দোহন করেছিলে। বছঙ বিদ্যাধরেরা অকাশে উড়ার বিদ্যা লাভ করেছিলেন। কিম্পুরুষের লোকবাসীরা মরদানবকে কলে বানিরে, नरक्षमा अपना १५वात अस अगल्य जारिर्द्छ হুওয়ার কিলা ক্ষেত্র করেছিলেন। তার পর ক্ষর রাখন, ভূত এক শিশাক্রেরা, বারা মাসে আহারে অভার, ভারা শিবের অবভার ক্ষাতে বংগে পরিণত করে, নমু-কপালরপ পাত্রে বন্ধ থেকে প্রস্তুত মন্য নেছেন করেছিল। তার পর ক্যাহীন সর্প, ক্যাবৃক্ত সর্প, বিশাল নাম, বৃশ্চিক এবং অন্যান্য সমস্ত বিষধন্ত প্ৰাণীত্ৰা ভক্তককে কংস বানিয়ে, সাপের গর্তজন লায়ে পৃথিধী খেকে বিব দেহন করেছিল। প্রকৃষি ভেল্পম প্রাণীয়া শিকের করন বৃহকে বংস করে এবং অৱল্যকে পাম করে ভাগের অহারের কৰা তাকা সৰুত্ব স্বাস লোহন কঠেছিল। ব্যৱ স্বাসি হিবে পশুরা সিংহকে বংস খানিরে ভাগের আহার্যকরে মাংস লোহন করেছিল। পাঞ্চীরা গরুভকে কলে বানিরে, পৃথিবী থেকে ভাবের অহার্যরূপে শ্রক্ষা ক্র্যুগতন এক 'शक्ट 'ज्ञाधन्य (साहन क्ट्राहिन)। कृषता रहिन्पट्क रूपन বানিবে বিভিন্ন প্রকার সুখার রুগ লোহন করেছিল। পর্বভেমা বিমানমকে কংগ বানিয়ে, শুদ্ধরূপ গামে বিভিন্ন

প্রবাদ্ধ থাতু কোহন করেছিল। প্রতিধী সকলতে ভাগের **छैशर्क बाह्न अस्त्र कर्साइत्स्तः नृष् महातारसर** हासहकारन वृथिया जन्त्वंतर व कांत्र निवद्वनारीत ছিলেন। শুনু হলে পৃথিবীয় সমস্ত প্রানীয়া ভাষের স্ব ছ জাত্যে প্ৰথম ব্যক্তিকে ২২সে পৰিপত্ত করে, বিভিন্ন প্রকার পারে তানের বাদ্যক্রণ পৃথক পৃথক কর বারে করেছিলেন ("

° (६ कुरु(अर्थ विकृत । अस्तारम गृष् अपूर्ण कार्यसकी बीरका छित्र दिव करन गृष्टि करा कित्र कि स्तरनभारत তানের অতীষ্ট খালারণ সৃষ্ট লোহন করেছিবন। তার পর, পৃথিবী সময় জীবনের বিভিন্ন প্রকার আহার্য প্রকার করেছিলেন বলে, পূর্ব মহারাজ তার চাটি অতার সম্বাচ शरहिलान अस छिनै चरान्ड स्वरंगदारून स्ट्रा नृष्टिरीहरू দ্ধিতক্ষে বৰুণ করেছিলেনঃ ভার পর, রাজাধিরাল মহারাজ পুপু ওয়ে ধনুবের শক্তির ছাল্ল পিরিপর্বত চুর্ণবিত্রপ করে, পৃথিবীপৃষ্ঠ সমতল করেছিলেন। তীনই কৃপার পৃথিৱী আৰু সমতেল হয়েছে। ব্যক্তোর ক্ষর প্রকাশের কাছে পুৰু মহাজ্ঞ জিলেন ঠিক পিডার মতো। তাই ভালের জীবিকা নির্বাহের জন্য উপবৃক্ত বৃদ্ধি প্রলানে তিনি বড় ছিলেন। পৃথিবীপুর্ছ সমতল করার পার, সকলের বৃত্তি এক বাসৰা অনুসাহে, তিনি ভাকে বাসহানের ক্ষান্ উপযুক্ত স্থান নিৰ্মিষ্ট করে নিয়েছিলেন। এইভাবে পুঞ্ भगताक के शाब, नशत, नक्त, पूर्व, धारमधी, धानाना, সেনাদিবাস, খনি, ভূতকদের প্রায় এবং পাহড়েঁই প্রায় श्रृष्ठि बानकान निर्माप करत निरद्धिराजन। पृष् মহারাজের রাজধুকালের পূর্বে এই ভূমগুলে নদার প্রায়, গোটারশভূমি ইত্যাদির পরিকমিত স্ববস্থা ছিগ ল। नकरनरे जारभव निरक्तनत (बहाल-पुनियरण अरर পুৰিধানতা ভাদের বাসস্থান তৈরি করত এবং তার কলে কং কিছুই অবিন্যক্ত ছিল। কিন্ত পুণু মহাবাটেকা সময় থেকে পরিকলনা অনুসারে, নগর ও প্রেম পরুদের ব্যবস্থা

434

উনবিংশতি অধ্যায়

পৃথু মহারাজের শত অশ্বমেধ যজ্ঞ

মনুর কের রক্ষাবর্তে, বেখানে সরস্বতী নদী পূর্বব্যহিনী চরে প্রবৃদ্ধিত হতেই, গেখানে পূথু মহারাক্ষ শত কাশ্যেক যক্ষ অনুষ্ঠানের জনা গীকিত হবেছিলেন। সহা শতিশালী দেবরাক ইয়া বখন মা নেখলেন, ফখন তিনি বিবেচনা ক্রেছিলেন বে_ন সকলে কর্ম অনুষ্ঠানে পুণু मश्ताम डार्स व्यक्तिय स्वत्या। डारे नृष् प्रशासका সেই মহাবন্ধ অনুষ্ঠান তার কাছে অসহা হয়েছিল। শসমেশ্বর ভবনার ঐতিকু সকলের ক্রমার প্রয়ায়াক্রণ বিরক্ষান এবং ভিনি সমস্ত হাংলোকের অধীবর ও संगक्त वर्षात्र रक्षाकृत। विक्री पृत्रः पृष् मध्त्रारामत्र वरण केन्द्रिक किमा। कनका दिवा क्या सक्त्राम कविर्द्रक र्दिक्तिम्न, कचन क्या, निद, त्स्वनाम्यम् अवर पेर्द्रवर कन्ठातमा**ः केन गटन हित्त**ा। क्का किनी रमकान আবিষ্ঠত হয়েছিগেন, ডখন সংঘৰ্ব, কৰি একা অপ্যান্তা केत क्यांबेटिन कर्नाहरूमा । जिह्न, विमानस, रेग्छ, सानव এবং বাক্ষাও ভাগবালের সাসে হিলেন। তার সামে সুনাধ, मण व्यति पृत्रा नार्वराकाः हिरमः। नर्वम छननारमत हिना कार्य प्रदेशक वहात एएका जन्म करिन, वास्त् प्रचारका अपूर्व व्यवस्थित ७ प्रमनानि स्वार्थभवत्रन् সভাগেই ভাগান্য জীবিকুল্ম সঙ্গে সেই মহাল কলে খোগনৰ কৰেছিলেন।"

"(ह जिन्द। (नहें बहाय**ा** नश्च सुन्नि काबायनुष माख शर्ताल अब त्यरे क्या चमुक्तान करन, मकानक বহমদ ন্দীসমূহ মনুত্র, কবার, আর ইত্যাদি সমস্ত গ্লে बह्न करविद्वेत कार विनाम कुकामूद क्षान गरियात करा 🕏 मन् बैरनामम कछावित। भगीछ भविशास मनुबा चाम (पंदर, वाकीता शहर बतियात्म पृष, गरे, वि तकः कनाना বছক আক্লাকীর কর্মসূত প্রসান করেছিল। সমূহ বানা धकात क्रमाधान तंत्रामन्दर भूगं विम्न, वर्गक शाकुरण भूगं

মহবি হৈত্রের বললেন—"হে তির বিগুরং খারাজ্ব চতুর্বিধ ঋণ্যসংক্ষ্মী প্রচর পরিমাণে উৎপন্ন বছিল। ভাষা ৰিভিত্ৰ গ্ৰহগোৰেন কোৰ-পালগৰ ও জনসাধানৰ পূৰ্ महांशारबार बाना नाना शकात विनश्च निर्दा शिवाहरू এব্যক্তিশন। পুশু মহারাজ অধ্যোজন জনবানের আলিভ विरमत। यह यक कपुर्वान कतात करन, भूप प्रशासक स्थानस्था कृषाः चर्ताकिक द्वेदनर्थ काक स्टाहित्वाः কিছ পৃথু মহারাজের এই ঠাবর্য সহ্য করতে না পেত্রে বেবলাক ইন্ম তার প্রতি মাংস্থ-প্রদান হতে, তার কলে বিশ্ব উৎপাদন করার চেটা করেছিলেন। পৃথু মহারাজ यका एक भारतस्थ सम्बद्धि समुक्ति कालिहरूर, क्षत्रक हैक স্কল্পের অন্যান্ত কলাখটি অপত্তার করেনঃ পুরু মহারদের হাউ খাডাগ্র মাৎসার্য-গরায়শ হবে, তিনি ভা করেছিকেন। ইঞ্চ বধন ঘোড়াউ চুবি করে নিছে বাচিংকেন, তথন তিনি মৃক্ত পুক্তবন্ত বেল ধারণ করেছিলেন। প্রকৃতনকে সেই কেন ছিল এক প্রদার প্রভারত্ত্ব, কালে তথক উর আচরণ ব্যবনত ধর্মানক বলে মনে হর্মেছে। ইয়া ধর্মন আকাশসার্গে এইভাগে পদানন কর্মাছলেন, তথন মহর্বি অক্লি উন্তক্ত দেবখে পান वनः नवक वर्षमा भवतः क्षत्रभव स्न। प्रवृति कवि कस পृथ् यक्षतास्कत भूजरक हैंद्रतात्र स्थानात कका सातान, कका সেই পরৰ বীর অভ্যন্ত ক্লম হয়ে "দীকাও। স্বীভাও!" কাতে কাকে উাকে অনুসরণ করেছিকেন। ইশ্রেক জনধারী ও জন্মকর্নিত দেখে, পৃথ্চ পুর গ্রেকে এককন ধৰ্মান্ত ও পৰিত্ৰ সাধ্যাসী বলে মনে কৰেছিলেন এবং ভাই দৈনন্দিৰ জীকনত সমস্ত আন্দোকজকে। পূৰ্ণ হয়েছিল। তিনি তাঁর প্ৰতি অপ নিক্ষেপ করেনমি। তাত্তি বক্তৰ দেখলেন তে, ইয়াকে বিনাপ মা করে, ফালোক পৃথুর পুত্র তার দান্ত প্রতারিত হরে কিবে এসেকেন, ক্রথন তারি মুনি থাকে পুনানে হলো কাহত অনুপ্ৰাণিত কৰেছিলেন, কাংৰ তিনি মনে করেছিলেন বে, পুনু মধারাজের ব্যক্ত বিশ্ব পৃষ্টি করার স্থান্য, ইল্ল সকল দেবতাকের মধ্যে নিকৃষ্টভয হলে সেছে। সেই কথা ওলে, কো রাজার পৌক ছিক এক ভান কৰি কিন অভাত কৰে এবং ভাতে তংকশ্বং অত্যত হ'ত বভিতে আকাশবাৰ্গে পৰাজনৱত

ষ্ট্ৰের প্ৰক্রজাকা করেছিলেন। তিনি তার প্রতি অতান্ত कुन्त इट्टाइएसम् अयः नर्जनस्य ताजा क्रोत् (दशस्य প্রবালে একাতে ধারিত হর্মেকলেন, ঠিক সেইভাবে তিনি **३**एक्ट क्रम्डकार क्लांक्टका देख रूका एक्टका रह. পথ্য হয় উরে পশ্চামানে করছেন, ভাষ্পাৎ তিনি ইয় শ্বিবেশ পবিভাগ করে, ছেড়াট রেখে সেখন থেকে অৰ্থাৰ্ছত বলেন। মহাবীৰ পুশুপুত্ৰ সেই জনটি নিয়ে উন্ন लिएक क्यान्यान क्रिक निर्वाहरूना ("

"হে বিদুর। সহর্বিরা মহারাজ পুথুর পুরের **এই** খাস্ত্রত প্রয়োগ্য দর্শন করে, তাকে নিজিতাশ নাম প্রদান कररिएकः। (ह विनुत्रः कथात गविन्यामी कर्यंत आसा ইন্ত তথ্য কা উপনাতেই বান বজাকা আকৌ কৰে, স্বৰ্ণপুথলের মারা স্পকার্যে বেঁধে রাঝা সেই অব্যটকে जुनवार चन्द्रम् क्वाद्रियानः। यद्यि च्या जुनवार नृष् মহারাজের পুত্রকে মেবিংমছিলেন যে, আকাশমার্লে ইক্স नवाग्रस करात्। प्रवादीत नृष्नुत छचन नुस्तार छैल পশ্চাপ্তাকন করেছিলেন, কিন্তু তিনি কবন দেখলেন ছে, ইলা ৰূপাল ও খট্টাস ধানত করেছেন, তখন তিনি তাঁকে হত্যা না করতে ক্রির কর্বেছিলেন। ফর্মের্ট করি করন পুনবার ভাঁতে মির্নেশ দিলের, তখন পুথ মহারাজের পুত অত্যন্ত কুন্দ্র হয়ে উল্ল চনুকে বাদ বোজন করলেন। ভা দেৰে ইল ভংকণাৎ সভ্যাসীয় ছলুকো এবং অৰু পরিত্যাস করে সেখন থেকে অন্তর্হিত হয়েছিলেন। আন भन महानाम भुष्त भूव विकिटाच भूनवार (गरे चचरि নিয়ে তাঁর লিডায় মাজতুল উপস্থিত হলেন। সেই সময় থেকে বারা মাধবৃত্তি, ভারা কপট সমাসীর বেশ প্রহণ करतिका। हैन्तरे फान शकर्वन करतरहनः वकान অপহরপের চেটার ইয়া বে-সমস্থ সন্মানবেশ ধারণ করেছিলেন, সেগুলি নাভিকা দর্শনের প্রতীক। এইভাবে **পূর্ব মহারাজের ব্যক্তর কর হরণ করার উদ্দেশ্যে ইয়া** উন্নেকটি সন্নামেকেশ প্রহণ করেছিলেন। সেই খেকে কণট সন্ত্ৰাসে প্ৰথম সৃষ্টি হয়েছে। কিছু সন্ত্ৰাসী নথ থাকে এবং ককাও ককাও ভারা ইভাকরি কো হয়েণ করে; তাদের বল্য হয় কাপাপিক। এখলি তেকা পাপকর্মের প্রতীক মান্ত। ধাপাসক মানুবেরা এই ভবাকবিত সন্মানীকৈ বুক সমাদ্য করে, কারণ ভারে भवतन्दि इत्स् छनविद्यवेते महिन्छ। छाता कारतः

মিক্টেরের মান্তরাল ক্লালার করার ব্যাপারে অত্যান বাক্ষণটু। কিন্তু জালাদের জালাত হবে বে, তাবেশ ধর্ম-আচলপকারী বলে মনে হলেও, প্ৰকৃতলকে তারা তা না। দুর্ভাগ্যেকণত ब्याशामक मानुरवत्रा 'द्रारमक धार्मिक रहार महाने करत अदर তাখের প্রতি আকৃষ্ট হয়ে নিজেখের দর্বনার্গ করে। অন্তন্ত সমজ্ঞমনানী মহাবাজ পুরু ক্তবেশাং তার অনুর্বাপ গ্ৰহণ কৰে ইক্ৰম্ভে হত্যা কলতে উদাত হয়েছিলেন, ভাবৰ ইন্দ্র এট প্রভার অধ্যার্থিক সন্ত্রাসেপ্রথা প্রবর্তন করেছিলেন। বধন পুরেরিহতরা এবং জন্য সকলে দেখলেন, পুখু মহারাভ অভাব ফুর্ছ বটো ইবাকে হতার করতে উলাভ হয়েছে, দ্ৰমন উলা উক্তে অনুৱেব করে বলেছিলন— क्ष प्रश्लाम । यहा करत 'हैरिक क्य करावन ना, कांत्र' হয়ানুদে মঞ্জের নিথিত্ব পশু ব্যুতীত আন কিছু বৰ করা উচিত নর। এটি শারের বিধান। হে বাধান। আপনার चया कन्त्राता विश्व मृष्टि कतात करम, देख देखियरशाई হতবীর্য হরেছে। স্বাহনা অভ্যতপূর্ব বৈদিক সম্রের স্বাহা व्यक्षात सहज, और संस्थानाहर छाएक निएई व्यामय अन्तर অমেনের মন্ত্রের বলে ভাকে ক্যানিতে জেম করব, কলে বে হড়ে পরপমার শতাংশী

"दर विद्रा। बाकारण करे छेनएमन सम्बद्धाः नत् বঞ্জ অনুষ্ঠানে রাজ পুরোছিতরা মহাজোরে দেবরাজ ইন্ত্ৰকে অনুন ধরকেন। তারে কথন হল্পে অনুতি নিতে ব্যাদেনের, ভাষন ব্রহ্মা দেখানে উপস্থিত হতে তাঁকের निरुष्ट कारणन।"

विभार छै।एमक म्हाबाधन कहा स्वश्टलस—"हरू क्रहे अनुकारणारीनम्, काननाता (प्रवताक देशात का कार्य পারেন বা। সেটি আপনাদের কঠেত নর। আপনাদের কেনে রাশ উনিত যে, ইঞা প্রথেকর ভগবাদেরই ছতো। বাড়বিকণকে তিনি ভগবানের একস্থান কড়াংকেব स्वयक्षतः। अरे वस सन्वेत्तर वाक माननात गमक (लवकारम्य क्षेत्रमध्ये विवास अन्तात क्षेत्र कताहरू, किन्न স্বাপনাকের জানা উচিত বে, সমস্ত কেবভারে ব্যক্তন ইলের মধে। তা হলে এই বহুল হলে মধ্যেয়া किसार स्टेंहरू वर कहारू गाहरू ? शृथुर दशाय অনুষ্ঠানে বিভ সৃষ্টি কথার ইন্দেশ্যে দেকলক ইন্দ্র এনেন কতকত্নি পদ্ধ অধ্যক্ত করেছে, যার কলে ভবিবাতে বর্নের সূমিনিট পথ কিনট হবেঃ ছেখে দেখুন, আল্লানারা

চতৰ্ম ব্ৰহ

যদি তাৰ আৰক বিলোধতা করেন, তা হলে ভিনি উন্ন ক্ষমতার অপঝাবহার করে অন্য অনেক অধর্যের পছতি धवर्टन क्यरकर।"

"অভ্যান বিশ্বদৰ্কটি পৃথ্য নিজনবৃহটি ফলই হোক।" ভার পর প্রশ্বা পৃথু মহারাজের প্রতি কালেন, "বেংফু অপনি মোশের মার্থ সংক্রে পূর্ণজন্ম অবগত, অভ্যাহ चानमार बाद कथिक एक करान कि छट्टाक्षमा" चानमहत्त्वत केंग्रहात्वर कलाव (ग्राक, कार्य बानदि देशर দেবয়ার ইক্স উভয়েই পার্যক্র ভাগানের প্রাণ্ডেশ অকতার। সুতরাং আগনি ইক্স থেকে ভিন্ন না। অভাব ইজের প্রতি আপনার কুন্দ হতার উচিত না। (হ সংকর্। আপন্তে কল কৰাকণভাৱে স্পান ক্যুনি বলে, স্কুল ও विचाराच स्टब्स ना। और विष्य रेमरका श्रष्टारवरे श्रासाह। ৰৱা করে অভ্যসহকাত্তে জামার উপলেশ প্রবণ করুল। আমাদের দৰ দক্ষ বনে রাখা উচিত বে, দৈবের প্রতাবে বলি কোন কিছু কটে, আ হলে সেই খানা আযোগের পুত্ৰবিত কলে। উভিত নাম। দৈকের খানা কোন কার্য বিনষ্ট হতে, বতই আমনা সেই কর্মে সম্পান করার চেটা করি, ততই আমরা শত্তকী জিলের কা অকলরে প্রবেশ कति। और का चानुकात यह कड़ान, कारण और यरकार কলে ক্রি অনের ভাগর আচরণ প্রবর্তন করেছে। আগনি क्षाद्रम क्षापून हव, व्यवकारमञ्ज भरवाक आस्तरकच वर्ष क्वाकृष्ठ कमत अस्तरह। अन्, काल्य हुति कतार करू, দেবলাক ইক্স কিকাৰে বজের মাবে এক বিশ্ব সৃষ্টি করেছে। তার প্রবর্তিত এই সমস্ত চিতাকর্যক পাগকর্য **জনসংগ্রদক্তে অভিভৃত করবে।**"

"হে বেশপুর মহাপ্রাক্ত পৃথু। আগনি চপরান বিশ্বর

কলা অবতার। নাজা বেশের দৃষ্ট কার্যকলাগের ফলে, ধর্ম প্রান্ত কবলাপ্ত হর্বোখল। সেই উঠিও সময়ে খ্যাপনি ভগবাৰ বিষ্ণাৰ অবত/রকাণে অবতরণ করেছেন বার্ডবিকগক্ষে ধর্মবন্ধা করের জন্য আপনি রাজা বেশের শবীর থেকে অর্নের্ড হয়েছেন। হে প্রভারক্ষর। দরা কৰে আগমি জাগনাও জবতৰপের উচ্চেণ্য বিবেচনা করন। ইয়ে যে পারত সভবাধ সৃষ্টি করেছেন, ভা নানা অধর্মের জননী। সূতরাং জংগনি ধরা করে সেই সমস্ত इतना फरिएड मिक्क क्लाम !"

মহৰি মৈৰের ৰলভে লাগলেন—"এইভাবে প্রম ওক ক্রমা কর্তৃক আধিষ্ট হয়ে, পুৰু মহানাক্ষ তার ফল ক্রার ইচ্ছ পরিজ্ঞাগ করকেন এবং গতীর স্লেহ এদর্শন করে ইপ্রেক্ত সংক্ষ মিরারা করকোন। ভার পর পুরু মহারক্ষে লাম করেছিলেন। বন্ধ অনুষ্ঠানের পর, বিধি অনুসারে স্থান করতে হয়। তার পর ঠার মহিমাহিত স্বাৰ্থকল্যাপে প্ৰসন্ন হয়েছিলেল যে সমস্ক স্বেডালা, উদ্দেৰ কাছ থেকে তিনি বর প্রাপ্ত ইয়েছিলেন। পভীর কাছ স্ত্ৰানে, আদি রাজা পৃষ্ এই হজে উপস্থিত স্মস্ত ব্রশাপদের নাথ প্রকার উপহার প্রধান করেছিকো। সেই বান্ধণেরা অভ্যক প্রদান হয়ে, রাজকে জামের জামেরিড चानीयांत श्रमान करतक्तिता ।"

সমন্ত মহাৰি ও প্ৰাক্ষণেক বদক্ষেম—"হে শক্তিশালী क्रांचा। व्याननाः निम्हातः नर्वत्वनीतः चीत्वता वर्वे मकाग्र বোগদান করেছে। উরো লিতুলোক ও স্বর্গলোক দেকে वारमञ्जून अवर प्रश्नविंगम् छ स्वयंत्रम् बानूरकारः वहरे साधाव যোগদান করেছেন। এখন ভারো সকলেই আ**প**ন্নর অবহারে একং আপনার মানে অভ্যন্ত সন্তুট হয়েছেন।"

বিংশতি অধ্যাহ

পুথু মহারাজের যজ্ঞসূলে ভগবান বিষ্ণুর আবির্ভাব

নিধানন্টিট করা অনুষ্ঠানের কলে ভাগান জীনিক কতার। করেরে অনাতিক ভাগ্নি আসামন কলে। কালা কল সভুষ্ট হয়ে, শেবরাজ ইন্সাস্থ সেই বজাপুণে আধিওঁত সমস্ত জড় কল্ড থেকে মুক্ত হয়, তথা ভাকের মন চুয়েছিলেন। তার পর তিনি বলেছিলেন—ছে মহারাজ । উলার ও ভঞ্চ হয় এবং তিনি ভঞ্চ সর বিদ্বাই সমস্রাশে लुक् | देखा स्टामक क्ष्र संबद्धान क्षा कनुराहत विष्ट गृष्टि । क्ष्रीत करूत । बीन्यहरू और करहात मानि गान का अपर থারেছিল। বিশ্ব এখন সে ক্যাপ্রাধী হয়ে ভোমার করে। তিনি ভারন সক্রিসানক বিশ্বকর্মী আমার সমগদ মার্ড এগোছে। ভাই ভাকে ভোনান করা উচিত। হে তন। বিনি জানেন বে, এই জড় পেহ পক্ষ-মহাত্ত, ব্যাধার : বারা অভান্ত বৃদ্ধিমান এবং অভেন্ত হিতসাধানে : রঙ, মনুত্র-সমালে উপের সর্বশ্রেষ্ঠ বলে বিশেচনা করা হয়। তালে কৰাও অনের প্রতি বিবেশ-পরাকা হন না। সভা বছন কেনে মৃত হওবার বোলা 🖺 ষ্ঠায়া কাশভাবে ঝানেন যে, আছা খেকে এই কটা সেই ভিন্ন। পূর্বকে আন্তর্বনের উপদেশ পালন করার করে, প্রবার্থিক ক্ষীকনে উত্তক তোরার মতের ব্যক্তিরাও যদি আমন্ত মাধ্যর প্রভাবে মোহাক্সর হর, তা হালে ডোনার পারমার্থিক উর্মন্তি কেবল সমরের অনর্থন অগচন বলেই भटन कका इरन। चीता स्टायपुरित कारण नवरस পূৰ্ণজন্যে অক্যান্ত, খায়া জানেন যে, এই মেহ মায়াজনিত। অবিন্যা, কাম ও কর্মের ধারা সৃষ্ট, উন্না কথনও লেহের প্রতি আমক হন মা। সম্পূর্ণরূপে দেহাকবৃদ্ধি থেকে। মৃত বে-অভাগ বিজ ব্যক্তি, তার গৃহ, অগতা, বির কমি শারীরিক বিষয়ের প্রতি মুসলা থাকবে কি করেং আগা त्यक, कब्द, विचय अभर यहाधकान। हिनि मध्य अपन्ताना कार्यात अवर अर्थवाता । दिनि वक कार्यात-মহিত এবং ডিনি সহস্ত কাৰ্যকল্পের নাকী। ডিনি কন্য সমস্ত খীন থেকে সভাৰ্ণপ্ৰণে কথা এবং তিনি সমস্ত শেহখারী আন্ধান অতীও। এইভাবে বিনি পরমানা ও আৰা সমান্ত সম্পৰ্ণজনে অনগত, তিনি কড়া প্ৰকৃতিতে অবস্থিত হওৱা সন্থেও, কড়া প্রকৃতির ওল্পের ব্যৱহ কথনই প্রেমমরী ক্রেবার অবস্থিত 🖺

अधर्वि रेगरबम् बनएक नागरवान—"एह विष्ट्रशः धारशप्र द्वारवारी एकाव युक्त प्रम, किनि दीएत दीएत छै।त चारमञ्जून, कट्यक्रिय च मरन्छ बाता बर्डिट अस्र चाबा ছিল ৩ উন্দৌন হয়ে এই সৰের অধ্যক্ষ**ন** করে, তিনি

"হে রাজন। প্রকৃতির তিনটি **ওবের** নিযক্তিরার প্রভাবে এই জড় ভারতে নিরবর পরিবর্তন হয়। পঞ্চ महाकृत, देखिडमबुद, देखिएडट जिएक स्मरण्यान अरा कर, वा चाष्ट्राट साथ विष्य सह—और मत्सा मध्याद দেহ পঠিত হয়। বেহেডু পুল ও সুন্দ্র জড় উপালানের এই সমধ্য দেকে আগ্না সম্পূর্ণ ভিন্ন, তাই জন্মর সঙ্গে সুষ্ঠ সৌহৰ্ম্য ও ছেন্টো ৰঙ্গৰ আৰম্ভ আৰম্ভ কৰ नुर्वकारम कार्यक्रक हता. क्या कार्यक्र और तृथ व मृहर्यक्र বারা কিলিত হল না 🗀

"ए वीत डाका। जर्दन अवस्थानाना हता सेस्टर, যথ্য ও অথব দৰত মানুকলো প্ৰতি দ্যানভাবে আচ্যান ৰয়। অনিতা সুৰদুহৰে ডিলিট ইজে না। সৰ্বভোৱাৰ জেনার কা ও ইপ্রির সবেত কার্য আবার খাবলুগুলার, ত্মি জীবলে যে অংকুতেই বাৰ মা কো, সৰ্বন চিন্তুত্ব করে অধিকিত হতে, রাজমানে ভোমার করিবা সাল্যানন া করার চেটা কর। তেনের একমাত্র কর্তব্য হলে তোমার हारमाह रोमार्थन हमा करा। हाकार धर्व हरम हारमाह সমস্ত নাগরিক্তবর রক্ষা করা। এইভাবে আচরণ করের शकाविक इस सा. करतन दिनि गर्यमादै चामाद निया करन, ताका देख नवनकी कीवरन शकारण्य नुनुकर्यह शक-रहोरण (स्टाप्त करान। किन्नु दोका स्त सामुख्यान स्ति "হে পুৰু মহাবাদ। কেই কথা তাম কথাই কৰাছিত। কোন্দ প্ৰথমে আৰু বেকে কা সংগ্ৰহ করে কিছ প্ৰয়োগ হতে, কেন্দ্ৰ ক্ৰম্ম আৰু-আপতিত লাভেন প্ৰত্যাপী না কৰে, - ইপাৰ্মভাবে ক্ৰম্পালেকণ কৰে মা, সেই ব্যক্তার পূপ্যকল প্রজারী হরণ করে এবং তার প্রজাদের পাশবর্ধের কর আৰে ভোগ করতে হয়।"

"८व महाताक नृष्: पुनि यनि ५४४-शराम्भता शारात निश्व कान शार्थ शक्त बाक्षणात्मा निर्द्धन चनुत्रहत शक्त नामन कर क्षार कर एकच बाताधर्म-श्रमुक बरुवाएरह श्री অনাস্ক হরে, উদ্দের দেওৱা ধর্মীর অনুদাসন পালন क्त, छ। इरम रक्षमान नमक अनाम नृती शूर अवर छात তোমার প্রতি প্রশ্বাপরারণ হতে এক তুরি অচিত্রেই সদক, সন্তের, সনকর ও সমধ্যার এই চারকার স্তু-পুরুষের मर्भन मास कहरू।"

"(र राजन्। रचायत केराम कन्यमी जरर चल्य সুন্দর আচরতে আমি মুক্ত হরেছি এবং ভাই আমি ভোমার প্রতি অভ্যন্ত প্রশাস ইয়েছি। সেই আন্ত ভূমি আমার কাছে ছে-কেন বা প্রর্থন করতে গার। বারা উচ্চওগ্রকী-স্ববিত নয় এবং বাদের আচন্ত্রণ উত্তর নয়, ভারা ক্ষেত্ৰত কৰা অনুষ্ঠানের খালা, কঠেও জলগান ধারা ক্ষণৰ বেদ কভাগের ক্ষর কথনও আনায় কুণা স্বাভ ক্ষাতে পারে না। কিন্তু বাঁদের চিন্তু সমন্ত পরিছিতিতে देवमञ्च-त्रविक, फेरमड समरह चामि जर्वना विदास करि ("

ছহৰি মৈনের কলকেল "হে কিনুৱ। এইভাবে বিশ্বক্তিং মহারাজ পূপু পরমেশ্বর ভগবানের আদেশ শিরোমার্থ করেছিলেন। ইল তথন উর কৃতকংর্যার জন্য দর্মকাত হতে, পুশু মহারাজের পদাবুগালে পভিত হলেন। কিছু পুথু মহারক্ষে ভংকশাৎ হোমাগ্রত হয়ে ভাঁকে আনিমন করেছিলেন এবং ওঁরে বজাৰ আগংলে-কনিত বিষেক্তাৰ পরিস্তান করেছিলেন।"

"পুৰু মহারাক জাঃ প্রতি ক্ষতার ক্লাপরারণ স্মানেশা ভগবানের শ্রীপাশপার অভার সুমরভাবে পূজা করেছিলে। ভাগরনের জীপালনছের পূকা করার সংয়, পুশু মহারক্ষের ভগবৎ-শ্রেম ক্রমণ বর্বিত হ্রেছিল। ভগবান ভখন প্রস্তান করতে উদ্যাত হারেছিলেন, কিছ ক্ষেত্রত্ব ভিনি পুশু কর্মাচনের প্রতি জভান্ত অনুমহ-পরাধণ दिरमा, छाँदै छिनि श्रशान कारण माध्यान मा। कमरान ক্তব্য জ্বান ক্রমণ-নরনের জারা পৃথু মহামাজের আচরণ লর্শন করেছিলেন, ভক্ত-মধ্যেল্যাহেড় তাঁর এই বিলয় হামেছিল। অনি ভালা পুৰুত চকু কৰন আঞ্চপূৰ্ব কুলাই अपर को इन्ह एक्सात, समयानाक पूर्वन कारण शांतरणन

না একং ভাঁকে সপ্তানৰ করতে পারলেন না। ভিনি কেবল তার হলতে তাকে আলিখন করে, কৃতাঞ্চলিপুটে শেখানে গাঁডিরে ইইফোন। ভার পর তিনি অন্তঃধারা মার্ক্তন করে শেখতে পেকেন যে, পরমোধর ভগবাদ পৃথিবীপুঠ প্রায় স্পর্ন করে, প্রস্তুত উন্নত আছে তাঁর हरजन फटानाथ किनाव करता, छोत घरभतिहरू नहस-नारकी পথিকরণে অবস্থান করছেন। জখন পুরু মহারাজ তাঁকে সমোধন করে এই প্রার্থনাট নিজেন কর্মেছলেন।"

"মে জগবান) বাঁদের ব্যবহান কবার ক্ষমণ্ডা হয়েছে, পাণনি সেই দেবতামেরও ইমান। অভঞা কোন বিকেটা ব্যক্তি কেন জাপনাৰ কাছে জড় জগতের গ্রাপের ইছনে মোহপ্ৰক ব্যক্তিদের ভোগ্য বর প্রার্থনা করাখে সেট সমন্ত হর নরকন্ধসী জীবের পূর্বন্ত আপমা থেকে লাভ করে। হে ভগরন। অগনি ব্রহ্ম-সায়কাও কংশাই দুন করতে পারেন, কিন্ধু সেই সমস্ক হর আমি লাভ করতে ইচ্ছা করি না। হে ভাগবান। আহি ভাই বাংশনার चलिए मीन एता क्षत्रका सा शार्थमा करि ना, कार्य সেই অভিন্তে জাননার শ্রীপালপছের আনত পান করে বার নাণ আমি কেবল অনুভ কৰ্ণ লাভের বন প্রার্থন্য করি, কারণ তার কলে আমি আপান্ত ঋত জড়াদের শ্রীমুখ বেকে জাপনার শ্রীপালনছের মহিমা প্রকা করতে সক্ষয় হবঃ হে ভগবান। বহাপুক্তমের মুখনিঃস্ত উভ্যাধ্যেকের জন্ম আপনার মহিসা কীর্তিভ হর। আপনত ত্রীগানগজের এই মহিদা ঠিক কেশরের কণার যভো। বৰুন হত্তন ভক্তবের মুখনিমন্ত বাদী আপনার স্কীপ্রদেশকাে ধূলিসদৃশ ফেলনের সৌরস্ক বছন করে, তান বিস্ফুড জীবেয়া পুনবাধ আগনার সলে তালের নিতা নাশ্ৰেড কৰা দ্বৰ কৰে। এইভাবে ভভাৱা বথাহথভাবে বাঁবিচের মূল্য হানরক্ষ করতে পারে। 💸 ভগবান, অতি আপনার বন্ধ ভড়ের জীমুখ থেকে আপনর মহিমা ধালে করত সোভাগা কতীত আহ অন্য ঞান বা চাই মা। হে মহা-মহিমানিত ভগবাদ। কেউ বলি তত্ত ভক্তের সাহচৰ্যে জালদার কর্মকল্যাণার মহিয়া একবারও প্রকা করেন এবং তিনি খনি একটি গও দা হন, তা হলে ভগৰছভেনা সম তিনি ত্যাগ করতে পারবেন মা, কারণ কোন বৃদ্ধিখন ব্যক্তি ভা কথনও করবে না। আলনকা মহিফা প্রকা ও কীর্তনের পূর্ণপত্ন

রাজীলেনীর গ্রহণ করেছেন। তিনি কেবল আপনার ক্ষান্ত কার্যকলাপ ও অপ্রাকৃত মহিলা প্রাণে করার জনা সর্বদা উৎসূক। এখন আমি টিক কমনার মতো ঞ্চগবালের জীলাদপরের সেবার বুক্ত হতে চাই, করেণ ভাগন হলেন সমন্ত দিব ওপের আখার। সেই ছন্ত হরতো লক্ষ্মীদেবীর সঙ্গে অংখ্য কিবল হতে পরে, কারণ আমরা উভরেই একাশ্রচিতে একই সেরার ফল হব। 🐠 क्षणिकाः मुन्हीदश्यै स्टब्स् मात्रा क्षणट्टा याटा दावर ভব আমার মনে ছয় যে, তার সেবার হস্তাদেশ করার ফলে এবং যে পদের প্রতি তিনি অভ্যন্ত আরক্ত সেই সেবা করার কলে, তিনি হয়তো কামার প্রতি ক্রম হ্রাড পাকেন। তা হলেও আমি আশা করি যে, আমানের এই इन व्यागविद्ध जानी चामत नक जनत्त्व कारको, কারণ অপেনি দীনবংসক একং আপনি সর্বদা তক সেবাকেও অনেক বড় করে দেখেন। তাই লক্ষ্মীদেবী चामात्र शक्ति क्षय सरगठ, चामात्र महन २६ (स. छाएउ আপনার ক্ষেত্র কঠি হবে না, কারণ আপনি সম্পূর্ণরাংগ আত্ব-নির্ভারশীল, সুতর্তার সন্দীতেও আপনার ভঙ श्राचायान (नोहे 📑

কারণ ভত্তির প্রভাবেই কেবল হোহমহী ভড় অভিছের বন্ধন থেকে মৃক্ত হওৱা আয়। হে ভগবান। মৃক পুরবের যে আপনার প্রীপানগরে শব্দ গ্রহণ করেন, তার একমার করণ হলে উল্লে নিবন্ধ আপনার শ্রীপাদগবের क्या विद्या करता। 🗱 श्रेष्ठः। ध्राभना ध्रमा ध्रमा ध्रमा কাছে জাপনি স্বা বংগছেব ভা অতান্ত মোহকারিগী। বেলে অপনি বৈ প্রলোভন প্রদান করেছেন তা অবলাই অপন্তঃ ওছ ভক্তদের উপর্যুক্ত নর। সংখ্যাব মানুবেরাই বেপের মধুর বাদীতে মোহিত ছত্রে, ভালের কর্মসংলর বৰ্তন আৰম্ভ হয়ে পুনঃ পুনঃ সভায় কৰ্মে হত হয়। হে ভগবান। আপনার হাধ্যর প্রভাবে এই জড়-অগতের। नमक बीरवज्ञ एरश्य शक्ष क्यम विज्ञुष्ठ स्तारह धनः পাজানতা-ফলত ভাষা সর্বদায় সমাধ্য করে ও প্রেদরবেশ। আত সুখ কাখনা করছে। তাই, হয়া করে আপনি

আমানে কোন মকম জড়-জাগতিক লাভের জন্য বর প্রার্থন্য করতে কারেন না। পাদান্তরে, দিতা যেমন তান न्द्रका श्राप्तेनद्र श्राप्ताना वा करा जात कमारिया करा नर কিছু করেন, তেমনই জাপনিও জ কিছু আমার কল্যাদকর বলে যনে করেল তাই করুনাং

মহবি মৈত্রের ফালেন--"পুশ্ব মহারাজের প্রার্থনা তাৰ ব্ৰহ্মতের প্ৰক্রী গুণকান জ্বস্তাকে সম্বোধন করে বলেছিলন--"হে বাজন। আমাধ ভটিবৃতিতে তুমি সর্বদাই ফুর্রু থেকো। তুনি যা ব্যৱহারপূর্বক ব্যক্ত করেছ *रक्का और शकात कर केरकारनीय घटना*डे मुर्जकार मातारक অভিক্রম করা বার। হে রাজন। হে প্রজাপালক। এখন থেকে অত্যন্ত সাকলেতা সহকাত্তে ভূমি আমার আপেশ भारत कर अरह कथन७ (कान किश्न बाद्य दिन्छे स्ट्रा) ন। বে প্রভাগুর্বক এইভাবে জানার অবস্থা পারত করে, তার সর্বর মঙ্গল কর 🗗

"পর্যেশ্বর ক্তাব্দি অচ্যুত পূর্ব মহারাজের সারগর্ত প্রার্থনার প্রচুত্র সময়দর কবলেন। এইভাবে ভার বারা সুদ্ধতাৰে পৃত্তিও হয়ে জৈকে জানীবাদ কচলেন এবং সেধান থেকে তিনি প্রহান করতে ইল্লা করেছিলেন। "মহান মুক্ত পুঞ্জোর সর্বনা আপুনাকে তক্তি করে, সেবতা, অবি, লিড়, গছর্ম, নিজ, চারপ, পরুগ, কিরছ, অপর, মর্ত্যলোকনাসী, পঞ্চী এক বজহুলে উপস্থিত कन्याना नमल सीनासर अन्य शृहायनत कथलान छ देख পর্বেদনের অঞ্চলিবন্ধ হয়ে পুশু সহারাজ্য সুমধুর অপীয়ে वासं धवर वेपानस्व जन्मन अंतम करन भूका करहिएतम। এই অনুষ্ঠানের পার, শুরু সকলে ভানতে জীবিকার পাল্ড অনুসরণ করে ভাগের ছ-ছ ছাত্রে প্রস্থান করেছিলেন। পুরোবিতসহ রাজায় মন হরণ করে, অচাত ভগতন চিমাকাশে তাঁর খাখে প্রত্যাবর্তন করেছিলেন। সুধ মহারাজ তথ্ন সমত কেবতাগের প্রম মেবতা প্রথেপর ভগবানের প্রতি তার মধ্যে ক্রতি নিবেন করেছিলে। ভগবান বলিও জড় সৃষ্টির ভগোচন, ভন্ত হিমি পুখ मराजारकः मृष्टिनस्य निरक्षकः ध्यानिक करत्रिरागमः। ভাষানৰে প্ৰণতি নিবেদন করার পদ, পুথ কহারাঞ্জ জন্ম গুহে প্রভাগর্ভন করেছিলন শে

একবিংশতি অধ্যায়

পৃথু মহারাজের উপদেশ

মহর্বি মৈনের বিদুরকে কালেন—"পুথু মহারক্ত বৰন ক্টার নববীতে প্রবেশ করলেন, ভখন ভাঁতে স্থানত कहरतक करा पुरुष, कुरमेव शाला, मुख्य वस ७ पूर्व-ভোরতের বর্মনা অভ্যন্ত মুম্মরভাবে শহরটিকে সংস্থানে হয়েছিল একা সারা নগরী সুগছিত ধুপের ছারা সুবাসিত। হরেছিল। নগরীয় পথ ও প্রাঞ্পসমূহ চন্দন ও অওঞ্ হজের বাতু, প্রদীপ ইন্সাধি ফালিক সামগ্রীর ব্যানা সর্বত্র मानाम श्राहित। १९४४ महिन्त्राठनि दश, कृत, কল্পীড়ার, সুগারি গাড়ের ভাল, বৃক্ত ও ওসগাম্বর করে অভ্যাপ্ত সুন্দরভাবে সাক্ষানে হরেছিল। ইপন রাজা নগরে প্রবেশ করলেন, জবন সমস্ত আগরিকেরা দীপ, পুলগ, দবি ইত্যাদি অসলৈক সামগ্ৰী নিয়ে তাঁকে স্বাগত জানিয়েছিল। नामा धक्ता राष्ट्रामारकारक विद्विष्ठ। का गुण्डी कृपानीत ক্রজাকে স্থানত জানিয়েছিল। তাগের প্রশানের **অ**ল সংগায় ইওরের ইলে, অনুদর কান্টের দুল বেন পরস্পার্ক তৰ্ক শাখ ও মুশুভি কানিত হল, পুরোহিতেরা কেগের হয় উচ্চারণ করলের এক স্তবকারীরা স্তব করলেন। সংখ্যে, রাজা ছিলেন সম্পূর্ণ নিরহকরে। নগরীয় সঞ্জাত যালিরা ও সাধারণ প্রজার সকলেই অভান্ত আপ্রতিকভাবে কালাকে স্বাদত জানিহেছিলেন এবং ভালাও জানেত্র कडीड या श्रमन करतिहालमः। नृथ् प्रदानक विरुक्त মহান্তৰ ৰাখ্য কৰি তিনি ছিলেন সকলেন্ত্ৰ **पूछा। दिनि पृथिती भागम कता**त समय क्**स**रिमाणिक भौति शामन करतहिरमान बना छिनि हिरमन गर्वसाई कैरात। वहें अवस्थं महान जानना चर्चन कराह सरण, ক্ষান্ত সমগ্র ক্রমণ্ড কুড়ে বিবৃত বরেছিল এবং চরতে তিনি প্রয়েশ্য ভগবানের শ্রীপাদপত্ম প্রাপ্ত क्टबर्कित्मन ।"

मृष्ठ शावायी क्लानम-"(व धनिस्मय नातक

লৌনক। অভ্যন্ত বোগ্য মহিমাবিত ও বিশ্ববিশ্রুত অসিবাজা পুৰুষ সৰকে মৈজের কৰিব কাছ থেকে প্ৰাণ করার পদ্ধ, মহাভাগরত বিশ্বর ঘাতান্ত বিশীতভাবে ক্লৈরেয় কৰিৰ অৰ্চনা কৰে ভাকে নিম্নান্তিত প্ৰথাওলি करविरक्तम ।"

विष्त्र रकरकान---"(र बाचान देशरतात्र) शहवि रिक्टि करन निक स्टादिन बना पून, कर, वी, विकित । जामारण्या व्य पूर्व प्रश्नाकरूक राखनिरशास्त्र चाकिरस्य করেছিলেন, সমস্ত দেবভারা যে তাঁকে অসংক উপছার প্রকাশ করেছিলেন এবং ডিনি বে বিকৃত্তক প্রাপ্ত হয়ে সারা পৃথিবী কুড়ে ভার প্রভাব বিভাগ করেছিলেন, সেই বৰত বিধৰ অভগত হতে, আমি পভীয় আন্তৰ্ অনুভাৰ করাই। পৃথু মহারকের কর্বভাগে এতই মহান ছিল এবং তার শাসন-প্রশালী এতই উদল ছিল হে, আরও সমস্ত রাজা ও বিভিন্ন রহলোকের মেবতারা উরু পদায় অনুসরণ করেনঃ এফা কে আছে বে তাঁর মহিমারিত কাৰ্যকলাপ শ্ৰক্ষ কয়তে চাইৰে মাং আমি পুৰু মহাবাৰ স্পর্য করছিল। জন্ম করে প্রাসামে প্রকেশ কর্মেন, সংগ্রে জারও করেও চাই করেণ তাঁর কার্যকল্পণ অভ্যন্ত পৰিৱ ধ বিভাগ্ন"

মহর্ষি মৈত্রের বিধুরকে বললেন—"হে বিদুর। পৃথু কিছু উত্তে স্নামত জানাবার জন্য এই সমস্ত অনুষ্ঠান মহাত্যজ পদা ও কমুনার অন্তর্যতী পূখতে বাস করেছিলেন। বেহেডু ভিনি ছিলেন ঘতান্ত ঐকর্যভালী, তহি মনে হয়েছিল, তিনি ফো তাঁর পূর্বকৃত পুশ্ব কয় ক্লার জন্য প্রায়ক সোঁতাগা তোগ করকে। মহায়াক পুথ ছিলেন সম্ভাৱীপ-সমন্বিত পৃথিবীয় একজ্ঞা সজাট। তার অপ্রতিহত আদেশ নাধু গ্রাক্ষণ ও বৈশ্বর ব্যতীত কন্য কেউ লভক কইছে পায়ত মা। এক সময় পুৰু মহারাজ এক মহাহতে দীক্তিত হয়েছিলেন। সেই বজে দেবতা, গ্রন্থবি ও রাজবিঁরা সকলে সমবেত হয়েছিলেন। সেই মহান সভার মহারাজ পৃথু মর্ব প্রথমে সমস্ত পৃষ্ণনীয় অভিথিকে স্থান্যভাৱে পূজা করেছিলেন এবং তার পর তিনি সেই সভার অরকা পবিষ্ত চন্দ্রের মতেন উবিভ হ্যেছিলে। মহালক পৃথুর দেহ উরত ও বলিউ.

ভটিলেশ স্থান, উপর রিপেট। রেখার স্থাপাতিত এবং অকর। ঠার মাহিদেশ আবর্তের মতো প্রতীর, উরুত্ব সংশ্রের बराय केपान क्रांस नाहर नाहर बशायत वेहरा होत ক্ষেক্তবাগ—সৃস্তু, কৃষ্ণিত, কৃষ্ণবৰ্ণ ও চিত্ৰৰ, গলালে শহরে মুসে রেকার্ড। তিনি একটি অতি মূলার্ম ছতি। भारतिस्ताम अवर केन्द्र स्मानक केन्द्रिकारण विम अब व्यक्ति মহারাক্ত তাঁর মুক্তাবাদ বস্তু তাকে কর্মেহিছেন এক তার करन देख १एएस बार्कारक भावर्थ पृष्ठिप्रवास प्रदर्शन : তিনি য়খন কৃষ্ণান্তিক পৰিখনে ক্ৰেছিলেন একা আসুক্ কুশাস্কীয়ে ধারণ করেছিলেন, তথন উল্লেখনেরও সুকর দেখাছিল, কারণ তার কলে ঠার মেহের কভাবিত মৌশর্য বর্গিত হয়েছিল। বন্ধ অনুষ্ঠানের পূর্বে পুখ बहाराक नमञ्ज विक्रि मिर्दर छनि शानम कर्द्राहरूनः। महाच्च नकमारक चानुधानिक कदाव क्रमा वान देशानन व्यानक वर्गन कटाड जन्म भूध प्रदाराज निनित-प्रिक ভারতার মতে। চকুর দ্বালা ঠামের উপর দৃষ্টিপাত करदिशालम अधर छात्र नम छिति गाउँच बाहुद छीएन्स বলেছিলে। পুথু সহায়ায়েশ সেই বাকী ছিল আঠাও। ইনোহর, বিচিত্র পদ্ধবিশিষ্ট, স্পষ্টভাবে বোধগরা, প্রধে-মধুর, গতার ও ওছ। তিনি কো উপস্থিত সতলুমক মসংগ্রে কন্য টার ব্যক্তিগত উপলব্ধির প্রিপ্রেকিট্ট ডা কলেছিলেন।"

পুথু মহাতাল বলদেন—"তে সভার উপভিত সাংখ্যাপুৰ আপনাটের হলক হেন্দ। আপনারা, সইভ মধান্তারা, বাঁরা এই সভার উপস্থিত হয়েছেই সহা করে व्यामार्थे क्षाप्रीम प्राप्तासम्बद्धाः स्थापे करावाः (क ৰাজি প্ৰকৃতপক্তে ক্লিয়ানু, ধৰ্মজিকানু ব্যক্তিৰে কংছ ঠার মনের অভিলাধ ব্যস্ত করা উচিত। পাংগুরের स्थानात्मक क्षाद्ध साथि और तात्मक राक्षात्म विक्रु शरप्रिक्ष अवर अकारनद भागरमा सम्। विभन्न (धार्क स्टोरन्त

ইয়া অসকান্তি গৌনবৰ্গ, ইয়া বাধবুদার দীর্ঘ ও পুল, ইয়া । একা করার ক্ষান্য ইবনিক সিনেশ্র ক্রমিত বর্ণাক্রম দেহবুগল প্রভাতকানীয়ে সুপুর্বর মতো উজেল, ঠার । ব্যবস্থা অনুসারে অবনর জীবিকা প্রদানের জনা আমি এই নাসিক। উন্নত, মুখন ক্রম করার সুখন এবং ব্যক্তির। রাজ্যত ধ্রের করেছি। আনি মনে করি বে, রাজ্যকাশে সৌত্রা। উচ্চ শ্বিত হাস্যুক্ত মুখ্যওকে সুখ্য হতুৰ্গন্ধ আহি হতি আহার কঠবা সম্পাদন কঠি, তা হতে আহি শোষ্টা কাজিলা। পূৰ্ মহায়ামেৰ প্ৰছল নিস্ত, বেসমুদ্ধে দ্বার বৰ্ণিত ইপিত বস্তু দাত কৰতে পাবক। সমস্থ নিয়তির দুরী পর্যোশন ভাগবাদের প্রসঞ্জয় বিধাদের পরের মতো অর্মান্তালে নিত্রত ও মধ্যেরালে সংকৃতির। সংক, সেই পরুমান্তল নিন্তিতভাবে লাভ করা আবং হে রাজা ঠার প্রজানের ক্রিপ্রম ধর্ম অনুকরে জনের কঠবা নম্পাদম করার দিকো বা দিরে, কেকো ভাদের কাছ থেকে বর সংগ্রহ করেন, তাকে প্রভাগের পাপকর্মর রাজ ্ভোগ করতে হয় এবং উন্ন সমস্ত ঐবর্থ তিনী হয়।"

"অতএর হে প্রকারক। ভোমানের রাভার मुन्पत्र क्रिकोर्ड । वरण क्रीकिक इक्ष्यान मदह भूभ भारत्मीकिक कातुन मध्यमद क्रम, वर्गान्य वर्ष क्रमुनाहरू रहाजारसङ कर्डदाकर्म स्थासप्रहास मञ्चलन कर बरा সর্বাধ ছোমানের হালার ভগবানের কথা চিন্তা কর। জ করলে তোনাদের নিজেবের হিতলাধন হবে এবং তেমানের রাজারও পার্বেশিক ফেলাকরা করে তেনের ঠার প্রতি অনুচয় প্রদর্শন করতে। আমি সমস্থ নির্মান सना सगर, भिन्न । अस्तिरम्य धनुस्तर कर्राचे दर. বাপনরা আন্তর প্রস্তার সমর্থন করনা, করের স্বত্রর পর करानि कम कर्मकर्था, चारमपुरुष्टी । नार्यकरक সমানভাৱে জেৰ কৰতে হয়। হে প্ৰাচমপৰ। প্রযোগিক শাল্পের মতে, একজন পরর পুরুষ নিশ্চাই जारानि दिनि बाराएस्ड कराई क्य डण्डा कराइन। स ল হলে কেন এফা তেনে কোন ব্যক্তিকের কেবা বাহ খাত্ৰ ইহলোকে ও পত্ৰেছে অসাধানৰ সৌন্দৰ্য 🔞 শক্তিসম্পন্ন হুমাং আ কেবল বৈদিক প্ৰমন্থে ভাবাই প্রতিপদ হয়নি, করু, উদ্তানপাল, প্রবৃ, ভিত্তের, আক্রত পিতামহ কম প্রকৃতি কা হেপেক্সেই ভাগে এবং প্রভুক ম্ব্যুমাঞ্চ, খ্রানি জনুখ অক্সমন্ত্রান্তর ধ্যারা স্থা অভিনার ক্রেছে এবং তারা সকলেই ছিলের পদাধারী কর্মেব্য ভাগালের ঘভিত্রে বিহাসী আভিত। আমার লিতা এবং মৃতিমান মৃত্যুর পৌত্র কেণ প্রমুখ নিকরীর কান্তির সংখ্য নাংগ মোহপ্রক ছলেও, পূর্বোর্মিত মহাপ্রকৃত্বরা জীকার ক্রেছেন বে, এই ক্সাতে ধর্ম, করে ও নোক কথক কার্নাকে উমতির আশিবাদ কোমার পর্যক্ষের কার্নাই প্রদান করেত পারেল। কালেকের উপাদকপুরের সেবার

অভিক্তির ফলে, দুর্বশক্তিউ মানুৰ অন্তরীন জন্ম ৰাপ্তান্তরের সঞ্জিত কার্য থেকে তৎকবাৎ মৃত্য হয়। ভগবানের শ্রীপারণারের অসুষ্ঠ থেকে উত্তত প্রসায় জন্মে যথে এই পদা ভংকশাৎ ফাকে নির্মণ করে এবং তার কলে তার শারুমার্থিশ চেতান বা কুকার্ডান্ড বীরে বীরে वर्षिष्ठ हरू । जनवङ्गक वचन नदर्यन्त सनवात्तर শ্রীপদশক্ষে জন্তর প্রহণ করে, তথ্য তিনি সম্পর্করণ সমস্থ আন্ত গাংশা ক্ষণত মনোধৰ্মের কল্ব খেকে পুক্ত यून अन्य क्षेत्र भर्मा विवासमात द्वेषद स्त्र। क्रक्टियारमा चनुनीमहास अक्षांच वीर्वनार इत्यास वरलाई (करण स সম্ভব হয় : একবার ভগবারের জীগমণাবাহসের আধার গ্রহণ করলে, সেই ভক্তকে আর কবনত ব্রিচাণ বৃত্তক-সমস্থিত এই ঋড় ঋগতে তিরে ঋগতে হর না।"

পুৰু ৰহাজ্যক্ষ তীও প্ৰকাৰের উপদেশ দিখেন---"(टामा(भेद्र कांत्रम(मानाक शक्त कांत्रमातन वृत्तिभेठ कार्यक ক্ষা অর্ণাপ করার পারা সর্কাশ উদার চিত্তে ভববারের সেবা কর। তোরাদের কেংগতা ও বৃদ্ধি অনুসারে পূর্ব কিন্তুস সংস্থার, নিধ্বটে ভাগজনের প্রিশাদগণের মেনার নিবক হও। তা হলে ভোলদের জীবনের চরম উদ্দেশ্যস্থধনে ডোনর সক্ষা হবে। পরফেবর ভবনন চিম্মর এক তিনি ৰত্ব ৰাগতের বারা কল্বিত নান। ব্যক্তি তিনি ক্লোন মাড় বৈচিত্ৰ্যিবহীন কণিভূত আৰু, ভবুও ভিনি বিভিন হৰ, ৫৭, কিল, হছ, অৰ্থ, সংকল, প্ৰবাসকি ও সাম খারা অনুবিত বিভিন্ন প্রকাশ করে মত্ত জীবনের সকলের ক্ষন্ শীলার করেন। পরসেধর ভগবাদ সর্বব্যাপ্ত, কিছ कड़ा शकृति, कान, वाजन से वृधिवस सर्वत अववटत উপায় বিভিন্ন প্ৰকাৰ পৰীক্ষেও তিনি প্ৰকাশিক। একট্ আঘি বেষ্ট বিভিন্ন আকার ও আয়ভনের কাইখন্তে বিভিন্নতে প্রকাশিক হয়, তেমনই বিভিন্ন প্রকার চেতনার বিৰুপে হয়। পৰ্যেশক অপ্ৰান সকল কলকংগৰ উপৰ এবং ভোরণ। তিনি পরম ওরণও। এই ভূমওগে সমস্ত शकता पीता कामत नरू मन्तर्कपुरू जनर बीता वसर्पत থদা ভগবানের পূভা করচেব, ঠারা আমার প্রতি পরম चनुधर् ध्रम्म कर्रास्त। चाठता, (व श्रकाशनः काशनाहकः वस्त्रावादः। हाकानं च रेगकाहकः। कीरमङ সহিষ্ণতা, ওপন্যা, জান ও বিদয়ে ধলে মহিমালিও চুন। की नामक किया मान्यात्मक शकारक देवनाहरूवा माक्रकृत

থেকেও শ্রেষ্ট। ভাই উপদেশ দেওয়া হরেছে ছে, বাঞ্জুল মেন কথনও ব্রাহ্মণ ও বৈক্ষাব্যার উপর ভারের বিক্রম প্রদর্শন বা করে এবং কখনও উল্লেখ্ন চুরুণে অপরাধ মা করে। পুরাতন, শাখত ও সমত মহা-পুরুষকের কার্লী পর্যোগ্য জগরার কৃষ্য-পাব্র বপর্যুগী ঐশর্য কান্ত করেছেন প্রাক্ষণ ও বৈচারদের জীপাদপয়ের উপাসনার হারা। সকলের হলতো বিধান কবা সত্তেও, সর্বত্যেশুনে শারীন প্রয়েশনা ক্ষাধান উন্নের প্রতি ক্ষত্যন্ত প্রসম হব, বীরা শুরু পদক্ষ অনুসরণ করেন এবং নিয়পট্ট প্রাক্ষণ ও বৈক্ষরদের বংশধরদের সেরা করেল, কারণ ব্ৰহুণ ও বৈদ্ধনের তার অভান্ত প্রিয় এবং তিনিও উল্লেখ অভ্যন্ত প্রিম। নির্বাধিতভাবে প্রক্রেশ ও বৈক্রবাদের সেবা কবার স্বারা হালক্ষেব ঝলুব বিধ্যোত করে পরম সাথি করে করা বার একং জড় অসেন্ডি থেকে মুক্ত হয়ে সভাই হওরা বার। এই জগতে বাগাপদের সেক্ত করার থেকে বেট স্কাম কর্ম সেই, কারণ যে-সমস্ত দেববাদের কান্ नान अकार वेसा व्यन्तेशास्त्र केंगरान राज्या श्रास्त्र राष्ट्र দেবতার তার কলে প্রস্কু হন। প্রমেশ্বর ভাগবান আনভ স্থাধিত বিভিন্ন দেবতালের নামে নিবেদিক বজের আক্তির মান্তম আহার করেন, তবুও কঞ্চানির মান্তম আহার ক্ষার থেকে তথক ধবি ও ভরুদের মুখের ধারা অবহার করে তিনি অধিক তৃত্তি অনুস্থন করেন, করেণ তিনি তথ্য ওভাৰের সৃত্র ভাগে করেন মা। রখাণ্ড সংস্কৃতিতে ব্রাক্ষণনের নিব্য স্থিতি পাশতরংগ সুরক্তিত হয়, কারণ সেই সংভৃতিতে লক্ষা, ভণস্যা, গলেসিদ্ধান্ত, হল ও ইন্দ্রির-সংখ্যা এবং খানেবা খানা বৈদিক নির্দেশ পালন করা হয়। এইজনে জীবনের বাস্তবিক উল্লেখ্য উজ্জনভাবে প্রকাশিক হয়, ঠিক বেজন বজ, দর্শনে মুখ পূর্ণকরে প্রতিবিশ্বিত হয়।"

"এবানে উপহিত কছের ব্যক্তিবর। জারি আপদানের সকলের আশীর্বাধ কামনা করি, আতে আমার জীবনের অবিদ সরর পর্যন্ত, এই সমস্ত হাঞ্চণ ও ्रेक्कव्यात्र सीनाम्भरका वृत्तिकना भवेग सामात पुक्री ধারণ করতে পারিঃ বিদি এই প্রকার ধূলিকশা জার মন্তকে ধারণ করতে পারেন, হিনি অতি নীয় সমস্ত পাপ পেকে মৃক্ত ইম এবং সমস্ত বাছিত সন্তপাধনী অর্জন করেন। বিনি প্রাক্ষণোচিত ওপাবলী অর্জন করেছেন—

গাঁর একমার সম্পদ হতে তাঁর সং আচলে, বিনি ভূতত । ওঁডি ভ্রম পরিয়, কারণ ক্রমণয়ের প্রস্কু, পরিত্র বীতি এবং বিনি অভিজ ব্যক্তিকের সর্বাগত—তিনি পৃথিবীর ল্ডি ল্লা হন €

নালী প্রবণ করে, সেই সভার উপস্থিত সমস্থ দেবতা, পিত, ব্ৰাক্তৰ ও সাধু মহামান্ত ভাকে অভিনৰন জানিয়ে তাদের ওতেজা স্কাপন করেছিলেন। তাবা সকলে খোলবা করেছিলেন যে, পুরের করেছি খারা বিভা শ্বৰ্গলোক-সমূহ জন করতে পাতেন,—এই হিতবাকা সার্থক হয়েছে বেহের ব্রহ্মশালের কলে নিহত পালী বেপও তার পুত্র মহারাজ পুখুর দ্বাবা অন্তওপ্রাছের মর্ভ থেকে নিডার গেল। তেমন্ট্, বিরুপকশিশু পর্যোগর क्षत्रवारमञ् त्यक्षेष चर्योकात कराव भारत महरकत গভীরতম অন্বৰ্জন প্ৰদেশে প্ৰনিষ্ট হয়েছিল, বিশ্ব ভাই মহান পুর প্রহাদ মহারাজের প্রভাবে, সেও উদ্ধার লাভ করে ভগবছাম প্রাণ হয়েছিল।

সমস্ত সাধু প্রাক্ষণেরা পুণু মহানাক্ষাক সংঘারন করে জ্যালে-"তে বীর্মেট, হে পৃথিবীর পিতা। আগনি দীর্ঘাত্র হোল, ভারণ আপনি সময় স্কন্সতের পতি অসুত প্রমেশ্বর ভাগবাঢ়ার প্রতি অত্যন্ত প্রতিপরাংশ 🖺

(মাতারা বলকেন-"য়ে মহারাক পুণা আলনার

পর্যানের ভগরানের মহিত্রা আপনি প্রচার করাকে। সমান্ত্র সাপান প্রাপ্ত হন। আমি ভাই বাসনা কবি যে, আন্তানের পরম সৌভাগোর ফরে, আমরা আপনাকে প্রমেশ্য কালান ও উল পার্বপের কে গাওঁসেই আহব - আনানের প্রভূত্প প্রাপ্ত হয়েছি এবং তাই আনানের আন হক্ষে, আমরা কেন প্রত্যক্ষতাকে পরবেশ্বর ভগবানের মহার্বি নৈত্রের ক্ষেত্রেন—"পুশ্ব বহরেত্রের সেই সুকর আরারে ধাস করেছি। হে প্রস্তু: প্রকাশ্যসন করেছি আপদরে বর্ন। আপনার মতে মহাপুরুকের পকে তা কোম আক্রর্যায়নত কর্মে মার, করেশ আপনি আন্তান্ত সমাপু এবং সর্বল প্রজাদের ছিত্রসংরে হারবার। সেটিই ম্বরণনার চতিত্রের মারণরা।"

নাগরিকেরা কালেন---"আছ আপনি আযোগের ক্ষাবহন্দ উন্মালিত ক্ষরেন্দে এবং ক্ষামালের ক্যানিয়েকো विভাৱে ভালোলৰ অভিক্রম করা যাব। আমানের পূর্বকৃত কর্ম ও গৈবের ব্যবস্থাপনতে আমারা সংগম কর্মের স্থালে चारिक चाउनि क्या कीवान्य सका शास को शासि তার ফলে আবরা এই প্রকাঠে বিভিন্ন বেনিতে কম্প করছি। হে প্রভা আগনি বিচৰ সত্তে অবস্থিত, তাই আপনি প্রক্রের ভগরানের আদর্শ চাইনিধি। আপনি च्यापनाव चीच ज्ञारक काल महिमाहिट अर: उहे जात আপনি ক্রমণা সংস্কৃতির প্রবর্তন করার বারে সময় রূপং भागत समापन करः करिशकान कालतार कर्वत अभागत করে আশ্রমি সকলকে রক্ষা করছেন।"



দ্বাবিংশতি অধ্যায়

চতুঃসনের সঙ্গে পৃথু মহারাজের মিলন

मद्रा-भज्ञाक्यमानी आक्रा गृष्ट्र प्रदिश कीर्टन करहितनम्, তখন সেধানে সূর্যের হতের তেজবী চারজন কুমার এনে

মহর্ষি মৈরের কালেন-শ্রমারা ববন এইতাবে অবতবে কর্মালেন, তথ্য তামের উচ্ছল জ্যোতি দর্শন करत, दाका के कीर चनुप्रदेश कीएनदे विमाध পোরেছিলেল। হার কুমারনের দর্শন করে, পুথ ছহারাঞ্চ উপরিও হলেন। সমস্ত বোরণভিত ঈশ্ব সেই চরকন। তাদের কাণত জানাবার জন্য অভান্ত উৎকৃতিত কৃষ্ণে প্রচালাক-সমূহকে পরিত্র করে করে করেল কেবল থেকে। হয়েছিকেন। তাই বাজা উৎক্রপাৎ ঠান অমারোগদ স্থ

উবিক হয়েছিকেন, ঠিক বেজাবে বন্ধ কীবের ইপ্রিয়গুলি । মানিয়েছিলেন। তিনি বংগছিলেন—আপলাল আপনাগুনুর কড়া প্রকৃতির ওপের ছারা আকৃষ্ট হয়। খখন সেই মহবিপৰ শান্তবিধি অনুসারে উদ্দের যে স্বাপত জানানো হয়েছিল হা স্থীকার করে, নাজার দেওরা অসল গ্রহণ করলেন, তখন মহারাজ গুখু তামের গৌরুবের খনীপুত श्राक, विवयाकान प्रकृतक छोत्वत जुला करहावित्वत । ভারণার রাজ্য কুমারদের গালেক্ষক জার নিজের মন্তব্দে সিক্ষন করেছিলেন। এই প্রকার শ্রহাপুর্ণ আচরপের ধারা বিভাবে একজন মহাবাকে সম্মান করতে হয়, ডা নাজা একবার আবর্ণ ব্যক্তিরাপে শিকা নিয়েছিলেন। সেই **धानसन्द मर्श्व हिल्ला मिर्दात चालस अंगर उंतर बचन पर्व** সিংহাদনে উপকেশন করেছিলেন, তথন তারা করবেদিতে ঠিক **পাণান্ত** অন্নির মতো প্রতিভান্ত হতিয়েলন। পাপু মন্ত্রাছ পতীর নমতা ও এখা সংস্থারে অভার সংগতভাবে ক্ষাতে তাৰ স্ক্রেছিলন—হে প্রির মহবিপণ। আগনানা সৌভাল্যের মুক্তবিভ্রছ। আপুনায়দের ফর্শন কেমীদেরও আমি কালি বা একা কি তাত কাৰ্য আমি কংগতিলাম, যার কলে আরি আপনাদের দর্শন পেলাম। বীর উপর থ্ৰান্ধণ ও বৈক্ষকো প্ৰদন্ত হন, তিনি ইহলোকে ও পরবেক্তে অত্যন্ত দুর্বন্ত বে-কেন বস্তু হাস্ত হতে পারেন। কেন্দ্র ভাই ময়, হাত্মণ ও বৈক্ষকের সঙ্গে থাকেন বে मर्र-अजनमा लिय व दियुः, जेहराक छोत्र छठि धनम स्म। ফলিও আপনারা সমস্ত লোকে বিচরণ করেন, তকুও কেইই আপন্যদের দেখন্ডে পায় না, ঠিক ছেমা সকলের হলরে শাকীরেণে নিরাজ করলেও পরমান্তাকে কেউই জনতে পারে না। এমন কি **রক্ষা** এবং শিবঙ পরমান্ত্রকে জনতে পারেন না। পৃহাসক ব্যক্তি যদি নিৰ্ধানৰ কুন, স্তবুৰ তীৰ্ম গৃহৰ সাধু সমাগৰ হলে তিনি क्य स्तः (मेर्ड शृहदायी ७ केल (मर्ड प्रदान অতিথিকে জনা, খাসন ও সাসত জানাবার সাহগ্রী প্রধান करता थना इन क्षेत्र (मेरे पृश्क बना रहा। नामावरत, বে সহছের পুট্রে জগবঢ়েনর জনজন চরক পড়ে না এবং विश्वात (नहें इत्र (वायाव क्षण श्वादक ना, तनेहें हुए विन সমশ্ব ঐপর্য এবং জাগতিক উলভিতে পঞ্জিপুর্বও হয়, ठतुर **स** विश्वत नर्भनकृत दृष्कर यहा। भृषु वश्कास **इ.स.स.स.च विकारमध्ये वरण महायायम कहा प्राम्छ**

सच (धरकेरे निक्री महकारत त्रफार्च त्रष्ट भागन करनाहन अपेर यक्तिक जाननाता पुरिन्त नद्या अध्यक जन्न्नित्तन খবগান, ভক্ত খাপনারা ছেটি বালকের মতো ব্যাচন। পূর্ব মহারাজ কমিনের কান্তে সেই প্রকার ব্যক্তিমের সম্বন্ধে धन करविष्ट्रमा, याता कारमत भृतकृष्ट कर्यात करून, बाहे ভাৰত হাত লগতের বছনে আবদ হয়েছে। ইভিয়াতথি সাধনই বাদের প্রকর্মার করা, তারা কি কোন ব্রক্তম সৌভাগ্য লাভ বন্ধতে পারে :"

"আপনার সর্বন চিমার আনন্দে মধ্য, ডাই আপন্যদের কুশন অথবা অকুশন সম্বন্ধে প্রথা করা উচিত নর। যনেধর্ম-প্রসূত ওল ও অওও আপনালে মধ্যে নেই। আমি নিশ্চিততাবে জানি বে, জাণনাগের মতো মহর্বিয়া नरमाञ्चली मध्यन्यम नचध वाकिएमा अक्ष्या नुसर। তাই আমি আপন্যদের কাছে প্রশ্ন করতে চাই, কিতাবে খ্যামরা অচিরে এই ২ন্ড জগতে আমাদের জীবনের গ্রম দুর্বার্ড। অনুত কমান্তিৎ আপনাদের কর্মন করতে পারে। উদ্দেশ্য-সাহন করতে পারি। প্রয়েশার ভাগরন নর্বনাই টার বিভিন্ন আংশ জীক্ষদের উচ্চতিসাধনে আতাপ্ত আগ্রহী क्षरा प्राप्त विराय अकरना क्षता, रिन्ने जाननारमा अरु বরপ্রিজ কলিজনে পৃথিবীর সর্বত্র পবিভয়ণ করেন।"

भवति हेमहत्रक क्यारका-- "व्यक्ति जनश्कृभाव जुद बश्रात्सव वाठाउ मात्रवर्ष, डिनगुक, प्रधाकत व শ্রুহিমধুর অব্য প্রথম করে প্রথম প্রদানতা সহকারে ইবং হেদে বলতে ওঞ্জ করলেন—হে পূথ্ নহারাতঃ আপনি অভ্যন্ত সুসর প্রথ করেছেন। এই প্রকার প্রথ সমস্ত बीरका भएक माकश्रम, विश्वन करत वर्तमा स्वत्रहान হিতাকার্যনী আগনার মধ্যে ব্যক্তি হা উবাপন করেছেন। র্যাদও আপনি কর কিছু আনেন, ততুও আপনি এই প্রথ करहरहर, कारण वर्धिर सरहर माधुरमक चाहतन। वर्ड প্রকার বৃদ্ধি আপানরে মতো ব্যক্তিরেই উপায়ক্তঃ প্রকা ভগবন্ধতানের সমধ্যেশ হয়, তখন ভালের আলোচনা, গ্রাহ ধ উত্তর প্রোভা ও বড়া উভয়েরই অভিশ্রদিত হয়। তাই এই প্রকার সমাগ্র সকলের প্রেএই মন্পঞ্জনক এবং প্রকৃত সুখ্যারত।"

"হে বাজিল। প্রমেশর ভগ্যানের পাদগভার মহিয়া বীঠনে আপনি ইতিমধ্যেই অনুরস্তঃ এই প্রন্ত অনুরাধ অভান্ত দুৰ্বাত, কিন্তু কেউ যথন ভগবানের প্রতি এই

প্রথম অনিচলিত শ্রমা লাভ করে, তথন আগনা খেকেই - চিক হেনে কাষ্ট থেকে উংশত ভানি গেই কাষ্ট্রেই भूवंकरण विहासम् क्षा विशेष्ट्रक बरसरक् हव, प्राप्त সমাকের কল্যাপের চরম শ্রুম হকে সেহাত্ত্বদ্বিতে আসতি বহিত ইওয়া এক নির্পুণ ও চিত্মক প্রমেশ্র ভগবাসের প্রতি গভীব অনুবাম লাভ করে। পর্যোশর জিল্লাসা ও জীমলে ভারেনেসের পরা প্রয়োগ করের রার *(मार्गच्य चप्राप्त* भागायमा अवर चपराप्तर प्रश्चिम প্রবণ ও কীর্ত্তম করার কলে, ভগনানের প্রতি আমণ্ডি वर्षिठ दर्त । यदै मधन्त कार्य भारत श्रीतन । भारतार्थिक क्षीत्रज डॅबरिमाक्स करार करत, हेलियरारी भरावण स অর্থলেনের মার্কিনের মার্ক পরিভাবে করতে হয়। কেবল সেই প্রকার ব্যক্তিকেই নয়, এখন কি বারা ভালের সক্র সম করে, অসের সমও পরিভাগ করতে হব। মানুবের ভীতনকে এফনভাবে গড়ে তোলা উচিত, যতে স্তগ্নান শ্রীহরিত্র মহিমারেপ অনুভ পান বা করে সে শাবিতে পাণতে পারে না। এইবাবে ইন্দ্রিস্থ-ভোগের প্রতি বিবস্ত ছবে, পারুমার্থিক উত্তরিসাধন করা যাত। প্রযোগিক উর্বাভিসাদনে হিনি আপ্রহী, ঠার পঞ্চে অবশ্যই च्यक्तिमा, च्याकारम्बर अमान चनुमयन, मर्दारा अहर्यन्त्र ভাষানের অন্যভয়র দীলা শালে, বিষয় বাসবার্থইত হয়ে শারের বিধিনিয়ের পালন, এওলি কবন্য কর্তথা এইভাবে ভগবন্ধভিত অনুশীলন করার সমর, কমনও অগরের নিকা করা উচিত নও। ভর্তের কর্তব্য সরক জীকা কল্ম করা এবং বিরোধী তক্তের বৈতভাকো মারা কিলিও বা হতর। ভার ফর্ডক হঙ্গে সেওলি সর্বদা সহা করতে চেষ্টা করা। কল্ডের কর্তন নিবছর ক্ষরতার দিবা ওক্রকী প্রবদ স্বারা ক্রমণ ভগবড়াক ৰ্দ্ধি কৰা। ভাৰানেয়ে জীলাসমূহ সংক্ৰয় কৰ্মভ্ৰম-সদৃশ। फथराजर क्षेत्र ध्यापारी अन्य सम्भवन्त्र बाह्य श्रद्ध জন্ম প্রকৃতির ওপের অভীত হওবল্ল বারা, অন্যবাদে क्रिया नहरूपत छावात प्रित २५वा पत्र। बीकन्यराज्य কুপার পারফের ভগরানের প্রতি নৈতিকী র্তিলাভ করার কলে এবং আম ও বৈরুদ্রণার উদর হওয়ের কলে, জীব শ্রীবের অন্তঃস্থলে ছিত হতে একং পঞ্চতুত্বের হারা আঞ্চামিত হয়ে, তার ভৌতিক পরিবেশকে দাচীকৃত করে,

তবে অন্তর্গের সমন্ত কামবাসনা বিশ্বীত হয়। করেও ভারীতত করে সের। তেওঁ যথন সুমন্ত কত বাসকাহিত হন এবং সমস্ত এক এপ খেকে হক্ত হন, কৰন তিনি বাহ্নিক ও অন্তর্ভারনৈতারে সম্পাদিত করেঁর নথে কেন পাৰ্থকা গোৰো না। আৰু উপস্থিত পূৰ্বে, আৰা ও গবেশহার মধ্যে যে পার্থকা ছিল, আ ভার তথন পাকে ভববানের প্রতি ভত্তি করার মাধ্যমে, তাঁর সধুছে। না। রিক বেয়ন বস্থা ভাতে গেলে, কয় ও ব্যৱস্থার হাত্ৰে পাৰ্থকা থাকে না। আত্ৰা বৰ্ণন ইন্দ্ৰিয়ণৰ ছোগ কহুতে হার, তথন বে বিভিন্ন বাসনা সৃষ্টি করে একং সেই কার্যের লে উলাহিত্ত হয়। তিছু আতা কাল চিত্রা প্রিতিকে অব্যাহত হয়, তখন ভার প্রথমেকে ইছা পূর্ব করা ব্যতীত আর খানা কোন করে কচি বাকে বা। विकित कारायह करण मानव मिरक्ट क चन्त्रराख ग्रांथा भार्यका प्रमान करत, ठिक रूपम क्रम, रक्तम व्यथक प्रभारत একই পরীরের প্রতিবিশ্ব বিশ্ব কিছ লাপে দৃষ্ট হর। अमृत्यत अन ७ देशिय राजन मृत्यताराज जन्त हेशिएतत বিষয়ের প্রতি আকৃষ্ট হয়, তথন মন বিশৃত হব। নিবন্তর ইভিন্ন বিষয়ের চিন্তা করার থলে, জীবের প্রকৃত ক্রেডনা মান বিপুর হয়, ঠিক বেমন প্রদের ভীরত্তিত কুপাদি গুল টারে বাঁরে হলের মল শোক্ষ করে নেত। জীব কথা তম কা কেনো থেকে এই হয়, ডকা নে আৰু পৰ্বাহতি পানৰ কৰাৰ ক্ষমশ্ৰ ব্যবিষ্টে যেবল ভাগৰা ভাগ বৰ্তমান রিতি বৃথরে পারে না। পাতি বক্ষা হারিছে বার, তখন অর্কিত জান এক হান্ত আধারের ভিত্তিতে আহরণ হয়। ক্ষম ভা হয়, ভালা পাঁওছেরা ভাতে আহার বিনাল বলে মনে করেন। আৰা উপদান্তির খেকে অধিক প্রিয়ানর অন্য কোন বৰ আছে বলে মনে কৰাই, নিজের হিতসংয সং চাইতে বড প্রতিবন্ধক। কিন্তাবে ধন উপার্ভন করা বার এক জ ইপ্রিবড়ন্ডি সাধনে শ্বর্ডার করা বার, সেই চিত্তম নিবতর মার থাকলে মানব-সমাজের প্রত্যেকের বার্থ বিনষ্ট হয়। আম ও ভাতিবহিত হওবার কলে, বক্ষ খংবা পাংর (তানিতে প্রবিষ্ট হতে হয়। যার ভঞ্জান-সমূহ উর্তার্গ হতে ঐকুল্বিকভাবে ছাভিলালী, ভারের কক্ষাৰ ভয়োওপের সম করা উচিত নাম কলো ভেগ্যোগী वार्यकारण वर्ष, वार्थ, काम के स्मारकार अर हाईगुड वड क्षरिक्कतः प्रदेशनीत याना—कर्यात कर्य कर्य, काप क মোণের মধ্যে, মোক্ষকেই অভ্যন্ত নিষ্ঠা সহকারে গ্রহণ

অমল প্রাথ

করা উভিছ। জনা তিনটি বর্গ চকভির সংঠার দীয়মে, মতার হারা কিলেপ্টাল। আমবা নিমতের স্থারের স্থাকন থেকে উচ্চতৰ জেকে জীবনেয় পাৰ্যক্ষ নিৰ্বাপ করে ভাষে আলীর্বাদ বলে মনে করি, কিছু আমাদের মনে রাখা উচিত যে, এই প্রকার ভেদভাব জড়া প্রকৃতির ওপের বিঘট্টিনার সম্পর্কে কিন্তমন থাকে। প্রকৃতপক্ষে ধীবনের এই সমস্ত অবহার বেনা ছারী অন্তিপ্ন নেই, কারণ পরম নিয়প্তর ছারা তা স্বই কিন্ট হরে ছবে।"

সনংক্ষার রাজাকে উপজেল দিলেন--"অভঞা, তে नम् प्रशास, विनि स्वयत ७ वन्त्र र्राप्ती सीर्यत नहीर्य बीवाबात जान विवास करका, (जर्द शरहमधा क्षतवागरक জনতে চেইং করন। জীবাধা হল মড় পরীর এবং প্রণ ও বৃদ্ধির ছারা নির্মিত সৃদ্ধা লরীরের হারা পূর্ণরাপে অলেপ্তিত। পরমেশ্বর কর্মকান এই শরীরের ভিতর কার্ব ও ফাবদের মধ্যে একাশ্রীয়ত হরে, নিজেকে প্রকাশ করেন, কিন্তু হিনি বিবেকের বারা মাহাকে অভিক্রম करतासन अवर बाउँ करन तब्द्धात भर्ग वरम यान करात क्य एवं क्या, क्षिनि दुवएक भारतम त्व, भद्रभाषा विस्कान ৰভ সৃষ্টিত অতীত এবং তিনি বিচৰ অনুৱন্ধ শক্তিতে অবস্থিত। এইচাৰে ভাগৰান নমন্ত মাড় কনুমের অতীত এক কেবল তারই শরণাগত হওয়া উচিত। কে সমস্ত ভক্তমা নিরক্তা ভগবাঢ়না শ্রীপরস্পত্নের আগুডির সেবায় বৃক্ত হতেকে, উল্লোক্তনায়কে সকলে কর্মের বাসনাকরণ প্রবিদ্ধ বছন থেকে হক্ত হন। বেখেও ভা অভার সংসাধা, অই জানী ও বোগী আদি গাভডরা ইন্নিয়নুৰ ভোগের বৃতি বেহুৰ করেও কঠোর চোটা করা সংখ্যত সকল হতে गार्स मा। छाडे जानमारक छैनरमन रहशदा शरह. কানেকে তন্ত্ৰ জীককেৰ ছেমমন্ত্ৰী সেবায় বস্তু হোম। অব্যানের সমূত্র পার হওয়া অভ্যন্ত কঠিন, কারণ স্থা ভাষার নক্র-সকরসংকল। অভান্তর বলিও সেই সময় উপ্তীৰ্ণ হওৱাৰ ক্ষম্ম কঠোৱা কুন্তুলাধন ও তথাপায় করে, তথ্য আমি আপনাকে কাছি বে, সেই সমূত উধীৰ্ণ হওয়ার জন্য কেবল পরয়েশ্বর ভগবানের শ্রীপান-পদারপৌ নৌকরে আগ্রন্থ অবলম্বন করুন। এই সমূহ যদিও অত্যন্ত দুরুর, ভাতে ভারে জীলাদলবের আবার অবলখন করে আপনি করায়তে সমস্ত বিশ্ব অভিনেম করতে **गा**हरको ।"

মহাবি মৈত্রের ধলালেল—"ব্রহার পুরা আদ্যা-তর্তনেরা সনংকুমানের দ্বারা এইভাবে পূর্ণরূপে পারমার্থিক জানের আলোক প্রাপ্ত করে, পুরু মহারাক নিম্নালিক শব্দে ষ্ঠাসের আরাধনা করেছিলের।"

दाबा कारणन-"एर वाष्ट्रण । ८६ मांख्यान । भूर्य ভগরন শ্রীবিদ্ধ আমার শ্রতি ভার অহৈতুকী কুপা প্রদর্শন কবেড়িকের এবং তিনি ইন্সিড বিরেছিলেন যে, আপনারা আমার গুড়ে আসংকে। তীর সেই আশীর্নাল পূর্ব করার करा जाभराक मकरम अधारत अरमाधन। ८६ वाधान আপনার ভগবানেটে হড়ে কুপালু ডাই জাপনার ভার ভালেৰ প্ৰক্ৰপে পালন কলেছো। আপনাদের কিছু দাম কথা আমার কর্তক, কিছু আমার করে বা রয়েছে, তা সাধুদের উল্লিষ্ট-করাল। অভ্যান্তৰ আপনাধের আমি কি পান করব ৷ অভন্য হে ব্লাক্তণপর্য আমার কীবন পত্নী, পুর, পুর, পুরস্থানির সমস্ত সামগ্রী, আমার রাজা, বল, ভূমি এবং বিশেষরূপে আমার রেজকোর সর্বই আমি जाननारमञ्जू निरम्भ करनाय।

বেছেড় বৈদিক জানসম্বিত ব্যক্তিই কেবল সেনাগতি, রাজাশ্যসক, মণ্ডদাতা ও সমগ্র প্রহালাকের অধিগতি হতরার যোগা, ভাই পুশু মহারাম্ম সর কিছু কুমারদের নিবেদন করেছিলেন। প্রাক্তার কথার করিয়, বৈশা ও শুরুরা ভাষের আহার লাব্য হর। প্রাক্ষণেথাই কেবৰ উন্নেত নিজেনের সম্পত্তি ভোগ করেন, উন্নের निरम्भारतक वच्च नविधान करतम अवर कारमक निरम्भारत भागांचि कामतदक **मा**न करत्रम।"

পূর্ব মহাবেক বলপেন—"কল কলবানের সহারে মান প্রদান করার স্বারা আন্ধ-উপদাবির পরা বিরোধন করে অন্তৰ্হীন সেৱা কল্পেছেল এবং বৈধিক প্ৰয়াণের উপয় পৰ্ণ विशास-सम्बद्ध सेएस्स सान्ता चाराएसा चाएना चाएनाए উত্তাদিত করেছে, ভাষের সম্ভর্ডিবিধানের জন্য অঞ্চলি ভৱে কেবল জন দেওৱা ছাভা আৰু আমাদেৰ কি (मध्यात चार्ष: अरे धकात वहा नृत्रस्वत छै।(भव নিকেনের কার্যকলপের ভাবতি কেবল সভাই চতে পারেন. বা তামের অধ্যহাত করুণার কলে, হানব-সহাক্ষে ছড়িয়ে

মহর্বি মৈত্রের বলতে লাগলেন—"এইভাবে পুথ মহারাজের দারা পজিত হরে, ভানবর্জনুর উপনেষ্টা চার जारहरे हे इस्तान करन नृषु बराजक नगर, हुम, नृष्टि ও আর্থিক প্রিতি অনুসারে, কথাসন্তম পূর্ণতা সহকারে তাঁর क्षात्र देखना हिन, भटन मध्य नगरमा स्थानात्र সম্বাচীবিধান করা। এইভাবে তিনি ভার কর্ত্তথাকর্ম সাল্যাসন করেছিলেনঃ পূর্ মহারাজ নিজেকে জড়া গুৰুতিক অতীত প্ৰয়োগৰ ভগবানের নিভালসকত্প नान्ननंतरभ नवर्नन कार्राष्ट्रभनः छात्र करन छात् नवक कर्दात क्या क्यावरन कविंठ इरविस्त क्या छिने नर्दन निकारक मार्ट्सक सम्वादनक मामकारण महत्र कहाएक। পুথ মহারাল, বিনি উরে সামানোর ব্যক্তির কলে অত্যন্ত ঐশ্বর্তশালী দিলেন, তিনি একজন গৃহস্করণে গৃহে অবস্থান কর্মস্থলেন। যেহেতু তিনি কখনও উল্ল ঐপর্য নিজের ইভিয়তন্তি সাধনের জনা ব্যবহার করতে চাননি, তাই তিনি সর্বদা আনাসক্ত ছিলেন, ঠিক খেমন সূর্ব সমস্ত व्यक्षार्थ्य व्यक्तिक श्राटक। क्रमक्रिक एक सरप्रत ছিত হয়ে, লখ বহারকে কেবল ভগবং দেবারণ কর্মই সম্পাদন করেননি, উল্লাপট্টা অন্তর বর্তে তিনি পাঁচটি পুরস্কানও উৎপাদন করেছিলেন। প্রকৃতপক্ষে, তিনি তীত বাসনা অনুসারে, তীত্র সেই পুরুদের লাভ करतिहरमा। विकित्सम्, भूष्यरकम्, दर्शकः, प्रतिन च युव নাংক পাঁচটি পুত্র উৎপাদন করের পরেও, পুণু মহারাজ এই পৃতিবীর উপর রাজ্য দাসন করতে লাগসে। অন্য সমস্ত লোকের শাসনকরী বেশস্তাদের সমস্ত তথ তিনি ধারণ করেছিলেন "

্বৈত্তে পুথ মহারাজ পুর্বরূপে প্রমেশ্বে ভগবাসের ভক্ত ছিলেন, ভাই ডিনি সমস্ত নাগরিকদেব ছ-ছ বাসনা অনুসারে জনের প্রসম্ভা-বিধান করম মাধামে, ভগবানের मृष्टि बच्चा करास्ट (इ.स.च्याचा । त्यारे चना मृथु प्रश्राच ठीर रागी, का, का ও क्रिक वाध्यरका वाता मर्वरसामाय

কুমারখন তার তার অতার প্রদান হরেছিলেন। তারা তাকের প্রদান প্রবাহন। পুণু মহারাজ চন্ত্রপোতের সাজা রাজার ওংগত অশংসা করতে করতে সর্বসমধ্যে। সোমান্তের মতে মসিভ হরেছিলেন। সূর্ব বেমন তাপ জাকাশ্যার্থে উপিও হয়েছিলেন। পৃথু মহারাজ তার ও আলোক বিতরণ করে এবং সেই সঙ্গে জন্ম শেরুন ভাগ্যাত উলপ্লিতে দ্বির হওঁরার কলে, মধাপুরুষ্থের করে, ঠিক তেমনই পুধু মহাপাভ করেরে শাসন-ব্যবস্থা মধ্যে প্রধান জিলেন। পারমাধিক উপলব্ধিকে পূর্ণরাপে ছারা প্রজাদের আছু থেকে কর প্রহণ করে, বধাসময়ে সাফেলা লাভ করার কলে, ভিনি আৰুভৃত্ত হরেছিলেন। তালের তা দান করতেন। পুশু মহারাজ এতই প্রকা এবং শক্তিয়ন ছিলেন যে, ঠার আদেশ অমুদর করার ক্ষমতা कारतात दिन का। स्थिति दिएका स्थिति सरका पूर्वर्य কৰ্তন্য সম্পাদন করেছিলেন। এই সমস্ত কার্যে ঠাব তেজন্মী এবং দেবলাক ইক্সেব মতো দুর্ভার বলপানী। খণ্ড পকে, পুথ মহাব্যক মাবের পথিবীর মতো भगानीन जनर चर्लाई घटना निकासन स्टिनिस्ट हिर्द्यता। মেছ বেমন বারি বর্ষণ করে সকলের তুলিসাধন করে. তেমনই পূপু মহারাজ প্রভাবের অভাব মোলন করে তানের সভোধ-বিধান করতেন। তিনি ছিলেন সমূদের মতো গড়ীর এবং তাই ঠার অভিপ্রায় কেউ ভানতে পারত না এবং তাঁর সংকল বিল পর্বতরাঞ্চ স্থেকর মতো दिवेता। नथ् बश्चाराख्य दक्षिणता । दिना दिन क्रिस যমনাজের মতো। তার ঐশর্ব ছিল হিমানর পর্যতের মতে, বেখনে সৰ ধ্ৰুত্ম মুক্তবন মণিবৰ ও ধাত স্থিত রয়েছেঃ উল্লেখন-সম্পদ ছিল কর্মের মেসাধান্ত কুমেরের মানে এক লোপন মধুনা, সংরোধনে তিনি ছিলেন ঠিক বল্পদেবের মাটো। লেকের পারি এবং ইনিয়াকে পরিতে মহারাজ পুথ ছিলান মর্বত গ্রামক্ত বারে মতে প্রক্রিপালী। বারে অসহ। বিক্রম ছিল নিব বা স্ফালিবের জলে সর্ব-পঞ্জিমান করেছ মতে। *সৌলার্থে* তিনি ছিলেন कमार्श्व बारा क्या दिनि बिरून निरास्त मादा निर्देश्यः करमरम ठिनि क्रिक्न क्राएडर मनुद्र बर्टा करा देख মিবলা করার ক্ষাতা হিল রক্ষার মতে। তার বাভিগত चारदान नुव सहादाक महाक मर कनारकी धार्मन করেছিলেন এবং ভার আখার্যাহত স্কান ছিল রিক বৃহস্পতির মতে। কল্ম-সংহলে তিনি ছিলেন করং ভগবানের মতো। ছতির ব্যাণারে তিনি ছিলন গাড়ী ওক ও রক্ষেদের ইতি আগন্ত কড়ানে মহান অনুগামী। তিনি ছিলেন ক্ষেত্ৰালীক একং ঠাব আচৰণ ছিল কথোৰ বিনার। আর পরোপকস্থকর ক্রম্ম তিনি এফাভাবে কর্বে করতেন থে, মনে হত তিনি কেন ঠার ব্যক্তিগত সার্থে

209

কার্য করছেন। সংশ্র রাক্ত্তের উচ্চ, নিয় ও মধ্যবতী। হ্যেছিল একং সমস্ত হী ও সাধুরা ঠাল মহিমা জাবল কোকের সর্বন্ধ পুত্র মহারাজেন বশ উচ্চাহরে কীতিও করেছিলেন, যা ছিল শ্রীরামচন্দ্রের কীতিৰ মতোই মধুর "

ক্রয়োবিংশতি অধ্যয়

পুথু মহারাজের ভগবদ্ধামে গমন

মহর্ষি মেনের কলতে লাবলেন—"ভার জীবনের অভিন অংশ্বৰ, পৃথু মহানাজ বংল দেখলেল বে, ডিনি বৃদ্ধ হতে চলেছেন, তথন সেই মহাপুরুব, বিনি সারা পৃথিবীর রাজা ছিলেন, ডিনি স্থাবর ও জন্ম ভার সমস্ত সম্পদ সমস্ত জীবাৰে মধ্যে বিভাগ করে সিমেছিলেন विक्रे श्रदर्भ कर्मभागन कर्मभारत मक्टनस वृद्धि निर्धातम করেছিলের এবং প্রচলনা ভাগবানের নির্মেশ পাল্য করে केश भूग चनुमञ्ज्ञाच्या, किसि क्षेत्र नुप्राचार शरक केल ক্র্যাসদৃশা দৃথিবীর স্থায়িত্বভার মন্ত করেছিলেন। ভার পর পুথ মহাবাজ জার বিরহে কাভর ও ক্রান্সনবত সমানের ত্যাধ করে ভালায় করের উদেশ্যে উরু পত্নীসহ প্রকৃত্তী বলে গমন করেছিলন। গৃহত্ব আল্লম থেকে ক্ষমসর প্রত্থ করে পুরু মহরেছে স্থানথট্ট আন্তামের নির্মণ্ডলি খাতার করেরেডার সঙ্গে পালন করেছিলেন এবং বলে কঠেন ভণ্সন্ত করেছিলেন। পূর্বে তিনি तामानानम् कार्य अन्यः नृषिती यह कता। सान्यका ता ঐক্তিকভা প্রদর্শন করেছিলের, এই ব্যাপারেও তিনি সেই क्रेकविक्टा मध्यास अदह स्टाब्ट्रम् । स्टानावान, नृष् সংশ্রেমা কানেও কালন্দা, ফল, কালেও তম্ভ পত্র আহার, ক্ষমত বা কেবল কল পান করে ক্যেক পক্ষকাল অভিবাহিত করতেন। অকশেবে কেবল আরু ভালা করে তিনি জীবন ধারণ করেছিলেন। বানপ্রস্থ আপ্রায়ের নিজ্ঞ बादाः प्रकान करि । इनिराम्त भागम अनुभवन करतः, नृष् মহাবাৰ শ্ৰীপুকাৰে পঞ্চামির ভাগ সন্থা করেছিলেন, বর্ষালাক জ্ঞান্ত হানে থেকে বর্ষা বাধাসালাও সহা

ভিনি ভূমিতেও বংগে ফরতেন। পূর্ মহরেজে তার কণী সংৰত করে জিতেন্ত্রির, উর্ধারেতা ও জিতখনে হয়ে, শ্রীকুষের সমষ্টি-বিধানের জন্যই কেবল এই সমস্ত কটোত ভগসায় করেছিলেন। ওা স্বাস্থ্য ইরে আর অন্য কেন উদ্দেশ্য হিল লা। এইভাবে ফটোর তপদ্যা করার মুদ্ধে পুথ মুমুদ্রক ক্রমেশ আধান্দ্রিক ক্রীক্রান নিষ্ঠাপরক্রণ চুয়েছিকেন এবং স্কাম কর্মের সমত্ত ব্যাস্থা থেকে মৃক হর্মের্ক্তের। উর মন ও ইপ্রিয় সংবস্ত করার জন্য তিনি প্রাণয়ার অভয়স করেছিলেন এবং ভার ফলে ভিনি সমস্ত সকাম কর্মের কামনা কেকে সম্পূর্ণকরেও মুক্ত হরেছিলেন। এইভাবে সম্প্রমারের উপদেশ অনুসারে, নরকেট মহাব্যক্ত পৃথ পারমার্থিক উল্লভিসাধ্যক্তে গায়া অনুসরণ করেছিলেন। অর্থাৎ তিনি পরমেশ্বর ক্রাব্যন শ্রীকৃব্যের चाळपना कटाफिरणन। धाँरकारन भूष भशासका सिरनस মধ্যে চব্রিশ ফটা কঠোর নিষ্ঠা সংকারে বিধিবিক্ষন পালন করে পূর্ণরূপে ভাগেরাক্ততে মৃক্ত হরেছিলেন। ভার কলে পরমেশ্বর ভাগবাদ শ্রীকৃষ্ণের প্রতি তার প্রেমের উপরে, তিনি অকিনিত ভবি লাভ করেছিলে।"

"নির্ভার ভগবইন্তি সম্পাদন করার ফলে, পথ মহারাজের কন চিত্রায়ে প্রাপ্ত হবেছিল একং ভাই তিনি নিবতর ভগবানের চরশারবিন্দের চিতার মধ হতে পেরেছিলেন। তরে কলে তিনি সম্পর্ণরূপে অন্যসত रार्पाप्तका अवः पूर्व कान श्रेष्ठ एता मध्य माना । परक पुरु श्रूष (भरतिहरूका) अदेखार दिने चलका ए अस-জাগতিক জীবনের ধারণা থেকে মুক্ত হর্মেছিলেন। পুথ कर्राहरूम अन्य भौजनात्म व्यक्तं समागाः व्यवस्थानमः। प्रशासाः अन्य मञ्जूनंकर्तन (सशासन्दि (धरक प्रक

চয়েছিপের, তথম তিনি উপদত্তি অর্থেচনে বে, ভালের প্রাক্তা সকলের *চলা*র প্রমান্তরণে বিশ্বাস্থ করছেন। এইভাবে প্রমান্ত্রার কাছ থেকে সমস্ত আনেশ লভে ৰুত্তে সমৰ্থ হয়ে, তিনি মোদ ও আন্তেহ অনা সমস্ত পদা পরিত্যাস করেছিকেন। এখন কি আনে ও যেকের সিক্তিতেও তার কোন বর্ণ্ট হিল না, কালে তিনি পূর্ণকর্ণে देशलांके करर्राकरसम् तन, कृष्णवंकि करता कैंग्यास हरूप দক্ষা এবং হোগী ও মানীয়া যদি কক্ষতথার প্রতি ভাকট सा रुवा का रे(न निरमात मचाक दशका क्या कवनत पुट চবে লা।

"ভারপর কর্মন পূর্ব মহারাজের স্বৈত্যার করার সমত্ত ইণস্থিত ইয়েছিল, তথা তিনি ঠার ফারে জীক্ষের মীশালপত্তে ভূতভাবে স্থিত করেছিলের এবং সম্পর্বসংগ বক্ষত্ত ভবে স্থিত হবে, তিনি তার দেহত্যাপ करतिहरूमा। भृषु महाताल अक विश्वा होशिय व्यामहा বসে ভার প্রথম গোড়ানির বাল ওয়ায়র কর করেছিলেন এবং প্রাপনায়কে ধীরে ধীরে উর্প্পে টাভালন करत अवस्य नाकिएनरमात हरका, छात्रमात हारमारमात हरका, एतिशत करतेत प्रदक्त अवर अवस्थात्व अस्थरमञ्जू अस्टिटी **एटन फेटलमा कर्वाक्रम**ः अदेशाय पृथु प्रकृतक वीटा বীয়ে তার প্রাণবাহতে ক্রমতের উল্লোচন করেছিলেন। তথ্য তার সমস্ত কড় বাসনা সহতে হরেছিল। সারপর তিনি বীরে ধাঁরে ঠার প্রাপনারকে ব্রহ্মাণ্ডর সমস্র বায়তে, তার দেকের কঠিন ভাগতে সমগ্র গৃথিবীতে এবং তার শেহের অভিকে সমগ্র অভিতে গাঁন করেছিলেন। এইভাবে পুৰু মহারাজ ইন্তিটের ছিত্রগুলিকে আকাশে, বক্ত আদি সেহের করক অংশকে সমগ্র জালে দীন করেছিলেন। ভারপর তিনি পৃথিবীকে ছলে, জলকে অধিতে, অধিকে বাহুতে এবং বাহুতে আকাশে দয় করেছিলের। তিনি হিডি অনুবারে, মনতে ইলিয়ে এবং ইজিবতলিকে ভাষের উৎপত্তিবল ভাষাত্র বোলন ইর্জেন্সল। ভারপর ভিনি ভবাত্রতে অহমারে এবং অবস্থারতে মহন্তত্ত্বে হোজিত করেছিলেন। ভারণর পূর্ব মহার্জ জীরক্স সম্পূর্ণ উপায়ি মানের পরত নিয়ক্তকে

ক্ষাভাবনায়র বক্ষণে অবস্থিত হতে, তিনি ইপ্লিটের নিয়ক বা প্রভাগে ইবে মের ত্যাগ করেছিলেন।"

"পথ মহাবাহকর পাই" মহারাধী প্রার্ট ছিলেন শতাঙ্ক কোনশালী, তিনি টার পতির অনুগামিনী হতে বনে পত্রন कर्तिकृतनः। यनिक डीहा क्या वान कराव प्रसादन दिन না, চত্ৰও তিনি ক্ষেত্ৰাৰ উবি চকৰ ক্ষমন্ত্ৰেক কৰে ভূমি ম্পর্ণ কর্মেরের। হরারালী আর্চি ব্যবিধ এই প্রকার কটে অভ্যস্ত ফ্রিকেন না, তত্ত্ব তিনি মহানিব মত্ত্রে কাবাসী ষ্টার পতির অনুধ্যম করেছিলেন। ডিনি ছনিতে শইন बराउन क्षेत्र (कुरल क्ल, कृत्र'क भाषा 'डक्न फराउन এবং ব্যেক্ত তিনি ভাতে অভ্যন্ত দিলেন 🛝 ঠাই তিনি कलाक मुर्नाम हारा भरफहिराना। किन्नु का मरहरू, टाउ র্ণাতর সেবা করে তিনি বে আনন্দ লাভ করতেন, তার ফলে তাৰ তোৰ প্ৰকার ক্লেশের অনুভূতি হত না। মহারাশী আর্টি কথম লেখলেন যে, উল্লে লতি, যিনি ঠাব প্রবি এবং সার পৃথিবীয় প্রতি খাতাও দবাল ছিলেন, তিনি কীবানের কোন লক্ষ্যে প্রস্কৃতি করছেন না, তালা স্বর্জবাদ তিনি বিলাপ কর্বেদ্যকে এবং ভারপর এক পর্বত-শিপরে চিতা রচনা করে তার পতির মেছ স্থাপন করেছিলেন। তারপর মধ্যবাদী আন্তান্ত্য-ক্রিয়ার সমস্ত কর্তত্য সম্পাদন করেছিলেন। নদীর ভাগে স্থান করে, তিনি টার পত্রিব উলেশ্যে ভলাঞ্জল নিবেশ্য করেছিলেন। ভার পর আফালছ দেবতানের উদ্দেশ্যে গণতি নিরেজ করে এবং ফিন্দার চিত্রা প্রদক্তিল করে, তার পতির পাদপত্র ধ্যান ক্যাতে কাতে তিনি চিতপ্রিতে প্রধেশ করেছিকেন। বহান ব্যবা পূপুর পতিরো পদ্দী অর্তির এই ক্রীরেপুর্প কর্ব দর্শন করে হাজন হাজন দেশপথিয়া অভ্যন্ত প্রসায় হতে, শ্রীনের প্রতিক্ষানহ গ্রাণীর ভূতি করেছিলেন। সেই সময় দেবতারা মাধ্র পর্বতের লিখনে দুখুন্তি ব্যক্তিটোলন এবং তাদের পদ্ধীন সেই চিতার উপর পুন্দর্যন্ত হারে পরস্পারের মধ্যে এইভাবে বলমালি করেছিলেন—সহস্বাতী অৰ্ঠি ধন্যা। আমরা ফেখতে পাছিছ হে, পৃথিধীর সমস্ত রাজানের সভাট মহারাজ পুধুর এই পদ্ধী শ্রীর কার, কর ও অন্যের ধারা উর পঠির দেবা করেছেন, ঠিক বেভাবে অর্পদ করেছিলেন। যে উপাধিব দারা জীব বন্ধ হব। লক্ষ্মিদেবী ইক্ষেত্রত ভালতান বিকৃতি মেরা করেন। দেখ সেই সমান্ত উপাছি থেকে তিনি কান, বৈরাদ্য ও ভতিব নিভাবে সতী আঠি ঠাৰ আঁচন্তা পুন্যকর্মান প্রভাবে, আধ্যাদ্বিক শক্তির বারা মন্ত্র ক্রেছিলেনঃ এইভাবে তার । একনও ঠার পতির অনুনামন করে, হতেনুর পর্যন্ত আমরা

মেনতে পাছি, উপানাদিনী হছেন। এই কাম জনতে প্রতিটি ক্রানুক্তর আৰু অভ্যক্ত আন, ভিন্ত বারা ভগবানের সেবার বৃক্ত, তারা ভাষের প্রকৃত আনর ভগবানের ভিনে মান। করণ উনো প্রকৃতপকে মৃতির পথে অবস্থিত। এই প্রকার ব্যক্তিনের কাছে কেনে কিছুই মূর্লত না। বে-বাজি কাম-কাছারের কা কৃষ্ট্রসাবদের কলে, এই পৃথিবীতে অগবার্গর অরক্তনে কর্মা-কাম লাভ করেও জনিতা বিশ্বরে আসক করে প্রেড, ভাকে অবশাই আক্রান্তী এবং ব্যক্তির বলে বিকেনা করতে হবে।"

महर्षि रेगडिक क्लास्ट्र-"द्ह विष्यः। चार्शस দেবভাবের পত্নীরা বখন নিজেদের যথে এইভাবে ক্ষাবলি কাছিলেন, তথন ফারালী অর্চি সেই লোকে পৌৰেছিলেন, জে-লোকটি কলপসিছ অভিনেদ মতে শ্রেষ্ঠ তার পতি পুরু মহারাক হাত্র হয়েছিলেন। ভব্তকে মনুৱাৰ পুৰু ছিলেন স্বতার পরিমান এবং উরে চরিত্র ছিল উমার, চমংকার ও মহৎ। তাই আমি ঠনে করা ভোহার করে ক্যাসাধ্য ধর্মনা করণায়। বে कक्ति नेथ बहुतारकर बहुन हरित संबा है बर्सारमध महरदार चाँडे दरहर, चथरा क्ला करान कथना कर्नामङ তা শোনান, ডিনি নিশিতভাৱে পুগু মহায়াকের লোক প্রাপ্ত হাকো। অর্থাৎ তিনিও ভগবভার কৈছঁলোকে কৈছে যাতেনঃ পথ মহাক্রাক্রের চাঁবর ক্রমণ করে ব্রাক্ষণ ক্রকতের প্রাপ্ত হল, করির ব্যব্ধ পৃথিবীর রাজ্য হল, বৈশ্য অন্য হৈন্দ্ৰ ও পণ্ডাৰের উপর প্রস্তুত্ব ৰাখে করেন এবং পুর শেষ্ট ভক্ত হল। স্ত্রী-পুরুষ নির্বিশেরে, প্রতীয় শ্রদ্ধা সংকরে পুথু মহারাজের এই কাহিনী প্রকা করলে পুত্রীন কঃ পুরুষাভ করতের একং নির্ভন ব্যক্তি ধনীত্রের হতেন। এই ৰভান্ত ভিনবার ঋলা করলে, খলহাঁম ব্যক্তি খবার কাড়ী হকে এবং দুর্গ ব্যক্তি মহাপতিত হকে।

राधीर, मुध् भक्तास्थान कुरात अध्ये चल्लाकन्छ (त. छ) সমস্ত অমলন শুর করে। পুথু মহারাজের করিনী প্রবৰ ৰূৱে মানুৰ মহান হতে পাৰে, আই বৃতি কাতে পাৰে, ক্ষাক্তেকে উঠাত হতে পারে এবং ক্ষিয়ুগের কল্ম নাশ করতে পারে। অগিকছ বর্ম আর্থ, কাম ও মোকের পাথের উল্লিখ্যাধন করতে পারে। অভ্যাব, এই সমন্ত বিষয়ে আত্তহলীল কভ বিধয়াসক অনুধ্যমের উপলেন দেওরা হতেছে যে, গুলা কো পুথু মহালালের স্থীকন ও চবিত্র পাঠ করেন এবং প্রবেশ করেন। শাসন ক্ষমতা ত ভালোডে ইছক কোনও রাজা বলি পুথ মহারাজের কাহিনী তিনবার উচ্চারণ করে তার রূপে চন্ডে যাত্রা করেছ, তা হলে তার খানেশে অন্য সমস্ত রাজারা শত্যুপ্রভাবে প্রাঞ্জে কর প্রদান করকো, ঠিক বেভাবে থারা পূর্ মহারামাকে থারে আদেশ করেই কর প্রদান করেছিলে। ৩% ভক্ত ভববহাতির বিবিধ পদা পালন করে চিন্দত্র পদে ভিড করে, সম্পূর্ণকরে ক্ষান্তাবনার মধ্য হাতে পারেম, তবুও ভরবছাতি সম্পাদন করার সময়, পূর্ব মহারাজের জীবন ও চরিত্র সম্বন্ধে নিজে প্রবণ করা, भारे कहा क्या क्याहर क्या क्याहर केत व्यन्त कर्डका ("

"হে বিদ্রং আমি হবাসকা পুণু বহাবাজের চরিত্র কীর্তন কলোহ, আ কাবড়েকি বৃদ্ধি করে। যিমি এই সুবোগের স্বাবহার কবকের, তিনিও পুণু মহারাজের মতো ভাগবছাকে কিরে বাকেন। বিনি পুণু মহারাজের কার্যকালের বৃহাত নির্বাবিভাগের জভাত্র প্রজ্ঞাপূর্বক পাঠ করেন, কীর্তন করেন প্রথম করিন করেন, ভাগবালের প্রশাদশংখর তাতি তার অবিচলিত প্রস্কা ও জাকর্যন নিভিতভাবে বর্গিত হবে। ভাগবালের প্রশাদশন্ত পাল হওচার ভারশিকাশ।"



চতুৰ্বিংশতি অধ্যয়

রুদ্রগীত কীর্তন

प्रदर्शि रेस्टबर्स रेक्सलस—"यहाताक भूपून (क्रांडे भूत বিজিপ্তাৰ, বিনি উল্ল পিডাইই মতো কাৰী ছিলান, তিনি রাজ্য হয়েছিলের এবং ঠার কনিও প্রত্তেমের তিনি পৃথিবীর বিভিন্ন নিক আধিপত্য করতে সিয়েছিলেন, কারণ তিনি তার ভাইনের প্রতি অভার রেহণলৈ ছিলেন। प्रदक्षाक विकिन्स देख क्षाल स्थंकरक नुधिरीत नर्द प्रिकृ ধুপ্ৰকেশকে দক্ষিণ থিক, বৃক্তে পশ্চিম দিক এবং ম্ববিশ্বকে উভাঃ লিক প্রদান কর্মোছদেন। পূর্বে, মহারাজ विकिटान संबदान हैएसर धनकड़ा विश्वास्त्र करण, छाउ কার খেকে অকর্মান নিদার প্রাপ্ত হয়ে অক্রর্যান উলাহি লাক করেন। লিখতিনী নামক পরীর ঘর্তে তিনি তিনটি ছাতি উত্তয় পুত্র উৎপাদন করেন। হেনুবাক অন্তর্গানের তিনটি भुरमा नाम किन-नायक, भुराधन **७ ७**६। भुर्द धरे তিনম্ভন ডিকো অভিন দেবতা, কিছ মহার্থি বসিষ্টের অভিনাপের কলে জারা মহারাম অন্তর্গানের প্রার্থণে অস্প্রহণ করেছিলেন। তার কলে তারা ছিলেন অধিদেকে মতে শক্তিমন এবং উন্নে কেনবলে পুনরার অধিক প্রাপ্ত হয়েছিলেন। স্বহারাক অনুর্যানের নক্তবাতী নামক আর এক পত্নী ছিলেন এক ওল গতেঁ তিনি হবির্ধান নামক জ্বার একটি পুর প্রাথ্য হয়েছিলেন। মহানাৰ অন্তৰ্গন বেচেড ছিলেন অভান্ত উপৰ, ভাই ইঞ্জ উরে পিতার মধ্যের আৰু স্রাপহ্তণ করছেন জেনেও তিনি फेर्ड एका क्टरमंथि। इस्तान वृद्धि चमुनादा, धनार्थमंदक यमन शकारमञ्ज काष्ट्र (यहक कह कामाह संशोध देखे. পর্বাসন করতে হও ভারতা ওক গ্রহণ করতে হত, তা यकात नीपालक बन दिनि सा करए अरिटिन नी। ভার করে এই প্রভাব কর্তন্ত কর্ম থেকে অবসর প্রহণ করে তিনি বিভিন্ন কল অনুষ্ঠানে রত হারেছিগেন। महाताक शहर्यन तक चनुष्ठान करालश, बाय-अपराहा ইণ্ডান্ত হলে তিনি অভার হথিছের সহকারে ভরেবংসল क्षभगत्मद रक्षमध्यी स्थान म्र=नायम करवरिस्तन। এইভাবে প্রয়েশ্য ভারানের আরাধনা করে মহারাজ

অন্তর্থন সমাধিষণ্ণ হবে অনাহাসে অগবভাষ প্রাপ্ত হর্মেছদেন। মহারাজ অনুর্বানের পুত্র হৃতির্বানের পুত্রীর নাম ছিল হৃতির্বানী, বিনি বর্তিবং, গ্লহ, শুক্ত, কৃত্য, কৃত্য, কৃত্য, ব জিতরত ক্ষমক হাটি পুত্রের জন্মক কর্মেছদেন।"

"হে নিদুরঃ হবিবানের অভ্যত শতিকান পুত্র বহিংং বিভিন্ন প্রমান কর্মকার্তীর বজা অনুষ্ঠানে অভান্ত সুদক্ষ ছিলেন এবং তিনি হঠখোগের অভ্যানেও পার্যপর্নী दिश्यात: कांच वह द द्यारमीय श्रष्टाहर, दिनि क्रणांपिकरंगक महिन्दि एर्साइएकः। बराह्यक वर्ष्ट्रेयः। न्यियोत गर्वत वर यह कालेल करविश्लात । कात क्ष्मार गुर्वेडकृत श्रेल बहुतीरक बहुकानिक स्टिक्सि। बहाबाच वर्षि वर, किन शाहीनवर्षि नात्य विधार হয়েছিলেন তিনি দেবলেৰ প্ৰথমে আহেৰে সমুদ্ৰকন্য শৃত্যভূতিকে বিবাহ করেনঃ তান সেহের প্রতিটি অন অত্যন্ত সুন্দর হৈল এবং তিনি ছিলেন নবংশীক-সম্পান। স্থান অসমতে ভবিতা হয়ে, বিষয়ের সময় তিনি করন অভিনে প্রদাসন কর্মান্তনার, তথম অভিনেম ভার প্রতি মতাত মাণ্ট হয়ে উক্তে কাকৰ কৰ্মেছিলেই, ঠিক বেমন তিনি পূৰ্বে গুড়ীকে অভিনয়ৰ কৰ্বেছলেন। শতক্ৰতিত विवादश नमर चन्द्र, चन्द्र, मृति, निव, नद छ नाएश्ता ঘতাত মহান হলেও, সভলেই তার সূপুরের কিছিবী ধ্বনির বাধা মোহিত হরেছিলন। সহারাধা প্রাচীনবর্ছি শতক্রতির মর্ভে মনটি পুরসম্ভান লাভ কর্তেপ্রিলন। ইয়ে श्रक्त्राहे अधामकार्थ वर्षभवाद्य विरूक्ष अस् क्षेत्रव নকলেরই নাম ছিল প্রচেতা। বিবাহ করে সহান উৎপাদনের জন্য লিভা কর্তৃক আলিট হয়ে, প্রচেন্ডারা সমূদ্রে প্রবেশ করে দশ হাকরে বছর ধরে ভগস্যা করেছিলেন। এইভাবে জারা সমস্ত ভলসার পতি **भवरमध्य क्षण्यारम्ड बादास्म् कर्राहत्स्यः इयम्** প্রচীনবর্ত্তির সমস্ক পুরে তপস্য করার কন্য পুরতারে कर्राहित्सा, अन्य जैद्धिक महा प्रशासित्य माकार হয়েছিল, বিনি অভান্ত কুলাপুৰক জানেত প্ৰথ তথুঞ্জান उपन क्टरिश्यन। डाठीनवर्दिव भूतक चलतुर जावधारसा ও মনোবোদ সহকরে জ কীর্ডন ও উপাসনা করে সেই উপজেলের খ্যান করেছিলেন।"

वित्र रेस्ट्राटक किसाना कारतन-"ट्रा डाकनः প্রফেজনের সঙ্গে শিবের স্থান্তং হয়েছিল বেনাং পরা क्षत क्ष्म किछात टाई जानार इत्तरिंग, किछात भित উানো প্রতি প্রসাঃ হরেছিলের এবং কিন্তাবে তিনি জালো উপদেশ নিমেছিলে। নিমেশেহে এই আলোচনা অভান্ত ওরুত্পুর্ব। পর করে জানার প্রতি কুপাণরারণ হতে, সেই কথা আগ্ৰাকে বলুন।"

"হে রাক্ষণক্রেষ্ঠ। ক্ষম্ভ দেহের বছনে আবদ্ধ শীবদের পক্ষে শিবের সাকাং কাড করা অভ্যন্ত দুর্লাভ। এমন কি দমক্ত জড় জাগতি খেকে সুক্ত এবং লিক্সে সমস্যতের জন্ত সর্বদা উন্ন খ্যানে খর্ম মহান খবিরাও তার সম্পাত করতে পারেন বা। ভগরত দিব হয়েন সং চাইতে দক্তিশালী মেবত, আন ছান কলানে প্রীবিষ্ণা शराहै। विमि चानावम। वनित वहै कर कर्गर कान বন্ধা প্রতি তার আভারতা নেই, ততুও বন্ধ জীবলেও क्लालंब करा, डिनि मर्का कामी ७ मुनी वानि खरकर শক্তিসহ সর্বাচ বিচৰণ স্বাক্তরা^ক

भवति देशस्या समारमध—"स्य वित्रत। आधु प्रतिस श्राप्तका चेत्रपत भिन्न शहीनवर्षित क्या भिताका करत পিতার আদেশ পালন করার জন্য পশ্চিম নিকে পালন করেছিলেন। এইভাবে শ্রহণ করার সময়, প্রচেন্ডারা এক বিশাস স্থেকের দর্শন করকেন, বা প্রায় সমুদ্রের মধ্যে বিস্তৃত ছিল। সেই সংলেবজের জল ছিল অহাজানের নিৰ্মণ অধ্যক্তিপত মধ্যে কৰা এক কলচভাৱ এত বড় ক্ষাৰ্থশনের শরণ প্রচুপ করার কলে, ভানের অভ্যান্ত শাস্ত ও শ্রাপা বলে প্রতীত হতেছিল। সেই বিশাস সলোকরে मान क्षेत्रके शब्दको क्षण्डीक स्टाविक। चाराव स्कारीत রঙ বীল, কোনটির রঙ সাল, কোনটি মারে প্রাকৃতিত रत, रंग-क्रि निरमा राजा आकृष्टिक रह, व्यावत स्थानक्रि चानि नवभूतन तम्हे मत्त्रासाधि बक्तकात्। नूर्व विन त्यः का आर्थ महाम इंकिंग (का आर्थ बनकी मुरानद्र व्यापनः।

চতুৰ্নিকে বিভিন্ন প্ৰকাৰ কৃষ্ণ ও লখ্য ছিল, এবং ভাষেত্ৰ চারপাবে মন্ত রামরেরা ওঞ্জন করছিল। ভাররানের সেই वयुत ७८२ ज्ञदर करत् राज्यानकात भाष्ट्रनामाधीम राज অভ্যন্ত পুৰুষ্পিত হয়ে উঠেছিল এক ভখন প্ৰয়কুলের পরাম চতুর্বিকে বায়ুর দারা বিকিন্ত ইতিসাঃ তার ফলে সেধানে এক আনক্ষর মহোৎসক্ষে পরিবেশ সৃষ্টি वस्त्रिक। त्रामन्द्रका वस्त्र पूनम् ६ नगरमर् धाठाव সমধ্য আহবারিণীর ধানি ওনতে গেলেন, তখন ঠারা অভ্যন্ত বিশ্বিক ইতেকিলেন : প্রচেডারা তাঁদের সৌভাগ্তক্তম দেবৰেষ্ঠ লিবকে তাৰ পাৰ্চদেশ-সহ অঞ থেকে উৰিত হতে দেখলেন। ওঁয়ে আলকান্তি ছিল ঠিক क्ष-काकरम्ब मरु। कांत्र कहे दिन मीलास धनः कींत्र किनक रुक्त बिन अंदर दिनि चाटाख क्नान्व सराय देस ভক্তবের হাতি বৃষ্টিপাত করছিলেন। জার অনুপার্মী ক্তর্বাধি সংগীতভোৱা তাঁর মহিখা কীর্তন করছিলেন। লিবকে স্বৰ্ণন কৰে প্ৰচেতানা অত্যন্ত কৌতৃহল-বিলিষ্ট रहाहित्सम धना काटक करकनाव क्षतिक निरंतान করেছিলেন। ভগবনে পিক প্রচেকানের প্রতি অত্যন্ত প্রসন্ত হরেছিলেন, কাবণ ডিলি সাধারণত পুণ্যবান ও সদাচারী किरमद्र सम्ब

রাজকুমারদের প্রতি জত্যক প্রসম হারে তিনি বলেছিলেন—"বে সহাতাক প্রাচীনবর্হিত্ত প্রাচ্চ ক্রেখানের সর্ব্বাসীণ ক্ষমল হেকে। আমি জানি কোমরা কি ৰয়তে মাও এবং ভাই তেয়োদের হাতি কুপা প্রদর্শন করার কর আমি ভোষাদের খোচরীভূত হরেছি। বে বাকি জড়া প্ৰকৃতি ও জীৰ আমি স্ব কিছুর নিয়ক্ত শরদেশর ভগবান বীকৃষ্ণের শরশাগত, তিনি আহার অভ্যন্ত ত্রির। অনুব **শত ক্র**ম ধরো বথাকওভাবে স্বধর্ম অকরণ করনা কলে, প্রকাশ প্রাপ্ত হওজের বোগ্য হন ধ্বং ভিনি ক্রী ভার খেকেও অধিক খোগ্যভা অভনি করেন, ভা হলে ডিনি আমাকে লাভ কচতে পারেন: কিছ বেই কভি খ্যান্ত ভতি সহকায়ে ভগবান শ্রীকৃষ্ণ সভাবেলা প্রাকৃতিত হব। নেই সমস্ত ইনীবয় করুয়ে ৰা শ্রীবিকুলা শরণাগত হব, তিনি অভিনেই টিং-জগতে **डेडीक रत। कावि थ क**न्तान्त (मक्छादा **धरे थ**ड़ অক্তের নিবাশের গর সেই লোক যান্ত ইই। তোমরা আর সেই সাত্রেবরের তীও হবে, সাবস, চত্রাবাক ও সকলেই ভগরানের কক এবং তাই আমার কাছে ডোজা অন্যান্য পাশির কুমানে মুখনিত ছিল। সেই সরোধনের স্বরং ভগবানের মতো এছের। সেই সুত্রে আমি জানি

ৰে, ছ'ওবাও আমাকে খতান্ত কয় কৰে এক আহি dance অভার প্রিয়। তাই তককে কাছে আরার মতে। প্রায় আর কেউ নার। এখন আনি একটি হয় উচ্চাল ভবৰ, স্থা কেবল দিবা, পবিত্ৰ ও মালনাত্ৰই নতু, অধিতত্ত্ব খ্রীবনের চরম প্রকালনের অভিকাশী থাকের পক্ষে রেষ্ঠ প্রার্থনা। আমি কান এই মন্ত উল্লেখন কান, তথা জ অভ্যন্ত সাৰ্থনিভাই সঁজে এবং মনেহয়াৰ সহবছৰ মাৰা ক্ষব।™

শহর্ষি মৈতের কললেন—"ভগরনের পরম ভক্ত মহাপুরুষ শিও ময়াগরকা হয়ে রাজপ্রমের উল্লেখ দিতে লাগদেন এবং উরোও কুমঞ্জনিশুটে উর সেই উপদেশ প্রথণ করতে লাগলেন।"

क्षत्रवास्य शार्वम् करत लिव दल्दलन-"एर वरद्यस्य फनवार। चालनात महिमा नर्वत्वरहात बहरक जाकः। अध्यक्ष चापावित भूकपरमा प्रत्य चाभवि अर्थराके जनर আগমি সর্বাধ জীৱনৰ কলাপসাধন করেন, ভাট আপসি অন্যাহত কল্যাণসাধন কৰম ৷ আপনাৰ উপতেপ সৰ্বভোডাৰে পূৰ্ব, ডাই খাপনি জাবাধ। আপনি হলেন প্রমান্তা: তটি আমি পরুবোরময়নে আপনকে আমর প্রদাতি নিবেদন কবিঃ হে প্রস্তা আগনার নাতিকো খেকে সৰ্বলোকসমূহ পদ্ম উখিত হতেছে ভাই জাগনি সমত সৃষ্টির উৎস। আপনি সমত ইত্রির ও ভারমের পরম নিবস্তা এবং আগমি হজেন সর্ববাস্তে নাস্থান। আপদি পরম পাল এবং আগবার বপ্তকাশের কলে, আপনি হয় প্রকার বিকারের হারা করনও বিচলিও হন না। যে ভগবান। আগনি সন্তু ওয়ের উচ্চ, সমস্ত **च**ष्ठ डेनामात्म कविकास अवर महास्कर्ता जाननि অংকারের অধিষ্ঠাতা সভর্ব এবং বৃদ্ধির অধিষ্ঠাতা প্ৰদুৰ্ভ। ভাই আমি ধালনাকে আখার সভাৰ চলতি নিবেদন করি। হে কলবান। আপনি ইতিহ ও মনেব অধীনার অনিক্রম। জনারি সর্ববালে তেকো বাল বিব পরিবাধ্য করছে।, স্থাপনায় কর ঝ বৃদ্ধি সেই। তাই আমি বার বার অংশবারে জায়ার প্রাণ্ডি নিকোন করি। ভাগবান আমি আপানার সেই রূপ মর্লন করেছে চট্টে,

এবং হার কলে অধিমেশে আপনি চাতুর্হোত্র আমি বৈদিক ৰজের সহারতা করেন। তাই আরি আপনাকে আমার সভাৰ প্ৰণতি নিবেমন কৰি। ছে প্ৰথক্তন। আপনি লিতলেক ও দেবতালেও পোষক। আশমি চক্রলোকের অবিশ্রান্ত বেখতা এবং তিন বেনের প্রভা। আমি चानवारक च्याचार अञ्चय धर्माट निरंदमन कदि, कार्यप আগনি সমস্থ জীকে তারিং আদি উৎস। হে ভগবন। আপনি বিবট করাপ, বাতে সমস্ত জীবাদের শরীর নিহিত ব্যহ্রের। জালনি ছিলোকের গালক এবং তার কলে আপনি সেওলির মধ্যে মন, ইপ্রিয়, দেহ ও প্রাপবার পঞ্জন ভরেন। আমি তাই আপনাকে আমারে সম্রস্থ প্রশতি নিরোম করি। কে ভারমন। আগনি নিরে বাণীর প্রসারের হারা সধ কিছুর প্রকৃত ভার্য প্রকাশ করেন। আগনি কৰা ও বটাৰের সৰ্ববালে আকল এবং আগনি কর-জার্গতিক ও জড়াতীত সমস্ত পুশুকর্মের চরম সংস। আমি তাই বারবার জ্বলাকে জামার সম্ভব প্রপতি নিকেন করি। হে ভগবান। আপনি পুণ্ডকর্মের কল মর্থনকারী। আপনি প্রবৃদ্ধি নিবৃদ্ধি ও ভালের পরিবার। कार्यन कार्यक्रमिक कीराजा भाग-मूर्गनात कारण, प्राप्त-प्र আপনি মৃত্যু। আমি আপনাকে আমায় সভস্ক প্রগতি নিক্ষেত্র করি। হে ভগবান। আপনি সমত আপীর্বাদ श्रमानकादीरका वर्षा नर्वध्यक्तं, श्रेवीश्रद्धं अवर नवक ভোলাদের মধ্যে সর্বপ্রেষ্ঠ ভোক্তা। আগনি সমগ্র क्सरण्ड नारवाराम-मर्नक्ष प्रेचर, कारल धानिन मर्द-করেন্দ্রে পরত্ব করেব ভাগনে ইন্ট্রিক। আগনি সমস্ত বর্মতারের পরম উশর, পরস্থ মন এবং আপনার মেধা কৰাও কেল পরিস্থিতিতে প্রতিহত হয় ম। তাই বারবার ক্ষরি আনুমারে আহরে সম্ভন্ন প্রণতি নিবেদন করি।"

"ছে ভগরন। আপনি কর্তা, করন ও কর্মের পরম নিক্তা ভাই আপনি কেন্দু হল ও ইভিষ্টের নিক্তা। कार्गाने कर्पारता नगर निश्च करू। वासनीहे हरसन প্রান ও বৈদিক নির্দেশ অনুসালে কর্মের উৎস। হে ছে প্রপানন প্রতিক্ষা। আপনার অংশেকার বর্গ ও বা আপনার অভান্ন ভিন্ন ভক্তমা আর্থনা করেন। (मारकार कार केवल हुए। काशनि मर्तना कीरका एक कामनार कान रूप तम इरहरू, किस कारी विरम्बकारर হদত্যে বিবাধা করেন। ভাই আমি আপনকে আমার নেই বাল দর্শন কাতে চাই, বা ভার্কুবের আহার ভিত্ত। সত্রত্ব প্রণতি নিবেলন করি। আপনি কর্ণসনুশ শীর্ষসর্বাক্ত । করে করে আপনি আহরে প্রতি করে হয়ে, সেই রূপ

धनर्गन काल, कारत क्रस्टाका व्यासाधा राष्ट्रि संगर्ध राजवा ইভিয়ের সমন্ত আকোনগুলি পূর্ণরাপে চপ্ত কাতে পারে। ভগবানের রূপ বর্ষার স্থায়িত্ব মেখের মতে। শ্যানবর্ণ। মর্বার ধরে। যেয়ন বিশ্ব, উার সেতের সৌন্দর্যত তেওন বিছ। নিঃসলেহে তিনি হচেনে সমস্ত সৌন্দর্ভেই সমষ্টি। স্থানের চতুর্বন ও পর-প্রাপের মতে নেরসংবিত তার মূখমতাল আপুর্ব সুকর। তার স্রাসিকা উরস্ত, তার হাসি অভান্ত মনোহর, উল্ল কপোল অভ্যন্ত সুন্দর এবং সম্পূৰ্ণত্ৰপে বিভূমিত উল কৰ্ণবৃথক সমানভাবে সুকুৰ। ৰ্ডার উদার ও প্রীতিপূর্ণ হাস্য এবং স্টার ভস্তদের প্রতি নেহাত্ত থেকে তিৰ্যকভাবে দৃষ্টিগাতের কলে, ভাগবান चन्त्रं तृश्वः। चैल कृक क्रमश्वः कृष्टिच स्वरः গছতুকো কেশকে মতে তার গীতবর্ণ করে করে করে फेडरह। फेंड केन्द्रण कर्नकृतन, मुक्ट, करहा क्षेत्र जुनुत् মেকা এই শব্দ, চক্র, গবা, গবা সহ করার ক্যাংকার-সমূহ তার অক্ষের কৌজেন-প্রদির আন্তর্নের সৌন্দর্য কৃতি করন্ধে। ভগবানের ক্ষমেল টিক সিংহের মডো। সেই ककरनरम कुरमद भागा, कडेश्व क मनिमाना अर्था উজ্জনতাৰে শোচা পাতে। এবলি ছাডাও ওলেছে কৌরভ-মণির কৌনর্ব আর ভগরনের শ্যাহ বক্তসূত্র শ্রীবংস-চিক্, যা হলে লাড্রীদেশীর প্রতীক। और উজ্জ্বল প্রীকণ্য-চিক্ত কর্ম-কেবাজিত করিলাধারের সৌকর্যকেও ভিরম্বার করছে। ভাগবনের উদর রিবলি-রেধার শেভিড। ভা তৰৰ প্ৰের মধ্যে গোল ≼বং উন্ন নিখাস-প্রকালের কলে, সেই উদৰ অভাৱ সুসৰভাৱে কশিত ছয়। ভগরনের নাভিবেশ এত গালীর যে, কমে হস্ত বেন সেকন থেকে সমগ্র বিশ প্রকলিও হয়ে পুনার সেধনেই প্রকো কর্ছে চার। কানোনের কোমরের নিম্নতার भाग्यमं अस् छ। गोधवर्ग बद्ध ७ क्लीनिर्वेष (बक्तात দারা সুগোভিডঃ উয়ে পাদপদ, জঙবা, উরুদ্ধ ও জানুহুগল পরস্পান সম্ভান এবং অপূর্ব সুবর। তার সহপ্র শরীর অত্যক্ত সুক্তরেবে পঠিত। হে জন্তন। আপুরের জীপনপদ্ধ-যুগদ শারংকালের প্রস্কৃতিত পরদলের সংখ্য এবং আগনার সেই পাদগালের নগতালির দীবি বন্ধ कील्ट्या स्थापन ककार सक्षात पूर करत। (ए স্কৈলন। আং,নি অন্তর্যক কুপ্রপূর্তক আগনরে সেই রূপ क्रम्पन कंडम, यो क्कारता समारतात समक प्रकास मृत

করে। হে ভগরন। আপনি সকলের পরম ওর, অতএক অজাবের অভকারে আছের সমস্ত বছ ভাঁব অপনার কাছ থেকে জানের আলোক গাল্ল হতে পারে।"

"হে কলবন। করে তালের জীবন পরিত্র কলত চান, फीरनम चावना महंदा शतक, भूरवीचा वर्गना वर्गनाता আপনরে শ্রীপাদপর্যের ধ্রাম করা। বাঁরা উচ্চের ক্রম जन्होरन जेकाविकश्वास जाग्रही अवर बीहा का स्थाप মুক্ত হতে চান, জানের এই ছাতিযোগের পরা অবসন্থন क्या चरुत् क्ठंब। (र फ्यवंस। चर्म्ब स्वकृत देखन প্ৰীবনেৰ চৰত্ৰ লক্ষ্য উগৰম্ভক্তি লাভে অভিলাৱী। তেমন্ট, আগনি রক্ষবাদীদেরও চরম লক্ষা। কিছু, তাদের পক্ষে আলতাকে লাভ করা অতাক্ত কঠিন, অংগ্র জনা আপান ভঙ্ক, টার আপানকে অনারূপে প্রস্ত হতে পারেন। হে ভারকা। ভারকারি মৃক্ত পুরুষদের পাকেও দূর্নভ, কিন্তু এই জড়ির খারাই কেবল আপনাম প্রদানতা-বিংল কম আৰু কেউ কৰি জীবনের নিভিলাভের বিষয়ে প্রকৃতই নিটাপত্ররণ হল, তা হলে আছ-উপলব্রির অন্য পহা তিনি কেন রহণ করকোঃ অক্ষেম কাল কেবলমার জার আকৃটি কিল্নাসের খানা সমগ্র বিশ্ব ধারে करता किन्न सेता मण्युर्गतरा धार्णनात क्रिशामग्रहात् শরণাগত ভক্ত, উদের কাছে ভাকের কাল আসতে পাঠে না। কেউ বহি সৌভাগ্যক্ষমে কণার্ধের জন্যও ভগবন্ধভের সমলভের সূবোগ পান, ডা হলে আয় ভার কৰ্ম ও জানের কলের ত্রতি কোন আকর্মণ পাকে হয়। অ হলে বে সমক্ত দেবভাৱা কম ও মৃত্যুর নিয়াশাধীন, উদ্ৰেশ্ব কাছ খেকে বা সাভ করার প্রতি ভার জি বার আকাশ্বন্ধা থাকতে পারে ? হে ভগবানঃ আপনার প্রিশালণার ব্যক্ত মাধ্যার উৎস এবং স্মান্ত পাশের স্বল্য কিনাবকারী। আমি ভাই আগনার কাছে প্রার্থনা করি আপনি কো আমাতে আপনায় ভাজদের স্প্রাতিও অপ্রেবিক করেন, জীবা আপনার জীপানগড়ের অসোধনা क्तांत्र करण, नण्णुर्वकरण पवित्र शरदासम् अवर वीता वक्ष জীবদের প্রতি জভান্ত কৃপায়র। আমি মধে করি বে, অপনর এই প্রকার ভক্তদের সঙ্গ করার সৌভোগাই হতে অমার প্রতি আপনার প্রকৃত আশীর্বার ("

"ৰে ভড়েন্ত হাৰতে জনবন্ধতিক প্ৰস্তাৰে পূৰ্ণনালে পৰিত্ৰ হয়েছে এবং বিনি ভড়িদেবীৰ কুণা লাভ করেছেন, ভিন্নি ক্থনও অন্তক্তা-সন্ত বহিরক্ত মধ্যোপত্তির হরে। য়েহিত হম না। এইডাবে সমত লাভ বলুব থেকে প্রির ইটে, ভগবর্মক অতার জনন্দ স্থকার আপনার লায়, হাল, বাপ, কাৰ্যকলাপ ইত্যালি লানৱক্ষম করতে প্রকোর হে ভগবান ! নির্তিপ্র ব্রন্থ সূর্ব বিবাপের হতো क्रवन काकात्मत् प्रदेश गर्दशासः। (गरे निर्दिश्य दुवा, ক্ত সমগ্ৰ ব্ৰহ্মাণ্ড কুটো কাৰ্য কৰি ক্ৰান্ত সমগ্ৰ ক্লান্ত ক্রবস্থিত, তা আপনিই। 💢 স্কার্থন। আগনার বছ প্রকার শক্তি রয়েন্ডে এবং সেই সমন্ত শক্তিওলি নামারলে প্রধানিত। সেই শক্তির হারা জাপনি এই কর জগৎ সৃষ্টি করেছেন এক এফনভাবে ভা আগনি পালন করছেন হে, মানে হ'ব আ কো ভিনহানী, কিছু তনুও চলতা আপনি ডা ধ্বংস করেন। যদিও আপনি এই প্রকার পরিবর্তসের দারা কমনও প্রকটণ্ড বিচ্চিতি হন না ভবণ জীবেরা তার কলে বিচলিত হয় এবং ডাই ভারা ছলে করে বে, এই ছাত কলং আলনার বেকে ভিন্ন। হে **धनवन! चानने गर्दमा मण्ड अतः छ। साबि "लटेआर** " বর্ণন করতে পারি। ছে জগতন। আগনরে নিবরুপ গঞ তছ, ইপ্তির, মন, বৃদ্ধি, অহুভার এবং আগনত অংশ अर्थाखर्याकी अवसाराज द्वारा खंडिए। एक गाउँग्र जना যোগীর, বখা কর্মহানী ও জানবোগীর ভাষেত্র ধীর বিভিত্তে অবস্থিত খেকে, ভাষের কার্যকলাগের দারা আপনরি আর্থনা করে। বেদে, তার ও জনাস্য সমস্ত বৈদিক পাল্লে সর্বন উল্লেখ করা হয়েছে বে, কেবল ব্দপনিই আরখে। সমস্ত বৈদিত শারে এটিই হরে পরম निकल्ड।"

"হে জগবান! জাননি সূর্ব-কারনের গবম করেব একমাত্র প্রম পূজব। এই জড় জগৎ সৃদ্ধির পূর্বে, আপনার মারালন্ডি সূর্ব অবস্থার থাকে। রখন আলনার মারালন্ডি কোভিড হয়, অমন সঞ্জ, রজ ও জয়, এই ভিনতি এব সঞ্জিন হয় একে ভার কলে মহন্তব্য, অহমার, আকাল, বায়ু, আগুল, জল, মাটি, বিভিন্ন দেবকা ও অবিগণ প্রমত হল। এইকারে জড় জনভের সৃতি হয়। হে ভলবান। আগনার বীর শক্তির হারা সৃতি করার পর, আগনি চারটি মধ্যে এই সৃত্তিতে প্রবেশ করেন। সমর জীবের অধ্যাকরণে অবস্থিত হবে আগনি ভারের জানো এবং কিভাবে স্থায় ভারের ইন্দ্রির উপভোগ করেছ তাও

ফানেন। এই ৮% স্বপ্তে ভখাতবিত সুংভোগ ঠিক যৌমাছির যোগকে সঞ্চিত্ত মধু আবাদন করার মতো। রে জাগার । আগার পরে ইবরে প্রভা**ত**ারে অনুভব করা যাত্র না, কিছু এই স্বপতে ৰে সংকিছু কলের প্রভাৱে বাংল হরে বাছ, তা দেখে ভা অনুমান করা বাই। कारतात तस चारता अठक कवा मर्थन्यू व्याप निष्ट्र স্থারা মাসে প্রাপ্ত হয়—টিক বেরন একটি পর্ড আর একটি পশুকে আহরে করে। বাহু বেমন আকাশের বেচকে ছিচনিজিয় করে, ঠিক সেইডাবে কাল সর্ববিদ্ রিপ্রবিভিন্ন করে করে। এই ভগবান। এই ভার ভাগতে সমন্ত জীনই বিভিন্ন বিষয়ে পরিকলনার কাপারে প্রমন্ত এবং ভারা দর্কনাই কিছু মা কিছু করের বাসনার ব্যস্ত। আৰু কাৰণ হচেহ বৰ্গমনীয় কোও। ঋত্ব-জাগতিক तृष्टाराञ्च कर की लाम कीरक प्रश्च नर्दाई वटाई কিছ পরক্রের জনবন আপনি কান্তর্ভ তানের আরুরণ শবেন, ঠিক ফেডাৰে একটি সৰ্গ ক্ষমবোগে একটি মুম্বিকড়ে প্রাস করে:"

"হে ভাগবন। বে-কোন পথিত বাভিই ক্লানেন বে. অপনার আরাধনা না কর্টো সমগ্র জীবন বার্থ হয়। সেই কৰা কৰে৷ সম্বেশু, কিভাবে তিনি আপ্তাৰ জীপাদপালের আভাতমা ত্যার করতে পাকোর একন কি আমানের পিড়া এনে গুরুদের ক্রমাও নির্মিন্যে আপনার অরোধনা করেছেল এবং চতুর্মশ মনুগণও তার প্রদায় ঋনুসর্থ করেছেন) ছে ভগবালং কে-সুমন্ত জানুয অভূতপক্ষে জনেবান, তাঁকা আপনাকে পরুর ব্রহ্ম ও পরবাধানতার ভারনার যদিও সমগ্র রক্ষাও চলতা সর কিছুর সাহোরকারী ক্রুক্তে ভাতে ভীতে, কিছু জাপনার কালনা হতের কাছে আগনিই হথেন নিউছ ভারর। হে বাজপুরগণ। ভোষরা সকলে বিভা**র** সদরে ভোমালের রাজেনিত কর্তব্য সম্পাদন করে ভাবেনের গ্রীগাদপত্তে ক্য হির করে তোমের এই ম্র স্থপ কর। তার কলে কাবন ডোনানের প্রতি অধান্ত প্রথম হতেও এবং তাতে ভোষাকের সর্বাচ্চান্তারে মালল ছবে। আক্রাক্ হে বাজকুমারণার। পরক্রের ভাগবাদ শ্রীহরি সভলেবই কারে অবস্থিত। তিমি ভোষাদের স্থানতে কর্বস্থিত। অভ্যুত্ত সর্বক্ষণ ঠার মহিমা কাঁড়েন কর এবং নিবন্তর তাত ধ্যান কর শে

हर्ज यह

ै(ए अञ्चल्यनम्। चाबि रक्षमामन कार्यः धार्यना রূপে ভাগবানের নিক্ত নাম কীঠন করার যোগপদ্ধতি বর্ণনা करति। एकामा नकरण और मरुवगुर्न एकाम मान शाला করে ভাতে সম্মহিত থাকার হত প্রহণ করার মাধ্যমে মহান কৰি হও। মুনিশের মধ্যে মৌনপ্রত ক্ষরণাধ্য করে, তোমরা গভীর মনোযোগ ও প্রস্তা সহকারে এই গছা অনুশীলন কর। সহত প্রভাপতিদেও প্রভ রক্ষা প্রথমে আমলো এই জোন্ৰী থগেছিলেন। সৃষ্টিকাৰ্ন ইচ্ছুক ভঙ আদি প্ৰজাপতিসেৱৰ এই স্তোৱ শিক্ষা দেবয়া হরেছিল। রক্ষা কর্মন সমস্ত প্রজাপতিকের প্রজা সৃষ্টি ক্ষারে আলে নির্বেদ্ধিকেন, তথ্য আমরা ভগরনের মহিন্য বীর্তন করে এই জ্যোত্র লেয়েচিলাম এবং সম্পূর্ণকরের ক্ষামান থেকে মুক্ত ক্রেছিলান। এইভারে আমরা বিবিধ প্ৰকাৰ জীৰ সৃষ্টি কৰতে সক্ষম হুৱেছিলাক। ভাগবান क्षेत्रका एक, येत्र का मर्थश केल शास वास वास्त. विनि क्षमध्यित्व क्षम् महकाद्व और एक्षम क्षा भारता. ভিলি ছচিটেই জীনানে। পরম সিছি লাভ করকেন। এই क्षक क्षतरह कठ क्षकांत्र कन्नांत्र बरकरवे, जान प्रार्थ স্থানকেই সৰ্বলেষ্ঠ বুলে বিবেচনা করা হয়, কারণ सानका जोकार कालारन करते. पूर्वश्वय मरमात-मध्य भवत ककीड वाद स्टा"

উত্তীৰ্ব ছভয়া খার। তা ছাড়া এই সমূদ্র উত্তীৰ্ণ ছত্যাব ভার কোন উপায় নেই। বদিও পরমেশ্বর ভগরানকে ভক্তি কয় এবং উর আরাধনা করা অত্যন্ত কঠিন, তবুও কেউ বদি আহার দারা রচিত ও গীত এই জোন কেবল भार्त करतन, एवं १९७५ छिनि छनाप्रारम भग्नेरभना समक्तानक কণা লাভ করতে পারেন। পর্যেশর ভগবান সমস্ত মঙ্গনার জালীর্বাচনে মধ্যে প্রিয়তম বস্তা। বে ব্যক্তি আমার হারা গীত এই সঙ্গীত গান করেন, তিনি ভাগবানকে শ্রমর করতে পারেন। এই প্রকার ভাষ্ট कारकारिएक क्षित्र एक कार्यात्मा नाइर वा वार्षना करान् তাই প্রাপ্ত হল। যে তথ্য খুব সকলে উঠে বঙাঞ্জী হবে এই কঞ্চীত গাম কংশে এবং অন্যাদের ভা শোনাম তিনি নিভিতভাবে শক্ষম কর্মের সমস্ত বছল থেকে মঞ হকে। হে রাজপুরপণ। আমি থে জোরটি গাইলাম, ভার উদ্দেশ্য হচ্ছে পরমান্তা পরমেশ্বর ভগবঢ়েনর প্রসমান্ত বিশাস করা। আমি তোমাদের উপদেশ নিক্সি এই জ্যেত্র ক্ষেম্বর ক্ষণ কর, ভারণ তা মহান তপদ্যারই মতে: কার্যকরী। এইভাবে যখন ভোমরা পূর্ণভা প্রাপ্ত হতে, ভাৰ ভেলেখের জীবন সার্থক ছবে এবং ভোলাদের



পঞ্জিংশতি অধ্যায়

রাজা পুরঞ্জনের কাহিনী

বহার নৈত্রের বিদুর্জে বাল্যুল্স—"ট্রে বিদুর।
এইভাবে ভাগনন শিব রাজ্য বর্ষিত্রের পুরবের উপদেশ
নিরেছিলেন। রাজপুরেরাও তাবন গভীর প্রছা ও ভাজি
সহকারে শিবের পূজা করেছিলেন। তার পর ভাগকন
শিব রাজপুরদের সমক্ষেই সেখান থেকে জনুহিত
হরেছিলেন। সমজ প্রচেতারা দশ হাজরে বছর জনের
ভিতর বাঁছিয়ে, সেই জনুমীত জাপ করেছিলেন।
বাজপুরেরা বখন জালের ভিতর কঠোরে ভাগনা

করছিলেন, তথন গ্রাদের পিজে বিভিন্ন প্রজায় সকাম কর্ম অনুকালে বন্ধ ছিলেন। তাই ক্রমন আধ্যাদ্বিশ আলের ভন্তবেলা দেশবি নামন মাজের প্রতি অত্যন্ত দ্বালয়কণ হরে, ভাকে পারমার্থিক জীবন সম্বন্ধে উপদেশ নিতে মনস্থ করেছিলেন।"

নারণ খুলি মহারাজ প্রাচীনধর্মিবকৈ জিজালা কর্মেন—"বে খাজন্। এই সমস্ত স্কান কর্মের অনুষ্ঠানের হারা জাগদি কি লাভ করতে হল। জীখনের চরম লকা হতেই সমস্ত দূর্যকট থেকে মুক্ত ইণ্ডাট এবং সুখ্যভাগ করা, কিন্তু সকাম কর্মের ক্ষান্ত তো ভা কতা ময়।"

রাখা উত্তর দিকেন—"হে মহন্দা নারব! আনার বৃদ্ধি সকাম কর্মে আকেছ হতে রয়েছে, তাই আমি আনক্রের চরম কাল্য সময়ে অবগত নই। বরা করে আকমি আমাকে তাছ আন দার করেন। বার কলে অমি সকাম কর্মের বছন খেকে মুক্ত হাত পারি। আয়া কেবল তথাকথিত সুন্ধর জীবনের প্রতি আগ্রহণীল—অর্থাৎ শ্রী-প্রামির বছনে পৃহস্করতে ফা-সম্পানের আবেশ করাকে জীবনের চরম কাল্য বানে মনে করে, তারা কেবল বিভিন্ন প্রীরে সংসার-চর্মের আবর্তিত হয়। তারা কথনই জীবনের প্রথ লক্ষ্য বঁলে পার না

দেশবি নারণ বলাকে—"হে প্রভাগাকক রাজন্।
আগনি ফ্রান্থলে কে-সংস্তু গশুনো নির্মিতাবে বলি
নিরেছেন, গগুনমার্গে পেই সমস্ত গশুনো দেশুন। অব্দরি
ক স্তালের পীউন করেছেন জ করণ করে, এই সমস্ত গশুনা আগেনার মৃত্যুর প্রতীকা করছে। আগনর মৃত্যুর
পার স্তারা লোবে উন্দরি হলে, লোহমত পুনের ধারা
আগনার সেই ছির্মিনিয়া করনে। এই সম্পর্কে আবি
আগনারে পুরস্কেন নামক এক রাজনা সম্বাহ্ন এক প্রতীন
ইতিহাস শোনার। আগনি করা করে সমাহিত নিজে আ
লবণ কররে চেতা ককন।"

তিলেন, বিনি তার মহান ভাগকলাংগর জন্য বিশার ভিলেন, বিনি তার মহান ভাগকলাংগর জন্য বিশার ভিলেন। তার অবিকাত (অজাত) নামক কব বনু ছিল। তার কার্যকলাগ কেউ মুখতে পারত না। রাজা পুরস্কর তার কার্যকলাগ কেউ মুখতে পারত না। রাজা পুরস্কর তার কার্যকলাগ করেছেলেন। তারত তিরি তার ইজার্মণ কার্যকল কার বুলো পেলেন না। আবংশকে তিনি নিমাশ ও বিষয় হয়েছিলেন। সাজা পুরস্কানের ইজান-মুখতরাগের অন্তর্মন বাজার বিলা তার কলে তিনি লার পৃথিতী হাল করে আমা এগাটি ক্ষান্তর অন্তর্মন করিছান-মুখতরাগের করে আমা এগাটি ক্ষান্তর অন্তর্মন করিছান তার করেছে তিনি তারন করিছান স্বিশ্বকার স্কার্যকর করিছান করিছান করিছান স্কার্যকর স্কারক করিছান করিছান করিছান স্কারক স্কারক করিছান করিছান করিছান স্কারক স্কারক করিছান করিছান স্কারক স্কারক করিছান করিছান করিছান স্কারক স্কারক করিছান করিছান করিছান স্কারক স্কারক স্কারক করিছান করিছান করিছান স্কারক স্কারক স্কারক স্কারক করিছান করিছান করিছান স্কারক স্কারক স্কারক স্কারক করিছান করিছান স্কারক স্কা

একটি মগরী দেখাত লেলেনঃ সেই নগরীটি প্রচিত্র, উপকা, অট্রালিডা, গবিশ্ব, প্রাক্ত ও বহিছবৈ ছারা সুশোভিত বিল। সেধানকর বৃহসমূহ বর্ণ রৌপ্য ও লৌচনিমিত নিখ্যের হারা আগছত ছিল। সেই নগরীর প্রামানের পৃহত্তর নীলা, ক্ষতিক, হীয়ে, মুক্তা, পালা ও প্রবালের হারা নিখিত ছিল। সেই বলরীর পৃথসমূহ এমনই দীন্তিবৃক্ত ছিল খে, জন সৌন্দৰ্বেশ ভুলনা দিব্য নগরী ছেলবতীর সঙ্গে করা বেড। সেই নগরী বং সভাগুৰ, চকুপাৰ, স্লাভগুৰ, জোক্তনাসা, পুথক্ৰীভাৱ कृति, शहरत, विशासकृति, शक्त, शहरका अस मृत्यव উদয়ন-স্মৰিত ছিল। সেই সংগ্ৰীয় বাইরে এক সুসৰ সংখ্যাবলো চারপাশে বেউন করে বহু সুনার বৃক্ত ও লাভা ছিল। সেই সমোবন্তার চারলাশে পক্ষীকুল অধুর ছবে সর্বশ্বশ কৃষ্ণে अन्य अन्य अन्य अन्य कर्छ। সরোবরের তটন্থিত কৃষ্ণের স্বাধার্থনি করক বাসুর স্বারা বাহিত তুবারাজানিত পর্যতের কর্মর কল প্রাপ্ত হতিলে। এই প্রকার পরিবেশে যামের পাচরাও যুনিদের মতো हिरमारियोज धार वेर्वारियोज भूगारिक। क्षत्र करण नरावी খনা কাউকে আক্রমণ করত ন। ভদুপতি সমস্ক স্থান কোকিলের কুন্তাবে মুখরিত ছিল। ভার কলে পথিকের। মনে কাণ্ডেন সেই পরিকো কো উবের নিয়ের জানাচেছ এবং করি কারা সেই সুন্দর উদ্যানে বিপ্রায় করতেন।"

শংসাই অভি সুন্দর উদ্যানে বিচলন করতে করতে

রাজা প্রথম সহাস এক করেন্ত সুন্দরী অন্দর্শনের দেশতে
লোমন, বিনি বন্তানেশ্যে অঞ্চল করতে করতে সেখানে
এনে উপস্থিত স্বেছিলেন। করি সালে কনটি ভূতা বিল এবং তানের প্রত্যোক্ত সালে শত-শত পত্নী ছিল। সেই রুম্বী পাঁচটি মন্তক বিশিষ্ট একটি মর্পের বালা চারনিক লোভে সুবজিত। তিনি বিলেন করেন্ত সুন্দরী ও বুবতী। এবং তাতে উপস্থল পতির অবেবনে ক্ষান্ত উৎস্ক আল প্রতীত ব্যক্তিন। সেই স্বফ্রীর নাক, বাঁত ও কলোল অতার সুন্দর। তার কর্পনুন্দর ক্ষেমনই সুন্দরভাবে কিন্তে এবং উল্লেল ফুডেলের হালা বিভূবিত। সেই রুমনীর কটি ও প্রোবীনেশ ক্ষান্তর সুন্দর। তার পারনে সীতবর্প শানি এবং তার করিনেশ ক্ষান্তরকার বেন্তিত ছিল। তিনি ক্ষান্ত প্রথা করিনেশ ক্ষান্তরকার বেন্তিত ছিল। তিনি ক্ষান্ত প্রথা করিনেশ, ক্ষান্ত তার মুকুর ক্ষোন্ত ক্ষান্তর্ব মন্তের উল্লিভ হঙ্গিল। তাকে কেখে সাক্ষান্ত ক্ষোন্তর্বার মন্তের

হতে ইছিল। তিনি জার বস্তাঞ্চলের দ্বারা জার সমবর্তুক এবং ব্যাহ্যমান্ত্রিক জনক্ষাল্য আক্রান করার চেটা **ক্তনিভান। সেই গঞ্জগানিনী লক্ষাবশত বার বার ভার** ক্তব্যসমূহৰ আক্রাক্ত করার চেট্টা কর্মছলেন। বীর পুরঞ্জন সেই অভ্যন্ত সুন্দর রুপীর প্রস্থান ও প্রস্রোক্ষান মুখ্যপ্রকার হারা আড়াই হয়েছিলের এবং তিনি তথনই र्कत काय-कामनकारी करना बात विश्व भएएक्टिना । पदन সেই সুমুখী লক্ষাভৱে হেলেছিলেন, তথৰ পুরঞ্জনের কাছে তাঁকে সুখর মনে হরেছিল, যিনি বীৰ হওয়া गरक्क, फीर्क गरबायन या करत शासरमञ्जा हो। हो প্রকাশসাপ-লোচনে। তুরি কে, কার কন্যা এবং কোথা খেকে তমি এখানে এলেছ, তা হয় করে আমাকে কা। ছোগাৰে যেখে মনে হয় যে, ভুনি অতি সাধবী। कि উদ্দেশ্যে ডমি এখানে এসেছঃ ডমি এখানে কি কান্ত চেটা কাৰণ পৰা কৰে ভবি খানকে ভা কা। হে क्यम-नग्ना। एजास महत्र औ ए। अगस्यका पश्चिमानी মেহরকী সমেছে, এরা কেণ্ড আর ঐ ক্রকন বিশিষ্ট সেবকৈলা কো খে-সমক ভ্ৰমণীলা সেই হপক্তম শেবকো অনুগমন করছে, আরা কোং আরু ভোষার সম্পূর্বে গমন করছে যে সাগচি, সেটিই বা কে? ছে मुचनी। पुरि कि नार्नीरापरी, वा निरक्त गड़ी कराती, ৰ বুদ্ধান পত্নী সরস্থতীঃ বুলিও ভূমি অবপুটে ভাগের একজন, তবুও আমি দেবছি বে, ভূমি এই নিয়নি ছাত্রণ্ড কিলা করে। তুলির হতো সংবর্ধ হয়ে, পৃথি कি ছেম্মের পতিন ছয়েবণ করছং ভোলার পতি বেই রোল না বেন, তুমি যে ওঁয়ে প্রতি এত অনুগপ্ত, ভার কলে তিনি সমত ঐবর্থ প্রধ্য হবেন। আমি মধ্য করি বে, ভরি শিক্ষাই লক্ষ্যদেবী, কিছু তেলের হাতে তো পথাকুল বেই। তাই আমি তোমাংক জিলাগা করতে চাই, সেই পথকুবটি কোখ্যম পড়ে পেল। তে পরম সৌভাগ্যকটী। আনার মনে হলে যে, জদের কথা আমি উল্লেখ করলার ভূমি উদ্দেশ্ব কেউ নও, স্বাহন আমি দেখছি যে, ভোমার नमयुन्न स्विन्नार्थ कराइ। किन्त छूपि समि এह বহুলোকের কোন সুন্দরী হও, জ হলে লগ্দীদেবী বেজন বিশ্বুলা সঙ্গে বিরাশ্ব করে বৈক্যালোকের সৌন্দর্য বৃদ্ধি করে, শুেমন ভূমিও আমার সঙ্গে এই মধ্যরীর সৌন্দর্য दुर्फि करा। पुनि स्काल बाच रह, प्राप्ति हुन्हि अकरात

মহান বীৰ এবং এই পৃথিবীয় একজন অভাত প্রক্রমন্দ্রী রাজা। হেসমর অপাসদৃষ্টি আমার ভিতকে অত্যন্ত বিচলিত করছে। ভোমার হাসি সক্ষাযুক্ত হওয়া সভেও অতাত্ত ক্রেমানীপক হওয়ার কলে, আমার অভানে পরম শক্তিশালী কামদেবকে জাগরিত করছে। ভাই হে সদরী। অবমি তেখের কামে প্রার্থনা করি, আমার প্রতি जनह १७। 🗷 जुनहीं। जुनह के 🖲 नहन-जमिन्ड ভোষার সুধমথক অভান্ত সুদর এবং ভাকে নেউন করে ব্যাহে তেখের প্রথেটকণ কেশ্রাক্তি। ভোমার সুখ থেকে অভি সুখপুর ধর্মন নিহস্ত হতেই। ভূমি লক্ষাধনত আমার দিকে তাকাতে পারছ নাং তাই আসি তোমার काइ चनुरक्षध कर्ताह, दर मुप्तती। नवा करत पुनि ভোষায় মতক উল্লভ কর এবং মধুর ছালা লভকারে আমায় হাতি দৃষ্টিগতে ৰুগ।"

नातम यूनि कारानान-"(६ ताळन्। पुत्रश्रम राज्य (नार রমণীকে স্পর্ল করতে ও উপভোগ করতে অত্যন্ত অধীয় হরে উঠেছিলেন, জখন সেই রমণীও ওারে অক্যের ছারা ন্টার প্রতি আকৃষ্ট হর্মেইলেন এবং মুদ্র হেলে ভার সেই অনুরোধ শীক্ষা কর্মেছলেন। ইতিমধ্যে তিনিও নিলেনেহ রাম্বার প্রতি আকট হরেছিলেন।"

সেই রমণী বললেন—"তে প্রথপ্রেট। কে বে স্বাসকে উৎপদ্ম করেছে তা স্বামি জানি না। সামি ভোমাকৈ ভা বধাবধভাবৈ কাতে পারব নাঃ আয়ানের সর্বাহনর নাম একং গোরও আমি কলি না। ছে মৃত্যুবীর। আমরা কেন্দা এটুকুই জানি যে, এই স্থানে আমরা রণেই। কিছু ভাগ খাতীত কোন কিছুই স্বাদরা জানি ना। चामवा अध्ये पूर्व (म, चामासम्र नमनाहमः चना এই সুন্দর স্থানটি বে কে সৃষ্টি করেছেন, ভাও আমেরা জানতে চেটা করি লা। হে মহাপার। এই সমস্ত পূরুষ ও খ্রী, বারা আর্মর সংখ রয়েছে, তারা আর্মর সঞ্চ ও नदी बरा, बरे मधी औ भूतीत स्थायाती, बाह्म कि আমি নিরিতা হলেও এই সপী; জাগরিত থাকে। আমি কেবল এটুকুই কালি। এর অধিক আর কিন্তই আমি জানি না। হে শক্ত-সংখ্যক। তুমি যে এখানে একেছ তা অবশ্যই আমার পরর সৌভান্ত। আমি সর্বাহরেরংব কোমার কন্যাশ কামন করি। তোমার ইপ্রিয়-সবভাগের সমক অভিনাৰ আমি এবং আমার বছরা সর্বভোজারে শ্ৰ কবাৰ চেষ্টা কৰব। হৈ সভুঃ ছবি বাতে সর্বভোতাধে ইভিন্ন কৃপ্রিসাধন করতে পার, সেই কনাই আত্রি সংখ্যার সমন্বিত এই নগরীর আয়োচন করেছি। এখনে তুমি একৰ বছর বাস করতে পার এবং ভোকর इंडिय एर्स्ट्रियायरनव समा गय किंदू महत्यसह कहा हरन। তমি প্রাক্ত আর অন্য কোন্ পুরুষের সঙ্গে আমি বিহার করতে পারি ৷ কালে ভাষের তো বতিকাম নেই একং ভারা জীবিত অবস্থার ও সূত্রে পয় কিন্তাবে জীবন উপভোগ ক্ষাতে হয় আ কলে মা। এই প্ৰকাৰ বাভিত্ৰ লতভল্য।^ত

"बहे **ब**गारक शृहक्व-कीनातिह सर्व, वार्व, नाम बनर সন্তান-সন্ততি উৎপাদনের সর্বপ্রকার সুনজেগ করা জন। कात बत मानुब भूकि चावदा क्यु आहा हर्स बाराजा। গাচ্ছকা ইটোরে ফলও ভোগে কাতে পারেন, বার কলে ঠাবা শ্ৰেষ্ঠ লোকে উন্নীত হতে পাছেন। এই সমস্ব সুখ্ভোগ প্রমার্থবাদীদের করে প্রায় অভ্যত। তাল এই श्वकात मृत्यम् कवा कवनाय कवार गारवर मा। মহাকন্দের বর্ণনা অনুসারে, গৃহস্থ-জীবন কেবল সিজেও बान्दे काल्यमातक नत् छ। निवृत्तम्, ग्रावकाम्, प्रदर्वितम्, इक्षक्षभग व्यवस् कान् अवस्थित सन्त (अनुकर्त । व्यवस्था গৃহস্থ-আশ্রম সকলের জন্ম সাভালনার। হে বীয়া কৃষি বিখ্যাত, উলায় চিত্ত এবং অভি সুন্দর পুঞ্চবঃ অভএব তোমার মতে৷ পতি শরুর উপস্থিত থাকতে, আমার মতেঃ ক্ষমিনী গুটুর কাকেই যা পশ্চিমে বর্ণ করনেঃ হে प्रश्नात्त्वः। भृथिवीएठ अस्म रक्षम् रक्षनी प्राप्तः, यह स्म ভোষার সর্গদেহস্প বাক্ষালের আঞ্চিদনের প্রতি আকৃষ্ট হবে নাং ভূমি ছোমার মধুর হুগা ও উন্নত কুলার ঘটা च्यासक महत्वा कालावा अधिवाहमत अवाद श्रहाण कृत क्या। আমরা মনে করি বে, ভূমি কেবল জামালের উপকারের बना अहे कशर्त किया करहा"

भ्यत्रि भारत कारणम्—"रह आवान्। भारते भूकम **८** দারী পারস্পরিক সৌহার্যের শ্বর পরস্পরকে অস্ট্রিকার করে সেই নগরীতে প্রকেশ করেছিলের এবং প্রকশ বাস্ক ध्या जीवन द्वेशरकात करतविरुक्ताः नापर्वती सलाहत স্কীতে মহানাজ পৃথগ্রনের মহিথায়িত কার্থকলাপের স্থাপান করত। গ্রীকুকালে যগুন অন্তান প্রম শগুড, ক্ষণৰ তিনি ক্মিনীকুল পৰিবৃত্ত হলে সবোৰৱে অবেশ

করে তানের সৃদ্ধ উপজেপ করতেন। সেই নগদীর নয়ট বারের মধ্যে সাভটি স্থার উপরিভাগে এবং দৃটি স্থার অংশতাংগ বয়েছে। এই ধারওলি ভিন্ন ভিন্ন স্থানে যাওৱার জন্ম নিনিত হরেছে এবং বেট যারওলি ব্যবহার करत्रम त्यदि मगरीत पारित्यकः। (१ प्राचनः) त्यदि नदापि भारता घटक नोडाँड कार भृतंत्रकी, अकडि छक्तपृती, अवडि দক্ষিণমুখী একং দৃটি পশ্চিমমুখী। আমি সেই সমঞ্জ ছারওলির নাম আপনার কাছে বর্ণনা করব। ধন্যোতা ও আনিমুখী নামক দুটি ছাত্ত পুৰ্বদিকে স্থিত ছিল, কিছ ভারা একস্থানেই নির্মিত ছিল। এই পুটি খার সিয়ে বাখা উল্লেখ্যু স্থান্ত্র সঙ্গে বিপ্রচিত নামক নগরীতে (चट्टम । एकान्ट्रे भृदीव्यक् नामिनी ६ मानिनी नामक আবও দৃটি বার ক্রছে এবং ওয়োও একক্ষান নির্মিত হয়েছে। এই হয় পৃটি দিয়ে প্রজা অবপুত বাসক তাঁর বছর সংগ্র সৌরত নামক নগরীতে গমন করতেন। পূর্বনিকে ক্ষান্থিত পক্ষার জয়নির নাম মুখ্যা, ফর্কাৎ প্রথম। और बात मिरव जिलि तमका छ विशय नामक चेल पूरे सकृत সঙ্গে বহুদর ও আগণ নমক দুটি স্থানে পমন করতেন। মেই নগরীর দক্ষিণ নিকের বার্তির নাম লিতুকু এবং সেই শ্বর দিয়ে রাজা পুরস্কান শুর কর্ম প্রতথ্যকের সক্ষে ক্ষিত্র-পঞ্চাল সমেক সংগীতে পঞ্চৰ করতেন। উত্তর দিকে ছিল দেবহু নামক ছরে। সেই থার দিয়ো রাজ্য পুজান তান প্রধা আভব্রের সমে উত্তর-পঞ্চাল নামক ছানে প্রধা করতেন। পশ্চিম নিকে ছিল আনুরী নামক কর। সেই হার দিয়ে বাজা পুরস্কন তারে স্বা দুর্মদেও সাসে প্রায়ক হারত সগরীতে থেতেন। পশ্চিম নিকল্ খার একটি बारत्व मात्र निर्विष्ठि । शृहक्षम भिष्ट पहि पात्र मिरक वैक सभा ল্ককের সঙ্গে বৈশক নামক স্থানে গ্রমন করতেন। সেই নশ্রীয় বহু অধিবাসীর মধ্যে নির্বাহ্ন ও পেলমুৎ নাত্রক पृष्टे वास्त्रि विरागत। विभिन्न कावार भूतक्रम विभाग प्रमुखान নাগতিকদের শাসক, কিছ দুর্ভাগ্যবশত তিনি এই স্বছদের বন কাতেন। ভাষের সঙ্গে ইতন্তও নিচরণ করে তিনি নাম প্রকার কর্ম করাজন। কথনও কথনও তিনি বিস্কীন (শ্বন) নামক জাৰ অধনে ক্তেন্ত্ৰ সাৰে জীৱ পুৰুত অন্তঃপূরে বেডেন। ভক্ত তার পদ্ধী ও প্রকের প্রভাবে ্মোছ, সংক্তম ও হর্ষ উৎপন্ন হড। এইভাবে বিভিন্ন প্ৰকাৰ মানসিক প্ৰকাশ-কলনা এবং সকাই কৰ্ছে আসক

282

श्वतात करण, तीका भृतक्षम जण्जूर्यक्ररण क्रळ वृत्तित निरक्ताधीन इत वंभाउ स्टाइस्मा। बार्ट्सकन्त्रण रिन তার মহিবার সমস্ত বাদনা পূর্ণ করতেন।"

পুরের উর সভা যদিরা পান করতেনঃ রালী ফান আহার ক্ষতের, ভঙ্গা ডিনিও জীয় সঙ্গে জাহার করভেন একং রাদী কর্মন চর্মান করছেন, তথন ব্যক্তা প্রস্তানত উরে সঙ্গে সংখ্ চর্বণ করতেন। রাধী হখন পান ঝনতেন, ভব্ন তিনিও গুল করতেন। তেমনই, রাণী হবন ক্রুমন ক্ষাতেন, তথন ডিনিও উন্ন সৰে কানতেন এক বাৰী হথন হাসতেন, তখন তিনিও হাসতেন। রাশী বখন প্ৰকল্প করডেন, তখন ডিনিও প্ৰজন্ম কাডেন এবং রাণী হওম প্রমা করতেন, তথ্য রাজ্যথ তার পিছনে পিছনে পদন করতেন। অশী বধ্ন দাঁড়াতেন, ভঙ্ক রাজাও र्वेश्वरिक्त अवर हानी एका नंगाय भारत कारका, कका তিনিও ভাতে জনুসাধ করে তার সথে পরন করতেন। নাৰী বৰ্জা কাতেৰ, ভৰন তিনিও সদতেন এবং ৱাৰী

হতন ভোন কিছু প্রবশ করতেল, ভগন তিনিও ঠাকে 'অনুসর্ধ করে তান্ট্র প্রবধ করতেন। রাণী বধন কোন কিছু দেশতেন, ভাষা প্রায়াও আ দেখতেন এবং কালী "বাণী বৰ্ম মনিবা পান করডেন, ভখন রাজা - বখন কোন কিছুর মাণ প্রহণ করডেন, তখন বাজাও তাকে অনুসরণ করে সেই কল্প প্রাণ প্রহণ করতেন। রাণী বছর কোন কিছু স্পর্শ করতেম, শ্রন্থম রাজাও জ न्तर्भ स्वराजन अवर विवाधमा तानी करन त्याक कराउन, ক্তমা কোরি রাজ্যাও উল্লে অনুসরণ করে অনুধের মতে শেক করতেনঃ তেমনই প্রাণী করা আনন্দিত হতেন তথ্য তিনিও আনন্দিত হাতেই এবং রাশী সম্ভষ্ট হলে, বাজাও সভোৰ অনুভৰ করতে। এইভাবে রাজা পুরঞ্জন ভার দুক্তরী পত্নীর পায় বন্দি হয়ে প্রভারিত হয়েছিলে। বাস্তবিকপকে, এই সক স্কগতে তিনি সৰ্বভোচাবে शक्षातिक शत्रहित्समः। त्यहे वृत्र्यं साथा अनिव्यः मृत्युक्त ওঁরে পর্যায় নিয়ন্ত্রপারীনে ছিলেন, ঠিক বেভাবে একটা পোৰা ৰাষ্ট্ৰ তার প্ৰভুৱ ইন্যানুসারে নৃত্য করে।"



বডবিংশভি ভাষায়ে

পুরঞ্জনের মৃগয়ায় গমন এবং তাঁর মহিষীর ক্রোধ

ক্ৰণনিৰ্মিত বৰ্মে সন্দ্ৰিত হয়ে, একাদৰ সেক্তগতি সহ পাঁচটি ক্রকগামী অপচালিত রথে পঞ্চাত্ নামক কনে প্রমা করেছিলেন। সেই রখে ডিনি দুটি বিশ্বেলরক আগ একটি রুজু, একজন সার্থি, একটি উপ্রেশন স্থান, *(बाराम मामादाद मुं*ठि २७, गाँठ**डि खञ्च क्या मार्थ्ड**

দেবর্বি নারক্ ব্লালেন—"হে রাজন্ : এক সময় ও অলকরণ ক্পনির্মিত ছিল। অনিও মাজা পুরঞ্জনের প্রক্রম তার মহৎ ধনুও ও অক্স ভূনীর প্রহণ করে এবং সাক্ষে এক পদাকের জন্যত তার মহিবীর সভ তায়ে কর অসম্ভব ছিল, ওবুও, কুগলা করার বাসনার অভাত অনুমাণিত বয়ে, তিনি বহুগার্বে শুরু ধনুক ও বাদ প্রহুণ করে, তার পদ্দীয় কথা চিঝা না করে বলে বিয়েছিকেন। তার সংস্থ নিরেছিলেন। সেই রখানে পুট চক্র এবং রাজ্য পুরঞ্জন তখন আসুরিক বৃত্তির ভারা প্রকাতাতে একটি পূর্বারমান আৰু ছিল। সেই রখে তিনটি পতাক।, প্রভাবিত ছ্রেছিলেন এবং তার কলে তার হলর অত্যক্ত কঠিন ও নির্দিয় হয়ে উঠেছিল একং ডিনি তীক্ষ বালের क्षता निर्विधात बत्नत का निर्वीध नंछ यस करविद्यान। আৰমণ ছিল। সেই রখেন গতি সঞ্চবিধ এবং তরে। জজা বদি মাংস আহাজের প্রবি অধ্যন্ত অসক্ত হন, তা সন্মুখে পাঁচটি অধ্য ছিল। সেই রখের সমস্ত সাজসন্তাঃ হলে ডিনি যাল অনুষ্ঠানেক সালীর নির্চাণ অনুষ্ঠার বলে

রিছে, তেবল ব্যা গড়ানের ছত্যা করতে লারেন। स्माईट ७ व्यक्त्य भक्ष्यदेग कन्यदे अनुदर्शन्त इर्ह्मः। হল ও হয়সভাগের করে অভাবিত মূর্য সম্প্রতা হয়ত অসামেউভাবে কৰাৰৈ পাছইডাট্ট নী করে, সেই জনাই কেনে লাওকাৰে কুমিয়ান্তত নিৰ্দেশ লেওৱা হয়েছে।"

নাত্ৰৰ মুলি মহাব্যক প্ৰাচীনবহিৰণকৈ বলুতে লাগদেন--"হে রাজন: বে ব্যক্তি বৈদিও সামের নিৰ্দেশ অনুসাত্ত কৰ্ম করেন, তিনি কথনও সকলে কৰ্মে লিশ্ৰ হন ল। আৰু হে ব্যক্তি নিয়েত্ব থেকলে বলিয়তে। অভ্যান করে, লে ভার অহমারের প্রভাবে মবংগতিত ছন্ত এবং এইভাবে প্রকৃতির তিনটি গুণ্ডে বছনে আবছ বুর। তার কলে জীব ভার প্রকৃত বৃদ্ধি বর্তিত হত্তে ক্ষরতার চক্রে ভিকোলের কর ইরিয়ে বর। এইভাবে সে মনের কাঁটাল খেছে খক করে, ব্রহ্মলেকে অভি উমত পদ পৰ্যন্ত বিভিন্ন বোলিতে বসণ করে। রাজা পুর্বান কর্ম এই ভাবে লিকার কর্মিকেন, তথ্য ক্রান তীক্ষে বালের হাবা বিশ্ব হয়ে, সেই বনের বাং গও খনহা কেনায় ভানের প্রাণ ত্যাপ করেছিলঃ রাজার এই বীর্ত্তপ বিনাশকার্ব দর্শন করে, মহাজু খড়িবা অত্যন্ত অনুসর হরেছিলের। জারা এই প্রধার হাত্যাকার্য কর্মন করে সহা করতে পারেননি। এইকানে জ্বলা প্রক্রন কং ক্ষাক, বল্লছ, মহিৰ, প্ৰাৰ, কৃষ্ণাপুৰ মুখ্য, প্ৰাৰ্থক একং কৰা পুৰঞ্জন ঠাৰ মহিবীকে অবস্থাতের মতো ভূতকে শিকার করার উপত্ত অন্যান্য পর সংহার করে, প্রাক হয়ে পাড়েছিলেন। ভার পথ রখন মাখ্যত পরিমার হয়ে থাকা কৃষা ও ভাষার কভার হয়ে, উরং প্রমানালার কিরে এগেছিলেন। খুচ্ছ ফিরে জাননে পর, ডিনি জন করেছিলেন এক উপর্যুক্ত থানা আহার করেছিলেন। আর পর তিনি বিশ্রম করে তার সকর প্রতি দুর কর্বের্যান। ভার পর প্রাক্তা পুরঞ্জন উপকৃষ্ট অভারান্তে তার স্থেকে সাজিলেডিলেন। তিনি তার মেহে চন্দ্রও কেলন करविश्वान क्षेत्रर समाज क्षणकामा शासन करविश्वान । এইভাবে তিনি সম্পান্তলে মান্তিমুক্ত হয়েছিলেন। ভাব পর তিনি উরে গাটীর অধ্যেক করতে ওক কর্মেছিলন। অহার করার পর ঠার কথা ও ত্রবর নিবৃতি হওলার **भटन, आक्रा भ्**रतान केल क्रमदा क्वं कन्थर बर्टाक्लन । উচ্চতৰ ফেডলাৰ উৰ্বীত হ'ওৱাৰ পৰিবৰ্তে, ডিমি कामहरूरका बाजा आदिछ इस्तिहरूक अन्य केल बृद्धिकी

ক্রান্তে হিন্দি উচ্চে সমুষ্ট ক্রেম্প্রিয়ালা, উচ্চ মেই পর্যার यहरूप बर्ट्ड ५७ क्र्यूड्ला एका लक्ष्म भूतक्रम क्षकः देशिय देरर्राष्ट्रमा क्षर दिनि चन्द्रानुस्तर राजीएक् জিল্পাস করেছিলেন, 'ছে সুকরীপর' ভোষামের অধীনবার সামে হোমরা পূর্বের মতের কুনালে আরু হোপ

রাজ্য প্রঞ্জন করলেন—"আহি কুডতে পার্রাছ না অবার পুরের সমস্ত সাঞ্জ-সইভার পূর্বের বাজা আরাকে আর কেন আকর্ষণ করছে না। আবার হবে হর বে, প্রয়ে মদি মাতা ও পতিপর্যালা পর্যা আ অবে, জা হলে পেই গছ মার্যাবহীন মধ্যে হয়ে। কোন মূর্ব নেই বাংল ৰাখ উল্লেখন করবে । পরা করে ব্যাহতে কা, বিপানের সমূত্রে নির্মান্তত হলে, যে জাহাতে সর্বল উদ্ধার করে, ारे मुक्ती काला कावार करहा। कराइ॰ अठि भार আমাকে ব্যাবৃত্তি প্রদান করে সে সর্বাশ আমাকে কথা

সেই রমনীয়া উপন রাজাকে কালেন—"হে ন্যানার : कान्त्रास औं ता तान अरेगात अत्यान करहाने, स च्यान्या क्रांति न्यः। (ह माउन्हरः । व्या कटा प्रमूतः । दिना পদ্মার তিনি ভানিতে শক্তা করে করেছেন : তিনি বে কেন এইভাবে আচনশ করছেন, তা জ্বামন্ত ক্ষতে পরিছি না।"

(मर्दार्व मानम कारमान-ात् दशुराष्ट्र शारीमर्दार्व ! গলিঅ মেৰে ভংকৰাৎ অভান্ত আকৃত্য করে প্রচাসন। পূর্যখন্ত অন্তরে, জুলা ভারে পর্বাক্তে মধ্যে করে সাক্তর দিতে ওক্ত উর্বেছিলেন। যদিও তাঁও অন্তৰ অনুস্থেতনাত भर्न इरहाइन क्षेत्र हिंदि उत्तक आह्ना निएड छाई। করেছিলেন, তবও তার তির পরীয় প্রবর্জনিত তোপের উপশ্রের কোন সকল দেবা কোন কং কানতে-ভিনতে অভ্যন্ত নিপুৰ রক্ষা বীরে ধীরে ওঁটা মহিবীতে সান্ধনা দিতে তক্ত কর্মেকেন। প্রথমে তিনি ঠার প্রদান স্পর্ করেছিলের, ভারতর উচ্চে উরু জোড়ে স্থানর করে, नहीं बार्यान बालियन करविशान अवर देशक এইবাবে কাডে ওকু করেছিক। "

तका भूतक्षम कार्यान—"एर कमानी: अस एका তার ভূত্যকে নিজের জ্যেত বলে মানে করেন, বিশ্ব স্থার অপরাধের ক্রম্য ভাকে মণ্ড ক্রেম আ, ভারন নেই ছত্য অকণ্ট ৰক্ষাণ্ড। যে কুলালী। প্ৰভ বখন ভাততে দণ্ড ব্যেন, ভব্দা কৃত্যের কর্তবা হলে তা পরস অনুগ্রহ বলে মনে করাঃ বে জ্বন্তা ভাতে জোধ করে, সে निकारी करा, करान हम भारत ना हा, ट्रास्टि स्टब्स् संस्त কর্তন। হে প্রিয়ে, হে সুদর্শনে। তোমার আকর্ষীয় বাৰ্ষকলাপের কলে, জেনাকে অংসন্ত ভিতাশীল কলে মনে হচ্ছে। দায়া করে তেনেরে এই রেলথ পরিভাগে করে আমার প্রতি কুলাগরকা হও এবং অনুয়াণ ভয়ে একটু হল। জেনার সূদা মুখমণ্ডলে হবন অমি জেনার মধুর হাদি দৰ্শন করি এবং ভোমায় কং নীল দুক্তা জেশদাম ও তোমার উক্ত নাসিকা দর্শন করি এবং তোমার মধুর বক্যালাগ এক। করি, কথম ভূমি আমার কাছে আরও অধিক কুখা। হয়ে ওঠ এক তথ্য কলে তুমি আমেকে গভীরভাবে আকর্ষণ কর এবং কৃতার্থ কর। তুনি হছে খাহার পরর আদবিশী প্রিরতমা। হে বীরপন্ধী। আমাকে ভামি জা কেউ কি ভোমাকে অপমান করেছে? াই বাধ্য বাদ ক্রান্ত্রণ ক্লোড্রড বা হন, ভা হলে স্মানি তাকে ৮৬ দিতে প্রস্তুত। মুররিপু প্রীকৃষ্ণের সেবক ন্ত্তীত, এই রিগোকে অমি ক্ষম কার কাউকে কমা

কর্মার নার ভোগার চরগে জনবার করে কেউই স্বাক্ষে বিচরণ করতে বারবে না, করেণ অব্যি ভাগে প্রচণ দশুসান করব। প্রিয়েং ইতিপূর্বে আমি তোমার মূখ কখনও ডিলকবিহীন দেবিনি, এই গ্ৰক্ষ বিষয়, অনুস্থাল ও ব্যেহপুনা মূব কথনত করি করিনি। তোমার সুসর ত্তনৰূপৰ আৰি কৰনও অঞ্চৰিক কেবিনি এবং বিশ্বক্তের মতো রতিশা ভোমার অধ্য এইভাবে রতিম আজনুন্য হতে ইভিণুৰ্বে আমি কৰনী সেধিন। (ই রাধী। আমর পানপূর্ণ কাননা কলে, আমি ফোগকে क्षिकामा ना करत वस्त निकार कराए विस्त्रिक्तामाः छाँदै স্থামি ত্যেন্ত্র করে অপরাধ করেছি। তবুও আমাকে চোমার সবচাইতে অন্তর্জ ভূডা বলে মনে করে, আগরে क्रि भक्ता करा चारत श्रिक श्रमा एव। वास्त्रिक्शाक আমি কভাও বুংবী, কিছ কামদেকের বাংবর আযাতে আমি কতান্ত কামার্ড হয়েছি। কোন সুদরী বমণী ভার কামুক পতিকে ভাগে করে ভার সাথে মিলিও হতে অস্বীকার করবে ৷"



সপ্তবিংশতি অধ্যায়

পুরঞ্জনের নগরীতে চণ্ডবেগের আক্রমণ এবং কালকন্যার উপাখ্যান

(भवर्षि महस्र कारमन-"द्ध डाबन्। विशिधभार ষ্টার পতিকে মোহিত করে এবং ষ্টাকে বলীভূত করে, রাজা পুরস্কনের পদ্ধী স্ব্রহকারে তাঁর সন্তোষবিধান কৰেছিলেন এবং জান্ত সংগ্ৰ মৈপুনসূপ উপভোগ बरतिभएनर। जारी जान करते राजनामत दक् च घरनायात সুসন্ধিতা হলে, পান-ভোজনানির বুরা পূর্ণরাগে পরিতপ্ত হরে রাজার কাছে, রুসেছিলেন। রাজা তার সুন্দরভাবে

कानिध्यविस्थन। अभी भूतक्षनी क्थन अकारक कालिकर করেছিলেন, ভারন রাজাও তার বাহতুগলের ধার্য্য তার স্বস্কলেশ বেউন করেছিলেন। এইভাবে এক নির্ফন স্থানে তারা ওহা ভাষণ করতে লাগগেন। তথন রাজা পুরঞ্জন তার সুন্দরী পত্নীর ছারা ফতান্ত বিমেহিত ছয়েছিলেন এবং তার ভক্ত চেতনা থেকে বিচাত হরেছিলেন। তিনি তখন ভূলে গিয়েছিলেন যে, নিন ও রাব্রি অভিবাহিত সন্দিতে অফেবনীয় মুখসখল শেখে, জ্বলৈ সাধয়ে থালত । হয়ে কেবল তার জনর্থক আহু কর হতে। এইভাবে অত্যেপ্ত মেহিন্দির হারে, রাজা পুরুত্বর উপ্লপ্ত চেত্রা সমবিত হওয়া সংখ্যে তার পরীর বাংকে উপাধান করে মহামৃত্য শবারে দর্শনা শধ্র করে রইলেন। এইভাবে তিনি সেই রম্পীতে তাঁর কীয়নের পরর নক্ষা বলে মনে করতে লাগলেনঃ অভানের বারা অভিভাত হওয়ার কলে, তিনি আছোপদাধির ভাৎপর্য এবং নিজেকে ও পর্মেশ্য ভগবানকে জানার মহাপ্তা উপলব্ধি কাতে পারলের মা 👛

"হে মহারাজ প্রচীনবহিষৎ। এইডাবে রজা প্রঞ্জন কাম ও পাপপূর্ণ হাদতে তার পদ্মীর সঙ্গে রডিসূব देशत्साम् करत् वात्रासम् अवर अदेशास्य केत् नवस्थास्य ক্ষণার্থের মধ্যে অভিরপন্ত হতে মেল।"

त्मचर्वि मावक **छन्। बहादाक धा**ठीनवर्धिकरूठ বলেছিলেন--"হে বিবাট (ধীর্থ আয়ুদান): এইছানে বাজা প্রঞ্ন তার পদ্মী পুরঞ্জনীর বর্ষে এগারে শত পুর উৎপাদৰ করেছিলেব। কিছু এই কার্বে ঠার জীবনের অর্থস্তাস অভিবাহিত হরেছিল। হে প্রজাপতি মহারায় হাচীনবর্হিকং! এইভাবে পুরস্কানের একশ মপটি কন্যাও উৎপদ্ধ হতেছিল। উল্লেখকলেই ছিলেন তাঁঘের পিতা ও মাধ্যম মতে কারী। তার সুনীলা, উন্নয় ও জন্মন नन्धनावनी नर्भात्रका हित्तन। स्वतन्त्र नकानगढि सका পুরঞ্জন জার পিড়বংশ বৃদ্ধি করার উন্মেশ্যে তার পুরনের উপৰ্ক্ত পতীত্ৰ সংখ বিবাহ বিশ্বেছিলেন এবং তাঁর क्नारमञ्ज (काश) बरवज अटक विवाद निरम्भितानः পুরঞ্জনের এই সমস্ত পুরুষের প্রচেরভের শত-শত পুর হয়েছিল। এইভাবে রাজা পুরস্তানের পুর ও পৌরদের पाता भप्पान जन्म एक निर्द्यप्ति। जन्म मृत्रकृतन्त्र और সমস্ত পুঞার পৌরেরা প্রকৃতপক্ষে তীর পুয়, কোব, कृत्य, महकारी चापि नाम्य श्रा-मुन्नहम्म नृष्ठेनकारी कि।। এই সমস্ত নিবৰের প্রতি পুরস্কানের অসেকি ভাতান্ত বাটীর क्लि 👛

(मदिवि नामम कर्णालम—"(ह घटाडाक शांतीनदर्शिकर" আপনার মাতে থাটো পুরক্তানত বহু কংসনাবৃক্ত হয়ে বিভিন্ন বজের স্বারা দেবতা, পিড় ও কৃতপতিবের পৃকা করেছিলেন। সেই সমস্ত হল ছিল অভার বীজনে, কারণ পশুভূত্য করার স্বাস্থ্যর সেওলি স্থানিত ररावितः। अव्यादः सक्त भूतका मक्ता कर्मा शिव

🕏 रोहा आसीए नक्कारमा शकि भारतन आगरक स्टान अपर কর্মাবত চেডনার খাখা প্রভাবিত হয়ে জীবনের সেই জবন্ধর এতে উপনীত হলেন, যা কমিনীতির ব্যক্তিমের কাছে অভ্যান্ত অভিব।"

500

"হে রাজন। পদ্ধর্বসেকেঃ অধৈগতি হজেন চথাবল মামৰ ব্যক্তা। উৱে অধীনে ভিন্স যাটকন অভ্যক্ত परिकारणी कवर्ष देवलिक वरवरका ककरवरमा सम्बर्ग-সৈনিকদের মতো সমসংখ্যক গছবী ছিল এবং ভারা বারবার ইন্দ্রির স্বভারের সামগ্রীতেনি লুগুন করেছিল। भवर्षतास ४७८२म ६ छाउँ चन्छदारो वचन भूदश्रानंत्र নগরী স্ট্রন করতে ভঞ্জ করেছিল, ভখন পঞ্চামধা বিশিষ্ট সপটি ভালের সেই আক্রমণ প্রতিহত করতে বক্ क्टब्रिंग। वहर्यस्मा भएका मध्य कृष्टि शर्मात, ताका পুরন্তরে নগরীর অধ্যক্ষ পক্ষকণা-বিশিষ্ট সপটি একাকী कारमा महाम अक्रम कहा बढ़ा कुछ कराहिक*। विदेश* ভাকে বহু সৈলের দলে বৃদ্ধ করতে মর্মেক্স এবং ভারা সমনেই ছিল এক-একজৰ বড় বেছা, ভাই পঞ্চৰণা-विभिन्ने नगीरे चटाल पूर्वन द्वार गरफ़िल्हा। टेस दिवलम क्यूरक अञ्चलक मिरलक स्टब शहरेड क्रांच, अला शृहश्रम এবং সেই সময়বাসী উল্লেখ্যমন্ত্ৰ বন্ধবাছবেরা অভার চিত্তিত হয়ে পড়েছিলেন। মাজা পুরঞ্জন পঞ্চাল নামক। क्षेप्त शास्त्रा का मध्यम् करा, नान धकार देश्वनमूल मध বাক্তেন। সম্পূর্ণরূপে স্ত্রীর ক্রীড়ত হরে তিনি বৃষ্টত भारत्मि (प. चैरत कीवन चटिनादिक हरत वार्ट्स अवर উদি মৃত্যুর সমীপবর্তী হলেন ₽

"হে মহালাভ তার্টানবর্তিকং। ভারতর কালের কালে ভব্ম পতির অংহরণে ত্রিলোক শ্রমণ কর্মছল, ডিছ বেউই জাকে প্রহণ করতে সম্মন্ত হরনি। কালকবা (জরা) তার পূর্তাস্থানশন্ত এই জনতে দুর্ভালা নতুর প্রসিদ্ধি লাভ কৰেছিল। সামাৰ্থি পুৰু ভাকে কাপ কৰেছিলেন বলে, ভার প্রতি অভার প্রদত হলে কালকল্য ভারে কর প্রদান করেছিল। জামি বর্জন সর্বেক্ত লোক ক্রবলোড থেকে এক সময় এই পৃথিবীয়েত প্ৰসেছিলাই, ভাতৰ কালকনাঃ ব্রহ্মাণ্ড লবলৈ করছিল এক আছার সঙ্গে শুনা দাকাৎ হয়। আমাকে একজন নৈতিক প্রকানী ক্রেনে, তাকে অসীকার করার জনা সে কামাসক্ত হয়ে আমার কাৰে প্ৰস্তাব করে।"

দেবৰি নাবাং কাতে সামকেৰ—"আমি ভার অনুতাৰ প্রধ্যাধ্যম করেছিলাম বঙ্গে, সে জমার প্রতি অভান্ত কুৰু হারে, এক মুংগই অভিশাণ প্রথম করেছিল। সে ষ্পেরিশ, "বে মুনে। বেংগু আপনি আমার অনুবোধ প্ৰস্তান্ত্ৰন কঃকেন, সেই জন্য আগনি কক্ষণ এক বৃদ্ধে ष्ट्रित एउत्र अवस्था कडाइन शहरका ना।" और्थारव **आ**वाह যারা নিয়াশ হরে, আহরে উপক্ষেত্রের সে শুর মাধক ধনন বাজার সমীপদতী হরেছিল এবং তাঁকে ভার भिक्तिकारण करण करविद्याः। वश्य त्राच्यात कारक निर्देश কালকল্য উপ্তে বলেছিল, "হে বীয়ং স্থাপনি বক্তদের মধ্যে হোট। খাটি আপনকে ভালবানি, ফাই আমি আপনকে আমার পতিমধ্যে বক্তা করতে চাই। আমি জনি বে, আগনায় সংস্থ সংখ্য হাপ্স বন্ধলে, কেউ নিয়াশ হয় না নে ব্যক্তি শৌকিক প্ৰধা বা শক্তের নিৰ্দেশ খানুসারে হল করে জ এবং কেউ লাম করতে ইচ্ছা श्रवक का अस्य करत हा, कांध्र केवर रहे कर मन्दर मान বাছর। এই প্রকার বাজিনা আল্লানের পথ অনুসরণ করছে। ভানের অবশাই পরিগমে শেক করতে হবে।" অগকিতভাবে কর্ম করন্য জন্য।"

কালকন্য কলন—"হে ভছ। আমি আপনার সেবা করবার জন্য আপনার সন্দুবে উপস্থিত। দরা করে च्हाभारक उरुनं करत, च्हाभार छोड कड़न्मा अनर्गन कड़ान। পুরুষ্কের সর্বভ্রেট কর্তন্য ছয়েছ আর্ডের প্রতি করণার প্রকাশ কর। কালকন্যর কথা ওলে বৰন্যাঞ্চ উবং হেনে, দৈক্ষে বিধান অনুসারে উন্ন গেপেনীয় কণ্ডন্ত সম্পর্যন কতার উদ্দেশ্যে এক উপায় উল্লাফ করেছিলেন। কালকনাকে সমোক করে তিনি ওখন বলেছিলেন—ক বিকেন্ধ করে জন্মি জনতে পেরেছি কে তোমার পতি হবে। প্রকৃত-ক্ষে সকলের কাছে তুনি অসসলকণা একং অশ্ৰিয়া। ভাই বেহেডু কেউই ডোমাকে চাৰ না, অ হলে কেই হা ডোমাকে পত্নীৰূপে গ্ৰহণ করবে? এই জগৎ সকার কর্মের কলক্ষ্যল। ভাই ভূমি আগফিতভাবে জীবদের আক্রমণ কর। জানার সৈনিকদের সহারতার তুমি নির্বিশ্রে ভাষের সংহার করতে পারবে। 💐 প্রস্কার আমার কার। আমি এবন ডোমাকে আমার ভলিনীকাল গ্রহণ করাই। অধি তোমাদের দুজনকে করা আমার ভাগ্যৰ সৈনিক্ষেত্ৰ নিযুক্ত কর্ত্ব এই স্বৰ্গতে

অন্তবিংশতি অধ্যায়

পরবর্তী জন্মে পুরঞ্জনের স্ত্রীত্ব প্রাপ্তি

कश्चनंत्र एक योधक क्यन्त्रसम् अन्त्रत्त्व, काराकनी। अवर एहा হৈনিকাৰ সহ সভা পৃথিধী কিমেৰ ইয়তে লাগলেন। এক সধার সেই ভয়ত্তর সৈনিব্দের প্রকাণভাবে প্রকানের मनदी चारायन करतिका। यभित त्राहे मनदीति देखिय সুৰতেয়েশ্য সামগ্ৰীতে পরিপূর্ণ দিব, বিশ্ব ভা রক্ষিত र्श्वाहरू श्रावती हुद्ध अर्जाह श्रावता। स्टाबन रेमनिकरमा সহায়তার, কালকন্য গীরে ধীরে পুরন্ধনের নগরীয় স্বান্ত অধিবাদীদের পাক্রমণ করেছিল এবং তাবের সর্বপ্রেভাবে নিছিত করেছিল। কলেককা হথা দেহ আক্রমণ করল,

কেবৰ্মি নার্যাপ অন্যাসন—"হে মহারাজা প্রাচীনবর্মিকা: তাক্স ফলনামের অধ্যক্তর সৈনিকোরা বিভিন্ন ভার শিক্ষে সেই স্পরীতে প্রবেশ করেছিল এবং ভারা সমস্ত নাগরিকদের প্রকাভাবে পীড়ান করতে ওঞ্জ করেছিল। নগরীটি বর্তন এইভাবে কালকন্যা ও সৈনিকালর বার। বিশদ্যন্ত হ্রেছিল, ভবন রাজা পুরন্তম তার আধীর-वेकनएरत प्रमाणाचे चालान चालुका हर्ड, वदनतान च कामकन्त्राचे च्याक्रमार्च वस श्रंकांत्र रक्षण रक्षात्र करार्ड লাগপেন। কলকনারে ছারা আলিছিত হওয়ার কলে, রাজা পুরন্ধন তার সমস্ত সৌন্দর্য ধীরে ধীরে হারিছে ্কলেন। রতিক্রিয়ার খাতার আগত রওয়ার খালে, উথ बृद्धि सहि इरहाईल अवर नमक जैभग विन्हें इरह পিরেছিল। এইডাবে স্থাকৈ হারিছে, ডিনি পদর্ব ও श्रुक्तास्त्र बाता काभूर्वक भग्नाक्ष श्रुविह्ना । हास्रा শ্রমান তথ্য দেখলের যে, শ্রমে নগরীর সমৃদ্ধি নট্ট গতেকে এবং কার পুত্র, পৌত্র, ক্বজ ও অস্তত্যেরা বীত্রে প্রদার বারে বিরোধিতা করতে তর করেছে। তিনি এও ক্রেব্রেন্স বে, তার পদ্মী তার প্রতি প্রীভিত্তির এবং উগ্রাসীন হয়ে সেছে। রাজ্য পুরুত্তন বর্থন সেখলের 🙉 তার অধীয়ধজন, ততা, প্রধান্তা আদি সকলেই তার বিবোধী হয়ে গেছে, তথ্য তিনি অতান্ত দুক্তিয়ান্ত হয়ে পড়েছিলেন। কিন্তু তিনি সেট পরিস্থিতির সংশোধন করতে পারবেন না, কারণ তিনি কালকন্যার দারা সম্প্রাপে অভিভূত হরেছিলে। কালকনার প্রভাবে देखित-मुच्हाळाटभंडे मनक विवसकति विसान हटा सात्र। किंकु जो निरमुख कामदा कामदानम्य शाकात करन, ताका পুৰঞ্জন সৰ্বত্যেত্যকে অভ্যন্ত মহিত্ৰ হয়ে জন। শ্ৰীংনের প্ৰকৃত উদ্দেশ্য যে কি ভা তিনি বুকতে পান্তেননি। কিন্তু ডা সংখণ্ড উন্নে পথী ও পুৰনের প্রতি অভ্যন্ত সেংশীল হওয়ার ফলে, ভালের ভবিবাং চিন্তা করে তিনি অভান্ত উদিপ হন। পদৰ্শ ও ফলে লৈন্দিকমের হারা প্রঞ্জনের नगरी विश्वतंत्र स्टाइक्नि क्या मिट्टे नगरी भदिकाम बद्धार অসনা না থাকদেও, পরিস্থিতিবপত তাকে ভা করতে रदिष्ठि, कारण का कानकमात हाता विश्वस स्टाहिन। তবল উয়ের কোওঁ জাতা প্রকার তার মাতার প্রসারতা বিধানের জনা সেই নগরীতে জাওন লাগিয়ে লিয়েছিল। শেই নগরী বখন দশ্ধ হছিল, ওখন সমস্ত নাদ্ভিতের, রজর ভূতারা, আখীর-বজনেয়া, প্রা, পৌঞ্, পদ্রী এবং অন্যান্য কৃটুৰগৰ সেই আওৱে দশ্ব হতে লাগল। ক্ৰমা পুরন্তন ভার ফলে অভান্ত হর্নেড হরেছিলেন। সেই নদৰীর রক্ষক সংটি বধন দেখন যে, নাগরিকেরা ক্ষাক্রান্তর স্থারা আক্রান্ত ছয়েছে এবং কালেরা তার গৃহে আগুন লাগিয়ে দিয়েছে ডখন জন্তন্ত লোডে সে কতর ইকে পড়েছিল। সমে আওন লামদে বলের কেটেরছ শৈৰ্গ বেমন দেখাল খেলে খেলিৰে বেতে ইচ্ছা কৰে, তেমনই নদরীর অধান্ধ সুগুটিও অধির গ্রহণ ভাগের ফল, সেই নগরী জেভে চলে থেতে ভেরেছিল। কর্মন শিষ্কর্য ও ঘরন সৈনিকেরা ওয়ে গেছেক শক্তিকে - বনিও পত্নী এবং সক্তন-সন্ততিবের ভবিবাৎ সক্ষরে রাজ্য

সম্পূর্ণকালে পরান্ত করে কেফছিল, তথন সেই সপটির শবার শিধিক হয়ে নিহেছিল। সে ফান ফার দেহটি তাশ করার চেষ্টা করে, ভবন তার শত্রুরা আকে শ্রুটিকৈ কেলে। এইডাৰে ভাৰ সমন্ত প্ৰচেষ্টা যখন কৰ্ম হয়েছিল, তথ্য সে উচ্চখরে ফ্রম্মন করতে করু কর্মেছন। রক্ষা প্রঞ্জন তথ্য তারে বন্যা, পুত্র, পৌঞ্ পুত্রবধু, জামাতা, **फ्**डा, जनादा शार्थम, गृष्ट, गृहत्व केनकदम अवर বংস্কানর সক্ষিত ধন-সম্পাদের কথা চিন্তা করতে ওক কালেন। রাজ্য পুরস্কন কলে পরিবার এবং আমি খ 'আমার' ধারণার প্রতি অতাত আগন্ত ছিলেন। থেটেড তিনি তাঁৰ নতীৰ প্ৰতি আকৃষ্ট ছিলেন, ভাই ভিনি ইতিপূৰ্বেই অভান্ত পরিয়াগুল হবে লডেহিলেন। একন ভার সঙ্গে বিজেনের সহয় উপস্থিত হওয়ান, তিনি অভ্যক্ত কারে হয়ে পঞ্চালনঃ তালা প্রক্রম অভার দৃশ্বিভাগ্রক হুৱে ছাবতে লাগুলেন, 'ছাৰ, আমাৰ পৰী এতওলি সন্তানের ভারে ভারাভাত। আমি মেছভাগ করে অন্য লোকে চলে গেলে, সে কিভাবে পরিবারের এই সমগ্র चाकीव-चक्रनरमञ्ज भागन समस्य १ हाषः अतिदान অভিশালের দুলিজন সে বা কর্মে কর কট পাবে। ন্তালা পুরঞ্জন ওমা পরীয়া সঙ্গে ওমা পূর্ব আচরপুর কথা মনে করতে লাগদেন। ব্যাকা ভাবতে লাগদেন—'জামি धारात में क्या नर्देख (न धारात करक मा, धारि जान ৰ করা পর্যন্ত সে স্থান করত মা এবং সে আন্তার প্রতি এতই খনরক ছিল ছে, কথনও কথনও আমি এন্দ্র হয়ে তাকে ভর্ণদান করলে, লে নীবুৰে আমান নেই দুর্ব্যবহার বহা করত।" "

রাজী পুরঞ্জন ভাবতে লাগলেন—"জারি ছবন মোহাচয়া হত্যে, কৰা আমাৰ পদ্ধী কিভাবে আমাৰে সং পরফর্শ প্রদান করড এবং আমি গৃহ থেকে কাইরে চলে গেলে, সে অভ্যন্ত শোকাজ্য হত। মন্তিও সে বছ সকলোঃ জননী, তত্ত আমার আশহা এই বে, পুংপুলির পার-সারিত্রগুলি কলে করতে সে কি সক্ষয় হবে : আহি প্রক্রেকে গমন করতো, সম্পূর্ণরূপে আয়ার উপর নির্ভবর্ণীন আমার পুর ও কন্যাল্য কিন্তাবে ক্রীবন ধ্যুক করবে । মার্কসমূত্রে নৌজ ভগ্ন হলে অংরাহাঁতের বে खरहा हत, फाएनत खरहा**७ ठिक लिए तक**प्र हरवा^क



প্ৰস্কলের লোক করা উচিত ছিল না, ডবুও টার বীন শ্বনির কলে ডিনি ভা করেছিলেন। সেই সময় ভয় নামৰ কানৱাল ভাকে বন্দি কাৰ্যৰ জন্য সেখনে একে উপস্থিত হলেন। বৰ্মেয়া বৰ্ম মাজা পুরন্ধনকে একটি পশুর যাতে৷ ধরুন করে ভারে ভারের ক্লানে নিয়ে বেতে লাগাল, ভব্দ রাজার অনুচরেরা অভান্ত ব্যাকৃত হরেছিল। ভাষা কৰা পোৰ কাছিল, তখন ভাষেত্ৰও ভাষ সংস **टकार करत थारा निरंद कार्यका इरपिएन। फाना राहि** সংটিও, বাকে ব্যন্তামের সৈন্যতা যদি করে প্রেই नभड़ी त्यरक रसा करन निरंत निरंत्रिक, कमारमध नरक **েও তার প্রভাবে অনুসরণ করতে লাগল। ভারা বর্ণন** মেই নগরীটি জ্ঞাপ করল, ওখনই তা কিনীর্ণ হতে পঞ্চতে বিদীন হল 🖰 অভাত বলবান মবনেয়া কৰন স্থাপুৰ্বৰ দ্বালা পুঞ্জনকে টানতে উদাতে নিয়ে খাজিল, क्रमर चन्नाहरू धन्नकात प्रकार शाकार गरण, जिले चेह সৰ এক নিভা ওভাভান্তৰী প্ৰয়োগাকে স্বয়ণ কাছে পারেবনি। সেই অভান্ত নির্মে ব্রজা পুরন্ধন নিথিয় যালে ক্ষ প্রহত্যা করেছিলেন। এখন সেই সমস্ত প্রতা সুযোগ গেরে ভাষ্টে শিং-এর হারা তাঁকে বিধীর্ণ করতে শালাল। মেন ভারে কুঠার দিয়ে ভারে খত-বত করে কটিতে লাগল। রম্বীর দূবিত নার প্রভাবে, প্রাক্তা পুরস্কানের মতের জীবেরা নিত্যকাল সংসাবের কটভোগ করে এবং বহু বহু বহু। ধরে প্রতিরহিত হয়ে, তারা আছ-জাগতিক জীবনের অক্তব্যর প্রদেশে খবস্থান করে।"

"রাজা পুরন্তা তাঁয় পড়ীর কথা চিপ্তা করতে করতে দেহত্যাৰ করেছিলেন, ভাই তাঁর পরবর্তী জীখনে তিনি क्षक चारि जुलादी क्षेत्रः উत्तर गराना शरहिरियन। রাজারই গুয়ে তিনি গরুলার বিদর্ভরাজার কন্যা হল। बिलर्डबारबार वृष्टिओ रेबन्डीय विवाद शरपहिन भारत स्मानत মলগুৰুত্ব নামক এক অভান্ত পতিলালী ব্যক্তিৰ সঙ্গে। অন্যান্ত ভাজকুমারদের পরাজিত করে ডিনি বিদর্জ-রাজকন্যাকে বিবাহ করেছিলেন। রাজা মলমধ্যক্ষেক একটি করা হয়েছিল, বার চক্ ছিল অতি কৃষ্ণবর্ণ। উত্ত সাতটি পুত্র-সন্তানও হরেছিল, বারা পরবর্তী কালে প্রাবিভাগেশের কালা হর্মেন্ডলেন। এইভাবে সেই ভাগতে म्तटकार जाका विद्रश्य I"

"তে মহাবাক হাটোনবাহৰং! মধ্যাধ্বকেৰ প্ৰান্তৱা হাকার হাজার সন্তান উৎপাদন কর্মেছিলেন এবং ঠারা সকলে সমস্তর এবং তরে পরেও সারা পৃথিবী পালন করেছিলেন। ভাগবান শ্রীকৃথের পরম ভক্ত মধ্যরগর্ভার হাৰাম কনাত্তৰ অপস্থা মুমি বিবাহ কৰোছকো। ঠাব (१९८७ अक्टी भूत छेरभा श्रुतिश्य, यस नाम किन मुस्तुतर একং ঠার পুরেষ নাম ছিল ইংমবাছ। ভার পর রাজর্বি মালুরকার উরা পুরুদের মধ্যে তার রামা স্থাপ করে দিয়ে, একার্যাচন্তে প্রীকৃষ্ণের আরাধনা করার উদ্দেশ্যে কুলাচন আহক নির্মান স্থানে গামন করেছিলেন। চালেকা যোন हरक्षाः चनुभाग करता. एडमनष्ट अस्ति-नतना विक्रकनिन्दौ।a স্মপুৰ, পুৰ ৰক্ষ জোগাসামগ্ৰী পৰিতাংগ কৰে, উত্ত भक्ति **अनुवाधिनी क्**त कुलाइका विद्याधिकनः। कुलाव्यक চন্দ্রবদা, ভারপণী এবং মটোদকা নামক নদী প্রবাহত ছিল। রাজা ফ্লাঃধ্বজ নিয়মিতভাবে সেই পবিত্র বার্টিগুলিতে নিয়ে রান করতেন। তার ফলে তিনি অন্তরে থাইরে উভরত পবিত্র হারেছিলেন। তিনি মান করে कन्य, रीक्ष, नाट्य, कृत, प्रत, यक स यान स्थरत अवर আলপান করে জীকাধারণ করছিলেন। এইজার তিনি কঠের তপসা। করেছিলেন এবং তার কলে তিনি অভান্ত কৰ হয়ে সিয়েছিলেন। তপস্যান বাল রাজ্য মনতথ্যস্ত তার দেয়ে এবং যনে বীরে বীরে পীত ও উল্ল, সুব ও দুঃখ, বারু ও বর্ষা, কুবা ও চুফা, প্রির ও অগ্রির ইভ্যাদি বৈতভাবে। প্রতি সমদশী হয়েছিলে। এইভাবে তিনি সমস্ত ক্ষুত্ৰই জন ক্রেইলেন।"

"कैनामना, छनमा, यथ ७ निरुप्रामिश दाता सामा মানরথকে তার অধ্যক্ষে সমস্ত মধ্য দার করে, তার ইলিয়, প্রাব ও জিয়কে কর করেছিলেন। এইভাবে ডিনি ঠার আব্দকে পরমরক (কৃষ্ণ) রূপী কেন্দ্রবিশ্বতে হিব করেছিলেন। এইভাবে ডিনি এক শত দিয়া কলের এক শ্বানে স্থাপুর মতেন স্থির হুয়েছিলেন। ভারপর কলবন খ্ৰীকৃষ্ণের প্রতি ওছ ভাজিমধী আসুক্তি লাভ করেছিলেন এক সেই অবস্থার স্থির হয়েছিলেন। রাজা মলরকাম আৰু ও প্ৰমান্ত্র পার্থকা হনায়কম করে পূর্ণ আন সংগ্র কর্ত্তেজনন। আৰা একস্থানে অবস্থিত কিছু পরসাধা সর্ববারে। তিনি পর্বরেশে হামরসম করেছিলেন থে, জড়-(मध् काका नहें, किन्ह प्राप्ता शक्त का स्टब्स आ**र्की** ।

राजा प्रतगतरङ गृगेकार त्याड सर्टाकरूक कारण हैत ক্ত ভিডিতে তিনি করং ভগবঢ়ের ক্ত থেকে উপ্লেখ প্রাপ্ত ইয়েছিলেন। এই প্রকাব নিবা আনের অনুসাকে তিনি সর্বতোজ্ঞানে সৰ কিছু উপকৃত্তি করেছিলেন। রাঞ্চপ কেশানে এলে, মধুন বাকের করা রালীকে সাধুনা এইভাবে तामा मनाभाक भनीय कर्ताश्रमन (र. नतमान् প্ৰাৰ পাৰে বলৈ বলৈকে এক জীবন্ধ কৰে তিনিক লব্যাভার পারে ধনে ইরেছেন। তাঁবা উক্তে একরে काकाथ गरक, जेएसर विक कार्य दिन ना, बहै जार दिन्न ভ্ৰাড-জাৰ্গতিক কাৰ্যতব্দ্ৰণ খেকে সম্পূৰ্ণজনে নিবস্ত প্রাক্তিকেন। বৈশতী করে পতিকে সর্বতাভাবে পরক্রেক জনবাম বলে একৰ করেছিলেন। তিনি সমস্ক ইতিহস্থ তুমি কাবর আমান সক্তে পরামর্শ করেছিল। হে বছু। ভাগে করে, সর্বভোভাবে কৈনাণ্ড অক্সায়নপূর্বক ঠার । যদিও ভূমি আমাতে এখনও চিন্দুই পাছত না, ভোমায় প্রহাজগরত পভিতে অনুসক্তা করেছিলেন। এইচাবে কি মানে পারে না ছে, পূর্বে ক্রেমত এক অভি ক্ষতাস তিনি জীয় সেবার মৃক্ত ছিলেন। এই জনুষ্ঠানের ফাল সংগ ছিল। দুইগালনত তুনি আতার সম পবিতাল করে, विमर्कताहमात कामात नवीत और इस्तिम अस दिनि भीर्ग । वरे समादाद समादाद नम दरन कहार । दर दिह अवाः বসন প্রিধান করেছিলেন। তাঁর কেনকল্পের বন্ধ না তুনি কার করিছ ঠিক দুটি কলের ফ্রেন। আফর দুকরে নেওয়ার কলে তা অটাবন্ধ মরেছিল। অধিও তিনি সর্বল। একরে একই ফলরে বাদ করি, স্বা ঠিক মানস সলেকত্তর ষ্ঠার পতিত্র নিকটে থাক্তভেন, ভবুও তিনি অভিচল মধ্যে। যদিও আমতা বহু সহত বংসের ধরে একসক্ষে দীপশিবার মতো মৌন এবং উজ্জ্বলতে কংলান করতেন। বিদর্ভনন্দিনী ইয়া পতি বে কেন্দ্রাণ করেছন আ বুঝতে না পাল পর্যন্ত, ক্রির আসনে উপন্তির ঠার পতিৰ সেধা করে কেন্তে লাগলেন। তিনি ছবন ঠাব পতির পদসেবা করছিবেন, তথ্য তিনি উভাল অনুভব শা করার কলে বৃথতে পেরেছিলেন ছে, তিনি মেহত্যাদ করেছেন। তথম তিনি তাম পতি খেকে বিভিন্ন হত্তে উফাকিনী ছওয়ার ক্ষে, কুম্মন্তা হরিনীর মজে ব্যক্ষ ইমেছিপেন। সেই ভিৰ্মন্তৰ্ননিত্ৰী অন্তন্ত উপ্ল বৈহত লগাই নিমিত্ত শোক স্বর্গতে করতে করিবাস অভ্যক্তরের ক্রম্যানর সিক্ত করে, উচ্চস্থরে রোজন করেন oক করলেন।"

"হে রাজবর্গ। উঠন। উঠন। কেনুম রাপনি বেটিত। ধরিত্রী দল্য এবং ভগকথিত ব্যবহতে ছবে সেছে। স্বাই ধরিত্রী অতান্ত ভীতা হরেছেন এবং আলনার কর্তব হলে তাকে রক্ষ করা। পতির অনুগ্রাক্রনী সেই গতিরতা সী সেই নিৰ্মন ভাৰণো ভাৰ পতির গদকালে পতিতা হয়ে: করণা স্বরে রোমন করতে সামালের। তথন উরু টোর বিয়ে অধিয়দ ধারার আক্র করে পড়বিল। ভারণর তিনি কাঠ দিয়ে চিডা রচনা করে তাতে তার পভিন্ন কলেন্ড

প্রদীয়ে করে, বিলাপ করতে করতে ঠার পতির অনুসর্গে नद्रमाराण क्राजाकक इत्स्वित्स्य ।

"টে রাজন: তথন রাজ্য প্রস্থানের এক পূর্বকে সুনা;

सामान क्रिकामा करणाम—"दृश्चि **८७**१ छन्नि कार পদ্ধী অথকা কলাঃ এই আহিত পুরুষটি ভেণ হলে হছে কো ত্রি এই মৃত পরীরের কন্য লোক করছ। ভূমি বি আন্তাৰ চিনতে পাৰছ নাং আমি তেনোৰ क्रिडकारम्स वर्षः। रहासात काल शरह भारत रह, भूर्त রবেছি, তবুও আমরা আমানের প্রকৃত আগত থেকে বছ পুরে। হে সংখ্য ভবি জ্ঞানত সেই বছা বছন খেকে কৃমি আমাৰে হেতে হলে কেছ, তথা থেকে তমি ক্ৰমণ মত দিবৰে হতি মাসক হতে এবং বামাকৈ শিক্ষত श्रा, रकाम होत्र बारत होऽछ और क्षत्र कराह दिस्ति (महा पुनि समय कार्थः (भरे नगरीत (कड नही(रह)) পাঁচটা উপান, নৱাট হার, একজন কক্ষত, ভিনতী কোষ্ট, इस्की नदिवाद, मीठाँठ म्यायान, नीठाँठ हेनावाद ४२१ একজন খ্রী তার ভর্মস্বাধী 🗀

িয়ে সুৰে। পাঁচটি উদান হচ্ছে ইপ্ৰিয় সুৰলেখেৰ नीहरि दिश्व अवर क्षत उसके दश्य शनदाह, के नदिर যার দীয়ে প্রবাহিত হয়। ভিনটি কোট হয়ের ভিনটি প্রধান ইলাগন—অধি, রক ও অটি। ছাটে পরিবর হাক সন ও প্রাঞ্জের: প্রাচটি বিপদি রক্ষে পাচটি করেছিত্র সেগুলি পঞ্জ-মহাতৃতের সংগ্রন্ত শক্তিক হাবা তানের রবস্য করে। সমন্ত কর্মকারশের শিক্ষা করেছে থাক। মানা ইটে তোকা এবং দে হতে পুৰুত। বিদ্ধ পঠীক क्षती अगरीएड बाम्हारिक इंदरांड घरण, हम डार बनल ক্লাতে গরে না। হে সংখা তুরি হব্দ বিধ্যালুচিকণা

রমণীর সমে এই শরীরে প্রয়েশ করেছ, ভখন ছেকেই - ভোজর প্রকৃত করণে তুমি গুণস্কভাবে আমার থেকে क्ता करन क्रिम और शकाब भानीयानी प्रभा तारा करन. নালা প্রকার পুংখ-কট ভোগ করছ। প্রকৃতগকে, ভূমি निक्डंहरण्या कमा २७, वरे घनरका (धामस रिज्यमी) পতি বস্তু। ভবি পুরন্তনীয়ত পতি মত। ভবি কেবল নবারে সমন্ত্রিত এই মেহে অবক্রম হয়েছ। কর্মণত ভূমি নিয়েকে একজন প্রথ হলে মসে কর, কখনও বা একমন সভী শ্রী বলে মনে কর, আবার কবনও নপুংসক বলে মতে কা। ভার কালে হতে পরীয়, বা নাবার বারা गद्रै। और मात्रा धामातरे गक्ति अपर शक्छभएक छपि কারণ আমরা উভয়েই চিনার। 🚑 সরো। প্রকৃতপক্ষে

তুমি ইপ্রিয়সুৰ ভেনের প্রতি অভার আগন্ত হয়েছ। এই ভিন্ন নও। সেই কথাটি ব্যেতার চেটা কব। যার: কারণে, তুমি তোমার চিশ্বর জীবনের কথা ভালে গেছ। প্রকৃতই কিলে এবং জানবান, তারা তোমার এবং আমর महर्ग रकान ७५% शर्मका मर्गन करते है। महन्य रकान মর্গনে তার নিজের প্রতিবিদকে তার বেকে অভিনাদার प्रमुख करता, किया चारूतता पृष्टि भर्तील मर्मन करता, एकपनी জভ-জাগতিক পরিছিডিডে, যাতে ভীৰ লিপ্ত বৃওৱা अरक्षत जिल्हा तक, क्षत्रकान अन्य कीरवान प्रदेश शार्थका ৰায়েছে। এইভাৰে উভৰ হসেই হসংয়ে বিভাল করে। একটি হলে যথা অন্য হলের বারা উপদিট হয়, তথা সে ভার বরবেশ অববিভ হয়। কর্ণাৎ সে ভার কুমতেতনা বিয়ে পার, যা সে প্রান্ত আসভিয়া করে ও আমি, আমরা পুরুতনই ওছ চিপ্রার আছা। আমি। হারিয়েছিল। হে মহারাজ প্রাচীনবর্ত্তি। সর্ব-করতের পরম ছোমাকে আমাদের বাজবিক স্থিতি সম্বাদ্ধে বোঞাতে চেষ্টা স্থানৰ প্রমেশন ভগকন প্রোক্ষরণে উপলব্ধ হন বলে কর্মী, স্থা বসতে টেটা কর। হে প্রির সধা। অর্থি বিখ্যাত। তাই আমি আপনার কাছে এই প্রঞ্জনের এবং ভূমি, গরমারা এবং আত্মা ওপগতভাবে অভিন, স্কাহিনী বর্তনা করেছি। প্রকৃতপাকে এটি আত্ম-উপলব্ধির



উনত্রিংশতি অধায়ে

নারদ ও রাজা প্রাচীনবর্হির কথোপকথন

महात्राचे शाठीनवर्दि वगरनन—"८६ छन्। त्राका প্রস্কলের রূপক কাহিনীর ভাৎপর্ব আমরা পূর্বরূপে ষ্থাতে পারিনি। প্রকৃতপক্তে ধীরা পারমার্থিক জানের পূর্বতা প্রাপ্ত হয়েছেন উল্লা বুক্ততে পারেন, কিন্তু সকাম - কার্যকলাপ ঋথকা ওপের ছারা প্রয়েশ্বর ভগবানকে কর্মের প্রতি অতার আগন্ত আমাধের মতো মানুবদের উপলব্ধি করতে পারে না, কবি ভাগান বছ শ্রীকো কাছে পক্ষে আপনার এই কাহিনীর ভাগপর্ব হাদরক্ষম করা। চিরকাল অবিজ্ঞাত বাবেন। জীব করম পূর্ণবহাল কড়া অভার কঠিন।"

ত্রিশার, চতুপ্রার্ক, কর পদ অধ্যক্ষ পদহীন বিভিন্ন পারীরে অধ্যবা নেবসা হতে চার 🖰 দেহান্তরিত হয়। এই সমন্ত পরীত্রে দেহান্তরিত হয় বলে

জীব ভবাকখিত ছোকাঞ্জলে পুরঞ্জন নামে পরিচিত হয়। चरिकाठ वरन चारि बैट्ड क्रांस क्रांसि, टिनि इटलन कीरका निवा मुख्य अपर थए। बीन रायरण बाह्र नाम, ধক্তির ওপওলি ভেগে করতে চার, ভঞা যে বং দেবর্ষি নারণ বললেন—"পুরঞ্জনকৈ জীব বলে স্থানিরে মধ্যে সেই স্থানিটি প্রশু হতে চার, বাতে মাটি कानहरूत। हम छात्र कर्म छानुमाहत क्षक भाग, विभाग, बाल, मुक्ति व्यक्त क्षण भाग व्यवस्था। क्षरेकाहत हम आनुव

"এই প্ৰসতে উন্নিখিত প্ৰসাধা শব্দটি জভ-বৃদ্ধি বা

অভিন্যাকে বোৰার। বৃৰ্ততে হবে ছে, কেউ বানন এই ব্যক্তির আতার প্রহণ করে, তথ্য সে তথ্য সভ্ দেরটিকে ভার ইক্ষণ বলে মনে করে। "আমি" একং "আমার" এট মাড় ভাকনার থারা প্রভাবিত হয়ে, সে তার ইভিয়ের श्राशास्त्र जुब अदेर मृत्य स्थान कराउ कर करता এইভাবে জীব বৰু হয়। পাঁচটি কৰেছিয় এবং পাঁচটি জ্ঞানেতিত প্রস্তনীয় সূত্র। এই সমস্ত ইভিরের কর क्षीत कान धारा हम अंगर कर्ज शहर दत। ऐक्टिस्स र्वाक्कणि स्टब्स् था। भूगी अवर त्य भूभानिक मार्गत कथा बना इटक्टर, का इटक्ट शकवृत्तिनानी शानवाद । একালপথ্য লেবক হচ্ছে জন্যদের অধিপতি মন। এই আৰু কৰেজিৰ এবং জাতোৱাৰ উভৱেবই অধিপতি। লভালরাজ্য হাজে সেই পরিবেশ, বেখানে পঞ্চেজিরের বিষয় উপতেগে করা হয়: এই পঞ্চালভাকোর ভিডরে बरदारक नक्यान ममस्तिक धारे रवधनान नवती। उन्ह. नाभिका बाद कर्न-बादै दासकति गुरि गुरि करत बकाइस्त অবস্থিত। সুখ, উপস্থ এবং গমেও হলে বিভিন্ন কর। এই ব্যৱহা সম্বাচিত পরীয়ে প্রিত হলে, জীব এই জড় क्षाएक वरिश्वी कार्य करा अनः साथ, तम व्यप्ति विशिक्ता বিষয়সমূহ উপত্তোগ করে। দুটি চঞ্চু, দুটি নাসারছ এবং একটি মুখ, এই পাঁচটি খাৰ সম্প্ৰৰ ভাগে অৰ্থায়ত। দক্ষিণ কৰ্মকৈ দক্ষিণ নিকন্ধ বাস বলৈ মনে করা হয়, বাম কৰ্মক উত্তর নিজন্ন হয়ে করা হয়। পশ্চিম নিজন্ম দৃটি ক্ষা হচ্ছে পার এবং উপস্থ। বদ্যোতা এবং আবির্থী नारक त्व गृष्टि चारात कथा नृत्यं डिस्तव क्या शरवरह. সেওলি হতেই শরীজ্যে এক স্থানে পাশাগলী কর্মস্থার দুটি চকুঃ বিভাগোত নামক যে জনগবের কথা উল্লেখ করা ষ্টেছে, ভাকে রূপ বলে জানবে। এইভাবে চকু সুটি मर्वरा निल्हित क्षकार ऋश सर्वात वर्षा। मेलिनी अवर मिनिनी लोकक रहे पछि चारक कथा वना वरदाई, से इरह সুষ্টি নাস্থ্যন্ত। সৌরভলেশ বলে বার বর্ণনা করা বরেছে অ হাজে গড়। অবশৃত নামে তার বে সঙ্গীর কথা কর इरहार छ इराह अरपश्चित। युक्ता नामक व बारका कथा केंद्रान कहा इरहाइ का इरक्ष कुन क्षेत्र दिनन इरक् কপিন্ডির। রসজা হতে রসনেন্ডির। আপথ শব্দের কর্ম **एक्ट् कारन अवर क्**यून नहन्त्र **धर्व रहस्र विक्रित ध**काव थान्। एकिन कर्गरक वना एक भित्रद् सार अपर यात्र কর্ণকে বলা হয় দেবছ ভার।"

ন্যুক্ত সুনি কল্পেন-"মক্তিণ পঞ্চাল নামক বে এগরীর করা উল্লেখ করা হয়েছে, তার ধারা স্কান কর্মকনিত ইপ্রিকস্থ-ডেপ্রের কর্মকাণ্ডাক্ত প্রবৃত্তি মার্গের শাস্ত্রপন্তকে কুলানো হয়েছে। উত্তর পকাল নামক অন্য নগরীটির দ্বারা নির্বাত প্রতিদাদক জানকাতীয় শাস্ত্রসমূহকে বেৰানো হয়েছে। জীন দুই কর্ণের ধারা বিভিন্ন প্রকার ব্যান প্রাপ্ত হয় এবং কোন বাঁকি পিতৃলোকে এবং কেনে भीत व्यवस्थातक छेडी छ हत। छ। अञ्चन एवं भृति कर्रमंत्र খার। অস্থ্রী (মেট) নামক নিয়বর্তী স্থার নিয়ে প্রাথক नामक (व करनाथ शबर कहा हते, का हरन दौरनकारिए স্থা আ মূৰ্য ও নীচ সাহায়ৰ যানুহলেও কাছে অভাক कानन्यवादकः। सन्दर्भाक्षेत्रस्य वन्ता दत्र मूर्वन धारः नाहरू ক্যা হয় নিৰ্মতঃ পুনপ্তৰ বৈশ্য নামক স্থানে বেতেই ফলতে কেবালো হয়েছে ছে, তিনি নয়কে বেতেন। তম সহচ্য কৃষ্ণৰ হলে পাৰু নামৰ কৰ্মেলিৰ। পূৰ্বে আমি দুজন খাৰ সহচামের কথাও বলেছি। তানা হাকে হাত এবং পা। ছতে এবং পারের স্বাহারের জীব স্বর রতম কর্ম করে এবং ইতরত বিচয়ণ করে। অন্তঃপুর বলতে হুসহকে বোজানো হংগ্ৰেছ। বিবৃষ্টান শক্ষায়ৰ কৰা হলেই 'সর্বক্রনামী' এক প্রা এখানে মনকে কুয়াকে। জীব ভার মনের মধ্যে প্রকৃতির ওপের প্রভাবসমূহ তোল করে। এই প্রভাবতালী কবনত মোছ, কবনও সংখ্যের এবং কবনও हर्व फेरलाम्ब करहा। लूर्स विद्वासन करा स्टाइटर, टर, মহিৰী হজেন বৃদ্ধি। সংগ্ৰ আগৰ ৰাজত অবস্থান খেকে বৃদ্ধি বিভিন্ন পরিন্থিতি সৃষ্টি করে। কল্মিক বৃদ্ধির ধারা शक्षाविक हरड. चीव वर्गकराइन वृष्टिद्दे क्रिया अवर প্রতিক্রিয়া অনুকাশ করে।"

"খাকে আমি রখ বলে বর্ণনা করেছি, গ্রকৃতগকে তা ছত্তে এই শরীর। ইভিরওলি হতে দেই রখের খোড়া। সংবংগরের মতো তাদের পতি অপ্রতিহত্ত, কিছ বাস্তবিকশক্ষে তাদের কেন্স গতি মেই। পাল এবং পুশ্ব হলে সেই রখের দুটি চাকা। জড়া প্রকৃতির তিনটি বশ নেই রাখের পতাল। পক্ষ প্রালেক্সির স্বীরের বছন এবং মন হলে। তার রশী। বৃদ্ধি সেই রখের সারবি। হাণর রখের উপরেশন ভান এবং সুখ-দুঃখরুপ ভশভাব বৃপবছনের স্থান। সপ্তথাত সেই রক্ষের আবরণ এবং পদ কমেপ্রির ভার বহা বিশ্বয়। একানশ ইন্দ্রিয় সেই পুরুবের সৈনিক। ইন্দ্রিরসূবে মধ্য হয়ে জীব সেই রখে । মনুখানেরকে বিভিন্ন প্রকার উৎপালনদীল কার্য করেন रथाकरम शकर अन्य अन्य शकरी धरण वर्गमा क्यारहा । তিন শত বাট দিন এবং বারি সমন্ত্রিত স্ববেৎসর ক্রমণ কর হাছে ক হচ্ছে বৃদ্ধবস্থা। কেউই ক্যাপ্রক হড়ে हाथ मा, किस मार्कार यक्तवाल मुख्य सवादक छै। १ 👽 मन नरदम्स निविध समात नीरहा। शबाब स्टब्स् पृष्टे প্রকার কর-অভাধিক গরম এবং অভাধিক ঠাতা-শেষন টাইক্ষেড এবং নিউমোনিয়া। পরীক্তের জিডারে। শায়িত জীব আবিদৈবিক, আধিকৌতিক এবং আধ্যানিক বিভিন্ন প্রকার ক্রেম্বের স্থানা কিলিড। সর্বপ্রকার ক্রেম্ব স্বাস্থেও জীব নেহবৰ্ম, মনোবৰ্ম ও ইন্তিভ্ৰমৰ্মের কণীভূত रता अप विका शका गाभित सात जिले हात, और सह অপথকে ভোগ করার বাসনতে বহু পরিকল্পনা করে। মলিও সে নির্তৰ, তবুও অজ্ঞানের বলে শ্রীব 'আমি' ও 'আহার' অংকারের দ্বাবা প্রভাবিত হয়ে, নানা বুকুম পুরাধকট তোগ করে। এইভাবে সে ভার অভ শরীরে একশ বছর অবস্থান করে।"

"জীবের নিজের ভাগ কথবা মধ্য ভাগ্য গেছে দেওবার আর একটু কবিনতা করেছে, কিছ লে খখন করা পর্ম প্রস্থ পর্মেশ্বর জনবানকে ভূলে বার, তথ্য সে অভা প্রকৃতির ওপের ফর্নীভূত হয়। অভা প্রকৃতির ওপের খারা প্রভাবিত হতে, লে ভার দেহকে ভাগু স্বরূপ वाल मान करन वाका कार्यक समा माना शकार कराई আগল হব। কৰ্মণ সে ছমোগুলে ছাবা, ক্থমণ রজেওপের বারা এবং কখনও সম্বওশের দ্বারা প্রভাবিত হয়। এইভাবে জীন জড়া প্রকৃতির থকো প্রভাবে বিভিন্ন প্রকার পরীর প্রাপ্ত হয়। বাঁরা সক্ষণ্ডপে অবস্থিত ভারে रेविषक निर्दर्भन चानुनारत भूगाकर्व करतम अवर कांत्र करण ঠারা স্বর্গলোকে উত্রীত হন, ধেলানে দেবভারা বাস

আন্তর্ট হয়ে তার বাত্ত থাসন চরিতার্থ করম অফার্ডেক - আর বারা তরোচণের করে প্রভাবিত, তারা বিভিন্ন প্রকার করে এবং কর-কর্মন্তর ধরে ইতির সুখভোগের ততি কউজোগ করে এবং পাশ্বিক জগতে বাস করে। ধাৰিত হয়। বাবে ৮৬বেল বলে বৰ্ণনা কৰা হয়েছে, তা অব্যানেত দ্বার আলোধিত হয়ে জীব কথনত পুরুষ, হতে অভার সভিসাধী কালঃ নিন এবং রাত্রিকে কখনও স্ত্রী, কখনও সপুগেক, কখনও যানুষ, কখনও দেবতা, কখনও পণ্ড, কখনও গন্দী ইভ্যানি হয়। এইভাবে সে এই বড় কংতে ক্রমণ করতে থাকে। মানুহের আৰু হরণ করে। বাংক কালকলয় বলে করি। প্রকৃতির ওংগর হারা প্রভাবিত হয়ে ভার কর্ম অনুসারে ে। বিভিন্ন প্রকার শরীয়া ধারণ করে। স্কুধার কাভার, গীন কুকুৰ বেমন গতে গতে কাল কৰে তাৰ প্ৰারম অনুসায়ে ভাগনীয়ালে বীকার করেছেন। করনেকরের (বমরাজের) কোবাও বা দও দাবা ভাঙিত হয় এবং কোথায়ও অনুচরনের করা হয় বৃত্যুসেন একং সেওলি হচেছ দেহ । একমৃত্তি আৰু প্রাথা হয়, তেমনই বিভিন্ন বাসনার দারা প্রভাবিত হয়ে, জীব ভার অদৃষ্ট অনুসারে বিভিন্ন যোনিতে ব্ৰমণ করে। ক্ষনত দে উজ্জন জীবন প্ৰাপ্ত হয় এবং কৰনও নিমন্তর জীবন। কথনও লে বর্গলোকে উন্নীত হর, কখনও নরকে অধ্যালভিড হর, অহবার কখনও প্রধানতী লোকে অবস্থান করে। এইভাবে লে কবনও সূৰ এবং কৰমও দুঃৰ ভোগ করে। স্বীৰ ভার ভণ্যেলনিত ক্লেশ, অনান্য কীবের হারা প্রদন্ত ক্রেশ অথবা ভার দেহ এবং মন সম্পর্কিত ক্লেশ থেকে মুখ হওরার চেন্টা সর্বদা করে। বিশ্ব, প্রতিকারের সমস্ত প্রচেটা সংস্তেও, প্রকৃতির নিয়নের মার তালের বন্ধ থাকতে বৰ ৷ মানুৰ মন্তকে ওক্তাৰে বহুম কৰণ্ডে কৰণে বধন অভান্ত প্রস্তে হয়ে পড়ে, তথম সেই ভার কাঁখে বছন করে লে মন্তব্যক আরাম দেওখার চেষ্টা করে। এইভাবে সে তার কার বহুলের মান্তি দুর করার চেটা করে। কিছ ভাষ বহনেৰ বাজি বৃদ্ধ কমার খণ্ড বিন্দু উপায় আছে, সেওলির মাধ্যমে সে কেকা এক স্থান খেকে অন্য স্থানে বেকার করা স্থানারবিত করা জড়া অতিবিক্ত খারে কিছুই কবতে পারে না।"

माउर मृति वस्तान---"(इ मिन्नाना (कर्ड)है কৃকভক্তি ব্যতীভ করা ভোগে কর্মের বারা ভার সকাষ কর্মের কল থেকে মুক্ত ইতে পারে মা। অঞ্চালভাকাত मान्व ट्यें कारक कार्यकलाहुन निश्च हुई। पुरब्रह्मत প্রতিকার বেজন কেবল জাগরণের ছারাই হরে থাকে, एकप्तरे कृष्यकरिक बजा कामास्मा बकान स्वाप छो। করেন। বারা র্যোণ্ডেরের দ্বারা প্রভাবিত, তাবা স্তাত অঞ্জন এবং গ্রেছজনিও সংসার-দুঃব বেকে মিবুলির আর কোন উপার মেই, কারণ সমস্ত সংখ্যার চধ্য সমাধ্যন ইটো কুকভাকনর জেনে ওঠা। কর্মনত ক্ষমত আমত্ৰ সূত্ৰে একটি বাব অপক সাণ বেৰে ভয় তেমনই আমবা সৃষ্ধকলে কোন পৰিস্থিতির সৃষ্টি করে, ভার পবিশামে খ্রংখকট ভোগ করি। স্বায় থেকে ভেগে ওঠা বাতীত এই সমন্ত পুংখ-পূর্বশার নিগুডিসাংল সন্তব বর। তীবের প্রকৃত পুরুষার্থ হচেছ, বে থাজন ভাতে পুনঃ পুনঃ স্বামান্ত্রির ফ্রেশ রচান করে, সেই অভান থেকে মৃত ইওয়া। তার প্রতিকারের একমার ইপার হাছে কণবানের প্রতিনিধির রাধ্যমে কণবানের পরবাধেত ত্ওয়া। ৰককণ পৰ্যন্ত মানুৰ ভাগনাম জীকাসনোৱের প্রতি ভঙ্জি না করে, তভক্ষ পর্যন্ত তার পক্ষে এই ছাড ক্ষগতের প্রতি সম্পূর্ণকাল বিরক্ত ক্ওয়া এবং পূর্ণ ক্ষান লাভ কর সক্তর নয় 🖰

"হে রাভার্বি" বে ব্যক্তি প্রছাবল, বিনি সর্বলঃ क्रमवात्मा प्रदिया अका करात, विति नर्तमा वकाशिकः चन्नीभाग राख अयः विनि गर्दश छत्रवास्य कार्टरमान শ্রবণ করেন, তিনি অভিতেই প্রসাক্ষতারে ভগরনকে দর্শন করার যোগ্যতা অর্থন করেন। হে বাধন, বে ক্লানে मनाराप्त-भागम विश्वक विश्व क्षवर स्वत्यराज्य अविधा क्षवर ও কীর্তনে সাকুলিত চিত্ত ভঙ্ক ভঙ্কপল থাবসুনে করেন, সেই ছামে যদি কেউ জমত গুরাবাহিনী সমিংবরূপ ভগবানের লীলামৃত প্রথম করার সুবোধ প্রাপ্ত হব, ভা इरमें किमि कथा, संबंध कावि बीयरनव नवक প্রয়োজনগুলি বিশ্বত হব একা তিনি সমস্ত ভয়, শোক ও মোহ থেকে যুক্ত হন। যেহের বন্ধ জীবেরা সর্বনটি শুন্দা, তুমা আদি গেয়ের আন্দাকতাওলির মার উপত্রত, ভাই স্থান্তনের অন্যতহর কথা প্রবাদ আসতি উৎপাদনের স্থন্য ভাষের সমর প্রার নেই। সমল্ব প্রজাপতিদের শিতা পর্য শক্তিখ্যম স্কুলা, মহানের, মনু, কক্ষ প্রভৃতি প্রকাপতিপদ্ধ সনক, সন্তাপ্তন আদি সর্বেচ্চ করের নৈতিক রক্ষাচারীগথ্য মরীচি, করি, ক্ষরিরা, পুলক্তা, পুলক, রুতু, **ত্**ত, বসিষ্ঠ আদি মহবিশিক এক আমার মতে জনাদা বস্পাদী ও বাচস্পতিগণ ভগনায়, বিদ্যা ও সমাধি প্রভৃতি উপায় হালে নিবস্তুত অনুসন্ধান করেও আরু পর্যন্ত সর্বসাকী পর্যোশ্য ভাষানকে জনতে পারে নিঃ অনস্ত

বৈদিক জ্ঞানের অনুশীলন এবং বৈদিক মন্ত্রের লকণের ছালা বিভিন্ন দেবতাদের পূঞ্জ করা সংখ্রে, তারা পদম শক্তিমান প্রমেশ্বর ওগবানকে জানতে পারেনর। তেওঁ লাই, কিন্তু বাস্তবিক্রণকে দেশতে বাব অথবা সাধ দেই। কান পূর্বকণে ভগবস্থান্তিতে কুক্ত হন, তথান তিনি ভগবানের অহৈত্কী কৃপারেণ অনুগ্রহ লাভ করেন। তথ্য চিশ্বর চেত্রনা জার্থারত হতে, ভগবছত বেনের কর্মকাণ্ডে বর্নিত সমস্ত জাগতিক ভার্যকলাল এবং আচার অল্টান পরিতাপ করেন।"

"তে মহাতাক বৰ্তিকলে : বৈদিক কাৰ্যকলাপের অনুষ্ঠান অথবা সকলে কর্ম কটেই এটিমধুর অথবা জীবানের পরের লক্ষ্য কলে মধ্যে হোক মা কেন, কর্মনও নেই সমস্ত কাৰ্কেলনে লিপ্ত ছবেন না। সেওলিকে কথনই পরমার্থ বলে খনে করা উচিত ধর। বারা অরবৃদ্ধি-সম্পন্ন ভারা বৈদিক কর্মধানীর অনুষ্ঠানওলিকে বেকের চরম লক্ষ্য বলে মানে করে। ভারা ভানে না থে. বেদের প্রকৃত উদ্দেশ্য হলেই মানুবকে ভালের প্রকৃত আৰম্ভ ভগবন্ধাৰ সম্বন্ধে আনিয়ে দেওৱা। ভালের প্রকৃত অবনের কথা ভাল নিয়ে, মোহকাত তথ্য করু পুরের चरकरण करतः व्ह हावस्य। माता शृथियी शृर्यम्बी ঠীকাপ্র কলের ধার্না আজাদিত হয়েছে এবং তার ফলে হৰো বৰ পথ ৰথ কয়ৰ ৰঞ্জন আপনি অভান্ত গৰিতি राहरूम। ज्वलनात करे पूर्वटायनक चालनि कार्यन ज ৰে, ফজিই হচ্ছে ভগবানকে সমুষ্ট করার একমাত্র উপাত। ভগবানের সন্তুষ্টিবিধানট আপনার একমাত্র কৰ্মকৰ্ম হওৱা উচিত। স্বৰ্থবৈতিৰ জৰে উঠাত হওরাই হতেই বখার্থ বিদ্যাল খল। পর্বহেশর স্বাপ্তবান নীবরি পরস্কারতে এই করতে জড় কেংগারী সমস্ত ভাঁজে পথাস্থাক। তিমি হচেনে মঞা চকুনিতে স্মন্ত লয়-জাগতিক কার্যকলাপের প্রথম নিংখ্র। তিনিই व्याधासक परिव तथु अवस मकरणहरे कर्टना श्रांक होत শ্রীগালগুড়ে আমার হাছৰ করা। তা করা ইলে, যানুসের শ্রীকা বাগদায়র হবে ৩টে। বিনি ভগবড়কিতে বৃস্ত, তীৰ এই সংগতে ভরের দেশমাত্র থাকে না। তার কারণ नदरम्बद कमदीन इराम्स नदमासा धारः मदासुद्ध न्यम সংহত। বিলি এই রছস্য জানের ভিনিই প্রঞ্ছ বিরুল अपर और विशास असारके टिनि त्राज कगरता छ**क्र** शट भारत्य। विनि शक्र अन्तर्क मन्त्रक, दिनि श्रिकृत्यव व्यक्तिमि अदर द्वीतक १४१क प्रांत्क ।"

स्पर्वति नद्धम सम्बद्धाः—"(६ शृक्षमध्यक्ते । श्वालिः स्म अर कार्राह्मकान, एवर छेखद्र चापि क्षमान करण्यम । अचन সাধুসাধত এবং অভান্ত শ্বেপনীয় আর একটি বিষয় আছি कार्षिः (मेर्डे क्या जस्य कान्य।"

পুর্বেশাদ্যনে তার ব্রীর সংখ মনের আনক্ষে খাস পরেছ त्नवे केमारन त्य न्यकर्ण शत समहत्व प्रभूत गीछ साम कत्तरहः। कात व्यवक्त अकवात विद्याच्या करत रमञ्जा रा জানে না তার সম্বাধে একটো কাব, বে বানের মাংস আহার করে জীবন ধারণ করে। সেই বুরিবটির পশ্চাতে এক বাধ, যে তার জীক্ষ বাশের বারা চাতে বিভ করতে केनाड स्टाटक, क्षेत्राट तमेरे इतिएस क्षेत्र व्यत्भाराची। हर त्रासम्। चीरमारकता दिक भूत्मात प्रत्या शब्दार ফকত জাকাশীয় কিছ চরমে কতাত ফ্রেলগরক। স্বীব খীলোকের প্রতি কার্যসভ হরে রাড় রূপতের বছনে আবদ্ধ হয়। সানুধ বেভাবে কুলের সৌরত উপজেন ৰয়ে, ঠিক গেইবছৰ সে হৈকুনসুৰ উপজ্ঞান কৰে। এইন্ডাবে সে ভিন্ত থেকে উপছ পর্বন্ত ইন্ডিয়সুখ্যে জীয়ন উপজেশ। করে এক ভার কলে সে তার পৃহস্থ-জীতনক অত্যন্ত সুখদাকে বলে মনে করে। পর্টার সংক্র মিলিড श्रक (म भवंता देखित्रमृत्यंत हिलात प्रश्न पारक। प्रश्न পদ্দী ও পিওনের আলাপ তার কাছে অত্যন্ত শ্রুতিপ্রকৃত্ वरण मध्य एक, या क्रिक कृतम कृतम मन् कार-शनकारी कारतङ मधुत केशेरनत मरखा। (म फुरन सात रा करेर जण्यात्र बद्धाद्द काल, यो किन थ्व ग्रामित गानास्य काल च्याह হাল কাছে। সে কেছত পার না কে, বীরে বীরে কার আৰু কাঃ হ'বে বাক্ষে এবং সে মৃত্যুর নিটায়ে বসংক্ষেকে ব্যক্তিয়রেই প্রাহা করে না, দিনি পশ্চাৎ দিত থেকে আকে হত। করার ক্রেষ্টা করছেন। এই কথা হালদেয় করার চেটা ককন। আপনি ছত্যে বিপক্ষনক পরিস্থিতিতে ब्राह्मक्त त्वर प्रकृतिक (बर्फ अडवे)श्रह श्रह्म। (स् রভান। আপানি হরিপের রাপকটি কেবল হানরসম করার (भेडी कनान) आफारामध्यम् याः श्रहत्, मध्यम् स्ट्यत् यात्रः স্বৰ্গনোকে উন্নীত ইওয়ার প্রকাস্থ পরিজ্ঞান করন। নৈকুন আক্রমভায় পূর্ণ পৃথকু-জীবন পরিজ্ঞাল কাল এবং শ্বীপুরুষের স্থাবাল প্রবংগর বাসনা পরিত্যাধ করে জীবসুক্ত ভগনাইকের কৃপার জনানের আগ্রের স্বর্জক

ককম। এইভাবে হাত স্কাণ্ডের আসতি থেকে হত

ता**का** वन्नतन्त्र---"दर द्वाषातः चानमि वा वरम्युद्ध তা অমি অভান্ত মনোবোগ সহকারে প্রথণ কর্মেছ প্রথণ "হে ব্যক্তন্ত ঐ হতিপটিকে দেখুন, যে সুন্দর "সেই সমুখ্যে কিচার করে আমি ছিব করেছি যে, কর্মকাণ্ড অনুষ্ঠান কথতে উপাদেশ নিয়েছিলন বে-সমস্ত আচার্টানৰ ষ্ঠারা এই ওয়া জান সহছে অবপত নন। স্টারা হাই সেই সকলে অঞ্চত হতেন ভা হলে কেন জান আমাকে সেই সক্ষম উপদেশ কোলি ৷ যে প্রাঞ্চল আমার কর্ম-উপদেষ্ট্য ওক্সপংখন নাকেরে সঙ্গে আপনার বাকোর সিলেন রয়েছে। অনি এখন ছন্তি, ঝান এবং কৈয়াগের পার্থকা ক্ষরক্রর করতে গেরেছি। পূর্বে আমার সেই সহত্তে কিছু সংগ্ৰহ ছিল, কিছু আপনি কুপাপুৰ্বক সেই সমস্ত সংশ্বর ছিল করেছেন। আমি এখন বৃভতে পার্যন্তি মধ্যে কৰিয়াও কিভাবে শ্রীকনের প্রকৃত উদ্দেশ্য স্বয়ায় মেহান্দ্র। নিঃসলেহে, ইন্দিরতৃত্তিসাধনের কোন প্রবাহী **७८८ ना। भीम बारे भीतरत या कियू करत, छात कम** লে পরবর্তী জীলনে ভেলে করে। বেদবিদ্দের **সিভা**ন্ত इंटब्स् (य, क्षेत्रेन फार भूर्यकृष्ठ कर्मन कल (फार करा)। কিন্তু ক্যবহারিকভাবে এও দেখ্য সায় বে, পূর্ববর্তী হাগে যে শরীরের বারা কর্ম করা হয়েছে আ ইতিনধাই নট इत्त (गरह। चळ्ळा धना मंतीत खत कंगरका कत

> (क्याँ मादक दक्ता<u>लन—"कौ</u>य **वरे कीवा**न पूज भहीतम सम्पट्ट कर्ब करा। और कुन महीद का, वृद्धि এবং থাক্ষার স্বাধ্য গঠিত সূক্ষ্ম সেবের স্বাধ্য কর্ম করতে ৰাত্য হয়। ভুল শতীনের বিনাশের গরেও সৃক্ষ শরীর থাকে এবং ও। সুৰ ও দুৰে ভোগ কৰে। এইভাবে কোন পরিবর্তন হয় না। স্বপ্নাবছায় জীব তার প্রকৃত পরীর ভাগি করে। তরে হল এবং বৃদ্ধির কার্যকলাশের ছারে সে অন্য একটি কেব-শরীরে অথবা পশু-শরীরে সঞ্জিয় হয়। ঠিক তেমনই ফুল শুরীর পরিত্যাস করের পর, বাঁথ এই লোকে আমল ক্ষাৰ লোকে দেন, তিওঁক আদি খোনি প্রাপ্ত হয়। এইভাবে সে ভার পূর্ব জন্মের কর্মকক ভোগ করে। স্ত্রীও দেহাস্কর্তিক দানা প্রভাবিত কলে "আমি এই, पावि थे, और वास्तर कर्टर, छाँरे वाबि और करव"---এই প্রকার ধারণার বারা প্রভাবিত হয়ে কর্ম করে।

action नगरे हरता महनाधर्म करा धरे नमल कार्यकाल অনিতঃ আ সংৰঙ ভগৰাকে ৰূপায় জীম ভার সমস্ত अकरि भतीत शांश दत्। **भा**रतस्तित शंक अस्मित्रस এট এই প্রকার ইঞ্জিতের কার্যকল্যাণের বারা জীবের ocean at राजारूम दाका यात्र। एकारे साजारिक क চেত্ৰের বারা মানুহের পূর্ববর্তী ছবিনের তার্বকল্প धानसभि कहा शहा। कामान कामान होतेर अपन (कान অনুভত হয়, বা বৰ্তমান দ্বীরের মাধ্যমে করনও দেখ श्रा लाना चार्राने। कथनक कथनक एकेर राज चाप्रता আ দর্শন করি। অভানের হে রজেন। সৃত্যু মানসিক আবংশ সময়িত শীৰ ভার পর্বদেহ সংগ্রহদিত নাক প্রকার ভিত্তা এবং অনুভৃতি অনুখ্যর করে। মিশ্চিডভাতুর জেনে রাপুন হে, পূর্ববতী পরীজের অভিজ্ঞতা বাতীও भागत बाता (कान किस्त क्यान क्या नेक नव।"

"(इ.ज्ञासन) चार्यमात प्रमुख (शुक्र) शक्कित नाम चानुभारत वादे कर बीएका विराध शकात महीत शास ছরমার করে। সান্তবহ মানসিক করিছা থেকে বেরা यांच हम नुर्व करण कि जनम दिन तरा, कवियहरू कि প্ৰকাৰ পৰীৰ প্ৰাপ্ত হৰে। এইখাৰে হৰ কঠাত এক ভবিবাধ শরীরসমূহ ইলিত করে। কথনত সংগ্র আনরা क्षम किছ गर्भन कति, च अहे कीवान क्ष्ममा राजा भवनि कपना भाग कहते. किंद्र संभ नगता, किंग हात এবং ডির পরিচিতিতে এই সমস্ত ঘটনাওলির খতিজন स्रेडल्ड्) कीटरेड कर विश्वित पूज नर्रेस्ड अवसूत्र करहे ধাং ইউমস্থ ভোগের বাস্থ অনুসরে মা বিভিন্ন চিন্তা র্থাছত করে। খনে সেওলি বিভিন্ন প্রকার সময়তেও মাণ্যমে আবির্ভত হর: ভাই এই সমক হুপাওলি একনভাবে প্রকট হয়, খেন মনে হয় পূর্বে কনমণ্ড নেওলি (मण पात्रनि धवन (अञ्च नावनि । कुक्तकस्त्रित **वर्ष** श्**र**क থানৰ মানসিক দ্বাসন্থা নিয়ে নিবন্তম প্ৰযোগৰ ভগবান নীক্ষেত্ৰ সঙ্গ করা, যাতে স্থানান কেনাৰে কড কাংগ্ৰে শর্শন করেন, চিক্ন সেইভাবে ডক্ত তা ফর্মন করতে भारतम । अहे द्वारतम् सर्गत् मर्दान् मद्वार नेव, रिना सा টিক ভয়সাৰত প্ৰহ কান্তা কৰে, বা কেকা পূৰ্ণ চল্লেৰ चैर्गाइजिए**टरे (क्या शहा व**डका शर्यक देकि, कर. ইন্সির, তন্মাত্র এবং করে প্রকৃতির ওপসমূহের পবিশয়

পুন্ধ সের কর্তহান বাকে, ততক্রণ পর্যন্ত অহমার এবং इल तर एट्यान बहुत। बाटीत निया, मुख्न, अवन बर्गण्य ক্রান্তর পর্য করার সুবোর্গ পরে। এইভাবে যে মার্ড ফলে প্রচত পোক, মুস্টার সময়ে, অথবা বরুন প্রবল ক্ষর হব তথন প্রানগ্রহণ সঞ্চারণ হাতিহত হব। তথন জীবের দেহাত্মবৃদ্ধি হারিলে ধার আর্থিং সে কার দেহকে ভার अक्रम राम अस्त करूर मा। (स्रोटल अनक्रि देखित अस লন সম্পূৰ্বসূৰে বাক্ত হ'ব। কিন্তু মাতৃপতে ও বাল্যাবসায় নেই সমস্ত ইন্তিকগুলি এবং মন অমাবন্যাই চালের মতো আনুত থাকে। ক্রীর মধন ক্রম দেবে, তথ্য ইপ্রিয়ের নিয়াওলি প্রকৃতলকে বাকে না, কিছু তা সংস্থের ইপ্রিয়ের বিষধের সমের কলে সেওলি প্রকাশিত হয়। তেনেট, অবিকলিত ইন্দ্রির-সমন্বিত জীব প্রকৃতগঙ্গে ইপ্রিবের বিষয়ের সংশার্শে না থাকলেও, সংসার থেকে তাৰ মৃতি হৰ লা। পঞ্চ-সমায়, পঞ্চ ইন্মিয়, গঞ অমুনন্ত্রির এবং মন এই বোগটে কম বিস্তার। এওলি খীয়ে সঙ্গে একরে প্রকৃতির ভিনটি ওপের বালে প্রভাবিত হয়। এটিই বজে বছ জীবের অভিয়া। সুক্তু পরীক্রের করা জীব স্থল শরীধ প্রাপ্ত হয় এবং ভা ভাগে করে। एएक क्या ३३ वासान (महत्त्वत । अपेडाएर करक सिंहत शकात वर्र, त्याक, छत्र, मृत्र क्षत्र मृत्र (क्षात्र कर्द्र) র্থায়পাকা বেমন একটি পাতা অবসংল করে পর্বেতী বাতা পরিভাগে করে, ডেমনই, জীন তার পূর্ববর্তী কর্ম चनुभा, धन्य धार अभी भागेत्र व्यक्तपार स्टब छात् বর্তমান দরীর ভাগে করে। ভারে কাবণা মন হচ্ছে সৰ্বপ্ৰকার বাসকার আগাল: বতক্ষণ পর্যন্ত আহরা ইত্রিয়সুথ জোধ করতে চাই, খতক্ষণ আহরা ভত্ত-জাগতিক কর্মেকলাল সৃষ্টি করি। খ্রীব করন জড় কেন্দ্রে কৰ্ম কৰে, ডখন লৈ ইভিয়ন্ত্ৰ উপভোগ কংগু ভাৱ এবং ইতিমানুৰ জেন করার সময় সে ক্ষত কর্মের পৃথাল স্ত্রি करता। अहें अहन कीन क्षण-क्षणहरूत बहुत बारफ हरत পাকে। সর্বনা মনে রাখুন বে, এই জনাতের দৃষ্টি, দ্বিতি এবং প্রদার পর্যাধার ক্ষরবানের ইচ্ছার স্থারা সংঘটিত " হয়। তার কলে এই জগতের সমগু বস্তুই ভাগবানের নিক্ষোধীন। এই দিও জানের আলোক প্রান্ত হতে সর্বনা ভাগবাদের দেবার বন্ধ হওয়। ইচিত।"

মহর্বি মৈরের বলকো—"মহাভাগরত ভালকুন নার্ব এইভাবে মহারাজ প্রক্রীনবর্তির কাছে প্রীব এক ভগরানের

কলপ নদৰে উপদেশ দিয়ে, রাজাকে আমাল করে নিজনোকে গম্ম করপেন। ধার ম্য্রীমের উপস্থিতিত রাঞ্চর্নি প্রাচীনবাই উল্ল পুরানের জন্য নাগরিকদের রাজ্য করে আদেশ রেখে, গৃহত্যাগ করে তগদ্যা করের জন্য র্কাশকার ভার্বে গঞ্জ করেছিলেন। কশিলাকার জলসা করে রাজা প্রচীনবর্তি সমস্ত জড় উপাধি থেকে পূর্বরূপে मुक श्राविश्वतः। जिनि निवक्त करवारनक श्रायमधी লেবার মুক্ত হয়ে, ভন্নবংসাকাশ্য লাভ করেছিলেন।

"হে বিদুন : জীবের আধ্যাত্মিক ছিভি সম্বন্ধে দেবর্বি न्यज्ञम वर्तिंछ ध्ये घाषाम विमि करून करका बना कीर्जन कराम, किमि ताहासन्दि (शह शुक्र हरका: तमन्ति নারশের মুখনিঃসৃত এই উপাখ্যান জগবান মুকুদের বাংগ পরিপূর্ণ। ভাই এই উপাধান হবন ধর্ণিত হয়, ওবন স্থা নিশ্চিতভাবে এই শ্বন্ধ কথেকে পৰিৱ কৰে। স্থা জীবের হানত্র পরিত্র করে এবং তাকে তার চিকত্র করাণ नक्क कदार कदाया करत। विनि बारे मिया चाथान समीत করেন, তিনি সমগ্র স্বায় বেয়ান থেকে মুক্ত হন এবং তথ্যজ্ঞান পূর্ণসংখ বিকলিও হয়, তা হলে তিনি তৎক্ষণাৎ তিকে আৰু এই কাড় কাগতে কাৰ কৰাতে হয় না। সংসাৱ বছল খেকে যুক্তি লাভ কাইখেন। কালের वानगृहिक उच्छाटा भूनं भ्रशायाः भूदहरनत वहे প্রামাণিক সালকটি আমি আমার ওক্তরের কাছে প্রবং সরই স্বাধান। এটিই চ্চেছ সময় বৈশিক সাল্যে গঢ় করেছি। কেউ যদি এই রূপকের উদ্দেশ্য হুলারগর

করতে পারেন, আ হলে ডিনি অবশাই মেহাকুণুদ্ধি থেকে মৃত হকে এবং গরেন্টোকিক জীলে সম্বন্ধে স্পর্টভাবে অবঘত হতে পার্বেন। কেন্ট বনি আন্তার দেহাত্ত সহজে অকও হন, তথুও তিনি এই আন্যানটি অধ্যয়ন করার কলে ভা পূর্ণভাগে ছালভাগ করতে পারতেন। শ্বীর, স্ত্রী এবং সন্ধান-সন্ততিকের প্রতিপালনের চেটা শভাৰে মধ্যেও দেখা বাছ। এই সমস্ক ব্যাপার माभनात्मात्र दृष्ट्वि शक्तात्र व्यथान वृश्काल सरग्रहः सन्द रापि (करन अदे भारत विवास क्षेत्रक एस, छ। स्टान धार प्रदश् अवधि भश्ज श्वयंक (काशात ? जन्मविवर्डरास পর্যার কৃষ্ণ কম্ম-কমাজকে পর বে এই মনুধা-ক্রীকা লাভ হবেছে, ভা অভাক্ত সাবেধানভাবে সক্ষে হাধারগম করা উচিত। হৈ বৃদ্ধিয়ান অনুৰ মূল এবং সূত্র পরীরের সেহায়বৃদ্ধি ভাগে করেছেন, তিনি চিন্তর জানের আলোকে উত্তাগিত হরে, ভগবানেরই মধ্যে চিমর স্বরূপে অধিচিত रन। क्रीरका र्याप कृष्टक फलि, क्रीरव प्रश्न अवर आप-অন্তৰ্গত অতীও, বৰ্তমান এক ভবিবাতে জ কিছু হয় গু

ত্রিংশতি অধ্যায়

প্রচেতাদের কার্যকলাপ

বিৰুৱ মৈটেয়কে জিঞ্জাসা কালেক—"হে ৱাজৰ: পূর্বে জাপনি প্রাচীনবর্তির পূরদের কথা কর্মনা করে অপজ্ঞিন যে, তারা ক্রম্যাত নামক ভোজের স্বাবা न्छरम्बत् चनन्यरम्ब अञ्चरितिशम कराक्तिनम्। धरेखार তানা ভি দাত করেছিলেন। হে বার্হপার। রাজা বহিখাতের প্রচেতা কামক প্রণণ ভগবাকের প্রিয় পার্বছ क्षा भूकिशास्त्र माहारमस्त्र नात्राच मास कराव गत्र, कि

লান্ত করেছিলেন : নিশ্চিতভাবে উরো চিৎ-ফলতে উর্নীত हार्राहेश्नम, किंद्र का सकृत, और सक् अन्तरहा, और औरदान অথবা পরবর্তী জীবনে তারে কি কম প্রাপ্ত হরেছিলেন।"

भश्**वि देशहशक क्लारमा—"बश्**वाच शाहीमवर्षित भूश প্রচেতালৰ কাঁদের লিভার অনুদল লাজন কবার জন্য নমূতগর্ভে ফঠোর স্থাপন্যা করেছিলেন। দেবাদিদেব মহানেৰ প্ৰথম ৰাম জগেন বানা আৰু প্ৰথমন্ত্ৰ ভুগৰান

मृतिकार अमर्राठी-विभाग करएड मकन रूप। शक्ताराता তথ্য প্রাঞ্জন বছর ধরে করেরে তেপস্যা করেছিলেন, তথ্য ক্রাডেশ্বর ভগদান তাদের পুরস্কৃত করার ক্রনা উত্ত অভান্ত ক্ষমতৰ মূলে ঠানে সমূহে অনিষ্ঠত হয়েছিল। তাৰ ক্ষাৰ প্ৰক্ৰতান্ত্ৰৰ ওপৰিত বৰ্ষেত্ৰৰ ক্ষা ঠাল উল্লেখ্য উপান্যা সংঘঁক ক্রেটে বলে ফলে করেছিলেন। প্রত্যাধর ভারতিন তথন গালালের করে আবেছন করে সমের-শিগরকার মেথের মতে। গোড়া পাঞ্চিদের। অর্থনের দিবা শবীর অত্যব মনোহর গীত বসনে আচ্চাধিত ছিল এবং তারে গলবেশ কৌন্তত-মনির ছবে সংশাভিত দ্বিগ। তাম দেবনিগত বনিকান ক্রমাণ্ডের সমস্ত অভ্যার হয় করেছিল। জনবানের স্থামধন জতান্ত সুন্দা, তার মন্তক থান্তি উজ্জাল মৃক্ট এবং কা অলকেরে বিভবিত ছিল। তার মুকাটি উচ্ছম জ্যোতি বিধার কর্মিন এবং অভান্ত সম্ব্রভাবে তার মরকে শোক্ত প্রক্রিল। তার আট ছাতে আই প্রকার আছু। তিনি ধেৰবক, মনিগণ এবং খনোনা পাৰ্যত্বের রাজ পরিবত ছিলোন। ওঁলে সঞ্চলেই ওঁল সেবরে রত ভিলন। क्षरकारनंत्र नाजन भागक दीत्र नाक्ष्यरन्ति बाता विशिष्ट सह हैकारन करत समरादार प्रतिमा कीर्टम कर्राहरूमा। প্রভাৱত ভারে ঠিক কিররের মতো মনে হছিল। **७१राज्य सम्हरम् अन्याम ठीर चान नर्गत द्याचित** ছিল। সালার ভারা লোডিত গ্রাং আটটি খলিট ও আছত বাহ লান্ট্যদেহীর সৌন্দর্যকে স্পর্যা কর্মানে। কলনারত ৰ্ণ্ডির ছারা অবলোক্তম করে গুণবান তার ছাডাড শরণাগত মহায়াল প্রাচীনবর্তির প্রবের জনসংখ্রীর খরে সংহাতন করে করতে লাগলের।"

পর্বেশ্ব ভগবন কর্মেন—'হে রাজগ্রনা। আনি হোমানের পরস্পরের সৌহার্ম্য দর্শন করে অভার প্রশন ইলেছি। কোমসা সকলেই একই বর্ম-ভাগবার্যক্তে নিযুক। ভোগালের সৌহার্দ্য দর্শম করে আমি এক জন্ম ইবেছি যে, জমি ভোমানে স্বাচীন কলান কলে। কমি। এবন তোমরা আমার কাছে বর প্রার্থনা কর। বারে मिटिविन महाकार एटाप्राप्त गड़न कार्य एस धारप बारुएसा श्रीठ कार ऋसा क्षेत्रास्त्र श्रीव (मोदार्ग)-नथरन হবে। জর একারচিত্তে সবালে এক সভার ভালীতের বাসা আমান প্ৰথ ককৰে, আৰি ভানের অভিনাইত বা

খন্ম করি। এইভাবে তানের মন্ত কালন পূর্ণ হথে এবং বল্ল সম্পৃত্তি লাভ করেত পারবে। কেতেই তোমরা আন্দিত চিত্তে তোনালের শিতার আদেশ শিরোধার্থ करता क्षेत्र निहा अवलाह हा चल्हान करवह, एवं ভোমদের মনোরত কাঁতি সারা ক্ষান্ত পরিব্যাপ্ত হবে। ভোষাদের একটি অভি উত্তম পুর করে কর পুণ প্রকার জেকে কোন অংশে নূল হবে না। অভনা সেই পুর সারা প্রস্নাতে বিশেষভাবে স্থাতি সার্চ করবে এবং তার পুর ও পৌরেক ভিডক পূর্ব করবে।"

"(ह द्वारा अठीनवर्शिक्टक भूतक्षः अटमका नायक कलता कक वरित्र महरवारच अकड़ि कमल-नदना यन्ता লাভ কৰে, ভাৰে বানের বৃক্ষণের ভারাকবালে হেথে ভর্মানে কিরে বানঃ ভারণর ব্যক্তর ভগ্নবধানে গরিত্যক শিশুটি কান কুধার করের হতে ক্রাণন করতে ব্ৰক করেছিল, কথন থানৰ জ্বল্য আৰ্থিৎ চপ্ৰালোধের বাংল সধ্য হয়ে উম তথ্নী নিতটির মুক্তে মধ্যে স্থাপন করে বায়ত ধর্মণ করেছিলেল। এইভাবে লিওটি চক্তদেবের ৰূপায় প্ৰতিপালিত হয়েছিল। বেছেন্ড ভোননা সঞ্চলে আন্ত ক্ষতার অনুসন্ত, তাই আবি কোনালের আন্তেপ মিজি, ভোমনা এখনই সেই মাতান্ত গুণবতী এবং অপুর্ব স্পর্টী কলাট্রিক বিবছ কর এবং ভোগেলের শিখার আদেশ অনুসারে তার থেকে ক্রমা সৃষ্টি কর। তোমরা সমস্ত্র ভাইরেরা সকলেই ভগবহরু এবং শিতার আজানারী পুত্র হওয়ার কলে সমনীল। তেমনই সেই ক্ষাটেও ভোষাদের সংগ্ৰের প্রতি চিত্ত সমর্থন করার কলে, ধর্মে ও চলিত্রে তোমাদেরই অনুসংগ। সেই সংখ্যা স্থলীকে তেখেনের পরীক্ষরে এক কর।"

ভগবান তথন প্রচেতাকের আনীবাদ করে বলেছিলন—"হে বাকশুরুপণ্ আহার কুপার, তোহরা দিবা সহত্য-সময় বৰ্ষ অপ্ৰতিক্তম প্ৰভাৱসক্ষাম কৰে, পাৰ্থিক 🛊 মিবা ভোগসমূহ উপভোগ করতে পারতে। ভারপর আগ্রার প্রতি অবিচলিত ভাকির প্রভাবে তোমের সংখ্য ছত ভবৰ থেকে যুক্ত হবে। তথন তথ্যকবিত ভূগীয় এবং নারকীর সমস্ত হাত সুধ্বের প্রতি সম্পর্ণকালে ক্ষাসক্ত হয়ে, তোমৰ আমাত করে কিবে আসবে।"

"र्वेका कान्यद्रकित एक कार्य एक शाराबन, केंक्र নিভিতভাবে ভারেন বে, সমস্ত কর্মের পরা তোকা

হাজেন প্রয়েশ্বর ভাগবান। ভাই এই প্রকার ব্যক্তি যাওটি কোন কর্ম করেন, ভবন সেই কর্মের কল ডিনি ভগবানকে অর্থণ করেন। তার সমস্ত জীবন তিনি ক্যাবানের কথা অংশাচনা করে অভিবর্গিংড করেন। এই থকর বাভি পৃহত্ব-জরেরে অকলেও, গৃহ তার বছানের কারণ হয় না। সর্বন ভগবন্ততি ছে বুক্ত হওয়ার কলে, প্রশাবস্থাক্ত তার সমস্ত কার্যকলাপে নব-নবারমান জানপ **अनुस्ट करान । अर्थक नहरान्स सन्दान ५८७७। श्राह्य** থেকে তার জন্য সর্বকিছুই নব-ন্যায়মান করে ভোলেন। পরম তত্ত্বেরা পুরুবেরা এই পাবছাকে ব্রহাড়ত বলেন। এই রক্ষড়ত (মৃত) গুলে মানুব কবনও মোহালয়ে হন ना। जिमि त्याम कियुत धाना धानर्थक (नाम करतन'ना অথবা হর্তবিত হল লা। এটিই হচ্ছে ব্রক্ষত্ত করে অধিষ্ঠিত হওয়ার কল।"

500

মহর্ষি মৈত্রের কমলেন—"ভলকার এইভাবে কললে প্রচেতাপদ তার প্রার্থন করতে ওক্ত করেছিলেন। স্থাবন स्टब्स सीवत्तर शब्द निष्ठि अनाकारी अवर श्राम प्रका প্রদার। তিনি সকলের পরম বছু বিনি ভারের পূর্য-पूर्वना पृत्र करतन। जानराव धवृत्रक ऋदर ऋकाशता छैरस्त शार्थमा निरम्भ कडर्छ स्त्र कटरिएसम्। अभवारमा সাক্ষাৎ দর্শন লাভের ফলে ভারা পরির হরেছিলেন।"

প্রচেতাগ্রন কালেন-"হে ভগরন। আপনি সমস্ত ক্রেপের ক্রিলাকর্তা। আপনার উদার ওপ এবং নাম সর্বমধন প্রবাদকারী খলে নিস্পিত হয়েছে। আপনি মন ও বাংকার খেকেও দ্রুত পজিতে পরন করতে পারেন। আপনি প্রাকৃত ইক্রিয়ের অপোচর। তাই আমরা पराभनारक श्रव बात जाजारख अगठि निरायन करि। एर মুখবন। আমরা সাংলাকে আমাদের প্রথতি নিবেদন করি। হন করু জাগনান্ত দিয় হয়, তথা এই জড় কাৰ স্বা কড়পুৰ ভোগের খৈতভাৰ সমন্বিত স্থান, ডা क्षवदीन वरण महा स्व । जाननात विश्वत क्रम विश्व অনুষ্পার । তাই আনতা আপনাকে আমাদের তারা নিবেশন করি। এই স্লগতের সৃষ্টি, পালন এবং কিনাপের बन्द चाननि क्षणा, विकृ क्षयर भिव तारम चाविर्क्ष हम। ছে ভগধান। আনরা আলনাকে আমাদের সপ্রভ প্রদত্তি নিবেদন করি, কারণ আপনি সমস্ত ছাত প্রভাব থেকে मञ्जूनंतर्भ युक्त। च्छलीन मर्वमा छरकरात मुश्चवर्षे दक्षण

ৰংকন, কারণ আপনার মেধা ডা স্প্রাদন করার পরিকরনা করে। পরমানাকলে আপনি সর্বন বিরক্তমন ভাই আগদি বাসুদেব নামে পরিচিত। আগনি বসুদেবকে আপনার লিডায়ালে প্রহল কর্যোধনেন, সেই ক্রন্য আলনান নাম বাসুদের এবং আগনি নীকৃষ্ণ মানে প্রতিষ্ঠা। জাগনি এওই বয়াপু যে, আপ্নি আপন্যা সর্বপ্রকান ভাতক্রের প্রভাব সর্বদা বর্ধন করেন। ছে জনবান। আমরা খাপনাকে খামানের প্রপতি নিরেন্ড করি, করণ খাপনার নাডি থেকে সমস্ত জীকের উৎসক্তর পরায়কা উদ্দেশ্ত दरप्रदर्श आर्थाने मर्वामा भव्यकृतम् प्रामहत्र श्लीक्टिक बदर আপনার পদযুগল সুরভিত্ত পদ্মকুলের মডো। আপনার ময়দও পদাফুলের পাপড়ির মজে। তাই আমরা সর্বদা অপনাকে আমানের সমার প্রশতি নিবেদন করি। যে ভগবান। আলন্যর বসন পদাফুলের কেশরের মধ্যে শীতবৰ্ণ, শৈক্ষ ফা কোন কৰা শদাৰ্থ দিয়ে তৈনি হয়নি। कार्याने नकर्मात समया विश्वका काञ्चन वाक्त धार्मान नाम्स জীবের সমস্ত কার্যক্ষাপের সাকী। আমরা ব্ররবের আপন্যকে আয়াদের প্রণতি নিষ্ণেন করি। হে ভগকন। বন্ধ জীব আমরা দেহাখনুদ্দির অন্ধব্যে সর্বন আছর। ভাই আমরা সংসর ক্রেশকে সর্বদ্য তিয়া বলে মন্দ্র করি। আমাদের এই দুর্বশাহার অবস্থা থেকে উভার করার জন্য थानमि अरे निवा आर्थ धार्विक्छ स्टारका। चार्यास्य মতো যাতা এইভাবে কটডোপ করছে, ভাষের প্রতি আগনার এটি অন্তর্গম কুপার প্রকাশ। অভএন বে সমস্ত ভক্তমের প্রতি আত্মি সর্বনা ক্লালররেব, ভালের আর कि कथा । (स छन्नदाम। भाननि मधक छमकन किरान করেন। আপনি আপনার ঘটাবৈতহ প্রকাশ করে আপনার ধীন কতংগর কথা করেন। আপনি লয় করে আমানের থাপনার নিডা শেবক বলে মধ্যে করুব। ভগবান করুন জন স্বাভাবিত কৰণাৰ প্ৰভাৱে জাব জন্তেৰ কথা চিক্ত করেন, তথম তার মবীন ভালের সমস্ত বাসনা পূর্ণ হতে বায়। ভগবান প্রতিটি জীবের হাদমে বিশ্রক্ষমান, ভা সেই জীব যত ৰগণাই হোক বা কেন। ভগবান জীবের স্থাকির জানেন, এখন কি তার অন্তরের বাসনাওলি পর্বন্ত লানেন। আমরা বদিও অত্যন্ত নগণ্য, তব্ত ভগবান ষ্ট্যোনের ইচ্ছাওলি কেন জনকেন নাং হে ব্রক্ষাণ্ডপতি। আপুনি ভজিযোগের প্রকৃত ওক। আপুনি যে আমনের

ক্রীরনের চরম লক্ষ্য হয়েছেন, ভাই আমেরা অভার অভার ভিছ স্বা বির্বর ক্রণখাল সার সক প্রভারে প্রসাম্ভর অনুভার করছি এবং আমরা সার্থনা করি ছে আৰ্থনি আৰাদের গ্রতি প্রসন্ন হোন। সেটিই জনোদের লাৰ্কম। আপনার প্রসামতা বিধান বাতীত জন্য আর নিবাস। করতে পারেন। আমানের পরত সৌভাগোর কোন বাসলা খ্যামানের দেই।"

পুৰুৰ এবং মেহেডু আপনায় বিভৃতিৰ অন্ত নেই বলে धानकि धानत মামে কীর্তিত, তাই আমরা আগনার কাছে। করুদের ও গার নার্থিত জানে অতি উবত বৃষ্ঠদের এখা ্রেকট্ট বয় প্রার্থনে করব। হে ভগবান। ভ্রমন কেমন নিকেন কর্মেছ। আমর প্রত্যে, বন্ধ অথবা ঋন। ক্ষরিক পাৰিকাও কুল হাথ্য হলে আয় জনা কুলে বায় মা, প্ৰতি ইয়ানয়কো হইনি। আমল দীৰ্থকাল কেল কিছু তেমনই আমো বাম আপনার জীপালপত প্রস্ত হয়ে ভার আছের না করে, কলের আন করেছ তপনার করেছি। আধ্রর প্রহণ করেছি, জবন আর কি বন প্রার্থন্য করবং আমাদের এই সমস্ত পারমার্থিক সম্পদিওলি কেবল ছে গুলবান। জড় লগতের কল্বের কলে, বতদিন আপনার প্রনাতা বিধানের জন আপনারে উৎসর্গ করতে আহাদের এই জড় জগতে বিভিন্ন লোকে বিভিন্ন চাই, এটিই আহাদের একজন্ত প্রার্থন। এ ছাড়া কামরা বেলিডে প্রমণ করতে হবে, ততমিন কেন আমরা আপনার লীলা শ্রহণ-কীর্তনে মধ্য ভারতের সম লাভ করতে পারি। সারা নিগছটিস্ত জেগীলো, এজন বি মনু, প্রজা, নিরাধি ৰাম-ৰাজ্যন্ত আমল্ল কেবল এই প্ৰাৰ্থনেই ৰবি। স্থানক সঙ্গী কজনের লবছর সময়ের সল প্রভাবে জীবের বে অসীর ফাব্দ হয়, তার সঙ্গে স্বর্গালেক প্রান্তি একা স্থি মুখ্যাতিতে লীন হরে বাওমার মুক্তিরও ভূলনা করা वाय मो। कामन महान्तील खीरका शरक मर्वट्यांके सा হতে ৩% ভণ্ডের স্ক**় বখনই চিং-জন**ভা বিভয় কথা আলোচনা হয়, কথম প্রোড়য়ণ্ডলী অন্তর ক্ষরনকার যাতো সমস্ত জড় আকারগার কথা ভূলে যান। কেবল তাই নয়, ওালের তথ্য আরে পরস্পরের প্রতি বৈরীভাব भारक को आवर दीरताह रकता हुकत करवन स देशका পাকে মা। কেখালে ভাজদের মধ্যে কাবালের বিধানায মধ্য এবং কীর্তন হয়, সেখানে ক্ষাবান মাধ্যমণ উপস্থিত বাবেন | সারাধণ হজেন সর্বস্তাবী সহ্যাস্থ্যের পরন পতি এবং যাঁরা ঋদ্ধ কলুৰ খেকে মুক্ত, তাঁরা সংকীর্তন বজৈর লাধ্যমে নার্রিথের পূজা করেব। জীবা ক্ষত্তবিক্পক্ষে পুনঃ পুনঃ উরে পবিত্র রাম উচ্চারণ क्षतुत्रम् ।"

"মে জগদ্ধন : আগনায় পার্যদ এবং জন্তবা পৃথিবীর কর্মে বিচরণ করে তীর্থপুমণ্ডলিকে পর্যন্ত পরিয় করেন। অভ-৫৭ সংসার ভরে ভীত কেল ব্যক্তি তাঁকের সমাগনে অভিকৃতি প্ৰকৃশ কর্মে নাং হে ভগবানা আনন্তর

चार्थनार्क कास कताव औरक्षाया चर्चन करतोह । च्यार्थन সৰ্ববেঠ কৈয় এবং আপনি দুশ্চিকিৎস্য ভবরোগের কলে, বাহনু বাংগান শ্রীপ্রসেপ্তের জাপ্রর রালে করতে " 🗷 ভুগবান । অংশনি সর্বকারণেরও করণ পরাংগর - সক্ষম হতেছি। 💢 ভুগবান। আমরা বেদ অধ্যরত बरतहि, म्लवक्य कावत शाल करतहि अगर वाधागरमत्र. আর কিছু চাই আ। হে ভারবান। গুণস্যা এবং জালার হ্যাপুরুষপথও আপনের মহিমা এবং ব্যক্তি পূর্বক্রংগ উপস্তত্তি করতে পারেন নাঃ কিছু তা সংস্থেও তাঁরা वधात्राधा काश्राव क्षत्र करवाहर। अहे तकक মহাপ্রহদের খেকে অনেক নিক্ট হলেও আমরা আহাকো সাম্বা জনুসারে আগনার ভব কর্মি। টে জনবাদ: কেউই আপনার শক্ত না অথবা মিত্র নত। ভাই আগমি সকলের প্রতি সকলোঁ। আগমি পাণকর্মের दाशा क्रांस्ट क्ल्टिंड स्ट्रंड शहरत स्ट अस्ट चान्स्तड চিত্রর জন লয়ে পদৃতির অতীর। আনলি পর্তেশ্য ভাবাৰ করণ আগনি মর্থবাস্ত। তাই আগনি বাসুদেহ বাবে পরিচিত। আমার জানাবের আরক্ষের সমায় প্রার্থিত भिट्र**ामः क**डि।"

प्रकृषि देवदान कारणम--"(१ थिवृत। नतनागछ-ক্ষুস্তা কুলবাৰ প্ৰচেত্যনেও কালা এইখাৰে বন্দিত এবং পুজিক হয়ে বনেছিলেন, "তোমনা বা প্রার্থনা করেছ ভা পূৰ্ব হৰে।" ভারণার সেই অকুচতভাৰ ক্ষাবান সেধান থেকে প্রস্থান করেছিলেনঃ প্রচেতরো ক্ষণবাম থেকে বিভিন্ন হতে চাননি, কাৰণ উানের চকু তখনও তার श्रूपीय चाइन्हा दिवा।"

"ভারতার প্রক্রেণ্ডার সিদ্ধুসলিল কেনে বেনিয়ে এনে দেশদের যে, সমাজ বৃষ্ণতালি অভ্যান্ত উলত হতে কো

স্বৰ্গলোকে যাওৱাৰ পথ প্ৰেল ক্যতে উদায় হয়েছে এবং সেই বৃক্ষদির ছার। মহীমতল আজ্ঞা হয়ে ময়েছে। তথ্য প্রচেতারা অত্যক্ত ক্রুক হংহছিলেন। হে রাজন্। প্রদানকালে জন যেতাবে শুরা হুখ থেকে আমি নির্গামন করের, প্রচেতারাও তেখন স্করীয়ওলকে সম্পূর্ণরূপে ভবসভাপুত্র করবার উদ্দেশ্যে, ক্রেথকরে জামের বুখ থেকে অন্তি এবং বাহু নিগমন ক্রতে লাগলেন। পৃথিবীয় সমস্ক কৃষ্ণ ভাসসাৎ হয়েছ সেখে, নিভামন্ প্রশা তংকশ্বং সেখনে এলে যুক্তিতৃত বাকোর দারা করা বহিষ্যানের প্রদের সভে করেছিলেন। সেই কৃষদের রক্ষার আদেশে প্রচেজন কনাটিকে বিবাহ করেছিলেন। কক্ষাবর্ণ নিযুক্ত করেছিলেন।"

তার গতে এখার পুত্র গব্দ জনাগ্রহণ কর্মেছিলন। एक भरारम**ारक करला अवर क्रमधान करव**िरासन वरक থারিকর গর্মে তাকে জনপ্রকৃত করতে করেছিল। তার কলে ভাঁকে দুবার দেহত্যাশ করতে হবেছিল। উন্ন পূর্বদেহ বিনষ্ট হরেছিল, কিন্তু ভিনি, সেই সঞ্চলী চাকুল সমস্তরে ভারবানের ইজার খারা অনুতালিত হলে ভার আজিকাৰিত প্ৰজা সৃষ্টি কৰেছিলে। কৰু ভাগ আছেই পর, তার মেহের জ্যোতির মান্ন জন্য সমস্ত তেলখীদের তের আক্রানিত করেছিলেন। সকার কর্ম অনুষ্ঠানে প্ৰত্যেত কৰা হ'ওয়াৰ কলে, তাঁকে কৰা বলা হত। এখা। মধ্যে দেওলি অবশিষ্ট বিগ, ভালা ভাঁভ হয়ে এখানে। তাই ভাঁকে প্রজাগৃত্তি ও বক্ষণভার্যে নিযুক্ত কারেছিলেন। উপদেশে জনের কনাট্রকে প্রচেপ্তদের সমর্থন করেছিল। পরে एक অন্যান্য প্রকাপভিয়েদরও প্রকাশৃতি এবং



একত্রিংশক্তি অধ্যায়

প্রচেতাদের প্রতি নারদের উপদেশ

মহর্নি মৈরের হলদেশ—"প্রচেতারে বর্ সহল বংগা পুছে অবস্থান করেছিলেন একং জালের উচ্চের দিব্য জ্ঞান উলিও হরেছিল। তথন তারে ভগতনের জানীর্বাদ স্পর্য करत अवर कीरमंद्र कार्नाटक चामर्च नृश्विष घरक সমর্শণপূর্বক পৃহ থেকে বহিগতি হয়েছিলন। প্রচেতারা পশ্চিম সিংক সমূহতটো নিয়েছিলেন, বেখানে জীবগুকু व्हरिं नासनि प्रत्यक्षम स्त्रविहन्छ। हारे मिश्र स्नाहन्द्र ররা দর্বভূতে সমদৃষ্টি-সম্পন্ন হওরা বাব, পূর্ণজনে সেই আন বাচ করে প্রচে*ছারা কুলভ*ভিতে নিমিলার কর্মেছিলন। প্রচেত্তরে বেগাসন কভাস করে উপ্লের अनवडू, सन, यनी बंदर वाश्वापृष्टि अरवंट करतिहरूका। এইবাৰে প্ৰণানাষের দাল থাকা সম্পূৰ্ণকলে সমস্ত জন্ম অনেকি থেকে মুক্ত ধ্যোধিকেন। কর্মুক্তারে উপনিট ধ্যে টারা গানেরকে উদের মনকে একটোভূত করেছিলেন।

দেশতা এবং খাসুর উভবেরই ছারা পুলিত করণ মুনি তাৰের দেখতে বংসছিলেন। ন্যুক্ত যুক্তিক আগতে েবে প্রচেতনা তৎকণাৎ উদ্বের আসর বেকে উবিত হর্মেছদেন। বিধিপুর্বক উল্লে প্রপতি নিকেন করে জার প্ৰা করেছিলেন এবং কৰন উল্লে কেবলেন যে ডিনি সূৰে আনৰ প্ৰহণ করেছেন, ভবন ভারা ভাঁতে প্রশা विकास कारत का करतिहालन*।*"

ইচেওরা নারণ খুনিকে সংযাধন করে কালোন—"রে গেবর্বি, হে প্রাথণ। আপা করি এবানে আদার দমর আপনার কোন অসুবিধা হয়নি। আফাদের পর্য শৌভাগ্যের কলে আমরা আপনার দর্শন লাভ করেছি। সূর্যদেকো ব্রহণ থেকা খানুবকে ক্রমির অক্তব্যক্তর ভর থেকে, দ্যু-ভত্তরাক্য ভার থেকে মৃক্ত করে, ভেফাই অংশরা পঞ্জনও সূর্বের মতো, কাংগ আপনি সমস্ত ভয় ঠারা যকা এইভাবে প্রাণায়ার অভ্যাস কর্মার্থকান, ভাকন । গুরু করেন। হৈ প্রভুঃ পুরের প্রতি অভ্যান্ত আগত

swall करने, भिर्द अंशर कशदान बैंग्टिकुट कहा (शहर ব্যাহরা যে উপদেশ প্লাপ্ত হরেছিলার, ডা প্রায় কলে (स्ति । (ह श्रष्ठ । निमा करा धामारमञ्जू निमा कार्यस्थ सारकारू धारान करून, या धनी नवकन अवर कार पाता আমতা জন্তানের অপ্রকারে কাজর ভবনানর উঠার্ব হয়ে नार्शि ।"

स्राता बारेकार्य किस्त्रामित राज भाग साधवत मातप मृति মিনি সর্বাদ উত্তর্থনাক স্তপক্তনে আসক্তরিত, তিনি কান্তে লাগালেন, বখন কোন জীব প্রমেশ্র উপরাদের প্রেমন্ত্রী দেবৰ বৃদ্ধ হওৱার কলা ক্ষমতংগ করেন, তথা ঠাব জন্ম উরু সমস্ত কর্ম, তার আরু তার হন এক তার बारी-अवरे अक्छनक पार्वक हत। जल अनुस्तान ভিন প্রকার করা হয়। প্রথম করাট হক্তে তথ্য বিভামান্ত। (धरक बाबर बाँहें कपारक कहा हुन स्नीक कपा) লীওক্তেবের কাছ থেকে কন্স দীক্ষরেভ হয়, সেই জন্মকে কৰা হয় সাবিত্র জন্ম। কথন ভগতান গ্রীবিশ্বনা থায়াখনা করার সুযোগ হয়, তথা তাকে কর্ম হয় যাজিক কার। এই প্রকার কালগ্রহণের সুবোর লাওরা সংগ্রহ মেবভাদের মধ্যে দীর্ঘ আরু দাভ করা সংক্রও, কেউ যদি धनवास्त्र प्राचात्र गुरू मा रहा, का राम अर्थाश्रदे वार्थ ছরে বার। তেমনই ভারও কর্মবিদাপ পার্মিন অথবা শাংগাদ্ধিক হতে পাৰে, কিছু হা বদি ভাগবাদের नकतिरिधात्मत सम्भागं स्वा का स्टल का मन्त्र*्वेत्र*र्थ **ছ**র্বহীন। ভাগবন্ধক্তি মৃতীত কঠের ওপন্যা, বেদ-প্রবর্ণ, भाष-गाथापि, सक-दिलान, शताधरी सान, खेरछ वृष्टिमका, का ध्वर देखिए-नहस्त्रात्र कि कार एक অধ্যাতিক অনুশীলন চরহে জনকাত্ত উপলব্ধি করতে সাহাত্য করে মা, জ সে বোগ জভাসে হোত, সাংখ্য ধর্ণন অধ্যয়ন হোক, কঠোর ভগস্যা হোক, সচ্চাস প্রহণ যেক অবহা বৈদিক শাস্ত্র অভ্যান হোক, ভা সম্পূর্ণনালে অর্থহীন। এগুলি ভাষ্যান্তিক উর্ল্লত সাধনের অভ্যন্ত ওক্তপূর্ণ আন হতে পারে, কিছ বনি কা ভগবান ব্ৰহিনিকৈ জানতে সাহাত্ত না করে, ভা হলে সেওলি निष्पंकरण चर्यदीमा

প্রকৃতপক্ষে ভগবানী সমত আৰু-উপলব্ভির সূল উৎসঃ ভাই কর্ম, প্রাম, হোগ, ভাক্তি ইত্যাদি সাম্বে ওড়

কার্যের চরমে লক্ষ্য হচ্ছেন প্রমেশ্বর ভগবল। বুর্কের मुन्द्रपर्ग क्रम मिकन कहा हरन राज क्रम, भाषा हैठार्मि अर्जीर्गट का अन् द्विम्द चाहार्रहरा क्षणा करून द्वान সমস্ত ইন্দ্রিরের তাওি লাখন হর, তেমনই ভারবত্রভিত মাধ্যমে ভগরতের আরাধনা ধরা হলে, ভগরতেরই বিভিন্ন चाल (सरदक्षण्य चालमा (धर्मादै एत इस) नरीह अस्मित भवर्षि (महात अनरमम—"ह्म निनुत्र। द्वाराजातक । छेद्धक दक्ष भूषे (शहक, कामहाराम द्वीरहवारण मृश्के बाराह কল শোলা করে নের। তেনেই, স্থান্য ও করম সমস্ত बीन भविदी (पाक छेड्ड एताएए कार किकूनमा चर ভাষা পুনবায় পৃথিবীর ধূলিতেই ফিশে বাবে। তেম্পই, সংকিছুই প্রঞ্জের প্রথমের বেকে উদ্ভুত হাচেছে এক কলজনুৰ সূত্ৰই অবোধ ভগৰানে লীন হবে বাবে। স্বতিহণ বেশ্বৰ সূৰ্ব থেকে মাডিড, এই ক্ষমণ্ড ক্ষেত্ৰ পর্যেশ্য করণান খেকে অবিটঃ ভাই ভাবনা এই কর ক্তপতে সৰ্ববাহন্ত। ইন্দ্ৰিয়ণ্ডলি কথা সঞ্জিক কাৰে, ভাষন সেইওলিকে নেহের বিভিন্ন অংশ কলে বনে হয়, ভিন্ন ক্ষে বৰন নিজিত থাকে, তথ্য ভাগের কর্বকলার প্রথট হয় না। তেমনী সারা জগৎ উপঞাল থেকে ভিট বলে প্ৰতীত হলেও ডা ডিঃ নয় !"

"হে ব্রহাপে! অবেলে মেন করেও মেই, কর্মেও অস্থানৰ এবং কবনও যা আলোক পৰ্যায়ক্তমে ইয়ে থাকে, ডেম্মট প্রয়ন্তক্ষে রক্ত, তম ও সভতৰ পতিবলে প্রকাশিত হয়। কপনও ভালের প্রকাশ ইছ এবং কথনও স্থা শীল হয়ে থাকে। যেহেড় প্রয়েশ্ব উপকা হয়েন সর্বকারনের পরম কারণ, তাই তিনি সমত জীতে পরমাজ্ঞ এবং নিমিত্ত ও উপদেসে করেব। বেহেন্ড তিনি ওপ-প্রবাহরাশ সংসার থেকে পৃথক, তাই তিনি জার বিশক্তির থেকে মুক্ত এক স্রত্তা প্রকৃতির উপর। পর্তত্তর তোমধনৰ কঠা হছে, গুলগতভাবে নিজেনৰ ভার সংস এক বলে মতে করে, তার প্রেমমন্ট্র সেরার হুক্ত বুওরা। সৰ্বভূতে মান, কৰালাভে সন্তোৰ এবং বিষয় খেতে সমস্ত ইভিনের নিশ্রে—এই সবের দ্বারা ভারতার জনার্গন সীচুই প্ৰসাহন। জড় বাসন্ত কৰুৰ ছেকে সম্পূৰ্ণকৰে সিধন হরে, ভগবরক সমস্ত করু কলুব থেকে হ'ল হয়। এইভাবে তারে নিরন্তর ভগবেনের চিন্ত করতে প্যারেন यक जार्डाहरू चनुकृष्टि नरकाद्ध ठीएक मरश्रदन करुए প্রকে। ভগবাদ তথ্য কান ভারের কণ্ডিত হয়ে क्षत्वान कावारत कार्या इंद्राव याच ला। मीराना कार्य (केरेन ধ্যা মেই, দিয়ে বীরা স্বলবস্থাতভাগে স্বশ্বন লাভ করাব চ্চে সম্পূর্বরূপে প্রসার সেই ভক্তর ভারতারের পাতান হৈছে। প্ৰদেশ্যকে, কগৰাৰ এই প্ৰদান কাকেই ছাক कृष्टिमञ्चलस्य करवास्य करवाः। काश्र वर्गावकाः, ६३, श्राविकाला अन्य कर्मक श्रावकारत मन करन क्यान क्यालक प्राकृत्यन केल्याम करत, धारत की क्रमनाईनन भूकांक करत, क्षत्व कामान कवाहे त्यहे भूका शरुव बरका हा। योग्न शहराबर कारण प्रशासन्त्री प्रनु० ডিনি কৰে ভক্তকের মলাতা বীৰার করেন। তিনি मुच्ची(परीय, क्रीकारी संबा अब (प्रदर्शामान क्रान्ट्रेस ब्रह्मान मार जाका एकार बार्डिक बाजारहर, रिर्मि श्रमकारण **क्रमा १५३ मार्थ्य, त्मेरे कामाद्रक ब्यायन कारण स्**र्"

कार विनातमा विदेश क्षणात्राहक विदेश विद्याविकार । नावन मुमिर वेरिष स्थरक सथरका वृक्षीता दिनामकारी। दरहर नाटक " चन्नारम्भ प्रदेश कल व्या इस्टाला छन्नारस अवि 'हा कर्मत कड़ाहि_।"

(সহায়েক প্রাক্তিম): কামি বাহস্থা মনুহ প্রথম পুত্র সংকরণ সুযোগ প্রে*(*''

কাশ্রের করতে তাতে তালে করেন বা, টিক হতেন উল্লেখনতে কম পরিন করেনে এক আন গা, গুল क्ष्मद क्षित्रेस जुन क्षा क्षात्रम राजकातम् महाविद्यास न्यान कराव (उद्ये) करा। वर्ग पर्वाणामध्य सम्बन्ध ह ক্ষাৰ প্ৰথম সংগ্ৰহ প্ৰান্তৰ সামৰ নামৰ স্থানৰ কল বেতে আহাবিদ্যা লাভ করেছিকেন, ভবুও ডিনি প্রভাগ भागमनाव द्रव्य कहर्नाद्रमानः गुर्गनरेश काउगुर हसात कराम नाथ, स्टिनि स्टेस नामरा मध्या सामा विश्लाम मध्य withouten force foreignen, on them; advance भवति देशस्त्रवाद्य कारक कारतीय करेर कीठ कारता दिवार भागात सका करन किन्द्र प्यानास्थ विद्या स्टार्शक्ताताः মার্লনার নামে তিনি ভানা তার করণেশের বীপালগাং भव्ति इत्रिक्तिम अन्त सेत समाप्त स्थवनार्थ शहर बरदर्शसम्बर्धाः

লাক্র কালেন—"হে পরার বোগী, হে লেট ভল। মহৰ্বি নৈজ্ঞে কথকো—"(e মহানক বিদুর। ফ্রকার আখনার অহিত্ত্তী কুলার প্রভাবে আমি এই গুরুসারক পুত্র নাবৰ মুখি এইভাবে হাচেতবের ভাবতে মার্থটোঃ ভাবত থেকে মুক্তির পায় কর্মত পোরেছি। এই পৰ অনুসাম কৰে, ভাৰ-জনামুক্ত প্ৰাৰ ভাগৰখনে যিয়ে

खेन करराव (चानको बलाका "कोलाद ध्रवरि আসভ ব্যাহিত্যা। তাৰ বীশাসপালো ধাস কলেও হৈছেছেও প্ৰণতি বিকেন কৰে বান অনুমতি নিয়ে, সাক কংকে, জিলা কানকাৰে কান কৰেছিল। হৈ বিশ্বঃ তথ্য থাননা থেকে মুক্ত ব্ৰথমা মধ্যেক, বিশ্ব জাত ভাষানের বাঁহরা কানাকারী নক্তা প্রথম প্রয়েখ্যাদের আছীতে প্রকালনের কানি করার কানা ম্রিনালারে কান কংবাদকখন সময়ে পুনি ধা আনতে চেতােছিল, সেই করেছিলেন। যে বাকন। বাঁলা পর্যাপন ভাগালে স্থাৰে কৰি কৰ্মাৰ কোনাৰ। কৰি কৰ্মান সম্পূৰ্যাণ আছদ্যশিত নাজানে এই সমন্ত আৰ্চন अस्य कटान, दीता कार्यात्म शीपाष्ट्र क्रेपर्व, स्थ व बेल क्षरम्ब लाक्सी बारलम-"दर नृशंदको । स्मिक्सा चाक करून अवर छन्। क्षरपादा किरह

চতুৰ্থ স্কন্ধ সমাপ্ত

পঞ্চম স্কন্ধ

(কর্মবাসনা)



মহারাজ প্রিয়রতের কার্যকলাপ

মহরেক পরীক্ষিৎ গুরুষের গোগার্মকে জিব্দাসা ক্ষুধ্যে—"হে হছবি'৷ বহাব্যক প্রিয়ন্ত ছিলেন वास्त्रकारी शहम काश्रप्तक, दिनि त्यम गृहक्ष-व्यवस्थ प्रव स्टाप्ट्रिका । काश्य गृहदे अकाय कार्यत वस्टाला मुक काल अवर पानक-कीवान्छ शहर छैएकम् जाधान शहनुधान অভ্তকার্য করে। হে বিবাধেট। কগবভাঞ্চনা দিন্দিতভাবে মৃক্ত পুৰুত, ভাই ওানের গল্পে গুরুষ হাডি এই প্রকার কাস্তি সভার সর। হে ব্রক্ষরি। যে মহাস্থাল পরমেশ্র কার্যনের জীগালগরের আরাৎ রহণ করেছেন, সেই জীপাসপথের ছারার ভাষের চিত্ত মান্দুৰ্বস্থাপ প্ৰদান হয়েছে। উদের চেডন কথনই আত্মীয়-বঞ্জনদের অভি আসক হাতে পারে না। হে মহান ৱান্দাৰ, ৰহামেৰ জিলেডেঃ মতো বাকি, বিনি উপ্ল পরী, সক্তাং-সক্তি এবং গ্রহের প্রতি অভ্যন্ত আস্ত বিজ্ঞা, উন্না পাকে কৃষ্ণভাবনার সার্বোক্ত সিছি লাভ করা কি করে সঞ্জ ইরেনিলা, সে সময়ে আমান মহাসংশ্যা উপক্তিত হয়েছেং

প্রতিক ওকাদের গোপামী কললেন—"আপনি বা বলেছেন তা ঠিক। ব্রজানি ছোন বাতিলা দিও এয়াকের বারে ঠার কালা কারেন, সেই পরকেরন উপবালের মহিমা মহাভাগরত এবং মুক্ত পরমহাসাদের ভাত্তে আছে আতাত্ত মনেহর। বিনি ভারানের বীপালগালের মকরবের প্রতি আসক হয়েছেন এবং বার ঠিক সর্বার তীরে মহিমার আনিষ্ঠ, তিনি কারক কালাও কোন প্রবার প্রতিবছকভার হারা প্রতিহত হলেও, তিনি বে পরম পদ প্রত্তে ইয়েছেন ভা কার্যাই পরিস্তাপ করেন পা।"

"হে রাজন্ঃ রাজনুর প্রিয়েরও উরা ওারণের নারণ মুনির শ্রীলাদনকের দেকে করার ফলে, পরাম ভারতান মান্ত করে পরাম জালাক হারাছিলের। এই উরাও জালার প্রভাবে তিনি সর্বাদ আপালিক বিবরের অলোচনার মুক্ত ভিলেন এবং তার ভেতনা অন্য কোন বিবরে বিকিপ্র হারনি। ওয়ে লিকা ভারম ভারে পৃথিবী পালাবের মানিকভার প্রথম করার আদেব দেক। তিনি প্রিয়রতকে বোগাতে চেটা করেছিলেন বে, লাক্সের নির্দেশ অনুসারে

(मिटि इस्म छोत कर्छना। ताक नृज विश्व कि क खेल स्वारमा का नौनामा बाता नित्र का स्वारम्य कराव कर्ताहरमा जार जरूर हिन छेल मन है दिस्त स्पेना काराम स्वार कुछ कर्ताहरमा। बीचन निराद का महद्य करा छेल्ड यह, छन्ड छिन छा दीकार करानन। छात करन छिन राष्ट्रीयकार विरादमा कराविस्मन, पृथ्वी भागामा महिक प्रश्न कराय, छिन कन्यहर्डि (बरक रिहार स्थान कि मा।"

"এই প্রকাশ্যের আদিকের এবং প্রায় শক্তিমান প্রকা বিদি সর্বন্য রাখ্যাধ্যে সমৃতি সাধ্যমে অন্ত চিয়ালীল, বিদি সলস্ত্রিভাবে প্রয়েশকর ভাগবান থেকে জন্মধ্রণ করেছেন বিলি ব্রক্তাতের সৃষ্টির কারণ সময়ে অকণত হওয়ার কলে সমগ্র রাজ্যতের মাধ্য সাধ্যে তৎপত, সেই পর্য শক্তিয়েন রক্ষা উরি নিজজন এবং মৃতিয়ান ফোসমূহের ছারা পরিস্থ হয়ে, তার হয়ে সত্যাল্যক থেকে মাজপুর প্রিয়ন্ত বেশানে খ্যান কয়ছিলেন, সেখানে অকটার্প প্রয়েছিলেন। এক। যথন তার বাহন হয়স উপরিষ্ট হতে অবতরণ করছিলেন, ডখন নির্ব, গছর্ব, সংগ্র, চারণ, মহর্ষিণাণ এবং দেকতার উল্লেখ বিমানে আরোহণ করে অকানপ্রণ ট্রেয়ের নীচে ব্রহাকে স্বর্ধন করে কর এবং পঞ্জ করার কবা সমবেত হংহছিলেন। বিভিন্ন লোকের অধিবাসীয়ের বারে পুলিড করে, রামা নাম্বর नतियक नर्ग हरतम बरहा भाषा भाषितम्ब वयः छात्रभा উল্ল বাহন হলে ভাঁকে নিছে প্ৰভাগন পৰ্বভেষ আৰে উপস্থিত হয়েছিলেন, কেবানে ব্যৱস্থা প্রিয়াত উপনিট ছিলের। নারদ মনির পিতা রক্ষা এই প্রকাণ্ডের লেউডম হাতি। নারণ বৃদি শেই মহান হংসকে দর্শন করা মার, ৰুথাতে পেরেছিলেন বে প্রস্থা এসেছেন। তাই ডিনি **७२७मा**० केंद्रे ग्रेडियाहितक बदर कारखर वह च फेड পুত্র ভিয়ন্ত্রত, বাঁকে নরেদ মুনি শিক্ষা দিয়েছিলম, জালাও উটে পাঁড়িরেছিলন। জনগর তারা কুভার্মালপুটে পর্তার প্রস্থা সংখ্যারে প্রকার পৃষ্ণা করতে শুরু করেছিলেন।"

'হে মহানাম পরীক্ষিৎ। এইভাবে রক্ষা সত্যালাক তেকে ভালাকে অবভাৱন করলে, নারণ হনি, রাজপুর নিয়েরত এবং স্বায়ন্ত্রণ মন তাঁকে প্রভাত সামগ্রী নিকেন জনার করে এগিয়ে এগেছিলের এবং বৈদিক শিষ্টাচার খ্যনহারে খতি মধুর বাবে, তার ছতি করেছিল। ভবন ্রন্থ দ্রুলারের আদি পুরুষ রক্ষা হিচ্ছেতের প্রথি অনুক্রমণা ত্যালের করেছিলের এবং হাসম বদরে করে প্রতি দৃষ্টিপাত হার, তাঁকে বলেছিলেন-ছে কংস প্রিয়ন্ত। আরি খোৱাকে আ কাৰ কা মনোযোগ সহকারে প্রকা কর। আয়ানের ইতিহালক আনের জাতীত যে পরবেশর ক্ষপতাৰ, তার প্রতি ইবলৈবাহণ হয়ে বা। শিব, তোমহা तिरात, प्राप्ति व्हान, धान्यातम, मनगरवर्षे एवंदे शहरूमधाला ভাগেশ পালন করতে হয়। আমধ কেউই ঠার আদেশ লগ্ৰহন করতে পারি না। কেন ক্রীক্ট কঠোর ভগসার বলে, উল্লভ বৈদিক লিকার বলে, অষ্টাল-বোগের প্রভাবে, দৈহিক পঞ্জির প্রভাবে অথবা বৃথিত ছারা প্রয়েশত ভগবনের আদেশ লভকন করতে পারে না। একন বি शर्मात वर्ग, चार्यना अब लेगार्यंत्र श्रमारं चार्यंत चान् কোন উপারেই, কিংবা স্থীয় শক্তির বলে অংবা অন্যানের সাহাধ্যের বলে, ভগবানের আদেশ অগ্নানা করা বার না। হুতা থেকে ওল করে একটি ভূম পিনীলিকা পর্যন্ত কারও পকেই কগবানের আদেশ অমান কর সভা নত। হে প্রিয়ব্রক। ভগবানের নির্দেশে সমত জীবন্ধা কছ मुकुत, कर्म, त्यांक, त्यांक, खर, तून अवर प्रतास कत विधिय धननः भर्ते। सामा करत। १३ रहत। सहस्ता সকলেই আমাদের ৩৭ এবং ভর্ম জনুসারে বৈনিক নির্দেশের শ্বরা বর্ণারাম বিভাগে আবছ ৷ এই বিভাগতদি অন্যাহেল। করা অন্যান্ত কঠিন, করেল তা বিজ্ঞানস বাসভাবে चारमञ्जन कहा स्वरूप । छाई, क्लीक्ट दश्म मानिकान রক্ষ্মাত্ত হতে চালকের পরিচালনা অনুসারে চালিত হতে বাবা হয়, আমানেরও ডেমন কাশ্রম ধর্মের কর্তক গালন ক্ষেপ্ত হয়। হে প্রিয়েড। খড়া প্রকৃতির বিভিন্ন কণ্ডের শলৈ আময়েশৰ সাম অনুসারে স্কাবন অযোগের বিশেষ শরীর প্রদান করেম এবং সেই অনুসত্তে আমরা সুখ ও দুংখ ভোগ করি। ভাই আছু বেজাৰে চপুদান বাভিত্র শারা পরিচালিত হয়, ঠিক সেইভাবে বে অবস্থাতে আমার মরেছি, সেই অবস্থাতেই বেকে ভগবালের স্থার আমানের শনিচালিত কথায় উচিতঃ যুক্ত খলেও মানুবকে পূর্বকৃত কৰ্ম অনুসাত্তে মেৰ্হ বাবেৰ করতে হয়। কিছু তিনি তকন

অভিযাপনা হবে, সংখ্যাতিত ব্যক্তি বেভাবে ৰংগ্ৰ দৃষ্ট विषय पातन करका, एकानके दौरा गुप अवर पुरवारक दौरा পূৰ্বকত কৰ্মের কল বলে মনে করেন। এইভাবে ডিমি দৰ্ভোতৰ ধাকে। এবং প্ৰকৃতিৰ তিন গুণো কণ্ডিত হয়ে অন্য আর একটি কড় পরীর প্রাপ্ত হওয়ার স্কন্য কর্ম करका मा। ऋकिएडाँखड काँक विशे वान वान रिप्तान ব্যুদ্র প্রথক হৈছে মান্ত বছরের ভারে সর্বাল ভীত থাকতে হয়, করের সে ভার জা এনং কারেন্দ্রিক-এই হরঞন সতীলো সভে সর্কা বিরাজ করে। বিশ্ব ব্যঞ্জ-আশ্রথক আত্তর জিতেরির বাতির কোন কতিসাধন করতে পালে মাঃ বে ব্যক্তি গৃহস্কু-আন্তবে কথলিত হয়ে সুসংবদ্ধভাবে তার মা এবং পঞ্চ ইপ্রিয়কে কা করেন, विनि गुर्जात चानाव नवात्रक्यमानी मक्टरक क्रथकारी दाकार वरका। विभि शृहस्-व्यात्मात वचारचरहात निका লাভ করেছেন একং বাঁর ভানবাসনা ক্রীণ হরেছে, তিনি নির্বাস মর্থার বিচকা করতে পারেন।"

ঁহে হিয়ন্তত। পদ্ধনান্ত প্রীতগরানের পাদপদ্ধ-ক্ষেত্রকা পূর্ণের ভাষর গ্রাহণ করে তুমি ছা ইন্সিয়েন্ত্রপ ক্ষেত্রকা ভার করে। তুমি ভাতসুখ জোপ কর বারণ ভগরান বিশেষভাবে তোমান্ত তা করের আনেশ দিরেছেন। তার কলে তুমি দর্শনা কর সাহ থেকে মুক্ত কলকে একা তোমার করাপে ভাগনিত হরে ভগনানের আনেশ পালন করতে পায়বে।"

केल वनस्य लागायी कल्ला — बहेरास विनुत्रस्य एक बचार वार्या पृर्वस्त छन्छि हार्य, शिर्द्र छात्र मधुक राष्ट्र छैरार श्रमीर भिरमान कर्राहरणम् वरः देख राष्ट्र चारम्भ मधीर बच्चा महक्या नामन कर्राहरणम् वच्चा महक्या छीत गूला कर्राकरणन्। शिव्यक अस्य स्वरंत्रक करिया वर्षाः चानुक मृष्टिर्ण वच्चारक वर्णन कर्राट्य सामस्यन। शिव्यक्ताक छीत निर्देश चानुम नामस्य निर्देश कर्या बच्चा छीत्र वार्य मधीरात कर्राट्य निर्देशियन रहे मुझ क्य चल्या वर्गीर कर्रमह कर्राण्डा बहेराय बच्चा महावर्ध्य चर्चा कर्मन क्रांत्रक पूर्ण एस्ट्राइन एस्ट्री नाहरूक चनुम्बाहरूह, दिनि छोत मृद्राक मिल्क कृत्रक चन्ना बहर बच्चा करात बच्चा अस्तिकी महिद्यक्त वर्णन कर्नाकरणान्। बहेराय दिनि

অভ্যন্ত ভয়তর বিব্যারাণ বিষেৱ সমূদ্র কেন্টে উদ্ধার লাভ করেছিলেন। পরমেশ্বর ভগবানের আদেশ অনুসারে, মহানাক প্রিয়েক্ত জাগতিক কার্যকলালে পূর্ণরালে মুক্ত **१८शा मध्यक मर्दश मध्य क्षत्र वसम १५१क प्रक्रिय** কারণ-ছরাপ উপবাদের জীপদাশ্যের ব্যানে মরা ছিলেন। হহারকে প্রিয়ন্ত যদিও সমত জন্ত কল্ব থেকে সম্পূর্বরূপে মাত ছিলেন, তবও মধ্য ব্যক্তিকো মান বৃদ্ধি করার জন্য তিনি এই জন্ম জন্ম সংসন করেছিলেন। ভালের বহামান্ত প্রিয়েত বিশ্বকর্ম নামধ্য প্রমাণতির ক্ষমা ৰহিমতীকে বিবাহ ফরেন। তমা গতেঁ তিনি দগটে **প**ঞ **छेरशक करान, चीवा मिन्यर्ट, इतिहा, छैनावराप्त अवर** অন্তান্য ওপানালীতে তাবই কমন ছিলেন। তার একটি স্পাত ইয়েছিল, যে জি সৰ চাইতে খেটা এবং ছায় নাম বিদ উর্জাহতীর মহারাজ প্রিরহাতের দশ্ব পুরের নাম क्रिन कामीड, देशमजिन्, कक्षनाथ, क्रश्नीय, विश्वनाताल, বৃতপুষ্ঠ, সৰম, মেধাডিবি, বীতিহোত্ত এবং কবি। অন্নিলেরের নাম অনুস্থারে এলের নাংকরণ হতেছিল। ভাদের মধ্যে তিনজন—কবি, মহাবীর এবং করন নৈতিক क्षकानी शरपश्चिमा। अहेशाय धीयतम एक प्याप्तहे अवस्थात चतिनिष्ठिष स्टब्स् केंद्र व्यवस्थानिक गर्यक्र সিদ্ধি পরমহংস-জারুষের ভারতা করেছিলেন। স্বীবনের ওদ খেৰেই সম্যাস আগ্ৰমে অৰ্বস্থিত হাছে, উলা তিনক্ষৰ हेक्षिरका कार्यकान मान्युर्वकान मरक्छ काल भवपहरम्ब পাত করেছিলেন। তালের চিত দর্বদা পর্যেকর ভগবানের জ্বীপাদপথের দ্যানে মধ্য ছিল, বিনি সমস্ত कीरका भारत आसंत रहरात करन कर्मन मारा अभिक। বাটা সংখ্যা ভয়ে ভীত, ভদকা বাস্থাবেই হল্লেট ভাষে ৰক্ষাত্ৰ আনম। নিচৰত কাঁও জীপাদপক্ষের খানে কথার কৰে, হহাবেজ প্রিক্সান্তর তিন পুর ওছ ভাতে পরিশত চরেছিকে। উদের ভতির প্রভাবে ভার ক্রেনের হলতে বির্বাদ্যবাদ প্রমান্তাকে প্রভাকভাবে দর্শন করতে প্রত্তেন একং উল্লা উপল্বি কয়তে পেরেছিলেন তে, উরে সঙ্গে তীৰের ওপগতভাবে কোন পার্বকা নেই। মহারক্ষে চিন্দ্রতের আহও একজন পর্যা ছিলেন। তার পর্চে थैयो किनकारे मा,श्रदक्ष प्रविभक्ति श्रदक्तिकार। अञ्चलाय কৰি, মহাবীর এবং সকা প্রায়হদে-আরম আনা কালে,

মহামন প্রিয়রত একাশে অর্থ কমের রক্ষাও শাসন ক্রেছিলেন। তিনি যখন জার অভান্ত শক্তিপালী বার্যস্পলের জারা উল্লে চনুকে শর পোন্ধন করন্তেন, ওরম ধর্মহোতীর জার ভরে পদারন করত। এইভাবে প্রবল বিক্রমে তিনি প্রকাশ শাসন করেছিলেন। তিনি উল্ল পঠা বৰ্মিকঠাকে অভান্ত ভালকদতেন এক দিনে দিনে ভালের यनत वर्षिक राप्तरित। मस्टानी वर्षिकरी केंद्र द्वीमुलक ব্যেক্তর, গমনভঙ্গি, হলো, দালা এবং বভাগের খালা উল শক্তি বৰ্তিত করেছিলেন। এইতাবে আগতেল্টিতে মান इराहित, एक अक्सन प्रशंका इथवा मरक्ष छिनि केल পর্ত্তীর প্রেমে মধ্য হয়ে রয়েছেন। তিনি জার পতীর সংখ ক্রিক একজন সাধারণ মানুবের মতে। আচরণ করতেন, কিছ প্ৰদেশত তিনি ছিলেন একখন মহাৰা "

শ্বিইভাবে প্রকাশ্ব দলেন করার সময়, দ্যাগ্রাল তিবক্তত একবার পরম সন্দিয়ান সর্বদেবের কক্ষপথে শিচরপের ব্যাপারে অসম্ভাট হরেছিলেন। নিরের রংগ **इरड्ड नुरक्क वर्ग्स्ड श**नकिन कसंद्र असत्, मुद्दानव अवस् शहराज्ञक्कोलस्य चारमाकिक करतमः। विश्व, पूर्वरूक्य क्यून পৰ্বতেৰ উত্তৰ ভাগ আলোকিত কংবন, ভখন অবনীপ্রদের দক্ষিণ ভাস অভকরেছের থাকে, থাকার সূর্ব বৰন দক্ষিণ জগতে আদোকিত করেন, তথন উত্তর ভাগ অন্তর্জালয় বাবে। এই ব্যবস্থা নহারাক্ত প্রিরন্তর কাছে অঞ্চীকর বলে মনে ছওয়ার, তিনি কলনীকেও দিবভোগে পরিণত করতে ফাছ করেছিলেন। এই चिंदराज किने केंद्र क्यांक्रिया तर्थ मुक्तारस्य क्ष्मनथ পরিক্রমণ করেছিলেন। তার পক্ষে এই প্রকার অলৌকিক कार्य अञ्चानम् करा अश्वय शरपिन, रकन्ता भट्टायचा क्रमजात्मक कालाकाल करण किमी और अकान करले किक শক্তি প্রাপ্ত হরেছিলে। প্রিরন্তত কর্মন সূর্বের লিছনে জন কৰ চালিয়েছিলেন, তথন তাঁর মধ্যে প্রান্তর বুলা যে খাত गृष्टि एरत्राङ्ग का गल तमुद्रा नविचल इरवाङ्ग वागर ভূমণে সম্ভ বীৰে বিভন্ত হয়েছিল। সেই বীলগুলির नाम अन्, प्राक, भाग्यान, कुम, अनेक, माक अवर भूगत। अहे मक्क बीरलंद भविमान क्रमानुमाइक नृर्व नृर्व बीन উত্তম, ভাষদ ও বৈবত সামক তিন পুত্র স্বশ্নপ্রহণ করেন। তেকে পরবতী খীপ হিওপ পবিমাণ। এক-একটি খীপ এক-একটি ভারত পদার্থের সমুদ্রের কালা বেষ্টিভ একং পার পরে করেছে যার একটি দ্বীদ। সেই সপ্ত সর্থ

লামীত থালা এই সপ্তবিধ তবৰ পৰাৰ্থে পূৰ্ব। সব ক্রেট বীলসমূহের যেরাপ পরিমাল, সেই জনখিসমূহের अविदासक अवीयकृत्य (अवैक्रम) यक्षकारी वर्विचाठीय পতি ভহারাক প্রিরুত খার পুর অপথীয়, ট্রমজিং, aucie, ছিরণ্যবেজ, হতলষ্ঠ, মেধাতিবি ও বাঁজিয়ের মান্তক সার পারের এক-একছনকে সার ছীপের এক-একটির রাজ্য করেছিগেন। মহাবাজ প্রিবরত তার কনা। ট্রের্ন্সভীতে শুক্রার্টের হয়ে সম্প্রদান করেছিলন। এই क्यांत धर्म (नक्यांनी माधक शक्तकारर्वत् अक्कि कता ক্ষপ্রভাগের করেছিল।"

"হে রাজন্: যে **ভড় ভ**গবালের পদসক্ষের আর্রার शरून करतराहर, किनि कृषा, कृषण, १५७०, १४१६, करा अरा मरा--अरे का अवस क्याचाट्य अञ्च त्यत्व प्रक श्रुष्ट भारतम बन्ध यम थ भक्ष देखिए बन्ध कराउँ भारतम। কিছ ওগবানের শুদ্ধ ভবদের কাছে এওলি যোটেই भा-दिशासक नया, कातन हात अट्रॉड स्ट्रिंड (कात আশাশ্ব অভিনয় জগতানের নাম একবার হার শালে করার প্রভাবে সমস্ত আন্ত বছন থেকে অচিরেই হস্ত হতে MES IT

"महाराज किसाठ रूपन चीव भूगे भक्ति क्या धकारख ধ্য়ে ওঁয়ে রাড ঐথর্য উপতোল ভর্নিপ্রান, ভবন এক সময় তিনি বিবেচনা করতে তক্ত করেছিলেন বে, যদিও किनि (मनविं नहारस्य कार्य नुर्वतर्थ कार्यमधर्म कार्यस्य এবং কৃষ্ণভাকনামূতের পদ্ম অবলগ্রন করেছেন, তকুও তিনি প্ৰবাস ঋত-জাগতিক কাৰ্যকলালে ছড়িকে প্রভাষেত্র তার কলে তার মন ভালে ভালে হরে উটেছিল এক বৈশ্বদয়কত হতে নিজেই সিন্ধা করে তিনি ক্ষতে শুরু করেছিলেক—প্রয়ঃ ইন্সিফর্থ ভোগের স্থান

হুলাক্রমে শবদ, উক্তু, সূবা, যুত, দুল্ল, মধি এবং ৫ছ। আমি কত অধ্যানতিত ইয়েছি। ক্ষমি জড়সুখ ভোগের জন্য বিষয়কণ অম্বৰ্ডণ নিৰ্মাঞ্চত হচেছিঃ ব্যাস্ট 🚓 🖟 বীল এই সমস্ত সমূদের দারা বেষ্টিত রয়েছে এবং 🛮 হয়েছে। আমি আৰু ইন্দ্ৰিয়সুখ ভোল কর্মটে চাই না। অমি ক্ষমর পতীর ক্রীডামগরকা হরে পড়েছি। আমর্কে विका प्रताशक शिका"

"প্রযোগত ভগ্রানের কৃপার, মহারাজ শ্রিয়েরতের ক্সণ-উপদ্দ্ধি বৃন্ধাপিরিত হতেছিল। তিনি ভার প্রবের মধ্যে তার বিবর-সম্পত্তি ভাগে করে নির্বেইলেন। টাং সভা তিনি কা ইপ্রিয়াস্থ উপজ্ঞার করেছিলেন সেই পত্নী এবং তাৰ মহান ঐপৰ্যসম্ভিত ব্যৱস্থত তিনি সর্ববিদ্ধ পরিভাগে করেছিখেন একে সম্পর্ণারশে করনমুক্ত হতেনিকো। সম্পূৰ্ণকালে নিৰ্মন ভাৰ ভাৰত ভাৰন ভগবঢ়েত্র দীলাড়মিতে পরিণর ছরেছিল। এইভাবে टिनि कुक्कार्टाक्षम क्रिया भागी श्राटान्टर्गन कर्त्यास्थल क्रास (मर्की मात्रसम्ब कुनाइ दर नम श्रीख स्ट्राइंटलन का नुनतार द्वान कर्जाहरूम् । प्रशासक द्वारदाच्य कार्यकान সৰ্বাহ্য অনেক প্ৰসিদ্ধ ওলক ব্যৱহাৰ—"মহারাক ভিম্নত বে-সমন্ত জার্যতলাপ সম্পাদন করেছিলেন, আ পরাংশর ভাগৰন স্বাভীত থানা কেউ করতে পারে আঃ মহাব্যক প্রিয়তে করিব ভারকার দৃও করেছিলেন এবং করে মধ্যম इर्ष्ट्र होवाई बादा गाएकै नमूह कार्य करहाहित्सत।" "বিভিন্ন বানবদের বথো বিবাস বন্ধ করার কলা মহারাজ হিত্তত হতি হীপে নদী, পর্বত ও কা ইত্যাদির ছারা সীমারেখা নির্বাধিত করেছিলেন, যাতে একে আন্যের বলাভিতে অধিকার প্রকেশ রা করে।" "নার্থ মুনির स्त्रान चमुनायी क्या चल बहाहाक क्षित्रक क्षेत्र कई अवर राज्यमधिन जनारं हर केचर्र आह शराबितान सा অধ্যেলেকের, মূর্নলোকের মা ন্যলোকের ফলেও ডিনি ज नदक्छन्त रहा प्रत कटाहिलान*ा*"



দিভীর অধ্যায়

মহারাজ আগ্নীগ্রের চরিত্রকথা

ত্রীল শুক্তনর গোস্বামী বলবেন--"পিতা মহারাজ হিয়েক্ত পারমার্থিক পথ অবলগ্ধন করে ভগস্যা করার ধান্ত কথন পৃথতালে করেছিলেন, তথন মহারাক আটীয় উম নিতাৰ আজা অনুসাত্ৰে অপ্ৰীশেষ পাসনভার প্ৰহণ कर्त्तिहरूनः। कर्धात निर्देश मञ्कारक धर्मीक चनुनामन পামন করে, তিনি জত্মীপের অধিবাসীয়ের পুরুবং পালুর করেছিলে। প্রাক্ত পুত্র লাভ করে পিভলোকধানী হওৱাৰ বাসনাৰ, মহাৰাজ আগ্ৰীপ্ৰ এক সময় সুরবনিতাদের জীড়াকুল মন্দর পর্বতের উপভাকরে পাল ও অন্যান্য পুরুষ্ট উপকরণ সংগ্রহ করে কলস্যা পরায়ণ रता, अवध क्रिक बढ़ मृद्धित प्रथाक महा जेवर्रमानी উক্তরে আরাধনরে হবৃত হতেছিলেন। আদি প্রকৃত बेषर्थगानी उत्ता वाधीक्षत महातामन सामक (भारत् তার সভার শ্রেষ্ট অধ্যয় পূর্বচিত্তিকে রাজার কাছে পাঠিয়েছিলেন। যে সুসর উপকরে রাজা তপস্যা কর্মাছিলন এবং আরাধন্য কর্মাছিলন, ফ্রন্স বর্তক রেপ্রিড অপরা সেখানে বিচরণ করছে জগতেন। ভগোকনটি ছন সমিবিট প্রামল তক্তবাজি এবং ক্রণাড লভিকা সমধিত হওয়ার অত্যন্ত সুন্দর হিল। সেই বুজের উপর ময়ুরাসি স্থা-বিহলম ক্লান করছিল এবং সংব্যবারে क्रमकृत्यो, भारत्य, क्लाररमानि क्रमातः शकीनम् असूत ত্রৰ কর্মান্টে। এইভাবে শ্রামল ক্যানী, নির্মল জল্ প্ৰাকৃতিত কথল এবং বিভিন্ন গঞ্চীর ক্ষানে সেই তপোৰনটি অপূৰ্ব সৌন্দৰ্যমণ্ডিত হয়েছিল। প্ৰতিবিদ্ৰ সুপর পমনে শুনার-সাক্ষণ শোক্তা পাঞ্ছিল এবং তার প্রতি गर्मायरकरम् नृगुरतक अध्यक्त अनुवृत्र धानि संक्रम्। রাজকুমার আগ্রীত্র যদিও অর্থনির্মীলিড নেরে যোগ খড়াস করে ইন্সির সংকর কর্মার্কেন, তত্ত্বত তিনি স্বীর কমলসদৃশ নত্ন-কুগটেনা খারা উাকে দর্শন করলেন এবং তমে নুপুরের মনুর কিছিণী প্রবশপুর্বত উয়ে চল্ল ইবং পেলেন। সেই অব্যান্ত মধুকরীর মধ্যে গুল্পসমূলের মাণ - কাউকে বিশ্ব করার জন্ত এই পারপো কিরণ করছ, কিন্তু

প্রত্থ করছিলেন। সেবতা এবং মানুযুদের মন এবং নয়নের আনন্দ প্রদানকারী ঠার গতি, বিহার, সাজ্ঞা ও বিনৱান্বিতা দৃষ্টি, সুমধুর স্বরু, বাকা এবং নেত্রাদি व्यवस्थान्य (यस मान्याम्य महत पृथ्य-व्याप्त सम्महर्शन প্রক্রেয়ে করে বিভিন্ন। তিনি বর্ক কথা কর্নছিলেন, ভাৰৰ মধ্যে ছফিলে বেল ইয়া মূল থোকে আমৃত নিঃস্ত হতেহ। তিনি খখন খাস ত্যাথ করছিলেন, কথম তার নিংখাদের গত্তে উপান্ত হয়ে যৌদান্তিয় তার সালর নরন-কমলের চারপালে উডছিল। তার কলে সেই কামিনী ভরে ব্যাকুলা হয়ে ৪-ত পদবিকেল করার তার স্তন-কলস এমনভাবে কম্পিত হাছিল যে তাঁকে অভাক সুৰৱ ও সক্ষৰণীয় লাগজিগ। বাজিকালকে তৰন মনে হজিল, তিনি কো মানুবের জনতে কামদেকের প্রবেশবার তৈরি করছে। ভাই উাকে দেখে সম্পূর্ণরাগে কণীভূত হয়ে, রুক্তৃমার তাঁকে কাতে সাগলেন।"

বাৰস্থাৰ বাতিবশত অপবাকে সংঘাধন করে ৰণদেন—"হে মুনিলেষ্ঠ, ভূমি কো ভূমি এই পৰ্বতে কো বাসেহ এবং এখানে কি করতে চাইছঃ ভামি কি ভগব্যনের মারাঃ মনে হচেছ তেম তমি দুটি জ্যারহিত ধনুক বারেশ করেছ। সেওলি ধারণ করমে করেন কি? তুমি কি নিজের কমা না ভোমার স্বধার করা সেওল ধারণ করেছেঃ ছয়তো ভূমি বনের পণ্ডগের প্রকার করার ক্ষাৰ্য সেতলি বছন করছ।"

ভারণর আগ্রীঃ পূর্বচিত্তির কটাখের প্রতি লক্ষ্য করে ৰসংগদ—"হে সংখঃ ছোমার মহনের চাহনি ক্ষতি শক্তিশালী দৃষ্টি বাগের মডো। সেই বাগের লক পৰকুলের পাপড়ির হজে। বহিও জনের শঙ্গাকা নেই, তৰ্ ভারা অভ্যন্ত সুন্দর এবং ভাগের অগ্রন্থাল অভ্যন্ত তীক্র। ভাষের দেশে মধ্যে হয় ভারা থেন জভান্ত পাণ্ড এবং ভাই আমার মনে হয় বে, দেওলি কারও প্রতি উর্থ্যালিত করে, তিনি অতি নিকটে ভাকে শেষতে। নিকেশ কর হবে না। ভূমি নিশ্চয়ই সেঁই রূপের যার। খ্যানি জানি না কাকে তুমি বিভ কংগুৰ। আনহ বুলি অক্সেন্ত। হোমত মুখমণ্ডল নিৰ্মণ সংক্ষেত্ৰৰ মতো ছাল এবং আমি ভোমার সংক বুছ করতে পারে মা। সুকর। তোমার কর্মপুগলে যে দুটি বতুপচিত থকরাকৃতি স্তুটি আমি প্রার্থনা করি, ডোমার এট বিশ্রম কো স্কায়ন মার্কালর নিমিত্রই হয়।"

सारीप्र अग्रहात--"द्व अंह, और अग्रह व्यवका साध्यक শিলোর মত্যে জাপনাকে বেটন করে রয়েছে। ভারে এটাস্তাৰে ভাষা আগনার কথনা কনছে। অধিনাৰ বেভাবে বোৰে দাধা ভাৰত করেন, তেজনী আপনাৰ নিবালেও আপনাম কেশদাম থেকে গঠিত পুস্দবৃত্তি উপভোষ ক্যাছে। তে রাজপ, আমি তোমার নুপুরের নিজিপীর কবি খনতে পর্যাছ। সেই সুপুরের মধ্যে তিনিরী পকী স্বরেছে বলে মনে হাছে। যদিও স্থানি ভাষের দেখতে পাছি মা, কিন্তু আমি ভালের কৃত্তন ওমতে পানিং। ভোনন্ত সূপত্ন নিতৰ-মানুল কদম্ব কুমুক্তে মতের পীত্র কর্ণ এবং ভোমার কটিমেশ ক্টেন করে রয়েছে অল্যক্রেরের মক্রে মেখলা। তমি কি ভোমার পরিবের কার মারণ করতে SET CHE?™

আয়ীপ্র ভাষা পৃথিচিতির উরত স্কার্যানর প্রাথমা कर्षा क्रमानाम--"एर ख्राचन, एकानार कड़िरमा रूप, छन्न ত্মি অতি কটে গৃটি শৃত্ৰ কৰে কৰেছ জৱ উপৰ আনৰ हर्णुवर्त का*न्*के इस्स**रह। अ**दि मृषि मृष्य मुस्मर कान्युख কি ব্যৱহে ৷ ভবি তার উপর অরপার্ল সুনার পর শোপন করেছ। হে সুভগ, সেই সুরচিত পর বা কাষার আলমকে সুমন্তিত করেছে জা তুমি কেবার পেলো হে সূত্রণতম, তমি কি লগা করে আমাকে তোমার কমস্থান দেখাবে ৷ সেধ্যনকর অধিবাসীরা কমবেংকর হারা এমন चन्द्र श्रदहर शतन शहर हा, जा स्ट्रिंग चायह मही। ষ্টাক্তির মান ও নতুন উভয়েই ক্ষম হয়। ভাগের মধুব যাণী এবং মৃদুক্ষণ হাসির কথা কিয়ে করে আময় যনে হয় যে, ভালের খুখে লা জানি কত অহত রহৈছে। যে সবে, ভোষার কেছ ধারণ কবছে জন্য ভূমি কি আহার করণ কালে ভারল চর্বন ক্রমিড ভোমার মূল থেকে যে সুগত বিনিৰ্যত চলো, ভাগে কলে মান হয় তুমি নৰ্বান বিশ্বার ভূত্যাবনিউই প্রত্থ কর। তবি নিক্তই বিভূব

প্রাক্তিকপালে বিভানে কেউই তোনার সমকক নয় এবং । কুওল বিভাক করতে, সেওলির চেক্স বিভান চাক্তের সার্ভো অপদত। তোহাত নেত্রবৃগদ মীনের ছতে। চ্পালা। স্তব্য ভোষার স্বৰহণ্ডলালে সমোবার কো দুটি অমিমের পর্বতিতির অনুগমনকারী ব্যার্থের সেপে মহারাজ স্বক্তর এবং চক্তক স্বীন বিশার কর্তের জোনার দর্ভগর্ভনি ৰাজ্যকলেৰ মতে লোভা বিস্থাৰ করছে এবং ভোমার কেশকলাৰ কেন অনিকুলের হতো তেখের কুৰের নিবল্প সামবেদ ও উপনিবলের হয় পান কথাই এবং সৌপর্য অনুসরণ করছে। আনার মন ইতিমধ্যেই মছিল হতেছে এবং ভাষ্টি ভোষ্টার কর্তৃমধ্যের বারা বে ক্ষুকটিকে চালিত করে আ আমার নতন ব্যবক্তি অন্তির করছে। তোমার কৃটিন কেলাম যে আলুগারিত इत्हरक, का कि कृषि जुल्लाक शक्त करात्व व्यक्त सामाणि পুৰুৰের মতো পকা ভোমার ততি আগক হয়ে তোমার খনিকেন হতাৰ কৰছে, ভাও কি খোমার বাবেশ হতে নাং হে তলোচন, ভগৰীনের ভগোবিত্বকারক এই রূপ কৃমি ধ্যের তপলার হারা কতে-করেছ? এই কলা তৃষি কোৰাচ লিখেছ? এই মধ্যে, কোন তপন্যার হায়া তুমি এই সৌন্দৰ্য লাভ করেছঃ আমি চাই বে ভূমিও আমার महत्र एभमा वह, कदम उभारका मुश्रिकरा उत्ता इंटरटा অনার প্রতি প্রদার হরে, আনার ভার্যা হওয়ার জন্য ভোষাকে এখানে পাঠিবেছেন। ব্রাক্তখনের হারা পুঞ্চিত ক্রমা জামার প্রতি ভাতার কুলালয়কে হরে তেমেকে অন্তর্ভ ভারে ভারিরেছের এবং প্রাই ভোনের সঙ্গে আমর जाकर इट्टर्ड। ट्रामा जब चर्च छत्त्र कराई हरि मा करने बाधान का ६ नहम हराकार मिरिड ब्रहरू এবং কোন মতেই আমি ভা অপসাবিত করতে পারছি না। রে চালপুনিন, আনি ভোনরে কন্পত। কোমার ক্রেন্ড ইক্সা দেখানে আয়াকে নিছে হাল, হোমার जबीवरक सनुक्रक इत्त्र कारात कान्यम कक्क।"

প্রীল ভবগুৰৰ লোভামী বললেন—"হত্বাবাড় আইট্রা বাঁধ বাঁছমড়া ছিল কর্মের ক্ষেত্রতানের মতে।, মনোড়র बारकात बाह्य जीरवीकरण विरुद्ध दिनि धारान निजन ছিলে। তিনি তার কামেনীপক বাকের করা দেবকমার अमरता विथान करह देख अनुबन्ध ज्ञाक कर्राहरूतान। জন্মান্তর অধিপতি বার্ত্রেষ্ঠ আত্মান্তর বন্ধি বিস্তু (रोक्स (रोजर्र, करहत, क्षेत्रर क्ष्य रोजार्ड कार्य) हार.

প্ৰতিব্ৰৈ বহু কংগৰে খণ্ডে জীৱা সক্তে পাৰ্থিব একং স্বাধীয় मुच द्वेनरक्ष्म बद्धविहरूल। मञ्च अकारमा मध्य (अर्थ মহারাভ আধীয়া প্রতিধির গর্ডে নাভি, কিম্পুরুর, হবিবর্ব, ইলাবত, মানুক, হিরপার, কুল, তথাপ এবং কেতুমাল নামক নৱট বন উৎপাদন করেছিলেন। পূর্বচিদ্রি প্রতি क्टाहर अव-अविके करते न्यांकि शृक्ष अन्तव करहाहित्यम, विश्व ভাষা কৰা বন্ধ হুছেছিল, ভাৰন তিনি ভালের পুরে পরিআর্থ করে, পুনরার প্রকার উপাস্তা করার জন্য উর কাছে কিরে সির্বোগ্রন্থ। পর্বাচারিক সেই নয়টি পুরাই মাতার ক্তম পান করে খাবারিকভারেই কাবান ও সুগঠিত শরীর লাভ করেছিলেন। উলের লিভা তালের প্রভারতক অমুখ্যালের বিভিন্ন অংশ শাসন করার দায়িকভার অর্পণ

করেছিলের : জানের নাম অনুসারে জানের রাজাওলির সামকরণ হয়েছিল। এইভাবে আর্থাক্রের পুঞ্জাণ উাদের লিখার কাছ থেকে প্রাপ্ত ইকো শাসন করেছিলেন। পর্বচন্দির প্রস্থানের পর, রাজা আগ্নীয় ওার কামবাসনা তপ্ত না হওয়ার সূর্বক্ষণ তার কথা চিন্তা করতেন। তাই বেলেন্ড কল অনুসারে তিনি উপ্ল মৃত্যুর পর, সেই क्रमहारमारुदे शाक्ष स्ट्राहिट्रमन। (मेर्डे स्मार्क लिल्लान) খানক ভোৰ করেন। তামের পিতার পরলোক প্রান্তি হলে, নৱৰুন ভাঙা ঘেলংঘৰী, প্ৰতিজ্ঞপা, উপ্লেংমী, লগা, রখ্যা, পাদা, নারী, ভল্ল একা দেববাঁতি নামক মেকর সমুটি কনাকে হিবাহ করেছিলেন ("



ডুতীয় অধ্যায়

মহারাজ্ব নাভির পত্নী মেরুদেবীর গর্ভে ঋষভদেবের আবির্ভাব

শ্ৰীল ওক্তাৰ গোহানী কণ্যাল—"আগ্নীয়ের পুত্র মহাবাদ ক্ষতি পুত্র লাজের হাসনা ধর্মাধ্যান এবং ভাই তিনি সমাহিত ভিত্তে ব্যৱস্থাৰ বিহুৎৰ আবাধনা করেছিলেন। মহামাজ নাভির পদ্মী পুরহীনা মেকদেবীও প্রার পরিষ সঙ্গে ওপরার বীবিভার আরাধনা করেছিলে। যাকে ওপরনের কুগা লাভ করের জন্য সাভটি দিব সাধন करवाक-(>) मुन्तका जा स चारार्य मिरकार-(२) ताल বা শ্বান অনুসাত্রে কার্য কর: (৩) কাল বা সময় অনুসাত্রে কার্য করা; (৪) মন্ত্র উচ্চাত্তর, (৫) ব্যক্তিকগরব; (৬) মঞ্চিত্র হান এবং (৭) বিধি পালন। কিন্তু এই সমস্ত উপায়ের ধারে সর্বল ভাগরানকে পাওয়া বার ল। কিন্তু ষ্টশবাস ভক্তবৎসল, ভাই ওার ভক্ত মহারাঞ্চ নাভি হখন তদ্ধ এবং নিৰ্মল ভিত্তে প্ৰবৰ্ত্ত নামক বন্ধা অনুষ্ঠান করে গভাঁর করা ও অভি সংকারে ভগবনের আরাধন এবং

ভব করেছিলেন্ ভবন পর্য দ্যালু প্রমেশ্র ভববদ ওঁর ভতবাংসল্য-ছেত, তার জনরাঞ্জিত পরম আকর্মণীয চতুৰ্ভ মুৰ্তিতে মহাবাৰ নাতির সম্পূৰে আধিৰ্ভত হরেছিলেন। এইজাবে জার জড়েন বাসনা পূর্ণ করার करी, शारमचा कथवन केन्द्र कर्न्य भूका नाम निता केन्द्र ভাজের সম্পূর্বে অধির্ভৃত হয়েছিকের। ভালবানের এই রাপ ভাষ্টের মন এবং নরনেং আদক্ষ প্রদান করে।"

"ভাক্তন শ্রীনিকু তার চতুর্ভুজ্ঞ রূপে রাজার সন্মুখে আবির্ভৃত হরেছিলেন। তিনি ছেজেম্বর প্রথমতের রূপে প্রকাশিত হরেছিলেন। তার কটিলেশ লীও পট্রবরে বেষ্টিত ছিল, বন্ধস্থলে শ্রীৰংস চিন্ত শেক্ষো বিস্তাৰ করছিল, উমা চায় ব্যাতে ছিল খাবা, লয়, চক্র ও গানা এবং তার পদাবেশে কাফুলের মালা ও কৌন্তেড মণি লোকা গাজিল। মুকুট, কুওল, কাম, কটিনুঙ, মুকাহার,

তেবল ও নুপুর আদি উজ্জা বন্ধুগড়িত অপন্তব্যুগ তিনি প্রত্যের সুপরভাবে সন্মিত ছিলেন। সহিত্র ব্যক্তি যেমন প্রকাশ্যাৎ প্রচুত্র ধনতাশি লাভ করে অবশ্যাহি আনক অন্তৰ করে, মহাবাক নাডি, তাঁর পুরোহিত এবং লার্ষারণও ভাষানকে তামের সন্মুখে উপস্থিত দেখে, মেই প্রকার আনন্দ অনুভাগ করেছিলেন। ঠারা গভীর প্রভা সহকারে অধনত মন্তবে পৃক্ষার উপকরণ নিকোন ৰতে তাৰ আৱাধন করেছিলে। "

প্রসাত্য, আমর আপনার স্তান। যদিও আপনি পরিপর্ণ, ভবুও সমা করে আপনরে অহৈত্কী কৃপার প্রভাবে, অবদত নই, কিন্তু বৈদিক শাস্ত্র এক আচার্যনের শিক্ষ

প্ৰদাৰ্থ সাক্ষাব্যাৰ, স্বতঃসিছকাগে, অপ্ৰতিহত গতিতে এবং প্রচুবভাবে প্রতিক্রণট উৎপন্ন হলে। সেই আপেব পুরুষার্থনেশ অনুনশাই আপনার করে। কিন্তু, হে ভগবান, আবয়া মিরন্তর লাড় স্বৰভালের বাসনা কর্মছ। এই मयत राज्य काभगाव काम शाहर का वाहर कि আপনার আশীর্বানে মাতে আমালের জন্তসূপ তোপ হয়, **ारे क्यारे अक्टभरक और मधन्त पर्धन वन्हेल इड** আমানের সকলে কর্মের উক্তেশ্যেই এই সমস্ত করা অধিকণণ অগবানের অতি করে বললোন—"হে অনুষ্ঠান হয়, আপনায় সেওলিতে প্রকৃতপক্ষে কোন द्यासाम (नहे। 🗷 छनवार, कारना धर्व, कर्च, कार धार মোক লাতের উপার সম্বাধ্য সম্পূর্ণরংগ করে, কাবন আপনাম নিতাশাস আমাদের বংকিঞ্জিং সেরা প্রহণ স্বীরনের প্রকৃত লক্ষ্য যে ভি আ প্রামরা কানি না। কৰন। আধ্যা আপনাৰ নিয়ন্তাপ সমূহে বাস্তবিকই। জ্বপনি যেন দৰং পূৰ্বা প্ৰচল করবার কন। আমাদের সম্মান উপস্থিত হয়েছেল, কিন্তু প্রকালনাক অন্যানের करमारङ कार्यता (क्यम बातरात कार्यता कार्यारक कार्याराह प्रतीन मान करवात कराष्ट्रे कार्यान करणावन । कार्यान সত্ৰছ প্ৰণতি নিকোন করি। বিশ্ববাসক জীনেয়া জড়া আপনায় অসীয় কৰণাকাত অপনা নামক সীয় মাহাস্থা প্রকৃতির কাশ্যে প্রতি অভান্ত আসক্ত এবং উটি ছারা। প্রসাথ করার জন্ম, আমাদের অঞ্চতার্জনিত কার্পে कमन्त्र भूने नव, किन्नु चाननि जनक संख् शावनात्र विधायमञ्ज्ञात्व नृष्टिक स्व इरस्य क्षेत्रारू कानरकाः । एव থাতীত। আলমার নাম, রূপ, গুণ-সরই চিয়ার এবং। পৃথাতম, আলমি সমস্ত বলোচালের মধ্যে শ্রেষ্ঠ এবং ব্যবহারিক জানের ফাটাঙা স্বান্থবিকলকে, কে আলনাকে আমানের কা প্রদান করের অলাই আর্গান মহারাজ নাভির प्रामण्ड नारत १ पाछ कनान सामग्र (क्यान साम मा विकास वार्यिक स्टालन । वार्यिन स्टारक वार्यास्त्र | এবং ওপ্টা অনুভৱ করতে পারি। পর্য়য় পরুষ জ্বাপনাকে। সকলাগের গতিক হতেকে, সেটিই জামানের পরে পরায় भवाद्य थ्राप्ति वारः शहर्यन्त्र जित्त्वार क्षेत्रा शाक्षा शाक्षात्मव । यत्रकारम् शहरहरू। (३ ७४वान्, मुन्नि-बरिश्न जिरहरू আরু কোন সামর্থ্য নেট। আপনার সর্ব মসপায়র দিয়া। আপনার ওপসান করেন। বৈরাগোর ছারা সাধিত ওপারজীর জীর্তন সংখ্যা মানধ-জাতির সমার পাশ নিষদার । জানানাসে গুলের মানকের মানবলি বিভাবে হরেছে। তরে ফলতে পারে। আপনার সেই মহিলা কাঁওনই আনাদের। কলে ভারা আরারার হরেছেন এবং আপনারেই কতান গতে সৰ চাইতে গ্ৰহম কঠন এবং তার কৰে আমরা স্রাপ্ত ইত্যেছেন। তীনা যদিও আপনার মহিয়া কীঠন করে আপনার অনৌতিও স্থিতির খালে হার জানাত পারবং" নিবা জানন্দ অনুভব করেন, তবুও ভাগের পাঞ্চও "হে পরমেশ্বর ভগরতে, জালনি সর্বতোভাবে পূর্ব। আপনার নর্শম দুর্গন্ত। হে ভলবান, আহরা বিশবদামী, আপনাৰ ভান্ত কৰা কালা-সন্থাৰ পুৱে আপনায় স্থাতি কুমাৰ্ত, পতিত, অজ্ঞানাক্ষ্ম, পুনবস্থাপ্তভ, দীভিত একং করেন এবং অনুবাধ করে জল, ওছ পশ্লব, তুল্মী ও । মৃত্যুর সময়ে প্রবল ছারে আক্রমণ্ড হ'বরের কলে, ছাপন্তর পূর্বাস্থর ছাত্রা আপলার পূলা সম্পাদন করেন, ভখন নাম, রূপ ও ওপাবলী করণ করতে সক্ষয় নাও হতে ম্বাপনি নিভাগ্ট সেই পুলার বারা বিশেষভাবে সন্তুটি ছন। পারি। তাই ক্যান্ত্রা আপনার কাছে প্রার্থনা করছি ছে আমনা বহু উপচার সহকরে আগনার পূজা করেছি এবং - ডাডবংসন জনবান, আগনার যে নিব্য নাম, শুন এবং বাশনত উদেন্ত্র হল্ল করেছি কিন্তু আমানের মনে হয় সীলাসমূহ সমস্ত পাণ বেকে অনুবৰ্কে মৃত্রু করতে পারে, বে, জাপনার প্রসন্ত্রতা হিংনের কন্য এড সমত ব্যাহারণ করতে জাপনি সামানের সাহার্য করুর। হে প্রবাজনের ফোল প্রযোজন নেই। আপনার মধ্যে সমস্ত ভাগবান, এই মধ্যাক্ত ব্যক্তি আপনার মতো একটি পর

লাভ করাকেই উরে জীংনের চরম লক্ষা কলে মনে क्राइस्त। (र जनसङ् बहिन व्हिन द्यान प्रश्न कारान ক্ষতির ক্ষতে নিয়ে কেবল একটু প্ল্যক্রণা ভিক্স করে, তেমনই বৰ্গ ও জগবৰ্গ জনাৰে সক্ষম আগনাৰ কাছে মহাবাজ নাড়ি কেবল একটি পুর সাংখ্যে আক্রাক্ত . केनाराम । ८१ कर्गावाम, मश्तकहत्वर अतम् एनवा मा **अ**श्द কোন পুঞ্নই বা এই সংসালে আপনার যারার খারা মেছিতচিত্ত, বশীভূত এক বিধা-বিকো কেশে আন্দর্গত मा भ्रत्याद्यन । व्याननात सामा नुर्वाता। कता गठि (क्यूँड्रे ক্ষা কল্পে পারে বা অথবা কেউই বলতে পারে বা কিডাৰে তিনি কৰে করেন। যে কথবান, খাপনি কং আছত কাৰ্য করেন। এই মহানকা অনুষ্ঠানে আমানের একসার উদ্দেশ্য হচ্ছে পুর লাভ করা; তাই আমাদের পুন্ধি মোটেই তীক্ষ মা। জীবনের প্রকৃত উদ্দেশ্য নির্বাচন করতে অমেরা অভিনা নাই। আৰু উপোশা সাধানের ক্ষনা এই পুন্ত ইয়ো আগনাকে আপুন করে আগনা নিভাই আক্ররে জীলাদগলে মহা অপক্রাং করেছি। ভাই, হে স্থাপনার সর্বার্শিক করে কুণাপূর্বক আর্মনের **अ**धा कहन ("

শ্রীল শুক্তদের প্যোক্তারী বলালেক—"ভারতবর্ত্তের অধিপতি নার্টের সম্মানিত কবিকের এইবাকে গালাক্ত জোরের কারা দেবশ্রেষ্ঠ শুক্তাদের শ্রীপ্রেপত্তে ক্রমন্ত্র নিকেন করকেন। ক্রেকের, গরম ইন্দ্র শুস্থান শুক্ত

উাদের প্রতি মাত্যক প্রদান হতে বলেছিলেন—হে মর্হার্যপথ, আপনালের ক্তবে আমি প্রাক্তা ছয়েছি। আপনাল সকলেই সভাৰক। অপেনায়া প্ৰাৰ্থনা কয়েছেন হে মহারাজ নাভিন কে ছামার মতে পুর হয়। কিছু আনি ক্ষেত্রত অধিতীয় পূরুর এবং ক্রেইই আমার সমতুলা নয় ভাই সামান মডে। আর কাউকে পাওয়া সম্ভব নয়। যাট হোক, যেহেতু আনন্যায় খোগা ব্ৰাহ্মণ, তাই অলুনন্তাৰ ক্ষম বিধা হওয়া উচিচ বয়। ব্রাক্তগোচিত ওপান্ধী সম্বিত প্ৰায়েশনের আমি আমার মুখ বলে মনে করি। বেহের আমর কুলা কেউ নেই, তাই আমিই আমার অংশ-মন্তার হারা আগ্রীহাপুর মহারাজ নাভিত্র পদ্ধী ক্ষেণ্টের গতে আধিকৃত হব। এই কথা বলে ভগৰান च्यार्थित स्टाविद्यान । व्यासाम वालित भाषी (प्राप्तानी জান পতির পাপেই কৰে ছিলেন, ভাই তিনি জনবাঢ়েন সমস্ত কথাই ওনতে পেরেছিলেছ। হে বিশ্বনত পরীলিছ ক্ষারাজ, সেই যাজের মহর্বিদের শ্রন্তি ভগবান প্রস্তু राजकितान। छाँदै छिनि अकाजी, महाजी, कराव अस व्यक्तिक मृदञ्चलक जिल्ला च्यालाम चट्टा धर्म कार्न्डाटमा छन् শিক্ষা শেওরার ক্ষণ্য একং মহারাক্ষ নাভির বাসন পূর্ণ করার জন্য আবিঠ্নত হয়েছিলেন। সেই জন্য তিনি তার ওপাতীত চিনায় করণে নেজকেবীর পুররাণে আনির্ভ্ত



চতুর্থ অধ্যার

ভগবান ঋষভদেবের চরিত্রকথা

বীল ভক্ষের মোরায়ী ফালেন—"নাভির প্ররূপে ভগরান বর্বন ঝামাংশ করেছিলেন, ভবন তার পদত্তে ধবজ, বঞ্জ ইত্যাদি ভগরাবের চিক্সমূহ প্রকাশিত হরেছিল। তিনি ছিলেন সূর্বভূতে সহদশী, শান্ত, ভিত্তেপ্তির, নাবর্ব সম্পাত কর বিষয়-বিষ্ণুক্ষ। এই সম্বা

শানকোঁতে বিভূষিত হয়ে নাভিনখন প্রতিদিন ক্ষিত হতে শানকোন। তাই প্রজাবন, রাজনগণ, বেবভাগন এবং জয়াতোরা সকলেই অভিনাম করেছিলেন যে, ক্ষরতান কেন প্রিবী শাসনে প্রবৃত্ত হল। মহারাজ নাভিন্ন পূত্র করন প্রতি হয়েছিলেন, তথন থানা মধ্যে ক্রিচুলেন হর্নিত স্মান্ত উত্তম কণ--কৰা, ভগৰং-লক্ষণ সম্প্ৰিত সুংগ্ৰিত nes. एटक, बीर्स, स्मान्यम्, कीर्टि, प्रकार अस हैश्लाह দেখা দিয়েছিল। তাঁর পিতা এই সমস্থ পুণ মর্থন করে। গ্ৰীকে পরৰ শ্ৰেষ্ট পুৰুষ বলে বিতেমা করে 'ছব্ড' লয়ে केल जायकाथ कर्जाहरूमत। यहास वेकरणानी हारहास ইনা মহানাক কৰ্মভানেৰে হাতি ইনাগ্যাকৰ হতেছিল। গুট্র তিনি ভারতবর্ধ নামক ক্রম্ভাগের মধ্যের বৃষ্টি কর कार किर्ज़िक्त्नमें। फर्चम (पोर्ज़िक्ट क्रिक्ट **स**रहरात ইল্লেড অভিযাৰ বৃথতে পেনে, টবং ছেবে বাৰু যোগমারার প্রভাবে ঠার সিক্তরিম ক্ষরসভ্রমন্তর্ভাবে বৃষ্টির ছালা সর্বত্যেতারে নিভিত্ত কর্বেছিলেন। অলুৱাক নাডি ওার বাসনা অধুসারে বের্চ পুর লাভ করে। कारपाठिन्दस् विद्वाधिस् द्वादिताः। वित् बनुतापस्तः প্ৰথম করে উচ্চক 'হে কংসু হে ভাড' বল্ল সংগ্ৰহন क्वरडल। रामगायात क्रथार स्थित और काराकार क्रास হরেছিলেন, বার কলে তিনি পরম পিতা পরমেশ্বর संपर्यात्क कीत नदा यहन यहन करविश्यन। स्थवन्ये ক্ষেত্রকারে ঠার পুর হয়েছিলের এবং এককন সাধারণ মানুকের মতে। সকলের সঞ্চে ব্যবহার করেছিলেন। এইভাবে মহারাম নাডি ভার দিবা পরকে গতীব লেছে লাগনপালন খনতেও লাগলেন একং খনে কলে তিনি চিকা আনশ্ব, হৰ্ব এক ভবিসতে বিচল হবেছিলন। সংবেদ নাতি বৃত্ততে লেবেছিলেন মে, গ্রাহ পুর করভাদেব মাগরিকদের, রাজকর্মচারীদের এবং মন্ত্রীদের অভ্যন্ত প্রিয়। তীয় প্ৰেয় এট জনপ্ৰিয়তা কৰ্ম কৰে, বৈদিত বৰ্ম অনুসারে প্রকাশকেন করার কনা, ঠাকে সারা পৃথিবীর সংটেরতের অভিবিক্ত করেছিলেন। সেই জন্য, ডিনি ওঁর মাঞ্চকার্যে বারু উচ্চত পরিচালিত কর্মে, নেই ভর্মা প্রাক্তগণ্ডর হত্তে অবভানেরকে সমর্পণ করেছিলেন। ভারণর মহারাজ ক্রডি তাঁর পথী মেচাদবী-সহ काविकाञ्चारः शिरहहिरामा अवर चारात अन्यका अवर নিপুণকা সক্তব্যক্ত ডিনি তপ্সন্তাহ রত হতেছিকে। পুর্ব শ্বমাধিকোণে ভিনি প্রীক্তাের আশে ভগগুল ন্যা-নারামণ্যে আরাধন্য করেছিলেন। জার ছাল বধানময়ে ইহারটো नाकि देवक्षेत्रम् द्वाल स्टाहित्सन।"

ঁহে মহারাক্ত পরীক্তিং, মহারাজ নাভির মহিষা কীর্তন করে প্রাচীল কবিবা গৃটি রোক রচনা করেছেন। কর

একটা হত্তে—"মহাপাল সাভিত মধ্যে সাধাপা কে বর্তন করতে গারেঃ। সাম মতের স্বার্থকে, ব কে করতে পারিঃ তার অভিন আশ আকৃষ্ট হয়ে ভগরেন করে পুরুত্ব বরণ করেছিকে।" (বিভার প্রাকটি হক্ষে) "মহারাক নাতির (বাৰে ট্ৰাক্ষণদেৱ শ্ৰেষ্ট প্ৰকাশ (ভান্ত) আৰু কে আছে ৷ কালে তিনি যোগা ব্ৰাক্তাকের পূকা কালে উচ্চেকা পূর্ণকাশে নমন্ত্ৰ কৰেছিলেন এবং সেই ক্ৰমণেৱা ভাৰন প্ৰয়োৱ হ্রমান্যাচিত তেজের হারা মহারাজ নর্ভত সমক্ষ **अंदरम्बद्ध अवदान मादादनएक छटाआहार्द वर्णन** করিছেছিলে। মহাবার মতি কাবিকার্ড্যর প্রস্থান বৰণে, ভাৰতা কৰ্মভাৰ ঠান হাজাৰে ঠান কৰ্মনুখানে ক্ষেত্ৰ বলৈ মনে কংগ্ৰিকেন। তালনার বরং আচকা ইও জীবকে শিক্ষা প্ৰদান করের জন্য প্রথমে গুরুত্বলৈ বাস করেছিলেন এবং ওকর নির্দেশ অনুসারে ক্রাইডর্ম পালন করে গ্রহণের কঠন শিকা নির্গেছলেন। তার শিক্ষা সমাধ্য হওরার গায়, তিনি ওকদক্ষিণা প্রদক্ষ করে প্রহছ-অবেয়ে প্রবেশ করেছিলেন। তিনি স্ববন্তী নারক পরীর পাপিছাৰৰ কৰে, জাৰ মাধ্যমে আত্মদুৰ পাছ পৰ উংলালন করেজিলেন। তার পদ্ধী অবস্থিতে ক্লেবেল ইন্স জীপে মান করেছিকেনঃ অবভানের একা ভারত্তী জাতি এবং স্থান্তি পাঞ্জে ক্ষাত্র নিশ্বি অনুষ্ঠান পালন করে, প্রস্তু শ্লীবনের এক আনর্শ দৃষ্টাত স্থাপন করেছিলেন। बन्दरस्तात्व मेरु प्रदेश प्राप्त काले कर विलय त्वले গুণসম্পর মহান ভগবেরক। গ্রারই নাথ অনুসারে এই বৰ্ষকে লোকে ভালতবৰ্ষ কলে। ভলতের কনিউ আহেও निजनदर्दे स्थ दाता किन। छैएमत महा समादर्छ, ইপাৰ্ব্ড, ভাষাকৰ্ড, ফাড়, তেন্ত, ভাষ্টক্ৰেন, ইন্সাল্ডৰ, বিংঠ अवर कैंग्डे—औं ना धन (अर्थ । डेरास्ट नहरडी वर्ष হবি, অন্তর্নক, হতুর, পিরবারেন, আভিষ্ঠের, ভঞ্জি, ভ্রমন ও ক্রভাজন এই নয় কর মহতোপরত। তারা ছিলেন वीयडाभररकर वर्म स्ट्रायकः भर्द्यकः स्थाना বাসুদেকো প্রতি সূদ্ধ ভাক্তর মান। ইয়ো মহিমাছিত। তাই গুলা অভি উল্লভ ক্লাব্ৰ আংকিত। চিন্তুর শাস্ত্রি বিধানভাৱী ঠালের সেই সুস্পু চবিত্র ভারি (ওজারে (গাৰামী) গৰে (এডামশ কৰে) কাচেৰ ও মারুল সংবাদে কৰি। কৰতনেৰ ও জন্তীর উপ্তেচ উৰ্নবংশতি পুত্ৰের কমিষ্ট আনত একাশি ক্লম পুত্ৰ চিন। উল্লেখ্য পিডার আল্লেশ অনুসারে, তাঁরা আত্যন্ত নিনীত, दरमनिवृत्, सम्बन्धायथ क्षवर अमाहादवड धार्मण द्वाचल \$रवरंकरचन /"

শৈরমেশার ভাগবানের আবভার কারভাবের সম্পূর্ণরূপে হুতত্র ছিলেন করেল তাঁর রূপ ছিল স্টিচন্দেশখন। চার প্ৰকাৰ ভৌতিক ক্লেশেৰ (কলা, মৃত্যু, কলা এবং ব্যাধি) সলে উন্ন কোন সংস্থার্থ ছিল মা। উন্ন কোন মুক্তম ব্দক্ষ আসক্তি ছিল সা। তিনি সৰ্বদা সকলের প্রতি नवरणी क्रिका। किनि नव्यव्या पृथ्वी क्रिका कर সমত জীতে ওভাবনভূমী ছিলেন। পরম ইবার স্ব পরম পুরুষ হুতরা সভেও, তিনি একজন সংগ্রহণ বন্ধ জীবের মতো আচনণ করতেন। ভাই ভিনি ষ্ঠেন নিষ্ঠা সক্রমারে क्रीवंड-धर्मा कार्नेका क्षाएत। क्रान्डस्य क्रीवंड-ধর্মের অবহেন্দা হতে থাকে তাই তিনি নিজে আচরণ করে, অধ্যানকের জনসাধানকে কাঞ্রিয়-বর্ষ জন্সপুনর निका सार करता। बाँड्छार जिमि स्वन्नातातपर वर्ष चर्च, वन, नुब-कन्ता, करु तुच अस्त करानात मिछा ক্ষীবন লাভ কররে শিক্ষা প্রদান করেন। তাঁর উপদেশের इस्स टिन सन्दरमङ निका विद्यहितान, विकास गृहक्ष আবাৰে খেকেও বৰ্ণনোধ-ধৰ্ম অনুশীলন কৰাৰ কলে নিছি লাভ করা আরু মহৎ বাজির কেচাকে আচরণ করেব, সাধারণ স্বানুর ভা জনুসরণ করে। সমিও ককভাবে সমন্ত বৰ্ম প্ৰতিশাদক বৈদিক ব্ৰহ্ন্য স্বচংই অবসভ ছিলেন, তদুও তিনি নিজেকে একজন করিব বলে বনে করে, প্রাক্ষণদের নির্মেশ অনুসারে শব, দর্ তিভিকাদি ক্তকের অনুনীগর করেছিলেন। এইভাবে তিনি वर्णभाग-पर्व चनुमारः तावा मानन बर्जाहरूनः, (स्ट्रे शकाः ক্রাক্তর ক্ষরিক্রনের উপসেশ দেন এবং ক্ষরিদ্ধ-লালক বৈশা

छ नृद्धत माधारम काका भतिहानना करतन। छभनान ক্ষমভাৰে পাল্ডের নির্দেশ অনুসাত্তে সর্ববিধ যথের দান্য এক শতবার হজেবন বিশ্বুদ্ধ জালখন করেছিলেন। গ্রুদ্ সেই সমন্ত বন্ধ উলবুক্ত প্ৰব্যে সমূদ্ধ ছিল। টোলে এবং শ্রহা সময়িত অভিকল্পে বারা পুশাস্থানে ও জেট্ডক্রাল সেওলি সম্পন্ন হয়েছিল। এইভাবে ভগবান বিৰু *চা*ল वरराष्ट्रियम अपर काट धनाम नामक स्मरकारक विरामक করা হথেছিল। এইভাবে সেই অনুষ্ঠান এবং উৎসৰ সৰ্বভোজাৰে সকল হয়েছিল। কেউই আকাশ্চস্থ कारशासक करत ना, कातन जकरानदे जानाशास कारन एव ভার কোল অভিয় নেই। ভগবান সকভাৰে হখন ভারতবর্গ শাসন কর্মাছলেন, তথন একমান সানাওপ মনুবও কোন কথাে খাধবা কোনভাবে কোন কিছুৱ ध्यकाश्रम करह था। धर्मार नकरलंडे गुर्धारम धन्छ दिन अन्य छदि कारवार्वदे रकत किङ्क अध्यक्त शर्माक्त ছিল দাং সকলেই সাধার হাতি অভাগ্র ছেহলীল দিল अवर स्थारण् कारमत और त्यह अर्थना वर्तिक महिल्ल, छाहे তাদের আর অন্য কোন কামনা ছিল না। কোন এক সময় ভগরন খবচনের তথা করতে করতে ক্লাবর্তে এলে উদস্থিত হয়েছিলেন। দেখাদে শ্ৰেষ্ঠ মহৰ্থিদের সভার তাঁর পুরেরা অভ্যন্ত মনোবোধ সংকারে দ্রাঘার্বিদের উপদেশ একা কর্মানের। সেই সভায় সমস্ত প্রভালের अपूर्ण करकरण्य कांत्र शृजरका शिका तान वरविहरूका, यमिक स्रोती हित्सन जरक्छिन बक्त श्रगत-विजवापि **७**नाचित्र। किनि छैरमक केनरमन निरमहिरका सरक ভবিৰাজে তীয়া খুৰ ভাষভাবে পৃথিবী শাসৰ করতে পারেন।"



পঞ্জম অধ্যায়

পুরদের প্রতি ভগবান ঋষভদেবের উপদেশ

প্রাঞ্জাপ, এট স্কাপতে বেছখারী প্রাণীবেশ মধ্যে এই সরবেচ লভে ফরে, কেবল ইলিবলুখ ভোগের স্বাধ্য দিনবাত কঠোর পরিপ্রম করা উঠিও নয়। ঐ প্রকার ইন্সিরস্ব ভোগ বিষ্ঠাভোত্নী কৃত্য ও শুকরদেরও লাভ হয়ে থাকে। ভববং সেয়াগর অভাকত তলালা করাই উচিত, কারণ ভাব কলে হলৰ নিৰ্মণ হয় এবং হালৰ নিৰ্মণ হলে কছ সংখ্য অতীত অত্তীন চিশার আনক ব্যাচ হয়: পতিত্যাৰ হল্ম উপাসৰ এবং ভগবং উপাসৰ ছেদে বিবিধা প্রকাশবৃধ্য এবং ভগবঢ়ের পার্যদত্ত ভাল্ডরাপ দিবিধ মতি বই উপায় হতে মহাবাদের সেবা করা পঞ্চারে স্ক্রীসমীদের বন্ধ নরকের স্বারবরুল। বারা সম্পূৰ্ণী, ভগবাৰে নিষ্ঠাপৱাহণ, ক্লোধহীন এবং সমস্ত ৰ্বীবের প্রতিসাধনে হস্ত এবং বঁটা কবনও অন্যাদ আচল भारतम् ता, धीरावि महाचा नात्। नहिष्ठितः। चीता छैरानव প্ৰকাৰনামত প্ৰকাশনিত করে ঠালে ভগবং-প্ৰেম বিকশিত করতে চান, তারা ক্ষাণ্ডছবিতীন কেনে কিছু করতে চান না। ভালে কেলে আহার, নিতা, ভার একং মৈশ্বন চর্চ্য করে, তালের দেরটি পালার করতে আন, তালা ভাগের সলে মেলামেশ্য করতে চমি মা) জারা পৃহস্থ राजि फेरास्ट बरस्य शक्ति कामक स्मा। बाम्मिक खेला টানের পত্নী, সম্ভাগ বছবাছৰ এবং ধন সম্পর্যন্ত প্রতিও আসন্তে মান। সেই করে জীবা উল্লেখ কর্ডবা করেও। व्ययहरूमा करतम ना। और तकान प्रानुस्था हकरण शहरू দেহ ধারণ করনে জন্ম বতউক অর্থের প্রয়োজন কেবল তত্ত্বিক সংগ্ৰহ কৰে। তীৰ কৰে ইন্মিয়নুগ ডেলাকেই জীথনের চরম লক্ষ্য বলে হিবেচনা করে, উপন সে অকণাই কড়-জাগতিক জীবনের প্রতি উত্তরের মতে না যে তার পর্বকত গালকর্মের কলে নে একটি শহীর প্ৰাপ্ত ব্যোছে, বা অনিয়া এবং সমস্ত দুঃধ-দুৰ্ঘনাৰ কাৰণ। সিথিল হয়, উপন সে গৃহ, কলাই, সন্তান ইত্যাহিত প্ৰতি

फारतन चयकरमय कीड भूउरपढ़ रंभरतव—"(इ. डाक्कमएक बीएका ब्रफ्क राष्ट्र शहर बन्दर कथा नह, किस ইলিয়স্থের অবৈচ্ছেল করার কলে, সে অর সেহ ব্যত কৰে। প্ৰতি আমি মনে কৰি যে, বৃতিমান মানুকো পাক ইলিখনতি সংগ্ৰে প্ৰবৃত ক্ষয়া উড়িত নয়, বাৰ কলে त्म क्वान्ति नम् क्वानि सफ नदील धार हत। सेन्स ৰুতকৰ পৰ্যন্ত আত্মভন্ত সময়ে জানতে অভিলাম না করে, ভাতমাশ পর্বস্ত সে করা প্রকৃতির প্রভাবে পরাক হতে অভিয়াজনিত ক্লেশ ভোগ করে। পাপ অথবা পুশ্ উভয় প্রথার কর্মই কর্মফল উৎপন্ন করে। যে কোন প্ৰকাৰ কৰ্মে কৃতি থাকলেই ত্ৰম কৰ্মাকক হয়, অৰ্থাৎ সকাহ কর্মের বাসনায় আলত হয়। খন বাইকের কর্মাবিত থাকে, ততকল চেতনা আক্রেনির থাকে এবং তার ফলে জীব সক্ষা কর্ম প্রবৃত্ত হয় এবং তাকে প্রেক্তর পর এক কত দেহ ধারণ করতে হয়। জীং কডাব্দা ভয়ে।ওপের হারা আহাদিত থাকে, তওঞ্জ দে আছা এবং পরস্বাস্থাকে উপদক্ষি করতে পারে না। তার মন তথন সনাম কর্মে কণীভূত থাকে। তথ্যি আরম কেরে অভিন ধাসুদেবে ৰচক্ষা মা প্রীতির উবর হর, অভারত সে কড় দেশ্রের বছন কেকে ইন্ড ছাতে পারে না। আনবান ছথকা সন্তেও জীন বস্তব্দ ইপ্রিয়নুখ ডোলের চেইন্ডে ক্ষার্থ বলে উপদক্তি মা করে, ততক্তপ তার বরুল বিশাতির কলে যে তৈওন সুখ্যায়ক বাহের প্রতি আনক্ত থক্ত अवर मान श्रेकति देशच-पूर्णन्तु (साम करता) काट चारशा একটি মূৰ্ব প্ৰায় থেকে কোন বাংলে লেখ নছ। স্থা ও পুরুষের পরস্পারের প্রতি আতর্মণ জন্ত-জাগতিক কীবনের ভিত্তি। এই বার আস্কিই শ্রী-প্রবহর পরাম্পরের কুলয়গুরি-স্থান এবা তার কলেই জাঁকের বেই, পুহ, সম্পত্তি, সভান, স্বাধীয়ক্তন ও ধাং-আসক হতে নাম প্রধান পাপকর্মে হয়। সে জন্ম সম্পাদনিতে 'আমি এবং আমার' বৃদ্ধিরূপ মোহ উৎপন্ন হয়। বাধন হাল্বের কর্মকাল-ক্রনিত পুদ্র চলস্থানি অনাসক হয়। এইভাবে সে তার সংসার বছনের মুল কবেশ আমি ও আমার' রূপ অহ্বারাদি পরিত্যাপ করে বিমৃক্ত হয় একং পরম পদ প্রাপ্ত হয়।"

হও। ইপ্রিরপুর ভোরের প্রতি বিরস্ত হয়ে সুর্থ-দুংব, কুরে নিকেশ করা হয়, ভারলে ভারা কি পুরুষার্য লাভ ব্য এবং প্রাশ্, হন ও ইন্মির সর্বাচাল্ডাবে সংবত করার অভ্যাস কর। শারের একি পূর্ণ প্রভাগরারণ ছও এবং সর্বদা ক্রম্বর্কে পালন কর। অনর্থক বাক্যলোপ কর্মে করে কর্তবাধর্ম সম্পাদন কর। সর্বাদ ভগবাদের কথা চিন্তা কর এবং উপযুক্ত পার থেকে জান অর্থন কর। ब्रहेक्ट्रब क्रिक्सन मध्य स्ट्रा देश्व, वक् ७ वितक क्रु ছলে, ভোষরা **অংকার খেকে মুক্ত হতে পারতে।**"

*(হ প্রথণ, অর্থি তোমাদের বে উপলেশ নিলাহ, অত্যন্ত সাবধানতা সহকারে সেই উপধেশ অনুসারে আঃধ্ব কর। ভার কলে ভোমতা সভাগ কর্মের वामनवाम व्यविशा (यदक मुक्त इतव अवर इमारशिह সমাককণে জি হথে। ভারণার ভানিক উর্লাভ লাগনের ৰান্য তোনাদের এই মৃতির উপারও তান্য করতে ছবে। অর্থাৎ, মুক্তির উপারের প্রতিও ছোমরা অন্তর্ভ হতে। মা। কেউ যদি জনবভাৱে কিয়ে অধার মদ্য ঐকাভিকভাৱে च्याउदी इन, जाराज समयात्मा कृषा मास्टरे कीवाना ५१व শক্ষ্য বলৈ বলৈ মান কাতে হবে। পিয়ে পুরামে। কক निकारमध अक्त सामा अभारतम और अकाद निकार भाग

অনুসরণ করতে কথনও কদনও প্রকাশন হয়, ভাগ্যালও ক্রন্ত না হয়ে ভালের উপদেশ দান করতে থাকা উচিত। বে সমস্ত হয় বাজি পাপ এবং পুন্ত কর্মে বুলু, ভাষেত্র "হে পুরুপর, আবাজিক ক্রডেন্যা অভি উন্নত কর্তবা হক্ষে দর্বভোড়াবে ভগরতের দেবত বৃক্ত হওছা। পরসহসেকে ওক্তবেরমণে বরণ করা উভিও। এইভাবে সর্বনাই স্বাস্থার কর্ম পরিভাগ করা কর্মক। হোগের শিল্ প্রমেশ্বর ভ্রমর্কর অসার প্রতি প্রায়া এবং ভক্তিপরারেশ । পুর ও প্রকাদের ববি সভাগ কর্মে নিযুক্ত করে সংসার-শীত-উঝ—এই সম্বভাব সহ্য কর। স্বর্গল্যেকে উন্নীত করবে। স্থা আছের দ্বারা পরিচাশিত হয়ে আছকুপে হপেও জীব হে পুঃখ-পুর্নশার বছন থেকে সুক্ত হতে। পণ্ডিত হওয়ার মতে। অঞ্চলতাকণ্ড বিবয়সক ব্যক্তিবা পাৰে মা, সেই কথা হাৰয়সৰ কৰাৰ চেটা কৰ। তাদের মহল লাভের উলয়ে অবগত নৱ। তারা নিতাত তখনুসম্ভান কর। ভারত্বর ভগবস্থতি লাভের জন্য সব। কামান্ড হয়ে ভোগ্য বিষয়সমূহের জন্ত সর্বান ভাতিলার রকর জগদা কর। ইত্রিরপুর জোগের সমস্ত প্রচেষ্টা করে। সেই সমস্ত মুচ কভিনা কনিতা ইত্রিরপুরের জন্য পরিতরেশ করে ভাগবানের সেবার বৃষ্ণ হও। জাগবানের , পরাপানের প্রতি ইবাপনায়ণ হয় এবং ভার কলে জার্ডনীন কৰা শ্ৰহণ কর এবং সর্বনা ভগবন্ধকের সঙ্গ কর। সুংগকট ভোগ করে। কিন্তু ভারা কর্তই মূর্ব যে, সেই ক্ষাবানের মহিমা তীর্তন কর এবং চিশ্বর করে সকলকে। কথা ভাষা ব্যাতে পারে না। কেউ কনি করানী হয় সমন্তিতে দৰ্শন কয়। পাঞ্চা বৰ্জন কয় এবং কোৰ এবং সংসাম মাৰ্থে আগন্ত হয়, ভাহলে বৰাৰ্থ জানবান, ও শেকি পদ্ধা কর। দেহ, গেব ইত্যাদিতে মনকবৃদ্ধি। কৃপালু এবং পারমার্থিক সাথে উন্নয় কোনও ব্যক্তি শরিত্যার করে শান্ত অধ্যয়ন করে। নির্জন স্থানে রাম। কিন্তাবে তাকে স্কাম কর্মে চাবুর করে জড় জগতের ক্ষমে আরও বেশি করে জনত করতে পারেন ৷ কোন অৰ ব্যক্তি যদি বিশংখ কান করে, ভাহতে কি কোন সঞ্জন ব্যক্তি ভাকে সেই বিশয়ের নিকে অপ্রসা হতে বিচ্ছে প্রেরণ কোন কানবান অথবা বচ্চপু ব্যক্তি কথনও ভা হতে যেন মাঃ বিনি তার আহিত কনকে সমুপছিত মুত্যুরূপ সংসার মার্গ থেকে উদ্ধান কংগত না পারেন, তার গুরু, পিতা, পতি, জননী অংকা পুজা (स्वड) एउमा देविक स्वा।"

"আমার চিত্রর কের (সভিন্যাক্ষমার বিগ্রহ) ঠিত বকটি মানুষের মতো, কিছ তা অনুষ্য-শরীর বছ। এই जब च्यक्तिकोत । व्यक्ति क्या अकृष्टित स्थता संध्य रहत কোন বিশেষ প্রকার শরীর ধারণ করি না; আমি খেলোর এই শরীর প্রহণ কবি। হামের ছলর তক্ত সন্তুমর এবং আৰি সৰ্বদ্য আমার গণ্ডদের কল্যাপের কথা চিন্তা করি। তাই প্রদৃত ধর্ম যে ভতির পঢ়া তা আমার হাদরে রবেছে এবং ভা আমার ভক্তদের জন। অধর্মকে আমি আমার ক্ষণ। থেকে বহু দুরে পবিভাগে করেছি। বালা অধ্যার্মিক ম অভক, ভালের প্রতি আহার কোন অনুরাধ দেই। কর্মেন। শিবা, পুত্র কাধবা প্রকা যদি সেই জানেশ আন্তান এই সমগ্র নিবা ওপানেশীর জন্য আর্থনৰ আত্তাবে

লচতদেৰ ভৰ্মাৎ সৰ্বজ্ঞেষ্ঠ পুঞ্জ বা ভগবান হলে গ্ৰহেখন কৰেন ("

"হে পুরুষণ, সমস্ত চিকার ওলের আবরে আমরে মুকর থেকে তোমরা জনতত্ব করেছ। তাই তোমাদের মাংসর্ব পরায়ণ বিষয়ীগের মধ্যে হওয়া উচিত নর। তেনের। ভোৱাৰের জ্যেষ্ঠ ইতে। উক্তরের ভারতের আনুরজ্যে থেকো। তোনর বন্ধি করকের সেবার বুক্ত ২৩, ভাহলে ভার কৰে আমাৰও সেবা হবে এবং ভোষাখের প্রজাপালনাথি কর্তব্যসমূহও সাবলীলভাবে সম্পর্কত इत। हिर बार फरिर-वारे गुरे क्षमा क्रमानिक मस्तित হথে গাৰৱদি হড় পদাৰ্থ থেকে স্থান কৃষ্ণ ইত্যাদি (কাশান্তি, দুণ, ওশা এবং বৃক্ষ) গ্রেষ্ট। স্থাবর কৃষ খেকে ব্যবক্ষম সমীলুল রেষ্ট। সমীলুগ খেকে ইয়াতভা বৃদ্ধিমন্তাসক্ষম পাওয়া হোষ্ঠ। পাওমের খেকে মানুহ জেষ্ট এবং মানুৰ খেকে ছণ্ড-প্ৰেড মেষ্ট কালে ছাচাৰ कुल हार हती। कारनत १४एक ह्यांके तकर्य अवर গভর্বনের থেকে শ্রেট নিছ। নিছনের থেকে শ্রেট কিলা এবং ঠানের খেকে শ্রেষ্ঠ অনুর। অনুরক্রে খেকে एनरकात क्रांक असर कारकारमच बरका क्रांक क्रांक के_{ला}। ইলেন থেকে মেও ক্ল আদি প্রসার পুরসণ এবং রক্ষার भूतरमा महाह नर्दछाडं स्टाइन नियः, निय हावल भूत বল রক্ষা তাঁর বেকে শ্রেষ্ঠ, কিছু ক্ষাও আফা ফালে। কিছু অতি প্রাক্তরণের আহর পুরা বলে মনে করি, তাই क्षेत्ररमशः स्टब्स् प्रदेशक।"

^লটে রাজ্পগার, আমি এই **জনতের জেন প্রাণী**কে ত্রাক্তপের সমপুনর বা ত্রাকাণের বেকে শ্রেষ্ঠ বলে মনে করি নাঃ আনার মচেবভাব সময়ে অবগত বাভিরা বল অনুঠানের পর, প্রকা এবং প্রীতি সহকরে প্রকাশের কুৰে ব্দি শ্রদান করার মাধ্যতে আমাকে তোজন করার। হথন এইভাবে আনাভে কর নিবেন্দ করা হয়, তবন সা আমি পূর্ব কৃত্তি সহকালে আহার করি। প্রকৃতগতে, এইভাবে গ্ৰাপন্ত ভোজন আহি অভিযোগ হল্কে সিবেলিক কোমন প্রেক অধিক ভৃত্তি সহকারে গ্রহণ কবি। শলকণে কে আবার শাবত অবভাব। তাই কো হতে, শবরুদ। এই ক্ষাতে ক্রামণেরা সমস্ত্র ক্ষে অধ্যয়ন করেন এক কেইছ क्षेत्र देवनिक ब्राइन समराजय कातम, कारे केरला वृद्धियान কো কলে মনে করা হয়। *রাক্তবেরা স*ক্তরে কাছিত,

ভাই ঠাক শ্ৰম, মন, সভা, অনুচছ, ওপনাই, সহিস্থাতা, व्यनुक्त--वरे वार्ति कला बादा क्यांबर । चार-वर अवस कीर्यक कार्या क्येंग्रेंने क्षाकारण त्यांक क्यों नह। আনি সৰ্ব ঐপর্যপূর্ণ, সর্ব শক্তিমান একং ব্রহ্ম, ইন্ড ইত্যানি সেবভারের থেতেও তেওঁ। আমি কাসুৰ ও ছতি প্রদানতারী। কিছু তা সংস্থ**ে প্রাক্ত**েরা আমার কাছ বেকে কোন রকম কড়-জাগতিক স্থাপাক্তমা প্রার্থনা করেন না। তারা অত্যন্ত গঠিব এবং অভিকর। তারা কেল খানাতেই ডব্লি করেন। অনু কারের কাছে স্বাগতিক লাভের কলা বাবের প্রথম কলা আর কি SKEINER PT

'মে পুরস্থ, হানর অধন রক্ষম কোন জীকে প্রতিই মাত্র্যর্থ পরামণ হরে। মার্থি তামের সকলের মধ্যে विशास कर्राव त्यात गर्नम् प्राप्तक मध्यान करता, प्राव्हन व्यापात श्रीकी नेपान शर्मान क्या स्ट्रा मान, इपूर ग्राम ब करामा भवत देखितधनित कार्य कार्य स्टब्स कार्याहरै কেনার পূর্বকাপে নিব্রু ছঙরা। জীয়েকে ইন্সির বাদ এইভাবে নিযুক্ত না হয়, ভাহতে জীৰ ৰমবাক্তেই গালসকুৰ সংসাধ বন্ধন থেকে যুক্ত হুওয়ের কথা কলনাও ক্ষতে পারে মার্শি

নীওবলের গ্রেম্বামী কর্মন—"এইডারে সহয়ের শরম সূক্ষে উপনাম কর্মতাের লোক্তিকার করা প্রাত্ত পুঞ্জর শিক্ষা বদান করেছিলের, বলিও ঠারা সকলে সুনিক্তি ছিলেন। বানগ্রহ কান্তর প্রহণ করের পূর্বে, পিতার পুরুষের কিছাবে উপক্ষেপ ক্ষেত্রতা উচিত, সেই नुष्ठाच जानम कराव सन्। टिलि डीएवड्र सैन्एरम পিরেছিলেন। কর্মধন্তন মুক্ত নির্ভাগ জাতি পরায়ধ সম্যাসীরাও এই উপদেশ বেকে শিকানাত করতে भारतमः। करतरमय चीत्र मंत्र जुद्रामा द्वी है भारतम् विटर्शहरूका, थीएला प्रदेश स्थानं स्थानं विकास व्यवस ভারতে এবং বৈশ্বব্যের অনুগত। সাম পৃথিবী পাসনের জন্য ভারম খবভাবে জন জ্যেষ্ঠ পুরকে প্রক্রসিংগ্রস্থ অতিবিক্ত করেছিলেন। ভারণর অনিতেত হতেও শাহিনেত্রৰ পরিশ্রহ করে, উচ্চতের হাত্রে দিলগার ও বিমুক্ত কেশ হতে, আহকেনির অভিনে নিজের হতে। স্থানার করে তিনি প্রস্থাবর্ড থেকে পরিব্রকে প্রভা করকের।"

"ভগ্ৰান কাতেনেৰ আগত বেশ গ্ৰহণ করে ফান্ধ त्रवारंकत भारत कक्ष, कह, मूक, श्रीत छ निनारात भएन বিচৰণ কৰতেন। জানুৰ খলিও ভাঁকে সেই সমস্ত নাথে সমাধশ করও, তবুও তিনি মৌনাধলকা করে কারোর সঙ্গে বাক্যালাপ করতেন না। ভবতবেব বগরী, প্রায়, ক্ষী, কৃষিক্ষের, উপভাষা, উন্যান, সেন্যনিক্সা, গোনিক্সা, গোপপলী, ফারীনিকস, পর্বত, অরশ্য, অলার ইত্যাদি স্থানে কাশ করতে কাগদেন। তার কাশ্রে সময় মাধ্যি ্ৰেম্ম কাছতীকে বিয়ে উল্লেখ করে, সেইভাবে দুর্ঘনোর का अन्मीर, जाहर, बारत शकात ७ पुरु नविकास, नामा, रिक्षेत क पूजि जिएकन, चरुवावाव कार्य क्यर पूर्वाका প্রয়োগ প্রস্তৃতির বাস্তা ভারে জনভাবে ক্রেশ প্রদান করণেও তিনি সেই সময় প্রায় করতেন না। কারণ তিনি ব্যালে পেরেছিকো যে, মাত পরীরের পরিবতিই তাই। তিনি চিমা করে কাহিমান কবিটিত ছিলে, তাই रिनि और नगर सरमानमा शाहा क्यांटन मा। नकारता বলা বার যে, তিনি ঠিং এবং অচিং-এর পার্যকঃ সম্পূৰ্ণরূপে হাদরগম করেছিলেন এক ভাই জাঁর কোন রকর দেখাকান্তি ছিল মা। এইভাবে কারের প্রতি ক্রছ स इस अक्षकी मात्र भृषियी भवीन कराए कामाना ।"

क्रिकाम क्षत्रहाराका कर, प्राप्त अवर रकका हिल धाळाड हीर्च। छोड भारतम, मुध्यकन शहांके चावस्य অভ্যন্ত সাক্ষমৰ এক স্থানিত বিদ্য। তাৰ কুখহওল বভাবনিত্ব হাসিতে নিবন্তর শেন্ডিত বিল। ভার প্রপতির মতো বিশ্ব এবং আলা বর্ণ। তার চেখের তার। এত মনোহন ছিল কে. তা দৰ্শকের সমস্ত সভাপ হয়ল সুপর ছিল বে, বিগহিতা রমণীনের স্থানরও তাঁর প্রতি আৰুষ্ট হত। ভালা কো কমবাণে কলবিত হতেন। তাল হাহেছিল, ভৰুও ভিনি লেওলি ব্যবহার কমেনি।"

মূল্য ক্ষতে বিল কুলিত কটাবৃক্ত লিমল বৰ্ণ কেশ। তাঁব অভিনাম্ভ চল, মালন শরীর দেখে জাকে শিশাচগ্রন্থ বনে মতন হ'ত।"

"ভগৰান ধৰতদেই ইখন সেখাপেন যে, জনসাধারণ ষ্ঠার যোল স্মধনের তাতিবন্ধকতা করছে, তবন তিনি খার প্রতিকারের জন্য আঞ্চগর বৃত্তি প্রহণ কর্মেছিলে। তিনি একছানে শহন করেই আহার, পান এবা মল-যুৱ পরিস্তাপ করতেন এবং দেখনেই অন্যাচন করতেন। তার কলে তার শরীর তার নিজের বিষ্ঠা এবং মৃত্যে লিগু হরেছিল, যাতে বিরোধী দুর্জনেরা এবে তাঁকে নিরক্ত সা করে। বেহেত কবডমেন সেই কবছার ছিলেন, আই সমূৰ আৰু তাঁকে বিরক্ত করেনি। বিশ্ব তাঁর মল-মূত্রে কোন দুৰ্গত বিল না। পঞ্চাবৰে, তাঁর মল-মূম এতই দুৰ্বনিক বিশ ৰে, ভার সৌরতে চতুর্নিকে শূল মোজন পর্বত ক্লা সুরভিত হতেছিল। এইভাবে ক্ষতেনের গাড়ী, মূপ এবং কাকের বৃত্তি অনুগমন করেছিলেন। কৰনও পদন করে, কখনও বা একছানে অবস্থান করে, কখনও উপকেশন করে একং কখনও স্থান করে তিনি গাড়ী, মৃগ ও কাকো যতে আচকু করে পান, ডোজন ও মল-মুদ্রামি পরিত্যাক করতেন। হে মহারাজ পরীকিৎ, ভালবাদ ক্ষমুদের যোগীদের আচরণ প্রদর্শন করার জনাই वरे काटन विविध त्यारशय धन्तंत्र करशहरमा। প্রকৃতপক্ষে তিনি বিলেন ছতিক অধীপন এবং মৃতিক আনৰ খেকেও শঙ-সংয ওপ অধিক চিন্দা আনশে নমন্যুগৰ বিশ্ প্রভাতের শিশিরসিক্ত নবীন পদ্মকুলের তিনি স্বপ্ত ছিলেন। যাসুদের ক্ষমই হাছেন ক্ষমভাবের অংশী, ভাট ভাঁনের ব্যৱসে কোন ভেদ বিদ্য মা এবং তার হলে ববডদেব অঞ্জ, পুলর, কম্পারি লক্ষ্ করত। উরু কণাল, কর্ণ, কট, নক একা অন্য সমাধ্য সমন্বিত ভরষণ শ্রেম জাগরিত কর্মোছলেন। তিনি সর্বদাই चरका चलत जुन्त कि। केर पश्च शनि मर्गन केर कनरात्त कि क्षाय प्रश्न किला। जह स्था चलतिक पुराव चरिकछह (मैक्टिर बरिक बरह) थ। बठदे विदल, मत्तर गुरिएर द्यान, चरुर्यम, धान (१११) स्थान নুরদর্শন প্রভৃতি কোগনিন্ধি যদিও জালনা থেকেই উপস্থিত

যঠ অধার

ভগবান ঋষভদেবের কার্যকলাপ

क्षतान्त्र- "हर् स्थवन, मैहनद समय मन्त्रन्त्र विर्वत् ভতিযোগ অনুশীরদের প্রভাবে ওারে আন লভে করেন এবং সভায় কর্মের প্রতি তাঁদের সংস্থ আসঞ্জি সম্পর্ণরাগে দল্প হরে ভারী*ন্*ত হর। তবন উম্পন্ন করে সমজ যোগ ঐত্য আপন্য খেকেই উপস্থিত হলেও ভা গ্রহণের করেছ ঞ্রেশবারক হয় মা। ভাহতে ক্ষম্প্রথার কেন েখেলি অসীকার করণেন নাঃ"

শ্ৰীল প্ৰকাশৰ গোখাৰী উত্তঃ লিক্তৰ—ৈ বাজন, আপনি মা মলেকে তা সতা। কিছ, দুৰ্ভ মাধ কেন্দ পশুদের ধরার পরও ভাচের প্রতি সম্পর্ণ বিশ্বস স্থাপন করতে পারে না, কারণ ভাষা পালিয়ে বেতে পারে, তেমনই মহাস্থাগণও চক্ষল মনের প্রতি আরা রাপন করেন না। ভাই তীরা সর্বদা অভান্ত সতর্বভাগ সঙ্গে मनरक भर्यस्थकन करकन ("

তাই তার সঙ্গে বছড় স্থাপন করা উভিত না। হলেব হাতি পূৰ্ণ বিশাস স্থাপন কালে, কে কোন মুহূৰ্তে জ আমানের প্রভারণা করতে গতে। কেংনিকেং মহাকেব্র क्षमवातम् । व्यक्ति पूर्वि । एएच किलिंड सर्वाहरू अपर সৌঙ্ধী মুনি খোগসিছির ছাও উহত জবছা খেকে অধ্যপতিত হরেছিলেন। অসতী স্ত্রী কেনা সহয়েই উপপতির সঙ্গ লাভেন খন্য নিজেব কারীর প্রাণ বিরাধ ক্যার, তেমনই বোগী বলি ঠার মনতে সবতে বা রাখেই **अरुटन छोत यन काम, त्याम, त्याम देखानि मक्टनर** অব্যা দিয়ে নিশ্চিতভাবেট দেই বোগীকে হঙা করবেং मन रेटाक् कार, द्वाराथ, यह, त्यारु, त्यारु, त्यारु बंदर **प्टराव मून काइन। और जब अकटा कर्यकारना मृडि** করে। অভ্যান ক্রেন বৃদ্ধিয়ান ব্যক্তি এই স্লাকে বিশ্বাস क्राएक :"

"कारान कराउटार और हमारका महत्त्व संस्थ अस শিক্ষাটনের শিরেড্রখণ ছিলোন কিছ ভিনি অবধৃত্যে কো, छात्रा वानर इदित कर्यमच्या बहुत क्षत्रनर सरदान

মহারাজ পরীক্তিৎ শ্রীণ ভারতেই লোকাইতে জিবলের করন্তিলের বলে, ভানা ক্রেইট টার দিবা ঐপর্য দর্শন কতে পারেন। তিনি বোগীদের দেহতাপ করের প্রক্রিয়া শিক্ষা দেওবার ক্ষমা এইজনে আচনো করেছিলেন। কিন্তু কা সন্থেত, বাসুদের ক্ষেত্র আগে-অবভারটারে তীয় মুলাহিতি ভিনি মৰ্বদাই বজার হেখেছিলেন। সেই অবস্থার নিবন্তর অবস্থান মতে তিনি খক্তবেদ রাপে এই क्क कार्यं दीत मीना वरस्त्र क्रांतिरणन। क्रांतान ধৰতদেবের পদার অনুসরৎ করে কেউ যদি ঠার সুস্থা দেহ ভাগে কথতে গতেন, ভাহলে আন্ত ভাগে হাড় দেহ বারণ করার কেনে সভাবনা থাকে না। প্রকৃতপক্ষে ব্যবস্তালের কোন কড শরীর বিল না, কিন্তু যোগমারার প্ৰভাবে ভিন্নি ঠার কেহকে ঋত থকে মনে করেছিলেন এবং বেছেড় ডিনি একজন মাধারণ মানুবের মতো শীলাবিলাস কর্ডানেন, তাই তিনি তার দেহাস্থর্ডি भविष्ठात्र कार्याहरूम। और छात्र कुल अवर मृत्यु स्पर পণ্ডিতেরা বলেছেন—"মন কভাবতই অভ্যন্ত চঞ্চল, অভিযান পানিতান করে প্রমণ করেত করেছে তিনি দক্ষিণ ভারতের বলটিক প্রদেশের কোছ, বেছ ও কৃটির প্রাকৃতি দেশ কম্প করে, তাঁন ইকা অনুসারে কুটকালে পর্বতের সমীলকটা উলবলে উলবিত হয়েছিলন। লেখানে তিনি উল্লেখ্য মধ্যে কডকওলি পাধ্যমে টুকলে নিঞ্চেল করে, উত্যাদের মতো মৃক্তকেশে লিগবর বেলে রমণ করতে লাগলেন। তিনি করে এইতারে প্রমণ করছিলেন, एका चतुरवरण रुखे बहुत केंद्रक मरदा जरपर्वरक्ष करण প্রচণ্ড দাব্যালা প্রছলিত হয়েছিল। সেই গবেসক স্বণবান বহুতদেবের বেহুসহ কটকচলের সমীপবতী সেই কটেকে ভাষীতত করেছিল।"

শ্ৰীল ওক্ষের লোলামী ব্যাহার প্রীক্ষিৎতে थार्गान-"(व् देशान), चराउत्भावत् कार्यकर्मारभव कथा श्रेश करत करा केर केरत कन्य करा कार करा क्रोरफड बाबा चर्च अब बहुन स्मापक श्रदर्धन करविराजन। भागमा कमिन्द्रभर मुख्यम शहन करत. बाबा फर्ट्य विद्या १८व अवर मधन्त का सन्दिन्तनाकादी বৈদিক ধর্মণার পরিভাগে করে, নিক্কের মনগড়া এক

(कारिकृष्ट धर्मप्रक छर्डन कर्डिस्ट्रिका। अरेफार्ट জৈনধৰ্মে সূচনা হয়। খন্য খনেক তথ্যকথিত ধর্মণ্ড এই মাডিকা মত অনুসরণ করেছিল। ভার কলে मदाध्यावा देखी यात्राव विद्यारिक इत्त, क्वांक्स ध्यांत বিধিনিষ্টের পবিত্যাগ করবে। ভারা দিনে ভিনকার সান এবং জনবাদের আর্ডালা পরিভারত করাব। শৌচাচার পরিত্যাস করে এবং প্রমেশন্ত ওপরানকে অবজ্ঞা করে ছালা কৃসিভাবসমূহ সীব্দর করবে। নির্মান্ডভাবে প্রদ नो करत अवर चारुवन का करन चाटा नर्गम चरलीठ খাকবে এবং ভারা ভাদের কেল উৎপটন করবে। প্ৰনগড়া ধৰ্ম অনুষ্ঠান কৰে, তাৱা অংকা প্ৰভাৰ নিভারে कतरद। और कलियुर्ग, प्रानुस्तान चथरका क्रांट चिथक খনুবক্ত। তার ফলে সেই সমস্ত মনুবের। স্বাভাবিকভাবেই ধেন, বেদানগ ব্রাক্তর, জগবান এবং ভণ্ডবছৰ উপচাস করবে। এই সমস্ত নরাধ্যমের। বেদবিরোধী ধর্মমন্ত প্রবর্তন করে। ভালের মনগভা মন্তব্যদের অনুসরণ করে ভারা আপনা থেকেই যের एबिट्र द्विष्ट हरू। यहै कतिहरू यमुद्रका का अक ভয়োওণের ধারা আজন। ভাগবান ভারতদের ভাগের মায়ার বন্ধন থেকে উদ্ধার কথার শ্রন্থ অবভর্গ করেছিকের "

Appr

"निवर्ण्या भागस्यादका निवा वनावनी वर्गना करह এই প্রকার এয়াকসমূহ কীর্তন করেন-"খাহা, সপ্ত-সাধর क्षर भव-दीभ माहिला भूथिरीय घट्या करे छातल्यदि সূব চাইতে পবিত্র স্থান, কালে একানে স্কলেই করস্তদের ध्वति चग्रवातम् ध्वराजातम् प्रविधा कीर्डन वराध्यः। प्रान्त সমাজের কলাপ সাধানের জন্য এই সমস্ত্র কার্বকলাপ ফতার পরিব। আহা, প্রিরেণ্ডের বলে সম্বন্ধে আমি কি कान, या चाठान्छ निर्मान धावर विश्वास्त । और वरान नुवान পুরুষ আদি বেং ভাগরুৰ অবঠীর্ণ হয়ে সভাষ কর্মের নিববিচ্যাক্ত ধর্মের আধান করেছিকো। একা কোন रक्ती कि चारक विनि घटना बाक्ष वरुटररका चार्म অনুসরণ করতে পারেন? যোগীয়া সে সহস্ত সিদ্ধি লাডের কন্য লালাহিড, ভগবান ঋণভাগের সেওলি '**অসং' বলে প**বিভাগে করেছিলেন । এজন কোন বোগী আন্তেন কর্মভনেকের করে বার ভুকনা করা বার গ

থ্ৰীল কৰ্মদেৰ পোস্থায়ী বললেন—"ভালেন খবভাৰে

সমস্ত বৈদিক জান, অনুৰ, দেখতা, পাৰ্ডী এবং প্ৰাঞ্চপদের ভক্তঃ আমি পুৰেই তাম বিওছ, দিবা কর্যকলাপের বিজ্ঞানত কৰিল কংগ্ৰছ যা সমস্ত জাঁবের সাবতীয় পালকর্ম কিন্তুন করে। ক্রণবান খনতদেকের দীলার এই কর্মনা সমত মাসনোর উৎস। মিনি আচার্যদের পদায় धानुभाग करत बातारशाम महकात छ। अयग करता घरता কীর্ত্তন করেন, তিনি নিঃসম্পেত্রে ভগবান বাস্থেদেবের ইলাফলনে অন্যয় ভাজি লাভ করবেন। ভগবছতেবা খাত আগতের বিভিন্ন দুর্গে-দুর্গনা থেকে মুক্ত ছওয়ার কলে, নিবের ভাগতালির অমৃতে অবগানে করেন। তর যতে গুলবছক পরম আনল উপভোগ করেন এবং মৃতি হুলং শুন্ত কেন্দ্ৰে কন্ততে আনেন। কিন্তু তাৰা তাঁৱ সেব প্রহণ করেন না। এমনকি ভগবান করং তাঁদের মৃতি দিতে চাইলেও ভারো ভা গ্রহণ করতে চান না। ভারের কাৰে মুক্তি নিভাবাই নগৰা, কারণ ভগবানের দিয়া প্রেমঘ্রী সেবা লাভ করার ফলে, তাঁনের সমস্ত व्यक्तसम्बद्ध नुर्व शहा बात अवर छै।एस व्यक्त (कान सफ्-জাগতিক ক্ষমন্য থাকে না।"।

"হে রাজন, পরফেশ্বর ভগবান মুকুক **পাত**ৰ ও যদমের পালক। তিনি আপনাদের ৩মা, ইউদেব, সধা এক কার্বক্সাপের প্রিচালক। অধিক কি, তিনি ক্ষেন त्याम मारत चार्यमाराहर वार्टावर मुख घायश विवासक कार्यं करहिंद्राजन। चार्यार छिनि अकवान आधारण ভয়ের মতে আচরণ করেছিলেন। যাঁরা ভগরনের কুপা লাভের অন্য তার দেবার যক্ত, তারা অন্যানলে মৃতি মাভ করতে পারেন। কিছ ভিনি সচলচর কাউকে ভঞ্জিবোৰ প্ৰদান করেন কাঃ জগবান প্ৰযন্তমেৰ তীৰ খ্যাল সহতে খবলত ছিলেন ভাই তিনি ছিলেন আছতগু এবং ইনা বড়্য ইন্দ্রির সুবড়োগ্নের কেল বাসন্য হিল না। বেহেড় তিনি ছিলেন বছকে-পূর্ব, তাই তার কোন প্রকার সাফল্য লাভের ক্ষেত্র ক্ষমন ছিল না। সামা দেহাযাস্থানি-যুক্ত হয়ে ক্ষত্ত পরিকেশ সৃষ্টি কথার ক্ষান্য খুখা পরিপ্রম করে, ভারা অবশ্রই ভালের প্রকৃত স্বার্থ সম্বাহ্ম অবগত নত। ভগবান ক্ষতদেব তাবে অহৈত্কী কুপাৰণত, আহার ইরেল এবং জীবনের উদ্দেশ্য সমূতে শিক্ষা দান করেছিলেন। ভাই স্বরমরা ভগকান করন্ডদেবকে আমাপের মঞ্জ প্রগতি নিয়েন কবি।"

সপ্তম অধ্যয়ে

মহারাজ ভরতের চরিত্রকথা

জ্ঞাল প্রকাশের গোলাসী মহাতাজ প্রীকিংকে মেবসাদের কর্মা করা হয়েছে ডিলি তালের নিয়ন্ত্রণ वलालन-"(इ वासन्, प्रशास छवछ दिलन প্রচাঞ্জালবন্ড। তিনি তার শিতার সংকর অনুসারে, লাঞ্চালয়েলনে অধিক্তিও হরে পথিবী শাসন করতে ৬ক করেছিকেন। তিনি গ্রন্থ লিতার আনেশ অনুসারে, বিশ্বরূপের ফল্যা পঞ্চায়নীকে বিবাহ করেন। আহম্বা থেকে যেমন পঞ্চতশারের উৎপত্তি হয়, তেননই মহারাজ ভবত তার পত্নী পক্ষরনীর সর্ভে পাঁচটি পুর উৎপালন করেছিলেন। ভার সেই প্রমের নাম ছিল স্মতি, सहित्य, मार्नान, कारान कार कारकड़। नहीं की कर्क নাম ছিল অঞ্চলত, কিন্তু মহারাক ভরতের ব্যৱস্থাকা থেকে তা ভারতবর্ব নামে পরিচিত হয়। মহাজ্ঞানী মহাজ্যর ভরত সারা পৃথিবীয় অধিপতি ছিলেন। ধীর কর্তথা কর্মে পূর্ণরহেপ রস্ত থেকে তিনি ক্ষত্যন্ত সুদরভাবে প্রস্তাপালন করেছিলেনঃ ডিনি গুরে পিডা এখা পিতামহের মত্যে প্রয়োধংসল ছিলেন। প্রমাদের ছ-ছ ধর্মে নিবৃক্ত রেখে তিনি পৃথিবী দলের করছিলেন। মহারাজ ভরত গভীর শ্রম্ম সহকারে বিভিন্ন প্রকার কা धनुष्ठान करवृष्टितमत। दिनि चर्तिरहात, वर्ग, गुर्नेदान, घट्नांग्र, १७एक (ए यह चन की एक्टा एड) कर रवामक्क (राहे ६८**क शा**यत्रको निरंतक कथा हत) অনুষ্ঠান কথেছিলেন। কথনত কথনত এই সমত্র হয় প্ৰামাণে এবং কথনও আংশিক কৰে সম্পাদন কৰা स्रविक । अथक शक्ति दिनि अरुटर्शा विधिः वाता निम गरकारत मन्नामन करतहित्तकः। अहेटसम् ७८७ मध्याम णेत्रदश्यद खन्यात्त्व कावायमा **परतकितनः। विका** দিকের প্রার্থিক কার্য সম্পর্কন করের পর মহাক্ষ করত षा शर्यत्र सहय यामरास्थरक निरुद्धान स्टाहिस्सन। **पर्थर** िलि ज्यात एक याजुराम क्रीकृतको अन्यको नियस्स জন্য অনুষ্ঠান করেছিলেন। বহারাঞ্জ ভবত কিন্ত করেছিলেন খে, বেহেড় দেকতারা হক্ষেন বাস্থাকে বিভিন্ন অস-প্রভাজ, ভাই বৈদিক মত্রে যে সম্প্র

করেন। এইজনে চিক্ত করার ফলে মহারাক ভবত কাম, ফোখ, লোভ আদি সমত জড় কল্ব থেকে মুক্ত হর্মেছদেন। পুরোধিতের ক্রম ক্রমেখিতে আকতি প্রদান कतांत करा हरि शहन कंडरहर, उथन प्रहातांक करात অভার সক্ষয়ে সলে হলমুখ্য করাতন কিভাবে বিভিন্ন ক্ষেত্রদের উদ্দেশ্যে অর্নিত সেই সমস্ক আর্ন্তত ভগরাসের বিভিন্ন আৰু-প্ৰভাৱে নিকোন করা হচ্ছে। বেমন, ইন্ত इ.स्न अभवात्मड नार अवर मुर्व इटल छीत हुन्। बरेंटाय भश्ताम सत्तर सम्बद्धत हो, विहित्र सन्दराहन নিৰ্বেপিত আকৃতি প্ৰকৃতগক্ষে ভগনান নাসুদেকের বিভিন্ন অম-ধ্যানতে নিধেনা করা চঞ্চে /*

"এইভাবে বন্ধা অনুষ্ঠানের ছাত্র পবিত্র হরে, মহোরাজ ভরতের হলর সম্পূর্ণকরণ নির্মন হরেছিল। প্রীক্রেয়র প্রতি তার ভক্তি দিন দিন স্থাতি স্থায়েছিল। বসুদেব-তনর क्षतवान श्रीसम्भ नहारासास्त्रात अतः निर्दित्तस उपायात्त প্রকাশিত হল। তেগীয়া উচ্চের ক্রম্মেল্ডর পর্যবস্থার প্র ষ্টার ধ্যান করেন, জানীরা নির্বিশেষ প্রকারণ ষ্টার প্রধা करान अन्य अन्यत्र नागरमस्य कनरामग्रहन देखा अस्यत् बारक होता क्रिया सामार वर्णन मारत करा सरहरत। होता প্রাক্তর প্রীকৃত্য (তীন্তুত মণি এবং কামালার ভূমিত এবং कार शास्त्र नाथ, इ.स. नाग अवर भाई रनाका नाय। মবেধনি ভালত সর্বন ভালের হাসরে ভার ধানে করেন।"

"মিংতি ফ্রায়াক ভয়তো কর ঐশর্ব ভোগের কাল এক কোট কাৰ পৰ্যন্ত নিৰ্যালণ কৰেছিল। সেই নিটিছ সময় বাত হয়ে, তিনি তাম পিত-পিতামহের ধ্যাসম্পদ केंद्र नकरपढ़ घरमा काम करत निरम, मानक क्रेमरर्यत আবার স্বরাধ উরু লৈতক বৃহ পরিভালে করে হবিয়ারে, বেশনে শ্লেপ্তাম দিলা পাওৱা কাৰ, সেই পুলহারামে রমা করেছিলন। পেই পুলহার্ত্রমে ভগবান প্রীয়রি হারও উন্ন ভক্তবংসন্থাবোর ঠার ভারতের গোচনীয়ত হয় এবং তাঁলের বাদনা পূর্ণ করেন। পুনাহ আল্লাম





সর্বজের নদী গওলী প্রবাহিত। সেই নদীতে শালভাম নিশা নেই সমন্ত স্থানকৈ পৰিত্ৰ করে। নেই শিলার इट्टरका देन्छ अक निकास महिनाम होन धर्मन। প্রত্ত আর্ল্যানা উপর্যে মহারাজ ভারত একাকী বাস করে विविध कृत्रुव, किनलब, छुनली, प्रथकी नगीत कल, কলম্বা, কল প্রভৃতি বিবিধ নৈবেলের বারা ভগবান স্বাস্থ্যের অর্জন করতে লগেলেন। তার কলে তার হাদর সংশ্রকতথ নির্মণ হরেছিল এবং তিনি কড স্থাভোগের বাসন্য থেকে সম্পর্ণক্রণে মুক্ত হরেছিলেন। সেই অবিচলিত অবস্থাৰ তিনি পরস সংবাদ এবং পরাভত্তি লাভ করেছিলেন 🕆

430

"মহাভাগৰত ভবত এইভাবে নিয়ন্তৰ ভগৰানের শেবার রক্ত হবেছিলেন। শ্রীকৃথেনা প্রতি তার স্বাভাবিক প্রেম বর্ণিত করে উরু হালয়কে প্রবীভূত করেছিল। ভার খনে উন্দ্ৰ আন নিত্যকভাদিতে উৎসাহ ছিল না। উন্দ মেহে রোহাত, পূলক প্রভৃতি প্রেমের লক্ষণসমূহ প্রকলিত হতে কলে। আনশানার উদগমে তার মরনবরের দৃষ্টি নিরক্ত স্বরোহিত। এইভাবে ভিনি নিরভার ভগবায়নার ভারাশ

কৰ্ শ্ৰীপাদপ্ৰের গ্রাম করতে লাগলেন। তথন উল্ল इस्ट्रेयल हुए खालकान संदन नूर्व एर्डायन। केंद्र का সেই জানদ প্রথ নিময় হওয়ার, তিনি বে ভগবানের সেয়া করছেল, তা পর্যন্ত তিনি বিশ্বত হরেছিলেনঃ মহারেক ভরত স্থান্তর্মের কান ধারণ করে, বিসন্ধ্যা সান করার কলে নিক্ত কটিল জটা-ভলচণে সুশোভিত হয়ে, সর্বহওলে হিরশ্বর করারণকে কণ মত্রে জারাধনা করতেন ধনং সূর্বের উদরের সমত নিহুলিবিত হোকের দারা উর বন্ধনা করতেন।"

"নৱমেশত ভাগতন ভাছ সাধে অব্যক্তিত। ডিনি সাধ্য क्ष्माश्राक्ष जारमास्मिक वर्दान अवर फलरका मेनल समान পূৰ্ব করেন। ভালনান উল্ল চিৎ-সন্থিত বালে এই প্ৰসাধ সৃষ্টি করেছেলঃ ভাষনান উল্লেখ্যসাল অনুসালে পরসাধা इत्तन और उच्चारक धारतन करतराज अवर केन विधिन পতির হারা তিনি কম সুখডেবের মাকাডকী সমন্ত জীবনেত্ব পালন করেন। বৃদ্ধিবন্দি প্রদানকারী সেই ভগবানকে আমি আমন্ত কণ্ডে প্রণতি নিবেদন করি ৷"



অষ্ট্রম অধ্যার

ভরত মহারাজের চরিত্র বর্ণনা

শ্রীল ওকলেব গোতাসী বললেন—"হে রাজন, একদির মল-মূত্র ভয়ের আদি প্রাভঃকৃত্য সমালন করে স্থান করার পর, মহারাজ ভারত প্রথম মন্ত্র স্থাপ করতে করতে ভিন মুহর্তভাল প্রকলী নদীর ভীরে উপবেশন क्टबिहरून। दर ज्ञान, अरहात्रच एतर वधन मंग्रेश छीत বলে ছিলেন, ডব্দ লিপ্যবাম কাতর হয়ে একটি হরিলী সেখ্যান জন্মপান কয়েও প্রসেছিল। হরিনীটি যথম গভীর फृति महकार अन्याम अत्रहित, छन्न चाठि निकारे ব্যক্তি সিংখ পর্যান করে উঠল। সেই গোক-ভয়খন শব্দ হরিবাঁটির কর্মে প্রকেশ করক। হরিবী স্বভারতই মুখ্যাতরে

ভীতা এক ভাই সে চকিত নয়নে ইভন্তত দৃষ্টিগাত করছিল। সেই পর্যান ওলে যে অভ্যান্ত ভয়ার্ভ হয়েছিল এবং ভয়চবিক্ত দৃষ্টি নিশ্ৰেণ করে, নিগাসা নিবৃত্তি না হলেও সে লাক দিয়ে নদী পার হল। সেই হসিনীটি পূর্ণ রন্ডবতী বিল, সূতরেং ডয়ে সে বঞ্চা লাফ বিরেছিল, তথ্য তার পর্যন্ত সম্ভান কোননির্দাত হয়ে নদীয় প্রবাহে পতিত হল। হৰ থেকে থিছিছ এবং গৰ্ডপাৰে ট্ৰিট সেই কৃষ্ণসাম মুদ্রবন্ধ লাখ নিছে নতী পার হওয়ার পর ভৱে অভার পীড়িজ হয়ে, একটি ওহার নিশচিত হওচা মান দেহতাল করল। প্রভর্মি ভরত নদীর তীরে বনে,

কেই জাওমারা হরিদ-শিওটিকে নদীর জনে তেনে যেতে বেশ্বলেন। স্থা দেখে উঠা হানরো করণার সংগ্রহ হল। ভিমি কছৰ মতো সেই স্থা-শিশুটিকে লোভ থেকে ছলে এটা, ভাকে মাতৃহানা জেনে তান আনতে নিয়ে। লাসভিবেন। বীরে বীরে মহারাজ ভরত সেই খুগরির প্রতি মত্যের আসক হরে পর্যুক্তিসন। তথ যামি ধারা োৰে, শ্বাহ এক ক্ষন্যাল হিছে প্ৰাৰ্থিয়েৰ আক্ৰমণ কেকে ত্যাক কৰা, কণ্ডাৰ আদির খানা প্রতি সম্পাদন, চখন খ্যাতির স্বার্থ্য লাক্স প্রস্তৃতির স্বার্থ্য তিনি কাকে গভীর জ্যের জাল্ডা-পাল্ড করেছে লাগলেন। এইভাবে হরিব লিভটির প্রতি আলক্ত হতে, মহাবাক ভরত ভার আধ্যাত্তিক উন্নতি সাধানৰ কৰ্তব্য কৰ্মণাল বিশহত হুয়েছিকৰ এবং বীতে বীতে তিনি ভগবানের জারাধনা ৰেভেও এই হতেছিলেন। এইভাবে কিছদিনের মধ্যেই ভিনি ভারে পারমার্থিক উপতি সাধনের উদ্দেশ্য অনুষ্ঠান করতেন, ভবন নেই ক্রিয়া সমগু বা হতেই সম্পূৰ্ণভাৱে বিশ্বত হুৱেন্ডিগন।"

महाराज्य कारह मान मान हिन्द कहा उन—"व्यश् औ অসহার হরিব শিশুটি ভগবানের কার্তরণ চক্রের পরিভয়পের বেলে ক্রমন, স্থান ও ক্রমের থেকে বিয়ত হবে আয়কেই আধ্ৰম কংগ ধাৰ হয়েছে। সে আমাতেই তাৰ মাধ্য, পিতা, নাতা, আন্টাৰ ও সংচর বলে মানে করছে। আমার প্রতি এর পূর্ণ বিধান আছে। থামকে ক্ষম এ কৰে কম কটেকে কানে নাঃ সকৰে, এর প্রতি সংসর্থ প্রচারণ হতে আমার হতে ভরা উচিত नम हम, ब्राह्म क्रमार कामारक चार्यकानि श्राम । ब्राह्म मामन, পালান, পোৰেণ এবং ভোৰণ ধৰা আমন্ত্ৰ অবশ্য কৰ্তবা থেক্টে এ আমন্ত শক্ষালত হয়েছে ভাই আমি কিঠাকে তাকে অৰহেনৰ সভাতে পাৰি ? বলিও এই হবিপাটন জন্য আমার পারমার্থিত কঠন কাহত হয়ে, তবও শলাপতের অবহেলা করা তের উচ্চিত নত। ভারনে সেটি মন্ত বড় জন্যার হবে। ভালের আশ্রম ববলরন করা সংকর্ মহান ব্যক্তি অবলাই সুংধ-পূৰ্বলাট্ৰিট বছ জীবনের প্রতি শভান্ত করণর অনুভান করেন। মিশ্ববাই এই প্রকার শরণাপত ব্যক্তিকে বজা করার অন্য নিজের ওঞ্চতর শার্থত উপেক্স করা উচিত। সেই ছবিগ-লিওটির প্রতি শরুন, হয়েশু, হয়ে, এফাকি আহার গর্যন্ত করতেন।

এইডাৰে ছবিদ-লিভটিৰ প্ৰেয়ে ভাব হামৰ আৰম্ভ श्रेर्वाच्छा: अक्षातक क्लान्ट क्वार क्या, कृत्रव, मंत्रिय, गंता, धन, मून अवर क्रम मध्य करात करा गाँउ (शास्त्र) क्ष्म भारत भूभाग, कुन्य, खाद चानि विरक्ष सम्ब करन মুগ দিওটিন প্রাণ কিনাপ সরে, এই আলহার তিনি সেই হবিণ-শি**ংটিকে সঙ্গে করেই ব**চন প্রবেশ করতেন। বনে প্ৰকো কৰে সেই হৰিণ-প্ৰথকেই শিক্ষালত আচৰণে মহারাজ ভরত জভার মুখ হয়ে বেহবিবৃধ্ হরে পদ্মতেন। তিনি কথনত গেই হঞ্জি-শিগুটিকৈ ছয়েছ কল করেছে, কথাও কোটো স্থান করেটা এবং কনি শান করতের, রাধ্যা ধরের ধনবার জৈর কাম প্রাণন করতেন। এইতাবে সেই পত্তিকে অনুৰক্ষাে সংখ লালন কৰিছে কালের ডিনি পরও আদের কাড করতেন। মধ্যনার ভারত হৰ্ম ক্ষমতের পূজ ক্যন্তের অথবা নিত্য-নৈতিক কর্ম ডিনি মাৰে মাৰে উঠে সেই হয়িল-নিচটি কেখাৰ সেহে তা লেক্ডম। বৰ্ম তিনি মেক্ডম বে হরিব-শিকটি कामधारको ब्राह्म एका देश का अवर कामह पाराच উংকর হত এবং তিনি নেই হরিণ-শ্রুকরটকে আশীর্বাদ করে কলতেই, "হে কংস্ তোহার সর্বপ্রকরে মঞ্চল গ্ৰেৰ (" কৰড মহাবাৰ যদি কৰণৰ সেই হবিগটিকে না দেখতে গেতেন, ডাৰন ঠার বন অভার ব্যাকৃত হরে উঠার। কৃপণ ব্যক্তি বেজন ধন লাভ করার পর সেই ধা হারিছে কেন্সে অভ্যন্ত দূর্যকিত হয়, তেমনই স্তরত মহারাজ সেই হালি-স্বকাটির জনপ্নে আগ্রান্ত ব্যাকৃত हरा (नहन कारका। अञ्चल आश्रमा इस विनि বলেছিলে—"আহা, এই বৃহতি একা অসহার। আমি कारांच प्रश्निक अन्य कामक का करूत नारका मरता मर्तन अवकता अवर निष्ट्रकात गूर्व। अवकन दर्शक द्रयम्ब वृर्व বন্ধা দুর্বাবহারের কথা ভূগে নিয়ে তাকে বিশাস করে. ক্লিক সেইভাবে এই হানেপটি আমলে উপর তার বিধাস ছাল্ম করেছ। আমি এইজনে অধিবাসীর মধ্যে আচরণ ক্ষমতাত দে কি পুনবার জন্মে কাছে কিনে আসৰে এবং कारात देशस विशास क्रांप्ट कराव ? चारा ! चारि कि মাবাৰ দেখতে পাধ ৰে, এই পথটা লেবতা ফটক অভান্ত আসভ হয়ে, আন্তাৰ ভাতে তাৰ সামে উপালেশন, সুকলিভ হয়ে এক বয়া আদি ছিলে প্ৰদীয় অনুপৰিভিত্ত নির্ভাবে কোলো ভূল ভূকা করতে করতে এই আপ্রাথের

छनस्य प्रदेश क्रिकारक । कि कामि, क्षिम *जिरुए*। चाधवी কুৰুৱ অধ্যা মুখ্যৰ পুৰুৱ আদি অথবা কোন একচর बाह्य करक कथन करवनि एस । धरा, वर्षम मुदर्श कैंगरा ছৰ, ভখন সম্প্ৰ ক্ৰপ্তেই মনবোদৰ হয় ৷ কিন্তু **ए**डेसार**म**ङ करन धायातेरै महत्यास्त रून ना। नुर्यस्य মুক্তিমান কোপলাপ, বিশ্ব আমি কেনোক সমত দয়া ধর্ম থেকে ব্যক্তি। সূৰ্যবেষ এখন অন্তাচলে প্ৰয়ন করছেন, কিন্তু মতৃহাত্ত হয়ে বে অসহার পণ্ডটি আমাকে বিশাস করেছিল, সে এখনও কিন্তে এল না। সেই হরিণ-লিণ্ডাট ঠিক একটি রাজক্ষাতের মতো। সে কর্থন ফিরে স্কাস্তের সে করম জাবর তার অভান্ত মনোমন্থকর ক্রীভারিলাস প্রদর্শন করবেং সে ক্রমন আমার আহত হুদৰকে শাও করবেং আফর নিশ্চবই পুগের দেশমার নেই, আ না হলে এখনও সেই হরিগটি ফিরে আসছে या (कर) हाइ। चादि रचन व्यतीक नशांवि व्यवनथन ফরে চড়া নিনীলিত করে থাকতার, তথা সে প্রথম-কোপবশন্ধ আহার চত্রিকে বংশ করতে করতে মাগবিশুর হতে ক্ষেমণ শর্মের অর্থভাগ যারা ভরে ভরে আমাকে 🐃 করত। আমি ববন কুণ যাসে বছের সামলী রুখভাষ, তথ্য সেই হরিগ-নিভটি খেলা করতে করতে তার দক্ষের ক্ষর কৃশ আকর্ষণ করে বছরীয় প্রবাকে দৃষিত করলে, আমি থকা তাকে তিরবার করতাম, তকা নে কঠার ভীত হয়ে, বেলা পরিসাগ করে, সংযতেশ্রির মনি-বালকো মতো কিং হয়ে কলে থাকত। এইভাবে উপ্সদের কলো প্রথাপ করে, মহারাজ ভরত সংশ্রোখন করে বইরে থেলেন। রূপ লিওর পদটিফ দর্শন করে। তিনি ৰলতে লাগদেন, "হে দুৰ্ভাগা ভরত, ধরিত্রীর ভলকাৰে ভূকনাই তোমাৰ ভলস্যা অভি নথগ্য। ভাগ্যবতী বসুদ্ধরা তার ভাগ্যার কলে মুগ শিশুর ভূক, সম্পত্ন, পরাই মঙ্গলমার এবং কোমল প্রতিকের ভারা চিহ্নিত হয়েছে। এই পদচিত্রতা পঞ্চতি আমার মতে। মুলের বিরহকাতর ব্যক্তিকে প্রশর্মন করছে কিতারে সে ৰনেও দিকে থেকে একং কিন্তাৰে আমি আমার সেই ছারতের খন কিরো পোষ্টে পারি। এই পদচিকের প্রভাবে এই ভূমি শ্বৰ্থ অথকা মৃতি-কামী গ্ৰাপ্ত-প্ৰায় নেবব্ৰঞ অনুষ্ঠানের উপবৃক্ত স্থানে পরিশত ব্যাহের জ্বাপার চক্ত উদিত হলে, হলে মুগার মূর্ণন করে মহারাজ ভরত

উন্মানের হতো কাতে লাগলেন, ইয়ত দীনজন-বংসদ ভাষান চন্ত্ৰদেব আশ্ৰমচাত যাত্ৰারা এই মৃগ-শিওটিভে কণাগরকা হতে, ভরতর সিংহের আক্রমণ থেকে রকা করছেন ে ভারণার চন্দ্রকিরণ অনুভব করে, মহারাচ্চ ভবত উল্লেখ্যে মডো কাতে লাগলেন, ঐ মুর্গানত আমাৰ একরে অনুপত, আমি তাকে পুত্রবালে অস্থান্তার করেছি, করাটি লিখার মতে, জর বিরহকেনা আরার इमरहरून इन्लनकरक विनीर्ग करहरू। आभाव और (बमन লপ্ন করে, চল্লবের আমার উপর অনুত বর্ষণ করছেন, টিক বেচাৰে প্ৰকা ছবে আঞ্চাত বাজিকৈ তার বছ ছল সিক্ষম করেন। এইভাবে চম্রাদের আমার সুব বিধান করছেন ে "

ঞ্জিল ওকরের গোসামী বললেন-"হে স্বাভন, এইভাবে ভরত মহারাজ মুগ-শিশুরাণে প্রকাশমান পূর্ণমনীয়ে অসনার খারা অভিকল্প হরেছিলেন। জীয় পূৰ্বকত কৰ্মো কলে ডিনি খেল, কপন্যা এক কনধানের चाह्राध्या (धारक वर्षे कार्याक्रियान) छ। याँग छ।य शृर्वकृष्ठ कर्माद कल ना इन्छ, काश्रम किलाद किमी कांत निरक्त পর এবং অর্থীয়-বন্ধনামর পারদার্থিক প্রথতির পথে প্রতিবঞ্চকরণে মনে করে পরিভাগ করেও, অবশেবে একটি হরিশ-শিশুর হাতি এইভাবে আসক হয়ে পড়লেনং बारि फरनारे देश कारक कटर्मर क्या। जाका त्येरे द्वित-শারকটির লাল্স-পালনে এতাই হয় ছিলেন যে, তিনি তাঁর পারমার্থিক কার্বকলাল থেকে অবংগতিত হল। অবংশতে, কালসর্ল বেডাবে মৃথিক নিবরে প্রবেশ করে, সেইভাবে মৃত্যু তার সন্থাবা এনে উপস্থিত হল। তার স্বভার সময় তিনি মেখলেন কেন সেই হতিগ-পিণ্ডটি তাঁক নিজেগ পুরের মতের উর পাশে বলে প্রেম্ক প্রকাশ করছে। তার চিব সেই হমিশটিডেই অভিনিধিট জিল, ভান কলে ডিমি ক্তগৰৰ বিসুৰ স্থান্যখন সভো এই সংসাৰ, ছবিণ এবং মনুবা দেহ ভ্যান করার, পরবতী জীবনে তিমি একটি হরিশের শরীর প্রাপ্ত হলেন। কিছু তা সত্তেও তার একটি পান্ড হয়েছিল। একটি হরিশের শরীর প্রাপ্ত কলেও উর পূর্বজনের স্থাতি বিনট হয়নি। হরিপের নারীর পাওয়া সংস্থেও ভরত মহারাজ তার পূর্ব জন্মের সুদ্র ভাতির প্রভাবে উরে সেই শরীর ধারণ করার কারণ উপস্থি কাতে পেরেছিলে। তার বিগত এবং বর্তমান জীবনের

well विश्वतन्त्र करते, टिनि निश्चन प्रमुखन कार्य करत्व ভিত্তলিকিত কথাতলি কংগছিলেন।"

#तिन-महीरक मधादा**क ७**२७ धन्धान क्रुट्ठ जन्मका--"दाव की पूर्वश्रह । खावि वाच-उभवदित स्थ থেকে এট হথেছি। আমি আমরে নিজের পুর, স্ত্রী, গ্রহ ষ্টত্যাদি পরিজ্ঞাদ করে, অংব্যাহিক উহতি সংগ্রেম্য জন্য अवित कानत निर्मन शास्त्र कामा शर्प कार्राध्याः আমি ভিতেতিক হতে এবং আহাকে উপলব্ধি করে. ভারার ক্যুদেকো কথা প্রাণ, কীর্তন, প্রান, করন, আর্ডন আৰি তবিদ্ধ কল অনুশীলন করার যাখায়ে ভগবানে দেবার বৃক্ত হয়েছিলান। জামার এই প্রচেট্টার স্বাহিছ बाउँदे मानन इरसीइनाम (स. ध्यामात ध्रम मर्राम प्रशासासन (क्षमपदी (नवात यश धारुड) कि**क छ। माध**ुड, चामात মুর্বভারে জন্য জামার চিত্ত পুনরার একটি ইরিপের প্রতি भागत स्टाहिन। जन्म जनके स्तिन-मतीद शास स्टा আমি ভগবড়ান্তার কর থেকে অনেক নীতে অবংগতিত क्रमि ।"

তিবত মহাবাদ যদিও মুখ-সবীর প্রাপ্ত ব্যর্থার্থকান, নিস্কু নিগাল অনুচাল করে কলে, তিনি সম্পূর্ণরতে জড় रिवटता गाँउ विरक्त करर्रावरतमा। स्थित स्मिष्ट कथा কারের কারে প্রকাশ করেননি, কিছু ডিমি ভার মৃগমান্তক্তে পবিলাদ করে, তাম ভশ্মসূত কালভাগ পর্বত বেকে পুনরার শালমের কেন্তে পুনারা-পুনার আশ্রামে কিরে নিরেছিসেনঃ সেই জালাদে অবস্থান করে, কাজার বাছে অসং সামের লিঞান বা হতে হয়, সেই মান্ ম্বারাক ভরত কভার সভর্ক ছিলেন। তার পৃথ্যীসনের কথা করেও কাছে যাক মা করে, তিনি কেবল ওকলে পাতা বেরে সেই আরহে করন্তান করতে লাগলেন। তিনি প্রকৃতগক্তে এককী ছিলেন মা, কালে প্রসাধা যে সর্বদাই তার সঙ্গে প্রয়েছের, সেই কথা তিনি উপলব্ধি करलम। अहे छारव दिनि कीत वन-नवीरवन অবসমন্তরের প্রতীক্ষা করতে লাগলেন। ভারপর শেষ্ অবসানকাল সমুপরিত হলে, তিনি সেই পবির তাঁর্থে মান করে ওঁরে মৃথ-শুরীর পরিবাহন করেছিলেন (*



নবম অধ্যায়

জড় ভরতের পরম মহৎ চরিত্র

^{মহারাক্ষ} ভবত কুপ্পরীয়ে ভাগে করার পর এক ছড়ি। পুর ও করা ক্ষমণ্ডের করেছিল। ভাগের মধ্যে পুরটি বিক্রে আত্মণ পরিবারে অন্যান্ত্রণ করেছিলে। আদিরস হতে গরম ভাগবত রাভবিত্রেট বহুবার করত—হিন্তী গেনে এক প্রাক্তন ছিলেন। তিনি সমস্ত প্রাক্তগোচিত ওপায়নীতে পূর্বভাগে ওপারিত ছিলেন। তিনি উল্ল মণ धनर देखिए मरकछ काटकिएमा अवर देवनिक नावगपुर অধ্যয়ন করেছিলেন। ভিনি লান, সংক্রেব, সহিষ্ণুতা, विनाः, विनाः, चनमृता चानि मन्दा ७१५ शन्तिष्ट सिनाः। किन्न कावुकारी क्षत छश्वाहल (मदा पुरु) ভিনি সর্বান জনবানের চিন্তার সমাহিত অধ্যক্ষে । ঠাব জোষ্ঠা পাঠীৰ মতে ওঁনেই মতে। ওপ্ৰশাসৰ নৱটি পুরেছ ভিনি সর্বতঃ পত্তিক ছিলেন। জাগ কলে ভিনি

ৰীল ভকদেৰ গোলাহী বৰুলেন—"হে ৰাজন, ৰাম হৰ্মেন্স এবং উত্ত কনিটা পটাৰ কৰ্ডে একটি হন্ত मुक्तिक विकास करत इत्रय क्षावाच छाछ হয়েছিলেন।^ক

> শ্বেরানের বিশেষ কপার কলে, করত মহারাক্ত ঠার প্রথায়ের কথা শালে করতে পেরেছিলে। প্রাক্তণের পরীর প্রেক্স সন্তেও, তিনি জনব্দির আদীয়ে-স্বরূত এবং বন্ধ-বাশ্ববনেও ভারে অভান্ত ভীত জিলেন। ভারের সক্ষরভাবে পুনরার অধ্যাপতত হ'বে পারে, এই আলভাত

জনসাধারণের করের নিজেকে উপাদ, ঋড, আন্ধ এবং র্যাধরের মতো প্রদর্শন করতেন, হতে তারা তার সাথে কথা কল্প তেটা না করে। এইভাবে ডিনি অসংসক বেকে নিয়েকে রক্ষা করেছিলেন। গলুরে তিনি সর্বদা धनवश्चन जीलामनास्वर कथा विस्त क्याप्टन अवर निरस्त ভরষানের মহিমা কার্ডন করতেন; ভার ফলে ভিনি কর্মবন্ধন থেকে মতা ধ্যাহিদেন। এইভাবে ভিনি আসংসংখ্য প্রভাব থেকে নিজেকে রাজা করেছিলেন।"

"ব্ৰাহ্মণ নিতাৰ হন সৰ্বদা উল্লেখ্য কড ভবতের প্রতি (ভরত মহারাজের প্রতি) ক্লেহে পূর্ণ ছিল। তাই তিনি তার প্রতি অভারে আলক জিলেন। আভ ভরত থেয়েত গ্ৰহম-অয়েমে প্ৰথম করে। করেণ্য ছিলেন, তাই ব্রহ্মতর্শ-আপ্রমেধ সহাত্তি পর্বভট ক্রেবল তার সংঘার म•्भावन कहा श्*रदक्षित* । कुछ छत्ररुद्ध व्यक्तिहा मुस्दु**छ** উল্ল লিতা টাঙে শৌচ, আচক্রর অলি কর্মের নিত্রসমূহ বিশেষভাবে শিক্ষা নিয়েছিলেন। উন্না পিড়া উত্তৰ বৈদিৰ আন সকৰে যথেষ্ট লিকা নিলেও, হুড ভবত তাব সমক্ষে মূর্যের মতো আচরণ করতেন। তিনি এইভাবে আচরণ করতেন, সাড়ে তার লিভা তাকে শিকা সাডের আবোগা যানে করে, তাঁকে নিজ্ঞা নিতে চেষ্টা না করেন তিনি সুন্দূৰ্ণ বিশ্বীতভাৱে আচনৰ কল্পতন। খাঁৱ পিতা তাঁকে মান ভ্যানের পর হাত খোলে শিক্ষা নিলে, তিনি মলভাগের পূর্বে হাত বুডেন। কিছু তা সংস্থেও টার পিতা ভাৰে কো অধ্যন্ত করনার ইন্সা করে, কান্ত ও প্ৰীপৰ অনুহত প্ৰথম ও ব্যাহাতি সহ বিপদী পায়ন্ত্ৰী শিক্ষা পেতর্যার চেষ্ট্রা করেছিলেন। কিন্তু 🗟 চার মাসেও তিনি তাকে ভা শেখতে পদধেন না। মত ভরতের ক্রনাধ-পিতা তাঁকে তার প্রাপত্তক ভিত্ত মধ্যে মধ্যে করে, তাঁর প্ৰতি মতাক আসভ বিশেষ। তিনি তাকে স্থিকিত ক্ষাৰ বাসনায় ভাঁতে ব্ৰক্ষাৰ্থ, ব্লভ, লৌচ, খেদ অখ্যয়ন, নিয়ম্ শুসুদেকের সেবা একং অধিবজ্ঞ করাং বিধি শিক্ষা দেওকার চেটা করেছিলেন। বিদ্যু তাঁর সমস্ত চেটুটো यार्थ हरहरिया। फिनि क्लाट्ड व्य जाना श्रीयन क्टर्राव्हणम सा भूग रण मा। चन्या मकरनात भएला स्टि ক্রামণ্ড উর ধ্রের প্রতি মাসক ছিলেন এবং উর স্করণ ছিল না বে, একদিন তাঁকে স্বত্যবস্থা করতে হবে। ভিন্ন

করে সেই প্রক্রাব্যক্ত প্রাস করেছিল। ভারনর, ক্রাক্ষণের কনিষ্ঠা পত্নী ভার বছর পত্র এবং কন্যাকে সপর্বার হতে समर्भन करत, छैल भक्ति भएएका दरत भौकरणास्त क्राप्त करविरासमा 🗥

শিক্তার মতার পর, অভ ভাগতের নাম্বন বৈ*মারে*র **छाँदे छै। एक अपर (अधारीन बान विरक्तना काउ, छै।** निका पूर्व कतात क्षरहोत खहार करतदिन। क्षरू स्टार्ट्ड रेक्ट्राज्ञत कारांत्रा क्ष्यरायः, नामरावर अवर वक्ररावर-अह তিনটি সকাম কর্ম পরাবণ বেনের শিক্ষার পারসত ছিল। ভাগবহুটির নিব্য জান সামতে ভারা অব্যাত জিল মা। ভার কলে ভারা মাড ভারতের অতি উল্লভ ছিডি উললছি করতে পারেনি। অধ্যপতিত জনুবেরা প্রকতপতে পাওতলা। পাওর সঙ্গে ফালো একমাত্র পার্থকা হয়েছ ছে, পভার চতক্ষার আরু ভারে দিশন। এই সমস্ত বিশ্ব পতসমূপ মনুষেরা হাত্র ভরতকে উপান, হাড, বধির এবং কৃষ্ণ কলে সংখ্যাধন কথাত। ভারা ভার সংক দুর্ব্যবহায় করত এবং ছাড ভরত তানের সঙ্গে উপ্লাশ, ববির, ছাছ অথক আড়ের মতো আচক্রণ করকেন। তিনি কথাও প্রতিবাদ করতেন সা অথবা গোলের বেমাবের চেটা করতেন বা বে, ডিনি ডেমন কর। কেউ বখন ভাকে দিয়ে কিছু করাতে চাইড, ঋলা ভিনি ভাষের ইচা অনুসারে ভাই-ই কয়তেন। দ্বিকার করা হবর বেতনখৰুণ, অধবা দৈবাং বা কিছু সাবার জানত—ডা স্কুলিয়াণ হোক, সুধানু হোক, বাদী হোক অথক হুপরীন হোক—ডিনি তাই ই প্রহণ করে অরপ্তা করকো। তিনি কথনৰ ইন্সিয়তখি সাধনের খনে কেন কিছু আহার करास्त्र जा, कार्यन मुखान अवर विचान वार्यनी উৎপাদনকারী সেহাধার্থার বধান থেকে তিনি ইতিমধােই মুক্ত ছিলেনঃ তিনি ওপবছালির ছিব্য চেতনার মধ্য হিলেন এক ভাই তিনি মেহাৰপুদ্ধি থেকে উত্তত ৰুপভাগ েবকৈ কুক্ত হিলেন। ভীয় দেহ ছিল খুনের মতো পুঁট এবং উন্ধ অব্যাহ ছিল সুদ্রঃ ভিনি শীভ, গ্রীপা, বাত ও বর্ষা প্রায়্য করাখেল না এবং ভিনি কখনও তাঁর পরীর আছোপিত করতেন না। ভিনি ভামিতে লয়ন করতেন এবং ক্রমত তেল মাগতেন লা আলান করতেন না তার যের মান্সন ছত্যার কলে, তার ব্রহ্মতের একং ক্ষান মুদ্রার কথনও বিস্মৃতি হয় আঃ মুদ্রা কথা সময়ে আলমান স্বাভাগতিত ছিল, ঠিক খেনস মুদ্যাকন মন্ত্রের জ্যোতি দুসানী

ছারা আজ্যদিত থাকে। তার কটিদেশে দিশ একটি অভান্ত মৰ্কিন বস্তু এবং অভ্যন্ত মঞ্চিন কুংবার কলে, গুরু মজেপেৰীত ছিল কাশ। প্ৰাৰণ-কুলেছত খলে ঠাকে বঞ্চত পেরে, মানুবেরা উচ্চে ইক্ষবস্থ আরি লামে সাধোধন করত। এই চারে বিবর্হাসক ব্যক্তিদের দারা জনামনিত এবং উপেক্ষিত হতে তিনি ইভক্তত বিচরণ कराउन। केड धरेड कियम बाहाराव सन्। संस করতেন। উরু বৈষারের ভারেরাক সেই স্তরেগ নিয়ে, কেবল আহাজে বিনিমার তাঁকে কেবলৈ করে নিবক করেছিল। কিন্তু শস্থাকেরে যে কিচাৰে কারু করতে হয় থা ডিনি ডালভাবে ক্ষান্তেন না তিনি ক্ষান্তেন ৰা শোধাৰ মাটি চালতে হবে অথবা কোধাৰ ঋমি अञ्चल कराएड शहर । छोड़ छोटवड़ा छै।एक बून, बहेन, ভব, পোকায় খাঁওৱা শল্ম এবং বছনপাত্রে সেপে থাকা পোড়া আৰু থেকে নিত, কিন্তু তিনি কারও প্রতি কোন মকন বিশ্বেষ্টাৰ পোৰণ না কথে, প্ৰাই-ই অহস্টো মডো **ভোক্তম কব**ত্তন।"

কামনার ভারকালীর কাছে নালত বলি দেওরার উলোগ ক্ষেত্রিল (সেই সমাসতি বলি দেওতার জনা একটি महानदाक शर्राहरू किन्न हम देववक्ता वन्नामक हरा প্ৰদায়ন করে, ডক্ষা সেই মস্যাপত্তি ভয়ে অনুনামীদের ভাকে বার আনতে আনেশ নের। ভারে সংযোগ চডুর্নিক পাবিত হয় কিছু কোথায়ও ভাকে ক্ষে পাতনি। উমদ করতে করতে খোর অভকারাত্ম হধা রাটো ভাষা অকলাৎ প্ৰাক্ষেত্ৰ উপস্থিত হয়ে আমির্ম কুলোচুত প্রাক্তা-ভারে মাড় ভারততে একটি উর্জ আসনে উপধ্যেদ করে মুখ, ব্যাহ ইত্যাদি প্রথমের খেকে প্রথমের রক্ষা কাতে দেখাত পার। মৃদ্যুদ্ধতির জন্তরের মত ভরতকে সমত ক্ষেত্র মানত বলে ক্ষিত্রত করে, সর্বভোতাবে বলির উপবস্ত বলে মতে করে, উচ্চক লভি নিরে বেঁখে क्टर्राटक्स प्रहाल कार्या कारीड प्रकार विद्या विद्यारिक । ভারনার সেই স্মত থবারা ওচনর নরগত বলি সেওয়ার কজিত বিশ্বি জনুসারে ঋত কাণ্ডকে শ্বন করিয়ে, ক্তুন বল্ল পরিছে, ভারে প্রমান অল্ডার, গছডেল, তিল্ব, চন্দ্রর এবং জলার দার। বিভবিত করেছিল। তারা তাঁকে

भागा, मार्क, नवशहाद, पूर्वाहर, क्या अवर कुल मिर्ट কালীর পদা করেছিল। এইজাবে নরপঞ্জত বলি দেওয়াৰ পূৰ্বে ভাষা উচ্চ শীভ, ছতি একা বৃদৰ, পাণ ইত্যাদির উচ্চ নির্বোক্তে মধ্যে প্রতিমরে পূকা করেছিল এবং ভারতার ভাভ ভারতারে প্রতিমার সামানে উপবেশন করিরেছিল। তথ্য মসুমের মধ্যে একজন প্রধান প্রেচিতের ভাষিকা অবলক্ষণর্বক আর ভারতকে নর পশুকুলা মনে করে আসবরবার পান করার জন্য অলীর বাতে ওঁবে বন্ধ নিবেদন করার বাসবার ভত্রকালীর মত্রে পরিঠাকত ভাষার তীক্ষমার একটি বলুন প্রহল করে, ক্ষম ভাৰতকে বলি দিছে উদাত হয়েছিল। যে সমস্ত স্থা-গুরুরের ভয়কালীর পুলার আরেরের ভরেছিল, থমে সকলেই ছিল আতাথা নীচ প্রকৃতির এক প্রথা ও ভাষোওপের থারে অক্সর। তাতা বহু ধনসাপদ লাভের স্বাসনার উক্তম হয়ে, বৈদিক বিধান লক্ষম কটে প্রক্রেখ-ক্ষােলয়ত আন্থ-তথ্যবেশ্ৰ ক্ষম স্কার্যতে বলি বিজে উশত হর্মেছন। এইপ্রকার মানুদেরা সকলই বিসোধক আচনতে "সেই সময়, এক শুমকুলেয়েত সম্যুসৰ্মায় পুত্ৰ প্ৰবৃদ্ধ থাকে এক ভাই তারা কৰু ভালতকৈ বলি নিতে চেষ্ট্র করের সাহস করেছিল। রূপ্ত ভরত ছিলেন সমস্ত बीत्वत नतम मुस्टर। फैल रकान नऊ किन व बकर छिनि সর্বাধ্য জনমনের চিন্তার ময় ছিলেন। তিনি সং ব্রাক্ষণ শিতার প্রকাশে জন্মগ্রহণ করেছিলেন এবং তিনি শত হলেও অথবা স্বাক্তমণকারী হলেও, তাঁকে হত্যা কর শক্তের বিধান অনুসারে নিবিদ্ধ। কোন অবস্থাতেই কড 'ভরতকে হত্যা করার কোন কারণ ছিল না। ভাই ভরকানী ভা সহ্য করতে পারেননি। সেই সমস্ত পাণাচারী বস্থারা পরম ভাগরত কর ভরতকে হত্যা করতে উপাত হয়েছে দেখে, দেখী গুরুকালী সহসা প্রতিয়া কিশির্ব করে বরং প্রতালিত। হলেন। তিনা পরীর ত্ৰতে অসহা তেৰো জনহিল। সেই অপথ্যা সহা বহুতে গুলহিন্তু হয়ে, ক্লোখাবেশে ভতকালীৰ জন্মী বেলে अवाशित इस्सिल, चीर करबंद रुपन मेठ रहिर्मठ হয়েছিল এবং তার আরভ লোচন বিঘুর্নিত হুরেছিল। এইতাৰে তিনি তাৰ ভাষাৰ স্থাপ প্ৰদৰ্শন কংগতিকান। তিনি জেন সমগ্র জনাৎ সংখ্যাৎ করতা জনা নেই প্রচণ্ড মূর্তি ব্যৱশ করেছিলেম। বেদি খেকে লাক দিছে নেমে ভোৱাৰ কবিয়ে কালীৰ সন্থাৰ নিয়ে বালে ধুপ, দীপ, অনে যে বছসেই বালা সেই সমূৱে কৰা ভাততে হত্যা

করতে উদাত হয়েছিল, সেই পড়ানো ক্ষবাই ডিনি সেই সংখ্য মসু এবং ভাষ্টাদের মত্তাই জোন কাডে কাগলেন। ত্তপ্র ভাগের রুগণেশ খেতে রস্করাল যে অভি উঝ ফ দিওতি হতে মাগল, তিনি ভাকিনী, বোপিনী ইত্যৰ্গি ষ্ঠার সহচয়দের সক্ষে তা পান কয়তে লাগুলেন। অভাবিৰ মুক্ত লাগে উত্তপ্ত হতে দেবী ভগদ ভাৰ শার্যমনের সাথে উচ্চকরে গাস একা নৃত্য করতে ওঞ ক্রদেন এবং সেই সমস্ত দগুনের ছিল সক্তকণালি নিজে কদ্ক-জীড়া করতে লাগদেন। মহাপুরুষের প্রতি বিসেয়াল অগরাধের কলে, অনিষ্টকরীকে উপরোক্তানে সর্বদা মধ্যভোগ করতে হয়।^ম

প্ৰীল চকুছেৰ গোলামী ভাৰন মহানাল পৰীকিংকে कारमा--"दर विकृत्यस, योजा कारम्मा ८६ जाना (एक ्टाक क्रिक, बीज़ कुलक्ष्यांह (भएक कुछ, बीज़ा नर्वन) नामक জীবের মানস্ সাধনে রত এবং বারা কথনও কালোব चनिष्ठ विद्या करतम आ, क्षेत्रा कर्यमारे मुपर्गन व्याधारी পর্যেক। কণবানের বারা রক্ষিত হন। মহাকালরাপ তিনি অসরদের সংখ্যে করেন এবং ভাগুনের রক্ষা করেন। ভক্তেরা সর্বধাই ভগরনের শ্রীপাদপবের আন্তর প্রথ করে। ভাই সর্ব অবস্থাতেই, এমনকি পিয়পেলন কাল ইপস্থিত হলেও, ভাষে অবিচলিত থাকেন। তাঁমের পক্ষে ভা যোটেই আক্রমনক নয়।"

দশস অধ্যায়

জড় ভরতের সঙ্গে মহারাজ রহুগণের সাক্ষাৎ

য়াছিলেন, তথা তথা প্রথমে শিবিকা-বাহক ইকুমতী করিব অবৈদ্যা করতে করতে দৈবছারে বাভ ভরতকে দেখানে পেরেছিল। দে জড় ভরতকে বৃহক, বলিও, বৃঢ় আরু সমষ্টিত সেখে, তাঁকে গঞ্চ এবং প্রাথম মতের ভার বহনে সমর্থ বলে বিকেনা করেছিল। মহাবা জড় ভরত ববিও নিযুক্ত করেছিল। জড় ডকত ঠার অহিলে হলেডাক্তে क्षमा निविक विकास वहमें क्लिस्टिम मा। फिलि चीह সন্মুখে এক বন্ধ পরিমিত ভান নিরীখন করে ভারপর পদ্ধিকেণ কর্মছলেম, যতে ওলৈ পালের চাপে কোন শিশীলিকার মৃত্যু না হর ৷ কিন্তু ভার কলে অন্য অহতদের সঙ্গে তীয় পা না মেলার শিবিক আন্দোলিত হাছিল প্রথম রাজা রত্তপদ ভবন বাহকদের জিজাসা - রজোওপের ছারা ছাল্ডানিত ছিল, তাই তিনি ভস্মাঞানিত

হীস ৩৯দেখ গ্লোখানী ফালেন—"হে ব্যক্তন, করেছিলেন, 'ভোনরা কেন অসহানভাবে লিবিক্ বহন फारूनात, निष्कु-त्नीवीरस्य इत्याः स्थापः वचन कनिनासस्य कराष्ट्रः फानकारः छ। वस्न कराः' निविका-वाध्रकता রাজার তিরভার বাকা প্রবণ করে, গণ্ডভরে ভীত হয়ে তাঁরে উপস্থিত হরে, কর একজন শিকিক-কর্তের - রাজার স্বাছে নিকেন করেছিল—হে রাজন, আখরা कामालक कार्य मान्सानक क्याएँदे जकदश्या कहि गा। च्यापनात च्याका चनुमारत चामता मुक्रंजातारे मिनिया यदन করেছ। কিছু সম্প্রতি যে ব্যক্তি নিযুক্ত হয়েছে সে শ্রুত চলতে পরছে না বলে, আমত্রা ভার সঙ্গে শিকিকা বহন এই প্রকার কার্বের উপযুক্ত বিলেন না, ভবু ভারা কোন। করতে পার্রের না। বতভারে ভীত বাহতদের কথা ভান त्रकथ विश्व भा कहा, हीएक कान्युर्वक निवित्त करत्वत कार्य । वाका बङ्गान दुवरक भावराज्य रह, रक्ष्यन अकवार्यक মোৰের ফলে শিবিকা মথামখভাবে ধাহিত হলে সা। কে-কথা খুব ভালভাবে বুৰতে পেৱে এবং ভাষের चारक्त ५६व, फांच पेतर द्वारवत है। देक इरशक्त। বনিও তিনি বিলেন প্রকনীতি শাল্পে পারণালী এবং অভাঙ অভিজ্ঞ, তবু তার রাজ-কভাববন্ত তার চিতে ক্লোধের क्षेत्रक क्राविका। शक्कार्यक सामा तक्षात्र किस

অধিরে মতে। রক্ষর ব্রহ্মতেজসম্পর জড় ভরতকে रहाराम-धारा की करें। चार शरे, पूर्व निकार একারী অনেকক্ষণ করে আনেক পথ এই নিবিক্ত বংল করে অভার চার হবেছ। আর ভা ছাড়া ভোনার শার্থকাশনত ভূমি বাত্যর পরিপ্রান্ত হবেছ। মে সংখ্ ভোমার শরীর ছো দৃঢ় নয় এবং তুনিও ভেমন বলবান নও। তোমার সঙ্গের বাছকেরা কি ভোমার সঙ্গে महत्याधिका कराइ सा ३"

"এই ভাবে বাজা ব্ৰেণজিন হানা ভঙ ভবতকে তিরখনে করলেও জড় ভরত অভিযানপুনাই ছিলেন। তিন্নী গ্ৰাড চিশ্বয় স্বৰূপ উপলব্ধি ক্ষান্ত কলে অংগত ছিলেন থে, তিনি তাঁর দেহ নম। তিনি ভুল জনবা কুল हिराहर ना अध्यक्षक्ष अवर दिन मुख्य देशानराना সময়মে ব্রচিত জড় পিওটির সঙ্গে ঠার কোন সম্পর্ক ছিল না। হস্ত, পদ সম্বাধিত মান্ত দেহটির বঙ্গে ঠার কোন সম্পর্ক ছিল না। অর্থাৎ, তিনি সম্পূর্ণকলে তার চিশ্বর থানেগ (খবং ব্রহ্মান্তি) উপলব্ধি করেচিলের। আই ডিনি রাজার পরিহাসপূর্ণ ডিকমাকে কিচলিড ছননিঃ নীবাৰে ডিনি পূৰ্বের হত্যেই লিবিকা বহন করতে লাগ্রলেন। ভারেনর রাজা বখন কেবলেন যে, শিবিকা পুন্ধার আন্দেশিত হলে, কথা তিনি অত্যত্ত কোলবিট হরে বললেন-তরে দৃষ্ট, তুই কি করছিলঃ তুই কি জীবিত অবস্থারও মৃত নর্কিং ভূই ঞ্চানিস না বে অমি তোর প্রভৃণ তুই আহর অনেশ অবলা করছিন। তোর এই অবজার কলে, আমি তেকে বদরান্দের মতো দও দেব। আমি ভোর উপরুক্ত শান্তি বিধান করব, করে তুই প্ৰকৃতিত্ব হোন। মিছেকে একলন বালা বলে মনে कदाह, इपूर्ण (सप्तायमुक्तिताक किरमान अवर उक्क छ অমেণ্ডেশের বারা প্রভাবিত ছিলেন। মদভবে ভিন্নি বাড় ভরতকে অশালীন বাবেরর হয়ে তিরভার ভরেছিলেন। কড় ভরুড ছিলেন পরত্র আগবড় এবং ভগবনেত্র প্রির নিকেতন। চাজা যদিও নিজেকে একনান হস্ত বঙ্ক পণ্ডিক বলে মনে কান্তেন, কিন্তু তিনি পরন ভাগবডের স্থিতি कारनाक किरमान मा असर कीर इतिहाद केर बाला दिन না। ঋত ভরত সর্বদা ভগবানকে তার হুনতে বহন করতের বলে তিনি ছিলের ভগবানের ক্রমন্থান সম্পা जिनि हिरमा गाउ मीरक गुसर अवर किने का जनत মেহামার্ডি পোষণ করতের না।"

প্রাষ্ট হতান প্রাক্ষার কর ভরত সিবং ছেপে বলগেন---"রে বীর রাজা, আগমি বা বলেছেন তা সভা। প্রস্তুপত্তক সেওলি কোল ভিরন্ধার বাকা নয়, আরণ লেহটি ছফে বাহক। স্তারবহনকারী দেখটি আমার নর. ৰাপৰ আহি হজি ভিষ্ক আৰা। অপেনার উত্তিতে কোন বিষয়ের নেই, কারণ আমি মেই থেকে ভিন। আমি লিবিকাৰ বাহক নই। এই দেহটি হতে বাহক। নিশ্চিতভাবে, বে কথা আপনি বলেনেন, আনি এই প্ৰিকা বছৰে পৰিপ্ৰাৰ কৰিছি, কাৰণ আৰি এই দেহটি থেকে প্ৰক। অপুনি বলেছেন বে, আমি হাইপৃষ্ট নই। এট বাহ্যটি ভার পক্ষেই উপবৃক্ত, বে দাভি দেহ এবং चाचार शार्थम चारत ना। (मर जून चापन नम १८७ গারে, ভিন্ত খোন বিভা ব্যক্তি আন্তা সম্বন্ধে সেই কথা ৰলয়ে না। আছা ভুজত নাম অথবা ৰুপত নত, চাই জাননি কান বলেছে। যে, আহি হাউপুষ্ট মই, ভা সভা। অধিকর এই ত্রমণের উদ্দেশ্য এবং সেই পদ্যব্যস্থাপর পথ বুলি আমার হত, ভাহতে আমার লাগে বন আসুনিয়া হও, কিছু বেহেণ্ড সেওলি আমার সম্পর্কে কল হংমি, কর হতেছে আমার মেন্ডো সম্পর্কে, ভাই জাতে মোটেই কোন রক্ষ অস্থিধা হতনি। স্থলতা, কৃশতা, দৈহিক ব অনসিক ক্রেন, প্রমার, কুখা, ভার, কলত, রাভ সুখালোগের বাসনা, জরা, দিয়া, বিবহাস্থিত, রেদ্ধ, পোক এবং নেহাছবৃদ্ধি—এই সনই আন্তার **ভড় আনরবের বিকার**। দেহাস্থ্যক্তিতে কয় ব্যক্তিরাই কণ্ডলির ছারা প্রভাবিত হয়, निक चारि नर्दशका (मशाबद्धि (शतक इन्छ । छाहे আহি হুল অংক হুল নই অথক আগমি কে কথাওলি কণেছেন, আমি ভার কোনটিই নই 🖺

াহে প্রায়ন, আগনি অনর্থক আহাকে জীবকুত বলে অভিবোগ করেছেন। সেই সম্পর্কে আমি কেবল এই বলতে গরি হে, এই মত মধ্যেও সর্বাকস্থরই আদি এক অন্ত রয়েছে। আছু আপনি বে মনে কয়ছেল আপনি রাজা ও প্রভু এবং ছাই স্বামাকে আমেল দেওয়ার চেট্র কবছেব, সেটিও ঠিক নাছ। কাৰণ এই সমাত প্ৰথমিল অনিস্ত। কাম কাপমি বাজা এবং আমি কাপমার ক্বতা, কিছ কৰে ভাৱে পৰিবৰ্তম হাছে পাৰে এবং আপনি ভূত্যাত এবং আমি প্রভূতে পরিবত হতে পারি। এই সমন্ত অনিত্য পরিস্থিতিখনি লৈখে বারা সৃষ্টি হয়। হে রাজান, জাগনি বৃদ্ধি একাও মদে করেব বে, আপনি राज्य असा तक पानि रिके पाननात एका, ठारान অপুনি অংকশ কলে এবং আপুনার আধেশ আমাকে পাসন করতে হবে। কিন্তু আমি এই কথা করতে পারি নে, এই পাৰ্থক্য অভান্ত ক্ষপন্থায়ী এবং ক্ষনহয়ে অথবা প্ৰদা থেকেই ভার উৎপবি। এ হাড়া ভার অন্য কোন कप्टल चामि राशि ना। राधे (करत श्रंकु रका) तारा **कुछारे वा एक १ अञ्चली कहा श**र्काळत निवरकत नागः, चाँद क्याँदे शकु मार अन्य क्याँदि कृत्या गर्मा निष्कु का সংখণ, আপনি যদি মনে করেন বে, আপনি রম্ভ এবং আমি আপনার কৃষ্ণ্য, তাহতো আমি ভা স্থীনময় করে अवः चाननि महा कटाः चामारक चारमण मिनः बङ्गा. কাৰি আলনায় ঋণ্ট কি করতে পারি।"

"হে বাজন, জাননি বলেছেন, 'ধ্যান উপন্ত, বন্ত, আয়ঃ আমি তোকে মধ্যমান বয়ব, তাহলে ভুই প্রকৃতিস্থ रवि।" मिरे मन्नार्क आमि क्नारक मेरे वा बाह, मुक व्यव्द वरिएतक अस्टा व्यवहान कहरायक व्यक्ति उत्त्वास्त्रीतिक। লাভ করেছি। আমাকে দহা দিরে আপনার কি লাভ **एटर: चांद जाननात धनुषान वनि दिन हा। अरर जापि** বলি সতি৷ স্তিট্ৰ উপস্ত হই, ভাহলে জামাকে দও বেওরা পিটবন্ধ পেরব করার মতেই হবে*।* ভার ফলে (क्वर बाठ श्रंव मा। कंक्र डेबर गुरिस्क मध्यत बता হলেও ভার উপরতার উপরম হয় না 🏲

জ্রীল ওকণের গোষামী বললেন-"হে মহারাজ পরীক্ষিৎ, জালা বসুখণ পরম ভাগবর জাও ভারতকে কর্বান কৰে কৰা তিরমার করেছলেন, ভান লাবুড়িয় বুলিকা ভা সহঃ করে তারে মধানাথ উত্তর নিরেছিলেন। ভাবিন্যর স্পাল হেহাৰপুৰি, কিন্তু জড় ভবত সেই আৰু ধাৰণাই हाता अकाविक व्हिलम गाः। छैतः सावाविक विमादनाज তিলি নিজেকে একজন মহান ভক্ত বলে মনে করণ্ডেন ৰা, ভিনি বীয়ৰে তাঁয় পূৰ্বকৃত কৰ্মের কল ভোগ কৰে राज्य। अक्ष्मम भाषात्र मानुरात ग्राप्त छिन्ने ग्राप्त কর্মেছদের বে, শিবিকা বহন করে তিনি জার পূর্বকৃত एक्टर्स। कन किन्हें कहरफा। अदेखाय दिशव करत दिनि পূৰ্বকং শিকিল কংম করতে সংগলেন (*

°হে পাতবরেষ্ঠ (মহরাজ পরীক্ষিৎ), সিদ্ধু-সৌরীরের রাজা সহস্রাজ রহুগণেরও পরম তথ্য বিচারে পভীর রাজ্য

ছিল। জন্ত ভরতের বোগণাস্ত্র সম্মতি এবং কান্যুচন্ত্রি (अम्बद्धारी) बाब्यु श्रदम कर्द्ध लेखि श्राच-प्रश्निमान विद्रांतल হরেছিল। ভিনি শীত্র শিবিকা বেকে অবতরণপূর্বক ভরতের জীপাণবামে ভার মন্তব্দ স্থাপন করে রগতি নিবেধন করলের এবং সেই মহাভাগবতের চরণে অপরাধ करात करन क्या क्षार्थना करन वरणिस्तान-- रह डाकान, আপুনি সকলের জন্মতদারে প্রক্রেভাবে এই সংসাধে বিচলে করছেন। আপনি কেঃ আপনি কি বেদভা প্রকেশ अवर प्रकृतकार कारानि बरवाधनरीक भारत करहरून। আপুনি কি বড়ানের আদি অবধুতদের মধ্যে কেউং লাপনি ক্ষেন মহাক্ষর পিবঃ আপনি কোথার অবস্থান করেনঃ আগনি এই ছালে কেন এসেছেনঃ আন্মানের মন্ত্ৰণ স্বাধনের উদ্দেশোই কি আপনি এসেছেন ৷ আপনি দরা করে বলুন, জাপনি কে*ণ*"

"হে মহানুকৰ, আমি দেববাজ ইন্সের যাত্রের করে ভীও নই, লিকো ক্রিশুলের ভরেও ভীত নই, যমন্নভের Po অথবা অধি, সূর্ব, চন্দ্র, বাহু ও কুবেরের আছু বেকেও আমার ভার উৎপর হয় মা। বিশু আমি ব্রক্ষরত্বার অংখননরেশ অপরাধ্**কে জতার ভর ক**রি।"

"হে মহানুভৰ, থনে হচেছ ফো আপনরে সহান আধানিক জানের প্রভাব জাননি গোপন করে রেখেছেন। প্রকৃতপঞ্জে আপনি সমস্ত ঋতু সংস্থা থেকে মুক্ত এবং পূর্ণনালে ভারতকো চিনার হয়। ভাই আগনায় দিয় আন অনত। সহা করে আপনি আমাকে কন্ন, কেন আপনি এইতাংক একজন জড়ের মতের কিরণ করছেন। স্ত মহাপুরুষ, আগনি হোগসখত কথা বঙ্গেছেন, কিছ আন্তাদের পক্ষে ভা হুলক্ষম কর সত্তব নর। তাই বরা কয়ে ভা বিশ্লেষণ করুন। আমি আগনাকে বোগেরর, আছ-তত্ত্ব মুনিদেরও প্রস্ন ৩ক্র মধ্যে মনে করি। মানব-সামায়ের কল্যানের জন্য জ্বলনি অবতীর্ণ হরেছেন। আপনি ভগবালের আনরূপী অবতার কলিখাদেবের সাঞ্চৎ প্রতিনিধি রূপে বিদ্য আন প্রদান করতে এসেছেন। ভাই আমি আপ্নাকে জিন্দাসা কবি, হৈ ওঞ্চদেব, এই স্বাসতে শ্ব চাইতে নিরালয় আবাচ কি ৷ আলমি যে ভগবানের व्यवज्ञ क्रिकामस्य आकार शिवनिये, जा कि एक नहार কে প্রকৃত যানুষ এবং কে নয়, হা পরীক্ষা করার জন্ম মাপনি মুক এবং শধিরের মডো অভিনয় কংছেন।

আপ্নি কৈ সেই স্কল এই পৃথিবীপৃষ্টে এইপ্ৰাৰে কিবেশ ক্রচেন নাং আমি অন্সন্ত বিবহাসত এবং জানার, কিন্তু তা সক্টে থামি আগনার কাছে জানের আলেক প্রাপ্ত হুওয়াও জনা উপস্থিত হরেছি। কিন্তাৰে আমি পারমার্থিক ক্রীবঢ়ো উন্নতি সাধন করতে পারি ? আপনি বলেছেন. 'আমি প্রান্ত নই।' আঁপও আছা দেহ থেকে ভিছ, তবু দৈহিক পরিশ্রমের কলে শ্রান্তি হর এক ককা মনে ইর ৰে আবাই কো প্ৰান্ত হয়েছে। আপনি হখা পিৰিকা वहन क्वहित्तन, क्वन किन्त्रकी चार्यातक श्रीकाम स्टब्स्। এটিই আহার অনুমান। অৱসমি এও বলেছেন বে, গ্রন্থ এবং কৃত্যের থে বাহু আচরণ থা বার্তবিক নয়, কিছ যদিও এই প্রাপক্ষিক জনতে জ বার্যাকে দর, তবুও এই প্লাংকিক জগতের বিষয়ধনি, তে বছকে প্রভাবিত করে। स्र शराक्तिहरू (स्था दाव अंगर कम्स्य करा वात। যদিও ঋত্ব-জাগতিক কাৰ্যকলাপ অনিতা কিছু ভাহদেও তামিখাকল কর বাং

বাজা বহুপৰ কাতে লাগদেন—"হে বহাপুতৰ, আগমি বলেকে যে শ্রীমের ফুলতা এবং ভূপরে আশার शर्म नहा । का क्रिक भड़ा, कालन मून वानर नृहास्त्र कान्व्छि আৰান্তই হয়েৰ পাৰেন। পাত্ৰছিত দৃং একং চাল আক্ৰান্ত ভাগে আগসা থেকেই উত্তপ্ত হয় এক তার কলে চালের चतुनकानं निष्कं दत्तः। एटजन्हैं, (मरहत्त मृश्यं अवर नृष ইলিখ, কা এক আৰুতে প্ৰভাবিত কৰে। আৰা এই অংশ্য থেকে জনসক ককতে পারে না।"

¹ুছ্ মহৰাপত, আপনি বলেছেন রাজা একং গ্রন্থা ভয়তে কোন সম্পেহ নেই।" **जन्म अङ्ग अन्य प्**रस्थात काश्य तम जन्मकं का निरम सम्

কিন্তু ক্ষণিও এই সম্পর্ক অনিস্তা তনুও কেউ দশন রাজন পদ গ্রহণ করেন, তথন তাঁৰ কৰ্তব্য হচ্ছে প্রকালের শাসন করা এক অটিন লডখনকারিদের স্থানন করা। ভাষের হওবান করে তিনি প্রকাষেত রাজ্যের ফাইন মেনে চলার निका (सत्। नृम्हाह, धाननि वस्तरका स, कुक अनः থবির ব্যক্তিকে হও গেওরা গিউ বস্তুকে পেকা করর মতে: কর্ত্বং তর কলে কেন কলে হয় না। কিন্ত কেউ যদি ভাগবাদের নির্দেশ অনুসারে তাঁর কথার্থ কুক্ত থাকেন্ ভাহতে অবশাই জীব পাগৰয়ের লাবে হয়। অভ-বে কাউকে বনি ক্ষাপূৰ্বক উন্না কৰকে নিযুক্ত কৰা হয়, ভাগ ফলে তাঁঃ মানৰ হয়, কৰেৰ তথ্য তাঁঃ নতন্ত প্ৰশ্ থেকে তিনি যুক্ত হতে গারেন। আগনি বা তলেকে তা আনর কাছে দিশবীত বলে মনে হকে। বে কাঠকে, আমি বাজা হওৱাৰ অভিযানে মন হয়ে আপ্নৱ ইডো প্ৰৰ ভাগততকে অগমান করে মধ্য অগমাধ করেছি। স্বাই আৰি আশ্বার কাছে প্রার্থনা করি, সত্র করে আগনি व्यापात शकि व्याराङ्की कृषा शार्मात करूर। व्यारागारे কেবল আমি এই শুলয়াধ খেতে মুক্ত হতে পারব। হে তত্, আগমি সমক জীবের পরম সূক্তং করবানের কথা। ভাই আক্সি সকলের প্রতি সমণ্টিসক্ষা এবং আপনি দেহাত্তবৃত্তি যেকে মৃক। আমি বে আগনাকে অপথান बर्खांहे, खार्ड शंगव चाशनात रक्त विकास ११वि, छन्छ নেই অনরাংগা কলে আনার রাখ্য কভি যাই নিবের মতোও শতিপালী হয়, ভাংগেও অচিবেই নিন্ট হবে,



একাদশ অধ্যায়

মহারাজ রহুগণের প্রতি জড় ভরতের উপদেশ

ব্রস্তান্ত কর্ম কর্মেলন—"হে রাজন্, বনিও নন। অভিন্ন ব্যক্তি কর্মনাও আপনার হতে। প্রস্তু-ভূতা আপনি বিজ্ঞানন, স্বত্ত আপনি বিজ্ঞো মতো কৰা। অধবা জড় সুৰ দুৰ্থের সম্পর্কের কথা বলেন না। খলছেন। অতথ্য আশনি বিভাগের মধ্যে শ্রেষ্ঠ ব্যক্তি এইগুলি কেবল ব্যহ্যিক কর্মকলান। তত্তভান সময়িত

फालिका रहित क्यान्य अदेशहरू कथा शत्मा मा। (स রাজন, প্রস্তু-ভূতা, রাজা-গুলা ইন্ত্যাদির প্রস্তে বে কলা ভা কেবল অন্ত-জগতি∉ বিষয়ের কথা। যারা কেবিহিত **एक कार्यकारण चाधरी, छोडा रक्ष्मा यक्ष धनकान करत** এবং অন্ত-আগতিক বিষয়ের প্রতি রাজ্যপু বেকে সন্তুষ্ট থাকে। এই প্রকার কভিনের অকাটে আধ্যাধিক উর্ল্ল হা না। সংগ্রন্থ জেগ্যবন্ধর মিথ্যাত্ বা নির্ম্বকতা মেন আপুনা থেকেই অনুভূত হয়, তেমনই এই পৃথিবীতে অথবা কালোকে এই জীবনের বা পরবতী জীবনের যে मुन, पर प्रस्तात एक करू केशनकि क्या श्रात । एकडे ইখন ডা হ্লারগম কাতে গাঙে, ডখন কে ওড়ুল্লানের **र्**दे। कीरनत कन कंटकम कान्त श्रेक्तित किन कंटमूत बाता -(সাই, কাম এবং ভার) কথাবিত থাকে, ভাতকাশ ব্যাহ মন টিক এসটি মন্ত হন্তীর মতে খতন হরে, জানেদ্রিয় ও ক্ৰেন্তিক্ষে ভাৱা পাপ এবং পুশাক্ষের ক্ষেত্র বিস্তাহ करते। एका करन जीव एक कर्रात क्षावसान मूच अवर मृत्यं (कार्य कवार कर) सह बाग्रस्थ सहस्य कार्यक धरक, क्रम्बन का बाधाविकसारवेर काम, दक्का चामित्र থার বিক্রেডার হয়। এইভাবে, তা ইঞ্জিয়পুথ ভোগের প্রতি আকৃষ্ট হয়। আর্থাৎ হন সত্ত্ব, রক্ত এবং ক্রমেণ্ডগের ৰাৰা পরিচালিত হয়। একাদশ ইঞ্জিয় এবং পঞ বসভূত—এই ব্যেওশ উপান্যনের মধ্যে খন হচ্ছে প্রথম। তাই মনোই জন্ত গেব, মত্ত, গাত, ডিব্ৰুড আদি নিভিন্ন शका भटी। मारू १४। केरक्ट्रे अथवा निकृष्टे सुरव घटना दिनि कनुभारत केंद्रिया कहा त्मर मांक क्षा। महाह রচিত হন জীবকে আজ্ঞা করে বিভিন্ন গোলিতে এমণ করার। ভাকে বলা হর সংসার-চক্র। এই প্রনের কাংলে এইভাবে মেহাজ্য করে মন পাপ এবং পুণ্যকর্মের ফলসমূহ সৃষ্টি করে এবং তার কলে আবা জন্ত স্ক্রসভেত বৰূৰে ভাবত হয়। ফা জীবকে এই সংগতে বিভিন্ন र्यानिएक कमन कवात क्यार छात्र करन कीर मानुव, দেবতা, স্থুল, কুল ইত্যাদি অবস্থা অনুভব করে। বিবর স্পট্টভাবে দর্শন করতে পারেম।" পতিতের বলেন যে, নেচের আকৃতি, বছন একা মৃতিন

करण, चीव जरजार-कहरन चारक रश करर भूश्य-मूर्णना ভোগ করে। কিছু জন যথম ছাত স্থানোগোর প্রতি অনাসক্ত হয়, তথৰ ওই ভার মুক্তির কালে হয়। দীলেও পলতে ৰখন টিকমতো স্থলে মা তথন তা খেকে কলো ्थीया (बार्सा), किन्द्र का यथम इक्टलूर्व सरव वधायधवार्य স্থলতে থাকে, ভখন হা থেকে উচ্ছল ৩৪ দীপ্রি প্রকাশিত হর। তেমনই, মন বখন ইপ্রির সুখতেমুগর প্রতি আসন্ত থাতে, তবন জ দুঃব-দুর্যপার করেল হয় এবং হল কৰন বিবয়-বাসনা থেকে হুক্ত হয়, তখন ক্ষাভাবনার দীন্তি প্রকাশ পাব। পক্ষ কর্মেরির, পক **भारतित अस कर्षात-अधि महत्त अकाम वर्षि।** এক অপূর্ব উৎস হওয়া সক্তেও, বংগট নয় কলে কনে। তে বীর। শব্দ, প্লার্গ আমি পঞ্চতমান জ্ঞানেনিয়ের বিষয়, মলত্যান জাদি পক্ষ ব্যাপার কর্মেজিরের বিষয় এবং সেহ, গৃহ, সমাজ ইত্যাদিতে আন্তবৃদ্ধি অভিযানের বিবয়। পণ্ডিতের এওলিকে মনের কর্মকের বলে वास्का। भव, न्नर्ग, ज्ञन, तर अवर नक-अधि नव कारमंत्रिका विवस । शक्का, निक्ष, पछि, बम्हान दक्त जीगराम--- थ्रंभेन अध्यक्ष्यक्षिका विस्ता । अ सहा. অংক। হন বচকন পাপ এবং পুশুকর্মের বাসনার সাধ্র 'এটি কামার দেহ, এটি আমার সমাজ, এটি আমার পরিবার, এটি আমার শেশ ইত্যানি যে ধারণা, মনের এই একাশগভ্য বৃত্তিটিকে কলা হয় অহস্কানঃ কোন কোন দাশনিকের মতে এটি বাদশতম কৃষি এক ভার কার্যক্ষের হচ্ছে এই শরীর। হকু, থড়ার, সংবার, অনুষ্ট এবং কলে—এই ৩লি নিখিত কারণঃ এই সমস্ত নিমিত স্মারণের পারা ক্ষেতিক হতে, এই একালে প্রকার চিপ্ত বিকাৰ প্ৰথমে শশু প্ৰকাৰ, তালপাৰ সমূহৰ প্ৰকাৰ এবং তারণার কোটি প্রকার হয়ে থাকে। কিছ এই সমস্ত दिनात चानमा (थएक्ट्रे नतम्बद्ध मस्वस्त्र करन हत् मा। পক্ষাব্যর জ্যাহ্য ক্ষাবালের নির্দেশনার। ক্ষাব্রতিভাতিত ক্ষাৰ আৰু জন্মতের পুনৰ এবং সূখ ডোগ করে। জীবকে। জীবকে আন খানার বাবা রচিত বহু ধারত এবং পৃতি সংহছে। সেংলি অনাদিকাল খেকে বৰ্তমানঃ কথনও কৰ্মত নেওপি মাহের স্বব্যায় প্রকলিত হয় এবং করে বস্থাবছার, কিন্তু সূত্রির ও সমাধি অবস্থার সেগুলি তিরোহিত হয়। বে ঝণ্ডি কীনস্থক তিনি এই সাধ্য

"मृद्दे अवस्थ (क्यांका तरहरक्—कीशाका वा नृदर्व कर्नत কারণ ব্যক্ত খন। খন বিষয়-ভোগে আগতা ইওলার। কন ইরেছে এবং গর্মেশার ভগনান, জার কথা এখানে

ভীতক প্রবেশর মাধ্যমে এবং প্রভাকরতের দর্শন করে আছে। তিনি প্ৰত্যপ্ৰদাৰ এবং তাম কৰে, মতা, প্ৰভা অথবা বাৰি দেই। তিনি প্রখ্যা আদি সমস্ত কোণ্ডালের নিজ্ঞে। তিনি নানাবৰ অৰ্থাৎ সমস্ত জীবের আশ্রয়। তিনি বভৈত্বর্তন্ত ভগবান এক তিনি দর্বতুত্তর আবাদ কান্দের: তিনি ঠার খীর খতিন বারা সমস্ত জীবের হানরে বর্তমান। বারু বেভাবে প্রাণরাশে স্থাবর-জন্ম থারি সর্বাচ্চত্তর অভান্তৰে প্ৰনিষ্ট হয়ে ভালের নিয়ন্ত্ৰণ করে, তেমনই ভিনি বিশ্বসংকে প্ৰবিষ্ট হয়ে ভাগে উপায় কাৰিপতা করেন।"

"एर जाना सर्वन, त्मर्थात्री वह कीन बरम्बन भर्वत क्षप नृषरकार्यक कन्द (यरक मुक्त मा इब कार छात्र **इतकै भटन्य व्याप करन चापरकार वाभरित कराट वाभरा** জাৰতৰ অবগণ্ড মা হয়, ছডাকন পৰ্যন্ত থাকে এই ভড ক্ষপতে বিভিন্ন নোনিতে রয়ণ করতে হয়। আলার

বর্ণনা করা হতে। তিনি ব্যাহন সৃষ্টির সর্বব্যালক করে। । উলাধি মন হতেছ সমান্ত জাড়-জারতিক পুংক-দুর্থলার তিনি পূর্ব এবং করা কারোর উপর নির্বরশীল নন। কারণ। বন্ধ জীব হতক্ষদ পর্বন্ধ এই তথ্য বা কানে, ্পতক্ষ পর্যন্ত ভাষে ছাত্র মেহজনিত বৃহধ-কট ভোগ করতে করতে এই ক্সতে ব্যব করতে হয়। মন বেকেও ব্লেল, দ্যেক, মোহ, জার্মকে, লোভ, পরুতা ইত্যাদির বারা প্রভাবিত, তাই সে এই রুড় স্বস্থাতর चक्रत्यत्र वात्रा कायक इता प्रयक्ष केश्नामन करना। अहै कानरवट प्रत कीरस्त नहर नहा। सारव टेरनका वदान चर्धका मुरगान निर्म का शक्न स्थरक धरमध्य हरह पूर्वभनीत एउट करते। यमिक सा याज्य नह, प्रकृष पर কত্যন্ত কৰ্মবান। ভা জীবের ক্তাণ জাজানিক করে ब्राइन। इर द्वापान, गया करते शिक्षकान अवः नदरमनत ভগবনের বীলাদগণ্ডের দেবারলা অন্তের স্বারা এই মনকে ৰাম করার চেষ্টা কাম। অভ্যন্ত দাবধানতার সক্ষে এই কঠন্য সম্পাধন কর্মন 🕆



বাদশ অধ্যায়

মহারাজ রহুগণ এবং জড় ভরতের বার্তালাপ

মহাত্রাকা রহুপণ কগলেন—"হো কাবস্থা, কাপনি ভগবন খেকে অভিন। আগনার স্বরণের প্রভাবে সমস্ত শান্তবিক্রের মূর মন্তেছে। আপনি রক্ষবদূর বেশে জাননত দিবা অনুসৰ্বয়ে স্বরূপ খোপন করে রেখেনে। আমি चारपनारक चामान मक्षक श्रप्ति निरंतमन कवि। 🗷 সর্গ আধার বিবেককে কলেন করেছে। জড় ভারনার আমান সংগ্র রয়েছে, সেই বিবার আমি আপনাকৈ পরে । ব্রেছে।" किशासा क्षेत्र। किन्नु क्षेत्रन काचलव नवरव (६

উপদেশ আগনি দিয়েছেন, খা আহার কারে কারে পূর্বোধ্য বলে মনে হক্ষে। বরা করে আপনি সংলবাবে ভার পুনরাবৃত্তি উভান, বাতে আমি ভা ভালাকার করতে अति। चामात्र मन छ। मतलकात्व क्ष=दमञ उदाद कत् च्छात प्रेरमुक श्रास्त्र । 🙉 स्थानमा भागनि द्रारमून ব্রাক্তপশ্রেষ্ঠ, আমার কেই কৃথসিত বস্তুতে পূর্ব কাল পর্বরাগ । কে, গেরের পরনামির কলে যে বাল্ডি হয় যা প্রত্যক্ষ অপুভূতির হাল অংগত হওৱা নার, কিছু প্রকৃতলক্ষে প্রভাবে স্বামি রোগারেকঃ। স্বাপনার অমৃত্যর উপদেশ । প্রান্তি নেই। তার অভিযু কেবল কুবছার্যুলক। এই এই প্রকার ব্যক্তির উপায়ুক্ত ভাষর এবং তা সূর্যের তাপে। একার প্রশা এবং উভরের হারা পরত্র তার নির্দাহ করা বার পীড়িত ব্যক্তির কাছে মূলীকো জনের মধ্যে। যে কিবরে -বা। আপনার এই বাজ্যে জনার মন কিছুলৈ বিচলিত

द्वाचा का कार कारणा—"बाह रहत प्रश्रहतात

क्टन माना शक्त अस्टिंश विकास अधिक देश क्रम, आर्थर **पेटर स्था। तकार कार्यान प्रश्ना प्**रश्नार विकास करते अन्य শিকিলখাতে ইতালি নামে পরিচিত হব , আর বা \$লাফের করে লা, তাই পাধান ইত্যানি লামে খ্যাত হয়। সেই সমস্ত স্কাল পূৰ্বিৰ বিকৃতির স্থাপদ্ধারণ উপরিভাগে कम्प श्रीक, कश्य, कल्, देल, श्रीमा, वकाव्य, ক্ষাপে ও কম -এই সমস্ত ইটোছে। আধার ক্রাক্ষা हैन्यु स्ट्रमडी निविज्ञ क्ष्यः निविज्ञत्र प्रत्य ग्रह्मस्य ভঞ্জনিত সেঁকোঞ্জ কাৰে। সেই বাজার করিতে ভার এক প্ৰকাশ পৰিব নিকাৰ, সেই বিকারমার দেকেই আপনি অৰ্থান্থত এবং বাতভাবে নিক্ৰেকে সৌনীর দেশের মাজা च्यार व्यवस्था वरता वरता वरताच्या । विषय, विमा यरवान এই সকল নিগীত অভিনা যে আগনায় শিংকা বংল করতে, আগনার অন্যায় আচনগোর কলে ভাগের নিশ্চরত্তী ক**ই হতে।** ভাষের অবস্থা অভ্যাত্ত শোচনীয়ে, কেলনা খাপনি তাৰের বলপূর্বক খাপনার শিবিকা বহনকার্যে নিবৃত্ত করেছে। জ খেকে প্রমাণিত হয় বে, আপনি অত্যন্ত নিষ্ঠার এবং নির্মার। কিন্তু আ সভেও আপনি মধ্যে করনে বে, আপনি আপনর প্রভাবের রক্ষক। তা অভ্যন্ত হাস্তকর। আনমি অভ্যন্ত হর্ব এবং আনী ৰাজিকের সভার শোলা পাওবার থেপ্ট কন। এই পথিবীতে আমতা সকলে বিভিন্ন স্ক্রপদমধিত জীব। ক্ষমানের মধ্যে কেউ স্থাব্য এক কেউ কলম। আখ্যানের त्रकारतारे \$८०वि छा, विक्कारण बना हिन्दि हा अवर ভারতর কিলো হয়। খাখা এই বাটার পুনরার মাটিতে মিশে হয়। অসম্যা কেবল মাটির সংগভর। বিভিন্ন শবীৰ এক কাৰ্যকল্যগের সমত্য কেবল মাট্টিরই রূপান্তর এক নাৰে হাত্ৰ ভিত্ৰ, কাৰণ স্বকিছুইই মাট্ট থেকে উক্ততি হয় এবং কিবলের পর পুনরতে মাটিতেই মিশে नात । अमांडल अन्य यात्र त्या ध्यास्ता त्वनम एति अवर भूनदात पुनिएठरें वित्य बार। और क्या जकरतारे विठात মরে দেবতে পারের। কেউ ফাল্ডে পারে বে, এই কলোকেই কেবল বৈচিত্রা রংরছে। কিন্তু, ক্লুলান্ড শামরিকভাবে সভা বলে প্রতীত স্থাপত চরমে তাব বাগুর चन्तिक तन्त्रे। और कारश्यक गुरि शास्त्रवर भारतानु (१९८०) কিছু সেই গরখাপুর অনিক্য। যদিও কোন কোন দাননিক এই ব্যৱস্থা পোষণ করে, তবুও পর্মাণ কথনই

ক্রমাণ্ডের কারণ নর। পালোপুর সাক্ষেত্র কলে যে এই ক্ষত্ত ক্ষণতের বৈচিয়ের সৃষ্টি হরেছে আ সভ্য হয়। থেকের এই রাজতের কেন ব্যক্তনিক অভিছ নেই, চাই कृत, धूत, भूख, वृहर, कार्य, कांत्रम, (६४०न, चर्डायन (४ সম্বা বন্ধ এই একাণে ব্যৱহে, সে সবই কাৰ্যনিক। সেওলি একই মাটির মাত্র বহিত বিভিন্ন রাগ এবং নামে माउँ (१९नि स्थि। छव, वर्धार, धाला, बान वरा ষ্ট্রের বারে বন্ধর পার্বকা নিজপিত হয়। আপনার জান। উচিত হে, দেওলি কেবল অভা প্রকৃতির স্করা মচিত যান্ত্রিক অভিনাতি। জালনে পরাম সভা কি। স্থার উদ্ধা राष्ट्र (र. चका कानरे सम्बं नश्रम कठा। की कड़ा প্ৰকৃতিৰ কলুৰ কেকে মুক্ত। কা আমাৰেও মুক্তি প্ৰদান क्दाः चा चवत्र, सर्ववाश्च अपः स्थानसः चठीकः। स्तरे আনের প্রথম উলল্ভি হাছে এক। ভারণর বিতীয় উপদৃত্তি হতে প্রমান্তা, ব্যক্তে লোগীর নির্মণ অধ্যকরণে মূর্ণন করার চেটা করেন। চয়াহে, সেই পরন জ্ঞানের পূর্ব উপল্টি হর পরম পুরুষ ভাহবানরপো। সমস্ত ভারতানী মহাপ্রক্রের সেই পরম পুরুষকে ক্রম, প্রমামা পল্লবির প্রম কারণ জন্দেবরতথ বর্ণনা করেন।"

"হে মহারাজ রমুগণ, মহাভাগকভের চাংগতেশুর থারা অভিবিক্ত না হলে, কখনট প্রাম্ডেম্ব হলবালম করা ব্যৱ मा। बच्चवर्ष शासास्य शता, नाईका-भीरएसः विधिविधान কঠোর নিষ্ঠা সম্বন্ধরে পালন করের মারা, মনগ্রন্থ-কালমে প্রত্যাগ করার যারা, স্থান্স-আশ্রম অবলয়নের মারা অথবা শীতেয়া সমত জনসংগ্ৰহতে অথবা ত্ৰীয়ে অমি পরিবেটিত হলে কিবো প্রথম সর্যকিরণে অবস্থান করে ্ তপ্সায় করার বারে উট্কে জানা বার না। পরম সভাকে হৃদয়েম্ম করের অন্য পদ্ধা আকলেও, মহাভাগরতের কপার প্রভাবেই কেবল পরম মতা প্রতালিক হর। যে তথ **फरकरात कथा बचाइन डेट्साच कता इरदाह डेस्सा कारत ह** ৩% ভড়ুদের সভার রাজনীতি, সমাজনীতি ইত্যাদি জড় বিষয়ের আলোচনার কোন সম্ভারনা খাকে না। 👓 ভক্তদের সভাত কোলা পর্যোক্ত ভগবাদের রূপ, তা এক নীলার বিষরেই আলোচন হয়। সর্বাচ্ছকরণে উল্লো ভদবানের মহিমা কীর্তন করের এবং ভার আরাধনা করেন। ৩% ভক্তদের সঙ্গে জন্ম সহকারে এই সমস্ত विकास निवस्ता स्टब्स कराव करता, मायसा अखिन ध्रमानी

বাস্যানখ্যে সেবার প্রতি আসভ হন। পূর্বে এক জন্ম বামি দিনাম মহারাজ ভবর। প্রতাক মহিকাতা এবং বৈধিক জাঞ্জে পরেকে অনুভাবের বারা আমি সমত কার্যাতক কার্যকলাল থেকে পূর্যারেশ জনাসক্ত হয়ে নিভিন্তান্ত করেছিলান। আতি পূর্বরূপে ভাগবড়ের শেবার ম্ভ ডিনাম, কিছ পূৰ্তমোৰণত আমি একটি হ্রিণ শাবকের প্রতি একটি অফল্ড হরে পড়েছিলাম বে, অঞ্লি আমাৰ প্ৰেক্তিক কৰ্ডবা সম্পাদনে অবহেলা করেছিলান। সেই হুবিল-লিশুটির প্রতি পভীর প্রেছের ফলে আমাকে পরবতী জীবনে একটি চ্রিল শরীর স্বরুল করতে হয়।"

স্তাবাদের সেবা করেছিলার, ভার কলে হরিণ-পরীয় বেতে পারেন।

দুযুক্তরও উল্লেখ্য যোকরাসনা পরিত্যাপ করে হাঁরে হাঁরে পাওয়া সক্তেও আহি ব্যাহার পূর্ব ঐন্তানের সব কথা সাহায করতে খেরেছিলার। যেহেতু আমার পূর্ব জীবনের খাধ্যপত্নের কল আমার মনে আছে, ভাই আমি সাধেরণ মান্বদের সরু থেকে সর্বদা গুরে থাতি। ভাবের বিষয়াসভা আলং-সংহর ভারে কীত হরে, সকলের অগ্রেচরে একারী বিচরণ করি। উত্তয় তভের সম প্রভাবের কলে যে কোন ব্যক্তি পূর্ণবান পাত করতে পারেন এক জানকাপ তথ্যারির হারা জড় জগতের মোহের করন ভিন্ন করতে পারেন। ভগবছরের সম शकार्य स्थाप-केर्डिज्ल करन, क्षेत्रदारम्ब स्थाप प्रक হওয়া বার ৷ ভার কলে জীবের সূত্র ক্ষান্তবেলয়ত सामित्र वंश जार और कृष्णठित्र कार्नात्तावर करत. "হে বীয় বাজা, পূৰ্বে যে আৰি ঐকান্তিকভাৱে তিনি এই ঐয়নেই ঠান প্ৰকৃত আলম ক্ষমন্ত্ৰতে কিৰে

ক্রয়োদশ অধ্যার

রাজা রহুগণের প্রতি জড় ভরতের অতিরিক্ত উপদেশ

একজানী থাড় ওরত করাণে—"(র্ ফ্রান্ড রবুগণ, লাডের জন্য অরণ্যে প্রবেশ করে, ডাফা এই ছংটি মসু ওমেগণের ছার প্রভাবিত ইরে, সে যায়র ছারা আক্রা হয় क्माधनि स्टार तह, घता अस अस विता। अधिवाद हा सर्व धर्च, कार अन्त सारका शकि धर्के हा। इन सकी। যদিকের মতো দিন-মাত করের করিবাহ করে এবং লাভের ৰ্মান্ত লে প্ৰকৃত কুৰ বাচে কমতে পাৰে বা।"

"एर महाताक तर्यन, यह भरमाय-सरुरगा प्राणि অত্যন্ত প্ৰবাদ দৰ্যা আৰক্ষে। বন্ধ দ্বীৰ কমা জাগতিক

ন্দীৰ এই দুৱন সংসাধ মাৰ্লে কৰা কৰে এবং বাৰ বাৰ ক্ৰম । আতে বিশাৰে পৰিচালিত কৰে। এইভাবে বৰিভাবেশী ও মৃত্যু বৰণ করে। স্বাদ্ধা প্রকৃতির সায়, স্বাক্ষ এবং । বন্ধা কিনকে বিভ্রান্ত করে কেই দস্যুদ্ধা ভার আর্থ জগহতুর क्टा। याच, मृशाम अवर कन्त्रन्य दिश्य भश (राज्ञ এবং তিন প্ৰকাৰ কৰ্মের কৰাই কোনা দৰ্শন করে। সেই সক্ষক্ষের আগ্রের কোনে একটি মেখাকে হবার করে, ঠিক তেমনই পৰী এবং সকলে সেই বলিকের কাল্যে প্রবেদ করে নানাভাবে ভাতে লুকা করে। এই যান ভাসংখ্য पूर्व, क्षण के मिनाई बाक कालन अपूर्व संस्टाह। (शहे আলায় বন্ধ সংগ্ৰহের জন্য করতে প্রবেশ করে। কিছু এই । সমস্ত সমৃত্যে বন্ধ জীব সর্বাদ্য মধ্যক সমুখ্য দুর্জনদের উপত্ৰৰে শীড়িত হয়। স্বাহনত কৰাও সে সেই অৱল্যে এক ক্ষমীক প্রায়েল কর্মন করে এবং কর্মনও ক্রমেও সে আকলে উভার মতো পিশাচনের কর্মি করে বিশান্ত হয় ("

িছে রাজপ্_ন এই সংসার-আওলোর পথে গৃহ, ধন আখীর-খন্তন প্রভৃতির স্থানা বিভার্ততত সেই বাণ্ড এই সংস্তঃ-অনুস্থা সাক্ষা সাভের আশার ইওপ্তত থাকার হয়। কৰতে ভাষ চকু বৃশিক্ষা বুলৈতে আহেদিত হয় ক্ষর্থাৎ, ভার পদ্ধীর রূপে মের্হত হয়ে, বিশেষ করে ভার राजवन्त चरमाय, 🗷 काथक रहाः अदिकार्य चक्र ११३ যাওৱার কলে, সে মে কোণ্ড বারে এবং কি করছে খ্য সে বেশতে পায় না। ক্সাটিশীকে প্রমণ করতে কহতে বছ স্থান অনুশা বিশ্বান কঠেয়ে শব্দ ওনতে পায় একং ভার কলে ভার কর্নশৃথ উপস্থিত হয়। কবলও ক্ষুত্ৰত পেঁচায় কৰ্মণ পৰে ভাৰ ভাৰত বাখিত হয়, বা प्रतक्त कार नकराज करवेश कुककि । कुथार्क दशा स्म कृष्णक कृष्णक ध्राप्त वृष्णक कालाइ श्रेष्ट्र करते वार्थ কোন কল অথবা কল হয় সা এবং ভাব কৰে দে কটভোগ করে। ভাতাওঁ হবে নে কলের জালাব ছগৈটিলার পিছনে ধাবিত হয়। বন্ধ স্ক্রীন কথনও কথনও क्तालीत तमीय चाप बीच संच्यात करण पृथ्यं नार, चापना चालकारक निर्मत करिकेशन बारत कारत निरंग कर्म क्षिक्र कार्य । कर्षनाथ क्षात्राश एवं महामात्र-मायानाए एक् হয় এবং কখনও কখনও বাশালান বাজারা কর প্রথাব মানে হখন তাম প্রাণ্ডলা খনস'লাং আগতাল করে, তান লে বাবে বিয়মান হয়। ক্ষমত কলেও উহৰ্বতন বা অধিক মাজনে ব্যক্তি জীবের সমস্ত ধন-সম্পদ হরণ করে। নের। খখন সে অভার বিবাদগুরু হতে ভার সেই হারানো ধন-সম্পরের জন্য শ্রেক করতে করতে মৃতিত হয়ে গছে। কথনও কথনও সে এক বিশাল প্রাসাদ-মধরীর করুৱা করে এবং তার পরিবার-পরিকাশ ও ধন-সম্পদ নিয়ে সেখানে সুখে বাস কানা বাসল করে। তা যদি সম্ভৱ হয়, ভাহৰে সে নিজেকে সম্পূৰ্ণসংগ সুখী বলে মনে খবে, কিছু শেই ভগাকবিত বুৰ কেবল ছলিকের জনাই। কখনও কখনও সেই যদিক পাহাত-পর্বতে আরোহণ করতে হার, কিছ উপযুক্ত পাগুকার অসাৰে ভাৰ পা কটা ও কাকৰে কিছু হয়। ভাৰৰ যে শত্যন্ত বার্থিত হয়। কুটুবাসঞ্চ কক্তি ককাও কথাও ক্ষার পীড়িত হর এবং তার সেই বুর্বশাগুরু অবস্থার ভবাটবীতে বছ জীৱাৰ্য্যক কথনত কথনত ভালার সর্গ

প্রিমে কেলে। অধন সে মৃত বাণির মতো ঋচেওন क्षार कालाव कार्यभाग गरमंत्र भरता व्हरक वार्यन । कलाव स्रमान्य विकास अएनीय स्थाप करना करना किरनकर्ताग्रह হওয়ের কলে সে নারকার জীবনের অভপুত্র পরিচত হত বেখালে উদ্ধান পাওয়ার কেনে আপা ভার পাকে রা। কংনও কংনও অতি নগণা বাহিস্থ উপভোগের জন্য ে অসতী ৰমধীর অধেষণ করে। আরু সেই প্রচেষ্টার দে সেই ৰমণীয় আখীয়-কজনদেও ছাত্ৰ কালয়ানিত এবং নিৰ্বাচিত হয়। শুন্ত সেই প্ৰচেটা ক্ৰিক টোচাৰ্ক খেকে মনু সংগ্ৰছ করতে দিয়ে মৌমন্ছিখের শীরা জাত্রনত ए०वार प्रत्या। क्षत्र क्षत्र वर्ष वर्ष वर्ष वरत हा বৃতিস্থান কৰা পরধার লাভ কবে, কিছু পূর্বসারশত ভার ইব্রিয়স্থের বন্ধু সেই রহণীটিকে অন্ত কোন লাপট বলগর্বন জগহরণ করে মিয়ে যান। কথনও কথনও ভাষ হাড়কাগালো শীল, মাচত গ্ৰহণ, প্ৰকা ভড়ককা, অভিনষ্টি ইভানি প্রকৃতিক উৎপার্ভর প্রতিকার স্থানর কার্হে ব্যক্ত থাকে। বধন সে তা করতে থাকর হয়, ভবং গে প্রচন্ত কটডোগ করে। কখনও কথনও ব্যবসা বাবিজ্যো সে আনেরে ছারা বঞ্চিত হয়। এইডাবে পরস্পত্তকে বঞ্চনা করার চেষ্টার কলৈ ভালের মধ্যে শতাহার সৃষ্টি হয়। সংসার জনপোর পরে যানুৰ কথকে। ধনহীন হতে যায় এবং তার ফলে ভার উলবৃত হয়, विदास वा जामन धारक मा अवर श क्यारपछार् পারিবারিক সুখ উপজেল করতে পারে না। ভাই সে অন্যানের তারু থেতে ভার্থ ডিজা করতে বার, কিছ ভিকার কলে বধন ভার বাসনা পূর্ণ হয় মা, ভখন সে ৬০ করতে চার অথবা পরের সম্পদ অপত্রন করতে চার। এইভাবে সে সমাজে অপমানিত হয়। আর্থিক ক্ষেদ্রের করে সম্পর্ক তিক হয় এবং চবত্তে শত্রুতার পবিষত হয়। কখনও কখনও পতি-পত্নী স্বাগতিক উমতির পাবে অপ্রসর হয় এবং কয়েবর সম্পর্ক অকুর রাগম কর তালে কঠের পরিশ্রম করতে হয়। কথনও कदनक वर्षाकारयत यहन वर्षया (ब्रांशकक रूपवाद कहन তারা অত্যন্ত বিপর হথে মুক্তবালর হয়।"

িকে লাজন, সংসার-অরণ্যের মার্লে মানুর প্রথমে ভার কলে ভার পরিকরের কলনালের প্রতি সে ব্রুক্ত বয়। পিতা-যাতাকে হারায়। তাদের মৃত্যুত্ত পর সে তার ন্বৰূপে সভান-সভাতৰ প্ৰতি আগত হয়। এইভাবে সে

ত্ৰত-জাৰ্বাকৰ উৰ্বাহৰ লগে বিচাপ কৰে এক কাল্যক্ৰমে দিপার রয়। কিন্তু তা সং৫৩, অভিন সরত পর্যন্ত সে বুৰতে পাৰে না কিভাগে এখন খেকে বেলিয়ে যাওয়া ধার। এমন অনেক রাজনৈতিক ও সাবাজিক বীর ছিল। এবং ব্যাতে বাবা সমান পাঁওপালী শতালে প্রাচাত कर्तरक क्षेत्र अनुव कास्तानरस्थात एका निर्देश स्थाधरक তাপের নিজের সম্পত্তি বলে যানে করে, তার উপর অধিকাৰ বিশ্বাস কলার জন্য ভালা পরস্পারের সঞ সংখ্যমে লিখ হয়ে মুখে প্রাণ হারিয়েছে। মহাবীর অথবা বিব্যাত প্ৰাৰ্থনৈতিক নেতা হওৱা সংস্কৃত, সৰ্বত্যাৰী मधानीय हि अस्य नह शास हर, चनात्व डेनर्लबर छि পথ তারা জবলায়ন করতে পারে নাঃ করনও করনও कीर मरमाहरूकी एसरमा गाउठ चावत व्यवस्था बदा এবং সেই লত্যানিত বিহুদক্লের কলখন্তি প্রথণ করার অসন্য করে। সেই জনগো সিংহের কর্মনে জীও হয়ে, এই সংসাৰ-অৱশ্যে তথাকথিত খোলী, স্বামী এবং । জন্ম-জন্মের মতো উৎকৃষ্ট নয়। অভত্রর নেবর লাভের অবভাববৈদ্ধ কাছে ইন্সিড হয়ে, দ্বামেন সদ জাগ করে। জীৰ প্ৰকৃত ভাকের সাহিধ্য লাভ করতে চার, কিন্তু দুর্ভাগালোত সে তার ওঞ্চদের শ বহাভাগরতের নির্দেশ পাপন করতে পারে মা এবং তাই যে ভাচেত্র সঙ্গ পরিত্যাগ করে গুনরার জীলকে ইভিতন্ত পরাধণ বানকাশের ব্যবিধ্যে কিরে মার। ইপ্রিয়স্থ গরারণ ব্যক্তিয়ের সঙ্গে হল এবং হৈছুনের ব্যক্তব উল্ডেল করে (म नवी १८७ छात्र) अरेजार ता छात्र कीरात्मा चन्छा. करतः। क्यामा देखियम् श्रातकः बारिएस्य मृत्र स्थान করে, সে তার জীবনের প্রকাষ উপেন্দ্র বিশ্বস্থ হয়ে মৃত্যমূৰে পতিও হয়। খীৰ হথা একটি ব্যাতেৰ মতো এক ভাল থেকে আৰু এক ছালে প্ৰাফালাকি কংহ कुकारण्य गुरुर रक्ष्यण देशभून-मृदयक कार्य कीयनवाशन মরে, তথ্য সে এবাট গর্মতের মধ্যে তম প্রীন পদায়তে পাড়িত হয়। সেই থকা খেতে যতি সাতে অসম হয়ে, সে অসহায়ের মাড়ো পড়ে খাতে। কথনও কখনও সে পুরবেরাপা খ্যাধির খালা আফ্রান্ড হয়, খার ফুলনা করে ইয়েছে পর্বত-ফলত্রে পতিত হতগ্রন্ত সঙ্গে। সেই পর্বত-পহরে অবহিত হস্তীসদৃশ স্বত্যুর ভয়ে ভীত হরে, সে শতানালী অবসম্বন করে অবস্থান করে।"

°কে লক্তবা সহার্যক তত্পৰ, জীবেজা যদি ক্ষেত্ৰতে এই ভবৰৰ পাঁৱাৰতি খেকে মুক্ত হয়, উঠুও মে পুনবার হৈথুনাসুদ উপাছেল করার করা ভার প্রথ ভিত্রে বার, কারণ মেটিই হচ্ছে আসভিত রাঁতি। এইডাবে ভগৰানের মারাপত্তির হলা মোহিত হবে, জম भरमाह-फारमा रिकान कररू भार®। प्रकार भाग भर्गत ा कर बोजनर अंगर देखना ग्रेस्ट बार सा। एर মহানাজ বহুগৰ, জাপনিও জড় পুথাইয়েগর প্রতি আকৃষ্ট হয়ে মাধ্যম লিকার হয়েছেনঃ আই আমি মাপনাকে **छेनराज मिल्ल, जार्गन दार्गनात टाक्टरच अवर टाक्टरच** পরিত্যার করন করে আপনি সমস্ক কাঁকের সূত্রং হতে পারেন। নিবয়সতি তাপে করে অংশনি ভগরত্রতির ধারা পাণিত জ্ঞানজন ভঙ্গবাবি প্রবণ কর্মন এবং তার বারা মানাপাশ ছিল্ল করে ভবসাগরের গরগারে করন করন i^e

মহাজ্য বুহুপূৰ্ণ বল্লেস---'এই মনুহাক্তৰ সমস্ত भ्य कर, मार्ग अवर मञ्जित मरत प्रथा द्वापन करता। **बल्हा मरश स्वरं। कर्तालाहरू (बरबन्दर और** गृंधरीहरू ি **প্র**টোকনং স্বর্গলোকে প্রচুত সুবারেলের স্থান দাকবৈ কলৈ ভগ্নতেনের সমধ্যত সমূব হব না। আপনার জীপপেরের বৃধির মরে আচ্চাধিত হওয়ার ফলে জীয় যে অধ্যেক্তৰ ভাগবানের প্রতি ইক্ষাণেও মূর্নার ৩ছ অতি লাভ করেন, তা ঘোটেই আক্তর্যক্ষনত নৰ। বুকুর্ত মার অংশনার নাল করার কলে, আমি এখন সমস্ত कुछर्द, बार्चात अस बारिएसक श्वरत प्रथा स्टाइडि. वा बाफ केनाएक वहरूता यहा कारान । कार्रात अन्ता अहे সমস্ত সমস্যা থেকে মুক্ত হছেছি। জামি সেই মহাপুরুষদের সমন্ত প্রপতি নিবেলক কবি, কাল্প এই কাতেলে পিত, বালক, কাবৰ্ড কাবল মহান প্ৰাক্তবন্ধাৰ ফিলে করেন। যদিও তারা বিভিন্ন বেশে তালের পরিসম লোপন রাখেন, তবুও আহি উন্নয়র রাজি আমার সভান্ত প্রথম্ভি নিকেন করি। ঠাছের কুপার, অপরাতী বাজন্যবর্গের ইনজ হেলে 🗥

> ব্ৰীল ওক্তেৰ গোলামী কালেল—"হে উভৱা-ভনৱ মহারাক পরীকিৎ, মহারাজ বছুগল করে ভরতকে দিয়ে ঠয় শিক্ষ কর করিয়ে অপমান করেছিলের মধ্যে, এও ভংতের মনে কিভিৎ অসান্তেক্তর তরু উনিত হার্টেছন, কিছু মাছ ভাবত তা উপেক্ষা কর্মোচনেল এবং তার চলত

পুনরার সমৃদ্রের সভের প্রশান্ত হরেছিল। মহারাক্ত রভুগণ যদিও ভাকে অগমান করেছিলেন, তবুও তিনি কেহেতু হিলেন একজন পর্যহংগ, ভাই তিনি তাঁর প্রতি অসম্বন্ধ इन्नि। देशमा रूपमा एरम, मध्यत्वहे किनि व्यक्षा সমন্ব হুনৰ ছিলে এবং গুই কুনাপুৰ্বক তিনি উাকে আন্তর্ভুজ্ঞান প্রদান করেছিলেন। ভারপর মহারাজ রতুপর্ব য়খন খ্টান প্রীপাদপথে কাতরভাবে ক্যান্ডিকা করেন, ক্তকা তিনি সেই অপয়ানের কথা সম্পূর্ণরূপে ভূগে নিরেছিলে। ভারপর ডিনি পূর্বের মধ্যে সময় পৃথিবী প্রবাস করতে শুক্ত করেছিলেন। মহাভাগতত ক্ষড় ভরতের কাছ থেকে উপদেশ থাও হওয়ার পর, সৌৰীৰপতি মহাব্ৰম রহুদ্দ সৰ্বত্যেভাবে আক্সম করণ উপলব্ধি করেছিলেন। ভার কলে ভিনি সম্পূর্ণকলে বেহুস্থবৃদ্ধি থেকে মুক্ত হয়েছিলেন। হে কালন, বিনি प्रणकारमंत्र पार्टमा प्रमुपारमा निश्न शहर करतन, टिमि

ম্ভাই ধন্য কাৰণ তিনি খানায়াসে দেহাকৰ্তি ভাগুৰ করতে পারেন।"

মহারাধা পরীক্ষিৎ তখন শুক্ষেব পোলামীকে কালেখ--"হে প্রভু, হে মহাভাগক, আপনি সর্বঞ্চ। আপনি অনুণ্য হণিকের সক্ষে তুলনা করে বছ বাঁকের থাবছা অভার সুখ্যভাবে কমি করেছে। এই উপদেশ থেকে যে কোন বৃদ্ধিত্যন ব্যক্তি বৃথকে পারেন যে, হেলার্ড সমষ্টিত মনুরের ইন্টারওলি নেই আনগা দস্যু-প্রস্করদের মত্যে এবং তার পদ্ধী এবং সন্তর-সর্ভারতা ট্রিক প্রাল-কৃত্রাদি হিংক গওর বজো। কিন্তু, অলবুদ্ধিনাশার মানুবদের পাক এই কাহিনীয় ভারণর हररक्षा कहा अध्या नहें, अहरप बारे क्रमरका अपूर्ण वर्ष নিরুপণ করা অভান্ত কঠিন। আমি ভাই আপনার কাৰে প্ৰাৰ্থনা কর্মী, সহা করে ভার প্ৰকৃত কৰা আগনি আমানের কাছে ব্যক্ত ককন।"



চতুৰ্দশ অধ্যায়

সংসার সুখভোগের মহা অরণ্য

মনুৱাত প্রীকিৎ ধর্ম ওক্ষেম স্বোপারীকে সংগ্রহ-অরপের রক্ত কর্ব সম্বাধ জিকসো করেছিলন, তখন **छात्र উद्यक्त ७७एस्य (शाक्षामी वालदिसम्न—"एर त्राचन**, ৰ্যনিক সৰ্বদা ধন উলাৰ্যনে আগ্ৰহী। কথনও কথনও সে कार्य, बाठि च्यानि चलाएका वश्च जरवार कार्य चलाएका প্রবেশ করে, যান্ডে নগরে উচ্চ মূল্যে সেওলি নিক্রি করে ক্ষর্থ উপর্যোগ করতে পারে। তেমনই, বর্ষ কীন কড়-জাগতিক লাভের জন্য লোধাণ হয়ে এই জড় জগতে প্রবেশ করে। কেনেবার গথ না ফেনে সে ক্রমণ গভীর। হান্টি হয়ে ৩% জীব বিষ্ণু-মারার মোহিত হয়ে বন্ধ হয়ে শতে। ঐত্যেদ ভীন দৈবী মহানে কণিড়ত হয়। স্বত্যা হয়ে এবং অংশে নিজাপ্ত হয়ে, সে ভগবনের সেকার

সর্বদা খুক্ত ভক্তেৰ সঙ্গ লাভ স্বর্তে পাছে না। দেহাব্যব্রতিতে আচ্চয় কংগ্রের কলে, সে মহান্য বশীভূত হতে একের পর এক বিভিন্ন প্রকার শরীর ধারণ করে এবং সন্ত, বন্ধ ও ভয়োওংগর ধারা প্রভাবিত ছারে কর্মে প্ৰবৃত্ত হয়। এইভাবে বঙ্ধ স্থাৰি কথনও সূৰ্যে, কথনও মার্ডে এবং কখনও নরকে নিম্ন ফোনিতে কিরণ করে। এইভাবে সে বিভিন্ন পরীরে নিরন্তর দুঃব-দুর্বপা ভোগ করে। ভার কর্ম কথনও ওত, ছখনও অওভ এবং ক্ষানও মিশ্র। বন্ধ জীব ভার মনোধর্মের কলে এই থেকে সভীনতার প্রদেশে প্রবেশ করে। আরু জগতে সমান্ত দৈহিক থবস্থা প্রাপ্ত হয়। সে তরে ইন ও পক স্তানেভিয়ের ব্যবহার করে এবং ভার সলে সে বিভিন্ন অবস্থার বিভিন্ন প্রকার শরীর প্রান্ত হয়। বহিরসা মারা পত্তির নিয়ন্ত্রণাধীনে ইন্ডিয়ওলির বাবহার কলে,

ক্রীব এই মাড় কগতে বিভিন্ন দুঃখ-দুর্ঘন্ম তোস কবে। প্রকৃতগঙ্গে যে এই দুঃখ-দুর্মন্য থেকে উদ্ধান্ত গেতে চার, কিন্তু কৰনৰ কৰনৰ বৰ কটে দুঃখ-দুৰ্মশার উপশ্ব **২গেও সে সাধারণত বার্থ হয়। এইজনে জীকা-সংগ্রামে** निश्व वृश्य, द्वा अध्यक्षित अरका क्षत्रपान श्रीविकृत প্রীপর্যপথের প্রেমম্মী সেবার মৃত ৩% ভাতের শরণ প্রহ্ করতে পারে না। সংসার-অরপ্যে অসংবভ ইন্দ্রিবর্তনি টিভ দসুরে মতো। বন্ধ জীব কুমতেভিন্ন विकारभव बान्य धन द्विभावीन कवरक भारत, किन्न দর্ভালকাত ইভিয়ন্ত্র ভালের মাধ্যমে ভাল ক্ষমকেত ইব্রিরওলি বস্যুসদশ, কারণ দর্শন, প্লাণ, কাৰ, স্পর্ণ, अन्त् वानव अवर नरकरवत बाग्र धानर्थक चारक निर्व তার অর্থ খন করার। এইবাবে বন্ধ জীব তার ইপ্রিয়ন্ত্রণ উপতোপ করতে বাধ্য হয় এবং তার কলে তার সমস্ত का जात दक्षा बात। अवस्तर प्रकेश और धर्म व्यक्तियान क्षता छैनार्कर क्या शरकिया, किन्नु प्रमाणम्य देखितः। **म्पार्थिक अभा**रतम् करत् भिरतः योग ।

"হে হারণ, এই বড় ছগতে শ্রী-পুর ভাগি ভেবল নামে সাত্রই আখার, কিন্তু প্রকৃতপক্ষে তারা বারে একং শুসালের মতে আচলে করে। মেংগলক ববাসাথ ভার हार जरहक्षण कराज हाडी करते. किन्न खाड अवर শুগালের কাপুর্বক আনের মগলেশ করে সের। তেমনী কৃপণ সানুষ যদিও মত্যেন্ত স্ববেধানভার সঙ্গে আৰু ধন আগলে রাখনে হয়ে, তবুও তার পরিবারের লোককং कांत्र अभाग कर-अल्लान चलवार्यक चलव्यल करते हता। কৃষক প্ৰতি বছৰ ভাৱে কেন্ত কৰ্মণ কৰে, ভূণ-গুলা উৎপটনের ছাত্র ক্ষেত্ত পরিছার করে। কিছু তা সংস্থেত সেই সমস্ত কৃদ-ওপ্ৰের বীজ দদ্ধ না হওয়ার কলে, কল শন্মের চারা কান করা হয়, তথন তৃপ-ওপানি আঘর পশ্চিতে ওঠে। জানল নিংগ দেওলি উপড়ে বেলনেও चावन (२००७ पन्सार प्राथकाक्ष निता ४८३। एउमनी পুত্র-আগ্রাম স্থাম কর্মের ক্ষেত্র। পারিবারিক স্নীকা ভোগ করার অসমা সম্পূর্ণরূপে দশ্ধ না হওয়া পর্যন্ত বার বার ডা উদৰ হতে থাকে। পার খেকে সর্পুর সহিতে। নিলেও ফোল সেই পাত্রে কর্পুরের গছ কেন্দে করে, ভেমনই হতপ্ৰশ পৰ্যন্ত ৰামন্তঃ বীজ নট না করা হয়,

ভতকৰ পৰ্যন্ত স্কাৰ কৰ্মেই ধাশ হৰ না। কখনও কৰনও বৰ জীব গৃহস্থ-আন্তঃস ভান কৰ-সম্পদ্ধৰ হাতি আসক্ত হয়ে দংল, মলা, বতুলি, মূবিকসনূপ সানুধ্যের ছার। পীজিত হয়। কিছা জা সংবংধ সে এই সংসার शा:नदि समन कार्य थारक। का**कारमत करन रन का**मार्ज शत मकार कर्ज छन्द रहा। (बरहरू छात्र मन और ममड কাৰ্যভলাপে মুখ্য থাকে, তাই এই আৰু ভাৰ্থৎ আকাশ-কুসুমের মতে। অলীক হলেও শুয়ে কাছে তা নিয়ে বলে মতিভাৰ হয়। কৰনও কখনও এই সমৰ্থপুথে বছ কৰি পুন, ভোগ্রম ও শ্রীনক করে। এই সমগ্র বিষয়ের প্রতি আছে পিছনে ধাবিত হয়। জীব কথনও কথনও ভৰ্ নামত পীত বৰ্ণের বিঠার প্রতি আকৃষ্ট হরে তার পিছনে श्राविक रहा। और पर्भ क्षप्त क्षेत्रवर्ष क हिरमात क्षेत्रम अवर তাৰ কলে জীৰ অবৈধ শ্ৰীসান, গাতকীয়ে, সংসাহার এবং चामद शास्त्र मधर्ष द्वा। बारमत मन मुस्काश्यमत बाता প্রভাবিত ভারা বর্ণের প্রতি আকৃষ্ট হয়, ঠিক বেজন অরপে শীতার্ড ক্তন্তি অনেরর অন্যেকে থাটা বলে াহনে করে তার প্রতি ধাবিত হয়। কবনও কবনও বছ कीन वामस्मा, सम्, धन श्रम् है सीकाथाइएका क्स्प्रपूर् অভিনিষ্টি হয়ে এই সংসার-অরশ্যে ইভক্ত দৌডিয়ে কেলা। কৰ্মণ ক্ৰমণ কৰু কীৰ কেন বুলিবাসুন ধুলিয়া शक्तरक परक दरक श्रममञ्जा हमें एक क्यांज स्मारिक व्य এবং এইভাবে রাম্পীর অভে অহেরলিক হয়, তথ্য ভার বিবেক রজোওণের প্রকাবে অভিভূত হরে পড়ে। এইডাবে সে কামবাসনার বারা আছ হলে বিভিয়ার্গের ত্বৰ্যাদা লডকৰ করে। সৌলানে লাবে কাল এই ভাবেৰ আচৰণ বিভিন্ন দেবভারা কর্নে কয়ছেন এবং বাড়েক অন্বৰ্ণায়ে অবৈধ ব্ৰীসক কলেও ভবিষয়তে কেই জন্ম তাকে সংক্রাণ করতে হবে। বছ জীয় কৰনও কথনেও বৃষ্টার পাত্রে যে, রাড সুখডোগের প্রচেটা নিবর্তক একং **ार्ड कर संगर मृत्यायतः किन्द्र, तथन (करान्यदेश्वित करन** ভার শুড়ি শট হয়ে বার এবং যে পুনরার টিক একটি পুতর মতো সেই মর্নীচিকার প্রতি থাবিত হয়। পরু এবং রাজতর্মচার্ট্রারা করন প্রত্যক্ষভাবে তথকা প্রবাক্ষভাবে কটোৰ বাবেনা ছাত্ৰ ভাকে ভগৈনা কৰে, ভাৰম বৃদ্ধ স্থাীয় অভ্যন্ত দুৰ্ঘিত হয়। তম কছে আ কৰ্ণপুল এবং হাল্ড-

কোৰ উৎপাদন করে। এই ভর্ষসের পৌয় এবং বিশ্লীর শক্ষের সঙ্গে ভূলনা করা বেতে পাবে। জীব পূৰ্বজন্মাৰ্কিত পুশ্বকৰ্মের কলে এই জীবনে জড়-জাগতিক मुर्थाभ-भूविश नाठ करत् किन्न म्मेरे भूप कर् हरत গেলে, সে জীবস্থত ধনী ব্যক্তিদের আগ্রব প্রথম করে, ফারা ভাবে এই জীবনে অধবা পরলোকে উভঃ পবিছিতিতেই কোন কুজা সাধাৰ্য করণ্ডে পারে আ। এই প্রকার ব্যক্তিকের তুলনা করা হয়েছে ঋপবিত্র কৃষ্ণ-লক্ত क्षर विशेष्ठ कृर्यत महन्। कचने क्ष्मेन महामान-चत्रास पुरूर-कडे निवृधि भारतमा अना वह चीन শাক্তিকবের সভা আশীর্থান প্রাপ্ত হয়। ভালের স্ক প্রভাবে ভার বৃদ্ধি এই হয়। তা ঠিক জাভীর নদীতে ৰীপ দেওৱার ইতো। ভার কলে ওরে মাধা কেটো যায়। তার ভাগের উপশ্র হ'ব বা এবং এইভাবে উভবদিক লিয়েই সে দুঃৰ-কট জেগ করে। বিজ্ঞান্ত বন্ধ দ্বীন ক্ষেবিক্স বাণীর প্রচারকারী তথাকথিত সাধু-সমানসীদের শালাগত হয়। ভার কলে তাদের কাছ থেকে কর্তমানে অবধ্য ভবিষ্যকে ভার কোন লাভ হয় না। এই গ্রন্থ अभरक नक कीर क्वन कनारमंत्र श्लाक्त करतक निरसंद ভরণ-পোৰণ করতে পাৰে না, তখন যে ভার পিতা দ্মাবৰ পুত্ৰকে পোৰণ করার চেষ্টা করে এবং ভাগের অভি ভুকা সম্পাদত আগতেশ করে মের। সে গদী তার পিতা, পুর অধন্য আয়ীর-বজনদের সম্পদ আত্মসাৎ করতে না পারে, ভাহলে সে ভালের নানাভাবে ঋষ্ট দের।"

"अरे **क्ष**पटक गृहकु-कीवन ठिक मारानरसात बरका। সেবাদে সুবের দেশ যাত্র নেই এবং ক্রমণ কবিক থেকে ক্ষবিকতর দুঃবঁট কেবল লাভ হয়। গৃহস্থ-জীবনে চিবছন সুধ লাভের কোন সন্থাবল দেই। গৃহস্ব-আবাৰে জড়িয়ে भएतः परम्, बीतः स्थानदिएक पष्ट दशः। कथनः कथनः। সে "আৰি অভান্ত দুৰ্ভাগা", 'পূৰ্বকাৰে আমি কোন পুণ্যকৰ' করিনি' এই বলে নিকেকে ধিরাস পের। সাধার্য্যালীক ঠিক নরশাসক রাক্ষ্যদের মতোঃ কথাও কথাও এই সমন্ত প্রকাকর্মচারীয়া প্রতিকৃশা হয়ে মানুকের সন্ধিতে ধন অগহল করে। ভার মাগতুল্য প্রিয়তম ধন হারিরে জীব সাম্প্ৰতাপে নিরুৎস্তেই ইটো পড়ে। বস্তুত, হলে হয় কো क्षत्र मुक्त सहरह। कथनत कथनत वह बीव क्यान करू বে, ভাৰ পিজা এবং গিডামছ পুনৱার ভার পুর স্ব

পৌরস্বহণ কিয়ে এসেছেন। এইজাবে সে স্থাসুস্কুরও মনকলিত সুখ অনুভব করে। পৃহস্থ আঞ্চম কিবাত **छेन्नस्य हेळाले एक अस्त मनाम कर्म अनुदेश कराव** নির্দেশ রক্তেছে। এওলি সুহস্ক্রের কর্তব্য। এই সমস্ত অনুষ্ঠান অভ্যন্ত বিস্তৃত এবং ফ্রেপ্সায়ক। সেওলির তক্ষা করা হরেছে উচ্চ পাহাড়ের সঙ্গে এবং কছ-আৰতিক কাৰ্যকলালে আসম্ভ বাণ্ডিকের তা অভিক্রম করতে হর। যে ব্যক্তি এই সমস্ত অনুষ্ঠান করতে হার, অবে পাইটে অবেহণ করার সময় কাঁটা এবং কাঁককে কেনা সহা করতে হয়। এইভাবে বছ জীব জনঃ ব্যভন ভেগে করে। কথনও সে গৈছিল কুলা ও ভ্রমন बाबा नैतिकृष्ठ करता देवर्गकृष्ठ क्षत्र धवर काल क्षित्र ही, बुक ও কন্যায় প্রতি কৃষ্ণ হয়। এইভাবে নির্ণয় শুরুয়ার কলে, েল অরও দুংখকট ভোগ করে।"

প্ৰিল ভক্ষেৰ গোলামী মহাবাজ গৰীকিংকৈ ক্ললেন—"হে রাজন, নিধা ঠিক একটি অস্তুপর স্থাপুর মতো। করে সংসমরকণ থরাণ্যে খন্তণ করে, নিহারণ অবস্থা সর্প তামের বিলে খার। সেই অবসর সর্প সংগঠে তারা সর্বদা অজ্ঞানের অস্থকারে আছের খাকে। ভারা নির্মাণ করবো পরিভাক্ত শবের মতে গড়ে থাকে। এইভাবে বৰ্ম জীব বুখতে পাৰে না বে, ভার জীবান কি হকে। সংস্কর-অরশ্যে বছ মাতি কথনত কথনত সূর্ব এবং অন্যান্ত প্রশীসদৃশ সর্বাশরায়ণ কভিচেন করা বংশিত হয়। শারুবের কুলনার প্রভাবে বন্ধ জীবের পর্বভাগ সভ তথ হয়। তথা লে মার্লে কড়ার ব্যথিত হওরার ক্রে ঠিকমতো দুমতে ভাবে মা। তার কলে গে ভারত चनुनी रत अस गैरा शिल मि छात्र नृष्टि अस निर्देश হারিরে কেলে। ভবন সে অন্তের হতো অঞ্চানের অভকুৰে পশ্চিত হয়। যাৰ জীব কথনও ইপ্ৰিয়ত্বি नायरका कवि ननक मूरका श्रवि काक्षे एता अस्तीनमन করে অথবা অচন্তর ধন অপহরণ করে। তার কলে তাকে প্রেকভার করা হয় অথবা সেই শ্রীর পতি অকন আবীর সমানের তাকে প্রচতভাবে প্রহার করে। এইভাবে व्यक्ति व्यक्त साए गूटना साथ सर्वन, शतकी एतम, कृति ইতাদি অপরধের কলে কামকুছ হলে নরক বলের ভেগে করে। পণ্ডিড এবং প্রমাধ্যাদীরা ভাই সরাম কর্মের প্রপৃত্তি আর্থের নিকা করেছেন, করেণ তা ইহালাকে এবং

করেলোকে মুঃখ-দুর্যলার আদি উৎস এক ক্ষতভূমি। কর ইত্যাদি পরিবর্তনের সংখ্যে শ্রীব মৃত্যুর দিকে ধার্থিত শ্রীর বনি অপটের প্রবা অপথেরণ করে কেলও প্রকারে। হলে। এই কালচক্রকে প্রতিহত করা অসম্ভব। মততোগ থেকে রেহাই পার, ভাহলেও নেমত নামক জেন ব্যক্তি তাকে প্রথমেশ করে তার ধন ছিলিরে নের। কঠোর। কথনও কথনও বছ দ্বীৰ মৃত্যুত্তরে জীত হরে, ভারেশন দেশদার থেকেও ঘটনার সেই ধন নিফুর্মিত্র নামক বাতি অপহাংশ করে নের। এইভাবে ধর কথনও একপ্রানে পাকে বা। সা হয় খেকে হস্তান্তরিও হয়। চরমে কেউই কা-সম্মান ডেম্ম করতে পারে বা একং তা সর্ব অবস্থাতে ভগকনেরই সম্পন্ধি থাকে। ঋত্য প্রকৃতির ব্রিডাপ ধুয়েন্দ্র প্রতিকার বা করতে লেনে, স্কীর कृतक किलाब दिवत एता। और विकास पूर्व करण আবিদৈবিক (মেন্স প্রচণ্ড শীন্ত, প্রকল কর ইত্যালি), অন্য কীবদের হারা প্রদন্ত আহিন্টোভিক **ক্রেপ** এবং গেছ ও মনজাত আবিভাগ্নিক কেল। ধন বিনিমকো কালারে কৰি **क्टें** अक कड़ि भाषता छात्र (**भट्ट) पत्र रक्**या करते, ভাহতো শক্তবার সৃষ্টি হর।"

क्षा क्षका जुन, भूतन, श्रम, (क्षव, क्षत्र, व्यक्तिमन, श्रमान, শেক, মোহ, গোড, খাংসাই, ইবা, ঋণমান, স্থা, লিপাসা, আবি, বাাবি, জন্ম, জন্ম, জুন্তা প্রভৃতি কা কটও ब्रह्महरू। अधिन अवदा का जीवरक मृत्य-मूर्वना सुखा चात्र किष्ट्रे ध्रमान करत ना। कन्मल वह बीच प्रस्किंगरी যায়ারূপিণী পর্বী অথবা বছবীর প্রতি আকৃষ্ট হয়ে, তাবের আলিমন লাভের জন্য কার্ণ হয়ে ৩টে। তথ্য ফলে তার বিশেক এবং শ্রীক্ষের চরম লক্ষরণ বিভাল ডিরোহিত হয়। তথা প্রমার্থক উদ্দেশ্য সাধনের চেটা পরিত্যাস করে, সেই শ্রীর বিধাস-ভবন নির্মাণ করার জন্য ক্তা হরে ধঠে। সেই বিলাস-কবনে খাসক হয়ে তার বী-পুরের সভাবদ, অবলোকন এবং কার্যকরপের জরা মেহিত হয়। এইভাবে নে কৃষ্ণভঞ্জি বহিত হয়ে জনার অভকার নরকে পতিত হয়।"

"প্রয়োগর ভাগবান প্রীকৃত্যের চরেন্দ্র নাম হরিচ*ল*। সেই চক্র হঙ্গে ক্লেচক্র। তা পরমাণু যেকে বক্ষার আছেলে পর্যন্ত বিল্লাত এক, ভা সমজ কার্থকবাশ নিয়ন্ত্রা করে। এই কাল নিবরে আবর্তিত হক্ষে এবং তক্ষা থেকে থাক করে ভূতাভিত্তক ছব পর্যন্ত কাঁকের আরু एतम अन्तरह्। छात्र भरम रेम्पनव, वाना, स्टीवन, वार्थका

প্রবেশর ভাগবানের অন্ত ইওজন কলে এই কাল অভান্ত ভার আনত্র বিশাদ খেলে উভার লাভের আগাড় কালোর পূজা করতে চার। ভকুও সে অগ্রভিহত কাল হার আর্থ, সেই পর্যোধ্য ভাগানের দক্ষাদত হয় বা। কর জীব ভার পরিবর্তে জন্মান্তিক শাশ্রবর্ণিক সনুবাসুষ্ট দেবতা র ভগরনের শরণ গ্রহণ করে। মনুবাস্ট এই সমন্ত অবভারের রঞ্জ, শকুনি, ৰক এবং কাকো মাজে। বৈদিক শান্তে এগের কেল উল্লেখ নেই। এই সমস্ত শস্তুনি, হাজ, কাক একং ব্যক্তা বিহেছের আক্রমণ-সন্তুল আসম মৃত্যু খেকে ফাউকে কৰা করতে গাঙে না। সারা এই সমক অধানাশিক সনুবাস্ট্র দেবতাদের শরুৰ হহণ করে, তারা মৃত্যুর কবল কেকে ব্রহণ পরে না?"

"ডও সামী, বোগী এক অবভারেরা, হরা ভগবানে "बोरे जलभारत भूटतंत्रक कंडेकनि एका चाटारें, चातः विभाग करत न छाएमत नमा दश भागकी। चाता पहर স্বাধ্যপত্তিক এবং প্রভাবিত, করেল স্কাল পর্নার্থিক উন্নতি সাংস্কের প্রকৃত পরা সহজে জবলত নর এবং করে ভাগের কাছে বাব, ভারাও নিংসম্পেহে প্রভাবিত হয়। এইস্তাবে প্রভারিত হয়ে তেওঁ কাল বৈনিক বিধির প্রকৃত অনুদার্থীয় (ব্রাক্ষণ অংশা কৃষ্ণভাউদের) শরণ প্রহণ করে, তথন উল্লা ডানের শিকা দেন কিন্তাবে শ্রুতির মির্লে অনুসারে প্রথমনার ভগরনের আরাধনা করতে হয়। কিন্তু সেই পঢ়া অনুসরণ করতে অঞ্চন হয়ে সেই সমস্ত মৃত্ কভিন্য পুনকম অবংশতিত হয় এবং মৈপুন প্রমাণ পুরদের পরণ হাকা করে। কনর ইত্যানি পত্তদের মধ্যে মৈগুৰের প্রবদ্ধা অভ্যাত প্রকার কৃষ্টি যে সমস্ত मानुव रेमपुनशकाल, फारपत कनदाव कल्पश्च कर्म (चारु পারে। এইডাবে কনকের বলেখনেরা পরস্পত্রের সঙ্গে মেলামেশা করে। ভারা সাধারণত শুর বলে পরিচিত। জীবনের উপেন্দ না ক্ষেনে তারা ক্ষরতে বিচরণ করে। ভারা কেবল পরশ্পত্রে মুখনপুর করে মুদ্ধ হয়, কার্ড ভার কলে ভারা ইন্সিরসূপ ভোক করে। ভারা দর্বসা প্রমোকর্ম বা বাড়-জাগতিক কার্যকলালে লিপ্ত হয় এবং লাগতিক পাডের উদ্দেশ্যে করে। কঠোর পরিক্রম মানে। এইজবে তারা সম্পূর্ণরবেল ভূলে যায় যে, একলিন ভালের আৰু শেষ হায়ে বাবে এবং বিবৰ্তনে চলে ভাল অংশপতিত হৰে। বানর বেমন এক সামু খেকে করে এক গাছে नायस्तावि करते. क्रिक एकानोर्ड वक सीच अर्क ताथ (चार चार अक शहर शरावशिक हत। चीना रहमा चन्यान শিকানীয় প্রচাল কথী হয় এবং কালে খার ভার করন মণ্ড হওৱার কোন লয়াবনা থাকে মা, টিক ছেমনই বছ জীন ক্ষুত্রাট্ট হৈক্য-সুক্ষে প্রতি আসক্ত হয়ে সংসর-বছনে আৰম্ভ বর। সংসার-জীক্ত কর জীক্তক কলছারী। रियम डेरकरर मध रथकार करमत शका करत अवर सात কলে সে জন্ত ক্ষণতের বছন খেকে হকে হতে স্পার্শকরেশ অসমর্থ হয়ের পতে 🗈

ভগবানের সঙ্গে তার সম্পর্কের কথা কলে বার একং कुक्फिल जन्मीका करा सा छका रह नाम उत्तर দুৰ্ম এক পাপে প্ৰবৃত্ত হয়। তথ্য তাকে ব্ৰিতাপ দুলে ভোগ কল্ডে হয় এক মৃত্যুলন ক্টান কল্ডে ভীড ছনে ্লে অন্নকার পিরিকন্দরে পতিত হয়। বন্ধ জীব প্রকাশ भीत, श्रमक संकवता देशानि का श्रमक रेतरिक पृथ्व-কট ভোগ করে। ভাবে আখিনৈনিক, অধিন্টোভিক এবং অধ্যাধিক দুংগও জোৰ করতে হয়। কলে সে সেওলির প্রতিকার করতে ক্ষম হয়, ক্রমা ভাকে নামা প্রথম গুঃ খনুর্দশা কোন করতে হয়। তার বার সুক্তরেরের কান্স কর্তন্য;" চরিতার্থ ব হুগরার কলে, নে বাভাবিকভাবেই কভাব विवह दह। वस भीवरम्य मध्य सम्म प्रधार्त दिनिया হয়, প্রকা প্রভারনার ফলে শতকার সৃষ্টি হয়। অভি বার লাভের জন্য কর জীবনের কর্ত্ব শরুকার পর্ববসিত বা। কথাও কথাও অর্থভাব্যে কলৈ বছ আঁকো বাসহান থাকে না। ককাও ককাও ভার কারা হাজে হানর থাকে না এক সে আহারাদি একার প্রয়োজনীয় বস্ত০নি কেকেও ব্যালন্ত হয়। এইভাবে সে কথা অভ্যন্ত অভার্মের হয়, তথ্য সং উপাতে প্রচারনীর বস্তুওলি সংস্কে করতে আক্রম হরে, সে অসং উপারে অসের ধন ক্ষণাংগ্ৰণ করতে লার। লে ভার ক্ষাক্ষতিকত বস্তু পায় শত্র-ভাবান্ত হওয়া সন্ত্রেভ বয়ে হার ভাবের বাসনা চরিতার্থ করার জন্ম করে। বিবাহ করে। দুর্ভাগ্যানগর

ভাদের নিবাহ দীর্ভন্তারী হয় হা। বিবাহ-বিজেন ইত্যাদির হারে তালের সম্পর্ক বিল হর। এই সংস্থাত-মার্স কর্মের ক্রেলে পূর্ব এবং বিবিধ মূর্য-পূর্বলা বন্ধ জীবাকে সর্বল পীতা হোৱা কংনও কংনও ভার শতি হয়, ধাবার কৰ্মৰে ভাৰ পাছ হয়। উভয় অবস্থাতেই এট প্ৰমৰ্থ বিশাৰে পূৰ্ব। কৰমও কৰমও বন্ধ জীব মৃত্যু কথবা খন্য পরিছিতির হারা ভার গিতার থেকে বিভিন্ন হয়। পিতাকে পরিত্যাগ করে শে তার সন্মান-সম্ভবির প্রতি चालक हत। अरेस्टारन वह भीव (माशका हत कर) ভীত হয়। কথনও সে ভবে আর্ডনার করে। কথনও সে তার পরিবারের ভরণ-প্রেবণ করে সুখী হয় এবং "এই মান্ত মানতে বন্ধ মান্তিৰ বন্ধৰ পৰায়েশ্বর। কথনত কেখানন্দে আক্ষার হয়ে দান করে। এইভাবে त्म और क्या क्यांच्या क्यांच्या स्टब्स हत अस स्थापिकान ধরে কাবানের সঙ্গে ভার সম্পর্কের কথা ভালে থাকে। अञ्चलक का विनयमका महामान बाह्य विकास करत वरह কৎনই সে সুধী হতে পারে না। বারা আৰ-ভববিং র্তমা এই ভয়তা সংগার-সমূত্র থেকে উঠোঁর হবরে জন্য পরক্ষেত্র ক্ষাব্যক্তর শরণ প্রধান করেন। জনবর্ত্তবিদ্যা পরা অবলন্ধন না করে কথনও সংস্যার-বছন (থকে যুক্ত ছঙার का जा। कर्कर और कह क्याउँ (कर्डेंट्रे भूकी शुरू পারে না। তাই কম্মতান্তির পতা অবলয়ন করা অবল্য

াসমত জীবের সুহাৎ মহাব্যার; শান্ত চিয়। তাঁর। খ্যাদের কা এবং ইপ্রিয়ণ্ডলিকে কণীড়ত করেছেন এখা তারে অন্যাসে ভদকরমে কিরে স্বওরার হতির পথ মাধ্য হল। পূর্বাস্থকার সংস্করাসক মানুকের উল্লেখ্য সদ করতে পারে নর। বহু ক্রজর্বি ছিলেন হার। যায় অন্টানে অত্যন্ত পরকলী এবং দিখিলারী বঁলা ছিলেন। কিয় এত শক্তিশালী হওয়া সংস্থাও জারা ভরববুণ্ডি লাভ করতে পারেনবি। ভার করেব হাছে এই সমস্ত মহান রাজনে দেহাস্বৰ্ণতৰ ভাত ধানশা কৰু কনতে পাকেননি। ভাব কলে তাম অন্য রাধানের সলে শত্রুতা সৃষ্টি করেনেন একং ভাষের সাকে যুদ্ধ করে জীবনের প্রকৃত উল্লেখ্য না, উপরস্থা সে কেবল অনেয়া কাছে অপ্যানিত হয় এবং সাধন না করেই মৃত্যুবরণ করেছেন। যায় জীব খবন ভার কলে অভাক্ক বিবর হয়। পরস্পতের প্রতি স্কাম কর্মন্দ লতাকে আপ্রয় করে, ভখন সৈ তার পুশুকর্মের প্রভাবে স্বর্গলেকে উন্নীত হরে মারকীয় পরিস্থিতি থেকে যুক্তি লাভ কয়তে পারে, কিছ দুর্ভাগাধনক সে ভিরকলে দেখানে ব্যক্তে পার্থে না। তার সক্ষা কর্মের কল জেলা জনার পর, তাকে প্রধার মুর্বালেকে ছিলে কাসতে হব। এইডাবে সে নিবক্তা তির্মানী ও মিপ্রদারী হতে 🗇

মান্ত ভাততৰ উপনেল সংখেত্ৰ বৰ্ণন করে, ভাততের লোকমী ৰলনেৰ—"হে মহাবাজ পৰ্বাকিৎ, ভগবয়নৰ বছন গৰুত যে পৰ কথকৰন কৰেন, মাত্ৰ ভৱত প্ৰদৰ্শিত नथ जारहे करता. चरह नामात्रम ताकावा ठिक वास्त्रि মতো। যত্নী সক্ষতের মার্স ক্রমেরণ করতে পারে বা. তেমনই আৰু পৰ্যন্ত তেনেও ৱাজা এক দিখিলতী নেশু মনের দানও বাফরি ভাষ্টের এই ভণ্ডিমর্ল অনুসরণে সমর্থ হরনি। বহারাক্ষ ভরত উরু বৌজনই উভয়প্রেক ডাগনানের সেবার সালসার সবকিছু পরিতার। করেছিলের। তিনি তার সুসরী স্ত্রী, আনতার সন্তান, সুকাং এক বিলাগ সামাজ্য, সক্ষা ভাগে করেছিলেন। অনিক একলি জাপ করা অভাগ্ত কঠিন, তথও বলুৱাল ভারত এমন্ট্র এককম মহাপক্তৰ ছিলেন ছে, তিনি মলকং লেণ্ডলি পৱিতাৰে কারেছিলেল।^ক

"হে রাজন, করত মহারাজের কার্কলাল কভাত আশ্চর্যন্তনক। অন্যের পলে মা ভাগে করা অভার স্টান का किनि काल करविस्तान। किनि ठेस अभा, नुकरी। পত্নী একা পরিবার পরিভার করেছিলেন। কেবভালের গ্রহণীয়া উর অভুল ঐথর্য তিনি জাগু করেছিলন। উন্ন বতো বহাপুঞ্জই মহান ভক্ত হওৱার বোলা। তিনি সবকিছু পরিস্তাদ করতে সক্ষম হরেছিকের করেণ ডিনি भारतस्था प्रभवन जीवरका मान्य जेपर, गन, सान, नेन बन्द देवतार्जात साता स्वकृष्ट स्टास्ट्रिल्ड । स्वन्यन अन्ता सात् ।"

ইংক্ এবট বাক্টীত হে, তার হল সমস্ত বাহুমীর বছ তাৰে করা বাধঃ খাঁলের হন ভগবানের প্রেমনটা সেবার বারা আকৃষ্ট হরেছে, তাঁমের কাকে মৃত্তিও ভূজ বলে মনে হয়। স্থানসীর প্রাপ্ত হওবা সংকও মহারাজ ভরত পর্যান্থ্য জগবাদকে বিশ্বত হননি, তাই সুস্পরীর ভাগে করার সময় তিনি উচ্চত্তর এই প্রার্থনাটি ক্রেছিলেন—'ভত্তন সাক্ষাৎ হলপুরুষ। তিনি কর্মসংহর কল্মাতা। তিনি ধর্মের রক্ষক, সাক্ষাৎ অট্টাল-খোগসূর্তি, সমস্ত বছনের উলে, সময় সৃষ্টির নিয়ন্ত এবং সমস্ত্র কীবের অন্তর্গামী। তিনি পরম সুস্থা। তার নিক্স প্রেমমরী কেবার ক্ষমি কেন নিরন্তর যুক্ত পাকতে পাবিঃ এটা আলা দিয়ে তাঁকে আমার সম্রছ প্রথতি निरसम बदा, साथि और (मह आत कर्राह ।" और प्रार्थनी উচ্চাৰণ কৰে মহাবাদ্ধ শ্বৰত দেহত্যাৰ্য কৰৈছিলেই। লুকা ও কীর্তনে অপ্রহী জলেয়া নিয়মিতভাবে ভরঙ ফালাভের বিশ্বর চহিত্র আলোচনা করেন এবং তার কাৰ্যকলাপের মহিমা কীর্তন করেন। কেউ বলি বিশীতভাবে মঙ্গলমা মহারাজ ভরতের কথা প্রবদ এবং কীৰ্তন কৰেন, ভাষালৈ উৰে প্ৰয়োৱ বৃদ্ধি হয়, খন বৃদ্ধি इ.स. मा माथ १३, कथदारम क्षरणाक ग्राव्य स्थ अथना নোক লাভ হয়। মহারাক্ষ ভারতের চর্নিত্র কেংল প্রকা এবং কীর্তন করার কলে সমস্ত অভীষ্ট লাভ হর। এইভাবে সমস্ত ঐহিক এবং পারমার্থিক বাসনা চরিতার্থ করা মার। আনের কামে লেওনি প্রার্থনা করার আর (क्रम श्रदास्थन श्रद ना, क्षत्रण प्रश्ना क करावत कीक-চরিত কেকে অধ্যয়ন করের কলে সমস্ত ইপিত বছ লাভ



申记区 医毛

পঞ্চদশ অধ্যায়

মহারাজ প্রিয়ব্রতের বংশধরদের মহিমা

ইন ওকদেব লোখামী কল্লেন—"মহাবাজ ভগতের পুরা সমৃতি ঋণভাসেবের মার্গ অনুসরণ কর্নোভালন, কিছা কভকণ্ডলি লামধী ঠাকে খবং ভগবান বৃদ্ধদেই বলো কমনা করেছিল। এই সমস্ত দুর্ভন করে প্রকৃতপঞ্চ নাড়িক, ডাল্ল বৈদিক নিৰ্মেশকে কলিত কলে মনে কৰে এবং ভাষের স্বকাশালকলিও হতবাদের ছারা ভাষের কার্তকলাপের সমর্থন করে। এই সমস্ব পাপচারী বাজিনা সুমতিকে বৃদ্ধদেব বলে সীতার করে প্রচায় করেছিল বে, সৰলেরট কর্মন্ত স্থতির পছা অনুসরণ করা। এইভাবে ভারা মানুষধর্মের ছারা বিভান হয়েছিল। কৃষ্ণগেলা দায়ক পত্নীয় পর্তে সুমতির মেকডাঞ্জিৎ নামক একটি পুরা উৎপন্ন হয়। ভারণর, দেবভাজিতের পত্নী আসুরীর গর্ভে দেবলুছে নামক এক পত্র হয়। কেবলুছের পর্যা ধেনুহতীর গর্ডে প্রহেতী নামক পুত্র জন্মগ্রহণ করে প্রমেষ্টার স্বর্জন্য নামী পড়ীর ঘর্তে প্রতীর নামক এক नुद बन्द्रध्यन करत। प्रस्ताम धरीह बतर बाम-उत्तरान প্ৰচাৰ করেছিলেন। ভাত কলে তিনি বৰং বিওছ शर्जाकरणन अन्य अनवाद क्षेत्रियक अरू प्रशन करक পরিপত হয়ে সাকাংভাবে কার্কে উপসন্ধি করেছিলেন। সুর্বনা নামী পত্নীব গর্কে প্রতীকের প্রতিহর্তা, প্রপ্রোতা এক উল্পাত নামক কিন পুরের জন্ম হয়। তার এই ভিম পূব কৈনিক কল অনুষ্ঠানে অভ্যন্ত নিশূৰ ছিলেন। বালী নামক পত্নীর গতের প্রতিহর্তার আজ এবং ভাষা নামক দৃই পুত্র জন্মান্ত্রণ করেন। অধিকৃষ্ণা নামক পদ্ধীয় পর্কে মহারাজ ভূমার উদ্গীথ নামক পুরের জন্ম হয়। দেবৰুল্যা নামক পত্নীর গর্ডে উপদীদের হাস্তাৰ নামক পুর রুক্তাহণ করে এক নির্থসা নামক পত্নীর গর্ডে প্রকারের বিভু নামক একটি পুত্র জনমহন করে। রতী ভিনি সর্বাধ্য ক্ষান্য ভারতার সংখ্যন প্রদর্শনে প্রভাত নাৰক পথীয় গৰ্মে বিভূৱ পৃথকে নামক পুৱের কল श्वाः चाक्ठी भागम भदीत नार्च भृष्टराभत भक्त नायकः देश गर्स्क प्रश्ताक भा सम्बद्धका कराता। भा हिरसन

অভান্ত বিখ্যান্ত ও পুৰাবাদ মাজা এবং ভাই ভিনি क्रकविंद्रम्य स्टब्स् नर्वद्वाचे रहन विच्याच स्टब्स्ट्रान्य। বিক্ত এবং শুরু খালে-প্রকালেরা বীয়া প্রকাণ্ডের পালনকার্য তরেন, ওঁরো সর্বদাই বিওছ সথে অবস্থিত। কলবান বিক্যা অবহার শুরোর কলে, মহারাজ সমত বিত্ত সংখ কৰ্বাস্থত বিলেশ। সেই জন্য মহারাজ পর পূর্ণরূপে দিও আন সর্যাত ছিলেন। তাই তাঁকে মহাপুরুষ করা হত। মহারাজ বর উরে প্রজাবের পূর্বকারে সূরকা প্রদান कर्त्राहरून, बार्च गमालंड धर्नाङ्ग् कक्तिमा कारण **गण्यकि कार्यक्ष कदाए से शास्त्र। गर्नेक देखा**रमय चार्ड क्लान तकब बामग्रस्था ना इत, त्मरे कन्द्र किनि সচেতন ছিলেন ভোকে বলা হয় পোষণ)। প্রধানের আনক বিধানের অন্য তিনি কথনত কথনত ভাগের উপহাং বিভাগ ছয়তেন (একে বন্ধ হয় তীপন)। তিনি কথনেও কৰ্মণ্ড প্ৰজ্ঞানেয় সভার আহান করে মধুর বাকোর দারা তানের উৎসাহিত করতেন (একে খলা হয় উপল্যালয়)। কিন্তাৰে সৰ্বোচ্চ ভাজে নাগৰিক হওৱা বায়, পেই সমতে তিনি প্রাদের স্বল্পতেশ নিপ্তেন (ভাকে বলা হয় অনুধানন)ঃ এই রকমই ছিল মহাবার পরের রাজ্যেতিত চরিছে। অব আ মাড়া রামান বল প্রক্রমণে গাৰ্হছা জীবনের সমস্ত নিয়ম কঠেনেকা সহকারে পালন করতেন। তিনি যক্ষ অনুষ্ঠান কথাতেন এবং তিনি ছিলেন ভগবানের একনিষ্ঠ ওজ ভক্ত। তাঁকে মহাপুরুষ কর্গা হত, কাৰণ তিনি প্ৰজাৱেশে তার প্ৰজালের সমস্ক সুযোগ-সুবিধা প্ৰদান করতেন এবং একজন পুত্ৰপুত্ৰতে তিনি তাম সমস্ত কর্তবা সম্পাদন করণ্ডের বাতে চরয়ে তিনি ভগৰানের ঐকান্তিক ভল্ড হতে পারেন। ভদবস্তুক্তরূপে থাকতেন এবং ভক্তদের ভগবানের সেবার নিব্ভ করতেন। একে ফল হয় ছক্তিবোগের পাল। টার এই এক পুরের কর হয়। মড়ের পত্নী ছিলেন শুন্তি এবং । সমস্ত নিধা কার্যারলীর প্রভাবে মহারাজ পুরু সর্বদ্য সেহারণার খেলে মুক্ত ছিলেন। তিনি ছিলেন রক্ষর

এক ভাই সর্বান ভিনি আমধ্যমন ভিনেন। ভিনি কখনও ত্ত-জাগতিক পোৰ অস্তত্ত্ব করেনি। যদিও তিনি मर्गहराकारत भूगे विहासन, १८५७ ठीत घरषा रकान श्रक्य ধর্ম ছিল না এবং তিনি রাজ্য ক্ষুস্তন্ম প্রতি আসক্ত किरलब ना।"

"য়ে মহারাজ পরীক্তিৎ, পুরাপকি পাঁওড়েরা মহারাজ चरहर वह सकत संदया कीईन करवा। प्रश्लाक श्रव সর্বপ্রকার বৈদিও কর্ম অনুষ্ঠান করতেন। তিনি ছিলেন অভান্ত বৃদ্ধিমান এবং সমস্ত বৈদিক শাস্ত্র কথারনে পারদর্শী। তিনি ধর্মকক্ষক এবং সর্বপ্রকার ঐবর্ধ সম্রাহত हिलानो जिनि हिलान संख्यानस्य नावक अन्य प्रकारक ক্ষাৰতার ছিলোন। তাই মহাবক্ষ অনুষ্ঠানে কে তাঁৰ। পুর উৎপার স্থাবিদ্য, বাঁকের নাম ছিল—চিএরের, সুগতি সমস্ত সম্পদ সংগ্রহ করে জার প্রজামের বাসনা চরিতার্থ ছিল লা। যদিও সহাত্যক্ষ প্ৰায়ের নিজের ইন্দ্রিয়াস্থ ভোগের কোন ব্যাসনা ছিল না, ভদুও বৈদিক শান্তবিহিত কৰ্ম আনুষ্ঠানের কলে উল্লেখনৰ ৰাখনে পূৰ্ব হত। জন্য হৈ সমস্ত ব্যক্তারা মহারাজ গলেন সঙ্গে করেছিলেন, ন্টারা সকলে ধর্মীয় অনুশাসন অনুসারে বৃদ্ধ করতে বাধ্য हर्राहरका। त्रारे धर्मकुट्ड कटाउ नवुष्टे इस्ते 'डीवा তাকে কর্ত্বির উপহার প্রধান করতেন। তেমনই, জার ইমজার সমার প্রাবাশের উরু উদার মানের কলে পর্যা সমষ্টে ভিলেন। ভার কলে প্রাথনের ওঁলের পূণ্ডকর্মের এক-বঠালে পরলোকে উপভোগের মান্য মহারকে গয়েকে

मान करतिहरूको । प्रदेशसम् शरहत स्टब्स ७५त परिवार সোনবদ পান হড় এবং ইজ সেই বজে এলে এটুর পরিমাণে স্বোহ্রপান করে মত হতেন। ব্যৱপুক্তর ভগবান প্রাহিত্তত সাকাৎ অবতীর্গ হতে বিওছ ভড়িংবার হুকুলাপ্র মুম্রপিত ব্যুক্তর কল গুরুব কর্মেন। প্রগ্রম বধন কাবৰ কাবিলোপে সম্ভন্ন মে, তখন আলন খেকেই সমশ্র দেবায়, মানুষ, পশু, পঞ্চী, লামা, গুলা, তুল আদি এবং দ্রন্থা থেকে শুরু করে সমগ্র স্কণ্যভের জীবদের সংস্তাৰ উৎপাদিত হয়। প্ৰবাস্তৰ অভাৰ্যালী প্ৰবাশ্বর ক্ষাৰাৰ বাভাবিকভাবেই পৱন সময়। কিছা তিনিও মহাবাজ গরের বজকেরে এনে কর্নেছলেন, জামি শেষৰ এবং তিনি সৰ্বত্বে ওপান্থিত ভগবানের কলা। অভান্ত প্রসম হয়েছি। গার্মনীয় গর্ভে বহুরেঞ্চ গরের তিন সমালক ক্ষে পাৰে। মহাব্যক ক্ষেত্ৰ প্ৰছা, মৈত্ৰী, গ্ৰা আৰং কমলোচন। ভিতৰণ তাৰ পত্নী উপতি পূৰ্বে স্বাট প্রভৃতি সাম্বী খন্যরা, বীদের খাশীর্বাদ অবার্থ, উল্লা নামক এক পুত্র প্রাপ্ত হল। উল্ল লট্টা উৎকলার সূর্তে পরিত্র লগে দিয়ে সহারাক্ত পরের অভিবেক করেছিলেন। সম্রেটের মর্বীতি লয়ক এক পুর উৎপর হয়। মর্বীতি পুথিবী পাঠীজন ধারণ করে সেখনে এসেছিলেন এবং - উন্ন পদ্রী বিশ্বমানীর প্রতে নিশ্ব মাজে এক পুত্র প্রাপ্ত মহামান্দ পরের সমস্ক সংখ্যা দর্শন করে হেন তিনি জায় । হন। হিন্দুর লক্ষ্মী সরবার গর্ভে কর্ম ব্যাহর এক পুর यरमूक मर्नार करतिहरूको अन्य केल कुछ एक छन्छ। सन्यक्षरण करत। अनु कील नुक्रतात भएक वीरदार পৃথ্য ক্ষরিও হয়েছিল। কর্মান, মহারাজ পছ পূথিবী থেকে। নামদ এক পুত্র প্রাপ্ত হন। ক্রীবারতের পত্নী ভোকর পর্কে বছু এবং প্রথম্ভ ব্যাক্ত দুই পুর জন্মগ্রহণ করে। করতে সক্ষম ছিলেন। কিছু তার নিজেছ ফোন থানৰ । মনুন পত্নী সংস্কো পর্যে টোকা ব্যবহু এক পুত্র হয় এক কৌৰৰ উল্লেখন্তী দুখনৰ পূৰ্তে হয়ে নামৰ এক পুঞ্ সক্ষম কাভ করেন। স্বতী গ্রেম পরী বিরোচনক পর্যের বিরম্ভ নামক এক পুত্র সন্তান প্রাপ্ত হল। বির্যন্তন্য পার্থী। विहानन विद्वी अन्य चान गर्ड निव्हकड मध्यार सम्ब এক শত পুত্র এক, একটি কন্যা লক্ষ্যপুত্র করে। মহারার বিষয় সময়ে একটি বিখ্যাত প্লোক হাছেছে—'ভগবান বীবিশ্ব বেজা তার দিব্য প্রভাবের ভারা দেবতানে আগম্বত করেল, ক্রিক তেমেনট মহার্যাক বিশেল ইয়া মহৎ क्ष्मारको अदा विभूत वर्णालांगत श्राप्त शिवदर्श्य वर्णास कृतिङ कट्टाइट्ला (^{) स}



খোড়শ অধ্যায়

জমুদ্ধীপের বর্ণনা

মহারাজ পরীক্ষিৎ ক্রকারে গোমার্মীতে বলালে---"হে প্রাঞ্চণ, আপনি পূর্বেই বলেকেন কে বতাস্থা পর্যন্ত শর্যানের তাপ ও আলোক প্রদান করে এবং চর্ম্ব ও অন্যান জ্যোতিমধ্যে দেবা খার, ডাডার পর্যন্ত ভূমওকেট বিস্তার। হে ভাগ্রম, মহারাজ বিপারতের রংচকে মে সাভাট পরিশার সাঁটি করেছিল, তার দায়া লপ্ত সমূহ রচিত হয়েছ। এই সাফট সমুক্রে ফলে ভূমগুল নগু ছীপে বিভক্ত হয়েছে। আগনি সাধারণভাবে শেওলির মাণ, মাম এবং বৈশিষ্ট্য কর্ণনা করেছেন। এখন আমি विवादिएलार भारे मध्य कामाउ प्रहे। नवा करत খ্যাপনি খ্যামার সেই বাসনা পূর্ব কর্মা। জন করন क्राक्टना अन्यय का कडरन वर्षार नितंह आन निर्तिह হয়, তথ্য যা বিভগ্ন সম্বের প্রিটি বাবে হয়। সেই চীয়া দিভিতে ভগতান নাসদেবকৈ ভগতান্য করা করে, বিনি ঠার সৃত্যা বরণে বরং প্রকাশ এবং ওবাতীত। হে ভরনের, দরা করে আশনি বিভারিতভাবে বর্ণনা করন কিভাবে সমপ্র ব্রহ্মাণ্ড খাথে সেই রূপ দর্শন করা ভার 🗥

यहर्वि चकरण्य लाकायी बनालन---"हर राजन. ভগবানের মারাশভিত্র বিভারের অন্ত নেই। এই বন্ধ कार अन्तित राजा (मद्यान, स्वातान कार प्रस्थान) মানকা, তা ৰক্ষা মতো দীৰ্ঘ আৰু প্ৰাৰু চলেও ডা পূর্ণকাপে বিশ্লেষণ করা সঞ্জয় নত। এই ঋত ভাগতে কেউই পূৰ্ব নয় একং অপূৰ্ব ব্যক্তি সতত চিন্তা শবার भट्ट और इमार्ट्स वधावध वर्गम करता भारत है। হে রাজন, তা সংখ্যে করি কেবল জুলোক আদি প্রধান **धरान श्वनश्मित नाम, ज्ञान, श्रविमाण धार, नामम-अमृ**द्धत **डिव्याप करत (११७**क्सि वर्गना कताह (६हे। कहन (*

"ভূমণাৰ একটি গাছ ফুলের ছাডো এবং সূত্র হীপ সেই কুলের কোব। সেই খেন্টের মধ্যবতী আপুর্বাচনর বিজ্ঞার পশ লক্ষ্য হোজন (অলি লক্ষ্য মাইল)। অধুবীন শ্বপাতার মতো গোলাকার। এই স্বাস্থীপে নমটি বর্গ इरहर्रे । अक-दक्षि सर्वत्र देशवी ५,००० शासन

(৭২,০০০ মুখিল)। আটেট সীমাম নির্দেশক পর্বন্ত বারা 🛦 নাটে কাঁ সুদৰ্ভাবে বিভাগ হয়েছে। এই কাঁওলির মধ্যে ইমানত নামক নাটি সেই পৰাকোষের সমানাতে অব্যক্তি। ইলাক্ডবর্ণের মধ্যে ক্রমেছে সুক্রিত সুমেক পর্বত। এই সুমের পর্বত ভূমধালরণ পরের কর্নিকল হতো অর্থাইড। এই পর্বতের উচ্চতা স্বাস্থ্যীপের বিস্তানের সম্প্রের হর্মের ১,০০,০০০ যোজন (৮,০০,০০০ মাইল)। তন্ত্র ১৬,০০০ মেলে (১,২৮,০০০ মইল) পুথিবীর অভ্যান্তর হরেছে এবং ফাই পুনিবলৈ উপরে এই পর্বতের উপ্ততা ৮৪,০০০ যোৱন (৬,৭২,০০০ মাইল)। এই পর্বতের শিগরের বিস্তার ৫২,০০০ যোগন এবং **-प्रशासन् ১५,००० (स्वयन्) हेमाङ्डयर्रत क्रास्त ७७८४** নীপ, বেণ্ড ও শাস্বাস—এই তিনটি পূৰ্বত ক্ৰমাছনে द्रमाक, हिरुपत स कक्रवर्रस्य विश्वक्त करवाह। बारे পর্বত্রতী ২,০০০ বেরুল (১৬,০০০ মহিল) প্রস্থ। পূর্ব এবং পশ্চিম উভয় দিকেই ভারা দ্বান সমুদ্রের ভট পর্বত विक्ष । नूर्व भूवं नर्वछ०मि (परक भद्र भूत भवंछऽभित দৈৰ্ঘ্য এক-দশাংশ ক্ষম, কিন্তু উচ্চতায় স্বায়া সকলেই সম্ভব্য তেমনই, ইলাপুভবর্মের দক্ষিণে পূর্ব থেকে পশ্চিমে বিস্তুত নিষ্ধু ছেমকুট এবং হিমানত নামক ভিনটি পর্বত ময়েছেঃ ভাষের প্রতিটি ১০,০০০ বোজন (৮০,০০০ মাইৰ) উপ্ৰত। সেই পৰ্বত তিনটি ক্যাঞ্চনে হরিবর্ব, কিম্পুরুষর্ব এবং ভারতবর্বের সীমা নিজনা कराह। क्रिक म्पेरचारव देमावडवर्स्स भन्डिया अवर गुर्द মান্যকান ও গছমান্দ নামক যথাক্রমে দুটি পর্বত রয়েছে। এই পর্বত দৃটি ২,০০০ মোজন (১৯,০০০ মাইন) উচ্ এবং ডা উত্তরে নীল পর্বত এবং দক্ষিতে নিবধ পর্যন্ত বিস্তৃত। তার কেন্দ্রমাল এবং ভন্নার্থবর্মে সীমা নির্দেশ করে। সুমের পর্বতের চারদিকে ফার, মেরুমানর, সুপার্থ এবং কৃষ্ণ এই চারটি পর্বত মেখলার মতো বিন্যক সমোছে। এই পর্বতগুলির উচ্চতা এবং বিস্তার ১০,০০০ বেরেন (৮০,০০০ মাইন)। সেই চরেট পর্যন্তের শিশক্ত

কাৰান্ত মতে একটি আম গ্ৰান্ত একটি লাম গ্ৰান্ত, একটি कम्य भार अवर अक्री कीट्रक हहराहु। अरे कुम्लामह হিন্তার ১০০ হোগন (৮০০ মহিল) এবং উচ্চতা ১,১০০ বোঞ্জন (৮,৮০০ সহিলা)। তানের শাখাওলিও ১,১০০ रवाक्य निश्चर ।"

"हर एवंटरवर्ष बद्धावास भद्रीकिश। और हारहि শর্মতের মধ্যে চারটি বিশাল 🚁 ররেছে। প্রথমটিব কলের বাল ঠিক পুথের অভেচ হিতীয়টির বাল ঠিক মধুর মতো এবং তৃতীয়টির বাদ টেক ইকুরনের হড়োঃ চন্তর্য হুলটি বিওছ জলে পূর্ব। সিদ্ধু চারণ, পুরুর্ব আদি উপদেকধারা এই চারটি হুচার সুবিধা উপভোগ করে। ভার কলে ওরো অধিয়া, মহিলা আছি খোলনিছি चनशास्त्र मार्च महाराज्य। स्त्रयास मध्य, द्वाराज्य, বৈষ্ণালক এবং সর্বতোক্তর বাহক চারটি নিক উল্যান্ত রবেছে। সেই উদ্যানে শ্রেষ্ঠ দেবতারণ ব্রীরভুসংশ फीरमञ्जू मुख्यी भाग्नेसम्ब निर्व चान्यम विद्युत करवन। एका नक्ष नामक छैनारकाला श्रीएस परिया कैटिंग করেন। ইন্দর পর্বতের পালদেশে দেবচুত করক একটি আশ্রবন্ধ ব্যারেছে। ভার উক্ততা একাদশ শত যোগ্রন। প্ৰতিক স্থান মতো কুল এবং অস্কো মধ্যে কায় কলওলি নেই ৰুক্ষের অগ্রভাগ কেকে দেবভাগের উপভোগের জন্ম পভিত হয়। অভি উক্ত স্থান খেকে পতিত হওয়ার কলে, সেই সমস্ত কলগুলি কেটে জন্তঃ ভৰ্ম ত্যাদের ভিতর বেকে অভি মধ্য সৌৰভত্ত कारकार्य का शहर बारियान निर्माठ देश अबर कहा त्यार ক্ষে করার ফলে, হল বোলন পর্যন্ত চতুর্বিক স্কৃত্রিক

থেকে মান্নীতেলে পথিত হ'বে, তার উৎপত্তি স্থান ইলাব্ভের সন্দিলালে থেকে আরম্ভ করে স্মগ্র देशाद्यवर्ध-वाभी अवस्थि इस्त्राह्। सन्न समीव क्रेक्ट **डॉक्टरडी ग्रांडक त्मरे अलद वादा चार्च श्रद अश वाद** ও স্থতিক্তের বারা বরিপঞ্চ হরে জাতুনা নামক বর্ণে পরিগত হয়। বর্গের দেবতারা সেই কর্পের দ্বারা বিবিধ প্রকার অসভার নির্মাণ করেন। তাই **অ**র্সার দেবতারা এবং তাঁদের চিব টোকনেশগরা পথীয়া রপমুক্ট, খলর, **্রেখনা, আদি কলডাতের জরা পর্ণরতে সন্ধিত আকেন।** এইভাবে ভাষা ভাষের জীবন উপজেপ করেন। সুলার্থ পৰ্যতের পাৰ্থগেলে মহাক্ষণ বামে একটি প্ৰসিদ্ধ বৃদ্ধ নরেছে। সেই পক্ষের কোটন থেকে পাঁচটি মধুর ধারা নিৰ্গত হয়েছে। সেওলির প্রতিটির পরিষাণ পাঁচ বামে। এই বধুৰ বাল কুপাৰ্য পৰ্যভেদ্ন লিখান্ত যেকে পভিত হাছে, ইশাব্তব্যের পশ্চিম দিক থেকে আরম্ভ করে ইকাবৃতবর্ষের সর্বত্র প্রশাহিত হজে। তার কলে সমগ্র रेनावृष्टवर्ग बहनाइक मित्राक पूर्व स्टारक। जैसा स्मी মণু পান করেন, বারু ঠানের বুধনিব্যের সৌরভ বহন করে শত কেজন পর্বন্ড স্থানকে স্থাসিত করে। তেনেই কুমুদ পৰ্বতে ৰভাবন্ধ নামৰ একটি বিশাস বটকুক রয়েছে। তার একশন্ত বন্ধ রয়েছে বলে তার এই বাং। সেই সমন্ত স্বন্ধ থেকে কভৰণালৈ মদ প্ৰবাহিত প্ৰস্তাহ্য। এই সমত দৰতলি কুলুল পৰ্বজ্যে শীৰ্বদেশ খেকে পত্তিত रत रेनाइठवरर्रह चरियांनीएक डेन्काएट बना ইলান্তবর্গের উল্লাচ নির প্রথমিত হচ্ছে। এই সুগজের সঙ্গে মিনিক হরে কবিকতর সুর্যাচিত হরে কঠে: সক্তালি থেকে সেবানকার অধিধাসীয়া উল্লেখ্য ইচ্চারতো সেই রাস খালের মতো প্রবৃহিত হয়ে অরুলোগা নহন পুন, দই, মণু, বি, গুড়, অহ, বহু, শব্র, আচন্দ্র আচন্দ্র এক নদী হারেছে। সেই নদী পূর্বদিকে ইলাব্ডমর্থ পর্যন্ত তভৃতি সমস্ত ক্রম্ভ হয়। ভাগের অভিনাবিত সমস্ত প্রবাহিত হুচেট্র লিবপারী ভবানীর অনুধ্বী রক্তানে স্তম্ভ বংগত পরিয়ালে লাভ কংকা করে ভারা সেখানে পুন্ধবতী পদ্বীদের মেই সেই অঞ্পান নদীর কল পান। অভ্যন্ত সুখী। এই ভড় জগতের যে সমস্ত অধিবাসী করম কলে সুরচ্চিত হরে ৬টে এবং বারু সেই সৌরত সেই নদী খেকে উৎপন্ন প্রবাসমূহ উপভোগ করেন, ৰ্তানো সেহে কথনৰ ক্ৰীনেৰা দেখা বাৰ বা এবং তাৰেচ হরে গঠে। তেমনই, জন্মু বৃক্তের হস্তী-শরীয়ের মতো চুল পাকে না। ওঁয়ে কানও প্লান্তি জনুভব করেন না বিশাস রসপূর্ণ এবং অতি কৃত বীজ সম্ভিত কবংলি। এবং গানে বর্নকবিত পুর্বত হর না। উপদের কবংও আতি উচ্চ স্থান থেকে পভিত হওয়ার ফলে নিশীর্শ হর। জরা, বাধি অথবা আগুনুত্বা হব হা। তালা কবনত শীত ভাষের মনে আৰু নদী নামক একটি নদী উৎপন্ন হয়েছে। 🔞 প্রীক্ষের 🐠 অনুভৱ করেন মা একং ওঁছদর বারের ছাপুনবী মের পর্বতের দশ বোজন উচ্চ বিবরেশে। জ্যোতি কমাও নিজত হয় খা। তারে মুধ্য পর্বন্ত জ্ঞাতা

मृद्ध कीवनवाशम करका। मृद्धिक शर्वहरू शामरमस्त्र, শহরেদের চারগাণে কেশরের মতো আরও কডিটি পর্বত রয়েছে। সেওলির নাম করক, কুরর, কুসছ, বৈকৰ, ত্ৰিকৃট, শিশির, প্ৰভাগ রচক, নিম্ম, শিনীবাস, कलिल, भर्थ, रेरपूर्व, ब्लाल्धि, इर्ग, श्वरूठ, श्रंग, श्वरूखत এক নারণ ইত্যালি। সুমেক পর্যথের পর্যানকে জঠর এক দেবৰট নামৰ দটি পৰ্বত হতেছে। এই পৰ্বত দটি উত্তৰ ধ্বেকে দলিশে ১৮,০০০ যোজন (১,৪৪,০০০ মাইল) বিস্তত। তেমনাই, সমের পর্বতের পশ্চিম নিকে পকা এবং গারিবার নামক দুটি পর্বত ময়েছে। সেওলিও উল্লং এবং বন্ধিংগ ১৮,০০০ হোজন বিস্তৃত। সুমেষ পর্বতের বঞ্জিশ দিক্ষে কৈলাস এবং কর্মীর নামক পটি পর্বত হয়েছে। এই পর্বত দৃটি পূর্ব-পশ্চিমে ১৮,০০০

্যোক্তম বিস্তুত একং স্থাকে পর্বতের উত্তর লিকে নিলুয় এবং মকর নামক দৃটি ধর্বত রুয়েছে এবং সেই দৃটি পর্বতত পর্ব-পশ্চিমে ১৮ ০০০ ছেজন বিস্তৃত। এই সর করটি পর্বতেরই বিকার একা উক্তভা ২,০০০ হোমান (১৬.০০০ মাইল)। অফি মতো উ**ল্ল**ণ স্পরির সমেক পৰত এই আট্টি পৰ্যন্তের দ্বরো পরিবেতিড। যেঞ পর্বতের শিবরে মধ্যক্তার শুগবান ব্রহার পুরী বিরাজযান। ভন্ন চতুৰ্বিক এক হাজার অনুভ কেজন (আট কোট মাইল) বিস্তুত। সেই পুরী খণনির্মিত এবং তাই পণ্ডিভ ও খবিরা সেই পুরীটিকে শাতকোঁরী পুরী বালে। সেই ব্ৰহ্মপুৰীয় চতৰিকৈ ইন্দ্ৰ আদি আঁট কোকশালগের আচটি পুরী রয়েছে। সেই সমস্ত পুরী ঠিক ব্রহ্মপুরীর মতে। কিছু তামের ভারতম রস্বাপ্তীর এক-চতুর্বালে 🏲

ലാ C.3 മോ

मधान्य खन्तार

গঙ্গার অবতরণ

ত্রীন ওকদের সেক্টেমী কাপেন-"হে রক্তন, নুমন্ত खका रफरका सभरान श्रीविक बाधनरपद करण बन्नि মধ্যকক্ষের কলে জাবির্ভত সুরেছিলেন। ভবন তিনি তার বামপদ কিজান করে পদাস্তের মধ্যে হারা রক্ষাতের चारतान विदीर्भ करतहिर्द्धान। (तर्हे वित्र निर्द्ध काशन-সমানের বিশুদ্ধ কলে কলানদীয়াগে এই ক্রমাণ্ডে প্রকেশ করে। ভদরনের জীপাদপর থীত করে তার পারের কুমকুমের সকে মিশিত হওরার ফলে, গলার জল এক ছতি সূত্র জঙ্গ আভা প্রপ্ত হয়েছে। পদার নিত মলের স্পর্যে জীব ভবস্থাৎ সমস্ত থাত কল্ব থেকে মন্ত হতে পারে, কিছু তা সম্বেশু পদার রূপ চিরপরিত্র भारक। भाग स्टाट्स और समाएक व्यवस्थान कहार नहर्द সাক্ষৎভাবে কথবানের শ্রীলাকসম্ম স্পর্ন করেছেং, ভাই তিনি বিশ্বপদী কমে পরিচিত। পরবতীকালে ভিনি कारूनी, कानीत मी देखानि आग शांख हरहारून । अक चानस्ट हरन, छोता कारून तमान कम देखान करिएड

সহতে বুগ পরিমিত সুধীর্ঘ কালের পায়, পালা এই রাজ্যাতের সর্বোজনোক প্রবলোকে অনতীর্ণ হন। ভাই পভিডেম সেই প্রবাদ্যককে বিষ্ণুপদ বলেন (ভগবান শ্রীবিষ্ণুর শ্ৰীলামলয়ে অবস্থিত)।"

"মহারাজ উন্তানপালের পুর ধন জগবানের সেবার পুচাতিক ব্ৰহাৰে কলে, কৰ্মানের প্রেট কতালংগ বিখ্যাত হয়েছিলেন। পরিত্র প্রকার জন ভারতম জীবিঞার শ্রীপাদপর বিধীত করেন জেনে, জারুও তিনি পরম ভক্তি সহকারে সেই জল তার মন্তব্ধে ধারণ করেন। যায়রের অধ্যান্তলে নির্মান ত্রীকৃত্তের খাল করার ফলে, পভীৰ উৎকঠাৰ জাৰ ঈৰণ উপীলিত নৱন থেকে কলবার বরে গড়ে এক ওঁর শরীরে রোমাণ ও পুলক প্রকাশ পার। সরীটি, বসিষ্ঠ, অতি আদি সপ্তর্থি প্রবলেকের নিতে বাস করেন। পদার মহিমা উভযরত্প

গালৰ কৰেন। শীয়া প্ৰিয় কন্তেছেন যে, এই পলাৰ জলাই হচ্ছে পরম সম্পদ, সমস্ত তপস্যার সিছি এবং চিশ্বর মীননের সর্ববেট সাধন। ভগবানে অপ্রতিহতা ভক্তি পাত করে তারা ধর্ম, কর্ম, কাম, এমনকি প্রেক্তকে পর্যন্ত উপেক্ষা করেন। জার্নীরা বেমন ব্রন্ধরেনটিতে দীয় হযে স্বতস্থাকেই পদম লাখ্যি বলে মনে করেন, এই সংগ্রিম তেমন ভাগতেতিকেই জীবনের পরত সিধি বলে মনে করেন। প্রবলোকের সহিকটো সংগ্রবিদ্যালকে পবিত্র করে। গাসাবাল কোটি কোটি নিজু বিমানে আকাশ যাৰ্থ দিয়ে নিয়ে ক্ষততা করে। ভাগের তা চরলেক প্রবিত করে সুমেক পর্বকের লিখনে অস্থিত প্রকাশনে পতিও হয় ৷ সম্ভেচ পর্বতের শিবরে পদা চারটি ধানার নিভক্ত হরে পূর্ব, পশ্চিম, উত্তর এবং পশ্চিশ দিকে প্রথাইত হয়েছে। হাজার করে। তারো সেকতুস্ক। তারে দশ হাজার হাতির এই ব্যাপ্তলির ব্য-ন্সীতা, অনবন্দা, চকু এক সমা। সকলেৰে এই ধ্যাওলি সমূত্ৰে পতিত ব্যাহে। সীজ ন্মেক পলার ধারা সুমেক লিবছের স্থাপ্তী থেকে বহিৰ্মণ্ড হয়ে নিকটছ কেনৱাচল পৰ্বতগুলিক শিবনে পতিত হয়। সেই পর্বতগুলি স্মের পর্বতের চরপত্ন ক্ষেপ্রের মতো। কেপরাচল পর্বত থেকে বলা প্রমানন পৰ্বত শিক্ষা পতিত হয় এবং তানপদ ভালেবৰ্ষেৰ কয় निरङ शनाहिक स्ट्रा, श्रामितक मक्त प्रमुख असिक स्वा। চকু নামক গলার ধারা মাল্যবান পর্যক্তের লিখর খেকে জ্বপথপাত মাৰে পতিত হবে, অপ্ৰতিহত বেশে কেন্ডমালবর্বকে রাবিত করে পশ্চিমদিকে সমুদ্রে প্রবেশ करते। कता नामक श्रमात बाता गुरुक्त भर्गरका निवत পেতে উত্তৰ দিকে প্ৰকৃতিত হয় একা সেই কলা কৃত্যু পৰ্যতের শিখন থেকে উচ্চলিত হবে দীল পৰ্যতেন শিখনে, সেখান খেলে ব্যেত পর্যন্তের শিখনে এবং অরপন শ্বস্থান পর্বতের শিখনে পতিত হয়। ভারণর কুক্তাদেশের মধ্যে দিয়ে প্রবাহিতা হরে, উত্তর দিকে শব্দ-সমূহে প্রবেদ করে। তেমনই, খলভানর নামভ গালার থান্তা ব্রঞ্জালুরীর র্যটাগ দিয়া থেকে প্রথাহিত হয়ে, মিভিন্ন প্রদেশের পর্যতন্ত্রণ অভিক্রম করে প্রচণ্ড কেপ হেমতৃট এবং হিমতুট পর্বত-শিখ্যে প্রতিত হয়। এই পর্বত শিবরণ্ডান প্রার্থিত করে গলা ভরেতবর্তে পতিত হয়ে। এই সমস্ত্র দেবতা এবং টারের পরীদের কর সেই ছানকে প্লাবিড করে। ভারণায় গলা দকিশে কবৰ শস্মে থাবেশ করে। ধারা এই নদীতে লাগ করতে এইভাবে সেই আটাট কাশ্যাশ কর্বত অধিকালীয়া ভাগেছ

খাগে, তারা ভাগ্যবান। তালের গলে প্রতি লাগ্যকলে শাংশের এবং রাজসূর আদি মহাব্যের কল লাভ করা मुर्जिक दर्ज भा। क्षमा भर कह दक्त (बढ़ी नव-नवी जुदबक পৰ্বতের শিবৰ খেতে প্রবৃত্তিত মাছে! সেই নবীওলি টিক পর্যানের কলার মধ্যে এবং শৃত শৃত প্রায়র তার। লিভিন্ন কর্বে প্রকাহিত হাছে 🖺

"নামটি বর্মের মধ্যে ভারতবর্ষকেই কর্মকেন্ত কল হয়। পতিত এবং মহাবাগৰ বলেন কে কৰা আটাই ধৰ্ম অভি পুশাবান ব্যক্তিদের পুশানের উপভোগের হুল। কর্মদোক থেকে বিশ্বে আসার পর, গুল্ম গুল্মের পুলকর্মার অবলিষ্ট মশে এই অটেট বৰ্ষে কোন কৰেছ। এই আটেট কৰ্ম খারা অন করেন, তাঁলের আৰু মানুকো খানারে দান কা ধারণ করেন। জীকের পরীর করের মধ্যে সুস্ত। র্তালের বৌকন সমষ্টিত ক্রীকা অভ্যন্ত সুধলয়ক এবং স্থী ৰ পুৰুৰ উভাৰেই পৰ্য আন্তৰ বীৰ্বভাৱী মৈধনসৰ উপত্যের করেন। দীর্থকাল ইক্সিরসুদ উপ্তের্জনের পর বৰণ ভাষের জীবনের মাত্র এক বংশত কলে অবলিট্র থাকে, তথন ভাগের স্থান্ত একখনে মতে পর্ভথন্তৰ পরে। क्षेत्रसार्व और ममक ऋर्गम चावित्रसीरमा मूरका यान द्वान ক্ৰেভাবুগেৰ মানুৰবের মজে। সেই সমস্ত বৰ্ণে, সৰ্ব কড়া কুল, কল এবং কিশদার শেতিত কা উল্লেখ প্রয়েছে वर्षर (नवात कः मृश्येत्र कालम् इरदारः) (नवात যৰ্জে শীমা নিৰ্দেশক পৰ্বতগুলির মধ্যমেশে হৈ বিশাল সরোধনতালি ব্যৱস্থে সেওলি সভবিকলিত পরে প্রা শেই পাৰের সৌবাডে ছাভাহনে, ভাৰতৰ, উল্কেন্ট, সারণ, চক্রবাঞ্চ প্রভৃতি পাশিকা আনুমন্তিত হবে কলরব ক্ষাতে বাকে এবং তার সঙ্গে ক্রমনের ৩৫২ মিপ্রিত হতে চড়র্মিক মুখরিত করে তেলে। সেই কমন্ত বর্ষের অধিবাদীরা হচ্ছে খেবডাদের হধ্যে বিশিষ্ট নারও। ভুতাৰেৰ দ্বাৰা সৰ্বনা সেবিত হয়ে, উাধা সেই সয়োধৰ जही शक् द्विमारम कीच्या दे बरकाश करवा। अहे ক্ষ্যোত্তকর পরিবেশে ক্ষেত্রতিকের পান্তীরা মধ্য হাসি वनर कामकृत बहरन चौएनड भटिएनड अप्टि नहिभाछ তাদের ভূটোরা সম সময় চল্ফ প্র কৃতকলো প্রদান করে।

বুর্যবাদের আধ্যেশে জারুট হয়ে খামান্দ উপজ্ঞোগ করেন। ভগবাৰ প্ৰীনাত্মৰণ তাৰ ভড়াখেল কথা কৰাৰ জনা বাগুলেৰ, সন্ধৰ্ণ, প্ৰদান একং অনিসৰ-এই চন্ডৰ্বাহকলৈ নাটি বৰ্ষের প্রতিটি বৰ্ষেই বিহারেমান। এইভাবে তিনি উল্লে ভাজেলের কেবা গ্রহণ করাম জন্য তালের নিকটে पाटकार ("

हीन शकरम्ब शाहामी बनामन-"हैनावरुवर्द नवर ৰক্ষিমান দেবানিদেব মহামেইই কেবল একমানা পূৰণ। केल नकी मुर्गारवरी अन जा त्या. तकन शतक ट्रांडे प्राप्त প্ৰকেৰ কৰুও। অৱস্তাৰণত তেওঁ যদি দেখানে প্ৰকেৰ करत. शहरत हिन्नि संस्कृतीर पारक मोदीएक अविश्वत কলে। সেই কৰা আমি পত্ৰে (জীমন্তাগনতের সবম ছছে) ধর্মব্য করব। ইলায়তবর্ষে শ্রীপিন সর্কার কেটি জোট সেবিকার বার্ত্ত পরিবেষ্টিও হরে সেবিত হন। বাস্থাৰ, প্ৰয়াস, কনিজৰ এবং সম্বৰ্থ-ক্ষাব্যানৰ এই চতুর্বাহের চতর্থ মূর্তি সমর্থন নিলেপেছে ওছ চিনার। কিছ এই ছাও ছালতে তার ধাংগাথকে স্বার্থ ভার্মনিক ৰতে ডিনি ভামনী ৰামে অভিহিত হন। ভগৱন শিব ব্যায়েন থে, স্কর্মণ হতেনে আর অংশী বা মুদ্র করেণ এবং তাই তিনি কৰ্মণা সমাধি বোগে নিপ্নচিবিত মহাট উচ্চাংৰ করে **গাঁ**র বাদে করেন।"

পরম ঐবর্ধনালী জীনিব কালেন—"হে পরবেশ্বর ভাগান সমর্থন, আহি আপনাকে আমার সঞ্জ প্রণতি মিলেন করি। আগনি নমত নিম্ন শুগ্রের আগর। র্মিন আগমি কানত, ভবুও অভাক্তনের কাছে আগমি কান্তভ থাকেন। হে কাগনা, জাগনি একমাত্র করেছে, করেন আপদি পরমেশর এক সমস্থ ঐতর্যের আধার। জাপনার অভ্যাতরশারবিশ আপনার ভারনের সর্বতোভাবে রকা करत अवर छै।एनच नक्षति विधारनत कना चालाने विधित রূপে নিজেকে প্রকাশ করেন। হে প্রান্ত, আপনি আপনার ভারতের সংসার মোচন করে। কিন্তু অভারের চিন্তান আপনাইট ইকার এই এড ভগতের বছনে ভাবত হতে থাকে। আপনি কথা করে আমর্যুক্ত আপনার নিতা দলত প্রদান কটন। আনেরা আমাদির ক্রেয়ধের বেগ জন্ত করতে পারিনিঃ ভাই বনৰ আমরা ক্রম বন্ধ করি, তৰ্পৰ অনুসূৰ্য অথকা বিজেবের ভাক এচাটো ধার না। বিষ্ক ভগবান ক্ষমৰ এইস্কাবে প্রভাবিত জন না। বিশিক মাষ্ট্ৰ, ব্ৰিভি এবং সংগ্ৰহের জন্ম তিনি এই ক্লম্ভ জগতের প্ৰতি দক্ষিণাত ৰতেৰ, তথুও তিনি অপুনাৰও তান যাত্ৰা প্রভাবিত হল না। ভাই বিলি ইছিনের খেল কর কলার অভিনামী, উল্লেখকের কর্তমা ক্রমবালের বিল্যালয়কের আহ্রা প্রকা করা। ভাহলে তিনি বিভারী ছালে। কানেব দৃষ্টি কল্ফিড, ভাষের কাছে উপবালের চন্দু মধু এবং সুরা পানের কলে আর্যান্তম বলে মনে হয়। এই ভাবে মারা বিমেহিত হতেছে, সেই বিবেকহীন ব্যক্তিরা ভাগবাদের এতি ক্লম হয় এবং ভাগের ফ্লেথের ফলে, ভাগের কাছে ভাবনেও ক্রম এবং অভান্ত ভরতর বলে মনে হয়। কিছ এটি ভালের ব্যক্তি। সক্ষণ নাগকধরা ভাগানের শ্ৰীলাদনাকো স্নাপে সম্ভ হয়েছিলেন, সন্দাৰণত তাঁৱা আর তাঁর জন্যাত কলের অর্চনা করতে সংর্থ চননি। ভবৰ ভগবন জাদের স্পর্লে বিচলিত হননি, করেণ তিনি সূৰ্ব অবস্থাতেই বীৰ। ভাই এমন কে আছে, বে ভাবেলের ভারাধনা করবৈ না গ

"स्मराविष्यत बहाराय कार्यन—मयस प्रदर्शिता कथवानएक सम्बन्ध मुक्ति, भारतम धावर सरहारबढ नवतून थएन খীকার করেন, যদিও এই সমস্ত কার্বকদাণে থান কর্ণীয় किइ (नरें। छारे फ्रम्थनाक तमा दश भानत। भागभा যদিও তার লেব অবভাৱে তার সহজ কথার সময় মুদ্দাওওলিকে ধারণ করে ইয়েছেন, তবুও রাভিটি মুদ্দাও তার কাছে এক-একটি সরিবার মতো হলে হয়। ভাই সিন্ধি সাজের অভিসাধী কোল ব্যক্তি কার আরাধনা করবেন নাং ভগতান থেকেই প্রজার উৎপত্তি হয়, বাঁর শরীর মহক্তকো করা নির্মিত এবং বিনি রাজ্যত্য-প্রধান বৃদ্ধির আনার। সেই রুলা থেকে অহমর ওছ আমি রুপ্ত অক্ষরতা করেছি। আমার শক্তির ছারা আমি কল সমত্ত দেখতাদের, পঞ্জমহাভূত এক ইপ্রিয়বর্গের সৃষ্টি করি। ভাই আমি সেই ভগবালের জারাখন করি, বিনি আমাদের সকলের থেকে শ্রেষ্ঠ এবং ইয়া নিয়েশে সময় (मक्डाज़, महरूथ उस हैक्सिका, अयनकि क्रमा के व्यक्ति খ্যাং--জামবা সকলেই প্রবন্ধ পানিক্ষে মধ্যে নিয়ন্ত্রিত ইই। ভগৰানের কুলার প্রকারেই কেবল আমেরা এই ফড় सगरका मृद्धि, भारत এवः दिनाभकार्य माध्यम समय देवै। তাই আমি সেই গরমেশ্বর ভগবানকে আহার সমার্ প্রণতি নিবেদন করি। ভগবানের মারা সমত বন্ধ

ছীসনের এই জড় জগতে কৌণ রাখে। ভাই তাঁও কুলা । এবং নিরলের জনত সেই কণবান্তে অনুনি চহবার সংক্র ক্ষতাত আমাদের মতে বাজি তুরতে লারে না বিভাগে নেই মাজাৰ বছন তেকে খুক হওৱা যায়। সমস্ত সৃষ্টি

হুপতি নিবেৰণ কৰি*ল*



অস্ট্রাদশ অধ্যায়

ভগবানের প্রতি জমুদ্বীপবাসীদের প্রার্থনা

শ্রীল ওকানের সোধানী কালেন—"ধর্মরাজের পুত্র নাকাং সাধানিক অবস্থার উল্লেখনী কালের প্রকৃতি বিভি ছপ্রকা ভারাশবর্তের অধিপতি। ক্রির বেয়ারে লিব ইলাক্তবৰ্গে স্বৰ্গনের স্বাধান্য কলো, অসমকও তেজাই देश धारतम् त्रापक कार प्रशासनार्गतं स्रविनानीतन् सह হচদীর্য নামক অনুমেকের অবচারের পাঞ্চল করেন। ভগণনে হয়শীর্ব ভক্তদের খাত্যন্ত হিম একং তিনি সমস্ত ঘর্মীয় অনুশাসনের নির্দেষ্ট। করপ্রাম এবং ঠন পার্বলের পর্যথ সমাধিবোৰে ভগবানের উদ্দেশ্যে উদ্দেশ্য সভাব প্ৰদান্তি নিৰ্মেশন কৰেল এবং সৰমু উচ্চানংগঠ ফাধ্যমে মিবলগ মধেনা কীঠন করেন "

ভগৰানৰে আহানেৰ সম্ৰভ প্ৰবৃতি নিবেদন করি, বিনি এই মড় মানতে জীৱনা মনিনতা মুগীৰত করে ভাবেন रंगर निर्मण करवन। भागता संस्वात देहरक सहस्रहरूड সাধার প্রথতি নিজেন করি। আহা, কি আপুর্যঃ হুর্ব ভাষা কালে যে মৃত্যু অৰণ্যভাষী, গুৰুব ভাষা ভাষা প্ৰতি উদাসীন হয়ে আৰু উপেকা কংগ্ৰে চাব। পিতার হত্য হলে পুর ভার পিজা কা-সম্পন্ন উদ্যোগ করুর চার এবং পুরের ব্যুদ্র হলে পিতা সেই পুরের ক্ষ-সম্পদ উপভোগ করতে হার। উত্তর কেতেই সৰ 🟴 ভর बाद मूच (फास केन्नस बार्च (हरी कहा स्वा "

^তহে অঞ্জ, আছ-ভত্তবিং বেদল পতিভোৱা, ভিবেটার

উপাসরি করের পারের এবং সেই বন্ধ প্রদান প্রচারত কলে। দিয় যা সৰেও টায়া কৰাৰ কৰাৰ আগনায় ষামার কাম মেহিক হল। এটিই আপন্যর করি কছত দীলা। আই আমি বৃধতে দারি বে, খাপুরের মায়া ছতি ভাৰত। জাপনাকে সমাভ প্ৰণাম।"

"হে ভাষাৰ, বৰিও আপনি এই কণ্ড কল্পতা পৃথি विके के जनप्रकार्व (चटक मण्यूनीव्या पुष्क करा की সমস্ত কার্যকার্যার করা আগনি করণত প্রভাবিত হল না, ভবুও বা কালনার ছারাই দল্পানিত ইতেছে বাল শ্রীভৱশ্রম এবং ঠার অন্তর্গক পার্যদের এই এবং । শ্বীকৃত হয়। ভারে আন্তর্গ হবরে কিছু নেই, করেব ভগৰানের ত্তুত করেন—"আমলা সমস্ত ধরের উৎস্থাপনার অভিস্থা প্রকিস্থ প্রকাশে আগনি হচ্ছেন नर्वकारानाः नदय कारणः। चीत्रकी समञ्ज करर्वतः कारणः বলিও আপুনি সর্বাবন্ধ থেকেই কডা। এইভাবে স্থানক উপপত্তি কংগ্ৰে পান্নি বে, আপনার অভিন্য প্রভিন্ন ব্যবাই সংক্রিছ সংখ্যতিত ছচ্ছে। কমাতে মৃতিয়েন ক্রজনেরাশী বিষয়াস্ত মানুবের ভয়বর মৃত্যুকে দেখেও লেখে নাঃ হৈতে, কথা সমস্ত বেদ অপকরণ করে কয়তকে নিয়ে रिर्मिश, उस्के कारका एउटीय-पृति शब्दे करत (पर উদ্ধান-করেছিলেন এবং একা প্রথমন করলে তিনি ঠাকে আ প্রদান করেরিংগন। সেই সত্যসংকল্প পর্বেশ্বর ভাগবানকে সমাভ প্রণাতি নিক্তের করি।"

হীল ওকাৰৰ গোৱাৰী ন্যালেন—"হে বাজন, काराम नृतिरहास्य स्थित्यं कराहम कराम। चार्यः गाउ (খ্রীমন্ত্রাপনকের সন্তম করে) করি করে কিন্তানে প্রচুল এবং পার্শনিকেরা নিন্দিতভাবে জাগেন থে, এই জড় জনং সহারাজের জন্য নৃদিংই মৃতিতে ভর্তনে আহিচ্ছ

ছরেছিলের। মাধাপুকরদের সমস্ত করতাবার আগতি প্রচুমি মহাবাদ হচ্ছেই ভগবানের শ্রেষ্ঠ গুলু। তাঁর চরিত্র এবং कार्यकताल क्षेत्र करान्य मध्या रेसकारमय क्षेत्राय करवहिन । ভাগৰান নৃসিংহদেও উরে জতার প্রিয়। জাই প্রযুজ মহারাক ভাঁড় সমস্ত্র পর্যের এবং ইরিবর্ববাসীলো নিয়ে নিম্পিকিত যন্ত্ৰ আগেত ভাষা ভগৰান নুনিংছদেবের অধ্যয়ের কারের। সমস্ত ভেজের উৎস ভাগরের বৃশিংসংগঠক আমি আয়ার সপ্রছ লগতি নিকেন করি। কে ভগবান चाननंत नद व्यवर फरनमात्र प्रस वर्रकार घटठा, पर्या करते ধ্বাপনি ভাষানের সমস্ত আস্থাক কর্মবাসনার বিনাশ করন। শব্ধ করে আপনি আমাদের বলতে আবির্ভত হয়ে, আলাদের সমন্ত জন্মান মূর করুল বাতে আপনার কলার আমরা জীকা-সভ্যাতে নিভীক মতে পারি। শার স্বাপ্তের ফাল হোক: বল ব্যক্তিরা অনুকৃষ হোক। সমস্ত জীবোর ভারিকোর অনুশীসনের করে, পরস্পাধের মঙ্গল চিজা করে দার হোক। ভাই আমরা কেন অধ্যেক্তর ভাগনা শ্রীকৃত্যের উপ্তার মধ্য হত্তে সর্বদা উদ্ধ মেবার হক্ত থাকতে পরি।"

"হে ভগবান, আমরা প্রার্থব্য করি ফো পুরু, স্তী, পুরু, বিশ্ব, আপ্তীর-শ্বজন প্রান্ত বন্ধু-ব্যৱস্থ সময়িত সংসারস্কাপ কাঞ্চলাকের প্রতি কেন কখনত আসন্তি অনুভাষ না করি : ৰমি আগক্তি থাকে, ভাহলে তা কেন ভগবং-প্ৰিয় কভাৰের প্রতিই উমিত হয়। প্রকৃতগাকে বিনি আরু-एकविर क्या विभि केंद्र बनाक गरक काउरका, छिनि কেবলমার প্রাণ গারণের উপরোগী বস্তু নিরেই সভাই থাকো ৷- এই প্ৰকাৰ ব্যক্তি অচিৱেই কৃষ্ণপ্ৰতিৰ মাৰ্গে উহতি সাত্ৰ করেন কিন্তু অনেরা, হলে জন্ত বিহালে প্রতি অতার ভাসন্ত, ভামের গতে ভা অভার বঠিন। বাঁদের ভাছে ভগবান মূলনাই হচ্ছেন সহ, উানের সঙ প্রভাবে ভগবাঢ়ের বীর্যবতী কার্যকগাগ্রেসর করা পোলা হার এবং ব্যেকা হার। মুক্তবের কার্যকলাল এমনট বার্ববর্তী। থে, ডা কেবল প্রবণ কথা ফলেই ওংক্লাৎ ভগখানের সুস্ কর ভার। বে ব্যক্তি নির্মান কভারে আগ্রাহর সমে ক্ষপালের বীর্যবন্তী কার্যকল্যগের কর্মির প্রথম করেন, শব্দরালৈ পরমেশ্বর ভববান জীয় হলতে হাবেশ করে মান্তবের সমার মল পুর করেন। গালার ভানের কলে র্যসিও সেহের মল এবং প্রোল মুর হর, কিন্তু সেটি সম্ভব

इव कीर्वकाल धरत बातनात जा त्मावन कतात करने। एउटे জীবনতে সার্থক করার জন্য কোন বৃদ্ধিসাম ব্যক্তি ছগরপ্রান্তের সভ করবেন লাং বিনি ভগবান অস্থাদেবর প্রতি শুদ্ধ দক্ষি পর্য করেছেন, উল পরীরে সমস্থ কেবতা এবং তালের ধর্ম, জান, নৈবাণ্য ইত্যাদি সমস্ত সমস্তব বিরাক্ত করে। পঞ্চান্তরে, ফারা অভিবিহীন এবং এড-জ্বপত্তিক কাৰ্যকলালে লিগু, ভাষের মধ্যে কেনে সমগ্রন নেউ। তারা বোগ অভ্যানে পারালী হতে পারে **অ**থক সম্বভাবে ভাষের আর্থার-মঞ্চনচের ভরণ-গোধন করতে লারে, কিছু ভারা অবশ্যই মনোধর্মের দার পরিচালিত হতে অসৎ কৃতিবিধার ধাবিত হয় এবং হায়ার দাসভ करते। 'कारपड मध्या मध्य कायन महायन दक्तपाद १ জনত প্রাণী বেমন বিশাল জলাপতে থাকতে চাতে, ভেম্মই জীব স্বাভাবিকভাবেই প্রমোর ভগবানের মহান অস্ত্রিতে বাকর ধানন করে। ভাই জড়-মার্লান্ডক কিন্তে অত্যন্ত মহৎ ব্যক্তিও ধনি পরমান্ত্র ভগবানকে পরিভাগে করে পুরুষ প্রতি জাগন্ত হয়, তাহলে তার মহন্ত পুরুষণি নীচ জাতিতেও স্থী-পুরুবের মধ্যে কেবলমার বরণ কর যে মহার মিকাশিত হয়, ঠিক সেই রকম। যারা বিবরী কীবনের গুড়ি অভ্যন্ত আসন্ত, তাজ সমস্ত আখ্যাদ্বিক ওপ হারিকে কেলে। অতথ্য হে অনুবরণ, গৃহত্ব ভীবনের ভবাকথিত সুধ পরিত্যাপ করে নিজীকতাব চক্তা আন্তর জীনুসিংহদেকে জীপাদপয়ের দরণ প্রথণ কর। পৃথক্ত জীবনের প্রতি আসন্তিই রাপ, নিষয়ন্তবল, विश्वास, ट्यानक्ष, प्रश्नास, श्रम, श्रम, श्रम्भ क्रिक्त मुख्य क्रान्त्वन, याद বল হতেই ক্ষত্ৰ-মতার সংস্কৃত চরণ।"

শ্রীল গুকুদের গোখামী ফালেন—"ফেডুমালবর্ষে ভবরন শ্রীবিষ্ণ কেবল তার ভারতের সন্তুষ্টি বিধানের ক্ষন্য কার্যদের রূপে বিরাজয়ান। তার সেই ভারতার मरश्च ब्राहरूक मन्त्रीराची, शकानकि मरवरमह असर সংক্রের পুত্র ও কন্যাগণ। প্রক্রেক্তির কল্যার হতেব वाजित व्यक्षिकी अवर फेल शहरका बिहन्स व्यक्षिकान। প্রকাপতির সন্তানদের সংখ্যা ছতিব হাজার। ভারা शास्त्रक कारकारका (अवन कारवर) शालिए मिन कर शांकिक निकास । अध्यक्षाता श्रासानारिक कन्यांका प्रत्यवानक অভান্ত জেনতির্মান চক্র দর্শন করে উদিপ্ত হওয়ার কলে ভালের সকলের বর্তপাত হয়। তেতমালকর্বে ভারতন

ক্ষয়দেও (প্রশ্নর) খাতার সুললিত গতিবিদান এবং সুলং प्रमुखन्त वागास्य करामान्य बीला अवस्थान्ति ज्ञानुस्त ইবং উত্তর বারে তার কার-কমলের শেহরর বারা লক্ষ্মীরকীর আনক বিধান করেন। এইভাবে তিনি ওঁচ मार्जी प्राचित्रक कारणत विवासात्त्र जिल्ला स्थितिहरू দেবঙা প্রজাপতির পুরদের সঙ্গে মিলির হরে এবং প্রান্ত ধারিক অধিকারী কেনী প্রভাপতি-কন্যানের সক্তে মিলিত হরে ভগবালের প্রম কৃশারত কণ কাম্চত্তা আরাধনা করেন। ভগবন্ধতিতে পূর্ণকলে মধ হয়ে লাদ্ধীদেরী নিছলিবিও মহাওলি উজারণ করেন। আমন সময় ইপ্রিকের নিয়ন্ত এক সর্বাস্থ্য উত্য ভাষাক সুবীক্ষেত্রত আহেও সম্রন্ধ প্রণতি মিংকান করি। সেতু কা এবং ভগ্নতপর ইরে অনুপোচনা করেন। তাই কোন কর বৃদ্ধির সমস্ক জার্মনাপের তিনিই হাজন গরম অধিনতি। উদেশ্যু নিয়ে আগনার জীলাসপত্তের অনামন করা উচ্চিত্ত তাদের সমস্ত কর্মেকলাগের তিনিই হজেন একমাত্র নার। যে পরম অজিত ভাগনানঃ রক্ষা, নিব এবং ভোজা। পক্ষতভার এবং কাসহ একাশ ইবির তাঁওই। অনান্য সুর ৬ অসুরের কমা ইবিরস্থ ভোগের চিবার আংশিক প্রকাশ। তিনি জীবনের সমস্ত জাকন্তকতার্থান। ভয় হণ, তথন তানে জনার বর পাত করার ভানা কঠোর পূর্ব করেন, আ উন্ধ শক্তি হওয়ার কলে উন্ধ খেকে। তপন্য করেন। কিন্তু আপনার শ্রীপালপায়ের সেবার অভিন্ন। তিনি সকলের শৈহিত এবং ক্লমিক শটিন। সর্বতোজনে বৃক্ত নি হলে, আনি কাউকেই চুলা কৰি काल, से केर (बंदन करिया। इंकरशंदक टिन्स्ट्रे स्ट्राइन সমত জীবের পরম গতি এবং তিনিই আনের সমত আগনাকে সর্বন্য আগনা জনতে বরণ করি, তাই হস্ত कारमाञ्चावनि मूर्व करता। अवस्य तरामा केंग्रिम राज्य वारीत क्षेत्र कार्द्रिक साथि क्ष्मा कराव मारि मा। एव উদ্ধ আরাক্তর করা। ভাই জমরা ঠার প্রতি সামানের ग**ाक प्र**पति निरंपन कडि। किमि देशलारक क्रवर পরক্রেকে সর্বাদ খায়দের হণ্ডি অনুকৃষ হোনা

°হে ভাগবান, আগনি সুস্পুৰ্ণকৰে সভাত ইন্সিয়ের অধীনা। ভাই ৰে সম্ভ রমনীরা ভাগের ইপ্রিবভৃত্রির ক্ষন্য পতি কামনা কৰে নিষ্ঠা সহকালে এত পালন কৰে, ভারা অবশ্যই মোধাছর। ভারা লাবে না বে, সেই থকার পতি ভাষের অথবা ভাষের সভ্তম-সভ্তিবের মাৰ্শতপক্ষে কৃষ্ণ কাতে পাৰে না। এমনকৈ ভাৱা ভাগের নিজেনের বন অধন্য অনুধ্র কুলা করতে পাতে না, করণ তারা নিজেবাই কাল, কর্ম এবং ওচনর অধীন। কিছ এই কাল, কর্ম এবং ওপ আগনার অধীন। বিনি করনত ভীত হল না, পজালাধ বিনি সময় প্ৰয়াৰ্থ ব্যক্তিয়ের পূৰ্ণজনে অন্তৰ্য প্ৰদান কৰেও পাৰেন, ডিনিই কেবল পত্তি ध्यस्य त्राचक रूप्ड भारतस्य छहि हा क्षत्रसम्य चार्यान्ये

ইক্ষের একমার পতি এবং আন তেওঁ সেই পুল দাবি ক্ষতে গাতে মা। অংশনি যদি একচার পতি মা হন, তা হলে আপদি জনামের তারে তীর হতেন। তাই বঁনা বৈদিক ভক্তমান সম্ভিত, জীবা কেবল আসনকেট নিজের দিবা ই প্রিয়ের আনক উপজেগে করেন। সকলের পতি বলৈ করেন করে করেন করেন করেন হে আপনার থেকে শ্রেষ্ট পঠি বা বক্তক আন কেউ उस्ट भारत ना;"

"হৈ ভগবাস, যে রহনী বিশুদ্ধ হৈছে জালনায় শ্ৰীপাদপায়ের জারাধনা করেন, ব্যাপনি স্বভাগরুর্তভাবে कीत नमत सकत वृर्व कहार। जस्य स्व हमती समा কোন অভিযান নিয়ে আগনার আরখন করেন, আগনি चक्रियाँ कार समान पूर्व करवन, किन्द्र इन्द्राप्त किन्न म् स रिमि कर प्रदेश राज म राज्यः (करापु चानि অচ্যত, আপনার করতথন সমন্ত আনীর্যাবের উৎস। তাই আপনায় গদ ককেবা সেই ককেবল্যের কবে करतन अवर जाननि कुनानुर्दक का जारका प्रदेशक कुन्न করেন। জৃপাপুর্বক আগনি আয়ার মন্তবেও সেই কাকজন ছাপন কৰা। খনিও আপনি ছৰ্পন্তেৰা চিত্ৰজ্বল আবাকে আপন্যত্ন কৰম্বাকে ধাৰণ কৰেন তথ্ আহাত মানে ধা অপুনি কেবল অনাকে যাহে। আৰু প্ৰদৰ্শন কৰে। আপনর প্রকৃত কুণা আপনি আপনার অন্তর্জ ভারুখের ক্সন করেব, আমাকে বর। জাপনি প্রক্রেপর, মালমার উল্লেখ্য কেউই বুবলে পারে হা।"

द्दीम क्षकारम श्लाबादी कार्यन--"व्याकर्त्य, বেশানতার অধিপতি হঙ্গেন বৈশ্বত হল, সেপানে ভংবান পূৰ্বে (চাপুৰ মন্তব্যের করে) ইংসাকালে ক্ষতির্ভত হতেহিকে। বৈবছৰ হল একেও ওছ ভতি সহবারে নিমনিবিত মহাট রূপ করে ইংসা অবভাবের

জ্ঞান্তৰ কৰেন। অন্তি ওকসৰ সমূপ ভগবনকৈ আমার महाब हार्गिट जिल्हाम करिए किने शाम, यहा, धवान अवर ইপ্রিতের সামর্থেরে উৎস। সমস্ত অবতারদের মধ্যে ডিনিই প্রথম মহারংস্য ক্ষরতার রূপে আবির্ভত হয়েকো। স্থায়ি পুনরার উঠকে আমার সমাজ প্রগতি নিকোন করি हर क्षाचान, बाजीवन (क्साब 'सा मुख्याराज नामा अवर শক্তি কেন্তাৰে ভার পথীকে নিয়ন্ত্ৰণ কৰে, তেমনই আপনি গ্রাহ্মণ, করিল, পুরু, কৈন্যু, আধি নাম সম্বিত প্রপারতের प्रमुख बीन्द्रस्य निरुक्त करास्त्रः। यपित धाननि नत्रव স্থাকী এবং নির্দেষ্টারালে সকলের ফালে রয়েছেন, সেই স্থান আগনি আদের কাইকেও কারছেল, তকুও সমাজ, **লাই, দেশ ইত্যাদির অধান্যবিত সমস্ত দেতারা আপদাকে** বৰতে পাত্ৰে না। কোবল খাঁৱা বৈনিক সাত্ৰে পলভাক লাগৰ কৰেন, উপাই আপনাকে আনতে পাৰেন। হৈ ক্ষাবান, ক্লা আদি কেবভাবের খেকে ওক করে এই পৃথিবীয় জন্ম নহিক নেভাগ্ন পৰ্যন্ত সমস্ভ লোকপালের। আগরের আধিগতের প্রতি হাংসর্ব পরারণ। আপনার সহায় স্বতীত তাল কলোভাবে কৰল মিলিডভাবে এই হুয়াওের অসংখ্য জীঅধন্ত পালন করতে পালে না। সমন্ত্র হানবদের, পতদের, কৃষ্ণ, সঙ্গীদৃশ, পক্ষী, পাখ্যভ-পর্বত--ক্রী লাভ জগতে স্বা কিছু দেখতে পাওরা যাত্র, তাৰ সংক্ৰাই একখাত্ৰ পালক হাজেৰ স্বাপদি। হে नर्ग-किशन। नवत नज, रुव्धे अवर पुरस्त सावय-স্থাপ এই বস্থাল কৰা কৰাছে উভাগ ভালসমূদ প্ৰদাহ-ব্যবিতে নিমশ্ব হরেছিল, তথন আহাকে সহ এই পৃথিবীকে বারণ করে, আপনি প্রকাশ কেবে সমুদ্রে বিচাপ করেছিলেন। হে অন্ত, আগনি সমগ্র জগতের প্রকৃত निरस्य, क्षारे जाननि मध्य जीएक जावर। जान चानमाक च्हाराव जटक अन्ति निवयन कवि।"

बील ७करपथ श्लानाची बलालन—"विश्वश्रवदार्य क्रम्यान क्षीरिकु कुर्मनहीत कात्रप करत विदास करतन। विद्वयवस्तर्वतं व्यक्तिगठि व्यक्ति त्यदे वर्वशासी शुक्रवागर সলে ভগবানের দেই প্রিক্তম শ্রীমূর্তির উপাসনা করেন। देशा नितंत्रक और यद्धि क्य करतन। (ह क्षेत्र, कुर्यक्रम ধারণকারী আলনাকে আমার সঞ্জর প্রশাম। আলনি সমত দিল ওংগা উৎস এক সমস্ত ঋত প্রভাব থেকে সৰ্ব্যয়েকাৰে মৃক্ত জ্বলনি কল সক্ষয়। আলনি জলে।

বিচয়ণ করেন, কিছু জাপনার ছিতি কেউই লাখ্য করতে গাবে না। ভাই আগনাকে আমরে সম্রন্ধ প্রগতি নিকেন করি। আগনার ভিতর বিতির কর আপনি কঠাত. বর্তমান একং ভবিবাজের স্বাল সীমিত নন। আগনি স্থকিছত জালচ্চত্ৰণে স্বীয় বিবাধ্যম্য এবং ভাই আপ্রয়েক করবার ক্ষাবার সভাত প্রথমিক করি। हि संगदान, बारे गुन्तु सागर सागनात ज्ञानी गाउन অভিযাতি। এই প্রগতে যে অনুসীন বাল মরেছে ভা কেবল আপনাৰ বহিবল শতিবাই প্ৰদৰ্শন মাত্ৰ। এই বিহাটকাণ আপনার প্রকৃত ব্যাপ বর। চিতার চেত্ৰাসম্পন্ন আগনটো ভাকেরা ছাতা অন্য কেউই আপদার প্রকৃত রাগ দর্শন করতে পারে না। তাই আরি আপ্নাকে আমায় সভাত প্ৰণতি নিবেদন কৰি। ছে क्रमहरू। करावृत्त, क्रथक, (क्रमक अंश केंद्रिक शकृति চরাচর ঝীব, দেবতা, ববি, পিতৃ, ভত ও ইতির, क्युडीक, वर्ष, शृंधेवी, शर्वह, नरी, तमत, बीथ, हर अगर নক্ষ-এই সবই আগনাবই বিভিন্ন শক্তির প্রকাশ, কিন্ত আন্দ্রী এক এক অধিতীয়। ভাই আপনার অভীত আর विकृ (तरि)। और भागा साथर छारै जिल्हा नहीं, छा धार्यनात অচিক্ত শক্তির সাময়িক ককাশ। হে ভগকন, আপনার নামু ক্লণ এবং খন্তভৃতি জসংখ্য রহেণ প্রকাশিত খন। আপট তে কণ্ড কাৰে বিভাগ কৰেন ডা কেউই সঠিকভাবে নির্মান করতে পারে বা, ভবুও খাপনি কলিলমের রবে এই জনংকে চরিনটি তত্তে বিয়েবণ করেছেন। ভাই কেউ যদি সাংখ্য-দর্শন সমূহে আগ্রহী হন, যায় যায়া বিভিন্ন তথ্য নিমাণৰ ৰুৱা যায়, ডা হলে তীয় অবশ্য কর্তন্য হচ্ছে আপনায় কাছ খেকে খা ক্রমণ করা। দুর্ভাগাকরত অভক্রের জাগনার প্রকৃত লগ সৰতে থালে থেকে কেবল বিভিন্ন উপাধ্যমেটি গণনা করে। অংশনকে আমার স্থান প্রবর্ত নিবেমন করি।"

वीन छक्रमय जानामी बन्दनम—"(ह वाकन, অপ্রীপের উত্তরভাগে কুঞ্বর্বে ভগবান হলপুক্র বরাহরুগ প্রকট করে বিরাজ করছেন। সেখানে ককবৰবাসীদের সঙ্গে ধরণীদেবী অবিচলিও ছাক্তিয়োগে নিম্নলিখিত উপনিবদ মন্ত্ৰ ব্যৱংকার ভাগ করে জার আর্মনা করেন। হে ভগবান, বিবাটপুরুষ রূপে আমরা আপনাকে আমানের সহাত প্রথতি নিবেদন করি। কেবল মন্ত্র উচ্চেরেশের খারে আমরা আপবাকে পূর্ণকংশ স্কানতে লাবৰ। আপনি হল এবং আপনি এলঙ। ভাই সমস্ত যাল অন্তঃন আলনভাই চিম্মর মেহের থকা এবং আপনিই সমান্ত বজের ভোজে। আপনরে রূপ ওল্প সবুমর। আপুনি বিবৰ বাবে প্রিচিত কারণ কলিবংগ আপুনি श्वाभवात क्रम शक्ता उद्धा जनस्त्र करहत । वह नारमद আর একটি ভাষণ হচ্ছে আপনি বিহুগল ঐপর্যার্থনিষ্ট প্ৰথম অলেনি ইউন্বৰ্ধপূৰ্ণ 🖺

"মুক্তি-কবিয়া কালে কর্ম মহানের বাব্য কাঠাত্যারোপ্তিত অধিকে প্রকশিত কারে পারেন। তেমনই, হে কংগান, যাঁতা পর্যাক্তম সামাজে অবগত, উল্লে স্বাকিছতে আপনতে মূর্নন করাও চেটা করেন, এফনকি ভাষের নিজেবের পরীরেও। ভারত অপনি প্রজন্ম থাকেন। মানসিক অথবা দৈহিক পরেকে কর্মকলাপের বাবে আন্সাকে আমা বাব मा। कारत प्रानि प्रशःकला। रचन पानि हारका বে, কেটা সর্বান্তঃকারণে আপনার অংযাবন করছে, জনা भाग, न्यार्थ, इस्य क वह की समत देखियम्(थम । अपूर्व निरंत्यन क्षति।"

বিষয়, ইপ্রিয়ের কার্যকল্পে, ইপ্রিয়ের অধিকার ক্রেকা, পরীয়া, কাল এবং অহমার-এই সবই আক্লার নারা-पछि क्षता गृहे। फडेल-स्वरूपत कर्नेन्स्स बाह्य यीक्टर বৃদ্ধিবৃত্তি প্রির হয়েছে, উচ্চা কেন্সত পান বে, এই সমস্ত তৰ আলনার মাত্রা-শক্তির পরিনাম। উল্লেখনতিভূর পটভমিতে আপনার চিত্রৰ পরমান্ত্র জনাও ফর্মন করেন। হাই স্বাপনাতে বারবার সমস্ক প্রপতি নিবেশন করি। 🗷 ক্ষাধান, এই কড় ক্ষাতের সৃষ্টি, হিডি এবং সংহার আন্দান্ত বাঞ্চিত না, কিছু আপন্যৰ স্কনী শতিক বারা ক্ষ জীখনের জন্ম আগনি সেই কর্বে করেন। চুম্বকের প্রভাবে টোছবও বেভাবে গতিবলৈ হয়, ঠিক সেইভাবে প্রকৃতির প্রতি জ্বলনার দৃষ্টিপাতের কলে াই স্থাপং সক্রিব হয়। যে ভগরন, এই রক্ষাতে আদি ক্যাহরণে আপ্তা মল গৈতে বিলয়াকো সলে বস্তু করেছিলেন একে ভাবে সংহার করেছিলেন। ভাগপা, বলী কেয়াবে কল বেকে পদ্ম ভূলে কেলা করে, ঠিক সেইজনে জাপনি আগমি তার করে আগরর বরল প্রকাশ করেন। তাই আমাকে আগনার বলনাত্রে থাকা করে পার্কানক সমূত্র আমি আনুনাকে আহার সম্রন্ধ প্রণতি নিবেল করি। থেকে ইছার করেছিলেন। আমি আপন্যকে আমার



উনবিংশতি অধ্যায়

জমুদ্বীপের অতিরিক্ত বর্ণনা

কিম্পুক্তবাৰ্থে ভ্ৰমান সৰ্বা নেই বৰ্ণবাসীখন সহ, পশ্বশালন্ধ এবং দীজগতি শ্রীলমচক্রের প্রেমমনী সেবর বুক্ত। পদর্শনার সর্বান প্রিরণমান্তরের মহিমা কীর্তনে রও। সেই কীৰ্তন লব্ৰহ কলাগ্ৰহাটী। কিম্পুক্তবৰ্ষপতি আৰ্টিখেশ সহ হলুমান নিংকার অত্যন্ত মনোবোগ সহকারে সেই মহিষ্য মালে করেন। হনসাধ নির্মাণ্ডিত মন্ত্রচালি गान करतन। श्वादि शाभानद अञ्चला निवासक क्षमा अपन অপ করি। সংশ্রেষ্ট পরকলের যথে ত্রেষ্ট আপনকে ভক্তাগ্রস্থ রাজগদের কার উপানিত। হে প্রয় প্রত

শ্ৰীল ওকলের বোৰামী মাংকেন--"ছে রাজন, আমি আমার সম্রন্ধ প্রণতি নিখের করি। আপনি আর্থনের সমস্ত সংগ্রেপের উৎস। আপনার চরিত্র ও আচনে সর্বা অবিচাপ এবং অপনার ইন্সিয় ও চিত্ত সর্বাধ সংগত। একৰম সংগ্ৰহণ মনুহের মতো সভালে করে, আপনি আপনার আদর্শ চবিত্র প্রদর্শন করে সকলকে শিক্ষা দেন কিলাৰে আচকা কল্ল কঠাও। নিকৰ পাণাৰে কেবল কর্মের হাকা পরীক্ষা হয়, কিছু আপুনি এমনই স্পাৰ্শমণি বাতে সমস্ত উত্তম ওপো কটিকা হয়। আগনি

হে রক্ষেধিক্তক, জানি আপনাকে আমার প্রণতি নিকেন করি। বাঁর সচিজনন্দ বিগ্রহ জড় গ্রন্থের স্করা কলুবিত নত, সেই গুলালন্তে কড় চেতনরে থানটো হর্লন করা হার। বেশানে ওানে এক এবং অভিতান বলে কানা করা হ্যেছে। তার চিশ্বর শক্তির প্রভাবে তিনি জড় কণ্বের অতীত এবং থেহেছু তিনি আড় গৃতির বিষয় মন, ভাই ভিনি 'হত্যক' করাল। তিনি হারিক চেটা শূল এক তিনি অকৃত নাম ও মাল বিধর্মিত। কেবল ৫% চেক্তবাৰ বা কৃষ্ণক্ষেত্ৰনাম ক্ৰমবানের চিম্বার মাণ পর্ণান করা शह । एन्ड्रे सम्बन् क्रिक्कास्त्रात श्रीभागगर निवेत्त्रवर হরে, আমর তার চরণ-কমনে আমানের সমস্ক প্রণতি মিবেদৰ করি। রাক্ষসরাঞ্চ রাকা মানুধ ব্যতীত জন্য করেরা কা জিল না একা সেই জন্য ভগধান জীরানচাল ছনুষ্টকৰে অবতীৰ্ণ হয়েছিলেন। কিছু শ্ৰীরামচন্ত্রের উদ্দেদ্ধ কেবল রবণকে বৰ করাই ছিল না, ব্রীসন্ধ কে কং প্রকার করণ তা মর্ত্য ক্রীবদের লিকা দেওয়াও উর অবভাবের অন্যতর উদ্দেশ্য ছিল। তিনি বিশক্তা, গ্যানেশ্বর এবং তিনি স্থ-বর্ত্তাপ জানাদ উপজ্ঞান করেন। খার শেকনীয় কিছু দেই। অভএব তাঁর সীতাদেবীর বিবহন্ধনিত বুংগ কি করে হতে পারে। বেহেতু প্রীয়াফল্র হচ্ছের ভগবান বাসুগের, ভটে তিনি এই বিভূত্নের কোন কিছুর প্রতি আসক নন। সমত আছে-ভববিং হহাবাদের তিনি প্রিয়তন পরসাধা একং অধ্যাস मूलर। दिनि नर्व वीषरंभूवं। फाँद केन्द्र नरक गरीव বিরুচ্ছে পুরবিত হওয়া এবং তাঁম পালী ও কনির বাতা গুন্দুগকে ভ্যাগ করাও সঞ্জব নর। এই বুরের কেন একটিও ভাগে করা উল্ল গ্রেছ বাশ্র্ণজন্যে অসকুর। উচ্চকুলে ঋণা, সৌধর্য, আকৃচাতুরি, বৃদ্ধি বা জাতি, ইত্যাদির ছারা ভগরান জীরানচন্দ্রের সঙ্গে সখ্য ছাপন কর যার না। তার সঙ্গে সঙ্গ স্থাপন কররে জন্য এই সমস্ত কুণপুলির খাফেলুকতা হয় মা। আমরা অসক্ত কাচর, আমরা উচ্চপুলে ৰাদ্মহণ্ করিনি, আমানের দৈহিক দৌলৰ্ব নেই এবং আহন্ত সভা মানুৰের মতো ৰখা সমূতে পারি না, তবুও ডগখন হীরামান্ত আমাদের ওঁর मध्यकाल चार्ने कार काराइत । अध्यक्ष ताब, चामुझ, आनुव থাবনা গণ্ড-থাৰি প্ৰস্তৃতি বে কেউ হোক না কেন. সকলেরই কঠন ভগরান প্রীর্মেচন্দ্রের ভল-ত্র করা, বিনি

নববন্ধ এই পৃথিবীতে আবির্ভুত হবেছেন। তাব ভক্তনের জন্য বহু তগস্যার প্ররোজন হয় না, বনরণ তিনি তার ভক্তের করা সেবাতেই সন্তুট হন এবং ডিনি সন্তুট হ'লে ভাক্ত সার্থাক হ'ন। শ্রীবামন লা সমস্তু অধ্যোধ্যাক্ষরীকের কৈন্দুটো নিয়ে বিজেলেন।"

"ভারেনের মহিমা অটিরা। ভক্তদের কুণালুর্বক ধর্ম জ্ঞান, বৈরাধ্য, ঐথর্ব, ইক্সিক-লবেম ও নিরহভার শিক্ষা গম করমে মাগা তিনি ভারতবর্গে ববরিক্তর্ম নামত স্থানে আবিষ্ঠত হয়েখেন। তিনি চিত্ৰৰ ঐপৰ্যপূৰ্ণ এবং কলাত পৰ্বন্ত কলস্যায় মত। আঁই আৰ-উলন্সৰিয় পছা। সামৰ পঞ্চরাত্র নামক হাছে ভাগৰাদ নামন ভাতান্ত বিভারিতভাবে ক্লি করেছেন কিভাবে জাম একং কোশের ধারা খীবনের পরর রক্ষা ডড়ি সার করা আর। তিনি ভগবানের মহিমাও কলি করেছে।। কেবরি সালে এই চিমার রাজ্য বিষয়কত্ব সাবৰ্গি মনুকে উপদেশ নিয়েছিলেন, বাডে তিনি ক্তিম ধর্ম অনুষ্ঠানকারী ভারতবর্ষকাসীদের ভগবর্জন লাডের পছা গ্রহণ্টি করতে পারেন। এইজনে নারণমূদি स्थान्यवर्ववामीत्पत्र महाभ भवेश महामध्यक्षत्पत्र (मनाव चूल হরে নিয়লিবিত মন্ত্র কীর্তন করেন। সমস্ত কবিদের মধ্যে শ্রেষ্ঠ ভবর্নে মর-নারারগ্রে নমগ্রার। তিনি জিতেজিল, নিরহতার, নিজিকনের কা, শরমহংসদের ওক এক অধারামগণের অধিপতি। উরে শ্রীপাদপতে অধি ব্যবহার প্রগতি নিকোন করি। গেবর্বি নামে নিমলিণিড प्रथि कीर्जन करत नव-नाजवरभन बारवाधना करवन-"ভগরন এই মধ্যতো সৃষ্টি, পালন এক সংহারের কঠা, ভবও তিনি সর্বচ্যেভাবে কর্তভাতিমানশূর। **য**ণিও মূর্ব যানুকো মনে কলে ছে তিনি আন্সংসং মতে। একটি অড় শ্রীর ধানে করেছেন, কিন্তু ডিনি কুন্ত, কুকা এবং ফ্রান্টা দৈহিক ক্রেশের হাজ প্রভাবিত হল না। বলিও ডিনি সক্তিয়ে সাকী, কবুও সেই সমগ্র নিমরের ব্যব ভার ইপ্রির কল্বিড হয় না। সেই ক্ষারসক, ক্ষারতর সাকী, প্রয়েক্ত শ্রীভগবানকে আভি কারবার প্রশাস কবি। বে ভাবান হোগেশ্বর, আক্ষান্তব্যক্তিং ক্রকা (হিরণ্যসর্ভ) বে বোগের শহা বর্ণনা করেছিলেন, এট ভারই শুনহাসৃতি। মৃত্যুর সময় বোগীয়া আপনায় শ্রীপাদপতে তাঁলের চিত স্থাপন করে জাঁদের ঋত দেই তার্গ করেন। শেনিই ছাক্ বোগের পূর্ণতা ৷ বিষয়াসক বাজিরা সাধারণত অংশর

বর্তমান শারীর এবং ভবিষাৎ শারীরের স্থ-সাজ্যলের প্রতি অভান্ত আসক। ভাই ভারা সর্বদা ভারের পর্ভী সম্ভান तमार अत-जाम्भरमञ् विचार नर्दमा यथ भारक तावर प्रका-মত্রে পূর্ণ শরীবটি ভালে করার ব্যাপারে অভার বীত হয় : কিছু কৃষ্ণতাকাখ্যতের অনুশীয়নকামী ব্যক্তিও যদি ভাষের মতো মত্যভৱে ভীত হন, তা হলে শস্ত্র অবরেন করে कि शास्त्र । यह राज्यम नगरहराँदे जानस्तर शास्त्र । साम्बद्धाः **८६ करशक्त स्थायत, महा करह जानी कामास्य** ভজিবোৰ সম্পাদন কৰাৰ দক্তি দিন, কাতে ভৱেৱা আমদের অন্তির করকে সংবঠ করে আপনার চিত্রর আ ভিত্ত করতে পারি। আমহা আপনার বারার হারা तकारिक, खाँदै काभक्ष मन-मृत्रभूष और *(सरका करि बा*र এই দেহের সমে সম্পর্কিত হা কিছু সেই সারের প্রতি অভ্যন্ত আগভা। ভাগবন্ধতি বাতীত এই আগভি ভাগ কথাৰ ব্যৱহ কোন উপায় নেই। অভএৰ দল্ল করে আপনি আয়াকের এই বর দান করন।"

"कारकरार्व देनावकशार्वक माला का भर्वक जार नहीं । রয়েছে। মধ্যা, ফালপ্রস্থ, মৈনাক ভিকৃষ্ট, করত, কৃটক, কোৰ, মহ, মেৰ্কাৰি, বৰামুক, শ্ৰীশৈল, কেন্ট্ৰ, মহেন্দ্ৰ, বারিধার, বিদ্ধা, শুক্তিমান, ঋক্ষমিরি, পারিধার, জেশ, চিত্ৰভট, সোহৰ্যন, বৈবতক, কড়ভ, নীল, গেংকাশ্ৰ, ইন্দ্ৰকীল কামনিরি মানি শত-সংগ্ৰ পৰ্বত ব্যৱহে একা कारमञ्ज्ञ जान्द्रसम्ब (शरक छैशनंद्र कामरब) यम नेमी ४८४एए। ভালের মধ্যে রক্ষণ্ড ও লোগ—এই দুটি নদ কবং ठल्लथना, छाळनची, **च**वळाता, क्लधाना, विशासनी, কাৰেয়ী, কেনী, পরান্তিনী, শর্কসাকর্তা, ভাগভাগ, কুমাবেশ্যা, র্তীমরখী, লোলকরী মির্বিছ্য, পরোজী, তালী, বেন, সুবুসা, মর্মল, চর্ম্বতী, মহানদী, খেদস্থতি, পবিকৃষ্ণা, বিসাম, ভৌশিকী, হলাট্নী সমুনা, সরস্বতী, দৃহৰতী, গোহতী, সরহ, রেমস্বডী, সপ্তরতী, সুরেকা, শতক্র, **5%काना, मतन्त्रा, विल्ला, धर्मिक्री, दिश**—এই नमई মহানদীই প্রধান। ভারতবাসীরে এই সমত নদী প্রবশ করার কলে পবিশ্র। রুখনও কগনও তারা এই শমস্ত নদীর নাম মন্তুদর্শে উজালে করেন এবং করনও কবনও ভারা সেই নবীর কল স্পর্শ করে ভাতে ক্রম করেন। এইডাবে ভারতবাসীরা পবিত্র হলঃ এই বর্ষে সারা ক্ষাপ্রহণ করে ভারা সন্তু, রক্ষ এবং ভাষোভাগে ভাষের

कर अनुमाल रेसरी, मानुदी स मानुकी छाउटि नाना असार পতি লাভ করে। কারণ ভারতবর্ষে মানুষ রিক ভার পূর্বকৃত্ত কর্ম জনুসারে জনগ্রহণ করে। তেওঁ যদি সদশুকর ছার) ভার শিভি সহছে অবসত হয়ে, বৈশ্ববস্থাৰে লিকা লাভ করার মাধ্যমে বৰ্ণানাম-ধর্ম অনুসারে ভাগান প্রীথিয়ক শেবার বৃক্ত হর, আ হলে एत कीका मार्थक रहा। कर कर करफार वड वृक्षकर्मन কল বধন পরিপঞ্জ হয়, তারন এক তাতের সম করাই (मेरिकाना मार्थ हत। जाना श्रवाद मध्यम कार्यत कार्य অবিদার যে বছন, ভবন সে জ জেন করতে সক্ষ হয়। ৬% ভক্তের সঙ্গ প্রভাবে সর্বভক্তের আছা, জাসন্তি রহিত, মা ও ব্যক্তের অধ্যেত্তর এক সম্পর্করণে কড়া ভগবান বাস্থাৰে ভক্তি গাত হয়। স্বস্থাৰের ভবি এই (प्राथको त्यवा वा चलिएचान्द्रे एएक इतिक द्रकृष्ट मथ। বেহেত মন্বাজন্ম আৰ-উপল্ডির সর্বনেট উপার, তাই श्चर्या (मनकार) बराज-न्यास, धरै जानकार्य बन्धारन করেছেন যে মানুষেরা, তারা নিশ্চাই মন্ত পুশাকনক খণস্য করেছেন, অথবা কলবান নিশ্চরট ঠালের প্রতি অত্যন্ত প্রদার হয়েছেন। জা বা হলে, কিভাবে ভারা এমনভাবে ভববস্থাভিতে বৃক্ত হাছেবেই আমরা ভাগন্ততি সম্পাদনের কৌভাগা লাভের করা ভারতবর্বে प्रमुशक्षण लाह कराठ हाहै, चार वह प्रामुखरा ইতিমধেষ্টি সেই সৌঞালা লাভ করেছেন 🖺

দেবতারা বৈগদেশ— দুবর বন্ধা, কঠোর তপান্যা, এওঁ ও বানাধির কলে আমনা কর্ম কাক করেছি, কিন্তু তাতে কি কল করে হল। প্রধানে আমনা ইন্দিরসূব ভোগে প্রকলভাবে কিন্তু হবার কলে, ভগবান শ্রীনাহারদের শ্রীপালগর কলাছি অনুধ করেছে বারি। তকুতপাশ্রে, আভাবিক ইন্দ্রিয়াকুর ভোগেন্ড করেছে বারি। তকুতপাশ্রে, আভাবিক ইন্দ্রিয়াকুর ভোগেন্ড করেছে করেছে ইন্দ্রিয়াকুর ভোগেন্ড করেছে আমনা করিছে করেছে করিছে করেছে করিছে করেছে করিছে করেছে করিছে করেছে আমার লাভ করেছে করেছের, করেছ প্রকলকে উনিতি হলেও আমার করিছে করেছের করেছের আরু করেছ হলেও প্রধানে ভারতারের শ্রীপালগতে করিছের আরু করেছ হলেও প্রধানে ভারতারের শ্রীপালগতে করিছের মানারে সর্বোচ্চ করিছের, পূর্ণ করান্তরিক লাভ করার মানারে সর্বোচ্চ বিভিন্ন সংগ্রা করার। এইভাবে কলা-মৃত্যুর আনীতি

বৈকৃষ্ঠলোকে অভয়পৰ প্ৰস্তু হওয়া মাছ। বে ছানে ভগরনের কথ্যের অনুচের থকা প্রবৃতিত হয় না, বে স্থানে সেইজন পৰিব নানি তটে আনিত চক-ভাগৰতদের অধিষ্ঠান নেই, বে স্থানে ভগবানের সন্তাষ্টি বিবানের জন্য নৃত্য-বীত ইত্যাদি মধ্যেৎসৰ সহকারে সংকীৰ্তম বন্ধ বৃদ না, (বেহেডু এই বুণে সংকীৰ্তন খন্ধ অনুষ্ঠানের নির্দেশ বিলেকজনে সেওয়া হরেছে) সেই স্থান মুখালের হলেও প্রশৃত বৃদ্ধিয়ন ব্যক্তি কণ্ডণ সেই স্থান पर्वाचेत्र क्यादान ना।"

"ভারতবর্গ ভগবছাটি সম্পাদনের উপযুক্ত স্থান ও পরিবেশ প্রদান করে, জার কলে মানুব আন এবং কর্মের বন্ধন বেকে মৃক্ত হতে বাবে। যদি কেউ সংকীৰ্তন বন্ধ খন্ট্র করার জন্য ভারতবর্ষে নির্মণ ইভিত্র সমন্বিত্ত মন্বলেই বাভ করা সংখ্য সেই স্বোগের সন্থাকার না করে, ভা হলে ভার অবস্থা ঠিক করের পণ্ড-গান্সীর মড়ো, অসাক্ষান্তা ক্লন্ত বারা পুনরায় বাধ কর্তৃক ক্ষ্মী ছয়। ভারতবর্ষে কা কেবড়া-উপাসক রয়েছেন। ইঞ্জ, চল্ল, সূৰ্ব আদি সমস্ত কেবচারা পৃথকভাবে উপাসিত হলেও ভারা ভগরতেও খারা নিবক হারিখনীল সমস্ত কর্মচারী। সেই সমস্ত উপাসকেরা দেবতাগণকে ভগৰতের বিভিন্ন অলেকাণে কেনে তালের উদ্দেশ্যে আকৃতি প্রদান করেন। ভাই ভগবান সেই সমস্ত নৈবেদ। এলু করেন এবং উপাসকলের জননা পূর্ণ করে বীরে বীরে ভগবেরভিন্ন জনে উর্জীত করেন। ভগবান কেন্ডেড পূর্ব, উমা ভিত্তর পরীয়ের অপেয়ারের পূজা করপেও, ঠানের অভীষ্ট কা প্রদান করেন। যে ভত প্রভ বাসনা

নিয়ে ভগকানের কাছে আন, ভগবান তাঁর সেই সমত খ্যানা পূর্ব করেন, কিছু যে বাসবা খেকে পুনং পুনং বাসনৰে উদর হয়, সেই বাসনা তিনি পূর্ণ করেন না। কিন্তু ভণ্ড জাঁৱ প্ৰীপাদগৰের অভিনাম না করকেও ভগতন বহুং ঠার ভক্তকে প্রিপাদপক্ষের আশ্রর প্রদান করেন এবং সেই আন্তর উল্লেখনত বাসনা পূর্ব করে। व्हरिष्टे फायात्म्य विद्यात कर्णा। चामक निरम्पण्डा गाः त्यम प्रशास वारा पानास्त मध्कट्रमंत्र पानुकेल-पानिष्ठ পূপোর কলে একা কর্মলোকে জন করছি। কিন্তু, একনিন এখানে আমাদের জীবন শেষ হয়ে বাবে। ভাই খ্যামরা প্রার্থনে করি কে, বলি আবাদের পুণ্যের কিছুমর অবলিষ্ট থাকে, ভাৰ কলে যেন আমৰা ভাৰতকৰে ভরবানের শ্রীপালক শাস্ত্র করার উপযোগী মানবন্ধর লাভ করতে পারি। ভগবাস কৃপাপুর্বক স্বরং সেই ভারতবর্তে আনির্ভুত হয়ে, সেই ধর্ণবাসীদের কল্যাণ বিভার করেন।"

শ্রীল প্রকলের গোস্বামী কললেন—"হে রাজন, ফোন ক্ষেন পভিতের মতে অত্বিশের আটটে উপবীপ সমেছে। মহার্যক্ত সপরের প্রেরা ববন তালের হারিরে বাধরা অধ্যে অবেবণে পৃথিবীর চতুর্নিক খনন করেম, তথা ঐ আটটি দীলের সৃষ্টি হয়। সেই দীপওলির নাম সর্পাশ, জেওক অনের্ডন, রহণক, মন্দরহরিণ, গাঞ্চলন্য, সিংলে এবং লয়। হে ভারতোত্তম মহারাজ গরীকিং, জন্মীপেয় কবিভাগ সম্বন্ধে আমি কেন্দ্ৰে উপদেশ शाश्च स्टाइंस्ट्रांब, का एकामा बाद्ध व्यक्ति वर्गना करमाव ("



বিংশতি অধ্যায়

ব্রহ্মাণ্ডের গঠন বর্ণনা

মহর্ষি ওকাশের সোধামী কললেন—"এরপর আমি প্লক আদি ব্যক্তি বীপের পরিবাশ, লক্ষণ এবং আকার क्षेत्र क्वर ("

ীসুৰেক পৰ্যন্ত জন্মীৰ বাবে পৰিবেটিত, **জ**মুখীৰ স্বৰ সমূত্ৰ ছাত্ৰা পথিবেষ্টিত। আত্ৰীপেত্ৰ বিকার ১,০০,০০০ (বামন (৮,০০,০০০ মহিল) এবং লবর্ণ

সমূপ্রের বিস্থানিও সেই পরিমাণ। দুর্গের চ্যুড্গার্মার পরিবা বেমন কবনও কবনও উপবদের হারা পরিবেটিত থাকে, তেমনই জন্মীগকে বেউনকারী লকা সমূহ প্রকরীণ বাল্য পরিবেষ্টিত। প্রকরীপের বিস্তার লক্ষ সমূত্রেক দিওপ, অর্থাৎ ২,০০,০০০ হোঞ্চন (১৯,০০,০০০ মহিল)। প্রকর্মণে বর্ণের মড়ো উচ্ছল একটি প্ৰক বৃক্ষ কৰেছে এবং আ কছবীংশৰ ভাষ্ববৃদ্ধে । বৃষ্ণটিৰ মন্তেই ১০০ ছোৱাৰ (৮০০ মাইল) বিস্তুত এবং মধ্যে উক্ত। সেই বুকের মূলে সাতটি শিখা সময়িত। আধন সমেছে। এই প্লক ব্যক্তি নাম অনুসায়ে এই ব্যক্ত হৈ সেই বিশাল কম্মীতে পাৰ্কাল্ডক গরুত বাস দীপের প্রকাশীপ লাফরণ হয়েছে। প্রকাশীপের অধিপতি। इत्यान महोताक विश्वेदरका शुद्ध देशहर्षित्। हिनि और जन कदान। प्रशासक विश्वेदरका शुद्ध सम्बद्ध भागानी-দ্বীপকে তার সাতটি পুরের নাম অনুসারে স্রভটি বর্ষে দ্বীপের অধিপতি। তিনি সেই দ্বীপটকে সাভটি ধর্মে বিভাগ করেন এক একটি বর্ষ এক-একটি পুত্রকে। ভাগ করে উরু সাত পুত্রকে প্রদান করেছেন। ভার সাত দান করেন। তারণার তিনি ভাগবর্য়াক্ততে যুক্ত হওয়ের । পুরের নরে অনুসারে সেই বর্গগুলির নাম—সুরোচন, ধন্য সংস্থা-জীকা থেকে অবসর প্রহণ করেন। শিব, সৌহনস্য, রমণক, দেববর্ব, পরিভার, আপ্যায়ক এবং वका, जुड्ड, नाह, एकव, चारूठ अवर चाउर—और जुड भूरतक भार कान्तारक मारुपि वर्रात सामकान एरएए। प्रकृत, भूत्रात तक भारतकारि सामक मारुपि भूगीड েই সংগ্ৰট কৰ্ম স্বাভট পৰ্বত এবং সাভটি নদী বয়েছে। বয়েছে। সেখালে অনুসভি, সিনীবালী, সমুস্বতী, কুছ, পর্বতওলির নাম মণিকুট, ব্যাকৃত, ইন্ত্রেমে, জ্যোভিযুদ্ধ, जुनर्प, हिल्लाकीय 👁 (स्थानान असर जारुकि नदीय नाम ক্ষুপ্ত, দুখুণা, আনিবুসী, সুহবিত্রী, সুপ্রচাতা, ক্ষুত্রারা ও সভান্তর। সেই নদীর জন শর্প ও লান করার কলে ভংকশাং ৰাজ কানুৰ খেকে মুক্ত মুখ্যা বার এবং খংস, शरक, फेक्श्रंबन के ज़रहाक नामक हातरि वर्ट्स यानुव योख প্লাম্পীপে বাস করেন, ওঁলা এইভাবে তানের কলুব থেকে मुक्त - भा । *द*नवानकार धावितानीयात कार्य अरू शासात বছর ৷ জীনা দেবভাবের মতে সুন্দা এবং ভারের স্থান উৎলাদদের প্রকারও দেবতহুদা মডো। তারা থেনেকে কর্মমার্ল অবলখনপূর্বক, সূর্যজনী কানানের আল্লখনা করে সূর্যজ্যকরূপ কর্ব প্রাপ্ত হব। (এই মহের দারা প্রক বীপবারীরা ভগবারের উপাসনা করেন—) আমরা मुर्देशस्त्रका नंत्रभ क्रष्ट्रन कवि, विनि गृतान भूकन, मर्दरानी क्षत्रम श्रीतिका श्रुविध-प्राप्तन । बीदिक्षे प्रक्रमाञ আরাণ্য গুলকা। তিনি কো, তিনি ধর্ম এবং তিনি সমত তত ও অভন কলের আঁথটাত।"

াহে রাজন, প্রক্ষ আমি পাঁচটি বীপের অধিবাসীবের আৰু, ইপ্ৰিয়ের কৰু, হৈছিত ও মার্নানক শক্তি, বৃদ্ধি এবং

্বিক্রম সকলেইে সম্প। প্রস্করীপ নিজের সমান বিহুত ইফুরস-সমুদ্রের ভারা পরিবেম্ভিত, তেমনই প্রকর্তীপের দিওগ (৪,০০,০০০ ব্যেচন শা কং,০০,০০০ মাইল) সম্প্রতীর্বাপ কমান বিস্তার সম্বিত সুয়াসাগর ছারা পরিবত। সাক্ষরীয়াগে একটি সাক্ষরী বৃক্ষ ইরেছে, যার থেকে সেই বীপটির নামকলে হয়েছে। সেই বৃক্ষটি প্লক ১,১০০ ব্যোলন (৮.৮০০ মাইল) উপতঃ পণ্ডিতেরা করেন। সেখানে তিনি বেদমন্ত্রের ভারা ফলবান বিষ্ণা व्यविकारः। त्यदे यद्वं चद्रम्, न्टन्म्, वायरम्य, कृत्र् বন্ধনী, কৰা এক প্ৰকা নামক সাভটি ক্ষীও প্ৰৱেছে। **(२०मि अध्यक्त वर्षमाम) अस्टिय्त, वीर्वयत, वर्षमा अस** देशकर नारम विच्यान और दर्गगानी शुक्रदश्च करताह विश्वा স্থাকরে করিম ধর্ম শাসন করে ভগবানের প্রকাশ সেয়ে মাহক চক্ৰদেৱকে উন্মেলা করেন। শোলালী-বীলবাদীয়া নির্মাণিত করের বাস চক্রমেরের করাধনা করেন-) নিত্তালয় এবং দেবতালের আন প্রদান করার উল্লেখ্যে চন্দ্ৰদেব জান বিভাগের স্বাল্লা শুক্ত ও কৃষ্ণ নামক সৃতি পাক্ষ মানকে নিতক্ত করেছেন। চন্তানের কঠেশর নিতান কর্তা এক তিনি সমত প্রভাগবাসীদের রাজা। তাই আমরা ভার কাছে প্রার্থনা করি, তিনি কো আন্নারের অধিগতি এবং প্ৰকাশন কৰে কৰেনঃ আহল উচ্চ আগাদেৰ সম্রম্ভ প্রথম্ভি নিকোন করি।"

"সুরা-সম্প্রের বহিত্যের কুনবীশ নামক আর একটি चित्र द्वाराह क्ष ४,००,००० (बाक्स (७८,००,००० মাইল) বিভুগ্ধ, কর্বাৎ সূরা-সমূরের বিশুগ বিস্তৃত। শাশালী দীপ কেন্দ্ৰ স্থা-সন্তের দ্বারা পরিবেট্টিড, ফুশবীপ বেজন ক্ত-সভূতের বান্ত থেটিত। এই সমুগ্রের বিস্তানত কুপৰীয়পান্ত সমান। কুপৰীয়েল একটি কুপস্তস্থ

আছে এক ভাব বেকেট এই দীপটির নামকরণ হয়েছে। **्रे** कृष्णक क्षणवर्त्तक देखात व्यवज्ञातस पावा निर्विध এক তা বিতীর স্বাচির ক্ষমণ। তার কোমণ এবং নিয় শিখার হারা সর্বনিক উত্তাসিত। হে রাজন, মহায়াক প্রিয়েরতের আর এক পুরা হিবপ্যবেকা এই গীপের অধিপতি। তিনি এই বীগটিকে সাতটি বৰ্ষে বিভাগ করে छोत्र माध शृहरमञ्ज छेराउधिकात मुद्रत असन करतन अवर ভারেশর স্বরুং ভগস্যার প্রবৃত্ত হন। হিরণাক্রভার স্কতটি शहरत माम---वन, यमुनाब, गएकि, नास्तिवस, सामावर, বিনিক্ত এবং বামদেব। সেই সাতটি বর্ষে চক্র, চড়ঃশুসং, ক্ষপিল, চিত্রকৃট, দেবানীক, উধ্বলোহা এবং প্রবিদ নামক मांकि नीमा निर्धातक शर्वह ब्राह्महा। म्याहान ब्रमकृताा. मधुक्ता, विश्वविष्यं, कन्टविष्यं, (भरगर्छ), चठ्याका असर মন্ত্ৰমালা নামক সাভাট নদীও লয়েছেঃ কুনলা, কোবিল, অভিবৃক্ত এবং কুলক মামে বিখ্যাত কুশৰীলবাসীয়া নেই সমস্ত নদীর খলে জন করে পবিত্র হতে, বৈদিক শতের নির্দেশ অনুসারে কর্ম অনুষ্ঠান করতে অভ্যন্ত পার্যাশী। ষ্ঠার ঐভাবে অধিনের বলে ভগরানের উপাদন করে।। বেশ্বীপ্রাসীরা এই মানে বারা অধিবেরে উপাসনা করেন—) হে অভিনেষ, আপনি পরম পুরুষ ভগবান শ্রীইনির অস এবং আপনি যুক্তো সমস্ত হবি উন্ন করে বহন করে নিয়ে হলং৷ ভাই আমর আপনার করে প্রার্থনা করি, এই ইংজর সমস্ত আহতি বা আহর। দেবতাদের মাধ্যমে বজের পরম ভোজা ভারমেকে নিকেন কর্মী কয়া করে তা আগনি ভগকনের কাছে করন করে নিরে যান।"

"বৃত-সাগরের বাইরে নৌজ নামক তার একট বীপ বংহছে, বার বিভার ১৬,০০,০০০ চোজন (১,২৮,০০,০০০ মাইল), অর্থাৎ বৃত-সমুদ্রের বিভারের বিশেণ। ফুলবীপ কেন্দ্র বৃত্ত-সাগরের বারা পরিকেইত, কৌজবীপ তার সমান বিভার সমন্তিত জীম-সামরের বারা পরিকেটিত। কৌজবীপে কৌজ নামক একটি বিশাল পর্বও মরেছে, বা তেকে এই বীপাটির নামকরণ চ্যোছে। যদিও নৌজ পর্বতের ভটপ্রবেশের কৃত্ততলি ফার্টিকের তারের বারা বিকার হারেছিল, তব্ত সেই পর্বত চতুর্দিকার জাম-সমুদ্রের জলে অতিস্থিতিক হয়ে এবং বর্ষাকের কর্তৃক সুর্গজিত হয়ে ভয়েশুলা হয়েছে। এই বীপোর

অধিনতি খুডপুঠ নামক মহাকাল প্রিয়ন্তাতর আর এক পুৱা, বিনি ছিলেন অভ্যন্ত স্থানকল। এই স্বভগুষ্ঠ উচ্চ সাভ প্রের নাম অনুসারে সাতটি বর্ষ বিভাগ করে প্রত্যেক পরতে এক-একটি ইর্বের জাধিপতে। নিযুক্ত করেছিলেন এবং তিনি শ্বয়ং প্রহণ্ড-জীবন খেকে অবসর প্রহণ করে সমস্ত আত্মর আত্ম, সমস্ত কল্যাপকর গুণ সমষ্টিত ভাগবানের শ্রীপালপারের শরণাগত হয়েছিলেন। এইভাবে ডিনি সিভিলাভ কথেছিলেন। মহারয়ে। ক্তপ্তের প্রকের নাম ছিল আম, মধুরুর, মেবপুষ্ঠ, সধানা, বাজিষ্ঠ, লোহিডার্গ এবং কাশ্পতি। সেই দ্বীপে সাভটি বর্ষের সীফা নিধারণকারী সভেটি পর্যন্ত রয়েছে এবং সাতটি নদীও স্বরেছে। সেই পর্যতওলির দাম ওছ. বর্ধয়ন, ভোকন, উপবার্থণ, নাম, নামন এবং সর্বাহ্যতয়। সেই নবীওলিৰ নাম অভয়া, অমুভৌয়া, আৰ্যকা, তীর্থবতী, রালবতী, পরিব্রবতী এবং শুরু। ট্রেটাঞ্বীপের जिर्मितानीय गुक्क करु, स्विन अवः मनक-अरे छाउछि কর্বে বিভক্ত। ভারা সেই পরিছ নদীর ক্ষপ সেবা করে বাকেন। তার জনে অঞ্চলিপূর্ণ করে শুনবানের বলময় মূর্তি বক্তবের উপাসনা করেন। (ক্রৌকহীপের অধিবাদীরা এই মন্ত্রের হারা উপাসনা করেন---) হে নদীর কল, আপনি শরমেশর ভাগকমের শক্তি প্রাপ্ত হরেছেন। ভাই আগমি ভর্লোক, ভবর্লোক এবং মর্গোক পরিব करवन। चाननत करान्य पाता चाननि भान माथ करवन এবং ভাই আমধ্যে জাপনাকে স্পর্গ কবছি। মন্ত্রা করে আপনি আমাদের পবিত্র করতে থাকুন।"

"কীর-সমূদের পরে ৩২,০০,০০০ বোরান বিস্তৃত (২,৫৬,০০,০০০ মাইল) সাকরীপ নামক আর একটি বীপ রারছে। ক্রেইকরীপ বেমন ক্রির-সমূদের বারা পরিবেটিত, শাক্ষীপত ডেমনই সেই হারের বারা পরিবেটিত, শাক্ষীপত ডেমনই সেই হারের সম্প্রির বিবার সম্প্রির বিবার সম্প্রির বিবার সম্প্রির বিবার সম্প্রির বিবার সম্প্রির বিবার সম্প্রির হারে থাবের সেই বীপটির নামকরণ হরেছে। সেই বৃক্তির সৌরতে সমগ্র সিঞ্চ স্বাভিত থাকে। এই হারেকর আধিপতিও প্রিয়র্ভের এক প্র রেধাতিথি। তিনিও তার বীপটিও সাভাট বর্ষে বিভক্ত করে তার প্রদের নাম অনুসারে তালের নামকরণ করেছিলের এবং তার প্রদের তিনি সেই সমন্ত বর্ষের অধিপতি করেছিলের। তার স্কাতের ব্যব্রের নাম—প্রবাহনর, তার স্কাত্যার করেছিলের এবং তার প্রদের তিনি সেই সমন্ত বর্ষের অধিপতি করেছিলের। তার সাতে প্রের নাম—প্রবাহনর

भागास्त्र, भवभाग, बुसानांक, हिन्दुरक, रक्तान स्वर তিখবার। বীপটিকে নিডক্ত করে উরে প্রচেত মেধানকর অধিপতি কলে প্রতিতিত করের পর মেধারিক ছবসর প্রথম করেছিলেন এবং তাঁক ফাড়ে সর্বাচারের भागताम सम्बद्धत औरनामभएक श्रेष्ठ करान हैएकरना জ্ঞান্তন প্রবেশ কর্মেছলেন। এই বর্মগুলিকেও সাভাট সীত্রা নির্বারণকারী পর্যন্ত এবং সাতটি বটা রয়েছে। সেই পর্বতওলি হতেই ঈশান, উরুপ্ত, কলমর, শতক্ষের, সহস্রত্যেত, মেইপাল এবং মহন্দ্রন। নদীওলি হছে स्त्रभा, चार्द्रमी, উसरान्त्रहि, चनवाकिस, भक्तरी, সহত্রবৃত্তি এবং নিমধৃতি। এই বর্ধবাসীয়াও করেত, সভারত, দদরেও এবং অনুরক নামক চাত্রী বর্গে বিভঞ্জ, या क्रिक जानान, पश्चिम, देनम् अपर मुक्क-और शब्दि वर्ग-বিভাবের অনুরূপ। তাঁরা প্রথাক্তর ও অন্তাসবোগ क्ष्मणीलन करतम अवर तक ७ जरमध्यम कन्न (पर्क মুক্ত হাৰে পুরুষ সমাধি বোগে বাবুজগী ক্ষমবানের আগ্রাধনা করেন। শোক্ষীপ্রাসীরা নিমলিপিত মহের ছারা বায়নালী ভগবাদের ছারোখন করেন—) হে পর্যন পুরুষ, সেহের অভান্তরে পরমান্ত রূপে বিলক্ত করে খাপদি প্রাণ আদি ব্যব্র ক্রিয়া গতিসাল করেন এবং এইভাবে আপনি সমশু ক্রীবদের পালন করেন। হে प्रभवन, द्व मर्वास्तर्वायी, द्व प्रभवेग्य, व्यननि काशत्त्व সমত বিপদ বেকে বৃক্তা সকল।"

"নেই বৃথি-সমূহের বাইরে পৃথবাইণ মানক বার বানিত হয়েছেন বে ।

একটি বীপ রামেরে, বা ৬৪,০০,০০০ বোজন বিশ্বত বানিত নিবেনন করি।"

(৫.১২,০০,০০০ মাইল) অর্থাং বিধ-সমূচের বিশ্বত বানিত নিবেনন করি।"

করার সমন্বিত। তা সেই বীপেরই সমন্ব নিজার সমন্বিত পৃথিরণে পরিবেটন কা করের বাদু জালের সমূহের বারা পরিবেটিও। সেই পৃথিরণে অবৃত্ত (১০,০০,০০০,০০০) বিশুল বানার সমন্বিত একটি বিশ্বল বানা রামেরে, বা ব্যালর বানারের করিব পরিবেটনের মানের বানার করেন বানার বান

পর্বাচন চার্নাদ্র ইন্তাহি জোকপালনের চারটি পুরী दरपट्टा । तमहे भर्गत्वत है जब मान्यमंत्र भाषा हरू সূৰ্যদেৰ ভাত হৰে প্রিপ্রহণ করে সূত্রক পর্যতাক প্ৰদক্ষিণ করেন। সংখ্যা উত্তর দিকের পথকে বলা হয় উত্তবারণ এবং দক্ষিণ দিকের পথকে কল হয় দক্ষিণারন। ভার একদিক দেবভালের দিন এবং অন্য দিক দেবভালের রারি। বীতিহের নামক মহারাক ভিত্তেতের পুত্র হচ্ছেন এই বীলের অধিপতি। তারে দুই প্র রুমণর এবং খাতৰিঃ তিনি উর দুই পুরুকে সেই বাঁপের দুটি দিকের দৃষ্টি বৰ্ষের অধিপতি নিম্পু কয়ে, বহুং জ্যেষ্ঠ ব্যাহা মের্ঘাভিথির মতো ভগবামের উপাশনার রও ইয়েছিলেন। উচ্চাৰ ক্ষত্ৰ ক্ষমৰ চৰিতাৰ্থ ক্ষায় কৰা সেই বৰ্ণবাসীল ক্রজারুশী ভাষানের আরাধনা করেন। তারা নিয়ালিখিও ক্তোৰে ভাৰতবেৰ কৰু কৰেন। ত্ৰালা কৰ্মহত্ত নাছে পরিচিত্ত, কারণ বৈদিক কর্ম অনুষ্ঠানের স্বাত্তা তার পদ লায় হওয়া হার এবং বৈনিক কর্ম অনুষ্ঠানের ময় জীর খেকে প্রকাশিত হয়। তিনি মাজিলভাবে উপন্তন্ত প্রতি ভক্তিপরালে এবং তাই একদিক দিত্তে তিনি ভগবান খেকে খড়িছ। কিছু ছা সংকও খন্তবালীয়া বেতাং ঠার উপসের করে, সেভাবে ঠার উপাসনা করা উচিত্ত না, পক্ষারে হৈত ভার নিজে উন্ন উন্নাসনা করা উচিত্র অর্থনা পর্যন্ত অস্তাধ্য পর্যমেশ্যর ভাগবার্থনা সেককরণে তার সেৱা করা উচিত। তাই সাক্ষাৎ বৈদিক জানকাপে প্রকাশিত ছার্ডেন্টের বে প্রভাবাদ প্রাথা, তাকে আমরা সাধার

ভারপর, সামৃত্যকর সমৃত্যের পরে এবং তাকে
পূর্বরূপে পরিবেটন করে রয়েছে লোকেলোক পর্বত, কা
মৃথিত আলোকে পূর্ণ দেশ এবং আলোকবিহান
দেশতলিকে বিভক্ত করেছে। সূত্যেক পর্বত থেকে
মানামেন্তর পর্বত পর্বত বিশ্বতি সম্বাহিত একটি কৃষি কা
জালা সমৃত্যার পরে রয়েছে। মেখানে বহু প্রাণীও কা
করে। প্রান্ধ বা বার্হালেনাক পর্বত ও প্রতি-মম্বাহের
অভারতে এক কাক্ষমন্ত্রী কৃষি রয়েছে। সেই কৃষি
পর্বহর হওয়ার কলে তা কর্পানের মতো আলোক
প্রতিক্ষিত করে এবং কাল বন্ধ মেখানে পতিত হলে
ভাকে করেছে। প্রাণী অধুর্যিত এবং প্রাণী ব্যব্ধিত স্থান



দুটির মাঝখানে এক বিশাল পর্বত রবেছে যা এই দুটি স্থানতে পৃথক করেছে, ডাই তা লোকালোক মামে বিখ্যাত। শ্রীকৃক্ষের পর্য ইচ্ছার প্রভাবে লোকাগেক পর্বত ভূলোক, ভূবর্লোক ও স্বর্গোক—এই তিন লোকের সীয়া নির্ধানক পর্বতরতাশ সংস্থানিত হরেছে। সূর্বলোক থেকে প্ৰন্যাল্যক পৰ্যন্ত সমস্ত জ্যোতিৰ এই পৰ্যক্ষে বাব্য নিশীত সীমার মধ্যে রিলেকে ক্ষতে তানের বিভাগ বিভাগ করে। এই পর্বত অত্যন্ত উচ্চ, এয়নকি প্র-বলোক থেকেও উচ্চ, ডাই সমস্ত জ্যোতিয়ের কিরণ তার বাইরে रहरक भारत गा। वय, ध्याम, विधनिना अवर क्त्रणभागित—धाँ ठावणि काणि ८५८क मृत्य लखिराञ्चा বিভিন্ন লোকের লক্ষণ, পরিমাপ এবং অবস্থিতি কর্ণনা ১২,৫০,০০,০০০ (হাজন (১০০,০০,০০,০০০ মহিল) चर्याः क्षणाच-भागायम् अक-उन्हर्यारम् । स्माकारमाक পর্বতের উপরে চারটি গঞ্চপতি জগদওঞ্চ ব্রজা কর্তবন **कृ**णिए प्रतास् । जात्मा मान करक, जुक्कक, वामन असर মপরাজিও। তারা রঙ্গাতের এই সমস্ত লোক বরেদ করেন। পর্যেশ্বর জনবান সমক্ষ নিব্য ঐকর্যের উপত্র এবং পরব্যোগের অধিপতি। তিনি পরমপুরুষ জগবান এবং সকলের পরফারা। ইন্সাদি কোকপালের জারই নির্দেশে জড় জগতের বিভিন্ন বিষয়ের ভদ্মাধ্যম করেন। সমস্ত লোকের সমস্ত জীবের কল্যাণের জন্য এবং সেই গলপতিকে ও দেবতাদের পক্তি বন্ধি করার জন্য ভারতান সেই পর্যন্তর উপরে উন্ন এক বিশুদ্ধ সন্থান্য রূপ প্রকাশ करवास्त्र। विवृद्धन चामि भार्षम भतिवृद्ध श्रुत छिमि धर्म, আনে জানি পূর্ব ঐশ্বর্য এবং অশিষ্য, সহিষ্যা, মহিষ্যা জানি ৰোগসি**ন্ধি প্ৰকাশ ক**রেন। তার চার ছাতে বিভিন্ন ভাত্ত শার সুপঞ্জিত হয়ে তিনি অত্যন্ত সুসররূপে বিরাধায়ন। নারাক্রদ, বিষ্ণু আদি ভাগবানের বিভিন্ন রূপ বিবিধ অন্তের

দ্বারা অতি সুক্ষরভাবে অলকেন্ড। ভগবান তার ভিব্যক্তি যোগমারার ছারা সৃষ্ট কমন্ত গুহুকোক পালন করার জন্ম সেই সমন্ত রূপ প্রকাশ করেন।"

াহে রাজন, লোকালোক পর্যন্তের বাইরে অলোকবর্য রয়েছে, হার বিস্তার পর্বতের অজ্ঞান্তর ভাগের বিস্তারের সমান, অর্থাৎ ১২,৫০,০০,০০০ বেছন (১০০ কোট महिना)। ज्यानाक वर्षात्र अच शक्तिकामी वाकि त्वत পরবাস্থান। সেই স্থান কর্মা প্রকৃতির ওপের অতীত, সুভরাং নিওছ। ভাগবান জীকৃষ্ণ প্রাক্ষণ-প্রাদের কিরিছে चानात्र कर्ना कर्वनत्थ निर्देश और श्राप्टता भरेशा निर्देश পিরেছিলেন। সূর্ব ব্রহ্মাণ্ডের মধাবতী স্থানে অবস্থিত। ভূপেন্ড এবং ভূবলোকের মধ্যবতী স্থান অনুবীক এবং করেছেন। তারা বিচার পূর্বক ছির করেছেন যে, সুমেল ্ ভাই তা রক্ষাতের মধ্যকুল। সূর্য ও রক্ষাতের পরিধর পর্বত থেকে লোকালোক পর্বতের মুরম্ম পুরুষ্ পৃতিশ কোট যোজন (২০০ কোট মাইল)। সূর্বদের বৈরক্ষ নামেও পবিচিত, অর্থাৎ তিনি সময় জীবের সমষ্টি-লহীর। বেহেড় তিনি সৃষ্টির সহর হুলাভ্যান অচেতন অতে প্রতিষ্ট হন, ভাই তিনি মার্ভভ নামেও পরিচিত। উমা আরেক নাম হিবপাগর্ক, করেপ তিনি হিরবাসর্ভ (ইকা) বেকে তার স্থপ নরীয় হাত্ত TRACES I"

> াহে বাৰনে, সূৰ্যদেষ এবং সূৰ্যদোক ব্ৰহ্মাণ্ডের সমস্ত নিক বিভাগ করেছে। সূর্যের উপস্থিতির কলে আথর আকাশ, স্বৰ্গ, পৃথিবী এবং জন্যন্য নিমন্তঃ লোক সম্বৰ্জে কুরতে পারি। সূর্যো কারপৌ আমরা কুরতে পারি কোন স্থান জড় সুবডোগের জনা, কোন স্থান মৃতির জন্য, কৌন ছান নরক এবং কোন ছান পাওলে। সেব, নর, পণ্ড, পন্দী, কীটপতঙ্গ, সমীপূৰ্ণ, লগুৰ এবং কৃষ্ণ সকলেই সুৰ্যলোক থেকে সুৰ্বদেৰ কৰ্তৃক প্ৰবন্ধ ভাল এবং আলোকের উপর নির্ভরশীল। সূর্যের উপস্থিতির কপেই সমত জীব লেখতে পার এবং ভাই ভাকে মলা হর দুগ-क्षेत्र या पृष्टित स्थात।"



একবিংশতি অধ্যায়

সূর্যের গতির বর্ণনা

শ্রীল ওকদের গোহানী বললেন—"হে রাজন, এইভাবে আমি প্রমাণ এবং লাক্ষা ক্রম্পনপূর্বত ক্রমাণ্ডের পরিমাণ (৫০ কোটি যোজন জ ৪০০ কোটি মাইল থ্যস) কৰিন করলাব। পথ আমি দিলা শতের কথাছিত। মলের গবিমাণ জানা হলে বেনন উপরক্ মলের পরিমাণ জ্ঞান বার, তেমনী ভগোলবের পরিচের বলেন বে, ফ্রকান্তের নিক্তাংগর পরিয়াণ জান হলে উর্বাচানের পরিয়াল সহক্ষেই জানা হার। ডাগোলক এবং স্বর্গ-গোলকের মধ্যকী স্থান হলে অন্তরীক। যা মুগোনকো উল্লেখ্য ক্রম কর্ম-লোক্তরের ক্রমেকাথে ক্রমিক। সেই অন্তর্নীক্ষেত্র মধ্যে থেকে চন্ত্র প্রকৃতি ভাগ প্রসানবারী গ্ৰহণেৰ সাজা ঐপৰ্যপালী সূৰ্যদেৰ উল্ল ভেজের প্ৰভাবে ব্ৰহাণ্ডকে উত্তপ্ত কৰেন এবং ব্ৰহাণ্ডের প্ৰকৃত ছিতি পালের করেন। তিনি সমস্ত শ্রীব্রুক বর্ণন করতে সাহাব্য ক্ষায় জন্য আলোকও প্রদান করেন। ভাগবানের নির্দেশ चमुजाद्भ जूर्व केश्वयस्य, मिक्नासम् अस्य विवृद्धासम्ब भाग समय करात मध्य मुर्द्ध गठि क्याज्य कर, क्या अध्य সমান হয়। তার এই ত্রিবিধ গতি অনুসারে আরোহন, অববোধা ও সমস্থানে করে আদি রালিতে তমলের কলে, पिम 🔹 प्राक्तित हुच्छा, गीर्चका अवर अक्रतका एवं। जुर्च খণন মেৰ ও তুলা স্থানিতে থাকো, তথা নিন এক স্থান্তি সমাধ হয়ঃ বখন বৃষ আদি পঞ্চ জনিতে নিচরণ কজেন, তখন নিবাভাগ বৃদ্ধি পার এক প্রতি মাসে খাখ কটা করে ব্যক্তির মান প্রাণ পরা (কনট রাশি পর্বন্ত)। ভারপর দিনের যান প্রতি মানে আধ খণ্টা করে কমতে কমতে ব্দংশেৰে তুলা রাশিতে বিদ প্রবং মাত্রি সমল হলে বর। সূৰ্ব কান বৃশ্চিকানি পাল মাশিতে কামছান করেন, ডখন দিবাদার দ্রাস্থ পার এক নামী বৃদ্ধি গ্রান্ত হয় (মনস ক্রশি পর্বত)। ভারণার বীরে বীরে মেন রাশিতে পুনরের দিন थक्त व्यक्ति नमान स्टूब बानः। मूर्यत विश्वनस्था वर्षक দিবাস্তাগ বৃদ্ধি পোতে খাকে এবং উচ্ডারণ গর্বন্ত লাত্রি বৃদ্ধি পেতে থাকে।"

"তে ব্যক্তন, জামি পূৰ্বেই বৰ্ণনা করেছি এবং পরিতের নির্ণয় করেছেন যে, সূর্য মানলোক্তর পর্যতের চতৰ্মিকে সংলোধারে ৯ কোটি ৫১ লব্দ যোৱান ভ্রমণ করেন। মানলোভর পর্বতে সুমেকর প্রদিক্তে দেবধানী নামে ইলোর, দক্ষিণে সংবামনী নামে ব্যৱস্থা, পশ্চিমে निरम्नाधनी नाह्य वक्रश्रंस क्या हैंग्रह्म विद्यापनी नाह्य চলের পুরী রচ্চেছ। সেই সমস্ত পুরীতে কাশ বিশেবে अट्रपीपम्, मधास्, मुर्वत्व स मस्ताक्रि स्टब मार्क अपर ভাষ কলে সমস্ত ভীৰ ভাবেৰ কৰ্মে প্ৰবৃত্ত হয় কথক निरुष्ठ ध्रतः। भूरमध्य भवंश्वराणीयः सन समय मधारस्य উম্মতা অনুভৰ কৰেন, করণ সূর্য সর্বল উল্নের মাধার ভাগতে বেকে ভাগ সাম করেন। সূর্য বাদিও সক্ষয় অভিমুখী সভাবিক ৰতি অনুসাৰে সুমেঞ্জে বামদিকে তেখে বামাবর্তে করণ করেন, তবুও দক্ষিণাবর্ত বার্য প্রভাবে সুমেরকে দক্ষিণে প্রেকের কর্মনার করনত প্রমন করেন। বে স্থানে মানুষ সূর্বের উদত্ত হংগ্য দেবছে, ভাব ঠিক বিশ্রীত স্থাবে অবস্থিত সেলের মানুবেরা সেই সমটে সুৰ্বাস্ত কৰ্মন কৰলে এখা বেখানে মধ্যাক ভাই স্থস্তপ্ত স্থানে সেখানকার মানুবদের কাছে কা একন মধ্যমারি। আভকা হে স্থানে অবস্থিত হয়ে বানুব সূর্য অন্ত হৰ্নে করে, ভারো ভার সমস্তপতে স্থানে পিরে तुर्वत्क (अहे करपूर्व (१५एक शहर मा। तुर्व रचन है।जन পুরী চেবগারী বেকে বয়পুরী সংবাদনীতে পানন করেন, ভবন ভিনি ১৫ বটিকার (৬ ফটার) ২ কোট ৩৭ লাক ৭৫ হাজার বোজন (১৯ কোট ২ লক মাইল) পথ অভিনেত্র করেন। কারেজের পুরী থেকে সূর্য করণের পুরী নিয়েচনীতে খান, সেখান খেকে চয়ের পুরী বিভাববীতে বাদ এখং দেখান খেকে পুনয়তে ইপ্ৰেড প্রীতে কিরে আদেশ। ঠিক এইভাবে চত্ত ক্ষদান্য প্রহ ও বল্পায়সমূহ জ্যোতিকক্ষে উনিত হম এবং খাছে গঞ कारतः। अहेराहर मुद्दारास्य तथ या उदीभव, चर्चार ई ভূষ্ঠকা আ অমি পাবনী মহেন বানা উপাসিত হয়, তা এক মুন্তুৰ্তে ৩৪ লক্ষ ৮ শত হোৱন (২ কোট ৭২ লক ৬ মৃত্যুর ৪০০ মাইল) বেশে শেই চরটি পুরীর চতুর্নিকে ত্রপ করে। সর্বপেকে রয়ে সংকলের নামত একটি চক্র রবেছে। বারোট যাস করে ব্যরোটি কর, মন করু করে নের এবং ভিনটি চাতুর্মাস্য তার ভিনটি বাভি। তার ক্ষেত্র এক প্রান্ত স্থামের প্রথমের একং অপর প্রান্ত হতবোৰে পৰ্বতে অৱস্থিত। রক্ষক্র এই অব্দে প্রথিত हरत १९४० निवासन चटका प्रदास घरका सामार्गाएक পর্বতের উপরে অহরে পরিয়য়ণ কবছে। তৈল নিয়াপন মঞা অক্ষের হতো প্রথম ফেকটি থিতীর অক্ষের সঙ্গে বুত, বাং নৈৰ্ব্য প্ৰথম অক্ষান্তির এক-চতুর্থালে (৩৯ চনক ৩৭ হাজার ৫০০ ফেজন বা ৩ কোটি ১৫ লাভ আইন)। এই বিতার অক্ষের উপরিজ্ঞান একটি বারুর রক্ষর জনা इनल्डरका नाम नरएक। वह द्रांक्ष्म, मुर्वाराखा व्रथ **७७ तक (शक्त पीर्च (३ क्लाउँ ४५ कक श**ड़ेक) उत्तर অম এক-চতুর্বালে পরিমাণ (৯ লক বোধান যা ৭২ লক মাইক) বিশ্বভঃ রবের অবওলির নামকরণ হয়েছে

সায়ত্রী আধি বৈদিক জ্বান্ত আন অনুসারে। ব্যক্তনদের (अरे व्यथ्याम् » क्ला शासक वीर्थ त्रापंत स्थामारलव সঙ্গে বৃদ্ধ করেছেন। সেই রখ নিরকার সূর্বদেবকে বহন करत। शाक्रमात्रक वृत्रिक भूगीमात्रका माध्यक वर्षाकृष्ट वर्ष तर्पत्र क्रम गतिकानस्त्रका मार्चाचेत्र कार्य वियुक्त, छतुक ভিনি পিছনে সূর্বদেকো দিকে ভানিকে রয়েছেন। অস্থ গরিমিত বাট হাজরে বালিবিক্ত কবি সূর্যদেবের সম্মূর্য ভতিবাকে শ্রম প্রব করছেন। তেমনই আনা চোলজন---কবি, গছাই, কব্যা, নাগ, যক, মাকন এবং দেবতা দুজন করে মতে ভাগে বিভক্ত হয়ে, প্রতি মামে পৃথক পৃথক নাম ধারণ করে বিভিন্ন কর্মের ভারা বিভিন্ন নামধারী भूग्रीस्थलनी कन्नवादन्त्र कानाक्य करतन। *त*र प्राचन, ভূমন্তলে সূৰ্বদেব তাত্ৰ কক্ষণাধে ৯ কোট ৫১ লক জেজম (৭৬ কোটি ৮ লক মটেল) পথ গ্রতিক্ষণে নুই शक्ता राजन अरा गुरै (जन्न (५% शक्ता ८ वरिन) বেগে অভিক্রম করেন 🗈



ন্বাবিংশন্তি অধ্যায়

গ্রহগণের কক্ষপথ

মহানার পরিক্রিং জীল ওকদের বোক্তমীকে কিবলগা ক্যাণেন—"হে প্রতু, প্রম দক্তিমান সূর্বদের এন্যালেক এবং সুমের্ড পর্বতকে তাও দক্ষিণে বেখে এন্যুদ্ধক প্রদিশ করেন। পর্যত সেই সহার আধার ভিনি সুযোগ এবং ক্রন্সকরে তার বায়দিকে মেশে রাশিগদের क्षां इपूर्व कार्यम्य इस। तृष्टं कृत्रश्थः जुलाक अस् এবলোক্তে বালে এবং গকিবে রেখে অপ্রকা হলেন, ভা কিলাৰে মেনে নেজন করে।"

প্রাণ ভথনের গোপ্তমী স্পষ্টভাবে উত্তর নিদেন— "কুমোরের পূর্বাহয়ান চক্রে ছেট ছেট পিনীসিংবার্থর বেজন চল্লেন জিল ভিজ প্রদেশে চল্লেন গতি থেকে ভিজ

তির প্রতিবিশিষ্ট হতে দেখা যায়, তেমনই, নক্ষর এবং जिल्ला मुहारक कार अन्यत्काकरक विकास (अहब स्थानाज्या ত্রমণ করে এবং কৃত লিগঁটনকা সনুগ সূর্য ও লাগাস্য ত্তেলের তার দলে কলে করে। কিছু সূর্ব এবং ক্ষায়ন রহ বিভিন্ন সমতে বিভিন্ন রাশিতে এবং নক্ষরে দেখা যায়। তা ইলিভ করে হে, ভানের গতি রাশি এবং কালচারেদা গরি বেখে ভিনঃ জগতের আদি ভারণ স্তগ্ৰাম মারারণ। কেলচ মহাস্তারা কেলচতিত্র বারা ভার উপাসনা করতে, তিনি গমন্ত সোকের মনকোর জন্য এবং कर्म शिक्षक सम्म और समारक मृत्तारभ सरकारभ सरवारम। তিনি নিজেৰে ছনোটি আগে বিভক্ত করে বদন্ত জানি

ধ্যা বস্তু সৃষ্টি করেছেন। এইচাবে তিনি শীত, উদ্ধাব্যানি সংগ্রে কর্মন বলে তাকে বলা হয় জীব। হন্দ্র সমস্ত খ্যতত্ত্ব ক্রণসমূহ সৃষ্টি করেছেন। বর্ণপ্রেম ধর্ম জনুসারে মানুষ সাধারণত সূর্বদেবরাণী ওকরন নারাধানের উলাসন করেন। গতীর ইম্ম সহকারে থেলেক অভিহেলেনি नानाविध कार्यत धाता अवर चलान-त्यात्मन बादा গরমাধ্যারপে তারে ভগরনের উপাসনা করেন। এইভাবে छेता जनादादन कीवरनत नतम नका शांत का। नुर्वत्तम, अतीन्। दक, नका वानि नमक कीद्रस धनावका विधान বিনি হতেল নারারণ বা নিকু, তিনি সাথে স্বণতের আত্মাসরূপ: তিনি স্বর্গ ও মর্ত্যের মধ্যবতী অনুবীক্ষের মধ্যস্থলে কাল্ডকেন্দ্র রাশিতে অবস্থিত হরে, রাশির নাম करपात्री बाटनार्क सिटेंब नाम अल्ल करान। त्यदे बाटनार्क नामात्र रायाहा अनुवारमा देकारात्रक हाता कानकरण মানের সম্বর্ধে কর হয় সংবংসর। চল্লের পরনা ব্যক্তিত। তাঁরা সুমেরত রাজিন নিজে ব্যবং করে এবং धनुपाता एक अंक क्क-अर्थ गृहै शक निता अर्क यात्र हरा। का निक्रामारका अरू मिन अरू दावि। श्रीत भवना चनुत्रादा भारत पुरे नकता अरू यहा। कुर्रस्टरदा দুই লাগ বসংশ এক অন্ত হয় এবং ভাই বভার । কুর্মেন। সুর্বের ৯/৪, মহুর এবং সমান গতি অনুসারে পরিবর্তনকে সংক্ষান্তের হেছের অংশ বলে বিরেচনা করা। হর। এইজাবে সূর্বদের যে সমারে নতোমগুলের অর্থানে। কবলও বা আগ্রে গামন করেন। বে এহ বৃত্তির প্রতিবাছক, काश करतम, त्यादे नवश्रतक कार्य हाई चात्रमा। नुर्दरम्य एका त्यादे शहरूव श्राप्टाम मान करतम। कार्द कीय তার কল, কিন্তা ও সমান পতির দারা যে কাল পর্যন্ত উপস্থিতির কলে ষ্টি হয় এবং তাই ডিনি এই ব্যবহণ্ডর স্থামণ্ডল, ভাষতল এবং নজেয়তথা—এই ডিন মণ্ডলকে সর্বতোভাবে অভিক্রম করেন অর্থাৎ প্রদক্ষিণ করেন, সেই পরিমিষ্ট সময়তে পতিতেয়া কবেৎসর, পরিবংসর, रेफारश्यम, चनुस्त्रात छ स्टान्त-को शीवित मार्थ कावन सुन्द कथन छ न्यांत निर्देश निर्देश स्थान অভিহিত কৰেন ["

"সূর্ব কিরপের ১,০০,০০০ বেজন উধের ররেছেন চন্ত্র, বিনি সূর্বের খেকেও ফ্রডজা গড়িতে কাল করেন। চন্ত্র দৃষ্ট পর্যন্ত স্বর্থেক স্থান ব্রায় অভিক্রম করেন, সোরা দুই বিনে সুর্বের এক মাসের পথ অতিক্রম করেন এক এক দিয়ে সূর্বের এক লক্ষের সমান দুরুত্ব অভিক্রম করেন। গুরুপকে প্রতিমিন চল্লের কলা ধর্মিত জনিও ভয়খর পরিস্থিতির সৃষ্টি করেন।" रत वाक कथन (मक्काइक क्रिय वाक निकृतन यकि रहा। **টাজের কৃষ্ণপাক্ত বেবভারের বারি হর এবং শিতাদের** मिन रहा। **बाँ**रेलास्य इन्हा जिन बृहर्स्ट (अज्ञानिस्त) अप-এক নামহে অভিক্রম করেন। হল পদাবভিগারী অস্তমহ শীতদ বিরুদের উৎস এক ভাই চল্লমেব্রুর সময় জীকো মাণ বলে মতে করা ছব। ক্রমাণ্ডের সমক্র জীবেনের

শক্তিতে পূর্ণ হওয়ার ফলে ভথবানের প্রভাবের প্রভীক। क्या प्रदेशक वर्षभक्षेत्रक वर्षण प्रदेशमात्। किनि समेल **खे**णिय এক বৃদ্ধ-প্রতাকে শক্তি প্রদান করেন বলে অরময় এবং তিনি সমন্ত জীবের জীবনগরূপ বংগ তিনি অস্তসর। চন্দ্ৰ সমস্ত কেবড়া, শিশ্ব, মানুৰ, শ্বন্ত, শব্ব, শক্ষী, করেন। চল্লের উপস্থিতিতে সকলেই পনিতৃত্য হয়, তাই চন্তকে কৰা হয় সৰ্ব্যয়।"

"চন্দ্রবাসের ২,০০,০০০ বোজন উপরে হতনকওলি ভাষের গতি সুর্বের গতি থেকে ভিন্ন। অভিক্রিৎ আদি এই রুকম আটাশটি ওক্সম্বর্ণ নক্ষম রুরেছে। সেই नक्षत्रशासक २,००,००० (पासन केरधर ठाउँधर 🚵 হয় কৰনও সূৰ্বের সঙ্গে সমানভাবে, কৰনও 🕶ভাতে, সমস্ত প্রাণীদের পক্ষে মর্বদা হিতকর বলে মনে করা হয়। শতিতের সেই কথা বীকার করেছেন।"

"दशक तरकार्वे भएठा यहन स्थ्या करू स्टारह। সামনে এবং কথনও একসঙ্গে ক্রমণ করে। ওক্র প্রত্তের া৬,০০,০০০ মাইল উনের্ব, অর্থাৎ ভুডল থেকে ৭২,০০,০০০ হাইল উর্ফো চন্দ্রখনর বুধ বিরক্ত করে। ইনি প্রার সালিই ইক্ষান্ত-বাসীলের মান্ত বিধান করেন, বিদ্য বর্থন সূর্বের সঙ্গ পরিত্যাল কংলে, তথন প্রবাদ রাভ-কঞ্জা, অলপুন্ত মোদ, অর্থাৎ অনাবৃষ্টি অকল অভিবৃষ্টি-

"বুধের ১৬,০০,০০০ মাইল উধের্ অর্থাৎ ভতন বেকে ৮৮,০০,০০০ মাইল উল্লে মনলগ্ৰহ অংকিত। और कारन गाँउ विम यक ना रहा, पर राज होने किय-তিৰ পক্ষে এক-ফাটি করে বারোটি রালি অভিক্রম করেন। এই এই হার সর্বদাই দঃভঞ্জনক অভেড भारतिकृषि जृष्टि करवम।"

र्गका दक्ष

"বস্তুল প্ৰহেৰ ১৬,০০,০০০ মাইল উৰ্চেই, স্থানীৰ শহিবীর ১,০৫,০০,০০০ মাইল উর্মে কুম্পতি অর্থারত, विभि तक अस्विरमता तक-एक्सी ताचि चांडास्य सरस्य। প্রাঞ্জনকলের গুভাকারকী হ**ন**।"

"ব্যুস্পতিন ১৬,০০,০০০ মাইল উর্বেচ অর্থাৎ পৃথিবী (ব্যক্ত ১,২০,০০,০০০ মাইল উর্ফো শনিগ্রহ অবস্থিত, বিনি এক একটি রাশিতে জিপ মাস খরে প্রবন্ধন করে

ক্রিল অনুবংসরে বারেটে রাশ্রি গরিবাদর করেন। এই প্রত সম্প্রত ক্রমাণ্ডের জনা কড়েছে **অ**ভাত ।"

"খুনির খেকে ৮৮,০০,০০০ মাইল উর্বে, অর্থাৎ ঠার পতি বলি বল্ল মা হয়, তা হলে তিনি প্রোটে পুথিবী থেকে ২,০৮,০০,০০০ মাইল উর্পে সপ্তর্গাল হিল্লাল করকো। জিলা সর্বাদ্য সমস্ত ব্রহ্মাণ্ডমানীদের মসল कामना कहारक कहारक कंगनान श्रीतंत्रक नहर शाम ঞ্জবলোক প্রদক্ষিণ করছেন।"



ব্রয়ে'বিংশতি অধ্যায়

শিশুমার-চক্র

বরেছে, পতিতের ভাকে কগবান শ্রীকিকর পরার ধার বলেন। সেখানে উভানপাণের পর মহাভাগরত এক क्याहर भर्वद केल केलिए शास्त्रज्ञ, (मेरे मध्यक कीनराम) बीवनकरन वधनत चवत्रात कदरहरा। स्वर्थ, देख, প্রমাণতি, কশাপ এবং ধর্ম সকলে সেধানে সমবেভভাবে কং সাক্ষা সক্ষাত্রে উাজে মন্দিশে রেখে প্রদক্ষিণ করেন। अन कर्तनारकत कार्यकनारभाग्न मोद्या चावि नृरदी (अपूर्व) **पदः) नर्नम करति। भनवात्म्य शहम हेन्द्रात शहर**ि **এবলোক সময় গ্রহ এবং একজের অরলখন উত্তর্জার** নিংকা নিক্সভাৱে বিরাধ করছে। কবিলার, অবাক্ত, শহৰ শক্তিয়ান কাল এই সমস্ত জ্যোতিকদের নিমন্তর **इन्स्ट्राट्स्य इस्टिन्ट्स्य दायन करायहर । अस यास्ट्रीट्स्यट्स** সুমার ব্যাবদেশ বেমন মেটাক্তান্ত, একটিকে জন্তের নিকটে, একটিকে মধ্যে একং ভৃতীয়টিকে দুৱবতী স্থানে সংক্ৰেন্তিক কলা হয় এবং সেই পথায়কি ভাষেত্ৰ নিজ মি**জ বা**ল অভিক্রেখ সা করে উর্বেখ চতুনিকে মধ্যাকারে। পরিবরণ করে, ভেমনই, শত সহয প্রহ-নকর উর্ধা ও অধ্যক্তন বিভাগ অনুসারে ভাঁনের নিজ নিজ ককণাের

জীল কৰনেৰ গোলামী বললেন—"হে প্ৰাৰ্থন, কৰ্মকল অনুসায়ে ভাগানের ৰানা ৰাক্য প্ৰকৃতিবল ইয়ে মন্ত্ৰিমণ্ডলের ১৬,০০,০০০ বেলেল উম্পে যে স্থান সংযোজিত ইয়ে, এবকে অবসংখণুৰ্বক বাবুর ব্যব্ত সঞ্চালিত হয়ে কমান্ত কাল পর্যন্ত এবলোকের চতর্বিকে পরিক্রমা করেন, ঠিক কেচন আকাণে শত শত টন জন সমষ্টিত মেঘ ডেলে কেন্দ্ৰৰ অথথা বিশাল প্ৰেন পাৰি ভাষের কর্ম অবলম্বন করে নভামগুলে নিচরণ করে অধ্য কৰনও পতিত হয় বা।"

"বাহ এবং দক্ষর সর্যাহত এই কিশ্বল বস্তুটি লিওয়াও (৩৩ক) নামক জলজন্তর আকৃতির সন্ধ। তাঁকে কথনত কথনত অধভার বুলে মান করা হয়। মধান যোগীনা ৰাস্পেৰের এই ক্যাপন-উপন খ্যান করেন, কারণ ভার এই রূপটি দেখা যাত। সেই শিওমারের মন্তক অধ্যমুখে এবং সেহ কুওলীভুক। জন্ম পুজাতে এবং নহেলে প্ৰজানতি, অন্নি, ইঞ্জ, বৰ্ম এবং পুত্ৰসূচে ধাতা ও বিধান্তা। কটিদেশে বসিষ্ঠ, অদিরা আদি সন্তর্বি। শিক্তমারের শরীর দক্ষিদাবর্তে কুওলীকৃত অবস্থার নয়েছে। ষ্ট্যৰ ভাল পালে আভিজিৎ খেকে পূৰ্বেৰ পৰ্যন্ত টোনটি নকৰ এবং বাস পাপে পুষ্যা খেতে উন্তাহটো পৰ্যন্ত টোমটি নক্ষর রয়েছে। কুণেশীভূত দেহবিশিষ্ট নিওমারের উতৰ পাৰ্থে সমান সংখ্যক নকৰে মাকাৰ সংশে তাব 🚁 জনাকের ভতুর্নিকে পরিশ্রমণ করেন। জানা জানের জানসারা ধকার থাকে। শিশুমানের পৃষ্টদেশে জনাবাধী **बार देश फेरडा धाकानभक्ता वर्डमार। क्यर्डम् अस श्**रता হধ্যক্রতে শিশুমারের দক্ষিণ ও বাম শ্রেলীদেশে, মার্রা হল, তাই ভগবানের সর্ব দেবতারর স্থান। প্রভাতে, এ আপ্রবা দক্ষিণ ও বাম পদে, মাত্রিখন ও উত্তর্যান µবিলা ও স্থান বাসিকার, ধাংগা ও পূর্বাহার সক্ষিপ ও করে নিয়োক মতে ইয়ে উপাসন কথা উচিত—'হে প্রায় চকে, র্যনিষ্ঠা ও মূল দক্ষিণ ও বাম কর্পে, হলা থেকে । কাবলা, আগমি কালক্রপে প্রকাশিত হয়েছেন। আগমি ক্ষাবাধা পর্বর পক্ষিত্রদের আটেট নকর বাম পার্শের বিভিন্ন কম্পানে প্রমণনীল নকজ্বন আলের, হে সর্ব অবিশেষ্ট্র এবং সুগণীর্বা থেকে পূর্বভাষে গর্বন্ধ কেনাধিপতি, হে পরুম পুরুষ, আমি আপনাতে আমার উন্তবায়াণের আটটি নক্ষর ভাল পার্থের অস্থিতে এবং। সম্রম্ভ প্রণ্ডি মিরেরন করি এবং আগবান হাল করি।' লচডিয়া ও জোষ্টা উলে দক্ষিণ ও বাম কৰে সমিবেশিত ক্ষরতে। শিওয়ানের উপরের চোবালে জ্ঞান্তি, নাঁচের চোৱালে ক্ষরান্ধ, মুখে মঙ্গল, উপত্থে শলি, গলাব প্ৰকাশে বৃহস্পতি, বৃদ্ধান্তলৈ আদিতা, হলৰে ব্যৱহাৰ, মনে চল্ল, মাজিতে গুজ, ক্লমে অনিনীকুমারবয়, প্রাণ 🐠 भागान क्ष, कारतल शार, नदीता कार अर खावनपुर - निरुक्त करन अरू श्रांत्रिय दिनवा भीत करना चान ভারাণণ সহিবেশিত সমেছে।"

াঁছে রাজন, এইভাবে যে শিওমারের আকৃতি বর্ণিত মধ্যাকে এক সাহাতে যৌন হয়ে নেই কপ নিবাঁছৰ শিশুমারজানী স্বাপক্তর জীবিকুত্ত পরীর সমস্ক ক্ষেত্রতা, নক্ষা এবং প্রছানের জাপ্রক। বিনি প্রভাতে, মধ্যাকে এবং সম্ভাৱ, দিয়ে তিনবার এই মান উচ্চালে করে ফগবানের জারাধন করেন, তিনি জবদাই সমস্ত গাল তেকৈ মুক্ত হৰে। কেউ ধনি তার এই জলকে কেবল প্রণতি करका, का इस्ता फेल करका नान महे इस्ता कारत।



চতবিংশতি অধ্যায়

পাতাললোকের বর্ণনা

बीन करतन कायामी ननलन-"१६ डॉक्स, भौतिक्षिकता काम (द. मुर्दात ১०,००० कामन मेर्ड वाच कर् मक्दाव मर्छा विहत्तन क्यार । तारे श्रदन অধিগতি সিংহিকালের অসুরাধম। মেবর ও গ্রহর লাভের সম্পূর্ণ কারোগা হওলা সাম্বের সে ভারতবের কুশান আ সভত করেছে। তার কথা আনি পরে কনিব कार है।

"ডাপের উৎস সর্বস্থাল ১৬,০০০ বোজন ও চল্লমণ্ডল ২০,০০০ মোলেম বিস্তুত্ত এবং রাত্মণ্ডলের বিভার ৩০,০০০ বোজন। পূর্বে ভাগত বিভয়ন্ত সহত, অং সূর্ব এবং চন্দ্রের মধ্যে খানধান সৃষ্টি করে শরুতা मृष्टि कत्रएक (क्रष्टा कर्त्वाक्रम)। जार मूर्व अवर ४४ উভবেরই প্রতি বৈতীভাবাপর এবং ভাই সে প্রত্যেক

অমানস্যা ও পূর্লিনাতে তীলের আজ্ঞানিত করেছে চেটা করে। চক্ত ও সূর্বের কাছে কাছে আক্রমণের কথা অবস্তুত হয়ে ভগবান জীবিক চল্ল ও সুৰ্বকে ব্ৰকা করয়ে ৰুত্ব ঠার শক্তিযুক্ত পরম তীর সুদর্শন নামক অনু প্রয়োগ बद्धम। परिकाराम्ये नरावतं नदातं क्ष्मा ८५० दान अवर জ্যোতি সমন্ত্ৰিত সূদৰ্শন সময় কাছে অসম্ভ মহেছিল এবং चार करन तो पर भगारम करहिल। क्षाप्त करन मुर्ग এবং চন্দ্ৰকৈ আক্ৰমণ কৰে, লোকে ভাকে প্ৰহণ বলে। হাছ প্ৰায়ের ১০ হাজায় যোজন নীচে সিছলোক, कावनामाक अवर विकायदरमाक / दिवाददरमाक. চাল্ডেক্সৰ এবং লিডালোকের নীতে কক্ষ, ব্যক্তম, লিপাচ, ভত্ত প্ৰেক আদির বিহারতান অন্তর্হাক। বতদত্ব পর্যন্ত তার প্রবাহিত হয় এবং মের বিচরণ করে, ততন্ত্র পর্যন্ত আন্তরীক বিস্তাতঃ ক্ষত্র, রক্ত আদির বাসস্থানের ১০০ (शासन मीटा (৮०० महिन) और शृविनी। अञ्चल शर्मद হবে, ভাল, শোদ আদি বড় বড় প্যতিম উড়তে পাৰে, ততদুর পর্যন্ত পৃথিবীর সীয়া।"

"হে বাৰুন, পৃথিবীয় অধ্যোতাকে ক্লমণ্ডের সীমা পর্যন্ত প্রতি দশ হাজার বোজন অন্তরে অভল, বিভল, সুভল, তলাতুল, মহাতল, রসাতল এবং পাতাল নামৰ অন্য আরও সাতটি গ্রহলোক রয়েছে। আমি ইতিপূর্বে भृथिरीत अवद्यंत मध्य कांना करताहै। अरे माठि শ্রহলোকের আয়তনও কৃষ্ণওলের স্ফান। বিলক্ষ্ সামক এই সপ্ত পাতালে বে সমস্ত ভবন, উদ্যাদ, ক্রীভারন ও বিহুরতেমি রয়েছে সেওলি ছর্মের থেকেও অধিক সমৃদ্ধ। কারণ অনুরদের ইন্মিরসুৰ তোৰ, ঐবর্ধ এবং প্রভাবের মান অনেক উচ্চ। এই সোকের অধিবাদী দৈশু, পানব এবং নাগেরা পৃহস্থ উপভোগে বর্তা। ভাবের পরী, সভান, বন্ধবাহৰ সকলেই মানিক হাত সুৰভোগে নয়। দেবভালের সুখাডোগ কথনও কথনও প্রতিহত হয়, কিছ এই সমত লোগেৰ অধিবাসীয়া অপ্ৰতিহত সুধ ভোৰ খরে। এইভাবে ভারা যারিক সুখের প্রতি অভাত আগত ।"

স্বর্গে মার নামক এক মহা লানব হয়েছে, বে অভার দক্ষ নিছী এন্দ ইগতি। সে অপূর্ব সুন্দরভাবে অনভত সমস্ত নগরী নির্মাণ করেছে। সেখানে বহু বিভিন্ন ক্রবন, প্রাচীয়, বয়, সভাগত, যন্দির, চতুর, এম-বিট প্রবাসীজনের ব্যাসক্রম নির্মাণ করেছে। সেই রহলোকের নেজনের আল্ডান্ডলি তৈরি হরেছে সব চাইতে মুল্যবান মণিরত্ব লিয়ে এবং সেওলি সর্বহা নাগ, অসুত্র এবং কংগাত, তক, শারি ইভালি পদ্দীতে সমাকীর্ণ। সেই কৃত্রিম স্বর্গপুরী অভ্যন্ত সুস্ত্রভাবে অসম্বত হয়ে অতি মনোহন লোক্ত ধানল করে বিরাজ করছে। সেই কৃত্রিম স্বর্গের উদ্যানগুলি কেন অয়রলোকের সৌন্দর্যকে অভিনেম করে লোভা পাচেছ। শেই উদানে সামাবিধ কৃষ্ণ লভাস বাতা অলিসিভ এক ভাগের শারাসমূহ কল, কলের ৩০ছ এবং পুণর মর পারবের ভারে জবনত হয়ে এমন শোভা ধারণ করেছে বে, চা দর্শন করা মান্তই দর্শকের জন-প্রাণ আনেশে ইংসুর হরে হঠে। তার দেখানে যে জন্মবর রুপ্তছে। প্রবল সমর্থা হয় এবং নেই ভ্রমণীয়া তাদের সংগ

का रक्क निर्मन करन भूनी भारत करन नाम धनात पाड देशास्त्र काल था कुद श्राहर। (महे क्रमानशर्थान कृत्य, ক্ষেত্র, ক্যুব, নীল ও জাল পর বারা সুলোভিত। সেখাৰে হক্ৰাবাক আদি বে সমস্ত বিহস-মিগুন বাস কাছে, ভারা নিবৰ্ণছের আনকে আকৃত চিব্র হলে নানা প্রকার কৃষ্ণনে সমস্ত্র কাননকে মুখবিও করছে। সেই प्रत्यक्ष श्रामि का अवर देखिएका अनुर्य प्रांतन्त विभाग भरतः। (बरहफ स्मथास मुर्खेकरण धरवन करत नां, प्राप्त সেখালে দিন ও রাত্তির কালবিভাগ নেই, সৃতব্যং ব্যৱস্থানিত কোন ভাগে সেখানে নেই। সেখানে বহ মহাসর্গ বাস করে, বাদের মাধ্যর মধ্যি প্রভার চতর্দিকের অভকার দূর হয়। বেহেডু সেই সমস্ত লোকের चरिशामीया भिन्न खेरवित अन चान करत अवर जे दरन ज्ञान करता, फाँडे स्थाता जर तका माश्रीतक सैश्कर्क अपर শারীরিক ব্যাবি থেকে বৃক্ত। ভাগের চুল পাকে না, পরীরে ফাঁরেখা দেও দের বা এবং ভাদের দেছে বার্যক্রমেন্টর করা দেখা দের না। কালের পরীরের কর্মন্তি কৰনৰ মধ্যি হয় বা, ভাগের হামজনিত পূর্যার হয় না बक्र छाडा कर्रकावनिक वादि व व्यन्तरमञ् व्यन्वर कडा হা। ভার ততার হালজনতভাবে জীবনবালন করে এখং "হে মহারাজ, বাকে করা হয় কিবল, সেই কৃত্রিম । অলরালী কানানের সুদর্শন চক্র ব্যতীও অন্য কোনচাবে ভাৱা মভাতৰো ভীত হয় যা। সুদৰ্শন চক্ৰ ৰখন এই প্রবেশে প্রবেশ করেন, তথন ভরে পর্ভবতী অসুর-র্থণীয়ের পর্ভপাত হয়।"

> *ারে সামান,* আমি এখন অপনাকে একে একে অতন আদি জ্যোকর কর্মনা করব। অভেলে মার্যানকেই পুর কা सामक सामृत साम करता। और दूसारे हिरामपुरे क्षाम भाग्न সৃষ্টি করেছে। ভখাকথিত বোগী এবং সামীরা আজও সেই মালপতিও বলে মনেমকে প্রভারণা করে। সেই কানকো ক্ষমণার কলে তার হব থেকে কৈনিবী, কামিনী अवर भूरकरी-अरे फिन धकात प्रश्नीत मृष्टि दरवरर। খৈরিশীরা পথপের পুরুষদের বিধাহ মূরে, আনিদীরা অন্ত वर्णात नक्षणास्य विवाह करत अवर नरणभीता अस्त्रत गाउँ এক পণ্ডি পরিবর্তন করে। ফোন গুরুব বনি অতশে প্রবেশ করে, সেই সমস্ত নারী তাকে হাটক রস পান করার। এই ফাদক পানের কলে তাদের বৌন ক্রিয়ার

সভোগে লিখ হব। সেই রমণীরা তাদের আকর্ষণীয় করেছিলেন। ওল্প ভাঙের কাছে যুক্তির যার আপনা অনুসারে রুম্প করার। আগের বর্গিত রুপ্তি সাহর্পের ছলে তারা নিথেদের অবৃত হুতীর খেকেও কাক্স কল सद्भ कहा समार्थ होता चारकाहत प्रेस हेटर काला काहनव ভাষর মৃত্যু সম্বন্ধে অচেওল খেকে নিজেলের ভগবাধ বলে মনে করে।"

"অন্তল লোকের নীতে বিভল, বেখারে ছাটকেন্দ্র শিব তার অনুচর কৃত্যুগুত সহ মিলিভ হয়ে প্রজাপতি ব্ৰখার সৃষ্টি বৃদ্ধি করার জন্য জনানীসহ মিথুনীভত হরে বলে করকেন। হর-গৌরীয় বীর্থ থেকে হাটকী স্বাক্ত সদী বিতৰ থেকে প্ৰবাহিত হ**েছ। আনি বা**য়বলৈ থাতান্ত প্ৰছলিত হয়ে, সেই নদীতে প্ৰদাহিত জনজন বীৰ্য পান कता कुरकता करान। कता करन स्टीक नायक सर्वत উৎপত্তি হয়। সেই হুহুলোকো অসুর এবং অস্ত্রীয়া সেই হাটক-খণনির্মিত ভূষণ পরিধান করে অনুসূধে সেখ্যমে বাস করে।^{*}

"বিভল্লোবের সীচে সুতল পাবছিত। সেবানে बिरवाहरूमा गुज प्रशासना प्रशासनायम योग प्रशासन कर করেন। যেবরাজ ইল্রের কলাল সংক্রো ধন্য ভগজন প্রীবিষ্ণ অসিতির পর্য খেকে ব্যু ব্যমনরূপে ভাবিইড হয়ে, হলনাপুৰ্বক বুলিয়ে কাছ খেকে প্ৰিপাদ গুনি ভিক্ৰা করে জিলোক অপহরণ করেছিলেন। বলি মহাগ্রাকের থতি অত্যন্ত প্ৰসন্ন হয়ে, ভগতন ভাকে ভান বাৰ্ট ফিনিরে কো এবং ইন্সেরও দর্গত সম্পন্নে সমৃদ্ধ করেন। স্তল্লোকে বুলি ফলুরুত্র একতে ভুগন্তের আলকরত্র पॅक सरमस्या ।"

^{*}হে রাখ্যন, বুলি মহারাজ বে করবানকে উল্ল সর্বৰ भाग करविद्यास बरण निभावत्त्री बदा जेवार्व शास रहाक्तिका, जा कथनक भाग क्या केंद्रिक नष्ट। विनि ममल भीरतव भीवन करान, विति नंत्रव मुस्थ्जरंग সকলের হলতে বিরাক্ত করেন এবং জার নির্দেশনের জীব - প্রদানন করে তাকে নিবিসহরে নিকেল করা হলেও বলি এই স্কাতে সুৰ অবহা দুঃৰ ভোৰ কৰে, সেই গৰমেৰৰ - কহাবাৰ একনই মহাধ ভণ্ড ছিলেন ৰে, তিনি এইভাবে ক্ষণবানের বীপাদপথে বলি মহারক্ষ উরু সর্বাধ কর্মণ , বলেছিলেন। আহা, কি দূর্বের বিষয়। এই দেবরক্ষ করেছিলেন। কোন জড়-জাগতিক লাভের জন্য তিনি। ইয়া জতান্ত বিশ্বান ও শতি-দানী হওয়া সংস্কৃত এবং 'বা করেননি, গ্রন্থ ভক্ত হথকার জনাই তিনি তা। বৃহস্পতিকে উল্লেখনিকে পনে কাৰ করে উল্লেখনে

অব্লোকন, নির্মান ভাষণ, অনুবাগবুভ হাসা এবং থেকেই থলে বার। অন্তএর কখনও মনে করা উচিড আলিখনেই বারা জেনেই নিয়েহিত করে ভাষের ইজা নয় বে, খলি মহারাভ ঠান সানের বিনিময়ে এই সমত অন্ত ঐথর্য লাভ করেছিলেন। কেউ বৰ্ম কম কম গ্রেমে ভাষরতার ভক্ত হয়, তথ্য ভাষরতার ইছের প্রথমে ডিনি ব্যস্ত-জাগতিক উক্ত পদ করে করতে পারেন। কিছে কৰ্মত অভিকাভ মনে করা উচিত নয় যে, চতেৰ ক্লড ঐবর্থ তার ক্ষাবয়ভিত্র কল। ক্ষাবয়ভিত্র প্রকৃত কল হাজে ওছ ভগবছাকি আগরিত করা, যা সূর্ব অবস্থাতেই বর্তমান থাকে। কেট যদি কুথা, পতন, স্থানন আদির সমৰে ব্যাক্ত হয়ে অনিচহা সংখ্য একবার হয়ে ভগবানের মান উজারণ করেন, তা হলে তিনি দুর্বার কৰ্মকলন খেকে অনাগ্যাসে মুক্ত হন। সেই মুক্তি লাভের कार्ड प्रक्रिकारील कर्पप्रमध्यान गरमात्रकार एका वदाव कम् बरेजरका वानि नाना अस्ता क्षण दीवार करत। মকলের কাগতে প্রমাধারতের বিরাজমান প্রমেশর ভগৰন নাজ ফুলির মতো ভাঙাদের করে নিজেকে বিক্রি কতে দেব। অৰ্থাৎ ভাগৰানের প্রতি বাঁথা ওছ গ্রেমনরাক্রা, ভগরান সেই সমস্ত ভাতদের করু প্রেম দান করেন। সমকাবি কল্মজনীয়ের তিনি পরামায়াখ্যাল উপদ্ধিরণ চিমার জানৰ হাম করেন। ভগবান বলি মহারাজকে জড় সুখ এখা ঐথর্য প্রদান করে জীয় কুলা প্রদর্শন করেমনি, কারণ ভোরেশর্মের কলে স্থাবি ভঙ্গলনো প্রেমমরী দেবার কথা ডলে বার। সভ ঐশ্বর্যর কলে মনকে ভাষানের জীগালগছে আর একার কথা ব্যব নাঃ ভগবান বখন দেখলেন বে, বিদ মহায়ভের স্ববিদ্ধ নিয়ে নেওয়ার আর কোন উপায় লেই, ভবন তিনি ভিজা করায় ছগে তাঁর শরীর হায় অবলিষ্ট প্রেখে ভার কাছ খেকে ব্রিক্রেকের আধিপত্ত ক্ষলতাল করে নির্মেছলেন। কিন্তু ভবনও ভাগবান সম্ভাই হলনি। তিনি যদি মহাবাজকে কলপ্ৰালে ক**ে হ**লে পিরিগছরে নিকেশ করেছিলেন। এইভাবে উর সর্বছ

হক্ষুণ করা সংক্র তিনি পানমার্থিক উন্নতি সাধন্যে বিহাৰ সম্পূৰ্বভাগে আৰু ৷ বৃহস্পতিও সুছিয়ান নন, কারণ তিনি উন্ধ শিষা ইন্তকে হথাবপভাবে উপদেশ ক্ষেত্ৰী। ভাৰতাৰ কামানেৰ ইনেটা হাটে এতে কলানবান विश्वास, विश्व देख पील साम धार्यन जा नरहा, पीएक निरा আমার কাছ থেকে উর ইন্ডিয়-ডর্গণের ক্ষন্য সামন্য ত্রিলোকের অধিপত্তা ডিজা করালেন, এই ত্রিলোকের কাবিণতা নিজাই কুল, কালা সমস্ত আড় ঐপনই কোল मक्ता भर्तंतु १९८२, मा काळ कारम्या अस सम्बन्ध काल।"

বুলি মহারাক্ষ বদালেন—"আমার পিতাবহ প্রবুপই ক্রমার পূরুবার্থ বিষয়ে অভিজ ছিলেন। গুর পিতা ছিবলুকলিপুর মৃত্যুর পর ভগবান নৃষিংহবেব কবন হাহুদকে তার পিতার রাজ্য এখনকি জড় বন্ধন খেকে मुक्ति नर्वत् धनाम कहरत क्षारमिहतम, क्रथा अपूर्ण মহান্তাত মৃষ্টি ৰাজ ভোগৈৰৰ কোনটিই গ্ৰহণ কৰেবলৈ ভিত্নি হিকেনা কারছিলেন বে, নেইওটি ভগববারিশ প্ৰতিবন্ধক-বিচাপ একং ভাই আ ভাগবালের প্ৰকৃতি কুলা মা। তাই কর্ম থকা জনের কল গ্রহণ করনে পরিবর্তে প্রচাল ফ্রালাক কেবল ভগবানের দাস্ট তিকা क्लाबिरम्म। जामारमा मरको क्लिज्ञ, यात अध्यक संद সুপর্যন্তর্গের প্রকি আলক্ত, করা জড়া প্রকৃতির কলের স্থার কলুবিত ক্রং বারা ভগবানের ফল্ম লাভে বঞ্চিত, ভারা কথনত হাতুদি মহাবাবেলর মধ্যে মহান ভাগনৱতের বারা धर्मिक बहुन आई धारुमार कवरक भाषा ना 🖺

শ্ৰীৰ ভকনেৰ গোস্বামী কালে--"হে রাজন, যদি बदाराज्यस्य महिन्द्र चामि विन्हार्य वर्णना करवर । चर्चिन ভাগতের, ঠার অভেদ প্রতি সদর ভাগর ভাগরান নায়বল স্বরং পদহন্তে বলির স্বান্তে অবস্থান করছেন। নিভিক্তমে উদ্দেশ্যে দলকৰ স্থাকা কৰন সেই বাদার বাবে লিয়ে উপস্থিত হাটেলি, জখন বাধনদের তাকে তার প্রাকৃত্তির ছারা আলি হালার ঘাইল সূত্রে নিকেল করেছিলেন। সেই র্মান মহানামের চরিত্র এবং কর্মেরশাপ আমি পরে (ঘাটম **মতে) বিশ্বাবিডভাবে বৰ্ণনা করব**ে

"বুচললোকের নীয়ে জলাতন নামধ আর একটি। হয়।"

দেৱক স্বচেত্রে আ মানেদেরের সাজা! মলাসাধানিদের অক্সর্য। রিলোকের মঙ্গলাঞ্চান্তনী দ্বিপুরারি শিব একবার মানে তিনটি পুরী গর্ম করেন, বিজ্ঞ ভার প্রতি প্রসন্ত হরে, তিনি অধ্বর তরকে তার অধিকার ফিরিয়ে কে। সেই সময় খেতে ক্ৰেকে মন ত্ৰিপুনান্নি মহাদেৰ কৰ্তৃঞ লৰ্বভোভাবে ব্ৰক্তিত এবং ভাই ভিনি আতিসগৰ মনে করেন বে, কগবান এবং উল্লে সুদর্শন চক্রেনা ক্ষরে জীত ছাওয়ার আৰু কোনে কারণ নেই।"

"তদাতদের নীর্চে মহাতল। সেধানে করেশ্যধারী সর্বনা অভ্যক্ত কুন্দ কঞ্চতনর সংগ্রানা বাদ করে। সেই সমস্ক মহাসপেঁর মধ্যে কুছক, জন্মক, কালির, সুধেন चानि राजन। महारुद्धाः मध्येता मर्दन्ति ध्यावात्त्व कहन পক্ষীরাজ পরক্ষের ভরে অত্যন্ত ভীত অবে। কিন্তু তা সত্ত্বেও তারা ভালের স্ত্রী, পুর, বছু ও আস্ত্রীয়-বজনদের সঙ্গে আনন্দ উপজ্ঞোগ করে।"

"মহাস্তকের নীয়ে রুলাতল, যেখানে নিতি এবং মনুগ पूर्व रेक्स च कारतात सह भरत। स्टास्त कह रह भरी. निराज्यक, कालाह अवर दिश्लानुहरात्री। अहा सकरत (मयठारमञ्जू मूकं अवर मरर्गह घरठा विश्वत वाम करतः) এলা ধ্বা থেকেই স্বাচ্চন্ত গক্তিশালী এবং নিষ্ঠুল। বিদি সমস্ত লোকের অধিলতি সেই ভগবানের সুমানি চরেন্র দার ধরা সর্বনাই পরাভূত হয়। ইপ্রের দৃতী সরের খনন একটি বিশেষ অভিনাপ বস্তু উচ্চারণ করেন, ভাগা এই সময় সর্ণসদৃশ অসুক্রম ইন্সের তামে অকরে জীক হা।"

"রসাতকের নীচে পাতাল যু সম্প্রেলক, ছেম্বানে **লা**ই, কুলিক, মহালয়, ব্যেত, ধনকাৰ, গুড্যাই, স্থাচুড়, কম্বৰ, ভাতের, মেকাৰ জানি সান্দ্রেকণতি ভয়ন্তর আসুরিক সর্পেয়া বাস করে। তানের নেতা হকে বাস্কি। তারা অভ্যন্ত কোপনবভাষ এবং কানা বহু ফলাবিলিট্ট--কালের কারও পাঁচটি কবা, কারও সাতটি, কারও স্পটি, কারও এক শত এবং কারও খাবার এক হাজার কর্ণা। এই সমার কণার কর কণাবান মণি সংখ্যা রয়েছে এবং সেই মশ্রির আল্রেকে সেই কিবছর্গের যোগ্র আক্রকার বিশ্বরিত

পঞ্চবিংশতি অধ্যায়

ভগবান অনন্তদেবের মহিমা

প্রীল শুকুদের পোলামী বহাবান্ধ পরীক্ষিথকে: दशक्त--- ेट् होडन, ग्हेटम्प्गारगरक २०,००० (सञ्चन নীচে ভগবাঢ়ার করে এক মাকতার রাহেছেন। তিনি इराइम धारत वा महर्चन भागक एक्स्प्रम विभिन्न धारत। তিনি সর্বদাই বিভন্ন সর্বায়, কিন্তু যেহেন্ত তিনি ভযোগ্যান ক্ষান্তার শীক্ষাের করা পুলিও হল, তাই ভাঙে কৰমও কৰমৰ ভাষতী বলা হয়। ভাগৰান জ্ঞান্তমের জন্তা প্রকৃতির উমোতবের এবং বছ জীবের चाररकारतर जिथकाँ अवजा। यह सीच पदन प्रत्न करा, অনুমি ভোক্তা এবং এই জবং আমার ভোরের জন্ম এই ধারণা সম্বর্যধ্যে খালা প্রভাবিত হয়। এইফাবে কর कीर निरक्षक भीरमचा समझन चान मन करत 🖰

"এই রখাতেটি সহত করা সময়তে ভরবান অনন্তমেধ্যে একটি কণ্যম অবহান করে একটি সর্বের পানরে ঘটো প্রতীয়মান হয়। প্রসঞ্জের সময়ে অনক্রমের ৰখন সমগ্ৰ সৃষ্টি সংহাৰ করতে ইপ্তা করেন, তখন মোধবলত তার ককৃতি কৃতির ক্রবৃহপের মধ্য খেকে ত্রিশুলধারী ব্রিলেচন একাদশ ক্রমুকণী সমর্থণ নামক কর উবিত হল। তিনি সমগ্র নাষ্ট্র সংহার করার জন্য অধিপূঁত হন। শুদ্রান সভর্মণ্য শ্রীপাদপক্ষে অঞ্চণক ব্বক নৰক্ৰণ মণিমণ্ডল দৰ্শনকলে প্ৰতিভাত হয়। শ্ৰেট ভালপ-সহ নাগপতিয়া খন্স ঐকান্তিক ভালি সহকারে ক্ষপথান সক্ষর্যধ্যে প্রতি আমের প্রদান্ত নিবেদন করেন, তথ্য উল্লেখনৰ পদস্পে উল্লেখ সুমাৰ মুখ্যওল হাতিবিদিও হতে দর্শন করে মতাগু মানন্দিত হন। তাবের গওলেশ যতি উজ্জান কর্ণকৃওলের যার অলম্বত উপবাদ অনস্তদেবের সুন্দর সুনীর্থ বাহ সম্পূর্ণরূপে চিগার ৰবং ড) মনোহৰ বলৰ বিভবিত। তীয় ৰূপ উচ্চল তই वेशवास करण (मश्रीमारक बकार सहस्र गराम वहन वहा। ^{मुक्}री अभ्यासकाम्ब रूप्त जनवास्य प्रमान कानीर्वन শাতের আশার তার বাহতে অওক, চম্বন ও কৃমকুম পঞ

অনুলোগন করেন, ভাষন তার স্বীহারের সংস্পর্যে ত্রীদের হানর কাহাবেলে উত্থাপিত হয়ে ওঠো। ওাঁনের মনের ভাব বুখতে পেতে ভগৰাৰ ভখন কলাপুৰ্ণ মধুৱা ছাল্য সংগাৰে সেই প্রাক্ষকনাদের হাতি দৃষ্টিপাত করেন এবং তামের থনের বাসনা উপ্ল কাছে প্রকাশ পোরে গোড়ে বলে বুকতে পেরে উরা ভবন সন্মিত হন। তথন ঠারা মধ্য হাস্ট সহকাৰে মদ বিশ্বৰ্ণিত অঞ্চণ বৰ্ণ, অঞ্চলেটে প্ৰসম ভগবানের সুদর দুখনগুলের দিকে তাকিরে থাকেন। তপৰান সভৰ্প কানত প্ৰশেষ সমূদ্ৰ, তাই তাঁথ শাম জনপ্রদেব। তিনি প্রয়েখন ভগবান থেকে অভিন। এই **बर प्रभारत अवस् कीरक प्रमन जाधानत सन्। स्थि** অসহিস্থান্ত এবং জেনাৰ সংবঞ্জ করে তাঁল থামে বিলাক্ত कतरस्य।"

"দেবতা, অনুত্র, উরগ (সর্গদেবতা), সিছ, গুরুর্ব, विनाधत अवर प्रतिनय निराहर कार्यात्मत क्यमा अस्टास्त । জ্ঞাবাসকে কেন মানভাৱে বিভূপ বলে মতে মতে একং শুক পূৰ্ব বিকশিত পুন্দাল্প কোন মদতত্ত্ব সূৰ্ণাইমনে। তিনি উন্ন পাৰ্যদ দেব বৃষ্ণতিয়েন্ত উন্ন শ্ৰীৰূপ নিচ্ছত খৰুত্ৰ কণীর ধার্য আনন্দিত করেছে। তার পরনে নীক বসম, কর্মে এক কুওল, পুরুষেশে হল একা ঠার বাংস্থান অত্যন্ত সুগঠিত ও সুস্থা। ঠার অসকাত্তি দেবরাজ ইল্রের ঐরাবতের ইতের তথা, তার কোমরে স্বর্ণমন্ত্রী (मधना अवर ननामान रेक्सइडी सामा, खादा वा सर নব তুনাদী মঞ্জী প্ৰবিত সমেছে, তাৰ কান্তি কৰেও সাম হা ব। তম বধুর সৌরতে মহ হরে মৌরাছির জভাত মধুর ব্যার ওপ্তার করছে এবং ভার কলে তা আহও ইণ্ডার উল্নের মুখ্যওল অপূর্ব শোভা ধারণ করে। সৌম্পর্যাণিত হরে উঠেছে। এইভাবে ভগরুল তার উপর সীশা-বিদাস করছেন।"

*ৰড় স্বগতের বভন খেকে মুক্ত ছতে বাঁরা ঐকান্তিকভাবে আগ্রহী, জারা যদি খর-পরস্পরার ধারার সন্তর্কা শ্রীমূপ কেকে কল্ডলেকো মহিলা প্রবণ করেন এবং নিরন্তর স্বাহরণের বানে করেন, ভাগবন ঠালের



অভান্তের অভান্তলে প্রধ্নে করে সমস্ত আরু কলুক দুর করেন এবং ক্রম্বৰি কাল ধরে সভায় কর্মের মাধ্যমে জন্ত স্বাপত্ন উপন আফিলফা করার স্বাপনাক্ষণ হলরগ্রন্থি ছেল করেন। ব্রক্তার পুত্র নারত শ্বুনি সর্বনা উন্ন পিডার গভার তুমুক নামক বাদ্যবন্ধ (অথবা গন্ধৰ) সহ স্বর্নটিত **(हारक) श**ता केत पश्चिम केलन करतन। शतरमप्र ভাগনাম জন্ম দৃষ্টিপাতের যারা জড়া প্রকৃতির ওপঞ্চলিকে বিশ্বের সৃষ্টি, বিশ্বি এবং পালন কার্ডের কারণ-বাসংগ স্ত্রিক করে। সেই পাষে আত্ম কনত এবং কনাদি। তিনি এক হওমা সম্বেও নিজেকে বধ্যতেও প্রকাশিত ছয়েছে। উন্ন ভৰ মনুব কিন্তবে অকান্ত মৃতে পারে। পুন্ধ এক ভূল ঋগং কগবানের মধ্য বিরুদ্ধসাণ। উন্ন ক্ষতনে প্রতি আহত্বেদী কুশাকাত তিনি জন বিভিন্ন রাগ প্রকাশ করেন, বা সর্বত্যেতাকে চিকর। পরসেবর ভগবান পুরুষ উদায় এক তিনি সমস্ত যোগ-ঐথর্য সম্বাত। তার **७७८**रम्ब कर बाद कराड सन्द अन्द छेड्रम्ब श्रम्स जानम কার কারের মানা তিনি বিভিন্ন আবদ্যারে প্রবাদিত হয়ে বিভিন্ন জীলা-বিনাস করেন। সল্ভবন জীয়ৰ খেকে ভাগানের পরিহ নাম প্রবশ করে কেউ কবি অক'য়াৎ স্থা কীৰ্ডান কৰেন, জনবা আৰ্ড কিবৰা পতিত ব্যক্তিও বনি পরিপ্রসম্প্রের সেই নাম একবর উৎসেদ করেন, তা হলে लोरे वाकि निरक्ष एक नमल नान एक्ट मूळ रूपेरे. উপরুষ তারে সাহিধ্য মার অন্যের পাপরাশিও বিনাপ ক্যান্তে সহৰ্ব হৰ। অভএব ছড কনতো বছন থেৱে

980

মৃতি পাজের আকান্তকী ব্যক্তি কেন ভগবান শেবের নাম কীর্তন করকেন না। তাকে প্রকা তিনি আর কার আগ্রায় প্রহণ করতে পারেন।"

শভগনা যেহেতু অনন্ত, ওটে কেউই ভার শন্তি অনুমান কগতে পারে মা। বিলাল নিরি-পর্বত, নদী, সমুম, পারণালা এবং জীরগান্ত সমষ্টিত এই রক্ষাও ঠিক একটি অপুর মধ্যে ভার সহয় কথার একটিতে লাভ মরেছে। সহয়ে জিয়া লাভ করেও তার প্রভাব কে-ই য়া বর্ণনা করতে পারেন। বহা শক্তিশালী অগবান অন্যালেকে ওপ এবং মহিমার করে নেই। বছতপক্ষে ভার শক্তি করেইন। সর্বতোজাবে কতর হওরা সন্তেও ভিন্নি মন কিছুর আপ্রর। রসাধ্যের মূলাদেশে কবছান করে তিনি অনারালে প্রভাবেক ধারণ করে রামেছেন।"

"एर असन, धानि विकास समान कैंच्याना कार । (धान क्षत्र भारति, (भेरे समुमात सामनात कार धरे प्रमान विश्वा कांना करामाय। कथीएना कर्य समुमात और प्रमान गठि मिल हत। मनाय गांकिया विकित कारक विकास गठि मध्य दश। एर सासन, भीरतता मध्यवग्छ छाएस सामना छ कर्यक्य समुमात किंचार सामना कार असर केंद्र च नित्र कांना विकास मध्यान कांना कांना करामा। और मध्यान मध्य करामा। और मध्यान कांना कांना करामा। और मध्यान कांना कांना कांना कांना सामना सामि कांना कांना कांना सामि कांना कां



হডবিংশতি অধ্যায়

নরকের বর্ণনা

ম্পানাক পরীক্রিং শ্রীল শ্রক্ষের ধ্যোরাইকে জিল্লাস্থ কর্মেন—"হে মহর্বে, স্থীবড়ে কেন্দ্র এই জড় স্থাপতে বিভিন্ন জড় পরিস্থিতি ভোগ করতে হব ঃ স্থানা করে সেই কম্ম আপুনি বর্ণনা করন।" মহর্বি ওকদেব গোধানী কালেন—"হে রাজন, এই জড় জগতে সান্থিক, রাজসিক এবং ভানসিক—এই তিন প্রকার কর্ম করেছে। বেহেডু সকলেই জড়া গ্রন্থতির ওবের ধারা প্রভাবিত, তার করে ভাসের কার্যকলাপক স্থী হয়, যায়া রজোওপে কর্ম করে তারা সুখ এবং দঃৰ দৃষ্ট-ট্ৰভাগ কৰে, আৰু যালা ভাষোওপের স্বারা প্রভাবিত ভারা দর্বমাই দুংখী এবং ভারে পণ্ডর মতে क्षीवन यानन करत। विकित प्राज्याः विकित्र करण्य पाता প্রভাবিত হওয়ার কলে জীবের বাতির ভারতম্য হয়। প্রাকর্মের থলে কেমল কর্মভোগ হয়, তেমনই পার্গকর্মের কলে নরক ভৌগ হয়। তথাওণের প্রভাবে মানুষ भागकार्य मिश्र हक्ष अनर अस्तर व्यक्तारमा माक्षा कनुमाहा ভালের মরকীয় জীবনের বিভিন্ন কর প্রাপ্তি হয়। কেউ ক্রম প্রথমবন্ত জমনিক আচরণ করে, ভা হলে ভাকে অৰ কষ্ট ভোগ করতে হয়। কেউ হনি জানকণত পাপকর্ম কলে জা হলে ভাকে আরও বেলি নরক-বছৰা ভোগ করতে হা। এরে ভারা মান্তিকভাবলত পালকর্ম করে, তাদের সব চাইতে বেলি নরকজ্ঞা ভোগ করতে হয়। অনাধি কাল ধরে অবিদ্যুক্তনিত কামনার नतिमायपातन जीव स्व जरूर अरूर नतक-मिर शास रह. আমি ভা এখন বিভাৱিতভাবে কৰিব করব "

মহারের পরীক্তিং শ্রীণ ওকানে গোগার্যীকে ক্রিকার করংকা—"ছে প্রকৃ, এই ন্যকসমূহ কি প্রকাতের বাইরে, প্রকাতের আনরশেষ মধ্যে, মাজি এই পৃথিবীরই কোন স্থানে অবস্থিত।"

महर्षि ७ कराव (भाषासी समस्मा—"मास्य नतक विस्तारका स्वरुद्धा स्वरूद्धा विका निर्क कृत्रका स्वरुद्धा स्वरूद्धा स्वरुद्धा स्वरुद

তিন থকার। কাল সন্থান্দ কর্ম করে তারা ধার্মিক এবং ধালান্দ, আরপ্তানির, কৌন্দের, মত্রেরির, কুপ্তীপাক, সুধী হয়, মারা রাজ্যেতাপাক করে তারা সৃধ এবং ধালান্দ, আরপারের, সুকরম্ব, অন্তপুণ, কৃরিভোজন, সুধ্ব দুই-ই ভোগ করে, আর যারা ভয়োওাশের বারা স্থাপ্রেরাধ, বিশালন, কালাভাক, সারমেয়ালন, অবাতি, প্রাথন বাগন করে। বিভিন্ন মারাম বিভিন্ন ওপার হারা আয়ুঃপান, কাল্যকর্মন, রাজ্যেপান-ভোজন, শুলাপ্রেত, প্রভাবিত হওয়ার কলে জীবের বাতির ভারতম্য হয়। মালাল্ক, অব্টনিরেধন, পর্যবর্তন এবং স্টীনুবা এইতলি পুলাকর্মের থলো বেমল স্থাতাল হার, তেমনই পালকর্মের

"रह जसन, रह वाकि खभरतह धन, वी च भूड অপ্তরণ করে, অত্যন্ত ভালের ব্যক্তিকা ভাকে কার্যসাপে বেংধ কাপুর্বত ভাষিত স্বাকে সিকেশ করে। এই ভাষিত্র নরক জের অক্ষকারে আজর, দেখাদে বযন্ত্রের পাগীকে ভীবশস্তাবে প্রহার, ভাতন একা তর্বন করে। সেখানে कारक कान्याद हान हह अयर कम शान कहार एएका হয় না। এইভাবে ক্রম ক্ষমতনের দানা নির্বাচিত হয়ে মে মুর্নিত হয়। যে ফুডি প্রতিকে বঞ্চনা করে ভাষ শ্ৰী-পুৱা উপজেৰ করে, সে অকতাবিক নতকে পতিড হয়। বৃক্তকে ক্ষুপাতিত করার পূর্বে থেকা ভার মূল क्ष्म क्या हत, एक्सरे (महे भागीक वे महत्व निर्कर করার পূর্বে ব্যক্তের সম্প্র প্রকার বর্মার করে। और राज्या बाठारे १६०० त्य, छात्र मान फाउ वृद्धि बागर দৃষ্টি নট হয়ে জন। সেই জন্মই সেই ন্যাক্ত পরিতের অন্তর্ডামিক বটান। বে ব্যক্তি ভারে কড় দেহটিকে প্রায় স্থান্থ বলৈ মনে করে, ভার নিজের সেহ একং সেহের সম্পর্কে সম্পর্কিত আবীয়-সক্ষণধের ভরণ-পেবেলের कर्मा मिरुस्य नाव निम चनात्र धानीत हिरमा करता. (जेंड ব্যক্তি স্ত্যুর সময় ভার দেখ এবং আছীর-ক্রমন্থের গমিডাাস করে, প্রাণী কিসোঞ্জনিত প্রদেশ্য কলে টোমক মরকে নিগতিত হব। এই জীবনে হে হিস্কে-গরাহণ ব্যক্তি কৰা প্ৰাণীনের বহুৱা দেব, মতার পর মধ্যে সে তার কৃত কর্মের কলে বল-বাচনা প্রাপ্ত বছ, তাকা সেই সমস্ত প্ৰাণীসমূহ, ৰাদের হিংলা বদ্যা হারেছে ওলা 'কক' হতে ভাকে পীড়া দেয়। এই ঋনা পতিতেয়া সেই নবককে টোবৰ বৰক বংগন। ক্লক প্ৰাণীকে এই পৃথিবীতে দেখা বার না, ভারা সর্পের থেকেও ছিলে। যায়া অন্যক্ষের কট দিরে নিজেদের মেহ শারণ করে. ভাগের মহাবৌর্থ নরকে সভাভাগ করতে হয়। সেই নরকৈ উদ্যাদ নামক কক শণুৱা তামের কলো নিয়ে

মানে আহার করেঃ যে সমজ নিয়ুত বানুৰ ভাবেব বেছ बाइट्रमा समा अपने बिहुता कृष्टि आध्यात समा निर्वेष्ट পশু-গন্দীকে হত্যা করে বছন করে, সেই প্রকার ব্যক্তির নৱ-আংসভোৱা রাক্সদেরও বুবিত। মৃত্যুর পর ব্যস্তের কৃতীপাক বরুকে কৃতির তেলে ভাষের পান করে। প্রক্রমাতীকে কলেন্ত্র নামক নয়কে নিকেন করা হয়, হার পরিধি ৮০,০০০ হাইল এক ঋ ভাহনির্থিত। নীচ খোৰে ভাগি একা উপত্ৰ খোকে প্ৰথম সূৰ্বেৰ ভাগে সেই ভালমত ভূমি অভ্যন্ত উত্তর হয়। সেখানে ক্রমণাতীকে অভাবে এবং বাইরে দছ করা হয়। *অ*ভাবে সে কথাও ভবাৰ কর হয় এবং বাইরে সে প্রথম স্থতিরণ ও তথ্য আরে দ্বর্ছ হতে পালে। ভাই সে কথাও শহুন করে, কক্ষণ উপক্রেন করে, কথনও উঠে বাজার এবং কথনও ইতত্তত ছটাছট করে। এইভাবে একটি পশুর শ্রীরে যত ক্ষেম মরেছে, তত ব্যক্তার সভা ধরে তাকে আগ্র ভোগ করতে হয়। আগংকল উপস্থিত মা হলেও যে ব্যক্তি বীৰ ফেমেৰ্গ খেলে এই হয়ে পৰও ধর্ম অবলখন করে, বান্যতেরা তাকে অসি-গ্রেকা নামক মর্কে নিকেশ করে কেরাখার করকে ঋকেঃ প্রহারের বহুপর নে বর্থন সেই নাতে ইতক্ত ধার্বিত হর, ভারন উত্তা পাৰ্থের অনিতদা ভালনৱের মধ্যে ভার সর্বাহ্য **भ**ठ-निक्रंड एउ । १७वन *(स* १एड, सामि बन्द कि कहता। ক্ষমি এখন কিভাবে রক্ষ্য পাব?' এই বাল আর্তনার করতে করতে গলৈ গলৈ মুর্নিত ছবে গড়তে থাকে। মধর্ম জাগ করে পাবও মত অবলয়নের কল এইভাবে ভোল বনতে হয়। ইহলোকে বে ভাষা বা বাজপুক্ত খনতনীয় ব্রাহ্মণ্ডেশ্রীরন্ত প্রদান করে, সেই পানীকে ধনপুড়ের। সুকরমুখ নরকে নিয়ে স্বায়। সেখারে অভ্যান্ত ৰদশালী বয়দূতেরা ভাবে ইকুদতের ইতো নিজেবণ করে। ভবন সে আর্ভসরে রোহন করতে খাকে এবং নিৰ্দেশ ব্যক্তি দখ্যিত হলে কেন্দ্ৰ হোত্ৰেছ হতে দুৰ্দ্বশ্ৰাল্ড হয়, নেও সেইভাবে মূর্ছিত হয়ঃ নির্দেৱে ব্যক্তিকে वक्तांत कराह अहै करा। छन्यात्तर चारवाकरन জ্বংপাকা, ফণা ইতানি নিমন্তরের প্রাণীর মানুক এবং कानुरम्। श्रानीतमञ्ज अस्त भाग करतः। और श्रमात माना

মানুৰের কট হয়। কিন্তু, ব্লাক্ষণ, ক্ষত্রিক, বৈশ্য ইত্যাদি উক্ত শ্ৰেণীয় মানুৰদেহ চেতৰ উন্নত এবং তাই তারা আলে বৃত্যু কত বেৰনাগগ্ৰক। বিবেক সমৰিত মানুহ বলি বিকেন্দ্রীন ভাষ্ণ প্রাণীবের হত্যা করে অংখা ব্যাধা বেছ করে নিভাই পাণ হয়। সেই প্রকরে মানুবতে ভারতা অক্তপ নামক নতকে বিকেশ করে সংগ্রেম करका क्रक्ष का राज्यात गए, भकी, नहीत्रभ, मनद উক্ত, ক্লীট, মাছি ইত্যাদি প্রাণীদের ব্রুণা দিরেছিল, জনের হার আক্রান্ত হয়। তারা তাকে স্বাদিক থেকে অক্সমণ করে এক ভার ফলে তার নিয়া-সুধ একেবারেই बहे करा वाद। बचनाव चहित्र श्राह दन रमधान विवास করতে না শেরে অকুকারে নিরবর চুটাভূটি করতে থাকে। এইভাবে অভকুপে সে একটি নিমন্তরের প্রাণীর মতে আশ্ব জেল করে। বে বাকি কোন ভক্ষায়বা প্রাথ্য হলে অতিথি, বাগক বা বৃদ্ধদের ভার বধানথ অংশ না দিয়ে निरावेर रकावम करत, चारचा (य रुक्ति नाकविश सरकार অনুষ্ঠান করে বা, সে কাকতল্য করে বর্ণিত হয়। তার মৃত্যু পৰ তমুক্ ক্ৰিডেজেন নামক একটি নিক্ট নমুক নিক্ষেপ করা হয়। সেই নরকের বিস্তার ১,০০,০০০ বেক্সন এবং ভা কৃষিতে পূর্ব। সেখানে সেই কৃষিকৃতে একটি কৃষি হয়ে সে কৃষি উপল করে এবং সেখানকার কৃষিকা ভাকে ককা করে। ভার মৃত্যুর পূর্বে সে মদি ভার অপকর্মের জন্য প্রায়শ্চিত না করে, ভা হলে সেই পাণীকে সেই কুকের নিজার যত ফেলান তত বছর সেশনে পাসতে হয়।"

তিল করতে হয়। ইহলোকে বে প্রধা বা রাজপুরুষ
লগুনানের অবোধা বাজিকে সঙ প্রধান করে, কিলো
ফার্মনীয় রাজেশকে শরীরকও প্রধান করে, সেই পালীকে
ফার্মনীয় রাজেশকে শরীরকও প্রধান করে। সেবারে অভার
ফার্মনীয় রাজেশকে করে জারে করে।
ফার্মনীয় রাজিল করি বারা করে।
ফার্মনীয় রাজিল করি করে।
ফার্মনীর রাজিল করি প্রকার রাজিল করে।
ফার্মনীর রাজিল করি করে।
ফার্মনীর রাজিল করি প্রকার রাজ্বি প্রকার রাজ্বি করি করে।
ফার্মনীর রাজিল করে।
ফার রাজিল করে।
ফার্মনীর রাজিল ক

অভিনয়ন করে, ভার মৃত্যুর পর তাকে বছুক্তটক শাস্ত্রকী। मधक तथरक निर्मात क्या हत। उन्हें महरव अधि अपनाती वक बरहारक यात्र केंग्रि सरकार मर्ट्स । स्थानुस्टाने সেই পাপীকে ভার উপর চড়িয়ে উনতে থাকে এক ভাব য়লে সেই কাঁটার ছারা তার সাক্ষ কেই ছিয়াঁতর হয়। ৰে সমস্ত ৰাজনা যা বাজনুকৰ কবিব আদি বাবিত্ৰীক পরিবারে জন্মহত্য করা সংগ্রেও গানীর্নিতর অবহেলা করে এবং ডার কলে অধংগতিত হর, ভারা মৃত্যুর পর কৈডবলী নামৰ নয়কের নদীতে পতিত হয়। নমক বেষ্ট্ৰনকারী পরিখাসনুশ এই নদীটি ভরতর জলচর अनीएक नुबं। भानी करिए बचन को रेक्टनी समीएक মিজিপ্ত হয়, তথ্য দেশমকর হিলে ক্রনচরের তাকে শ্রকণ করতে ওক করে। কিন্তু তার ভরতর পাগকর্মের ফলে তার প্রাণ বহির্গত হয় না। সে ভার গালকর্মের कथा नवन करारच करारच दिसंह, युव, भूंक, अस, राजन, मन, श्रामि, साम, मारन जनर हर्निन्न लाहे स्टीएड যক্ত্রণতোগ করতে থাকে। খুল্ল-রথগীনের নির্মক্ত পতিরা ঠিক একটি পশুৰ মজে জীবন জ্বপদ করে এবং ভাই छारम्य बीचन जनारात्र, श्रीड अवर निवसविदीन। क्टान পদ্ধ ভাষেত্র পুরোধ নামক নাকে নিকেশ করা হয়, খা পুঁজ, মুন্তা, প্ৰেয়া, লাল্য ইতাহি বুলিও বস্তুতে পূৰ্ণ একটি সমূত। সেখানে ভারা এই সমস্ত অভি বৃশিত পদার্থ ভক্ষণ করতে বাধা হর। উচ্চ বর্ণের অনুষ (ত্রাক্ষণ, শবির এক (রুণ) যদি কুকুর, কর্মন ইত্যাদি গও পালনে ध्यानक देव अयर धनर्पक मुनवात जिल्ल नख देखा करत. তা হলে মৃত্যুৰ পর থাকে প্রশক্তের নামক নাকে নিকেল আ হা ৷ সেখানে হস্ততের তাকে তাগে লক্ষ্য কৰিছে বালের দারা বিশ্ব করে। যে ব্যক্তি ইহলেকে ধন একং প্রতিষ্ঠার পর্যে পরিত হয়ে, বন্ধ প্রকাশ করের কন্য কলে গও বলি দেয়, ভাকে গৃত্যুর পর বিশসন কামক নামক নিকেপ করা হয়। সেখানে ব্যক্তের ভাকে আশব যপ্রশা দিয়ে বহু করে। যে মূর্ব দ্বিক (ফ্রাক্সা, করিব একং কৈন্য) ভার সামগা পথ্নীকে বলে রাখার কন্য নিজের ওক পান করায়া, প্রদোকে কমণুতেরা ভাতে লালাভক্ষ नायक नदरक विरक्षण करत तथर (अधार एकपनित वर्ष ভাষে প্ৰক্ৰ পান কৰাৰ। ইহলোকে বে সমন্ত ব্যক্তি দস্যুত্তি করে শরগৃহে অগ্নি দেয় অথক বিব প্রদান করে,

অথবা ৰে সমন্ত ৰাজ্য আ বাজপুকৰ আমুক্ত আদারের নাৰে অথবা অন্যাস উপাত্তে ৰণিক সম্প্ৰান্যাকে সুঠন কৰে, কুনুৱা পটা সেই সমস্ত অসুগ্ৰহাট সান্তমেয়ালৰ নামক নরকে নিকেশ করা হয়। সেবালে ৭২০টি বল্লের মতো দশ্য সমষ্টিত কুলুর রয়েছে। বনদূতের নির্দেশে সেই কুৰুৰণ্ডলি অন্তম্ভ কৃত্তিই সঙ্গে সেই সমস্ত পাপীলেন ভক্ষ করে। যে ব্যক্তি ইছলোকে সাক্ষ্য প্রদান করার সময়, ক্ৰম বিক্ৰমা কথাৰা সময় এবং দান কৰৰে সময় কোন প্রকার মিখা। কথা কলে, পরকোকে ব্যস্তের তাকে শত কোৱন উত্তত পৰ্যত শিক্ষা থেকে মাথা শীচের মিতে করে অব্যতিমধ কমত কাতে নিকেল করে। সেই নরকের কোন অবলখন স্থান নেই এবং প্রস্তুর নির্মিত প্রভাগ কলের হুণ্ডা প্রতীত হয়। কিন্তু সেখানে কোন স্কল নেই, তাই ভাকে থানে অধীচিমং (জলচীন)। সেই পাণীদের বাং ধার পাছাডের উপর থেকে নিক্ষেপ করা রলেও এবং কালো দেহ তিল তিল করে বিদীর্ণ হলেও, फारमा बढ़ा दक्ष मा जबर धाता निश्चत त्यरे याना काल করতে থাকে। যে প্রাথণ অথবা রাক্ষণী সুরাপান করে, বিবৰ যে ক্ষরিয় কিবো বৈশ্য প্রজগরাকা হয়ে প্রমানবশত লোহবন পান করে, বফ্রণ্ডেরা ভাবের আহংশান নরকৈ নিবে বাব। অৱশ্ৰেন মর্কে ব্যদ্তের তাদের পা নিয়ে পাণীনের ক্ষরকা চেপে ধরে জন্মে মূবে অভার উচন্ত ভালে লোহা টেলে দের। যে বীচ কুলোইত এবং অধ্য হতর সন্থেও 'অমি বড়' বলে মিগুর অহতরেপুর্বক জন্ম, ভগস্যা, বিদ্যা, অচার, বর্ণ অখবা থারাখে ভার খেকে শ্ৰেষ্ঠ ব্যক্তিকে ৰথায়থভাবে সম্মান প্ৰদৰ্শন কৰে না, সে জীবিত অবস্থার ই মুখ্য এবং মুখ্যুর পর জাকে কার্কের্নম নামক নাকে নিকেশ করা হয়। সেখানে সে ব্যস্তাদের স্থায়া প্রচল্পতারে নির্বাহিত হয়ে অভান্ত দূরণ-দক্ষণা ভোল করে। এই পৃথিবাঁতে অনেক পুরুষ এবং খ্রী হয়েছে, হারা ভৈবে বংখন ভ্রম্পানীর জড়ে নহেলি লিয়ে আদের बारन धार । बाहा वह बहरूना वक्त करत, फारमन प्रकात चन यहाच्या निरंद शंखना एक अनर प्राप्त व्यापद र्यान নির্যোজন ভারা রাক্ষণ হবে সুঠীক্র অক্সের জুরা পেখানে प्रात्म ४० ४७ वह वहाँ। हेशबाद रखनारी वाकि কেচাৰে ব্যবস্থি দিয়ে তার রক্ত পান করে আনত্থে নতা-দীত কৰে, হিৰ্থানত ব্যক্তিয়াও তেখন প্ৰলোকে ব্যাকারীর রাজ করে করে জানকে বৃহুর রীজে করে। যে পাক্তর কলাও হয় তার ফালে পারে সালিত বা । प আগতে পক্ষ-লাগিলের জ্বভার দান পূর্বক বিশ্বাস অন্তিতে **पूज कार्यक्त मृत्यक्त वृश्या रक्षापत पिन्द वाटन अन्तर उत्पाधन**

সহস্তে হাতুৰ ইবালয়কে প্ৰায়ে যা অহথে জীকা কন্ধাৰ্থে । একে ৯ কেল কৰা হয় সেখাৰ্থ, ব্যৱস্থাৰ কৰা চৰ্চাৰ্থ - উপ্রাণ মহতা সূত্র পান করে।

्रिक प्रकारण अनीएकर अपायरक उद्दे स्थान गर क्रिक्सरकेन करका कीता करता करका गरिया (तर्का, स्त्राचा अस्त्र नवक शर्काक एक श्राम पार्थित वर्षा असाव মুকুৰি পৰু বানুক্তাৰে বাৰা পুন্তোত নামৰ নামতে নীক - মিলুলৰ কৰা হয়েছে এবং চালেৰ কৰা উল্লেখ কৰা হয়ত্ব **इत् करा काराव महीत कीक्ष क्या है।जारित क्या विक**्षाता काम कारावड़ सामय बालकार्यन सारा कनुनाहर विक्रिय করা হয়। সেমানে মানা কুলার ডুকার পীড়িত হয়। প্রভার নামকে চারেশ করেব। মার যারা প্রভারন করে এক চনুমান থেকে কৰু, কৰুন প্ৰভৃতি জীয়া-চকু পান্দী । পাৰ্গ আদি পুৰাময় লোকে গান্দা করে। কিছু, পানী এবং कारम कारमा एसर क्रिमोक्स कराएक चारक। अधिकारक नृत्युक्त क्रिक्टरकी कारमा कार्यक्रम (मान करत सावदान मानाह प्रतिष प्रदा क्या क्या प्रारम नृष्ट्रिक भूष्यवदर्श । नह बहै नृष्टिरीक विद्रत प्रारम्हरू १३। तकार কলা অবৰ্ণ করতে পাকে। বারা ইহলোকে সপেন মাজা । নীমেন্তাপবছতন ভিতীক এবং ফুটার ছতে। আমি কানা লোপপরায়ণ হয়ে করা প্রানীধের মাপ্র কেছ, ভারা করেছি কিন্তার মুক্তির পর্য ক্ষালয় চতার হয়। পুরাংগ मारकारक मन्त्रक आपक अस्त्रक पछिक एतः। स्ट ताकन् अभारकत एकूमेन कृत्यत्वा करेना करा स्टारकः। औ विसार দেই দহকে পঞ্জাৰ ও সংগ্ৰুৰ সংগাল জাৰের মুখিকে: সালটি ভাগৰানের পক্তি এবং ওলের বাবা সৃষ্টি গায়ে পঠাব अरक्ष होने करण। यादा देवरमार्क कता लागीहरू वर्ण प्रस्त कथा देव। नावादनक बर्दक नना ३६ क्षम् हर्न, स्थानात से भारतकृत क्षता क्षत करत की विकासन स्वयं मेर कहा महत्त्वात स्वयं वह গেছ, বৃদ্ধার পর ভাবের অধ্যানবোদন লামত নারতে পরীরের কথিও পর্চে করেন, মাকা করেন অধ্যা অন্যানের নিকেশ করা হয়। সেবারে অক্তৃণ আদিকে বিধাক । কাছে বাধ্যে করে অধ্যক্তর ক কৃষ্ণার্ভাক্তর প্রভাৱ করেন, पूर असे नहिम बाता प्रमिरका करते कार्यक करमानारं। जा शहर केल अबा अंबर कुमानकि अध्यन वृधि बहर । মান কেবল হয় তে গুলনার ভাগতে আছে। শত औ কেনোর বিবাস কর বনিও অভ্যন্ত কঠিন, ভরুত ্লেলার কুক হরে বাঠে করণ লালকৃতিল দুর্দি থাবা যেন। এই পারায় নিজেকে পরিত্র করে বাঁতে বাঁতে পারার সভা তাপে ভাষাধার করাত উদাত হয় তথ্য পর্যার্থন। পর্যাঞ্চল করার করার করা করে। বিশ কাৰে লাগেছ নিশাসৰ কথা হয়। সেয়ানে ব্যক্তৰ মণ্ডে। মুক্তিৰ প্ৰৰ জনসংখ্য কৰেছেৰ এবং কাছ জীবনেৰ প্ৰতি কমিন চ্ছোলানার বর্ত্ত কর করে ই প্রাট পর্কাশে সই । বাছ কেন্দ্র অসেকি সেই, উচ্চক করা বছাবাতি আভক্ত। भारतीय परिवार तथ्य सम्पर्धन करणाहर करणाहर कार । क्षेत्र करणाहर प्रभावता विश्वतिकारणाहर विश्वतिक पहला য়ে বাজ ইয়াপাতে ৪০ বনের কর্মে পরিত সমান্ত মনকে মনকৈ বলাভূত প্রের, প্রার্থক শীবে শীপর মনকে কাৰ 'আছি কত দাই। কে আমাৰ নমকাৰ হাগে **নিকৃত্যত ভিত্তৰ কলংগৰ (নাজিলালৰ নিচা**ছের) নিয়ায় नारक । और अपन प्रकारत दक्तारि प्रत्य तम अपन वह दक्षा अमिश्वरूप का अवस्थि वहन परिता वहन প্রতির করে। বে অনুসাস করে কেবলেন করে লোক। ভাগবানের ভিতর ইবলে অনুবাদক করে করে। বা ভারেন ত্রালার ,ন এখা ওচ্ছনাখনের সাক্ষর করে। এইকাইং চক্তা সাক্ষ্য। এইকারে উল্লেখ্য করে। রে কন হ সানৰে সংগ্ৰহণ সংগ্ৰহণ ও বৰন ভয় চাই যায় বাজন, আমি আপনায় কাছে এই পুৰিবী আনামৰ লোক, এক আৰু কৰে ভাৰত ট্ৰিক একটি নিশাচেত কৰে। যাই, নদী, পৰ্বত, আকাৰ, সমুত, পাতাল, নিক, মতক ক ক্ষেত্ৰত লাছে। সে কান্ট্ৰ কুৰ লাম না এক কুলিয়েইনে নাক্ষমণ্ডল কৰিল কাৰণায়। সেণ্ডলি সমগ্ৰ প্ৰানীৰ ছীকা কাতে বে কি থেকাৰ, খা লে কাতে লাভে আ। সামায়কলণ ভগবানেত বিবাচকণ। এইভাবে কাৰি কা উপাৰ্জন, পৰ্বত ও প্ৰভাগৰ পানা হৈছে। ভাগে ভাগেলে পানা কাছৰ বাং। পৰীকো বাংগা কৰপান।"

য়ষ্ঠ স্কন্ধ (মনুমান্তর্গিত কর্ত্তর কর্ম)



অজামিলের উপাখ্যান

বহারতা পরীক্তিৎ বলকোন--"শ্রেছ প্রস্তু, হৈ ভবনেব গোদামী, আপনি দুৰ্বে (বিতীয় কৰে) যুক্তির পথ (निवृषिभाग) वर्गना करतारहन। त्यारे वृष्य धानुभाग करता অবল্যে ক্রমে ক্রমে প্রসাধের সর্বোচ্চ ক্রেক প্রস্কারনাকে উটিভ হওৰা যায় এবং কেবল খেকে প্ৰথমে সঙ্গে ভিৎ-জগতে উরীত হওবা সাত। এইভাবে জীবের জন-স্বত্যা বছন থেকে নিছবি লাভ হয়। হে ফার্বি ওকাদের দোপানী, জীৰ যথক্ষা পৰ্যন্ত জন্ম প্ৰকৃতিত ওপের প্ৰভাৱ থেকে মৃক্ত না হয়, ততক্ষা তাকে সুখ-দুখে জোৰ করাছ খল্য বিভিন্ন প্রকার শারীর ধারল খারতে হয় এবং সেই শরীর অনুসারে তার বিভিন্ন প্রকার প্রবৃত্তি হয়। এই उद्धि जन्मस्य करव रम अविष्यार्ग वयम करव कर শালি লোক প্রাপ্ত হয়, যে কথা পুরেই (ভৃতীয় ছতে) বৰ্ণিত হ'বেছেঃ অংগনি (পঞ্চয় ক্তৰের শেষে) অধর্মস্বরূপ কে নানাবিধ নরক রয়েছে, ভারও বর্ণনা করেছেন এবং আপনি (চতুর্ব সামে) প্রথম যে ফাল্ডরে বন্ধার পুর স্বায়ন্ত মনু জালিকৃত হন, (সই আছ) ম্বত্তের কথাও কবি করেছেন। হে গ্রন্থ, আপনি প্রিরন্ত ও উত্তানশামের বংশ এবং চাবিত্র কর্মনা করেছেন। প্রয়েশ্বর ভগবান কেতাংশ বিভাগ, লক্ষণ একং পরিয়াশ নিৰ্দেশ কৰে বিভিন্ন লোক, বৰ্ব, ক্ৰী, উদ্যাৰ, কৰণপথি अर्थाट मृष्टि बाउराइन क्रम (१९७१व क्रमश्रम, स्वामिकाइक ও সাধান আদি সোকের সংক্রম করেছেই অংশনি তাও वर्तना करतरहरू। ११ वहाकान करराव आरशंबी एव উপায় অবলন্ধন করলে মানুবকে নানা প্রকার অসহা যাশানর নাকে গতিত হতে হয় মা, এখন আগনি আলা কাছে সেই উপায় কুগাপুৰ্বক বছৰা কলা।"

বীল তথকে গোড়ামী উত্তর নিলেন—"তে থাজন, प्रकृति भूर्व धेरे कीचरतरे का, वाना अवर मतीय पाता र नाम बाहतन बना इरहाए, प्रमुगरहिका अवर कानामा ধর্মশংস্থের কর্মনা অনুসারে জনুর যদি স্থাসভাবে তার হার্যান্ডর না করে, স্থা হলে মৃত্যুর পরে ভাকে নরকে অসন্ত আপাড়েল করতে হবে, বে কথা আমি পুরেই

শরীৰ সৃত্ব থাকতে থাকতে, শীয়েই পাল্লেক নিৰ্দেশ অনুসাৰে প্ৰচাল্ডির অনুষ্ঠানে বছুবান কর্মা উচিত: জ न करण मानद नोडे शता यात्व जनर नारभन क्षा सर्वित হবে। অভিজ চিকিৎসক বেহন রেপের ওকর এবং লয়াছ বিষ্ণোচনা করে চিকিৎসা করেন, তেমনট পালের मरुष अवर कार्य विकास करत त्येरै काम्याद शायनिवाद क्या अर्थता"

जवाताक भरीकिक बन्दानन—"यानुव कारन द्य পাপকর্ম করা করে পথে অবস্থাপকর, করেশ সে দেখাত পার খে, রাষ্ট্রের আইনে পানী ধতিত হয়, সাধারণ মনুকো তাকে তিরছার নিশা করে এবং শার ও তবুল ব্যক্তিখের আছু খেকে কে জানতে গারে বে, পাগীকে পরবর্তী জীবনে নবকে ব্যাপারেশ করতে হয়। কিয় ভা সক্টেও মানুৰ বার বার গালকরে সিত্ত হত্ত, এফা কি প্রবশ্বিত করার পরেও। অভএব, এই প্রকার প্রারন্ডিকের কি মুক্ত আছেং পাণ্ডার ব্য করের ব্যাপারে অভান্ত সচেতন স্থাতিও কথনও কথনও পুনরার প্রণকর্মে লিগু रह, छाँदे वासि अरे आवन्तिरखर शहारक रखीजालक যুক্তা নির্মাক বলে ফলে করি। কারণ ফুরী খান করার भा कामा करते बरगरे छात्र शाक्षात अवर गारव थांग

বেদব্যাস-নৰ্ম শ্ৰীল শুক্লেব গোখামী উত্তৰ দিলেন--"হে জন্মন, বেহেডু পাপকর্মের কণ নিন্তিয় করাৰ এই পয়াচিও সকাম কর্ম, ভাই ভার ধারা কর্মেক বছন বেকে মুক্ত হওল কমে না; বানা প্রায়ন্চিকের বিধি चनुमक्त करा, छाता सार्टिहे वृष्टिश्रम नह। अन्छ गरफ. তার ত্যোওপের হার মাজ্য। বতকণ পর্যন্ত যানুব ত্যোওগের প্রভাব থেকে মৃত মা হয়, ততকা একটি কর্মের ধারা কলা কর্মের প্রতিকারের চেটা সম্পূর্ণকাপে বার্থ হব, কেনত ভার কলে কর্মধাসনা সমূলে উৎপাটিও হয় না। অপাতদৃষ্টিতে সেই সমক ব্যক্তিনের পূণাবান বলে মতে হলেও ভারা পুনরায় গালকরে লিগু ছবে, সেই নাৰছে জেন সম্বেহ নেই। তাই প্ৰকৃত প্ৰায়শ্চিত হচে আপনার কাছে কবি করেছি। আকঞা মৃত্যুর প্রেই, বেলাছের পূর্ণজনে লাভ করা, বার হারা প্রম মত্য ৰুৱানেধার ভগবানকে হুনাংক্রম করা ধার। যে রাজন, ও গীলার প্রতি আকট হারছেন, উরো সম্পূর্ণরূপে সমস্ত লোগী কেন্দ্ৰ চিকিৎসকো খেবতা পদ্য আহাতে কলে ৰীকে বীকে সৃত্ব হথে ওঠে এবং তাকে কেনৰ কৰি জন আক্রমণ করতে পারে না, তেমনই, বিনি কানের বিধি- পানীদের বছন করার জন্য পান-বহনকারী সমপ্তদের বিষেধতালি পালান করে চলেন, ডিনি ক্রানে করে করে করি করেন না। এই বিধরে পণ্ডিত এবং মহাবাতা হলার থেকে মুক্তির পরে অসমর হন। মাকে একটে একটি পুরারণ ইতিহাস বৃষ্টাস্থয়াপ বর্ণনা করেন। এরার জন্ত রাজ্যর্থ পালন অবস্থা কর্তন্য এবং কথনও। বিশ্বস্থাও ব্যৱস্থাতের অলেচাকে সমন্বিত সেই ঘটনাটি সেট তার থেকে পতিত হওল উচিত #3। 'বতাস্কৃতিভাবে আপনি আহার করের একা করন।" ইন্তিয়সুৰ পৰিজ্ঞাৰ করে ভণকর্বা করা উভিত। সম এবং ইপ্রিয় সংঘত করা উচিত। শাদ করা উচিত, করত। সে এক বেশ্যা দাসীকে বিবাহ করে তার সঙ্গ সভানিষ্ঠ ইওয়া উভিড, ভট্ট এবং অহিংস হওয়া উভিড, প্রবাদে সমন্ত ব্রুছগুড়িত সম্ভূপ হারিবেছিল। এই স্বাধানতিত ৰিখি-নিৰেৰ পালন কয়া উচিত এবং নিভুমিতভাৱে ভগবানের দিবা নাম অপ করা উঠিত। এইভাবে ধর্মতন্ত্র সমান্ত জনসত প্ৰছা সমন্বিত নীয় বৃক্তি ঠাৰ সেতু, বালী এবং মনের ছারা কৃত সমস্ত পাপ থেকে সামরিকভাবে প্ৰবিত্ৰ হন। সেই পাশগুলি বীপৰাডের নীক্তে গুকুৰে লভার মধ্যে, যেওকি আওনে পোচানো হলেও ভালের মূল থেকে প্ৰথম সুযোগেই আবার সেই লভাতলি পজাতে বাকে। খানা সম্পর্কাশে তার কৃষ্ণভত্তির লায় অবলম্বন করেছেন, তারাই কেবল গাপকর্মন্তৰ জনাহাকে সমূলে উৎপাটিত করতে পারেন এবং সেই আগস্থেওলির প্ৰকল্যমের আরু কোন সম্ভাবন আৰু এ। ভালমুক্তির भनुनीन्द्रका श्रष्टात्वेहे रक्ष्यन छ। त्रक्ष्य हत्, क्रिक स्थान मूर्व चार किस्ट्रपर बाता चाडिटडरे क्याना एक करत (मध हैं।

"হে রাজন, থেকা পালী বলি ভগবরুতেও সেগার বুক হওয়ার মাধ্যমে স্বীকৃষ্ণে চাহৰ আন্তসকৰ্ণৰ কলে. ভা হলে ডিনি সম্পর্ণরতে পবিত্র হতে পরেন। আমি পূৰ্বেই বলেন্দ্ৰি যে ভলকৰ্মা, ব্ৰহ্মাৰ্য এক প্ৰায়লিকেন্দ্ৰ অন্যান্য পছার ধারা পবিত্র হওরা বাছ না। সুশীলা একং স্পৃত্ৰ-সম্পন্ন ভঙ্ক ভঞ্চ যে পৰ অনুসক্ৰৰ কৰেছ, সেটিই धीरे सभाव जब हाहिए। प्रजन्मत नव। तारे नथ তম্বিতীৰ এবং লাখের ছারা শীকৃত। হে রাজন, পুরভাও বেমন বহু নদীর জনে দৌত বরকেও ওছি হয় ন্ম, তেমনই অতি সময়ভাবে অনুষ্ঠিত প্লয়ভিত্তের পরায় ইটা অভন্ত পৰিত্ৰ হতে পৰে নাঃ নীক্ষকে পূৰ্ণকৰ্পে উপলব্ধি মা ক্ষুপ্ৰত বীৱা দাৱত একবাৰ ভাৰ कैंगोरमट्ड महनागठ इट्यट्डन जरा केंद्र नाम, कन, वन

পাপ থেকে হস্ত, করেব তারে প্রায়ন্তিরের প্রকৃত পদ্ম অবদৰন করেছেনঃ সেই শরণাগত ব্যক্তি ৰথেও

"কান্ডেৰ নগতে কৰামিল নামৰ এক প্ৰাৰ্থণ খাল প্ৰাক্ষণ অভানিত বানবকৈ কথা কৰে, দাতভীতাৰ প্ৰবেজন করে স্বৰুত সন্তাসম্ভিত্যকে ল্যান্ডন করে জনাদের কট নিও। এইতাৰে সে ভার স্থী-প্রদের ভরণ-পোষণ করার ক্ষম জীবিকা উপার্ক্তন করত। হে রেজন, বহু পুরসমন্বিত তার পরিবারের লালন-বালন করার জন্ম নানা রকম স্বাক্ষম পাণকর্মে লিপ্ত হয়ে তার ১৮ কলের দীর্ঘ আর অভিজ্ঞান্ত হরেছিল। বৃদ্ধ অব্যানিষ্যের মলটি পুর ছিল, ভার মধ্যে সর্বকনিষ্ঠ প্রাটির নাম ছিল নারারণ। বেরেড নার্যাণ দিল তার প্রস্রেলা মধ্যে কর্বকনিষ্ঠ, ভাই লে পিতা-যাভার অভ্যন্ত ত্ৰিত ছিল। বৃদ্ধ অন্তাতিলের চিত্ত সেই অস্থাট মধ্রভাষী শিশুটা। এতি আকৃষ্ট হরে থকত। সে সর্বনা সেই নিজটকে নিয়ে বাকত এবং নিজসুলত কাৰ্যকলাপ বেৰে আনবিত হত। অভাজিন নিমে বৰ্ণন কোন কিছ আচার করত, অথবা পান করত, তথম সে নেই নিওটাকর ভোজন করাত এবং পান করাত। এইভাবে निकटित हाजन-नालक करहे अवर कांच माजावन मान উজ্ঞাল করে অফারিল সর্বধা ব্যস্ত থাকড এবং সে কুমতে পাবেদি যে, এখন তার আৰু সমাত হয়ে মৃত্য আন্ত হতেছে৷ বৰু বুৰ অভানিক্ষে স্থানাল উপস্থিত হল, ভখন মে কেবল তার পুত্র নারায়ণের কথা চিন্তা করতে লগেল। অভামিল তথ্য দেবতে পেল যে, ভিনন্তন পাৰ্যন্ত, ব্যাহ্ৰ, উৰ্মানোমা, অভান্ত ভয়মৰ ফলি পুরুষ ভাতে কমালয়ে নিয়ে যাওয়ার জন্য এলেছে। ভাষে একে অক্তিৰ অভাত বিবাস্ত হয়েছিল এক কিছ গৰে খেলাৰ মধ্য ভাৰ পুত্ৰটিৰ যথে আসন্তি-বৰত অন্তাহিল উক্তৰত্তে স্থান নাম ধরে ভাককে ওক করে।

এইस्टार्य काळभूर्व सङ्गातः त्य नावादापुत साथ केळालग করেছিল। এই সাক্ষম, বিষ্ণুতেরা মরগোপুর ক্ষমানিলের মূৰ খেতে খানেই প্ৰভঃ দিন্ধ নাম কলা করে ভংকণাং সেবালে উপস্থিত **হলেছিলেন**ঃ অন্ধাহিল নিক্তর নিরশরাকে সেই ব্যুম উচ্চালক করেছিল, কালে সে অভ্যক্ত ভয়ার্ড হরে সেই মাণ কবেছিল। ব্যক্তরা বখন বেশ্যাপতি অঞ্চিলের স্বাস্থাকে তার হৃতলো অভাবন থেকে কলপর্বক টোলে হার কর্ম্বিল, জবন বিশ্বলুতেরা বছুনির্বোধ করে আনের নিজবণ করেছিলেনঃ সূর্যপুত্র कारात्वरा मुरस्ता औरजात निवर्तिक वटा फेटन निरम्भिन, শ্বরুরাজ্য সালানের প্রতিবেধ করার বুংলাক্সকারী আলম্যে করা !' আপনার কার সেবক ৷ কোডা খেকে चान्नामा अस्तरका १ । अस् इन्हें चाननाहा क्षाभारमा অনুষ্টিনতে কৰে কয়তে বাধা দিকেন ৮ আপনায়া পি ক্ষেত্রের উপ্তেখক। অথবা একি ভালে : আপ্রায়েনর নারম পর্ভক্ষের পাণড়ির মতে বিস্ফর্যরত। আপনারা পাঁতে (बीर नष्ट कमाश्रती), चालनाराच जन्मना वांचाएके किरीति, কর্প কৃতল, পলমেশে গছকুলের মাল্য শোসে পাঁকে এবং অনুনারা সকলেই নববৌধন-সম্পন্ন ৷ আনুনাদের ৰীৰ্ব চন্ডাইজ ধনুক, তুগ, অসি, গল, দল্ম, চক্ৰ ও পাৰের। দ্বারা অপক্ত। আপনাদের দেহদির্গত রশ্বিকটো এক কপুর্ব ক্লোতির দ্বারা এই স্থানের অকলার দুর করেছে। काशनाजा त्यस कामारशत यथा निरक्त ।"

শ্ৰীল ওকদেৰ গোখানী বললেন—"বমন্তেরা এই৬্যুবে কথলে, মানুগেকের সেবকের হেলে জলদগরীর করে কালেন, 'ভোমরা বনি সতিটি বমরারের সেধক २७. चा उराम चाराठाव आध्य पर्दात स्वाम ध्वर चराजी শক্ষা করে। স্বরণানের বিধি কিং সংক্রের উপস্ত কেং সমঞ্জ কমীতাই কি দখলীর প্রথল ভালের মধ্যে क्टरकुकान साह है^{1 क}

श्राहर्ष ठाउँ वर्ध क्या कार विश्वीत श्राह अवर्ध । दान नामार माधारत बागर था जार केंद्रक श्रायक। उनहें कथा धाञ्या चनवार्का कार्ड् शहर्मा । वर्गकाशस्त्र भवर बार्ल মারারণ ঠার ধাম রিং-মাগতে বিরাজ করেন, বিদ্ধারণ তিনটি ওপের ছারা সমগ্র জনগঞ্জে নিয়প্তর করেন। স্বয়ন্ত পরীরকে তার নিজ্যে স্থান রূপ মনে করে, ঠিক

এইভাবে সমস্ত জীয় বিভিন্ন ৩৭, বিভিন্ন নাম (কোন রাজন, ক্ষরিয়, বৈশ্য ইত্যানি), বর্ণানাম ধর্ম অনুসারে বিভিন্ন কৰ্তন এবং বিভিন্ন হাল প্ৰচন্ত হয়েছে। এই চাৰে নারারণ ইটেনন সমগ্র করান্তর কারণ। সূর্ব, আধি: चाकार, बाई, रामछो, उत्त, जवडा, मिन, हाबि, मिन, कन, পৃথিবী এক প্রমান্ত শ্বয় কীবের সমস্ত কর্মের সাকী और महत्त्व ज्याकीरमन पामा विकास पामा बाहनकानीह মতের পাত্র। সকায় কর্মে লিপ্ত প্রতিটি ব্যক্তিই ভাগের পাণকর্ম অনুসারে মণ্ডপীর। হে কৈঞ্চবানীনপ, আগনারা নিজ্ঞাৰ, কিন্তু এই আড় জগতে গাথ অথক পুণ্যকৰ্ম क्रमकंत्रकारी) अकरमदि कर्मी। केंग्रत शकाद कर्रदि चरानत পক্ষে সভাই, কামাৰ ভাষাে আড়া প্ৰকৃতিক ভিনটি ওপের দারা কথ্যিত এক, ভাগের প্রভাব অনুসারে ভারা কর্ম ক্সতে কল্প হয়। লেংগরী জীব কলনও কর্ম না করে भाकरक नारत जा क्षेत्रा क्षेत्रांक्षेत्र क्षेत्र व्यवस्था वर्ष ছবে, ভারে প্রশবর্ম করতে বাধ্য। ভাই এই বাদ বাগতে अवक कीवरे मचनीत। और भीवता वा वांक वा পরিমাশ ও বে প্রভার ধর্ম অথবা অথর্ম অন্তরণ করে, পরবর্তী জীবনে সেই ব্যক্তি সেই পরিমাল ও সেই প্রকার ষর্মারক ভোগ করে?"

"হে দেহত্রেষ্ঠগণ, প্রকৃতির কিন ওপের প্রভাবের কলে আমর তিন প্রকার জীবন দেখতে গাই। তম করে। बीएरएनड मास् उक्त अस अस मुह, मुनी, चनुनी अन्त कारणब प्रकारणी: धापना शार्थिक, धानाविक अन्य दशक ধার্মিকরলৈ ক্ষেত্তে পাওয়া যায়। খা থেকে অসর টিক খনতে পারি ছে পরবর্তী জীবনেও জড়া প্রকৃতির এই ছিল গুৰ এইভাবে কাৰ্য করবে। ঠিক বেমন কৰ্তমান বসত্ত ঋত ঋতীতের এবং তবিবাতের করত করুর জনুতি সির্বেশ করে, তেমনাই এই জীখনের সুখ, দুঃখ স্পথবা তাদের নিমাণ পূর্ববতী জীবনের একা ভবিবাৎ জীবনের रजनुरङ्गा উछत्र विम--"द्याम व्य किंद्र निर्मातिक । यम अवर कावम चारु बर्गन निम्मीन मन्द्रन वया। नर्गनस्थिकः बन्धान क्षणात्रेषे प्राप्ताः। कात्रम क्षेत्र निकार খায়ে কাকৰ প্ৰসাধান মতে সকলের কাবর কাবর্দী কমে মধ্যে হাত্ৰ তিনি ছীবের পূর্বকৃত অভবন দেশতে পান এবং এইভাবে ডিনি বুবতে পারেন ক্রীন ভবিবার্তে সংযাও তিনি সন্মু রাজ এবং ভাষ—জড়া প্রকৃতির এই কিভাবে আছারণ করবে। নিয়াভিড়াও ব্যক্তি বেষন ভার

তেলেই জীব তার পূর্বকৃত পুলু ভাবের পালকর্ম অনুসারে প্রাপ্ত বর্তহার শর্মীবট্টকে ভার ককল বলে মান করে এক खात घाडीरड घायता वरियार केंग्रिस अवस्थ किन्नेड कानरह शास्त्र मा। अस सार्गाच्य, शक कर्गाच्य अस शक তক্ষাক্রের উপেনি হরের মান, বাং ব্যাওল ভার । মনেব फेरली मंतुमन एवं बर्क कांद्री क्यांच कीन दवर रह कांकन, तर प्रकार, जगाजाद करा नम्भानन कांत्रह, খানা খোলটির সকলোলিতার একা জন্ম জাধকে ভোগ। ইতনিষ্ঠ, কোমলটির এবং জিতিরির জিলান। অধিকার करत। श्रीय पुन, पुरर्व अन्तर भूच-मूर्यक्त मिक्य----व्हर्दे किस अञ्चलायी, अपन्न अयर पाउट्य आंदर विरासि। তিন প্ৰকাশ পৰিছিতি উপত্তেৰ কৰে। সৃষ্ধু শ্ৰীয় ক্ম - অঞ্চল্লিল উন্ন শ্ৰীওকলেই, অভিনেত, অভিনি ও বৃদ্ধদেই ল্লানেরিব, গাল কর্মোন্তর, গাল ভারার এবং মন-এই । প্রতি অত্যান্ত প্রদ্ধারনে ছিলেন। তিনি বস্তুতই নির্বেকার, বোলটি করা-সমন্তিত। এই সৃষ্ট দেইটি ওপরতের প্রভাগ - উর্বস্তেক্তা, সর্বভাবের হিস্কোরী সৃষ্ঠা এবং সন্তর্গণ-সম্বিত। স্থা দুৰ্মিবার বাসনায়ত এক ভাই জা জীবাক সম্পন্ন ভিন্তেন। তিনি কথানে অনুৰ্বাক বাক্যাল্যাপ ফাুৰা, পণ্ড, দেবতা ইত্যাদি বিভিন্ন সৈহে দেহাখনিত - কর্ছেন না এবং কামণ্ড প্রতি উর্বাপনারণ ছিলেন না। করার। খীর করন দেবতার দেহ প্রাপ্ত হয়, তথন সে । সেই রাজ্যা অক্রামিল এক সুত্রর উরু পিতার ক্যাণেশ্র व्यवसारे वारास्त व्यानिक हता। तम रूपन अनुकानतीत । कम, कुम, मधिर अवर कुन वाम मध्येष करता सन्त कर् প্ৰাপ্ত হয়, ভন্ম যে পৰ্যনাই শোক করে এবং স্থান সৈ । সিহেছিলেন। পাহে প্ৰভাবেউনেৰ সাজে, তিনি পাৰে এক প্ৰপৰীর প্রায় হয়, ডক্ষা যে সূর্বল ভয়ন্তীত থাকে। অভান্ন কলোর্ড পুরুতে কক্ষা পরিভাগে করে এক কিছ, প্রকৃতপক্ষে, যে বর্ব করন্তাতেই দুংগী। তথ্য এই । কেয়কে আধিকা ও চুকা করের কেকে। কেই শুন্ততি গুংলোরক অবস্থাকে করা হয় সংস্তৃতি বা কম কলতে। তার আনৰ প্রকাশ করে হার্সাইল এবং পান গাইছিল কো এক কেন্তু থেকে আর এক কেন্তু কেন্তুরির প্রধান। মর্শ সেটিই ছয়েছ মধাবন আচরণ। সেটা শক্ত এক বেশ্রা জীব ভার ১৮ এবং ইপ্রিরতে সংবত করতে ল পেরে, উভারেই সুসলালে উত্তর ছিল। স্থালালের কলে সেই ভার ইয়ে না ধাৰণেও ওপের প্রভান অনুসায়ে কর্ম বেলারে ট্রার ঘূর্ণির ছত্তিক এবং তার কান শিথিক कार्ष्ट वाथा रहा। सात कराहा किक क्वारी (हान्य- क्रांकिंग)। की तका चारश्राव क्वारिक सरावड कर्ना ওটিপোনার মতো, বে তার ব্যবিহস্ত লাল্য দিরে তেনে। করেছিলেন। পুয়াটি বরিয়ালিন্দ্র বংগর ছারা সেই নিৰ্মাণ কৰে ভাতে স্বাপৰ হৰ এবং ভৰন গে যাব। কেন্দ্ৰটিকে আনিক্ষম কৰ্মাকা। ভা তেনে অভানিনের বেরিয়ে আগতে পারে মা। জীবত ভেফাই জন নিমের সূত্র কামধানার উন্দান্ত হয়েছিল এবং বিরেছিত হয়ে কর্মজালে আবদ্ধ হয়ে উদ্ধারের পথ পুঁলে পার না। তিনি ভক্তা কামের ক্রীড়ত হরেছিলেন। তিনি ভক্তা এইভাবে সে মর্বন আয়েক্তর আৰু এবং কর বার ভার - শ্রীশনি পর্বন্ত না করে লাপ্রনির্বেশ কংগেগ্য সালে করে। मुद्रा हुत। रकार बीन्द्रि कर्य या करत बनकालय भाकरण । एक्ट्री करवित्तरका। यदि बाम अंबर रोल दुर्वस्य बाता दिल्ले পারে না। প্রকৃতির তিন কর অনুসারে যে ওয়ে সাভাবিক। নিজ্ঞেক সংগত করার চেষ্টা কর্পের্যালন, কিছু ছানার প্রবৃত্তি অনুযায়ী কোন বিশেষভাবে কর্ম করতে বাধ্য হর। সমন বেগের প্রভাবে তিনি প্রায় স্কর্মক সংগ্রহ করতে শীবের পাপ এবং পুপা কর্মসনুই স্বলোক্ত্র হলে তাকে रका का काहे। तो काहि केंद्र करका प्रमासका। (महाराहे मिर इकार वकारित व्यक्त करन তার প্রবাস মর্ক্র বাসনায় ফলে শ্রীন কেনে কিশের পরিবারে পিতৃসমূল অথবা মাতৃসমূল বেহু প্রাপ্ত হয়। তার বসনা অনুসায়ে তার মূল এবং সূত্র দেহ সৃষ্টি হব। জড়া হয়েছিল এবং তিনি ভাকে উংর পুত্র দাসীকলে মঞ্জির সংসাগের চালে জীকো এই বিশর্বর ম করণ-

বিশ্বতি হয়, কিছু ফ্রান্টিকে গাড় করের পর যে কি ভাবার অথবা ভাগবছরের সক করের শিক্ষা লাভ করে, ভা হালে সে ভার সেই পর্নিপ্রিয়াক প্রান্তত করতে

"বভাষিত এয়ক প্রকেশ প্রথমে বৈশিক আন সম্পন্ন পরিকের না। বাং কেঠাকে টাই একা সূর্বকৈ প্রার্থ করে, ঠার বৃদ্ধি ছারিয়ে কেলেছিলেন) সর্বল সেই বেল্যার টিখ্রা মথ থাকার কলে অভিবেই উরু অধ্যাপত্র বেংছিলের এবং প্রাক্ষণেচিত সমগ্র আচার-আচরণ পৰিতাপ কর্মেধনেন। এইজনে ক্ষমানিক সেই কেশ্যাকে ন্যার উপহার নিয়ে সম্বাট্ট করার আন ভার পিভার কাছ থেকে উভরাধিকার সূত্রে প্রত্য সমস্থ কর্ম ব্যব্র করতে খাবেল। সেই কেন্যার সন্তন্তি-বিধানের কর ভিনি ভার সমস্ত প্রাক্ষণোচিত কার্যকলার পরিভাগে করেন। অলাবিদের বৃদ্ধি কেন্যার কামপূর্ণ দৃষ্টির নাক বিশ্ব ক্রায়ার কলে, তিনি তাৰ অতি সুস্থী নৰবৌননা, সং ব্ৰাহ্মণ ঞ্লোরখা পড়ীকে পরিত্যাগ করেছিলেন। রাপাণ পরিবারে কর হওল করেও, কেন্দ্রের সভ্ন প্রভাবে তিনি ঠান সমন্ত বৃদ্ধি হারিলে এক দুর্বতে পরিশত হারেছিলেন এক সেই বেশ্যার পৃথ-করা সম্বাত পরিবার প্রতিপালন

कारफ क्षा डेन्सर्बन कतात सन्तु नाम्स अवर सन्ताधा উপায় অকাৰন কমতেন। এই রাক্তর এইকারে সাম্বাধনি केवडान करते. बरधकांतारा अंगुष्ठ वरत अवर राज्यात তৈরি ভেজন আহমে করে দীর্ঘকাল আগন করেছিলেন। তাৰ কৰে কান কীবন খতোৱা পালনা হয়েছিল এবং ভিনি অপবিধ ও অন্যয় করে বাসক হরেছিলে। এই অধ্যাদিক কোন প্রায়কিও করেননি। অতএব আমরা ঠাকে ঠার গ্রাণ কর্মের স্বর্গতোগের করে কমার্কের কাছে নিত্তে হাব। সেবানে তাঁর পালকর্ম অনুসারে বভাডান ৰূমে তিনি তথা হকেনঃ"

ন্বিতীয় অধ্যায়

বিষ্ণৃত কর্তৃক অজামিল উদ্ধার

নীতিশাসকলল বিধানতের বাহতকের মূখে সেই কথা কলে ভার উত্তরে বলকো, আহা, কী কট। বেখানে ধর্মের পালন হওয়া উচিত দেই সভাছ কর্মে প্রবেশ कराइ। शैक्षा धार्यक्र शामक, क्षेत्रक कार्यक क्षकवान নিলাগ ব্যক্তিকে দত নিছেন। প্রস্তা কবন্য সরকারি कर्मठारीतमा शुक्तर (स्टाट श्रव्यातमा भागम कहा डिटिस बरा प्रका कहा देशिय। दीराम्य कर्ट्या भारत्या निर्धन অনুসারে প্রকালের সনুপদেশ দেওয়া এবং স্কংশর হাতি সমল্পী হওয়া। বসরক ভা পরেন কলে তিনি হলেন मर्द्यक धर्मारीन अवर चेहा केंत्र भराव चनुभवन करहत. ঠানাও ভাই করেন। কিন্তু, জানা খনি নাই হানে খান এবং একখন নিবাঁছ, নিৰ্দোহ ব্যক্তিকে সভিত করে পদশাত প্রদর্শন করেন, ভা হলে প্রতিপালন এবং সুরক্ষর ক্ষন্য চাকারা কোখার বাবেং প্রনার্থারণ সমাক্ষের क्रिकारमञ्ज असमर्थ अनुमारक कर्ड असा असमा आहाराय অনুকরণ করে। নেতারা ফ স্রীকার করে, প্রঞারা তাকে

প্রিল ওক্ষের গোরামী কললেন—"হে রাজন, প্রমাণ বলে প্রচণ করে। সাধারণ মানুবের ধর্ম এবং অতর্মের পার্থকা নিজ্ঞাপ করার জ্ঞান নেই। সাধারণ মানুৰের অবস্থা টিক একটি অবেদ গওর মতে, বে জর পারকরনে প্রত্ন উপর সম্পূর্ণকাশে বিশাস করে তার क्यारण निन्दिरकारच निक्ष पात्र । दरछा पनि मस्ति निर्म সদয়-হলত হল একং ঘাঁটের বিধানবোলা হণ, আ হলে কিভাবে ডিনি পূর্ণ বিখাপ এক মৈশ্রী সহকারে বে উর সৰ্বত্যেতাৰে শালাগড় হয়েছে, ভাৰে ৭৩ নিডে পাৰেদ অথক হত্যে কৰতে পাতেন? অন্তাহিল তার সমস্ত গগৈ থেকে মুক্ত হয়ে গেছেন। প্রকৃতলক্ষে ভিনি কেবল এই सीयहरू नार्यात क्षांशिक्षा करवानी, विस्त हरह ব্যৱহাকে দিবা নাম উচ্চারণ করার কলে ঠার কেটি কোট ভাষের পালের প্রায়শ্চিম হার প্রেছে। মনিও ডিনি ওছ নাম উচ্চারণ করেননি, তবুর কেবণ নামাভাবের ফৰেই ডিনি এখন ৬% হলে মৃতি লাভেৰ যোগা क्टडरक्त 🕍

"সূর্বেও এই অস্তামিল ভোজনাদি সময়ে 'বংস

নাবারণ, এখানে এলে।' এই ভাবে ভারে পূর্কে খায়ত্ত্বিদ মহাক্রেরা সেট কথা ঘাঁতার করেছেন। ক্রেকেছিলেন, কিন্তু তা সকেও না-য়া-য়-ৰ এট চাবটি কৰি উচ্চারণ করার ফলে, তিনি ঠার কেন্ট্র কোট বছরের ক্রবার্তিত পাপের হারন্ডিড করেছেন। কর্ণ অথবা बानावा मुनावान का धानश्क्षकाती, मनानाती, प्रिकटरही, ক্রমন্বাতী, গুরুপদ্ধীদামী, খ্রী-হত্যাকরী, গ্লো-হত্যাকরী, লিভ-হত্যাকারী, রাজ-ইত্যাকারী এবং জন্য যে সমস্ত মন্ত্রপাতকী রয়েছে, নীবিষুধা নাম উচ্চারণই ভাসের রেচ প্রমেশ্চিত। কেবল ভাগরন জীবকুল নিব্য নমে উচ্চায়নের খবলই এই প্রথমে পালীয়া ক্ষমবানের পৃত্তি আকর্ষণ করে এবং ভগবান চৰ্ম মনে করেন, 'বেহেতু এই বাতি আমার নাম উটোরণ করেছে তাই আমার কর্তন হছে ভাকে রক্ষা করা।" ভগবান শ্রীহরির মিশ্র নাম একবার। উচ্চারণ করে মানুধ কেডাবে নির্মান হয়, বৈদিক ব্রভ অথবা প্রারশ্ভিত করার মধ্যে সেইভাবে নির্মল হওয়ে যায় না। যদিও প্রায়ন্টির করার কলে লাগ থেকে যুক্ত সম্পূর্ণরংগ মুক্ত হন। যদ্ধি বেমন কুবরালি ভারীভুড হওবা বাহ, কিন্তু তার কলে ভগবহুজির উপ্পের হর না। করে, তেজনই জাতসারে অথবা বাজতসারে উত্তযন্ত্রাক কিন্তু ভগবানের নাম উজ্ঞারশের কলে, ভগবানের কণ, ভগবানের নাম কাঁতিন করলে, সমস্ত পাগ ভাষীভূত হয়ে ওৰ, বৈশিষ্ট্য, দীলা, শবিকর আদির অবণ হয়। এব। তেওঁ বহি কোন ওবুধের শক্তি সমঙে অংগত वर्षणाटक वर आविकरत्वत निर्मण क्रिक्स क ৰাম কাজ সম্পূৰ্ণপ্ৰতে নিৰ্মণ হয় বা কাজা প্ৰাৰ্থসেকে। সেকা কাজাৰ হয়, আ ছলে যে কাছাৰে প্ৰভাৱ মা পরে মানুষ্টের ফা অবহর জন্ধ-জাগতিক কর্মকলাপের निरक शांविष्ठ एत्र। १६५८वन्, बाता मन्द्रार कर्रात स्थान থেকে মৃক ইওয়ার অভিনানী, সংখ্যে পুরুষ হরেকক মহানা কীৰ্তন করা অর্থাৎ ভগবানের নাম, কণ এবং मीलाव महिमा कीर्डनरे क्वांट्लंड खड़किए वहन निर्मन । एस वर्ष (म होश रहता)" বেতরা হয়েছে, করেণ এই কীর্তন হালরের সমস্ত কল্য কৰ্মণোভাষে বিধ্বীত কৰে। ফুড়ার সময় এই অভানিত অসহায় হবে মতি উচ্চবরে ভগবানের নারাফা নাম উভারণ করেছেন। কেবল সেই সমোজারণী সমস্ত পাণতা জীবনের কর্মকল খেলে ইভিযপেই তাঁকে মুক্ত मरदर्भ। चार्थ्य हर्ष मधनुरुष्ण स्ट्रांक स्थापक प्रधारत করম জন্য ভোমাদের সভুর করেছ নিবে বাওয়ান চেষ্টা করে। মা। অন্য বস্তুকে সাক্ষ্য করে। হোক, পরিহাসমূলে হোক, সংগীত বিনোদনের ধনা ছোক অথবা অভারতে সংস্টে হোক, ভগবালের দিবা নাম কীঠন করার কলে **७९कमार सहस्र भाग (महक मूछ १७१। दाव।**

উফ খহ খেলে পাঁচত হয়ে, পথে থেছে থেকে পা পিছৰে পতে হাড ভেঙে যাওয়ার ফলে, সর্ব দংশানের ফলে, হবল ফরে পাড়িত হয়ে অথবা ফলের দারা আহত वत्त, अत्राक्षक्ष चाकि यति खदानक विना दक्तिमाम উচ্চাৰৰ কথে, আ হলে সে পালী হলেও তাকে নরক याना क्लान कराय दश भा। धर्यकी विस्तव किला करा তর্ক গাবের ওক এবং লয় গাবের লয় প্রার্থভিত বিধান করেছেন। কিছু ছবিনাম কীঠনের কলে লযু-৩৯ নির্বিশেকে সমস্ত পাগ থেকে মুক্তি লাভ হয়। বনিও ভগস্যা, মান, এড প্রভৃতি সামেলিডের ছারা আগীর প্রধানমূহ বিনাট হয়, তত্বও নেই সমগ্র পুণাকর্ম লগবের কর্মনাসন সমূলে উৎপাটিত করতে লাবে না। কিছ কেউ যদি উগবাদের শ্রীপাদপকের সেক করেন, ভা হলে ভংকণাৎ কৰ্ম-বাসনক্ৰপ সমস্ত কল্প খেকে ডিমি জনদেও তা ক্রিয়া করবে, কারণ নেই ওব্ধের পরি রোগীর জানের উপর নির্ভর হরে লঃ ভেমনই, ভাষেত্রে নিক নাম কীঠনের প্রভাব না আনলেও কেন্ট ধৰি ভাবসারে অপন্য অভাতসারে ভা উক্তারণ করে,

क्षेत्र एकरवर श्रीपाणी सन्तन्त्र-- "एर वासन, বিষ্ণুতের এইভাবে অভার সুক্ষরতার যুক্তি-ভার্কর হার समयत-बार्यत निकास विकास काल हात्वन सामग्रीकाहरू ব্যস্তাদে হয়ন খেলে বৃক্ত করেছিলের এবং আসা মৃত্যু থৈকে প্ৰতিয়েশ কংগ্ৰিলেল 🖰

°ৰে অনিনিব্ৰন মহাহাল কৰীকিং, এইভাবে विकृष्टिका सङ्ग्रहा करू, राग्ट्रहा स्वतास्क्रत कार् সিবে তাঁতে *সমস্ত বৃত্তা*র সবিস্থার কর্মন কর্মেছল। ব্যাপ্ত বের বালে থেকে মুক্ত হতে প্রাক্তণ আক্রামিকা তরমূভ হয়েছিলে। এবং প্রতিক্ত হয়েছিলে। তিনি তথ্য নতবছকে বিশ্বনুতদের প্রথমনগছে উনা সময় श्चिति विदेशाने करनिश्चाना। छोएला क्वांत करने करने छोत ভূকা প্রহ আনৰ চ্চেছিল, তারণ ভারা ভাকে ব্যাপ্তনের হাত থেকে উদ্ধার কর্মাছলেন।"

প্রীক্তাবালের অনুচর বিয়স্তের দেশকের বে, অঞ্চিত কিছ কাতে চাইখেন। ভাই ভারা সক্ষা ভারা সামধ্যে থেকে স্বাহারিত হয়ে গেলেন। কাল্ড এবং কিবুল্ডমের ৰুঞ্চেলকথন থকা করে অঞ্জনিল বৃথতে গেরেছিলেন ক্ষায় প্ৰকৃতিৰ জিন ওপোৱ অধীন ধৰ্ম কি। নেই ভাই তিন त्वाच वर्तिक इरकरकः। विकि कीर बाबर क्रमसाटनः मान्यव সম্মীত চিম্মৰ প্ৰশাতীত ভাগৰত-ধৰ্ম সম্বাদ্ধিক অবস্থত হরেটারেন। অধিকন্ধ, ডিনি ভগরনের নাম, খন, ৩৭, ধীনা তালি মহিমাও প্রবল ক্রেছিলেন। এইভাবে তিনি পূর্বরূপে তথ্য ভক্তে পরিশত হয়েছিকে। তার ভান পূর্বকৃত প্রপ্রথার কথা আল হরেছিল এবং সেই জনা ভিনি অভাগ্ত অনুভাগ্ত হবোহকে।"

चलावेन कारणन—"श्रह, चामल रेकिरवर नाग दरह कावि क्या व क्या शिक्ष इस्सिकायः। अस्ति कारम মান্দ্রবাচিত তব হারিয়ে একটি বেশ্যার পর্তে সভাং উৎপানন করেছি। হার, আমাকে ধিক। আমি এতই পালী ছে, আমি আমার উপে খলছ কেনল করেছি। আহি আমার ভক্তী সাধ্বী শ্রীকে পরিত্যাগ করে সুরাপাতিশী এক বেশ্যার সঙ্গে রুড হরেছি। আমাকে থিক। আহরে পিতা-মাতা বৃদ্ধ ছিলেন এবং তাঁমের দেখাওলা করার জন্য কোন পুর বা বছ ছিল না। বেত্তে আমি উালের রক্ষণাবেক্ষণ করিনি, ভাই উানের নাৰ কুৰুত জোল করতে হয়েছে। ছায়, একজন ক্ৰমনা নীচ অক্তর ব্যক্তির মতো আমি তাদের সেই অবস্থান কেলে ওাগেছিলায়। এই প্রকার কার্যকল্যপের পরিলভি বাবন আমার করে কাই হয়েছে। জনার মতো পাণীকে ক্ষুলাই ধর্মনীতি ভাগবারী এক কণ্ডান্ত করেক কণ্ডিদের काश (क कशकत नतक अद्भारत (राजाहर निरूपन कहा हरत) কেবানে ভাষের দুলের বছণাডোপ করতে হয়। আরি কি বাধ দেবছিল্যে, না তা বাস্তব ছিল? আমি বেংগছিলার জন্তরর দর্শন প্রকরেরা হাতে দতি নিজে আমাকে বেঁথে নিছে বেছে এদেছিল। ভারা এখন

সিভাপুঞ্ছ, বীরা আমাকে বছনত্তা করেছিলেন এবং अधिकीत क्रमः एएएण नराएक नौधमान जानक कामादक উদ্ধন্ত করেছিলেন, তারো কোথায় গোলেন? পাপের "ত্তু নিম্পাণ বহারাল প্রীকিং, ব্যাপুক্ষ , সমূলে নিম্নিত আমি অবস্তই অধ্যন্ত দুখ এবং দুর্ভাগা, কিছ ওা সংকণ্ড, আমার পূর্বকৃত সূত্রতির কলে আহি েই চাৰৰাৰ ছড়ি উত্তম পুৰুষের কৰিব লাভ কৰেছি, থারা আমানে উদ্ধান করতে এনোছলেন। তাদের আনমনের ফলে আমার চিত অভ্যক্ত প্রদান হয়েছে। আমার ধর্ব সকতি বা থাকলে, অত্যন্ত আন্তর্চ, খেলাগতি অন্মি কিডাবে মৃত্যুর সময় কৈঞ্চপতি ভলবানের দিবা ন্য উচ্চাল কান্ত সৌভান্ত অর্থান করণানঃ আ লিভর সভাৰ হ'ও না ।"

> *কেংখ্যার আমি---নির্মান্ত, বঞ্চক, গ্রাঞ্চণম-নালক মতিয়ান পাপ, খার মেগেরে এই সক্ষরতাপ শীভগবানের নাবালে নামণ সেই মহাপাপী আমি কলং এই সৌভাগ্য কর্মন করেছি তখন আমি কামার কন, প্রথ ও ইতির সংহত করে সর্বন জনকর্ত্তি গললে হব, বতে আমাকে পুনরার এই গড়ীর অন্ধক্যান্তর সংস্থা-জীবনে পতিত হতে না হয়। ধেহাজবৃদ্ধি থেকে ইন্দ্রিরসূপ ভোগের ব্যসমান উসর হয় এখং তথে কলে জীন করা প্রকার পাপ এবং পৃশ্বকর্মের বন্ধনে স্বাবদ্ধ হয়ে পছে। এটিই জড় বছনের কারণ। এখন আমি নিজেকে এই জড় বছন বেকে মৃত্যু করব। ভাগবানের মারাই রমণীরাগে আমেকে ব্লীভত করেছে, অত্যন্ত কথ্যপতিত আমি সেই সামাম বারা মোহাগ্রের হরে রামণীর ক্টিভড করের হতো লড়া করেছি। এখন স্বামি স্বামন্ত সমস্ত চেলগ্ৰাপক পরিত্যাগ করে এই মের থেকে মুখ্য হয়। আমি সমগ্য জীকের প্ৰতি সহন্দ হিতকাৰী ও কৰুণ হৰ এবং সৰ্বদা ক্ষেন্ডানের মহা থাকা। ভারতাত ভালাতের পবিত্র নাম কীর্তন করার কলে, জনের হামর এখন পবির হারছে। তাই আমি জার ইন্তিরসুধ জেলের মিখ্যা প্রলোকনে মুক্ত হব না। এখন আমি পরা সত্যে ছির হর্মেছ, তাই আমি আরু আমার সেহতে আমার ক্রমন বলে মনে কর্ম সা। আমি দেহাদিতে 'আমি' এক "আনার' ধারণা জ্যান করে প্রীক্ষেত্র শ্রীপাদপরে **আহ**র মনকে নিবিষ্ট করব।"

"ঋণমাত্র ভক্তসঙ্গ (বিশ্বপৃত্তদের সন্ধ) প্রভাবে কোমান পেছে। আন সেই অভ্যন্ত সুন্দর ধর্ণন চালেন অজামিল দুচুসংকল সহকারে দেহাপ্রবৃদ্ধি থেকে মুস্ত

চার্যান্ত্রন 1 এই খারে নাজে আও আসতি থেকে মুক্ত নানায়ণের নামাভাস উচ্চাধ্যক প্রভাবে তিনি ভংকণাং আবার উবে সম্মূরণ চারজন দিবা প্রকরে দেখতে পেরের। উল্লেখ তিনি পর্যন্ত চারক্তন প্রাক্ত বল্লে ছিনতে। পেরে, মন্তব্দ অক্তমত করে প্রবাস করেছেন। লিফুল্ডনের দর্শন করে অফামিল হবিয়ারে গছন। তীরে। টার এড বের মন্দর্যক্র আকশ-মর্মে লক্ষ্মীপতি শুগরন শ্রহিকের ধারে ক্ষম করেছিলেন (^M

তিনি এাঅংশচিত অনুষ্ঠান এবং বর্গ গতিভাগে করেছিলেন। অধ্যাপতিত হয়ে ভিনি চৌর্যবৃত্তি, সুরাপান अवर कामाना मध्य अकस कार्य किया शराज्यिका। दिनि একটি কেন্যাতেও একজন য়ফিডারূপে রের্নের্ডুলন। থাকতে পারে?" তার কলে বফাতেরা তাঁকে মরকে নিয়ে ব্যক্তিন, কিছ

sta হিলি ছবিশ্বারে গমন কবেছিলেন। ইতিহারে যমগাশ থেকে মুক্ত ইয়েছিলেন অভ্যান বারা জড় ক্ষান্ত্ৰিক একটি বিষ্ণুখ্য মন্দিরে আশ্রয় প্রহণ করে। ক্ষাতের বছন থেকে তুক হওয়ার মতিন্যুখী, ইংশের ভতিবেশে সাধ্যে প্রবৃষ্ণ করেছিলেন। তিনি ঠাত কঠক, যে কলবানের ইপোদপরে সমস্ত পরিভ তীর্থ টাভিত চলিকে সম্পূর্ণদাপে সংযত করে ভাঙে হন বিরাজ করে, সেই ভাগলনের বাহ, কর, জল, জীলা স্তুপদানের সেবার পুর্ণজনে মিনিষ্ট কর্নেকলেন। অন্সচিন অন্নির মহিনা কীর্ত্তন করার পরা করেন্দ্রক করে। পুরা প্রবিদ্ধে ভাগার্যান্তাতে যুক্ত ইয়েছিলেন। এইভাবে তিনি প্রার্থনিকর, মনোধরী আন এক অন্তান-হোগে ধ্যান আনি ঠার মনকে ইপ্রিয়স্থ ভোগের বিষয় খেকে বিযুক্ত অন্যান্য পয়ায় বখার্থ লাভ হয় না, কালে এই সমাহ পয়া कर्जान्यमा अवर फननादाद प्रीक्रमानच तरावत शाहत. यहनीतात करात भरतक प्रक अस उरावकरात द्वारा পুশ্ববাৰে মান্ন কাৰ্যালয়পান। স্বাধা তাৰ বৃদ্ধি একা কা কল্পিত মানুক সংগত কাছে সমৰ্থ বা হওয়াল কলে, ভগবালের জীক্ষণে নিগম হরেছিল, তখন ব্রাথন মার্কালিক। সাম্যা পানরার সাধ্যম তর্মে লিপ্ত হয়। বেক্তেও এট অত্যন্ত মোগনীয় ঐতিহাসিক কাহিনীয় সমস্ত পাপ দূৰ করার শক্তি কলেছে, ভাই যদি তেওঁ বিশ্বস এলং ভাঁড সহকরে हा द्वर बर्जन सभा वर्गन कराने, हा द्वर জড় বের সর্মারত হওৱা সংখ্যে এবং মহাপালী ইওয়া জাপ করেছিলেন। তিমি ওঁরে চিপায় বরুপ প্রাপ্ত। সন্তেও জাকে আর নরেপানী হতে হর বা। প্রকৃতপক্তে, ইংৰছিলেন, যা ভগৰৎ পাৰ্থাংক উপায়ক ছিল। বনপুতেরা উচ্চে দশন পর্যন্ত করতে পাতে না। ভাব বিশুলুত্বাৰে মকে স্বৰ্ণনিৰ্মিত বিন্যান ৰালোৱৰ করে, সেহ ত্যাগ করার কর তিনি ভাৰতানে কিবে আন্ মেবানে তিনি ক্রমা সহকারে সমানুত এক পুলিত **হ**ন। মুখার সময় অফানিল ঠার পুরুকে সংখ্যান করে, "व्यक्तिम हिल्ला हाचान किन्नु सार्थभारतक करन व्यवसारमा विद्या मात्र बेकायन कराव करन वनरवारम विक निर्वाहरूम, चल्.४४ होता हांचा महकात्र द्वरा নিরপবাধে ভগবানের দিবা নাম র্কার্ডন করেন, তালা বে 'क्रप्रवादा किरत चारक, *(माँ*डे महत्क कि *(५)म मा*न्यह

ভতীর অধ্যায়

যমদৃতদের প্রতি যমরাজের উপদেশ

মহানার পরীকিং বল্লেন—"হে ওকারে গোলামী, তার হুতা মানুতের করা অন্তর্গনেকে প্রেপ্তর করে यसराक मानक क्षेप्रता धर्माधार्मात विठारक किन्नु अवस्त्र वात्मारत विद्युक्तरामत कार्य आस्त्र शहीकराहर कार्य छैएक আমবা দেখাতে পাছি যে, তাঁয় আদেশ প্রতিহত হতেছে। কর্মনা করাল, তথ্য তিনি ডি মন্ট্রান । তে প্রতিহত, পূর্বে ক্ষমণ্ড কাব্যক্তির আদেশ বার্থ হণ্ডরের কথা দোলা राष्ट्री। छारे वास्त्र भान एतं, मानुरका साम त्यरे विकार মংশ্য থাকতে পারে: আগনি স্বস্থা আরু কেউই এই সংশর ছেদন করতে পারবে না। সেটিই আমার গৃঢ় বিদাস, অকঞা কৃপা করে দেই সংশ্রে বৃত্ত করন।"

প্রিণ ওকদেব লোখামী উত্তর দিলে—"হে রাজন, বিশৃশ্বদের শ্বরা প্রতিহও এক পরাকুত হরে গমপুতেরা সংব্যনীপুরীর অধীশার ব্যব্যক্তকে সেই বৃভাত कानिधाविन ।"

বাদ্ভেরা ধনন—"হে ওড়, এই ক্লড় জগতের শাসনকর্ত্য করজন বয়েছেং সন্ধু, রুল ও তামেওগে অনুষ্ঠিত কর্মকল প্রকাশের ক্ষমশেই বা করটিং এই স্থান্ত খুনি বৰ খাসনকৰ্তা এবং বিচাহক থাকেন, ডা কুলে তানের পরক্ষার মাত্রবিরেশ্রের ফলে, কে বে স্বর্থীয় একং কে যে পুরস্কৃত ইংৰ, ভা বোকা হাবে না। প্রকাশে, পরশ্বাসের বিবোধী ভার্য বলি পরস্পরক্ষে প্রতিহত করেছ সা করে, তা হলে সকলেই দথাভাগ করতে এবং পুরুষ্তত হরে।"

"বেংকু বহু করী রয়েছে, ভাই আনের বিচারের বাদন মধ বিচারক হতে পারে, কিছ একজন স্প্রটি যেন্দ তার ধাৰীনস্থ শাসকদের নিত্রণ করেন, ভেফাই বিভিন্ন বিভাগীয় বিচারকশের নিয়ন্ত্রণ ক্ষমার জন্য একজন মুখ বিচাৰক থাকা অংকারে। মুখ্য শাসনকর্তা একজন, বর হাত পারেন হা। আমরা স্থানতাম যে, জ্ঞাপনিই হাছেন শর্বেক্ত বিচারক এবং দেবতারাও আপনার অধীন। कारत बान कारणा, धार्गम जन्छ बीएस करीका अस সমন্ত হাসুবের পাপ-পুশের একমার বিচাবকর্তা। কিছ ধ্রুবন জামবা নেখছি যে, আগনার বিহত দণ্ড আর कार्एवडी स्टब्स् नः। চातश्रम चाङ्ग्रस्थ धर्मन निकन्त्रप काशनक वर्षाण महस्य करहरूने। वर्षाका प्रश्नानी অভানিককে অংশনার আদেশ অনুসারো নরকে নিয়ে আসন্ধিনাম, তথ্য সেই অভাগ্র সুদর দর্শন সিদ্ধপুরুবেরা ৰ্ণপূৰ্বক ভাব পাশ্বভন ছেচন কৰে ভাকে মুক্ত कट्डिएननं। नानी प्रांकाधिन नातासम् नाम फेकारन करा মান্তই সেই চারজন আতি সুন্দর দর্শন পুরুষ তৎক্ষণাং দেখাতে আনির্ভুঠ হরে ভাকে জন্মন দিরেছিলেন, 'ভাট করে না। পথ করে। মার্লিকপেনে। কাছে আথবা

ষ্ঠানের সময়ে জানতে চাই। স্বাগনি বুদি মনে করেন (म. चरानहा कीएमत दुवरङ भारतप, छ। शरन भेड़ा करत স্কাশনি বলুন করে কে।"

क्षिण **७**०एम्ब (श्रधाती वणतान--"हीत पृट्यास वरे প্রকার প্রবেহ 'নাবায়ৰ' এই দিব্য নাম অবশ করে 'ঘড়ান্ত প্রসর হয়ে জীবসার মিবরে প্রস্তান কুরবাদের শ্রীপাদপর শ্বরণ করে তার গৃতাদের বলতে লাখলেল—হে গৃতপণ, তোমরা আমাকেই সর্ববেষ্ঠ বলে মনে কর, কিছু প্রকৃতগকে আমি তা নই। স্কামার উধ্বে এবং ইছে, চন্ত্র আৰি সমস্ত কোতাদের উধোঁ এককান পরম ঈবর ও निष्ठका तरवासन। अभा, विकृत अपर निष, याता अरे उपमारको गृष्टि, दिक्षि धारः विनारमा वाक्षण, देशा देशा অশে। বল্লে সুক্রের মতো এই বিশ্ব ভাতে ওত্যোতভাবে অবস্থিত। কল্প বেমন নাকিকা-সংলগ্ন রক্ষ্ণ ব বারা নির্মাণ্ড হয়, সমগ্র জগৎও তেমনই তার হারা নির্মাণ दरकः। अवय गाणितं छात्रकं (धक्क न्यंत्रा ज्ञरंभशं सम्बूत হারা বলগ্যের নিষ্পুণ করে, তেমনই ভল্বন বেদৰাকারূপী সক্ষুত্র হারা সমস্ত অনুকরে আবছ कर्राप्तः, व शहरा-मनात्कत जावनः, कतितः, तिमा तारः, পুত্র এক বিভিন্ন নাম এক কর্ম অনুসারে বলিত হয়েছে। ভাবে তীত হয়ে, এই সমত থাৰ্ণর মনুকেরা তাদের খাঁর কর্ম অনুসারে ভগবানকে পৃক্ষোগহার প্রদান করেন। আমি ব্য, দেবরাজ ইজ, নির্কার, বরুণ, চজ, আয়ি, प्रकृतकत, भक्त, अमा, भूर्व, विचावम्, क्रोतम्, माश्रामा, হকংবৰ, কন্তৰৰ, 'সিহুগৰ, মহীটি প্ৰভৃতি জনানা किन्तरहा, वृक्ष्णांक अपूर्व (सर्वासकेतन कर्वर प्रस प ত্যোগৰ বাঁদের শ্লেই করতে করে বা, সেই ভূগ প্রমুখ সক্তণ-এধন মুনিগণও ভগবানের কার্যধ্বাপ বৃক্তে গারেন না, অতএব মায়েমেহিত খানানা জীবেরা কিভাবে ভূগধানকে স্কানতে পারবেং কেছের বিভিন্ন আদ খেনন চকুতে ধর্মন করতে গালে বা, ডেমনই জীবও সক্ষেত্র হুলরে প্রসন্মান্তরেও বিরক্তিসান ভগরনকে ইন্ডিয়, মন, প্রাণ, হলর অধবা বাকের হার জনতে পারে মা।"

"कनकार सरारमण्यूर्व कर कारीन। किनि मकरमर्व অধীপর। তিনি মায়াধীশ। তাঁর রূপ, ওপ এখং স্বভাব हरवरक एटप्रनंदे केंद्रि पुरु रेवकवर्गन सन्, शन अवर সভাষত ভারই মড়ো সুধার। উল্লা সর্বলা এই জগতে প্রত্যাপ সাধীনভাবে বিচরণ করেন। জীতিকুর সেই ভাষা দেবতাকের পূজ; হাঁমের নাগ ট্রিক ইর্নিয়ের प्राप्ता अवर का काटाफ मुर्लंड मर्नम। निकृत्यका नकत करन (धाक, बामात (धाक व्यव देनव मृतिशाक (धाक) क्रमावद्वारास्य मर्गायकार्य द्वाचा बर्द्धन। अव्य धर्म च्रह्न क्रमशास्त्रक बाता धनीठ। जम्मूर्वकरम जदकरम सरक्रिक ভারে। সংখ্যা, বাঁড়া রাক্তাণ্ডের সর্বোচ্চ লোকে নিরাজ कर्युन, त्मरे प्रकृत कविष्मण का निन्धिकार सहना মাং দেবতা অথক প্রধান প্রধান বিভাগের তা স্থানেম भा, का एरम चानुङ, मानुष, निराधिष अवर हारायहार चार् কি কলা। ব্ৰহ্ম, নাজন, শিং, চতুংসন, কলিল (মেবছডি-পুর), বারত্বে মনু, চহুদি মহারাজ, জনক মহারাজ, পিতামছ ভীল্ড, বলি মহারাজ, কেনেৰ গোলামী এবং জ্মি—আমতা এই বাজে জন প্রকৃত ধর্মের তব জানি। হে ভতাগণ, এই নিজ বর্ম তা ভারবত-ধর্ম বা ভারবং-थ्यम वर्ष न्वरम गर्रविष्ठित, को बाड़ा धक्कित करवा स्वता ৰুদ্ধিত নত। তা অভ্যন্ত গোপনীয় এবং সাণারণ মানুকো পক্ষে দুর্কেখা, নিন্দু কেউ হবি ভাগানেতে ভা হাময়ুক্তম স্বান্তা স্থানে পাছ, তা হালে তিনি ভবছনাৎ। বালে সেই লাল থেকে ফলা পান।" মুক্ত হরে ভগবদ্ধারে কিরে বান। ভগবালের নিজনার কীৰ্তম থোক লক্ষ্ হয় যে কতিয়েল, তা-ই যানত-নমাঞ্চে জীবের পরম ধর্ম।"

"হে পুত্রসমূপ কৃত্যুদ্ধ, গুগবানের গবির বামের যাত্যস্কা বর্ণন কর। রহাপাপী অভায়িল ভার পুরকে সংখ্যাক করে, অব্যাতসারে, এই নাম প্রথা করাই কলে নারারণ-স্থতিহেও ডংকশাৎ মৃত্যুগলৈ থেকে মৃত रक्षिणनः। चल्डक वृक्ष्य शुरू ता, चनवानः नारः, ७१ धरः कर्यत्र कीर्डस्नत्र करण प्रथक्ष भाग (५८क क्षित्रवारम मुक्त २७वी वर्ष । भाष (माइट्सर कर्म बर्डिर) একচন্ত্র উপদিষ্ট পদ্মা। কেউ যদি নিয়লবাহে ভগবানের নাম উচ্চারণ করেন, ভা হলে সেই উচ্চারণ মতে रिमिंड डिमि फनवाहम (एएक मुख इएटम) न्हे।उपनार्ग বিলা বার খে, অবলমিল জিলেন অভ্যন্ত পাণী, কিছ মৃত্যুর সমস তার পুরুকে স্থেখাকা করে গেই নাম উচ্চারণের ^{কলে}, তিনি পূর্ণক্রণে মৃত ২েরছিলন। ভারতের ফারর निर्धारिए इस्त वाकारका, क्रिपिनि श्रमुव वर्षणाञ्च-ইক্তোপণ ছান্দ মহাজন বৰ্ণিত ভাগৰত ধৰ্মেৰ বহস্ত

অব্যাত হতে পারেননি। উল্লেখ্য ভগবর্ত্তাকের অনুষ্ঠান বা रतकुक महारक कीर्डरन्य मिया ग्रीहरा इसकाब कडाड পারেননি। তেতেত উল্লেখ মন বেলে উলিখিত, বিশেষ करत कक्षर्राम, मात्ररावन अवः करशाम वर्गिष्ठ कर्रात चनुकारमा शक्ति चानुके, छादे कारमा दृष्टि चाडीरव्य स्टार গেছে। এইভাবে ভাল জড়দুখ ভোগের কন্য কর্মনোকে উনীত বুওৱা আৰি অনিতা কল কাতের কৰা কর্ম অনুষ্ঠানের উপকরণ সংগ্রহেই করে। তারা সংকীঠন चारपाल्यात शक्ति काक्षेत्र एकग्राज भनिवार्य धर्म, चर्प, काम क्या क्यांच्य शिवर चाश्ररनीय। चनका, करे সমস্ত বিষয় বিবেচনা করে, বৃদ্ধিমান মানুষেয়া সর্বান্তঃকরণে দয়ন্ত ফলময় ওপের অতের সর্বান্তর্বামী ভগবানের পরিত্র নাম তীর্তনালপ ভগবছাটিক পছা অবলয়নের বারা উচ্চের সমস্ত সমস্যার সমাধানের বিকেশ্য করেন। তারা আমার হতার্থ নন। সাধারণত তারা জেন পাণ্ডর্ম করেন না, কিছু যদি ব্যবস্ত, প্রমাধবশত অথবা মোহবশত ভারা কক্ষও কেন পাপ করেনও তর ওঁরে নিবন্তর হতেকক মহামার কীঠন করে।

"হে দৃতবৃধ, ভোনরা কথনও এই প্রতার ভারুবের कार्ड त्रथ जो, काइन छोड़ा गर्वरशतकारद समयात्मह क्षिनाम्भारत महानगढ। केता स्टलाद इहि महण्यी दरा ভাষের ওপদাধ্য দেবতা ও দিছারা দাদ করেন। ভারের কাছে পূৰ্বাছ ভোমনা ৰেও না। অপবালের পঞা তানের স্মতভাতাৰে কথা করে এবং প্রখা, আমি এমন কি কল পর্যন্ত উপ্লেক্ত করে পিছে পারে না। পর্যাহরে ইক্সেন তারা, বাদের মাত্র স্বতোধের প্রতি কোন আসকি নেই अक्त चीत्रा मर्वत् काराह्मत् श्रीनामन्त्रस्य म्यू चार क्ट्राम। (६ मुक्तव), यादा (मोरे कांप्रशासका मान करा नां, व्याप्त (महे प्रमुशाहन रकान कमार न्यूष्ट्र (महे अवर बात नेट्राकेत দার্বরূপ গৃহত্ জীবন এবং অড় সুংক্রোপের প্রতি रात्रक, स्टाप्टरे स्टब्स कांग्रं मर्थनात्न्य क्या स्टानक করে। হে চুজাল, সেই সমস্ত পালীকেই আমত কাছে নিয়ে এশের, অন্দের জিন্ব। শ্রীকৃত্যের নাম, ওল ইত্যানি হাঁওন করে না, বাদের চিত্ত একবারও ইক্তিংগ্র श्रीभावनम् कृतन् करत् न अवर सहतर प्रश्नक अकरावन ত্রীকৃষ্ণের চবর্পে প্রশান হত না। আরু বারা মনুহা

ৰীবনের একনার ফর্তথ্য শ্রীবিষ্ণুর ব্রত অনুষ্ঠান করে নী. ডানেবও আমার ক্ষছে নিয়ে এলো।"

600

(তারপর কমরাক নিকেকে এবং তাঁর ভূত্যদের রাগরাধী বলে মনে করে, উপবাজে কাছে কমা ভিকা করে কালেন) "হে ভগবান, অন্তানিকের মধ্যে একজন বৈষ্ণাতে প্রেক্তার করে আমান ভূত্যানা ভাকশ্যই এক মহা क्षान्त्रसम् करतरम्। इद नतासम्, ८६ मृताम भूतम्, प्रशा কৰে আগমি আমাধের কমা করব। অজ্ঞানভাবশত আমন্ত্ৰা কৰামিলকে আগনাৰ ভ্ৰন্ত বল চনতে পাবিনি এবং তার কলে আমরা অবশ্যই এক হছা অপ্রাধ করেছি। আই কৃতাঞ্জলিপুটে আনজ্ঞ আপনার ক্ষয় ভিকা করছি। যে ভাগবাদ, থেহেতু আগনি পর্ত্তম দরালু এবং সমস্ত সন্তব্ধ কৰেছে, ভাই গয় করে আগনি আয়াদের ছমা করুন। আমন্ত আপনার প্রতি জারাকের সঞ্জ প্রশতি নিবেদন করি 🖍

প্রাল ওকাদের গোস্বামী কালেন—"হে কুরুনাশন, ভগুনাকের নাম-সংকীর্তন ওকতর পাপ-সমূহকেও সমূলে উচ্ছেদ করতে গাওে। তাই সেই নাম-সংকীর্ডনই সমগ্র মণ্ডের ফালেক্সণ। আ অবহত হওয়ার চেটা করন, वरु करमञ्जू निहेर भद्रकात (गर्दै शहा करमाका क्छा। নিয়াকে জনবানের পবিত্র নাম এবং তীয়ে কার্বনাল প্রবণ

 জীওঁন করার কলো আনায়াসেই ৩% ভাতির উপর হয়. শ্ব স্থানরের সমস্ত কলুক বিধৌত করে। তা বেতাবে অন্তক্ষপথে কিচৰ করে, ত্রত আদি বৈশিক কর্মকাণ্ডের খনুষ্ঠান হা পরে না। নিরন্তা শ্রীকৃষ্ণের শ্রীপাদপরের মধুশানরত ভভেনা প্রকৃতির তিন অনের অনীমে সম্পাদিও মুখে-মুর্নপা প্রকানকারী কড়-জাগতিক কাৰ্যকলাপে কথনও আমক্ত হন সা। তাথা কথনও শ্ৰীকৃত্যার জীপাদপর ভাগে করে অভ্-জাগতিক ফার্যকলাপে রত হল না। কিন্তু, বারা বৈদিক কর্মকাণ্ড অনুষ্ঠানের প্রতি আসক, ভাষা ভগরনের ঞ্জীলানবারের সেবার অবহেলা করার কলে, কাল-কালনার দারা মোহিত হরে কথনও কথনও প্রৱশ্বির করে। কিন্তু তা সংগও, शास्त्र क्षार क्षार कर का इवसात करने, छारा পুনরার সেই পালকর্মে লিও হয়। সমন্ত্রেরা ভানের शकुत मूर्य समयहत्स क्यर फेल नाम, 🕶 🗷 समावशीय মহিমা প্রকা করে জন্তান্ত বিশিক্ত হরেছিল। জন্ম শেকে ভারা ভাগবন্ধভাগের দর্শন করা মার্ট্র ভাগের প্রতি পুনরার দ্বীপাত গর্মন্ত কমন্তেও শুরু করে? কৃত্ত-উন্ধৃত মহর্বি খ্যান্তা করে বলত করিত অবস্থান করে ভগবানের আবাক্ষার রত ছিলেন, তথ্য তিনি আমাধে এই অভ্যাত্ত গোপনীয় ইতিহাস বলেছিলেন।"

চতুর্থ অধ্যায়

ভগবানের উদ্দেশ্যে প্রজাপতি দক্ষের হংসগুহ্য প্রার্থনা

মহারাক্ত পরীক্তিৎ ভাকারে গোলামীকে কালেন---"হে স্কণকা, বাছত্ব মহন্তরে দেবতা, অসুর, নাই, নাগ, পণ্ড ও পঞ্চীদের সৃষ্টির বৃস্তান্ত আলনি (তৃতীন ক্সমে) সংক্রের কর্মন করেছেন। এবন আমি ভা স্বিভারে আনতে ইয়া করি। পরমেশ্বর ভগকন যে শক্তির থারা পরবরী সৃষ্টি সং গদন করেছিলেন, সেই সম্বন্ধেও আমি #∓ংত হাই।"

সৃত গোহামী কালেন--(নৈমিবারশ্বে সমবেত) "হে মহর্বিগণ, মহারাক্ত পরীক্ষিত্তর প্রস্ন ওলে, মহাযোগী ওখনের গোরামী ভার প্রশংসা করে এইভাবে উত্তর सिरविष्टलन (*

প্ৰীল ওকাৰৰ লোভানী ৰলজেন—"প্ৰাচীনবৰ্ষি ই দশক্তম পূর ভপস্যা সমাপ্র করে ঘরন সমূরের মধ্যে বেকে বেরিয়ে একেন, প্রথম উল্লো দেখালেন বে, সার্ম ল্পিবী বৃক্তের দারা আক্ষালিই হয়ে গৈছে। সমুগ্রের মধ্যে সীৰ্যকাল ভাপদাট করাৰ কৰে, বক্ষদমতের প্রতি প্রচেতাকের জ্বোধ উন্দীপ্ত করেছিল এবং তারা সেই ক্ষুসমূহ দৃষ্ট করাই বাসনার ভারের খুব থেকে বায় ও অধি দৃষ্টি করেছিলেন। হে মহারক্ত পরীক্তিং গ্রেই অধি **७ जातूर संद्रा वृष्काम्बद्ध वर्ष ३८७ (स्ट्रा, कम्प्लिट(स्ट्र** হাজা চন্ত্ৰপেৰ প্ৰচেডাদেও ক্ৰোৰ দাঁৱ করার ক্ৰম্য জ্যানে। যে মহা জন্মবানাংশ, এই দীন ব্যক্তাভিকে e**ন্ধ কৰা আ**পনাৰেৰ উচিত নৰ। আলনাদেৱ কৰ্তব্য श्रेक्टारच नम्बि नाथा क्या क्या ज्ञानच रक्ताहरूकन করা। পর্যাধার ভগবান প্রীংরি সমস্ত প্রীবারের গতি, এমন কি তিনি ব্ৰহ্মা আদি প্ৰকাশতিনেত্ত পতি। সেই সর্বব্যাপক এবং অবার প্রস্তু ক্ষত্র ক্ষীব্যাস ভক্ষ্য আকলে এই সমস্ত কাম্পতি এবং ওবধি সৃষ্টি করেছেন। প্রকৃতির নিরম অনুসারে কল ও কল গতদ এবং পক্ষীদের খাল, খাল আদি পদাটন জীবেরা গো-মহিক আদি চতুস্পদ প্রাণীদের বাদ্ধ বে সমস্ত প্রাণী তাদের সামনের গা দুটিকে হাতের হাতে ব্যবহার করতে গারে म, एका भारतपुरु खाडा चामि भरत करा; तका हरिय, স্থানৰ আদি চতুদ্দৰ প্ৰাণী ও শৃস্য ইত্যাদি মানুবদের भारत 🖰

"दर निर्मम चारतनम्, चानमात्मरः निज अकीनवर्धि । अवर अज़हरूका समयाम जानमार्यन अजा नहि कटाउ আদেশ দিয়েছেন। অভঞৰ কিভাবে আপনবা এই সমস্ত কুম এবং ওবধি ভাষীত্ত কবছেন, যা গুড়ানের জীকা धात्ररम्ब कॅन्स्ट्याती १ - च्याननात्मक निष्ठा, निष्ठाम्ह, প্রপিকামর প্রমুখ মহাকার বে সং মার্গ অনুসরণ করেছেন, सन्दर, भूत अवर नक्नाम ध्रकारका राजनीरराज्य करीत শেই মার্ম জ্বাপনারাও জন্সরণ কমন। রেনধ প্রধর্ণন করা আপ্নাদের পক্ষে সংগত নহ। ভাই আমি আপন্যান্ত কৰে অনুবোধ কর্মী, আপনারা আপন্যানের টেশ্বৰ সংবৰণ কৰুৱ। পিত্যু-মতা বেঞ্চা শিওমের বন্ধু এবং রক্ষক, প্রকার বেজন চঞ্চর হাজক, পতি হেজন স্ত্রীর भौगक वादर प्राचक, शृहक (एक) किक्शरक भौगक वीदर कारी (रामर चलानीय वह, एडमरो जान अनारमा समन র্থবং প্রাণদন্তা। কৃষ্ণও ব্যক্তর প্রকা। তবি তালের রক্ষা।

বৃক্ত আদি প্রাথম অথবা কলম, সমস্ত ক্রীবের ক্রাবে ধর্মাবারুণে বিবাজয়ান। তাই আগনারা প্রতিটি প্রানীকেই দেই ভগবানের অধিষ্ঠান ভূমি বা মন্দির বলে দর্শন করন। এই প্রকার ফর্শনের হাতা আপনারা खनस्तर्भ अनुष्ठ बरासन। नृष्यक्रभी ⊴र मधन कीयरम्प প্রতি ক্রম্ব হরে ভালের হত্যা করা আপনাদের উচিও নর। বে ব্যক্তি আৰু-উপলব্ভিত অনুসঞ্চানের ধারা তাঁটে বলবন দ্রেলম বা আকাল খেকে পভার মতে হঠাৎ কেছে ছেগে ওঠে, স্তা সক্তের করেন, তিনি করে প্রকৃতির ওপের প্রভাব ছেকে মৃক্ত হতে গাবেন। এই দীন বৃক্ষণালিকে লহন করম্ব কোন প্রয়োজন নেই। যে সমস্ত দুক্ষ কর্মেষ্ট রয়েছে, ভালের মানল হোক। আলমানেরও মানল হোক। এখন আন্দার বৃষ্ণদের দারা পালিতা 'দারিবা' নাষ্টী অতি সুন্দরী এবং ওগাছিতা এই ৰুন্যাটিকে স্বাপনাদের পত্যকলে প্রচন করন 🖺

क्षेत्र एकएन्य श्राचामी श्रमहानन---"८४ प्राक्रम, এইভাবে প্রচেতাদের শান্ত করে, চন্ত্রাধিগতি সোমদেব প্রয়োম নাজী অপবার ভতি সুকরী কল্যটিকে তাঁদের প্রদান করেছিলেন। প্রাচ্চতারা প্রাক্রান্ত সেই অতি সুস্করী গুক্তবিভাগি ক্যাটেকে ধর্ম জনুসারে বিবাহ করেছিলেন। েই কন্যার মূর্তে প্রচেতারা হক্ষ নামক একটি পর উৎপাদন করেছিলেন, খিনি প্রজাসমূহের দারা ক্রিপ্রেড পূৰ্ব করেছিলেন*ে*"

"দৃহিত্ৰংসল প্ৰভাগতি লক কেনাবে বীৰ্য ও মনের বারা প্রকাসমূহ দৃষ্টি করেছিলেন, তা আমার কাছে মনোবোৰ বহনাটে প্ৰকা কৰুন। প্ৰজাপতি দক্ষ তাঁৱ মনের খানা প্রথমে দেবার, খানুর, মানুর, লাখী, পাত্র, কল্ডর প্রভৃতি প্রকালে সৃষ্টি করেন। কিন্তু প্রকালতি কর মকন দেখলেন বে, তার সৃষ্ট প্রকাসমূহের কথাচথস্তাতে वृद्धि इत्ता भा जनन दिनि निका नर्राएक निकार्री त्याम একটি পর্বতে সিরে দৃষ্ণর ওপস্যা করেছিলেন। সেই পৰ্বতের নিকটে অহমর্যণ নামক একটি অভি পবিদ্র তীর্বস্থান ছিল। সেধানে প্রজানতি থক ত্রিসভা স্থান-আচমনাদি করে ভশস্যার ভারা প্রীকৃতির সভান্তি বিধান করেছিকেন। হে রাজন, প্রকাশতি দক্ষ বে হংসওহা নামক ছোৱের ছারা অবোকত শ্রীহরির সভৃতি বিধান করা রাজনে কর্তন। পরক্রেবার ভাগেরন মানুব-পশু-পাকী- করেছিলেন এবং নেই স্বাচিত কলে জগতান প্রীচরি কাছে কীঠন করব।"

প্রজাপতি দক্ষ ব্লক্ষেন—"পর্মেশর ভাগবান মারা ও মায়ত্র বারে উৎপন্ন সকত হাত পদার্থের অতীত। তিনি অব্যতিকারী স্থান ও পরম ইকাপতি সমনিত এবং তিনি জীব ও সাতাপজিব নিয়ন্তা। বন্ধ জীবের, বারা এই কড লগতে সহ কিছু বলে যথে করে, তারা তাঁকে কর্মন ভয়তে পাৰে যা, কাৰণ তিনি প্ৰত্যক্ষ আদি ধ্যমাণের অভীত। ভাই ভিনি সভ্যামাণ ও স্বাম্যেশপূর্ণ একং ভিনি জেন ক্ষাণ থেকে উৎপদ্ধ হননি। তাকে আমি আমার अक्षक अन्निक्त निर्देशन करिया (अल्ल. क्रम. म्म्नर्ग, श्रष्ट अवर শব। ইল্রিয়ের এই বিষয়ওলি যেমন স্থানতে পারে না ৰে, ইপ্রিয়াওলি ভিভাবে ভাষের অনুভার করে, তেমনি বছ ত্রীর পরামানার সজে সেহে নিবাস কালোও বুবতে পারে না, সমগ্র জন্ত সৃষ্টির ইখন কিডাবে কেই পরস পুরুষ ৰীকের ইপ্রিয়েণ্ডলি পরিচালনা করেন। সেই পর্যা নিরন্তা পরম পরুষ্ঠকে জমি জানার সমাত্র প্রপতি নিবেনন করি। যেতেও দেব, প্লাৰ, অন্তৰিপ্ৰিয় ও বহিবিজ্ঞিক, পঞ্ মহাতৃত ও ভাষার (রূপ, রুগ, বছ, পার ও স্পর্যা) হতের ভাৰ তথ্য ভাই ভারা ভাষের খাঁয় প্রকৃতি জানতে পারে না এবং অন্যান্য ইন্দ্রির ও ভাষের নিয়েপ্তালের প্রকৃতিও জানতে পরে না। কিছু রীন চিশ্বর হবয়ন করে, তার দেহ, প্রাণকর, ইপ্রিয়, মহাভাত ও ইপ্রিয়ের বিষয়সমূহকে স্থানতে পারে এবং ভাগের মৃদ্য স্থানপ তিন ওপকেও মানতে পারে। শ্রীর যদিও সম্পর্ণরালে সেওলি সক্ষর অবগত, তবুও দে সর্বন্ধ অসীয় পরম পুরুহকে জানতে পারে লা। আমি তাই ভাকে আমার সম্রাভ প্রণতি নিলেম করি। কারও চেতন্য ধর্ম বুল এবং সৃদ্ধ কড় অভিন্যে কলুব থেকে সম্পূৰ্ণরূপে মুক্ত হয়, কাহত ও স্থানস্থার বান চিত্ত-বিক্ষেপ হয় বা এবং সুস্থ্যিত বাঁর চিত্রের পর হয় না, তিনি সমাধি করে প্রাপ্ত হন। কড় मर्पन अनर प्रतन्त्र फालि, या नाम क जान शकान कहा. তা তথ্য তিনাশ্যাপ্ত হয়। এইরূপ সম্পিতে কেবল প্রণাম তার সজিদানদারর বরবেশ প্রকাশিত হন। ওছ চিম্মর অভ্যক্তশে বীকে নর্লন করা সার, সেই পর্যেশ্বর স্তপধ্যমকে আমি আমার সম্রছ প্রথতি নিবেদন করি। বৈদিক কৰ্মকাণ্ডে এবং বন্ধ অনুষ্ঠানে দক্ষ বিদশ্ধ পণ্ডিত। বৰ্তমান ছিলেন। তিনি এক এবং অদিতীয় এবং ভার

বেভাবে দক্ষের প্রতি তুটি হয়েছিলেন, আ আমি অপেনরে - ও প্রাক্তণেরা যেমন পঞ্চদশ সানিবেনী ময়ের হারা কাষ্টের অনুদ্রেরের প্রভাবে অর্থান্থত আহিকে প্রকাশ করে বৈদিক মন্তের কার্যকারিতা প্রদাশ করেন, তেমেনই বারা প্রকর্তবংক উল্লভ ক্রেন্স সম্প্রিভ, ভর্মার ক্ষান্তাবনাসমন্থিত, তাঁরা হলর অভান্ততে বিরাজয়ন প্রমান্ত্রাকে কর্মত করতে পারেন। ক্রমর কড়া প্রকৃতির दिन तन क्या नवडि देनामात्ना धाता (अव्हि, बरसर, খাহখার, মন ও পঞ্চ তথ্যত্ত) এবং পঞ্চ মহাস্থত ও দশ ইলিকের হার। আঞ্চানিত। ভগবানের বহিরুলা প্রকৃতি এট সংবিংশতি উপাদানের ছারা পঠিত। বহান বোগীরা প্রমাধারকে হলমের করছেলে বিরাধমন ভগবানের ধ্যান করেন। সেই পরসাম্বা আমার প্রতি প্রসাম হোল। তেওঁ হৰন ভবা প্ৰকৃতিৰ অন্তৰ্হীন বৈচিয়োৱা বছন বেকে মুক্ত হুন, ভুখনই তিনি প্রমাধাকে উপল্লি করতে পারেন। কেউ কথা কগবানো প্রেমমবী দেবন কুঞ হয় ওখনি তিনি প্ৰকাতপক্ষে এই মৃতি লাভ করতে পারেন এবং তার সেবানবির প্রভাবে কববানকে উলপ্রি করতে পারেন। সেই ভগবানকে বাভ ইত্রিকে আগ্রেচর विविध क्रिका नाटवर शास मात्राध्य कता रास । (मीरी পরবোধর ভাগান ক্ষমা আমার প্রতি প্রথম করেন : ক্ষম শংশার বাবা আ কিছু ফান্ড হয়, ব্যক্তির বাবা বা কিছু নিৰ্মাণিত হয় এবং ইপ্ৰিয়সমূহের ছারা বা কিছু গ্রাহ্য হয় व्यवदा माना हाता स मार्काकित हुन, का अदि कहा श्चनिक चरना कार्र वरन क्रमबाजा शक्क क्रास्त्रम् अस्त्र ভার কোন সম্পর্ক নেই। পরক্ষেত্র ভারান এই কভ মাণালো সৃষ্টির অঠীত, করণ তিনি সমস্ত হড় ওপ এক স্তুতির উৎস। সর্বকারশের পরম আবশ্বরূপে তিনি সৃষ্টির পূর্বে রিলেন কোং প্রময়ের পরেও থাককো। আমি ঠাকে আমার সম্রন্ধ প্রথতি নিবেদন করি। পরমন্তব্দ ইংকঞ্চ त्रव किन्नुवरे गत्रप्र कार्यद्र करर छरत। त्रव किन्नुवे केव স্বানা সম্পাদিত, সধ বিস্কুই ওার একং সম কিয়ই ওাঁকে নিবেদন করা হয়। তিনি হচ্ছেন প্রয় লক্ষ্য, তিনি निक्टि कव्य चथवा चनारस्य निराष्ट्रे कवान, छिन्दि ইফেনে পরর কর্তা। উক্তরের বহু করেন রয়েছে, বিশ্ব বেহেন্ড তিনিই দৰ্হকারণের গরম কাবে, ভাই তিনি পরমন্তব্য নামে প্রসিদ্ধ, যিনি সমস্ত কার্য-কারপের পূর্বে

কোল কারণ নেই। আনি তাই উপ্তে আনার সম্রভ অত্যন্ত প্রসাহ হতেছিলেন এবং অধ্যর্থণ নামক পরিত্র সেই সক্রিসালক বিশ্রহ পর্যমেশ্রর ভাগরের আবস্থ প্রতি শ্ৰীনা হল। বাছ তেজন কলোর পদ্ধ গ্রহণ করে লেই পৰ্যবিশিষ্ট হয় ৰাখবা ধুলি মিজিত হতে নেই কৰিবিশিষ্ট ইউ, তেমনই ভগবানও জীবের বাগনা অনুসারে নিপ্র উজে উপসেখ যাগে, উন্ন অদি মূপে প্ৰকাশিত বা হয়ে। শেবতভাগে প্রকাশিত হন। সেই সমস্ত কন্য রাপের ভি প্ৰয়োজন গুড়াৰি পুকুৰ ভাগৰান কুপাপুৰ্বক আহমে অসম পূৰ্ব করনা 🖰

শ্রীল ভক্তাব গোরাহী বললেন—"হে কুক্সেষ্ট

লবারি লিবেম্বর কবি। আমি মর্ববারে শহুমেন্ত্র স্থানে আর্বার্চত প্রয়েছিলন। ঠার শ্রীপাদপথ ঠার বাহন ভোজনতে আমন্ত প্ৰথতি নিকেন নৱি, যিনি আৰু চিত্ৰয় । বক্তত ব আছে বিনায় এবং ও ার **মাট** মই ছি ল 😝 সম্বিত। সমন্ত দাৰ্শনিকদেৰ কাল অভান্তন পেকে। আজানাগৰিত। সেই আট বাতে তাতে পথ, চঞা, অসি, विकि रिक्ति प्रस्तान मुढि केटल, सेनरे क्षरात स्था । इर्ज, क्षत, क्षत्र, शाय अवर नमा---वेटे चाउँके क्षत्र काराज मिर्कापद बाराएठ कृत्य यात्र अवर देश कृत्य डेक्क्यकार्य त्यांका शक्तिया। देश भटान क्षिण भीड ক্ষারাও তেমের মধ্যে বিবাদ হয়ে আর্বর কমাও ঐতহ হয়। । ধ্যম এবং অক্তর্যান্ত অস্থ্যাম। তার নালে ও বনন অভার अंकेआरंप टिमि और कर कारण क्षमा अवधि भौरांपुरिय । धमा अवर केंद्र करहे धानान-रिर्मायट कारामा। कीर স্থান্ত করেন, বার কলে জার কোন নিভাত্তে উপনীত হতে। কম্ম কৌপ্রভ মনি এবং প্রীবংস চিত্রের সারা অলম্বত। পাৰে যা। আমি টাৰ্কে আমান সমান্ত প্ৰণতি নিকোন। ঠান মন্তকে মহা উচ্চাল তিইটিমণ্ডল এবং তাৰ কৰিবল ৰবি। গুটি পক্ষ ইবেহে—আভিক এবং কভিক। মন্ত-কণ্ডলের হারা অলহত। এই সমন্ত অলহার আজিকো, কর প্রমাধ্যক নিয়স করে, তারা ব্যোগ্য । অসৌনিক সৌপর্ব সমবিত ছিল। তার কটিয়েলে ছিল হাধাহে আধ্যান্ত্রিক কারণের অনুসভান করে। কিছু বর্ণমেধনা, মনিবছে কার, যালতে অঞ্চ, অসুনিতে সাংখ্যবাদীয়া, যায়া কেবল কড় ইপান্যনের বিদ্রোল করে, অক্টার এক চরণকুগলে মুপুর। এইকারে আলভারে ভাষা নিৰ্বিশেষ নিভাৱে উপনীত হৰে ভগবান, গৱেষকা বিভাগিত অধিক অধ্যতেৰ প্ৰভা শ্ৰীহাটি ব্ৰিলোক এমে কি ব্রহ্মকেও পরত্র করণকংশ হীজর করে না। বিয়োগ্যকারী পুরুরোভাররংগে মারুর ও কল আদি প্ৰভাষনে, ভাষা জড়া প্ৰকৃতিৰ অন্যবদাক বহিত্য। প্ৰান্তসমূহ, ইন্ত আদি শ্ৰেষ্ঠ সেবভাগণ একা শিষ্ক, গৰুৰ্ব ক্রিয়াকলাপে সাম থাকে। কিন্তু, চরতে উচ্চর পক্ষর এক ও চারণানের হারা পবিস্তা হরে প্রকাশিত হয়েছিলেন। পামে সভাকে বীতাৰ করে, কালে বিজে মতবাদ পোৰণ । ঠানা সভাবেই ঠান উভয় পাৰ্যে ও পদ্যায়ে থেকে ক্ৰম কালেও ভালের চরম উক্ষেশা হক্ষে সেই পরম কালে। পরি এবং তাঁর মহিমা কীঠন করছিলে। ভালোকের ভাবা উভয়েই নেই গরমহাত্মকে প্রাপ্ত হয়। নেই নেই গরে আন্তর্গ জ্যোত্মির রাগ দর্শন করে প্রভাগতি পরমন্তক্ষকে আমি আমার সভার প্রদাতি নিবেশন কৰি : নক প্রথমে একটা তাঁত হয়েছিলেন, তিন্ত ভালেন কালের অভিন্য ঐশ্বৰ্তসম্পন্ন ভাৰতাৰ ভান্ত নাম, কাল এবং প্ৰকৃষ্ণ হয়ে ভানিতে লভাৰং প্ৰদান কৰেছিলেন। ভালায় কাৰ্যকলাৰ ভাষিত। তিনি সৰ্ববাধে এবং উপ্ত অন্তৰ্যতে নদী কোন পূৰ্ব হয়, তেমনই অভাৱ ভাসকে বীপাৰপত্তের সেবায়ত ভক্তাদের প্রতি বিশেষতাবে। মনেম ইন্সিয়ণ্ডলি পরিপূর্ণ হরে উত্তেখিশ। তার কলে কুপাৰার। তাই তিনি ঠার ভক্তবের কাছে তার বিধিয় । কল কিছুই কলতে পারকেন না। তিনি কেবল ভূমিতে শীলার মাধ্যমে উন্ন চিন্দ্র মার এবং রূপ প্রকাশ করে। । সভবং পরে বইবেম। প্রজাপতি লক্ষ্ণ ভিত্ন হা বলতে নাহদেও, সর্বভূতের অন্তর্গামী স্বগ্রহার উন্তর ভাক্তকে প্রকার্যন্তির অসমতে উরু সম্মূরে সেইভাবে প্রবত কেছে, ঠাকে সংঘাধন করে বলেছিকে—হে মহাভাগারের প্রচেত্রক, কেহেত তুনি আমার ভ্রতি প্রকাপরাহণ, ভাই আমার প্রতি তুমি পরম ছান্তি লাভ করেছ। প্রকৃতগঙ্গে ভোমাৰ গৱৰ ভঞ্জিত্ব উপস্থাৱ প্ৰভাবে কোনার স্কীৰ্ম এবন পূর্ববার্গে সকল হতেছে। তমি পূর্ব সিদ্ধি প্রপ্ত इंद्रक ("

াহে প্রকাশতি দক্ষ, তুমি নির বংসারেই মানল এবং মন্তবাৰ পৰীতিৰ মুক্তৰ প্ৰাৰ্থনাৰ ভাৰতানৰ ভাৰতান। বৃদ্ধি সাংলোৱ জনা কঠোৱা ভালনা কৰেছ। প্ৰাৰ্থনাৰ চাই

হে, এই স্নায়তের সকলোই সুখী প্রেক। তুরি গেহেতু সার্য্র স্থাপ্তর মধ্যে সাধ্য করে আমার বাদ্যর পূর্ণ করে চেষ্টা করম, ভাই আমি ভোমার প্রতি অভ্যব প্রসম दक्षति। जन्म, निय, अनु, मध्य (मनठा अन् रकामत প্রমাণ্ডিয়া সকলেই সমস্ত জীবদের কল্যাল স্বাধ্যের কর কার্য করে। প্রেমরা সকলে আমারই বিভূতি কর্মণ বিশ্বস্থাকে সৃষ্টি করেন।" ওপাবভার বিশেষ।"

080

"হে এলেশ, গ্যানরাগ তগতা আমার হলা। মহকরে বৈনিক ক্সান অনুসার শেহ, আধ্যাত্মিক কার্ককমাণ একং ভঞ্জিত্যৰ আসাৰ আকৃতি, সুনিপায় বাচ অন্তেৰ আই, भूगाकृत्री भाषना मृतृष्टि च्छक्षात्र मन बक्द अकृष्टित विकिता বিভাগে আমার আদেশ পালনকারী কেবভারা আমার প্ৰাৰ। এই ৰাড সৃতির পূৰ্বে, আমার বিশেষ চিসার ৰ্মিক সৰা আন্নিটা কেবল ছিলান। চেডনা ভাৰা অপ্রকাশিত বিল, তিক বেমন নিপ্রিত অবস্থায় কারও চেত্ৰৰ অপ্ৰকাশিত থাকে। আমি কৰাৰ চপো উৎস এক ভাই আমি ক্ষমত কণ্ডৱ সর্বব্যার মামে পরিচিত। আহম জন্মলন্তি থেকে আমন্তই মধ্যে ক্লয়ণ্ড প্ৰদানিত হরেছে, সেই ব্রক্ষাণ্ডেই ছোমার উৎসক্তরণ ব্যবেনিক इका कारिएं व इत्यरहरू। चाशावर मानिक हाता धन्याभित दशा (स्वर्टाई संबो (प्रवर्ध) यक्त मुस्किर्ध

উদাত হতে নিজেকে অসমর্থ বলে মনে করেছিলেন প্ৰকৃত আহি উচকে উপৰেশ প্ৰদান কৰেছিলাম। সেট উপ্দেশ কন্সাংহ প্রদা অভ্যত কঠেবে ভগ্সা ক্রমন্তিকেন। সেই জলসাম প্রজাবেই বিশ্ব ক্রুলা তার স্টিকৰে উচক সাহাত্ত করার জন্য ভেমেলের নইজন

"রে করে কর, প্রজাপতি প্রকলনের অসিকী নামক একটি করা স্বয়েছে: ভাকে আমি ছোমার প্রদান করাছি ত্ৰবি ভাকে কোফাৰ পৰীক্ৰমণ গ্ৰহণ কৰ। ভূমি বী-প্রথের রুভিরণে ধর্ম অবলম্বন করে, প্রভাবন্ধির মান্ এট কন্যার গর্ভে বর সন্তান উৎপায়ন করতে পারবে। ভবি বে শত-সহত সন্তান উৎপাদন কঠাবে, ভারা আমগ্র মান্তৰ ভাৱা ফোহিত হৰে তোমধা মতো মৈণুনভাৰ অবলখন করবে। কিছু ভোমার এবং ভাষের উপর আমার ফুলার প্রভাবে, ভারা আমার পূজার সামগ্রী সংগ্রহ ৰূবে ভক্তি সংখ্যারে ভা আমাতে উপহার দেবে।"

জ্ঞীৰ প্ৰকাৰে গোকাৰী কালেন—"সমগ্ৰ ক্লমাণ্ডের প্রত্যা পরমেশ্বর জগবান শ্রীহরি প্রজাপতি নামের সমক্ষে এইডাৰে বলে, বধ্বে উপলব্ধ ধন্তম হতো সেধান থেকে অপ্রাইত হয়েছিলেন ট



পথ্যম অধ্যায়

নারদ মুনির প্রতি প্রজাপতি দক্ষের অভিশাপ

প্রজাপতি বন্ধ বিশ্বমান্তর ছারা অনুপ্রাণিত হয়ে পাক্ষরনীর (অনিজীর) গর্মে কণ হাজার পুত্র উৎপাদন কবেছিলেন। তীয়ে ধূৰ্যৰ নামে পৰিচিত।"

"মে রাজন, প্রজাপতি দক্ষেত্র সেই সমস্ক প্রচেত্র স্বভাব ছিল মাধ্যন্ত নত এবং তীরা সকলেই ছিলেন ঠানের পিতার অভ্যান্ত কাধ্য। তাঁলের পিতা কলে

कीम ७३-एन लावाजी नजरनन--"ए बाजन, कारमहरू मखन देशनारम प्रितंत निराहितन, ४५० ন্টারা পশ্চিম নিকে প্রম করেছিলেন। পশ্চিমে বেখানে সিধ্বলী সমূহের সলে যিকিড হয়েছে, সেখামে आवारणम्य नामक जावरी कीर्यक्षम तास्ट्रहः। यह भूमि ऋषि এবং নিভগণ নেই স্থানে বাস করেন। *হর্ষবরা শে*ই পৰিও তীৰ্ষের জল স্পর্ণ করে ও ভাতে স্থান করে বিশেষভাবে পরিশ্র হয়েছিলের এবং জিনের পারমহংস-

প্রসার্থিত আলেল নির্বেছিলেন, আই তারে তার বাদনা এপ্রায়ন দেবর্থি নাক্ত প্রজাপুথির জন্য ক্রপাশারের কর্যসূত্র (सन्दर्भ (भारत केर्प्सन करात अदम्मिन्स्य (*)

क्टार्टि मोतम नक्तनम—"क्ट क्टॉक्कम, **र**हायता প্রথিত অন্ত মর্পন করনি। সেখানে একটি স্বাচ্য রখেছে বেৰানে কেবল একজন যানুৰ বিবাস কৰে। সেধানে এনটি মার্ড রয়েছে, যেখানে প্রবেশ করলে কেউ বেনিকে হলে ভালের সেই সমস্ত কার্যকল্যগে কি লাভ ং* আনে না। দেখানে এগটি শ্বী খড়েছ যে কচার অসঠী হার সেখানে এক পুরুষ হারে যে তার পভি। সেই বাৰো একটি নদী আছে বা উচৰ পিকে প্ৰবাহিত। লেবালে একটি আকৰ্ম গৃহ বলেছে, বা পটিশটি द्वेशानात्म्य प्राप्ता निर्दित, क्विंट राग ब्रह्मरह, एवं क्वरिय শব্দ করে এবং একটি বস্তু আছে যা ক্ষুদ্র ও ব্যাহর ছবা নিৰ্মিত এবং কলং প্ৰসংগীল। তোমবা দেই সৰ দৰ্শন করনি, সৃতরাং তোমকা উপ্তত-জনস্কীন অনতিকা বলক। অতথ্য ভোষরা প্রকা নৃষ্টি করতে 🗣 করে। হার, যোগালের লিঙা দর্বজ্ঞ, কিঙ্ক যোগর জার প্রকৃত আলো কান না। সুতরার তোমানের শিতার প্রকৃত উদ্দেশ্য বা কেনে, ভোমরা কিভাবে প্রকা সৃষ্টি করবে 🖰

হেঁলানিপূৰ্ণ ফড়া প্ৰবল্প কৰে, হৰ্যপেৱা আদেব সভাবিক ক্যিরপতি-সম্পন্ন বৃদ্ধির ক্ষম নিকেন্সই ভা কিন্তু করতে मोगटाइस ™

"(ছর্মনরা নারদ মুনির বাশীর কর্ম এইভাবে হলকমন কর্মের বলগদ্রাল উল্লেখ্য যে মাত্র দরীব, তা হচ্ছে ক্রীরো কর্মকের এবং তা তারে প্রাপ্ত উপাধি প্রকান করে। সীব শরণাতীত কলে থেকে নিভিন্ন প্রকার ভঙ পরীর প্রাপ্ত ইয়েছে, বা ভার ভারবছনের খুলভারাণ। তেওঁ বনি প্রকৃতির প্রবা নিয়াল ইয়ে সে ভার বৃদ্ধির পতি অন্তসরুৎ मुर्मेशकगढ अहे चनिका मकाश क्टर्य लिख हा। अवर औ वकत-भूकित (होता मा करह, का रहन कार जमिला करने। याद्य सा। बरिकान एकी वनि मकाम कर्म कम्होन करत. अनुकारम कि साथ इरवा"

"(নারদ মুনি বলেছেন বে, একটি রাজ্য ররেছে বেশ্যনে একজন মান্ত পুৰুষ ক্রেছেন। হর্ষদের ঠার উচর দিকে প্রাহিত। হর্ষদের সেই বর্গনার ভাৎপর্য

ধর্মে মতি চর্যোচন। নিজ, বেকেড় তালের নিতা ঠাকে। এই উপ্রের কাংগর্য হাসমাস্থা করাউ (পরেছিপেন।) একমার জোকা হাজের পরচেশ্বর ভাগকন বিনি সর্বত্র সব পূৰ্ব কৰাৰ কৰা কঠোৱে উপস্থায় হগুৰ হতেছিলেন। কিন্তু পূৰ্বকেক। ডিমি ইউড্ৰইপূৰ্ব এবং সৰ্বতোভাৰে করে। তিনি কল্মত করা প্রকৃতির তপের অধীন নন, করণ তিনি সর্বন এই ছাত্র সৃষ্টির আর্টাত। প্রানব-সমাজ বলি ভালের উন্নত জ্ঞান এবং কার্বকলাপের বারা নেই পর্যাধ্যক মা জেনে, কেবল তাদের অনিতা সুশ্রোগের জন্য বিন-রাত কুকুর-বেড়ালের মতো পরিভাগ করে, ভা

"(নারদ মুলি কলেছিকের ছে, একটি বিলা বা ছিয় এবং কে বিভিন্ন মনোহন কালের দ্বারা নিয়েকে সামার, - ব্যৱস্থে কোনে প্রকৌ করলে, সেখনে থেকে ভার কেউ किछा चारम हो। इर्लाहा त्मरे अभ्यक्त धार्य समस्त्रप्र করেছিলেন।) পাতালে প্রবেশ করতো থেক। কেবান বেকে আর বেরিয়ে জ্বাসা বাহ না, তেমনি বৈকৃষ্ঠ বামে (প্রত্যেশ-খার) প্রবেশ করলে, দেখান খেকে খার এই জড় লগতে কেউ কিৰে আলে না। এখন কোন স্থান যদি থাকে, বেখানে গোলে আর এই দুঃখমর জার স্কাগতে বিবে আগতে হয় বা, চা হলে নেই স্থানটি কৰ্ম বা करद स सामदाह एउट्टी मा करदा, क्लावन दामरदाई प्रत्या এই ভঙ্ক জনতে লাফাগাকি কংলে কি লাভ হবে?"

"নেরদ খনি এক কেবা রফ্রণীর বর্ণনা করেছেন। বৰ্ষপেত্ৰ সেই ব্ৰমণীকে চিনতে পেত্ৰেছেন) ব্ৰচোওপ वीन ७०एस (भाषामी कार्लन—"बाल मुन्ति होरें । भर्माक्य कीरक चित्र वृद्धि वृद्धि व्हारी राजात मरता कीरव মোহ উৎপাদনের জন্য তার বেল পরিবর্তন করে। তা বুৰুতে না পেত্ৰে মনুষ যদি অনিত্য সভায় কৰ্মে লিপ্ত হৰ, ভাতে তাৰ কি পাত হৰে?"

"(ন্যারৰ মূলি এক বেখ্যাগড়ি পুরুষের ঋথাও करतकिरमा—) फू' ('भूरिनी') भएकर क्षर्य कर्यरका। अलाका। वर्ररका (गरे क्षेत्रकि अरेकार वृद्धिकान) তেওঁ কৰি ক্যোৱ পতি হয়, ডা হলে লে হার স্থাতছা হাবিরে কেলে। তেমনই, কনুবিত বুদ্ধিমন্তা সমন্বিত ব্যক্তি হার কণ্ড-আগতিক জীকাকে বর্গিত করে। ক্রায়া করে, বার কলে দে বিভিন্ন সূপ এবং গুরুত্বায় অবস্থা ভাবে ভাবে কি লাভ হয় ?"

"নেকা হনি বলেছিলেন বে, একটি মদী অন্তঃ বা

উপলব্ধি করেছিলেন।) সৃষ্টি এক প্রদাহকর্দেশী মানেই । সংখ্যাকো মাধ্যমে বিতীয় জনা লাভ হয়। সদ্ধানৰ কাছ সেই নদী। স্থাই সেই নদীটি উভয় দিকে প্রবাহিত। েই মদি অধ্যানবশত শেই নদীতে গাঁতত হয়, ভা মতে সে তার ২বলে নিমন্দিত হয় এবং তেহেতু কটো নিকটো সেই নদীয় বেল অভান্ত প্ৰবদ, ভা সে সেখান থেকে উঠে আগতে গারে মা। মানেলগ সেই নটাতে সকার कार्य कार्यकान करत कि मांच व्यवर"

্নোর্থ মুদ্র পাঁচপটি উপাদানের ছারা নির্মিত একটি গৱের কলা বলেছিলেন। হর্যশেক্ত সেই রূপকের কর্ম হসমুসম করেছিলেন।) পরমেশ্বর ভগবান পঞ্চরিপেতি তত্তের আত্রর এবং পরম পুরুষরুগে তিনি কার্য ও कारापुर भक्तित्तक अवर छकानक। (कक्रे यदि (गरे भाग भुक्रयस्य मा स्कटन चनिष्ठा मकाश् कर्स्य मुख्य हर्स छ। **इरक फान्न कि भाभ इरव**ा"

"(मात्रम पूर्वि अवकी करतमा क्या वरमरफन। अहे। ভাবে সেই হংস্টির ভথা কর্মনা করা হত্তেছে।) বৈলিক भारत ^भाष्ट्रेशस्य वर्गना कता चरहरक् किकाब मध्य कर এবং চিশ্বর পতিক উৎস ভরবাদকে জানা অধ। প্রকৃতপক্ষে, এই দৃটি পক্তি সহক্ষে বিস্তৃতভাবে বিশ্লেক্ क्या रामस्य। शत श्रामध्य विभि विभि सक्ष अस्य राज्यतम পার্থকা নিরূপণ করতে গারেন, বিনি সম কিন্তু সার প্রহণ করেন এবং বছানের কারণ ও মৃত্যির উপায় বিশ্রেষণ ৰয়েন। শান্তের বাগী বিধির শব্দ-ভক্তা সমন্বিত। কোন মূৰ্য বদি এই সমস্ত শাস্ত্ৰ অধ্যৱন ভ্যাপ কৰে অনিতা कार्यकनार्य एक रहा छ। शत राज राज शतिपास कि इरद !"

"(নাজে মনি কর এবং বড়ের ছবা নির্মিত একটি বছর উল্লেখ করেছিলেন। হর্যবেরা নেই রূপকটির হর্ষে এইডাবে হুদরুসম করেছিলেন।) কালের গতি খাত্যন্ত সূতীস্থা, কো থা পুর একং ব্যক্তর খানা নির্মিত। সম্পূর্ণ বস্তু একা অর্মাতহতভাবে ঝাল সারা ক্ষরতের সমস্ত কাৰ্যকলাপ পাঁচালিত করে। কেউ বনি এই কাল্ডক্রক জানন ডেটা না করে অনিতা স্থান কর্মো অনুষ্ঠাতে মগ্র হব, ডা হলে ভার কি লাভ হবে?"

"নোক্ত মুনি জিআগো করেছিলেন মূর্বতাবশত মানুব হিভাবে শ্রার লিওরে আফল আমান্য করতে পারে। এই शासक कार्य दर्गरभाजा समज्ञाय करतिहरून।) मार्जनर्राम পালন করা অবশ্য কর্তব্য। বৈদিক সংস্কৃতিতে উপনতন

বেকে নাছের উপদেশ নিকা পাডের ফলে এট ভিতার ৰূপ লাভ হয়। তটি, সাপ্ত হতেনে প্ৰকৃত পিতা। সমত্ত শালে এড-জার্লাকক ক্রীথনের সম্প্রির সাধ্যার উপদেশ দেওরা হতেছে। কেউ যদি তার লিতার বা শান্তের উপদেশ হাদধায়ম করতে না পারে, তা হলে সে মুর্থ। **মাত্র প্রেরে শিতার যে থালেশ পুরুত্র জন্ড-আ**র্গাত্তর কাৰ্যকলালে প্ৰবৃত্ত কৰে, ভা প্ৰকৃত লিভার উপদেশ মাধুণ

নীৰ ভৰষেৰ গোহামী বলগেন--"হে রঞ্জন, নারহ হনির উপজেশ প্রবাদ করে, প্রজাপতি দক্ষের প্রহরা সম্পূর্ণরূপে নিশ্চিত হয়েছিলেন জারা স্কর্পেই স্থার डॅभरम्य गुर्वकरभ विकास कर्दाहरूकम धवर अकम्छ श्रुविहत्तन। त्मेरे प्रश्वितक छैत्रामा छक्रप्रभावताल वतन করে উলো উল্লক প্রদক্ষিণ করেছিলেন এবং যে পথে ारत्य चात्र करे संगर्ध किंद्रा च्यमत्थ स्त्र ना, क्षेत्रा (अरे পরে প্রমন করেমিরসের। সপ্ত বয়-বা, ঝ, গা, মা, পা, ধা এক মি সমীতে ব্যবহাত হয়, কিন্তু মূলত নেওলি এসেছে সামকে। থেকে। দেবর্বি নারম ভগকনের দীপা वर्गमा करा बान करामा। इति कृषा इति कृषा कृषा कृषा হরে হরে / হরে সাম হরে রাম হাম রাম ইরি হরে---এই আদি চিত্মর মহামতের কীর্তনের প্রভাবে মন ভগবানের শ্রীপাদগতে একার হয়। তথ্য সমস্ত উদ্দির্ভার ইশ্ব হারীকেশকে প্রত্যক্ষভাবে দর্শন করা দায়। হৰ্যখনেৰ উদ্ধাৰ কথাৰ পৰু, নাৰ্য্য মনি ভগৰান শ্রীফরীকেশের শ্রীগালগারে টার চিত্ত একাগ্র করে সমস্ত এইংলোকে ভাষণ করতে লাগালে।"

"প্রজাগতি ঘটের পুনা চুর্যাধেরা সকলেই ছিলেন चठास मुनील अवर मरफटि-मन्नम नृत, किस দুর্ভাগ্যকতে, নারন খুনির উপদেশে উল্লা উচ্চের পিডার আনেশের প্রতি বিমুখ হল। দক্ষ হলন সেই সংবাদ পান, যা নার্য মূনিই তারে কাছে বহন করে এনেছিলেন, উপন তিনি শোক করতে ওক করেন। এই প্রকার সুসন্তানকের পিতা হওয়া সত্তেও তিনি গ্রামের সকলকে হারিয়ে हिरम्म। **घरमा এটি (मा**इनीच दित्तपत्र हिन।"

"প্রস্তাপতি কক করন ঠায় পুরুষের হাবিয়ে শোক কৰছিলেন, ভৰন কৰা তাৰে উললেক দিয়ে সাধনা নিরেছিকে। ভারণর হক তাঁর লভী লাখারনীর সর্ভে হারত এত প্রাক্তর পূত্র উৎপাদন করেছিলেন। ভার এই লারের সংসাধ নামে পরিচিত ছিলো। রামের শিখন স্থানেশ অনুসারে সম্ভান উৎপাধনের কলা সংসাদেরাও নারারণ সরোধনে সিরোধ্যেন, থেখনে উল্ল জোট প্রতারা সার্থ ছুনির উপরেশ পাল্স করে সিছি বাক প্রধেষ্টিকোর। ভাগায় করার দৃত্যেত থকা করে সংকালের ্ৰেট জীৰ্ছে অন্যান কৰেছিলন। সক্ষেত্ৰ বিভীৰ সভালে দলটি নার্যাশ সরোধ্যে ঠানের অন্তক্তবের মতেই ভেলমা ক্রবেছিলেন। উলো পরিত্র তীর্থের কলে সাম করে ব্ৰস্থের সমন্ত হ'ভ ব্যসন্তাল কল্ব খেকে মুক্ত হর্মেছকেন। তারা ওঁকার সমন্বিত হয় কপ করে কঠার ভাগানা করেছিলেন। প্রকাশতি দক্ষের প্রক্রের করেক মাস কোবল মাল পান এবং বাছ ডক্স কৰেছিলেন। এইভাবে কঠোর তথ্যনা করে থাবা এই হয়টি উচ্চাবৰ কৰেছিলেন "বাঁ নয়ে নয়ার-চর পুরুষার অংকান / विकार प्रवास का का का का विकास की विकार की विकास কুণবাৰ নাৱাকুণকে আমানের সহাত্ত প্রণতি নিকেন করি विभि नर्वमा कीय विकास सहस्र निवास सहस्र । व्यासक তিদি পরৰ পুৰুষ (প্ৰমন্থা), ভাই আম্বা ভাকে প্রায়েদের সম্রন্ধ প্রদতি নিকেন কবি।)"

"হে মহারাজ প্রীক্ষিৎ মাজ যুনি প্রজান্তি কামনার তলস্যারত দক্ষ-পূর্বদের কাছে এসে, পূর্ব তিনি তার জোষ্ঠ আতাদের বেভাবে পুরু অর্থ সমন্বিত উপক্ষেপ বিলেছিলেন, সেই উপদেশ ঠাকেছও বিশেন। হে দক্ষপুরপর্ণ, তোমরে মনোয়েল সহকারে আমার উপবেশ প্রবাদ করা। তোমরা সকলেই তোখাকের ক্রেক্ট বাবা হর্যবন্ধের প্রতি ক্ষতান্ত প্রীতিপরাহণ, অভ্যন ভানের মার্য মনুসরণ করাই ভোনাবের কর্তন্ত। যে প্রাক্ত ধর্মতন সকলে অসমত, তিনি উলে অপ্রকাশৰ পদার অনুসরণ করেন। অতি উন্নত সেই সমত্ত পুশাবন প্রতাবা মর্কৎ ইত্যামি মাতৃবংসল দেবতাবের সঙ্গে জীকা উপত্তোগ করার সুযোগ পান।"

বীল ওকদেৰ গোকাটি বললেন—"হে অবৰ্ধ, কাঁৰ দর্শন কৰনেও বার্থ হল মা, সেই মারল মূমি প্রজাপতি দক্ষের পুরুষের এই উপজেন লিয়ে সেখন খেকে প্রয়ন করেছিলেন। সংক্ষম পুরুষ ভাষের জ্যেষ্ঠ ব্যাতাদের পদাৰ অনুসৰুণ করেছিলেন। সন্তান উৎপাদ্ধের চেষ্টা

না করে ঠারা কৃষ্ণভাক্ততে যুক্ত হয়েছিলেন। সরলাধর রগতের্ত্তার বাবর ভাগার প্রথমের প্রথমনের কুপার যাবা नावा अर्वत्याङ्क्य मध्येत्रीम अभ ध्यमपन अर्वाध्यानः তাই পর্যন্তম দিকে চলে পেনে যে বারি, ভার মধ্যে ঠার। क्षाक्रक किएड चारमानि। औँ महरत श्रक्षांभरि एक वर्ष অবস্থা চিক্ত দৰ্শন কৰেছিলেন এবং ডিনি কাৰণ कर्जाहरूका १६ जनगढ नामक क्षेत्र मुख्यात विक्रीय মলটিও নারক মুনির উপকেল অনুসারে তালের জ্যোত প্রতিব্যাহর প্রাক্ত অনুসায়প করেছেন। কর্ম কর্মন শুনাকেন (ব. সকলভানে ভানহাভিতে বৃক্ত হওয়ার উদ্দেশ্যে এই পুথিবী ভাগে করেছেন, ভখন তিনি নরণ যুনির প্রতি থাতাত কৃষ্ণ হতেছিলেন এবং শোকে হুছিতপ্ৰায় হবেছিলে। করে বুনির সতে বংশ গ্রেক সাকাং হবেছিল, তথ্য ক্লেহেও দক্ষের আবর কম্পিত হয়েছিল এক তিনি উক্তে বুলেছিলেন, 'হার, নারুং মুনি, আপনি কেন্দ্র সাধুর কোই ধরণ করেছেন, কিন্তু প্রকৃতপরক জনই সাধ নথ। আমি গৃহত্ব ফাব্ৰুৰে অকলেও আমিই সাধ। আমার পুরুদের ভয়পের পথ প্রকর্ণন করে জাপার चटान्द्र लहिंड धनताथ करतरस्य ("

"আমার পুরেরা ত্রিবিধ লগ খেকে মৃক্ত হয়নি। প্রকৃত্বপঞ্জে ভারা ছাম্মেছ কর্তব্য সম্বাহ্মের বিবেচনা ক্ৰেমি। হে মান্তৰ খুনি, হে মুন্তিমান পাপ, আপনি ভানের ইহ্যুলাক এক পকলেকে যসল প্রাত্তির বিশ্ব সৃষ্টি করেছেন, করাৰ ভারে এখনও খবি, কেবল এবং শিক্তবের ক্তাৰ কৰী।

"এইভাবে चार्शन केरियास श्रीत दिश्मा कराइन *ध्*रर তা সত্তেও নিমেকে একজন ভগৰৎ পাৰ্যদ মঙ্গে লাহি করে জাগনি ভগবানের কা নাল করছেন। আগনি অন্তিভ হালক্ষর চিয়ে অনর্থক সমানুদর হতি সাহাহ मृष्टि काराध्य अन्य कार्ट कालनि निर्माण क निर्मात। আনসি কিডাবে ভগবৎ-পার্থপদের মধ্যে বিচৰণ করতে লাকের অনুসৰি মুদ্ধা ভাগবালের কলা সমস্ত ভাতে বা क्ष बीटायन श्रुटि धरात गरा अन्य कार्य प्रमान সাধ্যম জন্মর উৎস্ক। খদিও ছালনি ভানছেতের কো পরিকার করেন, ভবুও আপনার প্রতি বাঁরা শারস্তাবাপার না, তালে সংগও আগমি শত্রুতা সৃষ্টি করেন। আগমি ৰস্তুত্ব ক্ৰুক্ৰারী এক বছদের মধ্যে শত্রুতা সৃষ্টিক্রাটা। हरू इंस्तुम्य हात करा और समक्ष अच्चा कार्य अक्षर আপন্য লক্ষ্য হয় নাং"

"আপনি যদি মতে করেন যে, কেবল বৈরান্য সাধনের হারা আপনি ক্বড় ক্লগড়ের বন্ধন খেকে বন্ধ হবেন, জ हरन चापि कान रह, भर्न कारनत देशह में हरन रक्का খালসায় মধ্যে বেশ পরিকর্তনের হারা কবনও কৈলক উৎপা হতে পাৰে না। কড সুনজোগই বে সমস্ত পুংগ-नुर्यन्द्रत कारण, का विवरकात सा करत काल बात बात व्या নিজে দৃঃখ-দূৰ্বপা ভোগ না কৰলে ভোগবাদনা ভাগে করা বার মা। সুতরাং বিবরভাগে করতে করতে করন কোনা यात्र और कड़ कमर कड शुर्वास्त्र, छन्न चन्द्रामत गाराख ব্যতীতই বাছ সুৰভেমগ্যে প্ৰতি বিভাগ কৰার। বাবের কৰ অন্যদের দান্য পরিবর্তিত হয়েছে, ভাষের বৈলাগা মক্তিগত অভিজ্ঞভাগৰ ব্যক্তিগের মতে হতে পারে না। আমি বনিও স্ত্ৰী-পুত্ৰ সহ গৃহত্ব ভাৰনে স্থান করি, অনুও অমি সংচ্যতে বৈনিক নির্দেশ অনুসারে পাশহীন জীবনো আনন্দ উপভেগা করি। আমি শেববজা, কবিবজ্ঞা, भिष्ठवस अन्य नृपक्ष चानि नावत पक्ष चान्छान कटाहि। থেছেত এই সমস্ত কলওলৈকে কলা হয় এত, ভাই আহি

প্তরত নাবে পরিচিত। দুর্ভাগানপত, আপনি অকারণে অংশার প্রেমের সম্ভাবমার্গে পরিচাশিত করে পথছত করেছেন, ভাই অপনি আমাকে অসের দুংগ নিয়েছেন। য় কেবল একবার হয়ে সহ্য খবা বায়। আগনি একবার আমার পুরুষের আমার খেকে বিভিন্ন করেছেন এবং এখন আগমি আধার সেই খণ্ডত কর্বে করেছে। ভাষ जानदि का धार जगरमह नहम किछाद जाहरून कहरक হর আ ভারেন না। তাই খানি আপন্যকে ছডিশান নিজি বে, আপনাকে দারা ব্রক্তাণ্ডে প্রমণ করতে হবে क्स चान्त्री काषां इत शहरा मा।"

প্রীল ওকারে লোকানী কালেন—"হে রাজন, নারদ মুনি কেন্তে একজন সর্বসন্থত সাধু, তাই প্রঞাপতি দক্ত হথন ভাঁকে অভিশাপ নিবেছিলেন, তথন তিনি বলেছিলে, তহ ৰাচৰ—'হাঁা, খাপনি ভাল কথাই বলেয়েন। আমি এই অভিনাপ প্ৰহণ কৰছি।" মারুদ মুনিও মাধ্যকে প্রতিদাপ বিজে পারতের, কিম্ব ডিনি ভা না করে তার অভিলাপ সহা করেছিলেন। কারদ তিনি রিলের একজন সহিত্য এবং উদার সাধ।"



ষষ্ঠ অধ্যায়

দক্ষকনাদের বংশ

ত্ৰীল ওকলেৰ গোলামী বলুলেৰ—"হে বাজন, ত্যৰপৰ স্বাদায় অনুযোগে প্ৰাচেত্য নাৰে পৰিচিত প্ৰভাগতি দক্ষ, ভাৰ পদ্ধী অনিজীৱ গতেঁ বাটটি क्म्यानकाम वैश्वनक कर्डाहरूका। त्यहे क्न्यांस मकरतहे র্তালের শিতার প্রতি অভান্ন প্রতিপারাকা ছিলেন। ভিনি দশটি কলা ধৰ্মনাজকে, তেন্ত্ৰট কল্পনাত প্ৰেক্তি আনোট এবং অন্নগদ একটি), সাজনটি চক্তানত্ত্ব এবং অভিন্তা, কুশাৰ ও ভৃতকে বুটি বুটি করে কন্যা সংক্রমান করেছিলেন। অন্য চারটি কন্য ভিনি কল্যগতে সম্প্রধান

করেছিলেন। (এইভাবে কল্যুপ সর্বসমেত সভেমটি কনার পশ্চিমান্দ করেছিলেন () এখন আলনি আম্রান কাছে এই नवड क्या अर केल्स बर्मधारस्य माम अस्त कस्त, वैद्य विकृतन भूगं करराहर।"

িবলমাধ্যকে যে কণটি কন্য সংখ্যান করা ইয়েন্ট্িন, देशका नाव भाग, नावा, ककूम, दावि, दिवा, जांधा, মঙ্গকতী, বনু, মৃতুর্ভা এবং সকল। এবন উপের প্রদের न्यम अरु५ कन्नम । (ह सम्बन्, भानूत नहर्क (एरचर्च নামক পুরের জন্ম হয় এবং তার থেকে ইন্সদেন নামক একটি প্রের লাভ হয়, বিল্যেত থেকে মেরসমূহ ছাল্যপ্রহণ করেছেন। কর্তুনের গার্ডে স্থাট মারক পুরের। ছার হয় এক: সম্ভট থেকে কীতট নামক প্রের কার বামির থেকে বর্গ নামক প্রক্রের কর কর কর কর বর্গ থেকে मन्दिर स्था इत्। विश्वत भूरक्षत्र इत्स्वन विवास्थ्यत्रन् ঠালের কোন সন্ধান নেই। স্বধ্যার গতের সাধানব্যের কর হয় এবং সাধাপৰ থেকে অৰ্থসিদি জনপ্ৰতৰ কৰে। सग्रह फ्लाबन वागुरमस्बद्ध धरम् किमि केरशक्त बार्य পরিচিত। মুহুর্তার গর্মে মৌহুর্তিক ব্যাহক দেবতাগদ মারহারণ করেন। এই দেবভার জীবনের স্থ-ক কারভার कर्मक्या श्रमान करतन। जनकात पूज नक्क अन्त् जनक (अर्फ कारमा संभ एवं) कपुर भूत कार्डको । स्थापन नाम चामात्र कारक अवन करूप—हान, शान, क्षत्र, चार्क, विशिष्ठ स्वत्रत्र नागरस्त्र कार्य एई हैं অগ্নি, গোৰ, বাস্তু ও বিভাবের। এরাই অস্টবের নারে লোক, ভর আদি নামক প্রথের ক্ষর হয়। প্রত্যুর পঞ্জী উর্মাণার্টার পার্ড সহ, আরু ও পুরোক্তম নামক তিন পুর বিভাবসুর পত্নী উবা বুটি, রোচির এবং আতপ নামক । ভার হয়।" তিনটি পুর প্রসৰ করেন। স্বাভগ থেকে পঞ্চবাম স্ব দিবসের উৎপত্তি হয়, বিনি শ্রীবনের শীর কর্মে অনুপ্রাণিত করেন ৷ উত্তের পত্নী সরপরে গর্ডে যে কোটি সংখ্যক करवत क्या देश, फाएल्ड घरशा धानात कर अधान। (गरे

একটি পুরের জন হয়। লখার দর্ভে বিলেয়ক নামক । ব্যাক্তি, আইজকপাত, আইড্রাক্ত, ক্ষরতার এবং মহান। ক্তের ভাগর পর্বার ছর্তে এতাদল করের সংচর অঞ্চন্ত ভাৰতা খেল, বিনাকৰ প্ৰভৃতির কর হয়। প্রকাশতি यांत्रदाव क्यां अवर मठी साम्क वृद्दे शही। एवा साही হয়। জীওট থেকে দুৰ্গা নয়েও দেবতালের হলে হয়। পাইই সমস্ত নিতৃদের উন্ন পুণ্ডবল্লে গ্রহণ করেছিলেন এবং সতী অধর্বাসিবস বেবকৈ তার পুরুষাপে প্রহণ कर्राहरूमा। कृतात्मत चाउँन अवर रियमा नामक हुँह পত্নী। অঠিন নমৰ পত্নীর বর্তে তিনি ধ্যকেত এবং বিষয়ত গতেঁ দেবপিৰা, দেবল, বস্তুন একং ৰনু নামক চার সক্রবাদীর পর্যে সক্রয়ন এবং জন্মন্ত রাপ্রভাগ করেন। প্রভাগর করেন। স্তার্কা অর্থাৎ কলাপের চার পরী-বিন্তা (সুপর্য), কন্তু, গতনী এবং হামিনী। পতনী নানা প্ৰকার পক্ষীদের প্রসম করেন এবং যামিনী শলভ্ৰমণকে প্ৰদৰ করেন। বিনয়া (স্থৰ্ণা) ভাগবান প্রতিপ্রের বাহন গরেছ এবং সর্বের রামের সারবি অনক বা কলে—এই দুটি পুঞা প্রসাব করেছেন। বজার পার্ডে

"হে ভারতবোষ্ট মহারেজ পরীক্ষিৎ, কৃষিকা জানি বিখ্যাত। প্রোধ নামক বন্ধ পদ্ধী অভিমতির সার্ভে কর্ম, নামপ্রখণ চন্তানেকো পর্ত্তী ছিলেন। প্রস্থাপতি নাম চন্ত্রকে 'বাস্থারোগে জ্ঞানর হব' বলে অভিনাপ প্রদান করে। তাই উন্ন কেল পড়ীর গ্রন্তেই সন্তান উৎপঞ্ন হতনি। সামাহত্য করেন। একের পত্নী ধরণির পর্ত থেকে নিবিধ । করেপর চল্লাকে বিবিধ কিনয় ককোর যারণ প্রজাপতি পুরসমূহ উৎপদ্ধ হয়। অর্কের গল্পী অসকর পর্যে ভর্ম দককে প্রসম করে কল্যসমূহকে লাভ করেছিকেন, ভিস্ত আদি বং পুরের অত্ম হয়। অধি নামক করুর ভার্বা ধারা তিনি সন্তাম লাভ করতে পারেননি। এই কলাসমূহ হবিগক আদি বহু পুত্র প্রসাহ করেন। অভিনয় আরু এক কুরুপকে কর হয় এবং শুকুপকে বৃদ্ধিপ্রাপ্ত হয়। হে পত্নী কৃতিকার গতেঁ ক্রম বা কটিকৈবর করে হয়। ক্রম । বহারক পদীকিব, এখন কলাপের পত্নীয়ের নাম প্রবং থেকে বিশাৰ খানি পুরের কর হয়। দোক নামত করুর । করুন, কঁলের মর্ভে এই রক্ষাণ্ড পূর্বকারী সমস্ত প্রাধীনের ভার্যা শবরীয় গর্ভে ভগবান জীহরিব অংশসমূত শিশুক্রর । জন্ম হর্মেছল। জানের নাম প্রবণ কংলে গরম মঙ্গল নামক পুরের জার হয়। আরু নামক বসুর পদ্ধী। কাচ হয়। কাল হচ্ছেন--আনিতি, নিতি, মনু, কাটা, पानिश्वनीत भएकं निवाधार्थ विश्वनथी अप्रश्रदन करतन। पातिक्षा, मृतमा, देशा, यूनि, द्वारास्त्रमा, धाता, मृतकि, महास বিশ্বকর্ম ছজেন আফুর্তীর পতি। জাঁদের খেকে চাকুব এবং তিনি। তিনির বর্তে সমস্ত জগানে প্রার্থার কর কর মনুর ক্ষার হয়। বিশ্বদের এবং সাধালক এই মনুর পুত্র। এবং সকলে করে সিহে, ব্যায়ে আদি সমস্ত হিবে প্রস্তানের

"ছে ইহারজ পরীকিৎ, সুয়তির গঠ থেকে মহিছ, গাড়ী এবং দুই বুবনিনিষ্ট জন্মন্য জন্তনা ক্লাক্রংশ করে। তাহাৰ পৰ্ত থেকে পোন, শকুনি প্ৰস্তৃতি বিশাস শিক্ষী পদ্দীদের হাত্র হার এবং যুলির পর্ত খেতে অকারাদের এক্সেপ্ত ক্ষেত্র নাম রৈবত, অঞ্জ, ভব, জীম, বাং, উও, জন্ম হয়। জেনধ্বপরে বর্ত ধেকে কল্পত্ন নামক প্রভাবশালী প্রয়ে স্থান লাভ করেছে।"

সরীস্থ, জনার সর্গ এক মধার জন্ম হয়। সমত বৃদ-লতার ভাগ হয় ইলার পর্ত ভোগে। সুয়সার পর্তে রাক্ষপদের রূপ্ত হয়। অবিষ্টার গতে প্রকর্মনর রূপ্ত হয় এবং অৰ আহি পণ্ড, যানেৰ বান বিভক্ত নাম, আলো জন্ম इरहरू कारोत १एर्ड) ८१ वासन, बनुव १एर्ड अध्याप्ति भूरद्वर संभ्य इत, मारमस मरना काउँएसा कम धनान। कारता नाम-विनयी, नचड, प्रतिष्ठे, इवटीय, विकायन, অয়োমুখ, শঙ্ক্ষিরা, কর্তানু, কলিল, অরুণ, লুলোমা, द्वनर्था, अक्टक, खनुष्टानन, धृष्टरकन, विक्रानाक, विद्यविधि धवर वृक्षेत्र: पर्छानुद्र मृद्यका न्ह्रभक अक कन्तु हिल, মমুচির সঙ্গে ভার বিখাহ হয়। বৃহপর্বার করা পরিস্তাকে নহবের পুত্র অভাব্র কলবুল মহাব্যক্ত ম্যাভি বিবাহ করেন। বরুর পুত্র কৈছানরের উপদানতী, প্রয়লিয়া, পুলোষা এবং ভালতা নামক চারটি অতি সুস্থাী করা: ছিল। উপদানবীর সংগ্র হিরণ্যাংকর এক রুত্র সঙ্গে হালেরর বিবাহ হয়। জনপর রাশার খানরেরের প্রয়োগতি कमान देवधानरवड चलत पूर्वे कना नृत्नामा अवर কালকাকে নিনাহ কল্পেন। এই বৃষ্ট পদ্দীর পূর্তে কলাল নিবাতকণ্ড আদি বটি হাজার পর উৎপন্ন করেন, খারা লৌলোক এক কালকের নামে পরিচিত। তারা ঘাতান্ত বলবান ও বৃদ্ধবিদ্য দিল একং ভারা সর্বল মনি-কবিদের যধ্যের বাব্যেত সৃষ্টি করত। হে রাজন, আগনার পিতামহ অৰ্কুন ৰখন কালোকে বিয়েছিলেন, তখন তিনি একাকী (निर्दे नामक समनवासक नारहात करावस क्रांत छात छाता. (मयताम रेटाइन दिवाशास स्टार्किस्टान) निर्द्धकात गार्क বিপ্রচিত্তির এক শত এক পুরুষ করে হয়। তালের মধ্যে वार व्याप्त क्या कर भाग करू। छाडा नकरली

"এখন আমি ক্রমানুসারে আঁগতির বলে কানা কর্মার धानमि छ। खर्म करून। यह बर्स्स सरस्यक सम्बद्ध मातावन क्षीत कारन क्षवडीन शर्पादराज । क्षीनं हर পুরুদের নাম--কিবস্থান, অর্থমা, পুরা, মৃষ্টা, সবিতা, ক্যা, भएए। विशास, रकन, जिल, गढ़ जबर केंग्यन्त्र। अर्गर्शन বিবস্থানের পত্নী সংজ্ঞার গর্ভে প্রাক্তদের নামক মনর _{সাত} হয়। সেই মহাভাগ্যবতী গড়ী সংজ্ঞাই ব্যামেককে ও रायमाटक विश्वक मन्त्रामकट्टन क्षेत्रक करता । जाराना वर्षी অন্দিনীরাস ধারণ করে রখন পৃথিবীকে বিচরণ কর্মাছালন্ তখন তিনি অন্ধিনীক্ষমনাক্ষাকে প্ৰসৰ কটোন। সূৰ্বের অপর পত্নী স্বায়া শনৈক্ষর এক সাবর্ণি ক্র-এই দুই পুত্র ও তথতী নারী একটি কন্ম প্রসন করেন। ওপতী সংবরণকে পতিক্রপে বরণ করেন। অর্থমার পদ্মী মাকৃকার গর্ভে বছ ক্ষানবান পুত্র স্বাস্থ্যকণ করেব। জীলের भएश बेडा बाब कामबाहम्ह अविशे अधिक, उन्न केएक মধ্য থেকে মনুষা জাতি সৃষ্টি কমেন। পুৰার কোন সন্তান ছিল না। শিব কথন দক্ষের প্রতি ক্রন্ম হবেছিলেন, পুরা তথ্য শ্রম দত্ত নিকলিত করে লিথকে মেখে হেসেছিলে। তার ফলে তার দক্ত-সমূহ ভাগ হতেছে এবং ভাই ওাকে পিউক ভক্ষা করে জীবন বালে করতে হয়। নৈত্যকন্য রচনা ছিলেন প্রখাপতি ভটার পত্তী। উন্ত গর্ভে সন্নিবেশ ध्यस विश्वतन नामक मृति चारतक वीर्यका भूरतह बाच छो। বিশবসং যদিও ভাগের চিবশক্র দৈতাদের ভাগিনের ছিল. তবুও দেবতারা উচ্চেন্ ভব্ন বৃহস্পতিকে অপমান করের ফলে এবং তার হারা পরিভাক হরে ব্রহার আগেশে ক্রিবাদকে শৌরেহিতো বাল করেছিলেন।"

en statut haddiston

সপ্তম অধ্যায়

দেবগুরু বৃহস্পতিকে ইন্দ্রের অপমান

মহারাজ পরীক্ষিৎ শ্রীল ওকদেব গোগোমীয় কাছে। জিজালা করলেন—"যে মহর্টে, দেবওম কুরুল্টিড ঠার শিক্ষ দেবঙাদের কেন পরিতারে করেছিলেন ই দেবওার ভার চরলে কি অপরাধ করেছিলেন। শ্রা করে ফা আমার কাছে কনির করক।"

শ্রীল ওকদের গোগামী কালেন—"হে স্বাক্তন, এক সময় দেশবাৰ ইয় ভিত্ৰদেশ ঐপৰ্য লাভে সদসভ হয়ে বৈদিক সমাচার পর্বতম করেছিলেন। তিনি মককাৰ, यमुश्रम, अञ्चल, व्यामिक्षालम, सक्तम, विभारतस्त्रम, সাধাৰণ, অধিনীকু মারহার, সিন্ধ, চার্যুৰ, বছর এবং ব্রুবার্থী মুনিবর্গ কর্তৃক পরিবৃত **হরে সভায়ও**লে সিংহাসনে উপবিষ্ট ছিলেনঃ বিন্যাধন, কলনা, কিমা, পতল ও উরখেরা ওঁরে সেবা এবং রুম করছিলেন এবং অধ্যার ও পছর্বের রাজ সম্পূর্ণ অভি সমুর করে বান করছিলেন। পূর্ব চল্লের মতো উচ্ছাল বেত ছত্র ইলের মঞ্চবের উপর শোভা প্যক্রিল এবং চামর, স্তরুল প্রভৃতি মহানাক চক্রবাতীর বিদ্যামূহ সমবিত হয়ে ইন্দ্র ওার পদ্ধী শচীদেবী সহ সিংহাসনে উপনিষ্ট ছিলেন; ডখন ফার্হি বৃহস্পতি সেই বভার এলে উপস্থিত হল। মনিপ্রের वर्र्यनिक देख अवर मिवजारम्य सकतम्ब अवर किनि मृद ৰ অসুর সকলেবই সম্মানিত। কিন্তু ইস্ত ওরে ওজনেবকে দর্শন করা সধ্যেও তার আসন থেকে উঠে অভ্যৰ্থন্য করলের মা ছবেল তাম ওঞ্চদেবকৈ আদন ব্যাস কলেন না। এইভাবে ইয়া ঠাকে কোন প্রকার नचान अनर्न्य कराया मा।"

"ভবিবাতে কি হবে নৃহ্"পতি জা সবই কানতেন। ইতাৰ এই আসহাবহার দর্থন করে ডিনি বৃকতে পারলেন যে, ইয়া ভার ঐত্যর্থ মাধে মার হায়েছে। যদিও বিনি ইয়াকে অভিশান নিজে সমর্থ ছিলেন ভবুও তিনি জা করেনি। তিনি মৌনভাবে সভা ভ্যাপ করে জার নিকোর পুরু প্রভাবর্তন করেভিনেন।"

"(पदिवाक देख करकन्द जीव कुन दुवार

পেরেছিলেন। তিনি যে ঠার চরুদেকো রতি অঞ্চয় লগনি করেছেন সেই কথা কুলতে পেরে, তিনি সেই সভার উপাত্তিত সকলের বামনেই নিজের নিখা করতে লাগলেন। হার, লভ ঐথর্যের গর্বে গর্বিত হয়ে, অরবৃদ্ধিকতে অমি কি লোচনীর অন্যার করেছি। সভার সমাধত গুৱাদৰকে অভাৰ্যনা না করে, আমি তাঁকে অপ্যক্রা করেছি। অনিও আমি সান্তিক প্রকৃতি দেবতাদের রক্ষা, তবুও আমি সামান জনসদে মত হয়ে অহজারের ষারা কল্বিত হয়েছি। এই ক্ষমতে এই ধন-ঐশ্বর্থ কে প্রহণ করতে চার, বার কলে অবংগতিত হওয়ার সন্তাবন থাঞ্জের হার। খামরে এই ঐথর্যকে দিক। করি কেউ খলে, 'মাঞ্চনিয়েননে উপস্টি ব্যক্তিকে কৰা ঢাকা কথক ত্রকারে বছা প্রদর্শন করে জন্য সিংহাসন থেকে উঠে मैकारक एरन ना,' कथारक इरन त्या, त्यारे बाहिक धटारी नैकि मध्यक्ष मानुर्व चर्चा। या ममस ज़रूका चर्चाहनक ক্ষকতে পতিত হতেহে এবং বারা কালের লগ প্রদর্শন করে মানুবকে নিগগে পরিচালিত করে, তারা প্রকৃতপক্ষে পাশকের ভৈরি নৌকার করে সমস্ত পার হওছার চেষ্ট্র कारह। यस व्यक्ति भएडा चारमप्र व्यक्तिमध्य वर्षे छान्छ। অভিনেই তাৰের সলে নিমনিটত হবে, তেমনি বারা মানুৰকৈ কুপথে পরিচালিত করে, ভারা নবকগানী হয়, ভাষের অনুমার্মীরাও ভাষেত্র সঙ্গে নরকে ব্যস্ত।"

দেবনক ইল কালেন—"তাই আমি একা সংক্তাবে
নির্পটে কেওক বৃহস্পতির চরণতমনে আমার মন্তব্য
করেকে করে, করেল তিনি সমস্ত আম পূর্ণরাণে আহরেল
করেকে এবং তিনি হাজেন সর্বাহাতাবে সম্বত্তাও
আগতিত রাজাণ। আমি আমার মন্তব্যের জরা উরে
নীলাকার স্পর্ন তার উল প্রসাধন বিষয়ের সভার চিন্তা
কর্মন্ত্রাক করে অনুবান করিলেন, তার পরে পত্তিমান
তক্ত বৃহস্পতি উল মনেকার মুখ্যে পেরে, উল্ল গৃহ
তালে করে উল আব্যায়ার বারা জন্পা হ্রেছিলেন,

আৰুৰ বহুপ্পতি আবাধিক চেন্ডনাৰ কেবলৰ ইলো**ৰ** খেলে অনেক উচ্চত ছিলেন। ইয়া যদিও আৰু খেবভাগৰ মূহ পাত্ৰ বৃহস্পতিকে পুঞ্জেন, কিন্তু কোখাও ভাকে বুঁজে প্রেক্স নাঃ তথন ইন্ত ভানসেন, হয়ে, আমার থককে আৰক্ত প্ৰকি অসমুষ্ট হয়েছেন। এখন আমান সৌহাগা লাভো খায় কোন উপায় নেই ' ইয়া কৰিও দেবত্যদের করা পবিবেটিত জিলেন, তবুও ডিনি মানবিক দাবি পেলেন মার্গ

'दिलान और नुस्नात कथा छहन, मुहेमछि चानुस्तत ভাবের ওক ওঞাচারে নির্দেশ অনুসারে, অস্থারে স্থাতিত হয়ে দেবতাল্যে বিশ্বছে বৃদ্ধ খোলা কর্তেছিল। অস্ত্রের তীক্ত বাদের অংঘতে দেবতাদের মন্তক, উট, বাৰ প্ৰভৃতি আৰু-সমূহ ক্ষত-বিকাধ হরেছিব। ভাৰা ইন্দ্রার কেবেরের উপারতর বা মেবে করনত সম্ভব্দে বন্ধার সকলপত হয়েছিলের 🖺

পরম শক্তিমান প্রকা থকা বেবলেন বে, অসুবরের ধানের ভাততে কত-বিশ্বত বেছে বেবভারা ভাঁয় কাছে আসংখ্যা, তথ্য তিনি থাতাত ব্যাপনকা হয়ে উদ্ধের সাধ্বনা প্রদান করে বলতে লাগলেন—"ছে সুরবোটপণ, **पृष्ठीश्चरन्छ क्रेचर्यश्चल ग्रन्त हत्य क्टारन्य क्वारामग्र** সভায় সমানত কুশ্বতিকে কথাবাধভাবে অভার্মক করনি। হেতে তিনি পরাজক সহছে অংগত এবং সর্বত্যেভাবে ইপ্রিয়-বয়নশীল, তাই তিনি হলেনে সর্বপ্রেষ্ঠ গ্রাহ্মণ। স্বরার মৃতি, অতিথি সরং ধর্মের মৃতি, অভ্যাগত बारुध्य औँ बाराय बान्डरमंत्र विस्ता (ब. (सामा सेहर शक्ति और शक्तार पूर्वत्यक्ता करत्रक्। एक स्मयकानंत्र, বৃহস্পতির প্রতি তোমানের জনামে আচরথের ফলেই ভোমৰা অসুরাবে বারা প্রাক্তিত হরেছঃ অসুরেরা ভোমানের খেকে দুর্বন, পূর্বে ভারা করেকবার ভোরাদের কাৰে পরাক্তি হবেছে, তা হলে তেনের অভাত সমৃদ্ধিশালী হওয়া সংগ্ৰেও ভালেন করে পরাজিত হলে কেন । যে ইয়া, পূর্বে তোমার শক্ষ দৈতারা তালের ওক रामकार्यंत श्रष्टि कश्चार अन्त्रंत कराव अर्ल पूर्वज ইবেছিল, কিন্তু এখন গভীৰ ভণ্ডি সহকারে অঞ্চার্যের স্কারি।" আবাংনা কথাৰ কলে, ভাষা জভান্ত শক্তিপালী হয়েছে। ক্রশাচার্যের প্রতি ভালের ভক্তির বলে ভারা এতই শক্তিশালী হরেছে থৈ, এখন ভারা আমার ধামও অনক্ষেপে অধিকার করে নিতে পারে। ওঞ্জাচার্কের নিয়া

অসুবের তাদের প্রকর নির্দেশ প্রকাদে পৃত্পতি হয় ইওচার करण, अवटात्मर भव-रहे कराइ मा। अवटनाक, ताका क्षांक समान (व प्रवत्न वर्तकता अक्षांत, भाजा करा ভাষান প্রীকৃত্যার কুপরে র্যাও পুরু প্রভাপরেরণ এবং বারা मर्गम् और विकास भूका करतन, ठारमक कथनक समामन হয় না। হে কেবজাগণ, স্বাসন পুঞ্চ বিধানপঞ্জে ভোমানের ক্রব্রুত্ব বরণ কর। তিনি একরান গ্রন্থ, ওপরী এবং অতন্তে শক্তিশ্রলী একেন। তোমরা বনি অসুরদের প্রতি উন্না পঞ্চপাত সভা করে উন্না ভঞ্জনা কর, তা হলে তিনি তোলাদের কামত পূর্ব করবেন।"

ब्रिक् एकरम्ब (शाकाची कारका—"धरेष्टारव द्वावा कईक खालिह हात अन्य केरास केरककी (थरक मुख हात. সমস্ত দেবতার ভটার পুত্র বিধরণের কাছে বিরোধান্য এক তাঁকে আঁকন্স করে বলেছিলেন, হে বিশ্বরূপ, ভোষার জ্বল হোক। খ্যানতা দেকভারা ভোমার খ্যালমে অভিধিক্তৰ এগেছি। আমরা ভোমের পিড়ডুলা, ভাই খ্যাসংক্ষে স্মূত্রাটিক বাসনা পূর্ণ কর। হে একেন, প্রবাদ হলেও পিতার সেবা করাই পুরের পরম ধর্য, बीआ क्षणानी, केस्पक कथा थास कि काव । विसि देशमध्य श्रमान करत दिनिक कार निका भाग करतम, जिरे चारार्थ अरुपन त्यरमा पृष्टि। एकान्ये, भिन्ना ब्रामान पृष्टि, ব্যক্তা ইব্ৰের মূর্তি, মাখ্যা সাক্ষাৎ পৃথিবীর মূর্তি, ভগিনী অভিনেধের মুখ্রি এবং সমস্ক জীবেয়া হচ্ছেন ভগতান ঐতিষ্ঠা মৃতি। হে পত্র, আমত্রা শত্রুলো কাছে গরাজিত হরে অভ্যন্ত দুঃখিত হরেছি। ভূমি ভোমার তপোবলের काल काभारता स्मेरे मुझ्य मृत कत्त । काभारता धारे धार्यना ভূমি পূর্ণ কর। ভূমি বেহেতু পূর্ণরূপে পররক্ষতে (सराष्ट्र, छादै पुनि अकसन जानम् आजन अर्थः गम्छ বর্ণের ওক। আমরা তোমাকে আমাদের ওক এবং পরিচালক রেশে কলে করছি, ব্যতে ভোমার তপোবদের প্রভাবে আহরা জনাত্রানে লক্তনের প্রাক্তিত করতে

"আমাদের কনিষ্ঠ বৰে ভবি মনে কোন নিৰায় আলক্ষ করে না, থৈনিক মতের ক্ষেত্রে এই নিষ্টাচার প্রবোজা নর। বৈদিক মা বাতীত অনা সমস্ত সেরে क्यार्टक निर्वातिक इत्र वहारमा निर्दाणकरक, कि**क्** विभिन হয় উচ্চাপ্তে থাকিক ইয়াত হলে কনিউও জেন্টের ভাষা। খ্যান্তবাৰ বাদিও সাম্পত্তিৰ দিক কিছে কমি মানেচুক্ত কঠিছ ভাৰত ভানিট আমানের প্রশাহিত হবে, সেই স্থান কোন **オマク16 400 利** 円 円

ক্তম হয়ে তথাকী বিকর-লকে উদ্দেহ পুরুষ্টিত উভয়ের क्रमा स्थानरकार कारणान, कारण दिन साराम कारण हरूए। উপ্তর সিহাছিলেন — টা লেকমাণৰ, পৌর্বাহিত্ত পূর্বলক্ত নিয়ে আপনায়ের অনুবাধ সংখন করে 🖹 नकर्टरावत करकारक धार स्टिक धर्मनेश प्रतिहा छात् প্রত্যাধান করতে পারিঃ আপনার প্রভাবের মহান रुपमा। करत निरुक्त अपर नविजयन करण-एनकर करता । करतीवन (*)

दरा भ्रतिकार बाधनीय ज्ञानको वस्तेस करतन। (प প্রাঞ্জন প্রেটিরেরি হা কর্মের ছারা হল উপার্ভন করে সংযোগ করতে সাম তিনি অভাগ কি অনুস্থারি সম্পন্ন। নেট প্রকার বৌর্তাহিত্য আমি কিছাকে প্রবদ করবং প্রাল প্রকানের গোলাটা বলাক্রম—শরমের নেবস্তার। আগমার সকলে আমার ওকরনে। তাই, পৌরোছিডা নিক্ষীৰ হলেও, আমি কাপনালের ব্যানত প্রথমিত श्रद्धाराध्य कटरूड शांदि मां। व्याप्ति ब्राप्ट्स ध्य ६ अस

क्षेत्र कुनामय (काक्ष्मी समरमान-"(१ राधन, নিন্দা করেন, তত্ত্ব আমি কিডাবে আপনায়ের প্রার্থনা এইভাবে ক্রেডেয়ের প্রতিশ্রতি নিয়ে মহাত্রণা বিশ্বরূপ দেবভাগৰ পৰিবত হয়ে পরম উদ্যান এবং মনেয়েশ कार्यकः। व्यक्ति व्यापनारम्भ निवासम्भ अवर व्यापनारम्य । सङ्कार्य १औरवर्गाहः अन्वार्थ सम्भागन करद्विश्तमनः। কাছ থেকে শিক্ষা প্রবণ করেই অনের কর্তক। কামি প্রক্রান্তর্বের বিদার ছারা যদিও দেবতানের শুক্ত দৈওয়েনর আপনাদের প্রধানান করতে পারি না। তাই আনর একার্য রাজত হয়েছিল, তব্ও আতার প্রতিমান বিশ্বকণ निरम्भ भगरमम् अन् व्यवि व्यवसारे माधनारमः बनुरत्यः । नातम्य करः, भागक अन् मुरकारक (साह राजना धृर्दक क्या करावे। यह विकित एमारका कार्वभारतम्, नामास्वरतः एको बाह्यत् वाका रेमप्राप्तम् क्रेयर्च कारावन् कारा পৰিভাক্ত সমাক্ষণিকা প্ৰহণ করে এবং হাটে পহিত করে। স্বতন্ত্রকে তলন করেছিলন। অভান্ত উলন্তর্যাতি বিভালন এইণ করে লিলোপুন ইবির রাণাই আদর্শ ক্রমিঞ্জন সমস্রাক্ত ইন্তাকে যে গুরু প্রদান করেছিলেন, খ্রা द्वीभार्यना (महं शाल भरतन) अहै छाए। कृष्ट द्वानन है जर्प बच्चा करहाँहेल अवर देवछा देशनार है छाए



অপ্তম অধ্যার

নারায়ণ-কবচ

মহারাজ পরীক্ষিৎ ওক্ষােব গোবামীকে জিলাবা कत्रातम—"एर शक्त (य विकासक्षा स्था तकिक वरत. দেশরাঞ্জ ইন্তা অনারালে বাহন সহ লক্ষ্ণ সৈনাগের জয় করে ত্রিলোকের ঐথর্য ভোগ করেছিলেন, সেই বিবরে चामारक क्लूम: (व नाहासभ-क्रमाध्य बाह्य स्टिक्ट स्टा সেই সমক্ষেও আমাকে কান।

প্রেহিতরূপ নিজে বিব্রুগের কারে মেবস্তাবে রাজা रेक नाराहर-अन्छ नचाड किखाना करान टिवि हा তলাপন্ত জ আৰি বলছি একাচ চিত্ৰে ভা ত্ৰক

বিদ্যাপ কারেন-"কে কেন্তের উপস্থিত হয়, তা जिनताक हेळा पूर्ण वरवालक महाराज्य कर करविहालन, । एका दाव अवर मा खरणकारून गुरूर ठारूनात् ई धनदिहा: भरिता वा मसीरकार बटडाइ जि. श / वह कारूर জীল ওক্ষেৰ গোৱাটী কান্তেন—"দেবাল কঠক পৃথৱীকাক্ষ স ব্যৱস্থান্তরঃ প্রতিঃ / উনিংম ইন্তিম श्चीरिक्रु—এই হল উচ্চারশ করে জাচারন করনে। ভারশর कृष क्षर्य करत केवतमूर्य क्षरम व्यवस्थानपूर्वक वटन ওছভাবে অষ্ট্ৰাপত্ত মন্তো ধারা গেছের আচটা অংখ श्रामन्त्राम् क्षार्थः संबंध सामन् व्यापकः अर्थातः साम्रः कडन्त्रापि कर्ता अस्तावन-कम्प्रस्य बाहा निरम्पराज्यस्य निरक्षरः क्या क्रमुर्थ। अथरर, ची नहमा नामान्यक्र-विदे प्राक्तिकः यह উজারণ করে হজের হারা স্থানের আট্ট কল-পদার. कानुरुत, फेल्पर, सुलव, डेमब, बकरबुल, यून ७ अक्ट दशक्टार न्थानं कहरत। छाउभाः विनदीछछारत चार्कर 'ড' ধেকে 'ও' পর্যন্ত ক্রময়ত্ পা থেকে মাধা পর্যন্ত সংবাদ নাম করে পুনরর 'ও' কেকে 'র' পর্যন্ত বর্ষসকল माथा त्थरक का शर्यक अध्य डेरशकि-मात्र करते। এইভাবে উৎপত্তি নাম এবং সংহাত-দাস কর ফর্ডন্ড। ভারতার 'বাঁ' নমে ভারতার অসুনেবার' বাই আবল কালর मूल करनाम कराये। और महार अक-अभी करून शर्म पुत करा, क्रांग शास्त्र कर्वानी स्थान कर्व करा क्रा হাজের ভর্মনী পর্যন্ত এই আটো আনুদে আটো বর্ণ নাস করতে। ভারপত অবলিট চারটি আকর ঘূট হাডের सक्तकेत पृष्टि भागी महाम कात्रक। अत्रापक 'खें विकादक मार'--वी का धाना नावित भा नान करात हात. কথা চলতে 'ওঁ--এই বৰ্ণ নাম কৰতে, পৰে মতকে वि'-व्ये कर्, काकारमा वास 'व'-का, निसंश्रक 'व'-कार्यः म्बद्धाराष्ट्र मध्या 'स्व' न्यान कदरन। 'स्विक्न হজ্ঞেপকৰ্তা 'ন'-ক্ষা উন্ন দেহের সমস্ত্র সন্ধিয়লে বাস **ষ্ঠারে বি'-কারকে অন্তর্গুপে চিন্তা করে থান করবে।** এইভাবে তিনি শর্ম মহমতি হবেন। প্রাক্তর অধিম ম'-ব্যব্ৰের সঙ্গে বিদর্গে যুক্ত করে, পূর্ব দিক থেকে শুক্ত করে স্বলিকে যে অধুনা কট্—এই হয় উচ্চাৰে ক্যাকে। এইড়াবে সমস্ত দিক এই হছুকৰ কবলো স্বায় বছন করা शरर। और नाम ममस्ति का निरक्षक गरेक्चर्यनुर्व अस ধ্যের পারক্রের জনবালের সভ্রে ওপনতক্ষ্মক এক কলে हिन्दा कटा छ। स्थान भी नवारण करा नाक यह क्षण कारतः विनि सक्राध्य शृष्ठेशस्य धार्मीन हराः छैत শ্ৰীনালগড়ের বারা ভাকে শর্লার করছেন এক বিনি আই शास्त्र भाषा, उत्तर, जाना, चंत्रमा, प्रमा, व्यान, व्यान आंदर भारत शान करत दिवारा कडराम, हमेंद्र भारतम्बर छत्र

সর্বশক্তিয়ান, কারণ তিনি অধিয়া, দাবিখা আদি আই ঐবর্থ সমন্তিত। ছালে বঞ্জন কেবতাঃ পার্বদ ছিবে জলজন্তুদের বেকে সংসারাকী স্বগবান আমাকে রকা করন। যারাধনে বিনি বামনাল ধারণ করেছিলেন, সেই কলকন বামদক্ষের আমারেক স্থাদে একল করন। স্কপন্তনা হৈ বিরটেক্সপ বিশ্বস্তুপ রিলোক আর করেছিল, তিনি অন্যেকে প্রথমগুলে রক্ষ করন। বীর ভয়কর অট্টব্যসিত্র দৰে বিষয়ণ্ডল প্ৰতিকানিত হয়েছিল এবং অসূত-পৰীকে পূর্ত নিপত্তিত হয়েছিল, সেই হিম্পুকলিপুর শক্ত ভগকন নুসিংস্কুদৰ ক্ষমন্ত, বুছকের কর্মে দুর্গম স্থানে আমাকে কুলা করুল। পরম অধিকরর জগবদাকে ঘ্রেরর মাধ্যমে জানা বাব এবং ছাই তিনি বজেৰর নামে পরিচিত। তিনি ব্যাহ অব্তারক্তপে প্রসাক্ষ থেকে তাঁই তীক্ষ ক্ষুদ্রাভাগ স্বারা পৃথিবীকে উন্যোগন করেছিলেন। ডিনি काशास्त्र भरवद शर्था प्रविद्यत्त्व (धर्म क्रम) क्रमः। পরওরাহরূপী ভূপবান আমাকে পর্বত বিশ্বরে রালা করন এক ভয়ডাটৰ ইবামচত পদ্ধ নহ আমাৰে প্ৰবাসে বৰ্জ কলন। ক্ষরকল্প ধর্ম এবং প্রমাণকাত বিহিত भटाँक महत्त्वन (पाद्य नारायन चामादक वृष्ण कंवन) ন্তুক্রণী ভগবান আহাকে গ্র্য বেকে রক্ষা করুন, বেলেবর পরাজ্যেরকী ক্ষথান আমাকে ছাভিযোগের পতন হাত বুকা করুন এবং সমস্ত সং চেখ্যে দীৰ্থ্য কণিনানলী ভগবান আমাকে সংসার-বছন খেকে কলা করন। জনবান কনংকুমার আমাকে জামবাসর থেকে रका करून, छत्रवान इस्टीय सामारक संभवरनय প্রীবিশ্রন্থে প্রতি একা প্রদর্শনে কর্বহেলা ক্ষরিত অপরাধ থেকে কুলা কুলন। কেকৰি নাকে আমাকে প্ৰীবিশুহাৰ অৰ্চনার অগরাম থেকে রক্ষা করত একং কুর্মরূপী ক্ষপরান আমাৰে আদেৰ নৱক থেকে ব্ৰহ্মা কয়নাঃ স্থাপনান ধৰন্তরি পরীরের ব্যাধিকনক ম্ববাদি ভক্ষ খেকে আমাকে রকা করন। অভবেল্ডির ও বহিংগ্রেল্ডর বিনারী কর্মসংস্থ আহাতে শাঁডোকানি বৈতভাৰ ধানিত ভাই থেকে রক্ষা কলন। ভগষন বন্ধ আমানে লোবেন অপবাদ থেকে রকা করুন এবং শেষরূপী ভগরান বলরাম আমাকে লেখাত সৰ্গদের থেকে প্রশ্ন করন। ব্যাসদের রূপী ভগৰন আমাৰে বৈদিক আনের অভাব জনিত সর্বপ্রকার चार्रि शास्त्र क्षेत्र चामार्क नर्रम दका क्षेत्रन। स्थित चावान (धरक नुका क्षात्रन) क्षण्यान दुवासन चामार्क

বেছবিক্লছ আচুত্তৰ একং আলস্যুক্লত কেপবিহিও समके। एस विश्वपंत्रातन असल (पाटक क्रमा करने अपर ±র্বক্সার জনা বিনি অবতরণ করেব, সেই ভগরান ছব্দিকের আমাকে বলিন্দ্রপর কলুব থেকে কলা উরুল। জিলের প্রথম ভাগে ভাগনাল কেশন তার গালার দ্বারা चामारक क्यां करून, विरुद्ध किटीव कारण अर्वका জেবাদনকত গোড়িক আমাতে চকা করন, সর্বশতি প্রমন্ত্রিত নারারণ আফকে নিদের ততীব ভাগে রক্ষা করন এবং নিজের চতুর্য ভাগে চক্রাইন্ড বিক্ আথাকে কবা करूमा । चामहाराज अस्त कारका धनवाडी कथना अधूमान भितन्त्र भक्षण सहार सामाहक तका कतान्। मकत्र उत्ता, বিষ্ণা এবং মহেশররূপে প্রকাশিত ভাগবাদ মাধ্য আন্তর্জে হকা করণ, বারির প্রথম তালে ভগবান ক্রমীকেশ আমাৰে ব্ৰহণ কৰম এক অৰ্থবাত্তে ও নিশীৰে ব্যক্তিয় বিতীয় ও প্রতীয় ভাগে) জনবান পর্যোক্ত আমান্তে কুজা মকন। মান্তির নিশীখনাল খেকে অফলেলা ফাল পর্বন্ত বন্ধে শ্রীবংস প্রিকারী শ্রীকারন ক্ষরতে করা করুব, প্ৰভাবকালে অৰ্থাৎ মাজিন চতুৰ্থ ভাগে অদিখনী কৰবল খনাৰ্থন আমাকে একা কলেও, সভাতকালৈ দামেখিও আমানে যুক্ত কলৰ এবং গ্ৰতি সন্ধি সময়ে কালনুতি ভগ্ৰান বিৰেশৰ আমাতে ৰক্ষা ক্ৰমণ চতুৰ্নিকে ব্ৰমণপৰ্বক ৰায়ৰ সহায়তাত্ব জাতন বেজন ভণৱালিকে ভশীতত করে, সেইভাবে প্রদানত্ত্তীন করির ব্যক্ত প্রধা হাওজন বিশিষ্ট ক্ষর্শন-চক্র ভাষতন কর্তৃত নিবৃদ্ধ হয়ে, আয়াদের শক্রবের ভাগীভাত করক। তে ভাগবনের করা, তোমার স্পর্টের করে বল্লের মতৌ অভিস্কৃতির উৎপত্ন বর এবং ভূমি ভগবানের অভ্যন্ত প্রির। আমিও ইরে শাশ। অভগ্ৰৰ ডমি দল্ল করে আমানের শক্ত- করাও, কিনায়ক, কক্ষ, ব্ৰাক্তস্, কৃত এক প্ৰহাসক্ত বিশোবিত ও চূর্য-বিচুর্ল কর। হে শব্দারাভ পরসক্ষার, ভূমি শ্রীকৃথের मुक्ताकरक भूमी हात कशका भाग महकात श्राहरण सहस्य কশ্পিত করে রাক্ত্য, প্রথম, প্রেড, রাতকা, লিখাচ একং ভাষর দৃষ্টি সম্প্রিত ব্রহ্মধাখনকে নিদ্দিত কর। হে তীক্ষণাৰ খনগৰাজ, তুলি খলগান ফৰ্তৃত নিযুক্ত হয়ে আমার শত্রবের বর বর কর। হে শত্রকাকৃতি বর্গণ-বিশিষ্ট চর্ব (ডাল), তৃতি পালালা শত্রুমের চকু আফারেন ক্ষি এবং ডামের লালপূর্ব চকু অলহলে কর। জনবানের

शिना नक्षा, जल, क्या अवर दिविनाहेश्व कीर्डन मुद्रे शरधन প্রভাষ, উত্থাপাত, উর্বাপরারণ অনুষ, সরীসূপ, বুল্চিক, খাব-সিংহ জানি হিংব গাপী, শুত-প্রেড, মাটি, ক্লপ, আওম, বাৰু প্ৰভৃতিম উলমৰ, বিশ্বাৎ এবং পূৰ্বকৃত পাপ বেকে আমানের র'কা ককক। আমানের ইলগ্রহ শ্রীকুনর প্রতিকর্মকতান প্রবে আমরা সর্বক ভীত। ভাই হত্তেককা মহামতের কীওঁদের কলে এই সধ সম্পূর্ণরাংগ বিনত্তী হোক। ভববাৰ বিবৃধ্য বাহন গ্ৰন্থ প্ৰকল ক্তমবানেক মতো শক্তিয়ন। তিনি বেদন্তি এক কিশেব মন্ত্রে ছয় তিনি পুরিক হন। তিনি কান্যকের ব্যক্ত ভয়তৰ পরিবিতি থেকে বৃক্ষা কঞ্চন এবং চাগ্রাম বিশ্বস্থা তার পরিয় নামের হারা আমানের সমস্ত সম্বর ক্ষেত্ৰ ক্ষাৰ্থ কৰন। কুলবানের পৰিত্র নাম, উল্ল চিপ্তর ব্ৰাণ, জাত বাংৰ, ভাল কড়তি ৰাজ্য তার পার্যধ্যের মতো ঠাকে অলক্ত করেন, জারা আফানের বৃদ্ধি, ইপ্রিয়া, জন ও প্রাণকে সমস্ত বিশব থেকে রাজা করব। সুস্তা এবং সুল কাৰ্যৎ হচ্ছে কড়, ভিন্ত ডা সংস্থেও ডা ভাগতন খেকে অভিহ, ভারণ চর্মে তিনিই ছজেন নর্বভারকো পরম कारण। शक्रवणाक कार्य अंगर कारण अक, रकारण कार्यश মধ্যে কারণ বিশ্বমান রয়েছে। ভাই পর্য সভা ভগবান তীয় যে কোন অংশের ছারা আমানের সমস্ত নিগদ বিনাশ कडार्थ नारक्ष्म। मेचन, कीन, मात्रा क्रनर सनर-प्रतहे সবই বয়াঃ বস্তুত্ত বিচারে ভাগের মধ্যে কোম পার্থকা নেই; চুবমে ভার এক বাস্তুর হল ভাগবান। ভাই বাঁরা প্রক্রমার্থিক জানে উল্লক, শুলা বৈচিত্রের মধ্যে ঐক্য দর্শন করেন। এই প্রকার উন্নত চেত্রনা সম্মানত ব্যক্তিবের কাছে ভাষবাদের অন্তের ভূখণ, উন্ন ধাম, উন্ন মণ, উন্ন তা, তার রুণ, তার অবুধ গ্রন্থতি কর কিন্টুই তার শতির প্রকাশ। তালের উত্তত চিকর জ্ঞানের প্রতাবে তারা জ্ঞানেল যে, বিভিন্ন ক্লপে প্রকাশিক সর্বব্যাপ্ত কলবান সংগ্রই উপস্থিত। তিনি সংগা আগদের সমস্ত বিপা থেকে রক্ষা করুন। প্রহান মহারাজ উচ্চাররে নুসিংহদেকো পৰিত্ৰ নাম খাঁঠন কৰেছিলন। বঙ বড় ल्क्सपड क्षत्र नमक निर्देश किंग, क्यू, क्रम, क्रांचे, राड् ইত্যানির বারা যে সমস্ত বিপাদ সৃষ্টি ইয়েছে, কন্টে প্রচুল बशबाद्यात समा क्षांतकाडी मृतिश्हरमय छ। (शहस আন্দানের কলা ওজনঃ জনবান তার শ্রীয় চিপ্তত প্রভাবের

শ্বপ্তা তাপের প্রভাব আজানিত করন। সর্বভাবে, উলক্তে, निर्छ, चकुरा, गरेटा अक नर्वडवे नृत्रिश्हरूव धासामा ককা কৰুন।"

विश्वक्रम कार्यन-"दा देख, नादावरपढ गर्भ সম্পর্কিত এই দিবা কবচের কর্মনা আমি আগমন্ত কাংছ কংগাল। এই কৰচ ধাৰণ কঠাৰ কলে, আগনি ক্লিভিডভাবে অসুর নেডাদের জন্ন করতে পারকেন। কেওঁ যদি এই কক্ষ ধারণ করে তাঁর চক্ষ্য দায়ে কউক্ষে মৰ্শন কৰেন অথবা ভাঁৱা গাবের থাবা কাউতে স্পূৰ্ণ করেন, তা হলে সেও ডংক্লাৎ উপরেচ্চ সমস্ত ভা থেকে মুক্ত হবে। বেই ব্যক্তি এই ন্যায়ণ-কৰ্ক নামক विक्री शरण करहर, फीर (कार कार्यां क्रांका, पर्ये), धारून অধবা কামি প্রভৃতি কেন বিধা থেকে ভা কামকে ল।"

'হে দেবলার, পুরাকালে কৌলিক নামত এক প্রাক্তর এট কম্ভ থকা করে মক্তরবেশে বেলক্স থেংভাগ মনে। প্রাথণ বে স্থানে হার কেহত্যান করেছিলে।

অহুৰ্ববাৰ চিত্ৰকথ এক সময় বহু সুন্দৰী রমণী প্ৰিকৃত ছলে, বিমানে করে দেই ছানের উলর দিয়ে বাকিলেন। চিত্ৰৰ চুঠাৎ আধামন্তৰ চুৱে ঠাই বিমান সই আকান ক্ষেক নিণতিত হয়েছিলেন। তারপর বালিবিল্য মধির নিৰ্দেশ অনুসাৰে তিনি সেই প্ৰাক্তপদ আছওলৈ পূৰ্ববাহিনী সরস্থাতী সমীতে নিকেল করে ভাতে সাম করেছিলেন। ভারণৰ তিনি অভাও বিশ্বিত হলে উল্লেখ্য গমৰ্থলোক গ্ৰহন করেছিলেন।"

প্রীল প্রকাশর গোখামী খললেন—"হে মহাকার লবীলিক যে ব্যক্তি তয় উপস্থিত হলে এই কক্ষ ধারণ क्लान कथवा अका जरुशांत (महे शम्भार्क क्षर्य) करतन, ভিনি তৰ্মদাৰ সমস্ত বিগদ থেকে মৃষ্ট হন একা সমস্ত ধ্বীকো পুজা হন। সভক্রপতু ইন্ত বিশ্বরূপের কাছ থেকে এই বিয়া কলে করেছিলেন এবং অদুরদের পরাধিত করে ভিনি বিভালের সমস্ত সম্পদ জেন করেছিলেন।"



নবম অধ্যায়

বৃত্রাসূরের আবির্ভাব

জীক ওকদেব গোলামী কালো—"হে মহাবাজ পরীক্ষিৎ, জাত্রি পরস্পরা সূত্রে ওনেছি ছে, মেই চেব-প্রেটিত বিশ্বরপের ডিনটি মন্তক বিল। একটির ছারা তিনি সেম্বেল পান কংগ্ৰেন, অনাটন জন্ম তিনি সরা পান করতের এবং অপরটির হারা তিনি আ আহার করতেন। যে মহাবাজ পরীক্তিৎ বিশ্বরূপ তার বিভার দিক খেবে দেবতাদের সচে সম্পরীত ছিলেন এবং ভাই তিনি প্ৰকাশ্যন্তাৰে কিন্তের সলে, "ইন্ডাৰ ইয়া সাহা" ("अपि (सरवास वेंद्रबात सन्त्") अवद "हेमम व्यवदव्" ("এটি অধিদেকে খলা"), ইত্যাদি বছ উক্তমত উক্তারণ बार प्रधितक राजवारमा देएपराम द्वि काम कर्जाहरूमा। पंचित्र विज्ञी स्थानात्रक स्थान व्यक्त वि चार्ल्स्ट सिंबरकार,

তথণ্ড দেবতামের অজ্ঞানসারে তিনি অসুরমেরও সঞ্চতাগ নিজেন কর্মেকেন, করণ তার যাত সম্বন্ধে তিনি থানের সংখ সম্পর্কিত ভিজেন। কিছা এক সময় দেবরুক ইয়া दबाट्ड (शार्वाष्ट्राम्म एव. विश्वक्षम् (बागरम (भवडारम्) প্রভারণা করে অগুরুজ্যে স্বক্ষতাথ নিকোন কর্মালেন। তথ্য তিনি অসরদের কাছে পরাক্তিত হওয়ার ভয়ে এবং বিষয়বের প্রতি ক্ষতান্ত ক্রম হয়ে তংক্রণাং উরু ডিনট মন্তৰ হেলা করেছিলেন। শুখন যে মন্তবটি দিয়ে জিন সোমানে পান কাডেন, সোট ফলিঞাল পকীতে (চাডক) ক্লপান্ডরিড হয়েছিল। বে মন্তবটি নিয়ে সুরা ^{পান} করতেন, সেটি কলকিছ পানী (চটক), এবং যে মন্তকটি निक्ष पद्म स्थापन अवस्थान, साहि किस्तिति नामी शरावित्र

ইন্দ্র বনিও রক্ষাসভার জনিত পাল প্রায়ন কলতে সমর্থ স্কেলমুক্তর মতেই ছিল। তার লিগা **শাক্ষ উওপ্র ভারেন** সেই পারের কলাকণ অবরর ভপুঠে বক্তর্বর দেশতে পাই। বৃক্ষের। ইপ্রের কাছে বর লাভ কর্মেছল হে, প্রপের এক চতুর্থালে প্রহণ করেছিল। সেই প্রপের ফল পান করা নিবিক)। মারীকণ ইপ্রের করের বা লাভ পঞ্চে কতিকারক না হয়, খা হলে সহোধ করতে পরিবে। সেই বর গাও করার ফলে, তারা ইল্লের প্রশের এক-চতুপ্তাংশ প্রহণ করেছিল। ভাই প্রতি মানে ভতুমানে রমোরতে সেই পাল দৃষ্ট হয়। ইল্রের কাছ থেকে জল বর লাভ করেছিল যে, অন্ত প্রবের সলে তার নির্রুগর करण, (मरे बस्तरेरे आधिक धीरक) (तरे दा काट करा দল ইয়ের ক্লমহত্যা ঋনিত পাণের এক-চতুর্থাণে গ্রহণ ক্ষরেছিল। সেই গাগ কলে কুছে এক কেনকলে দেখা यात्र। वक्षा बाल चाहत्व कता हा, कक्ष कृत् । राजा वन निरंगेरे का धारतन कतरक रहा।"

कात कर वक एक वर्गात करविद्याल । 'दह देखना, বোনার শত্রুকে অচিবে কা করার কান্য ভূমি ববিত হও। এই বলৈ যজে তিনি জাৰ্ছত নিকেব করেছিলেন। ভারপর অভবার্য নামক কঞ্জের দক্ষিণ মিগছ আঁচ খেকে মশানানীৰ কুতাধ্যে মতো অত্যথ ভবৰৰ কৰি এক খাসুর উৎপার হুরেছিল। চড়নিকে বিভিন্ন কাশ্রে হতে। **৯৩** সভিতে সেই অসুরো পরীর দিন দিন বর্বিত হতে । লাগন। ভার শরীর দশ্ধ পর্বতের মতো প্রকাণ্ড ব টুকাবৰ্ণ ছিল। ভাৰ ঋদেব দীপ্তি সহলকাবীন

ছিলেন, তবুও তিনি কৃতাঙ্কলি হয়ে অনুকাল সচকারে। মাতে শিক্ষা বর্ণ এবং নেজের মধ্যাক্ষকালীন সুর্যের মধ্যে সেই পাপ গ্ৰহণ করেছিলেন। তিনি এক খার খাতবা, খাতান্ত উচ্চ ছিল। কে ছিল দুর্বার এবং মনে হামাল কেন ভোগ করার পদ, নিজের বিভাগিকরপের জনা সেই। যে তার খুলন্ড ছিপুলের উপর হিলোক ধারণ করেছে। গাপের কল পৃথিবী, লগ, কুম এবং শ্লীতাতির মধ্যে ভাগ । সে উচ্চছন্তে ট্রংকার করতে করতে কথন নৃত্য করছিল, করে দির্ঘোছদেন। ভূমির আন (গওঁ) জাপনা থেকেই তথন মনে হছিল যেন সারা পৃথিবী ভূমিকপের ফলে পূৰ্ব হয়ে কাৰে, ইজেল কাছে এই এয় পেতে ভূমি ইজেয় । কম্পিত হছে। সে ৰক্ষা বার বার ক্ষয়ণ কর্মকা, তখন দ্রক্ষাহতার জনিত পাপের এক-চড়খাপে গ্রহণ করেছিল। সানে হাছিল কেন সে ভার পর্বত প্রহরের মতো প্রভীর মুখের দ্বারা সময় আকাশ গ্রাস করার চেষ্টা করছে। তাকে কৰে হজিল কো লে ভার জিহার তারা জালাশের ভাদের কটো হলেও ভাদের ভালপালা আবার বর্ধিত হথে: সক্ষরভালিকে লেহেন করছে এবং ভার দীর্ঘ, তীক্ষ পরের সেই বন লাও করে বুকোর ইপ্রের ব্রক্ষহরে ক্রমিড থারা ব্রিভূতমকে প্রায় করছে। সেই ভয়কর অসুরঙে বৰ্ণন করে জনুকের ভাঁত হতে কণ লিকে পলকে করতে বুক্ষের নির্বাদরশে দুট হয়। (েই জনাই বুক্ষের নির্বাস । শুরু করেছিল। স্বাচার পুর অত্যন্ত ভয়স্কর দর্শন সেই অসুর ভার ভাগন্যাই প্রভাবে সমগ্র লোক আবত্ত করেছিল বে, ভারা সর্বকালে মৈগুল দরেশে করতে। করেছিল। ভাই জর নাম ব্যেছিল বুল অর্থাৎ যে সন পারেবে, এমন কি পর্ত অবস্থানত সভোগ কনি গঠে। কিছু আধৃত করে। ইতা প্রমুখ দেবতারা সলৈনের তার অভি থাবিত হয়ে, তানের দিবা অন্তের হারা তাকে আরম্মণ করেছিলেন, কিন্তু পুরাসুর উচ্চের সমস্ত আমুলার প্রাস করেছিল। অসুবের এই প্রকার প্রভাব দর্শন করে বেবজার অভ্যক্ত বিবল এক আন্তর্জারত ইয়েছিলেন। বেধভারে তথ্য নিজেক হরে পড়েছিলেন। তাই তারা সকলে একৰে মিলিভ হয়ে অনুৰ্বামী উপক্ষম নার্যাপের প্ৰসক্তঃ বিধানেৰ জন্য তাৰ প্ৰা করতে চঞ করেছিলেন :"

দেবতারা বৃধক্তেন—"তায়ু, আকাশ, অধি, জল ও মাটি—এই পঞ্চ মহাভূত থেকে ডিলেক সৃষ্টি হরেছে, "বিশ্বরণের মৃত্যুর পর তাঁর নিজ ঘটা ইয়াকে কলা। যা রাখা। খানি মেকলানের বারা নিচারিত হয়। কাল আনহুত্তর বিনাশ কারে এই ভারে ভীত হতে আমার কাল কর্তক নির্দেশিত কর্ম অনুষ্ঠানের বাবা সেই কলেকে উপহার প্রধান করি। কিন্তু সেই কালও ভাগবানের করে ৰীত। অভন্তৰ এখা আমৱা সেই পৰ্যমেশ্বৰ জনবানের পুৰা করি, যিনি আয়াবের পূর্ববংশ করা করাও সক্ষা। ভাগান সম্পূর্ণমধ্যে নির্মান এবং তিনি কোন ভিচুত্ত হাবাই আকর্মান্ত হন না। ঠার চিম্মা পূর্ণভার কলে তিনি সর্বল আনশাসর এবং সর্বত্যেতাকে সম্ভষ্ট। ভার কোন আড় উপায়ি নেই এবং ভাই তিনি স্থিয় এবং

স্কন্সক। সেই পর্যেশর ভগলন স্কলের পর্য অৱশ্ৰয় ৷ যে কান্তি অনের ব্যৱা নিকেন রখন কামনা बर्ध, (के करनारे करात मुर्द, त्व कुकुरक्त (मस धर्ध কটে পর হওয়ার থাকা করে। পূর্বে মহারাক্ষ সভারত নামক মনু পৃথিবীয়াশা কৃষ্ণ লৌকাটি মংস্ক ভাৰভারের শ্বাহ বেলৈ প্রালায়ের সময়ে মহা সম্বাচ খোকে তাপ পেলছিলেন, ঘটার পুরের করতর তার খেকে সেই মতন্ত্রপূর্তি ভগবান আমানের কল কল**া** সৃষ্টির আনিতে ভবন্ধর প্রবহ্নস্টিলে ক্ষণ্ড বার্ ভরন্ধর তরদের সৃষ্টি করেছিল। সেই মহা তরস থেকে যে ভয়বর শব্দ হবেছিল, তার কলে একা তার করনালন থেকে প্রলম্ভ-সন্তিলে গতনেশ্বেশ হয়েছিলেন। কৰন ঠাকে যিনি রক্ষা করেছিলেন, সেই প্রথেশ্বর ভগবান আমাদেরও এই ভাষের পরিন্ধিগুতে রক্ষা করন। বে পরমেশ্ব ভারবান তার বহিবলা মারাপজিক বারা আহ্মদের শৃষ্টি করেছেই ক্রম কর কুপার আমরা ক্রমতের সৃষ্টি বিশ্বরা করি, তিনি সর্বদা জারাদের সম্পূর্ণ প্রথমকারতাপ বিপ্রাক্ষান, কিন্তু আমর তার রূপ কর্মন করতে পরি না। আমর তাকে কৰি কাতে অক্স, ৰয়ল আমহা নিকেন্তার এক-একজন স্বতম ইশ্বর বংগ মনে করি। জনবাদ হাঁর অভিজ্ঞা শতকো পতিই প্রভাবে বাং দিবা পরীরে নিজেকে বিভার করেন, বেয়ন মেবভালের মধ্যে ধান্ধানের করেণ, কবিলের मध्य नतः ताम अरम्, नकारत मध्य ग्रीमार, काल सामि करण, जनस्वरापय मर्था प्रथम, क्षांकरण अवर मानुरका মধ্যে প্রীকৃত্য এবং শীরাফ্রান্ড রূপে তিনি আবির্ভত হন ঠাৰ অহৈত্বকী কুলায় প্ৰভাবে তিনি সৰ্বন্ধ অসুরয়ের বায়া উৎপীতিত দেবতাদের কৃষ্ণ করেন। তিনি সমন্ত ভীবের পামে আরাধ্য, পরম করেশ, প্রকৃতি ও পুরুষরাপে তিনি সমল গুরির মূল। এই ফ্রলাও থেকে জিল হওয়া সংখ্য তিনি বিবাটরূপে এই ফ্রন্সাঙে বিবাস করেন। আমানের ভবার্ত অবস্থায় আমরা তার শ্রুপাপ্ত হই, কারুণ আমরা र्निकारकारण कामि त्यः (मादे भवार केव्यः, भवार स्नावाः **ब**र्म्बरहरून त**म्** कहरूका (*

হীল ওক্দেৰ প্ৰেৰাজী বলবেন---"হে ব্যাহ্নন, শেৰতাৰা এইভাবে শ্বৰ কবলে, সম্ব-চক্ৰ-গালাধ্য হৰি अध्य केर्मन समाप्त अवर कावनन केर्मन अध्या करिक्ट बरमेहरमन। एह जायन, क्षेत्रपत्र विश् व्यवर

নৌক্ত মণি বাট্টাত অন্যান্য অধাৰ্যকে বিশুনিত হয়ে ভগবানেট্ৰ সমস্থল যোগে সংখ্যক পাৰ্যম দায়া চতুলিকে মেল্ডান, প্রংকালীন বিকশিত প্রকৃত্তির মতো নেয়সম্বিত ভগবনেকে দর্শন করে, কেবডারা আনক্ষ বিহুল হবে ভূমিতে দশ্বৰ প্ৰশৃতি নিকেন কৰ্মেছিলেন এবং ভারণৰ বীরে বীরে উঠে বাডিবে ইনল পুনরর প্রর্থনা করতে ওক করেছিলেন 🖰

দেবতারা বলগেন--"হে পর্যেশ্বর জনবান, আপনি ব্যার কল প্রদানকারী এবং আগনি হাজের কল কিলেকারী কলক্ষ্মণ। অপনি অস্থনের কিবলের জন্য Ban शिक्षणकारी अगर भारती वर जनवारी। *द*र करवार, व्हारत चाननाक शका मरकात नरवार करि। হে পরুর নিম্পুর, ছাপনি ব্রিনিধ গতির (স্বর্গলোকে উরতি, মনুষ্টারাত্র এক নরক-কাশা) নিরাজ্য, তবু আগনার প্রম भाग रहत दिवर्ग्यकाक। (शहरू चार्थान और सन्तर मृष्टि করার পর আমরা এনেছি, ভাই আপনাও কর্যেকসাপ অংশত হওয়া আমাদের প্ৰে জন্তৰ। অভএই আপনাকে জামানের সম্রন্ধ প্রণতি বাতীত অন্য আর কিন্তই নিবেশন করার নেই। হে ভাগবান। হে নারারণ। (इ सामुख्या (इ फामिशुक्रमा (इ महाशुक्रमा (इ प्रश्नुक्य। ८६ भवर भक्तन। ८६ भवर केनाम। ८६ প্রের করেশ্যরর। হে নির্ধিকার। হে স্কাসনাধার। হে লোকনাথ। ক্লে সর্বেশর। ক্লে লাজনিবাধ। পরমহান পরিবাধক ব্যাসীরা বারা ক্ষতিত প্রচার করার জন नविदीय नर्वत क्षमण करतम् क्षकिरवारम न्यंत्ररण সমাধিমর হলে উল্লে জাপনাকে উপলব্ধি করতে পারেন। বেহেড় উদ্দের হন আপনাতে একগ্রীভুত, ভাই ঠারা ভাষের ৩% অভ্যকরণে আপনার স্থানগ ভাষত্রকর করতে পারেন। তথন ভাষের হলতের ভাককার সম্পর্ণরাপে বিদ্যবিত হয় এবং আশনি উল্লেক্ত কাছে প্রকাশিত হন, তথ্য উল্লেখ্যপুৰত ক্ৰমা ক্লাপের দিক আনন্দ আক্লম করতে গরেন। তাবা স্বাঞ্জা আর কেউই আপনার্কে উপদক্তি করতে পারে মা। তাই আমরা অপনাকে অসমাদের সমান্ত ওগতি নিবেদন করি। হে ভগবান, আপনার কোন ককাস্থনের প্রয়োজন হয় বা এবং বদিও আপনার কোন আড় শরীর নেই তব্ আগনার আমানের সহকোষিতার ইরেজন হয় না। যেহেছু আপনি সমও

র্যানের মনে হয় যে আগনি হন্ত কর্মকলনে বৃত্ত, তা লাজে দিব। কার্যকলাপ ভাষয়েলর করা অত্যন্ত কারিব। আমালের সৃটি প্ররা সাধাকা কর ভীন জড়া প্রকৃতির নিত্রের অধীন এবং তার কলে আকে ভার কর্মের কল ভোগ করতে হবে। আগনিও কি একজন সাধারণ মন্তের মতো জন্ম প্রকৃতির ২০ থেকে উৎপর একটি শরীরে জরস্থান করেন। জাপনি কি কাল, কর্ম আদির অধীয়ে মুকুত ওড় এবং মাণ্ডত মুগ তোগ করেন? নতবা আপনি কি আয়ারাম, কড় বাদনান্ত এবং নিত্ত-চিপেডিবুড নির্পেট স্বীয়ন্ত্র কেনা বিজ্ঞ ব্যান। অমেরা আপনার প্রকৃত ভিতি বৃষ্ণতে পরি না।"

"হে জগবান, আপনাতে সমস্ত বিরোধের সমস্বর হয়। বেন্ডে আপমি শরম পুরুষ, ক্ষমন্ত দিবা ওপের আগার, পর্য ইবর, তাই আপনার ক্ষান্ত মহিমা বছ জীবদেও কলনার অতীও। আধুনিক সিভাক্তর্যনীরা প্রকৃত সতা বে कि सा मा (कार, काशी नहा क्या क्यारी प्रिया सा নিয়ে ভৰ্ক কৰে। ভালে। ভৰ্ক দৰ্বনাই বাদ্ৰ এক আদের ক্ষিত্র অধীমানেত, করণ আপনার সহতে আন বাভ করার প্রকৃত পদ্রা তারা হালে না। বেহেত তাদের মন অগসিদ্ধান্তপূর্ব ভাষাকবিত শারের বারে বিশ্বর, তাই ভার প্ৰথম সভ্য আগনাকে জনতে কৰম। অধিকৰ সিকার্ডে উপনীত হওয়ার স্কৃতিত আহহবলত ভালের মতবাদর্ভাল জনের অভ ধারণার অতীত অধোকত অপেনকে প্রকাশ করতে পারে না। আপনি এক এবং অধিতীয় এবং গাই স্মাণনার কাছে ভাইবা-জভাইবা, স্থা-দরের ইত্যানিক বিরোধ নেই। আপনায় শক্তি এমেই মহান যে, আপনার ইঞা অনুসারে আগনি যে কোন কিছু সৃষ্টি করতে পারেন এবং কলে করতে পারেন। এই শক্তির প্রভাবে আপনার পক্ষে শাসকা কি হতে পারে ৷ আপনক সমান কেন্তে কোন বৈত ভাৰ বেই, ভাই আপনি আপনার শক্তিক প্রভাবে সব কিন্তুই করতে পাজেন। একটি রুদ্ধে মোগ্রামতে যাতিক অবহু সর্পের মতো প্রতিভাত হরে তর উৎপানন করে, বিশ্ব বধার্থ বৃদ্ধি সমন্তিত কভি আনের যে, ভা কেবল

ক্তে সৃষ্টিৰ কালণ, আগনি নিজার আই বা হয়ে স্মত্ত একটি হক্ষু। তেমনই, আগনি, সকলোৰ হন্দত্ত ক্তম উপাদান চলি সংবর্গার করেন এবং খরং এই জড় পথমান্তনালপে ভাগেছ বুদ্ধি মনুসারে ভার এবং আভার ছবতের সৃষ্টি, পালম এবং সংগ্রন্থ কাল্পানন করেন। উৎপালন কথেন, কিন্তু শ্রাপনার নথে। কেনে ছৈত্তাব নেই। বিচার কবলে দেখা যায় যে, তিনি নানাকাশে স্নাগনি সমন্ত জড় ওপের মাত্রীড়। ভাই আপনার এই স্বার্ডীত হব সেই প্রয়োগাই প্রকৃতপক্ষে সর কিছুর মুলতন্ত্র। মহতে কর জগতের করেব, ভিত্ত সেই মহব্যকের কারণও হলেন তিনি। তাই চিনি হঞেন সংক্রেরণের পরম কাষণ, তিনি বৃদ্ধি এবং ইলিয়ের প্রকাশক। তিনি অনুষ্ঠামীয়ের উপরাক্তিক হল। তার ছভালে কা তিক্ট মত। সেট পরমায়া, পরম ঈশ্ব, আপদি হিল আর কেউই কা। বত-এই যে মুংগুকা, যাঁতা অপনায় ৰহিষা সমূদ্ৰের এক বিশ্ব অমৃত আৰাদৰ करवाचन, केरपन परन निरम्ध सामस्पन भाग अर्थाहरू হতে থাকে। এই প্রকার মহান ছক্ত মাত্রিক দৃষ্টি এবং প্রতিকাত বিবর সুধের আতাল বিস্তুত হল। সমস্ত বিবর-বাদনা থেকে মুক্ত এই মহায়াগবঢ়েরা সমার श्रीहरू शक्त भूकता। श्रीहरू का नर्दछाहार भागनार उ নিকেন করে এবং চিক্স আনক থাপানৰ করে উল্ল कीनदास सक्य देखाना माध्या भिन्नन। वह फन्यान, আপনি এই ভক্তমে পরম আছা এবং পরম সুহল, ইরা কলেও এই প্রস্ত ক্রনতে কিন্তে অসের মা। ঠালা কিশ্রেরে আপনার জীলাগপতের দেবা পরিত্যান্ত করণের প্রতের ৮

*হে ভগবান, হে রিড্কা-স্কল, রিভুরনের আর্ক। য়ে বামন লগখারী তিবিক্রম। য়ে নৃসিংছংগবলুকী क्रिका (इ. दिलाक बद्यादा) बनुषा, देराह्य, फार्स, সকলেই আনমান শব্দির প্রকাশ। হে পরার পঞ্জিমান, অমুরের হবন অভান্ত সন্তিশালী হয়ে ৩টে, ভবন হাচের দত দান করার জন্য আগনি বিভিন্নসংশ সর্বসা অবতবণ করেন। আগমি বামকেন, রাভন্ত ও কুমারাপ মার্বিভার ম্যেছেন। আগুনি কথনও কথনও কথাত আদি পশুক্রাপে আৰ্বিট্ড হৰ, ককাৰ নুদিংহাতৰ একা হবতীৰ—এই মিপ্রকাপ অবিকৃত হম একা কলনও সংস্কৃত্র আদি স্কল্যবরূপে অবৈউড হন। এই চাবে বিভিন্ন স্থান ধারণ करत धालानि अर्थत् सन्तरं धवर पानरत्त्वत् २० लाग करहते। আনাৰ ভাই মাগনৰ কৰে প্ৰাৰ্থন কৰ্মছ আগমি প্ৰন্তুত্ব আহিন্ত্ত হন এবং অনি উপযুক্ত যাস কালে, আ হলে বুরাস্থাকৈ মহেনু করে।"

"ছে পরস্ব রক্ষক, হে পিতামহ, হে পরস্ব পরিত্র ভাষান। কম্বা সকলে আপনার জীপালগঞ্জের প্রধার্থত ছাব্যা। স্থাপনার চরনারবিশ-নুনবের স্থানে আমাবের চিত্ত প্রেমনেশ শৃথলের তারা শৃথলিত। আপনি कुशान्त्रं व्यवधारकार्थ विरक्षत्व शकःनिक क्यमः। জামানের আগনার বিত্য লাগ একং ভক্ত বলে প্রত্য করে. व्यामारम्य १७७ अन्त्र १८३ चामारमवर्क चनुवन्त्रा अन्तर করন্দ হ আপুনার হেমপুর্ণ দৃষ্টিপাতের বারা, শীতল করণায়ন হাসিও ছাড়া এবং আগনার সুখর মুখ থেকে নিচস্ত অমৃত মধুর বানীয় স্থায় আমানের বৃথভয়স্থনিত হুদবের সমস্ত কোনা প্রশমিত করন।"

"হে ভগৰান, অধিন্দ্ৰশিক্ষ ৰোজন সমগ্ৰ অধিন কৰে করতে পারে না, তেমনই আগন্যর অংশকরণ আসর অপনাকে বামানের জীবনের অবন্যকলগুলি জানাবে অক্স। আগমি পূর্ব ব্রহ্ম। তাই আপনাকে আহরা কি थागरक नहिंश चानमि मर विक्रे कारम, कारन चरनमि अर्थकाहरूपत्र चत्रभ कातम्, मध्य सभार्यत भागनकर्थः अयर সংহারকর্তা। আপনি দর্বনা আপনার টেবলজিতে এবং **अस्मिक्ट मीना-विमान करत्य, कारम जार्मान्टे अर्**ट मक्क निकट निवक्षः। व्यक्ति मक्क स्वीद्वर द्वरः सक ৰূপতেৰ অন্তব্ধে বিক্লান্ত করেন একং বাইরেও বিক্লান্ত করেন। আগনি অগুরে গরেকরাণে এবং বাইতে ছন্ড সৃষ্টির উপাদনেরপে বিরাজ করেন। তাই বনিও অরপনি বিভিন্ন অবস্থান, বিভিন্ন সময়ে, বিভিন্ন স্থানে এবং বিভিন্ন न्द्रीरत शक्ये इन, एक चान्यी मर्वकादशनाः नाम कावन আপনি সমস্ত কার্ককলালের সাকী, কিন্তু আপনি ক্ষেত্রত আকাশের মতো সর্বব্যাপ্ত, ডাই কেউই স্বাপনাকে স্পর্ণ ক্যতে পারে না। পরবাদ এবং পরমান্তারূপে আপনিই। ভক্ত পূর্ব জানে আমার স্তব করার কলে পূর্ণরূপে পবির স্থা কিছুর সাকী। হে পুরুষেশ্বর ভাগবান, আগনার হয়। এটিই জাষার ভত্তির উৎস।" जनाव किहुरे मिरे। इर छपराय, चाननि गर्रवा, छोर সমস্ক জন্ম আপতিক ক্লেশের উপলব করে। বেহেতু হয়েছে, সে আমার প্রেমমরী সেবার যুক্ত হওয়ার সুবোধ আসনি শরম বন্ধ একে আগনি কর কিছুই জানেন, তাই । বাস্তীত অন্য কিছুই আমার কাছে প্রার্থনা করে না। যারা আদ্রুত্র আপনার উপদেশের জন্য আপনার জিলানপজের । জড় সম্প্রতেই সব কিছু বলে মনে করে অথবা তাদের चार्टा शक्त करहि। वहां करत चार्शने व्याधासत मुक्तक - सीवरनत शहर सक्त वरण प्राप्त करते, छारस्य कर्णा स्थ

भूषीना निर्मुख अर्थन करत चार्यास्मद मांखि धानम क्यान। বালনার প্রীপাদশস্তই শরণামত ভাকের একমাত্র আন্তর এবং এই কড় জগতের দুংখ দুর্মশার নিবৃত্তি সাধতার একমার উলায়। অভএব, ছে পরমেশ্বর, ছে জীকৃত্তা, ছানেশন এই ভাগন ব্যাস্ত্রেক আপনি সহোর কলন, ৰে আমাদের আন্ত, সময়ধ এবং তেকরালি প্রাস করেছে।"

'হে ভগবাদ, হে গ্রহ পবির, **জাপনি সকলে**র হলচের ক্ষরেহলে বিরাজ করে বর্ম জীবেনের সমস্ত ব্যস্ত্রা এবং কার্যক্ষাণ নিবীক্ষা করেন। হে পর্যেশ্বর ভগবান শ্রীকৃষ্ণ, আপনায় কণ অত্যক্ত উচ্ছাল। আপনায় আদি নেই, কাল্য আপনি সব কিন্তা আদি। বন্ধ ভাষেত্ৰ সেই কৰা জানেন, বহরণ বীয়া গুল্ক এবং সভ্যনিষ্ঠ, তাঁরে অন্যায়ের আগনাকে লাভ করতে গারেন। বন্ধ জীবের বৰুৰ কোট কোট বছর ধরে এই অভ ক্ষমতে লম্প করার পর মুক্ত হতে আগনার শ্রীশাসগরের আশ্রর গ্রহণ करान् एका फीता कीवानत शहर मायगा माठ करान। ভবি, হে ভারতন, আমরা আলনার শ্রীপাদপরে আমানের সম্রভ প্রণতি নিকেন করি।"

জ্বল ওক্ষেব গোপানী বল্লেন—"হে সহারাজ পরীক্ষিৎ, দেবতারা যখন ভগবানকে এইভাবে ঐকান্তিক প্রার্থক নিজেন করেছিলেন, তথন ভগরন তার বাহতুকী কুপার প্রভাবে হর প্রকশ করেছিলেন। প্রদান হয়ে তিনি তখন দেবতালের বলেছিলেন—ছে প্রিয় দেবতাপন, ভোনস্ক বে আহার উদ্দেশ্যে আনগর্ভ প্রতি নিবেদন করেছ ভাতে জন্ম অভ্যন্ত প্রসাম হয়েছি। এই জানের প্রমেশ্বর ভববান। বস্তুত্ত আপনিই মূলতভ্ব। প্রভাবেই মুক্তি লাভ হয় এবং আমার প্রতি ঐখর্যময় 'বৃতির উদর হয়। তথম সে জড় জগতের অতীত আহার দিবা পদ উপদক্তি করতে পারে। এই প্রকার

ৈছে নিবুধ শ্ৰেষ্ঠপৰ, এই কথা যদিও সভা যে, আমি আপনি অপেতাৰেই ভানেন, কেন আমতা আপনাৰ প্ৰস্থা হলে কোন ষ্ট্ৰাই দুৰ্গত থাকে মা, তবু আমার শ্ৰীপাদশক্ষের পরত প্রথম করেছি, যে পাদপক্ষের জ্বারা। অনন্য শুক্ত ছার প্রন সর্বভোতারে জায়াতে একনিট

অধ্যান্ত । ধর্ষাটার কামু খেলে সেই ছা লাভ করে, তোলাসের প্রতি সে কখনও হিপন্ত করে না।" प्रानिनीद्धातहर सीकार स्टास्टर मान महार कर

কুপৰ। আত্মন্ত পূর্বে প্রয়োজন বে কি স্তা কলে জন্যে। নামক পূর্বেন্দ্র বর্ম ইউয়েক নিয়েছিলেন, মুট্টা তাঁর পুঞ লাঃ মেই প্রকার মুর্যনের বা বাছিত, হা যতি কেট : কিন্তুসমূহে হা লাম করেন করে বিশ্বসংগার কাই থেকে তালের সাম করে, ডা কলে বুলাকে হতে যে, সেও । তোমধ্য হা প্রাপ্ত হতেছ। এই নারায়েশ-কবচের বাস ভাগেষ্ট মধ্যে মুখা। কথাছতি সহজে পূৰ্ণবাল অভিয়ে কৰীছিব কৰিব অভায় সূত্ৰ হয়েছে। তোমভা ভাগ কাছে ৩% এন্ড করনও মুর্থ ব্যক্তিকে জন্ম সুধারে পের জন। পিছে ঠার সেই কেরটি প্রার্থন কর। আনিনীকুমারট্র সাধান করে যুক্ত হওয়ার শিক্ষা কেন না, আর হাতে নেট - কথন ভোলাকের সধ্যা ঠাব শাকীক প্রার্থনা কবাবেন, উপন কর্মে সাহায়ে কাছ তো দুবের কথা। রোগী চাইছেও তেনেকের প্রতি ক্লেকেনত তিনি অবলাই তা নাম কর্মেন। অভিয়া বৈশে ভাবে কলক তেতে কেন্দ্র, এই প্রবাস এই বিশ্বর ভাবে সংক্ষা করে। মান করে সংগ্র ভাত হাত্তা হাতিবাৰৰ সংগ্ৰা কৰেঁ প্ৰবৃত্ত হাতে মেন নাে অভিনায় বৰ্মজন। মধাৰা ভাল নামীৰ দান কৰলে উটি "প্রে মধ্যমন্ (ইঞ্ছ), তোমানের মালন হেলে। তোমের। আছি দিয়ে বিশ্বতমা বন্ধ দির্মাণ করবে। সেই বচ্ছের অবিলোচ মনীতিৰ কাছে যাও। বিন্যা, এত ও ভালসাও । থকা প্রাস্ত্রেক সাহার করা সম্ভব হবে, কারণ আলার স্বারা স্তার কর্মীর কারের সুদ্ধ হয়েছে। অধিকরে ইন্স । শক্তির ম্বারা বল্লের তেন্ত বর্ধিত হয়ে। আমার শক্তিয় কাছে পিতে উরু ঐ বেছ প্রার্থনা কর। শেই স্থাক্ত কবি, প্রভাবে শুরাসুর নিহত হলে, তোররো তোরাকেই তেউ, विभि प्रशाहि सहरू परिवित्त, त्रवर उप्परिका कार कहा। यह, याद्य अवर जन्मम किरत भारत। अहे ठाउँ সেই রক্ষালার অধিনীকুমার্ডারকে তার করেছিলেন। তোমানের সকলের মধ্য হবে। বুরাসুর ব্রিভুক্ত ধ্বনে ক্ষিত আৰু যে, মধ্যক্ষ অনুনির ধানে করে বাঁনের নেই । করতে বাহালেও তোমানের কোন ক্ষতি করতে পারবে बहु मात करत्तिम्हलत्। सारे (महे बहुरक दला ६६ स.) (महे छना सर दर्दा स) (सर सामन्द्र छल, सहे



एमच खकार्य

দেবতা এবং বৃত্তাসুরের মধ্যে যুদ্ধ

ন্ত্ৰীল বুকদেৰ গোৱালী কালেন—'ইম্প্ৰাই এইচাৰে चारमण निर्देश, अञ्चल समारकत भारत कारण शास्त्रण क्षेत्रित শৈক্ষাক্রত সম্মুদেনি সোহান খেলেও আর্ডিটত হলেন। হৈ মহাব্যঞ্জ ন্বীজিক, কালগুনের উল্পেক অনুসারে লেডেকা क्षथर्यातः नुज वसीति सुनित स्थाप शिराहरणनः टिनि ছিলেন অভ্যন্ত উল্লে চিড এবং যাক কেবচার বঁপ্ল কায়ে উন্ন শরীর ভিন্স করচেন, তথম ভিনি আন্দিওভাং সাম্বন্ধ হামেছিলেন। ভিন্তু ফেবঙাংগৰ কাছে বৰ্ধ উপাদশ अरु कबार सना प्रेयर (इटम शरिहात सुद टिनि

ক্রেডিকেন, 'য়ে কেবলৰ, ক্রেছবারী জীয়েরকের মুখ্যুর সমধ (১৩না অলহবদকারী হে অনহা ব্যালা হয়, ভা কি ভাগবাহা ভাতৃত্ব লাং এই মাত জনতে প্রতিটি জীবই প্রাং জর মেরের প্রতি অপ্রায় স্থানক। ছিকেনা ব্রেচ ধ্যকত বাসনায় প্ৰতিটি ৰীত সৰ্বভোজাৰে, এখন জি ভান সর্বাহ উৎসর্বা করেও তার কেই ককা করের চেইচ করে। প্রত্যা হিন্দুত হনি হা প্রাথনা করেন, হা হলেও কে মেই দেহ ধান কংগত কাৰত হৰেণ^{* ক}

(नरहरी देशनिम — १६ ध्रष्ट्रम डोक्स, कालमार घटटा

পথকে বাজিনে কর্বেকরণ অভার প্রশংসনীর এবং क्षेत्रा मकरणा अधि पाठाल मक्ष्यक्रम । व्यक्तात प्रमध्यत क्या और शक्स नुगायन कराचा कि वा साथ कराएं লাজন । তামে সং কিছু এফা কি উচ্চত মেহ পর্বন্ত ধান করতে পারেন। অভান্ত স্থার্কপর ব্যক্তিরা নিশ্চনট नातव द्वान कुराए ना १नएव प्राप्तव कार्ड किया करत । কিছু প্রার্থনাকারী যদি বাহার ক্লেশ কুমান্তে পারে, আ হলে। মে তার কাছে কোন কিছু ডিজা কাবে মা। ডেমনট अर्थनाकातीत क्रम क्षरक मां भारतर करनरे पान कराए সমর্থ ব্যক্তি ভাকে প্রভাগান করেন, করল ভা না হলে তিনি প্রার্থনাকারীকে কোন কিছু পার করতে আহীকার করতে পারতেন না

प्रश्रवि वरीति वनाराज—"चाननाराता कार्यः वर्षातः छड শ্রবণ করার স্থানাই আমি মহমার দেহ আপনাদের দান कदार करीकाद कररहिलात। अध्य स्त्र सर्वि क्रिय হলেও যে মেই একদিন লা একদিন আমাকে ভ্যাগ क्तराठेरे रहेर, या चालनाहक डेनकाह्न सन्। अगन করছি। হে দেবতাগাৎ, বে পুরুষ জীবেদের প্রতি भंग्रानकरूप श्व धरे चनिका प्यास्क राजा धर्म अवर रूप व्यर्थत्तव क्रोडे क्रांड ना, त्रारे व्यक्ति प्रथत वार्गीतन्त्र চেয়েও শেচনীয়। কেউ বদি ক্ষান্ত লীকো গুংগ দৰ্শন करत मुश्चिक रून क्षांदर कारणह मुख वर्णन करता भूषी हता. ঠার ধর্মই পুণ্যগ্রেখ মহাধানণ ক্ষত্তর কর্ম বলে উপাসন করেন। এই ক্পন্থারী কেই বা কুরুর নিরানের ভাক क्षार यात्र वाला निर्देशन काषात्र विकृत्यत है जनसङ्ख्या है। त्महे त्मराक्ष का-जन्म अवः कत काबीहरूक्य विश्व যদি পৰের উপন্যর করা না বাছ, ভা হলে সেই সকল (करण मृश्च-मूर्मणः (स्वरंगवरे काला हा। ^{हा}

कीन क्षण्या भाषामी कारतन—"प्रथक्तमान वरीडि মূলি এইতাৰে পেৰতাদেৰ লেখাঃ ঠাঃ খেতু উৎসৰ্ভ কল্পত মাস্থ করেন। ভাগের পরস্থের ভাগরনের জীগাসপত্তে তাৰ আশ্বাকে স্থাপন কৰে তাৰ লাকতেইতিক কেছ আগ करविश्वनम् । मर्पेकि भूमि क्षेत्र देखित् क्षापका, सम समर বৃদ্ধিকে সংবত করে সমাধিমক হরেছিলেন। এইকানে ভিনি তার সমস্ত জন্ত করন বির করেছিলেন। ভার করে। देश काचा रा देश तार रथक गुचक श्रा शास का

থখাঁটি ঘুলির ভারির স্বারো বিশ্বকর্মার নির্মিত বল্ল ধারণ करहिरान्त्र। एदीकि प्रतित्व मस्तित वाहा मिछान । ভাগেনের তেন্ধে তেঞ্চীয়ান হয়ে এবং সমান্ত দেবঙানের बाजा अधिकक करण देशा क्यान जेवावरक च्यारतावन করেছিলের, তথ্য ফুনিরা তার বাব করাছিলেন। এইডাবে रिटीने तक जिल्लाहरू वर्ष फेरलाल करते द्वास्तरक तह করটে ব্যক্তিবেন ("

ৈছে মহারাজ পরীকিৎ, রাম যেমন ফাচেনের প্রতি (ব্যবহারের রান্ড) অভ্যক্ত ক্রম্ম হয়ে তাঁকে সংখ্যা করার অনা ঠার প্রতি ধার্থিত হয়েছিলেন, তেমনি ইন্ত অভার ্বল্য হয়ে অনুর সেলাগতি পরিবৃত বুরাসুরের লিকে যেগে বাবিত হরেছিলেন। জ্ঞারপর সভায়েগের জ্ঞাবসানে এবং রেভায়নের প্ররুদ্ধে নর্মণা নদীর ভীরে রেখভানের সঙ্গে অসরকের এক ভারতর মৃদ্ধ হয়েছিল।"

িছে ভাৰুত্, পুৰাসুৱেশ নেতৃত্বে সমস্ত অসুৱেশ্ৰা युक्तकात्र्या कटन क्षण्यम्, नमुश्रम्, व्यामिकाश्रम्, অফিনীকুমরেরর, শিভুগণ, বহিংগণ, মতংগণ, কড়গণ, সংখ্যাপ ও বিবাদেনগণ পরিবৃত ব্যপ্তধান ইম্রাকে সেপে ঠার তেজ সহা করতে পারজ মা। স্বর্ণ পরিচ্ছনে ভবিভ नभूष्ठि, मध्यत, स्मर्था, सिम्भी, स्रवस, समूत, स्वश्रीय, শহলিক্স, বিশ্রচিত্তি, অন্যোক্তম, পুলোমা, বৃষপর্বা, প্রত্যেতি, তেতি, উৎমাস এবং অন্যান্য স্বৰ্থমত পরিচ্ছেদে বিভূবিত হাজনা হাজন গৈতা; ভানব, বন্ধ, রাক্ষ্য এবং স্থালি, যানি প্রস্থ দুর্গন্ত অসুক্রের সিংহের মতে গর্জন করতে করতে গল, পরিষ, ঝণ, প্রাস, মুদ্দর, ভ্রোমর প্রভৃতি অক্টে ব্যক্ত ক্ষেত্ৰকে নিপীড়িত করতে লাগল। পুল, কৃঠার, বছুব, শতরী, ভুততি প্রভৃতি অরণান্তের হারা অস্থেৰা বিভিন্ন দেবতাদের আক্রমণ করেছিল এবং দেবভাষের মধ্যে বারা থেওঁ, তাদের বিভিন্ত করে খিরেছিল। আকালে ফা মেখের ছাতা আঞ্চিত ভারকারাজি যেনন দেখা যান না, তেমনই চতুর্নিকে একের পর এক নিক্ষিত্ত শ্রেম জালে সম্পূর্ণকাপে আকালিত হওছার কলে দেকভাদের দেকা বাজিল না। নেবলৈন্ডদের সংহার করার উদ্দেশ্যে অসুরূপের সেই নমত অন্তলন্ত দেবতাদের অন স্পর্ন করতে পারেনি, কারণ দেবতারা কিপ্রহণ্ডে আকাশ্যাগেই সেই সমস্ত তিনি অনুত্ব করতে পারেননি। তরংগর দেবলার ইন্ত অস্থাত সংখ্য থকে ছেনন করেছিলেন। অসুরদের ব্য

লাহত দেবসৈন্যদের উপত বর্ষণ করতে লাগল, কিছু জনুসায়ে পুঞ্চতত্তীত বুৱাসূত্র মোরীদের মনোজা এই क्षरदास बजरे गांकगाणी कर एक हित्रम (६, देखा अधार्थन स्टर्गहरूमर) दिन समुद्रदेवराख मरत्राका main जाकानमारपरि पुर्रक मरेक पन पन कर्जाक्तकः। करत रहनांबुरुनम्, 'दह निर्धातिकः। दह महित। दह रहातृहरूव चरतृष्ठ-देनस्मता यक्त (त्रेथम (व. ठारमव প্রকাশেরর প্রহার এবং বৃক্ষ, পর্বতপুত ও গংখ্য বর্ষাপ্ত क्रांभाठ हराइव रेममान सम्बन्ध स्टाराइन क्रांस मान्तुर्व मुख প্রয়েছেন, কথল তারা অতার তীর বর্ষেছেন। কি থাকি সামগ্রহণ করেছে ভাগের মৃত্যু অবশারারী। মৃত্যুর হেমা মহৎ ব্যাহিত হাতি ক্লোবোলীগৰ কোন কৰু বাক্ত প্ৰতিকাৰের কোন উপায় এই ছাত্ৰ কণতে কেই বুঁকে প্রয়োগ করতে হা মহৎ ব্যক্তিকে বিচলিত করে না, পার্যনি। একং কি বিধাতার মার প্রতিকারের উপায় एकमाई कीकृतका बाज मुनक्ति सरसारमंड दिनस्य दिनस्य दिना बरतमी। शाहे बदनावानी मुद्रा १९८७ वरि প্রস্তরদের সমস্ত প্রযাস নিকল ইত্রিক। কার্যবিদ্যা ইত্রালে কা এবং গরতালে কাব্যাক্তর স্থাতনা থাকে, चत्रहाता राज्य स्थान है, कारना मान्य ध्वाम वर्ष है है। होने यकि एके विविधित प्रसाद करने करने হয়েছে, দ্বান ভাগের বৃদ্ধ করের এর্থ কর্ম কর্ম হরেছিল। আঃ বৃষ্ট প্রকার মহিমানিত মৃত্যু রাবেছে এবং সেই বৃটি যুক্তর অন্তেরেই ভালের সেনাপতিকে পবিশ্রাল করে জার । অন্তের সুর্গতি। একটি যোগ অনুষ্ঠান করে বিশেষ করে इक्टाकड (शहक भगातन कहाल करह कहाहिन, कहन । एक्टियान, यह कहा कर अनर ध्रानवाद मरदछ करत लालव महत्वा कारमत जयन का कलकान करने निराधिन। सन्दारमत बारम क्या हरत मधानतन करा। अभावि निस्न (मनाराहिनी) प्रथ द्वार (मार्च, अपन कि बात दीर - दुव्यक्ता रेमगास्त्र माजूव ज्ञान करा अस शृष्टे-अनर्थन वर्षन श्रीमृद्ध (महे प्रश्नेत देशनातां कारत स्वरंकत (वर्ष) जो करते प्रदानका कर्ता।" পদারণ করছে যেখে, উদার চিত্ত মহাবীর ব্যাসর হেসে

এবং অনুসন্ম ক্ষরতাপ্ত হওবার, তার পর্বতব্যা, বৃষ্ণ এবং এই কথাত্রনি আনভিয়েন। স্থান, কাম এবং নরিভিতি भूतम्बद्धाः एक यहः कार्या अवश् भूकतः (ठादशा साराव क्षा अन्य कर कवर अभारत करता हा।" "

বুলানুত কল্যেন--"বে সহত্ত জীব এই জগতে



একাদশ অধ্যায়

বুত্রাসূরের দিব্য ওণাবলী

শ্ৰীল প্ৰকল্পৰ প্ৰেন্দ্ৰটো ৰলালেন—"হে ব্যক্তন, অনুস সেধপতি বৃত্ত এইভাবে ভার সেনাব্যরক্ষের বর্ম উপলো ইপান কালেও কেই সমস্ত কাপুরুহ অসুর কোনাবর্তের শতই ভরতীও জ্যোছিল বে, ভার তার বড়া প্রহা করে भारते महे। (१ प्रश्तिक भहीचिक, (भरताहा (महे चनुवृत्त সুবোগ লাভ করে খাসুর-কৈন্যনের কলাতে বাহিত হয়ে তাদের জাক্রমণ করেছিলেন এবং করে কলে জনুং-সৈন্যা ইভক্ত বিভিন্ন হয়েছিল এবং ভানের কর্মন

বেনৰ কেবা ছিল বং। তীব সৈনাদের এই প্রথম করুব करका कर्मन करत, वामुद्रकार्छ अवस देखान नाम नहां मूह মতার সমাত হয়েছিলেই। এই প্রকাশ নিরাপ নবিভিত্তি হয় ভাতৰ বা পেরে, ডিমি খলপুর্বক দেবতাকের নিবাধিত করে, ক্রেমেরিড হরে ভালের ভিরক্তারপূর্বক বলেছিলেন, ারে কেমার, এই পদ্যানেরত অসুবের ভাষের স্লাভজাতর (राक रिरेश प्राप्त देवदि कारादन करताई। हक्**ठ**नरक প্রবের ক্রম নিংগক। এই প্রবাধ পরুকে পিয়ন হোকে

ৰধ করে ভোহাদের লাভ কিং নিকেকে ছালা বীর কথে 🔻 অভিযান করে, তাদের প্রাণভারে ভীতে শক্রকে কখনও ছত্যে কর। উচিত নর । এই প্রকার হত্যা প্রশাসনীর নর .बद का वर्ग क्रांड गांड हर ना। (र फुल् स्वरंकान, क्षि एक्स्प्रस्थ दृश्य यथावी सम्बा श्रदक ७ एनएक देवर्र भारक क्षेत्रर विवयर्कारन क्षत्रिकाव मा भारक, श्वरत কৰিকের জন্য আখার সমূবে দাঁড়াও।"

ভাষর শ্রীর প্রদর্শনপূর্বক মেবভানের ভীভ করে এক্সভাবে পর্তান কংগ্রেছিলেন বে, ভার কলে সমস্ত প্রাণীক মৃদ্ভি হয়েছিল। দেবভারা বৃদ্ধাসুরের সেই ভীৰণ দিল্লাম সূল সৰ্জন কৰেল বস্তুহত কভিন মতো মূৰ্মিত হয়ে ভূমিতে পতিত হয়েছিলেন। সেকভাৱা কৰন **प्टरक औरमत रुक्न निर्धीशिक्ष स्ट्रिक्टन**, कचन ब्रह्ममूत উটা বিশ্ব উল্লোপন করে তার নিক্ষ বলে পৃথিতী কশ্বিত কর্মেছদেন। ছনমত হল্লী বেয়ন স্পাবনক প্ৰদল্ভিত করে, ঠিক সেইভাবে ব্যাস্থ কেতাকের भागमित करतन्तिमानं। दुराभुरत्य कार्यकलान् वर्णाः करत् দেবৰাল ইন্স অভ্যক্ত অস্থিয় হয়ে জান প্ৰতি এক মধ্যপদা নিজেপ করেছিলেন। স্বাপরের পুষ্ণে পুরুত্ হলেও বুকানুম জাধ প্রতি নিঞ্চিপ্ত নেই প্রণাটিকে **चवनीनाक्ष्य वात्र १८७ शतन करत**्रिक्तः 🗥

্ৰহে মহাজৰ পৰ্বাদিশ, **অভান্ত বিক্ৰমশালী ইন্ন**শক বুৱাসুর ভবন অভার কুম্ব হরে, বুমকেরে প্রচত গর্জন করে ইত্রের হতী ঐরাবতের মন্তব্তে সেই গণার ক্রার थाबाट करतिहरूल। छोत्र और मैरपानून करर्यक सन्। উভয়পকের সৈনেরাই তার প্রথমে করেছিল। বৃত্তাস্তর भगात चाध्याहरू केंद्रान्यका पृथ विमीर्थ स्टाइन, कात करन ঐরাক্ত অভ্যন্ত পাঁড়িত হরে রম্ভ বন্দা করতে করতে এবং ব্যাহত পর্বতের মতে৷ মূরতে কুরতে নির্টে ইয়কে দিয়ে সন্ত বনুক (ক্লেম্ম সঞ্জ) দুরো পাতিত হয়। মহাস্থা কুলানুর ধর্মনীতি অনুসরণ করে, বাহন ঐরাকতকে আত্ত ধক ব্যবস্থা দেখে গুঃবিত চিত ইন্দ্রের পতি পুনরার পদা নিকেশ করেন নি। নেই অবসরে ইজ উন্ন অন্তল্পী হল্পের স্পর্যের বিরুক্তর ক্ষত কাথা অগ্নোক্স করে, সেই স্থানে নীমের অবহান করেছিলেন।"

"হে রাজন, বুরাসুর উল্ল আতৃহত্তা শরু ইঞ্জন্ধে কুছ

করার বাসনায় বন্ধ ধারণ করে সম্প্রুপ উবর্ত্তিত সেখে বুয়াসুরের মনে পড়েছিল, ইন্ড নিষ্টুরন্ডাবে উরে আড়াকে হত্যা করেছেঃ ইল্রের সেই পার্শকর্মের করা স্থান্য করে, তিনি লেকে ও যোহে বিবাস হয়ে হাসতে হাসতে বৰ্লোছকে:—মে ব্যক্তি ব্ৰহ্মবৰ্ধ, ওক্তৰণ এবং আমার ভ্রাত্যকে বহু করেছে, সৌভাগ্যকণত সেই ভৃত্তি আছ শক্রভাবে আমার দামনে উপস্থিত হবেছ। হে পর্নপষ্ঠ, িমহা কালালী বৃত্তাসূত্র ক্রুক হয়ে ভার বিলাল এবং । আমি রখন আমার ব্রিপ্রকার ছালা তোমার প্রবাশতুলা হুপর বিদীর্গ ব্যৱস্থ, ভারত আমি আমার প্রাত্তক্ত ব্যৱস্থ সুক্ত হব। খেলল ইৰ্গকামনাৰ ভূমি আছজানী, নিম্পাপ, তোমান ইজের ইখন পুরোহিত রূপে নিযুক্ত বোল্য ত্রাত্মণ অমের জ্যেষ্ট আতাকে হত্যা করেছ। তিনি ছিলেন তোমার ওক, কিন্তু ভোমার বক্ষ অনুষ্ঠানের দায়িত্তার তার উপর অর্পণ করা সংখও ভূমি নির্মান্তাবে ভোমার বড়বের হারা একটি গশুর হতো তার নিবলের করেছ। হে ইয়া, তুমি লক্ষা, বল্ল, কীঠি এক ঐশ্বর্ধ বেকে প্রস্তু হয়েছ। নিম্ন কর্মবলে এই সমস্ত সম্বাদ থেকে যঞ্জিত হরে, তুমি রাক্সনেরও নিশ্দীর হরেছ। এবন আমি আমার বিশ্বের হারা তোমার মেহ বিদীর্ণ করব, ভার কলে ভোমাকে অতি কটে মন্ত্ৰতে হৰে এক ভোমার মৃত্যুর পা অধিও তোষাকে স্পর্গ কববে না কেলে লকুনেরা ভোষার দেই ভক্ত করবে। যদি **অ**ন্যান্য দেবতার আমার প্রভাব না জেনে, নিটুর-প্রকৃতি ভোমার चनुनावी शतः जामसः विकर्ण मध्याम कतस क्षतः छारस्त অত্র উদাত করে, সা হলে আরি খানার এই ক্রীপ্র রিশুলের বারা তাবের মন্তক বেদন করব এবং ভালের সেই বৃত্তালি নিয়ে কৃত-মেত আদি সহ ভৈয়ত আদি 'ফুতনাধ্যের ইচ্চ করব।"

> "হে বীর ইন্স। অথবা এই সংগ্রেমে তুমিই যদি কদ্রের হার্য় আহার শিরশেক কর এবং আহার দৈন্যদের কিবাশ কঃ, ডা হলে আমি আমায় এই দেহ কৰা সমস্ত की(क्टनत (एकन मृशास धांक्र मक्निएक) छन्।त विरा কৰ্ম কেনে থেকে মৃক্ত হতে নাবল সুনির মতো মহাভাগবড়ের জীপাধপদ্মের ধুনিকণা জাভ করার সৌভাগ্য অর্জন করব। হে দেবলন্দ। আমি ভোষার প্তক্রণে সম্বাধে উপস্থিত থাকা সংগ্রুত কি ক্সক আমার প্ৰতি জেমার বন্ধ নিকেশ করেছ নাং স্থানিত জমার প্ৰতি

चिक्ति कारात भन कुंगरंगत कारण कर वार्यना करात वार्य अंदर कारावत अवाग कराउ निरुष करवन। उन करण नकरण, संदर्भ, करतान, तर्व क्यर क्यारत गृष्टि ক্ষান্ত তাকে অধিক প্রয়াস করতে হর এক সেই সাপদ যাপ্ৰলে কথন কৰা গভীৰ মুহৰ হয়।"

"হে ট্রা: জামানের প্রভু জগনান গুল জন্তবন ধর্ম, আপনাতেই আসক হয়।"

মতো নিখাল হয়েছে, কিন্তু এই আ সেভাবে বিকল হবে। খেকে ব্যক্তা আরু ভগবান কন্ত কুলানর। এই প্রকার हो। अहे विवास द्विम काले मरणह करता ला। हिं कुना (क्वल खन्न) छछा,ग्वाहे मछा, विश्वसम्ब पास्त्र। (भववन्त्र हेता। कृषि भाषाएक वर्ष कतान सन्त्र दा व्या कन्त्रत्व और प्रकार कुन्द्र जान्त्र नदर्द नाद्य ना। द्र মারণ করেছ, তা ভাগবাদ জীবিকুর ভেজে এবং গরীটি ভাগবান, বালে আগনার প্রকল্প আগ্রার করেছেন, আর্থি বুনিত ওপন্যায় অত্যব তেজােশুভ হয়েছে। ভূমিও কি ভারের ভালনার েই নামদের দাস হতে দারব । হে হেছেতু ভক্তমা শ্রীবিকুর আদেশে আমাকে হত্য করার প্রাপদতি, আবি বেন পুনরার প্রাবেশ্ব লাম হতে পারি জন্য এনেন্দ্র, সূতরাং তেনেরে বজের জবাতে যে জানের । বাতে আমার মন সর্বব্য আগনরে নিয় গুলাবলী জরণ মৃদ্যু হবে, ভাজে কোন সংশহ নেই। ভাগজন ঐবিঞ্ করে, আমার বাদী কোন সর্বদা আপনার মহিমা কীর্তন ভোষার পক্ষ অবলক্ষন করেছেন। ভাই ভোমার দিলর, করে এবং আমার দেহু কেন সর্বল জাগনার সেবাকার্য সমৃদ্ধি এবং সময় সন্থান অবশ্যবাধী। তোমার বছরে। সংগামন করতে নারে। যে সর্ব সৌতাবেরে উৎস, আমি প্রভাবে অসি সন্দোধ-বছন থেকে মৃক্ত হয় এবং এই যেত্ব আপনার প্রীপাদপর ভাগের করে এ-বলোক, প্রকাশন, ও জড় বাসনা সমবিত এই কাশং সোগ করব। ভগরন। পৃথিবীয় একজরে আধিগতা, আই বোগসিছি, এঞা কি স্তর্থনের শ্রীনামপত্তে আরম চিব হিন করে, আমি মরল সোক্ষর লাভ উরতে চাই বাও হে অথনিকাক, মূনি আদি মহান কৰিলের গতি লাভ করব, যে কথা। অজাতগছ পাকীপাতক বেজন রাভান আগমনের প্রতীক্ষা ভথবান সভৰ্ষ স্বয়ং বলেছেন। খাৱং ভগবানের করে, সভ্যুবছ গোকসে বেন্দ ভূখার পাঁড়িত হলে কৰন শ্ৰীপাৰ পৰে সম্পূৰ্ণ কৰেও প্ৰথাপত এবং সৰ্বসা কৰা পাল কাৰে ভান কৰা উত্থৰ হয়ে বাকে, বিষয়া ঐকান্তিকভাবে ভার শ্রীপাদগছের চিন্তার মধ্য, উদদের 🛮 প্রেরদী পদ্ধী বেভাবে প্রবাসী পতির দর্শনের অভিনাব ভাগান তীয় নিজ জুন বা নেককরণে শীকার করেন। করে, আমার মধুও সর্বদ সেইভাবে বাংলনার সেরা করার पर्ग, प्रकी क्षेत्रर शाकारम रह जन्मन बर्रप्रस्, प्रम किनि । जासस्यम वन्नरह। दा नाथ, जानि व्यावतः कर्यतः करम चारमञ्जू काम करतम मा। कारण और जिल्ह्यामा अवस्था । महमासकारक समय करावि। चारे आदि (का चार्यमान পুশার্কনিউ ভাভগণের দঙ্গে সাধ্য লাভ করতে লারি। रहा। छन्न (महे मन्नाम मृद्धि कहार कन्तु अब्द महाकरसा । चाननात मतार ग्रस्टर स्वमात क्रिस हम हमस् भूत, समाद, পুর প্রকৃতির প্রতি আবক্ত হয়েছে, ভাচক কেন আর प्रांतिक ना बारक। ब्लागतः वन, शान, त्रद किवृद्दे राजन



धामने व्यशास

বৃত্রাসুরের মহিমান্বিত মৃত্যু

🔤 ওক্ষেৰ গোৰামী বনকো—"হে মহারাভ তথা তিনি ঠার ত্রিপ্ন প্রকা করে রালাও করে ভানহয় পৰীক্ষিৎ, সেহভাগে করতে ইছো করে বৃদ্ধাপুর কর স্থানেছিল তথন কৈটার গৈতা নিবুলা প্রতি বেভারে ধারিত শাংখন হৈছে মৃত্যুকে শ্ৰেষ্ঠ বলে দলে কৰেছিলেন। ইতেছিল, সেইভাবে দেববাৰা ইত্যের প্রতি ভাবিত ধ্যেছিকে। তথ্য অসুরক্ষেষ্ঠ মহাবীর কুম সুগারকালীন অভিশিক্ষা কৰে। জীক্ষায় পুনা কুনি করে, আভি কেনো **अगरका नाम है। जार केगल निरम्मभूर्यक गर्माम करत** বলেছিলেন, 'যে পাপান্ধা। এবন খানি তোকে হত্যা कार है। कृतानुद्धाः जिन्ना चाक्नामार्ग केवार मटक केवा আসহিল। বহিও নেই স্বস্তুটি এও ভরষর উচ্ছল হিল ৰে ভার দিকে ভাষানো বাজিল মা, তব নিভাঁক চিত্তে ইল ঠার ব্যাস থলা সেই অনুটি গও খণ্ড করেন এবং **्रोहे महाक वृद्धानुद्धान नर्गताच वर्श्यकत महीदात महा**ज বিশাসকৃতি একটি কৃষ্ণ ছিল করেন। বনিও তার একটি হল সের থেকে জি হরেছিল, তবু ব্যাপুর কালা হতে ধাৰটে দৌহ পদা নিয়ে ইংগ্ৰাড় কাছে দিয়ে তাঁম চোৱালে আভার করেছিলে। তিনি ইলের ফান ঐরাবতকৈও আত্মত কর্জেছলে। তার কলে ইয়ের হাত থেকে বা পড়ে বিরোধিন। বুজাসুরো সেই অন্তত কার্য কর্মন করে। সূর, অনুর, চারণ ও নিভ্রণ সকলেই জীয় বিশেষ প্রশংকা করেছিলেন, কিন্তু ইন্সের মহাবিপদ কর্মন করে *भावकाच*न राष्ट्राकाद करक निमाण करद्रशिक्षन। **भव**न সম্মান ঠান হাত মেতে বছ পতিত হওয়ার, ইছের এক প্রকার পরাধার হতেছিল এক তিনি গেই কন্য ফতার লক্ষিত হয়েছিলে। তিনি ঠাই আছ ডলে মিতে সাহস করেননি। ব্যাসর কিছা উপে উৎসাহ নিয়ে বলেছিলেন, विकास्त्र मध्य स्व।"

फनवान ज़कि, चिकि बना शंगायत कावन बना छिले गर्नम । शहरू प्रश्निती भीव वृष्ट करात देखा करत কথনও বিকামী হয় এবং কথনও প্রাক্ষিত হয়। সম্ব্র ওপ্রে ক্রিয়া এবং হতিক্রিরে সাক্ষী মান্ত, তিনি লোকপালকণ সই এই রাজ্যতে সমস্ত লোকের সমস্ত সুস্ত পুরুষ। তিনি এই সকল ভাগের বছরে মার্লার মন। कीररता नर्वटकारन क्षत्रवारक निरुद्धनाधीन। क्षामक्कः ८१ नदाः १९६ कृष्ट क्षामत कञ्च करा सक कि। श्राहरू। পাৰির মাজে তালের কোন কারীনাজ্য নেই। আমাদের তারি আহাকে ইভিন্নবাই পরাজিত করেছ, তবু ত্যেমার ইপ্রিয়ের শক্তি, মনের শক্তি, মেহের শক্তি, প্রাব, অমরের আন হয়বের কাসনার আহি কবাপক্তি কৃত্র করে চার্সাহি। এবং মৃত্যু সবই ক্ষমধ্যে নিজেপাধীন। সেই কথা না এই প্রকার বিষয় পরিস্থিতিকেও আমি একটুও বিষয়

चारक मृष्टा कारण भारत ती, किन्दु नर्करका देखांस नृष्टा করে, ভোচনই সম কিছুই ভগবানের আর্থনে। কেউই থতত্র নর। জিল পুরুষ-কারগোদকশারী বিষ্ণ गार्कारकनात्री निकृ व कीरतारकनाती रिकृ अवर एका टक्षि, बर्स्स, कर्डात, नक क्लाइड, कड़ रेलिस, मन বৃদ্ধি ও চেতনা ভগবনের কুল্ম ব্যতীত লড় স্বাগৎ সষ্টি कहारक शहरत ला। वृत्र निर्दाश मानुरवाला क्रमवानहरू ক্সাতে পাত্রে না। বাদিও ভাগে সর্বনাই নির্ভরশীল, তবু ভারা ক্রতিকাত নিমেধ্যে সভা ঈশ্য বলে মনে করে। (क्षे वनि कान करत त्य, क्षत वृत्कृष्ट कर्म अनुम्हारत তার দেহটি শিত্য-থাতার বারা সৃষ্টি হয়েছে এবং সেই নেহটি আনু কাৰত বালা নিনট হবে, বেমাৰ ন্যাই আদি পণ্ড জন্ত পশুকে প্রাস করে, জর্মাৎ কেউ বনি দিতা-मकारक क्षेत्री क्षर बाह्य कानि नकरना एका बरन मह করে, আ হলে ভার সেই ধারণা বর্তার্থ নর। কারণ <u> अक्टबरक समयन्त्रे बीरमस्य सत्त्र बीरमात्र गृहि अस</u> শ্বীবেশের দারা শ্বীবেশের জিনাশ করেন, অভগ্রব ভাতে कीरवह रक्षा चन्त्रक हाँदै—कारान्हे चन्त्र। मुप्तार সময় তেনৰ অনিজ্য সংখণ্ড আৰু নী, হশ প্ৰভৃতি জ্যাগ ধরতে হয়, প্রেমনই নিজরের সমগ্রও ভাগবান বখন কণা করে সেইভলি প্রদান করেন, তথা কোন রকম প্রচেষ্টা ছাড়াই সেইওলি মাভ হয়। মেহেড় দা বিশুই ভাগবাদের "বছ হাংশ করে ভোষার শক্তকে বিদাশ কর। এটি প্রম ইজার নিয়েপারীন, ভাই অনীর্তি এবং মণে, জর এবং শহাক্তমে, মৃত্যু একং জীবনে অভিচলিত থাকা ব্যাসুর কারেন—"হে ইল, আদি ভোড়া পরমেশ্বর উচিত। সেইওলির ভার্ব, সূর এবং বৃহর প্রভৃতি সকল ভাগৰৰ ব্ৰতীত কৰা করোটাই বিজয় নিশ্চিত নাম। সেই ক্ষাব্যাতেই সমভাবে করাভাতিত। বিনি জানেন সন্ধ, রম্ম এবং শুরু—এই ৬৭ ভিনটি আদার ওপ নর, ব্ৰড়া প্ৰকৃতিৰ ওপ এবং বিদি জানেন ওছ আছা এই ভেনে, মুর্বেরা জড় দেহটিকেই জাদের কার্যকলাপের ক্রিনিঃ জভনের ভূমিও ভোমার বিষয় ভাগে কলে বুর্ব কালৰ কৰে মধ্যে কৰে। যে ইয়া, নালমন্ত্ৰী নাৰ্ত্তী এবং ধৰা। যে শত্ৰা, এই বৃত্তকে দ্যুতভাগিয়া বলে মধ্যে খন, পঞ্জমর বুল বেজন বেজার চলাকেরা করতে পারে না । এতে প্রাথই পদ বানট বাব্দ (প্রালা), চরী, আরু প্রাকৃতি

লাভনাই ভাব দলক। এতে যে কার জয় হবে আর কার क्रताक्षण इत्त्व, एवं तक्ष्मित्र कार्यं कार्यं कार्यः का নিৰ্ভৱ কৰে কৰিখবের উপর।"

ব্যক্ত ত্রবেশ করে কেবরকে ইন্স ঠার প্রশংসাপূর্বক প্রবায় থার মারণ করেছিলেন। বিশার এবং কপটতা পরিতাল করে তিনি হাসতে হাসতে বৃধানহকে কলেছিলেল—হে बानव, महत्रकारमध रव रकामात्र विरवक, रेवर्ष क्षेत्र ভাষ্টিকত মতি অনিচালিত নমেছে, ভা থেকে আমি কাতে शावित, एवि नर्गाचा अवर नर्गमृहत्त् स्थाणीयनत्त्र ব্যন্যভাবে সেবা করেছ। স্থানী কর্ণবানের সায়াকে অভিক্রম করের এক এইভাবে মৃক্ত ২০রার কলে, তমি আস্থিক ভাৰ পরিত্যাপ করে মহাস ততেও পদ প্রাপ্ত ecue i"

"হে বুরাসুর, অসুরের সাধারণত রজোগণের বারা প্রভাবিত। ভাই, ভূমি হে অস্ত হওছ সন্তেও তথ্য সংঘ অৰ্থাছত পরমেশ্বর ভাগবান অনুযোগে সৃষ্ট ভাতিপর্যরণ হয়েছ, ভা অভ্যন্ত আল্চর্কো বিষয়। বে ব্যক্তি পরম মঙ্গদাত ভগবান শ্রীহবিত্ব প্রতি ভবিপর্যায়ণ, তিনি অমৃতের সাগরে জীয়া করে। কৃষ্ণ বাজ্যেদকে উরা কি প্ৰয়োজন ?"

केल ७कामन भाषामी क्लास्त्र-"द्वान्त अवर দেবরাক্ষ ইন্দ্র বৃদ্ধক্ষেত্রত ক্ষাবহাতি সমতে এইতাবে বলতে কাতে, কৰ্তব্যক্ত পুনরার বৃদ্ধ করতে ওক বোদ্ধা একং সমান অভিনোধী।"

িছে মহারাজ প্রীক্তিং শক্ত দমনে পূর্বরূপে স্ক্রম প্ৰাস্ত্ৰ ভান শৌহনিষিত পৰিৰ বাহ হতে হৰ্ণনপূৰ্বত ইয়ের প্রতি নিজেল করেছিলেন। ইয়ে শতপর্বন নামক ঠার বজ্ঞের ব্যব্তা কুপ্রাস্থরের পরিব একং বাম হাত কুগপং रसम्ब कर्जाब्हरमारः दक्षानुरद्धः तम इरफ हिम कार्यभा থেকে প্রকা অনুসর কন্ত মতে প্রতিমা, তাই ভবন ভাকে ইংগ্রের ব্যৱস্থাতে ভারনাশ থেকে শতিত বিয়াপক পর্যাতর

মতেঃ দুখর ফেখাছিল। বুলেসুর বিবেন অভার প্রধানসক্ষর এবং ক্রান্তার। তিনি ইয়া নিম হনু ভূমিতে রেখে অপর হনু আক্রাপ পর্যন্ত বিভার করে, আকাশেরই हैल क्याप्त भाषामी कारणा—"वृत्राभुक्त विकार पर्या मुगरीत यस्त, मर्गद्रमा करकर किहा अयर মৃত্যুত্তন্ত করাল ম্বানমূহের বারু কেন চিম্নপৎ প্রাণ স্বরতে উলাও হরেছিলেন। এই প্রকার এক হিপাল পরীর ধারণ করে, মহার অনুর বুর পর্বভ্সমূহকে বিচ্নিত করতে করতে এবং প্রের ক্লার পৃথিবীকে নিচুপ করতে করতে পানচারী। পিতিরাজের মতো ইঞ্র সারীলে আগতে হরে মহা কলালী অভান্ত সর্গ বেরারে হার্টাকে প্রার্থ করে, সেইজারে বাহন সহ ইপ্রতে প্রাণ কালেন। ব্রহ্মা, चनाना ध्रकार्भाधक अवर प्रदर्शिक ग्रह (स्वटाता रचन দেশদেন যে গুলাসুর ইন্সকে প্রাস করেছে, তথন ভারা অতার বুর্নার্থত হয়ে হাজাকার করে রোমন করতে ওক করেছিলেনঃ ইলের করে যে নরেরণ কবচ ছিল ভা ভগবান নাডামণ খেকে অভিয়। সেই মধ্যের হারা এবং টার নিজের বোগশক্তির বলে ইস্তা বরণেরের উদরে নিরেও মৃত হননি। কাড়ের গ্রহাবশালী ইয়া ইয়েই ছারা ব্যাস্থের উদর বিধীর্ণ করে নির্মান্ত হরেছিলেন। বলাস্থা সংখ্যকারী ইন্ত কংকশাং নিবিশুসভূদ্য ব্রের মহত ক্ষেদ্ৰ করেছিলেন। আ অভিনয় বেগবান ছলেও ব্যাস্থের সংগ্রে চার্চিকে কম্ব করে ছেলা করতে कारण जीन क्षेत्र करना नगर चाउँगढ़ हरर्राहम । कर्णाव সূৰ্য, চন্দ্ৰ এক অন্যান্ত জ্যোতিয়ের উত্তর ও গতিল করেছিলেন। চুহ ব্রাঞ্জন, উল্লে উভরেই বিহেল মহান অধনে ৩৬০ নিন অতাত ব্যাপ, বুর হত্যার বোগা সময় উপস্থিত হয়। ভাষা বজের মারা ব্যাস্থের সভাক ভানিতে নিশ্তিক হয়। বুরানুর নিহত হলে ভূপে দুর্পার বেজে উঠেছিল। পদৰ্ব, সিম্ব ও মহৰিলা বৈনিক মন্ত্ৰের বারা বৃত্তহক্ত ইন্দের ক্ষতি করে মহাত্রে পুষ্পত্তি করেছিলেন। যে অরিক্যম মহারকে প্রীক্ষেত্র ভবন করের বের খেকে জ্যোতির্ময় আখ্যা নিয়ার হাবে জনকামে ফিন্তে গিরেছিলেন। শেবতারে কেখলেন ছে, ডগবান नवर्गरामा नवरंपकर्ण टिम्नि विश-कार्या छाराम कराज्य ।"

550



ভ্রেয়োদশ অধ্যায়

দেবরাজ ইন্দ্রের ব্রহ্মহত্যাজনিত পাপ

শ্ৰীল ওলমেৰ পোন্ধাৰী বললেন—"হে সভাত पाल्लीन प्रशासक अरोकिन, बुअनुस निरुक्त शरम, देख কৃতীত লোভপালালৰ সহ প্রিভন্নের স্বর্গেই তথন সভাপ রহিক হলে ঘডাত আনবিত হবেছিলেন। ভারপর, দেবতা, ঋষি, লিড়, ছাত, দৈবন, দেবানুগাণ अवर जन्मा, निर के है(जन चनुनामी *(विकास सकरन*) তাদের স্বস্থানে প্রস্থান করেছিলেন। বাওয়ার সময় কিছ জারা কেউই ইয়াকে কোন স্বাহণ করেননি।"

মহারাক্ত পরীক্তিং ওকদেব সোক্তামীকে কিলাসা करराम-"तर करार्व, हैटलुत मुक्तवार कि अपना दिल । कविक चारचत्र चाह कि कथा।" আমি তা জানতে ইন্যা করি তিনি ধকা ব্যালয়েক বৰ ইংরছিলেন, ভখন সমত দেকতারা অভ্যন্ত আনন্দিত इर्सिइन्स। च इस्म देख राज्य चतुनी विद्वासः"

कीम क्षकरपद श्राचारी क्षेत्रक पिरविश्वस्त-"বুয়াস্থের বিদ্রুষে উবিধ হয়ে ভাঁকে বং করার জন্য जमल बहि क्षेत्र (हरायां वर्ष रेएसून कार्ट्स समुद्राक অশ্বীকার করেছিলেন।"

দেবরাজ ইন্ড উত্তর নিয়েছিলেন—"বিশ্বরূপকে বধ कतात करन कारात (र जान स्टाहिन सा ही, सुदि, कुक কিন্তু এখন আন একজন ব্রাহ্মণ বৃত্তাসূত্রকে বন কুর্ণে, সেই ব্রহ্মহত্যরাপ পাশ থেকে আমি বিভাবে যুক্ত হবং"

(गर्दै बाका अर्थन करत कहान व्यविधन क्रांकिलान, 'रह দেববাল, ভৌমায় ফাল ছবে। চুমি সেই অন্য কোন क्षत्र करता थे। चरमत एवमारक विरंग प्रकारक राज्य করাব, তার কলে রক্ষাক্তাকনিত পাপ থেকে ভূমি মৃত মৃতিমতী রক্ষাহতা। তাকে অনুসৰণ ভারতে। তিনি श्रव। ग

धनिता समुरम्म—"हर देश 'सम्हरू यक कर्नुकेशन्त দ্বৰা প্রম পুরুদ্ধ প্রমাদ্বা প্রমেশ্র ন্রধার্ণের প্রসাত্ত বিবাস করার কলে, ভূমি সমন্ত ক্লগৎ কবন্তনিত *পাগ* থেকেও মুক্ত বতে গলেৰে, অভগ্ৰৰ বুৱৰখের বাল কি

ভবা। ভসক্তম জ্রীনারারপের পশ্চিত্র নাম কীর্তন করার ফলে ব্রাহ্মণ, পাতী, লিজা, মাতা অথবা ওকুংভারে পাপ থেকেও মৃত হওলা ফালা প্রাথম পাণ্ট এবং চভাল আদি পাশীক্ষ পর্বন্ত এইভাবে সমস্ত পাপ থেকে মুক্ত एएक भारत। चात्रा एवि एकियान अवर चामता स्टामारक মহান ক্ষায়েৰ কৰা অনুষ্ঠান ধনতে নাথাৰ কৰব। ভাষি যদি এইভাবে ভগবান নারারণের প্রসত্ততা বিধান কর, তা হলে ভূমি প্লাক্তণ সহ সমস্ত প্রাণীহতর করলেও প্রাণ নিপ্ত হবে বা, অভাইই বৃত্তীপুরের মতো দৃষ্ট অপুরহতাঃ-

श्रीम श्रेक्ट्सर भाषाश्री रहरतन—"कविट्रस्ट कट्टा অনুপ্রাণিত হয়ে ইন্দ্র বৃদ্রাসূরকে বহু করেছিলেন, কিছু বুত্রাসুর নিহত হলে, সেই ব্রন্থহত্যার পাণ ইস্তকে আশ্রা উরেছিল। শেবভারের প্রামর্থে ইন্স স্কলস্থরে বধ করেছিলেন এবং নেই পাপের ফলে ঠাকে দঃৰ ভোগ করতে হয়েছিল। ভান্যান্ত দেকতার। বনিও ভার কলে করেছিলেন, ভখন ইন্দ্র রাধান্তারে ভরে জীত হয়ে ভাতে। সুখী হর্রেছিলেন, নিজ ইন্দ্র সুখী হতে পারেনটো। ঐখর্ম, देशर्र खार्कि समावस अवस्थ छोटक ट्याँडे साम १४८० हुन ্হতে সাহাত্য করেনি। ইন্দ্র মেখনেন, চতালীর মতো মৃতিমঠী ব্রক্তরতার তার পশ্চাদ্ধারন ধরে জসছে। তার এবং কল অনুসংসূর্বক বিভক্ত করে প্রহণ করেছিল। দেহ জরাহার এবং তার ফলে তার আল প্রথম করে কালছে। সে বাহারোগাল্ল এবং ভাই ভার দেহ ও পরিকের বস্তু রাজ্য রাজ্য। তার ধাসবারু মধ্যনার ঘাড়া ন্ত্ৰীল কৰুদেৰ গোলামী বললেন—"দেবল্লঞ্জ ইন্তের স্থাসহ্য দুগৰ ভাৱণ করছে একা ভাতে পৰ পর্যন্ত দুখিত হরে নিমেছে। যে ইশ্রমে "নাড়াও, রাড়াও" বলে পশ্চাকার্য করছে। যে সভেন, ইয়ে প্রথমে আকার্যে পদ্যয়ন করেছিলেন, কিন্তু দেখানেও ভিনি ক্লেখলেন যে प्यथात्मेरे शास्त्रम, स्थवात्मेर लोहे निवाही खेरक बानुमान করেছিল। অবশ্বেরে তিনি প্রত্তবেগে উত্তর-পূর্ব কোলে মানস সংক্রেবর করেন করেছিলেন। ইঞ্চ সেই মানস সরোবনে অনোর ফাকিডভারে ব্রক্ত্তা-ক্রান্ত প্রাপ থেকে মৃতিত উপায় চিন্তা কথতে করতে প্রদান ভরতে

এক রাজার বাধ্য নাম করেছিলনাং। অভিযুক্ত স্থাত্ত হয়ের ভাগ উপ্লেখন জনতন করতেন বিশ্ব ছালে भूतम दना देख भएक समाप्त किन सहा, तहे मेर्चकका লেক্রাক্স ইন্দ্র প্রায় অন্যান্ত্রকী বিশেষ। যে পর্যন্ত ইন্দ্র इस्ता अध्याम एइस्ट तम कर्राइक्टर, स्मेरे नरव भर्दछ লাম উল বিসা, ভাপাট এবং যোগালে মালোক লাখন ক্রনার টোগাটো সম্পন্ন হওমার কলে, স্থানারা সামন कर्नुकालन । किन्नु नका मन्त्रक के डोक्सीवर्त कराइ दूरत ইন্দ্ৰপত্নী পটাকে জেল কাৰ্যে অধিব যাসনা কলে। তাৰ কলে মাৰ প্ৰসাদ্ধান কৰ্মধ্যেনি প্ৰাপ্ত ক্ৰেছিলেন। কিছ দেবতা প্রীকলের প্রভাবে উল্লেখ্ন পাল ক্ষীন ছয়েভিন। উল্ল যেয়েও হানস-সংক্ৰেবেৰ লচফাব্রিত বিশ্বপত্তী **:** লক্ষ্মদেবীর ছারা সংক্রিক্ত হতেভিলেন, তাই তীর পার্য ঠাকে প্রভাবিত করতে পর্যেনি। চরবে ইন্ড নিটা সহকরে ভগলন ইনিভূব অসলনা করার হলে, উল শ্যাক্ত পাশ থেকে স্বস্তু প্রকেপিকোন। ভারেশর তিনি ব্ৰাক্ষণদের আমন্তবে প্ৰসাৰ কালোকে কিন্তে দিৰে দেহবালের পলে অধিকিত হন।"।

करतिहरूरा। उपादित्य शहा व्यक्तिक श्राचारक क्या अला अल अला कीईन करता," ইয়াকে ভার সমস্ত লাগ লেভে মুক্ত কলেছিল, কাৰণ

হিনি দেই যাকে প্রক্রেক উপ্রয়োক কান্ত কর্তাপেন। হে কলে, তিনি যদিও মহলাগ কর্মেছকল, তথ্ও কুটে তেকে প্রকৃতিকা হেছে কিন্তু করে গায় তিক সমাভাগ होत बाम किन्द्रै शरर्राका। (नरदाक देश परीर्ति करि पटर्षित्वद क्षारा कन्त्रकीय इत्यक्तिस्य । देखा अवयास প্রাণ পূরুষ ভারবাচ্যক কারাখন করে বংগর্থিব বছ অনুষ্ঠান করেছিলেন। ভাল কলে ইছে পাণমূক্ত হয়ে ইন মচান প্ৰ প্ৰাপ্ত হবেছিলেন এবং সকলের প্ৰা इर्ल्ड्स्स्ता को सारवनि घटान प्रदेश हैर्स्स्स जावादान्त्र शहाना, प्रतिभव देशवर्ग श्रीतमान्य, सामग्रन কথা, দেহবাজ ইডেব ব্ৰহ্মসভাৱ পৰে থেকে বৃত্তি এবং कन्तरन मात्र एत्स् देश का मार्कन कर्नन स्टाइश और বটনটি সময়সম কলং ধারা মাধুর সমস্ত পাল খেকে वृक्त वर्ष्ट श्राहत। जुटतार, विद्वास र्याहरूपके नर्यम और লাখাদাটি গাঠ কলেঃ উপদেশ দেওয়া রয়। কেই যতি তা কলে, তা হলে হিনি ঠার ইতিহাতে কাৰ্কিকাংপ नकरा चर्कन करहरू, दीर धन दृष्टि दर्श और दीर्ट रूप কিছত হৰে। তাৰ কলে সমস্থ পাপ থেকে যুক্ত বৰে িছে রামান, সেংরাক্ত ইন্স ছর্গে বিশ্বে লেলে, প্রভাবিক তিনি তীয়ে সামার শত্রুমের পরাভাত করাক্ত এবং ঠাও कीर कार्ड आहे. शहराव्यात समराहरू अभागा विकासन । बाह्य देकि करन। स्वाहरू और वाराज्यी कर्मराजाहरू জনা ভৰ্ণমেৰ বল্কে উচ্ছে ইণাইখভাবে জীকিত জন্মানতৰ, উটি বিষয় দহিতেলা প্ৰতি গ্ৰন্থ উৎসাৰ তা

চভাল্প অধ্যায়

মহারাজ চিত্রকেতুর শোক

মহারাজ পরীক্তির শুক্তানর গোলামীতে জিজান। কল্বর্বাহত পরিবাধ প্রবাই মৃতুদনর উপস্পন্তে ভাত কর্মে—"রে ভর্মানী ব্রাধন্ সাধারণত অনুকো কর । কাত করেন না। কেত্রেন বুরাসুর কিভাবে এই প্রকার এবং ওর বুড়ারমালর লালজে। কিন্তু বৃত্তাসূর কিন্তাবে। মহান ভাক হলেনা। এই ছাত কাল্ড কাল্ডের কাল্ডের কাবনে নাবাবনে এই প্রবাহ কু ভবি লাভ কর্মের্যালন। যেখন মাসংখ্যা, রাঁজেও তেমন মাসংখ্যা। সেই সমন্ত উত্ত সন্তব্যাৰ অধিক্ৰিত ক্ষেত্ৰতাৰ এবং ভোগবাসনাকৰ - জীবের মধ্যে জনুবাজনি আঁঠ প্রস্কা সংখ্যত এবং ভাটের

হয়ের কেউ কেউ কেবল ধর্ম অনুষ্ঠান কংবন। হে বিজ্ঞোত্তম ওকলেৰ গোপানী, সেই ধর্ম অনুষ্ঠানকারী ব্যক্তিদের মধ্যে আরু ক্যেক্সান কেবল মাড় জগতের বন্ধন থেকে মন্ত হওয়ার বাসনা করেন। হাজার হাজার अख्यिकादीरम्य अर्था कर्माहर अकसन कड संगरका ही। প্ত, অৰ্থায়-বজন, বছ-বাছৰ, ইভাগিৰ আসতি পরিত্যাপ করে মুক্ত হল এবং এই প্রকার হাজার হাজার মুক্তদের মধ্যে কণাটিৎ কোন ক্ষতি প্রকত তথ জানতে পারেন। হে মহর্মো, এই প্রকার কোটি কোটি মৃক্ত ও মিছদের মধ্যেও প্রশাস্তাকা নারায়ণ-পরায়ল ভার অভ্যন্ত পুর্বাভ। ভাষাধ্বর মৃদ্ধপ্রলো উপস্থিত হরেও সেই কুন্যাত शाभाषा धनुतः एव नर्यसः चन्छमत् वःच-वृर्वभः वदः উৎকঠার কাষণ ছিল, লে কিভাবে এই প্রকার মহান क्रश्राच्छ एटाव्यितः । एरं श्रम्भ ध्यन्तरथः शाक्षायी, यत পাণাৰা অসর হলেও হলে শ্ৰেষ্ঠ কৰিয়েটিভ গৌতৰ ল্লপ্ৰ কাৰ্যবিদেন এবং কেবৰণা ইল্লকে সভাই করেছিলেন। এই প্রকাশ অসুর কিভাবে ভগবান ইকৈকেন মহান ভক হর্মেছলেন । এই বিবরে আমার অভান্ত সম্পেহ উপস্থিত হয়েছে এবং আপনার করে ভার ফারণ ক্ষরণ করতে অভান্ত কৌতৃহল করেছে।"

শ্রীস্ত গোখানী বললেন—"প্রছাবান মহারাজ পরীক্তির মুক্তিযুক্ত প্রশ্ন প্রবণ করে, মহর্বি ওকনের গোখানী গভীর প্রেছ্ সহকারে জার শিষ্যকে বলেছিলেন

শ্রীক্ষ ওকবের গোনামী কলকেন—"হে রাজন, ব্যাসকে, নালন এবং দেবল কবির প্রীমুন থেকে বে ইতিহাস আমি প্রবংশ করেছি, সেই কথাই আমি ডেমেকে কোন। মনোবোল সহকারে জা কলা করা। হে মহারাজ পরীকিং, শ্রুমেন বেশে চিরকেছু নামক একজন রাজা বিলেন, বিনি সালা পৃথিবীয় একজন সমাট ছিলেন। তাল রাজাত্বকলে পৃথিবী আমনুক ছিলেন কর্মাৎ জীবনের সমার জাকাত্বকাতিল পূর্ব করকেন। এই চিরকেত্বর এক কোটি গড়ী ছিল, তিনি সন্তান উৎপাদনে সমর্থ হলেও ভারের থেকে তিনি একটি সন্তান উৎপাদনে সমর্থ হলেও ভারের থেকে তিনি একটি সন্তান উৎপাদনে সমর্থ হলেও ভারের থেকে তিনি একটি সন্তান উৎপাদনে কর্মের থেকে তিনি একটি সন্তান উদ্যান ক্রিন কর্মের ছিল। এক থেটি বছার পত্নীয় পতি ভিত্তকেন্ত রূপবান, উদার এবং ভারণ ছিলেন। তার অতি ভারক্তেন ক্রম্ম হলেছে।

ভিনি পূর্ব বিক্রম প্রাপ্ত হয়েছিলেন এবং তিনি ঐশর্যধান किरमत। किस <u>करें मध्या करण क्यांगिय स्थ्या म</u>हद्वत. ক্ষেম প্রা বা অক্ষা তিনি অভান্ত চিন্তিত ছিলেন। উন্ন অতি সুদরী চল্লান্তনা মাধ্যাপদ, সম্পদ, ভাষ-এই সহ কিছা সেই সাইভৌর ক্রপ্তির প্রীতিক্রক হরন। এক সময়ে অভার ব্যক্তশালী অসিয়া ছবি প্রশাত প্রমণ করতে করতে মহারাজ চিত্রকেন্স হাসাদে এসে উপরিভ হরেছিলেন। চিত্রকেত তৎখলাও তার সিংহাসন থেকে উঠে ঠার পঞ্চা করেছিলেন। তাকে আহার্য একং পানীয় প্রদান করে ডিনি সেই মহান অতিথিত সংকার করেছিলেন। কবি বখন সূথে উপবিষ্ট ছিলেন, ভখন মহারাম ঠার মন একং ইব্রির সংবত করে সেই কবির পারের করে ভাষিতে উপবেশন করেছিলেন। হে ংগ্রেক্ত পরীক্তিং, চিহুকেটু যখন বিনয়াকক্তভাবে মহর্বির শ্ৰীপাধসকের পাশে মাটিতে বসেছিলেন, ডখন খবি প্ৰসিৱা তাঁকে ঠাত বিনম্ব এবং আডিখেয়তার ক্লমা অভিন্যুত্র জানিরে উচ্চে বলেছিলেন-'ছে লক্ষন, আমি चाना कति च्यानाता (वह, यम अवर ताकारीय नार्वर क সামগ্রী মন্ট্ কুপলে গ্রেছে। প্রকৃতির সাতটি শ্বৰ (মহন্তৰ, অইমার এবং পঞ্চ উপাত্র) যাত্রর হলারহাজ্যাব অতে, ভবন ব্বভ তকো মধ্যে দ্বীয় সুখী থাকে। এই সাতটি তথ ৰাতীত জীৰেৰ অভিত থাকতে পাৱে না। তেমন্ট রাজ্যও সর্বদ্ধ সাভটি তবের দ্বারা রাক্তি--তার डेंशरनेत (श्रामी व ७३), छेन्न महीनर्ग, तांका, पूर्व, स्वाम, ষ্ঠ এবং মিত্র। যে মধ্যের, রাজা যথন সংখ্যাংভাবে এই সন্ত প্রকৃতির জনবতী হন, ভবন তিনি সুধী হন। তেমনই উল্লেখ্য কৰন উল্লেখ্য ধন-সম্পদ এবং কৰ্মকমতা ककारक निरंतमन करत संबाद चारमण भागन करवन, छन्न তারাও সুখী হন। ছে রাজন, ছেমের পড়ী, প্রঞা, অমাভা, ওতা, তেল মসলা আদি সরবরত্বকর্মী বশিকণণ, মত্রিকুক, প্রবাসীনব, প্লাক্তংগলগণ, লভ্রণণ সকলে कायात रूपवर्छी स्टाइड एका? धनि प्राकात मन সম্পূর্ণভাগে সংকর্ম থাকে, আ হলে জার পরিবাধের সমস্ত मरमा अवर बाक्कार्कादीलम् मक्टल्ड छेख छारीन धारवन। উল্লেখ্যকাৰ জীকে মধাসময়ে কৰাখে কয় প্ৰকৃষ্ণ করেন, অভএব নিয়তা ভতাবের আর কি কথাং সে মহাবাৰ চিত্ৰকেত, আমি কেবতে পাছি যে ভোমার মন

প্রদান নত। তোনার মনোবাদনর পূর্ণ বছনি বলে মনে হলে। তা কি তোনার নিকের থেকেই হলেছে ন জন্য কারও কারণে হলেছে। তোনার বিকা মুখনওলই তোনার করি দুশিক্ষা প্রতিক্তিক করছে।

होन **७**क्टमचे शायामी बन्द्रमन--"द्व महावास ্ঠাকিং, মহবি অধিবা যদিও সহ কিন্তু কান্ত্তৰ, তৰ তিনি রাজাকে এইভাবে প্রশ্ন করেছিকে। ছবন পুত্রাকী ধ্যকা চিত্রকেও মহবি অভিযাকে ক্রেছিলেন-"ক্রে प्रकारका, राजनात, साम अवर नवार्ष्यत बदल साल्पि नवस नान (भएक मुख इराग्रहन। फार्ट स्थलनात महारा अवसान সিদ্ধ ৰোগী আমার মতের একজন বন্ধ জীবের অন্তরের এবং বহিরের সং কথা জানেন। যে হয়খন, খাণনি বলিও সৰ কিছু জানেন, উত্তৰ জ্বাপনি আহার ব্যালয়ের কারণ জিল্লাসা করেছেন। তাই জাপনার ভাচেপ অনুসারে আমি তার কারণ বিভাগণ করছি। কবা এক তথ্যর খাতর বাজিকে বেমন হলা অথবা চলন জনি সুৰপ্ৰাণ বিষয় সুৰ লিভে পাৰে বা, ভেচনই বৰ্ণেই নেবভানেরও অভিস্থিত সম্রাজ, ঐশর্থ, সম্পদ আরকে সুখ দিতে পাৰে না, করেণ আমি অপুরক। যে মহর্বি, বাতে আমি পুরু দাতে করে আমার পূর্বপুরুষণণ সহ অন্তকার মর্ভ বেকে উত্তার পেতে গারি, সেই উপার্গ विवास कराना ("

অভিনাম অনুষ্ঠিত যামের প্রমান ভাষ্পাপুর্বক চিত্রকেত্র বীর্য থাকে করে পর্ভাবতী হয়েছিলেন। তে মহারাজ পৰীক্ষিৎ, প্ৰসেৱ ক্ষেত্ৰৰ অধিপতি রাজ্য চিন্তেশুর বীর্ব ধানণ করে, রাজবহিষী কুত্যাতির যে গর্ড হরেখিন, জ ৩৯ পক্ষের উত্তের মতে। বিদ বিম বৃদ্ধি লেতে লাগল। অসপত্ন, বৰাসহয়ে জন্মার একটি পুত্র জন্মহন করেছিল। (महे मरवान सका बरव नवरमा समावामीता चलात অনেশিত হর্মেছলেন। বহুসাঞ্চ চিত্রকেন্ট এই সংবাদ প্ৰত্য অভাৱ জনশিত হয়েছিলেন এবং জন করে ৩চি হয়ে কলভার ধারপপুর্বক বেলন্ধ ক্রন্তাপদের হারা কুমারের আশীর্বাদ কলী গাঠ এবং জাতকর্ম সম্পন্ন করিয়েছিলেন। स्राप्ता मिन्ने वानकेशन (वाधवानकारी) उत्त्राधानक वर्ष, दुवार, कार, बामका, आर. कब, इसी उसकि अन्त का पाईन (बाँठे टकाँडे) बाजी मान करतकिरमान। टारचे दश्चारच অভান্তৰে জল বৰ্ষণ কৰে, মহামতি ব্যৱস্থাও গেইভাৰে कुम्बरक्क वन, क्षत्र क जाव वर्षका अन्य जनगरक छ।पाद অভিনাৰত বস্তু বান করেছিলেন। ব্যৱহা বাভিনা বেমন কটাৰে বান্য প্ৰতি মিন নিম হৈছে বৰ্ষিত হয়, কেমনই, মহানক মিন্তাক্ত বা করে সেই পুর লাভ কররে ফলে, তম প্রতি ঠার রেখ দিন দিন বর্থিত হতে লাগল। লিভার মতো মতা কুড্যাভিনও পুরের হাত পত্যাধক ক্রেছ ক্রমণ কবিত ছবেছিল। স্তদ্যুতির সপ্তান মধ্যন করে উরু সপরীদেরও পর কারনার পরিভাপ উপস্থিত হয়েছিল। প্রেরা লাসন লাসন কবড়ে করতে পুরুষতী ভৰোঁ কুচদাতিৰ প্ৰতি চিত্ৰকেত্বৰ প্ৰতি বেষৰ বৰ্ষিত হয়েছিল, তেমনই ঠার অন্যান্য পদ্ধী বাঁমের পুর ছিল নহ তাঁলের প্রতি তার প্রতি ক্রমণ প্রায় গেয়েছিল। অনা মহিবীৰা প্ৰহীৰা হওৱাৰ কলে অভান্ত অসুখী ছার্যার্ডনের। মাঞা উর্নের প্রতি উপোন্ধা করার করে। ঠাকা উৰ্বাহ নিজেকে বিভাব দিতে নিডে অনুতাপ করেছিলেনঃ পুরহীলা ব্রীকে ভার পৃত্তে ভার পতি ভাৰান্ত কৰে এক সন্দৰ্যীক তাকে বাসীয় মতো অসম্প্ৰন করে। সেই প্রকার হী খার পালের জন্য সর্বাহ্যান্তাবে ইল্মনীয়। নাসীরাও নিজের স্বামীন পরিচর্যা করে স্বামীর কাছ থেকে সাভান পার এবং তাই তালের কোন সভান স্থাকে বা। কিন্তু আমাদের অবস্থা লাগারও গাসীর মতো। অতএৰ, আম্মা অভান্ত পূৰ্ভগৰা ("

জ্বীল ওকলে গোহায়ী বলতে লাগলেন—"এইভাবে ৰতিৰ ছাৱা উলেছিত হয়ে এবং কৃতদ্যতিন পুত্ৰসম্পদ **हन्या यरत, कुछम्**रित अन्दर्शीत अर्थकन क्रेमात एक स्टब्स माशास्त्रम् या प्रस्तात असन स्टार फेटोक्नि। अध्यन धारम्य লিখাৰ বৃদ্ধি পোৰে ভালের বৃদ্ধি নাই হতে গিয়েছিল। কভাৰ কঠোৰ কান্য হয়ে এবং ভাষের বাভি রাজার আন্তার সহ্য করতে না খেরে, ভারা অকশেশে কুমারকে বিদ প্রদান করেছিল। তার স্পত্নীয়া বে তার প্রবে বিধ প্রধান করেছে মহারাণী কৃতলাতি সেই কথা জানতে পারেনদি। ভার গুরুকে গড়ীর নিরার খহ বলে মনে করে, তিনি গুড়ে বিচৰণ করছিলেন। তার পুরের বে হল হারছে সেই কবা তিনি বৃষকে বাজেনি। পুর হতকৰ ধরে নিজিত আছে বলে মতা করে, অভ্যন্ত र्याष्ट्रपठी भश्यानी कृष्णाठि शादीरक चाराम निराहितकी. 'তে ভৱে, আমার প্রতে আমার করে নিরে এপো।' ধারী শারিত বালকের কাছে মিরে দেখল খে, তার চক্ উর্মাণ্ড ছত্তে আছে। ভার মেছে জীকানর লক্ষণ নেই এক ভার ইন্মিরওনি বৃদ্ধ হয়ে সেছে। ভাল সে বৃধাতে পরে শিওটির মৃত্য ইয়েছে। তা দেখে, 'কর, বামান नर्कराण हारराष्ट्रं और यस्त्र कार्यनाम करत (म फीसर्ड নিপতিত হরেছিল। ঋতী অন্তার কাবুলভাবে তার করবগলের হারা শক্ষে আঘাত কামতে ববলে উচ্চস্থরে হিৎকার কর্মাল। তল্প দেই চিংকার তবে নাবী ভংকণাৎ তীয় পুঞা কাছে একে সহাস্থ ভাকে মুখ নেশতে পেলেন। পভীয় পোকে ভাষা খালীয় কেন এক বন্দা বিশিশ্ব হরেছিল এবং তিনি মুর্ভিত হবে ভূমিতে পতিও হয়েছিলেন*ে*

"(र प्रशासक भरेनिकर, ताहै उठा क्षणक धानि शरन ৰবে পুরবাসী শ্রী-পুরুষ সকলেই মেখানে এনেছিল এবং তাদের মতো দুর্নবত হয়ে ক্রন্সম করতে ওঞ্চ করেছিল। বিৰ প্ৰদানকারী রাশীয়াও আমের মাপার্থর ভালতারে জেনে কণ্টভাবে ফ্রন্সন করেছিল। রাজা ভিত্তের ব্ধন তনগেল যে, অজ্ঞান্ত করেশে তাঁক পুরের মৃত্যু হয়েছে, ক্তৰ্ম তিনি লোকে প্ৰায় কৰু হয়ে নিয়েছিলেন। স্টাধ প্রের প্রতি থতীর সেহের ফলে, তার পোড় কুল্ড আন্তঃ মতো কৰিও করেছিল। ভাতে দেখতে নিয়ে তিনি

रही आणि वासकार्यकारी अचर वाचानराजव आणा नाँचनुष्ट श्राह, शिक्षि विकीर्ग राज्य अवर विकिन्त यमस्य श्राह বালকের ক্ষেত্রে মুহিত হতে গড়লেন। কালা বধন ন্টার চেতনা যিবর পেরোচনেন, ডখন তিনি দীর্ঘনিংখাস পরিত্যাস কর্মাকেন এবং থার চন্দ্র অরুপূর্ণ করে উঠেছিল এবং তিনি কিছই বলতে সমৰ্থ হলেন না। পতিকে নিয়কের লোকসমূত্র এবং কালের একমাত্র প্রকে युक्त (१९७६, जापी) संस्थादन विकास कर्राव्हरतन । का चरत चक्कभूतवात्री, चादाधावर्ध अवर क्षान्नगरम्ब समराज्ञ समना ববিত হরেছিল। রাগীর উল্কে কেশগাশ থেকে কুলের श्यातिक नर्छ विश्वितिम। देवि चर्क कार्यन বিচলিত করে জীর কুমকুম-রঞ্জিত স্তন্যুগলকে সিক্ত করেছিল। পরেশোকে তার উচ্চ রুমন কুররী পাশির মধ্র করেন মতে শোনটালে 🖰

ভামল প্রাণ

"হে বিধাতা, ভূমি ১°টর বৈষয়ে নিশ্চর **অ**তার অনভিজ্ঞ কারণ ভূমি পিতার জীবিত অবস্থার পুরের মন্তরেল নিজ সৃষ্টির নিয়েমের বিপরীত কার্য করেছ। শুমি যদি এইভাবে বিপরীত জারুলই করতে চাও, ভা হলে তুৰি নিক্তা তামের প্রতি কুলালু নও, ভূমি ভাষের শক্ত। হে ক্ষণধান, তমি বলতে পায় যে, পুত্র জীবিত থাকতেই পিতার হতা হবে এবং পিতা জীবিত স্বানতেই পুত্রের ক্ষা হতে, এই রক্ষ ঝেনে নিয়ম নেট, কারণ সকলেরট कर्म अनुभारत बन्त-प्रकृत हत्। किन्तु कर्म गृति उन्हरे असन रत (य, सन्त अंतर प्रष्टा एक केन्छ्र निर्देश करत, चा स्ट्रा নিয়ন্ত্ৰ ৰ ভগবানের ভোগ প্রয়োজন নেই। অনু যদি ভূমি বল যে, নিবস্তার প্রয়োজন স্থায়ের কারণ জন্স প্রকৃতির নিজে থেকে সক্রিয় হওয়ার ক্ষমতা দেই, তার केलत का शत कहा नहीं है, श्रीवे हा हिस्सा नहां পৃষ্টি করেছ তা ভূমি কর্মের দ্বার ছিল্ল কর এবং তা হলে ক্লেকে কলে এই প্রকার বৃধ্ব বর্ণন করে কেউই আর সভাসকের প্রতি ক্লেম করকে বাং পক্ষান্তরে ভারা ভাগের ञ्खानस्यत निर्देशकाद्व व्यवस्था कराव। या कारण बट्ट লিভা-মাতা ভামের সন্তানমের প্রতিপালন করতে ৰাখ্য হয়, নেবেড় ভূমি সেই হৈছের বছন ছিল করেছ, ভাই ভূমি অনভিয়া এবং নির্বোধ।"

"হে বংস, আহি অসহার এবং অভান্ত কাতরা। ভৃতি কাৰ বাধ বুনিছে প্ৰলিভ এবং পঠিত হতে লাগদেন। আমাকে ছেছে চকে বেও না। ডোমান শোকসপ্তও লিতাকৈ দেখা। আম্বা প্ৰস্থায়, কাৰণ পুত্ৰ বা পাৰ্ডাল कामाएन (कार मदद-राष्ट्रभा (कार कराइ इत्या) (महे । चाह (द्वाराट चारक्ष) प्रभूद दावर कुनाइ भार मार् অনুকার নবক খেলে উদ্বাহের ডুডিই একজার ভরানা, कि एकाबाटक राज्यका निरंह कथा। इस्कार, राज्यका राज्यका शिक्षांकरना है।

্পেরে অন কেট নিয়ে জনন না। হে কিং পুত, আমি

हैंग्स ५७एमर (बायादी रक्तासम-"८३'छार यह ভাই ত্রমি নির্ময় বামে বামে আম আমিক বুরে জেও হা। প্রায়র জনা বিজ্ঞানতিকী পাইনে সামে রাজা চিত্রকৈত্ তে প্রির পুর, তুনি অনেকমণ বৃদ্ধিয়ে। একা বটা। তাই উচ্চায়ার প্রেমন করতে লাপকেন। এইভাবে কালা रहायत राजाह मानीमा स्टामारक सकारक सकारक। छति । **६ सनै ३००० कराह, सकाल, टे**एएक स्टामार करनारी। মিলারই অভার স্থানি। উটে রুম পান কর এবং। সর্ভুলই রোম্ম করেছিল। এই অভারত পুর্যট্রনার সমস্ত আহাদের শোক বুব কর। (ই প্রিয় পূঞ্জ, আহি অধশৃষ্টি । সংক্রমনী শোকে অফ্রেডনভার হরেছিল। মহার্থি ভালিবা অভাব কুৰ্ডানা, কৰিব আমি কৰে ভোৱাৰ সুন্দৰ। কৰা ক্লাহত পায়েকা যে, নাকা শোধনাগত নিৰ্মাক্তি মুখমগুলে মধুর হালা মর্লন করতে পারব না। তা হলে । হরে মৃতভার চুত্তেলের, তথন তিনি নারক মুনি সহ



প্রদেশ অধ্যায়

রাজা চিত্রকেতৃকে নারদ ও অসিরার উপদেশ

চিত্রকেত তার প্রের হতদেকের পালে আর একটি সম্পর্কের জনা লোক করা উচিতে নর, বা ৫৫বে पुरुष्परस्त प्रत्या भएक विश्वता । चयन यहाँने जनव अनर । कान्यराज्य नाता निर्मात् व देश। 🗷 तावन, दृष्टि अनर অনিয়া জানে আধ্যাতিক চেতনা সহজে এইডাবে অসম—তোকা উপস্টোপন ভোকা পত্নী এক হেছিল। উপপেশ নিয়েছিলের। তে রাজের যে মত বাসকের ৰূপ্য তুমি এইভাবে লোক করছ সে ছেম্মের তেং স্টাই শলে ডেমোর বি স্পর্কঃ ভূমি বলতে পর এবন তুনি ব্যবেদের ভবিষ্যুক্তে কি আ থাকরের হে প্রকান, প্রোক্তের বেশে বালুকারাশি কথ্যত একত্রির হয় এবং কথ্যত বিজিয় হয়ে বারু ভেমনট কংগের প্রভাবে রুড বেংধারী উর্মবানের মানার বালা প্রেরিড ইবে সভান লাভ করে। এবং নিনাপের এই প্রতিনিধ্যাল কোন বাজে নেই, কিছ

दीन ५५५मर (प्राप्तादी कालिस-"(माकान्यद व्राप्ता । दशः कदन कदा सः। यदि ६३ वृद्धिः निट्रहरू এবং চলাচৰ সমস্ত ভাগৰ এই বে এক ব্যাহ্মান কল্প दर्साह, को 48 फीनहा भरितेशंड। काबारमर अस्तर ्र नृहर्ग के जिल्हें का धन्त प्रशास भारत थे का पानवार जा। ভাগ লিখা এবং লে ভোমায় পুত্র, বিশ্ব চুমি कি মনে। তাই বর্তমানে আমানের যে ছিভি, ভা বিগত না হালেও 👫 হোমাদের এই সম্পর্ক পূর্বে ছিল। একনও কি অনিকা। সমস্ত কীকের স্থাবন ভগতম ভবপুর এই ক্ষিতা জড় স্থগারের সৃষ্টির জ্বালারে নিত্রপত। কিছ তা সংৰুধ, সমূদের তাটে কাম্ম বেনার বেনার হলে বিছ ৈতি করে, ভাবনাও তেজা মর বিজ্ তাঁর নিয়েলাইছিল वीवरम्द्र कवलक क्रियम इस क्रम कथ्मक विद्यम हत्। (इस्थ मृष्टि, सिर्ट अवर महत्त्व कार्य मान्याक कर्रदर)। क्यिएक बीचा क्या करान क्यान क्यान का बाहतिन हरे. जिटाएमा महान देशनान्त्व कार्य वाज्य हाएव हिर्देश केश्या रहा जा। कार्यक क्षमि हैर्टर जा दश्याह करना। मृद्धि केरहम, हाक्षारम्य क्षम दिनि भागन करून क्षम अर्ग বীশা বশ্ন নিবৰ্তত হয়। তেনেই কথনও সহাধ্য দিয়া। আদি মুখ্যবৃত্তে মাধ্যমে সংক্ষে করেন। সৃষ্টি, লাখনে মানের বাবা মের্ন্ডেড হয়ে তারা নিকেশের মান্ত্র, পালনকর্তা। अन्य महाहरूकं स्टम स्टम स्टम (हे हास्म्म, श्रक्रि হীক্ত থেকে যোন খনত একটি বীম্ব উৎপন্ন হয়, তেমনট একটি দেহ (শিতার দেহ) থেকে অন্য একটি দেহের (মাডার ক্ষেরে) মাধ্যমে করে একটি কেরের (পুরুত্ত (एरहेड) क्या हत्। कह (गरहत छेनाशनधनि रामन নিতা, তেমনই এই সমস্ত উপাধানের হাথাবে প্রভট হয় ৰে কীৰ কেও বিভা। করে উল্লভ কান সম্পন্ন নয় ভাষাই জাতি এবং ব্যক্তি, এই ধংনের সমষ্টি ও বাষ্টির বিভেগ সৃষ্টি করে।"

490

হীল ওকংশৰ পোৱামী কালেন—"এইডাৰে নারদ মনি এক অধিয়া খৰিব উপদেশে আন লাভ করে রামা চিত্রকেন্ত অব্যাসিক হয়েছিলেন। ভালা তিনি তার হতেও ছারা তাঁর মনিন মুখ পবিমার্কন করে বলেছিলেন—হে মহাপুরুবছর। অবধন্ত বেলে অনুপ্রাপান করে এখানে সমাগত আপনরা দূতন কেঃ আমি দেবছি যে আপনবা महाकारी अवर प्रहर (१९७० च्छिना महर) निकासन পদ প্রাপ্ত হবেছেন বে ক্লাক্ষণেরা তাঁবা ভগগানের প্রভাত ত্রির সেবক। কথানা কথানা উরা উল্লান্তর মতো কো গ্রহণ করে, আমানের মতে বিরয়েসক মর্বদের অঞানতা দুর করের ঋন্য এই পৃথিবীতে সংগগেছাবে বিচরণ করে।। द्ध मरहाक्षक, जारि शतक चलानाक्ष्म सीगापत सार উপদেশ করার ঋন্ত যে সমস্ত্র সিদ্ধ মহাস্থানণ পরিবীতে ফিলে ককে, উল্লেখ্য মধ্যে রয়েছেন স্মত্ত্বরে, ন্যরণ, **ভড়, অনিরা, দেবল, অসিড, অপান্তরতমা (খ্যাসানের),** मार्नरकर, (बीएक, वनिष्ठे, ऋबवास भारकतार, क्रमिल, **७**कट्टव, पूर्वामा माख्यका, काफुकर्ग, चलनि, ह्याकन्, চাবন, ক্যায়ের, কাবুরি, গতজ্বী, বেগনিধা, ঋষি বৌহ্য, मृति भक्षभिन, रितन्त्रमात, (क्रीनन), अन्यत्रद ध्रवर ষ্বতগরত। আপনার নিকাই তাঁদের মধ্যে কেউ হবেন। থাপনকে দুক্তন মহাগুরুৰ, তাই আপনরে থামাকে প্রকৃত আন প্রদান করতে সমর্থ। আমি শুকর, কুকুর আদি প্রামাপকর মতো মুন্দেছি এবং অক্সানের অক্সবারে নিয়য়। ত্তি দল করে জানের প্রদীপ প্রকৃতি করে আয়াকে উঙাৰ করম।"

মন্দির কলকেন—"নে শ্রকন্, ভূমি বধন পুর কারনা ক্ষেত্রিক, ভবন যে ভোষাকে দুয় প্রমান ক্ষেত্রিক,

আনিট সেই অমিনা কৰি। আন ইনি সামেং প্ৰকাশ প্ৰ (मर्यामें भारतः) (म् तांक्रम, पृति चलवादना लवक चला। ভোমান কৰে। বৰ্জনে গলে এই ভাবে কাড ভাগতিক বিধ্যের কভিতে সোলাঞ্চর হওয়া উভিত নায় ৷ তাই অজ্ঞানের অন্ধকারে আছেঃ গুকরে কলে ভূমি যে প্রেক সাগরে নির্মাক্তে হরেছ ভা থেকে উদ্ধার করে জন্য আমরা দুল্লম এসেছিঃ নীবা ওচ্যালী উচনের কড়-জাগতিক লাভে অবস্তা কাহতে প্রস্তাবিত হওবা উচিত मत्र। कावि क्षम भूटर्ग (कामझ गृटर बाटमिक्साम, क्रथमरे আমি তোমাকে দিবা জান দান ক্রতার, কিন্তু আমি বধন দেখলাম ভোমান কন কন্য বিবদ্ধে আগন্ত ররেছে, কথন অনুষ্টা তোৱাকে কেনলমাত্র একটি পুত্র প্রথম করেছিলাম, ে তোমার হর্ম ও বিবাদের কারণ হয়েছে। হে রাজন, এক্স তুমি নিজেই পুত্রকারনের দুলে অনুভব করছ। হে শ্রমেন পতি, দ্রী, গৃহ, কর, রাজেশর্য, বিভিন্ন সম্পদ এবং ইলিমের বিষয়—এ সবই অনিহা। প্রাঞ্জ, সামরিক শক্তি, ধনাগায়, ভতা, আনতা, স্বাধীয়-স্বৰন-এরা সকলেই करं, स्वाद, स्वाक अबर मुहस्बर कारण। अला वकर्त-নগরের মতে।, কথাৎ ক্ষরণের মধ্যে করানার থারা সৃষ্ট वक विनाम धानातम् भएत। (मधीन सप्त, भारत वदा কর্মনার মতো কশহাটী। খ্রী, সন্তান, সম্পত্তি—এই সমত দৃশ্যমন বস্তুখনি কথের মতো এবং মধ্যকরিত। প্রকৃতপক্ষে আনত্র বা দেখি, হলে কোন বাহুব সক্ষ নেই। কিছুক্তপর জন্য ডা দট্ট হয় এবং ভারেলর তার আর অভিন্য থাকে হয়। আমানের পূর্বকৃত্ত কর্ম অনুসারে আনরা এই প্রকান করনা সৃষ্টি করি এবং সেই অনুসারে পুনাৰ কৰ্ম ক্লি। লেপ্ৰভিমনী জীব প্ৰা মহাতৃত, পক আনেপ্ৰিয়, পঞ্চ কৰ্মেছিছ একং হন সমন্থিত লেছে মাঃ থাকে। মনের মাধ্যমে শীব আবিস্টোভিক, আবিদৈনিক এক আধানদ্বিক-এই তিন প্রকার ঞেশ তোপ করে তাই দেহ সমস্ত দৃঃৰ-দুৰ্গদান উৎস। অভানৰ, হে রাজা চিত্রকেন্দু, সাধধনতা সহকরে মাজুতভু বিচরে কর। অর্থাৎ ভূমি কি দেহ, মন বা আৰু, সেই কথা বোধার চেটা কর। কিমা করে দেখ ভূমি কোথা ছাড় এসেই এবং এই সেহ ত্যাপ করার পর তুরি কোবার বাবে এবং ক্ষে ভূমি কড় শোকের স্পীভূত হয়েছঃ এইভাবে ভূমি ভোষাৰ প্ৰভৃত স্থিতি জানাম চেষ্টা কর, ভা হৰে ভৃতি

তেনের অন্যতি অস্থিত গণিতরের করতে প্রকৃত। ভারে এট ছাও ছাপথ এবং কুলের সেবার বুড় নার যে সমস্ত সন্তা ভানের নিজা বলে মনে করার যে বিধাস, সেই ক্রিকেও তুমি পরিত্যাগ করুতে গাবেন। এইডারে তুমি লাবি লাভ করতে সমবেং[™]

প্রামের কার থেকে এই পরিম ভোলালার হয় প্রচণ কর

য়। এটণ কবলে সাত ব্যক্তির মধ্যে ভগবান স্কর্মণ্ডে রতাক্ষাবে ফর্ম করতে প্রত্ব। হে বারুম, প্রাকাশে ভাগনা নিৰ এক ক্ৰাম্য কেতেলে স্কৰ্যণৰ ভীগদানাৰে ৰবণ বহন ক্রেডিনেন। ভার কলে তারা ভংকলং বৈত্তম থেতে হক্ত হতে আংগৰিক কীন্তা অতুকানীয় মহর্মি নারাদ বালাক্রম—"হে রাজন, তুনি সংগঠ হয়ে। এবং অন্তিক্রতা মুহিমা জ্বন্ত করেছিলেন। ভূতিও শীর্টে সেই পরম 🗫 লাভ করবে।"



ষোড়শ অধ্যায়

ভগবানের সঙ্গে রাজা চিত্রকেতৃর সাক্ষাৎকার

প্ৰীল ভৰ্মেৰ গোখানী কালেন—"হে মহাপ্ৰাঞ্চ পরীক্ষিক, সেখার্ব সারম বেলেবলে স্থিত রাজপুঞ্জ শোপকেল আৰ্থীয়াৰজনকের প্রত্যেক্ষােচয় করিছে বর্গোছলেন –হে জীবা**ন্ধ, ভোনর বনন হোক।** ভোনমা শোকে অভ্যন্ত পরিভগ্ন ভোষার মাত্র-গৈতা, গুলে ও चानीवचकन्त्रस्य सर्वन का। त्यक्ति (स्टायह स्वयंगपुर्व) ব্যব্দে, ভাট ভোনার আরু একত অর্থনিট রয়েছে। অভানে ভূমি শুন্নায়ে ভোমার দেহে প্রকেশ করে বছবছন এবং অর্থীরক্তরত পরিবৃত হতে অর্থনিট হয়েছাল জেল কর। তোমর পিতেকর রাজসিংহাসন এবং সময় ঐপর্য हास्य करा।"

নামৰ মুনির বেলানকো জীকারা তিত্তালের মানা ঠার মৃত শরীরে পুনরেরেশ করে, নারক মৃতির অনুরোজন উন্তরে ব্যাহিতের—"আনি আমার কর্মের কলে এক বেং থেকে আৰু এক দেহে যেহান্তরিত ইন্টিয়া কথাও দেবধেনিতে, ক্ষমত নিমুক্তরে প্তর্গেনতে, কংনও देक्तारामान अन्य कन्नार महत्त्व-स्थानित्र स्थान करहि। অভবৰ জেন কৰে বঁৱা জননা সংগ্ৰ-পিডা ছিগেন ং যক্তপত্তে কেউই আহরে সভা-পিঠা নন। আমি বিভাবে এই বৃট ব্যক্তিকে আমার দিয়া এবং মানেচালে थएप करएक शाकि । जारक औररावत मिटर मंत्रि शरका

প্ৰবহমান এই জড় কথতে সকলেই কালের প্ৰভাবে পরশ্বতে বছ, জার্বাছ, লড়, নিধ্যবন্ধ, মিঞ্জ, উলাসীন, বিভেগী আদি 🕶 সম্পূৰ্কে স্মান্তিত হয়। এই সমস্ত সম্পর্ক সন্থেও কেউই প্রফুতপক্তে করেও সঙ্গে নিত্য সাল্পত্র সাল্ভিত না। বর্ল অনি ক্রম-বিজ্ঞত্তায় বস্তু (बाइन अकळाटमा काक् (शहक काहा अक कहनह काह्य স্থানার্ত্তিত হয়, তেখনই জীব ভাব কর্মকল্পের প্রভাবে এতের পর এক বিভিন্ন প্রকার শিতার ছারা বিভিন্ন যেনিতে সম্বর্থনত হরে ক্রমাণ্ডের সর্বার পরিক্রমণ করছে। আৰু কিছু সংগ্ৰক জীৰ ফ্ৰব্ৰো বেলিয়েড জনপ্ৰচাল কৰে এক জ জীব পথ বেচিব্র ভপ্তথ্ব করে। বৃদ্ধি ভেষ্টের শীন, তবুও ভানের সম্পর্ক আনিয়ে। একটি পাত বিস্থৃতালের করা কেনা মানুকের অভিকারে ক্ষাবতে পারে এক সমপর সেই পশুটি অনা কোন হান্তের অধিকারে হস্তার্জনের হতে পারে। করন পারটি চলে যার, ভালা আৰু পূৰ্বের মানিকের তার উপরে মমত্ব পার্ছে না। ব্যক্তন পর্যন্ত পড়টি তার অধিকারে অন্তে, ভতকার পর্যন্ত ভাষ প্ৰতি ভাষ কৰে আছে, ভিছা পাচটি বিল্লি কৰে দেওয়ার পরে, সেই মাহত্ব পের হয়ে ব্যৱ। এক জীব যদিও দেৱে তিভিতে আৰু জীৱেত মানে সাধায় হস্ত ६६, ७५ (महे अन्तर्क तथर, किश्व कीर दिखा।

अक्टनरूक (मरहरा क्या इत चथवा मुद्धा देते, सीरिका হয় না। কথনও মনে করে উচিত না যে, জীবের জন্ম হয়েছে অথবা মৃত্যু হয়েছে। তথাক্ষিত পিতা-মাতার সঙ্গে জীৰো প্ৰকৃত কোন সম্পৰ্ক নেই। বভগৰ পৰ্বস্ত বে জায় পূর্বসূত কর্মের কলক্ষাণ কোন বিশেষ শিকা এবং হাতার পুর বলে নিজেকে মনে করে, ডাওকণ পর্বহেই নেই শিতা-মাজ গ্রমণ পরীরের সঙ্গে তার সম্পর্ক থাকে। এইভাবে দে আন্তভাবে নিকেকে ভাগের পুত্র বলে বনে করে ভালের প্রতি প্রেছপূর্ণ আচরণ করে। কিছ তার মৃত্যুর পর সেই সম্পর্ক শেলু হতে বায়। ভাই এই সম্পর্কের ভিত্তিতে কান্ডভাবে হর্থ এবং বিধানে ছড়িছে পৰা উঠিত নৱ। জীব নিজা এবং অবিনার, ব্যারণ করে আনি নেই এবং অব্য নেই। তার কখনও कर रहे न कचन पुरा का ना। ता गर्वधकार सरका মূল করণ, তবু সে কেন হেন্ডের অন্তর্গন্ত নয়। খীব এতই মহিমাধিত হে, সে গুণগতভাবে ভগবানের সমান। কিছ বেহেও সে ঘণ্ডার ভূত্র, ভাই লে ভগবানের বহিবকা শক্তি ময়োর দলা মোহিত হতে পারে এবং ভার करण हम राज बामना सममाहत निरुद्ध कना विस्थित प्रश्नात মেহ গৃষ্টি করে। এই আন্মান কেউই প্রিয় বা অপ্রিয় मद्दाः त्म च्यानम अवर भएतद्र भार्चका प्रभीम काहर ना। নে এক, অৰ্থাৎ নে শত্ৰ কথবা মিত্ৰ, তভাৰাপ্তকী অৰ্থবা অনিষ্টকারীর কৈও ভাবের দার প্রভাবিত হয় না। সে কেবল অন্যদের ওদের মন্ত্রী অর্থাৎ লাকী। পর্য ঈশর (আরা) কর্ম ও কারণের প্রস্তী, কর্মফাট-ক্রনিও সুধ একং দুহৰ প্ৰকৃত্ৰ কৰেন না। মাত দেহ প্ৰকৃত্ৰ কল্পার ব্যাপারে किम नाम्प्रकाभ क्या अवर (यार्ज केत पाड़ भरीत নেট, ভাই ভিনি সর্বদা দিয়লেক। খ্রীব ভারে বিভিন্ন কৰে হওয়ায় কৰে, ওটা ভৰতটি কভাৱ কৰমান্ত্ৰায় कीरका मरपाठ बरहरके। छाहे क्यारका क्षत्रा श्रस्ता श्रस्ता হওয়া উচিত নয়।"

শ্ৰীক ওক্তৰে গোলামী ৰলকেন-"হহাহাজ চিয়কেওৰ পুত্ৰজনী জীন এইডাবে মলে চলে খেলে, চিত্রকের এক মৃত বালকের খন্যান্য খনখীয়-শক্ষনেরা অভান্ত বিভিন্ন হর্তোহলেন। এই দাবে তারা তামের ক্রেহরণ শুখল ফেন্স করে ক্রেক পরিভাগে করেছিলেন। জার্থীয়বজনের মৃত বালকের মেহটির ধার সংস্কার

সন্দান করে লোক, মোহ, ভার এবং বৃহত্ব প্রাপ্তির কারণ प्रसान त्याह भनिष्ठाम करतिस्तान। अदै शकात त्याह পরিভাগে করা অভাক্ত কঠিন, কিন্ত ভারা কনায়াসে ভা করেছিলেনঃ মহারাণী কুড্যাতির সপত্রীরা বারা শিশুটিকে বিৰ প্ৰদান করেছিল, ভারা অভ্যক্ত সঞ্জিত হলেছিল এবং সেই পালের কলে হতপ্রত হয়েছিল। হে রাজন, অভিনয়ে উপজেশ স্থান্য করে ভারা পুরা কামনা পরিভাগে করেছিল। ব্রাক্ষণদের নির্দেশ অনুযায়ে ভারা হমনার জলে সাম করে সেই পাপের প্রায়শ্চির করেছিল। ক্রমান্ত্রনী অসিরা এক নারম মুনির উপদেশে রাজা প্রিরক্তে পূর্বক্রপে আধ্যাত্মিক কান লাভ করেছিলেন। হস্ত্ৰী হৈমন সরোহরের পক্ষ থেকে নির্গত হর, রাজা চিত্রকেডেও জেমন গৃহত্তাগ অন্তর্প থেকে নিগত হর্মেছিলে। ভারণর রাজা বসুধার জলে বিধিপূর্বক রান করে দেবতা এবং লিভুলের উদ্দেশ্যে তর্পন করেছিলেন। তারণর অভ্যন্ত গরীরভাবে তার ২ন একং ইন্সির সংযত ফরে ব্রখ্যার দুই পুর অসিবা কবং নারণের বন্দনা করেছিলেন এবং প্রবাধ করেছিলেন। ভারণার, ভাগবান নারা শ্রানাত জিতেন্দ্রিয় তক্ত চিত্রকেতুর প্রতি অত্যন্ত তথ্য হয়ে তাঁকে এই নিশ্ব আন উপদেশ করেছিলেন।"

"(मारक द्वि डिजरकपूरक वाहे बचाउँ धनाम করেছিকেন।) যে প্রনথাক্তর ক্রাবার, আরি অংগনাকে আমার সক্রম প্রণতি নিবেরন করি। এ বাস্থাবের, আমি আপনার খান করি, যে গ্রদাত, অনিকল্প একং সম্বর্ণ, আমি অপনাদের আমার সম্রন্ধ প্রদতি নিকেনে করি। হে চিৎ-শক্তির উৎস, হে পরার আনক্ষয়ে, হে অধ্যানার, হে শান্ত, আমি আগনাংক আমার সভ্রন্থ প্রণতি নিকোদ করি। (ह शहर मुखा, तह अब अवर कविकीत, काशनि शक. পরমান্ত্র ও ভাগনান্তরেগ উলপ্তর হন এবং ভাই আপনি সমস্ত আনের উবে। আমি ভাগনতে আমার সহস্ক প্রণতি নিবেদন করে। আপনি আপনার ক্রাণড়ত আনন্দের অনুভতির বারা সর্বন্য মারার ভরশ্রের অতীও। তাই, বে প্রস্কু, আমি আপনাকে আমার সঞ্জর প্রপতি নিবেদৰ কৰি। আপনি সমগ্ৰ ইঞ্জিয়ের অধিভাতা स्त्वीरकन, क्रांशनि काल पूर्वि क प्रकृत तथा छहि আপনাকে আমাৰ সম্ৰন্ধ প্ৰণতি নিবেৰন কৰি । বৰ্ণ ম্বীবের বাণী এবং মন কলবানকে প্রস্তে হতে পারে মা,

আরপ ছাত্র নাম এবং রাপ সম্পূর্ণরূপে ইন্মা ভাগবানেও আছু থেকে প্রান্ত সেই মন্ত্র কেবলমার লাভ দিন জল **ारता अध्याका सन्।** छिनि जनत **एए। यश मृत्यू धाराधा**ड অঠাত। নির্বিচনৰ ভক্ত ইম আর একটি রূপ। তিনি জামেদের রক্ষা করন। মৃত্যুর পরে বেখন মৃতিকা থেকে টেংলা হরে মতিকতেই অবহুল করে একং তেন্তে গ্রেম একং প্ৰাৰ ভাৰে শৰ্মা ককাউ পাত্ৰে যা বা বাংলভ পাত্ৰে না। জাকে আমি আমা সমাভ প্রবৃতি নিবেসন করি। দৌহ বেফা ভাষির সংস্পর্য তর হরে কর বরকে হল করার সামর্থ লাভ করে, তেমনই দেহ, ইপ্রির, প্রাণ, মন এবং বৃদ্ধি করু হয়েও ভারতানের টেডল অংশের স্বারা থাবিট হয়ে নিভ নিজ কর্মে প্রবৃত হয়। অধির ছারা फ्रेश ना जान (बीड़ राजन पदन कारड शादा मां, (मार्स ইপ্রিয়ণ্ডলিও তেমল প্রমন্তক্ষের বারা অনুগৃহীত মা হলে কর্ম করন্তে পারে না "

"হে ওণাতীক ভাৰনৰ, আগনি চিৎস্কানতের সর্বোচ্চ (मार्क विशास करवन) आभवत समभय-मुधन वर्कर কৰ্মপ্ৰেষ্ঠ ভাৰুদেৱ কমনকলি-সদশ হয়ের দ্বায় সেবিত। আগনি বভৈৰৰ্বপূৰ্ণ ক্ষমবান। পুরুষদৃত্ধ ক্তৰে থাপনাকে পরমণ্ডক মধ্যে ধর্ণনা কর ইয়েছে। আপনি পরম পূর্ণ ধ্বং সমস্ত যোগ-বিভৃতির অধিপত্তি। আনি অপনাকে আমার সভ্রম প্রদতি নিবেদৰ করি।"

বীল ওকদেৰ বোদালী বলদেন—"চিত্ৰকৈত্ সর্বভোজকে জ্বন্ধ সমুদ্ধপত চ্চেচ্চিসেন বলে, নারদ মূনি উক্তে লিয়াছে কাপ করে। তার ওক্তরণে এই বিদ্যা উপদেশ নিয়ে মহর্বি অলিবল সঙ্গে রক্ষার গোকে গ্রহন করেছিলেন। চিত্রকেন্ত কেবল অলপান করে, অভি गारधानका गएकारत मात्रभ प्रांमा (४७ता (गर्रे या दर শব্যহ ধরে ভণ করেছিলেন*ে*

"হে মহারাজ পরীকিৎ, চিএকেডু গ্রন্থ ওঞ্জাবের

ক্যার কলে, সেই ব্যৱস্থার গৌণ ক্সাথরণ কিলাধর-লোকের আদিপতা লাভ কর্বোছালনা ভারপর, করেও দিনের মধ্যে সেই বছ সংখ্যার ধকে, চিত্তকেত্র মন দিবা कारमंत्र श्रन्थात्व श्रमीत् इरविष्म अयर स्थि स्मयस्य প্ৰবাহ ইতিকাণ্ডেই দীন হয়, খেলাই এই জগৎ ক্ষান্ত্ৰেয়ের বীপাদপতে আশ্রহ কান্ত কার্ছেদেন। প্রয়ন্তক্ষের স্থানা সৃষ্টি হতেছে, পরমার্ক্তে অবস্থান করছে। ভাগনান আনত্র লোকের জীপাদপান্তর আন্তরে উপনীত এবং নেট প্রমন্তাক্তই বিলীন হলে কৰে। খাতএব, হলে ভিত্তকভু কেংবছিকেন কে, ভাষে ভালবাড়ি গুগবাল যেহেতু সেই প্রক্ষেত্রও করেব, আময়া তাঁকে। বেতগতের মতেঃ ওর, তিনি নীলাম্বর পরিষ্ঠিত একা আমানের সঞ্জা প্রণতি নিজেন করি। ব্রক্ষ ভাগনে। অতি উচ্চল সুকৃষ্ট, কেবুর, কটিসুর এবং কছণে থেকে উত্তৰ্জ প্ৰথা 'জনবাশের মতে। ব্যাপ্ত। যদিও কড় সুপোভিত। তাঁর কুবছওল প্রসন্ত কল্পসৈত উল্লাসিও প্রথা পলাবেঁর সালে তার কোন সংস্থার্থ নেই, তম তা সব। তার নতুন অরুপরর্থার তিনি ক্রমব্রুসার আধি যুক্ত পুরুষ किशा बाह्यत बार, वारेट्स विशव क्या । इर कृति, देशार । क्या भविद्या । क्रम्यान्यक वर्णन क्या बाहरे व्यातास চিত্রকেতর সমস্ত পাপ বিবৌধ হতেছিল কাং ভাঁক অন্তেরণ নির্মন হওবার কলে তিনি তার করালাত ক্ষন্ততি প্রথ হার্ছেকেন। তখন তিনি মৌনভাবে প্রেমান্ড বর্গৰ করতে করতে হর্তে রোমালিত হতে, ঐকান্তিক ভক্তি সহজারে আমি পুরুষ সম্বর্থপকে প্রথম করেছিলেন। ভিত্তকের জ্বার প্রোক্তক ধারার জনবানের পাৰপন্ত-ডলের আনন বার বার অভিবিক্ত করতে माभारतना दशरव व्यवस्थानक अवस्थानक जैनावक शहरीह वर्ष डेकारन कदाठ फरवर्ष इंटवाई, वर्रावर्षन পর্যন্ত তার শ্রহ করতে পারদের নী। জরপর, তার বুদ্ধির शहा ऋरक क्लील्स करा अब शॅलरूप्यर वर्धाति নিরোধপুর্বক পুনরার কমপক্তি লাভ করে সেই চিত্রকেন্ত ব্ৰহ্মসংখিতা, নাৰ্ডলক্ষ্মাৰ কৰি ভণ্ডিলাক্ষের সেখেত সংখিতার) মুর্ভরূপ জনব্তক জনবানের ক্লব করে হলেছিলেন, 'থে অফিড কসকল, যদিও জাপনি অন্তের ব্যায় অভিনত, তদু আগনহা বে ভক্ত হলৈ মন এবং ইলিয় সবেত করেছেন, উন্নি ছারা জাপনি বিভিন্ন ছল। উরো আগনতে ভাষের অধীনে রাখতে পাকে, কারণ বে ভাৰেরা আপলা কাছে কোন ছড-জাগতিক লাভের राजना करकर ना, धंतरक छठि चाननि चरेश्युकी কণ্যপদ্ধান। প্রকৃতপক্তে সেই নিয়ার ভত্তবের আপনি আর্মান করেন, সেই কন্ম অর্থনিও আপনার সেই क्ष्मारा मन्त्रांचरण क्योर्ड क्यार्ट्सः हर क्ष्मराम অগতের সৃষ্টি, ব্রিড, দার ইত্যাদি আপ্রনাধই বৈকত।

इच्चा काहि करामा वहारा काशभादह अरम्ब परम। উচ্চেৰু মধ্যে যে সৃষ্টি করার আংশিক শক্তি রয়েছে, উ ঠানের ঈশ্বরে পরিশন্ত করে না। স্বতন্ত্র ঈশ্বর বলে ঠানেত বে অভিনান আ বৃধা। এই স্কনতে পরমাশু (बादक एक करत विनात इकार) अनर महत्वप गर्गत मन किहरों कारी, अध अवर काल काशनि वर्तपान तरपारक। ক্ষত, আপনি আনি, ক্ষত্ৰ এবং ভন্য বহিত সমাতন। এই किनकि धन्त्रार्ट्य जानना सरका छन्नक करा राष বলে বাংশনি নিজ। যথন ভাগতের অন্তিয় থাকে না তথ্য আগনি আদি শতিকাশে বিদাসন থাকেন। প্রতিটি इकार माहि, बार, धारान, यह, घाराना, प्रश्तक अवर অহমার এই সাতটি অন্যাদের দারা আন্টোদির এবং প্রতিটি আবরণ পূর্ববতীটির থেকে দশগুণ অধিক: এই इकार्या सहस्र व्यक्त (कांडि (कांडि इक्तर) प्रदार इंसर লেকলি আপন্যঃ মধ্যে পরামণুর মড্যে পরিবাদ**ণ কর**ছে। ভাই আপনি কনত নহন প্রসিদ্ধ।" "

"হে পরমেশ্য ভগকন, বে সমস্ত বৃদ্ধিহীন কান্তির। ঋড় সুবাল্যেন্ড লিক্ষসু এবং বেব-দেবীরের উপাসনা করে, ডারা নরগণ্ডকা। তাদের গাণবিক প্রহণভাত **मत्म, काह्र काश्रमंत्र काश्रमनः ना करत नगण (मकडार्यसः** উপাসনা করে, বারা আপন্তর বিভৃতির কণিকা-সগুৰ। বৰুৱ ব্ৰহ্মাত বৰ্ণনা লভ হয়ে আৰু ভৰ্ণনা পেবতা স্থ ভালের প্রদান জানীর্বালও বিনট্ট হলে যার, ঠিক বেভাবে বাৰা ক্ষমতাভূষে হলে, খাৰে অনুগৃহীত ব্যক্তিদের ভোন্যসমূহও নট হতে বরঃ হে পর্মেশ্বর, কেউ ধণি ক্ষর্ড ঐবর্ষের মাধ্যমে ইপ্রিয়পুর ফোর্যের অসনার বলেও সমস্ত জানের উলো এবং নির্ভেশ কাশনার উপাসনা করে, তা বলে নৰ বীকা খেকে অধুন কথায় না, কেমনই ভালেতৰ আৰু পুনৰৰ এই জড় জগতে জন্মহন কয়তে হয় শাঃ ৰাজ্য উকৃতির বছনে আগত হওয়ার কলেই জীবকে জন্ম-মৃত্যুর হকে আনর্তিত হতে হয়। কিন্তু আপনি বেহেতু জড়া প্রকৃতির অতীত, ভাই বে নির্ভা चतः चान्त्रतः मन कतः (मध बद्धा शक्तिः वद्धाः (धर्क হক্ত হয়। হে অভিত, আপনি বখন আপনার শ্ৰীপাদপৰের আন্তর পাতের পরাশ্বরাপ নিম্নস্থ ভাগাবত-वर्ष करमहित्तम्, एका बानन्तर विकास १८४विन्। छङ् माराज प्रत्ये कर् बन्नावृत्त वाचात्रां,स्वार कर् कन्त

থেকে মুক্ত ছঙরার জনা আগনার আরাধনা করেন। অর্থাৎ আগন্যর উপালপায়ের আগ্রায় কার্ডের জনা তাঁরা फाश्चर-श्टर्यंत्र भंडा जक्तपन स्टाइन। फाश्चरु-श्च বাতীত অনু সমস্ত ধর্ম বিক্লম ভাবনমা পূর্ব হওয়েয়া ফলে, ज़कात कर्य अन्तर "छवि च चावि" अन्तर "(छात्राव छ আলার" এই প্রকার বিক্তম ধারণা সম্বিত। क्षिप्रशास्त्रकार वानुधारीतमा और शकात विषय वृद्धि (मार् তারা সকপেই কথাকবেনাময় এবং ভারা সব সময় মনে করেন থে, তারা জীক্ষেয়া এবং জীকৃষ্ণ তাঁলের। ধে সমস্ত নিমন্তরের ধর্ম শত্রসংক্তর এবং যোগণতি নাডের জনা সাহিত হয়, তা কমে একং বিবাহে পূর্ণ ক্রয়ার কলে ক্ষওছ এবং নার। বেহেছু শেশুলি হিংবাগরালা, ভাই নেভলি অথর্মে পূর্ব। যে ধর্ম নিজের প্রতি এবং অন্যার ত্ৰতি বিৱেষ দৃষ্টি করে, সেই ধর্ম কিতাংগ নিকের অথবা अस्ताम जक्तकत्रक हरू शास्त्र से धेर धकान वर्ष অনুশীক্ষা করার কলে কি কল্যাণ হতে পারেং তার কলে কি কৰনত কোন লাভ হতে পারে : আগ্রয়োহী २८० निरम्ब चाचारक को लिख अबर चनारस्य की मिता. তারা আপনার প্রেম্ম উৎপাদন করে এক কার্ম্ম আচকা **363**17"

াহে ভগৰান, আপনার যে দৃষ্টিভলি অনুসারে শ্ৰীনস্তাপকত এবং ক্ষপক্ষীতার সানুষের ধর্ম উপস্টি হরেছে, সেই দৃষ্টি কথনও জীবনের চরম উদ্দেশ্য থেকে কিন্দিত হয় না। শীরা আপনার পরিচালনার সেই ধর্ম चनुनीवार करतन, धारा झुरात कर समय गरन कीरता शिंदे ममनृष्टि-अञ्चल क्या चील करनेक केक-मिठ किया करतम न्या। फेरफन वना एक चार्च। और शकाब टार्फ ব্যক্তিরা পরবেশর ভগরান আপনারই উলাসনা করেন। মে কলবান, আগনার দর্শনে যে মানুহের কবিল গাও भाग रव, का कम्बद २३। कान्यतः प्रभटिना कि कथा, কেবল একবার মাত্র আগমার পবিত্র নাম শ্রকা করলে, সৰ চাইতে নিক্ট চণ্ডলে পৰ্যন্ত কড় কণ্যতের সমগু কপুৰ থেকে মুক্ত হয়। অভঞৰ, অপনাকে দৰ্শন করে কে াম আড় জনতের কলুব থেকে মৃক্ত হবে? অভএব, যে তগৰান, আপনাকে কৰ্মন করেই আমান অন্তর্কো সমর্য পান এবং তার কলকলণ জন্ত আনক্তি ও লামবাসনা ঋণসাবিত হয়েছেঃ আপনার ভণ্ড ছেবর্ছি নারং ব

সংগঠিতেন তার কৰনও জনাকা হতে পারে মা। প্রধাৎ । পারু, তাই ভারা আমার করে বাটি। পর্যোধনাপ্র ঠার শিক্ষার করেই আহি আপনার দর্শন পেলাম। হে ভালে, এট সংসারে ক্রীনের বা বাচনৰ করে তা আপনার সবিদিত, কারণ বরগনি করমান্তা। সূর্বের উপস্থিতিতে **(क्रांसिक (भाक) (१७०० किन्**दे शकान कराएक गाउर मा, তেমনই, আগদি বেজেড় গৰ কিছই ভানেন, ডাই কাপনার উপস্থিতিতে জ্ঞানার পাক্ষে জানাবার যতে বিকৃষ্ট OCT । एक कालका, कालकि नामक कामराज्य मुक्ति, विकि अबर श्रमहात करी, किन्नु बाब रहराड विवहानक अवर সর্বদা তেক দৃষ্টি সম্বিত, আপনাকে কর্ম করার চকু ভাগের নেই। ভাগা আপনার প্রকৃত ডব্ব অবগত হতে পারে না এক ডাই ভারা মনে করে বে, এই জড় কাং অনুপ্ৰাৰ ঐপৰ্য বেকে ক্ষত্ৰে। যে ভগৰান আপনি পত্নৰ পৰিত্ৰ একং কভৈপৰ্যপূৰ্ণ। ভাই আমি আপনাত্ৰক সামার সম্রক্ত প্রবৃত্তি নিবেদন করি। কে জনগান, আপনি চেটা वस इतन कारणा क्रमा, देव आणि बढ़ बनाएटी कराज्य क्षमपुरकात्र केंग्रमा निक्व निक्व कार्य वृक्त रहा। कक्ष প্রকৃতিতে আগমি ফর্মন করার পর জানেন্ডিরওলি অনুভব করতে ওক করে। স্বরুপনার নিরোদেশে সমস্ক রক্ষান্ত সর্বপের মধ্যে বিরাজ করে। সেই সহরাশীর্ব ভাগান कानमहरू कावि कामान मध्यक धर्माठ मिरास्य कवि।"

यते जन

श्रील सकरमय (बासायी कारानन-"(ह क्वरतारे মহানাম প্রাক্তিং, বিদ্যাধনগতি চিত্রকেতৃন কৰে অভার अभव इत्ता कार्यान कार्याचन डीएक व्हार्यक्रामा, 'दर রাজন, দেবরি মারুর এক অঞ্চিত্র তেমেকে আমার সমধ্য বে ভারমান উপকেশ নিয়েকেন, সেই দিবা জানের ফলে अधर बामान कर्पन श्रम्भार एकी जन्मर्गकरण निष्क रेखिए। স্থান্দা এবং ক্ষম সমন্ত ক্ৰীৰ ক্ষামান্তই প্ৰকাশ এবং তান আমাৰ খেতে বিয়া। কামিই সমস্ত জীবের প্রধান্য এবং স্মানি প্ৰকাশ কৰি বলে ভাগের অভিথ লয়েছে। আমিই फॅलल क्या स्टब्स्क प्राथमित्य मंगलक क्या आहिए ग्हरबद्धाः। व्यक्षत्र और गृष्टि ज्ञग—वथा मण्डामः अवः বিহ্নরাপ আবাৰ সভিদান্ত্রন তনু স্নামার পাশত স্কলণ; সেওলি মড় না। বছ মীধ এই জড় স্লগংবে गुषरकार्भत माध्य बर्ग मान करत और कार्य सागरह ভোড়ারপে বছর। ডেফনই, সত প্রথৎ জীবারাড়ে ছোগ্যকশে বছত। ভিদ্ধ কেহেভূ করা উভবেই আমরে

আমি এই উভা কার্বেই কারব। ভাই কানা উচিত ভারা উভরেই জয়েতে অর্বস্থত। কোন বটিত বখন পর্তার নিপ্ৰায় নিবিত হয়, তথন সে মিরি, ননী, প্ৰমন কি সমগ্ৰ कि। मृत्यु स्टान् विटान प्रदेश पर्ना करत, किन्नु स्मार्थ উঠনে দেশতে পার বে, সে একটি মানুবরেশে ভার শব্যার এক স্থানে ব্যবিত রাজে। ভাবন সে নিজেকে কোন বিশেষ জাতি, পরিবার ইত্যাদির অন্তর্ভকাশে বিভিন্ন অবস্থায় বেখতে পার। সুমুখ্রি, স্থা এখা कान्तर्-अहे करशक्ति कनवात्त्वरे बाहा वातः यानुस्ता प्रश्नी अपन क्षण डेलिंड, और नमले भरहात धानि মন্ত্রী ইতেনে শুরুমেশর ভগবান, বিনি সেওলির ধারা ত্ৰভাবিত হৰ না। যে কবিনাত্ত প্ৰমাল্যৰ অধ্যমে নিজিত কৃতি তার ব্যাবস্থা এবং অতীত্রিয় সুখ জানতে পারে, शासारको त्रावे शतकामा वरण क्रास्त्व। वर्षाय, वर्षायरे সপ্র জীরবারে কার্যকলাপের কারণ। নিরিক অবস্থার स्टब मुद्दे निवत यनि कारण नहसाशहि स्टब शहकम, জা হলে পরায়ন্ত্র বেকে ভিন্ন জীবান্ত কিভাবে সেই সুপ্রের বিষয় স্থানা রাখে । এক কান্তির অভিযাকা অন্য কভি বৃহতে গারে না। সভাবৰ জাভা দীব, বে সায় এক ধাণ্ডত ভবস্থার প্রকাশিত ভালকর্নী সম্বর্জে জিল্পাসা করে, সে কর্ব থেকে পৃথক। সেই আনই হলে ক্রক। थबार, कान्यत कारत की अन्य ग्रहमाध्य केशस्त मरश् ব্ৰেছেঃ অভৱৰ জীবৰ কথ এবং জাগত অবস্থার ক্ষতিভাৱা উপলব্ধি করতে পাবে। উত্তৰ ভবেই আত্য অগ্রিবটিত এবং ওপগতভাবে পরমন্তক্ষের সঙ্গে এই। জীবাৰা কৰু নিৰোকে আহার থেকে ভিন্ন বলে যাত্ৰ करत, प्रक्रियानसम्बद्ध चलार्थ (म श्रा सामाप गरम ওপসভভাবে এক তা বিশ্বত হয়, তথন ভার ভড়-জাগতিক সংসাধ-ক্রীকন ওক হয়। আর্থাৎ, আমের সংস সম্পর্কিত হওয়ার পবিতর্তে সে স্ত্রী, পুরু, বিস্ক ইত্যামি হৈত্রিক সম্পর্কে সম্পর্কিত হয়। এইভাবে সে ভার कर्राव क्षताच श्रक रन्द्र १४१क बाह्य श्रक (मरह क्षता এক মৃত্যু থেকে আন্ত এক মৃত্যুত্তে পরিবাধন করে। বৈদিক জান একং ভার ক্রবহারিক প্রবোদের হাবা মানুস নিছি লভে কবতে পাতো। পুণা ভাষত-ভাষতে বাবা মনুবাৰাৰ লাভ কৰেছে, তাৰেৰ পংগ্ৰ ডা বিশেষভাৰে

সন্মার। এই প্রকার অলুঞ্জ অবস্থা লাভ করা সংখ্যের হৈ ব্যক্তি ছার অন্যার স্থালে উপল্পি করতে গারে না, সে কর্মলোকে উন্নীত হলেও পরম সিদ্ধি লাভ করতে পরে মাঃ কর্মকেন্তে সকাম কর্ম অন্টলে করের কলে বে মহাজেল প্রান্তি হয় সেই কথা যনে রেখে এবং লৌকিঞ ও বৈদিক কান্য কৰ্ম থেকে যে বিপরীত কল লাভ হয়, भिंदे क्या करन करत शृंक्षणात गालि मकाव कराता सामना পরিত্যাগ করকে, করেণ এই প্রকার প্রচেট্রার কলে শ্বীবনের চরম উদ্দেশ্য সাধিত হর না। পঞ্চান্তরে কেউ ক্ষ্মি নিছামতাবে কর্ম করেন, অর্থাৎ ভগবানের সেবার বৃদ্ধ বন, তা বংগ তিনি ছাত জাতের সময় ফ্রেশ খেকে সেই ৰুধা স্বৰুপ করে জানীক্তন কড় ক্রমনা পরিভাগে নিবৃত্তির জন্য নানা প্রকার কর্ম করে, কিন্তু ভাষের সেই সমস্ত কাৰ্যকলাপ সকলে বলে তা খেকে কখনও সুৰ শেশুলি মহা দৃঃখেরাই কালে চর । "

"জন্মের জেকা উচিত বে, জরা ভাষের ক্রড়- হকেন।" কাণতিক অভিকাজন পৰে পৰিত হয়ে কৰা কৰে, ভাগেৰ

জ্ঞান্তত, স্বপ্ন এবং সূর্যাপ্তর অবহার তাবের যে গারণ। তার বিশরীত কম সাভ হয়। অধিকন্ত স্থাদের স্থানা উচিত যে, ক্ষম্ভবাদীর পাক্ষ আত্মতে জানা অভ্যন্ত কঠিন এবং ভা এই সমন্ত অবসার কভীত। বিবেক বলে বর্তমান कीशास अरा भवन्ती कीशास मध्य करना आना পরিভাগ করা ইতিও। এইডাবে দিয়া কান লাভ করে এবং উপলেজি করে আমার ভক্ত হওরা উচিত। রাঞ্জ कीवरनंत्र हत्या हिरमन्त्र माधन कराख हान, खंगान्त्र कर्डवा ৰৰ্ণ একং আলভালে গুলগভালে এক লংমেৰত ভগৱাত এবং জীকের তথ্য ভালতাবে নির্বাহ্মণ করা। সেটিই জীবনের পরম পুরুষার্থ, তার খেকে শ্রেষ্ট আর ক্যেম মুক্ত করে জীবনের চরম সিদ্ধি লাভ করতে পারেন। পুরুষার্থ নেই। যে রাজন, তুমি যদি জন্ত সুগভোগের প্রতি অনাসক হয়ে প্রদা সহকারে আমার এই উপদেশ कत्रदान। भूकर ७ की केंद्रपार मून मास अवर मृत्य [े] द्रदन कर, का शुरून साम अवर विसान मन्नाह हाड़ আমাকে প্রার্থ হওরার পরম সিদ্ধি লাভ করবে।"

শ্রীল ওবদের গোপ্নামী কালেন—'ভগতার জগদওর প্রতি হর ব এবং শুন্তবর নিয়তি হয় ব। পক্ষাপ্ততে, বিধাদা সম্বর্গ এইভাবে চিত্রকেতুকে সিদ্ধি কাণ্ডের আখান প্রদান করে, তার সমক্ষেই সেখান থেকে অনুর্বিত



मश्चन्य व्यक्षास

চিত্রকেতুর প্রতি পার্বতীর অভিশাপ

খ্ৰীৰ ওকৰেৰ ৰোৱাৰী কালেন—"বেদিকে গুগৰান অন্যাদের অন্তর্নিত হার্মেপ্রকান, সেই নিকে ফান্তি নিকেন করে রাজা চিত্তকেত্ব কিনাধর-পতিসংশ কিবণ করতে ৩৯ করেছিলেন। যুক্তি, কিছ ও চারণানের ভারা সংস্তৃত इ.स. अश्रतात्री हिउएकपृ गक नक रक्त शरह करण करहत बाजुरमा। छारक छेल वस व देखिए कदमा दिन। তিনি বিবিধ যোগশক্তিৰ সিদ্ধিশ্বল সুমেক পৰ্বতের উপত্যকার অহব করেছিলেন। কেখানে বিদ্যাধন-

রমণীদের থারা ছয়িনাম বীর্তন করিয়ে তিনি জানব অনুভব করেছিলেন। এক সমত রাজা চিত্রকের করা বিষ্ণু প্রদান বীপ্রিমান বিমানে আন্তরীকে বিচরণ কর্নাপ্রদান ভবন ডিনি সিদ্ধ এবং চারণক্ত পরিনেরিড মহাদেবকে বর্ণন করেছিলেন। মহাদের মহর্বিদের ফল্রার পার্বতীকে অহে ধরণ করে তার বাহর দারা তাঁতে আলিখন তরে ছিলেন। তা দেখে চিত্রকেতু উচ্চখনে হাশ্য করে বতে পার্বতীর জড়িগোচর শুর, এইন্ডাবে মলেছিলেন—খহাদেব

ज्ञान्त्र रणाकत्रक, स्ट्रशायी जीवरान्य प्रत्य प्रदेशक व ধর্মের বন্ধা। কিন্তু কী আকর্ষ, তিনি মুচর্বিদের সভার ভাল ভার্না পার্বতীকে অধিক্ষন করে অবস্থান করছেন। **ভটাগারী মধ্য-ভগরী শিব ব্রহ্মধামী কবিবের সভাব** সভাপতি, অব্য তিনি একজম নির্দক্ষ সাধারণ মনুখের মতো তার স্থাবে আদিখন করে সভার মধ্যে কবস্থান কর্ত্নেঃ সাক্ষেপ মানুবেরাও নির্মান কালে তালের গতীকে অভিনয়ন করে ভালের সঙ্গমুখ উপভোগ করে। কিন্তু সহাদের মহা-তপারী হওয়া সকেও মহাইনের সভাত ন্তার পরীকে আলিক্স করছেন, এটি বছ আলংবার विवयं (*

শ্রীল ওক্ষেব গোস্থামী বললেন-"হে ব্যাক্তন, চিত্রকেন্তর উল্ভি প্রথম করে, অগাধ জনসম্পদ্ধ মহাদের प्रेक्ट द्वरण नीक्षय उद्देशका धावर चीत्र चानुकत अलगारमहाच কিছু না বলে তাঃ অনুসরশ কংগ্রেন। শিব এবং পর্যেতীয় প্ৰভাব সাহায়ে অঞ্চ ডিপ্ৰাকেড কঠোৱে বাক্টো খ্ৰীদেৱ সমলোচনা করেছিলেন। তার উক্তি মোটেই ক্রতিহণ্ডর হিল না এবং ভাই গাৰ্বতী দেবী অভ্যৱ ক্ৰছ হয়ে সেই নিতাতা-অভিযানী চিত্রকেডকে বলেন্ডিসেন, 'আহা, এই चेंद्रेरकाछ गाँकि अधन चाधारमद घरठा निर्माण गाकिरान्त দর্ভদার্ভার পদ প্রাপ্ত হয়েছে মার্কি? এ ফি শাসনকর্তন রূপে ব্যাধারী হয়েছে? এ কি সম কিছা একমার গ্রন্থ ? বাহা, পরবেদি ক্রমা, ভঙ্, নারদ, সংক্রমার প্রমুখ रुपुरनम्, औरमध् कार्यास्त्रहे धर्मधाम (महे। कन अनर কশিশত ধর্মতন্ত ভলে গেছেন। জামার যনে হয় সেই জনাই ঠারা শেবাদিয়ের মহাদেবকে এই প্রকান অব্যাহন খাচরণ থেকে নিবশ্র করার ডেগ্রা করেননি। এই ক্ষত্রিয়াধ্য ডিব্রকেড ধ্রউভাপুর্বত ব্রহ্ম আদি ফেবডামেরও অতিক্রম করে, ওারা ইর চরণকাজ-পুনল ধ্রান করেন, **मिरे क्षाप्रमुख्या गता धर्मपूर्ण निराक मानन करहाए.** ক্ষতঞ্জ তাকে অবলাই দও দেওৱা উচিত। এই বাক্তি কার সাক্ষপার ধর্মে গার্কিত হয়ে নিক্লেকে সর্বাধ্রেক বলে মনে করছে: সে সাধ্যের বারা গলিত ভগবান প্রীকিনুস व्येभागभरका कार्यस मार्ट्स कर्यान्त, कार्य रा पृथ्मित এক অংকরে মত। যে উদ্ধৃত পুর, এখন ভুনি পাশপূর্ণ অসুরকৃষ্ণে জন্মান্ত্রণ করা, যাতে ভরিবাতে আর এই नरमाद्य माधूराच प्रकि और श्रवहत सन्वाध मा भन 🖰

লীল গু*ডালের লোক্*য়েী বললেক—"হে মহারাক্ত পরীকিং, এইভাবে পার্বতী কর্তৃক অতিশস্ত হয়ে মহারাক চিত্রকেন্ত উার বিহান থেকে অকতরণ করে অভ্যন্ত বিনীওভাবে পার্বতীকে প্রথমে করেছিলের এবং তার কলে পার্বতী দেবী পর্ণরহণ সম্ভাট ইয়েছিলেন 🖰

চিত্ৰকেও কালেন—"শে মাডা, আপনি ৰে আনাকে অভিশাপ প্ৰদান কবলেন, ভা আনি আনার অঞ্চলির সরা এহৰ করছি। এই অভিনয়েশ আনি নিচলিত নই, কারণ বান্তকে তার প্রতিশেষ্ট ভর্মক অনুসারে মেবভারা সুখ য় দুঃৰ প্ৰদান করেন। অভিনাধ প্ৰভাবে মোন্ডাজ্য ভীব মনোনাল অনুপ্রে, তার পূর্বকৃত করেই কলে সর্বত্র কর্মণ तुन जरर मरन (एसन करत) (क्लाउटर, इह प्रांडर, जरें ৰাগ গৈনা সমূত্ৰে আমার বা আপনাৰ কোন বোৰ নেই।) এই সংসারে খালং বা শক্ত-মিত্র প্রভৃতি খানং কেউই সুৰ-দুয়নের কঠা না। কিন্তু করে কল ভাবা নিয়েকে এবং খনাকে এই সুখ-পুৰুত্ব কঠা বলে মনে क्रात । अहे मामाध्र वाशामा श्रेन्थकार-क्रानः। मुख्या नाभी या कि कार करणहरू ना कि? प्रभीरे ना कि धार न्हानदे ता कि? अन्न जुनहे क कि चार प्रापट वा कि? কারণ ভরত্বের মতো লেভনি নিতে প্রবহমান। ভাগের কোন বাপ্রবিক সভা নেই। পর্যমন্ত্র ভারতন এক। মতা প্রকৃতির পরিস্থিতির সালা প্রভাবিত বা হয়ে তিনি তার মাজর দারা প্রাণীনের সৃষ্টি করেন। মারার দারা कारित रुप्तान करन जाना प्रकानाच्या सौ अरू सिंहन প্ৰকার বন্ধনে আবিদ্ধ হয়। কথনও কথনও জানের क्रमार कीर पुष्ट रहा। नक्रमार अक्षा नुवाकात करा जारर सहक्रांश्वरण मृद्रबरणाम करतः। अञ्चरकाम छन्दान गमन भीरका द्वित मामहि-ग^{म्मद}। छाड काउँह छैद क्रित वा प्रक्रित खरेटे या वक्ष अवर भग वा व्याचीह स्ता। জন্ম প্রকৃতির প্রতি জাসভি রহিত ছাওয়ের কলে ওঁরে তথ্যকৰিত সুৰ্বেই প্ৰতি অনুবাস অথবা পুৰ্বের প্ৰতি দ্ৰোৰ নেই। সুখ এবং দুংখ উভাইে আনেক্ষিক। ভাগবান বেহেত সর্বদা আনন্দময়, তাই তার সুংখের কোন প্রথট উঠে না। ভগবান যদিও আহমের কর্মকল জনসারে প্রাপ্ত সুখ-সুয়েখ্য প্রতি জনসভ এবং বনিও কেউই ঠাব শক্ত কা অথবা বন্ধু দায়, তবু তিনি ওঁরে যাংগলভিন যায়ে লাগ-পুৰা প্ৰসৃতি কৰ্ম সৃষ্টি করে সুৰ এবং পুংৰ, যানস

এবং আমাল, বছন এবং মৃত্যুক্তপ সংসংক্রে ভারণ হল। হে মাতঃ, আগনি আমার প্রতি অবর্থক ক্রম্ভ হয়েছেন, কিন্তু হেহেড আমার সমস্ত সুখ अनर पर्य कामल नर्यक्त कर्मन हात निर्मातिक हराएक. ভাই আমি শাশমুক্তির জন্ত আগনার কাছে জনুরোধ কর্ম্বি না। আন্তার কল সমত হলেও আপনি যে ডা चामक रत्न मृत क्ष्मराहर, त्यदे कह चारहर क्या করকে 🗀

क्षेत्र श्वराव शाक्तात्री कार्यान—"श्र वर्तिनमुख মহারাজ পরীক্তিং শিব এবং পার্বতীকে সমষ্ট করে विज्ञासक केंद्र विज्ञाद्य कारक्ष्यनन्त्रक केंद्रस्य समाज्य भागान श्राहक करण लातनत। निम जन्म गुर्रकी मधन দেখালন যে, শাল থকা করা সংখও চিবলের ভীত হলেন না, থখন খাঁর আলেশে খালেখা আকর্বাবিত হয়ে फीरा (दरमिट्राक्) कार्यनंत्र, (मचर्चि माहक, रेक्क, निक्र একং পার্বদদের সমক্ষে পরে শক্তিয়ন দিব ভার পরী পার্বতীকে বলেছিলেন, 'মে সুন্দরী পার্বতী, ভুমি বৈশবের মাহাস্য দর্শন করণে তো । ভগরনে শ্রীহরির দাসাসুনাব হওবার কলে ভারে বধানই মহান্য এক ভারা বিবরসুখে गण्यां निष्परः। कप्रकान नामाधारमा श्रियम पर्याजनस्य হস্ত ভয়ের কথনও জীবনের কোন অবস্থা থেকেই তীত रून जा। चीरपंत्र काटह काई, युक्ति और नार्थ अन् কারণ এই প্রকার ভড়েরা কেবল ভাগবানের সেবাভেই আগ্রহণীল। ভাগবাদ্যে সাম্রার প্রভাবেই জীব ঋড় হেয়ের বছনে আৰম্ভ হয়। সুৰ-দৃঃৰ, জন্ম-মৃত্যু, অভিন্যাল-জনুহাৰ, এই সমন্ত কৰজাৰ জড় জনতেও সালে সংস্পৰ্যন্ত বাভাবিক প্রতিমিশা। জড়িবশত বেমব একটি কুরের मानाटक वर्ग वरण वरण हा, धाववा करण वृत्र-मृत्रापत অনুভব হয়, ভেন্সাই, এই মড মগতে অবিকেন-হণত সুদ এবং দুংখনে ভাল এবং মধ্য বলে মনে করে ভালের মধ্যে পার্থকা দর্শন করা হর। বীরা ভক্তি সহকারে ভঙ্গৰাম শ্ৰীবাস্থেকে প্ৰেম্মৱী সেৰার খৃত, তাঁৱা चाराविकशास्त्रे भूर्वकान नाच करतन अस और कड স্কণতের প্রতি বিনন্ত হন। ভাই জন্মে এই স্কণতের তথ্যক্ষিত সুধ আ সুমেধা প্রতি আগ্রহনীল হুন হা। আমি (শিব), প্রবাহ, অধিনীকুমারকায়, নারক আদি ক্রমার

পুর, ঋষিণাণ এবং ক্ষেবতারা তার অংশের অংশ হলেও. আমর ঘদি করেই ইখরাডিখান করি, ফা হলে করা ব্যৱশ কৰতে সমৰ্থ হব না। তিনি কাউকেই বিৰ স্বা অধির বলে মনে করেন না। কেউই উল্ল আপন বা পর নত। তিনি প্রকর্তপক্ষে সমস্ত কীব্রো আভার আভা। ভাই ভিনি সমন্ত জীবের মদক্ষমর পদ্ধ এবং তাঁকের সকলের ক্ষতার প্রিয়। এই উদর্মেচন চিত্রকের ভাগেনের অভান্ত প্রির ভক্ত। তিনি সমগ্র জীবের প্রতি সমদশী এবং সাগ্র-ছেৰণন। তেমনই, আমিও ভগৰান নায়ায়ণের অভার প্ৰির। অতএৰ এই সমস্ত মহাস্থা মহাপুরুব, ভঞ্চ, রাখ-ছেৰ মহিত, সৰ্বভূতে সমদশী পুৰুৰের কাৰ্য কৰি করে বিশিক্ত হওয়ায় কোন করণ নেই।" "

শ্ৰীন ৩কলেৰ গোন্ধামী কালেন—"হে মাজৰ, পতিয় বাজ প্রবংগর্বক যোগী উমা চিন্নপেণ্ডর আচরলে বিশার পরিতাপে করে উল্লেখিড ছির করেছিকেন। পরত ভক্ত চিত্ৰকেত পাৰ্বতী দেবীকে প্ৰতিশাপ দিতে সমৰ্থ হলেও তা দেননি, পকান্তরে তিনি দেবী প্রবন্ত শাপই অবনত মন্তবে হীকার করেছিলেম এবং শিব ও পার্বভীতে প্রদতি নিবেদন করেছিলেন। এটিই বৈধ্যবন্ধা লক্ষ্ম বলে বুধতে ছবে। কুৰ্মাজ (শিৰণত্ৰী ভৰনী) কৰ্তক অভিনপ্ত হয়ে, নেই চিত্রকেত্ই অসুরবোনিতে শ্বরুহণ করেছিলে। नियाकाम ७ कीयरन छात्र यावशतिक शरहारम तरहरू ব্যেই তিনি হউরে অনুষ্ঠিত সমাধি খেলে এক অসুর রূপে অবির্ভত হন এবং তাই তিনি বঞ্চারর নামে বিবারত क्टब्रिट्स ।"

^শহে মহাবাজ পরীকিছ, জাপনি যে মহান জগবর্জ ব্রের অপুর বেনিতে জনপ্রচণের কারণ জিলাসা করেছিকেন, ভা আমি পূর্ণরালে আগনাকে বলার চেটা क्टब्रिश क्रियाक्ट विरुक्त क्षकवन प्रश्नन करू (प्रश्नवा)। ক্ষেত্ৰ যদি তথ্য ভাজেন জীয়ৰ খেলে চিত্ৰকেভৱ এই ইতিহাস মান্দ করেন, তা হলে ডিনি সংস্যানকান থেকে भुक्त रम। विभि शास्त्रकारण बार्त्वाच्छा करत स्टेश सभी अवर क्ष्म मध्यक करतन अवर अभवानरक भारत करने চিহতেন্তর এই ইতিহাস পাঠ করেন, তিনি জনারালে ভগৰনামে ফিরে বাবেন।"

অষ্ট্ৰাদ# অধ্যায়

দেবরাজ ইন্দ্রকে বধ করার জন্য দিতির ব্রত

প্রের মধ্যে পক্ষম পুত্র সবিভার পত্নী পৃত্তির কর্ত্তে সাহিত্ৰী, ব্যাক্তি ও ত্ৰৱী, এই তিন কন্যা এক পাঁচজন মহায়জ, অধিহোৰ, পণ্ড, নোম ও চাতৃমান্য নামক পুন সকলের হার। হে রাজন, অদিতির তথ নামক বঠ পুরের পত্নী সিন্ধির খর্মে মহিমা, বিভূ এবং গ্রন্থ নামক किम शुक्र क्षमर व्यनी नामी क्षक व्यक्ति मुनीना शतमा সন্ধরী খন্যা ক্ষত্রগ্রহণ করেন। ক্ষণিতির সপ্তম প্র ধাতমা কুচু সিনীবাসী, বাজ ও অনুমতি নামী জন্ম পড়ী ছিলেন। তারা কথাক্রমে সায়ন, দর্শ, প্রাতঃ ও পূর্ণবাস ন্যমক চার পুত্র প্রসাধ করেনিধ্যেন। অনিভিন্ন ভাইন পুত্র বিধাতাত জিলা নামী ভাগের গর্ভে প্রীয়া নামক পাঁচকন অভিনেধের থাক হয়। অনিতির নবম গুর বস্থাপের শর্কীয় -বাম ছিল চৰণী। ব্ৰহ্মাণ্ড পূব ভূও গাঁচ কৰে পুনবার धनाराह्य कालमा। बकापत बीटर्स अवसी क्षांक कारक প্রভাষালী বাল্টাড়ি স্বশাস্ত্রণ করেন। ভও ও সার্টাড়ি বরুপের বিশিষ্ট পর, কিছ খগন্তা এবং বসিষ্ট পরি ছিলেন মিত্র (অনিভিন্ন মূলর পুর) এবং কাংকা সাধাকা পুরা। স্বর্গের জলরা উর্বলীকে দর্শম করে নিত্র এবং বছণের বীৰ্থ স্থালিত হলে, তাঁৱা লেই বীৰ্থ একটি কুকো মধ্যে ছালন করেন। সেই ক্রম্ম থেকে খানতা এবং বলিঞ্চল এই দুই পুর স্বাদ্ধাহণ করেন। তাই উল্লা মিটা একং বরুদের সাধারণ পর। মির জার পত্নী রেনতীর ধর্তে फरक्य (*

'হে মহারাক্ষ পরীক্ষিৎ অমিতির একাদশতর পুর राकाण हैट्युव (नेएमारी गार्डी भूपीत गर्ड करच, क्वज, श्रीपृष-वर्षे छिम नुज सन्न श्रष्ट्य करतम। त्यरे কথা আমায় ওনেছি। অসঙ শক্তি সমন্বিত ভগবাদ তাঁর খীব শক্তিৰ প্ৰভাবে বামনৱাশ অধিতিঃ ধানশভ্য পুর উক্তমান্য নামে অবিকৃত হন। উর পদ্ধী কাঁটিয় গার্ডে বৃত্ধপ্রেক লয়ের পুত্র জন্মহাংশ করেন। বৃত্ধুয়াকের

শ্রীল তকদের গোস্থামী বদক্ষেন—"অদিভিন্ন দ্বাদশ সৌতগ আদি বছ পঞ্জ ক্ষমগ্রহণ করেন। পরে (প্রিমপ্রাক্তরে অন্তম ছব্ছে) জমি করি করব উল্লেখ ৰা ভক্তান ব্যয়ন্থেৰ কিভাবে মহৰ্টি কশ্যপের প্ররাপে चारिएंड श्राहित्मा क्वर किलात दिन वय-विकारत শ্বারা তিনি ব্রিভ্নন আজাদিত করেছিলেন। তার অসাধানে ভার্যকলান, উন্ন ওপারলী, তার শক্তি এবং কিলাবে ডিনি অনিভিত্ত কর্তে জনপ্রাহণ করেছিলো ডা আমি কানা করব। এখন আমি নিতির পর্কজাত এবং ক্ষুণের পুত্র দৈজদের সমতে তোমার কাছে বর্ণনা करन्। और किछारारान नंतम छोनन्छ अञ्चार महातांच এক বলি মহারামণ আবির্ভাত হল। সিভির গর্ড থেকে র্জনার্ভাল করের কলে আসরদের দৈতা বলা হয়। প্রথমে নিডিঃ গতে হিরেণ্ডকশিগ এবং হিরেণ্ডাক্ষ নামক দুই পুত ছাৰ্যাল কৰে। তাৰ উভৱেই অভাৱ শক্তিশালী ছিল এবং দৈত্য ও বানবদের হাতা পঞ্জিত হাছেল। हिल्तुदनिश्व नदीव क्य दिल करात्। टिनि स्टिनन सर्व नारका कना। जीव नार्त वधाकाल भरतान, धन्यान, সুদ এবং প্রসূদ কর্মক চার পুরের কর্ম হয়। এই চার পরের ভাটের কম সির্বাহকর। তার সালে বিচেটিৎ সানবের দিবার হয় এবং মাধ বাদক এক পুরের মাম হয়। রাত হথ্য হছবেশ ধরেশ করে দেবভালের যথ্যে ভারত পান কর্মিন, হখন কাবন জীহরি ভার নিরক্ষে করেন। সন্মেলের পদ্ধী কৃতির গার্ডে পঞ্চারন নামক পুরুষ কর্ম্ব উৎসর্গ, অন্তিষ্ট এবং পিশ্লণ নামক তিন পুর উৎপাদন হয়। হ্রাপের পদ্ধী ধমনি। ভার দৃই পুত্রের এব ব্যতাপি এবং ইনুল। ইন্সৰ মেষ্যালী অতানিকে পাছ করে অতিথি অসম্ভাবে ভোজা করতে নিরেছিল। অনুযালের পর্তীর দার সূর্বা। তার বর্তে ব্যৱস এক মহিব নামক मुद्दे नुद्रका सन्। द्वा १ वर्षाम्य नुव विद्वाहरू, केव नहीं। দেবীৰ থাৰ্ডে বলি মহাল্লাক্ষের ক্ষম হর। ভার-প্র বলি রহারকে অপন্যে লর্ডে এক শত পুত্র উৎপাদন করেন। ভাষের মধ্যে কন হিল সর্বজ্যের। বলি মহাধ্যমের প্রশংস্কীর কার্যকলাপ পরে (অন্তর স্কর্মে) বর্লিত হবে। খাণ

শিবের কারাকর করে বার প্রেট পার্থমনের ক্ষান্ত্রম হর্মেছলে। এখনও শিব খাগের বাক্তখনী রক্ষা করেন এবং সূৰ্যা ভবে পালে থাকেনঃ উনপ্ৰচাৰক্ষ মন্ত্ৰেল্ড দিভিন্ন পুৰা। জনা অপুৰক ছিলেন। দিভিন পুর হওলা সংগ্রত ইন্স উচনের দেবকু হয়ে করেছিলেন।"

মহারাক্ত পরীক্তি জিলাসা কর্মেন—"হে ওকদেব সেই উন্সাধানকৰ বৰুৎ উচ্চত কলের কলে নিশ্চাই আগ্রিক-ভারণার ছিল। দেবরাক্ত ইপ্র কেন ভাগের অসুরুত্বে পরিভাগে করিলে থেকত প্রকাশ করেছিকেন ? উল্লা কি কোন পুশুকর্ম অনুষ্ঠান করেছিলেন ং হে ব্রাক্তণ, থামি এবং আমার সাম এখানে উপস্থিত সমস্ত থাবিরা ाहे विकास सामगा समा छैरनक। चाठावा (र महाचन, দরা করে জানাথের তার কারণ শিক্তেশন করুল।"

গ্রীস্ত গোখানী বললেন—"হে মহর্নি শৌনক, মহারাজ পরীক্ষিতের প্রস্থাপূর্ণ এবং সংক্ষিপ্ত সারগঠ বচন প্রবণপূর্বক সর্বজ্ঞ শ্লীল গুকুবের গোলামী সানলে তার श्रमतमा करत छेस्ट मिराबिस्यम।"

শ্রীল ওক্ষের গোসামী করলেন—'ইপ্রকে সহোধ্য कराप्त कराई स्वकान शैकिक हित्याक धदा दित्याक्रीयू नामक पूरे कराइन श्रंका कर्ताहरूवन। जारमंत्र प्रकृतिक ভাষের হাজা পিকি শেকথাদীর ক্রোখে প্রকলিভ হয়ে ভিন্ন করতে লাগলেন। ইক্রিয়াস্থ-পরবেশ ইন্ত উলা দুই ভাই ছিরপান্ড এবং ছিবলাকশিপুকে বিষয়ে পরে বং क्तिहरू । पठनव देश कराव निरंत, बटिन कारा जवर পাপিষ্ঠ। কবে আমি ভাকে ইতা করে সুখে নিপ্রা বাব ! क्रका वा व्यक्तिक क्षरम चाठ खन्तिएक स्मार रहात शह কৃত্ৰি, বিষ্ঠা অথবা ভক্তে পতিশত হবে। সেই মেহ কফার ছন্য কেউ বসি হিসো-পরাধ্ব হরে অন্যানের হত্যা করে, (म कि बीतानत छक्छ कार्थ मध्यक धावनाड । स्थलाई ময়, স্বাবৰ জীব-হিংসায় খলে ভাৰে নিশ্চিতভাবে ব্যক্তে বেল্ড ছবে 🗀

গৈতি জিল্লা করেছিলেন—"উল্লাহনে করে যে ভাব দাবীৰ নিতা এবং ভাৰ কলে যে উজ্জ্বল হচচছে। ভাই আমি একা এক পুর করেনা করি যে ইত্রের সংগ্রেডা নুধ করে। সেই জন আমাতে কেম উপার স্থির করতে হৰে। এই ভেবে (ইভাংকা পুত্ৰ কামনা করে), দিভি भिरुप्तर केल महत्त्वक च्याउटल्स पाना कन्मालक अन्याना

হিধান করতে লাগলেন। এই রাজন, দিভি সর্বার কনালেন্ড সমস্ত বাসনা অভ্যৱ নিষ্ঠা সহকারে পূর্ব করতে পানকোন। कीव (संबंद, (श्रेष, विशव, कावामध्य, मृन्द्रामा अवर মন্তেমুক্তকর দৃষ্টিপাতেম স্থানা তাম পতির মন আওট করে উল্লে ডার বনীড়ড করেছিলেন। কশাণ যদিও ছিলেন অন্তৰ্ভ নিহাম, তবু তিমি ৰূপটাচার-নিপুশা স্ত্ৰীয় ওঞায়ত্ত মেহিড হয়ে ঠান বশীভূত হয়েছিলন। তাই তিনি ঠান পত্নীকে আৰাম দিয়েছিলেন বে, তার মনেলাঞ্চা তিনি পূৰ্ব কৰকো। দিতিৰ প্ৰতি তাৰ এই উক্তি কিছুই कान्डर्र्यत विषय नहा। मृष्टित क्षांत्ररख अज्ञानिक क्षा (सर्वहित्सम ८६ मधक कीरवदा धमामकः) साई প্রকারভিন জনা তিনি প্রকারের দেবের অর্থান দিবে তী সৃষ্টি করেছিলেন। সেই প্রীদের খানাই পূর্কবের চিঙ ক্ষপত্নত হয়। হে প্রির, ক্রত্যের শক্তিশালী থবি কণ্যপ ডার পরী মিডির মধুর আচরণে অভান্ত প্রসায় হরে মূল হেনে ব্যবেদ্যিকন—হে সুন্দরী, হে অনিসিতে, আরি ভোমার প্রতি অভার প্রদার ইয়েছি অভএব ভূমি কে কোন বর প্রার্থনর করতে পার। পতি যদি প্রকার হন, তা হলে স্ত্রীর ইহলালে অথবা পরকালে কোন কাননা मुलंड इएए भारत । मात्रीरभत् भण्डि चंद्रम स्ववटा। সন্মীপতি ভগবাদ বাসুদেব শেয়ন সকলের অব্যক্তরে অবস্থান করে ভিন্ন ভিন্ন নাম এবং স্ক্রেলর স্বারা বিভিন্ন নেবমটিতে ক্যীদের প্রার পায় হব জেলাই, সেই ভগবানই পতিক্ৰপে শ্ৰীখের প্ৰায় বিষয় হন। এই সুমধ্যমে, বিবেকবতী লগাঁল কর্তব্য পতিব্রতা হয়ে পতিব चारतम् भारतः करा। शहिरक राज्यस्यकः राजिनिकारम কেনে, পরম ততি সহকারে পতির প্রা করাই স্থীত কর্তন্য। তে ভয়ে, ফেছেড ওমি খামাকে ভগকনের তাতিনিধি বলে মনে করে পরম ভক্তি সহসেরে পুজা করেছ, তাই আমি ভোমার বাসনা পূর্ব করে তোনাকৈ পুরস্কৃত করব, বা অসতী পদ্ধীদের পক্ষে দুর্গাও।"

দিভি উত্তর দিলেন-"হে মহাত্ম পতিকেন, আমি আমার পুরুদের হারিয়েছি আপুনি যদি আমাকে কা भिरक्ष हान, क्षा क्रम अन कामा नाम आर्थना करि. व ইন্তৰে হতা ব্যৱহে পায়ৰে। বন্ধৰ বিৰুধ্য সাহায়ে। ইপ্ৰ परायात पृष्ट ज्ञा किवनात्र अवर दिवनाकिन्दक एटा करतरहा निर्देश अनुराम करन कन्छन प्रति चाराख दिवस ্রার অন্তাপ করেছিলেন, 'আহা, **আরু আ**মার Bল্লান্তালেশ মহা অধর্ম উপস্থিত হরেছে? "

২০০৭ মুনি ভাষ্ট্রেন-"হার, আমি এখন ঋত স্থের রতি মত্যের আসক হয়েছি। তাই আমার মন স্থীকলিনী জাকানের মায়ার বালা আকৃষ্ট ক্রেছে। স্বতভাগ্য আমি নিকর নহাকে পাঁতত হব। আমার এই পর্যা তার স্বভাব অনসাক্ষে উপায় উল্লাক করেটো এবং তাই ভাকে ধোৰ ঠেওরা হার না। কিছু আমি পুরুষ। ভাই আমাকেই ভিক্ত† বেহেও অমি অকিতেপ্রিম, তাই নামার প্রকৃত হিত স্বৰ্ভে আমি অনভিজ। শ্ৰীলোকেই মূধ আৰু তথনা মাসে ৰ মানুক কৰ্মবন আৰু, কিংব পূচেন শ্বংকালের প্রস্কৃতির পরের মতে। সুন্দর, তালের বাদী অভ্যান্ত মধুর এবং কা কর্মকে আলক প্রদান করে, কিছ ভাবের জনর পুর্ববারার মধ্যে তীক্ষ্ম, অভরব ভানের আচরণ কে কৃষতে পারে ৮ স্ত্রীলোকের ভালের নিজেনের খার্থসিজির খানা পুরুষদের সলে এমনভাবে আচরণ করে বে, পুরুষের কো তালের স্থা চাইতে হিমা, কিছ কেউই ভালের ত্রির নর। মনে হর কো বীলোকেরা অভার সাধু প্রকৃতির, কিন্তু তাকের অভীষ্ট সিছির কন্য তারা ভাষের পতি, পুর অধনা রাত্যকে পর্যন্ত হত্য করতে পাবে অধ্যক্ষ অন্যদেশ দিয়ে হ'ল। করাতে পাঙ্কে। অহি ভাকে ব্যৱদান কৰণ বলে প্ৰতিশ্ৰুতি দিবেছি এক ডা **উल्लब्ध कारा वारव था, किन्छ हैटलंड किन्स्थ डैंडिंड संग्र**ा এই প্রসামে আমি যে উপায় ছিন করেছি, আই উপযুক্ত।"

ইংংকৰ গোলামী বলদেন—"হে ভূকনশন মহারাক পরীকিং, এইভাবে চিন্তা করে কশ্যপ বুনি किकिर कुछ शरह निरक्षक निवा करह विकित्क বলেছিলেন—হে ভয়ে, তুনি বৰি এক বন্ধা ধয়ে আনার উপনিষ্ট এই প্রশু পালন কর, ডা হলে তুরি অংশাই এক পুত্র বাভি করবে বে ইভাবে ইন্ড্যা করতে সক্ষম হবে। কিছু, এই বৈষদপ্তত পদেনে ধনি তোমার বেন কট হর, তা হলে তুমি ইলের পঞ্চপাতী এক পুঞ্চ কার্ড করবে।™

দিতি কালেল—"হে প্ৰকাৰ, আমি অকণ্যই আপনাৰ উললেৰ অনুলৱে সেই বত লালন কৰে। একা আপনি

আব্যক্ত সভূদ আহায় কি করা কর্তথ্য, কি করা অনুচিত্ত এবং कि করতো ব্রভ ভাল হবে না। বরা করে আমাকে

^{*}শষ্টিভাবে সেই সমস্ত বলুন।"

কলাণ সুনি কলকো—িছে ভিবে, এই এও লালন করার সময় জীবছিলো করো না, কাউকে মাঞ্চিশাণ দিয়ো मा, दिश्वा कथा बहुत जा, तब अवर स्ताद रवरंग जा अवर न्ति ও यदि वारि पर्छ सह न्मर्ग दरश सा

"হে ভাষে, কথনও জলেই মধ্যে গ্ৰহণ করে জন करता ज्यू कचनत कृष स्टात ज्यू पूर्वराज नदारण करता जा, चारशिक बच्च भरिताम करता जा, मुर्वपुट धाना কথাও পুনরার ধারণ করে। মা। কথানও উল্লেই খ্যা ভোচন কলং মূ ভাকনী প্রকৃতির উদ্দেশ্যে নির্বেদিত ছারা অনীত আ অধন সমাকো রাজীন্ট কা ভোজন क्यरं मा अवर सक्षणित हाता क्षणपुरम कररंद मा। चारत्वत का दूर, सुद्ध अबर का सा भूतर, जन्मात्वका খেল মৃক্ত করে, অলকার রহিত হয়ে, জনসংকত না ছয়ে এক সর্বাস আরত না করে কথনও নাইরে স্বওমা উচিত मह। भा ना शुरा क्या दिवा भारत, उत्तर मिर्क व পুশ্চিম নিকে হামা রেখে অধনা আন প্রীপেরখন সমে किया नथ सरपूर्व, कथवा भूर्यानव वा मुवीरका मनव কংনত পরন করবে হয়। বৌড বল্ল পরিবান চরে, সর্বাপ निया क्षार द्विमा-स्थान आपि यत्रन प्रदावक हरत. প্রভারেশের পূর্বে মো, নিজ, লাক্ষ্মী ও অনুসাতের পূঞা কাৰে। পতি-পুতৰতী বীষ্টের মালা, চপন, উপহার ও অসকার বারা পূজা করতে, আর পঠিকে স্থান্তকার অৰ্চন মতে জান কৰ কৰাৰ এবং পতিকে বাৰ্ডে অৰ্চনিত बाल करन गर्म कहरते।"

्राप्ति वर्षि शक् वर्षा शहर श्रीतरन नामक धीरे द्वार মিবিক্তে মান্ত্ৰ সহকারে বাহেব করতে পার, ভবে ভোমার ইপ্রভাঠী একটি গুড় উৎপদ্র হবে। কিছু এই ত্রত ধারণে विक रूपम रिप्त रहा, सा रहत (नरें शुप्त रें,अह वक् रूर)। হে মহারাজ পরীকিৎ, কল্যালার পরী মিতি প্রেকর নামক সংভাগ অনুষ্ঠান করতে স্বস্তত হামেছিলেই। তিনি ব্লেছিলের, "ট্রা, আগবর উপক্ষে অনুসরে অমি তাই ক্ষাব 🗂 ভারণার তিনি প্রকৃত্রচিত্তে কবাল বেকে পর্য ধারণ করেছিলেন এবং বস্তু সক্ষাতে এত পালন ভারতে ত্ত ক্রেছিলে। হে কণে বাকণ, দিভিত আঁচপ্রাণ ইস্ত ৰখনে গেলেছিলেই এবং আই তিনি নিজের সাথ চৈছিত सन्त, कायुरकाई एक्डिय (संध निषय, और नीरिंड অনুসারে নিজিম এক কল করতে ক্রেমের্ডেন। এইভাবে তিনি বয়ং তাঁর মাত্রলা আল্রমর্গ্রেনী মিডির সেরা কংগত লাগণেন। ইয়া প্রতিদিন কন খেকে ফল, মন্ মূল, বজকান, কুল, পায়, অনুৱ, মৃত্তিকা ও মাল ইডাটি নিৰ্দিষ্ট সমধ্যে নিজে এনে ঠার মাতৃত্বসন্তা দেবা করতে मागदसन 🖰

ै(र पश्चास गरीकिए जुगहता रहत (तका क्रावर्ट्स) থারা ভার শরীর আক্রমনপর্বক মগরল ধরণ করে মধের শেষ করে, জেনেই ইন্স থকারে মিভিশুরের শক্ত হওয়া माइक गाँदे व कहारा धार्मिन करत विकित स्था করেছিলে। ইরেন্ড উদ্দেশ্য ছিল বিভিন্ন ব্রস্ত পালনে ক্ষেন ক্রটি পাওলা মারই নিভিকে প্রভাবক মরা। কিছ তিনি সেই ভাব প্লেপন কৈছে, অত্যন্ত সাবধানতা সহকারে তাঁৰ সেবা করে বেতে লাগনেন।"

"হে মহীগতে, এইভাবে ইন্ন বৰন নিতিব ব্ৰড শাধনে কোন ভ্রটি বুঁজে পেলেন না, তথন তিনি ভারতে সামানে, "কিভাবে আমার মঙ্গল হবে?" এইভাবে তিনি गरीत विश्वत यथ शरास्त्रिमन। कार्यस उठ भागन कराड কলে দুৰ্বদ একং কীপ হয়ে, নিভি এক সময় আহারের भंद्र कृतीस्त्रक्षरं यूपं, क्षाप्त अवस् भा मा पुरत महात्रिकास স্মিকে পড়েছিলেন। এই জিন পোৰে (অলিয়া, লখিয়া আদি) বেগনিভিত্ত অধীবন ইন্দ্ৰ বোলবলে পভীত নিয়াত অভেগন দিভিত্ব উদরে প্রবেশ কনকেন। দিভিত্র গর্ভে अस्ति करते हेन्द्र कर्नन भएठा अध्यानी ट्रांट गर्करक বছের বান্তা লাভ বল্কে কেটেছিলেন। সাভানী খণ্ডে भारकी बीच (क्षपन कहार अकरन, देख छएला "रवापन ৰূৱে ন্ব" বলে জন্মাস দিয়ে পুনঝা প্ৰতিট পৰ্যকে স্মৃত ভাগে কেটেছিলেন। হে রাজনু এইভাবে পীর্যুভ্ত হয়ে कारा कुराविगपुर्वक देखारक कारान्त, 'तह देख, व्यावदा মান্দ, ডেমাৰই বাৰা, অন্তএৰ কেন ভূমি আমানের হন্তা কথাৰ চেষ্টা কৰেং' ইয়া কৰা কেংকো কে ওয়া ওয়া কনুগত তক্ত, তক্ষ জিনি উচ্চের ক্যানেন, কনি ভোমরা বাধার বাতা হও, আ হলে তেনেদের গ্রন্থ কেন ভর GB ("

পর্বাক্তিং, আগুলি যেমন অবস্থায়ার প্রধারের ধালা দক্ষ

ক্ষােডিসেন, তেমদাই দিভিয় গওঁও ইপ্রেম্ব করের জনা উনগৰাৰ ভাগে ৰঙ-বিখন হলেও জী-নাংসের কৰার তা বিনী হানি। যে আদি পুরুষ ভগবানকে একনার মানে পূজা কংগুল জীন কার সমান রূপতা লাভ করে, মহান রতপরাক্য হার দিতি প্রায় এক বছর করে তেও ভগবানকে পূজা কর্মেছলেন। ভার কলে উন্পদ্ধন মকতের কক্ষ হরেছিল। প্রমেশ্বর জগবানের কুগার্ মিতিক গর্ভে জন্ম হওয়া সম্বেধ সকতেরা থে দেকভারের সমকক হরেছিলেন তাতে আশ্চর্য হওয়ার কি আছে? ভগবানের আরাধনা করার কলে নিতি সম্প্রকলে শতির হরেছিলেন। তিনি যাধ্য শধ্য থেকে স্বারোধ্য করলেন, তথ্য তিনি ইডের সঙ্গে উন উনগঞ্জালন পুরুতে দেবতে গেলেম। তার সেই উনপকালকন পুর **অ**গ্নির মতো উজ্জ্বল এবং ইত্রের সূপে বস্তুচারাপর ছিলেন: আ দেখে তিনি অতান্ত প্রদান হয়েরিলেন।"

তারপর দিতি ইন্তকে বলেছিলেন—"হে বংস, তোনালের যাগপ আনিত্যকো বধ করার জন্য একটি পুর লাভের উদেশো আমি এই অভি দ্বর রভ পালন করেছিলম। আমি কেবল এক পুর প্রার্থনা করেছিলাম্ বিশ্ব উনপঞ্চাশ স্থান পুত্র কিন্তাবে হলঃ হে কলে ইল্ল. ভূমি বদি ভা জান, ভা হলে সভ্যি করে খুল। মিখ্যা नेनांद्र (bहेर करहा सा।"

ইক উত্তর দিবেছিলেন—"বে মাতঃ, আমি বার্থাছ एरत वर्षभृष्टि शाविद्वादिनात्र। च्यापि वचम कामहरू পেরেছিলার যে আপনি মহান ব্রত পালন কর্মছেলেন, ভাগন জ্বামি আপুনার ক্রটি অবেষণ কর্তাকোর। সেই তাটি পেয়ে আমি আগনার উদরে প্রবেশ করে গর্ভ থেনন করেছি। প্রথমে আমি গর্ভছু লিগুটিকে সাত খড়ে কেটেছিলাম। ভার কলে সাতভন কৃষ্টের ইর। ভারণার আমি সেই প্রভোকটি নিশুকে সাত খণ্ডে জানার কাঠি। কিন্ত জগবানের কুপার ভাষের কারত মৃত্যু হবনি। **টে** মাতঃ, আমি হথম উনপজাৰ্টী পুত্ৰকেই জীবিত দেশলাম, তথন আমি অভান্ত আন্তর্যাধিত হয়েছিলম। ভগন আমি বৃধ্বতে পেয়েছিলাম যে, এটি নিশ্চৱই শ্রীল ওড়াংগ গোভাষী কললেন—"হে মহাবাজ আপনায় ভক্তি সহকারে ভগতাম শ্রীবিষ্ণার আলাধনক আনুবল্লিক খল। খাঁয়ো কেবল ভগবানের আগোধনার হংগও ছগবান ঠাক্ত মাতৃগতে আপনতক ব্ৰহ্ম। অভিনাৰী তাঁক কাৰ্যতাৰ কৰে কড় বিষয় কান্তৰ কৰে

ভলবাৰ উদ্দেশ সমস্ত বাসনা পূৰ্ব ভবেন। সমস্ত মতা হচনি," অভিনাবের চরম লক্ষ্য হলে সর্থেশ্বর জনবাদের কেবক করেন, যিনি উয়া ভাগের কারে নিজেকে পর্যন্ত দান ক্ষাবন, তা হলে ৰে জাউ দুখ নৱকেও লাভ হয়, তা **ाटा** टिनि कामना क्यूरकर?"

ৰূপপ্ৰহণ করেছে। শশুকাণে আমি ভানেৰ বও বও । ভা বৰ্ণনা কৰব।"

না, এমন কি তাঁবা মৃতিও কামন করেম মা, কিছু স্তর্গেরেম, কিছু অপনার মহান চাতির বলে আদের

প্রীল প্রকলের লোকারী ফলনেল—'ইন্সের এই উত্তয ছওয়া। বৃদ্ধিমান ব্যক্তি যদি পরম বির ভগবঢ়েনে মেখা। আরুবলে নিতি আতান্ত প্রসত্ন হয়েছিলেন। ভাগপর ইস্ত তাৰ প্ৰাচৰপাৰে প্ৰয়াখনে প্ৰপান কৰে, তাৰ জনুমতিকামে शास्त्र सङ्करतम् यस्य वर्शन वर्शन कर्रदास्त्रसम् । 🗱 धरातास भरोकिर, चालति चामान्त्र स किस्तामा करतिहरूमि, "হে মহীয়দী মাতঃ, আমি মু⊀। দল্ল করে আমার বিদেব করে এই ওছ মকংদের সহছে, তা আমি সমস্ত্র অপরাধ জাগদি কর্মা করবাও আপন্তর ভাগন্তরভিত্র । যথাসার আপন্তর করে কর্মনা করবার । এখন আপন্যব বলে আগমরে উনপঞ্জারম পুরুই অক্ষত অবস্তার আরে কি এক আছে যে কিবাগে করন, তা হলে আমি



উনবিংশতি অধ্যায়

পুংসবন-ব্রত অনুষ্ঠান বিধি

পুলেৰন বৃদ্ধ সম্বাহৰ কলেছেন, সেই বিষয়ে আমি বিস্তৰ্গনভভাবে শুনতে চাঁই, ৰাক্স আমি ব্ৰুতে পেৰ্বেছি ৰে, সেই ব্ৰড অনুষ্ঠানের ফলে ভাগরন শ্রীবিদুদ্ধে প্রদান কলা ভাৰ শে

শ্ৰীওকাৰে পেলবাৰী ৰদলেন—"অহান্তৰ মানের তক্ষ প্ৰেম্ব প্ৰথম মিনে প্ৰতির আক্ষা অনুসাক্তে খ্ৰী সর্বকারনে প্রথকারী এই ব্রত ভারের করকো। ব্রত আহত্তের পূর্বে মরুংকের জন্ম-বিবরণ ধরণ করকে। ভারপর ব্রাহ্মণাধন বিভাগে করে, মধ্যাক্র-পূর্বক স্লান করে ৩ক বল্ল পরিধান কর্তনে এবং অগছতা হরে প্রতারদের পূর্বে লক্ষ্যদেবী সহ বিষ্ঠক পূজা করকো। (হুলপর তিনি এইভাবে ভগবনের প্রার্থনা করকেন-) হে পূৰ্ণকাৰ, জ্বাপনি সূৰ্ব ঐপৰ্য সমন্বিত, কিছ আনি আপনায় কাছে ডোন ঐতর্থ প্রার্থনা করি না। আনি (क्यम जानसंदर्भ सामात मानक शर्मक निरंत्रका करि। অংশনি মহাবিভৃতি ক্লাণিশী সন্দ্রীদেবীর পতি। তাই

মহারাজ পরীকিং কালেন—"হে গ্রডু, আপনি যে। অংশনি সমস্ত নিছির উল্পান আমি কেবল আপনত্ত আমায় প্ৰদান্ত নিকোন করি। এই ভানখন, জালনি কণা, ঐপর্য, তেক, মহিনা, কা এক অন্যান্ত সহস্ত নিব্য ওপে নিত্তিত, তাই আগনি ভাবনে ও স্কলের প্রত। (ভাগান বিশ্বক উত্তাহনের প্রাঠি নিবেল্য কর্মার পাত্র, ভক্ত সার্ব্রাদেব্রীকে প্রদৃতি নিজেন করে এইস্কারে প্রদর্কর कारका) हा रिकामही, हा रिकामि कार्रिकी, चार्मी বিষয়েই ভুলা, কারণ আপুনি ঠানই সমান ধুপ এবং - बेनर्बनालियो । एक सम्बेर्डालयाँ, यदा करत चार्याद श्रीष्ठ প্রস্তু হোল। হে ভগভাতা আহি আপনাতে আমার সঞ্জ প্ৰতি নিবেশন কৰি। 'য়ে বাঁডেবাংপৰ্ন ভালনা বিষ্ণু, আপনি পুরুষোভার এবং পরাম প্রভিন্যান। ছে नभौतिहै, विषयान सामि भारत्मन मह मर्वन विराह्मसन আল্লাকে আমি আমরে সম্ভব্ন প্রবৃত্তি নিকেনে করিঃ আমি ভাগনাকে সমস্ত প্রেলগহার সমর্পদ করি। প্রতিদিন সমাহিত চিত্তে এই মধ্রের ছারা পা ব্যেয়ার কল, হাত এক বুৰ ধোৰার জন, সমুন্য জন, বসু, উপবীত,

খালয়াত, থক্ক, পুষ্পা, দীল আদি উপহার নিবেদন কবে। ভগবান প্রীবিশ্বর আবাধনা কবকো?"

শ্রীপ ওকদের খ্যোগ্রামী কপুলুন—"উপুলোও উপতাব সহকরে ভগবানের প্রাঃ করার পার, 'ওঁ নমে ভগবতে মহাপুঞ্জন বহাবিভূতিপতরে বারা এই ময়ে অধিতে দ্বালনটি আহতি প্ৰবান কাৰ্যক। বৰি কেউ সমস্ত সম্প্ৰদ কামনা করেন, ভা হলে তিনি প্রতিনিম ভান্তি সহকারে সাকী ও নার্যাপের পূঞ্জ কাকে। উপ্রেক্ত মন্ত্র পরয প্রতি সহকরে তার পুলা করা উভিত। সান্ধী এবং নারার্যণ একরে অভ্যন্ত শক্তিপালী সংযোগ। তারে সমস্ত बत्र ध्रमान करका अवेर मध्यक्त (मीरसारगाह केंग्रन) छाड़े সকলের কর্তন, লক্ষ্মী-নারারলের পূজা করা। ভতিনত্র চিত্তে ভামিতে বাধাৰণ, প্ৰশাস কৰে কাৰ্যার সেই মন্ত্র স্কল ৰুবতে হবে এবং ভারণত নিম্নলিখিত জোনটি পাঠ করা "৷ তথীৱ

অধিপতি এবং এই স্বশ্নতের মুখ্য কারণ। লক্ষ্মদেবীকে काना प्राथम् व्यक्ति, काइम हिमि बार्ट्स मकिमानिनी हरू ষ্ঠার শক্তি অভিক্রম করা দুরর। তিনি এই রক্ত জগতে বহিবক শক্তিরূপে প্রতিনিধিত করলেও প্রকৃতগক্তে তিনি সর্বনাই ভগবানের অন্তরনা শক্তি। যে ভগবান, খাপনি প্রকৃতির কর্ষণের এবং তাই আপন্টি স্বক্ষাং পরম পুরুষ। স্বাপনি বজ্জমূর্তি। চিশার কর্বেকল্যবের প্রতিমৃতি লক্ষ্মীদেবী আপনায় উপাসনার আদি রূপ, বিনা অংশনি সহত্ত হজের তোগো। এই কর্জাদেশী সহত চিত্রত ধনে। উঠা, আর অধ্যরি ওবের প্রকাশক এক ভোজা। প্রকৃতপক্তে আপনিই সবভিত্য পরত জেকো। আপনিই मब्द बीरका भाषांचा क्या मचीरकी फेला महीत. ইলির এবং মনজাপা। তিনি নাম ও জাগন্তা এবং ছাপনি সেই লাভ এবং জংগার আমার এবং কালেও প্রকাশের স্বারণ। আপনার উভরে রিলোপের ব্রুনাস্থা धारेर नार्ट-पर्वे, चरकका हो केंद्रप्रशासक कामका, चानन्त्रत কুলার আমার মহান অভিলামসমূহ পূর্ণ ছোও।"

হাঁওক্ষেৰ দোখাতী ফাজেন—"এইভাবে শ্ৰীনিবাস क्ष मान्त्रीएकरीएक श्रामीन जिल्लाम सरह, गृज्यात कैनकरण मेतिरतं ककुमन गृह्म करत, शुनवात केरान्थ शृक्षा करहका। ভারপার কলিবিকার চিত্তে পুনারর লাখ্নী-নারাজগের স্তাব

करहरून क्षत्र: वरकाफिरसेंद्र **द्या**ण अदल करत श्रेन्ताच लर्जा **সহ ভগরতের পূজা করতেন। ভগবানের প্রতিনিধিকালে** পত্তিক প্ৰকাশ নিবেদনপূৰ্বক পাঠী ভাকে ঐকাপুক ভত্তি সহকলে পৰা করকো। প্রতিও জান পর্বার প্রতি হাত্তর প্ৰসন্ত হয়ে পাৰিবাধিক কৰে মুক্ত হকে। পাঁত ও পট্টার मध्य बञ्चन वद छाँए-सायम अस कार्ना कार्ना মথেট। কাবণ তাঁলের পরালাকের প্রীতির সালাধের কলে, জন্মা উভয়েই ভার কল ডেগে করতে পারকে। তাই পদ্ধী যদি এই হ্ৰন্ত অনুষ্ঠানে অসমৰ্থা হল, তা হলে अब्दि निक्री मध्यात और द्वार प्रानुक्षेत्र करत्व भारतम् वास পতিপরায়পু পদ্মী স্থা হলে তার সলভাগী হারে।। ভাৰত্তি প্ৰাচৰ এই বিশ্বহৃত ধান্তা কৰা উচিত এবং কৰনও অন্য কোন কাৰ্যবশত এই ব্ৰস্ত খেকে কিলিড इंद्रशा केरिक नह। धनाव, कुरमद ग्रामा, इन्दर्भ क्षत्र অনক্ষম আনির শ্বরা প্রতিদিন ব্রাহ্মণ এবং পতি-পূত্রবর্তী াহে নারামণ, হে কারী আগনবরা উভয়েই বিধের। স্থানের পূজা করবেন। পারীর কর্তনা আত্যন্ত ভত্তি সহকরে বিধিপূর্বক প্রভাহ ভগবান শ্রীবিশ্বর পূজা করা ভারণার, বিরুকে বাধায়ে স্থাপনপূর্যক তাকে নিবেদিত করার অহতাৰ অন্যদেশ মধ্যে বিভবৰ কৰে স্বৰ্ধং ভঞ্চৰ করকো। তার কলে পতি এবং পত্নী গুরু হাকে এবং ঠানের সমন্ত অভিসাব পূর্ণ হবে। সাবহী শ্রী এইভাবে वन वस्त्र वहें नृक्षांविश चनुक्षान कदायन। वक वस्त्र অতিক্রম হওয়ার পর, তিনি কার্তিক সাংসর পূর্ণিয়া তিথিতে উপ্রয়ে করকো। পরে। দিন স্কালে সান এবং व्यक्तमा क्टा भूवंबर क्षीकृरक्षक चर्चना करात भार, गृहामृत्य উক্ত পার্বধের পাকবিধান অনুসারে বৃত্তের সামে পঞ্ পারন দারা পতি অধিতে বাংচাটি আর্থন্ড সেবেন। ভারণার রাক্ষণনের প্রদান্তর বিধান করকে। রাক্ষণের रक्त और इस्ड धानेक्ष्म क्षमान बहरूका, एक्न सा प्रकृष খানা রহণপূর্বক ভক্তি সহকারে অবনত মন্তব্যে উদের গুণাম করে, ওঁংকর অনুমতি অনুসায়ে করং প্রসাদ গ্রহণ কর্মের ভোজন করের পূর্বে পতি প্রথমে আচার্যনে সুক্ষসনে উপধ্যেন করিছে, জার্থীয়ারজন এবং বছুবাছব সহ ৰাকসংহত হয়ে ঐতক্লাবকে প্ৰসাধ নিবেদন করবেন। ভারপর যুতগরু পারেসের অবশের পদ্মী **एकाम कराउन। और वकानामन मरन्छ शरामकारी** ৰবং সৌতঃগ্ৰাৰক। এই ব্লফ যদি শাস্ত্ৰবিধি অনুসাংর

সুন্দরী হতে পারেন। এই রত পালনের ফলে রোগী। করেছি।"

পালন করা হয়, যা হলে মনুস এই জীখনেই ভগবানের। রোগমন্ত হরে কর্মাক্তম মেহ লাভ করতে পারে। কেউ মাছ বেকে বাঞ্জিত অৰ্থ লাভ কৰতে পাৰে। এই প্ৰত - যদি নিতু এখা কেব্যালেক উল্লেখ্য তৰ্পৰ কৰাৰ সময়, লালনকারিনী ব্রী নিশ্চিতভাবে মৌলগার, ঐবর্ব, পুর, নির্দেহ করে স্লানুক্ত সহরে এই আখাহিকা পাঠ করেন, ত্ৰীপাৰ্তা বি পতি, বৰ্ণ, বৃহ ই ত্যুদি লাভ কৰবে। সাহলে দেবতা এবং পিত্ৰুৰ তাম কৰি অভাৱ প্ৰস্থ অভিনাহিত। কৰা বৰ্ণ এই ইত প্ৰকাৰ কৰে, তা চলে। হয়ে ঠার সমস্ত বাসৰা পূৰ্ণ করেন। এই বন্ধা অনুষ্ঠানের সে সমার সমায়বার পতি করে করের লারে। অসীরা পর বিষ্ণ এবং লাক্টারোবী বন্ধ অনুষ্ঠানতারীর প্রতি নমনী মর্থাৎ পৃতি-পুরুষীক ব্যালী বলি এই ব্রন্ত পালন । তাতার প্রদান হল। যে মন্তব্যক্ত পরীর্থান্ধ, লিভি কিভাবে কালে, তা বলে তিনি বৈশৃষ্ঠলোকে উঠাত হতে পাকে। এই এত অনুষ্ঠানপূৰ্বক পুলাবান পুত্ৰ মঞ্চৰণের লাভ মুত্রংস্য রাজী আযুদ্ধান পুর লাভ করেতে পারেল একা করেছিলেল একা সুধী হরেছিলেল, তা ভাষি পূর্ণরহণ বছ মা ও সৌধান্ত অর্থন করতে পারেন। সুর্বাগা রমনী আপুনের করের কনো করলান। সভবানি বিভাবিতভাবে সৌলাগ্যকটী হতে পাৰেন এক কুলুপা কৰ্মী অত্যন্ত সন্তৰ আমি স্তা আপন্যৰ কাছে বৰ্গনা কলাই চেষ্টা

यहे यह जवाश

সপ্তম স্কন্ধ

(ভগবৎ-তত্ত্ববিজ্ঞান)



ভগবান সকলের প্রতি সমদশী

कप्रयान श्रीरिक्ष अकरमत श्रीर मधानी, मुदल कर गरा তিয় হওম সাম্বের কোন দেবলে ইত্রের কর্ম কান্যান্ত্রীর তালের প্রভাবে প্রাধান করে করে এবং ওঁরে ছারানের म्हार हैलेक्ट रेस्टारमंत्र यह करहिस्समार नर्वकृत्छ वाद्य बनुदानिक हरा। एकम्हि राज्य वरकाक्षरात कहात সবাদশী ব্যক্তি ক্রিডাবে কারও প্রকি পক্ষপাত এক খান্য । বৃদ্ধি পাব, তথন অসুক্রো উর্বাচি সাধন করে এবং হত্ত ৰূমেও প্ৰতি বৈনীভাৰ প্ৰদৰ্শন করতে পাতেনা ভগৰান ওমোওগেয় প্ৰভাৰ বৃদ্ধি পায়, তখন যক এবং ব্যাসনোৱ শ্রীনিকা সাক্ষার বারমানক স্বাক্তরাপ। স্বাভারণ উর্লিড সংলা করে। ভালনা স্কল্পেই হাটত নিজন ক্ষেত্রালর পদপাতিত মধ্যে তার কি লাভং ভার কলে। করে সমু কর এবং ক্যেত্রালয়ে প্রতিবিদ্যানে ক্ষাত্র देख राजन वार्य जिल्ह दर्द ? फनवा= स्टार्ड निर्धन, क्रांडान। क्रांनान्य फनवान श्रीठीर हीएसा क्रान्या विहास তাই অসুবাদৰ আছু তেকে কল্প অক্টো কি আৰু থাসতে পারে ৷ মতএব অসুরক্ষে প্রতি তিনি ক্রিয়েব-পর্যায়ণ চলেন কেন্ত্ৰ হৈ মহাভাগ, ভাৰত্তৰ ন্যৱহাৰ পঞ্চন্যতপূৰ্ণ মা নিপ্লেক্ষ সেই সমকে আমার ক্ষতন্ত সংগ্র ক্রমেছে। মায় করে, নায়ারণ বে সকী নির্দেশ্য এবং সকলের প্রতি সমদলী ভা প্রফার করে আত্মর সেই সংলয় দুর করন 🖰

महर्षि ७७२एव (भाषामी कारलम-"ए महावास. স্থাপনি অতি উত্তর প্রশ্ন করেছেন। ভগ্রানের কাকিল্যালের কলিয়ে উন্নে অন্তের মহিমার কীর্তিত হয় क्रा स करूपात बातर प्रधाप साम्बनावक। क्षेत्रे प्रकि অভ্ৰত বিষয়টি নৰ্কন সংলাম-ধ্যাথ দুৱ করে। তাই নামন আদি সংবিদ্যা সৰ্বদা জীনৱাপ্তত কীৰ্ত্তন করেন, কালে ভাষা কলে ভাগখানের আতি আড্রাড চরিত্র প্রথণ এবং **कैटिन करता जुरसाम लाउ एत। यह**र्वे खानापद्दक शाहर करत स्थापि सकरान श्रीशतित कार्यकलान वर्गमा करा।"

"জ্যান্তম শ্রীবিঞ্চ সর্বদৃষ্টি ক্ষম্ম প্রকৃতির ওলো অভীত वादा छाउँ केरक बना हा निर्दन। त्यारुक् छिनि कहा, ভাই উপ্ৰ ক্লম এবং ছেখেন কৰা প্ৰতাবিত ক্ৰম পৰ্নীয় মেই ৷ যদিও ভগবান সর্বদাই জডাতীত, তবও তার স্থানৰ শক্তিৰ প্ৰভাগে তিনি একভণ সাধারণ মান্ত্ৰর **प्राटा प्राटिश्य रहा, जागालाहिएक अक्टान वह जीएक** प्रत्या वर्धक क्षरः पाविष चीवात करवान।"

তিনটি ৩শ জড়া প্রকৃতিকাত এবং সেওলি ভগনামকে স্কার্য পর্যন্ত করতে পারে না। এই তিনটি ওপ একই। মহিমারিক, ভাই উচ্চে কলা হয় উক্তমবা। যে রাজন,

মহারাক পরীক্ষিৎ ক্রিয়ালা ক্রানেন—"হে রাখাণ, সমলে প্রাম খাণবা পুনিকারে হয়ে বর্গে করতে লাভে না। ৰখন সম্ভাৱৰ বৃদ্ধি পায়, ছাৰল কৰি এবং চেপ্টোৱা সেই করের এবং ডিয়ালীল ক্রডিপণ উপলব্ধি বরুতে প্রতে কিতাবে তিনি নাগাধিকরশে প্রকাশিত হন। ঠিত ছেল। कारोग मान्य भवि, भारतन मान्य बन वा परीन क्राच ভালাৰ মন্তৰ হয়। বাছ তেমনী জীবন ভতিৰত कार्यक्रमार्थक भारत चनुभारत (यांचा मात्र त्य चनुन अस কে কেবল। খানুষে কাৰ্বকলাথ দৰ্শন করে, চিন্তালীল ব্যতি বৃষ্ঠতে পারেন কে কটো ভগবানের কলা লাভ করতে পেটেরেন। ভগবন বর্ণন শ্রীকের চরিত্র একে কর্ম গালুলারে বিশেষ মধ্যর পরীর প্রদান করার স্কানা বিভিন্ন ধ্যবহর পরীর সৃষ্টি করেই, ভাগম তিনি হয়, রক্ত এবং ক্তম-প্রকৃতির এই তিনটি ওপ্তে কুমরুম্পীবিস্ক করেন। ভারণর পর্যানাজনে তিনি প্রতিট শ্বীরে প্রবেশ করেন अन्य बरमाधानक धारत महि, मच्चानक धारा नामम अवर তেষ্টেওলের স্বার্য্য সংহার করেন। তে মহারাজ, জড়া এবং পরা প্রকৃতির নিয়ন্ত জনজন, থিনি সমগ্র ক্লগতের প্রষ্টা, फिनि बाफ़ इक्कि करा बीचरक करनात मीमात करन সঞ্জির ত্ওকার অন্য কালের সৃষ্টি করেন। ভাগবানই প্ৰকৃত্তি এক কালের মান্ত, মাতএই চিনি ককাও ভালের খালীৰ নম। ছে অজন, এই খাল সম্ভাগেকে বৰ্ষিত করে। এইভাবে বলিও ভগধান পরম নিয়ন্ত্র, তিনি সর্বতংগ অধিষ্ঠিত দেবতালে অনুত্রহ করেন এবং তমাওশ বিশিষ্ট অসুবদের সংইটো করেন। ভগবান কালের ঘরে। "तह ग्रहाराक गरीकिय। जक्, तक क्षार एक--और विक्रिकशांद कार्य जम्मानन क्राउन, किन्नु छिनी क्षत्रनक পদ্ধপতিত করেন মা। পদারতে তার কার্যকথাপ

পূৰ্বে হয়াবাক বুণিবিধ কৈনে আক্ৰমুহ কঞ্চ অনুষ্ঠান कर्त्यान , एक (वर्षा नक देत चाना वेसर उसर उसरे মান্তর্যালক হাধ্য নালা কর্মানালম, আ খেকে স্পাইকার বোলা যায় কে, ভারবান সর্বাদ নিজ্পক, এজন কি কর্ম GE सहस्रात्र संग् बहुद्वा संगतिक। तम् स्राह्म, स्थापुत ফোবারু বুলিটির রাজন্ম কলে লিওপান্তে ভগতন क्षेत्ररकार एक्ट्रा कीन एटा एक्टर (मर्ट्यास्टर्गन) **अस्** बाटाक शिक्ट वार्व, टिमि चमाना भविश्वत प्रशास ब्रह्ममञ्जूष अभूतिक स्मर्वार्थ आवश्यक स्मर्थ विश्वस्था इंदर्शक्तभाग ।"

পতি খাড়ান্ত বিষেধী হওয় সবেও অসুন বিচপান বে আনাচনা সেতে লীন ইয়েছিল আ অত্যন্ত অস্ত্ৰতাক্ষক। সেতাক্তৰিৰ কৰে, নেজে নাণ বলে হয় ক্ষীৰ হনে করে প্রচান পরসার্থবাদীদের পশ্বের এই সায়ুক্ত মৃতি কৃতি। তারও নাল হয়। ভগবান প্রতিমূধ পরম নিচন্ত্র এবং को होता 'छत्वर्तिरक्षें। लिक्क्स का नाठ काम कि करहर । तथक धीरको भरतका। इयरकु देश कह नहीं है (मेरे, ক্র হস্তান্তি, ভগবানের এই কৃপরে কালা জনতে আললা কাই ঠার আলি এক আললা, এই প্রকাশ করা ব্যৱসাধ সন্ধান অভার উংসুক। আমি ওচনছি যে, পূর্বে কো নেই। অভাবে তিনি নিজ করবা প্রশংসার বিশ্ব ব রাম্য এক রাজা অগবানের নিশা করেছিল এক তার। ব্রচিত হতের জুল মার তরা ভুল। তার পালে এই শ্রাতা দুর্যন্তি স্বাবক্তার চিরকাল প্রীকৃতকা স্থতি এই প্রকার ছেৰ প্ৰদৰ্শন কৰেছে। খনিও শিশুপাস এখং সভ্যক্ত কৰ ৰা অনুষ্ প্ৰমান জীপিক দিশা কৰেছে তবুও জালা किञ्चल १,४५६ कृते एसनि सन्द कार्य व्यक्तवार नायक अदन ক্ৰেনি। ভাতে ক্ষমান ক্ষণাৰ আৰুও হয়েছি। ক্ষতাৰ মূর্লভ মেই ভগবান শ্রীকৃষ্ণের লরীরে শিওলাল এবং গল্পৰা বৰ মহান ব্যক্তিবের সমক্ষে খানবাদে শীন स्टार्गहरू । प्रा कि करत ज्ञान स्टार्गहरू । औँ निराज्यन्य कालक चान्करमंत्र विवतः। वरङ्गत वाता मीनन्तिना (वस्त्रत আছিং হয়, সেইভাবে আহম বৃদ্ধি নিচলিও হয়েছে। বে বাস্থ্য মূনি, আপনি সর্বক, এই আশুর্য কিংগ্রে কান্ত कि। स्त्र चानति नहां करत सामास्य सन्दर्भ

वील उक्तार श्राचाकी वल्ताम-"वृश्तित

মহান্যালের অনুস্তাধ কলে করে, মর্বার, পরম সাঁকিক্টা श्वानुषर बेहुनक पूर्व प्राथमु कुन्त राह्मीकुन्न असे राहे বল্লে অল্পন্তাপ্ৰকৃত্বী সনুস্থাৰ সমকে উল্লেখিক পিছতি সাম

ार्यार्थ आरक्ष करायां —"द्व दासके क्रिका करा देनाम् क्रमदान अस् अभूत चक्रात्मर करने चनुक्र হয়। বহিবল প্রকৃতির লংগ্রেম এই জরু জনতে বুল্ল-বটা হোগ কমার কলা কলবানে বছ ক্লীকেঃ প্রতীয় সৃষ্টি প্রচেন। টে রাজন্ বর জীব কেবতিনাকের করে 'কর লবীবাৰ ভার আতা বাল মান করে এবং তার কেন্সে मुख्य मुच्नार्थक महत्त्व क्वारच छात्र मिर्का वर्षम महत्र হুহারাঞ্চ পুর্যন্তির জিল্লাস করেছিকো--"হুসন্সানের করে। তার এই তার ধ্বাসার কলে, সে চেন্সো এবং निका कानि रेक्ट-सारक कारा शक्तिक वेष। কলে সমস্ত ব্ৰাক্ষণেৱা তাকে নাকে নিকেশ করেছিলে। । ছৈতভাবের ছারা প্রশানিক হওৱা অসম্ভব। তাই কেউ শিক্তবালেরত নরকে গতন হওয়ার কথা ছিল। জা হলে স্থার শক্ত মন থাকর বৃদ্ধ নন। তিনি কর্ম স্থানুহতের দে গুলাবানের মেছে জীন হল তি করেও সময়েকের এও জেন তা তালের মাদ্যানটো জন্য এক কথা তিনি পুর পানী নিওপান বাল্যসংক্ষা সেই অস্কুট ক্লামন তার ক্রান্তান স্কৃতি অস্ট্রিকার করেন তাও উল্লেখ বন্দ্রনের ্থেকে শুরু করে ভার মৃত্যুর সময় পর্বন্ধ প্রীকৃত্যকং প্রতি । জন্ম। তিনি যতা নিশা বা প্রশংসার করা অভাবিত হন বিচন প্রদর্শন করে ভার নিশা করেছে। তেমনই হার 🔌। জন্তএন বৈশীক্তর অধনা ভলিবেরণ, ভার, স্কেই অংশ্য কাম-এর যে কোন একটি উপাত্তর বারা কোন খা কোনও ভাবে বছ জীব বুদি এর মন্ত্রক ভাগবানে क्रमा करन का साम चार करा अन्ये स्टब् कारण सामग्री আন্দেশ্যর স্থানার কলে শক্ষতা আ মিরাসের বারা তিনি #কেও প্রহাবিত হন ক।"

শ্বসকলে প্রতি বৈরীভাষালয় হলে যেভাবে ইয় চিতার ভারত ছঙার আরু ভঞ্জিবেধনের গুলা আ করে করে যার না। সেতিই আহমে নিশ্চিত বিচারঃ বাবা কর্তৃক (नगालंड बार्ड थंन्सक इंटर कींडे दाकर छन्न छ বেষপ্ত পেকা ভ্রমধ্যে ক্রমণ করতে কালে বর্মর হরে बार, एउडारी, क बीरका वरि कान व 'कानक सरक কোল সভিদলত বিশ্ব শ্ৰীক্তের কথা ছিল্প করেন, ভা হলে বারেও ঠানের সম্ভ পাপ থেকে মুক্ত ছকে। নিয়ন্তর উর চিন্তা করার কলে উরো উল্লেখ্য ভিত্রর দেহ প্রাপ্ত হকে। 🕶 ব্যক্তি গালকর্ম পরিতক্ষা করে গভাঁর মনেনিকেল সহস্করে কেবল শ্রীকরেছ চিন্তা করার চলে মৃতি লাভ করেছেন। এই মানোনিকো কাম কেনে, এক ক্ষেক, কৰা থেকে, সেহ থেকে, ডক্তি খেৰে হলে অঞ্চতে পারে। কেবল প্রীক্তমে মনোনিকে করার কলে ৰে ফিডাৰে গ্ৰীকৃথেই কথা লাভ কর বার জা একা ষ্টের কর্মন করব।"

°হে মহাভাজ বৃথিটির, যোগীগণ কচেবশভ, কলে ভারবার, শিক্ষণাল প্রকৃতি প্রজাগাণ পর্যাহারণার, জ্বাগা স্কুত্রনত, ভোষরা লাওবধুণ প্রেছবনত একং আহর। ভক্তিৰণত শ্ৰীক্ষের কৃপ্য প্ৰাপ্ত হয়েছি। কোন না কোন উপারে জীকুকের স্বরূপ স্বর্তীর নিষ্ঠা স্ক্রকারে চিন্তা ক্ষাত্ত হবে। ভারণার, পুরোলিখিত পাচাই প্রায় বে কোন একটির হারা কণকছামে কিরে বাওয়া দত্তন। क्रमा (सर्पा मरला नाश्चरकक्त किन्नु और शेहरी हैसा। मत्या (कान अकवित्र शारां के श्रीकृतका क्रिया कराव गाउदि, एवे छास्ता युक्ति गाफ श्वादि। चार्थक हा रकार केनाहारे दशक, बच्चाहरूरे दशक चचना प्रक्रासारके হেকে, জীকুকে মনোনিকো করা কর্তব্দ?"

িছে পাওবলোই, তোমার মাতৃত্সার দুই পুঞ শিওপাল এক গড়বজ পূর্বে ভগরন ঐবিফুল দুইকন প্রবাদ পার্বদ জিলেন। রাজনের অভিন্যালের ফালে উল্ল বৈৰুঠ খেকে এই ঋড় জগতে পভিত হয়েছেল।"

बकराम प्राथित क्रिकाम कारणम--"कि शक्ता (मेरे ক্ষ্য অভিনাল, যা নিডা সৃষ্ণ নিযুগ্ধ-চন্দেও অভিযুক্ত कारक मधर्च इरावित अंदर का गाँह जीन निरवित ह क्ष्मदास्मा बेकाविक कारान धारै पाठ काराट गुन्साव অধ্যেশক্তন তো অসম্ভব। ভাই, সেই কথা আমি বিখ্যান **कार्ड शांति नां। रेवकृत्रेवानीरपत्र त्यक् मृन्त्र्वतर्य** চিমার। তাবের প্রাকৃত কেছ, ইপ্রিয় অথবা প্রাক্রের সালে ক্ষেম সম্পর্ক নেই। সূতরাং, শুরা কিভাবে অভিনৱ बेरब कक्षतम मानुरक्ष भएल शाकुछ (मरहर देवहर चाकु হয়েছিলেন, সেই কথা আপনি দায় করে কলুন।"

क्योर्वे अक्षा कारमा---"थक भवा अव्यक्त छ।। शुक् সমস্ত, সমস্তন, সনাতন এবং সংক্রেমার রিভুকা পরিস্থান

আরম্ভ ভরননার্নেই হোক অধ্বয় শতভাবেই হোক, ভারতে করতে ছটনাঞ্জে বিশ্ববেশতে উল্লাপ্তিক स्ट्रास्थिका। यूनिस ट्राइ सहस्रम प्रश्नी प्रदेशि प्रार्थक রকার অন্যান্য পুরামের খেকেও জ্যেষ্ট বিশেন, তথু উল্ল िराना केंगर य समस्य दाम भीत **या का** कहत राज्यात कारका प्रदेश। अप तक विकास मामक विकास की ম্বালাল কৰন দেখালেন যে, তিনা কৈকুটলোকে প্রকেন করার চেটা করছেন, তখন জানের সাধালে বালক বলে যান করে, জারা জীনের প্রকো করতে নিকের কর্মজন। अरेकार्य कर कर विकास नामक कार्यभागामा करता প্রতিহত হয়ে, স্কার্ম আদি মহর্বিপুশ আত্যন্ত জোগেত সৰে উচ্চৰ অভিনাপ বিশেষ---'হে মূৰ্থ বাৰপালনত ভোষরা রাম এবং তমোগ্রাপের থারা প্রভাবিত, ভাট ভোষরা নির্বেশ ভগবানের শ্রীলামগারের আগ্রের প্রকার অবোগা। ভোমর একুনি কড় কনতে নালিকা আনুৱী বোনিতে অপথহণ কর।' এইভাবে মহর্বিষের ভারা অভিশন্ত হয়ে আৰু এবং বিজয় কৰা আৰু আগতে পঠিত হজিলেন, তথ্য তাঁদের প্রতি অতাত্ত দরালু করিব। অস্তিক্রে—'হে হাংপালগণ, তিন ছাত্রের পর ভাষরা আবার বৈকৃষ্টলোকে ভোষাদের গণে কিরে আসবে। ভৰ্ম তোমাধের লাপের কাল সমাপ্র হবে ট ওলবাধের और पृष्टे भार्तन क्षा करा निवस निवित्र भूकाराभ और कर समाज अभाग्यत्य करवित्ता। कार्यस मर्गा विशासनीय रकार्ष अन्य दिवयरक कनिके दिया। स्टाय দৈত্য এবং সামবারে যাত্র কতান্ত সম্মানের সামে পুঞ্চিত क्ति। कन्तान क्रीश्ति गृतिरहरण्य क्रान् व्यक्तिर्वृष्ट इस्त ছিরণ্যকর্মিপুকে সংহার করেছিলেন। ভগবান করে ব্যাহরণ থকা করে দর্ভেনেক সমূত্র কেকে পৃথিবীকে উভাগ করছিলেন, তথ্য বিরশ্যক জাকে সাধা দেওকার চেষ্টা করে এবং ভগবান ব্যাহনের ভবন ভাতে সংখ্য ক্ষেত্র। হিরপ্তবলিপু তার পুত্র বিভূতন্ত শুধু হয়। কলর জন্য তাকে নানাভাবে বাতনা সিয়েছিল। ভগতন সর্বভূতের পরমারা, গুলার এবং সমলনী। বহুন কড প্রভাগ থেছেড় অগবানের শক্তির স্বাধা সংক্রিড বিভেন্ আই বিরণাকশিপু মানাভাবে চেস্টা কর সক্ষেত জাকে বধ ক্ষতে গারেন। ভারণর ভারতা প্রীরিকুল গৃই ছারপাল ক্ষয় এবং বিজয় ফেলিনীয় গর্ডে বিজয়ার পুরুরতে মান্য এবং কুম্বকর্ণরাংশ জন্মগ্রহণ করেছিল। ভারা রক্ষাণের भवक लारका यका भूश्व-वर्धनात कारण स्टार्शन्त ।"

ভত্তৰণাক্ত কৰ কলাৱ কৰা আবিভূতি হয়েছিকে। ভূমি লার্কতের বাবর মূবে নিরামচন্দ্রের কাবিনের কাহিনী und कारत। सन अवर विकास सारमा कृष्टीत सरक restail মাতৃষ্পাৰ পুৰক্তেশ ক্ষরিষ্ট্রেল আভয়াহণ সুনি, প্রির পুর প্রচুম মানুরেলে প্রতি হিনাপুরুশিশু কেন बरवार्थ । कश्रवाम क्षेत्रपुरका गूरणीन-स्थान चावारक और क्षत्राच विष्टवी विष्ट अञ्चल बरायाक विकास আন্তর সমস্ত পার্ল বিনট বঙ্কার ভারা এখন শাপনুক্ত ভারতার প্রীকৃত্বের এই প্রকার মধ্যম ভাক্ত হতেহিংলানা हरवरक। स्थानक सीरिक्क और गुरे गार्थन कर अनः नश करा प्रान्ति सा साधारक क्लून ("

"ত্রে রাজন, প্রাক্তনারে অভিনাপ খেকে জয় একং বিজয় দীর্ঘকলে খেরে জয়য়য়েয় প্রতি কৈয়ীতাব পোকা লক্ষত্রক মুক্ত করতে ভগবান জীরামচন্দ্র রাজ্য একা, করেছিলেন। এইভাবে নিজের ভগবালের চিন্ত করত্র কলে, তীবা পুনয়ায় ভগবানের আবর প্রাপ্ত হতে चनवकारक किरत विद्याहिताल।"

মংগ্ৰাক বৃশিষ্টির জিল্লাসা কালেন—"হে গ্রন্থ নারণ



দ্বিতীয় অধ্যান

দৈত্যরাজ হিরণ্যকশিপু

कश्यान विका क्यान बहाए कारण दिवन्ताकरण वश ক্তব্যালন, ভখন হিবাসকো বাতা বিবাধকণিৰ মধ্যত জেখাভিত্ত হয়ে পরিভাপ করেছিল। জেন্তে ওটাবর দলের করতে করতে হিরপ্রকশিপ কোপ্যেদীয় চক্তে রোহানির ধ্যে ধৃত্তবর্গ আক্সন-মধ্যম জবলোকন করতে কাৰত কলত, কৰাল বছবিলিট, উপ্ৰদৃষ্টি একা ভানাক দর্শন ক্রকৃটিবৃক্ত মূৰে ভার শুল উথ্যোগন করে সকলেও पानवरस्त बरुपहिला, 'दश् रेगर्टर अगर मानारखा । दश विभूर्य, ৰাক, শক্ষ্য এবং শতক্ষা। হো হায়হীখ, নমুচি, পাক এক रैन्थमः। ८६ विश्वविश्वि, भूरशासन, मकून धनर चना नमस অসুব্রের। ভোরের সঞ্জে আমার কথা মাল কর কর বিলম্ব না করে সেই অনুসারে কার্য কর। আমান সপত শব্ধ কেবলারা আমার প্রথ প্রির এখা অনুগত বতাকার্যকী লাভা হিরণ্যক্ষকে বর্ষ করেছে। ভরদান বিষ্ণু যদিও দেবজা একং অস্ত্রানের প্রতি সমভাযানত, কিছ এখন বেকচানৰ ৰাবা নিষ্ঠা সংকাৰে প্ৰিত ইওয়ার ছালে, ভালের পঞ্চ অবলক্ষা করে জিল্মাকটো সমস্ত ধর্মের মৃতিমান উৎস এক ডিলি সমস্ত কেবজা,

এনারক বুনি কলকো—"হে মহারাজ বুনিচিব, কা করতে তানের সহারত। কালেন করুর এবং ্যেৰভাষেৰ প্ৰতি সম্বৰ্থনী মুখ্যাৰ স্বভাৰ পরিভাগৰ करहारू। चन्ति (स नहम नृक्ष्य, ४५६ अच्य, म्म मातार বল একটি অন্থিয় বলকো হতো দেশা প্রলোভনে মুখ হতে, দেবভাষের প্রসমতা বিধানের ক্ষান্ বর্গার্থনা ধারণ করেছে। আমি তাই আমার স্বের ছারা সেই বিকুল বভ বেকে তার মত জিল করো, তার ব্যক্তর করো আমার বক্তপিনাৰ খ্ৰাড়া হিব্ৰণ্যালের ভর্মণ করব। আ হলেই আমান পাতি হলে। বুপের মুখ্য ছোল করা হলে কেন ভার শাবা-প্রশাবা আগনা থেকেই ভক্তিরে জয়, তেমনই আনি বৰু সেই কাট-শ্বভাৰ বিশ্বকে হত্যা করব, তথন विकास (बरहारात किन्छै श्रुप। यबन चानि, विकृत, महास्वतकार्य ভুক্ত অৰুণ, ভুক্তা তোমরা বুখাণা সংস্কৃতি এবং করিছ-শ্বস্থাৰ মান সমূদ্ধ পুলিবীকে থিয়ে কণস্যা, বাম, কো অধ্যৱন, প্ৰত এবং লাম কাৰ্মে যুক্ত মানুককের সংহার अरहा। इक्षण मरक्रित युग श्रुक्त बस्त्रकृषी धर्ममञ् পুরুষ জীবিকুর হারেতা বিধান করা। ভাগরান শ্রীবিকুই

থবি, পিড় এবং জনসাধারণের প্রম জাল্লয় যখন क्षाच भएरत सथ नमा करन, छन्न कडिएएमत एक कशुक्राहर গুনুপ্রালিত করার জন্য কেউ জকবে দা এবং ভাষ কলে <u>(चन्दर्भ स्टब्स्</u> बाता क्षत्र मा क्षतात करन, स्थाकर থেকেই মত্তে খাবে। বেগানে বেগানে পাঞ্জী, প্রাথাপ, বেদ ও বেশবিহিত বৰ্ণাভাহ-থৰ্মের অনুষ্ঠান কেবাৰে, সেই স্থানে খিয়ে খাওল স্থানিয়ে বাও এবং উপজীয় বৃষ্ণসমূহ কেটে কেল।" প্রথম সংহারপ্রির দানকের হিলোকশিশুর আনেশ व्यक्त भरकातः भिरतावर्गः करा जन्म भारतः समाप्त नरह ভার আদেশ অনুসায়ে প্রীবহিংসার প্রবৃত্ত ইয়েছিল। দৈভেয়া বগা, প্রায়, খোচারণ ক্ষেত্র, উদ্যান, কৃষিক্ষেত্র, প্রাকৃতিক জন্মা, কবিদের আশ্রম, ফুল্যবান বাতুর খনি, কৃষকাব্যে, উপ্তঃকাৰু প্ৰায় এবং গোপপল্লী দশ্ব ক্রেছিন। জন্ম নাজধানী-সমূহও বস্ত করেছিন। ভোন ক্ষেম শানৰ খনিব খানা সেড়, প্ৰাচীয়, পুরুষারসমূহ ডেমে কেলেছিল। কেউ কেউ কুঠার হাতে আম, কাঁচল প্রভৃতি উপজীয়া গুৰুসকুহ কেটে কেনেছিল। কোন रका रेका बनाई काउँ मिटा श्रकारक बाराहार एक করেছিল। এইভাবে হিন্দাকশিশুর স্পাচরদের ধারা বায় বার অব্যক্তবিকভাবে উপজেত হওয়ার, অনুবেরা বৈদিক কাৰ্যকল্যৰ বন্ধ কৰে বিয়েছিল। ভান কলে বালচাৰা না भारत (भवडातांक चाउता विठलिक श्रावशिलात) केला তবৰ কৰ্মলোক পরিভাগে করে লৈভাবের অলক্ষিতভাবে, তাদের উপপ্রক্রে করকতি কমি করার জন্য পৃথিবীতে বিচাল করতে কাগুলেন। ব্যাহরর মৃত্যুত্তে হাড়াত দুর্ঘিত হৰে, বিৰুদ্যকৰিণু ভাষ অন্ত্ৰোটাক্ৰিক অনুষ্ঠান কৰে আতৃশ্বধের সাকৃষা সেওয়ায় কেটা করেছিল।"

"হে রাজন, হিমপ্রকশিসু অত্যন্ত কৃষ্ণ হয়েছিল, কিছ (बररष्ट्र (भ विम अक्थम यक वस सक्रमीक्रिक्ट, स्वीरे (म জানত কিডানে স্থান এবং কাল অনুসালে আচরণ করতে হয়। মধ্য বাকো দে শকুনি, লগন, ধৃষ্টি, ভূতল্বাপন, कृष, कामनास, प्रशासन, श्रीनक्षक बार, छेरका स्थक एस वाष्ट्रभागातक अवर कारमस भावत कार वाष्ट्रका कारास्त्र এবং তার নিম মাথা নিভিকে সাধান নিমে বলেনিল, ছে মাজে, যে আহ্বৰু, হে বাতুস্প্রেপৰ, মহান বীরের মৃত্যুত তোননা শোক করে৷ না, করণ শত্তর সম্প্রথে বীরের মঞ অভ্যন্ত প্রশংসনীয় এবং বাছনীয়। হে ছাডাং,

ভোজনশালার " হবা পানশালার যেরন পথিকেল একতে থিনিত হয় ,বং জনপান কলার পর ভারা ওপানত গৰকাৰৰ অভিনৰে গমন কৰে, ডেমনই জীবোৱা কোন পতিবারে একটে মিদিত হয় এক ভারণার ভানের কর্মনুক্ত অনুসারে বিভিন্ন হয়ে যে যার নিজের সভাচত্বল ভাইনেয়াখ ক্ষম করে। জীবারার মৃত্যু মেই, কালে সে নিত্য ধান অবার ৷ উত্ত করণ থেকে মুক্ত মুখ্যার কলে, সে ক্রান্ত ক্ষপ্ত অথক চিং-ক্রমতের বে কোন স্থানে কেতে পারে। ে পূৰ্ব **আ**নমধ এখা সৰ্বজ্যেন্তাৰে কন্ত কেই খেকে ভিছ क्ति कर क्य वरिवलन क्यक्तिक क्रांत करत, जरक ককা প্রকৃতির সৃষ্ট সৃষ্ট্র এবং সূল শ্রীর করণ করতে ক্ষত হতে হয় এবং তার ফলে ভাকে ভারতবিত স্থ এবং দুঃখ ভোগ করতে হয়। ভাই আদার দেহতাবে শ্বেক করা উচিত নর। মধ্য চক্ষল হলে বেয়ন তীর্নাচ্চত জনে প্রতিবিধিত কৃষ্ণালিত চথল বলে মনে হয়, তেমাই ফানিক বিগায়ের কলে বৰন চকু বৃত্তিত হয়, ভখন ভূত্তিও পুরক্ষে বলে মনে হয়। হে বাতঃ, ভেমনই का १४४ बाह्य जन्नित शरमा बाधा किलिंड हत, फसर খীৰ যদিও সৃদ্ধ এবং খুল শহীকেই বিভিন্ন কৰ্মা থেকে मञ्जूषी प्रक. चत्रव प्रदेश करते करते हैं, दोने कर कर का (शर्रव আৰ এক অবস্থায় প্রিবর্তিত হতে। জীব সোহাজন करहाब क्षेत्र (मर्थ धावर ३ एक करबी वरण पटन भटन কোৰ ৰাজ্যকে ভান আৰু এখা কান্ত কোন যান্তিকে পর বলে খনে করে। এ আজির ফলে সে গুংবডোর করে। প্রকৃতপক্ষে তার এই মনোভাবই এই অভ কান্তে क्ष्माविक त्रुव अवर मुहर्गत काला। अरेकारक भावश्विक হওয়ার কলে বন্ধ জীবকে নিভিন্ন বোনিতে স্বাহ্মসূত্র কলে বিভিন্ন চেতনৰ কাৰ্ব কাছে হয় এবং গুলু ৰূপে নতুন শেকো সৃষ্টি হয়। এই দিয়কা কর-জার্যান্তক জীবনকে क्या शत मरमात्र। धाँदै मरमारशक करणदि सम्बद्ध भूछा, শোক, মোহ ও চিতার উদর হয়। এইভাবে ঞ্বানত আধানের বিবেকের উদর হয় এবং কবনও আমরা অস্তানের অভকারে পতিও চই। এই বিষয়ে এইটি धातील देखिहारम्य देशाहस्य (मध्या हरताहरू। अट्ट प्रजास अवर ५७ ककिन कारणमत चारणकर वर्गन कत श्राहरू । यदा करड का मिलारगंत सक्तारंड दक्षा बहा।" "উলীনর নামক বাজো সুৰক্ষ নামক এক বিখ্যাত

_{পার্বা} ছিলেন। তিনি কুকে শত্রুবের হতে নিহন্ত হলে, এল আত্ৰীরক্তালের উলা মুখলেকে চার্লিকে বেটন _{মারে} লোক করছিলেন। জীর রত্তমত করত বিনীপ্ ক্রার্নার্কে এবং আরমে ও কলা ছান্চ্যত চ্য়েছিল, উন্ন कारणार्थ विकास इत्यक्ति धन्त एक्क्स निधान इत्यक्ति, केन्द्रमा निरश्हिता !" এডাবে পদ্ধর বার্ণের হারা ক্ষমত নির্ভিত্ন হয়ে সিহত গ্ৰেই প্ৰায়ন্ত কৰিয়ায়ুত কলেনৰ বৃদ্ধক্ষেত্ৰে পান্নিত ছিল। ধনিও আমান থেকে নানে অনুনক বছ, এটা ভালভাবেই মতার সময় রাজা তাঁর বীরন্ধ ধ্যার্শন করতে চেয়েছিলেন এক তার কলে তিনি তার করা দংলন করেছিলের এংং গ্ৰহ বাত সেইভাবেই ছিল। তাৰ পৰের মতো সুসৰ প্রথমতার এখন কালো হবে গেছে এবং স্থা বৃদ্ধক্ষেত্রত _{প্ৰমান} ধুসরিত। তাঁর বাহ একং গুলুপান্ত হিরভিন্ন হয়ে। বিষেত্রিক। মহারাক উশীনকের মহিবীরা ঠানের কামীর মাৰ, শুনি নিক্ত হবেছ, আমলত হত ব্যেছি।" ব্যা জা এইভাবে আকেপ করে জাঁরা ভারের ককে জ্বায়াত ভারতে করতে তার পায়ে পতিত হতেছিলেন। সহিবীর। ছবন উচ্চত্তরে প্রশাস করছিলেন, তথন জালের অপ্রসারা ঠানের হাত-কৃমকৃমে ব্যঞ্জি হয়ে টোগের পতির পারণছে नविक दशक्ति। फाला राजनाम विकास प्रत्यक्ति वकः কলভার খনে খ্যাড়ছিল। এইকারে জারা সকলের অররে শ্বেক উৎপাদন করে তাঁদের প্রতিত্ত কুলুতে বিদাপ করেছিলেন। সে শ্রন্থ, নিষ্ঠন বিধানো আপত্যকে আমানের इक्ष कर्णाहरू निरह त्वर्छ। भूर्व काननि देनीनस्थानीरान्य युद्धि अपना करत भागत कतरहत अगर জন কলে ভারা সুখী ছিল, কিছু এখন আগনায় এই चनका जातभर (मार्किट कार्य क्रावरक) यह ग्रासम, 🖎 বীন, মাপনি আমানের অভ্যন্ত কৃতক্ষ পৃতি এবং প্রম गुरार हिरमत। धानन्तरक सन्त्र धामता विकारम धान शान करवा । एवं बीद, बानि एकारी मास्ट्रम অন্যাসরও সেই স্থানে অনুধানে করতে আনেশ করন। না করেন, আ বলে যার অন্যান্ত সুক্ষরভাবে র্যাক্ত ধনও আবর সেখানে নিয়ে আপনার পথছকের সেবা করব। व्यवस्थानस्थ भाजिन प्राणनाह महा निष्ट ४५०। यनिय ৰাজ্যাহ লাভ করার জন্য সময় উপযক্ত ছিল, কিছা बहिरीता का मिरत राहरू का निरंत, छेड़रान वृष्ठ गाँठरक ন্সেলে করে বিলাপ করতে লাগলেনঃ ইতিমধ্যে সূর্য কর জীবৌ তার কর্ম অনুসারে বিভিন্ন প্রকাশ করে প্রতি

রাজাও মৃত পরিত্রের মধ্য বিলাপ করে উচ্চছরে রুশন কর্মাছনের, তথ্য ব্যালয় পেকেও ব্যালয় তা তনতে পের্চেন্ট্রেন । একটি যালকের রূপ বারণ করে, ব্যরাজ 'एक' मुख ब्राकात चार्काय-एकनएनत कार्ट्स अट्टन करें

देशियरराक्ष समामार--"थादा, कि चरफर्र : अहा काल ता. मह-महत्व भीतरमंत्र कव हरताह अन्त पृथ्वी খ্যাহছে। ভাই ভাগের বোঝা উচিত যে ভালেরও সূত্র रहर, किस करूव छात्रा (आयास्त्रा) अब कीवाका तक অজ্ঞান হৈনে খেকে আগে এবং মৃত্যুর পর সেই ব্দর্শনিচিত ব্যুক্তে পুনরার কিলে বার। প্রকৃতির এই নিহমের কোন ব্যক্তিকার হয় না। কিছু যে কাল সংখ্ ন্যা কেন বুবা লোক ক্যাছেং নাই নয়মা ব্যাপাঁটেও হে আমানের মতের জ্ঞানত নেই জা আবারে জাল্ডর্বের বিষয়। আন্ত্রা অবশ্বাই অভার ভাল্যবান, কারণ আম্বা মাখানে পিতায়তা কর্তৃক পরিত্যক অসহরে শিও হলেও বাছ অনি হিংক পশুনা আমধ্যের থেছে কেলেনি। चार्यात्मं १६ विश्वास स्टाइट्ड त्यः, चिनि चरमादन्त्र स्टल्स्ट्रंड রক্ষা করেছিলের, তিনিটু সর্বার অন্নাধ্যের ক্রমা করকে (*

वनकर्षः असे कानीसम् अध्याक्षा करत कारहान-"হে কলোপণ! অবায় পর্যেশকের টুচনুর দারাই এই কিং সংসারের সৃষ্টি, পালন এবং সংহার হয়। এটিই বেদের বাবী। চরচেরপ্রেক এই বিশ ঠিক উল্ল ক্রেলনার মতো। বিনি পরশেষ, ছাই সৃষ্টি ও সংখ্যা উভয় কাৰেই ডিনি পুৰ্ণজনে সমৰ্থ। কথাৰ কৰ্মৰ মানুমের ধন ৰাজ্যৰ বেখানে সকলে মেখতে পাৰ সেইখানে হারিছে গেলেও, ভাগের কলে রন্দিত হয় এক জন্য েঞ্চে তা দেখতে পার না। এইভাবে দে ভার হারিয়ে ্যাধরা বা নিয়ে পার। পাকরেরে, কনবাম যদি মাকা अतिक यात्र। सम्बद्धाः यसि सन्धा करका, सा अस्त वरस्थ মধ্যে অসহার কভিত জীবিত থাকে, জানর গৃহে আধীৰ-বক্ষমদের হারা অভ্যন্ত সুৰক্ষিক ব্যক্তিকও মৃত্যু ছয় এবং কেউ তাকে রক্ষা করতে পারে ন। ততিটি শশ্চিম বিকে অন্তচেতে গ্ৰহণ করাজন। রানীলো বখন হর এক কর্ম সমাপ্ত হলে ভার প্রদীরও কিন্ট হয়। আৰা ঐ সমত সুধ এবং সৃষ্ট টেহে অবস্থিত চ্যোও (मेटर्स बर्स ट्रक इड मा कावन बाचा एस (शंक সম্পূর্ণরূপে ভিছ। পুরুষামী কোন বছ থেকে পুথক **ইওয়া সংখও তার গৃহটিকে তার থেকে অভিনা বলে মনে** করে, তেমনই বহু জীও অক্সনভাবলত ভার পরীরটিকে তার আন্ধা বলে অন করে, যদিও প্রকল্পনাক ভার দেখটি ভার আৰু খেকে ভিন্ন। মাটি, বাল এবং আওলের অংশ থেকে জীব ফার সের বাত করে এবং করা সেই খাটি, बन बक्त चार्चन सम्बन्ध दिवस शास हर, छन्न और (सर् निन्डे एता भाग । (मरका मृडि धार किनाला महा আহলে কোন সম্পর্ক নেই। 'কমি কোন কাঠে অবস্থিত হুওয়া সন্তেও ভা থেকে পুথক ৰলে প্ৰতীত হয়, বারু বেহন মূৰ একং নানিখনা জড়ান্তরে প্রকলেও দেব খেলে **किंग रहन रहन यह अर्थ कारुम्म (राम्म गर्रगङ १७३**) সম্বেধ কোন কিছুর হয়ে বিভিন্ন হয় না, ভেমনই পঞ্ (रहरू सहदा च्यानह कीत अवृष्टभरण संद (सहस्त केरा) अवेर का (करक नृशक।"

স্থান্ধ নামক বে স্থান্তিক জন্য তোমনা লোক করছ, তিনি ছো ভোষালের সন্মানীই শাবিত করেছেন। অভএব ত্যেয়া শেক কৰে কো? পূৰ্বে তিনি ভোমানেঃ কথা ভনেতান এক ভার উত্তর নিয়েছেন, শিল্প এখন ভাঁকে ন্য পেয়ে জোমরা পোক করছ। এই আচরণ ভো আসসত, কারণ দেহ আভ্যন্তরন্থ যে থাজি ভোমালের কথা একা করেছেন এবং উত্তর নিরেছেন জাতে ছো তোময় কথনও দেশনি। মাতথ্য তোনাদের শেক ক্যার তো কোল কাইল নেই। কোনো বে মেইকে তোমরা সর্বদা লেক্ষে, সেই দেহ তো এখানেই পাবিত বংগছে। এই লেছে সৰ চাইতে ওক্তবুপূৰ্ণ হক্তে প্ৰাণবাৰ, কিছ ভাঙ লোতা বা বক্তা বৰঃ প্ৰাণ কেকেও জেউ যে আৰা দেও স্বতন্তভাবে কিছু কমতে পারে না, কালণ প্রমাণাই হজেন প্রকৃত নির্দেশক, বিলি আছার সঙ্গে সংযোগিতা করেন। अहीरतर कार्यकान नविधाननकारी भवगाचा वह अवर প্রাণ থেকে ডিয়। পঞ্চড়ত, মপেল্রির এক মনের সময়নে স্থান এবং সৃত্যু সেন্ডো বিভিন্ন কলে গঠিত হয়। और बैश्कृष्ठे अवर निकृष्ठे छात्र और मधल बाँक स्मारत সংস্পর্যে আমে এবং পরে ডার বীর দক্তিবলে

সেওলিকে জ্বাল করে। শীবের বিভিন্ন প্রকার পরীর পাছের ক্ষতা খেকে এই কা উপদত্তি করা বার। আছা বতক্ৰ মদ, বৃদ্ধি এবং অহকার সমায়ত সুদ্ধ মেহের হারা আহুনিত থাকে, কডকা সে সঞ্চাহ কর্মের বৰ্তমে আৰম্ভ থাকে, এই আৰ্থপের কলে আৰা ছতা প্ৰকৃতিৰ সংগ্ৰ সম্পৰ্কপুঞ্চ আৰু এবং জন্ম ৰাজ্যভৱে অহিশ্যাকণত বিপর্যবন্ধণ ক্রেশ তেখা করে।"

"লেভির ৩৭ এবং জ তেকে উৎসা তথ্যকভিত স্ব এক গাৰতে বাস্তব বস্তুত্বে দর্শন করা এক ব্যাপ্ত করা निकार। काश्रय करतात का येक्स विस्तृत करता वास প্রানুষ নিজেকে অভান্ত ডক্তছপূর্ণ বলে মনে করে, অকল ব্যৱে নিষ্টিত অবভাৱ সে কৰন সুন্দরী ব্রমনীকৈ সজেৰ ক্ষতে হলে নপ্ন করে, তা স্বই নিছক স্বপ্ন সাত্র। ভেমনী, ইতিরকাত সুধ এক দুংগকে অপহীন বলে ক্ষম উচিতঃ আছম কজিয়া আতাৰে নিতা এক দেহতে অনিতা বলৈ জনার কলে, ককণও লোকের ব্লীড়ত হো দা। কিছা স্বরা স্বরণ স্থান এইড, লোক "হে শোলাঠানণ, ডোমনা সকদেই শিভান্ত মূর্ব। করাই ছামের স্বভাব। ভাই মেহালয় ধান্তিকে শিকানান কত্ৰ অভ্যন্ত কঠিন। এক নহয়ে প্ৰকটি ব্যাদ ছিল ছে আহারের প্রলোভন থেখিরে পাশিলের ভার জাল নিয়ে ধরত। সে কো মৃত্যু খার তেরিত শক্ষী-বাতকরংশ নিষ্ণক হরেছিল । বাদে বিচাল করতে করতে সেই স্বাদ क्षणरकाषा कृतिक नभी (संपटक रंगण)। साहे পকীকালের মধ্যে গকিবী সেই ব্যাহ কর্তৃক প্রদূর্য হয়ে ভার জালে ভাবত হয়েছিল। যে সুবজ্জো মহিবীবন, কৃতিৰ ভাল ভাৰ্যকে বিভিন্নে মহা বিশাবক কৰ্ম কৰে কতার মুর্নেক হরেছিল। সেই ক্রমহার পক্টাই ভাকে মুক্ত ঋরতে অসমর্থ ছয়ে, সেহবর্ণত দীনতাবে বিলাপ करक मानम। हाब, निभावा कि निर्मत्त। आमात निभावा भवी बाग्याम हतः चामत कत (भारू कारह) और पीन शक्रीडिट्क निर्देश विधायक कि लाख शरव ? चीता कि अरबायम मिन्द्र करवा। मिर्नेत्र विवास यपि पामान पर्व ক্ষেত্রক ভার্যাকে নিয়ে জ্ঞা, ভবে ডিনি আমাকেও নিয়ে মান না কেনাং পারীরে বিভাচে সংখ-ভারোক্রার কর্ম কোং নিয়ে জীবিত খেড়ে আমর কি গভেণ পূর্তাণ্ড মানুরীন পক্টাপারকণ্ডলি কুলারে ভালের যা ভালের খেতে মেনে কলে প্রতীক্ষা করছে। তাদের এবনও পর্যা পার্যারনি।

লাহি ফিতাবে তাদের পালন করব। আরু গ্রেড জান্তালে আকৃত্য হতে কৃত্যিক পক্ষীটি অঞ্চপূৰ্ণ নহতে জিলাল কর্মাধন, তথ্য সেই কাল মেনিত ব্যাস গোলান চৰ খেকে সেই কৃতিৰ পৰ্যাটিকে বাগে কিছ কৰে হতা। कटर्रावर ।"

বালককাৰী বৰবাঞ্চ মহিৰীয়েৰ খদকেৰ—"চেম্বর अवत्य अर्थे पूर्व (र. इटायता जिलासन प्रशासक कर्न् একত পারছ না। আভানভালতে তেনেরা কুমতে পারছ আ যে, জোমানের পঠির জন্য একশ বস্তা খনে পোন ভালেক ভোমরা আরে ভাকে কিয়ে পাবে ন্যু এবং ইতিমধ্যে ভোমাদের আতৃও লেব হরে বাবে।"

ভিৰণ্ডশিপু কাল - বিষয়ক্তে চৰৰ ধালকজ্ঞাল अधरणक मृज्यगहरक विरव धाका धानीत-प्रकारस्य এইভাবে উপাদেশ বিজেছিলন, ভবন জানা আর সেই বিশ্বত ছবেছিলেন এবং জীবনের প্রকৃত স্বর্গনে भागनिक संगी अवन करन दिनाता हरूवान हरत्रहिल। ভাৱা বুখতে পেরেছিল বে, এই ক্লড় স্পানত সৰ ক্লিট্ট

অনিহ্য এবং কোন কিছুই চিত্ৰকাল থাকৰে না ৷ সুকলোৰ মূৰ্ব আৰ্থান-সঞ্চলদেন এইডানে উল্লেখ নিয়ে বালতকাৰী বানাক সেখান খেকে ক্ষর্তাইত প্রয়োগ্রকান। ভাকা রাজ্য ন্দানের আবীর-স্কর্তান রাজার অন্যেতিরিকল সম্পাদন করেছিল। স্বাক্তনে স্থোমানের নেরের ভাল পোক করা फेरिक संह--- हा हम जिस्कार है हिएक वा नहत्त्व हों हो। यामानवानगर्ध्ये मानुष "स्त्रवि (क १ स्वानाता (क १ कि আমার? কি অলের?" এইতাবে বেহছনিত ভোকার

क्रैनावव पृति क्लाल्य—"हिङ्गाकविन् এव। रिजनारका प्राप्त मिलि संबद्ध नृहत्वम् कर्वाद व्हिन्दारका পত্নী ক্লামান্ মহ বিবশ্যকনিগুর সেই উপদেশ খবন করেছিলেন। কথা তিনি তার পুরুষ মুখ্যকনিত শোক মনোনিকো করেছিলেন।"



ততীয় অধ্যায়

হিরণ্যকশিপুর অমর হওয়ার পরিকল্পনা

नारम पृति यहाराज्य पृथितिहरू कारणान—"रिकासाज विश्वपार्कतिन्तु व्यास्तित्व अवर अन्ता क मुख्यावरित इरह চের্ছেল। সে ঋদিম, সুধিমা আদি সমস্ত কোগদিছি নাভ কাতে চেয়েছিল, মৃত্যুতীন হতে চেয়েছিল এবং ইনলেক সহ সমগ্র ক্লানেক একচন্দ্রে ত্রিগতি চ্তে **্রেম্বর্ডিশ। হিমণ্ডকলিও মুক্তর পর্যন্তের উপপ্রকার** শারের অন্দেশের উপর ভর করে নাডিয়ে, উর্ফাবন হরে এবং অকাশে নৃষ্টি নিবছ করে অভার কঠের তপান্তা ^{ক্}মতে গুৰু করেছিল। এইভাবে থাকা বভাৱ কঠিন নিছ সে সিফিলাডের উপরা স্বরূপ সেই অবস্থা অসসক। केटविन । हिरुपाकिन्द्र कहे। एवटक अन्यानकीन मूर्वन দিবদের মধ্যে উচ্ছল এবং অসহা দীন্তি বিজ্ঞানিত হতে

লাগল। উয়ক এইভাবে কঠেবে ভলসংখ্য বেশে इकार विक्रमकारी स्वयन्त्रता स्टेशन विक विक सूर्य প্রত্যাকর্তন করেছিলেন। বিস্পাকশিপুর করের অলস্যার **কটো তার বারক কেকে মারি বিজ্ঞানিত হরেছিল এবং** সেই অনি ও তার পুন সারা আকাশ কৃতে ছড়িতে গড়েছিল এবং জন ভাগে সমস্ত গ্রহলোক ভাতাত উদ্ধান হয়ে উঠেছিল। ভার কঠের ভগন্যার প্রভাবে মানী এবং সমূত্ৰকলি কৃষ্ণ হত্তেবিশ, গৰ্মত এবং ধীল সহ ভাশ্ৰষ্ট কম্পিত খ্যেছিল এক প্রথ-সক্ষরতাল বিভিন্ন হয়েছিল। मन विक शक्तिक स्टाइन्। दिशक्तिका करहेत খণসার মলে সঙ্গুর এবং অভ্যন্ত ফিলিভ হছে, সম্প্র দেবতারা বর্গলোক পরিভাগে করে ভুক্তালেক

ক্ষামন-বাসনা থেকে সম্পূর্ণরূপে মুক্ত ভিগ্ন। ভিন সর্বাল স্টার ইন্দ্রির এবং প্রালম্ভে সংবক্ত করে, স্থির বৃদ্ধি এবং দুচুসংকল সহকারে তীর সমস্ত কামবাসৰা দুমন করে^{ছি}লেন।"

"रह देखिन, अञ्चल महासारकत महर शुनावनी साक्षत मानदाम प्रदास क्षेत्र देशस्त्रहा कीईन करा शास्त्रन। সমক সদ্ধাৰ বেমন ভগবানের মধ্যে সর্ববাই বিরক্ষেয়ান, ভেমনই তার ভার প্রহাদ মহারাজের মধ্যের সেইওলি নিডা বিরাক্তমান। হে মহায়েক যুখিন্টির, যে সভায় সংব এবং ভগবন্তভাষের সম্বন্ধে জাল্যেকে হয়, মেখানে অসুরাদের শক্ত দেকতারাও মহান ভগনপ্রক্ত প্রস্থাদ मध्तारकत मुद्देश्य উद्धान जरका। चानमारका मरका महरू ব্যক্তিদের তো কথাই নেই। হায়াদ মহারাজের আসংখ্য ক্ষাবদী কে নির্ণয় করতে পারে : অসুষেধ জীকুজের প্ৰতি খাঁর অভিনিত হয়ে এবং কলা ভক্তি বিদ। ওয় পূৰ্বকৃত কভিৰ প্ৰভাবে ভগবান শ্ৰীকভেৰ প্ৰতি ভাৱ স্বাস্থাবিক আসন্তি হিল। বলিও ঠার সহত্যতালীর পানা করা সম্ভব নয়, তবুও তাঃ কলে সিদ্ধ হয় ৫২ তিনি ছিলেন একজন মহাস্তা। প্রস্থান মহায়াক জন বৈশ্ব থেকেই শিকসুলন্ধ খেলাখুলার গ্রন্তি উন্মানীন ছিলেন। প্রকৃত নক্ষে ভিনি সর্বভারতারে সেগুলি পবিভাগ করে. শ্রীকরের ভাষনার পূর্বস্থাপ মন হরে জড়াং, জবল্ল গ্রাপ্ত स्म। (वटरपु फेल को नर्वश कथानावास यश शास्त्र. ভাই তিনি বুৰতে পাঞ্জেন না কিতাবে এই স্বাধ ইঞ্জিয়তৃত্তি সাধনের কর্মকলালে মধ্য হরে পরিচালিত स्टब्स् । श्रेष्ट्राम महाश्राम नर्यमारे वीकृतका विश्वाय यथा ধাকতেন। এইডাৰে ভগবালের ছাত্র সর্বদা আনিসিত হবে, তিনি উপলব্ধি করতে পারতেম না কিডাবে উপবেশন, পর্যান, ভোজন, শতন, পান, কথোপকথন আদি দৈহিত প্রয়োজনগুলি আপনা খেকেই অনুষ্ঠিত হকে। কৃষ্ণামে বিহল চিত্রে কথনও তিনি প্রাথন করভেন, কথনও হাসভেন, কথনও আনক প্রকাশ করভেন এবং কৰনও উচ্চখনে কীৰ্তন কৰছেন। কৰনও

क्ष्मवात्क सर्भन वहत, शहार शहातक भूगे वेदनगत गरन ইচেম্বরে কাকে ভাষতেও। ককাও আনকে লাফার্বাইস্ত হয়ে মুখ্য করতেন, কৰতে জীকুমোর চিত্তর ময় ইরে ভশ্বতা লাভ কৰতেল এবং ভাবে বিভোগ হয়ে समयात्मा मीनात अनुवर्तन कहाउन। कवनत कवनत ভগবানের করভয়নের আর্থ অনুভব করে, ডিন্নি আনন্দসন্ম হলে মৌন হলে থাকডেন, তার দাবীর নোমাকিত হত এবং ভাবে প্রেমে তার অর্থনিখ্রীলিত নের থেকে অশুধার খরে পড়ত। অবিধান ৬ছ ভারতভের সদ প্রভাবে প্রয়াদ মধ্যরক্তে নিরন্তর ভগবানের শ্রীপাদগবের সেবার বুক্ত হয়েছিলেন। স্টার পর্ব चानच्यद्व क्रम धर्मन करत, चाशाचिक स्टाटन प्रतिह বাক্তিরার শরিষ হত। অর্থাৎ, প্রহুদ মহাক্রক তাদের দিস্ত **অনেশ্ব চানে করতেন। হে বহারাজ বৃ**ধিচিত্র, বিষ্ণ্যকশিশু সেই মহাভাগবত, মহাভাগাবল প্রস্থানতে নিষ্ঠতৰ করেছিল, যদিও ভিনি ছিলেন খাল নিজেন পুর।"

भश्तमास वृधिकित कारमध-"८६ स्वर्ध, ८६ मुद्रक. গ্ৰহাৰ কৰিও হিল জাৰ পূত্ৰ, তবুও হিন্নগাকশিশু কিজাবে শেই নিৰ্মল ভাৰৰ মহাক্ষাকে গুলৰ নিয়েছিল ৷ এই বিধৱে আমি আপনার কাছে জনতে ইচ্ছে করি। শিতামতা मर्वमदि छै।स्त्र महामस्त्र अछि स्वरूनतास्य दल। भहान অকথ বংগ শিতামাতা ভাগের ভিরন্ধার করেন। সেই তিরক্তা শরুত্রর বংশ নয়, পকাতরে সন্থানদের শিক্ষার ক্ষন্য এবং হোর ক্ষরতার করে। কিন্ধ প্রত্রাদ মহাতাকোর লিজা হিন্দুকলিশু কিভাবে তার এই প্রকার মহান পুরকে উৎগীতন করেছিল? সেই কথাই আমি ছানতে উৎসুক, এই প্রকার আঞ্চানুততী, সমক্রারী এবং পিতৃভক্ত পুরের হাতি বিংসা আচরণ করা পিতার পক্ষে কিন্তাবে সম্ভব হতে পারে? হে বাদ্যা, হে প্রস্তু, মভাবত প্রেহণীল পিতা ভার মহান প্রেকে যত কেওয়ার উদ্দেশ্যে ভাকে হত্যা করে চেট্র করতে পারে, সেই কথা আমি কথনও ওনিনি। বরা করে আপনি আরায় এই সলেই বুর

প্রথম অধ্যায়

হিরণ্যকশিপুর মহান পুত্র প্রহ্লাদ

ारति अपन्य क्यारम्य--[™]श्चित्रकानिम् स्त्रीति सम्दर्शन _{ব্ৰোটা}ৰ্থকৈ আনুষ্ঠানিক কাৰ্বকলাল সম্পাদন কলার জন্ম _{जीवर्याहरू}का काम करतिहरू। कामठाएर्द्य हुटे १८॥ ३७ ক্রা অমর্ক ছিল্পাকশিপুর পুরের নিকটো বাস করত। ল্ডার মনেরাজ পূর্বেই ভাগবর্মন্তর শিক্ষার নিকিন্ত ছিলেন্ জিল্ল তার গিতা যথন শিকা নাতের করা ঠাকে तामकार्यत मुद्दे नुरक्षत कराहे राजिन कवरतान, एका छात्र প্রান্তক তাদের পাঠপালার জন্য অসুও-ক্ষাক্তনের সভে লাল করেছিল। শিক্ষকেরা রাজনীতি, ক্রানীতি ইত্যাদি Gaza বে শিক্ষানান করেছিল, প্রভূমি অকলাই ভা জনগ क्षाविकास क्षेत्र भारत करत्रक्तिमान, किन्नु रिप्ति कृषास्त्र লোবাহিলেন যে, প্লাক্ষনীভিতে কাউকে বন্ধ এবং কাউকে श्रह राम दिकान कता हत अवर का किने कान कन । মধ্যে করেননি। হে মহারাক খুখিভির, এক সময় হৈতানক্ষ হিত্যকশিপু করে পুর সহলেকে কোলে করে গুড়ার রেইডরে বিজ্ঞানা করেছিল—হে কলে, রোমার শিক্ষকের কাছে ভূমি যে সমস্ত নিবর পাঠ করেছ, ভার আমাকে বল।"

দৈতারাজ, আমার ওক্তদেকের ক্ষকে আমি কেনেছি বে, যারা ভালের অনিভা দেহকে কেন্দ্র করে পৃহাজ্যে ক্রীক যাগন করে, জারা অক্ষুদ্রর আত্তকুলে অবস্থাই গুল্প-দুর্গনা জ্যে করে কেবল উল্লেখ প্রাপ্ত হয়। অনুষ্থের কঠক সেই পরিস্থিতি পরিত্যুক্ত করে কনে কনে কনা, কিশেব ^{কা}ছে বৃন্ধাৰ্থনে এবং সেখাৰে ক্ষান্তাকনাম্ভের পছা। থবিলায়ন করে প্রায়েশ্বর ভাগবালের শ্রীপালপতে করিছ ইট্ৰ ক্যা ,"

नारक मृति वलारक्त--- "श्रष्टाक महातास वधन উপৰ্বন্তেয়াণ আৰু-উপলব্ধিৰ পদ্মা সমূহে বলুগেন, ত্বন দৈত্যরাক্ত বিরুণ্যকশিপ প্রস্থাদের মূবে শতপ্রকাশের थिति समानीन वाका संदर्भ करते (हर्दन करनहिंगन).

'বালকমের বৃদ্ধি এইভাকৌ শত্রক বাবীর দারা বিপর্যন্ত হয় ে ছিলোকনিপু তার অনুচরনের আদেশ নিয়েছিল---হে দৈখাগণ, তোনবা এই বলককে গুরুকুলে এমনভাবে ক্রমণ কর, মাতে ছাবেনী বৈধ্যকের আর তার বৃত্তিকে প্রতাবিত করতে না পারে। ছিলোকশিগুর ভ্রত্যেরা যথন মহাদকে ওউকুলে নিয়ে এলেছিল, তখন দৈতাদের পুরোহিত বর ববং ক্রমর্ক উন্তে প্রশ্বস্থেদক প্রেমসর स्मारण कार्य कियाचा करतिका। एवं करण श्रद्धान, ভোষা দক্ষ হোক। ভূমি সভা কৰা বল, মিখ্যা বল न। এই সমত বালকের তোমার মতে মর, কলে ভারা যোজা মতে বিগরীত কবী কাছে মা। এই নিকা গুয়ি কিন্তাবে পেয়েছ? তোমার বৃদ্ধি এইভাবে বিশর্যন্ত হল কি করে? হে কুলামেট, তোমার এই দুর্ভির বিপর্বত रकारकः निरमंत्र श्रीतः स्ट्रांट्स, ना न्द्रबंटमत श्रीता ? च्यापता বোষার ৩৯ এবং গেই কথা জানতে আমরা অভাত অতহী। স্বান্তব্যে আছে তুমি সতি। কথা ৰূপ।"

গ্রহাদ মহারাজ উত্তর দিলেন—"গাঁর মালা মনুষের মধ্যে কেনে বিষয়টো ভূমি শ্ৰেষ্ঠ কৰে মনে কৰা ভা বৃদ্ধিকে বিষয়েহিত করে 'আয়ার বন্ধ' এবং 'আয়ার বন্ধ' এই ভেনভান সৃষ্টি করার, সেই পর্যোগর ভগবানকে প্রহাস মহারাজ উত্তর দিয়েন—"হে অসবছে।। আনি আনের সম্রন্ধ প্রবৃতি নিজেন করি। যদিও আনি এই নিবতে পূৰ্বে প্ৰনাপিক সতে প্ৰকা কৰেছি, কিন্তু এখন আমি ভা বাভবিক উপস্থাৰি করছি, ভগবান কান কোন জীবের প্রতি তার ভড়িন কলে প্রসা হন তথন তিনি পতিত হল একং শরু, বিরা ও নিজের মধ্যে কোন জেন কৰা কলেব মা। তথা তিনি বৃদ্ধিয়তা সহকারে মধ্যে করেন, 'আহলা সকলেই কপন্সের নিভালাস এবং ভাই আমান কলেককো বেকে ভিন্ন নই (* কবা সর্বদা 'ৰক্ত' এবং মিত্র' এর পরিপ্রেক্ষিতে চিন্তা করে, ভারা ভাগের অন্তরে পরসারাতে উপদান্তি করতে পালে লা। তাংগর কি কৰা, এমন কি বুজার যতো বৈদিক শ্যালবেডা মহান হাজিও ক্ষমণ ক্ষমণ ভগবড়ান্তর সিদ্ধান্ত অনুসরণ कवरफ शिरह (साराम्हा श्रह गर्फन) और धकान

সিবেছিলের সেখানে তারা বিধাতাকে বলেছিলেন-'হে মেবদেব, হে ক্ষমংগতে, দৈতাগতি হিত্যাকশিপুর কঠেন ভগস্মে প্রকাশে করা মন্তক থেকে উদ্দক আঁবর **छारन भागता अरुबे नतत् इरेग्ये (य. भागता भा**न ষর্গুলোকে থাকতে লারনি না। তাই আহল জাপনত कार अपनि। द्व महाचुन्य द्वः तकाशिवनिः, काननि विषे केंभवृक्त वट्न करता, का शरम काशम ह मजल অনুগত হাতিকের কিবলের পুরেষ্ট এই সর্বকোরা-কারকারী উপমেৰ নিবাৰণ কৰন।' ছিৱলাকলিপু অভ্যন্ত দুৰত ভলসার হতুও হয়েছে। যদিও ভার পরিকরনা ভালনার খালাও নয়, ভবও খাহালু ভার অভিযার খানা করছি, রো করে আপনি কা বরণ করন।"

"এই ব্ৰহমেণ্ডৰ পূৱৰ পূৰুৰ ব্ৰহ্মা ভগস্যা, যোগপতি करा महारित होता केल फांडि डेस्टमन शाध शताबन। ভার কলে প্রমাণ্ড সৃষ্টির পর তিনি সর্বাহিক পুরু নেনজ হারেছে। বেহেড় আমি নিতা এক কালও নিতা, তাই चारिक रहे बना ७५०मा, रकम क्या मगक्ति शहराव প্ৰস্থাৰ মতো পদ অধিকাৰ কথাৰ। আমাৰ কঠোৱ তপদার ইভাবে আমি পুর এবং পাপের ফল উপ্টে দেব। আমি কণতের সমস্ত প্রতিষ্ঠিত শ্রথা পাল্টে দেব। কৰাৰে প্ৰবাসক কিন্তু হয়ে ছাৰে। সুতনাং খণ্ডত कामा कि अध्यासन । जावि इत्यास श्रम श्राद्ध १५वारे OHS याम मान की हैं।

"বে গ্ৰন্থ, আমহা বিশ্বক সুৱে ওমেছি ছে, জান্দার भव मारस्य प्रेंद्याना ज़िल्लाकलिए क्राप्त कर्रास क्रान्साव जन्छ हरप्रदर्श व्यानमि जिल्ल्यस्य मेथल, वहा करन भागनि चिहित्रदे केन्द्रक करका करणावन करून। हा क्या, और क्यारक प्राणनाव भी नवरभव कराहे भारत अमाभका, विशय क्या वाठी जार ग्रामन्त्रम सन्। তার কলে দ্রুপার সংস্কৃতি এক গোরেখা অবিক খেকে অধিকতা মহিমানিত হবে এক এইভাবে সূর্বপ্রকার সূত্ जेश्वर्र क्षार (मोध्यमा च्यथना (परकरे दृष्टि भारत) विक দুর্ভাগ্যক্তর, বিজ্যাকশিশু ধরি আপ্যার পদ অভিজ্যার करत, वर राम का किंदू किनी रूरवाण

"হে রামন, পরর পঞ্জিফন রক্ষা এইভাবে মেবতহনের क्षा विव्यक्तिक एटड कुछ, क्षक कारि प्रहर्मिक्य जब তংকণাৎ হিবাদ্যৰ্শপূৰ কোনে ছপলা কৰ্নছিল সেখানে

विद्याप्रदेशन । करमदावन दावा कारण विश्वासकीय स्टब्स ক্ষেত্রে পাননি, কারণ হিরুক্তেশিশুর দেহ একটি উট্রেছ চিপি, তুপ, বাল প্রভৃতির দারা আঞ্চালিড ভিনা विकासकानिया कीर्यकामा दासवादम विकासकादम केर्न्डहरू ভগমা কর্মান বলে, অসংখ্য বিপীনিকা ভার শুক্ত, টেচ হাসে এক রক্ত খেরে কেলেকিল। তথেপর ক্রমা এক দেকোরা তাকে তার জনসার ঘার সমস্ত পাগংকে আন প্রদানকারী কেখেলাই স্কর্মের মতে। দেখতে পোরেনিবলার। প্ৰস্থা বিশিষ্টে চিখে হাসতে ছামতে ভাতে সংখ্যাধন কৰে ब्रामिहितान-८१ कनाम धूनित गुज, छुनि धर्ड, धर्छ। তোমার মনত হোক। তুমি তথস্যায় নিছিলাত করেছ এবং ভাই মহেনি ভোমাকে ধার দিকে এসেছি। স্তমি ভোষরে বাসনা অনুসাবে কা প্রার্থনা কর। আমি ভোজের ক্রমা পর্ন করতে চেটা করব। আমি গোমগু সহলাক্তি क्ष्मी करन चडाउ शास्त्रम इस्तिह। केंद्रि बदर নিনীকিকায় খনিও তোমার সক্রা পরীর থেরে কেলেছে ভব্ও ভূমি ভোষার অন্থিতে ভোষার প্রাণকর ধারণ করে বাছ। এটি অবশৃষ্ট অভ্যন্ত আন্তৰ্যপ্ৰনক। ভোষায় পর্বতন মত প্রকৃতি অধিয়াও এই প্রকার কটোর ভগাল করতে পারেননি এক ভবিব্যুপ্তেও কেউ পার্থে ন। এই বিভূবনে একা কে আছে বে এক শত দিয়া বৰ্গ করে কল পদি না করে প্রাথ ধারণ করতে পারের হ দিতিনাসন, সূচসকের স্কুকারে তুনি যে কঠোর ওলস্যা করেছ ডা মহান কবিদের গকেও অসক্তব। তোমার এই ডপশ্যর হয়। ভবি স্বামানে লিভিডভাবে শ্বর করেছ। হে অসুরতের্চ, এই করেলে আমি তোমকে তোমন বাসৰা অনুসালে সমস্ত বন্ধ দিখে প্ৰস্তুত। সংখ্যি আমৰ দেবতা, অনুৰেয় মতো বাঁকো হতা হয় মাং ভটে ভবি স্কর্ণনীক হলেও আহার করি ভোরার বিহতা হতে না ।"

গ্রীনারৰ মুনি কালেন —"হিরণ্ডকলিপুকে এই কথা বলে, এই সভাতের আনিবের ক্রমা তাঁর ক্রতের থেকে অবর্থে বিব্য লগ নিছে পিনীলিকা কর্তৃত্ব ভক্তিত বিস্পাকশিপুর সেহের উপর বিজন করেছিলেন। তার करण दिवसाकनिन्द भडीव श्रीतक्ष्मीविक इरविका। হাৰায় কমণ্ডপুৰ ৰলে সিক্ত চুওয়া মাত্ৰ হিত্যুকলিপু আসন্দ সর্ব অবহন সমষ্টিত হয়ে উপিত হয়েছিল। ভার দেহ শক্তিসম্পান এবং আদের কবি তপ্তকাকটের মধ্যে হয়েছিল এবং ফাষ্ট ব্যেকে বেজকে অধি উপিত হয়, টিক

_{তেই চাইন} সে ফর্টাতের মধ্যে থেকে পূর্বটোকন সম্পন্ন। আগনি সমস্ত ভীবের আয় হতৰ করেন। ভাষত আপনি ক্ষানার আর্থানত করেছিল। সে ভংকতং প্রন্তিত বস্তুক হলের করে ক্রমের প্রতি পৃথমতা প্রথম করতে লগলে। ্যান্ত্ৰৰ প্ৰকাৰে তাৰ সন্মুখে উপস্থিত মেৰে, দৈতাপতি _{সম্মান্ত} বিস্তুপ হয়ে উঠে ইডিড্রেডিশ। রক্ষার প্রসর্জ বিবালের জন্য গে তথ্য অঞ্পূর্ব নহয়ে, ক্তিক্ত হাৰবাৰে প্ৰাং কুডাঙ্কনিপুটো অভ্যন্ত বিনাহভাৱে গালাৎ মারে প্রার্থনা করতে ওক্ত করেছিল।"

Errana कवि। क्षेत्र कीयत्त्व क्षवि मित्तव वाटा वरे armo কালের প্রভাবে কর অন্তক্তরের খারা কান্ডাদিত প্রম ঠার নিজের জ্যোতির যারা বিশুবাহিকা মত। क्षाब्दित प्राथित जन्म भागर अवस्थि करावे, स्थान करान अवर कितान करता। (नवे अकारे मन्त्रन, ग्राह्मायन अवर ভয়েওদের কালর। আমি এই প্রকাণ্ডের কালি পুরুষ नेशिकरण का, शक् प्रदर्श धामि विश्वित कारणा बादा - श्रांतन कान, वा क्यंत्रध दिन्दी इस मा।"

_{একে নিজে} আগিছাৰ হংগ্ৰাছল। কংসবাকন ব্ৰহ্মাধে অপবৈশ্বনীয়ে, প্ৰয়াহাবাকৈ আগতি কৃটছু, সাকী, প্ৰয় _{পার্তার-পারে} তার সম্পারে উপজিত দেকে, বিবসাকনিকু নিয়ন্তা, কর্মবাহিত, সর্বব্যাস্থ এবং সভান্ত জীগুরে কালা এক নিয়ন্ত। আপুনর খেতে পুথক শিশুই মেই, জা সে উপকৃষ্টি হোত অথবা নিকৃষ্টি হোত, স্থানৈ হোত বা ভালম হেলে। উপনিয়ো আদি বৈনিক লাপ্ত এবা বেলের অনুসারী শারের জনেই হকে আপনার বাঁহা नदीरतक कथा। चार्गन दिश्लाधर्व, सम्बद्ध द्वेचार, दव আমার, কিছু যা সতেও পর্য নিবস্তারবৈ আপনি বিক্রাভিন জড়া প্রকৃতির ফারীত। যে প্রত, আপনি শক্তার এই রক্ষাণ্ডের পরম স্বরন্তে আমার প্রণতি অবিকৃতভাবে আগমার ধাবে অর্থায়ত হারে, এই ক্ষাতে আগনপ্র বিশারণ বিশ্বর করেন, তার কলে মনে হয় কেন আপরি রাভ ক্ষণতের রাশ আখ্যান করছেন। আপনি कार बात अपर कात भारतर निम भूतवास (नार्र पायर शामान) याच, भारतना, भूतान भूतान कमातान। वार्ति (नार्र भारत পুরুষকে সম্রন্ধ প্রপৃতি নিবেদন করি, বিনি জনশ্র এবং অব্যক্তরণে এই অধিন জগতে পরিব্যাপ্ত। কিনি অনুবেদ, বহিবল এবং গুটৱা খড়ি মামক মিমা পঞ্চি সময়িত। জীবের ভগবানের কটকা শক্তি। হে গ্রন্থ, हुन्यहरू कार्यात अंगिक मिर्काम कवि, दिनि कार्यात करो। 💢 ८५वे स्वागास, फालमि कवि कार्यास पासीहै स्थाई पास নিনি এই বিরাট জাগুং সৃষ্টির কার্যে তার হল ও পুরির করেন, হল হলে কো আপনার পৃষ্ট কোন প্রাণী থেকে উপৰোধ করতে পারেন। তার্থে কার্যকল্যপের কলে এই আমার মৃত্যু বা হয়। আগনি আমারু বুরু দিন কেন রাজাধের সাম বিশ্ব প্রামানিত হ্যাছে। তাই বিনিই ছামেন পুরের জাভারতে আম্বানী বাইরে, দিনের কোরা আবর সায়েত্র, সমস্ব ক্ষপণ্ডের কারণ। হে প্রভু, জাপদি এই বাড় ভূমিতে ক্ষথন্ত আমালে কো বামোর হত। বা হয়। ধণতে জীবনের উৎস, স্থানর ও ভাষর সাহত জীবন। আন্দ্রি অব্যাতে কর দিন মতে আপন্য স্থাই স্কীন ভাভাও প্রকৃত্ত নির্মান কাশনি জালের চেতনাকে জনুমাণিত অন্য কারের ছারা, কোন ছারা, কোন ছারা, কোন মানুকের করেন। আপুনি মন, কমেজির এবং জানেভিয়ের ছারা অথবা পাছর ছারা যেন আনার মৃত্যু না ছর। পালক। অভ্যাৰ আপনি সমস্ত আৰু উপাপন ও জানৈর। খালেনি আমানে বাবান কৰেন যাতে প্রাণী, আপ্রাণী কারও পোনেশীর পরায় নিয়ায়া এবং আপনি সমার বাসনাবর থেকে আমার মৃত্যু না হয়। আপনি জ্যানে বরপান সিম্মা। হে প্রকৃ, মৃতিয়ন কেল্ডেশ এক শন্ত থাজিক। করন করে কেবরা, দৈতা, ঋথালোকবাসী মহাসর্গ বাক্ষাদের কার্যকলালের জ্ঞানের কাবা আগমি অভিষ্টোয়। থেকে জামার মৃত্যু যা হয়। থেহেন্ত কেউই জাপনাক্ষ আৰি সাথ প্ৰকাৰ স্থা অনুষ্ঠান নিজাৰ করেন। বৃত্তে হত্যা করতে পারে না, চাই আপনি অপ্রতিদ্বাধী। ব্রত্তপক্তে আগনি তির রেনে ধর্ণিত হল্ল অনুষ্ঠান করতে। আগনি আমানে বর দিন যাতে আমানুও তোনও যালিক রাজপ্রদের অনুপ্রাণিত করেন। প্রমাধারাপে প্রতিরাধী না মাকে। আপনি আনায়ক করের জীবদের चाभी मन्द्र बीरदर कर्वापी, वास्त्र बनाव, कर्व, ६ मार्कानसम्बद्धाः अवस्थितः समावस्थाः कर गर्वता। जानमि क्रम कर करका ग्रीयह कठीक। अस्त्र ग्राय प्रदेश शका करका। करिक्य, कायात्व হে হাছ, আপনি নিত। কাশ্রত হবে সর্বহটা নিত্য - কাশ্যর এবং যোগ অভ্যানের কলে চার সমস্ত যোগসিতি



চতুর্থ অধ্যায়

আমল পুরাধ

ব্রহ্মাণ্ডে হিরণ্যকশিপুর সন্ত্রাস

নায়ন মনি কাল্ডেন—"হিবল্ডেনিশ্ব কঠের ডপসাছে রক্ষ অত্যন্ত প্রসাধ প্রয়েছিলেন। তাই বিদ্যানর্থনিপ কর্মন তার করে বা প্রার্থর করেছিল, থা কথার দুর্গত হলেও ক্তবন তিনি তাকে লেই সমস্ত বহু প্রথম করেছিলেন।"

শ্রীক্রমা কালেন—"হে হিনদ্রুক্তিপু, তুমি হে সমস্ত वद कामात करक शार्यना करतक का व्यक्तिकारण मान्यदात পক্তে দুর্গার। বিশ্ব তা সভেও হে বংস, আমি ভ্যোয়কে ভা খ্যম কাষে। ভারতার ভাগবান ক্রমা, যিনি অব্যর্গ বর প্রদান করেন, ডিনি আনুরহেরের ছিল্পুতলিপুর বারা পুরিত এবং মহান কৰি ও মহাতাপ্ত কঠক সংস্তৃত হয়ে সেখন থেকে প্রস্থান করেছিলেন। লৈভঃ বিরুপ্তকশিপু এইস্কাবে ব্রকার বর লাভ করে সর্গেট করে কান্তি সমন্তিত মেহ গাভ করেছিল এবং তার অভুবধের কার ব্যবণ করে ভাগনে শ্রীবিভাগ প্রতি বিয়েবভাব পোষণ করতে লামল। হিরলাকনিপু সমগ্র রক্ষাও ভার করেছিল। সেই সৈত্য **द्व**क्कारक जिल्लासन्त (केंक्र. यक अनर चरशास्त्रास्का) (मथात, भन्ता, नहर्य, १९४०, फेरन, निर्दा, ठावन, विमायद, ছবি, ব্যা আদি পিতৃপতি, হনু, বঞ্চ, ব্রাঞ্চন, পিশ্রত, প্রেত, ভুত আদি সমস্ক প্রাণীদের অধিপতিবৰ সহ উল্লেম প্রহলোকসমত কর করেছিল। এইভাবে যে সমস্ত গ্রহলোকের অধিপতিদের পরাভূত করে উাদের ভার ক্ৰীভন্ত ক্ৰেছিল। ভাষের ছানসৰহ আছ করে সে তানের পঞ্জি এবং প্রভাব অপহরণ করেছিল: সমস্ত ঐথর্থ সংখিত হিত্যুক্তিশ পর্যের দেবধানের প্রসিদ্ধ **धरभारित्रामा नवसकानस्य यात्र कराण सामना**। প্রকল্পকে সে দেবলাক ইয়ের মহা ঐবর্থ সমবিত প্রাসামে বাস করত। সেই প্রাসাদ দরং কিবকর্মা নির্মাণ করেছিলেন এক তা এক সুন্দরভাবে নির্মাণ করা হয়েছিল বেন ক্রজাতের সমস্ত ঐকর্থের অধিষ্ঠানী পান্ধীদেবী লেখানে বাদ করতেম। কেবরুল ইংলের ভবনের শোশালবুলি প্রবাল দিয়ে তৈরি বিশ। ভূমিওল মহামুল্য

ব্যব্যস্থলী কৈনুৰ্য মণি ভূমিত ছিল। উপৰের চল্লাপ্তপ্তভি অভার স্পর্ভাবে অলহত, আস্নস্মূত পদসার ছবি খাটিত এবং দৃশ্ধকেনসিঙ বেশমের শব্যা স্কুল ভারা মানকৃত ছিল। সেই প্রাসাদের বফশীবা অভান্ত সুক্ত দন্তবিশিষ্ট এবং তাদের মৃক্যগুলের সৌন্দর্য অভ্যক্ষীর ছিল। তারা বর্থন জনাকে ইততত কিবল করত, ভতা তম্পর পারের নুপুর অভান্ত সুন্দর সুত্র ধ্যনিত হত একং রক্ষে থামের সৌন্দর্য প্রতিবিশিত হত। *ক্ষেমার বিল*্ল জতার নির্বাতিত হয়েছিল এবং হিজাকশিলুর পদর্শলে মক্তক অবলত করে ভাগের প্রশত হতে হতেছিল। হিন্দাকশিশু অকরিশে শেষভানের অন্তর কঠেরভাবে মত নিয়েছিল। এইডাবে বিভশকনিপু আর কঠেন সামনের শ্বাম সকলকে নিয়ন্তিত করে সেই প্রাসাধে বাল করছিল (*

"হে রাজন, হিরাপ্তকশিপু সর্বনা উল্লেখ্য সুরাপানে হস্ত থকত এবং তাই ভার ভারেলোচন সর্ববা ঘূর্লিভ হত। কিছ তা সংখ্য বেচেড কে কঠোৰ অপন্য এবং বোগদাধনাৰ কলে জড়ার দক্ষিদালী ছিল, ভাই দে নিতার ঘটিত হলেও প্রখা, শিব এবং নিয়া বাতীত সংক্র দেবভারাই উপহার হলে ভার উপাসৰ করতেন। **মে** খাওশুরু মহারাজ বৃথিচিত্র, হিলোকশিশ ভার বীয় শক্তির দারা দেবরাক্ত ইন্দ্রের সিংবাসনে অধিক্তিত হরে, ক্ষান্য সমস্ত সেতের অধিবাসীকের খার নিজ্ঞাপীন করেছিল। विश्वारम्, कृष्टक जानि शक्किन्। जानि चत्रः असः विनात्सा, শ্ৰণায় এবং সমস্ত মহৰিৱা তাৰ শ্ৰণোগ্যৰ কথাৰ কৰ কার বার ভার ক্রব করতার। নিবা সক্ষারে কর্মপ্রম-ধর্ম আনুসরণকারীরা যে প্রচুত উপজ্ঞার এবং উপজ্ঞার দিরে যাল অনুষ্ঠান করতেন, হিরণ্ডকশিশু দেকতালের সেই বজভাগ না নিয়ে স্ববং তা গ্রহণ করত। তখন হিরণ্যকশিশুর ভয়েই যেন সপ্তরীশ সমন্বিতা পৃথিৱী কিন কৰ্মণেই চিৎ-জগতের সূত্রভিত্ত মতো ক্ষমতা স্বংশন कामरधन्त भएका विकिथ करत डैरश्मा करविका। शृथिकी মছকও যদিখনিত, ভিত্তিসমূহ স্কুটিক সোভিত এবং - প্রচুর পরিয়ালে খাদাশস্য উৎপন্ন করেছিল, খাতী পর্যাও श्रीदशारा पृथ जिरहरिक अवर मरकामध्या विरूप लाख প্রাপ্ত হয়েছিল। ব্রক্ষাপ্তার বিভিন্ন সমূত্র স্থোনার লইস্কুল ম্পীসমূতের তথকের স্বারা হিরশ্যকশিপুর করে বিবিধ चमित्रकु (शतक कड़रुं। खेरे मन्द्रश्राण स्टब्स् करुन्, इक्तरम, भूवा, क्ष्ठ, पृथ्व, वर्षि कार मिर्ड कार्यक मध्या লাক্তার অধ্যয়কী উপাত্যখাওলি হিমাশকবিশুর জীলাক্ষী srefted। ভার প্রভাবে সমস্ত বৃদ্ধ এবং কথা সমস্ত बार और स्कृत करा अनर युवन त्याविक विन । सहित्यांत्र त्यावन अवर प्रश्नमा किया, स्वध्नी **स्वा**प्रका जिन्हान ভিন্তানীয় ক্ষাক ইত্ৰ, বাহু এক অভিন্ত কৰ্ম, সেওল চিক্রাকশিশু দেকতাদের সহারতা ব্যতীত একাকীই «জিলার কর্মানে। সংশিক নিয়েল করার কামে লাভ an সভেও একং কথানত্তৰ ইন্ডিয়ালুক জ্বেদ করা সভেত जिलावनिन् कृत १एड शरकी, **जन्म का देखिय**्जिए মিনালা ক্ষরার পরিবর্তে শে কার ইতিবের বালে গমিশত হয়েছিল ৷ এইভাবে খনে ঐবর্ধপর্বে কভাত পর্নিত হয়ে এবং শাহাবিধি লভকা কৰে হিবলাকশিল বীৰ্যকাল অভিবাহিত করেছিল। তার কলে লে সনকর্মি মহান _{বাজ্ঞানের} দ্বারা অভিশব্ধ ছয়েছিল। বিভিন্ন লোকের লোকগালাগ সহ সমস্ত অধিবাসীর হিরণ্ডকশিপর প্রচণ্ড ক্তিনীয়তা অভ্যক্ত লীড়িড হয়েছিল। ভীত এক বিচলিও क्षात्र, काल क्षात्रक काला ना भारत, काल करणाहर ভনবাম ঐবিষয়ে শরণাপম ম্যেছিল 🗗

"राषाता भरताया कार्यात विशेष करता, रहेगान গ্রমণ আপ্রা সম্রাসীগণ প্রমন করে ভাবে ফিরে আসেন तः, (मेरे विकास चापता नवसाड करि (" और धार धान করে লোকপালগদ নিরেইনি হয়ে, পূর্বকলে ভাষের স্কা সংগত করে এবং কেবল বাগুমার আহার করে ভারতা हारीहरूरात जातावन्त्र कहरूठ मान्यका। एका वक उन्न বারা অনুশ্য এক ব্যক্তির দিখা কটখন তারা ওলতে পেমেছিলেন। সেই সাম সেন্দের জনির বতো পরীয় ছিল ধবং তা সমঞ্চ ভব্ন বৃত্ত করে স্তল্ভে অনুপ্রাণিড করেছিল। ভগবানের সেই নানী ঘোষণা করেছিল, 'হে विद्वत्यकेवन, कर करता ना। स्टामास्य समय स्थानः चारात्र पश्चिम सामा-कीर्डर करत शक्त कारात शार्वना करते প্রেমনা আমার ভক্ত হও। ভার কলে সমস্থ জীবেন পর্য মুখল লাভ হয়। ছিন্তাভলিপুর সমস্ত কার্যকলাপ

সম্বন্ধে জায়ি অনুবাত জাতি এবং অভিনেট আনি ভাব সেই সমজ মুহুটের সমাপ্তি সাংগ্র করব। ভতকল পর্কর তোময়া অপেক্ষা কয় ৈ কেই হৰম ভগৰানের প্রতির্নিধি দেবতাদের প্রতি, সমস্ত জান প্রকারতী বেদের প্রতি, গান্ডীয়নর প্রতি, প্রাক্তপদের প্রতি, বৈষ্ণবদের প্রতি, ফর্মের হাৰি এবং চহুৰে প্ৰয়েখৰ জনবান আমান প্ৰতি নিৰ্দেশ ভাষাপন্ন হয়, সে শীন্তই বিনাল প্রাপ্ত হয় : বিভগ্যকলিক यथा कर विदेशि, क्यांस अवर घराया प्रभूत सङ्ग्राम ৰ্মতি বিসোধক খাচনে কাৰে, ভখন মুখ্যাৰ বৰ সংস্কৃত আমি ভাকে সংগ্ৰন্থ কৰব।"

(मदर्बि मार्थ कम्*लान*—"हरू हार नदम ७३ পর্যোক্তর ভগবান করন কর্ণের ক্রেক্তানের এইভাবে আধান নিয়েছিকো, তথন তারা উহতে উদ্দের স্থাত शनकि निरंदश्य करता, रेएका विकास मिन्त पढ़ी व्यवनावारी क्रांटन केटल कामान क्रियेस निर्वाहरूका। হিল্পাকশিশুর চায়েরাল অভান্ত স্কুলোয়া পুরের মধ্যে প্রস্থা ছিলেন সর্ববেদ্ধ। প্রকারপক্ষে, প্রহান ভিলেন সমস্ত নিবা গুৰের আধার, কারণ তিনি ছিলেন ভগবানের অনন্য ভক্ত। (এখানে হিরপ্রক্ষিপুর পুর প্রকৃষ বহারাজের ওলাবলী বৰ্ণিত হয়েছে)। তিনি ব্ৰঞ্চণা ওপসম্পর্ক, সচ্চত্রির এক পারে সভাবে জনতে প্রভাতিক ছিলেন। তিমি কাৰ মান এবং ইব্ৰিয়কে সৰ্বতোজ্যৰে শংকত করেছিলেন। পর্যাপার মতো তিনি সাধক্ত জীবেল প্রতি মরালু এবং সৌত্রনী-পরারণ ছিলে। সম্মানিত ব্যক্তিকের গুতি তিনি ভূত্যের মতো অচরণ করতেন, সরিপ্রদের শুতি তিনি পিডার মতো কংগুলা প্রকাশ করতেন, সমান ব্যক্তিদের পতি তিনি ব্যাতার মতের অনুক্ত ভিলেন একং তিনি তার ওক ও লোট ওঞ্জাতারণর ইন্যান্তন্য সাক্ষান করতেন। ডিনি বিলা, ঐবর্থ, সৌলর্থ ও আভিজ্ঞাতা ক্ষমিত বর্ষ থেকে কম্পূর্ণকংশ মৃত্য বিবেদ। অধ্যুদ মহারাক্ত হলিও আসুরিক পরিবারে অস্কর্যাহণ কর্তোহলেন, তবং তিনি আস্থিক ছিলেন মা, তিনি ছিলেন ভগতান বিশ্বর পরম ভক্ত। অনু অনুরক্তে মতে তিনি বৈশ্বর-विरावी हिरमा गा। इतम विश्वाल किनि डेव्हिंग श्राप्टन না এবং তিনি প্ৰত্যক্ষ বা প্ৰেক্সকাৰে বৈদিক সকাই কৰ্মে चार्थ्यो हित्सम् मा । अनुस्कारक दिनि ममत कर वस्तक অধ্বীন বলে মনে কবতেৰ এবং ভাই তিনি সকত পরিস্থিতির সৃষ্টি করেছেন হে জগবান তিনি নিক্রই আমাকে বাপনামের ভাষাক্ষিত প্রাণ পক্ষ অবলয়ন करांत पृक्षि शमान करवारहन। (ह हाकारणण (क्रशानकार), लाध् कार्य हुन्तक वृक्त कार्य क भागना (४८७३ हवाका शिंध सर्वक इस, एटमनेदे सामात চেতাৰ অপথান বিশ্বাস বাবা পৰিবৰ্তিত হ'বে চৰাপানিব প্রতি আনুষ্ট হয়েছে। তাই আন্তর আর কোন বাত্যা OR :"

জীনারত মুদ্রি বলালেন--"তঞ্জানার্বের কুই পুর বর্তা এবং অমর্ককে এই কথা আদ মহাস্থা এইন মধ্যেক নীকুৰ হলেন। সেই তথাকথিত প্ৰাক্তবেৱা তথন ভাৰ প্ৰতি অত্যত কৃষ্ক হরেছিল। কেহেণ্ড করে ছিগেন হিক্তবলিপুর ক্লেকে, তাই ভালা জভাত পুরবিত হয়েছিল এখং প্রচুদ মহারাককে তিরক্ষা করে কার কলেছিল— করে, যেত নিরে খ্যার। এই গুরুষ খ্যান্সদের খালাংশের কলে। তার দুর্বছির কলে বে বৈত্যকুলের অসারে পরিপট হয়েছে। একা রাজনীতির চারটি নীতির इन्द्रभवित संता अटक भारतका क्याक संदर्भ और पृष्टे হতুৰ দৈত্যবংশ্লাদ চনজন্ম কটক কৃত্যাংগ উপন্যাংগ करराह् । इनस्य युक्त रहाने कारक बांग कुरेगरका शासाबन হয় এক কটক বুকের কঠ কুটারের সর্ভেষ্ট সংখ্যে কয়। বিশ্বন, করেণ তিনি পূর্বকান প্রাপ্ত হয়েছেন।" অভ্যন্ত উপকৃত। গৈডাবলেরণ চন্দাবৃক্ত ক্ষেত্রভারী कृतिहा इट्राइम चिकू, काम और श्रद्धान घटाल (नोर्डे कृतिहास সর্বভাষ্টি প্রভা"

"প্ৰয়াদ মহাবাধেনা লিক্ষক হণ্ড এবং আনৰ্ক ভাৰ্মন, क्रियार देखानिय बाता डीट्र वर्थ, वर्थ, काथ-अदे ট্রিকা প্রতিশাদক শাস্ত্র ক্যান্তন করাতে ল্যানার। এইভাবে रमत्रा क्षेत्रक निका निराधिन। विकृतका नंत शहारमत শিক্ষণ বৰ্ণ এবং অমৰ্থ মানে করেছিল বে, প্রস্থান মহারাজ সায়, মন, কেন থকা সভনীতি সমতে ক্যাক্ষতাৰে শিক্ষা প্রাপ্ত হয়েছেন তথ্য ভাষা একবিন প্রস্থানের মারের দারা উত্তে প্রান করিয়ে এক অলকার খ্যাপির ছারা সুসরভাবে। সভ্যতা প্রকাশ পার।" माकिरत केल भिक्तत कारत केरन भिरत गिरतिक। দিবশাকশিশু আয় পুত্ৰৰে আৰু চৰণে পতিত হতে প্ৰশাস করতে লেখে প্রেহতকে আলীর্বাদ করেছিল এবং কাঁকে

হিবল্ডশিশ্ভ ভার হ'লে প্রন আনক অনুভ্র

मानम कृति समहाराज-"(के महाशास पुरिक्तिक হিতৰ্জনিৰ প্ৰয়াদ মহাবাজকৈ তাৰ কোগে নিয়ে তাঁত भक्तक कार्यान करहातिन। कार्य (प्रकारक कार्य श्राह्मक হালোক্ষা মুখ্যওলকে সৈত করেছিল। সে ভান পুত্রকে এই প্রকার ফলেছিল।"

হিষ্যাকশিশু কোন্যে—"রে প্রিয় প্রচ্নাং, হে কংস্ হে আহম্মা, পুনি একজন তোমার করুব করে, জ কিঃ নিখেছ, আৰু মধ্যে হা তেওঁ বলে ভূমি মতে ভূম জ আমেকে ব্লা

ल्लूम अस्टास कारका—"क्यबरम निक का. सम. ০শ, গরিকা এবং দীলাগমূহ প্রবণ এবং কীর্তন, ভাবের चारम्, खन्नवरम् । श्रेशामभाष्ट्य स्मर्था, स्थाकरमानकरः প্রভা সহকারে ভাগবালের অর্চনা, ভাগবালের কলনা, ভাগ দাস ছওল্ল, দ্বাগনাক্ত তিয়ত্ত্ব বন্ধ কলে মনে কলা এক ভৰবানের কাছে সর্বাধ সমূপণ করা (অর্থাৎ কর্মনেবলে জন সেবা করা)—এগলী খন ডভির নরটি বলা। বিনি এই নবধা ভতিত বাল প্রীকৃষ্ণের মেনার তার জীবন অর্থণ করেছেন, তিনিই সর্বধের্ছ

"পুর প্রস্থানের মুখে ভগবপ্রতিক কথা আবং করে হিনপ্রকশিশু অভ্যার মুখ্য হয়েছিল। ভার অধ্যার্থ কম্পিত হরেছিল এবং সে তার ওক্ত ওলেডার্কে পুর ৰতকে এই কথাওলি বলেছিল। হে প্ৰাচলের অভান্ত भारताना अन्य भूगा नृत्य, श्रीव च्यायारक करका करत লাহার শঙ্কর পঞ্চ জনসন্থন করেছ। ভূমি এই সংবাদ বলক্ষে অসার বিশৃত্তভিব শিক্ষা সিয়েছ: এ তুমি কি করেছা কালক্রমে যেমন পাণীদের গ্রেম প্রকাশ পরি, তেম্বই এই সংগ্ৰহে আনক ছয়াংলী প্ৰতাতক বন্ধ হয়, কিন্তু কালকুতে ভাবের কলট আন্তর্ভার সাধানে ভালের

হিল্পকশিশুর ওল ওক্রাচার্কের পুর বল্লেন—"হে বিপ্রশার, যে রাজন, আপদার পর প্রহান বা বলেছে আ আন্তব্য ভাবে শিক্ষা দিইমি এবং খানা কেউও ধ্যানি। জন দুই বাল খার আলিক্স করেইল। লিজ সভাযতই স্থান এই নিক্তান্তি ক্যন্তাধিকভাবেই নিকশিক হয়েছে। भूतरक चालित्रम स्टार चालक चनुका करता। चठतर, चालनत तालम तपान काल तार चनुका

_{প্রামানের} প্রতি কোবারেনে করবের নাঃ **এইভাবে** अध्यापि प्रश्वाम चंद्र अस मह्

গ্রীনার্ড মূলি কালেন—'লিখকো এই উর্জ করে হির্মাকশিশু তার পুর প্রয়াদকে বলেছিল, "প্রয়ে অভয়, e/ব্ৰ কুলনাশত, গুই বলি এই শিক্ষা তোৱা ওঞ্জন কাছ ক্ষেত্ৰ সা শেকে থাকিস, আ হলে কোথা থেকে থা পুই (शहराम्बर्ग के^क

ध्रद्रानं भवरहाक केठन विस्तान—"सन्नरक देखिन নিৰ্বাসক বাজিনা অন্তৰ্গন নাকে প্ৰবেশ করে বন্ত ব্যৱ ক্ষিত করা চর্বে করে। তালের মতি কথনও আনের कुन्तराम, विरामास्य शराष्ट्रीय अन्य केन्द्रसा मरायारण **बद्धि कृरकत विरम्भ धारित एएड गाँछ था। यादा सह** ক্রাংকে ছোগ করার বাসনার মারা আবদ্ধ এবং তাই মান ভাগেশ্বই মডো বিষয়াস্ত খৰ জড়িকে ভাষের নেডা বা ওজারবৈধ করণ করেছে, ভারা কুকান্তে পারে না ্বে শ্লীবনের প্রকৃত উদ্দেশ্য কল্পে কল্বকানে কিন্তে सद्या अस् प्रशंका जैदिका त्रदात कुछ वस्ता खास्त ব্যা পরিচালিত হয়ে অখনা যেমন প্রকৃত প্রথম সভান না কেন্তা করেন্দ্রণ পভিত হয়, তেতাই মড় নিবরাসভ কভিত্ত কল বিষয়াসক বাকিনের মারা পঞ্চালিত হতে স্বৰুত্ব কৰ্মনাৰ অভ্যান্ত মৃত বুৰুত্বা বছৰে আবাৰ্ছ হয় এক মলোন-চক্রে বার বার আবর্তিত হরে ত্রিতাপ পুরুষ জোগ করতে থাকে। জন্ত জগতের কলুখ থেকে সম্পূর্ণরহণ। মুক্ত বৈকাৰের জীপাদলয়ের পুলিটে অবলাহন না করা পর্যন্ত বিষয়াসক ব্যক্তিরা ঋখনও ভগবান উক্তরের (বিনি উল্ল অসাধ্যরণ কার্যকল্যেগর জন্য কর্মেরী ঠার) জীপালপথে আগন্ত হতে পানে মা। কোলায়ের পৃথাকত যুগ্তরার কলেই ভাগবানের শ্রীপাদগগ্রের শরুর প্রত্ন করে এইভাবে কড় কগভের কল্য থেকে মুক্ত হওয়া বাব 🗥

"अरेकारन करन धट्टान ब्रह्मकाल क्या नी उर ইলৈছিলন, কথন হিলাকিলিল লোধাত হয়ে আৰু কোন (पंदक फाइक कुल्डान कुल्ड दक्तन निरम्भित । पृत्त संदर ক্রেন্টে আরক্ত লোটো ছয়ে হিল্পকলিও ভার ভুডানের ক্ষালালে অসুরাধন, এই বালককে এখন থেকে নিয়ে विको भा करका स्थापा, मृजसार श्राकृति श्राक वस विमा

শঞ্জ বিকৃষ পদৰ্শকের সেবার মূল হয়েছে। পাঁচ বছর বয়ন্ত বালক হওয়া সভেও সে ভার পিতামতেল সংস রেয়ের সম্পর্ক প্রিভয়েগ করেছে। সুভরাং সে লিকটাই অবিধানী, সে যে বিশ্বর প্রতিও লাগু ব্যবহার করবে, তাতেই ব্ল বিখ্যস ভি । ইবৰ বুলি হিতকারী হয় 🖼 হলে বাদে লাভ হলেও লেম ভাতে মত্ন সহকারে বাসা করা হয়, তেনেই যদি পরও হিতকারী হয়, আ হলে ভাবে পুরের মতো পালন করা বার। পালনারে, শেষ্টো কোন অস যদি গ্রেমের কলে বিয়াক হতে কয়, আ হলে অংশিষ্ট শ্রীয়কে রক্ষা করছ জন্য তা কেটে যেশা হয়। ভেমনট, নিজের প্রথ বলি প্রতিকৃষ্ণ হর, বা হলে স্বীর দেহতাত হলেও তাৰে পত্ৰিতাৰ করা কঠবা। অসংক্র ইপ্রিয় যেরদ পরমার্থির জীবনে উত্ততি সাধদের প্রবাসী বোগীনের শুরু, সুভাগের বেশধারী এই প্রস্থানার জামার শক্ত, কারণ আমি একে নিয়েশ করতে নারি মা। ভাই এই ব্যৱহৃত ভোৱাৰ, আসুৰ পাণবা প্রতে, খে কোন উপারেই হোক ছথ্যা করতে হবে। অভার ভীক্স ও ভয়ম্বর বস্ত ও কল-বিশিষ্ট এবং ভালবর্গ শাক্ত ও কেশ সমষ্টিত অয়ত্তর রাজনের বাবা ছিল ছিরণাকশিপুর অনুসা, ভালা 'একে নিব্ৰো নিবলা করে কেটে কেলা!' বলে ভয়বাহতারে লক্ষ বরুতে করতে পর্যানের ভগরাবের ধ্যানে সাম প্রসূপ মধ্যমেক্তকে ক্রিপুল বারা আঘাও করছে শাংলা পুনাইনৈ ব্যক্তি সংকর্ম ক্যালেও বেমল ভা निष्मंग देते. एकान्ये श्रीकन्याना पश्चनां श्रहान महाहारकत উপর কোন রকম প্রভাব বিস্তার করেতে পারেল মা, কারণ তিনি নির্বিকার, অনির্দেশ্য, ক্ষান্তাক্স পরফেশর ক্ষণবালের শেষার খ্যানে সম্পূর্ণরূপে মার ঐক্যন্তিক ছন্ত ।"

"হে মধানাত্র মুখিডির, প্রস্তুল মধানাত্রকে বধ করতে দৈতাদের সমস্ত প্রভাস বখন ব্যর্থ হয়েছিল, তথন মৈতারাজ হিল্মকশিপু অভান্ধ তীত হয়ে তাঁকে কং কলম অন্যান্য বিভিন্ন উপায়ে উত্তাহন কৰান্ত লক্ষ্ণ করেছিল। হিবশ্বনশিশু তার পুত্রকে বিশাস হতীর পাত্রের নিচে কেলে, বিশাসকার করছর সর্গাদের মধ্যে নিক্ষেপ করে বাংগাৰক বাদু প্ৰয়োগ কলে, পৰ্যন্তপুত্ৰ থেকে নিকেন করে, অফ্রামটে নিরোধ করে, বিধ প্রদান করে, উপক্রম वर अध्यानके च्यापता आस्त्रपाठी, कालन त्य काल कुलन अवर कतिहात, ठाँठ दिश, खानु, चानि अवर चरनात्र बाता कराना বার্ণীয়-সক্ষাহের পরিভারে করে ভাতার মতো আর্লড বিশাল পাধরের নিত্রে উরকে পেরশ করের বধ করতে

বৰ্চ অধ্যায়

দৈত্যবালকদের প্রতি প্রহ্লাদের উপদেশ

নেই। হিরুপকেশিপু তার ওকার পুর মধ্য এবং অনুক্রের প্রামর্শে সংঘত হরেছিল একং গৃহত্ব রাফানের ধর্ম স্থাতে প্রহালকে উপনেশ দিকে অনুভাগ করেছিল। ভারতর সাচ art with were falled and are not being beinger নিরক্তর ধর্ম, ফর্ব ও ভাম সমুদ্রে বিশেষভাগে শিক্ষা নিচে লাক্ষা। প্রদ্রাধ মহারাজের শিক্ষক বতা এবং অমর্ক নিরে वर्ध, दार्थ स काम-अदे जिसमें मुचदक निका विद्वालित। গ্রন্থান মহারাজ বেহেতু সেই উপদেশের অঠীত ছিলেন, তাই উল্ল জা ভাল লাগেনি, করার সেই সমস্ত উপজেন ব্যস্ত হত্তা-ব্যস্তা-বাদি ভিত্তিক সম্বোজ্যে হৈতভাৱের উপস হাতিষ্ঠিত ছিল। লিক্ষকের কলন ভালের মৃত্যুলির কার্নে তানের প্রে চলে কেও, তথা সেই উপযুক্ত ভারেরে গ্রহার মহারাজকৈ জার সকলাত ভালেরা খেলা করার ক্ষণ্ড ডাকড। প্রয়ুদ্ধ মহায়াক, বিনি ছিলেন ম্বাবাই মস কালী, তিনি উদ্ধে সংগাঠীদের অভ্যন্ত মধুর বাজে সভাকা করে, থেনে জড়-জগাতিক জীবনের নিবর্থকতা

সম্বন্ধে শিক্ষা দিন্তে শুক্ত করেছিলেন। তামের প্রতি

অভার কুপাপরবর বছে, ভিনি ভাষের নির্দেখিত

তার বৃদ্ধির পর্মিবর্তন হলে। ভাই চিন্ম করার কোন কাল্য

"হে মহাবাজ ব্যিটির, সমস্ত কলকেরা প্রচুথ মহারাধের প্রতি অত্যত্ত অনুরক্ত এক ক্রয়ানীল ছিল। खाम्बर खन्न कारमर करन, किन्छाप करा एकमापद श्रीडे আসক শিক্ষদেরে উপদেশের দারা ভাগের অন্যাকরণ দূবিত হয়নি। ভারা ভালের খেলার সমস্ত উপধরণ পরিত্যাদ করে, প্রহাদ মহাপ্রক্রের করা থাকা করার কর ওঁকে যিরে যদেছিল। কালের জানা এখা নের তাব উপর নিবছ ছিল এবং গভীয় নিষ্ঠা সহকারে তারা তার দিকে তাকিয়ে ঠার কথা ওনছিক। অসুত্রকলে অপাতাংশ কয়া সংখ্যে প্রস্থাদ মহাবাদ বিলেন একজন মহাভাগবত এবং তিনি হাদের হামল কামনা করেছিলেন। ভার করে তিনি ভাষের ক্রম-ক্রাল্ডিক জীবনের নির্থকতা সমূহে ভলদেশ সিতে গুৰু করেছিলের।"

ব্যার চিভাগ্রে হয়ে ভাবতে স্থানল ভারণর সে বি कटरवः" হিনদুক্তিশ ভাবতে লাগল—"আমি বালভ বহুছের প্রতি বন কটুবাকা প্রয়োগ করে ভিরত্তার করেছি এবং ভাকে হজা कहात बना मानाभारत (हरी) करही, किंद ভা সংক্রেও ভাবে আহি বহু ক্যান্তে লামিন। নিম্নেকেন্ড নে এই সমস্ত বিশ্বসেঘাতকতালুল আচরকে ভারা এবং দুণা নার্যকল্যানের ছারা প্রভাবিত বা হলে ভার নিজের তেৰের ব্যৱহি নিবেকে রক্ষা করেছে। খণ্ডিক সে আমার আভি নিকটে ব্ৰয়েহে এবং সে একটি নিভান্ত নিভ, ভবন্ত মে সম্পূর্ণরাপ নিউবি। কুকুরের **দেব বে**বৰ ভাব স্বাভাবিক বক্রন্ত পরিতাক করে মা, এও তেমন আমার ক্ষান্যার অনুচরণ এখা তার প্রভ বিবৃত্ত কথাই ক্ষিত্রত হৰে আ। অমি দেশছি যে এই বাস্থেৰ পঞ্চি অসীম করেও আমার কোন দতেই এর ভর হয়নি। আন হর ক্ষে সে অমর। তাই, ভার প্রতি শরুতার কলে আমার মতা হাৰ অথবা মাও হাতে গাঁৱে (*

পালেনি। হিংলাকবিশু ইখন দেখল **তে সে কে**ল সতেই

নিজ্ঞাণ প্রস্থাদের অনিষ্ট করতে গানছে না, ভাগন গে

"এইভাবে চিন্তা करत रेरधाताम विवस अवर कान्तिरीत - छेन्एरनश्चित निर्वाहरका।" হতে, মুখ নিচ করে মৌনভাব করেছল। তথ্য श्रामकारकी गुरे शृद्ध यक क्षार क्षाप्तर्क काइक शालाल करे কৰাওলি বলেছিল। হে প্ৰস্ত, আমন্ত জানি যে আগনার কাতলি হাঙ্ক সমস্ত লোকপালের ভীত হয়। কাবল সহারতা জন্মই আগমি একলা রিড়কা জর করেছেন। ক্ষতনাৰ আনহা আপনায় বিষয় হওয়ায় ক্ষতা পশ্চিক্তাৰ एकास काम कार्य सर्वाप मा। सहाम क्रमी निष्मात, অতএক শে পুল্ডিজার কারণ হতে পারে না। বালকের ব্যবহার কোন নের অথবা গুলের বিষয় হতে পারে না। আনান্তে শুক্ত শুরুদার্যে কিরে আসা পর্যন্ত আগনি এই শিক্তকে বন্ধবন্ধনে আবদ্ধ করে মাধুন বাতে যে কর (भट्टा भाकिता मा पार्च। छात यदन दक्षित अरू नेदन গে হৰৰ আহাদেই উপদেশ হামহুদ্ৰম করবৈ স্বন্ধনা चामामा ७५एमरास भाग कार्य, ७वन चानम (बरावेर

প্রাচ মহারাজ কল্পেন-"ইমজ ব্**কি ফ্রা**জর লাভ করে জীবনের শুক্ত খেতেই, অর্থাৎ ব্যবস্থাল (भारते, कन गमड धराम ठाम करू अभर**ठ-**सर्व क्रतीन कहरूको । अनुसामना चाठाना पूर्वक व्यव अनामा এইব্রের রতো অনিহা হলেও তা অতার অর্থপূর্ণ স্করন असी-कीवरन कर्मवारिक स्मिन मन्त्रीस्ट कहा महत्। physics ভিভিৎ মাত্র ভগবছভির অনুষ্ঠান করলেও ক্ষমত পুৰাস্থি কাভ করতে পারে। সনুধা-জীবন ভারতামে কিরে বাধরার সুযোগ প্রসাদ করে। তাই গৃতিটি মানুৰের অবল্য কর্তব্য ভগবান জীবিষ্ণয় श्रेनावश्रद्धाः त्रताच क्षण देवसाः **तरे** स्वत्यति क्रास्ट्रिक, कांद्रम क्रभवान क्रीतिक नक्ट्रलडरे गड्य दित. न्यसम्बद्धाः अवसः श्रीवनः मृद्धम् ।*

 কে দৈতা-কৃপ্নান্তত বছ্নাপ, দেহের মঙ্গে ইন্সিক-বিহুক্তে সংযোগনাত যে ইছিনে সুখ তা বে ভোন व्यक्तिएकै भृषेकृष्ठ कर्म जनुमास्त भाष श्रद्ध थाए। और अवार भूग कानाम (यहकेरे काम सक्य डाउनेर संप्रहे नाह इस्, क्रिक (यथन विनो श्रेसार्थ मृत्यनाङ २६। ইব্রিকসুখ ডোৰ অথবা অর্থনৈতিক উচ্চি সাধনের অধায়ে জড়সুৰ ভোগের প্রৱাস করা উঠিত নছ, করেন তর ফলে বাস্তবিক কোন লাভ হয় যা, পক্ষান্তর কেবল সময় একং শক্তিবই অপচয় হয়। মানুৰের প্রহাদ ঋদি কুকভান্তির বিকে পরিচালিত হয়, ডা ইলে নিরসংশংহ बाद देशकांदित दिवार स्था श्रास क्वा क्वा स्था। कार्यीनॉटक টাৰ্কে মাধনে বুক্ত ছওয়াত্ৰ কলে কোন মাত হয় না। बरुवा बाढ़ क्षत्राच चारप्रामकारम (क्षत्राधिकः), পূর্ণকংগ সুবোদ্য ব্যক্তির কর্তব্য সং এবং অস্তের भार्षका निवासन करते. (प शर्यक्ष और शतिशृष्टे समय-শ্রীরটি মরেছে, তড়কণ ভীও না হরে জীবনের চরম केरभन्त नारश्वत क्षान्। बद्धनीय एवजा। बानुरस्त बाजु ক্ জেৰ একৰ করে। কিছু হে যান্তি ছাকিবেলিয়, আন সেই একশ বছালে অর্থক সমন অন্থক অভিযাহত

হর, কারণ অভ্যানের অভ্যান্তর আলের হরে, রাত্তিবেশায সে বারো ফটা র্যান্তে পাকে। অভ্যান এই প্রকার র্যানের আহমের মার পথান বার। বাল্পানে ব্যেকটা আসায় দল কল্প অভিকৃতিত হয়। তেত্ৰকী, কৈলোৱে ক্ষোপুদার যা। কেন্দে কারও হল কার অভিযাহিত ইয়। अरेडार कृष्टि यहर दिशका यात्र। एटान्स्ट्रे, दुख सहरा জন্মতার হয়ে স্বাভ-জার্যান্তক কার্যকলাপ অনুষ্ঠান করতে থাকাম হওয়ার ফালে, জারও কৃতি কার বৃথা অভিযাহিত হয়। বার মধ একা ইন্সির অসংবার, তার আচন্ত কালো এবং প্রবল মোহের কলে, পর্যবর্গাবক জীবনের ইতি সে অভার আসত হয়। এই প্রকার উত্তর ব্যক্তির কৰি बीदनक विगरत बार, कारन (मेरे काफ़ी वेस्ट्रक मि ভরব্রেভিতে হস্ত হতে পারে না। গৃহস্থ-জীগনের প্রতি বহুলা বাসভ কোন অভিত্যেত্রত ব্যক্তি যুক্ত হতে সমর্থ बद्ध । महामक शांकि छहा क्री-नृत्र असर कानाव बारीय-মান্তবে প্ৰতি হৈছকণ বৃদ্ধান মান্তা মান্তাৰ পুচতাৰে আবদ্ধ। যদ মানুষের একট্ প্রিক্ত বে, সে ধনকে মধু (थरकक प्रश्तक श्राम प्राप्त करते। काँद्रे (नवें धन সভাবের ক্ষান্য কে আৰু করেও পারে, বিশেষ করে শহর-জীব্বেঃ ভাষর, শেশসারী শুন্তা (গৈনিক) এবং ধ্বিক—এরা নিজের প্রিরতম প্রাথকে নিগর করেও স্কর্থ উপর্যাকের চেষ্টা করে। বে কভি ভার পরিবারের মন্তি ঘটোর রেহণীল, যার অন্তরের অক্তর্কা কর্মন ভালের চিনো পূর্ব, সে কিডাবে জনের সম ভাগে করতে পারে ৷ হিশেষত হেংশীলা এক সানেতৃতিশীলা পদীয় নির্মন সম্ম শুরুল কংলে, কে ভাকে পরিত্যাস কংকে পারে গ শিক্ষের মধুর জাবে জ্যাবো বুলি ক্ষরণ ক্ষরলে কেনে হেক্ট্ৰীল বিভা জনের সম পবিভাগ কাতে গারে? কুছ গিতা-মাতা, শুর-কন্মা প্রয় সকলেই অভ্যন্ত তিয়। কন্ম বিশেষ করে পিতার শহরতে তির হয় একং কাল সে তার পতিপুহে চাল বার, ওকা তার কথা লিওরে স্ব সমা মুদ্র হয়। সেই সম ছে পরিসাম করতে পরে। সার

ল ভড়া পুৰে নামা রকম ভোগের উপকরণ বাংগ স্বশালিক পণ্ড এবং ভূত্য থাকে। সেই সুখ কে পরিত্যাথ করতে গরের পুরাসক ব্যক্তির অবস্থা ঠিক রেশকতীটোর মধ্যে, যে কোব সে তৈরি করে, সেই কোৰে কৰী হয়ে পড়ে এক সেখান থেকে আৰু কেনিয়ে আনতে পাত্রে না। কেকা জিহা এবং উপস্—এই দৃটি देखिएका एन्डि माधानार कना सनुब और कड़ क्षत्राज्य ৰছনে আৰম্ভ ইবে গড়ে। কিন্তাৰে সে ভা থেকে মুক্তিবাস্ত করঙে পারে? যে ব্যক্তি ব্যক্তন্ত আসক্ত সে বৃষ্ণতে পারে না যে, ভার কুট্ম জন্ম-পোরণে সে ভার জীবনের মূল্যবাদ সময়ের অপনা করছে। সে এও সমস্ত জীবের মূল গবমান্তা এবং গরের পিডা। ডাই বৃষ্ঠতে পান্তা না খে, পরম স্ত্যাকে উপদ্ধি করার অভ্যন্ত व्यनुकृत और प्रमृत्यानीयम हम व्यवस्था मेर्ड अहार्थ। विश्व, দে অভান্ত বৃদ্ধিমন্তা একং সাধধ্যসভাৰ সলে দেখে যে, একটি প্রসার কে অর্থক নাই না হয়। এইভাবে **অ**ড় বিষয়াসক ককি নিবলৰ বিভাগ দুৰে ভোগ করা সকেও তার ঋষ্ক অভিয়ের প্রতি বিভূকা বেগে করে ন। ব্যবি কোন ব্যক্তি আর কৃট্যু ভরণ-পেরবের কর্তব্যের প্রক্তি অভান্ত আগভাৰ হয়, আ হলে সে ভার ইন্দ্রিরবলি ক্শীভাত ক্ষাতে পাত্রে না এবং ভরে মন সর্বদেই ধন সংগ্রেছের চিন্তার মর্থ থাকে। বলিও সে খানে বে পরের ধন অগহরণ করার কলে সে আইনের কার বভিত হবে এবং মৃত্যুর পর বমরাজের আইনে স্থাডোগ করবে, তর্থ সে ধর সংগ্রহ করার জন্য জন্যটের প্রতারণা করতে থাকে।"

"(३ वस् मानव-नमनगर्। **धर्मे स**र्फ सगरक আপাতদৃষ্টিতে বিহান ব্যক্তিরাও মনে করে, 'এটি আমার बरर उप्र कामान । जस करन जाता गर्वतार कानिका <u> পুরুব-বিস্থাপের মতে। তাদের পরিবারের ভরণ-পোষণের</u> करा सीवरन्स चारमाक्टाउनि द्यान क्यार कार्य पर्वन ব্যক্ত থাকে। ভারা আখ্যান্তিক মান গ্রহণ করতে পারে না। পশ্চান্তরে ভারা **অক্যা**নের দ্বারা মেহাচাই হয়।" "(३ चामात वस् क्रिज्यसम्बन्ध, क्याम (मृद्ध चारत) ক্ষের কালে ভারত-ওত্ত্বজানবিধীন ব্যক্তি নিজেকে জড় ক্ষণতের বন্ধন থেকে মৃত্যু করতে পারেন। পকাররে সেই সমস্ত ভালাবিমুখ ব্যক্তিয়া করা প্রকৃতির নির্মে কড় লগতের বছদে আবদ্ধ হয়ে থাকে। ভারা প্রকৃতগক্ষে ইপ্রিয়ন্ত্র ভোজের প্রতি আলক্ত এবং ভাগের একমাত্র

ক্ষক শ্রীসভোগ। সম্ভাবপক্ষে ভারা সুনারী রমনীর হারে প্রতিদ্যালয়পা। এই প্রকার জীবনের লিকরে হয়ে ভারা পুনা, পৌনা এবং প্রশৌরণের দারা পরিগেটিত হয় এবং धारेकारन कह कागरकत सहस्र कारक हरत धारक। याता এই প্রকার জীবনের প্রতি আকক্ত, ভালের বাগা হয় অসুর। অতবৰ, বৰিও ডোনার দৈডালক, সেই প্রকার ব্যক্তিগের থেকে দূরে অক এবং আনিদেব ভগবল শ্রীনারয়াধের পর্বর প্রকৃত্ব কর। কারণ বারারণের ভাতদের চর্যয় লাজ আৰু অগতের বছন থেকে মুক্ত হওয়া।"

"(म् चानुत्र-अन्यत्रभव, शत्रद्रश्वतः **च**श्रवास आसाह्यस्ट्रे তাঁকে সম্বাট্ট করতে অথবা উন্নে আত্রাথনা করতে স্বাস্থাক পুৰ নিবিশেৰে কাকৰ্ম কোন বক্তম প্ৰতিবছকত। নেই। জীয় এবং জনহানের স্বশ্বর্ক সর্বসাই বাস্তব এবং ভাই चनावारम क्षभगरम्ब शमकता विश्वम कहा वाद। शहर ইবর ভগরন দিনি অচ্যুত একং অব্যয়, তিনি শৃক্ষণতা আদি হারে শ্রীৰ খেৰে বক্ত করে ব্রদা পর্যন্ত বিভিন্ন প্রকার আঁকের মধ্যে বিরাজখান। তিনি সালা প্রকার প্রভু मुद्दिरक, व्यक्त कैनामारन, महत्त्वरक, अकृत्रित खरन (मध्यतन, রকোত্রণ এবং ওমোত্রণ), অব্যক্ত প্রকৃতিছে এবং অহপেয়েও বিয়েক্তমান। তিনি যদিও এক, তকুও তিনি সর্বত্র বিয়াজমাস এবং তিসি চিত্রত্ব প্রথান্তা এবং সর্বকারণের পরম কারণ, বিনি সমস্ত জীবের ফন্তরে माकीकार् दिशास करतन। छैरक बाना अवर प्रदेशांश्व পরমান্তা বলে ইমিড করা হলেও প্রকৃতপক্ষে তিনি কানাতীও। তিনি অবিকারী এবং অবিভাজা। তাঁকে (करून नवव ग्रिकामनद्रम् न व्यम्बर कशा वाह। নব্দিকদের করেছ মানের আবরণে আজানিত থাকার কাণ, ভারা মনে করে যে ভার অভিন্য নেই। অভএব সৈত্য কুলোত্ত আমাৰ বালক বৰ্গৰ, তেমিয়া সকলে এমনভাবে আচরণ কর বাতে অধ্যাক্ষ ভগবনি ডোমানের প্রতি প্রসর হল। ভোরানের আসুরিক প্রবৃতি পরিত্যার করে শুরুষা এবং ছৈতক্তম রহিত হবে কর্ম কর। ভগবন্তুতির জান প্রকান করে সমস্ত জীবের প্রতি তোমানের ককণা প্রথনি কর এবং এইভাবে ভাবের তভাকাশলী হও।"

"সর্বকারণের পারর কারণ, স্ব কিছুর আদি উৎস

প্রবাদের প্রসার বিধান করেছেন বে সমগ্র ভরের। ঠানের পক্ষে কিয়ুই অপ্রাণ্য সর। ভগবান অন্তর্হান চিয়ার ০শের উলোঃ ভাই, ক্যাতীত ককানে কাছে ধর্ম, প্রথ कांडे अंबर मृत्तिन शरा है कवान कि शरतास्त्रम-ना लगरहर कवरट शासन।" প্রকৃতির গুণের প্রভাবে আপনা থেকেই লাভ হয়। আন্নবা ভগবস্তুটোরা সর্বদাই ভবন্ধনো শ্রীণাদশক্ষের নার্থ মুনির কাছ কেকে প্রাপ্ত বৃত্তেছি, বিনি সূর্বদা বৃহিত্রা কীর্তন করি এবং তাই আমাচনর ধর্ম, তার্থ, কাম, কাবাঢ়ের সেবার বৃক্ত। এই জান, বাকে কলা হয় ্রেক অধির বাসন করের কেনে প্রয়োজন হর না। ধর্ম, জগণত-ধর্ম, তা নর্বতোতাকে নিজানসক্ষত। তা ন্যার লৰ্থ এবং কাৰ—এই তিনটিকে বেকে বিবৰ্গ বা মোক এবং কৰ্ণনের ভিত্তিতে প্রতিষ্ঠিত এবং সমস্ক লড় কণ্যব লাতের ভিনটি উপায় বলে করি করা হয়েছে। এই থেকে মুক্ত 🖰 रिनी वर्षा मध्यी व्यक् डैनमबित किया, देवीक बिर्मन অনুসারে কর্ম অনুষ্ঠানের পছা, ভর্কশাস্ত, নতনীতি এবং তরসচার্যের পুর ২০ এবং অর্থর ব্যক্তীত জন্য কোন র্বাধিকা নির্বাহের বিভিন্ন বৃত্তি নিহিত রয়েছে। এতলি ওককে জানি না। আনাচ দিও এবং জান জানাদের কো আধারণের কান্য বিধার একং ভাই আনি এওলিকে নিয়ন্ত। বিশেষ করে ভোষার পক্ষে, বে সর্বান প্রাদানে ক্লভ্ৰ-আগতিক বৰ্গে কৰে কৰি। কিন্তু, পৱৰ পুসৰ খাৰে, তাত্ৰ মহাক্লাং সম কলা কতাত কঠিব। হে দৌনা, <u>এবিকুল জীপালপটো আম্ব নিকেনের পছাকে আমি নিবা সন্ধা করে কারাংকে কম কিভাবে ভূমি সার্থ সুনিব</u> बात आन कति। तमन कीरस्त एकाकावकी अप प्रश्न देशरान क्ष्म कर्जाकता। वक्त करत व्यामानत अदे क्षेत्रदान श्रभारम और सिन्ध स्थान स्पर्वार्ट नाइमर्डन केश्रामण । अरमञ्जू पूर्व कर 🖰

শিংমছিলে। জারণ মুনির মধ্যে বছারার কুপা ব্যতীত এই জান জনক্ষেত্র করে অন্তল্প মাটেন, নিগছ বিনি জীনাজ মুনির পরস্পারার লালে প্রদান করেন, তিনি এই ওয়া জান

তহুল মহত্যেজ কললেন-"এই জন আমি দেবৰ্থি

দৈয়েলখনের আজ—"হে প্রস্থান, তুরি অবস্থ সামর্যা



সপ্তম অধ্যায়

প্রহ্লাদ মাতৃগর্ভে কি শিখেছিল

অনুবৰুলে জন্মহংশ করেছিলেন, তবুও ডিনি সম্ভ **७७रमा मध्य नर्वाटाई। चेंस ऋणाठी चन्त्र-वानवरस** দানা এইভাবে জিফাসিত হরে, তিনি আমার কবিড উপদেশসমূহ হেনে জানের বাধাছিলেন আঘানের পিতা ভাতৰ আৰু অপুধ্বের নানাগিকে প্লায়ের করতে ৩০ দ্বিশ্কশিপু কথন ভগন্য করে জন্য কর্ম পর্যতে পিতেহিলেন, ভবন তাঁর অনুপহিতিকে ইত আদি পেকডারা কানখনেত কলম করার জন্য এক জীবন বুজেন वारप्राथक करविशानः। "बाङ्। निर्नेक्षिका स्थान সর্গতে ভক্তণ করে, ভেতনই সর্বদা সকলের সভাগ

নারদ মুনি বললেন—"প্রস্থার মহাবাজ বহিও প্রথমকারী হিবছকনিপুও তার পালকর্মে কলে বিনট इरसहर्।' बाँदे करण देख काचि मानकारा रेमकारमा **मर**ण कृष्यतं चारतासम् बर्छतिहरूकः। चानुक वृथन्छितां वयन বুছে একে একে কেবডালের ছড়ে মিহত হাতে লাগণ, করণ। ভাগের প্রশ রক্ষা জন্ম তার এতই খান্ত হয়ে পংক্তবিশ বে, ভাষা ভাগের পৃষ্ট, স্থী, পৃঞ্জ, পশু এবং গৃহ্যে উপকরণের প্রতি বৃষ্টিগাডর ক্ষরতে গারেন। विवासी (मयराज रेमधानाचा दिसम्बन्धिम्य सामान गुरून করেছিলের এবং সেধানকার সহ বিদ্ধু বিনট করেছিলেন। তারশর দেবতাক ইন্দ্র আমার মাতা দৈতা-রাজমহিনীকে ক্ষী করেছিলেন। শকুনের শবদগ্রন্ত কুন্তাঁ। পক্ষীর হত্তে ক্রন্সন-পরাচণা আমার মাকে হখন উরো নিবে অভিবলেন, ভাৰন খলৈতেশ্যে ন্যাক্ত মূলি সেধানে উপস্থিত হ্যোছিলেন क्षेत्र (नदे करहार जामात्र अस्क वर्गन करविहरून ।"

নয়ল মূলি কালেন—"হে দেকাক ইন্ন, এই নিজাল গ্রমণীকে এই রক্ষ নিষ্ঠরতাবে নিয়ে গাওয়া তোহার উচিচ নর। হে হয়ভাব্যবদ, এই সতী অনোর স্থী, थर पूर्वि अक्ट्रे वृक्त कर, वृक्त कर।"

দেবলাৰ ইয়া কালেক—"এই দানবপত্ৰীর গতে সেই प्रकृतिका विज्ञणाकनिशृत दीक अरहरक्। छाँदै क्ठामिन स মনৰ হয়, ওতনিন জানি একে আমার তত্তাবধ্যমে সাধাৰ, ভারতার পুরের কর হলে একে মুক্ত করে।"

মারণ মূলি উল্লে দিলেন—"এই রমণীর গর্ভছ শিশুটি নিৰ্দোধ একা নিস্মাৰ। প্ৰকৃত্বপক্ষে সে একজন यहास्त्रात्मक, सम्प्राह्मक अक प्राह्म श्राप्तात्मक समुद्रत्। ভাই ভূমি একে বৰ করতে পায়কে না।"

"নেবৰি নাজ এইভাবে বলগে, নেকলজ ইন্স উং বাকা অনুসাংহ ভংকগাৎ আমাৰ মাতাকে মুক্ত করেভিলেন। জামি ভগবানের ভক্ত বলে সমস্ত দেবঙাবা ভাষন জামার মাকে প্রদাহিত করেছিলেন এক ভারতার ঠারা কর্মলোকে প্রভ্যাবর্তন করেছিলেন।"

यदीन बराडाक कालन—"एवर्कि नातक धामान মাতাকে তাৰ বাধ্যমে নিৰে এনেছিলেন তথা তাতে সর্বত্যেভাবে কল্প করার প্রতিক্রতি দিয়ে বলেছিলেই, 'ছে বংসে, ডোমার পতি কিরে না আসা পর্যন্ত তুমি আমার আপ্রামে বাক ে দেববি নাববের উপনেশ অস্ট্রীকার করে আমার মতা সর্বভোভাবে ভরমুক্ত হয়ে, ভামার শিতা দৈত্যবাক্ত হিকোকশিলু তার কঠোর কপেনা থেকে নিবল্ড ष्टरत किरव का चाना शर्यक्ष, छात चाधरत हिल्ला। শর্ভবাতী শতী আমার মাধ্য শার্ডার সামশ কামন। করে তার পতির অধারনের পর প্রস্ত করার বাসনা ক্যরভিন্নের। এইভাবে তিনি গ্রাম ভড়ি সকতারে নারদ মূলির সেবা করে তার ঋতামে অবস্থান করেছিলেন মারদ যুদ্ধি পর্ভক্ত আমি এবং পরিচর্যারত আমন্ত মাতা উভয়কেই ভয়জন উপদেশ নিয়েছিলেন। বেখেত তিনি স্থানতই অধাপতিত জীৱনৰ প্ৰতি অভাৱ বয়ল, ভাই

ঠার চিমার ছিভিতে অর্থাপুত হরে তিনি বর্গাচার একং निसं कान उनाम करतिहासमा। (मेर्ड विभएक) मार्थ कह কৰ্ম খেকে মুক্ত ছিল। সীৰ্যকলে পত হওয়ায় একং শ্লীকাতি বলে জানার যা সেই সমত উপকেশ বিশ্বত करतारका, किन्नु स्ववर्षि मात्रस्था ध्वनुश्चरक बाहि का 'अणिनि।"

°হে কর্পণ, তোমরা ঘটি আমার ককো বাচাশান হও, আ হলে কেবল সেই মাছার কলে ভোষরাও ছেই বাদক হওয়া সভেও, আমাৰ বতো এই নিব্যক্তান ইল'ৰদৰ কৰতে পান্তৰে। তেমনই, বীলেকেলও এই জ্ঞান হালরকার করে জানতে পারকো আধ্যা কি কাং জন্ত পদার্থ ডি। স্বশের কল এবং কুলের সেমন কালকণত स्त अक्षद्र रिकाद (क्रय, हिंछि, देवि, जगास्ट, क्या अक्र বতা) হয়, কেমনই শ্রীবাদার বিভিন্ন গরিখিতিতে প্রাপ্ত করু দেহেরও এই প্রকার পরিবর্তম হয়। কিছ আতার ক্ষেম পরিবর্তন হয় না। "আত্রা দলে জগনান অধ্যয় জীবনে কেওল। তারা উত্তরেই চিমার, ক্লাম-মূল রবিত খবার, জড় কণুৰ খেতে মৃক, খতার, ক্ষেত্রক, সব বিশ্বর काराह, दिवातनुना, काश्वमनी, प्रस्कारन, प्रस्ताल, कह (महरू। উপর নির্ভরবীল নর এবং গুটু সর্বাধ কান্যসূত। বে খাড়ি আত্মার এই বাবোটি গুণ সমতে অংশত, তিনি কথাৰ্থ বিভাগ এবং ভার কর্তন্ত 'এই জড় শুরীবাই জানি ধবং এই পরীরের সঙ্গে সম্পর্তিত হব কিছু আহার' মেহজনিত এই বাজ ধানত ভাগে কর।। एक ভুতবৃথিক, বেষন বৃথাক্ত পারেন কোথায় লোনা রুয়েছে এবং বিভিন্ন পদ্ধাৰ বানা স্বৰ্ণনিশিষ্ট হাজৰ বেকে কৰ্ম সংগ্ৰহ কাতে পাবেন, তেমনই অভিয়া অধ্যাত্মবিদ বৃত্তে পারেন বিভাবে জড় দেহের মধ্যে চিবার আত্মা রারছে এক এইভাবে আধ্যাদিক জানের অনুশীলনের স্বারা তিনি অংখ্যান্ডিক সিদ্ধি লাক করতে গারেন। কিন্তু, অনভিজ दांकि द्वमन स्थएकं भीरतं नो काभाग्न त्यांना बरवरह ডেমনই যে ব্যক্তি আধ্যাত্তিক আনের অনুস্থানের করেনি সে কৰ্মই ব্যুৱে পাৱে না কিডাবে দেহের ভিত্যা আছা ররেছে। ভগবাদের আটটি ভিন্ন কড শক্তি, তিনটি বশ এক বেড়েশ বিকার (এজনশ ইপ্রিয় এক মাট, ক্ল আদি পঞ্চ মহাভত)--এই সংবঃ মধো এক আৰা সাক্ষীকরে বিরাজয়াম। তাই সমস্ত হচনে অচোর্বেরা

3 तम् क्ट्रिक व्हार सामा अहे जरू के प्रशासिक হাল মাবছ। মতিও ভাষের দৃই প্রকার শরীর মাজেছ— লক্ষ ক্রাপ্তক মূল লাইয়ে এবং ফল, বৃদ্ধি ও আচ্ছারের क्षमा ब्रांत क मृत्या नतीता । वह नदीत्वत प्रत्या बरवाद लिक्स चान्ना। अनुरस्त कटंच "वटि नर, वटि नव्" এইভাবে বিচার করে আছার অনুসন্ধান করা এবং এইখনে চিম্ম আৰা ও জড় পলাৰ্থের মধো পাৰ্থক্ত क्रिक्रशत करो। शैंत अन्य मक्क वास्त्रितन कर्णना, विक्रप्रतथर दाता भाँचा महत्त्व नहरूका गृहि, विकि अवर विनायध्यो समझ वर्षेत्र स्टब्स् व्यवस्य सन्भवं अस् भावस्य টারালগ করা। বৃদ্ধির তিনটি বৃদ্ধি—জাগ্রত, কয় *বা*বং গরবাঃ খিনি এই ডিনটি বৃত্তিকেই অনুস্তব করেন, তিনিই প্রাদ্ধি নিয়ন্ত, পরম পুরুষ, পরমেশর ভাগান। সৌরভের ভাৱা হোমন কৰুৰ উপস্থিতি আনুষ্ঠৰ কলা কৰে, তেমনই করবারের পরিচালনার বৃদ্ধিন এই জিন বিভাগের বানা খাৰাকে প্ৰদানসম কৰা ব্যৱ। এই তিনটি বিভাগ কিছ कामा नहः, माध्यमि छिन सम् गर्माग्रंड व्यस् क्रिया (११.४ উৎপন। কণুৰিত বৃদ্ধির কলে মানুৰ কডা প্রকৃতির বছনে আৰু হয়ে গড়ে। সংগ্ৰ ক্ষেন মানুৰ জনীক দংগ-কট ভোগ করে, তেমনই অক্সনাচনিত সংগ্রে चराष्ट्रिक करा नक्द। चन्नका, ह्र स्कृ विकासकार, ত্যেদের কর্তন্ত কৃষ্ণভত্তির পশ্ব অবলয়ন করা, স্কুর দলে জড়া প্রকৃতির প্রভাবে কৃত্রিমন্তারে উৎপদ্ন সভায कार्यत बीक क्या हात अवर काराल, एक च नुवृत्ति খবছার বৃদ্ধির ভাষাহ নিবৃত হবে। অর্থাং, তেওঁ শক্ত পৃথাভতির পদ্ধ অবসন্ধন করেন, তথন তার অভনে সঙ্গে नाम पुत्र करते चाउ।"

লনেছে, তার মধ্যে স্বরং ভগরান প্রদান পরাটি সর্বাশ্রেষ্ট বলৈ কানতে হতে। সেই প্রাট হতে ভবক প্রেম विरुचित समाप्त कर्यस्य कर्तासः । प्रानुस्वतं कर्यस সন্তক গ্রহণ করে গভীর প্রভা এবং ভক্তি সহকারে জন (नवा कड़ा। निरुव्य वा किन् बरदाए का नवरे নীওকদেবকে নিবেনন কর উচিত এবং সাধু ও ভশুৰো महरू सम्बद्धित शास्त्रास्त्र रहा, सन्धा महकाद्व सम्बद्धित महिमा अवन अबा, कनुवाहमा निया ७नावनी अवर अध भारतक वरण एव विवा सामन्य बाजावन हत, जान

कार्यक्रमाहनम् प्रदिक्षा कीर्टन कहा, मर्दना प्रश्नकारनम् শ্রিপাশবের ধ্যান করা এবং সাম্ম ও চকর নির্দেশ অনুসারে গাড়ার নিষ্ঠা সহস্কারে ভগবানের ত্রীবিভাহের भारतास्त्र कहा किछ। श्रीविधि क्रीएनन हत्त्वर পরসাধারতে বির্ভিয়ন শ্রণধারতে সর্বন শংগ ভর উচিত। এইভাবে প্রতিটি জীবকৈ অন স্থিতি জনুসারে সামন করা উচিত। এই সমস্ত কার্কসাপের করা ফার্ব পড়্রিপুরে জর করে গুগবস্থতি স্পানন করতে সকর ল। এইভাবে ভিনি নিশ্চিত্রতার ভাগনালো চেয়**ম**ই। সেবার ক্রম প্রাপ্ত হল। বে ব্যক্তি জনবছনিও ক্রম প্রাপ্ত স্বেদ্ধে, তিনি ক্ষুপ্ত উত্ত ইপ্তিরতলিতে কর্নিত্ত क्यादिक क्या एक भएम छिनि एक भूत्रक। की अवस স্ত পুৰুৰ, আৰু ভুগবছক কৰ্ম নীলালিলাস প্ৰশ্ৰেপ छक्कार्जा विकेश करेशका किए एक्कार्गा अन्य कामवान कैर्मरही कार्रकशान करन करतन, कठाल कान्यकनल উন্ন শহীৰ ব্ৰেৰাখিত হয়, চোৰ খেকে ভঞ্জ কৰে ককে क्षण को इंड हुए। कर्पनं क्षण दिनि वृक्त करहे ওপের ক্রীভূত হয় এক ভার করে। সে শত জনতো স্কা করে।, নৃত্য করেন এবং করেও করেও তিনি একর করেন। এইডাবে তিনি টার দিবা আনক প্রবাদ করেন। ভক্ত বৰণ হয়েক ব্যক্তির মাজে হবে বান, তৰান তিনি इप्रिन्द, क्रिक्ट्स क्षत्रवास्त्र क्षणवली कीर्टन करहत, কথনও তিনি ধান করেন, প্রতিটি জীবকৈ ভগুকানের স্বেবর বৃক্ত বলে মনে করে ভালের প্রতি প্রকা নিকেন ৰকে, নিজে বীৰ্ণনাম জান কৰেন, সামাজিক নিটিজাৰ সাহ্য বা করে পাসংগত মতো উভাবতে "ছবেকুকা, श्राह्मका (६ सम्बद्धाः व्यवस्थाः व्यवस्थाः কাতে অবেন। নিবন্তুর ভগবানের গাঁলা আব্দ করায "ভব-বছন বেকে যুক্ত হওৱার বে সমস্ত উপায় কৰে, ভাঙের জন এবং পরীয় তথন সমস্ত হাত কলক বেকে মুক্ত হয়ে চিম্বয়ম প্ৰাপ্ত হয়। গ্ৰাহ ঐত্যান্ত্ৰিক প্ৰতিৰ কলে উচ্চ কৰেন, কম এতনা এবং সংগ্ৰহাত कड समन कचीकृष्ठ एता गाए। और काल मन्य ভাগবানের জীপানপাছের আশ্রম্ম দাখে করতে পারে : कीयहरू अनुके नवन्त्रं स्टब्स् कन्द्र-प्रदात हुन । दिस ভূমি কর ভাষানের সংস্পর্ণে আসে, তথ্য এই চার্ডার ৰতি সম্পূৰ্ণৰূপে স্তম্ভ হয়। অৰ্থাৎ, ভাগবহান্তত্ত নিংক্ৰ

करण कींच और अंदे अंदरता (परक भूगीतरण प्रक्र हरत गाँव। चचन एक मूर्याय सेना एका उक्त (एडी करत से। गानव সমত বিক্ষা ব্যক্তিয়া সেই কথা আনেন। স্বাভনের ছে বন্ধগণ্ড হে দৈত্যনন্দল্যাণ্ড তোমরা তোমানের ভাত্তরের कारताध्या स्था।"

ভাষার সর্বদাই সমস্ত জীবের ভালরে বিরাজ করেন। হলে মার। বেছের সেহটি চরমে নিটা আগর মাটিতে প্রকরণকে ডিনি সমস্থ বীতের ওড়াকান্তকী এবং বস্তু । পুলিও হাবে, তাবন সেহের সর্কে সম্পর্কিত পদ্ধী, প্রচ বৰং উন্ন উপাসনার কোন অসুবিধা নেই। আ হলে লোকোরা কোন তার প্রতি ভক্তিপরারণ হয় নঃ বেল তার ইনিত্রণ ভোগের ক্ষম করিব আরোজনের চেইয়ে জনর্থক আগন্ত হয় । সানুষ্টে ধর্ণ, সুন্দরী স্থী এবং शक्री, नूप-क्ला, नह, सुप्ति, खडी, घडी, खड जाले वृद्दशानिक भए, स्थानहर, चर्च करर साथ, काम कि क्षेत्रे अपनिक क्षेत्र नवल वस्तुधनित पात पालिक बारक हो। সমস্ত ঋষ্ট ঐশ্বর্ণ ছেলে করার পর্যান্ত সমস্তেই কল্ডস্ক এবং অন্তির। খেতেও জনুবা-জীকা অনিতা, অভএব বে ব্যক্তিকে কি এই সময় কৰু ঐপৰ্য সুৰ প্ৰদান কৰাতে পারে ং বৈদিক পাত্র থেকে জানে বার বে, মঞ্চ সম্পর্কের কি প্রয়োজন ১" चम्हेरमा करन कर्मानाक स्त्रीय २०वा शव। किह স্বৰ্যলোকের জীকা যদিও এই পৃথিবীয় জীকা খেকে শত-সংহত্ত অধিক সুৰক্ষা ভাৰত বৰ্গলোক তথা স্বৰ্গলোকত অনিতা এবং ভাই সেই বোক প্ৰাপ্ত হওৱা। ভাই, পূৰ্ববাসে বিষ্কোন কলৈ জোৰবাই কা, যে সকলে कीवानम् উद्यानाः नतः। किन्द्रः फनवातनतः मर्थाः काम প্ৰকাৰ আটি কেউ কথনত লেখেনি বা পোনেনি। ঘাই, एडाभारमय कर्डम् *एडामारमस संकृष्ट मार्डम स*न्। अस আৰু উপলব্ধির কাড খালের নির্চাপ অনুসারে গরম ভক্তি সংক্রায়ে ভগবানের আরাখন করা। আরু বিবরাসক খাজি নিজেকে অভ্যন্ত বৃদ্ধিয়ান খলে মনে করে, নিরন্তর বার কোবিহিত সভাম কর্মের অনুষ্ঠান করে সে ইহলোকে অথবা গরলোকে নির্দেশ ইয়। প্রকাজনকৈ, নে তার সেতে কেরান্ট্রিক হয়। পারমার্কিক উর্লাভন চারটি বর্গ— থাছিত মাল পারে মা করে তার বিপারীত কল দাতে করে। ধর্ম, আর্থ, কাম এবং খ্যোক্ত পরয়েখনা ক্রণরভার উপার এই ৰাড় কম্ভে সমন্ত বিষয়াসক ব্যক্তিরা সুৰ পাতের এক দুংগ দুৱীকরণের চেষ্টা করে এবং সেই উদ্ধেশ্যে কর। কেন ত্রুত কামনা বা করে, ভলয়ানের উপব কর্ম করে। কিছু প্রকৃতপক্ষে মানুষ ভবনই সুখী হয়, সর্বভোজাবে নির্বয়খীল হয়ে, চন্টি সহকারে সেই পর্য

पकार प्रत्या क्या हाँहा करहर एक वृत्ति, संच्याहे छाउ দুঃৰাভাৰে ৬ঞ্চ হয় , জীৰ ভাই পেচসুথ কামনা কারে অন্তর্জনে সেই অনুর্বামী পরমেশকের খ্যান করে ঠার। এবং সেই উপেন্যে বং গতিকানে করে, কিন্তু প্রকৃতনক্ষে দেহটি অনোর সম্পতি। প্রকৃতপক্তে, নথর *বের*টি "হে বছপণ! হে বাদ্য বাদকাৰ্ণ! প্ৰমাধ্যমেশে জীলান্বাতে আলিমন কৰে এবং ভালনা ভাতে ভাতে কা, সন্তাৰ, আখীয়, ভৃত্যা, কছু, রাজ্যা, কোবাদার, লকু, মন্ত্ৰী ইতানির কি প্রয়োজন গ সেই কবি কবি কবিছে। সেই সম্বন্ধে অধিক দি মধান্ত আছে? কচকৰ বেচনা অভিনত বাবে, বাওজনই এই সমস্ত করা অভ্যন্ত প্রিম খলে মনে হুব, নিজ দেছ কিন্টা হয়ে দাববা সরাই দেছের সভে তাই, প্ৰকৃতক্ষে এওলির কোন প্ৰয়োগন টেই, কিছ অবিদান কলে নেওলি অনর্থ ব্লেও অর্থের মুডো ৰান্তি কুমতে পেটেকেন যে তিনি নিতা, সেই নিচক্ষণ প্ৰতীত হ'ব। নিত্য আনক্ষ-নামের সমূতের ভলনায় সেওলি অত্যন্ত ভুজন। নিজ্ঞ আৰমে এই প্ৰকার ভুজ

্ছে অস্তনকন বন্ধণ, জীব তার পূর্বকৃত কর্ম অনুসারে বিভিন্ন প্রকার পরীয় প্রাপ্ত হয়। ভার কলে গর্ভে প্রকো খেকে ডার করে তার বিশেব পরীরের সমস্ত (विश्वेशम) कथ्या बाह्य कांत्रस्था अति स्थान भूक्ष नदा। करहार्ट्ट कारण नाना अवहर भूक्ष्मके (कांग कार्य) हत। कर्य प्रदर्भ एकरल, मुक्त्य-शृतिनाहि क्षणान करता, का धनुकेल করে কি লাভং সেহধারী স্বীনের পূর্বকৃত কর্মের ফল এই মাধ্যে সমাপ্ত হতে পাছে, বিদ্ধা হয়। কৰা এই নয় বে, সে মাত গেলের বছন থেকে মুক্ত হয়ে গোছে। স্বীন তাল পূৰ্বকৃত কৰা অনুসাৰে এক শৰীয় প্ৰাপ্ত হয় এবং নেই পৰীৰেৰ স্বায়্য অনুষ্ঠিত কৰ্মেই প্ৰভাবে সে আৰ অৰ্থলৈতিক উঠাতি অবলের জন্ম কর্ম করে। বিন্দ্র বার একটো শরীর তৈনি করে। এইপ্রাংব সে তার জ্বলালের কাল, ক্লাড-মতার মাধ্যমে এক বেছ থেকে আর এক অব্যাহিত। তাই যে বন্ধুপথ, ভগবন্তব্যাহার পালক অনুসরণ

बार्चा क्रांचात्मतं जाताध्म कत्। भत्रामस्य क्यांका औरवि नाम कीरश्र प्राचयनाम अवर व्यक्तिश्री। मान्य कीर्या दिश्र पात्रका धावर काफ रिस्टिश परित्यक्तिकरूठ छीत्रहे मुख्यि প্রমাণ। ভাই ভগরান পরম প্রির এবং প্রায় নিয়ের। (mast, कानुक, मानुक, एक, शक्त क्रमच और क्रमारहरू ে থেডই মনি মুজিদান্ত। সুকুলের জীলাদগণের সেবা _{কাৰো}, ভা বলে তিনি ঠিক আমণেরই মতো (প্রহাদ প্রচারাজ আদি মহাজনদের মতো) পরম মঙ্গলমর ডিডি লাভ কবেন ("

"হে অসুরুদ্দালিশ! **রাম্মণন্ড, কেবন্ত, থবিত, সম**চাব এক পাতিতোর হারা উপশ্রনের প্রদানত বিংল করা যায় था। और मंगल ७५०कि छनरानटक थानेच सार करत লং একৰ কি দান, ভগস্যা, চল্ল, পৌত, ত্ৰত ইত্যাহিব হতেও স্থাবাদের প্রসরতা বিখন করা বাছ না ক্রাবান

কেবল অভিন, ঐকান্তিক ছড়িত দাবাই প্রদান ইন। একনিও ভতি বাতীত অহা স্থা নিবৃহ কেবল লোক দেশাৰো অভিনয় হায়। হে আনুজননান বন্ধুগণ, বেভাবে তেবৈৰ নিজেদের ভাগবাস এবং নিজেদের লেগলৈনা কা, টিক সেইগুলে, সমস্ত জীনের অন্তর্গানীকলে বিনি नर्वत विज्ञासभाग, त्याँरे स्थानगरमञ्ज अन्याध्य विश्वत्यत्र सन्त केत (तर्व क्या) (ह विकासका स्थान) वक, वाक्स, निर्देश की, पुत्र, स्थान, शकी, नक क्यार नानी कीएरवाव বেবলমার জড়িবরাপের পার কর্মান্তর করার মাধ্যমে পাৰত অধ্যাধিক জীলা লাঙ করে অমৃতার প্রাপ্ত হতে পরত। এই স্কণ্যত সর্বকারণের পরম কাবদ গোহিদেবর শ্ৰীপালগৰের সেবা করা এবং সর্বত্র গুলুক কর্মন করাই জীবনের একারে লকা। এটিই মানব-জীবনের চরম नाम, म नमल नाता विवास कहा इस्ताई।"



অন্তম অধ্যয়ে

ভগবান নৃসিংহদেবের দৈত্যরাজ বধ

নারণ মূমি খললেম, "সমঞ্জ লৈত্যনক্ষেরা প্রপ্রায় মহাব্যজ্ঞের দিখা উপদেশ ক্ষতান্ত নিষ্ঠ্য সহকারে প্রশ্ করেছিল এবং ভালে ভাগের শিক্ত বত ও অমর্কের रेग्यक्तिक क्षेत्रहरू शहर करहिने। क्षत्रकारर्वत भूग वक् এবং অংগর্ক কথন দেখল কে, খড়াদ কল্যানেক সদ প্রক্রে অসুর-বাসকেরা কৃষ্ণভাক্তিতে নিষ্ঠাপরাকা হয়ে উঠাহ, কৰন তথ্যা অভ্যন্ত খ্ৰীক হলে, দৈভাগালের কাছে শিকে সেখানকার পরিপ্রিতি কলাকথানে কর্ণনা করেছিল। শেই পরিভিত্তির কথা জানতো পেতে ছিত্রণাক্ষিণু এড ক্তি ব্যোহণ বে, ভার সারা শ্রীর কাগতে ওক করেছিল। ভখন সে ছিল করেছিল ভান পুরু প্রচুলকে বে ব্যাক্ত করবে। বিরশাক্তিশ কথাবতই ছিল কতাত নিষ্কুর একং এইজায়ে অপনানিত বেদা করে, সে পদাহত বর্ণের মতের নিংখাস জ্যাপ করতে গুরু করেছিল। তরে

পুর প্রক্রম বিশেষ পারে, বিনীত এবং নক, তার ইপ্রিয়ত্তি সংবঠ বিল এবং ডিনি কয়জোড়ে হিবগুকলিপুর সভাবে क्रिकार हिल्ला शहार भगावासा क्रिका रहे जरूर মহান আচন্যগের ক্ষান্ত ভিনি ভিরক্তাক্তের উপকৃত্ত ছিলেন না, তত্ত হিন্তাকলিও বাল্ডাইডে উলা বিভে ভাৰিলে অভ্যন্ত কঠের বাংল তাঁকে তিরকার করেছিল।"

रितश्वमित् सम्म-"(ह मुरिनिश्च तह सम्मन्धि तह कुनारक्तकातक, तह कारण, छुटे भागात माजून सक्तत করেছিল, ভাই ভুই এক ফোলী মূর্ব। আন্ত আনি জ্যোকে বমালনে তেলে করব। ওরে মূর প্রভূমে, পুই জানিস বে আমি কুছ বলে লোকগালগল মূহ ডিঙুখন কম্পিত হয়। किन पूर्वे कार करन कानूना स्ट्रा चारवंड नामन चारिकाय কলম্বিস্ !"

धर्म प्रश्तिक सम्मानम—"त् **वाकन, कामान** द

বলের উৎসের করা জিলামা করেছেন, তিনি আননারও স্বাহালাকা ছিলাফলিপ এই এবং তার মধারলাকত পরে উলো। প্রকৃত্যকে স্বাস্ত্র বলের আদি উল্লে একজন। প্রকৃতিক কটোর বাকে বিসমান কর্মালন। তার প্রত তিনি কেবল আমার কামক আপনার বালেটে নাম, তিনি । যার যার তর্মনা করে বিশোক্তিপু তার সভার প্রচালকর ক্তেনেট বলের উৎসা, স্তাবই বলে সভ্যনেই ক্রীয়েল। তার ব্যক্তিয়েইসল বেকে উলিও হলে মহাতেলতে তার স্থাবর-ক্রম্ম টিক্র নিচ, স্করেই, এফা কি রালা গর্বও স্বরের মুট্টাগ্রেড করেছিল। তথন দেই রাল থেকে 🙉 সেই পরফেক্ত জনবানের কলের নিয়ন্ত্রগাধীন। সেই ভয়ন্তর ধর্মন উপিত হার্ডেলা, বার ফলে মনে চার্ডেল পরমেশ্বর জগরান, তিনি পরার নির্ভাগ কোর কালবর্তন। তান রাজারের আনবর্গ কিনির্গ রাজার। তে বার্গনির তার তিনিই ইন্নিয়ের ঘণ, হতেও কা, দেহের পতি এবং সক্ষ হথ্যা আদি নেবজনের মতে পৌর্ভেচন এবং আ ইন্সিমের আন্মা। উন্ন পরাক্রম ঘটাম। তিনিই মন্যালয় তানে উন্না মনে কর্মেন্সিমে, 'ভান, জনোনের প্রচালাত মোট, ডিনিই মান্তা প্রকৃতির কিন গুলোর অধীনার। তিনি - বুলি কিন্দ্র হলে (মান)' হিলাল্ডর্নাপর কলা ভার প্রত্রত উন্ন পাঞ্জন হারা এই বিশ্ব নষ্টি বনেন, পালন করেন। বধ করছে অভিন্যানী ইয়ে তার অসাধারণ পরক্রেত্র এবং সংহার করেন।"

হাবন্ডি পরিত্যাপ কালাং আপনার লাগতে শক্ত এবং মিত্রের ভেগ লা করে প্রকলের প্রতি সমভান পোরণ। সেই সভার কেউই বুগতে পারেনী সেই শানের উত। কলন। অনংখ্য এবং বিলয়গামী মন সাজীত এই কোষার ছিল। অগতে খন্য কোন শ্বরু নেই। সর্বভাতে সমার্শনের কলেই পর্ণরূপে ভলবানের আহাধন্য করে উঠান হতা। यात्र । भूरतं भाभनात् अस्त्र 🔫 ४६ वाकि भागतः तरस्यः । সর্বস্থ অপকরণবারী হয়টি শক্রতে পর বা করে গর্বভরে মনে করেছে, 'আমি বল নিকর আমার সময় পর্যালয় খ্যা কর্মেছা' কিন্তু যে ব্যক্তি হৈছে বড়বিশু মায় করেছেন এবং সমন্ত জীবের হাতি সমল্পী, তাঁত কোন শক্ত নেই। যুক্তিকে সভাপুতে আনির্ভত ব্যক্তিকেন। বিবশ্বকশিপু অজ্ঞানের কলেই শতের করনা হয় 🗥

পর্ব করে, নিজেকে জিতেন্ত্রিক কলে পর্ব করছিল: এটি তোৱা অভি ব্যক্তিমন্তা। ভাই আমি ব্যক্তে পান্তৰি বে, আমার খনত ভোন মরবার ইচ্ছা হরেছে স্কারণ মল্যাপর য়াভিনাট এইভাবে অধ্বীন কৰা বলে। ধৰে হতভাৱা গ্রহাদ, ভাই সার সময় কলিস যে আমি ইভা আন কোন क्रांभीना सरवास्थ, विनि मकरणत छेटार्स, विनि अकरणव নিয়ের এক বিনি মর্ববাহর। নিছ তিনি কোপার ? তিনি বুলি কৰ্মতে আক্ৰেন, তা হালে কেন তিনি আলম সম্প্ৰত বিবাধ ক্ষাব্যেন উলা মন্তপঞ্জি ক্ষয়ানত; এবং উল **ा**ई सहज छैर्शान्त्र का। एसद की चर्च्या क्यान्त्र करा আমি একা তোর দরীয় খেকে মন্তব বিভিন্ন করব। ভারে পরন অরোধা ভাগবান এবে এখন ভোজে করা। ওহার মধ্যে। উত্ত হন্দেশ ভালবাজনে বিনীপ এবং

প্রদর্শন কর্মান, তথ্য সে লেই ক্ষতি অরও প্রচণ ক্ষরি "হে নিডুমের, মরা করে জাপনি আগনার আসুনিক জন্য করেছিল, যা পূর্বে করনও পোনা ছয়নি। 🙉 লক ওবে জনালা অসম-মারকেরাও জীত করেছিল।

केत एका अर्थ भर्थतास्मन बार्कान मठाना शबन করার করে অর্থাৎ ভাগরার হে সর্বার বিবাধয়োর, এয়ার कि मचान्रास्त्र बरहर माथात दिनाबस्थ, 🕫 कब প্রমাণ করের অব্য পর্যেশ্বর কলবান প্রীকৃতি এক সাধুইলর অন্তত কল প্রদর্শন করেছিলেন। সেই রূপটি রিল বা মানুৰের না সিংহের। এইভাবে খগবান এক সমুগু যুখন নেই লাক্ষ্য উৎস আৰক্ষ্য করে চড়সিকে টেবছিল, হিষ্ণাক্ষীৰ কাল—"ভৱে মূৰ্ব, গুই আমার মহিলা - ভবন সে ভৱের মধ্যে থেকে ভালানের সেই অভুত কৰ বহিণতৈ হতে মেখেছিল, যা ভালুৰও কা, নিংহত বহা। অভান আন্তর্য হতে হিরুপার্থনিগ ছেবেছিল, 'এই প্রার্থকী কি অৰ্থেক ক্ষুত্ৰৰ এবং অৰ্থেক সিংছা" বিজ্ঞাকশিল ভাষ সন্মতে সংগ্রমান নথসিংহজনী ভাগলনকে নাৰ্গন করে বিচার কবার চেষ্টা বারে তিনি থে। তার সেই রাগ পতার ভয়ক্তর-ভার ক্লেখর্মেটার নহানয়খন উভগ্ন স্থর্শের মতের উপরেশ্য তারে দীওে কেন্দ্রর তার ভারতর মুখ্যমন্তর্গক कृदश्य किन्ना बद्धापात प्राप्ता प्रकल। श्रीत स्त्राप्त कर्नपुत्रम् जिल्ला अवर पीतः वृष के लानिकाविका नगरितन ♦কুক। আমি তা দেখতে চাই। মেগগছ হ'বে ওঁল শ্বীর জনগদকে শর্পে করছে। ওঁল রীব <u>প্র</u>থ এবং

ক্লা, ক্ল দিনাল, উত্ত কুল এবং ঠার ক্লেয়না লোম ক্তিব্ৰেল্ড মাটো তাও। ইন্ত অসংখ্য ক্ষা কেন্দ্ৰভিনীয় प्राप्त प्रद्वितिक विश्वास करते भीता, करते, पाना, भूता अवा ক্লান্ত বাকাৰিক অপ্ৰের বাবা দৈলে, বানৰ এক _{সাজিকশের} বিমাল করে। হিরণাকশিপু হরে মনে ব্যক্তি, আ নামানী ভগৰান বিশ্ব আমাকে বৰা কান क्षे व्यक्तिकार कारता, किन्नु केंग्र और क्रिकेट कि सरक কারত আহার বালে বে বৃদ্ধ ভরতে পারবের' এট बाग स्त्रीत प्रदेश विभागणात दिवन्तर्वभीन् कत प्रत्रम अस्य क्षत्रहास्टक काञ्चलक कट्डिका: जन्म (काळ র্জানের পতিত হলে অদৃশ্য হয়, তেমন্ট্র হিলাকেশিণু করা তেলেখন ভগৰানকে জন্মখণ করেছিল, তথা সে ক্ষম হয়ে নির্মেছিল। সা মোটাই আন্তর্বজনক নত্ত, ক্ষাল ভাষাৰ সৰ্বাদটে ওক্ত সংস্থ অৰ্যান্থত। পূৰ্বে, সৃষ্টিৰ সময় তিনি আনুষ্ণালয়ের ক্ষাণ্ডে প্রবেশপূর্বক উপ্ল চিন্নর জ্যোতিৰ ছাত্ৰা সেই অঞ্চলায় বিনাশ কৰে ইম্মাণ্ডকে অলেভিড কর্মেছালে। তারণর মহা অনুর হিন্দাকশিশ লেগপুৰ্বক প্ৰকাৰেণে সুসিংহাদেবকৈ আক্ৰেল কৰে ভান কান ক্ষুৱ হৈছে আহাত কৰ্মেল। নিয় গৰুড কেচাৰে হল্লাপ্তি প্ৰাম কৰে, ঠিক সেইখনে খলবল নুসিছেকে লা স্কু হিন্তগ্ৰহণীপুৰে প্ৰহণ কৰেছিলেন 🗗

"Ct फराए-क्लाब प्रकारक गुरिक्ति, कारवार मृतिहरूक হৰৰ উন্ন হত খেকে হিৰণ্ডকশিপুকে নিব্ৰায় ২৬য়ায় সুযোগ নিবেছিলেন, ঠিক কেতাৰে পাৰত কেলাই ছলে ক্ষমত ক্ষমত স্পতিক ভার হব থেকে নিযুক্ত ইওয়ার সুক্ষেত্র সেয়, প্রকাশ কৈন্তাভাটে গোলের আন্তর্যাল কৃথিতে বাধা স্থানমন্ত্র দেবভারা কাবানের হতে বেকে দৈত্যের নিৰ্গানের ব্যাপানটি ভাল খলে মতে ভয়লেন না। প্রকৃতপক্তে তারা তথা অতান্ত বিচলিত ইরেছিলেন। হিলাবনিশু করে নৃষিহেগেখ্যে হত থেকে হত ব্যক্তিন, তথ্য সে প্রাক্তভাবে মনে করেছিল যে, ভর্মান ভার পরিংও ভীত ক্সাকেন। তাই সে ক্ষাকল বিরামের ^{भू}री, बंधून क्षेर्र हाल क्ष्म् करहे भूनतीं प्रश्**र**ास्त्र ভদক্রকে আক্রোভ করেছিল। হিরণ্ডান্দিশু তার যড়ব ধাং জলু নিয়ে নিশিগুড়াথে আবৃত হতে নিধেকে রকা ক্বছিব, কিন্তু ডাঙ্কা ভরতর তীক্ষ অট্রহানা করে পর্য শক্তিয়ান ভগবাল মাধানাগ ছিরণতে শিশুকে গ্রহণ

সর্বেপনের। ক্ষুক্তনাধির হারে ইন্ত্র পতিত্ত বিস্ফেলিপু ক্ষমত ভালাৰ এয় কথাত প্ৰিলৈড বিচাৰ কৰিব, বুলিয়েশিকে মাট্রালের করে তার তার চকু মুলিত ছিল। সূৰ্য ব্যৱস্থাৰ ইমুফাৰ মন্ত্ৰ ভাগৰ পাচন্ত কেনাৰে একটি অহাত নিবৰৰ সৰ্গতে বৰে, ঠিক সেইতাৰে উপন্য নৃদিংহনের ইন্দ্রের ব্যৱহার আগতেও আক্র विकार के प्रतिकृति । अहे द्वार पृष्ट व्यवस्थ वर्ग অভান্ত ক্রতিত হতে বিবুল্বর্তাশন করন সর্বত্ত ভার অস সকলেন কর্বছল তথন ভালেন ন্সিংস্কুদৰ সভাগ্রিই शांदरमरम् समुवक्तिरः द्वार दिवन देशर ज्ञांनेत करत অমায়েকে ভার শেষ কথের দারা বিদীর্ল করেছিলেন। ক্ষমতা ন্তিকেনেরে হব এবং কেন্দ্র বভাবিশ্ব পরা क्रिक शरहाहित हता होत राजारणके व सरामक लिएक কেইট্ ভালতে পাবছিল হা। তার জিনুনে বাবা মুখেব হারভাগ অব্দেহন করে ভগবান ব্রিংহংকর হিত্তব্যক্তিপুর অক্সের আলার বির্থিত হরেনিলোই। তথ্য ষ্ঠানে সমা একটি হত্তী সংহারকারী বিংহের করে। বেবালিক। বৰ হয় সম্বিত ভাগব্যস ভাষ্টা বাঁই নক্ত্বত্তে স্থান হিল্লাকশিশুর হুদত্ত উৎপট্নিশুর্বত তার্ক পরিসাধ করে করে দৈরতনা সম্প্রীন হরেছিলেন। এই সমস্ত হাজার হাজার অন্তলতী মৈনিকেরা বিল বিশ্বকশিশ্ব করি বিশ্বর ক্রের, বিশ্ব ক্রান্তম প্রিক্রের র্তার ন্যায়সপোর বারা ভারের সকলকে সংবার क्टर्सिट्रामा । स्थापन प्रणिहरूपटका संग्रेत स्था (क्याप्य) কশ্বিত এবং বিশ্বিপ্ত ব্যাহিক, তাম ক্ষমন্ত সৃষ্টিতে প্রথকনির জ্বোতি নিশ্রত হয়েছিল, তাঁর নিক্ষেত্র স্বত্তে দ্বে সমূদ কৰা হতেছিল এবং উল্লেখনটো লিক্সজীনা सीक द्वार सार्वमान स्टाहिन। जुनिस्हामस्ट प्रकार स्टा নিমানসমূহ অনুৱাক্তে একং উভালেয়ক প্রক্রিয় হেয়েছিল। ভাগবানের চয়ণ-কমলের গুরুতারে প্রিবী তেন তার স্ব-স্থান ক্ষেত্ৰে বিচলিত হতেছিল এবং উল্ল খান্যা বলের প্রভাবে কো সমস্ত পাহাক-পর্বতভলি উৎপত্তিত স্থার্যক্রিন। ভাগানের গেড়নিগাঁড কৃতিকটার প্রভাবে আকশ এক সমধ্য দিক ভয়দৰ পাডাবিক দীতি হাতিয়েছিল। পূৰ্ব তেও এবং ভবৰর মুখ্যকর প্রথমি করে ভ্রম্বান अभिन्द्रामक चारामा कृष्य क्षत्र अस्त नीमान्य व लेपार्य वेस त्यस श्रीकाची (मेरे स्वाप, जांडागुरह च्यूटि केंप्पृष्ट साथ-

সিংহাদনে উপধেশন কর্বেছিলেল। ছবা একং সার্থাবশত কেউই প্রায়াক্তরে ভলবানের নেরা ক্লার জন্য এলিয়ে আসতে সাধ্যা ভরনানি। হিবলাকশিশু ছিলোকের লিয়ালীয়ো নদৃশ ছিল। ভাই স্বর্গো দেবলাইনিশ বলন দেবলেন হে, সেই বছা জন্য জনবানের হবে নিহত হয়েছে, ওকন উলেন মুন্যাকশ পর্থা জনবান নিরাহানের ইপর পুলপ্রতি ক্ষারা ভবন কর্ব হিবলা নারাহানের দর্শনাভিলারী দেবজানের বিষয়েন আবলা জার নিহছিল। দেবভারা ভীলেন চাক এবং মুক্তি নাজাতে ওক ক্রেছিলেন। মুন্যা বছরান্য মুন্যা স্থান্ত গুলা কর্মেছ কর্ম ক্রেছিলেন। মুন্যা বছরান্য মুন্যা স্থান্ত গুলা কর্মেছ ভক্ত ক্রেছিলেন এবং জ্ঞান্তাল্য ক্রাছে ওক ক্রেছিলেন।"

"হে মহারাজ খুনিভিন্ন, তারণর প্রজা, ইঞা, নিব প্রভৃতি ক্ষেতারণ, কবি, নিতৃ, নিত্র, বিলাধন, মহাসর্গ, মনু, হাজাণ্ডি, অব্যান, গুরুর্গ, চারণ, ফক, বিনার, কেলে।, কিম্পুরার এবং সূনক, কুমুর্গ প্রভৃতি বিকৃপার্যক্ষণ ভগবানের নিকটে এনেছিলেন। উদ্ধৃত্য জ্যোভিতে উত্তানিত ভগবানের সমাপ্রতী হয়ে উদ্বেশ মন্তব্দে হার জ্যোত্ত করে প্রপত্তি নিধ্যেন করেছিলেন এবং জ্বন করেছিলেন।"

শীরকা ভগবানের উদ্দেশ্যে প্রার্থনা করে করে করেনা—
"রে প্রাত্ব, আগনি কাল্ক এবং আগনার পড়ি অনীম।
আগনার পরাক্রম এবং অনুত প্রভাব কেউই অনুসান
করতে গারে আ, করেব অগনার কার্যকল্পন করেও জড়া
প্রকৃতির যারা কনুষিত হয় না। কড় ওপের মাল্র অগনি
অনারাসে এই কাবং সৃষ্টি করেন, গালন করেন এবং
মানে করেন, ভণুও আগনি অগনিবর্তনীয়ে এবং অবারাই
মানেন। আমি তাই অগনার প্রতি আনার সমার প্রবৃত্তি
নিবেদন করি।"

ইতিজ্ঞান কাশেন—"বুলের আর ইছে আপনার ক্রোধ্যে সমা। এখন এই সমণ্য অনুন হিলাকপিণু নিহত হতেছে। যে ভগনান, আপনি অভাবতই ভগুৰধসান, দান করে আপনি ভার পুত্র গুলুল মহানাক্তকে কলা করন, যে সর্বভোজানে আপনার শ্রশাসভ ওভারণে আপনার নিকটেই মভারমান।"

দেবতার ইয়ে বলকো—"ছে পর্যাপর, আপনি

বামানের উভারকারী রক্তাকরে। আমানের ব্রান্তার হা প্রকৃত্যকাকে বালেনার, তা আলমি নৈত্যর কাছ থেকে পুমরার আহ রব করেছেন। থেছে তু নিতারাঞ্চ হিরণাকশিপু ছিলা আতাত উল্লেখ্য, তাই আলমার ভাবাসমূল আমানের মুন্দরপত্ত যে অধিকার কার নিয়েছিল। এবন, আলমার উপস্তির ফলো আমানের ফলমের বিবাদ এবং অভকার দুর হয়েছে। হে ভাবান, বারা সর্বলাই ফলনার সেবার বৃক্ত, ভানের কাছে সমস্ত ভড় ঐবর্ধ নিতারেই তুক্ত, কারণ আলনার সেবা মুক্তিরও উধ্বে। ভারা মুক্তির বহমানান করেন না, অতএব কার, মর্থ এবং থর্মের আর কি কথা।"

महत्व कविनद कीएमंग धार्यमा निर्वणम कर्ष कारम् — "ह छपदान, ह् पश्चमप्त भागन, ह् वादि पृत्य, नृत्वं वर्धनि व्यामान कारमानदे क्रियर पश्चि। वहि छन्दान पार्वि वर्धनि व्यामान कारमानदे क्रियर पश्चि। वहि छन्दान पार्वि वर्धनि वहि वर्धना वादि धान्ति वहे वर्ध वर्धन मृद्धि करम्, या धान्तव महत्व पुत्र वर्धना मृद्ध वर्धना महत्व वर्धना मृद्ध वर्धना वर्याम वर्धना वर्धना वर्धना वर्धना वर्धना वर्यम वर्धना वर्धना वर्धना वर्धना वर

পিতৃপথ তাঁলের প্রার্থনা নিবেদন করে বলকেন—
"সারা অগ্যুতর ধর্মপালেক জগবান শ্রীনৃসিংহদেশকে
অনুদ্রা অন্যাদের সুক্তর প্রণতি নিবেদন করি। যে দৈতা
কলপূর্যক আমাদের পুত্র এবং পৌরুদের দানা প্রন্ত প্রাহ্মিণত কালি অধিকার করে ভোগ করত এবং
তীর্থস্থানে প্রথম তিলোদক পান করত, সেই
হিতপাকলিপূকে আপনি সংহার করেছেন। হে ভগবান,
সেই হৈতের উদর আপনার নাকার দানা বিনীপ করে,
আপনি ভার উদর থেকে সেই সুমন্ত অপনার ব্যাধ্যান আহরণ করেছেন। তাই আমালা আপনাকে আমাদের
সমস্য প্রপতি নিবেদন করি।"

সিদ্ধপণ ভাষানের ৰাজনা করে বলালেন—"তে ভাষান নুসিংহানেই, আমরা, সিদ্ধালাকের অধিবাসীশন বভাষতই বাঁচ যোগসিদ্ধি সম্বিত। তবুও বিবশ্বকশিশ এতই আসং কিল তে, সে ভার আসু এবং ওপসায়ে প্রভাবে ব্যালাদের সমত কথাতা অপথ্যক করে নিরেছিল। তার লগুল সে তার যোগতাপের পর্যে অভ্যব পর্যিত করেছিল। এখন, খালামার মধ্যের বারা সেই পূর্বত নিহত হরেছে, ভারি জ্যানার আলনাবে আমানের সক্রম প্রশতি নিকেছে। করি।"

विकासस्तान शार्थन करण कारणान—"काभारणा पृथक मृथक शारामा शकार शार्य कार्यम कालि विमा, त्य पूर्व दिस्ताकणिण शास मार्यम का स्वयं कागारमा नगासिक कहार कारणान गर्य गरिंक शर्य निरुद्ध करहिक्न, नगरमधा कार्यम गार्थ जानुस्तक सम्बद्ध गरुप पर स्था कारणान मिन्न शासिक निरंद्यम कहि।"

নাগণৰ কালেন—"মহাপাণী হিরণ্ডকণিণু বামানের মন্তবের যণি এবং সুস্পতী শ্রীদের অপহরণ করেছিল। এখন, আপনার মধ্যের বারা তার থকা বিশীর্থ ছওৱার চলে, বাগনি আমানের পত্নীদের অনক প্রবাহ করেছে। ভাই আমার আপনাকে আমানের সমান্ত প্রবাহি নিবেনন করি।"

মনুগণ তালেন প্রার্থন নিবেশন করে কালেন—"ছে কালান, আননার আক্রাক্তরী দানরতে আমলা মনুগণ মানন-সমাক্রের আইন তদান করি। কিছু এই মহা অনুর হিন্দুকলিপুর সাময়িক প্রেক্তরের কলে কাপ্রন-ধর্ম পালন করার প্রথা বিনষ্ট হয়েছিল। হে ওখনান, এই মহা অনুরকে সংহার করার কলে এখন আমরা আন্তরের বাতাবিক স্থিতি লাভ করেছি। আমরা আপনার নিবেশনার। বরা করে আপনি আমানের আনেশ করন এখন আমরা কি করব।"

শ্রমা এবং নিবেরও ঈশ্বর ছে প্রমেশত ভগবান, শর্মা এবং নিবেরও ঈশ্বর ছে প্রমেশত ভগবান, শাপনার আদেশ পানা করার জন্য আপনি আমানের সৃষ্টি করেছে।, বিশ্ব বিষ্ণাকশিপুর নিবেরণা করে আমান প্রকা সৃষ্টি করতে পারিনি। এখন সেই অসুর নিবত হয়ে আমানের সম্পূর্ণে পারিত। আপনি হয়ে বন্ধ বিধীর্ণ করেছেন। তাই, সমর্য স্থাপতের স্বলন সাধনকারী তার সম্বান্তি আপনাবেন স্থাসাদের স্বলন্ধ প্রণতি নিবেন্নয় করি।"

গছর্বের। প্রার্থনা কর্মেল—"হে ভগবান, আমরা নটা

ব্দুটানে মৃত্য-নীতের ছারা আপনাথ সেবা করি, বিশ্ব এই কিচপাকশিপু তার বল এবং বীর্ষের ছারা আনাদেব তার নির্মাণীন করেছিল। এখন সে আপনার ছারা এই বংল কথা প্রাপ্ত ছবেছে। তার সভো কুপথগানীর ভার্যকলাপের ছারা কি লাভ ছবে প্রৱে।"

চাকালোকের অধিকাশীগণ বজাকো—"হে গুণানান, লাগুলেও হংগতে গুলুবা উৎপাধনকারী লৈওঃ বিকাকনিপুকে যেহেডু আলনি সংস্কা কারেছেন, ঘাই আঘরা একন আগতে হয়েছি। জামরা আপনার জীপানগজের শালে গ্রহণ করছি, যা বছ জীবাসের আড় করুব থেকে মুক্ত করে।"

বক্ষণ থাবনা করে কেলেন—"বে চতুর্বিংশতি তরের নিজা, আপনার প্রসম্ভা বিধানের ফলা আমরা আপনার সেবা করি কলে আমাদের আপনার মেঠ সেবক বালে মানে করা হয়, তবুও নিতিপুরা হিরপাকশিপুর আমাশে আমারা ভার শিকিকা-বাছতেও আর্টে নিযুক্ত ইর্মেক্সিন। যে নৃসিংছদের, এই অনুন বে নিডাবে সকলকে কট নিয়েক্সি ভা আপনি জানেন, কিন্তু এখন আপনি ভাকে সংখ্যা ভরেছেন এবং ভার শরীর প্রসম্ব প্রপ্ত হরেছে।"

কিম্পুরুষের কালেন—"আমরা অভ্যন্ত নগণ্য জীব এবং অপনি পরমেশ্য ভগবান, পরম নিয়ন্তা। সুভরাং আমরা কিচাবে আগনার তব করবং ক্ষম করেনিল, তানাই অসুরোর প্রতি বিয়ক্ত হয়ে তাকে নিজার করেনিল, তানাই অপনায় ছায়ে তার মৃত্যু হয়েছিল।"

বৈজলিকশন বনলেন—"হে ভগবান, মহতী সভায় এবং বজনুকে আপনায় নির্মাণ হল পান করি বলে সকলের কাছে আমর মহতী পূজা গ্রাপ্ত হই। কিন্তু এই দৈল্ল জান্যদের সেই পূজা ভান জানত কারে নির্মাহন। একা আমানের মহা সৌলাগোর ভলো রোগের মতো সেই দুর্জনেক জাগনি বধ করেছেন।"

নিজনার কালেন—"হে প্রম নীপর, আমরা আপনার নিজনার, কিন্তু আপনার সেবা করার পরিবর্তে জামরা বিনা পরিপ্রমিকে এই অসুকো সেবার মিতৃত হয়েছিলাম। এই মহাপালী একন আপনার মারা নিহত হয়েছে। ভাই, হে ভাগবন নৃসিংগ্রামক, হে প্রভু, আমরা আপনাকে আমানের সরক প্রমিতি নিজেন করি। হরা করে আপনি আমানের সংরক্তম হোন।"

বৈকৃষ্টভাগের বিশ্বশাসনাক ক্রময়নের প্রতি কালের প্রার্থনা নিকেন করে ক্যালেন—"আয়ানের পর্য আশ্রয় প্রদানকারী হে জগবান, আন্ত আমেরা সমস্ত জগতের मधन क्षकारकाती चालनात और चात्रुक अमिराहतान वर्णन কয়লাই। হে ভগবান, আমরা বৃৰতে পেরেছি রে, এই হিরণকেশিপু আলনাবাই সেবক হয়, যে হাচ্চ_{প্র} র্যাভনাপের হুলে অনুর-স্কীর প্রান্ত হরেছে। স্থানিয়া বুঝাতে পানাছি যে, ভাকে যা করে আপনি ভাব পুরি क्षान्तरत विजय कृत्य अपनी काइएका[™]



নবম অধ্যায়

প্রহ্লাদের প্রার্থনায় নৃসিংহদেবের ক্রোধোপশম

বেধবি নারণ ক্ষানেন—"ভগবান তথ্য অভাত কলে তিনি তথ্য চিন্মা বাহে অন্তিত হয়েছিলেন এবং ত্রেশবাবিট ছিলেন কলে মুখা, কম প্রমুখ দেবতারা তার সমেনে বেতে সাহস করেননি। সমস্ত মেরতারা मुक्तीत वेरक कश्यास्त्र मामस्य द्वरक चनुरवाय करअंदेरमम्, किन्नु फिनिक फनवरम्य धरे प्रापृद्ध करा অন্তৰ্গৰ অভুত ক্লণ দৰ্শন কৰে ভবভীত হওলাং কলে ষ্ঠার সামলে থেছে পারেননি। ক্রমন ব্রক্তা করে নিকটে দণ্ডারমন প্রহান মহারাম্বাকে অনুরোধ করেছিলেন—হে খংগ, ভগরান দুসিংহদের ডোমার আসুরিক গিভার প্রতি অভান্ত কুল্ক মুয়েছেন, তাঁর কাছে দিয়ে তুমি তাঁকে শান্ত । অমার পক্ষে ভগবানের প্রমাতা বিধানের জন্য কব করা 45경 (**

न्द्रज्ञ कृति पनारमञ्ज्य "ए। ताचन, व्यवाख्यपर धर्माय মहात्रक बन्द्री हार्गे यूनक श्रुता अरद्ध, बंकाद राही निरुताधार्य करक वीटक वीटक कशकान मृतिरहरमस्वय कारक দিরে ভবনে গতিও হয়ে, কুডাছনিপুটে তাকে সঞ্জ প্রশতি নিকোন করেছিলেন। প্রভুলে মহারাজকে ভার শ্রীলারপত্তে পাতিও মেখে স্বাগনান নৃসিংহদের কালবর্ত্ত হুরে জ্রাকে উজ্জন্ম করেছিলেন এবং তার ভারতার জন্তর প্রদানকারী করকমান তার মন্তকে সংগদ করেছিলেন। शक्त प्रशासकत प्रकृतक अधवान मुनिवरणाध्यत कर्यकार्तात न्यार्थात करन, अञ्चल मधायान माने साध কল্ব এবং বাসন্য থেকে সম্পূর্ণপ্রথে মুক্ত হয়েছিলেন, কো তিনি ভগৰ সম্পূৰ্ণরূপে বিবৈত হয়েছিলেন। ভার

ৰ্ডার শরীরে চিথার আনমের সমত্ত লক্ষ্ণভাল প্রকাশিত श्राहित। कीत श्रमत क्रमप्त (अरम भूग श्रावित, क्रीत নয়নযুগৰা খেকে জল্লখারা বরে পড়ছিল বকা ডিনি ডকা পরম অনুনক্ষে ভাগবনের স্থীপদেশক ভার ক্রমতা ধারণ करतिहरूमा । अञ्चान बहाताम अन्या हिल्ह नभाविक हता. ভাগান বুসিহেরেরতা প্রতি উমা মন এবং বৃত্তি নিরম্ব করে হোম-গদ্পদ কটনে উন্ন ক্তথ করতে লাগনেন।"

প্রস্থাল মহারেক প্রর্থনা করেনিবেন—"অনুর কুলোক্সড কি করে সক্তবং সন্ত্রুপাদিত এবং জন্তান্ত বেগো হওয়া সত্তেও ব্ৰহ্ম আদি দেবতাগণ এবং কৰিবৰ অপূৰ্ব সুক্তঃ বাক্য প্রবাহের ছয়ে ভগবানের প্রসন্নতঃ বিবান করতে रूकार दमनि, मुख्यार भागात गएक कि करत नवन दर्श ? আমার তো কোনই বোগ্যন্তা নেই।"

"আমি মৰে কমি যে ধন-ধশ্পদ, সমাৰ পৰিবাৰে ঋন্ম, ভগস্যা, পাতিভা, ইলিফনৈপুন্ধ, কেনা, প্রভাপ, শাহীরিক হল, বৌক্তম, যুদ্ধি এবং বোপশক্তি, এই সমস্ত arm ब्रायात क्रमकारमा सम्माका विश्वान कहा यह न्ह ভারের কেবল ভাত্তির খ্যারাই প্রসাম হল। এই সময় ওপে গুণাধিত না হলেও গজেন্দ্র কেবল ভড়ির পার্গাই फ्लावाटमा अन्याका विश्वम कर्जास्ट्राम । (जनव्यूकाण धार ধনিক) বারোটি ব্রাক্তশানিক খণে ভূতিত অব্দ্র ভাগানের

্বালালকা-নিমুখ অভকে প্রাক্ষণ অশেকা করা মন, বাত্য, প্রতিত-২ংসেন, দুর্ভর প্রভু, আহার কর্মের কলে আমি ক্র্য ক্লা এলং প্রাণ জানানে কর্নিত, সেই চন্দানও চেন্ট। এই প্রকাষ জন্ত সেই বৃক্ত ব্যক্তি উল্লেখনত ভেত, _{কালে} ভক্ত তার কৃপ পবিত্র করতে লাবে, কিছ সেই দ্বতি ধর্মন্বিত প্রাক্তণ নিজেকেও পশ্চিত করতে পারে না। জ্যান্তম মর্বনটি মর্বন্তোজানে আক্তর্পা। ভানি কেউ করম ঠাকে কিছু মিকেজন করেন, তখন সেই ভড়েন মনলের क्षताहै स्थापन का कुलान्दिक श्रेटन क्यान क्रांगांतन _{কারণ} সেনার প্রয়োজন হয় না। উদহেল-বর্গণ বল্য যায় খে, নিজের মূখের সৌক্ষরীই দর্শন্তে প্রতিনিধিত হয় (কথাৎ কণবানের আন্তথনার কলে নিজেরই খনল হয়)। क्राउटर, चामुद्रकृतम चामाधार्थ करात्मक चामात बुद्धि करा পূর্ব প্রয়ান অনুসারে আমি নামা পরিজ্ঞানপূর্বক ভগবালের মুহিতা কৰিছ কৰে। কৰ্ণবাদের মহিত্য কৰে হা পাঠ ৰস্থাৰ অবিদ্যাবশত এই জড় কমতে প্ৰবিষ্ট মানুবক লবিয় হয় 🖺

নিভিত্তে অৰ্থনৈত আপনার নিষ্ঠানগোলা নেবৰ। তাই ওঁলো আন্মাদের কডো মন প্রেমুস এবং তার আসুচিত মিতা বিরশকশিপ্)। এই ভরতর করে ভাগনার আবিষ্ঠাৰ আপনাৰ নিজেও আনক বিধানের কন্য আপ্রানই লীলাবিলান। আপ্রান এই প্রকার অবভার স্বাগতের সকল এবং শ্রীবৃদ্ধির স্বান্ত। হে ভগবান নৃসিংহক্ষেত্, ভাই, আগমি একা আগন্যর ক্লেন সম্বরণ কলেং, কারণ আহার পিডা হল্ অনুব হিন্দাখনিপু এখন নিহত হয়েছে। সাধু ৰাজিক কেন্দ্ৰ সৰ্প অথবা বৃলিক হত্যা মুদ্রে আনক্ষিত্র হন, সমগ্র ক্ষাৎ এই অসুবের মৃত্যুতে পরম সংবাদ গাঁড কংগুছে। এখন তার ভাষের সুৰ সন্তাপ্ত নিশ্চিত হয়েছে এবং ভাই খেকে মুক্ত হওমিই ক্ষমা ক্ষাত্র সর্বন্ধ আলনার এই সধলনার ক্ষরতারকে স্কারণ কারে। হে অক্টিড ভগরন, আপন্যর অত্যন্ত ভবছর মূৰ, জিল্লা, সূৰ্বের মহেল উচ্চাল নেত্র অথক স্রামুটান্ডলিব ডয়ে আমি ভীত নই। প্রামি আপনার ভীরা নয়, আরে মান্য, রক্তাক্ত কেশর অথবা উন্নত কর্মের ভরে ভীত মই। भाग कि च्यान्तात हर शर्बाध्ना पर्म नितृत्वाकता भगावन करत कायस (व सवाद्वय बादा अखना दिनान् शास दर. তার ভরেও আমি ভীত নই। হে পরম শক্তিমান,

क्ष्मुद्राप्त काम निकित् शर्ताह क्षार ठावै कहे मुहनद महम्बत-চক্রে অভান্ত স্তীত হয়েছি। করে আপনি আমার প্রতি র্মনর হত্তে ক্রম-বছন খেতে মুক্তির আবর জাপনার পাৰমূপে আমাকে আহুদ করকোঃ হে বিল, হে প্রমেক্ষা ওলবান, তিয়া একং খাতির পরিস্থিতির সংক্রোলো কলে একা জায় সংযোগ ও বিয়োগের কলে জীবকৈ স্বৰ্গ অধ্যক্ষ নার্কের অভাব দুর্বশাহান্ত অসম্বাধ পতিত ইয়ে শোকায়িতে দশ্ধ হতে হয়। হলিও এই দুংবারে জীবদের নিপুতি সাধনের বাই উপাত্র করেছে। কিন্তু সেই সকত উল্বেখনি সেই ব্যালয়েক প্রিস্থিতি কেন্দের কাবিক দুৰেক্ষনক। ভাই ভাটে মনে কৰি বে, ভার একমাউ নিবানয় হলে, আগনার সেবার কৃত হওল। পরা ৰতা আগনি আমাৰে সেই সেবার উপদেশ প্রথম করন। (१ सर्थत्व भृतिरहरूक्त, बुद्ध नुक्रवरमद्भ (११न) तरण অংশান দিল ক্রেম্মটো দেবর মৃত হলে আমি কয়া "হে ভুগৰান, ব্ৰহ্ম ঝাদি সমন্ত দেকতারা চিন্তঃ প্রকৃতিন ভিন প্রণের প্রভাব গেছে সম্পূর্ণরূপে কলুবনুত হৰ এবং থান কলে আমাৰ অভান্ত তিয় প্ৰভু আপনাৰ মহিমা তীৰ্তন কমতে ক্ষম হব। আমি রখাল প্রাক অনুসরণ করে জার পরস্পরার আগনার মহিষা ভীর্তন কাৰ। এইভাবে কাৰি জনবাসে ভবসাধা উৰ্বীৰ্ণ হব। হে নুসিংহণের, হে বিজে, সেহাছবৃত্তির কলে জলনার হাত্র উপেক্ষিত মেহধারী জীবেরা তালের নিজেদের क्सारिक सेना किन्दे कार्स गढ़ा ना। काम जान्त বুলে নিবারণের তে উপায়ই প্রমুশ করে আ সংগ্রনিকজনে शास्त्रक हातात, **करवा**दी। (यस्त्र, निर्म कर माठा ভাষের লিয়েকে কলা করতে পারে মা, ছিকিংসক এবং উক্ত যোগীয় কট দুৰ কমণ্ডে পাৰে না এক তথাৰি সমূত্ৰ নিসক্ষয়ৰ গতিকে ব্ৰহ্ম করতে গাবে না। হে সভু, এই বাড় ক্ষণতে স্থলেই সৰু, বছ এবং অয়েওগেব ছারা প্রভাবিত হত্তে জন্ম প্রকৃতির নিয়ন্থনটন। রক্ষা (शहर एक कात पूछ भिनीतिया नर्वत जकानी और करना क्लीकृष्ठ स्टा कर्ष करता। छाते और करू क्लाएठ সকণেই আপনার প্রকৃতির ক্লীভূত। যে করণে ভারা কর্ম করে, যে স্থানে ভারা কর্ম করে, যে সমতে ভারা কৰ্ম কৰে, যে পদাৰ্থ নিয়ে ভাৱা কৰ্ম কৰে, ভাগেৰ ক্ৰীল্ডাৰ যে উপেশ্যকে তথা চথম বলে বিজেন করেছে

এবং সেই উদ্দেশ্য সাধ্যনের উপায়—স্থা সৰ্বই আপনাৰ্বই শক্তিৰ প্ৰথমণ। প্ৰকৃতপক্ষে, মেহেতু শক্তি এবং দাঁওজন অভিন, ডটে সেই সবই আপনারই প্রকাশঃ হে ভগবান, শরম শালত, আপানর স্থার অংশ বিস্তার মরে কালের বাক ক্ষেত্তিত আপুলর বহিপ্রসা লক্তির মাধ্যমে আপুলি জীব্রে সুদ্ধ শরীর সৃষ্টি করেছেন। এইভাবে ফা বৈদিঞ্চ कर्प-कारण्ड मिर्टर्भन अवर खालाँड डेनलातल कात्रा चलकीम कामनात पकत्र कीवरक (वेर्ध ब्राह्म) चालमात শ্রীপাদগরের শরণ প্রহণ থিনা এই বছন থেকে কে ত্বক हरड गाँदा: (१ ४५, १६ दिस्स, चार्मात कामि **छें भागात्मक बाता और सन्द स्वत्यर मृद्धि कर्रास्थ, किंग्रु** यानमि छारमद करु धरनत चरीक। सर्शर् और क्य ওপতালি সর্বভোষাকে আলনাত নিয়ন্ত্রাধীন এবং আগনি ক্ষমনত ভাষের বারা পরাকৃত হম মা। ভাই, কাশ আগনার প্রতিনিধির করে। হে গ্রন্থ, হে প্রক্রের, হে থকের, আমি কালচক্রে নিম্পেরিও এবং ভাই আমি স্বত্তাভাবে আপনার সংখ্যাপশু হয়েছি একা দল করে আপদি আমাকে আপন্ত শ্রীপদগরের করেছে গ্রহণ करूत 🗥

"হে ভাষান, মানুক সাবারণত দীর্ঘ আরু, ঐশর্য এবং স্থতোপের জন্য স্বর্গোকে উন্নীত হতে চার, কিন্তু আমার পিডার কার্যকলালের বারা আমি তা দেখের। সামার পিতা হখন ক্রম্ড হয়ে ব্যসন্তরে অট্রহাস্য করত, স্তখন তার জড়টি দর্শন করে দেকতারা কিষ্টে হড। বিস্ত ন্দামরে সেই পিজ, বিনি এড শক্তিপালী ছিলেন, ডিনি क्षेत्र विराहण्ड प्रदेश च्याननाड होडा दिनान साल হরেছে। ছে ছগবান, এখন আমি ব্রন্ধা থেকে শুরু করে পিনীলিকা পর্যন্ত সমস্ত জীবের ছাড় ঐথর্ব, যোগপন্তি, দীর্ম আরু এবং অন্যান্য ছড় সুমের পূর্ব অভিজ্ঞতা অর্জন করেছি। মহাকার রাগে আগমি এই সবই धरान करका। छाँडे, जाति সেগুनि हाँडे थ। इर ভগবান, আমি কেবল আলনার কাছে অনুরোধ করি, হয়া করে আমাতে ওল্প ভাজের সাত্রিধা প্রদান করন এবং ঐত্যন্তিক সেবতরূপে তাঁকে সেবা করতে দিন। এই ছাড জগতে প্রতিটি জীবই প্রবিষ্ঠাৎ মুখের কানের করে, বা ঠিক মঞ্জনুনির মর্বীচিকার মডো। মঞ্জনিতে জল জড়া কর কোন কারণ রেই।" কোঘার । তিক তেমনই এই ৰুড ক্লাতে সুখ কোধায় !

এই স্বীরটির কি মৃত্যুগ এটি কেবল একা প্রভাৱ বোগের উপ্তবন্ধ। ওলাক্তিত স্পানিক, বৈয়েনিক ক্রা রাজনীতিবিদের কেই কথা ভালভারেট জানে, কিন্তু সং সন্তেও ভারা অনিজ্ঞা সূত্রে আকারকা করে। সুধ রুজ করা অভার কঠিম, কিন্তু বেহেড়ে তারা ভাষের ইভিয়-সংব্যে অক্সম, তাই ভারা শুড় প্রগতের তথাক্তিত স্থের পিছনে থাকিত হয় এবং কলনই মতিক সিভালে উপনীত হতে গাবে না। হে ভাগবন, হে প্র**মে**শ্র সাক্ষীয় তম ও ব্ৰোওগালের অনুরকুল ভাত আনি হা কেংখাৰ : জাব ভেনা, শিব অথবা পদ্মীদেবীকেও যা কমনও প্রদান করা হরতি, আপনার সেই অহৈত্বকী কুলাই বা লোখাবা আগুনি কৰ্মণ ভামের মন্তব্ধে আগনাত ক্ষকমন্ত্ৰ অৰ্থণ ক্ষকেন্দ্ৰি, কিছু আমন্ত্ৰ ক্ষেত্ৰৰ আপুনি হো করেছেন। হে ভগকন, আপনি সংখ্যারণ ক্রীবের মতে শক্ত ও বিজের এবং অনুকৃষ্ণ ও প্রতিকৃষ্ণের মধ্যে (फारुम मर्गन केटन मा, कावन करनाजब स्टान केट अस निष्ठ थाद्रणा जारे। विन्तु का महत्त्वध केन्द्रवृक्त स्थान प्रश्रू क्षवर कुरजा गर्था नार्थक पर्यम मा काज कीएका समार অনুসারে কল প্রদান করে, তেমেই আপনি ভরের সেবার बाजा अनुवादत केरक व्यक्तात व्यक्तिक द्वान स्टब्स। হে ভগবান, একের পর এক জড থাননার সত্র প্রভাবে আমি সংগ্রেপ মানুহানের অনুসরণ করে সর্বপূর্ণ অনুসংখ পতিত হর্মেছ। আপনার কেবক নারদ মুনি কলা করে আমারে তার নিবারণে তহন করেছেন এবং নিবা স্থিতি প্রাপ্ত হওজার শিক্ষা প্রদান করেছেন। ভাই আফার মর্বপ্রবাহ কর্মন্ত করে করে। তার সেরা আর্থিন কি **করে পরিত্যাণ করতে পারি** স ছে ভারনান, ছে চিগ্রন ওবের অন্তর্থীন উৎস, আগমি আমার লিতা হিট্যাকনিপুকে বধ করে শুদ্ধ বছৰ থেকে আমাকে বজ করেছেন। তিনি অঞ্চন্ত ক্রমন্তাবে নলেছিলেন, "আমি এক তোর দেহ খেকে তোর খন্তক ছির করব। আমি বাতীত অন্য কোন ঈশ্বর বলি থাকে ভা হলে নে ভোকে ক্ষমা করুক।" তাই কামি যনে করি ছে আপনার তন্তের ক্রণীর সভাতা প্রক্রণ করার জনা আগনি আমাকে বকা করেছেন এবং অসমা শিতাকে বধ করেছেন। এই

াহে ভগবন, ভাগনি নিজেকে সমগ্র স্থাপনার্থ

প্রাণিও করেন করেন সৃষ্টির পূর্বে অলেনি ছিলেন সৃষ্টির। তথন আর নেউ বীঞ্চ দেবা কর নাও সেই অক্টের্নেন জনা পূর্বে আপনি আধুমন এবং আদি ও অনুদ্ধে মধ্যবস্থী। এখা অনুদ্ নিশ্চিত চরে, সেটা পরকে আহ্রাই করে আ প্রবস্থার আগনি পালন করেন। তা মনত শুর্কাইর তিনটি শত বংগর করোর তপস্যা করুর ফলে পবিত্র হতে, ত্ত্বে জিয়া-প্রতিজ্ঞিয়ার মাধায়ে আপনার বহিরক পাঁকর সার্বধারণের প্রত্ন কার্থব্যক্ত ভগরাসকে দর্শক ৰায়। সম্পর্যাদত হব। ভাতন্তব অক্যুত্ত প্রবাধ বাইছে কা করেছিছেনে। পৃথিবীতে বেনুদ বন্ধ অভ্যুত্ত সৃষ্ট্রভাবে কিছু বিষয়ক করে। তা নবই আপনি। কে ভানকাশ হে ব্যাপ্ত থাকে, কেমন্দ্রী তার নিজেব পরীবে এবং ইণ্ডিয়ে প্রসূম্পত, সমগ্র জান্ত সৃষ্টিক কালে আপুনি এবং এই জন্ধ তিনি ভগক্তাকে ব্যাপু সেখেছিকন। প্রস্কা তর্কন সহস্র গুটি আগনাবই পতিম পরিধান। অধিও সমগ্র করে কাল। সত্তে কান, চলে, মন্তব্দ, হ'ব উচ, এসিকা, কর্ম ও নক্ত হালনার কেকেই প্রকাশিত ভবুও আপনি ভা থেকে ভিত্ত। সমস্থিত আপনাকে জেপনিয়েন। আপনি সুকর বাক্তাই আমার এবং তোমার' ধানশা তা অকশ্যই নিধ্যা সধা, এবং তথ্যসংগ্র সুসজ্জিত ছিলেন। পাত্রেনাগোড়ে বিশ্বত ধারণ প্রতিটি নম্বই আপন্যর খেকে উত্তও হওরার ফলে আপুনার বেকে ভিন্ন নবঃ বস্তুতলকে কড় কবং করে ক্লম দিব্য আদৰ লাভ করেছিলে।" থাপনার ক্ষেত্রত জাতির এবং তার তিনাশত আগনেকট দ্যা সাধিত হয়। আপনার সঙ্গে আপনার সৃষ্টির সম্পর্ক বীক ्रावर कृष्क, संक्ष्य मृत्री कातन कवर हुन क्षकारूमा भएछ। হে প্রমেশ্র ভগবন, কাপনি প্রস্তের পর জাপনার त्रहनी मेंखिएक खामनात्र प्रत्या त्रारक्त वरा उथन खुन হয় কেন আপনি অর্থ-নির্মালিত নেত্রে নিয়াময় . কিছু প্রকৃতপক্তে আগমি সাধারণ মানুবের মতো নিয়া বান না, কাৰ জাপনি সৰ্বদাই জড় শৃষ্টিৰ অভীত। ভূতীত মৰকাৰ আগনি চিনাৰ আনৰ অনুভাৰ কৰেন। काराशामकवारी विकृत्यत्भ व्यवनि এই छात्व कहा প্রকৃতিকে শর্শ না করে আপনাধ চিশ্রর খ্রিডিয়ে অবস্থান ৰয়েন। আপনাকে নিয়িত বলে খনে হলেও, এই নিয়া ছবিদ্যাক্তনিত নিল্লা যেকে ভিয়। এই বিদাল ছড় ফলং আলনরেই শরীর। আলনার কলে শক্তির হারা প্রকৃতি শোভিত হব এবং ভার কলে প্রকৃতির তিনটি ওব প্রকৃতির হর। আগমি তাক অন্তর্গেরের মন্যা থেকে ক্ষেপ্তেট্নে এবং আপনার নতি থেকে এপটি চিম্বর বীশু উৎপন্ন হয়। এই বীশু খেকে বিশাস ব্রহণত প্ৰকাশকারী লক্ষ উত্তুপ্ত হয়, ঠিক বেমন একট্টি শুশু শৈক্ষ থেকে এক বিশাল বটবুকের ৰাম হয়। সেই মহাপল থেকে উৎপদ্ধ প্ৰকা সেই পৰা ছাড়া জন্য কিছু দেখাত পদানি। ভাই, আগনাকে বাইবে অর্যাপুত বলে মনে করে. ক্রকা সেই কলে নিমন্ন হতে শতবর্ষব্যালী সেই শক্তের উৎসের অংখন করেছিলেন। কিন্তু তা সবেও তিনি জ্ঞাপনাকে পুঁজে পদেনি, কাৰণ বীজ বখন আছুবিত ইউ,

লয় সম্বিত, চিন্দা সঞ্চলমুক্ত আপনার বিষ্ণারণ স্পর্ন

"হে ভাগন, আগনি হয়তীবরংশ আবির্ভূত হতে রক্ত এবা ছয়োওবের প্রতীক মধু এবং দৈটাও নামক অস্থানের সংস্থাত করে ব্রহ্মাতে বৈদিক জ্বান প্রধান কর্বোধ্যকা। সেই কাষ্যে সমস্ত কবিবা আগমান ভ্রপকে बडाटीक एक महमद राज स्थीन करान । एर संवर्तन, এইডাবে মালনি নর, গত, খনি মেবজ, মধ্যা অথবা কুৰ্যক্তলৈ অবভাৱন কৰে সমগ্ৰ জন্ম পালান কৰেন এক অনুর্যের সংহার করেন। হে ভদবান, জালনি যুগ অনুসারে ধর্মক কল করেন। কিছু কলিবুরে ধ্রুপটি ছাপ্নার ভগনতা প্রকাশ করেন না, ভাই আপনাকে বিশ্বস বল হয় ৷ হে বৈণ্ডনাথ, আমাত পালপূর্ব কামাত্র কা হর্ব শোক, ভর এক ফা লাভের কামনার পূর্বঃ ভার কলে তা অভ্যাই কন্বিত এক আপন্যর স্বপাদ প্রতি লাভ করে না। সূতরাং দীন এবং গতিত অমি কিভাবে স্থাপনার তর আলোমো কাছে সক্ষম হবং হৈ জানাও আন্তঃ কৰ্ম ক সপত্ৰীৰ স্বামীৰ মতো, বাহা ভাকে ভাগের নিজেবের নিকে আকৃষ্ট করার ঠেটা করে। किন্তু সুসন্ আগুরের প্রতি, উপত্ সুদর্শী রফ্রনীর প্রতি, স্বক ক্ষেমণ বস্তুত প্ৰতি, উদ্য ভোজনেৰ প্ৰতি এবং কৰ্ম প্ৰাৰ্ সঙ্গীতের প্রতি, নাক ফ্রানের প্রতি, চক্ষাল দৃষ্টি ইবিছে ভূপিনাক সুত্ত দুশোর প্রতি এক ক্যেন্ডির নিভিন্ন কাৰ্যন অতি আমাৰে আৰুৰ্ণ কৰছে। এইজাৰে বিভিন্ন দিকে অক্টি হবে আমি বিনাশ প্রাপ্ত হবিছ , হে জনসাধ, আপনি সর্বদাই মৃত্যুনমীর অপর পারে চিত্রদভাবে অগ্রন্থিত, তিন্ধু আহ্বা আহাছের পালকর্মের কলে সেই

নদীর এই পারে দৃঃক-দুর্যনা ভোগ করছি। গুড়তগকে আমতা এই নদীতে পতিত হরে বর বর কম সৃত্যুত অসম জ্যোপ করন্তি এবং আহার খুণা সঞ্জুসমূহ আহার করছি। বছা করে আগনি জ্বামানের প্রতি দৃষ্টিগাড क्षण--एक्षण प्राधात शक्ति गत, प्रशा शहा करेट्सण ক্ষাকে আনের প্রতিও--এবং আপনায় অহৈতুরী কুপা ও অনুক পার প্রভাবে আমানের উদ্ধার করন এবং পালন काम ।"

িছে পরমোধর ঋদকার, ছে সমগ্র ঋণতের আমি ৩৯, कार्याने मात्रा कन्यस्था मधक कार्यत्र नतिहानक, बास्त्राम আপনার পঞ্চে আপনার ক্রেরার বুক্ত আর্থার্থান্ত জীবনের **छक्त क्या असन कि गृ**द्धित्यम । चार्गाने प्रमश्च भार्यत्सद विष् अन्य सरहाता कर्वन स्टाइ पुर्वत्ता शक्ति भूगा शार्मत কর। ভাই আমি বনে করি ছে, মাপনার মেবর সুক্ত অমোদের মতো ব্যক্তিবেৰ প্রতি অংশনি আপ্নার অহৈতুকী কুপা প্রদর্শন করকে। 🐼 সর্বোন্তম, জাপনার গুণদান এক কার্বকল্যালয় চিন্তার সম্পূর্ণরূপে মধ্য থাকার কলে আমি সংগার ভরে জীও নই। আমার একখার रिया क्या (नवे नकत पूर्व अवः भूककातीरात क्या, यात कड़ मुच रकरांगय कता क्रायः कारम्त अतिवात, मधाक ও রাষ্ট্রের প্রতিপাধরের জন্য বিশাল পরিকল্পনা করে হে জনবাধ বৃদিংহদের, মৃতিয়া কেবল ওাদের নিজেদের মৃতির জনু খাতহী। ভার 🔫 বড় নগন এবং শহর প্রিড্যাসপূর্বত মৌন প্রড অকলয়ন করে ধ্যাস করার ভাত্ত হিমালতে অথবা অরণো গরন করেন। তারা খনাদের केंद्रांतल कन् कारही नगः। किश्च वाणि, और नमक মূৰ্যদের কেলে তেখে নিজের কৃষ্টি কামনা করি না। আমি জানি বে কৃষ্ণভঞ্জি ব্যক্তীত এবং আগনাৰ জীগালগড়ের স্বাধ প্রহণ স্বাহীত কেউই কমনও সুধী হতে পারে ব। তাই ভাবি অন্যে আপনর শ্রীপারপারের ষ্টারতে নিয়ে অসতে চাই। চুল্কানির উপশ্রের স্কন্ পুট হাকের বর্ধনের করে নৈপুচনা কুলবা করা হয়। এই বস্তর্গ সেবা ব্যক্তীত কে পর্যাহংসগণের প্রাপ্ত प्रदार्थी भ काशास्त्रिक कान्त्रदिक छ्याक्षिक बृहरभूस মদে করে বে, এই চুলকানিটিই সর্বাহেট সূব, বিস্তু প্রকৃতসমূহ তা হতে সমস্ত গৃহকের উৎসঃ কৃপৰ অথবা নহারটেনর অপ্রাকৃত প্রার্থন মাধ্য করে ভাগরন পুনিংচ্ছেত মুর্কের, করে প্রাক্তাপর নিক নিপরীত, কর হর ইত্রিরসুখ - তার মেশধ সম্বর্গ করেছিলের এবং তার শ্রীপদশক্ষে

বিষ্ণা, তাতা এই চুলাকনি সহ্য শংক্রন এবং তার জাল ষ্ঠানের মুদ্ধনের মধ্যে দুংগালোগ করতে হয় _{না শি}

ेरह भद्रस्थात श्रमकर, मुक्ति मार्श स्मारि छेलात ... মৌন, ক্লয়, বৈদিক জ্ঞান আহওপ, ওপাসচ, বৈদিক লাভ काशहरू, वर्गावाम-गर्ने कातल्य, वर्ग-गाः(तार शहरूम, मिर्स्ट) प्रधान काम, महा धान अन्य मन्ध्रीय । प्रशास अने महान উপ্তৰকলি অভিতেমিত অভিনেত্ৰ পেশালনৈ অভ্যাস এবং জীবিকাঃ কেন্তেও এই শতকে মনুবের অভার দায়িক, তাই এই উনায়ওলি সকল বাও হতে পারে। প্রায়েশিক বৈদিক কলনের থানে লেখা যার যে, কড় কণাতে কার্য এবং কারণের রূপ ভক্ষত্তরেই প্রাণ, কারণ কর জগৎ ভারই শক্তি। কর্ম এবং করণ উভয়ই ভাগরচনত भक्ति साठील करा किहू नह। छाँदे, दर फल्यान, स्वानी ব্যক্তি বেমস কর্ম এক করন্তে কিন্তা করে দেখতে প্রচ কিন্তাৰে কাঠের মধ্যে অমি কাণ্ড, কেমনট অস্বানের প্রেমারী সেকা বৃদ্ধ করও জানান করতে পারেন বে व्याननिष्टे सार्वे अवर साजना। एक नक्रायनका कनवान আপনি বাৰু, পৃথিবী, আওন, আকাশ, অন্য, হুপাৰ, शानवाद, भरकव्रिक, क्ष्म, क्रच्या अवर क्ष्यचाता বস্তুতপক্ষে, সৃদ্ধে এবং ছুল, সহ কিনুই আপনি। হন এক বাব্যের বারা ফলনিও কেন বর্থী আপনার থেকে किंच मह , अक्षा शकृतिक किन क्ष्म (अक्ष क्षम क्षम তমেওৰ), এই তিন ওশের অধিষ্ঠার মেবভাগণ, পঞ ৰূপ তথ্, মন, দেবতা, মনুৰ, কেউই আগনাকে স্থানতে পারে মা, মারণ তারা সকলেই কব-স্কুরে অধীন। সেই कथा निरक्तमा करार, शक्ष चानवान वश्यिता चनकहरित्र भेड़ा व्यवसंक्रम करहान। और श्रमका बाह्मसम्बद्ध वास्तिया द्या অধ্যয়ন থেকে বিরম্ভ হয়ে ভগবছন্তিকে মুক্ত হন। অতথ্য, বে পৃথ্যতম ভগবান, জাপনাকে আমি আমার नथा अर्थाध निरस्त कड़ि, भारत छन्, कर्यका कर्ना, भृषा, कर्य-जनर्गन, हत्रपङ्गान जातन करा नीम्प्र करन---আপন্যর প্রতি ক্ষক্তি লাভ ক্ষতে পারে :"

মেৰবি নার্থ বলকোন—"এইভাবে ভক্ত প্রহুল তেন্দের কলেও হোনা কথনও তেওঁ হয় না। কিছু বানা । শুবত শুহু গের প্রতি ক্ষতাক প্রসম ব্যাহ তীকে

ক্রম্প্রাভ্য হোমার হাতি আমি অভান্ত প্রসম হয়েছি। সমস্ত বাসনা পূর্ব করেনে পারি।" লারি লডভ মান্বের কামনা পূর্ণ করি, সুতরাং ভূমি ভারি র্লার্ডার্কী ছও। আমানে প্রস্তা লা করে ভেডেই আমাধে আমতে পারে না বা উপদক্ষি করতে পারে না (काक कर रहे वह ना। 💢 अद्भाव, दृष्टि यहा-कामानाः)। कर रहे हानमि 🖰 होता चरित्रहे कामी अपर वेजक, देखा मर्गाहरकाहर जानात

্রলেডিলেন নাহে চার প্রমুক্ত ভোলার নামলা হোকে। যে প্রসায়তা বিধানের চেটা কারেন কারণ আতিই সকলেও

নারক মুলি ফলকেন—"প্রস্থাত মহাবাক ছিলেন আমের কাছে (ওামার কার্ডাই বর প্রার্থন কর। য়ে গ্রহাণ, অনুংক্লের সর্গনের কান্তি। অনুংকর নর্বন কর সুংক वामना करता। किन्तु कनकार योग्न और सनरका गमंत्र াপুর জেলা করার বয় প্রধান করে জৈকে প্রধানিক করকে কিছু যে আমাৰে দৰ্শন কৰেছে কথবা আমাৰে প্ৰদান কেন্তেছিলন, কিছু শুদ্ধ কুমান্তভ হওৱান কৰে প্ৰসুদ করেছে, তাকে আর তার নিজের সভতি বিধানের জন্য । মহাবাচ্চ তার ইপ্রিডার্ড ভোরের জন কেন কিছুই সংখ



দশম অধ্যয়

ভক্তপ্রবর প্রহ্লাদ

েই সমস্ত ব্য়ণ্ডলৈকে ভভিযোগের প্রতিবছক কলে মনে করে, ইবং হাসা সহকারে ব্যক্তিনেন—হে ভগবান, মাসুরকলে স্বাস্থ্যহন করে। কলে আমি স্বাভাবিকভাবেই कड़ मुध्रास्त्रात्मे असि ध्वनक। कड़े रहा रख यागास এই সমস্ত বালো মানুহ করবেন না। আমি ক্রেডিক খবস্থাৰ থাকে খাত্যাৰ জীত এবং ভাই আৰি এই বন্ধ चवश (थरक उक्त दरक गरे। तारे समारे प्राप्त আপনার ব্রীপাদলয়ের আব্রের প্রহণ করেছি। হে **पदमाताया क्रावान, १४८३क मक्टनह क्राटा क्वक्टनह** মূল কারণবাল কার-কাস-বার বীক্ত হারছে, তাই আগনি আমাজে ৩৬ ওপ্তের লকণ প্রশান করার করা এই কড় बनाएंड (अर्थन कंद्रार्थनः) व्यनाभा, (ह कंपवान, (ह सम्ब শুগতের ওকু আগনি আগনা ভয়ের প্রতি এডই বক্ষণামৰ যে, উন্ন ৰজে অভিডক্ত কেনে কিছু উাকে আপনি করতে কেন না। পক্ষারতে, যে ব্যক্তি আপন্ত সেবার বিনিময়ে কোন জার্যাতক লাভ কানো করে, সে

প্ৰীনারণ মুদ্দি কালেন—"খণ্ডাদ্ মহারকে নিতার। আপনার এক তক্ত মানু প্রকৃতপক্তে, সে একটি বলিক ব্যাক হওয়া সংস্থাত, ক্ষমজন নৃসিংহত্তেরের হার্যা প্রদন্ত হোর সেবার বিনিহতে লাভ চারঃ হৈ ভূতা ভার নেধার বিনিময়ে পড়া কাছ থেকে কেন পায় জাগতিক বারের বাসনা করে, সে যোগা সেবত বা ওছা ভক্ত দর।। एक्टबर्के, (द श्रेष्ठ जह श्रम्भाइत प्रदेश कार्य कार्य থার ভূত্যাক কড়-আগতিক লাভ প্রদান কয়েন, তিনিও ৩% গ্রন্থ লা। হে প্রকৃ, আরি আপুনক নিয়ার সেকক এবং আগমি আমার নিতা এও। আমারের এও এবং ত্তা হওয়া ব্যতীত অন্য কিছু হওৱাৰ প্ৰয়োজন নেই। স্বাগমি প্রকৃতই সামার প্রস্কু এবং আমি স্কভাবতই আপন্তি সেবক ব্যামানের আর উন্যু কোন সম্পর্ক (मदै। (इ. फारका, ८१ मर्वत्वर्ध ब्ह्रणान्त्र, स्थानूनि स्वीव ध्रामाहक सामान व्यवेषि का उनान क्याप्ट छात, का श्राम আমি আপনার করে প্রার্থন করি, কের আমার হারতে (काम प्राप्त धीमनात केमड में दर्व। (१ एकरान, बार्च থেকেই কাম-জননার কলে মনুকো ইপ্রিম, কং, প্রাণ, (बाह, धर्म, देवर्ग, तृष्टि, संबाहा, क्षेत्रर्ग, साथ, स्कृष्टि करा সতা, সর কিন্তুই নাট হয়ে হয়ে। হে কালাক, মানুৰ কৰা

তার মনের সমস্ত জড় বাসনা পরিতাপে করতে স্বক্ষ হব. তথন সে আপনাবই মড়ো ঐথর্য লাভ করার বোলা হয়। যে বড়েশ্বর্যপূর্ণ পরমেশর ভগবান। যে পরমানা, সকল বুঃশহতা। যে অনুষ্ঠ নরসিংছ রুগধানী পরম পুরুষ, আমি আপনাকে আমার সমান্ত প্রগতি নিবেলন করি।"

ভঞ্জন কলনেন—"হে তিম শুমুদ, তেম্বার মধ্যে ছক্ত ইংলেণ্ডে জন্ম পরলেনে, কোন প্রদায় জড় ঐশ্বৰ্য ক্ষমন করে না। কিন্তু আ সংখ্যত কামি ভোমাকে कारमम मिक्टि हा, छूपि वहें समस्त नर्गत क्यारन দৈতাকো অধীনর হয়ে, এই ঋড় জগতে জংগর সমস্ত ঐশ্বৰ্থ উপত্তেশৰ কর। ভূমি বে ঋণ্ড জগতে সংক্ষে ভাতে निवृ बाद चारत स्व। पृथि तर्रमा भागात केनरान असर বাৰী প্ৰকা করে আমার চিন্তার সথ থেকো, কারণ আহিই শক্ষের হানতে বিরক্তিমান পর্যাকা। ভাই স্কান কর্ম পরিত্যার করে ক্ষমের থারোধন্য কর। হে রতাদ, এই ক্ষড় ক্ষপতে অবস্থানকালে তুনি ভোষার সৃথ অনুভবেং ছারা পুন্তকর্মের কল এবং পুলু আচরখের হারা পালকর্মের কল কৰা কৰে। শক্তিশালী কাগের প্রভাবে ভূমি পোষাৰ বেহ ভ্যাগ ক্যাৰ, কিন্তু ভোষায় হল কালোকেও শীর্তিত হবে এবং সম্পূর্ণরূপে বছনমূক হয়ে ভূমি ভগৰত্ময়ে ক্ষমান কাছে কিন্তে আসৰে: যে বাভি সৰ্বনা ट्यांबत कर्वक्यान च्यान क्या धवर चामात कार्वक्यानक শ্বরণ করে এবং তোমার দারা গীড় এই জ্যের কীর্তন করে, সে স্বধানবারে কর্মকানে থেকে মুক্ত হর 🖺

থানুদ্ধ মধ্যনাঞ্জ খলালেন—"হে পর্যোগর, আলনি ব্যেক্ত্ স্বরাপতিক জীবনের প্রতি অভ্যক্ত কৃপায়ের, ভাই আমি আপনার কাছে কেবল একটি বর প্রার্থনা করি। আমি জানি যে আমায় শিতা মৃত্যুর সময় আপনার দৃষ্টিপাতের প্রভাবে পবিত্র হয়েছেন, কিন্তু আপনার অপূর্ব শক্তি একা শেষ্ঠান্ত সমান্তে আল থাকার কলে ভিনি মান্তভাবে আপনাতে জার রাত্যাতী বলে মনে করে জনবঁক আপনার প্রতি মুদ্ধ হয়েছিলেন। ভার কলে ভিনি সমস্ত জীবের পরম বারু আপনাকে প্রভাবভাবে নিশা করেছেন এবং আপনার ভার আনার প্রতি পাশাচবদ করেছেন। সেই সমন্ত পুরুর পাশ থেকে আপনি তাঁকে পরিত্র করন।"

ভাবেন কালেন—"হে গ্রহণ কে করম ক্রিয় জাত তোমার পিতা পূর্বতন একবিংকতি পুনার মত পাঁদর হরেছে। খেহেতু ভূমি এই বংলে স্বাপ্তজন করেছ, ভাই সমস্ক কুল পৰিব হয়েছে। বেগাৰে বেগাৰে প্ৰদাস সমদৰ্শী, সভাচার যুক্ত এবং সমস্ত সমস্কাশ বিভূষিত আমরে ভক্তেরা বাস করে, অভান্ত আঞ্চলভিত ইলেও त्मरे चांद्रस्त क्यर (मरे क्यंत्रस मानुरस्ता शनित स्टा सह। হে দৈক্ষেত্ৰ প্ৰচুদ, আমাৰ প্ৰতি ভক্তি হেছ আমাৰ ভক্তেরা উৎকৃষ্ট এবং অপকৃষ্ট জীবনের মধ্যে ডেন দর্শন क्ट मा। छात्रा फचन७ काউ(क हिश्मा कटा ना) वहता তেমার পদাৰ অনুসরণ কাবে, ভারা সাভাবিকভাবেই व्यामात ७६ ७७ १(त। पृति कामक आई उन्छ अस অন্যদের কর্তন্ত জেমার পদার অনুসাল করা। বে ২০০, তোমার বিজ ভার মৃত্যুকালে জ্ঞানর জ্ঞান স্পর্যে ইতিমধ্যেই পৰিত্ৰ হয়েছে। জ সাৰেও, পুরের কর্তব্য পিতার মৃত্যুর পর প্রায় অনুষ্ঠান সম্পাচ করা, হার কংগ্র তার নিতা সং প্রকা এবং ভক্ত হওতার কার উচ্চলোকে গঞ্জ করতে পাঙ্কে। অন্তেতিক্রিয়া সম্পাদন করের পর তুমি ত্যেমার পিতার রাজ্যের ছারিত্তার প্রহণ কর। লিহোলনে অধিষ্ঠিত হও এবং হৈবছিক কার্যকলাপের वाता किलिए में ११३ क्रायरफ महानिरंग करा। स्थापक নিৰ্দেশ লঙ্ঘন দা করে, ভূমি ভোষাৰ কৰ্তবা কৰ্ম जन्मध्य क्यू /⁸

বীনাবে বুলি বললো—"হে মহারক্ষ বৃথিতির, প্রকুল
মহারক্ষে ভগবানের নির্দেশ অনুসারে উরে লিভার
অব্যেশিক্রিয়া সম্পাদন করেছিলেন। ভারতার ক্রাক্ষাগদের
মাষা তিনি হিরপাভশিপুর নির্দেশনে অভিবিজ্ঞ
হরেছিলেন। ভগবান প্রসন্ত হরেছিল। ক্রেভারের ক্রার
স্বাহতাল অনুসাল উজ্জ্বল হারছিল। ক্রেভারের ক্রার
পরিস্ত হরে, তিনি তর্থন ক্ষমক্রানের উদ্দেশ্যে নির্দ্ত বার্ণীয়
বারা প্রার্থনা করতে ওক করেছিলেন।"

রক্ষা বন্ধদেন—"হে দেবদের হৈ অভিল অধ্যক্ষ, হে ভূতভাবন, হে পূর্বক (আনিপুরুষ), আমানের সৌতাপোর কলে আপনি সমগ্র রক্ষান্তের সন্মাণ প্রদানকারী মহাপানী অসুরবে সংহার করেছেন। এই অসুর হিরম্বাকশিপু আমার কাছ থেকে ধর লাভ করেছিল যে, আমার সুই কেল জীবের হারা নে নিহত হবে না। এই প্রতিশ্রতি তের তালা ও বিশেষ বিশেষ করে কা অন্তর্ন করিছে লাভ সমান্ত বৈলিক লিন্দির্য লাভ কা অনুবাদিন। ভাগান্তেরে বিশেষকলিকার পুর মান্তরেশবাদ লাগু বালক প্রভান মানুরাজ্ব দুটা (থাকে একা পোরোকে। একা নে সম্পূর্ণভাবে আপলার জীপালকাকের লরণে ব্যাহেছে। যে জন্মবাদ্র বিশ্বর পরীরের বালি কারণারা। যদি কেন্দ্র আপলার ভিশ্বর পরীরের বালি করেছে, তা করে আপলি তাকে সমান্ত ভাগান্তর বালিক করেছে, তা করে আপলি তাকে সমান্ত ভাগান্তর বালিক করেছে, একা কি আসলা মৃত্যুভাব থেকের। শ

ভগবান উপায় নিলোস—"হে ব্রন্ধা, হে প্রসন্থন, সংগ্রের যুব প্রথমে করা বেফা করাক, তেফাই বারার ব্রুর্জ্বভাব এবং ইবিশিবারেশ অনুর্সের হার্যান করাও অধ্যে ভারতর। অনুর্সের সাম করমও এই প্রভার হব মান করেন না।"

নামৰ মূলি কলকোন—"হে মহারাক্ষ যুনিছির, সামানপ্রীবনের অনোক্রর জনকান এইনারে ব্রক্ষাকে নির্দেশ কিন্তু ব্রক্ষা কর্তৃক পুজিত ইরো দেই হান খেকে অপূর্বিত ইরো শ্রহারাক্ষ জনবানের অপ্যান, লিব, প্রক্ষাপতি আদি সমার সেবতানো পূজা করে কমন্যান ব্রক্ষা ওক্তরার্থ প্রকৃতি মূলিখের সামে নিলিত হরো প্রভুক্তি মূলিখের সামে নিলিত হরো প্রভুক্তি মূলিখের অফিপতি করেছিলেন।"

"হে মহানাজ বৃগিতির, তারণর রক্ষা আমি কেবজনণ প্ৰভূপি মহানাজ কৰ্তৃক ৰাধাৰণভাবে পৃথিত হয়ে, চতুনকে চরম আপীর্বাদ প্রদান করে তাদের স্বধারে প্রভ্যাবর্তন করেছিলেন। এইভাবে জগবান শ্রীবিশুর বুই পার্বদ दिल्याक अवर दिल्याकनिभुकर्तभ निर्देत भूजप धारा स्टा. বাতিবশ্যু স্তক্ষের হুমর্মান্থত ভাগানকৈ ভাগের শক্ত वरण प्रत्य कर्या, निश्च इरविद्रश्या। द्वामा गरस्य মতিশাৰে জানানের সেই দুই পার্বদ পুনরার কুণ্ডকর্ণ अरर प्रचानम् प्रायनकारम् स्ट-अञ्च कार्यश्चितमः। (महे पुरे য়াক্ষ্য ভগবান জীয়ামচাল্লের সমাধানে পরাক্রমে নিহত एरविका। कनवान श्रीवाद्यहरक्षत्र वारम्य प्राप्त विक दर्ज মুক্তর্য এবং বাবদ উভরেই রগকেত্রে বাবিত হর্মেক नकः विजयाकः स दिवस्क्यिश्वरूतं छाएत शृर्वकालेत মতোই পূর্বরূপে ভগকানের চিন্দ্রন মন্ত্র হয়ে দেহত্যাব করেছিল। ভারা পুনরার অনুযা-সমাজে নিয়পাল এক দ্ববদ্বালে ক্ষরত্ব করে জনবাদের প্রতি বৈরীভাব

एनरम कार्यक्ष अस (१४४१२ प्रयास समस्य समस्य नर्रेग्ड বলৈ হয়েছিল। কেবল লিওপলা এক সমুবল্পই এই, আৰু বৰ প্ৰভাৱনৰ প্ৰীকৃত্যন্ত প্ৰতি পঞ্চাৰৰ আহলৰ কান্ত মৃত্যুর সময় মৃতি লাভ করেছিল। বেছেছ ভারা ভদবানের কথা চিন্তা কার্যান্তন, তাই ভালা ভাগবানেরই बददा क्रिका एक बस क्षम क्षत्र हार्रावन, क्रिक दरबन बम्रास्ट शहर क्यों केंद्रि बम्राह्य क्या किन्त कराई कराई सम्दर्भ महान में भी है है । इह क्ष महस्त्री ভাগবহুতিক কথা নিবন্তঃ ভাগবাঢ়ক কৰা ঠিয়া কৰেন উপর ক্রমবানেরই মধ্যে সরীর প্রাপ্ত হন। ভারে কর स्र महाग्रे-पृष्टि । यभिक्ष निर्मान्य, मस्त्रक असः कमान् অজার শঙ্কবংশ শ্রীকৃথের ডিল্ল করেছিল, ভারাও সেই का अस् इराहिन। निरम्तन अस बाह्यक कार्यस्थ প্রতি বৈরীজবাপা ছওরা সম্বেও ভিজ্ঞাবে মৃতি পাত কর্মেন, সেই সম্বন্ধে হমি জানাকে বে সমস্ত প্রথ করেছিল, তাম বিশ্লেষণ আমি করবাছ।"

ं इक्शनरमंत्र श्रीकृष्टका **क्षेत्र वर्ग**नात समस्यस्थ विकित অবতারের কথা এবং হিরণ্যাক ও ডি্ট্রব্রফলিণু বারক দুই দৈত্য কিতাৰে নিহত হয়েছিল, ভার করে করে হল। अदे कदिनी प्रशासनक लड्डाम प्रशासक्त करियु केल পুড় ভক্তি, পূর্ব জ্ঞান ও ঠার পূর্ব বৈরোধ্য কর্মনা করেছে। এখনে সৃষ্টি, হিবি এবং সংখ্যমের করণকাপেও ভালানের वर्गम क्या श्रहरू। श्रहान प्रश्रहाक केन्द्र शार्वनाह ভগরনের নিয় গুণাবলী এবং সেই সঙ্গে ক্রিয়ের ক্রেয়ে क चनुत्ताह ध्याम, ज करहे जेवर्रमानी स्त्रक न स्वय क्षपराज्ञा निर्मित्र माउदै करून इति, कारक वर्षन्य कहा হয়েছে। যে শহর্মা ক্ষাব্যাক্ত কানা হার, ভাকে বার বা বাগৰত-ধর্ম। তাই এই আখ্যান্তৰ আবাহিক क्षर क्यारमञ्जात वर्गिक स्टार्ट्स स्थापिक और सामाहरू বলির ভর্মন শ্রীবিষ্ণা সর্ব-শতিমভার কর্ম কলে করেন এবং কীর্ডন করেন, ডিনি অংশাই করে করতের করে থেকে মৃত্য হল। এইল মহাবাক ছিলেন সমস্ত তত্তালো মধ্যে সৰ্বশ্ৰেষ্ট। প্ৰভুষি মহারাজের কার্যকলাপ, विक्तुकविश् वर अयर समदान नृतिरहत्तरक जीता दिनि সমাহিত চিত্তে প্ৰবণ কবেৰ, তিনি নিশ্চিতভাৱে অকুতোভর বৈশুরধাম প্রাপ্ত হতেন।"

ातम मूनि बनारान--"(त् यदाराक कृरिकितः, कामन

সভৈপে (পার্টেরের) আন্তান ভাষাবান, কারণ ভারনে শ্বীভূষণ মনুবার্রাপে ভোমাদের প্রামাদে বাস করেব। মহর্ষিক্র সেই কথা জানেন এবং তাই তারা সর্বহা তোনাদের পূরে পমন করেন। নিবিশেষ ক্রমা ক্রীক্রমা परत, कारण कीक्षकी भिनित्नम बरमात दिशा। किनिहे মহাপুরুষদের অধ্যেকীয় প্রসাদক্ষের উৎস্ ওবৃও সেই পরফোর ভগবান ভোমানের প্রির্থম বর্ম, সুরুর এবং মাত্ৰপুত্ৰ কৰে তোমানেৰ সত্ৰে ঋতি অন্তব্যক্ষাৰে **শ**ম্পাকিত। প্রকৃতপক্ষে, তিনি ভোষাধের অন্যায়রূপ। তিনি জোমাদের প্রানীয়, ভবুও তিনি কথনও কথনও ভোষাদের সেবকরণে এবং কখনও আবার ওরস্কুর্থ আচরণ করেন। দিব, ব্রক্ষা আদি কহাপুরুবেরা ভগবান बीक्राबाह छन्। यचार्यकार वर्णना करूक भारतमान । विनि महाशुक्रदास्य (सीनदाठ, शाम, छन्डि ध्वर छातुश्रा बाता ভতারভাক-মালে পৃত্যিত হল, সেই পর্যায়েখার ভাগনান আনাপের প্রতি প্রদার হোন। হে মহাব্রাক ব্রিভির, करकाम भूर्त धन्नड बाहाधारी अनुमानक वर्षन (मनामिएस) महारमरक स्म वर्ष करहतिल, धर्मन संगराम श्रीकाल শিকের মধ উভার করে তাঁকে একা করেছিলেন।"

588

भश्साच दुधि**व**ेद क्लाजन— कि कादान स्वामानव শিক্ষে খণ তিনট করেছিল : কিভাবে ভগবান শ্রীকৃষ্ণ निवदक समार करत भूमताह केल का विसाद करहरिएक ह সেই কথা অংশনি দলা করে বর্ণনা করুল।"

নকে মনি কালেন--"জীক্ষেত্র কুপার সর্বন পর্য শক্তিসক্ষর দেবতারা বৃদ্ধে অসুর্থের পরাজিত করেছিলেন। ভবন অপুরেরা সার্গবীলেট স্থাপানবের भरान शहन करहास्ति । अनुब्रह्म प्रशास नाराक अञ्चलस्य হিনটি অবুলা পুরী নির্মাণ করে অসুর্যের সেওলি निर्दाशित। (मर्डे नहीं छान किंग कर्त, होंगिन) बहार हमीह নির্মিত এবং সেওলি বিয়ানের মতো অন্ত্রীকে গমনগীত ছিল এবং সেওলি অসাধানৰ উপকালে পূৰ্ব ছিলঃ হে মধ্যেক পৃথিতির, এই ডিমটি পুর্নীতে দেবতাদের অলোচন থেকে অনুর সেনাপতির দেবতাদের সঙ্গে ভালের পূর্বের শক্রতা ক্ষান করে ত্রিগেরত বিনাল করতে শুরু করেছিল। ভারপর অসুরনের বারা বিনট কর্মলোকের লেবভারা प्रकारमध्यत बाराह निर्देश क्षेत्रक करण करमहिरमान-८३ व्यक्त আত্র দেবতারা রিপ্রকাষী অস্ত্রদের গায়া বিদর্শগার

মুখেছি। আহলা কাপনার অনুপ্রাহী। কথা করে medi-আমানের রক্ষা করন। তবন পরম মতি মার এক ক্ষান্তভাল কেবালিকে সভালের উল্লেখ স্বাক্ষাল ক্ষিত্র বলেচিলেন, 'ভার করো করা' ভাগপার ভিনি ভাল সমূল্য मान रवासन करा प्रभूतराता द्वार किनकि मुस्तिर विरामन করেছিলেন। সূর্বস্থল থেকে রাখ্যসমূহের স্থাতা মহাক্তের ধনুক বেকে জাতনের মতো উল্পান সালসার নিশিস্ত হবে, সেই কিনটি পুরী আমোনিত হওলার ফলে मृष्टित करमाठत स्टर्ताहन । सङ्ग्रदस्यत कर्णानांशंक वारमञ দ্বারা আরুত্তে হয়ে, সেই পুরী তিনটির অধিবাসী অসুব্রের ধ্বৰ হাবিত্তে পতিক হৰ্মেছিল। তথন মহাবোগী সাক্ষাৰ ভার নিৰ্মিত অমৃতের কুণে ভালের নিক্ষেপ করেছিল। সেই অমৃতের স্পর্শে অসুরবের মৃতবেহ বল্লের রতে। দুর্ভেন্য হরেছিল। সভা বলে বলীয়ান হয়ে, ভারা ভঞা মেলভেগী বিগুতের মতে উবিত হয়েছিল। মহাবেতক থতাত নিয়াৰ এবং অসুৰী কৰি কৰে, ভগবাৰ প্ৰীথিক স্থাদানখ্যে সেই উৎপাত কিজাৰে নিবারণ করা যায়, ভাত উপার বিবেচ্সা করেছিলেন। তথ্য ক্রথা গোবতা এক ভগরের জীবিষ্ণ গাড়ী হতে পুরীতে প্রবেশ করে কুলের मध्य व्याप भाग अस्तिक्षितान। वन्यात्रता (सावध्य वक्ष পাতীটিকে সেখেছিল, কিন্তু ভগৰানের মান্তার দারা মোহিত ছওরার মধ্যে, তারা ভাগের নিবেধ করতে পারেনি। মহাবোগী মহাবাদ্য কর্মন জ্ঞানতে পেয়েছিল বে, একটি গোকতা এবং পাতী সেই কুপের সমস্ত অনুভ পান করেছে কথন লে কুছতে পেরেছিল যে, দৈবের অনুদা শভির প্রভাবেই তা হরেছে। তথ্ন সে ন্যেকার্ত অপ্রথের বলেছিল—বা হবেছে তা নিজের, কগরের, অথবা নিজের এবং অলজের উভয়ের প্রতি নৈবনির্মিষ্ট ভাল্য এবং দেবতা, অসুর, মানুর অথবা অন্য করেও পক্তে ক্বনই ভাব অন্যথা করা সম্ভব বয় 🗥

"ভারপর স্থান্তন জীকুজ বর্ত, জান, হৈরণস্থ, ঐপর্য, তপস্যা, বিদ্যা এক বিদয় সমন্তিত খাঁয় শক্তির করা রক্ সাহথি, কড়ো, কথ, হস্তী, ধনুক, বর্ম, বাণ প্রভৃতি প্ররোজনীত উপকরণ সৃষ্টি করে মহাদেখনে সক্ষিত कर्दाहरूमा। अञ्चलस्य भूगेकर्म अभिन्न इसा वशासन তথ্য অসুর্বের স্থাহ কর করার জন্য রূপে আরেলে করে ধনুর্বাণ প্রহণ করেছিলোন। যে বহারাল বৃধিন্তির,

লাগে পরিভাগের হারাবের তারে গন্তে পর সংযোজন করে। ধরোকালে। ক্রন্থা আদি দেবালেন্দ্র হারা পুলিও ইরে _{নি ত}ালে অসুবলের তিনটি পুরাজে আক্রম ক্রানিয়ে ल दोल इत्यमाथ कर्राप्टरम्म । वर्षत्र एन्ट्राहा केएन्ड्र প্রসাল হাতে সুক্তি ব্যশ্তিকার্যালন। দেববা, ব্যবি, পিউ, চন্দ্ৰ এবং অন্যালা মহান ব্যক্তিশৰ ক্ষরবর্তন নিয়ে লিকে ante जुन्जवर्ष करविद्यान क्षेत्र क्षणवाल क्ष्मा क्षेत्र कार्यकाल है जिल्लाह क्रांन करवाहन, कार ক্রান্তে লান ও নৃত্য করতে ওক করেছিলেন। হে আর্থেকে আরি আর কি ক্রছে পারিং কথাবধ সূত্রে গ্ৰহাৰাক বুলিভিব, এইভাবে অসুকলে তিন্ট পুৱী ধ্বনীয়েও করার ফলে নিব বিশ্বনাধি নাবে পরিচিত সকলে পরিব হতে পারে।"

ময়ানে তথন ঠার নিজেব বারে প্রত্যাবর্তন করেছিলেন। क्तिक केल्स अवसा सराम प्रमुख्य महा पारिकृत হরেছিকা, তথুও ঠার ক্রম মান্তব বাবা তিনি অসমান बीर प्राकृतकत्व क शेलाईक्शक क्रांक्शका क्रांक्शिन केल कार्यकर्मातम् अस्ति क्लान क्रम करान कराने

23 23

সন্তুম স্বস্ত

একদশ অধ্যায়

আদর্শ সমাজ—চাতুর্বর্ণ্য

গ্রীল ওবংঘৰ গোধানী কালেন—"রক্ষা, নিং আদি प्रश्तकत्त्व व्यापरमीत अञ्चाम प्रश्तासम्बद्ध संदर्भ करन करते, प्रशासायक जातनह पृथितित प्रशासक कटाउ और स्टा প্রবাহ রকার পুর সারক মুনিকে কিকাস্য করগেন---হে গ্ৰন্থ, তে ধৰ্ম খেকে খানুই জীতনের পত্ৰন পকা খনবহক্তি হাত হয়, আমি জাপুনার কাছে সেই ধর্মের কথা ওনতে চাই। যানুবের বৃত্তি অনুসারে ফাব-সংক্রে স্বামাজিক একা আধ্বাদ্ধিক উমতির পাৰে এনিয়ে নিরে ৰায় ৰে ফৰ্মপ্ৰম-ধৰ্ম, সেই সম্বৰে অন্নি ভগতে সই। (३ नर्गटकं झन्न, चार्नार शक्तरि बनात नाकर गृत। আপন্তম প্রণাস্যা, যোগ এবং সামাধিব প্রথম্যে পর্যোষ্ট রকার সমস্ত পুরুষের মধ্যে আপনিই সর্বক্রেট। আসনার मरुख नाम अगर मदानु चांत (क्यें द्वारे अगर किवार) ভগবছক্তি সম্পানৰ কান্ত হয় একং কিচাৰে সৰ্বভেষ শ্রীকার্ব হতে হয়, সেই সক্ষে অলেনার কেন্দ্রে ভালভাবে খার কেউই স্থানের না। তাই জালনি ধর্মের সমস্ত ওহাতত্ত্ব অধ্যান্ত আছেন এবং ভা আপনাত্ৰ থেকে ভালভাৰে আৰু তেওঁ স্বাসেন না

वीनावर मृति नगरमन—"मर्वश्रवहर स्थपि गण्ड

ছীয়ের খানুক্ত ভাবম শ্রীকৃত্তকে প্রবাহি নির্বেশ করে, अग्रहास पूर्व (सहक क्षांत कारान सर्व विद्वारण स्टाई)। ভগরের নারারণ তার অংশ সর সাই ধর্মের উর্জে দক্ষের बन्ता पूर्वित गर्स्ट जनक बीएरज कारमञ्जू करा चारिस्ट হতেছিলোঃ এখনও হিনি জীবের মঙ্গলের জন্য কৈরিকারতে তপদ্যা করছেন। সর্ববেদমন শুগবান ইতিয়া দুর্জা মুল একং কোনের মারেকের স্থাবি। হে महत्त्रक कृतिकित, क्षेत्रे समी श्रमानकान । क्षेत्र स्ट्राईक हिर्दिट्टी मन, बाबा, तरह हैजानि जन निष्टि डना हर। সমস্থ মানুদেরই যে সাধানে নীডিওলি মেনে চলা উচিত সেচনি হতে—সভা, বরা, ভাগেরা (একানশী প্রভৃতি তিবিতে উপবাস), শৌচ (দিনে অন্তও দুবার স্নান), महान्यामध्य, पान-भाषत विकास, कदामरस्य, देखिन-भरवन, व्यक्तिमा, अभवर्थ, सम, माञ्च कमारम, महन्छा, সংবাদ, সংগ্ৰেৰ, জনাকাক কাৰ্য থেকে বীৰে কৰে অংসা হবে, জনব-সমাজের অন্যান্ত কার্যকল্পের বিহৰ্তক্তা দৰ্শন, টোন এবং গঠন হবে কৃথা আলাগ পরিত্যের, জীন ভার স্বস্তপে গেছ না বাছে তার বিচার, সমস্ত প্ৰীৰ্মণ (মানুৰ একা পণ্ড উভাৱে) সমভাৱে কৰা

নপ্তাথ কৰ

বিভরণ, প্রতিটি আত্মাকে (বিশেব করে মনুবারারেণ) कार्यात्म्य करणकरण मर्गन, (अध्रापत काश्रक) शहरवयत ভগবানের কার্যকলাল এবং উপদেশ এবং, এই সমস্ত कार्यकमान अवर উপদেশের মহিল্ল कीर्टन, जर्वन এই मञ्ज कार्यकलान अवर উপদেশের কথা শারণ, ভাগোনের সেবা করার চেটা, শুগবালের পূজা, শুগবালকে প্রথতি নিবেদন, ভগবানের দাস হওয়া, ভগবানের সধা হওৱা धेवर नर्वत्लाकार्य क्षेत्रयात्मा स्त्रानानक इत्या। (इ मश्त्राच कृथितिय, धाँदै जिलाहि छन कार्यन कारा धानुस्तव ক্ষকত্ব কর্তন্ত। কেবল এই কণগুলি আর্থন ব্যায় কলেই পরমেশন ভগবানের সভুষ্টি বিধান করা ভার। বাঁগা অবিভিন্নরে থৈমিক মজের ধারা সম্পাদিত প্রধান क्षवर धानामा अरकारतः धाता एक वरतरका जनर अधा ষাঁদের অনুমোলন করেছেন, তারা বিজ্ঞ। এই প্রকার द्वाचान, ऋजिब अवर देवन्छ, यीता छीएएक बूका-अध्यनता क्षेत्र चाष्ट्रज्ञाच्या धावा शक्ष इत्तरक्र, छेश्यत कर्वत्र क्षणवहत्त्वत गुन्त कता, (का व्यवहान क्यां बक्र मान कता। এই প্রতিতে তাঁলের চতরাধ্যমের রেক্ষচর্য, গৃহস্থ, বানপ্রেম্ব এবং সন্ন্যাস) নিয়ম পালন করা কঠবা।"

"ব্রাক্ষণের অধ্যক্ষর অসি ছরটি কর্ম। করির দলে **धरम श**रहीक **धन्द मीरावि क**र्भ चन्द्रशन क्यूटक मास्त्रन। গ্ৰাক্তা ক্ষমৰা কবিয় ব্ৰাক্ষণদেৱ উপন্ন কৰা বাৰ্য করতে শারেন না। কিন্তু তারা প্রকাশের উল্লেখ্যনতহ কর, **७%. वक वार्य करत कीरमत की**रिका निर्वाद **अ**तरक পারেন। তৈপানের কর্তবা সর্বন ব্রাক্ষণকের আগেশ গাপন করা এক কৃষি, পেরকা ও বাণিকা বারা জীবিকা কর্মন क्या। भूतासा अक्यात कर्डल शतह डेक सर्वा तसा করার দ্বারা জীবিকা নির্বাহ করা। প্রয়োজন হলে ব্রাক্ষণও বৈশ্যের বৃক্তি - কৃষি, সোরক্ষা এবং ব্যশিকা গ্রহণ করতে ব্যক্তিন। অবচিতভাবে আ পাধরা বার তার উপর তিনি নির্ভা করতে গাড়েন। ডিনি প্রতিদিন কেরে ধান ভিষ্পা ক্যান্তে প্যক্তেন, ক্ষেত্ৰখামী ফর্ডুক পরিত্যক্ত ধান সংগ্রহ হয়তে প্রক্রো, অথবা দোকানে পরিতাক্ত পদ্যকশা সংগ্রহ করতে পারেনঃ এই চারটি বলিও প্রাহণ অবলয়ন कारक भारतन। और छाताँहै प्रतित मध्य भूवंवडी चरभामा শরবাহী বৃদ্ধি ক্রেট। বিগদ উপস্থিত লা হলে, নিঃস্বরের মানুৰ বেটা বৃত্তি অবলয়ন করবে না। আপংকালে

শর্মায় ভিন্ন অন্য সকলেই অন্যের বৃত্তি অবলম্ভন করতে পারে: আপংলালে মত, অনৃত, মৃত, প্রমৃত এক সভানত নামক বিভিন্ন বৃত্যি মধ্যে যে লোন একটি প্রভা করা থেতে পারে, কিন্ধু কখনও খ-বৃত্তি অবলগন করা উচিত নর। উত্তশীল বৃত্তি, অর্থাৎ শস্ক্রের প্রেচ্ড পতিত শদ্য সংগ্ৰহ কথাকে বদা হয় ৰাত। ৰাষাচিত বৃতিকে বলা হয় অনুত, শলা ডিকা কলাকে কর হয় मृठ, कृषिकार्यक क्ला हा। श्रमुठ अवर वालिकारक क्ला হয় সভালত। নিচ ব্যক্তির সেবাকে বলা হয় খা-বলি বা কুতুরের বৃত্তি। ত্রাকাশ এবং করিছের কক্ষরও এট নিশিত এক কুণ্ড কর্মে লিগু হওয়া উচিত নৱ) জানৰ द्वाचान गर्न-राममा क्षेत्रर कवित्र गर्न-राम्बद्धः भन्न, वह তপদ্যা, শৌচ, সংখ্যার, কমা, সরপতা, জান, হতা, সভাভাবণ এবং ভগবাসের কাছে সর্বজ্যেভাবে নিরোক্ত সমর্পণ-এইগুলি রাক্ষণের লক্ষণঃ বুজে গরক্তম, অন্তের কাল পরাভূত না হওয়া, থৈর্য, তেক, নান, কৈছিক আবশাকভার হারা বিচলিত না হওৱা, কয়শীলতা, গ্রাহ্মণ-পরারণতা, প্রসন্নতা এবং সত্যভাষণ--এইওলি ক্ষত্রিয়ের লক্ষণ। দেখতা, শ্রক রবং ক্ষানন জীবিফুর প্রতি ভক্তি, ধর্ম-অর্থ-কাম-এই মি-বর্গের অনুচান, খ্ৰীওক্তাৰ এবং শাহের কাণীতে প্ৰছা এবং দৰ্বন কৰ্ম উপার্জনের জন্য উদায় এবং নিগুপ্তা-এইগুলি তৈপ্রের शक्त । जबारका केक वर्षी मानुबर्धर (क्रान्त, कवित এবং কৈলুদের) প্রদতি নিবেমন করা, শৌচ, নিরুণটভা, প্রভর সেবা, মন্ত্রবিহীন কর অনুষ্ঠান স্বরা, চুরি বা করা, नर्रमा नठाकारम क्या गारी च हामागरमा समा-**ब्रहेशक मुद्रात शक्न (**"

"প্তির সেয় করা, সর্বদা পতির প্রতি অনুকৃষ থাকা, পতির আশীর-বজন এবং বজ্-বাজবদের প্রতিও সমানভাবে অনুকৃষ থাকা এবং পতির ব্রস্ত পালন করা—এই চারটি পতিরতা তীর লক্ষণ। সংগ্রী স্থীন কর্তন্ত গতির প্রসমভার জন্য সুন্দর বসন এবং কর্ম জনাকারে সজিলে হওরা এবং সর্বদা পরিপ্রার ও আকর্ষণীয় বস্ত্র পরিধান করে, সম্মার্জন এবং অনুবেশনের হারা পৃহক্ষে সর্বদা পরিষ্ণার ও গতির রাখা। উর কর্তন্ত পুরস্থানির সমস্ত উপক্রমণ্ডলি সুন্দরভাবে মাজিরে রাখা এবং ধূপ ও কুলের ভারা পৃহক্ষে সর্বদা সর্বভিত রংখা এবং কর্মণা

भीवत यामना भूषं करात कमा शहर पाना। दिनीह वार महान्छे ३(स. विकार क्षित मरक्ड कर वास प्रमुख नारम काम ६ भीड़ीवृष्टि अनुवादा भीड़िक्स दीन करेग क्षित्र करते केल भीड़ित रामा करा। भीड़िक्स दीन करेग क्षित्र में एटला वार मध्य भीड़िक्स दीन करेग भागा। मूक्ति किल प्रदास निभूगा वार वर्ष मद्दाह भूगेल्ल प्रविधा। किलि विवासियी वार महावाद, भीड़ित क निर्मा। विवासिय भागी वी महम्म महस्त वार प्रदास्था। इति (महे भीड़ित क्ष्यां कर्मा कर्म महस्त विश्व महस्त्र इति (महे भीड़ित क्षयां कर्मक, विनि मिन्छिक्स का महस्त्र क्षित्र भीड़ित क्ष्यां कर्मक, विनि मिन्छिक्स क्ष्यं भीड़ित महस्त्र क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यां करता, विनि मिन्छक्स क्ष्यं भीड़ित महस्त्र

শগ্ৰহত বৰ্ণের মধ্যে হালা চোন নর, ভালের কলা হর অব্যেকসাকী কা চণ্ডালা (শণচঃ) এবং ভালেরও ফুল-অনুস্পারামত কৃত্তি সংস্কৃতি। হে রাজন, কেন্ডে আকংশেরা

যুগে বুলে, ক্ষড়া প্রকৃতির ওপ অনুসাতে মানুবের
অচনগ্রেই ইচ্লেন্তে এবং গরলোকে রক্ষান্তনক কলে
নির্দেশ দিয়েকেন। যদি কেই উল্ল স্বভাবকার কৃতি
অনুসাত্রে আচলা করেন, তা হলে তিনি বিয়ে বীরে উল্ল সভাবকার কর্ম গরিত্যাপ করে নিয়াম শুন প্রায় হল।
হে রক্ষান, কৃতিকেন্তে বার বার বীরা কলন করা হলে
ক্ষেত্র নিরীর্থ হলে পাছে এবং ভালন বীরা কলন করা হলে
হলেও সেই বীরা নাই হয়ে যার। কিছ বেনন বিশু বিশু
মুডের বারা অধি নির্বালিত রা হলেও প্রভুর বি নিক্ষেপর
কলে অধি নির্বালিত হার, তেমনই ক্ষান-আননার অভার্ক
লিয় হওরার কলে লেই সমন্ত বানার সভ্যাক্ত
হল। ক্রি কেই উল্লেক্ত করিনা অনুসাত্রে রাক্ষ্য, করিয়,
বৈশ্য করা বুলের সক্ষান্তনি প্রদর্শন করেন, আ হলে
উল্লেক্ত বিরু রুপের বলে মনে হলেও এই লক্ষ্য অনুসাত্রে
বীর কর্ণ নির্বিষ্ট হয়ে।"



হাদশ অধ্যার

আদর্শ সমাজ-চতুরাশ্রম

उपकारी सवन बास प्रथ धाराच श्रम मध्यति, धारान কঠন মতন্ত দৃটভাপুৰৰ ব্ৰীলোকনের মতে কথোপুৰুত্বন ক্ষণ্ডৰ প্ৰীলোক্ষ্যেৰ বিষয়ে অংথাপক্ষণ পৰিভাগে ক্ষা, কারণ ইত্তিকালি প্রভাই বলবার বে, ভা স্থানদীর ফাকেও বিচলিত করে। ওক্তপতী যদি বৃথতী হল, জা ছলৈ হবৰ ক্লডারী তাং বারা আপনার কেশ প্রসাধন, প্তাৰ কৰি, ক্লম একা তৈল ক্লাই জাৰি কাৰ্য কল্পৰে না। দুবতী স্ত্রী আঁথা যতে এবং পুরুষ খড়কুরের মতে। ষ্টাই নিজের কর্মার সমেও নির্বানে অবস্থান করা উচিত ময়÷ তেমনই, অনিৰ্মান স্থানে অন্য সময়ে ইতট্ক ক্ৰীয় ব্যৱহুদ পৰ্যন্ত প্ৰায়েখ আৰু ব্যৱহুদ উপলব্ধি বা করে—বংকের পর্যন্ত তার শেহাকার্যার যে ব্রাপ্ত ধারণা, যা ভার হল শতীর এবং ইন্সিয়ের প্রতিবিদ্ধ মার, আ তেকে মৃত্যু খা হয়—ভতকৰ পৰ্যন্ত শ্ৰী এখা পুৰুষালগে ৰে হৈওতাৰ প্ৰতিভাও হয়, স্থা খেকে গৈ সুক্ত হতে : থানী সন্ধাৰ হয়, কা হলে লিখোৱা কঠবা জীওকচাৰের করে, নিজের অসনা অনুসারে গৃহস্থ, ব্যারগু কবর क्रमान्य, चाका अवर मध्य भीरिय मर्थ चयकारकरें। यह अवर धावारण) मीत्र वर्ष (वंदशर)" অব্যোক্ত ভগবান প্রীবিশ্যকে ধরণং প্রবিষ্ট একং

कानोध्य क्यान करण उपाधनी, पुरुष, बालक क्यान সহাসী সর্বন ভগবানের উপার্গত উপলতি করে মতে একাকে স্বাধার্য করতে পার্তন 🖑

"तह वाक्रव, पर्वाप अन्तर नागडक प्रत्येश शताक्रीत **०न्**रवी क्षेत्र करकः निष्ठा सक्तात्व वान्छक्*या* अक्षात्व এই বিভি-বিধানতলি পালন কৰাৰ কলে, মানুধ মনিকের देशका श्रुप्ताक महत्यीक शाद्ध हत्। योन्त्र साम्प्रधान ভাটে কাইলের দ্বারা উৎপত্ন লালা খালের করা ইচিতে নত। অকর্যনেধ্যম ভাগ্ম পদাও আহমে করা উচিত এছ। ৰ্ডাৰ কলে অভিশক শ্যা প্ৰচণ করা উচ্চিত বছ। প্রযোজন কেবল কড়টুকুই হোনের সাথে গল করা উচিত। কন্ততগণে, সূর্যবিরগের স্বান্না গল কলই কেবল তার আহার। বানপ্রার্থীর কঠন্ড জনতে স্বাত্তিকভাবে উৎলা क्टबर्ड द्रा कम असर कात, को किटन देखीत नहत्रहरून (भिष्ठिक) वर्ष्म जिस्सम्म करा। मञ्ज करूम चन्न शास যাহে তার কর্মণ সংগ্রীত প্রতান আ পরিত্রণ ভরা। খ্যনপ্রস্থাবদার্থীর কর্ডব্যু, কেবন পরিত্র কবি প্রাথার ঋত্য পারে শা। এইভাবে ভার বৃদ্ধি মোহগুরু হওয়ার কলে। পর্ব কুটির কথেল পর্বত গুয়ার আরম্ভ প্রহণ করে। কিছ অবঃপততের সমূহ সভাবনা থাকে। সমস্ত বিধি- তিনি বয়ং হিম, বায়ু, অহি, বর্বা এবং স্থতিরণ সভ विधानकति दश्य अवर महाभी केल्द्रात्ये भागनीतः। कद्रकाः बन्द्राप्त-भावम करनपीत कर्वन क्रांप्ताः हरू ভাবে, পুরুষ্টের পাছে সভান উৎপাদানের জন্য জনকল ক্ষেত্র, লোম, শরক বর্নিত হারে সেওবা। তার পরীতের সমতে ওছনের মৈন্দ্রকার্যে দিন্ত হওবার অনুমতি কেন। সভলা পরিবার করা উচিত নব। তাঁর উচিত, কমণ্ডল, উপায়োক্ত কর্মন অনুসালে প্রকাচর্য-রত ধারণকারী প্রকারটা। সুসাচর্য, মণ্ড, বন্ধক একা অধিবর্ণ পরিক্ষে বারণ করা। অধবা গৃহস্থানে অৱন, ডেসালেগন, গুরুনর্গন, বীলন্দি, বনশ্রস্থ-জাল্লমের কর্তন্ত অধ্যন্ত ক্লাননীয় হয়ে বালে শ্রীলোকের চিত্র অন্তর্ম, আমির আহাত, সরপোন, করে, আট বছর, চার বছর, গবছন, অথবা অবতপ্রক প্রশাসালোর বারা সেহস্পায়া, পত্ন আনুলোপন আধ্যা এক কারে বনে প্রাথা। জীয় এফনভাবে অরুক্ত করা জনকার এবং আন করা উঠিত। ছিল অর্থাৎ ব্রাক্তশ্য উচিত থাতে তিনি অত্যাধিক তপস্যার কলে ক্রিটাংত ক্ষরিয়া অতথ্য হৈলের কর্তথা পূর্বেক্ত নিয়ন অনুযাত্তে। অথবা ক্লিষ্ট বা হয়। বখন তিনি বাবি অথবা বার্থকালন **७**क्कुरन बाज करत (राताल कर) प्रेशनिका कर रेडनिक चार्याचिक (४४नार ७४छि जाधस्त्र क्या विश्वा कर्या পালুকত্বর কথাপতি এইবিশ্যাল অনুসারে কথানে করা। ধর্ম অনুষ্ঠানে অধ্যা কেন্দ্র আধারনে আধার হালে, কথান ্রেক। আহমে প্রতুপ স্থা করে কার অনশ্য করা ইচিত। ইন্যা অনুসারে তাঁকে দক্ষিণা দিয়ে উর অনুসতি গ্রহণ জান কর্তন্য আবাতে অবি ক্যায়বভাবে স্থাপন করে. দেহাব্যদির কালে মেহের মহতা পবিভাগপুর্বক ফক সম্ভাগ আত্রৰ প্রহণ করা। সামূত্রের কর্তন্য কর্মি, পেরতে নীয়ে বিয়ে পক্ত-মহান্ততে (মাট, কন্ আর্থন,

"সংবত এবং পূৰ্ণক্ৰণে আত্মতত্ববিদ্ বাভিন্ন কৰ্তব্য, অতবিষ্টারবলে মর্থন করা। তিনি সব কিছুর পূর্ণ পরীরের বিভিন্ন খন উল্লেখন উল্লেখন বিলীন করে নিবস্তাবদেশ অন্তরে এবং বাইরে অবস্থিত। এইভাবে পেওয়া। সেরের ছিল্ডলি আকাশ থেকে, নিম্পান শাই ্লের এবং ভ্রুত, পেলী, বর্জন কালি কালি কর্মান করিছে কর্মানের উৎপালের ক্রী তথেপ্তা সভ কর্মসমূহরে আহতারের ক্রের হ ব প্রাটি (বংকে উৎপার চন্টেরের) এটাকানে সেহের বিভিন্ন করণেয়ে বীত করে কেওলা উচিক। রেখন বহু বিভান অবস্থা নিজিয় উপাদান বেতে উৎপত্ত করেছে একা ভাই - ক্ষেত্রক কীনে করে দেওর উভিত একা বিকল নাই বুলের পুলোর সেই উপাদলগুলিতে বিনীন করে দেওৱা - জীব নর প্রস্তাতর প্রশার অধীন দেওৱালের পরে পুরুতে এটার। ভারপার, করেনে সঙ্গে কার্ড ইলিয়াকে (ভিয়া)। স্তীন করে চেওয়া উচিত। পৃথিকীকে জনে, জনাক অংশতে স্থান্থ কথা উঠিত। শিক্ষ মহ হ'লছত। তেকে তেকাত বাহুতে, বাহুতে সমগ্ৰ কৰি বৰ্ণন ইন্সমেবকে অর্থনি করা উচিত ও পতি সহ পাধর নিযুদ্ধে। আকালে, আকালকৈ অহকারে, অহকারেকে এইকার্ড নিব্যাল করা উচিও। রতি সহ উপস্থ প্রকাশতিকে মহস্তত্তকে প্রধান করে করলেয়ে প্রধানকে লংহারের সাম ন্ত্ৰেক্তৰ কৰা উচিত। বিসৰ্থ কৰু পায়কে মৃত্যুতে কৰ্মণ করে দেওৱা উচিত। এইডালে ক্ৰম সকল কউ ইপাৰি করা উচিতা। শ্রক্তমাই প্রক্রণজিয়তে দিক সমূহের তালের তত্ত উপলেরে দীন হলে বার, তথ্য পূর্ব ডিয়ত অবিপত্তি দেকতাশের নিকেন করা উচিত। স্পর্শ সহ । জীব পরত পুরুষ্টে মদে গুলহতাবে এক হওছের জনস ক্ষর ইন্সির আনুকে অর্থন করে উঠিত। সৃষ্টিশক্তি সহ পারে জড় অভিন্ত থেকে বিবত হবে, ঠিক বেশন কাঠ ক্লা সূৰ্যকৈ অৰ্থণ কৰা উঠিও। বৰুণ দহ ভিত্তকে কলে। সভ হতে জেলে অত তথন অধিনিখা থাকে না। জড় উচিত। বৌধ্য বিবাদ কৰু বৃদ্ধি প্ৰকাশ্যে আৰ্থণ করা। হাজে ক্লম এবং সে প্রহামের সংক্ষ ওপনাতভাৱে এক।"

নালের ক্ষেত্রত হাল মধ্যি কেনে, ওকা, পোলিও ও প্রাক্ত । উচিত। ক্ষেত্রতার এবং কের বন্দর্গতিক বস্তুতে সমাত্র এবং অপিনীকুমানার সার স্থাপাক কুমিতে কর্পণ করা । সেই কথা বিভিন্ন ক্রম্ভ উপালনে সীন হবে খার, তথা উঠিত। বাব্য বাসদা দৰ্ম মনকৈ চন্ত্ৰদেৰে গীন কম। কেবল চিন্তা আহাই কৰণিষ্ট থাৰে। এই চিন্তঃ কাঁম

अरहाम्भ यदाह

সিদ্ধ পুরুষের আচরণ

श्रीतराज भूनि कारणान—"च्याराखिक खान चनुनीवरान সমর্থ ব্যক্তির কর্তন্ত, সমস্ত অঞ্চ সম্পর্ক পরিত্যাপপূর্বক বেনপ জন নেহটি হাত কৰ্মনিট কেনে, প্ৰতি বালে ক্ষেত্ৰ এক হাত্ৰি গ্ৰহছান কৰে, এক স্থান খেকে আৰু वक सूर्य कियन करा। अदेखात, महाजीत कर्वर (संध्या धरहाकात्स्य चन्त् कात्रक केश्वर निर्कत न्त्र करह নাকা প্ৰিকী ক্ৰমণ কৰা। সন্নানীয় কেবল দেব আক্ষালনেৰ জনতত ৰমন পৰিধানের চেষ্টা করা উচিক কেবলগ্ৰান্ত কৌপীনট্ট পরিধান করা উচিও এবং প্রয়োজন ষা হলে মণ্ডত প্রহুণ ভাষা উল্লিড নায়। কেকা মণ্ড এবং

কমতাশু প্রাণ্ডা সম্মানীর ক্ষম কিছু বহুন করা উচিত মর। স্ফ্রানী আধানের দ্বিকা উন্ন উপজীবিকা, তিনি কোন স্থান অধ্য ব্যক্তিৰ উপর নির্বাহ করেন না, তিনি স্মান্ত कीहरक भूक्त, नाथ क्षेत्र मायाहरमञ्ज सम्मा करने। সাম্মীর কর্তত, এইভাবে এক স্থান খেকে ভার এক স্থায়ে কিন্তৰ করা। সম্মানীৰ কৰ্তব্য পরম হক্ষকে প্রত্যেক কার্যতে কার্যকাপে মর্কার করার ক্রেটা করা এক একাও সাহ সাক্ষ বস্তুকে প্রেমের আমিচারতের চল্ড শব। তিনি খনি কোন ভিছু পরিধান করেনও, তা হলে। করা। আচেছন, চেগুন প্রবা এই দুইবের মধানতী অবস্থান, সন্ধানীর কর্তব্য আত্মতে অবস্থিত হলে. আকৃতত্ব হালফার করে, বঙ্গ এক ছতিকে আলায়ত্র

ও অব্যাহর বলে বিবেচনা করা। এই প্রকাব উল্লভ পুরাতে পারেনি হানিই ছাদের সেই পরিচিত স্থাতিটি 🞉 উপদাৰি আৰু হৰে, পৰ্য ক্লাকে সৰ্ব-লাপুৰৰে ধৰ্ণন সং। সংগ্ৰহণৰত প্ৰচুগৰ সংগ্ৰাভ আৰুগছ বৃধিপ্ৰদান কৰা উচিত। যেহেতু কড় কেছের কিনাল অংশাঞ্চারী। সেই মহাবাকে পূজা কংগ্রহণেন এনং উর মন্তব্য রাল ধান্য জীবন অনিশ্রিকা, তাই জীবন অধ্যক্ষ মৃত্যু কোনটিবই - তান চালকমণ স্পর্শপুরক প্রশতি নির্বেশন করে, জাতে অভিনশ্বন করা উচিত নর। পকান্তবে, নিতা কালকে অবল্যেকন করা উঠিক, ভাতে জীতের আবিষ্ঠান এবং কর্মেছলেন।" ডিরোভার হয়। বে সমস্ত সাহিত্য কেবল শ্বনর্থক সমরের অপচরের ক্ষম পাঠ করা হয়, অর্থাৎ, যে সমস্ত - জিল্লাসা করেছিলেন—"হে মহাপত্র, আপনি আসনত গ্ৰহ পাঠে আধাৰিক লাভ হয় মা, পেই সমস্ত প্ৰহ জ্ঞান করা উচিত। জীবিন্ধ নির্বাহের জন্য লেপাল্রি শিক্ষক एक्सा केंक्कि जब अवर दुख्य कर्म-विकट्कं किश्च एक्स উচিতা নথ। কোন পক্ষ আনাৰ ক্ষাও উচিত নথ। নেই খানাই থেকে এবং বৃথিয়ে অভাও চুল লেছ প্ৰাণ্ড यांनारून वास्ति बाता का निवा मध्य कता नातायात केठिक नड़, क्रान्यक कर ग्रह आई क्रार डेकिक नड़ अनर শায়েক্য ব্যাখ্যা করার বারা জীবিকা উপার্থন করা উচিত নায়। তারে পঞ্জে জনর্মক জন্ত ঐত্যে বৃদ্ধির কোন প্রথম । করা উচিত মছ। স্বাধ্যাক্তিক চেতনার প্রকৃতই উর্মত, শান্ত এবং সংদশী স্কৃতির বিশণ্ড, কমণ্ডল আদি সন্মান আগ্রমের ভিক্ন থাকে করার প্রয়োজন হর না। আংশাক্তর থানুসারে তিনি ককাও কথনও সেই ডিইণ্ডলি বাচুণ করতে পারেন এক কথনও কর্মন করতে পারেন।"

"সাধু বাজি মান্স-সমাজেক স্বাহে নিজেকে প্রকাশ স্ব । ইরেজেন " করণেও, তার আচরণের হারা তার উদ্দেশ্ব প্রকাশিত হয়। ডিনি মনীহী হলেও উপস্থ বালকের মত্যে এবং বাণ্টী হলেও মৃকবৎ মানব-সমাজের কাছে নিজেকে প্রদর্শন করেন। এই বিবরে পতিতের প্রহান মহারাজ धरा भागका वृति चयनक्तराती अरू स्थासात चारतात्त्र বিষয়ক একটি অতি প্রাচীন ইতিহাস সৃষ্টাপ্রস্করণ জন পার্কেন। ক্রমবানের পর্যথ প্রিয় সেকে প্রহান মহারাজ এক সমত্র উর্ব্ন করেকজন অন্তরত্ব পার্বদ পবিবৃত্ত হয়ে, पर'प्राप्ता প্রকৃতি অধ্যক্তন করার বাসনার প্রকারের সকত লোকে বিচয়ণ করতে লগেলেন। এইভাবে তিনি কাবেরী নদীর তীরে সহা পর্যতের ধরণেকে এনে উপনীও হন। সেখানে তিনি শায়িত এক মহাবাকে দর্শন করেন, খার দেহ বলি-খসবিত হলেও আধ্যাত্তিক চেতনাই বিনি ছিলেন অতল্য উত্ত। সেই মহান্তম কাৰ্তকলাণ, দেহের

লানার উদ্দেশ্যে অভান্ত বিধীতভাবে এই প্রস্থাতনি

সেই মহাস্থাকে স্থলকার কর্মকরে প্রত্যাক মহায়াক ভীনিকা কর্মনের কেল কেটা **খ**রেন না অথচ আ_{পতি} ভোগী বাজির বজে ফুল দেহ ধারণ করেছেন, আহি জানি বে, যারা জড়ান্ত ধনবান এবং খাদের কিন্দুই করার হয়) হে পূর্ব দিবক্তবন সময়িত প্রকাশ, আপনার ডিখই কৰণীয় নেই এবং তাই আগনি লায়িত। স্থাপনাৰ ইরিবসুখ ভোগের জন্য অর্থত নেই। 👣 ইলে ভোগরহিত থাপনার দেই থাত হল ইল কি করে: আনত এই প্ৰশ্ন বলি অপালীন না হয়ে থাকে, তা হলে আপুনি দরা করে জামাকে বগুন ডা হল কি করে। আলনি বিভান, কক, বৃদ্ধিমান এবং হাদয়ের প্রসন্তা विधमकाती जिल्लायी। जाशतम सन्तरास्त्र भकाव कार्य লিপ্ত থকেতে বেখেও আগনি নিক্সায় হয়ে শ্যান

সারব মূদি বলক্ষে—"সৈত্যারকা প্রচ্রার মহারাক্তের স্থানা এইডাৰে কিকাসিত এক তার অভ্যান্তে বনীতত হরে, সেই মহাত্মা ইবং হাস্য সহবদরে এইভাবে উত্তর मिराहिटनन ।"

সেই ব্ৰাপ্তৰ মহান্তা ৰললেন—"হে অসুরবোষ্ঠ গ্রহণ মহারাজ, আপনি সুসভা মানুহদের পুজা, আপনি জীবনের বিতির কবয়া সমতে কবণত, কারণ আপনি দিবা চকু লাভ করেছেন, বার ভারা আপনি মানুবের চরিও দর্শন करारक चारका अवर मानुरदत श्रवृष्टि । निवृष्टि नेपाण শ্লেইভাবে জবণ্ড: সবৈধ্যপূৰ্ণ ভগৰ্ম নারারণ আপনার হলতে বিরাল্ভ করেন, কারণ আপনি তার ওছ ভক্ত। সূর্ব থেমন ভগতের আছতার ধুর করে, ঠিক ভেখনই তিনিও সর্বদা আপনার জ্ঞান অস্তব্যার দুর कदरका। ८६ डाकन, भनित भागनि कर किएर सारम्म, আকৃতি, বাৰা এক কেইবাৰ জানির চিছ ৰাজ মানুৰ তবুও জাপনি কৰেকটি প্রাথ উপাপন করেছেন।

গুৱাৰ্ডালের কার্ড জানি যেতাবে লক্ষ করেছি সেই অনুসারে আমি কাপনার প্রকর্মানর উত্তর কেওবার কো ক্ষর। এই প্রদাস মানি নীকা বাকতে পরি মা, করণ খান্যার হতেঃ আৰ-ওছকানী কৃতি আনার সঞ্চাহশের লোগা। অপুরণীয়ে কাম-বাসনার কলে আরি সংসার প্ৰবাহে প্ৰবাহিত ব্যহিন্ধাম এক এইভাগে আমি বিভিন্ন যোদিতে জীবন-সংখ্যমে লিও ইবে, মাধা রক্ষ ভীত থাকে। হান্ত-সময়ে বারা বৃদ্ধিয়ার ঠানের কঠন প্রমারক্রমণে বৃক্ত হাজিকাম। অব্যক্তিক কর্ম ইভিয়েতাপ্তর कामास्त्रिक अन्या कर्यंत भाग, विवर्धक्रस नहाड व्यवि मून कावन कर कर व्यवि व्यवि व्यवि । 🚵 মান্য-শান্তি মাণ্ড বলেছি, মা বৰ্গ, মুক্তি, নিয় জন্মে - মৌমাছি এবং ভজনায়, এই দুজন খানোগের রেষ্ঠ কর্ম, हाति सावता भूनताह केनेपालक धाराम केराज भारत। क्रम धाशरामा क्रम मध्यार महाने पालत करा तर तर तर पाए প্রবার্ত্তীবনে ট্রী এক পুরুষ নৈথানুর উপরেজনের জন্য করন্তার করনে ভার্লে দুইন্ডে প্রদর্শন করে। যৌনাছির ৰুক্ত বুৱা, কিছু বাক্তৰিক অভিক্ৰান্তাৰ থানা আমনা সেখতে। কাছ খেকে আমি সঞ্জিত খনের প্রতি অনাসক হওয়ার পাই বে, ভারা কেউই সুখী নর। তাই, বিদরীত কল - লিজ লাভ করেছি, করন হন হনিও মধুর মতোই মধুর, ভূমি মত্রে আমি মাড়-জাগতিক কর্ম ক্ষেকে নিয়ন হয়েছি। বে কেন ব্যক্তি মনপ্রিকে হত্যা করে সেই খন হরণ প্রীয় হোর প্রকৃত ব্যৱশে আনক্ষমর। এই আনশ ভাষ্টে করতে গারে। অমি কোন কিছু লাভ করার প্রয়াস করি লাভ হয়, বখন সে সমায় জড়-জাপতিক কাৰ্যকলাগ । এ, অংগনা খেকেই বা কিছু আমাৰ কাছে আসে জা খেতে নিবৰ হয়। জড় সুখডোগ ফান্ট কয়ে। তাই নিমেই আমি সম্বাই থাকি। আমি বদি কর্মন কিছু না নেই বিবার বিবেচনা করে আমি সমত বন্ধ-আমতিক পাই, ভা হলেও আমি অভিচলিয় খেলে অর্থানের মতে: কাৰ্বকলাপ থেকে নিবৃদ্ধ ইয়েছি এবং এখানে শানিত। বৈৰ্ধনীৰ হয়ে শানিত থাকি। কৰবে আনি নাতি আৰ तरपृष्टि। धारेश्वास स्मारक स्थार कारक कीवाचा कार चाराव करि अस्र कवनक शहर कारांद्र करि। कचनक भार्थ क्रिक्रुए क्षा कारण हम साम हम्हरूक क्षा कारण करना हम अपन अपन अपन अपन अपन क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क মনে কৰে। খেহেছে তাৰ এই খেহ কৰু ভাই তাৰ। কথনও গভীন প্ৰস্থা সহস্বতা সেই খান আমাৰে দেওৱা শাভাবিক প্রবৃত্তি কুন্তে আৰু অধ্যাতন বৈতিয়ের কথা। এর এবং কবনও অভান্ত ভাবাহেলাভানে আ শেওমা হর। আৰ্থ্ট হত্যা। জুৱ কলে জীব সংস্কৃত-পূচৰ জেগ করে। কবনও আমি দিনের বেলা আহার করি এবং কখনও হরিব বেমন ভাজানবৰ্গত পুলানটে জলানার কর্মন ব্য করে 👚 মরীটিকার শিক্তা থাকিত হয়, জড় সেডের বারা অন্যেলিত জীবন্ধ কোনেই ভার নিজের মধ্যে যে আনন্দ রয়েছে ও৷ কান, কোনে, সুতী, কভান, মুখ্যম্ম আমি ভাল্যবলত আ দর্শন বা করে, কড়ে সুখের প্রতি ধাবিত হয়। তীব কিছু গাই, আ নিরেই পূর্ণজ্ঞান সম্ভট ধাতি। কংলও সুখালেখ্যে এক সুয়াব্য নিবৃত্তি সাধনের চেটা করে, কিছ স্থানি বরাপৃষ্ঠে, কথনও গাড়ার উপর, কখনও বাস বা বেহেতৃ বিভিন্ন জীবমের সম্পূর্ণকংশ জড়া প্রকৃতির নিয়ন্ত্ৰণাধীন, তাই বিভিন্ন পরীত্রে তার সমস্ত পরিকলনা চরমে হার্থ হয়। জন্ত-জাগতিক কার্যকলাল সর্বদাই আধ্যাদ্বিক, আহিদৈবিক এবং আহিটোতিক, এই মিতাণ পুরুষ মিল্লিড। ভাস্থ এই প্রকার কার্য সকল হলেও, করে, সারা পরীয়ে চলন দেশন করে এবং ফুলফলা, তাতে কি লাভ ৷ আ সংকেও তাকে কৰে, মৃত্যু, জনা,

রামান বলানে—"আমি দেবেছি চন সংগ্রহে কাডার াোটী অভিতেতির ধনী ব্যক্তির তাগের ধন-সম্পদ আৰু সত্ত্বের, সংক্রিক ব্যেকে জীত হরতার কলে সুমার্ডে পর্যন্ত পারে হয়। স্বাধ্যা কলকন এক ধনবান তারা সর্বাধাই ব্যক্তির অট্নে, মস্যু-ডেবর, শক্ত, আহীয়েশ্বরন, পর-পানী, দানহাতী, কলে, এমন কি নিজের কাছ খেকেও সর্বদা শোৰ, মেহ, ভর, মেন্ধ, খ্যাসন্তি, দৈল, বাম বভাতর ক্লারে। এইভাবে জনায়ানে আমি বা পাই ভাই আহার করি। আমার শেহ আঞ্চলন করার জনা আমি ক্টোম প্রথবের উপর, ককাও বা ভারত্তে, আবার কবনও আচনা ইন্সক্রমে প্রান্তে উত্তর পালতে বাশিলের উপর न्सान वरि ("

"হে প্রভু, কথনত কথনত আমি সুক্তরভাবে সান স্থান্ত্র কলে ও অসমধ্যে বিভূতিত হতে স্তালার মধ্যে শাধি এবং ভার সংধ্য কর্মের কল জোন করছে হয়।" রংগ, হবাঁডে ক্রবণ যোড়ার চড়ে রাহণ করি। কর্মেও

আবার শিশাচয়ন্ত ব্যক্তির মধ্যে দিবছর হয়ে এফা কবি। আর্থজানী ব্যক্তির কর্তন্ত আক-উপস্কিতে অর্থাছত হতে বিভিন্ন খ্যান্তিৰ মনোভাৰ বিভিন্ন। ভাই আমি ভাষের প্রশাস্থেও করি মা খণ্ডকা মিশাও করি না। খামি কেবল এই আশা করে তালের মালল কানো করি বে, তারা কো পরথান্ধ বা পরমেশ্বন জনবান প্রীকৃষ্ণের প্রতি ঐকাধিকতা লাভ করে। ভাগ এবং মধ্যের বে মনোধর্মগুস্ত ভেষ্ঠাৰ ভাল ঐক্য চিন্তা কৰে, ভালপাৰ ভালে। মনে অৰ্থৰ ক্ষাড়ে ছবে। ভাষণৰ হনকে অহ্ৰাৰে এবং আহ্বার্কে সহততে আত্তিবরূপ নিকোন করা কঠন। সহাবার উপয়েশ কলে করে পারস্থ্যে-এর্ড চ্সার্গয় এটিই মিখ্যা ভেদভাব খার করার পছা। বিভা মননবীল ব্যক্তির অবশ্য কর্তথ্য সংসাহকে ফরা খলে উপলব্ধি করা। আছ-উপলব্ধির কলেই কেবল জা সভাব। সভাপ্রটা

সমস্ত অভ-জাগতিক কাৰ্যতন্ত্ৰণ বেকে নিওত ছঙ্গা। प्रमुक्ति प्रश्नासक, जानकि व्यवस्थि तककाम पराच -ध्याराश्च ভাগরেও। স্বাপনি স্থারণ মনুয়ের অধ্যন্ত ভগান্ত্রিত শারের অভিমতের অংশকা করেন না। ভাই অর্জে নিংসটোয়ে আনান আছ-উপলব্ভি ইতিহাস আপনার কাৰে কৰিব করণায় <u>৷</u>"

नाराम भूनि समार्गन—"सामुद्रामा अधून भएताम (नोर করেছিকেন। উদাপর সেই মহাত্মাকে গৃহল কয়ে ঠাব অনুমতি দিখে গুয়ে প্রস্থান করেছিলেন।"



চতৰ্দশ অধ্যায়

আদর্শ গৃহস্থ-জীবন

भराजास वृधिकित नातम मृतिरक विकास करराम-"হে দেবৰি, জীবনের কথা সম্বন্ধে সম্পূৰ্ণভাগে **অয়** व्याधारमञ्च घरणा मुद्रहाछ वाकिशान या दिविक विभि অনুসরে অনায়সে মৃতিপথ লাভ করতে পারে, বরা করে व्याप्तादक क्षा क्षान हैं"

अलब धृति छेलन भिरात-"रह जानन, रीवा गृश्कारण गृथ्ह चरका करवर, कांग्रस चरण कर्वत, ইভিন্নপুৰ ভোগেন কৰা উলেন কৰ্মেন কল ভোগ কনায় क्रिंग मा करत, फीएमत सीविका निर्वादिक करना फीड़ा वा মর্জন করেন, আ সংক্র সাসুদের প্রীকৃক্তক অপশি করা। ভৰ্বাদের মহান ভড়াবের সম করার মাধায়ে এই জীবনেই বাস্পেন্ত সভুট করার পছা ব্যাহণজন্ত ছালফার্ম করা বার। পৃহপ্রের কঠন্ত তার কর সাধুসার করা এবং গতীর শ্রহা সহকারে শ্রীমন্ত্রাগরত ও অন্যান্য পুরুষে ভগরম ও তার ক্ষরতারদের কার্যকলাপের যে व्यक्तमा वर्षत क्या इस्ताइ हा व्यक् क्यार क्रेस्टाव

মানুহ বীরে বীরে জন স্ত্রী-পুরের প্রতি আসন্তি কেবে মুক্ত হতে গালেন, ক্ৰিক কেবলে মানুহ স্বাধ খেকে জোনে থঠে। প্রকৃতই যিনি পণ্ডিত ভার কর্তবা, মের বারপের জন্য বতট্টিক প্রয়োজন ভাউটুকুই উপার্জন করের জন্য কার্য করা এবং পারিবারিক বিবয়ে জনাসক হতে মানক-সমাছে বসবাস করা এবং এমনভাবে আচকু করা বছত বাইরে থেকে তাকে জড়ান্ত আসক বলে মধ্যে হয়। সামক-সমাজে বৃদ্ধিমান মানুবের কর্তব্য তাঁর কার্বধুলাগ অস্কৃত্ সহক্ষ-সত্তন রাখ। তার আর্থার-বজন, লিডা-ফার্ডা, পঞ ভাই এক অন্তের বদি জাতে কোন প্রভাব দেয়, তা থলে বাইরে "ঠা তা ঠেকই," বনে সন্মতি প্রদর্শন করে অন্তরে যে ভটিল পরিস্থিতি জীবনের উদ্দেশ্য সাধব্যার্থতিত কলৰে মা, সেই পৰিছিতিৰ সৃষ্টি না কলতে ভাব বদ্ধশরিকর হওরা উচিত। ভগবানের হারা সৃষ্ট প্রাকৃতিক **डेशमान्छित कोत्या क्षम शहरका क्रम डेशमार क**हा উচিতঃ জীবন ধারণের প্রয়েজন তিন প্রকার—আবাশ

াত্রক প্রবেশন বৃষ্টি পেকে), কৃমি থেকে উৎপদ গৈছি ক্রম্মের ক্রেক্ত থেকে) এবং বানুমানল থেকে ব্য । প্রকশ্বাধ এবং কতভাগিকভাবে) পাওরা হাত। প্রাণ waters ক্ষান কত পরিমাণ অপুর্ণন প্রচলন্তান, তত পরিমাণ ক্রান্ত্রী কেন্দ্রে করিবলের করা উচিত, ভার পাতিক বাহিতার ব্রুরা হলে দুর্নর করা হয় এবং সে তথন প্রকৃতির নিচ্ছে कारीय देश । इतिष्, केंद्रे, शामा, यहमा, हेनुह, मान, शाबि and মান্তি, এলোং নিজের পুরের করে। কর্মন করা উচিত। ভাষণ করেন, কর্মুক হো রাজন, কাম এবং বি নিঙে তৈনি ন্ত্ৰে এক এই সময় নিটাই প্ৰাণীনের মধ্যে পাৰ্বজ্য কুট এবা। কেন্দ্র যদি ক্লডচারী, সাহ্যাসী আগল বান্তাছ বা নিবেনন করা হয়, ডক্স ডিনি অধিক প্রবন্ধ হয়। স্থলাং, লবে কেবল প্ৰশ্ৰে হয়, তবুও ঠার ধর্ম, তব এবং ক্রমের অস্ত কঠেরে প্রবাস করা উচিত নর। পুরস্থ ক্রীবাসেও সুমি থাকা কালা কালুলারে ভগবাড়ের ভূপার মানকা প্রবাসের খারা বা পাড হয়, ডা নিয়েই জীবন-হাপার করে সার্ভাই থাকা উচিত। উপ্রকর্মে লিভ হওয়া উঠিত নয়।"

"কৃষ্ণ, পতিত মান্ত এবং চণ্ডাৰ প্ৰভৃতি ভাশপুরেরও গৃহস্কো কথাবোগ্য ভোগ্র বছ নিয়ে পুরুষ কারে। এমন কি অত্যার মমতাশ্রাদ পরীকেও অভিথি সেবায় নিযুক্ত করা উঠিত। মানুহ তরে পরীতে ভার ब्रहरे चांभी वर्ण बदा करा है। जब क्या हा निस्तरक হত্যা মহাতে পানে অথবা পিতা এবং ভরুকেও হত্যা করতে পারে। অন্তঞ্জ কেউ যদি সেই পরীব প্রতি পাশকি ড্যাগ করে, জ হলে তার বারা থকিত ভারতনঙ বিজত হন। সংগ্রেকভাবে বিক্রেন করে পড়ীত শরীরের প্রতি আকর্ষণ পবিভয়ন কল্প কর্তহা, কারণ সেই শহীর कर्छ कृति, विक्री कथवा सरफ नशिनक शुन्। और कृत्र শ্রীরের কি কুলা ৷ আর পরম পুরুষ কণবাদ কর মহান, মিনি আকাশ্যে মতের সর্ববাধ্যে। বৃদ্ধিমন কঞ্চিত্র জনকং-র্যনাদ অথবা পঞ্চসুনা বস্তা অনুষ্ঠান করে কলাখনিউ আহর করে সন্তুষ্ট থাকা উচিত। তার ফলে ফেস্টে প্রতি আসন্তি এবং দেহের সদে সম্পর্কিত বস্তুর মতি তথ্যক্ষিত সমতঃ পরিত্যাশ করা ব্যার । কেউ বৰুই আ ক্রতে সভার হল, ভবন তিনি মহাবার বল প্রাপ্ত হন। প্রতিদিন সকলের ছালতে বিরাক্তমান পরম পুরুষের আলালা করা উচিত এবং তার ডিভিডে পৃথকভাবে *विकारा*न्द्र, बादिएन्द्र, शानुबरमञ्ज, श्रीवरमञ्ज, निङ्गान श्र

লিকে আক্রাকে পুঞ্জা করা কাবে। এইভাবে সকলেই ক্ষারে বির্য়েম্বান প্রয় পুরুষ্টে পুরুষ করা হার। স্বধন মানুষ ধন এবং আনে সমৃদ্ধ হয়, তানে ভাও কাঠবা শারের বিধি অনুসারে বাহিছের আদি করা অনুষ্ঠান করে क्यवास्त्र अम्बद्धा विधान कता। अदिकारक क्षेत्रवास्त्र বারাধন করা ইচিড। ভগবন ঐক্তি স্বরত ক্ষের লোকা। স্থানান ব্যক্তি ব্যৱস্থিতে নিৰ্ব্বিত আছতি সুমানু আহার্থ কক্ষা বোগ্য প্রাথানের মুক্তের লাধানে ভাকে হে রাজন, প্রথমে গ্রাহণ ও পেন্সেরের প্রশান প্রথম কর क्षेत्र छोएस्ड भर्यास अतिवाद व्याप्त क्यारमा भर, रमेर् যদা ভাষার যোগতা অনুসামে কর জীবনের হথে কিতরণ কর। এইভাবে ভূমি সমন্ত বাঁহের অথবা সমস্ত कीरका क्छात से भवमाचा ब्रावस्थ छीत चाडाध्य कदरङ नवर्ष इस्ट।*

"ধনব্দ প্রাথাপ ভার মাসের কৃষ্ণগক্ষে পূর্বপুরুত্তদের আছ দিবৈদদ ঋববেন। তেমনই আদিন বাদের महानदात नमा नृतंत्रकारम् कार्गीर-वक्तमात उत्पासन व्हेंद्र निर्कार कारक। प्रका श्रामान्त्र किन (बनन नुर्व উত্তরায়ণে স্তমণ করতে তক্ত করে) আখবা কর্বট সংখ্যান্তির নির (কম সূর্ব দক্ষিয়ারার ইয়াশ করেও ওরু करत), बाद्य च्यूक्रीय कता देशिए। (यथ मरामिक्टिए), কুলা সংক্রান্তিটে খাটীলাও বোহে, প্রছম্পরে, সূর্ব এবং हार हारास्त्र जबन, योगमीहरू, क्षेत्रस नकटन, चकर क्ठीतार, क्रांठिक म्हारस च्छानरकर नवडी डिस्टिस अस मील चल्रा हाराहि खर्डकाड, बाप स्टामन व्यक्त मलागीएक, बधावुक भूतिकार, भूग भूतिवास स्वयस इन्हा क्यम जान्यूर्व পুৰ্ণ নয় সেই সময়, মান্দনাম নকও যুক্ত পুৰ্ণিত্যয়, কালনী विविध्यक्त चन्द्रामा, अन्य, ज्ञेषक कल्पनी, केसदायहर, ज्ञेसक चारनभा नकरत व्यथ्या देशत सामृती, चेनुतावाता व्यथव উত্তঃ ভারতাল একাদশীতে এবং নিজের জন্ম-নভতে আবল্য প্রবাধ নাক্ষ্যের্ড্র লিনে পিতৃপুরুষের আছে করা কর্তব্য। এই সমত্র কাল মানুবের গতে ^{কা}ডার হছলভানক বলে বিবেচনা করা হয়। এই সময়ে সমন্ত ব্যৱস্থানক কৰ্মে অনুষ্ঠান কৰা উচ্চিত, পাৰুব সেই সমস্ত ক্ষেত্ৰস্থাপের কলে মানুহ ভার কর কার্ডাপের মধ্যে সাক্ষা অর্জন করে। এই সমস্ত কচর পবিবর্তানর সময় रक्के यति शक्त, शक्ता च्यानि शन्तित समिएक प्राम करन, অপ করে, তোম করে, রাভ করে, ভগরান, রাজণ, পিত, দেবতা এবং জন্য সমত জীবদের পূজা করে এবং দান करत, का दूरने क्ष्मिक देना नाड हुत।"

"হে মহারাক্ষ বৃধিনির। পদ্ধীর, পুরের এক নিক্ষেব সংস্থার কালে, অভোটিফিয়ার সময় এবং বাংসরিক **ধ্যাছে, সঞ্চায় কর্মের উন্নতি সাধ্যের জনা উপবোল্ড** মাসলিক কর্মসমূহ অনুষ্ঠান করা অৰণ্য কর্তন্ত ("

অনুষ্ঠান সুন্দংল্লেশে সাম্পাদন করা যার, সেই স্থানের বর্ণনা ৰৱৰ। যে বানে বৈকাৰ পাওৱা যায়, সেই ছান সমস্ত प्रजनकारक क्याँ प्रमुक्तेग्रमक क्या अर्थिका । जन्म इसक्त বিশের জাধার ফ্রানানের শ্রীবিক্তর বে মন্দিরে প্রতিষ্ঠিত, সেই স্থান পণাতম। অধিকল্প, বেখানে প্রাক্ষণের জনস্যা, विना अंदर पदांत बाता दिनिक निराम भागन करका, लाहे স্থানও পুন্যভাষ। যে স্থানে ভগবান জীক্ষের মনিয়ে ঠার শ্রীবিক্সম বিধিবং পুরিত হয়, সেই স্থান অবলাই শবিত্র এবং যে ছানে পুরাশ-গুলিছ গলা আদি পবিত্র নদী। প্রবাহিত হয়, সেই স্থানও প্রনিদ্ধ। দেখানে বা কিছু আধ্যান্ত্রিক কর্মে সম্পাদন হয়, তা অবশ্যই অত্যন্ত কলপ্রের হর। পুরুর আদি পবিত্র সবোনর এবং যে সকত भारते महासादा यांन करान, रामन नक्रामण, गल, राजाग्र, প্ৰহাত্ৰম, নৈমিবারণ্য, কছ মধী, সেতৃবভ, প্ৰভাস, **पॅटिन्स, मारानमी, प्रमृता, नण्ना, विमृत्रदायत, कारिकाक्ष**ण (मादाधन धावार), मन्त्र भगी अंगर (व मगल चात्र बीजायहरू । मैरवालयी चान्यत शहल बरविद्रमान, १९२० তিত্রকেত, মতের এবং ফলত আদি দর্বক-এই সমস্ত স্থান স্বাভ্যান্ত পরিত্র এবং পুশাতীর্থ বলে করে করা হয়। তেমনই, ভারতবর্ষে বাইছে যে সহজ ভানে क्ष्मण्डाकाम् आरमामातमः (कक्ष स्टाट्स् कार दानाम वाधाकुरभाने श्रीविधार नृत्यिक हत, नहांश्राधिक छेत्रकि मान्द्रम चिनाची वाष्ट्रित होटे काव शहर चान कहा चलवाहरा चाताधना क्या फिल्ट। और भगत जात चन्छिक कर्य হাকার হারার ওপ অধিক কল উৎপাদন করে।"

°হে পৃথিবীনাথ। ক্ষ বিধানখন বিকোনা ব্যৱস্থা ছে, ব্লথাকের স্থানা এবং জলম, সৰ বিষয়ে জালা _{এইত} উত্তৰ ভাৰতাৰ জীকুমাই সৰ্বচোঠ পুৰুৰ, বাঁচৰ সৰ ক্ৰি দান করা কর্তক। হে জন্মাক বুলিচির, ভালন্তর স্থানাত कत्वा वर तमरश, वर पुनि-वर्षि, धका कि इंचाल हारता এবং আমি উপস্থিত বিশাস, কিন্তু যুখ্য প্ৰথ উঠল কে অলপুঞা লাভ কাৰে, ভালা সকলেই ভাগৰান শ্ৰীকৃষ্ণত মলেনীত করেছিলেন। স্বীবরালিতে পূর্ব এই <u>রক্ষাত</u> একটি কুক্তর হতে, বার মূল হড়েন ভগরান খাচ্যত मात्रम पूर्वि क्वारमम-"आपि अन्य (दशास वर्ष (क्षिक्ता)) करि क्षिक्रमा शुक्त क्या हराहे अस्त सीरका एक्टि दश। फलवन मानुष, नक, नमी, वर्ति দেবতা ইত্যাদি বা প্রকার শরীবরূপী থাবরার সাই करवरका। अर्थे अम्ब धनश्या भवीरत स्वयान পরবাদ্ধারণে রাম করেন, ভার কলে ডিনি প্রকারতার নামে অসিত। যে মহাহাল বৃধিতির, প্রতিটি শরীরে পরমান্ত জীবনে ভার উপদক্তির কমতা অনুসারে বৃত্তি প্রদান করেন। ভাই শরীরে পরামায়টি হারের প্রয়ন। বাঁকে জন, তথস্যা, ইত্যাদির কুন্দামূলক বিক্রা

অনুসারে জীবাভার কাছে পরফারা প্রকাশিত হন।"

ंद्र अञ्चर, द्वाधायुरभर एक्ट्र चरित्रा रचन अनुरक्त मारा बहुन्स्ता ग्रंडि चलकापूर्व चारतन मर्बन कार्यन, তৰৰ তাঁৱা মনিয়ে কৰা উপহাৰে ভগবাৰের শ্রীবিয়ালে অর্চনার প্রচলন করেছিলেন। কথনও কথনও কনিষ্ঠ অধিকাৰী ভক্ত পুজাৰ সমস্ত উপৰয়ণ নিকোন করে ভগবানের পূজা করে, কিছু বেহেতু সে ভগবানের ভক্তের প্রতি নিয়েক্ট, তাই ভগবান ভার দারা পৃত্তিত ब्रुएक कांत्र क्षत्रि क्षत्रक इस मा। (व् शावन, नवत्र मल्यापार मध्य (माण शाचायको और सगरत मध्यायम বলে মনে করা উতিত, করেণ তিনি ভগস্যা, ক্ষে অধ্যয়ন এক সংক্রাকে বারা ভগকানের শরীরস্বরূপ হয়ে থাকে। যে মহানাক বৃথিটিন, স্লাখণ্ডেন, বিশেষ করে বীমা সানা পৃথিতী বহুতে জনবড়ের মহিলা প্রচারে মত, তার জনসভা ভক্ষানেরও প্রায়। প্রাক্ষণের ভানের প্রচারের খারা, ওঁলের জীপাদগরের ধর্মির ছাত্র ক্রিডকাকে পরিত্র করেন এক ভাই ঠারা জীকুভেরও পূজা।"

शंखन्य स्थात

সভ্য মানুষদের প্রতি উপদেশ

সাত্রর মূলি ব্লংগেল—"হে রাজন, কোন জোন হিলোক; করতে উপালে দেওরা হতেছে। ভার থেতে _{প্রায়া}গেরা সকাম কর্মের প্রতি কাত্যন্ত আগন্ত, কোন প্রেট ধর্ম আর মেই। প্রধ্যাতিক জ্ঞানের বিভাগের কলে, _{প্রামা}লের ত্রুপ্রসার হাতি আগক বাদ কল অনেকে কে বাঁরা হল স্বর্গত হথাহওতারে ক্ষরণ্ড, বাঁরা হথাবই ভাষাতো আসতে, নিশ্ব ক্ষেত্ৰজন, সংখ্যাৰ ভাষ হলেও ধৰ্মতম্বনিৰ এবং বাঁহা জন্ত ব্যাসনা খেতে মুক্ত, তাঁৱা ব্যৱা স্লানের অনুশীলম করেম একং বিভিন্ন ব্যোধর, আংট্রেড কলে স্থা পুরুষ ভব্তমানের অধিতে আহাকে हिल्ला करहे कि स्वारण व वन्नीका करना। अस्य बहुता। क्षेत्रा वर्षण्डीव चनुहीन क्षात करूट भिक्रमक्रमानाः मुख्यिकामी वाकि भागनिकं क्रांक्यामक शामः । भारकः। क्रयामा एक क्रम्बंक्रकाती वर्गकरक स्थी करद ত্তবালে। এই প্রকার উহত হা**দপের অভাবে ক**মনিষ্ঠ ক্রেরাজ্য প্রায়ণ) রাজাপনে দান করা নেতে পারে। নির্বয় স্কেন্ডর বাজের উপেন্যু স্থাক্ত নিতারই ভরের জেলাক কেবল দুকন রাক্ষাকে নিয়ন্ত্রণ করা উচিত এক সে অন্যুদ্ধর বধ করে অভার তার হয়। একন সে নিওপক্ষে তিনজন প্রাক্ষণকে নিজাব করা উচিত। আমার, সিশ্চাই আমানের হত্যা করবে।' বতেএব, বিনি ধর্মতত্ত্ উচ্য পদেই কেলা একজন প্রায়ণতে ভোজন করনেই সম্বন্ধে স্বাহাই জনসত, তিনি নির্মীয় পশুনের প্রতি রাধার। অত্যন্ত ঐব্যর্থশালী হলেও এই অনুষ্ঠানে হিলেপরাজ্ঞ ন হতে, ভগথনের কুলার জনাবাসে বে বাহেকের আয়োজন করে উচিত নহ। আছু অনুষ্ঠানের আন্য লাভ হব, তা নিরেই প্রতিনিন নিত্য-নৈমিতিক কার্য সময় যদি অনেক ব্রাহ্মণ এবং অক্টোর-বজনদের ভোজন নির্মান করেবের ে করামের থাবছা করা হয়, তা হলে পেশ-পলেরটিত প্রহা, দ্ৰব্য, পাত্ৰ এবং আৰ্চনা বৰাবোদ্যাভাবে অনুষ্ঠিত হতে। উপৰৰ্থ এবং ক্ষেত্ৰত্ব। ধৰ্মত ব্যক্তিৰ অবশ্য এওলি স্কাল জরণর সেই প্রসাদ বৈক্ষর অখনা ব্রাক্তবন্ধে নিকেন করা উচিত। তাম কলে অকা সমৃদ্ধি লাভ হয়। একতা, करि, निज्, जाश्रतम प्रानुष, चाबीर-पदम अर्थः वयु-বান্ধানের সকলবোই ভগবানের ভক্তবালে করি করে, থানাদ নিবেশন করা উচিত। বর্মতন্তর বাক্তি আছ অনুষ্ঠানে কথনও হাছ, মাংগ, ডিম ইত্যাদি অনিব নিবেদন কর্মেন সা এবং তিনি বদি ছাত্রিবও হল, তা ইলেও স্বরং আমির আহার করকো হা। হথন বি দিয়ে তৈরি উপযুক্ত খাল্য সাধুদের নিধেনে করা হয়, তবন পিতৃপুরুষ এবং ওলবান অভ্যন্ত প্রসম হন। ব্যঞ্জর নামে শশুহিংসা করা হলে উল্লেকখনও প্রসর হন না। বীবা व्यक्ते भार्यत्र प्राक्षात्व प्रेत्रकि ज्ञाधन कन्नत्व ठान, केरपड वना मध्य भीतावर शक्ति आहे. प्रम करा वास्त्रत शब्दा

হলের প্ররা অভার ভাতীর হতে মান করে, 'এই

"स्वर्धार्यं नौठित नाया—दिनार्थ, नायवर्थ, सर्वासाम, পারে লা। ওক কাল এবং হান প্রাপ্ত হলে, প্রভা করা কঠেও। যে ধর্ম ক্রুয়ের প্রতিয়েক, ভাতে করা সহকারে দি সিয়ে তৈরি অৱ ভগবানকে নিবেদন করে, খর বিবর্ম। অন্তের বিহিত ধর্মকে কলা হয় পরধর্ম। বেনে বিচৰ্টাকান্ডারী পর্যক্ত বাভিত্র হারা স্ট ধর্মকে क्का इंड डेंभवर्व अवर कका-विकारमङ बन्हा सन्ताचा चान्तरक क्या देश स्टार्ट्स अनुस्तर अनुस्तर स्था বেসাক্তভাবে ভার কঠক কর্মের অব্যাহনা করে, ভাকে वका इद बारुत्त। बातुव यमि छात्र बाजान अथवा वर्ग অনুসালে আন ধর্ম অনুষ্ঠান করে, তা বলে ভার সমস্ত मृत्य निर्देशिय भागा का बार्यंड शूल ना रकत :"

> "অনুব পরিক্র হলেও, স্বীক্তর বাবংগর জন্য অর্থনৈতিক উল্লব্ডি সাংগ্ৰের চেটা কলা উচিত বহু অথখা বিখ্যাত ধর্মবিং হওলে। চেটা করা উচিত মন। আহগর কেনে क्षक प्राप्त प्रवक्ता करत. कीवन शहरात रहेड ना करतल সাহার প্রান্ত হয়, ভেমনই নিয়ার ব্যক্তিও কিনা প্রচেমার ঠার জীবিজ গাড় হন। যে বাকি আক্তপ্ত ও সরষ্ট



এবং বিনি তার কার্যকলালের মধ্যেরে সর্বাথায়ী ভগবানের সঙ্গে হস্ত, তিনি স্বীতিকা অর্কনের ফোন রকম হতেটা না কথা সতেও দিয়ে আনন্দ উপজ্ঞেধ করেন। তাহ এবং লোভের হানা প্রভাবিত হয়ে তে ব্যক্তি ধন সংগ্ৰহের অসনায় ইতরাও ধাবিত হয়, সে 🗫 কমনও শেই আনৰ উপভোগ করতে গারে ঃ সাদ্ধ্য পরিহিত ব্যক্তিন যেমন পাথবকুট এবং কাটনা উপর দিয়ে হেঁটে সেলেও কোন কভি হয় না, তেনেই সন্তুইচিয়ে ব্যক্তির কোন ক্ৰেল হয় না; বন্ধচগ্যক্ষ তিনি সৰ্বনাই সুৰ অনুভৰ করেন। যে রাজন, অভাত্তর ব্যক্তি ক্রেখণ একট জল পাল করেই সুখে থাকতে পারেল। কিছু যে ব্যক্তি ভার ইন্সিডের ধারা চালিত হয়, নিশেষ করে কিন্তা এবং উপছের স্বায়া, ভাবে ক্ষবশাই তার ইপ্রিয়তন্তি সাধনের ক্ষন্য পৃথপালিও কুকুরের পদ গ্রহণ করতে হয়। যে ভঙ্ क ग्राचन चारहेश नम्, छात्र आधारिक का, निमा, ভাগস্যা এবং বল ইব্রিছ লোলুগড়ার ফলে করপ্রাপ্ত হয় এবং ভার জানও রুমণ বিনষ্ট হয়ে বার। ক্যা ও ভক্ষাৰ কাজা ব্যক্তি খখন আহল করে, তখন তার গেন্ডো প্রবর্গ আকারকা এবং প্রয়োজন অবশাই তথ্য হয়। ত্যেনই, ক্রম্ম ব্যক্তির মেশ্য তিরক্ষম থকা তার কলের चाता भारत दहा। विश्व लाखी जकन तिक सन करन মাজৰ সাৱা পথিবী জোগ **স্থানত ভাই হতে পা**ৱে সা।"

"হে মহারাক বৃথিতির, বহু অভিজ্ঞান্ত পাতিও,
সংলয়কেন্ডা, বিহান এবং বিহুৎ সভার স্থাপতিও করার
বোন্ড ব্যক্তিও উদ্দেশ্ব নিজেনের পদে সভাই না হওলর
করে বারকীর জীবনে অবংশভিত হরেছেন। সফাপূর্বক
পরিকালন করে ইন্দ্রিয়সুখ ভোগের বাসনা পরিভাগে কর
উচিও। তেমনই, বিংলা বর্জারের বারা বেগার, ধন
সক্ষরের অনর্বতা পর্শনের বারা লোভ এবং তত্ব বিভারের
বালোচনার হারা পোন্ড এবং লোহ, মহান ভভানের
আলোচনার হারা পোন্ড এবং লোহ, মহান ভভানের
করে হারা দত্ত, মৌন অবলহনের করে বোণের অভারার
এবং ইন্দিরসুখ ভোগের টেটা পবিভ্যাগের হারা হিংলা
কর করা বার। স্লাচার এবং অহিংলার হারা অন্য বিন্
কর্তক প্রধন্ত দুবা তার করা উচিত। খান ও স্থানির
হারা কৈর কর্তক প্রধন্ত বুবা এবং হারেলার, প্রশারার
উত্তালি অভান্তের হারা বারা গোর ও মন জনিত বুবা করা

করা উচিও। তেমনই, সর্বাসের বিবাস্থার দাসে, সিন্দের করে আহারের মাধানে নিয়া কাছ করে উচিত। সর্বাস্থার বিকাশের ঘারা রক্ষ এক তেমোওগতে করে করা কর্ত্যা এবং তারগর উন্সাতিকে ধারা সম্বত্ধতে কর করে, তক্ত সাহের করে উর্নাত হওলা উচিত। তাদ্ধা সহকারে প্রিকেশ্যেরের স্থোব করের করে কর করা বার।

"প্রীওক্তদেবকে সামাধ স্থাবান বলে মনে করা উচ্চিত্র কারণ তিনি দিবা আনরূপ দীপের মালো প্রদান কারে। ভাই, ৰে ব্যক্তি জীওজনেৰকে একজন সাধানৰ জনত ৰলে মনে করে দুৰ্বৃদ্ধি পোষণ করে, তার সর্করণ হয় তার অ্থাবিক উপলব্ধি, বৈদিক শাস্ত্র অধ্যক্তা এক জন হক্তীখালের মতো ব্যর্থ হয়। স্বগবান শ্রীকৃষ্ণ প্রবান বাং পুরুবের ইমার। খাঁর মীপাদলর ব্যাসকে আরি যোগেন্তদেশও অবেদশীয়। কিন্তু আ সকেও মর্থের छै।एक अफलक शाधावन मानून बहुत महत कहत ক্রিয়াকর্মের অনুষ্ঠান, বিধি-নিবেধ, তপদায় এবং ব্যাপ जावरमा उत्पन्त करक का अवर देखिएक जरवर का কিছ মন এবং ইপ্রিয়কে সংগত করার প্রেও সে বা ভগবানের ধ্যান-ধারণা করতে না পারে, ভা হলে ভার এই সমস্ত কাৰ্ককলৰ বাৰ্ছ পরিশ্রম হয়ে। পেশাগরি কর্যকলাপ অথবা কবলা বেমন পারমার্থিক উহতি সাধ্যম महराया मा करत (क्कन क्छ रहात्म्य कारण क्षा, एडक्नो বৈদিক কর্মের অনুষ্ঠানের ফলে ভগববিত্বৰ কাচকের কোন লাভ হয় হয়। বে ব্যক্তি তার হ্রাংক ক্ষম করতে ইকক, তার কবশা কর্তবা আখীয়-বন্ধনের সদ ভাগ করে, দুবিত কম খেকে মুক্ত হয়ে নির্ভন স্থানে বাশ করা अन्य दक्ष्मन दाव श्रांतरमः सन्त प्रिकाशती करते. मण्डेक প্রবোজন কেবল ভিডটক ভিক্স করা।"

শহে থাজন, বোধ অভ্যাস কথার জন্য গবিন ভীর্থানে সমতন ক্লেন্স জাসন স্থানন করা উচিত এবং কজুভাবে সুখে নেই জাসনে উপকেশন-পূর্বক, ঠিও ছিন করে বৈনিক প্রথম মন্ত্র জন করা কর্তবা। নানিকার অভ্যালে গৃতি শি্ত্র করে অভিজ্ঞ রোগী পূরক, পুরুষ-এবং রেচক বারা প্রাণ এবং জালান কর্ত্বক সম্পূর্ণবাশে নিরোধ করে মনের সমস্ত বাসনী পরিত্যান করকেন। মন বন্দাই কামের ধারা পরাভূত হয়ে ইক্লিয়নুগ জেপের প্রতি লাগতে হয়, বোগী তথকশাৰ ফাকে আহনণ করে কলকে ছগো নিক্তম করকে। এইতাবে নিয়ন্ত অভ্যাস কর্ম্ব ললে নোলীৰ চিত্ত অক্ষকালের মধ্যেই পুজৰিছীন অভিন মতে ভিত্ৰ এবং অভিচল হয়। চেতনা চথন চন্দ্ৰ ক্ষায়-লামার ধারা কল্মিত হয় না, ভবদ ভা সম্ভ कार्यक्रमार्थ शंभाव २४. स्थान एका विश्व सामकार ক্রানতে অগিতিত হওৱা কাব। একবাৰ সেই **ক্র**তে অধিষ্ঠিত হলে, আর অঞ্জলগতিক কার্বকলালে ক্লিতে ধ্যসতে হয় না। নে বাজি সহাসে হছৰ কৰে। তিনি ক্রত-জানাত্রক কার্যকলারপর ভিত্তিকাল ধর্ম, কর্ম এবং লাৰ, এই ত্ৰিবৰ্ণের ক্ষেত্ৰ পৃহস্থ-আৰাৰ পরিবাদি করেন। ৰে বাজি সমানে ইহন কৰাৰ পৰ এই প্ৰকাঠ জন্ত-জ্বাতিক কাৰ্যকলাগে কিনে আলে, ভাকে বলা হয় রাভানী, বা যে তার নিজের বনি চক্ষণ করে। সে অবশাই নির্বাচ্চঃ বে সামক সম্যাসী মেহকে মরণবাঁল क्षत करत धारा धारम दगहाँगे विक्री, कृति स्वयंत स्टाप পরিণত হবে বলে মনে করে, কিন্তু পুনরার মেহের ওরত নিয়ে ভাকে আশা বলে ভান মহিমা কীৰ্তন কৰে, ভাল সৰ চাইতে মূৰ্ব। প্ৰথমেৰ অৱধ্বিহিত হিলা আৰু ওক্তৰ ভারবানে অংশুনভারী ক্রমচারীর ক্রমচার্কর রাভ প্রজন মা করা, বানগ্রহারমীর প্রামে বাল করে তথাক্তিত সমাজ-সেবার কাজে কুন্ত হুওয়া এবং সম্যাসীর ইন্সিরস্থ ভোগের প্রতি আসক্তি অত্যন্ত নিশ্বনীর। বে ব্যক্তি এইভাবে আচারণ করে, সে জার্ডারে কলর এবং चालधक चान्तर विकचनकारी। और ममक सकारकार ভগবানের বহিরুলা শক্তির ছারা বিমোরিত এবং আদের যে কোন পদ খেকে সরিছে মেওয়া উচিত অথবা খালে। প্ৰতি অনুকল্পাপূৰ্বক সভাৰ হলে শিকা দেওয়া উঠেত, মতে তারা ভাদের মুল প্রে পুনরার অধিকিত হতে পারে।"

"মনুখ্য-শানীরের উত্তর্গ হতে আবা এবং গরেষান্ত হতে পতিত হয়।"
ভগরনকে জানা। উপন উত্তেই চিয়ার করে কর্মন্ত।
ভিনত আনের প্রভাবে নির্মান হতে উনের উত্তরেই জানা
প্রসাধ প্রভাবে নির্মান হতে উনের উত্তরেই জানা
প্রসাধ প্রসাধ করে লোডী ব্যক্তি কি করেশে এবং
করে ইন্দ্রিয়তৃথি সাগনের উন্দেশ্যে ভার হেব ধরেশ
করেই অধ্যাক্রবাদী জানীরা ক্রগরানের সৃষ্ট শরীবেটকে
কর্মনের ক্রনের স্করের। ইন্দ্রিয়ত্তি ভার কর্ম হরে নিতা ক্রন্দেশ

ইতিয়ানিশতি কা ভার লালাম, ইপিয়ের বিষয় পর্বসম্পা,
বৃদ্ধি ইচ্ছে সার্থাই এবং সারা পরীর কুন্তে কান্ত চেতন এই বছদের কালা। কেহাক্যকুত্ব দলটি করু নেই রংখন চাঞার আৰু সেই হাজার উপরিধাস ও নিজ্ঞান ধর্ম এবং কার্যাই, দেহাকবৃদ্ধি সমন্তি জীব সেই রুমের রুগী, বৈদিক মন্ত্র প্রশাব হাজে গল্লক, ওছ জীব করা আন এবং ক্ষণবাদ হাজেন কালা।"

"বছ অবস্থায় অনুবের জীবন কবনও বজাও তনৈতিকের কাল কল্ডিত হয় এবং তার প্রকাশ হয় সাধ, থেখ, লোভ, মোহ, লোভ, ভার, মার, মার, অলামার, जन्या, भारत, विरुत्ता, खोरमर्थ, फामहिसका, धेवान, कक्ष ও নিয়ার দ্বাধানে। এওলি প্রীধের শক্ষ্য কর্মক কথনও মানুকের মাজন সভওপের হারেও কল্মিও হর। মন্ত্ৰিক মতখন বিভিন্ন আৰুপ্ৰতাল সম্ভাৰত কৰু শহীত এবৰ ক্ষতে হয়, বা সম্পূৰ্ণসংগ তার নিয়ন্ত্রণাধীন লয়, ভতপদ শ্রীপ্রকামে এক প্রীভরক্ষণের পর্বভন মাচার্যটার আনার প্রাপ্ত হওরে অবস্থা কর্তন্ত। উপ্তথন কুপার অনুহ তার জনেরাগ অবর্জাবকে শাশিত করতে পারে এক ভগবানের কুগারুল পরিক স্বারা উপরোক্ত পঞ্জনের পঞ্জত ক্য়তে পাতে। এইভাবে ক্সাবস্থাক্ত শীর জানকে ভট হয়ে, দেহভাগ করে জন চিমার বক্তপে পুনরত অধিষ্ঠিত হতে পাৰে। পদসভৱে, তেওঁ হৰি পাচত क्षा वेनामदा काश्रव अर्थ मा करा, भा वर्ग कस व्यथम्भ देशिक्षणी जन गार्वकानी वृद्धि, केस्ट्यदे अव স্পূরের কলে স্পূর্ণিত হওরার প্রকাতার কলে, জনাবধান দেহত্রাণ ব্যক্তিকে প্রবৃত্তি মর্মে নিমে বাবে। এই*ভা*নে रका (म बाहात, निहा अनर देमध्यक्रम विवय-मध्यक्र सहा পুনরায় আলুট হয়, কলং সেই দস্যায়া কৰা এক সাবৰি মহ যাকে সনোহত্রণ অছকুপে নিকেন করে এবং সে তথ্য পুনরত্ব অভ্যন্ত বিশক্ষানক এবং উনকর অগ্ন-হত্যন

"কোবিহিত কর্ম মুহ প্রকার—প্রপৃত্তি এবং নিবৃত্তি।
প্রবৃত্তি কর্ম জনুষ্ঠানেনা করে নিজকবেন জীবন থেকে
উচ্চত্রকা জীবনে উচ্চতি সাধন হর, করে নিবৃত্তির হারা
জড় ব্যাননায় নিবারন হর। প্রবৃত্তি কর্মের হারা কড়
জানতের বছন থেলা করণে হয়, কিছ নিবৃত্তির হারা থাক।
হয়ে নিভা জানকমন জীবন উপজ্ঞোগ করা বার।

"হে মহারাজ ব্যিটির, তেওঁ বখন বি মিজিত শস্যু, হথ্য বহু ও তিল মজাবিতে আর্যুউরূপে নিবেশ্ব করে, ডখন জা নিব্য বুলে পরিপত হয়, কা ভাকে শুনা, রাত্রি, कुक्कानक, विकासन क्षेत्र हवत्व हरत हित्त याव । ভারণর ব্যাহর্ত্য পৃথিবীতে প্রভারর্তন করে ওবাই, সভা এবং শদ্যে পরিশত হয়। সেওলি বিভিন্ন জীব আহম। ভবার কলে আ আদের বীর্বে গরিশত হর, বা শ্রীশরীরে श्रीति हर। और संस्था भार यहा क्या क्या हरा। वर्कश्रीम সংখ্যারের বারা ফ্রাক্সব (ভিক্র) তার পিতা-মাতার কুপার ষ্ঠায় বেহ প্লাপ্ত হন। এই পর্তাধান থেকে ওক করে জীবনের শেবে অন্ডেরিটিনার পর্যন্ত মনুককে পরিত্র করার অলু করেও ক্ষেত্র করেছে। এইভাবে পরিত্র হওয়ার কলে, হোগ্য ব্ৰাক্তৰ অভ-আনতিক কাৰ্যকলাৰ ব্যঞ चन्डेरला चि डेसमीन इन बक्द नुर्वस्थात देखित्रवरण ক্ষমানির আলোকে উত্তাসিত কর্মেন্ত্রিয়ণ্ডলিকে আহতি ধেন 👕

শত্রন সর্বাধ্য সহয়ে এবং বিকলের ওরতে বিকৃত। তাই ইঞ্জিয়ের সমস্ক ভার্যকলাশ ক্ষাকে নিজেন করা উচিত, ভারণার ক্লাকে ব্যক্তের বিকলন করা উচিত, বাকাকে ক্লাম্যালয়ে, ক্লাম্যালয়েক বাভারে ওভারকে বিশৃতে, বিশৃকে নামে, নামকে প্রাণে, ভারণার অবলিউ জীবকে ব্যক্তে নিহেনন করা উচিত। এটিই বজ্জের পদা। উপ্রাণাটী জীব ক্রামণ অধি, সূর্য, বিবা, সভ্যা, ওরাপান, প্রশিল, উভারতেশ এবং ভালের দেবতালের প্রাণ্ড কন। ভারণার জীব করা ক্লালোকে প্রক্রে করেন, তথা তিনি

्रकाष्ट्रि (काष्ट्रि संस्मद मीर्च चात्रु शहश क्ष्म अवस् व्यवस्थात्व উমা ক্লপ হাড উলাধির সমাপ্তি হয়। তিনি ডাল স্কু উলাধি প্রাপ্ত হম। প্রাধানত সেই সৃক্ষ্য উপাধিকে কলে। কর বাবে ডিনি কারণ উপাধি প্রাপ্ত কো। ভালে ডিন তার পর্তের অবস্থা সাক্ষীকালে মর্কন করেন। সেট জনব উপাধি লয় করে তিনি তার বিচছ অবস্থা প্রাথ হব, যে অবস্থাৰ তিনি গৱমান্তার সঙ্গে সম্পর্কের ভিত্তিতে উল পরিচয় ধর্শন করেন। এইভাবে শ্বীব চিত্রবন্ধ লাভ করেন। আধ্যাধিক উন্নতি সাধনের এই পদা ভালেব জন্য, যারা বর্তাধহি পরম সভ্যকে উপলব্ধি করেছেন। মানুহ এই ক্রেমার্যান্তর জরতাল প্রাপ্ত হল। বিলি আকুছ হওয়ের ফলে নমস্ত অভ বাননা থেকে সর্বত্যেতাবে মুখ্য, ষ্ঠাকে বার বার ঋণা-মড়ার মার্থে বিচরণ করতে হয় ল। বে ব্যক্তি শিত্যান এক কেববান যাগ পূৰ্ববাহৰ ক্ষমত तक दिविक सार्वा क्षवात रीत एक देवीनिक स्टार्ट, তিনি ক্লয় পরীরে ক্ষবস্থান করণেও কবনও সোহালয় क्र या। विनि तर किहा अवर नमक खीरका धवात अवर বাইরে, অবিতে এবং অছে, ভোগ্য এবং ভোকা, উৎকৃত্র क्या मिन्हे, शिनिहे भाग गला। शिनि गर्मगहे साम असर ছেয়েকাপে, বাচক ও খাচাকাপে এবং অক্কার ছ আলোকরবে কর্মান। এইভাবে পরমেশর ভগরান সং কিছ। দৰ্শনে সৰ্বের প্রতিবিশ্বকে নিখ্যা বলে মান কর। হলেও যেমন ভার গ্রক্ত অভিছ হয়েছে, ভেমনই কলনাগ্ৰস্ত কানের দারা বাক্ত বলে কিছু নেই, সেই কথা প্ৰদেশ করা মতেত কঠিন হবে। এই জগতে পাঁচটি **डेनामान ब्रह्माइ—अफ़ि, धारा, जार्थन, यह द्वार जारान्य,** কিছ শরীর সেওলির প্রতিবিদ্ধ হর অংখা সেওলির अधरूप या विकास । अस्त । स्थाप्त नहीं साम पान **উन्।मानश्रीर ग्रांक मह साथवा जाविक मह, शारी वर्षे** সমস্ত মন্তবাদ নিভাগুই ভিত্তিহীন। সেহ ফেছেডু প্রভাবের ছারা পঠিত, ভাই সৃত্যু ভাষাক্রমণ কথ্যব ব্যতিবেকে তার অভিন্ন থাকতে পাতে নাঃ অভনে বেখেড দেহ ভিখ্যা, ইন্সিনের বিষয়ওলিও বভাৰতই মিখ্যা বা অনিডা। কম্ম কোন বস্তুকে তার কলে কেন্ডে অক্ষামা করে দেওয়া হয়, তখন ভালের সাদৃশ্য স্বীকার कहा करन खारक कम क्या करा। मानुष क्या ज्या (पर्टर, লকা দে কাল্যা এবং নিপ্রার মধ্যে পার্বকা সৃষ্টি করে। ক্ত প্ৰকাৰ আনসিক অবস্থাতে বিধি-নিকেও সম্ভিত লাভ-Emirent वानवा श्रदारम। 'कार, क्रिया अवर अस्याव প্রায়ন্ত (একর) বিবেচনা করে থাবং জারাকে সমস্ত কর্ম _{বাবং} কালে থেকে পৃথক বলে উপলব্ধি করে, ক্ষমি ক্রান্ত এনদ্রী অনুসারে মাগ্রত, সম এক সুবৃদ্ধি 💐 ভিনট ভাষরা পরিত্যাল করকেন। মানুব করম কুরতে পারে ছে. আৰ্ম ও কাৰণ এক এবং ভানের কেন বল্লের ভব্ন ও লাকে ডির বলে মনে করার মতো চরুহে অবারু**র্ ভুঞ্**ল ্রের একারের বিচারকে বলা হর ভাবারৈছ। 🗷 মহারের विश्वित (नार्थ), यथन मन, वादन अवर भद्रीहरूत हाडा ক্রান্তিত সমস্ত কর্ম সাক্ষাৎ ক্ষানালের সেবার স্কর্নার কর রুর, ভাবে ক্রিয়ারৈত বলে। কর্মন নিজের, পরীয়, न्द्रस्य, क्रावीय-अक्रमापड अथर ध्यस् मारच क्रीन्द्रस्य कार्य ত্ৰত হয়, ভাতৰ ৰক্ষা হয় ইব্যাহৈত। হে মহাব্ৰাক্ত ব্ধিটির, সাবারণ অবস্থায়, যথন জ্যেন বিপণ্ডের সভাতর বাকে বা, ওখন মানুবের কর্তব্য ভার জীবনের ক্রম অনুসাত্তে অনিবিদ্ধ বস্তু, প্রচেষ্টা, উপায় এবং স্থানে আৰু বিহিও কার্যকলাপ সম্পাদন করা, করা জের উপাত্তে नव 🖺

"হে রাজন, এই সমস্ত নির্দেশ অনুসারে এবং বেন্দের चन्त्रामा निर्मान चमुत्रारत प्रथमं चमुक्रेम क्या प्रेक्टिंग, बार्फ ভগরান শ্রীক্ষের ভাক হওলে মার। ভার কলে, গুরু অবস্থান ক্যুক্তেও জীননের চরম লক্ষ্যে উপনীত হওয়া বার ৷ হে মহারাক্ষ বৃথিতির, ভগবানের প্রতি আগনানের सिक्षा करने योभनात्रा नाश्चरवत्र, यगरना तका दक्त দেবতাদের বারা সৃষ্ট মহা বিপম খেকে উদ্বাস লাভ করেছেন। জীকুকের জীপাদপথের কেবা করার দারা আপনি দিশ হন্তীর মতো মধ্য বছবান শতকোর বার করে। ৰভাব উপকৰণ আহরণ করেছে। কণবানের কৃপার স্বাদ্দি ঋণ-বন্ধম কেন্ধে মুক্ত ছোন। ফলমা পূর্বে, কর এক মহাকলে (ব্ৰহ্মার কলে), আমি উপবৰ্থণ নামক এক গৰ্থ হিসাম। আন্য গছবেঁৱা আমাকে অভান্ত মাজ कार । बामात युवारका दिन वाकाद मुख्य कार कारत পঠন ছিল কভাবে আকর্মীয়া। ভূলমালা এবং চকলে প্রতি প্রসার হেন।" আশহত আমি পুর-শ্রীদের জত্যন্ত প্রিয় হিলাম। ভার করে মোহাজ্য হয়ে জারি সর্বস্য কার্যাকর ছিলাম।

এক সময় ক্ষেত্ৰত্বের সভার জনবানের মহিসা কীওঁদের এক সংক্রীর্তম উৎসর ক্ষামালিল এবং প্রকাশনিকা সেই উৎসাম ক্ষেত্রতার ক্ষামাল জনা প্রকর্ম এবং ক্ষালারাকের নিমন্ত্রণ কর্তেক্তরের।

নাকৰ মৃতি কলকেন—"সেই উৎসৰে নিমন্তিত হবে আমিও শ্রীনাৰ পৰিস্তুত হবে সেখানে নিয়ে ক্ষেত্ৰাগ্যন্ত মহিল পৰিস্তুত হবে সেখানে নিয়ে ক্ষেত্ৰাগ্যন্ত মহিল পাইতে ওক ক্ষেত্ৰিলাম। তাৰ কলে প্ৰসাতের অধ্যক্ষ প্রকাশিত কা প্রবাতনায়ে আমাকে অভিনাপ নিক্রেনে—"তোমার এই অপরাহের কলে, তুরি প্রকৃতি তোমার সৌন্ধার্য রহিত হবে শুক্রমণে ক্ষাপ্রাহেশ করে।" বিনিও অমি নাসীর বার্তে শুক্রমণে ক্ষাপ্রাহেশ করে। বাহিল আমি এই ক্ষেত্র নামার প্রসারেশ ক্ষাপ্রাহেশ করে। ক্ষাত্র করে। ক্ষাপ্রাহেশ পরিপ্রাহেশ করে। ক্ষাত্র প্রাহ্মণ করে। ক্ষাত্র পার প্রকাশ করে। ক্ষাত্র প্রকাশ করে। ক্ষাপ্রাহ্মণ করে। ক্যাহ্মণ করে। ক্ষাপ্রাহ্মণ করে। ক

"হে মহাবাদ ব্যিটিয়, এই ক্ষণ্ডে আপলাবা পাসবাদ এতই দ্বানান যে, সমগ্র প্রকাণ্ড পরিত্র করতে পাৰেৰ খে-সমস্ত মহাৰ্বিগণ, ওঁলো আপনালের দৰ্শন করার कत् वान्नारमा दार वाट्ना। वरिक्त, न्द्रश्यक ভাষকে শ্রীকৃত চিত আপন্য ভাইতের মতো আপন্যথের পুরে অভ্যক্ত পুচরাপে অবস্থান করছেন। আহা কি चान्हर्द्ध दिवत। यक्षर कविता मुक्ति अवः हिपात साजन লাভের কর বার অধ্যক্ষ করেন, সেই পরবাদ ভগবান প্রিকৃত্ব আপনামের পর্যার প্রভাবন্যক্তকী, সহকে, মাতলপঞ্জ, অস্থা, পৃথানীয় পরিচালক এবং ওক্তরতের আচেরব করছেন। সেই পরয়েশ্বর ভগবান এখন এখানে উপস্থিত, বাঁর হাল ক্রমা শিব আদি মহাপুরুষেরাও বৃশ্বতে পারের ন। ভতদের নিষ্ঠাপূর্ণ আন্ধ-সর্বপশ্বের জন্য তিনি ওঁক্ষের कार देनलद् हम। तरहै भारभवा सभकान, विभि छैता ভাতদের পালক একা বিলি মৌলতা, ভাক্তি এবা ৰাড কার্যকলাপের নিবন্ধির হারা পুজিত হল, তিনি আয়াপের

ত্তীল গুৰুদেও প্রেপ্তামী কালেন—"ভয়ত-কুল্(প্রস্ত মহারাজ বৃথিতির নাজ মূলির বর্ণনা থেকে এইভাবে সধ 8/90 আনল পুরাণ

কিছু জনতে পেরেছিলেন। তার উপদেশ প্রবল করার পরক্রেছর ভগবান, সেই কথা তলে যুদিষ্টির মহাবাদ্ধ পর তিনি বস্তরে গভীর আনন্দ অনুভব করেছিলেন এবং বিশারে হতবারু ছরেছিলেন এই এক্সাণ্ডের স্মান্ত ভব্ববং-প্রেমে বিহুল হয়ে তিনি ভগবান প্রীকৃষ্ণের পূজা প্রহলোকে দেবতা, অসূত্র, মনুষ্য আদি চর এবং অচর করেছিলেন। জীকুকা এবং মহারাজ ধৃথিতিরের বারা বিভিন্ন প্রকার রীর বরেছে তারা সকলে মহারাজ দশুরুর পৃথিত হয়ে, নারদ মুখি তাঁথের কাছ থেকে বিদায় নিয়ে কন্যা থেকে উৎপন্ন হয়েছে আমি তাগের সম্বাচ এখ্ সেশান থেকে প্রস্থান করেছিলেন। স্থাতুলপুর প্রীকৃষ্ণ বে ভাবের বিভিন্ন বংশ সহস্কে বর্ণনা করলায়।"

সপ্তম বন্ধ সমাপ্ত

অন্তম স্কন্ধ (সৃষ্টির সংবরণ)



ব্রহ্মাণ্ডের প্রশাসক মনুগণ

হলবাল পরীক্ষিৎ বলসেন—"হে ওক্ষাৰ্থ, আপ্নার कृशाह आधि वासकृत मनुष क्षण-नृष्ठातः गुर्वकरण स्वरण করণাম। কিছু খান্ত মনুদেও সংক্ষেত্র আমি জব্দ করতে ইক্ষে: সরা করে জাপুনি ঠানের কথা কৰি। করুব। হে ব্ৰহ্মজনী ওকনেৰ সোক্ষামী, পূৰ্ণ বৃদ্ধিমন্তা-সম্পা মহাজ্ঞানী ব্যক্তির বিভিন্ন মধন্তরে ভগরনের কার্বকলার এবং জাবির্ভাব্যে বর্ণন করেন। সেই সমস্ত বর্ণনা করে। করতে আমরা অভার আগহীঃ পরা করে জা করি করন। হে হংকোনী ত্রাদার, এই কগতের সৃষ্টিকর্তা দ্রগ্রন অতীত মাধ্যরে যে সমস্ত কার্য করেছেন. বর্তমানে জ কাছেন এবং আগানী সবস্ততে আ করকো, প্তা পরা করে আমাদের কাছে ধর্ণনা করন।"

क्षेत्र ७७८१२ (गाणांधी समरका—"धारे वरक क्रांकर মনু ইতিমধ্যেই মতীত হরেছেন। আমি জাপনার কাছে चारकृत कर् अवर स्टब्स्स्य बेंदशिय क्या वर्गमा करति। संगत और करण भागपुनी शंका प्रमु। चाराहर মনুর বুঁই কন্যা আকৃতি এবং মেবহুতির থার্ছ ভগকন ৰখাক্ৰয়ে সক্ষয়ৰ্তি এখং কলিল নামে আবিৰ্ভূত হয়েছিলা। জিলা বর্ম এক আন উপক্ষেপ নিরেছিলো। হে কুমধেষ্ঠ, আমি পুর্বেই (ফুডীর স্করে) কেন্টুডি-পুর কণিটের কর্বকলাণ কর্মন করেই। এখন কর্মন আগনার সাহে আকৃতির পুত্র ক্ষাপ্তির কার্যকলাগ বর্ণনা করব। শ্তরদার গতি বামধুৰ অধু ক্ষাবতই ইন্দ্রিয়সুৰ ভোগের প্রতি অন্যান্ত ছিলেন। জই তিনি রাজ্যভাষে পরিত্যাপ ঞ্জে, তপস্যা করম কর উন্ত পদী সহ করে প্রবেশ করেছিলেন। হে ভারত, শারভূব মনু উল্ল পারী সহ বনে গামন করে সুকল্ম নদীয় তীয়ে এক পারে ভূমি শ্রূপ করে একশ বস্তা বোর ভগনর করেছিলন। ভগন্য করার সময় তিনি বলেছিলেন, 'পরকেবর ক্রথবান চৈত-রবুড बारे कह संबंध गृष्टि घटतरका; बाग्न मा। एर किलि बारे ক্ষাড় কথাটের স্থানা সৃষ্ট হয়েছেন। স্থা কিছু নিহিত হলেও ক্লাঞ্জন সাকীয়ালে প্ৰাক্তৰ বাবেল। স্বীৰ ভাৰে कारम मा, किन्नु रिप्ति जय किन्नु कारमन। और सभारक रम्बाद्ध कृतक अबर सक्रम धानी बरवरक, द्यानात्वर

ভগদান প্রমানকাশে বিরাক্তমান। তাই তিনি ক্টেও कहाक निर्शादन करहारको, तक्षण राष्ट्रिकृते शहर कहा ছিলিত, কৰমও আনের ধন আক।রালা কলা উচিত নত। ভবাৰাৰ ৰখিও নিবস্তৱ সমগ্ৰ বিশেষ কাৰ্যকল্প দৰ্শন কলে, তথ্ও তাঁকে কেউ দৰ্শন কাতে গাৰে না। কিছ ভা বলে এই মদে করা উচিত না বে, যেহেড় কেউই ডাঁকে দেখাত পায় মা, ভাই ডিনিও কিছুই দেখাত ব ষ্ণান্ত তাও দর্শন শক্তি কখনও বিনষ্ট হয় না। ভাই সকলেরই কর্তব্য স্থীবাস্থার সঙ্গে সখ্যরূপে বিনি নির্ভ্রত বিরাজ করেন, সেই পাফেমার জারখনা করা। ভাষানের थापि तारे, यश तारे क्या चतु तारे। किनि त्याव বিশেষ খ্যক্তি বা জাতির নন। তাঁর অক্তর একং ব্যহিত েট। এই ক্ষত ক্ষমতে স্থাদি এবং ভার, আমার এবং ভাষের ইভামি যে হৈডভাষ দেখা বাদ, ভা ভগবাচনঃ मान (नेहें। और सनर या कीर (बंदन अंकानिक सरकार) ন্তা তারই জার একটি রূপ। ভাই ভগদান হর্মেন শর্ম সভা এবং তিনি পূৰ্ব প্ৰথা। সমগ্ৰ জড় জগৎ প্ৰমতস্থ জনবাসের দরীর, বাঁর অসংখ্য নাম এবং অনত শক্তি तरहरू। छिले स्वरक्षकान, क्या अंक निर्देकात। छिनि সব কিছুৰ আদি, কিছু তাঁর কোন আদি নেই। বেহেড় তিনি তার বহিরলা শক্তির হারা এই জনং সৃষ্টি করেছেন, তাই মনে হয় কেন তিনি এই বিকের বাটা, গালক কনং সংহারক। কিন্তু তা সংস্থেও, তিনি আর চিন্দার শতিকে নিষ্ক্রির বাকেন এবং ক্ষড়া প্রকৃতির কর্ষেকল্পণ ভাতে স্কর্ম পর্যন্ত করতে পারে না। অভগ্রে কর্মকর থেকে হানুককে মুক্ত করে উরীত করার কবা মহান কবিরা প্রথমে মানুবদের ককাম কর্মে নিযুক্ত করেন। করেন भावतिक्षित्र कर्म कमुहाम मा कन्नाल, पुलित वा निवासीत कत शब्द स्थान यात्र ल। आयामान्त्र्न स्थलित सम्बित क्षपदान गृष्ठि, चालन अवर भरहातकार्थं मन्भानन अरङ्गः। এইডাবে কর্ম করা সংখ্য ভিনি কথনও আসক হল না। ঠার যে সমস্ত ভাতৰুম্ম ঠার পাগত অনুসরণ করেন, ওারাও ক্থনও বছ হন গা। ভগবান হীকৃষা ঠিক একজন সাধারণ মানুদের মতো আচরণ করকেও, কবনও

েন্দ্র পুনে করেবি কল তোল করের ধ্যাসনা করেন 📺 🗸 erfor পূৰ্ণ আগময় সমন্ত্ৰ প্ৰস্কু লগতে প্ৰক্ৰ নতাত্ত এক্তরণে তিনি তার নিজের মার্গ শিকা মেন এবং क्षेत्रहरू दिनि प्रकृष्ट शहरीर भक्त धर्मार करान । साथि _{সক্ষাতি} তার অসমিতি সেই পদ্ম অনুসর্থ *কর*তে कन्द्राथ सरिवः"

श्चिम प्रकारण (भारतामी कार्याम---"शास्त्रम का रूका ইন্নিৰ্দ বানক এই বৈদিক মন্ত্ৰ উচ্চাৱন করে সমাধিত্র লবন্ধিকান, ভাষা কাঁকে দেশে রাক্ষণ এবং আনুরেরা অভাৱ কথাৰ্ড হয়ে বাঁতে প্ৰাস কৰাত চেম্লেছিল প্ৰায় আৰু ভালে অভি ক্লাউবেলে জান নিকে ধাৰিত চাৰেছিল। ভারান শ্রীবিক্ হিনি সকলের হলতে বিবাহ্যমান, তিনিক क्षान्द्रभ जानिर्द्ध्य बराविरमा । प्राचन कर बनुद्धान খারদ্রক মনুকে প্রাস করতে উদাত সেখে, তিনি বাম স্তাহৰ ভারে পুত্র এবং অন্যান্য ক্ষেতাদের স্থারা পরিবৃত্ত इता, त्नरे नमक शासन अवर अनुशत्य तरहात কর্মেছলেন। ভারপর তিনি ইত্যের পদ বহুৎ করে ভর্মলাক শাসন করেছিলেন। অতির পুত্র বারেণটয बिटीन को स्टाक्तिका। शुपर, मृत्यन क्यर (तिर्विचर প্রভৃতি ইয়া করেকটি পুত্র ছিল। সেই সারোচিন মধন্তর मश्रवि इस्तिहरूका। क्रीया मकरलेरे हिस्सा समयास्य নিষ্ঠাপরারণ ভক্তা বিখ্যাত কমি বেদশিরার পত্নী ভবিভার গর্ডে বিভূ মাহক অবভারের স্বাহ্ম হয়েছিল। সালক্ষাক এক ওও।" নিতু আজীক ক্রমচারী এবং চিরকুমার ছিলেন। অন্তালি राजल पुनि देश करड् जाय-भरवर, छश्म्य चारि धाल्म निका श्रद्धन करतम।"

"হে প্রাক্তর, ভৃতীয়ে মনু উত্তম ছিলেন মহারাজ क्रिकारका नुवा। भक्त, मुक्का जरुर प्रकारहात अकृति वहें ম্পূন পুত্র জিলেন। ভাতীয় মন্বভাবে প্রমদ জানি বসিটের

পুরের দর্ঘাই হয়েছিলে। সার, কেন্দ্রত এক ভারত মেরার ইরেভিয়ের এবং সম্রাভিৎ কেরোক ইন্সকার এবং সম্পূর্ণবাস্থ্য আতার। মানব-সমায়ের পরম অনুমনিত হরেছিলেন। এই কর্মে হরেছ পরী ক্রুতের गार्व अन्तरम वर्गरहरू इएटीएएस द्वार दिने नदारक আলে বিভার ছার্রেলেন। তিনি সতারত নামক মেবতালৰ সহ জাতিওঁত ব্যৱস্থিতকৰ উত্তৰ লগ্ৰে অধিতিত সৰা সভাজিৎ সমু সভাসেল মিখাছাৰী, मुडावती अब मुद्दे प्रार्थभीतक रूप, प्राप्त अस इक (प्रदेशना नास्त्र क्रिक्_{रिक}ः) स्टेंड प्रमु डेस्ट्रस्ट क्रिस अध्य एड्रबं क्यू स्ट्रॉस्ट्रका। स्ट्राट्स १९६ स्ट्री, स्ट्र কেন্দ্র আদি স্পরি পুর ছিল। তারের সংগ্রেরে সভাক, र्रेड अन्तर वीरतन सन्दर्भ श्रुप्तीतनम्। हेन्च हर्द्वाहरूनम् विनियं बद कार्डिश्व आहि मर्श्वर्य स्ट्राइस्ट्राव । इस প্রাক্তন, তামন মহন্তরে বিশৃতির হৈত্তি নামক পুরুষণ দেবতা হবেছিলে। কলের প্রভাবে বৈদিক প্রকাশ নট **एएड पाकरण, राजे जाला (प्रकटांडा टीरण्ड (टरफर** প্ৰভাৱে কো বাৰা ধাৰ্মেকলে। এই স্বাভাৱেও উপায়ত कैविक प्रतिरम्भात गड़ी श्विनीत तर्छ स्वाटश्य करबहिटाम अपर दिनि इदि आहा चाह इस। दिनि कृषित्स एव (चटक ब्रह्मक्टरक क्रमा करहिएक।"

মহারাক্ত পরীর্ত্তিক কান্যান—"হে বাদপ্রবাদী, কৃমিরের বজের পুর রোচন ইয়ের পদ প্রহণ করেছিলেন। তুবিও জরা গরেন্দ্র আমান্ত হলে, নীহরি কিন্তাহে ওঁচকে কল অনি মুখ্য দেবতা হয়েছিলেন এবং উর্থা, জন্ম আদি । করেছিলেন, নেই কল্ম আমন্ত নিয়ারিতভাবে ওনতে ইন্যা করি। যে শতে বাংবা করিছে উত্তয়ানক ভগবানের महिमा चर्निक हत, का निश्चिक्तरन महान, कह, कन,

> শ্রীপৃত্ত দোরামী কালেন—"হে প্রাথবরণ, আসর মৃত্যুর প্রতীক্ষর। প্রধানবিষ্ট পরীকিং হয়ারজ কন্য **७वरम्य भाषामीत्य धरेखारः कार्ल का**रतार कारण्य ভৰ্ম মহাবাজের বাকো জন্পানিত হয়ে, ওত্যের **(भाषाणी समारक कविन्नव जानिता संवर्धक वर्शवंसक** সভাবে হয়) আন্তথ্য অস্থিতের 🖰

ছিতীয় অধ্যায়

कामण शृहान

গজেন্দ্রের সঙ্কট

নামে এক অতি নিশাল পর্বার জনারে। ভার উভ্যন্ত কর্ম কালিয়, বধুক, কাল, তথাল, তার্থন, অর্থন, ছবিছ য়ালরে বোঝন (থালি হাজন মাইল)। কীন সন্তার উদ্ভার, প্লক, কাব্য, বট, কিংকন, চনান, বিচয়র্য, बाह्या (राविष्ठ और भवंद्रवर्षि चारतक मुन्तर । अरि भवंद्र (स्वाचित्रत, नतान, रावनान, द्वापन, रेकू, तका, वाप, वार्ती), रिहर्ष अबर शहर अबाव (बानि बाबाव बारेन)। जब, बच्च, बायनकी दक्षि माना शबाव प्रकार का লোহয়র, বৌল্যারা এবং ক্রামার ভার তিনটি লিখন। উল্লেখ্য ক্রাক্তমণে পূর্ণ এক বিনাল স্ক্রেবর রয়েছে। ত স্থানিক এবং আকাশকে সৌন্দৰ্যমতিক করেছেঃ সেই কুম্বন, কড়ার, উৎপদ এক শতপানে পুনি যা সেই পর্যতের জন্যান্য শুক্তর রারেছে, বেশুলি বশিরত ও পর্যতের শৌকর্য বৃদ্ধি করে। সেখানে বিলু, ভালিত बाइरक पूर्व अवर कुछ, कुछ। च स्ट्राफ मूर्शाकित। एन्हें काचीन अवर कहारिक वृक्त बरवरह। प्रथुशास प्रक পর্বতের কর্মার জনের কর্মী অভ্যান্ত মনোহর শত-ভরেষর বামবের পানির অভ্যান্ত সুমধুর কুমনের সালে ওঞা স্থাই করে। সমান্ত দিকো শোভা বর্জন করে সেই পর্বত করাছিল। সেই মান্তেবরটি ছংল, কার্যভাত, চরাকাত, বিরাধ্যান। সেই পর্বতের পালবেশ সর্বন সুক্ষ-ভাল্কের। সারস, জনতু কুট, লাড়াই, কোনটি এবং অন্যান্য হারে ট্রেড হয়, এবং সেই দুব ফাইনিকে ভিডার, দক্ষিণ, কুজনদ্বীন পানীতে পূর্ণ ক্ষাকে। কংস্য, কচ্চপ প্রভতির পূর্ব, পশ্চিম এবং ছামের মধ্যবাচী আরও চারটি বিক) সভারে পতিত পরপরাগ নিয়েও হওয়ার ফলে, সেই मदक्ट मनि गृष्टि करतः शिक्, झरुष, शकर्व, किसावत, महामर्थ, किता अवर क्रक्तांभग (मोरे भर्वरण स्था) कारण যান। ভার কলে সেই পর্যন্তের ওহাওলি সেই সমস্ত উচ্চলোকের অধিবাসীদের ছারা পূর্ণ অভে। পর্বত ক্ষমত্র কর্মালকর্মীলের মহিতের প্রতিক্ষমি রাজ্য করে নিয়ের অন কেন নিয়ে স্টেডাবে বর্তন করছে মনে করে, ভাবের নিকেনের শক্তিতে বর্তিত হয়ে অসহ্য মোলে গৰ্মন করে। ফ্রিকট পর্যক্ষের প্রান্তকেশ নামবিধ কৰা পশুসমূহে আলক্ষত এবং দেবভাবের উব্যালনা বৃক্তে পঞ্চীয়া সূত্ৰধূ। যাত্ৰে কুজন কলে। বিক্ট পৰ্বতে বহ महत्त्वस्य अनर नहीं अरसरह. स्था पढे सनिवद संगुलासनित স্থাত আক্রাণিত। তার জল শ্রুটিংক্যা বক্তো নির্মণ এবং কর্ম কর্মনার্থ করন লেখানে প্লাম করেন, ভাকা ভাষেত্র দেহের সৌরহত সেক্ষরতার কাপ এক বাছু সুরভিত হয়। ক্রিকট পর্বতের উপভাকায় কতুরং নামক এক উদ্যাধ রয়েছে। সেই উদ্যানটি মহান ওপবছক কলাদেকে এক **ाहै (नवदी)तम और**फामाने। (माँहे मञ्च कडरड मान्ह श्रकात कृत करा भएन नृत् धारक। फारना सत्थ রয়েছে—সম্পার, পারিঞাত, পার্টেল, অংশক, চল্পক, চত,

শ্রীল বন্দেরে লোকামী কললেন—"হে রাজন, ত্রিনুট লিয়াল, পাল, আন, অলোকক, ক্রানুক, নাইকেল, কর্মার জল এক অপূৰ্ব সৌশৰ্বে ধরণ করে। সেই সরোধরটি ক্তবন্ধ কেন্দ্র বাব, বাবি, বারুপক, কৃপ, কুরুবক, আশ্বেক, নির্বাদ, কৃটার, ইকুন, কৃচ্চাক, স্বর্ণকৃতী, নাল্য, পুলাধ, স্নার্চী, মন্ত্রিকা, শঙপরে, জালকা এবং মাধবীলতার পরিকৃত। নেই স্বোধনের তীর মর্বখড়তে কৃল এবং কল উৎপালনভাতী কৃষ্ণের স্থানাও আলম্বত। এইভাবে সেই পূৰ্বভাট অপূৰ্ব শোভায় হতিও হয়ে নিয়াৰ্থান। সেই ভিন্ত পৰ্যন্তে কালবলী এক পৰাব্ৰপতি ছবিনীখৰ সূত্ৰ কা কৃত্ৰ, লক্তা, কেছ কাৰ কৰে, ভাষেৰ ভীক্ত কৰ্টক প্ৰচাৰ কৰে, মৰোৰৰ অভিন্তুৰে বিচৰণ কৰছিল। সেই গলেন্ডের পদ্ধ হার্ট্ সিংহ, কান্য ক্ষেক্ত, আম আমি हिरत कर्य, जवात, वहामर्ग, त्यंड अवर क्रकार्ग मध्य এক চমনী মুগসমূহ ভারণেত প্রধানন করেছিল। সেই গজেলের কৃপার শুলাল, নেকড়ে, মহিব, বরাব, ভারুক, ক্ষেণুক্ত, পকাদ, খনর, প্রক, হরিণ থানি কুর পতরা তার ভবে ভীত শা হরে, শারণ্যের জনাত্র কিরাণ করছিল। युक्त कार रही ६ इकिनीशन नविद्यंदिक इस्त धना শ্বৰকাশ কৰ্তৃত্ব অনুসত হয়ে, সেই গৰাগতি ভাই কেইব ভাৱে ব্ৰিণ্ডট পৰ্বত কশ্লিত কৰেছিল। স্বৰ্যান্ত কলেবৰ্বে লেই সমগোৰী গলেকেৰ দৃষ্টি মদবিহণ ব্যৱহিত্য মাগোটী ক্ৰমৱকুলের বারে সে সেবির হয়েছিল একং ক্রমার স্বাসিত স্বোবরের মৃত্যুক্ত কর গৈ দর থেকে कार्यात् करशीहरू। अप्रैकारक स्मृत कार्यः कार्यक লালের হয়ে, পাঁচ সমোদনের তীরে এলে উপন্থিত बार्वाक्ति। शहकता महासरहा शहकानुर्वक पुर कालकारक ets করে কার ক্রান্তি থেকে বুল হরেছিল। ভারণক জলানবাসী কুরিবের সেই সময় সময় বাদ বৃদ্ধি ा हार केंद्रात बाजा *द*ाहि गरवायरात भीरता, निर्मात যানতভাগ কাশ, যা পথা একা উৎপালের মেণু মিলিক নে তার উল্লেখ ভারা সেই সংখ্যাবনের জন আকর্ষণ করে ভখন পক্ষেত্রের সেই ভাঁকা পরিস্থিতি দর্শন করে, তার **ক্ৰেয়া খনোছিল, কিছা কোই কৃমিছ ছিল জ্বাপতিশালী,** তাই কাল্য ভাকে উত্তার করকে পারেনি 📬

্রে জন্ম, সেই বজের ও কৃত্রির এইভারে জনের মাখ্য এবং ডালের নাউন্তে পরশ্বেরতে আকর্ষণ করে এক प्राणाव अस्त श्राह कुछ कर्रातिक । जारूच ट्राईट कुछ (संदर्भ কৈতেয়া কভাত আভাগৈত হার্কেরেন। স্থায়ণ্য আল राविषे हरत वीर्चकाल श्रह कहा वहान करना, सहस्र रहत মানসিক, লৈহিক একং উল্লিয়ের বল কর হুরোছিল। কিছ (गर्ट्सन) (महराही तमें गतन्त्र क्या रामण (दे, বৈৰকণত ভূমিকে। বলা আলার হলে পরিছিতিক বলে নিজ্ঞ আ পুৰ্বারবেশ কৃষ্ণ মা শুধানা পর্বন্ধ পাল করেছিল। সে সম্পূর্ণ আনহাত্র এবং নিজেকে সেই বিশাস খেতে আধ্যাধিক আন বহিও মানুৰ বেবল তাৰ পৰিবাধেৰ উভাগ কাতে আৰম, ক্ষৰৰ সে মৃত্যাভাৱে আতাও ইতি সমসালের প্রতি অভ্যন্ত আগন্ত হয়, তেন্দেই সেই প্রভেক্ত স্থানেরিল। স্বান্ন কলে দীর্ঘকনা ধরে চিল্ক করে গে এই क्षतरात्मत क्षतान स्मारिक करक काने कड़ीरमक का जिल्हात केन्द्रीय स्टाहिन। खादान कानीत क्षत कानाव লাকেশের মান করিয়েছিল এবং বাল পান করিয়েছিল। বন্ধ প্রতিয়া আমানে এই নিগম থেকে উদ্ধান করতে গারল বা। সুতবা আনার পরীয়ের আর কি কথা। আনের নারে ডা সিখন করেছিল। সেই প্রচেটার ভার। ভারেনা শতে কিছু করাই সম্ভব নর। বিধাতরে ইক্যান্তরে (र कटोला शतिक्षण शराविता, तन्दे कमा तन निक्षे भाग । चारि और कृषिका साल चारतन्त्र शरावि, कारे चारि अन्य ৰবেনি। হে ব্যৱস্, টেবফ্মে এক অন্তক্ষ কাৰণ কুনির ভাল্যানের শরণ প্রহণ করব, বিনি সর্বাগ সকলতে আহম সেই গরেন্ডের প্রতি ক্রম হয়ে কলে ভার চাল অক্রমণ। প্রধান করেন একন কি মন্তপ্রকারেন। ভূপবান দর্ভেছ আবেরিক। সেই গালেন্ড অবশাই অভায়ে কার্যান ছিল। কিছু ভারে পাকি এবং প্রভাব পানীর। প্রাই, অভার এবং দৈনবাশ্ব এই প্রকার বিশবে পরিষ্ঠ হয়ে বে ভাষার এবং কারন কলমূর্ন যদিও সকলকে প্রায় করেন নিজ্যেক মন্ত করার জন্ম মধ্যাদাধ্য চেট্টা করেছিল। জন্ম খ্রুড কেখে অধিকারভাবে ভাগের পিছনে খারিত হছে, ভবৰ থেই কলসংগঠ ভৱে তীত হতে কেউ কৰি বর্তমা বাচার, বংশিত হরে ক্রাম্ম সমূহে ওক্ন করেছিল। তার্বাচার শরুলালত হল, আ হলে স্কার্যান তাঁকে রক্ষা ক্ষমা চক্ৰীয়া গ্ৰাক্তেকে পিছৰ খোকে মত্ৰ সহাক্ষ কৰাৰ কৰেছে, কাৰা ভাষাকেছ ছবে যাত্ৰ বাংও পালাৰৰ কৰে : ভাই কৰি সকলেও কাল্ডৰ সেই প্ৰথম প্ৰভিত্তাৰ প্ৰয়েশ্বৰ क्रमकादम्ब नक्ष्मभागः होते ।



ততীর অধায়ে

গজেন্দ্রের স্তর্

প্রীল শুকুরের হোক্সমী বলগেন—"তারপর, করেন্দ্র তাৰ ক্ষাকে পূৰ্ব বুৰ্তমেন্তা সহকারে হেলতে স্থিৰ করে, তাং পূৰ্বজন্ম ইয়েশ্যসকলে বৈ মহ শিংসাইল এবং ক্ষণবাদ প্রীকৃষ্ণের কৃপায় বা তার অংশ হরেছিল, কা অপ करविद्या ।"

ব্ৰুক্তের বল্ল-"আমি পরম পুরুষ বাসুমেবকে আমায় সুমাধ প্রণতি নিবেদন করি (ওঁ নামে ভাগবতে বাস্তেখন)। উন্নই কালে আভার উপস্থিতির কলে এই ক্ষত পরীর কর্ম করে এবং তাই তিনি সকলের মূল করেণঃ তিনি ব্রখ্যা, শিল্ন জানি মহাপুরুবদেরও পুরুবীর 🚁 তিনি প্রতিষ্ঠি জীবের জনতে প্রবেল করেছে। সারি উন্ন ধ্যান করি। শারদেশর জানান হচ্চেন প্রত অধিষ্ঠান বাঁকে জানার করে সব ভিছু বিধাক্ত করে, তিনি সেই ইনাদান বা জেকে লগ কিছু উৎপদ্ন মৰেছে এবং ডিনি श्राप्तन शुक्रव विभि वहि कार गृष्टि करजाएन करा वहे অগ্নতে একবার কালে। বিশ্ব হা সংস্থে তিনি কার্ব এবং কারণ বেকে ভিত্র। আমি নেই বছং-সম্পূর্ণ পর্মেশ্বর ভাগবাদের শ্বণাগত হই। প্রধ্বেশ্বর ভাগবাদ তার সামা বিভাগ করে কথনত এই জগণকে প্রকাশ কারেন এবং কখনও অপ্রকট কারেন। তিনি সর্ব क्षत्रभूटच्छे नतम कारण अवर नतम कार्य, व्यिन स्रोत अवर जाकी पंचतरे। छाड़े किमि गयं किबुतहे **क**रीय। ग्रिटे প্রমেশ্বর জগবান আমতে রক্ষা করন। কাল্ডারে বর্ধন সমন্ত্র প্রহলেকি এবং লোকপার্গাসন সহ এই প্রথাণ্ডের मास्य कार्य अवश् कान्नरता कियानं एवं, क्रथम आक श्रृष्ठीय অভকারাজ্য গরিহিতি বিরাজ করে। ভিত্ত সেই व्यक्कारतः करणं स्ट्रास्य नदस्यक कन्तामः व्यपि ক্টার ঞ্জিপাথলকের পরণ হাংশ করি।"

"ভাৰম্পীয় ক্লেডুৱার আছাদিত হরে বিভিন্ন প্রকার গতিবিধি সংকারে রক্তমকে নৃত্যপরারণ নির্মীকে বেমন হর্ণকো চিন্তে গতে মা, তেমন্ট, গরুই অভিনেতার কার্যকলাপ এক আকৃতি মহান দেবতা এক ক্রিয়াও

বৃহত্তে পাজেন না, সুডরাং নির্কেশ পশুনের অরু কি কথা। দেশতা, পৰি এবং পৃথিবীৰ জীবেয়া কেউই ভগনানের অকৃতি কৃততে পারে না এক জন্ম প্রকৃত ভিতি সংস্কৃত খাবা কল্প করতে পারে না। সেই পর্যানর ভারতার आग्रहरू दक्त करूम। जनगरी, मक्ट्रान नृश्म, मर्वडासी মহর্ত্তিগ্রন, হার কর্ম-মহন্দময় শ্রীলাদপক্ষ দর্শন করার अञ्चार वहन क्ष्मार्थ, बारवाद अवर अवास क्रम वानीसन করে, সেই ভগৰান আমার গতি হোন। ভগবালের কর सम्बद्ध कर्य, नाम, साथ, छन चलका (साम (नहें) । तम फेंग्बरमा ओर बाद कारण मृष्टि अवर विनान देव, राहेर উদ্দেশ্য সূত্ৰৰ খনাও অন্য তিনি তাত্ৰ অন্তঃসা দাছিত্ৰ প্রভাবে জীরাসভন্ত, জীকুসভন্ত আদি নররূপে অবতীর্ব মুন। ভারে শক্তি অসীম এবং কড় কলুব থেকে সম্পূর্যক্রমেণ মুক্ত কার বিবিধ রাগে জিনি অভি আকর্য কর্ম করেন। তাই তিনি পরস এক, আমি উল্লেখ আমার সভাদ প্রণতি নিবেছন করি। যিনি সক্ষণের ছাগনে স্থাকীরণে বিরাধানার, বিনি জীবন্ধ জ্ঞানের স্থালোক अपन भटन कर मन, वानी चर्चत (अञ्चक चनुनीमानव দ্বাৰা বীয় কাছে পৌখানো বাচ না, সেই স্বরপ্রকাশ পরসাধ্যকে আমি নমন্তার কবি। চিকার করে ভব্তিপ্রসাল ওছ ভড়েরাই ভগবানকে উপদত্তি করতে লাকে। তিনি নিৰ্বাদ সুখ প্ৰদান্ত। এবং চিশ্বৰ লোকের গ্ৰস্ত। তাই আমি জাকে আমাৰ সমস্ত প্ৰথতি নিৰেনন করি। সর্ববাধ্য ভগরান ঝাসুগেন্তকে, নুসিহেমের আদি অপ্রানের উপ্র রুপ্তে, সমাহত্বের আবি ভগ্রানের গতন্তগতে, নির্বিশেষবাধের প্রচারক শুগরার ক্তারেরকে, ভগবান কৃষ্ণানৰ এবং অন্যান্য সমস্ত ভাৰতাক্তৰত ভাৰি আমাত সপ্রাথ প্রশৃতি মিবেদন করি। বিনি নির্তেশ হওয়া সংখ্যে জন্তা প্ৰকৃতির সৰ্, রক্ষ এবং ত্ৰোওগণ্ডে আৰ্থ করেন, সেই ভগতানকে দাবি খাবার সংক্র প্রণতি দিবেদৰ কৰি। তাৰ নিৰ্বিশেষ ব্ৰহ্মজোডিকেও আমি আমার সমত শ্রহতি নিবেদন করি।"

পতে ভাগোন অবর্ণনি পরমান্তা, সর্বাধাক্ষ, কমন্ত আনমান পুৰু, আধীনায়ন্তম, কর্তাকৰ, ধন, বিভ, পতিসাক আনিকে ুল্লী স্থাননাকে আমি স্থায়ের সম্ভন্ন প্রদান্ত নিজেন 🚁 । আপনি প্রপৃতি এবং প্রবাদের উৎস গরন পুরুষ। সংগ্রুতির কলম থেকে সর্বভোষ্টারে মুক্ত পর্যমন্ত্র লাপনি সমত্র কড কগৈলে অধ্যক্ষ। তাই আপনি পরত্র পৰ্ব। আৰি আপনকৈ বাফার সম্রদ্ধ প্রণতি নিজেব ছবি। তে ভাগৰান, খাগৰি শমত ইতিযোগ বিষয়েল প্ৰত व्यक्तिक कंपा वादीच मरणवृक्षण मधमान मधायाज्य ক্ষেম সমালো নেই। ইন্ড আগৎ আগনর ছারার মাড়া। নাম্যনার্কে, আপনার অভিযুক্তর আভাস প্রধান করে জুলাই এই ছাত্ত জাগত্তে সভা বলে মনে হয়। যে প্রস্কু, আগুরি সর্ব-কারণের পরের কারণ, কিন্ত আপনার কোনে কারণ নেই। ভাই আপুনি সাম কিছুল আত্রুত জালা। জাপুনি প্রাক্তন পক্ষরতার ও বেলাক-মূত্র আদি শান্তে নির্মিত বৈলিক बात्नर चात्रत धनः तरे त्राच नाव जाननर त्राचनः প্রাণ এবং জাগনি পরশারের পরম উৎস। বেচ্ছে খাপনিই কেবল মৃতি ক্লমন করতে পারেন, ভাই সমস্ত অধ্যক্তবাদীকের আপনিই একমার আহর। আপনাকে ভারি খামার সম্রাভ প্রাণ্ডি নিকোন করি। যে গ্রন্থ, অধি । ভাকের কথেও ভারত্যার কাছে কোন করেন করেন বেয়ন অৱশি কার্ডে আছাদিত থাকে, তেমেই জাননি না। কিন্তু অহি একা এক মহা সম্ভটে পতিত চর্বেছ, এবং আপুনার আন করু প্রকৃতির ওপের বারা আন্দর্শিত। তাই আমি সেই নিডা, অব্যক্ত, একা আছি ভালনার মান কিছু বারে প্রকৃতির কার্কেলালে অভিনিবিষ্ট স্বাধান্তবাদেরও ইবার এবং কেকা অভিবোহনর বারা হয় না। বাঁরে আবাশিক জানে উন্নত, থানা বৈনিক বিধি-নিয়েশের অধীন না। থেত্তে এই প্রকান উর্যাত । তাই ভিনি আরপ্রের ইক্সির এবং সমস্ত ব্যস্ত অনুভূতির আৰম্ভা কড়াতীৰ চিত্ৰৰ করে অধিচিত, তাই জাননি স্বাং উপের ৩% জনরে একাশিও হন। স্বভঞ্জ আমি অপনাতে আমার প্রথতি নিবেশন করি। বেচেত্র আমার মকো একটি পশু লাম যক আপনার লামণাপত হতেছে, ভাই অবশাই আলমি আমাকে এই ভয়ৰৰ পৰিছিতি থেকে মৃত্যু করবেন। বস্তুতগলে, আডার করণামর হওয়ান তলে, আলমি নিরবর আমাবে মুক্ত করার চেটা করেন। পরখন্তারূপে আপনি সমস্ত দেহখরী জীবের ইনতে বিরাজমান। আগদী প্রতাক দিবা আনক্রেশ বিখ্যাত এবং আগমি কাৰ্যীমঃ সেই লগমেশ্বা ভাগকা অপন্যকে আমি আমার সভার প্রপতি নির্বেশন কবি। ছে উপবান, বীঠা সৰ্বচেন্ডাৰে ছাত ভাৰতের কল্প বেক্টে মুক্ত, তীরা সর্বদাই তাবের অনুবের অনুবাদ জাগনার খাল করেন। আহার ছালে হারা মনোধানী করান-কর্মনা,

আসক্ত, হালের পর্যা আপ্রি দুয়োগ্য। হরপনি স্বায়া তগৰান। আপুনি সমস্ত জানের উপে প্রায় ঈশ্ব। থানি ডাই আগনকে আহার সংগ্রহ প্রণতি নিবেদন করি। হৈ ভগৰানভে বহুৱাঞ্চল কবলে চতুৰ্বপ্ৰভাষী ব্যক্তিৱা फरानंड राजना राजनाहरू वर्ष, रहत् भाष अवर आण नाम करण भारत्व, का शक करणना वानारीएक बाद कि কথাৰ প্ৰকৃতপক্তে ভৰ্তন সেই প্ৰকাঠ উভাচিলাৰী উপাসকলের ভিতর দেহও প্রমান করেন। সেই খালার ক্ষপামৰ ভাষতে আহাতে এই বৰ্তমান সমট এক সলেম-বৰ্ম থেকে মুক্ত হওৱার অসীর্বাদ প্রদান কলম। ঐকাতিক ভালেরা, বীবের ভাগরনের সেবা করা প্রকা আর কোন বাসক নেই, তাঁরা সম্পূর্ণকরণে শহরণগত হরে তাল আরাধনা করেন কাং সর্বাগ উল অভি অভত ও মালসময় কাৰ্যকলাল প্ৰকা ও কীৰ্ত্তন করেন। এইকাৰে ঠারা ফলা অভ্যন্তে সমূত্রে মার্গ কারেন। এই প্রকার লভঃ নেই ভগবানের প্রার্থনা করি ৮ তিনি অভান্ত সংগ্র ফঠাও। তিনি অসাম, তিনি আদি ফাল্ড এবং তিনি সর্বভোজেরে পূর্ব। আমি তাঁকে আমার সভান্ধ প্রপতি निरुक्त कवि। अधिका चीत्र पश्च वाल बाह्रा জীবতভূতেৰ কৰা আদি দেবাাৰ এবং বৈদিক জানেছ विद्वात (माम, करू, सबु: अपर काधर) अपर दिवित नाम ও ৩৭ সময়িত চয়াচত সমস্ত লোক সৃষ্টি করেন। -ভূলিক কেন্দ্ৰ অন্তি থেকে নিৰ্পন্ন হলে অথক **উচ্ছ**ক বিরণ বেখ্য পূর্ব খেকে প্রকাশিত হয়ে পুনরার ভাতেই প্রবেশ করে, তেজাই হল, বৃত্তি, ইপ্রির, সুল ও সৃষ্টা পড় দেহ এবং প্রথতির উল্লেখনত কলাক্স-এই সমই ভারান খেলে উত্তত হয়ে পুনারর উটা মধ্যেই সীন হয়ে पात । किने (नक्का नक वा भागव मन, किने सन्ब, भक्ने धारका तरु करा। जिसि औं तम, तुसन्द तम धारक कीत त्रम्, छिनि बच्चथ नमः। छिनि बच्च ७५, सकाम कर्मः প্ৰকাশ এবং অপ্ৰকাশ নাম। ডিনি 'নেডি নেডি' নিখেংধৰ অবধি এবং তিনি অনত। সেই প্রমেশর ভগবান জনবৃদ্ধ হোল। আমি কৃমিরের কথল থেকে মুক্ত হয়ে খাঁততে চাই না। ছাত্তরে এক বাইরে অব্যানের ছারা আক্রাধিক এই হকী শরীরের কি প্রয়োজন ? আমি কেবল অধ্যানের আধান গৈছে সৃক্তি জানন করি। সেই स्रातका स्वराहत शकायत पात्र किन्हें का या। अपन स्वरित পূর্ণবংশ সংসার-বন্ধর থেকে মৃক্ত ছঙগার ব্যস্তা করে, সেই প্রথমকা ভাষামকে আমার সভাক প্রণতি নিকেন ক্ষি, বিনি সমগ্র বিক্ষের শ্রন্টা, বিনি স্বরং বিক্সেরাণ এবং 🖦 गरबुङ विनि और विरुक्त चन्डीह। छिन्नि और सागरका मन किनुत नदम धारण, विरुग्धः चतमत्ता। हिमि धार এবং পর্য প্রস্করপ। আমি শ্রীকে আনার সমস্ক প্রগতি নিকেন্দ্ৰ করি। অন্তি পরমেশ্বর, পরমাশ্বা, কেগ্রেশ্বর ভগবাদকে আহায় প্ৰণতি নিৰেলন কৰি, ৰাংকৈ ভজিবেংগর অনুশীলমের বাবা কর্মকা বেংক স্ক্র্রন্তে মৃক্ত হতে সিদ্ধ খেণীরা জাঁলের নির্মণ করেরে অভড়লে কর্মন করেন। (ই প্রস্তু, জাগনি ভিন প্রকার শক্তির অসহ) কেনো নিরস্তা। জাগনি সমস্ত ইজিকস্থের উৎসক্তরণ প্রতীয়খন এবং আপনি শ্রনামতক্ষমের রক্ষক। আগনি আবং শক্তি সমস্থিত, কিছু সাৰা ইন্তিক-সংঘৰে অকম ভানা আপনাকে লাভ করতে পারে মা। আমি যার বায় জাপনাকে খামোর সমান্ত প্রশতি নিবেদন করি। আমি ভগবানকৈ আমার সম্ভন্ন প্রাকৃতি নিবেছন করি, জীর মারাংগ আয়া তাঁয়ে নিভিন্ন খংল খীৰ দেহাস্বপূজির খলে, ভার প্রকৃত স্বরাগ বিস্মৃত

হর। আমি ভগরানের শরণ প্রহণ কবি, মার মতিয়া কোবা কঠিব।"

জ্ঞান ওবংগৰ গোদ্ধামী বলকেন—"গড়েন্ড খনন জোন বিশেষ ব্যক্তিয় কৰি৷ দা করে গনমেকতে এটঞাৰ সপ্রেপ্তা করেছিল, তথন সে ব্রহ্মা, পিব, ইপ্স, চন্দ্র আদি দেকতালো আহান করেনি। ভাই থারা কেউই হয়া কালে আসেনিঃ কিন্তু, ভগখন জীহরি হচ্ছেন পুরুষোভ্য প্ৰমান্তা, ভাই তিনি গলেয়েৰ সন্থাৰ জাবিওঁত बरबहितनन। शार्थनतात भएकरात्रः व्यर्क वनका द्वार लाउ, स्थायान विनि गर्रत विवास करवन दिनि सुवागन দেবতাদৰ সহ সেবানে আন্তির্ভত হরেছিকেন। গরুভগঞ আরোহৰ করে, ইয়া অনুরূপ কেপে, চক্রা আদি অন্ত ধারণ করে তিনি হেখানে গজের অবস্থান কর্ছিল, দেখানে জাবিওঁত হয়েছিলেন। গাজেরা সেই সমেবজ্য অনুসা কুমিনে শ্বান আক্রান্ত হলে অভ্যন্ত কোনা অনুষ্ঠা করছিল, কিছু সে যকা আকাশে গনভান লিঠে উল্লেখ্য চক্ৰ ভাৰনেকে দানি করেছিল, কালা গে তার ব্যান্ত একটি প্ৰায়ুল নিয়ে খতি কটে অৰ্থাইল—"হে মাধারণ, হে অনিল ওচ, হে ভারতার, আমি অংশনারে খাক্র সমায় প্রশতি নিধেন করি।" তারপর, সম্বোচন সেই পীড়িত অবস্থান কৰি কৰে, আৰু ভালকন আঁইটি ভংকসং উল্ল আহতুকী কৃণাক্ষত গ্রহড়ের পিঠ থেকে অবকাশ করে, কুমির সহ গঞ্জেলকে অল থেকে টেনে উঠাকে এক ভারণর দর্শনকৈ সমক দেকচানে সমকে क्षेत्र प्रसाम कता कृषितात्र पृथ विभीनं कात वासकारक উদ্ধান করপেন ("







চতুৰ্থ অধ্যায়

গজেন্দ্রের বৈকুষ্ঠে প্রত্যাবর্তন

মাল ওকলেব গোস্থামী বলংকন—"ভগবান হখন রাজন্তাক উদ্ধার করেছিলেন, তথা ক্রমা, নিব আদি কেতোগৰ, অবিগৰ এবং পঞ্চালৰ ভাষতানত এই কাৰ্ডের লালের করে ভগবান এবং সম্বেক্ত উভরেরট জনম নকার্বাণ করেছিলেন। ভবন কর্মের দুক্তি বেজে क्षेत्रंदिश, प्रकार्यता मृठाभीठ कराउ छक्न करत्विश क्षर ৰ্মান্ত ক্ৰমণ ক্ৰমণ প্ৰকলেনৰ ভগৰানেৰ ভাষ ভবতে ওঞ্চ করেছিলেনঃ কেখল খুনির অভিদানে क्षार्वत्सर्व जामा हरू अवकी कृतिक अतिकठ स्टाव्हिका। स्टीटवृत्ति आस ८१क " এখন, ভগবানের গারা মুক্ত ইওবার কলে, তিনি এক ছাতি সুক্র গৰ্মকাশ ধানৰ করেছে। কর কুপায় স্তা এইভাবে মহারাছ ইন্দ্রদায়কে অভিনাপ দিয়ে, আনতা চারতে ডা ব্রুটে পেরে, তিনি উৎক্ষাৎ চার মন্তবের । মুনি তার শিয়াল সহ সেই স্থান ভাগে করেছিলেন। ছারা প্রণতি নিবেদন কৰে উভযজ্ঞাক পরম নিতা রাজা কেন্তে ছিলেন ভগবন্তক, তাই ডিসি জগঞ্জা মুনির ভগবানের প্রণামীর্তন করতে জাগলেন। ভগবানের অভিনাশকে ভগবানে ইন্দ্র বলে নিকেনা করে আ গ্রহণ আহতকী কৃপার উমা পূর্ব রূপ কিরে পোরে, ব্যবা হতু করেছিলেন। তাই যদিও পরবাচী জীবনে ভিনি একটি ভাবনেকে প্রদক্ষিণ করে এবং প্রণতি নিবেদন করে, হলা - হর্মী পরীর প্রস্ত হমেছিলেন, ভবুও ভাগনান শ্রীহরির वापि प्राप्तकारमञ्ज्ञ वाच र जाएक धावापक्ष व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्तिक विकास वाच व्यवस्थित विकास वाचारक व्यवस्था ক্তেছিলেন। ডিনি ডার সমস্ত গাণ থেকে মৃক্ত ছ্যেছিলেন। ভগবানের ক্ষক্তালের স্পর্শে প্রেক্ত আক্রমণ থেকে এবং ভূমিরসদৃশ করে জন্তের বছন তংকাং ক্ষান্তের ব্যান থেকে মুক্ত হ্রেছিলেন। তার মদে তিনি কাবোদেরই মধ্যে শীতথ্য এবং চতুর্ভক সম্বাহিত হলে সংগ্ৰণ্য মৃতি লাভ করেছিলেন। এই মকেন্দ্র পূর্বকলে দ্রাবিত প্রচেপের অন্তর্গত পান্তা সোপের ইপ্ৰদাহ নামক বৈজন ব্যক্ষা ছিলেন। ইন্দদান মহাবাক শহস্থ-আপ্রম থেকে অবসর প্রহণ করে প্রকার পর্বতে প্রমন क्टब्रिंड्जन क्षर अधार करूरि एक क्रिके मिर्मन करत তিনি ভার আত্রয় স্থাপন করেছিলেন। তিনি ভটাবারী। হরে দর্ভনা ওপদ্যার হাও ছিলেন। এক দমর তিনি যখন বৌন্ধাত অবলগ্ৰন কৰে ভাগোচনা কৰাখনা কৰাছলেন, ভবন তিনি ভগবৎ প্রেম্মনতে পূর্ণকলে মধ্য চ্যোদ্রিকন। बराताक देखपाच ४०व संश्वास्त्र भूका करात नगर শানমথ হরেছিলেন, তথ্য জনজ্জ মুনি বিবাপরিবৃত হয়ে

সেশানে উপস্থিত হয়েছিলেন। কথা তিনি শ্রেখনের বে, মহারক ইন্ডপুত শিয়াচার অনুসারে তাকে অভার্থনা না केरर किर्देश शाक्षि स्मीत शाक्षिक करत स्था स्टारहरू. তথ্য তিনি ক্ষতার ব্রুদ্ধ হলেছিলেন 🖺

অগ্যন্তা মুনি তথা এইভাবে রাজাকে অভিশাপ मिटक्लिय--"बर्दे दाका देखपुरच जगावू, पृताचा, অশিক্তি এর ক্লছগের অব্যালনাভারী। স্তরাং সে অজ্ঞানের অভ্যানে থাবেশ করুক এবং সুলবৃদ্ধি

वैक च्छारर शाचारी कारमध-"द्ध राजन, नुका करांचे एक अवर क्षत्र करांक एक। कृतिहान থেকে প্রকল্পনে মৃক্ত করে, ভগরান ভালে সারুপ্ত মৃত্তি क्रमान करविद्यालन। चनवारमञ्ज प्रतियो कीर्द्धनत्त्वदी श्रवर्दः নিছ এবং জন্মনা দেবতালে। সমক্ষে জনজন গলেভাকে নিয়ে পক্তে আন্মেহণ করে তাঁর অভি অভত কামে প্রধ্যাবর্তন করেছিলেন।"

"হে মহারাম্ব দরীকিৎ, আমি আগনার কাছে ভাগবানের অবত প্রভানের কথা কর্মত করন্তায়, ম তিনি शरकक्ष-स्थानकरणक नयस श्रमनीन करवेदिराजन। इस कुकुरशके, बेजा और वर्गमा अवन कराजन, केरता चर्नात्वारक উল্লাভ হওৱার যোগা হন। এই বর্ণনা প্রহণ কথার ফলে উল্লেখনের খ্যাতি লাভ করেন, কলিগুলের কলুব খেকে इक्ट इस अवर फीड़ा बाल अवनंत मृत्यंत्र (सर्वनं स्)। चक्कार, विकारि डाम्बन, फडिए बनर टेन्नारमक, शिलाव

খারে ফ্রাঞ্ডণ বৈধাব্যুদর নিজেকের মান্সের জনা স্কালে কুম বেংক উঠে বুংকর আদি অভ্যক্তর নিবৃত্তি সাধনের ক্ষন্য ৰধ্যবৰভাবে এই গৰেন্ত-যোজ্য দীলা ভীৰ্তন করা উচিড। ছে কৃততেওঁ, সকজের পরমাধ্য পরদেশন ভগষন এইভাবে শ্ৰমণ হয়ে, সকল্যে সমক্ষে পজেন্ত্ৰকৈ আশীৰ্যাদ কৰে বংগছিলেন—খালা বাজির পেৰে, পুৰ সকলে শ্বান্তাৰ করে সংগত ও একারটিত হয়ে আমার बार रकासत सन, वाँदै जातासा, वाँदै नर्वक, करा, सामा, বের, ক্রীচক এবং কেপুসের, কেবলক কুক, ব্রিকৃট পর্বতের কর্ব, বৌধ্য এক দৌহনির্নির 🍅 কেওল কানাং, ক্রমান এবং শিকের ক্ষবানস্থা, ক্ষাম্যর তিয় ধার ক্ষীর সন্ত, চিনায় কিল্লে সর্বন উদ্ধানিত বেতহীৰ, আমান শ্রীকনে তিহু, ভৌজুত মণি, বৈৰুভটী মালা, কোমোনকী গন্য, সুদর্শন চক্র ও পাক্ষান্য করে আমার বাবন প্রকীরায় পরুত্, আমার শহ্য শেকনাগ, আমার শক্তিয়াগিগী भाषीत्वरी, उच्चा, मादम पूनि, लिय, श्रदूष अन्य स्थना,

কুৰ্ম, ব্যাহ আদি আমার অবতার, আমার সং-সলনার বনত লীলা বা অংগকারীকে পবিহুলা প্রদান করে, সূর্য চন্দ্র, করি, বনর মহ, পবর সভা, মারা, গো প্রাক্তন, ভান্তি, লোর ও কলালের বর্মপদী সক্ষেত্রালন, বল, সরস্থাতী, করা ও অনুনা (কালিনী) নদী, ঐবাবত, হ্রুব মহারাজ, সংগ্রহি গ্রহং পুশাবার মানব্যগণ্ডে স্কুব করে, তারা সমস্ত লাগ গেতে মৃত্ত হয়। হে প্রির জন্ত, বারা নিশান্তে শহাভাগে করে ভাষার ঘারা অপিত এই জ্যোত্রের মাধানে আবাকে তার করে, আমি ভানের জীননাত্রে আমার চিন্দ্র বাবে ভানের নিকা ছিতি প্রথম করি।"

নীজ ওত্তের ব্যেষামী করেন—"এই উপদেশ প্রদান করে গুলবাল ক্রিটাকেল ঠাব পাক্ষালা লথ বাজিতে, ব্রক্ষা আমি সেবগুলের আমন্দিত করে পকড়ের উপর আরেহণ করকেন।"

8 8 8

পৃঞ্চম অধ্যায়

ভগবানের কাছে দেবতাদের সুরক্ষা প্রার্থনা

শীল অবদাৰ খোৰানী কালেন—"হে রাজন্ আনি খাপনার কাছে অধি পরির গুলোজামাকা লীলা বর্ণনা করকায়। ভগবানের এই লীলা শ্রবণ করার কলে সমত পাল খোকে মৃত হওৱা বাব। এখন জানি রৈশত দুল্ সমূহে কলি কর্মি, অবশ করুন।"

"स्वापन प्रमुख सास्त्र दिवस असम् प्रदास्तित्तन। स्वाप्त पृद्धान्त प्रायं सार्चुन, यति अस् विद्या विद्यान स्थाप। दि साध्यन, दिवस प्रवास्तित विद्या स्थापिता, द्यापिता, द्यापिता स्थापिता स्थापित स्थाप स्थापित स्थापित स्थाप स

লক্ষ্মীনেবীর প্রসামতা বিধানের জনা, তার প্রার্থনা জনুসারে জনবান বৈকৃষ্ঠ আন একটি কৈনু-চলেন সৃষ্টি কর্মেধনেন, আ সকলের ঘারা পৃঞ্জিত হয়। বনিও অসবানের বিভিন্ন অবতাবের অতি গহুং কর্মেরলাশ এবা দিব্য ওপারলী অতাত্ত আন্তর্যজনকভাবে বাঁগত হরেছে, ততুও কর্মানে ক্রিয়ের পাকে সব কিছুই সন্তব। যে বান্তি ওগবানের প্রীমিকৃত্র পাকে সব কিছুই সন্তব। যে বান্তি ওগবানের ওপারাশি বর্ধনা কর্মান্ত সমর্থ হয়, সে ভূমিছ্ বেশুতলিকেও গান্সা করাতে সমর্থ হয়, সে ভূমিছ্ ক্রেয়ালি বর্ধনা করাতে সমর্থ হয়, সে ভূমিছ্ ক্রেয়ালি বর্ধনা করাতে সমর্থ হয়। ক্রিয়া ভালাকের পুরুষ করা করাতে পারে না। চলুক পুরুষ ক্রিয়ার বিশ্বনা, তাঁর পুরু, পুরুষ এবং স্বৃত্তা আদি বহু পুরুষ বিশ্বনা, চাকুর মন্তর্তের মন্তর্ভার জিলেন ইত্রন

ভাগ্যানিশা দেবতা এবং হবিছান, বীনক আদি সংগ্রি ছিলোন। এই বন্ধ সবছারেও কালংশতি ভাগবান প্রতিষ্ণু উন্ন বীর ভাগো আর্বির্তৃত হয়েছিলেন। তিনি তৈরায়েকর নারী দেবসর্হতির থার্ড অভিন্ত নামে ভাগপ্রহণ করেন। ক্রীয় সাধুল অহন করে অভিন্ত শ্বেতালের ক্ষান্ত অমৃত ছুংগার করেছিলেন। ক্র্ম ক্রান্তে তিনি বিশাল ক্ষান্ত ভারতিকে তীবা পূর্বে চারণ করে ই ভালত হামন করেছিলেন।

য়হাবাঞ্চ পরীকিং জিল্লানা কর্বনে—"(ই মহান প্রাক্তন গুলনের গোলামী, জনজন জিবিছু কেন এবং ক্রিয়েরে জীর সমুদ্র মান করেছিলেন? ক্রিয়েরে জীর সমুদ্র মান করেছিলেন? ক্রিয়েরে ক্রিয়েরে ক্রিয়েরে করেছ করেছিলেন এবং সমুদ্র মানের করেছ ক্রিয়েরে অমৃত রোগ্র ইর্মেছিলেন এবং সমুদ্র মানের করেছ করেছ আরু কি কি উৎপন্ন হরেছিল? সন্তা করে জনজনের নেই সমন্তা আহুত লীলা আপনি কর্মা করেছ। আপনার হারা বর্লিত ভক্তের কর্মা জনজনের মহিমেনিত কার্যকর্মন ক্রমা করে, অফ্ জন্মতের ক্রিয়েন্দ বুরে ছারা ভর্ম ভ্যামার জ্যার এখনও তুপ্ত হয়নি।"

শ্রীসূত কোষামী বনকোন—"হে নৈনিবারণ্ডে সম্প্রতত ক্লাকণ্ডা, বৈশায়নের পৃত্ত ওককের গোলামীকে মহারাজ গরীকিং ফকা এইভাবে প্রথা করেছিকো, তথা রাজ্যক অভিনক্ষ জানিকে তিনি ভবনানের মহোভা বর্ণমা করেছিকো:"

वील एकरमन शापामी क्यालम—"वान्रकार कथन पृथ्व चीक्रमांच चारात्र वाका सनकारमा द्यवनकारम वाक्रमन करावित, एकम कर सनका शिंक रूटी दान रितिप्रिक्तम अन्य फीता कात्र जीविक रूटी। ए सकन् उनमे सनकात्र पूर्वामा भूनिन वात्र किन्तिशकत रुखात्र करम विशास द्वीदित रुखिला अन्य प्रारे रक्षा कन्छेल रेख शार्यित। छात करम कराव्य मध्येकन रुखात्र विश्व रित शास्त्र एक्टि (मध्यात्र चेत्रमा कीवम अहेल्य विश्व स्मान क्यायान बूँएक मान्ति) छान मध्य (मवयात्र) सम्मान क्यायान बूँएक मान्ति) छान मध्य (मवयात्र) सम्मान क्यायान बूँएक मान्ति) छान मध्य (मवयात्र) सम्मान क्यायान क्यायात्र काराव्य क्षाया मध्याव सम्मान क्याव्य क्यायात्र क्यायात्र

দর্শন করে এবং অসুক্রের পরিবৃত্তি দেবতাদের বিক বিপরীত অর্থাৎ সমৃদ্ধিশালী ফর্মে করে, আদি মের পরম শক্তিমান ক্রমা পরমেশ্বর ভগবানে তার ফালে একার করে উৎযুক্ত কালে মেবতালেই কলতে মাণলেন, আমি, নিব ও ভোমরা প্রবহারা, অনুরেজ, জরাবৃদ্ধ, অওক, উন্থিক্ষ এবং খেবছ, মহন্ত প্রালীরা ভগবানের থেকে, ব্ৰেষাণ্ডাশ উপবাদের পশাবতার (ব্ৰহ্মা) থেকে এবং 'আমার কল্য সমর্বিপর থেকে সৃষ্ট হয়েছে। ভাই চল, আমরা সেই ভগরানের কাছে গিরে উরু শ্রীলাদপটের শরণাগর হই। ভগবাচনর বধা, রক্ষণীয়, উন্তেশীর ব্ খাদ্যালীয় কৌ টেই, ছাৰু বিনি সৃষ্টি, স্থিতি এক সংগ্ৰহত सम्म कानकारम मध्, श्रम क्षाप्त छत्याचान विकित्र करण चनकर्ष करवन। अस्त स्वर्थाती सीवशत महरूप আহান করার সময়। সৃষ্টির পালনের নিমিন্ত সম্বত্তপ ভগবানের শাসন এতিটা করে। তাই এটিট ভগবানের শাল প্রত্য করের উপযুক্ত সময়। ছেহেতু তিনি স্বভারতই দেবতাৰে প্ৰতি অভ্যন্ত খুল্মনা এবং প্ৰিয়, ভাই তিনি নিকাই আমাদের সৌভাগে প্রদান করতেন।"

"দে অনিক্র মহারাজ গুরীকিং। দেবতালের এই
কথা বলার পর, রুবার উন্তেস নিরে এই কার্য জগতের
অতীত ভগবহারে নিয়েছিলেন। ভগাবানের ধার কীর
সমূদ্রে বেওবাঁকে কবছিলে। সেবারে (বেতবাঁকে), রুবার
ভগবানের তার করেছিলেন, বলিও তিনি কমনও তাকে
কর্মা করেনি। বেত্তের রুবা বৈনিক গারে ভগবানের
কথা রুবার করেছিলেন, তাই তিনি স্মাহিত চিত্তে বৈনিক
ক্রীর মারা ভগবানের তাব করেছিলেন।"

"হে অবিকারী, অনীম খন্নম সতা, শ্রমেশ্বর জনবান, আগনি সহ জিল্প উৎস। আগনি সর্ববাহে হওয়ের করে, প্রতিটি কামসাবৃত্তেও বিরাভয়ন। অংশনর বেন করে ওপ নেই। বন্ধতগতে, আগনি অনিয়া। কর্মেশনা অংশনকে গ্রহণ করতে পারে না এবং কানী আগনাকে করি করতে পারে না। আগনি সহ কিছুর গান্তম ইন্ডর এবং ভাই আগনি সকলের পরম প্রতিনিক্রেন করি। আগনাকে আমাগের সপ্রতিনিক্রেন করি। প্রাণ, মন, বৃদ্ধি এবং আলা কিডাবে জনবানের নিয়েলাইনে করি করতে, তা তিনি প্রতাকভাবে এবং প্রেক্তকভাবে আন্দেশ। তিনি সহ কিছুর প্রকাশক

ক্রাক্রের ব্যব্ধ প্রকাৰিত তার কেনে করু নাই। ক্রাইডে। ডিনি সময় ঐবর্গ এবং পরিকাত পূর্ব ব্যৱহ ভিন্নী পঞ্চপাত এখা অনিময় থেকে মুক্ত। তাই আমি সেই নিতা, সর্বব্যাপ্ত এবং আকাশের হতো মহান ক্ষপবালের প্রীপাসগরের শরুর প্রহণ করি, বিনি বিবুলা (मठा, द्वारत कार संगदा) गरेक्ष्यर्थ मह चार्त्वकुंठ रून।"

হয়েল প্রাপ

দলটি ইন্সিয় (পঞ্চ করেন্ডিয় ও পঞ্চ জ্ঞানেন্ডিয়) এবং দেহাত্যক্ষর প্রাবাহ সেই চমেন্দ্র পনেরটি অব। প্ৰকৃতিন বিল ৩৭ (সন্ধু, গ্লব্ধ ও তম) সেই চলের তিনটি राणि क्यर प्राती, सन, च्यरून, शत्, च्यरूनन, प्रम, वृक्षि অহতার প্রকৃতির এই আটাট উপাদান সেই চলেশ্র र्भातवि । विशुर्वाक्तर घटन बहितना माध्यांकत क्षेत्रा और চ্ঞা ভাগানজনী কেন্দ্রের চতুনিকে অতি এতকের বুর্ণিত হয়। শেই পরস্বাস্থা এবং পরম সপ্তাকে আমরা আমানের সম্রাদ্ধ প্রবৃতি নিকেনে করি। পরফেরা ভাগতান ওছ সম্বত্তৰে অৰ্থান্থত এবং ভাই তিনি একবৰ্ণ---ওঁকার (প্ৰদৰ্)) বেহেড় তিনি খনসাম্বর ছড়া প্ৰকৃতিয় অতীও, আই তিনি হাত চাৰ্তত আদৃশ্য। কিন্তু তা সংখ্যে কাল বা স্থানের ছারা ভিনি খ্যামারের খেকে নিজিয়া নান, ডিনি সর্বএই বিরক্ষাল। বাঁরো জড়া প্রকৃতির ক্ষোভ থেকে मक शरहरका, दीवा त्याधक्रम देनारका बाह्य तिहे शक्कारीय कनशास्त्र कात्राध्या करत्व । कामता राकस्य ভাকে আহালে সভার প্রশতি নিবেশন করি। স্বলবানের মায়াকে কেউই অভিক্রম করতে পারে না এবং ভা এত প্রথম যে, সকলকে জীবনের প্রকৃত দক্ষ্য কৃষতে না দিয়ে মেহিত বতেঃ সেই হারা কিছু ভগবানের ক্লীভূড, বিনি সঞ্চলকে শাসন করেন এবং সকলের প্রতি সমদশী। মেই ভাগৰনকৈ আহলা আহাদের সমান্ত প্রথতি নিবেদন क्क्षि । चामास्त्र स्ट (सर्जु मदन्य पत्रा निर्मेठ, छाँदे আনরা দেবভারা অভরে এবং বাইনো সাদ্দিক ভাষাপা। বহান কবিরাও এইভাবে সভুগুলে কবিছিত। সুভরাং, আমার কৰি ভগতাবকৈ বা জানতে পারি, তা হলে রঞ এবং অম্যোতপালের ইতির পরীর-মিপিট বাহিন্দের আর কি কথা ৷ স্বায়া কিভাবে স্কাবনকে জনতে লাবুবে ৷ সেই ভাগানকে আমার আমানের সমান্ত প্রশতি নিকোন করি। এই পৃথিবাতে চার প্রকাশ জীব রয়েছে এবং ভার।

এবং অবহন উহকে স্পূৰ্ণ কৰাৰ লাবে হয়। পূৰ্বকৃত সকলেই কাৰ বস্তা সৃষ্টি। মাড় সৃষ্টি ঠান জ্বীপাচসাভ পরায়। তিনি আনাদের প্রতি প্রসাম হোল। সময় জন্ত und if an into Bent Cite, die mines অবংশ জীবসমূহ ভূমিতে আৰু এবং বৃদ্ধি পার। সেট হাল ভগবানের বীর্যকলে। সেই মহা বিডাও-সম্পর "আৰু কাৰ্যের চক্রে আনু দেখনি মনজল কথের চক্র। ভাগবান আমাণের প্রতি প্রসত্ন হেনে। সেয়ে বা চন্দ্র হক্ষেন দেবতাদের কঃ, বল এবং আয়র উৎস। ভিত্রি সমস্ত কল্পেতির ইবর এখং সমস্ত কীরের উৎপ্রির উৎস। পরিতের সেই সোমকে ভগবারের মন কলেন। সমগ্র ঐব্যাধির উৎস সেই ভাগতন আমানের প্রতি প্রক্র চোন। যজের আগতি প্রহণ করনে অন্য খার জন্ম হয়েছে, সেই অধি ভগৰাদের মুখ্যরাখ। সম্পদ উৎপাদন করার ভাত সেই অন্তি সমূলের সভীরে বিরাধ্ব कता और फैमल निज़क का का भाग नता करर तरहरू সংবেদপের জন্য ব্রিভর প্রথমে জান উৎপাদন ফরে। সেই পরম শক্তিমাম ভগবান আন্যামের প্রতি প্রসম হোল। সৰ্বদেৰ অভিয়াদি-বৰ্ম নামৰ মন্তির মার্লেড দেবত। তিনি বৈদিক জান উপদায়ির প্রধান উৎস। ভিনি রাদ্বের উপাসনার স্থান। তিনি যুক্তির ক্বার, আয়তের উৎস এবং शकाब कारण। अपने मुक्तान येत एक, अपने भवद केपने সময়িত ক্ষাবনে আফাদের প্রতি প্রসার হোল। স্থানর এখা জগম সমন্ত কীৰ বাচু থেকে তাদের তেজা, বাণ, ওজ এবং প্রাণ প্রাপ্ত হয়। গুরুতারা কেবন স্ফার্টের অনুসরণ করে, আমেলত তেখন আমার্যের প্রাণ বার্যের ক্ষান্য বায়ুর অনুসরণ কবি। সেই বছ যে ভগবনের গ্রাণ থেকে উৎপদ্ম হতেছে, সেই পরস্বেশর ক্ষপরান আমানের প্রতি প্রসর হোন। পরুষ শক্তিমান ভগতান আয়ানের হাতি প্রসার হোল, বাঁর কর্ব থেকে নিকসহছ, ইনের থেকে দেহণ্যত ছিত্ৰ এবং মাভিমণ্ডল খেকে প্ৰাণ, ইন্ডির, ফন, বার ও পরীতের আলো অকাশ উৎপর চ্যোছে: বার एक (धरक (स्वताक देख, अन्त्राच (धरक (स्वयान)). ক্লেম থেকে নিৰ, বুদ্ধি খেকে প্ৰকা, গেছের বিষ্ণ খেকে বেদসমূহ, ক্ষেত্ৰ কেকে মহৰ্বি এবং প্ৰজাপতিদৰ উৎপন্ন হরেছেন, সেই মহাবিভবি ক্ষমবান আম্বানের প্রতি প্রস্ঞা হোন। খার কল খেকে লান্টানেবী, স্কান্ন খেকে লিড়ক্ত, श्राम त्यारक वर्षे, शर्करातम त्यारक चरार्थ, अञ्चल त्यारक चर्च

ant ইন্দিরসূপ ভোগ তেকে অল্যান্ড ইংগর হ্যোছে েও পরম প্রান্ধেরণ করকার জাকালের প্রতি প্রসার ছেন। পারে প্রক থেকে প্রাক্ষণ এবং বৈনিক জনে, বাছ প্রেক্ত क्रांबर क्षेत्र रमस्त्रम क्या, क्षेत्र रूपहर देवना क्षार फाएमर हर्राम्ब क्याटा के का क्या इतन (करक देवनिक काइना বহিন্দত শ্রাপণ উৎপন্ন ইবেছে সেই মহা-শক্তিদ্রেলী ভগনান আমানের প্রতি প্রসত্ত হোক। জান অধ্যাত গ্ৰেকে লোড, উপজে বন্ধ খেকে প্ৰীতি, নাটকা খেকে নেতার কারি, শ্বংশন্তির থেকে পর্বাইক কার, জ খেকে ক্যাবাজ এবং অজিপন্ধ থেকে কল উৎপন্ন হয়েছে, সেই enগ্রেশরও ক্ষরার্ট্য, পক্ষত্ত, কল, কর্ম, প্রকৃতির তপ এবং ক্ষতান্ত দুৰ্বোধ্য এই অন্ধ ক্ষণতের বৈচিত্র্য বার্য পরম নিমার অপবান আমাদের প্রতি প্রদার হেনে। আমন্ত সেই গরমেশ্য ভগবানকে আমানের সভার প্রগতি নির্মেশ্র ব্যয়ন মতো অন্যাক্ত বাকেন ("

আপনাকে ধর্ণন করতে চাই। বরা করে আপনি আপনার \$পাপৰি ক্ষ্যতে দিন। হে প্ৰথমধন ওপৰান, আপনি প্ৰণতি নিবেদন কৰি।" আপনার ইচ্ছ অনুসারে বিভিন্ন হলে বিভিন্ন কবতারে

श्रुप्त हम और कन्नाधादप कार्य जुल्लावन कर्शक दी আমানের প্রে করা অসভব। করীর। স্রেটি ভ্রমের देखिरान्य दशालात कर का मध्याद चाधडी, किन्नु (मोरे क्या कारमञ्ज करतेल भरिताम कराएँ हो। यह करताल পরিশ্রম করা সর্বেও সের ফল কিছু কথনও সংক্রেবজনক হয় না। বস্তুতগঞ্জে কথনও কথনও জনের কর্মের কল কেবল নৈরাশো পর্বর্থনিত হয়। কিন্তু ভগবালে। সেধার নিজেবে সর্বভোজারে উৎসর্গ করেছেন, বে সমস্ত ভাতেরা তামে কটোৰ পবিপ্রম না কবেও ফার্যট কল লাভ ক্ষাতে পারেন। ভক্ত সর্বদাই তার আলার্ডাত কল সাত মহানিকৃতি জগদান জামানের শ্রতি প্রসাম হোন। এবং কারেন। ভগবারে সমানিত কর্ম যদি অতি আর পরিষয়েশও সম্পাদিত হয়, তথুও ভা কর্ম হয় সা। পর্মেশ্র স্থপন্না বেহেড় কঞ্চের পরত পিছা, ডাই যোগনায়া ছারা রচিত কলে পশ্চিত্রণ করি করেন, সেই তিনি কাভাবিকভারেই প্রিয় করে সর্বন ক্রীকের কল্যাপ সাধনে তথগর। বৃক্ষের মূলে জল মেচন করলে বেয়ন ব্ৰেক শ্বৰ এবং শাৰা আপনা বেকেই ভুৱা হয়, করি, মিনি পূর্ণজনে শান্ত, সমস্ত প্রয়াস থেকে মৃক্ত একং ্তেমনট, ছলকান শ্রীবিমুধ্য সেবা করলে সকলেরই সেবা সর্বতোজাবে সম্ভট। তিনি তার ইভিয়ের ছারা ছাড় করা হর, করণ ভগতন সকলের পদসার। হে ভলবান। স্বৰ্গতের কাৰ্বকল্যগের প্ৰতি আলভ নাম। প্ৰকৃত্বৰূপে অতীত, কৰ্বসান এক ভবিবাস্থার দীনের উল্লেখিত। তিনি এই জন্ত জনতে তাঁৰ জীলাবিলাস কলেও সময় কৰ্তমান আলনাকে আমত্ৰ আমাদের সভাৰ প্ৰতি নিকেন করি। খাপনার কার্যকলাপ গুরুত্ত, জ্বালনি ভব্ন প্রকৃতিন "ছে ভগৰান, আহৰা আপন্যৰ প্ৰশাসত, তৰুত ভিৰ ওপেন নিয়ন্তা এবং সমস্ত হুত ওপেৰ ছতীত ্ত্তব্যা সলে আগনি সমন্ত আৰু কণ্ডৰ খেকে খুক্ত। আদি মূপ এক ব্যাস্যাঞ্জ মূৰণৰ আনামের চকুকে। আপনি আড়া প্রকৃতির তিন ভাগের নিয়ন্তা ব্যাপনি পশ্ন করতে বিধ এবং আনাবের জন্মন্য ইপ্রিয়কে। সম্বর্গের অনুকৃষ। ব্যাহরা জাপনাকে জ্বাহরের সঞ্জন্ত



যঠ অধ্যায়

দেবতা এবং অসুরদের সন্ধি

শ্ৰীল ওকাৰে গোড়ামী কাংকৰ—"হে মধানাত লোডামী আঁওলা বৈদিক তত্ৰ অনুসারে সর্বাধ আগনাত পৰীক্ষিত, জনবান শ্ৰীহুৰি এইজাৰে কেবল এক এখাও যারা ঠালের ক্রমের অধ্যানে পৃতিক হতে, উল্লো সম্পূর্ব धारितंत श्रामित्रकः क्षेत्र व्यवस्थाति श्रमा शक्त সূর্বের উপরের বড়ে উজ্জা। ভগবানের সেই আসংস্থাতির হটার কেবডাবের গৃটি প্রতিহত হয়েছিল। করে এবং চরুয়ে ছঃ আপনাতেই কীন হয়ে সাত। তাই তারা আকাপ, নিকসগৃহ, পৃথিবী, এখন 🌬 নিফেন্সেও মেখতে সমর্থ ক্লোন না, অভঞা উল্লেব সম্মানে উপস্থিত জনপানকে ধর্মন করকে কি করে। ক্ষা কেনে গোলে আবার মাটিওই মিলে করে। গ্রে শিব বহু রক্ষঃ ভগবানের নির্মল সৌক্ষর দর্শন ভগবান, আগনি আপনাতে সম্পূর্ণকাপে কচন্ত্র এবং করেছিলন। তার অসকান্তি মধ্যত মনিং মধ্যে শ্রামন্ উপ্ত চন্দু পদার্শের মতো অধানক িটার রেলমের বসন ওপ্রকাক্তনের মতে পীতবর্ণ এবং উল্ল সারা শরীর অভান্ত এবং ভাতে প্রবেশ করেছেন। বীরা কৃষ্ণভাষনামুভের সুন্দরভাবে অলক্ত। উল্লেখ্যর হার ও মনোহর ছাস্ जुन्दन भवज्ञान्त्री अवर वह क्यांका जनिविधिक क्यां भूनी করেছিলেনঃ উপন্যানের অবুগল অভ্যন্ত মনোহর এবং থেকে নির্মণ হয়েছেন, ঠারা ঠামের ৬% ছব্রাকরণে উর বংশাক্তর কর্ণকুওলের ভারা বিভূতিত। ক্রান্তা এবং । কর্ণন করতে পারের খে, যদিও আপন্নি ক্রান্ত ওপের শিব সেখেবিলেন অপবায়নর কোমনে কাজী, হতে কাজ, অপাক্তরের ডিডর অবস্থান করেন, তাঙুও আপনি কড়া মক্ষে হার এবং চরণে কুরুর। তিনি কুলবালার ভূবিত, তাম করে কৌভয় মণি লোকা পালে এবং তিনি বশ্বংস্থলে লগাঁদেবীকে ধরণ করেছেন। তিনি সুলনি। চফ্র, পদা খ্যাদি খীৰ খাছে সঞ্জিত। লিং এবং খন্যান বেবলাপ বছ কথা টেডাবে ভগবাৰকে কৰ্মনূৰ্যক ষ্টাদের সম্লব্ধ প্রণতি নিজেন করে তথা ভূমিতে ব্যক্তিশা সেই কবা বলে সেছেন। দাবাধি দীড়িত নিশন্তিত হরেছিলেন 🖺

खबकाबकरन **यानमा**ई चाविर्दास श्वर टिरक्टास्वर क्थन बिद्दि एवं थे। ध्रामनि वर्गारे पद्धा शक्तिह তৰ খেকে মুক্ত একং আপনি চিকা আনক্ষেত্ৰ সমূত্ৰ সদৃশ্। আপনার অপ্রাকৃত শাশত রূপ সৃশান্তম (মেকেও সুস্তুতর। সেই অচিন্ত আগনকৈ আদরা আলাদের जन्म क्षति निरमम कति। (६ शुक्रवासकं निगरन),

वहि पृष्टित्र भूका करतन । द्वा श्रेष्ट्र, भागता भागतात मरस সমগ্র ব্রিকুবন কর্ণন করতে পারি। হে ক্রথবাণ, আগুনি পূর্বজ্ঞানে মতন্ত্র। জাপনার থেকে এই মায় মাগং প্রসাধিত হয়েছে, আগনাকে আগর করেই জা বিবাহ चार्शनीर तम किन्न चानि, प्रमा अंगर चन्न, डिंक (एक) মাটি হচ্ছে বটোৰ কাৰণ ও আৰ্মার এবং অবংশনে সেই আপনি কর করও সুহাব্য প্রহণ করেন বা। কাপনার নিক্ষের শক্তির মারা আগনি এই ঋত জগৎ সৃষ্টি করেছেন উত্তত জ্ঞানসম্পন্ন, বারা পূর্বজনে শাহাতম অবসত এবং বারা ভতিবারণের অনুশীলনের বারে সমস্ত হাও মলুব প্রকৃতির "পর্শবহিত। ফেলাবে কর্মে থেকে অধি, গাডী। (बारक मुख, फुनि (बारक ब्या क बाग जनर फेरमहरू (बारक भौतिक हाश हव, रकमन्द्रै प्रकिरपालक कर्नोनाहत्व ব্যৱ 💐 গড় গণড়েও আননার অনুগ্রহ লাভ করা যায় অথবা বৃত্তির স্বারা আপনাকে প্রান্ত ক্রেরা হার। পুশ্বারা হতীগৰ বেমন কৰাৰ ঋণ হাও হয়ে অভ্যন্ত সুধী হয়, জীৱাৰা কৰলেন—"আপনি যদিও আৰু তবুও ডেমনাই, হে পৰনান্ড ভগবান, বেহতু এখন আপনি আবাৰে সন্থাৰ অধিষ্ঠত হরেছেন, ভাই আনহা দিবা জনশ্ব অনুভব করছি। জামরা দীর্ঘকাল বরে আপনার মর্শনের অ্যকারকী ছিলাহ, কিছু এখন আপনাঞ্চে মর্শন করে আখাদের জীবনের চরত উদ্দেশ্য সাধিত হরেছে হে ভগবাৰ, খামরা এই রক্ষাণ্ডের লোকগাল সমর্ব মেবভাবল আপনার শ্রীপামপরে উপস্থিত হয়েছি। যে

हान्यानी जाशतास क्षेत्री कार्यात वार्यात, कार्यात, का ध्यानकी । अतर जायूक सङ्गतर करून सथन विरोक्त कहा विश्वास स्टार, করা করে। চরিতার্থ করুন। আগমি কন্তনে এক বাইরে 🖦 ভিছা সাকী। স্থাপনার ভারাত ভিছুই রেই এবং। এক হবো সা हाँ। श्वास्तारक मृनवात्र काड (कान शरवासन हाई)। कार्ति (डाफा), निरं अयर फाराइन् (संवदानन् ७ वक कार्तिः প্রাণ্ডিগ্র অধির ক্রিন্সের মতো আপন্তর থেতে त्रवानिक। (स्टार्क मामार्व मोर्नन्त्र) मारन्, कहि मामार्वन अस्ता। मारन्त्र। क्षा अस्त निव क्षारामात्र सेस्तर नामक মানা স্থাত আমান কি কুবকে পানি চ হে কলছন, ent করে প্রাথাপ এবং দেবখালে উপবৃত্ত স্থাবিদ উপায় প্রবৃদ্ধি আমানের প্রথম কর্মে।"

ধেবভারা কর্ম এইভাবে ভাবানের ক্রম করকেন, ভবন ভালভাবে মানখেন। ভাই র্যানভ ঠাব কেনা নারকের। জাবাদ হাদের অভিপ্রায় আনতে পেরেছিলেন। তাই বিশ্বত হতে গেবভালের হতা করতে উলাত হয়েছিল, তিনি মেছপ্ৰীয় বাবেং ক্ষাপ্তলি এবং সংগত-ইপ্ৰিচ কিন্তু মহান্তক বলি দেবতালে কৃষ্ণ অনুপাত সেখে, উন্ন মেতাবের বল্লাকে। বলিও দেবতাগের স্থান্ত ভাগরন সেকান্তককের নিকের করেছিলেন। শেকসারা বিবোধনের একটি দেবতাবের কার্যকলাপ সম্পন্ন করতে স্বর্ধ পুত্র বলি মহারাজের স্থীলে উপজেব করেছিকন। বলি দ্বিলেন, তবুও, সমুদ্রমন্ত্র সীলা উপজের কল্লর ইক্স মহারক্ত তার অনুত ক্রেরপতিবের ধারা স্থাকিত ছিলেন बाद छिलि छै।एस बरमस्टिमा, 'एर बचा, रह लिय, रह । अस जिल्लाक विकार कहात करन अपन जेपर्र नामी মেবস্তাপৰ, গাতীয় মনোবোগ সংক্ষান্ত আহনে কৰা অংশ বিক্লোৰ বুল কৰেল ছাত্ৰ বনি মহাবাজেৰ প্ৰস্তুত্ব কর, খারুল আমি বা কংকি তার কলে ভোনাদের প্রের লাভ হবে! বতক্ষণ ডোগোলের সমৃদ্ধি বা হয়, ততক্ষণ তোমরা কলের হারা অনুস্থীত শৈতা এবং লাকাছের সঙ্গে সন্ধি স্থাপন কর। হে কেবতাগণ, নিজের হিতসাধন করা এতই ওক্তমূর্ণ যে, সেই কবা শরও সংগও সঙ্জি স্থাপন করতে হয়। নিজের স্বার্থ নিজির জন্ম সর্গ-মৃত্তিক ন্যায় অনুসাধে কার্য করতে হয়। একাই ভেষের অমৃত **छैरभाग्याम् (६%) रुषः, या भाग्य काराम मृत्याम बीराधः** আমা হয়। তে চেকডাগ্য, ক্ষীরসমূহে সর্বপ্রকার ওপা, তুণ, সভা ও ওত্ত্বী নিজেগ কৰে হলৱে গৰ্যতকে प्रकृतमञ् अवर वामुक्टिक वक्षतत्त्व्य करत् व्यवस्य मागस्य ভোনার একাণ্ডচিত্ত ক্ষীনেশ্বর মান কর। ভার করে দৈশ্ৰমা ক্ৰেণভাগী ছবে, কিছু ভোগমা কেন্ডাম কলভাগী য়াই সমুলোখিত অনুভ লাভ করবে। হে দেবলং বৈর্থ এবং শান্তির হালে সৰ কিছুই সিদ্ধ হয়, কিছু লেখাংক सहा हा नां। कटलर, समृत्या च विरुद्ध, कारहा छी উৎপত্র হবে, কিন্তু তোমবা সেই বিবকে ভার করে বা করেছিলেন। সেই কবা পর্বত কবিন হওয়ার করে।

एक (नर्शन कड़ कड़ाई कम भारतीय रहता न वका

বীল ওকলেৰ গোহামী বললেন—"হে মহাবাৰ भवीष्टिका शास्त्रहारमञ्जू और कारन के भारत है है. ব্যালাগতি পুরুষোত্তর ভাষার উল্লেখ্য সমুক্ষেই অর্ডিড প্ৰাতি নিকেন করে উদ্বেচ ধানে প্ৰভাগঠন কৰেছিলেন। সমত ক্ষেত্ৰার তথ্য বলি সম্বাচনত করে নির্মেষ্টপেন। নৈত্যকেও জত্যার বহাৰ ক্ষাক্তা বলি কথন পাছি স্থাপন প্রাচ্চ প্রকাশের গোলামী কালেন—"প্রক্ষা আদি। করতে হয় এবং কথা পুর করতে হয়, নেই কথা পুর किश्रम करता, प्रशासकि (करुसक देख कारतार बीटिकुन कार्र বেকে শিকাগ্ৰেপ্ত সমস্ত প্ৰস্তাৰ অভ্যান্ত বিনীতভাৱে নিকোন করেছিলেন। শেবরাঞ্চ ইন্দের সেই প্রস্তান বলি মহারাভ এবং ওার পার্বত শ্বর, অনিউনেমি আদি ब्रिश्वक्त्री प्रवक्त क्यूटरस्य इतिका इतहास, कावा क्षरकत्तर त्नेरे धतान करन करतरिम।"

"কে শত্রুসভালেরী হয়ারাঝ পর্বাক্তিং, ভারণার পেশস্ত क्षक चनुरवज्ञा नवन्तरस्य घरशा स्मिक्ति क्रानम করেছিলে। ভারণর মহা উপোচ্ধ ভারা ইরের প্রকাশ অনুসারে অকৃত উৎপাদনের অধ্যোকন করেছিলেন। ভাৰণৰ অভাৱ শক্তিশালী অৰ্থনবাহ দেখনা এবং হানকের বাংপুর্বক রাজার পর্যন্ত উৎপাটন করে সিংহ্যান কর্মে করতে ক্ষরসমূতে নিয়ে চলল। বং মুদ্র থেকে সেই বিশাল পর্বত করে করার কলে, বেদয়াক ইয়ে, হয়ায়ত বঁটা প্রভৃতি কেবতা এবং অসুরের অভ্যক শবিষাক হবে পড়েছিলেন। সেই পর্বন্ত করন করতে অনুযোগন করো। সমূহ থেকে কালকৃট নামক কিং প্রকল এবং করণ হবে ঠালে ভা পণিমধ্যে পরিভাগে ৰাভান্ত ভালী ছিল এবং খ্যা পতিভ হয়ে কা দেবতা এবং - হয়েছিল এবং ভালেব দেই অঞ্চত ব্যাদিল। স্কাল্ডন कारकरम् इन भारतीयनः। स्मरका अवद प्रान्तरस्य स्टब्स ভয়মানেরথ হারচিলেন এবং ভাবের বাং, উচ্চ ও ছাত্র ছপু ব্যৱহাল। ভাই সৰ্বন্ধ ভগৰান ভগন প্ৰথত चारवाञ्च करत क्रमाक चारितंक श्रेरतीयका। वर्षका भारतात करत परिकारन सारका अन्य मानवरक निर्णिष्ठ ৰৰ্ণম কৰে ভগৰান জাৰ দ্বিপাত্তৰ দাবা ভাগেৰ পুনর্কীবিত করেছিলেন। এইভাবে ভারা শোকসুক্ত

क्ष्मा देश क्षा कारका पाना सनावादा प्रभा प्रकृत **पट्टामा करने मकरकृत मिर्दे प्राप्त कर्त्राकृत्या** ভারণার ডিনি নিজে ভার উপর আবোধণ করে, সেবঙা अवर शामनाम महिन्द्र दक्षा कीतरावृद्ध गांका कर्ताहरूका। ভারণার, পানীয়েও গড়াড় রাকর পর্বভাকে জানের কারে নিতে সিমেলিকেন। ভারপত্র ভগরাকের আকেন অনুসাত্ত তিনি সেই যান ত্যাপ করেছিলেন।"



मक्षम अथाय

বিষপান করে শিবের ব্রহ্মাণ্ড রক্ষা

হীল গুৰুবের লোখানী বনলেল—"হে কুলুবেট प्रजादाक नदीकिया (संदर्श अंतर पानावर्ग नामवाक বাসুভিকে নিমন্ত্রা করে অনুভার কলে প্রদান করার প্রতিক্রতি দিয়ে, ডাজে রক্ষরণে ফলর পর্বতে বেটন করে, মহা আনকে বন্ধ সহস্করে অনৃত উৎপাদনের জনা কীহসালা স্থান করতে জানর করলেন।

ভগতাৰ অভিত প্ৰথমে বাস্কিত সন্মুখভাগ প্ৰহণ ক্রেছিলেন, এবং ভারপর দেবভারা তাকে অনুসংগ করেছিকেন। দৈয়ে অধিপতির বিকেন করেছিল, সর্পের পঞ্জভাগ প্ৰহণ করা অনুসংগঞ্জনক। তাই ভাগ্ৰ ভগবন धक्त (मक्डारमर काळ भूशीय महर्गड च्यायाम समनकारक এবং মহিমাছিও বলে মনে কৰে ভা প্ৰহণ কৰতে হের্টেছা: এইভাগে অস্থের, নিজেনের বৈশিক জানে चारता केवर अंबर बाचे के क्टर्स बाहा दिवसक बटन पटन করে প্রতিবাদ করেছিল বে, তালা দর্লের অগুভাগ কলে কর্মে। ক্ষেত্রটোর অন্তর্গে অসংবাস করা করে। লৈতার ভাল মৌনভাব অকান্তন করেছিল। দৈতাবের অভিনাম ধুৰায়ে পেৰে, ক্ষণবাদ ঈৰং হেলে স্পেত সম্প্রতল পরিভাগে করে দেবতারণ সহ বাস্কিত পাছদেশ গ্ৰহণ কৰ্মোছদেন। কে সৰ্পের কেন কলে

ধারণ কাবে ভার স্থান বিভাগে করে কণ্যাপের পুত্র মেধান এবং পানবেরা মহা উদায় সহকারে অযুত বাভেঃ ১৮। শমর মারুম করতে জগোলের।^শ

"(द शाक्तमण, समा भर्वेडरक महत्त्वक करा एका এইভাবে কীর্মনুহ সারে বলা ছমিলে, তবন তার বেনে व्यापाङ विका मा अंको छादै प्रतिकं (एरका अर्था भानस्त्र) কর্মক থত হওলা নতেও, অভান্ত ভারী হওয়ার করে ভা সাগরের হলে নির্মাঞ্চত হরেছিল। বৈর বুলে পর্যত নিয়ন্দিও হওয়াছ, দেবতা এবং শ্বনবেম্ব অত্যন্ত বিশ্ব হরেছিলন এবং তানের স্থানী সান হরেছিল। বিধিস্ট নেই পৰিপ্ৰিতি যৰ্পৰ কৰে, সেই অপায় পতিশালী, সভাসকর ভগবান কুর্যস্থাপ ধারণ করে জালে প্রবেশ কর্মেছদের এক সেই বিশাস ফলর পর্বতক্তে উত্তোপন ফরেছিলেন। দেখলা এবং দানবেরা মন্দর পর্বতক্ষে উবিত যেথে পুনরার মন্ত্রন করতে উদাত হয়েছিলেন। ভগরন এক লক বোজন বিস্তুত একটি বিশাল বীংশ্য यएका छोत्र नृतके त्यदे नर्वक वाक्षण कर्ताम्हरूका ।"

"হে বাজন, কথন লেকতা একং দান্তেরা ভীতের অম্বলের বারা সেই অর্ড ক্রের প্রে গুড় বুড সময় পৰ্বতক্ষে মূলিত করছিলেন, জবল নেই ক্যা সেই পর্বাতের

লাগ্রিকে টার অস কণ্ডেনের মারো সুক্তর কলে হাত্র প্রক্রের। ভারপর তথকার প্রীবিদ্ধ উল্লে অনুপ্রবিদ্ধ कार क्रम अवर बनवेर्ग कृष्टि करात क्रम संस्कृतक क्रम রভোগ্রবাংশ, দেবভাগের রথো সভ্যাবস্থা এবং প্রদ্রক্তিত কমোরণকালে প্রতিষ্ট ক্রেছিকের। ক্রান্তার লাজার বাছ সমলিত হতে, ভাগাল তথন মধ্যর পর্যাতের হল্ম আর একটি বিশাল পর্যন্তের হতো প্রকশিত মুখ্যে ্ৰাজ্য এক হতেত হাবা মালৰ পৰ্যন্ত হাৱল কভাছিলো। ক্র্যানে ইস্রাদি দেবভাগৰ সই প্রকা এবং নিক क्राजानक धार्यना निवयन करतिहरूक कार केल केल উনর পৃষ্প বর্ষণ করেছিলে। কর্মতের উপরিত্যাস ব खाराराम विज्ञासकान अबर (क्वटर, रेस्टर, वाकृति e नर्वराज्य प्रदेशाच व्यक्ति क्षमचारम्य वाह्य व्यनुधानिक स्टब्स লেক্ডা ও কানবেরা অনুষ্ঠের ক্ষম উত্তান্তে মতে কর্মে ভরতে স্থাগলেন। সেবজা এবং অসূত্রনের বলের ভরত কবছিলেন। কেবজান উয়কে জীলের প্রশতি নিক্ষেত্র ক্ষীধনমূহ এওই ক্ষোভিত হয়েছিল যে, জনের সদত্ত করেছিলের একা বভীর প্রছা সহস্বাধে তার ধাননা ক্ষিবেরা ভারন অভার্য ব্যাকুল হরেছিল। ভিন্ত তা করেছিলেন।" স্বেও সমুধের মন্ত্রকার এইভাবে চলতে সাসল। বাস্তির সহর সেত্র এবং মুখ ছিল। সেই মুখ থেকে। ভাগনি সমস্ত বীধের পরমান্তা এবং ভালের সূপ ও ভার নিখেনের সঙ্গে ব্য একং অতি নির্ণিত হক্তিক, যা সন্ধির কবেল। আমরা আগতার প্রভাগত হয়েছি। গৌলোম, কালেয়, যদি, ইন্কল আমি অনুমানর প্রভাবিত সমস নিভুকা স্থান্ত বিশ্বত মঙ্গের এই যে কামবর বিশ্ব করেছিল। স্তারো তাকন সারেনক-নার সরুল বুক্তের ফারো। তা খেকে আগনি করা করে আরাদের প্রকা করুন। হে নিবেক্স ইংল পড়েছিল। শেবভার্ত বাস্কিত ভগকন, আপনি সময় কলতের বছন এবং মুক্তির জ্যুক্ অগ্নিপিখ্যমন নিংশাসের হারা প্রভাবিত হয়েছিলেন— কেন বা আগনি ভার ইবর। বাঁরা আধ্যান্তিক চেওলার উলের সেহের প্রকা মালন ইয়েছিল এবং জানের বয়, উল্লেড, জান্তা আপনার প্রকাশত হয় এবং ভাই আপনি মালা, অন্ত এবং মুখ ধুমের হারা কালিমায় আক্ষয় তাঁদের গুঃখ-দুর্থনা মুখ করেন এবং আপনি তাঁদের एरप्रदेश! किन्नु क्ष्मवादानं कृत्या त्रवकारक पति प्रक्रिक वस्त्रमः वस्त्रा परि व्यक्ताः वस्त्र वस्ति। हर প্রদানের জন্য সমূদ্রের উপরে মের্থ জাবির্ভাত হবে। বিজে, আধনি ব্যাক্তাশ এবং সর্বনের। আধনি আধনের মুক্তবাবার বারি বর্ধন জনতে বাকে এবং সমূহ-জনাসের ক্তবিদ্য করে এই বাক্ত করাং সৃষ্টি করেন এবং ক্রবা, क्षणकन्त्र करून करतः प्रमुख्यक वाद्वः धनाविक व्हास्त बाहकः। विकृति विकास काम बाहत करतः मृहित काम करतः महितकः বৈষ্ঠ ক্ষেত্ৰতা এবং অনুক্ষান্ত হাত্ৰ কাৰ্ড জ্বান সংখ্যত তাৰ্থ সম্পানন কৰেনঃ আগনি সৰ্থ-কান্তংগ্ৰ কাৰুণ, ব্যম ক্ষ্যিসমূহ থেকে ক্ষাৰ্থ উৎপদ্ধ হয়। মা, ক্ৰম - বল্লকণ, ক্ষমিন্ত, নিৰ্কিশৰ ক্ৰম, বা মূলক পঞ্চাৰ্থ। এই ভববসে অভিতে স্বরং সমূহ মন্ত্রন করতে ৩০ করলেন। এও স্বান্তে আগনি বিবিধ ক্তি প্রকাশ করেন। নেখের মডো প্যান্তর্গ, গীতবাস, কর্পে নিপুরতের মডো

ত্রক স্বরোধনের। ভবর তিনি ইপ্রমীল কর্নতের মধ্যে লোক পর্যার্ডারে। হংসা, রক্তা, কাছপ, সর্পার্থ অত্যার সক্তর মর্মেকন এবং তিনি, জনচন্ত্রী কৃত্যির ও তিনিজিক (বিশাস ভিনি হা জেট তিনিনের বিলে বাব) অভ্যাত্ত থাপুল হয়ে জনের উপন্তিভাগে ভেলে উর্লেচন। বর্ণন এইভাবে সমূল মাখিত হাজিল, গুৰুষ প্ৰত্যুম অতি জীবন হালহল নামক বিধ উপিত হাছেছিল।"

"दर डाकन, अदि पूर्वजीय वित क्**वन प्रशास्त्र** हिनाओ क्षा निक्र मस्तित्व चेंड्रिया गहरण गामल, कथन प्रस्त দেবস্তুত্ত নিহুত্তৰ এক অভান্ত ভ্ৰমতীক হয়ে কুলবানকে সঙ্গে নিজে সাধানিকো সংস্থাপন হারেছিলেন। কেবচারা শিবকৈ জীয় পদ্ধী ভবানী বহু কৈবলৈ পৰ্বতের শিখনে বিভূবনের সমৃত্যির জনা তলস্যারত কর্মন করেছিলেন। ৰহান কৰিবা যুক্তি সাংক্ৰম কান্দোৰ জীৱে জাৰাখন

প্রকাপতিপদ কালেন—"হে দেকদিয়ের মহায়ের

"হে ভাগৰাই, আগনি কেলের মূল উৎস। আগনি উচ্ছস কৰ্ণভূতস, আলুলায়িত কেল, ধনমালী এবং বন্ধ দৃষ্টিঃ মূল কালে, প্ৰাপ, ইলিছ, পঞ্চযয়াভূত, ত্ৰিওৰ ক্ষালন্ত্র ভগবান অগতের অভয়গ্রহ ক্ষাল্যুক্তে হাত এবং মহন্তর। আপনি কাল, সকর এবং সত্য ও ওও 'অনুবিদ্যক প্রস্থপন্তবিক সকলে পর্বত ধারণ করে মছন করতে। নামক পুট প্রস্তার কর্ম। আপনি 'জ-উ-এ', এই তিন আকর

সম্বাদিত 'বলি এই কালোন। এই কৰ্ম কোকলিকা, পাঁওটোনা জানের বে অবি আপনার হব, পথিবা আপনার পালগম, খলে অংশনার গতি, নিকসমূহ ব্যাপনায় কর্ম এবং ব্যালয় অধিষ্ঠাতা বাল আলনার বিহো। এ ভগবান, আকাশ चालमात मन्त्रि, बढ़ कालन्स्य निःयाम, मूर्य व्यानमात हक्, ক্ষম প্রাণনার রেড এবং আপনি উচ্চ ও নিচ সমন্ত कीरकर चार्यतः। इस चाननार का धवा पर्न चाननारः ছক্তৰ। হৈ ভগবান, আগমি সাক্ষাৎ, বেদারে। সপ্রসমুর আপনার উল্লু, পর্বতসমূহ আপনার অন্তি, সর্বপ্রকার গুর্মার ৬ কতা অপনার করের প্রেম, গামনী আদি মহ আপনার मधनार क्या रिक्टि धर्म चालनात श्रम्म । (ह जैन, नक উপনিবৰ আপনার পক্ষাৰ, বা থেকে আটারিপটি জ্যোতি, আগনি শিব নামে বিখ্যাত। আগনি সাখাব পরমারা তত্তে অবস্থিত। তে দেব, অধর্মের তবলে धाननात साम्रा वर्टमार, शत करन विविध चथरर्यंत मृष्टि हर्ष । जन्म, अस अवर स्ट्राशंत्रप चार्ननाड स्टिमाँगै स्वतः। প্রশোষর থেন আপন্তরেই প্রকাশ, কারণ সমস্ত শাস্ত্রকারের चाननत कुराहरि वास २स विविध पांड राजन कस्तरका। গোলালানের ভা জানতে পারেন মা বা উপলব্ধি করতে नारका भा। का अका, निक्र अनर राजवाल गरराध्यान বিন্যাপর কথা কি আর বলার আছে? আপনার এই সমার কার্যকলাপ অনপনার ছতির বিবর্গনা হতে পারে। স্থামার বারা সম্প্রতার ফাল লগন হোক।" মা । সাহে ক্ষরতের উপয়েশ প্রদানকরী প্রচারক আক্ষরাম চিন্তা করেন, কিন্তু করে জালনার ভগসার কথা জানে না, তারা অ্রাপনাকে উমা মহ বিচরণ করতে দেশে। আন্তিংশত কাৰী, অথবা আশ্ৰেনে অমৰ কাৰ্যতে দেখে উপ্ৰ ও হিংল বলে মনে কৰে। তালা অবশ্যই নিৰ্মাল্য। তাল शाननाद में ला न्यरह भारत या। इसा ऋषि संवधातक

ক্ষপম সমগ্র স্থিত ফেটার। বেতের কেউট আওলাতে তথ্য কলতে পারে না, অত্তর আম্বা কিতারে ভাগনাকে প্রথম নিবেদন করবং। তা ভাগরব। আননা अभाव मेरे कीन, चाउतान सामात्मत नरफ स्थानभागात আপনার বন্ধনা করা সম্ভব নর, উঠুও আমত্র হুখ্যসালয় सामात्रक कन्नुईड क्षक कर्यात्। तर घटनमा, सानवाव প্রকার ব্যাল আন্সামের পাকে জানা অস্থাব ৷ আয়ান্ত ক্ষেত্রত পাই বে, অংশকা উপস্থিত সকলোঃ সধ এবং সমৃত্তি অনেধন করে। ভার অভীত, জাননার কর্মকলাগ কিন্তুই বোকা হার না। আহরে কেবল এটকট দেখতে গাই, তার বেলি নঃ।"

জীল ভক্ষেৰ খোলামী কালেন—"নূৰ্জীৱের ওকতপূর্ণ মানের বর্গ উৎপন্ন ব্যাহে। যে থেব, স্বয়ং - হিডকারী মহেনর সর্বন প্রসারপদীল সেই বিজ্যে ভারতে मध्य जीवामक अन्यास नीविष्य वर्गन करत, प्रक्रीक প্রাপ্রবর্গ হতে তার নিতান্ত্রিনী নতীকে এইওছে বলেনিকেন। ^{(৬}

লিং কালেন-"হে ভবানী, বেগ জীৱসমূহ স্থানের কলে উৎপত্ৰ কলেকুট বিৰ খেকে সমস্ত জীৱাদার বি ভারতর পরিস্থিতির সৃষ্টি হরেছে। জীবন-সংগ্রহম হও তে লিউল, চক্ষােলি বেহেড সভ, বন্ধ এবং সমস্ত জীবনের সূত্রণ প্রমাণ করাই আমার কর্তক। অন্যেত্ৰের অভীত, ভাই এই জড জগতের অধীনর আর্থনন্দের বলা করাই প্রভাব কর্তন। ক্ষপবালের বহিরকা শক্তির খাবা মেধ্যাগম হয়ে জীবের। পরশ্বরের রতি শতভাবালর হয়। কিছ বছেরা উচ্চের (याथपण मद) धनाद्वध मध्य चाननात ह्नजार्थन नन्द्र सीवन विना कदश्य धनाद्वय राज्य करात हाँस স্পৃতিক্ষের বারা সময় স্থাপ্য ক্রমীতুত হয়। কিছু জা করেন। হে সাংগী করানী, কেউ মধন গরোপকার मरक्र किरुप्त वि का देश कार्यन सर्वेष आदल मा। करहन, क्रका क्रभवन श्रीवित्र भारत क्षेत्र हम अर्थ অভনাৰ সক্ষমা, নিশুৰাস্থা, কালকুট বিষ ইত্যাধি 'ভগধন কৰা প্ৰসাম কৰ, তথন আমিও জন্যান্য সমগ্ৰ शानी तद शतह इहै। फाँहे, चानि और वित्र शत करता

क्षेत्र एकरम्य रणायायी अन्तरमञ्ज्ञ-"अक्षनीरम धरे মহাবানে নিবস্তুত্ব উদ্বেহ হুলটো, আপনার চনগ-কমকের, কথা বলে বিভালার ভাগরান দিব সেই নিব পান করতে প্রবৃত্ত হরেছিলেন এবং সভাতেতের সামর্থ্য সম্বাদ্ধে পূর্ণকার্ণে অকান্ত ভবানী জা অনুযোগন করেছিকোন। ভারপর, লোকহিতভাৱী মহাদেৰ কপাপৰ্বৰ সেই হাল্যেল নামক কিৰ কৰতলে প্ৰহণ কৰে পুল কৰেছিলেন। স্পীরসমূহ থেকে উৎপত্ন কলক-ক্ষ্যাল সেই বিধ অহাদেকো কটে আপসাধে জনতে পারেন না, কারণ আপনি ছারর এবং একটি নীমা রোখা উৎপত্ত করে তার শক্তি প্রকাশ ৰপেছিল। সেই রেখানিকে কিন্তু মহানেকের ভূষণ বলে। প্রভাগণ ছেবভালেরও পূঞা এবং জনাপকে ওর প্রকার ক্রিটে গছা বলে বিকেন্দ্র করা হয়। এই ফার্কের কথা সংগন বিষমর, তারা গলে করেছিল।" अक्ष कहा, मक्कानां छवानी, तथा, विकृ द्वार मध्य

हात कता हुए। कहा १६ तर, कीएटर कुटब निराद्धनाथ निरास हुए है। अन्तरमा कट्टक्सिन कि नाम करते हुए। ক্সনা মহাপুরুকের। সর্বনাই বেস্পার পুরুষ কাশ করেন। শিবের হাত থেকে যে একটু নিধ পড়ে নিয়েছিল তা প্রকলের ছাল্ডের বিরাজ্ঞান ভাষানের আরাক্তরত এটিই স্থৃতিক, দর্গ, নিয়মর ওয়বি এবং বাল্য যে সমত্র প্রাণীলের



অইম অধ্যায়

ক্ষীরসমূদ্র মন্থন

ধ্বীয়াক উপিত হয়েছিল। সেই হন্তী কেচকাঁ এবং চারটি মন্ত সম্মিত।"

এবং অত্রমু প্রমুখা আটাট হরিনী উৎপত্ন হরেছিল। করেছিলেন। জনাপান কর্মপোক্তক অলক্ত করে যে। কুল ও ফল উৎপত্ন হয় তা নিয়ে এল। সংবিধিণ

শ্রিদ গুণস্থার ক্ষেত্রামী ক্ষালেল—"নহানের সেই বিব গারিকাত পূক্ষ তা উপিত হরেছিল। হে রাজন, গাংসনি লান কালে, দেবতা এবং কান্যবের অভার প্রসম হয়ে। যেখন এই পৃথিবীতে সকলের অভিযান পূর্ব করেন, এই ক্ষপূর্বক সমূহ আন আয়ন্ত কালেন। ভার কলে সৃষ্টিত পারিভাতত তেজন সকলের কানৰ পূর্ণ করে। ভারপর গাড়ী উবিতঃ হবেন। (হ মহরাজ পরীকিং, প্রজন্মী। অধ্যরাগে (বর্গের কেন্যান্য) আনির্ভূত হরেছিল। ভারা ধবিপৰ বজে আছতি নিকোন করার উদ্দেশ্যে দক্তি, পুখ স্বৰ্গ অভেনৰ ও কঠানে বিভূমিতা, সৃক্ষা করা পতিহিতা এবং পৃত পাতের জন্য সুত্রতীকে প্রকৃষ কংগছিলেন। এবং তাদের মহর অকণ্টনার গতি কর্গনাসীকের চিত্র হতে ক্রকলোক পর্যন্ত উচ্চান্তর ক্রেকে উজ্লীত হওয়ার উক্লেক্তে করে। ভারপর রবামেরী জানিস্থার হাছেছিলেন, বিনি বন্ধ করার আবোজনে গুল্ক বি লাভের অন্য জারা। সর্বহোলাবে ভাগবং-গরুরখা এবং কেবল ভগবানেবই সূত্ৰতীকে প্ৰকৃষ কৰেছিলেন। স্থানপত্ৰ, উট্জঃপ্ৰস্তা নামক স্কোল্ডা। তিনি সূদাৰ পৰ্যত খোকে জাতা তিপুত্ৰতা মতো মন্ত্ৰের মতো খেতৰৰ্থ আৰু উৰিত হুচেছিল। বলি। তার কান্তির ছারা সর্বাদক রঞ্জিত করে আবিস্তৃত মধ্যার সেই অব প্রহণ করতে অভিনাধ করেছিলেন। হরেছিকেন। তার অভুক্তনীয় সৌশ্রেই, লেহের কালের, এবং জগবালের উপনেশ অনুসারে দেবরাজ ইন্ত ভার । বৌক্তা, কামকান্তি এবং মহিমার কলে দেব, সামন এবং প্রতিবাদ করেননি। অনুনার করেনার ঐবাধত সামক সামন সকলেই তাঁকে বাসনা করেছিলেন। তাঁকে সকলেই উন্ন প্রতি আকৃষ্ট হরেছিলেন, কারণ তিনি হাজেন সমস্ত শিবের মহিমারিত থার কৈলালের মহিয়া তিরস্কারকারী। ঐশর্যেই উৎস। লাইনিবরীর উপধেশনের জন্য থেকরজ हेल फैनवुक निरशासन निर्म करना। सन्दर सकुरी कार्षि "হে জন্তন্, ভারণের, ঐয়াকা আদি আটেটি দিগ্পৰ। বোষ্ঠ দানীসমূহ মৃতিমতী হয়ে কান্দ্রীনেবীর জন্ম স্বর্ণ কলসে পৰিত্ৰ জল নিয়ে একেন। ভূমি মূৰ্তিমতী হয়ে অরপর মহাসমূত্র থেকে বিখাতে ভৌজত হলি এবং অভিবেকের অনুক্ল সময় উবধি নিং একেন। গাড়ীরা गांत्राण यनि छेथिए श्वासिन। 'क्रमंत्रक विकृ क्षेत्र वकः अक्रमंद्य-नृष्क, महि, वि, श्राद्वा अवर शायव अवाद আনষ্ঠ করাও জন্য ভাষের প্রধ্য করতে অভিনার করন এবং বলক কচু টোর ও বৈশার বালে যে সমস্ত

লালুতিই অনুসায়ে লাক্ষ্মীদেকীর অভিযেক করেছিলেন, প্ৰতৰ্শন বলসময় বৈদিক মত উল্লেখন কৰেছিলেন এবং মর্থানী প বেদবিহিত সহীত ও নতা করেছিলেন। ফেল্ডেই যাওমত হলে স্বাক, পথব, মুক্তম, আনক, শহা বেৰ, বীৰা প্ৰভৃতি বাজিতেছিল এবং সেই সমস্ত বাদাবক্রে ধানি ভান্যান্ডাবে নিবাদিত হয়েছিল। ভারণার, দিশহন্তীসমূহ প্ৰসঞ্জলে পূৰ্ণ কলনের হারা সাহ্যীদেবীকে ক্ষম করিয়েছিল এবং ব্রাক্ষণের তথ্য বৈনিও হছ উচ্চারণ সংব্যক্তিসার। তথ্য তার প্রতে পরবাস বিশ এবং তিনি অপূর্ব সৌন্দর্বয়তিতা হিমেন। স্বাতী লক্ষ্মী ভার বাতি ভগবল বাতীত অন্য কাউকে জানেন হয়। রতাকর উন্তরীয় ও পরিবেয় গীতবর্ণ রেশযের বন্ধ প্রমান করেছিলেন। আলের অবিষ্ঠান্ত কেবতা বরুণ মধুলানে উম্মন্ত মধুকারদের বারা পরিবেষ্টিভ বৈজ্ঞারন্তী মালা উপহার প্রদান করেছিলেন। প্রস্কাপতিকের অন্যতম বিশ্বকর্মা বিভিন্ন অলভারসমূহ দান করেছিলেন। বিন্যার অধিচাত্রী সর্বাতী কট্টার, ত্রকা পদ্ধ এবং নাগগণ কর্ণকুল্প উপক্রম লিয়েছিলেন। ভারতার কান্টানেবী ওভ অনুষ্ঠানের ছারা কথাবথভাবে পঞ্জিক হরে, ওঞ্জনরত ব্যরর বেষ্টিত প্রমান্ত ব্যক্তে হারা প্রকা করে পতিশীল হয়েছিলেন। শ্বার সালত হাসা এবং কওলের হারা লোভিড কংগালের সৌপর্য প্রস্তানে তিনি অপূর্ব সৌপর্যে মধ্যিত হয়েছিলেন। তার সূব্য ও স্কিন্ত দ্বনস্থল চন্দ্র এবং সৃত্তে লিপ্ত এক: উার কটিবেশ অত্যন্ত কীণ্য তিনি মনোহর দুশুর ঞ্চানি সহকারে হখন ইতক্তত পত্নিভ্রমণ কর্মাইকেন, তখন এখটি ঘর্ণলতিকার হতো পোন্ডা পার্চিত্রকা। পার্চাই বন্ধ, অনুত্র, নিশ্ব, চারণ এবং কোন্ডামের অধ্যে অনুসভান ফরে, ক্ষান্তিবেৰী শ্বভাবতই সৰ্বতৰ সমন্তিত কাউকে প্ৰান্ত পেলেন আ। তারা কেউই লোন রহিত ছিল না এবং ভাই তিনি ভাষের কারোরই আনর গ্রহণ করতে পারলেন শ্ব। সন্ধানেবী সেই সভাপ্ত সকলকে পরীক্ষা করে মনে মনে চিগ্ৰা করেছিলেন-এদের ফ্রন্স কেউ কঠোর তলস্যা ৰবেছেন, কিন্তু ক্ৰোধ আৰু কৰেন্ত পাজনাই। কাৰ্ড জান चार्ड, किन्न मनत्कारभव चाकाहका कर कराज শ্যাক্রেনিঃ কেউ অভার মহান, কিছু কাম নায় কর্তে পারেননি। এমন কি মহান বাজিও অন্য কারও উপর মার্কর করেম। ভা হলে তিনি পরম ইখর হবেন জি

করেঃ করেও পুর্বরূপ ধর্ম সম্মান্ত করে পাকতে লাজে, কিন্তু তৰ্ত হিনি সময় জীংগর চাতি সহাধু এন। ব্যক্ত মধ্যে ভা তিনি মানুবাই হোন অপনা দেবতাই কোন তথ্য থাকতে পারে, কিছু ঠা মুদ্ধির কারণ নয়। কেই মুল শক্তিশালী হলে পারেম, কিন্তু হিনি ভালের প্রভান অভিয়েশ করতে সমর্থ নম। কেউ ছাড কাছতো আস্থতি ভরণ করেছেন, কিন্তু ভগবানের সঙ্গে ভার ভলনা ভব स। यह त्यंदेर वड़ा वक्तंत्र श्रम वच्न (स्टब भुनंतर भ मुक्त हरक भारतमति । स्वतः व मीर्च स्थाय सायरस পারে, কিছু মার্ক্য ব্য সং আচরণ সেই। কাবও হারন এক সং আচরণ উভরই থাকতে গরের, কিন্তু ঠার হরে ছিব নায়। বনিও পিব আদি দেকভানের নিতা জীবন রবেছে, কিছ বাগানে থাস করা থানি কণ্ডত অভ্যুত্ত ররেছে। আর কেট যদি সর্বতোভাবে সক্তব সভার হনত, তবুও ভারা ভাগবানের ভাভ নন।"

শ্ৰীল ভৰষেৰ লোকালী বললেন—"এইভাৰে পৰ্ণমূল বিকেনা কারে পর, ধানীদেবী মকপথে প্রার পরিসাধে বৰণ করেছিলেন, কথিও তিনি (মৃকুক্ষ) সম্পূৰ্ণভাগে ছন্তন্ম এবং ভাঁকে (লাড্টাদেবাঁকে) লাভ করার ছভিনারী ছিলেন মা। তিনি সমস্ত্র দিবা ওপ ও বোলগতি সম্বর্গিত এক ভাই তিনি পরম বাছনীয়। লক্ষ্মদেবী ভাষেত্রের সমীলকটা হয়ে জন প্ৰদেশ্যে মধুমত ক্ৰমৰ নিনাৰিও মধ বিকশিত প্রকৃত্যর মাধ্য হাপন করেছিলেন। ক্ষেপ্ত তম বক্তে হ্বান লাভ কথার অ্যানার সাম্পন্ধ হ্বান্ত-বিকলিভ মহলে জনা পালে অবস্থান করতে লাগলেন। ভালতান ব্রিজগতের পিডা এবং তার বদক্ষেণ সমত ঐশর্বের অধিষ্ঠাত্তী ত্রিজগতের স্বাননী লক্ষ্মীদেবীর বসেহান। मच्योत्परी केल कशानुर्व महिनारकत शकात्व, शका क লোকনাল দেবতাসৰ সহ ব্ৰিজনতের ঐবর্থ বর্ষিত করতে 역(건경취 2

সকৰ্ব এবং চারণেরা তথ্য সন্ম কর্ব ও হুদল আমি বাদায়ত্র বাজাতে ওও করেছিলের এবং তালের পারীগণ সহ উল্লেখিডা ক্যুড়ে গুরু করেছিলে। প্রকা. লিব, অভিনয় প্রমুখ প্রকাশ্যের ব্যবস্থাপুনার নির্দেশকেরা পূলারর্বণ করেছিলের এবং ভগবানের মহিমাক্সাপক মার উচ্চারণ করেছিলেন। প্রঝাপতি এবং প্রফাপন সভ সমস্ত দেখতার কন্দীদেবীর কুপাদৃষ্টির প্রভাবে অচিবেই সং আচরণ এবং निश्व श्रमावादी जन्मध दार) नयस्थान मास्ट करविद्यमः।"

"লে প্রবেল, লক্ষ্যাদেবী কর্তৃক উপেক্তিত ছওয়ার करन रेमक । मानारक्ती भूकंत, आयामस्य । मिक्रमाध इटराइम अन्य फात करन फाता निर्माण स्टाहिशा চ্চাল্ডর স্বার অধিষ্ঠানী কমকনকর বাকনীবেরী উবিত লয়েছিল। ভাগবাদ এক্তিক্তা অনুস্তিক্তকে বলি সহয়েছ লহৰ সমবেল সেই কন্যকে গ্ৰহণ করেছিলেন

ক্রবেল ক্রীরসমূগ্র মইন করতে পাক্ষে, এক পর্য অন্তত পূক্তৰ উপিক হয়েছিলেন। খনঃ পৰীয় সুদৃঢ়, জীয় बाह्युनाम वीर्थ कवर वांगांड, छात्र कडे भएश्रत शर्छ। क्रिक्वक्रिक, चैद्र मनम स्त्रम्थर्थ क्या चेद्र सम्बद्धि লামধর্ণ প্রিলঃ তিনি ভক্তণ বয়স্ক, ফায়ালী কাং তার হেছ সৰ্বপ্ৰকার অলকারে বিভূবিত। তিনি গীত বস্ত্র এবং সুমার্কিত মণিমর কৃৎলখাতী। তাঁর কেশার জাগ রিপ্ত ও সুকৃষ্ণিত এবং উরে বন্দক্ত সুগ্রেলন্ত। তার রেছ সর্ব সূক্ষণ সমধিত এবং নিয়ের মতে বিরুষণালী। সেই পুঞৰ বলায় শোভিত হতে অনুজনুৰ্য কলস ধারণ করেছিলেন। তিনি সাক্ষাৎ, ভগবান বিকৃত্য আলের बर्ग्यनबुध शरचति। विनि चापूर्वतं गाटा बठिक स्वर ক্ষাভাগ লাভের অধিকারি ক্ষেত্রমার অন্তর্গ "

সেই ৰূপস এবং ভার ভিতর যা নিছু ছিল জ সব লাভ করর ইন্দ্রের বনপূর্বক নেই অন্তর্জাও হরণ করেছিল। ক্যুরের এইভাবে অনুভালন হল হরে নিলে, দেবচায় বিষা চিকে ওপবাৰ বীত্তির শরণ রহণ করেছিলন। ভক্তের যাসনা পূর্বভারী ভাগবান বেবতাদের এইভাবে चारि चारत मात्रत क्रम अनुस्तक विद्यारित क्रम জ্মেদের অনুত লাভ কলার বাসনা পূর্ণ করব।" হে করেছিল।" ক্ষমণ, ভাগদ ভাসুরদের মধ্যে কে এখন ভারত পান করবে

ছা দিৰে কলহেৰ সৃষ্টি হয়েছিল। ভারা সকলেই বংশছিল, আমি প্রথমে পান করব। আমি প্রথমে পান করন। ভূমি প্রথমে পান করতে পারবে না। ভূমি পান করতে গাঁহৰে আ।' কোন কোন অসুত্ত বলেছিল, 'দেবতারাত ক্রীরসমূহ জন্ম অংশগ্রহণ করেছিল। এখন সনাত্য ধর্ম অনুসারে, যোহতু সার্বজনীন বল্লে সকলেনই "হে রাজন, তাবপর, কল্মণের পুর দেবতা এবং সমানভাবে অলেগ্রহণ করার অধিকার রবেছে, ভাই (भ्वजासक्त चम्राज्य जान नावता डॉल्स । त्य सावन, वर्षेकारम पूर्वन समुद्रात्म सम्वाम समृद्रातम समृष्ट स्थ् করতে সিজের করেছিল। ভাগতন স্ক্রিবিক্স, বিজি বে কোন হাতিকুল পরিস্থিতির প্রতিকার করতে পারেল, তিনি এক धन्दं मुचती द्रीएडिं शतन करविहरूनः। वाडीकरन क्लिशाला और (ऑस्नीमृष्डि सर्वास नाम महस्रवय। देश অস্কৃতি নব-বিকশিত নীল কমলের মধ্যে এক উঠা নেপ্তের প্রতিটি আর পরম দৌন্দর্বমতিত। তার ফর্নসূত্রত সমান আভরণে বিভূমিত, তার পশুদেশ অভ্যক্ত জনোহর, তীয় সুকর মুখ্যতন উল্লভ নানিকাশুক্ত এবং বৌজ্যার ছাঁর পূর্ণ। তার উরত জনকুগদের প্রভাবে তার কতিদেশ অত্যক্ত কীণ কলে প্রতীয়ে কমিলোঃ উল্লেখ্যসংগীরতে খাক্ট হতে নদকো বাল চত্দিকে ওঞ্জ কৰ্মকা এবং "ধৰব্যরিকে অমৃতকলন ধহন কয়তে সেখে, অসুরোধা তার কলে জার নয়নকুলন চথানা হয়েছিল। তারে সুভর কেশাৰ মিলক মাশার ভূবিত। তার কমশীর প্রীবা কঠ আতন্ত্ৰ ভূৰিক, জাত ব্যৱস্থাৰ আক্ষেত্ৰ কৰা নিভূৰিত, ক্ষ্য দেখু নিৰ্মণ বয়েল ক্ষাল্য আন্মানিত এক ক্ষাৰ নিতৰ এক নৌলার্থর সমূতে পুটি বীলের মধ্যে প্রতিভাত হতিলে। জাঃ চরণ নৃশুরের বায়া বিভূবিত। সভুর হাস্ত বিষয় সেবে উলের ব্লেট্টেলেন, 'কোননা দুংখিত ইয়ে। সহকারে ভারুখল কিলিভ করে তিনি যথন আস্তাদের প্রতি বৃদ্ধিপান্ত করেছিলেন, তথ্য সমস্ত আস্বাসের ভারত ভাবের মধ্যে কলাহের সৃষ্টি ওকা। এই ভাবে জামি। কামবাণে বিছ হতেছিল এক ভারা সকলেই উচ্চে কামব



নবম অধ্যায়

মোহিনীমূর্তিরূপে ভগবানের অবতার

ट्रेन ७४१४व (शाकारी कारका—"कारका चानुराता পরস্পাবের হাতি শঞ্জ ভাবাপর হুহাছিল। ভারা শরস্থারর প্রতি সৌহার্ণ্য পরিভাগে করে অমৃতভাও विनिद्ध निर्द्धाचन अवर निरम्भन करतिका। एका कात দেখল বে, এক পরাম সুস্তী স্বতী ভাগের বিকে আসরে। সেই পরহা সুক্ষরী বুকচীতে মর্লন করে অসুরেরা বলেছিল, "আহা এর সৌন্দর্য কি খাপুর্ব, এর অস্কান্তি কি অন্তত, এর বৌদন কি অনির্বচনীয় সৌন্দৰ্বমন্তিত।" এই কৰা কাতে কাতে তাপ্ৰ তাকে উপডোগ করার বাসনার কাষার্ত হবে, তার গ্রতি क्षरुद्द्रश्च शांविष्ट श्रूरविक वावर खेल्क जाना थल किस्ताना করতে ওক্ত করেছিল। হে সম্পরী। হে পরপলাশ-ক্ষেনে। ভূমি বেং ভূমি কোৰা খেতে এসেছং বি উদ্দেশ্যে ভূমি এবানে এমেছঃ ভূমি কারণ হে অপ্রস্কর উক্লালিনী, ডোমারে দর্শন করা মার **चाशास्त्र वर विकृत राज्य। मानुवरमा कि कथा, (अरुल,** মানব, সিদ্ধ, গছৰ্ব, চাৰণ এক দোকগাল প্ৰজাপতিয়াও তোমাকে স্পৰ্ণ করেনি। এমন নয় যে আমরা তোমার भविष्य भागि हो। हम् सुभव आतामिनी, विश्वास जिन्ह्यादे কুপা পরকা হরে আমানের ইন্ডিছ ও মনের প্রীতি উৎপাদক্ষে জন্য তোহাকে প্রেরণ করেছেন। ভাই নর कि १ ८६ मुख्यात्व, ८६ मुचडी, च्यानत अवनी वस चर्थार অমতভাও নিয়ে পরস্পরের প্রতি শক্ত ভাগাপর হয়েছি। আমরা এক কুলে রামগ্রহণ করা সংগ্রহ পরাপর বিধান ক্ষে শুৰু হয়ে পড়েছি। শুমি কুণা করে আমাদের এই विवासिक मधार्थान कर्य । (सर्वेट) अंवर सानव साधवा সঞ্চলেই প্রজাপতি কণ্যনের সন্তান এবং ভার কলে আন্নয় স্রাত্যরূপে পরস্পরের সঙ্গে সম্পর্কিত। কিছ এখন আমরা প্রস্পরের সংখ বিবাদ করে নিজেবের শৌকৰ প্ৰদৰ্শন কৰে। ভাই আৰক্ষ ভোষাকে অনুব্ৰোহ कर्माक, भागारमण भरता और चामल समामकारण विकास করে তুনি আমাদের এই বিবাদের স্বীমানের করে লাও।"

ंबहेडात रेक्टारमंत्र फाटा धार्नार्थंट हरा। भावा राहिड মোহিনামুটি ব্যবস্থানী ভগবান হাসা সহকারে মনোচত কটাকে ভালের প্রতি দৃষ্টিপাত করে বলতে লালালে।"

মেহিনীমুডিকলী ভগবান অসুরধের কালেন—"ঞ কশ্বল-জনমাল, আমি একটি কোন। আগনামা আমানে এইচাবে বিবাস করছেন কেনঃ বিভা বাতি কবনও রমনীকৈ বিশাস করেন না। (ছ স্বাসুকলণ, কান্যু, পুরাস এক কুমুক্তার বৌন সম্পর্কের বেমন বেমন ছিবতা নেট একং ভারা প্রতিদিন নতুন নতুন সঙ্গিনীয় অংশক করে. ক্ষেত্রাচারিপী খ্রীক্ষেকেরাও তেমন। এই প্রকার খ্রীর সংক্র কর্মনার ছারী হয় না। সেটিই পণ্ডিডেনার

বীল ভক্ষের লোকারী কালেল—"মোহিনীমূর্তির এই প্ৰথমে পৰিহাৰ কৰা কৰে কৰে সমত অসামেয়া আৰম্ভ হমেছিল এক পরীরভাবে হেলে পারা সেই খন্তভাও ভার হাতে সমর্গণ করেছিল। ভারপর ভগরুর সেই অমৃতভাও গ্রহণ করে, ছবং ছেলে মধুর বচনে কালেৰ—'হে অনুমান, আমি অনুত নিভাগের স্থাপারে অল-কৰ ৰ করি না কেন, বদি তোমরা ডা আইকিঃ কর, তা হলে আমি এই অনুত তোমাদের মধ্যে ভাগ **क्टब रिट्ड शांति।' चलुव-यात्रदकता विश्वमा दिल गा।** ভাই আহিনীমূর্তির নেই মধুর কবন প্রবণ করে, খাঁঃ ভূমি মা বলেছ তাই ঠিক', এই বলে ভারা তার বাকে ভংকণাৎ সম্বত হতেছিল। দেবতা এবং অসুরেরা উপবাস করে ছান করেছিল এবং ভারণর বৃত্ত হানা অন্মতে আকতি নিবেদন করে গাড়ী, ব্রাহ্মণ এবং অন্যান दर्गंड समग्रहम्ब कर्यार कडिब, रेवना अवर मृद्धारव কথাযোগ্য উপহার প্রদান করেছিখন, ভারণের ট্রাক্ষণানের নির্দেশ অনুসারে দেবজা এবং অসুরেরা শুভ কর্ম অনুষ্ঠান कटब्रिक्टना। कावनद कारम मिट्यद मिट्यद मिट्रे অনুসারে উল্লোখনত বস্তু পরিধানপর্বক অলক্ষারের চার विकृषित एक भूवंचियू कुमामतः छेशविष्ठ व्यवस्थितः 🖰

াত প্রাক্তন, ফুলের খালা, শীপ আনির গারে সুলোভিত এর খণের মৌনতে আন্মর্গেন্ড সভাপ্তে দেবতা এক articles পূৰ্বভূমী হয়ে উপকেশন করেছিলেন। তথ্য ক্রান্ত ব্যক্তির উক্ত সর্মাধ্য মোহিনী অন্ত্রকার হতে বলে প্রভেম্বিদ। ক্ষেত্র একা ধানকের তাঁকে কর্মন করে প্রায় স্বাধ হাসাবুক পৃত্তিপাতে সম্পূর্ণজনে মুক্ত चनाम करण विरक्तन करड चड़ाक छवका चनुस्त्रन অম্তের ভাগ প্রশান করবেন আ। ফেরিনীম্র্তিরালী জাংগতি ভগবান সেবজ এক দানক্ষা ছিতি অনুসারে তাদের ভিন্ন ভিন্ন গড়ভিতে উপবেশন কবিত্রছিলে। ঞাবান অমৃতক্ষমৰ হাতে নিয়ে প্ৰথম অনুহণের কাছে নিমেছিলেন একং মধুর কাক্যের ছাত্র আদের প্রসাহত। বিধান করে অনুষ্ঠ কেকে বৰ্তমা করেছিলেন। ভারেনর তিনি দুৱে উপনিষ্ট দেবতাশের অঞ্চ পাল করিবে জল, কৰ্মক এবং মৃত্যু খেকে মুক্ত কলেছিলেন।"

রংশী ন্যার অন্যার জাই কক্ষ মা কেই, ভাই খারা অনুমোদন করতেঃ শেই প্রতিকা রকা করার করে, তাবের সাম্যভাব প্রদর্শন করার জন্য এবং একজন যাদ করে বে রাখ, সে দেবতাকের কেশ খরণ করে। পার্থটেকেই কল দেবনা হর।"

নিক্ষের পরিচয় গোপন বেখে দেবজানের পঞ্জিতে লবেশ করেছিল এবং স্বস্তুলয় ক্ষপত্তো এনম কি ভণক্ষেত অল্ভে অনুত পান ক্ৰেছিলঃ কিব চক্ৰ ভাতার দুখার বসনে কাবৃত, ওক নিত্তাের ভারে করে। এবং সূর্ব সাভা প্রতি ঠানের ভাতী শঞ্জনেশত তা বৃক্তে ধতি, মার্লানমুখ নামনা, জুয়সপুশ কল এবং ছাতির ওঁডের। পোর্বেছিকেন। ভার কলে প্রায়র এই প্রভারণা ধরা পত্তে নির্মেশ্রন। ভারমে জীহরি উলা কুরগার সমেন হারা সেই স্থানে উপরিত ইরেছিলেন। তাম অভান্ত সুন্দর স্থাবনাথ করে মতুক ক্ষেত্রক করেছিলেন। রাজ্য মতুক जाक, फालांस अवर पूर्वकृष्टल (माणिस कर्न क्रीब क्रम एस त्यर खाक क्रि श्टाबिन, क्रम ता समूट মুখ্য ওলাকে এক অপূর্ব সৌন্দর্যে উত্থাসিত করেছিল। ক্যাধ্যকরণ করতে জ পালার কলে, তার দেহ অযুত্তর ঠার চলার সময় তাঁর ক্ষম থেকে শাকির প্রাক্তনাথ ইংং শর্পা পান্ত করতে পাবেনি এবং তার কলে যা অনুতত্ত্ব পাক করেনি। রাজ্য মন্ত্রক স্বান্যতের স্পর্ন বাতি করার কলে আৰু হাৰেছিলঃ তাই প্ৰথা সামৰ মন্তব্যুক একটি হয়েছিলেন। অসুবেয়া সভাবতই সংশ্র মধ্যে কুন। এইলংগ স্থীকৃতি নির্মেটনেনঃ হাছ বেহেতু চল এবং ভাগের অনুভ দান করে সর্গতে দুখনাম করের মতোই। সুর্থের ভিলক্তে, তাই লে কমাৰস্যা এক পুলিয়া তিকিতে চনা এক সূর্বের প্রতি থাকিত হয়।"

্মেতহানো অনুভ পান সমাপ্ত হাল, বিভূতনের পর্য়ত সুক্রণ এবং প্রভাকারকী জগতন অসুরামার্ডনের সমাক্ষ্ केत सकत क्षमा करहिताम। राषिक स्टब्स कर चमुद्रस्ति छेस्टाइत स्क्राउदे द्वान, काल, कावन, छेरधन्तु, कार्यक्रमान अवर प्रकारन अकड़े दिन, छन्त क्याहा केवर যাদ্রনের মধ্যে কলগ্রান্তি ভিত্র করেছিল। দেবতার সর্বাদ ভগবনের প্রদশক্ষণের আনার প্রকৃষ করেছিলের বলে তাম অনায়েকে অমৃত্যাল কৰা কৰে কৰেছিলেন্ কিছ "एर तांकन्, चन्द्रतता शक्तिका करतिका एए, (मरे) चन्द्रतता क्वचरमा श्रीनतमनरका चांका शक्त मा कराय, ভয়েষর উন্সিত করা লাভ করতে পারেনি। স্থানৰ-স্মাতে जरूं। कर अपर स्ट्रॉड च्या कर अपर शान करन करांच ক্ষণ নাম ক্ষম কাৰ্যকলাৰ অনুষ্ঠিত হয়, কিছা সেই সৰই জীলোকের সংস্ক বিবাদ করা পর্বিত বৃশ্বে, তারা নীয়েক অনুধিত হয় নিজের অধ্যয় বের্ সম্পর্কিত বিস্তৃত ছিল। অনুমোল মোহিনীমূর্তির প্রতি চলয়াসক ক্রেছিল। ইজিয়নুখ ফোণেক ক্রমা। এই সমক্ত কর্বেকলাল এবং তার চাতি ভাবের এক প্রকার বিখাস উৎপদ্ধ ক্ষরবাজি থেকে বিল ক্রনের কলে বার্ব হয়। কিছ হ্যেছিল ৷ তাই ভালের ভয় জিল বাতে সেই সম্পর্ক সেই কার্যকলাপ্ট হবন ভালানেই প্রসাহত বিধানের জন্ম নষ্ট হয়ে সা বার। সৌইজন্য তারা তীর বাজে প্রথম প্রথম অনুষ্ঠিত হয়, কথা ভার লাভবানক কল সকলেই জোগ সংখান হাদৰ্শন করে উচ্ছে কিছু বংগমি। চরা ও সূর্বকে করে, ঠিক বেনাম বাছেত কোভায় বাল দিলে সমস্ত

দশম অধ্যায়

দেবতা ও দানবদের যুদ্ধ

ত্রীল ওক্তবের গোগারী কালেন—"হে রাজন, লেজ धवर शामरकार मकरनावे जुनै केमारम ममुख्यम् कार्य যত্তবাদ হয়েছিল, কিছ তারা ভগরাদ শ্রীবাস্থাবের ভার মা হওরার কলে অমৃত পান করতে পারেনি। হে মান্সন, ক্ষমনে সময় ময়নের বারা অমৃত উৎপাদন করে, তাব প্রিয় ভারু ক্ষেত্রাদের ভা পান করিয়ে, ফকলের কমক্ষে উন্ন কহন গঞ্চডের পূর্বে আনোহণ করে তার খামে প্রত্যাবর্তন করেছিলেন (^জ

"(सरकारान और धकार भारत क्षेत्रर्थ ह्यार कारक দেখে, অসুরোরা অসহিত্য হয়ে তালের অস্ত্র উল্লেখন করে দেবভাষের প্রতি ধাশিত হয়েছিল। ভারগর, অমত পানে অনুতালিত এক নারারপের বীশানপথে কর্মণা পরপানত শেষতারা উদ্দেশ্ব অন্তপন্ত নিরে অস্থ্যদের প্রতি-ক্ষাক্রমণ क्याप्त शक्षक संराधितातः । तह संस्था, चन्द्रा कीरागर्रास তীরে দেবতা এবং গ্রেখণের মধ্যে এক ভরতর বৃদ্ধ হয়। সেই যুদ্ধ এতই ভয়ানক হে, আ মধ্য কালেও লোমাক হয়। *া*ই বাছে উভৱ পৰাই অভ্যন্ত ক্ৰছ হয়েছিল এবং পরস্পারের প্রতি শত্রুতাবাপর হরে তারা ভরবারি, বাদ এবং বিভিন্ন স্বায়ের দারা পরস্পরকে প্রহার করান্তি ওক করেছিলেন। লছা, তর্ব, মুনরা, ভেরী, ক্ষমক একং হস্তী, গ্ৰন্থ, ন্তবী ও লগতিককে ভূমুক কলিতে সেই সপক্ষেত্ৰ পর্ণ ছরেছিল। সেই বৃদ্ধক্ষেরে রাইনা বিপক্ষের রাধীদের नरम, ननाजिरकता विभएषत शमाजिकस्मा मरम, चन्याखादी देनमिका विभावक चनारहाडी दिनिकान गाम करा গজানত সৈনিকোর গুরুপজের গুরুবরত সৈনিককের সঙ্গে যুদ্ধ করতে ওরু করেছিলেন। এইভাবে সমানে সমানে সভাই হরেছিলঃ নৈনারা কেউ উটের উপর, কেউ হাতির উপর, কেউ গর্বডের উপর, কেউ কেডসুখ কম বক্তমুখ বানরের উপর, কেউ বাজের উপর এবং কেউ নিয়ের উপর ব্যারাংশ করে যত কর্মেকেন। হে করন, খনা সমস্থ সৈনিকেয়া কেউ পকনি, কেউ ঈগল, কেউ ৰঙ, কেই শোন কেই ডাস, কেই ডিমিনিস, কেই শক্ত, কেউ মহিদ, কেউ পধ্যার, কেউ গাভী, কেউ দৰ,

কেউ পৰৰ এবং কেউ অঞ্চলের সিঠে চন্তে ১৯ কর্মেরজন। ক্ষতেরর পৃথাল, মুবিক, গির্মানটি, ক্ষান্ত मानुब, श्राव, कुमान्यस भूत्र, ६९म क्रवर मुक्तस्त्रस शिक्षे हरूछ খন্ত করেছিলেন। এইভাবে কগচর, খুলচর ও খেচর এবং বিকট আকার প্রাণীর উপর আবোহণ করে পরস্পরের সম্প্রীন হয়ে বৃদ্ধ করেছিলেন। তে গ্রাক্ত হে পাওনক্ষ, দেকতা একং দানৰ উত্তয় পঞ্চের হোজান অভ্যন্ত স্থানেতাকে সন্ধিত চন্ত্ৰাভণ, বিচিত্ৰ ধাৰো এবং অত্যন্ত মুদাধান মধিরত প্রচিত স্থামুক্ত হতে বিভাইত ছিলে। তারা মধ্রপুক্ত নির্মিত পাথা এবং অন্যান্ত প্ৰকাৰ চামবেল বারাও সন্ধিমত ক্যেন্ডিলেন। সেট সঞ্চ বোদ্ধানের উত্তরির এবং উন্ধীৰ বায়ুছনে আন্দোলিত হওয়ার শভাবতই উচ্চার অভাব সুপর মেখাছিল এবং থাকের বর্ম জলকার ও তীক্তমার আর উল্লাল সম্বিধান ফলমল করছিল। এইভাবে দৃষ্ট পলের সৈনিকছে। জন অলক্ষরসমূহে সমাকীর্ণ দৃটি সমূহের মতো মনে ইছিল। নেই বুৰে প্ৰসিদ্ধ সেনাগড়ি বিয়োচনের পুত্র বৃদ্ধি বৈহারস নামক এক খাতাত আক্রয়ণ্ডনক বিহানে উপৰেশন করেছিলেন। হে রাজন, সেই খণ্ডি সুন্দরভাবে সক্ষিত বিমানটি মরদানৰ নিৰ্মাণ করেছিল এবং ডা সর্বপ্রকার বৃদ্ধের উপবৃক্ত অন্ত সমন্থিত হিল। সেই বিধানটি ছিল অচিন্ত এক অবপনীর। ভা কখনও দুখ श्चर चत्रना क्षित्र। इन्हें निप्राइट श्चक जन्मत सहस्रत निर्दे অসুর সেনাপতিকের স্বায়া পরিবেটিত বলি মহাক্রমকে বেট চামবের ছারা ব্যক্তন করা হতিলে এবং তথ্য তাকে ঠিক সর্বাধিক আলোকিও করে সম্বাবেলায় উদীয়মান करताव वरका वरम क्रिका। योग प्रशासका अञ्चलित সমজ অসর সেনাপতিরা জ্যানের নিজ নিজ বাহতে উপৰিষ্ট হয়ে অবভান কমছিল। ভাগের মধ্যে ছিল নমূচি, শক্ষা, বাশ, বিচার্ডার, অরোমুখ, বিমর্থা, কালমান্ত, প্ররেডি, হেন্ডি, ইম্বল, শকুনি, ফুডসন্তাপ, বল্লদংষ্ট্ৰ, বিরোচন, इड्डींच, नव्यनिक, क्लिन, स्मापुर्श्क, छाउक, ५४४पुर, তম্ব, নিগুর, মার, উংকল, আরিষ্ট, অরিষ্টনেনি, विज्ञाधिक, भेड, पुरलामात भूतका करा कारणह छ _{क्रिता}लक्क काणि कर्न्द्रदा। **अहे अबद्ध सन्**द्रश् ক্সতের ক্ষণেপাতে বঞ্চিত হরে কেবল সমূত্রহালের ক্রেড়ার্থী ইটেনিল। এক, তারা নেবভারের বিকত शाब अनुष स्टामिन। सरमा रेनमारमा बनुसानिक स्टाह লনা তারা সিংহনাদ করতে করতে তুমুল **বাবে লয়** काकारक जानन। यनकिए या देख छाउ हिस्स প্রতিহালীদের বর্ণন করে অতার কৃষ্ণ হরেছিলেন। প্রবেশসমূহ বেখানে সর্বাদ ক্ষবিত হয়, সেই উদস্বিভিত্ত ভারত স্বলৈবের মডো ইছে ভবন সমধারাকারী ক্রিরভীতে আরোহণ করে শোডা গানিকেন। স্বর্গত রিভিত্র দেবশুরা কালা ও আছে সম্পিত হয়ে এবং বিভিত্র রাহারে উপবিষ্ট হরে দেবরাজ ইক্রাঞ্চ কেউন করেছিলেন। হয়েছিল। দেবতা এবং অসুরগের পদাধ্যতে এবং রাখের ক্রমত মধ্যে হিলেন বায়ু, অন্তি, কলৰ আমি সমস্ত ক্রেন্স कार भार्यन मध् ममञ्ज (मार्कनामानन) (मराज कार ক্ষানের পরক্ষারের সম্বাদি হরে মর্যতেই ক্ষাক্ষা কর পরস্পারকে জিনস্থার করেছিলেন এক জাননার পরস্পারের সমীপবতী হয়ে শৃশক্ত করতে ওক করেরিকের 🖰

"হে রাজন, মহারাজ বলি ইলের সংগ বৃদ্ধে প্রকৃত্ হরেছিলেন, কার্তিকো ভারকাস্বরের সংগ, কলে হৈতিয় সংখ্য এবং মিত্র প্রছেতির সঙ্গে কৃত্র করতে লাগলেন। যমনক কালনাভের সঙ্গে, বিশ্বকর্ম সালা-বেল সঙ্গে, প্রত্না শহরের মঙ্গে এবং সূর্বদেব বিরোগ্রন্তর মঙ্গে কুছ করতে नावानन। अन्याभिक्तम्य नम्हित् महत्र ध्वर সূৰ্বদেৰ বাল আদি বলি মহাভাজের একৰ পুত্ৰের সক্ত वृद्ध करत्रदिरमान अवर शक्तरस्य डांस्त्र जात्म वृद्ध महादित्यतः। नयसस्य नुरमासस्य मरण तयर प्रश्नाकान्छ। তব্ৰনানীদেনী ৩৪ ও নিওছের সামে বৃদ্ধ করতে লাগকেন। হে অবিশয় মহাক্রম পরীক্তিৎ, মহাকের লবের সঙ্গে এবং বিভাবস্ মহিবাস্থার মলে যুদ্ধে প্রস্ত ছঃছিলেন। জাতা বাতালি সহ ইন্ডল ব্রকার পুত্রবে শক্তে কুছে করেছিলেন। পূর্মর্য কাথদেকো সঙ্গে, উৎকল অসুর স্বাহৃত্য দেবীদের সঙ্গে, কুলেগতি ওক্রচার্যের সঙ্গে এবং শুনি নরকাসুরের স্থান কুছ করেছিলেন। সক্রতের। নিশ্বতকরতের সঙ্গে ফুল করেছিলেন, কনুগণ কালকেন নামৰ অসুরাদের সঙ্গে, নিশদের দেবভাগন পৌর্লান

অনুসংখ্য সলে এবং জন্তবাৰ জোখনৰ অনুসংখ্য সংস कृष्ट कर्राक्षण्या । और मध्य स्थापन अवर धामुस्तान मुख काल क्या कुरूकरण नवस्थर भएत, करान्त सम्मृदंद পরাশ্বরের জাক্রমণ করেছিলন। জত ক্রজের স্বাপার ভাষা সকলে পল্লাপালক জীক বাল, বড়ব এবং ভোমজো যার গ্রহার করতে লাগলেন। ভারা ভূভতি, চঞ্চ, করা, খাঁট্ট, শক্তি, উত্মৃত, প্রাস্, পর্যাধ্য, নিরিবে, ভার, পরিষ, মুদহর এবং ভিন্দিলাল প্রভৃতি অস্ত্রের ব্যরা বিশক্ষের মন্তত ছিল্ল করতে লাগকেন। হতী, আশ, রখ, देवी, श्वाधिक बार अन्याना शहन नह छैएसद चारतारीयमत कर केन, शना, ना दिस स्टाहिन करा टाएम्ड भवाल, बन्ध, वर्ष क्षत्र चलकात ४७-दिवट চাঞ্চর হারা কুমকোর খেকে রচন্ত ধুলি অংকাশে উখিত रहा मुर्दअक्षम भर्तन्त भ्रतिक प्रत्यामिक करविका । किन्द হার পরেই মজের তানার নিক্ত ছারে সেই ধূলিকাল নিতৃত্ত হর্মেল। সেই বৃদ্ধের তথ্য যোজানের প্রিয় মন্তর্কর ৰামা পরিবাধ্য ইয়েছিল। উচ্চৰ মন্তৰ দেই থেকে নিয় हरूमक केर्डा सहस क्रमध्यक हिंग अभर (Africa केंद्रा) टीएस्स कम्ब भएनम करतक्तिका। कारमद निव्हित मस्त्रक থেকে কিনীট এবং কুণ্ডল সর্বায় ছডিবে ছিল। তেমনীই, অসমতে ভূৰিত এবং অন্তথ্য বৰ হস্ত এবং হাতির ওঁড়ের মধ্যে পা এক উক্ত সেই যুদ্ধক্ষের সর্বত্ত ছড়িয়ে ছিল। সেই কুছাক্তের বহু কংকের (মন্তক্সহিত দেহের) অধিনীকুমারস্বর ব্রুপর্বার সত্তে বৃদ্ধ করেছিগেন। উৎপত্তি হয়েছিল, বারা তাদের নিশ্তিত রস্তকের চকুর হারা দেখতে পাজিল এবং হাতে অন্ত নিরে ভারা শক্রপকের সৈন্যদের আক্রমণ করেছিল। বলি মহারাশ্ব ভবন গলটি বালের ভারা ইফাকে, তিনটি বালের ভারা এরাক্তকে, চারটি বাগের বারা ঐবাক্তের প্রেরণাক চারক্ষন অভাবেচ্ছিকে এবং একটি বাণের ছারা হতীনেলককে আফ্রমন করেছিলেন। বনুবিনার স্থানিপুর বেবরাক ইজ হাসতে হাসতে উন্ন নামক কতি তীক অন্তের বামা সেই স্বাপতকি প্রতিষ্ঠ করেছিলেন। ইলের অতি সুনিপুৰ সামরিক কার্য ফল্লে করে, বলি মহারাজ র্তার মেশব সংবরণ করতে পারেননি। ভাই তিনি তারন শক্তি মানক উক্ষার মতো এক খুণার অনু প্রহণ করেছিলেন। কিন্তু কলির হাতে খাকতে খাকতেই ইচা

েই বয়ে ৭৬ ৭৫ করেছিলেন। ভারপত, বলি মহারাজ একো পর এক শুল, প্রাস, তোমন, ক্ষি প্রভৃতি যে বে খান্ত প্রবাদ করেছিলেন, ইয়া তৎক্ষাৎ মেণ্ডলি যাও বাচ ৰুপ্ৰেছিলেন।^{**}

মারা সৃষ্টি করেনিপেন। সেই মারার প্রভাগে ভাগন দেবগৈনিকদের জনার উপন এক বিলাপ পর্বত আবিস্কৃত ছায়েছিক। সেই পর্যন্ত থেকে মাবানলে দল্প কিবাল বন্ধসময়, পামান বিনায়ক অন্তের মতো তীক্ষারা পাথকের ধকসমূহ কোনেনিকানে উন্ম পভিত হয়ে ঠানের মন্তক इन्हें कारक आवता। वृश्विक, विभाग अर्थ अवस प्रामान वह दिशाक क्षत्र, जिल्ह, बहुद्ध, बहुद्ध अवर विभाग इजीमबह (सर्वोम-हापन देनम् शक्तिक स्टा गर किंगू अस्त विनन (पटक मुक्त क्वाम साह।" চুপ্ৰিচুৰ্গ কান্তে লাকন। স্বত শত বিবস্ধা রাকসী এবং ক্রমদের শুলহন্তে দেখানে অবিপৃত হয়ে ভিংকর করতে क्राम, "क्रांत क्या। विद्य करा:" छक्त चरकार्त अस्त्र বাহ ভাড়িত হরে ভয়তর মেৰ আবির্ভুত হয়েছিল। বল্লের মতো ভাষর শব্দ ধাতে বারতে সেই লেগ খেলে অলার বর্ষিত হতে লামগ্রঃ বলি মহারাজের সৃষ্ট এক यहा मरवादक चाहि स्मरश्रामक मिमारमत गई कराए দামান। অতি প্রচণ্ড বারু সহ সেই অধি সাবের্তক নামক প্রশারকার্তীন অভিন রুপ্তে ভরতর ছিগ। ভারণর সর্বদিকে প্রচত বারুর জনা উবিত সমুদ্রের তরণ এবং আবর্ত দৃষ্ট श्रद्धातिन । पुरस्क क्यान महा जादावी कामत्वता अहेकारव অদৃত্য থেকে বিকিং হারা সৃষ্টি করতে লাগল, তবদ দেবলৈনিকের বিষয় হতেছিলে। "

"হে বাজন, মেবভারা ফালী অসুগদের সেটি ছায়ার প্রতিকারের কোন উপায় দেখতে পেলেন না, গুখন ঠাল সর্বাচ্চারতা ভগতনের ধান করেছিলের এবং বিগঠনের क्रमधार समाहत व्यक्तिक स्थापनात । सहरकत प्रकार "হে রজনু বলি মহারাভ ভাবন অর্ডাইত হলে খাসুদী। পাদপত্তখুগল বিনাঞ্জ করে পীতবানন, নৰ নিকলিত পৰ্যালাল লোচন ভগবান উল্লেখ্য যাতে আটটি যাত্ৰ शास्त्र करव सी. स्टीक्टल, बहाभूगायान किरोडि के घटनाइन কুওলে লোভিত হতে সকলের স্থিপোচন হয়েছিলে। জালাও ইলে কেমৰ দুঃৰাখা দুৱ হলে যায়, ডেমনট व्यक्तकरम् क्रमसम् कर्यन क्या आहरे काल क्रशक्त শক্তির প্রভাবে আসুরবের কৃটকর্মজনিত মায়া কিশীন হয়ে পিয়েছিল। বস্তুতগক্ষে, ভগকানকে পান্তৰ উনার কণেট্র

> "হে বাজন, সিংহবাছন কালনেরি গঞ্ভবাহন ভদক্তনতে বৃহত্তেরে দর্শনপূর্বত তারে পূল মুর্গন করে भक्ररकृत बदरकत शिक्ष का निरम्भ करवेदिन। রিলোকেশা কাব্যর জীবরি সেই পুল অবলীলাকায়ে গ্রহণ করে, নেই অক্সে খারাই কালনেখিকে ভার বাহন সিহে সৰু সংহার করেছিলেন। ভারণার স্থানুক ভার हरकात बाता भागी अवर मुक्तमी बामक मुद्दे चाँठ यमदान অস্থ্রদের মন্তব্দ ছিল করে সংখ্যে করেছিলে। করেলর মালাবান নামক আই একটি অসুর ভাগনেকে আক্রমণ করেছিল। ভার অভি তীক্ত করা নিমে সিংহের মধ্যে পর্জন করতে করতে সেই অস্বট পশ্চীরাম পরভাবে আঞ্জেপ করেছিল। কিন্তু আৰি পুৰুত্ব কপন্যম তাব চক্রের রারা সেই শক্রটিতর মন্তক ছিল করেছিলেন।"



একাদশ অধ্যায়

দেবরাজ ইন্দ্রের দৈত্যকুল সংহার

জ্বীন ওপলে জেলানী কালেন--"অধন্য ইন্স, নারু নেগভারা যে সমস্ক অসুরেরা পূর্বে ভাঁথের পরাত প্ৰভৃতি কেবলে প্ৰয়েশন ভাগৰ খ্ৰীট্টির প্রম কুলার । করেছিল, তাথের প্রচণ্ডভাবে আঘাত করতে ওঞ পুনক্ষালিত হয়েছিলেন। এইভাবে অনুধাণিত হয়ে। করেছিলেন। পারা পালিখান ইয়া খবন ক্রছ হয়ে বলি

_{বাচাধাক্তে}র হত্য করার কলা তথে হতে বছ গ্রহণ _{कर्र}िहरून, ३०० सभूदरम काब, सड़ (° शहर दिसाध ক্রতে গুড়া করেছিল। জনতী এক বত্তসঞ্চায় সুনাঞ্চত _{মনি} মুহারকে কথা মহান বৃদ্ধক্তে ইয়ের স্কৃত্ত কোপিত চ্যোপ্তাল, তথ্য বছনাল ইয় বলি ফারোছতে familia থারে বলেভিন্সার, 'গার মৃত্, কণট বার্ডির মেনা MAN চোৰ কোনে ভার ধন অগহরণ করে নের, ডেমনট ্রে সমান্ত মুর্বেরা মোগশক্তি আগবা **জড় উপারের ছা**য়া ভালোকে উঠাত হতে হাছ, কাৰণা কৰ্মলোক কতিকৰ बार दिकानर वास इस्ट वित क्या प्रतिभाग कार्य চাই আমি কাৰ্ডেৰ পাতলৈ খেকেও ঋণ্যলোকে নিজেন জন। আৰু সেই শতিমান পুৰুষ আমি শতপৰ্য সময়িত ব্যাহর মার তেনে দেব খেকে তোর মন্তব বিশ্ব করব। রদিও ভই বা মারা সৃষ্টি করতে পারিম, তবুও ভুই মুদ্ধকেরে থাকার চেটা কর। "

বলি মহাতাল উত্তর দিলেন—"এই বৃদক্ষেত্রে উপরিত নকবেই কালের নিয়ন্ত্রণকীন এবং ভাষের কর্ম মধ্যে প্রাপ্ত হবে। কালের পতি দর্শন করে বিকেটী ব্যক্তিরা নিভিম পরিস্থিতির জন্ত হলবিত হল মা অখবা পোড হানিও হাম, ভাই ভোনাকে কুম একটা ক্রিকা বলে খনে रेव की एशियदा (मदलावी बद्ध कर एवं (टायदारे रूक् क्षप्त करा महाकारतस अपना। एकामारमा क्षेत्र पूर्वरात मर्थनीडामावक स्टान्ड कादि का आहा कति ना।"

^{क्र}दर्शितमा। नाक्षणकारमधी देख कथा रही वहाताक्षरक । वर्शमा पाता प्रेट्यम सेन क्ष अंदर मांदवि प्रद् दर्शालाकार

হত্যা করার উদেশে অসুর্থ বাচনত নিকেন কর্মেরকার উখন বলি মহারাজ জিপক পর্যতের মতের তাঁর বিশান মর ভূতকে গতিত হরেছিলে। জন্তানুর কথন রেখন, তমা সধা বলি ভূপতিত হতেছে, উপন লে তার বছুং হাতি সৌহার্যা আচাহন কথাছ কান্য তাল পরু ইয়েবত সম্মূপ উপরিভ হয়েছিল। বহাকার্ড, সিংহর্ড্র জয়াসুর ইল্লের সম্বাধে আগমন করে তার কলে ভার ত্তই প্রাবার করে। আমানের পরেক্ত করের GBI কর্মান, ইচ্ছের কঠমুলে গুনান আহাত ক্রেছিল। সে ইন্সের वृत्तिक पुन्नै कांतिन दर बाहता जो नमक वाशात कर्षाबत। स्वीरक्क अवात करतिहन। क्षान्तानुस्तर अवात व्यापारट ইমোর হতী অত্যন্ত ক্ষণিত এক বাকুলিক হয়ে জানুর ম্বর পৃতিবী স্পূর্ণ করে মুর্ত্ত প্রান্ত মর্যোচন। ভার-নে ইয়ের সর্বাধ মাতনি সহয় কৰা যেকিত ইয়ের হত নিয়ে এনেছিল। ইন্স কৰা ঠার হন্তী পরিভাগে করে ত্বৰে আয়েহৰ করেছিলেন। সাতলির সেবার প্রশংসা মরে অসুর্ভেট করাসুর হেমেরিকঃ তকুও লে তার বাগর বৃদ্ধের হারা কভনিতে আলভ করেছিল। সেই ফলবৃত্তি। একা তোর আতিবর্গ এবং বনুধান্তর সহ এই কোনা দুসেই ইংগত মাতলি থৈর্গ করনত্বন করে সেই থাবার মধ্য করেছিল, কিছু ইলে জতাত কৃষ্ণ হয়ে ব্রাঘাতে পরাস্থান মন্তব্দ দির করেছিলেন।"

मिति मूनि क्का कडाम्हरू काहीरक्का क्षा অনুসারে তার। কীতি, আছ, পরাজ্য এবং মৃত্যু ক্রমে। ক্র্যাহবদের করাসুরের মৃত্যু সংক্রম প্রধান করেছিলেন, তব্দ নযুতি, বল এবং পাক নামক বিসম্ভন জন্য শীক্ষী সেই বৃদ্ধক্ষের উপস্থিত ছবেছিল। কর্মল নিষ্ঠর ব্যক্তার कर्मम भा। कहि, कृति उपस्ट इटामान नाइन काइल । यात्र हैएक्ट प्रांत्रक निक करत और वामुखना वर्षमा परवा ক্ষেত্ৰ পৰ্যত্তে আগ্ৰহদিত করে, ক্লিক সেইজানে বাৰ दर्भ भर। देखरू कावह करहिल। यह सन्ह जिल्ह হতে বৃদ্ধক্ষের পরিস্থিতি সমেক্ত নিয়ে, ইলের এক সাধুর তেমানের জন্য শোক করেন। তাই তোমার বাবন সাভার জনকে একই সময়ে ততালি আশার ভারা বিদ্ধ করে আছত করেছিল। পান সামক আৰু এক অসুর বীল ভাৰনেৰ গোলামী কালেন—"এইভাবে দেবগ্ৰাক পৃষ্টপন্ত বাৰ খুলপৰ ধৰ্কে বোজন এবং চেচ্ছে কৰে ইপ্ৰতে তিন্তম্ভ কৰে বীনকৰ্ম কৰি বছৰেও নাজ্য নাজ্য সাজ-সৱস্থাৰ সৃষ্ এখ এবং যাতকৈ উচৰকে বাশ ঠার ভর্ম পর্যন্ত আকর্ষণ করে ইয়েকে আহাত। পৃথকভাবে আবৃত করেছিল। বৃদ্ধক্ষেত্রে সেই খটনটো করেছিলেন। ভারণত তিনি পুনবার করেন বাংল ইয়াকে। বস্তুতই অত্যন্ত অত্মত হয়েছিল। ভারণার নাম্বর্ট নামক তিরস্থার করেছিলেন। বেছেছু বলি মহারাজের সেই স্বায় কক্টি অনুর স্থলপূর্ণ মেনের জ্বার পর্যাক্ষাই। এবং তিনছার ক্ষম ছিল সভা, ভাই থেকনার ইজ মুখিত না অত্যক্ত শক্তিশালী পানেরটি অপিকস্কুক বাবের ছারা ইলে, অনুগ-আহত হস্তীর লভা উন্ন সেই ভিনেমন সহ। ইপ্রাঞ্জ আঘাত করেছিল। জনা অসুকেরা নিবস্তুর প্রাণ সূৰ্বের মতেই আক্রম করেছিল। দেবতারা ওঁছের পঞ্চর স্বামা প্রকলভাবে প্রতিষ্ঠে হরে এবং ইপ্রকে সুক্ষকেরে না ষেশতে পেরে অত্যক্ত উদ্বিধ চুরুছিলেন। তারা মাধসমূহে ভারকবিধীন গুগ্রাপেত স্বর্ণকলের মতে বিলাপ করতে লাগলেন। ভারপথ ইয়া নিকেকে লরজালের পর্বার বেকে হক্ত করে ঠার রখ, কব, ধারার এবং সার্রাথ সহ নিৰ্পত থকে, বাহিলেকে দুৰ্কের মতেন ক্ৰীয় ভেকে আলপ, পুৰিবী এক সমস্ত দিক বিকশিও করে পেতা পেতে বাধবেল। বস্ত্রধার ইলে তার সৈনাগের কুমপেরে পঙ্গলৈ যায় কড়ল নিগীড়িড পর্মে করে, কড়ল কঙ হলে প্রন্তের হত্যা করার কল্য বছ উত্তোপন করেছিলেন ।"

"CE भवत्ताका शतीकिक (शवताक हैता केंद्र कंट्राव হার খন এক পাকের রঞ্জক ভাবের আব্রীরাক্তম ও অনুবাহীকে সমকে থেকা করেছিলেন। তার কলে সেই বছকেরে জভাও ভয়াবহ পরিস্থিতি সৃষ্টি হরেছিল। 🥴 हाक्य, तम असर गारक्ष भूका प्रमृत सद्ध चार अक चन्त म्बर्कि व्यक्षाद त्यांकाविक च वितामपुक स्टामिन। कार কলে যে নেগগায়িত হতে ইয়াকে বন করার বহু চৌর করতে লাগদ। ক্রম হরে সিংহের মতো পর্যন করতে করতে নমুচি অসুর ঘণ্টাবৃদ্ধ লৌহমার দৃল গ্রহণপূর্বক विश्वाद करन बरमहिम, 'छुई अधन निश्च एति?' এইডাবে ইয়াকে বধ করার জন্য তার সম্মুদ্ধে উপস্থিত হৰে তাৰ প্ৰতি ভাৰ খন্দ্ৰ নিজেগ কৰেছিল।"

"হে রাজন, দেবরাল ইয়া বখন সেই ভাতান্ত শক্তিশালী শুগটিকে ঋণত উৎসা মাজে গতিত হতে মেৰলেন, ডকা তিনি জাত্ৰ কাশের বাতা সেটি ৰত ৰত করেছিলে। ভারণার অভ্যস্ত কর্ম হরে তিনি ভার হয়ে। যারা নম্চির মন্তক হিল করার জন্য ভার শ্রীবাদেশে আখাত করেছিলেন। কেবলেন ইয়া বলিও মহাখেলে সেই আছু নমুচির প্রতি নিজেগ করেছিলেন, ভবুও ভার ভুব পর্বন্ধ হয় তেক করতে পারেনি। হে বছ বৃত্তাসুয়ের মেহও তেও করেছিল, ভা যে নমুচির গুলার ভার পর্যন্ত কে স্কৃত নারদ না, ভা অভার আশ্চর্কের বিবর। ইন্ত তম বছুকে শত্তর দারা প্রতিহন্ত হয়ে কিছে স্বাসতে **মেখে অভার ভীত হথেছিলেন।** তিনি অভার

আন্তৰ্যাহিত হলে ভাৰতে বালানেৰ ভা কোনও ট্ৰেন শক্তির প্রভাবে মটেছিল कি না।"

ইন্দ্ৰ ভাৰলেন—"পূৰ্বে, অনেক পৰ্যন্ত কথন ভাষেত্ৰ লাক্সর সাহায্যে জাকালে উড়াও একং কৃতলে তানিও চয়ে शकारमा विनाम माध्य कार, प्रचम स्वर्धि वर्षे वर्षात संस कारका अकरकामा कारविस्तामः। दुवानुत विद्यान प्रश्लेख তপন্যার সারহরাশ, তবুও এই বছ ভাবে সংহার करतिहरू। मक्षरभएक, कारण दिनिह जा, जान मह रीव খানের মান পর্যন্ত অন্য কোন অপ্রের বারা ব্যার্থ কর মা, তারা সকলেই এই বল্লের হারা নিহত স্বেছেন। কিছ এখন, সেই বছ এক ভুক্ত অনুজের প্রতি নিজিতা হবে প্রতিহত হল। সুধরার ব্রহ্মাক্টো হতো হলেও ভা এখন এখটি সাধারণ দক্ষে মতে অকিভিংকর হয়েছে। অই অমি সার এই বস্তু প্রস্থা করব বাঃ"

শ্ৰীল ওকদেব গোলাৰী ৰদলেন—"ইল্ল ছব্ম এই ভাবে বিষ্যাপন্ত হয়ে কেক কাছিলেন, ভাকা একটি जियमानी इरक्षित, "और चन्ना मन्हि (कार का चन्ना আৰ্দ্ৰ বন্ধৰ ৰাখা নিহত হৰে না (*

সেই কঠাৰৰ খলল, "হে ইঞ্জ, কেংছে আমি এই অনুপ্ৰকে বয় দিয়েছি কে তক্ষ থাকার আর্থ কোন অগ্নেয় বারা ভার মৃত্য হবে না, তাই ভাকে হতর কারে কান্ ভোষকে ঋন্য কোন উপাত্র চিন্তা খরতে হবে 🖺

"লেই দৈববাণী ভয়ে, কিভাবে সেই আগুরতে বধ করা বার সেই কথা ইন্ত সমাহিত চিত্তে চিন্তা করতে লাগদেন। তখন তিনি শেখলেন হৈ কেনা হচ্ছে ভান উপায়, কারণ তা তাইও নর এবং আর্ডও নায়। এইভাবে দেবরাক্ত ইয়া বাছও নত এবং আর্রের নত এই প্রকার কেনার অংকর বারা মধুতির ক্রঞ্জ ক্রেন করেবিকেন) তৰন সমস্ত কবিৱা সেই মহাপুৰুৰ ইশ্ৰের প্ৰতি প্ৰসত্ৰ হরে পুষ্প কর্ম করেছিলেন একা মালার স্বারা উচ্চক चाक्यांनित करविद्वानः। विश्वका असः नक्षका अस्म गृहे গ্রহ্মবান পরম আনক্ষে থনে করতে লাগলেন, দেক্সুভি বাজতে লাগল এক অভ্যানৰ মহা আনংশ দুত্য করতে লাগকেন। সিংহ বেভাবে মুখসমুখ্যক বিনাপ করে, সেইভাবে বাছ, অধি, বাংগ প্রভৃতি দেবতারা প্রতিপঞ্চ অনুসামর বধ করতে লাগলেন। রে রাজন্

_{সামা} হথা (ব্যক্তন যে দানব্যুক্ত সম্পূর্বন্ধণে কিন্ট হতে চালতে, তথ্য তিনি দেবর্থি নারদকে পারিবোদ্ধান। कारण (स्वटार्मण कार्य किनान (भट्ट सिवृट कर्टाक्ट्रान्स्)" *ध्या*वि अक्ष अवस्था -"एडामबी स्थाजना नावस्थान নালা খালা সূর্বাক্ত একা কল কুপার তোমেরা অন্ত লাভ করে। লক্ষ্মীদেবীর কুপার ডোমরা সর্বতোভাবে কর্মী। **अरवाह । बारअवर करे कुछ १४१४ जिन्ह कु**क्

ত্রাক ভাষাকর কোনারী কালেন—"শ্রীনারত মুদ্রির क्षी (पद्ध निरह सम्बन्धन फेरमंद स्नाथ मास्तान करन _{প্ৰথ} বেকে নিব্ত ইংকছিলেন। ভারপর ঠালের অধ্যয়ীদের ক্ষরে অপ্রেক্তি হরে উদ্ধা কর্মলোকে কিরে

নিকেইলেন। সুক্ষকেনে যে সম্ভ অসুবেত্রা অধনিষ্ট हिन, छावा जावन मुनिव चारवरन प्रदेशशब दनि ব্যালয়েকে অনুগালি নামক পর্বতে নিরে গিয়েছিল। ধে नवक मानन टेना,मात प्रशुक्त, (सह अन्य क्षेत्र आहरूरपुर বিনট্ট হরনি, সেই পর্বতে ভঞ্চাচার্য ভালের সঞ্জীতনী মত্রের ভারে পুনর্কীবিত করেছিলেন। বলি মহানাক ক্ষপ্তের কর্মকলাল সক্ষে বিশেষকারে বিচক্তন কিলেন। তিনি কৰা ওজভাৰ্মে কুণার তার ইন্ত্রিত এবং পৃতি কিবে পেরেভিসের, তকা ভিনি বুরতে পেরেভিসের কি হরেছিব। ভাই কুছে পরাক্তিত হওৱা সংস্কে ভিনি निकालक इन्हि।"



বাদশ অধ্যয়

মোহিনীমূর্তির শিব বিমোহন

মীণ ওক্ষেৰ খোগাৰী কান্তে—"ভগৰান শ্ৰীহত্তি বীরাণ ধারণ করে অস্রক্ষের মোহিত করে দেবতানের খাহত পান করিবেক্সে, সেই কল্ম গুড়া বৃষ্ণকা সম্ভাৱে উল্লেখ্য প্ৰকাশ পৰিবৃত্ত হতে ভগৰান জীমধুসুহৰ বেধানে অবস্থান করেন, সেখানে তথ্য মোহিনীয়াল দর্শন করর জন্ম গ্রাম করেছিলেন। উমা সহ মহাসেবকে। সম্পূর্ণরংগ চিন্মর হওরার কলে আগনি নিতা, জন্ম ভদবাদ সাগঞ জন্ত্যৰ্থনা করেছিলেন। মহাধেৰ সূপে প্ৰকৃতিয় সমস্ত ৩৭ জেকে মৃক্ত এবং পূৰ্ণ জ্ঞানবম্বত। উপবেশনপূর্বক ভগবানের পূজা করে হাসতে হাসতে প্রকৃতগলে আগনার পোকের কোন প্রমুই ওঠে মা। बरमंत्रितम्, 'दह दास्त्राम्य, दह समग्रामी, दह समग्रीम, ্র কপার, আপনি সমস্ত বস্তুর মূল নিমিন্ত এবং স্কুল কোন কিছুর অভিস্থ পারে বা। তবুও উপাদান কারণ। আপনি আনু মন। বস্তুতগক্তে, আপনি আমত্র কর্ত-করণ স্কর্ণার্কে আপনার থেকে ভিত্ত, করেন নাক (চতটেরা আছো বা প্রযায়া। অভ্যাব, আদমি এক নিক নিরে দেবতে সেলে কর্ম করণ কিয়। লবংকরর অর্থাৎ পরত্র নিয়ার। হে ভগবাদ, বাভ, অপনিই সৃষ্টি, ছিডি এবং বিনাপের আদি কারণ এবং पराक, पर्वाप अस् और भगावत यापि, स्वा अस् कहा व्यापित मात्र कीवत्सा सा शहल करान। संस्टानी सार সঞ্জী আপনার খোকে প্রকাশিত হয়েছে। কিন্তু কেন্তের্ কর্মের করা আপনার উপর নির্ভয় করে, কিন্তু আপনি পর্য সংগ্র, পর্যাস্থ্য এবং পরায়েশ, তাই জন, অপনি সর্বধাই স্বতহং হে উলবান, আপনি কার্য এবং

জীবনা চরা লগ্ধ লাভের অভিলাবী এক সর্বভারত ইপ্রিয়পুর ভেমেরত জড় বাননা রহিত ওছ ভাত বা वशापाचन विलाह व्यन्ताह दीनामनरका क्षत्रवंती त्यसंह क्षा करकर ! "

°হে প্ৰভু, আগনি পরত্রক, সর্বতোভাবে পূর্ব। (कररेंकु चार्शाने गर्द-कातरम् भद्रम कलम, छाट्ट स्तर्भनारक ইন্তি কাং ছিতি প্রকৃতির পরিবর্তন আপনার মধ্যে নেই। কারণস্বরূপ। ভাই, আপনি দুইরুপে প্রতীক্ত হলেও

আপরি এক। সর্ব, স্বর্গালহার এবং সর্বাথনির আন্ধা হোনে। क्किन कार्यका हमी, रक्त्यमीर कार्य क्रांतरका शरहरात शरहर ক্ষেম পাৰ্থকা নেট্, তালা উভয়েই এক। সম্ভানতাৰপথই সামৰ কেন কৰনো করে পাকে। আগনি সমস্ত ক্রড মান্ত কেন্টে গুড় এবং বেহেন্ট সমত কৰাং কালনারই সাই এক আপন্যকে পড়া ভাৰ কন্তিৰ থাকতে পাবে না, ভটে তা অপনার চিশ্বর করের পরিণাম। ফভনর রক্ষ সাজ এবং ক্ষণৰ মিধাৰে ধাৰণা কৰে। বৈদাৰ্থিক সামে পরিচিত নিরিশেকবাদীয়ে আপনাকে নির্বিশেষ ব্রহ্ম বলে মৰে কৰে। শ্ৰীমাংসক নামৰ অনু দাৰ্শনিকের আপনাক ধৰ্ম বলে হলে কৰে। সংখ্য বাশনিকেরা আক্ষাতে প্রকৃতি ও পুরুবের ফাতীত এবং সমস্ত দেবভাগেরও নিপ্রায় পরাম পুরুষ ফলে মনে করেন। ভারতভূতির মার্গ অনুসর্গকারী পাঞ্চরান্তিকেটা জ্বাপনাকে নবশক্তি সমন্বিত বলে ক্ষম করেন এবং গওঞ্জলি মুনির অনুগামী পাতঞ্জল দাৰ্শনিকেল আপনাকে পৰাৰ স্বতন্ত্ৰ, অসমোৰ্ক্য ভাগবাদ বলে মতে করেম। ছে ভাগৰান, খ্যায়ি মহাদেব, প্রশা, মরীতি জালি কবিখণ সত্তত্ত্বে রূপ্যাহণ করেছি। বিশ্ব তা কভেও আমর। আপনার মধ্যের ধ্যর। বিখেছিত এবং এই লগত যে কি তা মুখতে পারি যা। সতরত অনুর, भागव काणि काम अग्रक कीरकता, बाजा कका श्रकांकर নিক্ট কলে (রম্বা ও করোকাশ) রয়েছে, তালের কথা আৰু কি ক্যার আছে ৷ প্রায়া কিচানে আপনতে আনতে পারবের ছে ভগবান, খ্যাগনি সাক্ষাৎ পরম খলন। ক্ষাপরি এই ক্রণং সহজে এবং তার সৃষ্টি, দ্বিতি ও প্রশার সম্বাদ্ধে দল কিছু জানেম। জীবের বে সমস্ত হাতেই এই থাত জাতে ভার বছন অথবা মুক্তির কারণ, ভা সংই আপনি ক্যানে। বার বেমন বিশাল আকাশে হাকে করে कामांद्र त्यदि तत्य कादा अवर समय त्रवत भतिराज्य প্রবেশ করে, স্বাপশিও তেমন সর্বত্রই বিরাশস্থন এবং তাই আগমি সব কিছু ভালেন।"

"ছে ভগবান, আননায় চিমার ওপের প্রভাবে আগনি ৰে সমস্ত অবভাৱে প্ৰকাশিত হয়েখেন ভা স্বাই আমি দৰ্শন কৰেছি কিছু সম্প্ৰতি আগনি যে এক আগন্তপ সুৰুষ্টী ইমনীত্ৰণ ধ্যাৰ কৰেছিলেন, তা আমি দৰ্শন কৰতে ইক্ষা করি। তে ভগবান। যে রূপের গরা আপনি দৈতাকো সম্পূৰ্ণক্ৰণে বিমোহিত কৰে দেবতালো অনুভ

পথে করিয়েছিলেন, আমল্ল গেট রূপ দর্শন করার বাজনত এখনে একেছি। সেই জল দর্শন করার ফল্য ছাত্রাকের অভান্ত *ক্ষেত্ৰ*ক হয়েছে।"

হ্ৰীল ওকলেৰ গোজামী কলনেন-"লুকাগদী মুনানের এইভাবে প্রার্থনা করলে: ভগবান শ্রীবিঞ্জ বেলে ভরের श्वधीतकारन अवासनाय नजरूतन, 'कन्ट्रवा यन्त অমুক্তভাও অপহলে করেছিল, ডখ্ন আমি এক সুন্দৌ রমনীর কণ করণপূর্বক কালের মোহিত করে দেবতাকের कार्योक्ता करविकामः। 🗱 नेत्रमतमः, स्ट्रिक कान्य ইচ্ছা করেছেন, ভাই আমি আপনাকে কামার্ড ব্যক্তিয়েও অতান্ত অন্তেশীর আমার সেই মাণ দেখান। "

"এই কথা কলতে কলতে জননান জীবিকু ভংকণাং সেখন খেকে কথেটিত ছারছিলেন এবং সহাকে টায় সহ চন্ডৰিকে ভামে চন্দু সকালন করে ভাকে প্রতে मानामन। अवन्य, समाधिक मृत्र क्षेत्र श्राक्रनवर्ग গামবুক কুমশোভিত নিকটকতী একটি উপস্থান মহাদের এক অপূর্ব সুন্দরী রম্বনীকে কল্প নিয়ে কেল করতে মেশলের। তার নিওমনের উচ্চল করের বার আর্থানিত এবং বেশলা গোভিডঃ সেই কথুকো সরকোপ এবং উৎক্ষেণৰ করে সেই ক্রাবাটি যান্য ধোলায়কের, ভাল উল্ল ক্রমনর কম্পিত র্যান্ত্র এক উল্ল কেই ক্রমের ছালে এবং ভারী ফুলমালার ভারে মনে হচিলে ওার সেহের মধ্যতাৰ কেন প্ৰতি পদক্ষেপে ভগ্ন হয়ে যাবে, এইভাবে তিনি ভার প্রবাসভাগা কেমল চরক ইতারত সভাগন করছিলেন। সেই রমনীর সুনমন্তল আগ্রত, সুন্তর, চক্ষল চকুৰ ছাত্ৰা সুপোভিত ছিল এবং তাত সেই সভনবুনাৰ কল্পের উৎক্রেপণ এবং অধ্যক্ষলবের সরে সংক পুর্বছিল। সুটি অতি উজ্জল কর্ণকৃত্য প্রায় উজ্জল গতদেশকে নীলাভ প্রতিবিধের বারা সুখোড়িত করেছিল এক উরু এলেয়েলো কেলনালি উরু মুখ্যওলকে খারত নশনীয় করে তুর্গেছিল। সেই কদ্দক নিত্রে খেলতে ক্ষেত্রত উল্লেখ্যর পান্ডি রথ হয়েছিল এবং উল্লেখ্য স্থলিত হয়েছিল। তিনি তার সুন্দর বাম হতের ধারা উরে কেশ বছনের চেটা কর্মছলেন এবং সেই সঙ্গে তিনি উটা মান হাত দিয়ে ফুলুকে আয়তে করে সেই কুপুকটি নিবে বেলা করছিলেন। এই ভাবে ভগবনে ওঁার আখ্যারার করা সারা জনং বিহোটিত করেছিলো?"

"প্রচারের কর্মন কুম্বরী রম্পনিটিকে কম্বর কিয়ে কোন চৰতে কেপেছিকেন, ডখন সেই ৰমনীও ঠাব প্ৰতি ব্যাসেধিলো। সেই সুস্পরী রমনীকে নিরীভিন্স করে এক সেই রমণীকে প্রতিনিরীক্ষণ করতে নেধে মহামের ঠার अवद्या अन्त्रजी नहीं होश क्या मिक्टेन होत शार्वपरका বিশ্বত হ্রেছিলে। তার হাত থেকে কল্কটি বৰুন মূরে। সবস্থ স্থানে নিরেছিলেন ।" «ভিজ হুণ, ভ্ৰম সেই কম্মী ভাৰ পশ্চাভাবন কর্নেজ্বলন। তাৰণ মহাদেকে সম্পেই বয়ু হঠাৎ করি। সম্পূর্ণক্রণে স্থানত হলে, তিনি কেবছিলেন কিভাবে প্ত ওঁনা কটিনেশ্যে সুস্থা বাট উড়িতে নিয়ে নিরেছিল। তিনি ভানজনের আনত কণীপুত হবেছে। তথা তিনি প্রচালের দেখনের, সেই রমণীর বেহের প্রতিটি 🖦 প্রত্যক্ত সুন্দর এবং সেই সুন্দরী রমনীও তাঁকে নিটাঞ্চন ভক্ত লাগদেল। ভাই সেই শ্বৰণী ভান প্ৰতি আপুন্ত হরেকের বলে মনে করে, মহানের ঠার প্রতি কভার আনক ম্বেকিলেন। সেই ব্যুক্তীর সঙ্গে রয়ণ করাব ক্ষানাম নিৰ তাঁৰ আন হাবিৰে তাঁকে পাবাৰ কৰা ৰামন্ট উশাস্ত হবৈছিলেন বে, ভথানীর সমকেই তিনি নিৰ্কাশকভাৰে সেই সুন্দরীয় ভাবে দিয়েছিলেন। সেই সুসরী রমণী ইতিমধ্যেই বিবসনা হয়ে পড়েছিলের এবং তিনি বক্তা দেখলেন শিব তীয় বিকে এনিয়ে আসংখ্য ভবন তিনি অভার লক্ষিত হয়ে স্থানতে হাসতে থুকের অবরালে পুকিতেছিলেন; তিনি এক জারগাম কঠিতে খাকেননি। কথাদেবের ইন্দ্রির তখন খানের বিচলিত হরেছিল। জানার হারী যেকাবে হারিনীয় প্রতি মানিত হয়, স্বাদেশও ঠিক স্টেডারে সেই সুপরীর প্রতি ধবিত হয়েছিলন। অধ্যক্ত প্রথমেশে ওপ্র পশ্চতে ধানিত হয়ে, মহাদেও সেই সুন্দরীয় চুক্তের বেশী বরে তাকে কাছে টোনে এনেছিলেন এবং অনিচডুক ছলেও উন্তৰ উন্ত কছা ছার অঞ্চিত্রণ করেছিলেন।"

ঁহে রাজন, হবলৈ যারা আনিনিজা হঞ্জিনীর মধ্যে ক্ষে ভলবানের বোগমারা নির্মিতা মুল নিতমিনী সুকরী মহাদেকে খনা আদিদিকা হয়ে, আগুলারিত কেশে সহাদেরের যাহগাশ থেকে নিমেকে মৃক্ত করে প্রকারেশ भनाका कनामन। कामका महना बाता किलाड शत শিব কো অস্কুভকর্মা মোহিনীয়েশী নিকুম পথ অনুসরৎ कारत कारतनः। यस क्ली स्वयम क्लूमली इक्निक

भूभदीत चनुमान करएड स्तारसम् अवर छचन देसा बीर्च স্থানিত হয়েছিল। হে রচ্ছন, পৃথিবীয় যে বে স্থানে কলেও কভাও পৃত্তিপাত করেছিলেন এবং প্রকাশ স্থাবং এয়কা লিবের দীর্ঘ অভিত ব্যবহিন, সেই সেই স্থান কর্ণ এবং টোপ্ট থনিতে পরিবত হয়েছিল। মোহিনীকে चनुमत्रम कंद्राठ कंद्रफ निव समें।, महदायत, शर्रक, बस ও উপযাস এবং বেখানে খনিগৰ খনখন কাতেন, সেই

"CE मुन्तरको सन्ति। अन्तिकिका अन्तिस्तिक नीर्य সেই মোহ খেকে নিৰ্ভ হরেছিকোন। নাইডাৰে লিব দিক্ষের একা জনত শক্তিয়ান জনকনের স্থিতি উপাদত্তি কাতে পেরেছিলেন। ভগরান জীবিকুল মোইনীশক্তি কে তাঁকে এইভাবে মেছিত করেছিল, সেই জনা তিনি একটুও আনতা হননি। শিক্ষ বিচলিত এবং লা**জি**ভ না হতে দেখে ভাগবন মধুসুক্ত অভান্ত প্ৰদান ক্ৰেভিন্তুপ্ৰন। ভখন তিনি জার জালে ধারল করে কাণতে লাগলেল, 'তে मियासके, काननि वसिंध चायात जीवाना माताव वाया মেটিক হয়েকে, ঋবুও জালনি জাপনার ব্রিভিতেই অনিষ্ঠিত রবেকে। অন্তর্যক, সর্বত্যেভাবে আপনার কণ্যাপ হোক। যে শব্ধ, এই কৰু উপতে আপনি ভাড়া আমার মানাকে কে অভিক্রম কংগ্রে পারে : শ্রীকেরা সাধারণত ইবিধিসুৰ খোগোর হাজি আগন্ত এবং ভাষ প্রভাবের ভার পরভূত। বস্তুতগকে, চালের পঞ্চে মাতার প্ৰভাগ থতিক্ৰম কৰা অভান্ত কঠিন। औই বহিনেলা প্ৰকৃতি মারা, হৈ সৃষ্টিকার্যে আমার সহায়কা করে একং কে প্রকৃতির তিনওলে ক্রমনিতা, সে অর আগনাকে মেহিত কয়তে পরিবে না 🖰 "

ত্ৰীল কৰমেৰ গোৰামী কালেন—"হে সাজন, শ্বীবংশাক কলকে কৰ্মক এইজনে প্ৰশাসিত হয়ে মধ্যুদেন উহকে প্রার্থকণ করেছিকেন এবং জারণার উলা অনুমধি গ্রহণ করে মহানেশ তাম পার্বার কর দৈলাসে প্রত্যাবর্তন করেছিলন। হৈ ভয়েত, ভারণর শিব সমস্ত মহাজ্ঞানুনা ধারা খীকৃত নিকুর শক্তিরূপ। তাঁর পদ্মী তকানীকে गटपादम करते थामक ग्रुकारा कारण माधरमा 'रह দেবী, ভূমি জন্মদহিক পর্যাবকার ও পর্যা প্রায় ঘণুগথন করে, অমেণ্ডবীর্ব মহাদেবও ডেখন সেই অগ্যানের মারা দর্শন করলে। ক্ষণিও আমি ঠার

অলোকভারনের মধ্যে শ্রেষ্ঠ, তথত আমি তাঁর মাহার খার মোহিত হয়েছি। অভঞ খন্ম সম্পর্কারণে মারার আজিত, তাবের আর কি 'স্পর্ট। এক হাজার বছর যোগ অনুষ্ঠান ক্যার পর আমি কান নিবস্ত হয়েছিলার, ভাগন ভূমি আন্সাকে বিজ্ঞান কর্মেবলে, আমি কার ব্যান করতিলাম ইনিই নেই পরাল পরুত্ব, যাঁর মধ্যে কাল প্রাক্তে भारत नो अवर मीरक रहन चानरक भारत ना।"

ঞ্জি ওকলেব লোকানী কালেন—"হে স্বাক্তন, শীরসমুদ্র মধুমের শধ্য বিলি উরে পুর্চে বিশাল মাধ্য भर्वत बातन करहरितान, भाई एका ट्रावे छन्।

পর্যাঞ্জের কথ্য আমি ভোমার কাছে কনি। কর্মনার। ক্ষীরসমূহ মহতের এই কলা বিলি নিরবর এবন করেন অথবা গীর্তন করেন, তান প্রচেটা কথনও নিযুদ্ধ হয় না। সভাতপক্তে, ভাগবানের মহিমা কীঠনীই এই ভাঙ ক্ষণতের সমস্ত দুঃখ-দুর্গদার নিবৃত্তি কাংল করে। বিভি ৰ্বতীৰ জাপ ধাৰণ্পৰ্ক অপুৰবেদ মোহিও কৰে, ক্ষীরসমূহের মহনের কলে উৎপর অন্ত দেবতানের পার করিয়েছিনের, তথ্য বাসন্তপূর্বকরী সেই ভাগনকে আমি আমার শব্দর প্রবৃতি নিবেদন করি।"



ক্ষেত্ৰত প্ৰাণ

ত্রয়োদশ অধ্যয়ি

ভাবী মনুদের বর্ণনা

श्राक्त मुर्वरस्य विश्वारम्य श्री श्रीदास्य। वर्षे श्रीदास्य मदाम मन्। व्यापि अपन केंद्र नृत्यस्य कथा स्पीत करहि, अपूर्ण अंग्रेस ("

ইন্দারু, মঞ্জ, ধৃষ্ট, শর্বাডি, নরিবাল্ল, নাভাগ এবং সংখ্রে পুত্র মিষ্ট নামে প্রনিদ্ধ। ভারাপর ভারন ও পৃথ্য থাবং দশম পর ক্রমন। যে রাজন, এই মমন্তরে অভিত্য, रम्, अस्, निवरंगर, महन्द, जमिनीकृमादस्य अस्र शङ्गान (स्वटा) भूतमा जात्म देखा कमान, वाहि, वनिष् বিশানিত্র, গৌতত্ত, ক্লান্সটি এবং ভরবাক্ত--এন সংক্রি বলে কবিত। জনজন এই মহন্তরে কল্ডণ এবং অনিতির পুরুরূপে অপিভালে হার কনিউত্য বামনকংগ অবিউত হরেছে। আমি সংক্রেণে আগদার করে সপ্ত করন্তরের বিহলে কাল্যান আমন আমি বিক্রম অবতার সহ ভবিবাৎ मन्टान कथं कार।"

দামক বিশ্বকর্মার সৃষ্ট কন্যার কথা বলেছি। তারা ছিপেন

ঞ্জিল শুক্তবেৰ সোহাত্ৰী কালেন—"বৰ্ডখান খন - বিবস্থানের প্ৰথম দুই পন্নী। কেউ কেউ ৰলেন, সূৰ্যের ড়ডীর পত্নীর মাম বড়বা। এই তিন পত্নীর মধ্যে अरकात छिन**ि न्छन--वर्थ, यदी अन्य शास्त्रका**। अपन আমি ছায়ার সক্ষানদের কথা বর্ণনা করব। ছায়ার সাবর্ণি িয়ে মহারাজ পঠাকিৎ, মনুর মশ পুত্র কথাক্রমে। নামে এক পুত্র এবং ভলতী নামে এক কন্যা হয়। তপতী পরে সংবরণ বাস্থ রাজার পত্নী হল। স্তর্যার ভাতীর সন্তান শনেক্তর (শনি)। খড়বার পর্যে व्यक्तिकामध्यक्त समा एव*ा*

"হে রাজন, অউথ সধতর জাগত হলে মনু হবে भावनि। निटर्यक, विस्तान शकुछि (भई जावनि अनुत्र शूब ररका। थाउँम मध्यस्य मुख्या, विश्वत, वार्ययस्य सङ्ख्य দেকতা হকো। বিজেচনের পুরা কনি মহারাক্ষ দেকতাদের রাজ্য ইন্ত হলে। বলি মহারাজ জগবান শ্রীবিশৃংক ত্রিপাদ ভবি দল করেছিলেন এবং ভারে কলে তিনি ত্রিভূপন হারিয়েছিলেন। কিছু যদি ফ্রারাড় তাঁকে নর্য কিছু বান করাত ভাগবান প্রীবিদ্ধ তার প্রতি প্রসা "दर ताकर, कावि शूर्त (वर्ष करक) मरका अवर खारा । इरतिस्थान वराम, शहर वनि वक्षाताक वीश्वरमा शहर निर्दे ু প্রাপ্ত হবেন। ভাগবান গভীত তীতি সহকারে বর্গিকে বঙ্কম কৰে, কালোকের থেকেও অধিক ঐথর্য সমৃত্যিত সতললোকে আঁবলিত করেছিলেন। কলি মহারাক এখন মেরানে ইক্সের খেকেও অধিক সুখে অবস্থান করছেন। তে রাজন, অষ্ট্রন হছভারে গালন, দীপ্রিমন, প্রস্তরাম, क्षणाया, कृशाहार्य, क्यानुक अवर कामारुव शिका ঞ্চলায়শের ক্ষবতার ব্যাস্থান, এই সাভক্তম ইংগ্রা সন্তবি ছবেন। এখন তারে সকলেই জানের নিজ নিখ সাধ্যম অবস্থান করছেন। অধিন মহন্তরে পরম শক্তিয়ান স্বাধ্যক স্কর্মতীয় কেবওয়ের পুররূপে সরস্করীর দর্ভে আমির্ভঙ ছবেন। তিনি পুরন্দতের (সেবরান্ধ ইরেন) কাছ থেকে ক্ৰা হয়ণ কৰে বলিকে প্ৰদান কৰকো "

"হে বাধান, নবৰ মহন্তকে বঞ্চলের পুট সকলাখনি মনু প্রকা। কৃতকের, শীপ্তকের প্রকৃতি শুল পুর হবে। এই मका मनवान गाता, मतीहिश्रवं शक्ति (१२४) १८३५। ব্যৱত হকে দেবরাম্ম ইয়ে এবং দ্যতিমান প্রভৃতি সংগ্রেই ক্ষেত্র। ভাগবারের অংশবিভার ক্ষত্যের ভারুষ্যানের পুরুরণে অব্ধারণ কর্তে অবিভূত হতেন। তিনি অবৃত ব্যৱক ইঅন্টে ক্রিলোকের ঐপর্য জ্ঞান শে

ভবিবেশ প্ৰভৃতি তাৰে পুৱা এবং হবিদ্যান প্ৰমুখ প্ৰায়ণগৰ সপ্তর্থি হক্ষে। ইবিশ্বান, সুকৃত, সঞ্চা, স্কর, মৃতি প্রভৃতি সগুৰ্বি হৰেন। সুৰাস্থ্য, বিশ্বন্ধ প্ৰভৃতি দেবতা এবং দশ্ব फेरमत बाचा देख देखन। निषक्तीत नृष्ट् निवृत्तित भटर्क ভগবারের অংশারতার নিৰ্কৃত্যে নামে অবতীর্ণ হড়ো। নিবাকে হয়ে এই অবভান আধান্তিক অর্থকানে অনুষ্ঠান তিনি বস্তুর সঙ্গে সাধ্য স্থানা করকো।"

বিহসমস্থ, কার্যসম্ভাশ, নির্বাদমেটি প্রভৃতি কেবল্ল হকেন। চতুর্বুস। তাকে কলা হয় কলা সা ব্রামার একদিন 🖰 (परवास देख इरका रेक्ड धनर धनन सानि मधर्मि

হকে। আর্থকের পুর ধর্মসৈত্ব করে জনবাকের অংশাবতার আর্থকের পরী বৈশ্বয়র বর্জে আবির্ভুত হরে এই সহক্ররে ব্রিস্তরন পাল্য করকে।"

230

"(हे त्रांकन, कारण क्यू श्**रक्त क्र**क्षत्रावर्णि) (संवदान, केनरम्ब, रायरामकं छन्छि प्रेसा नृष्य सरका। और व्यास्टर ইলের নাম হবে কণ্ডবামা এবং হবিত আদি দেবতা হকো। ভণোদ্ধি, ভণায়ী, লাগীয়ক প্রভৃতি সপ্তরি হকে। ভাগভানর অংভবতার কথানা সূপ্তা নামক মাতা এবং সংগ্ৰহণ নামৰ পিডার পুরুরাপে অনির্ভত হকে। তিনি সেই মধক্তর পাধন করকেন

"আৰ্ডক্ক দেবগাবৰি ক্ৰেছেণ্ডৰ হৰ হ'বেন। हिज्ञास, विहित्त शकृष्टि छैला लुळ क्रायन। आसामण মাজরে সুকর্মা, সুরামা প্রভৃতি কেবল ছকে। নিকশতি হবেন সংগ্রি রাজ্য এক নির্মেক, ভক্তমর্শ আমি সপ্তর্মি ক্রেন। ক্রেট্টেরের পুরুরপে ব্যেক্তার নামে ভাগরনের অংশাৰতাৰ মৃহতীয় কৰ্তে আবিৰ্ভুত হংকং। ভিনি দিবস্থতির কল্যালকর কর্মে সম্পাদন ক্রাকেন্।"

"रुपूर्वन प्रमुध नाव स्टब रेखनायनिं। छक, शहीस, "डेशक्कारकम भूद वचामावर्ति मनक मन् शरकमः। वृथ अकृष्टि छैलः मखन स्टब्सः भवित, लक्क अकृष्टि দেবতা হকে। ৩ট হকে। দেবলৰ হৈছ। ছবি বাছ ৩চি, ৩ছ, যাকা কালি মহাজগৰীলৰ সপ্তৰি হবেন। হে মহারাঞ্চ পরীক্ষিৎ, চতুর্বপ মহারের জনবান সরয়েশের পুরুরণে বিভাগর পূর্বে আবির্ভুড ইকো। কুছেনু সংখ क्यरमा। (इ ताका, चाठील, वर्डमान क्षेत्र स्विदारस्य "একাদৰ সমস্তব্যে কৰু স্থেন আন্তাভক্ক ধর্মসাধনি। কাল্যাকে আনির্ভুত চতুর্যন্দ করুও কাঁনা আমি আল্যানার সভাবর্ত জানি ভারে স্পটি সভান হবে। এই মধ্যতে কাছে কাল্যন। এই চতুর্বশ সমুর স্থাসনকাল এক সহত



চতর্দশ অধ্যায়

ব্রহ্মাণ্ডের ব্যবস্থাপনার পদ্ধতি

बराबाक भरीकि**र वनामन--"द्ध श**शका, द्ध क्ष्मरमय (भाषारी, शकि प्रचक्रत क्ष्म कराने चीत पाता (व ৰে কৰ্মে বেভাবে নিযুক্ত হন, আ আমাকে বনুন।"

শ্রীল করণের পোস্থানী সকলেন—"হে রাজন, সমস্ত करूगण, यनुभारतम्, प्रतिमाग, देखानम् अवर नामक्ष (भवरतारि পরত পুরুষ ভগবানের হল প্রভৃতি অবভারদের হানা निरहाकिक स्थ। (ह जाजन, चार्चि शृरदि वक्त आपि फरवात्त्व विकिन्न क्षयञ्खाला वर्तमा करतिहै। यन धका আনোরা এই অবভারদের ধারা ফরেনীত হবে, ভাগের निर्मिन्दर द्वारा कर कार्यक्वाल भरिताना थरान। शकि চতর্গদের অত্তে মহাল কবিলা কাল্যন্তম স্থাতম ধর্ম मृह्याम् इट्ड (मर्ट् बर्गन नृत्यक्षिकी करतम। (र इस्तिन, छात्रभव यनुभव अभवादनक विदर्शन चनुमादन পূর্বরেশে নিযুক্ত হয়ে চতুম্পাদ ধর্ম পুনঃপ্রতিষ্ঠা ময়েন। মজের কল ডোগ করার হন্ত প্রস্তাপালকাণ অর্থাৎ হন্তর পুর একা পৌরেরা ফান্ডরের শ্রবদান পর্বন্ধ ভগবানেও নিৰ্দেশ প্ৰদেশ করেন। শেষভাৱাত সেই সমান্ত ব্যৱহা ভাগ তার হয়। সেখনকে ইক্ত ভগবালের আশীর্থান প্রার্থ

হয়ে এক ভার মধ্যে স্বাসীম ঐশ্বর্য ভোগ করে সভত স্পেত্রের কথেষ্ট বারি বর্ষণ করেল এবং রিভুবনের সমত্র জীবদের পালন করেন। প্রতিটি মূরে জগনার <u>ক্রিচ</u>ট সমধ্যনি সিম্বানের স্কর্প ধারণ করে নিজ্ঞান প্রদান করেন বাক্তব্যু আদি কবিনাগ ধারণ করে কর্মের শিক্ষা দেব এক ক্লানের আদি মহাযোগীৰ মাণ ধানেৰ করে যোগ শিকা দেব। প্রকাপতি মরীচিকাপে কাবনে প্রকাসটি ৰবেন, ব্যক্তারাণে তিনি দশ্য-ডক্তবের বব করেন এক কালত্তপে তিনি সৰ কিছু সংখ্যার করেন। অভ জগতেন সমস্ত্র ওপ ভগবানেরই ওপ বলে কুগতে হবে। মায়ার প্রায় বিমোহিত হয়ে জনসাধারণ বিভিন্ন প্রকাশ গরেষণ এবং সাধনিক কমনা-কমনরে ছারা ভারবং-ওর নির্দেশ ক্ষাৰ চেটা কয়ে, কিন্তু তা সংখ্যত ভাৱা ভগৱানক দেখতে পার হা। এক করে যা ইক্সা একনিলে ক नविश्वर्धन द्या, (१७किएक वना इक विकास। ८६ ताकन, মেওলি আমি অংশনার করেছ প্রেই কলি করেছ। ক্রিকল্মনী শুভুঞ্জানীদের মতে প্রস্তার একনিরে চোগনার मनव चार्निर्शत हह।"



প্ঞাদশ অখ্যার

বলি মহারাজের স্বর্গলোক জয়

মহারাজ পরীকিং জিজাসা কাণেন—"কাণান সং কিন্তুর অধীনার হওয়া সংকর কেন এক দরিপ্র ব্যক্তিক মতো বলি মহারাজের কাছে ত্রিলাং ভূমি ডিকা करवीतरमान व्यक्त त्यारे धार्मिक यस धार्य एकता मरत्यक কেন তিনি যদি মহারান্তকে বছন করেছিলেন? সেই আপাতবিরোধী আচরপের রহস্য জানতে সামার অভান্ত क्वीउदल इरस्ट्या"

क्षेत्र चकरत्व (शाक्तमै क्लालम-"(ह् आक्रम, मेनि মহাবাজ ৰকা বৃদ্ধে ওাঁও সমস্ত ঐশ্বৰ্য কৰা প্ৰাণ **माजिरवहिरनम्, ७५४ ७०**००मित बरनका **०**जनगर छै। 🕈 পুনক্ষীবিত ক্ষেত্ৰিয়েল। সেই জন্ত ক্ষম্ভক্ত বলি সহয়েক ওজাচার্কের লিয়ার মরণ করে বৃত্ব বিবালের সঙ্গে, তার সৰ কিছু তাঁকে নিকোন করে তাঁকে সেবা করতে ওক কবেছিলেনঃ ডণ্ড মুনির বশেণৰ ব্রাক্তাপর ইপ্রধান

ক্ৰান্তৰ অভিসাধী বলি মহাটাকেৰ প্ৰতি কাতাৰ প্ৰদান करवहिस्तान। धारे, छीता वाल महाशासरक प्रका অভিবেক্তে দলা স্থাবিধি অভিবিক্ত করে বিশক্তিং-মঞ প্রভাগে নিজ্ঞা কর্মেছকে। ক্রাপ্তিত হখন হত জাৰ্নত শেওৱা হয়েছিল, ভবন সেই আমি যেকে স্থগ্ৰয় ও রেশ্মী বয়ে আক্ষালিত একটি রখ, ইয়ের খানের ক্ষাৰ নীতকা কডকথলি অৰ এম দিহে চিক্তিত একটা ধ্যুৱন উবিশ্ব হয়েছিল। স্বৰ্ণগঠিত একটি কৰুৰ, দুটি ছকা ত্ৰীর এবং দিব্য ককাও আবিঠ্ড হবেছি। বলি অচ্যৱালে পিতামহ গ্ৰন্থান মহারাজ বলিকে এমন গ্রন্থাট প্রকার বালা নির্তেছিলেন, যা কবনও স্থান হয় সা। ওক্রভার্য ভারে একটি শহা দান করেছিলেন। বলি মধ্যনার এইভাবে প্রাক্ষণদের উপদেশ অনুসারে সেই वित्यव चार्युक्तेन मन्धान करतिहरूमा असर फेर्ट्सन स्थार ধুকের স্বাক্তসমঞ্জান প্রাথ ব্যবহিকেন। ভারেনার তিনি জ্ঞান্যে ক্রাফাশ ও প্রশাস করে শিক্তাক্ত প্রস্তুম ইয়ারাজ্ঞাক মন্তাৰণপূৰ্বক এক্স করেছিলে। ভারণার বলি মহারাজ ওলাচার্থ প্রদান্ত দিবা মধ্যে আমোহলপূর্বক, সুকর মালাচ ছবিত হতে, কবচের বাবে জান দেহ আচ্চাসিত করে ধ্যক, বছৰ, তুপ ধারণ করেছিলেন। স্বৰ্ণবল্প এবং মনকত মণির তুগুলে শোভিক হতে তিনি কথা কৰে উপ্ৰেশন করেছিলেন, কৰন তিনি আহনীয় অভিন ৰতে শোকা পাছিলেন। তিনি হখন বল, ঐবর্গ ও সৌদদর্শ জন্ম সমান তাম সৈন্য এবং সৈতঃ ফুলগতিনের সঙ্গে মিলিভ হবেছিলেন, ভখন মনে ইবেছিল কো ভারা আকশ্যেক প্রাস করছিল এবং বৃত্তির জন্তা নিকসমূহ সন্ধ ক্রাজিল। এইভাবে অসুধ সৈতকের সমধেও করে বলি ফারাক পৃথিবী কম্পিত করতে করতে সমৃত্যিপার্নী देखभूतिएउ शहन कराविहासः। त्यदे देखभूती भन्न, गूम्म च कर्मक उन्छारक सक्तक स्वरवृक्तमध्य भूग পদানকাদনের যাতো অতীব সনোধন উপকা এবং ইক্লপুরীর বাইরে চতুর্দিকে অববোদ করে আক্রমণ ট্যানের খারা অভান্ত রম্বীর। সেই সমস্ত উদ্যানগুলি কুজন-প্রাত্ত্ব বিহস-মিথুন একং গুঞ্জারত কলার পূর্ণ। মেই পরিকেশ ছিল সম্পূর্ণরূপে ক্বনীর। হংস, সরবস্ চকন্যক, জার ওবসমূহে সমাকীর্ণ লক্ষ্যরোক্য সম্বিত সেই সমস্ত উস্থানে দেকতাদের দ্বারা ব্রক্তিকা সুন্দরী

আকাশগদার দারা একং অপ্রিগর্ণ উচ্চ প্রতীধের দাবা পরিবেটিত। শেই প্লাচাঁরের উপর যুদ্ধ ক্লমসমূহ বিবচিত ছিল। সেখানগার দরগ্রান্ডলি কর্পনট্রের বাজে নির্নিত একং পুরুষ্টেওটি অপূর্ব সুদর স্কটিকের করা নির্নিত। সেওলি বিভিন্ন ক্লাৰণখের হালা তুও। সেই সমগ্র পূর্বাটি বির্মাণ করেছিলেন বিশ্বকর্মা। সেই সালা অসন, বিশ্বক পথ, সভাগৃহ এবং কোটি কোটি বিমানে পূৰ্ণ ছিল। শেশনকার চতুস্পথগুলি ছিল মনিয়ন্ত এবং সেখানে হীনের ও প্রকাদ নির্মিত উপবেশনের স্থান কিল। নিতা क्षण और (वेंक्षि-जुल्ला), निर्मण कान्त्र, क्षणवठी तस्त्रीक्ष অন্যালিকার মতে দীনিলালিনী হয়ে সেই নার্নন্তে বিরাজ করতেন। ভারা সকলেই ছিলেন খারাগুর সুর্যারভা। দেখানে বহু বেবালনাকে কেন্ থেকে নিগঠিত কুলের সৌবভ বহন করে পথে প্রবাহিক হব: সেবানে ক্ষণনাপুণ স্বৰ্থমন প্ৰক্ৰ বেকে নিৰ্মন ক্ষণকাৰ ব্যৱস্থা নিউ তর ধুমে ইংজ্যেনিত পরে পরিজ্ঞান করেল। সেই পুনী মুখ্য সোভিত চলাতপ্ৰে কথা সন্ভিত ছিল এবং নেধানকর প্রাথমে গখুমাওলি মধি ও সুপোরর পভারা শোভিত ছিল। সেই পুরী সর্বদা মনুর, কংলাক এবং যুক্তাকে **ওছনে নি**নাদিত একা সেখানে বিমানচাবিগী भुष्पत्री तस्पीता निराहत (व स्त्रमामा म्हणीट बाँट्रेस्ट्रम स्र हिन कठाड अधिमध्य। (तरे भूरी भूमम, नक्, আনকৰুপুতি, বেণু, বীণা আদি সমস্ক বাল্যজ্ঞা একরে বালিত হওৱার শক্তে পূর্ণ ছিল। পদ্ধবিদত সংগীতে মেখানে নিজ্ঞে নৃত্য হয়। ইন্তপুরীয়া নৌলর্থ সাক্ষাৎ প্রকারকীকে পরাত্ত করেছিল। বারা পানী, বল, জীবহিংসক, নঠ, দাত্তিক, কাদুক একং কোতী ভালা সেই পুরীতে হালো করতে পারে না। এই সমস্ত দেববাহিত ব্যক্তিরাই দেখারে হল করে। অসংখ্য সৈনিকদের শেলপতি বলি মহাবাজ খান সৈনিকলের ধানা সেই करविहानः अन्यः हैलानदीरमात कार डेरनायन करत ওক্রাচার্য গ্রণত থকা ব্যক্তিয়েছিলেন। বলি ক্রান্তর্ভাগ विभूग केंद्र प्रमी करत, त्रवत्रक रेख (प्रवत्रम मह केंद्र ওল বৃহস্পতির কাছে বিজে এই কথাওলি বলেছিলে।

"दर अपू. चामाठात पूर्व**रक रा**णि मराहास अपन सर्वर উমশীতা ধেলা করেন। সেই পৃথী পরিখাররূপ উদ্যে এবং এনে আশ্চর্যক্রমক শক্তি প্রাপ্ত হতেছে হে, আমানের মলে হত জরা সেই তেক হরত আমরা প্রতিহত করতে পাতৰ হয়। খলির এই সামরিক আমোনান কেউই কোপাও প্ৰতিষ্ঠত করতে সামৰে মাঃ মনে হচেছ যেন ा केल कुरबाद काला गरका सांगर जान सहाह, कियुला ম্বালা কৰা বিকালেছৰ কৰাছে এবং চন্দুত হালা সাৰ্বালক শহন করছে। সে কেন সংবর্তক নামক প্রসায়তির মতে। **উच्छि एत्वाए। वक्ष करव चामस्य स्नृत, यनि** মহারহজর শক্তি, ধারাস, গ্রহুবে এক বিজ্ঞানে কারণ কি চ क्षेत्र और केंग्रंस कम कारण (चंदर रे"

450

বেৰণ্ডক বৃহস্পতি কালেন---"(মু ইন্স, খোনার শুক্র বিভাগে এত গজিশালী হয়েছে বা ভামি জানি। ভণবালীর ক্রাক্তানর কালের শিক্ষ বলি সহারক্ষার প্রতি প্রসান হয়ে আকে এই অস্থারণ পঞ্চি প্রধান করেছেন। ভূমি ঋষৰ ভোষন নিজ জনেনা কেউই প্ৰম পঞ্জিমান বলিকে জর করতে পার্থে না। প্রকৃতপক্ষে, ভগবান খ্যায়া কেউই ভাকে জয় করতে পারবে মা, কারণ সে अन्य द्वापारक्षक नामिक स्टार्ट्स (कर्केर्ड (वयन) ৰ্মান্তের সভূৰে কবছন করতে পাটে বা, তেমনই কেউই এখন বুলি মহানাভের সন্মুখে গাঁড়াতে পারথে নাঃ অভ্যন্ত্তল পর্যন্ত না ভোরাদের এই শক্ষর হিপৰ্বন্ধ না হয়, ভতৰুশ ভোমনা সকলে মৰ্গলোক আগ

করে আন্ত কোথাও বিজে গাক, বেশানে ভোলায়ের কেট মেখতে পাৰে না। সম্প্ৰতি কৰি মহাবাৰ বাৰাণ্যেত অন্তৰ্নীৰ্বাদের কলে অভ্যক্ত পরাক্তমশালী হতে উঠেছে ক্রিছ গরে সে কথন সেই প্রাক্তগণের অপমান করতে ক্তব্য মে সগলে নিনম হবে।"

প্ৰিল ওকাৰেৰ খোৰামী কললেন-"মেবছালা ভংকনাৎ বৃদ্যালয় সেই কল্যালকর উপ্লেশ প্রচন कटावित्सन बाबर छेरासा देखा बनुमारक तान बाबन करता. কৈতাদের অনুকো বর্গনোক তাবে করেছিলেন। मिक्समा व्यवस्थि इराम, विद्याध्यम गुळ वर्णि बहाताल ইল্লপ্রীতে অবিষ্ঠিত হলে প্রিভূকা কণ্যকৃত করেছিলে। कर्यसभीत अस्मारमा कारण निवशिक्षणी भिरतात श्रीठ चलाक राज्या एटा, कीर पांत्रा मंख पांपटांग स्था पान्छत থবিয়েছিলেন। সেই সম্ভ কল অনুষ্ঠান করার কলে বলি মহারাজের কীর্তি ক্রিছুবলের সর্বর বিস্তৃত হয়েছিল। তার কলে তিনি তার গলে মধ্যের মধ্যে উচ্ছালভাবে শেক্তা পাজিলেন। রাখানামে অনুপ্রহে মহাদ্যা বনি মহারাক্ত নিবোকে কৃতার্থ আন করেছিলেন এবং অত্যন্ত ঠাবার্থ কাম্বাদ্ধি লাভ করে সংখ্যা ভোগ করতে কাগ্যকেন 🖰

বোড়শ অধ্যায়

পয়োব্রত

শ্ৰীল চকুৰেৰ গোলামী কালেন-"তে যাজন্, অদিভিত্ত পুত্র দেবভারা কর্মলোক থেকে অভূপা হলে দৈত্যেরা কথন উদ্দের পদ অধিকার করেছিল, ডক্স **ঋ**দিতি খনাখিনীৰ মতো শোক করতে লাগলেন। বীর্তকাল পর সমাধি খেকে নিবৃত্ত হয়ে মহা শক্তিমান মহুৰি কল্যপ পুত্ৰে প্ৰত্যাবৰ্তন কৰে দেখলেন বে, অদিকিয় चार्का निवासनमा अवर केंग्स वस्ति।"

"হে ক্সংক্ৰা, কন্যুগ খুনি বধাসথভাবে সমাস্ত **হ**টো আসন প্রহণ করেছিলেন এক ওঁরে লেক্সকাতরা পদী অমিডিকে বলেছিকেন, 'হে ডাছে, এখন কি জগতে शहर्यतः, बाष्ट्रस्टरमञ्ज्ञ चावशा मुक्ततः वनशकी मानुवरमधः राजन व्यवनम् अस्त्रात्वरः (इ. कुट्रशिक्ती, कुट्क-भगकारः यनि धर्म, चर्च अवर कारता दिनि क्यारककारन भागन करा हो। स्र হলে পৃহস্থ-আন্তেম্বর উলা কর্মেকাল প্রকারে বোগীর প্রতার এই ভিনপেরি অনুশীলকে কোন মাট হয়নি তোণ অব্যা ডুনি অত্যন্ত কুটুখাসক হুওবন্ধ কলে অভিথিকে মধ্যবৰ্ণভাবে সমালৰ লা কবাৰ ভালা ক্য থেকে চলে _{পার্যনি} ডোণ বে পৃষ্ থেকে অতিথি কেবল একট প্রায়োও লংক্ত লা হলে চলে মার, সেই প্র _{जनगणि} किया जन्म। (र जकी पट्ट, व्यक्ति स्था वृष्ट (शहरू काना कारण अहल निरमिक्ताम, स्टबन कि कृति ক্ষান্ত উদিশ্ব হুওৱার ইলে অগ্নিতে মৃত আকৃতি নিয়ে জ্যের করনিং সার্যা এবং গ্রাক্তরনের পূরা করের ছারা রাজু ঠোর ইনিক উচেলোক লাভ করতে পারেন, কারণ कारी अमेर द्वाचान मध्य विनयस्य बाह्य वीतिकार প্রথম্বরূপ। হে মনশ্বিনী, জোমার পুরোরা কুললে আছে। জোঃ তোম্বা কৰ মুখবেল কৰ্ম ৰৱে আমি কুছতে পুৰুছি ে হোমার ক্রিয় অশ্বর হরেছে। তার স্বরাধ কি? "

चाविक स्वारम्य-"या शतक श्रृका **उत्तरा**ती । নডিলেবজা। ব্রাহ্মণ, গাতী, ধর্ব একং কন্ স্বানুবেরা নধনেই সুপলে আছে। যে গৃহসাৰী, সৌজালে পূৰ্ব হওয়ার ফলে পুর স্বাভাবিকভাবেই ধর্ম, স্বর্ণ এক কালের বর্মের অবহেন্দ্রের কোন সভাকনা নেই। হে প্রস্কু, কেন্তেড় সোটিই আমার অভিমন্ত ।" খাপনি প্রধাপতি এবং আমার বর্ম উপদেষ্টা, ভাই আমার ক্ষেন্ ব্যৱসা অপূর্ব থাকতে পারে গ্লে হে মানিট পূর্ব, অনুসারে আনি সেই ক্ষপংগতির আরখনে করতে পানি, বেনেতু আপনি একমান মহাপুরুষ, তাই আপনায় গেব খার ফলে ভাগবান আমার প্রতি প্রশার হয়ে আমার अर्थर कन १९१७ किहुक अन्तर माहु, तक ७ स्ट्राम्डानंत । महनायोगमा पूर्व कहरकर । 💢 विकासके, पद्मा कहन বারা প্রভাবিত দৈত্যে এবং কেকচাদের প্রতি আগনি সদৰ্শী। কিছু ভগবান যদিও প্রব ইম্বর এবং সমস্ত খীলে প্রতি সফার্লী, গুলুও তিনি ওমা ভগুলে প্রতি विराम संग्रह अनर्भर करका। सरुवर, दि मुहरू, सह করে আগনি জাগনার সেবিকারে অনুপ্রহ করুন। चार्यातम् अस्तिवाचीः रेवरस्त्रायां चार्यातम् वसः, वाच्नाव वसः রাজ্য অসহত্রন করেছে। দরা করে অংশনি আগ্রায়ের রক্ষ কলে। আন্তাদের প্রধান পরাক্ষেপালী শক্ষ দৈত্যের। परमारमञ् जेपन, ही, यन जया समयूग वर विसूरे খণদেরণ করেছে। ভালের ভারা নির্বাসিত হতে আমি বৃত্তপ नागदर मध स्टब्स्। एर भाषदक्षे, चान्त्री क्लानमती

স্বাক্তিদের স্বাধা স্বাধার দ্বাধার ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত বিক্রেনা করে জামার পুরনের প্রতি অপনি কৃপা করান, ঋতে ডারে ভাদের হারটেন সম্পন্ন কিরে পেতে লাবে।"

শ্ৰীল ওকলেৰ গোৰাত্ৰী কললেন—"অভিডি বৰ্জন এইজ্বে ক্লাপ মুনির কাছে ক্লাবের করেছিলেই, ছবন তিনি যুগু হেলে বলেছিলেন, 'জহুচ, নিমুচ মালার কী পতি, বার ছারা এই কাবং হোচের বক্তনে আকর'।"

क्यान मूर्ति अहरताम—"शक्कुरङ्ग सता गरित और আৰু দেখটি কিং এটি আৰু বেকে ভিন্ন। বৰ্তপক্ত বে জড় উপালনওলি নিয়ে দেবটি গঠিত হয়েছে, তা থেকে আৰা সম্পূৰ্ণমধ্যে কিছা। ভিন্ত সেহের প্রতি আসন্তিস কলে মনুৰ কাউকে জন পতি, কাউকে জন পুর, ইত্যাদি বদে মধে করে। এই সমস্ক মার্ডিক সম্পর্কের করেব হতেহ অবিলায়। হে অম্প্রি, ভূমি ভগ্ৰনকৈ ভজনা করঃ ডিনি স্কলের হড়, তিনি मकरनव नकपमनकारी धरा दिनि नकरमस शास्त्र বিরাজয়ান। পরাম পুরুষ জীকুনা আ আসুদেবই সভাস্থাক সর্বমসলমর আশীর্বাদ কালে কাতে পারেব, করেণ তিনিই ধারা সমৃদ্দিশালী করেছে। তে প্রকৃ, করি, অভিনি, কৃত্যা, সংক্রে সমগ্র ক্লগতের ওক। সেই দীনবংসাল ক্লগতের ভিকৃষ সকলেই আনাৰ হাত্ৰা বধাৰণভাবে সংকৃত ভোষাত্ৰ অভিনাত পূৰ্ব করবেন। কারণ ভগৰত্তিক হরেছে। বেহেছে জারি কর্মা। আনমার খান করি, ডাই। অন্তর্গ। ভগনম্ভক্তি স্বতীত অন্য সমস্ত পায়ই বিকল।

নীমতী অনিতি কালেন—"হে স্লেক্ত্ কোনু বিধি স্থানাকে স্থানাকর স্থানাকর করতে বিধি স্থাতে উপদেশ প্ৰদান কৰেন, বাতে ভৰবান আমাৰ প্ৰতি প্ৰদান হতে, শীয়ই এই ভরতর পরিছিতি খেকে ক্যায়র পুঞ্জব ক্র আমাকে রক্ষ করেম।"

নীকণাৰ মূদি কালেদ--"আমি পুত্ৰ কাছেত্ৰ অধ্যক্তকী হয়ে পথবেদি ব্রহ্মকে এই বিষয়ে ভিজ্ঞান করেছিলাম। তিনি কেলকের সন্তুটি কিবানের জন্য বে ত্ৰত আমাৰে বলেছিগেন, দ্বঃ আমি জোমাতে খলন।"

"কাৰুন মাসের অঞ্চপকে কাননী পর্যন্ত কেবল বারো নিন বৃদ্ধ পানপূৰ্বৰ পায়েন্তাৰ আচনৰ আৰু, পাছত ভাজি প্রথমতা ক্রলনক্ষ ক্লাক্তার ক্রিনা করতে। বর্তি করতে

বিশ্ববিত মৃত্যিক। পাওৱা করে, ভা হলে ভারা দাব। অমবেসারে দিন অঞ্চলেগম করে নদীয় করে প্রান করবে এক সাম করার সমর এই মন্ত্র উচ্চারণ করবে। তে মাহা কনুমানু আগমি পাকনার স্থান অভিলাম করেছিলেন ৰূপে বৰাচকাৰী স্কাগনাম আপনাতে স্কলাতক বেকে উজ্জেল করেছিলেন। বস্তা করে আগনি আহার সহস্ত গাপ বিনাস করুম। আমি আগনাকে আমার সঞ্জন্ধ ছোল।" প্ৰশক্তি নিকেনৰ কৰি। কালগৰ, নিঙা-নৈহিন্দিক কাৰ্যস্থ সম্পাদন করে, একথা চিতে অগবালের অর্চাবিয়ার, বেদি, नुर्व, सन्, व्यप्ति क्या क्रक्राधराक नृक्षा कराएर! ह्र **७नवान, अञ्चल, जर्वकृतका क्लाल निवासका, जन्दका** আরার, হে সব কিছুর সংক্রী, হে আসুনের, সর্বজ্ঞান্ত পরম পুকর, আমি অপনাকে আমার কথক প্রথমি নিবেদন করি। হে পরম পুরুব, করি আপনাকে আমার সভ্তত প্রশতি নিকেন করি। আগমি অভার সৃদ্ধা হওয়ের করে আৰু চকুর অংগচের। আননি চতুর্বিশেতি ভরের আডা জবং জাগনি সাংখ্যবোগ পছতিয় প্রবর্তক। আমি সেই ভৰকনকৈ আমার সভাৰ প্রগতি নিজেন করি, বীর সুইটি भक्षक (शावनीय अवर केशयनीय), किनक्र का (ज्ञवन्यव), চারটি শৃক্ষ (চতুর্বেদ) এরং সপ্তহন্ত (গায়ত্রী আদি সংক্রে)। আমি আপনাকে আন্তর সম্রন্ধ প্রনতি নিকেন कवि, शैव घरवा अग्रेरियमा (वर्षकाक, सामकाक कवर উপাদনকাও) এবং ব্যাহ্রের বিনি এই সফর অনুষ্ঠান বিভার করেন। শিব অধকা কুন্তবালে যিনি সমস্ক পতি ও সমস্ত জ্ঞানের অধ্যার এবং সর্বভূতের অধিপতি, সেই আন্দাকে আবি থানের সম্রম্ভ প্রদতি নিষেত্র করি। विश्वनाथर्थ, जाएक धेरण, मधक भीरका नवमानामान অর্বাপ্তত আপনাতে আমি আমার সম্রন্ধ প্রণতি নিকোন करि। नम्स व्यक्तिभार्यक् केंद्र भेता भरीत, हारे আপনাতে আমি আনত সম্রত প্রবৃতি নিবেলন করি। আদিকের, সকলের হলের সংকীত্তরণ আপমাকে আহি আমার সমান্ত প্রদতি নিবেশন করি। স্থাপনি নর-সায়ায়ণ ছবিকাপে অবতরণ করেছেন। ছে ভগবান, জায়ি শ্বাপনায়ক অনুনান সমান্ত প্রদান্ত নিবেনন করি। শীতবাস, মরকত মণির মতো শামেকা ক্ষেথানী, কর্মানেশীর মিয়না এবং কেশীহন্ত এপন্যকে আনি আমার সুত্রতা প্রপতি निरमान थरि। इर बहुन्ता। इर स्वान्द्रवर्धः ज्ञाननि

ক্রীকো সমত্ত ক্রমণা পূর্ব করতে পারেন এল ভাই বীলে বাঁর, জাতা জাত্যের বিজ্ঞানের প্রদানত জন্য জাপনার হীপ্লপ্তের বলিকলর সেবা করে। সমস্ত কেবর क्षर मञ्जीदर्शनी छ।ट अभाग्रभएषक त्रनाम न्छ। অক্তপাকে জান্তা ভার জীপানগগের স্বের্ডের প্রতি ক্তান্ত আসভ। সেই ভগৰাৰ আমাত প্ৰতি প্ৰথম

কল্যপ সুনি কলনেল--"এই মন্ত্ৰণলৈ উপেন কাল ৰাজা সহকারে ভাগবানকে আগ্রহম করে, (পালা, আর্থা, আছি) পৃথনৰ উপক্যপের ছারা সেই ভগবান কেশব, জবীকেশ অর্থাৎ জীকুকাকে আরাধন কচনে। প্রথমে জনল অঞ্চল হয় জল কৰে কুলের মালা, খুল ইত্যানির ৰার। অৰ্ডনপূৰ্বক ভগধান জীবিকাকে হুও নিয়ে সান করাবেঃ ভারণার বস্ত্র, উপবীক্ত, ঋণভার, পাণ্ড এবং পুপদত আদির কারা পুনরার তার পুরুষ করতে। সভুর राज भावन, वृष्ट 🛎 धराइन मान नामि चंद्र निर्देशन করে, মূল ময়ের দ্বারা অস্থিতে আততি প্রধান করবে। সেই প্ৰসাদ কৰা বৈজ্ঞবাধে প্ৰদান কৰৰে খৰখা সেই প্রসামের কিছু অংশ বৈক্ষাকে প্রদান করে ভারণার ছত্তং প্রবে করবে। ভারপর জীবিশ্রহকে আচন্দ্র করিবে স্তাধুর প্রকাশ করের এবং আরপর পুনররে পূবল করেব। ভারপর, একশ কটে বার মন্ত্র রূপ করে প্রকৃত্ব মহিলা কর করুৰে এবং ভারণর ভাগবানকে প্রদক্ষিণ করে অনক্ষের সঙ্গে ভূমিতে দতকং প্ৰণতি নিবেদন করবে। ঐবিধাহকে নিবেদিত কৃষ্ণ এবং জন মন্তব্যে ধরেণ করে, ভারনার ভা পতির স্থানে নিকেপ করবে। ভারপর অভত সুলন ব্রাহ্মণকে পাহর ছোঞ্জন করাবে। সেই প্রাধানকের ट्यांक्य क्यांटरम् भा वश्रवणकार्य केट्यर जनाम अर्जन ক্ষাৰে, ভাজপার উপ্লেক্ষ অনুমতি গ্রহণ করে বন্ধবারণ এক আবীর-বভনেরণ সহ প্রসাদ প্রহণ করবে। সেই রাটো इक्तर्व भाषाने कारत अवर कार भरता कि शृजकार प्रान করে গবিত্র হয়ে শ্রীবিকুল বিপ্রহক্তে একচেতা সহকারে দুৰ দিয়ে স্থান কয়েৰে এবং পূৰ্বোক্ত নিধি অনুসাৱে পূঞা করবে। পভীন করা ও ভক্তি সহকারে শ্রীনিকৃত পুলা করে এবং কেবলমাত্র দুধ পাস করে এই প্রস্তু পালন ক্যাৰে এবং পূৰ্বেক্ত বিধি অনুসাত্ৰ কৰিছে অক্টি প্ৰদান কর্মে এবং ব্রাধা*প্*দের ভোজন কর্মানে। প্রতিদিন

-বৰ্ষালয় পূজা, লৈমিছিক কৰা, হোল এবং <u>সংখ</u>ৰ /लाक्स करिएस, बारेकारने नाता निम नर्गत् वहै नरसंदिठ লারার করবে। প্রতিপদ ধ্বেরে আরম্ভ করে চক্রা ক্ষােলনী পর্যন্ত পূর্ণনাগে ব্রক্তর্য পালন করে, ভৃতিতে লহাপ্ৰক বিস্থা। বান কৰে এই হত পালন কৰে। এট সময় পড় বিনয় এবং ইবিরমুখ তেমের ভারত व्यक्तालम् कतरम् मा धामः मामक् कीरमा शक्ति विरमा र्भावत हता क्षत्रका वर्गुलरका एक छक छन। 'व्याना নাব্ৰৰ ৰাঞ্পদেও সহায়তাৰ শাসুবিধি অনুস্তুত্ব ন্ত্ৰেমণীর কি পকান্তের বারা (দুধ, হৈ, বি, তিনি _{নাই} su) প্ৰতিমূহক মান কথাৰে। বিশুলাইঃ কৰি কৰে_{। মান} ভারখনে সমত জীবের হামধ্রে বিরাজমান ভগবান क्षेत्रिक्स भूका कहरूव। वि, पूर करा नाम विरव स्क প্রশ্বর করে, সমাহিত চিত্রে পুরুষসূচ্চ মত্রের বারা ক্ষাবালের আরাধনা করণে এবং বিনিধ স্বাংকুক্ত নৈজ্যে ভাষাৰ নিবেদন কৰে। এইভানে ভাগানের জান্তান কাৰে। বৈশিক কান্তৰ্জন-সম্পন্ন আচাৰ্যকে এবং (প্ৰেক্ত, देवताका, ध्रथ्यक् अवर सुन्य मामक) केल महकाबी भारतिचारवंद यह, कनकार अंधर गांकी वाम करत गांकी কাৰে। এটিই বিশৃত্য আৱাধনার পাল বলে আনৰে ("

"হে পরম পুন্তকটা, ভারম আচার্কের নির্দেশ অনুসাধে সমক আনুষ্ঠান সম্পাদন করতে এবং আচাল ও কান্যন তৃতি হন, অ-ই আট নিবছ, সেট ভগস্যা, সেট পুরেহিতকে সমূচিবিধান করে। প্রস্তা বিভাগের জন্ম পান, মেই রভ ও মেই ফল। জাতএব, হে কলাবী, সেখানে সমাপত সাক্ষণ এবং কৰা সকত প্ৰাণীদেৱ তুলি এই নিয়ন সহসংখ প্ৰভালত বৰে এও জানেও কয়ঃ সম্ভিতিখান কল্পে। জিওকুদেৰ এবং সহকাৰী। ভার কলে কগধন বীত্রই ভোনার প্রতি প্রসত্ন হবে পুরোধিতক্ষের (অন্তিকদের) যন্ত্র, ফলম্বরে, প্রতী এক কর্ম । তোমার মনোরম পূর্ব করতের।"

দক্ষিণা বাদ্যম করে জন্ম সন্মান্তিবিধান করের এবং প্রসাল বিচর্পের সামে নেখানে সমবেত চণ্ডাল্পের পর্যন্ত সন্ধারীনিশাস কাবে। গরিত, করে, কুপদ প্রভৃতি সকলকে গ্ৰন্থৰ বিভাগ কাৰে। সভলকে বিশ্বন্ধ প্ৰদান ভোজন করালে ভদতান জীবিদ্ধা অভ্যন্ত প্রদাস হন : সেই কথা তদ্মসম করে কলকর্ম ক্লাক্স এবং আশ্বীরক্সন স্ক ৰবং প্ৰদান প্ৰদান ক্ৰমেন। প্ৰতিপৰ খেলে ক্ৰমেন্দ্ৰী পৰ্যন্ত প্ৰতিষ্ঠিক কৃত্যু, কীন্ত, কলা বা স্বতিপাঠ, স্বন্ধিবাচন এবং শ্রীমন্ত্রাপনত পাঠের খারা ভগকানো অর্চনা করবে। প্ৰোপ্ত লাখে ফলিছ এই কতেৰ বাবা ভগবানেত সামালা কল কৰে। আন্তঃ লিভাৰই ইক্ষাৰ কৰে আৰি এই তথ্য গ্রাপ্ত হরেছিলার, এখন মারি তা সবিস্তাতে कर्ममा कतनाम ह

ঁটে পরৰ সৌভান্যকটী, ভূমি ভোমার মনতে ৩% চেড়ান দ্বি করে, এই প্রেয়েড অনুষ্ঠানের ধারা জনার বৰুগ উগবান কেশ্বের ভক্তন কর। এই প্রেরতকে प्रशंकात क्षा एवं। कर्कर और कह कर्नुहोटना करण भागमा (शरक्षे कर असह करण भग्नेत हता गरे। वर्षि मण्ड धर्म कनुकेत्स्य बद्धाः मर्गरक्षः। तः स्टतः, এটি সম্ভ ভূপসার সতে, এটিই লাম এবং এটিছ ক্ষাবালের ফলচন্দ্র কিবানের উপায়। তার বারো অংশাক্ষ

সপ্তদশ অধ্যায়

ভগবানের অদিতির পুত্রত্ব স্বীকার

বীল ওকলেৰ গোখাৰী বললেন—"হে ভাজন, এই এও অনুষ্ঠান করেছিলেন। পূর্ণ একারতা সহকারে

এইওয়েখ বীয় পতি কণ্যপের হাজ উপন্ধিয় হয়ে, অনিতি আনিতি ভানবানের ডিফ করে, বৃদ্ধিরূপ সার্থির সহোক্তে দান্ত্ৰৰ পৰিভাগে কৰে বাদশ দিন প্ৰভাৱ নিষ্ঠা সহকাৰে - মনজগ য়খিৰ স্বান্ত ইতিবালন শৃষ্ট সংখ্যত

করেছিলেন। তিনি একার টিতে জনজন অনুদেবে ফন। 'হে দেনখাতা। শত-দের থানা হাতসংগদ এবং ব্যসংখ্য ছির করে প্রেয়েত আচরণ করেছিলেন। ছে রাজন, তথ্য অনিভিন্ন সন্মত্যে চতাৰ্ডক লীভবাস, পথ-চক্ৰ-নাল-পদ্ধানী কানিপুরুষ ক্ষণবাদ আবির্ভুত হরেছিলেন। জ আমি কানি। হে দেবী। সামি বুলজে পারছি 🙉 ভাবান কান অভিতিত্ত হেলের গোচতীভূক কর্মেছলেন, স্কমিতি তথ্য বিশ্ব স্কলালৈ অভিতৰত হয়ে সহস্য উপিত হরেছিলেন এবং ভারপর পথনং ক্বাভিত হয়ে ভারানকে ষ্ঠার সঞ্জ প্রশতি নিবেদন করেছিলেন। অধিতি ভগরতের তাৰ করতে সমর্থ না ব্যার কৃত্যধানিপুটে নীর্থে স্বত পতির সাম্বনে কলে বিধাপ করতে দেখুর বাসনা ব্যক্তির বইলেন। জয় নামবাল কর্মন আলকারতে পর্ণ। করেছ। জেমার যে প্রেরা হপ এবং নী প্রতিয়োগ ম্মেছিল, সারা সেতে ক্রেন্ডেক সঞ্চার হতে সাধান এবং সেই পুরের। সুসমন্ত হতে স্থানোকে পুনরার বাস ভাগরতের দর্শনামনিত গভীর অন্যানে তার শরীর কশ্পিত করাক—ডা তথ্যি দেখতে ইচ্ছা করছ।" " হতে লাগলঃ হে মধ্যমান্ত পরীক্ষিৎ, ভারণার সেই দেবী অদিতি পৰ্তীয় হোমে খালিত কঠে জনবংনের তাব করতে লাগলেন। তখন মনে হলিল তিনি কেন ব্যাপতি ব্যক্তবার কাবংশতিকে তার চক্ষর করা পান কর্মানুলন।"

(म वै) चापिकि वसरस्य--"तर प्रत्यान्त्व । तरः বজাপুরুষ। ছে আন্তর। ছে পুশারীতেঁ। ছে মানামাল নামধারী। হে ভগরান। হে পাবেশার। হে তীর্থপার। থিকা জনসংখ্য পূচৰ উপন্তাল জন্য আবিউত দীননাম আগম আমানের মন্ত্রনবিধান করন। হে ভগবান, আপনি সৰ্বহালৰ বিশ্বসাৰ কৰা এই বিশ্বর পূর্ণ করেছ ন্ত্ৰী, প্ৰক্ৰ ও সংহারক। বলিও আগনি কর তবে প্রাণধার দ্বি নিব্রু করেন, তবুর আগনি সর্বরণ আপনাৰ আদি স্বৰূপে অৰম্ভিত জ্বাকন এবং কখনও সেই हिंछि (यरक किंत्रक दम मा। काल्य चालन्सा ब्यान चात्रक এক কাপনি সর্বদাই যে কোন গরিবিতির উপযৃত্য। খাপনি কখনও মাজার যার। মেন্টিড হন না। হে ভগতন, আমি আপনাকে আমার সম্রন্ধ প্রণতি নিলেন করি। হে कन्छ। कार्यने महाहे दएए क्ष्यान मध्या नीर्व कार, वर्ग, মর্ত্তা আখনা পাতালে ইক্সনুজন কেছ, অতুলনীয় ঐথর্য, श्रा-कर्य-कात और किया, भूग निया साम अवर करे বোগনিতি অনাবাদে লাভ হতে পাৰে। ইতএব শত্ৰুকাৰে মতো তাৰ পাতের কি আন কৰা।"

প্রীল ভঞ্চনৰ লোখাত্রী কলপেন—"হে মহাবাল পরীকিং! এ জারও। সর্বভাতের পরসাধা কমললোচন জনবান আনিতির সারা এইকানে শুন্ত হরে বংগহিলেন,

থেকে বিচাম ভোমার পুঙলের মানলের জন্য দীর্ঘক্ত ধরে যে বাসনা ভূমি ভোমান মনের মধ্যে পোৰণ করেছ তুমি মদোভত অনুর্যোঠনের যুবে কার করে ভোষার বাসস্থান এবং ঐপর্য পুনঃপ্রান্ত হতে ভোনার পুরারণ স্ক আমার পুরু করতে ইকা করব। ইরা বাঁকের জোওঁ কো প্রদের হারা বৃদ্ধে নিহত শতকের পরীগণতে উচ্চত

আমাল প্রাণ

"হে কেবারজা। আমার দলে ইয় যে, সমত্তে স্বাসর अकर्राक्रियाँके श्रीष्ट चारकत्री, करतम्, समानाम नीटम्स अर्थना অনুপ্রত্ন করেন েই রাক্যপালের বারা উন্নয় সূর্যকিত। ভাই উল্লেখ প্রতি বিক্রম প্রকাশ করা এখন সুখের কারণ চুখে না। *যে দেবী অপিতি। তদুও বেমেকু আমি ভোষা*র ত্রত অনুষ্ঠানে সন্তুট হয়েছি, প্লাই তেমেংকে অনুসহ করে। কন্য আমাকে কোন উপায় অংশাই ডিডা করতে হবে। कारण व्यापात व्यक्ति। कचते विश्वक कर मां—का कारणार অনুষ্ঠানকারীর অসনানুরূপ কল প্রদান করে। কোহন পুরামের রক্ষা করার জন্য শুমি পরোপ্রক পালন করে বধাবধভাবে আমার প্রাঃ করেছ এবং রূব করেছ। অভন্ত আমি কৰাপ মূলিয় তপদ্যাহ বিত হতে সংগ্ৰে কোমার প্রত প্রথম করব এবং কোমার করা প্রকর্ত বক্ষা কৰব। আমি ভোমাৰ পত্তি কণ্যগের শ্রীরে খাবন্তিত আছি, এইডাৰে সৰ্বদা আবাকে চিন্তা কৰে ছোনার পতির ভজন কর, বিনি তার তপদ্যার প্রকাবে क्ष स्टारका हर मिरी। १७७ क्षिक्रमा कारक और বিষয়টি কামত কাছে প্রকাশ করে৷ মাঃ অত্যন্ত গ্রেপনীয় বিষয় গোপন রাখনেই তা সকল হয়।"

ত্ৰীল শুক্ৰমৰ গোলাতী বলগেন—"এই কৰা বলে ভাগান লেখান খেকে অগুর্হিত ছয়েছিলেন। ভাগান গুরু পুরুরূপে আতির্ভুত হবেন, এই পূর্ণাভ বর সাভ করে অনিতি কৃতার্থ হারেইলেন এবং পরম ভক্তি সহকারে উপ পতির সমীপবার্তী হয়েছিলেন। অথ্যর্থদন্তি কন্যুপ মৃত্রি সমাধিযোগে দর্শন করেছিলেন বে, ভালকদের আলে জার বার্লা প্রিট করেমেল। কর্ম কেলা দৃটি কাউন্তের মধ্যে লাল করিতে জাওন উৎপাদন করে, তেমনই ঋগবাচাত হিলার সম্পূর্ণকরেল নিমায় কলাল মুনি আনিজ্যি গতে বার त्या मध्यानम कर्पाईरकात। क्षणा प्रथम स्थाप লেবেছিলেল যে, কণকান অনিভিত্ন সংখ্য অনিষ্ঠিত রবার্কে, তথ্য তিনি কপন্তানের দিব্যনার উচ্চারণ করে त्रेत्व सन् काएड एक क्टाविरमन।"

_{আক্রি}র কার্যকলাশ অসংধারণ এবং সকলেই স্থাপনার _{অতিয়া} কীর্তন করে। হে ঐকণ্যদেব, হে রিগুলাধীল, আনুনাত্তৰ আমি বাস কৰা আমাৰ সংক্ষে প্ৰণতি নিকোৰ चर्च । जबन कीएना कमरद विभि चन्द्रवामीकरण दक्षि scarter, াই দৰ্বভাগ্ত ভগখন শ্ৰীবিদ্যুক আমি স্বাহাৰ সমাজ প্রদতি নিকেন করি। স্লিভুক্ত তার মাতিতে বিজয়

করে, তবুও তিনি রিভুক্নর অতীত। পূর্বে আগনি পুনির পুরুরতে আহিছাত হয়েছিলের। হে পান্য বাটা, গাঁকে কোনল বৈভিত্ত লাপ্তের মাধ্যপত্তি প্রথমপথ করা সাম, নেই আলনাকে আমি আছে সঞ্চত প্ৰদাহ নিবেনন কৰি। ८६ क्यानान, चाननि जिल्लाहरू चानि, प्रश्न अन्य चार বেটা আপনি অনত পত্তিৰ উঠা প্ৰামেশৰ জনবানবাস পুলিত। হে প্রভ, গভীয় হোড় তেনা তল, লাম আদি क्षात्रं कारणके—[®] (६ सभवाने, फाशनांत सत्र दशक । चाकर्तन करड, स्टम्प्लेड सामृति कालकरण क्षेत्रं समारकत अध्यक्त जानर्थन करता। ८६ क्षणराम, जाननि जाना অথবা জন্ম সমস্ত শীবের আদি কনক। আপনি প্রজাগতিকের ভাৰত। হে প্রস্তু, দৌকা হেমন জন্মবর্ম ৰাতিৰ একমান ভবনা, তেক্ষই আপৰি কৰ্মইছ *ा*नियालक अध्यक्ति चाताव (*)

অষ্টাদল অধ্যায়

বামনদেবরূপে ভগবানের অবতর্প

নীল ওকদেৰ মোহামী ৰদদেন—"ব্ৰহ্মা এইভাবে কঠে কৌছত মৰি ধানুণ কৰে কাৰ্যন কৰা কাৰ্যিকত ভগতানত কর্ম এবং বীর্য স্কৃত্তে প্রথ স্বর্জে, ক্রা-মৃত্য র্থাইত ভগবান অনিভিন্ন গতেঁ আবিষ্ঠত হয়েছিলেন। শুরু চত্ৰভূত্ৰ পৰা, পৰা, পৰা এবং চক্ৰ পোড়িত, তীয় পৱনে পীতবসন এবং ভার টোর সৃষ্টি মেন পুর্ণবিভাগিত क्ष्मभरमा घटणाः छथवात्मक एम्ह भाग्यवर्ग अवर স্পর্যাজ্যকে মারামুক্ত। মকরক্ওল গ্রেফিড জার মুখপর স্পূৰ্ণ সৌন্দৰ্যমতিক হয়ে শোলা পাছিল। তার কলে প্রীবংস চিহ্ন ছাতে কলে, কাকডে জগদ, যাবার মৃত্যু, ক্টিলেলে মেখলা, বক্তে বজস্ত এবং পারে নুপুর পোজা गाविकाः करवाद्वर नम्दान वक कर्मधानन শৌশর্বমন্তিত কুলমালার স্পোডিও ছিল এবং সেই কুলতাল অত্যন্ত স্বাধিত ছবায়ার ফলে, মধ্ববকুল উদার ও সললগুৰ হবেছিল।" ৰবুগোতে গুৱন কৰতে কৰতে গুৱ চহনিকে উচছিল।

হরেছিলেন, তথন জার কান্তি প্রজাপতি কান্তপের প্রথম यककार सुर क्टब्लि। ७५३ क्टब्लि, नवी, माध्य धावि कलान्य जन एकरका स्था निर्मत स्टाइनिं। निश्चि बाठ कारास किस जिस कर शार्यक करदक्षिण बार पूर्व, অনুদ্রীক ও পৃথিবীর সমস্ত জীবেরা হার্বিত হয়েছিল। কেবেডা, পাড়ী, প্রাথমা এবং সমস্ত সিরিপর্বত আন্তথ্য হয় হয়েছিল। এবং ধানশীর দিন ভেড়মানের আল্লাচন্দ্র হাদনী) বধা চন্ত্ৰ ক্ৰমণ্ড হবেছিল, অভিজিৎ লক্ষ্যে পরম ওকলামে ভাগনে এই রুকারে ভাবতীর্ণ স্থামন্ত্রিলন। র্থনানের বাণিউবে অধ্যন্ত মালাপ্রমঞ্চ বলে আন করে. সূৰ্য থেকে পনি পৰ্যন্ত সমস্ত সক্ষর এবং প্রস্থ ক্ষতান্ত

্রে রাজন। অসশী ভিতিতে ভক্তান কথন অভিভিত্ত

হয়েছিলেন, সূর্ব তথল মধ্য পদকে ছিল। পরিংত্রা ভা - অপসাতা, ক্রয়ানী দেবী তাঁকে প্রথম ডিক্লা প্রথম कारका। अरे बाल्पी निवादा मारव श्रांत्रक। श्रांत्र नथः, দৃশ্ভি, মৃদান, পালৰ, আনক প্ৰভৃতির ঐক্যন্তান ধর্মত प्रदर्शित । **এ**ই नम्स्य नागावत क्षार सन्ताना विविध বাদায়ক্ষের ভূমুল পদ উবিও হয়েছিল। ভারন অধ্যানগ चानत्त्र नृष्ठः करत्रहित्तन, स्तंत्रे नहर्रन्य सम গেরেছিকে এক বৃদ্ধি, দেবতা, হয়, পিত ও অভিনেতাপ ভগবানের প্রসক্তর বিবাসের জনা তব করেছিলেন। সিঙ্ক विभाषत, किञ्चक्रम, किवन, प्राप्तप, राक्त, राक्तम, प्रश्ननं, জেষ্ট ক্ষমাৰ্ক এবং দেবতাকো অনুচৰকা ভাগৱনের মহিমা কীৰ্তন কৰে নতা করতে করতে অনিভিত্ন আধান প্ৰদাৰ্থনৈ সমাধীৰ করেছিল। অনৈতি যুখা দেখলেন যে, ভগৰান উল্ল হেলেয়ালার দালা চিক্তর পরীয় ধারণ মতে উন্ন ধর্ম থেতে আবির্ভত হয়েছেন, কবন ভিনি অত্যন্ত বৈশ্বিত ও আনন্দিত ব্যৱহিলেন। প্রকাশতি কৰাৰ তাকে দেৰে বিশ্বৰে এবং আনহৰ কবিভাত হয়ে कट्रथमि कटवहिरसम्। जनवान कनकाड अपर काउनक र्थमा चानि तरन चादिर्ध्य स्टाइस्टिशन। यनित छात्र और নিজ্য মাশ হাস্ত ঋগতে প্রকাশিত নর, ভবুও তিনি এই য়ালে অবির্ভত হয়েছিলেন। অঞ্চলর, উর লিভা মাতম সমক্ষেই একজন নটের মতে তিনি বামন প্রকাশকমার श्रद्धारिकार । अश्रदिता भाषे चात्रल जानकक्रमात्रक वर्णन ৰতা অভ্যন্ত প্ৰীত হয়েছিলেন। ভাগন জানা প্ৰজাপতি কদ্যাপ হনিকে অচনতী করে তাম জাতকর্ম প্রভৃতি প্রিয়া সম্পর্যার করেভিয়ালন। সেই ব্যামনগোরের উপানহানের প্ৰয়া কৰা পূৰ্বদেৰ গায়নী মা উপলেশ করেছিলেন, ব্যুস্পতি বজ্ঞসূত্র ধান করেছিলেন এবং কশ্যপ মূনি মেশলা প্রদান করেছিলেন। পুতিবী উচক মুখ্যানিন দান করেছিলেন, কলপতি চন্দ্রদেব তাঁকে ব্রহ্মদণ্ড (ব্রহ্মচারীয় **૫**৩) মূল করেছিলেন, উল্ল জ অণিতি উাকে কৌৰীন করেছি/জন।"

"হে রাজন, রাজা নেই খানার পরাম পুরুষকে **কম**ণ্ডানু দান করেছিলেন, সম্ভাবিনৰ কুল কম করেছিলেন এবং जनकरी (सदी क्षेत्रात्क्षम श्राम्य गान करवित्रकार । अञ्चलाय वास्तरपरवाद केनानसम्बद्धान, बच्चवाक कृतवाद सीएक ভিক্ষাপরে প্রধান করেছিলেন এবং স্থাকাৎ ভরবতী

করেছিলেন। এইভাবে সকলের যায়ে সমাস্ত হয়ে কো প্রশাস্তারী অগবান বামনদেব তার প্রসাক্ষেয়তি প্রদর্শন করেছিলেন। তার সলে তার সৌলার ক্রমার্কিক সমষ্টিত সেই সভাগ সৌন্ধেকে অভিক্রম কর্বেছিল। জ্ঞানার শ্রীবামনদের সভাগ্নি প্রস্থালিত করে অর্চনা করেছিকের এবং ভাতে সমিধের হারা মেশ্ম নিবেদন করে কর ক্তরেচিকেন।"

"क्यवान वयन धनत्वन, कृधवरनीय द्वाचनत्वन ভাষাবাদ্যৰ কৰি মহান্তাৰ অধ্যান্ত কৰা আৰু হান কৰাছেন ভাৰত বলি মহাপ্ৰাধেনৰ হাতি ভূপা প্ৰদৰ্শন কৰাৰ ভাৰত সমস্ত ওবে পরিপূর্ণ ভগবান ভার ওক্সারে প্রতি পদ্ধিক্ষেপে পৃথিবীকে অধ্যক্ত করতে করতে সেবালে ক্ষমন করেছিকোন। নর্মনা নদীন উপ্তর তটে ভ্রতক্ত সমেক স্থানে ভাগেবলীয় ব্রাহ্মণ পুরোহিতের নিকটে উনিত गृर्वतं वर्शा वायमरावर्कं वर्षाः करमहिरामः। ८६ द्वावाः ভাষন বামনদেকো ভোকের প্রভাবে হতপ্রভা ছতিকাল वसायन वित्र अवस्थानाम् वसम्बद्धाः विस्ताना वाराज দাগলেন বে, বজ দর্শন করার বাসনার করং স্থাকেং সমব্দুমার অপবা অগ্নিদেশ সমালত ব্যোজন কি না ভতবংশীর পুরোহিতেরা একং উচনের শিকোরা কান এইতানে নামা প্রকার ভর্তবিভর্ক কর্মছলেন, ভালে ভালেন व्यवस्थार गठ, इत अस कारानुर्ग कवाचन छएउ निर्दा और অক্ষেধ ব্যৱস্থালৈ প্রবেশ করেছিলেন। সৌঞ্জী ক্রেক্স, बरकानवीक, कुकाकित्तर छन्तरीय बाउन करह अनर অটাধারী ব্রাহ্মণ বালকরতে ভলবার বাহনকের সেই ব্যৱস্থান প্রবেশ করেছিলেন ৷ জানা কেবেনা প্রভাবে সম্ভ পারেছিত এবং জানের শিহাবণ হত্যত হয়েছিলে। তালা ভখন ঠালের আসন থেকে উথিত হয়ে, প্ৰথাতি নিবেদন করে কথ্যবন্ধভাৱে অভিনাপন ষ্ঠান ক্ষে ক্ষেত্রিকান এবং কর্ম উত্তে ছব্র দান ক্ষেত্রিকান। বীর পেছের প্রতিটি অস তাঁর ক্ষেত্র সৌন্দর্যের অনুরূপ, সেই ভাগবান ব্যাহ্রসন্দেরকে কর্মন করে সলি মহারাজ অভ্যন্ত আমন্দিত হলে উচ্চে আসম প্রদান করেছিলেন। ভারপর বলি মহাবার মুক্ত পুরুষদের দৃষ্টিতে বিনি পরম সুন্দর সেই ভগদানকে স্থাপত কাশে অভিনেশিত করে, উন্ন পানস্থা প্রথমতনপূর্বক উন্ন আন করেছিলেন। দেবাদিশের চন্ত্রাটোলি মহাতের পরস্থ ভক্তি স্কলারে ভগতান বীবিকার তীবাদপত্ন উত্তত গলাকে রাজনে ধারণ করেন। ধর্মক যদি মহারাজও মহাসেত্রত earls অনুসর্বধ করে উপবানের পাস্প্রকাল্নের জল জার बाबाक शायन कार्डाक्तनम्।"

্রামার, আমি আপলাকে আমার আগুরিক স্থান্ত স্কানট ্ৰাৰ সমাৰ প্ৰাৰ্থতি নিবেষণ কৰি। সন্তা কৰে আপুনি আমানের বনুন, আমগ্রা আপনার জন্য কি করতে পারি। আপনি বা কিছু চান তাই আমগ্র করে কলে কলে কলে করতে অস্ত্রের ছবে হয়, জাগনি রক্ষবিদের সাক্ষাৎ বৃতিহার লগতালে। তে ভগবান, বেহেড় আগনি কৃপা করে। কর্ব, সুসন্ধিত সূহ, সুখারু আহার্ব এবং গানীয়, कामहरूप पुरहं के निवृत्त क्रांबरक्त, कार्ड कामारन्त अक्रमकार, त्रमुख क्षत्र, क्षत्र, हती, त्रच करूप स किन् নৰ্বপদ্ধেরা পথিতৃত্ব হয়েছেন, আমানের কপে পবিত্র আপমি চান, আই প্রন্য কলে ট

वरदर्भ अन्य औ सक्त कर्नु स्थारपान्य अन्यत হতেছে। টে ব্রাক্তরভারত আরু বজারি লাবের নির্বেদ অনুসায়ে প্রকলিক ব্যুক্তে এবং কর্মি আপনার পাশ্রীড কলের হার সভার পাণ কেকে যুক্ত হংগতি। যে প্রক. বলি প্রচাবাজ তথ্য ব্যান্টোবল্ক বল্লেন—"য়ে আশুনার কুর চরণ-ক্যাল্য স্বান্ট্র করা সারা পৃথিৱী পরির হতেছে। হে প্রাক্ষণপুষার। হলে হয়, অপনি হেন त्कान विकृत वाची वरत बचावन बटनाइसन। चलका, গাঁৱেলঃ হে পুজানের, জ্ঞাপনি আমার করে থেকে গানী,



উনবিংশতি অধ্যাত

বলি মহারাজের কাছে বামনদেবের দানভিক্ষা

এই প্ৰকাশ মনোম্ভকৰ বাকা জনগ কৰে ভগবান ক্ষমনদেহ অত্যন্ত প্ৰসাম ছয়েছিলেন, কাৰণ বলি মহানাক ধৰ্মের বিচারিতে সেই ক্ষমাণ্ডলৈ বলেছিলেন। ভাই ভাগনান ক্ষম ভাষ প্রশংসা মহেছিলেন।"

করেন ঐহিক বিষয়ে ছত্তদলীর ব্রাক্ষানের আপনার উপদেয়া এবং পারলৌঞ্জিক ধর্মে আপনার পান্ত প্রকৃতির শিতামত্ কুল্বুর প্রস্তুল মহারাক আলনার উপদেউ। আপনার করুল ভাতি সভা এবং তা ধানীতির অনকল। আপনার এই আচরণ আপনার কলের উপযুক্ত এবং ভা অন্যান কৰা বৃদ্ধি কয়ৰে। জারি অধ্যান্ত আদি বে, বৰ-ও পৰ্যন্ত আপনার বালে কোন সংগীৰ্ণমনা অধ্য कृतन चाकि बनाशका क्राह्मती, विमि वाटक शाकारका প্রত্যান্তাম করেছের অধবা প্রতিশ্রুতি নিয়ে গুল করেননি। হৈ বলি বহারাজ। জাপনার খংলে কখনও এমন কোন

क्षेत्र क्षकरस्य भाषामी स्वर्तन्त्र—"यति मञ्जाकतः । त्रदर्शनेश्वसः श्वासः सन् स्वर्तने विनि सीर्वशतः वाकानत्त्व লাখিত বাহ কান কলকে প্রক্রাখ্যান করেছেন কথবা বৃদ্ধকেরে বৃদ্ধানী কমিরকে বৃদ্ধ কর করতে প্রয়োগান करारका। च्यानमा वरण विस्तयकारा करणी शरहरू. প্রচাদ মহাবাজের উপস্থিতির কলে, বিলি আকাশে চালের सम्बद्धाः कार्यन्त---"्य स्वयन्, चार्णने वचार्यदे प्रत्यः, अस्या स्थानां शरकनः। चार्णनाः कर्तः दिलगारका वचा इरहरू, दिनि कार्र्स महाहरा बार्टीस्टर शकार्की (करन ষ্টার থবা নিয়ে সহস্তে নিক আৰু করের কক সুরুং পৃথিবী গর্যনৈ করেছিলেন, বিজ্ঞান্ত সংগ্রহ তিনি কোন প্রতিদেশী ৰ্বজে পান্তি। পৃথিবীকে পৰ্কোদৰ সমূত্ৰ খেকে উভাল কমার সময় ব্যাহ্যাপথারী বিশ্ব তার সমকে আগত হিবলাক্তকে কা করেছিলেন। জ্যালের মধ্যে প্রচণ্ড সংস্থাম হয়েছিল এবং বিকু ছতি কটে বিশ্বোসক বৰ করে তার অসংগ্রেল বীরত্ব শর্মাণ করতে করতে নিজেকে হথটো বিজয়ী বল হল কবেছিল। জননা হতাসংখ্য स्था पर्ध दिवन्त्रणेश् बहारकारः केल कारपाठी বিভাকে ছাত্ৰা কৰাৰ জন্য তাৰে বাসস্থাৰে উপস্থিত হয়েছিলেন। হিরম্বাকশিপকে বুল হারে করান্তের মতো স্থানেতে কেৰে, মান্তবীনের প্রবান এবং কালোচিত কঠক शिरदा व्यक्तिक विक अहेकार्य क्रिका करतिहरूका। आमि বেখানে বেখানে খাব, এই বিরশ্বকশিপুও জীবদের যুদ্ধার মাধ্য সেইখ্যনেই আমার অনুসরণ করবে। পাতএব আমি ভাৰ সন্মান্ত প্ৰবেশ কৰব, কাৰে সে ক্যা দৃষ্টিসম্পন্ন ইওচার কলে আমাকে দেখতে গাবে না i*

स्रभावतः बाधमारकत् वसर्यान-"(इ रेमक)दासः। স্থাবান বিষ্ণ এইডাবে নির্ণয় করে ভীত্রবেগে ভাঁক গ্রতি ধারমান শক্ত হিরণাকশিশুর সহীরে প্রবেশ করেছিলেন। উন্নিয়চিত ভগকন বিকু অচিত্র এক সুস্থা শহীর ধারণ করে, হিরপ্রকশিশ্বর শাস ব্যবর মধ্যের তার নাসারত্ত দিৰে তাৰ দৰীৰে প্ৰকেশ কৰেছিলেন। ভাৰথক হিরণাথনির বিষয়ে নিধাসভান দুবা মেরে সর্বন উল আছেবণ করতে লাগলেন। কিন্তু তাঁকে বঁলে মা পেটো हिरम्बनिन् प्रसादकारम शर्कार कार्यक व्यवस्था पृथियी, पार्थ, লপদিক, আকল্, পর্যন্ত-গছর একং সমূত্রের মধ্যে তার অংখ্যত কাতে লাগনের। কিছু মহাবীর হিরণাকশিপু ৰোধাৰ বিহাৰে দেখতে পেলেন না। নিৰুকে না দেখতে লেয়ে হিবল্ডলিণ বলছিলন, "আমি সময় কাপং আছেবদ করেও কেনোও আমান আচ্ছাতী বিককে দেশতে পোনা না। অভ্যাহ দে নিভাই দেশদে পান করেছে বেবাবে থেলে কেউ ভার ফিরে আগে না (चर्यार निन्धर्रेडे छात्र यहा इत्यत्क) 🗂 चनवान विकास প্রতি হিত্রপাকশিপুর জেনখ তারে মৃত্যু পর্যন্ত ছিল। মেহাকবৃদ্ধি সমষ্টিত খানা ব্যক্তিকের ক্লোখ কোনা আহম্বয়া अवर प्रखाप्तव करनहें हरव थारक। शहारमंत्र शुक्त. আপত্ৰৰ পিতা বিয়োচন ছিলেন অতাৰ প্ৰাঞ্চণৰংসল। খদিও তিনি জানতেন বে, দেবভারে গ্রাক্ষণের বেল মানা করে জার কাছে এসেছেন, তক্ত জালের জনুরোধে তিনি তার আহু ভালের দলে করেছিলেন। পৃহস্কার্যমে धाराष्ट्रियः प्रशासन् ब्राप्यस्थातः, च्याभन्ततः नृर्वभूकर्यस्या संबर মহারীধ্রের, বারে উন্দর অতি উদার কার্যকলাপের জন্য সিপলে কাঁটি অর্জন করেছের, আপনিও জানেরই পদার ध्यनप्रतम् करणान्। एकं रेमधाराधिः। धामने करणे गीत

ক্ষাৰ হয়েছে এবং মিলি উপায়ভাবে খান কংগত সাকে তার করে আমি কেবল আমার নিজের পরিবিত জিলা ভূমি প্রার্থনা করি। হে রাজন, ছে জগংগতি, ভানতি যদিও অভান্ত উদার এবং আর্থ বন্ধ ইংলা ভূমি আন্দান কাছে প্রার্থনা করতে পারি, তবুও আমি প্রয়োজনের অভিনিক্ত কিছুই চাই না। বিদান রাখণ খনি কেবল ওৱ প্রয়োজন অনুসারেই জনাদের কাছ খেকে পান প্রচন করেন, ভা হলে তার বাপ হয় না।"

য়লি মহারাজ বললেন-"হে ব্রাক্ষণকমার, ভেলেন উপদেশ বিজ্ঞ এবং বৃদ্ধদের মডো। কিন্তু ভূমি বানুক এবং তোমার বৃদ্ধি অপরিণত। তাই তথি তোমার কর্ম সম্বাদ্ধে বস্তুভট অজ্ঞান। আমি ক্রিডবনের একজ্ঞ অধীনৰ এবং ডাই আমি তোমাকে একটি সমগ্ৰ বীল লাভ করতে পার্মি। আমার করে কিছু চাইতে এতে একে বধর খাকোর যাত্র আমাকে ভট্ট করে ভঙ্গি কেবল জিলান ভট্টি প্রার্থনা করছ, সেই জনা তুমি নিতারই বৃদ্ধিটান। এ বালক, আমার কাছে বে ভিক্স করতে আনে, ভাকে খার খান্য কোথাও ডিখন করতে হয় না। ভাই, ভানি খান देखा कर, का एटन फॉमे कामात बीचिका निर्वाटका काल প্রচর ভূমি গ্রহণ কর।"

ভগবান বললেন--"হে ব্যালন, ব্রিভবনের হুখে ইন্দ্রিয়তৃথি সাধ্যমে বড বস্তু রয়েছে, সেই সমস্ত আ অজিতেপ্রির হাতির কারণা পর্ব করতে পারে মা। আদি বলি মিশান ভানি লাভ করে সভাই না হই, আ ভাল নার্ট বৰ্ষ সময়িত একটি বীপ লাভ করেও অম্বী সভাই হব না, তখন আমার সম্ভবীপ সাম্ভের ইচ্ছা হবে। আম্ভ ওনেছি ৰে মহারাজ পুথু, মহারাজ গর প্রভৃতি অভ্যন্ত পর্যক্রমণালী রাজারা সপ্ততীপের আবিগত্য লাভ করেও সভাই হনমি অথবা ভাবের উচ্চাভিকার পূর্ব হরনি। প্ৰায়ত্ব কৰ্মেৰ কলে বা লাভ হয় ডা নিয়েই সভাই পাল উচিত, কারণ অসভ্যের করণত সুখ প্রদান করতে পারে না। যে ব্যক্তি কভিতেলির, সে জিন্তকা দাক করেও সুৰী হতে পাৱে না। স্বাহবাসনা এক অবলিকাই धानरकारबङ कारण अवर अहे चानरकारहे नरनात कर्कर ক্ষাস্থ্যার করেলঃ কিন্তু বল্লাক্রনের আ লাভ হয় জ মিয়েই বিনি সম্ভষ্ট থাকেন, ডিনি এই সংস্থার থেকে মুক্ত

saura বোগা: যে প্ৰাক্ষণ ক/ক্ষাক্ৰৰে লভ বছৰ ছালা সমষ্ট তার তের ক্রমণ বৃদ্ধিপ্রাপ্ত হয়, কিন্তু ভাসন্তই ্লাক্সন্থের আধ্যাহিক পাঞ্চি বিনষ্ট হয়, ঠিক বেরন ফল ক্ষাৰ কলে অধিয় ডেঞ্চ বিনষ্ট হয়। অভন্নৰ যে ক্ষাল্য লাতালের মধ্যে মোট আপনার কাহে আরি কেনা রিশাল ভূমি প্রার্থনা করছি। সেই বালের কলেই আমি जबहा हर, कारण संस्थाकरूमा कनुमान विस्ते मध्यादा मध श्चरत करते।"

প্রাচ্চ ওকদের গোসামী কালেন—"বলি মহারাজকে क्रवान क्षेत्र कथा क्लाल, यंत्रि सहाताक हारत অপরিকেন, "কেন, ডোমার ক ইন্যা তা-ই প্রহণ কর।" ত্যাপর কামনদেবকে ভূমি দান করার জন্য স্বকার করতে ভিন্নি ঋপণার ওক্ করেছিলেন। অনীপ্রেষ্ঠ ওঞ্জার্চার্ব জ্ঞান নিকা অভিযান কৃষতে পেরে, ভদবন ক্যমকের্ড মৰ কিছ লাম করতে উদাত উন্ন শিবাকে বলেছিলেন— 🗯 विद्याहन-सचन, नामनक्षणी और इन्नहारी चलावपदान সাকাৰ ভখৰাৰ বিক। কশাল মুদ্ৰী একা অনিভিত্ৰ ল্যায়তে উনি ক্ষেত্ৰালের কার্যসাধন কালে আনা আবির্ভিত হয়েছেনঃ তাঁকে ভঞ্জি দল করাই প্রতিপ্রতি দেওয়ার কলে, ভূমি যে ভারকর পরিস্থিতি গ্রাপ্ত হয়েছে জা ভূমি ভাল না। এই প্রতিকতি তোমার গকে হিতকা বলে আমি মনে করি না। তার কলে সৈতাদের অভান্ত অনিষ্ট হবেঃ এই কপট ব্ৰহ্মচারী কেলধারী ব্যক্তিট হচ্ছেন ভগবান জীহরি, বিনি ভোষায় রাজ্য, ঐবর্ব, স্ক্রী, তেক, উচ্চারণ মানাকর কা-সম্পাদের বিয়েশেয় সূচক, কর্মাৎ ক্ষা এবং জ্ঞান করের হরণ করার জন্য এখনে এলেছেন। ত্যেখন সৰ্বৰ অগহরণ করে তিনি জা ডোঘন শক্ত ইপ্রকে দান কয়কে। তথি তাকে বিপাদ তমি নাম করব প্রতিক্রতি নিষেত্র। কিন্তু তুরি কথন জাকে জা দান করে। তক্ষ তিনি নিভক্ন অধিকার করকেন। হে বৃড। গুনি বে কি মহা ভুল করেছ ভা তমি জান না। নিককে সক নিৰু বান কালে তবি অৰ্থিকো নিৰ্বাহ কালে কিখাৰে? ত শব্দ উচ্চানৰ করে বান করে, কৰন ভাৱ আৰু सामन्द्रस्य द्वेत्रः अक नातविद्रक्टनंड होता श्रविनी, छातना ষিতীয় প্রস্বিকেশ্বের ছারা দ্বর্গ এবং ভারপর বিষটে। কর্মাই নিবাপর। সেটি চিখ্যা মুলেও আ সর্বত্যেভারে পরীরের হার। অধ্যরীক অধিকার করকো। তথা তার তার সাম করে, তা অন্যের অনুকাশর আকর্ষণ করে একা ফুডীয়া পানবিক্ষেপের স্থান কোথায় হবে। ভূমি ভোনায় স্মান্তের কাছ থেকে নিমেন জান কর্ব সংগ্রহ করায় পূর্ব প্ৰতিক্ষা পালানে নিক্তমই অসমৰ্থ হৰে এবং আৰি মনে করি যে, তোমার এই অক্তমন্তার ফলে নিশ্চরই ভোষার

न्धरक चिकि सरव। एवं सहज जिल्ला और्विका गर्वेस বিপাই ইয়া, পতিতেরা সেট প্রকার নামের প্রশাসন করেন मो। सन, रक्ष, छन्ना अवर क्षत्रं धनुष्टेल स्वतं (क्यम टीरना परकरे महर, बीहा क्यावकशाय डीएसा खीरिका অর্জন করতে পারেন। (যারা নিকেশের ভারণ-পোষণ कतरह शांद्र स् एरस्स शरक का नवन नहें।) भारतक व्यानका शांकि धर्म, छन, धर्म, काम अवर पंकन भागरनद কৰ তাঁৰ বিভাৰে পাঁচভাগে বিশ্ৰক্ত কৰে ইছলোকে এবং পরক্ষেতে সুখী হল। যদি বল যে তথি ইতিমধ্যেই প্রতিকা করেছ সুৎসাং ভূমি আ প্রত্যাব্যান করবে কি করেং হে অসুরক্তের, এই বিদরে বহন-ক্রতির ধানী धामात कारक अंदर करा। ची चरधार वांचा रह अधिका क्या रह का जल क्या है जब वा शकरण का विश्वहा বেনে কর বরেছে বে, সভাই এই দেহরণ বৃক্ষের খুল अवर मजनकथ। किन्दु (पदक्षभ नृष्टि वनि म शास्त्र, জ হলে ভাতে সভারণ কৃষ এবং কলের সভাবনা খাকে स्व। विश्वा क्षेत्र (नाहे स्वहत्त्वल कुरबार मूल हहा, छ। हत्त्व তম সভাৰ বাহীত সহাজগ কৰা এবং মণা স্মৃত কৰা ব্যর মা। বুক্সে মূল উৎপাটিত হলে বেখন আ ভূপতিত वह अन्य एक शरफ एक करते. एकमन्हें व्य कुल्कि कार (मरका यह देना ने, **स** निया वरण महन कहा हो। धार्याः নিবাৰে কৰি উৎপাটিত কল হয়, আ হলে বেছ প্ৰত हर्छ नात. (नोर्डे विश्वा काल महत्त्वक (नोर्डे) **वी भर**भद्र এই শব্দ উচ্চাবেশ্বর কলে মনুর ধন-সম্পাদের আসন্তি থেকে মুক্ত হয়, কালে আ তার ৰাং-সম্পত্তিকে মুব্রে নিয়ে বল। ধন কুন্ম হওল অভাগ্রিকন, কারণ তথ্য মানব ভার বাসনা চরিতার্থ করতে পাত্রে না। পক্ষান্তরে কর যাৰ খে, ওঁ শাৰের ক্রমারের কলে মানুহ করিয়ালের হয়। বিশেষ করে কেউ খবৰ পরিপ্র কৃতি বা ভিক্তকার উপদৰি এবং ইভিন্দুন্তি অপূৰ্ব আছে। আনুৱৰ স্থা স্বেধ্ধ প্ৰদান করে। কিন্তু যে ব্যক্তি সাথ সহয়ে কলে। ্ৰে, ভাৱ কাৰে কিছু নেই, সে নিশ্চিত এবং জীৱিত

বাইন ক্ল

অবস্থানত মত অঞ্চল যে স্থান মাইৰ কমলেও ভাকে কৰ । প্ৰাকাশক ছিডাপ্টে অঞ্চল পান্তন মতে পোনা কাউৰে সভা কৰা উচিত। ব্ৰীলোককে বলীপ্ত করতে, গাঁৱহাৰে, করার সময় মিখনা কৰা বলা ফিলমীয় নহ।" दिसार, क्वीरिका चर्कार, कीरम दिशस दर्श, शांठी এवर

Ж ₩.

বিংশতি অধ্যায়

বলি মহারাজের সর্বস্থ সমর্পণ

ত্ৰীল ৩কৰেৰ গোখামী বলগেন-"হে ব্যালন, কলওক অঞ্চলার্যের ব্যৱ এইজাবে উপপিট চবে, বলি মহাজ্ঞ গুলকল মৌনভাবে কিন্তু করে তাঁচ ওকদেবকে কাতে সাগলেন।"

र्यात ग्रहाताल कारावन—"चाश्रमि वानावन्य एव धर्म অৰ্থনৈতিক উন্নতি, ইন্সিসুৰ জেল, মূল এবং জীবিলাং প্রতিসক্ষেক নর, ভাই গৃহস্থদের গ্রক্ত ধর্ম। আমিও সেই ককা সভা বলে মনে করি। আমি প্রহাদ মহারাজের পৌরে। আমি ভূমি দান করার প্রতিপ্রতি দিরে, আর্বর সালসায় কিভাবে সেই প্রতিশ্রুতি ভাষ করুছে পারি? चाछि किलात क्षकान मानत्व ध्यक्षरका भएका चाहत्व করতে পারি, বিশেষ করে একজন ক্রাক্ষণের প্রতিং অসতা থেকে ওকতা অধর্য আর কিছই নেই। সেই ভানাই হাতা বসন্ধা। বলেছিলেন, "আমি বিখ্যারাদী মানব যাতীত অন্য বে কোন ভার বছন করতে পাবি 🖰 আমি মুখণকে বঞ্চিত করতে খেডাবে ডায় করি, মরত, দাবিত্রা, মৃত্যুবার সমূল, পল্যাতি কিংক মৃত্যু খেতেও আমি ভারতা ਚੀਂਦ ਸੱਹ।^ਦ

"হে গ্ৰন্থ, দেখুন, এই ৰূপ্তের সমন্ত সুস্থাৰ মৃত পুতৰকৈ পৰিভাগে করে। অতথ্য, যে সম্পন্ন মৃত্যুত নট হয়ে মাথে, সেই সম্পদ নিয়ে জন্ম প্রসন্তন বিধান করা হোক না কেনং নথীটা, নিবি প্রভৃতি মহাভাগন স্থানসাধারণের উপকারের জন্য ভাঁলের জীকে পর্বন্ত উৎসৰ্গ কাজে হাজত ছিলেন। এটিই ঐতিহাসিক প্ৰয়াণ। অভএব এই সামান্য কৃতি পরিত্যাগে বিক্রেনা করার বি THE ?"

"CR বাক্সবারেট, মুক্তে অপরাধ্যার বে কমন্ত মহান দৈয়ে রাজারা এই পৃথিবী ভোগ করেছিলেন, কাল চাঁদের जार किए राज्य करत जिल्लाहरू, किन्तु भृषिशीएक केरावर সঞ্চিত মশেয়ালি হবৰ করছে পাতেনি। অর্থাৎ কেবল কা লাভ করারই চেষ্টা করা উচিত। হে প্রাক্ষাধের বৰ মানুৰ বৃদ্ধে জীত মা হয়ে মুখ্যমেতা প্ৰদ বিস্মান দিয়েকে, কিছু তীর্থস্থান সৃষ্টি করেন বে মহাত্ম জাকে श्रंका महकारत मामल का माम कहात (मोफान) पूर कह মানুকেটি হয়। ভাৰ কৰার ফলে উপার কাকশিক ব্যক্তি নিংসন্দেহে অধিও ইক্সঞ্জনক হয়ে ওটেন, বিশেষ হয়ে আগনৰে মতো কভিকে বখন দান করা হয়। অভএন এই স্থ প্রস্কারী আমার কাছে যা চাইকে, আমি ডাই ত্তীক্তে শ্বান কৰব।"

িখে তুনিব<u>ৰ, বেদবিহিত খঞ্জকর্মে নিপুণ আপ্</u>নার মতে মহাস্থার সর্ব করস্থাতেই জ্বাধান শ্রীবিশ্বর অরাপা करतन। चर्रे राष्ट्र रिक्ष ब्याभारक नामक बढ़ बढ़ा बड़न करवात करहे कानून कथवं परान्तर न क्याना करवात सन्दे আসুন, অন্যান কঠবা তার আদেশ পালন করে তার यम्बार व्यक्ताता केएक केन्न आर्थिक कृषि बार करा। তিনি বরং বিশ্ব হলেও ভারবনত প্রাক্ষণজন্য ধারণ করে আমাৰ কাছে ভিকা কাতে এনেছেন। শতঞা, যেহেডু তিনি ব্রাহ্মণকাণে এসেছেন, ভাই ভিনি বদি অধর্ম সহকারে আয়াকে করন করেন অথবা হত্যাও করেন, ভবুও খানি এই শত্রুকেও হিসের কানে না। বনি ইনি উত্তমক্ষেক বিকৃষ্ট হন, তা হলে তিনি তার কীর্তি

লবিভাগ করতেন কা হয় তিনি বৃদ্ধাক্ষাে আক্রেড ধ্ব আৰু এই কুমি সফল কংকেন, নামতো আমাৰ ধন্য নিষ্ঠ সুয়ে হাড়াকেরেই শরুর করবেল।"

ক্ষান্তার্থ প্রকারনের প্রেক্থানের উলাক্তরির, সভাততিক্স ক্রম ন্যুক্ত অনুদ্রাসম্পন্ন এবং তারে বাবেশ সম্প্রতমন্ত্রী পিয়া বার্বা মহারাজকে অভিশাপ নিয়েছিলেন। বনিও ব্যোপন কোন আন গেট, কৰুও ভূমি নিছেতে গ্ৰন্থ কৰ ৰ্বাণত বলে মটো কৰছ এবং ভাই তুনি এতই উভত চরেছ বে, আমার আদেশ লগ্ধক করছ। আমাকে এইভাবে উপোচা করার কলে হুবি অচিবেই ভোকার त्रात व्यवस्थित स्टब्ट

শ্রুর করন দারা খভিশন্ত হওবা সংগ্রুত মহাপুরুত ৰনি নহাবাৰ তাঁর অভিনা শেকে কিলিত হননি। ভাই প্ৰধা অনুসাটে ডিনি বামনদেবকৈ প্ৰথমে জনকন করেছিলের, ভারপর প্রতিক্রত ভূমি শন ভরেছিলেন। মভাবলোর শোভিতা কলি কার্য়াকের পরী বিভাবলি চৰ্ম্ম ক্ষাবাদের পাশসক্ষান্তন ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত बिरव विश्वतिक इस्सिक्षित्र । यहासान वीने क्षत्रार वर्गकर । करवान क्यान्स्मरका क्षेत्राचनम् अकानन करतिहानन अक ভারণার বিধ্বপারন সেই চয়পানৃত জার স্করতে ধারণ करतिराजन। कथा क्योंक्स स्मर्था, संसर्व, विश्वासन् দিছ এবং চারণেয়া বলি মহারণের নিম্নেটিয়ার অভান্ত क्षणा स्थार, क्षेत्रा महरू, क्षणारुकीत क्षणाला करन क्षेत्र केला পুন্দা বৰ্ষণ করছে লাগলেনঃ তথন পুনুর্য কিম্পুরুষ कर, विशासको शाकात शाकात मुन्नुकि शहरका जिल्लिक ৰঙে মহা আনন্দে কোনৰ কন্তত লাগৰেন—'এই বহি মহানাক্ষ কৰু মহাধ এবং তিনি কি সুদুৰ্ভন কৰ্ম অনুষ্ঠান ক্ষ্মেছেন। খনিও তিনি ম্লানভেন বে, বিফ ভার প্রতন্তে শক্ষণাতী, তৰুও ভিনি তাঁকে ঞিলোক দান করেছেন।' 🐣

বিভিন্ন প্রকার জীব এক ব্রিপ্তালের ক্রিনা প্রতিবিদ্যা আদি ঐশাতের সং কিছু ছিল। ভারলর, ইন্রণাদে মাণিটিত বলি মহাগ্রাক্ত ভগাবানের সেই বিশ্বব্যাগর পদতলে ক্রীক ওকাৰের খোলামী বলাকেন—"গারলার ওক্ত রালাকর প্রকৃতি অধ্যালোক, বনমুবলৈ পৃথিবী, ভারবার পর্বভ্রম্ব, ভালুতে পঞ্চীসমূহ এবং উচ্চ উচ্চতে বারুগশ্বে দর্শন করকেন। বলি মহারেজ সেখকেন छत्रका छेककरूब वनस संकारवदी, क्हारवरन প্রকাপতিগণ, কটির মাকুধরাকে আন্তর্গ পর্যাদশন সহ সিলেতে, মতিমানলে জ্বানাশ, কৃতিদেশে সপ্ত সমূহ প্রমা বংশ নকউলজি। (ই রাজন, তিনি কেবলেন স্বাতির इनका गर्न, कन्यक दिव स् नदा संस्थ, बाल हस, साम প্ৰহত্য সন্ধাৰেনী, কঠে সমন্ত বেদ এবং সমন্ত শব্দর্জি, কর্তে ইর প্রেশ দেবতালা, কর্নিয়ে নিকস্কুর, মন্ত্ৰকে কৰ্ম, কেনে মেখ্যালয়, নামিকাৰ বাস্কু, নেপ্ৰথৰে नुर्व, वनक्ष व्यक्तित्वन। कीत् वाद्या नवक देवीन वर्षः কিন্তুই কাশকে, কাশুনাক বিধি-নিবেধ, চেনের পাশকের देवीक्ष धनः निर्वेत्तत्व विश्व । कवि, वर्णाः उत्तरम् यश्रंत (मारू। (इ सम्बन, दीव न्मार्ट्स क्रांच, टेस्ट नीट्र्स সলিল, পুৰে অংশ, পাদবিক্ষেপে কলা, জনার সূত্রা, रामिएक संद्रा तका भन्नीरका जानसक्तिक कारिनद्र। उंस अङ्गित्रपृष्ट् असे, स्टूप निनादानि, पुष्टिक श्रेषा, মেশখা ও কৰিবুৰ, ইপ্ৰিয়সমূহে এক সমগ্ৰ শটিকে স্কুলা ও জনম সমস্ত জীব। এইভাবে বলি মহাব্রাছ কালেনের বিরাট শরীরে সর কিছু ফর্লন করেছিলেন 🖰

"(र तक्षा, भी क्लाहका कनुगारी क्लाहजा क्**म** ভগৰানের বিয়তিয়াশ নিবিল ভুবন, সুদর্শন চাল, আসহ্য टिक्सरम्बद्ध (महिक्स बट्डा नक्न्यांनी आई स्तूक एर्न्स করেছিল, থকা তার মকলে তালের হাণরে কো অনুকর করেছিল। স্বর্থন হেখের করে গাতীয় নাগবৃদ্ধা পরকারনা শন্ধ, ঘণ্ডাত বেগবতী কৌয়োনকী নামক পৰা, বিন্যাধৰ "তথ্য অনুস্ত প্ৰশাৰকেৰ স্বামনকৰ কবিও হতে লাগল। নামক অনি, শত পৰা গ্ৰহণুক্তি কৰকবৃক্ত ভাল এবং পৃথিবী, আকাপ, দিকসমূহ, ক্লয়াণ্ডের বিভিন্ন এছ, সমূহ, অভয়াসায়ক নামক ক্লেষ্ঠ ভূপ---উবো সকংক্ষে একটো পত, পক্ষী, মানুহ, দেবজা এবং খবিশাদ সেই বিজয়ে ভগবানের ক্তব করতে লাগলেন। সমস্ত লোকপ্রসাদ অবস্থিত বিল। বলি মহারক্ষ তথন সমস্ত থবিক, আগের্ব সহ সুনত আদি প্রথম কর্বদেরা উৎছল কিইটি, স্কালদ, ৰ্মাং স্বস্থাপ সহ জনসাচনৰ বহৈদ্ধৰ্য সম্বাধিত বিনাট । স্বক্স আকৃতি কুণ্ডল লোভিড ভাগনাচনৰ ভাৰ কনতে শরীর ফর্লা করেছিলেন। সেই শ্রীরে করন্ত ছুল। লাগদেন। ভলবানের বক্তে ত্রীবংস চিত্র এবং কৌরস্ক উপাদান, ইন্সির, ইন্সিরের বিবর, মন, বৃদ্ধি, অবভায়, প্রদি হিল। তার পরনে নীতবান, মেধলা এবং তিনি

कोचार विश्वपुर असन कहा कानाव विश्वपुर केल এক পাৰেৰ বাজা সমগ্ৰ পথিবী, তাৰ পঠীবের ভাৱা আৰুল এবং হজেৰ ৰাখ্য বিভিন্ন বিভ আচ্চাদিত করেছিলেন। স্কলবাল কর্মন করে বিভান পার্লকন্যানের অভীত সভালোক প্রাপ্ত হরেছিল।"

প্ৰথকৰ ৰেষ্ট্ৰিত কুমামালাৰ প্ৰেলিভত ছিলেন। হে রাজন্, বারা স্বৰ্গগোৰ আমানিত করেছিলেন, ভবন আন ভাইছ পদবিকেশের জন্য অধুমার স্থানও ডিল লা, ফারব ভাগবাচনৰ চৰ্যুণ কৰ্ম খোকে প্ৰথমৰ উপাল্যেক প্ৰদানিক হতে হতে মহর্তোক, জনগোঞ্চ এবং ডালোতের



একবিংশতি অধ্যায়

ভগবান কর্তৃক বলি মহারাজের বন্ধন

শ্রীপ শুস্থবৈশ্ব লোকারী কালেন—"পশ্রকুলে বাঁক সমায় লোকপালান ভাগের পরা রাড় কান্সগেরের পূজা কলা ইয়েছিল সেই একা ছবন কেখলেন, ভগবান বামনদেকো পদ-নশচক্রের ছটায় তাঁর ধাম ব্রন্ধাগোকের দাতি নিকান্ত হয়েছে, ডাৰৰ তিনি ভগবানের সমীপবতী एटाफ्टिन्न । वहीं है अपूर्व विशेष अवर करफा अपूर्व মহারাও বোগীরাও তথন রামার সমে ছিলে। যে রামান, তথ্য পাৰ্যণ সহ ক্ৰমান্তে নিভাক্ত ভাষ্ট বংগ যান হরেছিল। ভাগন বাহ, নিরাম, নারে শান্ত, ইতিহাস, লিক্ষা, কর প্রকৃতি এর, পুরাণ, সংবিভা, বেদ, আহর্বেলার্দ क्रेभरवर्ग मूर्गकर्थ वाक्षिक प्रशासक अवर याता যোগকত্ব ভালা প্ৰকৃতিক জনোহিল বলে কৰ্মকল পৰ করেছে, সেই সমন্ত পুরুষপথ, অন্যান্ত সভাল্যেকবাদীলগ বারা জীহবির সেই পাদপজের পারণ করার জালে कर्ममत्त्रत्व क्षांत्र क्रमक्षा वदे क्रमत्माक सोस्ट इरस्टक्न, তার সকলেই শ্রীহরির পরশার কলনা করতে লাগনেন। তালপর ক্রম্বা উৎস্ক্রিকে প্রসাহিত বিশ্বনা পাদ্পয়ের উদ্দেশ্যে পাদার্থা প্রদান কর্তালে এক ক্রপবারের নভিশয় থেকে বাঁর কর হথেনিক সেই রক্ষা ভবিভরে विश्वन वाईना करत तुर कराय भागानन। (१ हाकन्, ব্রস্থার কমণ্ডলুর বাল উরুক্তার ব্যক্তরেকো পালপদ হৌড ৰতা কথের পৰিত্র হওয়ার স্বর্থনীয়ংশ পরিশত হয়েছিল। সেই নদী আজালে প্রবাহিত হয়ে প্রগরনের বিমল জীতির মতো প্রলোক পরিষ্ক করছে। ক্রমা এবং বিভিন্ন পেচকের

করতে তম করেছিলেন, বিটা তার সর্ববাধে রুলকে তেও করে তার আদি রাগ গ্রহণ করেছিলেন। ভারে ভার পদার মন্য সমক উপচার সংগ্রহ করেছিলে। উত্ত পূর্ণান্ধি কুল, জল, খাদা, অর্থ্য, অওক-চন্দ্রর অনুলেখন, ধুপ, দীপ, শই, অক্তর শস্ত্র, কত, অমুদ্র, ভগরতের মহাত্মাস্ট্রন্থ কর, ক্ষাঞ্চনি, নৃত্যা, কলা, কীড, লখা এবং कुर्युक्ति कामि भएकारत क्यातातात कालाका करवाहित्यतः। থক্ষাৰ জাৰবানও ভানা সেই উৎগৰে সাহক্ষ চৰে ভেনীর পাৰে সর্বাদ্যক জগবাদ নামনদেকে বিজয় জোকর করেছিলেন। বলি মহারাজের অনুগারী অস্তেরা কর্মন দেখল, বলা অনুষ্ঠানে দুচসকল ভাষের প্রভুৱ সর্বান্ধ বিপান ভত্তি ভিকার অভিনার ব্যৱসাদন অলহণে করেছেন, ওকা ভারা অভ্যন্ত মুদ্ধ হরে ক্লাডে লাগল।"

"और यायन निक्तार ग्राचन नह, अ माहारी(तक विकृत গ্রাহ্মগর্বেশে তার শ্বকপ গোপন করে সে দেবতানের স্বার্থনিছির টেষ্টা করছে: আমানের প্রকৃ বলি মহারক एक अनुष्ठान कराह बना छैल रचनाइस कवटा अस्टिस्टर করেছে। সেই সুযোগে আমানের চিলাক্ত বিক্ন প্রথমেরী किकुकरशाल क्षेत्र नर्रव क्ष्म करतरह। कामाना शक् বলি সহারাম্ভ সর্বদাই সভ্যব্রেড, বিশেষ করে একন, বেহেত ভিনি থকা অনুষ্ঠানে দীকিত ছারেছে। তিনি সর্বদাই ব্রাহ্মণদের বিভকারী এবং গ্রাহ্মণ, তিমি ককনী Grade কথা বাগতে পারেন না। 'ভাট আনাদের কঠনা 🚁 सामग्रहनीर विकृत्स वन कता। आधि वासारम्य सर्व ক্রামানের প্রতুপ্ত কেবা করল উপার ^{*} কইসেবে अवस्य सहक्र विशे महावादका अनुस्त्र अनुस्त्रा वाकादमहरू _{কা} করার উদ্দেশ্যে অক্রধারণ করেছিল।"

সমান্ত শূলা, ভার আদি আন হাতে নিয়ে বলি মহারাজের অনিকা সাধেও ভগবান বামনদেবকৈ এব কথার ভাল अविक इरवरिया। दर बाधन, दिरमा-भशावन इरव সভাবসভালে আগতে গেখে, তগৰান ঐতিকুল অনুচলের (कटनहिंद्रका) केरणा चाह देगाक घटा केशा टेक्काला হিৰে কাতে পাণালেন। অনুত হতীত্মা কালালী कारक वार्षेत्र सन्त, जूनन, वद, विकास, श्रदल, कल, कुनून, ধালাত এবং সায়ত অসুগ্র-সৈনামের কিলা কর্মেছিলের : विक अक्टाताच्य यचन त्मचत्रान, फेलि टेनरनाता विकास অভিনাপ ব্যৱস করে তাঁর নৈন্যদের যুদ্ধ করতে নিকেং बरअस्टिशन। दर विश्वविधि, दर त्राष्ट्र, दर द्राप्टि, रहास्त्रा অত্য কৰা খবন কর। একুনি বৃদ্ধ বদ্ধ কর, করণ राक बीरका सूच अपर पुत्रच स्थानकाती (स्ट्रि कंपकारक ছা হলে আহলা আহার ভালের পরাক্ষিত করতে পারব। ভোগ কর। অভবং সেই অনুকৃষ কালের কন্য প্রতীক্ষা করা কঠণ্ড।"

হীল ওক্ষাৰ লোকানী বনকেল—"হে বাচন, বিকৃষ অনুসংকের দালা বিভারিত কৈতালকাশ্বনভিত্র ভাগের प्रकृत चाचा करन करक क्रमायरण शतक करनविन। তারণা ভাষার লোমবা পানের বিন পঞ্চীরেঞ্চ প্রকন্ত ঠান প্ৰভুৱ অভিনয়ৰ বৃষ্ঠতে পেটে, বৰণ পাশের স্থায়া ুদ্রে রাজন, কথাবত কুম্ব অসুরের উত্তেজিত হবে। বলি মহারক্ষকে করন করেছিলেন। সর্বোধন প্রকাশকী ভাৰনাৰ বিষ্ণু কৰন এইখনৰে বলি মহান্তাল্ভে বছুন করকেন, তক্তা উর্জ এবং অধ্যান্তেকের সমস্ত নিতে এক यस रायाचात्र कालि केविक स्टार्थरून ("

ेट्र दासन्, कंपनार नामन्त्रन कंपन नामन्त्रन चारक नहेनी चच्छ निहत्त्वी, केना बना कारी राजि ফানাককে খলেছিলেন। যে গৈনাবাক, কৃমি পানাকে রিশার ভূমি বাল কমার প্রতিক্রান্তি নিয়েছ, বিশ্ব পর্যের क्ष्माण, विवृद्धाना, नश्चिताएँ (शक्क), बाराह, क्षांश्चन, वृष्टे नागा ज्ञान कान्य करति। अना सामाह তৃতীয় পদ কোনা স্থাপন করব খা তৃত্তি দ্বির কর। नक्श्रमन नह नूर्व ७ ६% वटन्त किन्न विरुक्त करा अवर পাৰ্ববদেৰ স্বাক্তা নিহত হাছে, তথন তিনি ওজনচাৰ্বের স্বাচন্ত্র কেই বানি কৰি করে, ক্রম্মানের সেই সমস্ত ভূমি তোমার অধিকারে রয়েছে। ফোনার অধিকৃত ভূমির মধ্যে আমি এক গণবিদ্যালের কাল খুলোক অধিকার করেছি কম্ আমা প্রীজে হারা সময় আক্রণ ও সরক দিও বর্তমান কান আনালের অমৃকুদ্দ নয়। হে দৈত্যগুণ, বিনি অধিকায় করেছি এবং জেবছা উপস্থিতিকে আমাল বিতীয় খদবিন্যালের খারা খাবি খর্মলোক অধিকার ভরেছে। কেউই পৌকবেৰ ছাবা প্রাক্ত করতে গাবে লা। তুমি কেমের প্রতিক্ষতি অনুসালে কম ন্যু করতে পানার, কৰমমো প্ৰতিনিধি কাল, বিনি পূৰ্বে আমালের অনুভূল। তোমত পাতালে কাই পাক্তসকত। অভনৰ, তোমত ভিনাধ কাং দেবজানের প্রতিকৃষ্ণ ছিলেন, সেই কাল কাল আৰু অকাচাংকা নিৰ্দেশ অনুসায়ে ভূমি পাতালে নিয়ে আহালের বিপরীত হ্যেছেন। জোন জীবই বল, মন্ত্রীলের নাল কর। যে বাজি প্রতিশ্রুত বল্প প্রদান বা করে পর্যন্ত, বুকি, প্রকানীতি, দুর্গ, বছ, ঔনধি অধনা অন্য ক্ষান্তে নক্ষিত করে, তার কর্ণ উর্বাচ ক্তরা অধন্য কোন উপারের ছারা ভগবানের প্রতিনিধি কালকে সন্ধোনাসক পূর্ণ হওর জো সুরের কলা, লে নয়কে অভিক্রম করতে গারে না। পূর্বে দৈববলে কশীয়ান হরে। অধ্যানতিত হয়। ভূবি ভোগার ঐবর্ণবর্তা পরিত হয়ে। জেমতা বছৰাৰ বিকৃত্য এই সমস্ত অনুসরংখন বৃদ্ধে আমাতে ভূমি খন কান প্রতিজ্ঞা করেছিল, কিছু জোমাত পর্যজিত করেছ, আজ কার্নাই বুছে আমানের পরাজিত। সেই প্রতিজ্ঞা কুমি পূর্ণ করেছে পরনি। তাই এই প্রতিজ্ঞা করে সিংহ্নেল করছে। গৈব বাই আমাদের ঋনুকূল হয়, ক্ষমাণ নিখ্যা কলের কলে ভূমি করেক কলে নাক

দ্বাবিংশতি অধ্যায়

বলি মহারাজের আত্মসমর্পণ

শ্ৰীৰ ওক্ষেৰ ৰোগোমী হসকেন—"হে ব্যৱন স্বাপাতদৃষ্টিতে বলিও মনে হয় যে, ভগবান বামনদের এইভাবে বলির খনিট সাধন করেছিলেন, তবুও বলি মহারক্ষে তার সম্বন্ধে অবিচলিত ছিলে। ভিনি তার প্রতিক্ষা রক্ষা করতে পারেননি কলে মনে করে, এই কথাওলি বলেছিলেন।"

বলি সহাতাজ বললেন—"হে উত্তমধ্যেক, হে দেবপজ্ঞা, আগনি কবি মনে করেন থে আমার প্রতিজ্ঞা মিখ্যা হয়েছে, তা হলে আমি তা অংশ্যই সংশোধন করে সতে। পরিণত করব। আমার প্রতিকা আমি ভঙ্গ হতে দিতে পারি না। তাই, গরা করে আপনি আমার মন্তকে আপনার তাতীয় পদ প্রদান করন। আমি অপখনকে ফেডাবে ভয় করি, সমস্ত সম্পদ খেকে বজিত হওয়া, অর্থাভার, রক্তশপুশ অথবা আগনার প্রদন্ত মণ্ড থেকেও খ্যানি সেই প্রকার তীত নই। মাতা, শিতা, যাতা ঋথবা, বন্ধ বনিও কথনও কথনও প্রভাবনারকীয়েলে সভযান করেন, তবুও জারা তাদের আমিতজনকে কখনও এইভাবে দণ্ডদান করেন না। বিশ্ব খ্যাপনি বেখেও পরম আরাধ্য ক্ষাধান, তাই আমি আপনায় প্রদন্ত এই সক্তানে সব চাইডে প্রসংসনীয় বলে মনে করি। কেহেতু আগনি প্রোক্ষভাবে আমাদের মধ্যে আপ্রাম্যে পর্ম ছিতকারী, ভাই আপনি শালন ভূমিকা অবলয়ন করে আম্চান্ত পায় হিত সাধন করেন। ছেহেড আবাদের মতো অস্পের সর্বদাই প্রতিষ্ঠা জাকাওজা করে, সেই হৈছে জাগনি আন্ত্ৰের হওদান করে গ্রন্থ সংগধ দর্শন করার আনতকু দান কলে। 🚓 অন্ধ্রের আপনের প্রতি নিরন্তর বৈদ্বীভারাপর হতে অভগেরে মহান যোগীদের সভা সিদ্ধি প্রাণ্ড হরেছেন। আগনি এক কর্মের ছারা অনেক উল্লেখ্য সাধ্যে করতে পারেন এবং তার কলে যদিও আপনি ক্ষায়েকে মান্যভাৱে স্থাধন করেকেন এবং ধরুলপালে আহত করেছো, ভবুও আমি একটুও সক্ষা আ কুথা অনুতৰ কৰছি না। আমাত পিডাম্ছ প্ৰচুল মহারাজ

অপেনার সমর ভন্তবের প্রানীর। যদিও তিনি জীব পিড়া হিবণ্কশিশু কৰ্তৃক নানাভাবে নিৰ্বাহিত হুয়েছিলে তৰঙ তিনি আগনাৰ শহৰাণত হলে আগনাৰ প্ৰতি अचानरावन विरम्त । और बाह (मध्यत के श्राहासन, स জীবনতে আগনা থেকেই তল মালিককে পরিত্যাগ करत ? आचीत-चक्रामत कि शरराक्रम यात्रा शक्रकारक খন অপ্রবরণ করে, বা কগবানের চিন্দা সেবার ব্যবহার কর কেন্ত্র পত্নীর কি প্রয়োজন বে কেবল সংসাধ-२६म ४वित कारण यहा अगर पहितार-पश्चिमन, इस राज ध्याः व्यक्ति कि धरताक्षण । कारमत क्षति चारमध्य (कराव মুলাবনে আবুর অপচয় হার। অসীম ক্লেমপ্রত नुभगीर भागात शिलावर थ्रद्रार बरावास करताती ব্যক্তিদের সম থেকে অভার ভীত ছিলেন। ভিন্নি ভার পিতা এবং বছবাছবদের ইচার বিকল্কে অসর সংচারভারী আপনার শ্রীপাদপদকে একমাত্র ছারের ছেবে, আপনার অবিনশ্বর এবং অন্তর্ভ পাদপত্তের শরণাগত চর্চোরকে। দৈবৰণত জাম আমার সমস্ত ঐকর্য হারিয়ে, বলপর্বক অংপনার শ্রীলাদপরের সমীপে নীত হরেছি। অনিত্য ঐশর্যক্রিড কোহকণত মহক্রীক জীব করতে পারে বা (स. एस कीवन सन्तः। कामि देवरवन्छ त्नेहे चवका থেকে উদ্বয়ে লাভ করেছি।""

প্ৰীৰ ওকৰেৰ গোৰাতী বললেৰ---"হে কুনুপ্ৰেট. বলি মহারাজ মধন এইভাবে তাম সৌভাগ্যের হলসে कराष्ट्रिकार, छन्छ छन्दरश्चित्र श्रष्टाच सहादास केंगै।समान পূৰ্ণচন্দ্ৰের মতে৷ সেখানে জাবিওত হয়েছিলেন ৷ তথন विम महावास चत्रप्र (गैरेकावाना, शक्कान्त प्रदेश कुकार्य) উয়ত কলেবর, গতৈবক্ষাধারী, লখিতভঞ্জ, প্রাণোচন, পরম শোডাগশলা তার শিক্তরেহাক ধর্ণর করেছিলেন। বরণগাণে আবদ্ধ থাকরে বলি মহানাক্ত পূর্বের মতো উর্ব শিতামহকে বথাযোগ্য সন্মান প্রদর্শন করতে পারকেম না। পথেছ তিনি অধ্যক্ষাবিত নতনে কেবল মন্তবের ছারা क्ष्माय करत नक्काम सरकाम् व हरविद्यान । शहाम

মহারাজ সুমার আদি অনুচরবৃদ্ধের বারা আবাধিত ভাগেদকে সেখানে উপশ্চি কর্মন করে জনকে বিহুল চরেছিলেন একং তখন তারে নমুনত্বক **অনন্য**ক্রতে প্রারত হরেছিল। স্বান্সনেত কাছে এসে উপভিত হয়ে, ওয়ে মকুকের ছারা ভগবানকে প্রদন্তি নিবেশন অধ্যক্তিকেন 🕍

প্ৰহাল মহাত্ৰক কৰলেন—"হে প্ৰস্কু, আপনি এই व्हारक ग्रहा जन्मसम्मानी देख अप क्षत्रान कर्जाक्ष्मक सम्ह আৰু আগদি তা হৰণ করলেবঃ আবাৰ কনে হৰ ध्याननार करें (१६वा धनर क्षात्रा गृह-हे मधान मुख्य। ভারণ এই অতি উচ্চ ইন্সপদ ভাকে ক্ষরানের অন্ধলারে আচহা করেছিল, অভনাৰ আগনি ভার সমস্ত ঐধর্য রুণ্যরণ করে জাকে বিশেষজনে কৃপ্য করেছেন। প্রস্ত जेवर्ष अकरेंद्र (मारक्षमक रह, का निवान अस्य कावुज्यक ব্যক্তিকেও আৰক্ষানের ক্ষা বেকে মন্ত করে। কিন্তু ঋগদীনার ভাগতান মানারণ তাঁরে ইক্ষায় খালা সন কিছু দর্শন করতে পারেন। অস্করণ আমি আপলাকে জ্ঞান সপ্রত প্রথতি নিবেখন করি।"

নীগ ওকদেৰ গোতাৰী কান্সেন—"হে মহাবাল পরীকিং, তখন রখা। কৃতাঞ্চলিপুটে অপুরে দধার্মান वद्वाम महावारकद व्यक्तिसाहरवरे समयानरक वनारक লাগনেন। বলি মহারাজের সাধ্যে পরী ভার পতিকে পশবদ্ধ দৰ্শন করে ভীতা এবং ব্যক্তিক। তিনি তপল ভগবান বামনদেশকৈ প্রণতি নিবেদন করেছিলেল এবং কৃতাঞ্জলিপুটে অবনত কাচে এই ৰখাওলি বলেছিলেন 🖰

শ্ৰীষতী বিস্থাবলি বলগেন---"হে প্ৰস্তু, আপনি चाननात मीमा-विमादमत चानच चाचारदात कम् धाँ ৰূপং সৃষ্টি করেছেন। কিন্তু মূর্ব ব্যক্তিরা তাদের ভোগবৃদ্ধিকশন্ত এই স্কলতের উলর প্রকৃত আরোণ করে। তারা নিভিতভাবে নির্বজ্ঞ সংশাদক্ষী। বিধ্যা প্রভূত দাবি করে তারা মনে করে বে, তারা দান করতে পারে এবং ভোগ করতে গাবে। এই ব্যবস্থার, জগতের **স্বতম্** বটা, পালনকর্তা এবং সংক্রেকর্তা আপনার শ্রীতি সাধনের জন্য ভারা কি করতে পাবে 🗥

শেষদেও, কে জাগদার, আগদির বনিয়ে ক্যাসকার চুরুণ করেনি, করণ সে সভ্যততিজ্ঞাং

করেছেন, এখন আপনি একৈ যুক্ত করনঃ তিনি আর শতবোধা মদ: বলি বলবাজ ইতিমধ্যেই সৰ ভিত্ चाननारक क्षेत्र करहारक। चन्त्रवद्ध विक्रि चैन्द्र कृति, লোক এবং তার পুন্তবর্তন হারা তিনি আ কিছু অর্কন ক্ৰেছিলেৰ সেই সৰু এমন কি তাঁৱ সেহ প্ৰত আলনাকে দান করেছেন। আপনার শ্রীপালপত্নে জনা, দ্বা অপনা কুলের কলি নিবেচন করে, নিজ্বট ব্যক্তি টিং-জগতে উত্তম গতি লাভ মারেন। এই বলি মহারোজ বিভূবনের সৰ কিছুই আলনাকে অকাতর চিতে গান क्छाएन। चा एल एक डिमि क्यी इत्यक्त क्षे (क्षाप केंद्रदेवन १ "

ভগবান বলুগেন--"হে ক্লমা, কট্ ঐবর্থের প্রকাৰে মূর্ব ব্যক্তি বুজবৃদ্ধি এবং উন্নত হয়। তার কলে দে এই প্রিভূমনে কাউকে সম্মান করে না, একা কি আগতে পর্বর অবজা করে। অমি এই প্রকার ক্তির সর্বক व्यनस्त्रम करड शहर शकि विरूप्त कुना समन्त्र कवि। भगरक कीन साम क्यांकरण जरमान-स्टक निका रसमिएड ত্ৰমণ কৰতে কৰতে জনাঞ্জন কলচিং ক্ৰান্তভাই প্ৰাপ্ত হয়। এই মনুব্যক্তৰ আড়াৰ পূৰ্ণক। কোন আনুব যদি সত্ৰান্ত পৰিবাহে আ উচ্চকুলে কৰা, অনুত কৰ্ম, বৌকা, म्मार्ट्स मिलाई, विशा क्या क्षेत्रई का वटना शार्ट वस्ति। ना रह, का इंटन दूधांक द्वार (व. ८४ क्रमवाद्वाद दिल्बर কৃপা ক্ষান্ত করেছে। যদিও সত্তান্ত পরিবারে ক্ষান্ত অনুদি ঐবর্থ জনবর্জিতে উর্ল্ডি সংগ্রের প্রতিব**র্জন** বেহেকু (मधनि व्यविसाम अवर शहरत मृत कालन, छन्छ और সমস্ত ঐথর্য কালনের ৩% ততকে তিত্তিও করে বা। ৰ্দি মহান্তম দৈছা এবং বাদৰদেও মধ্যে কৰ চাইতে विध्यात शहरत, कारण द्वर काश प्रमाण जेवार ह्वरक র্থকিত হওয়া সভেও ভার ভতিতে অভিচলিত ছিল। বলি মহারাজ্ঞ বনিও তার ক্ল-সম্পদ ক্রিংকছে, প্রের উচ্চপুদ থেকে অধ্যপতিত হতেছে শুক্রবের দাবা পরাজিত হরে কবী হয়েছে, আধীত-বজনদের ছারা পরিত্যক্ত হরেছে কমনের বাল পাঁড়িও হরেছে এবং চন্দ্ৰ হান তিন্তুত ও অভিনপ্ত হলেছে, ভকুও লে ভান প্রতিকার অবিচলিত ছিল এবং সভারত হয়নি। আরি শ্ৰীক্ষেত্ৰ কৰ্মান্ত্ৰ—"সে ভূপতাকৰ, হে ভূতেশ, হে কণ্টতাপুৰ্বক ধৰ্মতত্ব কৰ্মান্ত্ৰিয়াৰ, জনুও নে বৰ্ম পৰিত্যাগ

"ভার মধান সফলভাতির ফলে আনি তাকে সেই স্থান প্ৰদান কৰেছি যা শেকভালেখণ্ড দৰ্শক। সাকৰি কৰভাৱে লে দেবলোকের রাজা ইয়া হবে। সেই ইয়াপন *চাণ্ডির* পূর্ব পর্যন্ত বলি মহারাজ বিশ্বকর্মা বিশ্বচিত সভললোকে বলে করতে। সেই স্থান বেহেন্ড স্মানর হায়া নিলেকভাবে সংবেক্তিত, তাই সেখানে মানসৈক ক্লেল, নৈহিক ক্লেল, ক্লাজি, ডালা, পরাজর প্রভৃতি উপস্থন নেই। বলি মহারাজ, একন ভবি নেবানে বিজে শাভিতে বাস কর? হে বলি মহাতাল (ইয়েশেন), এখন ডুমি দেববাদেরও ৰাঞ্চিত সুভললোকে যেতে পাৰ। পেথানে ভোমার আখ্রীটম্বরান এবং বন্ধবাদ্ধর পরিবৃত্ত হরে তুমি পান্তিতে

বদরাস কর। ভোমার কপাপ ছেকে। স্তাল্লেডে সংগ্রহণ মানুষগের কি কথা, লোকপালেরও ভোষ্ণত পরাভত করতে শারবে না। আর সৈত্যের বলি ভোমার শাসৰ প্রথম করে, তা হলে আমার চক্র আদের সংবাধ করবে। হৈ রহাবীর, আমি সর্বদ ডেয়ের সমে খাড়ত এবং ভোষার পার্যম্বণ ও উপকরণ সহ ভোষাতে সূৰ্বভোজাবে ৰক্ষা কৰব। অধিকন্ত, সেখানে ভঙ্কি আয়োকে সর্বন ফর্নন করতে পরেব। সেখানে আমাত্র भाग कराव प्रभार कहात करण, संसव अंदर हेण्ड_{ाली} सा शकारन (कामान रूर चाड़ गांतमा कारा करकांत द्वीतर बरवाटक का करणमार विगड़े इस्त बास्य।"







ত্রয়োবিংশতি অধ্যায়

দেবতাদের পুনরায় স্বর্গপ্রাপ্তি

বীল ক্ষয়ের গোহাটী বললেন—"লনাতন প্রতা ভরবান এইভাবে বদলে, সমক সাধ্যের বারা ওছ ভঙ্জাপে শীকৃত মহামতি বলি মহাবাজের নামে অঞ্চপূর্ণ হয়েছিল। তিনি অভিন্যাকল চিত্তে সভাঞ্চলি সহকারে। भागभगातकः यगरा जाभागन्तः ।"

বলি মহালার বলকো—"আপন্যত প্রতি প্রপামেরও তী অপ্তৰ্গ মহিমা। আমি কেবল আপনাকে প্ৰদান কৰার হরাস করেছিলাম, কিন্ধ লেই প্রবাসই ৩% ভতির পরম সিন্ধি প্রদান করেছে। এই অধ্যাপতিও লৈত্যের প্রতি অপেনি যে আহেতেকী ৰূপা প্ৰদৰ্শন কথেছেই ছা দেবতা ৰূপ লোকগাণেরতে কথনও লাভ করতে গারেননি।"

শ্রীল ওকণের গোরামী বললেন—"এই কথা বলে **বলি মন্ত্রেভ প্রথমে খ**লবান শ্রীহরিকে এবং ভারণর ক্রমা ও শিক্তে প্রণতি নিবেশন করেছিলেনঃ এইভাবে লনলাৰ (বহুদপাল) থেকে মুক্ত হরে তিনি পূর্বরূপে প্রসক্তান সংকারে তার অসুব অনুচরণণ সহ সুক্ষাপোকে প্রবেশ কর্মোচনের এইভাবে ইপ্রবে পুনরার স্থর্গের श्विविका अनेन करहे अदा (भरमारा श्विविका काइना अने করে, ভগবান সমস্ত ঋগৎ শাসন করতে খাগলেন। ভক্তপ্ৰবয় প্ৰয়াৰ মহারাজ যখন প্ৰন্তেন যে, তাঁব পৌত ৰদী মহারাজ উার মধ্য হস্তে ছালে জানাবাল গ্রান্ত করেছেন, ক্রখন তিনি ভতির আনশে উর্জেলিত মঠে বলতে কংগলেন---হে খপবাম, আপনি সাতা অগতের পুষ্যা; কলন कি মাখা, লিও আদি বহাপুক্তবহাও আগনান শ্রীপাদপর্যোর পূজা করেন। তবুও আপুনি আয়াদের অর্থাৎ অনুরদের রক্ষা করার প্রতিশ্রন্তি দিয়েছেন। এই अभर बन्धर इन्स्, भिर धनरा मानी सरीत साठ कराउ গারেবনি, অভএৰ অন্যান্য দেবতা অথবা সাধারণ মনুবদের কথা কি আরু বলার আছে। হে পরর আকর। বন্ধা হড়টি মহাপুদ্রবেরা আপনার শ্রীপাদপবের সেকালগী হয় পাল করার হারাই কেবল সিছি লাভ খবেছের। বিজ্ঞান অসুরকৃতে উত্তত গুর্বত আমস কিভাবে আননার কথা লাভ কর্মান। ভা কেকা **च्यानात चोट्ट्रकी कुन्छ। क्राव्हे अक्षर हरवहा। (३**

প্রাক্তন। অনুপনার অভিতা চিংশক্তির দাল আপনার ক্রীক্ত প্রাচার আশ্চর্যায়নকভাবে সম্পালিক হয়। সেই অচিস্কা ৰজগ কৰিল সাজকলিকী মাৰাপজিত বানা আলনি এই ক্রমত সৃষ্টি করেছেন। সমস্ত ক্রীবের পরমান্তরের আগনি সাম বিশ্ব জানেন এবং ভাট আগনি সকলের প্রতি সামনী। কিছ ভা সংস্থিত আপনি খাপনার ভাতুসের জনতাহ করেন। সেটি আপনার পক্ষপাতিত নয়, জানে আগনি কমনুক্ষের মতো সকলের বাসনা পূর্ব করেন।"

ভাগবাদ বদালেন—"টে কংল প্রচ্রার। ভারতা মধ্যত त्सुक_ी अपने पृत्रि मुख्यात्मारक प्रकार क्या, क स्थारन ভোষার পৌর এবং আশ্বীর-বজনগণ হত আনক উপজেব কর।"

হলেছিকেই—"বেখানে ভূমি শৰ্মা, চক্ৰ, কৰা এবং পঞ্চ इत्स् गर्नम कामारक गर्मने कहरू । निजयतं कामारक कर्नन করার আগবেদ ভূমি কর্মবঞ্চন খেকে মুক্ত হবে।"

ক্রারাজ, খণ্ডি মহারাজ সৃহ স্কত অসুওনাতক দেই অধিপতি বিওক্সতি প্রহুল সহাবাত ক্রাভালপুটে क्ष्यवातमा भारतम् निरताशस् करविहरमा। छाउनत ভাগতানকে প্ৰদৰ্শিশ করে এবং সামাভ প্ৰদতি নিৰ্মান করে मुखबारतास्क श्रादण केरविहरूत्वा। छात्रशंक निकारे র্পারকাশন (ক্রমা, হোজা, উদ্যাধন এক মার্কার্) সভাষ ইপৰিষ্ট ওলভাৰ্যকে সংখ্যাক করে ভণকৰ জীহনি ক नारावर वरे कथावनि वस्तिस्तिन। 🗱 वशायान শরীকিং! এই সমস্ত পুরোহিতেরা সকলেই ছিলেন अक्टारी, कर्पार रक्षा अनुष्ठान करात करा दिविक निवाद বনুসরকারী। হে রাঝণত্রের ওক্তরার, আপ্রায় কর অনুষ্ঠানকারী শিব্য খাঁশ করারায়ের ২০০ অনুষ্ঠানে হে পোৰ-কটি হারছে ভা আপনি মন্ত্র করে কলে। একা কর্তৃত আনিট হতে স্বৰ্গলোকের *দেভালে*র সংস জ্যের রাক্তণচের উপস্থিতিতে যদি আ বিচার করা হয়, ক্ষপত্যন বাধনদেবকে অৱস্থাতী করে দিব্য বিষয়েত ভা ৰূপে সেই ক্ৰাট খণ্ডন হবে অবে।"

কর্মের প্রবর্তন্ত এবং সমস্ত কলেন কোন্ডা। লাগনি সাত ক্রেছিলেন এবং নির্ভন্ন ও পূর্বভাগে সম্ভই ইচন কার ক্ষাপুরুত্ব, ব্যাপনার উল্লেন্টের সমস্ত করা অনুভিত হয়। পরত ঐথবর্তাতক কলে পুনাপ্রতিভিত ক্রেছিলেন। ক্লয়া, কেই বুলি সর্বাহ্যেভাবে আনমার প্রসক্তবা বিষাণ করে, মহাসেব, কর্তিকো, কুন্ত প্রকৃতি মুনিগন, লিকুগন, সমস্ত

সকলন কোধার ৷ মন্ত্র উচ্চাবণে এবং বিধিবিধান অনুশীগনে ক্রটি থাকতে পারে ক্রম মেশ, কলে, লার এবং উপকল্পের বিষয়েও এটি হতে পাবে, কিছ আগনার নাম সংকীউচের প্রভাবে দব কিছু জটিইন ছার ৰার। হে বিষ্ণু, ভৰুও আপন্তম আদেশ আমি পালুন করব, ভারণ আপনার আগেশ পালনই সকলের গলে প্রম কল্যাত্রনক (^{**}

230

क्षेत्र क्षरपद स्थायात्री स्वत्वन—"अरेप्याद्व पद्य পবিশালী ওক্তাচার্ব সসক্ষামে স্তগধানের আদেশ প্রহণ करत, क्षेत्रका चरित्रम तक राणि अंशतहरकत करकार करीन সমাধান করেছিলের (*

"হে ক্যান্ত প্রীভিত। এইভাবে কলি মধানাজেও ভথবান প্রচুলি মই বৈভিক্ত আশাস বিয়ে কাছ খেকে সমস্ত ভূমি ডিকা করে, ভগনে কমনদেব তাৰ ব্যাতা দেববাৰ ইয়েকে শত্ৰ কৰ্তৃত অপহাতে কৰ্ম श्रमा क्टबिस्मा। ममक (भ्रमा, पवि, भिक्, अपूर्व), বুলিনাৰ, কৰা, কৰা, অসিয়া প্ৰকৃত নেভালৰ এক কাৰ্ডিকেয় শ্ৰীৰ ওকাৰে গোখাৰী ৰূপনে—"হে প্ৰীকিং ও মহানেত সহ কছ আনি সমস্ত প্ৰজাপতিকের অধিপতি ক্রমা ভাগবার বামনসেবরৈ সকলের পালকরণে করণ করেছিলেন। কল্যখ মৃদি এবং তার গরী অদিভিত্ত জনক বিধানের জন্য এবং ধোকগালগণ সহ প্রকাতের সমজ অধিবাসীদেশ কল্যাপের জন্য তিনি তা করেছিলের।"

্হে ব্যায়ক প্রীক্তিং। ইন্দ্রকে বনিও সহক্তে রক্ষাতের ব্যক্তা কলে মনে করা হার, ভবুও প্রকা আদি मनल त्यवस्ता हैत्यन स् वामनसम्बद्ध तक, वर्ध, क्या, ঐথর্য, মাধ্য, রাড, কর্ম প্রবাহ অগবর্গের পালকজনে ফেরেছিলেন। তাই তাজ উলেরে স্ব নামনদেবকৈ স্ব কিয়ুত্ত পাৰে প্ৰভূ বলে কাশ কভাছিলেন। ভাগ কংল সংব জীৰেল অন্তন্ত ৰাণনিত হয়েছিল। তালনা ইয় ক্র্রালেকে নিয়ে দিরোছিলেন। **ক্র**ন্ডন ক্রান্নবৈদ্ধে করে ওকাচার্য ক্লালেন—"ছে জন্মধান, জাপনি সমস্ত খান্তা নক্ষিত হয়ে, কেনেক্স ইছ বিভূষনের আধিকতা জা বলো তাবে হয়ৰ অনুষ্ঠানে কোন রক্ষা তাটি আকাৰ ফুডগৰ, সিভাগৰ কৰা বে সমক বিফানচত সেখানে

উপস্থিত ছিলেন জীয়া সকলে ভগবান যামনদৈকে ক্ষসাবারণ কার্যকলাপের মহিমা কীর্তন কর্রোধালন। হে ব্যারাদ, ভগবাদের মহিন্দ্র কীর্তন করতে করতে ভারা তাদের নিজ নিজ বংগে প্রত্যাবর্তন করেছিলেন। তারা সকলে অমিতি দেবীরও প্রশংসা করেছিলেন।"

428

"হে কুলুনশ্ব মহারাজ পরীক্ষিব। আমি জগবান ক্ষমন্দেৰের অন্তত কমন্ত কার্বকলাগ কর্মনা করলায়। তা শ্রবণ করার কালে জোডার সমক্ত পাল বিনষ্ট হয়। মন্পনীল মানুষের প্ৰে ভাগক্য ত্ৰিবিক্ৰম নিবুল বহিমার পরিমাণ নির্মাবন করা সঞ্জব নর, ঠিক বেমন তার প্রক সারা পৃথিবীয়ে স্থান্ত প্রমাণুত সংখ্যা প্রশ্ন করা সভাব

ता। शास्त्रा हेडियरण वाच हरतात वाचन हरिसाहरू যানের হ্রাই কবে, আইনর কারেও পরিকটি তা সভা নার। সেট কথা মহৰ্বি বৰ্তনাঠ কীঠেন করেছেল। কেটা প্ৰতি ভগবানের বিভিন্ন ভাবতারের আন্তন্ত কর্মের-লাগ প্রবন করেন, তা বলে তিনি অকনাই উচ্চতর লোকে উর্বাত ত্তৰ অধ্বহা অপবস্থান্ত কিবে যান। মেকভালেই, পিডাৰে অধ্যু মানুহদের ব্রীভিন জন্য অনুভিত করে (অর্থাৎ পুঞ্জা, প্রায় বা বিবাহে) কোনে কোনে কানেনেকে ক্মাকলাপ ক্ৰীডিভ হয়, সেই সমস্ত অনুষ্ঠান প্ৰায় মন্ত্ৰভাৱনৰ বলে বুকাৰে ছবে।"

চতৰ্বিংশতি ভাষ্যায়

ভগবানের মৎস্যাবতরি

মহারাজ পরীক্তিৎ বলচেন--"তগ্রান জীহরি নিগ্ৰেকাল উন্নে চিন্মৰ পৰে অবস্থিত, জবুও তিনি বিভিন্ন অবভারে এই থাড় ঋণতে অবভীর্ণ হল। প্রথমে তিনি এক মহামংশ্য রূপে জবতীর্গ হমেছিলেন। হে পরব শক্তিখ্যান ওঞ্চনেও ব্যোহাটী, আমি স্বাপনার করে সেই গ্ৰহন্যাৰতারের বিষয়ে **অবশ করতে ইচ্ছা করি।** সাধারণ धीव राभन कर्पाएला धारीम श्रा विकित साम गाउप কংখ, তেমনই কি উদেশ্যে ভগবান লেকেনিবিড মধ্যাকল বাবেশ করেছিলেনঃ মধ্যাক্রণ নিশ্চিতরাশে পার্হিত এবং দুঃসছ বেদরাপূর্ণ। হে ভব্যন, এই खरठाद्वस्त कि कैस्मन्त स्थितः यहा कदा कामातन कार् সেই কথা কলে কলন, কারণ ভগবানের জীলাবিলাস **श्वरण क**ता जरएलडेरे शहक धजराकरक।"

সৃষ্ট গোলামী কলগেন—"লইছিং মহানাই শুক্ষেৰ গোপাহীকে এইভাবে জিলাসা করলে, সেই পর্ম শক্তিয়ান মহান্তা ভগবঢ়ের সংস্থাকতারের সাঁলা কর্মন করণে ওক করেনিয়েলন

शिल क्षकरास्य (महत्वामी कार्यान---"दर ब्रांकन् ! एगा. ব্রাহ্মণ, দেবতা, ছক্ত, বৈদিক শাস্ত্র, ধর্ম এবং জীবনাদর্শের নীতি রাজ্য করার আন্য জগবল অন্যাস্থাতি বারণ করেন। বায়ে বেমন বিভিন্ন প্রকার পরিবেশের মধ্য দিয়ে প্রকৃতিত ছলেও তার হারা প্রভাবিত হয় না, ভেমনই ওপরানও ক্ষপান্ত মানুহত্তপে এবং ক্ষপত নিকৃষ্ট ক্তরের পভারণে অবিষ্ঠত হলেও সর্বদাই গুলাতীত। কেহেডু তিনি ৰাড়া প্ৰকৃতির কংলা অভীত, ভাই তিনি উৎকৃষ্ট এবং নিকৃষ্ট কপের খালা প্রভাবিক হন না। হে মধ্যরাক্ষ পর্বাধিক। नूर्व करबाद चारमारम, श्रमाद किमारक छिनि वसन निर्देश হয়েছিলেন, তথন প্ৰদান হয়েছিল এবং ক্ৰিলোক কথন সমূত্রের জন্তে নিমধ করেছিল। প্রশাস নিমনে রক্ষান যুম লেলে, তিনি তথন শরন করতে ইঞ্চ করেছিলেন। ভৰন তাৰ মুখ-নিঃস্ভ বেদসমূহ হয়তীৰ নামক এক प्रकृत स्थान करून करलिया। जोर मानवरलके इस्टीरका আচরণ অবগত হয়ে, সাঁকেবেপুর্ণ ভগরান প্রীহরি সেই মানবকৈ সংহার করে বেদ উদ্ধার কথার করে একটি মংস্থের জল ধারণ করেছিলেন।"

"চাল্য মধ্যরে সভারত নামক এক মহান স্কর্মকু লাক্ষর্য ছিলেন, ডিলি কেবলমার জলপানপূর্বক জীকন MBM कहा कटलेव कंशना कटलेक्टलन। जुहै (एक्टलन) _{মানো} প্রাক্তা সভ্যপ্রত ক্ষাবনের নামে সূর্যদের বিকলানের প্রকাশে বিখ্যাক হরেছেন। স্বপ্রবেশন কুপারে তিনি মনুর প্রাপ্ত হরেছেন। এফনিন ভগস্যাবত রাজা সতাবত হুবা কুডুমালা নদীতে ভূপৰ ক্যাছিলেন, তখন জাৰ অনুস্তিতিক জালে একেটি কুম কংল আধির্ভত ছার্মনৈ।" লে অনুতক্ষণতিকক মহাবাজ পরীকিছে প্রবিদ্ধ

ক্রেপ্র ব্রুক্তা সভারত ভাগন তার অঞ্চলিছিত ভাল সহ ের সংস্টাতিক নদীয় জলে খেলে নিয়েছিলেন। ক্রথম ্রান্ত এংস্যাটি অভ্যন্ত সমাশীল রাজা স্থ্যপ্রতের করেও মাওর বাবে বলতে লাগলেন—এ: শীনবংসল রাজা। ক্ষে জাননি সামাকে নদীঃ খলে প্রকেন করছেন, বেশনে কৰা স্বলজন্তৰ আমাকৈ হত্যা কয়তে পাৰে? জনি জনের ভরে অভান্ত ভীত। সেই সংসাটি বে বরং জনবান সেই কথা না জেনেই, বাজা সভ্যাতে নিজেকে कर्मादील क्यात स्थल वस कारता तारे मध्याति सकरन ছানানিকে। করেছিলেন। সেই খনল রাঞ্চা সেই ফবসের সংগ্ৰহণ বাৰ্ডা প্ৰথপ কৰে, খাঁকে একটি ৰাগনের জাল রেখে তার আল্লেমে নিরে এলেছিলেন। কিছ সেই भरमाठि क्रम जारहरे क्रफ वर्षिक स्टाइस्टिन्न (ब. लिए ক্ষতপুতে তিনি আর প্রকাশে বিচরণ করতে পার্যন্তিকন শ। তিনি তথ্য রাজাকে এইভাবে ব্যাহিলেন। ধে রাজন্। আমি এই ক্ষমগুলুতে কটোর সন্তে বাস করতে ইলা কৰি না, খাতএখ বেধানে আমি কাবৰে ক্যা করতে পারৰ, সেই প্রকার একটি বৃহৎ জলাপারের ভাষেকা ক্ষান। থখন রাখা সে ছংগাটিকে কমগুলু থেকে বার क्टब निरम धेकडि विश्वम कुरून निरम्भ करतिहरूल। ন্দির মুহার্ডের মধ্যে নেই বংশ্যটি তিন হক্ত পরিমাণ बरिंश बरग्रक्तिका ।"

কব্দশরটি আসার সুখে হাঙ্গ করার উপকৃত সর। পরা করে আগনি আমারে অন্তত বিশুন্ত একটি মালাগর প্রথন ক্ষম, করব আমি আগনার আগর প্রহণ করেছিঃ মে মহাধার পর্বইকং। রাজা কথা সেই হৎসাটিকে সুগ (बटक किटलानन करते क्किक प्रदायस्य निर्मन

কর্মেদেন, কিন্তু সংসামি ভবকরণ নেই জনের সীয়া অতিক্রম করে বর্গিত ছয়েছিলেন।"

াহে রাজন। আমি এক বিশাস ক্লান্ডর, ভাই এই ৰুলাপর আমার কন্য মেটেই উপস্কু নর। একং বরা ক্ষে জাপনি আমাকে ক্ৰম্ম কৰাৰ কোন উপায় উদ্বাধন কল। অপনি জয়াকে কেল অসম সংহাৰটো স্থাপন

"দুৎসাট এইবাবে অনুবোধ করলে, প্রাক্তা সভারত क्षम केरक मन ठाउँएक यह सन्तानरह निर्देश निर्देशकार, মিশ্ব সেই স্থানত তারে পক্ষে পর্যাপ্ত মা হওগ্রার, রাজা ভব্ন এই মহামধ্যাকে সদ্ধ্ৰে নিকেন ক্ৰেছিলন।"

সমূরে মিকেনকালে সেই মধ্যা রাজা সভাততকে অসহিসেত্ৰ—'হে বীয়া এই জনো অভাৱ বস্থান মকৰ অলি ধনজন্তন আমাতে ভক্ত কাৰে ভাতেৰে আমাতে এই ছনে ভাগে করা আপনের উচিত নয়।"

"ৰংস্যানশী কণবাট্নার এই প্রকার সদুর কাল্য কাল্য ৰতে বিমোহিত বাজা ঠাকে জিলাসা করেছিকেন---আগনি কেঃ আগনি কেন্দ্র আমাদের মোহিত ক্ষাছন।" হে ভাগবান, ভাগনিংনই আপন্নি এত যোজন পরিমিত বিস্তুত হয়ে নদী এক সমুগ্রের রাল আহাদিও করেছেনঃ পূর্বে আন্তি কথনও এই প্রকার ক্লাচরকে দেখিনি অথবা মাবণত কবিনি। স্থাপনি নিশ্চরই স্যকাৎ ভাগন অব্যন্ত মহন্যক্রণ জীহন্তি। সমগ্র জীবের প্রতি च्चननार कृत्री असर्गन कहार क्रमा चानचि अवन क्रमहत्व सन भारत करहरूत। इह गृत्ती, द्विकि शावर विमारतास 🖆 বর । হে পুরুষেক্তর। হে বিকৃ। জাপনি জামাদের মতে। ভক্তদের একমাত্র নার্যক এবং গতি। ভাই আবি আপনকৈ আমার সভাষ গোড়ি বিকেন করি। জ্বালুকর मध्य भीम्य असर चारावासभा मध्य बीटरात प्रभावता कान् প্রকাশিত হয়। তাই যে কগবান, কি **উ**ক্ষে<u>ল্য আ</u>লনি এই সংস্যাসন ধারণ করেছে। তা আহি জানগে চাই। মংসাটি তথ্য বলেছিলেন—"হে রাজন, এই হে পশ্ব-গলাপলোচন প্রভু: কেহাল্ববৃদ্ধি-সম্পদ্ধ মেৰডানের আরাধনা সর্বত্যেভাবে ব্যর্থ হল। কিছু বেহেন্তু আগদ্ধি সকলের পরত সূহল, পরত তির এবং পরযাস্থা, ভাই স্থাপনার জীগাদপাতের জারাধন্য কর্তনত सर्व हर मा। (महे कस कार्यनि और विक्रिप्त करना अर्थन প্রকাশিত হয়েছেন।"

হীল ওকলের খোলাটী কমধ্যেন—"বালা মতারত वर्षन और कथा कारामान, फावन फाउन्टाहर प्राप्त रिशासित ক্ষন্য এবং প্রবহনতিতে বীলা উপভোগ করার জনা कुश्रकायुक्त मील ऋगवाती खलवान छकत विदर्शाक्तन, '(ह मक बक्राकारी राजन्। धाक त्यत्क मलय निरम्भ छ:, **करः अवः पर--धरे जिल्लाक शन्त्र नगरः निमध स्ट**ा। विश्वक कथा तारे धन्ता करण नियम करने, जनम सामाव তেত্তিভ একটি বিশাস নৌকা তোমার কাছে উপস্থিত হবে। ভারণার হে স্বজন, তুনি সমস্ত ওমধি একং বিবিধ **বিজ্ঞানালি শেই বিশাল নৌকার সংগ্রহ করবে। ভারণর** সপ্তর্বিলণ এবং সর্বভ্রময় জন্ধ পরিবেষ্টিত হরে, তুমি সেই নৌকার আরোহণ করে অকাত্যে এবং অনায়ানে মচ্বিতির ভেজের প্রভাবে আলোকিত প্রলভ সমুদ্রে বিচরণ করবে। ভারপা প্রাক্ত বাস্তুবেলে সেই *টৌ*কা খবন আন্দোলিত হবে, ডাবন ভাকে বাগুকি সংর্গর হারা স্বাসন্ত পুরুষ করন করতে, করেণ আমি তথন তোমার গাৰ্ণেই উপস্থিত অকব।" "

"হে ব্রহ্মন। ভয়ি এবং কবিলগ সহ সেই নৌকাকে। আকর্ষণ করে ব্রহ্মার নিজকালীন বাবি পর্যন্ত আমি প্রদায় সমূদ্রে বিচরণ করব। তথ্য ভূমি জ্বাসার হালা উপ্পিট্ট এক অনুগৃহীত হবে। পর্যক্রম নামক আহার মহিমা সম্বাট্ট তেমের কান্ড প্রবের উল্লয় তোমার কান্তর প্রকাশিত হবে। এইভাবে তুমি সামার সমান্দ সম কিছু ক্ষানতে পারবে। এইভাবে স্বাধাকে আদেশ দিয়ে ভগবান ভংকনাং অভাইত হয়েছিলেন। ভাৰন ব্ৰজা সভ্যয়ত ভগবানের আদিউ কালের প্রতীকা করতে সাগলেম। বাজৰি কৰন পূৰ্বসূৰী কুশ বিভাগ করে ইপান কোণ व्यक्तिमंत्री स्टब्स स्टल्ह्याची कार्यान केर्निका श्रीशामध्यात ধ্যান করতে লাগপেন। ভারণর, মহা মেলের নিরন্তর ৰাম ধৰ্মাৰ সমূদ্ৰ কৰিও হতে হতে তীনভূমি পশুকা কৰে সাগ্র পথিবীকে প্লাবিত করতে স্থাপন। সভারত করন ভাগৰানের আলেল স্থান কর্মছিলেন, ভারন তিনি মেবলেন দে, একটি নৌকা উন্ন নিকটো মাগছে। স্থান তিনি সমস্ত থকৰি এক লভা সভ্যত করে এেই প্রাক্তপরণ সহ সেই নৌকার অংরোচন করেছিলেন।"

ক্রমণ থবিদশ সভার প্রতি অসত প্রস্কা করে তাঁতে ক্রাপেন—'রে রাজন, ময়া তবে স্কাবান কেশবের গান

करमा। किनि वाजारामा की नवर्ष (गर्स केशा करारामा व्यव वाजारामा प्रमण विश्वन कराराम। क्ष्मा जावा निरुष्टा क्षमारामा बाजा करारा बान्दान, त्यदे कराव महत्य करारे विश्वाम निर्मूच त्याकान श्रीविकत क्षम्पुण्यात्री वर्षाच क्षमाराम व्यक्तिक दरशिक्तामा। क्षमारामा ग्रीम क्षमारामा व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्तिक दरशिक्तामा। क्षमारामा ग्रीम क्षमारामा व्यक्तिक व

রাজা বললেন—"জালা কনাদি কাল খেকে আৰুজান বিশ্বত হয়েছে এক অধিনায় কলে এই কড় স্কালে मृत्य-मूर्वनामय क्य कीरहर कार्य श्रास्त्र छेला जनस्त्रत মুলার ভদবরতের সদ খাভের সুবোর প্রান্ত হব। আছি সেই ভগবানকে পরত ওঞ্জাপে কাশ করি। এই ছাত্র अक्षाफ भूगी एकाल करनात भूग वक बीएला कई करहे. যার কলে ভাগের কেবল সুংগই ভাগে হয়। ভিত শ্বলবানের সেবা করার কলে সুবজেকের হাছে অভিনার থেকৈ মুক্ত হওৱা বার। আমার ওলনের জামার *ভা*ই অসৎ মতিয়াল হালয়গ্রন্থ আন কলন। যে ব্যক্তি ভবকান থেকে মৃক ইতে চান, গ্ৰায় কঠবা ভগবানের সেৱ কর এবং তমেণ্ডলের স্কল্ম পরিত্যাস করা, যে ওপের প্রভাবে পাপ এবং পৃথকৰ্ম অনুচিত হয়। সৰ্থ অথকা টোপা বেমান অধিয় সংস্পার্থে সমস্ত হল থেকে হল হয়, জীবও ক্রেমটে জনবংনের সেবার প্রভাবে নির্মণ হয়ে তার ক্সমণ প্রাথা হব ৷ সেই ক্ষমান ভগবান ক্ষামানের ওল হোন, কালে ভিনি ছাজন সমস্ত ওকর ওক। সমস্ত দেবতা, ভথাতখিত ৩ক এবং অন্য সমস্ত ক্ষেকেনা শ্বতক্রভাবে অথবা সমধ্যেকভাবে আপনার কপার লগ সহবেদ্যালের এক ভাগত থানে করতে পারে যা। ভাই আনি আপনার জীপান-গরের পরণ গ্রহণ করি। সর্পনে থাকৰ এক থাছ বেমন কৰা কছাকে নেভাৱাগৈ ব্যাপ করে, তেমনই অন্ত ব্যক্তিরাই জন্য আর একজন আর ব্যক্তিকে ভাষের ওকরালে বরণ করে। কিন্তু স্কামনা আন্তত্ত্ব সাতের অভিলারী। ভাই, আমরা পরতের ভাগৰন আপৰতে আমাদের প্রকল্পে বর্ণ করি, সাকা অংশনি স্বানিকে ক্ষমি করতে সক্ষম এবং আগনি সূর্বের মতো সর্বন্ধ। প্রাক্ত ওক ভার প্রাকৃত শিব্যক্তি অর্থনৈতিক উল্লপ্তি ও বিবর ভোগের লিকা জনান করে त्यां व्याप्त वृत्तं नियं व्यक्तं कार्यात अस्त्रात्वे व्याप्तत्र स्वत् । नियु व्यानि नाम्यतं कान मान कार्यतः तमः त्यारं अस्त त्यारं इता द्रविधान प्रमुद्धन्त व्यति नीवारं केर्यन्तः स्वतः व्यारंतित इत्या (र शक्तः) व्यानि मका्यतः श्राप्तः प्रमुद्धाः, नियुवः, भवस्याः, भव्रव केर्यन्तिः, भव्य कार्यः श्राप्तः त्यारं मानवः योगस्य भूक्त्यकः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः स्वतः व्यापनात्व कार्यतः भव्यः प्रमुद्धः व्यापना व्यापनातः स्वतः व्यापनात्व कार्यतः भावः स्वतः व्यापनातः व्यापनातः कार्यन्तः कार्यः व्यापनातः व्यापनातः कार्यः कार्यः व्यापनातः व्यापनात

প্রীত্য ওকাদের (গাঁহামী ব্যালেন—"ভগরানারে এইভাবে প্রার্থনা জানালে, রালন সাগতে বিচারপদীলে সংস্তারণী আনিশ্বক জগতান ঠাকে প্রস্তার সহতে কার্মিকেন। ভগরান এইভাবে জাল সভাততে সাংগ্রহাল মাধক আধ্যাত্মিক বিজ্ঞান উপদেশ নিমেনিকেন, তে বিজ্ঞানে যালা জড় এবং ওতেবো পার্থনা নিমাপণ কল বাম (অর্থান ভতিকোধা), নেই সমে তিনি প্রাণ (প্রাচীন ইতিহাস) এবং সংহিত্য ওবা কাছে নিংপেরে কমিন করেছিলেন। ভগরান স্বরং উত্তিক এই সমস্ক শাস্ত্র নিমা

নিয়েছিলেন। নিজের উপনিত্ত অবিশাল সহ আলা সভারত ভাগনে কর্তৃত্ব ধর্ণিত আত্ম-তত্ত্বাহান প্রবাধ করেছিলেন। এই সমন্ত উপনেশ সনাভান নৈনিক শাস্ত্রের (ক্রম) বালী। তাই যালো এবং করিলেন পরম ভাজনা সমতে কেনল সংশ্রুর ছিল না। প্রলাহের জনসারে (আরম্বন মান্তেই) জগরান হয়েমীয় অসুন্তুর্গত নিজপ করে নির্মা ক্রেছে উবিভ প্রকারে কো প্রবান করেছিলেন। ভালনে উনিক্রম কুপার নালা সভারত সমন্ত হৈনিক জান প্রাপ্ত ইংলাইলেন ক্রমণ করেছেল। আক্রিক্রম করেছেল। আক্রিক্রম করেছেল। রাজর্থি স্থানেরের পুরু ক্রমণ্ড মনুন্তরণ জনমন্ত্রণ করেছেল। রাজর্থি সভারত প্রবাধ করেছ সন্তারত বাহি মহাল করেছেল। রাজর্থি সভারত প্রবাধ করেছ মনুন্তরণ করেছেল। রাজর্থি সভারত প্রবাধ করেছ করেছেল। রাজর্থি মহাল নির্মা আক্রিক্রম মহালবিভার করে রাজ্য সভারতের এই আবানেটি কর্তিশ মহালবিভার করে রাজ্য সভারতের এই আবানেটি কর্তৃত্ব অবান, তার সমন্ত সকল নিজ বল্প করে বিলি নির্মাণেরে ভাগনাম্বাহি করে আন।

"বিনি প্রদান সনিজে বিচারণ করতে করতে নিয়তিভূত ক্রমন্ত মুখ থেকে অগক্ততে কেবলেশি পুনরার ইশাকে অর্গণ করেছিলেন এবং মহারক্ত সভ্যাতে ও মহর্বিনের কেনের সার্ভ্যর্ম উপলেশ বিরোজিলেন সেই বিশাল মীনক্রশে আইন্ট্রই ক্তান্তন্ত আহি আমার স্থাভ প্রশাল মীনক্রশে অর্টান্ট্রই ক্তান্তন্ত আহি আমার স্থাভ

অন্তম স্কন্ধ সমাপ্ত

নব্ম স্কন্ধ (মৃতি)



রাজা সৃদ্যুদ্ধের স্ত্রীত্ব প্রাপ্তি

মহারক্ষ পরীক্ষিৎ বলগেন—"হে প্রস্তু, হে ওকদের গ্যেম্বারী, আপনি বিস্তারিগুভাবে বিভিন্ন মনুর খ্যাসনকলে এবং সেই শাসনকালে অনন্তবীর্ণ ভগবারের স্বস্থ ড কার্যকলাপ কর্মন করেছেন। আমি অত্যন্ত ভাগ্যকান হে, আপনার কাছে এই সমস্ত বিষয় প্রবণ করতে পেরেছি। প্রবিড় দেশের কবিতৃকা রাজা সভারত, বিনি পূর্ব করানে জ্বলানের সুপরে ফলে নিবাজনে লাভ ফরেছিলেন, ভিনিট্ট পরকটীকালে কিবস্থানের পুঞ্জ কৈবস্থত মনু প্রয়েছিলেন। আমি এই জান আননায়ে কাছ থেকে প্রাপ্ত হয়েছি। ইক্ষাকু প্রভৃতি নুপতিনা তার পুর ছিলেন তাও আমি আপনার কাছে জানতে পেঞেছি। হে মহা সৌভাগাবন ওকদের গোলামী, হে মহান রামাণ। গলা মধ্যে মাণনি ष्माभारमञ्ज कार्यक्र ८मेके मामक ब्राह्मायमत बरण ध्यक्त श्रमायाणी। गुजकरहारव वर्णना कड़म, कारत भागता गर्यमा राष्ट्रि कथा শ্রবণ করতে ভত্যন্ত ইন্দ্রক। এই কৈবৰত মনুর বংশে। य ममन विनार वाकाएक धाविछीव इसाहित, बौबा ভবিবাতে আবিৰ্ভত হতেম একং বাঁৱা এখন বৰ্তমান स्ट्राटक्स, केंद्रस्त्र जन्द्रलंड विश्वय जानमि चाप्राट्स्त काट्स् र्याना करूने।"

নীস্ত গোৰানী কানেন—"ব্ৰহ্মমানীদের সভাও মহোরকা পরীক্ষিৎ কর্তৃত এইভাবে জিন্তাসিত হয়ে, পরম ধর্ম-ভন্তুবৈদ্ধা শ্রীক ওকদেব গোসামী বলতে ওক্ত করেছিকে।"

হক্ষেত্র প্রকার মন থেকে মর্নাটির কর হার্রাচন এক মরীতির উরলে দাকারণীর গতে কণ্যপ্রের ক্রম করেছিল। কশাপ থেকে অলিতির গড়ে বিষয়ান জনাগ্রহণ করেল। হে ভারতঃ নিবস্থান থেকে সংজ্ঞার মর্ভে প্রাক্ষণের হন ক্ষাপ্রহণ করেছিলেন। জিতেন্দ্রির প্রান্ধদেব ঠার পঠী। প্রভার গর্ভে ইন্ফারু, নৃগ, শর্থাতি, নিষ্টু, গৃষ্ট, করারত নরিবার, পুর্বার, রঙ্গ এবং কবি নামক খণটি ভার উৎপাদন করেছিলেন। প্রথমে নরু অপুত্রক ক্রিন। ভাই তান পুর স্বাভের নিমির মির এবং কল্প কেবভান সম্ভত্তি বিধানের জন্য তথজানী এবং অভ্যন্ত শক্তিমান মধর্ষি বলিষ্ট একটি ব**লা** অনুষ্ঠান করেছিলেন। সেট হলে প্রোঞ্জ-প্রারণা মনুর পড়ী শ্রহা হোভার কারে নিয়ে, প্রশতি নিবেশন করে একটি কন্যা লাভের জন্ম প্রথম করেছিলেন। "এখন আছতি নিজেন কা," প্রথম পুৰোহিতের ৰারা এইভাবে আদিট হরে হোতা যত আর্ঘন্ত দিয়েছিলে। তিনি প্রকা মনুপত্নীর প্রার্থন স্করণ করে 'ববট' পদসহ হয় উচ্চারণ করে বন্ধ আন্তঃন कर्जास्तान। यह शृह मार्ट्स बना त्राहे क्या कहरह আরম্ভ করেছিলেন, কিন্তু পরোহিত মনুপতীর জনরোধে কন্যা লাভের সকল করেছিলেন, তার কলে ইলা নামক बक्की कराक क्षत्र राजिया। तार बन्या पर्यंत करा अन অসম্ভট চিত্তে জার গুরু বলিচকে বলেছিলে। হে প্রছ। আপন্যর সকলে বৈদিক মন্ত উচ্চারণে অভান্ত প্রকাশী। ভা হলে আপনামের ফ্রিয়ার ফল বিপরীত হল কেনং এটি অভ্যন্ত দুংখের বিষয়। বৈদিক মন্ত্রের এই প্রকার বিশরীত মধ্য হওয়া উচিত নয়। আপনার স**কলে সং** বতঠিত এক এমাজ। তপস্যায় প্রভাবে আলনামের সম্ভ জড় কলুৰ লগ্ধ হয়েছে। সেকভাদের মতে খলগনাথের ব্যক্তার করনত মিখ্যা হর মা। ভা হলে কেন সভবিত কার্বের এই প্রকার বিশরীত কল হল। মনু সেই কর্মা তনে, হোডার কার্বে যে ব্যতিক্রম হয়েছিল প্রম শক্তিমান প্রসিতামহ বলিষ্ঠ জা বৃধক্তে শেরেছিলেন। তাই

ভোনার ছোনের সরকোর বিশ্বর্থকশত বাহিচানের করে। তা ব্যক্তির সে বাই হোক, আমার বীর তেকের জন্ম ক্রমি ভোমাকে একটি সুশুর প্রদান করব।

্র সহারাজ পরীকিং! পরম বদবী এবং প্রয় ছারিমান বলিষ্ঠ এইডাবে ছিল্ল করে, ইবার পুরুষ্ট ছামানী পরম পুরুষ শ্রীবিশ্বল করেই মার্থনা করেছিলেন। লরমেশ্য ভারতার শ্রীহারি মন্তিকের প্রার্থনার প্রদান হারে ভারে বাছিত বর প্রদান করেছিলেন। তার সংল ইনা দার্থা নামক এক শ্রেষ্ঠ পুরুষে পরিশত হয়েছিলেন।"

মহারক্ষে পরীক্ষিৎ বলকেন—"হে মহা শক্তিমান মাক্ষা। সেই স্থানটি বেল এই প্রকার প্রভাবনশ্বাহ ছিল। ক্ষেন্ থাতি জা এইভাবে প্রভাবনশ্বাম করেছিলেন। স্থান করে আমাদের এই প্রধার উত্তর প্রদান করল, করেছ আ কানতে আমরা করেছে আপ্রহী।"

নীল ভক্ষের গোস্থামী উত্তর বিধেন—"একদিন বঙলবাচন কবিনা তাঁদের নিজেদের ডেলে সমত কবিনার দুর করে, স্বধিক নালোকিত করে মহাদেবকে দেনি করতে সেই বান উপস্থিত হলেছিলেন। অধিকা দেবী তথা বিক্রন ছিলেন, ফাই তিনি দ্বিদের দেখে কঠাত কবিনার হলেছিলেন এবং তার পতির কোল

(शरक देहा जीपाँडे होत मीची खाळाच्या कर्जान्या । स्व-পার্বতীকে প্রতিক্রিয়ায় রস্ত সেখে, অভিন্তত সেখান খেকে निवृत्त करत मत-संतावरभद्र फाकरके भक्षन करविहरूक। নেই জন মহাদেব ঠার পটার গাঁতি বিশ্বনের শুনা ক্ষান্তিকাল, 'যে পুরুষ একানে প্রকেশ করবে, সে ট্রী হয়ে বাবে ' সেই সময় খেকে জেন পুৰুষ আৰু ঐ বলে প্রবেশ করে না। কিন্তু এখন লাভা সূত্রত তাঁল খানুচৰূপৰ সহ খ্রীজনে কনে কনে বিচৰণ করতে নাগদেন। সুদাস ক্ষমন্তার উচ্চীক্তরেরিণী এক পরস্বা সুন্দরী কমণীতে পরিগত হয়েছিলেন এবং তিনি জন্য রস্থীপা পরিবৃতা ছিলেন। চল্লের পুঞ্জ বৃথ তার আধ্যম সমীপে এই সুপরী ব্যুক্তীটোর বিচৰু করতে দেৰে, ঠাকে উপডোগ কাতে ইজা কবেছিলেন। সেই मुन्दरी । जायदासाह शृद्ध वृद्ध विदेश कायत করেছিলেন। তার কলে কুর তার পর্যের পুরুরবা নামক थकं पुत्र विरुपास्य करामः। चाप्ति निर्देहरकात्रं मूख स्थरक ওনেছি বে, মনুর পুঞ্জ রাজা সুসুন্তে এইভাবে শ্রীদ প্রাপ্ত হাত উল্ল কুলগুরু বলিউতে স্মরণ করেছিলেছ। স্পালের নেই শোচনীয় অবস্থা দর্শন করে বশিষ্ঠ অভান্ত ক্রাইড হৰ্ষেদ্ৰিক। সুদূৰ্যের পুরুষন্ত কিরে পাওজন কামবার বলিউ তথ্য শহরের আবাধের করতে তক্ত কর্মেউলেন 🖺

"হে মহানাম প্রতিক। মহানে মনিটের হাতি প্রসা হয়ে তাঁর প্রতিবিধানের মন্ত এবং পর্বতীর মহান্ত ঠার বানীর সভাতা রক্ষার মনা সেই মহানিকে বালছিলেন, "কোমর শিষ্য সূদ্যুম্ন এক মান পুরুষ ও এক বান শ্রী মাকবে। এইভাবে সৃদ্যুম্ন তার অনুসায়ে পৃথিবী সামন মাকা অনুসারে এক মান করার পুরুষর প্রান্ত হরে নাকা শাসন করছিলেন, বিন্ধু তাঁর প্রকারা ভাতে সন্তুষ্ট হ্যানি। হে বাছনে, সূদ্যুমার উৎকার, বার ভা নিম্মা নাকিব করে ভিনতি মতি ধার্নিক পুর ছিলেন, বারা দক্ষিকারখনা অধিকতি ছারেছিলেন। ভারকার বার্মকা উপনীত হলে, পৃথিবীকতি সূদ্যুম্ন ভারে পুরুষরাকো রাজা রালন করে বানে প্রনা কর্মেভিনেন।"

দ্বিতীয় অধ্যায়

মনুপুত্রদের বংশ

ঠীল ভক্ষেৰ লোবামী কালেল—"ভারপঃ, পুঞ স্পৃত্র বর্ণন বানপ্রস্থ-প্রত্যের অবলয়ন করার জন্ম ক্ষ্ম গমল ক্ষরেন, তথন বৈৰখনত মনু (প্রাছদেখ) আরও **প্**রাভিলারী হরে মমূনার ভীরে শুভ বংগর কঠোর তপদ্যা করেছিলেন। ভারণার, প্রান্ধ্রের পুরা কাভের राम्भात (१५८१व छन्याम क्षेत्रका काराधन करात करन, ঠিক তার নিজের মতেং ধশটি পুর লাভ করেছিলেন। ষ্ঠানের মধ্যে ইক্ষাক ছিলেন রেয়ার্ড। এই প্রাণের অন্যতম পুৰাই জীয় ভাগো আমেশে গোৱেককরণে নিযুক্ত एर। एरामा । जिले बाडिरक्लाड सम्ब शत्क स्थानस्थ থেকে গাতীদের রক্ষা করতেন। একদিন রাজে করন বৃষ্টি इक्तिम, जनम धकरी बाद स्मार्ट द्वरदन करत। स्ट्रॉर বাঘটিকে দেখে সমন্ত শবান গাড়ীয়া ভন্ন পেতে গোড়ে ইডাঞ্চত বিচরণ করাভে ধ্যারল। সেই অতি ধলবান শ্বাহটি বখন একটি স্বাতীতে আক্রমণ কর্মেল, তখন গাভীটি ভয়াত্র হয়ে আর্তনার করতে ওক করেছিল। দেই আর্তনান চলে পূজা তংকদাৎ নেই শব্দ অনুসরণ করে ধাবিত হয়েছিলেন। স্তখ্য নক্ত্রসমূহ *মে*ছের আম্বালে অনুশা হওয়ার গুরুর গাড়ীটিকে ব্যার বলে মনে করে তাঁরে থাগের দ্বারা প্রাজীটির সভাক ছেনন করেছিলেন। বলোর অন্তভ্যান্তর আবাতে আরুটির কর্ম জি হরেছিন, ভার কলে অভাত ভীত হরে পথে রঙ নিংসত করতে করতে সেই ব্যাপ্তটিও সেখন খেকে পল্যান করেছিল। শত্রদারনকারী পৃথর হলে করেছিলেন (य. गामि निरुष एउटा, किन मधामत्कात छिन १५०) দেশলেন বে, তার ধারা গাড়ীটি নিহত হরেছে, কবন আহিলন্ত হয়ে বীর পুৰপ্ত কৃতাঞ্চলিপুটে সেই অভিনাপ কন্যার নাম ওঘরতী। সুদর্শন সেই কন্যাকে বিবাহ

ৰীকার করেছিলেন। ভারপর ক্রিটেরির হতে ভিট প্রচুর্তিনের অনুমোলিক প্রকার্যে প্রক ভারণার্থন করেছিলের "

"এইভাবে, পুষর সমস্ত সংস্থা থেকে মৃত্য হাত্র শাব্যচিত্ত ও সংকতেজির হায়েছিলেন এবং নিম্পাহতকে মনবানের কুপার প্রভাবে লব্ধ বস্তুর থারা জীবিকা নির্বাচ করতে ভরতে তিনি ভবিদেয়াগের প্রভাবে সমস্ত স্থানেত লতি ক্তাবাপর ও সমদলী হয়েছিলেন এক অনুৰ্বায়ী পর্য পুরুষ ভগবান বাস্দেবের প্রতি পূর্ণ ঐকান্তিক্তা লাভ করেছিলেন। এইভাবে তথ্ আনের প্রভাবে সর্বতোভাবে পরিত্র হরে এবং সর্বদা পরক্রের ভারতার চিত্ত সমিবিট্ট করে, পৃখ্যা ভগবনের প্রতি ৩% ৬কি লাভ করেছিলেন একং কড় আছ ও ব্যহিতের মধ্যে কড কাৰ্যকলাপের প্ৰতি সম্পূৰ্ণকাৰে নিম্পৃত্ হয়ে এই পৃথিবীতে বিচাল করতে গাণ্টালন। এইরলণ ভাষালভ इत्त श्रम अक्सन प्रथम अपि इत्यदितम अस रह প্ৰমন করে তিনি বখন প্ৰকৃষিত পাবায়ি দৰ্খন করেছিলেন ডকা ভাতে ভার মেই দছ করে তিনি চিন্নয়লেক প্রার इट्डाइटलन हैं।

"মনুহ কনিষ্ঠ পুঝ কৰি কৈপোৱে বছনেই জড ্ৰপ্ৰেমণের প্ৰতি নিম্পৃষ্ হয়েছিলেন এবং তিনি স্লাঞ্জ পরিত্যাপ করে তার বছাবধ সহ বনে গমন করেছিলেন এবং স্বপ্রকাশ পরম পুরুষ ভগ্যানতে ভার হলত অভান্তরে চিন্তা করে। পরম গতি লাভ করেছিলেন। মনুর ালার এক পুঞ্জ করুৰ থেকে কারুর মাহক এক করিব কাতি উৎপন্ন হয়। ফাসের ক্ষরিয়েরা ছিলেন উপ্তর দিকের রাজা। কাঁরা ধর্মনিক এবং ব্রজাণ্য সংস্কৃতির তিনি অত্যৱ বুংখিত হরেছিলেন। পুজা কবিও না জেনে। রক্ষকরণে বিখ্যাত ছিলেন। ধুই নামক মনুর পুর খেকে সেই অপরাধ করেছিলেন, তথ্ও জার কুলওক বনিষ্ঠ । ধর্মি নামক করির জাতির উৎপত্তি হয়, বারা পৃথিবীতে তাকে অভিশাপ নির্মেছদেন—'কোষার পানবর্তী জবে ব্রাক্তব্য প্রাপ্ত হরেছিলেন। মনুর পুত্র মৃগ থেকে সুমধ্যি ত্বনি করির হ'তে পারবে না। পকারবে, এই কর হয়। সুমতি বেকে ভূচক্যোতি এবং ভূতক্যোতি পোষ্টাৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষাৰ্থ কৰে। তোষাকে প্রবাদে থেকে বসু ক্ষাণ্ডাৰ করেন। বসুর পুরু প্রতীক, প্রতীক্ষে স্কারপ্রধান করতে হবে।" তীয় ৩৬ কর্তৃক এইভাবে পুর ওখনান। ওখনানের পুরের নামধ ওখনান এখ তীর ক্রনের। নবিবারে থেকে চিত্রদেন নামক এক পুরের কার রা এখা ইয়ে মেন্ডে কক নামক পুরের কথা হয়। ৬৬ rece क्रियुक्त, क्रीयुक्त स्थरण जुर्ज क्यर गुर्ज स्थरण ক্রমেনের জন্ম হয়। ইঞ্জনের থেকে বীতিহোত্ত, #বিষ্ণার থেকে সভারতা, সভারতা থেকে উর্লাল এক केळाटी (भारत क्षिप्रेश)कड़ सन्य हुन्। (स्थानस १५८क क्रमिक्स अन्यस्य बर्दन, सिनि बिरुस्म स्वरू अधिरस्य। 🚜 नुत्रहि कानीय व सार्क्ष विकास विकास स्वा

*তে রাজন, অভিবেশ্য বেকে আহিকেশ্যারন নামক মাধ্যের মাজের মাজে আর কোন বন্ধ হয়নি। তাঁর করেছিলেন 🖺 মজের সমস্ক লামলী ছিল সুক্রমার, সুভরাং তা অত্যত্ত

সুঁম্বর বিল। সেই মধ্যে ইছ চ্যুর পরিমাণে সোমবস পান করে হর হয়েন্ট্রসন। ত্রাক্তার প্রচুত্র দক্ষিণা প্রান্ত বরে লয়ন্ত হতেছিলেন। নেই হলে লথা বেবভাগণ বাল্য পরিধেশন করেছিলের এক বিধনেকাণ সভাসদ दिरमत। घकरतन शृक्ष गय, मरमन शृज वाकाकर्यन, बचारर्वतम् भूत गुरुष्ठि अस् क्षेत्र भूत स्थ। स्ट्राम भूत কেবন এবং তার পুর কৃত্যুক্তন, গুডুমানের পুর বেগবান, (वनवारमा जून कुर असर कुरशत जून छनरिज् । अपे পুশবিশু পৃথিবীয় অধিগতি হয়েছিলেন। অভান্ত ওপবালী ন্তাৰপত্নৰ উৎপত্ন হয়েছে। নবিব্যান্তৰ বংশ আমি অক্যানেটা অন্তৰ্থ অনুমান কা ওপসম্পন্ন কুৰ্যবিস্তুক তেন্তের মাতে কলে। করলাম, এখন দিষ্টের কশে কলে। পতিছে কল করেছিলেন। তার বর্তে করেনটি পুর এবং নুবাহি, প্রবাদ কর। নিটের নাজাগ নামে এক পুত্র ছিল। ইলবিল্য মামক একটি কল্যার করে হয়। মহামোগী কবি ন্তা পরে যে নাভাগের কথা কর্মন করে ছবে তার খেকে। নিরেবা তাঁর পিতার করে খেকে ভার্যবিদ্যা লাভ করে, এট সাভাগ ভিটাঃ এই লিউপুর মাভাগ কর্মের দারা। ইলবিগার কর্মে করিগতি কুরের নামক পুর উৎপাদন হলার প্রাপ্ত হতেছিলেন। সাভাগের পূত্র ভলকর, করেন। রুপনিপুর নিপুন, শুনানর এক বুল্লেন্ড করক অলম্বান্তন্য পুত্ৰ ৰৎসপ্ৰীতি এবং তাঁর পুত্র হাংও। তিনটি পুত্র ছিল। হাঁলের হথ্যে দিশাল বংশ সৃদ্ধী সংক্রম প্রাংজ্যে পুর প্রমতির পুর পনির, পনিয়ের পুর এবং কৈনালী সায়ক পুরী নির্মাণ করেন। বিবারণায় পুর হাৰৰ এবং উন্ন পুত্ৰ বিধিংশতি। বিবিংশতির পুত্র রয়, হেমচন্ত্র, উন্ন পুত্র মুখ্যক, গুলাংখন পুত্র সংবাদ এবং রভ্রের পুর পরার বার্ষিক অনীনের। হে রাজন, এই সংবাদের পুর দেবক ও কুলার। কুপাবের পুর সোমসকু भ्योत्सदार भूत ताला करकर। करकर १५१क भरीकिः विति अभरपर रहतान शहा निस्ता जाराधन करन নামৰ এক পুরোর ক্ষায় হয়। এবং ক্ষরীকিকের পুত্র বালর, সহাবেদটালের প্রান্ত করি উত্তর পতি লাভ করেছিকেন। ফিন রাজ্যক্রবর্তী হয়েছিলেন। ওলিকর পূঞ্জ মহাযোগী। সোমেন্তের পূত্র সূমতি, সুমতির পূত্র জনমেজর। বিশক্ষ সংবর্ত হজতকে দিত্রে এক খন্দ করিবেছিলেন। রাজা রাজার কাশোনুর রাজারা ভূপবিন্দুর কীর্তি রক্ষা



তৃতীয় অধ্যায়

সুকন্যা এবং চ্যবন মুনির বিবাহ

জিল ককংশে লোকানী কললেন—"হে অঞ্চন্। সমুদ্ধ। বিষয়ের কঠক কর্ম উপদেশ নিয়েছিলেন। শর্বাতির আর এক পুত্র পর্যাতি ছিলেন প্রবাহণ বৈধিক উচ্চজ্ঞান শর্মান্ত রাজ। তিনি অজিবার ক্ষেপ্রদের হতে বিতীর

স্কল্য নাহত এক অতি সুকরী কমলনালে কলা ছিল। সেই কল্যকে সঙ্গে নিয়ে অনে গমন করে, রাজা পর্বাতি

চাৰন মনির আশ্রমে উপস্থিত হরেছিলেন। সেই সুকন্যা। মখন স্থীগণ পরিবেটিতা হয়ে বনে গায় থেকে মুগ আহরণ করভিলেন, তখন ডিনি একটি কর্মীকের মর্তে জ্যেরকির মতে দৃটি জোতি দেখতে পেলেন। সৈবের क्ष्रानावनाक्ष्ये क्ष्म कार्य कन्ता प्रका शता करूपि केणित ছারা সেই জ্যোতির্ময় পদার্থ দৃটি বিদ্ধ করেছিলেন এবং বিশ্ব হওৱা মাএই সেখান খেকে রক্ত নির্গত হতে লাগল : ছংকশাৎ শর্যান্ডির সৈন্যদের মল-মত্র নিজৰ হতেছিল। তা দেৱে অভ্যন্ত আশ্চর্য হয়ে শর্বান্ডি উল্লে সঙ্গীদের यहाहित्सम् । कि चान्हर्य। च्यापारमध् प्रत्या तकडे निन्हर्यहे । ক্তওনক্ষম চাকা মনির কোন অনিষ্ট করেছে। মনে হতে। কেউ থেন এই আন্নমকে কন্দৰ্শিক করেছে। সুকন্যা তথ্য ভবে আৰুল হতে তাৰ লিভাকে বলেছিলেন, খানি কিছ অন্যাপ্ত করেছি, কারণ আমি না কেনে একটি क्लोटकर चारा पृष्टि क्लाहिं विदीर्थ करतकि।" कीर कारांत শেই উচ্চি প্ৰবৰ্গ কৰে বাজা পৰ্বাতি অভাৱ ভীত ছবেছিলেন এবং তিনি নানাভ্যবে জবছাতির দায়ে ৰাণ্ডীকের মধ্যে অবস্থিত চাৰন মনিকে প্ৰসন্ন করার চেটা করেছিলেন। সংবাধ চিত্ত লথাতি চাকন মুনির অভিপ্রার বৰ্মতে পেয়ে, তাঁকে তাঁয় কল্য সমৰ্পণ করেছিলেল এবং অতি কটে বিশ্ব থেকে মুক্ত হয়ে মুদির অনুমণ্ডি প্রহণ করে গুপ্তে প্রভাগের্ডন করেছিলেন ৷ অভার উপ্র বভাব চাকন স্নিকে পতিকাপে প্রাপ্ত হওয়ার সুক্রা তার হামরগাড় ভার অবগত হলে, অত্যক্ত সাবধানে সেই অধুসারে কার্য করে থাকে সভাষ্ট করতে সাগালেন। ভারণা, বিশ্বনাল গত হলে, অর্গের চিকিৎসক অবিনীকুমারকা চাকন মুনির আজনে এসেছিলেন : চাকন पुनि क्षका महकादा छै।साथ भूका करत, छै।साथ कारक অনুরোধ করেছিলেন জ্ঞাংখ যৌবনস্থ প্রধান করতে, জারণ তীরা টেবিন দালে সমর্থ ছিলেন।"

চাকা যুদ্দি কালেন-"কণিও আপনাম বলো সোমান পাকে বভিক্ত, আমি জাপনামের সোমরসপূর্ণ পার প্রদান ক্ষর। সমা করে আপনারা আমাকে রূপ এবং বৌকন সম্পাদন করে বিন, অরণ ডা চুবতী রহণীদের অনুসর করে। টিকিৎসক্তের্ভ অধিনীসুমান্দর অভান্ত আনুদের সাক্ষ চাকা মুনির প্রভাব অসীকার করেছিলেন। ওঁরো সেই গ্রাক্তথ্যক বলেছিলেন, "এই সিছ সংসাধনে আগনি

নিমগ্ন জেন।" (এই সরোবরে যে লান করে ভাব সাক্র পূর্ব হয়)। এই কথা বলে অকিনকুমার্থর স্ববার্তন শ্রীর ক্রীপলিড গেহ অতি বৃদ্ধ চাকা মুনিকে নিয়ে _{সাক} প্রকের করেছিলেন। অরপর, সেই গ্রন থেতে ভারি স্থান ভিনক্তন পুরুষ উঠে এলেন। তালে পারে সুক্তর প্রভারত কতল একং সুন্দার বসলে ভূমিত ছিলেন। উল্লা স্বৰুলাই দিলের সমান সৌম্পর্য বিশিষ্টঃ সেই পতিব্রতা সকটা সকলা কে যে অভিনাদ্যাল এবং কে তার পতি ৮০ বৃৰজে পারকোন না, কানগ জনা সকলেই ছিলেন সাজ সুক্র। কে জার পতি তা বুবতে না পেরে, তিঞ समिनीकुमातस्यकः भरमानकः श्रासक्रिकाः। समिनीक्यासकः সকল্যা পাতিরতা-ধর্ম কর্মন করে তাল প্রতি নিশ্বের প্রীত হরেছিলেন এক তার পথিকে বেখিয়ে দিয়ে ও চাক্র मुनित जनुमारि निर्द शीक्ष कारमक विवादन वर्गरसाहक विश्व निर्दाणिका। कारणा, सामा भवांकि, क्या भवांकर ক্ষণে অভিনাৰী হয়ে সাক্ষ মুনির আগ্রামে পিয়েছিলে। সেবালে ডিমি উন্ন কন্যার পাশে সূর্বের মাজে ডেমনী এক অতি সুক্ষা বৃহককে কৰি কৰোছেলে। ওৰে কৰা ভাকে প্রণতি নিবেদন করকেও, রাজা পর্যাতি ভালে আশীর্বাস মা করে অসন্তই চিত্তে কর্মন্ত লাগলেন। জ অসতী। ভূমি कি করতে অভিনারী হরেছ। ভূমি সর্বজনপুঞ্জা পরম শ্রন্থের পতিকে প্রভারণা করেছ, বেহেড় তিনি বৃদ্ধ এবং স্বারাগ্রন্থ, তাই ভূমি অসির গতিকে পৰিয়াৰ করে এই বৃহকটিকে উপপতিয়াৰে হাৰ क्टाई, त्र तिक अवदि भरवा किक्टका प्रत्या । কল্যা, শুনি এক সংক্ষে ক্ষমহূহণ করেছ, গোমার মতি এইডাবে অধ্যোগামী হল কিডাবে? ভারি বিভাবে নিৰ্দাক্ষের মতো এক উপপত্নি কলনা করছ। ভার কলে ভূমি তোহার পিতক্ষা এবং পতিক্ষা উভৱ कुल(केरे (पांत नवरक शिव्ह कहाला) जुकना किन्न केर সভীত্বের পর্বে পর্বিতা হতে হোসে এই প্রকার কটবাস প্রয়োগদারী পিতাকে কালেন, 'চে পিতঃ! আসাং গাৰ্শন্তিত এই বাতিটি আপনাতই ভাষাত্য ভুওনকা চাতা मृति। बारे गरम जुकाह छात्र भिष्ठास्थ हानस्य सम् যৌকা প্রাণিয়ে কাবণ কর্মন করেছিলেন। ভা ওলে শর্মাট অভান্ত বিশ্বিত ও গানভিত হাত ভনাতে হোটো অধিকা করেছিলেন 🕆 🐣

_{শচারন} সুনি তার শক্তিবলে রাজা শর্মাহিকে নিছে লোমবারা অনুষ্ঠান করিকেছিলেন। অভিনীকুমারব্যার ুদ্ধিও লোমকম পানে ফবিকাৰ ছিল না, তবুও মুনি प्रशास माप्रदर्भन पूर्वभाग असन करहेरिस्पन । हेन्स बारतान विकास कार्य क्षाप्त करता होन्स्य क्षाप्त करता करता লনা ঠার আছ গ্রহণ কর্মেছলেন। কিন্তু চারন মুনি গ্রার লাফিৰ বলে বল্লসহ ইংজেৰ হঞ্জ নিছিত **৬**বে জেৰেছিলেন। যদিও অধিনীকৃমান্তৰ চিভিৎসক বলে। তুৰি চনতে পাৰে না।" ছলো সোমরস পাচার অধিকার থেকে রভিত ভিলেন তৰও সেই সময় থেকে দেবতার তাঁলের সোমাস পান अवस्थ निरंत जनार देखवित्सा। होका नर्वास्त्र উল্লেখ্যার্ট, আনর্ক এবং ভূরিখেন নামক তিনটি পুত্র বিল। লানের্ব থেকে রেবংখন কম হয় ^{লো}

সমজের মধ্যে কুশাহুলী নামক একটি নামী নির্মাণপুর্বক তারা জন্ম উর জনসহ পৃথিবীতে জনতীর্ণ হয়েছেন।" শেখানে বাস কৰে জ্বানৰ্ড প্ৰভৃতি দেশ পালন কৰতেন। ওল্ল একশত অতি উতম পুত্র ছিল। খৌদের মধ্যে জেও हिलार अकृषी। अनुनी फैल क्यार दारठीएक निदा छेल কালে পতি কে ব্ৰুপে জা বিজ্ঞাস্য করার জন্য প্রকৃতির তিনঙাপুর অতীত ব্রক্তনেকে ব্রকার করে নির্চেচিনের। কৰ্মী বৰ্ম সেনানে উপস্থিত হয়েছিলেন, ভৰ্ম ক্ৰমা গভাবের গাঁতবাদ্য প্রকা কর্যছলেন এবং তাই কার্যনের कना ७ दीन महारू कथा काभा माना १४मि। 🔑 🖼 क्वनी श्रेडीका करतकिरामा अवर नीटवारमा क्वास्त्र তিনি প্ৰখাতে প্ৰশাম কৰে নিৰেন্দ্ৰ অভিপ্ৰায় নিবেদন

করেছিলেন। তার কলে ভানে পরাম শতি মান ইকা উসহাস্য সহকারে ৰুকুল্লীকে বলেছিলেন, "হে রাজন, ডুমি মনে মনে বাদের ভোষার ক্রমেভারণে হিব করেছিলে, শুলে সকলেই কালের প্রভাবে পথ হয়েছে।" সর্ভাবনেতি সভূর্যুগ ইতিহাধ্যে অতিক্রার হয়েছে। বাদের তুমি খনে মনে স্থির কর্বেছিলে তারা এখন গত হরেছে, এফা কি ভালের পুত্র, পৌরে এবং লোত্রনির নাম পর্যন্ত

"হে রাজন, তানি যাও, দেবদেব বিশুঃ বাঁর অংশ দেই মহাবলী কানের এখন সেখানে বিরক্ত করছেন, তোমার এই স্পারতভূতি সেই প্রকারভাকে সংগ্রাণ কর। ঐতিক্রমের राज्य नवरमध्य सभवात। छात्र महिमा सन्त द्वर কীর্তনের কলে মানুধ পরিত্র ছর। কিনি বেহেডু সমস্ত "তে শক্রন্যপম বহারারা পরীক্ষিৎ। এই বেবত স্মীরের পরম ওভারাক্ষী, ভটি তিনি এখন ভুতার হরণ

> "ব্ৰকাৰ স্বাৰ্য এইডাবে আদিট হৰে, ককুৱী ভাঁকে প্রশান করে নিজের গুলে প্রভারতন করেছিলেন। সেখানে নিয়ে ভিনি লেকলে যে ভান পুরী পুনা, কারণ ভার আরের এক অন্যান আতাত-ভঞ্জনত যক আদি উচ্চতঃ ক্ষাখনের করে পুরী পরিতাপ করে চতরিকে অবস্থান করছিলেন। ভারতক রাজা উরে পরমা সুক্তরী কন্যাকে পরৰ শক্তিশালী প্রিকাদেবকে সমর্গণ করে, বর-ন্দ্রারণকে স্তুট্ট করের ঋনা ওপস্যা করতে ক্রেনিকার্ডার ্বিরেছিলেন।"



চতর্থ অধ্যায়

অম্বরীষ মহারাজের চরণে দুর্বাসা মৃনির অপরাধ

विभ एक्स्पन श्रापाणी काराम्य—"तरुरसन शुक्र । ध्वरमका कराद बना चार विदा चामस्य ना। घर-धर নাভাগ ধীর্যকলে ওরুপুতে বলে করেছিলেন। তাই ঠার। তারা তার কন্য তাঁপের শিতার সম্পত্তির কোন অংশ काँदे किया बहुत करविद्यान एवं, किसि शृहण्यासम्बन्धाः मा उद्यक्षि निरंत्रापत मध्य का काँन करव निर्द्धावरण। নভাগ যথন তার তরপুর থেকে কিরে এনেভিনেন, তথন তারে তাঁলের পিডাকে তার সম্পান্তর আপে বলে বির্দেশ ব্রেছিলেন। নাজান বিজ্ঞানা করেছিলেন, 'হে ব্রাডানাধ, আমার জন্য আপনায়া পিডার সম্পান্তর আপেন্যরাধ বি কেবেছেন হ' জ্যেষ্ঠ প্রাডারা উত্তর নিয়েছিলেন, 'আমারা তোমার অপেন্যরাপ আমানের পিডাকে প্রেছেলেন, 'আমারা তোমার অপেন্যরাপ আমানের পিডাকে প্রেছেলেন, বিজ্ঞানার বিজ্ঞান বিভাবে জালার জ্যোষ্ঠ জাতারা আপনাকে আমার সম্পান্তর অপেন্যরাপ প্রধান করেছেন,' ভাবন তাঁন পিতা উত্তর বিরেছিলেন, 'রে কংস। ভালের সেই উদ্ধি প্রতারশাস্থাক, ভাগের সেই বাজে কিবাস করে। সাঃ আমি ভোমার সম্পান্তর আপে নই'।"

नास्तरभव भिष्ठा परमहित्यन—"चक्रियारधारीय परित এক মহামার অনুষ্ঠান করছেন। কিন্তু বহিও উরো অভান্ত বৃদ্ধিমান, ওবুও জারা হট দিবলৈ কল অনুষ্ঠান করতে যোহতার হয়ে তাঁদের কঠক সম্পাদনে ভল করকো। ক্ষমি সেই মহান্যাদের কাঙে বাও এবং বৈৰদেব সম্বৰ্তীৰ পুটি বৈদিক হয়। কৰ্মনা কয়ে। সেই মহৰ্বিরা বঞ্চা সমাগু হলে যথা কালোকে বাবেন, তখন ওারা বজাবশিষ্ট সমস্ত ধা ভোমাকে প্রদান করকো। অভগ্রব ভাষি লেখনে মাও। মাজা উন্ন শিভার আদের মধাবদভামে পালন করেছিলেন এবং অসিরাপোত্রীর থবিরা তাঁকে বজাবশিষ্ট ধন প্রদান করে কর্মে ব্যান করেছিলেন। ভারপর, মাভাগ যখন শেই ধন গ্রহণ করতে উদ্যন্ত হুরোইলেন, ভারন এক ক্ষাকর্ণ পুরুষ উত্তর নিক থেকে এলে উাৰে বলেছিলেন, এই বজভাইর সমস্ত ধন धामात । नाजात उपन बदाहितान, 'बहे धा धामात ক্ষতিরা আমাতে এগুলি দান করেছেন।' নাভাগ সেই कथा बनारन मिट भूक्षवर्ग नुकवित वनारनन, 'हरना, আমরা ভোমার পিতার কাছে মাই এবং ডাকে আমাদের धरै भरूविद्यात्वत्र भैरिमारमा करास्त्र वनि ।' त्रारे वाका অনুসামে নাভাগ তাঁর গিতাকে বিক্ষান্য করেছিলেন।"

নাভাগের শিতা বলেছিলেন—"ব্যবন্ধ নকথাতে স্ব কিছু করের কথে বলে বিকেন্য করে তাঁকে জা নিকান কর্মেছলেন, ভাই মুক্তভূমিগত সমক্ত কর্ন্তই শিকো।"

তথ্য ক্সকে ধণতি নিবেগন করে নাভাগ বলেচিকেন—"হে পর্মপূলা ক্রয়া এই বজাভূমির স্থ কিছুই আপদার। আমার পিতা সেউ কথাট সেন্দ্রের বলেন্দ্রে। এখন আমি ফানেত ইয়াকে আপনার দুলা প্রার্থনা কর্মান্ত

ক্যা কালেন—"ডোমার শিশু বা ব্লেছেন তা সত্য কাং তৃত্তিও সভা কথাই বলছ। অভনেশ আটি ইছকে, ডোমানে সনাতন ব্ৰসকাম দান কৰব। একৰ তৃত্তি এই স্বাধিনিট সময় ধন এইন কৰি, কাৰণ আমি জোমানে আ দান কৰছি।" শেই কথা বলে ধৰ্যানুৱাৰী লিব সেই জান কেকে অভাৰ্থিত হয়েছিলেন।

"এই ধর্যানটি বিনি মনোযোগ গ্রহণারে স্বালে ও ্রার্থ অবণ করেন এবং তীর্তন করেন, ডিনি নিশ্চিতভাবে নিহান ও মন্তেকে অভিনা হয়ে আছমান লাভ করেন। নাভাগ থেকে মহারাজ অফ্টানের জন্ম হয়েছিল। মহারাজ অফ্টান ছিলেন একখান মহাভাগরত এক স্কৃতিবান পুরুষ। যদিও তিনি এক মহা তেলবী রাশাপের হারা অভিনাপ্ত হর্মেছ্লেন, তবুও সেই রক্ষাণ উত্তে কর্মাণ পর্যন্ত করতে প্রতিনি।"

মহারাজ পরীকিং জিজাসা করেছিলেন—"হে মহাজন, মহারাজ অমরীর নিগরাই ছিলেন অতি উল্লও চরিত্র এবং সূর্বভূমান। আমি খাঁম কথা এবন তরতে ইলা করি। এটি ভাতাত আন্চর্বের বিষয় ছে, প্রাক্ষণে অভাতিহত অভিশাপত তাতে শুন্ধ পর্বন্ত করতে পারেনি।"

বীল তকদেব গোরামী বললেন—"প্রয় সৌজান্তন মন্ত্রাক অসমীর সন্ত্রীপ সমন্তি পৃথিবীয় আধিপত্য এক অকা ঐথর্ব ও অত্ত্রীন সমৃতি লাভ করেছিলেন। যদিও এই প্রকার পম লাভ করা অভাত্ত দুর্লাও, তবুও মহারাজ অবস্থীবের ভাতে একটুও আসভি জিল না। কারল তিনি পুর ওলেজারেই আনতেন যে, এই প্রকার সমস্ত্র ঐথর্মই জড়-জাগতিক। সাধ্যের বতো অলীক এই ঐথর্ম চন্তমে বিনম্ভ হয়ে বাবে। রাজা ভালভাবেই অবলান ছিলেন যে, কোল অভাত্ত খবন এই জকার ঐথর্ম প্রায় হয়, জবন লে ভালভাত্ত খবন এই লকার ঐথর্ম প্রায় হয়, জবন লে ভালভাত্ত খবন এই অসমীর ছিলেন ভাগবান প্রীবাস্কুরের এবং ভালবহাত্ত মহাজাদের এক প্রয় ভালভা ওলা এই ভাল্ডির প্রভাবে ভিনি সম্যা অভ জাগতে একটি মাটির ঢেলার মতো তুক্ত

क्रम प्रता कर्याक्रमान । बरावाच अवटीय गरीम छेड _{প্রাক্তে} প্রাক্ত করে মী পালপক্ষের ব্যাসন, তারে বালী ক্রমানের মহিমা কনিনে, তাঁব ব্যক্তর মন্দির মার্লনে, কল কৰা ভাগৰাম প্ৰীকৃতকায় ঘৰিষ্যা কৰণে, ঠার চকুত্ত ভিত্তবাহা বিশ্বাহ এক মধ্যা-কুলাকা আছি ক্লানে প্রাকৃত্যা প্ৰাৰণ কৰিব, ইয়া স্পাৰ্শান্তৰ ভাৰতমানৰ জ্ঞাস্পাৰ্শান, কৰা ছালেলিয়া জলসানেৰ জীলানলকে নিৰ্বেলিত ভুলাসীয় and अस्टिन, ठीत क्रमान कृषक्षामूच भवेत्रास्थ्य, ठीत दिलावत জার্বাক্তার প্রবাহ জগনানের সন্দিরে প্রমান, তার মারক ক্রান্তার প্রবৃত্তি নিবেশনে এবং ঠার কামনাকে সর্বাঞ্চ «বেবারের সেবা সম্পাদনে, নিযুক্ত করেছিলের। প্ৰতেশকে মহাতাক অপ্ৰতীয় উল্ল নিকের ইতিবস্থ ভোগের কবা ফোল কিছু কামনা করেনটে। তিনি তার _{সাৰ} কটি ইন্দ্ৰিয় গুণবানের বিভিন্ন সেবার হস্ত অন্তর্ভিকা। স্থাধানের প্রতি আসক্তি লভে করে সংস্ক 🗝 ব্যৱসা থেকে সৰ্বভোভাবে মুক্ত হওৱাৰ এটিই

"মহারাজ অনুরীয় সর্বদা জার রাজকীয় ভার্যকলাশের গ্রামত কল পরাভাষ, পরীস ভৌতো আধ্যোক্তক উপয়ান প্রতিষ্ঠাকে সমর্থন করে, ভারবছ্রক ক্রান্সগরে উপযোগ ক্ষমারে করায়ালে পৃথিবী খাসন কারেব। সক্রাপেনে বেশানে সরস্থতী নদী প্রকাইড ইকু, সেখানে অনুকীৰ বস্তুত্তত্ত অধ্যেষ আলি ব্যক্তর খারা ব্যক্তব্য ভগবানের रवाहि-विकास अवद्रिविता। और शकात कार प्रदा जेपाई, উপত্ত উপকরণ এবং প্রাক্ষপ্রের দলিশা বল করার ধারা অনুষ্ঠিত হয়। অধ্যের যক্তমন রাজ্যর প্রতিনিধিত করে বলিষ্ঠ, অসৈত, গৌতম প্রমুখ মহাকার এই সমস্ত ক্ষেত্র ভব্ববন্ধন করেছিলে। মহারাজ অবরীকের বন্ধে সুদর ৰাম বিভূমিত সদস্যকৰ্ম এবং প্ৰভাহিতকে (নিশেৰ করে **(२)क, फेमभाका, इत्था अवर क्रभावंटमंत्र) क्रिक (मरकाटमंत** মতা দেখাত। উল্লা গভীর উৎস্কা সহস্বরে নিমের্যইন ণিষ্টিতে যাল কর্পন করাজন। আহ্ববীয় মহাপ্রানের য়ালোন নাগাঁহৰেয়া ভৰষামের জীলাকথা প্রথণ এবং জীওন **ক্ষরভাগ। ভাট জালা গেবতাগেরও অতাত থির** শ্বনিদাকে উন্নীত হওয়ের আসনা করতের মা। খারা উপৰানের সেবক্সনিত চিন্তৰ আনক্ষে মধ্য ছ'ৰে। শিশ্বপ্রসংঘরও বা পরম প্রান্তি সেই সমস্ত বিষয়েও

আহাই। না, কারণ সাল্য নিগন্তর ইংকৃষ্ণের কথা চিত্র করার কলে যে নিল আনক অনুভূত হয়, তান কাছে নিলপুলনকে নিভিও নিভান্ট ভূম। এই পৃথিবলৈ রাজা আর্থার এইভাবে ভগারভি সম্পানন করেছিলেন এবং নেই প্রচেটার করের তপায়া করেছিলেন। সর্বন উর করপে ভগারনের প্রসম্ভান বিবাদ করে, তিনি ক্রমণ সর্বাহ্বলা জন্ম লান্তরাল করেছিলেন। আর্থার বহারাজ প্রায় বৃহ, পাই), গজানসভাতি, বস্কুরাছন, প্রেট হতী, সুক্রা কর, করে, আজ্বর প্রস্তু, আলবার, যার এবং আজ্ব করেছিলেন। তিনি সেভালি নিপ্রভূমী অনিক্র এবং ভূমা জন্ম বিবাহ জন্ম মনে করেছিলেন।"

"অস্থান কারাডের ঐকাশ্রিকী ভবিস্তে সভট হতে উপবাদ ঠাকে ঠাৰ স্থানৰ চক্ৰ প্ৰদান করেছিলেন, য क्छामा अरहका अन्य या भक्ताध्यक्षका व्यक्तिया भएक च्यारा प्रदेशक । स्थानक शिक्तका व्यातास्त्र प्रथम सन् कार्यीय बहाताक केन्द्रहें ब्लाव्य सम्बद्धी ऑहबी कह अर्क ৰংসর কাল কাৰং একাদলী এবং কাদলীক্রক পালন করেছিলেন। এক করে ধরে ব্রস্ত খারণ করে। পর কাঠিক বালে ব্ৰিন্তৰ উপবাস কৰে এবং ভারণের বায়নার বান করে, মহারাক্ত অপুরীধ মধকনে ভাগনের প্রীয়রিক वर्धन्य बद्धशिक्षाः। मधाराच यत्रवीर महा चरित्रपटन নিধি অনুসায়ে সর্বাহ্মার উপকরণ হলে ভগতন শ্রীকৃত্যের বিচেয়ে অভিবেক কর্মেখনের এবং থারণর সুকর বস্তু समकार, मुक्ति कृषयाना अवर शृक्षात सन्ताना चैनकवश्यतं वादा क्षमयात्मव चाराध्या *कर्ऱा*हरम्य। ঐকান্তিক ডক্তি সহকারে তিনি প্রীক্তা এবং কড रामनान्या वराशभावम हाचनायद भूको कर्राहरणन। ভারনার আহরীয় বহুরাঞ্জ তার গতে সমানক আঁচলিয়ের, বিশেব করে প্রাক্ষণদের সভাই করেছিলেন। তিনি উল্লেখ বট কোট অন্তী দল করেছিলেন, বাদের শুল কর্ণমতিত क्रिस क्षर चलस पुत्र (वीभाग्रिक्ट बिन) ार्ट पार्टीकन সন্দর বরে সুশের্যন্তর এবং যুক্তে পূপ বিল। ভারা বিশ সুলার স্বভাব, বৌতন, ত্মল এবং কংল সম্মধিতাঃ সেই সমস্ত থাকী দান করার পদ বাজা ব্রাহ্মগদের প্রচুত্র পরিমাণে অভ্যন্ত সুকলু আহার্য ভোজন করিরেছিলেন এক হল্প গুল্ল সম্পূৰ্ণবাংশ তথ্য হয়েছিলেন, শুখন ডিন্নি

তামের অনুমতি প্রহণপূর্বক তারে উপবাস ভাল করে -একচালীক্রড সমান্ত করার উপরেশ্ব করেছিলেন। ক্রিক ছখন মহাক্রিমান ক্রানা মুনি লেখানে অতিহিলাপে উপস্থিত হয়েছকেন। আমনীয় মধ্যরকে উঠে পাঁড়িরে দৰ্বাস্য মনিকে স্বাপত জানিতে আনন প্ৰদান করেছিলেন এবং পুরুষ উপকরপের হারা পুরুষ করেছিলের। ভারপর তার পাদ সমীপে উপবিষ্ট হয়ে রাজা সেই মহর্বিকে ডোজন করতে অনুরোধ করেছিখেন। দুর্বাসা সুনি সানক্ষে অম্বরীয় মহারাজের অনুরোধ অজীকার করে, प्रधारत्यक्षीय विशे चनुकेश क्यांत चना वयुना क्लीरण পামন করেছিলের। কেখানে যমুবার গতির জলে নিময় হয়ে তিনি নিৰ্বিশেষ মুক্ষের খাদ ক্রেছিলেন। স্থানশীর উপবাস পারপের বর্তন জার মাত্র কর্তি মুক্ত কর্তি ছিল, অৰ্থাৎ তৎক্ষণাৎ উপজন ভক্ত কল্প আন্দান সূত্ৰহিল, সেই সহটেজনক পরিস্থিতিতে হাজা তথ্যনৈ প্রাক্তানের সংক্ৰেডাৰ কি করা কঠবা সেই সহতে কিয়ে করতে। শুকু কবেছিলেন শে

বালো বল্যেন, "প্রক্ষেপ্তে অভ্যন্তা করা হলে মহা অপরাধ হয়। অথক খ্রাদনীতে উপবাস কম না করলে প্রভাগনে জটি হয়। অভএন, মে ক্রাকাগন, আলনার যদি মধ্যে করের থে, জলপান করে উপবাস কর করকে प्रमम इत्व अवर सक्षर्य इत्व ना, का शत्म काप्रि कार्रे **अ**वद (^क अंदिशादेव द्वाच्यनामंत्र मान च्वारनाठना करद तच्या এই সিদ্ধান্তে উপনীত হয়েছিলেন, কাবণ প্রাঞ্চলবের মতে ঝলগম করা, ভাবল এবং অভাবল উত্তর্থ।

তার হানরে ভগবান অচ্যতের ধ্যানপূর্বক একটু জলপান করে, তিনি মহুকোনী দুর্বাসা দুনির আগমনের প্রতীক। করতে লাগলেন। স্বধ্যাহন্টালীন কর্তন্ত সমাপন করে। দুৰ্বসো মুদ্দি বফুনয়ে তেঁ বেকে কিয়ে এলে, বাজা তাঁকে नुष्टा करत पात्रक खानारहरू, किन्द्र कुर्रामा मृति छीत **रकामणिक वर्गा क्वरण श्वरण श्वरक्रिणम (४, प्रशासक** धारहीर छोत्र सनुप्रकि मा नित्व समाना महत्त्रस्म। CEPICO पूर्वामा मुनिक (शर कन्निक रहा कालन, केल मूच জাকৃতির ধারা ফুটিল ভাব ধারণ কচক এবং কুংর্ভ হয়ে ক্রমভাবে ভিনি কৃতাক্রলি সংকারে সভায়মান মহারাজ অবর্থীয়কে বলতে লাগলেন। আছা। এই নিষ্ঠাঃ প্রকৃতি

সম্পন্ন স্থাভিটিকে দেশ, সে বিশ্বস্থান্ত নয়। খার 🖦 ध्यक्त न्यार्थाताम गर्ज गर्निक घरण राम जिल्लाहरू स्थानक ষলে মধ্যে করছে। দেশ কিতাকে সে ধানিটো ভারতন করেছে। সহারাজ আদুরীয়, দুরি আমাকে ভোগার অভিনিয়াণে ভোজন কাতে নিমাল কাৰে, কিছ আয়াকে ভেজেন না করিয়ে তৃথি নিজেই প্রথমে ভোজন করেছ। ভোষার এই অন্যায় আচরংগর ফল এখনই আছি তোমাকে দেখাব। এইভাবে কাতে কাতে দুৰ্বসায় হয জোনে উদ্দীপ্ত হয়ে উটেছিল। তিনি থার মন্তব্দ থেকে কটা ভিন্ন করে, অধ্যাদ মহত্যেক্তকে কণ্ডলা করের ক্রম তার বারা কালাগিড়লা এক অসুসকে সৃষ্টি করেছিছেন। সেই স্থানত কুজা তার হাতে শ্বাসি নিয়ে পদবিক্ষেপ্তে হরা পৃথিকী কশ্দিত করতে করতে তার বিকে আলভ দেশেও সহাবাজ অপরীয় জান স্থান থেকে বিচলিত হলের মা। সাবাধন মেডামে ব্রুক্ত সর্গতে করু করে ভাতকে ব্লা করার জন্য পূর্ব খেকেই ভগবানের चारामधार, मुर्मान व्याप अविकास पूर्वामामुद्रे चानुसीत्क দত্ত করেছিল। দুর্বাসা বর্জন দেখনের বে, উল্লাহ্মত্র বার্থ হয়েছে এবং সেই চক্র দ্রুতবেগে তারই দিকে এগিরে আসছে, ওখন তিনি তীত হরে প্রশ রক্ষর জন্য **छ्छमित्क शत्केड एटक माश्रास्था। मान्यमदम्बर अक्**रिक्ड শিশ্ব বেভাবে সর্পকে অনুসরণ করে, ভগতনের চক্রও त्नदेशास्य पूर्वाणा पुनिस्थ चनुमत्रभ कतरत नातमः। पूर्वभः খুনি দেখেছিলেন যে, সেই চঞ্চ প্রায় শুরু প্রচলেন স্পর্ণ করছে এক তথ্য কলে তিনি সুমের পর্বতের কথার "CE क्व-क्नारको: जानविं क्वेट्सर किया करत. शायन कडाई वाममाद खळाड क्र-६:४१० शायिक इरडाइएम्स। पूर्वाला धृति चाचत्रकात कन नर्गारक. আকাশে, পৃথিবীতে, ওছাত, সমুদ্রে, ডিভূবনের লোকপাদমের লোকে এবং স্থর্গে প্রমন করেছিকেন। কিন্তু যেখানেই ডিনি গ্রিয়েছিলেন, সেখানেই ডিনি দেখেছিলের যে, অসহা তেকোমর স্কর্ণন চক্র তাঁকে **बनुमक्त कदर्ह। कीठ हिट्य पूर्वाना चाटाहरू करवय**। ক্ষরতে করতে সর্বন্ধ প্রমন করেছিলেল, কিন্তু কোপাও তিনি আহ্বা পাননি। অবপেৰে তিনি ব্ৰদায় কৰে দিবে বলেছিলেন, 'ক্লে বিধাতা। কে কলা। বহা করে আপনি ক্ষপবাদের ক্ষণত স্থাপন চক্র থেকে আমাকে কলা 36354 1° "

লাগুলা বলংগ্র—"ছিলবার্য কালের অবসারে **অল্যান্তনর কাঁ**লা করন সমাস্ত হয়, তথন সগরান জীবার কৰ জতনিও বারা পানাদের বাসস্থান সহ সমগ্র প্রকাশ্র men করেন। আমি, নিব, মঞ্চ, তৃত গ্রন্থ ক্রিকুল, शक्तवंडि, ज्ञानद-नयारणव नामदन्त्र तावर एक्टाएक আনতবৰ্গ--আমতা ককলেই ভগবান শ্ৰীবিশ্বর শ্রণাগ্ত এবং সমস্ত জীবের মসলের জন্য আমরা অবনত মস্তকে केव काएमा नामन कति। जुम्मी ठाउमा शास्त्र पात्र ব্যক্তর সভার দুর্বাসা এইভাবে ব্রখ্যার বানা প্রভ্যাখ্যাত স্থায় ?রলাসক্রমী শিকের স্কলানত ইওরার টেটা করেছিলের **্**

क्रिनका कारनम-"(ह क्रम: चावि, क्रमा अस অব্যান দেবতারা দাঁরা আমাদের মধ্য সমূহে করে ধারণা बिटा और उचारिक विशास करि, कश्रवाहनद अहन প্রতিষ্পিতা করার শক্তি প্রদর্শন করার কোন ক্ষতা আমানের নেই, কারণ জীবগণ সহ অনৱ ব্রখাও क्षत्रदातक निर्दिष्य केंद्रशब एवं अवर दिन्हें हत রিকালক অমি (শিব), সমংক্রমার, নারস, পর্য প্রভা ক্রমন্ত্র কলিক (সেবহুতি পুর), অপায়রতম (ব্যসংগ্র), (मदम, बस्ताख, चान्नति, भरीति श्रप्तश श्रदिभग द्वरा चना ক সিছতেউপৰ সৰ্বায় ইওয়া সম্বেধ ভগবনের মায়ার ভারা আবৃত হওয়ার কলে, ভার মারাভ প্রভার যে 🗣 श्चनाइ का कानराठ शाहि मा। केल प्रवर्णन इक् আমানেয়ও পূৰ্বিবহু, সুডরাং তৃত্তি সেই বিশূদ্য কাছে দিয়ে ষ্ঠার শরশানত ছও। তিনি অকণাই তোমার প্রতি সময় হয়ে ভোষরে কল্যাপ বিধান কর্মন।"

ভারতার, নিবের কাছেও নিরাপ হয়ে পুর্বাস্থ থনি रिक्टेशस्त्र अपन कार्यास्त्रकर, तथास छवता जीतासम् नक्षीरभवी मध् सरकान करत्व। ऋध्यांनी पूर्वामा यूनि বুদর্শন চত্তের অভিনে বারা দশ্ম হবে, নারারণেক বীগালগছে গভিত হয়েছিলেন। কম্পিড ফলেবরে ডিনি ব্যক্তিশেন—হে অন্তঃ হে অনতঃ হে বিশ্বপাদক। আশ্বনি সমস্ত ভারতের একহার ইঞ্জির সভা। হে প্রভাগ শামি জল অপলাধ করেছি। দল্ল করে আগমি ভাষাকে দক্ষা করন। এই প্রথমধ্য ভগবনে। আগনার ক্ষান্ত পাঁঠৰ কথা না জেনে আমি আপনায় মতি প্ৰিয় ডাঙের প্রতি অপরাধ করেছি। হয়া করে আপুনি আমাকে সেই ক্ষপত্মধ থেকে মন্ত্ৰ কতুন। আপনি স্ব কিছুই কংতে

পালেন। মরকে বাঙ্যার উপযুক্ত ব্যক্তিকেও আপনি কেবল তাৰ জনতে আখনাৰ পৰিত নাম জগাহিত কনাৰ মাধাৰে ঠাকে উদ্ধান ককতে পাৰেন।"

স্থানান সেই ব্রহ্মণকে ক্ষেত্রেন—"আমি সম্পর্ণভাবে আনার উত্তের অধীনঃ প্রকৃতগক্তে আনার কোনই বাত্য দেই। বেহেতু আহার ভক্তর সর্ব্যালয়ের কর বাসনা থেকে মুক্ত, তাই আমি তালের হলতে বিলাপ কৰি। আমার সংকর কি কথা, বাঁৱা আনসা ভর্কের ভক্ত ভারার আহলে অভান্ত প্রিক। হে বিকর্মার্ক, বে সমস্ত সংস্থানের আনিই একজার আনার, ঠানের ম্বাস্থা আমি কামৰ ক্লিয়ে আনৰ একং প্রয়া ঐবর্য উপ্তেখ ক্ষাতে চাই নাঃ কাম কাচ বেহেড় উল গৃহ, পত্নী, সম্ভানপুতি, আতীয়সকৰ, ধনসন্দাৰ প্ৰফা কি ভাগেৰ ৰীক পৰ্যন্ত পৰিভাগে করে—শ্রীকের ইংলোকে একং প্ৰালোকে কোন প্ৰকাৰ জগ্ৰ-জাৰ্যতিক উন্নতি সাধ্যমের বাসনা উদ্দেশ্ব থাকে না, সেই প্রকরে ভারনের আমি কিতাৰে পরিয়াণ করবং সতী শ্রী বেভাবে দেবার মাধামে সংগতিকে ক্লীভূত করে, সর্বত্যভাবে আমার গ্রতি মানক সমষ্টিসম্পর ৩% উত্তেরও সেইতারে তাদের হাতির প্রভাবে আফরে প্রশীন্থত করেন। অনুনর ঘটনা আমার প্রেথমন্ত্রী দেবরে বৃক্ত আকার কলে সর্বন পরিস্তর, তাই ইয়া চার প্রকাশ মুক্তি (সাল্যেক্), সাজল্য, স্মানীলা একা সাম্ভি), কাম উপস্থিত ফলেও উলো জা একা করতে ইক্স কলে না। অভাবে ভালেকে উর্লিড আনি থনিজ ভড় সুকের কি আর কথা। এক গুলু সর্বদা আমার হমরে খারেন একা আনিও সর্বশা ওছ ভাতের शमरा খৰ্কি। ভকের বামকে ছয়া অন্য কাইকেও भएक न, व्यक्ति ठारम्द चुडा बाद किन्द्रे सामि ला।"

"হে ত্রামণঃ তোকর ফার্ডসমার উপার আমি তোৱাকে বলছি কৰে কর। সংগ্রীৰ মহারম্ভার চরতে খাপরাধ করার কলে ভূবি আর্থাইংসা করেছ। ভাই এক্স্পি তুরি তার কাছে যাও, বিকাশ করে । বারও তথ্যকথিত শক্তি কৰা ভাকের বিকাছে প্রবৃদ্ধ হয়, তথ্য अरमानकारीयरे व्यक्ति हर । यह जनस अरहान कहा हत তার বোন করি হয় ন, গকাড্রা, যে প্রয়োল করে ভারই অনিষ্ট হয়। রাজধ্যে গলে তপস্যা এবং বিসা खन्नादे कालकन्छ, लिख हर गालित क्लार नव नव.

তার পক্ষে এই উপদার এবং বিদার অভার ভারতর হয়। তালে কমেন্ করি। পুনি র্যান মহারাজ আমুর্বানতে _{প্রার্থ} হে **রাজ্যমেট**। তাই ভূমি একবি মহারাজ বাতাগের । করতে পার, তা হবে ভোমার পারি হবে ল পুর অস্থরীয় মহাবাজের কাছে যাও। আহি ছেয়ের

পঞ্চম অধ্যায়

দুর্বাসা মূনির জীবন রক্ষা

শ্ৰীল একদেৰ ফেলেমী বলনেন—"এইভাৰে ভগবান बीविकृत पारमान, भूनर्पन हरूका पाता मचल पूर्वाचा यूनि **छ९भनार श्र**पतीय प्रशासाकार काटक निरहरितम क्षेत्रर মতাত দুঃখিত টিয়ে তিনি উন্ন চরণে পতিত হয়ে উন্ন চালযুগল ধানণ কর্তাহলেন। দুর্বাসা খুনি জৈব চকা স্পর্ণ করার অথবীয় মহারাজ অতান্ত কলিভাত হতেছিলের ক্রেং তিনি খখন মেখনের দুর্বাস্য মুনি তার কর করতে উন্যত হ্রেছেম, তখন ডিনি কুপাবশত অভ্যক্ত বুঃবিভ श्याप्रिनन। अदेशास शिने छनकानत स्मदै यह बाउता উদ্দেশ্যে রুব করতে তরু করেছি লন।"

আপনি অমি, আপনি প্রায় শক্তিয়ান সূর্ব, আপনি সমস্ত জ্যোতিখের গতি চন্ত্র, আগনি লগ, ন্সিভি, আকশ্, স্বস্তু, পথ্যতন্মার (শব্দ, স্পর্ন, রূপ ও গছ) এবং আগনি ইন্দ্রিসমূহ। হে অচ্যতিহিয়া আগনি সহল অর সমবিত। হে জড় জনতের পতি, সর্ব জন্ম বিনাশক, শুরবানের আদি ইক্স, আমি কাপনাকে জ্যার সক্ষ প্রপতি নিবেদন করি। দল্ল করে জ্বলনি এই ত্রান্সগড়ে আত্রয় মান কমণা এবং তার ফাল বিধার সভাগ। ছে সুদর্শন চক্র। জাগনি কর্ম, জ্বগনি সভ্য, জ্বাপ্রি অনুপ্রেরণালয়ক কানী, আপনি বন্ধ এবং আপনি সকত যক্তকার ভোগ্ডা। আগনিই সমগ্র ক্ষপতের পালনকর্তা। এবং অংশনিই ঋগবানের হক্তে ঠার প্রম প্রভাব। আপনি জনবানের মূল ঈশ্বল এক তবি আপনি সুদর্শন

নামে পরিচিত। আপদারই কার্বের মারা স্ব কিছু সৃষ্টি হরেছে এবং ভাই আপনি সর্বব্যাপ্ত। হে সুনর্শন, খালনি খতাত মদশ্ৰম নাভি সমৰিত এবং ভাই আগমি সম্ভ ধর্মের বারক ও বাহক। অধর্ম-পরায়ণ অসুরানের প্রাঞ আপনি অওক ধুনকেতুর হতো। ব্যাতনকে, খাবনি ক্রিভবনের পালনকর্তা। জাপনি চিত্রা জ্যোতি সমন্তিত্ত আগমি মনের মতে মাডগামী এবং আগমি অন্ততকর্ম। আৰি কেবল সম্ভূত পদটি উচ্চান্তৰ করাও দ্বারা আগনাকে আমার প্রাচিত নিকেন করি। হে যাণীর পতি। জাপনার ধর্মমর তেরেকর মালে এই জনতের মামকার ব্রীভত মহারাজ অপরীয় কাকেন—"হে সুদর্শন হক্র: হয়েছে এবং সহাজনবৈর জ্ঞানের অ্যানোক প্রকাশিত হরেছে। *বর্তপ্*কে *কেই*ট আপনার জ্যোতি হাতিক্রম করতে পারে না, করণ প্রকাশিত এবং অপ্রকাশিত, ছল अवर मृश्व, छेरक्डे अवर निकृष्ठे यर किंडू चाननाईर ছোতির দ্বারা প্রকাশিত রূপ। হে অফিড। আপনি বৰন জনবানের বাজা প্রেরিড হন, ভবন গৈতা ও গলং সৈনাদের মধ্যে প্রকেশ করে প্রয়েশ্বে বাছ, উদয়, উক, পদ এবং মতক নির্ভয় ছিল করতে করতে কৃতকেরে বিরাধ কারের। হে জন্মাতা। ভর্বারের সর্বশক্তিমান অন্তর্ভাগে বল অনুধ্বের কিংলে করে। জন্ম আগনি নিযুক্ত হতেকে। আমানের কলের মনলের জনা বরা করে च्यानि और आचरना प्रकार विश्वा करूम। या रान নিশ্চিতভাবে জাহাদের সকলের প্রতি অনুগ্রন্থ করা হবে। च्यामारमञ्जू यहने यहने जननगरक प्राप्त करते थाएक, जन्मण a बचा कामुकेश करत शारण, मुद्देकारत वश्य कम्बेक्ट करव ল্লাকে এবং তথ্যস্ক প্রাক্ষণসাম ধারা পশ্চিমালত হতে থাকে, প্ত হলে কাহি কামল কমি বে, কম বিনিয়কে এই প্রাথণ য়ে। সুক্রম চয়েশ সভাগ থেকে মুক্ত হন। আহিটার লামেন্টা খগবান, বিলি সমস্ত চিত্তর ওপের জ্বলা এক क्षि मन्त्र श्रीत्वर व्यथा, रिके की वाबदात श्रीर श्रम हर बारका, स्त्र स्टान चामत कामन कति हम, बरे दावन দুৰ্বালা মুদি মেন সমস্ত সন্তাপ থেকে মুক্ত হন।"

श्चिम श्रेक (स.स. ८का प्रश्नी स्था (सम. — "श्वासन स्थान abutta मुमर्पन ठळा थेार कमराम दीविक्षा कर नर्गस्टाटास्य तमा श्रक तालाव खन्मटि धर्म दर्द कार हिर्मित, एका कीत छ। र्यनाम मुमर्पन इक नास प्रशासिकान क्षेत्र, हत्याम मूर्वामा भूतिएक मध्त कहा (१६०० মিত্র হয়েছিলেন। মহাশক্তিশালী মোদী দুর্বাসা মুনি সমর্গন চল্লেন্ড আগুন থেকে মুক্ত হবে শান্তি লাভ ক্রেডিকেন। ডানে তিনি মহারাভ অম্পর্টাবের ওপের প্রশ্বাসা করেছিলেন এবং উট্রেক পরম আলীবাঁর প্রথম कर वर्षकरणास 1⁸⁴

ভগৰত্বদের মাধ্যকা মূলন করণাত্র, করণে কবিও কামি হালরাধ করেছি, তবুও আপনি আমার মগলের করা প্রার্থনা করেছেন। খারা ভাত ভাতাবের ব্যতি ভাগতান প্রীচরিতে লাভ করেছেন, তাঁদের পক্ষে অমাধ্য এবং ভগরানের স্থলার ভিনি ক্যতে পেত্রন্থিকেন যে, তিনিও एडाका कि चारह। रीत शन्ति नाम जनर कड जानहे বীর নির্মণ হর, সেই তীর্থপাল ভগরদের ভক্তবের পক্ষে কি-ই বা অসন্তব হতে পারে ৷ যে রাজ্ঞা, আগদি আমার भभरत्य वर्षन ना करत खरूरत सीवन तमा करहरूर, ठाउँ অভান্ত কৃপাল আননার ছার আমি অনুগৃহীত হলাব। पूर्वामा पूनित क्रडहार्क्ट्स्स फानाव ताला किन्दी जाशह माजननि। छोरे मुर्वामा मूनि किर्द्ध व्यवन, अक्षा चीत्र स्टब्स পভিত ধরে তাকে দর্বতোভাবে সন্তট্ট করেছিলেন এক তৃত্তি সহকারে ভোজন করিবেছিলেন। রাজা এইভাবে পূর্বাসাকে সামত্রে জানায়ন করেছিলেন। পূর্বাসা বিভিন্ন বৰ্মন সুস্থানু হোহাৰ্য ভোজন করে এত নপ্তট হবেছিলেন বে, ডিলি বাড়ার আগরের সংখ রাজ্যকে বলেরিকেন, ^{"ব্}ঘা করে অগপনিও ভোজন করন।"

^শটে রাজন্, খাসি আপনার প্রতি অভান্ত সকর ংগছি। প্রধান আমি আপনাকে একজন সাধারণ মানুব

বল মন করে ভাগনর বাহিপা প্রহণ করেছিলাম, কিন্তু পৰে আৰি আৰুৰ বুডির হাত্র উপস্থাভি করতে পেরোছি বে, ভালনি একজন মহাভাগতে। ভাই কেবল মাধনাকে ক্রানের ব্যব্ত, আগনার চহণ প্রদানর ভারা এবং আগনার সঙ্গে কংখালকথনের বায়া আমি ঋনুগুর্হাত ও প্রীত ररहि। (परामनाका भागनाड निर्दश कीर्दि भनुष्का কীৰ্তন কৰুৰ এবং এই পৃথিবলৈ মানুহৰটোও আপনায় প্ৰম পাঁধৰ চাঁতৰ পান কলবে।"

द्धित उपलब्ध (पारामी कार्यमा—"प्रश्रामानी पूर्वात বাজন মহিলা কীর্তন কয়তে স্বৰ্তে অকালয়ার্গে ভ্ৰমপোৰে গৰন কৰ্বেছিলন। মেই ব্ৰহ্মলোকে কোন নাপ্তিক এক বছ মলেখে। সংক্রিক নেই। সহারাজ व्यपटीएका काह (थएक मुर्वामा युक्ति हरूम गाउहार शह থেকে কিরে আন্ত পর্যন্ত এক বন্ধা কঠাত হয়েছিল। বক্ষাও ভাতনির কেবলয়ের ভলনার করে উপবাস করেছিলেন। এক বছন পরে দুর্বাসা মুনি করন ভিয়ে পূর্বালা মূলি কালেন—"(ই রাজন্। আরু আমি একেছিলেন, তকা জ্বারাড অবর্তার তাকে অধ্যয় পরিত্র भागीतर व्या (ठाकम करिटाईक्ट्रिक अवर ४१० गर घटर ्राञ्चन कर्रावरतात् । जाना क्या (क्याता व्यक्त प्रतीत क्ड इत्रवात प्रशामिक (बार्क कुछ इत्याहन, फलन ঘত্যের শান্তশালী, কিছু তিনি সেই জন্য কোন কৃতিয় धर्म करवन्ति। ठिनि वस्त करवृद्धिमान **मन** किष् ভথকাই করেছেন। এইভাবে ভগবছনিক প্রভাৱে বিবিধ চিশ্বর ৩৭ সমন্তিত মহারাজ আবর্তীর পূর্বজন্ম ক্রম, গরহার্যা এবং ভাষানকে উৎপত্তি করেছিকের এক ভার হলে তিনি পূর্ণবালে ভাববৃত্তি সম্পাসন করেছিলেন। ষ্ঠার ভত্তির প্রভাবে তিনি এই জড় জগতের প্রকালোককে नर्रम् सहरू वह वह बहायिका 🖰

্তারণার, স্কানহাতির অতি উচ্চান্তরে উটাও হতানা करण बीच एक्सभागना विगति स्टालिल, त्यदि व्यवसीय মহারাজ গৃহস্থ-শ্রীকা কেন্টে কালার প্রহণ করেছিলেন। তিনি উনেই মধ্যে কোনস্থাৰ উনা পুত্ৰের মধ্যে উন লুজা বিভাগ করে নিয়ে বানপ্রস্থ অংশকা করে, জন্ম মন্ত্ৰে সৰ্বতোভাবে ভাগৰান বাস্থাৰে একাচ কথাই কাৰ্ बात प्रदेश करहिएका। करहाक समरीरका और गाँधा

नवत्र हुन

কাৰ্যকলাপের কথা বিনি সংসীতন করেন অংশা অনুক্রণ । সহজারে কারণ করেন, তাঁরা অচিবেই মৃক্ত চন ভাগন চিন্দ্র করেন, তিনি অবশ্যই স্কগবানের তদ্ধ ভক্ত হকে। ভগবানের ভক্ত হন।" ৰায়া মধ্যৰ ভক্ত অপুৱীৰ মহাৱাৰেৰ চবিত্ৰ ভক্তি



ষষ্ঠ অখ্যায়

সৌভরি মুনির অধঃপতন

শ্রীল ওকদেব ধোরামী খণ্ডেন—"কে মহারাজ পরীকিং। অপরীকের তিন পর-ক্রিকং, কেতমান ও শন্তঃ বিভ্ৰাপ থেকে প্ৰদাৰ মামক প্ৰেক্ত ৰাজ একং পুৰদধ্যে পুত্র হাধীতর। রাধীতর নিমেক্সন ছিলেন, ভাই তিনি মধর্থি অন্নিরকে তার করা সমান উৎপাধন করতে প্রার্থনা করেন। তার সেই প্রার্থনার অগিনা রখীভারের পদ্ধীর বার্ডে করেকটি পুরা উৎপাদন করেন। সেই পুরেরা সকলেই ব্রহাতের সম্পন্ন ছিলেন। রাধীতারের পত্নীর বর্তে জন্মহাত্য করার কলে উল্লে রখীডর খ্যোত্ত কিন্তু বেছেড় উরো অঙ্গিরার বীর্য থেকে উৎপদ হর্মেছলেন, ডাই খাঁরে থালিয়া গোটাও। রখীখনের সমস্ত সন্তানসের মধ্যে একই মেষ্ঠ, কামণ স্বাস্থ্যতা তারা ভিলেন अधिकार हैं।

"अनुस भूभ है फ्राइन । अनु सबस है छि (भू९) নিয়েছিলেন, তখন মনুগ নাসারত্র থেকে ইক্যকুর জন্ম হরেছিল। ইক্ষাকর একশন্ত পঞ্জো মধ্যে কির্কাক, নিথি बारर प्रश्नक हिरामा मुखा। कील बाक्यांड भूरतन प्रश्ना পঁচিৰক্ষৰ ছিয়ালয় এবং বিষয় পৰ্বতের সধ্যবতী चार्ककर्लंड नन्धि पिरक्षेत्र राजा स्टाइंड्लन। चना चंडिन्स्सम् श्रीतः चार्यस्वर्टकः श्रूवं सिर्कतः सामा स्ट्रासिटनारः এবং তিনমান জ্যেষ্ঠ পুথ মধ্যবতী ছানের রাজা **इरटाइरकतः अनाम्त भू(अक्ष) अमा इरटाव वाका** হরেছিলেন। পৌষ, মাথ এবং ফাছুন মাসের কৃষ্ণগক্তে थाँदेवी रिविश्ट विकास विकास के जिल्ला रहे और निरंत्रक

কৰন এই মাৰ্ছ অনুষ্ঠান কৰ্মন্তলন, তথন ভিনি উল লা বিকৃষ্ণিকে পীয় বনে পিটে পবিত্র মাণে আনচন কলাৰ বলেছিলেন। ভারণার ইক্ষাকুর পুত্র বিকৃষ্ণি বলে সিবে প্রাছে নিকেন করর উপকৃত বহু গত বহু করেছিলে। কিন্তু যখন তিনি পরিবাধে এবং কুলার্ড হতেছিলেন, তথ্য তার বিধেক লুক্ত হরেছিল এবং তিনি একটি নিহত প্রথম क्षक करवहिराजन। विकास स्वयंति सारम नामा ইপার্ককে নিয়েছিলেন এবং ইপার্ক স্বেচনি পরিবীকরণের 🕠 জনা বশিষ্ঠাকে প্রদান করেছিলেন। কিন্তু বশিষ্ঠ ভংগালাং থকতে পেরেছিলেন যে, সেই জানের এক জাল বিকৃষ্ণি ইতিমধ্যে ভক্ষা করেছেন। তাই তিনি বলেছিলেন সেই মাংস প্রাছের উপবৃক্ত নর। দ্রজা ইক্ষাঞ্চ যথন বলিটের কাছ থেকে জানতে লেগেছিলেন তাম পত্ৰ বিকৃতি কি করেছে, তখন তিনি অভাগ্ত ক্রন্ত হয়েছিলেন। এইভাবে বিধি লঙ্কন করার ফলে তিনি ভার প্রকে দেশ থেকে নিৰ্বাসন দিয়েছিলেন। বহারার ইক্ষাক মহাতক্তমানী ব্রাজাপ বনিষ্টের সঙ্গে তত্ত্ব আলোচনা করে বৈরাণ্য গাওঁ হরেছিলেন। যোগগলে ডিনি ভার মের ভাগ করে পরম সিদ্ধি লাভ কবেছিলেন। ওঁজা লিভার ভিরোভাগের পর विकृषि उप्रथा विक्र बहुन, प्रश्ना दक्क और गुधिया गामन कर्जिहरूका अवर विविध स्था चनुकेरना दाता समयागा প্রসায়তা বিধান করেছিলেন। বিকল্পি গরে শশাস নার্মে বিখ্যাত হয়েছিলেন।"

"শশাদের পর প্রথম বিদি ইন্তাবাহ এবং কথনত-করা হয়, ভাকে বলা হয় ঘটকা-প্রাথ। মহারাধ ইকাক । বা করুংখ নামেও পরিচিত ছিলেন। তিনি যে যে কর্মের _{মান্তি} এট সদস্ত লাল প্রাপ্ত হয়েছিলেন, তা আলার কাছে श्रुवं काल्य। न्यूर्व (संदर्ध क्यारे सिकारमव संदर्भ क्या ক্ষরতার বৃদ্ধ হয়েছিল। সেই যুক্তে পরাক্তিত হয়ে নেতালা পুৰঞ্জনকে উল্পন্ন সভাবকৰেশ ৰূপে করেছিলেন। পৃত্তমান ('পৃত্তপুৰ্ণ) নত্তৰ বিধানত হন। স্তুচৰ, জলিকাণ্ড লভালের পুরী ফল্ফ করেছিলেন কলে এই বীরের নাম प्राचीका गुराक्षा । गुराक्षा व्यामहिरमा (६, देश की देश क्षा हो, ख हरन दिनि नमस् रेनशान्त्र विका कररूर Gas বর্ষণত ইন্ত এই প্রস্তানে সম্বত ক্ষমি। তবে পরে बारात श्रीविकृत चारमध्ये देख वाची इरहिस्ता कर इमानिएटर भूत दुरमान। कुटमान चन्त्रक हिस्ता कर এক সংস্থিতাৰ নামৰ করে প্রশ্নস্কর সাহন হয়েছিলে। ক্ৰমণত হৰে বৃদ্ধ কমতে অভিনাৰী পুনন্তম একটি মিন্ত _{হবু নাৰং অভি ক্ৰীক্ষ বাদ প্ৰহণ ক্ৰেছিলেও একং} ক্ষেত্ৰাকে হাৰা প্ৰশংকিক হাৰে তিনি বুংলা (ইজেৰ) পৰে আলোহণ করে তীয় ককুনে উপনিষ্ট হয়েছিলে। তাই তার বাম হয়েছিল ককুৎখ এক ইয়া তার বাহন হরেছিল মলে তিনি ইস্রাধাই লামেও পরিচিত হরেছিলেন। পালের। পরায় পুরুষ ভাগরান জীবিষুদা শহিন্তে আবিষ্ট উপ্তৰ্ভ দেবণৰ পৰিবৃত হয়ে পশ্চিম দিকে দৈওপুৰী। ব্যক্তমন করেছিলেন। সৈত্যাদের সলে পুরুষয়ের তমুল বছ হবেছিল। লোমহর্শপঞ্জনক সেই ভরকর বৃত্তে বে সমস্ত দৈতা ওঁরে সম্মুখীন হয়েছিল, পুরব্বর ওঁরে ওঁত্রের দ্বারা আছের ব্যালয়ে প্রেরণ করেছিলেন। কুলারের প্রস্তুতি সদৃশ ইন্দ্রবাহের স্বস্তু বাদ খেলে অব্যাস্থ কাল কৰা যে সাংগ্ৰ দৈতা ঋণশিষ্ট কিছ, কাল উভাৰত ভালের নিবা আলরে পলক্রেম করেছিল।"

"नकरवर कर काल श्रामार्थे जुरुक्त नकरवर ধনসম্পদ, স্ত্ৰী ইত্যাদি সূথ কিছু বন্তুপাপি ইন্সকে ফল ব্যান্থিকে। সেই খানা তিনি পুরস্তার মামে বিখাতে হল। ক্ষেত্রৰ পুরুষ্য উল্লেখিটের কর্মের স্থায়া ভিন্ন ভিন্ন ক্ষে অভিহিত হয়েছিলে। প্রশ্নায়ের পর অনেন, আনেনার পুৰ পুদ্ধ এবং পুদুৱ পুত্ৰ বিৰুগন্ধি। বিৰুগন্ধির পুত্র চঞ क्यः एएडव मुख्य वृद्धान् । श्रुवनात्त्रात्र भूत सारवः, विनि व्यवही गुर्वी निर्मान कालकितानः। अतास्त्रत गुरु कुरमा ৰ্বন খার পুত্র কবলারখ। এইভাবে সেই বংগ বর্ষিত ব্যবহিন। সহবি উভাগের সম্ভানী বিধানের কনা, বাতাও শক্তিশাসী কুমধারাম্থ ধন্ধ নামক অসমতে ধন্ধ করেছিলে।

িতিনি ঠার একবিংশতি সহয়ে পুরুত্বে সঙ্গে বিলিও ছটে মেই কাৰ্য সম্পাদন ৰাপ্ৰছিলেন ^ল

"টে বহারাক্র গরীকিং। সেই কারেল কুবলবেণ্ড এক ডপ্রান, এই ভিনয়ন ব্যতীত উরে সমস্থ পুত্রই পুস্কুর সুখালির দ্বারা ক্রখীভত হন। দুরুদ্ধের পুত্র হুর্বের, হুর্বের পুত্ৰ নিৰুত্ব মামে বিখ্যাত। নিকৃত্বেণ পুত্ৰ বহুলাখা, ব্যমাধের পুর কৃশাৰ, কৃশাধের পুর ক্লেরজিং এবং তাই তিনি গ্রন্থ-আন্তম থেকে অনসর প্রহণ করে মান পক্ষ করেছিলেন। কুনোর ঠার একনাত পর্বাস্থ্য বলে গমন করগেও ভারা সকলেই শভান্ত বিষয় ছিলেন। বিশ্ব বন্ধে মরিয়া রাজ্যর প্রতি অত্যন্ত কুলালরাংশ হতে, সমাহিত হিতে ইক্সমা অনুষ্ঠান করতে তক্ত করোখলেন, যাতে ব্ৰয়ো একটি পুরসন্থান লাভ ভরতে পারেন। अक्सिन क्रांध क्रका एकार्थ रख मकानवरण अर्थन करत শেশদের যে, প্রাক্ষণের শঙ্কা করে রজেকুর, তথার তিনি উমা পড়ীর পানের নিমিত রঞ্জিত মানত জল নিমেই পান ৰয়ে ফেল্ফেন। প্ৰাক্তেম্বৰ শক্তা খেলে উখিত হয়ে বন্ধা দেখাকন বে, সেই জানের কল্স শুনা, ভালে উলো বিন্দাস কর্মেলেন—গুলোপন্থির কারপ্ররূপ এই জন ले श्रीने क्टाएक है बाकारपदा क्यान क्यान्टर शांतरहार (द. দৈৰ কৰ্তৃক অনুপ্ৰাণিত করে রাজ্য সেই ভাগ পান करतरका, छच्य फीला बरशहिरका, "बाधा: देख काहे প্রকৃত মা। প্রয়েশকাে শক্তি কেউ পরান কাচে পারে মার্ট এই বলে তারা ভগবানতে উল্লেখ্ন সম্রাভ প্রণতি निरामन करविष्ट्राजन ("

"ভারণয় বধাসময়ে কুংনাখের জীকন কুজি তেন করে সমস্ত ব্যৱসাকৰ সমধিত এক পুত্ৰ অসংগ্ৰহণ করেছিলেন। নিভটি হবন স্থান্ত পান করার ক্ষার ইন্দর করতে লাবল, তথ্য সহস্ত বাস্বংখনা জভাত দুৰ্ঘণিত হতে ব্যক্তিকেন, 'কে এই শিক্তিকে পাশল করেবেং' ভাগন ৰলে আরাধিত ইউ সেই শিশুটিকে সক্ষেন দিয়ে বলেছিগেন, 'হে কলে। ক্রমন করে। তুনি আবাকে গান কর ৈ এই বলে ইণ্ড উন্ন কর্মনী লিডটিকে প্রদান ক্ৰেছিলেন। সেই শিশুৰ পিতা বুকনাৰ প্ৰাক্ষণদের

আশীর্বাদে মৃত্যমুখে পড়িত হননি। সেই বলৈর পর তিনি উপস্যাৰ ফালাৰে সেই স্থানেই সিদ্ধিলাভ **क्ट्रक्ट्रिंगन । प्**रनार्यात ग्रंड घरधाडा स्टब्स उत्तर बाताना মস্য-ভাষারদের করের করেন হরেছিলেন। 🔅 বহারক পরীকিং। বেহেড় তারা শুর ভরে অভান্ত লীভ ছিল, তাই ইয়ে তাঁকে ক্লেক্ষ্যা নাম দিয়েছিলেন। জালালের क्षाप पुरुवारपत्र गृज जरुरे गरिएगानी इरहिस्तन (व. তিনি সংঘীণ সমন্বিতা পথিবীর একজন সম্রাট হরে পুথিবী পালাধ করেছিলেন ৷ বজীর হার, মান্ত, নিহি, रक्षमान, विदेश, स्थापन, रक्षमुधि अन् भरवात काल থেকে ভগবান অভিন্ন। সেই অভারিয়া, দর্বভর্মারী, नर्वरस्यक क्यानुक्रम निकारक व्यापाठश्रक्ष जावाठा আরাধনা করেছিলেন। তিনি ব্রাক্ষণদের প্রচর কবিশা দানপূৰ্বক থকা অনুষ্ঠান কৰে ভগবালেও আৱাবনা করেছিলেন। বেখান থেকে দুর্গ উলিভ হয়, উজ্জ্বভাবে किश्न विरुक्ष क्या अस्य क्यांटन क्यांटिक इस लाई সমান্ত স্থান বৃধনাৰের পুঞ্জ থাভাভার প্রান বলে ভথিভ হও। মাজাতা পশ্বিশুর করা বিশুমতীয় থার্ডে প্রথান্য, অখ্যীর এবং মহাবোগী ফুকুল এই তিনটি পুর উংপুদন করেন। এই তিন ব্রাত্যর পঞ্চাপটি ভগ্নী মহর্বি সৌভবিকে পভিয়ে বরণ করেন। সৌভবি ধবি হখন रमुनात करन नियम रहा स्थलेस छन्छ। क्राहितन, छन्न छिनि अस वर्था-विद्यात देवपुनकतिक स्वान वर्षा बद्ध रेमपुन्तमन्त इस अवर वाका मानाटात काठा शिक्ष कीट धकि कमा शर्भमा करान केत और कमराहर कुला ষ্ঠাকে বলেছিলেন, 'হে ব্রহ্মণ, আমার বেকোন কন্যা আপনাকে স্বাংধেরে পতিকে বরণ করতে পাতে।"

শৌভারি বুনি বনে যনে ক্লিজা করেছিলেন—"আমি বার্যক্ষের কলে জনাতান্ত, আমার কেল পশিত, আমার (मरहर हर्वे इस १८४८६ क्या चामल महंग क[ि]नाट ছর, তার উপর আহি একজন বোরী। তাই আহি রমশীদের অধির। রাজা থেতের জ্ঞাতে এইভাবে প্রত্যাখ্যান করেছেন, আমি এবন রূপ থানে কারে বে, এই অধ্যাপ্তন দর্শন করে নিকা লাভ করা। এক-

ব্যৱস্থলানের সমৃতিকালী অন্তঃপুরে নিয়ে পিয়েছিল। প্রমান্ত্রন রাজকনাই কবন ওঁতের ভাতের আভার 🖦 करवाहरू । कार भन्न वास्थ्यभागा स्थाप्तीय प्राप्त प्रकृत অকৃষ্ট হয়ে, পরস্বরের প্রতি ভটাবং বেরের স্কর্তা ভৱৰ করে অনুহ করতে ওক কর্মেক। ভার প্রত্যাক্ত सावि करविष्टा, 'अपे जुलव स्थामात्रहे छेलवुटा, (ठाइक मा।' अविकारन चारभड महाम प्रशासनाव चेनाहरू হয়েছিল। শৌভৰি মূনি বেহেতু মন্ত উচ্চাৰণে স্বভাৰ কৰ ছিলেৰ, ভাই তাৰ কটোৰ ফগতান প্ৰভাৱে তিনি चक्ता भीताम, चनका, मुनन काटन मॉक्टर नाम-माने न्त्राविध छैनका, निर्वत सन विनिष्ठ महावदा अवर केराव সমন্ত্ৰিত অভ্যন্ত সমৃদ্ধশালী সূত্ৰ প্ৰথট কৰেছিলেন। সেট সমস্ত উদ্যান বান্যবিধ কুলের সৌরতে পূর্ণ ছিল এক পাৰিকে কুজন, কমৰের ওঞ্জন এবং বনিবেশ্ব স্কীতে জরা মুখনিত বিল। স্টেডেরি মুনিঃ ককা নহয়, খাসন অসমান, প্রাচার উপকরণ, চন্দা আদি আনুস্থেন্ কুলের माना कर मुचान काकामत्य पूर्व दिन। क्रीकार মহাধার প্রথম সুমোলিক হার সৌহারী কবি ওয়া পরীক্র স্থ সংসাধ সুপে স্থা হয়েছিলেন। সপ্তবীপ স্মানিত পুনিবীর অধিপতি রক্ষা মাছাতা সৌভরি মুনির গৃহস্থানির নাধৰ্য দৰ্শন কৰে আন্তৰ্যাখিত হতেছিলেন। তাৰ কলে , তিনি সামা পৃথিকীৰ সভাট হওয়াৰ পূৰ্ব পৃথিত্যাৰ করেছিলেন। সৌভারি খুনি এইজাবে মত ইভিয়ন্ত ত্বীৰ্মান কৰেছিলেন, কিন্তু অধিয়ামে ব্তৰিশ্ব বাল কেনাৰে আজন কৰনও শান্ত হয় বা, সৌভৱিও তেমন্ট সম্ভট হতে পারক্ষে যা। ভারপর একধিন হয়চার্য भौरवति सुनि अपन निर्वाटन वासवितालन, छन्दन दिनि विका কর্মেছদেন যে, মৈথুনরত মধ্যান্তর সংসার্থের মধ্যে উন্ন च्यान्यस्य स्टाइ। साराः भाषकातानित नमस विध-নিবেধ পালন করে প্রতীয় আলে রুপান্তা কথার সমা रियम्बरक अध्यान जन क्रकारन चारात वीर्घकारण ভগদার কল কিন্টে ছরেছে। সকলেইে ফর্তন আমর সালকন্যাদের কি কলা, দেবাসনারাও আমাকে কামনা। লগতের বহুন থেকে মুক্তি লাভের আকারকী বাভিত্র করে। তারপর সৌতরি মুদ্দি এক অতি সুকর মৃথকে। করণ্য কর্তনা হকে মৈধুন-পরারণ ব্যক্তিদের সম বর্ধন পরিপত হয়েছিলেন। প্রানাদের প্রতিহারী শ্রুকে করা এক ইন্দ্রিওলিকে বাহা বিহরে (দর্শনে, রবং

স্কালিক বিধারের আলোচনাম, বিচরণে ইডামিল্ডে) নিত্রত এইভাবে তিনি প্রকৃত্বভারের কিছু কারা অভিবাহিত _{যা সংগ্ৰ}। নিৰ্মন স্থামে কাম কৰে মনকে সম্পূৰ্ণকাল কৰেছিলেন ছিল্ল ভাৰণৰ তিনি স্বাভাগৰ ভোটোৰ ইকি ule अब करता हत, को रहन हमदे चानामं चन्छानिक _{একি}নেরই কেন্সে সাম করা উচিত। সধ্যে আমি এক। করেছিলেন। তান্ত পতিরতা পত্নীগল উল্লেখন ব্রোলির ওপসা অনুষ্ঠান কর্মাকাম, কিন্তু পরে নৈতুলরত অনুষ্ঠিতার, কারণ পতি ব্যক্তিত ভার উল্পের কোন আরাহ ত্রপোরে সাম প্রতাবে আগার বিবাহ করার বাসনা বিভা না। আত্তবিং সৌভরি মুনি মসে বিবা কঠোর প্রবেছিল। ভারপর আমি প্রকাশকন পত্নীর পতি। তপদ্ম করেছিলে। এইডারে মৃত্যুর সামা তিনি অফিসর _{প্রমাধিকান} এবং তালের প্রভাবের পর্তে একশন্ত পুর আত্মতে প্রাহ্মতার দেয়ার নিষ্ঠ করেছিলেন। হে हर्रशास कर्र्वाहराज अवर कार करन कार्या कार्यात और शाक्षात कर्राताल भट्टीकिश। एउएस्ट माँउस कार्यात्रक विविध পর্যালেকে আমার কড়সুখ তোগে বাসনার কর নেই। সকল হয়েছিল।"

জনা তিনি বানচত্ব-ভাতম জবলম্বন কৰে বনে গমন en ছারাছে। সভা প্রকৃতির ওপের প্রভাবে আমি দর্শন করে, সৌভনি বনির পরীয়াও তাঁর আধ্যাত্তিক লগ্যপতিত স্বামন্তি এবং মনে করেছি যে, এই জভ্ত পক্তির প্রভাবে, অভিনিত্তা বেছন নির্যালয়ার অভিনে সক্ষে _{কোনেই} আমি সুখী হয়। এইভাবে ইয়লোভে এবং - বিনীম হয়, সেইডাবে ভারত চিং-জগতে প্রথম করতে



সপ্তম অধ্যয়

মাদ্ধাতার বংশধর্গণ

ন্ত্ৰীল ভক্ষেৰ গোণ্ডামী কালেল—"ইনি অগবীৰ পিতা। বিবছনের পত্র সভাবত, যিনি বিশব নামে দায়ে বিখ্যাত, তিনি যাম্বাভায় পুরনের মধ্যে শ্রেষ্ঠ। এই বিখ্যান্ত হরেছিখন। এক প্রশাহনর করার বিবাহের সময় অংশীৰ পিতামৰ ব্যৱাপ কৰ্ত্ত প্ৰৱংগ পৰিগুলীত হয়েছিলেন। আগবীবের পর টোনেশে এবং শৌননান্তে পুত্র হারীড়া স্বাস্থ্যতার বালে অস্থরীয়, হারীও এবং প্রভাবে তিনি লগ্নীরে বর্গে গমন করে দেবতারের বৌৰনাথ শ্ৰেষ্ঠ। নৰ্মদাৰ লডো সৰ্পাণ নৰ্মসাকে পুৰুত্ব হয়ে সম্প্ৰদান মহেন। বাসুকি কৰ্মৰ মেরিফা বল্লে সর্মান্য প্রকৃতসভা পাতাকে বিশ্বে ক্ষণ। ওাকে মঙলিরে আকাশে কুলতে দেখা বাং।" রসাভাল প্রকৃৎস ভাগরন শ্রীধিখন পভিত্র ধরা জনিষ্ট ইয়ে বধার্য সম্বাদের সংহার করেছিলেন। পুরস্কৃৎস সর্গদের করে থেকে এই বর লাভ করেছিলেন বে, এই ইতিবয়ে শ্বরণকারীদের সর্গতির থাকরে মা। প্রকর্তমের পুত্র অসদল্যা, বিনি ভিজেন জনরপেরে পিডা, জনগণ্ডর পুত্র ইর্মন প্রক্রেপের লিভা। প্রাক্রণ ছিলেন ক্রিবছনের

তাতে জিন্দু হলে করেছিলেন বলে, তার পিতা তাতে চতালর প্রার হওবার অভিনাল মেন। লার, বিভামিরের প্রভাগে তিনি অধ্যালভিত হজিলেন, কিছু বিশামিত্রের থ্যাল্যবালয় প্রভাবে তিনি আংগতিত হননি, আডও

"রিশ্বর পর হরিশ্বর। এই হরিশ্যক্রর দিবিত্ত रिचारित अंक विनासेट भाषा कर वर्ष काली कुछ हुछ। টারা গভীয়ে রালান্ডরিক হতে প্রাণানের সলে বৃদ্ধ करर्राष्ट्रांगम् । इतिगत्त्व निरम्बान हिरलम बर्गा प्रर्थम অভার বিষয় থাকাজন। ভাই একদিন নাজ্যার উপলোপ তিনি কলপের পরপাগত হতে তাকে বংশছিলেন, 'তে প্রভাঃ আমরে কেনে পুত্র নেই। খাপেনি কি লয়া করে भावारण अभवि चुन मान करायकः हो।

প্রার্থনা করেছিলেন, 'য়ে প্রস্থা। আমার মনি একটি পুর হয়, আ হলে সেই পুরের খারা আপনার পদ্মতি বিধাবের জন্য আমি একটি বয়ে করব।' হরিণজ্যে সেই কল মানলে বঙ্গণা উত্তর দিয়েছিলেন, "ভাই ছোক।" ধালণের। বৰে হতিশ্ৰুপ্ৰের গোহিত নামত একটি পুরের স্বাস্থ ইয়েছিল। ফারণার, পুরের আরু হপে, কম্প হরিশ্চন্তের इतिन्द्रक स्टाहिएका, 'शक बाटवह शह माधिन शह स्टाह পশু মুক্তের উপযুক্ত হয়। পশুনিন পর বরুপ আধার হরিত্র উত্তর নিরেছিলেন, 'পতন কর্ম দর্জেনপম স্যা, হরিক্তের করে কিয়ে এবে বলেছিকেন, 'একন পাচর কিন্তু ক্রিন্ডের ভিতর মিয়েছিলেন, "বৰ্ণন পথর দত্ত পুনরায় উম্পত হয়ে, তথ্য তা ৰজের করা পরিও হবে।' भूमताक बरलत सन्ताम एरम काल करन रविभाग्यास খলেছিলেন, 'এখন তমি হল খনতে পাব।' কিছ হতিভাৱা মলেছিলেন, 'হে রাখান, যজের গণ্ড রখন ক্ষরিয়া ইট এবং কৰচ বছন কৰে শতৰ সূত্ৰে কুছ করতে সমৰ্থ হয়, তথ্যই ভা পৰির হয়।" হরিশ্যন্ত তার পুরের প্রতি অভ্যান্ত অনুবক্ত ছিলোন। এই লেহেৰ বলে ভিনি সেই ঝানের প্রতীক্ষা করতে লাগলেন।"

"বোহিত কুলতে পেনেছিলেন যে, ওঁরে শিতা তাঁকে হলে পশুৰ মতো নিবেদন করকো। ভাই, তিনি তার शांक प्रकार करा बन्दरीय शांत्रय करत दर्ग कार्य

- সংবাদ্যালয় ব্যাহিত মধন জানতে প্ৰান্তন্ম তা মানবাস্ত হওয়ায় ওয়া নিওয়া উমর অন্তর্গ বলিত হয়েছে "হে হতারাক্স পরীক্ষিত। হরিপজ্য বরুপের কাছে। শুকা হিনি রক্তধানীতে ফিরে ভানতে চেংযাহিলের ভিত্র create the dice faces ecolepast a create but লোহতকে বিভিন্ন পৰিম তীৰ্মে পাইটন কলাও উপজেল बिहरविद्यान, कारण और अकार सार्वकारण अवणाडे जांच्या। সেই উপদেশ অনুসালে জাহিত এক যানা বান ক্ষম করেন্দ্রের এইডাবে বিভার, তৃতীর, চতর এবং পাছত বতার অভিবাহিত হলে, রোহিত কথ্য রাজধানীতে ক্রিকে কাছে এনে বলেছিলেন, 'একা ভোমনা পুর হাচেছে। এই বেডে চের্বেছিলেন, কবন বেনকাছ ইয়া এক বছ প্রের মার তথ্য আমার বন্ধ কাবে বালভিনে, অতথ্য প্রাথবরূপে, পূর্বোক বাকের পুনকতি করে তাতে এই পুরের খারা ভূমি ক্ষমের কল কর।' ভার উন্তবে প্রাক্তখনীতে কিরে বেতে নিবের করেছিলেন। ভারগর ক্ত বছৰ বনে ক্ৰমণ কৰে কোহিত ভাৱ লিভাৰ क्रकश्रामीरक किरत ब्रह्मकिरमन। किनि धावीशरकी का হরিক্তরের কাছে এনে বন্ধক্তে, 'একা ভূমি হল কর।' থেকে শুরু হত্য পুত্র ক্তাংশককে ক্রছ করেছিলেন क्षा करण करण करण भरावारण निरंत्रण करण करा কাৰ ছো বালের কার পরি। হয়।" বরেরবাম হালে বরণা কার পিতা ইনিকস্তাকে প্রদান করে প্রণায় করেছিলেন। এলে হতিভাৱতে বাদ্যালন, 'এলা পশুর দত্তোদগম ভারনার, ইতিহালে মইং ব্যক্তিকের মধ্যে প্রসিদ্ধ রাজ্য ইতেছে। 'অন্তর্পন এখন কলা কর।' হরিপট্রপ্র উত্তর হুকিপট্রপ্র নর্মের বজার বালা করণ আদি দেবতাদের निरविद्याल, "तका वह नमूद निर्मार्थक इत्य, क्यान व अनवका विश्वास कटवविद्यालन। वाहे कारच यकत्यव খন্তের উপযুক্ত খ্রেট বছ নিগতিত হলে বছুগ অস্তোধের ফলে উর যে উস্কী রোগ হরেছিল জ থেকে তিনি যুক্ত ইয়েছিলেন। সেই নরমেধ বড়ে পদ্ধ পশ্চিত হয়েছে, অভগ্ৰহ ভূমি কল অনুষ্ঠান কর।' কিবমিয়া হোডা, আক্তান্তকা অমগত্তি ফেব্ৰেটাৰ হয় উচ্চাঙ্গকারী) অধ্যর্ভ, বশিষ্ঠ প্রধান প্রাথপ পুরোহিত এবং ৰাৰ অভানা সমেবেদের হয় উচ্চারণকারী উদলাত। হরেছিলেন। হরিশ্চজের প্রতি অত্যন্ত প্রসর হয়ে নালা ইপ্র তাকে একটি বর্ণনির্মিত রখ উপহার দিয়েছিলেন। विचामित्रका भूगामक कथा शनाम कमारणात्का मार्थाण ষ্পতি হবে। সন্ত্রীক জন্ম হরিক্তরের সভ্যবাদিতা, বৈর্থ अबर मात्रशहिका स्थान करत, विश्वाधिक चाँएक मनुबा-জীবনের উদ্দেশ্য সাধনের অন্য অভার জন গন সঞ্জানেবকে প্রতীক্ষা করতে বলেছিলেন। করণদেবও করেছিলেন। হরিন্দলা প্রথমে জন্মুন ভোগের বাসনান পূর্ণ হয়কে পৃথিধীসহ একীভূত করে পরিত্র করেছিলেন। ভারণৰ পৃথিবীকে জনসভূ জনকে স্থানিক, আমিকৈ বাৰুসহ এবং বাহুৱে আকাশসহ এবীড়ত ব্যেছিলেন। তাৰপৰ ভিনি অকাশতে সম্প্ৰথে এবং সম্ভৰতে

লাগানিক আলে এক ছব করেছিলেন। এই আন্যাহিক সেবার বৃক্ত হরে হবিশন্ত সমস্ত চাড় বন্ধন থেকে हानि हर्ण्य क्षत्रसंत्रक व्यवनारम च्याम क्षेत्रमांत, अरंदरावात्व क्रुक स्वाहित्यन।" প্রার্থন এবং পর্যাক্ত রাজনেও ভারতার এবং ভারতার



ভগ্রান কপিলদেবের সঙ্গে সগর-সন্তানদের সাক্ষাৎ

চরিত এবং ব্রিছেন পুর চম্প, বিদি চম্পাপুরী নামক । মহালক সধ্য থপানের মধ্যের বারা প্রত্যেব, তত্প্রাণের अवी निर्दान करावितान। हर् अस मुख मृत्स्य बदा देख পুর পিরার। বিষয়ের পুর করাক, ভরকের পুর কৃষ্ণ করেছিলেন। কিছু দেবরাত ইন্দ্র হল্পে উৎসর্গ করের এক কুকা পুত্ৰ ক্ষত ে বাজা বাংকের শতকা উন্ন বাজা অপ্তরণ করে নের এবং ভাই রাকা ব্নপ্রায় করেশ্যন করে তার পরীসহ বনে গমন করেছিলে। বন বাসে। বহুকে মুকা হয় এবং উল্ল এক পত্নী কৰু সভীপ্ৰধা অনুসরণ করে সহয়তা হতে চেয়েছিলেন, তথন উর্গ বুনি উাকে বর্ডবর্তী জেনে সহস্করা হাঙে নিবেধ কর্তোছদেন। বাবে-পর্যায় সল্টোরা উাকে গর্ভবতী জেনে তান খায়ের সঙ্গে বিশ্ব প্রধান করেছিল, কিন্তু সেই দিল কার্যকরী হয়নি। পক্ষতেরে, সেই বিবসহ ভার পুরের জন্ম হয়েছিল: ভাই জিনি সদত নামে নিখ্যত ইনেহিলেন (भार व विकास सेव समा क्यारहा)। जनत भारतरीकारम সম্রেট ধ্রেছিলেন। প্রস্তাগর নামক স্থান ওঁরে প্রদের পার রচিত হরেছিল। মহারাক্ত সভার উদা ওজনের উর্নের নিৰ্দেশ অনুসভাৰ ভালভাৰৰ, বছৰ, পাৰ্চ, হৈছো, বৰ্জা আদি অগন্তা আভিয়ের বন করেন্দি। পঞ্চান্তরে, তিনি ভারের বিকৃত কেশধারী করেছিলেন। ভালের মধ্যে কোন আতিকে যুক্তিভয়ক্তক কিছু সাঞ্চধারী, তোল জাতিকে মৃক্তকেশ, ক্ষেত্ৰ জান্তিকে অধ্যন্তিত, কোন জাতিকে শ্বৰ্ণস্থিত এবং কেনে স্নাতিকে বহিৰ্ণস্থিতীৰ क्रिक्टिंग व्हेसार प्रश्निक नगत शास्त्र का ज করে, ভিন্ন ভিন্ন ভ্রমান্তর জন্য ভিন্ন ভিন্ন কেন নির্মারণ

প্ৰান্ত প্ৰকাৰেৰ গোপামী ৰদাদেন—"বোহিতের পূঞ্জ করে কিবেছিলেন। মহর্বি উচৰে উপাদেশ অনুসাতে नवमान्त्र अन्य स्टब्स्ट उपयोजन अनवास्त्र विधान ্ছৰ অপহলে কর্বেচ্ছেন। (ছাঞ্চা সমানের সুমতি এবা ্বেলিনী নামী পুট পত্নী ছিলেন।) কা এক ঐক্টের ৰৰ্বে পৰিত সুস্তিৰ পুৱৱা ছাঁচাৰ পিতাৰ আন্দেশ অনুসারে অপহার অধ্যে অংহরণ করতে করতে সারা भृषिती अन्य कर्तावरकतः। छात्रभतः छत्तः भृदेशिकः মণিশ মুনিৰ আন্তাহের সন্নিষ্ঠাট ওঁনো অপটিকে দেখাক লেরেছিলন। তথন উলো ফর্লেছিলন, 'এই ব্যক্তিটি चन चन्द्रस्थाती क्षता । त्य इक् श्रीत्र क्षत उत्प्रात **ंहे ब्हानानीत हुआ का: ब्रथ्म कर।** धेरेशान हिरकात कराय कराय मधारात करि शाकात जुल केएसर অস্ত্র উদ্যান্ত করে কণিল বুনির অভিমূধে ধাবিত হয়েছিকা। খুনি তথা খার ১৯ উত্তীপত কর্মেছকা। দেৰতাক ইংলেৰ প্ৰভাবে সদাৰ পুত্ৰবেৰ বৃত্তি দিনট ব্যাহিক এবং ভাই ভাক্স একখন মহাপুৰুৰকৈ অপ্ৰস্থা করেছিলে। তার কলে তাঁলের নিকেনের শরীরের অধির হার তারা ভংগলাও ভাগানুত হয়েছিলেন। তেওঁ তেওঁ বলেন, মহাভাল সগরেষ পুরের কলিক মুনির চৌধ থেকে নির্বাচ ক্রোধার্টির ছরে ৯% হরেছিলে। কিন্ত হলক্ষমী ভরবেশ্ব পুরুষেরা সেই কথা অনুযোকা করেন না, কালে কলিল ফুনির দেই গুড়সকুমার। অভারে সেই পেত্র অফ্রেণ-কনিত ক্রেম্পের প্রকাশ হতে গতে বা।

ঠিক বেজন নিৰ্মণ আকাশ কৰ্মণ্ড পৃথিবীয় বুলির ছালা क्लविक इरक शास मा।"

"কৰিল মুনি এই ছড় ভাৰতে সাংখ্যালনৈ প্ৰবৰ্তন করেছেন, বা কবসমূদ্র পার হওছের এক সুসুত্ নিকিন সদৃশ। ব্যৱহণকৈ, যে বাঞ্চি এই ভবসমূহ উর্ভূপি হতে भाजही, किने क्षेष्ट वर्णत्मव चालह शहन कवरक भारतन्। মতএই চিন্তা ভাৱে অধিভিন্ন এই প্ৰকাৰ একমান গুরুলানী মহাপুরুষের পক্ষে পর্জনমিরের তেমপুষ্টি কিলাবে সত্তব লগার ইহারাকের অসমভাগ নামক এক পুর ছিল, বাদ কল হজেছিল রাজার ছিতীয় পদী কেশিনীর সংর্ভ। অসমঙ্গদের পুরা অংশ্যমন এবং তিনি भर्तन चेक्ष निरुप्तर मध्य यहादाराहर यहन चनुकाल ३७ থাকতেন। অসমস্থা উন্ন পূর্বজন্ম এক মহান বোগী। दिरानर, विश्व चनर अध्यक्त शकार दिनि रामधाडे रहा অধ্যপতিত হন। এই ক্ষতে তিনি কাতিব্যর হয়ে ব্ৰাক্তক্তৰ ক্ষম্মান্ত করেছিলেন। তিনি নিকেকে দুগাক্ত বলে প্রতিপঞ্জ করম জন্ম ধ্যেনজ্বরে আরুল করতেন বেঁ, ক্রমাধ্যরণ এবং আধীর-বক্তরের হকে ভা ফতার্ড নিপনীয় ছিল। তিনি ক্রীডারত বালকবের উদ্বেশ সৃষ্টি क्षा जार गरीत बाल जिल्ला कारधन। धाराम्बन धरे প্রকার স্বরাচাতে মত করায়ের জার পিতারেছ থেকে ব্যাত শু পরিত্যক হর্মেইলেন। আসমঞ্জন বেংগবিভৃতি বলে স্তব্ মনীতে নিকিন্ত মৃত বালকদের পুনক্রমানিত করে, করিয়ে অবোধ্যা ভাগে করেছিলেন।"

মহারাক্ত সগরের পৌত্র কাণ্ডেমন রাজ্যর অন্দেশে অখটি। कररहिराजन, चर्छशान राष्ट्री शर्म चनुभाग करत ভারত্তের নিকটে কর্মট মেখতে প্রেছিলন। মহারা **धरवदान धरचड निका**ड डेगॉन्ड निवृद्ध खराउन क्लिन সামক মুনিকে দর্শন করেছিলেন। আওমল তথম প্রশতি। তামবাসনা থেকে সর্বভোড়াকে মুক্ত ছরেছি।" নিজ্যের করে কৃত্যকলিপুটে শ্বির চিত্তে মনির তব कालहित्वस ।"

অংকমান কালেন-"কে জগবদা কথাও কর পৰ্যন্ত সমাধিও দায়া অপথা সুন্তিৰ দায়া আপনাতে কুলতে সম্বর্ধ হরনি। অভ্যান মেবজ, পত্ত, মানুষ, পত্নী এর क्य प्राप्ति तर्म तमात गुडे व्यामात्म कार कि क्या -খামরা সম্পূর্ণধানে অঞ্চ। তাই, কিডাবে ভিত্রত खान्द्रसहरू खाधवा **स**ागर्थ भावस ?"

"ছে ভগবান। আগনি শুমাকরণে সকলের জনসং বিশাক করেন, কিন্ত কড় দেহের আবরণে আছর্ভান্ত হওয়ার কলে জীব আপনাকে সর্পন করতে পারে মার ব্যবহুৰ ভালে প্ৰকৃতির ছাত্র পরিচালিত বহিরেল পত্তিত ছারা প্রভাবিত। ভানের বৃদ্ধি সব, রক্ত এবং ভাগেচারত राजा च्याकानिक राधवात गरम, काला क्यान स्वर्गतन ওলের জিলা-প্রতিক্রিয়াই মর্শন করতে পারে। ভয়েওলের ক্রিয়া-প্রতিফিয়ার থঙ্গে, শ্রীব স্বাহতই স্বাকৃত ক্ষমণ্ড নিপ্রিভট থাকুক, কেবল জন্তা প্রকৃতির জিন্তাই কর্মে ক্রতে পারে। তারা কথনট আপনাকে দর্শন করতে পরে। না। হে ভগবান। জড়া প্রকৃতির ওপের প্রভাব ছেডে ঘক্ত চতঃসন্দের মতো (সনক, সনাতন, সনকন এক সনংক্রমার) মহবিরা আপলার শুদ্ধ আলমন্ত মুঠি ছিল করতে পারেম, ভিন্ত আমর মতো অঞ্চ ব্যক্তি ভিতাবে আপ্ৰাকে চিন্তা কয়বো হৈ প্ৰশাস্তা যদিও জন্তা তক্তি, কর্ম এবং জড় বাম ও রাণ সমস্ত জাণমান্ট সৃষ্টি, খনুও আপনি সেওলির ধারা প্রভাবিত হন না। তাই রালাকে ও সেই বালককে পিতবর্গকে বালের প্রদর্শন অংগনার দিব্য নাম অন্ত নাম থেকে ভিন্ন এবং আপনার কণ ক্ষম্ভ রূপ থেকে ডিগ্ন। ভরক্ষবীতার মতে: "তে মহাত্রার পরীক্ষিৎ। অবোধ্যাবাসীরা বর্তন নিবজেনে উপদেশ চেওয়ার জনা আগনি কর দেয়ের দেশক্ষেত্র যে, তাঁতার পুরুল্ল পুনজীবিত হয়েছে তথ্য মতে। রূপ ধারণ করেন, কিছু প্রকৃতপক্ষে আপনি পুরাণ তারা অভ্যন্ত আন্তর্য হত্যেছিলেন। মহারাজ সময়ত তার । প্রকা। আমি আপনাকে আমার সমাভ প্রণতি নিকোন भूरतत करा करोताकार भारत कर<िरामक। कात्रका, कवि। हा कथवान। वास्तव श्रमत काम, स्वाक, वेदी এবং নোহের হারা বিহান্ত হয়েছে, ভারা কেখল আপনার 🤚 খুঁলতে সির্বেদ্ধের । তাঁর শিক্তব্যরা বে পরে বালে সামা রচিত গৃহের প্রতি আসভ। গৃহ, স্ত্রী, পুরের প্রতি আসক হয়ে ডারা নিবছর এই কন্ত ভাগতে হয়শ করে হে সর্বান্তর্যামী। হে কমবান, কেবল আপনরে সর্বানের কলে অমি মৃত্যাকা মায়া এবং ক্ষব-বৰ্তনর মৃত্যকল

> 'হে মহারা**ল পরীক্ষিং। আং**এমান মুখন এইভাবে ভগবানের হাহাত্য কীর্তন করেছিলেন, তথন শ্রীবিশুর

লাগুলালী। অকতার মচার্বি কলিল ভারে প্রতি অভাত করেছিলেন। এইজনে ভার প্রসন্নতা সিধান করে। क बार्श्वशास वृद्ध छै। एक साद्धा अनुस क बरहरू Bereifereite ("

ক্রমান পাও এই আধাটকে প্রহণ পর। তোমার ভাগীভাত লিকারো কেবল পদার জনের বারাই উদ্ধার লাভ করাভ লাকে, আলা কোনও উপারে নর। ভারণয়, কংচাহন ভবিরুদ্ধেরত প্রদক্ষিণ করে নডমপ্তকে প্রদতি নিরেন্ন

चारक्ष्यक वरस्का चन्न विशेष्ट विस्त अस्तरिस्तान अवस् নেই অনুষ্ঠা হাত্য মহানুদ্রক সুন্ধ অনুনিষ্ট ব্যৱধর্ম সমাত্র জনতা বন্দলেল—"হে অংওখন, খোনার শিতাকলে। কর্মেন্ডলেন। অবশ্ব অংওক্তকে রাজ্য সমর্শনপূর্বক মহারাক্ত সারে বিশ্বর-বাসের ও মেহোর থকা থেকে সুক বরে, মহর্বি উর্কের উপন্তির পদ্ধা অনুসরুত্ব করে পরাম করি सार्थः इरद्रावित्यका*ा*

নবম অধ্যায়

অংশুমানের বংশ

প্ৰান ভাষকের গোস্বামী কালেন—"রাজ্য আগ্রেমন । করে আলের পাল প্রক্তমন করেছে, সেই সন্ধিত্ত পাল ইম। পিতামহের মতে। দীর্ঘকাল উপদ্যা করেছিলের কিছ যা সাম্বেও ডিনি গলাকে এই পৃথিবীতে নিয়ে বিশেষভাবে ডিগ্ৰ ৰুৱ*ি* আগতে পারেননি এবং ভারতর কলেন্দ্র উলা মতা ভণীরৰ প্রণত হতে তার অভিথার জাব কাংধ ব্যক্ত करत किला है।

মা পাল উত্তর বিজ্ঞোল-"আমি হবন আঞ্চল থেকে: পৃথিবীতে পতিত হব, তথম কে আমার ধের ধারণ करनर अवेकारन बादन मा कताल, चाप्रि नृषिती (छन করে শতকে প্রবেশ করব। হে রাজন, আমি পৃথিবীতে (बार्फ हाँदे जा, कशाब द्रमशास्त्र मानुस्ता सामा अद्या साम

পেৰে আমি কিভাবে বুক্ত হয়। ভাৱ উপায় ভূমি

करीतम सन्दर्भन-"४ भटहरिक महाद्रम माहदा बीहा হতেছিল। আংওমানের পুত্র নিলীপও তাঁর পিতার মতে। স্বভারতই অনামত, মত বাসনা থেকে মুক্ত তার মতে। গলাকে এই পৃথিবীতে নিয়ে আসতে অসমৰ্থ হয়ে। এক বৈদিক বিধি অনুশীকানে লক ঠোৱা দৰ্বল অহিমানিত কালক্রমে মৃত্যমূবে শতিত হয়েছিলেন। তারপর ও ঠানের আলো বন্ধ এক ঠার সমস্ত কংগ্রেছত দিলীপের পুরা ভাগীরথ সমাকে এই পুথিবীয়ত নিয়ে। জীবদের উদ্ধার করতে সমর্থ। এই প্রকার কর করের। অকা কৰা অভান্ত কঠের ভগদ্যা করেছিলে। ভাগের - যথন আগমন্ত কলে করে করেন, তথন পানীদের বাজা ভগীবাৰের সন্মূরে যা গল আবির্ভূত হরে। সঞ্চিত গণ বুর হতে কবে, করণ এই প্রকার ভঙ্করা বলিবলেন, 'আমি ডেনেয়ে ওপস্থার অভান্ত সম্বন্ধ হয়েছি । পাপনাশত ভগবনকৈ উচ্চের করে করিব ব্যবদা করেন। এবং তাই আমি তেখেকে এখন তোমায় বাসনা অনুসারে । কল্পে কেনা সূত্য বভাগ্রেতভাবে বর্তমান থাকে, তেমনই বৰ জন্ম করতে চাই।' যা গল এইভাবে কলে। রাজা এই বিখে কমবানের বিভিন্ন বন্ধি ওতপ্রোভভাবে অংক্রিত। শিশ ভাগনানের অবভার এবং ভাই তিনি সভার व्यवधारी बीटक नहमाचा। दिने जानका प्रयासक देन তাৰ মতকে ধাৰণ কংতে গায়তো।

> "এই কথা বলে জনীয়ৰ ভলস্যাত হয়ে৷ মহাদেবকৈ সম্ভন্ন করেছিলেন। *তে* মহারাজ পরীক্তিত মহালেও ভগীরখের প্রতি অতি দাঁয়েই দাইট হরেছিলেই। মহারাজ ভনীবৰ যাক মহানেকে কংগ্ৰ পদাৰ বেখ যাবে করার

কনা প্ৰাৰ্থনা কৰোছালেন, উপন মহাদেব 'ভথায়া' বলে মেই প্রক্রম প্রহণ করেছিলেন। স্থারপর তিনি ভাগবাদের শ্রীপাদশক্ষের স্পর্শে পরিষ্ট গঙ্গার রূপ একার্যাচন্তে ভার মন্তবৰ ধাৰণ কৰেছিলেন।' রাজবি ভাগীরণ পতিভাগাবনী। प्रकारक राजारन केल भूर्वभूक्षाराता स्मर सम्बोक्ष हरत পড়েছিল, লেখানে নিয়ে বিমেছিলেনঃ ভগীরথ অভার **৯**ডমার্মী রুখে আরোহণ করে মা গলার অপ্রে গ্রহন कराएक काभारमा अवर भक्तापारी छोद भिक्षत धारिक हरा। বছ দেশ পৰিত্ৰ করতে করতে ভণীরখেন পর্বপুরুষ লগৰপুত্ৰদের স্থান্থ অভিবিক্ত করেছিলেন। মহারাজ नगर्वत भूरत्या अक्कन भ्रमानुकरवर्त हरत्य जनताथ করেছিলেন কলে, জালের দেহের তাপ বর্ষিত হরেছিল এবং সেই জাওনে ভারা ভাষীভূত হয়েছিলেন। কিছ গঙ্গার জলের স্পর্শে তাঁরা হর্গলোকে গ্রহণ করেছিলেন। জা হলে বাঁরা থকা সংকারে মা গলর পূজা করেন, তামের সম্বর্জ কি আর বলার আর্চের কেবলমার পালার জলপথে জনীওত সগরপুরেরা কর্মনেয়ক উলীও হরেছিলেন। অত্যর্থব, বে ভারু রাড ধারণ করে প্রায় সহকারে মা গান্যা পূজা করেন তারে কথা কি ভার কারে আছে? সেই ছড়েব বে মহান লাভ হয়, ডা কেবল বৰ্জনাই করা যার। মা পঙ্গা জগবান জনপ্রদেরের পাশপদ্ম থেকে নির্মাত হয়েছেল বালে, ডিলি জীবনের সংসার-করন থেকে মুক্ত করতে শংরেম। অতএব এখনে ঠার সুখছে। यां वर्गना कक्षा शिवाह का स्थापित आकर्षकार नहा। মহর্ষিপণ ভোগবাসনা পরিত্যাপ করে তাঁদের চিত্ত সর্বভোল্যবে ভগবামের সেরায় সমিবিট করেল। এই প্রকার ব্যক্তিরা অনারাসে ২০৪ বছন থেকে মন্ত হতে ভগবনের চিম্বর গুলুক্রণী গাভ করে চিম্বর করে অংক্তিভ হন। এটিই জনবানের মহিমা।"

"छनीय (पत्र मूछ नामक क्ष्म भूज हिम, वीत भूज हिरमन माछ। वहें माछ भूवंदर्गिछ नाम (पर्स्त किम। मारध्य निवृद्धीन नामक क्षमछ भूज हिम क्षम निवृद्धीन (पर्स्त सद्धान्त क्षम हत। अनुसाद्त नृज स्कृतनी, सिन नाम उपकाद यक्ष इत्यहिरमन। स्पष्ट भूगी ननदाबारक मृत्यविगात दशम निका सम क्षान। स्कृतियोग स्वर्णनिक स्था अविकासना विमा श्रमाम क्षान। स्कृतियोग भूज नर्वकार। नर्वकारक भूज नुमान क्षार मृत्यारमा भूज সৌলাস ছিলেন ক্ষামন্ত্রীর পর্তি। সৌলাস বিধাসত তালক ক্ষাবলাথ নামেও পরিচিত। মিতসত ভার ক্রাফোরে অপুরুক ছিলেন এবং বশিষ্টের লাগে ফাকন হবেছিলেন।"

মহায়াৰ পৰীপিত কল্পন—"হে ওক্ষেব গোলায়ী। মহায়া সৌদাসের ওক্ষেব যশিষ্ঠ মৃতি কেন গ্রীক অভিশাপ দির্মেইলেন হ আমি ভা ক্ষান্ত ইন্তা করি কমি গোলনীয় না হয়, আ হলে ময়া করে ভা করি। ক্যান।"

শ্রীল ওকমের গোষামী কালেন—"একসময় সৌলাল

দ্পত্রা করতে বনে গিয়ে এক রাকসকে কা করেন, কিন্তু
নাই রাকসের আতাকে কমা করে ছেড়ে কেন। সেই
রাকসের কাতা প্রতিশোধ নেওকার বাসনার, রাজার
অনিউসাংল করার চিন্তা করে, রাজার পূর্বে পাচকরেশে
বাস করতে থাকে। একনিন বাজার কে বনিষ্ঠ যুদি
বক্ষা রাজায়ে নিমন্তিত হয়েছিলেন, তকা সেই রাজস গচকটি তাকে নরখানে রাজন করে প্রদান করেছিল।
তাকে বে খালা দেওয়া হয়েছিল তা পরীক্ষা করার সমর্
বলিষ্ঠ মুনি যোগবলে কুমতে পেরেছিলেন যে, তাকে
বজকা নরমানে পরিকেশন করা হয়েছে। তকা তিরি
কতাত কৃষ্ক হয়ে সৌলাসকে রাজস হওয়ায় অভিশাল
দিয়েছিলেন।"

"বশিষ্ঠ যথম ব্যাতে গেরেছিলেন যে, লেই ন্যায়াল বাজা তাঁকে জেননি, দিরেছিল সেই রাজস, তখন তিনি নিরপরাধ রক্ষাকে অভিনাদ ব্যেত্তার হোর থেকে হস্ত হওমার জন্য খাদল কর্মন্যানী ব্রস্ত করেছিকেন। ইতিয়াল রাজা সৌদাস অঞ্জলিপূর্ব জল প্রথম করে বলিউক্ত অভিপাপ বিতে উদাত হয়েছিলের, কিছ তার পত্নী মনবর্তী তাঁকে নিবারণ করেন। তথন দশদিক, আকাশ এবং প্ৰিবী সৰ্বএই শ্ৰীকরত শৰ্পন করে সেই লগ উত্ত নিজের পারে নিজেপ করেছিলেন। এইভাবে নৌদান वाक्य-छाराभव इसहित्सम अपर छीत नारम कृष्यनंज প্রাপ্ত হয়েছিলেন বলে জার নাম হয়েছিল ক্ষাবলাগ। একসময় এই কন্মাবদান যনে রতিটোড়াবত এক প্রাক্তা মন্দৰ্ভিকে ধেৰতে ধেয়েছিলেন। **ভৰ্ম ব্যক্ত**স-ভাৰাগ্য সৌদাস কুখার্ড হয়ে সেই প্রাক্ষণকে প্রহণ করেছিলেন। ভাগৰ হাঞ্চাৰৰ পানী অভান্ত নীনভাৱৰ বাজাকে বর্লেন্ডিলেল—হে বীর, আগনি প্রকৃতগক্তে রাক্স মন,

আৰ্ডি অহান্তক ইক্ষাপুর বংশধর। আপনি এক মহাবীর _{এই} ভ্রম্পুরির গতি। আপনার পক্ষে এই প্রভার অবর্ত্ত আর্ রণ কর। উচিত নত। আমি সন্তান স্তাতের अक्रिकारी। कार करने चामत गॅटिएक क्रिंग्स किए क्रिंग ক্রিটারা এখনও সমাপ্ত হানি। হে রাজন, হে বীর 🚵 अनवास्य कीएक सर्व-भूक्यार्थकः। चार्नाव की 🚵 াজে অকারে বব করেন, তা হলে আপনি মর্বপুরুতার ক্রেট্র করকেন। এই রাজ্যে বিশ্বান, পাত্রের প্রশ্বান, melan-नवाक अया मधक कीरका समात भागानासाथ विशासका नव्याचे समेवात्मव खावारेना कहार क्रिकारी। (ए डॉस्म) जाभनि वर्षक्रपुरवसा। नु তেনা কৰাও পিতার ববার্চ হতে পারে না, তেননই এই জ্বৰত অপনায় পালা। ইনি কিছাবে আপনা ছতে। এনজন বাজৰিক বৰবোগা হতে পাতে? আগনি সাংযোগত পৃথিত। তাই ধাই সাধু, নিল্যাল, কেলা মার্কারক আপনি কেন হত্যে করতে উল্লভ হয়েছেন : ঠাকে হতর করা অনহত্যা অথবা গোহত্যারই রাখ্য পলে হৰে। আনাম পতি বাতীত আমি ক্লাকালের ক্লাড প্রতিম ধারণ করতে পারব মা। আগনি কনি করের পত্রিকে জক্ষা করতে চান, তা হলে প্রথমে আমার্কে চক্ৰৰ কৰুৰ, কাৰৰ আমাৰ পতিত বিবাহে আমি भुक्तुम्हाः ("

"ত্রাক্তপের পান্তী বনিও করণভাবে অনাধিনীর মতে।
বিলাপ করছিলেন, তত্ও তার সেই কাতর বাকে। কিলিত
না হরে, বালিটের শালে রোহিত ভারা সৌকাশ বাধ
বভাবে পত উচ্চল করে, ঠিক সেইভাবে সেই রাক্তপ্র
ভারা করিছেল। সভী ত্রাক্ষণী হবল দেখালেন বে,
গর্ভাবানে উপাত তার পতিকে সেই রাক্ষণ ভক্ষা করছে,
তথ্ন তিনি শোকে অভিভূতা হয়েছিলেন। এইভাবে
তিনি ভখন সেই রাক্ষাকে বুল্ফ হরে অভিলাপ
নির্দ্ধেলেন। হে মুর্খা হে পালিই। আমি মধন
কামলীভিতা হরে আমার পতির বীর্য ধারণ করতে উন্যক্ত
ব্যক্তিকার, তথন বেহেতু তুমি আমার পতিকে ভক্ষা
করেছ, তাই আমি ভেমাকে অভিশাপ দিনাম, ভূমি বথন
তামার পত্নীর নুর্ভে বীর্যধান করেছে, তথন তোমার মৃত্যু
হবে। অর্থাৎ, মধনাই ভূমি হৈপুনবত হবে, কথনই
তোমার মৃত্যু হবে। সেই গ্রাহ্মণ-পান্তী মিপ্রসহ লামক

বাজা সৌদাসকে এই ভাবে কভিশাপ নিবেছিনকন। তারণার, পতির সহপামিনী হওৱার বাসনার তিনি তার পতির অছি প্রকৃতিত জাগতে স্থাননপূর্বক মেই আওনে বারং ক্রেকা করে ঠার প্রতির গতি প্রাপ্ত হতেছিলেন।"

"বালে বছর লব হাজা সৌলের বলিপ্টের খাল থেকে মুক্ত হলে খৰন ভাৰে কট্টাৰ সূত্ৰে হৈছলে উপাউ হরেডিলেন, তথন তার লহী ঠাকে রাফলির অভিনাপ মনে করিছে দিয়ে রতিক্রান্ত। খেকে নিবৃত করেছিলেন। এই ভাবে উপদিষ্ট ভাষে প্রভা ব্রীসম্পর্য পরিভাগে करविष्टाम अवर कर्यक्रमकार विरश्चाम इरहारियान। পত্তে সম্পের অনুযতিক্রায়ে, মহার্থি বলিষ্ঠ মধ্যান্থীর কর্তে একটি সভান উৎপাদন করেন। অন্যান্তী সাত্র বছর বাবৎ श्रद्धं सहस्र कर्द्धांस्त्रम् अधर का जरहरू भूद अगृष्ट स्ट्रप्टनः। তাই বলিষ্ঠ জ্বার উদ্ধান একটি প্রস্তারক থাবা আলাও কর্মের্ছনের এক তথ্য পুরের করা হয়। সেই জন্য এই পুত্ৰ অন্মক ('অন্য ধা পাধৱের অংগতে উৎপন্ন') মণ্ডে বিখ্যাত হয়েছিলেন। অক্তৰ খোকে ব্যলিকের জন্ম হয়। বালিক স্থীনেত্র হারা পরিবেষ্টিত হরে পরভারনেত্র ফোর্য থেকে ক্ৰমা পেয়েছিলেন কৰে উল্লাব্য ক্ৰম হয় নাইলেল্ড ('থিনি নাৰ্বালেন ছাল্ল বৃদ্ধিত ছবেছিলেন')। প্ৰস্তুত্তর বৰ্ম পৃথিবী নিক্ষেত্ৰৰ করেছিলেন, ভৰ্ম থালিক ক্ষিত্ৰ বংশের মুদ্দ হংরাছিদেন। তাই ঠার নাম হয় মুদ্দত। राजिक (पाक क्लंडच मांबक क्ट्रांड क्लंड इसे, क्लंडच বেকে ঐড়বিড়ি কামক পুরের জনা হয় এবং ঐড়বিড়ি ধেকে রাজ্য বিধাসমের জন্ম হয়। বাজা বিধাসকের পুর ছিলেন বিখ্যাত মহাব্যার বট্টার ।"

"রাজা গট্টার বৃত্তে অবের ছিলেন। অনুবাদর নতন বৃত্ত করার কলা দেবতালের ছারা প্রার্থিত হতে তিলি বিজ্ঞারী হয়েছিলেন এক দেবতারা তথ্য অতার প্রশন হরে তাঁকে ব্যালা করাও চেরেছিলেন। রাজ্য তাঁকের জিলারা করেন তাঁর জার কতথাল আরু বাকি রাগ্রেছ এক বৃত্ত মাত্র বাকি করেছে। তথ্য তারি তাঁর রাজ্যানীতে ভিরে এবে কগবানের শ্রীপাদপরে তাঁর মার্কে সম্পূর্ণকাশে নিবিষ্ট করেন। অহাবাজ ক্রিল ছিল করেছিলেন—স্থানার কুলের ছারা পুলিত ব্যাহ্মপান এবং ব্যাহ্মপার সংস্কৃতি প্রাহ্মর প্রাণ ব্যাহক করিক ভিন। অভ্যান আমাত ভাষা, পৃথিধী পত্নী, সভাস একা ঐপার্যের আর কি কথা গ ভাই আমি একম জগবালের সালা প্রতির কথা কি তাৰে কাৰে আছে? কোন কিছুই আমাত কাৰে ব্রাপ্তপ্রের থেকে অধিক প্রির নর। আমি আমার শৈশকেও কেনাও তক্ষ বস্তু অথবা অধ্যে আসক্ষ হটনি আমি অন্য কোন বস্তুকে উত্তমক্রেক ভগরান খেকে অধিক গুরুত্বপূর্ণ বলে মনে করিনি। ব্রিভুবনের অধিপতি <u>দেবতারা ঋাষ্যকে বাসনা অনুভাগ বর প্রদান করতে</u> क्टरप्रविक्तान्छ। विश्वक चार्याचे दशक्षेत्र आहा अवस्थ कराएक ठाउँमि, কারণ এট ভার ঋণতে সম কিন্তা বিদি হাটা, আমি বেষল সেই কালাসের প্রতি অসেও। আমি এই কড স্থানাত্রর সমস্ত করের খেকে ভাগবানের প্রতি অধিক আসক। সেবতারা বলিও অভার উন্নত চেতনাহালার এবং উচ্চাতর লোকে অবস্থিত, তবুং তাঁথের মন, ইপ্রির এবং বৃদ্ধি ৰাড-জাগতিক প্রভাবে বিশিল্প। ডাই জারা অন্তর্গায়ীরূপে ভাগের হলারে বিরাজফার ভারবানকে উপদক্তি করতে পারেন হা। অভ্যান সাধারণ সাধ্যা

সমত বছৰ প্ৰতি আসাঞ্চ তাল কংব। আয়ি ভলজনে চিতার মধ্র হরে ঠার শ্রীপাদপত্তের শরুলারত চত। ভগবানের মাহা বিবচিত এই ৰাজ সৃষ্টি পাৰ্কাপুরের মতে অলীক। প্রতিটি বন্ধ শীবের ক্ষণ্ড বিষয়ের প্রতি স্বাভাবিক আর্মান্ত রয়েছে, কিন্তু শেই আর্মান্ত স্কার করে ভগবানের ত্রীপরদগলে শরণাগত হওর। অসল কর্তক। মহারাজ বটাস ভারে ভাতি-পরারশ সুদ্ধির খারা এই প্রকার প্রির করে দেহাগ্রহজিয়াল জন্ধান পরিত্যাল কর্রেরিয়ের এবং ক্ষণবালের নিড়া লাসকলে তার ক্ষমণে ক্ষাধিনিত **करत किमि अलगारमह रमगात पुरा करवांकरमन । असमा** ৰাস্ত্ৰেৰ শ্ৰীকৃষ্ণাকৈ যে সমস্ত বুদ্বিহীন মানুবেরা নিবাৰৰ অথবা শুনা বলে মনে করে, তাদের পক্ষে ভাতে কানা অসম্ভব, কারণ তিনি জা নদ। তাই ভগবানের মহিলা কীর্তনকারী এছ ভাজনাই কেম্প ভাকে আনতে পারেন স



দশম অধ্যায়

ভগবান শ্রীরামচন্দ্রের শীলা

ইল ওকদের গোলামী বললেন—" মন্তর্জ গটাসের পত্ৰ শীৰ্ণকৰ এবং উচ্চ পুত্ৰ মতাবলম্বী মহানাৰ বৰ। বৰ থেকে আৰু এক অৰু খেতে হচাবাল ইণ্ডাধ্য কৰ হয়। দেকতাদের থকা প্রার্থিত হবে সাক্ষাৎ রক্ষায়ত্ত ভগতাৰ বীহতি তাৰ জলে এবং জংলের জলেনছ আবিষ্ঠিত ইংমছিকেনঃ তাঁকেং নাম নাম, কল্পণ, ভবত এক শুৰুত্ব। এইভাবে ভগৰান চার মন্তিতে মহাক্রক দশরখের প্রারংশ আবির্ভত হরেছিলে। তে মধ্যাক পর্বিকে। ভথকা প্রবিগ্রহতের দিয় কার্থকদাণ ভরদশী। ক্ষবিশের দ্বারা বিশ্বভাজতে বাশিক হরেছে। বেহেভু আপনি বার কর সাঁতলেতি জীবাসচন্দ্রের চরিত্র জবন করেছেন, ভাট আমি জা সংক্ষেপে কৰিছ কৰাৰ, মহা কৰে মাৰু

করন। বিনি পিছসভা গালনের জন্য তাঁর মাধ্য পরিজ্ঞাপ করে, প্রিয় পদ্ধী সীতেদেখীর স্বকোষণ কয়স্পর্শ সহলে অসমর্থ চরণকমধ্যের বারা বনে বনে বিচরণ करतिहरूमा, युमयद्वराक स्नुधान (चापवा भूतीय) ७ वन्ति। ত্রাভা সম্মূপ খাঁর কালমণের আদ্ভি অপনোদন করেছিলেন, যিনি শূৰ্ণপথাৰ নাক এবং কান কেটে ভাকে নিক্তরূপ করেছিলেন, সীওাদেবীর কিরহজনিত ক্রেগথের বারা যাঁর অভসি দর্শন করে সমুদ্র তীও হয়ে ওগবানকে সমুদ্রের উপর সেতৃবন্ধন করতে দিয়েছিলেন। ভারণের রাবণের রাজ্যে প্রবেশ করে, আধান যেভাবে করকে প্রাণ করে. ঠিক সেইভাবে রাষণকে সংহার করেছিলেন সেই প্রথেশর ভগবাস শ্রীরামচন্ত আমাদের রক্ষ করন। Gattal মুক্তির করেন করেন করেন করেন জীলামচল সাবীত প্রতি বা রাজস এবং মিশাচরদের সংঘর করেছিলে। প্রকাশের সমধ্যে বিলি এই কমন্ত অসুরায়ের সংস্থার **运程制** [**

করে। তিনি সীতার করবের সভার পৃথিবীর সমস্ত केलाक्षा प्रदेश स्त्राच्या सम कर्जाध्यक्ता। (महे ध्यक अस _{মা}টা নিল যে, ডিল শত মানুষকে ভা বছন করতে হত, <u>ब्ला करदाव क्रीयामध्य (भेर्ट भगुएक क्या आरवाभग करत</u> es ক্লা করেছিলেম, ক্লিক যেডানে একটা মন্ত্রীপাবক ভাৰত আৰু কৰে। এইভাবে ভাৰবান সাঁতাদেবীর _{প্রমিশ্রেন} করেছিলেন, বিনি আকৃতি, সৌন্দর্ব, ওপ, বরস , अंदेर क्रांटि डीवरे मध्यूना क्रिन्म। वस्टन्सक, टिवि **्रिक्** केवर कार्यकारियों विका महस्त्री कार्योग्यदी। স্তাবের সভার তাঁকে জর করে ইনিমানজ বধন প্রাপ্ত প্রভাবর্তন করছিলেন, ভবন তার সামে পরওরামের ज्ञापनः हो। अधिरीहरू अकृतवात कांद्रतम्मा काल करण প্রত্যাম অভ্যন্ত পর্বিত ছিলেন, কিছু ভারের রাজপুরের অবিষ্ঠত হয়ে ভগবান তারে দর্শনুর্ণ কর্বেছিলেন। পারীর ব্যক্ত প্রতিকার পালে আকর্ম সিভার আমেশ পালন করে। केंद्राक्षक केंद्रा प्राच्या, क्षेत्रपी, चावीप्रचलन, वह वहरू, বাসস্থান এবং জন্য কৰ কিছু ত্যাৰ করে জনে ধানে ক্রেছিলেন, ঠিক কেভাবে একজন মুক্ত পুরুষ সমস্ত অস্ত্রিক পরিতাপে করে জার গ্রাপ জানা করেন। অভ্যন্ত দুল্প-তট্টমত জীবন শীকার করে তিনি বনে বিচরণ করেছিলে। জনুর্বাণ হয়ে ভগরার শ্রীরোমচন্দ্র সম্পৃত্তি বাৰণের ভাষী শূর্পপথার নাক এখং কলে ছিন্ন করে ভার **थ**न बिक्य कर्डिहरूम । क्रिनि बन्न, डिनिन, मुक्न अपूर्व পুৰ্বপার চোজ হাজার রাজ্য বছুগের সংহার **ক**রেছিলেন।"

"হৈ মহাত্যক প্রীকিং, দশানন রাখণ বৰন নীঅদেবীর নৌভবের কথা ভনেছিল, তথ্য ভার চিঙে ক্ষরকা উদীত হয়েছিল। সে কান সীতাদেবীকে হল উল্লেখ্য কলনার জীরামচন্ত্রকে জ্যান্তর থেকে দুরে নিয়ে ক্ষরকার উক্তেশ্রে একটি কর্ণসংগ্রে সাল্যারী সারীচকে र्त्रचारम शाहिरदाहिल अवर बामहता त्नीहे खतुन भूगण्टिक

দর্শন করে করা বারো আনুষ্ট হরে ইনে আগ্রম থেকে मुक्त नीक प्रशासिका अंक प्रसार्क्य रहशास्त्र स्वाहरू स्व কর্মের্ডনের, সেইভাবে তিনি পারের ছারা সেই র্যারগটিতে ক্রম্বিক্রেন, সেই জীয়াসভার আমানের কুপাপ্তির কলা কা করেছিলেন। জীনাকন্ত বরুন মেই হরিপ্তে অনুসরণ প্ৰীতে করতে মুদ্ৰের প্রতীয়ত্ত প্রবেশ করেছিলেই এবং *_{টে} নামল, শ্ৰীকাল্যকের লীলা হতীল্যকের মতে: কলুগও কলে অনুপত্তি ছিলেন, তলল প্রকলণের তাক বাৰ বেডাৰে মেৰপালকের অনুপরিভিত্তে কোর অপহরণ কলে, ডিক সেটভাবে নিদেহ সাজের কল্যা সাঁতানেইটক অগ্নরণ করেছিল। তথা ক্রমে পাল্লণ সহ প্রথকন শ্রীরাম্যন্ত টার পথীন বিধনে কেন প্রকাশ করেন হয়ে খনে ধনে কিবৰ কৰেছিলেন। এইভাবে তিনি ওয়ে বাল্ডিখত দুয়াজের আনা স্থীনালের মুহখনত পরিকতি প্রদর্শন করেছিলন। ক্রমা, পিং, বার শ্রীপাদশক্ষো পুরু করেন, ন্যব্যবস্থানী সেই ভাগান জীবানতে ব্যবস্থা সঙ্গে সুৰ্য নিহত ভটাবুর অন্তেমিকিয়া স্পাদন করেছিলেন। অনুসর স্বাধার কর্মার ক্রার্ড ক্রার্ডকে কুরো করেন এবং नानराज्यकेरम् मान मन सामा कात वर्षन विकास भार সীতাদেবীকে উভার করের উক্তেপ্ত সমূত্রতীরে প্রতন করেছিলেন। ভগতন জীরাজনা সমূতের তেওঁ তিন দিন উপবাস কৰে মাৰ্চিমান সময়ের আগতানের প্রতীক্ষা করেছিলেন, কিন্তু আ সভেও সমত্র বা ধরণার কলবন देश द्वारको ना जन्मंत्र कर्टाहरूका करा रकता महरूत প্রতি তার দৃষ্টিপাতের ফলে কৃমির, মধ্ব প্রভৃতি সংব স্থানাপু ডারে বিচলিত ইরেছিল। ভাষা মৃতিযান সমূত্র ভীত হয়ে পূজার সমত উপকরণ নিয়ে প্রীরাফতের কাছে উপস্থিত হয়েছিলে এবং ক্যাবানের শ্রীপারপত্তে পতিত হয়ে এই কথাওলি বলেছিলে।"

"হে সর্বব্যার পরেম পুরুষ। জড়বৃদ্ধি-সম্পন্ন স্থানর আপনকে স্থানতে পাৰিনি, কিছু এখন আম্বা কুকৰে পেরেছি যে, আপনি পরাম পুরুষ, সমপ্র রূপতের অধীকর নির্বিত্যর আনিপুরুষ। সমুগুর থেকে কেবস্তারের चाविक्षेत्र अरहात, बरहाक्षर (धरक प्रकार/वेटान्य व्यक्तिक्ष हरहाइ अस ज्याचन स्थान क्यापत वार्विका सरहाह. কিছ আংলি এই সময় ওংগর একমাত্র অধীনর। হে क्ष्यका, व्यान्ति बाननात देवाघटरा वायात सम वावश्व ক্রম। এই ভাগ থাতিক্রম করে আপনি ত্রিভূবনের ক্রেশ্যারক রাবধের পুরী লক্ষার গমন করেন। সে বিভাৰত মুদ্রালগুল পুরে। ইয়া করে আগমি তাকে নিনাপ করে অপনার পত্নী সীতামেনীকে পুনাপ্রাপ্ত হোন। কে মহাবীৰ, যদিও অয়নাম জনা আপনার লক্ষ্যপথ্নে কোন মকম বাধা প্রমান করবে না, ভবুও আপনি আপনার কীর্তি বিভাৱ করার মানা একটি সেড় কানে করন। আপনার এই অসাধানণ কর্ম দর্শন করে ভবিবাতের সমস্ত বীর এবং রাজার: আপনার মহিমা কাঁঠেন করবেন (*

हील करपर (भाषाची क्याफा-"वानदाश्रेष्ट्राव হবের হার কশ্পিত কুম্পতাই পরিপূর্ণ বিবিধ নিরিপুদ্ধের দারা সহতের উপর সেড নির্মাণ করে, বিভীয়ণের •ातान्थर्भ वीत्रप्रकृष्ट मृ≤ीन, नीन, वनुष्यम यमुष *रेमना*वप भर ततलब क्रकानी नवात श्रदल कार्रावरमा, या शूर्व रम्भात्मक काला भक्त भरतक्ति। जनसम् अरक्त कतात अस স্ত্ৰীৰ, নীল, হনুমান প্ৰথৰ ক্ষান্তভাৱেষ্ট্ৰলো ভাৱা পরিচালিত ६८३ काल-देशवाडा द्राचानकार किनाम सक्त, मंगापाल, কোবাপার, গৃহস্থা, পুরুষ্টে, সভাগৃছ, প্রাস্থাদের পুরোভাগ क्षकः करभाष्टांदाम् भर्वतं जबद्वाधः करतिहेन । यथम छात्रा নগরীর চতুল্পার, কেনী, পভাকা, প্রসোদের চড়ার স্বর্গকলস ভত্তি ভোল কেমতে লাকা, তথা ইভীকুনো **যা**না मर्थे। एकारा दिव्यक्तिक क्षत्र, महात क्षत्रश्रव ठिक प्राप्ते রক্স হয়েছিল: ভ্রাক্সপতি ভাষণ খ্যার-সৈন্ত্রের **উ**रनाट मर्नाः बहुत निकृष्क, कृष्ठ, शूलाक, मूर्युष, मूतास्त्रक, मरायक शक्ति बाकनरमब अवर शाव निरम्भ शुक्र ইস্কৃতিংকেও যতে প্রেরণ করেছিল। জনপার লে প্রহত্ত, चाँठकरहे, विकल्लाम अन्य चारत्यास क्याकर्मक युक्त कहा छ। चाट्रन्स निरहत्त्रिम । काव्रनाह *क* करत अथक चन्द्रध्यसम् শক্তবের সতে কর করতে তেওৰ কর্তেছন। জীবামচন্ত্র कच्चन क्षेत्रः मुद्रीय, प्रयुक्षात्, तक्षणाय, तील, व्यवस, আখবান, পানস আদি খানক সৈনাদের ছারা পরিবেটিত বলে অনি, শৃক্ষ, ধনুক, প্রাস, করি, দারি, কলা, ডোমর আদি অন্তৰত্ত সন্ধিত দুৰ্গন সাক্ষম-সৈন্যদের আক্রমণ ক্রেছিলেন। শ্রীরাক্ষান্ত্রর অসম প্রভৃতি সেনাপতিয়া সকলেই বাক্ষের হস্তী, পদাতিক, অৰ্থ ও ক্ষের দার। **प**्रिक टेम्प्यास्थल भाष्ट्रचीन इस्त कुक, पर्यक्रम्म, श्रम अवर বাং নিকেন কমতে লাগনেন। এইভাবে প্রীরামচযোৱ সৈলের রাখণের সৈনাদের বিনাপ করতে লাগালের যারা তাদের সমস্ত সৌভাগা হারিয়েছিল, স্বাক্ত সীতাদেরীর

জেন্তর্ভাবক অভিশালের করে আধানে সময় সভর বিক হয়েছিল। ভারপুর প্রাক্তসরাক লগে কর সৈনা ভিক strice than, stern has been done and butter करत श्रीतामहत्त्रक व्यवस्थात वास्ति शतकान करा काना সার্লেপ ফাডলি কর্তৃক আনীত পাঁছিবান প্রথে বিবারকার লিবামচলতে তীক্ষ বাবের ছাত্র আগতে করেছিল। শ্ৰীক্ষতম্ভ কৰেন্দ্ৰ কৰ্মান্তলেন, ভূমি মাঞ্চলনের মধ্যে ৯৮ চাইতে নিৰ্ম। প্ৰকৃতগলে ভূমি ভাষের বিভাসনে। ক্তর যেন্দ্র পুরবানীর অনুপর্কিততে পুর থেকে আচার অপহরণ করে পলারন করে, ভূমিও তেয়া আয়াত অনুপত্নিতিতে আমার পত্নী সীতাদেবীকে অপান্তব করেছ। ভাট ব্যবাজ বেভাবে পাপীদের বঙ্গান করেন, আচিও সেইভাবে ভোষাকে কলেন করব। তৃত্বি কভাৱ চল शाली वायर निर्माण । छाई चाल चारकपरीय चाति ভোষাকে ভোষার মুখ্যর্থত কর প্রধান করব। এইভারে রাজানে কংসনাপূর্বক জীলসভার উল্লেখ্য খনুকে পর ব্যোজন করে হারপের প্রতি ভা নিকেশ করেছিলেন একং বাছর प्रत्या *(मे*ड्रे क्या क्रवरण्ड शबड़ विक क्रविशिश का *ता*ज রাবশ্রে অনুগারী জনেরা হাত্যকার করতে স্থানে এক রাকা ভার কানুখে ইন্ডবরন করতে করতে পুশাবার ব্যক্তি বেভাবে পুণ্যাপত্ৰা কৰ্ম থেকে আধ্যাপতিত হয়, সেইভাবে বিমান খেকে পঠিত ছয়েছিল। আরণর রাবণের পতী मर्प्यापदी कापि क्राफ्जीता, बारवत पश्चिमन एक्स्प्रदा নিহত হয়েছিল, তারা লক্ষা থেকে নির্মত হয়ে ফলন করতে করতে রাবণ এবং জন্মন্য রাক্ষস্থের সূত্যেত্র সমীলে আগমন করেছিল। শোকাঠা রাক্ষসীরে সম্বল্ধ বাপে নিহত ভাদের পতিদের আলিক্স করে, ভালো বৃদ্ধপুৰে আহাত ভৱতে কৰতে কুকুণবুৱে টোনৰ 'করেছিল। তে গ্রন্থ, তে স্থাধ। তমি মানসমূহের কর্তের কারণারপ্রাণ ছিলে এবং ভাই জেনার নাম বিল প্রাবণ। কিন্তু একা তুমি পরামিত হয়েছ কলে অন্তমরাও পরামিত হরেছি, করেশ জোমার কার্যপূরী এখন শক্তান ধার বিভিতে হত্তেছে। এখন তা করে শরণাগত হবেং টে मधाकायहर्गाः काशमि कार्यक्त कारीम स्टब्स मीठारमधीर প্রভাব জানতে সুহর্ব ছবনি। এবন, তার অভিন্যাপর কলে আপনি শ্ৰীবাক্তভেত ধৰে নিচত হয়ে এই আৰ্য্ প্রাপ্ত হরেছেন। তে রাজস্কুসন্দর্যন আগ্রারট কারণে

লার এবং বর্ডনা পতিইনে হংগ্রেচঃ আপনর করের _{বাব্য} আপমি আগনার দেই পদুননের কলা এবং নিকেকে अहरू होती करालन ("

এল একদেব গোলানী কালেন—"ভোলদহাত क्षेत्रास्ट्राच्या नामांट्राच्या, अवस्था भूगायम दास्य अस _{মধ্যনি} প্রীবাস্থ্যের অঞ্ বিতীকা ঠার আরীরচের _{শাক্ত} ৰাজ্য থেকে বৃক্তা করার জন্য অধ্যোচিকিয়ার বিধান स्त्रजादत बेध्रर्रापश्चिक किन्द्रा जण्यातम करवहिरहरू। গালের ভাগনান শীবাক্তক আপের বলে লিলেগা ব্রুক্তর মান ঠার বিরহে কাওর এক কাতার ক্রীবা সীওাদেবীকে _{ক্রমি} করেছিলেন। তার পরীকে সেই ক্রয়ের দর্শন कार क्षेत्रावहत्त चाउन्ड मधार्थित एटविस्टान है। Greek শ্রীরাম্ভারকে করি করে গীতাকেটার **কাল্ডার** চৰত আনকে বিকলিত হতেছিল। বিতীয়নতে কলত পর্বন্ধ লকার রাক্ষলদের উপত্র আহিপত্য জ্ঞান করে জ্ঞানা শ্ৰীয়াক্ষাক্ত সীতাদেবীকে পুষ্পক হবে স্থাপনপূৰ্বক क्रवर त्याँ विभाग चारतास्य करत कार्यम मधानमस्य হন্দান, সূত্ৰীৰ ও বাজে পদাৰ মহ খাৰেখ্যৰ প্ৰথাবৰ্তৰ করেছিলেন।"

ব্যালা, ভাষা পৰে লোকশালকা বাহ উপয় সুগতি পুল বৰ্ষণ কলে উচ্চক সম্বৰ্জন আন্তিমেনিকেন এবং প্ৰথম আদি स्मरकाता जनम शहा जानम्य केरत इतिश कीर्डन अवर विकोवन प्राप्त के केरकृष्टे स्वान, स्नुपान *स्वर*क्ष, করেছিলেন। অফোনার পৌরত রামচন্ত্র ওড়েছিলেন বে. র্তম অনুপশ্বিভিতে তার জালা ভারত কেবল গোমুরে সিছ কা আহ্বা করেছিলের এবং বছলের করা তার দেই খাজ্যদন করে, অটাধ্যরী হতে কুশাসনে শতনপর্বক নিনাতিপাত করাবিলেন। সেই কথা শুনে পরাম করণাবর। ছণবান অভান্ত অন্তাপ করেছিলেন। ভরত হবন স্থানার্ড পেরেছিলের যে, ভগরার শীরামচন্ত ভারে राष्ट्रधानी पारवाधात किरत धात्रस्था, छत्रन छिलि বীরাম্চন্ডের পাদুকা মন্তকে করে করে কবিয়াযে তাঁর শিবিদ্ধ থেকে থেরিয়ে এসেছিলেন। ভাগেরে হয়ে ভখন তার মন্ত্রীকা, পুরোহিতেরা এবং সম্রান্ত নাগরিকের। विप्राप्रदक्षक अचर्यना ब्रह्मनाख निरविद्यक्तरण्यः। क्यीमा শ্রহা মারে সংগীত সহকারে জনবংসর র্যাংমা কীর্তন করছিলেন এবং গ্রাহ্মপের উচ্চকরে বৈনিক মা উচ্চারণ

ক্রছিলেন। সুন্ধু কাছ এবং সুসুর্গ বনিত্র সমস্রিত বাং রগ সেই ল্যেডাযায়াকে অনুসৰণ কৰ্মানা। সেই সমন্ত সং মূৰ্ণপ্ৰান্ত সমাজত প্ৰভাৱ এক বিভিন্ন প্ৰকাশ পোতিত ছিল। স্থানিকচধারী টোনা, তার্দ্রানক এবং বছ भूभन्ने। वात्राचन अने एक्स्यावाताल भएन अव्यक्तिकः। वर् পদচারী ভূত্যে ছয়, চামর, মধ্যে প্রকাশ ফুলাবান ফলিবড় এবং শোরাবার্রার উপযুক্ত খলারর স্বাহরী বছন কর্মালে। এইটাৰে তথ্য তাৰ জোট হাতা জীৱানচন্ত্ৰৰ পদত্ৰে নিপতিত করেছিলে। উন্ন ক্রমা ওখন মুগ্রেছর চুর্টোছন क्षेत्र सामास कोत महत सक्तान्त्र इटर्शनन्। कराव ধীয়াক্ষাপ্রের আন্তে শুরু গদুকা দুটি সমর্গব করে ভারপূর্ব নরনে কুজার্কা হরে ক্রীক্রেছেলেন। কবন ইরোনচন্ত্র তার অঞ্চক্ষরে ভরতকে ক্রম কবিরে বংকণ ধরে আলিসন কর্মেরিকেন। সীতাদেশী এবং লক্ষুণ সহ শ্ৰীরামচন্দ্র বিজ ব্রাহ্মণ ও পুঞ্জনীর কুলবৃদ্ধকের প্রণতি निर्देशम क्रांकिरमध अन्य बार्यासमा जनाम्क श्रवन ক্তব্যস্থে তাদের সঞ্জন্ধ লগতে নিবেনন ক্রেছিলেন। অযোধ্যার নাণরিকেরা দীর্ঘ অনুপরিচিত্র পর উল্লেখ্য बाकारक श्रजायर्कन केतरह त्याच द्वारक प्रान्त श्रवास "জীৱামচন্ত্ৰ যথ্য উল্ল ব্ৰজধানী অংগবয়ৰ কিৰে কৰেছিলেন এবং গ্ৰামেৰ উত্তৰ্গৰ কৰু আন্দেশন কৰে আনম্পে নতা করেছিলেন 🐣

"হে মুক্তমঃ করত শীরামচন্দ্রের পাসুকর্মার, সুত্রীব भक्क ध्रुक कर गुण्ड दल, जीखरावी कीर्यकरन नुर्व কমণ্ডণ, অসম খলা এবং কামণাত্র কাম্বার কাবিবত ধাপে করেছিলেন। হে মহারাক্ত পরীক্ষিৎ। পুন্দার বাবে উপবিষ্ট ভাগোন্ধে পুরুনবীক্ত প্রার্থন নিকেন কর্মচুক্রেন এবং কৰীয়া ঠান চরিত্রপাথা কীর্ত্তন কর্বান্ত্রকার। জন্ম ডিনি প্রচ্-নকরের যাক্ষানে চল্লের মতো লোকা পাছিলেন। অধ্বন্ধ ক্ষতা ভরত কঠক অভিনন্দির হতে ভগবান শ্রীরাক্ষরা উৎসব মুমরিত অবেধ্যা বস্থীতে প্রবেশ করেছিলেন। প্রাসাধে প্রবেশকালে তিনি কৈকেরী গুড়তি মহারাজ দশরখের জন্যান পরী জর্মাৎ তার বিমাতালয় এবং উর নিজে কাজ ভৌশলাকে প্রকার ক্রেছিলেন। তিনি বলিও আদি ওক্সকন্দেরও প্রদত্তি विरायम करविद्याम । केल मध्यम रक्ता अक्ट कविनेता ষ্ঠানে প্রবৃতি নিবেনন করেছিলেন এবং ডিনিও ষ্টালের

প্রভাঙিবাদন করেছিলেন: লাভুগ এবং সীতাদেবীও সেইডাৰে সঞ্চলকে অভিযানন কর্মোধ্যালন । এইডাৰে केला जनवा क्षाजारह क्षरमा महहिल्ला। पहिल् त्यद्ध भूगी।" চেতনার সক্ষার হলে কেতাবে দেহ সহস্য উপিত হয়, র্মে-গল্প-তরত-শত্রব্রের মাতৃপণ উচ্চের পুরুদের দর্শন করে সেইভাবে সহস্য উহিত হয়েছিলেন। ভারে ভারের পুরনের কোলে নিয়ে নরনজলে অভিবিক্ত করে শীর্ষ বিরহঞ্জনিত শেক বেকে যুক্ত হরেছিলেন। কুলণ্ডক বশিষ্ঠ শ্ৰীয়ায়চন্দ্ৰের ঘটায়েচন করে তাৰ মন্ত্ৰক মুখন कशिराविकान अवर छात्रभाव कुमानकरमध् मान विभिन्न स्टब চাৰ সমস্তেৰ কল দিয়ে দেববাৰ ইন্তেৰ সভো क्षेत्रकरसर चल्टिएक क्टान्टिसन। चनराम क्षेत्रापटस এইভাবে মন্তব্দ মুগুনপূর্বত স্নান করে সুস্পর করে পরিধান ক্ষরেছিলেন এবং সময় ও অলকারে বিভ্রবিত হয়ে সুন্দর মান ও আলহাত্তে বিভবিত ভাষাপৰ ও সীভানেত্ৰী সহ শোডা (গতে লাগলেন। ভবতের প্রণতি এবং শরণাপতিতে প্রসাম হতে ভগবান জীরায়চার তথ্য श्रीवानिरशासन करन करविरस्तान। निका रायम सरदार পুত্ৰকে পালন করেন, ঠিক সেইভাবে ভিনি কথমনিকত ক্ত্রিক আহমেটিত ওলক্স প্রবাহণের পানান করেছিলেন क्षर शकातात केएक क्रिक काएक भिकार मध्य मध्य করেছিলেন। শ্রীরাম্যন্ত রূজা হয়েছিলেন ক্রেতাবৃত্তে, কিছ বেহেড় ঠার শাসন-কবস্থা ছিল অত্যন্ত সুনন্ম, তাই

2 to

তখনকার জবস্থা ইয়েছিল ঠিক সভ্যবংগর মাতে। সেখানে সকলেই ছিলেন ধর্মপরায়ণ এবং সর্বভোগত

"ए छन्नच-कृत्रारमकं महावास भरीतिकर! **अ**लस्य क्षीताकारशास माजवकारण वन, नमी, नाकाक-नवंध, वर्ष সপ্রবীশ এখং সপ্তসমূত-সবই ভবন প্রকারগের সর্বকাষদায়ক হরেছিল। স্থাবনে শ্রীবাহ্চতা করে 📣 পৃথিবীতে মাজৰ ক্রছিলেন, কান্স সমস্ত দৈহিও এক মননিক কেশ, ব্যাধি, জরা, সভাপ, দৃংখ, পোক, ভার ক क्रांति मन्पूर्वज्ञरन अनुनिष्ठि दिन। अपन वि देखा व করলে মৃত্যুও কারও আছে উপস্থিত হৈত না। ঐর্যাচন্ত্র কেবল একজন মাত্র গড়ী গ্রহণ করার কবং জন্য কোন রমণীর সঙ্গে কেন প্রকার সম্পর্ক বা রাধার ক্রচ ক্রম करविक्रित्ममः। छिनि विरुगम अकसन आसर्थि अवर केंद्र চরিত্র ছিল তার, ছেব জানি কপুর খেকে স্পার্থনার भूक । छिनि जक्नारक अमाजाः निका निराक्तिकाः, तिल्ह করে প্রস্থানের আচরণীয় বর্ণাপ্রম-পর্ন। এইভাবে ভিত্নি স্বয়ং আচরণ করে জনসাধারণকে শিক্ষা নিভেছিলেন। जीकारकी हिरमा चक्क किया, अक्रानीमा, नव्हारकी এবং প্রিরাজ। তিনি সর্বন তার প্রতির মনোভার করেছ পারতেন। এইভাবে তার চরিত্র, প্রেম এবং সেবার হার তিনি স্বণবাম মীরাসচন্দ্রের হিন্ত সর্বভোজারে আকর্ষণ







একাদশ অধায়ে

শ্রীরামচন্দ্রের পৃথিবী শাসন

শ্রীপ শুক্তব্ব গ্রোস্থায়ী ঝালেন—" ভরণের ভগবান মিরামতর আচার্কান হয়ে ভোট উলকাল নাগরিত মঞ্জের भारत निरमपे निरमञ्ज कात्राथना करतिहरूका, काञ्च छिनि **হচ্ছেন সমস্ত দেবতাদের পরম দেবতা। ভগবান** হীরাক্তর হোকাকে সমগ্র পৃথবিক, ক্রমা পুরোহিতকে সমগ্ৰ দক্ষিদানিক, অধ্বৰ্জ পুরোহিতকে সমগ্ৰ পশ্চিমবিক এবং সামবেদ গানকারী উদ্গাতা পুরোহিতকে সমর উত্তরদিক প্রধান করেছিলেন। এইভাবে তাঁর সমগ্র রাজ্য তিনি প্রদান করেছিলেন। ভারপর, ক্রাক্ষণদের বেংগ্র কোন বাড বাসনা নেই, ভাই জারাই সারা প্রথিকী প্রথপ হলা জেগা, এইকাবে বিচার করে ভগবান জীয়াত্তর वर्त वर्तकता, केंस्सा क्षेत्रर मध्यम मिरममा घरण त्य करि কাশ্রি ছিল, তা আচার্যকে দল করেছিলেন। এইভাবে স্বাধ্যমন্ত কৃষ্ কিছু দান করাম পার, কগবাদ শ্রীরাহচাশ্রের ক্ষেত্র করা এবং অলকার মাত্র স্বর্লান্ত ছিল। ্ত্তেট্ প্রকর্মার্ট্রী সীতানেবীরত কেবল মানাজ্যৰ হয়ে _{कार्या}नंद ज़िला। एक चलुकेएन बानाकाट्य निश्चक नामक बाब देवता इरक्षण्यात क्षेत्रि चलाव चनुकृत अवः ক্রেপরারণ শ্রীরমচারের প্রতি অভার প্রসম হরেছিলে। ্রেপ্তরে প্রবীভূত ক্লরে তারা জার কছে খেকে দানতাপ লা কিছু প্রাথা হরেছিলেন, ভা সব ফিব্রিয়ে দিয়ে बार्माक्ट्रान्, 'दि छमदान्। दि कम्मीन्दा। चाननि আন্তান কি আ নিবেকোঃ আপনি আনানের প্রথম অভারতে প্রকেশ করে ক্ষাপনার জ্যোতির দ্বারা বর্মাচনা প্রকার পারকার বৃধ করেছেন। সেটিই চরম উপায়র। ভতভাগতিক কোন দান আৰু আমাদের প্রয়োজন নেই। ত্তে প্রধান্ত, আপনি ত্রাপার্থনের আনহার আরাধ্য দেবজা কলে বীকার করেছেন। আপনার আন এবং শক্তি কৰত কুঠাৰ যায়। বিচলিত হয় মা। আপনি এই অগতের সময় কাবী ব্যক্তিমের মধ্যে মুখ্য এবং ভাগনর ই-ক্ষাণৰ গতন্যনের অধ্যেপ্ত মুনি-কবিনের হারা পুরিত হয়। হে ভগ্নান বীরাষ্ট্রা। আমরা আপনাকে खामारसर मध्यक अपिट निरस्का करि।"

প্রিল ওকদের পোনামী কললেং—"কোন একসময় विज्ञामहत्तु युद्धन केल नामहत्त्व मानुरस्त महनाकान कानहर মন ৮৯বেশে খনের অলকিতভাবে রাচে নাবীর মধ্যে ক্ষিয়ণ কাছিলেন, তথন তিনি কোন ব্যক্তিকে তাঁর পরী দীভাদেৰীৰ সন্থাৰ প্ৰতিকৃত মণ্ডবা করছে এবৰ করেছিলেন। (সেই ভাজি ভার অসতী শ্রীকে বলেছিন)। তুনি পরপুরুষের পুছে গ্রহন কর এবং চাই তুনি অসতী ও ধটা। আমি আর ডোমরে ভরণগোবণ করব না। বীয়াৰচল্লের কভো ল্লেগ পরপৃহপতা সীভাকে প্রহণ ক্ষতে গাবে, বিশ্ব আমি তার মতো গ্রেণ নই, তাই আমি **আন ডোমাকে প্রহণ করব সং**।"

সেই সমাক দুটালের স্থানে জীত হয়ে জীবামচার তার শর্ভবতী পত্নী সীতানেরীকে পরিতার করেছিলেন। অসমের্থে প্রভাব সম্পন্ন এবং তাই রাক্য করের অন্য উন্ন

সীভাবেৰী ভৰম বালীভি ছুনিৰ আঞ্চল গ্ৰহ कर्राहरूका। यथानवर्षा वर्षवडी नीकारवरी गृह्य बस्क পুত্র হাস্বর করেছে। উলো লব এক, কুক নাজে দিখাত स्टामिश्रमातः नामीकि यनि कारनः बाटकर्य मुन्नामन ≢থেছিলে।"

"হে মহারক প্রাকিং। লক্ষ্যে কাম ও চিত্রকেড नामक पूरे भूव क्या चलराव्य एक क भूपन मापक पूरे পুর ছিল। শরবার সূবার এবং রাভাসের মানক বৃটি পুর বিধা। ভাত নিধিকরে ব্যক্ত করে কোট কোট शक्तिमा किया करहितान अवर कारण गमक धन-मन्त्रम नित्त अत्य समयान शिवामहत्त्वरण समान করেছিলের। শত্রস্থ সমুগ্র পুর কবা নামক রাক্সকে বিনাশ করে মধ্বনে সক্রপুরী নির্মাণ করেছিলন। পতি কর্তৃত নির্বাসিত হয়ে সীতাদেখী ঠার দুই পুরকে অর্থীকি মুলির হত্তে সমর্গণ করেছিকো। জারণার তারে পতি বীরাক্ষান্তর পাদপক্ষ্যাল ব্যান করতে করতে তিনি পাতালে প্রধেশ করেছিগেন। সীতাদেবীর পাতাল হাবেশ্যে সংখ্য তথা করে কগরটা ঘতার স্মেকালয় হরেছিলেন। কবিও ভিনি প্রয়েশ্ব ভগবনে, তবুও গীতার ওপসমূহ শ্বরণ করে, অপ্রাকৃত প্রেলে তিনি তার শোষ সমারৰ করতে পারেননি। স্ত্রী একা প্রকারত পরস্পত্তের প্রতি আকর্ষণ সর্বত্রই ভরগুণ। এই প্রকার অন্ততি ক্ৰছা, দিব কৰি উপস্থাৰে মধ্যেও বৰ্তমান এবং তামের পক্ষেও জীবিতান, প্রতথান এই বাড় কায়তো পুরস্থা-জীবনা গ্ৰন্থ আৰু কৰিবনে আৰু কি কথা।"

'সীতার পাণ্ডাল প্রথেশ্যে পর ভগবান প্রীয়ামচন্দ্র মুখ্যমৰ্থ অবলয়ন করে নিম্নেজিয়কালে ভেজে হাজার বছর মধ্যে অভিয়েয়ে মঞ্চ করেছিলেন। সেই ফল সঞ্চলন কৰে ভাগৰান প্ৰীয়ামচন্ত্ৰ, বাঁহ প্ৰীপাৰপদ্ম সভকারণ্ডে কাবালের সময় কথাতে কথাতে কাইকেই ছারা বিদ্ধ হয়েছিল, সেই শ্ৰীনাখনৰ নিকল্প উচ্চক কলে কলে হে সমাজ অভারণ ভাবের হালতে স্থাপন করে তিনি ক্রমন্ত্রেনতির পঠীত উর হীয় বাম কৈর্কুলোকে গমন कटविश्तानः। तस्पर्धातस्य ग्रार्कवत् यान वर्गतनत् सारा साधन 'শৈক্ষ এবং দৃষ্ট অস্তাবস্পায় মানুষেয়া কটুভাবী। কং এবং সমুৱে মেচুক্তন নিজ্ঞ লীলানিগ্ৰহ ভগবান श्चिमाध्यक्षक धक्क वर्ग नव । कश्चान श्चिमाध्य

বানরদের বহাকতার কোন প্রয়োজন হয় না। ঋণবান क्षित्रप्रद्रश्यक निर्माण नामकाती यन विश्वपद्धात्तव আবরণকারী অলভারবন্ত বক্তের মতো স্বাদিক বিখ্যাতঃ মার্কতের কবির মাজা মহাতাপণ মহারক্ষ ধ্বিভিরের যতো মহান সভাটারে সভার প্রীরাস্টপ্রের মহিমা কীর্তন করেন। তেমনই, সমস্ত রাজবিদন এবং শিব, প্রখ্যা আদি <u>পেকচাপৰ তাঁন্দের ক্রুট সহ মন্তব্দ অবনত করে তাঁর</u> বুলা করেন। উরে শীলাদগথে আমি আমার সহায় প্রদত্তি নিবেদন করি। স্বাসনান জীরামতক্র তার ধামে কিন্তে গিয়েছিলেন, বেখানে ভক্তিযোগীরা উন্নীত হল। সমগ্র অবেধ্যাকসীরা শীরান্তভ্রের প্রকট লীলার তাঁকে প্রণতি নিবেদন, ষ্ঠার শ্রীপাদপক্ষ স্পর্শন, ষ্ঠাকে পিডড্বা রাখারণে কবি, সমী বা স্থাভাবে উল্ল সঙ্গে একরে উপবেশন, শহন অথকা ভতারাগে তাঁর অনুসমন আদির ছারা সর্বভোভাবে তার সেফ করেছিলেন এবং তারা সকলে সেই স্থানে গামন করেছিলেন।" "হে মহারাজ পরীক্ষিক। যে ব্যক্তি প্রবণেজিরের হারা ভগবাস শ্রীরাম্চক্রের চত্তিত প্রবদ করবেন, তিনি মাৎসর্ব রোগ থেকে মুক্ত হয়ে সকাধ কর্মের বছন থেকে মুক্ত ইবেন।"

মহারাজ পরীকিং ওকদের গোপামীকে জিলাসা করমেন—"ভগবান শ্রীরামচন্দ্র কিচাবে আচরুর করাশ্রেম এবং তাঁতই অংশ তাঁত হাতাদের প্রতি তিলি কিলামে ব্যবহার করতেন ৷ তার ভারেরা এবং অযোধ্যাবাসীয়াই ৰা ভান প্ৰতি কিভাবে আচনৰ কনতেন !"

শ্রীল ক্রকনের গোলামী উত্তর দিয়েছিলেন—"ভরতের ঐক্যক্তিক অনুরোধে সিংহাসন প্রহণ করার পর, ভাসবান জীরাম্বরে তাঁর কনিও প্রাত্যদের জাদেশ দিখেছিলেন সারা পথিবী আৰু করতে এবং তিনি যতং প্রকাসী ও প্রজাদের ধর্শনামন করার জন্য এবং সঞ্চারীদের সংগ্রহাকার্য প্ৰতিক্ৰণ করাৰ ক্ষমা সেখাৰে ছিলেন। ক্ষপান শ্ৰীয়াখচন্তের বাজকভালে বাজধানী অবোধ্যার পথগুলি হাতিদের ওঁড়ের বারা নিকিন্ত সগন্ধি মতা এবং সুরভিত মদের হার্য দিঞ্জিত হত। ত্রগরিফেরা কখন দেখত থে. কাজা স্বৰং এই প্ৰকাষ ঐপৰ্য সচকারে ব্যক্তধানীর প্রথমের করছেন, কান্য সের সেই ঐবর্তের মর্ম উপলব্ধি क्टरिका: शामान, भुददातं, महागृह, विस्तानक, प्रक्रिय

প্রভৃতি স্থান সৃষ্ণ কলাসের স্বান্ত আলগড়ত ছিল এবং বিভিন্ন প্রকার পতাব্দার খালা সন্ধিত ছিল। ভগরান ইলিয়েত যেবানেই ফেডেন, সেবানেই তাকে স্বাগত জানবের জন ফল এক কলের ক্তবক সমন্ত্রিক কদলী ও সুপারি বাজে দ্বারা ভোরণ নির্মাণ করা হস্ত। সেই সমস্ত ভোরণ সামানিষ চিত্ৰ-বিচিত্ৰ ৰজেন পভাৰণ, দৰ্গৰ এবং মালোও শ্বরা সৃত্তত্ত্বে সাঞ্চলে হও। ভগবন শ্রীরাম্রার বেধানেই বেতেন, সেধানকার মানুকেরা পূজার উপক্রব নিছে তাঁও আশীৰ্বাদ প্ৰাৰ্থনা করে বলভেন, 'যে 'ভগৰাম' পূৰ্বে বেমন আগনি করাছ কবানেরে পৃথিবীকে সমস্রের তগলে থেকে উদ্ধান করেছিলেন, সেইভাবে আপুনি আমাদের গালন করন। আমরা আপনার খাছে এই আশীৰ্বাদ ভিক্তা করি।" ভারণার দীর্ঘকার ভগবানকে দর্শন ব্যার কলে, খ্রী-পুরুষ ব্যান্ত প্রভারটি ভাগান উৎসুক হয়ে তাঁনের আবাদ জাগ করে প্রাস্থানের খালে আবোহন করে অত্থ্য নত্রনে পথপদার্শলোচন স্কর্মন গ্রীরামচন্দ্রকে কর্মন করতে করতে তার উপর পুষ্প বর্ষণ করেছিলেন। ভারপর ভাগান রাফান্ত তার পূর্বপুরুদ্ধার প্রাসাদে প্রবেশ করেছিলেন। সেই প্রাসাম বিবিধ उप्रत्कारम मद्किनानी अवर कामना नविकरानव धाता সুসন্মিত ছিল। পৃহস্বারের উডর নিকের ক্ষরা স্থানওলি রিল প্রবালের ভারা নির্মিত, সেখানকার ভারতটা বৈদর্য ছপির ছালা নির্মিত, গুরুতক অভি ছক্ষ মনকভ মণির ছাল নিৰ্মিত এবং ভিন্তি স্ফটক নিৰ্মিত। সেই প্ৰাসাধ বিচিত্ৰ গতাকা, যালা, বস্ত্ৰ এবং ক্লুসমূহে সঞ্চিত হয়ে নিব জ্যোতিতে দীল্যফন ছিল। সেই প্রাসাল মুক্তার মালা পানা শোডিত এক মূল ও দীলের বারণ সুসন্মিত দিন। সেই প্রাস্ফলে ব্রী-পুরুষের ছিলেন নেকডাবের মতো সুন্দর এবং নিবিৰ অলম্ভানে সন্ধিতে, ভিন্ত মনে ছড়িকা উদ্দেহ সৌলর্থ ধেন অলভারেরত অলভার করাণ। আধারাম পশ্চিত্তের অপ্রথা ভারতা শ্রীরামান্ত তার অনক্ষাটিনী শক্তি সীতাদেবীর সঙ্গে শেই প্রসামে বাস করেছিলেন এবং পূর্ণ পান্তি উপভোগ করেছিলেন। ভারেন্যা খাঁর শ্রীপালগছের আরাধনা করেন, সেই ভগবান জীরাম্চত धर्मन नीकि छोजधनन सा करन वर वर्ग विश्वव **উপকরণসমূহ ডোল ক**রেছিলেন।

যদিশ অধ্যায়

শ্রীরামচন্দ্রের পুত্র কুশের বংশাবলী

ক্ষা, কুলের পুঞ্জ জাতিথি, অতিথির পুনা নির্ধ এবং করকো। কুছেলের পুঞ্জ হকো উচ্চলিয়া, বাঁর বংসকৃত্ত প্রসংখ্য পুত্র নত। মধ্যের পুত্র পুতরীক এবং পুতরীকের। নামক এক পুত্র হবে। ক্রমধুকের প্রতিব্যোধ নামক এক পত্ৰ (জমধ্যা। জেনধ্যান পুত্ৰ দেখানীক, দেখানীকে। পুত্ৰ হবে এক প্ৰতিক্ষেত্ৰকা অনু নামক এক পুত্ৰ হবে, পুত্ৰ অনীয়, জনীয়ের পুত্র পারিধান জবং পারিবাজের পুত্র বাঁও থেকে নিবাক নামক এক মহান সেবাপ্তিয় স্কায় ক্ষাপুজ। সূর্বাধ্যের আশোসভূত বছনেত কাছতের পুর। হবে। ভারণর বিয়ক কেকে সহনের কাকে এক পুরের ধ্যানাতের পুরা সাগা এবং তারে পুরা বিবৃতি। নিবৃতির স্কাশ্ব হবে এবং সহক্ষের থেকে বৃহ্মশ্ব নামক এক नुत्र विज्ञानस्थः, विनि रेकचिनित्र निराष्ट्र स्थल् करावित्रस्य असरीरातः समा स्टनः। वृद्यन्य **१५८७ कानुधारना समा** क्षार क्षण प्रधान व्यानाकार्य स्ट्यास्ट्रिका । असे दित्रग्रामान्य त्यरकोरे **क**दि वाष्ट्रकार व्यक्तपुरमान माधक स्वाटनक অভান্ত মহাৰ পদ্ম লিকালাভ কংগ্ৰেছিখেন, যা এড় সকলেকো কৰা হতে, সকলে থেকে সুনকৰা; সুনকৰ আসভিজ্ঞাণ হলমগ্রন্থি ধুলতে পারে। হিরণানাডের পুত্র থেকে পুতর এবং পুতর থেকে অনুরিকের পুন্দা এবং পুশ্লের পুত্র প্রকারি। প্রকারির পূর সুন্দান, পুত্র সুন্দান এবং গাঁর পুর মুক্তা অনির্জিৎ। অনির্জিৎ বাঁর পুর অভিবর্ণঃ অভিবর্ণের পুর শীগ্র একং উরে পুর **হাল। এই হাল যোগহার্গে নিছিলাও করে কলাগ**হারে। अकरक व्यवस्था करायहर । कशियुरत्रत म्यास छिनि अक পুর উৎপাদন করে পুনরায় স্থেবংলের প্রবর্তন করেন। আরু হবে। সঞ্জা থেকে প্রকর্ম পাক্য থেকে ওজেক মকা পুর প্রসূত্রত, প্রসূত্রতের পুর সন্ধি, সন্ধি থেকে অমর্থণ এবং অমর্থণের পুর মহস্বান্। মহস্বান থেকে বিশবার্থর কর হয়। বিশ্ববাদ থেকে প্রসেবজিতের কর হয়। প্রফোজিং থেকে তক্তর এবং চক্তর থেকে বুম্বব্যার জান্ত হয়, হিন্দি বছে আপ্রমায় পিতা কর্তৃক निश्च का ।"

अपन करिकारक वीरनंत करत हात, छै।रावत कथा दशकि

ন্ত্ৰীৰ প্ৰকাষৰ পোলামী কালেন—"এীরামচক্রের পূব । একং করন। কুছমানর বৃহত্তৰ নামক এক পুত্র আবহাংশ हरूर अन्य कामुक्तम (चरक शकीकारका समा हरूर) প্রতীক্ষণের পুর দ্বার স্প্রতীক। ভারণার সপ্রতীক থেকে থেকে বৃহত্তাক নামক পুরের ক্রম হবে। বৃহত্তাক থেকে - वर्षि अवर वर्षि (भारक क्**रुक्तरहरू सभा शत**। क्**रुक्तरहरू** পুর হকে রুগরার এবং তার থেকে সমার নামক পুরের এক ওড়োন খেকে লামকের কর হবে। পাইল খেকে প্ৰক্ৰেমিৰ এবং প্ৰক্ৰেমিৰ খেকে ক্ষয়ক ক্ষয়গ্ৰহণ করকো। শুদ্রক থেকে কুর্বক, রূপক থেকে সূর্বধ এবং সূত্ৰে থেকে সুনিৰের কৰা ছবে। এই সুনিত্তই এই কলেও (भूव राजा) अधिर सुरुक्तातः बराभद्र वर्गना। देन्तुः ব্যক্তো প্রায় ক্রান্তা হাকে সুমিত্র। ভারতার সুর্যবালে আর **िरमृत्युं करानत और अवस्त प्राच्याचा शक एरहार्यन। १७% वरनध्य ककरकर मा। अस्टिहरू औ करान्य नवास्ति** \$23 I"

> 344 Sile

ত্ৰয়োদশ অধ্যায়

অনল প্রাণ

মহারাজ নিমির বংশ

নীল ভকদেৰ গোলামী বদলেন—'হিন্দাকুর পুর মহারাক্ষ নিমি বঙ্কা আরম্ভ করে মহার্বি বলিউকে প্রধান পুরোহিতের পদ প্রহণ করতে অনুরোধ ক্ষয়েন। তথন বলিষ্ঠ উত্তর দেন, 'হে খহারাক্স নিমি, আমি ইতিমধ্যেই দেবরাম্ব ইত্তের হচ্ছে প্রধান প্ররোচিতের পদ প্রহণ করেছি। ইত্রের দঞ্জ সমস্ত করে আমি কিরে আসব। দথা করে ততখন পর্যন্ত তবি আমার খনা অংশকা কর।' মহারাক্ষ নিমি তথ্য কোন উদ্ভৱ বা দিয়ে নীকা ছিলেন अवर दनिष्ठं देशायम बाह्य कर्डाहरूका। बाबरुधम মহাপ্ৰক্ৰ নিমি বিবেচনা করেছিলেন বে, এই জীবন অরিও। ভাই, বলিটের ফিরে জাসা পর্যন্ত অংশক্ষ মা করে, তিনি অনা পুরোহিতদের হারা হয়ে অনুষ্ঠান কল করেছিলেন। দেকরক ইন্দের বন্ধ সমাগু করে ওরা ৰলিষ্ঠ কিলে এলে ছখন দেখেছিকেন বে, তীয় লিয়া মহাধ্যম নিমি তান আদেশ আমান করেছেন, ভাল বশিষ্ঠ ষ্ঠাকে অভিন্যুগ দিয়ে বলেছিলেন, 'পণ্ডিতাভিয়ানী নিমিয় बाफ (मरका निभार असक / प्रश्नाक निमि रकार चनताथ না করলেও অকাগ্যন্ত তাকে অভিশাপ নিরেছিলেন কলে, তিনিও তার ওককে প্রভাতিশাপ দিয়েছিলেনঃ তিনি ৰগেছিকেন, 'দেবরাজ ইডের কাছ থেকে দক্ষিত্র লাভ ঋণার লোতে জাপনার ধর্মজ্ঞান লগু হরেছে। সভরাং আপদার মেহেরও পতন হোক।' এই বলে আধ্যান্ত্রিক ক্ষানে পারদলী নিত্রি গুলা বেচ বিসর্জন বিয়েছিলেন। প্রক্রিতামত বশিষ্ঠত কেততাপ করে পুনরায় মিন্র-বরুপের বীর্ষে উর্ফীর গর্ভে রুক্সগ্রহণ করেন। যন্ত অনুষ্ঠান করার সরর মহাসক্ষ নিমি দেহত্যাপ করলে মহবিণাণ তথে চেহ ব্যৱস্থার মধ্যে সংবন্ধণ করেছিলেম এবং সরবাগ সঞ্জপন্মৰে তীয়ে সেখিলৈ সমাগত দেবতাৰের জনবোধ करत वरमारिकात।"

'जाभनाता वर्षि अहे वर्ष्ट अंगह श्रह भारकः अवर गला नटारे नवर्ष दम, धर इतन पदा करत महाराख निवित अहे (म्ट्र जुनवाड आट्या नकान करान ।' क्रिएमत अहे

অনুরোধে দেবতারা সংখ্যত হরেছিলেন। কিন্তু মচালত নিমি তথ্য বলেছিলেন, 'ময়া করে আমাকে পুনররে এট ঋষ্ড মেহের বছনে আবদ্ধ করকো না∤ ^ক

ক্ষান্ত নিবি কালেন—"মায়াক্ষীয়া সাধারণত ভাত মেহের বছন থেকে মুক্ত হতে চাত্র, কারণ ভারা পুনরাত্র গ্ৰহ ভাগেৰ ভৰে ভীত। কিন্তু বাদের মেধা সর্বন ভগবানের সেবার মধ, তারা কবনও ভীত হম स। বস্তুর্ভপক্ষে, ভারা ভগবানের প্রোমমনী সেবা সম্প্রাহ করার কান্য শেহতির স্থাবহার করেন। আমি **মান্য** ছেচ ধারণ করতে ইক্ষা করি না, কারণ তা এই জগতের সর্বত্রই দুঃৰ শোক এবং উল্লেখ করেব। জলে হংগ্র যেফা সর্বদা মৃত্যুর আশব্দ করে, তেমনই দেহধারী **জীধদেরও সর্বাই মৃত্যুক্তর হরে ব্যকে।**"

দেবতারা কালেন—"মহারাজ নিমি কড পরীর ব্যতীতই জীবিত প্রধন। তিনি চিশ্বর শরীয়ে ভগবানের भार्यप्रकृत्य विश्वास करून अवर छोत्र देख्य चनुभारत छिनि ক্ষত্ৰ শেহধাৰী সাধানৰ মানুৰদেশ কাছে প্ৰবট ও অপ্ৰবট থাবুল। ভারণের অরাজকভার ভার খেকে মানুবর্গর রক্ষা অভাত জন্য কবিগণ মহাতাক নিমিত দেই মহন करविश्लिक, साथ करण देश तक तथर अवधि गृह উৎপত্ন হয়েছিল। অসাধারণভাবে উৎপত্ন হয়েছিলেন বলে সেই পতের নাম খ্যোছিল ক্ষাক এবং প্রলাইন সেই त्यत्य अन्य इटाहिन वाल केन्द्र मात्र दिवस्थ। केन्न লিভার দেহ বছনের কলে উৎপন্ন হয়েছিলেন বলে তিনি মিথিক নামেও অভিহিত হয়েছিলেন কৰা ভিনি শে পুৰী নির্মাণ করেছিলেন ভার নাম হয়েছিল মিথিলা?"

"হে মহাথাক পরীকিং, মিথিকের পুরের মাম উল্পিক উদ্যৱসু থেকে নন্দিবর্তন, নন্দিবর্তন থেকে সুক্রেন্ট এনং সুকেতুর পুঞা দেবপ্রত। দেবরতে থেকে বৃহর্প নামক পুরের কল হয় এবং বৃহস্তথের পুত্র মহাবীর্ব, বিনি ছিস্প সৃধৃতির ভিজা। সুধৃতির পুরের নাম ধৃটকের এ^{বং} গৃষ্টকেন্দ্ৰ খেকে চৰ্যাৰ ৰাজ্যহন কৰেন। মুৰ্যাৰ ছেকে মন্ত

anas এক পুরের প্রণা হয়। মাজত পুর প্রতীপক এবং নামে এক পুর ছিল, ঠার ক্ষেক্ত সময়ক নামক পুরের প্রা মহাপৃতি। মহাপৃতি থেকে কৃতিরাত নামক এক भारतह क्षेत्र हत। कृष्टियारका चून महारक्षण, महारक्षण কালোমা খেকে প্ৰক্ৰেমাৰ কম হয়। প্ৰক্ৰোমান প্ৰ শীরধ্বনা (ইনি জনক নামেও পরিচিত)ঃ শীরকাভ বধন am सन्हारत्य बना एवि कर्षण काहिरका, एका एक লালনের অগ্রভাগ থেকে সীতাদেরী নাম**থ এক ক**লা আবির্ভতা হয়, বিলি পরে কগরন শীরামচারের পত্নী इत्सिहित्सरे । व्यवैकारक सिनि नौतिष्कम नाटम विचारक इसे । मीराध्यासम्ब भूज कुनश्यक वादर कुनध्यासम्ब गुरु संस्थ धर्मभागा, योत क्लभागा । विख्याम नामक गृहे नुव क्ति।"

"তে মহারাক্ষ পরীকিং। কথেনক্ষের পুর কেশিকার । মহাক্ষী।" এবং বিভাগানের পুরা বাভিন্য। কৃতথ্যক্ষের পুরা ছিলেন আত্মতব্যক্তি এবং ফিডধ্বজ্ঞের পুর ছিলেন বৈদিক কর্মকাতীয় অনুষ্ঠানে সুনিপুধ। কেনিধাকের ভাষে পাতিকা পলামান করেছিলেন। কেলিখানের পুর করেছান এবং ভানুমানের পুত্র হিলেন শতপুত্র। শতপুত্রর ওচি

প্রত্যালকের পুত্র কৃত্রবর্ষ। কৃত্রবর থেকে শেকটাট ভাষা হয় এবং সন্দাল থেকে উর্জনেত্র ক্ষম হয়। প্রভারত করেন। দেখনীয়ের পূর বিক্রত এবং বিপ্রতের উর্জকেন্তর পুর অঞ্চ এবং অফের পুর পুরুষিং। পুকলিকের পুরু অনিষ্ঠনেত্রি এবং তার পুরু ক্লভায়ু : केटांबर मुभार्यक मायक अर्थ शत अन्द्रश्रम करका अर्थ শেষে বৰ্ণনোতা লামক এক পুনেৰ কৰা হয় এবং। সুনাৰ্থক থেকে চিত্ৰখেৱ কৰা হয়। চিত্ৰখেৱ পুট विरमम रक्षपावि, विनि विधिजात क्षणी व्ररक्तिरमम। ক্ষেমধিয় পুত্র সারখ, সময়খের পুত্র সভারখ, সভারখ থেকে উপভঙ্গ এক উপভঙ্গ থেকে অভিন্ন অংশ উপথ্যায়ে কর হয়। উপধ্যাধ্য পুর বর্ষনার, ঠোঁর পুর हेपूर, मुक्तका भूज मुख्यमन अवर मुख्यस्य भूज अस्ति। ক্ষতের পুরু উভ এখা মার থেকে বিজয় ভারাগ্রহণ **क्ट्रां अहे विवाह्य नुत्र चन्छ। चहना नुत्र करण,** চনকো পূর বীতহত, বীতহংগাল পুর হতি এবং শৃতির **পুज क्लामा। कालात्मत मृज कृष्टि क्रवर छोत्र भू**क

মীক ওক্ষেব *লো*খাৰী *বগণেল—" হে বহারা*ছ পরীকিং। বিশিক ব্রাক্তবংশে সমত রাজ্যক্তই ছিলেন আশ্ব-তত্ত্তিং ৷ ভাই গতে অবস্থান করলেও ভারা ফড স্বাহের ক্রডার কেনে মুক্ত হিলেন



চভূৰ্ম্প অধ্যায়

উর্বশীর দ্বারা মোহিত রাজা পুরুরবা

শ্ৰীল ওকদেৰ গোন্ধানী মহারাম্ব পরীকিংকে **बन्दान्त—"८६ क्रकन्, भागनि भूर्यवर**्षता विश्वत व्यव कडरणम्, ध्वथमः शर्वत्रः पवित्रः प्रश्नावरत्नम् विवयण अवण কাল। এই চন্দ্রবাদে পুন্ধকীতি এল (পুরুরবা) প্রভৃতি অঞ্চল্পে মহিমা কীভিড জ্যান্ত। স্ক্রশীর্ম পুরুব ন্যুত্রক গর্ভেমকশারী বিকুল্ল নাভিস্থােনর হাতে উত্ত পদ থেকে বিষ্ণার আগা হয়। ক্রছার পুর পরি, ফিনি তাঁর দিতাব

মতেই গুণকা ছিলন। অন্তির আনসক্ষ থেকে বিদ্ধ কিবশ স্ম্বিক সোধ আ চন্দ্ৰ নামক পুৰের ক্ষয় হয়। ব্ৰহ্মা উচ্চে প্ৰস্থান, উহৰি এবং নকজনেও অধিপতিলালে निवृक्त करविष्टलन। डिकुक्त (११९) अर्थ। अवर পাতাপাপেক) মাত করে স্থোম নাজসুম কর্ম কর্মেচপ্রেম। অভান্ত মৰ্লের কলে ডিনি বৃহস্পতিত পদী ভারত্ত খলপূর্বক হতা করেছিলেন। দেবওক বৃহস্পতির পুন্দ

গ্লাং অনুরোধ সায়েও লোম পর্বকান্ড ভারাকে ভিনিত্তে शामि। क्षा करण (एक्टा अवर मन्त्रवरस्य मर्था वृक् তক্ত হয়। বহুস্পতির প্রতি ওতেনা সক্রতাবদত ওক্ত বৃদ্ধি দেশে তার নাম রোগেছিলেন বৃদ্ধা। নাজকর্মন হত থাসরগুর সহ চত্রের পঞ্চ অবলয়ন করেছিলেন। কিন্তু শিব ওঁার ওকর পুরের প্রতি স্নেহবণত সমস্ত ভত-প্রেত পরিবত হয়ে বহুশ্বতির পক্ষ অবলম্বন করেছিলেনঃ সমন্ত দেবতাগণ সহ ইন্তা বৃহস্পতির গব্দ অবলম্বন করেছিলেন। এইভাবে বৃহস্পতির পত্নী ভারার নিমিত দেবতা এবং অগব বিনাশকারী এক বহাবুদ তম श्रद्धाक्षिण। अभिन्ता क्षांत्रा कारक् मान्छ गुकास निरंत्रका করলে, ক্রজা চক্রণেথ লোমকে করোবভাবে তিরক্ষান করেছিলেন এক ভারাকে তাঁর পতির হতে প্রদান করোইকো। বৃহস্পতি ভাষা কুখতে পেবেছিলেন বে, ভারা গর্ভবতী লে

বৃহস্পতি বললেন—"ততে মূর্থ রমণী : আমার আধান কোগা ক্ষেত্রে অনের হারা পর্ত হাপিত হয়েছে। ঞকুপি ভূমি নেই সন্তান প্রদার করা। আমি ভোমাকে আশাস দিন্দি, সেই সন্তান প্ৰদৰ কৰলে আমি ডেমোকে ভশ্মীভত কৰে না। আমি কানি কবিও ভমি অসতী, তবুও তুরি সন্ধানাথী। তাই, আরি ভোগাকে সভাদন कदर जा।"

প্ৰীল ওক্ষেত্ৰ গোখামী কালেন--"বৃহস্পতিও অন্যেশে তারা অভান্ত লক্ষিতা হয়ে তথা বর্ণকারি-বিশিষ্ট একটি কৃষার প্রস্তুর ক্রেছিলে। বৃহস্পতি এবং চন্ত্ৰদেৰ উভাৱেই সেই সুৰৱ লিভটির প্ৰতি ল্লুছা कर्माहेल। वृहत्वित कर एक केंद्रविहें गाँव कर्ताहरूल. "এই পুত্র আমার, ডোমার নম" এবং ভার কলে ভালের মধ্যে বিবাদ ওক্ত হয়েছিল। সেখানে সমধ্যে কমন্ত কৰি धारः (क्क्ट्रास एआरक क्रिकाम कदर्कत्वन त्राहे नतशाहः শিওটি কার, কিছু লক্ষার ভারা কোন উত্তর বিতে পারেননি। কুমার তথন অত্যন্ত ক্রম্ম হয়ে তার মাকে আপনি দর্বভোতাকে শ্রেষ্ঠ।" यर्गाइन, 'तर धारडी तसवी। एथ लब्बात के टाउनका ! তমি কেন জোনার শোৰ খীকার করে নাং শীয় ভূমি খ্যামতে তোমার গোখের কথা কল। ব্রহ্ম তথ্য ভারতে बाकरि निर्शन क्रांटन निरंत निरंत नाक्सा निराणितम्ब बनाः ক্রিজানা করেছিলের সেই পুরটি প্রকৃতনক্রে মার। তিনি

সোমদেৰ তথক্ষণাৎ সেই শিশুটিকে প্ৰচল সংগ্ৰিকের স

"হে মহারাজ পরীক্ষিব। প্রখা। সেই স্থানের কর্ণত সেই প্রের হারা অভার আনন্দ প্রাপ্ত প্রয়েছিলে ভারপর বৃথ খেকে ইকারে গতে প্রক্রমা নামক এক গতের क्षण हरू। और भूकादगाँव कथा नवन ऋह्यत अध्य च्यथप्रता वर्षिठ इरसरह। अकमिन स्मर्की वास्तर क्या দেবজৰ ইডের সভায় পুরুরবার রূপ, ওপ, উদার্ব, স্থান্তর मान्यम अंतर विजन्तात कथा वर्षमा अवस्थित एका एकी **डेवेंनी छा अवन करत कामनारन नौकिका दाद रीत अर**ा সিয়েছিলেন। মিন্ন এবং ক্যাপের অভিনাধে দেৱী উঠে। মনুব্য-বভাব প্রাপ্ত হয়েছিলেন। তাই মৃতিমান ক্ষায়নেন चलान नुसंबद्धां नुसन्द्रवाटक मन्द्री करते केरनी रेजन অধনক্ষণপূর্বক তার কাছে গিরেছিলেন। উর্বদীকে চন্দ্র करत जाका शृक्तकवात महाम ध्यानत्त्व केंद्रपुटी दरवावित कव তার দেহ রোমাঞ্চিত হমেছিল। তিনি সুমধুর বাবে উৰ্বনীকে বলেছিলেন—হে সুন্দৱীয়েকাঃ ভোমাৰ ভভাগৰন হোক। দয়া করে তমি আদন গ্রহণ কর এবং বল আমি ভোমার জন্য কি করতে পারি। ভবি আয়ের সঙ্গ ৰঙদিন ইচ্ছা উপভোগ করতে পার। রহলসুৰে আমামের স্থীবন অভিনাহিত হোক 🖰

উর্বশী উত্তর দিয়েছিলেন—"হে পরর কাপবান। কোন সীৰ চিত্ত ও দৃষ্টি আপনায় প্ৰতি আকৃষ্ট ৰা হয়। আপনায় ৰক্ষায়ল প্ৰাপ্ত হবে কোন বানী আপনার সঙ্গে বতিসুৰ ভোগের সম্পর্ক ভাগে করতে গারে না। 🙉 মহারাজ পুরুরবা। এই মেষ দৃটি আমার মঙ্গে পতিব হয়েছে, আপনী এমের রক্ষা করুব। বদিও আনি কর্মনাক্তের এবং আগমি পৃথিবীর অধিবাসী, তবুও আনি আপনরে মতে মৈথুনস্থ উপভোগ করব। আশনকে পতিমাশে বরণ করতে আয়ার কোন আপতি দেই, কালা

"হে বীর। খুতে গ্রন্তত বস্তুই কেবল আনের ভোলা হবে এবং মৈধুনের সময় ব্যতীত অন্য কোন সময় আনি আপনাকে বিবস্তু দেখৰ না ।" মহামন প্ৰায়ৰ কৰ্মীন শেই প্রস্তাব অগ্নীকার করেছিলেন

পুসরবা উত্তর দিলেন---"ছে সুপরীঃ ভোমার স্কর্ণ দীরে হাঁরে উত্তর সিবেছিলেন, "এই পুর সোমের।" আভ্যান্তনক এখং তোমার ভাষচারিও আভ্যান্তনি

ক্ষমি সমায় স্থানেক সমাক্ষেত্র স্থানের স্থান করে। স্থান তিনি তথকস্থ কেলেন থেকে মার্ল্রতিকা হলেন। কুলোও খেকে স্বরু আগতা দেবী তোমার সেরা কোন **新城 斯 李洲东** ["

প্রকর্ম হৈত্রর্থ এবং ত্রন্সকানন প্রভৃতি বেবভাচের ্রতভাগ্য ভলে রমণেক উর্বলীর সঙ্গে তাঁর বাসনা অনুস্তির রতিসুখ উপভোগ কবতে লগেলেন, পুরুরের একসময় সরস্তী নমীর প্রীর কুলকটো লাকেন্যালভা দেবী উব্লীয় মূখ এবং দেহের সৌরভে ভানপ্রাণিত হলে পুরুষকা কর্মন পরম জানশে তাঁর। তিনি তথা ঠাকে মনুহ জান্তা এই কথাওলি ব্যাহিকে। সমস্থ উপতেপে করেছিলেন*ি*

करी। विना व्यक्ति और महा जात मुक्त वरत महन रहर भूगी कारड शर्दिन, दिख होई बना व्यवहरू दाल करा না সেই কথা বিজ্ঞেনা করে তিনি গভর্মদের নির্দেশ তোহার উচিত হয়। স্তমি বুলি ভারার কর তালে করতে প্রয়েছিলের উর্বানীকে কর্মলোকে ভিরিয়ে নিয়ে আসতে। অনু করে থাক, তা প্রতা এস, অনুত অকলংকে জনা মধারারে বখন সব কিছু গভীর অভকারে আফর আমরা কিছু কথা বলি। 🙉 দেবী। ভূমি প্রত্যাধান চরেছিল, তখন পদ্ধর্কেরা পুরুরবার পুত্রে এলে রাজ্ঞার করার জামার সুক্ষর থেই এখানে পতিত হবে এবং ষান্তে স্থার পদ্ধী উর্বলীর ধারা গাহিতে মের দৃটিকে হরণ। বেচেড় আ প্রেমার আনক্ষ নিগমের উপকৃত নর, তাই করেছিলেন। উর্বদী সেই হেব দৃটিকে পুততুলা হেছ তা শুগাল ও পকুলিলের আহরে হবে। করতেন। তাই, গছর্বেরা ধবন তামের অপহরণ করে এই জগভুৰ এবং মগুংসক স্বামী আলাকে রক্ষা করতে করেন। আমি তাঁর উপর সির্ভর করেছিলাম বলে, পলাবা আমান পুত্র মেৰ দুটি অপহরণ করেছে একং ভাই আমি বিনষ্ট হলাব। আমার পতি রাত্রিকেলার ভাগে তরে। রয়েছেন, ট্রিক যেফন স্ত্রীলোকেরা ভীতা হরে শরন করে, বলিও নিনের কোলা উচ্চে পুরুষের মতো মলে কনে रेश ("

"হাতি বেভাবে অন্বশের দারা বিশ্ব হয়, গুরুদকাও তেমনই উর্বশীর স্বাকাব্যাপ ক্রিছ হয়ে অত্যন্ত ক্রুছ रेटिक्टिनन अवर राज नहिंधन मा कराई दाखिए केंग ধারণ করে হেত জলতবণকারী গছর্বাদের নিছনে ধারিত মবেন্দ্রিকান। পায়র্হেরা মের দৃটি পরিত্যাপ করে বিদ্যুক্তর মতো মৃতিমান হতে প্রাহবার প্র আলোকিত করেছিলেন। উর্বদী ভাষা তার পতিকে নয় অবস্থান বেৰ বৃটি নিয়ে ক্ৰিয়ে আসতে দেৰতে লেকেন এবং ভার

ইর্বনীয়ক ভার প্রায়ত দেখাতে বা পেয়ে পুরুষকা মতাস निया सरक्तिका। केल और महीर कार्यका करन এল ৩খনের গোস্বামী বলবেন—"পুরুষ্ঠের তিনি গ্রহনে বিচুল হতেছিলের এল তার কলে শোক ক্যাত করতে তিনি উল্লেক্ট্র মতে প্রতিটা প্রতীন করতে नाभाजतः। बद्देशस्य भृतियो भगीतः कटर्ड कट्ट পক্ষমধী সহ উপীকে মেখতে পেনের। প্রসা বদনে হে প্রিরপরীঃ হে নিউবঃ বস্তা করে ব্যাতাও, একটু শন্তর্ধনীতে সভায় না দেখে দেবরাক ইন্স বলেছিলেন, পাছাও। আমি ক্সমি যে একাও পর্যন্ত আনি ভোনাতে

উৰ্বলী বন্দ্ৰেল—"হে ব্যক্তন! আপনি প্ৰকল্পন নিয়ে ব্যক্তিল, তথা তালের প্রশান কাল করে উর্বদী হার । পুরুষ, একজন বীরঃ সুহারং আধর্য হয়ে প্রশাসার পতিতে ভিরেম্বার করে বংগতিলেন, "আমি হও হলাম। করকেন না। মৈর্য অবলম্বন করন। ইপ্রিকেশ বুকলা বের ভাপনকে ভক্ষণ সা করে। অর্থাৎ, ইস্তিতের খ্যক্তর অবচ তিনি নিয়েকে একখন বীর বলে মনে ক্রীতৃত হকেন না। পক্ষাহরে, আপনত জেনে রাখা ্ ইতিভ যে, রমশীর ভালর কুকলের মতো। সুতরাং ভালের স্থান সৰা স্থাপন করে অনুচিত। স্তীরেলাকেরা নির্বাহ এবং কটিল। ভার মাধ্যক লোকে সভ করতে গারে সা। তাদের নিজেদের সুখের জন্ম তারা যে কোন অধর্ম আহ্বদ করতে গারে, এফা ভি আমের বিভন্ত পতি এবং ব্যক্তকেও হত্তা করতে ভয় পার না। স্ট্রীলোকের। अहरबाई भूअरबार सता छल्क इस। एउई कुम्ही तस्वी **चश्रकाहकी मास्टिद करूब ठाउँ करत समा राक्टिएम्ट** মধ্যে মিখ্যা প্রদান করে। প্রকৃতলক্ষে, তারে একো श्री अक तरून नकुत (प्रशिक्ता **कारका कर**ा। (र রাজনঃ বংসেরতা কেন্দে এক রাজি আপনি আমার পতিকাপে আমার সমসূপ উপভোগ করতে পারকো। প্রায় করে আপনার একটি একটি করে সক্ষম উৎপাদন ছবে। উৰ্বলীকে পৰ্ভবতী বলে বৃথকে গেয়ে পুরুতকা

তার প্রাসায়ে কিরে নির্বোহকেন। এক বছর পর আবার তিনি কুক্তের বীর-প্রস্থিনী উর্বশীয় সমসাভ কভেছিলে। কংসমতে পুনবার উর্ল্মীকে প্রাপ্ত হয়ে রাজা পুরারবা অত্যন্ত আনবিক ইরোছিলেন এবং এক রাত্রি তার সমস্থ উপজোগ করেছিলেন। কিন্তু ভারপর বিজেনের চিন্তার ব্যাধার হাদর আত্যন্ত কাতর হলে উর্বশী উচ্চক এই স্বধাওলি বলেছিলেন--"হে ব্যক্ষন। আগনি পদৰ্বদের পারণ গ্রহণ করণা, তা হলে তারা আবার আপনার কাছে আয়াকে ফিরিয়ে মেবে।" তাঁর সেই উপদেশ অনুসারে রক্ষা স্থাক্ততির দারা পদর্বদের সন্তটি-বিধান করেছিলেন এবং উল্ল প্রতি প্রসন্ন হয়ে গছর্বেরা ষ্ঠাকে ঠিও উৰ্বশীর মতো দেখতে অধিকালীকে প্রদান করেছিলেন। তাকে উর্বনী বলে মনে করে রাজা বনে ক্ষিপ্ৰৰ ক্য়তে তাৰ করেছিলেন, কিছু পানে তিনি পুথতে পেরেভিজন বে. সেই সুফর্নারি উর্বলী নাম, ডিনি ছজেন অধিস্থানী। রাজা পুরুরবা তথ্য অধিস্থানীকে পরিভাগ করে গাহে ফিরে এলেডিজেন এক সেখানে তিনি সারয়েত উর্বশীর ধানে করেছিলেনঃ তার খানের সমর তেওাখুগ चक्र शरास्त्रिंग अवर छारे जवाब कर्यवाजना भूग्वादी रख সমন্বিত কোত্তরের তথ তার হসতে প্রকাশিত হয়েছিল। शका शकातवाड कामर्थ कर्मकाशीत परकार विवि शक्छ হয়েছিল, ভখন ভিনি ফেবানে অধিস্থালীকে ভ্যাগ করেছিলেন খেই শ্বালে থিয়েছিলেন। সেখানে তিনি সেখকের যে, একটি শ্বরীক্ষের পর্ভ থেকে একটি অবস ব্যক্ষর উৎপত্তি হতেছে। তিনি তথন স্কেই বৃঞ্চ থেকে একটি কঠে নিৰে তা থেকে দুটি অৱণি তৈরি

করেছিলেন। ভারণর উর্বদী মেই লোকে মুদ্র _{সাম্পর্} সেখানে যাওয়ার বাসনার তিনি হয় উচ্চারণ করে নিম্নভাগের ফর্নাদকে উর্বশী, উপরের অর্থানকে তিনি স্ক धवर अधारकी जन्नचित्र मुख्करण विस्त कराइड कराइड অভি প্রদ্বলিত করেছিলেন। পুরুরবার করণি **মা**নের ঞলে আটি প্রকাশিক ক্রেছিল। এই আমি খেকে সমঙ থাত ভোগ লাপ্ত হওৱা বার একং শৌঞ্জেলা, সাধিত ধীকা এবং বৰু অনুষ্ঠানে পৰিত্ৰ হওয়া যায়, যা ভাত এবং ব এই তিনটি অক্টের সমন্তরে আহুদে করা ৪৮ এইভাবে সেই অগ্নিকে রাজা পুরুরবার পুর বলে মনে করা হয়েছিল। উব্দী যে লোকে বাস করেন *তে*ও লোক প্রার্থ যুখরার অসন্যর পুরুত্তর সেই অভিন প্রক যক্ত অনুষ্ঠান করেছিলেন এবং খানা করে ভিনি যালের ভাগবান শ্রীহরির প্রসাতে। বিধান করেছিলেন। এইজারে किनि वर्गरावसक साथाया स्थापात स्थापात করেছিলেন।"

"সভায়নে সমস্ত বৈদিক হয় বীক্ষণ্ডত প্ৰদৰে নিহিত हिन। चर्चार, चर्चर (समेरे (क्थन नक्क रिविष काउस উৎস ছিল। ভগবান শ্রীনাক্তকা ছিলের একমারে আরাধ্য তথ্য দেব-দেবীদের পূলা করার কোন নির্দেশ ছিল মাং অন্তি ছিল কেবল একটি এবং মানব-সমালে একমাত্র পর্ণ ছিল হলে। যে মহারাক পরীক্ষিৎ। রেপ্রার্থনের ওমতে রাজ্য পুরুরুত্ব কর্মকাতীয় হজের সূত্রপাত করেছিলেন। এইভাবে পুলরবা, বিনি মঞান্তিকে শুর পুর বলে মন করেছিলন, ষ্ঠার কাননা অনুসারে ডিনি সম্বর্ধদেক মাও इरहरिका ("

পঞ্চদশ অধ্যায়

ভগবানের যোদ্ধা অবতার পরশুরাম

ল্বীক্ষিং - উৰ্ব্নীয় গাৰ্ড প্ৰভাবৰ ছটি পূব টংগছ इर्स्सक्तः। केरनद्र नाम कायु, क्षश्रीयु, मञायु, तम, विकसः। कीयः। कीरमत् नृत्व काव्यम्, काव्यम्यतः नृत्व द्यातक अवर

প্রীন ভকদের গোনামী বন্দেন—"হে মধারাজ এবং কর। প্রকারন পুর বস্ফান, সভায়ের পুর প্রকারণ রচের পুত্র এক; ক্ষয়ের পুত্র অমিও এবং বিজ্ঞানের পুঞ

ব্যাহারের পূর করু, যিনি এক প্রপুত্র গলার সমস্থ কল ents করেছিলেন। স্বাহ্না পুত্র পুঞ্চ, পুকর পুত্র বলাত, _{সমাতি}র পুত্র অন্তক এবং অভাকের পুত্র কুল। কুলের কুলার্, প্রনয়, বসু এবং কুলনাড নামক চার পুত্র। আদি বছ পুরের ছব হয়। ইয়াক মধ্যে করিও পুত্র क्रमापुर पुत्र शार्थ। यदाताक शार्थित महायदी माह्म अक दान मा पत्रकदान महान विवाद । परिवादका अदे _{সম্পা} ছিল। কৰ্মাৰ এক ব্ৰাখণ খবি সেই কল্যাঙ প্রচারার বাধির আছে প্রার্থনা করেন। কিন্তু পারি মনে সম্বাহিত্যন কে, কটাক তার অন্যার পরি হওয়ার যোগা an এবং তাই তিনি সেই রাম্মাণকে বলেছিলেন 'তে প্রদেশ্র। আমর কুলিক বংশভাত সভাত পরিছা, তাই। আচার কনার পণস্বরূপ কৃষ্ণি ও বাম কর্ণের মধ্যে ধর্মনৈতির অবমান্য করতে ৬ক করেছিল। পৃথিবীর একটি স্থায়সর্থ কর্ণ বিশিষ্ট এবং চল্লের মধ্যে উচ্চল ভার অন্যান্তন করার জন্ম পরস্কার ব্যাসাই অপরাধ সত্তর কথা প্রদান করন। সাভা গাবি কথা এই প্রস্তাব ক্রারভিনের, ভবল বচীক মুনি ভার মনোভার ব্যাপ্ত (शरह वक्रमारायक्ष कारक विरविद्यांक अवर कार कार कार्य करावान-"व्यक्तिरकार कारवान काराज अहातहारूक বেকে গাধির শর্ভ অনুসারে এক হকোর আধ নিরে এনেছিকো। সেই অবভাগ গাহিকে বান করে তিনি शुक्कात मुचती बनाएक विदाह कटाहिला। काउनत ৰচীক হনিৰ পৰী এবং শততি উভৱেই পুত্ৰাধিনী হয়ে ৰ্কীকৰে চক প্ৰস্তুত করতে প্রার্থনা করেছিলেন। স্তার কলে কটাক বলি জার পর্যার কলা প্রাথপাত্র এবং ঠার সাহজিৰ জন্য ক্ষতিবদ্ধে পৃষ্টি চক্ত প্ৰকৃত কৰে সান কংলে নিরেছিলেন। ইতিমধ্যে, সভাবতীর মতো মনে কবেছিলেন যে, সভাবতীয় জন্য নিৰ্মিত চঞ্চ কৰেণ্য বেওঁ হবে, এই যনে করে তিনি তার কন্যার করে সেই 5ক প্রার্থনা করেছিলেন। সভাবতী ভাই তাঁর চর ভার মতে প্রদান করে, তার মারের জন্য নির্মিত চরু নিজে চক্ষণ করেছিলেন। স্কান করে গ্রহে ফিরে এসে খটাক মুদী কৰন বুকতে পারলেন বে, ঠার অনুপরিভিত্তে কি হয়েছে, ভখন ডিনি জাঃ পদী সভাবতীকে বলেছিলেন, ভূমি এক অভ্যন্ত অন্যান কর্বে করেছ। ভোমার পুন মের মতন্ত্র করির স্থতাবেশপার হবে এবং তোমার প্রতা ক্ষতহবিং হবে।" সভাবতী **কটাক মৃদিকে বি**নজার ব্যক্তের বারা প্রসন্ন করে জনরোধ করেছিলেন বে, উর পুৰি কো ক্ষতিয়ের মুজো উপ্ত প্রভাবসম্পন্ন লা ইউ। ক্ষ্টীৰ মুনি উজা দিৰেছিলেন, 'ডা হলে ভোনার পৌত্র ক্ষিমভাষালম হৰে।' ভার কলে সভাবতীৰ পুরন্তংশ ক্ষমদায় স্বাহ্মসভাৰ কৰেছিলোন। সভাবতী পঞ্জ খতাওঁ

পুন্দর্যটা জন্ম প্রত্যেক্তিনী ভেগনেরী নদী হার্যান্টেলন ঠার পুত্র স্কমর্গত রেপুর কন্যা বেপুরাকে বিবাহ कर्राकृतनः। स्थानंत्रतः वैत्रं (स्ट्राक (अनुस्ताः नार्ट्ड राज्यान चंडचडायरक कार्डवीर्वक्त विज्ञानकाडी क्या कनदान राम्राहरण्ड काम राज कीर्डन करहत। भटकराव পৃথিনীতে একবিশিতিকর নিজেরের কর্বেছিলে। রঞ এবং অমোওপের বারা প্রভাবিত করিবরা অভার পরিত হতে অবর্জ-পররেশ ররেজিশ একে প্রাক্ষাণের হারে প্রবর্তিত পৰিত লা চলেও আৰের সংস্থা করেছিলের ("

तशादक वर्दाकिर करावर सामाग्रीतक क्रिकामा কাৰো এমন কি অপরায় করেছিল, হার কলে তিনি क्टिर्क्नरक रहे सह किन्त क्टर्स्सा

केल उकरन्य कारायी स्वातन—"(दश्कान्द्र शास अधिराज्ये कार्डरीपीर्युक स्थानक द्वीराज्यसम्बद्ध व्यापन শ্বংশ সভারেরের আরক্ষা করে এক হাজার বাছ, माराम कर वर्षकीया तर बर्टरस्य देशिय का. সৌম্বর্ তেলা, বীর্ব, মূল এবং আলমা-লবিমা আদি যোগৰি পৰে করেছিলে। এইভাবে কঠান কৰ্ম লভ করে, তিনি বারে মতো অর্থান্ডত পরিবিলিট হাত্র মারা ব্রহাতে বিচরণ করতেন। একনমর বর্তেছত कार्डवीर्वार्कन रिकार्डी कार्य कार्य करत केंद्रास स्तिहरू হয়ে মর্মনা মদীর জলে অমত উপতোগ করতে করতে ঠার বাহন দারা সেই নদীন লেশু ক্ষরটোগ করেছিলে। कार्डरीर्वार्यस्य कार करा कराक १८१३ वटन अमेल প্রবাহ বিপরীত মিকে প্রবাহিত হওয়ার মাহিত্যটা নাগরীর নিকটে নর্মদার ভটে স্থাপিত শশ্যনৰ ব্যবংশর শিবিত প্রান্তি প্রস্কিন। কাঠনীর্যাপ্তনে এই প্রধান বীলাভিয়ানী রকা সহা করতে গরক না। রাখ বঙা স্থানের সহতে কাঠবীবার্ত্ত্রেক অধ্যান করতে চেয়েছিল, তখন কার্তবীবার্থন অনালানে ভাকে করী করে মাহিত্তী মারীতে একটি কাবরে যথো অংকত করে বেখে, व्यक्ति करका करा करन व्यक्ति निर्द्योद्धाः । व्यक्तिपद आउँदोशक्त प्रश्वास रिका सह विकास कार्ट करहर

যালকাক্রেমে জ্বাসাথিক জালাথে প্রনিষ্ট ছংগছিলেন। কার্তনীর্বান্ত্রনের সৈনিকামের বর্ম, জ্বান্ত ক্রান্ত ক্রেম চেম্ তপ্রা-কারণ জন্পত্রি ধূনি সাধরে সৈল, অফত্য এবং ধাহকাশ সহ রাজাকে অভ্যর্থনা করেছিলেন এবং তার কামকের সালা অতিবি-সংক্রের সমস্ক সামগ্রী সরব্যাহ कार्राहरकर। अर्धनीयीर्कन भरत कार्राहरका, काभ्ययन् ক্ষতের অধিকারী করেন্দ্র কলে জয়সচিত ঐকর্য এবং শক্তি উন্ন থেকে লেও। তাই উন্ন জনুচন হৈছাপণ সহ ডিনি ভাষণামির আন্তিখে। সন্ধায় হননি। পঞ্চারতে তারা चरित्राहीत कामाध्यापि चरिकात कराव चरिकान করেছিলেন। জড় শক্তির গর্বে গরিত হরে কর্ভেনীর্বার্জন ভাষে ল্যেকবেশ্ব ক্লমদ্ভিৰ কাম্চেন্টে ছবপ কৰতে প্রয়োচিত করেছিলেন এবং ভারা ভারা কংপর্বক কলে সহ রোঞ্চামানা কামধেন্টকে কর্তবীর্যার্কনের ছাল্ডধানী মাহিক্তীতে নিরে এসেছিল। ভারপর কার্তবীর্যার্থন কামধ্যে দিল্ড ডলে গেলে, স্বামদন্তির কনিষ্ঠ প্র পর্বদায় আলহে বিয়ে এলে কার্ডবীর্যার্জনের শৌরাজ প্রবাদ করে আহত সর্পের মতো ফ্রন্স হরেছিলেন। অভ্যন্ত ক্রন্ড পরভারাক তীর শ্ববকর কুঠার, বর্ম, বনুক এবং তপ প্রথম করে হাতির পিছনে সৈরে বেভাবে থাকিত হয়, সেইভাবে কাঠবীর্যার্কনের পিছনে থাকিত হয়েছিলেন। हाला क्षण्डेदीसंस्ट्रंग प्रथम ताल्यामी शारिकडी नहीं एव প্রবেশ করাজিকে, ভাগন তিনি ভাগুক্রাভিনক পরত্যক্রমকে কঠার, বর্ম কলক এবং বাশ নিরে ঠার দিকে ক্রতবেসে আসতে দেখতে লেবেছিলেন। পরভরত্যের পরনে ছিল ক্ষাধিন চর্ম এবং উম্ব ছটা ঠিক সূর্যের মতো দ্বাতিমন প্রতিভার হরিষে। পরশুরামকে দেখে কার্চবীর্যার্জন জীর হরে তার সঙ্গে কুর করতে হক্তী, রখ, অন্ধ, পদটিক, পৰা, কৰা, যাপ, কষ্টি, শশুদ্ধি এবং শক্তিসহ সম্ভাগন অভৌহিশী সৈনা খেরণ করেছিলেন, কিছু ভগৰান পরভারত একার্কীট সেই সমার নৈদ্য সংহার করেছিলেন। শ্রেট্রনারের বিবাধ সাধান অভান্ত সন্দ ভাষার গরভাগন মন এক ব্যৱহ বেশে ধার্বিত হয়ে তাঁর কুঠানের আঘাতে भक्करपत दिवित कारक कार्यस्थन। छिनि स्व विस्कर्र ধ্যমে কর্নায়কেন, সেখানেই বিগক সৈন্ত্রা ছিচ বাছ, ছিচ টিক এবং ভিন্ন কৰার হয়ে ভগতিত হতিক, ভা ভাতা ভাদেৰ সাম্বাধন্য হান্তী ও কৰা বাহনেরাও নিহাত ম্বরাছিল। ভাগৰান প্ৰভাগৰ ভাগৰ কুঠাৰ এবং বাংগৰ স্থানী

क्षित्रविक्षित करविष्ट्रांतम कदर करत्वत बरस वक्किक কৰ্মতে হয়ে উঠেছিল। এই পৰাক্ত কৰ্ম des কাউবৈৰ্দ্ধি কাভান্ত কুৰু হলৈ ফককেলে পুণ্ডালিক উপস্থিত হ্যেভিখেন। তথন ভগকান পরভারামতে বহ क्या कमन्त्र सार्व्यीर्मार्थ्य देश वक ग्रामान संस्थ একসালে পাঁচৰ ধনুকে বাল বোজনা কৰেছিকা। কিছ বেশ্ব বেশ্বর ভাগবাদ পরতথার কেন্স একটি করত ক্ষেত্র এত বাধ নিকেশ করেছিলেন বে, নেওলি তংক্ষাং কার্ডবীর্যার্জুনের ক্তপুষ্ঠ সমত খনুক এবং হাল ছিল্লান্তঃ करतिका। कार्धवीर्याक्ट्रान वान वित्रक्ति हरण विश्व গহতে বছ পর্বত ও বৃক্ষসমূহ উৎপাটন করে. পরওর্মকে হত্যা করার জন্য মুন্টবেশে ওঁল প্রতি ক্রমিড হরেছিলেন। কিছু পর্ভর্মে ডখন ফালুর্ভ্র জার ক্টান্তে হালা কাউবীৰ্ণাৰ্ড্ৰের সংগ্রহ কৰাৰ মতে স্ব ক 🕏 ছাত কেটো কেলেছিলেন। ভারণর, পরওয়ার ছিলবাৰ কাওঁবীৰ্যাৰ্জনেক মন্তক পৰ্বতদ্যক্ষেত মতে৷ জেন कदिहितन। कार्ज्यीर्वार्ज्यसम् शकात्र श्रह स्वरस्त পিতাকে নিহত হতে দেখে ভৱে প্ৰদায়ৰ করেছিল। তারপর বঞ্জিনিধন করে পরতরাম অতান্ত ক্রেপচাঞ ক্ষাবেশ্টিকে মৃক করে বংগ সহ কাল্লমে কিনিয়ে নিয়ে এলে ভার লিতঃ ক্ষমদর্থিকে প্রদান করেছিলেন। প্রতথাম তার পিতা এবং কভানের কাছে कार्डरीयार्थास्य निधम कतात वृक्तक धर्मन करतहिरसन। ्रांदे केदा उट्टा बामनीरे फेरा न्यांदेक बंटर्नास्टन्स, 'तह মহানীর পরত্রাম ৷ তুমি সর্বদেবমন্ত রাজাকে অধ্যরণে ব্য করে পাপ করেছ হে কংসঃ আমরা রাক্য আমানের ক্ষমাওখের ফলে আমগ্র সকলের পূজ্য হয়েছি এট ক্ষমাণ্ডপের ফলে সমগ্র ব্রক্ষাতের ওক্ত ব্রক্ষা এই রাজ্যতের সর্বভেষ্ঠ পদ প্রাপ্ত হয়েছেন। ত্রাপপের কর্তব্য সুৰৌধ মতো দাঁপিশালী ক্ষাব্ৰণের কন্দীলন কৰা। ক্ষমণীর পুরুষদের প্রতি ভগবান হাঁচবি প্রস্লা ধন। মে ৰংগ: প্ৰতিটোই বাজাকে বধ করা প্ৰাথ-বৰ খেকেও ত্যতন। কিছু ভূমি যদি কৃতভাতন্যার হব এবং ভীৰ্বস্থানো সেহা কয়, ভা হলে তুৰি সেই মহাগাগ বেকে মুক্ত হতে পার।" "

বৈডিশ অধ্যায়

ভগবান পরগুরামের পৃথিবীকে নিঃক্ষত্রিয়করণ

গ্ৰন্থ প্ৰথমেৰ গোৰামী কালেন—"হে কুকলকা আন্তাৰ গুৰ্মাঞ্ছৰ। পিতা কৰ্তৃক এইকাৰে আদিষ্ট হয়ে, লালভাষ সেই আহেশ অনীকারপূর্বক এক বছর নার্থনটোর করে আশ্রমে কিরে এমেছিলেন। একসময় জ্ঞান্তির পদ্ধী হেণুকা সঙ্গার জল আনতে পিরে _{পরকশের} মলার শেভিত গছর্বরাক্তে অপরানে সঙ্গে ালা কাতে থেকেছিলে। পদরে জল আনতে বিধে ক্ষরতারের সালে ফ্রণিয়ারের গার্ডবঁরাক্সকে দর্শন করে (वनको छीन छाँछ श्रेक्र न्लुहावछी स्टब्रहिस्सन क्रेस ক্লেন্তে সমা বে অভিযাহিত ছাম্প্ সেই কথা উন্ত स्था है। या वार कारणा, व्यावत अभा करियांकि स्थाद মেৰে ছেবুলা বান্ধ পভিত অভিশাপের ভারে ভীতা। চার্মান্টলের এবং গৃহে কিরে এনে জলের কলসি ওার সায়নে বেংগ কডাঙলিপুটে বভায়মানা হথেছিলেন। ক্রমন্ত্রি ঠার পদীর এই ক্রডিচার ক্ষণান্ত হর্মেছলে। कहें किन कवाद क्षा रहा केल पुजरमन रहाशिस्तर. 'য়ে প্রপদ্ধ এই প্রানীক্ষী রমণীকে হত্যা কর।' কিঙ থার প্রারা থাকে আদেশ পালার করেনি। জমারি ভাসন टाउ करिये भूग नवक्तायरक केंद्र चारभन धारानस्वरी পুরুষের এবং মানসে ব্যক্তিচারিনী মাতাকে বধ করতে বলেছিলেন) দিকাৰ সৰাধি এবং ভপন্যাৰ প্ৰভাৰ অবগৃত ছিলেন কলে প্রভারত তৎকশাং উরে মাতা এবং বাতাদের ২৭ করেছিলেনঃ সভ্যবভীর পুত্র কমণ্ডি গরওনামের প্রতি অন্তরত প্রসন্ন হবে তাকে তার ইব্য অনুসাঠে বা প্রার্থনা করতে কলেভিসেন। পরশুরার তথন एसहिर्जन, 'कामात माना करा साराजा जुनवकीर्यन ব্যেক এবং আমি যে ওানের হতর করেছি সেই কথা খেন তালের কথনও শহরৎ না হয়। খন্নমি এই কা প্রার্থনা ধবি।' ভারপত্ত, সুমদন্তির বল্লে পরওরাক্টের মাজ এক থাডার জীবিত ছবেছিগেন, জেন নিত্রবসালে ভারা সুশে জেবে উঠেছিলেন। পরভরাম তার পিভার অংকেনে विकास क्या करविष्ट्रभूम । यस्तान दिक्ति देशा विद्यान क्षणगण, मान धारा दीवं खरतार विरागत।"

^তে মহরেজ পরীকিং। কাওঁইয়ার্তুনের বে সমস্ত चुक्या नामभारकत वीर्ध नहाउक हुटाविन, धारा कार्यन শিকার করের সর্বলা করেশ করের করেন, করনও শাস্তি দান্ত করতে পারেনি। একান্যর প্রাওশান করা বসুদান্ মতুতি আত্যাকে সামে আধান থেকে বতন বিরোধসাম, एक कर्रवीर्पार्ट्स्स भूतन (मेरे मुख्यत पूर्वपक्रकार श्रीवर्त्तमः स्मरपास सम्बद्धाः स्थापितः सामास्य सर्वातनः। कार्दवीर्यार्थका बृह्या सम्बद्ध कार्ट मृहमान दिल। ভাই ভারা বন্ধ অনুষ্ঠান কররে জন্য বঞাগ্রির সন্ত্রের উপনিষ্ট উত্তয়প্রেক ভগলানের ধ্যানে স্বর্ড কমর্যায়কে स्थिएट (नर्षा केरक इत्ता भरविक्रम । नराधनारतने मोटा অৰ্থাৎ জনসন্থিয় পদ্ধী জেকো অতান্ত করণভাবে তাব পতির প্রণতিকা করেছিলেন, কিন্তু কাওঁবীর্যার্জনের ক্ষরিভাগের প্রথা এডই দিশ্বর ছিল বে, তার আনুল আবেদনে কৰ্ণপাভ না করে প্রারা কলপূর্বত জমস্থিক মন্ত্ৰক বিয়া করে নিয়ে বিয়েছিল। পাতির মুগুতে পাত্যন্ত रमकार्थः इतः चिद्धवा समुद्रा क्षेत्र निरक्त मुर्तेश्त নিজেই ক্যাত্মত বরতে করতে 'হে ত্রম: হে লির পুত্র ব্যহা" বলে বিলাপ করেছিলেন। পরওরাথ সহ क्रमाधिक शुक्रमा स्थ पृष्ठ (पर्रक 'दा बाम, का शृक्षा' (अनुस्कृ क्षेत्र कार्रका अन्य करत अन्य सामाद्य प्राधानर्थन ক্রেছিলে এবং জানের পিতা স্তমদান হে নিহত इरवास का त्याचीरतात। पुरस् द्वान्त्र, कार्य, कार्य, এবং শোকের বেলে বডেম বিমেন্ডিক হয়ে জনস্থিত পুরুরা উক্তখনে রাশ্যন করতে করতে বলেভিলেন, 'রে শিক্ষা, হে সাধু, হে প্রদ ধার্মিক, খাপনি আন্তানের भविकाभ कराः पार्च छरम् (भारकाः) क्षेत्रकारः किमान করতে করতে পরশ্রেম জার দিতার স্তরেই বাচারের हाक मधर्मन करव, दील कुत्रेस निरह गुविदी त्याक मधक ক্ষতিরশের সংখ্যু করতে মনত্ব করেছিলেন।"

"হে ব্রহণ্ করণর পর্বর্যন ব্রক্তভার পর্বে ছত**ি** মহিকারী নক্ষীতে পিয়ে, সেই সগরীর মাধাবাতে

कार्डवीर्रार्व्यक्ता भूजरामा प्रशासन कार्य कार्य कार्य कार्य निर्धान कर्रास्ट्रिकान। न्यार्टनीयंश्च्रांतक बाँहे मध्यक नुपारक राक्ष भगावन नवभागा प्राथम (स्टब्सी बाकातमा प्रधानम এক ন**ী সৃষ্টি করেছিলেন। অভিযুৱা ফেচ্ছে পাপাচ**রদ ক্রতে ওক করেছিল, ভাই পর ওরম উন্নে পিতার মৃত্যুর প্রতিলোবের অভিনাম পুশিবীকে একুলবার নিংক্তরির করেছিলেন এক সমতগঞ্জকে ভাষের রভে তিনি নাটি হুদ নির্মাণ করেছিলেন। ভারণার, পরশুরাম উরু শিতার খন্তক ঠার মেহে সংযোজিত করে কুশবাসের উপর ভা স্থাপন করেছিলেন। বাদ্ধ অনুষ্ঠানের স্কার তিনি কারে দেকতা এখং জীবদের অন্তর্গারী সর্বকান্ত প্রমাস্থা বাসুদেবের পূজা করতে ৬% করেছিলের। বজা সম্পর্ম করে পরওবাম যোজকে পূর্যদিক, ক্লুলাকে দকিব দিক, অধ্যান্ত পশ্চিত্র নিউ, উদ্পালয়ক উত্তর নিভ এবং সশান, অভি, দৈৰ্ভত এক বাবু এই চাৰটে দিক জনান প্রোইডনের দক্ষিণাকরণ প্রদান করেছিলেন। তিনি মধ্যভাগ কণ্যগৰে, আৰ্বাবৰ্ত উপস্কাৰে এক কৰ্বনিট স্থান স্বস্থাবৰ্গতে প্ৰদান কংখেলেনঃ কাৰণাৰ, কল অনুষ্ঠান সম্পাদন কৰে প্ৰওয়াম অধ্যয় বান করেছিকেন। সমস্ত পাল থেকে মুক্ত হতে, পরাচনাম সংখ্যতী নদীয় তীয়ে মেহণুৰ নিৰ্মণ আকাশে সূৰ্যেই মতে। বিরাম করতে লাগলেন। এইতাবে পরওরামের হারা পুরিত হরে ভামারি পূর্ণস্থতিসত্, পুনতীকা লাভ कार्राविकान अवर महर्विकारण महाम कवि कार्राविकान।"

"তে মহারাল পরীকিছ, পরবর্তী মধগ্রতে **অ**মদক্ষিত পুত্র কমন্ত্রনায়ন উপন্যান পরতেরাম বৈনিক আন্তের মহান প্রবর্তন হবেন। থার্বাৎ তিনি সন্তর্হিনের খানাতম হবেন। ম্বলবাদ পরস্করাম এক্ষাও একমান স্থিতকী ব্রাক্ষণরতের মতের পর্বতে বর্তমান আছেন। ক্ষমিয়ার অন্ত পরিত্যান करह जिनि भूगंत्ररूप जनाद श्रातरूम। गिष्क हाश्य क शक्रदर्वता केंद्र केंद्रक इदिश के कार्यकलार कर कना नर्वता देश भूका भूरका अवस् क्यम करका। अदेशाय विश्वास, স্থানান, উপন, জীহয়ি ড়ওবলে অবতীর্ণ হরে পৃথিবীর ভারেরভাগ অংগ্রিড সুগতিদের কংগ্রে 🙌 কর্মেরিলেন। মধ্যবাঞ্চ গাহিত্য পুঞ্জ নিগামিত ছিলেম প্রদীপ্ত অভিন মতে তেজখী। তিনি ভগলার প্রতাবে করিবের পদ খেকে। (कवारी अस्मारमा भाग प्राप्त सरविद्यमा।"

"হে মহানার পর্নাকিৎ, বিশ্বাধিয়ের থাকপত এও প্র বিলা, ভাষের মধ্যে মধ্যে প্রথম নাম মধ্যকেল। was जन्मार्क करा ग्रह्म नुबदाय अव्यक्ता मात्र धाँकडिए হয়। বিশালিক পুন্দবল্লোক্ত আইনিচ্চিত্র পুত্র হালচুলালেক ন্মেরেরে কেবরাতকে প্রসাপে ইছণ করেছিলেন विनामित कीर गुजरमा खारान निर्माहितम प्रमानकात র্ত্তালয় জোটনাভারণে প্রথম করতে। কনংপ্রেড জিল ক্ষালেককে মহারাজ হারকাণ্ডের মাজে বলি দেববার জন্য বিক্রাম করেছিলেন। গুনালোককে কল্লামগুলে নিয়ে আলা হাল, তিনি দেবতাদের তার করে জাদের কগান शानकहार (पर्यंत मुक्त इरिसंहितन)। **१९०**वरम् अत्र शानक ভনঃবেক ছিলেন আধ্যান্ত্ৰিক জীবনে অত্যন্ত উল্লভ এখা ভাই সেই মনো দেকতারা তাঁকে রক্ষা করেছিলেন। ভার करण किनि शाधिकरान स्थवताञ नाटम अभिष क्राप्तिस्था। মধ্যক্ষা বামত প্ৰদাসন জোট পুটা হান:শেক্তে ভাষের জ্বেড়ি প্রাভাকনে গ্রহণ করতে অধীকার কর্মেছনেন। ভাগ কলে বিবাদিও উদের প্রতি ক্রন্ম হরে অভিশ্যল নিমেছিলেন, 'ভোমরা বৈদিক সংক্ষতির বিরোধী লেখ্ হও।' জ্যেষ্ঠ মধ্যক্ষদায় এইভাবে অভিশপ্ত হলে, পক্ষাপ্তান কৰিছি আভালন্ধ মধুছেলা কলা ভার লিভার কাছে উপস্থিত হয়ে বলেছিলেই, 'হে লিডা। স্থাননি স্থ ভাল হলে করেন, জানরা ভাই পালন করব।' এইভারে কনিও স্বাক্ষারা ওনাশেককে তামের জ্যেষ্ঠ ভাতারতে গ্রহণ করে বলেছিলেন, "অয়েরা আপনার আনেশ পালন ভরব ৈ বিশ্বামিত্র ভাগন উল্লেখনুগত পুরাদের বালেছিলেন, 'বেহেড ভোমরা ওবংশেককে ভোমানের কোট ব্রান্তারতের প্রহুর করেছ, তাই আমি তোমাদের প্রতি चरुरके द्वारत करवकि। चाधाव चारमणे शीलमे केर्द ভোমনা আয়াকে কেন্দ্র পুরাদের পিতা ব্যনিরেছ এবং তাই আমি ভোনাদের অপীর্বাধ করি ভোমরাও প্রাক্ত হবে গ নিশামিত্র বললেন, 'হে কলিকপণ! এই কেবলড আমার পুর এবং জোরাগেরই একজন। ভোমনা ভার স্বাদেশ পালন কৰা' হে মহাবাৰ পৰীপিছে! বিধামিয়েল অউক, হারীত, জন্ত ও ফুডুয়ান জাদি খন্য বহু পুত্র বিশঃ কিবামির ভার কিছু পুরকে অঞ্চিপাপ নিরেছিলেন এবং অন্যনের বজনান করেছিলেন। প্রার ফলে বেটালিক গোড়া নামা প্ৰকাশ ভিন্ন ভিন্ন প্ৰবন্ধৰ প্ৰাপ্ত হয়। কিন্তু সদক প্রক্রে মধ্যে দেবরতকেই জ্যেষ্ঠ বলে বিবেচনা করা 🕬 🗀

সপ্তদশ অখ্যায়

পুরারবার পুত্রদের বংশ বিনরণ

রীলা প্রকলেক গোকামী কটালেন—"লুনারবার জাঞ্ লাক এক পুর ছিলেন, তাল কাব, করন্ত, রনী, প্রক ্ৰাক্ত অনুসামা নামক আহাত বীৰ্যবাদ পাঁচকন পুত্ৰ ভিচেন। ্রে মন্ত্রাঞ্জ পরীক্ষিৎ, এখন আপনি ক্ষমপুরের বংগনুরাও an कान। कार्यका पूर गूडा(तम कान, कुन कार চনতের রাজ হয় এবং উল্লেখ্যেক কস্পেক্ষানের মধ্যে শ্ৰেষ্ট মহৰি শৌনকো জন হয়। জনেয়া পুৱ কলি গুৱা ধারবারি, বিনি ছিলোন ক্ষাডাগ ক্ষোভা ভাগান क्षांत्रहरूका भागकात अन्य चार्युटर्गर नारका क्रवर्कक। अर्थ ধ্যক্তিকে অনুধ করতে সমস্ত রোগ থেকে মুক্ত হওয়া बीधक्षा श्रेष्ठ निरंदानाम् अवर निरंदानारमञ्जू मूख गुण्यान, ভিনি প্রভাব বাহেও পরিভিত। স্থামান প্রভাবিৎ, কলে, बळ्याचा धार कुरलासचा मारभव नर्सिक्क विस्तृतः जीत থেকে খালৰ্ক আদি পুৰোৱ ঋণা হয়। দ্যামানের পুর স্থলৰ্য ছেবট্টি বাজার বছর বারে পুরিবী শাসন করেছিলেন। তিনি কতীত মদ্য কেউ বুৰককণে এত বছা হয়ে পৃথিবী শাসন করেননি। অনর্ক খেকে সন্ততি -रामक गुरुवत कन्त्र दश अवह छोड़ गुड़ कुरीय। कुनीरपड़ পুর নিকেতন, নিকেতভের পুত্র মর্যকেত রাম মর্যকেত্র, পুঠ সভাবেত।"

"হে মহাবাৰ পত্নীকিছ! সভ্যক্তেন্ত পুত্ৰ বৃষ্টকেন্ত এক গুটকেন্ট্র পুর সৃত্যুমার, বিসি সময় পৃথিবীর সমটে ছিলে। পুকুমার খেতে বীকিছের নামক পুরের কর য়া, বীতিহোৱা খেকে কৰ্ম এবং কৰ্ম থেকে কাৰ্যভানি बाद रहे। इह प्रश्नाक भरी किया और प्रश्न सकता বিসেন কাশি-সংখ্যাত্তত এবং উচ্চের করেবুছের কংশবাধ বলা লয়। রাজের পুত্র রখনে, রশুন থেকে গরীর একং

পৰীন খেকে করিনা সামক পুরের কমা হয়। অক্রিয়ের पृत्र राष्ट्रिय । (स् हास्त्र) अन्त्र कान्त्रि कर्ममाध नेराग्रिकास जेला कराने। चारमञ्जू तूर तह अवर करका পুরা ওচি। ওচির পুর ধর্মসারবি, বিনি চিত্রকুৎ নামেও भौगोरिक हिरमा। विजन्द स्थरक भारतक मध्यक श्राप्त লংসাৰ বাৰক তিনকৰ পুত্ৰ বিশেষ। পুংসাৰ কেকে। পুংতৰ ক্ষম হয়। তিনি আস্ব-ভব্যবিং ছিলেন এবং বাবতীয় কর্মের অনুষ্ঠান করার কলে সন্তাম ওৎপাদনে বছবাৰ ফৰ্মী। রজীয় পাঁচৰ পুত্র ছিল এবং উল্লো এবং ঠের পুর রাষ্ট্র ছিলেন দীর্ঘতকের শিক্ষা দীর্ঘতকের সকলেই ছিলেন অভ্যন্ত পক্তিপালী। দেবভাগের चनुरवादंव तथी रेमछारमद वच करते हेसरक पर्यारमाक असम अवस्थितम्। किन्नु त्रशुम चापि नामरामा चरव छीउ इरव रेख बजीएक वर्गामाक शकार्मन करतम साम सर्वीव ব্যা। ব্যক্তির পুন কেতৃমান কবং তার পুর কীমান। চরগে নিক্তেক সমর্পন করেন। মুক্তীর মত্য হলে তার পুরামের ভাতে ইন্ত কর্মানাক কিনিত্রে দেওখার কান্য অনুরোধ করেছিলেন। কিন্তু তাঁতা ইল্লেব্র যঞ্জপ্রাণ ভিনিমে নিজে সক্ষত হলেও তাকে স্বৰ্গলোক কিবিয়ে দিতে অস্বীকার করেছিলেন। তথা দেবওক বৃহস্পতি অন্তিতে ভাৰতি জনৰ করেছিলেন বাতে কৰীয় পুত্রর নীতিয়ার্গ বেকে এট হন। এইভাবে অধ্যাগতিত হলে, हेल छेल्प क्याताल का कार्यहरूका। छेल्प प्रश्वा একজনও জীবিত ছিগেন বা। পত্রবৃদ্ধের পৌত্র কুপ থেকে প্ৰতি নামক এক প্ৰেড কৰা হয়। প্ৰতিম পুঞ मक्षत्र अवेद मक्षरदेश शृक्ष केन्न। अन्न १४एक क्राइन क्या इत अवर ५% (धारू जावा इर्वनत्त्रत वन्त्र यह। हर्वनत **्राहक महरास्य स्वापक गृह्या साथ इस अवर मेहरान्य (पेट्क** हीन बार्यक्रम करवार। हीएमा जुल बारायन क्षेत्र ভারতেন থেকে সভাইনা জন্ম হয়। সভাইনা পুর ছিলেন क्षतिक वर्धभवादन महातथ सह। और असक दासाता शिक्षक **पान्यक्ता कर**मध्य । अभिन च्याननि मक्**रमा वर**मन्*यास*

অন্তাদশ অধ্যায়

রাজা যযাতির পুনর্যোবন প্রাপ্তি

খ্ৰীল ভকংশৰ গোৰোমী কালেন—"তে মহাৱাক नर्वेक्षिकः (११३भारी बीरका कृष्टि देखिरस्य प्रस्था तासा भरतक पंछि, ययादि, जरवादि, ध्वावदि, दिवछि अस कृष्टि মামক ছাঃ পুত্র ছিলেন। কেউ কান ক্রম্ম বা রাষ্ট্রপতির পথ প্ৰহুৰ কৰেন, তখন তাত্ত গলে আছ-উপলব্ধির মার্থ इतरवापन क्या मन्त्र हैन था। (मेर्ड कथा क्यान न्यामह জ্যেষ্ঠপুত্ৰ যতি তার পিতৃদক্ষ রাজ্য গ্রহণ করেননিং যয়াতির পিকা করে ইল্লেগরী নটার প্রতি এই খনসাগ করার পটী কর্মন অসক্তা আদি প্রাথলনের কাছে অভিবোগ করেছিলেন, তথন সেই রাজ্যখনা নহসকে থাতিশাপ শিয়েছিলেন কর্ম থেকে প্রষ্ট হারে ভারুগরক প্রাপ্ত হওয়ার करा। फार करत एक छ अभा क्रायिक्तन। याका ঘণ্ডি তার চারজন কবিও বাতাবের চতনিক শাকা क्यां किर्माध्यम । यवाछि यदा छानाहरूर्यंत सन्ता কেবৰানী এবং কুৰপৰ্বাধ কৰে। শুৰ্মিকাকে বিজয় করে বারা পৃথিবী খাসন কবেছিলেন 🖺

মহারাজ পরীতিৎ কাজেন—"ওক্রাচার্য ছিলেন একক্ষ বভাৱে শক্তিশালী একেং আরু মহারাজ হয়তি ছিলেন কবিৰ। ভা হলে কবিৰ এক ব্যাহ্বালৱ মধ্যে थाँडे श्रावितकाच विकास किरास्य करराविका™

গ্রীল ওক্ষের গেলামী কালেন—"একদিন ব্রপর্বার কল্যা শ্ৰিটা, সৰুল হুওৱা সভেও বিনি ছিলেন क्मननमध्या, रिजि मध्य मनी भड़िक्ट ब्हुब छान्।एर्यंत क्ता (परश्जी वर आजारका क्यार विश्व क्याहितक। **সেই উদায়ৰ পুষ্পা-লোকিত ক্ষম্মে পূৰ্ণ ছিল।** সেৰামকাত शास्त्रवादकालि अधानस्था भूग दिल अवर धालिका ध প্রক্রিমন্ত সেখানে এমে খনুর ছরে খান কর্যারুণ। সেই কমাননানা ব্যতী কন্যার জালাশকের জীরে এলে ভাগের বন্ধ রেখে, গরস্পারের প্রতি রুল সিঞ্চন কয়তে করতে क्रमार्कीचा अज्ञटे आपम्। क्रमार्किन क्रमार्ट क्सरेट स्पर्दे কল্যান্ত সংস্থা মহায়েদককে বুবের উপর আরোহর করে প্রিয় পর্ত্তী সহ আগমন করতে রেখতে পেল।

নৰ হওয়ার কলে শক্ষিত হয়ে, ভাত্ৰ খীয় কৰা থেকে क्रिके अटन कारमस यक गाँवधान करताहरू। गाँउकी का कारत एरशामीत यह गरिशन करर्राञ्चलत। **अन्त** करत মেববানী ক্ৰম্ভ হৰে ভাকে এই কথাণ্ডলি ব্যৰ্জায়কল। शत, भारत गानी और पश्चित चकत्रण स्मा कुरूर বেমন যাজের হবি হরণ করে, ঠিক সেইভারে সে সমত মিষ্টাচারের কাবহেলা করে কামার বার পরিবাদ করেছে হারা পরমণ্ডবের মূল করণে, বারা ভগসায়ে খারা এট क्षत्र मुष्ठि करवरहरू, बीता कर्ममा नवस्थान्यक छोरास्य হদেয়ে ধারণ করেন, বাঁলা সম্পান্য পদান করিছ বেদমার্গের প্রদর্শক, খানা এই জগতে একমাত্র উপাত্র হওয়ার কলে মহান লেকটা, লোকপাল, এজন দ্রি প্রমণ্ডার, প্রমান্ত, পরম পান্ত প্রনিবাদের বাবের পরা करतन, धानव त्यवे मुद्राचन। जामा। विरावकात नका कार्य भाषता कुरुवरचीता। व्यक्ति और सम्बोध चार्त পিতা আমানের নিয়া, তবুও লে শুরের বৈনিক ক্লান ধানে করার মতেই আফার পরিবের বস্ত্র ধানে করেছে?"

শ্ৰীপ ভৰণেৰ গোজায়ী কালেন—"এই প্ৰকল্প নিষ্ঠা বাকো তিরক্ত ২তে শ্মিটা অভার ক্রম ইয়েছিলেন। প্ৰশিনীয় মতো মুংগৃহ নিংখাস পরিত্যাগ করতে করতে অধ্যোষ্ঠ দংশন করে, তিনি ওঞ্জার্যের ক্ষায়াকে কলতে লাগলেন। থয়ে ডিক্টের। নিজের স্থিতি না জেনে এড কথা বন্ধচিস কেন? তেয়ো কি কাবের মতো আমানের गाप्ट (सारपंड ब्रीनिका निर्दारका बन्द शरीका करिन सा লমিটা এইভাবে করের বাক্যের দারা ওঞাচার্যের করা দেববানীকে ডিমছার পূর্বক জেলে তার বছ হলে করে केरक कुरुशा वर्षा निरक्तन करहिएलन। स्वर्धानैस्क कर नव प्रदेश जिल्ला करत मर्थिक पुरंद किया গিরেছিলেন। ইতিমধ্যে স্থানা করতে ভবতে রাজা যব্যতি ঘটনাক্রমে ওকার্ড হতে নেই কলে জলগান ক্ষান্ত এলে দেবয়ানীকে দেখতে পেটেছিলেন। কেবল্লীকে মুখের মধ্যে নয়া দর্শন করে প্রকা ক্যাতি _{অধ্যাপত} স্থীয় উত্তবীয় স্বস্ত্ৰ উচ্চক প্ৰথমে কৰেছিলেও _{প্}ৰক্ क्या श्रीह भन्नागनका रख दिनि निरमन शरू जिला দেবগানীর হাত থকে তাঁকে কুপের মধ্য থেকে উদ্বাহ করেব সে আমার কন্য এবং এই সংসাতে আতি ভাবে अध्यक्तिसम्बद्धाः

বেৰদানী প্ৰেমপূৰ্ণ বাবেঃ সমাব্যক ববাভিতে এললেন—"হে বীনা। তে শক্ষপুত্ৰী জনকানী ভাষান্। বাদনা পূৰ্ণ কাতে সম্বত হবেছিলেন এবং তিনি গ্ৰাম আগমি আমার হার্ট হারণ করে আহাকে জাপনার নটোরতেশ প্রথম করেছেন। জানাকে ধেন আর ভান রেট নার্ল না করে, কারণ আমাদের এই গতি-পার্টান নগত रेशस्त्रकार, जन्माकृष्ठ मेव। कृर्ण गाँठिक एंश्वास करत প্ৰাণনাৰ মঙ্গে আময়ে সাক্ষাৎকাৰ হল। এই বিদান শ্বরণটি দৈব কর্তক সম্পর্নিত হরেছে। আমি বরন রচনাতির পুর কচকে অভিনাপ নিরেছিলাম, তথ্য श्रिक्षित कामार्क वर्षे वर्ग चिन्तांत विराहित्स हा ক্ষাবার পতি ব্রাক্তণ ইকেন আঃ অভনের ছে মহাভার। আহার প্রাথাপের পারী হবার কোন সভাকর রেই। (बाइन्ड बाँदे शकात विदाय भारतक सत्ता सन्दर्शनिन्ड तथः छोरे शाबा प्रवाधि का सम्बन्धि किस व्यवस्थ का रेगरका হারা আহোজিত হতেছিল এবং বেহেত তিনি কেবোনীয় ৌলাৰ্ড আকৃষ্ট হয়েছিলেন, ভাই তিনি তাৰ অনুৱোধ राजीकात कदर्शकरणन। छात्रनात, विख्य प्राध्या देवत धारहाम যিয়ে থেলে, দেববানী ক্লমন করণ্ডে করতে খ্যাহ কিরে নিয়ে খাব পিড়া শুঞ্জাচার্যের কাছে শার্মাইন্য করতে কি चार्रिक्त का तथ वर्षना कटरविरागत। स्वयंत्रनी श्रीरक বলেখিলের ভিতাতে পর্মিষ্ঠ তাতে করে নিভেগ करविक्रिक्षण अवर किफारक होता है।एक छेवाब করেভিয়েল।"

"দেববার্নীয়ে কি হার্মেছিল ভা দ্রবল করে ওঞ্চলার্য কভান্ত দুৰ্যাপত ক্ষেত্ৰিকে। পুৱোষিতের বুলির নিশা করে এবং উত্ব্যক্তির (ক্ষেত্র খেকে শাস্য সংগ্রহ করে ৰীৰন ধাৰণ কমতে ক্ৰিয়) প্ৰশংসা কৰে ভিনি ভাষে वेन्यामर् भ्रष्टकारा करतिहरमा। ताबा व्यन्धं स्थर्ड পেবেছিলেন যে, ওক্রাচার্য তাঁকে অভিনান দিছে আনহেন। ভাই ভজনচার্য উন্নে বৃদ্ধে জানার পূর্বেই ব্ৰপৰ্বা প্ৰথম মধ্যে ভঞ্জনাৰ্ভের অভ্যানে প্ৰভিন্ন হাবে ব্যাৰ বেশাংখৰ উপাৰত কৰে ভাবে প্ৰসম্ভা বিধান কৰেছিলেন। অতি ক্ষমকালের মাধ্যে ওঞ্জার্কো ক্রেশং

গ্রণাথিত হয়েছিল, তথ্য বৃষক্ষরীর প্রতি প্রসন্ত বৃষক তিনি বলেছিলেল-- ক্লে রাজন। মেবলানীয় খাসনা পূর্ব কর, আৰু করতে পাৰৰ জা ঋথবা উপেন্সা করতেও পাৰৰ না। ভাষায়ের্ব্যে করা প্রথম করে বৃহত্তর কেবলনীত বাবেদর প্রতীক্ষা করতে লাগলেন। দেহবানী করন কর অভিযাৰ ব্যক্ত কৰে গলেছিলেন—"আনাৰ শিতাৰ আমেশে আমি কান পতিপুৰে পদ্ধা কৰে, তখন সৰী প্ৰতিত উল্লে সহচ্টীলৰ সহ আনার ধানীকেশে আনার **प्रमुशिमी** इतः"

"বৃদ্ধবা নিবেচনা কর্বোছনেন হে, ওঞাচার্য অভাসা इस्त गढ़के देश अरा शता इस्त क्यांटक मारू इर्ट। তাই তিনি ভাষাচাৰ্যের আলেশ পালন করে বল্পন্য করেন তার দেবা করেছিলেন। তিনি ওঁরে কন্যা সমিষ্ঠাক स्वयानीत शक्त मध्नेत करतकियन क्षत मधिक मध्य স্থীপদ সহ লাসীর হাকে কেবল্লীর পরিত্রী করেছিলে। ওঞ্জাৰ্যৰ খেন খেবোনীকে বৰ্যাতৰ হলে সঞ্চলন স্তেদিলেন, তথ্য সমিষ্টাও ঠানের সক্রে নিরেনিলেন। কিয় বঞ্চাতার্থ রাজকে নির্দেশ নিরোদ্ধিকান, 'যে রাজন। শর্মিষ্ঠাকে কথনও ভোমার শধ্যার প্রকৃণ করো না "

"IX महाराख भद्रीकिश: भविका स्वदानीत्क সুপুরবরী কর্মে করে, একদম্য কর্ম্বাল উপস্থিত হলে উন্ন সৰী দেবস্থালীৰ পতি ব্যৱতিকে এক নিৰ্মান ভালে পুর উৎপাদনের মধ্য অনুরোধ করেছিলেন। স্রাক্তকরে নমিটা বৰ্ম স্বালা ব্যাতির কাছে পুত্রসন্তান ভিকা করেছিলেন, ওখন ধর্মক প্রকা তার বসনা পূর্ব করেও সাহত হতেছিলেন। ভালভাৰ্তের স্বর্থনাবালী আর শাবন ছলেও তিনি এই বিদন ভাগবানের ইচ্ছা বলে ছবে কৰে পর্মিষ্টাকে সংবাধ কর্মেছলেন। কেবলামীর পর্যো বন্ধ 🐠 ভূষ্ঠার জন্ম হয় এবং শহিষ্ঠান পার্যে ক্রবা, আনু বা প্রায় ল্লখ হয়। অভিযানিনী দেববানী কৰা জানতে পাবলেন যে, তার পতির ঘার শর্মিকার মর্কোংশন্তি হয়েছে, তথন তিনি ফ্রেন্ডে মুর্হিতাপ্রার হাত্র পিতৃসূত্রে পামন কর্মেছলেন। রাজ ব্যাতি অভার কর্ম্বে বিশেষ, তিমি পরীয় অনুসমন ক্ষে ক্তিয়কোর বাহা এক কি পাদসকাহনের হারা তাকে পাত কারে চেটা করেছিলেন, কিছা কিছতেই তিনি ঠাকে সম্ভাই করতে প্রবর্গেন বা। গুরুগচার্য অভ্যন্ত কুম इट्ड क्वालिहरू बर्लाहरजन, "बाब मिधाहाती पूर्व, শ্ৰীকাৰীঃ ভূমি হয় অন্যায় করেছঃ ভাই আনি অভিশাপ নিজি, তুমি জন্ম এবং বার্থকের ধরো জাতাত হরে বিকল্প কণ হও।"

সালা বহাতি কালেন, "হে পরখপুরা বিজ ব্রাদার। অপনার কুনার সাবে আরি এখনও আমার কামবাসনা তুপু কাটে পরিনি (" ওক্রচর্যে তথন উন্তা নির্মেছকে, "ৰে ভোজার করা প্রহণ করতে সংঘত হবে, ভূমি ভাঙ বৌশতনা সলে ভোষার করা বিদিমর করতে পার।"

एउपहार्यक्र कार एपरेक चाँरे का द्वारा राज वर्गाय তার জ্বেষ্ট পুরাকে বংগদিলেন-"হে প্রিয় বলু! সরা करत छूपि कामात करन अहन करत खह निर्मेगर रहायस বৌধন আহাতে বান কর। তে কলে: আমি একাও বিশ্বরভালে ভুঞ্জ হতে লারিন। বিদ্ধ ভূমি বনি ভোষার মান্তামৰ প্ৰদান আমান কৰা এছৰ কৰা, তা হলে কৰি তোমর বৌঞা নিরে করেক বছর জীবন উপভোগ **ম**ক্তাত কাবি।"

বার্যক্র প্রাপ্ত হরেছেন। আমি আপলার এই বর্গক্য একং ছারা প্রহণ করতে উৎসূত নই, কাঞা আয় সুখডোগ না केट्राल रेनब्राण लाख करा थाय था. 🕊 विराजान প্রামিশং ক্যাতি এইডাবে তার অন্য পুর তুর্বসূ, দ্রুবা এবং অনুতে জীৱ বাৰ্যকেরে সংগ ভাবের বৌচন বিনিয়রের কথা জিলাদা করেছিলেন। কিন্তু ভারা ধর্মজ্ঞানশুন্দ ছলজা করে অভিন যৌকনকে নিজ বলৈ মনে করেছিল এবং তাই তারা ভাগের পিতার আছেল প্লক্ষান্তাল কর্মেছল। ব্রহণ ২০ডি তথন তার তিন পুর থেকে বয়লে কৰিও কিছ ৩২৭ খেট পুৰুকে বলেছিলেন, ¹⁶টে কৰে। তোমার জ্যেষ্ঠ আতাদেও মতো আয়ালে প্রস্থাপান করা ভোষার উচিত নর 🖰

मुक्र केंचर निर्द्याहरूमा—"(इ.सह्नम्। और मुलिरीहरू দে তর দিক্তা কা ক্ষেত্র কাতে পারে ৷ পিতার কুপায় मनुषा-कीवन धाल १००। बार धनः तिर्वे कीरत 'समग्रदमंत भारतम्ब गर्वतः मास कना सतः, दा भूतः

শিক্তা ইমা অনুসারে আচরণ করেন তিনি উত্তয়, চিক্রি भिक्त प्रारम्भ कराम अने पारम्भ मानव कराव क्रिक মধ্যে এবং যে কাৰ্যার সঙ্গে পিতার আন্দের পালে করে ্লে ক্ষাৰ্থ। কিন্তু যে পিডার কানেশ পাল্য করে 🚁 লে পিডার বিষ্ঠাসদুব।"

গ্রীক শুক্রমের গোসামী বলারেন—"হে মহারাজ ল্যাকিং। এইভাবে অভাব অনন্দিও চিত্তে প্রু ক্রম পিন্তা ব্যাতির মারা প্রথশ করেছিলেন। কর্মাত জনন জন গমের বৌৰৰ প্রাপ্ত হরে তার আকন্তক খলকাটা 🚵 ক্ষর্ড ক্রমং উপতোপ করেছিলেন। তরপার রাজ্য ব্যাক্তি সন্তবীৰ সমন্তি সামা পৃথিবীয় অধিপতি হয়ে নিজ কেতাবে উন্ন পুরুদের পালন করেন, ঠিক লেইভাবে উত্ত প্রজাবের পালন করতে লাপলেন। ব্যেক্ত ভিন্নি ক্রম পুরের বৌকা প্রহণ করেছিলেন, ভাই ভার ইপ্রিরভান বিকাশ প্রাপ্ত ইরনি এবং তিনি তার বাসনা অনুসাতে ভঙ সুৰভোগ করতে স্থাপদেন। মহারাজ *হ*য়তির প্রিরতমা পদ্ধী দেবখানী সর্বদা নির্মান হালে ভার কর ক্ষাৰ, দেৱ এবং আনালা বন্ধা দারা ভারে পতির বন্ধা ক্ষু উল্লে দিলে—"হে পিজ। আপুনি কৃষ্ণ হলেও অনুক্ষবিধান করেছিলেন। মহারাভা নবাতি বিভিন্ন ভা অনুষ্ঠান করে, সমস্ত সেবজনের উৎস এক সমস্ত বৈত্রিক আন্দো চরম করা পর্য পুরুষ ভগবান জীয়নির প্রসায়ে निधादनक करना जान्य गरमक शहर मन्त्रिय मिरवहिरशन। ক্ষণবান শ্ৰীথাসুদেৰ বিনি এই ক্ষণ্ড সৃষ্টি কংগ্ৰছেন, তিনি মেন করণকারী অফলাশের মতো কার সর্ববাপক কর असम्भ करतन। पाद्ध मृष्टि क्चन गई दरह पाद, छन्न পালের ভগবন জীবিকতে সব বিছু প্রবিষ্ট হয় এক ভৰন ৰায় এই ৰাখতের বৈচিত্ত প্ৰতিভাত হয় না। বিনি नातात्वय करण स्करणात सागरत विशासकान क्यर गर्रज বিবাক্তমান হওয়া সত্ত্বও আত্ত দৃষ্টির অংগাচর, অভ বাসনারহিত হয়ে সহাক্তম হয়তি সেই পর্মেশ্বর ভগবাৰের আরম্ভন করেছিলেন। মহারাজ বয়াতি গলিও বিজ্ঞান বাৰে পৃথিবীয় হাজা এবং ক্ৰমিত তিলি এক ওজাৰ बहर बाद कीन मन अवा जीति है लियान कर বিষয়ভোগে নিযুক্ত করেছিলেন, ভবুও তিনি পরিকৃত্ত হতে

উনবিংশতি অধ্যায়

রাজা যযাতির মুক্তিলাভ

প্রাপ্ত প্রকারের কোনোমী কাল্যান—"হে মহারাজ করছে। তাই কেই কামত প্রত্যাদ করে সে ্রমাজিক। হারতি মিরেনা অভ্যান্ত হৈছে। কিন্তু কালাক্রালে সামানোকে প্রতি বিরক্তি হয়ে এবং তার কৃষক বুধারে পেতে তিনি সেই জীবন ভাগে করোহসেন এবং উচ্চ লৈক্ষা লট্টাবে এই কাহিনাটো তলিয়েছিলে।"

লাধনীতে আমার মতো আক্রমণীল এক ব্যক্তি হিনে। প্রাক্তপুর বাসক্রানে পিয়েছিল এবং সেই রাজন কৃষ্ণ হয়ে আৰু শ্লীকাকাহিনী আমি কৰি। কংছি তুমি কলে কর। স্থাগটির সংযোগ অভবয় ছিল কংবছিল। কিছু সেই এট প্ৰকাৰ পৃহাসক কান্তিৰ ক্ৰীক্তকাহিনী মাৰণ কৰে। बान्यशिता गर्वम चनुरसाम्य करका। अवहि चुन रहन्त्र प्राप्त देखिराद्यश्चि स्ववद्भार क्या प्यादार्थाः व्यवस्थ काट्ड कराक रेमबङ्गा अन्त्री कृरनम मर्थ्य निक वर्जकान ৰভিতা একটি ছাগাঁতে দেখতে পেল। সেই ছানীয় জন্মতের উপ্তর পরিকলনা করে, সেই কামুঞ্চ শ্বাস তার নিজের অরফালের বারা কুলের তটের মৃতিক অপসারিত করে বেরিয়ে আসায় পথ তৈরি করেছিল। স্থর নিত্রদিনী সেই প্রানী কৃপ থেকে উত্তীর্ণ হয়ে, অভ্যন্ত সমার কর্মন স্থানটিকে দর্শন করে ভাকে পতিরূপে বরণ করতে বাসর করেছিল। স্থানী সেই স্থানে পতিরূপে বাল করলে, অন্ত অনেক ছানী তার সুম্বর শরীয়, সুম্বর শাক্ত, বীর্যস্থালনে দক্ষণ্ড এবং মৈপুনের অভিয়ন্তে দর্শন করে সেই ছানকে পতিছে বৰণ করতে অভিযাবিশী ইয়েছিল। পিশারী কর করকে প্রথম কেইন উপান হয়ে। যায়, তেমনই সেই মুখলেট বহু ছাণীর হলা আতৃত হয়ে সামজীয়ার লিপ্ত হতেছিল এবং তার কলে আৰু উপদ্যাহরাশ সার প্রকৃত কর্তব্য বিশ্বত হরেছিল। যে ম্বনী কুলে প্রভেছিল, সে ভানা প্রিয়তম স্থানকে অন্য এক ছণীৰ সম্পে মৈথুনত্তৰ দৰ্শন কৰে, নেই ছাগের কর্ম মহা করতে পারক মা। ধারা স্থানীর সঙ্গে তার পতির আছেপ দর্শনে দৃঃখিতা হয়ে সেই ছানী ফিয়ে করেছিল খে, সেই মাসটি প্রকৃতলক্ষে তার সূত্রৎ নত, সে অত্যন্ত নিষ্ঠার হালার

তার পূর্বপাদকে। ফাছে ফিরে সির্বেছন। সেই বৈশ স্থান অভার পর্যাবত হয়ে সেই স্থানীতে সম্ভন্ন করার স্থান ক্ষাসাধ্য ভোগানের করতে করতে তার পিছনে পিছনে भाउन करर्राह्म, किन्द्र छक्छ एम छाएक समझ ददारह भाउन "ছে প্রিয়াভাষা পারী, ওক্রাচার্যের কন্যা। এই পা। সেই দ্বামী হথা ক্ষমা এক দুর্গার পাদনবর্তা এক স্থানের অনুরোধে প্রাক্তর তার বোগশাক্তির প্রভাবে তার অংবর প্রত্তঃ সংগ্রেজিত করেছিল। হে ডিয়ে: বর্জন সেই ছামের অধ্যয়ে পুনরার সংগ্রন্ত করা হল, তবন সেই খান বৃদ্ধে মত খুনীর মতে বছতাল বিবয়স্কান কর্মেক, কিন্তু আ সংঘত আৰু পৰ্যন্ত জয় কামত্বসনা তপ্ত হাসি 🖰

"হে সূক্তঃ কামিও ঠিক ছাপের মতে।, ব্যরণ কামি একই মন্দর্ভন্ত যে, তেনের সৌন্দর্যে মোহিত হতে আন্তর স্কাশ উপলব্ধির প্রকৃত কর্তক বিস্মৃত হরেছি। বান, বৰ আদি বালনার, বর্ল, পড়, ব্রী আদি পথিবার সমত বস্ত পাকা সংখ্য কাৰুক বাজিৰ মন প্ৰসা হয় না। কোন নিছট থার প্রতি উৎপাসন করতে পারে নি। পর্যাধ্যত দি জন্মর ফলে কেন্দ্র সেই খ্যাওন কল্মণ নেভারে বার না, পদায়রে জ কমশ বর্ষিতই হতে থাকে, ঠিক তেনেই আহলেক উপায়েপের দারা কথনও কামনার নিব্রতিসাধন থকা হৈছ আ। (গ্ৰন্থ-পক্ষে, ছেছেরে ভোগবাসর তাল करहरू देश)। यनुष एका निर्मश्यक्ष इन क्षर काउल অমহল কামনা করেন না, তথন তিনি সাংগ্রিসক্ষর হয়। এই প্রকার ব্যক্তির কাছে স্বনিক্ট সুধ্যর হয়ে ওঠে। বারা স্কন্থ স্থাভাগের প্রতি অভারে আসন্ত, ভাগের পরে ইপ্রিবসুধ পরিবর্গন করা অভ্যন্ত কঠিন। এখন কি ব্যালের কলে অকম হওৱা সংগ্রে তারা ইপ্রিয়-সংখ্য বাসনা পরিত্যান করতে পারে না। ভাই, বারা প্রকার সুবাহিলাবী, ওানের অংশ্য কর্তব্য সমস্ত শৃংখ-মুর্যালর मीर क्षमकार्गित सन्। (कर्मा (म. गुरुश्मक घाँछ) यहार्थ । कंपनंत्रका और गोरेस संदेश बारेस शामा छ। या छ।

ইজিয়সুৰ কোৰ কৰেছিলেন, কিন্তু পাৰা ব্যৱস্থ

পক্ষীপাৰক বেডাৰে নীঞ্চ পৰিকাশ কৰে, ডেফাই

ব্যাতিও কৰিকের মধ্যে সমস্ক ইপ্রিয়ন্থ পরিসাধ

করেছিলেন। সহারাজ ববাতি বেহেত্ব কর্বভোজাত

ভারেল বাসুদেশের পরবাসক হতেবিপেন, ভাই ডিনি ক্র

প্রকৃতির ওপজাত সমস্ত কল্ব থেকে মুক্ত ব্যৱহারত।

ঠাম অধ্যাৰ উপলব্ধির কলে তিনি ঠার মহকে গতকে

যাসদেবে হিন ক্লাকে পেনেছিলেন এক এইফানে বিঞ

পরিলেবে ভাগবালের গার্থকত্ লাভ ক্রেছিলেন। সহাস্ত্রভ

হয়তির করে হার এবং হারীর কাহিনী এবং এক

(मयसनी वृष्ट्रांक (शहर व्हिल्सन त्या, शक्ति-वहीन

মনোরঞ্জনের আন্ত পরিহাসকলে আ কর্ণিত হতেও এর

প্ৰকৃত উদ্দেশ্য বিশ উপ্ল খলাগ সম্বাচ্চ জন কেন্দ্ৰৰ

স্বাদরিক করা। ভারপর ওজাচার্যের কন্যা কেবলটা

বুকতে পোরেছিলেন যে, গতি, গুড়, বছবাছর এক

याची। इसन्तरम् अस नानी द्रमानाता अधिकरका विकास

यरको। जमान, जुश्म अवर ट्यायम और जन्मई हैन

একটি মধ্যে মধ্যে জ্যাবাঢ়োর মাছার ছাত্রা বিভিন্ত।

ভগবান প্রীকৃত্তের কৃপার থেববানী এই স্কুভ স্কুপান্ত গ্রহ

কাথনিক ছিতি পরিত্যাগ করেছিলেন। তার ক্রান্তে

সৰ্বকোভাবে প্ৰীকৃষ্ণে ছিল কয়ে, তিনি জান ছুল এবং

সুন্ধা দেহের বছন থেকে মৃত্যিলাভ ভরেছিলেন। *ত*

ভগবান ৰাস্থেৰ। আপনি সমগ্ৰ কথাতের বাই।

नगरमानाकारण च्याननि मकरन्त्रा काराव निवास करवन वास

মাপনি অণুর খেকে অণুওর, তবুও আগুনি বহুৎ ছেকে

युर्ख्य अवर मर्वदाखः। चानस्य रक्त किंद् कारीत होरे

বলে মনে হয় কেন জ্বাপনি সর্বত্যেতারে সার। ভয়

কারণ আগনি সর্বব্যান্ত একং সর্ব-ঐশর্য সমন্ত্রিত। স্বার্থি

ভাই আগনাকে সামার সম্রন্ধ প্রপতি নিকেন করি।^শ

বিশেতি অধ্যায়

পুরুর বংশ বিবরণ

🚌 ওছদেব সোখামী বললেন---"হে জানত। হে _{প্রা}ল কালনি কামগ্রহণ করেকেন, যে বংশে বাং নালবি । ওঁতে মধুর ভাকে। ভিজ্ঞানা করেছিলেন। হে ্র প্রাথান কলের আনির্কার ইরেনে, আনি এখন সেই কমনকোনে সুদরী। ভূমি কো ভূমি কার কন্যাং কি নত-বংশের বর্ণনা করব। এই পুরুর বংশে বহারাক্ত উদেশের ভূমি এই নির্মান করে অবস্থান করছে। বে পরমা অন্যান্তর আনির্ভূত হয়েছিলেন। জন্মকজনের পুর সুকরী। জনার বনে হতে যে, তুলি নিতরই কোন প্রচিত্রাস্ এবং উরে পূব প্রবির। ভারণর, প্রবীর তেকে করিবের করে। বেচেডু কারি পুরুৎপীর, ভাই আহার कार कर अनुना (भारत अक्रमाणात **कन हो**। अक्रमाणात कि**र कमार कर**ा द्वार हा। जा है ना अनु अवर अपूरत भूज करमंत्र। अधनरका भूज कर মাতি এবং সংবাধি থেকে অহংকতি ব্যৱস্থ এক পুন আমার মূ কেনক আমাকে বান পরিভাগে করে চালে উৎপা হয়। কাহ্যেতির পুর টোরাখ। টোরাখেন বান। হে বীয়া পরের পশ্চিমান কর মুলি এই সময় बाजर, करपन्। प्रशिक्तम्, क्राउन्न, करपन्, महाराष्ट्र, विश्व चनकर खास्त्रः। शाहि जानमस् कि राजा कराउ बर्ट्स, महाराहे, इंटरम् असः स्टान् सामक क्याँडे गृह दिल: अधि कान्तर हा कार्यभावन हाता। यहा करत क्यांज़ 🚵 লা প্রেম মধ্যে বনের বিসেম করিও। করবার। উনজেন করন এবং আরক্তের অর্থিকের হলে করন। ears देशना मनार्के देखित एकम हाएस करीज कर्न आजारात नीमार का इटवाह, को बानमि जान कराना। কৰে, ঠিক তেমনই এই যদ পুত্ৰ টোহাদের পূর্ব আন্ত যদি অপনি চাম, ডা হলে নিসেছোটে এখানে जिल्लासीहरू कार्य कहराज्ये। ऐस्ता सकारादि क्**टा**डी नक्षक व्यवकृत कारत शास्त्रता " ভাৰতা ছেতে জন্মগ্ৰহণ করেছিলেন। খতেবুৰ বহিনাৰ मायक अक श्रुव हिंग जरर उक्तिनरका गुम्नकि, इन जनर नमिकिस चकुनामा। कृति सहर्वि विचामिरदाङ करान অপ্রতিরখ নামক তিনটি পুর ছিল। অপ্রতিপ্রখন কেবল कार्रियोक श्रेष्ठ किले, यात्र मात्र किल करे। करश्त श्रेष्ठ মেনতিথি। প্রকাশ আদি মেন্যতিথির সমস্ত পুররাই ছিলেন প্রাক্তা। স্থান্তিনাকের পুত্র সুমতির রেক্টি নামক এক পুত্র ছিলেন। এই রেভিয় পুত্র মহারাজ কুছাও রাজা বৈনিক প্রথন (ওঁকরে) উভয়েশ করে গাভারীবিধি रिवास क्रिस्म ("

"একস্মর রাজ্য পুরুত্ত যথম বাস মুগতা কাতে বিত্রে অফেড ক্লেড হয়ে কর মুদির আক্রমে উপস্থিত হর্মেছপুন, एक दिने नवीरवरीय महा। नवती तक तम्बेर संव প্ৰভাৰ হালা সমস্ত আধ্যয়কে আলোকিত কৰে প্ৰভাৱ শেশেন্তিকে। জেলা ক্ষতবেতই ওয়া দৌন্দর্বে আকৃষ্ট ছরে क्रिक्सन देवता अधिवृक्ष इदा क्रीय कार्ट्स विदा केरक বলেন্ডিসেনা সেই পর্যা সুন্দরী রম্বীতে কর্ম করে রাজা অভ্যন্ত অরুবলিত হয়েছিলেন এবং উর মুগরাফলিত ক্রতি বর হতেনিল। তিনি কামসক্রে হয়ে স্থানতে হাসতে

শকু ক্লয় কলকেন—"আমি কিখামিয়ের কন্যা।

वाका रचन वेयव निरविद्यालन-"क नुम्बर क्ष-ৰাম্প্ৰতা ৰজে। তোমায় আভিখেলতা তোমায় কাশের উপরত। অন্ন জ ছাড়া, রাজকন্যারা ঠালের পঠিকে কাং কাৰ কলে। শক্তক কৰন যৌল খেকে মহারাজ দুৰ্ভুক্তো প্ৰস্তাৰ অধীকার কংগ্ৰেছকান, তথান বিবাহ-ধৰ্মবিং, অনুসাৰে উচ্চত বিজয় কৰেছিলেন। আমোখনীৰ্থ নাজা प्रशास परियो नक्ष्मलात वर्षा वीर्याधान करतस्तिका असर शक्षात्व क्षेत्र जामारच जाकान्यकी करवित्रमा । कार्यभाव स्थानगरर पंकृत्यम् अवस्ति गुज्ञ धन्य करतविराजन। क्या इति बहुद व्यवस्था लिएग्रिय नवश्च नरकात मन्नावन ভংগহিলেন। গৱে, সেই বালকটি এত প্রভিশালী হয়েজি তে, সে আপুৰ্বৰ নিহেকে ময়ে তার সকে প্রেলা बद्ध। सम्बोध्यके सङ्ख्या क्ष्यवातना चारण चयरात এবং দুৰ্ঘৰনীয় বিক্ৰমণ্যলী পুত্ৰকে নিৰে ভীত পতি

ভগ্নী ঋথৰ ক্ষরত সংখ এক আমনে উপ্থেশন করা উঠিত বাং, করণ ইপ্রিয়ণ্ডলি এডই প্রথণ বে, ভা বিহান ব্যক্তিকেও বৌনজীবনে আকৃষ্ট কাতে গানে। আমি পূৰ্ণ এক হাজার করা যার ইলিবস্থ ভোগ করেছি, ভন্ত প্ৰতিদিন আমার জোনবাসনা বর্নিত হাতেও। অভ্যান আমি এখন এই সমস্ত ভোগৰাসনা পরিত্যাগ করে। क्षभक्तत्व शहरन महनानित्वम करूर। भटना हाहा मुँहे মুখানার খেকে মুক্ত এক নিরম্বার হবে, আনি বনের পাবদের সঙ্গে বনে বনে বিচাপ সংখ্য। যে ব্যক্তি আন্দেদ বে, জড় সূদ ভাল প্রথম হাত, এই মীবলে সংবা প্রকণ্ডী জীবনে ও এই লোকে অথবা বর্গ আদি श्राक्टें एक ना का आ अविका क्या मिटर्बक क्या তে বৃদ্ধিমান ব্যক্তি সেই কথা খেনে আ উপভোগ ধনার চেটা করেন না. এমন কি তার চিন্তা পর্বন্ধ করেন না. তিনিই আকাশী। এই প্ৰকাৰ আৰ-তত্ম ব্যক্তি चांपाचारक बारका है। साठ मुक्ते महमार-काम धार শ্বরাপ বিশ্বরহের একনার করেব।"

জ্ঞিল অকলেৰ গোলোহী কললো--- লয়ন্ত আৰু বুসন ধেকে মুক্ত হবে রাজা মখাতি তাঁল পদী দেবলগীকে ধাই কথা কলাও পরে জার কনিও পুর পুরুষে জার বৌক্তা প্ৰত্যৰ্থণ কৰে পুৰুষ কাছ খেকে দিয়োৱা কাম প্ৰচল করেছিলেন। মহায়াঝ নবাভি দক্ষিণ-পূর্ব লিকে প্রথাকে, বিশিশ নিকে বনুকে, পশ্চিম নিকে ভূৰ্যসূক্তে এক উল্ল নিকে তার পুত্র অনুকে অধীনর করেছিলেন। এইভাবে তিনি তার রাজ্য বিভাগ করে দিরেছিলেন। বব্যতি তার ৰুলিট পুত্ৰ পুঞ্জে সভা পৃথিবীয় সম্ৰাঠ এবং সমস্ত ধন-সন্দর্যের আধিপতেঃ অভিবিক্ত করে এবং অঃলোড **बुक्र**संत्र चुक्त कवीहत शुक्तभूवंक वहन विद्वारिकन।"

"হে মহারাজ পরীকিছ। রাজা হবাতি বহু বছর ধরে।

পুক্তবের কাছে উপনীত হয়েছিলের। রাজা হথম তাঁব। কার্ডান্থকার। কেট যোগা প্রাণ কর্বান্তকার निर्मात भन्नी अवर भुक्तक शर्म कर्त्राष्ट्र प्रायोकाड कटबहिरसन, अनन अरू व्याकस्थानी हरशहिल जावर সেখনে উপস্থিত সকলে আ ওনতে পেয়েছিলেন।"

ल्हें अरवनी वर्लामा—"८१ प्रशास मुख्य: न्व হক্তপতে লিভাবই, ছাজ কেবল হাগরের চর্মের মতো আধার দরে। বৈদিক নির্দেশ অনুসারে দিতাই পুরুরূপে **অশার্থান্ত কর্মেন। অন্তর্ভন, ভোরার প্রক্রে প্রের** কর क्षेत्र मुक्तक्षादि अद्यानम् क्षेत्र मा। ८२ महाराज् দুক্ত। যে জড়ি বীর্ম প্রদান করেন তিনিই পিড়া এবং তীর পুত্র তীক্তে মহনাজের হাত থেকে হাকা করে। তুনিই এই বলকের জন্তুর চাই। শকুরুলা সত্য কথাই। क्लटा ।"

প্রিল ভাৰতার লোখানী কালেন—"মহারাজ দুয়াভার মৃত্যুর পর মহাকেটা এই পুত্র সন্তহীপের অধিপত্তি इरप्रक्रिका। एकवानद अस्त्रात्नमञ्जूष्ट शरून केंद्र पश्चिम পৃথিবীতে কীতিত হরেছিল। দুরুতের পুঞ্জ মহারাজ फरएकते केन शरफ ठाक जिल् अन्य गारवे भगरकारकत টিক বৰ্তমান ছিল। মহা অভিবেক বিধি অনুসালে ভগবানের পূলা করে তিনি দারা পৃথিবীর একছের সম্রাট ইবৈভিয়েন। ভারনার মনতালুর দুও মুদির পৌরোহিতো ভিনি গুলার খোলোবা থেকে ওক করে উৎস পর্যন্ত সমস্ত टारम्य नकारकि कथरमध् थक धनुष्टेत्र करत्तिसम्ब अवर প্রবাহনার সক্রম ক্রেকে উৎস পর্যন্ত ব্যুলার জীয়ে আটাগুৰট অভানেধ করা ক্রেছিলেন। তিনি সর্বোভ্রম স্থানে বৰ্জনৈ স্থাপন করেছিলেন এবং প্রাক্ষণদের প্রাক্তত । মনোপ্রকৃত্ত পান্তী ছিলেন, বীনা ছিলেন নিগঠনারেও 🖛 বান করেছিলের। কন্তুডগুলে তিনি এত গুটো বান কৰেছিলন হৈ জনাম হাজার প্রকাশের প্রভাবেই ভার ভাগে এক বছ (১৩,০৮৪) গাড়ী প্রাপ্ত হয়েছিলেন। মহাবাক দুখাগুর পুর কবত সেই বজে ভিন হাজার टिन्स कर रहन कर कामाना ग्राकारमञ्ज विन्तित ¥বেষিকোন। তিনি ক্ষেত্রদেরও বৈভব অতিক্রম উৎনাদনের সমস্ত হারান কর্ব ক্ওয়ার, মহারাজ ভাল করেছিলেই, কালে তিনি পর্য গ্রন্থ স্থানার শ্রীহরিকে প্রাপ্ত হংকেছিলেন। ইংগরাজ ভারত রখন মধ্যার নামক। করেন; ভার কলে মুক্তং লামক মেবতগোগ তার প্রতি হক্ত (অগ্নের মধ্যার নামক স্থানে অনুষ্ঠিত হল।) অনুষ্ঠান। সম্ভট হয়ে, উচ্চেক ভারতার নামক এক পুর প্রদান করেন। কংক্তেমন, ভাৰৰ তিনি চোৰ লাভ ওয় ৰছবিনিত্ৰ বৃহস্পতি নামৰ দেবতা হখন ঠায় জাতার গঠনতী পঢ়ী

इन्स् व्हाट चाहत हो । बन्ना १७ व्हान व्हाट किंद्र व्हा नाम শ্বদা করতে গাবেশ), তেকেই মহবোল গুরণতে ভরণ অর্থকরাপ কেওঁই অনুসরণ করতে পালের বাং আঠাত Cang 43 Sold elifortal gripter gales attractive এবং ভবিষ্যতেও কেই ধা করতে পারকো মাঃ মালনাত was ann fiften mite feraften, wen fet. किराफ, इन, बरन, ओर्फ, क्क, नम, नंद कार रेगीक নীতি ও একণ্য সংস্কৃতির বিরোধী সমস্ত রাজানের পর্যাক্তিক করেছিলের অধ্যক্ষ কর করেছিলের। প্রাথ্যক অনুদের কেতাকে নক্ষতিত করে বসাহলে চারত প্রান করেছিল এক কেবভালের স্ত্রী এবং কনাক্ষেত্রও সেবলে নিয়ে নির্যোক্ত। মহাবাক ভরও সেই সমস্ত সঙ্গীলবুসত দ্রীদের অনুক্রমত কবল থেকে উদ্ধান করেছিলেন এক क्तरहासक्ष काटक केंद्रस्य विशिद्ध विद्यक्तिसम् । प्रधानक ভরত সাতাশ হাজনে বছর ধরে এই পথিবীতে এক সর্বলোকে তাঁৰ প্রভাগের সমস্ত আনাপ্রকাশাওলি পর্ব करहरितकः। किनि जनकिएक केस कारण अगर कार প্রেরণ করেছিলেন। সারা বিশ্বের লাসনকর্তারণে সভাট ভাততা ভাষালন্ত্রী এক অপ্রতিহত দৈনিকের ঐত্য क्षिण। क्षेत्र जुद्र अवर गविवात क्षेत्र कारक क्षाण्डला हिला। কিন্তু অবলেয়েৰ সেই সংক্ৰ আধ্যান্ত্ৰিক উপ্লতি সংখ্যানত প্রতিবন্ধকরতে উপলব্ধি করতে পেরে, তিনি বিষয়ভাগে পেকে বিবত হরেছিকের 🖰

"তে হয়ানাক পরীকিং ৷ মহারাক কর্ডের ভিনারত কন্যা। তাতা ভিন্ন জনট কর্মন পুঞ্জ প্রস্তুর করেছিলেন এবং সেই পুরগণ গালার খনবংগ না ছওবার ঠারা মান कर्राहरूमा एवं, जन्म फेल्स खुक्तिकी गुरू प्रत्य करा জানের ভারে করতে পাকে, সেই আলহায় উলো ঠানে প্রদের বেবে কেলেছিলেন। এইভাবে সভান **পृतिगारिका सन्। अक्रशास्त्राम अस्यत अक्र वस कर्ना**न কৃষ্ণকৰ্ম কেই মন্ত্ৰী কৰ্ম অনকাৰে আজানিত কৰে লাভ মমতটো সংক মৈপুনে লিগু হওমাৰ কানত কৰেছিলেন পুখন কৰিছ পুৰটি উচ্চে নিৰ্দেশ্য কৰে, দিছ বৃহস্পতি "হে বৃহস্পতি, তুনি একে সামন কর" 📣 কলে ক্ষম অভিযান নিয়ে কালুকৈ ব্যৱহার করে নীয়া হাল্য ares) আহিত পুঞ্জ উৎপাত্ত তথ্য করে হার পাতি ্টে স্থাসার সমাধান করেছিলন 🖰

প্ৰিৰ্বা (মাজে মাজেনাল কাৰ্যাছ, উকুও এইক ভোমায় পালন _{সমা} উচিত।" সেই কথা খনে কমতা উচ্চা লিয়েচিলের,

বুচনগতি এবং মনতা উভারেই সেখান খেকে চলে নির্মেপ্তরের এইভাবে কলকটির কম করেছিল ভাগোজ। প্রাংশ পরিত্যাপ করতে পারেন, এই জন্ম অভান্ত ভীজে শেবছারা যদিও সেই শিশুটাকে পাল্য করতে সমস্যাক ±তে সমতা সেই শিশুটিকে ভাগে কৰতে ইন্তা। অনুধাৰিত ক্ৰেছিলেন, ভবুও কাঠা ব্যক্তিভাৰে কটো প্রবেছিলেন। কিন্তু কেববারা লিওটির নাম নির্বাচন করে। কাঠ সেই প্রেটিকে নির্বাচ বসুন করে পরিভাগে করেছিলেন। ভারন হরুও প্রারক স্বেরভারণ সেই বয়স্পতি সমতাকে কর্মেক্সেল, "হে মূর্ব ক্রমী।" বালকটিকে পালন করেল এবং অন্যত্তক ভ্রতত কর্ম ভালে এই বাক্তৰ এক বাজিৰ পত্নীৰ গৰ্ভে কৰা থাছিল। সন্তানেৰ অভাবে নিবাল হৰেছিলেন, ভাৰৰ উল্লা সেই লিণ্ডটিকে প্ররেশে উচ্চে প্রদান করেল।"

একবিংশতি অধ্যায়

ভরতের বংশ বিবরণ

क्षिण एकर्ग्य (प्रत्यायी कारणम—"मनन्त्र कर्ड्य क्ष्यु क्ष्म क्ष्य मुध रू वि निद्धा देवदि दिव स्था शाद अन्। अन्त अन्त (च्याक राज्यकता, क्षेत्र, व्हारीम्स, नह अदर মরের পুর সর্বার্ড।"

পুর ওক এবং রভিনেব। রভিনেবের মহিলা কেবল। रेट्टलाट्ड अनुवारमध कराष्ट्र आहे. गहराहरू अन्यवारमह সমাত কীতিত হয়। বভিনেৰ কমনও কিছু উপর্যোগ পালে টেটা খনজেন না। হৈছেনে ডিনি বা গ্রাপ্ত ব্যবস তাই কেলল তিনি প্ৰচল কলতের এবং অতিথি এলে তিনি দৰ কিন্তই ভালের বান করভেনঃ ভার কলে তাকে তার অভিনিত্তশ দিন উপৰাগ কালে বল্লা কৰিবেৰ স্বাধান্তলাৰে - রাজা প্রতিবেদ প্রত্ন আগতে অর্থনাই আয় কুকুর এবং

প্তলর জন্যায় ভরমেরের নাম হয় বিভাগ। কিটেখন পরে। স্বর্থেরেনের, কিছু চিনি করন ওঁছ, পরিবর্তমর্থের সঙ্গে জ ভোৱন ৰয়তে কৰেন তথ্য এক প্ৰায়ণ আঁচৰি একে পৰ্ব, এই পাঁচ প্ৰেয়ৰ জন্ম হয়। এই পাঁচ প্ৰয়েৱ জন্তখন উপশ্বিত হয়। ব্যৱহাৰ কঠিছ এবং কৰ্বভাৰে জনবাৰনৰ উপস্থিতি অনুকৰ কংগ্ৰেছ। তাই ডিমি নেই কাঁচবিংক "হে পাণ্ড ব্যুলেরড মহানার পরীক্ষিণ। সম্বতির সমাসর করে জন্ম সম্বাহর উত্তে সেই ভারের একভার প্রদান করেছিলেন। সেই প্রাক্তর অভিনিধন্ধি সেই আ আহরে করে সেখন খেকে চলে বিভেন্নিকোর। জনসার র্বিরেক্ট কর্ননিষ্ট আৰু ক্যান্টেন্ড মধ্যে বিভাগ করে ছিছে কাম বাং ভোৱন করতে জাবেন, তানা এক পৃত্র অতিথি এলে উপল্লেড হলেন। সেই শৃতকে কাৰণ-সক্ষয়ে কৰিব করে বাজা বলিদেশ উল্কেড আথের ভাগে প্রমান আহীর-মুজনারের সাক্ত জানেক বৃঃখকট্ট ভোগে কাতে। কাবছিলের। সেই পূর চলে গোলে, আর এওজন হত। প্রকৃতগক্তে কুনা এবং ডুম্মার তাঁর নিজের এবং অভিনি কুকুর পরিবেটিত হয়ে সেখানে এনে স্থানজিন। দাবীয়ন্তন্ত্রের মুইটা কম্পায়ন হস্ত, ভবুও কবিশের "হে রাজন্য আমি এবং এই কুতুরওলি কুলের ভাততে गर्रमादै चावाच ग्राहिक अवर वीत हिल्ला। अक्तमधं व्यक्तः। वत करत चारात्मा किंदु व्यक्तर्य क्षमा कर्त्रमा

ক্ষতের হুমৌ হুড়িনিকে বাং সামান সহকারে প্রদান করেছিকের এক ভাষের নমস্থার করেছিকেন। ভারগর, কেবল পানীৰ ভল অবশিষ্ট ছিল, ভাও কেবলমাত্ৰ থাকজনের ভবি সাধনের জন্য বংগট বিদ্য। কিছু রাজা বন্দ সেই জল পান করতে ব্যবেদ প্রথম এক চণ্ডাল সেখানে উপস্থিত হয়ে বলেছিল, 'মে রাখন। যদিও আমি অভান্ত নীচ কুলোরড, নরা করে আথাকে কিছু পানীয় কৰা বান কৰুব।" সেই পথিপ্ৰান্ত চণ্ডাগের নৈশ্যকুত অত্য অবশ করে মহারাজ রন্তিদের অত্যন্ত দুঃবিত হয়েছিলেন এবং অমৃতের মতো মধুর এই কথাওলি বলেছিলেন। আমি ভগবানের কাছে আই বোমসিদ্ধি কমের করি না এবং ডাক্স-মৃত্যুর বছন থেকে মৃক্তিও কামনা করি না। আমি কেন কেবল সমস্ত স্ত্ৰীকে সলে খেকে ডানের সমত নুম্বাকেন কাতে পারি, যাতে ভাগ্ৰ ভাগের দংগ-দর্শনা থেকে মুক্ত হতে পারে। कीरम शारताम् धारे मीम क्वारमस कीयम उत्कार करा ৰূপ পৰেন্দ্ৰ যানা আননা কুথা, ভুমন, ক্লাব্ৰি, লেহেন कच्छार, विवास, महत्त्व, त्यांक, त्यांक तद किन्नुमें तिराध হতেছে। এই বলে, জল শিলানার অভ্যান্ত বিয়ালা হওয়া সবেও রাজা ছতিবের ঠান জন সেই চথাপকে বান করেছিলেন, করেশ তিনি ছিলেন সভাবতই অভান্ত কুপাল श्रदः होता। अनामकनी क्रक्तिरात करना चरमात बन প্রদানে সক্ষয় ক্রমা, লিব আদি দেবভারণ তথন র্রাভারেরে সম্মান জানের মরল প্রদান করেছিলেন, কারণ তারেই প্রকাশ, শত্র, চথাল ইত্যাদিরপে তার কাছে এসেছিলেন। দেবতাদের কাছ থেকে কোন প্রকার জড়-জাগতিক লাভ প্রাধ্যির আক্রমজন প্রাক্তা প্রতিদেক্তে ছিল मा। दिनि दौरान क्यांट निरकार कराहिरगन, किन्तु বেচেত তিনি ভগৰন কলনেৰে অনুমত ছিলেন, তাই তিনি ভক্তি সহকালে শীবাসনেকো শীপাদপতে উন্ন চিত সাহিনীয় করেছিলেন।

त्व महाताच नहीं किए। शका श्रीतराव त्वटरफ ক্ষাভাষনমের নিয়ার শুদ্ধ খান্ত ছিলেন, খাই ক্যাবাসের মারা তারে কাছে নিজেকে প্রকট করতে পারেননি। পক্ষায়তে, 'ঠার খাছে মাহা এখটি খাখে মাজে প্রতিখতে হত। বাঁতা মহাতাক রভিমেরের আমর্শ কনসবণ कर्वाहरूमा, जाता देख क्लाड शहरूव मानावन-जनारन

তথ্য থকা হলেছিলেন। এইভাবে টালা লেট ভোগীতে পরিবস্ত হয়ে।ছিলেন।"

"अर्थ ट्यटक लिनि प्रस्त् विकि ट्यटक वर्गत कवाराव्य করেন। গার্গা করিয় হলেও উন্ন গেড়ের এও _{বেশার} বংশের উপ্তব হয়। সহাবীর্ণ খেলে ব্রিচক্তম সভ্য পরের কথা হর, বার প্রদের নাম এবচগুলি, ভবি 🚓 ল্ডরারানি। যদিও দ্যিতক্ষরের এই পুরুষ ক্ষরিক্রের জন্মগ্রহণ করেছিলেন, তবুও জাতা আক্রণত লাভ করেছিলেন। কৃহৎক্ষরের হাতী নামক পুত্র হাতিকাশ্র নবরী (বর্তমান দিলী) দ্বাপন্ম করেন। হস্তীর অভ্যাত্তি মিমীত এবং পুরমীত, এই তিন পুর। ভিতমের ভাট অন্তৰ্মীকেও বংশধ্যপুৰ সকলে ভ্ৰাহ্মণ ক্ৰেছিলেন। অক্সীয় খেকে বৃহদিবু নামক পুর অপ্রাহ্রণ করে। ব্যদিশ্ব পূর বৃহত্তন, বৃহত্তন থেকে বৃহত্তার কাত্রপ্রদ ক্রেন। তার পুর করপ্রথ। আরহুপের পুর বিশ্ব 🚓 উল্ল পুত্র লোমবিশ্ব। স্বোনজিংখ্যে ক্ষতিকার্ মুহেন, ক্ষান্ क्षा वरण मध्यक हात शुध विश्वन । क्रिकेटरस्य शुद्ध गाव এবং লারের পর পথকেন ও মীল। বীলের একেল্ড ক ছিলেন। রাজা নীপ ওপের কলা কৃষ্টার পর্তে ক্রমুছত নামক এক পুত্র উৎপন্ন করেন। প্রকাশন্ত, বিলি ছিলেন একেনে মহান যোগী, তিনি ভার পরী সরস্ভীর পর্যে विष्करमा माधक व्यक्त श्राह्म करवन। एवर्षि জৈগীববোর উপদেশে বিবৃত্বকে বোপলার বচনা করেছিলেন। বিশ্বকলেন থেকে উদকলেনের আল হয় अवर फेमफरमन (भरक छहा।हिन्न सन्त्र प्रश्न और जाराजिक ব্যসিব্র কপেধর। নির্মান্তের পুত্র কবীনর এবং ভারে পুত্র কৃতিযান। কৃতিয়ানের পর সভাগতি নামে বিখ্যাত হয়েছিলেন। সভ্যধৃতি থেকে নুচনেনি নামক পুরের কর হয়। দুদ্দেশ্মি সুপার্শের পিতা। সুপার্শ থেকে সুযতি, সুমতির পুরা সমতিমধ্য, সমতিমান বেকে কৃতী আভ্যাংগ করেন। তিনি ক্রখার কাছ থেকে খেললক্তি লাভ করে नामस्यत्मत्र श्राहरनाटमत् भृष्टि नरहिन्छ। निकासक कटनः। কৃতীর পুর শীপ, শীপ কেকে উপ্রাহম, উপ্রাহমের পুর (भगा: भगात भूग भृतीय जनर मृतीहरू। भूग तिम्रामा । विश्वका (धरक करवध मात्रक तक श्रव वेश्या स्था नुक्रमीछ निरमकार क्रिका। क्रास्टीएक्ट अलिनी संधी क्षार्थात सर्क मीरलंड क्रम इस । मीरलंड गुरु भाषि।

লাভিত পূত্র সুলাভি, সুলাভিন পূত্র প্রকল এবং পুরুজের সর্ভে গতি গৌতকের উর্জে প্রকলে মাঞ্চ এক প্রত্তর ৰাই কৰি। অৰ্ক থেকে ভ্ৰমীৰ এবং ভ্ৰমীৰ থেকে ্রালাল, ব্রহীনের, শৃহতির, কান্সিয়ার এবং সপ্তব নামক পাঁচ সারকনী ছিলেন। সংস্কৃতির পুত্র সংক্ষান্। উর্বদীকে ক্তিক কৰা হয় ভাগাৰ তাৰ প্ৰাংশৰ বালভিংগন, "ৰে কৰ্মন কৰে কৰা বাৰ ক্ষাৰত হয়ে কান্যালয় ওকে পতিত প্রধান তোমতা আমার পাঁচটি রাজ্যের ভার হত্যে কর, হয়। সেই নীর্য ছেকে সহক্ষেত্রক একটি পুত্র এবং ক্রাণ জোনো সেই কার্য সম্পাদনে সমর্থ।" এই কারণে কন্যায় কর হয়। মহানক শান্তসু সুগরা কন্সতে গিছে _{বিবা} প্রস্তুর প্রধান নাথে অতিহিত হল। মূলকা থেকে। নেই কাল পুত্র এবং কলাটোকে লামি করে কুপাপুর্বক প্রেরণার প্রাক্তগবঢ়েশর উৎপত্তি হয়। ভর্নাধের পুরা ভাগের ঠার বৃহে বিত্রে আলেন। ভার কলে বালকটির ক্রাণ্ডের ক্ষত্ত পুর রহেং কন্য উৎপত্ন হয়। পুরতির কা বিবেশাস এবং কন্যাটির বাম অহল্যা। অংশারে পরবর্তাকালে লোকানর্বের পত্নী হরেছিলেন।"

ক্ষা বর। প্রান্তকের পুত্র সভাপৃতি ধনুর্বিসার অভ্যাত্ত न्दम इष्ट कुर अपर वाशिकारित साथ हम कुनी। कुनी

CALLER COURT

দ্বাবিংশতি অংগার

অজমীঢ়ের বংশ বিবরণ

নিজ। সোমকের একশত পুর ছিলেন, ছাম্মের মধ্যে পুৰত হিলেন কনিষ্ঠ। পুৰত থেকে মহানাজ কণাদের ক্রম হয়। মূলদ বিজেন সর্বসম্পদ সম্ভিত। বংগ্রাক ভাগৰ থেকে দৌলদীর করা হয়। মহারক শুলানের শুক্তিয়ার অবনি বছ পুত্র ছিলেন। খুক্তমূল থেকে ধৃষ্টকেতুর কৰ হয়। এটা সকলে ভৰ্মানের কলেবর বা পাকাল-दर्नीस नटम नतिहित। चालभीराज्य व्यन्त नृत कर्क नारम বিধ্যক ছিলেন। কক থেকে সংবরণ নামক প্রের কর হয় ৷ সংবরণ থেকে সূর্যক্ষ্যা ভপতীয় বর্ষে কুলখেনপতি কুক জন্মহণ করেন। কুলা গণীকি, गुष्तु, बार्च, निषय-अहे हात तुन दशः गृथकृत तुन শৃহহার, তার পুর চাকা। চাকা থেকে কৃতীর লব হয়। কৃতীয় পুঞ্জ উপরিচর বসু এবং বৃহত্তথ, কুশাখ, সংখ্য, প্রভাগ, চেনিশ প্রভৃতি ভার পুর ছিলেন। এরা সকলে চেলি রাজ্যের অধিপতি হরেছিলেন। বৃহত্তথ থেকে

প্রিল প্রকাশের পোধানী বলালেন—"হে রাজন্। কুনাপ্রের কর হয়। কুনার থেকে করক এবং কথক নিকেলালের পুত্র মিত্রায়ু এবং মিত্রায়ুর চ্যান্স, সুলাস, বেকে সভাবিত। সভাবিতের পুত্র পুল্পাবান্ এবং जारास के (जामक धाँदे कांत्र गुंधे। त्यांमक विराम सम्बद्ध । गुण्यरात्स्य गुंधे सम्बद्ध १६१० मा कर अरू गाउँ । वर् वृद्धे के अनुभ केरब्द्ध इस। (सर्दे पूर्वे का सर्गन करत খ্যান্তে ক্ষত্ৰ ভালের পরিভাগে করে, পরে করা নারী ताकरी 'केरिट २६, केरिट २६।' और दर्श 'डाएन्ड নিয়ে কেল করতে করতে সেঁই খণ্ড পুটি একতে সংযোগিত করে। তার কলে জনাসভ নামক পুরের ক্ষম হয়। কালসভ খেলে সংগ্ৰেমের ক্ষম হয়। সংগ্ৰেম থেকে নোকৰি এবং লোকৰি থেকে জন্মবার কব हता। कृतम बुत्र वर्गाकि विश्वस्थ्य हिराहा, विश्व कृतद ক্ষক ব্যৱস্থ প্রায় সূত্রথ নামণ এক পুর বিদা। সূত্রখন भूत विस्तर्भ अस्य फेल भूत भार्यत्कीय। मार्वर्कीय (भएक জনসের, জনসের খোকে রাধিক এখা রাধিক খোকে অনুভাৱে কৰা হয়। অনুভাৱ কেকে অনুনাধন সাহক এক পুরের কর হয় কর ইয়া পুর ছিল কেবচিথি। নেবারিকির পুরু কক, ককের পুরু নিবীল এবং নিনীদের পুত্র প্রতীপ। প্রতীশের পুত্র কেবলি, পাকনু এক, বছীক।

দেবলি পিডরাল্যা পরিস্থাস করে বানে গমন করেন একং তাই সাক্তৰ থাকা হল। শানুন পূৰ্বকলো ছিলেন সহাতিৰ এবং বে তেন ক্ষবাস্তৱ ব্যক্তিকে তার হতের স্পর্ন দ্বাধা টৌবন প্রদান করতে পারডেম। রামা তেখেড় ভার ছাক্তের শলপের বারা সকলকে ইপ্রিয়সংগর বারা শর্মির প্ৰদান কৰতে পাৰতেশ, ভাই ভাঁৱ নাম বিল খান্তন। একসময় প্রজ্যে খাদপ কর্বজালী বৃষ্টি হয়নি, ডাব্দ খালা শতির আনবান প্রথমণ উপদেষ্টাদের সক্ষে আলোচনা করেন, এবং তারা থগেছিলেন, "লাগনি থাগনার লো**ও** আন্তার সম্পত্তি উপজ্ঞান করের সেবে গোনী। আল্লানার রাজা এবং পরের উল্লন্ডি সাধনের কলা শীন্তই আপনার ভোওঁ ৰাভাৱে হাজৰ প্ৰদান কৰান।" প্ৰাক্তশেকা এইভাবে উপদেশ দিলে, শান্তৰ ৰলে বিয়ে উলা জ্যোষ্ঠ আৰু দেবাগিকে সামাজত প্ৰহণ কাতে অনুবোধ করেন द्वार केएक बरमम (व. सकानाकारि आकार नहरू धर्म। ইতিপূৰ্বেই কিন্তু শানুনৰ মন্ত্ৰী অৰ্থনৰ ক্ষেত্ৰিকে কৈদিক মার্গ থেকে এট করে মাজা হওয়ের অনুপর্ক প্রতিপার केदोव कमा करवकत्त्रम द्वाप्तश्रक छै।व कारह পাঠিরেভিলেন। ব্রাক্ষণেরা দেবাপিকে কেব্যের্গ থেকে স্টে ক্রেছিলন এবং ভাই শান্তন কথন ভাকে অভ্যন্তর প্রকৃ ক্রম্বর ক্রেরেখ করেন, তথন তিনি ভয়ত সক্ষত হননি। এবং একটি করা প্রদেব করেন। পুরনের করে পক্ষাররে, তিনি থেনের নিশা করে কথাপতিও হয**়**। তাৰন লান্তনু পুনবাহ য়োকা হন এবং বৃষ্টিত দেবতা ইপ্ৰ উপ্ত প্রতি প্রশার হয়ে বরিবর্গে করেন। পরক্তীকালে দেবাশি মন এবং ইপ্রিয়েকে সংবত করতে জনা কোগের भाषा व्यक्तभाव करत संभाग सामग्र प्राप्त समन करतन्। ভিনি এখনও দেখালে স্বৰ্গন করছেন। কলিবুগে চক্রকংশ কিন্ট হাজে, পরবর্তী সভাযুগের শুরুতে কেবালি এই পৃথিবীয়ে সোমবাবের পুন:গুড়িট্টা করবেন। (শান্তবুর বাঁতা) বাহ্রীক খেকে সোক্ষান্ত নামৰ এক পুনেও কর হয়। তার তিন পর ভূমি, ভূমিতার এবং मल। मान्न (चरक त्रमाह शहर्य चारा-उच्चिक कर्रशहर्य অভিজ্ঞ, পরত ভাগবভ এক মহাজনী জীতের কল হয়। 'টীপ্রদেব দিলেন সমত্ত মোদ্ধানের অপ্রদাণ্ড। তিনি বর্তম হুছে প্রভাগ্রেক পরাজিত করেন; ভবন ভগবান পরওবাম ঠার প্রতি অত্যক্ত প্রসম ক্রোছিলেন। খ্যান্তনুর

ক্রিয়াল্যের কনিব ব্যাতা বিভিত্তবীর্য। ক্রিয়াল্য ভিত্তাল ৰমক এক গৰাই কটক নিহত হলঃ শাস্ত্ৰত সংল চিনাত হওয়াত পূর্বে সভাবতীর পর্যে প্রাণ্ড মুন্তি শুরুত ভগবানের অপেসমূত বেংগ্রহত কুখানৈ সালে নামক त्यमनाम व्यक्तिक स्त्र । अहे नामहान्य १४१७ स्त्री (क्रम्पन (भाषामि) समाध्यम कटावि कार चेता काफ আমি মহান বৈধিক শান্ত শীদভাগৰত অধান্তন কবি। ভগবানের অবভার খাসিবের লৈল খানি নিবানের পরিড্যাপ করে আমাকে প্রীমন্ত্রগরত উপদেদ নিরেছিলেন, কারণ আমি সময় জড় বাসনা খেকে মৃত दिलाश। काली डाटकत पूरे काला जरिका तका व्यक्तिकारक कार्ग्सक व्यवस्था करत विविद्यवीर विवाह ৰরেন, বিদ্ধ তার এই দুই পড়ীয় হাতি ভাত্যত আসত ছওয়ার খলে, কল্পনোরে আক্রম হলে বিভিন্নবৈর হলে হয়। বাৰনায়ৰ শ্ৰীৰ্নাসংখৰ উত্তে মাজা সভাৰতীত আদেশে জাতা বিচিত্ৰবীৰ্ষের মৃট্ট পঞ্জী অধিকা এবং क्ष चाणिकात नहर्स पूर्व न्यूव अबर विकिटवीहर्वत भागीत नहर्स এক পুর উৎপাদন করেন। উদ্দের নাম বধারনার पुरशाहि, भारत करा निष्टा"

"হে রাজন্। পুতরাট্রের পদ্দী সাম্বারী একশত পুর हिलान (कार्ड अयर कमातिक मात्र वितः पूरणाराः) एक কৰির অভিন্যপের কলে লাভু হৈপুন খেকে নিব্রুড रामधितम बार छोट् छेल नहीं क्रीब मार्ड सर्मान প্রদানের এবং ইয়ে থেকে ক্যাক্রায়ে ক্ষিত্রির, ক্টার, আর্থন এই তিন মহারখ পুরের করে হয়। পাওুর দিতীয় भन्नी मारीत गर्ड अविनीकृतसम्बद्ध (अर्थ मकृत क्स সহদেকের জন্ম হয়। বৃথিতির প্রমুখ পঞ্চপাত্তর থেকে কৌপদীর গঢ়ের্ড গাঁচটি পুরের কর হয়। জারা ছিলেন ভোমার পিতৃথ। বৃধিনির খেকে প্রতিবিদ্ধা, তীয় খেকে শ্রভানে, অর্থন থেকে শ্রভকীতি ক্রমারণ করেন নকুলের পুরোর নাম ছিল খ্ডানীক (*

িছে বাজন, সহমেলে। পুর প্রান্তকর্মা। ভা ভড়া বৃথিতির এক উর বাচ্যদের ক্ষান্তর ভার্তর কর্তে অনেক পুত্র রূপ্রতহন করেছিলেন। বুলিন্টির থেকে লৌকরীর গর্ডে দেবক, জীমানেল খেকে হিভিজান গর্ডে কটোংকত ইবনে নীনবেজনা সভাবতীয় কঠে ভিত্তাক্ষর হয়। এবং ভালা আর এক পদ্ধী কালীর করেঁ সর্বরত নামক

_{নামতি প্রা}র হয়। তেমেনট পর্বতমাজের কনর বিজন্তন। কবকো। তার পুত্র চিত্ররথ নামে বিশাসত করেন এবং গাত সহাক স্থেক স্কৃতির ক্ষেত্র এক কৃত্রে কর হয়। कार्याची नामक भवेति भागे सङ्ग्राम स्थापिक सामक _{এতি পুর হব।} ভেন্নেট, জগবনর উল্পাস করে কর্তুনের करानाम आयक अक भूत हो। अवर प्रतिभूतिक सामनामाव ৰতে ব্যৱস্থান লামক এক পুরের দেখ হয়। মণিপুরের कार्या महन्दार्माएक वासक भूजकार्य द्वारण करहार है

"ता महाराज्ञ नहीं जिल्हा 'कार्जुन एवंदक गुरुटाम वर्ट _{অভিযা}তের (হারা এক হারায় রতীকের সংক কৃষ্ণ করতে লাবাডেন) বিজেতা মহাবীর ছিলেনঃ স্থার থেকে विकारकार कना देखतास गर्स व्यापनात क्या इरस्टा । কৰ্মকতেও খুখে ভূতবংশ বিনষ্ট হলে জ্বাদিও লোক্তাৰ্যের পুত্র অকথানার ইক্ষাপ্তের কেন্ডে বিন্যুপ্তার রুর্ন্তিক্রম, বিষ্ণু ক্যবান শ্রীকৃত্বের কুণার আগনি বৃত্তার হাত ক্ষেত্ৰ পৰিবাদ গেয়াকো 🖺

প্রকার মধ্যে জন্মেরার প্রেটি। ভাক্তরে প্রের আননার মুদ্ধা স্বস্থায় কলে, আপনার পুরা জনক্রেমার অভার ক্রম sce সংশ্রিক ব্যাধিতে এই পৃথিবীর সমগ্র সর্গদের মিকেন করবেন। কলখের পুত্র ভূরকে পুরেহিতরবে ব্যাপপূর্বক সারা পৃথিবী আয় করে জনমেন্ডর আবদেব হয় কৰে তিন বেদ এবং ক্ৰিয়াক্সন সভে কলকে। তিনি चन्द्रक्ष (वर्ड धनीयकृष्ट श्रेक क्षेत्र स्टब्स त्मिक्रकः। एकिनाभूत (वर्ष्टम्प्स विद्यो) एका समीह काउन প্লাবিত হবে, ভবন নেমিচক্র কৌশাস্থী নামক ছানে কন

চিত্রের থেকে ভূচিরথ নামক পুরের জন্ম হবে। মহিনাথ ক্ষেত্র সৃষ্টিমান উৎপত্ত হতে। এবং তার পুত্র সূত্রেশ সার। পৃথিবলৈ সম্রাট হতেন। স্বাহাণৰ পুত্র সূত্রীয়ে, উল্ল পুত্র नुरुक्त अन्य सुरुक्त (भारक भूबीरका नामक भूरकार बन्ध सूर्य) স্থীনালের পুত্র হাকো পরিপ্রব এবং ঠার পুত্র হাকেন সন্তঃ সুনৰ থেকে হেংনী নামক প্রেম কর ইবে। মেধারী থেকে সুলঞ্জয়, ঠার ক্ষেত্রে পূর্ব এবং সূর্ব খ্যাক ক্ষুবার পিতা অভিমণ্যর কম হয়। তিনি সময় তিনি ক্ষুপ্রেণ ক্ষুব্রা। তিনি থেকে বৃহত্ত্বে কম हरन, व्यक्तप (शरक भूजन अवर भूजन (श्यक महानीरका ভন্ন হবে। প্রানীক হেকে দুর্ঘতন উৎপদ্ধ হকে।। भूर्वप्रत्ये भूत इरका प्रदीनत। प्रदीनदाव भूत एराम সভগালি এক তাম পুত্র হতেম নিহি, খার খেকে জালা ক্ষেত্রর জন্ম হরে। আমি আপনার কাছে প্রাক্ষণ ও করিবকুলের উৎস এক কেবল ও কবিনের পূজা চল্রবংগ্রেম্ম বৃদ্ধান্ত সর্বানা ক্ষরের । এই কলিবৃদ্ধে ক্ষেত্রক "ছে ব্যক্তর। আপদার চার পুর—কন্মেকর, হাঠে শের রাজ। এখন আনি হতিবাৎ সালয় লাকানি প্রত্যান, ভীমদেন এবং উমদেন অভাত শক্তিশালী। কথা বলব সংখ্যা করে আপনি ভা শ্রাবন করন। क्रवामस्थल श्रद्ध महरमस्यक आईर्सर न्यस्थ अन शृह सरव। মার্কারি বেকে প্রাথেরকা, ক্রান্তরকা কেকে যুখার এবং ৰুভাছ থেকে নির্বাধন ভাতাহল কাংকা। নির্বাধায়ের পুর इरका मृतका, मृतका (पर्क दृश्धामा क्षेत्र कृष्धामन ্থেকে কর্মজনের কর হবে। কর্মজনের পুর হবেন অনুষ্ঠান কাকো। সেই কম্য তিনি পুরুষ-মেধবট্ট নাবে। সুধ্রের এবং স্তপ্তরের পুর বিভ এবং ঠার পুর হাতেন প্রস্তিভ মুক্তে। জনমেকারের পুর প্রস্তান মাজাল্ডার ৩টি। ওচিত পুর মুক্তে তেম, কেনের পুর সুত্রত, স্মানের পুর ছবেল বর্মসূত। ধর্মসূত্র বেকে সভ, সভ কুলাচাহতী কাছে অনুবিন্যা এবং বৌলক কৰিব কাছে (আৰু মুয়াংসের, মুয়াংসের খোকে সুমতি এবং সুমতি আছা-ভত্তমানও লাভ করকো। পতানীকো পূর হকে। খেখে স্থাপর জন হবে। সুকা থেকে সুনীখ, সুনীখ সহতানীক এবং তাঁর খেকে অধ্যেশভেও কম ছবে। সেকে সহ্যক্তিশ, সভাঞ্জিশ থেকে বিশ্বস্তিশ এবং বিশ্বস্তিশ (তকে রিপ্রায়ের **ক্রম** হবে। এরা সকলেই বৃহত্রও-कानीय। वहतप-वानीय क्रमाया अप शक्त वक्त धार পৃথিবী পাদম করকে।







ব্রয়োবিংশতি অধ্যায়

যমাভির পুত্রদের বংশ বিবরণ

ঞ্জিল কৰণেৰ পোৱামী কালেন—"যখাতির চতুৰ্ব भूत व्यक्ति भेकानके, एक अन्तर भटतक नामक दिन भूव हिल। ८६ साम्बन्। ग्रह्मातं ४०६क कामगढ् सामक धक भूटका बाच रहे अंदर कामनदात्र भूत मुक्का। मुक्क रचरक कराइक्षत्र नामक श्रेक श्रुटक सन्त्र हरे। क्याप्रकारकः पुढे प्रशासन्, वंशीनारमः गुज वशीवना अका মহামনার উশীনর ও তিতিকু নামক দুই পুরা ছিল। **एकीनरअब निर्देश वर्त, कृषि क्षर एक-व्हें गंद पूर**। শিবির চন্দ্র পুর-ব্রামর্ভ, সুধীয়, মধ এবং আশ্ব-ভর্বকিং কেকর। তিভিত্ন পুত্র ক্ষমন্তব। ক্রমের খেকে হোম, হোম কেন্দে সূত্ৰণা প্ৰবং সূত্ৰণা খেকে বলি কক্ষাংশ কতন। মহীপত্তি বলির পদ্ধীর রাঠে দীর্বতমার উরসে च्यम, रहा, क्लिक, मुख, भूड और उद्ध नामक देश भूरता। জন্ম হয়। অন আদি এই হয় পুর পরবাচীকালে फाराध्यक्तं नृषंश्राम शरी ऋत्वातं सामा म्हर्गाहरम्न अपर (सदै हाक्कोश्चलि (स्थानकात प्राकारनंद नाम प्रमुगाद्व নিখ্যাত হয়েছিল। অস বেকে কংশান নামক এক পুঞার ক্ষম হয় এবং বলগানের পুর লিবিরণ। সিবিরপের **থেকে** ধর্মবধ নামক এক প্রেটা ক্ষান্ত হয় এবং চান পুরু **6िडरब, दिनि (तामशाव नाटम विशाध इटपहिलान)** রোমণান নিঃসন্তান ছিলেন এক ভাই উন্ন স্বা মহারাঞ দৰ্শৰথ তাঁকে ভান শান্তা নাত্ৰী ৰুনাকে দান কৰেন। রোমনাম তাকে তাঁর কন্যারাণে প্রহণ করেন। পরবর্তী কালে শাহুরে সঙ্গে পরাশুদের বিকার হয়। ক্ষেত্যার स्वित्रक्षे वा कवात्र बाताजनस्था गुजा, अलीक, प्रक्रियत, আলিকৰ একা পুলার মান্তা কব্যপুসকুক যোহিত করে এন খেকে নিয়ে আনেন এবং প্রথম তাকে পৌরেছিতো কাল করা হর। কমাশুক আসার পর বৃত্তি হর। ভারপর দাবালুক নিঃসন্তান মহারক্তে দলরংগুর পুত্র উৎপাদনের सन्। अके क्ला करका अवर काड करन प्रभूतक महानाम মলরথের পুর হয়। করাপুরের কুপরে রোমপান থেকে চতুরক্তের জন্ম হার এবং চতুরক্ত বেকে পৃথুলাক্ষের কন্ম

হয়। পৃথুলাকের পূর কৃষ্টের, গৃহৎকর্মা, কৃষ্টেরনু। স্কোর্ কৃষ্টের থেকে কৃষ্ণার নারক এক পৃত্রের করা হয় এবং কৃষ্টেরর পূর ক্ষরের। ক্ষরেরের পৃত্তি, বৃত্তি পেকে কিষ্টেরর ক্ষর হয়। বিকার ক্ষেকে গৃতি, বৃত্তি পেকে গৃতরার, গৃতরাত ক্ষেকে সহকর্মা এবং সংকর্মা থেকে ক্ষরিরের ক্ষর হয়। গলার তীরে কেলা ক্রান্ত সময় ক্ষরির একটি পোটিকার মধ্যে এক শিশ্র প্রাপ্ত হল। কুমরী ক্ষরতার সেই শিশুটির ক্ষরে হওয়ার ক্ষরের কুটি তাকে প্রিজ্ঞান ক্ষরেরিকের। অধিরার নিম্নার ক্ষরের। ক্ষরেতিরারে কই পুত্রটি কর্প মধ্যে বিব্যান্ত হল।"

"হে মাজৰ্। কর্ণের একমাত্র পুত্র বৃষ্ণকো। কর্মানির ভূতীর পুত্র ক্রন্তঃ পুত্র ৰক্ত এবং ৰক্তর পুত্র সেতু। সৈতৃর পুর আবৰ, জাবছের পুরা পাছার এবং পাছারের भूक वर्ष। यहर्षत्र भूक कृत, पुरस्तर भूक कृष्यं करा कृत्रस्त्र পুৰ প্ৰচেজাঃ প্ৰচেজন ককণত পুন্ত ছিল। প্ৰচেজন পুরণাণ ভারতবর্ষের উত্তর বিকে বৈনিক সভ্যভাবিহীয় द्वानरम् अधिनक्ष क्याहितन अवर म्यानकक्ष तका ব্যবন্ধিলে। ব্যাতির বিজীয় পুঞ্চ ভূর্বসূ, জার পুঞ্চ বুঞ্চ বিছ বহিলা পুর তর্গ এবং ভর্গ থেকে ভানুয়ান্ স্বল্যাংগ্ करका। फानूमारम्ब पूर्व जिकान् धारा छात्र पूर्व जैनातरिक करक्य। करकर्मात्र गृह मक्ष्यः। महस्य चानुस्क श्वास পুরুবংশভান্ত মহাবাজ মুখন্তকে তার পুরুবংশ গ্রহণ করেছিলেন। মহারাজ দৃহতে রাজনিংহাসন্থের অভিসাধী হুওরার, মঞ্চতকে উরু শিস্তারূপে অঙ্গীকার করা সর্বেও উন্ন প্রকৃত বংশে (পুরুষলে) কিরে খিয়েছিলে। যে মহারাজ পরীক্ষিত্র একা আমি মহারাজ কবাতির জ্যেত পুর বনুর বংশ বর্ণনা করব। এই কর্ণনা পুরুষ পথিত क्षक् प्रानुस्कत नर्व-भागकमा । (क्रवन और वर्षमा संक् করর কলে মানুহ ভার সমস্ত লাগ খেকে মুক্ত হয়।"

"নমন্ত জীবের অনুর্বামী স্কাবান প্রীকৃষ্ণ কাঁও নিজ তর্তনাল নরাকৃতি প্রকটপূর্বক করুবংশে অবতীর্ণ शुर्ताकरणाः। यथुत्र कातः भूता --नस्यांकर, ८४५का, ना ক্লে বিশু। এই চার পুরের মধ্যে ক্লেট সহস্রভিত্তের नुह न्टांकर। न्टांकरका प्रशास, स्नुस्य अस्र देशस सारक रिज पृथ्व किया। देश्शासत्र पृथ्व वर्ष अवस् वर्द्धा পুর নের। ইনি কুলিয়া শিকা। কুলি থেকে দোর্যজ্ঞা 📲 হয়। সোহতি খেলে মহিস্তান্ এক অধ্যস্ত্ৰক ब्रान्त्रहरून कर्त्वतः। कवरमहासः भूतः पूर्वतः वासः काकः। 🚁 কুচরীতের জনক। কুডরির, কুডবর্মা, কুটোজা---अह श्रिमक्रमक प्रमाणका श्रीता वृत्र कर्णन। **छिन्नि (कार्डनीकाक्ष) मशर्कीण मर्माव्य मध्य गृथ्विस** অধীৰট হলেছিলৰ এবং কণবাৰের অকভার ব্যৱস্থা বেকে যোগপাতি প্ৰাপ্ত হয়ে ছাইসিছি লাভ করেছিলে। এই পৃথিতীয় কৰা কেন্দ্ৰ টাজটি বজ, হান, তপায়া, **ट्यानपंत्रि, विका, दीवं चाथवा पराख कात कार्स्वीर्वाक्**रस সংক্ৰম হতে পাহৰে নং কাৰ্ডবীৰ্যমূন প্ৰাণি হাজান ৰাপ্ত ধ্যে পূৰ্ব শানীকৈ বদ এবং অবসংঘ্য স্বাভিশান্ত নিয়ে কার্ড ট্রাবর্ড উপজোর করেছিলেন। অর্থাৎ তিনি ওলা হল ইবিজ্ঞা কলে জক্ম হাত ঐহুৰ্বসমূহ ছোব बदाहित्सा। भारतकारमा महान यूट्ड भार्करीवीर्क्ट्स अन হাঞ্চার পুরের মধ্যে কেবল পাচকন জীবিত হিলেন। केर्पात मान पंथानका बारमान, पुरत्यर, वृषक, वर् वदर উর্জিত। জয়ধারের ভালভারত নামক পুরের একপর পুত্র ছিল। জালাজভাব মানক সেই কাপের সমস্ত ক্ষাত্রমার র্বে কবির শক্তির প্রকাবে শক্তিমাম মহারাজ সন্ধা জর্কুর কংস্ প্রাপ্ত ব্রেটিনের। ভালভাইতের পুরবের সধ্যে ৰীভিছেনে বিলেশ জ্যেত। বীভিহেছেন পুন মধুন বৃঞ্চি अक्रक अक विकास भूग दिल। अवूह अक्ष्मक भूटक मर्थ वृक्षि चित्रात (कार्ड । यह, वर्ष ८ वृक्षि (पर्क समान, মাধৰ একং বৃক্তিকলোর উত্তৰ হয**়**

ঁহে মহারাজ পরীক্ষিত। বহু, মনু এবং বৃতির চনঠিত কলে জনও, মাধন এবং বৃত্তিনংশ নামে পরিচিত। কাল পুর মেশউরে বৃত্তিনাবান্ নামক এক পুন বিল।

স্বোচন অপুঞ্জন ছিলেন, তনুও প্রবি পরী শৈকার ভৱে বিনি কলা কোন ভাগ গ্ৰহণ কয়তে পাৰ্বেনন। জ্যাত্রৰ একসময় জার শক্তপুত্ থেকে উপজ্যোগের জন্য क्षकि काहारक मिर्ड खामहिरकर, किन्नु रेमशा आरक দেশে জাওার বৃদ্ধ হতে তার পরিছে মন্দেশ্য, "টো বৰ্ণক) রূপে অসমর উপ্তেশন স্থানে উপবিষ্ট এই कताडि (कश् काञ्चन क्रथन क्रेस्ट निर्माधरगन, "बर्डे ক্ষরাটি তোমার পুরুষ্ হবে ি সেই পরিহাদ ঝালা একা क्ट्रंड टेक्स्स (१९७७ केस्स किर्डाडरका, "कादि कार। अभर আনার কোন সগদ্ধীও নেই। অভ্যান এই কন্যা আনান পুৰবৰ্ণ হতে কি কলে । বল কেৰিং" জনামৰ উত্তৰ निरम्भितनर, "द्वा शासी। एवि ता गुरु शास करार, এই করা সেই পুরের পুরবর্ হরে।" জ্যায়ত কটোল भूर्त राज्या अन्य निवृद्धाः ध्यानभन करत कारमत दामहदा विश्वत पर्वाकृतनः अपन कारणः कृतात जामरका याकः সংখ্যা পরিপত হয়েছিল। দৈবয় কথা হলেও কেবজাপের কুলার ভিন্তি পর্যবন্ধী হয়েনিলে। এবং ছারাসময়ে নিশর্ড এমন এক গৃহ প্ৰমন কটোছিলে। সেই লিওটিং বংশা नृत्वं त्व कार्यारक भूजनकृतरम कर्ताका कार रत्नका. ুন্ট সংস্কৃত্যৰ কায়টিকে বিশ্বৰ্ত বিধাহ কয়েছিলেন





চতুর্বিংশতি অখ্যায়

পরমেশ্বর ভগবান শ্রীকৃষ্ণ

जीम राज्यमब (गहकारी कार्यम --- विक्र डेंग्ड निक्ष कर्न् प्रदर्शकरण कर्मे कुछ कमान तर्स कृत, उत्थ এবং রেমেলল নামক ভিনটি পুত্র উৎপাদন করেন। রোমপাদ বিদর্কপুরের অভান্ত হিম ছিলে। রোমপাদের পুত্র বক্ষ। বন্ধ থেকে কৃতি যাসক পুত্রের থকা হয়। ভূতির পূর উপিক এক উপিকের পূর চেদি। কেমি (भएक हिम्सानि मुनकिरमत साम एत। आरथप नृत कृतिः কৃত্যি পুত্র বৃত্তিৎ বৃত্তিত্ব পুত্র নির্দৃত্তি এবং নির্ভিত্ত পুত্র भनाई। मनाई (यदम द्याम: व्यत्न व्यक्त कीम्फः ভাযুত থেকে বিকৃতি, বিকৃতি খেকে ভীমরণ, ভীমরণ (करक अवत्थः धावर नवत्य (बरक धनात्थ सन्तर्यस्य ক্ষেন্য ক্লামৰ থেকে শকুনির গুলা হয় এবং শকুনির পুর কর্মার । কর্মারের পুর কেবরাক একা দেবরাকের পুর মেবকর। মেবকরের পুরু মধু এবং তার পুর কুরুবর্ণ। কুরুজা থেকে অনু নামক এক পুরের কার হছ। স্পূর পুত্র পুরুষ্টোর, পুরুষ্টোর পুত্র আয়ু এবং অবুর পুত্র সাত্ত অধ্যপ্তথ করেন। ছে মহান আর্থ নৃপতি। जाक्टल सक्त्याम, क्षत्रि, विस्त, वृक्ति, (मरावृध, स्वधक क्षा महारक्षाक सकत माठक भूग दिल। एकपारमा वर्ष भट्टीत शर्स्स निर्मार्क, दिवन अबर ४डि—और दिन गुरका হ্রন্থ হয় এবং অসর পত্নীর বর্তে শতাজিৎ, সহস্রাজিৎ 🐞 অবৃত্যানিক সামক ভিনটি পুরের বাম হয়। সেবাবৃধের পুত্র বক্ত। সেবাধুধ এবং বক্তর মান্তেছ্যসূচক দুটি বিখ্যাত **মোকে ব্যানেছ, যেওলি আন্যাহের পূর্বপুরুষগণ কীর্তন क्राहरका क्षारः मृत्र रायरक च्यारातातः क्षारम करामीः।** क्षापन কি, এখনও তাঁদের মাধ্যমাস্কুল সেই প্লোকগুলি আহল প্ৰবণ কৰি (ভারৰ পূৰ্বে আহর। বা প্ৰবণ করেছি ভা ক্রমত কাঁতিত হচ্ছে)। "অভএন মানুষদের মধ্যে করু **रबाई** क्या अन्ताद्ध अन्यदारका मसङ्ग्या। वेक क्या বেবাণ্ডের সাম প্রভাবে জন্মর কংশ্রে টোন হাকরে পরবাট্ট পুরুষ মৃত্তিকান্ড কর্ত্তেকেন 🖰 অভ্যান্ত ধর্মপরায়ণ বাজা মহানেতাকের বংশে তোক রাজাপণ লাক্সহ্ব कटुइस ("

"হে পরস্তুত মহারাজ পরীচিত্র । বুলিয়ে পুর সুমিত্র अवर पुणिक्ति। भुगाकिक स्थरक मिनि अवर खर्तासद्भव क्रमा हत जनर फरमिय स्थाप निष्म मासक भूरतात क्रम হয়। নিজের দৃষ্টি পুত্র সম্রেক্তিৎ একং ক্রাসেন। অনায়িরের নিনি *বামক যে* জনা এক পুত্র ছিল, জন পুত্র সভাত। मठारकत भूड वृद्धान अपर सूर्भारक भूड सक। सह (चर्ड कृषि सामक अक भूटमा क्या रह अक्ट कृषित शृह ষ্ণান্তর। অনমিরের অন্য এক পুর বৃক্তি। বৃত্তি তেতে चक्रफ अनर किंत्रतथ मानक पूर्वे भूरतन क्या हुई। শ্বক্তের পত্নী প্রাদিনীর গর্মে অনুযার ক্ষর হয়। बद्धक बिट्टमन स्थाप्ते, स्थ प्रोक्त चात्रक बर्ट्डमक निर्माण भूटका अन्य देश। और सादास्थन भूटका नाम साम्यः जाबध्यक, मृत्रुव, मृत्रुविद, विवि, वर्षनुष, जुक्छो, (च्यार्यक, चतिवर्षत, मञ्जूत, ग्रह्मात अवर अधिवारः এই স্থাৰণ পুত্ৰের সুচায়া নাজী এক ক্ষরী বিগ। অঞ্জারের (मध्यान् असर फेनरम्च अरे पृष्टे नृता। क्रिकेटचढ नृष् तिनृदय अञ्चलि या भूज विन। श्रीता मकालहे মুসিঃকুলমন্দ্রন সামে বিশার্টত ইন। আছদের চার পুঞ্জ---কৃত্যু ভলমান, ৩টি এবং কমলবর্হিব। কুকুরের পুর বহিং এবং যহিত্র পুত্র বিলোমা। বিলোমার পুত্র কণোচরেয়া এবং তার পুর অনু। তৃত্বর এই অনুর স্থা ছিলেন। অনু থেকে ভাছাবের কলা হয়; অকক (शहर कुक्छि अवर मुन्युष्टि (शहक स्वरिस्मारकत सन्त रह। चनिर्यास्त्रम् नृत्र कुर्रम्। कृत्रमृत्र वारक वक्त आएकै। নামক একটি পুত্র ভ মনর ছিল। অভ্যেকা বৃষ্ট পুত্র দেব**ক ও উপ্রদেশ। দেবতের চারপুর—দে**বতান, डेभरफर, मुरस्य अदर (मदर्शन) छात्र नाजिरन्या, खे**नरमन्द, जीरमना, रा**पनाविभाग, प्रदर्शना, रापनी अवर कुरुएका अध्य जारुति कराइव किन। फेरफ़्ट्र अध्य পুতসেক্ষ ছিলেন জোষ্ঠা। শ্রীকৃকোর শিতা কনুচান সেই **स्टरित्स्य विशव् कटासिलमः। करमः, मृनामः, न्हरामः, कनः**, পদ্ধ, সূত্র মাইপাল, ধৃষ্টি এবং ভূতিবাল্ উপ্রস্থের পুত্র। হলে, কংলবড়ী, কলা, শুরস্তু এক বাইপালিক-এর क्राप्तान कता। यमुम्मात्म क्रीड डायदा केरना सेताह क्षानः। विकासका गुज रिम्बर्ग, विज्ञाना गुज गुज कार পুরুং পুর ভঙ্কমন। ভারসফের পুর নিনি, নিনির পুর লোক এবং জেকের পুত্র ফদিক। ফদিকের তিন পুত্ शाबीक, महाराम् अवर कृष्टायर्कः। अस्त्रीतका शृक्ष मृत् बहुतक মারিয়া নামী এক পদ্ধী ছিল। জালা শৃষ্ঠ ঠার আন হয়। সনকাদি কবিবের আঁচণাণে সম্ভব্ঞ পূর্বে स्ति अधियात गर्ड नमुस्स्य, स्थरकाण, स्वयक्तव, व्यास्त्व, मिलिय शृक्ष विद्यानकारण अधारहण करर्रावरणन। मुक्ता, ब्यावक, क्षाब, मधीक, करनक अवर कृत-अदे भगीति (ककार्यक सामा शृहरकपूर कृतीक काल अक कंची हिल्लीनं पूज केरणीयमं कर्तन । यहामस्ता बस्या मधा अन्तर्वेतिहरू विवाद कार्विहरूका। अन्तर्वेतिव प्रतर्वे (RADIS) আনক এবং গুপুতি বালিবেহিলেনঃ তাই সন্তৰ্গন কৰি গাঁচটি পুত্ৰের কৰ মাণ কুবঁলে আন এক ভাষাৰ জীকুৰেন্দ্ৰ আবিষ্ঠানের উপকৃষ্ণ স্থান বসুৰেব ভাষী জনানিসেবীয় গৰ্ডে লবসেনের বিশ এবং অনুনিশ আন্তৰ্পুতি নামেও কভিতিত হয়। মধ্যমত পুতেং পাঁচ নামও পুই পুত্ৰত জন্ম হয়। চেকিয়ারা ধরকোৰ কুন্য-পুৰা, প্ৰস্তান্ধা, প্ৰাক্তৰীৰ্তি, প্ৰাক্তৰৰা এবং প্ৰচলবাৰে নিৰম্ ক্ৰেন্ প্ৰচলবাৰ পুন শিক্তৰান, ক্লাপ্রবেষী। পুর উসা অপুরক সাথ কৃত্তিকে পৃথানারী। যার কাম কৃত্তার ইতিহধ্যেই (সন্তঃ থাছে) বর্ণিত হয়েছে। ভাষা বাল করেছিলোন একং তাই পৃথার আর এক নাম। কণ্যাপানে জান্তা নেকজনের পদ্ধী কংসার পর্যুচ চিত্রক্রেড় कृति। अकल्यम पूर्वाणा भृथात निथ्म कृतिक पृद्ध धारित्या अवर पृद्धक नामक पृद्धे भूदमा कवा हत। यमूरवर्टक প্রথম অরেখিলেন এবং পৃথ্য ভাগন পরিক্রমান করা ভাকে - বাবে কেরেল কলেন্টোকে কিরাই করেন এবং উল্লাখ্য সম্ভৱ কৰে, যে কোন দেবতাকৈ আহান করার এক। সুধীর ও ইপুমান কামত দুই পুত্রের কাম ইন। কর থেকে অনৌতিক দক্তি প্রাপ্ত হয়েছিগেন। সেই দক্তি পরীক্ষা তার পত্নী করার করে বক্ত, নতাজিং ও পুতারিং—এই কৰাৰ জন্য পরম পবিবা কৃতী সূর্যদেবকে আছাস উজ সন্মান উপস্থিত হয়েছিকে। এবং কৃষ্টী তথন কড়ছ विकार ए.संस्थानः। जिने मूर्यसम्बद्ध रहण्डिमन् "व्यपि কেন্দ্ৰ এই অনোকিক শক্তিৰ প্ৰভাগ পৰীক্ষা ভৱছিলাম। অধ্যন্ত্ৰ আপ্নাকে আহ্বান কৰেছি কলে আহি পতাৰ पूर्वचंत्र। यहा करत यहभूति स्वामारक कमा काल अन्य विद्या सान ।"

সূৰ্বদেৰ ৰলগেন—"হে সুন্দন্তী পৃথা। সেকাৰ্শন ক্ষমণ্ড আর্থ হয় সা। ভাই আনি ভোষার কর্মে আমার বীৰ্ব আক্ৰম কৰণ এবং ভাৱ কৰে তেখেল এক পূৰ্ব হৰে। ভূবি অবিবাহিতা, ডাই স্কান্তে তোখাদ বেলি শক্ত বাড়ে, সেই স্ববস্থা আনি করব। এই ধবা বলে न्वेत्सः नृभात गर्छ दीर्व प्रायम क्यक्तिमान अपर प्राप्त कर्न क्रस्टावर्डन करतिहरूका। अञ्चलक, खरक्कार कृतीर মর্ভ দিতীর সূর্বদেকো মতো একটি শিওর কণ रतिष्यः। कृती स्माकाशवास्त्रः ७८७ वर् पर्छ गृउतारः

পথিত্যাগ কৰে, আনিহা সংবাধ সেই পিচটিকে একটি পেটিকাবছ করে নদীরে ছারুর হাসিয়ের নির্মেটিগেল ১ টে মহানাক পর্বিক্তঃ জালনার আত্রান্ত পুলাবান এবং পরাক্রমলালী প্রশিষ্টারহ করবান্ধ পান্ধ পরে কুর্ত্তাকে বিবাই করেছিলেন। করেছের ব্রাক্তা বৃদ্ধানর্যা কুর্মীর ভট্টা अम्हरूबार्ड विकार कर्राहरूम तक छोत कार्ड म्यारहरूप किन गुटका समा रहा। साथा मुखन (गटक कीर गड़ी) করেবিলেন : কৃতী সূর্বশেষকে আহুনে করা সমেই সূর্বশেষ । রাইপালিকার পর্যে বৃষ্ণ, বুর্মার্থণ আনি প্রধান করা হয় । সাধাে শ্বাসক বেকে উলা পদ্ধী শূরস্থানির পর্যে হরিকেশ क्षर दिल्लाक समक कृष्टे गुटारा कच दत्त। खरुनह क्रम्म विद्यालनी सडी थक्स गड़ीत गर्र क्रम शहरि नुब प्रेरमान्य कक्षानः। तुक पूर्वत्वी शाबी गावी स्थरक প্ৰক, পুৰুত, শাল জানি পুঞ্জান্ত উৎপাৰ্থ করেন। সমীক (बर्क केंन कार्य मुसाममीक बर्ड मुखित, कार्युसनाम প্রকৃতি পুরক্তর লক্ষ্য হয়। রাজা আনক জার পাই। কৰ্মিক মূখ্যী কৰা খেলে গৰুধান এবং তৰ নামক দুটি नुत्र केरनाम करका। (सनकी, (मातनी, तर्राहरी), कका, शन्त्रां, (तक्तमा, देना चामि चामकमृत्युलित (रम्राम्थरः) পদী। উচ্চে মার কেবটা ছিলেন মুখা। কন্যান কর नहीं (आदिनीक कार्ड कर, चर, जातन, मुर्चन, विनुत्त, कव, কৃষ্ণ আদি পুরা উৎপাক্ষা করেছিলেন। পৌরবঁটা স্বর্তে क्ष, मुख्य, कतका, मूर्वर, कह वाधि शाला नृद्धात कह হব। মল, উপলেল, কৃতৰ, পুর আদি পুরবের সলিকার

গতে কর হয়, ভরা (কৌশলা) কেশী নামর এক পুর প্রসম করেন। বসুদের উপ্ত ক্রেক্রন নামী পড়ীতে হস্ত, হেমালদ আদি পুত্র উৎপাদন করেছিলেন এবং ইলা নামী পত্নীয় পত্নে উক্তম্ম প্রভৃতি বসুপ্রেষ্ঠ পুরনের উৎপাদন **উর্জে**হ্লেন। আনকদুস্তির (বসুদেবের) বৃতপের নর্মী। **१९द्वीत वटर्ड मिश्रुके माध्यक शूरतात काम एतं।** कागुरमदस्य শান্তিদের নামী পত্নীত গতে প্রশাস, প্রসিত প্রভৃতি পুরের भाष दशः वभूरपरस्त केन्द्रस्थ आधी फार्यत गर्स्ट ग्रासन्य. क्या, यर्व अकृति भनारि पूरा दल का की स्पन्न सामी आर्वात गएर्ड वम्, इरम, मुदरम श्रेष्ट्रिके स्था भूदक्क समा इष। বসুদেকের উরলে দেকরক্ষিতার পর্যে গানা প্রভৃতি নরটি পুরের জন্ম হয়। সাক্ষাৎ অর্থসূত্রপ বসুফর্কের সহক্ষেত্র মারী পড়ীর বর্তে প্রত, প্রবর প্রমুখ আট পুরের জন্ম হর। প্রবর, শ্রুত জানি সহদেবার অটেটি পুর সাকংৎ আইনসূত্র খনতার হিচেন। মেবকীয় বর্তেও বসুদেকো আটট অভি ৰোগ্য পূত্ৰ হয়। তাঁরা ছিলেন কীৰ্ডিমন্, मृत्यन, श्रक्षरमम्, भक्षु, भाषान्न, श्रक्त अवर श्रावनारमम् শ্বৰভাৱ সকৰ্মণ। কটম পুত্ৰ সাক্ষাৎ ক্ষমবান স্থীকৃষ্ণ। ভোষার অভান্ত সৌভাগগালিনী শিভায়হী সুভয়া रमुख्याल्य कर्ना हिलान। क्या धर्मन कर क्या व्यवस्था কৃষ্টি হয়, তথ্য পর্য নিরক্ত জনবান শ্রীহরি কেছাপূর্বথ অবভাগৰ করেন।"

আবিভাব, ডিয়োডাব, অথবা কর্মকথালের আৰু কোন कालप (निदे। नदाशसालदान किनि तत किन्दे साराजा। তাই এমন কোন ৰাজ্য নেই বা ডাকে প্ৰভাবিত করতে পারে, এমন কি স্বাম মুর্যার ক্লার উচ্চে প্রভাবিভ ক্যতে পাছে না। প্রথেশর ভাবন তার কুপান বারা জীবংশর উদ্ধার এবং ভাগের জাগা, মৃত্যু 🚸 বৈষ্ঠিক कींबदमा काबुकान निवृत्तित कमा छीत मातानांतिस सम्पद्ध এই ২০ড় জগতেৰ সৃষ্টি, ছিতি ও প্ৰদান সাধন কৰে আকেন। এইজানে তিনি জীখনের ভগৰভাবে দিরে কেতে সক্ষম করছেন। অসুরোরা রাজপুরধনা বেশে মাষ্ট্রের ক্ষমতা বর্তম করে, কিন্তু প্রাঞ্জার কর্তব্য সম্বর্জে ফাদের কেন ধরেনা নেই। ভার কমে ভগবানের যাবস্থাপনার কিবাল সামবিক পশ্চিত্র অধিকারী এই সমস্ত অনুরের পরস্পরের শবে যুদ্ধ করে এবং ভার কলে

পৃথিবঁটিত অসুত্রবের মহাভার কাল্ড হয়। ভাগানের ইচ্ছার অপুরোধা ভালের সার্থারক শক্তি বৃদ্ধি করে মাদ্র ভাগের সংবার পাথের হয় এবং ভক্তরা কুফার্ডাক্তর মাধ্ব উল্লিড সাকন করার সুবোগ পাম। সভ্যাপ বা ব্যালার সহ প্রমেশ্র ভগবান বীক্তা হলা, পিয় ছাছি নেৰ্ভাবের ভারনারও অতীত কর্মগৃহ স্পারের कार्राष्ट्रकार । (दरका, क्षेत्रक कृष्णाद एका करात संस् বৰ অনুবাদের সংবাধ করার উন্দেশ্যে কুলাকেরে ইডের জায়োজন কর্মেছলেন i) ভবিষাতে এই কলিয়ুৰে কে जरक करू बाह्यस्य करदन, दौरस्य शक् बाहरशके কৃপ্য প্রদর্শন করার জন্ম ওপরান প্রীকৃষা এমনভাবে थाहरून क्टडिस्मा हर क्सन क बान काल करन মানুৰ সংসাৱের সমস্ত শেকৈ এবং দুংৰ থেকে মুক্ত চাত পারবে। (অর্থাৎ ডিনি এমনভাবে আচরণ করেছিলের বার কলে ভবিষ্যত্যো শমন্ত ভালের জ্যাবদুগীতার কথিত কৃষ্ণভাবনামূতের উপ্তেল গ্রহণ করে সংলারের সহত मृत्य (बर्फ पृक्ष इर्स नाहरूका)। एक अंश निया करने হারা ভগবানের মহিলা গ্রহণ করার কলেই ভভার ভংকলাৎ সক্ষা কর্মের প্রবাস খাসনা খেকে মুক্ত করে খন। ভগবান জীকুৰ ভোক, বৃথি, খড়ৰ, মণু, স্বাসেন, দশ্যৰ্য, কৃত্ত, স্বায়ৰ এবং লাণ্ড্যংশের সহায়জন বিকিঃ কার্যকলাপ অনুষ্ঠান করেছিজেন। খাতা বধুর হলে, "হে মহারাজ পরীক্ষিং। কলবামের ইন্সা ব্যক্তীত তার । তোহপূর্ণ জাতরপ্, উপলেশ এবং পোরধন-ধারণ আদি অবৌক্তিক লীলা একং দর্বান্ধ সূক্ষ্ম মূর্তির নারা সহত মানব-সামাজকে আনশ প্রদান করেছিলেন। ইংগ্রেকর মুখমণ্ডল মাকরাপৃতি কর্মকুওল আমি অসভারের হার শোভিত। তার কর্ণকুলা অত্যন্ত সুপর, তার পথগুলা वीशासन कर केंद्र शति मकरमत **भ**तापुष्टकर। केंद দৰ্শনে উৎসব্যে আনন্ধ অনুভূত হয়। ভার মুখমওল बार क्षीयम पर्नाम मक्ताई भूगीतद्वा एव दन, किस ভক্তরা চোকো পথক পঞ্চর নিমেকের ঋণ্য উরে দেশি আনদ থেকে ব্ৰিত হত্যাত কলে, অসহিষ্ণু হয়ে এটা প্রতি লেশহ প্রকাশ করেন। কীলা পুরুষোত্তম ভগবান প্রীকৃষ্ণ বসুদেবের পুররত্বপ আবির্ভূত হয়েছিলেই, স্পিচ তার অতি তত্তরক ভঙ্গনের সঙ্গে তার গ্রেমের স^{ক্ষাক} निकार करात अना डिमी फीड करणा गड़ाई फीर निर्देश क्षाण करत कुरावरन जिल्हाहरूमा । युक्तकरन एववनि ^{क्} হুছার কর্মণ করের কার কুরাবংশীকরের মধ্যে কার্ডের প্রক্রাবর্তম কর্মেকরে।"

ক্ষুপ্রের সংখ্যা করেছেরেম এবং উর্জন্ম ব্যবহার ভিক্তে সৃষ্টি কর্মেন্সের। কেন্সেরার ইন্দ্র সন্টিপার্টের বাল তিনি হিতা। সূর্যান্তর প্রায় অনুসালে বা ইসিত্র নিশার করে উন্নের কুঞ্চান্টেরে করালনে সমস্ত অনুস্থিত রাজ্যানের বিনাপ बार्ड बार्ड बार्ड कुँड हैरालाक करडीबाइम अवर कुछक्त- माध्य करडीबारमा अवर खर्कातक विकास स्थापना প্রসামের আমার্কা ব্রাক্তরের উপ্নের্ক। তার নিজের প্রভার করেনিকারন। জনেতের তিনি উভবতে পরতের এক ভাতি ্বলা বৰ স্বাহাট্টন করেছিলোন। উল্লেখ্য ইংলাম ইন্টেখ্য সম্বাহ্য উল্লেখ্য প্রদান করে তাঁর প্রকর্তন সংগ্রহ

नवभ ऋद् त्रभाश्च

দশন কন্ধ

(別要別)



শ্রীকৃষ্ণের আবির্ভাব ঃ ভূমিকা

হহারাজ পরীকিং কালেন-"হে প্রস্ত। আগনি ইডিপ্রেই চল্ল এবং সূর্যবংশের রাজানের অভান্ত মহান वक्त विश्वज्ञवानक ठाँउत्र विकारिककारक वर्णना कर्दराज्य । ছে খনিবেট। জাপনি **মা**তাও পুশাবান এবং ধর্মনিট **व**ष्ट्राराम-१७ वर्गमा करतराहतः अथम स्तिहे वस्तरराम মামেৰ সহ অবতীৰ্ণ জাগান জীবিক বা জীক্তাকা অন্তত মহিমাভিও শীলাসমূহ আমালের কাছে বর্ণনা করুল: বিশ্বাস্থা, জণগুলাল, ভগবান প্ৰীকৃত্য বদুবংলে অবতীৰ্ণ करब रह रव मीला श्रकान करतफिरमन, रनेहे मीला अन्य চরিতাবলী আমানের কাছে আনুপূর্বিক বর্ণনা করন। ভগবানের মহিমা কীর্তন ভৌতে পরস্পরার সাধিত হয়, থৰ্মাং জীওকা মুখণৰ খেকে শিব্য প্ৰবংগ্য ছাত্ৰ ভা হুমধ্যম করেন। এই কীর্তনের আনন্দ উরোই আক্রমন করতে প্রক্রেন, ব্রির অসীক এবং ক্রপন্থারী অন্ত ক্রগতের বিবয়ের আলোচনার আগ্রহণীক নদ। ভালবানের মহিমা ফীর্তন সংগ্রাহকানে আবদ্ধ বদ্ধ জীবের প্রবাহেরর মহৌৰধ। অভএৰ প্ৰগাতী অথবা আৰুঘাতী বাতীৰ কে ভগবানের এই মহিমা কীর্ডন ব্রবণ না করবেঃ শ্রীকৃষ্ণের চন্ত্রণ কমলরূপী দৌকা আহর করে আয়ার পিতামহ অর্জন আমি কুরুক্ষেত্র বৃদ্ধে দেবকিয়ন্ত্রী অভিরখ তীয়াদিরণ তিমিরিলসকুণ কৌরণ সেনাবাহিনীয় সমূদ্রক স্থানানের কুলার গোল্পদের মতো ভানলীলাক্রনে উর্তার্প হয়েছিলন আনার মা শ্রীকৃত্বের শ্রীলাকনছের পরশ হাংশ করেছিলেন বলে, ভগবান সুগর্পন চক্র হত্তে উল্ল गर्स्ड दर्दन करा कार्यधामात बचारक नरेशाम भूक अवर শাওবকুলের শেব বংশবর আনার এই শরীর রক্ষা **স্টেরিলন। স্থানান প্রীকৃষ্ণ সমস্ত জীবনা আহরে এবং** ৰহিছে দানত কালসংখ---খৰ্বাৎ প্ৰমাহান্তংগ এবং ক্ষানীলা ধৰ্না করণ্ড ৩ঞ্চ করেছিলন।" দিরটেরতেগ ভার পাটির মারা প্রকাশিত হয়ে সকলতে महा बटा (महे क्यावाइन्स निया इतिहानमी क्यांना कनना"

"হে তকলেব গোলামী। আপনি পূর্বে বংগছেন হে, দিতীয়ে চতুৰ্ব্যাহৰ সক্ষৰণ, হোহিণীয়ে পুৱা কলনামক্ৰণে

পক্তে প্রথমে দেকটার পর্ভে একং ভারপর জেচিনার _{করে} परश्चान विकास महार इस्तरिका । महा करत Old Am ক্লি কল্ম। স্থাবাদ উদ্ভা কেন তার লিতা ব্যাদ্যার शृष्ट् (१९७ कृषावरम सन् प्रहादारकत शृह्य विस्तारक স্থানতিত কর্নেচ্ছেন্দ্র স্থানতেও জনভা ঠার আরার भक्तरभर महा कुणवहार काचार परमाहा कर्याप्रसार शिक्क क्यांका अवर मणुड़ा केंक्स भारतह कार করেছিলেন। ডিনি সোধানে কি করেছিলেন। ভিনি কের थीत क्रम्य क्रम्पट का क्रांतिहराओ । और प्रकार क्रम्य বং বনিও সংস্থানুমেধিত নয়। ঋগবাদ প্রীকৃত্যের দারীর कर ना, स्वृत किन मन्यातर्थ चाविर्वत हर। रिक् কত বাহা বৃথিবের সঙ্গে বিলেন : জার কত পত্নী বিলা ভিন্নি কত বছা ব্যৱকার বাস কর্মেন্ট্রেন ? হে ২৮বিং सानमि क्रीइरका विवस मन किंदु सार्कतः हता करन कार्यन रक-अवस्क काचि अस काउँकि तकः अस काउँनि স্কিরারে তার সেই সমস্ত কার্যকলাপ কান্য করন, কাল देखें श्रीत भागत भूमें दिशान त्राहरूक अवर माई विवास প্রবাদ করতে আমি বঙার উৎসুক। আমার মৃত্যু আস্ত ক্ষেত্ৰ আমি প্ৰায়োগবেশকের প্রতিক্ষা করে জলপান পর্বব ভাগৰ ভাগেছি, ভাগুত আপনাৰ সুখপছ-নিঃস্ভ কৃষ্ণদীলামুক পান কামে কলে অত্যন্ত অগহনীয় কুৰা এবং ভূজা আমার কেন বিশ্ব উৎপানন করছে না

ঞ্জি সূত গোপানী স্বল্লেন—"হে ভূওনগৰ (শৌনক কবি), গরম পূজা হছারাগবন্ধ ব্যাসনকর জীল ওকলেব খোলামী পরীক্ষিৎ মহারাজ্যক সাধু প্রথ এক কৰে প্ৰতীৰ আছা সহকাৰে মাজাতে ন্যাবাৰ বানিষেদিলে। ভারণর তিনি ভলিত্রমাণিনী

থীল শুক্তাথ পোখাৰী কালেন--"ৰে স্তান্তবিকেট' নিষ্ঠার মুক্তাবাংল ক্ষাব্দা ক্ষীতনলগে মৃতি প্রদান করেব। বেচেন্ড ক্ষাপনি শ্লীবাস্নেরের কথার ক্ষান্ত আক্ট হরেছেন, তাই নিশ্চিতভাবে আপনার বৃদ্ধি আভাগিক आहर क्षित्र स्टारक् का जानव-सीवहनत कराम सका। দেবেড় এই আকর্ষণ মণ্ডতিহতা, ভাই ভা নিশ্চিতরাপে কার্যবর্ত হরেছেন। কলনামের দেবারের না হলে, তারে পরুষ ফালজনত। ভাগবান প্রীবিকুল পালোর্ডা পদা

্রেম (একুলেক পবিভ করে, তেমনই কালুকে জিকুকের ক্রিল এবং চারের বিধারক প্রায় বকা, ভারকার্ম এবং গ্রেছা _{এই} তির প্রভার ব্যক্তিকে পরিত্র করে। মাধ্য ক্রুছনা वर्तिक बाकारकांगाती हेन्द्राहरूल कानः ये निहन्द्रत काहर কলালেকার হলে একার পরবাপর ইরেছিলেন। **হাতা** ক্ষানাম ব্যোল্যাল করে কানো করে ক্ষান্ত _{সমান্ত} ভাতপূৰ্ণ নামে ক্লকা সম্ভূবে উপস্থিত হয়ে উধ্বে क्षेत्र प्रकारभाव कथा निरंतामा कर्राव्यक्रमा । कार्यना प्रका alegहोन मृहरका कथा अवन करत, क्रमा काराजा हारहहारान 🚌 লাভা ব্যৱহাতক নিয়ে জীয়সমূজের তীয়ে নিয়েছিলের। নেত্ৰনাম কীৱসমূহের তীরে উপস্থিত হরে সমগ্র স্পণ্ডের ताब श्राच्यान, **मकरमत स्थाननक**र्ता असः मुद्रम निरायक প্রয়োগনশারী নিকৃত্বে সমাহিত চিত্তে পুরুষসূক্ত মন্ত্রের নাল উপাসনা করেছিলেন। ব্রহা স্থাধিময় অবস্থা অকাশে ধ্যনিত ভগবান প্রীবিধ্যন বাণী প্রবণ করে। *ान्यकारमञ्जू नामिक्तिनन् । दश्याचा भागकः* ৰুৱে বেকে গুৱাহ পুৰুষ কীরোদকশারী বিকৃষ্ণ কবী বাবে তর এবং অভিনয়ে তা সম্পাদন করতে বছরান হও।"

ব্ৰহ্মা দেবতাকে কালেন—"আমবা নিজেন কলব প্রেই ভগরান পৃথিবীর কট্ট জনগত ছিলেন। ভাই ভাগৰন বড়দিন উল্লেখ্যলোক্তিৰ মান্ত্ৰ প্ৰতিবীয় ভাগ হলা ভব্যৰ কৰা পৰিনীতে কিবৰ কয়কো, ভতনিৰ তেমেয়া তার পুর এবং পৌত্রকালে ফুবংলে অবতীর্ণ ছও। সর্বশক্তিমান কলবান প্রীকৃষ্ণ সাহং বসুদেশের পুরারণে আধিষ্ঠত হবেন। অভবন দেবগৰ্বালনৰ উন্ন প্ৰদৰ্শন নিধানের অন্য দেখালে অভিভাত হেল। জীতৃত্বার প্রথম অলে স্কর্মন আ ক্ষমন্ত। তিনি এই ছাত প্রশাসে সাম্প্র चयकारका च्यापि केटम । जीकृतका चार्विशास्त्रः गूर्व और মূল স্বৰ্থৰ অধ্যান ইক্ডেব সেৱা কৰাৰ জন্ম কাৰেবরুপে আহিওঁত হুকে: ভগবারেরই সমকক নিশুন্সারা নারী ভগবাবের শক্তি ভগবান শ্রীকৃষ্ণ নহ আবিষ্ঠত হৰেন। এই দক্তি বিভিন্নভাবে কাৰ্য করে ছাড় এক টেডন উভার ভাষথকে মোহিত কবকো। ঠার প্রভূম আমেশে তিনি ভালানের কার্য সম্পাদন করের জন্য তার বিভিন্ন শক্তিসহ আহিওঁত হাকে।"

প্রিল ওক্ষেত্র স্থোলাহী কালেন—"দেবভানের এইভাবে উপলেশ নিয়ে এবং মাতা বস্থানাকে আখান

প্রথম বরে, পরত শক্তিয়ার এবং প্রজ্ঞপতিকের পতি ক্রমা देश धार बक्तरमारक च्रह्मार्स्ट्र कररविराज्य । जुदाकार्स प्रभृष्ठि नृहरम्म प्रथ्य कर्दीहरू दान करह प्रापुत अवर পুরবেন মানক দেশসমূহ উপছেপে করেছিলেন। সেই সময় খেকে সংখ্যা কালী করত ব্যবংশীর রাজ্যদের राज्यानी " प्रक्रिया। तम् समग्री क्या त्रम्य प्रभूता লীক্ষের সলে ছাত্রর ধনিষ্ঠতাবে সম্পর্কিত, কারণ ষ্টপথ্যৰ জীকুমা লেখাৰে নিত্য বিপ্ৰক্ৰমান। কিছুকাল পূৰ্বে, বেখবালীয় (আমন্ত্ৰ পুৰবংশীয়) মসুক্ৰম কেঞ্চীকে বিধাই করে টার নববিবাহিতা পত্নীসমূ বৃহে প্রভাবর্তন करात करा द्वाप चारताच्या करर्राष्ट्रणान । बाका छैटरमस्मर পুর কলে তার ভাষী কেবকীকে ঠান বিকাহের অবসার প্ৰসক্তা বিধানের জন্য শক্ত শক্ত কৰ্মমন্ত ব্ৰথের বাবা প্ৰতিকৃত হয়ে জীয় মুখের সারখিয়েশে আধাণের ইন্ছি গ্রহণ করেছিল। বেবকীয় পিতা রাজা দেবক উল্ল কন্যাকে অঠার ভালবাসভের। তাই, তাঁর করায় একা জন্মতা য়খন উপ্ত পুত্ থেকে চলে ব্যক্তিকের, তথন তিনি বৌতক্ষরত ভার কন্যাকে কর্মদলায় বিভবিত চারশভ হন্তী, দশ খাজার অৰু, আঠারশ রুখ এবং নিবিব আলছাত্তে বিচ্টিত মুইলত গড়োর সুন্দরী যুবতী গাসী প্রদান করেছিলের (**

"হে কলে পর্যাক্তিং। কর এবং কং যাক্তর বাত্রার কল্য প্রস্তুত হতেছিলেন, তথা ঠানের যারনে ওলভামনা করে नच्य, एवं, मध्य क्यर मुग्लिक युवाश्य, मिनानिक इट्टाव्सि। ক্ষমে কর্মন করের রক্ষ্ম প্রহণ করে রম চালনা করছিল, ভব্ন পথের মধ্যে তাকে সম্বোধন করে একটি গৈববালী इरहाइन-'कर्स पूर्व। छाडे चारक वहन करद मिहर কাজিল, ভার অউম সক্তম ভোতে বৃত্তা করুৰে।" কংগ ছিল অভাও ক্লয়মতি ও পাপী এবং ভাই সে দিল ভোককুমের মলক। সেই মৈকবাণী ক্রথণ করে যে ভাব বাম হয়ে তার ভারির কেল বালে করে ভাল হাতে ভাব খলা উল্লেখন কৰে ভাৰ মন্তক কেনৰ কৰতে উলাভ ছয়েছিল। কলে এতই নিষ্ঠার, নির্মান্ত এবং মুখ্য ছিল াে সে স্বাহিত্যাক্ষণ নিবিত কর্ম করতে **উন্নত** হুটেছিল, জীক্জের পিতা হওয়ার মহাসৌভাগ্য অৰ্জনকারী কসুদেৰ ভাৰে সান্তনা দেওয়ার কন্য ভাৰন অুলছিনেম, 'হে কংস, ভূমি ভোক্ষকলের গৌরৰ এবং

ভাগে নীরের ভোগর ওলাবনীর প্রশাসা করে। ভোগর মতেঃ একভান ওপৰান বাজি কিভাবে বিধাহ উৎসব বাসরে তার ভারী এক অবলা স্থ্রীকে হথ্যা করতে পারেঃ (र भवन्दीत, यहा क्या स्टाटल, श्रात स्टाटल महान स्वातक দ্বিংশতি হবেছে। আৰু হোক অখনা একশ করু পরেই হোক, (মহতাতী জীবের মৃত্য কলোডানী। সর্ভমান পরীর नक्ष्यास राम क्योर धारि, क्य, धारम, चार् अस আঞ্চলে লীন হরে জেলে, নেহী বা ক্রীব ভার কর্মকল महत्तव शता ≌ार्थिक स्टब *हर बाह्य* विक्रिय श्रीविश्विक्तिए শিক্ষত হয়। তেমনই শ্রীৰ ভার ক্রিয়ান নাইর ভারণা করে। হয় না অহর একটি পরীর হহণ করে (ডবা সেহাওনগ্রান্তিঃ)। ইন্দ্র অনুসারে জীও কা বিশেষ শরীয় প্রাপ্ত হয়। আর্থাৎ মনের বৃত্তি অনুসারে দেই পঠিও হর ৷ মনের চঞ্চলতার তাৰ চিপাৰ পৰীৱে কাবছাৰ কাবত। সূৰ্ব, চন্তা, সকৰে আদি ক্যোতির মধ্য ভাষা অথবা তেল আদি ভারল পদার্থ প্রতিবিধিত হয়, তখন বয়েকো জনিত কম্পনের ফলে হাদের বিভিন্ন আন্সরে প্রতিয়াত হয়—কখনও পোল, কথনৰ নীৰ্য ইড্যানি। ডেমেন্ট, ক্লীবাৰা কথন **एक दिश्वत विवास यश चंदक, अध्य संस्थातम क्रांस** বিভিন্ন জগতে সে তার জকত পরিচর বলে বলে করে সে মানেরখের করে কেলেকে হয়। অভএই, হিল্মাছক পালকাই হথ্য পরবতী জীবনের ক্রেপজনক সেহের

dba

নিজের মাধ্যের কথা শিক্তান্য করে কথনক ফার্লনের লান বিংসা করা উচিত নত, কারণ জার সংগে এই জীপার অক্ষা ধরণতী জীবনে সংগা শবনা বারা অনিট্র সাধানে ভত্ত থাকে ৷ এই দীনা ধালিকা দেবকী তোমাধ कसार्का, (प्रदेशादी, क्लिक्षे क्यों)। कृषि कीवन्त्रमः অভাবে একে বাং করা ভোতার বোলা নার। সভাতই সে रकासक रकारत का**र्डी**। "

শ্ৰীৰা ওকৰেৰ গোখাৰী বল্চেন্-—"হে ∳ঞ্চন कनुमारत दिना यरद्वे पाल अविधि सह शाश हत्। (अते। करन विन वादां नुनाम अवर दाक्षमासक भरतकी महील श्रास हम वर्धभाव नहीं हुआ। बद्धाः अनुवर्धाः आहे रमुस्स्यतः मर क्षेत्रहरूमा सहा सहस বানুক বেজন পুৰু চলাই সময় এক পা মাটিতে বেকে পালু করা আমনি অথবা ভার প্রবর্তন করা বারনি। সে ভাবনার প্রান্ত পা উর্বেচন করে, অধনা কীট যেয়ন এক - ইছলোকে অধনা প্রবাহাকে পাণকর্মের স্বলাইকের কোন ওৰ আগ্ৰয় কৰে পূৰ্বাপ্ৰিত ভূপ ভাগে কৰে, ভেঞাই কৰু - বিচাৰ কৰেনি। বসুদেন কৰা গেবাৰো যে, কলে ভাত জীপ এক কেই প্ৰহণ করে তার পূর্ববতী দেহ ত্যাগ করে। তামী গেবকীকে ইত্যা করতে বছ-প্রিপন, তারে ভিট্র কোন পরিবৃত্তি কর্মন করে কাবর সেই সম্বন্ধ প্রবাদ কাবর গতীয়ভাবে চিন্তা করে কংসকে নিরন্ত করার কাব করে মানুহ যেখন সেই পরিস্থিতির চিপ্তা করে একং একটি উলার প্রিক করেছিলেন। বুজিনান মানুহের করে অনুসাৰ কৰে এবং ভাৰ বৰ্তমান শৰীবের কথা বিকেনা - বভালা পৰ্বত কুঁছ এবং কা কমেছে, ভভালা পৰ্যন্ত মত্য না করে সেই অবস্থান কৰিবত হয়ে পড়ে, অনুপ্রগভাবে ধ্যেকে পবিত্রার লাখের চেন্টা করা। এটি প্রতিটি পেরধারী ব্যক্তির কঠন। এইভাবে চেটা করা সংগ্রহ শিক্তি সেতে অবস্থান কৰাৰ স্বাধ সেৰে ভান বৰ্ডমান স্থিতি। যদি মৃত্যুকে এজন না সায়, আ মুদ্রে ভান কোন স্বাধান

"কদুদেৰ বিবেচনা কর্মেছিলেন—সৃত্যুক্তা কংগকে मुद्राञ्याम मनाथ सर्द्रा मिल बर्नाव किया, कर्नुक्ति धानः चामात मन अकि चूंड सन सद्ध चार्थि (महसीत शान रक्त করতে পরি। আমার পুরের জন্মে পূর্বে ক্রি ক্রুসের मुठा रस, धामना च्यासन मुख्या शरू छात्र मुठा शरू करण (महिन्द नविनर्दम हुन, कहन को मां ६८म व्याचा । यह विश्वक रचन वाक्ष्म अहतरहर, क्रमन निन्हाई आग्रह পুরবের মধ্যে কোন এক পুর ভাকে হত্যা করবে। অতএৰ আগানত আনি ভার কাছে প্রতিজ্ঞা করতে পারি ং, আনার পুরন্তের কামি ভাকে দান কবে, আ হলে करूर चापले क्रांत, चात छतन्त्र क्षि वधानगरा कर्रामत মৃত্যু হত, ডাকা আৰু আমোদের ক্ষয়ের ক্ষেত্র কারণ থাকৰে না। আনি যেখন কৰতে কৰতে স্মীপৃথ কাট পরিতাপে করে দুর্বাস্থত কাঠ সহন করে, তাকা কুমতে অর্থাৎ জড়া প্রস্তৃতির ওপের দারে বিচলিত হওয়ার ফলে। হতে ছে, তার কারণ হতেই খানুট আ দৈব। তেমনই, জীব বৰ্ম এক প্ৰকাৰ শুৱীর পরিস্তাপ করে আর এক शकात नहीत शरुप करता, शरुप वृक्तक शरुप (व, चान्हे কাৰৰ, ভা হলে খানুৰ কেন অসং কৰ্ম আচন্ত্ৰণ কৰেবে। কভীত তান আৰু কন্য কোন কামণ নেই। কুনুদেৰ তাঁহ

ath অনুসারে এইভাবে কিকেলা করে, পালাক্ত কলেকে हर अच्यान श्रम्भानमूर्वक छात्र कार्य करें शक्ताव हार्यास्त्रात । वनुरम्दरत सन देश गडीत और निमहा इरकार्य भूर्व क्रिश, किस निर्देश, निर्माण, भागी करत्रह _{পালা} শ্বান কৰে কৰে হাসতে স্থানতে ব্যক্তিপোৰ্ 'ছে तान, कृति रेशक्तानी श्वरण का अवन कराब, कारक ভোষা ভগ্নী দেকদী থেকে ভোষণ ভরের জেন ঋলে ্রেট। তেনার মৃত্যুর কালে হবে তার গুরুর। অভরে বাদি প্ৰতিকা কৰ্মছ বে, তৌমাল চত্তের কারবব্যাপ ক্রেকীর পুরুষের ক্রম ছত্যা মান্তই আমি ভানের ভোনার হাজ সমর্গণ করব।" "

ত্তিকে স্থাত ইতেহিল একং অনুচাৰের কৰার পূর্ণমান ভিতৰ কলে ভাইবিৰ থেকে নিবৃত হৰেছিল। বসুচেৰ _{কালের} প্রতি প্রদান হয়ে এক, তাকে আনও প্রশাস্য করে ব্যৱার তীত হ্রেছিলন : ভাই তিনি কীর্তিমান নামক : হতে অৰ্থন করেছিলেন। সংগ্রনিষ্ঠ সাধুমের কাছে কোন কাৰ্য পুলেছ ৷ বাঁৱা ভগতনকে একমান কৰে বস্তু ৰূপে ৷ भारता, डांट्स काला कान् निवास कानक काट्र । মানের বাহারে নিশিকে, জানের অকার্য কি থাকতে পারে : আৰু বীৰা ভগবাৰ প্ৰীকৃষ্ণের চুহুপে সৰ্বভোচাৰে আছসমর্পণ করেছেই ঠোৱা কি না পরিভাগে করতে चीतान १

বসুমেৰ সভানিষ্ঠাপুৰ্যক সমন্ত্ৰ প্ৰাপ্ত হয়ে আৰু হয়ে উর পুরটিকে সমর্পণ করেছেন, ভারন সে অভ্যন্ত প্রসম যমেছিল এবং হাসিয়া। সে এই কথাণালি বালছিল। সে

ধদুদেব, ভোনজ এই লিওটাক নিত্তে ভূমি করে কিরো বীও তেমোর প্রথম গুরু খেকে আমার কেল ভর নেই। তোমার এবং দেকতীর অধ্বন পুরের কাল আমার সৃত্যা বিশিষ্ট হয়েছে। ধনুদের 'ভাই লোক' বলে তাঁক লিক-गरामितक निरम् भूटर जिएड निरम्भिन्त्रम, किन्दु करन মেহড় ছিল চথিরটান এবং অভিডেলিড, ভাই বসুপের ক্রমতেন মে, কালের বাকে বিধান স্থাপ্ত কর বাং না।"

"হৈ ভাতবুৰ্গতনক মহান্তম পৰীকিং তল সহাসক আদি প্রেপদণ, সেই সময় স্মেপ্তের পত্রীসদ, বস্পের एक् वृद्धिनरचीएका, (क्यकी अवृद्धि क्यूका-सकताल्य, মাৰ মহানাক ও বন্যোলে আটি, বন্ধু ও সুপ্ৰথমণ, এমন এবং শুক্তবার প্রারোধী বলালের—"কংশ বনুসাকের কি বাংলুছিতে বারা ছিলেন কংলের অনুসাক্ত করে, তাঁকা সকলেই জিলন দেবতাত্ত্য। একসমূহ ভাকতবয় মাঞ কালের কাছে বিজে বলেছিলের, কিচাবে প্ৰিকীয় ভারবরুগ দৈতার মিগুড হার। স্তার হলে কলে অত্যক্ত ওলা বাহে প্রবেশ করেছিলেন। তারপর সমস্ত শেবতা ভীত এবং সংশয়কের প্রবেশিক। কেবর্নি শারন চলে এর ভগরালের মারে থেকটী হথাসময়ে একটি সন্তাম সাধ্যার পার, কলে মান্ত কালালের ধেবল এবং কেবটিক हात करविकास । अहेकार दिसि यति करमा अहक्ष । अर्थभञ्चक महामान्द्र प्रतः पुरुषः करान रिकृ क्ला खाउ en तक प्रातिक्र गुज अंगर गुंधको अभी अनक्र करता अस्त करता, रायकी असर यमुरायरक अभी करता मुख्यातक ক্রাছিলেন। বসুদেব প্রতিকাশ্যে-রূপ অস্তেরে ভরে করেছিল। বিশ্ব ভরে হত্যা করকো সেই শুনিখাদাণী চনে, করে দেকটার প্রতিটি পুত্রকে নিষ্ণু করে কনে করে বার প্রথম প্রতিকে সভীর মনেকোন মধেও কংসের। ভালের একের পর এক হতা। করেছিল। এই পৃথিবীতে সমামে প্রাথই ইন্ডিয়নুগ কোনোর লোকে নির্কিটর আনের শঞ্জান হত্যা থয়েঃ স্টার উদ্দেহ খেরাল-পুশিনতো যে কোন ব্যক্তিকে কথা কাতে পারে, একা কি ভাষেত্র प्राचा, निका, बाका कथना राष्ट्राक्टक। शृजीहरूच करन दिन कानात्मीय नामक अक महा चामूह अवर विकृ स्टाइक সংহার করেছিলেন। লাক্তর যুক্তির কাছে সেই কথা জানতে পেরে কলে ব্যানকলের সলে বিসমাকরণ করতে "(ह प्रशासक नहीं किए, क्रंप प्रका (प्रका (प्र, क्र क्रांसिन) फेश्यराज्य प्रध्यं कारान नुद्ध करन प्रमू ভোৱা এবং অভক্ষের অধিগতি এবং নিম্ন লিতা উপ্রধানকে কারণেয়তে নিকেন করে প্রধান কারক দেশসমূহ অধিকার করেছিল।"

দ্বিভীয় অধ্যায়

দেবতাদের দ্বারা গর্ভস্থ শ্রীকৃষ্ণের বন্দনা

মীল ওক্ষেৰ গোছামী বললেন—"মগৰ বাক জরাসম্বের আহরে এবং প্রদায়, বক, চাপুর, ভুগাবর্ত, অধাসর, মৃত্তিক, অনিষ্ট, বিনিদ, গ্রুলা, কেশী, হেনুক, বাণ, নরকাস্র এবং পাল্যাল্য অসুর ভলতিকের সহায়তার পরক্রমশালী করে, কুবংশীর রজেনের উৎপীক্তন করতে আরম্ভ করেছিল। আস্থাক ব্লক্ষাদের বাল উৎপীতিত হবে বাদবেরা উাদের রাজা পরিত্যাগ করে কুছু, পঞ্চাল, কেকয়, শালু, বিদর্ভ, নিবধ, বিদেহ এবং কোণাৰ আদি सारका अरवन करविशासकः करतस्य करतस्यार चालीतः किषु करामत मीडि अवर चाहतम चल्नमदन चलान मानवा। উয়নেনের পূর্ব করে কেবকীর ছাট্ট পূত্র বিনাপ করকে, হীক্ষের অংশ দেবতীর সহায় প্রকাশে তার রার্ড প্রবেশ করে করে হর্ব এবং শ্যেক কর্মন করেছিলেন। मराम गरिनन की चरनका जीकरका किठीय हरूर्न्ह সমর্থণ আ অনপ্র বলে সম্মোধন করেন।

বিশাস্থা ভগরান তার অনুগত ভক্ত খাদবদের কংলের অফ্রিমণের ভর থেকে রক্ষ করার জনা কোমোয়াকে এইডাবে আদেশ দিয়েছিলেন—হে সমগ্র ক্লগতের পুরুনীয়া এবং সমস্থ জীবের মহল বিধানকরিবী, ভূমি **রজে** যাও, বেখানে বছ গোগ এবং গোলীগণ বাদ क्टबर । दुनई चाँचे बद्धांत्रम क्राइन, दाचादन का ताठी बान करत, मिनास रमुखारक नहीं हाहिनी तथ सर्वित्रात्का पृद्ध ध्वरङ्गान कत्राह्म । छाँदै वमुरारदा धानु পর্ত্তীগণও স্কংসের ভবে অজ্ঞান্তসাতে প্রেখানে বাস করছেন। ভূমি সেবানে বাও। দেবকীর বর্তে সম্বর্তন ক শেব মানক আমার অংশ বিরক্তে করছেন, করেনে উক্তে রোহিবীয় গার্ডে কুনার্প্রবন্ত কব। হে সর্বস্রস্থারহী বেশামারা। আমি ভবন কামার পূর্ণ বভৈত্তর সহ (मदकीच भुडकरण काविर्वृष्ट इव अवर कृतिश नग খহারাজের **মহারানী যা কণোনার ক**ন্যারালে আবির্ভুত

উপকলেব বারা মহাসমাবোচে তোখার পুলা করবে। खबरान जीकृष्क मात्रारमशीरक और यह सामीतिक করেছিলেন— পৃথিবীতে সান্তব্যা সিভিন্ন স্থানে ত্যোদ पुत्री, कप्रकारी, विकक्ष, देवक्यी, कृत्रमा, क्रिका, कृत्रम मार्थी, कनावन, सांस, नाउसकी, फ्रेमानी, मारास, फर्राचक প্রভৃতি নামকরণ করবে। দেককীব গর্ভ কেকে রোভিনীর গতে আকৃষ্ট হওয়াল কলে লোহিশীনকান স্কৰ্মণ নাতে অভিত্তি হবেন। গোকুলবাদী লোকসমূহের আন্দর্শবিধান কলার জন্য রাম এবং উল্ল অমিড জ্বলার জন্য তিনি বলতঃ নামে কীৰ্তিও হবেন।"

"ভগবাদের দ্বারা এইতাবে আনিট্ট হয়ে যোগহায়। ভংকত্মং সেই আংশে শিরোধার্য করেছিলেয়। প্র উচ্চারণের বারা তিনি যে ওঁনে সেই আকেব পাত্রন কর্তের তা প্রতিপদ্ধ করেছিলেন। ভারপর ভগবানকে লদক্ষি করে তিনি পৃথিবীতে নক্ষণোকুল নামক ক্ষেত্র त्रका कार्रास्त्रम क्या समग्रातमा निर्माप सनुमादि सर्व করেছিলেন। বোলবাত্ররে ছারা দেবকীর সন্তান হথন রোহিণীর গতেঁ আকৃষ্ট হয়েছিলেন, তথন দেবকীর মনে হয়েছিল যে, তার পর্তপাত হয়েছে এবং ডার হলে সহয় পুরবাসীয়া 'হার, দেকেনীর কর্ড নাষ্ট হল।' এই বলে উচ্চাৰে বিশাপ করতে বাগলেন। এইভাবে সময় জীবের পরসাধ। এবং ভক্তদের সমস্ত ভর বিনাশকরী জন্মন জার সমস্ত ঐথর্য সহ বসুদেবের চিত্তে জানির্ভ্ত इत्यक्तिकाः कार्यस्य छोत्र छात्रः छात्रास्य भावत् भावतः তদগদের চিত্তা জ্যোতির প্রভাবে সর্বের মতো দীরিপারী হয়েছিলেন। ভাই ইন্দ্রির অনুভূতির দ্বারা গ্রাকে বর্ণন াম অথক ঠার সমীপরতী হওরা অতন্ত কঠিন ছিল। - প্রতপক্তে, উরু সেই তেজ কলে আদি স্তীনমান্তেরই দুসেই হয়েশিল। ভারণর পরম ঐথর্যমতিভ, সমস্ত জনতের ফল্ম বিধানকারী ভগবান হার হালে সহ বসুদেবের চিট হবে। সকলের ঋড় বাসনা পূর্ণ করতে তেনের ঋষত। পেকে দেবকীর চিত্তে জ্বনার্ডরিত হরেছিলেন। এইভাবে সর্বলেট বলে সাধারণ মানুহ পশুবলির ছাত্র এবং বিবিধ সমুদেবের ছাত্র দীন্দিত ছয়ে, নেবভী সমস্ক চেডনার

মানেল করে পরত পৌশ্চমানিত ক্রেছিলেল, টিক কেতাকে ছাত্র, বৰুৰ প্রভৃতি ক্রেছিলেণ্ড সভ ক্রমণ এবং বিব ক্ষরিয়ামান সুপ্রারে বাবল করে পূর্বনিক সৌন্দর্ভারিতত হয়। আন্দর্ভারে নের্বনীয় করে আন্দর্ভার করে সকলে একটো বেবৰী সৰ্বকাৰণেৰ পৰাৰ কৰিব, সমগ্ৰ কাল্ডেক আৰুত্ব সৰ্ব কালিবলৈ প্ৰদানকাৰী কাল্ডানুক প্ৰসন্ত কা বিধানেৰ ভালেলকৈ ঠার মধ্যে বাধাৰ কার্ত্তাব্দেল, কিছু কল্মের । ভালা কুল কার্য্তে লাগ্রেলন।" পায়ে কাল্যাক্স চক্ষার করে তাব নেই চিনার সৌধার্য তেই চৰ্মন কৰাত পাৰ্কেন, ঠিক বৈষ্ক পাৰ্কেন বাল সভাসকৰ, কৰ্মণ আপনি বা সকল কান্তন, ভাৰ সভাতা _{আমানিক} আদিৰ শিশ্ব কেউ দেশতে পাৰ না, অঞ্চল সংকল্প কাকে এবং কেউট তা বোধ কথাতে পাৰে না। লামে থাকা সংক্রে ডা বিতরণ মা করা হলে হেজা তাই জাগুনি সভারত। সৃষ্টি, ছিতি এবং লর এই ছিবিধ ক্লাকের ভাতে কোন করে হয় ন। দেকটার হাস্তার ভাগের আগনি মন্সভাতে বর্তমান পাতের খলে আপনি outling दिहासमान चारुवा देख धनात बाता कार पुर আলোকিত হয়েছিল। তাঁকৈ আনন্দমৰ, ওছ এবং লাভ কর বার লা। তাই বিধ্যাপ্রটী ব্যক্তির করনত हारशास्त्रक प्रतिक करते करने परने परने दिश्य करतिका, । चाननारक काल कराइ आर. जा। चार्यान गृहिट स्टाइ 'আনার প্রাণনাশক ভাগবান জীবিকু নিশ্চরই দেবনীয় গরের উপালানে সক্রিয় তার পরে সত্য এবং তাই স্মাণনি প্রাক্তর করেছে, কারণ পূর্বে যেবকী কথনও এই মতত তার্লেটা। আপন্নি সকলের প্রতি লফালী এবং আগনার আন্তর্যার এখা প্রভাবতী ছিল না। কলে ভেবেছিল, উপক্রের মর্বাল্যাকের, মর্ববালের উপবোধী। আপনি এখন আমার কি করা কর্তব্য । ভগবান, বিনি ক্রম সমত মতের আনি। তাই বামের আপনাকে প্রশতি देशकात कात्म्य (निविद्यानाव माधुनार किनानाव ६ दृष्ट्र द्वार). তিরি ঠার বিক্রম পরিত্যাপ করবেন না। দেশকী রাস্টি নী, সে আমার শুলী এক অভিতর দে গর্ভবতী। আমি বলি তাকে হয় কৰি, তা হলে আমান কৰ, এখৰ্থ, আৰু নিন্দিত লেপে বিনষ্ট হবে। বে ফক্তি অভান্ত নিষ্ট্র, সে জাঁবিত অনুসামও মৃত, কারণ জাঁবিত অবস্থার এবং চার মন্তার পর সকলেই তাকে অভিনাপ প্রকর করতে খাতে। খার মৃত্যুর পর সেই দেহাবাভিমনী ব্যক্তি নিঃসম্পেহে অহাতম নামক নরকে প্রবেশ করে।"

ষ্টাল ওক্তাৰ গোৱাৰী কালে:-- "এইভাবে বিচপ করে কংস ভগ্নধানের প্রতি বৈবীভাব গোষণ করতে বছপরিকর ছওয়া সবেও ভগ্নীবংবলে প্রান্ধা কার্য থেকে বিবার হারেছিল। সে স্থির জরেছিল বে, ক্রমবানের সাম ছওয়া পর্যন্ত সে অলেক্স করবে এবং ভারপত বা করণীয় তা করবে। কংস সিংহাসনে অথবা তার ছক্তে উপবেশন ক্ষারে সময়, শহরে পরন করার সমার ক্ষেত্র ইন্টে অবস্থান করায় সময়, ডেকেন করার সময় অবনা বিচরত করার সময় সর্বদাই ভার শুক্ত ভঙ্গতান হাতীকেশকে কেবল দর্শন করেছিল। অর্থাৎ ভার সর্ববাপক শক্রন কথা চিন্তা করে কংস প্রতিকৃত্যনের কৃত্যভাবনার ভাবিত

<u>এবস্, সর্বকারণের কারণ ভাগনে উল্লেখনে</u> উলে কমন্ত্র । স্থানিক। নাবক কেন্দ্র, বন্ধ প্রমুখ অনিধার এবং উপ্র,

দেবতাৰ প্ৰতিৰ কৰ্মেছিলেন—"ক্লে ভগৰান : স্বাধানি প্রিমতা। সম্পূর্ণরূপে সভানিষ্ঠ না হলে অপবার অনুষ্ঠই নিশ্বমা করে আপান্তঃ পরুপ প্রহুপ করি, দহা করে আপনি ्यारहरूर अका करान। और हम्ह (मधीडे अवर गाडि) অনি ব্যৱস্থাৰ, প্ৰকৃতি ভাব আপ্ৰয় এলা সুৰ ও সূৰ্য ्टर ही क्या। यह रूप ७ छम—औ छिनी ४५ छस प्रमा । वर्ष, पार्थ, कार ७ (राज्य--धरे ठावर्डि राज, श क्षानुस्य वह भेड़के खार्याहरूत मध्याम लाक, प्राव् জন, বতা, কথ ও লিগানা—এই ছ'টি পৰিস্থিতিতে। এই ব্যাহর সাভাটি আবরণ হয়ে—স্থক, কৃষিক, মানে, মেন্ অস্থি, মধ্যা ও শুলে এবং এই ব্যাহ্য আটটি লাখা হাস পাচটি বুল ও তিনটি স্থান্থ উপাধান—হাটি, মাল, তাওম, বাহু, অকাশ, মন ও বৃদ্ধি এবং অহন্তার। এই বুক্তল থেহের নটি ভিত্ত—স্টি চকু, স্টি কর্ণ, স্টি অফিক, মুন, পায়ু এক উপস্থ এক কার বলটি পার হাসে (भर्द्द प्रधादित भन उकता याद्। और नदीयकानी शुक्त পুঠি পার্কী রারেছে—কীবোরা এবং পরবারা।"

"ক্রে ভাগরালা এই সাক্ষাবরণা আদি সুক্ষের আগমিই একমায় উপালাৰ কাবৰ। স্থাপনিই ভার একমা<u>স</u> পাল্যকর্তা এবং প্রকারের পট আপনার মধ্যেই সব কিছু সংক্রমণ হর। করা আক্রমর মাধ্যর হারা আছে। তারা এই জগতের শিহনে যে আপনি হয়েছেন তা দেখাত

भाग ना निका फेक्टवर्वनी फेक्टवर्ग मुक्ति अधिक अध्वत नाम । **८६ फपदान, पटायांने मृत्यां यूने ब्रान्स्स नावर महत्त्व** कीव्रक्त कलाव अध्रतह बना कालनि विविध क्ष्म स्थानकर प्राप्त क्षम क्ष्म अवस्था अवस्था व्यवस्था সৃষ্টির অন্তীত এক সংখ বিবাকসভা। এই স্বয়ন্ত ম্বৰভাবকৰে ম্যালান কৰন আৰম্ভত ধন, জন্ম ম্বালান মাহ কাং ভক্তৰে জ্ঞানাবাৰ কলে, কিছু মাতকটোৱ কিবাৰ করেন। যে কল্পন্নয়ে ভাগবন। সভন্ত অধিকের चालप्रवक्तन चानलांत्र इतन्द्रभागत वस्त कर्ड क्यर महरकातास्त्र नामास सनुभद्रमण्डक छाडे क्वानकात्त्व ভবন্দার ভাউার্য হথায়ার তর্ননিরূপে প্রথম ভবে করেয়াসে ক্ৰমাণৰ উঠাৰ হওৱা যায়, কাৰণ ক্ৰমাণৰ ডখন এই বাড় জনতের সমস্ত আক্ষণার কুম কমেন। আগনি সংক্ষা আগনার ভারের বানার পূর্ব করতে রস্তত ব্যক্তের এক তাই আপুনি বাস্থাকলতক নামে প্ৰিচিত। ভয়স্ক ক্রমাণ্য নার ইন্য় করা নাচ্যর্থন যে নটা প্রথমন करतात्रक्त, केता कोई समारक मिने भगावि दहान स्थापन ঞ্জন খেহেতু জাপনি আপনার ওজনের মতি মতান্ত कृतान्, करे केराना माधात करात करा काली और नहा धानमध्य करतम्। (यमि क्रिके नर्म त्यः, क्रम्सारस्य ই)পাদপথের অনুপ্রের অনেব্যকারী ভক্ত ছাড়াও ক্ ভতিবিনুধ বাভি প্রয়েছে, যারা ফুডি লাভের কর বিভিন্ন শহা অংশকা করেছে, তানের কি দবেং ভারা উত্তরে इका व्यक्ति (संस्थात्रा स्ट्राइस्स्—) हर नगरकाहन। ঘতওার পরার পর কান্ত করার জন্ম কঠের জগাস্যা এবং वृश्वमागत्वा भक्षा चरनम्त्र करा निरक्षतन भूक गत्न মনে করতে পাত্রে, কিন্তু কাবানের জ্বীপালগামে ত্রীতি না থানার তামেন কুন্ধি অধিওপ। তারা ভাগের করিব পরম পদ খেকে অবঃপতিক হয়, কারণ ভারা আপনার श्रीभाषभद्दरक समाप्तप्र करत्ररहः। (इ.सम्बः) एह লামীপতি ওগরাম। ভাগনার দকে পূর্ণতেমে সুস্পর্কতুত ভাতৰা যদি কৰ্মনা ভাতিপৰ খেকে মানুত হয়, তবুও উলা অভ্যক্তের মতে। এগ্রপতিত হন না, করেন জাপুনি তাদেও ক্লে। করেন। তাই জারা নিংপ্রচিতে বিশ্ব উৎপাদনকার্নাক্তর মন্তকে পদার্পণ করে ভাকিশারে অগ্রানার ইটেড খনকেন "

্ট ফলনে নাট কলতেৰ পালন কলে সভঃ ments tenenties, tenn nunn eine unter-অবতার্থের প্রকাশ করেনঃ ক্রিয়াবে ক্ষম স্থাসন্ আগত্ত হব, কৰন আপুন বান্তব্য নেগ্ৰিয়া, কোন south the stands stade beam being the likes शृक्ष विकास करक फारएव प्रकल आहत करवन्। ক্রেভারে বৈশিক বিধান অনুনারে আপনি পুরিত কর। ८६ अन् कार्यका जाता कांचन कांचन । बालनाह किया लहीत यूर्व क्यानिक जा इक, का कहन हमाड कर कार्य এবং চিমাত ভাৰেও দাৰ্থকা প্ৰভাগমন কলতে লাগত লা আপন্যর উপস্থিতির ফালই কেবল ছাড়া প্রকৃতিত নিজ্ঞ আশনর চিম্ম লাক্তি হলসম্ম কলে যায়। আল্লাৰ গোলাগস্প হয়ে ঘান। তে প্রধা আগনি সূর্বের মধ্যে । চিমার স্বাস্থাকের উপরিভিত্ন হারা প্রভাবিত না হলে, व्यानमा क्रिया डक्टि श्रमसम्ब महा चलाइ क्रिन। ए **४५वन, याता कानाव वाल (कानी अनुगत करत, पाल** কথনও আপনাত নাম এবং রূপ নিরূপণ করতে পারে মা। ভবিদে ধার্বাই কেবল আপ্নার নাম, রাল এবং ওব্ নিশ্চিত্ততাৰে ক্ষরতাৰ করা বার। হে খগবান। স্বাপনার শ্রীপাদপত্রে আবিউচিত্র হয়ে বীরা জাপনার দিব্য বাদ ও ক্লপ নিবন্ধা কৰে, কীঠন ও ধান ক্রেন এবং করচেন্ সংশ কলে, জনা সৰ্বন জিমৰ ক্ষমে অধিকিও এক ভাই ত্তীয়ে আপনাকে হাৰক্ষমৰ কথাতে পাৰেন। হে ভগৰুন। चानभाव चानिक्तका करन स्टब्स्नार और नृष्टि (अर्क অসুরবের ভার অপনীত হতেছে, সেটি আমানের পরে (मीफान्छ। चामछा वधार्थ**र छान्।**याम, काउन बहे পৃথিবীতে এক কুৰ্গলোকে আপনার জীলাগপাকে পৰা, চঞ্জ, পদা এবং পংখন ঠিছ আমরা ফর্নি করতে পারব। হে ভগৰন, আপুনি সকাম কৰ্মো কৰে এই বাড় কান্ত ब्बन्द्रश्चरभवात्री अक मावात्रभ कीच समः। जारे और बन्द्रण আপনার আবির্ভাব বং জন্ম আপনার বুলিনী খাঁও করা সম্পাদিত পীলাবিলান হাঙা আৰু কিছু নয়। তেজনই, আপন্যর বিভিন্ন অংশ জীবদের জন্ম, মৃত্যু, ক্লর ইড্যানি আপনার বহিবক্ষা দক্তির ধরেই সম্পাদিত হরে থাকে: যে পরমেশর জনবার: আপনি পূর্বে মংসা, অধ, কুর্ব, निरिष्ट, बराष्ट्र, श्रुप्त, ब्रायक्ता, नंतकताम धावः सन्दर्भागन भर्या नामनास्व साम कान्छीनं शहर व्यामातान करः विकृतमहरू कृष्यनृतिक वच्च करतहरून। यस करत अधन

ন্ত্ৰপূৰ্ণ পুৰিতীয়ে দাৰ কৰণ কৰে আনালেৰ কৰা ককৰ। a signal what distributes about WHITEMED BY IS INCOMED THE TO MICE CHARLE MINEROL MINEROLD MINEROLD SHIP PRIMER MAIN MORE अभावन कार्यन अर्थ याम्यनंद ग्रहेश इस्तरंतन। स्व ম্বালান করে কিছে কথালে অভিনয়ন কালের ব্যক্ত

ethick from an ext. Where the his graph The tradition from even a courte from medicals which divine to ace the circle day and facts being mustern cook extenses freed Receivement"



ভতীর অধ্যয়

শ্রীকৃষ্ণের জন্ম

মাল কর্মাল খোলামী কালেন—"ভাবলা জ্বলারাল চারগোর বা ভিজ্ঞেন করেছিলের বাদ কর্মাণাল সম আনুষ্ঠানের প্রভালনে মান্ত রাজান্ত মান্তবাদ, সৌন্ধর্ব এক। বিন্যালরের। আনক্র নুডা করুতে প্রক করেছিলেন। নান্তিতে দুৰ্ব হয়েছিল। তথ্য গোটাটী, মহিন্দী মনি কেবতা প্ৰকা কৃতিয়া আনকে প্ৰকাৰী কন্তেও পান্তেনা मककान वर्षप्रदेश इस्तिन्ति। भूर्ये, ज्या क्या जनाया । करा जनपान स्वरूपत उत्पादन अस्तिन वर्षान्य प्रतुपति मध्य हो । अंतर्वरात माथुकार पाराच करायीला। भारत - २० २म पार्थन कराय माराम। १४म माउल्लेस कराय নিক অন্তান্ত প্রসাম ইয়েছিল এবং থেমপুনা আওপে সুন্দর বিরোধানাম জালান উল্লিখ্য প্রতিকে উলিভ পূর্বভূতি ভারকারামি বানমন কর্বাহম। নারে, প্রায়, বনি এবং । মাঞ্চ প্রতীর ভারকারাজ্যর বারে মাজনক্রক কর্পালী গোচাৰৰ ভানিব ধারা আছেও প্রথবী ভাষা এক মাধ্যমায়। মেকৌর ভালরে আনিউত উল্লেখ্যমা। সম্প্রত তাম রাল ধারণ করেছিল। আছে জালে পূর্ব হয়ে নদীতলৈ। মেখাদের যে, সেই নবজেত লিওটির নামন্ত্রলে সংস্কার প্রবাহিত হতিহল এবং ক্রম আমি বিশাল জনাশর চলি। মতে, ঠার চার হাতে শহরে চক্র, তলা এবা শহর। ঠাল পদ্মফুলে পূৰ্ব হয়ে এক অবৰ্ণনীয় সৌক্ষৰ ব্যৱণ জরেছিল। কুল এবং পরে পর্ণ মনোহর বৃক্তবিত্ত रिकारिक स्वापि विश्वत्र क्षेत्र करिएक्स अधुव काल एकम जिल्हा (मारश मारह) नहामन, देश (सनमात प्रेश्वत होत क्रिका। भूष्य प्रस्ताही मुक्क्म विद्युक्त वाह उर्वाहरू रेट्ड माधम अन्य भाविष्ठ द्वार्यात्वता एक डेस्ट्रब घटारि য়খলিত কবলেন, ভাৰন সেই ছবি ধারে হারা নির্চালত দা হতে স্থিতভাবে স্বলতে লাগল। এইভাবে হৎন অমর্বহেত ভগরান শ্রীবিধ্যা আবিষ্ঠাপের মনের ইল, তভন काम कामि क्षम्यदम्ब हेरली इट्स निनी क्रिक श्राप अवर গম্বলী মান্দ্ৰীত গাঁটাও শুকু কাৰ্নালিশন, সিদ্ধ এবং - ভাগবান শ্ৰীনারাহণ। সেই সভা নিশ্চিতভাগে সংস্কৃত্ৰ

रतक श्रीवरम किस्न अवर जनस्वत्व (सी अन्दर्भ বিবাক্তমান। উল্লেখ্যে পাঁও গ্ৰহণ, ঠাল অহকাছি केल पूर्वते । कर्वत्रका रेक्ट्रॉर्जनकारेक प्रकाशीय क्रांतिक हात्व উজ্জন। মেই লিওটি ভাতাই ব্যক্তিগালী খেগলা, কেছত, বলর প্রতাতি অলভাবে লোভিত। তাত অসংগ্রহণ भारतिएक प्रार्थन काल समस्यादन नदनदश्ल विकारतिक ্যাংছিল। চিশ্বর জনকে কর হতে তিনি শ্রীক্ষেত্র অধিত্য উৎসদে মনে যান লগ সামান গানী প্রাঞ্চলনের মামাপেরা অনুধ্রে প্রসারতা অনুধ্রে করেছে। এবং করে সান মর্বেছিপেন। হে ভবতপুঞ্জনার মহেলাভ ক্রিভিছ বৰ্ণলোকে মুকলৰ মুক্তি ক্ষাত্ৰত লাগুল। কিছৰ এবং বসুনেক বৃকতে পোৰেছিলেন কে, সেই শিশ্বটি পৰবাৰত কৰে তিনি নিউৰ ছয়েছিলেন এবং জননত শৰীরে কৃত্যান্তলি হয়ে একার্যাচিকে জাভাবিক কান্তির বারা সৃতিভাগৃহ উজ্জ্যাকারী সেই বালককে স্তব করতে কাগ্যানা

ተከተ

বসুপের কললেন—"হে গুলবান। আগনি এই ছাড় অশতের অতীত পরম পুরুষ এবং পরমারা। চিমর कारतव बाह्रो भेतरमध्य छशरानकात् आधनाद करून राभवक्रम कर्ता गर्छ। जापि अवस वृधंतर्भ जानसह हिटि হাদধক্ষ করণ্ডে পেরেছি। হে ভগবাদ। আগনি সেই পুরুষ যিনি প্রথমে তার বহিরুলা শক্তির হারা এই জড ক্ষগৎ সৃষ্টি করেছেন। এই ত্রিগুলাম্বর্ক বিদ্য সৃষ্টি করে আগদি যেন তাতে প্ৰকো করেছেন বলে প্রতীত হয়, যদিও প্রকৃতপক্তে আংগনি প্রবিষ্ট হননিঃ সহতত্ অবিভাজ্য, কিন্তু ক্ষড়া প্রকৃতির তথের কলে খা মাট, জল, আওন, বায়ু একং ভাকাশে বিভক্ত বলে মনে হয় জীনগড়িন কলে (জীনভূড), এই সমন্ত নিভক্ত শক্তিওলি মিলিত হত্তে দৃশ্য কলথকে প্ৰকাশ কৰে, কিন্তু প্ৰকৃতলকে, क्षष्ट कड़ कशरखर मुख्ति भूर्यक महत्त्व निमासन हिन। তাই, মহতত্ব প্ৰকৃতপক্ষে কখনই সৃষ্টিতে প্ৰকেশ করে না। ভেমনই, আগমি বদিও জাগনার উপস্থিতির ফলে আঘদের ইন্তিয়গ্রাহ্য হরেছেন, তবুও ইভিনের দাবা, মনের বালা অথবা বানীর স্বারা আপনাকে অনুক্র করা ষায় না (অব্যক্তনসংগাচর)। আফাদের ইন্ডিরের করা আমরা কোন কোন বস্তু দর্শন করতে গারি, সব কিছু দর্শন করতে পরি মা। বেমন, আমাদের চপুর বারা আনরা দর্শন করতে পারি, কিছু রস আক্ষম করতে भारति ना। एक्सन्दे, खाभनि कामारम्स देखिएतत कन्*व*ित আতীত। যদিও আগমি জড়া প্রকৃতির সংস্পর্যে ত্রেছেন, তথ্ও আপনি প্রকৃতির হয়ে। প্রকৃতিক নদ। আপনি সৰ निश्व मुख कारण, जर्बनान्त, करिनिक्त अनुमानाः। छाहे দ্মাপনি কহা ও অক্তশ্ব। আপনি কখনও মেবৰ্কীয় शहर्त करवन करवनिः शकास्त्रवः, ध्वाधनि शृरवदि रमधारम বিদামান ছিলেনঃ হৈ ব্যক্তি জড়া প্ৰকৃতির তিন ওপ থেকে উৎপায় দেহ আদি দৃশ্য বছকে আৰা থেকে ছতত্ত্ব बर्ग मह बर्ध, तो यात्र चाडिएका मुक्त किसि नक्रफ অবসত মার এবং তাই সে একটি মূর্ব। জন্ম নিজ, উন্ম क्षरे छकात प्रत्नाद्धाव रखीन करवरहान, कावन भूगीवर श

বিবেচনা করে জারা হাধরতাম করতে পোলেজা বে, আন্ত বিলা শেখ এবং ইঞ্জিরের কভিত্ত অবান্তর। সুর্গানের নিদ্ধান বনিও পৰিভাগে করা হয়েছে, তবুও ব্যব্_{না} তাকেই বাক্তর বলে মানে করে। যে ভগনান, বেচ্ছা পণ্ডিভোগ বংগন বে, নিদ্রিয়, নির্ভব এবং নিধিকার আপনার স্থানা এই স্কণতের সৃষ্টি, গালন একা সংক্রম कार्य का । नहत्वभ-चलन चाननाएड त्यान विद्यान (तक्षेत्र) বেহেড় জড়া প্রকৃতির তিন থপ-সর্ব, রক্ত এবা তহ भागनात्र निरुक्षपाधीम, कार्य गर किंदू चालना शास्त्र সম্পর্নিত হয়। হে প্রভৃ! আপনার জ্বাল জড়া শুরুতির ভিনন্তবের অতীত, তবুও ব্রিলোক পাল্যবের জন্য আগুট সন্ত্তপে জীবিষুধ্য ওক্তরণ ধারণ করেন; সৃষ্টির ক্তা इटकाक्षणवर्ग वक्षण्य देन वावर श्रमदाव महर क्रायाधनकाल क्रमार्ग व्यक्ता करका। (११ फलरान, सानि সমগ্র সৃষ্টির অধীধর, আপনি এখন এই স্কাৎ কুলা কুলা কল্য আমার গুয়ে আবির্ভুত হরেছেন। আমি নিশ্চিতভাত জানি, সাধা পৃথিবী জুড়ে করিত রাজার কেন্দ্রটো অসুরদের যে সেনাবাহিনী বিচরণ করছে, ভালের আন্তর্ভ সংহার ধরতেন। নির্মীয় জনসাধারণদের রক্ষা করার ক্ষার আলমি অবশ্যই তাদের সংহার করকেন। হে সুলেবন। আপনি আমাধের গৃহে রাজগ্রহণ করকেন এই তবিব্যালী বাবৰ করে, অসভা কলে আপদার **অইজি**দের হতা। করেছে। তার ক্রেনায়কক্ষে কছে আপনার আবিঠারে কথা প্রকা করা মাইই, আপনাকে হত্যা করতে সে ছা নিয়ে এগাৰে আসবে।"

শ্রীল শুক্রবের গোষামী বশলেন—"তারগর করেন্দ্র ভরে তীতা দেবকী মহাপুরুরের লক্ষণমুক্ত পুরুরে দর্শন করে অত্যন্ত বিশ্বিক্ত হরে তাঁব রূম করতে গাগালেন।" দেবকী বললেন—"হে ভগবান। বেই অনেক। ভাষের মধ্যে করেকটি আপনাকে মন এবং বাতোর অপোচর বলে বর্গনা করে। তপুর আপনি সমন্ত স্বগতের আমি উৎস। আপনি রুশ্ধ—সর্ববৃহৎ, সূর্বের মতো জ্যোতির্মার। আপনার বেদন করে কার্মব কেই, আপনি নির্মিকার ও নির্মিশের এবং আপনার কোন করে অন্দর্শন করা হমেছে। তাই, হে ভগবান, আপনি প্রত্যক্ষভাবে সমন্ত বৈদিক বাদীর উৎস এবং আপনাকে করে বাতা _{প্ৰশে}ত সৰ বিশ্ব জানা হতে বাজ। স্বাপনি স্তম্ভেন্নতি এই প্রয়াক্ত থেকে তির, তবৃও আগনি টানের থেতে মতিন। সৰ বিশ্বই আপনা খেকে উত্তত হয়। নিসেনেহে ব্যাপনি সর্বনারপের করেণ ভগবান প্রীবিষ্ণ, অর্থাৎ সমস্ত 🚧 ক্ষাটের কালোক। কোটি কোটি করে পর প্রসারের _{প্রমা} ক্রম ক্রম্ভ এবং অধ্যক্ত সম তিমুই মানলভিন বার ক্ষানে হতে যাই, ভখন পঞ্চনহাড়ত দৃশ্ব তথাকে প্ৰেৰ ক্ষের এবং বাক্ত পদার্থসমূহ অন্যক্ততে লীন হরে বার। ভূমে ক্ষান্তগেতনাগ মামক আপানিই বর্তমান ধারেন। হে গ্ৰহতির প্রবর্তক ৷ এই অন্তত সৃষ্টি বে কালের নিয়েশাবীনে কর্মে করছে, নিমেন থেকে ৩ঞ্চ করে করা পর্বন্ত সেই মহাকাল বিকৃষ্ণরূপ আপনারই আর এখনী कृत्य । अञ्चलमान्न जीवना-निकारमञ्ज जना जाननि कार्यका নিরন্তারালে কার্য করেন, কিন্তু আপনি সমস্ত সৌভাগ্যের বাসর অধি সর্বত্যেকারে আগনায় দরশাগত হই। এই ৰত ৰূপতে কোটাই বিভিন্ন গ্ৰহলোকে পদায়ন করেও রূপ-কৃত্য-কারা-ব্যাধির ক্ষকা থেকে মৃত্য হতে পরে না। ক্ষিত্র, হে জগবান, আপনি এখন আবির্ভূত হয়েছেন বলে মুদ্ধা আগনার করে পলারন কাছে এবং জীখের আগনার কুণার আপদরে জীপারপদের আপ্রয় বাভ করে পরস শক্তিতে অবস্থান করছে। হে ভগৰান। অংশন আগনায় হতের সমত কর বুর করেন, ভাই আমি আপনর কছে প্রার্থনা করি, আগনি অত্যন্ত ভয়ন্তর কংগ্রের ভয় খেকে আঞ্চদের রক্ষা করুল। কেনীরা ধরতে আপদার বিষুদ্ধপ ক্ষনি করে। করা আড় চপুর হারা দর্শন করে, তালের নিকট হল্লা করে আপনি এই রূপে গোচরীভূত করংকে না। হে মণুস্কা। আগনরে অবিভাবের কলে অমি কংলের ভয়ে অধিক খেকে অধিকতা উথিয় হরেছি। তাই কলে মাতে মুখাকে যা পারে বে, জাপনি মানার সূৰ্তে স্বান্তত্ন করেছেন, কুলাপূৰ্বক আসমি জন উপায় কলন। হে কণবান। আপনি সর্বব্যাপ্ত পল্লমধন এবং শব্ম, চন্দ্ৰ, কৰা এবং পৰা সুলোভড আপনাৰ চিহন চতুৰ্দুৰা মাণ এই স্থান্যভাৱ পক্ষে প্ৰথাক্ৰাবিক। বায় কৰে আগনি আগনার এই রূপ সংধ্যুপ করম (এবং একটি শাধারণ নয়লিওর রাণ ধারণ কক্তন, যাতে জামি আগতকে কোথাও লুকিছে রাখান চেটা করতে পরি)। গেলের সময় সমগ্র চরচের সৃষ্টি জাপনার চিত্রা সরীত্রে

থকে করে এক আপুনি জনারাগে হা ধানে করেন। কিন্তু একা সেই চিন্তর রূপ করেনে পর্বে কর্মানে করেছে। মানুব হা বিশ্বাস কর্মতে প্রবেচনা এবং ভাই আমি ভাগের উলহাস্যাপক হব।"

कनदाम दशालाम—"(इ. शटी, चाटश्रुद मणवंदि তোমার পূর্বজন্ম স্কৃমি পৃদ্ধি নামে চলগ্রহণ করেছিলে क्षर वमुस्य दिल काँछ जुनाराज शब्दा ग्रह मृहणी। গুরেশ্র ডোমবা ক্রছার আবেলে প্রকান্টির জন্ম ইলৈবসন্ত সংৰত কলে কটোড় তথ্যসূত্ৰ কৰেছিলে ৷ কে পিডা! হে মতো! তোষনা বিভিন্ন ঋতুতে ৰবাঁ, বায়ু, রৌত, প্রবল আপ এবং ক্রেড বীত সহা করেছিল। গৌগিক প্রালাক্তরের দারা কেন্তের অভ্যন্তরে বাস রোধ क्टर अन्तर पारका जब भागा । बाहुमात स्मर्का करत ক্ষেম্বর ক্ষেমনের হুলর কলুবমূক কর্মেছেল। এই ভাই আমার কাছ থেকে বর লাভের আগতে ডোমার পার্যাচার আমার আনাংশ করেছিল। এইডাবে তেখের আমার (চতনার (কৃষ্ণভাগনার) বার হতে বারো হাকার চিবা ৰণের বরে করের কণের করেছিল। হৈ নিম্পাণ হাতা বেবকীঃ নিবন্তৰ ক্ৰছা এবং ছব্লি সহকাৰে স্থানহৈ মানের কথা দিয়া করে করেনা ত্রপানার সেই বাংলা शक्ता निव करणा परिजान स्टान, वाजि (कामराना प्रति অতাত প্ৰসন্ন হয়েছিলমে। কেছেতু আমি ত্ৰেট কাৰতা, ভাই এই কৃষ্ণমণে ভোজনের সম্বাধ আনির্ভত চরে ধ্যেমনের কুমনা অনুসারে আন্তর কাছ থেকে বা প্রার্থন ক্ষাক বলক্ষিত্ৰ। ভোষা কথা ক্লি আমাৰ মতে পুর লাভের ইন্স্য প্রকাশ করেছিল। ভোমর, নিগেরান দশাতি হৈশ্বনার্য আকৃষ্ট হরে দেবযারার প্রকাবে আনর হতি চিবর প্রেক্তাত আমাকে তোফাদের পুত্রমণে আকালতা কড়ছিল। তাই জেমনা এই জড় কগাতের বন্ধন কেৰে মৃত্যি জনের করনি। আমি চলে বাবরম পর, সেই বর প্রাপ্ত হয়ে বেফেরা আমার মতো পুর भारतक क्या देशपूर्वार्थ कालान करतिहरूम अवर पानि ভোষকে বাদনা পূর্ব করেছিলায়। ইছলোকে ভোষকের মধ্যে সকরিত্র এবং সবগড়া প্রকৃতি ৩শ সম্পিত অন্য কাউকে মা কেৰে, মান্তি পৃথিপত নামে ভোগাদের পুরকাশে সাধাহণ করেছিকান; পারবরী চুগে করন ভোমৰা পুনৱাৰ আদিতি এবং কৰাপ্তমংশ আবিস্কৃত

হয়েছিলে, প্ৰথম আমি জোডাদের প্রক্রপে জন্মগ্রহণ ক্ৰেছিলাৰ। তথ্য আমার নাম হয়েছিল উপেন্দ্ৰ এবং ৰবাঞ্জি হুওলাৰ ফুলে আমি কামৰ নামেও বিখ্যাত হর্মের্জার। হে সতী। সেই আর্থিই এক্স তৃতীয়বার ভোষকে প্রকলে ক্রাপ্তক করেছি। আমার এই কঞ সভা বলে স্থানৰে। আমার পূর্ব জান্তর কথা স্থাবদ জ্যানত জনাই আমি ভোমাদের এই বিফরণ প্রদর্শন कंदिरहरि। का ना स्टम्, आधि यसि अक्षि जाशायन ন্যশিভ্যাপে আবিউত শ্তাম, তবে ভোজো বিশাস কাতে मा (इ. दीविश्रवे रहाभारमा शृक्षकरण चार्किहर इसाराहर) ভোদনা উভয়েই ভোষানের পুরুষণে আমার কল চিন্তা 🗱 কিছু তোমরা স্কান বে, আমি ভগবান। এইভাবে কেপ্ৰক নিবল্প আমান চিল্ল করে খোমরা গরম সিধি লাভ করবে, অর্থাৎ ভগবদ্ধায়ে কিলে বাবে।"

ইলৈ ওক্ষের গ্রেপ্তামী বললেন—"এইভাবে ওার পিতা-মাতাতে উপদেশ দিয়ে ভগবল ঞীকৃষ্ণ নীবৰ इर्पाहरकात । छोटान् अवस्त्राचे किनि छेल असदावा गरिन्द যাত। নিজেকে একটি গ্রাকত নিততে জলাভরিত করেছিলেন। কের্নাৎ, ডিনি নিজেকে তার আদি স্বায়নে রাপান্তরিত করেছিলেনা—কমান্ত ক্রাথনে স্বর্হা () ভারণার ছপন্যনের অনুক্রেলোর বসুদেব বন্ধা নবস্কান্ত শিওটিকে কোলে নিয়ে স্তিকাশ্য থেকে বাইরে নিয়ে বাঞ্চিলেন, ঠিক সেই সময় ভগবাঢ়ের চিন্তরী শক্তি যোগমায়া নক মধ্যর।ক্ষের পার্ডীর কন্যারাপে ক্ষান্তহণ করেছিলেন। বোদনারার প্রভাবে সমস্ত ধারকারকরা ইন্সিববৃদ্ধি রহিত

হবে গভার বিধার মধ্য হবেছিল এবং জনাতে প্রবাসীরাও গভীর নিরায় অভিভূত ক্রাধিকে। স্বর্ত উমরে যেমন অক্ষকার আপনা পোকেই দুর হলে বাং ডেমাট, প্রীক্ষাকে কেলে নিয়ে বসুদের সমাধার চল্লা মাত্রই সৌধ খিলকযুক্ত শৃশ্বলের হারা আবহু বিশাল কলাচতলি আপনা খেকেই উপুক্ত মুয়েছিল। কলা বেত मक प्रक शर्काम महकारत वाकि वर्तन कहा कि बरका ভগবানের অংশ অনন্তলেকরণ করেন থেকেই বস্তাহ এবং তার চিশ্বই শিশুটিকে সেই বৃষ্টিগাড় থেকে ক্রম कारत कन्। केंद्र कक्ष किलात करत कर्एश्ट्रवर काराहरू করেছিলেন। নিবন্তর ইত্তথেকে বর্তপে যমুনা মলী গভীব জনবাশির বেগজাত তরকে কেনিল এবং ভর্নত ভাবর্তসমতে আকৃশ হরেছিল। কিন্তু সমুগ্র ফেডারে ক্তপত্তন শ্রীনামচন্ত্রকে সেতুসক্তন করতে মিয়ে পথ প্রধান करहिल, रभूना नमीध श्रिकार रमुखबुद्ध वरी नाव হওয়ার পথ প্রদান করল। করু মহারাজের পুরু গৌতে বস্থেৰ দেশলেন বে, সমস্ত গোপেরা গভীর বিজ্ঞান নিভিত। তিনি তবন তার পুরটিকে যুশ্রেমার বহাস স্থাপন করে যোগমাধাকশিশী উত্তে কমাকে প্রধাপুর্বত भूमताह करामत सावागात किता वागहिरका। रामान সেই ক্যাটিকে দেবকীর শব্যার স্থাপনপূর্বক উার পারে পৌংশুৰূপ বছন কয়ে পূৰ্বের মডো আবছভাবে অবহান করকেন। প্রসাধপাত পরিজ্ঞার মলোগাদেবী গভীর নিজ্ঞা আছ্যা হয়েছিলেন এবং ভাই তিনি বৃৰতে পাংকেনি তাৰ **পর হ**রেছিল, বা কন্য হরেছিল।"



চতর্থ অধ্যায়

কংসের অত্যাচার

टील क्षत्रपर (शाकामी क्लालन-"(३ प्रशासक পৰীক্ষিত, তথ্য প্ৰয়েষ্ট অন্যন্তকো এবং ৰাইবের ব্যক্তসমূহ

শকা থেকে জেগে উঠেছিল। ভারণর, সমস্ত গ্রহরীয় नीपाद एकाकशास करणात कारक शिरत एमासीय मचारना পূৰ্বের মতো বন্ধ হয়ে থিছেছিল। শুকল গৃহবাদীরা, জল স্ংবাদ প্রদান কাবছিল। আভান্ত উৎকঠা সহকাটে বিশেষ করে করারক্ষকেরা, নক্ষাত শিশুর ক্রখন ওয়ে এই স্বোদের প্রতীক্ষারত কংস ভংক্ষাৎ হার কার্য _{প্রশাসন্ত} তদশন গরেছিল। কলে ডকা অতি শীর ঠার লালা প্রেক ভবিত হতে চিত্ত করেছিল, এটি হতে কল, বে আনাকে বাধ করেনে জন্য জন্মইনের করেছে! এইভাবে ্র্যান্ত হবে কলে স্বস্তুকেশে শীঘ্রই সৃতিকাগৃহে উপস্থিত

আহার দেবকী কাভবভাবে কালের কাছে আবেদন কর্বেরাসন—"হে লাভা, তেমার কল্যাশ হোক। এই क्यादिक स्था करा मा। तम खेरवाटक रकाशन न्यरम् ন্ত্ৰ। স্ত্ৰীহত্যা করা তেমের উঠিত কর। হে বাতঃ মধ্যে মেলায় তৃত্তি অধির মতো উ**ল্ফল** এবং সুলর আমান পুরালের হত্যা করেছে। এই কল্যাটকে দরা করে পুনি হজ্য করো দা। একে উপহাবক্ষাণ আমাতে প্রদান हत। (द शरका, (र जारुः, **म**रहमनियीमा दशकार करन আমি হাতান্ত দীনা, কিন্তু তবুও আমি ভেয়েয়া কনিষ্ঠা তগ্নী এবং তাই আয়ার এই শেষ সম্ভানটিকে ডোমার ইনহার-সামণ্ প্রদাস করা উঠিত।"

শ্ৰীল গুৰুদেৰ গোৰামী কালেন⊸"এইভাৰে ৰন্যাট্ৰে আনিকৰ করে কাত্রভাবে ক্লনে করতে কাতে কেকৌ কংসের কাছে সেই শিশুটির জন্য প্রার্থনা ক্ষানেও বুবাৰা কাস ওাঁকে ভৰ্কাৰ কৰে ওঁল হাত অকে কল্যাটিকে কলপূৰ্বক ছিনিয়ে নিয়েছিল। বিবট ৰাৰ্থের কাৰতী হাবে কংস ভারে ঋণীর সঙ্গে সমস্ত আৰীরেকার সম্পর্ক সমূলে উৎপাতিক করেছিল। সে ভবন স্থোজাতা ভাগিনীকে চরপ্রপদে ধরণ করে जनतम निरम्भुगरकं निरम्भुग करतदिन । *(*मेरे समाग्रीके सर्थाए হণকে উবিষ্ণা কনিইা ছগ্নী কোনাৰা দেবী কংসের হাও খেকে উধের্য উৎকিপ্ত হয়ে অকোশে অন্তর্গুন্ত थरेजवालुका मूर्गारभवीतारश शकानिता स्टबंड्रितनः । পুৰ্বাদেৰী কুলের মালা, চৰুল, সুন্দর ৰসৰ এবং কংফুল বৰালভাৱে বিভূমিতা হিলেন। তিনি তাঁর বাবে ভূক. दिगुण, नाम, शाम, भवन, मध्य, इता छ नवा सातन क्रिक्रिक अपर क्रकता, किंद्रत, देवन, निष्, झान, पदर्व আদি কৰ্গলোকবাসীয়া তার পূজার জন্য বিবিধ উপকরণ শৈন করে তান ককনা কারেছিলেন। তিনি তথন এই কথাওলি বলেছিলেল—'ওরে মহামূর্ব কলে। আমাকে শা শরে তেরে কি লাভ হবে? তেবে চিরশক্র ডগবল বিনি অবশাই ভোকে বধ করকো, তিনি ইতিমধেই

খনরে জন্মত্ব কাইল্লে) খতেরত নির্গক দীন শিক্ষের হত্যা কবিস মার্গ কংসক্তে এই কথা ক্রে দুর্গাচন্দ্রী বা যোগানার করালনী প্রভৃতি বিভিন্ন হানে আপুর্ণ, দুর্না, ভালী, তল আছি বিবিধ করে বিব্যাস্থা श्टर्गक्रसम्बद्धाः ("

622

ীৰুৰ্যানেবীৰ সেই ধানী ক্ৰম্ম কৰে কৰে অভান্ত বিশিষ্ট হর্ডেছিল। সে ভগন ভার ভারী এবং ভারীপতি বৰ্ণেক্তে গছন মৃত্যু ভাবে অভান্ত বিনীতভাবে বলেছিল—"হার ভাগিনী। হার ভাইপতি। আমি এতই পাণী বে, রাজ্যালয় বেজন নিজেনের সংগ্রন কবল করে, আমিও তেজন ডোমানের বহু সন্মানকে হতা। কর্মেছি। আমি বাহার মির্মা এবং নিষ্টর, ভাই আমি আবের সকর অবিভিত্তন এখা বছবাছবাদর পরিত্যাপ করেছি। धारुवर, भावि कानि या, क्षांचारीते यरका युद्धतं नह অথবা ভীবিত অবস্থার আতি কোন লোকে গমন করব। हाई, रक्तन प्रमुख्यांहै विशा क्या वटन जा, अस्म वि মৈন্ত বিখ্যা কৰা বলে। বাহি এতই পাপান্তা হৈ, আমি ফৈবলীতে বিধাস করে আসর ভাগীর সন্তামগের কা করেছি "

°ছে মহাস্থা লাশতি, ছোত্ৰানের সমানেরা ভালের অপুট্রের অনুরূপ কর্মকন তেগে করেছে। অভ্যান কালের ৰন্য প্ৰেক করে। মা। হৈতের নিয়ন্ত্রগাহীনে সমস্ত কীকো মৰ্মান থকরে কংকুন করতে পারে না। এই পৃথিবীতে যুভিকাজত কট, পৃতুল আদি বন্ধ বেয়ান প্ৰকট এক ভারপুর ছেলে গিলে ফটিতে মিলিত ইরে বিশৃপ্ত श्रुट चंद, राज्यमहै, रह जीएका नतीत किन्छ स्ट्रा वात. ক্ষিত্ত জীবাশ্বা মানির মধ্যে অগরিবর্তিত গাকে এবং তার कथनक कित्रम इंग्र ना (म इनाएठ इन्हमादन महीरत)। (प ৰুখি কে এক আৰ্ম ক্ষণ সভতে অধণত নয়, ভাই দেহাতবৃদ্ধি অভ্যক্ত প্রথম হয়। সেহ এবং সেহের সংস সম্পর্কিত বঞ্জর প্রতি আসন্তির কলে সে তার পরিবার. नमान अनेर लाहित गरम गरामाथ अन्य विद्वारत्मत क्षाता গ্ৰনীংকাৰে প্ৰভাবিত হয়। মতকা পৰ্যন্ত এই আনতি থাকে, ভতৰৰ ভাৰ সংশার-বছন নিহুত হত না। (काग्रांश टम पूर्व ।) टम कटा, टर क्यों (मवर्की: সকলেই দৈকো বিষয়ে অনুসারে তার কর্মানগ তোগ করে। ভাই, যদিও জোমন্ত পুরের দুর্ভান্যকর্ণত আয়ার धाता निरुठ १८५**१६ (मर्दे छ**ना महा **४**१त (महक करहा নাঃ দেহাপ্তবুদ্ধির হতন আগ্য-উপলব্ধি বহিত হয়ে, কর कींच करमाराभर साराकारात करामण (करक प्रदेश करता, क्यांमि হত হয়েছি*।* অথবা 'আমি আমার শতুকে হত্যা করেছি?' মূর্ব ব্যক্তি বভক্ষণ গর্মত এইভাবে কালুকে নিহত অথবা হত্যাকাৰী বলে মধে কৰে, ভতকৰ পৰ্যত শে কথ জনতের বছদে আবছ খেকে ভার কর্ম অনুসারে मुच अपर मृज्य (फांश करता। करम छोटान काल खारकान। কর্মেছল, 'হে ভগ্নী এবং ভগ্নীপতি, ভোমরা উভয়েই অতান্ত সাধু প্রকৃতির, অভএব স্থামন মতো দীন এবং পুৰ ক্ষৰ ব্যক্তির প্রতি তোমরা কুলা কর। ব্যাং করে তোমরা আমরে নৃশ্যে আচরপের ক্রনা আমাকে ক্রমা কর।" এই বলে কলে অক্রমুখে বসুদের এবং লেবকীর। পাত্তে পভিত হয়েছিল। দূর্বাদেবীর বাণীতে পূর্বজ্ञতে বিশাস করে, কংস থেকণী এবং বসুদেবের প্রতি অর্থারতা অপর্যাপুর্বক তামের লৌহপুর্যালর বছন মৃত করেছিল।"

"দেৰকী ৰখন দেখলেন যে, উল্ল আন্তঃ পূৰ্ব নিৰ্বাহিত चीनावनी विद्वारत करत यथावी चन्छन इटाएड छचन ठीत मध्य दकार पूज एस निराधिन। यमुस्यय **ब्राह्मक एक एरा क्यारक वर्ताहरूक। ऐ पशस्त्र** কংস, অঞানের প্রভাবেই কেবল ফার্য কর সের এবং সা, সেখানেই তার। তাদের বীবত প্রদর্শন করে। ভার আহলার গ্রহণ করে। এই দর্শন সম্বচ্ছে শুমি বা বলেছ তা ঠিক। আৰুজানের অভাবে, দেহাপুর্নি, সম্বিত মানুবেরা 'এটি আমার' এবং 'এটি অন্যের' এই তেমভাব সৃষ্টি করে ৷ জেনপৃষ্টি-পরায়ণ ব্যক্তিয়া লোক, হর্ব, ভয়, কেব, লোভ, মোহ, মদ খানি মাড় গুড়ি সম্বিত। ভারা নিমিত্ত কারণের বারা প্রভাবিত হরে নিরোক্তরণ করে হয়, কারণ তাবের পরাম কারণ ভাগরান সম্বাচ্চ কোন জ্ঞান *ভৌই* ?

ইট্ৰ ওক্তৰ গোখানী বললেন--"বেধনী ও বসুমের প্রস্থা হরে এইভাবে নিছপটে কলেকে সভাবণ করলে, কংস ভারের অনুমতি নিরে ভার গুয়ে প্রকেশ ফরেছিল। ভারণর নেই মারি মতীও হলে, কংস ভার মন্ত্রীনের করেন করে মোগফরা ভাকে যে কক বর্ত্তাহ্য (বে ভার কিন্যুৰক অনা কোথাও সক্ষরতা করেছে) তা कर्मनरप्रदित। द्वाराह्य श्रमुत याका करन करन विर्यालयातम्, দেবছেকী এবং অমিপুৰ ভাসুরেরা কংসকে এই বলে

উপদেশ নিমেছিল। তে ভোজনাত, যতি ভাই কয়, স্থা হলে আৰু থেকে আমতা সমস্ত প্ৰায়ে, নগাৰে কেচ গোচারণ ছুমিতে দশনিনের ঋথনা ধর্ণাদন থেকে এবট কেলি বয়কোন সমত্ত লিওমের হত্যা করে। কেবভার সর্বদা আগনার ধনুকের তাল আকর্মণের সক্ষে উল্লিয়চিন্দ্র। ভারা কৃষ্ণভাক এবং উলিঘচিত। ভাই, ভারা আক্রান্ত থানিষ্ট করার ভেটা করেও কি করতে পারবেদ খালনার বাণ নিকেপকালে করৈকজন দেবতা অধ্যের ভাসা নিক इट्ड बेहार जानाम नेबट्डल (बंदक नगरसन्त्रक ब्रह्मांका কয়েকজন দেবজ প্যাক্তিত এবং অন্নবিহীন হয়ে সুদ পরিভাগে করেছিল এবং কৃতাঞ্চলি হলে আপন্যা ভং করেছিল। কেউ কেউ মুক্তকছ এবং মুক্তকেশ হয়ে আপন্তে কাছে এনে ব্যাহিন, 'য়ে গ্রন্থ, আমল কাপ্তের ভৱে অজন্ত জীৰ হয়েছি।" আগদি কান দেখলে। 🙉 গেবতারা রখপুনা হরেছে, কিভানে অলা হাংগ্রে করছে হর কা কুলে শেন্তে ভারা অভ্যন্ত ভরতীত এবং বৃত্তে चामक म राज चना विश्वतंत्र श्राठि चामक, चन्न তাদের ধনুক ভেকে গেছে এবং বৃদ্ধ করার সমস্ত ক্রমন্ত উরো হারিয়ে কেলেছে, উখন আপনি ভাষের ২২ कदाननि। (स्वाजाता वेश्वन युक्तरका (शतक मुद्रा बाह्य-ড#নই কেবল খননা বৃধা দল্প করে। বেখানে বৃদ্ধ হয় ্রবই স্বয়ন্ত দেকজনের থেকে ভার করার কোন করন নেইঃ বিষ্ণু সর্বন যোগীনের হাদক্তে নিভত স্থানে বস করে। শিব কাবাসী হয়েছে, আর রক্ষা সর্বদাই ভলসাধিত। ইন্স আদি অন্যান্য দেবজনা নিতাকই শতিকীন। ক্ষতএর আপনার কোন চন্দ্র নেই। কিন্তু তা সতেও ভাষের শক্ততাবলত দেবতাদের উপেকা না কর্টে আমাদের অভিযক্ত। তাই তাদের সমূলে উৎপাটিত करान कर जाएन मेरन युद्ध चायारनी अर्थ काम, কারণ আমরা আপনার অনুধানন করতে প্রথাত। সোগ বেমন প্রথম অবস্থার উপেক্ষা করা হলে বছসুল হল এন তার প্রতিকার স্বাসক্তব হয়, অথবা ইন্দ্রিরঙলি বেন্দ श्रयदम् क्षेरेक्छ वा काश दरम्, भरत जारमत क्षेर्विक का অসম্ভব হয়, ডেফাই পঞ্জক ধৰি প্ৰথমে উপোৰা ধৰা হর, তা হলে গরে ভাগের গরাভূত করা অসম্ভব হয়।" "रियुक्षे (एयकारमञ्जू धूम। (राचारम वर्ग, मनस्टम

_{প্রাম্বরিত,} বেল, গাড়ী, প্রাক্ষণ, তপন্যা একা উপবৃক্ত ুলিলা সহ বভা অনুষ্ঠান হয়, সেখানেই তিনি অবস্থান _{রালে} এবং পৃথিত চল হে রাজন। সংক্রোপ্তারে প্রকরে ক্রড়ত অনুবামী আমরা মন্ত এবং তণসরপরক एक्टि अध्यक्तान इंड्स कहन थया, बरलक्ष वि छेरनामरूस কৰ দুধ সাম্বাহ কৰে বে সমস্ত গাড়ী, অনেরও হত্যা क्रदर्श आकृष, बाडी, टेर्सान्क खान, छशन्त्रो, भेख, खा _{क्रम} <u>इस्</u>ति गरवर्थ, क्षणा, प्रमा, गरिकृत्व क्षमेर कक्ष विकृत म्हीद्भार विकास क्षत्र क्षत्र (मधनि देवी मछाका विकास ব্ৰুপদৰে। স্বান্তৰ্গমী সেই বিষ্ণু সৈতাতলা প্ৰয় পত্ৰ-প্রবাহ করি জনকে কলা হয় আনুবাহিট্। সে মহেশব এবং ह्यान्त् अस्य स्वयद्भात्तं द्वाता स्वरं प्रशतं स्वदंग चेत्रः অধ্যে করে বর্তমান। থবি, মহাত্মা এক বৈধাবেরত মধাত্মানের উৎপীয়ন করে, তথন হার আৰু, সৌন্ধর্ব, वार केंग्स निर्देश करने चारक। करि, टेनकार्यमा शिला কুৰাই বিশূৰ্ক হৰ কন্তন একমান উপায়।"

क्षेत्र तकरूपचे (जानार्वी चलरूपच--"व्यवारसः द নিয়মের বছনে বছনত পুর্যাত লৈতা কলে তার অসং মন্ত্ৰীলের কেই কৃত্যক্রা কিচেমা করে, সংখু একা প্রাণালকের প্রতি হিংসা করাই নিজের জন্দ স্বাধনের একমাত্র উপায় বলে নিৰ্বাৰণ কৰেছিল। কংকো অনুচৰ এই সমস্ত चामुरस्या चमारमञ्ज, विरूपः करता देशकारमञ्ज देशसीन्तर्यः অত্যন্ত দক্ষ ছিল। খনর ভানের ইক্সে অনুসারে বে কেন রূপ ধারণ করতে পরিত। করে এই সমস্ত অসুবারণ কর্মা ক্ষম করে সাধুকে উৎপীত্ন করত অনুমতি দিয়ে, তার প্রামানে প্রবেশ করেছিল। করু এবং প্রয়োগ্রাপর যারা আছর হিতাহিত জনপুর, জালা মুড়া অপুরের সম্পূর্ণের উৎপীয়ন বর্ত্ত কর্তেছে। হে রাজনু কেওঁ বৰন ষণ, বৰ্ম, ফালবৈদ একং স্বৰ্গলোকে উচ্চতি আদি সমস্ত মন্ত্রপ ও স্পর্টিক তরে তিনট হতে বার।"

卐

পঞ্চম অধ্যায়

নন্দ মহারাজ এবং বসুদেবের মিলন

ঞ্জি ওচনেব গোস্বামী কা**লে**ক—"নৰ মহাবান দিলেন কৰাকতই উদায়তিও এবং জীকৃষ্ণ কৰন উল্ল পুরুষ্ণে অবিভূত ছ্যেছিলেন, তথা তিনি আন্ত্রণ হিন্তুৰ হয়েছিলেন। ভাঁকে সাম করিয়ে এক করং প্রিছ হলে তিনি বস্ত্র এক অলক্ষানে সন্দিত্র হমেনিকের এক ফেল রাখাণদের মিহনুগ করেছিলেন) সেই প্রাধানদের বার্তা পরিবাদন করিছে ডিনি কথাবিধি পুরের জানেকর্ম সম্পাধন করিছেরিবলে এবং দেবতা ও পিতৃপুকরণের পুকার আয়োজনও কংগ্রেছিলেন। নাক গ্রহারাক্স প্রাথন্যায়র বার क्या क्रमकार विश्वविध कृष्टि साम आन् अस दशरपूर ও সেক্ষরে জনির কাজ করা কথের জন্ম আনুক সাকিট তিলের পর্বত প্রদান কর্মেছদেন।"

আসের স্বারা কেই তার হয়ং শৌরের স্বারা অপবিত্র কর তম্ব বৃহ সংঘাৰে বাব অৰু তৰ ব্য় উপস্থার বাবে ইতিয়া ওছ হব, পুজার হার প্রাক্তণ ওছ হন, সামের ছারা জড় সম্পত্তি এক হত সংস্কৃতিক বাল কৰা কৰা হয় এবং যান্তমনের রার্য বা কুকভক্তির হার। আহা এছ হত। ব্রাঞ্চলেরা সমস্ত বাতাবেশ পরিপ্রকারী প্রস্তুলমর বৈশিক হত্ত পাঠ করেছিলেন। সূত (পৌন্নাণিক ইতিবৃত্ত কথক), মানাধ (রাঞ্জবংশের ইতিবৃধ কীঠনকারী), কমী (ডুপছিড বিষয় বৰ্ণনাঞ্চিত্ৰী) এবং প্ৰয়োকৰা স্তব আদি কীৰ্তন করেছিলেন। তথন ভেনি এবং দুখুতিও নিনাদিত হার্যাহল। নশ স্থানালের কানস্থান প্রকাশন বিচিত্র সংক্রা, প্তাল, মুক্তে মাধুর হার নির্মিত ছেলে, ব্যাপত এবং ঁহে রাজন, কালের স্থারা ভূমি প্রভৃতি করে ওক হয়। অনেশার্মকা ভার সুসন্ধিত স্থাবিদ। স্থার ভাসন, বার

ও মধাতাপ সুক্ষভাবে মালিড হয়েছিল এবং টেড হয়েছিল। পালী ধূৰ এক গোৰখনতে সমূভ দরীর হুপুদ, বেল এবং নালা গ্রেড্র খনিকের ডিগ্রেদ লিপ্ত श्राहरू। जाएक मञ्जूक मधुननृष्ट्रक साता विद्वारण शासिक अन्य कुलवामा, यञ्च 🛎 🐃 फलकारतर वाता कारमध् विस्थित क्या शुराधिम 🗀

"হে মহাবাজ পৰীক্ষিৎ, গোপন্তৰ বৰমূল্য বস্ত্ৰ, আতরণ, কৰুৰ এবং উঞ্জীয়ে গোডিত হয়ে, কৰা প্ৰকাৰ উপহার হাতে নিবে লক মহানাজের গৃহে এসেরিবান লা বল্যেশার একটো পুত্র হয়েছে ওলে গোপারা অন্তর্যন্ত আনশিও হতেহিলেন এবং করে বন্ধ, অলকা, ভাকল হান্ত্রতি দ্বারং নিজেনের লাজান্তে গুরু করেছিলেন। নব বিকশিত কুছবের কেশতে সুখপর সুপোর্তিত করে, গোপস্ত্রীপণ উপহার হাতে নিমে মা মনেধার দুহাভিত্ত প্রস্থান করেছিলেন। স্টালের স্বাভারিক স্টোপর্যকরত তানের নিতৰ ছিল বিশাল ও ক্তন্যুগল সুডৌন এবং শ্রুত পতিতে সম্প কবার ছলে তা সভালিত ইছিল। গোলীবের কর্মে আডাল্ল উচ্ছকা মধিমার কুওল এবং कंडरमर्थ्य नामकमधूद अवर एखपुगरक कार स्थाधा भागित्य । क्रीया बिहित क्ष्मन नहिपार कार्याहरूकन अवर তাদের কেলাগ্র থেকে দৰে ভূগা খাতে পঞ্জবিল। এইডাবে গোপীর যখন লগ মহানাজের গুরু বাঞ্চিলেন ध्यम डारमङ क्रम, भरताक जनर प्राम चारमानिछ হওয়ার জার অপূর্ব সৌন্দর্যমন্তিত ইয়েছিলন। গোপস্তী धारः (मानकन्त्रायभ न्यकाधः निक् कृष्यदक कानीर्यत कटा বলেডিসেন, "ভূমি একের ব্যক্ত হয়ে সমস্ত এককাশীদের भागम कर 🗥 छेला इतिहाइर्ग दक्त रेडन बिक्टि सहनत ভাষা ভাগবানকে অভিনিক্ত করে ভ্রতিগান ক্ষেত্রিকে। এইভাবে বিশেষর অনন্ত শ্রীকৃষা নালগতে সংগত হলে, सराप्याय विकित यामानभूष वर्षन्य श्राप्तिन । वानापा গোপেরা একে জনাকে দদি, ক্রীয়, স্বাচ এবং স্কল স্বাধা দিক্ষা এবং নদীয় হারা বিলেক্স করতে করতে সেই সমশু ধৰা ইতবাৰ্চ নিকেও কর্মেছিলন। মহামতি নক भगवान वैदिवुष्य क्षत्रप्रजा विवासित सन्। ध्रमक लाग-গোলীদের বছু, অলকার ও গাড়ী প্রদান করেছিলেন এবং

বিয়োলভীবীদের ফডিলবিত হবা গান করে ইতিহু সমুক্তিনিধান করেছিলেনঃ বলংগলৈর মাও। মধ্য মেডালাগতী জেমিনীমেনীও লক মহাধাক্ত এক সংখ্যা मारतात काता अन्यानिका करगोल्यामा और विका गा। स्थान কর্মভাশ অর্জি অলম্বানে নিশ্বনিতা গরে তিনি সমাধ্য ইন্দ্রেক্তার সক্ষান করার জন্য ইতক্ত কিবাৰ করেই

^নছে মহাভাক পরীক্ষিত। নাম মহারাজের পুচ क्ष्मबाद्यस्य क्षम्य केस्त द्वित्रस्य क्षमध्यक्षेत्र मासक वास् । क्षरे क्षा अर्थमाई अर्थ सेमार्थमिकः। कृत्व क्षिकृत्यान অবিভাবের সময় খেকে ভা লক্ষ্মীদেবীর বিহারত্বর হরেছিল '"

ত্ৰীল ওকাচৰ গোন্ধাৰী কাচলেল—"হে কুঞ্ কুলবুক্ত মহারেজ পরীক্তিৎ, ভারপর নগ হহারার মেলদের কেবুল রক্ষা নিযুক্ত করে কাসের বার্মির হুই প্রসামের করা মধুরায় কমন করেছিলেন। কসুক্রের করন জনতে প্রেভিবেদ হে, তীয় পরত বন্ধু ও রাজ্য নদ महाताक मधुराव अरम(धन अवर करमदक कड अमन करवरका, कृष्ण रिनि मण महातारचात बामकारम भूक अरतिहरूत्व। तथा वदाद्यांच घथन एवरराम (६, वनुसर কার সংক্র সাক্ষাৎ করন্তে এসেন্ডেন, স্থান তিনি প্রেছ এবং সেহে অভান্ত অভিভূত হর্মোপ্রদান, যেন জান মেহ প্রাণ বিধান বাসেছে। তথন কিনি তার দুই কছে। ধরা वमूरभवद्ध धानिकर कातक्तिका 🖰

"ৰে মহারাজ পরীক্ষিতা নাম মহারাজ কর্তৃক এইজনে আদৃত ও সম্মানিত হতে মসুদের সূত্রে উপ্রেশন করেছিলেন এবং তার দৃট পুরের প্রতি রাজীর প্রেদের বকে তিনি ভাষের সহছে গ্রন্থ কর্তেছ্রেন। 🗯 রাভা নৰ মহাবাদ। এই বৃদ্ধাবস্থার জ্যোলার পুরা কারের কেন অলাই ছিল মা। ভাই সভাতি কেমার বে পুর জনাাল করেছে, স্থা মহাভাগ্যের বিবয়। স্বাগান্তব্য স্থানি আদ ভোগাকে ধর্মন করলায়। এই সৌভাগ্য দান্ত কবে আমার মনে হলেছ ফো আমি পুনর্জন্ম পান্ত কবেছি এই সংসারে অন্তরন বছর সাক্ষাৎ এবং প্রির আর্ছীদের দর্শন ফতান্ত দুর্লন্ড। নদীর ভরত্তে ভাগমান ভূগ, কট ক্তার কলে সর্বত্যেক্তারে জ্ঞার পুরের মদল বিধান। ইত্যাদি বেখন নদীর মোত্রেগের ছারা বাহিত হতে ক্ষরেছিলেন) তিনি সূত, ধাপুধ, কণী এবং একজে থাকতে পরে না, তেজনই আমরাও আর্মনের লাল নতুশাৰ্থ পেই আৰ্থিয়াইজনামৰ সামে একান্ত অনস্থান ক্ষেত্ৰ ছবিটি ফনাইড অনুষ্ঠান স্থান নিৰ্মান্ত হ'ব কা ক্রান্ট পাবি না। হে সম্ম নক মহাক্রজ কুনি কেবানে ত্যোগত বহুকের সংক্র নিকিত চয়ে থক করত কেই কা ৰাজ্য আহি পণ্ডালৰ কৰে অনুক্ৰ কোণ ভাৰি **আৰা** क्षीर क्षिमार्क काम खाला क्षी अरु द्वापड काम আসুবিধা নেই। সেট স্থানে নিক্তমত কাবই কল, যান ক্রম তুলক্তন্ম প্রবাদ। আনার পুর বলানত সুমি থকা (প্রমোত পান্ধী মহলামা দেইবৈ কারা লালিত পালিত হয়ে। কলেকে বর্মিক কর প্রমান করে। এক আলক সাসক তোমালেই লিড়া একং ছাড়া বলে মনে করছে তোং ভোমার পুরে মে ভার মহতা বেহিনী সর কৃশ্যান ক্ষরতান কৰছে তোঃ আধীৰখনৰ এবং বৰ্ষজনেৰ বৰু হুখান্ত্রকারে অবস্থিত মাকেন, তথন বৈচিত নির্দেশ क्षमुभारत दर्व, कार्य असर काल मून्यमालिक वच । क्षा म एटम, मूक्सप्रमंत्र (gon दिनश्चित एटम और किर्मा मूचमाइक 要利門

লক অধ্যন্ত্ৰৰ বৰ্ণাসনি—"শুৰ ব্যক্তা কৰে কেন্টেয় পর্যকাত ভোমার বা পুরবের হুটো করেছে। করিছ

প্রতিত পর্বতি এলা কার্ণের ভারতে উপতিও ১৬লাব কাক, একটি আর কারা অর্কেনিয় ভিল কেও ফরিকান্ড গুলে জনুকা কাজৰ নিৰ্দিন্ত কৰে। অৰ্থণ, অৰণাত কৰেই कार्यक पृष्ठ क्षथरा स्थार भारत देव दक पृष्ठ स्थान 'কন্য করু বাদক বা তালন ভাও অনুষ্ঠিন ভাষেই করে অনুক। অনুষ্ঠে কা বিষ্ণু পরম নিরুছ। যে বাকি জ ক্ষান্তে, ডিনি কথনও মোহিত হন না।"

বন্যুদ্ধ 🗪 হংগ্ৰেডকে সকলে 🧸 হৈ হাতঃ, তৃত্বি ্যোমার সাক্ষেত্রৰ ক্রাকৃত্র, মনে তাবিত কিন পুনি এখানে বেকো না। পোকাল কিবে বাওৱাই তোমার পক্ষে প্ৰেয়ন্ত্ৰই, অনুন আমি জনি তে, সেবানে কোন উপায়ুৰ

ইলে ৩৬০েব গোৰামী বলকো—"বদুৰের এক মহাকাষ্ট্রতে এইড়ারে উপট্লে জিলা, সাদী গোলসাই সহ হল বহুনাক পদৃশবৈদ্য অনুষ্ঠিত বিশ্বে লক্ষ্যী কৃষ্ণ কোলন করে গোকুলে পঞ্জ করেছিলেন।"



ষষ্ঠ অধ্যয়

পৃত্না বধ

বীল ভকতাৰ গোলামী কালেন—"(ই ব্যৱস্) তথ प्रश्निक रचन गुरू त्रवापर्यम क्वरिसम् स्थ्न वंत्र यन হয়েছিল বে, বসুদেব বা বনেডেন তা মিধা হতে পারে না গোড়াল নিশ্মই কেন উৎপ্যতের তার ব্রেছো। तम प्रश्तास वयन केंद्र मुम्पत पूत्र हैं कृत्कर विभारत ৰূপ চিত্ৰ কৰ্মানুশন, ডখন তাৰ তীৰণ ১৫ চাৰ্মানুশ এবং তিনি ভগবান শ্রীহরির শ্রীপাদখনে শরণাসক হবেছিলেনঃ নক হহাহাল খখন গোকুলে কিবে सामिक्टरन, एका डीस्प च्छान वंत्रपटिनी प्रवास आकरी भूतरे करन कर्ड्क नियुक्त भूत नवट, छह, त्याके প্ৰভৃতি স্থানে শিংস্কৃতিয় কৰে জনশ কৰ্মনিশ

ेल लाक्या (६ हाएम शानुस्वतः करण, बीरक्ष्य जाति (এবগং কীতনং বিষেত্ৰ) ভগবহান্তির আৰু অনুষ্ঠান করেন, দেশ্যনে ব্রাহ্মন ইত্যানির স্তথ্য থাকে ল। তাই গোন্ধে তেখানে ভগবান বৰং বিরাজয়ান ছিলেন, স্থোমে ভাতের কোন সভাবনা ছিল না। একসময় কেলবিহাতিনী পূতনা প্ৰকাশী তাৰ আমালবিদ্ধ কলে এক मुमली महीद सम करूर करते, जाकामधार्म फेन्ट्रम करहरू কাতে হল আয়ানের বালন লোকুলে প্রকল করিছিল। ভাৰ বৃহৎ নিজৰ এবং কমবুনাগড় কাৰ্যে তাৰ কীপ কটিলের কেন ভারাফার ধর্মেকা এবং যে অভার সুক্ত

ৰদনে সঞ্জিতা ছিল। তাৰ কেশবছন যাপ্তিকা ফুলের মাদ্যৰ মধ্য অলম্বত হিল এক ভার কর্ণকৃতকের নীপ্তিতে উমাসত ভার মুখমতল কেলবালির ছারা সংলাভিত हरप्राह्म। (म प्रत्याहर शुम्) महकारत कॉनक निरक्तरभर ম্বারা সমস্ত একবাসীদেব, বিশেষ করে পুরুষদের হার চরণ শরেছিল। গোলীরা তাকে ছেখে মনে করেছিল, মেন মৃতিমতী লক্ষ্মীদেবী পদ হাতে উর পতি প্রীক্তর্জে দর্শন করতে এনেছেন। ব্যলখাতিনী পত্ন শিশু অবেবণ করতে করতে জনবানের লীস্কর্লানের ছারা গ্রেরিড হয়ে, বিনা বাধার হব্দ মহাতালের প্রতে প্রবেশ করেছিল। ক্ষরত অনুমতি না নিয়ে সে নক মহারেকের গৃহে প্রবেশ করে শব্যার শায়িত, স্বশ্বাক্যবিত বহিন মতে ভনর পঞ্জি नमंदिक निक्कालक प्रभंत करत्वितः ता वृक्षास শেবেছিল হে, সেই শিশুটি কোন সাধারণ শিশু ছিল না, সে ছিল সমত্ত অসুপ্রগের সংহাবক: শব্যার পাছিত, সর্বান্তর্বামী পরমাশ্ব। শ্রীকৃষ্ণ কৃষ্টে পেরেছিলেন বে, বালঘাতিনী পুডনা উাকে হতা। কবতে এসেছে। ভাই কেন ভরতীত হয়ে তিনি ঠার চক্র মন্ত্রিত করেছিলেন। পুতনা তথ্য ভার অন্তক্তরভাগ জীক্ষাকে তার কোলে ব্যৱস্থ করেছিল, ঠিক বেয়ন ঘূর্ব ব্যক্তি নিচিত সর্গকে রক্ষা বলে মনে করে ভাকে ভারে কোলে ধারণ করে, भूषमा राष्ट्रगीत रहत्व दिन घरशाव धरकत अंदर निहेत्. ভিন্ত ভাকে দেখে মনে হজিল কেন একজন ভাতিশয় রেহসিক্তা মাজার মাছের। ভাই সে ছিল ঠিক একটি কোমল কোৰমধ্যম তীক্ষমান তরক্ষিত্র মতো। তাকে প্রকের মধ্যে দর্শন করেও না মশোলা এবং রোহিণী ভার সৌশর্বে অভিভত হতে, ভাকে বাধা না দিয়ে নীরবে ফেখানে অবস্থান কর্মছলেন, কারণ সে শিশুটির প্রতি भारतर (वर् अन्ति क्टरिका) (तर् ज्ववदी स्वन्ती সেই স্থানেই জীকুমাকে কোনো তলে করে তার মুখে তরা স্তুন প্রদান কর্মেছল ে তার নেই জনার অভ্যন্ত তীপ্র বিবে শিশু দিশু, কিছু কলবান শ্রীকৃষ্ণ তার প্রতি খাতান্ত ক্রছ ছরে জার দৃষ্ট ছব্যের দায়া প্রবেশভাবে তার ক্রম নিশীক্রম ক্ষরেছিলেন এবং তার প্রাণ সমু সেই বিষ পান করেছিলেন। ভীবনের সমস্ত মর্মক্রানে অসহাভাবে পীড়িতা হয়ে, ্রতনা "আমানে চেডে মাও, আমাকে **एर.**फ नाव : च्यात च्यायात सम्प्रभाग करता मार्ग अहे

বলে ভিংকার করতে করতে সমাক্ত কেন্তে বেরুবাল বিশ্বারিত করে এবং চরণ ও বাস্থ্য বার বার হৈ ১০৮৪ বিক্তিব্ৰ কৰতে কনতে উচ্চাহ্ৰে ক্লালন কৰতে লাগেন পুতনার অতি গভীর আত্তনাদে লবং সচ পৃথিকা এক প্রহণ্য সহ আকাশ কম্পিত হরেছিল। সাভালব্যের o দিকসকল প্রতিধানিত হয়েছিল এবং মানুহের ব্যালাত ছচ্ছে বলে মনে করে ভয়ে ভূপতিত হয়েছিল। এইড্যুর কৃষ্ণ কৰ্তৃক স্তনভাৱে আক্ৰান্তা হয়ে পৃথনা আৰু বেদনার তার প্রাণত্যাপ কর্বেছল। হে মহানত পর্বাভিত। লে তার মুখ বাগেল এবং কেশরাশি ও হৃত্-গ্র প্রসারবপূর্বক তার রাক্ষসীরূপ গ্রহণ কবে, ইলোর ধরেন আলাতে নিহ'ড ব্যালুরের মতো প্রাণ হাবিতে লোটে পতিত হরেছিল।"

"হে মহারাজ পরীক্ষিৎ, পৃতন্তর বিশাল পরীর হবন ভূপতিত হয়েছিল, তথ্য বারো মাইল পরিমিত সাবে সমন্ত বৃক্ষ কিচুৰ্গ হয়েছিল। তার সেই বিশাল শবীন অত্যন্ত আন্চর্যজনক ছিল। সেই রাকসীর দুৰ ৰাজনের অগুড়াগের মতো তীক্ষ্ণ দর্ভবিশিষ্ট ছিল, নাস্করন্ত পর্বতের ওহার মতো গভীর, স্তন্ধর পর্বত লিখরচাত প্রস্তর্বতের মতো বিশাস এবং কেলরালি বিঞ্চিত্ত ও ভারকা ছিল। তার অক্ষিকেটের অন্ধক্পের মতো গভীর, স্বাহরণ নদীতটের মতো জীখন, তার বাব, উক্ত ও পদবুৰল বিশাল সেতৃর মতো এবং উদর্গট জলপুনা হুছের মতে ছিল। ইতিমধ্যেই লেই রাক্ষণীর চিৎকারে খোল এবং পোপীদের হামর, কর্ণ ও মন্তক কল্পিড হবেছিল। পুনর্য়ে তারা হখন তার ভয়খন শ্রীর দর্শন করেছিলে। ভাল ভারা আনও ভীত হয়েছিলেন। পিও কৃষ্ণক নির্ভয়ে পুতনা রাক্ষদীর বক্ষাস্থলে খেলা করতে লেখে, গোপীরা অভান্ত বিশ্বয়ানিত হয়ে মহা আনকে তাঁকে ওাঁদের কোলে তুলে নিয়েছিলেন, তারপর অন্য পোলীগণ সহ যা ফলোমা এবং রোহিনী গোলুফা ক্রমণ প্রভৃতি ক্রিয়ার বারা সমস্ত বিশ্ব থেকে পিও শ্রীকুক্টের সম্যক্তাৰে রক্ষা বিধান করেছিলেন। শিশুটিকে গোন্ত ছারা জন করিছে গ্লোধুলি জিপ্ত করা হয়েছিল। অবস্থা গোমায় পারা লগাট আদি ছাদল অতে ভগবানের বিভিত নাম লিখে তিলক অধন করা হুয়েছিল: এইকাৰে শিশুটির রক্ষা বিধান করা হয়েছিল। সোপীরা প্রথটে

প্রত্যাসপুর্বিক উপ্তেখ সালে এবং করেছে বীক্ষায়স করে, हारागद तामान्त्र अराज्य एमडे या श्रामा कार्तावरण ।"

্যান্ত্ৰাল ওকানৰ পোলানী মহাবাজ পৰাকিবতে _{ব্যুক্তিকেন} বে. গোলীয়া বগায়গ বিধি অনুসায়ে এই প্ৰশ্ৰের স্থানা উন্দেশ্য বিশ্বপুত্ৰ কৃষ্ণাক বক্ষা করেছিলেন।) - অনুসক্তিকে—"রে কম্বন্ত। আনকদুস্তি বা বসুক্ষে অঞ্চ তোনার পান্যুগনে রক্ষা করল, মনিয়ান জানুগর রক্ষা _{করান,} বলা উঞ্জন, অচ্যত কটিতট, ববস্তীন জনবদেশ, **रहमत अभग्न, केन दमाध्यक, मूर्च कहरान, विकृ तन्** ইডকেন মুখনওপ, ঈশব মঞ্জ, চঙী সম্মূৰতাণ, ক্লাবারী জীহার প্রকাশভাগ, ধনুর্ধারী মধুরিপু ও অসিধারী। অনন্ধব পৃথক পৃথকভাবে ভাঙাবেছিত করে গর্ম ক্ষমন তোমার উভয় পার্ব এসং শঝ্ধারী উচ্চদার কোলসমূহে, উপোন্ন উপবিধানে, গকড় ভূতনে এবং সময় হার কুমাপান করেছিকেন, তাই দে সময় কড় ক্ষেপ্ত পুৰুষ চতুৰ্নিকে তোমাকে ক্ৰমা ক্ষম। স্থানীকেশ কল্ব খেকে মুক্ত হংগছিল। তাৰ সমস্ত গাল আপনা বোষার সমত ইন্ডিয় রক্ষা করুল, মারামাণ ডোমার প্লাণ ্বার্যা করেন, শেতবিশ অধিপতি হোমায় ক্রন্য করা করন এবং জগবান বোগেশ্বর তোমার মনকৈ রক্ষা কর্মন । সুগতবৃত্ত ধুম উবিত হবেছিল। রক্তলারিনী লিড্যাডিনী পুরিসার্ভ তোমার বুদ্ধি রক্ষ করন এবং পরসেশ্বর তোমার আন্তাবে রক্ষা করেন। ধেলা করার সময় গোবিদা তোমাকে ক্লমা কর্মন এবং শ্রনকালে মাধন তোমাকে বুলা কল্প। প্রানকালে হৈতুই ভোমাকে বুলা করুন এবং উপক্ষেত্ৰকলকে পদ্মীপতি নার্যালে তোমাকে রক্ষ ক্ষুতাঃ প্রেফন্ট, সমস্ত দৃষ্টগ্রহের ভয়তর শক্ত বঞ্চতুক ভোলার উপ্তোশের সময় সর্বমা তোমাকে রক্ষা কর্মা। ভাৰিনী, ৰাষ্ট্ৰণানী ও কুমাণ নামক গৃষ্ট ভাইনীয়া লিণ্ডালে সৰ চাইতে বড় শক্ত। আৰু ভূত, প্ৰেড, পিলাচ, বক, প্রকল, বিনায়ক, কোনো, প্রেবঠী কোষ্ঠা পুতার, মাতৃকা আৰি চেতাস্থান্ত বিস্ফৃতি, উন্মাননা প্ৰবং মুক্তেন্ন উৎপালন কারে দেহ, প্রাণ এবং ইঞ্জিয়কে সর্বদা কর্ট দেখ। কৃত্যকে মড়ো তারা মহা উৎপাত সৃষ্টি করে, কিন্দে করে শিওদের কিন্তু শ্রীবিকৃত্র নাম উচ্চারণের কলে অদের বিবাশ করা যায়, কাষণ কণ্ডবাই উলিফুর নাম আনত হলেই ভারে সকলে ভীত হরে দৃধে দানিয়ে বাং।"

শ্ৰীল ওকদেৰ পোখানী কালো—"মা ব্যালক আদি গোশীর মাতৃয়েছের খছনে আবছ ছিলেন। ঐতাবে মন্ত্র উচ্চারণ করে নিভাটির রক্ষাভিন্যে সম্পানন করে, যা হলোদা ভাঁকে ক্বয়েপান কৰিয়েছিলেন এবং হাৰণৰ ঠাকে नंगार नक्त क्रिएएस्ट्रिन्स । इंडियादा सन प्रश्तक कार्नि

দমক লেলেক মধুর বেকে প্রচে কিরে এদে পুরুষর বিশাল মৃত শবীর পাতে রারছে লেখে ভাতার লিখিত

राज प्रशाहतक अवट चामा (मार्थका छपन सिन्ह्यादे अकश्चन प्रदान श्रीत कार्या (कांट्रस्य श्रीटेस्स) তা বা হতে তার পক্ষে এই তবিহাছালী করা সম্ভব হল कि करता दक्षणार्थिक भूरतार १०६ कुरिएक क्षणा वर्ष ৰঙ ব্যৱ কেটে দুৱে নিকেন কচেছিলেন এক প্ৰভাক করেছিলে। তেহেতু জীকুলা পুতনা রাকসীকে ধব করেছ ্বেকেই বিবৌধ্য হুবেছিল এবং তাই স্থান তার বিলাল পরীর দলে করা ছজিল, গুলা তা থেকে অওকর ফাড়ো রাকনী পুতনা উক্তম্ভ হতা কাতে এনেছিল বিদ্ধ বেকে সে ভাষানকে তার স্থান্তান করেছিল, তাই সে স্পাতি লাভ করেছিল: আর বাঁরা স্বাভাবিক বিশ্বাস ও ততি সক্ষাপ্ত অনুকং কেন্তে কৃষ্ণকৈ তাদের ক্রন্যদল करवार सक्ता सिंह रहा द्वारा करता, देएतर आप कि কথাং ভাগের প্রিকৃত্য মর্কন উরে শুদ্র ভালত্যন কর্মার বিবাক কৰেন, তিনি সৰ্বাল কথা, দিব আদি লগৎপূচ্য স্থাপ্তিবের বালে বলিক। জীকৃত কেনেকু প্রকাষ থেই আজিতা করে হয়পুৰে তার ছন্যপান করেছিলেন কর্মে মহাবাকনী ব্যালক পুক্রম ভিং-জনতে মান্তসভূপ পদ লাভ করে পরা নিকি প্রাপ্ত হর্মেছল। তা হলে মহাসূত্র জীকৃত্র বে সমস্থ গাড়ীদের স্তনকীর গান করেছিলেন এবং মানুবং স্থায়ে বাঁরা জীতুক্তকে তাঁলের বৃদ্ধ প্রদান करर्राहरूम, बैग्रमा बात कि कथा? करदार शैकृत মৃতি (কৈন্দু) কৰম ক্ৰমন্ত্ৰ) কৰি বৰ বৰ প্ৰসংগ েই ভলনানের র্যন্তি গোলীয়ে মঠন মাতৃধাং চেহ জ্যালা कहरू। धमा श्रीकृष्क भूगे झाँचु महत्वाहर फीएन्ड इस भार ক্ষরের। তাই উামের হাতা-পৃত্তের সম্পর্কের কাবনে গোলীরা বানা প্রকার লাবিবারিক কার্বকলালে এতু ছাৰ্কলেও কৰ্মণ্ড মনে ৰুৱা উচিত নাম যে ইয়া ভাগৰন ধেত জাগের পর পুনরার এই কশতে তিবে জাগতে,

প্তনার ক্ষেত্র মহলের মধ্যে নির্মাণ ব্যাহার স্থোপ করে ব্যারত এককসীয়ে অভারে আলচর্যাত্তর প্রায় বিভারত। করেছিলেন, "এই সৌরক আসচে কোলা খেতে?" এট্ডাকে কলতে কলতে উল্ল প্ততার দেহ কেখানে দহন স্পার হাজেল, কেবলে বিবেছিলেন। হরাপত ব্রহুবাসীরা বৰ্ম প্ৰদান আগমন কৃততে এক কৃষ্ণ কৰ্তক তাৰ নিহত হওয়ার বর্ণনা প্রবণ করেছিলেন, ভবন জালা অভাল আশ্চর্যান্তিত হলে শিশুটিকে আশীর্যাধ করেছিলেন। कार्याच राहि चीला कवा भारी चारवट श्राक्तान

বলে, নাম মহারাজ কর্ণেরের প্রতি অভান্ত কৃত্যাত্র অনুত্র করে উয়াক কলবাদ ফানিস্কভিন্তের 🕆

"হে কুলুকেট মহায়াক পরীক্ষিৎ! সভ মহাবাদ চিত্ৰণ ক্ষতাক উদায় এবং সভাগ। তিনি মৃত্যানুধ ক্ষেত্ৰ প্রভাগত ওলা পুর ক্তাতে জোলে নিয়ে ওলা ময়ত আয়াণ করে পরে অনেশ বাত ক্রেছিলেন। যে ব্যক্তি মদ্বা সংক্ষার পুতনা মোকনালে প্রীকৃতকার এই স্বর্ত লৈপনীলা প্রবৰ করেন, তিনি আনি পুরুষ ক্ষেত্রত শ্রীপোরিকের প্রতি পরৰ আর্মাণ্ড কড়ে কড়েন।"

সপ্তম অধ্যায়

তৃণাবর্তাসূর বধ

শুক্ষের গ্রেম্বামী। ভগবান উন্ন বিভিন্ন অন্তর্ভাৱে ছে नमल मीना अर्थन करवरामा छ। चरुपाँच स्ट्रपाँछ । स्ट्रपाँछ । भागत एडियम्बर और नम्बर मीला-विवासन करा अवन কলার কলেই কেবল মানের সমস্ত কল্য ডংগ্রাগাং দুর एक सह। माध्यसम्ब चनकारस्य सीमा-विमारमञ्ज कथा अवरण कारात्मक सकि हारी, किन्नु क्षीकृतका वानातीला अस्टे काकानीत हा, कानन स्थरके का बार करनंत्र অকল বিজন করে। ভার কলে সংস্তার-বন্ধনের মূল করেশবরূপ জড় বিষয়ের সময়ে প্রবাশ সমস্ত আগ্রহ ভৰক্ষণ্যৎ দুৱ হলে কর এবং ক্রমণ ভগবন্তভিত্র বিকাশ হয়, ভদনানের প্রতি আসভিত্র উপর হয় এবা ভাভেত প্ৰতি থৈয়ী হয়। আপনি বলি উপযুক্ত মতে করেল, ভা হলে বতা করে ভথবাৰেও সেই সমস্ত লীলা কীৰ্তন ককন। এই পুথিবীতে অবস্তমগুৰ্বক জগবন প্ৰীকৃষা মালিকে অনুকলে করে পুত্র-বা আদি যে সময় অহত লীমান-বিন্যস করেছিকেন, উল্ল সেই সমস্থ লীলা দরা করে কর্মন করন।"

মহানাক প্রীক্তিং কালেন—"ট্র প্রভা, হে গ্রীল তিওঁকভাইে দরন করার চেইাকে উক্তাং করা হয়। সেই সময় শিও প্ৰথম গৃহ জেকে নিৰ্মাত হয়। এই **উ**ন্দাল্ডেই শিশুকে অভিকের সংকারে এক জনুষ্ঠান আয়োজিত হয় थीकरभन दिन काम भूष इतन, वा बरमाना धरिएकरी রম^{র্বা}লের নিরে এই অনুষ্ঠান সম্পাদন করেছিলে। সেই निम क्रम क्षर व्यक्ति मक्टबर व्यक्त स्वक्ति ব্রাক্ষণেরা বৈদিক মন্ত্র পাঠ করেছিলের নুবং লাঘকেরা বাদ্যকঃ সংকাৰে গান কৰেছিলে। Piolica অভিনেত উৎসব সম্পাদন হলে জা বলোলা ক্রাঞ্চাবের করেট ৰাণ্যশস্য এবং আহাৰ্য জনানপূৰ্বক বন্ধ, ধেনু এবং মাল দান করে মাত্র সহকারে পূজা করেছিলন। ভ্রাদাশের সেই ওড অনুষ্ঠানে কৈনিক মাত্র পাঠ করেছিলেন এবং তাদের হছ পাই পের হলে জ বশোলা করন দেবলের যে, দিবটির হুম পেরেছে, জবম ডিমি খাকে বীরে বীরে भवात भवन कविरामितमा, यास्क दम मूर्य निका स्वरू পত্রে। উদয় জনমা মা বশোল উত্থান উৎসৰ অনুষ্ঠান মার্ম হরে অতিথিয়ের বরু প্রতী, মাল্য, শৃস্য ইত্যাদি গান করে তাদের সামানকার্যে বাজ ভিলেন। তাই তিনি ই।ত ৬কণের গোলার। বন্ধেন—"বিওর শীকৃত্যে সম্পর্কে পদ ওনতে পাননি। তানে বিজ- মালা ঠাব সাইয়ার স্তুনি পাল কারার জনা জালান করতে ক্তেতি উল্ল চরবস্থপাগ লোগৰে উপৰ্যালকে নিকেল করতে লাগলেন। প্রাকৃষ্ণ একটি শকটের নীচে শরিত ছিলেন জাহ তীয় পা গৃতি যদিও ছিল পায়বের হতো কোনল _{কাৰণ্ড} তীৰে পাছেৰ আখাতে ককটাই প্ৰচন্ত পাছে উপ্ৰত Gen (তেখে গোল। আৰু চাকা মৃতি আৰু খোকে নিপৰ্যকু unt. আয়োল ভগ হল এবং বিভিন্ন আতু বিহিত সমস্ত প্রমাণ্ডে সভট থেকে ইতন্তত বিকিন্ত হরে প্রমাণ

শ্রা ব্লোলা এবং উপানিক উৎসংব স্থাপ্ত ব্যৱস্থানীয়া এবং মাল মহারাজ প্রমূপ ইক্সবাসীয়ে ববন সেই ত্ত্তে ধর্ম দর্শন করেছিলেন, কলা ঠাকা অভ্যয় লাভ্য চয়ে ভাষতে লাগলো—সেই লাগটে ভিডাবে **আ**গনা ্রেটে রেলে কেন। ভারা ইভক্ত ভার ভারণ জনসন্ধান করনে চেটা করেও ভা বুঁকে পেলেন ন। করে সমগ্র পরিকারে, বিশেষ করে কুজকে জানীবাঁদ ভিতরত ভা মটেছে সেই সময়ে সমধ্যে গোল এবং করেছিলেন। সেই সমস্ত মহক প্রাক্তনের ছিলেন লেগীয়া চিন্তা করতে ওক করেছিলেন। তাঁরা ভিজ্ঞানে। সিদ্ধবোদী। তানের আন্তর্নান করতে নিক্স হর আ।" करवित्रका, "बाँडि कि रक्षान रेक्टा व मुद्दे अस्त्र कर्ष।" ভানে সেখান উপস্থিত শিক্তা বন্দবিদ যে, শিক-কৃষ্ণই । খনোদা করা খার পুরুকে কোলে নিয়ে আন্ত কর্মস্থলেন, ক্রমার করতে ওক্ত করে শক্টের চাকার প্রাথাত তথন হঠাৎ তিনি অনুভব করেছিলেন যেন শিশুটি চরেছিল এবং তার করে শক্তটি উর্কে নিশিশ্র হারে বিধবটা হবোটে। সেই সম্মান্ত কোন সাধ্যের মেই। আর তার ভার করন করতে সামর্থ হলেন না। লিংক্রীকে সেধানে সমবেত বোপ এবং কেপীরা জীকুকের খানর সমগ্র প্রবাহতর মধ্যে ভারী বাল অনুতর মতা আ বংশার্থ প্ৰতি সম্বন্ধে অবলত ছিলেন বা, তাই উল্লা কিবাস কৰেতে । মানে মতেছিলেন যে, হয়ত লিগাটী কোনা প্ৰতন্তভা বা গারেনদি বে, লিও-কবেল এই প্রকার অভিযা শক্তি রয়েছে। তাঁবা বালকবের উক্তি বিভাগ করতে পারলের না এক তাই সেটি কালককে উক্তি বলে উল্লেখ্য অবজা করেছিলেন। কোন দৃষ্ট গ্রহ ক্ষত্তে করেছেখ কমেছে ৰলে মনে কৰে, যা ফলোলা প্ৰস্পনগৰ্ভ লিণ্ডটিকে তায় কোলে ডলে নিবেছিলেন এবং তাঁকে তাঁর জনানান কৰিবেছিলেন। ভাতনার তিনি অভিন্ধ ব্রাক্ষণদের চেকে মনে বৈদিক মা উজ্জাৱনের হারা সংলগত কর্ম সম্পালন করিয়েছিলেন। ভারপার কলভান গ্রেছপার বাদনগর একং নাজ-স্বশ্বাস মূহ সেই শ্বটটি পূৰ্বের হতো স্থাপন করলে, ব্রাক্ষণেরা প্রহণাত্তির জনা প্রথমে হোমবিদা। ने^{म्}नापन कर्ज़िहरूका जरर छाड़नड ग्रंग, कुन, **स**न धरर দিশির যাত্রা ক্লগতানের পূজা করেছিলেন। বে সমস্ত প্রাশ্বশ অসুরা, অসতা, দভ, ইর্বা, হিসে, অভিযান প্রভৃতি

বোসবহিতে, আঁরের আশীর্বাল করে**ও নিজন হয় না**। সেই কথা বিবেচনা কৰে নাম মহাতাক বিব চিতে প্রীকৃষ্ণকে হার কোলে নিয়ে এই প্রকার সংস্থাল विकास के अध्यक्ति, क्षार्टक अध्य राज्यविक व्य অনুসারে পরিছ ভর্ম অনুষ্ঠান করার জন্ম নিমন্ত্রণ শর্মোছদেন। ভারপর দেই সমস্ক হয় পারের পর তিনি পুণ্ড ওয়বিষ্টে ভালে নিভাটিকে প্রান্ত করিবেভিলেন একা ভারণর হোমক্রিয়া সম্পাদন করে তিনি প্রকেশ্যের শ্রতি ऐस्टर कार्या क्रिका क्रिक्टिस्टर । कर दहाराक देख পুট ক্ৰেন্ত সমূদি বৃদ্ধিত আৰু বায়, ক্লেন্ডলা একং কাঁহারে বিভূবিত লাগ্রীসমূহ প্রাক্তগড়ে পান করেছিলে। এই সময় পাঠারা প্রারু পরিয়ালে মুখ প্রমান করার কলে সর্বতবে ওপাধিতা ছিল এবং প্রাক্তবের সেই গান প্রহণ

ेक्शीका श्रीकरका। प्रार्थितश्रीरका अक स्वाह साह, या পতিশা খেকেও ভাই ছাত্ৰ পেত্ৰ এবং ভার কলে তিনি समुद्धि वित वाकस्य स्टबाइ। सटाव का-इटॉन हा स्टब ল বশ্যের নিভটিকে ছমিতে স্থানৰ করে নাবাহনকে चार्य कराएँ एक करर्राष्ट्रकर । विभागत चालका करन তিনি এই ভার প্রশাসনের করে ব্রাক্তগরের ভের্কেছিলেন এবং তারপর তিনি গহস্থানির **কার্যে খ্যাণ্ড** হর্ছেছিলেন। মধ্যেশের শ্রীপারপর ক্ষরে করা ছন্তা আর কোন উপার তার প্রামা ছিল মা। কারণ তিনি ক্থতে প্রক্রেমি ছে। জীকুমাই হলে সাম বিছা খাটি উৎস?"

"লিওটি বৰ্ণন ডমিয়েড উপন্তি ছিলেন্, ভানন কলেন্দ্ৰ খন্তর কৃপাবর্ত মামক খন্যুর কর্মের খালা তেরিত হতে ধূর্ণিকরেশে সেখারে একে, ক্ষরভালে নিওটিতে আকলে डिक्टिश निरम शिटमंड्ल । *अ*दे चार्टि विनदानिय कांग्रा স্মান্ত গোকুল্মবল আজ্যুপুৰ্বক সকলের ভৃতিপত্তি অগহাৰ কৰে প্ৰচত ছবিৰায়েক কালে অভাৱ ভচৰত

মন্ত্রম অধ্যাত্ত

শ্রীকৃষ্ণের মুখের মধ্যে বিশ্বরূপ প্রদর্শন

ইলা কুক্তের গোলারী কললোম-"হে মহালাছ ল্টাকিং তারণর স্থাননীয় প্রেয়িত ভগরীয়ক। ভাষের মের্কার পুর বলে মনে করে। কলে এক লাইছি বসুমের কর্তৃক হোনিত হয়ে এক মহাব্যকের সূত্রে বিভেক্তিকে। নাম মহন্তক প্রস্কৃতিকে করে পূত্র উপজ্ঞিত _{কৰে} অতান্ত আনাধ্যত হয়েছিলেন এবং উত্তে *সাঁছিলে। কৰা শেবৰ*িৰ কন্যে যোগালোৱ কাছ খেকে ওয়ে। ৰামেৰ্কাৰ সংখ্যাত উচ্চৰ সাগত আনিয়েছিলে। সৰ্বানুধি কেন্টোৰ আইছ প্ৰতিব সন্তান কৰা সেট কৰা ওচন কৰা প্রতির জানিকার্ড ছিলেন, তত্ত্ব কর্ম মধারাক্ত বসুযোগের সামে ভোনার বছাপ্তর করা অবস্থার কালার লাইনিকে অধ্যেকটা কর্ণাদ কর উল্লেখ্যে অনুকৃতির করে, কলে যদি ভানতে লাভে যে, বনুবালেই পুরোহিত वाकीक बरण बरन करतकिरमन । वर्धनृतिस्य वेकारचकारक जातान शान की बादान कानुकेर प्रारम्क रह राज करण ভাতিখা সংকার করা হলে তিনি সূবে উপবেশন बर्ट्साइट्रम्स अवर अन्य भएतिक राज्य चाटान विरोध करत श्रीतक दलहरू जानस्थान—दह मुनियत, स्वरहरू सानवि ক্রাব্রাচন্ত ভক্ত ভাই আপুনি সর্বচ্চেত্রতে পূর্ব। স্তর্ভ খালের কঠনে আপুনার সেবা কর। মহা করে আমারে । করেন বে, আপুনি সংখ্যারতার্য সম্পাদন করণে করে। কান আমি আপনার মান্য कि কবতে পারি। মে তকু, সাঁকরার হবে, তা বুক্ত গোপনে বৈনিক হয়। উচ্চারণ প্ৰাপন্তাত মাজ্যে মহাজনের। যে বীয়ে স্থান্তার পবিভয়াল করে আমার প্রকাশ কলের এই গোলাকার সাকালে बार समाध गामन काइस छ। निर्देश सार्च गां, शामसदि আনার মধ্যে দীন হানত প্রস্থানে পরন মাননের কন্য। দ্বা বারা উল্লেখ্য এক স্থান খেকে আরু এক স্থানে অওকর ক্ষায় কোন কামৰ নেই। হে সহায়া আৰ্থন জ্যোত্তৰ পারের কান জনকন কারেছেন, বার কার্যা মানুর তার অনুন্য কঠাত এবং বর্তমানকে ভানতে পাবে। এই ব্যক্তের ব্যবহারে কোন কান্টি কুমকে পারে তার পূর্ব সম্পাদন করেছিলেন*া* सीलाहर एक कि करपाएक धारा किस्ताद का ताल वर्धमान জীবনকে প্রভাবিত করছে আনুনি তা জংকি: ইউ. আপনি বিশেষভাবে জ্যোডিখনাত্র সমতে পূর্ণকরে অবসত হওয়ার ফলে, ব্রাক্তব্যের মধ্যে থেছ। ভাই আগনি স্বাভাবিকভাবেই সমস্ত মানুবের ৩ই। তাই আপনি বেছেতু কলা করে আমার গুয়ে এলেছেন, গরা করে অংশনি আমার পুর দৃটির সংকার করন।"।

कर्मनृति रामाका—"(१ सम् प्रश्नातान, स्वदि रनुकारका শুবোহত, সেই কথা স্বৰ্ধা প্ৰসিদ্ধ। ডাই আমি ধৰি

্বেম্বর পুরুষ্ধে সংগ্রহার অনুধ্যম করি, সা বলে কাম महाद्भितिस्था क्रम नानामा। साहै, ह्य सामन स्टान হলা কলে সে ইভিনেটা খনতে স্বৰ্ভাল কৰেছ, এই निन्दिरी महत्त्व कराव (व. ५०० (सरवी) अंदर समुदाहरू পুন্ন। কথন সে কালক ইজা কর্মন ডেটা কর্মত পারে। का स्टान का बारता दिश्यक्रमक इट्ट।"

अक बहाराख संस्थान—"दह प्रहार, व्यक्ति याँग पदने মধ্যেত্ততে, এজন কি আনার আর্থানুস্কালনাও অন্যোক্তরে, এই কটাই সংঘার সংখ্যানর কলন।"

নীৰ ওক্ষৰে লেকটা কাল্ডাল—"এইডাৰে নিৰ্ভাচ ন্তের্ণ সংখ্যার জন্তই পর্বাহনির ইক্ষা ছিল। তথন কথ মহাত্রাক কঠক বিশেশস্থানে অধিত হতে, তিনি এক निर्श्वन **हा**एन कुन्क अन्य रुक्तरपुराय नामकृत्य करकार

পরাম্মি মার্ক্স--"এই ব্যেতিশীর প্র ঠার নিবা ওপার্কীর হারা উরে সুরুমধান্তির রচন করারন বা আনক প্ৰদান কৰাকৈ বাদে, ডিনি হাত নাতে বিখ্যাত হাকে। टिनि बनाराज्य रूप क्ष्मानी व्हारण सहस टिनि रह নায়েও বিশ্বার ক্ষমে। পর্যধন্ত হেছের তিনি বস্পাদক্তর ब्राल अरह तथ प्रश्रासक्त राज वृक्त करहका छाउँ छेछ। नाइ स्था नकरंग। एकावा शृद्ध क्या व्यक्त द्वारा देख ইন্টেড প্ৰকাশ কৰে। পূৰ্বে ইনি ক্লে, বন্ধ ও পাঁতবৰ্ণ ধারণ করে প্রকাশিত প্রকারণের, সাক্ষাতি কৃষ্ণকর কালে

শক্তে মিখ্যিক নিম্মিত কবেছিল। এইভাবে শাণিতের বিভান্ত হয়েছিল। স্থাকে তথ্য টিক লিতের কলে বিভ ক্ষান সময় সেচার্পভূমি থুলিবালির বাবা আকলাগাঞ্ছ **४१गोधन असर वा याणाम राज्यान लिएगिएक (हारमोधरनन**् সেবামে অমু ভাঁতে চেন্টে থেলের মা। ভাগার্ড কর্তক। নিকিন্তু ব্যক্তকারন্থির পালা মেহেন্সর এবং উৎপীড়িত হয়ে কেউই নিজেকে জনৰা ভাত কাউকে ল-নি করণে সমর্থ ष्ट्रण स्थ। यूर्निक्र*ाक्षत्र वर्षा* धृतिनार्यम एएड धाकरण आ बर्गान केल जुराब हिन्द भाग स्त्री मा करारत (भरत, ধ্যমন কেল তা হয়েছে তা কুবাঙে অনুমৰ্থ হয়ে, ডিনি মৃতকংসা সাভীর মজে ভূমিতে গড়ে জভান্ত করণভাবে বিলাপ করতে ব্যাগলের। জন্তপ্র বনন দুগিন্টি নিবৃত্ত হবেছিল এবং খারু লাজভানে খালা করেছিল, তখন মা স্থাপান্ধা, আই লে তার নিজের স্থাপকরেছি কলে নিজে ফলোলর করণে প্রশান ধর্মনি প্রধান করে তার স্বাধী কলোল্য -लाशीक **कार्य कार्या करमित्रका। कुका**क मा स्टब्स्ट যদেশের সদে ক্রমন করতে লাগলেন। এই প্রবল অথব এক প্রদায় দৌহণিত। অসুরটি উর্কে পরিবারে। আ সারল করতে লাসলেন। করতে চেটা করেছিং কিছু কৃষ্ণ তার বাহর দ্বারা ভার প্রালরোগ করেছিল 🖰

উপর পরিত সর্রোচন কবং তার সেহের সমস্ত উরপ্রতান্ত তার চন্চন মূলিত করেছিলেন।"

হিশ্যাস্থার মতে মতা তাজন। গোলালা তাই মানুতার কল ব্যেকে স্বাধ্যকার প্রায়কদর্শনা উন্নাইক উলো কৈয়ে লা মধ্যেলয় কাছে সমর্থন কর্মেচালনঃ বাননাট বিশ্বাহিত অগহলে করে আন্যালে নিয়ে গেলেও লিগুটি যে ফাল্ড इरसाइन करा मध्य विश्वन ७ क्षुणा (शहर १७ स्ट्राट्सन, का द्वारण तक प्रधातक शक्त (बाल का গোপীর কত্যন্ত কাননিত ইন্যোগকন। এটি কন্ত আন্তর্কের বিষয় যে, এটা আন্তের শিক্ষেক্তিক ভাকন করার জন্ম স্থাকমটি তাকে নিয়ে গেলেও নে পাকত ভালাচ কিলে এসেছে। অসুবটি বেবেপু দিলে, বল এক सरहरत। अस्ति शक्तिम निराम। समयान मर्वनी प्रत्यान ভাজকে সুক্ষা করেন এখা পালী ভার পালের করে পেছে তাবাও অভ্যন্ত অনুভাৱ ভিত্তে অঞ্চাপূৰ্য নহৈলে আ স্পান্ত কিন্ট হো। নক্ষ মধ্যুৱাৰ এবং আনামা ক্ষানেল--আমার নিশ্রেই পূর্বে দীর্ঘকার ভগস্যা করেছি ভগরতে। শ্বনিষ্ঠানের মাণ জালা করে কুলার্কানুর কুলাকে আকালের স্থানাকর করেছি, পথ তৈরি করে, ভূপ করন করে, প্র चारमञ्जू किरह निर्दार विद्यालया, किन्नु कृष्ण सबस चानुराजित । बात कार्यहरूकत गुगावर्थ चानुराज कार्यालया, बात करन থেকে জানও বেলি ভারী হ্রেছিলেন, তথন অসুবের এই লিচটি মৃত্যুমূৰে গতিত হলেও তার আরীরাদে প্রতিবেধ ক্রম হয়েছিল এবং তে আর গমন করতে সমর্থ । জনব প্রথম করার স্থান্য ভিত্র ওলোচে। সুক্তমে এট হণ বা। বীকৃষ্ণ এইভাবে করেও ভারী হয়ে যাওয়ান। সমস্ত অনুভ বটনা ধর্মন করে, মন্দ সহাবাদ বিভাগ ফলে ভুগাবর্তের মধ্যে হল সে ফেন একটি বিশালে পর্বত । সহকারে মধুরার কনুনের তাঁকে যে কথাওলি ফলছিলেন

"একৰিন মা মুশোলা কৃষ্ণাকৈ তাৰা কোলে নিয়ে পলা জড়িয়ে মহেছিলেন বলে সে জ পাবেনি। এইখাৰে। পুরস্কোহে নিগলিত জানৰে স্বতং করিত জুন্দুর পান নেই শিশুটির ভার ফর্ম কার্ডে সক্ষম সা হলে একং করাজিংগদ। হে মহারাজ পরীক্ষিৎ। শিশুস্কের ত্যাকে পরিত্যাস করতেও না পরায় তার মনে হয়েছিল । ঝনাপান করম প্রের শেষ হয়েছিল এবং সা বংশালা উনা মেই বালকটি অভান্ত অন্ধৃতঃ কৃষ্ণ ভার বলা সুন্দর হাস্যোজন মৃথের দিকে ভাকিরে ভাকে আদঃ ক্রতিকে ধরার ভূদ্যবর্তাসূত্রের খাসে কর হারেছিল, সে কর্মান্তের, তথ্য কৃষ্ণ হাই ভূগোছিলো এবং জ্ব ব্যান্য কোন শব্দ পর্যন্ত করেন্ড পারেনি কার্য ভাব হাত-লা পর্যন্ত - তাঁও মুখের মধ্যে জাকাপ, স্বর্গ, মত্যে, জ্যোতিকান্ত, সক্ষালন করতে পাতেনি। তার চকু নির্মন্ত হারছিল এবং নিকসমূহ, মূর্ব, হার, আহি, বারু, সমূহ, রীশ, পর্বত, মদী, শিক্ষটি সং প্ৰজেক ভৃতিতে পতিত কয়ে সেই অসুবাটি জাৰ কম এবং স্থানৰ ও জাগায় স্থাপ্ত প্ৰাণীকেৰ কৰ্মন করেছিলেন। মা বশোদা হখান তারে লিওপুরের মুধ্যে "(मानीता क्यम क्षित्रकार कन्। क्षण्य करविरागत, अर्था मध्य क्षणां मार्थन करविर्धानन, कथ्य पीता समय প্রকাশ আলাশ খেলে এক বিশাল প্রস্তুর-ক্ষেত্র কম্পিন হরেছিল এবং অত্যন্ত বিশ্বরাগিতা হরে তিনি



कर्ष अवर्षे स्टब्स्व (थमा बाधव दूर्ण हैनि (व्येतामञ्ज মণে) ওৰপৰ্তীর মতো বৰ্ণ ধবেণ করে আবিগুড হন। क्षेत्र मध्य व्यवस्थात् । अथम विकृष्णात् मध्यत् হরেছেন।) কোন করেশে, ভোমার এই পরম সুন্দর পুরুষ্টি পূর্বে বসুদেবের পুত্রকালে প্রকটিত হুকেছিলেন। ভাই অভিজ কড়িয়া একৈ কাসুদেৰ বলে প্ৰধান। ভোমার और भूग्रास एवं अवर कर्य चनुमाहा वह नाम अवर तान আছে, তা আমি কানি। সাধারণ জোকের তা কানে না। পোপ এবং গোকুলের অনুলবর্ণক এই শিশুটি কোনাদের মসন সাধন করনে এবং এই ভূপায় তোনবা অন্যোগে সমত্ত বিশ্ব অতিক্রম করতে পারবে।"

"হে কাল মহারাজ। ইতিহালে কালি করা হয়েছে মে, প্রাঞ্জে অর্জেকভার সমর্ ইল্ল রখন সিংহাসন চাত ব্যেছিলেন এবং ফানুবেরা বস্যু-ভতর্বের ছারা উৎদীটিত হয়েছিল, ভখন এই শিওটি আনিহঁত হয়ে দ্যা-ভঙ্কবদের পরাঞ্জিত করে সকলকে ক্রমা কর্মেছলেন এবং সমৃদ্ধি সাংল করেছিলেন। অস্তের ভগবান শ্রীবিভূমে শব্দ অক্রমস্থনজ্ঞারী মেবভাগের করনও পরাভূত করতে পারে না। তেমনই যে বাক্তি বা সম্প্রদার শ্রীকৃষ্টের পতি অনুহস্ত, তাঁরে অন্তান ভাগারন কাকা জীকুক্ষের প্রতি অভান্ত প্রীতি যুক্ত হওবার ফলে, জারা क्ष्माचे कर्रमह कानुहत्रमूच समृद्रदेश होता (अथवा फलरता भक्र देविराज्य संग्रा) नताकृत हन मां। करुवर, হে মাধ্য মহারাজ, ডোমার এই পুরটি ৫৭, ঐথর্য, কীঠি क्षेत्र शंकार्य माराव्यवहरू अम्युना। पृथि प्रकार দাবধনতা সহকারে এই নিডটিকে পালন কর।

क्षिण एकएम्ब श्राचारी नगरनन-"धर्गप्रति सन মহারাজকে এইতাবে জীকৃষ্ণ সম্বন্ধে উপদেশ প্রথম করে যাবন উরে গুড়ের উজেল্যে প্রস্থান কর্বেছিগেন, তথন লক মহারাজ নিজেকে অভান্ত কাগ্যবান বৰ্ণে হনে করে ক্ষতান্ত আনন্দিত হয়েছিলেন। তার আক্রমনা পরেই রাম धार कुछ एअएनई श्रंड अबर कानू चरनका करत श्रंक হারোগুড়ি দিতে ওক করেছিলেন। এইভাবে ওঁলা শিশুর **श**्टा (बना करांत्र शामक केन्द्रकान कर्डाहरूका) यका কৃষ্ণা এবং কলামে জানের সানুতে কর নিয়ে ব্রক্তানিতে গোমৰ এবং ধ্যোমুত্ৰ থেকে উংগল্ল কৰ্মমাক ভূমিতে স্তীস্পের মতে বক্তপতিতে বিচরণ করতেন, ভাবন ঠানের ভিত্তিশীর ধর্মন অভান্ত মনোগুলকর লোনার। খন্যদের কিভিনার ধানি কাব করে মাডাই ফার্মটিছে উলো উচ্চাৰ অনুসৰণ কৰণেত্ৰ, কো ভাৱা ঠালের সায়েও কাণে বাংকন, বিশ্ব কাল উলো দেখাতেন যে, উলো সান্য ব্যক্তি, কৰন কেন উল্লে জীত হয়ে উপেশ্বে মতা ৰংশাৰ এবং রেহিশীর **ধ্বনে বি**রে আস্তরে। প্রকাশ অসম্ভ স্থিতে সুপর শিশু দুটি কথম জীমের ক্ষামেশের কাতে বেকেন, ক্তমা কশোল এবং রোহিশী গভীরা গ্লেহভার তাদের কোনে ভূবে নিয়ে বড়াকরিত জনদৃধ পান করাতেন। জন্ম কথন কল পান করতেম, তথা দিও ষ্টি ইবং হাসতেন এক উক্স উদ্দেহ মূৰে ছেট কেট গাতকলি দেখা খেছ। জানের সেই মধ্য সভ্যাক করে নিরীক্ষণ করে জাদের সায়ের। অতান্ত আনন্দিত হতের त्यक व्यवसारकार चारद्वानुद्रात स्थानंत्रवनीता लिख कृथा अस কার্যমের সীলাবিধাস দর্শনের আনন্দ উপভোগ করভের শিত মৃটি গোকংসামের পুরু বারণ করতের এক 🕬 বংসভলি ভাষের আকর্মণ করে ইতন্তত গামিত হত। ত্তৰম প্ৰজন্মনীয় জানের বৃহত্তার্থ পরিভাগে জয়ে সেই সমস্ত কীৰা দৰ্শন কৰে হাসতেন এবং পৰা জানৰ উপক্ষেপ কবডেন। সা যশোদা এবং রোহিণী চথ্য শুলধারী পাড়ী, অছি, কুকুর, বিড়াল, খানর প্রভতি লংক্ৰীণণ এবং কণকৈ, ক্ষমি ও ভূমিতে অন্যান্য অপু প্রকৃতি থেকে কলা করতে পারতেন মা এবং অভার উংক্ষিত হুওৱার কলে জানের গৃহকর্ম জাহত হত, তথ্য ভাল্ল বাংসলা রম লোমক চাপল্য নামক সঞ্চারি ভাষ লাপ হতেন*া*"

ৈছে বহুদ্যাক প্ৰীকিং, কৰা সময়ের মধ্যেই বাম এবং কৃষ্ণ জানুধর্যণ ব্যতীত তাঁদের চরপের দারা অন্যবাদে ধ্যাকৃলে বিচয়ণ করতে শুক্ত করেছিলেন। छाउन्हा, बन्दराय गर्द ब्रह्मात चन्हानी (भागवानकर्मत मर्टन শ্ৰীকমা বেলতে ওক করেছিলেন। এইভাবে তারা গোলরফর্নীদের আনক উৎলাক করেছিলেন। প্রাকৃত্যের অভান্ত আক্রমণীয় শিওসুলভ চাপলা বর্ণম করে, সমর্থ লোপীয়া শ্রীকৃষেত্র কর্মকলাপ বার বার শোনার চন্ট ম যশোদার কাহি একে এইভাবে ধলতেন। 'রে স্থী ফলেনা, ডোমার পুত্ত ক্ষরণত গোলোহনের পূর্বেই भागातात गृह्यू अदम शावश्मातात वक्तम मूल्ड कहा (प्रश

প্ৰস্তা কৰে প্ৰাৰ্থ প্ৰাৰ্থ কৰে। কেন্দ্ৰ হলে সে কালতে পাৰে। কেন্দ্ৰ ইন্দ্ৰ মূখেৰ ভিততা কেন্দ্ৰ ইন্দ্ৰ ইন্দ্ৰ কৰে ইন্দ্ৰ ক্ষাৰ কল্পৰ লে চুবি কল্পৰ নালা উল্লে উপ্লক কৰে। কল্পখনি অনুৰ্বাধ্যমান হৈ স্থালপ্তাৰ কৃষ্ণ কৃষ্ণি কেন Nach ng riem mat du bie den man etes bene alte nin eine bit eine ber bei eine ক্ষেপ্তানে বানাবের। সন্তের কলে, কে ভালেরও তা রাজ সক্ষ তৌহার সেবার সাধীতা নেই কথা করতে। ভূতি कृत (मह दूसर केन्द्रक्षित्रमांड कर्राह्मा एसन यहा एसड (स्त्रा क्षेत्र काल स्थापन) कृत राज नगरमा-- यो सर्गह চার না, প্রথম দে আক্রমনি কেলে কেলে। কলাও কথনও মাটি নাইনি। এই সকলে মিবাবালী। চুমি ক্ষমণ্ড মে যদি কোন প্ৰমে অংশ একং ধূব চুলি কলক। যদি মান কৰা কে একা মহিল কৰাছে, আ ছাল চুকি সুবোগ লা পায়, তা হলে সে প্রস্কানীর প্রতি বুদ্ধ হতে। নিজেই আচনা মুখ্যে নগো নো । বা হলোল কুমারে নিপ্তিত লিওবের চিমটি কেটে কালিয়ে সেও। ভালনা ক্যাছিলাই, মনি কুমি মাটি বা থেয়ে গাড, ভা চনুক भिक्षा क्या क्रमा क्रमा कार क्रमा क्रमा क्रमा एक एक प्राप्त हैंच त्यान क्रमा क्रिक्टर प्रत्य कर्ट्ड क्रमा क्रम नार्तिया साथ। 'मानि अवर पुष अवर्गित हत्य क्यार कृष्ण अन्य मानताम अवर ग्रान्तिक नाम कृष्ण अवर्गि मर्गान कृष्ण ও কান্যানের বাতের নাগালের বাটিয়ে বিনেক উঠাতে তারে নালা প্রদর্শন কয়ার কলা ভারে সুখন্যাল্য নিবার মুদালো পাকত, তথ্য তারা নিড়ির উপর উত্তে কর্পেছিলে। স্থান্তর উপুন্ধ বৃদ্ধি সর্ব ঐপর্যনুধ্ তর্ও ভাষাৰ উদুখালের উপায় পরিকারে ভা লাক করার উপায় । ইয়া গেই ঐবর্ধ হা মুলালার সংস্থার শেহ বিচারিত कारता करता कारण। जाता को न्याचन कारण कारणक करतान । देख केवर्ड सामानिक सामानिक स्टार्टिक सामानिक सामानिक सामानिक গ্রানের নাগালের বাহিরে মার্কে, কমন করে পারের মনাস্থ করেন কোন ব্রিগ্রন্থই ভারে ঐবার্কে মান্তন হয়ে মা রুবা আবশ্যত হরে, সেই পারটি কুটো করে করে। করন উলকুল সমধ্যে তা প্রতালিত হয়।" গ্রেনীপ্রা পৃথকার্যে ব্যক্ত খ্যাকেন, তথ্য কৃষ্ণ-কার্য্যর कारकार शहर शहरू प्रश्निक्त काराव्य (माराव्य द्वाचान क्षीत । कार्यक्रमा, क्षेत्र व्यं वालाव क्षेत्र वाला क्ष्मह, कार्य, बारमारक रम दक्ष्म चारमांकिङ करते, सकीह करवें। महार প্রমাণজনে ককনা কয়ে থাকে। 'কৃকের সৃষ্ট্রি বল পড়ে গোলে প্রকামী কর্মন কারে কারতেন, 'করে চোক' এক কৃত্রিমভালে কুকোর প্রতি লোগ প্রকাশ করতেন, ভগন ক্ষা প্রদাস্কতা প্রকাশ করে কাত্তেন, স্বর্গন জার নই, कृतिहै (हार) ' काना काना काना का क्षा हार बाजारन পুরের পরিয়ার ক্রেই মধ্য-মূত্র ভারণ করে, কিন্তু সধী। যশোল, দেখ, এই পাকা চোরটি তোমার সাধনে এখটি मुनीक संबदकत घटना स्टन हात्रस्य।" (वानीता स्था ব্রীপুর্যার সভার নহনযুক্ত মুখের নিকে পৃত্তিশাভ করে स्नामात कार्ट कृष्ट कंजरमीय कर्य संयान कस्टल हरून मा गरनामा (नहें सकात कथा छहन मृत् शामरून करी উমা চিশ্বর পিওটিকে তিরভার করতে পারতের ন।"

"এখনিন শ্রীকৃষ্ণা হারন কারাম প্রকৃতি গোগবালত্যাব সঙ্গে ধেলা করছিলেন, কথন উন্ন কথীরা এলে যা মশোদার কাছে সিবেধন করেছিলেন, "বাক্তঃ, কৃষ্ণ মটি रपट्रमहोत्। कृत्यका हमारास जारीहरूक कार्य (मेर्ड कवा ওনে, হিভিথিশী হা কৰেলে। কৃতকর হাত করে ভারকিত স্থানের অভীত। তিনি আবার স্বাচ্ কার্তকলগুলর

িকুমা কমা উল্লেখনের অনুসংশ ঠার প্রকটালন क्षपुरेतक, जिंक, कर्रठ, बील, समृद्ध, कुरुल, धुरुष-दार्, धीर, इ.स. शहरू, (क्रारिशक, सम, १६क, नदन, আক্র'ণ, অহমারের বিধার খেকে সৃষ্ট সমস্ত বস্তু, ইপ্রিক্সের, মা, করার, সমু, মধ এবং অন্যেতব, জীবুর আৰু, শুক্তাৰ, কৰ্মক্ৰমনা একং বিভিন্ন প্ৰকাশ নতীয় কৰ্মন ক্রেছিলের। তিনি কুলাক্র-ধার সহ সমগ্র চালং এবন মেই মদে নিচেকেও হৰ্জন করে ঠান পুরের অনিউ অস্থাত ভাষা ক্রিকেন। (মা ক্রান্ত হরে হরে विडर्ड कर्राड कार्यक्र—) क्री कि सा, संवद र्टाइरज र्थालन आपरानी मुक्तिः और कि कामान निर्वाद पूर्वित দালা প্ৰকলিত হয়েছে কাংব এটি বাহায়ে এই শিশুইট বেশ্বর জোপারিক অভতব, তিনি চিছু, মার, কর্বে, বানী এবং তার্বের অতীত, বিনি সমস্ত কগারের মূল কালে, दिनि मार्थ क्या पानल कर्त्वन द्वार देश काहा वह কুৰ্বন অধিক অনুকৰ কথা বাস, আনি সেই ক্যান্ত্ৰেন লংক্ৰত হুই এবং ঠার জীগদপতে আচার প্রগতি मिट्रका गरी। करूर किमे तबच तिले, अनुसम द्वार অত্যান। ভগৰানের মারাম প্রভাবে আমি বার্ডানে মনে।

কবছি যে, নাম মহারক্ষে আমার পতি, ককা আমার পত্র এক যেত্তে আমি নদ মহামতের মহিনী, তাই সমস্ত পোধন সহ গোপ এবং গোলীয়া আলাই প্রস্কা। अक्छन्टक, व्यक्ति स्वयंत्रक्ता निका सभी अक्त छिनिहै

चारमञ्जू भंद्रचे फाटाव ।"

ভিসমনের কুপার মা বলেনা প্রকৃতপক্ষে প্রকৃত তব ধুমারক্ষম করান্ত পোরেছিলেন, কিন্তু তার পারেই স্থান্থান কার অন্তরন্ধ শক্তি লোকমারার মারা ভারে পুনরার বাংসকা প্ৰেমে মোহিত কৰে ফেপালেন। ভংকণাং ৰোণমাত্ৰার প্রভাবে কৃত্যের মুখ্য বিশ্বরূপ কর্মন করার ব্যাপরে বিশ্বত হয়ে, সা বলোধা পূর্বের হতো ওঁরে পুজটিকে কোনে ভুলে নির্মেছিলেন। ভালে তার সেই চিম্মা প্রটির প্রতি তার মেহ অভাত বর্ষিত হয়েছিল। ভালবানের মহিখা ক্ষেত্রয়, উপনিষয়, সাংখাযোগ একং জনান্য বৈজ্ঞা শাহে কীণ্ডিত হয়, তবও মা যগোলা সেই ভাষবানকে তার শিশুনা বাস মান করেছিলে।"

শ্বা যালালয় পরার সৌভালোর কথা ভাসে, পরীকিৎ হহারাজ ওকনের গোসামীকে নিজ্ঞান করেছিলেন—হে বৃষ্ণৰ, ভগৰাৰ বাঁৱ স্বৰ্ম্ব পাম ক্ৰেছিলেন, সেই স্পালনেবী এক দশ বহারাক পূর্বে এমন কি তপসা। করেছিলের, মতা কলে তারা সেই গ্রেমমত্তী নিছি প্রাপ্ত इराहित्सन । क्षेत्रक वस्थित वसूसन क्षर सर्वकीत व्हि এতই প্রসাম ছিলেন যে, ডিনি ডামের পুত্ররালে অবতীর্ণ হরেছিলের ভব্ও ভারা ব্রীকৃত্তের উপর বালালীলা

উপরোগ করতে পারেননি, আ এতই ফলে বে, কেন্দ্র ध्र ठीटीम कराई महा करें के के सरहर नमन करून पह হরে যার। লগ মহাবাক কবং বা কশোল কিবা পুর্বরতে সেই সমস্ত দীলা উপজেন করেছিকেন এক তাই ভারেন স্থিতি বসুদেব এবং দেবকী থেকে লেও।"

श्रील सकरत्व (जासावी कार्यक - दम्सके (श्राव তার পরী ধরসের কথন প্রকার আলেশ পালন কর্মাছের তথ্য ঠানা প্রসাহত ব্যক্তিলেন—ব্যা করে আন্তর্ভ পুথেবীতে জ্বাচালে কাল অনুসতি নিন, যাতে প্ৰংগ্ৰহ বিশ্বেকা ভাবানের প্রতি কো আর্হনের প্রায়ে ছবি সাক্ষ হয়, বে ভবিদা বলে জীব কড় স্বগতের সমত দুলে দর্মনা থেকে উদ্ধান লাভ করতে পারে। প্রদান চক্ষ ব্রেছিলেন ভবারে', ভবন ভবন্দেরই স্বস্থার প্রথ সৌভাগ্যকন জেল ত্রঞ্পুর কুনবঢ়ে পর্য প্রসিদ্ধ হয় মহারাজরতে আবির্ভূত হরেছিকন এবং ঠার পরী। ধর মা বশেষকালে আধিঠিতা হয়োইকোন। হে ভরত্যকতন মহাবাজ পরীকিং। ভারেপর ভগবান কম নক মহারাজ এবং বংশবাদেবীর প্রাক্তাপে আবির্ভত হয়েছিলের তথ্য ভাষ প্ৰতি ভাছের আহচলিত বাংস্লা প্ৰেম নিবন্তৰ বর্তমান ছিল একং ভাবের সামিংক খুলারনবাসী সমস্ত গোল এবা লোলীবাও কুফারভি লাভ করেছিলেন। এইচারে প্রস্থার বর সকল করার কলা কৃষ্ণ কেনাহ স্থ इसस्य क्यानाम का कररिएमन। छाउ विविध কল্পীলা প্ৰদৰ্শন করে, তিনি নক মহাক্ৰম এবং অন্যন্ত ব্ৰহ্মবাসীকেই অনুনৰ বৰ্তন কৰেছিলেন।"



নবম অধ্যায়

মা যশোদার রজ্জুর দ্বারা কৃষ্ণকে বন্ধন

প্ৰীল ওক্তৰ গোখানী ৰপ্ৰেন—"একদিন গৃহেও - মানুন করাও করার তিনি শ্রীকৃত্তের ব্যৱস্থালয় পানপূর্বত সমত পরিস্থানিকার বন্ধন অন্যান্য কাজে বাস্ত ছিল, ওখন তার সেই সমস্ত কাইকলাণ, কান্য করে বাস্ত বা্দ কর্মিলেন।

মা অংশাল বন্ধা দৰি আন করতে এক করেছিলেন। দবি বংগ্রমানেতী কেশব-পীত বর্ণের দান্তি দরিখ্যন করে, উন্ন

Sentel বিভেগ্যালয়ে কোমেরকর বেঁবে মহিবাহুম মধ্যের রক্ষ প্রকর্মণ কর্মার্থকান। তথ্ন তারে ছাতের কর্মণ ও কালের কণ্ডন দেখুকামান ও শক্ষায়ধান হংগছিল একং তাৰ সৰ্বাস क्रीकार इकिस्थाः गुजास्त्रस्य देश कमयुगम मुर्ग्यद्र भारत GOS হরেছিল: ঠার সুন্দর জাবুগল সম্বাহত স্বাহতার গাচিত হ্যেছিল কৰা তাৰ কববা খেকে মানতী খুল প্রার প্রতিবিশ। মা মধ্যের কর্মান্ত্র কর্মান্ত্রের, seen মীকৃষ্ণ তাৰে কুনপুত পান কামৰ অভিসাধী হয়ে die তাৰে এলেভিলেন এবং উল্ল আৰক উৎপাদন কৰাৰ ললা মন্দদত ধারণ করে জার ক্ষিত্ত্ব কার্যে কার্য গ্রিয়েছিলেন। মা কশোলা ভাগন কৃষ্ণতে কোনে ভূবে লৈৰে ঠাৰ কন্দুৰ্য পান কৰতে দিৱে শিশু হেনে তাৰ ক্রতেল দর্শন কর্মার্কেন। পভীর ক্রেহে আগনা খেলেই ওয়ে ভাল খেকে দুখ করিত হছিল। কিন্তু তিনি কান ন্তেক্টেন্ডেন বে, চুলার উপত্নে রাখা গুখের পাত্র খেতে বহু উপলে পড়ে বাজিল, জবন তিনি দুখপাৰে গাড়গু ওর পরকে পরিতাস করে মতাবেল প্রস্থান করেছিলে হণ্ড তথ্য অভ্যক্ত হুল্ড হাত্ত তাৰ বাংগৰৰ ওছনেতে গাঁও নিয়ে দংশ্যাপূর্বক, কণ্ট আঞ্চপতে করে একটি পাথরের টুকরো দিয়ে ধবিমহনের পারে কেমেছিলেন। জনপর তিনি যয়ের ভিতর নিরে নির্মানে সন্মাধিত মনী বেন্ধে তক্ষ করেছিলেনঃ যা যশোধা চুলা থেকে প্রথ দৃধ নামিয়ে রেখে, দবিমন্থন স্থানে বিজ্ঞা এলে গেগলেন যে, ব্যক্তিক ভাগ হলেছে এবং দেখানে কৃতকে না দেশতে পেৰে তিনি কুৰতে গেবেছিলেন বে, সেটি क्राध्यक्ते अर्थ। कृषा श्रवन देन्त्रीकारक ताब अन्ति। উন্বলের উদর কমে তার ইচ্ছারতের বই, মনী আলি पुंचनारः वस्य स्थानसम्ब निरुत्तन कर्ताष्ट्रसम्। इति करात्रः ফলে তার মা ওাকে ভিরম্বার করতে লারেন বলে মনে করে, শক্তিওভাবে ইভস্তত দৃষ্টিপাও করছিলেন। যা সেই অবাক পুরুষ, দিনি সমত ইভিন অনুস্থতির ভাঠীত, মাৰে ছড়ি হাতে শেখনে উপস্থিত দেখালয়, তথ্য তিনি উত্তেশ্য উদ্ধলের উপর থেকে লাক নিয়ে নেয়ে এলে হরেছে। বাঁতে বোলীবা কঠোৰ ওপসাৰ বলে

্টের করেও উন্তে প্রাপ্ত হর মা, আ খ্যান্ডলা, সেই ভাগান ইন্পেন্ত উপ্ত পুর বালে মনে করে ইন্তে করে কর छ। व विकृति शांदिक क्रविद्वात । अहिंद दिवस धन्यासनकातिनी सुप्रशास बर्गानाहरूकीत विक्र देख নিত্রভারে মহর হরেছিল। ১৯বেলে ঐক্তের বিচ্ছের ধাৰিত হওয়াৰ ফলে আন কৰ্মী লিখিন হওৱাৰ আ থেকে কুলওলি প্ৰতিষ্ঠ কৰে তাল অনুগতন কৰ্ণাছল। सर्वात विभि बीक्काक शत कार्यक्रिता अ বশোসা উল্লেখ্য কেবলে, কৃষ্ণ ক্ষতান্ত জীত হয়ে খাল ক্ষণনাথ বীকান কৰেছিলে। যা কথানা ভাল নেপকেন বে, কৃষ্ণ রুশ্ম করতে করতে তার হাত দিরে মর্মকৃষণ प्रदेश करता. केल माता कुरू कालन त्यारण शास्त्र । যা অশোদা ভবন উন্ন সুশত পুরতিকে ভার নিয়ে করে कृ सर्वका कराष्ट्र वास्त्रका। वा स्त्यका अर्ववि क्रकः মতি গভীব হোৰে বিশ্বৰ পাৰতেন এবং তাই তিনি कारतहरू मा श्रीकृष्ण (क बका देश शहा कि उक्सा কুৰো প্ৰতি মাতৃয়েহকণ্ড তিনি কথনত জানাঃ চেটাও कारकाणि तथ, विकि तक विहानमा ? छाई दिलि कचन দেশসের বে, প্রায় প্রাটি অবলা চীত ম্বেলেই, ভাল তিনি তম স্থাতের মৃতিটি কেন্দ্রে নিবে আতে থেতে প্রত্তে টেরেছিলের, করে তিনি আর কোন দৃষ্টনি লা করতে

"ডগবানের অধি-হত নেই, স্বহা-কতন নেই, সূর্ব-भक्तार (मो) चर्मार छिनि नर्रवाद। त्वरस्ट हिनि কালেঃ নিয়ন্ত্ৰণধীন কৰ্ স্বাটি উল্ল কাছে স্বাচীত, বৰ্তমান এবং ভনিংয়তের জোন পার্থক্য নেই। তিনি ঠার চিশ্বর স্বরূপে নিতা কর্তমন। হৈতকানের অতীত পরস্কতন্ত্ হওয়ার কলে, যদিও তিনি সং কিছুরই কার্য এবং কারণ, তৰ্ও তিনি কাৰ্ব প্ৰকা কাজনো কোচজাৰ হোকে মৃক্ত। অসমে তথন ঠাকে এই কবয়ায় দেখে বীরে দীরে ঠার - তিনি এখন একটি ন্যশিক্ষাণে অনির্ভূত হাজেছে এক পিছনে এনে উপস্থিত হয়েছিলেন। প্রীকৃষ্ণ করন আন আ মনোল তাকে তান পুর বলে মনে করে নছি নিয়ে ক্রনটি উদ্ধলে বেঁথে রেখেকে। যা ক্রনেয়া যথন অপরাধী অনকটিকে বীধার চেষ্ট্য কর্বজ্ঞান, স্থান ভিন্নি প্লায়ন করেছিলেন, ক্ষেম ভিনি অভাগু ভয়ভীত। দেখদেন বে, বছন বজাট দুই অনুলি পরিমণে ছেট। ভাই ডিনি ডব্লা সেই প্ৰকৃতি। সচে বায় একটি ক্লছ পর্যাত্তারাংশ উরু ধ্যাল করার ভারে প্রথম দ্বীন হওয়ক। বৃষ্ণ করেছিলেন। সেই নতুন রক্ষ্টিও বৃষ্ট আদৃক্য ছেট

হয়েছিল। তথন ভাব সক্তে আর একটি রুফ্ট যোগ উরা হতোছিল, কিন্তু তা সক্তেও তা সুট ফাগুল ছোট হয়েছিল। এইডাবে মা বশোল কড রক্ত্র মুড়েছিলেন, সেই সবই मृद्द क्रम्भूक (श्रीट सुरुठ मानका । अद्देशाद क्रा स्मानका उँद প্রয়ো সমস্ত হল্ম একের পর এক যুক্ত করেছিলেন, কিন্ত ভা সত্ত্বেও তিনি কৃষ্ণকে ব্যবহেও গারগেন না। সা হাশ্যানর সাধী হাতিবেশিনী সোপীয়া শেই মধান ব্যাপারটা দৰ্শ্য করে হাসছিলেন। আ ব্যানাক পরিবাধে হওরা সক্তের হামছিলেন। এইতাকে জারা সকলে বিভিন্ত হয়েছিলো। যা বশ্বেদা পরিপ্রান্ত হরে কর্মান্ত কলেবর হয়েছিলেন এবং উঠি কর্বীস্থিত মালা স্থানিত হরেছিল। বাশ্বাক ভার আৰু এইকালে পরিআরো মেখে, টার প্রতি কুলাপরারণ হয়ে বছনহাক হরেছিকেন 🏲

"হে মহারাক প্রীরিকং! নিব, প্রাক্তা, ইরা প্রভৃতি মহান দেবতাগণ সহ এই নিবিদ্ধ বিধ বঁড় বশীভূত, সেই

শতর ঋথবান জীভূষ। এটভাবে উলে ভাভের কুলার। প্রকর্মক করেনের। সা কলোপ করতের ইণ্ডিন্ন बीक्रकार कार (धरक में भारत आहे कर्राइस्ता छहे शकाव चर्मावर तथा, भरवयंत कम्म कि चर्माराज्य समित विकारियो सम्होराको । शास स्थान । महामानका स्थानक क्षेत्रम पराकृष्ठं (द्यामही त्यवत प्रभ करूपम नाक एक इटार भूतास, प्रह्मांगरी आमी कार्य डेनस(का प्रभाव) প্রাণাস অথবা দেহারপুদ্ধি পরায়ণ ব্যক্তিকের পরের ক্ষেত্র मुक्तक मन। भी वरणाना पंथम पृष्टिकार्य वाक जिल्हा ভৰন ভগৰান প্ৰাকৃত্য সমস্ত্ৰি বৃদ্ধ বৃটি বৃদ্ধি कद्रिक्त, श्रीता भूवं करण (चनशामय (कारायात करकराम श्री हिल्ला। शुर्वकरण मनकुरत कार प्रतिक्रिक নাত্র বিখ্যাত পুত্র পুক্ষর অত্যন্ত ঐবর্থনারী এং শৌভাগবান ছিলেন | কিছু পর্ব এবং অহন্যারের সার তাৰা নামদ মৃথিয় অভিশাপে কুম্পর ফাল ছয়েছিলে। শ



प्रमाप्त्र ख्रायाया

যমলার্জুন কৃক্ষ উদ্ধার

कट्टान्त्र--- "८६ चंद्रनाधाना युक्तिका, कि सावरण मातन युक्ति নগৰুৰৰ এবং মনিটাবকে অভিনাপ নিয়েছিলেন ৷ তীবা কৈ এমন নিজনীয় কৰ্ম করেছিলেন, যায় কলে কেবৰ্ষি মারদত ক্রম হতেন্তিকেন। স্বরা করে আপনি খামার भारत हो *ग*र्नेग करून*ै*

রাল ওক্তবের গোখামী বললেন—"য়ে মহারাক পরীতিক কুবেরের সেই বৃটি পুর শিবের পর্যাপত বছন করেছিকেন এবং সেই অনগর্বে অত্যন্ত গর্বিত হরে তাঁরা কৈবাস পর্বতে মালানিনীয় তীতে সূর্যা উপরনে বারুণী मात्री अभिन्न भाग करा, जनवृत्तिक इनकार साहीदार अस्य পুশ্পাস্থাতিত অনে নিচরণ করছেন। ওখন উর্বা গ্রান করলে নার্নভাও সক্ষে সঙ্গে গান কলাভেন। জীবা পার্ভভা

মহাব্রাক্র পরীক্রিং শুক্তাহ্ব গোলামীকে জিকাকে সুংশাভিত প্রসার প্রবেশ করে, মন্ত হন্তী বেডাবে হস্তিনীদের সংস্থ ক্রীড়া করে, সেইভাবে ফুবর্তীনের সঙ্গে विकास कर्त्राष्ट्रास्त्र (*

> "হে মহারাজ প্রীপিক, ডকা সেই কুমানদের লৌভাগের কলে ঘটনাক্রমে নক্তম ধুনি সেধানে এসে উপস্থিত হরেছিলেন: জানের ফলবুর্লিড কো দর্শন করে. खिनि केंग्रान्त्र **स्थाना क्षण्ड ८५८तदिस्या । नास**म् सूनित् (मर्थ नथा (भवसनाइल्थ कांका छ। **१**र३ हिस्सन अन्त অভিন্যপের ছতে তারা শীঘুই উচ্চের ৰম্ম পরিঞ্চ करविहरूका। किन्त करवातात पृष्टे गुज का करवानी। भक्तांखरव, मात्रभ युनिरक क्वरंगका करत कांत्रा मध व्यवस्था अदेशाना (गरे एक्ट्यूक्स्यूक् स्थ अस ঐশর্বহসে ও সুরাপানে মন্ত সেবে, শেবর্বি নারে টা^{চুত্র}

পুতি অনুস্তাই কটার জন্ম বিশেষে অভিনাম প্রদান করেব - কলঞ্চ ভার না ছে, অন্য আনুনারতে হার সংখ্য কুল্পার লাগাৰ বলোঁচলেন—"সমস্ত উপজোগা নিৰাবেও মধ্য সিহিত্তে খালুক। বাবে শতাৰ কথনত কণ্টাৰ বিভ (बाबार्ड, डोफ़क्रिक काक अनर निमार शक्तित शर्व ক্ষেত্ৰাৰে বৃদ্ধি নাল করে হয়। ফলিকিন্ত ব্যক্তি ক্ষম क्रमात यह हरे, छपन हम द्वीकालाम, माउजीया सन्त ক্রমান্ত করার সংবঁ গার্নিত আঁ**ল**্ডেল্ডিয় নির্দার সন্দ্রকের बार्यन संबंध अपनितक बना-मुद्धा संबंध नहम पहल करन নির্বাহ পরকো হত্যা করে। করনও করেও জারা কেবদ জ্বাস উপভোগের জান্ত আথর চিন্ত বিদ্যোগনের জনা লচ্চাৰ হত্যা করে। স্বীবিতকলে নিজেকে একডা গুড়মশালী বড় মানুৰ, মন্ত্ৰী, বাইপতি অংক দেবতা মনুৰ **হরে কেউ** তার দেহের জন্য মর্বিত হতে পারে। কিন্ত ৰিষ্ঠা অথবা ভক্ষে পৰিশত হবে। বদি কেই তার পাপকর্মের বামা নেহটির পালন করা ডিক মা। অধাক । এই পৃত্তি অন্নিচেন্ত্রির ধাকি কাল্টী আগত ম্বানী নাত্রক

ক্রমার কর্ম কেতাকে বৃদ্ধি নাশ করে খাতে, গোরেব হামের, সেট করিও জনা কণ্টতবিধ ব্যক্তিত বৃদ্ধ চেবুৰ और इतस्य प्रेम्पादि कराइ भारतः। सन्दर्भक्षे इदस्य নে সমান সেই কথা পুথাতে পোনে সে চার বে, কেউই শেশ এইরারে বাই বা পায়। কিন্তু যে ব্যক্তি কবদও ক্ষালালে নিয়ে হয়। খনমান কর বা সভাগু পরিবাজে কাউত্তিক মার্কা, সে কাটাও সেই কোনো গুলগুত পারে मा। परिवा पर्यक्त समानको छन्छ। कार्य छा। कारक का वा पावार हा अर्थनी बाहारहरू । उसे करन क्षेत्र करकात कृत करते क्षेत्र। नेतीन क्षेत्र, तद्र हेटानि অভানে কৰে, দৈবন্ধের বা লাভ হত তা নিয়ে ভাতে সম্ভূট প্রকারে হয়। এই প্রকার ব্যাধানুগাক ভগদ্যা তার সংক্র সক্ষান্তনাৰ, কাৰ্যৰ তা ভাতে সৰ্বভালনে আহলান (श्टूक कुछ कटा। नर्वता कुमाई, च्याईसमारी प्रविक्र ্ল ছে-ই ছোক না কেনা মৃত্যুর পর তার বের কৃমি, বাকি কৃমণ বৃষ্ঠা হয়ে হায়। অভিসিক্ত কা না থাকার কলে ভার ইপ্রিয়ার্ডলি আননা কেনেট বিক ব্যুদ্ধ নার। দ্রীদেশ ভূপ্তির জন্য নির্বীণ্ড প্রাণীদের হিলো করে, পরিছ বাল্ডি কাই ক্ষতিকারক, হিলোক্তক কার্যকলাল ৰমবতী অধ্যে সেই জন্য ভাকে কটাভান করতে হবে, করতে গানে মা। অর্থাৎ, সাধ্যা উচ্চাল্ড চয়ে যে সেই কথা আ আনেক্ষেও এই প্রকার পুতর্যের জনা কোঁ তালায়া করেন, জনা চল এই প্রকার ব্যক্তি আন্দান পুরুতথানীকে নিমেন্তের সমাকে প্রকেশ করে জনা কাইচল । কেকেই মেশু হয় : সমদকী সাধুতা কবিভাগেরই সাম জোৰ কনতে হংব। জাঁৰিত অবস্থায় প্রীষ্ট কি করেন, ক্রীয়েম্ব সম করেন না। শতিক ক্রিয় নংস্কের অল্লাতার, শিতার, পর্কথারিশী জাতার, মাতামাত্তর, প্রভাবে অভিনেই জাত বিবারে প্রতি উদাদীর হয় এবং ক্ষপূর্বক প্রবেশকারীর, মৃত্যার কারা ক্রাকারীয়, লা কি ভার ক্রাক সমস্ত কল্ব থেকে মৃক্ত হয়। সংগ্রা নিয়েন্ত প্রদেশ খারা অনিতে ভা বছন করে। ভাগক, দেহটি মধ্যে চাঁকুন করিই জীকুকের বিজয় হয় বাংকন। তাঁকেন কৰি খাব না করা হয়, ভা হলে যে কুকুজেয়া ভা ভাষণ । আন জনা কোন অভিনাধে নেই। এই প্রকার মধ্যক্ষাধ্য কৰে, সেহটি কি ভাবেৰত এই সমজ কা মজাৰ্য সম উপোনা কৰে অনুৰ কো অভজনে পঞ্চনাত হতে বাশিনারকের মধ্যে প্রকৃত দাবি কারণ স্থা দ্বির মা করে। প্রাকৃত কার্মান বিবরাসক বাক্তিদের সাম কর্মণ তাই, প্রকৃতি থেকে এই দেকের উৎপত্তি ছবেছে এবং সদিয়া পানে মন্ত ছবে এবং কর্ণায় ঐকর্ব লাছের পর্বে প্রদৃতিতেই ভার লয় বয়। তাই এটি সকলোমই সম্পতি। অভ হতে শ্রীশালয় প্রতি অভান্ত আসক কতেছে। আমি এই প্রশাস সাধারণের জ্বেলা এই অন্য নেয়টিকে নিজের । এলার ক্ষতানামনিত মতাতা বৃদ্ধ করে। মাধ্যুকর এবং বাস দাবি করে ভার শ্রীতি সাধ্যের কল্য লওহতো আদি স্থানিশ্রীন—এই সৃষ্টি যুধক স্কাণ্ট্রল্ড সহান কেবতা প্রপকার্য দুর্বান ক্রতীও জন্য কেউ ক্ষ করতে পরে মা। কুবেরের পুত্র, কিছু মিধ্যা অহকার একং সুত্রাপানে উপায় ধন্মদে বস্ত মূর্য নাজিক এবং নূর্জনেরা করায়ক বর্গনে হওয়ার কলে ভারা এতই প্রথঃপথিত হতেছে যে, ভারা অক্স। কাই ভালের পরেক নরিম হতে হাওয়াই মধার্থ নয় হওয়া সংক্রও বৃথতে পারছে মা বে, তারা নয়। हती माएकत পরের প্রকৃতি অঞ্চনবয়াগ। পরিষ্ঠ ব্যক্তি বেকেতু তারা কুকের মতো বিভাক্ত করেছে (কালধ কুক অন্তর সুমতে পারে মারির করে বুঃকারেক এবং তাই সে নার কিছু তার কেন চেতানা নেউ), তাই এই বুংক সুট্ট

ৰুক্তের প্রবাস প্রাপ্ত হাবে। এটিই প্রক্রের উপায়ুক্ত মত इरत। किंद्र तुक इंठलात कर जार पूक्त इंठल वर्गड আন্ত কুণায় ভাগেৰ ক্ৰিকৈ আৰ্থনেৰ কলা ভাগেৰ মনে খাকৰে। আধক্স, অসমান বিশেষ কৃপায় এই শত দিব্য কংসারের পর ভারা জগবান বাসুপেরকৈ প্রভাক্তভাবে मर्चन कहार अथा मुक्तकंकि शतका शरद।"

ইলৈ ভত্যেৰ গোসামী কালেন—"এইভাবে বলৈ (प्रश्नी जन्म नामाध्य-व्यास्त्रम नाथक कीर वास्त्रद्ध नामन करतिहरूका कार मनकृत्य के धीनश्रीत रामक वर्षान तुक श्रुतिहरूकः। धनवान सीकृषः और स्मर्ट घण मात्रः भूनित থাকোর সংগতা সম্পাদ্ধের জন্ম বেখানে কমক সার্জ্য तुक बिल, बेर्ड दीरड स्थादन नामर कररकत। "विभिन्न এরা দুরুল মহাধনকা কুবেলো পুত্র এবং জালো সম্পর্কে আয়ের কর্মার কিবুই সেই, তবুও নামে মুনি আমান অতি বিত্ত ভক্ত এবং বেছেকু লে চেতেছে যে, আৰি কানো সন্তুখে আমি এবং জালের উদ্ধার কমি, তার্ আমি আ कहत। वह बहुन शिकुक व्यव्य वृक्ष मृत्ति श्रवपात প্রবেদ মর্বেছিলের এবং যে উদ্ধানীক সামে উপ্কে বার হতেছিল, ভা বফ্লভাবে বৃক্ক স্টির মধ্যে অটকে গিনেছিল। তাঁর উপরে বাঁধা উদ্বলটিকে কাপুর্বক খ্যাকৰণ কৰে খ্যাক জীকুৰা কুম দুটাকে উৎপাটিত कार्राहरूका । शहर शुक्राता विकास क्षेत्र, मानव अंका শাখ্যমহ বৃক্ষ বৃটি প্ৰকাভাৱে কশ্বিক হতে হতে প্ৰকা শব্দ সহকারে ভূমিতে প্রতিত কর্মেক্স ভারণার, ফেবনে অর্থ কর দুটি ভূপতির হতেবিশ, সেখানে কৃষ্ণ দুটির মধ্যে থেকে বৃতিমান অধিস মডো দুই মধাপুরুব নির্গত **হরেভিজেন। উদ্দের সৌল্বর্ডের ইটের সর্বাচিক আলোকিও** হতেছিল এবং কারা ভাবনত সন্তব্ধে প্রীলুক্তকে প্রদৃতি দিবেশন করে কুটোরালি সহকারে বলেছিলেন, 'তে কৃষা, হে কৃষ্ণা, অ্যালনার বেটেকবর্গ অচিয়া। আপুনি পরক পুরুষ, স্থানতের নিমিত এবং উপলোন জাল এবং আপনি को बाद मृद्धिः करीक। इक्कानीता (मर्वर कीमृत्र) उक्क चानि (द्यानक छोड़न विकित्य) ब्यातम (ग. पूछ क्या **সৃষ্**रवर्ग और समेर जानवार्ग्ड स्थान्। जाननिर स्थ কিছুর নির্ভা ভগকন। আপনিই প্রতিটি জীকের সেতু, **दा**न, कारकात क्यार है क्रिएशन विकास । जाननि नहाः পুরুত্ব, বিশুন, আবার ঈশরর অংগনি কাল, নিমিত্ত করেব

এবং বিধেয়াভিতা সংগ্ৰহণ আপনি এট কম জন্ম_{তনা} च्यानि कारण । परार्णन नराभासा स्वर अहे ध्यानांन छो हाः बीरका इसरका मध्ये नियक्त ब्राह्म। क ब्राह्म মালনি সৃষ্টির পূর্বে বিরাজ্যান ছিলেন। ভাই, এই কর क्षत्राट करामा (मार्ड मानक स्कान बील प्राप्तारक ক্ষানতে পারের হয় ভাগবান, স্মালনার মহিসা সাল্যান শক্তির যারা আহোদিও। স্থাপনি সৃত্তির মূল সহর্যন এক इंड्र्यूस्ट्रा काहि समूख्य। शिर्द्धकु कार्यात भर कि का ভাই আনতি প্রমানে, ভামণ আপনাকৈ আমানের সভা क्षपंति निरंदमन कर्ति। भ्रदेगाः, कुर्मः, दशकः आमि भ्रतीरव আৰুত্ত হয়ে, এই সমস্ত প্ৰাৰীদেৱ লক্ষে অসম্ভৰ্জনাত অস্থান্ত, অপুলনীয় অধীয় দান্তি লম্বিত, সেই ভিন कार्यक्रहान जार्जीन अञ्चल करहन । चन्डतम जार्जनार 🚓 লবীর ক্রড উলাবালের খালা গঠিত নয়, লক্ষরতার ভা ভাগনম ভবতার। আগনি স্বেই গরমেশর ভাগেনে এই कश्चात्र जानक सीयदमह समान मध्यान क्या कर व्यक्तिमञ् वर्धावर्क्त स्टारको। ८२ भाग वनारमान, चानत चाननारक चामारका महाच शर्मक निरम्भ कवि। *व* লরম মাল, আলনাকে প্রশাস করি। 🗱 উদুপতি বাসুমের अबर भारतकारम, भारतहरू क्षमात्र कवि। 🗶 विभक्तान, कार्यस्य कानानात् कनुस्य मात्रम मुनित कृष्णः अधन कार्यम আমাদের গুরু প্রভাবর্তনের অনুমতি দিন। নারদ মুনির কুপার আমরা আপধার সাক্ষাৎকার সাক্ষ করেছি। এক থেকে আমাধের ক্রক আগনার সীলা কীওঁনে, ত্রক पूर्वन जानमान परिया क्षत्रत, ग्राज-ना वर्धर जनाम ইন্দ্রিয় আক্লার শ্রীতিজনক কার্হে রম আপনার পাদপা শারণে, মধ্যক এই নিবিল প্রসাতের প্রদর্গে (কারণ সাধ্য বস্তুই আপনারই বিভিন্ন রাশ) এবং চন্দু আসমার পেকে অভিনয় বৈক্ষাবদের দর্শনে রয় থাকুক।" "

শ্রীল গুরুদের গোনামী কংলেন—"এইডাবে দেই দুঝন দেবতা অপবাচনর তথ করেছিলেন। প্রীকৃষ্ণ বনিও সর্বশোকমহেশন, বিশেষ করে গোকুনেশ্বর স্থাবান, তথুর या यानामा छोरक छिनुषरम स्वेटच छारमहिरमा अवर छाँहै হাসতে প্রদত্ত তিনি কৃবেক্সে পুত্র কুজনকে বলেছিলেন 'দেবর্বি নামদ অত্যন্ত কৃপানর। ধনমদে আৰু তোহাদের পুৰুপকে অভিন্যাপ দিয়ে তিনি ভোমানের প্রতি উল্ল বংগ কৃপা প্রদর্শন করেছেন। খনিও জেনার কর্মস্থেক খেকে প্রকাশিক করে ব্যালালী প্রাপ্ত করেছিলে, করও জেলা নাম হতে প্রেরেছিল ভাই অমার প্রতি ব্যালালয় कृत कर कर प्रश्नित कररक। करि औ राज्य सिर्द्ध प्रश्न (बारवेक करणात क्रिकास । मृत्येक प्रमान स्टब्स्स sept অভকার পূর্বাভূত কর, তেখনই ঐকান্তিকছাবে প্রামার কালোগার এবং আমার কোনার কৃত্যাক্ষা ভারের। পুরুষ সেবস্থারে এই রাখে কালে, উল্লাচন কর अक्टरमार्ज्य कर्मा, कर्मच काल करू तका चान्यह भारत রা। সমধ্যের এক র্যাণটাব, বেরমার দৃষ্ণার একা গুড়ে ভিয়ে কোন পায়। তোমনা কেনেডু কৰ্মন জ্বসন্থ ডভিতে

(द्वारताह देहाई साधा मूर्व इत का का प्राप्त गरे কর থেকে ভোরতের কর্মার ক্ষান্তের হবে মার্চ ন

दीम ७३८२५ (पाचारी सार्शन—"बन्दर्भ रुग्डे कार्यस्य अर्थकर्न्स्य स्थ तत तन्त्रः वस्त्रः, संतर्भारसः অনুযতি নিয়ে কৈমে গৃহে প্রহান কর্নেচাপন।"



একাদশ অধ্যায়

ঐীকৃষ্ণের বাল্যলীলা

क्षेत्र ७करम्ब (गांधामी क्लालन—ेटर प्रहाताक। ন্ত্ৰীজিত, ভালাজুন বৃক্ষ দৃটি পতিৰ হলে, নাৰ মহাবাজ আদি পোলেয়া সেই ক্ষয়কর শব্দ ওলে বছুলাও হারেছে 🔻 कृत्य करन्या करना रमचारम विरामित्समा। द्वीता रमचारम । अस्त कारक कारक काम क्रियु मरण्य पुरर्राज्य। देशस এনে ভুততো পতিত অর্জন কৃষ্ণ দৃটি কেখনে পেকেন। বলৈও উল্লেখ সেনতে পেরেছিলেন যে, কৃষ্ণ বৃটি নির্লোচত হরেছে, কিন্তু বিভান্ত হওয়ার কলে, তারা বৃক্ত হুটির প্রস্তার কারণ নির্বার করতে পরেরেন কঃ ত্রীকৃষ্ণ বন্ধুর ব্যায় আৰম্ভ হয়ে উত্থান আক্ৰমণ ধৰ্মজ্ঞান। কিছ সে नुक पृष्टि फैटनारिज करका कि करता। धक्रप्रभाक 👁 ाहि कहारका और चीनात भूतिर काचार और मध्य कार्र्यक्रमक विषय किंद्रा करता (बार्ट्स्टा उँदिध स्थर निवास स्टब्स्सिम्। स्टब्स् नवस् (शाननामाकसः वरमञ्जि -- कृष्णेहै का कररहा । तम क्यन पृष्टि कृष्ण संभ्यादन बाह्न, खन्नन केंम्थल्डि वज्रान्तर प्राप्त अर्थन्ति আটকে বার এবং প্রীকৃষ্ণ সেই উদুনবাটি থাকবি করার বৃষ্ণ বৃত্তি পতিত হয়। তামপর কুজন অভি সুন্দর পুরুত গেই কৃষ্ণ বৃটি থেকে *বেবিয়ে আংশ*। আমন্ত কাৰ্যে ल क्या करवाहि।"

"কভীৰ স্বাংলনৰ প্ৰেচনৰ মততে, সাধা মহাকাল প্ৰদুৰ্থ

াগাপেরা বিশাস করতে গালেনতি হে, প্রতিকা এত ক্ষাল্যবিজনকার্যালে কৃষ্ণ সৃষ্টি উৎপাট্নির কংগ্রেছিলের। তারী केता राज्यस्य कवत विवास कराइ भाउनमे । उद्युक्त (स्ट्रॉक्टमन, '(सारह स्विपनाने) कड़ दरारव (द. १०० নাধায়ণের সমস্থান হতে, তাই সে এই কার্য করেও व्यक्तर भारता जन क्याना केंद्र मृत्यक क्रमूरफ অবস্থায় উদ্পাদ আঞ্চর্যণ করকে মেখে হালি মুখে উরকে ধান মূল কর্মের্ডলেন। প্রোপীয়ে কারের, কুমা, ভূমি इनि नां), सा शता कारते (काराहरू और नाग्वीत (स्था) এই প্ৰকাৰ বাংকাৰ কৰে। কৰক কাংকালৈৰ ভাগে কাৰ্য ক্ষাহের কুমকে উৎসহিত জ্যাতন। তিনি স্থাপিক্তান জনবান হুৱারা সংস্থাত হাসতে হাসতে জীবেন ইস্পান্তটা নাচাকেন, কো বিভি ছিলেন ইংলের হাতের পুড়ান। করনও কথাও আলে অনুজ্ঞান হিনি উচ্চেরণতে পান कारकः। औरवार्थः कृष्ण मर्वद्रशास्त्रः स्थानीराम् वर्गीकृष्ट ছিলে। কথাৰ কৰাও বা ব্যালয় এক উন্তে স্থীপা-क्करक कल्टबर, 'की दिख अन' संबंध 'की निरंत ৰুষ্ণ কথাৰ কৰেও তীয় ঠাকে কাঠে লিভি, পাশুৰ व्यक्ता वान प्राप्तत कार्डन श्रीत निर्द कागर्ड कन्रहान।

মারের দ্বারা এইখালে আনিট হলে কৃষ্ণা তা আনার চেটা ক্যাতেন। কর্মত কল্মত তিনি ফো তা ওঠাতে আক্ষ্য এইভাবে তিনি জা পুরে লেখানে দাঁকিলে আক্রেন। কথনও আনার তার আখীয়খগের হর্ম উৎলামন ক্যার কন্য তার হাত তুলে বিক্রম প্রকাশ ক্রেন্ডেন। ভগ্রান শীকৃষ্ণা জার ভ্রানের ক্যা ক্রিন্সের কনীযুক্ত হল, ভা তার কার্যকলাপ হ্যারস্কার সক্ষম জনতে তার ওজ ভক্তদের নিকট প্রদর্শন করেন্ডিকেন। এইভাবে তিনি তার বালকোচিত কার্যকলাপের হারা ব্রহ্মকার্যাদের জ্ঞান্য বর্ধন করেন্ডিকেন।"

"একস্মার এক কল বিক্রণিনী 'ছে ব্রন্ধবাসীমার, ভোমরা হবি কল কিনতে চাও, জা হলে এখানে এসা' বলে কল বিক্রন্ধ করছিল, তথা সর্বকল প্রশাস্তা শ্রীকৃত্য কল লাকের উচ্চেশ্যে কিছু খান নিরে জর বিনিমরে কল প্রহণের আশার সেখানে বিবেছিলেন। ক্রন্তবেশে ছুটা বাওয়ার সময় জীকৃবেলা হলে অবেক প্রায় সমস্তা ধান পড়ে বিরেছিল। কিছু জা সংস্কৃত সেই কল বিক্রনিনী কুম্বের্য় দু হাত ভয়ে কল বিরেছিল এবং জর কলে ভার কলের কুড়িটি ভবক্তবাং মনি-মানিক্রে পূর্ণ হরেছিল।"

"रमभार्क्स कृष्ण क्रेंश्लाहरूतम् चत्र, अक्लिन ক্ৰেহিণীদেবী নদীৰ ভীৱে অভান্ত মনোকোন সহকাৰে ध्याना समकरस्य गरम क्षीकारक कृष्य अवर बनवाग्ररक फारन्ट्छ निर्द्धारिकातः। चान्याना दामान्टपतः महत्त्र एएमधाः কভান্ত অনক হওয়ার কলে, রোহিনীদেরীর আগ্রানে কক धारा बनाहाम पटन किएक अरकान ना। छोडे उद्योदगीराजी मा बरभागारक भाठिरविष्टलन केरस्य एकरक कानरक. কারণ মা বলোকা কাঞ্চ-কোরানের প্রতি অধিক লেহপীকা ছিলেই। কক এবং কাল্যম তাঁকের কোনো এক আনন্ত ছিলেন বে, মানেক বেলা হয়ে পেলেও তাঁরা তাঁলের त्थनारः भाषीत्सा महत्र व्यनहित्तनः। फाँरे श्र वरणात फैरनर चाठवाड क्रम एए.क्डिकन । क्या क्या क्यांट्राय প্ৰতি কৰে বাংলার ক্লেক্সত করে ক্লম থেকে গুরু করিও कृष्टिन। या श्रह्माचा रमारणन-८६ करण ५५०, ८६ ক্ষমত্তনাম, তৃত্বি এবং আমার করে এবং ক্সা পান কর। হে ২৩স, কুমি নিভাই এখন পুশার অভার কাজা হলে। अपिर अञ्चलन भएत (भागात करून आल १८३१६) चारा अपने (बानात श्राह्माचन स्मिर्ट) (हे कुनान्नात, करन बनास्तर,

তোমার শ্রেট ভাই কৃষ্ণস্থ দীয় এখানে এল। ভোমার সেই কভালবৈলার ভোজন করেছ, স্বাভএই এখন ভোমারের ভোজন করা উচিত। হে বংস ন্থাবাম, মার মহরেজ ভোজন অভিনামী হয়ে ভোমারের জনা প্রতীক্ষা করেছে। অভনাম আমানের জানক বিধানের জনা এখনে এল। কৃষ্ণ এবং ভোমার সম্বোধে স্থান্ত ভিত্রের ক্ষো করেছ, ভাষাক এখন ভালের মারে জিয়ে ক্ষ্ণা

ন্ত্ৰীল ওকলেৰ প্ৰেৰামী মনলেন—"ভাৰণত একসায়ৰ কুকুতেৰ মন্তা উৎপাত ছড়েছ বেখে নক্ষ মন্তারাজ্য প্রথম বছ ক্ষেপন্নৰ সকলে মিলিত হতে বিকেনা করোধনের, হতে ৰে বাৰ বাৰ উপাধৰ চল্ছে তা বন্ধ কৰাৰ জন। কি কৰা कर्टया। शाकुलाह त्यदि मध्या (भन, सम ७ धार्यटर) অভিন্ন এক আনে ও নালে সা চাইতে প্ৰবীণ উদানৰ নামক গোপ বাম এবং কৃষ্ণের মঙ্গলের ক্ষান্ত এই প্রভারতি করেছিলেন—ছে গোপগণ, প্রেক্তবের হিতসাধন করার জন্য জাত্মদের এই কুন ভাগে করা উচিত। কারণ রাম ৭০০ প্রস্তৃতি বালককের প্রাণ কিনালক মানা প্রকার মধ্য উৎপান্ত এখানে সৰ্বদা উচছে। ব্যৱস্ক কৃষ্ণ কেবল ভন্ধনেট্ৰ কুণাত, ভাকে হত্যা কাছতে বস্ত্ৰপত্নিকা পৃথ-ট ব্যক্ষসীর হতে থেকে কোন না কোনভাবে বখা পেবেছিল। ভারপার, পুনরার ভাগবালেরই কুপায় প্রভাট তম্ম উপর প্রেনিঃ স্থানের মূর্ণিখড়মানী তুগাবর্ত নামক रेक्टा करके इंडर कतात बना क्याकाशाय क्राव्य

affect নিয়ে বাস, কিন্তু কেবাল থেকে গৈতাটি স্থান্ত কুলা পতিত হয়, সেই কেন্দ্রেও ক্ষমতা ইপিকু বা ঠাব কালের নিত্তিত লেল কর্তেন্ডলের। তেনিকর, কুরু ছটিব পতন হওয়া সতেও কৃষ্ণা অংশা তার **ং**কাৰ _{মানীটোর} মৃত্যু ভর্নে, যদিও তার কৃত সৃতিং **যতি নি**হন্টে ক্ষাৰা মাকাৰানে বিশ্ব। সেটিও ভিনন্তনেকী কৃণ্য বলে ক্রম করতে হবে। এই সমর উপরব কেন করেত লামারার বারা হতে। তানা কেন উৎপত্তি করতে জাসার ন্ধে, আনামের কঠন কই কমত বাসকলের ভিত্ত কর हाराज हरन शास्त्रा, राजारी की कारणा रका केरणाउ इर्स मा। प्रत्येत्वस बायर सहायगुरू साथवाहर कृतग्रह अपन अवति पूर्ण जरवाहः। अरे पृत्यी चलाद देशहरू. কাৰে সেখাকে ধাতী আদি পাঠাৰে কৰা সুক্তা সনুধ का, शक्त अमर राभा स्टबरहा (मध्यत परनाद मुख्य काला अवर केंद्र नर्बाठ बरताब अवर त्यारे काला त्यान. (क्रमी अंदर च्यावाहम्ब भेकतम्ब तृब्दाहरू समाह सुराम স্থিপ্ত পূর্ব) ক্ষতন্ত্রক চল, আমরা ব্যক্তই একটে নেবানে ৰাই। আৰু বিলাম করার ক্ষেত্র প্রয়োজন নেই। त्यास्य स्थि कामात्र और शकार्य मचक एक का रात একটা সমরা শত্ত হালত করে গাতীলের পুরোলাগে विरष्ट कर अवर भागता स्मराहत अवर करि।"

শটকানকোর সেই উপদেশ মান্য করে সমস্ত গেলের একমক হয়ে 'সাধু সাধু' বলে ছা সমর্থন করেছিলে এবং केर्या गृहशासिक मारक जैनकान, गरिवास क्रम कानान সমর সাম্প্রী পকটে ছাপম করে, ছচিরেই কুলাবনের प्रेरकत्त्व नाम करतिहरूनः। एर महातम नहीर्वकः, एकः বৃদ্ধ, স্বাসক, রাম্বারী এবং গ্রহস্থানিয়ে সমস্ত উপকরণ শতকৈ ক্লণান করে এবং গ্রাকীলের সামনে রেখে পেরণের করি ঘট্টে ধনুৰ্বাপ ধারবপূৰ্বক ভেত্ৰী একং শুলের শব্দে চতুৰ্নিক মুখবিত করে জাছের প্রেট্ডেখণ নর মাত্রা ডক कर्रहरूका: १९१५ इसमीता मृन्स समस्य मन्त्रिय रहा सर क्ष्मकृष्टर करता कैएकत अध्यक्षम बक्रिय करता. सकेरमरून नामक ध्रासन्तर्वक भागरों चारतावन कटर्राहरून क्या प्रधानकारण कीवा क्षेत्ररका मीला का कर्वास्तान। पृथ्ध क्या कार्याहरू विवह प्रकृत क्रमक व स्ट्रांस क्या (प्रादियों) (मदी कृष्ट अन्य कालाप्ट्राक्ट्र महान निर्म केरण मिना अरम कराइड काराड मकाड चारवारून करवीशाना ।

এই অবস্থান উপন উচনের জন্মন্ত সুম্মন্ত দেশপিনের এইবাবে উটো সমান কর্মনে সমান সুসলাক্ষ বৃদ্ধানৰ প্রতি সংগ্রা করিছালোকে উচনের সমানিক্ষ নিজসভাল করেছিল। "

ेरि बरातक गर्नेतिकर, जाम क्षर कृषा एक*। कृ*रश्रह, (कर्षा कर दर्ज जीड़ थी भंक सर्वप्रकृत, उपन উলা উভৱেই খাল্লের অনন্দিত হর্তেছপেন। এইভাবে क्या अवर बनावात्र (स्तुवे पान्युक्तः भरता प्राप्ता कर्या করে কথা বলে সমস্ত হ্রজনাস্ট্রেন্ড নিবং আনের প্রদান केटाविहरूवः। श्रेषामञ्जाक दीक्षा श्रीवरणहरू अकन्याद्यकर কবাৰ উপৰুক্ত বছৰে প্ৰদৰ্শন কৰ্মেছ্যক। সৃষ্ট এবং কাল্য কাৰে পূচের অপুত্র ক্রাবিধ কোনে উপকরণ निरम, कमा त्यानकानवरस्य भूतम एकम् करलीहरूमा द्वार পোকরে হারণ কর্মেছিলন। ক্ষমত ক্ষমত ক্ষম এবং ক্ষামে উল্লেখ বঁলি অভাতেন, কংনক কথনত ঠাৱা গাছ থেকে কল পাওবার জন্য সভার পাবর থেকে ভা ভিতেন, কথনৰ কথনৰ জীয়া কোনল লাখনই ভিতেন এবং কৰনও আলাৰ উপনত পাৰ্যের নূপুর ব্যক্তিকে কেন चथत कारको स्त्री का नित्र थ नित्र स धाराउ করে শেনভেম। কংনও কংনও জারা কংল মিতে निकास्त्र राज्य रहिए शाही अस रवक्षण पास्त्र करहे উল্লেখ্য পৰ করে প্রস্থাতে দলে বৃদ্ধ কর্তুত্বে এবং কৰ্মক আৰাই উলো খানালে প্ৰামেৰ দক অনুকৰণ খরতেন। এইভাবে ভালে পৃটি সাধান্তর নর্গণ হর বতো विकास भारतीरतासः"

"একবির বার এবং কৃষ্ণ কাল বাঁকো বেপার সামীনের সাল বনুনার তীরে পোবনস ভারণ করিবলা ভারা উপনের বার করার কাল একটি অসুর সেবারে আমে। ভারনের বারল পোবারের বে, একটি অসুর সোরের্গার রাল ধারণ করে পোবারারার মাধ্যে প্রসার করেছে, ভারন ভিনি বলানেবকৈ নেই অসুরটি ক্লেবির কর্মের্লান, 'বার একটি অসুর একবে এনেছে।' বার্মান ভিনি বিধা বিধা সেই অসুরটির বারে নির্মাণিকান, বেন ভিনি অসুরটির অভিভাগ কিছুট কুরারে নার্বার্গারি ভারণা প্রকৃষ্ণ বেই অসুরটির সির্মান পা এবং লোকটি বার প্রচার বেই অসুরটির সির্মান পা এবং লোকটি বার প্রচার বার্মান বেই ভারণার বা কার পারি ভার জেরাকে বার্মান বেই ভারণার বা একটি কলিক বুক্তের स्थान नृद्धन

केन्द्र पूर्व रक्रानाः वधन राहे विभानका रेगरहार (मरहार कारक कनिक कुमारी एकटब गर्रफ, क्षेत्रम राजेरे অসুরটির হেম্টেও ভূপতিত হয়। অসুরের সৃত দেহটি ধানৰ কৰে সমস্ত গোপবাদকেৱা উচ্চানিতভাবে বলে कर्रेडिस्टान, कुका पुर काल स्ट्राइन पुर काल হয়েছে। হোমাকে কালাল । কর্মের কেবভারার জভাত হানা হতেছিলের এবং ভটে জনা ভানানের উপর পুষ্প বর্ষণ করেছিলেন। সেই অনুরটিকে সংখ্যা করন পর ক্ষা এক বল্লাৰ উচ্চে প্রত্যাপ সমস্ত করেছিলেন এবং প্ৰেবংসকের চারল কবতে করতে ইভারত বিচরণ করেছিলেন। কৃষ্ণ এবং বদরুত্ব সমস্ত ক্ষপত্রের প্রাণক, কিন্তু এখন উরো খেলাকক রহেল গোকংস্টার পালন করেছিলেন।"

"একনিন কৃষ্ণ-সভয়াম সূত্র সমস্ত বালকেন্দ্র উচ্চের নিক্স নিক্স গোবংস্থারে কল পান করবোর কন্য জন্মলতের নিকটে উপস্থিত হয়ে অংকের জল পান করিবেছিলের এবং ভারণর উল্লা নিকেরাও জন পান कर्णाक्षरकार। भागरकता दन्हें क्रमान्यत्व दिकारे ব্যাহ্বাহত তথ্য নিমিশুক সমূপ একটি বিশ্বক শায়ীর বর্ণন কর্মেছদেন। এই প্রকার এক বিশাস প্রাণী করি করে फेंश्रा कीठ इरबाइरलन। दन्हें क्लिक्करत चन्नतर हिन ক্ষাসূত্র। সে এক তীক্ষরণ বক্ষের রূপ বলে করেছিল। সেবানে এনে দে সংখ্যা জীকুমকে প্ৰায় করেছিল। वैनातांत्र अवर कारामा कानरकता वर्षन राष्ट्रका रह বিশাল কৰ্মট জীকুমকে জান করেছে, কৰন উল্লা প্ৰাণ্ডীন ইন্ডিকো দলে প্ৰায় অচেকা হয়ে প্ৰচেতিকা। ক্লায়ক শিতা গোণাশ-বাদকরূলী জীকম অধিয় সতে উত্তর হতে কেই অনুক্রে তালুনুল করু করেছিলের এবং ভার **কলে সেই বলাসুর ওংকারাং তাকে উদ্গীরণ** করেছিল। कुम्बदक काल कहा महसूच ध्यक्ति (सहस्, हम कुमशार क्रि) फीं इ कु अ शादा क्षेत्र कात्म आक्रमन करवित्र। বৈক্ষমের পত্তি জীপুজ কবল কেবলেন যে, কংকের সভা ক্ষানুর পুনরাত উত্তে আক্রমণ কাতে উমাত হরেছে, ভাষা ভিন্ন করে হাত নিয়ে সেই অসুভার চালুকা ধারণ করে সমস্ক গোণজাকসের সম্পূর্ণ দীবণ ছাসের মতো ভাকে ছিবা বিভক্ত করেছিলেন। এইভাবে অসুরটিকে बंध करा केंक्स (स्वकारशास चानव विधान करविष्ट्रमान)

ভবন হতেরি দেবভারা ককাস্থরের শক্ত প্রীকৃৎকরে উল্ল নক্ষাৰ কান্ত মান্তৰ পূচ্চ বৰ্ণ কৰেছিলেন _{প্ৰস্} দুৰ্ভুতি ও শব্ধ বাঞ্চিয়ে উলা ক্ৰম কলে ঠাকে আভিনাৰ क्रानिरविद्यान्त वा प्रत्ये त्वाणभागरकता निष्टिक ecutiones are focus our cours biscornes were মান, ভেষানই এই বিশাল খেকে কৃষ্ণা মুক্ত হলে, সাধার প্রভৃতি আলকোর কেন জালের প্রাণ কিবে পেরেছিলের তানা সৃত্ব ভিত্তে জীত্যকতে আলিয়ন করেছিলেন এক তারপর জালের নিজ নিজ গোলংসাদের একটা করে ওচন প্রস্কৃতিকে কিরে সিরে, উটেরংখরে সেই মটনাট কর্তন করেছিলেন।^শ

"বলে বকানুর বধের ঘটনা ধাৰণ করে গোপ এক বোণীরা কতার আকর্যাকিত ইরেছিলেন। এক্সাক ধৰ্ণৰ কৰে এবং সেই উটনা হাৰণ কৰে তালের যান स्टाहिन *ए*व, जीकृष्ण अवर कालाना संगदकता (का মুক্তামুখ খেকে কিরে এলেছেন। ভাই তালে নীয়ন নৱকে क्षेत्रक अन्य सामकरमस मार्गम क्यार्क मानासम अन्य ভাষের নিরাপন দেখে ভাষের খেকে চোপ ফেরাডে পরেবেল বা।"

'লম্ম মহরেছে আমি গোলেয়া বলতে স্থাননেয়---এট क्षाञ्च कान्द्रपति विका (व, और भागक श्रीकृत्यात च्यान প্রকার মৃত্যুদ্ধ কারণ উপস্থিত হয়েছে, বিশ্ব ভগবানের কুপার সেই সর্বন্ধ করের করেলেরই মৃত্যু হয়েছে। এই সমস্ত গৈতেলা ছিল অভ্যন্ত ভাষার এবং ভালা স্বভার কারণ হলেও এই বালক কৃষ্ণারে হত্যে ক্যাতে পারেনি। পক্ষায়েরে, যেহেন্ত ছারা একটি অসহায় বালককে হতা করতে অসেছিল, তাই তার কাছে জ্যোমান্তই তারা অধিতে শতকের মজে নিহত হয়েছে। প্রদাতপ্রকাশন सनी क्यन्त विशा दव मा। अपि चलाद चल्हर्सर বিষয়, পর্ণায়লি যে ভবিষ্যাধানী করেছিলেন, ভা এখন অবসর স্বিক্তারে অনুভব করছি। এইভাবে দল মহারাজ প্ৰসুত্ৰ পোৰেলা পৰৰ আনক্ষে শ্ৰীক্ষা এবং বলুৱায়েয় मीना संबद्धीय कथा ध्वाशास्त्र भरतिहरूमा वयर धात स्था তারা সংসার-বৃহধ অনুভাগ অনুভানি। এইভাবে জীকুণ क्यर कालाव कुरकाइति (बाबा, (मरुनियोग क्यर बानजाई মতো লাখন প্রভৃতি শিশুসুলভ খেলার রত থেকে একভূমিতে ভাবের শৈলৰ অভিবাহিত করেছিলেন।"

হানশ অধ্যায়

অঘাসুর বধ

গ্ৰাম ক্ৰমানৰ পোৰামী কালেন—"য়ে বালান, সমন্ত কালেনা বিভিন্নভাৱে কেনা কৰেছিলেন। ঠানের এড়বিন জিবু কা বলে প্রাতঃভোচন কবার কবছ থকে কেট বলি বালাতেন, কেট বিধাননৈ করতেন, ৰুবেছিলেন। পুৰ সভালে পুৰ কেকে উঠে বিনি ইয়া শুরুক্তির ছারা সমস্ত গোপবালক এবং যোক্তস্তার গ্রিকার করেজিকা। ভারণর কৃষ্ণ কর গোপরসকের। উড়র পানির ছারর লিছনে থানিত হয়ে পানির ওড়ার ত্তালের বংশদের সামনে নিয়ে বজাভূমি থেকে মনের অনুকাল করেতেই কেই হয়দের মনোহর পাতির অনুকাশ ঐক্রেশ্য সালা কটেবছিলেন। ভাগৰ শত-সহাব করেকে। তেওঁ করের অনুকরণে তালের সঙ্গে চুণ্ডাণ ৰোপবালনের উন্দেশ শন্ত-সহজ ব্যেহৎসংকে সামতে দির প্রাকৃতিকে তানের পূর্ব থেকে মহানাম বেতিরে করতেন। কোন কোন কালত বৃক্তমু বানর-শিওখের ath প্রিকৃত্যার সঙ্গে বোল নির্বোজনের। সেই থানকের ছিল্ম অন্তঃ সুন্দা এবং জিল্ল সকলেই ক্ষরজে কেলা, भिक्षा, ८४९ क्षेत्रर श्लाक्यम काक्टनर रहि शास्त्र क्टलि(तारं) श्रीकृषा (फालवानक कार संदर्भ (मान्टनका गर (परिता अस्तिकाम अस क्रमा वामरम् स्थरन्त একলিও ইবেছিল। আগপৰ সমস্ত লোপবালকের। ভারতে মুদ্র হ'লে সেই খনে খেলা ক্ষরতে ওক করেছিলেন। যদিও নেই সমন্ত বালকদের মাডেবা शास्त्र कहा, शका, युका अन्य वर्ग कनकारका चारा স্কৃতিয়ে নিয়েছিলেন, ভবুও শুক্তা কৰুৰ বনে সিয়েছিলেন, তথন তাঁরা ফল, সবুজ পাথে, কুলের ভাষ্ট, মর্বণুস্ এবং কোমল রবিন বাড়ার দ্বারা নিজেনের বরণে বলক্ত করেছিলেন। গোপস্থালকের পরস্পারের করেন্ডের কেলা চুরি করছেন। কেনে বালক কবন বুবাটে পারতেন বে. ঠার খোলাটি কেউ চুরি করে নিয়েছে, ভবন খন্ট ৰসকলে সেটি দলে উত্তে নিজেন এবং সেবানে যে সময় বাল্যক্রে ছিল, উমা ভা নিয়ে অন্তর বুরে বুড়ে নিষ্টের: कीर (काम) दिस्से क्ष्म क्ष्मा कर कम कम दानदनक ধানতে হানতে ভাতে ভা কিবিছে নিতেন। কৃষ্ণ কৰি क्षेत्रक स्थान (चारत क्षेत्र क्रमा क्षेत्र स्था रहा (घटन) যথ্য বালকোর আমি ছুট নিরে প্রথমে কুমতে স্পর্ করে। আহি কৃতাকে প্রথমে শর্মা করে।" বলে 🜠 শিমে কৃষ্ণকে স্পূৰ্ণ করে আলৰ কাড করভেন। এই

क्ये संगतन **५०**६मा सन्दर्भ कराउन, क्या (क्ये (क्विरामक कुळाराड च्याप्रकार कारायम) (कांचे व्यक्तिक बाग बाकारका अन्य बाग (कई महात्वर न्टरन्स बन्दरन्स सरकर्षण कार्यास्त्र, त्याची-में छारपंत्र गर्म वृश्य सारदारण করে মুখ্যমনি করেনে এবং খান্য কেউ এক শাখা খেকে च्चाह नानार त्यक निरुद्धाः। १६६० शामक कहनाह निरुद्ध আন্তর সাম লাক বিত্রে জনতবার পরাক্তা করাতেশ এবং কলে উল্লেখ্য প্রতিবিশ্বর পতি উল্লেখ্য করতেন। কিবা ঠালে প্রতিপর্কার প্রতি ভর্তমান্ত করতেন। এই লাবে সমস্ত পৌগরালকো একজোনিততে লীম হতে সাওয়ার আভারতী জার্নাদের করে ব্রজান্তের উৎসক্ষরণ বাস্ভাব্যপদ্ধ কুকুৰেই প্ৰয় প্ৰস্কু এবং সায়ালিত ব্যক্তিনের কাছে এক সংগারণ বয়শিওকাণে প্রতীর্মান ত্রীকুমের সহে খেলা কর্ডেন। সেই সমস্ত শোগনাকেরা ভাষের কর-করাস্থার প্রত্তিত **भृग्।करादि केला अहै छाए। 'क्रमताहरू महमाहरू करादे** বোদ্মতা অর্জন করেছিলেন। ভাবেদ সৌভাগ্য কে বিশ্লেষণ করতে পারে! কোনীয়া বহু জন্ম-জন্মান্তর ধরে অতাত ভটনাত বৰ, নিবৰ, আনৰ, প্ৰশাসাম ইত্যাদি অনুসাধিতের হার করেন কলের করে, উল্লেখ ডিড ছির করা সংখ্য যে কারনের চলালের আরু করতে পারেন ন্ধু তিনি বহুং ক্রমবানীয়ের নেরংগালে হরে উপের সংক करकृत कराइत। दनरे दक्षणतीरका प्रशासीकारताह करा কে কৰিব কাৰ্য্যত পাৰে হ''

িছে মহারাক পরীনিকং, ভারপার সেখানে কালাসুর নামক এক নহাইৰতা কাতিকৃত হয়েছিল, দেৰকালা যায়

মধ্যে প্রতীক্ষা কর্মানুক্রের ক্রেডেরা প্রতিক্রির অনুষ্ঠ পান করেন, কিন্তু উদ্মাও সেই মহা অসুবের উল্লে জীত হয়ে। তার মৃত্যুর প্রতীক্ষ কর্মায়ালন। ক্ষা গোপবালন্দের বে মিধা আনন্দ উপজোধ করছিলেন সেই অস্বটি জা সহা ক্রতে পারেনি। কংস কর্ডক প্রেন্ডির অধ্যার ছিল न्द्रमा अवर चकानुद्राश कनिकै दाधा। छादै हम क्रांस अञ्च (भाभगामकरमा भन्दी करत किला करवांक्स, 'अहे क्या धामात कची अब्द झाठा, भूजना क क्यानुतरक वर করেছে। তাই ভালের উভয়েই পুল্ডি সংখ্যানর কন্য, আমি এই কুমাকে তবি আনুচর আন্যান্য গোলবালকণৰ সহ হত্যা করণ।" অত্যানুর চিগ্রা করেছিল—আনি হবি কৃষ এবং তার অনুভার্মের আনীর পারশ্যেককত রাজী এবং দ্ববীর ভৃত্তির করে ডিল এবং উদ্ধান্তশ ব্যবহার করতে পানি, কা হলে আপনা খেকেই সমস্ত ব্ৰুবংনীটেটাও মৃত্যু ছবে, কারণ এই সমস্ত বালকোর ভাবের প্রাণতুল্য। প্রাণ মা খাবলে পেক্টো আকশকতা থাকে না, ডেমেন্ট্র, ফানের প্রমের মতা হলে রাভাবিকভারেই সহত ক্রমবারীদেয়ও पुष्प करन। अदेशास विश्वकना चर्च (सर्वे बनाव) वि ম্যাসুর এক বিশাল পর্যন্তের মধ্যে স্থল এবং এক ব্যেক্তন দীর্ঘ এক বিশাস অভাগরের মাল ধারণ করেছিল। সেই অন্ত্ৰত অঞ্চলরের তেল ধারণ করে, সে এক কিশ্রক পর্বতের করে তর্ম ঘতো তার দ্বা বিস্তার করে, কৃষ্ণা এবং তমা স্বয়র গোলবালকমের প্রাস করার মাল পরে শবন করেছিল। ভার নিম ওট পৃথিবীতে একং উপরের তেওঁ আকালের মের স্পর্নে কর্মনি। তার সুক্রের প্রস্তেচার ছিল বিশাল পর্বতের ওহার মধ্যে এবং ভার মুখের হণ্যস্তাপ অভ্যত অধ্যক্ষান্তম্য ছিল। স্থার জিল্ল নিজ্বত প্ৰেয়া মতে, ভার মি:কাস প্রথব উক্ত করুর যতে। এবং ভার ক্রেখ দৃটি ছিল স্থানার অধিন হতো। সেই অসুরের বিশাল অঞ্চানের হতের অপ্রেড রাগ দর্শন করে বালাকেরা মনে করেছিলেন বে, নেটি মিশ্চর কুদাবনের একটি রম। স্থান । ভারনার ভারে সেটিব সঙ্গে এক বিশাল অজগরের মধ্যে সদৃশ্য কথনা করেছিলেন। অর্থাৎ, বালকেরা निर्वता वटन करविहत्मा हा, विक्र फीएवड मीला উণ্ডোক্তে জন্ম এক বিশাস অভন্যক্ত অকৃতি অনুসরে

अस्ति कर्मा मुख निक्षांत करत बरारांक । चेतामाहस्य असे সংশ্বেছ বৃত্ত কর। ভারপর তারা হিন্ত করোগ্রেন_{েরে} सञ्चाम । किन्नरे वरताह, वार्ति निन्दादि वान्त्री कीतन्त्र राजे যে আন্তর্গর প্রাস করার ক্ষম্য প্রথানে কলে আছে। তার উপরের ভার্চ সৃথবিবরেশ রঞ্জিত মেনের মতে। কাইং নিয় বর্ত সেই তেকের রাজিয় প্রতিক্রিকর মতে। কর ক্রান प्रकार दह मुक्ति भवरत्वत्र सन्दर, स्मावन्ति कान वृत्त्व প্রাথমত এবং উচ্চ পর্বত স্থাসতলি ভার বাত। 💸 পণ্ডটির জিহরে দৈর্ঘ্য এবং শ্রন্থ একটি বিশ্বত পাগের মতো এবং ভাল মুখগহুর পর্যতের কহার মতো অতিশ্র অশ্বকানারে। দাবনিলের মতে। উক্ত মধ্যে তার স্বৰ জেৰে নিৰ্মন নিৰ্মান এবং সে বে-সমন্ত প্ৰামীলের আচেত करताह, कारणत मुख्यमङ् (धरक वंद प्रारंत्रत वर्गाह रका হতে। তথ্য বালকেরা কলেছিলেন, 'এই প্রানিটি है। এখনে আমানের প্রাণ করতে এলেছেং তাই যদি তে খাকে, তা হলে শে একুনি মকানুক্তর মতে। নিহত হয়ে / তারপর তাঁরা বরুাসুরের পরু শ্রীপুরুর মুখের বিত্তে ভাকিরে ছিলেন এবং উজ্জৈত্তির হাস্তে হাস্তে 🛊 ক্ষতালি লিডে নিডে ভারা সেই আধনটের মূখে প্রলে করেছিলেন।"

"সকলেও জান্য অন্তৰ্বামীকাশে কিনকানা স্বপ্ৰক শ্রীকৃষ্ণ কৃত্রির অবাদরটি সাহতে বালকদের পরস্পারের সংক ৰুখা ক্লাতে গুলেছিলেল। গুলো জানতেন মা (খ সেটি প্রকৃতপক্ষে বিল অক্যমুখ নামক একটি অসুর, বে वक्षि क्षणंत्रका क्षण करण करणविन। (गरे कथा करन ক্রিকুক্ত ভার সঙ্গীদের সেই অসুরটির মুখে চথেশ করতে নিৰেধ করতে চেয়েছিলেন। কৃষ্ণ কথা চিপ্তা ক্যাছিলেন কিতাৰে ল্যোগবালকদেও জ্বাস্থ্যের মুখে প্রবেশ করা থেকে নিশ্বত করা খার, ভারতথক ঠারা অনুরটির মুখের मत्या शरकम कर्जिन्समा। चामुनिह किन्नु छ।एसर सिशा কেশেনি, কারণ যে কৃষ্ণ কর্তৃক নিহত সার আধীয়নের কবা ভিকা করে, তার মুখে কুংকর প্রথেশের প্রতীয়া করছিল। কৃষ্ণ দেখেছিলেন যে, সমস্ত গোপবানকো। বাঁরা ভাঁকে ছাড়া আর নিছু স্কান্তেন না, ভারা গাঁও হাতের বাইবে চলে গেছেন এক সাকাৎ মৃত্যুক্তনী তৈরি একটি মৃতি। বাগ্রেকরা **অব্যহিদ—হে বন্ধুগদ। আধাসুক্তের উদ্যো** আধিতে ভূগের মধ্যে প্রধেশ করেছে। এটি কি মৃত, একি একটি জীবন্দ অজগর কামাদের প্রাস । একং তারা এখন সম্পূর্ণ আনহার। কৃত্তের গলে তাঁং _{পোপনশালের শেকে} বিভিন্ন ইওলে অসংগাঁও ছিল। হাই ক্রা অন্তব্য পরির দারা জে জ আরোভিত হতেছে (सर्व, कृष्ण कविरकत्र कमा विचाराधिक श्रेतिहरूका अवर ক্রম বো এখন কি করা কঠান, তা কুমে উঠাত গাড়েনরি। একা 🎓 করা কর্তকং এই অনুবাটিক সংহার এবং ভক্তার দ্বীপদ রক্ষা কি করে একসলে করা সভাব। মহিখা স্বীর্তন জরেভিলেন। এখা বখন ইন্ড ক্ষামের লাম্ব লাজিসালার প্রীকৃষ্ণ বুবলং সেই বৃটি কার্য _{অস্পাসন্ত}ল উপার ছিল্ল করার জন্য কলকাল অনুস্থার 🔻 ক্রেনিবের এবং ক্রমণার নেই উপায় স্থিত করে তিনি। ধর্মন করকে সক্তব মেখানে উপান্তিক ক্রেনিব্রুলন। बाबाम्(त्रेष्ठ मुट्चं शहराणं करशिक्षमा) कृत्रक स्थान অভাস্তের সুখে অবলা করেছিলেন, ভগন বেছের অভান্ত নিশ্বিত ইরেছিলেন।" च्छवारान राज्यक्षय करा चांशकात करत केलिकान करा অহাসুধের ব্যক্ত কবে আদি অসুবের। আনশিত স্বীবটি শুক্তির নিছে কেবল একটি বিশাস চর্ত্রণ क्ट्रमुख्य (**

"অবিনশ্ব জনবাৰ উল্লেখ্য বাধন কেছের অন্তর্ভালে (प्रवर्णात्मक भाषात्मात सम्भ करतिहरूका एका छिन्न विकास क्षेत्र केल अस्टूड स्थानसम्बद्धतः स्था कराव धमा डेउटमच हुन कराई चाहितारी चान्ट्रीन बनाव ভিতৰে নিজেকে বৰ্বিত করতে স্থানকো। স্থারপর জ্বাভান্ত তার শরীর কর্মন করার কলে, অনুরাই বুলিও এক বিশাস আকৃতি থাকে অবৈছিল, তবুও তাম শাসকত হয় এবং ভার চেবে দৃটি বেলিয়ে আনে। অসুরটির প্রশাস্ত কিছু কোন নির্বাসনের পথ নিয়ে বেরিয়ে আগতে পার্যেন নায়রক এক ম কম্মের পুরুরাপে আবির্ভুত হয়েছিলেন, এবং ভাই অবশ্বের অসুরটির ক্রমবন্ত থেন করে আ আ তিনি ঠার আস্তুতী কুপালগতই মুরেছিলেন। ভাই বেরিয়ে এনেছিল। অসুরের সম্ভ প্রাণ মন্তব্যে দেই জান পক্তে তান জনত ঐথর্য প্রদর্শন করা হয়টেই হিলপথে বহিপত হলে, জীকুলা মৃত গোৰংস এবং আক্রর্জনক না। বছতপকে, তিনি এফবই হচ্চকুল্ গোপদানকদের তারে প্রতি সৃষ্টিলাতের বারে তানেক পুনুরর র্বাবিত করেছিলেন। ভারণর মুক্তিগভা মৃত্যু ওঁর কথ अवर घरमध्य मह चम्द्रव ध्य (धरक (दविष्य এনেছিলেন। সেই বিশাস অঞ্চলন্তের নাইর থেকে মুল দিৰ উদ্ধাসিত কৰে এক মহাজ্যোতি নিৰ্বত হয়ে, সুত শশ্চীর মুখ থেকে জীকাষের বেরিয়ে না জ্বান পর্বস্ত আন্দাশে অবস্থান কর্মনুল। গুরুপর শ্রীকৃষ্ণ বেরিছে ব্যবিদ্ধ দিবতাকের স্বাধারে কেই জ্যোতি ক্ষেত্র পরীরে আনক্ষের উৎস এবং বার প্রভাবে সায়া স্বাস্থ্রকর্ণ व्यक्ति परवर्षित्। स्वतन्त्र, मकर्म क्षरास् श्रमा स्टब्स, पूर्वत्वृत स्व. त्यरे काः वक्कारी समया बरू शैएक দেবতাহা নক্ষমকান্ত ক্লাভ পূজা বর্গণ করতে ওঞ্জ সমুদ্ধে প্রথম হান্ত হ্বন সর্বান সর্বান ঠার জীলাজন্তের করেছিলেন, বার্ণের বাধ্যারে সূত্র করতে শুরু করেছিলেন চিন্তা করেন, উদ্দেহ সম্বর্গে করে কি ক্যান আছে ।"

এবং প্রবেশ স্থান্তর আগ্রেম প্রথমে নিবেশ্য করতে উট করেছিলেন। বাস্কেরা দৃশ্ধি রাজ্যতে ওঞ করেছিকের এবং রাজনের হৈছিক মন্ত্র উদ্ধানক করে কুর করেছিলেন। ঐত্যের, কর্ম এবং পৃথিতী ইতর স্থানে সকলেই বঁট্ৰেণ্ড নিজ নিজ আৰ্থ অনুষ্ঠান কৰে প্ৰীকৃথেৰ निकारी महीरड, बामा अस अवश्रमी महत्त्रपट राहे উৎস্কের কমি প্রকা কর্মেছিলের, তথ্য তিনি নেট উৎসং ভাগান নীক্তমা এই প্রভাব মুনিন কর্ম করে তিনি

^{*}হে বহাতাত পৰীকিং, অধানুৱেৰ কভানবুলনী कुभारका इक्नामीएस अध्यो प्रभागित कुनवार्थ कैर्टकार (मनाहरू हिन) कीवृद्दका मिरबाहरू क्षर कीव महत्वकृत्त মুখ্যমুখ খেলে উভার এবং মহাসর্গতালী আহাসুখ মেচনের সেই বটনাটি বটেড্ল, বৰ্ডন কুডের বংগ চিল नीह राहर। ह्यार्कास्ट्रांट्र द्रावि चीर्नार्ड वास नाता नाता. ফো সেই দিনই খটনাটি যটেকে বলে প্রকাশ করা হরেছিল। জীকৃষ্ণ সর্বভারতের পরম করেব। জড় লগতের বার্ন এবং কালে, উচ্চ প্র নীয়, সূথ কিছুই পর্যন্ত নিবস্তা ভগবঢ়েকই ধরা সুভিত। স্তিক্ত করা কর প্রকর্ম করেছিলের হে, মহালাগী অভাসূতত সলেও বৃতি লাভ করে উরু পার্কমন্ত লাভ করেছিল, বা ভাত ভাগতের পাপপ্রবেশ ক্তিদের প্রেক লাভ করা প্রকৃতপ্রেক ক্ষমার। কেই মদি কেবল একবার মাত্র কাবল কলপুর্বক ভাগবন্ধে বস্ত্তিয়া যান্য মধ্যে স্থানৰ কাঠেছ আ চাল ঠাঁকুজের কুপার তিনি পরম গতি প্রান্ত হন, বা थयानुक्त प्रतिनित्र की शत, विनि नवड औरका हिन्द्र

ট্রাল সূত্র খেলেমী করণায়—"হে তথ্ঞানী পরিসাণ, প্রকাশের কাল্যালয় মাতার মার্ড। তার মাতৃগর্ভে অবস্থান বালে বিনি তাকে ককা করেছিলেন, সেই क्षिक्रकात और महत्त्व भीना श्रदेश करते भूदीकिय মহালানের জিব ছিব হয়েছিল এবং তিনি পুনরার ওখানেব ফোলামীয় করে থেই সমস্ত পুণা নীলা সম্বন্ধে প্রশ্ন **कर**र्गारमन (*

850

चाडीराज या चाडिकिन था चार्डभारम चाडीराक बरान अर्थना कडा হল কেন্দ্র জীকৃষ্ণ কৌমার অধস্থার অবাসুর বধের লীলাকিবল করেছিলেন। ভা হলে উল্ল লৌগণ্ড অবস্থায় সেই ঘটনটে সংক্রতি ঘটেছে বলে কলভেরা কর্ননা करतान त्यन । ए वहारपात्री, ७३एरव, जाननि प्रश्ना হয়ে বৰুৰ তেন আ ব্যাহিল। আৰি হা ধানতে আধান উৎস্কঃ আমার মনে হত এটি শ্রীকৃত্তের আনা হতে একটি মান্ন ব্যুটাত আর কিছু না। হে তঞ্চাল, আয়াল যদিও নিকৃষ্টভাৰ কৰিল, তবুও আমতা গুণা, কাৰণ আনত আননার আছে ভারবারের পরের পরির কথায়ত সর্বল ভার করার স্বয়ের **লাভ করেছি**।"

জ্বীল সূত গোলামী কালেক—"হে স্থানত্তপথ্য মহানাৰ পৰীক্ষিৎ জিলাসা ক্ষয়েশ্য-"হে মহবি, পৌনক, মহানাক্ষ পৰীক্ষিৎ জীল শুক্তাৰ গোৱামীৰে এইভাবে প্ৰথ কৰলে, ওক্ষেও গোৰামীৰ হালতে জীকৃষ্ণের কৰা অনুধ কংগার করে সমস্ত কারেলিকের ৰতি অপশ্ৰত হয়েছিল। তিনি অতি কটে বাহাৰকে লাভ করে হতারাক্ত পরীক্ষিত্যে কাছে কুমারকা বৃদাত গুড

ত্তয়োদশ অধ্যায়

ব্রহ্মা কর্তৃক গোপবালক এবং গোবৎস হরণ

क्टार्ट्स । (स्टार्ट्स निरुद्धर समस्टार्ट्स सीम्) अयुन कर्ना बीक्तक जान श्रदनभाषी अवदर्गन छक्तारव समय ঠাকুজের প্রতি জাসক এবং তিনিই তাঁচের স্বীবনের ক্ষাৰ্য সৰ্বজ্ঞ শ্ৰীকৃষ্ণের কথা আলোচনা করাই উচ্চন। करुन, एक मोर्ने निवद्यक्षणि निका मकुन। विवदानक ভারেও ডেমনই কৃষকখার প্রতি আসক। হে স্বাক্তন্ দভীর মনেয়েশ সহস্পরে ধালা করন। ভগবানের নীলা र्याक्ष चारता । भागमा अवस् माभावस् मान्द्रका छ। শেই বিষয়ে কাৰ, কাৰৰ ওয়ালৰ অনুগত হিয়া শিৰোৱ কাৰে অভান্ধ কহাতৰও বংগ থাকেন। মৃত্যাধালপ

বীল কৰ্মৰ গোলামী নালেন—"হে ভক্ততেওঁ, আবাস্তের মূৰ থেকে গোপবালক এবং গোৰবস্থার বুজা পরস্থ ভাগাবাম প্রীক্তিৎ আপনি অতি উত্তর প্রশ্ন করে, ভগগুল শ্রীকৃক্ষ উল্লেখ নদীয় তীয়ে নিয়ে এসে বলেভিসেন, 'টো বছপণ, দেখে এই নদীয় ভীয় মদেরেয় সংস্থাত আপনি আ দিতা নতুন কলে অনুভব করছেন। পরিবেশের প্রভাবে কি অপুর্ব সুখন দান ধরের বারেছে। আর দেখ বিকলিত গ্রন্থসংগ্রনি কিভাবে ভাগের সৌরভের হারা ক্রম। এবং পারিখের ভাকর্যন করছে। वायरक्षेत्र कवार वायर नाशिक्षक कानाम धामप्राक्षित्छ **अधिकानिक एकः। अन्यनसङ वानुका फाइनः निर्मन अगः** ব্যক্তির বেফা নারী এবং টোন বিবরের প্রতি আগতে, কেমেন। ভাই এটিই আমানের খেলার সর্বোপ্তম স্থান। আমরা অভান্ত কুধার্ত একা অনেক বেলাও বরে সেছে। चिक् व्यक्तर सहन इस, अवाह्मदे चाप्तालंड (छासन क्या े फेकिस् । स्थानस्था अभाग चननान करत कारहेरे हिस्स হালহত্তম করতে পারে বা, তবুও আমি আপুনার কাছে। বীরে তুপ ভাষণ করক। মীকৃত্তের প্রস্তাহ মেনে নিমে, গোপবালকো গোবংলনের নবী থেকে ভালপুন করতে নিবেছিলেন এবং ভারণার সভুজ কোহল ভূপমা কেন্দ্রে

वारमण भारक रुकेरम (बारमीकरणमा । कात्रभव सामग्रस्था । कारान वाराध स्थाना पूरण करा कानरण कृतका आहा estant কলতে গাদ করেনিলোগ। পালকুলের ফর্কিনার চ্চতিকে ছেজা পাশতি একং পাতা গোডা পায়, তেজাই वानव भाषा अवदाशरकता क्षेत्ररकत हातमित्क क् ক্রিভে উপতিই হরে লোভা পাঞ্জিনের। স্থারা ক্ষাৰ্ড ক্ষেৰ লিকে ডাকিৰে ছিলেন কৰা মনে ভাবিদ্যাল কৃষ্ণ হয়ত তাঁয় লিকে ভাকাকো। এইয়াকে সাধারণ মোপবালকের ছড়ো লীলাবিদ্যাসকারী বাল্য-ওানঃ ভারতোজনের আনন উপজেপ করছিলেন। সীমাপরাত্র উপুনের মহিম দর্শন করতে চেবেলিকান। লোপধালকবাৰ মধ্যে কেউ কুলা, কেউ পাড়া, কেউ আই, জীকুকোর অনুপরিভিত্তে ক্রমা সভার গোলবালতকের _{পাৰ}ু কেউ অনুত্ৰ, কেউ খল, কেউ শিকা, কেউ গাছেৱা - এবং গোলংসংকৰু সেবান খেকে অন্যত্ৰ নিৱে খান। ক্রমার এক কেউ আ শাসনকে জনের ভোজন গাত্র কলে। এইভাবে তিনি জীপুক্তের লীলায় ক্রড়িয়ে পড়েছিলেন্ ক্রমা করে তার উপর ভারের ধাবার রেখেছিলেন। করেণ ফচিরেই তিনি দেশতে পারেন জীকুঞ্চ কত একার প্রেক্তরার্করা নিজ নিজ পৃথ থেকে নিজে আসা পদ্রিকালী। ভারতর, জীতুকা স্বোত্তসমূর দেখতে না বিভিন্ন প্রকার করে-ব্যার্থনের সাধ পৃথক পৃথক দর্শন প্রেয়া করির তাঁতে কিবে এপেরিকেন, বিদ্ধু স্পের্যনেও এতিয়ে এবং পরস্পরকে ভা আমানন করিছে, উল্লো ডিনি খোপনাক্রমের কেন্ডে পেকেন না। ভানা তিনি লামতে প্রামতে এবং অন্যানের হাসাতে হাসাতে ভোজন স্বর্থা লোনখন এবং জোনজনকারের অধ্যের করতে क्वरंक आधरतकः। ज्ञेष्ट्रक रक्षाकृष--कर्याद, किमि भागान्त्र, एक तिमि दृशस्य शास्त्रामि के दूरतस्य। कृष्ट (असत प्रश्नाक देवारवर्गाहे क्षात्राचे करतनं—किश्च कीत क्षात्रां (शतकत बार स्वापन क्षात्र कालवानकागत् दान বাল্যলীকা প্ৰথপনি ক্ষরের মান্য তিনি উন্নয় উপন ও মন্ত্রের নেমধাও পুরুষ ক্ষেত্রের আ, ক্ষরুন তিনি বছলা কৃষ্ণতে হতে জনদিকে কলী এক স্বামককে পুৰু ও বৈছ, ছাতে র্যা নির্মিত আপ্রাস এবং আসুদের মধ্যে উপরত করের देश्या बाजन करत भारता कर्निकात घरणा ध्वर्तकृष द्रारा উন্ন সধানের দিকে জাকিরে, ভাঁনের সঙ্গে পরিহাসপর্বক হাদের জনক উৎপাদন করে ভোকন কর্মচালে। ভবন কর্মের অধিবাসীরা হয়াড়ক জনবানকে জার সময়ের সংগ এইভাবে কনভাৱান করতে কেখে, আন্চর্যাধিত হয়ে সেই অপূর্ণ লীলা কর্ণন কর্নছলেন।" "

^{*}হৈ মহারাক্ত পরীক্তিত্ কৃত্যগড়প্রাপ লোপবালকোর কান এইভাবে কন্ডোলন কন্তিকেন তথ্য গোলংসগৰ भट्क पारमह कारक मृद्ध कान्त्र मर्था शासन कराहिन। বীকৃষ্ণ কথন দেখলেন বে, তার স্বা ধ্যোপবালকের। তীত ম্রেছেন্ তথন স্বরং ভারেরও ভারমর নিজন্ম ভানের ক্ষম কুৰা কৰাৰ জন্য ব্যক্তিকৈলে—'হে সভাপণ। তোময়া क्ताबारला क्षाकरनम् चानक स्थाक निवृत्त हरता तो। चक्रीरयाने शता, काराना किल्ला प्रदान चेरतक अध्युक्त আমি সিলে ভোজাতনা পোনতালের প্রখানে নির্দেশ নিরে ভিগভান করতে করতে কর নিতা লক মহারাজের স্থান আস্ব।" ওরাপার, দ্বধিহিন্তিত আর হাতে নিয়ে জনকা একভূমিতে প্রেশ করেছিলেন।"

ইক্ষি টার সমানের প্রদানের বিধানের কল পর্বতে, পর্বত-কম্পার, কৃত্তে এবং সংক্রীর্থ কৃত্তে, সর্বত্র উল্ল नचरचर (जानधनरम् चार्मकः करवीकरणनः।"

"হে মহারেক গরীকিং প্রকা বিনি পূর্বে আকাশে प्रस्कृतन्त्रकं भारत् गरिन्द्रका जीकृतका जातमूह कर अवर জন উদ্ধানকৰ দৰ্শন কৰে খালের বিশিক্ত হয়েছিলোন, একা তিনি ঠার নিজের ঐপূর্ব প্রকট করে, একড়ম ্পরেহিদের যে, সেট বিল রক্ষার কর্ম। ভারপর রক্ষা এবা গোকাস ও প্রেপজনকরের মাত্রাদের সাক্রাব वेश्नान्तम क्षम माठ कारण क्षेत्र क्षेत्र केरक निराहरक গোবংস এবং লোপবাধক ক্রমে বিস্তার করেছিলেন। প্রীকৃষ্ণ ঠার বাসুদের রুপের হারা নিজেকে অপসতে গোলবালক একং গোলখনের সংখ্যা অনুবারী সুক্রেমন বাস, ব্যৱ-পদ আদি উপান্ধ, বন্ধি, বিবাশ, বেশু, শিকা, कीरमध्ये प्रमेश अबर कामकात, स्तम, बतम अदर जान अदर উদ্ধের কার্যকলাথ এবং কচনা অনুসক্তা নিজেকে বুলপথ বিভাগ কর্মেন্ডলন। এইবছরে নিজেকে বিভাগ করে পরম সুন্দর জীতৃক্ত 'সমত জগৎ বিবুধের' এই উভিন্য স্থাতা প্রমাণ করেছিলেন। এইভাবে জীতৃক্ষ সেই সমস্ত পোৰংস এবং গোলবালক রহণ অবিকলভাবে নিজেকে विकास करविद्याम अवर प्रश्न धीरम्ब स्मिक्टाकरम्

"হে মহারকে প্রীক্তিৎ, তাল জীতকা নিজেকে বিভিন্ন লেখনে এবং গোপবালক এলে বিভক্ত করে মধানিনিত্র र्शानकाम रगाचरमकारन कका विभिन्न गुरह विश्वित वानक क्रांट्स श्रद्धान करविष्ट्रत्त्वतः । दशानवानक स्वतः कर्मनीशन थेरास्त नुजापर रहनी अवर विवादनत धानि अवन करत, परभक्ष पेटका बहुपूर्वका कार्य त्याक दिवेल हरा জানের প্রদেষ কোলে ভলে নিয়েছিলের এবং গৃহাত দিৰে আধিক্ষম করে, কৃষ্ণের হাতি প্রতীয় প্রেয়ে করিত ভালুত পান করিয়েছিলেন। প্রকৃতপাকে কুমাই সহ কিছু, কিছ তথ্ন গভীর প্রেম এবং মেহ বাক করে ঠারা পর্যরশ্ব শ্রীকৃত্বকৈ কৃষ্ণ পার করাকর বিশেষ ক্ষালক ক্ষমুক্তৰ কৰেছিলেন এবং শ্ৰীকৃষ্ণ জান্ত বাভাগের জনপুত্র পান করেছিলেন কেন ভা ছিল অনভা হে মহারাজ नरीकिर, चाइनत ता ता नगई ता ता लीला छ। नमधानवृद्धक बीकुक मधारकत दास श्रेष्ट्रावर्डन करते. क्षतिर्वि (माभवागरका भूटर शरका करतिराम अवर क्रिक পূর্বের বাধকটির মতে। আচরণ করেন্ট্রিলেন। এইফাবে তিনি তাঁলের মাত্যনের অনন্য প্রদান করেছিলেন। মারেরা তৈপ্ৰদৰ্শন, ছান, চক্ৰম আছি কেলম, অলকাৰ, কুজাৰৰ উজারণ, ডিলার, জেখন প্রভৃতির দ্বানা ভালের লালন করেছিলেন। এইতাবে মানের বুরং ত্রীকৃষ্ণের সেবা করেছিলের। ভারতার, সমর্য্য গাড়ীখন গোলালার উপনীত হতে উচ্চ হাবা বুৰে ভাষের নিমা নিমা বংগদের আহার करता। वेरमान जारमञ् भरत् अरम, चरमङ भारतेश बाह्य বীর তাদের মের সেহল ক্ষান্ত এবং ভাগের দ্বান থেকে ক্ষরিত মুখ প্রচুর পরিমান স্তানের পান করাত।"

"দূর্বে, ভঙ্গ খেকেই গোলীদের শ্রীকৃষ্ণের প্রতি মাতৃরেধ বর্তমান বিল। বল্ডভারক ক্ষেমা প্রতি বালেও মেহ তালের নিজেলের শুরুপের থেকেও অধিক ছিল क्केंडाएव डीएमव एक्स् अर्माता कुम्क अवर डीएमा श्रुवासत মধ্যে পাৰ্যকা হিলা, কিন্তু এখন সেই পাৰ্যকা দুর হত্তে পেল) রক্তবাদী মেল ক যোগীকো শ্রীকৃক্তর প্রতি প্রেই উলের নিজেকেঃ গুড়বের থেকেও অধিক গ্লেছ दिन, विश्व अध्य, अक रेक्ट बटा फीएम्स निर्वाहरू পুত্রদের প্রতি ঠালের প্রেছ ক্রমণ করিত হয়েছিল, কারণ र्धेक्क उपन चेहरान पूज स्टारहम। चेहरान पूछलानी ক্ষাের প্রতি তামের সেই জগতিমিতভাবে বৃদ্ধিলাত

করেছিল। প্রতিনিম উদ্দেশ পুরদেশ প্রতি টোল না না ক্ষেত্রে অনুচারণা লাভ করতের, রিক ক্ষেত্রের প্রান্ত প্ৰিক্ষাৰে জালবসংখন। এইভাবে জনপান জৈছিল। currents and currently france from the निरमके निरमारक चामन करतंत्रिकाः। को बाह्य क्रिक्ट क्याय्यकं बार्व अवर श्रारते क्षक बाह्य वाह्य श्रीमानिकाक করেছিলের 1⁸

"अञ्चलहरू वाहर पूर्व क्यांत लीह का कवि मूर्व, এক্দিন ভলরাম সহ প্রীকৃষ্ণ গোচাকা করতে করতে বান প্রবেদ করেছিলেন। ভারপর, গোর্গেন পর্বচের উল্লে ত্যাভাষ্ণ করতে করতে গাড়ীগুগ সমুক্ত ভাসের ছারেরখ কাৰ নীচের দিকে ভাকিমেডিল, ভবৰ ভাকা ইকেন আন্তিদ্ধে বিচ্চগর্শীল বংস্থের চেম্বতে গেছেরিল। গাড়ীগৰ কথা গোঝান গার্বতের উপর ক্ষেত্র ভারত करमरावा धर्मन करशक्ति, छन्छ। करमरावा शक्ति वस्ति ক্ষেত্ৰণত ভাষা আহ্বিশ্বভ হয়েছিল এবং ভাষেত্ৰ পালকলের অভিনেধ করে সেই পাল কভার দুর্গত হতেও প্ৰবুধন একটা করে করার করাও করতে ভাষেত্র বংসালো প্রতি থাকিও ইয়েছিল। ভালের স্কুল থেকে প্রদান मध कविक एक्सि, फारमंत्र प्रक्षक अधर शृक्ष क्रिक মরেছিল এবং ফাদের শ্রীরাত্ত সক্ষে করুল আন্দোলিত হছিল। এইভাবে করে। অভি বেশে ভালের কলেবর বৃধপান করাবার জনা ছুটে নিয়েছিল। সাতীরা স্ত্রিও পুৰবাৰে সভাৰ প্ৰসৰ কৰেছিল, শুৰুও পূৰ্ব কংগ্ৰেছ প্ৰতি বেহানিক্যকণৰ গোনাৰ্থন পৰ্যত খেতে ছটে এলে ছয়া ক্ষা বেকে ক্ষরিত দুখ তালের পাল করিবেছিল এবং এমনভাবে ভানের দেহ মেহন করছিল, বেন মনে হজিব ৰে স্বালা ভাষের দিলে কেলতে চাইছে। গোলের গোৰণসংখ্য কৰে যাওৱার সময় গাড়ীয়ের পুতি রোধ করতে অক্স হওয়ার কলে দ্বিতও এবং বৃদ্ধ হয়েছিলেন। তারা অভিকটে সেই পূর্যন পুর ভতিক্রম করে, সেকনে পৌরে গোকংস্টের মলে জামে পুরুষে দেশতে পেয়েছিলেন এবং গভীক ছেছে ছতিছত ধ্যেছিলের। ভাষর সোপেরা ভাষের পুরুষের কর্মন করে কণেলা হোমে আয়ত ময়েছিলেন। ভালের প্রতি আকর্মণ चनुक्त करात, एका छोरमय स्क्राप मान्नुर्वकरन मृत सर्व निरमित अप केलां केलात श्रहतात स्मारम कृतम निरम् লাগ্য বালা আলিচানপূৰ্বত মন্তৰ্ক আছেল কৰে পত্ৰম বহুতৰ কার্ক কর্তেবিদেশন। বয়স্ত স্বোপেরা উপনত প্রদের ক্রান্ত্রের করে কর্তার সামশ মন্*ত*র করার পর, ক্রতি হাতি প্রত্যাপ আলিকান খেকে নিশৃষ্ক হাতে গোচারলে বিভা ইন্তানিকার। কিন্তু উল্পায় প্রদেশ কথা করে। করে। ওয়েন নরন অক্রপূর্ব হয়েছিল। কান্যাধ্যক্তর কলে। ধন বানকো পূর্থক নিজনশ করতে পারকেন না, তিনি ্রালার থেকে বিয়ার কংসদের প্রতি গাভীলে। এই প্রভার Gent বেছাধিক্য কৰ্মন করে, কলায়ৰ তান কাৰণ ভালতে _{বা পোন,} এইভাবে বিভা করতে লাগদের। কি বাল্ডারে নিবয়ত এই সমন্ত খোপনাসক এবং খোনতসভূত প্ৰতি প্ৰীকৃষ্ণতে মেহিত কয়েও চেটা করেছিলেন, তথন ক্ৰমা এটাভাবে চিন্তা করে বলর্যে জান্ডক্র ন্তর সেখণ্ড না হয়।" (लरहार ८६, मध्ये (शिवरम अदर क्राब्द मध्ये चायार काल महत्वरभ श्रदान करते कारान और सार ब्लुरजर स्थाप औरका मध्य रखन डांक वर्लाहरू क्या काराय छका हा प्रशास (गर्राधानमः)

विन भट्ट रिस्ट खरान, एका दिन सकरना हा, विन मनुरसा परमा व्यवसाता अक वहत चंडीक स्टब्स, वर्ष क्षमां क्षेत्रक ठिक भूदित पटना ठीत करभावी राजन ও সোধৎসমের সঙ্গে খেলা ভাগেল। দ্রাধা ডিস্ত করতে। শাস্ত্ৰেন-পোক্তো ৰয় বালক এবং বোক্ত্ৰ ছিল, আৰি ভালের স্বায়ান ব্যৱসাধানে নামিড রেখেছি এবং প্রকৃতি নিবিধ উপভালের ছালা ভালের ক্ষমন্ত অনুসারে,

তিই যাভ পর্যন্ত ভেতে ওটেনি। সংসাধ্যক কলক এবং লোকসে এক বার ধরে ইকেন্সের সঙ্গে কেলা করছে, তৰ্থ ডাল কানাৰ যাবাৰ নেহিত বাপকলেৰ খেতে स्थि। द्वारा करते। द्वारा क्या (क्ष्म्य (क्ष्म्य) क्षाराहरू ইন্মা দীৰ্মকল খতে চিন্তা কৰেও কিন্তমাৰে বৰ্তমান দুই জনতে তেই। করেছিলের করে। জনকা এবং করে নকল, কিছু তিনি জ কুমতে পান্যক্রন না। এইতারে প্রস্কা কমন স্ব্ৰাপী, যোগমূভ অথক বিশেষ যোগমানৰ সংখ্যা বছার প্রশাসনিক্তর, বামানিক আমারও অনুসাধ অনুবিদ্ধার। স্ববাং উল্লেখনিক সামার ভারা মোহিত স্বারেছিকা। এটিত হলে, টিক বেফা সমস্ত জীকে পাৰাক্স কীপুডের হিমানতি বাছকার বেভাবে ভামনী বাবিদ আছকার নানি প্রায়ন্ত্রণার প্রেম ঘর্ণিত হয়। এই মাতা কি প্রকার। জিনাশ কাতে পাতে কা কাং বিচালা বেলা ভোলেনিক কা কি দেবী, মানবী না আপুরীঃ জা কেখা খেকেই আলোড় বেমন কেনে মুলাই নাকে না, ভেমনই ৰ এনং তা নিশ্চয়ই আনার অধু কৃষ্ণেবই বারা। তা স্বর্জাককে প্রতি প্রকৃত নিকৃষ্ট থাকিব নাম কিছুই করতে ল হলে কা আমাৰে মোহাক্ষর করল কি করেঃ লাভেনা; পকাততে, সেই নিবাই বাজির সামগাঁই কেলে

"রক্ষা করন এইভয়ের দেবছিলেন, তথম তার প্রক্রমন্ত্রেট রকাশ পার্টেন। প্রীক্রাদের ব্যাহিনের, সম্পূর্ণের সমস্ত্র কেবংস এবং পোপবালাকের। ভ্রমধ্য হে পরক্রের। আমি পূর্বে মনে করেছিলাম যে, এই পামেলিক্রর একং পীতবর্গ রেপুরের বন্ধ পরিবিং তরুপে দুউ সমান্ত বালাকেরা জ্বেট ক্ষেত্র এবং এই সমান্ত বেলাকেরা হলেন। ঠারা সকলের চতাইনা, ঠালেন চরা বাতে त्रक्त चानि पदर्शि, किन्तु क्षेत्रम खारि राज्यस्य गांकि (६, जर्थ, ६क, क्या क्षरर नवः) केरण्य प्राथात पदर्शे, कारम क्ष्मुप्रभूपकं स्थापात त्यदे पादमा मूखा गते। शतक दुश्य क्ष्यपुरत दश्य वस्त्रप्रभूपकं द्वानुस्त्र प्रस्ता। প্ৰকল্পে প্ৰতীয়খন একেৰ মধ্যে ভোনাকেই প্ৰকশিত । ঠাৰেৰ দক্ষিণ কথেৰ উপত্তিকাৰী ইবংস চিচ্ ব্যৱত মেপছি। এক এবং অধিতীয় ছওবা সংক্র ছবিই। অসম, রিবেগারিত রাহরতে ভৌত্রত মণি এবং হাতে গোবংস এবং বালকদের রাধ্য ভিত্র ভিত্র করে। করন। উল্লেখ বাবে গাল্ডরার এবং বটিতে পৃতির সূত্র। নিয়াজনের। এ বিষয়ে বিশ্লেষণ করে সমস্ত কথা তবি। এইছারে উচ্চা পেনতা পরিছারেন। এবং, কীঠন জানি পরম পৃতির কার্তকলপুণার মাধ্যমে কংকারন্ত আক্রাধনাত ত্রত ভক্তদের খনর নির্দোদন দ্বাধান, ক্ষাম ভলাই।-পরের মালার থাকা বিচাৰে পা থেকে মাধা পর্যন্ত সংক্র ভাষা কৰা (তাম কান্য অনুসারে) এক এটিয়ার প্রতিটি আম পূর্ণরেশে সক্ষিত ছিল। সেই নিস্তরেভিত্ত জ্যোৎবার মত্যে নির্মন ছানির ছারা একা ছারুণকর্ণ নেত্ৰের স্টিলাভেত যায়া, খেন সত্ত এবং হত্তা সংগ্ৰ মধ্যে উদ্দেশ উভাদের বাসনা সৃষ্টি কর্মছিলেন এবং লালন কাছিলোন। ডাইছাৰ ক্ৰমা ক্ষেত্ৰে নাল্যা ক্ৰীৰ পৰ্যাত্ৰ স্থানত এবং কলম সকলেই মৃতিয়ান হয়ে, বত্য-গাঁত

পুথক পুথকভাবে সেই সমস্ত বিশ্বাস্তিদের অন্নাধনা আহ্যাস্তেতনা লক্ষে করে, মৃত ব্যক্তির বিচ্চ ভারে মাস্ত ক্রবিলের। সেই সমত বিধন্নতি অধিনা আদি নিভি, खब्मा जरुवि निक्त अपर पश्चाद अनुवि प्रावर्शिताकि प्रस्कृत যারা পরিবেটিত ছিলেন। প্রথম ক্রমা ক্রথদেন কাল স্বভাৰ, সংকার, কাম, কর্ম এবং গুল প্রভৃতি সর্বতোভাবে ডাকের স্বাহ্মা স্বরিয়ে ভগবালের শক্তির অধীন হয়ে এবং মৃত্তিমান হবে, সেই সমস্ত বিষ্ণা্ঠিলের উপাসন क्तिहरून। (नदे माज विकार् में मूह, बाम, बन्छ ध আনসময় এবং উন্না কানের প্রস্কারের অতীত। উপনিবণ অধ্যৱনক্ত জনীয়া তাঁদের ফাল্ডে স্পর্ণ সর্বাচ করতে শারেন লা। এইভাবে ক্রনা পরক্রমতে বর্ণন করলেন, যাঁও শক্তির ছারা চরাচর সময় বিশ্ব প্রকাশিত হতেছে। তিনি ভবন সমস্ত গোধংক এবং লোগবালক্ষেত্ৰত ভগরাদের বিভাররদের পর্ণনি করেছিলেন। ভারপর সেই সমস্ত নিক্সতিদের জ্যোতির প্রভাবে প্রসার একাদশ ইন্দ্রির বিক্সরে আলোড়িত হুযেছিল এবং চিমুর আনত্ত ক্ষতিত হতেছিল। তিনি তথন বৰ লোকের পুখনীয় হাস্যাদেবতার সভ্তথে লিওট খেলার পুত্রের মতো মৌনভাবে অবস্থান কথতে লাগলেন ৌ

আনন্দর্যন এবং জন্ধ প্রকৃতির অতীক। বেশক্তের পরা অবাছর জান নিবস্ত হলে ভাঁকে জানা বার। যে প্রবৃতি নিবেদন করে, ব্রক্তা প্রীকৃতকর মহিমা বা ভিনি পূর্বে ভাগবালের মহিলা সম্ভা ৩৮৩ক বিভানতির প্রকাশের ছার কর্মশিং করেছিলেন, তা আর বার শ্বরণ করতে লাগলেন। প্রতিষ্ঠিত হতেছিল, তার ছারা সরস্বতীর ঈশর প্রকা তালন বীরে বীরে উঠে তার চোগ পুটি মুছে ক্লয় মোহিত হরেছিলেন। তিনি মনে করেছিলেন, "এটি কি:" । ধুকুমকে সর্পন করেছিলেন। ভারপর ক্রমেন্ড মন্তব্দ, এক ভারণার তিনি আরু দর্শক পর্যন্ত করতে পার্যেননি। ক্রমান্রটিতে, ফশ্পিত কম্পেরের, গদপদ স্বরে এবং অঠার তথ্য ক্ষরতার শীক্ষা প্রভার অবস্থা মুখতে পেরে - তিনীতভাবে প্রখা ক্ষরতা জাবান নীক্ষরতা করন করতে হোগমামার ধ্বনিকা উন্মোচন করেছিলেন। তথ্য ক্রমা তক্ত করেছিলেন।"

উঠে পড়িয়েছিলেল। অতি কটে ঠার কড় উন্মানিত করে, তিনি নিকেকে বহু এই ব্রখ্যাত দর্শন করেছিলের। ভারপর, চতুর্নিকৈ শৃষ্টিপাত করে বুজা ওলে সম্প্রা দেশনবার অধিবাদীলের জীবিকর উপারস্কলেও মূলে পরিপূর্ণ সর্ব কড়তে সমান সুন্দায়ক বৃন্দরেন বাম চর্চার कारकार। वृक्तका कारवारम्य क्रिया धार्थ, स्थापना धारा, ভ কা অথবা কোৰ নেই। সেবাৰে স্বাভাৱিত শক্রভারাপম মানুষ এবং হিলে পণ্ডবা লগ্নন্দারের লক্ষ তিকা কার সহকার একরে থাস করে। আরগর প্রায় বেবলের যে, অধিতীয়, পূর্ব আনময়, অসীম প্রয়ব্জ ব্যেকরণে একটি শিশুর ভূমিক অবশহন করে একটো, থার হাতে অধ্যাস ধারণ করে, ঠিক পূর্বের হাতে সর্বর পোৰতৰ এবং উচ্ছ সৰা হোপবালকাত্ত মান্তেৰণ করনে। তা দর্শন করে ব্রহা ক্রও তীর হলেবাংন ছোত নেমে এলে, স্বৰ্ণতের মতো ভূমিতে প্ৰতিত হতে প্ৰাঃ মত্তকের চারটি মুকুটের অপ্রভাগের ছারা তগধান क्षेत्ररकता जीनामनक न्यान करतहिरायन। जीकारक প্রদৃষ্টি নিবেদন করে, তিনি তাঁর অনুসমাক্ত করে। ইয়া "পরমার্যন্ত ভর্কের আগোচর, ভিনি খায়ং প্রকাশ, জীপাদপায়ের অভিবেক করেছিলেন। দীর্যকাল কর জার - खीकरमध्य वीभागनतम् भक्तिस्य शतः अवः स्टब्स् वीक्रिया



অমল প্রাপ

চডুৰ্দশ অধ্যাত্ৰ

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের প্রতি ব্রহ্মার স্তব

প্রিলের ক্ষালেন—"হে প্রাকৃ, আগনিই গুরুষ আরুধ্য না। সে ক্রেমার ক্রেপ্ট্র রাভ করে। ছে সর্বশক্তিয়ান ক্রমেশ্বর দ্বগাবাল, কাই আপলার সন্ত্রিনিধানের জন। হাছ, পুরাবালে ইন্টোকে বন কোই:পুরুষ ভাঁলের সামস্ত আনি আপনাকে জানার সাধার ও মতি নিয়েন প্রয়োগী আপনার প্রতি অর্থ করে এবং বিশ্বস্তারে নামছি। হৈ সাধানকান, আপানাম দিবা দেব নাম কাল্যাস্থাৰ্থ । উচ্চেত্ৰ নিক মিছ কৰ্ম লাগন কৰে কাল্যা-কবিন কৰ ্রেকর মতো, আপনায় পরিখের বছ কিয়ুকের মতো প্রাপ্ত ছার্মেরনেন। যে অন্যত, এই প্রকার কারবং-রাজন জীলামান এবং কুঁচৰল বিসচিত আপনার কর্ণভূষণ ও সাধ্যমে অলনার সংখ্যে প্রদা ও কাঁইনের পর্যাত্তর ধারা মন্ত্ৰেল শিকিশুনের জন্ম আক্ষাম মুখমওলের শৌধর্ম পূর্ণতা অর্থন করে জারা আন্দর্ভক প্রবর্গন করতে ৰ্যালেক হব। বিবিধ কনমূলের মালা করণ করে একং পেরেছিকের এবং অনায়তে। কাপন্তর বাজানক হয়ে ন্দ্রনার্যাট্, বিষাধ ও বেশুর ছারা ভূমিত হয়ে, জাগনার আগনার পালে ধার প্রার হারে হর্মেন্সন। তিছু অভারণন হাতে এক প্রাণ আৰু নিজে আগমি সুক্ষরভাবে বিভিন্নে আগনরে পূর্ব ব্যক্তিয়াসম্পন্ন স্করণে আগনাকে প্রথমসন বাকে। যে গ্রন্থ, কুলা করে জালবার হে দিব কর্ করতে পারে বাঃ সা সভেও, ছালবের অভাবরে আমায় সদৰ্শন করেছেন, বা কেবল আখনার ৬৩ ব্যাহার প্রভাগ অনুক্তির অনুনালনের হারা নির্বিশেষ গুলানুকের মানেকার্য প্রশোধ আন্টে প্রকটিত হয়ে আলে, প্রাক্তরণ আকারত প্রকাশ ভারত পরাত উপাসতি করা আপনত সেই নিয়া সমাণ-পতিনা পরিয়াণ করতে আমি। সঞ্চা হতে পত্তাঃ কিছু জড়ভানতিক বিভেলের সমস্ত পারি না বা অন্য কেন্ট পারে না। খনিও অনেট খন সম্পূৰ্ণভাবে আৰু বিষয় তেকে নিবৃত কৰেছে ভবুও আমি গ্রহণার্থর ব্যরণ ক্রেরছম করতে অসমর্থঃ আ হলে বে সূৰ জাপনি আপনায় মধ্যে আনুখৰ করেব, জ আনি क्रिसंदर्भ क्रमसम्बद्ध क्रमा क्रमा क्रमा क्रमार्थ्यम् জানের প্রয়াস সর্বতোভাবে পরিভাগে করে বাঁক উদের নিজ নিজ সামাজিক পূপে ব্রিড হরে, কার-কা-ককো নদা সহকারে আগনার গীলাকথা ঋষণ করেন এবং আগমি ও আগমের ৩% ভক্তমের মুখনিংস্ত ব্যক্তিক একা করে জীকা জাবৰ করেন, গ্রারা নিঃসংকরে আপনাকে স্বায় করেন, ববিও মিলোপের মধ্যে কেউই काणनारक क्या कराएड नारत मो। रह फनवान, जापनार প্ৰতি ছতিই আৰু উপলব্ধি হোট পথ। বহি কেট সেই পই। পরিত্যাস করে মনেধর্মগ্রসূত জনের অনুশীলনে হৃত হয়, সে কেবল ফ্রেল্কন লাগ্রই বীকার করে এবং তার আক্রমিকত কল কাত করতে পালে না। পুন তুলে মহার করে কেউ *কেন* শ্রা লাভ কর্তে পুরে বা ডেখনই জন্মৰ-কচনায় ভাগ্যযে আৰ-উপদৰ্শ্বি কাৰ্য হা

রকার বাংলা এবং কর ইন্তিয়-বিবতের সমস্ত আসতি থেকে জালো কা ও ইতিহওলিকে ওড়িকরণের দাবাই কেবল লেটি সম্ভব । কেবলমাই এডাকেই আপনার নিৰ্বিশেষ কৰে ভাবের খাছে বৰং প্ৰকাশিত হৰে। স্পান্তমে নিজ গাড়িক বা কৈলানিকলা হয়ত পৃথিবীয় সময় প্রধানকর, হিমারণ, এজা কি সুর্য ও অন্যান্ড **এক নাম্বরের প্রতিটি প্রতিকার গণানা মনাকে স্বর্থ চুবেন** (किंदू बीटक करणत कर दिनि क्यांट करवीर्थ इन. েই প্রদেশ ভারণ আগবা ভার অপ্রদান ওপানানী कृत कर और तब विक इत्याक्तक वास कर कर क সঞ্জব প্রতি আলমার অনুকলন্য সাহতার আলার প্রত न्यंकृत स्थ करांने क्या देखें करूमते एकाम कपाट কাৰে থাৰা হৰত, ৰাজ্য ৰ পৰীক্ষেত্ৰ স্থানা আপুনাকে প্ৰণতি নিৰোধ কৰে জীকন বাপন কৰেন, তিনি অকণ্যই पृष्टि काला स्वाप, काल दिले देनपुर केसलरिकारी,"

্ৰে তাওু, আমাৰ আনামাজিক **ধৃত** যে গেখুন। কালে আমি মানানীগণেরও মেইছনৰ ক্ষান্ত এবং আদিপুরুৰ প্রথাক্তাকী আপুনার তাঁত নিজ যাবা বিভাগ করে বেকে উত্তও স্পরিক যোগে যাগির উপর প্রভাব বিস্তারে মাৰহ, আপনার গেন্তে উন্তত আমির ছেমন আপনার উপর প্রভাব বিভারে বিভাগার সমর্থ নই। আহনের, হে ছচাত, মান করে আমার অপরাহ হার্রনা করন। আমি রুজাওলে জন্মহেশ করেছি, ভাই সভাবতই আমি আছা, কারণ আমি নিজেকে আপনার খেকে একখন খণ্ডত্র নিকল্প কলে অভিযান করেছি। আমার চক্ত অজ্ঞানের সম্বাচন আহমিত, যু আমাকে মধ্যতের খলতে এটা रहत यहन कराता। किन्दु भग्ना करत विरक्तमा कराय हा. थानि भागनात करा अवर करि कालमान करकालात **लाहे। अकृति, प्रकृत-छन्, बाएसम, सावन्य, सत्, प्रति**, বাল ও ভূমি হারা পরিবেষ্টিত রক্ষাণ্ডরত হটেন সংগতি। আমার নিজ হাতের সাত বিহত পরিবিত নরীর্থারী আমিই বা কোবাৰ, জায় বাঁচ মোমকুপতাল গৰাকলাখে শ্রমণ অগণিত ক্রমাণ্ড পর্যাপ্ত ন্যার বিচরণশীল, সেই আপনার মহিমাই বা কোথার : যে অবোক্তর ভগবান, পর্ভস্থিত সভান কম্ম তার পা দৃটি উল্লে নিকেল করে, কন্দী ভা অপ্রাধন্তাপ পশ্য করেন কিং ছাত্র এখন কিছুর মন্তির আছে কি---জ বিভিন্ন দলনিকদের বস্তু সভা বা বিখ্যাকনে ভূষিত চ্লেও—বা প্রবভনকে অংশনায় উদদের বাইরে রয়েছেঃ হে ভগকান, কবিত चारक रव, धसवकारम् दश्य जिल्लाक करम निरुध २८४६म, ७वन चाभनात घरन नातात्र (तरे सटल नवस ক্ষেন, বীয়ে বীয়ে তাঁর মাডি বেকে এনট পর প্রকাশিত रहे और इन्हें नर्श अभाग स्वा हत। और कनाक्षि নিশ্চর নিশ্বা নর। তাই আপনার শেকেই আমি উত্তত 前 神中

অন্তর্গ প্রাপ

িছে পরুম নিরুৱা, কেহেন্তু **আপনি সকল দেহধা**রী भीरका भाषा अवः अक्त मृष्टे धर्मारकत्र निका जाकी, ভাই আপনি কি মূল ন্য়োৱন কৰে। ভাত্তিকপক্তে, ভগবন নারারণ হচেনে স্থাপনার সম্পারণ এক স্থাই তাকে কৰা হ'হ জারাহাৰ, যেহেড় তিনি ব্রহ্মতের আদি ক্তুবর মূল উৎস। ডিসি পরম সত্য, আপনার হারগেডি ক্ষাত নতঃ হে ভাগতান, সমগ্র ক্ষাতের কার্ডারপুরুত্ আপুনার অঞ্চেত্ত পরীয় প্রকৃতলক্ষে রুলের উপর সাহিত থাকে, জা হলে আমি ংখন অধ্যেশৰ করেছিলার, ভারন

জাননার ক্ষমতা দর্শনে ব্যতিকারী হয়েছিক্ষন। করিব আপুনারে মানি ইনিনি কেনাং আর বলিওনা আনান ক্রমনার মধ্যে আপনাকে সঠিকভাবে দর্শন করতে পার্কি তথ্য কি আগনি নিজেকে হঠাৎ প্ৰকাশ কৰেছিলেক মে ভগৰান, এই ভাৰতাৰে আগতি প্ৰনাথ করেছেন যে আপনিই ফানার অধীনরে। আপনি যদিও এখন 🚵 অগতের মধ্যে ররেছেন, তবুও সম্ভ বিশ্ববাদী সহিছ আপ্সাম অপ্রাক্ত সরীজের সংখ্য বিরক্তিয়ান—আপ্রাক্ত জননী ঘলোগ্ৰে আপনার উদ্ধেন মধ্যে সভগ্ বিশ্বস্থাও প্রদর্শন করিছে এই সভা জাপনি প্রয়াগ করেছেন। ঠিক বেমন আপুনি সহ সময় বিশ্বস্থান व्यानमात्र कैम्ट्रांस घटना क्रमनिंक स्टार्ट्स एक्सनेहे अन्यात বাইয়েও ব্ৰু সেই একই জগ প্ৰকালিত হয়েছে আপনার অভিন্ত পক্তি কভিড কিনাবে এরূপ ক্টনা সময হতে পারে : আপুনি কি কার্ড আমাকে আপনার ছেকে ভিন্ন এই সৃষ্টির অভ্যন্তরের সধ কিছু যে আপনার অভিয়া শক্তিক প্রকাশ কা কর্মক করালের আৰু প্রথমে আন্তর্ভ একা আবিওঁত হ্রেছিলেই, ভারণার আপুনি কুলাব্রেছ সমস্ত গোকৰে ও আপনার সধ্য সমস্ত গোপবালক আগ চকাৰিত হলেন। তারণর আগনি আনার সঙ্গে নিভিন্ন শীৰ দায়া আরাখিত সমস্যাধক চতুর্ভুক্ত সিকুট্র্টিরের অধিকৃতি হন এবং ভার পরে সমসংখ্যত পর্বাত্র ক্রফাণ্ডরূপে জাবির্ভূপ্ত হব। সর্বশ্বেরে, এখন আপন্নি আপনার অভিতীয় পর্যাত্তর অক্তংগ কিছে এলেন। আগনার হথার্থ অপ্রাকৃত পথ সকতে জন্ম ব্যক্তিমের প্রতি আপদর ঘটিত ব্যক্তির বিভাগেরণে নিরোকে প্রকাশ করে মাদ ক্রান্তের খাপেরশে অপনি অবির্ভত লে । এভাবেই ব্রসাধের সৃষ্টির কন্য কলেনি আমার (ব্রসার) নার আবির্ভূত হন, ক্রকাতের প্রতিলাদনের জন্য আগনি जानसम् (विकृत) महात् काविर्द्ध इस अवर हामार्द्धः মন্ত্রের জন্য আপুনি মিনেটের (শিবের) স্যায় আনির্ভত হন। হে ভগবান, হে প্রম প্রতী ও প্রভু, অপেনার পার্থির করে নেই, ভবুও অধিধাসী অসুরসনের মিন্যা পর্য বিবন্ধ করতে এবং জাপনার সাধু জন্তবংগর প্রতি কুপা প্রদর্শন করতে জাপনি কেবজ, কবি, না, পাচ, এমান কি ৰ্শাচারের মধ্যেও ব্লাহায়হর করেন।"

> "হে পরাম মহালা হে পরাম পরাবোধার ভগরাম! রে ষোপেশর পরমধ্যে। ডিলেকে অনবহত আগনরে রাঁলা

_{প্রবিশ্}ত হতা চালেছে, কিন্তু আপনাও কেবনোয়া বিভার । একেব মুর্গেরা সিঞ্জন্ত করে যে, পারেক্ত আপনার প্রত _{বার} আপনি কোখান, বি-রামে ও কথন এই আমংকা করিছের বাইনে মনার মাকেনাম। হৈ তানের মাকনাম हैं जिल्ला क्षेत्र के कि एक स्थान कर देव स्थान কাপন্ত জেলমানা কিন্তাবে কর্ম করে মান কলা কেই ক্লাতে বাবে ন। সৃত্যাং সমবং এই সমগ্র প্রস্থাওটি ভুলারের অনিত্য, কা সক্ষেও সত্যের মত্রে প্রতীর্মান ক্রতক্ষণ লা সর্গ কম সক্ষম ক্রপ্রেন, ক্রতক্ষণ তারা ব্য এবং একাবেই সেটি জীংগা চেওনা আন্দোলন করে। পরিবাচ ব্যক্তর কথার্থ প্রকৃতি কিভাবে উপলব্ধি করতে এর খুলবের বুম্বকটের হল। তাকে কর্মনিত করে। এই লভাততি সভা কৰে মনে হয়, ভারণ বঁর অগ্রেক্ত সুগলের কুগার লেগমারও লাভ করে থাকেন, ভা হলে ব্যাণতালি নিতা আনন্দরর ও জানহায়, সেই আগবার ্ত্ৰেক উত্ত অন্তৰ্শন্তিৰ কলা সেটি প্ৰকশিত। আৰ্লাই আৰু আপন্য মহিন্য সহতে জন্তন-কৰণা কৰে, ভাগা একমার প্রমান্ত, বালি প্রম পুরুষ, প্রমানত -বরং নীর্গঞ্জ কে আধ্যমন করেও আগনাতে জনতে পারে চৰাল, অনক ও অন্যথি। আগনি সনাক্ষম ও স্কৃতি, না। হে নাথ, মাড্যান আমান এই প্ৰাৰ্থনা হে, এই প্ৰাৰ্থ-👊 গু পুৰ্ব অহিতীয় এবং সময় জড় উপাদি জেড়ে অগুৱা হোক অথবা অন্য কোনও কৰেই হোক. বৃক্তঃ অলেনার আনক ককাও বিশ্বিত হতে পারে আ বেখানেই আমি আন্তর্গুণ করি, আমি কেন আপনার এক ক্ষম্ম ক্ষমুকো সমেও আগনার কোনও সম্পর্ক কেই। কন্তব্যক্তর একজন হতে করি। অনুনি প্রার্থনা, করি, ব্যক্তিকপাৰে, আপনি আৰুত্ব আনুভালয়াল। বাদ্যা পেলানেই চ্চেড, এমন কি প্ৰচালনিক মধ্যে হালেও, আমি সূর্বসমূপ কাণ্ডকে থেকে শুরু জানচার রাজে হতেছেন, তেন আলনার জিলালপায়ের সেবার বৃক্ত ছভালার সৌজাগ্য ও।বঃ আগনাকে সমত আধানের অভ্যেক্ত। এত কনতে পরি। তে সর্বাক্তিমন প্রকৃ, বৃস্পার্কের প্রয়াছাক্ত্য কর্মন করতে পারেন। এতর্থেই আপ্তান ক্ষতী ও গোলীয়ণ ক্ষত হত্য সৌতাহত্তবর্তী তে, আপ্তা মার ব্যক্তিক ক্ষেত্রকার করে, তাঁরা সারামর ক্রমনুত্র সোনগো ও সোপানাক সমাপে অসালে উন্নির ক্লম-পুর্ব অভিনেত কৰতে সক্ষয় হয়। যে ভক্তি রক্ষ্যুকে সৰ্গ মনে করে তীত হয়, কিন্তু সেই সপটির অভিছ নেই বৈদিক করাদি অনৃতিও হয়েছে তাও আক্ষাকে এও ক্ষ মুদযুক্তর হলে তার শ্বর পরিত্যাগ করে। তেহনই, বান্য স্বৰক্ত আৰোধ পৰ্যবাহানেশে আপনাতৰ চিনতে স্বৰ্থ হয়, আলো কাছে সম্প্রাসারিত মারাময় খড় অভিয়ের देका द्वा पहल, किन्दु चानमात मन्त्रदर्व सारगण दल তংকলাং আ অভাইত হয়। ভববায়ন ও লোক এই গুটি ব্যৱস্থাই অভানভার প্রদাপ, ভাই সভা কান খেকে ভা ভিত্ত। কেউ খনন সঠিকভাবে বিচাম করেন বে. ৩% चरता बद्ध श्वरक छित्र अवर मर्कन मन्नूर्व देउटनायह. ভৰ্ম ভাষের খার কোনও অবিদ্য থাকে এ। কেন সূর্বের পরিয়েক্তিতে দিন ও রাজির ক্যেনও ওক্তর খানে না, তেখনই এই বছন ও হোক এখন উভয়ই অংশজীন। অন্যে। ভঞ্জ বাজিদের মূর্বতা করি করন, बांदा क्यांभनाहक भागांत्र क्यां श्रांतान क्यां व्यांभनात अंकृष्ठ পর্যাণ আত্মকে অন্য কিছু অর্থাৎ মাড় গেছ জান করে।

সেতে বিধা সকল বিষয় প্রত্যাপাল করে সাধ্যাত গণ ভানের নিজেনের সেইবড়াছরে আলবাতে আক্রাল করে শ্বক্ষে, বার্ত্তবিক্ট্র, পূর্ণতা হৈছে করের লক্ষ্য করিওপ পারেন : কে ভাগবান, বৈতী যুক্তি অংশবার প্রীপাসপথি িভিনি আপনার মহিলা ভাষরতম করের পারেন। তিক্স পান করেছেলঃ খানাদি কাল খেকে আন্ত পর্যন্ত বাত ভৃত্তিনান করতে ক্ষার্ক হয়নিঃ অহে। নাল মহাত্তক, ব্যেপকুৰ ও ব্ৰঞ্জবাসীয়ে কী মহা ভাষাবানঃ ভালেব সৌত্তাপার সীয়া নেই, যেহেতু পরসাল-মরণ সনাতন প্রিক উল্বের সধ্য ব্যাকে। তে অনুনত, বনিও এই প্রকর্মীনের সৌভাগের মীত্র কডিড্রনির, শিবসই আহর একাশ ইন্সিয়ের অধিকাঞ্ কেবডাগণত আরু ভাগাবান, কারণ কুলাবনের এই কঞ্চলপ্রের ইপ্রিয়ন্তাল লাভেছবো আমর নিবার আগনার পাগেছের মধ্যারণ অন্ত সুধ্ পান করছি। যে কোনও গোকুগরেনী পালপরপুনি স্বারা অভিবিক্ত হয়ে লোকুলবলৈ যে কেন ক্বাইলাভ আনার মহা নৌভাষাকলৰ হবে। বৈদিক মন্ত্ৰেলী কৰ পালপায়ের কৃষ্টি এখনও ভাষেত্রণ করেছ, সেই পর্যন্ত গ্রহমান্তর ভগবল মৃত্যু উল্লেখ জীকাস্থার।"

"হে পর্মেশ্ব ভগক্স, সহং আপনি ছাড়া আর কি

পারিখোবিক অন্যর খুঁজে পাওয়া বাব, তা ক্ষিবে করে ক্ষমাৰ ভিত্ৰ মোহত্বক হলো। আপৰি সমত আপীনিদের भूष्टं क्षकरूप, का बालमि बुकायरमंत्र दशाल-मण्डमारवर् व्यक्तिमीरमञ्जू प्रथम स्थापन । १६७ स्थल अस्ट्यान श्रास প্তমাৰ নিজেকে খোলন কলার বিনিময়ে আপনি ইতিযাগেই নিজেকে পুডানা ও ভার পরিবারের সলস্কালর भादिरहारिककारम धनाम करारात वात्मान्त करारास्तः। किया बीरमध धर, धर, गुरुष, शिक्तम, (सर, गुरू, धर्म র মন সমস্ত কিপুই কেবলমার আপনাতে সমর্লিত, বন্ধার্থনের সহস্ত ভাতদের প্রবানের কর লাগনি কি **अस्यस** १°

'হে ভগবান প্রীকৃষ্ণ, ৰচকার মানুর অংশনার ভাষ না হয়, ততকৰ আদের হাত আগতি ও বাদনা হয়ে থাকে ভারবার্তন, ভারের প্রামি করামাত-বর্তন এবং ভাবেৰ পাবিবাবিক আমক্তি অনিক মোহ পাতেখ नुष्टकरूतभ रहा भारत। हर शह, यनि० वह पातिरहर সংগ আপনর কোনই সম্পর্ক নেই, হবও আপনার শ্বশাসত ভণ্ডশাশ্বের ক্ষমা ক্ষরিং আনন্দরালি বিস্তাব কাম উদেশ্যে আগনি এই পুনিবীতে এনে কডকংগতিক भीरत्म सन्दर्भन करत्म। याता वरण, "साप्ति कृषा সম্ভাৱে সৰ কিছু কানি," তারা সেভাবেই ভিড করক। এই বিবহে আমি বেলি কিছু কাৰে ইজা করি না। ৫৪ গ্ৰন্থ, এইমান্ত বলি বে, জাগনার নীপর্যসমূহ জায়ার মানু বেছ ও ব্যক্তের অপ্রেচন) তে কৃষ্ণ, আমি এখন স্থান ভ্যাৰ ৰুমত জন্য বিনীতভাবে অনুষ্ঠি প্ৰাৰ্থনা করছি। প্রকৃতপক্ষে অংশমি সর্বজ্ঞ ও সর্বকলী। অঞ্চর্বই আশ্রি সমগু নিৰপ্ৰয়াণ্ডের অধীৰত, তবুও এই একটি প্ৰথাত আমি আলনাকে জর্পন করলার। সে জিপুন, আপনি শহসকৃশ বৃষ্ণিবংশের আনশ প্রদান করে করে ভৃত্তি বেবতা, প্ৰাক্তৰ ও গাড়ীপৰ সমা গঠিত মহাসমূহতে থি রার করেন। জাগনি জন্মের গাল জন্তকার নাল ছকে এবং পৃথিবীতে আবিচ্চ অস্থ্যবেধ বিলেধিতা करवन । त्य नजरभक्त क्रमशंत, वरुकाल नर्वत और निवासारका व्यक्ति धाकरत अन्य प्रकान नवंत नुवं বিরশ বাদ করে, প্রত্যাল ধর্মর খালফা হতি আমি श्रेणाय जिल्हाम कड्ड :¹¹

প্রাণ ভাষ্টারে স্বোধারী কর্মদান —"এডারেট ক্র श्रीक निर्देशक करत, तथा प्रेश्व नवार चाराया, करू প্রদেশ্য ভাষানকে তিনবার প্রদক্ষিণ করলে। এক নতাল্য হলে উয়ে পালপতা প্রশাম নিবেনন কুলুকু_ন কুলাবের পরে নিরোজিত স্থানিকতা করেনার করে হিছ নামে কিন্তে গেগেল। পরফেশ্বর ক্রণবান ওার প্র ক্রখাকে কিরে যাওয়ার অনুমতি জনালের পর, এক বার नहर्व रमायकाता दश्चाता हिन्द, क्रांचान रक्षात आहरत औ তথ্যে বেখালে তিনি ভেয়ানে কর্মাংখন এবং পূর্ণের মধ্যে ভার গোপ্রথারা অবস্থান কর্যছলেন, সেখানে নিয়ে একেন। হে প্রকান, কণিক বালাকের জানের সাকের বিহনে পুরো এক কংসর অভিক্রমন্ত করে জীতুকে নারাশভিতে আন্মানিত ছিলেন, তবুও থারা সেট এর কংসমূহে কোনা অৰ্থজন বলে বলে কানেছিলে। क्षमञ्ज्ञास क्षाता अधिक स्थान संदर्भ का ध्याराण्या, सक्षप ভাষা কি-ই না বিশ্বক হতে পারে ৷ সেই নারাপত্তির श्रात मध्य बनंद विवेद्य स्माराच्या स्टा श्रात का तो বিশ্বতির পরিয়েশে কেউই ভার আক্রমণ ক্রমেন্ড क्क्षण नारत से 🖰

গোপসবারা জীক্ষাকে বলকো-- "ভ্রমি এত ভাড়াতারি কিরে এসেছ। ভামার অনুপরিভিতে আরে এমৰ कि এক প্ৰাস্ত ভোৱন কবিনি। অনুবাহ কৰে এখানে এব এবং নিশ্চিত্তে ভোৱাৰ কর। অভ্যাপ্ত ভাষান হার্টাকেশ হাস্ত সংকারে তার খেলস্থানের সংখ ভৌজন সভাপন করনের। তীরা কথা কর থেকে তীরে আনর হতে প্রত্যাগয়ন করছিলেন, ভাগন শ্রীকৃষ্ণ গোলবালকদের মৃত সর্গ অধ্যস্তার চামড়াটি দেখালের ত্ৰীকৃষ্ণেৰ অধাকৃত দেহ মন্ত্ৰপুদৰ ও প্ৰেশ্য ভাগ সুপোতিত দ্বিদ এবং কৰা খাতুর দাব্য রঞ্জিত দ্বিদ, স্বান र्थम बीरमध वरनी উक्तबात ७ फेरमर प्रचतिष छूत धर्मि করছিল। স্ববনট ডিনি জন্ত গোবংস্থের ন্য ধরে ভালন্তিল্য ভাল্ট ওয়া গোলস্থান্থ ওয়া মহিমা কীৰ্জ করে সময় কাবং লবিয় কর্মানেন। এভাবেই জীক্ষ কার পিজা মাল বহারাজের গোটে প্রবেশ কর্মেন এবং উমা সৌন্দর্যের দর্শন তৎক্ষনাৎ সমস্ত্র গ্রোলীনরদের মধ্য উৎসক-কল্প হুমেছিল। যেইয়ার গোপৰালকেরা রজ্যে ক্রমে পৌছলেন, তথনই তারা কীঠন করছিলেন, "থায় and এইটি ট্রালন মান্তিক সাংগ্রের করে অবংগ্রের কুলা WALLY SHARING GULDEN SHARING STANDON THE बदारी जन्मदूराण करून पर्वत कर्नाश्चार है।

सर्वाधिक प्रवासिक क्षेत्रीय--"एउ द्वाकन, एकस anen হৈছে পুরনের ছাতিও বৈ প্রেম মালা কথাও काका करवानि, त्रिके संपूर्णने प्राप्त गरानुत केन्द्राका লার ভিন্তাবে নিকলিত হলঃ দলা করে ভা করে। STEEL 1

ক্রাধ্যে করেই অভ্যন্ত ভিন্ন কলেনেই ভানে নিজের কলো। acatio, ভাসম্পদ ইতালি সেই অংশত তিও হবল করেই क्ष विश्वकारम क्षेत्र। वि श्रामात्रके, अहे सहस्रत (स्वयाही) ক্ৰীৰ আন্তৰ্কেক্সক হয়--ভাৰ অন্তৰ্কত নিবছৰি ক্ষেত্ৰ জোমার জানা উচিতে প্রীকৃষ্ণ সমস্ত স্থীকের হল আব্রা। কৌমারকাল অভিযাহিত করেছিলেন*ি* তার খাহৈতকী কলাবলত, সমগ্র জনাতের বালাক কল

दिक्ति सामादन प्रभूतकरण सारिक्षण हाररावसः। कीव क्षाक मंदिर प्रशास किये की स्थापका और क्षाप्त र्वेचा ब्रीकृष्णक कार्यक्रप्रकार बारावर, होना कृति के কলাম সমস্থ বাজ্যুক লাখে পুরুষোধ্যম স্থানাল্যানা প্রকাশিত বিভিন্ন বাংলা হয়ে। লাগ করে। বাংলা হক এই ক্রমত সর্বাঞ্জন পরেমের ছবল্ডা প্রাক্তম ব্যক্তির ক্রম কেন বছাবই কীবন্ধ করেন ম। সভা প্রকৃতির আনি व्यास करते जरह कह रहत देश देश वर्ष ইলে ভক্তের লোকাটা কল্যান—"তে প্রাচন, সভাত প্রস্কৃতিক কলনার জীক্তম নেই সুস্তু কাডা প্রকৃতিই ইবন। ভারতে ইনা থেতে ভিনা কী নিবলৈও হতে শারেং বিদি ভড় ভগতের আত্রয়েকণ এবং নুর সামারের লাভ ব্যারিকারের ব্যাত, সেই ভারবার্মত न्यभण्यक्तम् भ्रीकात् चेतः चात्रात् अपूनं क्यूर्ट्सन्, डीएन्डे न्त्र, स्म चे नृष्ट् चर्रान्त्रण निर्मात (सष्ट क बालाय । कान्त्र को कर-मद्दा (सन्तर्भाष्ट्रम् : शहरशम देवकृत नहस्टे व्यक्तिकार व्यक्तिक दशः (म् अक्टार्टिक, स्वाधिक्टे, (स. देशांग्य स्वयः) नारः नारः विनाध-स्वयः। और सात्र संगधः গমত বাজি মনে করে কের আবা, ইয়ানর করে কের কের তানে কন্স নর। বেলেড রাপনি আরার কারে বা পেরাল আতি তিয় হয়, সেতাবেই কেঃ সম্পর্কিত বস্তু জনতে ক্রেটেপ্রাণ্ড, তাই থানি ইচাল্স পঞ্চত করে কৃত তত প্ৰিয় হয় না। যদি কোনও কতি তাৰ দেচটাকে। সৰুল কাৰ্যকল্প আ শৌপাও বাঁচিত হাৰ্যকল, তা ক্ষারিখ পরিবর্তে 'ব্যানার' জান করে। ছাই আকো, সম্পূর্ণনত্ন ভাননের নিবট বর্ণনা কলের। জয়ানুর বর্ ভিনি নিল্ফিডাবে উরু দেওটিকে নিজে মহনুত্ব প্রতঃ ক্ষুদ্ধে হাতে উল্ল ক্ষেত্রত ভালত ক্ষুদ্রত বিভাগ ক্ষুদ্রত दिव कान करहत हो। (सब भवेद, एउटी क्रान्ट क्ष्म एकाम अवर क्षमार बादा विदर्शनक क्षेत्र क्षेत्र-ৰ ব্যবহারেৰ অব্যোগ্য হয়ে সেলেও, স্থানেও জীবিত - অসমস্থানেক মনে স্কৃতিত ভালান মুবানির এই সমস্ত থাকার আকাশকা জার সুমুদ্ধ থাকে। অভনার সমস্ত শীকা যে ব্যক্তি প্রথম ও কাঁঠন করেন, তিনি সমস্ত পেংগালী জীবের স্বাচ্চ নিজের অধ্যাই অভার ভিতের বাছিত বস্তু আত ককে। এরদানী নাশকের প্রকারতি হয় এবং কেবলমায়ে এই আছাৰে লখাটির জনাই ছাবর - কেবলু কেবলুর সেও নির্বাধ, বান্তরের মতো কান্দ প্রকার ও জন্ম শ্রীৰ সম্বতি এই নিবিদ লগং অন্তিক্তিন। ইত্যাদি জীয়ার মধ্যের বৃদ্ধাবন চুনিতে তাঁচেব







পথ্যদর্শ অধ্যায়

ধেনুকাসুর বধ

শ্ৰীণ ওশদেৰ গোৰামী ৰলপেদ—"বৰাধনে यगरानकात्म क्षेत्रम ७ क्षेत्रक रचन (गोभध नाम (६३ (থকে হল) থাও হলেন, ভবন বৃদাবনের গোলগণ ষ্টাদের গোলালনের কার্ব গ্রহণ করতে অনুমতি নিলেন। **ऐ।ए**स्त्र नवारम्ब नरम बर्कारवेदे निरम्नकिन्द हर्रह वालक দুটি বৃদ্ধাবনের ভূমিকে ভাঁদের পাদপদ্ম চিহ্নের স্বারা অতীৰ পৰিত্ৰ কৰে ভাগলেন। ভার গণ্ড দীলা **উপজ্যোগ্য कराना करा. श्रीयाग्य छेड मंद्रश की**ईनकारी গোলবালকদের হারা লবিবেটিও হতে, কালেব সহ বালি বাকাতে বাকাতে গাড়ীগ্ৰংক সম্পূৰ্ব হেখে. পুন্দালোভিত ও গণ্ডগদের জন্য পৃষ্টিকর বলে প্রবেশ করলেন। পরম পুরুষোধ্যম ভারাম সেই কাটি নিরীকণ করলেন। দেই বনটি রমা, পশু ও পাবির মনোমুখকর **भा**निएक निर्नाहिक इक्तिन। म्याप्त हिम अवही भरतायत, यात्र क्षानकाणि दिन प्रधारशास्त्र प्रत्नव परका सक्त अवर সেই বলে লত পাপভিহক কমলের সৌরত মৃদুমন্দ বায়ুতে প্ৰবাহিত হজিলে। এই সমস্ত কৰ্মন করে, মীকৃষ্ণ সেই পরিত্র পরিবেশ উপজ্ঞাপ করতে অভিসাধ করলেন। আদি পুরুষ ভগবান দেখলেন যে, সৌন্দর্যমতিত রক্তবর্ণবৃক্ত খনস্পতিগণ ভারের কল ও পুশের গুরুতারে অবনত হরে, ভানের শাবর বপ্রভাগ ছাত্র তাঁর চরনকুগল স্পর্ণ করছে। তাই ডিনি খুদু ছাস্য সহকারে তার অঞ্জবে উদ্দেশ্য করে কালেন-হে দেবশেষ্ট, দেখুন এই কুক্তালি কিন্তাবে খানর দেবগণের ছারা পৃক্তিত আপনার পাদপত্তে তাপের শির অবনত করছে। তাদের বৃক্তভাবে করেগরকার অভানতার অন্তব্যও দুই কথের জন্য কুমন্তব্য আপুনাকে আদের মুখ্য ও কণ্য নির্বেচন করছে। এই আছিলুকর, এই ভয়রের। অবলাই মহান কৰি এবং আগনার অভ্যন্ত উন্নত ভঞ इर्स, कार्रभ चाननार भेष चनुनामन करत वीर्थ चाननार मंदिन कैठिन करत, भारत चालतात देशायना कराए, स নিশিল জনতের জীর্থাহরাপ। বলিও এই বলে অপেনি

দিক্ষেকে গুপ্ত রেখেছেন, হে অপাপনিত, তবুও ভাষেত্র আলাধাণেবকে ভাষা পৰিকাশ কৰছে না। হে আনাধা পুরুষ্প্রেষ্ঠ, এই মনুরওলি আগনর সম্পূর্ণ আনকে নুদ্ধা করছে এই হরিণীগণ গোপীলের ঘতো মেহমরী দুটির হারা আপনাতে আনন্দ হান করছে এবং এই কোকিলেঞ रिकिक शार्थना विता व्याननारक मन्यानिक कहारह। क्षे বনের সকল অধিবাসীরা অভ্যন্ত ভাগ্যবান এবং বঞ্চপনার প্রতি তাদের এই ব্যক্তার অবশ্যুই গৃহে আগত মহাভার প্রতি থানা মহাভাষের অভার্থনার মতেটি স্থান্থ। পথিবী এখন অতীব সৌভাগ্যবতী হয়েছে, কালে আদ্দ্রি ভার রূপ ও ওল্ফানিকে আপনার চরণ যারা ও ভার লখেওলিকে আগনম হাতের নামে দায়া স্পূর্ণ করেছেন এবং আপনি ভার মদী, পর্বত, পাৰি ও পণ্ডগুলিকে আপনার কুলাপূর্ণ দৃষ্টিপাতের ছারা অনুগ্রহ করেছে। কিন্তু সর্বোগরি, জাগনি গোপীসগতক আপনার দুই বান্ত मध्य पानिका स्ट्रापन--- म सबर कामारपरीका कामा ।"

শ্ৰীল ওকদেৰ গোসামী বললেন—"কুথাবনের নৌপর্বমতিত আ ও ভার অধিবাসীয়ের হাতি পরিভৃত্তি গ্রকশ কটে, প্রীকৃষ্ণ গোর্মান পর্বতের নীচে বড়না নদীর তীরে তার সহচ্যাদের সঙ্গে পান্টী চরিয়ে আগব অনুতর करूम। कथराव कथराव कुमायरमा वसराता छेन्द्रारम এওই মত হত ৰে, ছালা টোৰ বস্তু কৰে মান গাইতে ওক করত। গোপবালকণার ও বলমের সূর্বনপর্বে মেতে থেতে জীক্ষা জমজো পান অনুকাশ করে পাইতেন আন তথ্য তীর সন্মা ওঁর নীলাসমূহ কীর্তন করতেন কথনত জীক্ষা শুক পাবিত্র ভাক, কথনও মধুর বারে কোকিবের ভাক এবং কথনও রাজহংসের ভাক অনুকরণ করতেন। কথনও তিনি গোপবালকদের হাস্ট উৎপাদন करत छैरआहरू महा महातक मुळा चानुकरूप कराएका। কৰনও গাড়ী ও গোপবালকদের আনক যান করে, মেঘগরীর স্বরে, পণ্ডপাল থেকে দূরে চলে হাওৱা প্রসের নাম ধরে তিনি গ্রাডি সহকারে ভাকডেন।

_{ক্রমান} তিনি চকোর, মৌশ্ম, চনাছ, ভারোজ ও হয়তার कामानार दिश्वति करारम अस करमा हिस साम व সংক্রের কৃত্রির করে কেটি কেট আগাঁলের সঙ্গে দেনে নাম্যতেন । বৰন তাৰ কোঠ আঠা শ্ৰীয়া কাঠে কচঙ ক্রেব্র হরে, বেনেও গোলকাশকের কোনে যাধা রেখে কনা সমস্ত মন্ত্রত ও প্রাধীরো সেই ভালবনে যেতে তরে পদ্ধতের, তথক জীকৃষ্ণ স্বয়হ তার প্রদর্শকরের ও ক্ষালা সেবার ভাষা তার ক্লাভি লাবকো জন্য তাকে। তার কাম। তেই ভালতা বাতাও সূর্ণতি কলভুলি রবেটে প্রায়াক্ত করেনে। কর্মনার কর্মনার প্রাণাপ্রসাহকরে বর্মনা হা আলো করনর ক্রেই আপ্রান্ধ করেনি। আপ্রনিক্তই, নুডা, বীত, উল্লেখন এবং কেনাকলে পরস্পর যুদ্ধ সর্বর পরিবাপ্ত সেই তাল কলেও সুনত্ত একনও আমরা রনতেন, ভাষা কৃষ্ণ ও বালনাম হার ধরাধনি করে। অনুভার করতে গারি। হে কৃষ্ণ। মরা করে করনানের क्रिकेट केक्टिया, छोरमञ अचरमञ्जाक कार्यमञ्जीत संश्या केटिन | से मारक क्या तामन कर । एकटिनड कटक स्थानारक রমতের আর হাস্তেন। প্রিকৃষ্ণ কথনও সামকীয়ার সদ অভার জড়েই হারছে। রিব বাগবাম, সেই স্পার্থন ক্তিকেও হলে শুক্তমূপে আমার প্রহণ করে, গরের বচিত । লাকের করা আমানের পুনই আকলেন হলে। খনি সুনি সহায়ত কোনও পোণঝালকের কোনকে বালিনের মতে वाबशास करत लंडन कररून। केसा विरान्त प्रश्चाकर्तनः সেই সুক্ষা কভিগুর লোপবাসকেন্ট গুরুম জীয় পাদপর वर्गन करत सिरटन अधर मर्चनान (४८६ धुक घरतज्ञ মক্ষতার গটো পরমেশর ভগকান্ত বাঙাস করতেন। ক্র মহারকে, অন্যান্য বালকেরা স্থয়োপবাসী সমেয়ম महील नाम क्युएटन जाना जीएरत सुन्दर समदात्नेत सन्त প্ৰেম্পুৰত বিগলিত হত। বাবে কোনাল প্ৰদেশবৰৰ বাবং গৌদ্রাগেরর মেবী কর্তৃক লেবিড হয়, সেই প্রযোগর ভাগৰন এতাবেই তার অক্সমণ পভিন্ন যার তার অংগ্রকত ঐশ্ব গোপন করে পোপের পুত্রসক্ষরকালে লীলাবিদাস করছিলেন। যদিও জন্যানা প্রায়া অধিবাসীদের সাহচর্চে গ্লাম্বালকের মতো ববল তিনি আনৰ উপজোগ করছিগেন, ভবনও তিনি মতে মুধ্য মসাধারণ কার্য প্রদর্শন করতেন, বা একসাম ভারেনের প্রাক্তই সরব।"

"এঞ্চনিত জীৱান ও প্রীকৃতকা অভান্ত বনিষ্ঠ স্বা শ্লীদাসা, সেই সঙ্গে সুকা, জোককৃত্ৰ এবং অন্যান্য ক্ষেত্ৰক গোপদলকেরা প্রের সহকারে এই ক্ষাণেলি क्यारम्—(१ प्रश्नेपारश ताव) (६ ५% प्रकल्पती कृषाः খধান খেকে অনতিদূরে সারি সারি জল বৃক্ষে পূর্ণ একটি पूरं का सरवार्। तिरै कामराम ग्राइ (बार्क वासक ক্ষা পণ্ডিড হয় এবং ইতিবধ্যেই অনেক কল কুনিডে পণ্ডিত হয়ে আছে। কিন্তু সমক কলই সুরাধা খেসুক कर्जुंक स्वीकात सरका। ८५ आग, ८६ वृष्ट्या। (४नुक सामाज

শক্তিশালী অসুর এবং সে একটি পর্যান্তর রূপে থানো स्टब्स्। द्रा चातक महीत धाता औरएउट्टिंड, यांक द्राट মতোই একই জ্বোর-বিভিত্ত ও সক্তিলালী। (पनुकानुत सीतल प्रानुकऽनित्व क्रमण करताह असर (गाँउ 'ভীডেম্ব হয়। মে শক্তবন্ধ, পাথিবাও সেখানে উভাতে এই জাপারটি ভাগ খলে ছবে কর, ডা হলে সেই ভালবনে চল 🖺

শ্রীদের সত্তরদের কথা এগে খরে, কৃষ্ণ ও বাংগার शत्रात्म क्ष्मेर कीत्रात चानच अवस्थात है को करत. পোণবালৰ স্থাপুণ পরিবেটিই হয়ে ঠানা ভাল বলেব ইছেপ্টে মাশ্র করলেন। জীকারেম প্রথমে সেই ভালবনে প্রবেশ করলেন। ভারনের মধ্য ছাত্রীর মধ্যে বল নিয়ে নিজ বাধ্বাদ দিয়ে গাছতদিতে উল্লেখ্ড ভাল করে আশ क्रमध्यम् क्रुपालिक च्यारक स्वापालकः। क्रम्भ गटरम्य मध्य क्षत्र क्षा, (तरे वर्गस्त्राणी (स्तृतानुत कृतम । नृक्तान्त কম্পিত করে আক্রমশ্যে ক্রমা বাবিত হয়ে এল। সেই কার্ন অপুরটি ফুডবেলে জীকালেকে স্বাছে এলে তার গেছনের পারের পুর দিরে ভাষেনের বুকে আত্মত করন। তার পর কেনুর উচ্চারতে কাক্তিক মতের তর্তাব পাছ করে চতুলিকে ধানিক ছফিল। পুনৰতে জীবলয়ামের দিকে ধাণিত হারে, হে মান্সন্, সেই জেন্যোতক পর্যাভটি স্বগ্রহানের প্রতি লিক্তন মিক করে কাংস্থান করক। তার পর, রেলথে চিকেনে করে, অসুরটি উল্ল নিংক ভার পেছনের গা বৃটি নিজেগ করল। জীবলরাম কেনুকের পুরহার থবে, এক হাতে কাকে সংবংগ বুলিবে একটি ভাল পাছের ভূড়ার নিকোশ করকেন। সেই প্রচন্দ্র প্রনিবেসে ঋদুরটির মৃষ্টা হল। জীবলরাম ধেনুকাসুরের মৃত গ্রেছটিকে কমা সর্বোচ্চ ভাল গাছে নিজেল ভরগেন এবং খবৰ মৃত অনুরট প্রক্রে প্রথমে বিধে পড়ল, পাছটি কশ্পিত হতে শুকু করেল। সেই বিশাল আল খাখ্টি পাৰ্থবতী হাল নাহটিকে কম্পিড কয়তে কয়তে অসংবৰ তারে তেঙে গড়ল। পার্থবর্তী গাছটি অনা একটি গাছকে কম্পিত করে আখতে করল এবং সেটিও আর একটি পাছকে কম্পিড করণ। এভাবেই কলে অনেক গাঁহই কশ্পিত হয়ে ভন্ন হল। সংগ্রাক্ত ভাল গামের মাথার বর্ণভরালী অস্ত্রের দের নিকেপ থেহেত ব্রীবেলরামের জীলাবিলাস, ভাই সমস্ত পাছওলি কম্পিড হয়েছিল এবং পরস্পর্কে আঘাত করেছিল, কেন প্রবল বারপ্রকাহের ছাত্র চালিত হত্তেছিল।"

"ঠিয় পরীক্ষিৎ, সমগ্র ক্ষপতের নিয়ন্ত্র কারাম অনর পরমেশর জগবান, সেটি বিকেন্দ্র করে জার পক্ষে এই বৈদুক্তমূল বৰ তেমন একটা কিমনের না। ক্তরনিকট, একটি খেলা কালত বেফা ভার নিজের সুভার মধ্যে প্রভারেতভাবে বিধানান পাকে, ঠিক তেমনই সমগ্র জাগং উল্ল মধ্যেই নিবাৰ করে। তার পর ভেনুকাস্থরের হত্য কর্মন করে, তার ঘলিষ্ঠ করন অন্যান্য পর্যক্রমণী অসুখ্যে থাতান্ত ফ্রন্ড হুয়েছিল একং তাই ভারা সকলে মিলে কৃষ্ণ র্ভ করেমকে আক্রমণ করার ভার ভংকলাৎ বর্তিত হস। হে রজেন, অস্রেরা আক্রমণ করণো, কৃষ্ণ ও বলরাম चक्तीलाक्टर अस्का भन्न अरु सारमत निवास ना गृष्टि হৰে তাদেৰ সকলকে তাল গাছওলির মাধার সিক্ষেপ কহলেন। রাশি বাশি ফলের হারা এক তাল গাছওলির ভথ অতভাগে আবদ্ধ অসুরমের প্রাণহীন দেহওলির দ্বারা আজ্বাদিত পৃথিবী তথ্য সুশার ছয়ে উঠেছিল। বাসুবিবই, মেঘমালার সুপোরিত আকালের মতো পৃথিবী উজ্জ্ব হরেছিল। গৃই ভাইরের এই সুমধ্য কীর্তি প্রকা ৰতে, দেবতা ও অন্যান্য উল্লভ জীবসকল পুস্পাধৃতি, बाग्रभकी के सुन्ति निरक्षम भएएताः। त्य वहा राजुक या श्राहित प्रमुखना अपन ज्ञापन निपन त्यस्य पश्चि অনুত্ৰৰ কমুছে একং নিৰ্ভৱে জালা ভাল গাছওলিক ক্ষাসমূহ ভাকা কাছে। পাডীরাও একা সেবানে ঘাসের উপরে স্বাধীনভাবে চরতে পারে 🖰

"তার পর বার মহিমাসকল ক্রমণ ও কীর্তন করা। পরস্ব পূণ্যকর্ম, সেই কমললেকে প্রীকৃষ্ণ তার অঞ্জ মলরামের নামে সামে পুরু কিন্তে এলেন। সমার পাথে তার বিশক্ত অনুগামী লোপবাদকেরা তাঁব মহিমা কীঠন

করেছিলেন। গাভীবের প্রতিক্রিন্ত ধুলিরালিকে স্থানিত क्षेत्रहरूल (कम्पराव सञ्दरशृक्त क वर्गा शृङ्गत क्षात সুশোভিত জিল। বন্ধ। জার সাফারের। ঠার মাহিনা সাহন কর্মান্তবান, ভাগন ভাগনে তার বালি ব্যক্তিয়ে মনোহনভাগে मिक्रिक्ट करविहासन अवर महतासम्भारत मृत्राम করেছিকেন। গোপীয়া একসকে সকলেই তার সংস সাক্ষাৎ করতে চলে এগেছিলেন এবং জালের চোগওলি তাকে দৰ্শন করতে বিশেব আকৃত্য হয়ে উঠেছিব उक्तामनाभन श्रीहरू व्यवसम् नवहनद दावा स्थान नुकृरक्त मुक्क भूधमञ्जलत भधु भाग करत मध्य जिल्ला বিত্তহ্ঞনিত দুংখ পরিত্যার্থ করলেন। গোলীগাল ভগরনো প্রতি সম্পন্ধ হাস্য ও কিয়াণুক কলৈক নৃষ্টিগাত कटर हिरमान बाबर बीकृष्ण चीरमात रमाहे आहार्शन अञ्चर्यसारम् धर्म कर्म स्मारकं शरवन क्यारमहा भूजक्**रमा वा वर्**गाम ७ श क्रांश्नी फेरफ्व पुरे भूतात र्थाएडि हेक्स्मूलल **ड**रकृष्टे जनानि यनामस्टड निरक्त करविद्यालन। भाग च अर्थनानि द्वाता लाहे पृष्टे युव स्थापक প্ৰকাশ থেকে মুক্ত হয়েছিলেন। তার পর তারা মনোরম বস্তাৰি পৰিধান কচে দিবা বাল্য ও পঞ্জাদিতে ভূবিত হলেন। উদ্দেশ ইংরেনের প্রথম সুস্থাদু স্বার ভোঞানের পর আরও নানভাবে উপলালিও হয়ে, সেই দুই ভাই ভাষের মনোরম শালার শতন করে ব্রাক্ত সূত্র নিজ ক্রিছেছিলেন :"

्ट् तास्त्र, क्रहारवेट नदरम्बन एनवान श्रीकृक्ष क्यापाद देश मीलाविकाम करत कितन करमिस्तान। अक সময়ে, তার স্বধানের ধারা পরিবৃত হরে কলরাম ব্যতীত তিনি ৰম্বনৰ গেলেনঃ সেই সময়ে গাড়ী ও গোপকদকেরা প্রীক্তের প্রথব ভাগ থেকে তীম ক্লেশ অনুভাৰ করাইলেন। ভালার ধারা পীড়িত হয়ে, তারা হমুনার জল পুলে করেছিলেন। কিছু সেই আল বিবের चारा भनाविष्ट हिरा। तरहे विदास्त क्रम न्नाम करा यात्र. সমজ গাড়ী ও ফাগড়েয়া জগবাদের দৈব শক্তিম থায়া ভাষের ভেতনা হারালেন এবং প্রাণচীন হয়ে সেই জগের কিনারার প্রতিত হলেনঃ হে কুঞ্চরীয়, ডামের এই অবস্থার দর্শন করে, যিনি ছাঙা তাঁদের আর কেলও প্রত্ নেই, সেই যোগেশ্যগণেরও উপর প্রীকৃষ্ণ সেই সম্পন্ত ভাভদের প্রতি অনুকশ্দা অনুভব করেছিলেন। এভাবেই

क्राम्मार केराव्य भूनकीविक कर्याकरणम्। केरावद भून ্রতেন্স কিলে পেরে, পারী ও বালকের কল থেকে हुनिहरू प्राथम এবং অত্যন্ত নিজানের কলে একে অপাতের । উারা উন্তেখ নিজেকে শক্তিতে উঠে নীডিনেনেন। । ক্রিক স্থানাত লাগবেল। তে রাজন, বোপবালবেলা

তিনি তীয়াল প্ৰতি তীয় অনুসৰণ কুলান্তি বৰ্ণালয় ছাল্ল - ডৰম তিখেনাল ক্ৰেছিলাৰ ৰে, যদিও তীয়া বিষ পান करतीवरमञ्ज्ञ अवर अकृत्यनरक छोएला मुद्र) व्यवस्थित, কেক্সমান্ত গোলিকের কুলান্টির করা ক্রীবন ক্রিরে পেরে

> 卐 卐 幺

> > বোড়শ অধ্যায়

শ্রীকৃষ্ণের কালিয় দমন

শ্রীল ওক্ষরে গোরামী কালেন—"পর্যেশ্য ভাগান **शिक्क कारणा अर्ग कांग्रेज काता वक्**त नहीं मूक्ति स्टाउट লার করে, নদীর ওভিক্তরের কামবার কালিয়তে সেওন খেকে নিৰ্বাশিক করলেন।"

ব্যৱস প্রীক্ষিৎ বস্থান—"হে ব্যক্তর, প্রয়েশ্ব স্বাসকা কালির নাগতে বিভাগে ক্ষতল ব্যুনার কলের মধ্যে নিগৃহীত করেছিকেন, আর কিভাবেই যা কালিয় দেখানে কা কুখ গলে কনবাৰ করছিল, খন্ড করে তা ফানা করুন। হে ব্রাহ্মণ, প্রফেইর ভরবান কনত ও (प्रकानुकडी। कुलवान साम्यानक साम्यानक प्राप्त ইবর নীলা প্রথপে কেই আ তথ্য হতে পরে?"

द्यील क्लर्सन शाक्षाणी क्लर्सन—"कालिकी [सङ्गा] নদীর মধ্যে একটি ছবে ক্ষালির নাম ক্ষম কবত, কর বিষায়িতে তার জগ নিবছা উত্তর ছবে কৃটতে কালত। বস্তুত, এয় কলে উৎপত্ন বাস্প এও বিষক্ত ছিল যে, সেই পুৰিক ভূদের উপন্ন লিয়ে উড়ক পর্যবিনা সেবানে পকিও হড়) সেই মরোভাত দ্রুলের জলঞ্চণাবাহী বারু জীবে श्विष्टिक श्रेष्ठ । दक्कामाञ्च त्यारे विवास वासूचे करण्यत्यी তারগতী উদ্ভিদ ও প্রাণীসমূহের মৃত্যু হস্ত। কালিকবস ত্য়ে শ্বরতর গান্তিস্পায় বিধে কিন্তাৰে খমুবা নদীকে বেহেতু নিশেষত খল অসুকালকে ধঞা করার খাল্য চিশার মগৎ খেকে কৃষ্ণ অক্তরণ করেছিলেন, ভাই জনধান

অনিগতে একট সুউচ্চ কলৰ বুকের শীৰ্মে আহোত্য করে নিকেনে বৃদ্ধের কনা প্রস্তুত করলেন। তিনি তার ক্ষেত্ৰ বছনীকে বৃঢ় কমলেন, তাঁও বাহতে চাপ্ড মারলের এবং ভারণায় নেই বিবাক্ত জনো নিপতিত হলে। পরক্ষের রঙ্গান কর সেই সর্পন্তুদে নিগতিত হলেন, সেবানভার স্পেরা অভার উর্বেজিত হয়ে সভোৱে নিৰোমে নিৰো গুৱা কথালে, প্ৰবল বিৰো ভা আয়ত দ্বিত হয়ে উঠল। গ্রুনে স্থপথ্যনের প্রবেশ-বেপে অ চতুৰিকে স্থীত হতে উঠেছিল এবং বিবাস, ভয়ৰর তর্জনান চারদিকের শতকর পরিনিত ভূমি প্লাবিত বর্তেছিল। অনন্ত শক্তিগর পরফেশ্বর ভগবানের পক্ষে তা হোটেই বিশ্বরতর নয়। তার বাকাওকে পুরিয়ে এবং আশ্রণ বানাভাবে জলে শব্দ করে কৃষ্ণ রাজকীর ক্রীর মধ্যে কালির গ্রহে জীয়া ডাল করলেন। কলির লেই শব্দ মধ্যৰ কল্পে কৃততে পাধান তেওঁ তাৰ স্থান আনহিকার अरमन करवरका नाम का ग्रहा कतरक मा भारत करकनार ত্রণিয়ে ক্সা

"নীত্তসম প্রিন্থিত, মনেছের, জনদভুক্ত উচ্ছদাকারি প্রাকরণীর বেছ সময়িপ্ত ক্ষেত্র শ্রীবংস চিহ্নিত, সহাস 🛳 কমল-ভুলা সুকোমল চন্দ্ৰবিশিষ্ট শ্ৰীকৃষ্ণকে কালিয় পুৰিত করেছিল শ্রীকৃষ্ণ আ অবলেরকন করেছিলেন। নির্ভবে জনের মধ্যে জীয়ে করতে দেবলেন। জান এই অপূর্ব সুক্তর ভাগ সংস্থাত, কালির তার হালতে প্রচারে মন্দের করল এবং ভংকশাৎ তরে কুওলীর মধ্যে কৃষ্ণক

সম্পর্নতর্থ বেউন করল। ক্রমের হিয়ে স্থা গোলগর দ্রীক্ষাকে কালির সর্পের কণ্ডলীতে থেক্টিড অফ্ট নিল্লেট মৰ্লন কৰে অভৱে পাঁড়িত ছয়েছিলেন। জানা প্ৰীক্ষক ইংলের আতা, হাঁলের পরিষয়ে, জানের আর্ব, প্রীচাণ ও भक्त स्वयम्—अवदे वर्णन कहादित्यमः। छादे छल्तान्तक কালির মনের্বি কবলে বেরিড জেবে তারা দংগ লোক ও ভার বায়ে বাতবৃদ্ধি হয়ে ভাতকে পতিত হলেন। বাভী, খুৰ ও খ্ৰী গোৰংসগণ অভ্যন্ত দুঃখিত ইয়ে কুখেল জন্য দ্রাক্তা করতে সাগল। তার উপর ছির পৃষ্টিতে ভাকিতে, ক্ষীত হরে তারা রোধনপরার্থের মতে। দাঁভিরে আকল। সেই সময় কথাবনে আসর বিশ্বস্থে স্কুনা করে ক্ষি আকাৰ ও জীব-স্থীতে ত্ৰিবিৰ অম্বলক্ষক লক্ষৰ প্রকালিত চারেছিল। সেই সর অভন্ত লক্ষ্য ফর্মনে, নগ यहाताल । कताला ध्यानवन कीक इटाहिटलर, कलन তারা জানতে পেরেভিনের থে, বলরামকে সঙ্গে বা নিতেই কমা গোচারণে গমন করেছে। বেহেত উল্ল ছিলেন কুজাণ্ড-প্রাণ, কুজালত-ভিন্ন, ভাই উন্ন পরাম শক্তি 🕇 ঐবর্থ বিবয়ে জানা অনাত ছিলেন না। করে অভড দাক্ষণসাম্ভ জার নিবনস্কৃত হতে করে তীয়া দঃখ, শোক ও ভারে আছের প্রয়েছিলেন। আনহার বংলের জন্য একটি খাভীর কেনা ব্যবহার তেমনই ক্ষেত্র প্রতি বাংসকা ভাববিশিক্ট লিও, বন্ধ ও বনিতা সকল অভিকৰ্মট টোকে বুলে পাওয়াৰ উলোপো বীনভাবে প্ৰাম হতে নিৰ্গত ছালেন।"

াসমন্ত অভীপ্রিয় জানের অধীনার স্থানকার করেন धीक चन्द्रकृत ध्रष्टाव चवन्त्र हिर्मिन वरम. ক্ষালেলাসীনশের একাল কাত্রতা দর্শন করে ইবং হাসলেন, বিশ্ব কিছু কালেন না। প্রথেবং উমবানের ক্ষুত্রবৃত্ত প্রাটিভিত পথ অনুসর্গ করে তাঁদের প্রিরতম ক্ষেত্র অন্তেমণে অধিবাসীখণ অতি এ/ত বনুনার তীরে প্ৰমন কয়লেন। সমস্ত্ৰ গোপ-সম্ভন্যনের অধীপন শ্রীকৃষ্ণের পদতির পরা, বব, আহুশ, গান্ত ও কের চিহ্নিত ছিল। হে প্রিয় ব্যক্তন লর্থাকিৎ, পথে গাডীবের করের চিক্লের মধ্যে তার পদটিফ দেশতে পেরে, কুলাবনের অভিযোগীলৰ অভি ১-ত গমন করতে লাগলেন। মধুনা মনীত তীরের পরে এক বেতে বেতে বৃদ্ধবনের অধিবাসীগৰ হয় থেকে হতের হতে সর্বশরীর বেচিত

रिटन्डिक कृष्णक करका करने अंतर केन्स्नारिक जिल्हाने আচন্তন গোপকাৰ আৰু চ্ছনিকৈ ক্ৰান্তন্ত প্ৰধানক स्मरण व्यवस्था नेतिस्य ० वृद्यामान इरमान। कृत्यानुस्कृतिस গোপীয়ৰ যথন ভগবাস অনপ্ৰদেবকৈ স্পান্ত দৰ্খন করবেন, ভারা তার প্রেমমতী সব্যতা, ভার ইলোক चनामानम जन्द डाल्म अल्य डाइ कंकालान प्रतर করতে করতে অভ্যন্ত দুৰ্বে পীড়িত হয়ে সমগ্র প্রধারকে শুনারহের কর্মন কর্মনা। ব্যক্তি জোষ্টা গোর্গীপুর ১৯৮ জনসীর সমগুঃখিতা ছিলেন এবং পোকাল, ভাল করছিলেন, তবুও পুরের প্রতি পূর্ণ চেডনারগ্র কুছা-क्षतमीरक खेला जराम वरत क्षर्यक्राचन। अस्टरक मॅल्लिक, छीता भूरचन मिरक मृष्टि निकड स्तर्फ, बडे अवस গোপীরা রভোকে প্রথমর প্রিরচমের জীলাসমূহ স্থান করতে লাগ্যেন।"

"ভারপর কর্নবাই দেবলেন বে. নম্ব মহাবাল এক অন্যান্ত কুমানত-প্ৰাণ প্লোলগান সেই সৰ্ল-ছমে প্ৰৱেশ উদাত। প্রথমন্ত ভগবদ মূলে ঐকার্য সাঁকারন প্রকৃত শক্তি পূর্ণকাপে আন্ত ছিলেন, আর ভাই ভিনি क्षेत्रमञ् निकारिक कहाताम । अदक्कम मानारण प्रान्तरस्य খাবহার অনুকরণে জগবান মাত্র কিছু সময় সেই সর্গ-কুওলীর মধ্যে ছিলেন। কিন্তু কান তিনি কুমতে পারেলা ধ্যে, উমা হতি প্রেয়খনত তার প্রায় লোক্সের স্থা, দিও ব অন্যান অধিবলীগণ অতীয় দুহক্ষে মধ্যে আছে, এবং ডিনিট ভাবের জীবনের উদ্দেশ্য ও একজন আন্তর্যকলন ভাই তখন ভিনি ভংখণাৎ কালিয় নাগের বন্ধন খেতে উবিত হলেন। ভগবানের বর্ধিত শর্বার ধারা ভার সেং পীন্তিত হলে, কালিছ ঠাকে পরিত্যার কলে। অভার ক্রার্থ হয়ের সেট সর্বা উপন ভার কথা উর্বাভ করে জ্যোত্ত মোরে খান নিজিল। তার শুই নাসারছ বিব গালের জন্ম দুটি গালোর মতে। মনে ইনিংক একং তার মুক্তে হির চক্ষ দৃট্ট ছিল আলারস্থপ। এতাথেই সেই সর্প ভগবানকে দেখছিল। করবার তার বিশতিত আহা ভার ওঠ লেহনকারী কালির ভারতার বিবানসকৃত ছিন-নৃষ্টিও ক্ষত্ৰ কেবছিল। তিন্তু কৃষ্ণ ঠিক বেতাৰে গলত একটি সর্পের সংখ খেলা করে, শেতাবেই জ্রীড়াছলে ভার हरू विरक्त साथ क्यहितात। शक्षाकरत, कालियत ভগবানকে ধংশন কর্ম সুযোগের অপেকার ব্যাপ क्षप्रदेशांस विस्तर्गास्य कान अस विवृत्त वाकिकाल श्रीकृष्ट আনিবার উল্লভ অক্ষেক অনুনত করে ভাল নুধং মন্তব্যন্ত क्ष्मात व्यक्तिम् कशासन्। आकार्यम् भूमक् विश्वकतान আনিওর ক্ষাক্তন শ্রীকৃষ্ণ নৃত্য করতে তর করলেন এংং प्रदर्शत निरंतानंति कामरण्य तरहात न्यमूर्ण केल स्त्रप-कमन एक निरंतरका का करनाहे आया स्टार्ट्स कालन, चन র্মান্ত হরে উচল। স্তান্তানকে নৃত্যানত সেখে—সকর্ নিছ, মুল, চাতৰ ও দেনতী--ভাৰ সংগ্ৰি কৃত্যগৰ ত্তকার সেবানে উপস্থিত হলেন। বহানকে উরা ভাষাদের মৃত্যের তালে মৃদক্ষ, লগব, জনেক প্রভৃতি বাদ্য বাজাতে ওক্ত করকেন। 'ভারা সসীত, পুন্দ, উপস্থা এবং কৰ নিৰ্বেদনত কৰেছিলেন।"

क्षित्र अपन प्रमुद्दमस दुष्टान अपन्ति प्रमुद्दम श्रीकृत न्यू. তথ্য খালত বিশাতা স্থীকৃষ্ণ তার চরগের আয়ত বার াই টেখত মন্তককৈ পূলিত কর্মাছলেন। ভারণের কর্মনার বেমার তার মৃত্যুক্তাগার হাকে করকা, সে তথা তার মন্তকণ্ডলি ছতুৰ্দিকে খোৱাতে লাগল এবং মূৰ ও নাসাংখ্য নিয়ে ভারানক ৯৩ বছৰ করতে করতে তীত্র বল্লো ও পূর্যপাত গড়কা। কালির জেলানে উপ্তত হয়ে। দীৰ্ঘণাস সেলে, চোৰ দিয়ে বিৰ উদ্গীৱণ কৰছিল। ভগবাস ভাষা ভার লেশ্যেলার মাধ্যম বৃদ্ধ। করে, প্রাথাতে জন্মত করে কর্ম কর্মান্তালন। সেবতালা এই শোর্হ প্রদর্শনে জামপুরুষ ভাষতানকে পুলার্বেশের হারা খালাখন করার সুযোগ হাত্র করেছিলেন। তে প্রিয ব্যক্তন্ পর্টার্কিং, শ্রীকৃষ্ণের অন্তত ভাতর নৃত্যে কাশিনের महत्व कनात जकराई विराध छ हुने इरदाहित। छचन रज़रे দর্শ মূখ দিয়ে প্রচুত্ত রক্তা করতে করতে কাংলেতে श्चिक्षणांक निका भूकरवास्त्र स्थलाम, स्वास्त्र विक জীলভাবে জাগে অবগত হয়ে মনে মনে তার প্রথমেত হয়েছিল: কালিবের পার্টাগণ ফলে সেখল উদরে সংগ্র বন্ধাও ধারণভারী শ্রীকৃষ্ণের অভিভারে কিভাবে সে অধ্যা হতে প্রেটে এবং কুরের পাল-প্রচার আর ছনের দ্যা ক্লাডলি চূর্ণ হয়েছে, ছক্ষা তারা অভান্ত ক্র্যিড হয়ে স্থানিক বসন, ভূষণ, কেশবছন সহ আমিপুৰুষ ক্ষমানের কংগু উপস্থিত হল। সেই সকল উবিগচিতা সংখ্যী ব্যানীরা ভাষের শিভাগের সামনে রোপ পূচলে

ক্রান্তিন। শ্রুম ক্রান্তন্তে পশিব্যালয় বাবা সপের শাহিত্য সংখ্যা প্রণত হয়ে ভুক্ত-শতিকে প্রণাম নিবেলন ক্ষরণ। কংগের পাপী স্থানীর মুক্তি এবং পরুম আক্রমোতা পর্যেশ্বর ভগবানের আবার স্বান্ধার কিনীওভাবে হাত জোঙ করে উরু নিকটে তারা গমন করেছিল 🖺

কলিয়ের পদ্ধীনৰ কলক—"এই কুজেনবার্টাকে কে ও নিয়ে অভিনয়ে সমসের মন্ জাপনি এই পৃথিবীতে श्चनंद्रत्य करवरम्म। जान्त्री अठाँ, विकासभ (व. यथन জীবকে ভার পর্য প্রবাসের জন্য প্রভাবন করেন, তথ্ন শক্ত ও পুরোর প্রতি সমসৃষ্টি প্রধান করেন। কেন্তের আগনার প্রদান কণ্ড বিশ্বিতভাবে খাসৰ জনের পাণ নাল করে, তাই আসলে জাগনি এখানে অন্নাদের কুপাই "হে সাধান, কালিবের এক শত একটি প্রধান সক্ষত করেছেন। বাস্তবিতই, এই তথ্য স্ক্রীন জানাদের সামী একই পানী বে, কর কলে সে এই সর্গতের মধ্যে হয়েছে এবং ভার শ্রতি আপনম ক্রোধ স্পাইতই আপনার ক্লাবাৰে ক্ষতকৰ ক্ষতে ছবে। আনামেৰ বামী পূৰ্বকাৰে নিজে আন মহিল ছাত্ৰ এবং অপ্যক্তে সন্মান প্রদান করে করু সম্কারে কেনিও ভগস্যা করেছেন কিং होरे क्याई कि जानदि सह शकि गर्रावेश संपन्न गूर्वकरण সংগ্রীয়ের প্রতি অনুকব্দা সংক্রমে কোনও ধরীর কর্তনা প্ৰদান কৰেছিল কি, আৱ ভাই কি স্মৰ্কেট্টকে জীৱনকলপ খাপনি খান প্রতি এখা সভট ৷ সে প্রত্, আমরা স্থানি ना क्षेत्र कार शांशास्त्री कार असना कामना वर्तस्थान कार ত্রভাগরাহার হরে শত শত বংলর ভাগনা করেছিলেন, আপনায় সেই পাদপজবেশু ধাবা স্পর্ণ লাক করার হোপাতা কলিয়ে নালের ক্রিডাবে অর্ডিড হল। খারা আপনার প্রদেশভূর্তি প্রাপ্ত চ্বেছেন, উরো কর্মনও বর্গনোক, সার্বভৌগর, চক্ষণ্য ও পৃথিবীর আনিপড়া আকাৰণ কৰেন নাঃ জাৱা এমন কি মোগসিঙি বা (आंकर वाङ्का करतन नो। (स् शहा, और मांतताक कालित ম্পিও তেখেওগৈ স্বাধ্যাহণ করেছে এক লেখেন স্থানা নিবন্ধিত, তথুও অন্যদের পক্তে যা লাভ করা কঠিন সে গুটু হাড করেছে। কেন্সমার জ্বাপনার পালবহর্ত্ত সভে कता मार्थ्य वर्ष-मृद्धात हत्या कार्याटेस अवर वामगाह পরিপূর্ণ মেহানট্রী জীকান্দের চক্ষুর সন্মান স্থানৰ স্থানৰ প্রকাশিক হয় ৷ অনুর্বামীকালে সমস্ত জীবের ক্ষায়ে বিবাজস্থা, সর্ববাগক পরখেশা কৃষ্যান অপ্নাতে আম্ব আমানের প্রদান নিবেদন করি। আকালানি সর্বভূতের হৃত্ত জবুও আপনিষ্ট জড়া প্রকৃতির কুবা প্রকৃতিক জ্ঞাপনি বান্তনিবই, জাপনি মান্ত কণাতের মূল ক্রাণা কলেব্যুলা, কলশ্ভিত আগ্রয় এবং শর্তকালের সংকী থাপনাকে প্রণাম নিবেদন করি। আপনি বিভাগন এবং। সিন্ত হথার আপনার কোন হেছু নেই, গুৰুও এই তিমভাবে বিষয়ন্তীও। আগনি লক্ষ্য এবং নিখিল কারণসক্ষাপ। সমার মহাপ্রায়, ভারের, ইন্তির, প্রাথকারু, অভানারা নিডা কার্পান্তির অধ্যান আপুনি কর্ম করে। মন, বৃদ্ধি ও চেত্ৰকা প্ৰথায়া-মন্ত্ৰণ আপনাকে প্ৰণাম সৃষ্টিয় পূৰ্বে সৃষ্ট থাকা প্ৰকৃতিৰ প্ৰতিটি গুলুসমূহৰ নিকেন করি। আপনারই আলোকনে জন্ম প্রকৃতির বৈশিষ্ট্যনুসক ক্রিয়াকনাপকে জালার করে আপনি 🚵 বিশুলো প্রভাবে বিশ্বর পরিচেতির আল সৃন্ধাহিস্তু কর্মে করেন। কেবলভার আপনার উক্সংখ বারা विकार व्यापानम्हारू अन्य कार्यन्य व्याप्ति वालानिय औरमाराम और प्राप्त वाल-विकारम् सार्यकाल कार्यक स्ट्री शहरू। व्यानाने समाह शहरूका, मृत्यु, नर्गतः, इतिहा, निर्देशस्य, जन्माननं बाढ व्यवस्था। मृतवार विस्त्रकाती मानविक विकास सक्तानविक वर्गत्वत कार्याकाकाती असः। अवना बाद्ध (मध्यकि—मध्यक्षण वार्थ कार्य कार्य कार्य লাম ও মারের প্রকাশ মন্তির মুলারেরণ পর্য়র পুরুষোন্তম । বারা অমান্ত এবং উম্মেন্ডবে মরা মৃত—সরই স্থাননারত স্কান্তান স্থাপন্তকে আমানের প্রধান নিকেন করি। বিনি সৃষ্টি। তবুও, যানের কেই সঞ্চলে অধিষ্ঠিত, মেই সম্বন্ধ সকল নির্ভাবনাত প্রয়ালে মুলকাল, বিনি বিবাশস্থানির স্থানের আলমার বিশেষ প্রিয় এবং ছাঁলের প্রতিশালন উৎস ও প্রচবিত্তন সকলে এবং বিনি ইন্দ্রিয়গ্রবৃদ্ধি ৰ ত তানের ধর্মীয় নীতিসমূহের রুপার সলাই আগনি একং জোগনিবৃত্তিমঞ্জক উভার বৈশিক লাজের মাধ্যমেই পৃথিবীতে উপস্থিত হাছেছে। পুরু বা প্রঞান হালা কর ষ্ট্ৰপ্ৰেলিভ, উঠিক আময়া জানবার প্ৰদৰ্শনৈ নিৰেলন কৰি। অপন্যাম পাইকের অন্ততপ্ৰকে প্ৰথমায় কৰা উচিত। আমগা বসুবেধের পুর জীকুল ও জীরারের হাতি এবং হে পাক্ষেত্র, ভাই আমানের হয় সামীকৈ আখনার স্বান্ত 🏝 প্রদাস 🐞 স্বীক্ষনিকছের প্রতি আমানের প্রশাস নিবেশন। করা উচিত, করেণ সে মানত না আগেনি 🕬। 🚓 कवि , मनना निक्रकरकाव अवव अकृष्ट जामता महाक क्रांमते, नहां करत कृष्ट अर्मात करना । आयार्ग्य परश প্রণতি নিবেনন করি। বিভিন্ন কড় ও চিত্রর ওপাবামীর । ত্রীসংগর জন্য অনুকলনা অনুকল করা সাধুবাশের প্রক প্রকালকারী জগনানকে আমর প্রশাম নিকেন করি। জড় উপদেও। এই নাগ তার প্রাণ ভ্যাস করতে চল্লেছে। কর তবুও সেই একই মৃত্যু ওপাকনীয় ক্রিক্তকল্যণ শেষ পর্বত্ত - কিন্তিমে দিন। একা খলেনয়ে নানীস্থালন আন্নাচনৰ পরা ভাপনার অন্তিত প্রকাশ হয়ে। আপনি প্রদানী এবং করে বলুন আমানের কি কর্তন্য। বিভারতারে তিন আপনার ভাতদের বাসাই ফেবল আপনাকে অবলাঠ আপনার আজা পালন করেন, ডিনি অবলাই আপনা হাওলা খ্যাল।

"হে অভিয়া মহি*সাম*র লীলা সম্বিত ভগবান হাৰীকেশ, আপ্ৰাণ্ডে আহামের প্রশাস নিজেন কবি , নাগপত্নীদের প্রান্ত করে, পরক্ষেত্র ভরনার উটে সমগ্র ব্রক্তাৎতর সৃষ্টি ও প্রকাশের হেভারন্ত্রণ আপনার পাদপদ্ধের আঘাতে চুর্বভরণ ও বৃদ্ধির কালিকনামার্ক অভিত অন্তিত হয়। কিন্তু আলনার ভারতা আলনারে । পরিআগ করলের। কালির হাঁতে বাঁতে ইন্সিলের রিটা

এব্যাক্ট থকাত ইবেক, অভয়গণের প্রতি বাসকি 🙉 অনুস্তম করের সম্ভেক্ত আপনি সুমির পূর্বে কর্তমান ছিলেন। জ নির্বিকার আধানাম হয়ে আক্রেন উৎকৃষ্ট ক নিক্র আৰু যদিও আন্ত্ৰী সাং বিশ্বৰ কালে, ভবুও প্রমান্ত্রেরণে । সকল বস্তুর গতনাত্বন সম্পর্কে আনহাত এবং কেই সকল আপনি সমস্ত জড় কার্য ও কার্ডের অতীত। আপনি। করুর ওয়াবধারক নিবস্তুকারী আপনাকৈ আমার্চন ক্রম আন-বিষয়ে নিবিষয়াণ এবং আন্তা শক্তিযুক্ত লয়মন্তৰ, নিবেছন কৰি। যালনি এই কিং থেকে সভঙ্ক হতেও আৰুনাকে প্ৰশাস কৰি। যদিও আৰুনি নিওঁৰ, নিৰ্বিকাৰ, এই আছিক জগৎ সৃষ্টিৰ ভিত্তি ও তাওু সাঞ্চীক্ষাক্ত।

"হে পর্বশক্তিমান কণবান, যদিও কড কর্মেকগালে विवडाकारका मुक्ति, विकि के अनारात जारतकरूप जिल्ला তপাবলীয় মধ্যে আগমি নিজেকে আফানিত করেন এবং - করে আমানের জীবন ও আছাবরুল আমানের পতিতে (भरक्रे जनक का इत्छ क्**स** ला/"

क्षेत्र क्षाप्ताकी वन्त्रस्य-"अलादनरे

লাক্ষরভাগে খাল প্রাথ করতে করতে সেই দীন লগ । এই খালা করে করে, খালে কথাই ভোলাই ভারে জীত নত্তিবাৰ ভগতান জিউবোৰ উলোপ্যে কৰ্ডেয়ার। হলে মা। কেই মদি সামার এই ঐত্যালীয়ত বান করে। রেশতার কাল-সর্গরুপে আনালের কর্মে আন্তর্গন এবং এই প্রক্রে জন্তর করে কেবল ও জনালা পৃত্তনীয় কা, ভার্মানক প্রকৃতি ও ক্রোপৌল করেছে। যে ফাঁডমের ভর্গন করে বগরা উপসাসনভকরে আনার suppl. যে আসং অভ্যানের বালা মানুর পরিচিত হয়, সাত্রণ ও পুলা করে, সে মিনিচভয়ারে মর্বলাপ হতে মুক্ত ্রাই পরিভাবেক প্রভাগ ভাগে করা যার পঞ্চে মাউরে। গুরুতের ভবে ব্যাপক বীল তালে করে তুনি এই রুমটো ছে পরম বাইর, আপনিই জড় ওগনবৃত্তে হুলে আছে প্রকাশক্তিক। কিছু যেতের চুয়ি এখন ক্ষেত্ৰনৰ আয়োজনে এই ক্ষাৎ লৃষ্টি করেছেন এল জ্ঞান্তাৰ পদন্তিকে চিহ্নিড, ডাই গঞ্জ ছাৰ কখনও জনতে বিয়ে আশনিই বিভিন্ন কানের অভিন্য ও কেনি र्तिक श्रम्पत देखितकार क गावैतिक गाँक, विकास a शिक्षा क्षणान् कर्तवरात्म । (त् शत्राह्मभूम कश्वतम, প্রশাস কর্মবাট্ট সর্বান কৃষ্ণ। একারেই গুলার আগসা প্ৰাক্তি পতি জনা মেহিত পাৰত বিভাগে নিজেইই আ ভ্যাপ ফরতে পারিং (ম ভাগবান, থেচেত জাপনি সর্বক ভাৰটাৰত, তেই আগনিই হালা খেকে মৃত্তিৰ চকুত जिल्लामा करहर, काभारतक क्रमा का दिशाम करूक ("

शिक करूपाय शायाओं कालम—"कानियाय ক্ষাপত্ত আক্ষাৰ পদ মনুষ্ধানৰ দীলা বিলাসকাৰী প্রয়োগ্র ক্রাবান উন্তর ক্রাকেন—হে নাগ, ভূতি আয় হয়কে এখানে খেকো না। এখনই ছোমন সভান, খী, অন্যান অন্ত্ৰীয়স্কান ও বন্ধবাৰত আদি অনুচাৰ্যগ্ৰের নিত্তে সমূত্রে কিরে যাও। এই নদী গাড়ী ব মনুবালের উপতেন্তে হেকে । বৃদ্দকো আগ করে সমূতে বীওয়ার জন্ম কোনাৰ প্ৰতি আমান আদেশটি মানুৰ যদি মানংকোৰ

র ইস্টোলারি প্রাচার ইল। তারণর জেনে কেনে সচকারে পরশ করে এবং স্থান্তর ও স্থান্তের সময় তোমাকে ভুক্তর করার চেয়া করার নার্

ব্ৰীল শুক্তাৰ প্ৰেৰণামী বলে চলকো—'হে প্ৰিয় ংবনের অনুস্তিকতা ও রাল সর্বাহত বহু একংখন মাতা। বাজন, হাঁর কার্যাকনী আহুত, সেই পর্যোশ্বর ভগবান জীবৃথ্য ভর্মক মুক্ত হয়ে, কালির ভাল পাইবিদ্য সাম অনুসাম মাড় সৃষ্টির অন্তর্মন সমরে প্রজাতির মধ্যে আরম্ভ । অবার আনাম্ভ । একা সহকারে তীর পুঞা করেছিল। चैरकृष्टे नहा, भरेत्राव, शहराति था कनाना रवन्त्रा অগরার, দিবা পার, অনুদোপনা ও একটি সুস্বর পল্ল কুলের মূল্য সমূহেন্ত্রে কালিয় কগতের নাথকৈ পূকা ক্রেছিল। প্রভারেই শক্তভারের জনবানকে প্রসায় করে কালে। সাম করে অনুভাং অখন নিভাং হা আগনি সঠিক। কালিয় সংক্রম অনুভাং করেছিল। স্থান ভাগেয়ে জন্য স্থানায়ের অনুযতি করে করায় বর কার্নির ইয়ক প্রথমিশ করে প্রশাস নিকোন করেছিল। ভারতত তার স্থাী, বছবর্গ ও পুরুগর্পকে নিত্রে সে সমূলের মধ্যবাতী হল বীলে প্রান করন। জানিক কে মুহুতে পরিতাকে করণ, ইযুনা ভংকৰং বিষয়ক অৱত্যকা মধ্যে ঠান পূৰ্বপাস দিও (अर्जन) अनुशत्का तस्त्र वासम् कर्त्व केला कीला উল্ডোগভারী লয়ৰ পুক্ষান্তৰ ভালনাচনাই কুলার বালাই छ। मरपण्डि इस्परित (⁸



সপ্তদশ অধ্যায়

কালিয়ের ইতিহাস

(প্রীকৃষ্ণ কিন্তাবে কলিছ ধ্যান করেছিলেন তা কাব্ খবে.) মহারাম্ভ পরীকিং কিজানা কথপোল--"কানির তেন নাগালয় কমণক শ্রীপ পরিতাগে করেছিল এবং পঞ্ছই যা কেন ভাৰ প্ৰতি এত শক্ষ ভাষাবাৰ इरासिस्मा १"।

क्षिण एक भिर्म (शाकारी) वन्यतार—"शक्राउत पानः ভক্ষৰ থেকে নিয়তিক জন্য সূৰ্বাহৰ বুবেই উল্লেখনে একটি বলোবর কর্মেকৈ বে, ভারা প্রভাকে মাসে ক্রমে এক বৃদ্ধপুরে উপহার নিকোন কররে। সেই অনুযারী হতেকে বালে নিৰ্মিষ্ট দিলে, হে মহাভুঞ্জ ব্যৱহা পৰীক্ষিত্ প্রতিটি সর্গ আত্তরকার বিনিম্বরে সেই শক্তিশালী। বিষ্ণাহন প্ৰচাৰে উদ্দেশে কথাসংক্তে ভার উলহার প্ৰদান কৰ্মতঃ বনিও আনা সকল সৰ্গ কৰ্মতাব্যাধে গরুতকে টেবলৈ নিকোন করছিল, কিছ-পরুও তা দাবি কবাৰ আনেই এনটি সৰ্গ—কঞ্চলুৱ উদ্বত কালিৰ সমস্ত টেকেল ভঞ্চা করে কেনত। এভাবেই দল্পান বীবিক্স বাহন শক্তাৰে কাশিয় প্ৰত্যক্ষতকে অগ্ৰাপ্ত কৰেছিল। গুৰুদেৰ গোলাটী কাণ্ডে লাগ্লেম—) দিবু মালা, প্ৰ হে মাজন, এই কথা শ্রমণ করে, পর্যোধর ভাগবানের धालाखा क्षित्र वहा विक्रमत धाला इन्स हात केंद्राचन। अनर परवर्तवाना मुर्गानिक हात कृषा द्वाना निष्टा रहेक কালিবকে বংখর কামনা করে, মহাবেশে তিনি সেই সংগ্র দিকে বানিত হলেন। মেই মার গরুও ফতবেগে ভান উপর পতিত হল, ডখনই বিবের অপ্রদর্মী কালির প্রতি-আৰু মধ্যে কৰু তার ভাগতে মন্তক উভিত তরগ। তার ভবরন ভিত্তাতনি প্রদর্শন করে এবং তার উপ্র চততলি নিহার করে, কাশির উৎক্ষণাৎ তম বিবর্গাতরুল অন্তের ছাল্ল প্ৰকৃতকে মংখন কথাতে লগেল। কলিয়ের আক্রমণ प्रांटक्ट कराव क्रमा अन्य सर्कानुक शहरुरवात गाविस হলেন। ভলবান মধুসুদলের সেই জীবন পভিস্পালী বছর স্বৰ্গত বজে উদ্ধাল তার বাম জনার হারা বজ-নুমার্কে বাজেকে স্বাধিকর করে হাসলের। সভীর স্নেহবলঞ আখাত করেলে।। পর্যন্তের পালায়াতে জালির অভ্যান্ত। কার্মের করুকে লোলে ভালে নিয়ে জ্বনের ভাল নিকে বিহুল ছয়ে বসুনা নদীর সংলগ্ন একটি ছাই আহম গ্রহণ নিরীক্ষা করছিলেন। গ্রাচী, বৃদ্ধ ও স্থী কংসবাও পর্যয

নৰত, সেই নিকে অগ্ৰসৰ হতেও সে পাৰত না

"একবার সেই প্রসে গঞ্জে তাঁর স্বাভাবিক পানা মধ্যা কুক্তব্যে আঞ্চালনা উরেছিলেন। সেবালে জলেব অভ্যক্তরে ধালছ সৌভরি মুদি দাবা নিক্তি গুডার সংখ্য সাহস করে বঞ্চত্ত কুবার্ত হয়ে কল্প্ড সংসাটি হয়ৰ করেছিলেন। ভারের নেতার মৃত্যুতে সেই স্থানর ক্**ত**ভাগ হংসার্থ কি রক্তম দুর্গবিত ইর্মেছিল তা কর্মে করে, ক্লাপরকা হয়ে সেই হুনের আঁহবাসীয়ের ক্লাণের ক্লা আচরণ কচছের এই মনোভাব নিছে, সৌভার নিয়েক্ত कविलान केंद्राजन कारमंत्र। शक्क पनि बाह्र कवन्द्र এই হ্রমে প্রকেশ করে এখানে কংস্য ভক্তা করে, সে তংকণাৎ তার প্রাণ হারাবে। এই জানি সভাই কাছি। সংক্ৰা সংৰ্পত্ৰ মধ্যে কেবলমাত্ৰ কালিয় এই ঘটনা স্থানত व्यवर प्रकरकृत करूक दन्हें सकृत्य हुए। चात निवाध मिरान এপেরিল। গরে জীকৃষ্ণ ভাকে বিভায়িও করেন।"

িক্ষের কালিছ দমনের বর্ণন্য পুনবার আরম্ভ করে ও বন্ধ ধারণ করে, জনেক সুনার রাতের রারা আর্চ্চারিত নির্মাধ হলেন। জোপারণ করন উত্তক কেবলেন, তারন व्यक्तका व्यक्ति देखिक्छनि ध्यक्त कीका किला नाग्, ठिक ব্যেমভাবেই জালা সকলে ভংকণাৎ উঠে ইড়ালেন মহানৰে পূৰ্ণ হয়ে উল্লে উল্লে শ্ৰীতিপূৰ্ণভাৱে আলিখন कराज्य। चेरास्य शाननाकिएक न्यताव शास रात्र, वटनाला, द्याहिपी, बच ७ खन्यांना अवन ह्यानवजरी ७ (भारभदा क्रकार कारक (भारभन) हा (केन्निय, बाहन कि তত্ত সুক্ষরতীও শ্রীকা কিয়ে পেরেছিল। কুছের শতিন ্রপ্তাৰ ভাষভাবে ভাষগত হয়ে, জীবলবাম করে অনুসঙ করণ। পঞ্জ সেই প্রয়ে প্রথম করতে পানত লং। আন্দর্গ পান্ত করেছিল। পত্রীগণ নত্র স্কল কর্মের क्षाएं उत्पन व्यक्तिकार

বারি অভিবাহিত কর্মান। ক্রাইডে যথন সকল করবেন।" কুল্যেনবাদী পুনিয়ে দিল, তথন জীয়কালী। তথ হল

_{প্রকাশেকা নাম} মহারাজাক অভিনাদান কলেকে উলে কাছে। স্পাননা স্থান উইল। কেই আন্তন ইচালনিক্তে সমুক্তিক क्षित्र वर्तामा क्षेत्र कार्य कारणा, 'इटावास श्रव अस्तिवरिष्ठ करत कारणा वर्ष कराइ एक करणा ক্ষান্ত কালিও হতেছিল, কিন্তু প্ৰশাসনত সে একন স্কুল্ডনেন্সীগণ কালে উতিহ ছতে লাবান্ত্ৰণ টোডেই ছক্ত পুত্ৰ। তাৰ পৰা প্ৰাঞ্জনাশ নাম মহাবাক্ষাকৈ উপজ্লে কৰা। ছঙাৰাৰ আশাৰাৰ সমূত্ৰ হয়ে উঠাকে। তাই তীক্ষা ক্ষাপেন, 'তেখাৰ সম্ভান কুলের সঞ্চল সমানৰ স্থান্তা লগতেকা স্থানতা নীপুৰেনা মান্তৰ প্ৰাণ কর্পেন, বিভি Green করার ক্রানা প্রাক্তগণের ক্রেমার সাল করা উচিত ে তার ভিত্তর পারতে তার, সাততের এক মনুবারতের কর্মান্তিত ্য প্রক্রমন, মাল বহাবোজ ক্রণন ক্ষতার সক্ষতিতে বহুতেন। (কুলাবনবাদীয়ে কালেন--) কৃষ্ণ, ক্ষ ঠালেকে গাতী ও কর্ম উপসাম দিলেন। কয় উপন্যবঁধী। সকল ঐপর্যের অমিপতি। হে অনুধা বিক্রমশালী হাম। 🙀 মাশুলা ভাষন তারে হারাঘো সভানকে কিবে পোরে। এই জন্মান্ত ভাষত থাকি আপনার ভাজ ভাজানের প্রায় ক্রারে ঠার কোলে বসালেন। সেই সভী নাবী ঠাকে। ক্রম করতে চলেছে। কে প্রত্যে, আমরা তেমের সুখন নুনংবার আফিলন করে নিউন্তর আশ্রমানা মোচন করতে ও উক্ত। সরা করে এই পূর্যান্তনীয় কালাছি কেকে জানালৈ ইকা কর। আমার কথাই ভোমার পালনার "(ह आरम्बर (नटीकिट), कृषाकस्वारीता रफ्एड् कृष. अतिलाम कत्रल गांतर मा, वा शमक सर् पूत घरत। चैत তকা ও ক্লান্তিতে অভান্ত দুৰ্বল খনে পভ্যতিসান, তাই ভক্তদেব অভান্ত সমুক্ত ধর্ণান কৰে, জনস্ক কান্টান্তর ও ইরা ও গানীর কোনে বিশেষ, সেই কলিনীর তীরেই আনত শতিবর তীকৃষ্ণ ভবন সেই ভাগের নাবালন প্রম



खाष्ट्रामम व्यक्तारा

শ্রীবলরামের প্রলম্বাসূর বধ

হীত চকৰেৰ কোৰামী বসংলক—"নিংডাই ভাৰ মহিমা তীর্তনকরী তার জানদাম সংচরবৃদ্ধ বালা পরিবেটিত হলে, জীকৃত তথ্য গোচারপড়বির ছার সুলোপ্তিত ক্রজে গ্রহণে করলেন। কৃষ্ণ ও করেন করন সাধানৰ ক্ষেত্ৰকালকের স্থাবেশে কুমানকা প্রজ্ঞবেই প্রীকা উপজোধ কমছিলেন, ভাবন বীরে বীরে হাঁছে কড়ব আবির্ভাব হল। বেহীগানের পক্ষে এই স্কৃতি আত্যন্ত সুখলায়ক নায়। শ্রীন্ত সংকর, হেন্ডের করেন্ত্রের সংক প্রমেশ্য ভাগরন শ্ববং কৃষ্ণবলে অস করছিলেন, ভাই বীশ্বও বসরেন অসাধনীতে চাকলিত ছিল: কুলাহনের ভূমি এফনী বৈশিষ্ট্যসম্পন্ন। বৃধানকে কমগান উচ্চ

বালিতে ভিবিত্ত পথ মাজত হয়ে বেড এবং সেই খরণা খেকে উবিত কলকৰ বাবে নিয়ের নিক কুলয়েজি সমগ্র অকলকে সুগোভিত কৰ'ও। বিভিন্ন ধরনেও প্র ও ধানাধ কুলের হেশু কানবলী কতাস স্থানকা ও প্রবহনান ননীওলির চেউরের উপর বিরে প্রবাহিত হয়ে সুম্প্র ফুলুকারে দীকো করে নিউ। স্তার কলে দেশকার অধিবাদীরা প্রীয়ের প্রবর সূর্ব ও ফতুকার্নীল দাবানক বেৰে উৎপন্ন উতাপ ছোৰ কাত না। বাৰ্তবিভগটে, কুদায়নে সৰ্থ বাদের প্রচুখ ছিল। ভাবেনং প্রবাহিত চেউৰেৰ দায়া গভীৰ নদীওলি তালেৰ ভীত্ৰভূতিওলিকে সিঞ্জ করে কালেক্সক আর্ত্র ও কাল্যান্ড করে সুলত। ভাই বিষয়ার প্রত্যে সুমন্তিবন ভূমিত্র প্রাণক্রমত্তে বাল্পীভূত । কৃষ্ণ ও কালাম কুমার্যনের নানী, পর্বাচ, উপত্যাল, উপত্য করতে এবং ভার সবৃক্ত ছাসকে হছ করতে পারেনিং। কৃঞ্জরন ও সরেন্ডরে এখন করে মনতু রকনের নৌত্রিনা भूग्नामपुरक वाजा कृषावरमा का मुख्यकार मुर्गाहिक शर्राष्ट्रम अवर चटनक क्लाइ न्छ छ शकीत ग्राप्य नुर्व ছিল। মনুন ও অমহেরা গাম কর্মান, আর কোকিল ও কুলবালের সেই বলে গোচাবণ কর্মান্তের, তথন ওচ্চাব সারসেরা কুরম ক্রছিল। সীলা ক্রকে বলে করে **करत, शहरदेश्वर प्रशंका जीक्ष्क (भागवानम ७ शहरीयां** শারা পবিবেটিত হরে শ্রীকলবাকো সচে ক্ষমি ৰাজ্যতে र्यक्षीरक कृषाबद्धाव वर्तने शहरू कन्नावन। महान्त्रक्र, মালা, কুলের ওছে ও বর্ণমন্ত বনিকস্তবা সূচ্ করি পাতার श्रोता निर्करणंत्र मूर्शाक्षिक करत वनतात्र, कृष्ट क जीएन्ड ্সাপ্রবারর পরাপ্ত নৃত্য, বৃদ্ধ ও পান করেছিলে।। বৰ্ম কৃষ্ণ নৃত্য ক্ষরিছিলেন, ডাৰ্ম কোনৰ কোনৰ গোপবালৰ দান কৰে এবং তেই কেন্ট বালি, করতাল 🗢 শিক্ষা ৰাজিয়ে ভাঁৱ সঙ্গে সমত করছিলেন, আৰ অন্যেক্তা ককলে তাও নৃত্তের প্রশংসা ভরজিলেন।"

"दि तासन, मेरिशम दिश्वन भाग नाहित सुन्ति करत् িত ডেম্পই দেবতারা গোপ-সম্প্রদারভক্ত করে। ছয়বেশের বার্ড নিকেদেরকে সোলন করেছিগেন এক (গাপবালৰ কৰে আবিভূতি কৃষ্ণ ও বল্যামের ব্যতি কথছিলেন। কৃষ্ণ ও কারাম ভাষের গোপনালক সবাগদের সভে ভূগপাক স্বাওতা, লাম্ব প্রদান, নিম্পেশ, ছত মানা, হেচডে টেনে নেতর ও বৃদ্ধের দারা খেলা ফলেত্ৰ। কমনও কথনও কৃষ্ণ ও নগবাম বালকদেব যাখ্যর চুক হতে টানতেন। ছে মহারাজ, ক্ষানু কলকের। যথন নৃত্য উবহিংকন, ফখন কৃষ্ণ ও কল্লাই কথনও কখনও বান ও বাদ্যবাহু ধারা তাঁকের সামে সামত করতেন এবং কৰনত কৰনত দুই প্ৰস্তু থালককো 'বুব ভাগা। পুৰ ছাল। বিকে প্রসংসা করিতেন। কবনও বিবনও গোপনান্তেরা বিশ্ব অথকা কৃষ্ণ কলের দারা কবং কখনও যা হাতভাতি আনক্ষি ক্ৰেয় বাধা খেলা ক্ষরতেন। করে কর্মে তারা পরস্পারতে জ্যোষ্ট্রি আন্ত কান্যমান্ত্রি আদি খেলা করতেন একং কখনও জালা পড়-পানীয়ে অনুকরণ করছেল। উল্লেখনত আতের বড়ো **इ.फ.स्टिक इंग्ड धारान कट्ट**कन, क्थनक सामावित উপস্থানের মালে জীয়ে করতেন, কম্মাক মোলনায় চততেন

अभिक्षणपूर (अस्त अस्तरकत्।"

"রাম, কৃষ্ণ ও উল্লেখ্ন কোলসখারা কর্মন এভারেট सर्वा जनवानुतं शहरू करण कृष्ण च वनवास्त অপ্তরণ করার উদ্দেশ্যে সে এক গ্রেপথার্বের রূপ धानम् अनुसः । त्यारम् नगार्वं याराम् वर्तानक्ष्यः भारत्यस्य ক্তব্যন শ্রীকৃষ্ণ সর্বন্দী, তাই তিনি জাবতে পেরেছিছেন বে, অসুরটি কে জ্লি। ভবুও, ভাকে কিঞার হত্যা কর খার সেই কবা ওকক সহজারে চিব্রা করে, ভগরেন चन्द्रक मधानाटन धर्म क्यांत काम कर्राम् । ক্রীকৃষ্ণসম্ভ কৃত্ত ভবন প্রেপবালক্ষণসক্ত একরে আসুন করে কালেন—'ত্রে গোপতালকগণ। চল, একা অমেরা निरमस्पत पृष्टि मधान भएन छान करत निरह स्थला अहि*।*" शामकाकवानाव कृषा **व वसदाप्रक्त गृ**ष्टि शहना (उट) নির্বাচিত করলেন। বালকগণের কেউ কেউ কুমের পাঙ্কে अवर करनावा कन्यस्थित चंदक स्थानमात्र कटालात। কারকলা কাশকারী ও আরোহী সম্পর্কিত নানাবিদ স্ক্রীড়া কর্মেন এই সমত কীড়ার বিজয়ীরা পরাভিত্যের পিঠে আরোহন করতের এবং পর্যাঞ্চনর। বিরুটীলেরভে বহন করতেন। এভাবেই একে অপরকে মন্ত্র করে ও ৰাহিত হ'বে এবং লেই মামে জোচানাণ কবলে কাতেও বালকণণ কৃষ্ণকে অনুসরণ করে ভাওীরক মানক বা বৃক্ষের নিকে প্রভার করলেন।"

"ৰে মহারাজ পরীকিং, মধন কার্ডামের পর্নীত বীশায়, বৃষধ ও অন্যেম এই সমক খেলার ভারী হতেন, তৰদ কৃষ্ণ ও তাৰে গড়েব বাদকেবা ভাগেৰ কনে করতেন। পরমেশর দ্বনবাদ ত্রীকৃষ্ণ প্রাক্তিত হয়ে - জীলায়েণে বহন করেছিলেন, ডগ্রমেন ব্রন্তকে বহন - करतिहरून तावा थलक (ताहिनीसमय कातासक कर**न** করেছিল। জীকৃষ্ণকে অপরা**জে**র বিক্রেম্য করে, সেই কানব(আই (প্রস্থা) বলরগম্পে বছন করে জতাউ ্রুত্বেরে যেবানে তার আবোহীকে অবভাগ করার কর্ম ছিল ভার থেকে মৃত্রে প্রস্থান করল। সেই মহা অসুর क्षत्राम्हण रहन क्षत्राच चाकरम् किमि तकाक मृहरक এবং কথাও বা রাজাং জনুকাশ করাকে। এভারেই পর্যন্তের মতে ভারী হরে উঠালেন, ভার প্রকাশ গতিকার ্বাল-স্থানীয় ভালালে পরা আফালিক কণ্ডার, সেই কুলাল দেখনি চলা বহুনকারী ও বিশ্বাব-উমতাকে ছেবের স্থাবাল এবা তার পথ ইক্ষেপ্ত বছেব হাবা বিকাই কেনাও ক্ষুত্র বলে মতুন ব্যক্তিব। হলগর শ্রীকারাম করন প্রমীপ্ত পর্যতের মতো বিকট শব্দ করতে করতে সে প্রাণহীন কুলি, জুলার জেল, ক্লাকুটিত সংলাধ উচ লয়সকল এবং হয়ে ফুলিকে পঠিত হল। ভিতাবে জালালী বালবান কার্য, ক্রিন্তা, কুওল প্রভায় বিভিন্ন ক্রতে আক্রান্ডার্জা সেই প্রকারসকুত্তে বর করেছিলেন তা কেরে গোলবালকেল ক্রাকো বিশালা বেহ মর্শন করলেন, ডকা উমবান ইবং অভার অলভর্যাগিত হতে 'লাধু । লাধু । রব করণেন। ত্ৰীত ক্ষেত্ৰিকে বলে মনে ব্যাহন। প্ৰসূত ভাষা আলে। সকল প্ৰশংসার যোগ্য সেই কলোমকে তাবা মাই হ করে, নিজীক জন্তাৰ প্রদাসৰ করলেন হে, সেই কলুমটি। আশীর্বাদ শ্রমান করে উপ্র প্রশংসা করলেন। স্পেনের ঠাকে অলহুল করন চেটা করে উচকে কম সমীদের। খাল উচ্চের চিত্ত অভিকৃত, তাই ঠাবা ভাকে অলিক্সন েবাকে কৃত্তে নিয়ে এনেয়েছে। ক্ষণবান কথন লোগায়িত। কবলেন কো তিনি মৃত্যু খেকে কিয়ে এলেয়েন। পানী হরে কেন্দ্রা**র্ক ইয়ে বেজন ঠার বন্ধ হাত্র পর্বতকে আগা**ও প্রকাষানুর বিহন্ত হতে, দেবতাগণ অভার সুখ অনুভব ক্রেন, তেমনভাগে উলা বৃঢ় মৃষ্টি করা অনুক্রের মধ্যকে । করে জিলালারের উলা পুলারাল্য বর্গন ক্রংলন এবং আয়াও করপেন। এভাবেই কারেনের মৃতির করা ভাষাত 'সাদু, সাধু' বলে ভারে ভারের তথকো করপেন।"

_{হতি} ধাবা হল। ভার পার সে তার আনল সুঠি গালে। প্রান্ত করে, প্রসাক্ষর কতক ছবজনাৎ কিটার্শ হল। यमुद्रित पूर्व जिला तक बाल कर कर महान करने



উনবিংশতি অধ্যায়

দাবানল গ্রাস

ইল ওক্তৰে দোৰাই) কানেশ—"লোলবালকেরা যানে সম্পূর্ণকাশে উচ্চেত্র ক্রীড়ার নিমায় ছিলেই, উচ্চেত্র নাৰীয়া অন্তেক পূচন নিচনপ কনছিল। ভালে আনও ভূগেনা ৰদ্য কুখাৰ্চ হয়ে প্ৰটে এক তাদের সৰুৱে কৰার কেউ র খানার হানর এক গভীর হনে প্রকো করন। গভীর মনের এক জালা খেকে আর এক জালে বিচরণ পরতে করতে ছাগল, গাড়ী ও মহিকেরা তীক্ষ বেতের বারা थरिक (बहुष क्रे) बक्ति सकति सकता शहरू करण। নিকটবতী প্ৰবানলেও ভাগ ভালেই ভূমাৰ্ড করে ভূলল এবং তারা কাতর হতে এলক করতে জাপল। কৃষ্ণ, রাঘ चे फैरमंत्र (काश्यक्ता जङ्गा छेरच्य जन्मूट्य सार्गेरमंत्र मिश्राएं मा ११रत, फारांस फेरगुका करात थना कन्छए কৌ করণের। খালবের চার্যেকে অধ্যক্ষ করলেন, বিশ্ব হারা কোনার নিরেছে ভার সভার জারা পোলেন

व्या क्षम्य वाग्रद्धा शामीतमः भारतत्र पुराद सन व्यवस ভাষের পুর ও মন্ত হারা ছিল কুল লক্ষ্য করে গাভীবেশ্ব नथ ब्रिक (वह कश्राष्ट्र एक संवासना। स्वयक्त খোলবাদ্ধেরা আতাক উত্তিই হরে উঠেছিলের কারণ তালের জীবিকার উৎস্থ জারা হাবিতে কেলেছেন। মুকা অধ্যন্তের মধ্যে অবলেধে গোলবালারেবা জনেব মুলাবান সভীকের বুঁজে পেলেন, করে ভাবের পথ হারিয়ে ফ্রন্সক কর্মকুল। ভারণের ভূমন্ত ও পরিভ্রাপ্ত বালকেরা সূত্রে ক্ষেত্র পতের দিকে গাভীনের চরেন্দ্র করপেন। পরতেশার ভগরন জনদগর্তীর বলে প্রথম আছান করপেন। चारमा निक निक्ष नाह्मत भग करन करत, शांकीया घरहात. ক্ষান্তি হতে উত্তর করে ভগবানকে সাড়া মিহেছিল। बरमा मुक्क धानीरमंत्र किरात्मध देनिक भिरत्न मध्ना बक প্ৰকাশ লাখনৰ চতুমিক খেকে আৰুঠুক্ত হল। সাক্তিকা

লায়ে মাত্র অগ্নিকে বেপে চালিত কর্মানল এবং ভয়াল । দুটি বন্ধ কর এবং ভয় পেরো মা।" ভাই ছোক' উত্তর অধিকণা চতুৰিতে বিজ্বিত হজিল। সাভবিকশকে, মিয়ে মানকো তথকণাৎ ঠাকের নোজাঃ যুদিত কংকে। সকলা সূত্রে ও জনম জীবেন দিকে প্রচণ্ড জাঁচ তার তথন সমস্ত জোগশান্তির ক্ষরীখন প্রাথেশন ক্ষর্যান গুট গেলিহান জেয়া বিরায় করেছিল। বেই মাত্র গাড়ী ও মূখ দিয়ে ভাষকা অধিকে পান করে সভট থেকে ওার গোণবালকো চতুলিক থেকে আক্রমণে উলতে লখনত ক্রি দৃষ্টিতে কর্মন করলেন, ডংক্সপুথ তারা ভীতগুর হলেন। সৃত্যুর ভয়ে কাভর ফানুকের। কেমন পরফোর ভগবানের শরণাগত হয়, তেমনই বাল্কেরা ওখন আরবের জন্য কৃষ্ণ ও কলরামের সমীপবতী হলেন। নিকট নিবে আসা হতেছে। গোগবাসকেরা করন তখন বালকেরা তাঁনের সম্বোধন করে বললেন—হে কৃষ্ণ কৃষ্ণ। মহাবার। হে রাম। আ্মান বিক্রম। সারা এই দালনলৈ দৰ্ম হতে চলেছে এক ভোষাদের ভারত গ্রহণ করতে এসেছে, দলা করে ভোফরা সেই সমস্ত ভক্তদের রক্ষ কর। কৃষ্ণ। তোমার নিয়ের স্বাচ্ছের ক্ষবশ্যেই বিনাশ প্রাপ্ত হওৱা উচিত না। হে সর্ব ধর্মক, कायता एकामार्क आयात्मत अञ्चलन अन्य करहि तकः कीर्डनकारी स्थानज्ञवात्मत जरूत स्मारं किया तालतः কামর তোমার প্রতি জার-সমর্মিত।"

কাছ খেকে এরাপ করল বাক্য এবণ করে, প্রক্রেবন স্কণবান জীকুম্ব তানের বললেন, 'কেবল ভোমানের চেল

স্থানের ক্লমা করলেন। গৌগবালানের। তাঁদের চক্ উর্থানিত করে এক নিশ্বিত হয়ে কেবলেন, ওারা ও গাড়ীরা যে তথু ভবন্ধর দর্শনাল থেকেই রক্ষা প্রের_{টন} তাই নয়, তাঁৰের সকলকেই পুনরমে সেই ভার্তীর বুক্ষের মেখনের বে, ভগবানের অব্যাস শক্তির হারা প্রকাশিত তার বোপশভিত ছারা তারা হাবদেল থেকে বুজা পেরেছেন, ভারে করে করতে আগলেন বে, কৃষা অহনটে একজন দেবতা। সামাকে বলরামের সঙ্গে প্রীকৃত্ গাভীনের নিরে গুড়ের নিকে কিরে চলকেন। গুরে বালিট্র বিশেষভাবে বাজাতে বাজাতে, কৃষ্ণ ওঁলে যতি গ বেহেতু সোণীদের নিকট গোবিদের সম ব্যুক্তীত প্ৰীল ওকদেও ব্যোক্তি কল্পেন-"ভান স্থাবের কলকালও শত বুক্তে মতো মতে হত, ভাই জাকে পুরু আসতে দেখে যুবতী গোপীৰণ পর্য আনশ সাভ ু করেছিলেন।[®]



বিংশতি অধ্যায়

বৃন্দাবনে বর্ষা ও শরৎ ঋতু

গ্রীল ওক্ষের গোখারী বলগেন-"ভারণৰ শোপনালকেরা কুমাবনের স্ত্রীদের নিকট দাবালা থেকে তানের উদ্ধান এবং প্রকাশসূত্র বধরাল কৃষ্ণ ও কাবায়ের অত্তও কর্ম নিজারিতভাবে কর্মন করেছিলেন। বৃদ্ধ পোল 🐞 বৃদ্ধা পোলীগৰ এই বৰ্ণনা প্ৰবণ কৰে বিশিষ্ট হর্মেছিলেন এক জীয়া নিছান্ত করেছিলেন যে, কৃষ্ণ ও বলরাম অবলাই মহাল কোনও দেকতা হবেন বারা ভারা আটি মান ধরে পৃথিবীর জলজপ ধন শোকা স্কুলাবনে আবিঠ্ড হবেছেন। ভার পর সমস্ত প্রানীয়া। বাংগ্রছিল। এখন উপযুক্ত সমস্ত এসেছে, সূর্ব ভার সেই

জীবন ও বাল্য প্রধানকারী বর্বা খড় ওক হল। আংসংশ গুড়বড় মেছবর্জন আর নিগতে বিদ্যুৎ চমকিত হার বাসল। আৰু ওখন বিদ্যুৎ ও পর্যন্ সূত্র মন নীপ মেবের বারা আহর ছিল। আলা বেমন হাডা প্রভৃতির তিনটি ওংশঃ বালা আছার বাকে, সেডাথেই আকাশ ও কাম সাভাবিক জ্যোতি আজেপিত ছিল। সূৰ্ব তাৰ রশি

_{প্রতিনি}র কা মেরেন করতে তার করণ। কিনুহতের স্থাব sulfice হয়ে বিশাল মেকনাল কম্পিত এখা গাচত বাবু ৰারা চালিত হতিক। ঠিক কুপামত ব্যক্তির মতে। ম্যোরালি এই পৃথিবীর সুখেত জন্য তাবের জীও বান তব্যক্ষি। শ্রীবের ভাগে পৃথিবী শীর্ল হয়ে খান, কিন্তু বুট্নির দেবতার ধারা কথে। সিক্ত ধন, তখন তিনি পূর্ণজনে न्हें हता बटान। याकारवरे भूविनी तक वाकित सरहा রার সেহ এক জাগতিক উদ্দেশ্যে তপসারে দারা কৃশ চাৰতে, বিজ্ব বিনি তার ওপসায়ে কৰা লাভ করার পর কারায় পরিপূর্বভাবে পৃষ্ট হরে ওচেন। এই কলিয়ুগে গালকর্মের প্রাথানা হেন্টু নাজিক মতব্যস্থালী বেভাবে বোনা প্রকৃত আনকে আক্ষা করে লাখে, ঠিক সেভারেই ব্যক্তি সন্থান সময়ে অন্ধন্ত বন্ধৱসকল দীন্তি বা শেরে জোনাকি পোননরা দীপ্তি থেতে খাঙে। স্থাকের স্থাকা নীর্ত্ব শারিও ছিল, কিন্তু বর্ষার মেক্তানি মুরুৎ করে হঠাংই ভারা ভাকতে ওক্ত করল, ঠিক বেভাবে মুখাৰ ছাত্ৰপৰ নিঃশক্ষে তাবের প্রান্তঃকারীন কর্তজ্ সম্পাদন করার পর শিক্ষকের আহ্রেন পেনর মারই উলের লাঠ আখুটি করতে তক করেন। মে সমত কুর ম্যাতিটা বন্ধ হয়ে গিয়েছিল, বর্জ স্বতুর আগমনের সংখ সেগুলি স্থাতি হতে শুরু করত এবং কর পরে ঠিক ক্ষেম ইপ্রিয়ের কণীড়াও মানুকের দেহ, সম্পত্তি ও আর্থ বিগধন্মী হতে থাকে, তেমনই ভাবের নিৰ্দিষ্ট গতিপথ থেকে বিপৰগাহী ছয়েছিল। নতীন সভেজ ভাস পৃথিবীকৈ প্যান্তর মতো সকুর করে ভূলেছিল, ইপ্রযোগ কীটেরা ভাতে ঈবৎ জুল বর্ণ যোগ করেছিল এবং সালা ব্যক্তের ছাডাওলি আরও বর্ণ ও ছায়াচক্র সংযুক্ত क्रांक्त। असरके नृथिवीतक एक एक्तेश की क्ट्रा एक বাজিক মতো মনে হজিল। পদা-সম্পদের মন্ত্রে মঠেওলি। कृषकरमा चानक बान कट्राइन । किन्ह वात्रा कृषिकार्य নিগৃক হতে অভান্ত অভিযানী ছিল এবং কিডাৰে সমস্ত কিছুই পর্যমেখনের নিয়ন্ত্রদাধীন ভা হুনবয়সৰ করতে কর্ব ংবেছিল, সেই সমস্ত মঠেওলি ভাষের হামটো অনুভাগের পৃত্তি করেছে। ভালে কেমন প্রয়েশরর ক্ষাধ্যনের সেবার নিবৃক্ত ক্বার মাধ্যমে সুন্দর হবে ওঠে, ডেমনই জন ও ইলের সমস্ত প্রাণীরা কর্যার মতুন প্রতিত জলের সুযোগ ঞ্জল করার ফলে ভাগের হলে আকর্মনীর ও মনেওম হয়ে।

৬টে। ভাষনৰ হারা কপৃথিত এখা ইপ্রিয়-তর্গণের বিষয়ের প্রতি আসন্তচিত্ত জালালৈয়ে কোণীর মুদ্দ কেম্বন বিকৃত হয়, বিক ভেডনই নাইচনি কৰন সাগ্রের সঙ্গে মিলিক হরে কুরু হয়, জবন তার ভবসগুলি বায়ুবেলে প্রমাহত হতে **বাকে। ঠিক কেন্দ্র প**র্যোক্ত ভগবানে মার্চিত ভেলান সমস্ত রক্তা বিশবের ছার আলোক কলেও শক্ত থাকেন, তেজাই বর্ষাকালে পর্বতগুলি বারংবার বাদক মেন্ডের স্থারা আবান্ত হান্তে হয়ে লোটেও বিচলিত বশ 🐗 🗸 বর্বা করুতে, পরিষ্ঠত বা হলার কলে পথওলি আস ও ক্ষালে আহানিত হরে পাড়ে এবং পথ পুঁরো বার করা কটকর হরে পড়ে। এই প্রওলি ধরীর শাস্ত্রছের মতো, কেওলি ব্রন্ধানের অধ্যক্ত বা করার কলে দ্বিত श्राहरू अन्य कार्यात शलाव वाक्यांमध्य व्हार श्राहरू । মেখেরা বনিও সংখ্য জীবের প্রভাকাশনী বন্ধু, বনিষ্ঠ अन्मार्कत शिव खड़ितरुत बादर्भ निमुध ४३० मन (अप থেকে বান এক দলে বানান্তবিত হত, ঠিক যেমন ক্ষাত্রত বালীয়া ওপরাম পুরুষদের প্রতিও অবিধানী হয়। ইজের কর্ম কল্ম (সামধ্য) মুখন প্রসামধ্যনির ওপযুক্ত আঞ্চাপে প্রমাণিত হরেছিল, স্তথম তা সাধারণ ধনুকণালির ্ষতে ছিল বা করণ ভা জ্যার উপর স্থাপিত ছিল না। ভেত্তনট্, পর্যেশ্র ক্ষরণান অন্ত ওপের পারস্পরিক ক্রিয়েলার এই জনতে প্রকলিত হলেও তিনি সাধারণ अनुरक्त गास का, करान दिनि नजल वक धर्म (धर्म মুক্ত থাকেন এবং সমস্ত কড় অবহা থেকে সভয় অকেন। বর্গ কচুতে মেঘরানির ছারা আছেনিত হরে পড়ার কলে চল সভ্রসরিভাবে প্রকাশিত হতে পারে না. অবচ মেধেরা মিশ্রেকাই চল্লেক জ্যোৎসা দায়া আলোকিত হয়ে থঠে। তেমনই, অহমারে আফামিত জনার কলে ভত্ত ভাগতে জীবাৰা স্কানৱিভাবে প্ৰকাশিত হতে পারে মা থাক অহমান নিজেই ৩% আখার চেতনার দারা আলেকিড হয়। মেৰ্নমাণ্য দৰ্শন কৰে মহুৱেবা উৎসব-মুখরিও হতে জানশে অভিনামন কান্তে করতে চিংকরে করতে লাগল, ঠিক বেমদ বংলার ব্যাবনে দুৰ্গপাহক মানুৰেৰা ভাষেৰ বৃহে অচ্যুক্ত প্রমেথৰ ভাবিধনর গ্রন্থ ভাতের আগমনে আমার্য অনুভব করে। वृक्तमध्या कीन व शब हरत निर्दाहरू, किन्नु छात्मह পারের ক্রমানে নতুনভাবে পতিও বর্বার জল পান করার

পর, তাগের নাম দেহগঠ রূপ প্রশানীত হল। তেমনই, ভণক্ষাৰ কলে হব দেহ কাৰ ৬ দুৰ্বল হলেছে সেই ভগতের্বার মাধ্যমে প্রাপ্ত আরু বিষয়কর উপজ্যোগের পর বে পুনরার ভার স্বাস্থ্যকর হৈছিক বৈশিষ্ট্যাদি প্রদর্শন করে। ক্ষুয়চিত্ত ক্ষুয়াদী মানুবেরা বেমন অনেক অশাব্র সভেও সর্বনাই গড়ে বাস করে, তেমন্টে বর্যাকালে উন্নিক্তি অশান্ত থাকা সম্বেক সারসেরা সরোধর ভীরে নিমন্তের বাদ করতে পর্যক। কলিয়ালে নারিকালে করে মান্তব্যবতালি বেষদা বৈনিক বিধি-নিবেধের সীয়া ভার করে, (उपनदे देख क्या वर्ष कार्य, छन्न स्माप क्रम ক্রিকেনের জলসেচনের বীধণ্ডলি ভঙ্গ করে। মরণঠিক। যেকা উন্তের ক্রাক্ষণ পুরোহিতকের দ্বারা নিৰ্মেশিক হতে নামহিকদের কৰা দল প্ৰদান করেন, **एक्सनेरे क**दन क्षता हालिङ रखा यापतानि शमक सीएका মনবের জন্য অংকর অন্তম্ম কপধ্যরা খুক্ত করতে न्त्राच्या ।

ेवृष्णवस्य का एक्ट अखावर्षे ज्ञान (पदार ७ सप् ফলের বাল্য পরিপূর্ণ হয়ে সমুক্ত হয়ে উঠেছিল, জীকৃষ্ণা তক্ষা কর্তী ও ব্যোপবালকদের ধারা পরিবেটিত ইয়ে প্রীক্ষরানের সঙ্গে অসক উপত্তোপ করবার জন্য সেই ৰতন প্ৰবেশ ক্ষালেন। প্ৰাভীগৰ ভানের সমধিক জনভাৱে হাঁৰে গৰন কর্মান্ত, কিন্তু পরমোধর ভগবানের অনুসা মাটে জালা ৯-ভবেশে ভার দিকে বাবিত হল এক ভার প্রতির নিমিন্ত ভালের স্তনসমূহ ভিল্লে উঠেছিল। অন্তেপ্ত ব্যালন কর্মনার্থী রয়গীলণ, কুমসমূহ থেকে মধ্ কৰৰ এবং পৰ্যভেত্ত জনপ্ৰপতে তালি জ্যাবান নিৰ্বীক্ষণ করকে। সেই জনপ্রপাতগুলির উপ্তথ্যনি ইঞ্জিত কর্মকে। বে, নিকটেই গ্রহা ব্যৱহার। করন বৃত্তি মামত, ভরন স্থাবান জীয়া করার জন্য এবং কল মুগ ভোজন করার স্থান কৰ্মনত কৰ্মনত গুৱা আহবা একটি বৃষ্ণের ক্ষেট্রির अस्तिमं कराउन।"

গোলবালকদের সদে জীককা গছ থেকে প্রেরিড গৰি নিবিত আ ভোজন কথলেন। তালে সকলে ভোজনের ক্ষমা জলের সামিকটে একটি বস্ত শিলার উপর বসেরিকান। জীপুরু পরিস্তান্ত করা, পোর্যান্স ও পার্কীয়ের সবৃত্ব অনুসর উপর করে চকু যুলিত করে জারের কটেতে सम्बद्धान जागर किनि सम्बद्धान हम, शास्त्रीक्षा *धार*कत whole sie: would reform below bullets प्रवासकुत ह्वीचर्च क क्षेत्रचं प्रचंत्र कहा, क्ष्मश्राम हाक স্কাকে অভিযানিত করনেন, যা ইয়ে নিজেন অন্তর্জা দক্তি থেকে বিয়াৰ লাভ কৰেছিল।"

"জীয়াম ও জীকেশৰ যাকা কভাবেই কুলাবলৈ বাস কর্মজনে, ভক্ত পরং ঋতু সরাগত হল, থকা আকল क्षापुरु, कर कर व का क्षापुरु कि। क्षापुरु क्षापुर পদার ধারা কেন্দ্র প্রভাবর্তনকারী পতিও যোগীলের দ্রু ওছতা প্রাপ্ত হয়, কেমনই পরবাদলে পছ মান প্রাপ্তার উৎপত্তি হৈতে বিভিন্ন অপক্ষণিও ভাগের মূল কেমার ভিন্ত পার। শরবকাল কেন্দ্র মেথাগর আকাশ পরিষার করে। প্রাণীসংখ্য সমীর্ণ জীকনমান্তার অবস্থা দুর করে, প্রিনীর পৰিকাজ মুক্ত করে এবং জন্মের কর্মকা নির্মান করে. তেমনই উক্তেও প্রতি সাল্যদিত প্রেমমানী সেধা চত্তরাত্রমীলের ক্তবিদলত সমস্ত কণ্ডে থেকে মুক্ত করে। মেকবালি ভাবেত সূৰ্বত পবিভাৱে করে ওছ উল্লেখ্য নিরে দীর্ভি পর্যাহল, ঠিক কো সমস্ত জাগতিক ব্যাপা ভাগী নাম মুনিকা সমস্ত পাশমত প্রকাশ্য থেকে মুন্ত হরেছেন। অধ্যকৃত বিজ্ঞানে অভিনা খাতিকা (स्थान क्षान बाराकुर सामाय श्रामा करून अवर क्रान्त করেন না ডেমনই এই বড়তে পর্বভাগকল কথনও शायन्त्र एक कमधाबा यात्रम कर्ताका क्षेत्र कन्नत्त কর্মাকন না। মুচ সংস্কৃত্তী মানুহের অভিয়েক্ত দিনওলির সংস্ন কিডাবে আদের বারু কর মুক্তে হা বেয়ন দেখাও পারে না, তেমনই ক্রমণ ক্রীর্যাণ কলে সমুভগরঙ মংসারা জনের কীথমাবভার কথা একেবারেই জানতে পারে না। কলগ ও সংসাধ-জীবনে অভিনয় নিমা দাবিস্তালীড়িত ব্যক্তি বেমন তার ইপ্রিয়ব্যলিকে সংব্য কংগুৰ ৰা পান্তৰ জন্ম কট্টভোগ কৰে, ডেমনট অপভীয় কৰে সক্তরশ্লীল হংসাওলিকেও পরংকালীন সূর্বের "প্রীসম্বর্থ এবং নিয় মিড ভোজনকারী তাপের পরা ফট্রেল করতে হর। বীর মুনিগণ ফেনে প্ৰকৃত আছা খেকে ভিত্ন জড় দেহ ও ভার খেকে উপজ্যন্ত অহুং ও সমন্তবৃদ্ধি পরিত্যাপ করেন, তেমনই বিভিন্ন সুসভূমি বীরে বীলে ভাচের পভিন অবস্থা পরিভাগে করেছিল এবং সভা-ওক্ষসমূহ ভাগের স্বর্ণক অবস্থা বেকে ৯৩ বৃদ্ধি গালিক। সমস্ত জড় কাৰ্যকলাৰ

লোক বিয়াত এবং বৈশিক সমেৰ উচ্চানৰ পতিভাগাৰ।বি ক্ষেত্ৰ যুদ্ধিৰ মতোই পৰতেও আগ্ৰম্যৰ সমূচ ও লব্যসমূহতিন শব্দাইটন এবং ভালের ক্বল ছিল হয়ে খাল। কতুমতী হয়ে উচ্চল টোনকুল ক্যান্তের উদেশের নিজ তেও অনুৰ্বালনকারীকা কেভাবে নিক্**ত** টাল্ডিয়খনির antica উল্লেখ বহিৰ্দুৰী চেতনাকে দমন করায় জন্য ভগবাদের সেবাই অনুষ্ঠিত কাৰ্যকলদেশৰ ছাত্ৰা আগনা একরে ইন্দ্রিতালিকে বৃচভাবে নিবছুল আন্তন, ঠিক ইতেই মাজ মালনার কল করে হয়।" সভাবেই কৃষ্কেরা গুলক্ষেত্র ঋণ বাতে বেবিশ্বে মা _{মার্শারিক।} আক্রমান কোন কোনে ব্যাধন কর দেৱের _{সমার্য} তার নিথার পরিবিভিন্ন করে। উৎপত্ন নৃহপ্তই উপ্পত্ন कार अपर की मुख्या (काम्य कुमानदात नाही शरणा विवय ভনিত প্রেশ বুর করেন, ঠিক কেননই শহরকালের হয়ও প্রক্রমন্তরে বৈশিক শাস্ত্রের তাৎপর্ব অনুভবকারী মানুরের চিবর চেত্রার মতো মেঘনুন্ত ও স্পরীস্তরে প্রতীয়ানান লেকা পাজিল।"

"কাকালের কবিগতি জীকুক হেমান বৃতিব্যের ব্যক্তি ভারতা খোভিত হজিল। পুলেগ পরিপূর্ণ কা থেকে। कामर नार्किनीएकाक सङ्गत वर्षानकान्छ पाता मनुष जासद দুলবার বিশ্বত হতে পারে, বিশ্ব ক্ষেত্র হারা বাঁদের

ভালর অপানত হয়েছে, সেই গোপ্টবল তা প্রতেম সা। শবংকাদের প্রভাবে পর্যন্তী, র্যুনেরী, নারী ও স্থানিপরীরা নিম প্রিয়ামিনী চতেছিল, ঠিক বেলা পর্যোগ্র

"হে মহারাজ পরীর্তিক, সুন্তু স্মান্তের উপন্থিতিত ara আ মানে রাম্বার জন্য মাটে লিয়ে যুচ আল নির্মাণ পুসু মাতীভ করে সকলেই মেলা নির্ভয় ধর, তিক **एकाओं नक्ष्यमंत्रीय मृदर्वत रेज्यान करन नाइत राम्प**िउ কুম্ব ব্যতীত আৰু ক্তৰ বন্ধ কুলই সূৰ্বে প্ৰকৃতিও হরেছিল। সমগ্র লাগ্রে ও প্রত্যে মতুল কল্পের রাপম भागामध्यात जनाहत थ चान शहरपंत्र क्षणा (दिविक सेक और) সমস্ত প্রাণীর সূর্যনিকশক্ষনিত বুংরকটের উপসম করে। সেই মক্তে স্থানীয় ইতিনীতি ও ঐতিহ্য মেনে অনুরূপ উৎসব সম্পানন দরে এনসাধরের মহোৎসকে অনুষ্ঠান ् करतीवरणनः। अकलाङ् सरीय न्याना पाता नम्किनामिनी ভারবন্যাশির মালা পরিপূর্ণ শরাভার আকাশ উল্পেল্ডাবে হয়ে একং বিশের করে করু ও কার্যারের উপস্থিতির ভারা প্রিমতিত হতে পরনেশ্বর ভাষকদের আন্দ-প্রকাশক্রণে পথিবী পোড়িত। মুর্রাহেশন। বৃষ্টিতে আম্পর্ বণিক, মুনি, পরিবেটিত হয়ে পৃথিবীতে উচ্ছলরূপে পোড়িও হব, সুপতি ৬ লেডারী ছঞ্জন করণেয়ে ব্যাহরে এবে বালেন টিক ছেমনটি নাম্ভবালির ছারা পরিবেটিক হয়ে পর্ণচল্ল। আকাশিকর বিবাহালি সংগ্রহ করেব, ঠিক বেমন এই क्षीयाम बोहा निश्चि लाख कारतान, महिक समा अहम साठ শেহ জ্যাপ করে তারা ঠালের নিজ নিজ কার্য লাভ



একবিংশতি অধ্যায়

গোপীগণের কৃষ্ণের বংশীধ্বনির মহিমা কীর্তন

কুলবড়ের আমন্য আংকালীন করে মানে পরিপূর্ণ ছিল এবং নির্মণ স্কেবরে উৎস্থা পদা কুলের সুগভয়ক বাসুর যারা সুশীকল মুরেছিল। অনুত অগবান জার গাতী ও (योगनासक प्रकारकार प्रदान द्वारे कुमानदानक प्रतारक शहरक

विश ७७८२व श्रापायी समस्त्रम—"अद्यार्थरे अवस्त्रतः कृतस्यात् वाहास्त्र, नी ६ वर्षस्यका यह ত্রমা এবং পুলিত বুকে বিচক্রনীল প্রান্তর্ভার প্রান্তিত নিনাদিও ছিল। গোপবাদককা ও ইতিনবাসের সঙ্গে মধুপতি (জীকৃষ্ণ) সেই বলে প্ৰবেশ কংগেন এখা মোচারণকালে তার ধন্দী বালাতে ওঞ্জ করলেন। ক্ষেণ্যাকা রক্তবরীগণ কথন ক্রেন্ড বংশীর গ্রীত স্তেপ্ कररामाः, या काप्ररासरात शकात खेला, करतः, कावः क्षेत्रसः তেওঁ কেউ গোপনে তামের অন্তরন্ধ সধীদের কাছে कृरकात क्षत्रवृद् वर्गमा संवरक कावत कवरणय ব্যেলীনশ কৃষ্ণা স্বাহতে ক্ষাতে ক্ষা ক্যালেন, ডিড বাংন देश कार्यादकी देशा भारत करहिएका, क्र लक्ष्य, द्यास কামদেকের বেশে জাঁদের চিত্ত বিশ্বিত কথাটো উল্লেখ্যত বৰতে পৰাবৈদ্য হাঃ মন্তব্দে মতুৰপুচ্ছ-ভূৰণ, কৰ্ণভূৱে নীল কর্নিকার পুষ্পা, কর্মের মতের উজ্জ্বল পীত করন এবং বৈজয়ন্ত্ৰীমেলা পথিধান কয়ে, স্বীকৃষ্ণ কাঁৱ চিত্ৰৰ নটবৰ ৰূপ প্ৰদৰ্শন করে তারেই পদচিত্তের বারা লেগ্ডিড कुष्पांतरम्य कार्यम् अस्तम् अस्तम्यः। विक्री कार्यः (वन्-রপ্রসম্ভ তীরে অধরাত্ত হারা পূর্ণ করেছিলেন, জরে গোপবাদকের। তথম হার ঘহিখা কীর্তন করছিল। 😥 ज्ञाबन, उरक्तर जरावराक भारीक्ष कथा नमल शकीर मा दर्भनकारी अर्थका वरणीकानि अवन कार्यका, सामा कीता । नारिकामनकार्य वचन केर्यक अक नामक प्रमान करतान अवन পরাপরকে আলিক্স করলেন।"

भाग कराबारकात मुँहै भूरक्षा भूगाय भूगायका मर्गा करते. ভারা নিঃসন্দেহে ধদা। ভারণ এই দুই পুত্র ভাগের স্বাদের ধারা পরিবেটিত হত্তে এবং তাদের কম্বাধ গাতীদের চাপনা করে বলে প্রকেশ করেন একা জাতা তাদের মূপে কৰ্মী ধারণ করেন ও ব্রজনাসীদের প্রতি ক্ষানাগৰ্ভ ইটো কটাকপাত করেন। তাই বালের চক্ ম্মানে, স্বামার মানে করি উলের মাতে এর কেনে ভেউতর मननिश वक्ष चार किছु द्वाँहै। यात केनद चीरनत भुष्पमान्त्र मध्यत्र हिन, अरि महनात्रम निष्ठित वयन परियान करत अवर महरूतक, फेरनम, नम, नदीन चालनहर ७ পুষ্প-মুকুলওটেরে মারা নিজেটের ভবিত করে কমা ও বলতাৰ মোপবালকবৈর সভার মধ্যে জড়/বঞ্চলগে শোভা পালিলেন। তাদের দেখতে উক্ত রক্ষমকে এই সমস্ত পদ্দী মিভিডরেল মন্ত্রণ মুনিধ্পের সমান করে व्यक्तिक वृष्टे एक्के नर्कत्वन भ्राप्ता भएत हक्तिन, चार মারে মারে ভারা পান কর্মার্ডলেন। হে গোলীগণ, ভঙ্ম তাদের হলর তাকে আকালন করতে ওর করে ক্ষরতাবে ক্রেক্স অধ্যায়ত উপজেল করার জন্ম এই । এবং এ ছাবেই ভামের যোতের কেল ক্ষম ইটে **बरनी अदम की बनलकाक कार्याद कार्नाम करदाह अदर - पूर्णागर्डकान बाल विरक्रास्थित हरह अर्छ । कथन कार्सन** প্রকৃত্পকে ঐ অযুত বাঁকের উপজেপ্য, সেই আন্দরের - তরেমরূপ করা ধান্ত নদীওলি হ্রাজির জাপকমল আলিমন

বংশীর পূর্বপুরুষ বীশ ব্যাহকলি আনক্ষে ভারাবারা বর্গন করছে: মান বীকে বঁশ ভাষাহ্ব করেছে, ভার স্বাচা সেই নদী আনম্পোজ্যস অনুভৰ করে এবং ভটে সে ন্তিকশিত পথ কুপের থারা প্রোনাধ্যিত হক্ষে। যে স্থি দেকব্যিকান কুজের পালপ্ত সম্পাধ করে করে, কুলাকা পথিবীয় সহিমা বিভাগ কৰছে। সেনিকোৰ বেশু প্রধন করে মহুরেরা কাম যাওঁ হতে নৃত্য করে, আমা পাহাডের চন্ডা থেকে অন্য প্ৰাণীয়া ভালের করে অভিযাত হতে পড়ে। এই নিৰ্বোধ হতিবীৰাই কৰা কাৰণ হোৱা নশ মহারাজের পুরের সমীপকতী হরেছে, বিনি কতার আকৰ্ষণীয় বেশে সন্দিত হবে গ্ৰান্থ বাপি বক্ষায়েন। क्षात्रिकी, कृष्णमात्र कृष ७ वृत्रीत्वन क्षात्रादि शत्रुवार्थ দৃষ্টির হারা ভগবালের পূজা কবছিল। কৃত্তের সৌন্ধর্য ও খতার মানীপালের নিবট উৎসব-খরুপঃ বাজনিকট দেখপত্ৰীগৰ তামেৰ বতিববের সভে নিয়ামে ঠার নিনাদিত বংশীগীত এবং কডেন, তথন কার্যদেশের লোপিকাৰা বলালেক--"হে স্থিপন, বে সমস্ক চম্মু ছাতা উচ্চেত্ৰ ক্ষমন্ত কম্পিক হয়, আৰু উল্লোখয়েই মোহাজ্য হল খে, জাটার বেশীবছৰ থেকে ফুলভুলি খনে পড়ে এবং ভাবের কটিবলু নিজিল হতে বতে ভাগের উদ্বোলিভ কানগুলিকে পাঠের কলো বাসহার করে, পাতীরা কৃষ্ণের মুগনিংস্ত বংশালীতের স্থায়ত শান করছে। শোবংসরা ভাগের আর্রের জন থেকে ক্ষরিত মুখ্র মূর্যে পূর্ণ করে বিয়তাবে অকল্পন করছে খেন অঞ্চলুর্ন সহরে তারা গোবিদকে ভানের অভ্যাে হাংল করে তাঁকে আদিলন করছে।"

"হে মাজ, এই বনে সকল পাকী কুবাকে ধর্ণানের क्रम्य च्युर्व कृष्णनाचात्र चात्रक एरवर्डा । (५३४ वह कर्ड তারা কেবলমার নিলেকে তার মধুর কপৌজনি লবণ ं कराहे अवर काना (कानक मार्ट्स छाता मान्ड शास ना। - बरहरू। समीश्रकि कवन क्**रका** बल्लीशीक **अरग** करते. পোলিকামের জন্ম কেবলমার রম অর্থনিষ্ট কেবেছে। এই ব্যৱহার আরা হয় ধারণ মতে লাভ করের উলহার নির্মেশ _{প্রসে} প্রে লেগন করে, তথ্য ভাষের সমস্ত প্রভিত্ত ভাষা। शक्रिकाम कर्**ड** ।"

মনীলা এই পর্যন্ত হোকংস, গাতী ও খোলগুলের মূলে । গোলীলো তার চিন্তার সম্পূর্ণরূপে নিয়ন হয়েন্ডিকেন ট and ও ব্যারামকে পানীর কল, অভ্যন্ত কোনে কা<u>ন</u>

_{প্রবিধা} প্রবার বৌধ্যের উর্বাধের সংগার, ক্ষরের ও ওছা, কল, ফল ও শ্রক-স্থান্তি-সমস্ত রক্ষের _{নতাৰ্}জন্মান্ত সংখ্য প্রীকৃষ্ণ হাজের শশুওলিকে চরাতে। প্রভারকীয়ে প্রবৃদ্ধি সরবেরত করে। প্রভারেই এই পর্বত লোটে অনুভাত উল্লেখনি নিজেন। ভা দর্শন করে। ভাগনাকে প্রথা নিজেন করছে। কৃষ্ণ ও বংলাকের _{মানসাধ্যে} মের প্রেনবশত নির্মেক বিজার করেছে। সে চরন্দর্শন লাভ কররে ভাল ব্যাহর্তন পর্যপ্রক অভার প্রাপ্তে উত্তে নিবে নিকা সেহের কাসংখ্য কুল্লসন্ত্র উপকুল হলে হলে। প্রির স্থানন্ত্র আর্হান্তর আ্রান্তর কাসংখ্য कार्यक् पाता एता गयार कर्ना अकि का निर्धाय कार्यह । करहा, कृष्ण ७ कार्याम क्यार टीएमर शास्त्राताक अधारमय _{সমাজি} রাখালের শ্বর রাম্বীরা কথন **ইবং লাল বর্ণের** সঙ্গে বনের ভিতৰ দিবে পানন করেন, ভাগন ভারা বুগ ্রাকুমের কারা চিবিক্ত কুল দর্শন করে, তাক্ত জারা কারে। সোহনের স্বরর গান্টীদের পিছনের গা কল্লাকারী রাক্ত এটার হতে ডিলেড হব। শ্রীকৃষ্ণের পালগছের হর্পে হরত করেছ। শ্রীকৃষ্ণ করন গ্রাহ কলী কর্ত্তান, তথ্ entities এই কুমকুম প্রথমে করে প্রিয়াক্ষরে করে। সেই মধুর কানিতে গড়িনীল প্রদীসকল মুর্ভিত হয়ে সড়ে ক্রালিয় ছিল, আর শব্দ রহণীয়া বখন জালের মুখে ও এবং হাতিহীন বৃক্তস্কল ভাগোলায়নে কশ্পিত হতে भारक। अहे विवसकारि विकास करण करिए विकास । अस्तर देवे ফুলবনের বনে বিচরুদাধারী পরকোরে জনবানের জীড়ারর 'ভাল-সংখ্য মধ্যে এই খেনবৰ্ষন দৰ্শত কোঠা। হে জীলাসমূহ প্ৰস্পানের চাক্তি কর্মনা কাহতে করতে



ছাবিংশতি অধ্যায়

কৃষ্ণের কুমারী গোপীদের বস্ত্রহরণ

জ্বীল কৰুবেৰ গোনামী বললেন—"হেমককালের रायन मारू (माकुरमात कुमाती कन्यापम स्मेरी मनवारतनीत পর্বনত্রত পালন করপেন। সারা মাস জৈর কেকান্যর র্যবব্যার ভোজন করেছিলেন। হে রাজন, সূর্বেলর করেন ৰফুৱৰ কালে আন করে, গোপীগুৰ নদীৰ কীরে কেইট पूर्णत अवसी अस्तिकाशही शक्षिण निर्माण करायन । जाड শার করের কলা চলানের মাতো সুগছেত্বক দ্রন্থ একং লেই गाम मीन, बाल, जनाहि, सर-भारत, गुनाक-यामा ७ पुणमञ् শার প্রকার উপভারের থারা ঠার পূজা করেছিলে। 'যে শেৰী খাত্যায়নী, হে খণবানের মহাশন্তি, হে মহা কুম্বের ওপয়ন করতেন 🗈 रक्षणनकि बादिनी अवर मशिकामिनी जर्गनिवद्या, व्यन्धर्य করে কথ মহাতালের পুরুষে স্থানার পতি করে নিনঃ তাদের বসন একপালে রেখে নিয়ে, কুখেনা মহিমা গান

चारि चानमारक खामल श्याम निरंत्सन करि।'--वरे ब्य স্থাপ করতে করতে কুমারী কন্মাগণের প্রত্যেকে তারে পূজা কর্মিকেন। একানেই একমাসব্যাপী কনাগেণ তাদের বাত शास्त्र करता अवर फारला का मण्णूर्वतरण कृष्क निमा বৰে এবং দেশ মহারাজের পুর আসার পতি হোক' এই फादनात्र शानक शत अवायकतात्व (मनी कशकानीतः गृका করেছিকেন। প্রতিদিন তারে ভোরকেনার উঠকেন। প্রস্পর্যক নাম ধরে ফেকে, তারা হাত ক্যাধরি করতেন এক মান কার জন্ম কালি-পীতে প্রমাক্তরে উচ্চার্করে

"अकमिन कीता ममीत कीरत करन, भूटर्व भएकाई

व्यक्तवरका उक्तमहरीक्षण स्थम कृतकत स्थमीत श्रीक संवत করনের, বা ক্ষেত্রের প্রভাব উপর করে, ভারর ভারের তেওঁ কেওঁ গোপৰে জীৰেই অন্তর্ম স্থীদের কাছে ক্ষের ওপসমূহ কর্মা করতে আরম্ভ করলেন। গোলীমণ কৃষ্ণ সহজে কাণ্ডে ডক্ত করনেন, কিছু খনন তার কার্যাবলী তারা ব্যরণ করছিলেন, হে রাজন, তথন কমেদেবের বেগে উলের চিন্ত বিশ্বিপ্র হওরার ভার আর बन्दर भारतम् ना। भवारक सद्दरभूक-कृतन, कर्नवरतः নীল কণিকার পূষ্প, স্বর্গের মড়ো উজ্জল নীত কান এক বৈজয়ন্তীমালা পরিধান করে, প্রীকৃত্য তাঁর চিত্রর মটকা ব্যাপ প্রদর্শন করে জারাই প্রচিত্তের বারা শোভিত বৃশাবনের জন্মণ্য প্রবেশ করাকেন। ভিনি ওার বেশু-ইয়াসমূহ তার অধ্যামৃত হারা পূর্ণ করেছিলেন, আর গোপবালকের তথন তার মহিমা কীর্তন কর্মছল। 🕫 রাজন, প্রজের অরবয়ন্ত নারীনগ সধন সমস্ত প্রাণীর খন द्रश्यकारी कृरकात वर्गीध्यनि क्षेत्रा कारणन, एवन धारा পরস্পর্কে আলিয়ন করদেন।"

तक प्रश्तराचन पूरे भूटना भूषत पूर्वप्रका पर्यन करत, ভাগা নিঃসন্দেহে ধলা। কারণ এই দুই গুর ভাগের সধাদের বারা পরিবেটিত হতে একা উদ্দের সম্পূর্ণ गार्डीरमध् हाममा करत बहुत शहरून बहुन अवर केसी कारमध्य पुरुष चल्ली भारत क्राउम क स्थानानीरमञ्ज्ञ छाछि অনুরাগযুক্ত হয়ে কটাকশ্যত করেন। ভাই বাঁমের চকু খাছে খামা: মনে করি তাঁলের করে এর খেকে শ্রেষ্টতর দৰ্শনীয় বস্তু আৰু কিছু নেই। খার উপর জাদের করে তাঁকে আলিমন করছে।" পুষ্পমান্ত সংলয় ছিল, সেই মনেরত বিচিত্র বসন পরিধান करत क्षत्र, प्रदूरलुक्त, छैरलल, लक्ष, नवीन चाप्तलाव छ। नुष्प-पुक्रमश्चरकत स्त्रज्ञ जिल्लामङ स्थित कर्ज कुका स বলহাম গোপবালকদের সভার মধ্যে অভ্যংক্টরাপে

হংশার পূর্বপুরুষ বাল পাছ্ডলি আনকে অভ্যানলা সূর্যন করছে। বার জাঁতে বাদ জন্মহাত্য করেছে, তার সাত্র মেই নদী জানশোদ্ধান জনুতৰ কৰে এবং ডাই সে বিকলিত পার কুলের ধারা রেমোধ্যের হচে। সে মাধ্ দেংকীনক্ষন কৃষ্ণের পালগন্ধ সম্পান লাভ করে, কুলুজা পৃথিবীর মহিফা বিকার করছে। গোবিকের বেণু প্রবন্ধ करत अञ्चलका राष्ट्र भए हर्रह नुष्ठा करत, जन्म नाश्यरख्य চড়া থেকে জন্ম গ্ৰাণীয় কালের করে করে অভিস্কৃত হয়ে পড়ে। এই নির্বোধ হঙিদীবাই ধন্ কারণ ভারে নৰ মহান্তবের পুরেষ সমীপক্তী হয়েছে, বিনি ক্ষতাৰ অভেরণীর বেশে সঞ্জিত হরে তার বানি ক্রজাতেন। বাস্তবিকট, কৃষ্ণদার সৃগ ও মুখীগণ উত্তরেই প্রণ্যাগর্ণ পৃষ্টির খালে কগবলের পূজা করছিল। কৃত্যের সৌন্তর্য এ ক্ষরতে রমনীসপের নিকট উৎসব-খরাণ। বাভবিক্ট, বেষপত্নীংৰ কাঁবেৰ পতিগণের সংখ বিমানে পরিত্রসংকালে বর্ণন তাঁকে এক পদাক কর্মন করেন এক উন্ন নিৰ্বাধিত কৰ্মীলীত কৰে করেন, ভাৰৰ স্বাধ্যানের গোপিকরো কালেন—"হে স্থিমণ, যে সমস্ত চকু স্থারা উপের হলের ফম্পিনত হয়, আর তাঁরা এড়াড় মোহাজ্য হন যে, ভাষের বেলীবছন থেকে ফুল্ডলি খনে গড়ে এবং ভারের কটিবস্ত নিখিল হয়ে যায় ভাগের উন্তোপিত কানতদিকে পাতের মতো ব্যবহার করে, পাতীরা কৃষ্ণের মুখনিঃস্ত বংশীগাঁডের স্থাদ্ভ পান করছে। পোবংসরা ভাষের মারের স্তুদ থেকে ক্ষরিত মুদ্ধ মূখে পূর্ণ করে স্থিতভাবে অবহান কাছে কো অঞ্চপূর্ণ নয়নে ভারা গোবিদকে তাদের অন্তরে গ্রহণ

"हर प्राप्त, और कहन मकन शकी कृष्टक वर्णानड ক্ষণ কপূৰ্ব কুকশাৰ্যার কালের হয়েছে। চোৰ বন্ধ করে ভারা কেবলমার নিলেকে ভার মধুর বংলীকানি কবা कर दिन क्या क्या कान कान मुख्ये होता आकृष्ठे रहाई गा। দ্যোতা পাছিলেন। ভানের দেখতে ঠিক ব্রহমকে এই সমস্ত পর্কী নিশ্চিতরূপে মহান মুনিগলের সমান করে व्यादिई हो (श्रष्ट) मडेरका मरा मरन राजिन, जात - इरहर हो। अभी धनि संबंध कृरका स्थानी गोठ अस्य करत মাঝে মাঝে জীবা পান করছিলেন। হে গোলীগণ, তখন তাদের হানর তাকে আকাশক করতে তাল পর স্বত্যকাৰে কৃষ্ণের অধ্যাস্থ উপজেপ করে জন্য এই। এবং এন্ডাবেই ভালের লোভের বেগ ভব হবে बन्दी अदन की प्रकारक कार्रात राजुकान करताह अवर वर्षावर्डताल का विकासिक इस करते। अपने कार्यत প্রকৃতপক্ষে ঐ অনুত বাঁপের উপজোলা, সেই জামানের তিনেরাল বান্তা ধারা নদীওকি মুরারির চরণকমল আলিক্ট গোপিকানের জনা কেবলমান্র রস কর্মশিষ্ট রেখেছে: এই - করে এবং জা থানে করে পান্ধ কুলের উপহার নিকোন

ard। श्रमत (वीटवर कियारभत प्रत्याक, क्लाम क লোপ্যালখনের সঙ্গে ঐাকৃক জ্বাকর পারতলিকে চলতে রহতে জনবরত উরে বলৌকনি করছেন। তা ধর্মন করে, আকাশের মেব হোমকার নিজেকে বিক্রর করেছে। সে क्षरंड केट्ड निर्देश निक्क भारत्य कारण भूकामूल्य লাবিশু হারা তার সংখ্যা জন্য একটি ছব নির্মাণ করছে। ক্রাকের অঞ্চলের শবর রমণীরা যখন ঈশব লাল কর্মের _{ক্লমুখ্য}মের বারুর চিহিন্ত পুশ কর্ণন করে, তথন ভারে কালে নাভিত হরে বিচলিত হয়। ত্রীকৃষ্ণের পাদপণ্ডের কর্প ওপাধিত এই কুমকুম প্রথমে তাঁত থিরাপণের ভানে ध्वतिश्व दिल, चात्र नपत्र तमनैत्व ४७२ चारमत बूट्य छ প্রান্ত তা লেগন করে, তথ্য তাতের সমস্ক বৃশ্চিতা ভারে নমিডাগে, করে।"

সধীনাণ, এই পর্বত সোকতা, গাড়ী ও খোপদদ্রে সঙ্গে ক্ষা ও কারামকে পানীয়ে ঋণ, অভ্যন্ত কোমন খাস,

ওয়া, কল, জুল ও লাক-দর্শক —স্থক্ত চলামের धरवाकनीय तन्हि जनवनाक्ष भरतः। अक्षरस्के की भनेष फंपरांतरक अक्षा निर्देशन कराष्ट्र। कृष्य च यहारायही চরণাশ্রমী লাভ কলর জনে লোবর্থন পর্বভর্কে অভান্ত উৎকুরা মনে হলে। প্রির সবীলাগ, গাডীদের আগ্রে চারণা করে, কৃষ্ণ ও বলরাম বৰম উচ্চের গোপবালক সংগদের সঙ্গে ব্যৱহ ভিতর দিয়ে থমন কয়েন, তখন তাঁরা পূপ भारतम् मधा बाटीत्या भिरुत्सः या रकनकारी उच्छ कान करतन। क्षित्रका राजन क्षेत्र करनी कालान, फणन সেই নথুর কানিতে পতিশীল প্রাণীসধান মূর্ভিত হয়ে পড়ে बार प्रतिहीत पुक्रमकल छारवाक्शन कस्निक इएड ব্যকে। এই বিষয়ওলি নিংসলেহে অতি বিভিন্ন। এভাবেই কুলামনের মনে বিভরণভারী পরয়েশ্বর ভাগবালের ক্রীভামর "ভক্তগণের মধ্যে এই সোক্ষরি পর্যন্ত শ্রেষ্ট। 🙉 জীলাসমূহ গরস্পরের প্রতি কর্ণনা করতে করতে ্যোপীগল তার চিন্তার সম্পূর্ণরূপে নিমার হতেছিলেন।"



ঘাবিংশতি অধ্যায়

কৃষ্ণের কুমারী গোপীদের বন্ত্রহরণ

প্রথম মালে গোকুলের কুমারী কন্যাগণ নেবী কাভ্যয়নীর ঘর্চনক্রেড পালন করলেন। সারা মাস ভারা কেবলমার হবিবারে ভোজন করেছিলেন। হে রাজন, সূর্বেমন স্বাচন খফুনর জনে স্থান করে, গোলীগণ নদীর ভীরে দেবী দুর্গার একটি মৃত্তিকামরী প্রতিষ্কা নির্মাণ করপেন। ভার পর জারা থলা চন্দরের মতে। সুগছবৃত্ত প্রথ্য এবং সেই নালা প্রকার উপকারের খারা তারা পূজা করেছিলেনঃ 'হে গেবী কাড্যাহনী, ছে ভগবানের মহালক্তি, হে মহা কৃবেনা ওপন্য করতেন।" ব্যোগপাঠা থারিনী এক পরিস্থানিনী সংনিবস্তা, কর্মাই করে দক্ষ মহারাজের প্রয়কে আমার পতি করে দিন।। তালের বসন একপাশে রেখে বিরে, কুকের মহিমা গাম

বীল কেন্দেৰ গোলামী বললেন—"হেমকভালের আমি আগনাকে আমার প্রদায় নিবেদন করি।'—এই মা মান করতে করতে কুমন্ত্রী কন্যাগলের প্রত্যেকে তার পূজা কর্মছিলন। এভাবেই একমাসব্যাপী কন্যাগ্য ওঁলের ব্রভ शानन करतम अवर फीरमङ का मण्यूर्यकारण कृतक नियश ৰুৱে এবং 'ৰুছ মহারাজের পুত্র আমার পতি হোক' এই क्रकार कानव रहा बनावक्षस्य (पर्वी समक्रित क्रम করেছিলেন। প্রতিবিদ তারা ভোরবেলার **উঠতে**ন। নমে দীপ, ফল, সুপারি, নর-পারব, মুগন্ধ-ফাল্য ও ধুপদায় । পরস্পারকে নাম ধারে তেকে, কারা হাত ধরাধারি করছেম এবং ল্লান করার জন্য কালিন্দীয়ে প্রকারনে উচ্চকুরে

"একদিন ভারা নদীর তীরে এলে, পূর্বের মতেই

করতে করতে জামতে ক্ষলানীতা করতে লাগলেন। र्पार्थ्यक्रप्रथय प्रेम्बर नयस्यम्ब क्रम्यान क्रीकृष् লোপীয়া কি কর্মারলেন সেই সম্বন্ধে অবসত ছিলেন, আর শুনি তালের প্রভেষ্টার পূর্ণভার কল মানের উল্মেশ্যে জাব অন্তৰ্যন্ত সদীদের স্বাধা পরিবেটিত হয়ে তিনি সেধানে আগমন করলেন। কুমারীন্দের বসনসমূহ নিরে তিনি তাড়াতট্টে একটি কাম বুকের রাধার আরেহল করকেন। তার পর, বিনি উক্তবরে হাসতে থাকলে, ঠার সদীপণও উজস্বরে হাসকে লাগলেন, তথন তিনি পরিহাসকলে क्यातीमरभत फेरमरमा रामराम-८१ क्यारीमम् रहायत क्षरिकारणे अचारन करण हेल्ला कारणाता रक्तमारमङ यगन কিরিয়ে নিয়ে বাও। বেহেত জমি কেবতে পাছি কটোৰ ক্রড অনুষ্ঠানের কলে তেমের ক্লড়, ভাই অন্তি ভোমালের সাহিঃ বদায়ি, পরিহাস করছি না। আমি পূর্বে করত विश्रा क्या मनिनि क्या कर वर्ष भागत्नवा का चारू। चर्डन्य, तर भूमधामा कृमातीयन, चनुप्रश करत श्व नर करक प्राचना अकरम ककरड क्रिनेटर करन एकामालन বছণ্ডলৈ ভূলে নাও।"

"কম্ম তাদের সঙ্গে কিলাবে পরিবাস করছেন তা मर्गन करत, रशानीशंग नृपंत्ररान चेख द्वाराव विशव क्रान এবং পরস্পরের হাতি দৃষ্টি নিকেপ করে, উরো সলক্ষভাবে হাসতে হাসতে নিজেদের মধ্যে পরিহাস ক্ষতে লাগলেন। কিন্তু তথত উন্নয় কল থেকে নিৰ্গত হলেন না। শ্রীগোরিদ এভাবেই গোপীদের কাতে থাকলে, তাঁর পরিহাস স্কান্থ সম্পূর্ণভাবে ওানের চিত্তকে মোহিত করেছিল। শীতশ কলে আকঠ নিমঞ্জিতা হরে উল্লে ক্ৰণতে ওক কলবোন। এডাকেই উল্লেড উন্দেশ্য करत दीतां कारमा—दि शृष्ट, प्रभाग करता ना। कामा क्षानि दक्ष, एवंद्रे महत्त्वत्र ज्ञाननीत जुज अवर हरकार नेकरनोह ভোষাকে সম্প্রন করে। স্থান ক্ষান্তব্যক্ত প্রকার স্মনুত্রত করে আমাধ্যে যত্রওলি আমানের ফিবিতে থাও। এই দীতল হলে আমহা কশিত হাই। মে শ্যামসুসৰ, আহর তোমন বাসী এবং ভবি ক কারে ডা ককাই ক্ষরত। কিন্তু আমাদের বস্ত্রতালি আমেদের কিবিরে পাও। ধর্মীর নীর্নিতভলি কি তা ত্রনি অংগত এবং বাদি তুনি **१**२७कि कामारख रिविट मा गांव, क राम कामग्र क्षेत्रीटक बर्ग (कर) चनुसर करे।"

প্রক্রেকর ভাগরন বলকোন—"কোমরা কুমারীগুল লাভ প্ৰকৃতিই পৰামান গানী হয়ে আৰু এখা আমি বা কাল জ র্মাণ জেন্দর সাঁতাই কর, তা হলে তোমানের সঞ্জা সাহ নিয়ে এখানে এব আৰু প্ৰতোক কুমারী ভার নিজেন ব্যৱ নিয়ে থাও। আমি আ কপাঁছ গো খনি তোমবা না কর আ হলে তোমালো আমি তা কেনত দেখ মা। আহ सामा विशे कृष्यव इस, किनि कि काएक भारतन ।"

"ভারণৰ, ক্লেশহারক দীতে কাপতে কাপতে কুমারীপ্র জাদের হাত নিয়ে জাদের পোলালার च्याकाञ्चित्र करता साम (थाएक फैट्टेर अरामन)। शहरसमाध ভাগৰান কথন কাৰ্যনেহত গোপীগপকে দৰ্শন কান্তোল, তথা তিনি ঠানের তার প্রেমান্ডানের মারা সভাই ম্যালের। ঠানের বল্লসমূহ নিজের ক্ষতে স্থাপন করে, ভগবান হল চেলে প্রীতি সহকারে ওঁলের কালের—তেয়েরা ভূমারীলর হতপালন কালে মধ্য হয়ে তান করেছ এখা সেটি নি:সংখ্যার দেবতাদের প্রতি একটি অপরাধ। তোমাদের পালের প্রতিকারের ক্ষর ধ্যেমানের মন্তব্দের উপরে হাত ক্ষেত্র করে প্রোমানের প্রভার নিবেদন করা উচিত। ভারনর ভোমরা ভোমালের অধোবলন কিরিয়ে মাও।"

"একাবেই বৃশ্বেনের অস্তব্যক ক্ষাত্রীগণ কণ্ডার অন্তঃত জিলো বা বলেছেন আ বিকেনা করে স্বীকার করলের বে, নদীতে কয় হয়ে আন করার কলে উাজে প্রত ভাল হবেছে। কিন্তু তবুও তারা তালের এত সাকলক্ষেত্ৰক ভাবে শেষ কৰাৰ জন্য আকাঞ্চা করাইলেন, মার বেহেড় জীকৃষ্ণ স্বরাং সমস্ত পুণাকর্মের চভাপ্ত কলস্বরূপ, ভাই ভালের সমস্ত পাপ পরিমার্কনের कर्मा फीरक शनाम निरंत्रान करणान। फीरमध ब्रोधारा প্রশত হতে কেনে, পরশোধার কগরাম মেনকীমালন উদের প্ৰতি কৰুৱা অনুভৰ করে এবং তাঁলো আলমণে সম্বট হুলে, ভাঁছের বন্ধওলি ফিরিলে দিলেন।"

্বিশিক খেলীয়া সম্পূৰ্ণজন্প প্ৰবাক্তা হয়েছিলেন ভানের ক্ষান্তা থেকে র্যান্ডা হারেছিলেন এবং খেলার প্ৰভাৱৰ মাণ্ডা আচৰণ করেছিলেন এবং ব্যথিও উদ্ধেৰ বস্তুওলি অপহাত হয়েছিল, তবুও কাল্লা ক্ৰেন্স প্ৰতি অসুরাভাবাপর হনমি। বয়ং, ভারের প্রিরতমের সঙ্গে মিলিত হ্যাত এই সুখোগ লাভ করে তাঁরা কেবল অসম্পিত হতেভিকেন। পোলীগণ ওঁমের প্রিরতম কুঞ্চের

we spring अनुस सामान श्रीव नएकविद्यान असर अस्ताहरूके কল জালা উল্লা মোলিত ছবেছিলেন। তাই, উপ্তৰত রবসমূহ পরিধান করার পরেও টারা চলতে লাবলেন না গার হাতি সালক দৃষ্টিপাত করে, ইন্যা বেখানে বিজেন क्षात्रको कारक विद्यास्थित ।"

শ্বরালীকের কটোর ইত পালটোর সময় পর্যাত্তর স্থাবান জন্মত ছিলেন। উপৰান আৰও অধ্যাত ছিলেন বে, কুমারীরা উরি লামছত স্পর্ল করার করা করার কারন, আরে তাই ভগবান লায়েনের কুলা ঠানের _{বাশ্যে}ন--তে সাধ্বী কুমাতীগল, এই ভূতের গুলাভ অবলাই সেটি সভা হৰে। জানের চিত্ত আনতে নিশিষ্ট क्यारीतान, अन्त एकामका इसमें किया प्रांत । स्थानकान রামনা পর্ব হয়েছে, কারণ জামার সংকর মাধ্যমে কোমরা। ব্রামারী রজনীতনি উপভোগ কব্যব। হে সহীগণ, পালানের এই উলোপার ছিল 🗗

কাতে করতে বৃশাধন বেকে কেশ সূত্রে গমন কর্তেন। এলে ছাই বংগাছিশন ^ল

সূর্বের উল্লাপ কথন তীর কল, ভথন প্রীকৃষ্ণ দেশপেন কে, পুৰুষ্ঠান উচ্চে স্থায়া প্ৰথম করে স্কান্তৰ মতেল কর্মে এক তাই তিথি তার বাল্কসবালের একাবে ্বলালেক-ত্র জেককার ও বাংও, হে জীপালা, সুবল ও धार्तन, तह तृषठ, ६३४थी, तन्त्रत्रपु ६ व्यवस्थ, उद्दे प्रशे ্সেক্তাল্যান ৰুক্ষসমূহ সপনি করু, বাবেণ ক্ষাবন সম্পূর্ণকরে অপরের ফলকের জন্য উৎস্থাক্ত। এমন কি বাহু বর্জ, তাল ও চুবার সন্তা করেও তারা এই সমস্ত উলাস্ত্র থেকে আয়ানের ক্লো করছে। দেব, বিভাবে **ंडे** कुम्पर्शत शिक्षि भीतरक श्लावन कररहा। शालव ক্রমেল্য বে আমাকে অর্টনা করা, মেটি অবি জানি। স্কল্প সকল। তানের জাররণ রিক মহাপুরুবের মতো, ভোৱাৰের সেই উপেশাটি জাহার দায়া অনুনোলির এবং জারণ হাচের কাছে কোনও কিছু প্রার্থনা করে কেউ নিবাশ হয়ে ফিডে বার না। এই বৃষ্ণওলি ভালের পর, संक्रमा वाजन देखिए-इंडिट क्रेमी केंश्रीटक कराजा किएक । लग्न ७ करान्द्र क्रांब, फारम्य क्रांत, धूम, रुकम ७ कार्जन রাজিত হয় সা, ঠিক বেমন করেল ও বালা করে করে। হয়ে এবং ছা ছাঙা ভারের বার, নির্মান, ডাব্র, ইত ও প্রমাধ্যমি থেকে আর নতুন আহুর উৎপদ হয় না। ছে। আহুর হাল্লা সকলেরই ভারনা পূর্ণ করে। জীকে, নাই, ্বর্গ, বৃদ্ধি ও ক্রেয়ের ছারা অপরের উপকারের জনা কন্যাশ্যালক কলেনা অনুষ্ঠান করা প্রতিটো জীকের কঠবা। बकारवेरे अवश्वाद, कन्। शुक्त व श्वाममुद्दात जाहार्यंत মোটোৰ উপত্ন প্রভাষাদের দেবী কাল্যাকনীর পূজাকে করা অক্তে বাধানিনিট কুমবাজির মধ্য নির্দেষ নির্দেষ্ট করে প্রীকৃষ্ণ ব্যবহা উপস্থিত হলেন। গোপবালকের ব্যবহার প্রীন শুক্রমের গোস্থামী নাল্যন—"গরমেশ্র স্বাস্থা-শীতন ও স্বাস্থান্য আন সাভীমের খান করাকেন। ভগবাঢ়ের মারা এতাথেই দির্দেশিত হরে, পূর্ণকরে। হে মহারক পরীক্ষিত, সোপবাদকের নিকেরও পূর্ণ ইতি কুমারীখন সর্বন্ধন উরু লামলকার ধ্যান করতে করতে। সহকারে সেই সুস্থানযুক্ত জল পান করকোন। তার পর খবি কটে নিজেন ব্ৰছে বিধা গেলেন। ভিত্তাল গৱে । যে বাছন, বহুনার সমীপবর্তী উপধ্যে গোলবালকেরা দেৰবীয় পূত্ৰ জীকৃষ্ণ উন্ন পোপস্থাদের হাত্রা পতিব্ৰত । কেন্দ্ৰ ইচ্ছ পতচালে করতে শুরু করকেন। কিন্তু শীয়ই इटा जन होता (कार्ड वांस्ट केन्नाइम महरू मानसम् हेस्स कुमा नीकिन इत्यन जन्म कुमा है समाहास साहरू



ক্রয়োবিংশতি অধ্যায়

ব্রাহ্মণপত্নীদের প্রতি অনুগ্রহ

লোপবালকোর বলকেন-"(ছ রাম, রাম মহাধাছো। ए पृष्ठ बस्तकादी कृष्ण। भाषता कृषा भीक्ष अन्तः बार करा एकपारमञ्ज किह करा छेडिछ।"

484

ইলৈ ক্ষমেৰ লোকাটী কালেন—"গোপবালকনে স্বারা অভাবেই প্রাবিত হয়ে, পরফোর ভাষরন দেববীস্ত তার কতিশার ভক্ত ব্রাক্ষালয়ীখেন সম্পন্ত করতে ইচন ৰূৱে এভাবে বলগেন--'বেলজ ব্ৰাহ্ণাখণ বৰ্গে উল্লীড হবার ক্ষন্ত বেখানে এখন আলবন ব্রের অনুষ্ঠান করছেন, অনুত্রহ করে তোমতা সেই বচ্চাস্থলে যাও। হে প্রিয় খোপবালকথণ, ভোমার যাধন সেখারে পায়ন করাবে, উখন কিছু আৰু প্লাৰ্থনা কলবে যাত্ৰ। তালের কাছে গিয়ে আমার কোঠ প্রত্যেশর ভগর্ম কর্মার এবং আয়ারও নাম জাপন করে বর্ণনা করবে যে, তোমরা আমানের কাই কেকেই নিপ্রেছ।" পরমেশ্বর ভরষান হারা এডাবেই নির্দেশিত হয়ে, গোলবালাকের সেখানে গ্রহন করে তাঁলের প্রার্থনা নিবেরণ করলেন। তারা ব্রাহ্মণদের भागतः दिनीत्रसातः कारकार्धः क्लास्थानं स्टब्ब अवर एक পর ভূমিতে পতিত হরে সংখ্যা জারকেন।

ेह्र सुरम्बन्धम्, खाँमाएम्ह कथा मदम् करूमः। खाँमरा লোপবালকেয়া কৃষ্ণের নির্মেশ পালন করছি এবং আমরা এবানে বলবামের মার্য প্রেরিড ইরেছিঃ আমরা জ্যপন্যদের সর্বাচীশ মঙ্গল কমেনা করি। অনুগ্রহ করে আমানের উপস্থিতি স্বীকার করুন। অনুবেই সীরাম ও শ্রীপ্রকৃত ভাষের গোচারণ করছেন। তারা কুণার্ভ এবং চাইছেন বেং আপনারা তাঁদের কিছু আর দান করন। चार्डाक, दर जाकनका, दर द्वांके धर्मकान, व्यानगासर যদি সদ্ধা থাকে, তা হলে তাদের কিছু আছ গল করুল। যার অনুষ্ঠানের দীকাল্লহণ ও প্রকৃত প্রকলির মধ্যকতী মার কটোড, হৈ কম্বস্তম ব্রামাণক, অকন সৌরোমণি শ্রন্তা অন্তাহ ক্ষে দীকা গ্রহণভারীয় বল্লাহণত দুক্ষীয় নর 🗥

<u>"ব্রাক্ষণেরা পরবেশ্বর ভাগরানের থেকে এই বিনীত ।</u> প্রার্থনা প্রকা করেন, তব খালা কাতে কর্ণপাত করকেন - কিনীতভাবে উল্লেখ কলেন 'য়ে জানী প্রাত্তাব-পদীশা

মা। বস্তুত, তাঁরা ভূপ্ত বাসনাবৃত ভিরেশ এবং প্রমান ধ্যীর আচার অনুষ্ঠানে আবদ্ধ হিসেন স্থাদিও শুরু নিজেনের বৈদিক জানে উহত মনে কবতেন, প্রকৃতগঞ্জে ওার ছিলের অন্তিজ মূর্ব। বদিও বজানুষাক্রের সকল উপাদল- স্থান, কাল, চক্ত, ইন্ডান্নদি ভিন্ন ক্রিয় হব্য, হয়, एक, भूद्रवहिंड, चार्च, एरवज, रक्तनम, रख. निर्देश करः जरून बारुकार एन--- मध्य किट्टे योत केट्रिय कर সেই ক্ষণবাদ জীকুকান্টে প্রাক্ষণথর জীলের বিকৃত ব্যক্তির काराप अकसार माध्यम मनुवेकिए हे धर्मन क्यासार তিনি ৰে পর্যাতব্, প্রত্যক্ষভাবে প্রতানিও পরবেশন ভাগনৰ, বাঁকে ৰাড ইঞ্জিয়েৰ যাত্ৰ সাধারণত উপল্পত্তি কল মান না, তা ধ্যমবজন করতে তারো বার্থ হরেছিলেন। এইভাবে উদ্বেখ্য কেইডিয়ান কৰা বিষয়ে হয়ে ঠাবা উচ্চত ববাহণভাবে সমান প্রদর্শন করেননি। দ্রামাণভা হার সহবা উচ্চত হ্যা বা না কিছুই বসলেন বা জে প্রচায়নকরী [পরীক্ষিব], ভাগন গোপনালকেরা নিবাপ एटम क्या के ब्राह्मत कार्य किरत बरनाम अन्य कार्यक कराइ नमल विक् वर्गना करातन। जमक चंडेना अस्त करा পরমেধা ভাগান, স্বাদীখর কেবল হাস্তান। তার পর তিনি প্ররায় গোপবালকবের উল্লেখ করে এই ছগতে মানুষকের করণীর পদ্ম উচ্চের প্রদর্শন করে বললেন।"

क्षिक वारत्य-"डाध्यय-महीरम्थ भगरर (ए, শ্ৰীসভৰ্যনের সঙ্গে আমি এখনে উপস্থিত হবেছি। তার ব্যবস্থাই ভোলনা যত চাও কত বার ভোমানের প্রদান কর্ত্তের, কারণ খারা আমার প্রতি ক্তান্ত বেহারারণ এবং সাভাবিকগকে, উয়েন্ত বৃদ্ধিমতার দলা উরো কেবল चामारक अवस्था क्यास्था आकन-नदीशन द्यमात **অবস্থান কর্মার্ডলেন, গোলবাসকল্য করন সেই গুটে ^{ক্ষম}** করকেন। সেখানে খালকেনা সুখনা আলহাতে শোডিত হয়ে সেই সাধরী প্রীনগতে বলে বাকতে দেবগেন। ব্রাহ্মণ-লড়ীগণের প্রতি প্রকৃতি নিক্ষেত্র করে, বাশকেরা

আলুনারের প্রতি হাণতি নিবেদন করি। ছরা কারে ক্রমানের কথা জব্দ করন। অনতিপুরে বিচরপরত প্রাক্তিক ভারা আমেরা এখানে প্রেরিও ইরোছ। খোচারণ saca ৰক্ততৈ তিমি গোপবালকথণ **ও হী**কোন্ডমের সঙ্গে বানের পুর চলে এলেছেন: একা তিনি পুধার্ত, ভাই uton et क्षेत्र अमेरिक्ड क्षाना किन्नु क्षात शामन क्ष्मार " লভাৰ-পদ্মীগৰ কুমাকে দৰ্শন করতে সর্বল আগ্রতী

भारतन, कादण कील विकास्तात पाता कीएमत कर केलाहिक প্রার্থিক। এতিতেই তার আগমনের কথা প্রথণ করা য়ানট বাঁরে ভাততে করা হয়ে পাড়লেন। মলীগুলি বেয়ন সময়ের বিকে প্রধাহিত হয়, সেভাকেই বৃহৎ ভোজন enterfero সুমাধু ও সুগামুক্ত চতুৰ্বিধ বালুলামন্ত্ৰী সঙ্গে Des. স্থাল স্থীগৰ জনের প্রিরজনের সংখ্য সংক্রাতের উদ্দেশ্যে প্রভা করপেন। নীর্যকল প্রীকৃত্তের অপ্রকৃত এবাবলী প্রবংশা কলে তাঁদের চিত্ত আসভা হওরার, केरफेब नकि, वाका, नूज के बानामा कक्षनामर करता মিকসোহিত হওয়ে নকেও, তীবের কৃষ্ণ-স্থার্গনে **আ**লা हातकिन। यस्य वसीत मरमध करनाक गुरकत ্ৰহণপ্ৰৰ সুশোভিক উপবৰে গোপৰালকবেৰ স্বাৰ্থা হৈছেল।" পরিবেটিত ও তার জ্যেত হাতা ফারামে সহ বিচরপদীল श्रीहरू रहेड्डा फर्नाट कडाइमान। जैसा शहरवर्ग विम नहाम अवर হলা বিল গীত। লিখিপুছে, খর্ণাময় গাড়, গহাৰ এখা ক্রমালা ও পরস্কল ধারণ করে তিনি মটবনের মতে। স্মাতির মিলেন। তিনি এক হাত তারে সধার ছব্ছে शास्त्र कटड, काम इनक रिया अंगति नव मकानन ভারিকেন। উর্বে কর্ণকরে উৎপল শোকা পাছিল, তাঁর কৰোকে কেলবাম স্থানিক এবং তাত মূক্তৰ মৃত্ হাসাবৃষ্ণ বিল। হে মধ্যেন্দ্র, দীর্ঘকাল করং সেই প্রাক্তণ-গ্ৰহীগৰ ঠানের প্রিবতন শ্রীকৃত্যের ধর্মা রাখন করেছিলেন এবং উল্ল মহিনা ভাষের কর্মকরের ভাষারক্রণ ইরেছিল। বাড়বিক্ট, উাদের মান সর্বদাই তার প্রতি নিকার পাকত। র্ডানের বছনের বছনাতে এখন জারা ভাষের ক্ষাবের অভানতে ভাকে প্রকেশ করিতে দীর্ঘকণ আনিসন করেছিলেন। ভারপেশে একানেই কানের নিরছে। সঞ্চান উমা প্রিভাগে সংগ্রহিলেন, ক্রিক বেরন বুনিকর উাদের व्यवक्रियादक व्यक्तिकत्त्व वाता विचा चारकारक उरुकी পবিতাশে কৰেন।"।

"কিচ্যুত সমস্থ জাগতিক আলা লহিভাগে করে কেবল উত্তে ধর্ণনের জন্য নেই স্থীগদ দেখানে এনেছিকেন, সভার প্রাদীর চিগ্রাগরের সার্ভারেরণ উল্লেক তা জানতে পেরেছিলেন। ভাই তিনি সহান্য বদলে ভানের এভাবে ক্যানে—হে সেভেলাবভী ব্রীগেশ, স্বান্ত। উপবেশন করে ছোনতা বিভাগ প্রবৃথ কর। তেমিতের এন্ড আমি কি করতে গাবি। আমাকে দর্শন করতে ভোজন যে এখানে এলেছ তা উপযুক্তই হয়েছে। राजा जिल्लाएक अक्टरेंट बार्च अर्जन कन्नएस चारतन, निज्ञास्मरहें সেই কৰু যাজিলৰ প্ৰত্যালকাৰে আমাত্ৰ প্ৰতি অহৈ টুকী ও অপ্রতিক্রতা ভব্তি সম্পাদন করে বাবেন, করেব আমি আর্ম্য করের প্রিয়া। কেবলমার আত্মদ্র সঙ্গে সম্পর্কের करनीर कारत शाम, वृष्टि, यम, क्यम, एवं, डी, गडान. ধন ইত্যাদি প্রির হয়ে ধ্যকে। অতঞ্জব কারণ নিজের আন্তার চেবে আর কি বস্তু সপ্তাবক অধিকতর চিন্ন হতে দারে ভটি ভোরাদের খ্যাস্থলে কিরে কাওরা উচিত, কারণ বোনায়ের জানী ব্রাক্ষণ শতিগণ গৃহস্থ এবং আন্দো নিজ নিজ বৰু স্মাধির জন্য ভোরাদের সহায়তা

ব্রাহাধ-পারীরাল উত্তর করলেন-"হে নর্বদক্তিমান, क्रमुख्य करते अक्रम निर्देश काका कार्यक था। वर्षः আগমি যে কর্মনাই মতা করে অংশনার ভজাবুলের সংস ভাৰ বিনিয়াং করে বাকেন, সেই প্রতিকা আপনার প্রাণ করা উঠিত। এখন আমেরা আনন্তর পানপরে উপস্থিত शरहरि, जानहा (क्लाधान अपास्त अपे कहरिए करियान ৰয়তে ইজা করি যাতে আমরা আমাণের মন্তর্কে আপনার পারণতে অভ্যান্ততে প্রথম্ভ কুলনীয়ালাটি কাম কান্তে পারি। আমরা সমস্ত রুকম আগতিক সম্পর্কওলি পরিবালে করতে প্রপ্তত। আমাদের পতি, শিকা, সন্তান, প্রভা, অন্যান আতীরবর্তন ও বছুগণ আমানের আর কিবিৰে নেৰে খা, থা হলে কৰা খে কাৰ কামানেৰ আনো নিতে ইয়াক কৰে? ভাতএক, যে অনিশয়, গেছেড আম্বা ক্ষণনার চরণকমতে পশ্চিত হতেছি এবং আমানের অন্য আরু কোনও খণ্ডি নেই, দরা করে অমানের খাসনা क्षशुरक्षका क्षत्रम (*

পরকরের ভাষরান উত্তর শিক্তা—"তোমানের পতিরুপ এমন কি জোমামের লিভা, ভাঙা, পুরু ও অন্যান্য

काबीवरकम के माधारण धानवकम ट्वाधारणय श्रीह শক্তভা ভাষাপত্ন হবে না, নিশ্ভিত থেক। আমি নিভেট এই অবকাটি সম্বন্ধে ভাষের উপাদেশ প্রদান করক। ভারণা, দেবতারাও তালের অনুমোদন বাত করবেন আমার হৈছিক সাহচবৈ ভোমানের মর্যাণা অভনাই এই স্কাশতের পানহাবের সভাই করবে না, আরার গুড়ি প্রেম নিকশিত করার ক্ষমা তোমালের গালে এটি ভোঠ প্রচার মন। বরং আমার প্রতি ভোমাদের মন নিবিষ্ট কাং ভা ছলে অভি শীয়াই ভোমরা আমাকে লাভ করবে। আমার সম্ভৱ প্রবণ, প্রায়ার বিপ্রকাশ করি, জ্যানাকে ধান ও আসার নাম ও ওপমহিমা কীঠেনো তলে আমার প্রতি ৰে প্ৰেছ বিকশিত হয়, ভা আছাত্ৰ সমিকটে অবস্থানের ছারা হয় আঃ ঋণ্ডেমে। ভোমানের গুরু ফিরে বাও।"

শ্রিল ওকদেব গোস্থায়ী বললেন—"এভাবেই আর্নিট্ট হলে, ব্রাহ্মণ-পদ্বীগদ ফলছলে ফিরে গেজেন। ব্রাহ্মণপা फैरानर केएमर कानकन साम सर्वाउ (भारत) ना अरः পান্নীয়ের সালে উরো বন্ধ সম্পূর্ণ করলেন। লেখানে একমান স্ত্ৰী তাঁৰ পঠিত ছাতা বলপূৰ্বক ভাবৰত চয়েছিলেন। তিনি **যখন অন্য**দের মাধ্যমে খরমেশ্বর ভারতান শ্রীকৃষ্ণেয়া ফর্ননা প্রকাশ করলেনা, ভারন তিনি উল হাৰতের অভ্যাল ভাকে আলিকা করে ভাগতিক কার্বকলালের বছনবক্তাপ ভার জন্ত শেহটি পরিভাগে কালেন। পর্যোক্তা ভাগবান গোবিদা গেই চড়বিঁগ আহের ছারা গৌপবালক্ষেত ভোজন উন্নামেন। ভার পর সর্বশক্তিয়ান ওগবান করা সেই আ ভোকন করলেন। প্রভাবেই প্রয়েশ্বর ভগবান তার জীলাবিলাস সম্পাদনের শ্বনা সন্দের মতো আৰিউত হয়ে যানব-সমাজেত আন্তরণ অনুকরণ করেছিলেন। তিনি উলা সৌকর্ব, বচন কার্যকলালের ছারা তার গাড়ী, সোধসবা ও লোপবালিকাদের সম্ভূষ্ট করে আনুক্র উপভেগ্ন करद्रक्तिका ।"

"ভার পর প্রাক্ষণেরা ভারেন্দর চেডনা কিরে পেয়ে অনুতর হতেছিলে। তারা ভেবেছিলেন, "আমরা পাণ করেছি, করেণ কামরা লগতের দুই ঈশবের প্রার্থন। ধ্বপ্ৰাছা করেছি, খালে হলনা করে সাধারণ বানবের মতো আবিউত হয়েছিলেন ৷ পরক্ষেত্র ভগরন শ্রীকৃষ্ণের প্রতি ঠানের পরীক্ষে ৬%, অপ্রকল্প ছব্দি লক্ষ্য করে কর

নিজেনের ছবিভাইন দক্ষী করে, ব্রাক্তপার্ল অত্যান্ত স্কাতাল त्वाथ करत जिल्लाहरू जिल्ला करण्ड शामदलन । शामाजन जिन्दिक सन्ता, भाषाहमत जनकर्रात हरू ने सामाराज विकरः জ্ঞান্ত্ৰ বিবা) থিক আমাংসৰ সম্ভাগ্ত কলে-পৰিচয় এবং सरकार आहात-अनुकारम भक्ताआ। धाँ मानक किन्ने किन করেব আমরা অংশাক্ষর উৎবাদের প্রতি বিশ্বব ভিলার। পরখেশর ভগবালে জ্যানিন্ডি নিশ্চিতভাগে জেইচন্ত্রত মোহিত করে, তা হলে জ্বমানের জার কি ফোরে জারে: ব্রাক্ষণরূপে আমাদের সকল শ্রেণীর মানুবের গরেমাতিও कार्रार्थ बर्टन करा इस, उन्ह आधारम्य निरमास्य মদুত সার্থ সাধ্যে আধ্যে আহিত হয়েছি। দেব এই রফ্টীরণ সমগ্র জনতের ওক শ্রীকুকের প্রতি উল্লেখ অসীয় শ্রেম বিকলিও করেছেন। এই প্রেম ওঁলের সেট মৃত্যুবন্ধন—পারিবারিক জীবনের প্রতি ভালের আসতি ভিন্ন করেছে। এই নারীগণের কথনও উপন্যানটো না অবে হয়নি, ভারা রক্ষচারীক্ষণে ওক্সর আক্রমে বাস করেনি, তারা ক্লেন্ড তপশ্চর্যার অনুষ্ঠান করেনি, জন্ম আহার বৈশিষ্ট্য সম্বাহে বিভার-বিরোক্ত করেনি, ভৌচানত অথবা পূপ্য ধর্মীর কাচার অনুষ্ঠানেও বুক্ত নছ, ডবুও উভ্যয়োক ও কেলেবরেরও ঈশর শ্রীকৃষ্ণের প্রতি ভারের ণ্ড ভক্তি সংবাছে। পক্ষান্তরে, এই সমস্ত প্রক্রিয়ার অনুষ্ঠান করেও ভানবানের প্রতি আমাদের এরাশ ভরিব মেই। বাস্তবিকই, আমনা গৃহ সংক্রান্ত বিষয়ে মোহিত থাকার ফলে, স্বামানের জীবনের প্রকৃত উল্লেখ্য থেকে नभ्यानिकास निकार स्टाइडिश क्रिक अध्या (समूम और सहस গোপবালকদের বাকোর মাধ্যমে কিন্তাবে ভগকান প্রকৃত সক্ষান্যথের পরত প্রতি জামানের ^{ম্}রন্থ করিকেছেন। অন্যথায়, বার প্রতিটি বাসন্য ইডিপ্রেই পূর্ব হয় এবং বিনি মৃতি ও অনু সমঙ্ক আশীর্নাদসমূহের বিধাতা সেই পরম নিয়ন্ত্র থেন তার ছারা সকল সময়র নিয়ন্ত্রিত আমানের সঙ্গে খুগনা কবকেন। গুলা পাদপথ স্পর্নের আশাস, অন্য সকলকে পরিত্যাগ করে এবং উমি দর্ব গ চাক্ষন্য পরিহার করে সামীদোবী নিরন্তর কেবল তাঁওই উপাসনা কবেন। আৰু সেই তিমি প্ৰাৰ্থনা কৰণে তা ইভাকের কাছে নিংসংখনে বিশ্বয়কর।"

"প্ৰিন্ত স্থান, খাল, বিবিধ মুখ্য, বৈদিক মন্ত্ৰ, নিৰ্দেশিত আচারসমূহ, পুরোহিত, ফলান্নি, মেবডা, বন্ধখনে, বংকর নোৰেল্য ও প্ৰাপ্ত পুৰ্বা-ফলন্ত্ৰত -- জন্তৰ সমস্ত কিছুই তেকা ঠার ঐশর্মের প্রকাশ মান। খনিও আমরা মান্দ করেছি বে, সমস্ত যোগেবরগণেরও ঈশ্ব হ পরসেরত ক্রান্তা জীবিক মানুপো জনতাল করেছেন, তর জামরা 1000 पुर किलाब (प. श्रीकृषक एक बढर दिनि का सहस्रक চিনতে পারিনি।"

শ্বামরা পর্যেশর তগবান জীকুমত্ত্ব প্রধান নিবেলন अति। कीव धृष्टिमका मकारे स्मारकक एव गा. कार লাইবট উল্ল মানাশভিতে বিবাত হবে, কেবলমার সভায়

कर्यरार्थं स्थल कर्राइ। स्टाराह शिक्षका प्राप्तानिका ধারা মোহিত ছিলাম, ভাই আনিন্তাৰ ভাগৰাবাবেশে তাব शकाय कामहायम करएड माहिति। अपन चान्यत चानी করি, কুলা করে তিনি আমালের অপরাধ মার্কনা করতেন। এডাবেট হুমান্তে আংকেলায় ছায়া কৃত পাপ স্থাপ করে. ঠাকে দৰ্শদের জন্য উল্লেখনেত আগ্রহী হলেন। কিন্ত রকো কংসের ভারে ভারে রক্তে গামন করতে সাহন क्कश्यम मा।"



চতুর্বিংশতি অধ্যায়

গিরি-গোবর্ধন পূজা

জ্বল ওকাষের গোলাই। বলকো—"জার জভা কিন্তু নিজমতাকারীকে নিজমণে বিষেচনা করা উচিত। ব্যাণেবের সঙ্গে সেই স্থানে অবস্থানকালে জীত 🗱 বেশসের বে, গোপদার ব্যক্তভাবে ইভারমের আনোচন ক্র_{েল}। স্বতি প্রনার হয়ে, প্রশেষ ভারন ত্রীকৃত ইভিশ্বেই পরিছিতি বিষয়ে অবসত ছিলেন, কিছ তবুও তিনি উঠা নিতা নক মহারাক প্রমুখ বৃদ্ধ খোগাদের কথে বিনয়ভাবে শ্ৰহ করনেন। হে শিশু, এই যে অপনামের বিশ্বল উদ্যোগ কিসের খন্য ভা মহা করে আয়ার মিকট কৰ্মনা কৰুমন। কি উদ্দেশ্যে আ সাধিত হতে। এটি খনি একটি ধর্মীয় বন্ধ হয়, তা হলে কর সন্তাই বিধানের नरका अवर कि छेलारा का अञ्चा २ए७ शकाहा दि পিন্তা, পরা করে আহাকে এই বিষয়ে কলুন। স্থা জানার ক্ষাই স্বাহার কাডার আকাঞ্চা ইটেছে এক সভাব আন্তবিকভাবে তা শুনতে গ্রন্তত। সংগ্রাণ বাঁলা অন্য रूपम्हरू विद्वारम्य सम्बद्ध वर्षम करना, वीरमव 'जामार' র্য 'অন্যেম' এলেপ ধারণা নেই এবং খাঁরা কে মির, কে শক্ত আৰু কে উমাসীন আ বিকেনা করেন না, জান নিংস্কেহে কোনও কিছুই গোপন রাখেন না বে নিয়ণেক, ভাকে শত্রন মডে। বর্জন করা থেতে পারে।

এই লগতের মানুবেরা বখন কর্মানুষ্ঠান করে, তখন কংসত কৰমও ভাৰা আমে যে, তাতা কি কবছে এবং কৰনও-বা তা স্কানে না। সভা স্কানে কে, ভারা বি করছে, ভারা কর্মের সাকল্য লাভ করে, কিছু খন্ত স্থানেরের ডা পার কাঃ আপনালেঃ এই ধর্মীর বাচারগত উদ্যোগ সহছে স্পষ্টভাবে জামাধ কাছে কৰ্মনা করা উচিত। এই অনুষ্ঠানটি কি শান্ত্রীয় নির্দেশের উপর প্রতিষ্ঠিত অধবা সাধারণ সমাজের একটি প্রথা মারং"

লৰ মহাসাৰ কালেন—"ভগৰান ইলা সৃতিৰ নিয়ন্তা। মেখসমূহ জার ব্যক্তিগত প্রতিনিধি এবং ভারা ফলেকভাবে বৃষ্টির জল সরবল্লছ করে, বা সমস্ত প্রাণীর প্রতি করি जीवनगरी गाँक अभा कदा पाएक। १६ क्टर, (क्टन) व्यायहारी गरे, कताना वर प्राप्तवन दृष्टि श्रमानकाडी হেছেনের গতি ও উত্তরস্কর তাকে পূজা করে বাকে। আম্মা টারই বৃষ্টি বর্ষণ স্বাল্ল উৎপর শস্য ও অন্যান্ড লকার প্রবা তাঁকে নিবেদন করে থাকি। ইচের জন্য অনুষ্ঠিত হরের কবলিটাংশ রহণের হরে মানুব ভালের জীবন ধালে করে এবং ধর্ম, কর্ম ও করে-এই ত্রিকা সম্পানন কৰে। একাৰেই জনবান ইতাই উলমী মনুদেৰ পথ্য কর্মকলের কলা লাগ্রহান্ত প্রতিন্তি। এই ধর্মীয় मैर्गिठ विश्वदेशाचा चंद्रण्यास केच्या प्रदेशके । यस्य कान, **হৈব, ভার অংবা লোভবলত ভা পরিভাগে করে.** ভারা মিশ্চিডভাবে মৌডগো লাভে বাৰ হৰে।"

(संस्थ) दश्य छोड़ निष्ठा यस च स्थाना ग्रास ব্রথবাসীগণের কথা প্রবণ করকের, তথন ইত্রের রেনধ উৎপত্ন কৰাৰ কৰা ভিন্নি ভাৰ পিভাৰ উদ্দেশ্যে নিয়েকভাবে কালে।"

ভগবান প্ৰীকৃষ্ণ কণলেন—"ক্ৰীৰ কৰ্ম প্ৰভাবেই ক্ষাংগ্রহণ করে, এবং কর্মের স্বার্লাই কেবল লে জরে विनारलक अन्यूरीन इसः छात्र भूव, धूरव, धत्र अवर নিরাপস্তা-বোধ সহ কিছুই কর্মের কলক্রেল উৎপান হয়। ক্ষপত্রের কর্মকন প্রদান্তা কোনও পর্যয় নিয়ন্তা খুদি খাকেন (অনুমান হয়), ভা হলে জাকেও অবলাই অনুষ্ঠানকারীর কর্মের উপর নির্ভর করতে হয়। কই জেক, কর্ম অনুষ্ঠিত। মা হলে কর্মাল প্রদান করার কেনেও প্রদাই আর্কে না। এই সগতে শ্রীবেরা ভাগের নিশ্র নিশ্ব নির্দিষ্ট প্রারম্ভ কর্মাণল খ্রোপ করতে বাধ্য হয়। বেহেড জনুষ্টার। স্থানভাতে ভাষা ইন্ত কোনভাবেই পৰিবৰ্তন করতে লাক্তে ব্যু ডা ইলে বানুহ কেন তাঁকে পুৱা কংৰে ৮ প্রত্যেকেই মের নিক স্বভাবের নিজ্ঞাবের অধীন। সমস্ত দেবতা, গানৰ ও মানুৰ সহ এই নিবিল প্ৰকাণ্ড সভাবেই অবস্থিত। বেহেতু কমই বৰ্ড কীবের বিভিন্ন উচ্চ ও নীট কেশীর কর দেহসমূহ প্রকা ও ভরগের করেশ, ভাই এই কমই তার শক্ত, মিত্র, উদাদীন সাকী, তার ওক निवासकारी केन्द्र। मुख्या चार्क्तकार कार्यवे পুজা করা উচিত। মানুবের উচিত আন বভাবগত चरापाद धरापान चर्न छात्र निरम्पत कर्डना धन्छेन कहा। कार्रावरुके, यात काल व्यापका कालकारक भीवन शावन করতে পারি, সেটিই খামাদের খাবোধা বিগ্রহ। খনি ক্ষেত্ৰত বন্ধ বাৰ্ডানকই আমানের জীবন প্রতিপাদন করে, শিষ্ট আমরা বৰ্ণি কল বস্তুৰ আক্রম প্রথণ করি, প্রা হলে আন্তর্গা কিডাবে প্রকৃত কল্যাণ লাভ করতে পারবং আমতা তথ্য এক অসতী ত্রীলোকের মতে করে বাব, ও মিরি-গোর্কানকে প্রদক্ষিণ করন। হে শিন্তা, এটিই মে তার উপপত্তির সঙ্গে থেকে কমনত কোনও প্রকৃত আনার মত এবং বলি ছা আগনায় স্পৃতিকা হয়, জা হলে

কলাৰ পাত কৰাতে পাৰে না। প্ৰান্ধৰ ঠান উল্_{যাস্থ্য কলা} व्यवस्ति के व्यवस्थान वाता, करिक वृश्यिक अवस्था पाता, देवना बारामात पाता जावर नुष्ठ केंक, विक एकारिकार्क ानवार धाता क्रीका शावन कटका। कृति, तानिका, स्थानका ও সংগ্রে কারবার-—টেই চারটি বৈশ্যানর উপর্ভারতার শ্রীপ ককনের গোলামী কালেন—"ভবকান কেবল ভার মধ্যে একটি সংক্রামারকারে কলের। সঞ্চার গোরকান্ডেই নিয়োজিত পাকি।"

> াসৰ, প্লব্ধ ও তম—শুকৃতির এই ভিনটি ওপট স্থায় ছিড়ি ও ডিনালের কারণ। বিলেখক, উজেগ্রেশ এট কার্ भृष्टि करत क्षत्र श्री **७ नृक्**रकंद्र मररवार्थक समार्थ स বৈচিয়াপূর্ণ হয়। রক্ষোওলের হরর চালিত হরে ভোওলিং সৰ্বা ভাগের বানি বর্ষণ করে এবং এই বৃষ্টির স্বান্তা সাধ্র श्रीव फाररत सीवम शहन करत। अहे सारहाननाड শকিশালী ইপ্রের জার কিই বা করার আছে?"

"হে পিতা, আমাদের বাসকান নগরে, জনপ্রে **আ** ক্সমে নর। বনবাসী হবার কলে, আমরা সর্বদাই করে ৰ পাহাড়েই বাস করি। সুতরাং সো, ত্রাব্দও ও নিহি-পোবর্ধনের সন্তাধির জন্য একটি বলা ওঞ্চ করা বেতে পারে! ইত্তের পূজার জন্য সংগৃহীত উপকরণসমূহের বানাই এই মক্ত অনুষ্ঠিত হেংক। পরেনার খেকে ওর করে সংক্রিয় সূপ পর্বন্ধ বিভিন্ন ক্রান্তের ক্রম্প, সামনীসকল পাক করা হোক। নমা রক্ষের ভাজা ও সেঁকা উভয়বিধ শৌবিদ পিঠা তৈরি করা উচিত। আর ফ্রান্ দুক্তরাত সমস্ত প্রবাদি এই যদের জন্য প্রচ্ছ কর উচিত। বেদকা ব্রাঞ্চণগণ বিধামপভাবে ব্যালিতে আবাহন কছন। ভার পর সেই ব্রাহ্মশাণকে আগনি উদ্ধদর্মণে পাক করা ভক্ষা সামগ্রী ভোজন করান এবং পাতী ও অন্যান্য উপহারসমেতী তাঁধের সন্ধিনাক্ষরণ বান করন। কৃত্র ও চতালের মতে। গতিত জনসং প্রত্যেককে বধার্যথ কক্ষ্য সামগ্রী প্রদান করুরে পর, আপনি গাতীদের তুপ দান করুন এবং তার পর পিঞি পোবর্বনকে আপনার প্রভার্যা নিবেদন করন। প্রত্যেকে ভণ্ডি সংকারে ভোজন করার পর, আপনারা সকলো সুক্তভাবে আলম্ভার ও বসনে সঞ্জিত হয়ে, দেহকে চক্ত निरंत फल्लिश करून अवर एक ना प्राची, जाकन, क्लापि

_{মধাত}ত্পত্প প্রচণ করেলন। গোপ-স্প্রস্থ ওখন प्रमाणका शहाद व्यवसी मध्य विश्वते कार्यकाः। केला ক্ষুত্রতার বিশ্বে মুক্তসময় হৈতিক মন্ত্র পাঠ করালেন একং aces काला करा निर्मित क्यांकि वाराधात करते. संख्या করে প্রাতীওলিকেও তুপ মান করেছিলেন। ভার পর প্রতা নিরি-সোবর্থন প্রথমিক কর্মেন। সুক্তর আক্ষারে। শোলিত মোলীখণ কৰু ব্যৱহিত শুকটে আন্তোপ কৰে অনুসক্ষম কর্মাছদেন, তথন তারে প্রীকৃষের প্রশর্মধন গান। ঠানের প্রাম ব্রচ্ছে কিন্তে সেলেন।" কর্বছিলের এবং ওাঁদের গাম রাক্ষণগাণ্ড আশীর্বাস

প্রাকৃতি এই মনুষ্ঠান কর্মার কার্মে। এই প্রথমে হয়। তাঁতিয়ের সভে মিতির ক্রেডিন। গোলগারের বিশাস লার্ডা রাজন ও দিরি লোনাটা এক মানাধর আঁও হিছে।" - উৎপালানের ক্ষমা ক্ষমা বন্ধ এক আন্তাতপূর্ব বিশাস কাশ এক পুনামের প্রোধানী ব্যালেন—"বহুং লান্তনারী। ধান্ত ক্ষান্তনার "আনিই চিনি-ক্রেবর্তনা ক্ষেত্রন প্রান্তব্যালে কালান উপুন্ধ ইপুন্ত মিখ্যা ধর্ম চুর্ব করে। তিনি প্রসূত পুরুষ্টা কর্মন করেছে। প্রকর্মসায়েশর সংক্ _{করা} ব্যব্দিকান। করে মাল ও কুমার্যন্ত জনান কোট । একরে স্থান্তর নিতি-কোনেক্ত্রের এই করের র্চাত প্রত MINNE क्षेत्रका कथा अन्य वंतरास्त्र, कथा देखा हा । इरका, कडार्ट्ड राइड विराम्ध्ये धनाम निरंदरन करापात । एस वस रिजी कारणान, 'शार, किस्तर्य अरि नर्गंड वृष्टिकरण वर्गान्डंड स्टब्स सामास्य श्रीट व्यनुप्रद প্রদান কর্মের বিশ্বর কেম্বর্জন কর্মের ইবর আনুসারে কে ্রেসও রূপ বাবধ করে স্টাকে অনুমাধারী যে কেমও নিবি-বোকার ও প্রকাশনাকে প্রভাবী নিবেজন করকে। কাকাশিনাক্ত হত্যা করবে। অভঞ্জ আমানের ও আনাদেৰ পাঠীকের সুন্তেরর জন্য তাঁকে আমার প্রশাস গাতী, কলে ও গোসংসাদের উদ্দেশ্ব স্বাপুরে স্থাপন করে, সিংকার কবি ে ভবরত বাস্পুন্তের হারা অনুপ্রতিত হতি, अक्टाएयके विवि-श्वादर्शन, शाली € डाम्बन्द्रपद रस বধানতভাৱে সম্পানন করে, মোপনান প্রীকৃক্ষের সঙ্গে



পঞ্চবিংশক্তি অধ্যয়ে

শ্রীকৃষ্ণের গিরি-গোবর্ধন উত্তোলন

শ্রীল ওক্দেব গোন্ধামী বলকেন—"হে মহাপ্রাছ গরীকিং ইস্ত ফান জানতে পারকেন বে, ঠার বন্ধ विनक्षे श्रावरक्ष छचन टिनि क्यारक टीएनव छनदानकर्ण প্রক্রমান কর্ম মহারাজ ও জন্য গোপায়কর উপর ক্রেও মুদ্ধ স্থানে। মুদ্ধ ইয়া সাংবর্তত নামক বিশ বাংসভারী যেবর্নিকে প্রেরণ করলেন। নিজেকে পরম নিয়ন্ত। কলনে করে, তিনি কলতে লগেলেন—ক্ষেপ, এই গোলগৰ বলে বাস করে কিভাবে ভাগের ঐথর্বের ছারা অভ্যান্ত থমত ব্যাহ উচ্চেছে। ভারা একটি সাধারণ মানুব কৃৎকর সরণাগত হয়েছে একং এভাবেই তামা দেবতাদের প্রতি অপরাধ করেছে। আমের কুমের আত্রর গ্রহণ ঠিক ফো

अनुस्तान वर्ष अठावेश सहार काल वाका नक्षी ह निव জন পবিভাগে করে এবং তার পবিবাঠ দৌকা মনুস সভাষ্ ধনীর আচারপূর্ণ হাজের মাধ্যমে ভবসমূত পার হত্যে প্রেটা করে। যে নিজেকে অভার জানী মনে করে, কিছু য়ে কেবলমায় একটি মুর্থ, উদ্ধৃত ও বাচাল লিড, সেই সাধারণ মানুহ কৃষ্ণের জালত প্রমূপ করে এই গোলগৰ আমাৰ প্ৰতি প্ৰতিকৃত্বাহাৰে আচৰত কৰেছে ।"

"(क्रांमध्ये क्रांप्यानिक ज्ञान देव कारणः--) औ मानुबर्गा अवर्थ भारते बाता कारण मह करत पुराना है এবং তালো এই উন্নত্য কুকেন দালা সম্প্রিত হারেছে। একা বাব, ভাবের অহতার পুর কর এবং ভাবের

बरुक्किक दिवास करे। साथ महादाखन होता स्वास करतात करा कार्यक कारास जैवारक शहरेगढ आस्तारण করে হল বেশপানী মাসপালের সঙ্গে তোমানের অনুসমন करव ("

क्री**म क्षकरमय रा**जायोगी संदायन—"हेराहर च्यापाटन জনং ক্ষাসকারী মেখরাশি অসমটো ভাগের বছম থেকে মৃত হতে লক মহালাজের স্বোক্তি সমন করল। সেবানে ষ্টাৰা শক্তিৰালী হচও কৰিবৰ্ণৰ বাত্ৰা অধিবাসীদেৱ উপৰ উংপীড়ন করতে ওক করে।। বিধাৎ বারা আলেভিত ত ব্যাপ্ত হারা পর্যনিশীল মেঘরাশি ভারতর মরস্পাধ্যর স্বার্য সম্প্রের চালিত হয়ে, সম্বোরে শিলাবৃত্তি নিক্ষেপ করতে লাগল। বহুদার্যান্তম ক্রান্তের নারে স্থানার্যান্ত মেখবলি করিবারা বর্ষণ করতে থাককো, পৃথিকী প্রাক্তন মুলায়ায় হল এক নিগ্ৰন্থান থেকে উচ্চতুনকে যায় পুথক করা দেল মা। আভাষিক বর্ষণ ও বছর ছারা কশ্পিত হয়ে পাতী ও অন্যান্য পশুনাশ এবং শীতের হারে পীড়িত ইবে গোল ও লোলীখন সকলে আর্থের ক্ষর শ্রীধ্রেবিশের নিকটে গাল কালেন। জভাবিক বারিবর্তনের হারা পাঁকিত ও কম্পিত হয়ে এবং ভালের নিরের দেই ছাত্ৰা আদের সভাৰ ও বংসাদের আন্তাদিত করে, সাডীবন পা মেশর কাশবানের পালপত্রে উপনীত হল 🖰

বোপ ও লোগাঁগণ ভগ্রানকে উদ্দেশ করে करानम-"क्स, क्या, ए यश (में)कागानामी, चनुसर করে ইন্সের ক্রোধ থেকে পাতীবের রক্ষা করুব। সে প্রকৃ, আপনি ভরুষধ্যেল। বরা করে আমানেবও রক্ষ 等(A) 1"

শ্রুটার গ্রেপুরার অনিবাসীয়ুন্দকে নিলাবৃষ্টি ও প্রকল কারে প্রচণ্ড আভারণে বাস্তবিকট অক্রেডন দর্শন করে, পরবেশ্বর ভাগবান হরি প্রদারত্বয় কর্মকেন যে, এটি ব্রন্ত हैएक काम: (राह्क धामता देश एक वस करतनि, হবৰ মাহ ও শিকা সহযোগে ইন্ত অভ্যান্তবিকভাবে ভাগতার এই অকাল মানিবর্গণ করছেন। আয়ার যোগশক্তির ছারা কামি সম্পূর্ণনংশ ইন্দ্র কর্তৃত সৃষ্ট এই উপস্তবের প্রতিকার করে। ইপ্রের মধ্যে মেবসার ভাষের केपार्वत कार अर्थित कार प्रशासनक देखा विध्यानारन विराज्यस्य कार्यनेत्रस्य विरायकाना कवल्या। काणि अस्त और क्षकार क्षेत्रका किनान कतन। (यद्यक (धनदान)

সম্বরণকুর, নিজেকে ঈশ্বনারে অভিযান নরা ভারের ঘকণাই সক্ষত নহা আনি কৰন সন্ত্ৰগ্ৰিচান ইচানে মিপা সাধান ভাষ করি, ভারন আমার উপেলাটি চাঙে ঠানের শাতি প্রধান করা। কেন্তের আমি ভালের আমার আমি ভাষেৰ মাৰ একং বছৰ ভাৱা আমাৰ নিজেও পরিবার-ক্রাপ, সুভরার আমি ক্রবর্ণাই আগ্রের অস্তাকত পভিন্ন ধারা লোপ-সম্প্রদারকে রঞা করে। ছবি হোৱা আমি আমার উত্তর্ক রক্ষা করের এত প্রথম করেছি। এট কথা বলে, সমং বিফুছ্মেল জিক্ক এক হাতে গোনধন পর্বভ্রতে উল্লেখন করে, একটি বাদক বেভাবে জনভাতে থাতার মধ্যে গাছ থাকা করে, ক্রিক সেভাবেই ছাতে উধ্বৈ বাৰণ কনলেন।"

ভগবান তথ্য গোণসমাককে কালেন—শতে ছাত্ত হে শিক্স, হে বন্ধবাসীখণ, তোমরা মনি ইক্সা কর তাও এখন জোমাদের গাভীওমি নিয়ে এই পর্যন্তের নীচে আসতে পার। এই পর্নত আমার হাত থেকে পহিত হবে জেলানের এই রক্ত ভার করা উচিও না। খার বার ও বর্ষদের জন্যও ভীত হয়ে না, কারণ ইতিমধাই এই সমস্ত উৎপীড়ম খেলে ভোমাণের পরিত্রাণের আরোজন করা হয়েছে। ক্রেন্স হারা ভাগের মন এভানেই আৰম্ভ হয়ে, গোৱা সকলে পাহাভের নীঙে প্রবেশ করলেন, বেখানে তীরা নিক্ষেদ্রের জনা এবং ঠানের পাতীসকল, শতাসমূহ, কড়া ও পুরোহিতপা এম সেই সঙ্গে গোপ-সক্ষানাচনে অন্যান্ত সকলের ক্ষান্ত ্যথেষ্ট জারণা পোলের। স্থার ও ড্বা বিশ্বত হয়ে এবং সমজ ব্যক্তিগত সূৰ্যবাজনো স্বৈত্য রেখে, ইক্ড সাতদিন হতে পর্যভকে ধারণ করে সেখানে দাঁডিয়ে থাঞ্জন করে একবাসীরা ভাবে নিরীকণ বন্দিলেন।"

'হিন্দ্ৰ যথন শ্ৰীকবেলৰ এই ৰোগ্ৰান্তিৰ প্ৰদৰ্শন পর্যক্ষেণ করলেন, তথা তিনি অভ্যন্ত বিভিন্ত হলেন। তার বিখ্যা সর্বের প্রায় থেকে চাত হয়ে এবং ভার সংক্ষা থেকে এট হয়ে, তিনি তার মেখরাশিকে নিরত হতে निहर्मन निहमन। अञ्च खद् ७ वृष्टि अन्म निज्ञक ब्रह्माटर, অকোশ মেঘশুনা হয়েছে এবং সূর্ব উদিত হয়েছে দর্শন करत, निवि-श्मिवर्धर केंद्रहाननकाडी क्षेत्रक श्मान-अच्छानाकरक कलरलन--- एक श्लाक्ष्मण्य, रहाभारतना भी. সন্তান ও সম্পণ্ডি নিয়ে বহিৰ্ণত হও। শুর তাগে কর। করে। কেছে। জিন্দের নিজ নিজ গাড়ীসকল সমাহ করে। সকলে কুজতে আলিজন কলালা। স্তের আভিত্রত হতে, ক্ষাবিকার, ডাকা প্রসেকা ভাগনৈ পর্বচার তার কয়সে ক্ষাপন কর্মেন, ডিক ফেন সেটি আগের মতেটি সাঁডিছে WEST !

ঠার উপর ৩% আশীর্মন কর্মণ করকেন। আহা মাশেল, করতে করতে ভালের পুতে কিন্তে গোলেন।"

_{প্রায় জ} বৃত্তি থেয়ে গেয়ের এবং নাগর জনের উচ্চতাও নাতা রোধিনী, নাল মহানাক ও হয়ে কোনালী কালান ক্রান্তরাকি হালের শক্তি কেনাই করের পথ, গোলকর । করা কান্তে হালের আন্টার্কর ক্রান্ত করেনের। তে লাজন, cufe propie B. find art gurin fire fite fem, met, wal a pienne un unbe Gereine करणा जानुमान करतमा । एका मान्यु अनीयन मिनीयम । मदला श्रीकृतका कुर श्रास करतमा अनी श्रीम मिनीयम সহকারে পুশ্র বর্ষণ করলেন। হে পর্টপঞ্চং, স্থার্গর দেবহাপৰ উদ্দেহ পথা ও মৃন্দৃতি মটো সহকাৰে বসিত অবৈতিটান এক ভুমুক প্ৰমুখ লোট প্ৰকৃতিৰ পান কাৰ্যতে শামান কুলাকেলালীয়া টোনে স্থাননিউ হতে অভিকৃত ওজ স্বাহাছিলেন। তাঁক প্রিক গোপস্থান্দ ব হলের এবং তাঁৰ সামে তাঁকের ব্যক্তিশত সম্পর্ক ইংকারানের করা প্রিরেটিত হতে, তৃথা তথা কেবানে ক্ষুবাদী—কেউ গ্রাক্ত আলিক্ষা করে, ক্ষান্তা করেও গুলি ক্ষতীকের পরিচর্যা করণ্ডের সেই ছাবে করন হতে প্ৰসায় আদিন হাল জীকৃষ্ণাকৈ অভিনাশিত করতে হৈছে। খনতেন। সোপিকাংশ অধ্যক্ত পভীনতাকে উচ্চেন ভালন কাহে একিয়ে এলেন। গোলীয়ন স্পানের নিনর্কা-কালন স্পর্কারী প্রীকৃতভার হয়। অনুষ্ঠিত বিভি-ক্ষেধনি উল্লেখন দ্বিতিপ্রিত অব্য ও বৰ উপস্থাপন করণের এবং তাঁরা ও জনামে ব্যৱসায়ত কর্মসম্মন অনেক সম্কর্মত বান

মডবিংশতি অধ্যায়

অপূৰ্ব খ্ৰীকৃষ্ণ

জ্ঞাল ওকাৰৰ গোখামী বলালন—"গোলন্ধ নিবি গোৰ্মন উভোগনৱাৰ কৃষ্ণের কার্যাকী প্রতাক করে বিশ্বিত হয়েছিলেন। জার দিবা শক্তি হুলংশন কংতে অসমর্থ হতে উরো নশ সহারদ্ধের স্থীপ্ততী হয়ে ক্ষ্যাল্য-বেহেতু এই বালক আসাধানৰ কৰ্মসমূহেও অনুষ্ঠান করেন, বিভাবে তিনি আহমেনা হতে জাগতিক मन्यायस्यत् भारत कीत नियाण्यम साथ तर्य कराउ শালেনং এই সভা নহাঁত কলক কিখানে মহাগলেক গৰসুৰ বালে ক্যান মতে কাৰ্যনিনামতে একহাতে নিটা ক্ষেত্রিক ধারণ করকেন । খাল ব্যায়ন পরীরের আৰু শোষণ করেন নিভান্ত এক প্রায়-বৃদিত-ওকু শিওকবৈণ তিনি বহাবল পুখনা সাক্ষসীয় স্তম পান করে তার আশ-বহু ব্যোগ করেছিলেন। এককর ভিন্তান বছলের সমঃ

এক বিশাল শকটোৰ নীয়ে ক্ৰমনাত স্বব্যাৰ পাৰিত থাকার সময় উর্বো পদ নিক্ষেণ করেছিলেন। ভূঞা তিও পদার ধারী আধাতগায়ে হ্রার সাক্রার কারণে প্রাচিত্তি উল্টোন্ডারে পতিত হয়েছিল। এক খংসর ব্যাপের কর্মন তিনি বংগ পাছতাৰে বৰ্মেছিলেন, ভূপানাঠ গৈণ্ড, এনে ষ্ঠাকে অপহাৰ করে আকালে নিবে বার। কিন্তু শিত ক্ষুত্ৰ লৈতেয়ে কৰা চিপে ভাকে গচত খন্তুত্ৰ কিয়ে বৰ করেন। এককং উল হা উচ্চে যাখা চুরি কাচতে কেৰে केन्याम (देश प्राप्त्या च्याप्त्या केत्र राज्या वाहा হামাণ্ডড়ি বিয়ে লে উদুখনটিকে কর্মুন বৃক্ষয়ের সংখ্য টেনে নিত্রে নিত্রে ত্যাদের ভুগাতিত করেন। আরেকবার, कुछ। नेपा प्रस्तुव्य ६ श्रीपदासकरण्य ज्ञास दिन গোলংস চাঞ্জ কর্মছিলেন, কৃষ্ণকে হস্ত্যার উদ্দেশ্য নিয়ে ক্রাস্তের আগমন হয়েছিল। কিছু কৃষ্ণা সেই শক্তর সৃধ থেকে ভৱ মতে সমস্ত শৰীর বিধীর্ণ করেছিলেন। কৃষ্ণকে তৃত্যার কামনার বংসাসূত্র গোবংসের ইত্থিক क्टबार (भारत्यापत प्रदेश) शहरून क्यात्मा । किन्नु कृता পেট অসরকে হতর করে, তার কেহকে ব্যবহার করে, বৃদ্ধ হতে কলিছ মাল ভুলাতিত করার ঐীড়া উপভোগ शन्दरमान :''

"শ্রীকলরামের সঙ্গে একরে কৃষ্ণ কেবুকাসুর ও তার সমস্ত মিত্রদের হুরো করে, ত্রুর সুণক তাল ফলে পূর্ণ फालयस्त्र भूदका निन्दिष्ठ कर्डाहरसम्। वसमानी শ্রীবলয়েত্রের দ্বারা ভয়াত্বর প্রলাভাগরকে বন করালেরে লয় ক্যা, প্রভেম পোপবালক ও ভালের পশুনের কার্যন্ত থেকে রক্ষা করেছিলেন। 'অভ্যন্ত বিষদ্যা সূপ' কলেয়কে মামশ করার পর কৃষ্ণা ভার করনাপ করে কলপুর্বক তাকে যমনৰ চাৰ খেতে নিৰ্বাসিত করেন। এইভাবে ভগবান নগাঁর অব্যক্ত সংগ্রি তীয় বিব খেকে মন্ত করেছিলে। "

^{*}হে কৰ, আমরা এক অন্যাস্য সমস্ত ব্রহণারীরা তোমার পুরের প্রতি আমানের অধিরত অনুরাধ পরিভাগে ক্যান্তে লারছি মা, এটা কিডাবে হলেং কিভাবে লেও কতক্তভাবে আমাদের আকর্ষণ করতে? কোলার এই সাও বংসর বয়সের বলেক জার কোথার তারে গিরি গোবর্তন উল্লেখন, যা আমরা দর্শন করলার। অভএব, হে ব্ৰহ্ম-নাম, তোমার এই পর সম্বন্ধে আমানের যথে। সংস্থাহৰ উদৰ হ**কে**।"

নক মহারাক্ত উত্তর কর্মেন—"হে গোপগুণ, আমার কথা অবশ করে আমার পর সমতে তোমালের সকল र्णका मुख (हाक।"

"ভোমার পত্র কৃষ্ণ প্রতি বলে তার স্লীমটি প্রকাশ करतन। भार्य देनि स्क्रम, तरक के भौकर्मन पातन करत इकानिक इर्साहरूका, मच्छिक क्रुयनमें बाइन करहे छठछे হয়েছেন। কোন কারণে, তোমার এই পরম সুক্রর পুরাটি পূর্বে বস্থেবের প্রস্তাবে প্রকটিত ইয়েছিলেন, ভাই র্মাধন ব্যাপ্তরা একৈ বাসুদের বলে বাকেন। ভোমার बारे पुराब क्ष अबर कर्ष कनुमादा वर नाम अवर क्रम আছে, আ আমি জানি। সাধারণ লোকের ভা রাজে না। পোল এবং গোড়কের অনন্দর্গক এই শিশুটি খেরোচার

মানল সংগ্রে করতে, এবং এর কুপার ভোমেরা আহচানে সমস্ত বিশ্ব অভিত্রকা করতে পাধরে। হৈ নাম মহারাজ। ইভিয়ানে কৰি। করা করেছে বে, পুরাকালে অরাঞ্জক্ত nur, Em aun fregen gis penfejen, das খানুষেরা বস্যা-ভকরবের দ্বারা উৎপীর্ভিত ইর্মেডিন, ভক্ত এই শিশুটি আনিবর্ডত হলে দস্য-ভারনের পর্যাক্তি করে अक्टारक क्रमा करतीयराज्य तथर अर्थाव आध्य करतीयराज्य । অস্কের কাবার শ্রীবিক্ষা পাশ অবলখনকারী কেবসাভর কভাও পরভেড করতে পারে মা। তেভাই যে _{কালি} বা সক্ষাধা শ্লীকৃষ্ণের প্রতি অনুরক্ত, তারা ক্ষাত্র ভাষাবাদ, কাৰণ মীকৃমেন হাতি অভ্যন্ত প্ৰীতি ভক্ত श्ववाद करण, चीडा कंपनव कर्राव प्राहरत्वम चनुत्रक्षा पाता (संभव चकरतर भक्र ऐक्टिक्ट संवा) अक्राह्मण दल गाँ। 'बार-का, CE तम बहातांख, (स्राजात वोडे निवादि चन, केचर्य, कीच्छि व्यवर श्रास्त्राट्य महाराज्यक्षेत्र মহতলা। অভঞা তাম কাৰ্যকলাগে ভোমান বিভিন্ন क्षण केंद्रिक नगा।"

"[সক্ষয়ারাজ বলে চললেন--] আমাকে এই স্মত্ত কথা কলার পর পর্যমূদি প্রচ্ছে ফিছে সেলে আমাদের সুখকারী কুমাকে আমি প্রকৃতপক্তে ভগবান নাভারণের ব্যবে প্রকাশরূপে বিবেচনা করেছিলায*ে*।

बीम ७४एवर श्राचारी स्वत्यम—"तम प्रशासका হথে পর্যানির ব্যক্তাসমূহ প্রবণ করে প্রক্রাসীলন অনশিত হলেন। উল্লেখিয়াপুন্ত হলে গভীর মধ্যে সমে নাম মহায়াম ও জীকুকের পূজা করেছিলের। উন্ন বৰ্জ ভাল হওয়াতে ইয়া ক্লফ হয়েছিলেন, ভাই ভিলি বন্ধ ও প্রবল আরু সহযোগে গোনুলে ক্ষত্রি ও শিলা বর্ষণ করতে লাগলেন। ফলে সেখানকার গোপ, পণ্ড 🐞 স্ত্রীপদ অতান্ত কুর্নশাহান্ত ক্রেছিলেন। পরম করণানত विकृष रथन निक चार्थितकात्मत् और चरहात पर्नन करायान, किसि निश्वक द्वारात अपके द्वाराक त्यांवर्धन अर्थक्टरक प्रता श्रारम्भ, तिय रक्त रक्त समझ क्रीफारण अवस्रि ছবাৰকে তুলে ব্যক্ত। এইজেবে গোপ সম্বাদ্যয়কে ভিনি क्षण करतिकालन। देखान वर्ग हर्नकाती क्षिशानिक আমানের প্রকি প্রীত হোন ট

সপ্তবিংশতি অধ্যায়

দেবরাজ ইন্দ্র ও মাতা সুরভির প্রার্থনা

এর ভবনের গোলারী কালেন—"লোকর পর্বত -<u>ব্যবহাণিত করে কৃষ্ণ প্রজনানীমণকে প্রচণ্ড বর্মণ খেকে ।</u> লার করের পরে, সোমাতা সুগতি তার সোলোক থেকে क्षतारक करूना कराह संग्र हेल कराव गाँका हत। Guide কৃষ্ণ সমীপে নিয়ে সূর্বের মধ্যে উম্মূল তার ভিনাতবাৰি ক্ষেত্ৰৰ পদতলৈ হাপন কৰে ইন্দ্ৰ নিচেও । না হয়।" " ক্রা প্রদেশয়ে পতিত হতে পাসবৃদদ্ধ পদর্শ করলেন। আন্তিয়ান জীক্তকা নিজ তেজ সংক্ৰে ইল্ল ইতিমধ্যে बारता इरवेराम अपर दिनि, का अर्थन कतात करन <u> প্রক্রমণের মাধ্য হয়ে ওঠার মিখ্যা অহতের উল্লেখনেত </u> हार्वक्रिया। क्यांचार्क विनीधकार्य दिनि कंपनारमञ् <u>রাজনে বলগেল—'আপনার দিবা হতাপ ওছসংখ</u> ভ্ৰমণ্ডে, অনমিবর্তনীয়, দীপ্রজানে উত্তাসিত, এবং ব্রহণ ত্যোওশনত। মারা এবং অঞ্চলত্যজনিত প্রকল ভাগতিক ওপপ্ৰবাহ স্বাপনার মধ্যে নেই। ভাহতে, অভয়াগতিক অবিধের মাবে প্রাক্ত সংক্ষের যালে আল ক্ষাপ্রের মধ্যে কাই, ক্রেবে, লোভ, মোহ, এবং অংলর্কের আমি আমার প্রদাম নিবেদন করি।" নে সৰ সক্ষেত্ৰভাৱে সৃষ্টি হয়, এবং বেওৰি মানুৰকে ৰভভাগতিক অভিজেৱ অটিলভার মাৰে আরও কভিড করে বাবে, সেই লকগতলি কেয়ন করে আপন্যাই মধ্যে বিব্যক্ত করতে পার্লণ আৰু তা সংঘণ্ড পর্যেশ্বর ভাষান হয়ে আপুনি ধ্যমীতি বুজাৰ জনা শান্তিবিধান क्रका अवर पुरहेत भयन करतन। चार्शनीहे और मध्य ক্রমাণ্ডের শিল্পা, গুরুদের এবং পরম নিয়ন্ত। আপনিই चनाकरीय काशकारन भागीरतन प्रमागार्थ प्रक विधान ক্ষাল। বস্তুতঃ আপন্যার শ্বতত ইচ্ছা বারা নির্বারিত किर्दानरात विश्वा चट्रकार जानति लिन्डिकस्य प्रीकृष करतमः। भाषात्र भएकः मुहनस्थः, यक्ता श्वरंश्यः, निरम्पनः । কপশ্বির মনে করে, ভারোও ভরের সমারেও আপনাকে

লার্মার্থিক উর্মান্তর ভাক্তি মার্থ প্রচণ করে। এইভাবে আপুনি কার্যান্তিকের শিক্ষা প্রসানের জন্য ২৫শন করেন। আমার শাস্ত্র ক্ষতার পূর্বে নিমায় হারে, আপনার প্রতার ইয়াকৈ সম্মে নিয়ে কৃষ্ণ সন্দর্শনে আধ্যান করলেন। সন্দর্শকে জন্ম থানি আলনায় প্রতি অলানায় কর্বেছি। তে ত্ৰত, আগমি আন্তাহ ক্ষমা কঠন। আন্তাই বুলি মেহাঞ্চল জিল, বিজ্ঞা আৰু কৰেও কো আহাৰ একাপ আসং মতি

"द्व चाराक्का, गीधरीत कातवतान अवर वर करकड পূর্ভোগসৃষ্টিকারী কোনপতিবের কিনাপের করা আপনি এই ভগতে ভাৰতেৰ করেন। তে ভগবান, একই নকে আপুনার পারপায়ের বিশ্বক্ত সেবক্ষের মঙ্গানের জন্যত লাগনি কলে করে থাকেন। আগনি পর্যেশ্বর উপবান, অন্তৰ্গামী, মহাস্থা ও সৰ্ববাগক, আগনাকে প্ৰশাম নিকোন করি। আপনি বদুকুলগতি কৃষ্ণ, আপনাকে প্রদাম নিংকৰ কৰি। বিনি নিজ ভস্তগংগৰ ইস্যানুসাৰে তাঁৰ নিমা মেহসহছ ধরণ করেন, বিনি বিভগ্ন লানসম, যিনি সর্ব-জন্ম সকলের বীয়া ও সর্বভূতের আন্ত-সরাপ, তাতে

"ছে ভাগনান, আমায় বাল কান মন্ত্ৰ হাতেছিল, ভাগন স্বামার পর্ব হোর আমি ক্রাণ্ড ক্রম্ম হয়েছিলাম। এইভাবে প্রথম কর্মণ ও বারুর ব্যয়া ভামি আপনার গোষ্ঠ বিনাশের চেষ্টা করেছিলাম। হে ঈশ্বর, আমার পর্য চর্ল করে এবং (ধন্দকাকে জায়ার পারি প্রদানের প্রচেটা) বার্থ করে चाननि भागार कृषा धार्मन करवरस्य। नदारस्य ভগবান, ওক্তাৰ ও প্রমাক্তা কলপ আপনার কল্কে আমি ্রথশ আশ্রয়ের জনা এদেছি।"

শ্রীক ওকদের লোকামী বলকোল—এইভাবে ইন্সের আপনাৰ বিভিন্ন জীলাবভাৱে নিজেনের জগদীখন্তা- স্বারা বন্দিত হরে প্রমেশ্বর ভগবান প্রীক্তক পিতে ছেনে মেৰণভীর স্বাভ্র জাকে বললে—"হে ইন্দ্র, কুপাবশত অমি তোমার বস্তা বন্ধ করেছিলান। স্বর্গের রাক্সরেপে তোমান ঐথর্কের জন্ম তামি অভ্যন্ত পরিত হতে উঠেছিলে নির্ভর দেবে শীরই ভাদের মিখ্যা অহবেদর ভাগে করে। আর আমি চেমেছিলাম ভূমি কর্মণ আলম করে।

CALLED

মনুষ ভাব দক্ষি ও ঐথবন্ধে অৰ হয়ে বঙ্গালি স্থানেকে নিকটো কৰ্ণন কনতে পাৰে না। আমি বনি ভাব প্ৰকৃত কল্যাৰ কামৰা কৰি, তাৰে আৰু ভাগতিক সোঁতাগের অবস্থান থেকে ভাকে আমি বিস্তৃত বর্তি। হে ইশ্ৰ, এখন ডুমি খেতে পারো স্বর্গের ব্যক্তালুগে ডোমামের নিয়েটিভ মর্বানার স্থিত হরে কবেজভাবে, অহংকারশুনা হত্তে আমার নির্দেশ পালম করবে।"

থতঃপর, মাতা সূরতি তাঁর গো-সরান সম্ভের নলে হীকৃষণকে ভাষ প্রণতি নিবেছন ক্ষরদেন। গোপবালকজনে ওঁরে সন্ধা উপস্তি প্রয়েশ্ব ভগদানকে সমাভভাবে সধোধন করে প্রশাস্ত দিয়া সুরচি মাতা ব্যয়সেন--"হে কথা, কথা, মহাবোগী। হে বিশেষ আৰা ও উংগতিঃ আগনি জগং-গতি এবং জাগনাত কৃপার, ডে ২৪/তে, আমরা আগতের প্রভুক্তপে আপরাকে পেয়েছি। আগনি আমাদের অরোধ্য বিশ্রহ। সূতরু হে স্কাৎগতি, গো, ক্লাখণ, কেবতারণ এক সংক্রা সাধার্যাগের মদলের কন্য, বার করে আর্থনের ইন্ত হও। ক্রমা কর্তক মির্মেশিত হবে আমরা ইপ্রকরেশ আনমার অভিবেক উৎসৰ অনুষ্ঠিত কাব। হে বিশ্বাস্থ্য, আপনি এই ভারতের ए-जात (1969 कतात कर) करतीर्थ हरशासन।"

ন্ত্ৰীল ওকদেৰ গোষামী বললেন—"এই ভাবে মীকৃষ্ণতে সভাষণ করে মাতা সুরতি তার আগন স্ক

দেবতা ও মহাম অবিগণের সঙ্গে ইন্দ্র, তার হতী বাচন এক্তবতের ওঁক বারা বাহিত কর্মের পালা জলা বারা sent शतक चन्दान क्षेत्रका चांकरवर कतरका कर छे। বোলিশ মানে অভিহিত করলেন। ভূপুক, নারন এচ काराज्य नावर्यका, विकासता, निका, कार्यर कारावश्य महरकार <u>বিশ্ববির জগৎ গবিত্রকারী মহিনা পাল করবার জল</u> সমাগত হতেতিকা। যেব-পত্নীগণ আনম্বে পূৰ্ব হাছ প্রবাহনর সম্ভানে একরে নৃত্য করেছিলেন। _{তেও} দেবলা ভগবানের স্থাতি কীঠন করে ওার চতুর্নিতে করা পুলা কৰি করেছিলেন। বিশোক গর্ম সংখ্য**ে না**ম করেছিল এবং পাতীয়া তালের মৃক ছারা পৃথীতককে _{নিক্ষ} ভারতির। নদীওলিতে বিভিন্ন ধরনের স্থাদ ex প্রবাহিত হরেছিল, কৃষ্ণকলি থেকে মধুক্ষরণ হরিছে, ভর্ম ব্যক্তীতই ভোজা উত্তিখণ্ডলি পরিপত হরেছিল এক পর্যন্তপ্রদির আভাররের রত্তরাজি বাইরে বিচ্চারিত করেছিল। হে কুচৰক্ষম গরীক্ষিত, শ্রীকৃষ্ণ ফতিরিভ হলে সমস্ত জীব, এমন কি কারা স্বভাবে করু, ভারাও সম্পূৰ্ণ বৈধিতামূক্ত হবেছিল। স্বো ও গোললন্দ্ৰে গতি ভগৰাম গোবিশের অভিবেক উৎসম শেব হবার পর দেবলা ইয়া ভগবানের অনুমতি প্রহণ করে, দেবতা শ্ৰন্থতি বালা পৰিবৃত হতে বুৰ্গে কিয়ে গেলেন।"

অন্তবিংশতি অধনায়

বরুণালয় থেকে নন্দ মহারাজকে উদ্ধার

শ্রীবানগারণি কালে—"একলবীর নিম উপক্রপ ও শ্রীক্রমর্গনে। পূজা করে ছাল্টার নিম স্কান করেবর জন্য নৰ মহারাজ কামিক্টীর জলে সামসেল। খেবেড় সম্ভত সময় অবজা করে রাত্রিকালে মন্দ মহারাজ জন্তে দেনেখিলন, ভাই বৰণের এক আস্থানিক স্বেক্ত উন্তে ধরে হার প্রভূব কাছে নিয়ে জেল।

^{*}হে রাজন্, নক মহারাজকে কেবতে না পেটে (नानभन, "८६ कृष्ण। ८६ स्तर।" भरत प्रराह्मका विश्वस করেছিলেন। তাবের ভিংকার ওচেং শ্রীকৃষ্ণ বুরুলেন 🤻 তার পিডাকে কাশ অপহরণ করেছেল। অভাগর স্কতকে অভয়দানকারী সর্বশক্তিমান জনবান বয়দকের मकार भवन कप्रस्तात ।"

ভগরান হাবীকেশকে সমাগত দেবে বরুপ দেবতা রিতে উপভারে তার পৃথা করলেন। ভগবানকে মর্থন mra বরুণদেব পরমানন্দিত প্রতে ছিলেন এবং তিনি समाम-- धनन सामाई (क्रदायन मार्थक हन। প্রকতপক্ষে, যে প্রড়, এখন আমার জীবনের উল্লেখ্য আমি ব্যালাম। হে জনবান, যালে আপ্নায় পাল-ক্ষায় প্রচার করেল, তারা জড় অভিয়ের পথ অভিয়ার করতে লারেম, যে পরম পুরুষোত্তম ভগবান, পরমন্ত্রকা, नकाचा, अभर, मृष्टि मधवत माध्यकती प्राक्त-मलिय हिट মার খাঁর মধ্যে লাওরা কর না, সেই আপনাকে আছি প্রথমে নিবেদন করি। আপনার প্রিকা যিনি এখানে করে খ্যাছেন, ওাঁকে আমার এক মূর্থ জনভিত্তা কেবক মধাকর্তবা না বুঝে নিয়ে এসেছে। ভাই কণা করে चामां(महं क्या कदान । (इ कृष्ण, (इ मर्टननी, प्रश्न करत আল্মি আমাবেণ্ড কৃপা কমন। হে লেকিল, জান্মি অভ্যত্ত শিতৃকংসল। জীকে পুরু নিয়ে কান।"

ন্ত্ৰীল ওকদেখ গোৱামী ৰচলেন—"সংক্ৰ মুখ্যপ্রেরও ঈশ্বর, পর্ম প্রবোভ্য ভগকা প্রক্র বরুণদেবের উপর সন্তুট হরে ভার পিতাকে নিরে প্রে কিরে পেলেন। সেবানে তাঁলের দর্শন করে তাঁলের আস্বীয়গৰ আনন্দিত হবেছিলেন। সাগর-রাজ বহুকের আন্টেপর্ব মহাঐপর্ব এবং বালে ও তার সেবকর বিভাবে কক্ষের প্রতি বিনীত প্রদান নিবেদন করেছিলেন, আ বর্ণন করে দল মহারাক বিশ্বিত হয়েছিলেন। লম উল্ল সমী গোপসণকে এই সমস্ত কিছু কৰ্মন কৰেছিলেন

"(খকণের সজে হীক্তরের লীকা প্রবণ করে) হে রাজন, খোলসার অভান্ত আত্রহলুর্ন চিত্তে বিকোনা করলেন বে, কৃষ্ণ অংশটে পর্যোধ্য ভগবান। তীথা ভাবগেন। 'প্রদেশর ভগতা কি ভার চিত্রর ধাম অসমাদের প্রদান ক্যাবেন 🖰 সর্বানী পরাম প্রকাশ্যম ক্যাবান ত্রীকৃষ্ণ कतः (मानगरना अनुवान स्वतंत्र इता केत्रान ध्वकीष्ट পুরুপ্ত কর ভাষের প্রতি কুলা প্রদর্শন করতে চেয়ে ৰূপণ ভাবদেন—এই স্কগতে মানুৰ অবশ্যই অবিদ্যা बक्त कार कर्म पावा हैक अंक नीठ और डांख रहा दाना করে। তাই পেয়কে ভাষের প্রকৃত প্রস্থানাক্ষা জ্ঞানে না।"

"পভীরভাবে পরিস্থিতি কিকেনে করে পরত্র কপামর পত্ৰৰ পঞ্চবোদ্ভাৰ ভাগবান শ্ৰীহারি, আপত্তিক আন্তৰাবেই অতীত তাৰ ধাৰতে জেলগুলের নিকট প্রকাশিত কর্মেন। প্রতিক অভিনাশী চিত্তর জ্যোতি প্রকাশিত করলেন বা অনীয়ে, জানমার ও নিজ। ছবিগণ, তাঁদের চেতন জড়া-প্রকৃতির ওপ মৃত হলে সমাধ্যমধ্য অবস্থার এই চিক্সয সন্তা দর্শন করেনঃ প্রিকৃক্ষ গোপানের ব্রহ্ম-ছুনে এনে তাঁলের ক্রলমণ্ড করলেন এবং ভারণক তাঁলের সেধান ছেকে উদ্ধান করকেন। সেই একই স্থান থেকে, যেখানে অনুদ্র চিজ্ঞানং কর্ণন করেছিলেন, গোপপণও ব্রহ্মকোক पर्यंत करायात। (गाँ३ क्रियत था। पर्यंत काल स्थारताया ও অন্যান জ্যোপালা পায়ে বানাল অনুভার কংগোন। তীয় ত্তব-রত বর্তিহলে বেংগণ ছারা পরিবেটিত অংং প্রিক্তমকে সেবানে উপস্থিত বেশে তারা অত্যন্ত বিশিক্ত इट्डिस्टिन्स !"



भिनाम खन्न

উনত্রিংশতি অধ্যায়

রাস নৃত্যের উদ্দেশ্যে শ্রীকৃষ্ণ ও গোপীদের মিলন

শীবানসংখণি বলালেন—"বড়ৈ নর্বপূর্ণ পর মেন্দর - শতিক সভাবে জন সেম্মর লীলা উপভোগের অভিলাহ উপৰান স্বীকৃষ্ণ প্ৰাকৃষ্টিত মন্ত্ৰিক কুসুমন্ত্ৰি সুৰভিত সেই। করকোন। বীৰ্থকাল পরে ভার ভিত্রতথা পত্নীকে দর্শন শরংকালীন বুজনী অবলোকন করে তাঁর বোগমায়া করে প্রিরভয় পতি বেমন করে ভরে মুনরওল করমে

রভিত্ত ভরে, চপ্রের তেমনি ভার স্থালকে অভশনপ্রি কিরণ বারা প্রকিণন্তের মুখমগুল লেপন করতে করতে ও তার উদয় দর্শনকারীদানের সন্তাপ হবণ করতে করতে উদিও হলেন। ঋগবান জীক্ত নবীন ক্তুবের নাত্র च्यक्ष्यवर्ग, शर्की(११वीहा व्यवक्ष्मक्ष्म नवुण, क्ष्मक्षिक्रसर्गीक, অবশুমন্তম পূর্ণালয় ও ভার মিশ্ব কিবলৈ রঞ্জিত বনকৃতি নিরীক্ষণ করে সুক্ষরনক্রনা লোপীগলের মনেহর ও মধুব বেণুগীত বন্দন করতে ভাগলেন।^ত

"কংখ্যে সেই প্ৰণয় উদ্দীপৰ বংশী-গীত প্ৰথম করে, কৃষ্ণ-বিমুদ্ধচিতা ৰুখাবনের গোলীখন পরশ্পরের অগোচরে, বেশানে তাঁদের প্রিক্তম অপেন্দরেও সেখানে র্থমন কর্পেন। ৯.ড গমন করার ভাগের কর্ণ-কংল দুলতে লাগল। কোন কোন গোপী ক্ষেত্ৰ বাঁপী स्थलकारम् भारतीत मुख् (मास्य कर्तास्ट्रका । केंग्रा (माध्य বন্ধ করে তার মঙ্গে মিলিত হতে নামন ক্যালেন। কেউ (अपें इसीत **ऐना**त मुख काल लिएड वनिरक्त अपर कारामाओ চুল্লীতে পিঠা-চাপট্টে দেকৈছে দিয়ে গুজা করলেন। কেন কেন গোগী গোণাড পরিধান কর্মারেনা, কেউ উদ্দের শিশুকে বৃধ পান করাজিকেন কু ঠাকের পতিদের একার সেবা কংছিলেন, কেউ ছোজন করছিলেন, কেউ কেউ আদু মার্কান, আছবার লেপন আ নহনে কারুল पिकित्तान । विश्व कीया सकरतारे और मध्या कर्कस्कर्य মৃহতের মধ্যে পরিত্যাল বা বছ করে বিপর্বস্তভাবে বছ-ভাষণাদি নিয়ে কৃষ্ণ সহিতানে প্রমান করনের।. উল্লেখ পতি, পিতা, হাতা ও অন্যান্য আর্থীরম্বজনের উদ্দের নিবৃত্ত স্বর্গতে ডেট্টা অনগোন, কিন্তু ইতিমধ্যে কৃষ্ণ কর্তৃক অপস্তাতচিন্তা গোপীগুৰ, তার কশী কনি বারা মোহিত **दरह च्यत निरुष्ठ दरका था। कान कान लागी फाएस** পুত্র হতে নির্দান হতে না পেরে, উল্লেখ্যুরেই অবস্থান করে জীপুরের প্রতি গুদ্ধ প্রেমে নাম মুদ্রিত করে গ্রানস্থ হলেন। ক্ষত্ম দৰ্শনে নয়নে অপায়ন সকল লোগীগলের শূলের প্রিয়ন্তনবিব্যক্ষমিত জীবতালে জীবের সংলা গুলাভ কর্ম দর্মাভার হল। তার বাল বালা তার আলিসন ক্ষাত্ত ইওয়ার জানকে তাঁনের জাগতিত ব্যাহত কীব হল। পর্যাত্ত কুমাকে উদ্দেহ উপপতি ভাকর বারা তার অন্তর্জ ভাবের সম্ম করার কলে জীলের কাশের কর্ম-করম বাল হওয়ায় তীবা তাঁদের ওপময় দেহ পরিত্যাপ কবলেন।^ল

ব্রীনরীভিৎ মহরের কালেন—"হে মৃতিনে, গোলীক কৃষ্ণকে পরম এখনকে নয়, কেবলয়ার ঠানের প্রিয়ান कार्याः चनवर विकास । का काल विकास विकास স্থাসক্ত-চিন্তা গোপীয়া স্কল্পতি হ'বে মুক্তিসাঙ कटर्राष्ट्रलाव १"

শ্রীপ ওকলেশ কোনারী কালেন—"এই কালরেটা ভোষার কাছে আমি পুরেই কলি। করেছি শিশুলাল ক্ষর্বব্রেথী হতনা সভেও খণ্ডা নিছি লাভ করেছিল ভাৰৰ ভাৰবাৰের প্রিম ভাভারণের কথা আয় কি ব্যাবার আছে। হে ৰাজন, প্রমেশ্ব ভগবান অভিনানী অপ্রিয়ের নির্বেশ ও ওপ-নিরন্ত। সান্ধরে শুরুম মন্ত্রের कराहे और कशरू छिनि चत्रः धार्विक्छ इत। बीख खरितक फैरकर काम, दक्षक, कत, दाय, केका वा म्हिलाई ভগবান শ্রীহরির উদ্দেশ্যে পরিচালিত করেন, গ্রারা অকল্ট জান ভলতে। লাভ করেন। জনততিত বোগেখকেবৰ পরম পুরুষোত্তম ভগবান শ্রীকৃষ্ণ সমুদ্রে তেমোর বিশ্বিত হওল উচিক নয়। শেব পর্যন্ত এই ভৰকাই ক্ষপতকৈ মৃত্যি প্ৰদান করেন। ব্রজনারীদের উপস্থিত দৰ্শন করে বার্ত্তীরোষ্ঠ জীকৃষ্ণ মনোহর বাকে উদ্দের সঞ্জাপন করলে উদ্দেহ হানত্র বিয়োহিত হল।"

ওগৰান কৃষ্ণ কালেন-"হে পরার সোঁডাগাবতী রম্পীলণ, ভাগতম। আমি ভোষাদের শ্রীভির জন্য কি করবং ইন্দের সকল কুবল ডোক ভোষাদের আসমনের व्यवस कि क्या । अर्थे इस्ति चन्छि एशक्त अर्थ एशक्त অপীয়া চারিদিকে ওড় পেড়ে আছে। এছে কিয়ে যাও, হে সুমধ্যম, সুক্রীংপ। এই স্থানটি নারীংপর জন্য উপৰুক্ত নৱ। তোমাদের গৃহে না পেকে, তেমেদের মাতা, সিভা, পুত্ৰ, আতা ও পড়িগদ অবশ্যই তোমাদের অধ্যেমণ করবে। ভোমাদের পরিবারের সদস্যদের উছেলের করেণ হত্যে হা। এখন ভোষরা চন্দ্রকিরথে র্যন্তিত, বৃদ্দাবনের পৃষ্পপূর্ব কম কর্পন করেছ। ভোমরা বনুনা খেলে আগত লাভ অভাবে কন্দমন গলব-তৃত বলেন লোভা দর্শন করেছ। এখন ভাই গোটে ফিলে থাও। বিলাশ কম না। ছে সভী নারীলণ, ভোমাদের পভিষেত্র সেবা কর এবং ক্রাক্তরত শিশু ও গোবংসদের পুর্ব পান করাও। তা ছড়া, সম্ভবত আমার প্রতি প্রকা প্রেমকণত ভোমাকের চিত্ত কণীয়ন্ত হওয়াতে তোমবা

এবলে অপ্যান করেছ। ভোনাদের **ভন্য এটি** অংশেই প্রাপ্ত প্রশাসনীয়, কারণ স্বভাবত সভ্তর প্রানীই আসর ুল্ল প্রতিভাগর**ত হতে খাতে** ট

শ্রামার পান্য ধর্ম—ঐক্যান্তভাবে উন্না ভানীর সেব তথ্য, সামীর পরিবাবের হাতি সুপ্রেরত করা এবং জার সম্ভান্তের লাখন-পালন করা। (য সঞ্চল নারী পরক্তে সম্প্রতি **লাভ করতে** চাল, তালের কামী ধর্মাচরুব কেকে লভিড মা হলে, তথুমান বিব্যক্তিকা, ভাগারীন, বজেছে, নভিত্তীন, ব্যাধিগ্ৰস্ত আ ধনহীন হলেই ঠাকে ত্যাগ কল ক্রমাই উচিত নর। কুলমারীর উপগতি সংক্রমন্ত কুছ প্রধানিরাধী, কণ্মাশক, সুরবোৎপাদক, ভয়াবহু একং অবস সময়েই তা নিশিত হতে খাকে। আমার কথা ক্রমণ, আমার বিশ্রহ দর্শন, আমার আন এবং আমার র্যাচার কীর্তন হারা আমার জন্য হেলে অপ্রাকৃত প্রেক্তর ভাৰ হয়, নিকটে ক্ষবস্থানের করা তেমন হয় ম। তাই ভোমাদের পূরে ভোমরা কিলে বাও।"

প্ৰীল ওকাৰে গোষামী কালেম—"এইভাবে গোটন ভবিত অভিয় বাবদ কৰে করে, গোলীলন বিলাভন্ত 🐞 গুংবিত দীর্ঘনিংখালে জাদের বিখাবর তথ হলে উলো অবনত যাজকে তাঁদের ব্যাস্থ দিয়ে ভমিতে আঁচত কটাছিলেন। তাঁদের দু'চোগ দিয়ে কাজগড়ক অন্তর্ভারত अस निश्च कृद्धम (बीच श्रद्धिका) अरेकार हु: ক্তারাক্রান্ত হয়ে উরো নীরবে দাঁডিরে রইকেন। কক আনের প্রিয়তম হওয়া সংগ্রেও একং তথ্য স্কল্ড ভারা সকল কামনা পরিত্যাগা করলেও, তিনি তাঁকো প্রতি অপ্রির বাকা ফাছিলেন। তৎ সত্ত্বেও জারা গুঢ়ভাবে কৃঞ্চের প্রতি আসক্তচিতা রইলেম। জোমন বছ করে চোৰ মার্মন করে। তারা ইবং কোলের সত্রে বদগ্র হার কাডে শাহলেন--হে সর্বস্থানী সর্বসন্ধিয়ান প্রাথ, আপ্নার অভাবে নিয়ন ভথা ফলা উচিত নথ। আমরা বারা খাপনার পারপথায়লে সমস্ত ইন্তিত পরিকৃত্তির বিবরাধি পরিজ্ঞাপ করেছি, ভালের কর্মন করকেন না। বে কৃপাগরাধুখ, যেহল আদিলয়েষ নারায়খ মুনুকু মুক্তিকারী উপ্তাপৰ সাথে বিনিয়য় করেন, সেইভাবে আমানের সাথে যেন বিনিময় করন। 📭 প্রিপ্ত কৃষ্ণা, ধর্মজ রূপে আপনি व्यामारमञ्ज देशसम् अन्तर करतरका त्य. शके, शून क

মান্ত্ৰীৰ বস্তুগৰেৰ কেন্দ্ৰ কৰ্মট শ্ৰীমণের ধৰ্ম। স্বামত টা মানা করি, কিছু প্রকৃতপক্ষে আপনার প্রতিই এই শেষ করা উচিত্র অনুস্ রাগনিট সকল প্রাণীয় পরম ব্দ হতৰ, আগতিই ভালে আতীয়, পতি ও আয়া। ক্ৰ আৰহিটকীনৰ, নিতাপিয়া কাৰকণী অপনাৰ প্ৰতিই সর্বন ঠানের ভত্তি চালিত করেন। আমানের পতি, পুর ও আহীর-বহুবের হারা কি পরত চয়, মারা কেবল গীড়া ম্বান করেন ৮ অভ্যান্তর, হে প্রক্রেম্বর, অযোগের কুপা ককন। হে কমপ্রস্থা, হোপনার সঙ্গ করের জনা আঞ্চের চিত্রকলের আলা মলা করে ছিল্ল করকো না। चान्यरम्भ (व वन ७ वट अटाक्ट कान नुस्टर्स वध हिन) ছা আগনি সহজেই স্বণহাল করেছেন। এখন আমানের পা কুবানি এক পা-ও আপনার পাদপারমূল বেকে চালিও হতে চার বা। আমরা ভিতরে রয়েছ কিরে বাবং আর দেশাৰে গিৱেই বা আছো কি করব ৷ ছে শ্রীকৃষ্ণ, অপনার সহাস্য অবলোক্তম ও বানীর সুমধ্ব সঙ্গীতে আনাদের হলতের অভ্যন্তরে হে অগ্নি প্রথালিত হতেছে, সেখানে আপনার অংরাধ্য সিওল কাল। তা যদি না विकार महमार्थ्य क्रुप्त चालाह केरका चानुक्य कहराया। क्रुप्ता हा आहा, व्यालाह विहास्ता चामाहरू हारहिक নার করে থানে যোগে যোগীর ন্যার আপনার চরণকমল পাত করব। হে কমললোচন, স্বাপনার পারতলোর স্কর্ম লক্ষ্মী দেবীর কাছেও উৎসৰ ব্যৱধা। ক্ষরণাক্ষমীজন-প্রির আপনার ঐ পাদপর্যার আমরাও স্পর্ন করব। বক্তমণ না আমন্তা আপলার হারা প্রবর্গে সম্ভন্ত হচ্ছি, ভারমান আনর ভার কোন মানবের সাহরে ভারস্থান করতেই অকন হয়ে থাকা। লক্ষ্মানেবী, বাঁর কটাক লাতের অন্য কেবডারাও প্রবল্ প্রকাস করেন, যিনি ভাষার নারারশ্রের কমবিলাদিনী, সেই তিনিও তুল্দীশেরী ও ভংবানের জন্যনা ভূত্যগণের সঙ্গে একরে সেই পদ্ৰুপ্ৰেৰ বেণুলাডেৰ আফাণ্ডা ক্ৰেন, ডেমনি জানবাও জাগনত সল কনলভাষের বেশুর আধার প্রত্থের नरनानह एरविह। चारका, हि भूत्रपश्चित् यस्त कृष्ट् स গরিবলা পরিবাদ করে বাধু আগনার উপাদনরে আশায আন্দার পানমূলে আগফা করেছে, সেই আয়ানের প্রতি প্রসায় হোনা আলনার সুকর হাস্যবার কটাকলাতে আমাপের চিত্ত পভাঁর কাঞ্চনত লগু ছতে। ছে পঞ্চন্তরত वटा करन व्याप्तरिक सार्थनीक मान्त क्षेत्रात करूत। স্বাপনার অলম্ভ মুখ্যওল, আপনার কর্ণকৃত্যের সৌনর্থ মতিত গণ্ডছন, আপনার অধ্যার সূব্য, ইবং **हामायुक्त अदरलाक्त, ज**ळब्रभग्रातकादी वास्युगल अवर দক্ষীদেবীর আনক্ষের একমাত্র উৎস ক্ষাপ আগনতে रक्षण प्रभान क्या ब्याध्या ब्यान्धनात प्राणी स्टार्जि । 🗷 कृष्ण, जानसङ्घ स्थ्य करनीश्यमि क्षयत्ने मरणाविक इत्ह হিৰাপতেৰ কোন নারী না ভার ধর্মীর আচরণ হতে বিচলিত হয়েছেং আপনার সৌপর্য সমগ্র রিভবনকে পরিত্র করে। এফন কি, আপনার রাপ দর্শন করে। সাতীরা, পাদীরা, বৃক্তালি ও মুগদলত পুলভিত হয়। আদিশুক্ত প্রয়েশ্বর ভগবাদ বেমদ বেবলেক রুকা করেন ডেমনি প্রভাবাসীগণের ভর ও দাপ নিবারদের ঞ্জন্য আগনিও আনির্ভত হয়েছে। অভ্যান হে আর্তন্ত মহা কৰে আপনাৰ এই দাসীগৰেৰ উত্তপ্ত ভাৰে ও পিৰে আপেনার স্বান-পর স্থাপন করুন।"

শ্রীল ওকবের লোখামী বলকো--"গোলীকের এই সকল বিদ্যানৱত্ব প্ৰবণ করে মহাবোগীগণেরও অধীনর স্থাবন কুমা বাম নিত্য-কুপ্ত হরেও সহাসো গোপীগলের সঙ্গে অনেক উপভোগ করলেন। সেই সমরে উদরে क्रियाकन्तरभ अवर प्रेमार्रशस्त्र कृष्य-प्राप्तरकर भरतम कालि

শোভিত ভগকন প্রীকৃষ্ণ তার শৃষ্টিশাতে উৎস্থানটা সন্দিলিত সেই গোলীগণের মারে নক্ষর পরিবেটিত চত্ত্রের মধ্যে শোড়া পাজিলেন। গোণীসণ উল্ল ছভিনত করলে, সেই শতরমধীবৃথপতি ভদুওরে উচ্চেম্বরে পান করলেন? তিনি তাম বৈজয়বীমালা পবিধান করে. কুদারন স্বাবদানে গোড়িত করে জীলের মধ্যে বিচ্নত করতে লাগদেন। শ্রীকৃষ্ণ গোপীদের সঙ্গে গাঁতত ব্যক্তমন্ত্র ও নদীর ভরতে উৎফুলিত কুমুদের স্থানেরটো বাহতে পূর্ব বনুমার তীরে গ্রাম করদোর। সেবানে করে লোপীদের নিকে বাছ প্রসারিত করে উচ্চের আধিকত করলেন। জানের হাত, কেল, উক্ত, নীবী, ক্লয় স্পার্ভের ব্যবা ক্রীড়াক্লে তার সধার্য বাস আঁচড় কেটে এক উদের সঙ্গে ক্টেড়ক, মৃষ্টিপাত ও হাস্যের স্বাধামে প্রক্রে সুন্দরী গোলীনগের কামভাব উন্টালিত করে ভগবান ঠাব লীলা উপজ্যের করলেন। প্রক্রেখন জনখন শ্রীক্রের বিশেষ মনোবোল লাভ করে গোলীর প্রত্যেকেই বিজ্ঞান পবিবীর রোষ্ঠ নারী মনে করে পরিত ছলেন। ভগবন বেশন গোলীগণের সৌভাগ্যক্তনিত অভান্ত পর্বভার মার্কন করে, ওাদের সেই পর্ব প্রশাসনের জন্য, জীদের সজি আমাও সুপাবলান্ত তৎক্ষণাথ অতুহিত হলেন।"



ত্রিংশ অধ্যায়

গোপীগণের কৃষ্ণ অস্থেষণ

শ্ৰীল ওকদেৰ লোখামী খললেল—"সহগা ভগবান কৃষ্ণ অনুষ্ঠিত হলে বৃষপতির অসপনে হতিনীদের মতো লোলীয়াও ভার অদর্শনে অভান্ত সভানগ্রন্ত হলেন। গোপীরা বিভেম্ম ছদমে জীক্তের প্রমন্তরী, অনুরাগ হাল্য, সবিলাস শৃষ্টিপাত, মনোরম আলাপ ও ভাঁনের সঙ্গে আরও জন্মানর দীলাবিধানের কথা শরণ করছিলেন। এইভাবে রমাপতি ক্ষের ফাবনার মধ্য হরে গোলীরা

বেহেতু কৃষ্ণপ্ৰিয়া গোপীপৰ তাঁদের প্ৰিয়তন কৃষ্ণেই ভাবনার হার ছিলেন, তীমের বেছ তার কান, হালা, অবদ্যাকন, আলাপ ও জনান্য বৈশিষ্ট্য সমূহের অনুকাশ कप्रदिन । क्षानिकां कर्ण जीनाविभागनानिनी छोडा একে অণরতে 'আমি কৃষ্ণা' বলে জাপন করছিলেন। উতৈঃখনে ক্ষেয় গান করতে করতে সমল কুমাবন্দি অর্থা ছাড়ে মলবছ উত্তর এবীদের মাত্যে তারা তাঁকে তাৰ বিভিন্ন অপ্ৰাকৃত দীলাৰ অনুকৰণ কৰতে লাগলেন। অধ্যেশ কৰতে প্ৰথমেন। এমন কি ভাষা সুক্ষবাদিন _{আর্থি}র সকল জীবের প্রমান্তাসম অনুত্রে ও ব্যহিতে লাকাশকং উপস্থিত তার (প্রীকৃষ্ণ) সমূদ্র জিলাসা

গোলীয়া বলকেল-"হে অখব, হে প্লক, হে মালেছ, প্রাহ্বা কি কৃষ্ণকে নেখেছং সন্দ মধারালের ঐ পর तेव्ह ट्याब्रवर मुख्ति । हाना कारा प्यामाद्रस्त का स्ताम करत প্রস্তান করেছেল। তে কুক্তমক কৃষ্ণ, তে অপোর, তে নাগ, _{প্রসা} ও হ'শ্ব^ক, জার হাস্ত সকল মানিনীগালের দর্গ হরণ _{প্রায়ে} করেছেল সেই কলিও হাডাকে এই পথ দিয়ে বেডে নেখেছ কিং হে পরম কল্যাপথ্রত, গোরিতুকর seroxালের অভ্যন্ত তির ভূলসী, তোমাকে কারে বারণ হরে ব্রমরের দলের দলে তুমি কি জ্যাতকে ছেভে থেকাং হে মানতী, হে মারিকা, হে জাতি আর যথিকা, তাঁর কর-স্পর্ণ নিরে ডোমানের আনন্দ লিডে सिटक प्राथक कि आहे अथ लिटक निरंबरकृत एक इन्छ, एक প্রিয়াল, হে পানস, অসম ও কোবিদান, হে কছে, ছে অৰ্ক, হে বিন্দা, বকুল ও আন, হে কদম ও শীল এবং । দিও লঃগলেন খার তার পাদু খানি আকর্ষণ কলর সময় বয়নার উপকুলবানী পরার্থে জীবন ধারপকারী অন্যান্য তাঁর কিছিলী ধ্বনিত হতে লাগগ। গোপবালকদের বঞ্চাল, জামরা শোপীরা আমাদের হৃদত্র হারিয়েছি, তাই থক্ত করে আমাদের কান, কৃষ্ণ কোথার বিয়েছেন। হে 🔞 কৃষ্ণের অভিনয় করকোন। কৃষ্ণ রূপে এক গোলী পৰী হাতা, ক্ষমান কেলবের গালপথের কর্পে লাভ ৰুৱাৰ জন্য তথি কোন ভূপকৰ্মা করেছিলে বা প্রয়ানক অসমেন করে ভোমার রোমরাজি ধরা শরীবকে প্রুক্তিত করে শোভা প্রাপ্ত করেছে : তামি কি ভগবানের গঠমান আবির্তাবেই এই আনন্দ ভাব লব্ধ হয়েছ লা কি আহো পূৰ্বে ৰখন ডিনি বাহনদেখকালে জোমাডে পাৰশপৰ্শ করেছিলেন, কিন্তা ভারও পর্বে, বখন তিনি করাহ **जनकारकारण (कामारक जानिका करहाशिका, जनन**। (क् नदी, इतिनी, एकामाराज्य नदात्मत श्रद्धमानम धानवनकाती র্মীক্ষ্যুত কি তাঁর তিবার সঙ্গে এখানে মরেছেন ঃ কালে, ঠাং সমীকে আলিসন্থো সময়ে তাঁর স্থীর ককর কুমুমে বঞ্জিত উল্ল কৃষ্ণকৃলের খালার শৌরভ এই পাখে প্রবাহিত হতে। যে ভরণাণ, খ্যামরা দেখছি তোমরা প্রণত হয়ে রবেছ। ভুল্লী হস্তবীর মালার সুলোভিত এবং চারখারে ওমারিত মন্ত অমবেরা বার পাদাপান্গামী, সেই রামানুর্যা नेपन क्यान विरम सम्बद्ध करायम् जिलि कि छोत्र दीजियह দৃষ্টিপাতে ভোমানের প্রশাস মহণ করেছেন। তিনি এখন থেকে চলে যাও। ভোমার জানা উঠিত বে,

নিশ্চমই ঠার বাছ ঠার প্রিমান্তরে করে স্থাপন করে স্কন্য बाट्ड भग्नक्त बाउन कंद्र ब्रह्मसम्म । कृटकत हरस्य अहे পঠাওলিকে ভিকাস। করা বাভ। তারে নিজপতি এই বৃক্ষটির বাছ আলিখন করে কাকলেও, ভিন্তবাই তাবা ক্ষুক্তের বরণপর্নিতা হয়েছে, ক্ষারণ আনক্ষে ভারের পারে রোনাক ভাব প্রকাশ করেছ।"

"এই সকল কথা কালে পর কৃষ্ণ আগ্রেংশে কাতর শোণীয়ে পূৰ্ণকাশে ক্ষান্তাভনত হয় হয়ে হাত্ৰ বিভিন্ন নীলাসমূহের অনুকরণ করতে ওক করলেন। পুতনার वन्कराय अक्षम (भानी, विक क्राव्य बाटी र्चाउनरकारी चानु এक शास्त्रीत्व छोर अन्न कराइनात তান করলেন। আরেকজন গোপী এক্সনরত লিও ক্ষেত্র অনুকরণে শৃকটাস্থের অভিনয়কারী এক পোপীকে পদায়তি করনের। ভূদারর্তের ভূমিকা প্রচুধ করে একজন গোগী শিওকংখন অভিনয়কারী অন্য একজনকে বাশহরণ ক্যাপেন, তথন আর একজন খ্রেপী হামণ্ডি ভনিকা পালনভারী কয়েকজনের মধ্যে হ'লন ব্যেপী প্রায ৰংমানুবন্ধনী আহেন গোলীয়ে হতায় অভিনয় কংসের এবং দু'শ্বন পোপী কথাপুর কথের অভিনয় ক্ষরজেন। দুরে বিচয়পকারী পাড়ীদের কৃষ্ণ কেভাবে আহ্বান করেন, কেচাবে তিনি বংশীখ্যনি করেন এবং কেচাবে তিনি বিভিন্ন ক্রীড়া করেন, একজন গোলী অবিকশভাবে তা व्यक्कान कहरण, क्या (भाषीभन 'जाधू। जाधू।' नरण তাকে অভিনন্ধিত কথ্যসূত্র। আবেকজন গোপী কুম্মণততির হয়ে অনা এক স্বীর কারে হাত রেখে ভ্রমণ করতে করতে ঘোষণ্য করলেন, 'আমিই কংল! কত মনোহবভাবে আমি চলছি জা দেব।" একমান লোপী খললেন 'ৰাড়খৃষ্টিতে ডোমাৰ্ম কেউ ভায় লোগো ন্ম, আনি তোখাদের রক্ষা করব।' এই বলে সেই গোপী তার উত্তরীয়খানি তাম মাধার উপরে তুলে ধহলেন।"

শ্রীল শুক্রের গোস্বামী বঙ্গে চলকোন-"কে রাজন, একজন গোপী অনা একজন গোপীর কানে উঠে তাঁর চক্লা খনর গোলীর মাধার হেবে ফালেন, 'য়ে গৃষ্ট নাপ,

মানেক্তর করু কারনা করা সাধি এই কারতে করা প্রথপ করেছি।' কথন থনা একজন গোপী বলে উইলেম— ছে বোগবালাকের, এই ভালের পাওনভার মিতে স্বাধ্য ৬৭ শিল্পী ভোষাবেট চোপ বন্ধ কর, আমি অনাবাদে তোলালের হবল করব। একজন গোপী তার এক তথী স্মানিক ফুলমালা হিছে কথা করে কালেন—'একন আমি এই ভাতভ্ৰমন্ত্ৰী মাধ্য-চেন্ত বালকটিকে বাঁধবা, বিত্তীয় গোলী ভাষা ভীত করে ভাল করে তার সূপর নরনপুট্ট ও মুখ আছোনিত করলে।"

"এইভাবে গোপীয়া কলে ক্রানীয়া অনুকরণ কর্মেরের এবং গরহাত্ত্বা কৃষ্ণ কেম্বরে থাকারে গারেন বলে কুলাবনের কুজলভানের প্রশ্ন কর্মেলেন, ভবন দৈবাং তারা বনের একটি কোনে ওয়ে গদভিত্র লক্ষ্য করলেন। এই সকল পদচিকে কাম, গৰা, বছ, আহপ, কা প্রভৃতি চিহু চলি পরিয়ারভাবে নির্ণয় করছে ছে, সেওলি সেই মহারা, দল-মহারাকের প্রেমেই পদ্ভিত। তার পদ্ভিতের প্রদর্শিত পথে পোগাঁরা করেব পথ অনুসরণ করতে লাহালের, ডিপ্ত বন্দ দেখালের সেই লগচিত টার অগাউৰ প্ৰিয়াভয়াৰ পদন্তিকের সঙ্গে সংখিতিত হয়েছে. তথন তারা আকৃষ হয়ে এইতাকে কাতে লগেলেন। এখনে আননা কোন গোপীর প্রতিপ্র দেবছি, বে নিশ্বটো এক-কারাজের প্রের। সঙ্গে গানে করেছে। ঠিক মেন কেন হত্তী তার সঙ্গী হাত্তনীর কামের উপরে তার ঠত স্থাপন করে, কৃষ্ণাও নিশ্চাই তারে বাছ তার ক্ষতে क्षान्त करप्रविश्वतः। এই दिलाव श्रानी विन्तवरे ম্প্রার্থস্তাবে সর্বশক্তিকার ভগবান গোটবনের আরাধনা করেছিলেন, ভাই খাঁর খাঁত ফডার প্রীত হরে ভিনি শ্বৰ্যালয় পরিতাপ করে প্রতিক নির্মান স্থানে ਕਿਹਾ ਗਿਲਦਾਜ਼ ਹੈ।

ेश्च (भागीतमः (भारत्यकः नामनव्यतम् अवदे नीयः। (वे. इच्चा, लिंद के तथा (मंदीक बाधनगरमंद्र क्या (मंदि বেল জীলের মাছকে বাবল করেন। সেই বিলেব লোপীয় পশ্চিত্রপ্রতি আন্ত্রেরর অভিশর করু করছে। সমস্ত ধ্যোপীদের মধ্যে লে একা নির্মানে অপহতে হয়ে ঠাককের অন্তর সূধ্য পান করছে। সেখু এখানে আমরা আর তার পদায়িক কেন্দ্রের পালি নাং নিকাই ভগাত্তর হার সুকোনল পদতল ব্যাপত কর্মানা, তাই ডার যিয়তম

देश द्वारोगित करने स्थल दिला। (हे । छोत्रा अपन তম্ভ কল ভিত্তপাৰ কাৰ কাৰ নিশ্চিট চাৰ কাছ নাইন হতেছিল আৰু কাই এই কাৰে কামলীভিত কংগাল পদাহত কৰিছে কৰণানি সভাৱ হাকে। ভাৰ क्यांक, भूग्भारमध्य कमा एउटि भशास ५३व वासकी নিশ্চতই উল্ল প্ৰেল্ডব্ৰৈ নামিলে ভিলেন। তেও, ভিলেনে হুছ এই স্থানে কিভাবে ভার বিষয়মার ক্লমা পুজানুত্র ভারদের। এখানে ডিনি কেবলনার স্থাস প্রস্কৃত্যর সম্প্রতাপের চিক্ত রেখে থেছেন, কারণ সুলের নারার পাৰাৰ ক্ৰম্য ভিন্নি ভাৰে পাৰেত আকুলেৰ উপাৰ দৈড়িরেছিকে। কুমা নিক্সই এইবানে প্রায় প্রের্মীত কেব প্রসাধনের কলা উপকোষ করেছিলেন। প্রার _{নিক্র} বর পূপে সেই কমী ব্যাও নিশ্চাই সেই কামিটাক চূড়া নির্মণ করে দিয়েছিলন (*

"ভবজৰ কৃষ্ণ ছ-ক্ৰীড়, আত্মানাম ও ব্যাংসভাৰ হওক সংগ্রহ সাধারণ কান্ত সান্ত্রের দুর্মন্ত্র ও নানীদের मुद्राचका अवर्गात्मक कवा हमेरे ल्यालीव महत्र विद्राव करतकिरणमः। जन्म्नेजरान विकाकसमा स्थानीता विकास कराख कराक कराकात विविध जीलाममुद्रात हिल राचीकरनम्। धामा भवना स्मानीरसः भविष्याम करम् ८६ विज्ञान क्ष्मानीहरू कुन्नः निर्मान करन निर्मा शिरप्रविद्यान्त्र তিনি নিজেকে জন্মান্য নারীয় মধ্যে জেটা বিক্রেমা করে ভাষতে লাগনের, "অন্যান্য গোপীরা কামবেমে সমগতা হলেও আমার প্রিয়তম খলা গোপীদের পবিত্যাদ করে ক্লেকায়ে আমার্কেই প্রস্থা করেছেন ৈ কুদাবন অর্থ্যের এক অংশ দিছে প্রপরীবৃগল কান গলন করছিলেন, চৰন নেই বিশেষ গোপী নিমের জন্য পর্ব জনতহ করে ভগবান কেবতকে কললেন, 'আনি আন ইটিড়ে পারধ না। राधादन एमि स्थाल हात, ध्यामाएक वहन करत जिल्हा हम।" এইভাবে কৰে জীকুৰা উত্তর দিলেন, 'আমার কাঁথে আৰোহৰ কথা। ভিন্ত এই কথা বাদার সক্ষে সঙ্গেই তিনি অনুষ্ঠিত হলেব। উন্ন জির্ভনা ডখনই অনুভাগ করতে কাপ্তলন। তিনি ফ্রন্সন করলেন—হে নাথ। হে রখণ। হে প্রিক্তম। ভূমি কেম্বার। ভূমি কোধার। হে মহাবাহোঃ টে সখা, ভোগার দীন দাসীকে ময়া করে ्टाइक सर्वत कार कर।[™]

প্ৰিপ প্ৰকলেৰ খেলোমী বললেন—"শ্ৰীকৃত্যে গ্ৰহন

_{লগ্ন} ছাংকল করতে করেও অনুরে ঠানের ভিত্ত-বিশ্বরু প্রকাশ করকে। কিছু ঠানে বাক্ত অভ্যনার নির্মাক্তিক _{বেশ্ছিত-}মুখিতা স্থীপুৰ তীয়া স্বেত্ত পেলেন। সাধ্য *ইলেন, তথন* তাঁক নিস্তু হলেন। তথা তীক্ষণত্তীকা ভিতাতে তাতে সামান প্ৰদান কৰোঁছালে। কিছু তাঁত সদলোপক্তা এবং তাঁত লীখন অনুক্ষাণে ভাগতিকা প্রারাহাক্তর বিভাবে তথ্য তিনি অবহানে। ভোগ খেলীলে উচ্চতের কৃত্র ভাগান করতে করতে তালে ্ত্রেলেন, তিনি তাঁদের সেট সব কথা কালেন। এই নিক নিক সিক স্থান কৰা সম্পূর্ণ ডিগ্রুত চলেন। গোলীগণ প্ৰয়ন্ত্ৰ কথা প্ৰথণ কৰে লোপীৰা অত্যন্ত বিশ্বিত পুনবাৰ কলিকী তটে আগতে কৰে কুমাকে ভাবতে _{প্রাম্থিতিনে}। অতথ্যার উল্লালেকে ইতমূর কোনা হাত, ভাজাত তার কলেনা আতালকার একতে উপ্তেশন করে ত্তমর পর্যন্ত বোপীনাশ কুরেনা অবেশলৈ বনের পাঠারে তার বান করতে বাসকো।"



একত্রিংশতি অধনয়

গোপীগণের বিরহ গীতি

গোলীয়া বস্পোন--"হে পৰিও, ভোলৰ জৰা পন্তীনেশীৰ কৰবে প্ৰথম কাৰ্য বা সংসাধ কৰে উত্ত কেবলমাত্র ভোমানই জন), আমন্ত, তোমার অনুসত সভাকে স্থাকে কর। (২ রক্তরুরে মুক্তবিনাশক, ট্র সর্বত্র অবেহণ করছি, বছা করে আমানের তুরি কর্মন সরোবরে সূজাত বিকলিত ক্ষমণগর্ভের সৌম্পর্যকেও অভিক্রম করে। এছ অভীউতাদ, নিজেনের করে ভিনরভার। क्दर थोंग कि का नहार द्वा शुक्रकटलके, धार्शनी গানবাৰ আমানের সর্বপ্রকার বিপদ থেকে কলা। क्रिक्स-विश्वक क्रम (भाक, क्रमक्ष महचानक चर থেকে, প্রচাত বর্মণ ক্রেকে, ক্রণাবর্তাগর থেকে, ইল্লেব উন্দেশ বন্ধ খোড়ে, স্বাস্থ্য থোকে এবং হয় স্কাবের পুরের থেকে। যে সংখ্ ছবি কেবল গোলী বংশালনই পুর বর্ত, পরার সভার প্রালীয় জানুর্যায়ী সামী শক্ষণ। বেহেড় একা ভোষাৰে প্ৰকাশ কৰাৰ্থ অবতীৰ্ণ হতে व्यक्ति कर्त्तहरम्म, एप्पि छाई अध्य माद्रुष्ठ करन सक्ठीर्न ইবেছ। হে বৃথিতোষ্ঠ, ভোমার গরসমূপ হয়ে বা

প্রস্কৃতিকে অভান্ত মহিলামর করে ভূগেছে, আর ভাই । তেনের প্রস্পান্ত সংগানতকের অভান করে বাকে, क्षात्रारमधी है किहा अधारम अर्थम। दिनाम करन्याः हि साई, त्रहि क्षाकानमा-मूननकाही कर्यन्य कार्यारम्य प्रतिहा, चापारमा बीवन वसल करिन चामा स्टापार - गरीवाहिक वीरानुकर, स्टापार राजा चलनात्मा वर्ष तल করে। হে সংখ, বল্ল করে তোনার দাসীরাংগ আমারের মাও। হে সুরন্তনাথ ভোমার দৃষ্টির সৌন্দর্য সংক্ষেত্রীন । গ্রহণ করে তেনের সুন্দর বদন কমল কর্ণন করাও। ত্যেকর পদপ্রহার সকলাগুড় সকল প্রাণীর বাপ বিনাল করে। সেই পদরর ত্রুত্রর ব্যক্তীর অনুসরন করে এবং ভোষার কাছে সমর্গণ করেছে দেই মাসীদের তুলি কা তে কন্দ্রীদেবীর নিত্য জাবাস। তুমি একবার কালির নাচার কথার কেই পদয়র ক্লাপন করেছিলে, হয়া করে মেই পালার আমানের প্রথমেশে অর্পথ করে আমানেব ফুলতের কার কোন কর। যে প্রক্রেলাড়ার, তোমার সুমধুর रुक्तंत्रर 🐞 महत्त्वत्व नमध्येणै मा दिल्हासरस्य प्रम धारणांच ভাষে, জা আয়াদের স্তামণ বিমোহিত কথছে। যে আমানৰ ভিত্ৰ বীৰ, দহা কলে ভোমাৰ সাসীগৰকে তেলের অধ্যাহতে সঞ্জীতিত কর 🖺

> "হে গড়, বং জালার বা স্কৃতিকারী মানুষেরা ছবতে এনে, ভোমার খেমবার ব্যক্তিকের জীনোরারুল, कवित्रत महीठ, कन्थतानी, वरनम्बन, मदंशलंद्रते, मर्द-

ব্যালক তোনার কথামৃত সালা জগৎ জুড়ে প্রচার করেন। মাধা বিধাতার সৃষ্টি আমানের চোখের গাড়ার দানা, তার্ট সর্বলেট সভা। ভোষার হাসা, ভোষার মধুর প্রীর্ভিমন্ন দৃষ্টি, অপ্তরেল পীলাসবৃদ্ধ, তোমার সতে উপজেপ করা ব্যক্তিগত কথাওটি--এই সমন্ত কিছুই মিবিষ্ট চিত্তে শারণ করা মালকানক আর তা আমানের হুদরৈ স্পর্য করে। ভিন্তু এক**ই সঙ্গে হে কণ্ট, তা আ**মাদের মন অভার কৃষ্ট করে। হে নাথ, হে কান্ত, তুমি কান দোঠ ভ্যাস করে গোঁচারণৈ গমন কর, তথ্য কম্পের চেতেও মনোহর তেখের পাদম্ম তীক্ত শাদ্রের শিব ও ক্লক ভূপ, অহুত্তে ক্রিষ্ট হতে পারে, এই ভাবনায় আমদের ফা বিচলিত থাকে। দিনের শেবে ধূলিধুসরিত ক্ল-নীক কুডাব্ড ভোমার ক্ষম-কম্প্রামি পুনঃ পুনঃ আমাধের প্রদর্শন করে, হে বীর, তুমি অংশকের মনে শ্বতির কোনা উৎপন্ন কর। ব্রহ্মার জাবাধিত তোমার পাদপত্ম সকল প্রণতজ্ঞানর ভারদেকা পূরণকারী। পুথিবীর ভূমনুত্ররূপ **প**র্য সুখলরক তারা আগতকালে জানের মধার্য বিষয়। ८६ त्रमंग, ८६ मृत्रभश्ती, यक्षा करता राग्दे गीमनक कामारामा স্তানে অর্পন্ন কর: হে বীজ, দরা করে তোমার মাধুর্য সুখবর্ণক ও শোকবিবাশক অধ্যামৃত আমালে বিভয়ণ কর। সেই অনুত মানুষের অনু আসন্তির বিজ্ঞান খটার এবং ভোমার কানিড কেপুত ছারা সৃষ্ঠভাবে তা আবাদন करी कर। शिवाकार्य कृष्टि रायम भरूब क्रमब करा, ভোমাকৈ দেখতে না গেয়ে ক্ষাক্ষাণ্ড আমানের ক্ষন্য এক সুর হয়ে ওঠে। এখন कि বর্তন ভোনার সুকর कृष्णिक कुल्लावुक पृथमध्या चाधरकता निर्वेशक कति,

অনামের জনতা বিশ্বিত হয় ৷"

"হে অকুত্ত, ভূমি ভাগ করেই জান—কেন ব্যাহত্ত এখনে এসেছি। তোমার ফতো শঠ ছাড়া ধার তেওঁ বা তাঁর বাঁলির উচ্চ-গীতে মোহিত হয়ে মধারাত্রিতে আগত যুক্তী মার্বাদের পরিজ্ঞান করবের কেবল তোমাকে বৰ্ণম কথাৰ জন্মই আমাৰের গতি, পুত্র গুরুত্বন, কড়া ও জন্যন্য আশ্বীর হকনকে সম্পূর্ণসংগ আমর অপ্রাহ্য করেছিঃ আমার বখন তোমার সাত একাতে অন্তর্জ কপোপকথনের কথাওকি মনে করি তথ্য আমাদের মূদ কার খার মোহিত ইতে বাতে, আমাণের হালনে কামের উদর অনুধান করি আর জোনাত হাস্য কুৰ, ভোষার প্রেলমার কৃতি, ও লাজীদেবীর विवासक्त राजवात विवास कारक प्रता करि। अहे साव তেনের প্রতি আমানের অভিনর স্পৃত জন্মর। হে প্রিছ জেমার সর্ব মালসম আবির্ভাব ক্রমবাসীদের সুংক্রিনালত। থামানের মন ভোজার সভ সারহে আকাশক করে। কর করে আরাদের তিন্দিৎ সেই উক্স প্রদান কর বা ভোরং ভব্দের ব্যাধ্যে ব্যাধ্যে প্রতিকর করে। হে প্রিব, জেমাঃ স্কোনন চরণকমন আহত হবে, এই আনহাতে আ আহত আমান্তের কঠিন কমে অভ্যন্ত সন্তর্গণে খনের করি। ভূমি আমানের জীবন সমগ্র, তাই বন্দারশের সমগ্র প্রথরকৃতির আখাতে ভোমার সুকোমল চরশবৃথল আহত হতে গারে, এই অপভাৱ আমাদের চিত্ত উৎকঠিও হচ্ছে।"



দাত্রিংশতি অধ্যায়

প্ৰীৰ ওকদেৰ বোগোলী বললেন—"হে বাজন, এই এবে কাশ মধুর উপাতে তাঁলের প্রদার হতে উৎসারিত গান ও প্রদাপ করতে করতে গোলীয়া উট্টেরেররে রেনেন

ওক করনেন। জারা নীকুষকে দর্শনের ক্ষন্য অস্তার্ न्यात्रम विरागनः। धार्थः गद्य अन्यात्रम् कृषः महाभागमध्य গোলীলের সম্পূর্ণে অবৈর্ভুক্ত হলেন। মলা ও গীককান

«বিহিতি, কাণাবৰ মান্ধিয় মান্ধ্যপকাৰী আছং কৰেছিল। কুল দৰ্শনৈ মৃতিহান বেদগৰ যেন্দ্ৰ পূৰ্ব শোলীবৰ বধন দেখলেন যে, ভানেৰ চিত্তম ক্ষা _{নের্মার} উৎকুলিত হলে উঠক। খেন তালের প্রতিক্র প্রথমন্ত্র কিরে একঃ একজন সোলী আনলে কুল্ডের era তার অঞ্জিবত হাতে প্রহণ করালন একং কংলেন। এক তথী গোপী অঞ্লিবন্ধ হাতে প্রভাগনভাবে কৃষ্ণাবিত ভাষ্ট প্রহণ করলের আর আন্ একলম বিবহ সতত্ত গোলী তার পাদলছবৰ জীৱ স্তুমবৃদ্ধলে স্থাপন করকেন। গ্রেমমত রেলতে বিভূল একমন গোলী গুড় বংশন করে জন্টাকুড় কট্যকপাত বারা ক্ষাক্তে যেন ভাতিত ক্ষাতে লাগকেন। ঠিক ক্ষেত্র হোগীগণ তার চাংশে মনোনিবেশ করেও কথনও ভালু হন ন্ধু ভেমনই খনা এতজন সোধী কৃষ্ণের কল-কমৰ অন্তর্ক নয়নে অবলোকন করে তার মাধুর্য গভীতভাবে আফদন করেও কেন তৃথ্য হতে পারলেন না। একজন বোলী বীয় নেত্র-এমেটে মাব্যবে ভগব্যনকে উল্ল ছালছে স্থাপন করবেন। ভারেশর চক্ষ্ মুদিও করে পুলকিও পরীরে ওঁতের অনবর্গত জালিক্সমে তিনি ভগকনের হ্যানরত এক খোগীর **মতো হতে** উঠকেন।"

"তাদের প্রিম্ন কৃষ্ণকে পুনরার দর্শন করে সকল ্যালীপৰ প্রযানকে বস্ত হতে উঠলেন। সংসারতও যাতিগুৰ কোনাও পরম ভাগবতকে প্রাপ্ত হলে *বেম*ন র্তাবের পূর্বপা বিস্মৃত হর, ঠিক ভেমনই তারা বিরহ-বস্তুপ। পবিভাগে করেছিলেন। সর্বসন্ত্রাপমৃত সোণীকা হবে পরিবৃত হরে পরমেশ্বর ভগবনে অচ্যুক্ত শীল্ডিমানকলে विवास स्वतिहानम् । (३ ताधन् ध्वेषयीतिमदी प्रकलानिक পরি পরিবৃত হলে পরমাধা খেডাকে শোভা পান. ব্দীকৃষ্ণত এইভাবে দীপ্রহান হরে ছিলেন। সর্বশক্তিমান ভগরান অভ্যাপর গোপীনের তার মাস কালিন্দীর হস্তর্জণ ভালে স্বানা ব্যাপ্ত, কোহল বালুকায়ত্ব প্রটে নিবে গেলেন। নেই পরিত্র ভূচিত্র প্রস্কৃতিত কন্স ও মন্দরে কুলের শৌরভ অহিত ব্যক্তান প্রমন্ত্রণার আকর্বিত করেছিল আর

ক্ষান্তাবেরও মনোমেরক রূপে তিনি আবিও্ত হয়েন। সমস্বাম হাত্র হতেছিলেন, তেনেনি কৃষ্ণ-দর্শনের আনম্ম (भागीमात्मात सम्बद्धात स्थाप गुर्वीकृष्ट इस । चैत्रपद अस्पद ঠানের কাছে বিধে এনেখেন, তথম তারা তৎক্রণাৎ কুছুম-রভিত উত্তরীয় সংগা, ঠানের প্রিয়তম কৃত্যের জন্য গ্রান্তিরে পড়বেল আর তার প্রতি শ্রীতিবশত তাঁতের তারা আসন করে করলেন। বংখের ভগবান প্রীকৃতং पीत्र बाल (वाट्यब्रहभवं केट्वर लग्द प्रदेश चार्यन केवल কবেন, তিনি গোলীবাণের সভামধ্যে তার আসন প্রহণ করকেন। গোলীখন জার আনো করলে, ত্রি-লোকে অনুবেকশাল কৃষ্ণের চন্দাচটিত করে তার উল্লেখাকণ পশ্চীর একস্থা আধাসমূল রূপ তার চিপার নতীব দীপ্যমান ক্ষেত্ৰায় প্ৰকাশিত হতেছিল। গোপীগাণ ভাঁদের (कार्य कानकदर्शक क्राक्षत्र इन्हें के भागवत श्रांभिय करते, ষ্টাক্ষ, ছানালীলা ও ক্রবিলাসবিত্তর মাধ্যমে তাঁকে সম্মানিত কৰলেন। এখন কি ম্বন ওারা কঠনা कटक्रिका, विर्वकर, द्वान चान्वरका प्राथात्म, कैंसा केंद्र উদেশ্যে কাতে লাগলেন—"কিছু মনুষ কেবল ভালেই ভালবাসে, করা ভাদের ভালভাসে, বধন অন্যান্যরা সেই সব স্বন্ধেরও ভালবালে হারা ভাবের ভালবালৈ মা বা বিরোধীজনাগর। এরপড়েও আরো কিছু মানুষ রয়েছে, वाज्ञ कातव अधिकै खामवाना अन्तर्भन करते थे। सिर कुव्ह रहो चहु और नामहरि धाराएमा दयावरशास वर्णना क्या 🖰

পর্যালের স্তার্থান কালেন—"তথ্যক্ষিত সূত্রদায়ণ ব্যরা নিজেনের স্তাভের আশার প্রশ্নরকে ভালবাসা প্রদর্শন করে, কারা প্রকৃতপক্ষে কর্ষেপর। তানের মধ্যে সহিক্তারের সৌহার্দা নেই, ধর্মও নেই। গ্রক্ত**ানে** ভারা বলি নিজেপের পাড়ের প্রত্যাপা না করত, তথে প্রাবা পারশ্ববিক ভালবাসাও বিনিধন করন্ত না। ছে সুমধ্যমাপৰ, কিছু খালুক বালেছন বালা প্ৰকৃত অংশই कामनिक, विमेन भिक्षा श्राद्धा कास्त्रविक्रसारवेहे (ऋक्⊻क्र्य) এই ধ্যানের মানুবেরা বালা প্রতিষয়নে বার্থ ছানুষ্ট্রের धकनिकेन्डाल एम्स करा, छाताई बर्ध्य अनुष्ठ निर्द्रम अब অনুস্তর কর্মে, আর ভারাই সম্ভিকানের রন্ধাকাংকী। अञ्चल अदि शहरतत मनुस्त्रताल सरहरक् याता चहनान्त्री, থাপ্তকান, অঞ্চল্লে ও ওকংগ্রেহী। এই ধরনের মানুষের তাদের ভালবাসা প্রথমকংবীকের ভালবালে লা শঞ্জনের কথা আরু কী আরু আছে। স্তীয় বধন স্বামাধে ভালবালে, এফা কি ডারা বৰম আন্তর পূচাও শাংকালীন চান্তর কিংল-প্রাচুর ব্যাটের অভকার দুর কারে, আমি ওংকশাৎ সাড়া কিই না, তার কারণ ছে

গোলীলাণ, জামি জালের প্রেমময় ভাততে হীরতর কলাড ১াট পাছ বাদ নাই হওয়া নিগান বাক্তি ছোৱন সেই বানের চিয়াটেই উন্নিয় খ্যানে, অন্য কোন কিছুবে চিন্তা করতে পারে না, প্রথম বয়ো তেমনি হয়ে বঠে। ছে গোলীরণ, আয়ার ক্ষমা জোনহাতার, বৈদিক নিচাৰে এবং আধীয়সকন্দের পরিসাধ করেছ আ সংবর্ধ আমার প্রতি তোমাদের অনুবাপ কথিও হবে কবে কামি জোমাদের পুষ্টির আল্যেড়র মুধ্বছিলান। যে চিত্রাপর, আমি

তোমাদের ভিব লাখনে ত্রপুত্ত, আমার প্রতি ভোৱাল থাসন্তম হলে না। হে গোণীপণ, আনার হাতি ত্যোনানের নিৰ্মণ সেবার কৰ কমি ৱন্ধার আৰ্থালেৰ মধ্যের পরিপোধ করতে পরেব না অন্যান্তর সমে তোমাধ্যেত বে সম্পর্ক জা সম্পূর্ণভাষে নিজপুথঃ ভোজা পুরুদ্ধ সংসার বছন ছিল করে আমার জ্বরাধনা করেছ। স্বাট ভোষতার মহিমারিত কার্যই তোমালের প্রতিধান জেক।



ত্রয়ত্রিংশতি অধ্যায়

রাসন্ত্য

শ্ৰীপ কৰকেৰ পোন্ধামী বদলেন--"গোপীগণ গোপীগণ বন্ধম কৃত্যের ওপান কর্মালেন, তন্ত উচ্চত্র ভগবানের এরাধ খনোহর ব্রেডা ক্লবণ করে কৃষ্ণ বিরহজনিত দুঃখ পরিতাপে কমলেন। তার চিত্ম ध्यक्रमध्य व्यवस्थित केत्राच्या सन्दर्भागना वर्ग प्रका । चरतः वर्ग चकुराहे जीए: यहरीयरभद्रे मध्य द्रष्ट्रमनुम्म, च्यन्यम नवन्मत ব্যক্তপালে আবদ্ধা, কিবস্ত গোলীবংগর সঙ্গে ভরবান গোবিদ রালনতা আরম্ভ কয়কো। গোলীয়ণ্ডলে মণ্ডিত মরে রাসন্ত্র উৎসব ওক হল। থেনেবর প্রীকৃষ্ণ নিকেকে বিভান করে প্রত্যেক দু'লন গোলীর স্করাধানে প্রবেশ করে উন্নের করে উল্ল হক্ত স্থান্স করেল, প্রত্যেক लागीर करला ला दिनि अध्याद केत कारहे व्यवसार শ্বছেন। সন্থাক অভিত্তত দেবভাগৰ সেই প্লাসন্তা দ্র্শনের আগ্রহে শীটেই তালের লত দত বিনানে আকলে পৰিব্যাপ্ত কভেন্তিকা। তথ্য থাকাৰ হতে কুলবৃত্তি সহবারে দৃশ্রি বেজে উঠার এবং দান্তীক পদর্বনতিবন হাঁও কোন নির্মক মহিলা পান করতে জাগালেন। রাসমাধ্যমে প্রিরাজ্য রিকাশ্যে সামে জীওরেড গোলীবলের নুপুর, বাগায় ও কিছিবীর ভূমুল শব্দ হতে লাগল। ওঁয়ে বছৰ বায়া আঁকড়ে ধর্মেন। স্তেয়ে কলে তাঁর সূত্যকত গোলীগণের হাকে জীকুম খেন স্বৰ্ণাকভাৱের

দ্তারত পদয়ৰ, কর স্কালন, স্মধুর হাসোর সভে ক্ষিলাদ ও লেমক্ষে ভাগতা ব্যক্ত উল্লে হুত্ত্ত্ত্তল কৰ্মে निक इटर प्रदेशिया इक्षण क्य-यहरू, पश्चाम শেষুদ্যমন কুওছে পিন্দিৰ কৰ্মী ও কালী সমন্ত্ৰিও কঞ গোলীকা থেককে বিদ্যালয়ে নাম থেকা পাটিকে।"

"ক্ষমতাৰ উপভোগে আগ্ৰহী নানা ক্ৰমে বঞ্চিত-কঠা গোপীগল কৃষ্ণ-স্পর্লে ঘণ্টীর আনন্দিত হয়ে উচ্চেপ্রের সমীত ও নৃত্য করেছিলের আর উৎসের সেই গারে সায় বিশ্বস্থাও পৰিবাধে হতেতিল। তোল এক গোপী ক্ষণবান মূকুমের সালের সঙ্গে সঙ্গে উরি চেয়েও উর্লিড স্কালাদে অমিতিও ৰডজাতি ৰতে গুল খেয়েছিলেন। কৃষ্ণ কভাৱ প্ৰীত হয়ে 'সাধু' 'সাধু' মধ্যে উমে বানের প্রশংসা করজেন। কবন অন্য একজন থোপী ঐ প্রাদালকেই এনভাবে পরিশত করে গান করেছিলেন। কৃষ্ণ উংৰও প্ৰশংসা কয়লেন। কোন এক গোপী ব্যাসনুতের পরিপ্রাপ্ত হরে পার্মাইত গদাবারী কুজের স্কর্মে হাতের করে ও চুলের কুল**্টা রথ হয়ে** গিরেছিল। মধ্যে উম্পেন নীল্যালির নায়ে অভান্ত দীপানান ছিলেন। একখন গোলী প্রায় কারের উপত্রে করেনে চন্দানচটিত

5 পুল করেতে কার্যালেন। তোল এক গোলী পুতালগড় সামে কারের মুখ্যতাল মার্যান করে নিক্ষেন। পোলীগর গেৰুলামান কুওল বুগলেৰ কাতিকে বীপায়াৰ কিছ প্রতম্পা স্ত্রীকৃত্তের সভারতে সংখ্যেতিত করতে কৃষ্ণ স্থাপায়ান পর্যাক্তর পোলা হারা, সুধানর হাস্য ও क्षाहरू जनता है। व प्रतिष्ठ प्रतिष्ठ प्रतिष्ठ काला करामता चारामकर बाहा क्षात्रक कृष्यक कृष्यक नृथा নৃত্যপর্যাশা, শীতরতা হরে নূপুর ও মেগলার কলায়খ্যন লোক গোলী ক্লাড হতে গঙলে খাৰ্থবিত ভগবান মুগতের সুক্তর কর্তন্ত নিজ তুল্পুস্কের উপরে क्षात्म कश्चात्मनः मर्ख्यस्थीत अकात बात करनीय হ্নাকে গোপীনাথ উন্তেভ অইনেক হেডিক কলে লাভ এরে পরস্থান উপক্রের কর্মান্ত্রন। ঠার ইপায়ন করে গোলীয়া আনকে বিহার করার সমতে, তিনি ঠানের গলা প্রতিয়ে ধরেছিলেন। শোপীকের কানের পিছনে পরকুল, গুলের উপরে কেশ্রকার লোকা, এবং কের্নলে উর্জে গোপর্ব বৃদ্ধি করেছিল। উদ্দের কার ও নুপুরের ক্ষ্ণী-প্রতিক্ষিতে স্থীত সৃষ্টি ধুজিল এবং শনিক্ষাীয় নিবিশী হিভিপ্ত হয়ে পড়েছিল। এইয়াবে দানহওলীতে পদ্মেকা क्षावारमंत्र महत्र (मानीस्त मृद्य करतिहरका, बरर (मह মুক্তে প্রমাকৃত্র গুরুল করে সঙ্গং-সহযোগিত। কর্মেল। এইজাৰে ভগৰান কৃষ্ণ, কথাঁপতি বন্ধং শ্ৰীনারাছণ্, ব্রচাসনগোলের সাংকর্মে আদিয়ান, ক্রমেনি, ডিগ্রান্সেবন, উদ্যাস-বিলাস ও হাসা সহকারে, বালক বেনে নিজ প্রতিবিশ্বের সঙ্গে কেলা করে, সেইভাবে জীয়া করে অনন্য গ্ৰহণ কংগছিলেন।^গ

'মে কুরুবলোবতথে মহনোক পরীকিং, জীয়কের ক্ষম সাম আনকে ভতিকৃত গোলীগনের ইভিরসমূহ বিধন क्षवात छेत्रमत्र तकनामाय, छेत्रमत्र भूतिएका बनाव, केतृति, মালু ও ফাল্মানালি খালিত হতে পড়েলে বার আপের क्राप्त कीता का चनाकारण शक्त कराय शतराम न्हा মেৰণত্নীগণত উল্লেখ বিমান খেকে ত্ৰীকৃকের একণ ক্ৰীড়া কৰ্মন কৰে মোহিত হয়ে কামপীড়িত হয়ে উঠেছিলেন। এফন কি চন্দ্ৰের পার্যাবর্গ সক্ষেত্রতাও বিশিতে হ্রেছিকেনঃ পরবেশ্য জগ্রন আশ্বরের হৃতেও শেখানে বডসংখ্যক খোপী হিলেন তডসংখ্যকরণে নিকেকে প্রকাশ করে উল্লেখ্য সঙ্গ উপভোগ করে ক্রীড়া করেছিলের ।"।

"হে ব্যঞ্জন প্রথম উপড়েংগে খোপীদের ক্রন্তে সর্পন

্রাপ্ত বাবে বাবেশে করে রোমাধিকতা হতে তা করে ভূপানের সুমা তাও প্রথম সুখতাল তাত লিছে নীতির উাদের উচ্চল কর্ণকুগুল ও কুমুবর্গান্তর দুর্গতিতে ক্রেছিলেন। জাব নৰস্পত্রে অতীব আনন্দিত হতে তাঁর বন্ধসহয় দিন্য দীলেয়ে মহিমা ঠারা কীঠন করেছিলান। लामीलस मान वामनीनाव क्षेत्रक महिलाह स्टब्स क्षर উয়নের অক্ষেত্র কুম্মতারের মানিত হতে উল্লেখনের রাজিত হয়ে উঠান। স্তব্ধ পেন্নীয়েৰ ক্লান্তি পুন করের ক্লব্ ভিনি গ্ৰহাকেশ কৰে কো হড়িনীদের নিয়ে ক্রান্ত কাল ন্মকেন এক প্রতাদের মতো স্পর্টতে সহকারে মৌনাছির ঠাকে ৯৪ অনুসৰু কাল। খড়িমান গলভাল বেলাব স্থানিত কৰা বীৰ ভোৱে কেলতে পাৰে, তেজাই স্থানান নীকৃষ্ণ মেন সমস্ত ভাগতিক সামাজিক নীচিবোধ এইভাবে তথ করেন।"

"(र शासन, कानवादा कृष्ट क्रमानन त्य, হাস্যুপরায়ণ্ড জ্যোলীবৃশ্ব চমসিক খেকে কালে ছিরে ভল প্রকেশ করতে করতে তার প্রতি প্রেমন্ত্রী শৃষ্টিপাত করতে: আক্রমান জনকাশ কর্ম প্রক্রেন্ত্রনা বিহারে মানাধ লাভ কংডিলেই কেবটালে উন্নেচ বিধান গোক एका भूभादति कटल कारण केल वर्षना करहरिएलम। অতংশর সংক্রারী ফ্রান্ডেই যৌমন ছাত্রনীক্ষণ সহ বনে বিচাৰ কৰে, জীকুলত ভোটো জল ও স্থানতে কুনুতেই সৌরস্ত বারিত পক্ষাপুত বসুনা জীববতী উপবঢ়ে অনুনামী ব্যার ও প্রথমাধনে বৃত হলে ব্যাব করেছিলে।। দং-বিস্ফাৰণাত অভানে আনৰ্শ পূচৰ জীকৃষ্ণ উল্ল প্ৰতি याक्षे सदस्य अद्भीतन्त्र जित्त करा अधेकात अवश्वालीन ठष्ट्रिक्रिक्रमाणिक व्यक्तिशक्तिएक मरवष्ट सदुरदमर्पक्षक मन तक्**रक्ष का**न्यक्ष कृतिय कर्त्वत ।"

পরীক্তির মহাবাজ কালেন—"হে প্রাথান, বিনি পর্যাক্ত ভগত্য, প্রগরীশ্বর, ধর্ম সংস্থাপন ও অংথের কিনাধের জন্য বানে অংশপ্রকাশ সত্ত এই পৃথিনীতে অবতীর্ণ হয়েছেন, প্রকৃতগঞ্জে ছিনি সময়ধর্মই মুল याहा, क्यां क मरवक्त, दिनि का दरन विकारन গর্মীকের শ্রেণ করে প্রতিভূগ আচ্বং করালেনং হে নিষ্ঠানল রাজ্যানী, আত্তাহ বসুপতি 🍽 উল্লেখ্যে এই ধরনের নিশিত আচরণ করেন, ময়া করে তা বর্ণনা করে। কোন সম্পর্ক থাকতে পারের পারখেবর স্থাপারখের আয়াদের সাধের তথ্ন করেন।"

গ্রীল খকলে গোখামী জালেন—"ঐপধিক শক্তিয়ান নিচতাদের কার্যকলপের মধ্যে আমরা আপতেদন্তিতে সমাজনীতির দুসোহসিক ব্যতিক্রথ করু ভরকের, তাতে তীনের মর্যালা কুর হয় বা, কাঞা ওঁলো আওনের মতেই गर्रहक इंटर्स्स निर्धिय इता चरकर। एवं प्रेचन गर. ভার কথনই মনে মনেও ঈশ্বনো আচরণের অনুকরণ কর। উচিত্র নর। খনি মৃচতাবশক কেনেও সংখ্যাথ যানুর এই ধ্বনের আচরবের অনুকরণ করে, আ হলে লে নিজেকেই करण करने कहार, एउस कहारू में दशारे लंडात মতের সমগ্র-পরিমাণ বিধ পান করার তেওঁরে কলে মান্ত নিজেকেই জন্ম করে। পরমেশ্য ভগশনের শভিত্রমত स्वकारत करा नकन नवराहे रूका कार (सर्ट कथात क्राका शावानकि व शावा किया करा (शाकाव সলে সামধাসাপূর্ণ জ্ঞানের আন্তরণ অনুকরণবোগ্য। শতথ্য তাঁদের নির্দেশ পালন কর বৃদ্ধিমান ব্যক্তিগণের উচিত। হে প্রস্তু, এই সকল নিরহঙারী নিরটে পুরুষেরা क्यार और समारक भूगा कर्म करका, फीएरस रकाम कार्य न्तरान्त्र केंद्याना पाटक जा अवर अध्य कि पथन चेत्रा ধর্মচরপের বিশরীত কোন ভাগৎ আরেন করেন, তাঁদের কোন অনৰ্থ হয় নাঃ তাঁৰ নিবস্তাবীন জীবনমূহকে शक्तिककाती अर्थात्त्व से व्यथमत्त्रकारमा अरम का शत ভিতরে প্রাণী, মানুৰ দেবতা ও নিবিল জীবনা অধীপতে: সভও করে হানরোল রাল জড় কামকে শীঘট দুর করেন।"

পাদপদ সেপুর সেরে ধারা পূর্ণ-কৃত্ত করে ভারগার কল্পন ভাত কৰ্মবৈষ্ঠান আবদ্ধ হন কা। এমন কি বোগপ্ৰভাৱে সকল কর্মবন্ধন হাড়ে মৃক্ত খুনিগণত অভকর্ম হত্যা আৰম্ভ নাব। কা হলে যিনি সেজাপুৰ্বক অপ্ৰাক্ত নাঠাত ধানা করেছেন সাম সেই জানোলের বছসের প্রস্থা কিরোকে ছতে পারে? যিমি স্থানাকীকাপে কোপীপুণ, ওঁচেকা গতিকা এবং প্রকৃতগক্তে সকল প্রাণীয় ভাতরে ক্স করেন, তিনিই অসাকৃত দীলাবিসাংসর করা এই স্বাদ্ধত त्यह श्रामं कर्तरहरू। चेल फक्टब कुना क्याराध अक्र क्रमधान क्यान अनुषा (मह बामन बरतान, क्रबन दिनि क्रकन गौलाविकारम वस्त्र इस **स मिरे भीभाविका**म क्रवनकारीसङ আকৰিও কৰে তাঁয় হাতি সেবাপৱাৰণ কৰে জোলে। ভেবেছিলের তামের লাটারা গাওঁ, তামের আরেই রাজের ভাই উন্নয় ভালের প্রতি কোনজন অসরা প্রকাশ করেনি। ব্রহার একটি নারি অভিনাহিত হলে, জীকুরু মোলীগলুক পুছে ক্রিয়ো বেরের উপয়েল বিলেশ। অনিকর সংখ্য ভাৰবৰ্ণনিৱাপৰ ভীয়ে আনেশ মেনে নিজেন। মিনি অপ্তাৰুত অভান্থিত হয়ে এই রাম পকাধায়ে প্রথবধুনের সলে জীকুমের অগ্নাকৃত ক্রীয়া ফর্মন প্রথম করেন বা কৰিব কৰেব, সেই ধীয় পঞ্জাই ভালবালেৱ বংগাই পলাভণ্ডি

চডস্কিশেতি অধ্যায়

নন্দ মহারাজ উদ্ধার ও শভাচূড় বধ

লিবপুঞ্জার প্রন্য আগ্রহাধিত হয়ে বৃদ-ক্ষতিত প্রকটে

ব্ৰীত ভক্তেৰ গোন্ধাৰী কাজেন—"এৰ্থমন গোণগদ । পভগতিমের ও জার পায়ী সেবী অভিকার পূত্র কালেন। লোপনৰ ব্ৰাক্ষণদের গাড়ী, স্বৰ্ণ, মান্ত ও মধ্যমিলিত আই আবোহৰ কৰে অধিকা বলে বাজা কৰেছিলেন। জে উপায়াই প্ৰদান কৰলেন। অভ্যাপৰ ভাষা "বহালেন ব্যালন, সেখানে পৌছানেত্র পর ভারা সময়তী নদীতে আমানের প্রতি প্রসন্ন হেল" বলে প্রার্থন্য করলেন। নাম ত্রন করলেন এবং ভ্রতি সহকারে নান্য উপচারে পর্জিনান সমস্থ ও অন্যান্য মহস্তাগ্যারান প্রেলগণ সেই রামিটি

_{মারারাভা}ষে তাঁনের গ্রন্থ শালন করে সরস্থাতী জীবে করম। ছে মহাবাধিন, যে মহাপুরুষ, ছে সং-প্রত, ক্রমান করণের। জন্ম করে পান করে উপবাসী। আমি আপনার শরণান্ত ইয়েছি। হে সর্বাস্থ্যকর্পান্ত क्षित्रहा। त्येहे प्राविष्ट कराव कुशार्ड अक प्रधानन त्येहें नावत्रका स्थानम्, खामात्व सनुबद्धि प्रथम काना। उद ক্লা বানে অকস্মাৎ উপস্থিত হল। উদৰে ভৱ দিতে ভচ্চত, আমি আগনাভে বৰ্ণন কয় মান্তই প্ৰাক্ষণগণের ভিটেছৰ বাতিতে এগিয়ে এলে কেই দৰ্গ কৰ-মহাত্ৰাক্ষকে খণ্ড ছতে মৃক্ত ছয়েছি। বিনি আননাভ নাম কীৰ্তন का कहर तक कराने। नर्गातक तक प्रशास विश्वतक करवन, किनि निस्करक क टाई मार्ज किने ক্রানের, "তেই কৃষ্ণা, তে কৃষ্ণা, তে ভাত, এই মহাস্থা। প্রধণকারীকেও পবিত্র করেন। তা হলে স্থাপনার লালকৈ প্রাণ করছে। আমি ভোষার প্রতি শ্রণাগত— পাদপরকারের স্পর্শ আরো কও মঙ্গলমন্ত । এইভাবে আনাৰ্কে রক্ষ্য কয়।" নক্ষেত্ৰ আৰ্ডনাদ ভাৰৰ করে। জীকুকেছ অনুমতি গ্ৰহণ করে সেই শেহতা সুলান ত্যাকে লোপাৰ্য তংক্ষণাৎ পাৰোখান করে নক মহারাজকে প্রদক্ষিণ কর্মেন, অকনত হয়ে প্রশাস নিকেন্দ কর্মেন স্থানিক মান্ত করে উৰিয় করে ক্ষাত ক্ষাত্ত ক্ষাত্ত স্থানিক আৰু করেপর ক্ষাত্ত স্থানের আলবে কিরে সেবেন। স্থা প্ৰয়োকরলেন। স্পান্ত কাউলও স্থান্ত কর হয়েও সূর্ব নহাব্যক্ত উত্তে বিশুস থেকে উদ্ধান্ত লেগেন। নৰ ছহারামকে পরিত্যাণ কয়ন না। তখন একবাসীকা জীক্তের আছা বৈতৰ দর্শন করে বিভিও অক্তর্গুপালকে পরস্থের ক্ষমতান কৃষ্ণ ঘটনাত্সে আগমন। হলেন। এই রাজন, তাঁরা গুদার উচনের শিব সারেখন। করে স্পটিকে হার পাদ খারা ব্যর্থ করবান। সেই সর্গ সম্পূর্ণ করে নামরে কৃষ্ণ হৈছেন কর্মনা করতে করতে প্রশৃষ্টের পাল-স্পার্টে, তথকশার তার কীবনের সমস্ত প্রকে বিশ্বে গেলেন*া* লাল বেকে মুক্ত হল। এইজানে সেই দলটি তাম দেহ অভ্যাপ্ত প্রযোগন ভগনান হারীবেশ তার সম্প্র প্রশৃতক্রশে দঙায়মান সেই সুকমিল্ড অনকৃত সমুখাল দেহবারী পুরুষকে জিজাসা করসের—প্রির বহাপক, পরন নৌৰৰ্বে লোকমান, অনুৰ্ব-কৰ্ম জ্বলনি কেঃ আর ঞে जानशाहरू धाँदै क्यापन प्रशंदक्त शास्त्र वास करना !"

সৰ্গ বলকেন—"আমি ব্যৰ্থন বাবে স্পরিচিত वरुवान विमाधन। आन-वेचार विनिष्ठ जावि, वामन বিসালকোণে ছাতুৰিতি**ক সাধীনকাতে স্থান ক**ৰ্তাৰ। একবার আমি অসিরা মুনির প্রেড়ে ভাত ক্ষেত্রকাশ বিশৃতক্ষণ কবিদেয় কৰ্ম কৰে নিজ-ক্ষণ-গৰ্ম-বৰ্ণত উপস্তুল করেছিলাম আর জমার সেই পালের জন্য উরো আবাকে এই নীচ দেহ ধালা কভিয়েছিপন। প্রকৃতপক্ষে সেই পরাম ক্ষমণানার পবিপণ আলার বস্তানর জনাই আহাৰে অভিনাপ প্ৰদান কৰেছিলেন, সংগ্ৰণ এখন আমি সমস্ত অধ্যাত পরম প্রস্তাবের পরস্থার্থে সংলে পাপ रत्य पूक्त शरवदि। (स् श्रम्, चाननि काननाव প্রণারভক্ষনের ভবচীতির ভ্রনানন। স্থাপনার প্রদান্ত্র্যার হারা ভাষি এখন কবিনাংগর জড়িশাগসুক। হে স্বাধ্যালন, আমানে আমান ক্লাহ কিবে কেন্তে অনুৰ্যাত

"কোন একটিন অন্ততনিক্রম স্ক্রিক 🚸 জীবসরাম ভাগে করে, সুন্দর বিদাধয় দেবতার কেই প্রাপ্ত হল। এজনালৈক সলে রানিকালে বলে বিহাস কর্মিকাশে। কৃষ্ণ ও কলবাম কুলের যালে ও নির্মণ বসন প্রিধান ধ্যেদিকের এবং জাদের আস সুস্তভাবে অল্ভত ও চলম ভাবা লিও ছিল। গোলীখণ ভাবেৰ প্ৰতি তীতিকালে আৰম্ভ হলে মধ্যজনে জাদের সহিমা কান काहित्यमः। (मेरे पूरे अंक. इस व नकवनपुरक्ष केरतात ছাল প্ৰাৰ্থিত ইয়ানীয়, প্ৰথমমূহ বাৰু ৰ মহিকা কুস্থের মাছে প্রমন্ত অলিকুলের সমানর করলেন। কৃষ্ণ थ बालताम भवन औरता प्रम ७ संबदना मुचावर कुत्रनर সম্ভ কর মুর্থন সৃষ্টি করে ধান করলেনঃ ধোনীপের সেই বাদ প্রবাধ করে অভিভূত হরেছিকোঃ হে রাখন, তারা দক্ষত করেনদি বে, তালের সুধার বক্ষমমূহ স্থলিত ও উদেশ্য কেব ও মাধ্যসমূহ অবিনাক্ত ছয়েছিল। প্রীকৃষ্ণ ও প্রীক্ষর্যান কর্মন এইজেবে উদ্দার আগন মধুর ইক্ষাৰ খেল কৰ্বজিকে এবং প্ৰমন্ত হয়ে পান কৰ্মজেন, তথ্য শহরুত্ত নামক কুবেরের এক তৃতা সেখনে উপস্থিত হয়েছিল। ইে রাজন, এমন কি প্রভূষণ কাকে লাগা কর সভেও ক্ষাড়ত বৃষ্টভার সঙ্গে নারীদানকে উত্তর কিন্দে পরিচলিত করতে লাগনেন। কৃষ্ণ ও কারানের কারিত মেই অবলাগণ ভালা উচ্চেয়েরে তালের উদ্দেশে রোমন

ক্রছিকেন। তাদের ভক্তগণের 'ছে কৃষ্ণা। হে রাম।' শিরোরভৃতি গ্রহণ করবে উদ্দেশের সেখানেট ভার ক্রমনা প্রকণ করে এবং ভ্রের খেভারে গাভীকের অপরেল করে, ভাষের সেই অবস্থা বেখে, কৃষ্ণ ও বলরার সেই স্রকার কনা সেখানেই অবস্থান করলেন। তে এইন, নিত্র मागरित 🏎 । याका करायका । উত্তর মান করে ভগবান । ক্যালেন, ভিন্ন পোরো মা!' এরপথ জীরা দাল বুক্তির ক্যা ক্যাল কা ক্যাল কাছ খোকেই পরেছের আর ভূগন _{ক্রিক} তিওঁ ব্ৰহে নিয়ে হ্ৰন্ত পৰ্যায়নপর গুহাকার্যয়র পশ্চাতে । মুদ্ধির আঘাতে ভগবান সেই অসৎ দানবের মন্তব্য ক্ষা মহাবেলে থাকিত হলেন। পথাচুকু কথন কেবক যে, জীকা সিংহারম্ব বছ ছেনে ইবলেন। গোপীগল দর্শন করকেন মুক্তন তার নিকে কালান্তক মৃত্যার মতো আসছেন, তথন । বে, এইজাবে মান্য শথ্যুড়কে বব করে ৩ তার নি_{নিকে} সে উদ্বিশ্ব হয়ে উঠল। নিবাম হয়ে সে মহিলাদের ছবি রাহণ করে, শ্রীকৃষ্ণ অভ্যন্ত প্রতির সলে প্রায় পরিত্যাস করে ডাঙ্ক প্রধারকার্থে প্রধায়ন করন। দ্বানকটি অপ্রজ্ঞাক তা প্রধান করনেন।" বেগাৰে কেখানে ধাৰমান হাছিল, শ্ৰীগোৱিত ভাৰ

490

পদ্মস্থাকা কর্পোন। ইতিমধ্যে ইবিকার্য মহিলাকে क्षत्रका कात्रक पूत्र (शरकोई मध्यपूर्वक शरद राजारका

পঞ্চত্রিংশতি অধ্যায়

কৃষ্ণের বনগমনে গোপীদের বিরহ্গীতি

প্রীল শুক্রবের গোন্ধামী বলবেন—"কৃষ্ণা হপন বনে প্রম কারেন, তথন ক্ষানুগতিয়ে দেনীগণ ওঁর লীকা শাস করে মুক্তানা সামে গ্রামের দিন শাতিবাহিত করতেন।"। লোপীপৰ কালেন-"সঞ্জ খবন তার বাম কপোল বাম বহুমলে বিনায় করে ওটে বলী ছাপন ও বোমত অসুলি দ্বারা হিপ্তবেশ ধরেশ করে, ক্রমুগল সঞ্চালিত করে ডা থানিত করেন, ভখন নিজ নিজ পতিদের সঙ্গে প্রসমবিহারিশী সিদ্ধ বনিভাগরও বিশ্বিত হয়ে যান। তার। তা প্রকা করে ক্যোল্ডক-ডিড হরে নিজেনের কটিবর শ্বনিত হলেও ভা অংসত না হওয়াতে লক্ষিতা হলেন। 📭 অবলাগণ, আবঙ আশ্চর্বের বিষয় প্রকা কর। এই 🛮 হয়ে উর জনন্ত ঐপথসমূহ প্রকাশ করেন। (ধনুগণ কর্মন মন্দ্রনার বিনি অভিজ্ঞার অনেন্দ্রণাতা, টার ক্ষেত্রলা প্রিম-বিদ্যাপন্তে বহন করেন আর জার হাস্য স্বর্ভার তাল। তিনি বখন খেপু জনন করেন রজের বৃহ, হরিও ও যুক্ত খনলতা ও ভালসকল নিজেমের মধ্যে খেন ধেনুগাৰের বিভিন্ন কর বাব হতে সেই বংশী ধর্মন শ্রবাদ মোহিত হবে, কর্ণ উর্ব্রেলিত করে, জন্মনর মুখের সধ্যার বর্তন করে। সুদর্শন পুরুক্তাশের মধ্যে সর্বাঞ্জ শাল চৰ্বৰ বন্ধ কৰে কো নিজিত কিলা চিত্ৰৰৎ অৱস্থান । এই কুলা খৰম কমোলাক্তি নিৰাগত ভালনীয় মণুমণ্ড

করতে থাকে: হে সৃষ্টি, কখনও মৃত্যুল নুত্রপ্রচ্ছ, হৈবিকামি থাড় ও পারব মারা লোভিড মরে সারপণের धानुक्षत्रन करते कातीय ७ चानाना (धानधीन(कर नहर र्वपुरापने कर्न (धन्धपरक साइ मि करवन, छनन নদীখালিও অভিভত হয়ে পঞাবাহিত খাল চলকমল নের লাভের আকাশনর সারহে নিবস্তগতি হয়ে অবস্থান করে। কিন্তু আমাদের মতের ভারাও আরপুণ্যা আর ভাই কল্পিতকরে অপেকা করে। মিরগুর ভার বীর্যবন্তার মহিমা কীঠনকারী সধাধের স্থাত কৃষ্ণ বনে মাল করেন। আর এইভাবে ডিনি পরমেশ্ব জ্ঞাকটোর মভো আবির্ভূড লিরিভটে বিচরণ করে, তার বংশী-ধ্যনির মাধার্কে তিনি তাদের আহান করেন, তথন পৃষ্পাহকপূর্ণ ভারাকনত শাব্দ প্রকাশমান জীবিধুছকে কাক্ত করে প্রেমপুরাকিত কারে

হারসমূহের অনুক্রা উচ্চারীত সাদরে প্রহ্ম করে স্থীয় शाहर दानी सामुख करते का वास्त कार्यन, कथन जे প্রশ্র ক্ষীপ্রতি প্রবশে হাওচিত্র হতে সংগ্রবরণিত প্রারস, হংস প্রভৃতি বিহুস্থাণ সেখানে আগ্রন্মন করে। উপরিত হয়ে উপরেশন করে।" ্রভার্যান্ত ক্রিনীপিড নাল ও দৌনতার অন্যক্ষ করে ঠার নিকটে উপবেশন করে।"

এনটি ফুলমালা পরিধান করে ফলমেবের সঙ্গে পর্বতের করতে বযুনা তটে বিছার করছে। মৃথ্যক বারু চপন চ্চতাপে দ্বীলাবিলাস করেন, তখন তার বংশীর সকল লাভ ক্রনিত করতে করতে সমগ্র ওগতকে তিনি উল্লেখনাল চত্নিতে নতারমান হতে তালের বীত বান্য ভারদানর করে তেনেন। সেই সমর নিকটন্ত মেহরালি প্রচান-ব্যক্তিককে অতিক্রমণ শব্দার অতি মৃদ্যারে পর্যন করে সমত করতে খাকে। মেখরাশি ভাবের প্রির সুহার ক্ষের উপরে পুষ্পবর্বণ করতে থাকে জন্ম ছরের মতের ছারা ফান করে। হে পুশাবকী মা বলোগা, বিভিন্ন ধ্যোগক্রীডায় নিপুশ তেমের তনত বেপুরামনের অন্তর্জ এতন স্মানালের উত্থাবন করেছে। সে বৰন অধর্যবন্ধে মলী সংশোধ করে বৈচিত্রামার সংসাহরীয় ঐকজন প্রধান করে, তথ্য ব্রহ্ম, লিব, ইন্দ্র প্রমুখ দেখনেটগণও সেই ধ্বনি প্রকা করে বিচন্দ হরে পড়েন। বদিও তার: বিভাষান কিছু ভারা সেই করাবাপের তথ নির্ণয় করতে পারের না আরু তাই তাঁরা তাঁদের মন্তর ও হারর অক্তাত করেন। কৃষ্ণ ক্রম বস্তু, অভুন ও পর্যাচত্ত্র নিজ লামপত্ৰ স্বাস্থ্য প্ৰতিষ্ঠেত স্বাস্থ্য স্বাস্থ বেদনার উপশ্য করে, বেণুবাদন সহকারে গলেক মহতভাবে পক্ষা করেব, ভাবে তাঁরে স-বিধাস দৃষ্টিপাতে আহল্য সৰীক্ষা কাম খাৰা ভাড়িত হওয়ায় কুন্দের মতো মড় কর্মা প্রান্ত হতে জানতেও পারি না বে, আমাদের কেশ ও বসন স্থালিত হয়েছে। কৃষ্ণ এখন কোপাও দীড়িয়ে প্রথিত মনিয়ালয়ে ভার পাতীদের পণনা করছে।। তিনি তার অভিনয় তিয় গড়বৃক্ত তুলসী মন্ত্রবীর ফ্রালা পবিধান কৰে তাৰ কোন প্ৰিয় গোপখালকের কর্মে

इस्टार वर्णन करत (काराक्त करान था कुकामत श्रीरण-পর্তাদের অকর্ষণ করে, আর প্রায়ে গোপীরেক মতেই প্রতিবাদ পরিভাগে করে ওগনাগরে ইঞ্ছে স্থাপে

িটে ওঅগালে, কলোল, তোহার প্রির কলে, নালনালন কুম-কুমুম-মালো তাঁর হালকময় শোভাবর্তন করে গোল শতে প্রজানেবীলগ, কৃষ্ণ বদন ক্রীড়াজনে তাঁর চুড়ায় 🄞 গোধনসমূহ সঙ্গে প্রদামিগণের হর্ব উৎপাদন করতে সৌবত হরে উাতে সাধান জানন করছে আই বিভিন্ন अधार्य देश सुद्धि निर्देशन क्लाइ। इस्मन स्थापिका প্রতি পর্যন্ত প্রীতিবশ্যু কৃষ্ণ প্রোবর্ধন পর্যন্ত উর্জোলন করেছিলেন। য়িনের শেরে উরু ব্যেসনুহতে একজিক করে ডিটা বেশ্বাদন করেম আর কথন পর্থের ধারে ঘণ্ডারমান উল্লভ ফেক্সণ গ্রার লামলফছরের আরাধনা করেন, তারে সহচর গোপবালকগণ তার মহিমা কীর্তন করে বাকেন। গোপুর উপিত ধুনিকশ্যর তার মালা ধসতিত হয় আৰু তার পরিজ্ঞান্তকলিত বর্ষিত সৌপর্য সকলের কার্টেই হর ময়নের উৎসব ফরল। বা ফলোলর ভারে হতে উনিও কুমান্তপ্র তারে সুস্তানগণের আমলা প্রথম বিশেষ অনুষ্ঠী। সুমুদ্দগণের সম্মান প্রদান্তা ইবং মন रिपूर्निंड नक्ष्म शेष्ट्र हिसि कृतभागा भरितिष्ठ अवर छोत्र সুকৰ্ণ কৃত্যল পোডায় সুক্ষেমল গতালেশ বিভূষিত করে করা কল তুলা পাওবর্গ মুখনওলে, রারির ক্ষণীশ্বর চল্লের মতো প্রশাস করে ও গরেক গতিতে নিনের তাপ হতে <u>রবের লাডীদের উদ্ধার করে তিনি, তৃথা সারংকালে</u> প্রভাবর্তন করেন।"

ত্রীল ভক্তেৰ গোডামী বল্লেন-"হে রাজন, এইডাবে বৃশ্বনের রমনীগদ দিবসকালে অধিরাম কৃষা-লীলা বান করে আনন্দ লাভ করতেন আর তাঁদের চেডনা ও মন তার প্রতি মর্য হরে মহোৎসবে পূর্ণ चाकड हैं



ষট্তিংশ অধ্যায়

অরিষ্টাসুর বধ

হীল ওকদেৰ গোহামী বললেল—"সেই সমহ অতিষ্ঠানুর গোটে আগমন করেছিল। বিলাম কৃষ্ণ বিলিষ্ট বৃহাকৃতি ধানা ৰয়ে জয় ধুর দিয়ে সে ভঞ্জিলা কম্পিঙ 🔞 विनीर्भ कर्डिम्ल । असिहेरमुद खडका वृष-पर्धान कर्ड्स्ट কান্তে ভূমিতলকে বিদীর্থ করছিল। উর্চ্চ পুছে ও স্থান বিস্ফারিত চক্ষে, সে ভার পুলাফভাগ বাতা ভটবেশ উৎপিত্র কর্মান্স আর মধ্যে মধ্যে অব অব বিটা ও মার পরিত্যাগ কর্মকো। 🗱 রাজন, তীক্ষ্ম-পুদ অবিষ্টাপ্রের केवारक भर्वच्छात्र रमधारम स्थापनानि किञ्चन कर्ताकर, च्या সেই অসুরভে মেখে গোপ ও গোলীলগ আরম্ভণ্ড ছলেন। ব্যস্তবিকই, ভার তীক্ত প্রতিকানিত গর্মান এতটাই ভারত্বর বিল খে, গর্ভকতী খেল ও নারীগণের গর্ভকাবে হাল নই হয়েছিল। হে রাজন, গ্রহণালিক পশুবাল ছীত ইয়ে গোষ্ট পরিত্যান করেছিল অনে সকল অভিবাসীলব 'হে কৃষ্ণ, যে কৃষ্ণ' খনে চিংকার করে শ্রীগোভিষ্ণের শরলাগত হর্টোছলেন*ি*

"পরমেশ্বর ভগবান গোকুলকে ভরনিত্ত দর্ভার করে 'তোমরা কম লেলো ক' এই বলে তালের আগত করে नुषानुत्रक पाराम कत्राधन। धरा मुत्रः धामसमः (साम ও তালের পাওনের ভাঁত করে তাই ভি করছিল বলে তের্বেছিল, বেখানে তেয়ে মতো অসং দুরাখ্যানের পান্তি শেওয়ার ক্ষণা আমি উপস্থিত রয়েছিঃ এই কথা ক্ষণা ওপথ্য অনুষ্ঠ করতল ধ্যা ঠার কর আক্রেটন করে। ইক শদ বারা অরিটাসুরকে আরো ক্রম করে তুলকো। অতঃপর ভগবান জীহরি এক সধার আছে তাঁর সর্পদেহরণ খাঁৰ ভুক্ত প্রসারিত করে অনুবাটির নিকে সুখ করে নওয়েখন হলেন। এইভাবে কুণিত হয়ে অরিষ্ট খ্যার একটি শুর দিরে ভূমি কিটার্র করে, উল্লন্ড পুরু দিরে মেৎবালিকে বুৰ্ণিত কৰে ফুলভাবে ক্ৰেন্ড নিকে ধাৰিক হল। অবিষ্ঠ ভার শৃত্ত পুটের অন্তভাগ সম্মূর্যে বিন্যস্ত কৰে, তাৰ প্ৰকাৰণ দুবি চোৰ দিয়ে বঞ্চতাৰে জীকবোৱা দিকে জাতি-প্রাণক্তিকারী দৃষ্টিগত করে ইয় নিভিত্ত

বল্লের হতো পূর্বদানততে কৃষ্ণের লিকে গৌচে এক। পর্মেশ্ব ভগরান কৃষা অধিন্যাস্থারের শৃক্ষপুট্ট ধানুধ করে ভাকে অষ্ট্ৰমণ গদকেশ পশ্চাতে নিকেশ করনেন, ঠিক থেমন একটি ছাতী প্রতিপক্ষ হাতীর সঙ্গে ক্ষাটারের সময় করে ককে। এইভাবে প্রমেশ্বর ভগবান বাবা প্রতিনিক্ত হয়ে কুডানুর উবিত হয়ে নিজেন নিতে নিজ यमीक करणवास भूगतास कारक स्थारण कारकान्य करण আন্ত্ৰেপ কাল। অধিষ্ট আক্ৰমণ কালে শ্ৰীকৃষ্ণ ভাৰ শ্বৰৰ ধাৰণ কৰে তাকে কুপাতিত করে প্ৰায়ত করলেন। সিক্ত বন্ধ ভূতিতে নিকেশ করার মধ্যে ক্রাব্রন তাকে প্রকার করলেন এবং লেকের্যন্ত তিনি দানবের একটি শৃক্ষ উৎগটন করে, বস্তক্ষণ বা সে ভয়িতে শায়িত হয়, জ পিয়ে ভাতে আখাত স্বাহিত্যেল ব্যৱস্থান ও প্রচন মলমূত্র ভাগে করে, বিশিল্প সেতে পাওলি ইতত্ত বিক্ষেপ করতে করতে অবিষ্টাসুর অভান্ত কট্টকরভাবে মৃত্যুলোকে সমন করলঃ দেবতাগ্র জগবনে ক্ষেত্র উপর পুস্পবর্থণ করে জীর ক্তব করলেন। এইজাবে বুসভানুত্র অনিউকে কর করে পোলীগেলের মরনের উৎসৰ স্থান্ত নীকৃষ্ণ, স্বাহামকে সলে নিয়ে গোটে প্ৰবেধ

"অত্বতকৰী কৃষ্ণ দায়া অনিট্যসূত্ৰ নিহত হলে মাঞ্চ पृति द्वांचा करमस्य का बनाव करा शहर कराशत। তিব্যাদর্শন সেই ভগনম নামধ রাজকে উল্লেখ্য করে বলতে লাগনেম-- তড়তগকে বলোদার সন্তঃ ছিল थकि कहा चार कुछ श्राह्म (अववीध नुवा) कारव রোহিনীর পুরে। বসুনের জীত হয়ে তার মিঞ্জ নম মহারাজের কাছে কৃষ্ণ ও কারাম্যকে সমর্থণ করেছিলেন আর এই দুট বালকট ভোমার লোকেদের বধ করেছে। এই কথা মাধ্য করে ভোজগতি ক্রছ হয়ে উঠে তাই ইচিংরের নিয়েশ ছারিয়ে বস্দেবকে ছত্যায় জনা একটি শাশিক ভরবারি ছাতে ভঙ্গে দিল। কিন্তু কসুদেবের গুই পুত্রই তার সৃত্যুর করেব, একধা হোকে পালে করিবে নারদ कारतक वितारिक करणाम । व्यक्षकार काल कार्यकार হৰ্তীক লোহপুৰলৈ আৰম কৰেছিল (

করে প্রাকে নির্দেশ দিয়েছিল, 'বাও, বলবাম ভার কৃষ্ণতে তের কর। তেনের জন্তংগর মুন্তিক, চাপুর, শল ও তানের হতর করব আরু টেবাং বলি তারে তা খেকে হোপাল প্রমুখ তার মহীপার ও তার হাত্তীপালকদের আহ্বার নিকৃতি পাত, তথ্য আহি বস্তুতন্ত আনার মহানোকালের ক্রমে। রাজা তাদের উদ্দেশ্যে ব্যাহিল তিয়ে বীর চালুর করে আদের বন করে। এই দুজান নিহত হলে আনি क प्रतिक, वाधात कथा (माज्ये। कारकपूर्णका (कारक) कारतरहरू क्षा पुरिक, एका के कराई सर्वकाड टाइस्ट त्व प्रशास थे कृष्ट मर्क्षण हरण काम कहरहा। अकल (भावअवश्व वाष्ट्रमास्य वर्ष कहरा। आसाद অধিবাদাণী করেছে থে, এই দৃটি যালক আহরে মৃত্যুর। ক্রক্ষালোভী বৃদ্ধ দিয়ে উপ্রদেশ, হার হাতা দেবক ও আবে হবে। স্টালের ইপন এখানে নিয়ে আন্য হবে, জ্বাহার অন্যান্ত সভল স্কারণতে আনি হত্যা করব। তে ক্ষরেট হয়েক্রীড়ার মধ্যে কেন্সরা কালের ক্তর করবে। মিন্দ্র অতংপর এই প্রথিয় কটকপুরা ম্বের। আমার হত্যা করাবে। বখাষথ বৈদিক নির্দেশ অনুসারে চতুর্নলী। छिथिए। कार्यक्ष एक कहा (हाक। स्टान्डर निरंदर निरंद कर।" উদেশে উপস্তুত পশু বলিকান করা হোক।"

অভ্যাপর বদুবোর্ট অক্রেরকে আছান করল। ব্যক্তিগাই সুকিল্ল অৰ্থনে প্ৰবেদনী কলে অনুদরে হাত নিছ হাতে ধাৰণ কৰে ভাকে বলভে লাগল—তিয় আনুন, নালভতি, মিত্রতাকশত আমার জনা সামরে কিছু কর। ভোজ ও বৃষ্টিখনের মধ্যে তোমের মতে আমানের প্রতি বরাসু আর কেট্র নেই। সৌহ্য জনুদা, কৃষি সর্বদ্য শান্তভাবে কর্তবাপ্তলা করা, আর ভাই আমি প্রেমের উপর নির্ভাগ করে, ঠিক যেভাবে শক্তিশালী ইন্স ঠার লক্ষ্য ক্ষর্যনের মন্য শ্রীবিধনে জাত্রর প্রহণ করে বাকেন। বেবানে भानकमुन्द्रित मृद्दे भूत वाग कदाह (मृद्दे म्हन्त शहम তুমি সাল কর আর বিলৰ না করে এই লবে করে च्याना निरत्न बाटना। दिवृत्त चाक्रिक (नक्कान्स बाँदै पूरे

বালন্ডের সাহার মৃত্যারের প্রেরণ করেছে। আলের এবানে নিয়ে এক ভার কম ও অন্যান্য গোপপণত প্রার্থন প্রস্থান করে। করে কেশীকে আহুনে অধ্যাইনই এবারে আনুক। কৃষ্ণ ও বলরানতে এবানে আনবার পরে আনি করা ব্যাহ্নার অন্যার হারী বারা ্যন্তরিকে বিবিধ কর্মক মাক বিশিষ্ট একটি মহাকের নির্মাণ । ৩০০ম জনালর ও চিত্ত সাধা ছিবিলের মতেই শাখার, अवर मक्क गृहदानी के अवश्यवानीतक और मृतः मक्क के अन आधार पृष्ठ चलाकान्की। (मक्कारण गृक्क প্রতিযোগিতা দর্শন করার ক্রমা নিরে এন। ভূতি, প্রস্তুক্তরী রাক্সানের হত্যা করেই আমি একের ব্যবহার চনীপালক, যে যায়ে, কুবলবাপীড় হস্তীতে মাংকেরের। করণ যার চারপর জারি প্রথিতী পালন করে। একন প্রকার্পতার বাব্যবহার করে থার আনার দুই শক্রকে । তুরি আরম উডেলা ভ্রম্ভার করেছ, সতুর হাও, ধনুর্বজ্ঞ ও বন্দুবীর ঐথর্ব দর্শন করার প্রন্তা করা ও বদরামকে

ইবিয়াৰ কালেন—"হে হাজন, আপনার সূচীগ্য "ভার মন্ত্রীয়ের এক্রপ নির্দেশ প্রথম করে করে। খেকে যুক্ত হবার কৃনলী পল্লা আগনি রচনা করেছেন। হৰুও, নিষ্টি ও অসিছি নিষয়ে সমাম ঋান কাল উড়িও, কালে নিভিতভাৰে দৈবই মানুষ্যে কাৰ্ডেই কল প্ৰদান করে বাবে। সানুষের আকানকানুরৰ নৈক প্রতিহত করা সহ্বের সাধান মানুব তার জাতাব্যা অনুদারী কর্ম করতে দ্যপ্ৰতিক্ত থাকে। ভাই যে হৰ্ম ও লোক উভয়েবই সম্পূৰীৰ হয়। যদিও এটাই বাহৰ সভা, তৰ আমি আপনর নির্কেশ পালন করব।"

> दीन धकरमय (भाषायी यसामय-"अहे जार्य অকুত্যুক্ত নিৰ্ফেশ প্ৰদান করে ভ্ৰান্তা কংল ভার মন্ত্রীদের বিদায় দিয়ে গুহে প্রবেশ কর্মদ অঞ্জবর গুহে ভিরে (सरक्म।"

সংক্ৰেংশ অধ্যয়

কেশী ও ব্যোমাসুর বধ

গ্রীল ক্রম্মের গোকারী ক্রালেন—"ক্সে কর্ত্তক শ্ৰেরিত কেনী বানাই বছদাকার অনুক্রলে প্রজে উপস্থিত ছল। সনের গতিতে ধার্বিত হবে সে ভার পুর বিখে र्जाधवीरक विकीर्थ क्यांक्ष्म। जाकमानतानी सरवाजराव বিমান ও মেৎবালিকে তার কোনা বারা নিকিন্ত করে ভার উক্ত ক্লেক্ডির রারা উপস্থিত সর্বাইকে সে আতভিও করছিল 🖺

"পর্বেশ্বর ভগবান বর্থন মেথলেন বে, কিলাবে স্করাবছ হোষাধ্বনি ও তার পুরু শারা মেদরাশিকে সঞ্চালিত করে দানর তার নিজ গেলেলকে ভীত করে ভূলেছে, তথ্য তিনি তথ্য সপুখীন হওয়ার অন্য এখিনো একোঃ বৃদ্ধ করার জন্য কেশী কৃষ্ণের অনুসন্থান করছিল, ভাই ভগবাদ বখন তার সন্তবে নতায়মান হতে ভাকে এগিয়ে আগার জন্য আহান করলেন, তখন অখ্যন্ত সিংহের মধ্যে গর্জন করে সভা দিল। তর সম্বলে **क्षांकारक मेरासमान मन्त्री क्षां कार्यनारचे प्रशिक्षांकारका** মতো সুখবালন করে অসন্ত ক্রমন্তবে কেশী তার দিকে মাবিত হল। প্রচণ্ড গতিতে পুর্বাভক্তমত এবং কারণ কাছে। পরাক্তরের অধ্যান্য অধ্যানর শুরু সামদের পা দটি নিয়ে কমলন্যান ভগবানকৈ আঘাত করার চেটা করন। কিছ হীকৃষ্ণ কেশ্বীন আৰাভ এড়িৰে নিবে, ব্ৰুক্তভাবে ভান হতে দিয়ে খানকে পা দুখানি ধরে চতুর্নিকে শুনো স্থান মত্তে শত খনুক দরতে হেলার নিকেশ ক্যালেন, ঠিক যেমন গৰুত জোনও সাগকে নিকেন করে। অভ্যানর পেয়ে প্রথমবারে উথিত হয়ে মুখ ব্যাদান করে সে পানবার **ঐাক্তকে অ্যালয়পর জনা থাবিত হল। কিন্তু ভাগবা**ৰ হাসতে মুসতে তার বাম বাম অংকা মুখের ভিতর প্রশেষ স্বরালেন মেন অভি সহজেই একটি দর্ল গর্তমধ্যে প্রধেশ ঞ্চাল। প্রথেখন ভাগানের বাব শর্পা করা মাত্র কেশীব দন্তসমূহ কংক্ৰণাৎ পতিত হল যেন সেই বাণ্টি মানবের কাছে তথ্য লৌভের ন্যায় মনে হজিল। কেলীর নেজে।

মধ্যে প্রমেশ্বর ওপ্রালের বাছ ডকা উপ্রিক্ত উদগ্ৰহুদীতি জেল্ডের ন্যাত্র বিয়াটভাবে বৃদ্ধি পেতে নাগাল প্রীক্ষের ক্রমধর্মনে বাহ সম্পূর্ণকলে কেন্দ্রর স্বাস্থ্যাত ভবলে, সে ইভত্তে পদনিক্ষেপ করে, ঘর্মান্ড কলেবত্তে বিশ্বারিত নমানে, পুরীর ত্যাগ করতে করতে আগঠান হলে স্থানিতে পতিত হল। মহাবাহ কৃষ্ণ তথা কেনীত দেহবয় হতে দীৰ্থ কৰ্মটিকা কলের ব্যৱে উল্লাখ্য আকরণ করে নিলেন। অনায়ামে তার শঞ্জাক বধ কর সম্বেশু গর্বপুনা হয়ে ভাগবান উপর কেন্ডে দেবভালেও পূৰণ-বৃষ্টিরেপ পূজা প্রহুণ করেছিলেন।"

"হে বাজন, আতঃপদ কাবস্তুক্তানেট কেবৰি নাল মুদ্দি অক্লিষ্টকর্মা প্রীকৃষ্ণের কাছে আগমন করে একাছে তাঁখে কলতে লাগলেন। হে কৃষ্ণ, কৃষ্ণ, অঞ্চের স্থান্থ रवारान्य, क्रमकाथ ! *(३ ना*नस्य, अर्वसीताना, क्रमका<u>न्त्रे ।</u> হে প্ৰস্তু, আপনি কাৰ্চমধ্যে ওপ্ত বহিনৰ মতে। ইনাৰ অভ্যন্তরে অপুশাভাবে আশীন সর্বভীবের পরমান্তা। चाननि सर्वप्राकी, वदानुकर ६ भत्रभ निवस्त बुक्तन। कार्यन प्रमाय कार्यक करा नवश निवशकान কেবলমার আপনার ইজার মারাই জাপনি আপনার জাকাশন পূর্ণ ক্রেম। আপনার মারাগতি স্বারা আদিতে আপদি ক্রডা প্রকৃতির ওপসমূহ প্রকৃত করেছেন এক ডাকে মাধ্যমেই আনলি এই ক্লোভের সৃষ্টি, পালন ব পত্রে বিবাদ সংখ্যা করে থাকেনঃ সরপতিকালে, দৈটো, প্রহার ও রাক্তর কুরুল বিস্নাজ্যনে বিভিন্ন অসুনামের ভগবান ক্ষা সেখানে দাঁড়িয়ে খাতলেন। চেতলা কিরে। সংখ্যা করে সাধারতের রক্ষার জনাই আগনি সেই একই ক্রয়া এখন এই পৃথিবীতে অবর্তার্শ হয়েছেন। অখনপী অসর এতটাই ভয়ভর ছিল যে, তার প্রেয়াঝনিতে ভীত হয়ে দেবতারা ওাদের কর্ণরাজ্য পরিতাপে করছিলেন। কিছু আফাদের সৌভাগ্যক্রমে অনুসনি ভাবে বিনালের ক্রীজ উপভোগ করেছেন। আর পূর্বনের মধ্যেই, হি সর্বশক্তিয়ান কপরাব, চাপুর, মৃষ্টিক ও জন্মানা জ্ঞাগপকে সেই কবলয়াপীত হন্তী ও রাজা কংস সহ আগনার ইংগে

ত্বৰ মাত্ৰ এক কান্তেপুৰতে কা কান্তৰ কোন কৰা নামি। পৰাক্ষেত্ৰ ভাগতে ইয়া মাৰ্কান্ত গোলবাগত সভ্যৱসালা ত্বা আন্তর্গার্ক, উপ্তাত পর্যোক্তি করে পরিকাত কৃষ্ণও হলে। সক্তে গান্তী ও জন্মনা প্রভাগত পালন করতে লগতেন। হত্তে করি করব। অভ্যান্ত আমি করি হবে হব, এইতারে তিনি সভল কুলাক্রতারীয়ে কল সুৰ ভালকা क्षेत्रकाल करणा विकासका बीच क्षाकारणा क्यावनक करणा।" আপুনি বিবাহ করছেন। খ্যারপর, আপুনি ছার্ডার হাজা নুগাকে অভিনাপ থেকে উদাই বনকে এক মাধনার তাকের পশুনের চারণ করছিলেন, তবন চোর ● ্লন আরো এক পত্নী (ভাষকটা) সহ স্মনন্ত্রক মদি গ্রহণ কুর্বেন। আপেনার সেবক বন্যাভের আলব থেকে। পুরুলো'ন থেলা কেবতে শুরু কুর্বেন। তি রাজন, আধুনি এক প্রাক্তণেশ মৃত পুরকে কিরিয়ে আনকো আয় । ঐ কেন্যা কেউ চেন্য, কেউ চেবগালক এবং ক্রায়েন্সর ত্য়পর আগনি লৌপ্রেক্তে বধ করতে, জলী নারী বাহ । যের ক্রণে অভিনয় ক্রান্তিকে। ইয়া আনকে ও নিষ্ঠার कारकर, क्वाबरक्रक विनाध क्यारको ७ कियान सामगुष कारका रचना (धनविराक्तः) (साम मामक यह सान्यस्थ থাকের সমত চেমি-নাজকে বন কনকো। আপনার এক মহা মায়াবী পুত্র তথ্য সোপবালকের জনকেনে बाइनस्तं बाइमक्ष जारत कारास्त कारता कर्न क कार्यस সম্পাচন করবেল লেই সংক এই সময় বীর্থ-ধীলাসমূহও অস্তম কর্ম্ম করব। দিব্য ক্রিয়নের গামে और मकल कीला भृषितीहर कीर्डिक हता चाटक। প্রবহীকালে, কুডার হরণের জন্য ফর্নুনের স্বাধীবনালে স্ত্ৰত আৰুটাইণী সেবা কিন্তুনৰ কাল্ডেণী অপন্যাৰ ভামি গৰ্ণৰ কৰব।"

আহলা আপনাৰ শবৰ প্ৰহণ করছিঃ আপনি বিশুছ নিক্তেতন্ত্র পূর্ব পরামানক করণে কর্বান করেন। বেচেড আপনার ইচ্ছ অর্যান্ডত ভাই সভন অভী বিবর প্রাথ্য হল একা আপনোর চিং শক্তিক প্রভাবে মাধ্যময় ওণাত্রবাহ ক্ষেত্রে কাশনি নিতাত পৃথক অবহান করেন। আগমি পরত নিয়ন্ত, কার্মা, আগমকে জমর প্রণাম विश्वसम् करि । चानायसं निक्तं गणि क्रांत और रागरकड ক্ষাণিত পরিকলনা বিশেষ রচনা করেন। এখন আগনি মানবিক যুদ্ধবিশ্ৰহে অংশগ্ৰহণে মনত্ করে বৰু, বৃদ্ধি ও সাত্তগালের মধ্যে ক্রেষ্টভন বীররণে আধিকৃত হয়েছেন 🖺

শ্ৰীশ চকৰে গোনামী বগক্ষে—"এইভাগে যদুগতি ভগৰান কৃষ্ণের উদ্দেশ্যে শুব নিবেরণ করে নারৰ অবনশু হয়ে তাকে প্রধান নিকেন করকেন। অভ্যানর ভারতেই দেবর্থি নারদ প্রভাক্ষভাবে স্কল্মনভে দর্শন করার গরখানপ অনুভব করতে করতে, ভগবানের অনুকারণে

্রেড ছাতে কোনে। এরপর আমি মরপনায়ক কাল্যবিক, প্রভুল কর্তেন। তেই সমাধ্যে ছাত্র বং করার পর

"ভুক্তির গোপবালকের হবর পর্যান্তর ভটভাগে প্রপাল্ডের কৃষিকার ছাভিনা করে ঠারা চুরি করে সেবার অবতীর্ণ হল। চেম বংগ কেনার যোগদন করার আন করে সে বেবকরেশ অভিনয়কারী অধিকাশে সোলবুলককে চুন্নি করতে লাগে। বাবে বীরে সেই মহালনের আহও কং গৌগরাজকারে অবহরের করে এক পৰ্বতের একাচ নিকেশ করে আ প্রস্তুমধার দিয়ে বছ করে চিন্দিল। শেষ গর্মন্ত মেষ কলে কভিনমকারী আর সহ-প্রিক্তন হাত্র ধানকে কেলার কর্মেন্ট ছিলেন: সাধু "হে পরমেশন ভগবান, আগননে আক্রের জন্য ভস্তগনের আত্তম প্রদান উঠুন্দ, গ্রোমাস্ত ব কর্মিন ভা সম্পূর্ণত অবগত হতে, বে সময়ে লে আনও পোলবালককে নিয়ে ব্যক্তিক ভাৰত, সিংহ তেহসিকাৰে নেচতে বাদৰে মানুধ করে, তেমনিভাবে কাপুর্বক कामपूर्व शहरतातः। सामय उत्तम कान विमाल शर्वजनस्य বিবাট ও ফাশালী নিজ জাগে প্ৰিবতিত হলঃ ভিত্ত নিকেকে মৃত করমে রেষ্ট্র করকেও ভগবালের বৃঢ় মৃতিত बारात भूर्वन वास भाष, हम का कारण मारच क्या का ভাবেন অচাব ধ্যোমাসুহকে ঠার বাংমধ্যে বুলুহকে ধালে করে জ্তাবে নিজেগ কর্মেন। অস্তপ্তে দর্শনকরী হচার কেবচনের সমতে কৃষ্ণ ছাঙ্কে, মজের পথকে (হতাবে কা করা হর, তেমনিভারে বধ করলেন। কুঝা एका क्षत्र जरानगरका जनस्थकर कराहार पूर्व करत আৰু গোলবালকগণতে বিরাশনে নিসোবিত কর্মেন। অত্যপর নেবতা ও গোপবালককা টার মহিষা গান খনলে তিনি তাঁও গোৰুলে প্ৰতাৰতন ক্ষলেন।"

Ö

অউত্রিংশ অধ্যায়

অক্রের বৃন্দাবনে আগমন

বীল শুকণেৰ গোৰাৰী ৰলকেন—সেই ৰাজিট সমূহা নগরীতে অবস্থান করার পদ মধ্য-মতি অনুদা ভার রখে আবোহণ করে নাদ মধ্যাতোর গোকুলের উন্দেশ্যে যাত্রা করপেন। পথে বেজে বেজে মহাত্মা আনুর কমলনারন পরমেশর ভগবানের হতি গরম ভক্তি অনুভব করে এইভাবে ভারতে লাগদেন। কর্মি কোন পুশুকর্ম করেছি কি এমন কঠিন ওপদায় কবেছি, এমন কি আরাধনা বা দান করেছি বে, জাজ জাবি শ্রীকেশককে দর্শন করব? বেহেতু আমি একজন বিষয়মহা অভ্যাদী ব্যক্তি, ভাই শুত্র-কুল-ক্রান্ত করেও প্রক্রে বৈদিক হয় উচ্চারণ করার मर्टाहे, जगराम केसमराज्ञाकरक मर्का करात और भूरतागरक আমায় দুৰ্লাভ বলে মনে হছে। এৱকম ভাবের অনেক হরেছে! শেষ পর্বন্ত আমার রত্যে প্রকল্পন পতিও অন্ধ্যেও অচ্যুক্ত পরমেশ্বর ভগবানকে দর্শন করার সুযোগ পেতে পারে, কারণ কখনও কোন ক্রান্তীকণ্ড কালনদীতে যাহিত হয়ে তীরে পৌছে বন। আৰু থামার সকল অফলা নট হল এবং আমার জন্মও সার্থত হল, কারণ যোগিয়শেরও খ্যের পরমেশ্বর জগবানের পাদপক্ষাত্ত আমি আমার প্রশাম নিবেছন করব। অবলাই রাজা करन चाल चारारक, अन्य उदे सगरह चरडीर्न क्रस्ट्रम ছরিল চরপ্রথান কর্পন করণ্ডে প্রেরণ করে, অভ্যন্ত গুলুতার্ প্রদর্শন করেছে। কেবল্যায়ে তার প্রমধ্যে বিদ্রুপ প্রভাবেই অভীন্তে অনেক আত্মা দুক্তর সংস্থারাত্তকর উবীর্ণ হরে মৃতি লাভ করেছেন। সেই পাদপন্ম প্রদার শিব ও অন্যান্য সকল ক্ষেত্ৰত দাস, লক্ষ্মীনেবী দানা, এবং মহান মুনি ও বৈজ্ঞবাদ ধানা অঠিত হয় একা ভগবান ষ্টার সহচরগণসহ খোচারণকালে সেই চরণকাল খানা रत्य विञ्जन करवम, काल आहे एकनाम आलीभारपा कुरू-কুৰ্বে ব্যৱত হলে খাকে। আমি নিক্মই জগবান মুক্তের মুখমওল দর্শন করব কারণ ছবিতেরা এখন আমার দক্ষিণ দিকে বিচরণ করছে। তার কৃষ্ণিত কেশ্ ছারা আবৃত সেই মুখম**ওল, তান** সুকর কংগলে ও

নাসিকা, জার শিতহাসাহর সৃষ্টিপাত ও উার इक्षण्यमधूना महत्त्वरत विभूतिक। विभि क्षेत्र कान्य মানুহৰি একা পৃথিবীয় তার পরেবান জনা মনুহারেল ধ্রাঞ্জ করেছেন, সকল সৌলংগ্রে আধার সেই পরফোলে ভগরান নিৰুক্তে আমি দৰ্শন করতে চলেছি। ভাই এটা ভালতীকাৰ্য ৰে, জ্বমান নৰুননুটি ভাদেৰ অভিযোগ সাৰ্থকতা ব্যাভ क्टरन। किनि ब्रांगणिक कार्य क काररनम् मानी स्टान সর্বন্ধ অবহায়পুন্ত। তার অন্তরেমা শশুন করা তিনি ভেন ও ব্ৰমের অক্তব্য দুরীভূত করেন। তার সারা শক্তির উনর দৃষ্টিপাত করে তিনি এই জগতে বখন জীবের প্রকাশ বটান, ভবন ভাষের প্রাণ, ইঞ্জির ও বৃদ্ধিতে অন্তভ্যক্তাবে তিনিও অনুকৃত হন। প্রফেবার ভগবানের ওপ, কর্ম ও আবিভাব সকল পাপ বিনাশ করে সকল (नीकाश) मृष्टि करत क्यर के दिमी विवस वर्णनाकाती বক্ষেক্ত পৃথিবীতে প্রাণবন্ধ, খোভিত ও পবিষ্ক করে অন্যদিকে ভার মহিমাশ্ন্য বাকারাখি খবদেহের धनकरत्रञ्जः। निक्ष गृष्टे धर्ममर्थागात्र भागनकाती स्मरे একই প্রয়েশ্বর ভগবান উত্তত দেবদশের আনক বিধানের অন্য সাক্ত কলে অবতীৰ হয়েছেন। বুদাবনে বাস করে তিনি তাল বল বিভাগ করছেই, সর্বমন্ত্রাল সেই বল কেংডারা বাল করে থাকেন। মহাবাদনের গতি ও ওর-ভুকনমধ্যে অবিতীয় কফ্টার, চকুমানসংগ্র মহাক্রায়ক, প্রকৃতনকে সম্মীদেবীরও অভিনয়িত আধারস্থা তার तिहै निक सन चाक चापि निकाई सभी कार। अवन আমার জীবনের সকল প্রস্তাতই হয়ে উঠছে মঙ্গলমর। অভ্যাপর আমি ভবক্ষাৎ রখ খেকে অবভরণ করে পর্যদেশর ক্ষমবান কৃষ্ণ ও বলরাখের চরণকমধ্যে প্রশাম নিবেশন করব। আছেলপদারি লাভের কঠোর চেইার মহা-বোলিগৰ উদ্দেৱ সেই চরগই চিত্তে ধারণ করে থাকেন। আমি ভগবানের গোপবাসক স্থাঞ্ছ ও সকল कुष्टानवर्गी(५९३७ शक्स निवास करते। छात्रि वचन छैठ চৰণে পাতিত হব, তখন সৰ্বপঞ্জিমান কগৰান আমার

প্রকৃতি করে করকমধ্য স্থাপন করকে। কলপ্রনী সর্পের মাতা মহাকাশ বারা আতাক উনিধ বতে জানা ঠার আগ্রায় प्रदेश करतन, और शुरु केएक्ट मनन कर पूर करता। েই ব্যাকমলে প্ৰকাৰ্থ কৰ্ণৰ কৰে পুলবন ও বলি কৰ্ণের বালা ইজের মর্বাদা কার্ড করেছিলেন এবং রামনুহতার ক্ষাক্ষমা লীলার ওগবাদ করু লোলীগণের ক্লেক্ত রাম দিয়ে তাঁলের ক্রান্তি দুর করলেন, জনের মুখরওলের অর্থাচনিত সেই হাত সুগতি ফুলের মতেই সুবাসিত রাষ্ট্রিল। হলিও কংল উরু পুত রূপে আবাকে এবানে গ্ৰেম্ম করেছে, কথালি জনবান অচ্যুত জ্বামানে শঞ্চনালে রিকেনা খনকে সা। কারণ শেব পর্যন্ত সর্বাচ্চ গুরুৱারট এই দেই সাপ ক্ষেত্ৰের প্রকৃত জাতা এবং তার নির্মণ গাঁতে খাঁজো ক্ৰানেৰ ভিতন ও কৰিব সঞ্চল প্ৰৱালেনট নিশ্ৰ সামী। খানি কান সংবতভাৱে করভোৱে ঠাব রবেশ প্রণাম নিবেদনের জন্য পতিত হব, তথন তিনি আমার প্রতি কুপাসিক্ত নয়নে দৃষ্টিপাত করকো। তথা আমার সকল পাপ তৎকবাৎ দুরীকৃত হবে আর আমি ভার শুরামুক্ত হয়ে পরম প্রতীয় আনন্দ অনুভব করব। ভাষাকে অনুক্ষে বন্ধু ও আন্দীয়রূপে হান্দ্রমন্ত করে ক্ষ গ্ৰার কাশ্যনী ব্যস্ত্রপানি দিয়ে আমাকে আলিকা কচকেন আর জংক্রণাৎ আমার সেহ পবিত্র হারে ধর্ম প্রনিত স্থাল জানতিক বৰ্মনা থেকে মৃত্য হব। মহাকণা ভগবান কুকোন আলিয়নবদ্ধ হয়ে আমি তাঁর সামনে ক্যাক্টের নত হস্তুকে গাঁড়িয়ে থাকৰ আর তিনি আমাকে উদ্দেশ্য করে रकारका, "द्व शिव कालका" (तर्वे भूदार्व भागात कीरात्मा केरफना भूगें हरन। शक्कशरक, भएरक्या ক্ষমানের কাছে বাব জীকা আনুত না হয়, তাব জীকা নিক্তা। প্রযোগর ক্ষণবাদের কোন প্রিছ ও পরম সুসং মেই, এমন কি ডিমি কাউকে অসাঞ্চিত, খেববোৰা ব উপেক্ষীরও মনে করেন মা। ওয়া ভক্তমন বে কেন্তারে থার ভঞ্চনা করে, প্রেমময় তিনি সেইভাবেই কল প্রদান ৰয়েন, ঠিক খেয়ন স্বৰ্গেৰ ক্ষাব্যক্ষের ক্ষাহে প্রার্থিত সকল व्याकानकार्ये भून इष्ट्राः चाठ्यन्त्रः चात्रि वचन चात्रात्र वस्त्रक শব্দত্ত করে স্থায়খন থাকা, প্রতিক্রে জ্যেষ্ট বার্ডে, ফ্রেট আমাকে তালিয়ন করার পর আমন অঞ্জবিদ তত বরণ করে উর গৃহে নিয়ে খাবেন। সেবনে তিনি আমাকে সকল উপচায়ে সাগত স্থান অনাতের এবং

উপ্লে পরিবারের সনস্যাদের প্রতি কংল কিল্কম আচরণ করতে, আহার করতে তা ভানতে চাইবেন।"

গ্রীল ওকদের লোকামী অনুও কালেন—"হে মার্লন, বক্তপুত্র বৰ্ণৰ পৰে যাত্ৰ কর্মান্ত্রপুত্র, তথন এইভাবে পৰ্বাপ্ততে জ্বিক-ভিতার মধ্য হয়ে, সূর্য অন্তাচল প্রারম্ভ িক্তি গোড়তৰ উপনীয়ে হলেন। নিখিল জোডপালগণ কালের কিনীটো বার পুনিয়ে চরণারের মারণ করেন, জার েই পর্যাচক অক্সর স্বোচ্ছ ফর্মন করলেন। পার, মন ব কৰ্ণ চিচিত ভগবানের কতন্ত সেই পদটিক ভূমিতলকে অপূর্ব নৌলর্বহতিত করেছিল। ভগবানের পদক্রিক দর্শনের খানালে চক্ষাল হাতে কাছাপ্রায়কশন্ত ডিনি রোমাঞ্চিত হলেন এবং তার নয়নদৃটি অঞাপূর্ব হরে উঠল। অন্তের তার রখ খেলে লাফ নিরে নেমে 'আমা, এই আহর গ্রন্থর কর্মারে ধৃতিকলা' বলে চিংকার করে ঐ পর্কেকের মধ্যে গভাতে ওর করনেন। সকল জীবের कीवत्स्य केरधना शतक और वाधनन, यो कररनक मिर्सन শাওয়ার শত্ত মধল দল্প ভার অনুডাপ পরিত্যাস করে প্রীক্ষের দর্শন, প্রকা ও স্থান্তি কর্মনার ময় হয়ে অক্সর অর্জন করেছিলেন। অন্তব্য কৃষ্ণ ও কলরামকে একের খোলোহন ক্লনে দর্ভন করলেন। কথা দীত ও কারাম নীল কাম পরিখন করেছিলের আরু তামের নরনদৃটি ছিল প্রবেলটার কমনের মতো। কলপালী বাব সেই দুই যালকের স্থামবর্ণের একজন ছিলেন লক্ষ্মীদেবীৰ আপ্ররম্বরণ আর অন্য ক্রম ছিলেন ক্রেডবর্গের। জ্ঞানের সক্ষর অধ্যাতকের অধ্যা উল্লেখ পরের সুক্ষর পুরুষ। উলা বৰু সদা ছালায়ক দৃষ্টিপাতে হক্তী শিশুর মতো বিচলৰ কটোন, তখন সেই দুই প্ৰধান পুৰুষের কৰো, যায়, অভ্যাপ পাৰ চিহ্নিত চালচিকে, ব্ৰজত্মি সুলোভিত হবে ওঠে। সেই দুই উলাঃ ও মনোরম শীলাপুক্র রতুহার ও ক্রমালার অলক্ত, পবিত্র, গছ-মব্যে অনুলিপ্ত, স্বাহত, এবং নিয়সত মেশভবার সক্ষিত ছিলেন। জনং গতি সন্তাপ এই দুই আদিপুক্তৰ জগতের কলাব্দের জন্ম, কেশব ও খলরাম, জীবের দৃই পৃথক রূপে এখন ক্রবর্তীর্ন -ইরেছেন। 🗷 মহারাজ পরীক্রিক, তারা ফেন দৃটি সূক্ৰ্য পৰ্বতেও মডো, একখন মণ্ড চতম্ভিভ এবং অনাজন বক্ততাত ক্রপক্টার সকল দিকে আকাশের ভালে দুর করছে। কেংবিচুল অকুর তীয় রব থেকে

*সহর बाक विद्*श खक्टद**न करत कृष्ट छ द**नहार्यद চুব্দপ্রায়ের মন্তবং পতিত হুলেন। পর্যাব্দর ভগবানকে **भर्न्दरत कानएक काङ्ग्यतत जानको काळ-शाविक द्दारिंग** এবং উন্ন অঞ্চ পুলকে শোভিও হয়েছিল। হে রাজন, উৎকল্পেড ডিনি নিজের পরিচর বিভেও শুমর্থ হলেন না। অনুনাকে চিনতে পেরে, ভগবাদ কৃষ্ণ তার বর্থচক্র চিক্তি হক্ত ছারা তাঁকে কার্ছে টেমে নিরে আলিপ্ন কালেন। কৃষ্ণ সংখ্যেৰ অনুভব কর্মেছাপান, কারণ তিনি সর্বদাই ভার পরণাগত ভক্তবৃদ্দের প্রতি প্রসন্ন মনেভারাপর। শ্রীসমর্বণ (বলরাম) প্রথতকাপ দত্যারমান অনুস্থান বৃত্তকর বাবেল করে জীকৃতকর সাথে তাকে তার গৃহে নিয়ে এলেন। অঞ্জের যাত্রার কুপল জিলাসা করার পর করেন তাঁকে উৎকৃষ্ট আসন প্রদান করে শান্তবিধি অনুসারে তাঁর পাদপ্রকালন করিতে সম্মান সহক্রার মধুপর্ক প্রদান করাজন। সর্বশক্তিয়ান ভগবান ফারার অকুরকে গাভী গাদ করনেন, তারে প্রাক্তি দুর

করবার কলা পাদসমাহন করলেন আনা ভারপর অথ্যত্ত প্রকা ও সম্রানের সলে উপবৃদ্ধভাবে প্রস্তৃত বিভিন্ন সুস্থাত্ত আন পরিকেশন করলেন। অঞ্চল ভার কৃতি সহপ্রারে ভোকন করলে পর বর্মজ শ্রীবলরাস ভাকে মুখবাস, সভ ও মাল্য প্রদান করলেন। এইভাবে অঞ্চল পুনরার পরম জানশ লাভ করলেন।

নশ মহারাশ অফেরকে বিজ্ঞানা করলেন—"হে
লাশ্র্য কুর কলে জীবিত থাকতে তোমনা কিনেকে জীবন থারণ করকং তোমনা ঠিক কেন পথকতেকের স্থাবীন মেকের মতো। মুন, আবন্ধপুণানাবল কলে তার নিষ্কের ভারিনীয়ে উপস্তিতিতেই রেকেল্যমান সেই কলিনীয় সন্তানকের হত্যা করেছে। তাই আমরা কেনই বা ভার তার প্রকাশের কুশ্ল বিজ্ঞাসা করবং প্রকাশ সভা ও মধ্যর বচনের প্রশ্নের বারা নশ মহারাশ কর্তৃক সন্তাবিত হয়ে অকুর তার প্রথম্ম বিশ্বত ছারেছিলন।"



একোনচত্বারিংশ অধ্যায়

অক্রুরের বিষ্ণুলোক দর্শন

রীল কর্মের গোরাষী বললেন—"বলনাম ও মৃথ্য কর্ট্র অভ্যন্ত স্থানিত হরে পালকে সুখে উপরিষ্ট হয়ে অন্তর অনুভব করলেন পবিমধ্যে তিনি বে সকল আন্তর্গকান করেছিলেন তা সাই পূর্ণ হরেছে। হে রাজন, সন্ত্রীদেবীর আরাম্বরাপ পর্যান্থর অবতে পারে। তব্ত করেছে, তার আরু কিই বা অগ্রান্ত আবতে পারে। তব্ত তার ঐত্যন্তিক ভক্তপপ তার কাছ থেকে কোন কিছুই প্রথমিন করেন না। সাধ্য ভোজনের পর কেবনী-নন্দন ইন্তিয়ে, কলে তার আবার বাছুদের প্রতি বিনক্ষ আন্তর্গ করেছে এবং রাজা আরু কি করার পরিক্রকার করছে, সেই বিবরে অন্তর্গকে ভিজ্ঞাসা কর্মকো।" ভগবান কাল্যেন—"রে ভাত, হে সৌমা অনুত্র, তোমার সুবে আগমন হয়েছে তোঃ ভোমার মানা হউকঃ আয়ালের নিকট ও দুরসম্পর্কের আত্তীয় ও শুভানুধানী বন্ধুরা সুবে ও সুমান্তের রয়েছে তোঃ কিছ, হে প্রিয় অনুত্র, যথন আমানের পরিবারের ব্যাধিবকাশ মাতৃত্ব নামধারী রয়েল কমে বৃদ্ধিশীল রয়েছে, ওখন আমানের পরিবারের সদস্য ও তার অন্যান্য প্রজাগশেষ সম্পর্কে আয়ার আন্ত কিই ব্য জিল্লাস্থা করা উচিত হ দেব, আহি কভগনি আয়ার নির্দেশ্যক পিতা-মাতার মুখনের কাবল হয়েছি। আয়ার জন্মই উলের পুরাবদ কর হয়েছেন এবং ভারা নিজেয়া কার্যক্ষ ইয়েছেন। স্টেহাগ্যকণত, আহাদের জাতি, তোরাকে মর্পন করার বাতীউ আন পূর্ণ হল। যে সৌদ্দ ভাক, বলা করে তোমার আসমনের কারণ আমানের কর্পন কর।"

ঞ্জি ওকদেৰ গোসামী কালেন—"ভগ্নানের ভিতাসম উভবে মধুবংশকাত অকুন, রুজা কংসের কুলপের প্রতি শতেভাচরণ এবং বসুদেবকে ভার হতারে টো মৰ সকল পৰিছিতির কথা কলি কল্পেন। সে अस्यान तथान कताले काम किनि व्यक्तिक व्रसारका, व्यक्ता पा भिरमान दशरमान । जिलि करामत द्यम्ब देशस्य जारः ক্ষা বে বসুদেশপুত্র রয়ণে জন্ম নিরেছেন, নারণ কর্তৃক ক্ষেত্ৰক থা আপন করার কথাও কনিন ক্যুদেন। মহাধ্য নুক্রনিনাশ্য বীকৃষ্ণ ও বীকসরাম অফুরের কথাওলি প্ৰদা করে হেনে উঠগেন। উচয়েই তাকে উন্দেহ নিতা ঞ্ছ বছাৰাড়েজৰ কাছে স্থাকা কংলোন নিৰ্দেশ আপন ক্তুলেই। কথ মৃত্তিক তথ্য প্রদর্গক ব্রে হজে হৰের এককা আুড়ে নিসন্তান কেবৰা করে সোলগদের এতি নির্দেশ জারী করপেন, "সকল প্রশ্য দুছজাত প্রথ সংক্রা করে, মুল্যবান উপংক্ষা আনরান করে গণত জেজনা কর। আলাধীকাল আমরা সধুরা গমন করে আমানের দুৰুৱাত প্ৰবাদি বাজাগে প্ৰদাস কলৰ এক এক অকান্ত বিশাল উৎস্ব দর্শন করৎ। সকল জনপ্রবাদীরও গমন क्टर्स् ।

শ্রোগীগণ হথম প্রবণ করলেন বে, কুলা ও
কারাহাত হণ্ডা নারীতে মিয়ে করের করা অনুন রক্ষে
আগমন করেছেন, তালে তারা কতাত সুবিকা বলেন।
ক্ষেম কোন গোলীর হলতে কতাত সক্রাণ অনুকরনিক
কারনা নির্মানের কলে তারাের মুখনতাল মালিন হরে
কিটেছিল। নিলালে মনজালে করােলা ক্ষেণীলের বলন,
কার ও কেপগ্রন্থি নিনাল হরে কড়লা। করা গোলীগণ
কৃষ্ণন্থাানে কির হতে হাওরার তাবের ইরিবের
কার্তনান সম্পূর্ণত নির্মাহ হরেছিল। আবোলপানির
কার্তনান সম্পূর্ণত নির্মাহ ব্যাহালা। আবোলপানির
কার্তনান স্ক্রান্তনার মাজা নাহালাগথ বিবরে তাঁগের
সকল চেতনা লুগু হারাছিল। কার্ত্রনারীগণ কেবলনার
ভাষরার পৌরিও (কৃষ্ণ) ব্যাহার্যার ইবং ব্যাহার্যার উচ্চারিত
মৃত্তিল হলেন। অনুরাগরাক্ষেক ইবং ব্যাহার্যার উচ্চারত
বিচিত্র প্রশ্বাভিত এই স্বয়ক কর্মা ভাষের হালার
প্রতীয়নারে স্ক্রপ্তনারিত। প্রিমুক্ত হতে ব্যাহার

শ্বাদনক ভবেও ভীতা পোশীপণ এক ঠান সুনলিও
গতি, তার লীপা, উপা অনুবাধ, হাসা, কর বীবহুবাঞ্চকআচনণ এক উন্ধান পোক-বিনাশক তার পরিহাস বাবন
ভাবন করতে করতে সভাবা মহা-বিরহ্ ভাবনের উভিধা
হয়ে প্রশার সমাকেত হলেন। অক্তপুর্ব সুন্দাকার ক
পূর্ণভাবে ভাবনি অচ্যাতে স্থানিত করে জারা বলবস্বভাবে
পরশারে সামে করা কর্পাইনেন।"

গোলীগুৰ ফলখেন---"হার বিধাজা, তোমার কোন দরা সেই। তুমি কেইসবকে মৈত্রী ও প্রেমে সংযুক্ত কর অম ভাবনৰ ভাষের আধানকা পূর্ণ হত্তার আগেই ভূমি নির্থক ভালের বিভিন্ন কর। জোমার এই অপ্রিচিড শীলা ট্রিক শিন্তর কোরে মতো। যুক্তিত কৃষ্ণ-কেশরাশি থানা আনৃত, সুখর গাল, উপ্লত নাক ও সর্বসন্তপইনি শান্ত হাসামৰ মুকুপোয় সেই মুধমণ্ডক আমানের কর্ণন বরিলে ভূমি এখন ভা অদৃশ্য করছ। ভোনার এই আচরণ ৰোটেই ভাগ নয়। হে খিবভা, খনিও ভূমি প্ৰকাৰে অনুৰ নাম নিত্তে এনেছ, প্ৰকৃতগড়ক তৃত্ৰি ক্ৰুত্ৰ। अकरात स स्वयामा समान करतिहरत-रारे हकू बाजा रखका मध्य मृतित पूर्णस, यसम कि क्रिप्शृंबरका ऋपत একদেশ কৰি কমছিলায়—মূৰ্বের মতেঃ তৃত্তি আ হলে করছ। হরে, মশপুরের সৌহার্য্য এত ক্ষণভদুর বে আনহদের দিকে কিরেও হাকোকে না। কেন্তা করে তাঁর বৰ্ণে আকৃষ্ট আহলা কেবলমাত্ৰ উচ্চক সেৱা কলা কলা গৃহ, সক্ষম, পুত্র ও পাতি পরিত্যাথ করেছি, দিছা তিনি সর্বদা মতুম হিন্নতমার সন্ধান করছেন। এই রাজির প্রবৃত্তী প্রভাত মধুরার রমধীগাণের জন্য অবশাই তও। তানের সকল আশা এখন পূর্ণ হবে, কারণ রক্তেশন গুলের নগরীতে প্রবেশ করলে গুলি যুব হতে জীর নেরপ্রান্ত দানা প্রকাশিত হাসোর অত্ত পান করতে তাঁরা

"তে অবলান্য, বনিও মুকুল বীয়া কভাবসালার এবং নিতামান্তর আগুর অনুগত্ত, তথালি একবার নে মধুর মধ্যে নিউভাবী মধুরার ও রমণীকোর কণীভূত হলে এবং ভোগের মনোধুরুকর সমাজ হাস্যে বিহান্ত বংলা, কিভাবে লো আবার আমানের মাজে প্রস্লোনারীলের করে কিবে আস্থের মধ্যের ক্রেজ, অভক, বৃক্তি ও সাক্তমার বন্দন মধ্বার সকল বিহা ওংগ্রা আধার অন্ত্রীর মধ্

(मर्स्केअन्यव्यक्त मुन्नेय केतरका बारत शाहि महान वाला छोएक । मधरीहरू नमस्ति भगव अधिरहता वर्गन करहान, कारण्य নয়নের অবলাই মহোৎসণ হবে। যে এরাল নিটুর আন্তেপ করছে, তাম নাম অঞ্জ হওলা উচিত নর। সে बाउँ निष्ट्र (ब, ब्रह्मद पूर्विक्रमन्द्रमत धानाम शनात्वत চেষ্টা না করেই সে আমানের প্রাণাধিক প্রিয় কৃষ্ণকে নিয়ে যাছে। স্বাটন স্থানের স্থীকৃষ্ণ ইতিফার্যাই রখে সমারত হবেছেন এবং মূর্য সোলগুল উল্ল পেছনে গো-শকটে ছল कारका। अपन कि (आकेशनव फेरक निवृत शंदवात बाना किनुमै वनरक्त सा। आका संश्वा चाधारमञ्ज वितरक काल करारे । हम, धामता मतनही भाषत्वत कराइ विदेश छैरक ছাত্রা খেকে নিবৃদ্ধ করি। স্থান্যদের পরিবারের বৃদ্ধপ্র ব অনান্য অর্থীয়বর্গ জাত্মদের কি করতে পারেন : क्षण साध जागरका मृक्टकड कार १५१०क विक्रिश करत ইতিমধ্যেই আমানের হলমকে শীন ভরেছে, কারণ ক্ষণতালয় ক্ষনাও আমার কৃষ্ণতার পরিত্যাস সহা করতে শারি না। তিনি কান রামনুত্য সভার আমানের আনরন করতেব, তথন তার অনুরাপ ও মধুর হাসা, তারা মনোহর সোলন সংলাপ, তার দীলাময় দৃষ্টিপাত ও তাঁহ আনিকন উপভোগ করে আফা জগংখ্য রাত্তিকে জগমার কাল কৰে অভিবাহিত কৰতাম। হে লোপীগ্ৰ, আমহা কিডাবে উরু অনুপস্থিতির দুস্পার অন্তকার অতিক্রম কবব ৷ বিনি সন্ধান গোলবালক স্থাকালে এজে কিরে আসেন, বাঁর কেল ও মাল্ড গো-পুর উপিত ধূলায় রঞ্জিত, অনন্তনৰ নেই কৃষ্ণ বিনা আমনা কিডাৰে বাঁচবং তিনি মধন বেণুবাদন করেন, তাঁর সন্মিত কটাক্রবাদেকন चायारभर छापवरक युध्व करहे।"

ত্রীল ভবনের গোস্থামী কালেন—"এইসর কথাণ্ডলি বলকন পর শৃত্যাত্তিতা প্রজ-রমনীপণ উদেবে আসম কৃষ্ণ-বিংহে প্রত্যপ্ত স্বাত্যতা গুলুকর করপেন। গুলা मरुन नका रिपाट रहा 'हा शांक्यि, हा पारामत, हा মাধ্যা বৈলা উট্ডেঃখনে এলিন করতে লাগলেন। কিছ এটভাবে গোলীলগের ফলন সংখ্যুত অভুন্ন সূর্বেদর হলে তার প্রভাবের পূজা ও অনাদ্য কর্মসমূহ সম্পদন করে হাং পরিচালন জন করকেন। লক মহারাজের নেডুছে শেশপথ উন্নয় শকটে করে শ্রীকৃত্যের পশ্চাতে অনুসমন रुद्राजनः। 'देता वाकात क्या क्यानमूर्व कि व कामाना

পুঞ্জতে প্রবাদি কর্ স্থান উপসংর্থে সভে নিয়েছিলের। (তার দৃষ্টিপাত সায়া) জীকৃষ্ণ পোপাঞ্জর ক্রিয়ুটা পার ক্তব্যের এবং টায়েও তিত্বুক্তর তার অনুগ্রম ক্রান্ত্রের অঞ্চলর, তার প্রতাদেশ করেনশন করে তাল প্রাঞ্জ ব্টবেন। তার প্রকারন গোলীরার কিভাবে সভস্কা ভিক্রে ভা কর্ণম করে, "ভানি কিয়ে আসর" এই হোমপুর প্ৰতিকা মৃত অধ্যমে প্ৰেয়ণ করে ডিনি উল্লেখ সাক্ষ প্রদান করবেরন। ইন্ডেকন রাম-টুড্রির ধররার সেন্দ্র (1880 এবং বড়ক্স রখের চাকা দানা আঁপত ধুলা দেখা যাত্রিকা ততক্ষণ কৃষ্ণানুগতচিতা পোৰীমণে গতিহীন চিনালিত व्यवहरूक मर्का व्यवहरू कर्राहरूका। व्यवहरूत रक्तनीत्रम গোবিশের প্রত্যাবর্কন নিবছে নিবাল হতে বিত্রে রক্ষরেত। পুরুষে তাঁগের প্রিয়ন্তমের লীলাসমূহ কীর্তন করতে করতে তার শিবারাত্র অভিকল্লিত করতে লাগলেন।"

"হে রাজন, অকুস ও শ্রীবলরাদের সংল বায়ুবেশে সেই রখে অর্থা করতে করতে জগবান কুরা প্রশাসনী কালিপী নদীও সমীপে উপস্থিত হলেন। উজ্জ্বর হবির রেরেও সেই মনীর কল অধিক বাছ ছিল। জীকুন আচমন করে নিজ হন্তে জলপান করবেন। থাতালার তিনি রথটিকৈ নিয়ে সুক্ষরাজির কাছে দিয়ে কল্যানের লাগে জাবার রথে আরোহণ করখেন। আরুর জাবের সুঞ্জনকৈ রূপে আদন প্রথম করতে কালেন। অভ্যানর তালের অনুমতি প্রহণ করে, বফুরের এক হলে গরন করে শরেবিধি অনুসারে হান করংগম। তিনি জাগে নিয়ন্দিত হরে সলাতন বৈদিক হয়ে জগ করতে করতে সহস্য কানাম ও কৃষ্ণকৈ উল্ল সম্পূৰ্য মৰ্থন কৰলেন। অনুন ভাবদেন, কিভাবে রখে সমসীন আনকদুপুভির গুই পুঞ क्ष्यास्य व्यवस्था प्रशासका स्टब गाउना । केना निष्ठारे वर्ष (परक स्नरम अरमरहरू। विश्व १५म छिनि नहीं। (चारक छेट्डे अर्थान शृद्यंत्र छोएनड स्ट्योर्डे कर्मन कहरणेन) 'छट्ट जामि रहे फीट्सर बलबरश्च मर्पन करालाम, के कि মিখ্যা হ' জাপন মনে প্রান্ধ করতে অনুন্য পুনরাম क्रूटन शर्यन कंत्ररहान : *दाचारन* च्यान्त्र व्यथन त्रिष्ट, जंतन, গছর্ব ও অসুরগণের হারা অকরতমন্ত্রকে প্রয়েমন, সর্পঞ্জ আনরশেষকে দর্শন করলেন। আক্রুয় ধর্শন করলেন নে সহত্রশীর্ষ, সহত্রকণা ও সহত ক্রিপ্তাল সমন্ত্রিত মুখালতুলা শ্বেতবর্ণ, নীস্বসম ভগবান কৈলাস পর্বতের মতো ্রাল্টিক্টে হতে অবস্থান কর্মেন। অধ্য অতাপর লাভিক। এক, দুনৰ ও তাঁত ক্ষানো ব্যক্তিপত ক্রান্ত্র প্রধানতে অন্তর্গারের ক্রেট্র শাস্ত্রতার পার্তিগ্র ক্রেড ও জন্যান্ কুরতারণ ক্রেট্র কর ও লান্ত ক্ষেম কর্মেন। সেই ক্ষম প্রক্রের কর্ম অস্পান। অন্যানা প্রধান দেবস্তাপন, নয়জন প্রেট প্রকাশ ও প্রিটি নীত বাসন পশিষ্টিতি, উতু ঠুঁকা এবং সহসম্পূর্যন সংগতির ভতত্ত্ব, প্রয়াম, মারম ও ইপ্টিসের তথ্ন নেতৃত্বে ক্রমাণ্ডবং ভারণকর্ম। তীর রানেক্তর কুরোওল, প্রদায় ত্রাহামতে পরিবেষ্টন করে তার প্রতি করছেন। এইসব প্রতিপত্ত, সুরুষা জনুপদা ও অধুবেসস্পেমবিত। তার উরত । মহদে পুকরণণ প্রত্যেকেই তাকে নিভ জনুপর ভাবে মুক্তিতা, সুগতিত কৰিছ, এবং অসলকা ওউত্তত সুৰুত্ব মুংলাম। তার সৃষ্ণর উপ্লের কম ও প্রশাস্ত কম, ব্যাহর । ভারতের ভারতে সাভিত প্রধান, 🔊 পৃথি, দীয়, কাতি, আক্রাপুলবিত্ত ও মুগা। তার স্বর্গুলে শহসেদৃশ, নাডি। কাঁডি, তুবি, ইয়া ও উর্জা একা ইয়ে বাংনালা শতিক সুনদীর এক উন্ন অবাধনত সমুল রেখানুও। তার বিশ্ব, ভবিন্দ ও মারা আর তার পারি' মানক অভ্যাত্ত ্লেনি ও কটিলেন বিশাস, উঞ্জয় হস্তী-উড়-পুনং এবং। হুছিনী শক্তিও সেবানে উপস্থিত ছিলেন। মহান জালু 🛊 জন্ম সুগঠিত। উন্ন কুলালানুন্য আঙুদের নধ 🛮 ভক্তবেশ আনুষ্ম এই সমস্ত লগম করে তিনি স্বাস্তার তীত হতে প্রকাশিত উজ্জাপ কিরণ উচ্চ উচ্চত ওল্টার। ও নিজতভিতে মুক্ত অনুভব করণেন। জার পারীর প্রতিব্যক্তিত করে তার চনপ্রকলন শোভিত করছে। বছ ভাবের খলে তার দেহ পুশবিত হাছেল ও নহন্দ্রর মুন্যবান মন্ত্রে বিভূবিত কিনীট, কার, কান, কান্যবেদ্ধনী, বতে অঞ্চ প্রবাহিত থারে তার স্টীবাকে আর্থ স্বরেছিল। বল্ল-সূত্ৰ, কটালাৰ, মৃগুর ও কৃওলো সুলোভিত ভাৰতা কোনভাৱে নিজেকে সংগঠ হোৰ অঞ্চল ভূমিতে মন্তৰ্ক পূর্ণভাবিতে বিরাশ করছিলেনঃ তিনি এক হাতে প্র অক্ষক করে কৃত্যারনিপুটে নিনীকচারে ভাব-সদগ্র করে ধারণ কর্মেছিলেন, ভারে অন্য হাতে লখ্য, হাঞ্জ, গলা। তাঁর । থাতে হীতে সাবধ্যমে তাব ওঞা কর্মেলেন। বক্তে শ্রীবংস চিচ্চ, কৌপ্রভাননি ও বনমালা লোডা

পৰিয়ে ক্ষাৰ ক্ৰীৰ্ডন কল্পে স্কণবানের ক্ৰতি কৰ্মছিলেই।



চতারিংশ অধ্যায়

অক্রুরের প্রার্থনা

विवाद्धाः कार्यस्य-- अर्थकप्रश्याः कारण नारव प्रापि অক্ষর পৃক্তব মারারণ, আগমাকে ভাষার প্রশাহ নিবেনন করি। অংশমার নাচিজাত প্রের হোব হতে প্রকা कारिकृष इरविहानम चात छात हाताई और कार गृष्ट श्राहर्शः श्रृप्ति, बल, थति, सह, कासन ७ जाना उँग অহস্কান, মহতস্থা, প্ৰকৃতি ক কাল উৎস ভাগনালের প্ৰকৰ थन्त, बन, हेल्लिनकम, हेल्लिन विवयनपृष्ट ७ অধীবারগণ-কাপৎ সৃষ্টির এই সকল কারণসমূদর আপনার শ্রীক্ষমন্ত। জড়া প্রকৃতি ও স্টির র্ডনালে

मध्य वैजाराजस्य कमदयह १०तव काननार धक्छ স্কাণ জনতে গারে ন। বেহের জনসম ক্রণান্তীয়, তাই হৰাও এই ৰড় প্ৰশস্থে কৰেছ হতানে কাণনান প্ৰতৃত্ করাণ অবগত নম। বছ বোনীগণ জাগনার অধ্যাত (ভীরস্কারণ), অধিতৃত (ভীজে জড় উপাধ্যারণ), ক্রম অবিকৈশ (কণ্ডজাগতিক উপাধানতলিক নিচৰণকাৰী দেবতানির জল)—এই তিমাত্রিক রুচেগর কলনার মাধ্যকে, প্রদেশ্র ওলবান, আপ্সাবই স্থারখনা করেন। ভ্রামলাসা তিনটি-কো হতে মন্ত্ৰ কীঠিন করে ভ্রি-ক্রকো বিধিসমূহ

क्रमुश्तम कहा काशनात बाह्याध्या करहर अवर यह तान 🕏 नारम्य विस्ति (प्यकासमा विभागकार्य यस अन्नापन করেন। দিবা আন লাতের জনা কেউ কেউ সকল ধ্বাপতিক কর্ম পরিত্যাগ করে শাস্ত্র হয়ে জ্ঞান কল अन्यापन करते सान-विदाह चलन कानभारक काराधना করেন। ওছ বৃদ্ধিসম্পন্ন অন্যান্য ব্যক্তিগণ আপনার ছোৱিভ বৈঞৰ শান্তীর বিধিসমূহ অনুসরণ করেন। উৎপদ্ধ অনুক অল্পনার ভালনার মধ্য করে তারা কা রূপে প্রকাশিত একই ভগবান, আপনাকে আরাধনা করেন। আরও অন্যানারা হয়েছেন, যারা ভগবান লিব রাগে অৱশানর উপাদের করেন। তাঁনের মধ্যে নিজের দৃত্তির ক্ষুক্তে উরো শিব বর্ণিত ও বহু আচার্য দারা বিভিত্রভাবে প্রদর্শিত পথ অনুসরণ করেন। হে প্রকৃ, কিন্তু এই সমস্ত मानूरवंत्रा, वीता काशनांत्र (चंदक कारता प्रामितिराम करत ভার কেবজনের উপাসনা করছেন, থারাও প্রকৃতপঞ্চে, সর্বদেশ্যর একমান আপনরেই উপাসনা করছে। পর্বত इरङ पेरनव नमी (वसन वृष्टित चटन नहिन्द इरङ চতুৰ্লিক হতে সমূত্ৰে প্ৰকাহিত হয়, তেমনই এই সমস্ত মাৰ্থ অবলেৰে, হে জনু, আপনতে প্ৰবিষ্ট হয়ঃ সৰু, ৰক্ষা ও তথ্য, আপনার কড়া প্রকৃতির গুণাকণী প্রকা इरक कर करत इत्तव अभी शर्यंतु अक्रम एक बीयर्क कारक करतः। जानमि मन्तर बीरका भागमातारण मिर्निशः দৃষ্টিতে সকলের বৃদ্ধির সাক্ষীশ্বসপু, অর্থে আপনাঞ্চে আমাৰ প্ৰশাহ নিবেদন কবি। অবিদ্যার বেগপ্রসূত चानमात्र कड्-७५-धनार् (मन्छा, मानुव ७ धानोक्रम মেহাভিমানীপশের মধ্যে প্রকাহিত বৃদ্ধ ভাষি জাপনার **बूच, পৃথিবী काननसा एउन, भूब प्रश्नात एक अ**वर আকাশ আপনার নাতি। পিকসকশ আপনার ক্রণেন্ডির ও কেবলেউপৰ জালনায় বাক্ষয় এবং সমূত্র জালনার উদর। স্বর্গ জালনার যজক, বাহু আপনার প্রাণ ও কল। বৃষ্ণ ও ভর্মানমূহ আপনার শরীরের রোমরাশি, মেধ আপদার মন্তব্দের কেশবাশি এবং পর্বত আপনার, পরম পুরুত্বর অহি ও নব। রাজি ও দিন অংগনমে চকুর নিমের মাত্র, প্রজাপতি এক্ষা আগনার প্রজনন-অস্থরাপ 🛊 वृद्धि चालनाड कैर्व ("

"ছে জন্ম পুরুষ প্রযোগ্য ভগবান, ক্রতীবসমূল निविध कृतन जन्दे कारबंद निक निक्क गांशकाल जह

আপুনার মধ্যেই উৎপন্ন হর। ঠিক বেনল ক্রন্_{চর} জীবের সামরে সভ্যপ করে বা কৃষ কীটবর্জি উচ্চুমুর কলের মধ্যে ধাস করে, তেমনই হল ও ইত্রিরসমূহেও भाषात कर्मन भागताहरू मध्य करू मकन कृत्त সকরণদীত। আপনরে জীলা উপভোগার্থে এই জনতে আগনি নিজেকে বিভিন্ন রূপে প্রকট করেব জার বারা আন্দে আপনার মহিসা কীর্তন করেন, এইসকল অকতারগণ জাঁদের সমস্ত শেক মার্কন করেন। সৃষ্টির করের আপনি, প্রকল্প সমূরে সম্ভরক্ষীত মংস্ক্রেরী भानमात्क, कामि भागांचे धनाव निरंतकन कवि। रग्रजीयकर्त वयु-रेक्टिस किनानक, तृहर कुर्मकर व अन्त পর্বতধারী এবং বরাহ অবতারে বিনি পৃথিবীকে সানকে উদ্ধার করেম, সেই আপনাকে আমি আমার প্রধায় मिर्काव कति। चायुकनिरहस्राणी (मृनिरहरूक) जाव ভক্ত গণের ভত বিমাশকারী ও বারনজালী ত্রিপ্রবাস পদক্ষিন্যাসকারী আগনাকে প্রশাস নিকোন করি। স্বস্তুসভি क्षभवादी कवित्रस्मरक्ष्मी ७ जावपाक्षकाडी बाह्नुकारतके জীরাসমাণী আপনাকে প্রণার নিবেদন করি। হে প্রভ বস্থেব, সমর্বণ, প্রদুয়ে ও অনিক্রমনী বাদবাধিনতি व्याननारक श्रमात्र मिरायम कवि। रिकामानक-(अहनकारी ওছ বৃদ্ধপাণী ও মোহতুল্য রাজাখনের বিনাশকারী কৰিজনী আলনকে প্ৰথম নিৰেল কৰি 🖰

"হে ভগবান, এই জগতে আপনার মারা শক্তি ধারা ৰোহিত জীব 'অমি' ও 'আমরে' রূপ মিধ্যা অভিমানে বুক হরে কর্মমার্গে শ্রমণ করতে মধ্য হয়। যে প্রভা আমিও এইভাবে বিভাব হয়ে মূর্যের মতো আমার দেহ সংঘৰ, গৃহ, পত্নী, অৰ্থ ও ক্ষমনকৃত্যকে সভ্য বলে মনে তরন্ধি বদিও তারা প্রকৃতপক্ষে স্বপুরুৎ অসজ্য। এইভাবে অনিডাকে নিজ, ছামায় দেহকে খামার আখা এবং পুরেষ উৎস-সমূহকে সূথের উৎসরতের ভূল করে, আমি জাগতিক বলের মধেই আনশ অনুভবের চেটা করছি। এই ভাবে ডয়েওংৰ আছের হয়ে জামার প্রকৃত প্রেমাশ্পনরাপে আগনাকে হাদরক্ষ করতে পাবিনি। সূর্ব বেমন জলোৎপথ তুব ছারা আন্তর্ভিত জলকে লক্ষা না করে মরীচিকার দিকে ধারিত হয়, আমির তেমনি · चानतात्र का**ष्ट्र (शरक** चान्त्र मिरक शांदिठ क्रांक्) चरानात्र বৃদ্ধি এতটাই কালম খে, জড়জাগতিক কামনা ও কর্ম হারা আক্ষানেল আবার মনকে নিবৃত্ত করার শক্তি লাভ ভবতে আনি অসমর্থ। যাঁগঙ অসাধ্জনেবা কংনছ লাশনত নামৰ প্ৰাপ্ত হতে পাৱে না, তবুও পঠিত হেংগ _{জানি} যে আপ্নার চরবের শরণাসত হরেছি, আপ্নার নিজেন করি। হে স্থাবিদশ, আপনাকে পুনরার আনার ৰুপা ভিন্ন তা কথনট সমূৰ নয় বলৈ ক্ষমি মনে করি। প্রণাম নিবেদন করি। হে প্রভো, আমি আপনার প্রকাশ্যর বর্ধন জীবের জার্গাতক স্থীবনের অংকান হর, সরণাগত, মরা করে আমাকে হকা করন।" হে পথনাক, তখনই আপনার গ্রন্থ কতের সেয়ার বারা

ন্ত্র ক্ষেত্রিত এবং ক্রমাণতে আমার বলবান ইপ্রিডসমূহ আগনার প্রতি মতি জলে । অনুভ শতিবান পরম ক্রমতে আহি প্রদায় নিকোন করি। তিনি বিজ্ঞাননার বিত্রাই সকল **क्रिक्ट कार्यक्रम कर कीरक अधन निवस्त। र**ह বাসুদেব, সকল জীয়ের আপ্রয় ক্রমণ, আপনকে প্রশাস

একচতারিংশ অধ্যায়

কৃষ্ণ ও বলরামের মধুরায় প্রবেশ

विट्रांचन कर्राक्टनम् भन्दरम्थतं धर्मयाम स्रीकृषः करात्रश প্রকাশিত ভার খীনে রূপ প্রভানহার করে সিলেন। ঠিক বেচাৰে কোনও অভিনেতা ভার অভিনৱের পরিসবান্তি করে। আনুদা দেই দুশা অন্তর্হিত হলে মাল খেনে উঠে সত্ত্ব জান বিবিধ অবশা কঠবা কৰ্ম সকল সমাণ্ট করে আন্তর্মানিত হয়ে। প্রথে প্রত্যাবর্তন করবেন।"

জীকৃত অনুদর্কে জিল্পাসা করলেন—"ভূমি, আকাশ ৰ ছলে তৃত্ৰি অভূত বিদু দৰ্শন করেছ কিঃ তোককে মেৰে আমানের তেমনই মনে হচেছ।"

প্রক্রেশ্ব করলেন—"ভূমি, আকাশ বা জলে স্বত चड्ड क्लरे धत्क, कार जकनरे प्रान्तारक विगायन। राहकू राज्य किन्द्रे जानमह प्रत्य निर्देश सहहरू स्टेर আমি বৰন আপনাংক দর্শন করি, তথন আমার আর দর্শনের কিই বা অবলিষ্ট থাকে। হে প্রায়ত্রখা, ভূমি, ব্যক্ত ও খলের, সকল অমৃত বস্তুই বাঁর ক্ষর্য কর্তমান. আৰি এখন সেই আনমাধ্যে দৰ্শন করনি, এই জগতে খার কি অধৃত বস্তু আমি দর্শন করতে পানিঃ এই কথা বলে গালিনীপুর অঞ্চল ছথ চালনা ওক্ত ফরবেন। খণরাছে জ্রীকারাম ও জ্রীকৃষ্ণতে নিয়ে তিনি সপুরার

প্ৰায় ভাষ্টবেৰ গোছামী কালেন—"অঞ্জ কৰম ভব উপস্থিত ছলেন। ভাষা বে সকল পথ দিয়ে গমন कर्वाहरूनन, ८६ साजम, भ्रामात्मेर श्रामकामीओ कारह करन অহান্ত আদল সহকারে যসুদেকদশন গুয়ানকে গর্মন তর্মালা প্রকৃতপঞ্জে, প্রয়োজনীয়া প্রানের কেন্ডে টোল ফেরডে পার্ডেশ না। নাম মহাজান ও অন্যান্ কুলকেবাসীগৰ বথ পৌছানের পৃৰেই সপুরার এসে ৰণ্ডীৰ উপক্ষেৰ একটি বাগনে কৃষ্ণ ও কল্পামেত অংশকার অবস্থা কর্ছিলেনঃ নাল হত্যাল ও অন্যানাৰে মৰে মিলিড হৰাত পঃ স্কাৰ্থীপৰ, ভগবান কৃষ্ণ বিনীতভাবে অকুজো হাত উলা নিচেপ্ত হাতে প্ৰহণ করে হাসতে হাসতে বনলেন 'আমানের আগেই রখ নিষ্কে ভূমি মন্ত্রীতে প্রবেশ কর। স্পর্ভংশর পুত্রে প্রম কর। আমরা এবনে কিছুমশ বিধান গ্রহণ করে নদর দর্শন্ন প্রায়ন করবে।" "

श्रीयाकृत वज्ञारमस्म-"(वं अकृ, व्यापनात्मत पृक्तनात्क ছাড়া আমি মগুরার প্রকেশ করব না। হে নাখ, আমি আপ্নায় ভক্ত আর বেহেডু আপনি ভক্তবংসল তাই আনাকে পরিস্তাপ করা আপনার উচিত নত। চপুন, জ্বাপনার জোষ্ট হাতা, গোলগণ ও আপনার সূত্রদর্থন সহ অসর। স্বামনা গৃহে যাই। হে সুফ্তম, হে অংগক্ষর, এটভাবে অমের প্রের প্রভুক্তে সেটিকে কুল্য করন। व्यक्ति अके जामान्त भूषराध्यो, एवं कृता करव व्यत्पनात भागगराक्षा यूनि निरद्ध काञ्चन गृहिर्दिक चरित्र करान । चारै প্ৰিয়ক্তপ্ৰে কলে আমাত পিছেপুক্তব্যা, সম্ভাগ্ন ক দেব্যব্যহ সকলেই ভার হবেন। আপেনার পাদপ্রভাগন করে মহামতি বলি মহারাম কেবলমার পুনার্কাতি ও অতুল ঐপাটী প্রান্ত হতেভিগেন, ভাই নহ—হিনি ওড অকেন পৰামদতিক লাভ কৰেছেন। অংগনার হরণবৌদ্ধ অপ্রাকৃত্ব পালা নাটার জল ভ্রিন্তাবনকে পবিত্র করেছে। স্কার লিব তাঁরা মন্তবে সেই জল ধরণ করেছেন এবং সেই কলের কুপার সধ্য রাজার পুত্রণ কর্ণ লাভ करविश्वनरः तः (स्वरूपनः तः क्षत्रामः तः भूता-कार-कीर्डम। (ह बनुध्यक्ते। (ह विकासकार-कीर्यक) (ह পরবেশ্বর ভগবান নাবায়ণ, আপনাতে আমার প্রশাস मिट्यमन करि ।"

পর্মেশ্বর শুসবাদ ইল্যুল্ম—"আমি আমার জ্যেষ্ঠ মাতার সক্ষে তোমার সূথে আগমন করব, কিন্তু প্রথমে আহি অবলাই ক্-২ওলের শত্রুকে হত্যা করে আমার সুকাল্যাল্ড জনক প্রদান করেব 🖺

শ্রিল ওঞ্চলব গোগামী বনকো—"ভগবন এইডাবে কল্লে, অনুত্র ভার্ত্তের ভূমতে সমবীতে প্রধান কালেন। হিন্দি ব্যালা কংসকে নিক কংখন সংখ্যতা বিষয়ে অক্টিড **ब**्द शृद्ध शाम करायम । श्रमवान श्रीकृष्ट प्रध्रा मर्चन ব্যাসনারে অপরাত্ত্বে জীবদাররে ও ব্যোপনালকপাকে তাঁর সঙ্গে নিয়ে নগৰীতে প্ৰবেশ করকেন। মধুবার ভগবান স্ফটিক নির্মিত সৃষ্টাত পোশুর ও গৃহধার দর্শন করলেন যার তেনাৰ ও প্রথম কটকওলি বর্ণ নির্হিত, ধান্যাগার 🐞 খানান্য সংগ্রহালস্থান্য ভাষা 🐞 পিতল নির্মিত এবং যার পরিখাওলি অতি মুর্গর। মনোরম পুস্পরাধান ও ফলপ্রবাদ স্থানান স্থারা স্পরীটি সুলোভিড ে প্রধান চতুস্পর্যন্ত কর্মে সাক্ষিত এবং সেবানে শিল্লোক্রীবিগণের উল্যেশন স্থান ও অন্যান্য অট্রালিকা বহু ব্যক্তিগত আরোমের ক্ষার উপাদেও রয়েছে। ময়ন ও পোরা পায়রার कानिएक अध्वा मुन्निक, योग क्यारक्क राज्ञभरम, प्रशिवक **रमर्क्ट , शृक्ष मान्युरंगन (यमेर्ट्ड कार्य मुहाक्षणार्**का কাল্ডের বাদ আক্ষাদরে কলে ককত। এই সমস্ত তেথী 🔹 कारजेत तक च्याच्याचन त्रवृष्ट रेपतृर्व, होत्रक, च्याप्तियः, १८८१हिस्सनः। शास्त्रव विवास धारताह वकानी सीरिय

নালকাত্তমণি ছালা বিচাম, মৃত্যা ও সংক্রমণে _{সংক্} অলক্ষ ভিন। সকল নাজনার ও পদা নিবিধনাময়ের ভূতন স্তি থাকত ক্যা পাগের ধার ও স্কানসমূহ সর্বস্থ দ্বন মালা, আছুর, লাক ও তথুল নিকিল্প ছিল। সংক্র প্রকেশ্যারসমূহ আল্লগ্যানে সন্ধিত, চক্ষর চতিত, লাভ অনুলোপত জনপুৰ্ব কললে বিজানিতভাবে পোটত জিল এবং কুলালৰ ও পাট্টিলা স্থানা বেনিত ভিলঃ কলানিত নিকটেই পভাৰা, শীপমালা, ফলওজ সমহিত ভালী ও সুপানী কৃষ্ণ মিল। তীকো সেল-বালক সাহত্যকণ পৰিবৃত্ত रुष्ट छीता नगरीय राजभर्थ शर्यन कन्या अध्याद নারীগণ সভার সমবেত হয়ে কসুনেকো পুট পুরতে দর্ভার করার জন্য নির্গত হলেন। হে রাজন, কোন কোন নারী। জানের দর্শন করার কবা কতি উৎসূক হয়ে জানের প্রয়ের উপরে ছারোহন করেছিলেন। জ্যেন জেন নারী ভারের বছ ও আক্তাৰ বিগৰ্বন্ত ভাবে পরিখন কর্মেন্ট্রন্তন, খানায়া তাদের একটি করে কর্তৃত্ব ও মূলুর ধারণ করতে বিশ্বত হয়েছিলেন আর অপর নরীখণ একটি মেত্রে অঞ্জন যারদ করলেন নিশ্ব অন্যটিতে করণেন না। বাঁক ভোজন করছিলেন তাঁরা ভা পরিত্যাথ করপেন কেই কেউ ভাষের আন বা তৈলালনি আনমাণ্ড লেখেই নিৰ্মাণ্ড इरलम, १६ जनन मारीजा निश्चिष्ठ हिरलम, नामा स्था (कामारिक अर्थ करह डिविंड स्ट्रेंजन अयर शहरूत वैद्रा निश्चलक्ष समा बान काविस्तान, देखा निश्चलक्ष बरवन्तरवंदे সরিয়ে ব্যাধানের। নিজ প্রদান্ত দীলা সরেণ করে श्रामायुक्त कंपान-(माठन कन्यादन्त धारामाकरमंत्र संदा (मोर् সর নরীদের মন মৃষ্ট ছরেছিল। সম্মাদেরীর কানম্বের উৎস উরে দিবা দেব ভারা মন্ত গলেজকুলা বিক্রমশালী পদভাৱপা কৰে তিনি উচ্ছেয় সম্মোৎসংবর সৃষ্টি করেছিলেন। মতুমরে নারীগদ বার ব্যৱ কৃষণ সখছে রূপণ করেছিলেন করে তাই উল্লেখ বর্ণার করে হাত্র তামের হাত্র মবীকৃত হয়েছিল। তিনি জাঁনের উপর তার উদ্যাত যাস ও দৃষ্টিপাতের অনুভ সিক্ষম করার উরে সম্মানিত বেব करास्त्रिक्त । नक्षत्रम् भाषास्य स्टेब्ट छैर्द्रम् कृष्ट्य अस्त করে আনন্দমত্র বিত্রত্ব স্থালে তাঁকে তাঁকে আলিমন করে রোমাধিত হলেন। যে শক্রমফনকারী, এইভাবে তাঁই অনুপত্নিভিজনিভ অনত মনোধাৰা ভাৰে৷ বিশ্বত

হুংকৃতিই ব্যালয়ত যুক্তা ইম্পাল্ড ই.বল্ডার ও হাই হুগ্রের কৃষ্ণ হাকে মুকুল পর সংকলা মুক্তি ও ্রাক্তারে উল্লেখ পুন্দা কর্বণ কর্ত্তাপ্রসাল। পরিয়েরে। সর্বত্ত উত্তরপুত্র পরম ঐশ্বর্থ, কল, প্রভাব, পৃত্তি ও উল্লিখ ্ত্রেরের প্রক্রণদেশ পরি, ব্যাচার হব, জনাপুর্ব হট, হালা, পটুতার আনদার প্রস্কান কর্মের। ইয়া দুক্তার আভাপর the Real Control States of States and interested महारार्थ केरलो कर्डल कर्डाक्सनः अध्यक महीलन ক্ষুক্তমেনে কালেন—ক্ষাড়া, গোলীখন কি বহা-ওপদান্ত ল জানি করেছিলেন যার উপ্লে নির্লোকের প্রয়ানক্ষর প্রধ্যেক্তার কৃষ্ণে ও কালাবারে নিবের সর্বন করেন।"

पर्युरक्षक अक रक्षकरक सामग्रह स्माप क्**रा**क्ष কাছে ব্ৰেডে উবান কয় প্ৰাৰ্থন কৰে কাৰ্যুগন—'নাহেয় বোলা পরে হলমানের মুক্তিনকৈ উপস্কুত বন্ধ কর। ত্ত্তি যুদ্ধি এই দান কর, তা হলে নিলেকের তেখের কর্ম মাল হবে ি এইভাবে পূর্ণক্রক ক্রমন কঠক প্রার্থত হবে সেই উক্ত রাজপুতা কুছ হতে কর্মের করে উত্তর নিজ—'ভোনরা নির্মাক বালকঃ ভোনতা পাহাটে বলৈ মূরে কেনাতে অভাক্ত বারে জেনার কি না এই ধ্যানের হয় প্রিধানের গৃত্তা করছে। এই সরস্থ রাধারণ্য কোমতা প্রার্থক করছং হে মুর্থগণ, সমুদ্র এখান খেকে চলে মাও। যদি ভোরাদের বাঁচবার আকংকা भारक, का द्वास बाकारत आर्थना कर ना। सभा रकडे क्षकाब क्षेत्रक श्राम करते, राज्यभूकरमञ्ज्ञ स्थान करत বং করে এবং তার সমস্ক সম্পত্তি হাল করে।" রক্তপের এরণ আধ্বাধাণরাধ্য ভবার কেবর্টালক কৃষ হয়ে ওধুমাত্র ভারে কলায় ধারা তিনি আর মন্ত্রক কেরু হতে विकार कडालन। उधरकार चनुस्रीविशन टाएम्स मध्य বয়ের পেটকভলি লখে কেলে দিয়ে চতুদিকৈ প্লাচন করন। ভবন ভানের কৃষ্ণ বস্ত্রালি প্রত্থ কংগেন। কৃষ্ণ ও বলন্তম ভাষের বিশেষ পদ্ধান্ত সূচী বস্ত পরিখান কালেন এবং স্বান্ধ্যর কডকগুলি সুমিতে নিকেল করে ক্ষবলিষ্ট বস্ত্ৰ গোলধালকদের অধ্যে বিতরণ কমগেল।"

"অতংগর এক ভারুবার জীয়ের পুঞ্চলের অতি মেহ অনুধ্ব করে অগুসর হরে বিভিন্ন বর্ণৰ চেলবত্তভূবণ দিরে তাঁদের পোলাক সুন্দরভাবে সঞ্জিত করে। বিচিত্র ভূবৰ সময়িত উচ্চের দীক নিজ অনুগম বস্তান ভূবা ও ৰলনামকে সমুদ্ধকে কেথাছিল। উপেনা কেন উৎসৰ উপদক্ষ্যে সুস্থিত ভ বেতা ও কৃষ্ণা বর্গের সুটি হতীশাবকের মধ্যে মনে ছবিকে। ভর্তবারের প্রতি বস্তুট

মালকার কুলমার পুত্র করন কংগুল। তারের মানি কল্প মান সুন্মা উঠে ইডিজ এবং পতে ভূমিতে সতুত चन-१८ करदे छन्। विद्याल करते। छन्तर चन्त्रन निरमा करत व देशका भाग-प्रकालन कराह भी जुलाह सदी, बाला, प्राप्ता, सन्द्रमध्य 🛦 अन्दर्श विश्वतिहर বৈদের ও ঠানের সময়সামের ভর্তনা কলে। 'মে সালে, একা আমানের কথা সার্থক হথেছে এবা কানার কুল পরিত্র হয়েছে। এখন কপেনালের মু'লানের এখানে অল্যানে অকল্ট আমন মতল পিতৃপুঞ্চনৰ, দেকোলৰ ও মনিপুর আনার প্রতি সম্বন্ধ হতেছেন। আবলার পু'জানে সুমার ব্রহ্মারের পরা কালন করেন। এই জনতের উদ্ধান ও মালল প্রলানের জন্য আপনারে অবপ্রবারের কালে প্রকাশ সহ অকতকে করেয়েন। কেন্তত্ব জাশনরে সমস্ত उकारका भवमाना च मुस्ता, मक्ट्रमाः अस्टि चाननगरन मृष्टि ग्रास्थानम् । चन्द्रशास, बांग्यः जाभन्तरः चामनास्य ভ্ৰেড়ের প্রেমমনী ভ্রমনার প্রতি-ভ্রমনা করেব, আপনারে प्रका प्रशास प्रका शिला प्रति (स्रमाद्यकोसः। एक কলে আনাকে, আপনাদের এই কুনেকে আপনাল স্বা বৃশি মৈর্লেশ করুন। অপেনানের ধারা যে কেনে কর্মে নিযুক্ত হওয়া নিশ্চিতভাবে যে কেন ব্যক্তির পক্তে মহান্তালীলৈ क्रमा (इ ब्राइटर, ध्री क्या दर्श गुण्या कृत । করেনের অভিযান ক্ষরকার একে কথেক আনক্ষে সচে তাদের প্রনতে চালত, সুমতি কুচের প্রকা নিত্তেম করকেনঃ সেই ফালাসমূহ সুন্দরভাগে বিভূতিত হয়ে देशका अध्यक्षित गर्न कृष्ण व दलदाव काटाई दीत হলেন। ঠারা মুক্তনে শ্রনানাত ও চাংকর সম্পূর্ব প্রশাস্ত স্কারতে করে বাছিত বর প্রশান কর্মেন। স্কামা, অধিক্ষা ভগবাদ কুজের প্রতি অনুসাতক্তি, তাঁর তঞ্জনের সঙ্গে সৌহার্ব্য ও সর্বভূতে অপ্রকৃত ককর প্রার্থনা করছেন। স্টাকৃষ্ণ সূপত্রাকে কেন্দে এই সকল ব্যাই অনুমোলন করবেন, যাই নর, সেই বচ্চ তিনি হাতে বংশগৰস্পন্নাক্তৰে বৃদ্ধিনীকা উদ্বৰ্ছ, বল, আৰু, বল, कार्ति अन्नत्र करात्रातः। चारात्राहः कृष्णः ६ देशः यशकः मृहः, असूमि कराइमि 🖺

দ্বিচভারিংশ অধ্যায়

যজ্ঞস্থলে ধনুর্ভঙ্গ

হ্রীল ওকদেব লোকামী কালেন—"রাজপথে ইটিতে ইটিতে তিনি কেবলেন হে, স্তীয়েশ এক কুলা ব্ৰতী রম্পী সুগতি অস্ববিদ্যোগ প্রবেশ পরে বছন করে নিরে যাকে। প্রেয়ানৰ প্রগামে শ্রীকর সহায়ে ভাকে বিভাসা করবেন কে তুনি, হে সুদরী উক্তমধী। আহা, বিশেশন। এটা করে মনা, হে সুন্দরী। আহানের সভা করে কর। আমানের মুক্তনকে স্রোমার উত্তর বিকেশন প্রদান কর, তা হলে শীঘুই তোমরে পরত মঙ্গল লাভ হবে।"

দার্নীটি উডরে কলে—"হে সুন্দর, আমি ভোকরাজ কংসের আহরের দাসী, আহরে প্রস্তুত অনুবেশন উর অতি তিয়। আৰম্ভ নমে কিবলে। ভেমাপতির অতি তির আমার এই অনুদেশনের বোলা তোমনা দু'লন স্থাড়া মার (ক আছেণ কুমের রূপ, ব্যক্তিস্ব, সৌকুমার্ব, হাস্যালাপ ও দৃষ্টিলাডে জেহিডডিয়া ক্রিবক্রা কৃষ্ণ ও বলরাম পুরুমকেই ভিত্তম অনুদেশন প্রদান করেছিল, এই পরম সুদার অনুলোপন হতে অনুদান্ত হয়ে, বা তাদের নিমার্থভেলে ভবিত ভরেছিল, কৃষ্ণ ও কারাম প্রম পোরু প্রাপ্ত হালে। ক্রিকেনর প্রতি প্রবয় ভগবান ক্ষা ভারে কর্ননের ফল প্রদর্শনের কন্য নেই সুমুখনী কজ্য কলাকে সংল্ খড়ানেহা করতে খনছ করটেন। श्रीक शनदेशक क्षेत्रा एस्त्र शनहरूकारण क्रम विदेश बीह ছাড়ছবের উন্নত অন্তল হলে ভার ভিত্ত ধারণ করে চপৰ্ম অচাছ ভার দেহটিকে খবল করলেন। কেবলয়ার ভগবান মুকুপের স্পর্শে ক্রিবনে ভংকশাং সহথেই ধন্থটি উত্তেলিত করে ক্রবলাকনকারী সরল, সমান সুগঠিত আমী, বৃহৎ নিভাগ ও জনশালিনী সর্বোরম সুস্ত্রী রমনীতে পরিবত হল। একা রাগ রুব উদাৰ্থ সম্বিতা ত্ৰিবক্ৰা ভগৰান কেলবেল প্ৰতি কাম আঝালন অনুভব করতে ওক করতে ওলা উত্তরীয়েব গ্রাপ্তাস আকর্ষণ করে হাসতে হাসতে ঠাকে বলগ— 'থলো, হে বাঁর, চল আনর পুরে যহি। আনি ভোমাকে এলাস আৰু করতে লাভং না। হৈ পুরুষকোঁ, ভূমি সহচরণপকে ধ্রবার জনা ধর ওকে, মার ওকে, মার আনার প্রতি প্রস্তা ছও, কাজে তুলি আনার জনার উন্থাপিত। ডিংকার করতে করতে জনের কেটা করেছিল। নকীকো

করেছ। এইভাবে রমণী দারা যাতিত হয়ে প্রাক্তম প্রধান এই খটনা কবলোকনকারী কারানের মুখ্যে নিচ্ছ ও পান লোপবাসকাশের মুখের নিকে দৃষ্টিপাত করে ১০৫০ হাসতে ভাকে বৰুতে লাগলৈল—'হে সুক্ত, কত জ্বৈত পারি আমার উদ্দেশ্য সাধন করার পর আমি কবলাই পুরুষের উর্বেগ দূরকারী ডোমার পুরে প্রম করব। প্রকৃতপক্ষে, জামানের মতো পৃথকীন পথিকের ভান ভানিট (अर्थ चार्थाप्र)^{*} छाटक प्रश्नुत नाटक) विकास क्षत्व कटन ত্রীকৃষ্ণ পথ ধরে হাটতে লাগলেন। পরিমধ্যে বলিকের ভাকে ও ভার অঞ্চলক পান-সুপারি, মাল্য ও প্রচারনেত नाना क्षत्राची भागे करते जुळा करतिहरूकर । कुछा कर्नात নপ্ৰতীয় ৰম্পীগণের হাদ্যা কৰে উল্লেখ হল। ভাৰ এইভাৰে ক্ষেডিড হয়ে খানা আখানস্থ হলে খানের বল্ল, চুলের বাঁধন ও বালাসমূহ স্থালিত ধনা এবং ঠাক চিত্রার্গত অবয়ধের ন্যায় দণ্ডায়মান ইইলেন।"

"ভগৰান কৃষ্ণ অভাৰে বেবানে জাৰ্বছা অনুষ্ঠিত হবে, সেই স্থানী সম্বন্ধে স্থানীর মানুবদের বিক্ষাসা কংলেন। সেখানে গমন করে তিনি ইন্তাধনকলৰ সেই অন্তত ধনুকটি দেশতে পেকেন। ধনকটিকে প্রভার মধ্য चर्छ नाकारी शुक्रवासक अरु विवास वाहिनी स्मिटे পর্যমেশ্বর্যক ধনুকটিকে পাহারা নিচিক। রাফীবা ভাকে প্রতিহত করার প্রচেটা সংখণ্ড কন্ধ কাশূর্বক অপ্রসম হয়ে পেটিকে তলে নিলেন। ভগকান উনক্রম তার নাম হাতে श्राकरकीरात समस्क निरमायह मध्या करा काना करन भारिकारकार भारत का ध्वाकार्यन करता, क्रिक राजम मण एउँ। ইপুদও ভাল করে, তেমনিভাবে ধনুকটিকে বিশ্বতিত করকেন। ধনুর্ভাগের শব্দে পৃথিবী ও আকানের সমত मिक पूर्व एक। एत बारन करन करन जान जान उर्जिन। াশৰ প্ৰহৰীয়া ভক্তা ভাগের করে ধারণ করে কৃষ্ণা ও জীয়

হতেই উন্নেশে উন্দের দিকে এগিয়ে আলতে নেত্র সংক্রে প্রহার করে সংহার করতে লাগলেন। ক্রে া প্রান্ত কেনপ্রিটারে সং করে পর কৃষ্ণ ও ব্যাসায় নুধ্য কটক পিরে যজকা ত্যান্ত করে লওচিত্র মধ্যীয় ভাৰত অধ্যান বিচাৰৰ কৰতে কাগালেল ল

"এজ ও ক্রেরম সুস্পাদিত অস্তুত কুর্যের সাজী ক্রমণ এখং তাঁলের শক্তি, গুড়তা, ও সৌলবর্ত দর্শন করে। মারবারীপাশ ভাবালেন, ঠারা নিশ্চরট মুই প্রধান মেবতা ভারম। উদের পেকাক্রমে তারে বিরুপ করতে করতে। সূর্ব অন্তথত হলে, গোপবাসকলৰ পরিবৃত হলে মারী चरियारिक कतरका ("

कीकाम्पल धनुर्धक बावर छात्र तकी स रेमन्स्पर वर জাগবিত থাকৰ এবং যথে ও আগ্রেপে মৃত্যুদ্ভসম বছ ঘণ্ড লক্ষ্পসমূহ মর্লম করল। সে ভার প্রতিবিধের অকারণে চন্দ্র ও জন্যান্য সঞ্চন্তাদিকে লে সৃটি করে

শেষত, সে তাৰ ছাত্ৰে হালে ছিল সন্দী কৰত, সে তাৰ প্রশ্নেরর প্রথা সুটি পাও তুলে নিয়ে বলরাম ও কেলার আন্দান্তার লক এনতে পালত না কেওলিকে সোনার রাও মাজালির সর্বান করে এবং সে তার নিজের পদট্যন শেষতে পোত না। সে কম কোতে কো লেভ এটা 'टाएक थानिका करता, कार्यकर भिन्ने थान्तावर्ग कर्त लक्ष्म कररक दिव सकत कररक अबर अब नद्र दिवास শরীরের মানুষ ভবা ক্রের মালা পবিংনে করে বান कराहा। वृक्ष ६ कावरान धरेलन ६ अपने कार ६ অনেক লক্ষ্যসমূহ কৰ্মন করে কংল মাত্রাভারে ভীতে হর্মেল এক উদ্বেশনত নিপ্রকৃত করতে পারণ না। ্যবংশনে রামি অভিযাহিত হয়ে পুনবার সন্ধিন মধ্য হতে থানা করে গোপগণের শ্বিটসমূহের স্থাবেশ করে কিন্তে। সূর্ব উলিত হলে করে বল্পকীভার আয়োজন ওক axema | বৃষ্ণানান খেড়েজ মুকুনোর (কৃষ্ণা) বিনরে প্রহল করেলান। তেনী ও খানানার ব্যানখন্তাদি নিমাণিত করে কাৰে গোপীপৰ ভবিষ্টাৰী কথেছিলেন যে, আক্তৰ্মচাইলা বল্লহ্নটিকে ধনীৰ আচাৰগতভাৱে অৰ্চন প্রধ্যারদীপদ খাসংখ্য মঙ্গল প্রাপ্ত হরেন, খার এখন সেই । করেছিল এবং ব্রুলমঞ্চতি রালা, প্রথমন, চেলী ও তোরণ ভবিষয়ভাগী সভা হচ্ছে, জন্মণ খধুরাবাসীদেশ পৃঞ্জত্বৰণ আরা সুসন্ধিত করেছিল। ব্রাধাণ করিবাগের নেতুত্ব প্রত্যুক্তর সৌশ্বর্য দর্শন করছেল। প্রকৃত্যপক্ষে, যে সন্তত্যুদ্ধির ও জনগদহানীরা এনে দর্শক মতে বধাসুরে মৌলবের আন্নয় কামনা করে লগ্নীদেবীও উপতে। আন্নয় কলে। প্রভা-অতিথিনুক বিশেষ আন্নয় প্রত্ পুরুষরেরী অন্যান্য কর পুরুষকে পবিত্রাখ করেন। কৃষ্ণ করেনিক্রনঃ তার অন্যাত্যবর্গে পবিস্তুত হয়ে কংস্ ও বলরাম তীগের পাদপ্রকালন করে নিয়ে কীর নিবিত । রাজনকে আসন প্রহণ করে। কিন্তু ভার বিভিন্ন আর ভোজন করকেন। আতঃপর, কংসের অভিযার। আক্তিক শাসকতর্গের মধ্যে উপক্ষেত্র করেও তরে ক্রমত বৰণত হতেও সেই বাহিটি সেখানে জারা সুখে। কল্পিড র্যান্ডল। মল্লভীয়ার উপযুক্ত তালে বাল্যস্থানি উজ্যোত্ত নিৰ্দেষ্ট হতে থাকলে সু-জলকৃত মহাণ্ "অপরপক্ষে, দুর্মতি রাজা কলে, কৃষা ও কারামের । আরের মান্তার্কস্থানা কলে নর্বছরে রক্ষালে প্রতেশ করে छेन्द्रका करण। स्टाह्म खटहा **११८**६ इट्टा हान्द्र, করার কথা অবল করে তীত হরেছিল। সে দীর্ঘ সময় মৃষ্টিক, কুট, শঙ্গ এবং তোপল হয় মঞ্জের মানুরে উপবেশন কংল। হল মহারায় ও অন্যানা লোপগাৰ ভোকরাজ ভারা আইট হতে ভাকে তাঁকের উপহারসমূহ নিকে অবলোকন করে নিজের মন্তকটি লেখকে পেত মা, নিবেনন করার পার, একটি মাঞ্চে তানের আসন প্রত্ PROPERTY.







ত্রিচভারিংশ অধ্যায়

কুবলয়াপীড় বধ

শ্রীল ওকদেব গোলামী বদলেন—"হে পরতপ, কৃষ্ণ ও বলরাম সকল প্রয়োজনীয় পৌঁচ সম্পাদর করে. अप्राप्तातक पृष्टि विरयंत्र क्षरम वरत, की स्टार सा पर्यत করার জন্য সেখারে গমন করলেন। জীকৃত্ত মাহত্যির প্রদেশহারে উপস্থিত হরে মেশনেন বে, সাহতের প্রয়োচনার কুষপর্যণীড় নামক হন্তী তার পথ কর করছে। তার পরিধের বস্তুকে মৃচভাবে বৈশ্বন করে এবং কৃঞ্চিত অধাকবাশিকে পশ্চাতে একরে আবছ করে প্ৰীকৃষ্ণ সংহতকে উদ্দেশ্য করে মেখগড়ীত বাক্যে यमस्मि---(ह प्राप्तक, प्राप्तक, अपनेष्ट मार्च वाच अपर আমাদের থেন্ডে হাও। ধনি তা বা কর, পার্রাই, অমি তোমাকে এবং ভোগর হাতী, উভরকেই কমালরে প্রেল করে। এইভাবে তিরন্থত হয়ে মুদ্ধ স্কান্ত ভার কালাভক ধ্যসদৃশ কৃষ হাতীকে শ্রীকৃতকে আক্রমণ করার জন্য প্রবিচালিত কয়দ। সেই হস্তীরাক কুংখন দিকে ধারিত হয়ে ভয়ধনতাকে ভার ওঁড় বিরো জঁকে ধারণ করত। কিছ কৃষ্ণ স্থালিও হলে জাকে আবাত করে ভার দৃষ্টির বাইরে ডার পথেলির বাঝে অন্তর্হিত হলেন। 'জনবান কেশবকে দৰ্শনে অসমৰ্থ হয়ে মুখ্য হাতীটি তার ম্বাণেপ্রির কারা ওাকে আধেবণ করতে লাগল। কুবলরাপীড় ভগবানকে পুনরার ভার ওড় দিরে ধরেশ করলে ভংগান নিজেকে কলপূর্বক মুক্ত করকেন। অভ্যাপ্তা শ্রীকৃষ্ণ গরুড় বেমন স্পত্তে আকর্ষণ করে ভেমনি শক্তিশালী কুবদয়োগীড়কে ভার পূচ্ছ ধরে গভবিশেতি ধনুক-গৈওঁ পরিমাল পর্যন্ত টেলে নিয়ে গেলেন। জগবান অচ্যত বৰন হক্টাটির পুত্র ধানে করলেন, তবন পণ্ডটি তাঁকে ধরবার জন্য ডানদিকে কিংলে জ্রীকৃষ্ণ ভাকে বাম দিকে যোৱাদোন এবং ৰখন সে বাম দিকে ফ্রিয়াল, কৃষা ভাকে ভাগ নিকে যোৱালেন। ঠিক যেজা কেন বাচক কোন গোবংসের পুন্দ ধনে ভাকে আকর্ষণ করে নানাদিকে কেরার। কৃষ্ণ ভবন হাতাটির মুবোনুধি হয়ে হাকে চাগভ মেতে থাকিত হলেন। কুবলবাৰীড়

ভগ্নাটের পশ্চাতে ধর্মিত হয়ে বার বার প্রতি প্রত্যাত্ত ঠাকে স্পূৰ্ণ কর্মাখ্য, বিদ্ধ কৃষ্ণ কৌশলে ভাষে ঠোঠা খাইত্রে কৃতলে নিগাড়িত করলেন। কৃষ্ণও সরে ছিলে ক্রীডাছেলে ভূমিতে পতিত হয়েই সংগ্রহন উন্নে প্তলেন। কিন্তু মেন্ধোশত হন্তী কৃষ্ণকে পতিত মনে করে ভার গাঁত দিয়ে তাঁকে বিশ্ব করতে চেষ্টা ভরক, রিছে ভার পরিবর্তে সে ভূমিকে আঘাত করণ। ভার বিশ্রম বার্থ হওরার সেই হওঁরিক কুবলগাপীড় অসহিঞ্ হয়ে উঠক। সাক্ত হারা পরিচালিত হতে লে পুনরয়া ক্ষেত্র বিকে কুন্ধভাবে থাবিক হল। অপবান মধুসুরন আক্রমণোলড হতীর সমুখীন হলেন। এক হাতে তার ওঁত থানাণ করে কৃষ্ণ ভাকে কুণাভিত করবেন। অভ্যানর ম্বপনান শ্রীহরি শক্তিশালী সিংহের মতে সেই হাতিটিতে আক্রমণ করে ভার একটি গাঁত উৎপটিন করে সেটি মিরেই সেই পর ও ভার পালককে বধ করপেন। স্বত হাতীটিকে পরিতাপে করে জীকুকা হাতীর পাঁওটি ধারণ করে মা:-ছলে প্রবেশ করলেন। তার দ্বন্ধে হাতীর গাঁতটি ছালিত, হাতীর রস্ত ও বেদবিন্দু সমূহ তার সমগ্র শরীরে ছড়ানে এবং তার পল্ল-সদৃশ মুবরওলে আপন উদগত খেদবিশু, এরাণ পর্য সৌন্দর্যে শুগবন ভখন লোভিড ছিলেন।"

"হে রাজন, জীবলদের ও প্রীজনার্মন প্রত্যেকেই রুকটি গুরুদন্ত রূপ অন্ন হাতে কডিশয় গোপবাদক পরিবেটিত रह काकीण स्ट वारम करायन। अक्रकीण साम প্রীকৃত্য বৰ্দ তার অপ্রক্র সহ প্রধেন করলেন, তবন ভিন ভিন্ন প্রেশীর মানুবের কাছে তিনি ভিন্ন ভিন্ন ভাবে প্রকাশিত হলেন। মপ্লযোদ্ধানণ জীকে বছের মতে, মধুরার জনসাধারৰ তাঁকে নরপ্রেষ্ঠ মালে, রমনীগেৰ তাঁকে মূর্তিমান কামমাণে, গোপপথ জাকে স্বাধান রূপে, অংনিক, বাজারা উহকে দওগাতা রাখে, উরে লিজ-মাতা উহকে কানের সকলে রূপে, কোজনাক কানের কাছে মৃত্যু রূপে. अक्रवृद्धिमन्नार मानुवरमत्र कारक् संश्रक्षात्तत्र विश्रक्ष पूर्वि

_{নত্ন,} ফোলিসংগর কাছে পরম প্রথমেশে এবং কুর্ফালে। হতে নী, কা ও মহত প্রান্ত করবে। ইার ভোও ব্যাহা xक्षात क्या कृषा विश्व यात अस्य सर्वत सर्वत सर्वत स्टब्स । एक ভাগেরের দর্শন করে কংস অভ্যান্ত উল্লিখ হয়েছিল। করেছেন।" িনিয়া আত্তবদ, মাল্য ও বসনে সন্দিত হলে ডিঙ কো প্রত্যাহার মার্ক্রনিভারতে সীপ্রিমান স্থানে লেডিভ হুড়কো। প্রকৃতপক্ষে, তাদের প্রভার মর্শক মাত্রেই চিত্র तिकिय वरहरिया। एर एक्टम, नश्चवामी क ভলন্ববাদীপৰ ধর্মি মঞ্চ হতে সেই দুই প্রম-লুকুজার্কে অপলক নানে লাকী কর্নছিল। ভালকোজানে ' বিস্ফারিত নরলে ও উৎদুল্ল বদলে তারা ত্রাপ্তিইন ভালে ভণকানছত্ত্তর মুখসুধ্য পান কর্বাহিল। জনসাধারণ ভারেত্র त्यान निरक्ष एकर कृष्ण स्व नेमाराम्यक भारत कराविता, कार्यस्य জিন্তা দিয়ে তাঁদের লেহন কর্নজিন, মাসিকা দিয়ে তাঁদের লান প্রহণ করছিল এবং দুই নাম দিয়ে উপ্তেম আদিকন ट्यक्ति। उपयानवस्ता सन्, ७४, भागूर्व ७ वीतक जगूर পুরুষ করে, ভারা বা নর্লম করেছিল এবং তারা বা প্রাণ কৰেছিল, সেইসৰ একে অপৰকে কৰ্মনা কৰ্মছল—এই নুই থালক নিক্তরট্ জগবান নারায়ণের অংশপ্রকাশ রূপে अहे समार्थ वमुरमारवत्र पुरस् व्यवटीर्व हर्दरास्त्र। हेनि (কৃচ্ছ) মতো দেবকীর গার্ডে রূপ্ত প্রচুণ করেন একং তাঁকে গোদুর্যে আনরেন করে হয়, যেখানে এতাবংকাল ডিনি ওপ্তভাবে অবহুলে করে নক্ষ-মহারাজের গুড়ে বর্ধিত হক্ষিদেন। তিনি পৃতনা ও তৃপবের্ড দানবকে সংহার করেছেন, যমলার্জুন কৃষ্ণ দৃটিকে ভূপাতিত করেছেন এবং শৃষ্ট্ড, কেশী, ধেনুক ও অন্যানা অসুরদের কং व्यवस्था अवर कालिश मान्यक प्रथम कार्यस्था। डिनि বৰ্ণ ও বছপতে হতে গোড়ুলের অভিযাসীনগ্রে রক্ষ বলা হয় বে, ভার পূর্ব সূরকারীনে অনুধলে অভি বিখ্যাত । বৃদ্ধ করে, সেবানে অধশাই কেন্স অধর্য হবে না।"

এই কংলেন্ড্রর জ্রীনগুরার সকল অপ্রাকৃত ঐথার্গ্রে রাপুন, কুনলভাপীডকে মৃত এবং সেই মৃইভাইকে ভনিক্রী। তিনি প্রদাণ, ধংস, কর প্রভৃতি অসুকে বধ

"ক্লমসাধাৰণ স্থল এইকাৰে ৰূপা বলচিল এবং প্রচনাহর বেশালরী অভিযোগের মতের মহালাভ জীপুন্ধ ও নালাসমূদি বাজানো হতিকা, কবন পুন্ধ ও বলবামকে উদ্দেশ্য করে মহযোদ্ধা চাণুর এই কথাওলি পদতে भागाम—एक अभागाता, एक शाय, एटामता मुख्यत वैरेत्रधान হার হ্রায়ুছে সুমিপুধ হলে স্থানিত। স্থোমানের শতিক কথা প্রকা করে রাজা স্বতং তা ল্পনি করতে চেয়ে এলানে ডোমালের আহুমি করেছেন। গ্রন্থাপি, যারা 'ठात्मा कर्म कर्म । बारकार दक्षा तामान विदारना চেষ্টা করে, ভারা নিশ্ভিজনশৈ মালা দাভি করে, বিশ্ব খাল ভা করতে কর্ম, ভারা বিপরীত কম ভোগ করে এটা সর্বঞ্জাত বে, গোপদালকেরা সর্বদা আনন্দিত ভাবে ভাষের গোবংস পালন করে এবং বিভিন্ন বলে যথন ভাগের প্রবা চারণ করে, তথন অগকেরা ক্রীড়াঞ্চপে একে অপরের সঙ্গে মলমুখ করে। সুধেরাং লালা যা **घरिएल का कड़ा याक। एक्ट्रड डाक्टरि नर्वल्ल ब्रह्म**, তাই হত্যেকেই আমাদের প্রতি সন্তুষ্ট হবে। এই কথা শব্দ করে মরাযুদ্ধে লড়তে ইচ্ছুক প্রীকৃষ্ণ স্থান ও কালের উপযুক্ত বাকে। উত্তর প্রদান করে প্রতিহান্তিতাতে বাগত জানালেন। কাবাসী হলেও আমরা ভোপ রামারই প্রকা। আনরা অবলাই ভার আকারণ সপ্তাই করি, কবেশ জা আমাদের জনা পরার অনুগ্রহ স্বরূপ। আৰ্থ্যা বালক মাত্ৰ এবং সম্প্ৰতি সম্প্ৰচনের সঙ্গেই ক্রীড়া করা উচিত। ফারুডের ক্রীড়া ন্যায়সঙ্গত হওয়া बरहरून । दिनि मारानम १८७ (भा ७ (भानभभर स्वयं) । डेकिट सहस्र भानीय मर्गकनुत्वत स्थर्भ न्थर्भ मा दहा ।"

চাণ্ড কাল—"মহাকাশালী তুমি ও কল্যাম লিভও সংগ্ৰহকাৰ এক হাতে পৰ্বত-প্ৰধানকৈ ধানৰ কৰে কলা, ২০ অথবা এফা কি কিলোৱেও নওঃ পেছ পৰ্যন্ত সহস্ৰ হতীন বল সম এক হতাকে তুকি জীড়াজলে বন করেছ। করে ইন্দ্রের অধ্যার মূর করেছেন। গোপীশা তীরে অভঞ্জ ভোষাদের দুরুনেরই উচিত কাশালী যোগাদের লিমাণুল হাস্য ও কটাক্ষুক্ত মুখমণ্ডল অধ্যলোধন করে। সঙ্গে যুদ্ধ করে। মে বৃদ্ধিবংশঞ্জ, যদি ভূতি আমার বিক্রছে আরেশে সকল সন্তাপ অভিক্রম করে পরমানক প্রাপ্ত হন। তেমকা পশ্চিত জার্লন কর করে কার্যার মৃত্যিকের বিক্তম



চতৃশ্চতারিংশ অধ্যায়

কংস বধ

শ্ৰীল ৩কদেৰ গোৰোমী বললেন—"এইভাবে সম্বোধিত হয়ে স্বীকৃষ্ণ প্রতিবন্দিতা গ্রহণ করার জন্য মন ছিল করছেল। তিনি চাণুরুকে এবং শ্রীকারাথ মৃষ্টিককে আত্বান করলোন। পরস্পর পরস্পারের হস্ত ও ব্যবহর मृहक्र्म जानम् कर् विवासिक्शात्र म्रस्त अरक অধ্বতে আকর্ষণ করতে লানলেন। তারে সকলেই নিজ মৃত্তি দারা অপরের মৃত্তিতে, নিজ জানু দারা গ্রাডিপছেন জানুকে, মন্তকের বিরুদ্ধে মন্তক এবং বক্ষয়দের ছাল বক্ষভূলকে আৰাও করছিলে। প্রচ্যেক ব্যেগ্রাই তাঁও হাতিপক্ষের বিরুদ্ধে পরিভারণ, বিকেপ, পরিবন্ধণ, অধ্যক্ষেণ, উৎসর্পণ ও অগসর্পণ ক্রিয়া হারা প্রতিয়শ্বিতা কংকিলেন। জায়ী ছওয়ার অভ্যন্ত আহাছে জারা, লেখারা ক্ষাপুৰ্বক উত্থাপন, উন্নয়ন, চালন এবং স্থাপন বাধা তামেব নিজ লিজ দেহেরও **ফ**ডি করছিলেন।"

ূহে রাজন, উপস্থিত সকল রমন্শাণ, ঐ মাহসুদ্ধকে সবল ও দুর্বলের অনৈতিক বৃদ্ধ বিবেচনা করে জত্যন্ত উবিশ্ব অনুভব করলেন। জাবা হলস্থানের চারদিকে মলবন্ধভাবে সমবেও ছিলেন এক একে অলগ্রকে কাতে गानत्त्वर-न्याहाः भी यहा चन्नदर्यत्र कर्य क्षेष्टे शक সভাসদের করছে। যেহেতু রাজ এই দুর্বল ও সবলের মধ্যে লড়াই বর্ণম করছে, তাই ভারাও ভা দেখতে চাইছে। পুই পেশালার মামবোদ্ধা, কালের বছাসম কঠিন অস এবং প্রকাও পর্বশুস্থা মেছ, ভাদের সঙ্গে এই মুই ক্ষণরিণত অত্যন্ত সুক্রেমন অক্ষের বালকের কি তুলনা করা বেতে পারেঃ এই সমাবেশে ধর্ম নীকি নিশ্চয়ই ভঙ্গ কর হয়েছে। তেখানে অবর্ম বৃত্তিপ্রাপ্ত হরেছ, তেমন স্থানে কারও এক মৃত্তিও খানা উচিত নাঃ বিজ ব্যক্তি यनि कानरक भारतन था, जनजाजभ राजवादन चार्नाकेक कर्य করছে, ভবে ভেমন সমাধ্যে ডিনি প্রবেশ করছেন না। আৰু বদি প্ৰবেশন্ত করেন, যদি ভিন্নি সভ্য-ভারণে বার্থ इन, भिष्ठा अथा कथता त्रारे मचरक निरामन सकारा প্রকাশ করেন, সবে তিনি জবলাই পাল-ভাগী হন।

চাংগিকে তার শক্তব্যবিত কৃত্তের মুখপদ্ববানি লেখা প্রমাণ বৃদ্ধের বারা সেই মুখমণ্ডল রেন বিন্তুতে আছের হয়েছে জে লিশিরে আফালিড একটি পর। ভোষক কি মৃষ্টিকের প্রতি মেণ্ডবর্শক তালভাবাপর নয়নমূপল मर्थाक्य (माटारकेन्यती दलतारमंत्र शामायरा मुख्यकक छ টার ক্ষুম্রাতা বর্ণন করছ নাং ব্রক্তুমি কত না বনা, কারণ সেখানে যানৰ দেইের হত্তবেশে আদিপ্রত গরমেশ্বর ভগবান বিচারণ করেন, তার বছ দীলানিত প্রকাশ করেন। সেবানে তিনি আপুর্ব কনমাবার খোডিত হল এখা ওার পদশ্বর দেকদিশের পির ও দেবী রমানারা পুজিত হয়। কেবলে তিনি কারমে সহযোগে পো-চারব করতে **ত**রতে তার কেবু-ব্যান করেন।"

"আহা। প্রস্তার্গালকার কী ক্রপায় করেছে। 🗟 क्षेत्रर्ग । रागभङ्ग्य अकार कार्यक, भूगांस, प्रधानिक, অসমোধা সমস্ত সৌন্দর্যের সারস্করণ, এই শ্রীকৃন্দের মুখকমনের অমৃত ভারা উদের নরন হয়ে নির্ভাৱ পান কবেন। নাবীপ্রবের মধ্যে ইজনাবীগণ অভাত সৌভাগ্যসম্পন্না, কারণ তারা সকল সহতেই কৃষ্ণাব্যক্তিয়া মাৰে কৃষ্ণ-লোহৰ, শদ্য মাডাই, মাৰন মনুন, জ্বানির জনা গোবর সংগ্রহ, দোলাজোলন, ক্রন্সরত শিশুর বন্ধ, মাঠে জলকেন, প্রমার্জন ইত্যাদি সর্বকর্মে আঞ্চাসিক্ত কটে অন্তব্যক্ত শীকৃষ্ণেক্ষ পান করে বংকেন। জিদের এই প্রম কুষ্ণভারনা হেড় ভারা স্বাভ্যবিকভাবেই সকল ক্রান্সিত বস্তু প্রাপ্ত হরে পাবেন। প্রভান্তে জারু গাড়ীসহ করু ছতে নির্থমন কালে এবং সূৰ্বাতে একে প্ৰভাৰতন সময়ে কৃষ্ণ যখন খেপুৰাদন করেন, গোপীগণ আ প্রবদ করে সম্বর জাঁকে দর্শন করন बना जातम्ब शृष्ट हर्छ (यह हरत धारमन्। शर्ध বিচরণকালে তাঁকের প্রতি কুমেনে সহানা কুপানত দৃষ্টিপাতযুক্ত মুখমগুল দর্শন করতে সমর্থ এই পোপীসা শিক্তরই অনেক পুণাকর্য সম্পানন করেছিলেন 🖰

"হে ভরতক্লোভয়, ব্রুফীগণ এইভাবে বলভে

escor যোগেশর ক্রীকৃষ্ণ করে শঞ্জে বধ করতে ফ্রাছিল। পশ্ন করে আমানিক রয়েশিকেন। স্থানিক্ত রাজার ও রহকেন। তাদের পিতা-হাতা (কেবটা ও অনুদের) হরনীপাণত সভায় বাবা কবে করে পূত্র হোছে শ্রেকাচুর ছতে উঠলেন। তাঁবা লোকার জ্যাছিলেন, কারণ তাঁকের প্রবাদ্যার ও মৃতিকও সুলিপুগভাবে প্রীকৃষ্ণ ও তাঁত इंडिनएकत यह वर्षे अन्तरेकांत कारक व्यागुरक्त की नन প্রদর্শন করে পরশ্পর বৃদ্ধ করেছিলেন। ভগবানের করে ব্যবা ব্যাপাতের নাম কঠেন গুছারে চাণ্ডের সরীত্তর প্ৰতিটি অংশ বেন চূৰ্ণ হতে নাসল এক ক্ৰমণ অধিকতন ব্যাপার কাতর হরে সে ক্রান্ত হরে পড়েল। আহংপার চাপুর ভাৰন ৰাসুদৈৰকে শেষ পঞ্চীৰ ন্যায় সংবদে আক্ৰয়ণ করে থার বৃষ্ট মৃষ্টি নিয়ে ভগনানের ককাছনে আকাণ্ড হরল। বানধ্যে শক্তিশালী আহতেও ভগধান সালা বার আমাত প্রান্ত হস্তীর ন্যাত্র অবিচলিত ভাবে চাশুক্রে কবার হালা করে বেশ করেকবার চতুর্লিকে মুরপাক ৰাইতে হতাে ভূওলে আজড় নিছে কেলাগেন। খুলিড ব**ছ**, কেন ও জন্য সম্পতি ইক্সবাধ্য চাপুর ইক্স-কাজের নয়ত্ত ভূপতিত হরে প্রাণত্যাল করম। তেমনই মৃত্তিকও ঐবসকরতে তাম মৃতি ভারা ভাষাত করার পর ক্য হরেছিল। পরিচলালী ভরবানের করতল বারা প্রচণ্ড আমাত উল্লেখ্য সেই ব্যৱসাধ মূর্য পরীয়ে মন্ত্রপায় কম্পিত হরে রক্ত কমন করতে করতে প্রাণ্ডীন হরে ঝঞ্জাহত বৃক্তের ন্যার ভূতালে পতিত হক্তে"

"দে রাজন, এরপর বোভারোষ্ট কারাম মুভার্থে সমাগত কুট নামত মহাবোদ্ধাকে অবলীলাক্রকে অবজ্ঞার ৰঙে ঠার বাৰ মৃত্তির জারা বাং করেছিলেন। অভ্যাপর কৃষ্ণ ব্যস্তা শাসকে ভার মন্তব্যে তার পদাগ্রভাগ দাবা আহাত করে বিয়তিও করলেন। ওগধান একইভাবে ভোকাকেও আগত করলে উভব মন্নাকেনাই প্রালহীন হতে শতিত হল চাগুর, মৃষ্টিক, কুট, শল এবং তোশন निश्च शता व्यवनिष्ठ अञ्चलकाता नकलाई जातात कीवन রকার্যে প্রায়ন করক। অভ্যাপর কৃষ্ণ ও ব্লরাস সমবরত প্রেপবালক স্বাধের আহ্নন করে উচ্চের সঙ্গে নিলিত হয়ে সৃত্য ও ক্রীড়া করলেন, আর তথন তাদেন নৃপুৰ অনিত ৰাদ্যখনেৰ মতেন কনিত ছবিলে। কংস

नार् भदाशामम् 'तातृ: मत्तृ' वरम् हिस्टाद करवस्तितनः।"

"ভোকরত ভার সকল শ্রেট মহযোগারার হ'ও অথবা পলাতর হরেছে কর্পন করে, ভার আনক্ষের উদ্ধা খানারত পুরুষ্টের পঞ্জি সম্বর্ধ তার। অবগত ছিলেন মাঃ স্থিতাদি বছ করার নির্দেশ প্রদান করে এই কথাওলি कार्ड भावन । कार्यास्था पूरे मुक्त नुक्रक असी (धर्क বহিষ্যার কর। গোপদধ্যে সম্পত্তি ক্রেক্টের কর এবং দুৰ্যতি দক্ষকে প্ৰেক্তার কর। ঐ দুৰ্যুদ্ধিসাপান দুৰ্জন বৰ্ণেৰকৈ হত। কৰ। আৰু শক্তৰে পকাকোৰী আমার লিতা উপ্তেমকেও ভার অনুগামীসহ হতর বর। কংস এইটাবে মাবা প্রকাশ করণ্ডে থাকলে অনুসত ভগরান কৃষ্ণা পাতার কৃষ্ণ ইয়ে ফত এবং সহক্রেই উচ্চ প্রক্রমকোপরে লাক দিয়ে আরোকে করদেন। মৃতিমাণ মৃত্যুরাকে গ্রীকৃষ্ণকে অলেখন করতে সেখে, বৃদ্ধিয়ান কলে তার আদন থেকে উঠে ভার ভারবারি ও চাল প্রহণ করল। করবারি হাতে কলে আকাশে উড়ক শ্রেন পানীর ন্যায় ৪-ত একদিক কেনে জন্মতিকে ত্ৰমণ কাতে অৰ্থনে গুলেহ বঁত তেজাশালী ভাষকা কৃষ্ণ ভাষ্পাপুত্র (গভড়) বেভাবে সৰ্গকে ধানে কলে সেইজাৰে কাণ্ডিক সেই অস্থাকে ধরিণ করবেন। ভার মুকুট কেলে মিরে কেল ভারতর্গ করে ভাগনে পর্যাক্ত তাকে উচ্চ মঞ্চ থেকে ব্যৱস্থীকা যকে নিকেশ কাজেন। অতংগর খতরগুরুব, নিবিল বন্দাতের ধারত স্ববং ভার উপরে পতিও হলেন। বেভাবে এক সিংহ স্বত-ক্তীকৈ আকর্ষণ করে, উপস্থিত প্রত্যেক পর্যক্ষের সমক্ষের ভারতার উপলের স্থানের স্থানের সেইভাবে ভৃতকে আকর্ষণ করলেন। তে ভাকন, ফাইনের সকল মানুবের তথন ভূমুল উক্তেখ্যে হা ব্য রুব করে উঠাল। ভাগবাল তাকে বাধ কাজকে এই ভাকেরে কংস সর্বদা বিরত জকত। তাই গান, ভোজন, এয়শ, ৰথ যা কেবলমাত্ৰ খাসগ্ৰহণ সময়েও বাজা নিব্ৰস্ত চক্রধারী ভগরনকে ভার সম্পুর্ণে দর্শন করত। আর এইভাবে কৰে জগবানের জগবং রাগ নাতের মূর্লভ আশীর্বাদ অর্জন করেছিল। কছ ও ন্যান্ত্রোধকের নেভূত্তে ক্রন্থে আট কমিষ্ঠ ভ্রান্তা ভখন অভ্যন্ত কুবা হয়ে ভাগের বাঙার মৃত্যুর প্রতিলোধ প্রহণের জন্য ভগবানহয়কে আক্রমণ করন। ভগবালয়দের প্রতি অভিবেশে সভ্যান্ত, আয়াতোদ্যও তাদেব, তেহিশীনন্দন ডাব দল ছারা, ঠিক

ক্ষেত্ৰ কোন সিংহ সহজেই জনালা প্ৰাণীকে হ'চ্চা করে, কেইভাবে বৰ কল্লেন। ভাৰা আকাশে দুশুভি ধানিত इस. कनदात्वर सामधकान हका, निरु ध खनाना দেবতাপ্রণ আনক্ষে তার উপর পুষ্প বর্গণ করতে করতে ক্রম প্রতি কীঠন করছিলেন এবং ভালের পর্যাগণ নতা কর্মান্তরেন (**

িছে ব্যক্তম, তথ্য কংস ও তার আত্তরর্গের পত্নীগণ প্রায়ের ওক্তারাগালী সামীকের মৃত্যুতে অত্যন্ত শোকার্ত হলে অপ্রপূর্ণ নয়নে ভালের মন্তর্কে আখাত করতে উরতে সেবারে আগ্রেম করল। বীরের করিম শ্বার শারিত ক্রানের স্থামীরের আলিকর করে ব্রীগল অন্থরত আঞ বিসক্তন সহকারে উচ্চেম্বেরে বিধান করতে জাগদ—হায়, হে প্ৰস্তু, হে প্ৰিয়, হে ধৰ্মজ, হে কক্সনাথ, ডুমি নিহত হওলার, আমরাও গৃহ ও সতানাদি সহ একটো দিবত হলাম। তে পরুবারের, আহাতের মধ্যে এই নারীও উপ্ল শতির বিরাহ উৎসং-মঙ্গল-পুনারবাদ শোভারীন হয়েছে।

হে প্রিয়, ভূমি দিরপরার প্রদৌধের উপর ওয়ন্তর অভ্যতিক করেছ মলেই আৰু তোমার এই কণা হলঃ অপানের অনিউকারীর কিড়াবে সৃথ পাত ২তে পারে? শ্রিকুমট এই জগতের সকল জীবের উৎপত্তি ও সারের কারণ এক ভিনিষ্ট সকলের পালক। বে তাঁকে অবজ্ঞা করে । কৰনই মহল লাভ কাতে পারে না।"

প্রীল ওকনের গোতারী বললেল—"রাজল্ডীগুলতে সাতৃত্য প্রথমে করে নিবিল কোকপাশক ভগবান শ্রীকৃষ্ণ নারোক অন্তোষ্টিরিন্টা সম্পাদনের আন্মোরন করলেন। অতঃপর কৃষা ও ব্যবহার তাদের মাতা ও পিতাতে বন্ধনমূক্ত করে তাঁকের চরণে মকক শ্রার্শ করে প্রধান নিবেদন করকেন। তালের প্রগতি নিবেদনকারী পুরু পর কৃষ্ণ ও ব্যৱসাহক একা ক্ষণদীশার লাগে কান্যত হতে দেবকী ও বস্থানে কাজেনে হতায়মান রইলের। **স্থা**তিত হত্তে আগিঙ্গন করতে পার্কেন না।"

পঞ্চত্যরিংশ অধ্যয়ে

শ্রীকৃষ্ণ তাঁর গুরুপুত্রকে উদ্ধার করলেন

শ্রীল ভকরের পোসমৌ কাংকেন—"তাম চিন্দা ঐশ্বর্য সম্বন্ধে উন্নে পিজ-মান্ত সচেত্ৰ ধ্যোজেন হানফাৰ কৰে। পরন পুরুষোত্তম ভগবান স্থাব্যক্তন, এটি হতে দেওয়া উচিত নৱ। ভাই তার ভাততের মোহিত করে তার ছে বোগহায়া তিনি উল্টে বিস্তার করলেন। সারতভেষ্ঠ ভগৰান আঁকুঞ্চ উরু ভোগ্ন ব্রাতান সংগ একরে উরে পিতা-মতের করে থেলেন। বিনম্রভাবে মাধ্য নিচু করে তাঁশের 'য়ে মাতা', ১৮ পিতা' বলে সভাছ সম্ভাছপের याबार्य 👫 कार्ड माधरमा—८६ निया, यानमि त माठा (वर्दा) भक्त मनस्य काननास्त्र पृष्टे पुतः, আমানের জনা উহিপ্ত থাকতেন আর ভাই কথনও অন্যানের বাল্য, পৌণ্ডে ও কৈলের উলপ্রের করন্তে

পারেননি। অধিকাপে নিও ভাদের পিড়া-ফ্রডার গৃহে য উপত্তোগ করে, গৈব বিক্তমার করে, আনরা আপনার স্কে থাৰ কাটেড না পোৱে সেই খ্যানহ্ৰ ও সূৰ উপজ্যো কাতে লাবিনি। জীবনের সকল উচ্চেল্য সাংক এই মেহতিকৈ শিশু-মাতাই ৰূপা সেন ও মাধুন কডেন। স্বাই, শত বর্ষ পরমার পর্যন্ত উংগের সেধা করলেও মন্ত্র ঠানের কণ শেষ করতে পারে না। সমর্থ হরেও বে পুত্র দেহ ও ধন হারা তার লিভা-মাতার জীবিকা প্রদান করে মা, তার ফুডার নার পর্বেশাকে ব্যবস্থের ভার নিজ মানে ভাষণে কথা কৰে। যে সমৰ্থ মনুধ ভাগ 👎 निरा-महा, माधी <u>जै, निर्व मक्त</u> य एक्ट्राय**्न** नागन করে সা. অংবা ব্রাহ্মণ ও আন্তিভয়সকৈ অংশা করে.

লে জনিত হলেও মৃতক বিবৈতিও হয়। আহাতের মল কংকের ভারে সর্বন উদ্ভিগ্ন থাকার ক্লা আপনাদের क्षाह्याचार्वात्व **मन्द्रा**म श्रम्भन कत्वत्व स्वाधना सम्प्रार्थ ছিলান আর এই ডাবে আগ্রন্তের ঐ সমস্ত নিমণ্ডলি কৃপাই নত করেছি। মে লিভা, হে ফাগ্র, আগরালের ভঞারা कराइ वा भागांत क्षम कहा करा कामास्त्र करा कहा। আমলা পরাধীন হতে লটেছি এবং গুরামা কংসের স্থাবা অতিশয় উৎপীডিত।"

জ্ঞিল প্ৰকাষৰ লোক্ষমী কল্পেন—"এইভাবে নিজ অন্তরমা শক্তি যারা মানকেশে আবির্ভুত, নিক-পরমাধা, ভন্তন জীহরির কথায় নোহিত উন্ন পিত্য-সাধ্যে আন্তংশ বাকে এমড়ে তুলে নিয়ে অঞ্জিন্তন কালেন। ভগবানেয় ট্রণর অপ্রথারা বর্বদ করতে করতে স্লেহপাশে আবছ তীর পিতা-মাতা কথা কলতে পারলেন না। যে ব্যক্তন, ব্ৰালাকৰ কঠে তাঁৱা বিৰোহিত হয়েছিলেন। দেবনীনকৰ ন্তুল জাবিষ্ঠত পরমেশৰ ওপকান এইভাবে ভার লিভা-নাতাকৈ আৰম্ভ করে ওঁয়ে যাতামত্ উইলেনকে বনুগলের বাজা করলেন।^ম

क्षणयाम कारक कमाराज-"द्ध मकाराज्य, व्यापना আপনার এক, ভাই আহমের আমেশ করন। প্রকৃতলকে, বৰ্ডির অভিশাদের কলে কোন বৰ্ট রাজ নিংহানরে উপক্ষেত্র করতে পারের বা। আগনার পার্বসাল্যে মধ্যে আপনার ব্যক্তিগত সেবক রাগে আয়ি উপস্থিত কাংলে, সকল সেবটা ও অধ্যাস কলে ব্যক্তিয়াও অধ্যাও মধ্যতে আগমন করে আগনাকে উপহার গ্রদান করবে। নাপতিগণের কথা আর বলম কি আছে? ভাগান অভ্যাপর কংগভারে পদারনকারী তার নিকট জাতি 🖜 জন্যান্য আধীয়বৰ্গকে বিভিন্ন স্থান থেকে কিরিকে व्यक्तरमा । अवाम नीव्हित व्यु. दृष्टि, व्यवस्, प्रथु, सामाई, টুকুর ও জন্যান। বংশকখণ্ডে স্সক্ষানে প্রহণ করে অক্তর্ত কর্মেন। মনুম্বাচকার উপায়ার প্রদান করে উম্বেহ ত্রীতি উৎপাদন করে বিশ্বকর্তা ভববান কৃষ্ণা ভালের নিয়া निव गृहर भूनर्वामित कारमन। ख्रीकृषा च ख्रीमरकर्वापर কৰ বাসা পনিবল্ডিত এইসকল বংশের সন্সোধা অনুভৰ कंतरता (व, कैरश्व चाकाकाकावि भूव शरहास्। **েইভাবে তাঁদের পরিকর মহ দৃহে খান করার নময়ে** कीला पूर्वमूच क्रमहरूमस क्रमहरूमा। कृष्ण ७ क्रमहरूमा

উপস্থিতিৰ কলে তাঁবা কখনও জাবতিক সম্ভাগ স্কুৱে পাঁড়িত ফুলি। ছতিনিই এই সকল ছেমন্ত্ৰী ভ্ৰতণাৰ মুদুশের সুকর কুপারর ইবং হান্য গোডিত চিং আনশ্যর মুৰ্গাল স্থান করতেন। স্থারীর বৃদ্ধ অধিবাদীরাও ভাঁনের মৃ'চোম ভবে অবিবত ভগবান हुनुस्मित हुभनम् मुक्षा भाग भरत राम से Gu;न्तानी ভক্তভাব লাভ করেছিলেন। এরখন, হে রাজেএ পঠীকিং, দেবতীনকা ক্রম্বন প্রীকৃত্য, প্রীকানায়ের সংগ নক মহাবাদ্যের কারে গেকেন। ভগ্নানকর **ই**গতে অলিন্ন করে, উর উক্তেপ ক্রানেন—কে লিন্তা, আপনি के असनी करनामा इसके मिरत आसरायन करनक वरण শাসন পালন করেছেন। বাহুলিকই মাতা-লিভা ঠানের निस् कीरामक करतन कारमच जजनरक दर्शन ভালবালেন) ভবৰ গোষণে অসম্বৰ্ধ হতে আধীনকের ভারা গরিত্যক শিবকে বারা নিজের সন্ত্যুকা মহে এতিশাসন্ করেন, উন্নাই প্রকৃত নিতা-মাধ্য। হে শিখ্য, থকা আপনানের সকলের হয়ে কিরে বাওরা ইণ্ডিত। আপনায় সূচানগের কিছু সুধ বিধান করার পর বত খাঁত্র मध्य चात्रासङ विद्यार देविथ चात्रारण्ड कार्डामर्स्स, আপনালের দর্শন কয়তে জামরা আনব। এইভারে রশ মধ্যেকে ও ক্রকের জন্মন্য মানুবদের সাক্ষার প্রদান করে প্রক্রেক্স ভাগরন অভ্যুত উল্লের বাছ, ফলকার, বৃহস্থানী বাসনপজনি উপহার অসমের মাধ্যকে সাক্ষালিত করলেন। कृरकार्थ वाकानमृह स्थाप करत सक भवातास स्थार्थ অভিভূত হয়ে উঠনে আর ভগবনবয়কে জালিকৰ করার সমস্ত জাত নেত্রছত্ত ক্ষমেপূর্ব হরে উচ্চে। স্বাচ্চঃপঞ্ গোপদাৰ সহ তিনি ইছে প্ৰতাপাইন কথালে।"

'হে সাজন, তথন প্ৰচেমনের পুরা বস্কার, একারত প্রোহিও ও অন্যান্য প্রাক্তবদের বারা উল্লেখুই প্রের উপনরন সংকার সম্পাদনের আয়োক্তন করলের : সেই সংক্ষ প্রাক্ষণ্ডরে, সুমার থালভার এবং সুমার অধ্যতারে বিভূবিত বংসানহ স্মতীলের জনাম ও পৃথার করার যাবদের বদুলের তাদের সম্মান প্রদর্শন করলেন। এই সমস্ত নাড়ীরা সোনার কটহার এবং রেখনী বন্ধ পরিধান করেছিল। কুবা ত বল্ডারের **ভাষা উপল্জে ম**হামতি रम्दान महान प्रदेश हम आसीरहान शामान करडीन्सकान, करण (नदे नमक क्षाची सनावधार्थ दत्रथं कटादिल। (नदे

কথা স্থাৰণ করে বসুমেৰ একণ ভালেৰ উদ্ধান করে জন করকেন। সংখ্যারের স্নাধানে বিজ্ঞা প্রাপ্ত হবরে পর, ঐক্যান্তিক প্রতথারী জগবানহত, বনুকুলাচার্য পর্যান্তির আছ (भट्टक इन्कार्टरवेंच क्रज श्राप्त्य कर्नाट्स्टर)

শিক্ষা আনুহর উৎস-করল সেই সর্বতা জগদীশারের মন্দোতিত আগবংশর দারা উদ্দেহ সহজাত পূর্ণজান পোপন করে এরপর গুরুক্তে বাশের ভাকাশন্ধ করে খ্যনত্তীপুরবাসী, কাশীদেশকাড সাধীপদি ঘুনির কাছে গমন করলেন। অভ্যন্ত আঞ্চল্ডিকভাবে প্রাপ্ত এই দৃষ্ট আৰু-সংবহী শিষ্য সম্পর্কে সাধীপনি মুনি বত্যে উচ্চ-ভাগ পোৰুৰ ক্য়তেন। স্বয়ং ভগৰানকৈ ভালিনালোৰে ক্ষেত্র করের মতের উল্পেব্যার ক্ষেত্র করে, কর্জনেককে কিন্তাৰে সেৱা করতে হয়, এই বিবাহে তারা কন্যদের কাছে অভিশানীয় দৃষ্টাব্য প্রদর্শন করলেন। সেই বিকর্ম ৩ক সালীশমি তাঁদের অনুগও আচরংশ সন্তুট হতে উল্থয় সমগ্র কো, বেলার ও উপনিবস সমূহ উপলেশ প্রদান করনেন। তিনি উল্লেখ্য অভান্ত গুড় অংশ সহ ধনর্কের ধর্মনান্ত, মীমানো প্রদালী, দর্শনগত ভর্কবিন্যা ও হয় সকলে রাজনীতিরও শিক্ষা প্রদান করলেন। *ত*ে हाराम, (मेरे ज़ंदर (अर्ड कृष्ट ७ काराम, रोज स्मर সকল প্রকার আনের আদি উদ্পান্তা হওয়ার প্রতিটি विराजन थान्या अकवात भारत जन्म करवेरे छश्यभार स्मेरे থিয়রসমূহ আর্থা কর্মানের। এইভাবে টোবট্টি আহারতে ভারা একাগ্রচিতে টোবট্টি প্রকার কলা-বিন্দা লিকা কংলেন। এরপর হে রাজন, তাঁদের জন্মনতকে ওক-দক্ষিণা নিবেদনের দারা ভারা সভাই করবেন। তে ব্যৱস্থা সেই প্রাক্তণ গণিত সাধীপদি ভগগদেরয়ের মহিষা ও অপ্তত ওপদেশী এবং তামের অভি-মানবীর বৃদ্ধি-মতা বিবেচন শুপ্রধান। ভারতর ভার পত্নীয় সঙ্গে পরামর্শ করে তার দক্ষিণা স্বরূপ প্রভাগ সমূহে মৃত তার নিজ পুত্রকে কিয়ে পেরে মনত্ব করলেন। সেই দুই অসীয় পরাক্রমশালী মহারথী ভিগাল্প উত্তর প্রদান করে। তথ্যসন্থাৰ জীলের বৈধে আধ্যেত্রণ করে প্রভালের উদ্দেশে প্রমান করপেন। তাঁবা বরুন সেই স্থানে উপস্থিত হলেন ভাৰৰ ভাষা সমূহতটে বিচরণ করে উপবেশম করলেন। সমূদ্র বিভ্রন্থ তংক্ষণাথ, উন্নেখ্য পর্যমেশ্যর ভাগুনান বলে ভিনতত পোরে অকার্যাদি সঙ্গে নিয়ে তাঁলের কার্ছ এল।"

ভগনান নীকৃষ্ণ সমূত্রে অধিপতির উল্লেশ কালেন "যাকে শুমি তোৰাৰ মহাত্ৰক শাখা অপচনৰ কৰেছ আমার চক্রত কেই পুরবে এখনি উপস্থাপিত কর।"

সমস্ত উত্তৰ বিজ—"প্লে জনবান কৃষ্ণা, আমি আৰু অপহরণ করিনি, একটি শহরুর রূপ ধারণভারী প্রভান নামে থিতির বংগের এক জলচারী নৈতা ভাবে ভারত কারছে: নিশ্ববই সমুপ্ত বলগা, সেই গৈড়া তাতে অধ্যয়ৰ কৰেছে। এই কৰা কৰা কৰে ভগৰাৰ প্ৰীক্ষা সমূদ্রে প্রবেশ করে গঞ্চামকে পেরে জাকে বধ করেছে। কিন্তু লৈতের উদরের মধ্যে কলকভিকে ভগরের পেরের না - কুলবান কনাৰ্থম দৈতোৱা শেহ মধ্যে কান্ত শাছ ক্ৰম করে রখে কিরে এদেন। ভারপর তিনি হভামের यमतारस्य क्रिय तालधानी जरवसतीत स्टब्स्ट हाता করকেন। শ্রীকারাম নহ সেখানে উপস্থিত হয়ে ভিত্র তার শত্রে লোৱে মৃৎকার করকোন এবং মহারাজ বিটা ধ্বকৌর্ভে নিম্ভূপে ধ্যুখন, যিনি সেই ভর্মানিত 📾 প্রবাদ করে মানুই অংগমন করেলন। করেলে, কিন্তুভকারে খতন্ত্র ভর্তিসহখারে সেই দুই জাবানকৈ পুরা করনে। এবং ভারপর তিনি সর্বস্থাতের জনতে বিরাজমান ভগরত কল্পের উদ্দেশে বন্ধলেন—হে ভগবান বিশ্বুৎ সংগ্রহণ সন্যালণে ঐতিহাত আপনার ও শ্রীক্ষরায়ের জন্য আরি কি করতে খারি ***

পর্মেশ্বর ভাগবান বল্যাসন—"পূর্ব কর্মের লাগও-বছর ভোগ করার ভাষা আমার শুক্তাবের পুত্রকৈ এগানে ভোষার কাছে আনা ইবৈছে। হে মহারাজ, আমার অনুদেশ পাণাৰ কৰা এখা আনতিবিদাৰে দেই কালততে অফার কাছে নিয়ে এগা।"

ব্যব্যক্ত ব্যৱস্থান, " 'ভথাস্থা', এবং ওয়ার পুরকে নিয়ে এবেন। ভবন সেই দুই পর্য উর্থ খনু ভারের ৩খনেবের কাছে সেই বালকভে উপস্থিত করলেন এক क्षेत्रक कल्टलान, "भग्ना कटर कामा खात अकडि का निकेन्य

क्रम्पन नम्मान्य--"हरू वरम, ह्वामडी मूर्चन ওঞ্চনেকের প্রতি শিব্যের কৃতক্রতাজনিক বন্দিশা প্রদান जन्मुर्व करतक। वंद्रक एक्षप्रायम करता लिया गंध, त्रारे ওরার আর 🏟 জাকাশ্যা প্রকৃতে গারে? 💢 বীরুষ্ট এখন পুতে প্রত্যাবর্তন কর ে তোনাদেশ কীর্তি পৃথিবীকে

প্ৰতিপ্ৰ প্ৰকৃত প্ৰথম টিভ জন্ম ও পৰ জন্ম ডিডেন্টেন্ড প্ৰতিম ভালপ্ৰিয়ে পৰা কৃষ্ণ ও বালনামকে কৰ্মন কল্ম है। इस्त इमारशहीत स्त्रीय ज्ञान क राहरूरा इस्त रहा इराम स्टाप्टर स्टारिका" बारतावन कात काराव्य भारतीर्थ चटार्टिय काराव्यः

প্রাপনে বৈদিন্ত হল্প স্কল ভিত মতুন প্রাপুন। এই চালে তাপে সকল নাগরিক অনেকিত হল। মান্ত সম্পান পুনতার প্রভাগর্তকার জন্য গুরুত অনুমতি লাভ করে প্রথমন্ত্রত পাত করার পর যেতকল অনুভব ইয়া, জনগুল ঠিক



ষট্চতারিংশ অধ্যায়

উদ্ধবের বৃন্দাবনে আগমন

ঐল ওক্ষেত গোখামী বল্লেন∼-প্রুম বৃদ্ধিমন্তাসম্পন্ন উদ্ধৰ ছিলেন বৃদ্ধিবংশের শ্রেষ্ঠ পরামর্শনাতা স্কগরান কৃষ্ণের শ্রির স্থা একা বৃহস্পতির সাকাং শিব্য। ভগবন হয়ি, বিনি *উবি* সকল দ্রবাদতজনের দৃঃখ খ্র করেন তিনি একবার ঠার পুণভক্ত ও প্রিয়ভয় বন্ধ উদ্ধানন হাত ধানে করে তাঁকে বলতে লাগদেন—হে মৌখ্য উদ্ধৰ, ইজে গমন করে আন্তর্থনে পিতা-মাতাকে জানক প্রদান কর, এবং জানাব বিরহে কাতর গোপীদান্তেও আমার বার্চা প্রদান করে ভাষের মনস্তাপ নিরম্বন কব। এই স্বকল লোলীনানের মন সর্বদ্য আমাতে মগ্র এবং ভাদের ক্রীকে আমাতে চিক-উৎস্পীকৃত আমার কন্য তাদের এই জীবনে মৈহিক, ব্ৰহিক সকল সুগই, এমনকি পরবর্তী জীবনে একল সুখ লাভ কৰাৰ জনা প্ৰয়োজনীয় ধৰ্মীত কুওঁবাও ভাষা লবিতমণ করেছে। আমিই এলমার জনের প্রিয়তম প্রিয় क्षेत्र विक्षासम्बद्ध जाएम्ब जाएमकान्। मुख्यार मक्स অনকার তানের তরণ পোষদেব ভার আমিই প্রহণ করি। হে প্রিয় উচ্চর স্বোঞ্চলের এই রমণীপ্রপের কাছে স্বামি লগৰ মেহাম্পন। ভাই উন্য হৰুত্ত দূৱে অবস্থিত আমাজে ক্ষরণ করে, তথন বিহতের উৎলটায় তাঁরা বিহুল হয়ে ওঠে। কেবলয়ত্র আমি তাদের কছে প্রত্যাপমনেত্র প্রতিক্রতি দিহেছিলাম বলেই আমার প্রতি দুর্গকলে উৎস্থীকৃত পোপীদশ তোনরকমে ডামের জীবন ধানগ কলত জন্য সংগ্রাম করছে।"

ঐল ওভাগের থোকারী বললেন—"হে রাজন, জন্মন এই তানে কালে উত্তৰ সাগৰে তাঁৰ প্ৰভুৱ কঠা प्रथम करते हीत अर्थ आस्त्रारम कर्मानन क्रेयर अन ত্রসায়ের গোকুলের উদেশে বাতা করণেন। *বিক* বতন সূৰ্ব ভাক বাজিল, জাগাৰাল উচ্চৰ প্ৰথম মন্দ্ৰ মহাবাজেই গোঠে পৌছলেন এবং কর্মে প্রকৃত্য প্রভাগরতে ভারেত পুরের উপিত ধুলিয়ের, ঠার রথ জনকো অতিক্রাপ্ত রুরেছিল। অভুমতী গাড়ীদেব কলা বৃদ্ধালির পাকাশাহিত লড়াইবের শক্তে, নিজ নিজ বংসাদের পেথনে কুলড়ারে ধাৰতার বাউাদের হাসা রবে, ওর ব্ধসনের ইক্ষয়ত সম্ভাগন ও বো-সেহনের দলে, তাগের ফলুর্ব অস্ত্ত আক্তন্ত প্ৰামখানী যায়া সুলোভিত কৰ্মাখন, সেই প্ৰেপ ত বোলীগনের কৃষ্ণ ও বাচনামের পনিত্র ক্রীতিগান সক বেশ্বামনের উপ্ত নিনাকে, গোক্লের চতুনিক অনুস্থিত হজিল। গেকুলে লোপদশ্রে পৃহণ্ডলি কয়ি, সূর্ব, অতিথি, গাড়ী, বিশ্র, পূর্বপূক্ত ও দেকতার পূচার উপদাৰের প্রাচুর্যে আছাত মনোত্রম ছিল। চতুলিকের পুশ্পিত 🖚 পাশির দশ্য ও প্রমন্তবুল হারা ক্রিখানিত এবং ছুদসমূহ হংগ, কাতেওই হাঁদ ও পাবে সুলোভিক ছিল। উদ্ধান কৰা মহাত্ৰাক্ষেত্ৰ বৃদ্ধে পৌৰোধেৰ মাত্ৰ, মতা ইয়ে সকল মিলিত হক্তৰ জন্ম অপ্ৰসম হলেন। গোপৰাক ইতিভৱে উচ্চে আনিকা কর্মের এবং উচ্চ অভিত্র ভাগনে লামুদের-জানে আন্তা করবেন। উদ্ধানক উৎকৃষ্ট কর *। आक्र*म कविएक भाषात मुधानील करत अवर भाषामंजनि

খানা ঠার মাত্র পুর করার পর নাম ঠাকে ভিন্তাপা করতে महाराज्य- ६३ विक महाभू त्या, अपन स्वेका पुरस्य गुळ ক্যুনেৰ কৰ্মাণনা খেকে মুক্ত হয়ে ঠান সন্থানামি এবং **ক্ষ**নবর্থের সমাধ পুনর্মিলত হারে ভাল আছেন জোং স্বৌডান্ডাক্তম ভার স্বীয় পাপের জন্ম, পাপায়া কংস, শাৰ সকল জাতাসৰ বিহত হৰেছে। সকল সময়েই সাধ ও ধর্মনীক জ্বপুলের প্রতি সে বিবেশপায়াশ ছিল। ক্ষা ডি জানাদের প্রথম করেন। তিনি কি তার মাতা, উৰে সঞ্চ ও সূত্ৰসকৃতকে সালে ক্ষেত্ৰৰ স্বৰুং তিনি যার নাৰ সেই ভ্ৰমণ্ডল ও ভাব গোলগণতে তিনি কি স্মৰণ করেনঃ হিনি কি গাড়ীদের, কুলনে অরপ্য এবং থিরি বোষর্থনকে স্থাপ করেন। উল্ল আধ্রীয়য়জনকে দর্শন क्यात क्या श्वाविक कि अक्यात्वर क्या विश्व খ্যাসকে। খণি তিনি কখনও ভা করেন, আম্যা তখন উম্ন মনোরম নয়ন কুলে, নামিকা ও কুলা সম্পিত সুনর अध्यक्त अर्थन कहाएक भौतेत। आधारा भारानम्, शेवन বার ও বর্ষা, হল ও সূর্গ ধানবসমূহ-এরকম সকল অন্তিক্রম সভ্যতম থেকে—সেই পথে মহামা ক্রের ছারা স্বর্গকত হয়েছিলাম। আনরা ফলন করের অপর্ব শ্বর্যস্থাত, প্রার কট্যকলন্ডে, তারে হাসি এবং টারে বাক্ স্থাপ করি, তে উত্তৰ, ভালন আনামের সংল্যা জড় বছন বিশ্বত হই। বেখ্যনে ভুকুল শুন ক্রীড়া-লীলা উপভোগ करविद्यालय, केल अमिक्टरमार्किक शारे नहीं, गर्वक वायर चटलानी चारता क्या कर्नन करि, क्या चारासक यन সম্পূর্ণকাপে তার ভিজার মত হরে ওঠে। আমার মতে, কৃষ্ণ ও কার্যার নিকারই পূই উছত দেবসা হয়েন, তারা (भरतारक काम कर्र हर भूग कता कम और ग्रह এলেছেন। ধর্ম কবির স্থারাও এমনই ভাবিষ্যালী করা। ইয়েছিল। লেভ পর্বন্ত কল সহত্ত হারীর হতো বলপালী খংসকে, সেই বাজে সমাবেজা চাপুর ও মৃত্তিককে, এবং কৃত্যারানীতে মুর্ন্তীতে কৃষ্ণ ও কারার হত্যা করেছিলেন। নিকে কেমন সংক্ৰেই ক্ষণ্ড প্ৰাণীকেও হত্যা কৰে, উাৱাও তেম্বি অবলীলাক্ষ্যে লাগের হতাঃ করেছিলেন। গ্যালাক বেজন এবটি মডিকে সংক্রেই তার করে, কুমাও टिन्हि कम भारत घटडा नीर्थ विभाग, मुद्दुः धनक क्रम ober dien sin en annen als leneration भारत किम क्षात्रक कट्टाविट्लाम । अवस्था कृष्यां स्था छ

বলবাৰ অবাহাটেকে প্ৰদান, কেনুক, আঁকে, এলাবাই এক बर्क्स प्रत्या भूबामुक दिक्को सम्बद्धान अन्त्रात करवित्रक्त "

श्रीक एक एवं व श्रीकार्यी नवार श्री -- को प्राप्त গভীবভাবে কৃষ্ণকে ক্রাংকর ক্রণে করতে করতে ইন্ মন সম্পর্ণকরেশ ভগবানের প্রতি অনুবস্ক কলে, কর प्रशासक कारण केंद्रकेटिक एक क्यांत (भीन क्रम केंद्र (शास्त्र मुक्त बाह्र) (नोई बेंधकोर्ड क्या कहराका) होत भारता हरियानगीत स्थान करण करा भारत था मार्गाण सरक হর্মন করতে লাগদেন এবং চেহ্নকর্তা উর রচন্দ্র এক দ্রভ করিত হতে থাকল। পরম পুরুরোন্তম ভগরান প্রিক্রের জন্য অনুভূত নাম ও বলোদার পরত্র অনুজন সুস্পাইভাবে বর্ণন করে উছন সালকে নাম মহারাজ্যত रक्तकां--- "क्र संस्कृत नग, नगत क्षणायत गरेश प्रतिक्र ও হা যালাম নিশ্চিতভাবে পরম লাভেয় ব্যক্তি, কার্ড अकन बीद्रस उक्रमय जन्न अन्यत्न नागवर्गत्र श्र्वि আপনার এমন হেম্মনী মনোভাবের বিকাশ ঘটিয়েকে। भक्ष के काराय, और मुद्दे समस्य, शहराहरू विस्तृत বীক্ত ও গর্ভ বরুপ, রাষ্ট্র ও তার সৃষ্টি-স্ভি। তারা ভীকের হাদতে প্রকিট হয়ে ভালের বন্ধ চেতন। নিয়েন করেন। তারা গরর পুরাণ-পুরুষ। অধিকার করের কেনও হাজিও, বদি আলাকালে তার মনকে কেবল এক মৃহাজ্যে ঋন্তাৰ উন্ন প্ৰতি নিৰ্নিষ্ট কৰে, তবে শে ভংকপ্ৰং সকল গাগ কর্মকলের সকল চিহ্ন দশ্ভ করে সূর্বসহ দ্যতিময় ওছ চিকা কালে পর্য অপ্রাক্ত গতি লাভ करत। जानमाता मुख्यम मनना हिन्छ। कार्यः, मकराह পরমান্তার্ত্তাশ সর্বকারশের মুখ্য করের হওয়া সম্বন্ধ বঁত্ত मन्दा भएन ज्ञल करवारहे, (भेड़े छणवान नातारायन अस्टि নির্বাহিশয় অভ্যানীর প্রেমমন্ত্রী সের সম্পাদন করছেন। অসা কোল পুধা কর্ম আপ্নাদের প্রয়োজন হ ভাত-পূর্ণের নাথ, অচ্যত কৃষ্ণ, ঠার লিগু-মান্তমা প্রীতি কিলে করার জন্য শীর্মই ত্রন্তে থিরে আস্ক্রেন। সমস্ক ফ্রপ্রেপর শত-কংসকে মহাভ্যিতে হত্যা কৰার গর, কিরে এসে चार्थनारम्ब श्रीष्ठे श्रीष्ठका, कुरु श्रापन विकास विकास কবকো। যে মহাভাগে, বিলাপ কাহবাহ না। পুৰ শীহই भारति पानसता सम्बद्ध धर्मा कत्वाका। कार्यत मध्य বেমন অগ্নি সপ্ত আৰু, সেইভাবে তিনিও সকল জীবের

লগতে উপৰিও উচ্চেমেন। ঠাৰ কাছে তেওঁটা বিশ্বেদ ভিত্ৰ আ অভিন্ন নাম, উদ্ধন্ন বা অংশ নাম এবং তিমি কাৰে। र्भाट समयमंगीक जन। दिनि चयानी, किन समाना ক্ষরতাকে হার বান করেন। ইবে মাতা, লিভা, লক্ষী, পুত্র स स्थापन स्वर्धातं हन्दै। १७३३ हेल अला मुन्तिकेट নৰ একং ভাৰে কেউই উন্ন কাছে ছাৰ্পনিটিত নছ। স্টাৰ (अम क्षत्र (नव् अन्द्र कव्द्र कव्द्र (नव्द्र) अद्दे बगहरू केल अपन एकान कर्य (तरे के ठीएक उन्हें, कांग्रेस अ নিত্র প্রকাতির জীবনে কর মাত করতে কর করবে। তৰ উল্লেখীয়া উপ্তোশাৰ্থে এবং ঠার সাধু সঞ্চলবের উদ্বাৰ্থ্য ক্ৰয় তিনি নিকেনে প্ৰকাশ কৰেন। তিনি ৰ্যাপ্ত কডা প্রকৃতির সন্ধু, রক্ত ও তম-এই তিনটি চলের অতীত, তথু চিম্মন জগৰান তার ক্রীড়ারতের ভারের স্থা প্রহণ করেন। এইভাবে অঞ্চ ভগন্যন সৃষ্টি, ছিডি ও मारको स्था सक्त अस्टिक श्रुप्तम्हर्तः स्वस्तुत स्ट्राः। ঠিক বেসন স্পনিয়ত কেলে ব্যক্তি মনে কৰে যে ভ্ৰমিতনৰ ভূমাৰ, ভেম্মই অহৰাৰ দাৰা প্ৰভাবিত কেউও মনে করে বে, সে নিমেই কর্ম, যদিও প্রকারপক্ষে তার মনই কেবলভাত কার্ব করছে। পরতেশ্বর ভগবান হত্তি একমার অপেনাদেরই পুর কর। পরত্র, দৈরে রুপে, তির্নি সকলের পুরু, আন্ম, শিক্ত এক মাতা। ক্রম্ভ বা দুই, গাড়ীতে, ধর্তমানে আন্ধবিবারে, দ্বিতিশীল আনহিনীল, বৃহৎ বা কৃষ কোন কিছুই জগন্মন অন্নাত ব্যক্তীত বিহারেশে অভিন্য লাভ করতে পারে না। বেতেও তিনি গর্ম-কাৰা, তাই তিনিই সমন্ত কিছ 🗥

ें एक शास्त्रके, कुरुकार एक मराबद मराब अध्यापन क्या यमरा प्रमादक, वार्षि त्यम इत्य क्षम । शारकत सम्मीमा भया। इत्य नारदाधन कररान्त क्या ध्योन धानन करा ঠানের বাস্ত্র বিপ্রথানির কঠনা করলেন। ভারণর টাবা परिएक प्राथान भरिभक्ष करात्र करत सा यहान कराउ एक করভের। ত্রকরমণীয়ে তানের কছপপূর্ণ দুই বাব নিত্রে যখন মন্ত্ৰমন্ত্ৰক আকৰ্ষণ কৰ্মছেলে, তখন প্ৰদীপের 'লালেতে প্রতিক্রলিত উল্লেখ্য রতুর্যুক্তির উল্লেলভার তাঁকা শোস্তামণ্ডিত রহেবিজেন। উচ্চের নিতার, শুন এবং কর্মারতলি চক্ষপ হতে উঠেছিল এবং অরুণ বর্ণের কৃত্যে ব্যাহত জানের মুখনখন ক্লোলনেকে কুওল প্রভার উপ্রাসিত হরেছিল। এডের হুম্পীপর বরন উল্ডেখ্যে ক্ষাল-মান ক্ষেত্ৰ অহিবা কাই কংছিলেন তথম উাৰের গান ভাবের মাধ্যের শব্দের সকে যিতিত হয়ে আকাশ স্পূৰ্ণ করেছিল এবং সমস্থ নিকের বর্ণ-অন্যাল দুরীভাত করেছিল। খনার প্রসার্থনাত্রা সূর্ব উলিভ হলেন, তথ্য ব্রহ্মধারীয়ার লক মহারাজের ছারের সাহার্য অর্থ রথটি লকা কর্মেন। ঠারা ভিজ্ঞান করতে পাগলেন, 'এই বগটি তার হ' ভাষানতন কৃষ্ণতে বস্থাত নিয়ে গিয়ে কলের অফালন তে পূর্ণ করেছিল---সেই অঞ্জ সম্ভবত কিবে একেছেন। 'নে কি জামানের ফাসে দিলে তাম দেবায় আভাত সভাই ভার প্রভার লিওধান ক্ষাৰেল' ব্ৰীপদ কৰা এইভাকে কলংকি কলভিয়েন উদ্ধ তাৰ প্ৰাংকেলীন কঠন্ত স্থাপন করে উপস্থিত श्रांकान ।"

সপ্তচতারিংশ অধ্যায়

ভ্রমর সঙ্গীত

জীল ওকানৰ গোখাৰী কালেন—"রভের বুষতীরা সাভা, বিনি গাঁত কল এবং একটি প্রভুগের হালা জনবান প্রিকৃতকার অনুভাগুর ফর্লার করে বিশিবত ব্যক্তন

পরিধান ক্রেছের এবং বারে প্রের মতের মুখ্যতার দান দৃটি বাহ দীর্ঘ, কান নদান্টি প্রস্কৃতিও নবীন পরের । উল্লেখ হয়ে উঠেছে মার্নিত বুই কুওলের হারা। 'কো এই সুল্পান পুরুষণ সোপীরা প্রস্ক কর্মেন। "সে কোখা থেকে এসেন্টে এবং সে কার সেখা করে? সে কুকেন **अञ्च ७ पाराधातकांति शांतप करतराः!' वहें कथा कार्यक** কাতে গোলীয়া আগ্রহভারে ভাগান উওগ্রাচাক, শ্রীকৃষেদ প্ৰদেশত কাৰ আন্তৰ, সেই উভাবের চতুৰ্নিকে ভিড করকো। স্থাকিলে ভারের সক্তব্ অক্সন্ত করে, ভারেনই লক্ষা, সহাস্য সৃষ্টিপতে এবং মধুর বচনে জেপীরা **উছেত্ত্ব সন্মান জাবালেন। ভাবে সন্মাণি**ভি ভূবেন্দ ফার্ডাবছকলে চিনতে পেরে উর্জে একটি নির্জন স্থানে উপ্তে নিয়ে গেলেন, উত্তে মুখাননে উপকেশন কঠালেন এক বিজ্ঞান করতে ওর করণের—আমরা জানি, আপনি বুলুপতি কুকোর একতে সেবক এবং আপন্যর প্ৰভুগ নিৰ্দেশ আপনি এখানে এমেছেন, যিনি উত্ত পিতা-মাতাকে সভােষ প্রধান করতে ইক্ক। এ সভাে ইছেন এই সরস্তু পেচারগড়বির কোনকিছুই তিনি করণযোগ্য दिस्स्टब्स करका वाल भाषता क्रम करि मा। वास्तिकरे, ক্ষেত্রত মুলিকবির গক্ষেও পরিকরের সদস্যদের ক্লেথের বছন ছিল করা বৃত্তই কঠিন। পরিবার-পরিজন ছাড়া জনকের গ্রন্থি বস্তুত্ব প্রদর্শন ব্যক্তিগড় স্বার্থে ভালিড হয়, এবং কর্ম সিদ্ধি না ইওয়া পর্বন্ত আ জুলী হয়। এ রকম বছতে নার্থার প্রতি পুরুষের বা কুপের প্রতি প্রমারের আস্ত্রির মতো। মির্ণন মানবঢ়ক গণিকারা পরিকাশ হয়ে, অয়োক নাজাকে প্রস্রারা পরিয়োর করে, শিকা সংগ্রেপ্ত লয় শিক্ষাণীরা ভালের শিক্ষকতে গরিওয়াগ করে একং যামের ক্রমা ক্রমিণা প্রদানকারীকে প্রোছিতের। পরিবলৈ করে থাকে। একটি গলের কল শের হয়ে গোলে পাৰিয়া সেটি পৰিত্যাপ করে, তোজন করার পর অভিজ্ঞির পৃথ পবিত্যাগ করে, দল অরপাকে প্রাণীরা পৰিত্ৰাপ করে এবং প্ৰেমিকের প্ৰতি আসক পাকা সভেও হার উপজোগ্যা রমণীকে প্রেমিক পবিভাগে করে। এইভাবে বলতে বলতে, কগৰাম শ্রীগোনিকের প্রতি कार्यात्ववाका जञ्जून निरामिक्याना ध्यानीता ठाएन्य সমত দৈনবিদ ক্রিয়াকর্ম স্মানরে রাখলেন, যেহেও এখন সেই কুলেন্টে দৃত জীউছৰ জীনের আৰু একে উপস্থিত ইবেছেন। আনুষর প্রিয়তম কৃষ্ণ ভার লৈপুৰে ও কৈশের কেন বিসাধর্ম সম্পান করেছিলেন সেইওলি হাল্য ভানবরত করে করে ক্ষেতাপর্য ছেতে তাই নির্মে

গ্রাম ক্ষেত্রে গোরে ক্রমন্তে থকেকে প্রাপীকের মান্ একজন কৰে কুমেন সামে তাৰ প্ৰেন্দ্ৰ সভ লাভ कर्राहरूमा, काम केल माग्रहन कर्नी प्राप्तात क्रान्त লেকেন এবং দেই মান্টিকে ঠাও প্রিয়তমের ক্রান্তন দুভ বলে মনে করপেন। তাই তিনি তাতে বলতে शायरकाम-"(श अपन, रह पूर्वितिष्, रहामान रुखे क्यूप বিলেপিত শুক্ত বালা জামার পাগবর স্পার্থ কোল না 😑 वाक विनाम द्राधिकात कृष्णुगाम द्वादा कृदकार आगाव अक्षेत्र হয়েছিল। কৃষ্ণ মধুরার রমনীগলের সংক্রম বিয়ান ভারত। যিনি ডেমার মতে এক দুডকে প্রেরণ করের ডিটে শিশুমুই জন্ধ সভার উপহাসাশের হকে। একার মার ঠার মোহিনী অধ্য সুধা আমাদের পান করাবের প্র কৃষ্ণ সহস্য আমাদেহ পরিডাপ করেছেন, রিক ছেল ভূমি কিছু কুলেনের পরিভাগে কর। তা হলে, ভিডাবে সেই দেখী পলা কেন্দ্রের তার পাদলক্রের সেবা করতে। হার। উত্তরটি নিক্ষরই এই হতে বে, তার হল প্রা अवक्याभूमें क्रम पाता अभक्षक श्रति है। (हे क्षमा, क्रम তুমি এখানে প্ততীন মানুহদের সামনে বহুলতি সহতে এত গান কলছে? এই সকল প্রসত্ন আয়াদের করে: গুরাতন সংবাদ । ভাল হর, তুমি ওরে নতুন স্থীগংক সামনে সেই অর্থ-বাছত বিষয়ে গল করা লালের স্তন্দক্ষে উপ্তথ্ন অপনার এখন তিনি উপলয় করছেন। সেই সমস্ত নমশীগণ নিশ্চনই তোমাৰ অভীত ভোমাত প্রদান করবে। স্বর্গ, মর্ত্য, কিছা পাতালের, কোন রুখী। ঠার কাছে মুখ্যালাঃ তিনি কেবলমার উপা জ বঁকান এবং কণ্ট মধুকুলার স্থাসা করেন, জার ভারা সকলে ওঁর হয়ে যায়। প্রমেশ্বরী শ্বরং ঠার চরপ্রবের বুলির উপাধনা করেন, সেই তুল্লারে আমাদের স্থানটি কোপার : ক্ষিত্র বারা দীনজন, ভারা আন্তত তারে উভ্যান্তেক নাম কীর্তন কবন্তে লাবে। আসার পাদবর থেকে ভোমার মন্তক সভাও। আদি জানি তুমি কি কংছ। ভূমি শক্ষতম সলে মূকুদের কছে খেকে কটনীতি লিখেছ এবং এখন ভূমি ভোষামূহে থাকাসহ তীয়া দৃত মানে এসেছ। **কিয়** প্টার খালা মারে ভালের পতি, পুর ও অন্যানর সমান সমান বাগে করেছে, তিনি ভাষের পরিভ্যাপ করেছেন। তিনি একমন অকৃতভা হয়। আমি কেল এখন উল্ল সংস मिक करहा अकबान वार्यस मुख्य छिनि निष्ठतकर्द और

হালা কলিলাঞ্চাক ইত্যা করেছিলেন। প্রক্রেত তিনি এক -ব্যাহ ভারা বিভিন্ন ছিলেন, তিনি উল্লেক্ট্র ভালাক্ষা করে আগত আরেক্সম মারীকে বিরূপ ক্রেছিলেন। আরু বলি মহারাম্থের নৈবেল ভাকণের পরেও তিনি তাঁকে একটি রক্ষ্ দারা কান করেছিলন, সর্বার্থসাধিকা এবং লোকপ্রিভা, কারণ আপনারা ক্ষে তিনি একটি কাক। ভাই এই কৃষ্ণ কর্পের বালকের সলে আনালের দকল স্বখ্যতাই পরিভারের ছোক, র্যালের ঠাও বিষয়ে কথা কামরা পবিভাগে কক্তে পাননি না। কুক নিয়মিত থৈ শীপা সম্পাদন করতেন, তা ধালা করা कर्नदर्वत सम्बर्ध प्रामण-वसन्त । तः अञ्चलदन्त सम्बर्ध (महे আমতের এক বিশ্ব মারও জানামর করেছে, ভাব জাগতিক বন্ধের প্রতি জ্বাসন্তি দিন্টি হয়। এরকম বছ ক্ষতি সহস্য তাদের দীন গৃহ ও পরিবর ত্যান করেছে এবং নিজের হীন হয়ে তাবের জীবন নির্বাহের স্থানা ভিকা করতে কথ্যত এখানে বৃদ্দবেদ্ধ পাৰিত্র মতো উদ্দেশাহীনভাবে মুৱে বেডাছে। গুৰু প্ৰভাৱশাপূৰ্ব ৰুপাণ্ডলি সত্য বলে বিধাস তব্যে আন্তা ঠিত যেন মুৰ্গ কৃষ্ণাসার হবিশের পত্নীবের মতো হতে নির্বেক্ষার, বাবা নিষ্ঠা ব্যাধের খান বিশাস করে খাকে। এইজার আন্সা ব্যৱসার তার বধ-স্পর্শ জনিত তীর কামনার পীড়া অনুভার করতাম। হে দৃত, মরা ফরে উঞ্চ স্থাড়া ফর্ किंदू निवरत कथा कर। 🐧 चापान शिराजरांद जला, 🛮 वा वाजि, बरायत सन्दर्ध अवस्थ (मवककरण, वालनरांदर আহার প্রিয়াভয় कি ভোমাতে কানার একানে পারিটোকে। আমার তোমার্কে সম্মান করা উন্তিত, সপা, দত্ত করে, ভূমি কি বয় চাও ভা ভূমি গছৰ কর। কিন্তু ক্রেম ভূমি। ভারে কান্তে আমানেয়ে নিরে বেতে কিরে এনেছ, বার দাশ্পতা প্ৰেম ভাগে করা অভান্ত কঠিন ৷ তেঁ কিমা ত্রমর, শেষ পর্যন্ত তার বধ হতেনে লক্ট্রুস্বী এবং তিনি মর্বন তার মধ্যেপতে বাস করেন। হে উদ্ধরণ অভান্ত व्यमुरमाञ्चात विश्वत (४, कृष्टा अधन वश्वता वाम काराना। তিনি বি তার শিত্রসংহয় কথা, তাহ বছদের কথা, গোপনালকদের কথা স্থরণ করেন : হে নহাখন ! তিনি कन्धरें ब्यायापद कथा. अहे किंग्डीटल कथा ब्रह्मा १ কৰে ডিনি কণ্ডক খুনজযুক্ত উপ্ত হস্ত আমাদেৰ ঘক্তাক থাবল কর্মেন 🕆

ন্ট্ৰাল শুক্তদেৰ লোহামী বলুলেন—"এই সঞ্চল কথা কাশ করে, উদ্ধান তথ্য, ভাগবান ক্ষাক্ত কর্ণনের ক্লা

ছতাৰু প্ৰত গোলীকেকে সান্ধন প্ৰসন্তব্য চেট্টা কল্পেন। এইভাবে তিনি ভালের ভিত্তমের বার্তা কলি করতে ওক करत्वतः।

ইণ্টিয়ৰ ৰুক্তোৰ—"ইনিচডজনে আপনতা গোলীগণ এইতাৰে আপনায়ের মদ প্রথমের জগবান বাস্থেবের প্রতি সমর্পণ করেছেন। মান, প্রত, ভপাস্য, হোই, কপা, বেল অধ্যুক্তা, সংখ্যে পাসন এবং অংশ্যই অন্যান্য অনেক ওছসাতিক বিনিবন্ধ সাধনার মাধ্যমে ভগণান কুলের প্রতি ভক্তি লাভ হয়ে থাতে। আপনাদের মহাচাগেত হারা আপ্দারা অভি লেট মানের ব্যক্তকি ভগবাদ উপ্তমান্ত্রাকের উল্লেখ্য প্রতিষ্ঠিত করেছেল—সুনিগালের পক্তেও ৰে যান কর্জন করা কঠিন। আপনরো মহাজাগাক্রারে অপেনাদের গতি, পুর, লৈহিক জারাকা, আতীহত্তন ও গৃহ সংসার, স্পট্ কৃষ্ণ নামক প্রম পুরুত্বের জনা ভ্যাস করেছেন। তে পরম মহিনাহিত (प्रामीवृक, जाकस्त्रा क्यांव्हे व्यत्मक्षक स्वतार्वर श्रीड ঐক্যান্তিক প্রেয়ের অধিকার মানি করেছেন। প্রকৃতপক্তি ক্ষাবিব্যার জীয় হাতি আপনাদের লেখ উপত্তিবের মাধ্যমে আপনারা আমাকে পরম কৃপী করকেন। টে ছপ্ৰাগ্যৰ, এখন আপনামের প্রিয়তফের বার্তা প্রকণ কলক, কাছে উপস্থিত করার জন্য এখানে এপেছি।

দুখনৰ কালেন-"প্ৰকৃত্পকে ভোহতা কখনই আমার খেকে বিভিন্ন মত, কারণ জানিই সকল স্থানৈ আন্তা। টিক হেমন জাকাশ, বাই, জাওন, জল ও মাটি-প্রকৃতির এই উলাদানগুলি স্থাইজাত প্রতিটি বিধারের মধ্যে কর্তমান, তেম্বনই আমি প্রাপ্তেরের করা প্রাণ এক ইন্সিয়ানির মধ্যে এবং ভৌড উপাদানতলি ও ছাড়া প্ৰকৃতির ওধাবলীৰ মধ্যেও বিদায়ান রংগটিঃ ভৌত উপাদান, ইতিয়ালি ও প্রকৃতির ওপানি বাধ অন্তর্ভক্ত, আমার সেই আৰু শক্তি-বলে নিজের হারা, নিজের হারাই আৰি নিজেকে সৃষ্টি কৰি, পাশ্যৰ করি একং প্রভাহার করি। তভ তেতনামর কথা স্বাসময় কৃতহার করে, ভাস্থা ৰাগতিক সমস্ত বিভূ বেকে পৃথক এবং প্ৰকৃতির প্রশাসন্থার বছনে অসম্পূত । আমরা জাততভার, কর ও সূত্তি কৰে জন্ম প্ৰকৃতিৰ ত্ৰিবিধ কাৰ্য্যকীৰ কাৰ্য্য

আৰুতে উপলব্ধি করতে পারি। ছম থেকে উঠে মানুব যেমন অনবরত কোনও স্থাপ্তর চিন্তা ভরতে পার্কে, সেই ৰথ মাহানৰ হতেও পাৰে--ডিক ভেমনই মানৰ ক্রিয়াকলাপের কলে মানুখ ইলিবেল উপত্তাক বিষয়দি নিয়েই খ্যান করে, যাতে ইপ্রিয়তালি ভা ভোগ করতে পায়ে। ভাই, থাবিষয়ে আমানের স্পর্ণ সভার থাকা এক মনকে নিয়ন্ত্ৰণে খালা উচিত। সমস্ত দলীয় পানম গরকা বেঘন সমূহ, ভেমনই মনীবীবদর মতে, সমর टकमातामि अन्तः गर्वश्रकता (योगान्ताम, मार्चा ५६), সহ্লাস জীবন, তপ্স্যা, ইপ্রির ক্ষম ও স্ততা অনুনীসানের এটাই চরম নিজ্ঞণ্ডিঃ কেন আমি প্রোমানের দৃষ্টিপথের পরম প্রিয় বিষয় হয়ে ভোষাদের করু থেকে কং মুরে রুয়েছি, তার প্রকৃত করেশ আমার প্রতি তোমাকের মন্যসংযোগ আরও তীয় করতে চাই এবং এইভাবে তোমানের মন আমার আবও কাছে আকর্ষণ করতে চাই। रूपर शिवरूप बात्रक मृत्य शांक, शब्द मार्गी सारक সামনে উপস্থিত থাকার চেরেও বেশি চিন্তা করে। থেহেও ভোমানের মন সম্পূর্ণকরেশ আমাতে রয় একং ব্দনা সকল বিষয় হতে মুক্ত হয়ে ভোমনা সর্বল আমার্ডে শ্বাবৰ কৰাছ, ভাই খাড়ি শীয়ই ডোমানেও মাজে খাকেং আমাকে লাভ করবে। ছবিও করেকজন গোলীকে প্রবে থাকতে হয়েছিল আর ভাই ব্যক্তিতে অরলো আমার সঙ্গে রামনতা ক্রীভার অংশগ্রহণ করতে পারেনি, ভা সংখ্য ভারা ছিল ভাগ্যবভী। প্রকৃতপক্ষে, ভারা ভারার भौधंनाली नीमाधनि ऋदलक माधापटे चामाय नास काराधिक ।"

শ্রীল ডক্ষের গোরামী কালেন—"ব্রবের রমণীরা উপের প্রিয়াতম কৃষ্ণের কাছ থেকে এই বার্তা শ্রকণ করে প্রীত হলেন। উরে কথাওলি উপের ক্রে বার্তা শ্রকণ করে কর্মেন, তারা উদ্ধানক উদ্দোল করে বালাকেন—এটা অসম্ভ ওও থে, ফুলুপের নির্মানকারী এবং শক্ত করে যা, তার অনুসামী সহ এখন নির্ভত হরেছে। আর এটিও অত্যক্ত ওও বে, উপবান অনুসাম তার কুলুলো বালা আর্থান বন্ধু ও আর্থান ব্রহারের সালে কুলুলো বালা কর্মেন। যে সৌমা উদ্ধান, গুলের ক্রেট্রের কি এখন পুরু শ্রমণীয়ের আন্তর্ম সম্পান কর্মেন্ত্র, ব্রেক্তানকার্ম প্রকৃত্ব আমানেকই প্রাণাং আরাধের মনে ক্রার সেই সেই

রহনীরা তাদেও উদার গৃতি দিবে সিশ্ব সংগ্রা হাদের তাকে অভিনা করেন। প্রীকৃষ্ণ সমস্ত প্রাণর মান্দ্রতা বিধারে দক্ষ এবং পুর রমনীকো প্রিয়ন্তন। প্রথম যোগ্ধের তিনি তাদের ফোন্ডের বাকা ও উলিডের যাত্রা অনিস্থত ব্যক্তি ক্রেনে, তাই কিস্তাবে তিনি আবদ্ধ লা হত্তে গানেন গ্রা

"त्य वर्षशान, शृह तमनीरकत महाम क्रांत कथाकारीक সময় স্বেধিক কৰমণ্ড আমানের সালে করেন কি ্ ভিঞি স্থান ভাগেত সলো স্বাক্তান্তে কথা কলেন, তিনি কথান खाराहरू, जारा बन्ताहरू केंद्रार कदम कि १ कुरून, _{केन्द्र} ও উজ্জাল চন্তে শোভিত কৃষ্ণকে আয়ণ্যের সেই রাজিচন্তি তিনি মনে কন্তম কিং তার প্রিরতহা সধীনৰ, সামত বৰৰ ভাঁও মধুর মহিম ভব করেছিলাম, চরপের বুপুরের সমীতে নিনাৰিও বাসন্তোর হওলীর হধ্যে তিন্তি আনামের বৃদ্ধ উপজেল করেছিলেন। ভারেই স্কান করে এখন সভাহ, ভারেই অধ্যের স্পর্ণ নিয়ে ভাগের সঞ্জীবিত করতে লগার্হ কলের সেই পরুষ এখনে বিচে আসতে কি। কেতাৰে কেব্যাক্ত ইপ্ৰ তীয় সম্ভল কেব্যালি নিছে স্মান্যতে সভীবিত করেব, ডিলি কি আমানের সেইখানে ক্রমা করকোঃ ভিন্ম তার শত্রবের নিহত করে রাজা क्या करात पा धारर द्रासक-गामक विवाद कराव पद क्या ক্ষে এখনে আসকো? তিনি সেখামে তার স্কল বছ ও বভা**লাল্টা**দের দারা পরিবেটিও হরে ভূট রারছে।। মহান্তা কৃষ্ণ লালীদেবীর অধীপর এবং তিনি বা আক্রাঞ্চ कट्टन, कानना (शतकी का वार्धन कट्टन) दिनि एका ইতিমধ্যেই স্বরুদেশূর্ণ, ভবন কিভাবে আমরা কার্যসীরা বা অন্য রমনীয়া উরঃ উন্দেশ্যগুলি পূর্ব করতে পারিং ব্যবনারী শিক্ষণাও জ্বেবন্ধ করেছে যে, প্রকৃতগক্ষে সকল खन्द्र छात्र कडाई भवन मुरुद्ध। खास्त्रा छ। सामा সংখ্যক, কৃষ্ণকে পাওয়ার ক্ষমা আমানের আলা ভাগে করতে পারছি না। ভগবাম উত্তয়নোক্রম সংস্থ অভারস ৰাক্য়লাণ পৰিভাগে যে সইছে বাবেণ তিনি লক্ষ্মীনেৰীৰ শ্ৰুতি কোন জাতত প্ৰদৰ্শন হা কবলেও, লক্ষ্মিমেরী কবনও ভগবালের রক্ষের উপরে ভার সাম থেকে বিচাও হল না/"

শুর স্বয়ণীদের আনশ রাম্য করংখন, তে-আনশ "প্রির উত্তর, কুলা করার এখনে স্কর্মণের সাহচর্যে প্রভূতপক্তি আমাদেরই প্রাণাং আনাদের মনে হয় সেই হিলেন, তেখন তিনি এই সমস্ত ননী, গর্বত, কন, গ্রাণি নের মন্দের করি উপজেল করতেন। এই সমন্ত কিছুই

হওছে, সাধারণ রম্পরির প্রমেরা করেন কর করিবির

রেনের আনালের মন্দের প্রের কথা বনে করার।

রাধানকই, আমনা বেনেত জীকুছেল বিরা সকলাক্ষর

লাগতিক নেলান করি, তাই উন্তে কথনও কুল্ডে পারি না।

হেনের প্রের উপ্তর জ্বার প্রায় করেনে।

হার করেনের জানালের করেনের।

হার করেনের জানালের করেনের।

হার করেনের জানালের করেনের।

হার করেনের জানালের করেনের জানালের জানালের করেনের করেনের জানালের করেনের করেনের জানালের করেনের কর

त्रील तकराव (भाषामी काग्रह भागराम —"द्वीकरावत লার্ডা জীবের বিরাইর ক্বাব দুরীকৃত করার পরে, গোলীরে অভ্যাপর উদ্ধানে উদের ভাগরার, কুম্পের খেকে আঁচর ভাষক্ষেম করে, তার পুঞা কর্মেন। প্রীকৃষ্ণলীসাবিষয়ক ক্রীর্তন করার যাধ্যমে গোপীদের দুংখ নিরসন করে উদ্ধর গেখানে কয়েকমান থাকলেন। এইডাবে তিনি গোলনের जारत याभरका प्राथा जागण विश्वन काराधिकार व्याच्या রকে উছর কর্ডানে বাস করেছিলের, রঞ্জবাসীগলের করেছ ভা কণকাৰ বলে মনে হয়েছিল, ভারণ উত্তর সকল সমাধে কথকে দিয়ে আলোচনা করেছিলেন। ভগবান শ্রীয়বির সেই দাস প্রক্রের নদী, কা, পর্বত, উপত্যক্ত এবং পঞ্চলোভিত বৃক্ষরাজি কর্মন করে, বৃধ্যবনবাসীয়ের প্রীক্ষের কথা অধ্যয়ে মধ্যমে অনুপ্রাণিত করে মানক পাভ করতেন। এইভাবে গোলীদের দর্বকণ করু নিমগ্রহার কলে অভিনতা দর্শন করে উদ্ধর বিশেষ গ্রীত इरमन । फाँएस्थ श्रुष्टि मक्स क्षका निरुक्तन्त्र बहुक्तन्त्रत् **डिमि व्यक्तिक् शाम करताम। भृथियीत मधता प्रान्तव**र মধ্যে এই গোপীয়া বাস্তবিকই তাঁদের বেহরালী স্থীবন সার্থক করেছেন, খায়ল জারা ভারান গোবিকের জন্য ক্ষরিমির্ম হেয়ের পূর্বতা জর্মন করেছেন। সমা ক্ষত্ অভিয়ে ভাঁত সক্তর হালা স্বাভাগ মহান মুনিগণ এক শেই দলে আমানেরও মধ্যে জোলীকের মতো ৩% প্রেম আকাধকা করা হয়ে থাকে। বাবা ক্ষমত সন্তামত ভাষাদের জীলাকনির স্থান প্রথণ করেছেন, ভারের কারে উচ্চাপ্রদীর প্রাক্ষণজনে কল কিংবা করং প্রকাশহন অমেরট্রা কি প্রয়োজন থাকে। কতখানি বিস্ফরের

CECAR भूगेंडा यार्थन करताहर। का हरल**ं**, त कथी সতি৷ বে, ভগৰন হয়ং তাঁর মন্ত পৃথানীবেশ্ব মাশীপাদ ক্রেন্ দেয়ন উপ্তম উক্তের উপাদানগুলি স্পার্ক কল ক্ষাৰ বা কেনে প্ৰদান কলেও, আ কলালে হয়। জাগান প্রাক্তি চন্দ্র স্থাননীলার খোলীদের সঙ্গে নৃত্য কর্মারলেন, তকা গোলীয়া ভগবানের দুই বাদতে আনিসিতা र्ट्टिशिला । लग्नीत्मरी वा क्षित्र अन्तर्धन प्रजाना শ্ৰীপশকেও এই অপ্ৰাকৃত অনুপ্ৰহ কৰনও প্ৰদান কৰা इस्ति। अमारि भडमर्थ (पश्राहित व कार्ड विनिष्ठ বর্ণের অধ্যাপণ্ড একা ঘটনা কংলও করণাও করেন ন। থাড় জার্গার্ডে ক্রিয়ের সতি সুন্দরী রমনীদের কথা খার কি কারে আছে? মুকুল বা কৃষ্ণ বাঁকে বৈচিক লোনৰ বাৰা আৰম্ভৰ কল হয় তীয় পাৰপতে আশ্ৰয গ্রহণ করের জন্ম, রাজের প্রোপিকারা তামের পতি, পুত্র ও পৰিবাৰ প্ৰিক্ৰমকে—বাঁমের ভাগে করা অভার কট্টলনা, ঠানের পনিতাপে করেছেন। এমনতি তাঁর। द्वीरास्य हर्रार्टाहरू कीलमधानाः अतिहासस् करवरान्तः। व्यक्ति। করে জাহার সেই জাধা হবে, র্কেন আমি কৃষ্পার্ক পের, সতা ও উথবি শৃক হয়ে কৰাগ্ৰহণ কৰে একং গোলিসাৱা প্রানের নম্পলিত করে ভালের খানগুলির কুলা লাভে ধন कारन। ब्राफ्ता च मध्या ध्यारणभाव (सर्वड)भगभाव प्रयूर লক্ষ্মীদেহীও তার কাল্ড কেবল ক্ষেত্র গ্রহণক কর্তনা করতে পারেন। কিছু রাস নৃত্যের সময়ে ভারিম কৃষ্ণ এইসকল জেলীকের ভবে তার চরণ রূপেন কর্মেছলেন এক সেই পাল্ডর আলিজন করে গোপীয়া মকল সন্তব্দ शरिटाण कररहिस्ता। चापि अन्य प्रशासाखन हरकत वर्यनारस्य भाग्यस्थित विश्वसुद्ध स्थाना रुद्धि । अहे (शानीया বৰন উত্যোগতা শ্ৰীকুৰেল মহিলা কীৰ্ডন কলেন, তথন তার ধানি বিভবনকে পরিত্র করে।"

 ভাতে উজেল করে উরো ফালেন—আয়ানের সমার মানসিক রিন্যাকলাও কেন সর্বার ক্ষাক্তর পাদ গছের আগ্রা গ্রহণ করে, আমানের ককা মর্বার কো তরি নাম ক্ষাক্তির করে একা আয়ানের দেহ কো সর্বার তান জবি প্রথম করে একা ভায়ানের দেহ কো সর্বার করিন অনুযায়ী, ভারানের ইলায়ে এই ভারতের বেশানেই আমরা মান্ত্রার করে। আয়ানের অন্তর্ভার করি কান কো সর্বার আয়ারের করেন্দ্র কনা ক্রের তার করে। "হে মর্গাধন, জগবান ইন্ধি ধেরা জনা ওড়িও প্রকাশ সহ গোলকা করা এইজানে সাকালিক হয়ে উদ্ধান করে করেছে। কুমেরা সুরাকারীন মধ্যা লগরীতে প্রত্যাবর্তন করেছে। কুমিই হয়ে প্রশান্তি নির্বেশনের পর উদ্ধান রজনাসীক্ষের গভীর জাতির তথা জীকুকেরা কাছে কর্মনা কর্মেন। উদ্ধান বস্থানে, জীকলরাম এবং রাজা উল্পোন্তির জালাকরাম ও উল্লোখনের আসা জালাকরাম ওবং রাজা উল্পোন্তির জালাকরাম ওবং রাজা উল্পোন্তির জালাকরাম ওবং রাজা উল্পোন্তির জালাকরাম ওবং রাজা উল্পোন্তির জালাকরাম ওবং রাজা জালাকরাম ওবং রাজা জালাকরাম ওবং রাজা জালাকরাম ওবং রাজা জালাকরাম প্রশান কর্মেন।"



অষ্টচতারিংশ অধ্যায়

শ্রীকৃষ্ণ তাঁর ভক্তদের তুষ্ট করেন

वीन चकरम्ब शास्त्रमी कगामन—"आटनाः केटादाः শংবাদ অধ্যাত হওতার পর, লয়েছেখন ভগবান, সর্বাদলী সর্বাধা, কাম দারা সক্তর ভিতরণ দাসীকে সভাই কাতে ইজা করলেন; ভাই তিনি ওলা গুরু গমন করলেন। ক্রিবাসরা গৃহ বছমলা প্রয়েপকরণ এবং কাম বাসনা উহছ হয়ে সক্ষাৰ পরিপূর্ণ ছিল। সেখানে ছিল পতাকা, সাব সার মৃক্টার মাধ্যা, চন্দ্রাতপ, সুন্দর পরায়, উপবেশন স্থান এবং সেই সঙ্গে সুগৰি ধুগ, গীগ, মুলের মাল্য ও সুগৰি চক্ৰ অনুবেশ। ভিৰত্ৰা কৰা ভাকে ভার পূত্ে সমাগত দর্শন করকেন, তংকদাৎ তার অ্যানন ছতে সদস্তরে উঠে পড়বেন। তার স্থীদের বিয়ে অধ্যন্ত হতে তিনি ভগজন মন্ত্রতেই প্রভাগ সঙ্গে একটি উত্তর আসন ও অন্যান্ত পুটার সামশ্রী নিবেদন করে অর্টনা করলেন। উছবও একটি সম্মানের আসম পেনেছিলেম, মেহেড ডিনি হিলেন একজন সাৰুপুকৰ ভাই তিনি কেবলভাৱ আ স্পূৰ্ণ করে কৃমিতে আন্তর প্রহণ করলেন। তাকা ভাগতুন কুমা, মান্ত সমাজের আতারসমূহ অনুকরণ করে, শীহাই একটি ব্যম্পা প্ৰায় নিজেকে পুথাবীৰ কাণেব। হিবাধে প্ৰা करत, स्वर्थ नंब बार्गानका के मुक्त बंध करियान करते. খণাছার, বালা ও সুগতি বালা করে, এবং আয়ুল চুর্বণ্

সুবন্ধি ব্যানীয় প্রথণ ইড্যাদির মাধ্যমে নিজেকে প্রস্তুত করকেন। ভারপয় তিনি ভগবান মাধ্যকা দিকে স্কর্জ হাদাবিদাস ও ভটাক সম্ভিত ভাব সংভাৱে অগ্রসর হলেন। এই মৰ সম্পেশের সঞ্চাবনাক্ষনিত পঞ্চা ও শ্বাকৃত বাঁকে জাবান তাম কম্বালোভিত হাত দৃটি মনে লব্যার আকর্ষণ করপেন। এইভাবে তিনি সেই সুন্দরী কন্যাৰ সঙ্গে আনশ্ব উপভোগ করলেন—বে-কন্যা কেলেয়ার ভগৰ্মকে অনুদেশন অর্থণ করেই লেখনত পুণা সৰুর করেছিল। কেবলমার কৃষ্ণের পালগজের ক্রাণ जर्भ कार्तरे जिन्हाम कांस्र क्षमदा, स्था **७** जरूनम्मरास्य फेगाट कामनीका नुद्रीकृष्ट कार्यक्रिम । जीत नुष्टे कार राजा উল দুই ক্রের মধ্যে ঠার প্রিয়তম, মানক্মার্টকরণ প্রীকৃত্যক জলিকা করকেন এবং এইডারে তার দীর্ঘগারী সভাগ তিনি পরিত্যাগ করেছিলেন। দুর্গত কগবানকে সামান্য স্থানবাদ অর্গণের মাধ্যমে লাভ করেও কুর্ভাগা বিবক্র সেই কৈকোনাথের কাছে বিখ্যান্ত প্রার্থনাই निर्काय कर्डास्ट्रामा-"एवं विश्वष्टम, मञ्जा कर्डा अभारत আমার সঙ্গে কিছুদিন অবস্থান কঞ্চন এবং আনশ উপজ্ঞেদ করল। হে কম্পন্তান, আয়ি জাপুলার সঙ্গ পরিকাশ করা সহা করতে পারব না। ভাতে এই

তার্যামন্ত লাকাংকা পুরংগর প্রতিশ্রুতি দান কাই,
দুর্গান্তক সংক্রিয়ে পুরু ত্রিংকাতে তার স্বাহান জাগন
ক্রাপ্তা এতা ভারপর উভনসহ তার পরম ঐপুর্বপূর্ণ
ক্রাপ্ত কর্মান্ত প্রতাবত্র কর্মান্ত্রী হওয়া সাধারপত্র
ক্রিনা কে প্রায়ত ক্রান্ত্রী করা করা করে কর্মান্ত্রী
ক্রান্ত্রী ইনিক্সিলালয়, করেব সে একটি তুসা ফ্রা

"অতঃপর ভ্রমবান উবা, কিছু কার্য সম্পাদরের হৈছেলো বলরাম ও উক্তর সহ অকুরের পুরু পুমন প্রস্তান। ভগধান, অহন্যম ঐতি সাধনের বাকান্ডাও ভারেছিলেন। আকুর কমা ভালের, ঠার আপম বাছুব পরার উল্লক্ত ব্যক্তি তদেশ দূর থেকে আসহত দেশকোন, ভাল তিনি মহানকে উবিভ হলেন। উল্লেখ আলিকন व्यक्तिक्षित्र करत, व्यक्ति कृषा ६ यनताम्हरू अन्ति। বিভাগৰ কর্মেন এবং প্রভাগের জীমের মার্যাও আভিনশিত হলেন। ভারণৰ, তীর অতিথিপণ আসন গ্রহণ কংগে, পায় বিশ্বি অনুসারে তিনি তাপের অর্থনা করণেন। এ রাজন, জাতুর জীকুরা ও জীবলরামের পদে প্রাকালন করণেনা এবং ভারনরে নেই লাভ কল ওঁরে নিম্ন মন্তবে লাগলেন। তিনি তালের উত্তম বস্ত্র, সুগন্ধি চন্দান পিষ্টক, বুল্যালা এবং অপূর্ব অলভায় বুকু উপহার প্রদান ক্রমেন। এইডাবে সেই দৃষ্ট ভগবানকে অঠনা কবার। পর, তিনি ভূমিতে টার মন্তক জবনত কগলেন। এরপর তিনি তার ক্রোড়ে শ্রীকৃষ্ণের পাদরর স্থাপন করে মর্থন ক্ষতে সাগলেন এবং বিনয়ের সঙ্গে তার মন্তক মবনঙ তরে কৃষ্ণ ও বলবামের উদ্দেশ্যে বলতে লাগলেন-এটি पानास्त्र (में)शांक (स. पाननाता पृष्टे छ।नाम नानी कः न ७ छात्र धनुष्ठवरमञ् इछा। करवर्षमः, अहि छात्व সাপনাদের কুলকে জন্তহীন কট্ট খেকে উদ্ধার করেছেন नेवर नेमुख कर्दाहरू। जाननात्। बेलटवरे नवप পুৰুবোগ্ৰয়, জনৰ ও ভার সৃষ্টিসমূহের কারণ। আপনাক্ষে ভাষ্টা সংযান্যভাগ কারণ বা সৃষ্টির প্রকাশিত শশর্থ জান্তারহীন।"

্র পরম রক্ষণ, আপনরে আপন পতিসমূহ বারা অপনি এই রক্ষাও সৃষ্টি করেন এবং ভারণার সেক্ষনে

ধনিষ্ট হয়। এইটাকে পাছ করে জ্ঞান্ত হরে বা প্রাঞ্জন चाडिकादाय पादा एकडि वर्शन्तकरूप आफानदक अन्दर्भक्त করতে পারে। রিঞ্জ হেমন সৃত্তির প্রাথমিক ইপাদ্যাক্তি---ভূমি প্রভাতি--সুসর, জন্মরূপ জীবনের সকল জীবের মধ্যে প্রভাত বৈচিয়ের নিজেনের প্রকাশিত করে, ভেডাই আপনি, ক্ষতম প্রমান্ত, ফাপনার সৃষ্টির বিভিন্ন বিষয়ের মধ্যে নামায়েলে প্রকাশিও লে। সাও, এক ও তমওগ---বাগনার খীয় শক্তিসমূহ হারা আপনি এই কগতের সন্ধি পালন ও বিনাশও করেন—তথ্ও আপনি মেই প্রথমমণ্ড হারা বা ভালের উৎপক্ত কার্যাবলীর মানা কখনও ভাবেছ হুম হা। হেন্তের ভাগেরি সংখ্য জানের প্রকৃত উৎস, তাই কাঁসের কারণেই-র অপনি অবার হার বন্ধ হতে পারেন? কেহেডু স্কানত যুক্তিসহকারে ध्यापित क्षा नि ८६ चार्नाम त्यान अध्यापित (सहक्ती) নামে আচলদিও বরেছেন, তাই অবলাই সিভান্ত গ্রহণ ক্ষান্তে হবে যে, আপনার ক্ষেত্রে মার্ফারত ভার্থ কোন মার্থত নেই, জ্ঞালতঃ জন্মতেলও লেই। সুভারং আপনি কথনই কলে আ যুক্তিৰ অধীনক চন না এবং আপনি তেমনভাবে ভবি প্রভে ছলেও, নেটি একাড্রই আপনার অভিনাবের কলে, জগরা নিতারই জামাদের বিচার-বিবেচনাৰ অভাবে, সামতা সেইভাবে অপনাকে সপন করে থাকি। সমস্ত কিং প্রজাবের মানুলের জন্য বেদের সুজাচীন ধনীয় পথ আপনিই প্রথমে উন্নাসিত করেছেন। रकार टाउँ कर विदेशकरगरमङ अब चनुमद्रकारी करूर ব্যক্তিবের দারা কাব্য প্রাপ্ত হয়, তথনট অন্তর্গত ভদ্মান্তে আপনাত্র কোনও এক অবভার রূপ বারণ কবৈন "

ঁহে অভু, আপনিই সেই ভগবান, এখন বসুবেবের
গৃহে আপনার অংশপ্রভাশসহ আবির্ভূত হাছেছেন।
আপনি, দেবভাবের শক্তবেশ আবাপ্রভাগ রাজানের
নেড়ভাবীন শক্ত শত সৈনাদের হতর করে ভূ-তরে ভূর
করার অন্য এবং আমাদের বংশের অপ প্রচারের জনাও,
এখন অবভাব করেছেন। হে প্রভূ, আরু আমার পূহ্
আভার ধনা হারছে, করেশ আপনি এখানে প্রবেশ
করেছেন। পরম সভাবাপে, আপনি পিতৃপুরুষ, শ্রীর
মনুবা ও দেবতা-মৃতি, এবং আপনার পান্টোর রাশ
রিমুক্তব্যে পরিত্র করেশে, হে রবেশভার

(হেহুপ্রবাদ, কৃতরা ও হথার্থ গুলুমুধ্বারী, ভাই, আগনাকে মাড়া কনা কাৰ কাৰে আধাৰে কবা কেনও পণ্ডিড যাতি লগে ৷ বাঁরা ঐকাতিক সব্যতাৰ আপনায় তর্চনা করেন, খাপনি ওালের কাম্পিড সকত কিবুই, এজন কি আপনার আপন সন্তাকেও প্রসান করেন, বনিও আপনি कथनी गुक्ति शाम मा भा द्वारश्व भाग मा। (हे सनार्गन, আয়ানের মহা সৌভাগোর হারা একা জাপনি আযানের मृष्ठिरगाठन स्टबर्क्स, कावन व्यारभवनम् अन्त দেবেলুগণ্ড অভি কটেই ছাত্ৰা তেখন এই পকা কৰ্মন ক্ষতে গালে। হে প্রত, কৃপা করে আমাকে স্তী-পুর, थर, क्यान ७ श्रह-(मर्शनित (म्यहत्त्वान ऋति, (श्रहन वन्तन) । এই সকল আসন্ধি জ্বাপনারই মারাশক্তি কাড। এইডাবে ঠাৰ ছাত্ৰ ছাত্ৰ অঠিত এক সমাকতাৰে বশিত হৰে, ভগৰান শ্ৰীহুদ্ৰি শ্ৰীয় বাক্য হাত্ৰা সম্পূৰ্ণ মোহিত করে অন্তর্ভার সহাস্থ্যে বাংলেন—"বর্ণনি আমানের ওক্ত, লিড়বা ও প্রশাসেনীয় কছু, এবং আপনায় পুত্রের মতেই আমহা সর্বল আপনার সুরক্ষা, গালন ও অনুকম্পার উপর নির্ভরশীল। আপনার মতো সুমহান মানুহেরাই প্রকৃত মেরা এবং জীবনের হছসাকাকীয়েন্ড পর্য প্রদানীর। সাধারণ শেবতার তাঁথের আখন স্থার্থ সচেত্র, কিন্তু সাধ্যমণ্ড ডাজেরা কবনও ডেমন কা। কেউ অব্টাকরে

908

আপনি স্থাপ্তর। আপুনাত ভার্ডবৃদ্ধের প্রতি আপনি স্বত্ত পারে না বে, ছবিত্র নাছ নারী সম্ভিত্ত शैर्वकारकोम सरहरह, कथना मुख्या व निवा निर्मा বিচ্ছত্রাপে কেবতার আবিষ্ঠাত হল। কিছ এই সমস্তবিচ্ছ কেবন্যার দীর্থকাল পরে আবাকে পরিও করে, মধ্য মাধ বাভিনের কেবল কর্মন কলেই প্রিত্ত ছঙরা হাম च्यानी चरनारे वाधानय मुक्तनाथत यथा अर्थातके, छोड पता करत शकिनाभूव असम अञ्चल करर भारतनारमञ क्रम्बरनकीलदेन, केरता क्यान चारकर, क्रम्भक्षात करूरा। খ্যমতা ওলেছি যে, জাগো পিতা যখন প্রশোক ব্যৱ করেনে, কবন বাল্য বয়লে পাণ্ডালো তালের পোরপ্রতা মতের সংখ রাজা শৃতরাষ্ট্র রাজধানী লগরীতে এনেছেন बारर देखा बन्धा (अचारम काम कारका। कार्याकरे, पूर्वत মনের অপিকাপ্ত পুতরাষ্ট্র ওঁরে দৃষ্ট পুরনের নিয়পুণাধীন হয়ে পড়েছেন এবং ভাই সেই অন্ধ কাঞা ভাষ अस्टम्बुअस्य गरम भएका चाम्यन करायन मा। स्वर्थात বিয়ে কেবুন—ধৃতরাষ্ট্র মধানার আচরণ করছেন কি না আনতা ভানতে পারকে, আমানের স্থানকর্পের সাহচ্যেত क्रम साम्या क्रुलब्कीय कार्लक्ष्म करूप। এইकार्य অঞ্চলকে সম্পূর্ণ নির্দেশ প্রদান করে পরবেশ্বর ভগবান গ্রীহরি অভ্যাপর জীসকর্মণ ও উদ্ধানর সাথে উরে সাহ अधावर्डन कराम्य 🤼

একোনপঞ্চাশ অধ্যায়

অক্রুরের হস্তিনাপুর গমন

कीष्टि भागा धनिष मधनी विकासमूद्र भावना समस कराजन। त्राधात जिमि इंटरांडे, कीच, किन्न करर ম<u>ট্র</u>ক ও তার পুত্র সোমদন্ত সহ কৃতীকে দর্শন করলে।

নীল ওকাৰে সোহায়ী কালেন—"গৌলৰ কালখনের - পালিনীনকা অকুন্ত সধা নিয়মে উল্লেখনের আভীয় ও - বন্ধুগণকে অভিনব্দিত করায় লয়, ঠানের প্রিবারের ামধনাদের সংবাদ তারা তাতে ভিজ্ঞাসা করলেন এবং তিনিও তাঁনের কুপদ বিষয়ে জিজাল কর্মেন। সুটক্ষা তিনি প্রোণাচার্য, কুলাচার্য, কর্ম, কুলোধন, অববাসা, প্রাক্তির লিভা এবং কলগুটা মনুযুদ্ধে ইফার্যান পূর্বলমতি পাতবাস্থ ও অন্যান্য যদিও সুমেদদক্ষেও মর্থন করপেন। রাজার আচার-আচারণ বিজেবধের উদ্দেশ্যে তিনি

চ্যািপুরে করেওমান থাক্লেন। পুরী ও বিষুর প্রধানকে সধিক্রারে বৃত্তরাষ্ট্রের পুরাক্তর অসং উল্লেক্স্ডার্জন वर्षमा कत्ररम्भ--- वादा कृषीभूजरमत महर क्षणममूह---ক্ষেত্র, ভালের মৃচ প্রভাব, সামপ্রিক ক্ষমতে, শারীকিক ক্ষা, সাহস ও নিনয়-অথবা তাপের মান্য প্রকালের বাটার আন্ত্রাগ—সহা করতে পারও না। কিভাবে গুরুরাট্টের প্রস্থা পাওবদের বিব প্রবাদের চেটা করেছিল এবং ঐ ধরমের জানালা বড়বর কর্মেকা, কৃতী ও নিয়ে আনবাকে তাও বলোছদেন। কুন্তীদেবী ঠার বাতার আগমনের भूट्याम ब्रह्म करत, भटनाभद्रन कील कारक विभावित ब्रह्मतः। তথ্য উপ্ল জন্মস্থানকে শাসা করে, জল্পপূর্ণ নরতে তিনি হল্লেন-হে সৌমা, সামার লিঙা-মাতা, কতাপণ, ভূমিনীগৰ, নাতৃস্পুৰয়া, সুনান্তীগৰ ও স্বীক্ষ আমানেত বি এখনও শারণ করেন ৷ আমার আতুপরে ভাগবান প্রীক্ষা, যিনি তার ভাতগণের করণাময় আগ্রহ করণ, ভিনি এখনও ভারে শিলীর পুরদের স্বরণ করেন কিং প্তার কমলনয়ন বলবামও কি ডয়দর স্থান্য করেন?। *जिकासमा*त्र मारच *धक रविश्रीत भएस धारात म*करफर মধ্যে আমি যে বহুলা ভোগ করছি এখন করু আমাকে ও আমায় পিতৃহীন পুত্রদের তাঁর করু জরা সংস্কর श्रमाह्म समा चामह्म कि: कुका, कुका। हर अन्य বোগী। যে বিশ্বকাণ্ডের পরমান্তা 🐞 রক্ত। হে লোবিশা। সন্না করে আপনার ললেপত আমাকে ককা করনঃ আমি এবং আমার পুরহা দুর্যনার সম্পূর্ণ निम्नोबेल्ड होति। शुन्नवीच च मुखाएक कीलिक्क कुक्तिरमञ् জন্য, আপনার ক্রেকথ্রদ পাদপত্ম বাতীত আহি আঙ বোনও আনার দেখি না, কারণ আপনিই পর্যেখর कशका। गार्थ एक, नंद्रय शक्त व गत्रमाचा (बारान्यर ও সকল আনের উৎস করাল হে কৃক, আমি আলবাকে হাশাম নিবেদন করি। আপনার করে অভারের জন। আমি উপস্থিত হয়েছি।"

এইডানে তার পরিবারফর্পর ও জলদীব্য শ্রীকৃত্যের স্মরণে আগনার প্রশিতামহী কুরীদেবী পোরে কালতে থাকলেন। যে অন্যাধারণ উলায়ে রাণী কুনীর পুরুর

प्रश्चार-वी तिवृत मुक्तर-वें, छोटक माखना मिरणन। सर्वा শৃতকাষ্ট্র তার পুরুষের প্রতি একার স্নেছ অনুষ্ঠার করার কলে পাওক্রর প্রতি জনামে আচ্বণ করতেন। অকুর বিদারের ঠিক আগে, কথম রাজা গৃতরাষ্ট্র ভার সভুকা এক সমর্থকালের নিয়ে কসেছিলেন, তথন তাঁর কাছে দিয়ে, জীকুৰা ও জীবদানত তাৰ আধীৰক্ষত্ৰনগেৰ প্ৰতি সৌজনাক্তম যে বাতী কাঠিতেছিলেন, ভা বৰ্ণনা

অনুদ্র বল্পেন-"শ্রে আমার প্রিম বিভিন্নবীর্ক্তা পুত্র, হে কক্ষণণের কীর্তি বর্তনকারী, আলসার বাতা পায় পরক্ষেক প্রমন করকে, আপনি এখন রাজ সিংছাসনে আহোত্ৰ ক্ষেত্ৰে । ধৰ্মনুসাঙে পৃথিবীকে পালন, সং চবিত্র হারা আপনার প্রভাগপের আনন্দ বিধান এবং সকল जाबीवरार्श्व शकि सम्बद्धात चारुवर्ग करोड व्यापाटम আগমি মিশ্চিতভাবে সাফল্য ও কীর্তি কর্মন করকে। আপনি বনি এর জন্যখা করেন, ভাহলে অবলাই এই স্বস্থাতের হতন্ত্র আপন্যকে নিশা করনে এবং পরবর্তী **জীবনে জাপনি নরকের অন্ধকারে প্রবেশ ক্টরবেন।** স্তরাং আশ্লের নিরের এবং পাণ্ডর পুঞ্চাপের হাতি সমদৰী হউন।"

"হে রাজন, এই স্কণাতে কারও সঙ্গে কারও ভিরন্থারী সম্পর্ক নেই। এখন বি আমানের মেরটিকে নিয়েও আমাম চিরমিন থাকতে পারি মা, আমানের স্ত্রী, পুরু ও প্র-জন্যদের কথা আরু কলরে কী আছে। প্রতিটি জীবই এককী অভ্যাহণ করে আর একাকীই মৃত্যু কাপ করে, এবং জনুৰ নিজেই ভার সকল সং ও আসং কর্মের ক্লাক্স কেনে করে। বে-রুল সংগ্রেক বাঁচিয়ে রাখে, সেই জনাই বেমন মাধের সন্তানেরা পান করে, তেমনই অধ্বৰিসম্পন্ন অনুষত অধ্যেমি পৰে বা কিছু অৰ্থন করে, সেই সমত সম্পদই প্রির পোষাগালের মুরুলালে নবাসভেত্রাই হবৰ করে দের। মূর্ব মানুব তার জীকা, শীল ওক্ষের ব্যোসায়ী বল্পেন—"য়ে রাজন, সালন, সন্তান্ত্রী এবং অধ্যান্য আশ্বীয়স্থান পালুন করার कना गारमंड शंकार (एक, कार्यन तम बदन करवे, "अई বমর কিছুই জ্যার।" পরিশেবে, জর-া, সেই স্বই ভাকে হতার্শ করে চলে বার। আলাভপুট পোরাসের সাম্মানে করেছিলেন, সেই কথা ভাকে শারণ করিয়ে। কাছে পরিজক্ত হয়ে, জীবনের প্রকৃত লক্ষ্য সম্পর্কে निरम, कुकीरमरीय मूच क मृत्रपानी कात्रक अवर विकास करिया विकृत, अवर केरकमा भूतान सार्व मर्च

ক্ষীর ভার পাশমর কর্মকালের ব্যেক্ষা নিয়ে সরকের আছুলতে প্রবেশ করে। সুভরাং, হে নাজন, এই জগতকে স্থা, মান্ত ৰ অভিন ফলকের কজনা আন করে বৃত্তির বারা আপনার ফারেক নিয়ন্ত্রণ করুল এবং হে প্রভু, পারে ও সমদশী হউন 🗅

মৰ্ম্পনা কৰা কাছেন, মানুৰ অস্ত সংক্ৰে বেমন কথনই তব্রির সীমা অভিক্রেম কমতে পারে মা, তেমনই আমিও ছালনার কথার সম্পর্গ ভবিঃ সাত করতে পারছি মা। তে সৌতা আকৃত্য আপনায় এই সমস্থ সুমনুর বাব্য পুরু कन्गानकत इरम्प, स्मरपद मस्या विमाप रामन दिव খাকতে পারে মা, তেনেট পুরক্ষেত্বশত বিবমভাবাপর অমার চক্ষণ ক্রমত্তে এই সব উপদেশ ছির হরে থাকতে অবতীর্ণ হয়েছেন, সেই পরমেশ্বর ভগবানের বিধান কে

লগান করতে পারে । বিনি উলা আচন্ডনীয় মারা লালিক क्रियात प्राध्यक्ष करें हमाच मृष्टि कहरका करा भार छह স্থায়ির মধ্যে প্রবেশ করে প্রশৃতির বিভিন্ন গুল্মালী বিজ্ঞা করের, সেই পর্যেশর ভগরনকে আমার প্রণাধ নিবেনন कति। बीत मीलाव व्यर्थ मुरब्धंश, केंद्र कार्य (शहकड़े, बारा) পুডরাই কালেন-"ছে অকুন, আপনি কেডাবে ও মৃত্যু চকের কান ও জ খেকে মৃতির পরা, উভর্ত আমানের লাভ হতে কাকে।"

শ্ৰীক ওকৰেৰ খোৱামী কাপেন—"এইভাৱে ডিট্ৰে নিজে রাজার মনোভাব সম্বেদ্ধ করে হতে বাদৰ আন্তন্ তার গুড়াকালটা আর্থীয় ও বজনবর্গের করে থেকে चनुप्रकि शहर करते शावरभरता ताकथानीरक शहरावर्डन কর্লেনঃ পাওবদের সঙ্গে গুতরাট্ট কিরকম আচন্ত্র कर्राष्ट्रस्त्र, टीकादार स टीक्ट्स निकट चाइन्ड सा कईता পারে না। বিনি ভূখনা হরণের জন্য এখন বধুকুলে। করকেন। হে কুরুবংশর্জ, বে উদ্দেশ্যে তাঁকে পাঠাকে হয়েছিল এইভাবে তিনি সেই উদ্দেশ্য পূর্ণ করলেন।"





পঞ্চাশ অধ্যয়ে

শ্রীকৃষ্ণ দারকাপুরী প্রতিষ্ঠা করলেন

হীল ওক্ষের প্রোক্তমী বললেন—"ছে ভবতকুলনেটা, কলে ৰখণ নিহত খল, তাম দুই নাণী অকৈ ও প্রান্তি শোকার্ড হতে ভাদের পিতৃপুচ্ছ পমন করেছিল। পোৰপ্রধা গৃই রাগী ভালের পিডা মধ্যবাঞ অরাসভার করে নিরে ভারা কিভাবে বিধক হরে গেল. (मदे मचरक ममलदे कर्नन कतन। (ए शासन, स्मर्ट षायित गरवन अवर अ(३, कतागढ़ (भार ७ द्वार्थ पूर्व পৃথিবীকে জমৰ পুন্ত করার সৰ রক্তা সন্তাল্য চূড়াগু উল্যোপ ভক্ত করল ৷ ব্যৱস্থাবিকতি অকৌহিণ্ডী বাহিনী নিয়ে লে চড়াৰ্নিক থেকে জ্ব-মাধ্যধানী মত্যা অবলোধ **459** / [™]

শ্রীকৃষ্ণ, পর্যেশ্বর ভগবান, **এই জ**গতের আদি কাৰণ হলেও তিনি কৰা এই পৃথিবীতে অকতকা কলে। তথ্য মানুৰের ভূমিখার লীলা করেন। ভাই বধন চিমি

জন্মসম্ভাপ উল্ল মগরীর প্রার্থিকে ক্লে এক উল্লেখিত মহাসমুদ্রের মতেই সৈনা সমাজে করতে দেখলের এবং দেখলেন কিভাবে এই সৈকা বাহনী ভার প্রজাদের মধ্যে ভীতির স্বরার করছে, তথ্য হান, কাল ও তার কর্তমান অবভারত্বের কথার্থ উদ্দেশ্য অনুসারে তিনি ভার উপযুক্ত কর্তব্য নির্বারণ করনে। বেহেন্ড জন্মসন্তের পদাতিক সেন্য, অধ্য রখ, ও হস্তীদল সমস্থিত অক্টোহিনী সময়ের দৈন্যবাহিনী হতে উঠেছে পথিবীর ভারবজণ, সা মগধরাজ সমস্ত অনুগত রাখানের কাছ থেকে সংগ্রহ করে এখানে সমবেত করেছে, ভা আহি বিনট্ট করব। কিন্ত একমাত্র জরাসন্থাকেই হত্যা করা উচিত হতে মা, কারণ ভবিষয়ত সে নিক্যাই কাৰও এক সৈতা সমাধেশ ঘটাৰে। क्र-काल इदन, मार्थश्यक मरतकन अवर क्रमाधुगरण्ड কিনাল-ক্ষী আহার বর্তমান অবভারের উল্লেখ্য। কথন

কোনও কালো অধর্ম বিকার শাক করে, স্থা নিবারকের জনা এবা মুর্যার রাজার জানা আর্থিন আনতান পারীকও ধারণ করি 🖰

-এইভাবে যান্ত কথবান সোবিক চিপ্তা করছিলেন, ভাষা সূত্রী মতো দীবিদশ্বের দৃটি রখ সরস্র অকাশ খেকে সেত্ৰে এল। সেগুলি সারথি **ও উপকরণে** পরিপূর্ণ fint। ভগবলের নিজ নিক অস্ত্রশন্তনিও আগনা থেকে প্রায় সাম্প্রে আধির্দ্ধার হল। সেইসব লক্ষ্য করে. श्वतिकारिक व्यक्तिका, सनवाम श्रीकृष्ण द्यीनवर्षन्त्रक कारनेत-- कामान करका कार्य वाका, चानताव प्रवादगाकी क्यूगगरक व्यवस्था करतरह त्यं विश्वत, छ। जका ক্রম। হে প্রতু, আগনার নিজন মধ ও প্রিয় কলুনার আগনত সমতে উপস্থিত হয়েছেঃ অমানের ককবন্দের ক্ষানে সুনিভিত করার জনাই আমর। ক্লমগ্রহণ করেছি। क्रमा करत अपन और अरहावित्यकि व्यक्तिरियीय कार्य পুথিবী খেকে দুয় করুব। জীতৃক্ত তার বাতেকে এইতাবে स्वाप्तान करात गत, टगरे गुरे शागार्ट, कृष्ट व काराय, वर्ष भविताल अस्त्र ध्रमः चैरम्प गुरनाधिक स्वयुन्त अपनी ভাগতে করতে জালের রখ চালন্য করে নগরী হতে নির্গত হলেন। অতি জনসংখ্যক সৈন্য তাদের সঙ্গে দিল প্রিক্তা শ্রম রখের সারখি দক্তকের সূচে নগরী থেকে নিৰ্বাত হয়ে শতাখানি করলেন এবং শত্ৰ- দৈনাগণের হামর ভৱে কশ্পিত হতে লাগণ।"

জরাসম তাঁটোর প্রনাকে থেকে কার্য—"হে কুরু, মলাধন! একজন বালকের সদে বৃদ্ধ করা বেহৈত লক্ষাজনৰ, জাৰি তাই এইভাবে একাকী ছোমার সঙ্গে वृद्ध कत्रास्य देव्हा कति था। कृति पूर्व, काहे मुक्तिय খাকো-ওরে কজন হত্যাকারী, চলে বাও। আমি **क्टाराह करन बुद्ध करन जा। १५%, बक्टराह, रानि घर**न কর যে, শুনি লড়তে পরুবে, ভা হলে সহস এবং থৈর্য ধানশ করা একে আমার সংশে বৃদ্ধ করা। আমার বাণ বারা বিষ-বিজিন্ন ভোষার বেহু ভারণ করে তুমি বর্ণে থেতে পার, নতুবা আমাত্রে বধ কর 🖺

বীক্ষাব্যন কালেন--"প্রক্ত বীরণণ কেলমার দক ইম্বাল করে লা, বরং কর্বেছেরে ভাগের বিরুষ প্রদর্শন কলে ৷ আমরা কোনও আত্তরপ্রও মুম্বভিনের কথা জ্ঞাত দিয়ে হৈলে নিতে পারি না।"

শ্ৰীল ওঞ্চলৰ গোলাত্ৰী ৰচজেন—"বাৰ বৈমন

মেখনলৈ থান সূৰ্বনে থাকন বুলিকল কান্ত মানিকে আকৃত করে, স্বর্গান্থেও সেই মধুবংশক পুরুত্তর নিক্ষে মার্গাসম क्स अवर काव विकास ठेक्सवानि किएड फीएसड टेमना, बेचे. থাক, কাৰ ও স্বস্থিচার স্কল্পেই বেউন করেছিল। রমণীগুণ সুউচ্চ পুরু প্রান্তার ও নগুরীর সিংখ্যারগুলিতে ক্রিছেরিকের। তারা হবল গলড় ও আল বৃক্তের প্রতীক जयभित्र शतका चाला क्रिक्टिंग्ड क्या च कातारका तथ मूर्णि আর দেখাতে পেলের মা, কবন তারা শোকাছত হরে ম্ভিত হয়ে পড়েন। তাৰে বিবে সমবেত মেবসংশ विनुत्र मक टेराजार शहा धारिकास ७ सरका नाम वर्गान উমা সৈনাদের পীড়িত হতে ধর্ণন করে, শ্রীহরি ঠার শার্ষ নাহক সর্বোল্ডয় ধনুকে ইংকার কানি করণেন, বে-ধনুকটিকে দেবতা ও অসুরের উভয়েই পূজা করে থাকে। ভগরান প্রিক্তা তার তথ খেলে তীরগুলি প্রথম করলেন, मधीन सन्धंत मरावाकिक कार्यन, चाकर्वन कार्यन এবং অগণিত পালিত বাল্যালি দিক্ষেণ করলেন, বা শওর রখ, হস্তী, কথ ও প্রাতিক সৈন্দের আঘাত কাল। ভাষনাৰ তাঁৰ বাণৱালিকে ভালত অভিবেলতেও মতো নিকেশ কর্মার্থনের। ছাতিওলির কলাল দ্বিখতিত হতে ভুমিতে গতিত হণ, দৈনাকহিনীর অবভুলি ছিল শ্রীবা হয়ে পতিও হল, রগওলির অন্, কর্মা, সার্থি ও রবীগাৰ কর চুর্প-কিচুর্ব হরে পভিত হল এবং পরাতিক সৈন্যদের কথ উঠ ও ছাও ছিবনিটিয়ে হয়ে বিখনত হণ। दुक्तरकात अनुस्, इसी थ भारता सकरताह, सा रख रथ হয়েছিল, তা খেকে মডের খড শঞ্চ নদী প্রকাহিত হতেবিল। এই সমন্ত মনীওলিতে প্রতেপ্তি সাপের মতো, মানুৰের যাখ্যগুলি কছেপের মতে। যত হাতিগুলিকে হীপের মডো এবং মৃত অবভালিকে কুমীরের মডো মনে হচ্ছিল। হাড এবং উরুওলি বাহের মতে, মানুবের চুলের রাশিকে শৈকলের মধ্যে, ক্রুকগুলিকে তেওঁরের মতো এবং বিভিন্ন অন্তওলিকে ওম্বের মতো মনে হুছিল। ব্রচের নদীখলি এই সমস্ত কিছতে পরিপূর্ণ হতে উঠেছিল। রূপের চাকাকে ভারতর বর্ণির মতে। মেগাদিশে এবং মৃশ্যকল ক্লম্ভ ও জলভাবতলিকে তীও কেনে প্রথাবিত রক্তের কর্নীতে পাতর ও কাঁকরের ছাগে মনে হজিল ৰ তীক্তকে মনে ভৱ আৰু মনবিধের আনক উত্তেক করেছিল। অপরিমের শক্তিধর প্রীবলরেম ভার মুখল অপ্রের আফতের দ্বারা মগগেনের দৈনা বাহিনীকে বিনাপ করেছিলেন এবং যদিও এই বাহিনী ছিল অপাধ ও দৃশ্যর সমুদ্রের মধ্যে ভরধন, কিছে জনতের ইপকরে, কসুথেকের দুই পুরের কাছে এই পুন্ধ ছিল কেবল খেলা। মত্রে, বিনি ব্রিভবনের সৃষ্টি, দ্বিতি ও প্রদার রচনা করেন এবং বিনি অনুত্র চিম্মর গুণাবলীসালার, তার কাছে যোটাই আপ্তৰ্গজনক নয় বে, তিনি একটি নিপক দলকে কিলাশ করছেন। তবুও, ভগধান কথন কাবের আচলং অনুকরণ করে সেটি করেন, ওখন অবিপর উল্ল সেই আচরপের কাবর করেন। কাবলৈ ও হতকৈন জনসংকর কেবলমাত্র নিঃখাস্ট্রকু ঋবশিষ্ট বিল। সেই সমতে জীবলরার কলপূর্বত দেই শক্তিশালী যোজাতে ক্রমী শরণেন, ডির্ক বেষন কোলও সিংহ আরেকটি সিংহকে বাশুৰ্বৰ ধ্যালায়ী কৰে। বয়ংগ্য দিক গাণবছন ও व्यन्तामा कार्याटक त्रव्य प्रता, कार्याम (गरे वर नक रखे প্রয়াসক্ষকে ব্যৱস করতে থক্ত করলেন। কিছু ভারবান পোবিশের তথনেও অর্থসাম্বের মধ্যের একটি উল্লেখ্য পর্য করা বাকি ছিল এবং ভাই ভিনি বলবামকে গামতে ক্ষালেল। বেছোণের করেছ উজ্জালানিত জরালার ছুই। ৰাগদীৰতের কাছ থেকে মুক্তি লয়ভ করে লক্ষ্য গোমেছিল बारा फारे त्य छन्फर्गत क्या महक करान। न्यून বিভিন্ন বাজারা ভাবে সান্যভাবে পার্মার্থিক কান ও লৌকিক বৃক্তিছাৰা বৃভিত্তেছিল বে, ভার পক্তে আধনিরহের ধাবণা ভাগে করা উচিত। স্থানা ভাকে বলেছিল, 'তোমার অতীত কর্মের অনিবর্গে কলক্ষ্যাল মনুদের কাছে তোমনে পরাজার হলেছে মার ট ভার সংক্ষ टेमर निरुष्ठ बर्ज अन्स निरुष्ठ ग्रहस्थना क्षत्रकाना कार्य **টিপেন্সিত হয়ে, বৃহম্পপুত্র রাজ্য জন্মসন্থ ভালে মনে**র मृहत्य अनुस आत्या अधार्यक्र कृत्यः ("

"ধনবান মুখুৰ তাঁর নিজ মৈন্যবাহিনী নিয়ে সম্পূৰ্ব অঞ্চতভাবে তীয় শক্রের সৈনের সবুর উত্তীর্ণ হলেন। তিনি বর্গের অধিবাদীকে অভিনক্তন প্রহণ করলেন একং তার কপরে তারে পৃশ্ববর্ণ করেনেঃ মধুরবাদী ভাগের মচত আপৰাৰ উত্তাপ থেকে মৃক্ত চাৰে আনংশে পন্নিপূৰ্ণ হলেন, জান চারণক্ষনি, খোবক এবং ভাবকো উল্ল বিকারের ছাতি গান করে তীরা সংখ্ মিলিড হবনা ছান্য ব্যবিদ্ধে এলেন। ক্ষমবান উল্লেখনবীতে প্রবেশ করলে,

ক্ষা ও সুন্তুতি কর্মিত হল এবং আনেও চোল, লিজ বীৰা, বেৰু ও মৃৎকের ঐকডান বেলে ভাইল। ব্ৰজেশ্বওলি জলে সিক্ত করা হয়েছিল, সর্বা প্রক্রা **किवित क्षर (कार्यक्री केश्युक्ट क्या** হলেবিল। শ্ৰদ্ধনাসীয়ে উল্লেখত হয়ে উঠোকে কক रेवनिक माजब कीर्डस्न मनती मिनाभिक इक्तिन । वन রমণীরা বছন সংগ্রহে ভগবানকে দর্শন কর্মজনের জন্ম প্রীতিকাতঃ উদ্দের নয়ন ব্যক্ত্রেলিভ ক্রেছিল এবং জিতা তাঁর উপায় পূজা হাল্য, দবি, অক্সত ভাতুল ও ক্ষরত ছড়িরে নিজিলেন। কলবান নীকৃষ্ণ তথন বৃদ্ধক্ষেত্র ৰতিক সকল সম্পদ্ধ-প্ৰধানত, মৃত যোগ্যাদের অসংখ্য ভ্ৰণসমূহ, বনুবাজকে উপহার প্রথম করলেন। 📸 একটভাৰে সভেত্ৰকার মগধ্যামকে প্রাক্তর বরণ ভারতে হারেছিল। ক্রিছ ভারুও এতবার পার্যজন সংস্থাত শ্রীক্রভান যাল সুমক্ষিত, যদুমাজের যাহিনীর বিশ্বছে তার অক্টোহিনী বহিনী নিরে সে বৃদ্ধ করেছিল। ভগবনে জীকুকের সঞ্জি করা, বৃষ্ণিগণ নিশ্চিতরূপে অয়াসকের সকল বাহিনীকে क्षरम् बदाधिकान वाकः यक्त कात मकन देमरा निरुष्ठ 'हम, 'छक्त जाका छात्र मदन्त कोता सुक क्षात व्यावह विरुद्ध निरुक्तिकर ("

"ঠিক বৰ্থৰ অষ্ট্ৰাৰপ্ৰায়ের যুদ্ধ ওক্ত হতে ব্যক্তিক, ক্ষমন নার্থ স্থানির হোরিত কাল্যকা নাত্রে এক কর্ত্ত জেছা বৃদ্ধক্ষের উপস্থিত হল। মধুয়ার এনে এই কল তিন কোট বৰ্ন্য নৈন্য নিয়ে নগরী আৰক্ষেধ করেছিল। ে কথাই বৃদ্ধ করার উপযুক্ত প্রতিক্ষী মানুষ বাঁজে পারনি, নিম্ম সে অনেছিল বে, বৃথিয়া ছিল তার সমকক। জীকৃত্য ও জীসকর্মণ বর্থন কাল্যকনকে দেখলেন, তথন ত্ৰীকৃষ্ণ পরিস্থিতি সমতে ভাষ্টেলন এক কালেন, "আহে, मुलिक एष्ट्रक्ट्रै महाविश्म अबन क्यूट्स्ट्र कट्या क्रांब्र इट्ट फेटिए। "और राज्य दिवस दिवस्था कामारमा कारतन्त्र कारताह. क्य समस्य नकारूमी सभाव भीधरे क्यांक चान ना হলেও কাল অথবা লয়ও এনে উপস্থিত ছবে। "আলো ভবন কলাবংনের সঙ্গে হুছে বাস্তু থাকব, ভবন যদি কাবান কবাসৰ আসে, তা হলে কবাসৰ আমাদের আগীরবজনদের হত্যা করতে পাথে অথবা ভার রাজধানীতে ভালের নিয়ে চলে খেতে পারে। "সুভরাং च्याच्या अकारे अस्य अकारे मुर्ग निर्मान करन, चारक रचन

প্রায়ের ব্যাহানর পরিবারের সকলকে সেধানে রেখে काति अवर कातनव अदि वर्षत्र द्वाकार्क वर्ष कति।" এইভাবে বলরায়ের সকে বিবয়টি আলোচনার পঞ্জ নার্মেশর ভাগবান সম্প্রের মধ্যে বাদশ বোজন বিস্তুত ্রারাট্ট দর্গ প্রস্তুত করলেন। সেই দর্গের ভিতরে সকল কৰা ভাতে বস্তু সমন্ত্ৰিত একটি নগায় নিৰ্মাণ কংলেন। েট নার নির্মাণে বিশ্বকর্মার বিজ্ঞানসম্বন্ধ পূর্ণ করে ও ভানতা সক্ষতা পরিদল্পিত হত। সেখনে বিভীর্গ বীথি লয়, খানিয়া পথ ও প্রশন্ত ভূপত্তের উপরে নির্মিত চত্তর _{অক্টের} আন বিল বিচিত্র উপকা এবং কর্মীয় ভর্মগতা মিয়ে সংস্থাতের স্বাধান। সৃষ্টিক তোরসভারগুলিতে ধাকত क्र्यंत्रक अवर मिछलिक केंगविकारत न्कृतिक विरय সুকৃতিক হয়। সুকামণ্ডিত বাডিওলির সাম্যান সেংনার ৰুনাম এখন শিখনে বস্তুখনিত মাধ থাকত এক সেগুলিব মেখানকার পুরুষেকতার জন্য একটি মন্দিরও বাকও। ভগরান প্রীকৃষ্ণ মণুর থেকে ক্রেকো:"

_{মানবাশ}ভিট্ কলপ্রয়োল করে প্রবেশ করতে লারবে লা। সমাজের স্বরুল প্রভাগ চারি বর্ণের মানুরে পরিপূর্ণ সেই नवड़ी बर्भरंगर नाथ केंड्रक्टमा धानामधिरक निया নিলেবভাবে শোভা গেত। নেবলক ইয়া জীকৃতকা কৰ সংখ্যা সভাগ্য নিয়ে এসেছিলেন—খনা ভেডরে দীভূমেশ মানুৰ মৰ্ত্যলোকের কোনও বিবানের অধীন থাকত না। रेख भाविकाल कुछ अहन मिर्ह्याक्र्यान । कुम्परस्य मह्स्य গতিসম্প্র ভারতালি থার্লল করেছিলেন, সেই আবতালির কণ্ডেকটি প্রিল ভার লামে ফর্লের, অন্যথালি পেডাটার। দেবতাদের কোবাধ্যক কুবের গুলি আটাট বুঢ় সম্পাদ প্রদান করেছিলের এবং বিভিন্ন প্রস্তের অধিপতির প্রত্যেক টোদের আলন ঐপর্যকৃতি অর্থণ করেন। পর্যায়খর ভাগান পথিবীতে অবতীৰ্ণ হলে, হে রাজন, ইতিপূৰ্বে ব্যেকতানের নির্দিষ্ট কর্মনু প্রয়োগের জন্য তিনি যে সকল আবিপতা তাঁলের প্রদান করেছিলেন, এখন তাঁরা সবই ভীকে প্রভার্পন করকেন। ভীরে বোগমারাবলে ভীরে সকল মেরেন্ডে মুন্দাবন ফাকডমনি গাঁখা পাকত। বাউণ্ডলি আশীরদের নতুন নগরীতে স্থানাথতিও করে, মধুরাকে ছাড়াও কোবাগার, খণাম ও সৃক্ষর ক্ষাপের ক্ষান্ত ক্রমার ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত অবশালা সমস্ত কিছুই রুগা ও লিওগে নির্মিত হয়েছিল। স্ক্রীকৃঞ্চ পরারর্গ করেনে। তারপার একটি গছমানর ধারণ প্রত্যেক আবাদনেই একটি শীর্ষকক্ষ থাকত এবং করে, কোন অন্ত না নিয়ে, সনুবার প্রধান তোরণ শিষ্টে



একপঞ্চাৰ অধ্যায়

মৃচুকুন্দের উদ্ধার

বীল ভঞ্জেৰ লোকমী বল্লেন—"কাল্ডবন দেবল, ভগৰান মধুৱা খেলে উৰ্বীখনান চল্লের মতের নিৰ্গত মদেন। ইভিগবানের কল্যাম্বর্ল ও পীত প্রশাসকর হার। ক্ষকে মত্যন্ত সুশন্ত দেখাছিল। তার বন্ধোগরে তিনি জীবংস চিফ ধারণ করেছেন এবং গাঁর কঠে কৌল্লসমনি শেকা পাৰিলে। জান চারিকার ছিল বলিট ও দীর্ঘ। তিনি, পদ্মসাই অঞ্চলবর্ণের কুইনেয়া, মানোরাম দ্যুতিসায় গওবেশ, ওছহাসা ও উত্মাল ফকরাকৃতি কৃওলার সমষ্টিত খার চির আনস্কল্প কমলসভূপ মুখ্যাওল প্রদর্শন

করছিলেন। সেই কল ভাকেন্ 'এই পুরুষ অকশাই বাসুকের করেন, কারণ ডিনি নররদ উল্লেখিত নৈশিষ্টাওলি ধারণ করছেন তিলি জীকলে চিহ্নিত, ওটা চারটি কছ তার কমলসদৃশ মরন, তিনি একটি কামালা পরিধান করেছেন, এবং তিনি অভ্যন্ত সুপর। তিনি অন্য কেউ থতেই পারেন না। বেহেকু তিনি পধ্যক্তে গঞ্জ করছেন असर निश्चा चानि केश महत्र विश्व चरचरे कुछ कार्य (এইভাবে সংকল গ্রহণ কৰে নিছন কিয়ে প্লায়মান শ্রীক্তগবানের বিক্রে সে ধ্রবিক্ত হল। কাল্যকা ভাগবান

মীকৃষ্ণকে ধ্যানার আগু করেছিল, যদিও মহামোগিয়াও छैत्तक क्षत्रक कारक मा। त्यन तक तकाम मुद्राई कारायराज्य शास्त्र का नक्टल नार्डन, अरेकारन क्रमन, हीद्वि नथ रम्परिष्ट रमगर्थं करमहाकर्ष कर गृत अकी। লর্বত ওহার দিয়ে গেলেন। কর্মন ভগবানের পশ্চাৎ বারন করছিল, ভখন বৰন এই বলে উচ্চে অপমান করতে জাগল, আপমি ঘর্ণবালে উক্সপ্রহণ করেছেন। আপ্রার পলায়ন করা ঠিক নর ৈ কিছু ভবুও কালফক প্রকৃষ্ণের কাছে পৌছতে পারণ বা, কাবণ ভার পরপর্কার কল পরিওছ হর্মন। এইভাবে অপমানিত হলেও, শ্রীভগবল পর্বত ওহার প্রবেশ করলেন। कानकदानंत अध्यान कवन अनर (मधाइन (म कान) अवकान মানুষ্টে নিরাম করে কাক্তে কেবল। "ভা হতে, बाजारक क्षष्ठ गीर्च बुद्धाच मिरह करन क्षम रह क्षमारन এক সাধ্য মতো ভার আছে?" এইকাৰে বুমন্ত মানুবটিংক জীকৃষ্ণ জনে করে, সেই মূর্ব ভার সর্বশক্তি দিৰে ভাৰে পদাধাৰ কলে। এক শীৰ্থ নিয়নে পৰ সেই प्राप्तकार क्षेत्रकार अवर शास्त्र वीरत केरन पृष्टे कार्य ট্রনীলিও করলের। ছত্রনিকে করলোকন করতে করতে, তিনি কাল্যকনকে ভার পালে স্টাভিত্রে থাকতে কেবলেন। নিলা খেড়ে উবিত মানুৰটি কুন্ত হলে উঠল এবং কালববলের প্রতি জৈর দৃষ্টি নিকেশ করলে ভার দেহে অধি শ্ৰন্থলিত হল। কংকালের মধ্যে, বে বাজা পরীক্ষিৎ, কলেফর ভশীভূড হাত্র নিরেছিল।"

রাজা পরীকিং কালেন—"হে ব্রাথণ, পুরুষটি কে হিলোঃ তিনি কোন্ পরিযারের এবং কি শক্তি তার হিলা কোন সেই বহন নিফাকারী সমূবটি নিধার জন্ত করার মধ্যে পানে করেছিলেন, এবং তিনি করে পুরুং"

ইলৈ ওপণেৰ গোৱাহী ৰদাদেন—"এই বছান বাতিকে নম কি বৃচ্চুক, বিনি ইক্ষুকু বলে মাৰাভান পুত্ৰ মাণে ক্ষাভাহৰ করেছিলেন। তিনি ক্লান্য সংকৃতিত্ব প্ৰতি নিষ্ঠাৰান ছিলেন এখা বৃদ্ধে তাৰ ক্ষাপাধ্যক সৰ্বল সভাপনাৰৰ ৰামতেন। তাৰা ক্ষাপ্ত আনুবল্ধে ক্ষান্ত তাত হচেছিলেন, ক্ষমা উল্লেখ প্ৰদান আনুবল্ধে ক্ষান্ত এবং ক্ষাপ্তাৰা দেবভাগেৰ ক্ষানুৱেবে মুচুকুক দীৰ্ঘ ভাল ভাৰৎ তাকের ক্লা করেছিলেন। দেবভাগা বখন ভাষেত্র সোপতিকাপে ভাতিকেত্তকে পেলেক, ভংব, ভাষা মুচুকুলকে বললেন, 'য়ে রাজন, আপনি এখন আলাভা প্রতিধেকর ক্লেশকর কর্তবা পরিস্থান করতে প্যাত্ত মনুবালেকে কোনও হতিপক্ষীন এক রাজত্ব পরিত্যার करत 📭 बीक्षक, बाब्यसम्ब संबंध निर्वाक्षित बीवर्स स्थान ক্ষ্যেপনার ব্যক্তিগত ক্ষাকাক্ষ্য স্বাই যোগরি উপ্রাক্ত कट्टर्रकट्यान । जन्मानामि, त्रापीता, कापीसवर्ग, महीजादिक्य छ । (प्रदेश करी अवर अवस्ता, योजा आभवात अवस्त्र मेर ছিলেন, ভালে আরু ভানিক নেই। কাপের প্রভাবে উলো সকলেই বিলীন হয়েছেন। পরমেশার ভাগরান বারং ভাযত মহাকালস্কল, এবং শক্তিমানের থেকেও তিনি শক্তিমান পশুপালক তার পতাড়ের কেমন চালনা করে, তিনিও মধ্য জীবদের তার দীলাক্ষাল চাকনা করেন। আপনাত সর্বাহনল হোক। একা আমানের কাছে দত্রা করে একটা ব্য পূচৰ কলন-খুক্তি ব্যক্তীত যে কোনও কিছু কাৰৰ অচ্যত প্রমেশ্য ভগবান, বিষ্ণু, কেনোয়াই ছা প্রদান করতে পারেন।" এইমানে করা হলে, রাজা মুচ্জুন দেবতালের করে থেকে মদ্ধা সহকারে বিদায় প্রচণ क्तारभन बन्द बन्दि करात प्रश्ना निर्देश स्थलाहरू অনুযোগিত নিয়া উপভোগের জনা শরম করুলেন।"

াবৰন ভাতীভাভ হয়ে গেলে, আনবার প্রত মুচুকুক্তের সামনে, সাম্বভ্যধান জীভগ্যান আবাপ্রকান করকেন। তিনি যাধন কাশবানের দিকে দৃষ্টিপাত করকেন, কলা মুচকুৰ বেখালে যে, তিনি খেলের মধ্যে শ্যামন, চতর্ভস্করতে, লীভ রেশম বস্ত্র পরিধান করেছে। তার কলেপত্রে তিনি শ্রীবংস টিফ বারণ করেছেন এক উন্ন কঠে উচ্চল ভৌতত মণি বিরাজিত। বৈজয়ন্তী মালাং লোভিক হার ক্লবান তার সুকর, সৌন্য সুখ্যওল প্রকর্মন কর্মানেন, জ ফলনাকৃতি দুই কুণলে ও প্রীতিমর হাল্যের সৃষ্টিপাত সমন্বিত হয়ে সকল মানুবের সৃষ্টি আকর্ষণ করে। জ্যার যৌকনরাগ সৌন্দর্য ছিল অভলনীয় এবং তিনি এক মত সিংহের খেঠছ সম্বিত হয়ে পদচারণা করভেন। জনখানের যে তেজ ওঁাকে অপরাজের রূপে প্রদর্শন করছিল, তা লেখে সেই মহাবৃদ্ধিমান রাজা অভিভাগ্ত ইয়েছিলেন। জার সন্দিশ্বতা প্ৰকাশ কৰে, যুচুকুৰ বিধায়ন্তভাবে ভগধান কৃষ্ণকৈ अरेकारम श्रम कराया ।

ব্রীযুঠুকুৰ বললেন—"কে জালনি পদা পাণড়ির

মতো কোমল পারে কণ্টিকমা ভূমিতে বিভাগ করে।
ভারগোধ মধ্যে এই পর্যাত চার উপজ্ঞি হাতেছেন ।
সাধাত আপেনি সকল তেজাধীনপার তেজা বারালা।
ভারগো জানেনি অভিনালী অভিনেত্র, কিলা সুর্যাত্র,
ভারগো, বার্গের মালা অথবা অব কোন অগভের গালক
গোধতা। আমি হলে করি, আপনি ভিন রাম্যা সেবভার
মধ্যে পার্যােশার, কারল প্রদীপ কেরাণ ভার আলো বারা
ভারতার বৃর করে, সেইভারে আপনি এই ওবার অভকার
পুর করছেন। যে পুরুষ্ঠেনর, বনি আপনি ইলা করেন
ভা হলে সভারগো আগনার আন, কর্ম ও গোরা, ধারণেছ্
আমানের কারে কর্মনা করুন।"

"ত্র পুরুষকার, আনার নীট করির পরিবারত্বত রাজ
ইন্যুকুর বংশকর। আনার শান মুচকুন্স, হে তেনে, আনি
বুবরাধের পৌর এখং মাছাভার পুর। তীর্যকার
জারকার কলে আমি ক্লার হার পাহেকিয়ন এবং আনার
সভার ইন্রির নিরাই আক্ষের ব্যাহিকা। আই এখন
আনারে তেওঁ না জাগানো করিই, এই নির্মন ছানে অপি
সূথে গুমিরে নিলান। যে মানুষটি আনাকে জালিরেছিল,
ভার থাপের কর্মকল বারা সে কার্যান্ত হল। ক্রিক
ভবনাই আপনার অক্রান্ত লাসিকের শক্তি সম্ববিত
মহিমাব্যকাশে আপনাকে আমি দর্শন কর্মান। আপনার
আস্থ্রীয় উজ্জ্বল লুভি আমান্তর শক্তিক আলার করেছে
এবং ভাই আম্বা আপনার উপর দৃষ্টি নিক্ষ করেছে
গারহি না। যে মহাভাগ, অগনী সকল জীবতুনের কাছে
যাননীয়।"

"এইতাৰে ব্যক্তর সভাৰণ ওলে, সকল সৃতিত্র মূল প্রয়েখন ভগবান হাসলেন এবং ভারপর উল্লে যেযগরীয় কঠে উত্তর নিলেন।"

পর্যোগার উপবান কলাদেন—"হে তিয় বহু, তামি
সহত সহত জন্ম প্রত্বণ করেছি, সহত সহত জীবনে
কর্মতংগা হয়ে এবং সহত সহত লাম লাম প্রত্বা করেছি।
প্রশৃতপঞ্জে, আমার কাল, কর্ম ও নামসমূহ আসীয় জনত
এবং তাই আমিও ভালের গণানা করতে পারি না। কহ
কাম ধরে কেউ হয়ত পৃথিবীয় বৃধিকারা কাল করতে
সারে, কিছু কেউই আমার ওপাকলী, কর্ম, নাম ও কাল
দেনা করে কাবনও পোর করতে পারে না। হে সাকন,
বেই অবিগাদ সময়েই তিনটি প্রায়ক্তরে হট্যান আমার

बाध ଓ कार्रगद्द भागत काउन, किन्तु टीड़ी कथाबे गिरे শব্দার শেষ অর্থন পৌত্ততে পারেন না। স্তথ্যপি, হে সংখ, আহম কর্তমান কলা, ধাম ও কর্ম সক্ষরে আমি (साधारक काला । क्या कटा जावन क्या । किंदू काल व्याप्ता, প্রকার কামানে কর্ম কর্মনা করা এক ক্রমার মাল অস্বদের किनारमंत्र क्रमा चनुद्धान करता। छदि चामि यम् बराग, আনকদুশুভির গুড়ে অবতীর্ণ হয়েছি। প্রকৃতগক্ষে, কেন্টের্ আমি বৰুগেবের পুর, হাই লোকে আমাকে বাসুগেব বলে। কৰে জুল পুনৱত কৰা নিচে, কালনেমিকে, সেই সঙ্গে প্রসাহতে এবং পুনারুল্যমা; অন্যান্য প্রকাশস আমি বৰ করেছিঃ আনু এখন, বে ব্যক্তন, এই বৰন তেমের ভান্ধ দৃষ্টিপাতের দ্বারা ভান্টান্ডত হল। বেহেতু ক্ষতীতে ভাষি ব্যৱ ধান আমাদ কাছে প্রার্থনা করেছিলে, ভাই ভোজাকে কৰা প্ৰদৰ্শনের ক্ষম আমি স্বরং এই শুহার উপস্থিত হয়েছি, কারণ আমায় জকগণের প্রতি আমি বেহলবারণ হয়েই থাকি। হে রাফর্সি, এখন আমার কাছ কেন্দে ভোনার আ কিছু বন প্রার্থনা কর। আমি ভোমার अक्रम् आकाशका पूर्व कराव। (क कामार्टक अश्वरे करवार्ट् পার কর্মনত তার পোন করার প্রয়োজন হয় না।"

वीम एकरस्य भारतायी कलरमा—"वाई कया छत्न युव्यूच्य वीक्यवात्तव द्यारा मिरका यहारामा असंस्थित कथाएमि मरा द्वार छिनि व्यानाय पूर्ण दरा वीक्यवरण, भद्राम्यत व्यायम का कारणम—"द्य कगाना, वहें वर्गावत मन्त्र, श्री व पूर्व्य केंद्राये, व्यापना वर्गाय मिर्व्य प्राय विद्यारिक। मिर्वारम प्रभुक यहण मदाब व्याव्य क्राय विद्यारिक। मिर्वारम प्रभुक यहण मदाब व्याव्य क्राय वार्यायक। मिर्वारम प्रभुक यहण मदाब व्याव्य क्राय व्यापनाय क्रमा बदा मा, विद्य क्राय मिरवर्ग मिरवारम भावियारिक विदाय व्याव्य क्राय यथार मूच व्याव्याय वर्गा, व प्रकृष्णमा प्रदाय केंद्राय द्यावस्था वर्गा व्याप्त्य प्रमुक्त क्रीयाय केंद्राय व्याप्त्य व्यापनाथ क्राय क्राय्यक, द्याव्याय क्रमा व्याप्त्य व्यापनाथ क्राय क्राय्यक भूषा करा मा। व्याप्त्य भावित भवा प्रथम क्राय्यक भूषा करा मा। व्याप्त्य भवित भवा प्रथम द्याव वाश्यक भूष्टा मारवा व्याप्त्य व्यापनाथ क्राय्यक मुख्य क्राया मा।

শারে, কিন্তু কেউই আমার ওপাকলী, কর্ম, নাম ও ক্রম্ম "হে অব্সিত্ত, পৃথিবীয় এক রাজার মতো আমার স্কর্জ্য গদনা করে কথনও পের করতে পারে না। হে রাজন, ও ঐপর্য হারা মন্ত হরে আমি এই সকল সময় নাই বেষ্ট ব্যবিগদ সময়ের তিনটি প্রয়ন্তক্তমে ইউনান আমার করেছি। আন্তভাবে নম্মর মেহটিকে আন্তভ্জান করে পূর,

উদ্ৰেদ ছোণ কৰছি। স্বভীত উদ্বত্যের সূত্রে একটি ঘট অধন একটি মেওকালের মতো কর বরুকণ নেহরবেশ আমি নিজেকে যনে করেছিলান। নিজেকে সমক चानात्मक करने नेपन करने करते हुन, शाही, चन्हाआही, পদাডিক দৈন্য ও সেলাগড়ি যায়া বেষ্টিড হরে, আমার বিশবে চালিও অহুকোর দিয়ে আপনাকে অৱস্থা করে, আমি পৃথিবী পর্যান করেছিলাম। ইতিকর্তব্য চিপ্তার আক্রম হয়ে গভীবভাবে লোডী এক ইন্দ্রির উপভোগে। আৰম্পিত কোনও মানুৰ স্তুস্য মিজা প্ৰবৃদ্ধ আপনাথ সন্ধ্বীন হয়। স্থার্ড সাল বেফা ইবুরের সাহতে ভার বিষদতে লেহন করে, তেমনই আপনি মানুকো সামনে মৃত্যু রূপে আবির্ভূত হন। যে কেই প্রথমে বিপাল হন্তীতে কৰা স্কামণ্ডিত রূপে আরোহণ করে 'রাজা' মাম খারা পরিচিত হর, পরে আপনার দুর্রতিক্রমণীর কাল निक बाता का 'रिका', 'कृषि' स्थ 'कृषा' माट्य चल्हिहिल হর। সমগ্র দিঙমধাল বিহিত করে এক এইভাবে সং গ্রামণুন্য হরে; একর ভার সম্পক্তিসম্পন্ন ছিল এমন রাজনাবর্গের স্থতি শক্ত করে, মানুহ বর্গীর সিংহাসনে উপবেশন করে। কিছ হনন দে মৈহনন্থ লভা वीरमानरामा शरकारके शरकम करत, रह सम्मान, समन रन ইতিমধ্যেই শক্তিমান কোনও রাজা হবি অধিকতর শক্তি অর্জন কথারে আকাশেল করেন, জা হলে তিনি সবছে ক্তলভৰ্মা পালন করেল এবং ইন্দ্রিয় উপজোগ পরিহারের মাধ্যমে নিষ্ঠান্তরে তার কর্তব্য সংখন করে থাকেন। কিছ चामि 'शरीन क्या नर्यस्त्र कर्छा' काम डिक्स करत चेत শালসা অতীন উন্নয় হয়ে ৩ঠে, তিনি সুবলাভ করতে পারেন মা। বর্ণন পরিক্রমণশীল আভার সংসার জীবন সমাপ্ত হয়, ছে অচ্যত, ডান্স সে আগনার অভাগদের সাহিত্য লভে করতে পারে। কর্মন সে তালের সম লাভ कर्य, अबन कलकार्यन सकावकान अवर प्रकृत ভক্তি লাগ্ৰত হয়।"

অংসন্তি সতঃস্থর্ভভাবে নিবৃত্ত ইরেছে। বিশাসা ভলস্যা পাননের ধারা স্থিতিত পাণরাশি প্রাভৃত করা

পত্তী, সম্প্রদাও ভারির প্রতি আসক হতে অতি অভাইন সালাজের লাধু মনোভারাপর শাসকগণ নির্বাস ক্রীক बानका छेटाराम् रक बानास्थितारी हरत और धरतका वाश्रीतकः धार्यन् करतन। (क विएका, व्यक्तिकातका त হর কভাছে আগ্রহের সঙ্গে প্রার্থনা করে থাকেন, আগ্রনাত সেই পাশ্বরের সেবা ষ্যতীক কর কেনেও, বর আহি প্রার্থনা করি মা। হে হরি, যে উল্লভ পুতৰ মৃতি প্রদান্ত। चानन्तः चात्राध्य करात्, दिनि कि दीतं चानन वहत्तव কারণ সভাপ অন্য কোনও বর প্রার্থন করকো? স্বত্রাং ্ ছে প্রভা, রঞ্জ, তম ও সপ্রওগাকদীর সঙ্গে বছনায়ত্ত ছভ বাসনার সমগ্র বিষয় পবিস্তাপ করে, আরারের স্থান্য, হে প্রক্রেম্বর ভাগবান, **আমি আপনার পর্নাগত ছচি**। ध्यानि प्रयु देशिकमूद् राजा चालक सम, चार्शन सहर उत्था, नर्नकालका ७ निर्शन। वीर्थकाल वायर धाँरे क्रांतरक আমি বুঃব লীডিড এক অনুতাপে লগ হয়ে আছি। অনুমার ছবটি শব্দ কথনই তান্ত হয় না একং তাই, আমি কোনত শান্তি পাকি শা। সভারাত হে আত্রর প্রদাতা হে পর্যালা, উপা করে আমাকে রক্ষা কঞ্জা। *তে* ভাবনে, বিপদগ্রন্ত আবি, সৌভাগ্য বলে আপনার हतपकर (अब मतनाभाग स्टाबि, या मध्य अवर वा धनारक নিৰ্ভয় ও শোকমুক্ত কয়ে।"

জীভগবান কলপেৰ—"হে সাৰ্বভৌষ, মহারাঞ, পৃহপালিক পশুস সতোই পথিচালিক হ'তে পাৰে। জোমান চিন্ত নিৰ্মণ ও কাবতী। বদিও আমি বন ৰাবা তোমকে প্রলোভিত করেছি, কিন্তু ভোমার মন খত বাসনসমূহ ছাত্র আছের হয় নি। তুমি বরলাণ্ডে বিমোহিড মত, ভা প্রমাণিত করবার জনাই, আমি বর প্রদানের মাধ্যমে তেফাকে প্ৰদুদ্ধ করেছি। আমার ঐকার্ত্তিক ক্ষকণাশ্যে বৃদ্ধি কৰ্মাই ক্ষম আশীৰ্যাদ বারা বিচলিত হয় মা। প্রাণারাকের মতো অভ্যাসমিতে বক্ত অভ্যতগণের মন সম্পূৰ্ণভাবে আন্ত বাসনা মান্তিভ হল যা। ভাই, ছে মাজন, তালের মনে জন্ত বাসনাগুলি আধার জেগে বঠে, দেখা সেছে। আমাতে জোনার মন ক্রির করে ইচ্ছামতো এই পৃথিবী ভ্রমণ করে। আমার প্রতি ভোগার বর্নাণ কার্যকারশের সুলবরণ, হে ঈশ্বর, আলনার প্রতি তার আকর গুড়ি সর্বহা বিরাজ করক। থেহেতু ভূমি क्षतिराज्य नीरिक कनुमान करतिहास, छोद मुधवा च कनामा "হে ধলবান, আমি মান করি আগনি জামাকে কপা। কওঁকা সম্পাননের সময় ভরি প্রাণী হত্যা করেছ। প্রদর্শন করেছেন, কারণ নিজ রাজ্যের প্রতি আমার এইভাবে জমাতে প্রণাণত হয়ে থেকে হয় সহকারে

এনিত। হে প্রাক্তম, তোলের প্রবর্তী জীবনেই বুবি ক্ষল। হবে এবং নিশ্চিতভাবে একমান আমার কাছে আগমন ±লতা পরম হাতাকাশলী ব্রাপ একলাম মেট রাজ্যপ কর্বে।"



বিপঞ্চাশতম অধ্যয়ে

শ্রীকৃষ্ণের প্রতি রুক্মিণীর বার্তা

সকল মানুহ, পশুপাথি, ৰুক্ষপত্যনিয় আকার সক্ষেত্রত গ্রমপ্রাপ্ত হয়েছে গক্ষা করে, মুচুকুন্দ কলিবুর সমারত জনাতিক সঙ্গের অতীত ও মৃত-সংশা সেই বীরবির ব্যবহা অপুনর্যার মুদ্যা সম্বক্ষে পুনিশ্চিত ভিলেন। তার মনকে শ্ৰীকৃষ্ণে মধ্য কয়ে, তিনি গণ্ধখনৰ পৰ্বতে আগনন क्ष्यरक्षमः। किमि क्षथपान वद नायरवरणा निवासकृति। গারিকাশ্রমে শৌছিয়ে সেখানে সকল বিধনবস্থের প্রতি গ্ৰমণীল হয়ে খেলে কঠোর ভগতর্বা সম্পাদ্ধের ग्राश्चरम किमि भारतकारन अन्याम क्षेत्रवित वाराधन করেছিলেন। জীভগবান মধুরার প্রভাবর্তন করলেন, খ ভখনও হক। দৈন্য দারা পরিখেটিত হরেই ছিল। ওখন किमि क्षांक टेनमारमञ्ज विमान कवरना अवर कारमङ ধনসম্পদশুলি বারকার নিয়ে বেতে লাবলেন। ঐতিক্ষেত্র निर्धानारीक क्षतमानम ७ काल समा ताहे अनगणना देवन धरून करत नित्रा चांदशा हकिला, छन्म बरशानिरनिष्ठ কৈন্বাইনীর সেতা হরে জরাসম উপস্থিত স্থান 🖺

"द्र ताक्त, भक्टेम्यान संस्कृत दान क्ष्म करा, पृष्टे মাধৰ, মানুৰের মডোই আচরণ অনুকরণ করে, ৯-৪ ধাৰমান হালেন ৷ প্রদুর কাসস্পান পরিত্যাপ করে, ভসপুন কিছ করের ভান করে, উচ্চের গছসমূপ গণরকে জীয় रेर स्थालन पूर्व काम कत्यान। वक्य क्षीतान बातानक

প্ৰাল গুৰুতেৰ পোৰামী কালেম—"হে হাজন, জালেহ গুলুতে কৰুতে দেখন, ডাৰ্ড সে জালেহেৰ এটভাবে জীকৃষ্ণের অনুহার লাভ করে মুচুকুল ভাকে। হামল এবং ভারনার রখ এ পরাভিক সৈন্যবের নিয়ে अस्थित करत राष्ट्रम निरंकान करातान। चन्द्रमध्, हेकुका - छैरासर भग्नाकाका करात। ८० गुरे छथभारमा भन्नरमायक তেবের বংশধর মুচুকুল ওহামুখ থেকে নির্মন্ত হলেন। মর্যালা উপলব্ধি করতে পারেনি। দীর্থ সুবন্ধ ধারিত হুওজন পত্ত কো পরিপ্রান্ত হয়ে দুই ভগবান প্রবর্ষণ নামে এক স্উচ্চ পর্বতে আরোহ্ব করলেন, বার উপরে ছারেছে ইন্সায়ক্ষম করে উত্তর দিকে বাল্ল করচেন। ইন্সায়ের অধিলাম বর্তন করে থাকেন। বনিও জরসেজ স্থানার যে, জারা পর্বতে লুফিয়ে আছেন, কিন্তু তালের কোন সন্ধান সে পেলু না। স্তরাং, হে রাজন, সে **इन्डिटिक काष्ट्रपछ उद्धार नर्वत्य व्याधन धतिरत निर्मा**। প্ৰদা উভৱে ভাৰ সহস্য প্ৰছলিত একালা যোৱন উক লর্মত ক্ষেত্রে বাঁল নিজেন, একা ভামিত্রে এলে পদ্ধকেন। তালের প্রতিপঞ্চ কথক ভার অন্তর্মের অলক্ষিতে, হে রাজন, কেই দুই পরম উল্লভ করু, মুরক্ষিত পরিধার মতে। সমূহ পরিবেটিত তালের ছরেকার পুরীতে প্রত্যাবর্তন করলের। অরগভাও স্থাল করে করল যে, অভিলয় হয়ে কারাথ ও কেশবের মধ্য হয়েছে। ডাই ডার নিশাল নৈদ্যবাহিনী সে প্রত্যাহার করে নিগ এবং মগধ রাংলা ক্রিরে ধেল। জীরকার আমেশে, ক্যানর্তের ঐপর্যপালী শাসক, কৈবত, জীবলরামের সামে তার কন্য রৈবতীর বিবাহ নির্দেশনঃ ইতিমধ্যেই এই প্রসদ আলোচিড হতেছে। হে কুকুপ্রেষ্ঠ, ভগবান গোবিশ বরং, তীপ্রকের কন্য, পান্ধীদেবীৰ প্ৰত্যক অলে প্ৰকাশ বৈদতীকে নিবাই কবেছিলেন। ক্ৰম্বিণীৰ ইচ্ছানুসাৱেই ক্ৰপ্ৰান ভা করেছিলের এবং তা করতে বিয়ে তিনি শিশুপালের পক অবসম্বন্ধরী শাশ্ব ও অনান্য রাজাদের প্রাজিত

করেছিলেন। প্রকৃতপঙ্গে, গরুড় কেন্দ্রারে স্বর্গ থেকে পুরুতার সঙ্গে অনুন্ত হরণ করেছিলেন, ঠিক সেভাবেই, সর্বসমকে, জীতৃষ্ণ করিবলৈর প্রহণ করেছিলেন।"

রাজ্য পরীকিং কালেল—"ভীত্মকের সুমুখন্তী সমবিত কন্যা করিণীকে ঐকেন্দ্রন রাক্ষ্য পদায় বিবাহ করলেন্ ষ্ণবার্ত সেই রক্তমাই খ্যামি ওমেছি। শ্রে প্রভ, কিভাবে অমিকতেকা জনবান ক্ষীকৃষ্ণ মান্য ও লাল্বের মতো सामारमञ्जू नर्शाक्षण करत छोत्र वसूरक दश्य करतीहरूका, আমি তা ওনতে ইকা করি। হে রামণ, স্বগতের কলুব एतक्कारी क्षेत्रका भूगुम्ब, प्रश्न ७ विज्ञतकुर निवसनि শ্রমণ করে অভিজ্ঞানেতা কি কথনও গুল্ল হতে পারে 🗥

শ্রীবাদরায়ণি বললেন—"বিদর্ভের শক্তিশ্রলী শাসক, ভীক্ষৰ নামে এক রাজা ছিলেন। তাম পাঁচ পুত্র একং मुम्भवी क्षक कमा दिल। सन्दी दिरान क्षम भूड, **ए। इन्द्र क्रम्म क्रम्मदर्भ, क्रम्मदाय, क्रम्मद्रम्म अवर्** করমার্লী। মহিমারিত করিবী ছিলেন ভাঁনের ভগ্নী। প্রাসামে অন্ত্যাপত মুকুপের প্রশাসে গীতকারী অভিথিনের কাছ থেকে তাঁর স্থাপ, দক্তি, চিশ্মর বৈশিস্ত্য ও ঐথর্ব বিষয়ে আৰণ কলে কৃত্ৰিণী সিদ্ধান্ত গ্ৰহণ ক্ষমদেন যে, থিনিই ঠান উপযুক্ত পতি হকে। শ্রীকৃতা জানতেন হে, क्रिकिमी धुकिमछी, जुलकला, जुलला, जुलेला अवर कार्याना সকল ব্যস্তবসম্পন্ন নারী। ভারতী ভার আমর্ব নতী হকো, এই সিদ্ধান্ত করে তিনি তাকে নিবাধ করার কর **ফা শ্বিব করলেন** (*

"ক্সী যেহেতু ভগবানের প্রতি বিদেশপরারণ ছিল, হে রাজন, ভাই তার পরিবারের সদস্যা অভিনারী ছলেও, জীকুকেল কাছে ভার ভগ্নীকে প্রদান করতে সে ছালের নিরম্ভ কালে। ভার পরিবর্তে করী করিবীতে भिक्तभारमञ्ज कार्य श्रमादनत निकास जिला जुनील ক্টাক্ষশালিনী বৈদতী এই পবিকল্পন স্বত্তে স্চেতন हिल्लम अवर छोटक छ। असीवसारत मुक्त निराहित। অবস্থা বিশ্বোবৰ করে, ডিমি সভুর একজন বিশ্বস্ত প্রাঞ্চপকে জীকুকের কাছে পাঠালের। স্বায়কার পৌছে, ধ্যবহনীরা ত্রাক্ষণকে ভিতরে নিজা গেলে, তিনি অনি পুরুষ ভগবানকে বর্গ সিংহালনে উপনিষ্ট লেখনেন। প্রাঞ্চনতে দর্শন করে, ব্রাক্ষণদশ্যে অধিদতি, শ্রীকৃষ্ণ উরু

করালেন। 'জতংশর দেবতাখন ত্রিক ক্লেডারে বস্তুং উল্লে পূকা করে থাকেন, ঠিক সেইভাবে ভগবান শ্রন্থ আলে করপেন। রামণ থাতার ও বিভাগ করার পরে, সার ভন্তপথের পরম গতি শ্রীকৃষা শ্রার কাছে বালের বাল উল্ল নিজ হাতে ব্রাক্তণের দুঁই পা ফান করতে করতে, ডিনি ধৈৰ্ব সংখ্যাৰে উপ্তৰ জিল্পানা করলো—যে বিক্তব্যোত্ত্য, মহাজনবর্গের অনুযোগিক ধর্মচিত্রগুচলি সহঞ্জাবে অপনার সম্পন্ন হলে তেংগ আপনার ক্র সৰ্বদা সভাই আহে ধ্যেঃ জেনও প্ৰাথণ জ পান ভাতেই যাৰ্থন সন্তুট্ট আকো এবং ভার ধর্মাচকা খেলে বিচ্চাৰ হল না, তথ্য সেই সকল ধর্মচকণ্ঠানিই জানু সূর্বকারনা भूक्ष्मकाती कानदश्य स्टब्स करते। स्थानक चालक जानक সর্গের রাজা হলেও, এই-এহান্ডরে অস্থ্রিনভাবে কিবা করে থাকেন। কিন্তু জোনক প্ৰায় কৃত্য প্ৰাঞ্চন, নিৰ্বন হলেক, ঠার সকল আনে সভাপ মুক্ত ছবে লাক্তিতে বিবাদ কয়েবঃ সেই সকল ত্রাক্রণখের প্রতি ভাষার বারকার चामात वाशा मछ हरह चारत कावन छीता निश्व शास्त्रित्यारचेरै नस्तरे स्ट्रा कारकन्। जनस्थानंत्रस्, विस्तरकारी अवर शनाय वर्षा केला जवन औरका (सर्व क्यानानकी) হন। হে থাকণ, ভাগনাদের প্রকা কি ভাগনাদের ফল্যালে মনোকোনী? প্রকৃতগতের, বে বাজার কেনের মানুৰ সুধী ও সুৱঞ্চিত, সে আমার অভান প্রিকল। ধূৰ্ণম সমূত্ৰ অভিক্ৰম কৰে ভোগা খেকে এবং ভি উল্লেখ্য আগনি আগনন করেছেন চু বুলি জা গোলনীয় না হয় খা হলে আমানের এই সমস্ত কিছু কলি৷ করন এবং আমাদের ববুন আদরা আপুনাদের জন্য কি করতে পারি। এইভাবে, ওঁরে কাঁলা সম্পাদনের জন্য অবতীর্ণ গরমেশ্বর অগবাদের প্রখ্যের উভরে প্রাক্ষণ ভাকে সব কিছু कर्मना कनारका 🖰

ক্সরিণী কালেন (রাজ্য গারু পরিত, শুরু চিটিতে)— ^{শহে} ভূবনসুন্দর, আপনার ছে সম ওবারলীর কথা বোতার অভিযোচন হয় এবং ভালের দেছ কেল দর করে, যা এবং করে এবং আগময়ে যে রুগটি কর্মকারীর সকল দৰ্শন আকাশন্ধ পূৰ্ণ করে, ভার কথাও প্রবন করে, হৈ কৃষ্ণ, আমার নির্বজঃ মূল আমি আপ্রনাতেই নিংক क्टडिश (इ. प्रकृष, क्ल, इतिश, क्षल, रिमा, क्सन क्र সিংহাক্স খেকে অবতরণ করনের এবং তাঁকে উপকেন ও প্রভাবে আপনি কেবল আপনারই ভূপনীর। ই _{এবানিকে,} আপনি স্কল মান্ত্রের মনোভিক্রম। উপস্তুত নিবাহ করন। কেছেতু আমি প্রসেদের অব্যাপুরে বাস গ্ৰহ উপস্থিত হ'লে কোন্ সম্ভাউবংশীৰা, কৰে, ছাই **জা**পনি মিন্দিত হতে পাকো, "আমি কিভাবে ্বারোজভাবাশন এবং সং পরিবারের বিবাহবোদ্ধা কন্য। ভোমার আর্থাক্রাপ্তে ইভা ফাটাভ ভোমারে সঙ্গে নিয়ে আনুনাকে স্বানায়নে পদৰ করনে নাঃ সুভার, হৈ প্রিয় চলে যেন্তে পানবং" কিন্তু স্থানি আপনাকে একটি প্রত, আনুনাকে আমার সামীক্রণে আমি পঞ্জ করেছি উপার কাব—কিবাহের পুর্বাদন রাজ পরিবারের বিপ্রছেই ্রার্য আপনার কাইে নিজেকে সমর্থণ করছি। দরা করে সম্মানে এক মহা শোভাবান্ত হবে একং দেবী বিনিজাকে _{প্ৰতম} আগমন কৰুন এবং আমাকে আগমন পত্নীয়ালে। স্বৰ্ণন কৰাৰ কৰা চেই স্বোচ্চায়নায় নকৰৰ নগৰীৰ বাহিৰে প্রচাৰ করাল। হে কমলানোচন ভাগবান, নিংকের সম্পাদ পারন করে থাকে। হে প্রকারে, ভাগবান শিবের মতে রবাদ পুনালের টোর্লের মধ্যে নিকালে এলে কো বীরের काल कंपनत ना न्यान करता। कावि दनि पूर्वा कर्य, क्रम, करतम अस् अस्कारत कारमद करमावन किरान करतम। बाहर, बारुपत व्यनुकार के श्रेष्ठ कावा अवद स्वयक्ता, शाकान - काहि वहि कालवाल बानुसङ् लाक मा करि, करन व्यक्ति ওঞ্জেবেরের অর্চন্য কারা প্রযোগর ক্রান্ত্রের ক্রেপ্টে ক্রেটার প্রার্থিত প্রান্তির প্রান্ত্রিক ক্রিল ইরে আমার প্রাণ্ काराधना करता शाकि, क्षा दरम कमरपारका शुर्व क्ष काल । काल काल आहा। का हरम, क्षक कीररमा शाकिया का তেওঁ নয়, কো কাজৰ এনেই আজা পশ্চিত্ৰৰ কৰেন। আমি বৃহত স্থাপনার অনুপ্রচ্ লয়ত করব।" ক্রে অভিত, আগামীকাল কথা আমার বিবাহ অনুষ্ঠান ওচ হতে হতে, আপনি গোগনে আগনায় দেনা অধিনায়ককো। বার্ত্তা আমার সংগ্ নিবে এনেছি। এখন অবস্থার স্থা আৰু পঢ়িব্য হয়ে বিশর্কে আগমন করম। অন্তঃপ্য হৈয়ে করে কথা কঠেব্য বিবেচনা করুত এবং এখনই স্টা সমাধা মধ্যেরের অহিনীকে পর্যাঞ্জত করে, জাপনার শৌর্য করন।" ভাল আহাকে ভার লাভ করে রাজন বিধান মতে আমাকে

মহাত্রাগণও আপনার পাদপত্তের রেপুডে আনের বার্ছা

ব্ৰাক্ষণ কললেন—'হে বদুলেন, আমি এই সোপদ



ত্রিপঞ্চাশ অধায়ে

শ্রীকৃষ্ণ রুক্মিণীকে হরণ করলেন

ষ্টাল কৰুদেৰ গোকামী ৰকালন—"এইভাবে বৈদতী। প্রকান্তরে খোলন কার্ডা প্রবাধ করে ভগবান বভূমানন क्षेत्रस्था एक गाम कहाराम अया महाराम धारक काराना, টিক বেয়ন ক্ষতিনীয় হল আমাতে স্থিত হতে আছে, আমায় ক্ষাও ভার প্রতি দ্বির। এমনকি আবি য়ারে মুমোতে পর্বন্ত লাবি মা। আমি জানি বিজেবৰণতঃ রশী। মামাদের বিবাহে নিবেৰ কৰছে। সে নিম্পেকে দৰ্বভোভাবে আমাৰ প্ৰতি সমৰ্থৰ করেছে এবং ভার **ोन्सियं निकारक। एक स्थाप काल को स्थाप मान्य**

অধি লিখ নিরে আনে, সেইজারে হুছে জকর্মণ্ড সকল রাজাদের চুর্গ করার পর আরি ভাবে এখানে নিরে

শ্রীল ওকদের সোধারী কালেন—"ভগরন মধুসুদনও ক্রমিশীর বিধানের সঠিক চান্ত্র মুহুর্ত উপসন্ধি করেছিলেন। তাই তিনি তাঁঃ সারখিকে কালেন, "দায়ত, সত্তর আখার রব প্রস্তুত কর 🖰 দৈব্যু, সুপ্রীব, মেংপুন্দ 🛦 বস্বাহ্ত নামে অংশগুলিকে যুক্ত করে প্রীভগবানের রখ দক্ষেক নিয়ে এখা। সে তথ্য কভাঞ্জী সংকারে ভগবান ক্রীকৃত্তের সামলে একে শাড়াপ। জনবান শৌরি রখে আনোহণ করলেন এবং ক্রাজনকেও রখে আনোহণ করাকেন। অভ্যাপর ভগবানের ক্রডগারী অথগালি এক রাজেন মধ্যে তাঁগেল আনর্ভ অকলা গোনে বিদর্ভে মিত্র গোল।"

"কৃতিনপতি রাজা জীকুক, তার প্রের জনা মেহবৰত পিওৰাগড়ে তার ক্যা সম্ভাৱনে সম্ভাত হলেন अवर मर्कन अंद्रास्थ्योश चारशास्थ्य करायात् । वास्त् अराव শভক, বালিজ্য পথ ও রাস্তার টোমাখাওলি ভালভাবে মার্জন করালেন ও ভারদার মধ্য নিয়ে গোওৱালেন এক বিজয়তোরণ ও কথা স্বওলিতে বিভিন্ন রভের পড়াকা मानितः भगती मान्विरधरितमः। यनतीर श्री ७ नकरकरः। পরিষ্কার পরিমায় কালে সন্মিত হয়ে সুসন্ধি চন্দন পিট্রক प्यनुर्तानान करत भूकातान करेशात, कुमायाना ७ तप्परित ছালভারাদি পরিধান করেছিল এবং ভালের ঐপর্যন্তর গৃহওলি অভকর সুগলে তরে উঠেছিল। যে রাজন্ মহারাজ ভীক্ত পূর্বপুরুষ, দেবতা ও ব্রাহ্মধরণকে সমাক্তাৰে ভোজন করিয়ে বিধিনৰ ভাষের প্রভা ক্ষাবেন। অভঃপর ডিনি বধুর কল্যাপের জন্য শরাশরাগত মারবলী কীর্তন করেছিলেন। বহু উরে দর মার্জন করকোন এবং মান করকোন, এরপর তিনি মঙ্গলগুর পবিধান করলেন। অতঃপত্র ডিনি মকবল্ল পরিধান করে ছাতি উত্তম অলভাবে বিভবিতা বলেন। প্রেট প্রাছণাল বংর সুরকার জন্য খকু, সাম ও মধ্য বেগ থেকে मध्याक्रश्रम् करारम्य अवर चवर्राटम्ब श्रात्तिक ग्रहनातिक খনা হোম করতেল। তেওঁ সিধিয়া রাজা রাজাপগণকে শ্বৰ্ণ, টোপা, বন্ধ গুড়াৰ্যভিত ভিন্তালি এক গাড়ীসফ यान परत्रप्रिक्षतः। क्रिनिक्षक दाया मनदश्चनक केन्द्र नुद्रवह নিভিড সমৃত্যির জন্ম প্রয়োজনীয় সকল আচার সংগাদন ক্ষরার জনা হয় উচ্চারণে দক্ষ রাজপদের নিয়োজিত करत्विहरून। शाका नेपारवाच प्रमतायिक क्लीयाहियी. সুবৰ্ণমাল্যভবিত রখসমূহ এবং অসংখ্য ভখারোহী সেনা ও পদাতিক দৈন্য সময়তি হয়ে কভিতনত উদ্দেশে জ্ঞা **কলেন। বিদৰ্ভয়ত ভীত্মক নার হতে নির্গত হতে রাজা** পৰবোৰকে প্ৰস্তাৎ নাম প্ৰতীক মিকেন কৰে ঠাৰ সভে মিলিত ইলেন। জীতক তথ্য এই অনুষ্ঠানের স্থানা বিশেষভাবে নিৰ্মিত একটি ব্যস্থাৰে গুৰুবাৰকে থাকতে

দিরেন। সেবারে নির্বাগের পক্ষত্ত দালে, জনাসক দন্তব্যা, বিদুৰৰ ও সৌপ্তেই সহ অন্যাদ্য সহও বাজাল সকলেই এসেছিলেন। শিশুপালের জন্য বধুকে নিশ্বিত করতে কৃষ্ণ ও কার্মের হাতি বিদ্যুদ্ধান্ত্রণ বাজার নিজেনের মধ্যে এই নিমান্তে এলেন যে, "যদি ক্লাভ খলরাই ও জন্যান্য বদুগগৈর সংক বধুকে চরণ করেও আংগ, তাৰ আমল সঞ্জা সন্মিলিতজাৰে তার সলে তত কাল।" এইজাৰে সেই সমত নিয়েৰপান্তলৈ বাজাৰ ভালৰ नम्ध देशन्यविद्यो ७ नम्बरमञ्जा नित्र विकास करण লেগের। কথা শ্রীকলরাম শরকারাণার স্বার্থানের 🚵 সকল প্রধাতি ও শ্রীকক ভিতরে একা কাকে প্রাণ করত कर्म पाडा करशब्स, का अपने कहातान, करन रिक्री নিশ্চিত একটি বুদ্ধে কথা ভেবে দক্ষিত হলে। খান ব্রত্যে জন্য হেছে আপ্লত তিনি সম্ভন্ন গলাভোতী অধ্যারাহী কথারোহী ও পদাতিক কাহিনী সমন্তিত এক क्षमाणी रेक्याचिकी यह कृष्टित शब्द क्याका 🏲

"ভীপ্ৰক্ষে সুৰুৱী কৰ্মা উন্নিখভাবে প্ৰীক্ষেত্ৰ অপাননের প্রতীক্ষা কর্মছিলেন, কিছু বৰ্ম তিনি প্রচালক ফিৰে আসতে দেখলেন না, তথৰ তিনি এইভাৰে ভাষতাল। হায়, নাটি শেষ হলে ক্ষমার নিগাই হার। আমি বত ভাগাহীন! কম্পনাম কড আগমা কলেন ন্ত। অমি জানি না, কেন। এখনকি প্রাক্তর বার্তারেজ এখনও বিভা একো মা। সম্বত্ত জনিকা ভগলে। এখানে আগমনের প্রস্তৃতি প্রহণ করেও আমার মধ্যে কোন ধটতা দর্শন করেছেন আর ভাই আমার পাদি প্রহণ করতে আহছেন না। আমি জনত বুর্তানিনী, কলে মাট্র প্রকা কিয়া দেবাদিকে দিব সামার প্রতি অনুকৃত কর। অথবা সম্ভবত নিৰেন্ত পত্নী কেবাঁ, বিনি গৌৱী, কমাশী, পিরিকা এবং সভী নামেও পরিচিতা, তিনি আঘর গ্রতি বিমূপ হরেছে। এইভাবে ভাবতে প্রাবতে ক্ষেত্র হার হাক্তির সেই কলিক, 'এখনও সময় করেছে' মনে করে. 'ठेख 'चक्रम्पर्न नवनं प्रशामि युनिक क्यालना'

"হে রাজন, বধু এইভাবে গোবিজের আগমনের প্রতীকা করলে, তিনি তার বাম উক, বার ও থেকে স্থানন অনুভার করলেন; আধ্যাসকর তিমু বটবার এটি ছিল একটি সাক্ষণ। ডিবা ছবন বিভন্ক জ্ঞানময় সেই ব্যাকা বীকৃতকর নির্দেশ সভো, প্রান্যানের ক্ষাক্রপুরের মাধ্য নিবা রাজকানা কৰিবীকে সপন করার আনা বাংলন।
প্রাথানে প্রকৃষ্ণ মুখ ও শান্ত যতি লাখ্য করে এরকম
লাকসমূহের অভিনা কর্বনাকারী সভী করিবী তথ্য প্রান্ত
সম্কারে ভাকে কিজাসা করলেন। আৰুণ ভার কাছে
কালান মন্তালকে আগমনের কথা যোৱালা করেনে এবং
ভাকে বিবাই করার জনা উসবানের প্রতিশ্রুতি করিব
ক্রাকেন।"

-প্রতিবেশ্য জাগমন বার্তা **অংগত হতে প্রভে**শনর _{তিল}াই অভাৱে আদাশিত হলেন। ইতিয়া কৰে ব্ৰাহণক िक्का अवार घटना कें नवुक कि मा (शरह, किनि ক্ষেম্প্ৰয়ত ভাৰে প্ৰশাস নিকোন কৰলেন। কৃষ্ণ ভ कार्यात शांशयन करवरकून अगर थांत बन्दात विदार शांशक _{कराय} बेंदमुक क्राइस्स्ट्रेस **का अन्त करत** सक्त व्यव कर्ष মিনানিত খাশা বাহে উাশের অত্যর্থনা করার জন্য প্রকা असरकार कारणा अक्षार्थ, नवनाद **७** कनाइन कार्टीहै উপহার সাম্ভী নিকোন করে হথাবোলা বিধি অনুসক্তে ৪৯ ওলের অর্ডন করনেন। মহামতি রাজা ভীপাক দৃষ্ট क्याराज्य क्या अवर देशक जिल्लाकी व भार्वस्थातक ক্তর ঐথর্বমন্ত অসমানের ব্যবস্থা করপেন। এইভাবে ভিত্তি জাখের ব্যাবের আতিবা প্রদান করেছিলেন। এটভাবে রাজা ভীত্তক সেই অনুষ্ঠানে সমবেত রাজানের স্থান প্ৰকাৰ কাৰ্য্য কল প্ৰদান কৰে উল্লেখ বাজনৈতিক প্রভাব, বয়স, দৈহিক খল ও বিত অনুসারে সংগ্রানিত ভালের। হওব ভিনর্ভপুরের ব্যক্তিয়ালে ওমলেন হে, শ্ৰীক্ষা আগমন করেছেন, জীৱা ভাৰন সকলে জাকে पर्नातमा स्राप्य साध्य करायात्। फेप्ट्या प्रत्याक्षणि पाता টারা টারে মখলাকো সধ্য পান করেছিলেন।"

সম্ভবাসীরা কালেন—'রুম্মিনী ছাড়া অনা কেউই ভার পড়ী হওবার যোগ্য মন্ত এবং এরান নির্মা সৌন্দর্যের অনিকারী তিনিও রাজকন্যা ভৈন্দরি জন্য একরার উপবৃক্ত পতি। আমরা ছা পুন্ত কর্ম করেছি নিক্ষাকের ফাট্য অনুসত জেন জারা সন্তেই হন এবং কোর্তার পানিপ্রহল করে তার প্রতি কুলা প্রকর্মন করেন। তালের ক্রমবর্ধসান প্রেম্বাভাবে আবদ্ধ হরে নগরবাসীশাল এইভাবে কলকে লাগলেন। ক্রমী ছারা সুবন্ধিত হয়ে অনিকাশ্য মন্দির কর্মন্দের জন্য তাকা বন্ অন্তঃপুন্ন তাস কর্মকাশ্য মন্দির কর্মন্দের জন্য কর্মন কর্মনী বিপ্রহেছ

পুঁই টারণকমল ফর্লনের জন্য গ্রহন কাচলেন। ভার মাতৃস্থানীয়া ও সবীগণের দ্বায়া পরিবৃত্ত হয়ে এবং উদাত खडमात्री जनामटर्क, जाहभी टेमललम পরিবেটিত হতে তিনি কেবলয়ার তার ফাতে শ্রীকৃষ্ণ পাদপ্রে সহা संबद्धान तमर छन्या प्रकार, भाषा, नगण, रखती च कमाम्य বাদ্যবন্ধ কলিভ হ'ছে লাগেল। সহজ প্রধান বার্জনত বিভিন্ন কর্বা ও উপ্রস্থা হয়ে করে অপহারে বিস্তৃতিক ত্রাস্থলপদ্ধীনের সভে পান করতে করতে, দ্বতি করতে কাতে এক পুলামলা, গৰু, হয় ও আগবাৰ উপহাৰ্থ সামগ্ৰী বহুৰ কৰে কথা পশ্চাতে অনুসমন কৰেছিলেন। দেবালে প্রেশালার প্রারক, সঙ্গীতভা, চারণ, ধার্যায়াথাকরেগণ ও যোককরাও ডিজেন। দেবী মন্দিরে পৌছে, রুমিনী প্রথমে উরু হাত ও পা বৌড করকেন बक्द नक्ष चारुभन कार्यन। अवेकारन छन् छ नाय स्ट्र তিনি মতা অভিকার কাছে গানন করণেন। রাক্ষণগণের আচায়-জন-মিপুৰ কাক পত্নীয় কালিকা ক্ৰমিণীকে পতি ভবদেৰ সহ আৰ্থিকতা দেৱী ভবানীত প্ৰতি মান্তা নিকেন ক্রতেশন।"

वाक्षकता कविनी आर्थन कदालन—"ह्य प्रश्नामियन নিবের পড়ী মতো ঋষিকা, আমি নিবধার জালনার সক্ষমসম স্বাপনের প্রতি আহার প্রশাম নিবেশন করছি। ভগবান কৰু যোৱা আয়ায় পতি হন। সন্ধা করে ভা অনুযোগ করন। এরণর কৃষ্ণিনী, দেবী অম্বিক্তকে জন্ वंद, प्रश्नेत, एवं, नहें, भूग्नियाना, उद्यमना, प्रमहात छ चानाम्। विधिवर सार्थः च छैनक्तानामञ्जी अवर माहितक প্রবীণ হয়ে পুঞা করলেন। সিবাহিত ক্লাকাণ রহবীগণক প্রত্যেকে বৃহলাৎ একই প্রথা যান্তা লক্ষ্য, কর্মসিষ্টক, ভাস্থক, ব্যাপুত্র, কল ও ইকুবস আর্যা ধান করে দেবীর পূজা করেছিলেন। রহবীলার ববকে নির্মালা প্রদান করবেন। এবং ক্ষরতাত উত্তে আশীর্বাদ কালেন। ভিনিও উত্তেভ क विरायक शनाव मिरवसम कराजन अवर अमानकारण নির্মাল প্রহণ করলেন। মারাকান্য অভ্যানর তার মৌনরত পরিত্যাগ করে তার রম্বখটিত অসুমীয় শোভিত হাত দিয়ে এক দাসীকে ধারণ করে অধিকা থবিব তাাখ कराजने।"

"ভগবানের মারাশভিব নার মেহিনীক্সে কবিবী উপস্থিত হরেছিলেন, বিনি বীর ও শাস্ত মানুষদেশ্ব য়েহিত কৰেছিলো। ক্লাক্ষা এইকাৰে ভাব কুমারী। সৌমার্থ, উরু সুগরিত কোমর ও উরু কুওল পোভিত মনোরম হব্যাওপ কবলেকন ক্যাপের। প্রাপ্ত নিতর জিল বুড়গচিত মেখলৰে লোভিত, তাৰে কাৰম ছিল সন্ম মুকুলিত, এবং খাঁয় দুই চোধ কো ছিল জাঁৱ কেলনাকিছে শক্তি। তিনি স্থারভাবে হাসহিসেন, উর কুম-কোরকেই মতো গন্তবাদ্ধি তার বিশ্ববঞ্জিয় অধ্যাের দীবিকে প্রতিক্ষাক্ত করছিল। তিনি ককা রক্ষেক্সীর মতে। গতিতে লামচারণা করছিলের তথ্য তার শব্দরমান মৃশুরের প্রভা তাঁর পদযুগদ শোভিত করছিল। তাঁকে মর্গন করে সমধ্যে বীরুল। সম্পূর্ণ মোহিত হয়েছিলেন। উয়েনৰ স্থানৰ কাফ্যাৰ বিনীৰ্শ হজিল। প্ৰকৃতপক্তে, হাজার হখন ওমে উমার হাস্য ও সলক্ষ দৃষ্টিপাত লক্ষ করলেন, ভবনই ভারা হতন্তি হয়েছিলেন, তানো পর পবিত্যার করে, তালের হন্তী, রগ ও অব থেকে সং আহীনমালে তারা ভাষিতে প্রতিক হবেছিলেন। খ্ৰীয় সৌন্দৰ্য প্ৰদৰ্শন কর্মনুলের। ক্ষমনুলের আধ্যান প্রোপস্থ আমানের সামান স্বাপর্যাণ করণ।' 🖰

935

প্রতীক্ষার, বীরে বীরে তিনি তাঁও পরা-কোনে স্থান ৮৯ भा अधिकालमा कर्माहरमान। क्षेत्र नाथ साराध्य भागारास्त বৰ ধারা তিনি তাঁয় মুখমধনা খেকে কেলবালি অপ্যাধিক ক্ষানের এবং সাম্প্রভাবে কটাক্ষণাত করে তার স্থানের क्काबाध्य वाकारमञ् धारामाका करासम्। हिन तहे यहार्ख दिनि कृष्णक वर्णन करामन। सका, श्रांत শত্রশাস্থ্য সমকে, তার প্রবারোহণে আগ্রহী রাজকন্যকে ভাৰৰ হল কালে। পাত চিহিত কৰাবাহী da রবে রাজনামক উত্তোলন করে, ভগধান মাধ্য রাজ্যানের চক্রতে পরাজিত করলেন। বেভাবে কোনও নিয়ে नवासराहत क्रथा (थाटक कात मिकात मिरह प्रतार सात সেইভাবে ৰণনাকো নেভাছে তিনি বীরে বীরে প্রভান ভরবেন। জরাসভ প্রথুপ প্রথবানের প্রতি পর-ভারতে। हाकाता और व्यवस्थानक्षत पंतासंत महा कराउ भारतनी: र्दमा विकास स्टार कारणन, 'स्ट्रा, व्यामारपद निकः स्टिन আহরা কাশ্যনী ধনুর্বারী, তবুও ঠিক কো কুন্ত প্রাণীর শোভাষাকার প্রান্ত করিবী কেবলমার প্রীকৃষ্ণের করিব হারা নিয়েরে সম্প্রান অপহরণ করার হতো, সামান্ত



চতঃপঞ্চাশ অধ্যায়

শ্রীকৃষ্ণ ও রুক্মিণীর বিবাহ

হীল ওকৰেৰ দোৱামী কালেন—"এইভাবে কথা दर्भ, ्राहे मञ्ज कृष्य जायाता खाल्हा वर्ष नतिथान कहन **अ**वर ठाएरत निक्क निक्क वाटन काटताव्य कतान । अपूर्धारी প্রত্যেক জন্ম নিজ সৈনাবাহিনী ব্যরা পরিবেটিত ছয়ে क्षेत्ररका गण्डाका काल। ८२ शका, याव रेकन्ररका ক্ষোপতিয়া কথ্য কেখল শক্তবৈদ্যাল আক্রমণ কচতে মূটে জানছে, ভখন ভানা ধনুকে উংকার দিয়ে ভাগের मिटक किएड गाँउमा। त्यापात निद्धे, एउटीत केरण क রখের জাসনে জারোচন করে অনুভূপনী পরুরাধারা পর্যন্তের উপত্তে মেকো বর্যধের মাডো ক্রেন্ডের উপত্

তীর বর্জা করতে লাগল। কীলকটি কলিবী, ঠার পরিব रिम्तवाहिनीहरू असन शहाह वर्षिक कीएवर बाहा ब्याव्यपित হতে সেখে ভরবিচুল নয়নে সলক্ষভাবে ভার যুগের দিকে ভাৰনজের। উভাৱে জগৰান হাসলেন এবং **টাভে** चाक्क केंद्रालय, "कद्र (नावा को, 🐯 मुभवगवना) তোমার সৈনাদের কাছে এই শত্রু সৈন্যাদার্থনী এখনই কিনট হবে?" কং ও সভাবৈদ্য ফেড়াছে ভগবানের নৈন্যহিনীর হীরগণ বিপজের রাজাদের অন্যোপ সহা করতে পার্জের না। ডাই লৌহ শর দারা উল্লো শরন ্জন, হতী ও মুধসমূহ ধাংস করতে ওরু করটোন।

প্ৰব্যক্ত আৰু, গল্প ও বাধ্যযোগী কোটি কোটি কৈলংকৰ no ভূমিতে পতিও হল; কোল কোন মুখ্র কুওল e भिक्ताम, कामधीराड भागांक भाग किए। इन्हर्निटक ক্ষরেরারি, নালা ও চনুক নরা হাতের সঙ্গে উক্ত, পা ও काइनडीम वाट अवर (पादा, भागा, साठी, उठ, पह क প্রসমের মুখত পড়েছিল। স্বর্জনারের নেতৃত্বাধীন রাজনা ज्याका रामग्रवादिनीकनिक स्वतासुकी वृक्षित्रसंकात किन्छे লতে মেৰে নিজংসাহিত হল এক ভাৱা বৃহক্ষেত্ৰ ভাগ ভরদ। পত্নীহরো মানুকো মকো আতুর শিশুপালের কাছে। অবপাই তারে ও জানার মুখ হটেছ। 'এই দৃষ্ট সেই ব্যক্তারা উপস্থিত হল। তার বর্ণ নিখ্যান্ত হয়ে নিয়েছিল, তার উৎসাধ চলে গিরেছিল এবং ভার মুখ তত্ত কেবাস্থিল। বাজারা তথ্য তাকে কাল—"হে আমি আমার তীক্ত তীর ছাত্র তার অক্কের দুর করব।' নৱশার্থন, শিশুপানী, শোনা, যোমার বিমর্থন্তা ভালে কর। এইভাবে ক্রমতা করতে করতে, ভাগবানের প্রকৃত ক্রমতা য়ে রাজন, প্রকৃতপকে নেহীগণের সুধ ও মুখে কথাই দ্বিভাবে থাকতে কেন্দ্ৰ নান কা। তোৰও নানী সাজের সমীপত্তী হল এবং খাঁড়োও এবং মুখ্য কয়' কলে উন্নক কাঠের পৃত্তী বৈমন পৃত্তুল-নাচিত্রের ইন্দ্রের মৃত্যু করে, তেমনি শুপ্ৰাংশেয় নিবাছিত এই জবং সুৰ ও সুংৰ আৰু ধনুক আকৰ্ষণ কৰে জীকুজকে তিনবাৰ আয়াত উভাবে মার্কেই সংগ্রাম করছে। যুক্তে কৃত্তের সূত্রে আমানে এবং আমার ভেইশটি সৈন্যাহিনীকে স্তেরবার পর্যাক্তর বরণ ক্ষরতে ইরেছিল, ক্ষেত্রতার একবার আরি তাকে পরাজিত করেছিলাম। কিছু খবুও আমি কক্ষও (भाक या जानक कड़िनि, कड़न, चानि जानि औं सन्तर কালচন্দে এবং অদৃষ্টের প্রভাবে চালিত হত্তে পাকে। আই এখন আমহা সকলে, সেনাগতিবের মহাধ্যকেরা, ক্ষেপ্ত বল্লা স্বাক্তিত বস্বাহিনী ও প্রানের সংবাত ভ'জন অনুগামীদের কংছে পরাজিত হয়েছি। আমাদের শত্রনা कती स्टार्ट्ड कारण काल करन खारमत कनुकृत्य उद्धार्ट्ड নিস্তু ভবিষ্যপ্তে ৰূপন কাল আমানেত পক্তে মানলভানৰ **एटर, छन्दन फामताई विकरी। इर**।"

নীল ওকদেব লোখাৰী ৰগলেন—"এইভাবে ভানা মিত্রদের পরামর্শ হেনে, শিশুপাল ভাব অনুগারীকের সচে নিয়ে বাজনানীতে ফিরে গেলঃ কর্মানার যোদ্ধারাও कारम्य निक निक मनशीए७ श्रावहरूर्तन सम्बन्धः व्यक्तिकार् বলবাদ ক্ষরী ক্ষরের প্রবিং বিশেষভাবে বিশেষ ভাবাপত্র एत पैर्डिक्स। छाई क्या बाक्स मरू दिवह क्या ন্ধনা ভার ভলিনীকে নিয়ে হলে যাকে, এই খটনা লে সহা করতে গারেন। তাই সময় সৈলাবাহিনী নিয়ে সে

ভাগবাঢ়ের পশ্রাথারে করণা। ছতাল ও বুনা, মহাবাদ ক্ষাী, বর্মে সন্ধিত ও তার ধনুক নিবছণ করতে ক্ষতে সকল রাঞ্জানের সাজনে প্রতিক্রা করেছিল, আমি যুক্ত কুৰুকে মত্যা মা করে এবং কৃষ্টিনীকে আমায় সংখ ফিকিনে না এলে কৃতিলে প্রবেশ করব না। আমি स्मित्रात्म्य करक और प्रतिख्या कामान है। और कथा रहन শে ভার বাবে অনুবোহণ করলা এবং তার সার্রাথকে কলপ, 'বেলিকে কৃষ্ণ রক্ষে। সেলিকে সংখ্য ক্রবায়ের প্রকান কর। অনোভাষাণত পোলবালক উন্ন শৌর্য ধারা যোগেও হতে কাপুর্বক আরম জালীকে অপছল করেছে। কিছু আছ বিষয়ে অঞ্চ মূৰ্ব ক্লায়ী, তাই একমান মূৰ্বে শ্ৰীগোবিকের প্রতিবশ্বিতার করেন করে। জন্মী অতাওঁ স্কৃতার সঙ্গে করণ। ভাবনর মে কাল, 'ওয়ে বনুকুলনুকা, কন্তার এখনে প্রায়ত। খলেন হবি চুরি করে পালানের কারের মতো ভূমি আমার ভরিনীকে জগহরণ করে বেধানেই নিয়ে বাও, আমি নিয়নে বান। আকই আমি জোমার অহতের বুর করব, ভূমি নির্বোধ, ভূমি প্রভারক, ভূমি বৃদ্ধকণ্ট ৷ আমার তাঁকেছবির আলাতে নিচত হরে চয়ে পটকর আগেই কনাতিকে মুক্ত করে লাও।"

লক্ষ্ম কৰ

"এর উন্তরে প্রীকৃষ্ণ হাসলের এবং হ'ট তীহ নিকেশ্বে ধারা তিনি কথীকে জাধাত কংগেন এবং গুল ক্তুকটি জেগুৰ দিয়েল। স্থানীর চাবটি অব্যক্ত আটটি कींत्र काता अवर कीम जातविहरू मृष्टि बाला अवर क्राप्ट्र থালাকে তিনটি তীব হালা ভাগৰান বিভ করলেন। ভূপাঁ। 'कमा धनुकि संस्थ करन औठति छीड करना अश्यान জীবসকে বিভ কলে। এই সমস্থ অসেও তীরের আহতে পেলেও, ভগৰান অচাত আৰম্ভ কৰীৰ ধনুক ভেঙে भित्यम। क्यों कर बाग शहक अर्थ करत, किन्न चहार ক্ষরতা সেটিকেও কও কর করে তর্ম কালেন। পরিছ পঢ়িশ, তদবাদী ও চর্ম, সূল, তোঞ্জ--বে বে আগু কর্মী पात्रक कररहिन, अकतारे खेहरि बाचाटका हाता हुन কবলেব। ভারণার রক্ষী ভার রক্ষ থেকে লাফ লিবে

নামল এবং ফুড হয়ে কল হাতে, কৃষ্ণকৈ হত্যা করাই ৰুন্ধ পাৰি বেয়ৰ উত্তে খাবু, তেখনভাবে ভার বিকে ধাবিত হল: ক্লুটা জাকে আক্রমণ করলে, ব্রীক্রগথান তীর নিকেশ করলেন বা স্বাধীয় ভরবারি ও ভাগ তিগ তিশ খণ্ডে জেন করেছিল। শীলক অভ্যানার উল্ল নিজ তীক ভাষাতি প্ৰথম কালেন একা কৰ্মীকে মভানে জনা প্ৰস্তুত হলেন। সতী কৰিবী তাৰ হাত্যাৰ বহু কয়ত ক্ষান্ত জীক্ষাকে উদান্ত হতে দেখে বিহুল হলেন। তার পতির চালে পতিত চারে কাতবভাবে ডিনি বগতে नाशरमञ्ज्य तर राज्यकात वर च्यमदिराया, वर राज्यमय, ८६ जनमाय। ८६ गर्थ-मध्यमञ्जू क प्रशासम्बद्ध कृती करत আমার হাতেকে হত্যা করকো লা^ক

990

হীল ওকাৰে গোৰামী কালেন--*চবছ ভাৰে ক্ষাপ্তিক সকল আৰু যাকৰ কাপতে থাকল এবং উল্লায়খ चक्क इस्त, क्यारनारक कचन कीत को प्रतक्ष हरे। एक । केल कावक्षात केल मुक्त कोरहाई खेलाउ स्ट्राईम। তিনি শ্রীকৃষ্ণের দুই চাল ধারণ করলে ক্যাবান করশা অনুভব করে, নিব্রু হরেন। প্রীক্ষা সেই সুয়তীকে अवर्धि सञ्चलक निरंद दर्दरक्षित्रका। छात्रका सार्व पूर्ण তাৰ গৌৰু ও চল অংশত অৰণিট জেলে ছুওম করে তিনি ক্রবীকে বিশ্বতমাল করতে লাগলেন। সেই সমর ছাতী বেজা পৰ কিলিড করে, বদুবীরস্থ তেমনিভাষে কাদের বিশাকের কাশারানা দৈন্যবল দানে করেছিলেন।"

"বখন করণৰ জীতুকের কাছে উপস্থিত হল, তখন ভারা স্পাধিক এখন কাতর অবস্থার সক্ষার মৃত্যায় ক্ষেত্রতে পেল। সর্বশক্তিমান কর্ম্বাহ এইভাবে রুম্বীকে দেৰে তিনি কালাখণে তাকে মুক্ত করে দিয়ে জীকফকে कारणम—दिश कृषा, पृत्रि चयभ चाहत्व करतः। तास्य ক্ষক আমানের পক্তে লক্ষাঝনক, কাবৰ কোনও নিখট-শালীতের দ্বান্ত ও কেল মুখন করে নিত্রে নিকুডরাল ধরা তাকে হভা করারই সমান। সংখ্যী, তোমার বাতার বিকতরাশ হওরার ফলে উনিয় হলে আমানের হাতি चामक्री हरता ना। निरमक मूच के मुद्रश्या सन्त करा কেইই নাত্ৰী বৰ না, কালে অনুৰ ভান আধান কৰ্মফলই সংবোগ কিয়া বিজেন কটে না কলা ও জন্যনা সংগতন टकाम करहा।"

পুনরার প্রিকৃষকে উদেশা করে বলয়েন কালেন— "কোনও আর্থাধনকর নিকের সেবে ভার মৃত্যু মণ্ড প্রাণ্ড

হলে তাকে হতার করা জীতত নাম। বরং পরিবার ভেলে ভাকে ভালা করা উচিত। করেশ টাব্যাকাই ভার পালের কলে সে লিংক হয়েছে, কেন ভাকে আবার হত্যা

ক্তবিধীর বিকে কিরে, কালাম কাতে লাগুলেন---"क्रमा बला श्रांडिक कर्नजरमा धर्म निर्माध कराह *त*ा. জ্যোনও মানুধ আৰু নিজের জতাকেও হত্যা করতে লাবে : त्निक्र क्लानिकरे चलाय निवासन निवास

প্ৰবাহ কাৰ্যৰ প্ৰীকৃতকে উপেশ্য কৰে কান্তেন্ন.... "कालन केपरर्वत बार्य क्षक दरन कराकारी प्राप्त क्रमानांहे, कृषि, मण्यन, नाही, मानवर्षाया परित जावटर्गात মতে৷ অনেক কিছুৱাই কৰা অন্য সকলকে স্থানিত কৰে৷ MICT IN

कृषिगीएक काहाब कार्याम-"एटाबाट महराकार ৰথাৰ্থ নাম, কারণ ডোমার প্রকৃত প্রভাকানকীয়ের প্রক্রি যাতা অনিউকারী এবং সকল জীবের প্রতি যাত্রা বৈরীভাকাশর, ভূমি অঞ্চ মানুবের মডেটে ভাবেত भक्तराक्ष्मि क्टबं। जनवातंत्र भारतं मानुबद्ध छात्र शक्त খন্তৰ ভূমিৰে বাবে এবং ভাই দেহকে আম্বনলে গ্ৰহণ करत करता कानानरमध यह, कड़, क निज्ञालक घटन करत থাকে। মানুৰ বেমন আকাশের জ্যোতি, কিংবা ওধমাত আৰুশকেই দৃটি তিয়া সন্তা ৰলে মনে করে, তেমনই খান যোহসভ, ভারাও সমক মেহধারী সভার মধ্যে আঁংডিড একই পরমাধারক নাম রূপে অনুধারন করে বাকে। এই বছ বেহ, বেটির সৃষ্টি এবং বিনাল হয়ে থাকে, সেটি বিভিন্ন আকৃতিক উপাদ্দে, ইল্লিয়ানি এবং প্রকৃতিত ওপাবলী ছালা সঠিত হাতেছে। ছাত জাগতিক অধিয়ের ফলেই আলোপিত এই দেহটি জীব্দে কৰা ও মৃড়ায় চত্তে আবর্তিত হওরায় অভিকাশে সৃষ্টি করে পাকে (*

িত্ৰে সতি, অসমে আৰু জগাতিক বস্তুৰ সলে আবাৰ क्षंत्रक महत्त्वम किया निराहण का ना, काला काला मिह त्रव किन्द्रारे प्रश्न रख छ त्रकानक। जाचा छारे नूर्यग्रहे भएक विज्ञासमान बाक प्राप्त भएक सर्गातिक्ष कराविक्षे সেহেরই হয়, কিছ আতার কখনও পা হয় বা, ঠিক বেকা চন্তকলার পরিবর্তন হয়, কিছ কখনই চামের পরিবর্তন এর না, থলিও অমারসমূল বিনটিকে চল্লের 'মুন্তা' self হতে পারে ৷ কোনও গুমন্ত হানুত বেফা ইপ্রিয় উপ্তেট্যাল জিবছামি ও তার কর্মের কল ছাগ্রের মালার ছাল্ডে বুরং উপলব্ধি করে, তেমনিভাবে কোনও মুচ রাতিও সংসার দশা ভোগ করতে কাকে। সুভরাং क्रामाप मनार्क हा जाव स्थान पूर्व पूर्वन क विकास कराह, पृथि मधिन चन्नाकृष्ठ विश् कार्यस शहास्त्र রুৱীভত কর। হে তর্জিখিতে, তোমার বাভাবিত মানসিকতা জাবার কিরে পাও 🖺

প্ৰিল ওকাৰে পোৰামী ৰদাধেন—"এই ভাবে হিলান্তমে কাই থেকে জানলোকে উন্তাসিত হয়ে, ভাট তবিশী তার বিষয়তা বিশ্বত হলেন এবং নিত অপ্রাকত विके नव्यक्तात कीर कर दिव करायन। क्रमी का সক্রমের করে বিশিশু হয়ে কেবলমার করে প্রাণট্টক নিয়ে খেতে থাকলেও এবং ভাগ শক্তি ও খেত্যকা বিনষ্ট इत्सव, किछार्थ चारक विकृत्त्राम स्वत्रा इर्राह्म, क মে ভানতে পালে না। ক্তালার, তার কারতের জন্য **(काक्कड नाम मिल अकड़ि न्दर नमड़ी (म निर्धाण** क्रफ़्किं। त्यरर्ष्ट्र म अधिक भरत्रहित, "वटक्रम् ज অতি সুমতি কৃষ্ণকে হত্যা করছি এবং আহার করিছা। ভাগনীকে বিপিন্ধে আনেই, ভারদিন আমি সুভিয়ে পুনার্যা প্ৰধেশ কৰণ বা," কুমা কথাপায় কথা সেই স্থানেই বাস করতে বাকল।"

বিশক্ষের সকল ব্রজানের পরাজিত মার জীবুক করাকে ঠার রাজধানীতে মিছে এলেন এবং বৈদিক বিধি

অনুসারে তাকে কিবাই করকেন। সেই সময়, হে রাজন, যদুপুরীয় নামরিকলণ কেকোন্তা বদুপতি জিকুক্তকই ভাশবাসত, ভাই দেখানকার সকল বৃহে হয়েশেব উম্বালিত হতেছিল। সমস্ত মারী-পুরুষ মহামােশ উচ্ছল মণিরকাদি ও কুওলে বিভবিত হরে বিবাহের উপকার সামগ্ৰী নিয়ে এলেছিল এবং সেইওলি ভাষা শ্ৰছমা সম্প বিচিত্ৰ ৰসনে ভূমিত কা ও বধুকে নিবেৰন করেছিল। গুৰিবের দগরী অভি সুকর হয়ে উঠেছিল—সুউচ্চ উৎপথ उठ वार कुम्पाना, बानएकड स्टांब ६ प्रमातान दव শিয়ে সুসন্ধিত ভোলে বড়া হয়েছিল। মাধনিক জনপূৰ্ব কুড, সুমন্ধি অওক, মুগ ও শীংগর আয়োজনে প্রতিটি পুৰবার সুপোজিত হাতে উঠেছিল। বিবাহে আমল্লিক चर्रिविषक्षाम् द्वितस्य दावारस्य श्रम् स्ट्रिकेन सम्बीत भवता गरिकार गरिका करन तरमध्य, क्या वर হাতীখনি হারে হারে কমনী ও ওক্তম বন্ধ ভাগন করে নগরীর সৌশর্য আরো ধর্তিত করেছিল। জরা কৃত, স্কার, কৈকের, বিদর্ভ, খদু ও কৃত্তি কর্ণৌর রাজ পরিবারতালী থেকে এসেছিলেম, তারা মহানাকে ইতরত ধানমান মানুবের ভীড়ের মধ্যে পরস্পারের মঙ্গে আনক্ষে মিলিত হরেছিলেন। সর্বর মহিলা ক্রিভিড রুপালী হুরুপর क्या अपने करत जाना था छोट्यत जानकात्राचन जानान्त्रिया विकित रहार्शिका जनम जेवर्गाधनकि क्रिक्सहरू িছে কুক্সংশরক্ষক, এইভাবে পরমেশ্বর ভগবান সম্প্রীদেবী জীনতী ক্ষাধীন সক্ষে নিলিকজ্যার দর্শন করে श्वरमञ्जू नगरुधारीया स्वान्नाननिष्ठ वरवरिकाः"



পঞ্চপক্ষাশ অধ্যায়

প্রদ্যুদ্ধের ইতিকথা

শ্ৰীল ভাৰদেও প্ৰেক্তাটী কালেল—"বাস্তাদ্ধৰ এক - ডিনি পুনৱাই ভাৰত বাসুবাকের বেচের কালেরণে কিন্তে অংশপ্রকাশ কামানের পুরাকালে কাছের এলাবে ভাষীভূত। এবেন। তিনি জীকৃতকার বীর্ণ হতে তৈনভীয়ে পতে रे(ओस्ट्रम्म) अन्तर, अवस्ति मसून तसर् शास १९४३त सन्त, समाजर्ग करान अन्तर शाहा नाम नास करता । काल বিশ্বরেট ডিলি জ্বার লিখের ভালনার নাম ছিলেন নাং। कामा भाषात. ८६ नित्यात देवकानवाती ८४ दकान सन् ४४४९ করতে পরতে, শিশুটকৈ তার দপ দিন বয়স হওয়ার আনেই পাণহরণ করেছিল। প্রস্থাপ্রকে ভার শাক্তরবাপ বিষ্যেত্র করে, পথর জাকে সমূরে নিক্ষেপ করল একং ভারপর গতে প্রভারতলৈ করণ। এক বলশালী ইংলা धमात्रक बनाधःकदम कदन अवर प्रस्माप्ति धानासा মংসের সঙ্গে এক বিশ্বস জাতে ধীবরদের দার্থ আবদ্ধ হল। তথ্যপথ বীৰকাণ শ্বাহাকে ঐ মুখ্যা উপহার প্রথন করলে তার পাচকলৰ ঐ অভাঠ মংসাকে পাকল্যে আনহন ক্ষেত্ৰ অনুহাতা ছেলন ক্ষেত্ৰিল। একটি শিওপুরকে মাছের উদরের মধ্যে দেখে, পাচকেরা শিশুটিকে নিশ্বিকা হায়াবভীকে প্রদান করেছিল। তথ্য নারদ মুদ্দি সেবালে আবির্ভত হলেন এক ভার কাছে শিওটির মাস ও মাছের উদরে প্রারে সাহত সমস্ত किंदू वर्णना कतरमधा"

"जर्कारणाक प्राप्तावर्जी विस्तान काम्यास्त्रका विश्वास और রতি। উদ্ধা স্বামীয়া পূর্বনের দ্বামীতৃত চলে—তিনি করন ত্তীর মত্তন কের পাড়ের জন্য প্রতীক্ষা করছিলে—তিনি শংকর কঠেও বজা ও করেন প্রস্তুতের জন্য নিযুক্তা হতেন। মায়াবতী বৃষ্ণতে পার্যালন যে, এই শিগুটি প্রকৃত্যপঞ্জে কামপের ছিলেন এবং ভাই তার প্রতি তিনি স্লের সমস্তা অনুভব করতে তক করলেন। স্বথকাল পরে, শীক্ষেত্র এই পুঞ্জ-শুদাস-তার বৌকন প্রাপ্ত হলেন। তাঙে লক্ষা করেছিল বে সকল রম্পী, ভালের তিনি মোহিভ कररम[ा] क्ष शिव बाजम, **भगवा ए**ग्य ७ উर्शकत छ সহযোগে হাত্ৰেটী লালতা আকৰ্ষণেৰ বিভিন্ন ইপানা ক্ষাপেন কো তিনি প্রীতিপূর্ণভাষে তার গতির সমীনবতী ইয়েখেন, নাম নরন দৃটি প্যাদলের পালভিত্র মতো আহও, বঁরা ঝাহলুখনি আজানুখনিত এবং পুরুষদের মধ্যে দিনি পাৰে সুক্ষা। ভলবান প্ৰদান উচ্চে বললেন—ছে মাতা, আগনার মনোভার পরিবর্তিত হরেছে। আগনি একজন সাতের কথার্থ জনুভৃতিগুলি উলপ্রথা জরতেন अस्य अक्टबन टार्मिकस्य मास्त्र चारवा कराइतः।"

ৰতি কালেন—"আগনি ভগয়ন নারফেন্সে গুত্ত এবং আগনক পিড়গুর হঙে শখন ছারা অপহাত হরেছিলেন। আমি, রতি, ক্যানায় কৈয় গুড়ী, হে সামী, কালে আগনি

কার্যদেব। সেই অসুর, শশর, অনপনর মধ্যদিন বছর না
হতেই অপেনাকে সমুদ্রে নিজেপ করেছিল। তারপর হে
লামী, এই স্থানে আমরা মথসার উদর থেকে আপনাকে
পুনরার পেয়েছি। আপনার দক্ত এই তরজা শশরতে
কার্যার কেনাছি। আপনার দক্ত শারা ভাগনি
ভাবে করালে মারা ও জন্মনত কৌশল হারা আপনি
ভাবে পরাজিত করতে পারতেন। আপনার দীন মাতা,
তার পুরুষে হারিয়ে, আপনার জনা কুনরী পানির হতে।
বাবন করছেন। ঠিক কোর কংনাইনের গানীর হতে। তিনি
তার করালে। টিক কোর কংনাইনের গানীর হতে। তিনি
তার করালে। টেক কোর কংনাইনের গানীর হতে। তিনি
তার করালে। টেক কোর কংনাইনের গানীর হতে। তিনি
তার করালে। টেক কোর কংনাইনের গানীর হতে। তিনি

ব্রীতে গুরুমের গোস্বামী আরও ফালেন—"এইডারে খলে, মায়াবতী মহাকা প্রদাসকৈ মহামারা নামক ব্যৈচিতে বিদ্যা প্রদান করলেন, যা অন্য সকল বিজেহনতে বিনাধ করে। প্রদূপে শব্দেরের সমীপক্তী হলেন এবং ব্যক্ত প্ররোচিত করার জন্য তার প্রতি আসায় কর্ৎসার নিজেন क्ट्रंड कारक एएक काश्रुम कश्रुक्तका और मयक की श्रुप्ता বিরক্ত হয়ে, শখর পদাহত সাংগর হতে কিন্তু হতে উঠল। সে বেরিয়ে এল, জতে পলা, জেনখে তার দুর্গচার লাল। দাধর সবৈধে ভার গলা হোরাভে লাগল এবং ভারণার বন্ধ পাতানের মাতো ভীত্র লাল উৎপাসন করে वराका अनुरक्त निर्क का अरकारक निरक्तन करान। শমতের গদা থখন তার দিকে উত্তে অমেচিল, ভারন ক্তব্যন প্রয়াস তার নিশ্ব কর দিয়ে আঘাত করে সেটি সরিবে নিগেম। অতঃপর, হে স্তাক্তন, প্রদাস ক্রমভাবে শক্তর নিকে উরু গল নিকেশ কর্মের ৷ ব্যালান্য হারা তাকে প্রদর্শিত দৈত্যদের সায়া ঋকশস্থন করে শক্ষা করেনা আফালে আবির্ভুত হল এবং জীক্ষের পুরের উপরে আন্ত্ৰের বর্ষণ করতে থাকল ৷ এই আন্ত বর্ষণ হারা পীড়িত মহাবলদালী যোগা জনবান বৌনিধেয়, সভতৰ হতে স্ট क्षार अध्य बाहा विमानकारी प्रशासना नायक विमास क्षरमध्य करामन । अल्ल क्रथन १५५७, नकर्न, निर्माठ, উর্গ এবং রাক্ষসদের শত শত ওপ্র অগ্র অংরাগ করতে-লাক্ষ্য, কিছু ভাগমন কাৰ্ছি, প্ৰদাস, ভাগের সকলট বিনষ্ট ক্যকেন। প্রদাস সবলে তার কাবিত ভততারি অকের্বদ করে জাল মতে বিশিষ্ট, কিরীট, কণ্ডলকুর্ড, নমতের মন্তব্দ ক্ষেত্রত করলেন। কর্নের বাফিলারণ জনুলের উপর

পুন্ধবর্থণ ও তাঁও ছাতি নিধেগন করলে, তাঁর পদ্মী আকাশে আনির্ভূত হলেন এবং খার্গের মধ্য নিয়ে ছালেন আনীতে তাঁকে কিনিয়ে অন্যানন।"

শ্রেরভান, ভববান প্রদাস উয় পর্টাকে নিরে বর্ম क्षेत्रहरूक (अर्थ जागारमंत्र प्रदेश नकामा महिन्छ चन्दर বচাল অবভার্থ এজিলেন, ভারন তালের কেন ছেবের লাগ বিশ্বতের ভিতন বংশই উন্নে হজিল। প্রান্সদের ক্রেনীরা বৰুন ঠার ক্ষণ্ডামবর্গ, তার পাঁত কোশের কান, dan ব্যালান্দাখিত বাধ এবং অরপ্রপ্রের নরনদুটি, উন্নঃ ব্যাস হাস্তৃত্তি মনোরম মৃত্যক্ত, তার স্কর অসভারবাজি এবং উর্ব সুনীলে কৃটিল অলভ চর্লত ক্রাপেন, ক্থন তারে তাতে শ্রীকৃক মনে কালেন। ভাই রম্পীর স্থাক্ত হয়ে এখানে সেখানে জুকিরে পড়ডিনেন। ব্যার বীরে নীপুরের সঙ্গে জার চেহারার সাম্ভর পার্যক প্রতা বুর্যবীরা কুমতে পারশেন বে, তিনি জীকৃত্য নার। অনেশিত ও বিশ্বিক হয়ে তাঁরা প্রপুত্র ও তাঁর স্ত্রীবড়েক ঋতে এসেছিলেন। প্রস্থাসংক কর্মন করে মধুধ-করী। ভঞ্জাতী কুমিণী জার ইট্যামো সন্তানকে স্মান কতুলেন ্রার প্রেরবংড ওরে স্তনদৃটি করিত হতে বাকশ ি

শ্রীমন্ত্রী ক্রম্মিনীদেরী বল্পদেন—"এই কমলন্ত্রন অনুভৱ কর

চনুষ্যমন্ত্রী কেং ইনি কার পুত্র এবং কোন্ নারী জীকে

ভাইরে ধারণ করেছিলেনং এবং ইনি খাকে ওার

আমার সেই হাজনো পুত্রটি, বে সৃতিবর্গাহ হতে অলহতে

ইর্মেনিগ, একনও ব্যোধাও ক্রমিন্ত থাকে, ভা হলে সে

ইর্মেনার পুত্রটি, বে সৃতিবর্গাহ হতে অলহতে

শ্রমেনার সেই হাজনো পুত্রটি, বে সৃতিবর্গাহ হতে অলহতে

শ্রমেনার সেই হাজনো পুত্রটি, বে সৃতিবর্গাহ হতে অলহতে

শ্রমেনার বর্গার বর্গার ক্রমেনার ভারে আক্রমেন করেছেল।

ক্রম্মানার নিজ প্রকৃ, পার্ত্রনিক্রমান করেছেল

অক্রমেন অব্যাবে, ভার গতি ও ভারে ক্রমেনার বর্গানের সে

করা হাল্যাবৃক্ত ক্রম্নার বর্গার করেছেল

শ্রমানার করেছেল

করা হাল্যাবৃক্ত ক্রম্নার বর্গার করেছিল

করা হাল্যাবৃক্ত ক্রম্নার বর্গার করেছেল

করা হাল্যাবৃক্ত করেছেল

করা হাল্যাবৃক্ত করেছেল

করা হাল্যাব্রক্ত করেছেল

করা হাল্য

আমি বারণ করেছিলার, জারণ আরি ঠার জনা বিশেষ মেই অনুভব বারছি এবং আরার বার বার কা কলিনাত হাজে। এইভাবে রাণী কৃত্যিনী বারন ক্রিন্ডালার কর্মছলার, ওখন মেবর্তীপুত্র শ্রীকৃত্যা, বাসুদের ও জেবর্তীসাছ স্টেখানো উপস্থিত হলেন। ব্যদিও কি জার্মছিল জনবান জনার্থন ভা জার্যভাবেই জান্তেন, কিন্তু তিনি নীরব রইকোন। বাই হোক, নারসমূদি, শ্রারের হালা শিহাপুত্রের অপবরশ করা থেকে ওক্ত করে সমার কিছু বর্ণনা কর্ম্যেন।"

"दीकरकाद भागापन नारीता एउन अहे भटन বিশ্বরকর বৃত্তার শুনলেন, তথন, তারা বহু বংসর বাবং হারিয়ে বিয়ে এখন থেন করা কেবে প্রনাগমন করেছেন বে-প্রদায়, তাঁকে বিশ্বর আন্তর্গন অভিনশিত করেন। (सदकी, वर्गाप्रय, कुछ), वसहाय अदर शामात्मद जनम রমণীরা, বিশেষত রাণী ক্রমিণী, নবীন দক্ষতিকে আলিক্স কর্মেন এবং অনেশ প্রকাশ করেরেন। হারানো धनुष्य भूटई धाशमन करदाक अन्य करव, दाउँकाव অধিবাসীরা কলল, "আহা, ভাগ্য জেন এই পুত্রকে মৃত্যু হতে কিরিয়ে দিয়েছে।" কিছই বিভারের ব্যাপার নয় বে, প্রদায়ের প্রতি প্রাসাদের যে সকল ক্রমণীর মান্তভাব অনুভৰ কয়া উচিত ছিল, তারা একাছে ঠার জনা क्षायाकुक जाकर्षप व्यनुष्ठय कार्यट्य, एक दिनि छै।एस्ट দ্যাপন প্রস্ত। যাই হোক, পুর ছিল ভাবেকল পিতাবই মতো। প্রকৃতপকে প্রদান হিনেক লক্ষ্যাদেবীর কারের ত্রীকৃষ্ণের সৌন্দর্যের অধিকল প্রতিমৃতি এবং তাঁদের नायरन चत्रर कामरभवनतभ छिनि वाविकृष्ट इर्राहरूनन। ৰূপে উন্ন সঞ্জুলীয়া রহবীরাও তার প্রতি লাশান্তা হোম মন্ত্রেথ করেছিলেন, ক্রথন প্রদাসকে কেবার পরে অন্ত दरनीएरह (क्यान चन्छांड इरहरिन, छ। निरह चार की



ষ্টপঞ্চাশ অধ্যায়

স্যুমন্তক মণি

শ্ৰীল শুক্তের গোডামী বলনেন-"ভগবান শ্ৰীকৃষ্ণকে অসম্ভুট করার পর উাকে সমাজিৎ জাব ক্ষান্ত মান্তাল মূলি ক্ষান্ত্ৰের বারে তার সাধ্য মতেই প্রারম্ভিত করার চেটা করমেন।"

মহারাজ পরীক্ষিৎ জিলাবা কংগেদ--"যে প্রাক্ষণ, ব্যালা সত্রাবিদং ভাগবাদ জীকুমের কাছে কি **আগ**বাধ कटर्वाहरूतन । किनि मुज्यस्थ यनि स्मिपा एवटक गान अपर क्यांदे वा फीर क्यांटर दिनि वीकश्वात्स कराई शरान **कटतकिरमा** १^म

জ্ঞান প্রকলের ব্যোক্তারী কলপেন—"সূর্যনের তাঁর তক্ত সমানিতের জনা পরের প্রীতি অনুভার করেছিলেন। জার পরম সূত্রসক্রপে, তাঁর সন্তুষ্টির চিক্তরাল, সূর্বধের তাঁকে महर्यक्रक मात्रा अभिक्रि जभाग करतिहरूका। महाविद छैन ৰতে মণিটি ধরণ করে ছারকার প্রবেশ করলেন। হে বাজন, তিনি স্বরং সুর্বের মতেইে উজ্জ্বল আন্সে বিকিন্স কান্তিলেন আৰু ভাই যশিক্তির জ্যোতির কলে উন্তক কেউ চনতে পারেনি। সাধারত মানুবের মখন বিভূ পুর থেকে সমাজিংকে দেখে, ভাৰ, তাম উজ্জ্বতা ভাষের ভাগ रदम चन्द्र करत निर्दार्शन। छाउँ छात्रा वटन करना रहे. তিনি বুবি সূৰ্যমেৰ একা সেই সময়ে ক্ষরনীড়ারত ভাগবান জীকুকের কাছে আ আনহত্তর জনা বিরেছিল।"

वारकार व्यविवासीयम् काल-"(इ. न्याप्तम्, इस् अध-इ.ज-भनाधारी, दर शक्दन्त कारमका, दर त्याविक, दर वपुरुषन, जाननारक श्रमाय निरकार करी। दह काशाय, শুগবান স্বতিঃ অপেনাকে বর্ণন কথাক আগমন করেছে। তার জ্যোতির তীক্ত রশ্বি বারা তিনি সকলের गृष्टि चन्द्र करत्वा । ३६ शहु, बिलातका शहुन त्यार्थ দেবতারা নিশ্চমই আক্রাকে অবেরণের জন্ম উল্লেখ হরেছে, করে একা জাগনি নিকেকে মূ কলেয় মধ্যে বৃকিন্তে কেখেছেল। ভাই ক্ষমান্তিত সূৰ্বনেৰ এখানে আগনাকে কর্মন করতে একেছেন।"

শ্ৰীল ওক্ষেৰ গোৰোমী আরও মনলেন—"ভাষেৰ এই সমন্ত বালসুলার বাৰু ওলে পঞ্চলের জীভগবাস जहारक कारणम, 'ध मूर्यरमय सत्त, कार नवासिक् साह মনির ভাত লে প্রথম দীন্তিমান হয়েছে!" দাবা সঞ্জন্ধিত উত্তৰে সক্ষেত্ৰে মাল্যমাৰ আচাৰ পালন কৰে ভাৰ সকল পুরে প্রকেশ করলেন। কার পরিক ভাষাপেরা পুরুত মন্দিরে সামক্তক মনিটাকৈ সংস্থাপিত করলেন।"

"তা প্ৰস্ত, প্ৰতিদিন মণিটে আট কাৰ মৰ্গ উৎলাক मबक बात है। हाहर नहि दांशन कहा है। नेदर হৰাৰণভাবে পূজা-কৰ্তনা করা হয়, সেই স্থানট দ্ভিত স্বা অকল্যভার মতের দুর্যোগ এবং সর্পদংশন, হানসিক ও শরীরিক বাবি আর প্রবঞ্চক কাভির প্রাদুর্ভাকের মাডের আহলত থেকে মুক্ত হয়। কোন এক সময় ভগ্রাম श्रीकक प्रनिष्ठि कर्याक, देशरमनरक शरान करांत क्या সত্রজিংকে অনুরোধ করেছিলেন, কিন্তু সত্রজিং এত লোভী ছিলেন হে, তিনি ছা প্রত্যাখ্যান করেছিলেন। क्रिजनवादनर चन्द्रताथ श्रन्ताचारनर करन चानवारश्य धकरकृष शक्ति छिनि एकरव रमस्यमनि। धकरिन সত্রাবিতের ভাই, প্রসেন, ভাঁর করে উচ্ছল মণিটি বুলিয়ে, ক্ষরায়েলে কয়লেন এবং নিকার করার কর বনে গমদ করলেন। একটি সিংহ প্রসেম ও ভার আধরে হতা করণ এক মনিটি প্রহণ করল। কিন্তু সিংহটি বর্থন একটি পৰ্বত গুৱাৰ প্ৰবেশ কৰল, ডখন মণি-অভিলামী আপবালো হাতে লে নিহত হল। ওহামধ্যে জাপবান ভাৰ বালক পুত্ৰের জন্য স্তামগুৰ মণিটে খেলমা মাণে ক্রীড়া করতে বিল। ইতিমধ্যে, সরাজিৎ তাঁর ভাইকে বিশবত বা বেখে, পভীয়তাৰে ঋনুভৱ হলেন। তিনি रमालाय, "ब्याचान कार्ड सर्थ अनि शासन करत राज নিয়েছিল, ভাই কৃষ্ণ সপ্তথন্ত ভাগে হ'তা করেছে।" স্থারণ অনুধ এই অভিযোগ বংগ গোগনে কনাকানি করতে তথ্য করব। স্থান্ত্রণ প্রীকৃষ্ণ পর্যন এই ওলব কনকেন, তথন ভিনি তাঁর হলে কিন্তু কালিয়া যোচন कत्रएं छाँग्रेस्टम । छाँग्रे छिमि बांतकात किन्नु मागतिकस्पत्र সক্ষে নিরে প্রদেশের পথ অনুসরণ করে ছাত্রা করকেন।

ক্রমেশ্র জীরা সংক্রা ও তার সাধা, উভন্তরেই সিংহ ক্রম্র _{বিভাই} দেখাকো। পর্যতপুষ্ঠ ভারা সিয়েটকেও কর (জাশবান) বাব্য হত দেখতে পেলেন। জীভগজন তাঁৱ affice রেখে তারপর তিনি এখনতী প্রকো করলেন। নেধানে ভাগধন জীকৃষ্ণ সেই মহামূল্যকন মাণ্টি একটি State (धानमा भाग स्टार्टर गायरके श्राहनमा । इनके छहत েট অসাবাচন পুৰুষকে ভালের সামনে স্থাড়িয়ে বাজ্যুত মেৰে লিণ্ডটির ধারী ভারে ভিবন্যা করে উঠন। অভিত बाजाजी बाजबान कार कारा करर शब्द श्रद श्रीक्षणवादमंत्र निदयं पुर्ति अमेश फेस अनुष्ठ प्रसीत अपर्देश আৰু হয়ে এবং তাকে ক্ষতকাগতিক একজন সাধানৰ চলেছিল এবং পুট প্রতিপক্ষ পরাম্পরকে ভালের মৃষ্টি নিরে আহতে ভার স্থীতকার পেশীওলি শিধিল চয়ে। গ্ৰিমেছিল, তাৰ বাজি কমে আসছিল, এবং ভয়ে বমান্ত ক্ষম নিয়ে কাৰবান কতিলয় বিশ্বিত হতে কৰলেৰে প্রীতগরানকে বলেছিল-এখন আমি স্বৰণত হলাম ছে. আগলি নকণ জীবের প্রান্তরণ এক ইপ্রিড, আ ও (नर्भक का। अकन कीटवर काननि वानिभक्त. সর্বশক্তিমান পরার নিয়ন্তঃ জীবিক। আপনি সমল ভাগং মার্টাগণের পরম এটা এবং আপনার বাবতীয় সৃষ্ট বছর আপনিই নিবিত সাবতত। জাগনি সঞ্চল সংস্থাকণ্ডারও সংখ্যকর্জ পর্যাপর ভগরন ও সকর আত্মর প্রাত্তা। খাপনিই তিনি, বিনি সমূহকে খথ প্ৰদ্যনেত্ৰ কৰা চালিত ক্রেছিলেন, বাঁম কটাক্রপাতে, বাঁর উত্তৎ লোগ প্রকাশে ললের গভীরতার ফলে কমীর ও তিরিবিধ মধ্যা শেভিত হয়ে উঠেছিল। আপনিট তিনি, যিনি উর

বিনি লক্ষ্যপুৰী সভাৰ কৰেছিলেন একং যাঁক বালে রাবপেন সক্তথ্যতাল বিভিন্ন হয়ে ক্বত্যুদ গতিক হয়েছিল।"

সশস শ্বন্ধ

নীল ওকলের জোসামী জনেও বলেন—"হে যাকন, স্থানের তারুক রাক্তের ভয়কর নিবিড় অঞ্চলবাল্যে ওছার প্রভাবনা শ্রীকৃষ্ণ ভাষা সভ্য কুমরুসমন্দারী কামরাবাকে াসপোধন ক্রাপেন। প্রত্যের কেবলীসূত স্ত্রীভাগবান ভার আনীর্যাক প্রদারী হক ছারা আগবানকে স্পর্ন করে মহিষ্যানৰ কুণ্য সহকারে মেকগরীর করে উপ্ন বাডকে See জানার সকল করে, তিনি শিশুটির করে গেলের। বলেনিলেল—হে থকাবিপত্তি, এই মনির কন্য আমর্থা তোমত ওচাত এপেরি। আমার বিজ্ঞা মিখ্যা অভিযোগ ব্যবহু করের জন্য আমি এই মলিট ব্যবহার করার মনস্থ कररहि। अहेजार जरणाधिक हरते, भाषकाम जामरण ু মনিট্রি সঙ্গে একরে ভার দৃহিতা কুমরী জারবতীকে, ্জীৰভাকে নিবেৰণ কৰে, উচ্চৰ সন্মান আগম কাল। প্রান্ত মনে করে, জামবাম কুন্দ্র মরে তার প্রস্তু পরমেশ্বর । ভাগবাদ শৌরি গুহার প্রকৃত্ব করার পর, দ্বাকার ক্ষমণান্ ভাগানের সংস্কৃত্ব কর করণ। বিজ্ঞান্ত দুলনেই করে উর করী হিসেব, ভারা তাঁকে করিয়ে আসতে না ভর্মধন্তারে বন্ধবৃদ্ধ করেছিল। পরস্পরের বিশ্বদ্ধে সেখে বারো মিন অলেকা করে লেব পর্যন্ত ভারা স্থান বিভিন্ন অন্তা দিবে লড়াই হজিলে এবং ভারণর পাধ্য, স্তাপ করে অভ্যন্ত দুক্তিত হত্তে ভাগের নগরীতে কিরে গাছের ঠাঁড়ি ও শেব পর্বত হাত দিয়ে, এক টুকরে আং হার। সধন দেখকী, ক্লক্লিণীদেখী, বসুদের এবং মের জন্য বৃদ্ধতে দুই বাজপানির হড়ে ভারে বৃদ্ধ প্রতিগকনের অন্যান্ত আর্থীর ও বছুরা ওনলের বে, তিনি করেছিল। দিবা রাজি অধিয়ান্তভাবে আরম্পনি এই কৃত্ত । ওহা থেকে বার হননি, তখন ভাঁয়া সকলে লোক করতে শাস্থান। সত্রাজিৎকে অভিনাশ নিডে নিডে হারকার বক্ষের মতো আঘাত করাছিল। ক্ষাধান শ্রীকৃত্তের মৃতির অধিকানীয়া চন্দ্রভাগ্য নামে দুর্গা বিপ্রহের কাছে শিরে ক্রিক্সের প্রভাবর্তনের জনা প্রার্থনা জানলে। হবন নদ্যবাদীর দেবী-পূজা লের ক্রল, তথন তাকের প্রার্থনা পুরবে অভিজ্ঞাতি নিছে মেনী ভাতাত উভ্তাৰ আশীৰ্বাম প্ৰদান কৰলেন। ত্ৰিক ভাগনই ভাগৰান হীকাল, ভাগে উদ্দেশ্য সাধন করে, আদের সকলকে জনকে পূর্ব করে, জন নৰ-পড়ীসহ, ভালের সামনে আবির্ভুত হলেন। সংস উন্ন সভন পদ্ধী ও কটে স্বায়ন্ত্ৰণ মদি ধালা করে ভাগবান ফ্ৰীকেলকে কেই মৃত্যু হতে কিয়ে আসতে মেংৰ সমধ্য অনসাধারণ আনকোৎসবে হেন্ডে উঠল। গ্রীকার সঞ্জাভিতকে রাজসভার আহার করসেন। সেখানে, রাজা উত্তেক্তে উপস্থিতিতে, মণিটি পুনক্তারের করা খোখনা ক্রপেন এবং ভারপর আনুষ্ঠানিকভাবে ভা সভারিংকে প্রদান কর্মেন। অভার লক্ষার তার মন্তব্ অবন্ত কলে, সমাজিৎ মনিটি প্রহণ করকের এবং সর্বক্ষণ ভার কীৰ্তি প্ৰতিষ্ঠান জন্য এক বিশাল সেন্ত নিৰ্মাণ কথেছিলেন, স্থাপপূৰ্ণ আচন্দ্ৰের জন্ত জনুতাপ অনুভাৰ নামতে কথাতে পুছে প্রত্যাবর্তন করগেন। এই শেচনীর ক্ষপতাধ ক্রিয় করতে করতে এবং শ্রীভগবানের কাশালী ভঞ্চগণের मरक विरदार्थय महावाका मचरक थाकुन दरन होका স্ত্ৰাজিৎ ভাৰদেন। "কিভাবে বহুং আহি আমাৰ কণ্যাত্ম হার্জন করতে পারব এবং কিভাবে জগবান অচ্যত আমার উপর সন্থা হবেন ৷ আমার সৌভাগ্য व्यानाह किट्ड गाउहात सना अवर अवन व्यानमनी, कृतन, ম্যু ও লোডী হওয়ার জন্য মনুবের অভিনাপ থেকে পরিত্রাপের জন্য আমি কি করতে পারিং আমি প্রীভগবানকে সামন্ত্রক মন্দ্রি সঙ্গে, সকল নরীর রত্বসক্রণ। আমার কন্যকে প্রদান করও। প্রকৃতপক্তি, সেটিই জাঁকে শন্তে করার একমান্ত সঠিক উপায় 🖰

্রেইভাবে বুভিনভার সভে ওঁরে মন বিধ করে, _{তালে} সম্রাক্তিং ভরবার জীকৃষ্ণকে উয়া প্রভাগনা করা এক স্বায়ন্ত্ৰক মাণ্টি উপহার প্রদান করাব জন্য স্বাহ্ আয়োক্ত কর্তের। কথাবর ধর্মীর স্বাস্থ্যের প্রীঞ্চলাম সংস্থানাতে विवाह करराना । (मीन्पर्वत मरम १४५कात क्राक्ता, व्याप এক ভাৰ সকল ওড় ওশাবলীয় আধিকারী তিনি 🖚 পক্তৰ ভাষা প্ৰাৰ্থিত হয়েছিলেন।"

লয়ালের ভাগবাদ সমাজিতকৈ বলালেন-⁴তে মাজত আমতা এই মণিট কিয়ে পেতে ইন্ছা করি না। আগটা সর্যদেকের ভক্ত, ভাই এটি আপনার অধিকারেই থাকর। এইভাবে, আন্তরাও এর কল উপতোগ করম।"

ರಾಟಕಾರಿ CAUGO €⊋U≨ಾ

সপ্তপঞ্চাশ অধ্যায়

সত্রাজিৎ হত্যা, মণি প্রত্যর্পণ

প্রকৃত ঘটনা সম্বন্ধে সম্পূর্ণ সচেতন ছিলেন, তবু কথন স্বভার, সে নিখান্ত পোডের খলে সঞ্জাঞ্জিতকৈ ছার তিনি সংবাদ ভনজেন বে পাণ্ডাবের একং রাণী কুন্তী দক্ত इर्ड प्रुष्ठ) वदन कर्ज़ाह्न, छन्म छाड काइ (थरम প্রত্যাশিত কলচোরসম্বর প্রথা মান্য করার জন্য শ্রীবলরামকে নিরে তিনি কুরুলের রাজ্যে বিরেছিলে। দৃষ্ট ভগবান তথন তীত্ম, কৃণ, বিদৃদ্ধ, গাৰামী। ও **মে**পের সামে সাম্প্রত তারের। তারের মতেটি সমানভাবে ব্যব প্রকাশ করে জালা কলে উঠেছিলেন, ছার, এ কে, কী (कानागातक !' बाँदे गुरवारगढ गृतिथा निरात, 📭 शासन, অনুনঃ ও কৃতবর্মা, পতধ্বার কাছে বিলে কালেন, "সামত্রক মণিটি কোল প্রচণ করম নাং। সমাজিৎ উরে राद्रणन्त्रा कार्या भारतास्त्र अस्तानाः भन्द अधिका कर्यान्त्रः, কৈছু তারপার আনান্দের অবজ্ঞাপূর্ণভাবে অবহেলা করে। সম্মন্তে অবহিত প্রীকৃষ্ণকে দুয়পো নালে তাঁর নি^{তান} ভাগ পরিবর্তে ত্রীক্ষের কাছে ভাকে প্রদান করেছে। ভাই কেন সমাজিৎ ভার বাতার পথ অনুসরণ করতে। এই সংখ্যা ভালাল, তে রাজন, উরু তথ্য চিংকার ^{করে}

শ্রীবাদরায়ণি কালেন—"যদিও ভগরনে শ্রীগোবিস নাঃ" শতখনার মন তামের উপদেশে এইভাবে প্রতাবিত चूरका जारब एकत करतकिया। भागी **मरुवया अहे**करव অর নিজেইে আরু হাস করেছিল। সত্রাজিতের প্রাসাদের মহিলারা করন অসহারজাবে কিলাপ ও ফ্রন্সন করছিলেই, তখন শতংখা মণিট নিয়ে ঠিক বেভাৰে পণ্ডহত্য কৰে ্ডোনও কমাই চলে বার, সেইভাবেই নিবিবাচে চলে বেল। সভ্যভাষা বৰণ খাত্ৰ মৃত লিভাকে সেখতে পেলেন, কৰা ডিনি লোকে অভিভূত হলেন। "পিতা, পিতা। হয়ে, আমি মারা পড়কাম!" বলে বিলাশ কাডে কাতে ভিনি অঞ্চতন হয়ে পড়গেন। স্বাণী সভাতান । উার পিতার মৃতধেহটি একটি বিশাপ ডেপের গার্টে রাখনের এবং ছবিলাপুরে চলে গিরে, ইতিমধ্যেই খীলা হন্দোর ক্যাপার কর্মদেন ্ প্রীকৃষ্ণ প্রবং প্রীকেন্যাম বস্প

লালে উত্তলেন, "হয়ে : কার্যানের চরত বিশর্বর **ভা**রব[া] _{अहेलार्व} भागव नभारकत भएडा कन्कतन करहे है।ता বিলাপ কর্মে লাগলেন, উদ্দেশ দুহোৰ কলে কৰে টোল। প্রীপ্রথবন তাল পত্নী ও জোট জাতাতে নিয়ে নার রাজধানীতে প্রভারকর্তন করলেন। স্থারকরে আসার লাবে ডিটা শতধ্যাকে হতাট করে ডারে কাছ্ থেকে হলিটি গ্রেকরারের জনা প্রকৃত হলেন। ত্রীকৃষ্ণ ভাতে ব্ভার জনা প্রপ্রতি রহণ করছের ভা জানতে পেরে, পতথয়া সমাজ বুলা। তার আশ রক্ষার জন্য সে কৃতবর্মার করেছ উপ্রিত হল একং ভার সাহাক্য **প্রার্থনা করল, কিছ** কতব্যা উত্তর দিয়েছিল—আমি কৃষ্ণ ও ফারাম, দুই ভাষানকে অসম্ভুট করতে সাহস করি নাঃ প্রকৃতগঙ্গে, ঠানের বিরক্ত করলে কেউ কি কোনও সৌজন্য প্রভালা कार्य भारत है। करन जनर चारान्य मकन चानुशाबी डेस्ट्रास প্রতি পরাজ্যর কল্য ভালের ধন ও প্রাণ সক্ষ ধারিবেছিল এবং সভেরবার তানের বিজ্ঞান্ত কর করে জনালর একটি থার রখ নিয়েও কিরতে পারেনি। শতংঘার আবেদন প্রক্রান্যাত হলে সে অঞ্জে কাছে নির্মেছন এবং ভার সমুক্তার মান্য প্রার্থনা করল। কিন্তু মানুদা *এ*লইগুরুব ভাকে উত্তর নিলেন, "ভামের শক্তির কথা যে ঝানে, সে পরমেশ্বর দুই ভগবানের বিরোধিতা কেন করবেং" প্রমেশ্বর ভগবানট কেবল জার শীলা রূপে এই ছালং मृद्धि करतन, भागन करतन क्षरा दिवान करदा। जीव ম্যবার বিভান্ত হতে, ক্লয়াণ্ডের কটারাও তার উল্লেখ্য ध्निवयंत्र कवरक भारतम मा । "जाल वहरदव अक শিশুরূপে জীকৃষ্ণ সম্পূর্ণ একটি পর্বতকে উৎপাটন করেছিলেন এবং নিডাত্ত বালকের যাড়ে সহক্ষেই ছুন্রক তুলে ধররা লীলার লেট উচ্চত ধারণ করেছিলেন। আমি সেই পরবেশ্বর ভাগবাদ শ্রীকৃত্যকে প্রশাম নিকেন क्री, वीह श्रांकेरी क्यी विवादकता। किम जबन परिस्थर থানত উৎস এবং অবিসন্মাদিত কেন্ত্ৰ 🗂 এইভাবে তার মার্থন অনুষ্ঠার প্রত্যাব্যান করেল, শরুবরা ফুলুবান মনিটি অকুবের কাছে নাক্ত রেগে শশু গোঞা (থাটাব্দ বহিল) **पूर्ण स्माप्त भारत, अध्य अक्षी काटन कारतारम करत** পার্লিয়ে পোল 🏳

^{*}হে রাজন, অভ্যন্ত প্রস্তলামী কাবগুলিকে নংবোঞ্জি করে এবং উজীরমূল গুরুত্বকো সম্প্রিত জীকুকের রাখ

অনুবেশ্বর করে, মীকুনা ও মীকেরাম তানের ওঞ্চলত্তর ইত্যকারীর পশ্চাদ্ধাধ্য কর্মেন। প্রথম হে অধ্য আবোহণ করে করিল, সেটি ক্রান্ত ইয়ে চিথিলরে উপস্থের এক উপস্থান, পজে নিরে মাবা গেল। তথন সম্ভৱ হবে সেই অধার পরিত্যাপ করে লে প্যরতে भागारक क्षेत्र कराम, जरम श्रीकृष्टक जुन्ककार्य भन्तिकारन कर्रमन्। क्वन मंद्रश्च शंसद्ध शंसायम কর্মিল, ভারন প্রীভগবানত গণতারে গামন করে ভার তীক্রখার চক্র পিরে তার মন্তক জেন করলেন। তরেপর শ্রীভাগরান সামন্ত্রক মশির জন্য শতধন্বার উর্ধ্ব ও নির ব্যানির মধ্যে অধ্যেক করণেন। হনিট না গেরে শ্রীকৃষ্ণ তার জ্যেষ্ট ব্যাহার কারে দিবে কললেন, "আমরা শতধৰাকে অনৰ্থক বৰ্ষ করেছি। ছবিটি ভার ভারে টেই 🚩 তথ্য শ্রীকারাম উত্তর দিলেন, "তা হলে, শতথবা নিকাই, কারও কছে বণিটে বক্তিত রেগেছে। ভাষি, জামাদের সগরীতে কিরে বাও এবং সেই লোকতিকে বুঁজে বার কয়। "আমার অভার প্রিয় বিদেহবাজের সঙ্গে আমি লেখা করতে ইকা করি।" *বে* রাজন, এই কথা থাগে, যদুর প্রিয় বংলখন জীবলরাম, মিথিলা নগরীটে প্রকেশ করলেন। মিথিলার রাজ্য করন প্রিবলরায়কে জানতে দেবলেন, গুখন গাঁর আদন থেকে উঠে নাম্যলেন। পরত শ্রীতি সহকারে তাঁকে লাপ্রীয় বিধিমতো বৰাবিহিত অৰ্চনাম নিবেশন করে প্রম পুৰুলীর জীড়গবানকে হাজা প্রস্থা ক্লানাক্ষে। সর্বশক্তিমন জীবলরাম মিথিবার তার প্রিয় ভক্ত জনক মহারেজের করে সন্মানিত অভিদি হয়ে করের বংসর পাতদেন। েই সময় গুতরাষ্ট্রপুত্র দুর্গোধন জীবলরামের কাছ থেকে পথা দিয়ে যুদ্ধ করার কৌনল লিখে ছিলেন। ভগবান কেশৰ স্বারকায় এলে শতংস্বার মৃত্যু এখা সামন্তক মবি লাভে তাঁৰ নিজেৰ বাৰ্যভাৱ কথা বৰ্ণনা করকেন। তিনি এমনভাবে কথা বললেন যা ওার নিরতমা সভাভায়কে সন্তই করে। কান্যার শ্রীকৃষ্ণ ভাগন चीव इक चार्चीत, महासिट्य ब्रेट्सट्या दिविध পার্নৌভিক বিন্যা সম্পাদন করলেন। ব্রীভগরান তার পরিকরের ওভাকাশ্দীদের নিরে সেই পারসৌকির ক্রিয়ার উপস্থিত হিলেন। কর্মন অঞ্জে ও কৃতবর্মা, বাঁরা इन्दर म्लब्बाएक स्वच्दाय करात क्रमा शहराहिए

কৰেছিলেন, জীনা ভাগলেম যে ল্ডেবছা নিহত হয়েছে, তীয়া তথা ততে বায়কা খেকে প্লাকা কর্পেন এবং ছান্য কোখ্যও বাস করতে লাগলেন। অনুন্তের অনুপরিতিতে সামসার অভাত সাক্ষণালী কেবা পেল এবং মগ্রনাসীরা ক্রমানত গৈহিক ও মনেসিক ক্রেমা এবং আহিসেবিক ও আহিটোডিৰ উপত্ৰৰ ভোগ কাটে ওক ফরল। যে সম মানুধ অভিনত প্রকাশ করেছিলেন (বে. উপরেশ্রনি সমই অনুশ্রের অনুশরিতির জনাই ঘটাছে), ষ্ঠারা কিছু নিজেরাই মাঝে মাঝে কাতেন খে, তাঁরা ছীভগবানের মহিমা বিশ্বত হয়েছিলেন। বাওবিকই, সমস্ত মুনি-কবিদের নিবাস স্বস্তুপ যে স্থানে প্রফোর फशवाम चंदर वाग बद्धन, त्मबादन किछादव पूरवंश चंद्रेटक भारत र^म

450

धवीत्त्रवा कारता-"वाठीएठ, घपन हैजानव খাণীতে (ধারণেগীতে) বর্ণে প্রদান করতে চান নি, তথন সেই সগরীর রাজা সেখনে আগত বসগ্রকে জার কন্যা পাশিনীকে সমর্পণ করেছিলেন। তথ্য অভিযেই কালীয়াজ্যে বর্ষণ ছয়েছিল। তার স্বর্জা ক্ষমভালাশ্রর পুত্র অনুদার কেবানেই অবস্থান করেন, দেবানেই ইয়ানের ছথেট বর্ষণ প্রদাদ করেন। স্বান্থবিকট, তার ফলে সেই স্থানটি বুৰ্মপা ও অকালমভাৱে কলে খেকে মুক্ত আৰে। প্ৰবিশদের কাছ খেকে এই সমস্ত কথা ভৱে, ভগবান জনার্থন, যদিও অবহিত ছিলেন বে, অঞ্চরের অনপথিতি অণ্ড লক্ষ্ণর একফাত কারণ ছিল বা, তবু উাকে অরকার কিরিয়ে আনজেন এক গুরু সঙ্গে কথা কর্মকা। ধীকৃষ্ণ অক্তব্যকে একান্ডভাবে সন্তঃহণ করে ভাঁকে সম্মানিত करायमा अपर चेरत महत्र महत्र वारक कथा - दिनि का गाउँ करावम, संदर करावम कथा महत्त करावन ক্ষালের। বিদি সর্বায় হওয়ার কলে অহনের করে কর সম্পর্গ জেমের ভগকন তথন হাসলেন এক ভাকে :

উদ্দেশ্য করে বললেন—"হে দানপতে, শতগরা ভোষার ক্ষতে নিশ্চাই স্যামান মণি এখবটি পৰিছত বেখেনে _{বাক} সেটি এখনও ভোষার কার্যে আছে। প্রকৃতপক্তে, এট जारत किन्द्रे कावज्ञ कावन्द्रे कानि। एएएए सर्वाधिरायः কেনেও পুত্র ছিল মা, ভাই তার কন্যার পুত্রগথের ভাত উত্তর্যাধিকরে প্রহুপ করা উচিত। ভাগের ক্ষাল ও লিঙ जन्म । प्राफामदस्य वन स्थापन अयर केंद्रर्शकान अदह शाश्र करनिष्ठ वा निक् का निकारत करा शहर करा

"তা হলেও, হে সূহতখারী অকুর, মণিটি ভোমার কাৰ্ডেই খাকুকঃ কাৰণ জন্য কেউই এটিকে নিয়াপুত রাকার কোনা নর। কিন্তু তুমি একবার মান্টিকে নেখাও কালে আমার ভ্রেট ভ্রাতাকে এই বিষয়ে বা বলেছি তা কে সম্পর্ণ বিশ্বাস করছে না। হে পরম সৌভাগাবাদ এইডাৰে তুনি আমার আশীরমের লাভ কর। (প্রত্যেকট বাবে, তোমার কাছে মণিটি ররোছে, বার বানা) ভারি এখন অনব্যত কৰ্ম বেলীতে বন্ধ সম্পাদন করত।"

"এইভাবে ভগবান ত্রীককের সৌহাদায়লও ব্যক্তে লক্ষিত হয়ে খকৰপুৱা তীয় বল্লে লুকানো মণিটি নিয়ে একে ভা বীভগবানকে প্রধান করকেন। উপরুধ মণিটি अटर्स मराज द्वाका विकास करिका। अर्दमान्त्रियान कर्तवान সমেক্তৰ মণিটি তার আধীয়গণকে ক্রেবানেম পরে, তার প্ৰতি আরোশিত মিখ্যা অভিযোগকে এইভাবে নদ্যাৎ করে, তিনি মণ্টি অভুতকে কিরিয়ে নিলেন। পরমেশ্বর ভগতন জীবিকৰ শৌর্ষের কর্মনামত এই আখ্যান সকল नाम कर्यकर पुर करत अवर अर्थकरत प्रकन विधान करत। তার আন্দ্র আনকা ও পাল নবীভাও হয় এবং তিনি শারি লাভ করেন "

অউপজ্ঞাশ অধ্যায়

শ্রীকৃষ্ণ পাঁচ রাজকন্যাকে বিবাহ করলেন

গ্রিল গুক্রদেব গোরাদী কালেন---"একল প্রত্ন লৈহের শ্রীভগবান আবার জনসমকে উপস্থিত পাওবদের (Halfa क्षान) ऐताधरक गंगन कारका। दुव्यान अवर _{व्यक्ताला} भार्यप्रश्न कीस्थायात्म्य क्यी स्टाहिस्स्य। स्थल _{কারে}বেরা দেখকেন যে, ভগবান প্রীযুক্ত উপস্থিত इरवटान, छपत भूषात्र दींद भूतम्य प्रश्नमार खेले ক্ষান্তালের ফেল প্রাণবার ক্ষিত্রে আসার কলে ওালের क्रांक्टावि कावाद महिमा रहा केंग्रेम । बीदगर बहुन মধ্যমান অচ্যাতকৈ আলিজন করগোন এক ভার সেজে অনুৰ্যে উপেয়া পাপ থেকে মৃক হলে। উমা জনুৱাসপূৰ্য স্থাস্য মুখমগুল দর্শন করে, তারা জানলে অভিতত प्राथकितान : प्रतिविद & क्षेत्रक भ्याप श्रीकायन स्वाप जिरवाम करत कार्युनराथ मुस्कारव कार्यामक कारणाथ अवर ভিত্তি বসক ভাই, নকুল ও সহদেবের প্রশাহ প্রহুর কয়লেন। পাতবদের নথ-বিবাহিতা পত্নী অভিনা সুনরী। টোপদী হীয়ে এবং দীৰৎ ভীক্তাৰে উভঃ আগনে উপরিষ্ট ভগবান প্রীক্ষের কাছে এগিয়ে এলে ভাকে প্রদাম নিবেদম করকেন। পাশুকারে কারে বাসত সক্ষর। এক অর্চনা প্রহণ করার গরে, স্যান্ডাকিও একটি মর্বালার चामा अक्रम कहाराम अवर श्रीक्रमदाहरू चनवान महीशक অভিনন্দিত হয়ে বিভিন্ন স্থানে উপবিষ্ট হলেন। ঞ্রীভলবান অভ্যানর উরা লিখি, রাধী কৃষ্টীকে পর্ণান্তে জন্য খেলেন। चिनि चेरक श्रमात्र निरंकान कवरतान वादः बर्धात रहण्यतः **क्टीएमी छाटक काटाशिक महत्व वालियन कटानम**ः উার ও তার প্রেবধ টোপনীয় কাছে শ্রীকৃষ্ণ তাবের कृतन श्रवाणि करामम अवर कारान धारकार कार् আৰ্থীয়ন্তজন সম্বশ্নে উচ্চৰ বিশস প্ৰশ্ন কালেন। রাণী ক্ষুটা এফনট প্রেমবিহল ছবে ছিলেন বে, তিনি ক্ষকড় करके क कारक मूर्व नहाइन क्यांक्ट्रिक्ट (व. जिल्ले अक्ट র্জায় পুরেমা কিভাবে বছ ব্রেল অটলভাবে সহ্য করেছে।। এইডাবে, ভালুগুগের সকল ক্রেল দুরীভাত করার কব বিনি জালের সামনে জাবির্ভন্ত হল, সেই ভগবান প্রশ্ন করলেন। কে ভূমি, হে সুমোশি রম্পীণ ভূমি কর

শ্রীকৃষ্ণকে সংখ্যাধন করে তিনি কলপেন--প্রির শৃক্ষা, ইংল তুমি ভোমার স্বামীর-খন্তম খলে আমানের শাবন কর এক আমদের দেখনর করে আনরে প্রত্যেকে পাঠিরে ডোমার সরকা প্রদান কর, তথনই আয়াদের কুশল সুনিভিত হয়। তুমি স্বাহাতর মূত্রের ও পরমাস্থা, তোনার কেলও 'আগন' এক 'পূর' মোহ নেই। তথ্ও, তুমি भक्तात बाह्यत राज करत. एकाभारक निराध व्यवनकारीड ক্ৰেম সমূলে বিনাল কর।"

হালা বৃথিতির কালেন—"হে অধীপর, আমি স্বামি না, আমল্ল মূর্বেরা কোন পুণ্যকর্ম করেছি বাস কলে কেশেশবর্থনেরও পর্লভাগের আগনারে আগরে মর্পন ক্ষরেত্ব পারক্রি। রাজ্যর অনুরোধে তাঁলের সঙ্গে বিদ্বাস থাকরে প্রর্থনার সর্বশক্তিয়ার স্থাধান নগরবাসীলের নয়নে অনুসৰ প্ৰদান কৰে বৰ্ষাৰ ককেক বাস ইপ্ৰপ্ৰাপ্ত সাথে ব্যবস্থান কর্মান 🗇

"একদিন মহাকর শ্রু কিন্সেন অক্সি, তারে বর্ম পরিধান করে, হ্রামানের পতাবৰ বাহী ঠার রূপে আরোহপ করে, তার ধনক ও তারে অনিঃলের দটি তেন প্রচন করে শ্রীক্তের সঙ্গে বিহারের জন্ম হিংকে প্রাণীসক্ষর এক বিশাল বলে গমন কয়লেন। কর্ত্তান তারে বাশ নিয়ে সেই दान बदरवाल, नवछ, बदय, बकाब, कारण रहिन, करू এক শ্বাস কর ব্যায়, শুকর এবং কা যহিষামি বিদ্ধ করেছিলেন। যত্তে নিকোনের উপকোণী নিহতা পণ্ড ওলি মাধা ব্যাতিকো কাছে এক দল ডাডা বহুন করে নিয়ে কোন। এরগার, ভাষার্ভ ও পরিকান্ত হোধ করে *অর্জন* বয়ুনার ভীরে নির্বেছিলন। খুই কৃষ্ণা স্পোধে খান করের লয়, তাঁকা নদীয় নিৰ্মণ জল প্ৰম করলেন। মহান দুই বোষ্ণে তথ্য এক মন্তব্যাত্ত কথাকে কাৰেই বিচালে কথাত (मध्यक्ता ।

তার সনার কথার পার্ক্তর সেই সু-বিভাগা, সু-বভারতা এবং স্থান্য কৰা অনন্যা স্ববতী রমণীর কাছে গিয়ে ডাকে কাল এবং তৃত্তি কোপা হতে এসেছ? ভূতি এখানে কি করছ। আগার হলে হত তৃত্তি নিশ্চরাই একজন পর্যত অনুষ্ঠা কাছে। যে সুমন্তী, বরাধরে সমন্ত কিছু কৰি কর।"

শ্রীকর্মনানী কালেন—"আমি সূর্যদেকের করা। আমি
পর্য সূক্ষ্য ও মহাস্থানালীল শ্রীকিবৃত্ত আমার পতিরাপে
লাভের আকাশকা করি এবং সেইজন্য আমি কঠিন
তপায়া ভবছি। লাখুনিপতি হাতীত আমি অন্ত কোমও
পতি প্রহণ করব মা। সেই অগবান শ্রীমৃকুন, বিনি
অনাবের আমার, ভিনি আমার প্রতি প্রসাম হউন। আমি
কালিকী নামে পরিচিতা এবং বম্নার কল মধ্যে আমার
আনা আমার লিতার খারা নির্মিত এক কৃষ্ণ ভবনে আমি
বাস করি। ভাগবান অচাতের সঙ্গে মিলিত না হওয়
পর্যত আমি সেখানেই খাকব।"

শ্রীল ওকণের গোলামী খারও ফালেন কর্ত্ন, গুগবাদ মানুদেকো খাছে এই সমস্তই আবার ধর্ণনা কর্তান, যদিও ইতিমধ্যেই তিনি লয়ই আনতেন। শ্রীভেগবাদ ভগন কালিন্দীতে তার রূপে গ্রহণ করে রাজা হ্যিতিক্তে কর্ণন করার খালা প্রত্যাগ্রনা করণেন।

भवंतकी वाक्की चाँजा वर्णना करत, सक्तरह (शासारी বল্লেন-"পাওব্দের অনুহোৱে, ভরধার প্রীকৃষ্ণ বিশ্বকর্মানে মিয়ে এক পান নিচিত্র এবং অন্তও সগরী कारमञ्जू क्रमा निर्माण करिएक मिरमन। अकारमध्य स्थानम ত্তীৰ ভক্তবৃদ্ধক সম্ভন্ন কৰাৰ জনা কিছুকাল সেই সাসীতে অধ্যান কাম্পেন। কোনও এক সময়ে, জীতৃঞ অভিকে উপহার হরেল খাত্তর কা প্রদান করতে চাইলেন এক শ্রীভাবাদ তাই অর্থনের সার্রথ হলেন। হে প্রাঞ্জন, অগ্নিদেৰ দপ্তই হয়ে অৰ্জনকে একটি খনুক, এক বল খেত অৰু, একটি বৃধ, এক জেয়ে জনিংশেৰ তুপ এবং কোনও বোদ্ধা দাত্র খালা তেল কলতে পাল্বে না এমন হর্ম উপহায় প্রদান করলেন। করন হর হানব ভার স্থা অর্জনের সাহারে। আধন খেকে রক্ষা পেয়েছিল, তথন লে তাঁকে এক সভাগুহ উপহার দিরেছিল, বেগানে পাবে পূর্বোধন জলকে ছল বলে বিভান্ত হয়েছিল। অভ্যাপর অৰ্থ এবং অন্যান্য ওভাকাংকী আৰ্থীয়-বৰুন ও मुक्तमन्दर्शद चन्छ स्थादक विकास निरम मराठाकी ६ देख অবণিষ্ট অনুগারীদের সঙ্গে ভগরান শ্রীকৃষ্ণ স্থারকার श्राप्तादर्शन अत्यासन् (^स

"একনির ঘনে শতু, চাক্ত নামত্র এবং রবিভার ও ভান্ত সাধ্যমসমূহ সকলাই জাকুল হল, ভানত পরস্থ মঞ্চমমা ক্ষামান কালিনীতে বিবাহ করালেন। এই কাবে তিনি তার ভাল্তগালের মধ্যে পরমানক সক্ষার করেছিলেন বিন্যা ও জানুবিন্দা, বারা অবভার সিংহাকন জন্ম করে নিয়েছিল, ভারা ছিল বুর্যোধনের অনুগামী। বখন বারহ বয় অনুভাবে ভানের ভানিনার (মিরাবিন্দা) পত্তি নির্বাচনের সমস্থ এল, ভানত সে প্রীকৃত্যক ভাতি অনুবন্ধা হয়ে থাকলের মিকুলকে পছক করতে ভারা ভাকে নিয়ের করকা। যে বাজন, বিশ্বাক্তর সকল জ্বভানের চোলের সামনে, তার বিশ্বী রাজাধিকেবীর ভারতা রাজকান্য মিত্রবিন্ধারে জীকুলা হলপুর্বক অগহাক করতেন।"

°ছে ব্ৰাক্তন, কৌললোর জড়াপ্ত বার্মিক বাচা নপ্রভিতের সভা বা নাথকিতী সামে এক সুকরী কনা ছিল। সাতটি তীক্ষণুদ বৃহকে দতন করতে না গারছে: কোনও প্রাণিপ্রাণী ভাষা ভাকে বিবাহ ক্ষুবার राजारामन्दराश्च दिल तो। बाँदे दुवरानि दिन चन्द्राद्य प्रतर এবং দুর্ঘর, আর তারা বোজাদের গছটুকুও সত্য করতে পারত না। হবন বৈকারণতি পর্যেশ্বর ভগবান বৃহ विकास प्राथात्व ब्राव्हकन्तात्व माध्य करण दृश्य ওনলেন-ভাৰ, তিনি এক বিশাস সৈন্যাহিনী নিয়ে টোপনার রাজধানীতে গেলেন। কোশগরাক ভগবার প্রাক্তমন্ত্র কর্মন করে প্রীক্ত হয়ে তার নিধ্যোসন থেকে देशो अर्ज केंद्र फर्टना करत्यम तथर केंद्रण प्रश्न प्रेमण সমেগ্রী ও মর্বাদার আসন নিবেগন কবলেন। প্রীকৃষ্ণও ব্যস্তাকে প্রথম সঙ্গে অভিনন্ধিত কর্মেন। ব্যস্তবন্য देशम (मध्याम एवं, नवार कासीडि का नमानाठ श्रावासन, তখন ডিনি ভংগ্ৰাৎ ব্যৱস্তিকে লাভেৰ বাসনা ক্ষরক্রে। তিরি প্রার্থনা করকেন, "তিনি আমান গতি হউন। যদি আমি আমার ব্রস্ত পালন করে আঞ্চি, পবিত্র অন্তি তা হলে আহমে আকলের পূর্ণ করনে। সংগ্রীদেবী, ক্সনা, শিব এবং অন্যান্য প্রহের শাসকেরা উরু পারণক্ষে ধুলি ভালের মন্তকে খ্রানান করেল এবং কার বারা সুট ধর্মসূত্র রখন করার ক্ষন্ত তিনি বিভিন্ন সমূত্র লীলাবিয়াই সমূহ ধারণ করেন। কিভাবে সেই পরমেশ্র ভাবন আমার প্রতি স্কুট হবেনং" রাজা নথকিৎ প্রথমে प्रधावशकारण श्रीकाराज्यस स्वाताधना कवान्यन अवर छेएक লাগেন করে কল্পোন—'কে নারায়ণ, যে জগুলীব্র, আগনার নিজ চিন্মা আসহত আগনি প্রিপূর্ণ। সূত্রাং এই নখণ্য ব্যক্তি আগনায় জন কি কয়তে পারে।' "

প্রিল তকদেও পের্ছামী বললেন—"হে প্রিয় কুরুনক্র, পরমেশর ভগবান সভাট হবেন এবং প্রেটি সুধানন প্রহণ করার পর তিনি সিত হাল্লেন ও বেবগরীর মানে কাজার উলেশ্যে কালেন—হে করেছ, বর্ধা লাক্রকারী কোনও রাজন্য কভিন্ন আবার কাছে প্রার্থনা ভর্তিশ্ব পতিতেলা নিশা করে বাবেল। তবুও তোমার লৌহর্ম কমনা করে, আমি তেমার কনাকে হালো করছি, মনিও বিনিমরে আমনা কোনও উপহার প্রদান করি না।"

থাৰা বলাগন—"হে ৰাখ, সকল চিখাৰ ওপাবসীয় একমারে আলৰ আপনার চেবে মেট না আমার কনাতে ভাবে থালা কে হতে পাঁজেন । আপলার সেতে সন্দাঁদেবী হাস করেন, কথনও কোন করণেই আপনাকে ভিনি ভাগ করেন শাং কিন্তু আহার কনায়ে জন্য বোগ্য বর নিশ্চিত করতে, হে সাত্বভাষেত্র, তরে বাণিপ্রাধীদের দক্তি भरीकात क्या कारका भूग्य क्याँ। वर्क क्राधन करति। হে বীয়, এই সাতটি কৰা বৃহত্তে মান করা অসক্তব। ভারা বা সাজপুরের আল-প্রকাল বিধান্ত করে ভাগের পরাজিত করেছে। হে বদুনক্ষন, হে জীপন্তি, খ্যাপনি খুনি ভালো গম্ম করতে পারেন, ভবে আপনি কলেই আমার কনাম উপযুক্ত পতি হতেন। এই সমস্ত শর্ত ধ্রবণ করে, শ্রীডগনাম তার বস্তু গরিধান হতকত করলেন, নিজেকে সাত্ৰটি ক্লপে বিস্তাৱ কলপেন এবং সহজেই বৃষ্ণচলিকে नमन क्यरनम्। अभयान भौति वृष्ठनिएक व्यस्थ ফেললেন, করেণ ভাষের কর্প ও পক্তি এখন চুর্ণ হয়েছে এখা রক্ত দিয়ে ভালের টেনে আনলেন, ঠিক বেভাবে কোনও লিও জীড়াছলে কাঠের খেলনার ব্যবের े ऑकर्रन करत थारक। ऋष्ठ च निश्विष्ठ हरत हाला নয়জিং তথ্য তার কনাতে জাবান শ্রীকৃষ্ণকে প্রদান कंतरहरू। यथायथ देवनिक श्रथाह ग्रहरूबत फरावान अहे সূবোগ্যা বহুতে প্রহণ করালেন। প্রথমন প্রীকৃষ্ণতে রাজক্যার প্রির পতি মতে লাভ করে রামার পত্রীগণ भारत चानक चन्छन करायन अवर व्यक्त अध्य

মহোৎসক্ষে ভার জন্মত হল। প্রাধানগণের আদীর্বাদ शार्थनात कानि अक्ट कड़े 6 शहराजीहरूह महाच नाचे, एकडी ও ঢোল নিমালিত হয়েছিল। উৎযুক্ত সম্ভনারীপণ সুন্দর वद्य **६** भारता रामक्रिक इस्टब्स्टनन। यहा शराभणानी ব্রজা মধ্যক্রিব মূল সহত্র সাতী, সুসন্ত হয়ের লোভিত ও কচে কৰ্ণ জনজন পরিহিত তিন সহল যুবতী নামী, নয় সহত্র হাতী, হাতীর চেমেও শতগ্রুপে অধিক রব, রথের চেত্রেও লভভবে অধিক হাল এবং অধের চেত্রেও শতবেশে অধিক লাম টোড়ক ক্রণে প্রদান করলেন। বর ও কন্যা ভাঁলের হবে খলেন প্রহণ করলে, কোশলয়ক क्षिण्य किराब, खेरासर अक विनाम देनग्यादिनी **अ**तिवृद्ध হরে ঠানের পথে নামা করিয়েছিলেন। বৰন বিপক্ষীয় অসহিক পাণিপ্রার্থী রক্ষারা বা বটোছল জে প্রবাদ করল, ডখন ক্রীকৃষ্ণ উল্লে বধুকে পুত্রে নিয়ে যাওয়ার সময় পথিমধ্যে তাঁকে ভালে ধামানের চেটা করব। কিয় ব্ৰক্সি যেমন পূৰ্বে হাঞালের শক্তি কথা করেছিল, সেতাবেই বন্-যোদ্ধারা এখন ভাগের হত্তভা করে বিকো। সাভীব ধনুক্তে অধিকারী অর্জন সকল সময়েই তার বন্ধু প্রীকৃষ্ণকে সম্ভষ্ট করতে আগ্রহী ছিলেন এবং আই তিনি নীডগবাঢ়ের প্রতি ভীরের বর্গণ নিক্ষেপতারী সেইখন বিপক্ষের রাজনের বিভাতিত করলেন। ঠিক বেন্দা লিয়ে কুম প্রাণীলের বিভাতিত করে, ডিনি লেভাবে তা করেছিলেন। কর্পথের প্রধান ভারতান থেকটাস্থ তথ্য হাঁয় বৌহুক ও সভায়েক দাবকার নিয়ে সেলেন এবং সেখানে সূত্রে বাস করতে ব্যাগগেন। ভারা ছিলেন रेकरकर बारकान बाक्यनता अनर क्रीकरकात निजी ক্রতকীতির ক্রমা। সন্তর্গন প্রথম উল্লে প্রত্যাপ কর্মন উল্লে শ্ৰীকৃত্যে উল্লেখ্য অৰ্থৰ করলোন, স্থাবান কৰন ঠাকে বিবাহ করেছিলেন। স্বাস্থ্যপদ্ধ প্রীন্তগালার সম্প্রাস্থ্যার করা সম্মূলকে বিবাহ করেন। ঐক্ত একারী ভার ব্যাহর সভার উপস্থিত হরেছিলেন এবং গঞ্জ বেভাবে বেডামের খারত হরণ করেন, সেইভাবে ভাকে হরণ করলেন। ভগবান শ্রীকৃক্ষ ধনন ভৌমাস্থকে হত্যা করতের এবং তার কদীদশ্য থেকে চারুকর্নার ব্যুলীদের एक कारणन, अबन अहेरका धना महत्र भकी वाहरान







একোনবন্তিত্য অধ্যায়

মরকাসুর বধ

काको जडीकिए जनातन-"धामश्या प्रस्तीहरू क्रशहरूपकारी क्लाभाग किसाद शिकादात्म शास्त्र মিতে ছয়েছিল। দল করে ভগবান শার্কধনার এই বিক্রম কৰ্মনা ককুন।"

প্রিল ভক্তবের গোলামী কালেন—"বল্লগের হয় ও মূলত পৰ্যভেগ চুড়াত ক্ৰেডানের ক্রীড়াডুমি সহ ইংগ্রেগ মাধ্যে কৃষেল ভৌন অগত্তণ করার গর, ইক্ত ঠাঁকুকের কাছে গমন করে, এই সকল পূর্ব্যবহার জাকে ধাবহিত কর্মেন। প্রীভবকার, তার পদ্মী সভ্যভারকে নিরে সমূহত আন্মেহণ করে চতর্বিকে নিমিপ্রবিচাদি, স্বরংক্রির অনুপঞ্জনি, জন্মসেত, অভিবনৰ ও স্কুলার বারুবেশ এবং মুখপাণ নামক ভাকেৰ ভাৰণণে সুব্ভিত প্রাথক্যেতিবর্গরে পদন করলেন। শ্রীভগরন তার গদা দ্বারা নিবি দুর্গ ডাল করপেন; তার ভীর দ্বারা অন্ত দুর্গ, फेल हुन बात चर्चि, कम अरा करा पूर्व, अरा छेल छति যাল সুর-পাশ দ্বির কমালেন। ভগবান করাবর ভাষন জার শহুধ্বনিৰ দ্বাৰা পূৰ্বে জনৌবিদ্ধ জাবছতা ও ভীয় श्रीटि(अधकारी) वीखराज समय १र्व कंतराना समर शक्रिरविटिय প্রাক্তরেওলি ভারে প্রচাত গলা খারা তিনি ধবলে করলেন। ফুগাবসানের সমরো বয়ের ভরতর শব্দের মতে শ্রীকৃষ্ণের পাঞ্চলন্য পথের ধানি বখন নগরীয় পরিখার গভীরে মিল্লিড প্রভানির বিশিষ্ট মূর হান্তর প্রবণ করণে, তথন সে জেলে উঠাল। কুন্দ্র সমান্তিকালে সূর্বের আগুলের মতো চোৰ আধার-করা ভবতর জ্যোতিতে দীখ্যিমন মূর কেন ভাষ পঞ্চন্ত্ৰ নিভূকাকে হাস করছিল। আগ্রাসী এক সূর্ণের মধ্যে বিশ্বল উন্তত করে তার্কা পুঞ্জ দক্তকে সে আন্তর্মন করল। মূর ভার ব্রিপুলটি কোরাতে লাগল এবং ভারণার ভালে পঞ্চার্থে প্রতীয় করে ভারত্বভাবে ভা गकरफद नित्व जिल्लान करान। टाएँ नेम प्रार्थ अरह জ্ঞানৰ সৰ্বদিৰে পূৰ্ব হবে মহাকাশের সীমার প্রাক্তাহে প্রতিধ্বনিত হল। পরুতভর দিকে ধার্বিও ত্বিপলটিকে জৰুৰ দৃটি তীও নিয়ে আখাত কয়ে ভগকৰ প্রীতির তিনটি বলে ভার করলেন। আতঃপর রীভগবান

করেকটি তীর দিয়ে মুরের মুর্বে আঘাত করলেন এক সামধ্যতিও ক্রম্ম হতে জীওগবাড়ের দিয়ের পদ্য নিজেন করন। বছকেরে মুরের গণা প্রীক্তগবানের নিকে বাতিত হলে, ভগবান শ্রীগদায়ক তার নিজ গদা নিয়ে ভার গ্ৰহতে আগতে করে সহত খতে ভব করবেন। মুর ভাষা প্রায় বাহতলি উপরো কুলে অভিনয় ঐভিন্নবানের নিকে বাণিত হলে তিনি নহমেন্ট তার চক্র নিরে ভার মাধাণ্ডলি বিশ্ব করলেন। ইজের বল্লাঘাতে বিভিন্ন পর্বতপ্রকাই মতের প্রকাহীন মুরের হিরমক্তক দেহটি জলের মধ্যে পড়ে খেল। অসুরোম সাউ পুর ভাগের निकार मकारक अन्य हरत अधिरनीय अंदरन केमार दन। ভৌয়াসকো নির্দেশে সুরের সাড পুর-জাত, অন্তরিক, হ্মবৰ, বিভাবৰ, বৰু, নডখান এবং অকণ--ভাগেত স্মোণতি পীয়কে অনুসাম করে অন্তন্ত্র নিয়ে যুক্তকতে অপ্রসম্ভ হল। সেই সমন্ত বিংক কোনারা বৃশ্বভাবে খান্যাক্ষের ভাষার প্রীকৃত্যকে তীয়, তরধারি, গল, বর্ণা, क्षा क क्रिका निता कारणमा करता, किन्न कारमांकरीई ক্ষুব্ৰান এট সংখ্যা অক্টো পৰ্যত্তাশিকে তান বান দিছে ভিজ ভিজ বতে হেনৰ করলেন। পীঠ দারা পথিপালিত এই সকল বিশক্ষদের শ্রীতগবান মন্তক, উন্ন, বাব, পদ, 🛳 বর্ব জেন করলেন এবং ভারের সকলকে বনালতে হোরণ করলেন। ভবিদ্য পুর, নরকাসুর, বংম ভান নেরপতির পুনতি লক্ষ্য করক, তথন সে আর ফ্রেম্ব সহা করতে পরিব না। ভাই সে দুখ সমূতে ভাত ফারারী হস্তীতে আরোহণ করে দুর্গ হতে নির্গত হল। সকচে আবোহনভারী জীকুক ও তার পার্ট্নীকে সূর্যের উপরে অসীন বিশ্বাস্ত বৃদ্ধ হৈছে। মতো পেৰাজিল। কাৰানকে সর্পন্ন করে জার প্রতি টোম ভার পত্নী থার প্রয়োগ कदल अवर अकटे जांच क्लिएम्स जनम देशना छाएख অকুশ্র নিরে আক্রমণ করল। সেই মুখুর্ডে কগবান প্ৰবাহন উৰু জীক বাৰ্ডলি ভৌনের সৈনাবাহিনীর উপন নিকেশ করকেন। বঙ্জিন পালক লাগালো এই কানতমি শীটো সেই সৈন্যবাহিনীকে বাদ, উল্লাও ভাত বিভিন্ন

গ্রেমের পুর্বের পরিপত কর্মন। ইতিহাবাদ একটকানে সিবেগন করি ছে প্রথমধন, আপনার উদ্ধা-কেরের তিপ্ৰেম্ব অৰ্থ ও হাতিওলিকেও নিহত ক্ষেত্ৰিলেন। অন্তব্যন শ্ৰীহরিন দিকে যত অন্তব্য সকলৈত্ব নিকেশ প্রাথমিশ, হে কুরুপ্রেষ্ট, ভার প্রতিটিকে ডিনটি শুর ভীক सार निर्दा किनि किन्हें कराविक्तान। देविकारक नामस स्थान शिक्तारामाच गरम कर्जाहरूमा एका छीत भाषा वासा ক্ষার হাতিদের তিনি আখাত কর্মছবেন। প্রকৃত্তর পরবা see ও নৰের ছারা প্রথাত হরে আহন্ত হাতিওলি, সমাক্রের শ্রীকৃতের বিরোধিটা করন কর বরকানুরতে একারী কেন্দে রেখে সগরীতে পালিরে নিরেছিল। ভৌহ প্ৰাপ্ত সৈন্যবাহিনীকৈ পিছু ইটকে এক প্ৰকৃতিৰ কাছে বিষয়ে হতে দেখে একদা ইছের বছকে গ্রাজিত করেছিল যে-জন, তাই দিয়ে ভাকে আক্রমণ করল। ক্রিছ সেই মহা অব্যার আগাতেও গুরুত ক্রিয়ার ক্রিয়ার ছলেন না। বস্তুত, ফুলের মনেরে জ্বলতে জবিচনা এক ছাতীর মতো তিনি অবিচল রইলেন। ভার স্কল প্রচেষ্টার ইতাপ ইয়ে ভৌর ভগরন স্থিকত্ব হতার জন্ম ভার বিশুল গ্রহণ করল। কিছু গেটি সে নিক্রেপ ভবার আর্মেই হাতির উপরে উপরিষ্ট ব্যাবটির স্থাপ ইভিপ্রান তার ক্রথার চক্র দিয়ে ক্রেন করলেন। কুলে ও মনোরম পিরব্রাণে বিভবিত ভৌমাসকে সংঘটি পুথিবীর মাটিছে পড়ে উম্মুল শেখো বিজ্ঞার কর্মানে। তথন ছাঙ্ক, হাগ ' ধানং 'সাধু সাধু' রব জেলে উঠনে হনি-ক্ষিয়া এবং প্রধান স্বৈত্যরা ভববান মুকুক্তে পুশ্পনাল্য বর্ষণ করে তার পূজা করলেন। ভবিদেবী তথন ভগবান জীকুবোর কাছে এলের এবং উচ্চক উজ্জাল ৰৰে সমষ্টিত দীপ্ৰিয়ান ঋৰ্ণে নিৰ্মিত জনিতিও কুণ্ডল দুটি ঘর্ণা কালেন। তিনি তাঁকে একটি কৈছবলী পুলের যাগা, বঞ্চপের ছব্র এবং মন্দার পর্বান্তের চূড়াও প্রদান ক্যাছিলেন। হে মাখন, যাত্তংগ্য দেখী দেবকেটাল হায় चारिक चन्नीभारतक शनाव विरक्षम करत करलाएक ভক্তিপুণচিত্তে সভারমান করে তার এব করতে ভক্ত করবের ।"

कृतिरश्यी कार्यान—"(श् स्वरागरम्, ११ मध्-४४)-भनावाती, खाभमारक शनाम मिरकम कवि । वह भवाबहरू, আপনার ভাতামের ভাতাকলা প্রথের জন্য আপনি আশ্লেষ বিভিন্ন প্ৰাণ ধানণ করেন। আগলাকে প্ৰণাৰ

নাথিদেশ পদাস্থ জাবতে চিহ্নত, পদাংশশে পাছেব মালা নিয়ত শেভিড, জাওনার দৃষ্টিপাভ পরের মতে! মিশ্ব এবং পাদ্যর পদ্ম চিংগবিত, আপনাতে আমার अखब अनिक निरुक्त कति। ८६ क्रांग्यन वानुस्त्व, दिन्ध, আদিপুরুর, আদি বীক্ষ, জালনাকে প্রশাম নিবেরন করি। एक मर्वस, खालमाटक शलाब विरायम कवि । खालनि অন্তৰ্গতি, এই ভগতের ভত্তর্হত জনক, পরম এক, আপনাকে প্রথম নিবেদন করি। হে উৎকৃষ্ট ও নিকৃষ্ট कीवर्त्यः चाचा, तः मर्ववादः नग्नमचा, चानमतः शनाम নিক্ষেদ করি। হে অবা প্রত, সৃষ্টির ইস্কার জাপনি ব্ৰজোগণের বিস্তার ও ধারণ করেন। তেমনি কথন ক্ষাপনি কণ্ডের বিনাল ইচ্ছা করেন, তথন আপনি অমোণ্ডণ ধারণ করেন এবং পালন করার ইক্ষায় সম্বশুণ ধারণ করেন। ভঞানি আপনি এই সকল ওপ ছারা शक्षिक इन मा। भागनि काम, शक्कि के भूजम, दर স্বাদীপর, তবুও আগমি ভিন্ন ও সভা। তমি, স্বল, यवि, सर, जारान, देखिएक विकास, स्ट्रा, मन, ইন্দ্রিয়া, অহমার এবং মহম্বন্ধ আপনার থেকে শ্বহর— हो द्या मातः। ८१ शक्ष, शक्रकारण त्नदे भवदे चांधकीत আপনাতে ছিড। এই হচ্ছে ভৌষাসকো পুর। ভয়ন্তীত হতে নে আগনার পাদপতে উপস্থিত হতেছে, কারণ আপনমে শরণাগতের সকলা ক্রেল আগনি দরীকৃত করেন। ৰূপা কয়ে ভাকে জাপনি ৰুখা কৰম। সভল গাণমালকারী আপনার করকমল তার মন্তকে স্থাপন

®म 8करनव श्वाचावी बनानन-"45 ভাবে ভক্তিবিশ্ব কলে ভূমিদেবীর প্রার্থনার ভার পৌরকে বীভগবন অভয় দিলেন এবং জনপর ভৌমাসুরের সংক্র धकार जेपार्ट पूर्व धामारू अरुप महाराम । समारक বিভিন্ন রাঞ্জনে কাছ থেকে ভৌন কলপূর্বক যে ব্যেল হাজ্যর রাজকন্যাদের ধরে নিবে এলেছিল, শ্রীকৃষ্ণ ভালের লেখ্যত পেলেন। পরম নাথেকাকে প্রালেন করতে কেখে রমণীগণ বিমোহিতা হয়েছিলেন। দৈব ক্রমে উপনীত তাদের পতিকাপে মনে মনে তানা প্রত্যাকে তাকে বঞ্চ করেছিলেন। "এই পুরুষকে নৈর খেন আমার পতিকালে অনুযোদন করেন" এই ভাবনার প্রভাক রাজকন্যা

শ্রীকুরোর পরীর চিক্রম মধ হলেন। সুগবিসক নির্মণ ক্ষম পরিহিতা রাশ্বকন্যাদের জীভাক্ষের প্রহণ কংলেন अवर श्रीतमत भशास्त्रक तथ, चन् ७ चन्तामा जन्नाम जर् শিবিকাহোগে ছারকায় প্রেরণ করবেন (চর্মেটি গাঁভ বিশিষ্ট ঐরনত কশেল টোমটোট কোনান শেত হতীও প্রবাস প্রকাশ হৈছের করেছিলেন। এরপার বীক্তগরান বেৰব্ৰক্ষ ইলেভ খালৱে গেলেম এবং যাতা অভিতিকে ঠার কুওল সুটি প্রধান করলেন, সেখানে ইয়া ও তাঁর পত্নী, শ্রীকঞ্চ ও তার প্রিয়তমা ভাষা সভাভামকে সর্চনা করনের। অধ্যাপর সভ্যভাষার অনুরোধে জীওগবান সর্গের পারিকান্ত কৃষ্ণ উৎপাটন করে তা গকড়ের পরে राष्ट्रका। देखं ७ धानामा मण्या शायकारम्य भदाविक করে শ্রীকক্ষ উরা নধরীতে পাবিবাত নিয়ে এসেছিলে। ব্যেলিত হওয়ামাটে পারিকার কুকটি রাশী সভাচামার প্রাসালের সামান লোভিড করেছিল। ভার গার ও মধ্ আস্থাননের ক্লোডে স্থার্থর সকল দিক লভে জমরেরা বৃক্ষটির বিকে ছুটে ছিল। ইন্ন তার মুকুটের নীর্যভাগ ম্বার্টা ভাষরান অচ্যতের পাদশপ করে তার প্রথম নিবেদন করলেও এক প্রতিগধানো করে উরা আকাশ্যা পূর্ব করমে জন্য প্রার্থন জনোলেও, সেই লেবপ্রেই তার ইন্দেশ্য নিছ ছওয়ার পর শ্রীভদবানের সঙ্গে বৃদ্ধ কথাই মনত্ব করেছিলেন। বেবতালের হথ্যে এ বী অঞ্চতা। টোলের ঐত্বৰ্যকে থিক।"

"অতঃপর জবার পরমেশর শীভশশান, প্রতিটি করে কাছে ভিচ্ন ভিন্ন নিজ রূপ প্রকাশ করে, একট সময়ে

সকল হাজকথাকে, প্রতেকের নিজ নিজ প্রামানে, মধাবিহিত বিবাহ করণেন। আধ্যাচনিত জীভালান ইচ प्रक्रितीसम् शामामध्यात श्राटाकवित्तरहे नियस विकास করেছিকেন, আর সেই প্রামাণগুলি ছিল করে যে কোনও স্বসভবনের চেরে অভুলনীর এবং অতি শ্রেষ্ঠ। ভালন সম্ভান্থ সদাসর্বদা পর্যন্তর হলেও, ডিনি সেখানে ভার রম্পীরা পড়ীদের সাবে বথাকবভাবেই ডুব্রি উপজেগ করেভিত্রেন, এবং একজন সাধারণ স্বামীর মতেটি ডিনি ওল পাৰ্যস্থা কটলকৰ্ম পাণন কৰেছিলেন। যদিও রাধার মতো মহান দেকতারাও ভিতাবে জন্মীপতিব স্বাক্ত য়াকে, ছা জাড়েন মা, তবু সেই ব্যানীগৰ লক্ষ্মীপড়িতে ঠানের পতিয়ালে এইভাবেই পেরেছিলেন। ক্রমবর্ষয়ার আনপের সতে উল্ল উল্ল প্রতি অনুরাম, উল্ল সংস্থা দৃষ্টি বিনিময়, এবং তার সক্ষে প্ররম্পরিক সাহিধ্য-সভয়, হাস্য-পরিহার ও রহণীস্ত্রক লাজনক্ষা ইপ্রের করেছিলেন। কলিও জীভগকনের রাণীদের প্রত্যেকেরই লত লত পালী মহেছে, তবু তাঁত্ৰ বিনীতভাবে তাঁর কাছে পিয়ে উন্তে আসন প্ৰসান কৰে, উন্তৰ উপচাৰ সামগ্ৰী দিয়ে তার পজা করে, তার পাধ্যাকলেন ও পাদসম্বাহন করে, তাঁকে লান চর্বপ করতে দিয়ে, তাঁকে বাতাস করে, উল্লে সুগরি চলন লেপন করে, কুল মালার তাঁকে বিভাগত করে, তার কেশপ্রসাধন করে নিরে, তার পত্য বচনা কৰে, ভাকে স্থান করিছে এবং ভাকে নানাবিধ উপহার প্রধান করে, নিজ হাতে শীদ্রগবানের সেরা করতে প্রদেশ করতেন 🗂



বরিতম অধায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণ রাণী রুক্মিণীকে উত্ত্যক্ত করলেন

হীব্যসভাহণি কোলেন--"কোন এক সমতে বাণী নিজে উাকে বাডাস করে গুটুর সেবা করছিলেন কৰিবীৰ পতি, ৰাগ্ৰুক, ৰাল ঠাৰ প্ৰায় বিশ্বাস প্ৰহণ আগবাহিত শ্ৰীভাগান, পূৰ্বহ নিয়ন্তা, বিনি উল্ল সামান্য কংছিলেন, তথ্য উল্লেখনিগৰে অহু ল্লাণী কৰিগীও জীড়াল্লণে এই ক্লাণ সৃষ্টি, লাকা এবং অন্তর্গন্ন সংহার

সংক্রম তার বিধানতালি সংক্রমণের জনাই ব্যুগাণের মধ্যে File अनुशहन केरदर्शन। केन्यून पूक्तभाता शुक्त rameters চন্দ্রাত্তপ এবং দেবীপায়ার মণিয়র বীপয়ালা পোতিক তাৰী কবিবীর মধনাওলি ছিল অত্যন্ত সুন্দর। ∾वसर्ड सम्बद्धमङ साकर्यकाती महिका **७** समासा ক্রালার মালাওলি এখানৈ ওখানে বোলানো থাকত এবং ক্রান্তের রক্তপথে নির্মণ ক্রাক্তিরণ বিকীরণ করন্ত। ক্রতার মুগের সুবাস বেমন পরাক্ষের রাজগুলে বেরিয়ে চান্ত্ৰৰ পাছে, তেমনাই ছে সাজন, গানিজাত কুলের সুগন্তি अकाम चारवह प्रदेश राज अवधि केमारनह अक्षिरका स्टाट প্ৰয়ে আগত। সেখাৰে দুছকেননিত গুৱহাৰ্ণৰ প্ৰয়াত্ত ঐথ্যাত্তর বালিশে দেবভার নাম্ভ করে বিশ্রামন্ত জন এতি জগদীশনকে নাশী সেখা করছিলেন। তার নাসীর চাত বেকে মেনী কৰিকী বহুসত কুম্ব একটি চামর প্রচন ভবলেন এবং তালগায় তিনি উনা পতিকে বাতাৰ ক্ষরতে হলতে প্রা কর্তে তক কর্মেন। ছাতে অস্থীরক, কার ও চামর পাখার সুগোভিত হরে প্রীকৃষ্ণের স্থায়নে মন্তায়সাস রাশী করিন্দীকে অতি উচ্ছল পেথাছিল। তাঁর রত্বযক্ত সূপুর অনিত হজিল এবং ঠার শাতীর আঁচনে আঞ্চানিত প্রদার কুর্ম ঘটো মঞ্জিত তার কর্তনে ক্রম্মক কর্মান। তার নিকৰে তিনি একটি মুলাবার কালী। श्रीवेशमः करतकिरम्भः।"

দশ্য স্বন্ধ

"ত্রীকৃষ্ণ কথন কেবলেন, করং মূর্তিমতী সাক্ষীদেবী কেবলমান উপ্তেই আকালন কথে রারেছেন, তথন তিনি হাসলেন। আভগবান তার নীলাসমূহ প্রকট করতে বিভিত্তরপু ধারণ করেন এবং তাতে তিনি সমুষ্ট হরেছিলেন করণ কর্ত্তীমেরী যে রূপ ধরণ করেছিলেন, সেটি উন্ন পর্যাভাবে সেখা বগ্রর ক্ষম ছিল বধার্য রূপ। র্থনা মধুন মুখমতাল কালক, কুণ্ডল, নিভ ৬ ওার উজ্জ্বল সন্দর্শকর মাস্ত মুধার সুনোভিত ছিল। ঐতগরন অন্তঃ পর তাকে এইভাবে বললেন-ছে ব্রজনশিনী, লোকশালসভূশ ক্ষমতাশালী বহু রাজ্যাদের হারা ডুমি আকাতিকত ছিলে। প্রারা সকলেই ছিল রাজনৈতিক वकायमध् भनाग्, क्षेत्रच, म्हानर्ग, संपर्ध स माहोदिक শক্তি সম্পাধঃ যেহেন্ত ভোষার বাঙা ও পিডা ডামের ক্ষমে ভোষাতে নিকেন করেছিল, কেন তুরি কাম দারা তথ্য বলে ভোষার সম্প্রে সভারমান চেনিরাম ও

অনানা সকল পালিতাবীকের প্রত্যাধ্যমে করেছিলে । কেন कारमत अतिवार्क कृति काजारक दशन कतान, या स्मार्की তোমার সমকক নত্ত? সেই সকল আঞানের ভয়ে তীত হয়ে, হে গৃত, আমন্ত্র সমূত্র আত্রর তহন করেছিলাম। আমরা শক্তিশালী মানুরুজ্বে শুদ্র হয়েছি এবং প্রকৃতগক্ষে আমাদের রাঞ্চলিংহলে অমেরা ত্যাগ করেছি। সে মনোরম শ্রুসমধিতা, নারীরা খখন সমাজের অন্নর্মাদিত পথের অনুসাধী অনিন্তিত আচতুৰকারী প্রকারত সঙ্গে বাতে ভখন সংগ্ৰহণত ভাবের ভাগে দঃৰ ভোগই হয়। আমরা কৰিকন এক ভাই নিকে মনুবদের আছে আমরা মির। ছাই, হে কীগকটি নাতী, ধনবাদেরা কচিব ৰুধনও আমার পূজা করে জ্বকেঃ জ্বরা ভাদের সম্পর্টে, জব্মে, ইভাবে, চেহারার এক কলে মর্বাদরে সমান, ভাগের भड़नभरतन बाधा निवास से दिल्ली एसरवस हंद्र, किस লোনও উত্তম এবং কোনও অধ্যমের মধ্যে কখনই তা হাৰ না। কোনও ভাল ওপানেশী বা আকলেও এবং কেবলমায় বিভান্ত ভিকৃতকের কাছে প্রশংসিত হলেও, তে रिक्ती, मुद्रभनी का एउडाई छन्त छुटि छ। कुरुष नगदानि বলে আমারে ভোমার পতিকাপে বরণ করেছ। এখন নিশ্চিতক্রণে একজন অধিক বোদা পতি প্রহণ করা তোমার উচিত, একজন প্রেষ্ঠ করিব, বিনি টয় ও পরবর্তী উভর জীবনেই তুরি খা চাও আ লাভ করতে তোমাকে সাহায্য করতে পারবেন। হে উক্তরেটা রহণী, निराभाव, मान्य, कराम्ब क्या ग्रह्माता मरण राजाता সকলে আয়াকে দুবা করে, এবং তেয়ের জ্বেট ব্যাস্ত ষ্ণবীও তাই করে। হে ভয়ে, এই সকল রাজ্যাদের ব্রত্তা দূর করার স্করাই তেকা আনি ভোমাকে মুর্ব करतिसमात, कातन जाता परिणयमा इरव केरिकेशन। আমার উদ্দেশ্য ছিল অসাধুদের পরিকে লয়ন কয়া। আমরা পরী, পুর ও সম্পদের প্রতি উলসীন। সর্বল 'कार्यमञ्जे, स्थानक (कट्ट क मृत्यून क्रान) कहर करि मा क्रिक আলোকের ন্যার আমরা কেবল সাক্ষী থাকি মাত্র 🗥

প্ৰীল ভড়ামৰ খেলোমী বললেন--"বেহে ড শ্রীভগ্রম কথনও কুক্সির সক্ষ ত্যাগ করেন্দ্র, কুক্সিনী তাই নিজেকে জীজনকানের বিশেষ প্রিয়েশন কলে মনে করতেন। ভাকে এই স্কল কথা বলার মাধানে প্রীভগবান তার ধর্ল চুর্ব কবলেন ও ভারণর চিন্নি

ইক্তিক কবলৈ চিক্সর কর হলেও। সুপরিমার নিম্প বসন পরিছিতা রাজ্জনায়ের প্রীতপ্রন প্রহণ কর্বদেন এবং তাঁকো মহাকোৰ কথা আৰু ও আন্তানা সম্পদ সহ শিকিনাভাৱে ছাত্তাৰ প্ৰেৰণ কললে। ভাৰতি দকৈ হিলিট্ট ঐক্তব্য বংশার চৌৰটিটি বেগবাদ শেত হার্তীও क्षभनात क्षेत्रक दशका करतविरकार। बारभार क्षेत्रकारान ক্ষেত্রক ইন্দের কালারে কেলেন একা মাজ অমিতিকে উলা কুণাৰ পৃটি প্ৰবাস কলকেই, সেখানে ইয়া ও তাঁৰ পত্নী, জীকৃষ্ণ ও তার ভিরুত্তর প্রর্থে সভাভায়াকে অর্চনা **স্বর্গের। ভতঃগর সভ্যতামন অনুরোধে ব্রীভগবাদ** কর্মের পারিকাত কৃষ্ণ উৎপাটন করে ছা গাল্ডার প্রক রাখালের। ইন্দ্র ও আগানে স্বল্য দেবতালের পরাজিত করে জীকন প্রায় নার্যারে পারিয়াত সিয়ে এসেছিলেন। বোপিত ইওরামানই পরিকাত বৃহুটি রাণী সভ্যতামার প্রান্যক্ষে বাধান প্রেচিত করেছিল। তার গছ ও মধ্ স্বাধাননের স্বোধ্য স্থান নিরু হতে প্রমরের। কুকটির নিকে বুটে জিল। ইয়া তাঁক মুকটোর শীর্বভাগ যাল জালার অচ্যানের পাদাপর্শ করে জার প্রায় নিবেলা করপের এবং জীভগরতেও কাছে তাঁর থাকাল্যা পূর্ব কলের কন্য প্রার্থন্য জানালেও, সেই মেবপ্রেষ্ঠ তার উন্দেশ্য সিদ্ধ হওয়ার শঙ শ্রীভাগোনের সঙ্গে যন্ত করাই মনত্র করেছিলেন। কেবডাকের মধ্যে এ কী অভাতা। क्षेत्रका जेवर्गाक विकास

কাছে ভিন্ন ভিন্ন নিক্ষ কল প্ৰকাশ করে, একট্ সময়ে পছুপ করতেন।"

স্কুল বাছকলাকে, প্রত্যেকের নিক নিক প্রায়লভ চলানিকৈ বিবাহ করলো। আচৰাচাৰত ঐত্যাসন কৰ মতিবাঁদের প্রাক্ষণতালর প্রত্যেকটিতেই নিয়ত বিজ্ঞ করেছিলেন, অন নেই প্রামাদগুলি ছিল ভন্ম যে কেনেও ক্রসভবনের চেরে অতুদনীর এবং অতি তেওঁ। জন্ম সন্তান সমাস্ত্রণা পূর্ণভূগু ইলেও, তিনি সেখালে প্রঞ রম্পীরা পরীবের সাবে বধারপভাবেই ভূতি উপভার करवितान, अनर अकवान नाभारत वाधीर घटका छन्छ। ঠার গাহঁত্র কঠবাকর্য পালন করেছিলেন। যদিও ক্রমার মতো মহান দেবতারাও কিভাবে লক্ষ্মীপতির জাতে ব্যক্তে, স্থা আন্টো বা, তবু সেই রমণীগণ লক্ষ্মীপভিত্তে ভাষের পতিরূপে এইভাবেই পেরেছিলেন। ক্রমবর্ধকর অন্তৰ্ভন সভে উলা উল হতি অনুনাম, উল সভে সভাত **৭রি বিনিম্না, এবং তার সঙ্গে পারস্পরিক সামিধা-সচ্চার** হাস্য-পরিহার ও রমধীসুলত লাজনক্ষা উপতেরে করেছিলেন। সদিও প্রীভগবানের রাণীদের প্রভাবেনট শুভ শুভ দলী রচেছে, তনু তারা বিনীতভাবে তার করে। নিয়ে ঠাকে আসন প্রদান করে, উত্তম উপচার সামগ্রী। দিয়ে উবে পূজা করে, তার পাদপ্রকাশন ও পাদসভাত্ত করে, তাঁকে গাম চর্বণ করতে দিয়ে, তাঁকে করেন করে, তাঁকে পুথাৰি চমান লোপন কয়ে, কমা মালাই উচ্চে বিভনিত করে, উরু কেশগ্রসাধন করে বিত্রে, তার শহা রচনা করে, তাঁকে স্থান করিয়ে এবং তাঁকে নানাবিধ ্বত্বংগর অধ্যন্ত গরমেশ্বর জীভগবান, হাতিটি বধর উপায়র প্রথম করে, নিঞ্চ হাতে প্রীক্তগবানের সেবা করতে



বৃষ্টিতম অধ্যয়ে

ভগবান শ্রীকৃষ্ণ রাণী রুক্মিণীকে উত্ত্যক্ত করলেন

ইবিদের্যরূপি বলবেন—"কেন এক সময়ে রাশী। নিজে ওাকে বাতাদ করে ওার দেবা করছিলেন। স্পরিদায়ি পতি, কংক্ওক, কবন তাল পর্যায় বিজ্ঞায় প্রত্য স্পাহরতিত ব্রীভগবান, পরায় নিয়ন্তা, যিনি তার সামান্ত কর্মন্তেশন, তখন থাবে নামীগণের সামে তানী ক্রমনীও । ক্রীকারণে এই স্কাধ সৃষ্টি, পালন এবং অতঃপর সংখ্য

_{মাতন,} উল্ল বিধানগুলি সংবাদশের জনাই ক্রুগ্রেপর মধ্যে क्ष्मि स्वाहात्व कटहरूकम । खेलान मुख्याताला वृक्ष *(स्वाहार्थ क्यांटर्ग व्यवः (स्वीभागाम प्रतिवक्त शैभागाना* লাভিত রাদী কশিদীর মহক্তদি ছিল মতান্ত সুন্দর। চ্ছান্তে প্রমার্থের আকর্ষণকারী মাজকা ও জন্যানা পালার স্থালাগুলি এপালৈ ওপালে বোলালো স্বাক্তর প্রস্থা ব্যাপ্তৰ মন্ত্ৰপথে নিৰ্মণ চল্লকিবণ বিকীণৰ কতত। লাভে হলের স্বাস যেরন করাকের রভগতে *বেলি*ভে ক্রমত পাড়ে, তেমনই হে কাজন, পারিকাত কুলের স্থানি ক্ষাসে করের মধ্যে কেন একটি উন্মানের পরিবেশ করে। _{নিয়ে} স্থাস্ত। সেখনে সুম্বকেননিত ক্ষরতার প্রায় <u>রুত্রপ্রত হালিশে দেওভার সাক্ত করে বিশাসরত ভার</u> নার ভাগবিধরকে রাশী সেকা করন্দিকে। তার কার্যার _{তাম} খেকে দেবী ক্লিক্লী মন্তৰত মুক্ত একটি চাধৰ প্ৰচুৰ ভৱাৰদা এবং ভারপট ডিনি তাঁর পণ্ডিকে বাতাস করতে এবতে প্রায় করেও তর করলেন। হাতে অসুরায়ক, and ও চামর পাধার সুলোভিড হরে *শীক্ষের সমেন* _{ক্ষাৰম্প} নাণী কৃত্তিগাঁকে অতি উম্ফল দেখাহিত। উত্ত ব্যবন্ধ সুপুৰ ধানিত ছফিল এক ভাৰ শাড়ীৰ আছলে ব্যক্তাপিত ব্যক্তের কৃষ্ণম স্থারা রঞ্জিত ঠাব কঠচার সাক্ষণ হরছিল। তার নিডকে ডিনি একটি মুল্যবান কাঞ্চী। वरिकास करतविस्तान (^{**}

"हैकिस कान सिधानन, एका मुटियकी अन्तीरपरी কেলায়ার তাঁকেই জাকানক করে হারেছেন, ডখন ডিনি হাসলেন। ইডিল্বান উল্ল কীলাসমূহ প্রকট করতে বিভিন্নৰাপ ধাৰণ কৰেন এবং ভাতে তিনি সময় इरप्रिक्षण कार्यन मध्यीकारी व्य क्रम शहन बरहान्द्रकार. সেটি উটা পত্নীভাবে দেবা করার জনা ছিল কথার্থ স্কণ। উল্ল মধুৰ মুখমণ্ডল অলক, কৃণ্ডল, নিম্ব ও উল্ল উজ্জন সনাবদরর হসে। স্থায় স্পোতিত ছিল। ঐতিদ্যান করে: की फीएक और फाटक कारकार-टर काक रिकरी, লেকপালস্থা কাহতাশালী বহু রাজানের হারা ভূমি আকাশিকত ছিলে। তারা সভারেই ছিল রাকটেন্ডেক মতাবদহ ধন্যয়ে, ঐশ্বর্ধ, সৌন্দর্ব, উদার্ব ও শারীরিক শক্তি সম্পন্ন। থেখেত ভোমনা ৰাখ্যা 🗢 পিতা ভাৰেব भिन्द क्षांसारक मिरवास करविष्टा, रकत छुनि काम बातर ভাৰত হলে ভোমার সম্প্রের সভারেনে চেনিবার ও

মন্যান্য সকল পর্যপদ্মবীকের প্রত্যাব্যান কর্মেরিকের কেন অবদায় পরিবর্তে তবি আলাকে বরণ করকে, যে মোটেট ানেমার সমস্তক ময় ও কেই সভাম ব্যক্তানের ভারে বীতে মতে, তে সৃত্ত, আগ্রহা সম্প্রে আগ্রহ প্রকাশ করেছিলার। धायता गाँकमानी। प्रहारतात एक वसर्वि अस अक्टर्शिक प्यामासद दाक्षमिरद्यामा चारका छात्र कर्दाई। ए महनातम क्रमारिका, सारीका क्या ममारकत क्रम्भुट्यानिक গণের অনুসারী অনিশ্চিত আচবপ্রানী পুরুত্বর সঙ্গে খাকে তথ্য সাধারণত ভাগের ভাগের বংগ ভোগাই ধর। আমর অভিকান থকা তাই নিজে মানুবলের ক'ছে আনর। হিছ। তাই ব্লেকীপথটা নাৱী, কান্যসেৱা কচিং কণ্যনও जामार पंचा करड पारक। चाटा एउटाव्ह जन्मार्थ, करण, প্ৰসংখ্য, চেহাধাৰ এবং কংশ মৰ্বালাৰ সহাল, তালের পর*-বরের মধ্যে বিবাহ ও মৈত্রী বথাকণ হয়, কিছ কোনও উত্তয় এক কোনও অধ্যানর মধ্যে কবনই তা হয় না, কোনও ভাল ওপাবলী না থাকালেও এবং কেলমাই বিজয় ভিকৃতকে থাছে প্রশাসিত হলেও, হে বৈশ্বতী, মুরণশী লা হওৱার জনা ভারি আ ব্রবতে পারোনি বলে আমাকে ভোমার পতিকংশ করণ অংগত। এখন নিশ্চিতক্রশে একজন অধিক ছোগা পতি গ্রহণ করা ভোমার উচিত, কেল্কন প্রেষ্ঠ করিব, বিদি ইছ ব পরবর্তী উভঃ জীবনেই স্কমি আ চাও আ লাভ করতে ত্যেমকে সহাৰ কলতে প্ৰক্ৰো। তে উক্তপ্ৰহা ব্যুগী, লিওবাল, দাসৰ, কংকেছ এবং দত্তবন্ত্ৰেৰ ইতেই রাজার সকলে আমানে কর করে এক ভোনার ভোষা হাতা क्ष्मीक छाँदै करहा। एवं परात, और मध्या वाकारस्त्र উদ্ধতা দুগ করার জনটে কেবল আমি ভোমাকে হলগ করেছিলাম, করেব ভারা শক্তিমদার হতে উঠেছিল। আমার উদ্দেশ্য হিল অধাধ্যাের পঞ্জিতে কমন করা। থ্যামলা পত্নী, পুত্ৰ ও সম্পর্যাধ্য প্রতি উন্যাসীন। সর্বদা धाक्षभावते, धामका तार के शुरका बना कार्य करि या किया আলেকের নাতে আম্রা কেন্সে সাকী ব্যক্তি হাত।"

শ্ৰীল ওকমেৰ গোত্মামী বললেন—"বেচেড প্রীভয়রন কথনও ভুক্তিগাঁর সম তালা করেননি, ক্রমিণী ভাই নিজেকে প্ৰীজগৰাকের কিশ্বে প্ৰিচেমা কলে ছান করতেন, ভাকে এই সকল কথা বলার মাধায়ে প্রীভাগবান গান্ত কর্ম কর্মেন ও ভারপর ডিনি থামলেন। তালি শীদেবী পূর্বে কাবনও জাশতের সামকরণপেরও অধীপর, তার হিরতমের কাছ থেকে এই বালের অধির কথা প্রকা করেন্দ্র এবং তাই তিনি ভীতা হয়েছিলেন। তার হামর কম্পিত হতে লাগল প্রবং দুরত উর্থেগ থিনি রোদন করছে তার করেনেন। তার কোমল প্রাক্ত, অরশ বর্ণের প্রভাবিশিষ্ট নথ ছারা তিনি ভূমিতে আচড় কটিতে লাগলেন এবং তার কুজবর্ণ অন্তন্মবৃদ্ধ অর্কারা তার কুছুর রঞ্জিত জব নিক্ত হয়ে উঠল। সেখনে তিনি অধ্যানুখে গাঁড়িরে মইকেন, অতার মুমখে তার কট কর হয়ে গেল। তার ছাত থেকে কারা বনে পাড়ল এবং তার প্রথম বালিনীর মন মুখা, তার ও লোকে বিহুল হ্যোজিল। তার ছাত থেকে কারা বনে পাড়ল এবং তার পালাটি ভূতলে পতিত হল। তার যোরপ্রতার তিনি সহলা মুর্ছিত হলেন, আলুলারিও কেলে বারুবিকার কারণী বুক্তর বতে তিনি ভূতলে পতিত ব্যাহারিকার ব্যাহারিকার

ত্তির প্রিরতমা তার প্রতি এমনই প্রেমবছনে আবছ বে, সে তার উত্তান্ততার সমাক তার হবরতাম করতে পারেননি, তা কাল্য করে কুশামা প্রীকৃত্য তার প্রতি অনুকল্প অনুকর করকো। প্রীক্তগরার সন্থা তার পরা। হতে নেমে এলেন। চতুর্ভুক্ত প্রকাশ করে, তিনি তাঁকে উল্লোচন করলেন, তার কেশ বছন কর্লোর এবং তার পরা হত হারা তার মুখমওলে হাত বোলালেন। হে রাজন, ভক্তগণের গতি শ্রীক্তগরান তার পর্তীর অপ্রকৃত্ মুটি নরন এবং পোকাশ্রুতে সিক্ত হানহায় মার্লন করে, তার যে নিচলত পন্ধী, তাকে জ্বার জরুর কিনুই আকলকা করেন না, তাকে আলিকা করলেন। সালুনা প্রদানে নিপুণ শ্রীকৃত্য তার পরিহান চাতুর্যে বিভাগ্ত এবং অনুরূপ বিপর্যবেশ্ব অবোধ্যা বীনা ক্রিপ্রিটকে সান্ধান প্রধান করলেন।"

শ্রীক্তগবান বলকেন—"হে বৈদর্ভি, আমার প্রতি আসপ্তই হলে লা। আমি জানি, তুমি জামার প্রতি সম্পূর্ণরূপে অনুরক্তা। হে সুন্দরী, আমি কেবলমার প্রিহাস ছলে কথা বলছিলাম, কারণ তুমি কি বলবে, আমি জা বানতে চেরেছিলাম। আমি ভোমার সুন্দর উল্লেখিয়ের ও বটার্কবিকেশ সমেত অরুশবর্ণের ভারপ্রতার স্ব প্রথমকোশে কম্পিত অধ্যা এবং সুক্ষরভাগর সেবতে চেরেছিলাম। হে ভাত ও ভামিনি, সুহমেনিরা গ্রহে

ভাষের ত্রিমতমা পড়ীদের সঙ্গে পরিয়াস করে সংস্থ অভিবাহিত করে পরত আনদ উপজ্ঞোগ করতে দাতে দ

क्षेत्र चकरम्य दशकामा कारणम-"दर इतका, वाके

বৈদতী জীভগবানের কাছে সম্পূর্ণকালে সাকনা কাল করভান এবং জানতে পারবেন বে, তার কথান্ডরি পরিরাস ছলেই বলা হর্মেছিল। জার প্রিরাজ্য জাতে পরিত্যাপ করকেন, এই তম ডিনি এইভাবে পরিত্যার করকেনঃ হে করতকুলনাখন, জড়িশী সলাভ হাসিতে भक्षण्यके शिक्षणात्मक वृषयश्चाम वानावयः विक দৃষ্টিপাত করে কালেন—হে কমলনহন, প্রকাত*নাক* খ্যালনি যা বলেছেন, ডা লডিঃ। খারি খাবলটো সর্বশক্তিমান শ্রীভগবানের জন্য অবেশ্য: বিনি ভিত্র প্রধান বিপ্রকের অধীশক, বিনি আপন মহিমার অনুস্থিত নেই ভগৰতের সঙ্গে ভাষার যতে কড়ওগাবলী সংগ্র কোনও নারী ব্যক্তে কেবল মূর্থেরাই পাদককর করে बारक, करा की फुलना इरला हर केमधान, हो।, ह्यार আগতিক ওপ্যকশীৰ কৰে জীত হবে আপনি সমসমধ্যে শত্তৰ কৰে বাকেন এবং এইভাবে তথ্য চেতনার আগনি হালর মধ্যে পরমাধারত্বপ আবির্ভন্ত হব। আগমি সর্বাধ মট জাগতিক ইব্যিকানির বিক্তমে সংগ্রাম করছের এক গ্রকতপক্ষে আপনার সেবকোরে অজ্ঞানতার অভ্যান্তর নিকে আকর্ষণকারী সমস্ত রাজকীর আধিপত্তার অধিকার পরিত্যাথ করে। জাপনার পাদপক্ষের মধু অর্থাননকারী মবিসাধের কাছেও দুর্মোই, আপনার গতিবিদি পানো কতো च्याञ्चलकाडी भान्त्वत कारह त्या गुर्खाचा श्रूरवेहै। च्याज বেহেড আপনার কার্যাবদী চিত্রছ, ভাই হে ভান, ক্ষাপনার অনবর্তনকারীয়ণের ফার্রাবলীও তেজন হতে থাকে। আপনি নিছিক্তা, করণ কালনার অতীত কর কিছুই মেই। বাদা এক ক্ষরানা কেবতাগণ বাঁত্র পূকা वर्धमानित प्रदेश एकारा, व्याननाटक श्रेष्ठा निरंतक करत থাকেন। বারা ভাষের সম্পদ কৈছকে আৰু এবং ভাষের ইজির পরিচত্তি করতেই মধ থাকে, ভারা মৃত্যুরূপী আপনকে হলরসম করে না। কিছু পুরুষ তেকো দেবতালের কাছে, আগনি হেমন প্রিয়, কেমনই ভারতে খ্যাপনার কাছে হিন্ত। খ্যাপনি সকল প্রকার্থময় এবং আপনিই জীবনের চরম জন্ম। আগনকে লাভ করবার অকাশনার, হে সর্বর্গন্ত মান ভগবান, বভিমান মানুকেট সম্ভ কিছু পরি ইনাগ করে। জারাই আগনার সম সাভের বোধা হল-পারস্পরিক কমেনা থেকে উৎপন্ন পোক ও মানলে মন্ত্র নারী ও পুরুষেরা ঠার মোগা হয় বা। আগনার মহিমা মেবেশর জন্য মহান মূনিগণ সম্যামীর যুক্ত পরিভাগে করেছেন, আগনি সমত জনতের পরমান্ত্র এবং আগনি এতই কৃপামর যে, আগনি নিজেকে নর্বন্ত হান করেন, তা অবগত হয়ে আগনার উ-আত কলাকের হানা কিনী আশিন রখ্যা, নিব ও সংগ্রি স্পুস্কর্থাকে পরিভাগে করে আমার পভিনাংগ আরি জংগনাকে মন্ত্রণ ধর্মিট। জনা কোনও ব্যব্ধ আমার আর কি মংগ্রহ

"CE विमा, निरंह स्थान हेस्टा टानीरमा का कटा हिटा। অন্ত বধার্থ ভোজা প্রহণ করে, তেমন্ট আগনরে পার্ম काड क्या निनामिक करत जमारक वाकासक सामनि एव কৰে নিৰ্মেটিলেন এবং ভারণৰ আপনাৰ ব্যাৰ্থ ভালে, । জারাকে দাবী করেছিলেন। হে গদারজ, তাই আপনার পৰে বলা নিডাডই অসমত বে, আপনি সেইসৰ জভাগের করে সমূদ্রে আবার নিয়েছিলেন। আপ্নার পঞ कामना बंदां, व्यत्र, देवश्र, काराज, नारच, श्रा अंबर कानाना त्वके व्यवस्था—केरनत अकल्पत सामा भविकाम पर्यक्र क बाननारक व्यवपायंद्र बना यस अर्थनं करना। (ह ক্ষেত্ৰাৰণ, কিন্তাৰে সেই রাজনা এই জনতে অবসংভাৱ-হবে পক্ততে পারসেন ৷ মহান কবিবনের বন্দিত, व्यवस्था आक्टानारी वाशमन नावश्रका औरक লভ্নীদেবীর খালর সভল। সেই সৌরভের প্রাণ প্রহণের পরে কোন নারী খান্য কোনও মানুকের খানার প্রহণ করবো বেচ্ছের অলেনি অপ্রাকৃত ওলাবলীর আলার, তাই ক্ষেম পার্থিক নারী নিজের স্বথার্থ কবঢ়াণ নির্ধারণের অভাষ্টি নিয়ে সেই সৌয়তের অনান্য করে তর পরিবর্তে সর্বন ভরতর ভয়ে ভীও চরে আছে একা কারও ওপরে নির্ভা করবেং বেছেড় আগুনি মানর উপবৃক্ত, বিনি देशकीवान अवर जबवरी कीवान वामात्तव मनन আমানার প্রেল করেন, সরকা ভগতের পরমায়া ও গড়, সেই আপনাধে আমি বরণ করেছি। আপনার বে লিশপাৰের অভিনাকারীয়া সারাহার হন, নেই চরপার্বার থান করে বিভিন্ন সভলাপতিক পরিবিভিন্ন মার্কে পরিবাশক্তার আমাকে কথা করান?"

"হে অচ্যত শ্রীকৃষ্ণ, শিব ও ব্রহ্মার সভার কীর্তিও আপনার মহিয়া যে সকল নারীয় কানে কখনও প্রবেশ করেনি, আপনি যে সমন্ত রাজাগের নাম উল্লেখ করলেন, ভারা প্রভাবেক ভানের পতি হোক (, শেব পর্যন্ত পেখা আর, এই ধরনের নারীদের পৃথেই এইসর রাজারা গাখা, গভ, কুকুর, বিভাল করে কীতদাসের মতেই খাস করে খাকে। যে নারী আপনার পাদসন্তমণ্ আমান করতে খার্ম, সে নিভাপুই নিমুল এবং ভাই ভার পতি বা প্রেমিক রাগে নে ভক, ছাক্র, রোম, নব, কেশ বারা আবৃত এবং হালে, অহি, রাভ, কৃমি, ফাল, কক, লিব ও মান্ত বারা পরিপূর্ণ একটি জীবিত প্রবেক্ট রাহল করে।"

"হে ক্যান্সন্ম, যদিও আপনি আৰত্ত এবং তাই ক্রাচিৎ আমার প্রতি আপনার ক্রেয়ের ক্রান্স করন, তবু কুপা করে আপনার পাদপথের ক্রান্স মেন করেন, তবু কুপা করে আপনার পাদপথের ক্রান্স মেন নিরে আমারে আলীর্নার ক্রান্স। ববন এই ক্রান্সত সৃষ্টি ক্রার্ম ক্রান্স মারে আলা আপনি রজোওপের প্রাথান্য নিবে আমার প্রতি পৃতিপতে আপনার পরের অনুকপনা আমার প্রতি প্রদর্শিত হয়। টে মধুনুদন, প্রকৃতপতে আপনার কথা আমি নিখার মানে করি মান ক্রান্স অবিধাতিত ক্রান্স ক্রেয়ের প্রতি আমন্ত হর, বেমান আলার কেরে হ্যোছিল। মুক্তারিনী নারী ক্রিয়ের হলেও তার ক্রান্সনিত্র নতুন প্রেমিকের ক্রান্সালারিত হলেও তার ক্রান্সনিত্র নতুন প্রেমিকের ক্রান্সালারিত হলেও করা ক্রান্সনিত্র স্থান অনুবার প্রত্ম এমন অসতী পদ্ধীকের প্রান্ধ করা উচিত নার, ক্রেম্ব তা হলে ইর্জীবনে ও পরজীবনে উভয়ক্ষেমেই লে সৌভান্য চ্যুত্ত হবে।"

জীওসবান বদলেন—"হে সাধিব, হে বাজ্ঞবন্যা, জানরা ভোগার এই ব্যানের কথা ওলতে চেরেছিলাম বলেই তোমাকে প্রবক্ষার করেছিলাম মাত্র। বাগুবিকই, জানার কথার উত্তরে চুমি বা কিছু বলেছ, তা অতি অবশ্রই নজা। হে সুন্ধরী ও কল্যানী, বেহেতু চুমি জানার ঐকান্তিক ভক্ত, তাই জাগতিক ক্ষমনা হতে সুক্ত হওবার জন্য বা কিছু আলীবাঁদ ভূমি জালা কর, তা স্বা নিতাই তোমার ব্যাক হ্যেছে। হে ওছলীলে, আমি একন তোমার গতিক্রম ও পাতিত্রতা ধর্ম প্রত্যক্ষ করেছি। আমার কথার বিচলিত হলেও আমার কছ কেকে তেমার ক্ষ বিচ্যুত করা ক্যানি। পারমার্থিক মুক্তি প্রদানের

ক্ষমতা আমার প্রকলেক, কানাসক্ত এবং বিজ্ঞান মানুষেক্র তামের জন্ম কাগতিক গাইছা জীবনের জনাই আখার আশীরাদ শাওয়ার আশরে, হত ও তপভর্ষার মাধ্যমে অমনর ভবনা করে বাবে। এই ধরনের মানুহেরা আমার মারা শক্তিতে আক্রম হয়ে থাকে। *ক্রে প্রেমা*র আধার, মৃতি ও আগতিক সম্পদ উভয়েবই ইনৰে আয়াতে বাত করেও যার্রা কেবল স্বার্লাডক সম্প্রেরর ধানা কালায়িত হয়, ভালে সম্প্ৰাপ্ত । এ সমস্ত ভাগ জাগতিক লাম ভাগ মরকেও পাওয়া থেতে পারে। তেতেও এই ধরনের পুরুষেরা ইন্ডিয় ড়ব্রি সাহলে আনিষ্ট হরে বাকে, ভাই ন্তব্ব ভাগের উপয়ন্ত স্থান হর। সৌভাগ্যফ্রতা, হে গৃহ্পেরি, ভূমি সকল সময় অমার প্রতি বিশ্বস্ত, ভতি পূর্ণ শেষ নিজেন করেছ। ইবালরায়নামের পতে, বিলেয়ত ৰে নারীর উদ্দেশ্য অসং, বে থেকলম্মা ভার শারীরিক আকাশন চবিতার্থ হয়ার জন্য জীবন খরণ করে এবং (वे स्थानात श्रेतक स्था, और धतरूमा द्याता विरवमन कवा ভাষের পর্য্যে দুরুর। হে মানিমি, অমের সকল প্রাসামে অব কেল গঢ়ীকে আমি জেমার মতো এমন প্রেমানগী শেৰি না ভোমান বিবাহের সমতে ভোমার কাৰিপ্রার্থী উপস্থিত সকল রাজানের তমি উপ্রেক্ত করেছিলে এবং বেহেতু কেবলমান্ত আমার সম্বদ্ধে যথার্থ বৃত্তার ভূমি শুলেছিলে, ভাই ভোষাৰ খোপন বাৰ্তা দিয়ে এক

ব্ৰাদ্ধপক্ত ভবি পাঠিগেছিলে। মুক্তে পঞ্চাজিত ভেনের श्राष्ट्राटक यथा विक्षासम् कता ब्रह्माक्स अन्तर भारत অনিক্ষেত্র বিক্তের মিন পুত্রনীভার সময়ে অবেদ হতা। করা হয়েছিল, ভাষর তুমি আহেনীর শোক অন্তর কর্মেছের, তথ্ও আমাকে ছারানের আশহার ভূমি একটি ভবাও বলেনি। এই নীয়বভার মান্যমেই তমি আমাকে জর করেছ। তেখের জতান্ত গোপনীর পরিকালে। कानिहा ब्यानात नगरि मुख भागाता मध्य बाजि स्था ভোগাৰ কাছে যেতে বিদাহ কৰ্মাছলাম, তাকা ভূমি সমগ্ৰ পাতকে পুন্য মনে করতে শুরু করেছিলে এবং ভোমার ৰে দেহ আমাকে হড়ো কখনও অন্য নারও সেবায় কেওল হও মা, তাও ভামি ভাগে করতে টেবেছিল। ভোনার এই মহর চিরকাল তোমাবই খারত: ভোমার ভতিত কৰা ভোৱাকে মহানাপে অভিনয়ন জনানো খ্ৰম্ভ এব প্রতিদানের আবি অন্য কিছুই করতে পারি না ৷"

ক্রিল ভাক্তমের ব্যোক্তামী বলাক্তন—"আখ্যানকী অগদীকর এইভারেই লক্ষ্মীদেবীকে প্লেমিক-প্রেমিকার वाकालार्थ जिल्लाकिल करत भानव मगरकत कीदनार्था অনুকরণ করে তার সঙ্গে অনেক উপভোগ করেছিলো। সর্কাতিকান হরি, স্মন্ত জগতের পরম গুঞ্চ, উর কন্যান বাৰীৰ প্ৰানাৰওলিতে টিখাচতিত গুণুত্বের মডোই একই ভাবে গুটার ধর্ম পালন করেছিলেন।"



একষষ্টিতম অধ্যায়

শ্রীবলরাম রুক্মীকে বধ করলেন

क्षिण भक्षाच्य (भारती कारहात--"कश्वाम शीकृरकह পত্নীসংগ্র প্রত্যের দক অন প্রের কক দান কর্মেছলেন, খারু প্রত্যেকেই তালের পিতার সকল নিমাধ ঐবর্ধ সমন্বিত্ত হওয়ায়া, উচ্ছের পিতার থেকে উলা কেউ হীনতৰ হবলি। খেহেনু এই সময় সাক্ষকনার প্রভ্যেকই ভগতৰ অগ্ৰাচনে কথনাই তীন প্ৰামান থেকে কেবত

শেষকো মা, ভাই ভারা প্রত্যেকেই নিজেকে ঐতিভাষানের তিরতমা বলে ভারতেন। এই রমধীয়া প্রীকৃষ্ণ সম্বন্ধে পূর্ণ সভা কুডভেই পারেমনি। ঐতিগবাঢ়ের পত্নীরা ভার মনেহর প্রস্পুত্র মুখমওল, তার স্ববিশ্বত ঘুই বাছ এ नक्षम, ऐसा हान्यम्बर क्षाप्रमाती मृष्टि अवर छेएसह नदम छोत भटनतम स्थानसभ मञ्जूर्यसदभ द्वादिक स्टारे हिन्छ। Des জীলের সকল বিমুখতা সরেও এই সকল রম্নীরা সর্বাধিক সাল ভাগবাদের মান কর করতে পাতেনলি। এই মধন বোড়শ সহত্র হানীর করওল লভেক হালায়ন্ত নাক্তপাতের সাধায়ো ভারের গোপন অভিযায়শুনি প্রারাত্মকরতাবে ব্যক্ত করও। এইভাবে জ্রাদের 🚓 সম্ভালন সুন্দেষ্টভাবেই দান্দান্তা বার্তা জতিবাক্ত করেও, जन्छ कामस्रात्वतं धारे धवरमत् वार्ण अवर महिनाक আন্তন্য উপায়ের থারা জীকুকের ইপ্রিয়াদিকে ক্ষেত্তিত ≝हर अतिराज्य सां) यमिथे देखान वर्ता प्रदाय নেবভালত কিভাবে তীয় কাছে ভাতে হয়, প্র প্রানেন না ভবত সেই সকল ৰমণীয়া কন্মীপতিতে ওঁলেক এতিকলে পেয়েছিলেন। খার সংক হাস্যুক্ত দৃষ্টি विभिन्न करत, फीन महत्र भग-नकर दिवाद केरमुका क মান্তভাবে আলম উপভোগ করে নিত্য বিঞ্পিত আন্দের প্রভাগরালের সাধীদের প্রত্যেকের শত শত বাসী ছিল, ল্যুঙ তাঁর নিজেরা, তাঁকে কিবেছারে অন্তর্থনা করে, ঠাকে ভাসন প্রদান করে, থেষ্ঠ সাম্প্রী নিরে ঠার থর্চনা करा, केल शारक्षकामन थ पार्न करत, विवास्त्रह कमा ঠাকে পান সুপারি নিয়ে, ঠাকে নাডাল করে, উাকে সুনত খটা-চন্দৰ অনুদেশম করে, তাঁকে কুলমালার শোভিত করে, তার কেন প্রসাধন করে, তার পরায় প্রস্তুত করে, केरक जान कविंदर अवर कीएक दिल्ला केरहान अवस করে, বরং প্রীতগবানের সেরা করতে পদক করতেন?"

"শ্রীকৃষ্ণের রাণীদের মধ্যে ইতিপূর্বে জানি আটক্ষন হুদান মহিবীর উল্লেখ করেছি বাঁচেত প্রভাকের ক্ষরতা পরে পুর ছিল। আমি এখন আলনাকে ঐ আট হারিবার গ্রদাস অমুখ পুরুদের মাম খাবে। রাণী ক্রিকীর প্রথম पूर्व किरमा श्रमात्र, अश्राद्धाः इत्वरमञ्ज, भूरमध्य जवर कुम्क वह कार्याणी ठाकरमञ्. शक्यक, चक्काक, शक्का विशक अनर पन्त्र नृत्व शक्त चेश वर्ष्ट काक श्रुविहास। শ্রীহরির এই সকল পুরের কেউই ওার শিতার কুলনার रीन फिरमा था। সভ্যক্তমার মধ্য পুর ছালন ভানু, न्यम्, क्यम्, क्षम्, क्षम्यम, व्यक्तम्, स्वरधार्, অভিযান (অউম), প্রীভান এবং প্রতিভান। পরে, সুমিত্র, ^{भूरविर}, नर्ठावर, महर्वाबर, विका, क्रिस्टब्स, वर्गभान,

মপনাম ছিলেন ষ্টানের পিছের অতি প্রিয়েজন। সাধানিতীয় পুরেরা হিলেন বাঁর, চন্ত্র, অপুসেন, চিপ্রও, বেশবান, বৃষ, चाम, नक्षु, कर् अवः श्रीमन्त्रक कृष्टि। क्र.ट., कवि, दृष, বাঁহ, সুবাছ, ভয়, শান্তি, দর্শ এবং পূর্ণমাস এবা ছিলেন কালিকীয় পুত্র। তার কনিষ্ঠ পুত্র ছিলেন লোমক। মান্তর প্রকল ছিপেন প্রযোগ, পারবান, কিংক, কল, প্রবল, উর্থণ, মহালাভি, মহ, ওক্ত এবং অণ্যাঞ্জিত। মিত্রবিদার পুরুগর্ল ছিলেন বৃদ্ধ, হুর্য, আনিল, পুরু, বর্থন, উলাপ, মহাসে, পাকৰ, বহিং এবং কৃষি। ক্সম, আৰু এবং সভাবের সঙ্গে একরে সংখ্যমন্তিৎ বৃহত্যেক, শুর, প্রভাব, অরিক্রিং, ভর এবং সুভগ্র ছিলেন করের পুর। সাঁপ্রিমান, ভারতর এবং জনানরে ছিলেন ইনিক্তা ও রোগিনীব পুর। জীকবেল পুর প্রপালের উরসে, রুকীর কন্যার ক্ষাংতীর পর্তে মহাবরশালী অনিকৃত্ব জন্মগ্রহণ সঙ্গে উরা প্রতি তারা অনুরাগ অনুভব জনতেম। যবিও করেছিলন। হে রাজন, যথম উরা ভোককেট নগর্বাতে বাস করছিলেন, ভখনই এই সমস্ত ঘটেছিল। হে রাজন, শ্রীকৃষ্ণের পুরশের সহস্বকোটি পুর ও পৌত্র ছিল। ষ্টেত্র সংক জননী এই বংশের সৃষ্টি করেছিছেন।"

> য়ালা পরীকিং বন্যানন—"কিডাবে ক্রমী স্তার শহর পুত্ৰকৈ তাৰ কৰা সম্প্ৰদান কৰতে প্ৰব্ৰেন? পেৰ পর্বন্ত হুছে প্রীকৃষ্ণের ভারা কর্মী পরাক্ষিত হর্মেছিল এবং भीकृष्ण्यक करता करएड मुस्सारका समा च्यानच्या करावितः। त्र नर्वक विकास और गुँदै रेस्डी क्ष्म विवाद नृद्ध **फारव शर्माक्त, बक्षा करत जा जाशहक वृक्षिदा जिल। श्र** এখনও ছটেনি, এবং অতীডের কিংল কর্তমানের বা বিস্থ ব্যাপান, ডা ইপ্রিয়াচীত, ক্যুগ্রবর্তী, কিবো প্রাক্তিক ধানবিপতির মধ্যে হলেও, যোগীয়া সরই স্বাচনপ্রাবে অনুধাকা করতে পারেন।"

হীল কৰ্তমেৰ লোক্ষমী কালেন—"কৰ্বতী উৱে क्राकर मधार क्षाहरूराई ग्रंडरकान श्रमुपाक क्रार अधन করেছিলেন। অভঃগর, প্রদাস একটিয়ার রূপে একাকী বুৰ করেও সমবেও সমস্ত রাহাদেও পরাস্ত করে কৰবতীকে নিছে চলে হান। স্বাদিও কৰী বাঁৰে অপনানভারী জনবাৰ নীকুবেলা প্রতি উন্না কৈরীভাব সর্বন্য স্মারণ করতেন, কিন্ধ তার ভর্গিনীকে সন্তুষ্ট করার প্রমা তিনি তার ভারিদেকর সঙ্গে তার কনামে বিবাহ অনুযোজন ব্যক্তি ও ক্রান্ত দিলেন স্বাহ্বসভীত পুর। পাস রমুখ এই করেছিলেন। যে মাজন, কৃত্যানার পুর করি, ক্রান্ত্রীয়

क्रमा अर

কনিন্দা করা, বিকৃত নামনা চাক্রমান্তাকে বিবাহ করলেন।
ভাগবান প্রীছরিব সামে কর্মীর অবিরাম লক্তনা থাকা
সংখ্যুত কর্মী ভাগু পৌতী রোচনাঞ্চে ভাগু গৌহির
অনিক্রছের কাছে সম্প্রদান করেছিলেন। যদিও, রুখী
এই বিবাহকে ধর্ম-বিক্রছ বিবেচন করেছিলেন, বিস্তু তিনি
মেধপালে আবাছ ইয়ে ভাগু ভগিনীকে সন্তুট কর্ম্যুত
চেয়েছিলেন। হে রাজন, সেই বিবাহের আনন্দময়
উৎসধে রাপী ক্রছিনী, শ্রীকল্যান, শ্রীকৃষ্ণ এবং সামে ও
স্কান প্রমুখ শ্রীক্রমানের বিভিন্ন প্রথশ ভোজবন্ট নগরে
নিয়েছিলেন।

"বিবাহের পর কবিলবাক প্রথণ একনত উদ্ভৱ সাধা **মনীকে কলে, "ভোজন কলামকে স্বাহ্যটা**ভার পরাঞ্জিত করা উচিত। হে রাজন, তিনি অস্কর্তীভায় অতিক মা, কিছ তবুও তিনি এয় প্রতি যথেষ্ট আনক।" এইভাবে শরামর্শ পেরে কর্মী কল্মামকে আহ্না করে তার সঙ্গে স্থাতক্রীক্তা ওক্ত করেল। সেই ক্রীভারে মীকলরাম প্রথমে একশত, ফরণার এক সহল, ভারানার ধন সহলে মূলা পান স্বীকার করলেন। প্রথম পর্যায়ে কন্ত্রী মালেন্ড করলে। কলিকের রাজ। বলরামের দিকে তার সমস্ত দল প্রদর্শন করে উচ্চাহরে হেনে উচন। জীবনরাম তা সহ। করঙে পারকের নাঃ অতঃকা স্বাধী এক লক মুদ্রার বানি ছাঁকোর কমপ্ত বা খ্রীবলরার জিতালেন। কিন্ত কর্মী "আমিই বিজয়ী।" খোকৰা কৰে কণ্টতা কৰার চেটা। করণ। পুশিষ্টা দিনের সমুদ্রের মতো ক্রোঙে ক্যোভিত হরে সুদর্শন শ্রীকারাম, ওয়া সভাবিক অকুলবর্ণের দুই মেন্ত্ৰ ক্লোৱে আনত বন্ধকৰ্ণ কৰে ক্লা কোটি কৰ্ণ হয়। পদ বীকার করলেন। শ্রীনলনাম কথাবাই এই পশুনিও क्रिक्टकर, किया क्षेत्री शनवात क्ष्ममात सामाव क्षरण करत ঘোষণা করল, "কামি জিতেতি। প্রতাক্ষণলীয়া এবানে

কলে ওঁলে কি সেখেছিলেন।" ঠিক ভঙ্গই আকাশ _{সতে} এক কঠবত খোৰণা করণ, "বৰ্মতঃ কলন্ত্ৰ এই লগ ক্ষিতেকে। ক্লামী নিশ্চিতক্রশে যিখ্যা কথা কাডেন।" আদং রাজাদের প্ররেজনার ক্রমী দৈবক্রণী অবল্লা করন। প্রকৃতপক্তে, অদৃষ্ট ববং কর্মীকে প্ররেচিত কর্মান এক ভাই সে শ্রীকারামকে এইভাবে উপহাস করতে প্রভাগ ছেয়ের। গোপবালকর। বলে স্কান বিচরণ কর, আল্মানীভা সম্বন্ধে কিছুই মানো না। অকলীড়া এবং বাণ ছার। ক্রীয়া কর কেবলমত্র রাজ্যানের মন্ত্র, তোরালের মাজ্য যানুকদের জন্য নর। এইভাবে স্বাধীর করে অপ্যানিত হলে এক রাজাদের দারা উপার্থনিক হয়ে জীবলতার 🚁 হরে উঠেছিলেন। সেই পরিত্র বিবাধ সভার হধ্যে ভিটা শ্রম কর উন্নত করে কর্মীকে আগতে করে কর করনে। নীবসরক্ষের দিকে তাকিরে ভার দত্ত প্রদর্শন করে ছে কলিকের রাজ্য উপহাস করেছিল, সে এবার পালাতে চেটা করণ, কিছু মুদ্ধ ভাবান দীয়ই ভার মদ্য গদক্ষেপে ভাকে ধরে কেললেন এবং ভার সরবটি গাঁত উৎপটিন করলেন।¹⁸

"শ্রীকলরামের থলার বিপর্যন্ত হয়ে অন্যান্য মার্কার ভবে পাণায়েন করপ, তানের বাহ, উরু ও মন্তক বিধীপ ব্যাহিল এবং তানের দের মতে ভিজে উঠেছিল। হে রাজন, কথল শ্রীকৃষ্ণের শালিক রামী নিহত হয়েছিল, তবন তিনি তা সমর্থনও করলেন না কিয়া বিরোধিতাও করলেন না, করেল তিনি কৃষ্ণিবী অথবা করমেন উত্যান সাথে হেকেয়েন ভঙ্গ ইওরার ভবে তীত ছিলেন। অতঃ পান শ্রীকলয়ের প্রান্থ দুপার্চ্ বংশেরপাল অনিক্রম্ভ ও উরে বধ্বে একটি সুনার রাখে উপবেশন করিলে ক্যেক্রট থেকে ব্যাহকার বাখা কর্মেন। শ্রীমধুসূক্ষার আবার ক্রমেণ করে ভালা তানের সকল উপোলা সাধনা করেছিল।"



দিবন্তিতম অধ্যায়

উষা ও অনিরুদ্ধের মিলন

वाक्षा भवीत्रिक वामास्त्रन—"यांशानुरक्षा कामा छेतारक कार्यके कतिकक विवाद करतिक्रमान अवस् काम करण क्षत्रवान क्षेत्रवि क स्वयापित्रक भवरत्व प्रस्ता शहरा क्षानुक वरत्विमा। एवं वदारवाणी, और वरीन्स भवरक प्रमुख वर्ष वर्षा करना करून।"

श्रिक एकर्गर (मासामी कार्यन-"ग्रापनएमसूर प আবির্ভন্ত ক্ষাবাল আহবিকে যিনি সমগ্র পৃথিতী মান করেছিলেন, রূপই মহাব্য বলি মহারাজের দতে পুরের রব্যে জোষ্ঠ ছিল বাগ। খলির উত্তরভাত বাণাসর, দেবানিয়ের শিবের পরাম ভক্ত হয়ে উঠেছিল। ভার ভিক্ मर्तम माना चाञ्चन, धावर त्म दिन मरान्छन, वृद्धियान, সভানিষ্ঠ এবং দুওৱন্ত। মলেরম শোশিতপুর নগরী ছিল গুৱা ব্যক্তোর অধীন। বেহেড় দেবাদিনের শিখ তাকে অনুগ্ৰহ করেছিলেন। তাই দেবতারাও ভাতার মতো নাশ্বরের কাছে আজাবহ হতে থাকত। একবার, দিব ৰখন কলা ভাৰেৰ-মৃত্যু কনাহিংগৰ, তথা বাৰ আৰু এক সহও হাত দিয়ে বাদ্য আ সদীতের বাধ্যমে লিবকে বিশেষভাবে সভাষ্ট করেছিল। সর্বভারেশার, পরশ্য ভাক ক্ষমের সহাধের বাণামূরকে তথ্য প্রকাশতের বা প্রার্থন कार के वरण जाहेंहें करकर , वान एक्स्फ्रवर्क एक्स वस्त्राव নগরপালক হওয়ার প্রার্থনা কানার। ক্রপান্ত তার শক্তিতে উত্মন্ত হতে উঠেছিল। একনিন দেবালিকের শিব বৰ্ম ভাৰ পাৰে বাভিত্ৰে ছিলেম, ভখন বাগাসর ভান দূর্যসম উজ্জ্বল মুক্টবামি মেরামিদের লিবের গাদগত স্পূৰ্ণ কৰে জাঁকে ৰুলতে পাগুল—হে লেবাদিদেব মহাদের, জনতের নিয়ন্ত ও ওল্পেন, জানগালে আমি ^{द्रमाम} मिर्नाम कति। याता प्रापनियाम, चारमन स्थापन প্ৰকৰ্মী আগমি কৰতবাৰ যতে। আমাৰে ভাগনাত শেওমা এই এক সহত বাহ একটি অভ্যন্ত ব্যেকা হতে উঠেছে মান। আগনি ছাড়া নিভ্ননে কুছ করার বোগা পাৰ কাউৰে আই পেলাহ না। হে সাধিকে, আনান সা কণ্ডাল চঞ্চল বুল্ড বাহ দিয়ে পর্যত্তত্তলি চুর্ল করে

निष्-वंश्वयात्त्र माम बृद्ध खादशी हरा खावि विशिष्ठ त्यात्त त्या माम कृद्ध प्रदेश प्रदेशी छाद वंश्वय कराहित। व्यापितम्य नियं छ। अत्य करा कृद्ध एक इर्ड छेखा विरामितम्य नियं छ। अत्य करा कृद्ध प्राप्तः मामक व्याप्तः विरामितम्य नियं छ। अत्य छात्र वार्यः मामक व्याप्तः व्यापतः वयापतः वयाप

"একটি সংখ্য মধ্যে বাবের করা উবরে সংগ্র প্রস্তুত্বের পুরের এক প্রশ্নেরাকীপক সাক্ষাৎ স্থাবেরির, বলিও উরা ভার প্রেমিককে ইতিপূর্বে করনও বেশেনি বা ভার কথা লোনেনি। উরা তার কথের বাবে ভার কার পুকরের দর্শনি থেকে বফিত হয়ে সালো তার স্বাধিনের মান্যবাদে খেলে উঠে 'হে করে আলুনি কোমার।' বাল কন্মন করে অভ্যান্ত বিহুলা ও লভিততা হতেছিলেন। কৃতাত নামে বালাসুরের এক মন্ত্রী ছিল, বার কন্যা চিত্রসার ছিল উনার স্থী। সে গভাঁর কৌতুর্ভার সংগ্র ভার স্থীকে জিল্লানা কলে—হে অব্যান্তর ক্রমানা স্থানী, ভূমি কাকে অব্যান্তর করছে। ভূমি কোন্ কামনা অনুভব করছা। একনেও পর্যন্ত, যে বালকনার, কোনও পুকরতে ভোমান্ত প্রাণ্ডিক। করাতে তো কেনিনি।"

ভিনা শত্র, সন—শব্ধি আবি একজন গায়বর্ণ, কজনানে, শীও কনে পরিছিত ও কলালী কর সংখিত পুরুষকে দর্শন করেছিল। তিনি জে ঠিও ব্রুপী-রাম্ম্ পর্য করেছিলো আরি গেই সেমিককে অব্যেহন করিছি। আরাণে তার অধ্যের স্থা পান করিছে, সে কোবাও চলে গেছে এবং এইভাবে সে বার জনা প্রচণ্ড লালারিভ করে দিয়ে আমাকে পুরুষর সাধ্যে নিজেন করে গেছে।"

ভিত্রলেখা বলক---"আমি তোমার দুঃগ দূর করব যদি ব্রিভবনে তাঁকে কোখাও পাওৱা আৰ, তবে জোমার ক্রমণ হরণকারী সেই ভারী স্বামীকে আমি এনে দেব। আমারে মেনিয়ে লওে সে কে। এই কথা বলে, চিত্ৰলৈয়া দেবতা, পথৰ্ব, নিন্ধ, চাবৰ, পথৰ, সৈত্য, বিদ্যাধ্য, কৰু ও নানা মানুধ্যে ধৰি বথাবধভাৱে আঁকডে राक् कंद्रला। (३ दाक्रम, मानुवरस्त्र घटश, १९ए० मुद्दरसन्, चानकम्पृति, काताम च कुक गए दक्षिएस इरि विज्ञानमा অস্ত্রন করেছিল। উল্ল কথন প্রস্থানের ছবি পেবল, তবন শে কন্দিতা হয়ে উঠন একং কলা লে অনিকছের ছবি দেশদ ভেখন দে ইচ্ছেটি তাই ইকুট অবনত ইবুটা। হাসতে হাসতে সে অনে উতন, "ইনিই সেই! ইনিই ভিনি।" বৌদিক শক্তি সমৰিতা চিত্ৰলেখা তাকে জীকৃষ্ণের পৌত্র (অনিরুদ্ধ) রূপে চিনটে পারদ। বে য়াজন, সে ভালে বৌলিক আকাশণৰ নিয়ে শ্ৰীকৃষ্ণের সূরকংগীন স্বারকার হলে পেল। সেনামে সে প্রদূরের পুর অনিক্রমকে একটি সুন্দর শধ্যম নিমিত লেখতে পেল। প্রার টোনিক ক্ষমণ্ডার সাহায়ের লে উাকে প্রথ উবার কাছে তথা প্রিবতমকে উপস্থিত করেল।"

'ভিয়া কথা আনুকের মধ্যে পরম সুন্দর তাকে দর্শন কবল, ভার মুখমগুর জনেকে উজ্জ হতে উঠণ পুরুবের পক্ষে মুর্গার্ম্ন অন্তরপুরে সে প্রসূত্র-পুরুকে নিয়ে গেল এক সেখানে তাঁর সক্তে আনন্দ উপভোগ করণ। উবা অনিক্রমতে ফ্রন্স্র পর্য, ধুপ, দীপ, আসম ইন্ড্যানির সঙ্গে অঞ্জা কলে নিকেন করে বিশ্বস্ত সেবার সঙ্গে উর পূজা করেছিলেন। তিনি ভাকে বিবিধ পানীর, সকল ধরনের দাদা ও সৃহিষ্ট বাকাও নিবেদন করলেন। और स्वतः किम वचन कुमलीएमन स्वतारम् शृहस्थात स्वतक्षत ক্যাভিক্রের তথ্য অনিকৃত্ব বিদের পর মিন অতিবাহিত इत्या नकार करका नि. काल फीड़ बाना निराप्त किर्दापड **উ**राम चनुवारम देश रेकिसमि चारिक क्रांस्न। ची-কুৰীয়ে ঘটনাচক্ৰে সম্পেহাতীতভাবে প্ৰপর্যসম্ভ লাভের ব্যক্তপানি উবলে মধ্যে মেকেলে, তিনি উলা কুমাবীরত পালন করে জ্ বীরের কাছে উপঞ্জা হতে নাম্পাত্য সুখ্যে সকল চিক্ত করে কর্রছিলেনঃ রক্ষীরা রাণাস্থরের

কান্তে দিয়ে ভাকে বলেছিল, "হে রাজা, আমের আভালে কনারে হধ্যে কুলাদেবিয়াও, অনুপত্ত স্বাচনগভান ক্রম করেছি।"

"কখনও **আমানের স্থান ত্যাগা না করে** অন্নেরা _{চাত} সহকারে ভার উপর লক্ষা রাখহিলাম, হে লাভ, ভার আমরা ব্যাতে পারছি না, কিভাবে সেই কন্য, যাতে কোন পুরুষ বর্ণন করতে সমর্থ নায়, সে প্রানারেও সংগ্রেছ স্বিতা হলেন।"

িভার কন্যার কল্বতা সম্পর্কে প্রকা করে অভ্যন্ত উল্লেক্টিড, বাণাসুর সম্বর কন্যার আবাসে পৌচলঃ সেবানে যে বসুখেষ্ঠ অনিক্রমকে দেখতে পেল। ব্যায়ার তরে সামনে কর্ম্যাম কর্ম, পীতবসনধারী, কমক্রকর 🕳 বলশালী বাহসমবিত কামগেবের প্রকে দেবতে লেজ। তার মুখমওল ছিল দীন্তিমান কুওল ও কেনরাশি একা বৈৰ হাস্য যুক্ত দৃষ্টিপাতে বিভূষিত। তিনি যাধ্য ভার পর্য সমস্যর প্রিয়ার সম্পূর্ণে উপাংশন করে আকর্তীভা কলছিলেন, তখন তার দুই ৰাখ্য মধ্যে ঝলছিল বসপ্রকাণীর মহিকাঞ্জের মালা হা তিনি কান ভাকে নিয়ে শোপিতপুরে চলে গেল, তেখানে নে ভার সাবী আর্থিসন করেছিলেন ভাষা ভার জনের কৃষ্টের অনুনিত্র হার্মেছল। কথাসুর এই সব লক্ষ্য করে বিভিন্ন ছল। বাগাস্বকৈ বৰ সদায় প্ৰহুৱী নিয়ে প্ৰবেশ করতে লেখে অমিকত্ব ঠাই লৌছ গদা উত্তোপন করকেন এবং বে তাঁকে আক্রমণ করাবে তাকে আবাত করার জন্য প্রস্তুত হরে পুচভাবে পাঁড়িয়ে রইজেন। ঠাকে পশুবারী স্বরহ যমের মতো মনে হজিল। চতর্মিক খেতে প্রহরীর বর্তন তাকে ধরবার চেটার অল্লনর হল, তথন কোনও শুকর দলের দেতা যেমন কৃত্যুদের তাড়িয়ে নিয়ে যায়, ঠিক তেমনভাবে অনিক্রম তামের আক্রমণ করবেন। তীর আবাতে প্রহরীরা তাপের ভাঙা মাখা কার হাত-বা নিবে ভাষের প্রাণ ভবে দৌততে খাকল একা প্রামান থেকে পালিয়ে থেল। কিন্তু ঋনিকন্ত বাংলা সৈন্যবাহিনীকে আগাতে বিনট করা সভেও কর্লীর সেই বলপালী পুত্র ক্ষত্ত হয়ে ভাতে ভাত যৌগিক নাগপালে আমার করণ। উলা করন অনিক্ষের কবী ছওয়ার কথা গুনালের, তথ্য তিনি ৰোকে ও বিষয়ে বিচুলা হলেন, তাঁর দু'চোৰ অঞ্চলত হল এবং তিনি কামছিলেন।"

ত্রিবন্টিতম অধ্যায়

শ্রীকৃষ্ণ বাণাসূরের সঙ্গে যুদ্ধ করলেন

<u>चैक्रम क्रकरमय समायामी यमरामाम</u>्ह छरर्छत सः করে, অনিকৃত্তের আতীর-স্বধন তাকে ফির্ভে না কেনে তর্বার চার মাল শোকে-পুরুষ অভিকৃষ্টিত করলেন। নাবাৰের করে থেকে অনিকালের আচরণ ও ঠার করী ছওয়ার বার্ডা শোনরে পরে, জীকৃষ্ণকে উল্লেখ নিজ सदीमत विक्षंत्र जार्थ वर्षमाकारी, गृतिमान (मानिङ्गाह বেলেনঃ জীবলরান ও প্রীক্ষের নেতৃত্বে প্রসূত্র, সাতেকি, গাং, সাম, সামণ, নলা, উপনন্দ, গুপ্ত এক সাহত বংশের অন্যান্য প্রধানগদ দ্বাদশ সেমাবাহিনী নিয়ে চতুনিক র্তে স্বণাসূরের অভ্যানী সম্পূর্ণরূপে বেটন করে তা অবক্রের করলেন। বালাসুর তার মগরীর উল্লেন, প্রচীর, মণকক্ষ ও প্রবেশ কোলেওকি ধ্বংস হতে দেখে ক্রোধে नर्व इता जय नरपाक देवनावाधिनी निर्दा छाएस जपानीन হুওরার জ্বার বার হল। সেবানিদের শিব, ঠার বৃহ-বাছন त्रिक् छन्दर आह्दाहर कहा समयन्त क हीत सुन কাৰ্ডিকের সৰ্ কারাম ও কাকের বিকল্পে বালের প্রক বৃদ্ধ করার জনা এলেন। অখন ভগ্নান জীকৃষ্ণ ও দেখলিদেৰ শহরের মধ্যে এবং প্রন্যুত্র ও কাউভেরর মৰো অভার অলভ্যজনক, ভুমুল আলোভ্নপূর্ব ও প্রাক্তর্বক যুক্ত শুরু হয়েছিল। প্রীবল্যাম সুরাও ও কুণকর্ণের সঙ্গে, দাম বাধ-পুরের সঙ্গে এবং সভাবি बार्या नरम युक्त कररामन। निष्क्त हाराम छ प्रदास ग्रुटिश्म, नक्षर्व, जनता ও रकश्य गर् क्षका अरः क्षताना দেবেল্ডগণ সকলে ভা দর্শন করার জন্য ভারের সিধা विश्वन (एएए) चाश्रमन कदरमन। छीत भार्म मास्य समुक বেকে জীক্ষার শর নিকেশ করে শ্রীকৃষ্ণ শিকের বিভিন্ন অনুচনা কৃত, প্রমণ, ওছাক, ভাকিনী, বঙ্ধান, বেডাল, বিনায়ক, প্রেড, যাখ্য, পিলার, কুন্তাও এবং ক্রক্স-বাকসমের সকলকে বিভাঙিত করকোন। বিশ্বস্থারী। বেবাদিনের শিক্ত শার্গধারী স্করণান ক্রীকৃত্তের বিরুদ্ধে বিবিদ্ধ আন্ত্ৰ নিৰ্দেশ করাপেন। কিন্তু **নীকৃষ্ণ কিছু**য়ার

সকল বাহা নিহিছে করেনে। ভাগারন প্রীকৃষ্ণ এক একটি উন্দেশ্যকে অন্য আৰু একটি উন্দান্ত দিবে একটি ব্যয়ব্যাস্থ্যকে পর্বতাস্থ নিয়ে, আগেরোস্থ্যকে ব্যক্তপাস্থ নিয়ে এবং দেবাদিনের শিবের গাওপতান্তকে তার নিজন্ম নারারদাস্থ দিতে প্রতিব্রেখ করেছিলেন। জুত্বগাস্ত দিকে শিবকে মেহিত করে ঠাকে হাই তুলতে নাথা করায় পরে প্রীকৃষ্ণ তার অনি, গলা ও অণু দিলে বাণাসুত্তের শৈনাবাহিনীকে জাবান্ত করন্তে অসমর হলেন। চতুর্নিক হতে অনিয়াৰ থবিত প্ৰস্তুক্তেৰ ভীতের আহতে কাভিকেষ বিশর্বন্ত ইরেছিলের আর তাই তার আর হতে রক্ত করণত ক্ষাতে তার করে মন্ত্রং পূর্বে উঠে কুছাক্ষের হতে প্রকাশে করেছিলেন। কৃত্যাও ও কৃপথর্ব জীবদরায়ের গমর পীন্তৰে নিগতিভ হলঃ বংল এই বুই অসুরের जिलागोहरी जनम हो, कालब कर का मिश्के शहरह. ওকা খালা চতুনিকৈ পলাকে মলে। বাগাসুর ভার সমস্ত লৈনাবাহিনীকে বিপ্ৰতির ইতে গেখে ফুল্ক হয়ে উঠল। নাত্রতির সঙ্গে যুদ্ধ ভাগে করে ভার রখাবেহেশ করে বুদক্তের লে প্রীকৃতকে আক্রমণ করার জন্য ধারিত हन। दुरकर क्या सरगीवत जन अकरे नहत्र छात्र পীচপত ধনুকো সমস্ত জার আকর্ষণ করণ এবং প্রস্তোক জাতে দুটি করে তীর যেজনা করল। ভগকন শ্রীহরি বাপাসুরের প্রতিটি ধনুক একসকে ছেবন ক্যালেন এবং ত্যার রখ, রখের সার্থি ও অপাওলিকেও সম বিবাশ-कारका। बीस्थका चळाना एक मध्यानि कारका। ক্রিক ভাকাই খালাসুরের মাজে, কোটায়া, ঘাল পুরের প্রাপ রক্ষা বাসনার আল্পারিভ কেশে নম্ম হতে প্রিকৃত্যার দায়নে উপস্থিত হল। জনতান গদাপ্রক্ত নয় নারী কর্মন পরিবার করার ক্ষার তার মুখ ক্ষেরাছের এবং গুখাই ব্যবাস্ত্র লগাইন হতে ছিল ধনু নিজে ভাল সন্দর্গতে গল্যায়নের জন্য মুবেশা প্রচ্ছ করে (*

শিক্ষে অনুসরেয় বিভাজিত হওয়ার পর, শিক্ষপুর, কিলিত হলেন মা—তিনি বৰাৰ্থ প্ৰতি অন্ধ খানা সেই সাম ছিল তিনটি মাধা লক তিনটি মা, সে খাঁকুফাকে







আক্রমণ করনে জন্য ধারিত হল। পির-জার অভ্যার হলে মনে মরেছিল ছে, লে ফেন দশ নিকোঃ সমস্থ কিছু সম্ব কাৰে। সেই মৃতিমান বস্তুকে গুলুসর হুতে লক্ষা করে, ক্ষণবাদ্য নারাজন ভখন তার আপন মৃতিমান স্বর-কন্ম, বিক্ল-বার্থে মৃক্ত করদেন। এইডাবে লিব-বার ও বিক্ল-ক্ষর পরশ্বরের বিরুদ্ধে কৃষ্ণ করেছিল। বিকৃ করের বলে অভিকৃত হয়ে ব্যালয় শিক্ষার প্রশান করে উঠলঃ কিন্তা কোনও আত্ৰয় না পেয়ে, ভবাতীত নিব-ভুৰ ভাষৰ চারীকেল প্রীকলের কাছে তারে আমার সাম্ভার আলার প্রার্থন কাল। তাই কুডারানিপুট্রে সে জীভগবানের স্ততি করতে ওক করব।"

988

শিক-কর বলেছিল-"সকল জীবের পরমান্তা, ভগবান, অনভগতি-সম্পন্ন আপনাকে আমি প্রপায় निरुक्त करि। चाननि एक अयर भूप बरस्स धारक अवर ক্রমাতের সৃষ্টি, ছিডি ও প্রশারের কাল। অংশনিই *কো*ন প্রতিপাদ্য পরব রক্ষা, পূর্ণরোপে প্রদান্ত। কাল, দৈব, কর্ম, শ্বীৰ ও ভার স্থাহ, সৃষ্ধু উপাদান, বেছ, প্রাধবায়, মহম্মর, বিভিন্ন ইন্ট্রিনাসি এবং এই স্থানিত্ব সামপ্রিকভাবে या खीरामाञ्च श्राहित्यनिष्ठ दयः और मामञ्च किन्दे कार्यनाड মারা, বীল ও অভ্যান্ত মহো এক নিরন্ত প্রথম। আমি মাহা নিংরণকারী আপনার এই সভাত শরব গ্রহণ কবি। মেষাণ, স্বেগণ এবং এই স্বগতের বর্যসূত্রতাল পালন পোষদের উদ্দেশ্যে আগনি বিভিন্নভাবে আগনার বীলা সম্পাদন করেন। এই সমস্ত লীপার মাধ্যমে আপনি উন্মাৰ্গামী হিংসাপরায়ৰ সকলকে বধ করেন। প্রকৃতপাকে, আগনার বর্তমান অবভরবোর উদ্দেশ্যই ভাতার হরণ। অপনার ভরতর ত্বর-মান্তের প্রচণ্ড খক্তি বারা আৰি পীড়িত হয়েছি, বে-থান্ত শীতক অথচ গৰকর। যতক্ষ পর্বত সকল প্রদী জনতিক আকাশদার বন্ধ হয়ে शास्त्र अवर अहेशास्त्र भागनात्र काम क्रावा विद्युत हरा থাকে, ততক্ষণ ভারা কলোই সুংগ ভোগ করে।"

পর্যেশার ভগবান কালেন-"ছে ব্রিলিয়, আমি তেমেল প্রতি সভাই হংগ্রাই। আমার স্বর-জন্ম থেকে তোমান ভার দার হোক। যে মানোলের এই করোপকথন শাংশ করবে, ভারও ভোমাকে কৌনও ভারের কারণ থাক্বে না।"

"এইসর কথা ওনে, মাহেশ্বর শ্বর অচ্যত ভগগ্রনতে প্রবাহ নিবেদন করে প্রস্থান করণ। কিন্তু ডাখন বালাস্থ্য ভার মূত্রে আরোহণ করে কণকান শ্রীকৃথের সংখ্ যাত্র ৰূপে কৰু ছাজিয় হল। প্ৰায় সহজ হাতে নামা ঋত ধানে করে, হে রাজন, সেই ভয়কর ক্রম আন্ত আসুর চক্রেধারী প্রীকৃষ্ণের বিকে অকল ধাণ নিকেশ কর্মা। মার হ্রুমান্ত তবে প্রতি অন্ত নিক্ষেপ করতে পাত্রে প্রভিত্তার উল্লেখ্য করা ব্যবহার করে বালাসকে বাক্তালি ফেন বৃক্ষ শাখার মতো ছেনন করতে লাগলেন। দেবদিদেব শিক্ষে ভক্ত বাশাসূরের হাউওলি কেটে পড়ে বাক্তে নেৰে ভিব ভার প্রতি অনুকশ্দা অনুভব করে ভগবান চক্ৰাব্ধের (শ্রীকৃষ্ণ) কাছে উপস্থিত হয়ে এইভাবে কালেন—আপনিই একমার পরম ব্রহ্ম, পরম ভ্যোতিসক্ষণ, শব্দক্ষে গুঢ়ভাবে অবস্থিত পরম তন্ত্র। ব্যসের হামর নির্মান, তারাই আকাশের মতে ওক্ত করাণ আপনাতে দর্শন করতে পারে। আকাশ আপনরে মান্তি, অধি আগনায় মূৰ, জন আগনায় বীৰ্য, এবং বুৰ্ব আপনার মন্ত্রক। নিকশমূহ আপনার ত্রবগেরিয়ে, ছেডজ ভয়লভা আপন্য সেহের রোম্বান্তি, এবং স্থলন হেব আপনর হস্তকের কেশ। পৃথিবী আপনার পদ, চন্দ্র व्यनन्तर का, अन्त नुर्व व्यननात मृष्टि अवर व्यक्ति धाननात অহকার। সমূল আপলার উদর, ইক্র আপলার বাছ, ব্রহ্মা আপনার যুদ্ধি, প্রধাপতি আপনার যুদ্ধি খবাপ মানর সৃষ্টির करामक्रियाचे प्रदेश अवर धर्म कालमान श्रामक। প্রকৃতপক্ষে আগমি আমি পুরুব, জগতের স্রাটা। হে व्यकुष्ठे निर्मियन, बाह समारह धर्म जन्म ও সমগ্र सगारहत ফোলের মান্য আপনার এই অবভারণ। আহরা মেবতানণ প্রভাবে আগনার কলা ও কর্তাত্তর উপর নির্ভরশীল হরে সপ্ত ভূতনকে পালন কথাই। আপনি আদি পূদ্ৰ, অকিতীয়, তুরীয়, ও ছ-প্রকল্। ভারন রহিত আপনি সর্ব কারণের কারণ এবং জাগনি পরম নিরস্তা। তথানি আগনায় মাহাশকি দানা প্রভাবিত বস্তুত্র বিকার সমূহে क्षान्त्रि प्रशेषमा स्म--काननि विकास क्ष्म्यामन करान বাতে বিভিন্ন জড়ওৰ সময় সম্পৰ্কশে প্ৰকলিত ইডে পারে। তে ডামন, সূর্ব বেমন, মেখের মারে ওপ্ত থেকেও, মেৰ ও জনামা সকল দলনীয় সংগ্ৰেও আলোকিত করে, তেমনি জ্ঞাপনি জন্ত ওপার্ফীতে ওপ্ত

इत्तक काय-वीडियान कारण करवान करवन अवर .absite (मेरे मकन क्याक्टीस स्थिकाती सीचानस मात्र নাই চলি প্রকাশ করেন। আপনার মারার বৃত্তি বিস্তান্ত हाल, बृड, नहीं, गृह जरनात वृत्तार्थ चानक इक्शव ক্রাল, মানুব জড় দুঃখের সমূতে নিমন্বিত হতে কথাও त्यात करते वादा कथनक कृत्य सह। ता क्षत्राहरू क्षत्र ন্যাক এই মানৰ জীবন উপহাৰ কলে অৰ্ডন কৰেও ভাবে ইন্দ্রিকাশি নিয়ন্ত্রের এবং আপ্নার স্ত্রীচক্ত্রে সংখ্যান ভগতে বার্থ হয়, সে নিশ্চিভারণে অনুশোচনার যোগা, আলা সে কোল নিজেকেই প্ৰয়খনা করছে। যে জনুব এডাটে বিপরীত ক্ষাধ্যে ইন্ডিড-বিবাহের কর ওয়া রবার্য আহা, প্রিরতম সুহল এবং দিবর হলেও আপনত্তক পরিত্যাগ করে, সে অমৃত প্রত্যাখ্যান করে তার পরিবর্তে বিৰ ভাৰণ করে। আমি, ক্রমা, খন্যান্ত দেকসেণ্য এবং হুছচিও মুনিগৰ সকলে সৰ্বত্যেভাবে আমানের প্রিত্ত্য প্রমান্ত্রী এবং ভগবান আপনার কাছে শরুণাগত হতেছি। সংসার মতিক নিমিক, হে ভগবান, আমতা আপনাতে ভলনা করি। আগনি ব্রত্তাতের গালক এক সৃষ্টি ও ক্রিয়েশের কারণ। সমজ্জবাপর একং প্রশান্তচিত আপনি शक्त मुख्न, नवमाचा जन्द नुक्रमीत फनवान। चतननि অধিতীয়, সকল জনতের ও সকল আবার আরক। এই বাগদের আমর তির ও কিশন্ত অনুগামী এবং আহি তাকে छगर्छ कातहि। मुख्या १६ छगवा, चनुत्र कल जाक কুপা করম, বেষণ আপনি অসুরাধীশ প্রস্তুদক্তে কুপা **করেছিলেন**।"

ন্ত্ৰভিগৰান বশৰেন—"হে ভগৰন, ডোমার সঙ্কৃত্তির ৰুন্য আমরা অকশ্যই, তুমি আমাদের কাছে বা প্রার্থন করেছ, তা করব। আহি ভোষার সিহান্তের সংখ সম্পূর্ণ

একনত। আমি তৈরাগনির এই অসুরপুত্রকে ছত্যা করব না, কারণ আমি প্রস্থান মহারাজকৈ বছ প্রদান করেছিলাম বে, আমি তার কোন বংশধরকে হতার করব না। আমি বালাস্ত্রের বাধওলি জেনন করেছিলাছ করে কছকার দানন कवार करा। साथ बाधि एस मस्त्रिमानी रेमनावारिनी মিখন করেছিলাম করাল খা পৃথিবীর ভার হবে উঠেছিল। এই অসুর, বার এখনও চারটি বার রয়েছে, সে জয়া ও মরণ রহিত হবে এবং সে তোমার প্রধান পার্বদগণের একজন হয়ে সেবা করে। এইভাবে তার আরু কোনও বিবরে কোনও তর থাকবে বা। এইভাবে অভর লাভ ক্তে বাধ্যসূত্র ভূমিতে ভার মাখ্য ক্ষপে করে প্রীক্ষাকে প্রশাস নিবেদন করণ। অভ্যাপর অনিকন্ধ ও তার কারে তালের বাবে উপাবেশন করিরে কব তালের ভগ্নানের সাম্বনে নিয়ে এলেছিল। সুস্তর বল্প ও খলছারে সুশোধিত অনিকল্প ও ঠার বধু উভয়কে শ্রীকৃষ্ণ সমূহেত नकरणेक नामरन सारच अक चरकोदिनी राजा चाहा পরিবৃত করলেন। এইভাবে ভগরন প্রীকৃষ্ণ দেবাদিদেব লিবের কাছে বিলাহ নিয়ে যাত্রা করকেন। স্বীভগবান অতঃগর তাঁর রক্ষেধানীতে প্রবেশ করলেন। প্রচুত্ পরিমাণে পতাকা ও বিজয় ভোরণ দিরে নারীকে मामार्थ्य वरदाहिन अयर मामान्य च उच्चरचानि सन নিভিত করা হবেছিল। শশ্ব, আনকদুশুন্তি কনিত হতে श्रीकृतात्तव वाशीत-कान, जननवर अवर करमारात्त সকলে এনিয়ে এসে ভাকে শ্রন্থা সহকারে অভিনশিত করেছিল। প্রাক্তবোদে উঠে দেবাদিখের লিবের সঙ্গে ভগতন জীকুকের বৃদ্ধ বিজয় কহিনী যে পালে করে. ভার ক্ষমণ্ড পরাজয় হবে না,"



চত্ত্বস্থিত্য অধ্যায়

রাজা নগ উদ্ধার

হীবাদবায়নি বলবেন—"হে রচেন, একনিন সাম, अभाग, हांक, छान्, पार अवर यह बरामात्र जनामा बान(करा বেলা করার হলে একটি উপবস্তন সিয়েছিল। অন্তনভঞ্জ থেশা করে, ভারা ভাষার্ড হরে উঠেছিল। ভারা কর ক্ষণের খোন্দ কর্মেল। তাকা একটি ওকলো করেয়ে ভিতরে আন্তরে এখটি অন্তর্ড প্রাণী দেখতে পেল। পাহাড়ের মতে৷ এই পিরগিটিটাকে কেবে ছেলেরা ক্ষরত হত্তে গিয়েছিল। ভার জন্ম ভানের দৃঃখ হল এবং ভাকে कृरण (चएक छेन्द्रात कहाएड ८५छ। करना। जाता हाहाडाड ফিতা ও ভাবেশর পাকালো দভাবতি নিয়ে আটকে পভা নিধনিটিটাকে বাঁধল, কিন্তু ভাৰত ভাৰে ভাৰতে পাৰন মা। ভাই শ্রীকৃষ্ণের কাছে ভারা দেল এবং উত্তেজিত হয়ে প্রাণীটি সম্বন্ধে তাঁকে সূব কথা কলে। জগতের পালৰ কমপুনায়ন প্ৰীভগবাদ কাৰ্যটোৱ কাছে পেপোন একা পিশ্বিটিটকে দেখলে। ভারণের ভার বাম হাত দিবে অতি সহক্ষেই চিনি সেটকে তলে আমলেন। মহিলাকিত ই'কাবাড়ের হাতের স্পর্নবাকে সেই প্রার্ণটি কংক্রাং তাৰ নিৰ্বাচিটি কৰা তালে কৰে এক ফাৰ্বাসীয় কৰা বাংল ককল। তার দের বর্গ তার স্বর্গের মাতো এবং বিভিত্ত অলভাবেদি, কমা ভ্ৰৱণ এবং পৃষ্ণামালো যে শোভিড সুন্দার অলভাবে বিভবিভ করার মাধ্যমে সন্মানিত किया 🖰

"ভগৰাৰ শ্ৰীকৃষ্ণ গৱিস্থিতি সৰই জনতেৰ, তব জনসাধারণকে তা জানানোর জনাই তিনি এইভাবে ভিজ্ঞান্য করপেন—'ছে মহাতাগাধান, অংশনি তে? चालनइ प्रकारत कल वर्णन करत चानि महन करि ए। আপনি অবলাই কোন মহান সেবতা হবেন। কোন অঠাত কর্মের মাধারে আপনি এই অবকার উপনীত হয়েছেন চ ক্রডের, মনে হর আপনি এমন প্রত্যুগ্রহ (থেল্য নন) আমরা আপনার বিষয়ে কামতে আওই).— যদি, তা আন্যাদের কলার ছাতো স্থান-কলে ব্যাপনি উপস্কুত বিবেচনা করেন, তা হলে দরা করে আপনার সম্বাদ च्याकारण चारताड *काम श*

ত্ৰীল শুক্ৰেৰ খোলামী বললেন-"এই ভাৰে জনস্তম্ভি জীকমেনত ভবে সুর্মের মধ্যে দীপুমান किउँडियारी जाका एएकान साधवरक श्रमाय निर्मान करत এইভাবে উত্তর প্রধান করলেন ("

নগ দাস বসংখন "ইকুফুর পুর আমি নগ মায়ে পরিচিত এক রাজা। হে প্রভু, ধানশীর মানুহদের ভাহিবদ বোহপার সময়ে সম্ভবত আপনি আমার কথা ওনেছিলেন। হে মাথ, আপনায় কাছে কিছু অক্রামা থাকতে পারে কিং কাপের প্রভাব সংখ্যে আপনার অব্যাহত হটির অধ্যমে আপনি সকল জীকের হালারের সাজী হয়ে অনুমা। তথানি আন্দার আধাক্রেমে আহি সবই কাৰে। পৃথিবীতে হত বাদকণা আছে, আক্সাপে ৰত নক্ষা আছে, অথবা বৰ্ষণ থাবাৰ যত জলবিশ্ব থাকে, আহি ভতওলি গাড়ী দান করেছি। তক্ত্ৰী, কণিলা, দুক্তবঙী গাড়ী, যাত্ৰা সং-স্বভাৰ, সূত্ৰপণ ও সদওপাৰ্যলী বুক্তা, ধারা সমভাবে উপার্ভিতা, এবং বারা কর্ণবছ পুসবিশিষ্টা, ট্রৌপরেড খুম এবং সুদার অলছত বস্তু ও মালো শ্যেতিতা এই ধ্যানের সকতার বাতীওলি আমি দার করেছিলাম। জামি প্রথমে জামার দানগ্রহীতা ব্রাঞ্চলদের করতান। সেইসব অভান্ত উত্তম প্রাত্মাণসদ ছিলেন ভরুপ, সক্তরির ও বিবিধ ওশাবলীর অধিকারী এবং তাঁদের পরিবারকা ছিল অভাতী। ভারা ছিলেন সভোর প্রতি উৎস্থীকৃত, তাঁথের ভণ্ডর্বার জন্য সুপরিচিত, বৈদিক বাবে সুবতিত এবং উচ্চের আচরতে সাধুভাষাপয়। আমি উনের গাড়ী, ভূমি, ভূর্ণ এবং ব্যক্তগুরুর সঙ্গে ভাগ, হন্তী, ও বাসীনেহ বিবাহবোগ্যা কন্যা এবং তিল, রৌপ্য, সুপর পর্যা, কাল ভূবপ, হলু সাম্প্রী, আসবার পর এবং অনেক রথও দান করতাম। অধিকল্প, আমি বৈদিক वचानि जन्मापन कर्डिं क्षेत्र विविध शकात धरीय কল্যাপকর কান্তক্রমণ্ড কর্মেছি।"

"একবার কোনত এক উচ্চ শ্রেণীর ব্রাপারের একটি

and) नथ कृत्व चायाद (मारहे स्ट्रांट करता, প্রকারের বাহি কর। এর প্রকাশক ক্রাই করিন্দ্র ভার ভারতিকামে। সাধন গাড়িটির প্রথম মানিক প্রতার fern १९१७ (१९९७व, ७५० डिप्री बसाइका, १०३) क्राह्मत है। ब्रिकेटिंग द्वांचान क्रिकेटिंग क्रिकेटिंग क्राह्मत ब्राह्मिटिंग ল্পার করেছিলেন, তিনি উত্তর নিয়েক, না, এ জানের : এল ভাতে আমার লম করেতেন ি দুট হাজাণ করন ভর্ত অন্তিলেন, তথ্ন উল্লব্ নিজ উল্লেক্ সংগ্ৰেছ চেইবে আন্তৰ কাৰে একেন। ভাঁচেৰ একজন কাৰেন, 'আৰ্থন আমাৰে এই গাড়ী দান কৰেছিলেন' এবং আন্তন ফানেন, 'কিন্ধ আপনি ভাকে আমাৰ কছে খেকে অপ্তরণ করেছেন। এই ওনে অধি বিভার হয়ে প্রেলার। এই খবস্থার আন্তর কর্তন বিবরে এক শুরুত্রক সভটো পড়েছি কুমতে পেয়ে, আমি সমিনের কুই প্রক্রেপর कार्य कन्मच कर्तनाम, "सामि और गाउँगिन भरिकार्ड লামাকে ভাপনারা কৃপা করুন। অন্তি কি করেছি জ বমতে পারিনিঃ এই উঠিন অবস্থা থেকে দর করে আমাকে রক্ষা করম, মহুবা আরি মিলিচররার আওচি অন্য কোন কিছু চাই না', এবং চলে লেনে। অন্ আরও লা হাজরে বেশি রাডীও আমি চাই মা, বংশ তিনিও চলে গেলেন। হে দেবেশর, হে কগরাণ, এইভাবে সুবেল সৃষ্টি হওয়ার অবকালে বহু সূতের जामारक विकास कडासन । ८६ वाकन, ट्रांव के शब्दन তোমার পাপের খল জেপ করতে চাও, বিংলা তোমার ममल धर्मकर्रात क्या रक्ताभ कराव । वाजनिक्ये, रहामध কঠবানিট লানের তথ্য কলবজন অন্যালকক স্বৰ্গত্ (छारमत दक्ताह यन दक्ती मा। साति हैसर मिलान, 'ইংবে, হে প্রস্তু, খ্যামাকে পাণ কর্মকর ডেবে করবে विन, अवर प्रमहाक काट्यान, 'का प्रदेश शंकन काट्यान' उरक्रमार जायात्र मध्य इस, अवर (६ शह. गटन करन

"হে কেবৰ আধ্বন্ধ সাম কৰে আমি প্ৰাক্ষণদেৱ হতি ভত্তিপদালৰ এবং উপুনৰ অধ্যাহৰে দান কৰ্মাম अवर व्यक्ति विचार चान्यताले कर्न्यालाएकत जैनमूक कृत्य राज्यतः। एति, अस्यतः सारात्र सारीतः सीता सारि বিশ্বত রটম। তে সর্বশক্তিমান, এখানে আমার সামকে আমার সুমারন জালনাকে দর্শন করছে, এটা বিভাবে नक्षर राज्य काल्यि भवतारा, काल्य प्रकारकारणवस्त्रम् উন্তৰ ওছ অহরে কেবলমার ভিত্তর বেদনহনের याथाइकी शाम काहन। या इस्त. सं व्याधाकक. জার্মাধ্যে জীবনের দুংসহ দুর্বিপাকে আমের বৃদ্ধি আক্রম হরে পত্যসূত্র বিভারে আগমি প্রভাকরণে আমর দৃষ্টি পোষ্টে হলেন। বিনি এই পৃথিবীয়ত তার জন্ম জাগতিক বান হিচ ক্রেমেন, কেবলমায় তিনিই তে অপ্নেক্ কর্মার করে। এই ফেবলের, ক্রণরাথ, গ্রেপিক, পুরুষরেম, মান্ডাপ, রাবীরেমা, পুরাক্তাক, অচাত, অবার চ আপ্নালের এই লক্ষ্ণ মেউ গাড়ী দলে কবে। ধরা করে। যে কৃষ্ণা, মরা করে আমার কেবলোকে গ্রানের অনুমতি ভাকে আমার কিবিয়ে দিন। জাপনাকো মেনকন্ত্রণ ভালে করন। জানি কেবানেই কম কবি, হে প্রভু, আমার হন কে সৰ্বস অপন্য জীলন্ত অপন্য প্ৰায়ে বস্তুত্ব পুত্র হীপুঝা, আপনারে ভান্মি বারস্থার আমার প্রশতি নিরেমন করি। আগনি সকল র্যানের উৎস্ পর্ব মহকে অধ্যাপতিক হব। গাতীটো এক বিনি মাজিক, ক্রক, খনের পরিতাদির অধিকারী, ক্রেকের সকল প্রতা তিনি কালেন, 'যে রাজন, এই পাতীর বিনিম্ভে কারি। অধীকার। এই বলো, দুনবার স্থানকার প্রীকৃষ্ণকে প্রাণিকা করনের এবং শ্রীভদ্যানের শ্রীচরতে তার মুক্ট কর্পে ব্রাক্ষণও থলে দিলেন, 'আগনি বা নিয়েছেন, ভার চেতে । কাম্যনান। বিশার প্রহণের অনুমতি *লাভ কা*রে নুরায়ান্ত ব্ৰহণের সমধ্যে সকলের সাম্প্রে একটি ভাগুর নিয়া বিবারে অন্তোহণ করকেন[া]

<u>"পরমেশ্র ভদন্য-শ্রীকৃতা, মেবকীনন্দন—হিনি</u> আধ্রকে ক্যাক্তরে নিয়ে গেল। সেক্তে কর্মান্ত করে কিশেবভাবে প্রায়ক্তকণের প্রতি অনুরক্ত এবং বিদি ধর্মাধ্যে, दिनि सबन प्रेप्त चरित्रन्तरह स्थापन अपर उद्देशाहर সংগ্রেশভাবে রাজন্মবর্গতে উপদেশ প্রদান কর্মেন : অভিন মেত্ৰেক তেকৰী কোনও মানুৰ বলি প্ৰাৰাশ্বৰ সম্পন্ন জোৰ কৰে, কৰে আ সাহান্য পৰিয়াপে চলেও, আত্মাৎ করা কন্ত সুংলাং। হয়। তা হলে বে স্ব ব্যস্ত্রাম নিজেদের সর্বধর প্রকৃ বলে হলে করে, ভারা এই সব প্রকাশের ধন ভোগ করার ঠেটা করণে ভি রুতে পারে, ভা নিয়ে আর বলার কী আছে! ইালাংককে আরি আমি নিজেকে একটো নির্বাটি হরে থেতে শেকান।" প্রকৃত বিব বলে মনে করি বা, করেব এই প্রতিবিধান

রয়েছে। কিন্তু কোনও ব্রাক্ষণের সম্পদ অপহাত হলে, তাকে বাস্তবিভাই বিশ্ব কণা বেতে পারে, কারণ জগতে এর জেন প্রতিবিধান নাই। বিষ বে ছক্ষণ করে, তেবল ভাতেই মাপ করে, একা সাধারণ আওম কল দিয়েই নেতানো যেতে গারে। তিত্র প্রাক্ষণের সম্পদ-সম্পত্তি অপহাত হলে তা স্থালানী কঠে যেকে উৎপন্ন যায়িত্ব মতো অপহরণকারীর সমগ্র পরিবারকে সমূচে দশ্ব করে। মধানৰ অনুষ্ঠি প্ৰহণ না কৰে বদি কেউ প্ৰাক্ষাণৰ সম্পত্তি ভোগ করে, ঘবে সেই সম্পত্তি ভার পরিয়ন্তর তিন পুরুষ বশে কিন্টে করে। ভিন্ত যদি সে জ বলপূর্বক গ্রহণ করে অথবা সরকার ঋ অন্য বহিষাগতের সাহাব্যে ডাকে অগহরণ করে, ডা হলে ডার দশ পর্বপুরুষ 🛳 মণ উত্তর পুরুষ সকলেই বিনাপপ্রাপ্ত হয়। রাজন্যকর্ম ডালের রামকীয় ঐবর্ধে আছু হয়ে নিজেনের অধ্যাপত্য আগে থেকে কৃষ্যত পাছে না। মূর্ণের মতে রাজপের ধন-সম্পত্তি উপভোৱের জন্ম লালারিত হয়ে, তারা প্রকৃতপক্ষে মরক প্রমনেরই অভিনার করে: বানের সম্পত্তি অপহাত হয়েছে এবং যারা পরিবারভারত্তর, বেই সকল উলম্ভ প্রাক্ষণগণের অন্তব্ধ স্পর্শলাক্ত করে বর্ড श्मिकना, क्षा वस्ट्रव श्रम् श्रामात्रव मान्नवि क्षभश्यकारी, क्षभरक्ष बालाहा चारमञ्जू ऋक्षणविवास स्व

কুন্তীপাৰ নামে নরকে পাক ছবে। নিজের উপহান্ত হোক অথবা অনা কারও উপহারই হোক, যে ব্যক্তি কোনও গ্রাক্তশের ধন-সম্পত্তি অপহরণ করে, সে বিষ্ঠার मर्गा क्षि करन नहीं शकत क्षा क्षा मिता भारक। আহি প্রাথানের ধন কামনা করি না। করা জা কামনা करत, छाता बकार अवर नहान्त्रर इत्। धारा देशमद खेळ হারার এক অন্যের কাছে উল্লখ সৃষ্টিকারী সংর্প শহিপত হয়। আমার অনুনামীনব, কোনও অপরাধ করলেও জানী প্রাক্ষণের সঙ্গে কঠোন আচরণ করবে আ। এজন কি তিনি মদি তোমাকে পারীরিক তাবে আক্রমণও করেন অথবা ব্যৱহার ডোমারে অভিশাপ প্রদান করেন, ভবঙ সর্তন তাকে প্রশাস নিকেম করবে। আমি যেমৰ নবজে প্রাক্ষণপুর প্রধান নিবেল করি, তেমনি জেজরাও উচ্চের क्ष्माय निरंत्रपत कारण। स्म छात्र भागाचा कारण, च्याप्रि ভাষের বর্তমান করব। কেনেও ব্রাক্তানর সম্পত্তি অঞ্জলিওভাবে অপক্ষেত হলে, স্বা অপহর্তনা পভানের নিশ্চিত কারণ হয়, ঠিক যেমন, ব্রাক্তব্যে গাড়ী ক্ষণহরণ করে নৃপের পরিগতি হয়েছিল। এইভাবে বারকার অধিবাসীদের নির্দেশ প্রদান করে, সকল জগতের পরিক্রমারী ভারমান মুকুল তার প্রান্সাবে প্রবেশ করলেন 🗈



পঞ্চবন্তিতম অধ্যায়

শ্রীবলরামের বৃন্দাবন পরিদর্শন

হাল ওকলেৰ গোলামী বললেন—"হে বুককেওঁ, একবার শ্রীক্রারাল করে সুভাবর্গের সঙ্গে সাক্ষতে আহারী হতে, তাঁর বধে আরোহণ করে নক গোকৃলে গমন শর্মের। দীর্ঘ বিক্রেদের উদ্বিগ্রহার পরে গোপাল এবং উদ্দের পত্নীবা জ্রীবলরামকে আলিক্স করনেন। কতাপর ঠাজেনাম তার লিতা-মাতাকে বারা নিবেদন করলেন এবং ষ্টারা জানন্দিত হয়ে আশীর্নচন দারা অভিনম্পিত করলেন।"।

सक् ७ यत्नामा क्षर्यमा कत्रत्मम---"(ह पनाई क्ल्मक. হে জনবীশর, ভূমি এবং ভোমার কনিষ্ঠ ব্যাস্তা কৃষ্ণ কেন চিত্ৰদলৈ আমাদের রক্ষা করে। " এই বলে, ওঁরো প্রীবলরামকে তাঁদের কোনে তলে নিদেন, তাঁকে আলিজন করলেন এবং উাদের চ্যেপের জলে তাঁকে অভিবিশু করদেন। জীবনরাম অভ্যাপর বৃদ্ধ পোলগণকে ৰখাৰে একা কানাকেন এবং সকক কনিউজনেয়া তাঁকে

প্রভাগ কলে অভিনশ্তিত করক। তিনি তাঁকের প্রভাবেত সঙ্গে বরস, সর্বাহ্যর কর ও পারিবারিক সম্পর্ক অনুসাত্তে অভিসতভাবে সাক্ষাৎ করে যিত হাস, কার্মান ইত্যাহির ক্ষব্য ভাষের সকলের সহে বিশিশু হরেন। ভারণার মিলান প্রকলের পর, প্রিক্তগবাদ একটি আবাদনারক আগন _{প্রকৃত্} করালেন এবং তারো সকলে তার চতুর্নিকে সমুক্তে হলেন। তার ক্ষন্য প্রেমাণ্ড কম্পিত কঠে, সেই সকল लाभवन, वेहा छोटना गर्वन कालनान शैक्सहर चर्नन করেছেন, জারা (খারকায়) জালের প্রিয়ক্তনের কুন্দা জিলাতা কর্মানন এবং ভার পরিবর্তে জীবলরামও কোলককো সমে কুলল বিলিময় করছেল।"

ধ্যোপথৰ বৰ্ষালন—"হে রাখ্য, আমাদের সংক্র আশ্রীর-বক্তম কুশলে আছেন ফোং এবং রাম, ভোনরা সকলে ভোষাদের স্ত্রী ও পুরস্থ এখনও কি আলাদের भावन क्या र अपि भागामा महार्गीकामा व नानी कर স নিচাত ব্যৱহাই প্ৰশ্ন আনাধের প্রির আবীয়-বজন মৃত ছরেছে। এবং আমদের ভারও সৌক্তার্য 🛝 আমাদের আৰ্থীয়-স্বন্ধন তাঁলের শক্রনের নিহত ও প্রাক্তিত **क्राप्टिन क्षेत्र अर्क वदा पूर्ण गण्मूर्व मृत्रका शास्ट ∓**CARGER I™

'জিবলরামের সাক্ষাং দর্শনে সম্মানিতা ব্যের করে গোপীরা হামকেন এবং উাকে প্রথ করলেন, 'প্র-वीकरमब जिल्लार वीकृष्ण मूर्च चारक छा। छिनि कि धेत भविवास्त्र जनमारमा भाग करवन, विरूद्ध केत পিতা ও মাতাবের আগনি কি মনে করেন হে, তিনি কৰ্মণ তাৰ মাতাকে একবারের জন্মণ করতে कामारका । आवर महावाद कीकृष्ण कि छीत कना कामारका निवरत (मदार कथा भारत करान । वीकृतका सन्, हर मानाई बरनक, कामता खामरामत माठा, निख, काठा, निख, भूग अवर कमिनीरमङ नविकास करवदि, वनिक और मनन পারিবারিক সম্পর্ক জ্যার করে জন্মন্ত কঠিন। তিক এখন, হৈ প্রাপ্ত, সেই ক্ষা সহস্য আয়াদের জ্যাপ করে, আমানের সংখ সকল প্রীতির বন্ধন ছিল করে হলে গেছেন। তথ্ড ভোনও নাত্ৰী কেমন করে জার প্রতিক্ষরি বিশাস করতে বা পারে ৷ কিডাবে বৃদ্ধিয়ান পুরুরমণীয়া विकास प्राकृतिक क कर्काता क्या दिनाम कारच

পারে! তারা অবলাই তাঁকে বিজ্ঞাস করবে, কারণ তিনি এই বিভিত্তাৰে কৰা বলেন এবং জান পুৰুত্ত সহাস্য বৃত্তিপাতে ভালের কামনা জাগরিত হয়। তে গোপীগণ, তেন তার সংখ্যে কথা বলে বিজ্ঞে করছে বরা করে মন কেন কথা থা। তিনি যদি আঘ্যানের ছাড়াই ঠার नया किएक सन, या शत चामता अवश्वाद (केएक মড়েছি। আয়াদের দিন কটোতে পাবব। এই শক্তা কথা ক্ষান্ডে ক্যান্ডে গোপীরা ক্ষান্তম লৌরির হাস্য, উংদের नत्व केल मनुद्र काथाशकथन, केल काथनीए मुहिशाक, रेस विध्यनक्ष्मी अवर केल क्ष्मानिका जातः क्यास्टिन्स। এইভাবে ভারা রোগম করতে ওক করেন।"

"বিভিন্ন ধ্যাদের অনুনৱে হস্ক, সকল জীবের আকর্তক ডাবান শ্রীকারাম, তার সঙ্গে সারালো শ্রীকুক্তের সোপন বার্তা গোপীদের কাছে কর্মনা করে জনের সম্প্রনা নিংকন। धरै मान्छ वार्छ। सकीवधारम शामीरमा समाप्त ननर्म করণ। পর্যাপর কথবান জীবলরাম সেখানে মধু ও अभव और मुद्दे मान विकास शक्त कारणन अवर ब्राहिकारण তিনি উল গোপস্বীগণ্ডে প্রথম সুখ প্রথম কর্মেন। स्य রমনীর সংখ বমুনা নদীর তীক্তে একটি উদ্যানে ব্রীবলরাম জানন উপভোগ করলেন। সেই উসরুন পূর্ণ মীল ওপানে ব পেকোমী আতও বলংকন— চড়ের জ্যোৎসার স্থাত ছিল ও বছুবাহিত মানে প্রভূতিত পর্যের সৌরভের সোহলে স্পর্নিত ছিল। বরুপ্রের পাঠানো, দিবা বাসনী পানীর একটি বৃক্ত কোটর হতে প্রবাহিত হরে তার মধুর গছে সমগ্র কা আরও স্বাসিত करविका। यायु (महे बिक्ते भागीक बहुताब (मीराफ কালামের কাছে বারে আমল একা তিনি ভার প্রাণ প্রচণ করে সেই বক্ষের কাছে গোলেন। সেখানে ভিন্নি ও জীব ত্রী সঙ্গীগণ কা পার করলেন। সমর্বতা করন শ্রীবেলরামের মহিমা গান করছিলেন, তথ্য ডিনি ব্বতী রমণীদের উজ্জ্ব পরিমণ্ডলের মধ্যে আন্দর উপভোগ কর্মছিলন। তালে হস্তিনী সম মধ্যে উপজেলনত ইপ্রের रची, शक्षकीत्र बेतायरकत भएक बद्ध दक्षिण । (गरे সমর আকাশে দুখুকি কনিত হরিছে, গছর্বরৰ স্কান্তক পুস্পবৰ্ষণ কৰছিলেন এবং মহান কছিলৰ জীবলবামের বীরকুন্তক কর্মের ভতি করছিলেন। ভার আচরণ করন ৰীত হজিল, কৰন শ্ৰীহলয়েৰ ওার সৰীদের সামে বিভিন্ন বলের মধ্যে মন্ড হরে বিচরণ কর্নাছকেন। পার্নীতের

প্রভাবে জার দ্বাচাধ বিভূপিত হঞ্জিপ, আনক্ষে প্রথম্ভ **ছয়ে, জীবলুৱাম বিবাহত কৈছবাটো সহ ফালের মালা নিয়ে** খেলা কবলেন। তিনি একটি মাত্র কুখল পরিধান करहरिएकः अवर स्ववनिष् केहर नका-अनुम दागामा मूर्य হিম্বৰণায় নাছে ক্ষেতিত কৰেছিল। শ্ৰীকণবান এখন হমনতে আহান কালেন বাতে তিনি তার জলে খেলা করতে পারেন, তাঁকে মত মনৈ করে, যান্য তাঁকে আদেশ খাল্রহ্য করলেন। তা কারামকে ক্রুপ্ত করে তুলক একং তিনি ক্ৰাৰ ক্ষাহ্ৰকের কলা দিয়ে নদীকে আকৰ্ষণ কৰতে ওক করবেন।"

ন্ত্ৰীবলৰাত খললেন—"ৰে পাৰ্গী, আমাকে অবজ্ঞানারী, আমি বখন তোমাকে আহ্বান করেছিলাম, ভানি আগনৰ কথাৰ কাং জোনার নিজ ইন্যার ভানি চদেছ। ভাই আমার লাঙলের কলা বারা ভোমাকে শতবা বিভক্ত করে এখানে নিয়ে আনুব।"।

হীল শুক্তমেও গোস্বামী আরও বললেন—"হে রাজন, এইভাবে জীভগবানের কাছে ভর্থসৈত হরে ভীত নদী-দেবী যমুনা এসেছিলের এবং বছু-মন্দন শ্রীবেলরামের **১**খনে প্রথত হলেন। কশিগতভাবে তিনি তাকে रमान्य-- ए यहर्ड्स हार, ताव! चारि चानमात्र प्रकारक विक्रो चलमञ्जूष । चाभनात এक चलन्छ पाता, হে জগরাম, আগনি পৃথিবাঁকে ধারণ করেন: হে প্রড়,

হয়া করে আমায় মুক্ত কঞান। কৈ কিলালা, ভগগান কলে আপনার ভারতান কামি বুগতে পাবিনি, কিন্তু এবন আছি कान्यात काट्ड भरागावक स्टब्स्ट अन्तर कान्या मन्त्रा আপত্রর ভারেবাদারে প্রতি করান্ড।"

প্রীল ওক্ষের গোস্থামী বলে উপালে—"বাতংগর वितनहास वभूनाहरू मुख्य करायाने अवर श्विनीहम् अ<u>र</u>क्ष হতীরাজের মতো তার সর্থামের নিয়ে তিনি নদীর বালে নামকেন। ইতিমধান তার পূর্ণ স্থান্ত নিমে কলে ক্রীড়া करायन अवर रूपम किमि छिटि अरमम, फपम राखी कालि তাঁকে নীলবন্ধ, মুলাবান অলভার ও একটি উচ্চল কঠার উপহার প্রদান করলেন। শ্রীবলরাম বরং নীল বন্ধ পরিধান কর্মেন এবং সোনার কণ্ঠহার ধারণ করলেন। সুগদিলিও হয়ে সুস্পতাবে শের্মতভ তিনি ইত্রের রাঞ্জীয় হারীর মড়ো উপাশ রূপে প্রকাশিত হলেন। অক্সেও, হে রাজন, কেউ পান্ধা কবতে পান্তেন কিন্দ্ৰৰে শ্ৰীভগৰানের পদন্ত শক্তির দায়া আকর্ষিত হয়ে সৃষ্ট বয়না নদী কং শাখার মাধ্যমে রবাহিতা হচ্ছের এইफारन हरमत बुनदी सम्मीतनस मानुर्य मुक्षित জীবলবাম কান প্রয়ে আনশ উপভাগ কর্মছিলের ভাষন সমস্ত রাত্রিভালী যেন একটি রাত্রির মতো অভিবাহিত कृतवा (त्राप्त I^N



ষ্ট্ৰষ্টিতম অধ্যায়

নকল বাসুদেবরূপী পৌডুক

ইল কৰ্মনৰ গোৱাৰী ক্লপেন—"হৈ ছাক্ৰন, প্রবৈদরার কথা প্রক্রে শক্ষের প্রামে মেণ্ডা-সাক্ষাৎ করতে শিয়েছিলেন। ভাষা কলবের শাসক নিজেকে সুখের মডো, 'আনিই ভগবান বাসুদেব' মনে করে প্রীকৃবেজ্য কাছে হত পাঠিয়েছিল। পৌত্রক চলল খানুহসের ক্রাওক্টটোর উৎসাহিত হত্যোগ্রন, বাব্য তাকে বালেডিন,

"ড়াঁহট্ট ভগবান বাসুদেষ এবং ক্ষপতের ইকার, এখন পৃথিবীতে অবতীর্ণ ছয়েছ।" এইভাবে লে পরমেশ্বর ভক্তান আগত রূপে নিজেকে ক্যানা কবেছিল। এইডাবে অধন ব্যক্তা পৌত্তক ছাত্ৰকাৰ অব্যক্ত শ্ৰীকৃথেয়ে কাছে একজন মৃত সাঠিয়েছিল। কোনও নির্বেগ লিওকে মেসন অন্তাল শিশুরা রাজা বলে মেনে নের, তেমনই নির্বোধ্যে মাত্র পৌপুক মাচক কর্মজন স্কৃত ছার্ডাফ উলচ্চিত মাজে মতিয়নতার মাত্রতি তাঁর আগত রুপের অনুসংগ

অবলাই আমাকে বৃদ্ধই করাবে "

অনাম্য সভাস্থনৰ উভস্থে হেশে উঠলেন। প্রতমার ভগবান, সভার শরিবাস সমূহ উপভোগে তরার পরে দুহকে কালেন (তার প্রভূকে কঠা পৌছে কেওয়ার জন্য) কৰাও বট পাৰিতে চাকা পড়ে বাবে, ডোমাকে শেরাল-কুকুরে কাকে ^শে এইভাবে প্রীভানাম ধা বলেছিলেন, কুত ঠার অপমানকর উত্তব ভারে প্রভুক্তে সহ কিছু জানিতে দিল। তথ্য প্রীকৃষ্ণ তার রথে আরোহণ করছেন এবং কালীর দিকে চলে গোলন। বৃক্ষের মনা শ্রীকরেন প্রস্তুতি লক্ষ্য করে, কল্মালী বোদ্ধা লৌডুক সহর দৃটি পূর্ব সেনাবাহিনী নিয়ে নগরীর বাইরে বেলিয়ে এল 🖰

"হে ব্যক্তন, পৌপ্তকের সহাদ, কাশীরাক্ত তিন অক্টোহিণী সেনাধাহিনী নিছে পদ্যাৎ বাহিনীকে পরিচালনা করে পেছনে অনুসর্গ কর্মা। প্রীক্রম **শেশেন বে, পৌডুক ভগবানের নিজন প্রতীক**ভলি ব্যাপ করেছে, বেমন শব্দ, চক্র, আসি, পদা এবং এমনকি ঞ্চনী নকল সার্ল ধন ও প্রীবংস চিহণ্ড। সে কম্মানার শোভিত হবে একটি কৃত্রিত কৌন্তুত মণি ধানধ করেছিল এবং সুন্দর পীত কৌলের কেশে সন্ধিতে হয়েছিল। ভার শতাকা দরুরাভর প্রতীক বহন কর্মছল এবং সে একটি मुनावान मुक्टे ७ सम्भविष प्रकार्त् ७ मुख्य स्था *अधिकः । भगवाम क्रीश्रति राज्य अथरतम ताका किछारतः,

হয়ে কম্মনান্ন প্রীকৃক্ষকৈ তার রাজসভায় হেংতে পেল। বেশ বারণ করেছে, তথন তিনি প্রাণ ভরে হাগকেন। এবা সেই দৰ্শপঞ্জিমানেৰ কাছে ব্ৰাহাৰ বাৰ্ডা পৌছে নিয়া।" ইংক্তিং শন্তনা ভাকে ভিশুল, পৰা, পৰিম, ব্ৰাহ্ম, দান্তি, লৌপ্রাক্তর লাকে পৃথ ব্রেডিল—"অনা কেউ নয়, প্রাস, তেখের, অসি, কুঠার এবং তীব নিয়ে সাঞ্চমণ আমিই একমান ক্ষমন্ত্ৰ কৰুদেন। আমিই জীনের গুড়ি কলে। কিছু জীড়ান্ধ লৌভুক ও কলিনাকের হন্তী, রখ, কুলা প্ৰদৰ্শনের ক্ষম্য এই জগতে অবস্তীৰ্গ হয়েছি। অত্য ও পদাতিক বাহিনী সম্বভিত দেনাবাহিনীকে স্মত্রের সোমার থিখ্যা উপাধি তালে কর। রে মাহত, ভয়ত্তরভাবে পত্যাঘাত করলেন। প্রভিশ্যান ওার দদা, আফার ব্যক্তিগত লক্ষণক্ষী, বা তুমি এখন যুচতাবলতঃ অসি, সুদর্শন চক্র এবং ভীরওলি হাতা যেওাবে বারণ করেছ, শেশুলি ত্যাদ কর এবং আপ্তরের জন্ম সহাপ্রাণতিক যুগের অন্তিমে নিগলকী অস্থি নিভিন্ন বর্তনের আত্রার কাছে এস - যদি সুমি জা না কর, তা হলে ক্রমি - জীবকে পাঁড়িত করে, পেতারে তাঁর শক্কদের পীড়ম করেছিলে। গ্রীভগরানের চক্র মারা থওবিগতিত রখ, জ্বিল ওকদেব গোস্থায়ী কল*কোন—"অপ*বৃদ্ধি সম্পন্ন অৰু হন্ত্ৰী, মনুষা, গৰ্মচ ও উটের বিভিন্ন অস প্র*ভালে* লৌপ্রতের এই অসার মরোন্ডি বালে রাজা উৎক্ষে এক: শবিষাংগ্র সেই যুদ্ধকের ভগবান ভৃতপতির ভয়কর ইণিডাক্টেরের মুখে জনেবান মানুক্ষের মনে কানক **अ**रशित्यक्ति।"

জীকৃষ্ণ তথ্য পৌন্তকের উদ্দেশ্যে বলজেন- "প্রিয ত্মি মুর্খ, বে অস্ত্রভাগী নিয়ে ভূমি এত দশ্ধ করছ, পৌত্রক, তেমোর মৃত্তের মাধ্যমে ভূমি বে লমস্ত্র অস্ত্রের অবশ্যই আমি সেওলি ছুঁড়ে দেব। হৈ মূর্ব, বন্ধন ভুকি কলা বলে পাঠিয়েছিলে, আমি এখন সেওলিই তেখের মৃত্যু কাপ কলে পদন কৰবে, তখন তোমার মুখ পর্যন্ত দিকে উৎক্ষেপ করছি হৈ মূর্য, সুমি বে আয়ার নাম ্রপাই বারণ করেছ, আনি সেটিও ভোনাকে ভাগে করতে বাধা কৰে। জন্ত স্বামি ধনি তোহার সঙ্গে বৃদ্ধ কংতে ইক্ষা না কৰি তা হলে আমি অবলাই তেনোৰ আন্তঃ এহন কৰে। এইভাবে পৌপ্ৰথকে উপহাস করে, ই)দৃষ্ট উরে ত্রীপ্র বাপ খারা ঠাল রখন্টিকে ধ্বনে কর্লেন। অভ্যানর বেমন ইন্দ্র তার বস্তুত্র নিয়ে পর্বত হয়ে জেন ক্ষেত্র, সেইভাবে সুদর্শন চক্র দিয়ে জীভবধান ভার মন্ত্রক ছেদন কালেন। তেমনিভাবে জীবুক ঠাৰ বাণ দ্বাৰা ধ্বশীরাজের মন্তব্দ ভার খেহ থেকে বিভিন্ন করে একটি পদ্ম কুল বেমন বায়তে নিকিও হয়, সেইভাবে ভা উড়িয়ে কালী নগারে প্রেরণ করেছিলেন। এইতাবে বিষেবপরায়ণ পৌপ্তক ও তার সঙ্গাঁতে বধ করে শ্রীকৃষ্ণ স্থানার প্রত্যাবর্তন করপেন। ডিনি করন ন্যারীতে প্রবেশ কর্মছেলেন, বর্গের সিদ্ধাণ তার অধিনন্দর, অনুভসমান यदियांकर्गी क्रीडेंग कविश्रका ।"

"নিরক্তর প্রভেগবানের ব্যানের মাধ্যমে গৌতুক তার भक्त बाह्य काल विनाहे कर्छाहरू। अकृष्टभएक, टेंड्ड्रिक्स রাণ অনুকারণের মধ্যমেই লেব পর্যক্ত সে কৃষাভাকন্যময়

হয়ে উটেছিল। কু**ওল শোভি**ড একটি মাধা রাজ্যাবে এলে গড়তে শেৰে উপস্থিত কানসাধারণ নিত্রার হতে মেল। ভানের কেউ কেউ জিভালো করল, 'এটা ভিং' अवर कालावी वनन, 'अहा अवस्ति भाषा, निन्ध काह?' (ह বাজন, বখন তারা এটিকে তাথের রাজার স্বাধা বলে চিনতে পের্বোর্ছল--তথ্য স্বালীর অধিপতির স্থালী, পুর ও অনানা আশ্বীরকর্ম নগরীর সকল অভিনাসীর সঙ্গে উঠেকের এক্ষন করতে ওক করক—"হাও, আনরা মারা প্রালাম---আফার নাথ, আমার নাথ ট্র ভার পিডার আবল্যক পাতলেকৈক জিয়া সম্পাদন কৰার পর বাঞ্চর **পুত্র** সুদক্ষিণ মনে মনে সংকল গ্রহণ করল—'একমাত্র আমার পিতার হত্যাকারীকে হত্যা করে অধি তার বড়াব প্রতিলোধ নিতে পারি ' তাই পানশীল সুদক্ষি তার প্রোহিতের সলে এক্তার গতীর মনোবোগের সঙ্গে ভগবান মাজেরের থারেনে। তক করল। তার থারেনের সন্তুষ্ট হতে পঞ্জিমান মেবাধিদেৰ শিৰ অবিমৃত্যেত হজাহতে অবিষ্ঠত হলেন এবং সুদক্ষিণকে তার গতন शएक यह शार्किय कहाए देवारामा । होकानुस यह कालन

দেবাদিদেব শিব ভাবে কালেন—"ভূমি ব্রাক্তরভাগে করল।" সঙ্গে একরে অভিচার আচারের বিভিনমুই অনুসর্গ 💤 করে—খুল প্রেছিড—দ্দিশ্যমির পরিচর্যা কর। স্বক্র দক্ষিপারি, বা প্রয়োগগের সঙ্গে একরে জোমার আকাশা পুরুর কর্মবে, বৃদি ভূমি ব্রাক্তগুড়ের প্রতি শক্তভাবাপর কারুর বিরুদ্ধে তা পহিচালিত কর। এইভাবে নির্দেশিত হয়ে সুদক্ষি কঠোরভাবে আচারগত ত্রতসমূহ পালন কলে এবং শ্রীকৃত্তের বিশ্বত্ব অভিমের আহান করল। তথন সেই যজকুল কেকে অতীৰ ভরত্তা নয় ব্যক্তিৰ স্তুল ধারণ করে অন্নি উবিত হল। েই অন্নিমর জীকের শক্তে ও লিখ্য ছিল তথ্য তালেয়া মতো, এবং তার চম্পু ক্ষলত ভাষার উদ্বীকা কর্মিল। তার দত্ত ও উত্ত শ্রুকটি দও দ্বারা ভার মুখ পতান্ত ভরকা দেখাভিল। জিলা প্ৰায়ে ভাৰ মধ্যে দুই প্ৰাপ্ত লেহন করতে ভারতে ষানবটি ভার স্থালয় জিলুলকে কল্পিড করছিল। ভাল গাড়ের মতো দীর্ঘ দৃটি পরে ভমি ঞ্চলিয়ে এক জনভের अकार क्रिक क्रम कराज **कराज ा**नी चरिकाड मानव

ভাতসংখ্য সক্ষে খানেকা অভিমূৰে কানিত হল। *অভিযা*ন ध्याता वाता गृष्टे खाँचाया सान्द्रवर धांभवन लक्ष्य कृत्य প্রক্রেয় অভিযুসীর সকলে দাবাবলে ভীত প্রাণীয়ের মতের ভয়ার্ভ হয়েছিল। ভবে উন্মন্ত হলে মানুকের প্রজ্যান্তার অন্তর্কীভারত পরফোর স্থাবানের কাছে ক্রমণ করেছ লালত, 'হে ব্রিভূবনেশ্বর, এই নগর দশকারী তারি চতত আমানের রক্ষা করান ৷ আমানের রক্ষা করুর 🗗 🗈

"জীকৃষ্ণ কৰন জনসংখানপের উত্তেজনা একণ করলেন এক ঠার আপন মানুবদেরও শক্তিক হতে দেবলেন, পর্যা (अर्ड भाष्ट्रेत क्षरांक्ष किरनेगाँव एशिएन व्यक्त काराव কাকের "ভর কোর না, আমি তোমাদের রক্ষা করব।" সর্বশক্তিমান জ্যাবান, সকলের অন্তরের ও বাহিত্তের সাজী হলত্বৰ কংলেন ৰে, দানবটি শিকে বারা বভাচি হতে সৃষ্ট হয়েছিল। ক্যাব্যক্ত পরাজিত করার জন্য, শ্রীকশু ভারে প্রশে অপেক্ষরত ভার উক্রতে প্রেরণ করকেন। त्मेरे मुक्तांन, क्ष्मचान कृतस्तात इ.स. स्थापि मुदर्शन घटका প্রবাজিত হল। তার প্রকা প্রকারকার্মীন অধির মতো প্রভানিত হল এক ভার ভাগ বারা সে আকাশ, সকল জন নিতাৰ হতাক্ষীকে হতায় একটি উনাৰ প্ৰাৰ্থৰ কলে।" - বিশুসন্থ, স্বৰ্গ ও মৰ্তা এবং অধিমন দানবকেও পীডিভ

> "হে রাজন, জীকনের অহের ক্ষমতা বারা প্রতিহত হতে অভিচান ভারে উৎপদ্ম অধিময় জীব পরাজ্য হতে পশ্চাদপ্ররণ করব। হিংগ্রভার জন্য সৃষ্টি গানবটি তথ্য জরাশসীতে প্রত্যাবর্তন করে, সুদক্ষিণ তরে মন্ত্রী হওয়া সম্বেও, নগরীকে পরিকেটন করে সুদক্ষিণ ও তার পরোহিতদের সে দক্ষ করণ। অগ্নিময় দলেবের পেছনে **्राह्म वी**विषक्ष इक्ष्म वाज्ञानगीरक श्रारम करना अंबर মকল সভাৱহ, উত্তোলিত ৰাৱালানহ স্বাবাসিক श्रानमपूर, चाराशा संशासना, संस्थान, व्यानक, व्याप ও কোষানার এক হস্তীপালা, অবলালা, রবশালা ও আর্থনো সকল সম সংগ্রীতে দথ করতে ওঞ্চ করণ। সমগ্র ব্যৱশাসী কারীকে দঙ্ভ করার পর ভাগবান বিষুদ্ধ সুদর্শন হল অক্লেক্তকর্ম প্রীকৃষ্ণের পালে প্রভাবর্তন করণ। ৰে হানৰ ভগৰান উপ্তৰজ্যোকো এই বীক্তপূৰ্ণ দীলা স্মানুধ করেন অথবা হৈ ছনোয়েন্যাগার সঙ্গে কেবল ভা खरन करते, *(म.* मकन शांश इंटर्ड युक्त हद।"

সপ্তয়ন্তিতম অধ্যায়

শ্রীবলরাম দ্বিবিদ মহাবানরকে বধ করলেন

মহিমাণিত রাজা পরীকিৎ কালেন—"পরি ক্ষান্ত ও ভল্টিমের ভগনান জীবলরালো বিশ্বস্তুকর ভারকরের কথা আৰও ধাৰণ করতে ইন্স করি। তিনি আর কি কবেছিপেন ।"

द्यीन क्षयस्य भाषात्री कालन-" दिवन नाम अव ध्याकानक नद्रकाम् तान कहा हिल। देशस्था साला, बहे **छात वह मन्द्रका मुद्रात अस्टित्याय अस्टब्स कना, यहनद** ভিক্তিৰ নগায়ী, প্ৰায়, পনি গা সোপদের মনবাভিত্তে আওন কালিয়ে দিয়ে দেশটি বিধান্ত কালা। একমিন বিভিন্ন क्षांचिक भर्गेत विश्वास्त्रि करण करा निवरिवरी मुस्क राजाधीन विद्नांक चान्स् असम्, स्वयंद्रम कक्ष कहत হত্যাকারী, জনবান বীহরি বাদ করতেন, লেগুলি ধ্বংস করার জন্ত সেওলি কাজে সাগার। আবেকবার, সে সমূরে সেমে দশ হাজার হাতির শক্তি নিরে ভার দৃ'হাতে क्षम प्रदान नंतरक बारक क्षमर क्षित्रशास द्वेलकृत्वकी अञ्च श्रामन नियम्बाण करता। मृष्टे यानति प्रश्रितिक च्यावरास्त গাছলালা উৎপটন করে দের এবং উচ্চের ক্ষতের ক্ষাওনে তরে মল ও মূর খারা স্থ কল্বিত করল। ঠিক কেমন (यामणा कृष्ठ कींड भ्रष्टकरभन्न करी करत दार्ट... তেমনিভাবে উদ্ধৃত হয়ে সে মেরে-পুরুষ সকলকে পঠত উপত্যকার গুৱামধ্যে নিকেশ করত এবং শিলাগও নিত্রে ওয়টি বন্ধ করে ছিড 🖰

"अकराट दिवित करन अहै छाटन शक्तिहरूनी রাজাওলিতে উৎদীক্তন ও সম্রান্ত পরিবারের রামণীগের ৰুশ্বিত কটছিল, সেই সময়ে সে বৈৰতক পৰ্বত খেকে অতি সুমধুর ধান ভনতে গায়। তাই সে সেখানে বিয়েছিল। সেখানে সে পদাবুকার মান্যার শেক্তিক ব প্রতিটি অমপ্রতামে অভীব মনোহর রূপ ধারণ করে প্ৰকাশিত মদুপতি শ্ৰীকানুমাকে দেখতে পাছ। তিনি একদৰ বুবতী নারীর হাতে পান কর্মনুক্তন এবং কেন্ডেড তিনি বকণী রস পান করেছিলেন, ভাই খেন তিনি মন্ত

হরে উঠেছিলের এবং ভাই তার ছোখ বৃটি খবিত হছিল। ভিন্নি কমল মন্ত হাতির মতো আচনত করছিলেন, ডকন ঠার কেই উজ্বল দীপ্রিমান হরে উঠেছিল। গৃষ্ট বাননটি একটি পাছের ভারের উঠে বসকা এবং ভারণর গাছতলি নাডান্ডে নাভাতে কিলকিলা ধর্মে করে তরে অভিত व्यक्तित विनः। अध्यक्षास्यतः मञ्जिष राज्य सम्प्रतित বক্ষালী বিধিয় রাজা সুসীবের মালা লাভ করেছিল। সুটতা ক্ষা করলেন, তবন তারা হাসতে ওক করকেন। ৰাই হোক, খাবো ভো ছিলেন পরিহাসপ্রিয়া ও চপলতাপ্রবদ ভরুগী। এফনকি শ্রীবলরাম লক্ষ্য করা সবেও, বিবিদ ভার জ নাচিয়ে কংসিত ইপিত করে. মানের সামনে এলে ভার মালহার প্রদর্শন করে ভক্তনীকের खनपात करहरिका: त्याकारश्व घरण (अर्थ, क्रथ, শ্রীকারার ভাতে একটি পাথর ইতে মারপেন, কিন্তু চতুর বানাঃ পাথবটিকে এডিরে থেল এবং শ্রীভগবানের পানীয় রাস্ট্রে পাঞ্জী করল করল। স্তীবলবামকে পরিহাস করে হাসতে হাসতে সে আনগ্ৰ ক্ৰম্ম কৰে প্ৰানে দুই ছিবিদ ভৰ্ম পাত্ৰটি ভেঙে ফেলে এবং তুরুলীদেরও বস্ত काकर्यन करन अध्यवात्म चात्रश विशास करनाः এইতাৰে সেই কালালী কনমট বিধ্যা অহংকার দেখিয়ে উত্তত হয়ে জীবলুরামকে প্রসাগত অপসাম করতে থাকে। শ্রীকার্যন ক্ররের অভন্ত অচেরণ এবং চতুর্দিকের সাবা দেশে আর উপ্তব সৃষ্টি করার কথা চিন্তা করালেন। এইভাবে জীলগন্ধন তাঁরে শত্রুকে বব করার সিদ্ধান্ত এবশ করে ক্রকারতে তার পদা ও সামক বাস্ত্র প্রহণ কর্মেন। শক্তিশালী হিবিদও বৃদ্ধ কৰার জন্য এগিয়ে এল। একহাতে একটি পাল পাছ উৎপাটন করে নিয়ে সে ক্ষীবলরামের বিক্তে ধারিত হল এবং গাজের ওড়িটি নিয়ে ওঁরে সাধার আঘাত করদা। কিন্তু ঋগবান সমর্থণ পাব্যক্তের মধ্যে অবিচলিত থাকলের এবং তার মধ্যের উপত্তে পভনেগুৰ দাক্ষে জড়িটিকে ৰঞা করকে মাঞ্ भारतभव किनि मृत्य नात्य केल शता विदय विविधाक অক্তব্যত করকের। ইক্টিভাকানের গল দিয়ে মাধার আখাত





দৈশ্য স্বৰ্দ্ধ

পেয়ে ব্রক্তধরতে হিবিদ প্রক্রিয় হতে উঠল--কে গৈরিক যঞ্জিত এক পর্বত। আহতে উপেকা করে, দিবিদ আরেকটি পাছ উৎপটেং করে পাশবিক দক্তি দ্বারা সেটি শহেশনা করল একা শ্রীক্তগদানকে আবার আঘাত করল। এখন ক্ৰছ শ্ৰীবলয়াৰ গাড়টিকে শত শত বতে ছিমনিন্তিয় কর্লে পর দিবিদ আবও একটি খাছ ভূলে নিয়ে জোধোমৰ হয়ে শ্ৰীভগবানকে আবাৰ আবাত করল। এই গাছটেকেও ইভিগবান শত শত ছতে হুর্গ করকেন। এইভাবে আক্রন্ত হয়ে বিনি বাবে বাবে সাহওলিকে চুর্গ স্বর্গাহেশন, ভগবাড় ন সঙ্গে বৃদ্ধরত বিবিদ সেই কর্নটি শুখাশুনা না হওৱা পর্যন্ত চতুর্নিক থেকে কৃষ্ণ উৎপাটন করছিল। ক্রন্দ্র বাদর অধন শ্রীবলরকের উপর শিলা বর্ষণ क्यांट्र शानम, किन्न प्रकान्यध्याती नव्हकडे (नवे न्याती) চর্ণ কালেন। অভ্যক্ত শক্তিশালী কানর বিক্রিং এখন ভার ভালগান্তো হতো খান্ত মৃষ্টিকে বন্ধ করে জীবলয়মের

স্থানে এক এবং ভার মৃতি নিরে প্রীভগবানের ক্ষেত্র জাহাত করন। 🚁 যদেশদিশতি তথন ইয়া 🐅 💩 লাক্তন নিক্ষেপ করে তার থানি হাত দুয়ী দিয়ে ভিনি_{নিক্ষা} কাথে আত্মন্ত করলেন। বানরটি রন্তবমন করতে ক্ষান্তে পতে বেল। যথন সে তুপতিত হল, হে ভুরালার্ড। তক্ষা রৈবতক পর্বত ভার জলমূক্ত বিষয় ও কলপ্রতি নিয়ে, তেন সমুমে বায়ু ভাড়িত নৌকার মতেং কেঁলে উঠেছিল। অর্গের দেকজা, সিদ্ধ ও মহান অবিগণ উজের করে বলে উঠনেন, "আপনার মার হোক। মাপনাতে নমন্তার। দারূপ। বেশ করেছেন।" এবং জীভগরতনর উপত্তে, জারা পূলা বর্ষণ করলেন। এইভাবে সময় জগতে উপত্রবলারী বিবিদকে বর করে, জনবংগর ভাল সমূল লবে তারে মহিমা-কাতিত হরে, শ্রীতগরান উল্ল রক্ষণনীতে প্রভাবর্তন করলেন।"

米

অন্তচন্ত্ৰিতম অধ্যায়

সাম্বের বিবাহ

শ্ৰীল পকৰেৰ কোকাৰী কালেন—"হে ভাৰন, কুছে চির বিজয়ী, জাখবতীয় পুত্র সাজ, সুর্বোধনের কন্যা ৰ্জ্বব্ৰে ভাৰে স্বস্তৱ অনুষ্ঠান ছাত অপহৰণ करहरिएलन (*

দ্ৰুদ্ধ কুকুগণ বললেন—"এই দুবিনীত বালক আমানের অবিবাহিত কনাকে ভার ইচ্ছার বিরুদ্ধে মাপূৰ্বৰ অলহনৰ করে আমাধের অপমান করেছে। এই পুর্বিনীত সাহকে হলী ভর: বৃথিনা কি করবে। कामारका कन्द्रदर् कामारक कन्याकिक जाका काम শাসন করছেঃ ভাগের পুত্র কনী হয়েছে ওনে বদি বৃষ্টিলা এবানে আনে, তা হলে আমনা ভানের দর্গ চর্গ করণ। এইডাবে পরীরেই ইপ্রিয়াদি কটোর নিবরুব

यशात नम् धंया क्रान्यात्मम वरिष्ठे मानगामन फील्पस गतिकान कन्द्रशासन कत्तान, वर्ग, भग, एति, क्वार्क्ट ও সুযোধন সামতে আক্রমণ করার অন্য যাত্রা করলেন। দুর্যোধন ও জার সঙ্গীদের তাঁয়ে লিকে থাবিত হতে থেখে, মহারথ সাম তার সূর্যা ধনুক প্রহণ কর্মেন এখং নিং হো মতে একাৰী দাঁড়িরে মুইলেন। ভাবে কণী করতে पुरुश्चिक वर्ग धनुष कृषः भनुर्शदिक्षण हिरकात करत नायरक समरामन, "पीछाक, युद्ध करा। मीफाव, युद्ध करा। 🔭 ষ্টারা উার সামনে এপ্রিয়ে একে কার প্রতি ডীপ্র বর্ষণ कराष्ट्र केशास्त्रम् । 🗷 कृतरात्रकं, श्रीकृष्टका सूड मार्च কুক্তগণের হারা জন্যায়ভাগে বিপ্রত হতে, সিংহ বেক্সা সুধ প্রাধীদের আক্রমণও সহা করতে পারে মা, ভেমনি সেই - রাখ্যর মতেই, থার অবদ্ধিত হয়ে থাকবে। এই কথা । ভারত্তনও তাদের আক্রমণ সন্তা করতে পারবেল আ

ঠান লাখ তার স্বাস ধনুকে টকার করে কর্ণ প্রমুখ ছয়খন মোছাকে তীর ছারা বিশ্ব করলেন। তিনি ছয়টি রুখকে ছবটি ভাঁম বারা, প্রতি দলের চারটি আধকে চারটি ভাঁম ছার। এবং প্রতোক সার্থিকে একটি তীর ছার। বিদ্ধ ক্রমেন আর তেমনিভাবে বহুওলির অভিনাতক শ্রেষ্ঠ ধনর্যবস্থকেও আহত করলেন। শত্র বোদ্ধানৰ সামের **बहै भीर्ड अर्मात्म्ह स**न्। फीर्क प्रक्रिमन्दिर कराज्य। জিলা ভারা ভাঁকে রুপচাত হতে নামা করার পরে ভাঁনের চাকরন তার চারটি অপকে আঘাত করগেন, প্রামের একজন তার সার্বাধিকে নিহত করলেন এবং অন্যক্ষর তার ধনকটি ভেতে দিলেন। বুল্কে সাম্বকে তার রম্ব থেকে নামিরে কুক্ত বোদ্ধাসণ অভিকটে উংকে বছন কর্মেন এবং ভারণয় সেই বাসক ও ভাষের রাধান্যনাকে নিরে विकारी इत्ता कारमच नगरत शकावर्डन करहाना।"

িছে ব্ৰহ্মৰ, বৰ্থন শ্ৰীনৱেদের কাছ খেকে বাসক্ষণ এই সংবাদ ওনদেন ভবন, তারা ক্রন্ত হতে উঠলেন। রাখা উপ্রাসেরে প্রয়োজনার তারা কৃষ্ণগণ্ডে বিকরে ব্যানর প্রস্তৃতি প্রহণ করলেন। ইতিমধ্যেই বর্মপরিহিত হালী বীরনের জীবনরাম তবুও বাস্ত করভের। তিনি, क्लिएम ७६ वर्जी कुछ ६ युकीभरायत मरश्र केवर जनति। छाँदे जानात्मान ७ भतिकारका रविकेत्सक गटन निराह गटरंद মতো দীপ্রিমান তার মধে তিনি ছব্রিনাপুরে গেলে। তিনি বৰ্ণৰ বাজিলেন, তৰন তাকে তেন প্ৰধান প্ৰহাৰখনী পঞ্জিক চন্দ্রের মধ্যে মধ্যে ছত্রিল। হল্মিলাপুরে উপস্থিত ব্যার, জীবলরাম নগারীর বাইবে একটি উদ্যানে অবস্থান কালেন এবং প্রজা ধুতরাষ্ট্রের অভিযার অনুসভান করবর धन्य केंद्रवटक चार्थ (शक्त कहानम। चरिकात नृत्रक (বৃত্তব্যক্টি) এবং ভীতা, প্রোণ, ব্যক্তিক ও কুর্বোধনকে ৰথাৰৰ শ্ৰন্থা নিকেন করার পর উদ্ভব জানের জানালেন শ্রীকারাম উপস্থিত হরেছেন। তাঁলের প্রিরতম সবা বদরেম আলমন করেছেন শ্রবণ করে আনকে, জার। প্ৰকাশ উদ্ধানত সম্মানিত করলেন এবং ভারণর ভারের যাতে মাগলিক অৰ্থা ৰহন কৰে জীজনবানের সংখ মিলিড ইওয়াই কল্ গ্লম কল্লম। তাৰা জীবলরামের ন্মীপক্তী হয়ে অৰ্থা ও গালীসমূহ উপহার ধানা वयरवाशा करण कींद्र कर्तना कर्त्सानन। कृत्रभारण मध्य বীয়া তাঁৰ প্ৰকৃত প্ৰভাৰ অৰগত ছিলেন, আঁরা ভূমিতে

छोएला अक्षक न्यार्थ काला प्राथाहरू केरक अवाध निरायक कहाराताः केवत् शक्के द्वारात कार्येष्टरमं कृषश् মারেন্ডের প্রবণ করার পর এবং উভারে পরশ্বরের ক্রাটাণ ও ছাপ্তা সম্বন্ধে প্ৰথম কনাম পত্ৰে, জীবদানাম স্পাইভাবে ক্লেপ্তে ক্রাল্ম -রাজ্য উত্তরেন আন্তরের প্রকৃ এবং রাজনাবংগর শাসক। আগনামের বা করার জন্য তিনি निर्देश श्रद्धा करवरहरू, चित्र बरगरशामद निर्दे আপ্সাদের আ প্রকা করা উচিত এবং তারপর তথকপাং ভাগনদের তা পালন করা উচিত।"

রাজ্য উপ্রশেষ করেনে-- বর্ষিক অবার্মিক উপায়ে আপনাৰা ক্ষেত্ৰকাৰ এক ধৰ্মপ্ৰাণ বিশ্বকাৰ প্ৰাক্তিত करतरहरू, ७४७ भविवादको जनभावतर्गं भरत बेंस्कान স্থার্থে স্থামি আ করা করাই। প্রীনলফেরের চিম্মর শক্তির উপযোগী এই সৰল শোৰ্ষ বীৰ্য ও তেজৰী কথা মাবদ করে ক্রেমান ক্রু হয়ে উঠালন এবং বলালন আহা, কী আভ্ৰুৰ ব্যাপাৰ। কালের পতি বাড়বিকই অলক্ষ্মীয় নিম্নারেশীর প্রপুকা এবন রাজমুকুটধারী মন্তকে আরেহল ককতে হার। কেনেত এইসকল বৃধিদান আমাদের সাথে বিবাহ বছনে আবন্ধ হয়েছে, তাই আমাদের শ্ব্যার, আমনে ও ভোজনৈ অংশগ্রহণের অনুমৃতি কুল করে, আমরা ভাষের সম্মর্থানা প্রদান **क्ट्राइ । शक्टलट्क, खाधवाँई खाराना वास्र निरदानम** প্রদান করেছি। আমরা প্রায়া বা করার কলেই তারা চামর राक्तम अपर नाथ, ८५७, इ.स. निरदानम । श्राक्रनया। উপভোগ করতে পারছে। বিষয়র সাপতে দুধ করেয়ালে বেমন উৎপাতের কারণ হয়ে ওঠে, তেমনই এখন হয়ে উটেই বলে, কুলগতে আর রাজকীর লাক্সানি ব্যবহারের অনুমতি দেওবা উঠিত নর। আমাদের অনুসহে শ্রীকৃত্বি कांच करत और जमक वामरशन अध्य निर्माण छाट्य আমাদেরই নির্দেশ জননের গৃষ্টতা খেলাকেঃ ভীন্ত, লোপ, অৰ্থান অধ্যা অন্যান্ত কৃত্তপথ কোনে কিছু প্ৰদান না করলে ইক্রও ভা অভিকার করার সালম ভিজাবে কাৰেণ স্থা কো সিংহের শিক্ষার একটা মেরশারকের ভাগ বসংযোগই মতোঃ

श्रीयानसाधाने काराज्य-"(स काराज्याताधाने, फारणत উচ্চ আৰ ও সম্পর্কের ঐত্যালা সম্পূর্ণকরণ গর্গোছত হবে কুকুবৰ্গ জীবনবাহকে এই সকল কৰ্মন কৰা বলে,

তানের মনবাতে প্রত্যাপ্তমা করলেন। কুরুগার্থের খারাপ স্বভাৰ ও ভাষের নোলো স্বৰ্ণা কৰে অচ্যুত স্থীবলরাম ফোৰে পূৰ্ব হৰেন। তার দুল্লেকণীয় ফুডভাবে ডিনি হাসতে হাসতে বদলেন—স্পষ্টত এইসকল অসাধ্যাপের বহু আসন্তি, ভাগের এত পরিত করেছে বে, ভারা শান্তি চার না। অভএই পশুষর বেখন লাচির হারা লাভ করতে হয়, তেমনই দৈহিক মণ্ডের হারা এদের শান্ত করা যাক। আহু, আমি শ্লেনথাৰিত কৰ্বৰ ও প্ৰদুৰ শ্লীকৃষ্ণকে बीदा शीदा भाष कशरक अधर्थ श्रदाविनाम। अहे क्लीद्रवर्ष्ट्य क्रमा नावि कामना करत साबि क्रथास कारमध्यात्रः। किन्नु काला क्रक्टे मध्युष्टि, कम्हरिय छ স্বভাবত দৃষ্ট বে, ভারা কবমার লামাকে অবকা করছে। হতক্ষত ভাল আলাকে দুৰ্বাকা কাতেও সংখ্য পাছে। ইন্স ও জন্যান্য প্রহের পালকলপ বার নির্দেশ মান্য করেন, সেই ভোজা, বৃক্ষি ও অপ্তক্রপথের অধীপর রাজা উল্লেসন कि आरम्भ करत हैनवुष्ट नव ह अहे अक्टे कुक विनि সুধর্মা সভাগ্য অধিকার মধ্যের এবং তানা উপভাগেনা হ্বন্য ক্ষমর ধ্যেবভাগণের খেকে পারিজাত বৃক্ষ নিয়ে আসেন---সেই কৃষ্ণ কি বাস্তবিকই রাষ্ণানিংহাসনে উপ্রেশন করার উপযুক্ত করং। সমগ্র স্বগতের পালক मध्यीरत्वी ऋष्ट काव अनुष्यकात व्यावस्था करून, बार्यः োই লক্ষ্মীপতি কি কেনেও জ্ঞাগতিক নাজার পাকণাদি ধারদের বোদা করঃ সকল তীর্থসাকের পরিরভার উৎস জীকুডের পাদপছের ধুলি, সকল মহান দেবতা থারা পৃত্তিত হন। সকল প্রহের প্রথম বিচহণণ ভার সেবার मुख्य बरतारका अवर जीकृतकार नामनरका धूनि फीएमझ মুক্টে প্রহণ করার ক্ষর ভাষা নিকেগের প্রম ভাষ্যকান ছনে করেনঃ এখন ও শিকের মডো মহান মেবভাগণ এবং এমাতি লক্ষ্মীদেবী এবং আমিও ভার চিন্মর অভিনতার অংশ মার, আর আমরাও আমাদের মাধার সময়ে সেই গুলি কৰে করি। ততুও কি জীকৃষ্ণ রাজভীয় লক্ষণতলি ব্যবহারের কিয়া রাজ-সিছোসনে ফার্ম উপস্থত ননঃ আনতা বৃত্তিলাণ, কেলেয়ার যৌদু বর বাতের ভূবি কৃষ্ণাণ আবংশের প্রধান করেছেন, তাই ভোগ कार्रिश बाबर कांबल रामाब भागूमा कार कुम्मान भाउक? সেব, সাধ্যমণ ফানস্ত ব্যক্তিনের মতো এইসকল দায়িক কুকুগণ ভাগের ভবাক্ষিত ক্ষমতা নিয়ে কিচাবে মন্ত

ররেছেন। পাসন ক্ষমতার প্রধিকারী কোন স্থার্থ খ্যানক ভাবের এই ফুর্বংং কার্যে কথাবার্ত। সন্থা করবে ৷ আরু আমি পৃথিবী কৌরকপুনা করব (" ফুন্ম কলরাম খেরেলা করলেন। এই বলে তিনি জার লাকল আগু প্রহণ করলেন এক বিভুকা হয় করার জন্য বুলি উঠে নীড়ালেন। শ্ৰীভগৰাৰ ফুৰভাবে ভাৰ লাখলের অগ্রভাগ দিয়ে হত্তিনাপুরকে খনন করকেন এবং সমগ্র সংবদ্ধে পুসর্য নিকেপ করার উদ্দেশ্যে ভাকে আকর্ষণ করতে শুরু করদেন। তাবের বসর যথম আকবিত হচিতে, তাবে সমুরের একটি ভেলার মতে। আন্দোলিত ও প্রায় शक्रमान्त्र श्रह अन्तर करत कीयवश्य सताई श्रह উচ্চেনঃ প্রতান জীবন রক্ষার করা তালের সত্যে প্রত্যের পরিকরকার্যক নিয়ে জ্যান্তরের জন্ত জীক্তগজনের কাছে একেন। সাথ ও জন্মণাকে সামৰে বেগে উল্লে কৃতাপ্তলিক**র হলে**।"

কৌরবগণ বললেন—"ছে সাম, স্বাহ, অবিলাধার। আমরা জাগনার প্রভাবের কিছুই জানি না। বেহেড আমরা অঞ্চ ও বিলয়ে চালিত, বরা করে আমাদের **परश्कार व्यवस्थि कराय। ज्याशनीरै धकराय क्षणाराम गृहि, ऋिंडि ७ महात काला अवर मियान जाननात कान भूर्व** কারণ নেই। প্রকৃতপক্ষে, হে ঈশর, ভত্তবিদর্গণ বলেন বে, অংশনি বখন আপনার লীকা সম্পাদন করেন করন ব্যাপং প্রক্ষাণ্ড ব্যাপন্যর ক্রীডাবের মাত্র। 🐠 সহরেরত্ব আৰু, আপনায় জীলাক্রণে এই ভূমওলকে মাপনায় মন্তকণ্ডলিয় একটিতে আপনি মহন করেন। প্রলবদানে সমগ্র ক্রমাণ্ডকে আপনি আপনার নিম্ম বেছে হত্যাহার करदम अवर चाविजीव करण रणव भवाव भवन करम অবস্থান করেন। আপনরে মেন্য সবলকে শিকা প্রবাদের খান্য, এটি মাংসর্ব বা ছেবের প্রকাশ নর। হে ভগবান, আপনি ভদ্ধ-সম্বত্যনর ধারক এবং জনতের স্থিতি ও भागरतय सन्दर्भे एकतम चाभनि अध्य हत। (६ সর্বজীধানা, হে সকল দলিসমূহের নিয়েঞ্চ, হে জগতের অক্লান্ত রাষ্ট্র, আমরা জাপনাকে প্রথম নিবেদন করি। আপনাকে প্ৰদান নিবেদন করে আনবা আপনার আগ্রহ

প্রীল ওক্ষের গোলামী কালেন--"হাদের নগরী কম্পামান এবং বারা অভান্ত প্রীড়িত হয়ে তার আনার ধানা করেছেন, এইভাবে সেই কৃতগাধের দাবা অনুগ্রহ প্রানিত হতে ভারতন প্রীনেশ্রম ভাততে শান্ত ও কলেনিক _{চালে} খাদের উদেশের বাবস্থা চাহৰ করলেন। তিনি ক্যানেন, 'ভীত করে। ন্দ্," এবং 'ডামের ভর অপহরণ ক্রালেন। পূর্বোধন ঠাব জনার প্রতি অভান্ত ক্রেছনশড় ह्योड्कप्रवर्श इत बरमद वरच ३,३०० एडी, ३०,००० क्षा ६,००० मृहर्दन बहुता कीश्वित्रात मृत्य क्षय क्षयह ভালের করে রাম্বর্যাচত পদক বিশিষ্ট ১,০০০ দালী প্রদান মতকোন। বাদবদপের প্রথম, জীতপ্রাম, এই সকল सेनहार नामनी ग्रहन करानन अबर कार्यनद कीव

শুভাগেলউপল উচ্চ বিলয় অভিনেজ জানালে, উচা পুর ও প্রশংসহ প্রকান কর্মেন। অভঃপর ভগবান क्षेत्रमातृष रीतः मनदीगुड (फ्टका) अट्टाम करात्मम अयः তার আর্থায়বর্গ, বানের কান্য তার প্রতি প্রেমাসভিত্তে সর্বাচারের ভাবের জিল, ভাবের সঙ্গে মিলিত বলেন। রাজসাভার বন্ধু নেভুকর্যনের কুরুপলের সংক্রে উর আচরণ विवास अञ्चल किंकु छिन्नि बार्यान क्यारामा। बाग्रनकि আমার ভাগবান কারায়ের নিজকের চিফার্মি প্রথান করে হত্তিনাপুর নগরী পূজা ববাবর এর ব্যক্তিন নিকে উল্লন্ড



একোনসপ্ততিতম অধ্যায়

নারদ মুনি দারকায় শ্রীকৃষ্ণের প্রাসাদণ্ডলি দেখলেন

महकामुहर्स्य वेष केटहराइन क्षेत्रर प्रामरश्च वक्तुक क्षमा विद्यव করেছেই অবদ করে অরলমূদি এই অবস্থায় জীভগকনক দর্শনের অভিনাদ করনেন। তিনি ভাবলেন, 'এতো মধেষ্ট নিশানের ব্যাপার হে, একক সেতে জীকুক মুনালং বোল সহয়ে ব্ৰহনীকে, প্ৰত্যেককৈ এক-একটি পৃথক লানানে, বিবাহ করখেন। তাই বেবর্বি আগ্রহতবে দারকার গমন কবলেন।"

"तन्तर्रे'कि भाषित्र कृष्यान भूग हिम धारा केनदम क সুৰকর উদ্যানগুলিতে ব্যাহকুল উড়ছিল, আর তথন হং স ও সারসের ভাতে নিয়ানিত স্রোবরওলি প্রস্কৃতিত ইন্দীনর, অরোম, কডুার, কুমুদ ও উৎপক্ত পদ্ম ঘার। স্থাকীর্ণ ছিল। স্থারকার মহামরকার বারা সমুস্থালয়াপে শোভিত এবং স্কটিক 🔹 ব্রৌল্যমারা মির্মিড বর পক ব্যক্তব্যসার ছিল্ড এইসকল রাজতাসালের অধ্যান্তরভাগের পৰিক্ষণভালি কম্ব ও স্বৰ্গমতিও ছিল। সুপ্ৰকাভাবে বিন্যন্ত পদার রাজপথ, পথ, চতুর, ও বাজারের মধ্যে পরিবহন চলচেল করছিল এবং বা সভাগত ও দেবালয়

শ্ৰীক শুক্তবেৰ খোলামী কালেন—"শুনক্তম শ্ৰীকৃষ্ণ সন্তেৱম মধ্যীতির শোভা বৃদ্ধি কর্ছেলঃ প্রবাট, ব্যাস চত্তর, রাজপথ ও সুহয়াক্রে সামনে কল দিয়ে খোওরা दिन अवर राज्यनक इस्त केंद्रात नाटाका साथा मुर्देटान নিবারিত হলিংল। স্বারকাপ্রাতে সকল প্রেকণ্যাক্ষণ খারা পূজিত একটি সুন্দর অন্তর্গুর ছিল। এই ক্ষেত্রটি, বেখানে বিশ্বকর্মা ভারে সকলা দিয়া হক্ততা প্রচলম করেছিলেন, জা প্রীছরিও জাবাসস্থা ছিল এবং ভাই শ্ৰীকৃষ্ণের লোকশ সহায় হাণীপণের প্রানারভার। লোজ্যরণে বিভূষিত হিল। নারসমূদি এইসকল বিশাল প্রাসালের ওকটিতে প্রথম করলেন।"

> "প্ৰান্যধ্যে কিন্তি ছিল কৈপুৰ্বমণি ৰচিত স্বােছিত প্রবাদ কর। দেওরাল ইপ্রদীলমণিয়র এবং মেরে ছিল দিরবার প্রথমে বীপ্রিমান। সেই প্রাস্থাকে বিশ্বকর্মা মুক্তা-মালা শ্রেণিসম্বিত চন্তাতবেও স্থাবলা করেছিলেন। সেখানে হাতীর দাঁত ও কংমুক্ত হতে সন্দ্রিত আসম ও শব্যাসমূহও ছিল। সুক্রম বসন পরিছিত, করে পাক थातिक वर्ष भागी क्लि अवर केकीय वृक्त वर्ष, जुदमन 🛊 রম্বদটিত কুমেল কুম্ভ রক্ষীনগও ছিল। অসংখ্য বস্তুর্যচিত্ত

उदीरभर पेंसि अमारमय भवन चक्कवार पृत करतः। (१ ব্যক্তন, অন্তেখ চালে উচ্চিত্রখনে নিনাগরত মহাবেল নতা করত, বারা গলাক গতে নির্গত সুগারী অথক ভূপকে দেৰে মেৰ বলৈ ভাল কলত। সেই প্ৰাসামে ভাৰত প্ৰাথপ সভেত গতি প্রীক্তকে তাম পর্যার সঙ্গে, যিনি কর্ম-পথ-খন্ত চামৰ বাবা প্ৰীকৃষকে ব্যঞ্জন কৰছিলেন, ভাকে একরে ফর্মন করলেনঃ যদিও তার পত্নীর সমান কলাব, मान, होरिक ७ जुरजून विभिन्न गृहण माजी फारश्यक छोत পত্নীর সেবার নিয়োজিও রয়েছে, ডবুও তিনি (পথ্নী) এইভাবে নিজেই প্রিকৃতের সেরা করেছিলেন। ভগবান ধ্মীত নীতিসমূহের পরম ধারক। ভাই তিনি বখন সংগতে লক্ষ্য করকেন, তিনি তথ্য তংকলং সন্ধীনেবীর শব্য থেকে উঠে তার মুক্টবৃক্ত মন্ত্রক নারমের দুই চরশে चारतंत्र करा। अनुभ निरुक्तन कारतान धारार कृष्टाकान पूछ হয়ে ঠার নিম্ন আসদে যুনিকে উপবেশন করালেন। প্রীন্তগবাদ নরেদের বৃষ্ট চরণ প্রকাশন করকেন এবং ভারণের সেই জল ভাঁর মন্তবে ধারণ করলেন। বলিও প্রিকৃষ্ণ পর্বর প্রশাসকল এবং ওঁরে ভন্তব্যাপর পতি, তব এইভাবে উত্তে আচরণ বধারণ তিল করেণ তবি মান ক্রমণ্ডের 'হীভাবাদ, বিনি ক্রাম্বনগণ্ডে অনুগ্রহ করেন।' এমনকি প্রতিগ্রানের নিঞ্চ চর্মারীত ভাগর পরত তীর্বস্থান পলা হরে ওঠে, তবু এইতাবে শ্রীকঞ্চ নরেদ মুনিকে তার দুই চরণ বৌত করার মাধ্যমে সম্মানিত করলেন। বৈদিক বিশি অনুসারে পূর্ণারাপে দের্ঘর্টর অর্চন। करत, क्रीक्स, दिनि चया खानि भवि--मातासन, नटस्ट **गवा**—नहरमंत्र भरम कथा वक्तानम अवर वीक्शवातम् পরিমিত উক্তি বিল অমৃতের মতো মধর। অবশেষে তীভগবান নারহকে ভিজ্ঞাসা করকেন, আমানের ইবর ও হাত, আহরা আপনার জনা কি করতে পারি ৮" "

শীনারক বলাদের—"ছে সর্বলন্তিসান ভগবান, আপনি যে সকল ভগতের জনজ, সকল ভানের প্রতি মিরতা প্রশনি কানে এবং দৃষ্টরনকেও দমন করেন, তা বিজ্ঞারের নার। আমল ভালভানে জনি, আপনার মধ্য ইত্যারক্তা এই ভাগতের স্থিতি, পালন ও পরম মালা সাধানের জনা আপনি অবতরপ করেন। এইভাবে আপনার মহিমারালি সর্বার গাঁও হয়। এখন কর্মি জাপনার শীচবণ দর্শন ভারেছি, বা অপনার ভাকনুক্তার মুক্তি প্রদান করে, কমনকি ব্রহ্মা ও জনানা গভীর বৃদ্ধিসম্পন্ন প্রচ্ছ বাজিপণ্ড তানের হনের মধ্যে কেবলমাত্র তার ভিন্ত করেন এবং বিনি সংসাংক্ষা কুল মধ্যে পতিত জনের উভারের জনসক্ষম ইনাপ। কুণা করে আমাত্র অনুগ্রহ করন ব্যক্ত জামি অনিরত আপনার ভিন্ত করে ব্রহণ করতে পারি। অনুগ্রহ করে আপনার জরণের লভি আমাকে প্রদান করম।"

"হে রাজন, অতংশন নারল বোণেনানালেরও অধীন্দ্র

থীক্ষের অধ্যাক্ত শতি প্রতাদ করার জন্য অন্যতি হয়ে

উন্ন অন্য এক পত্নীর প্রাদানে প্রশো করারের শা অন্যতি হয়ে

উন্ন অন্য এক পত্নীর প্রাদানে প্রশো করারের। সেধানে

তিনি জীকারানকে তার তিহতমা পত্নী ও তার মধ্য

উদ্ধানের সঙ্গে অক্যানিভারত মর্শন করারেন। প্রীকৃষ্ণ

করারেন হয়ে নারদকে আদান প্রভৃতি প্রদান করে তার

ক্রান্ধান করেন এবং ভারপর কেন তিনি জানাতের সা

এইভাবে তাকে প্রশা করারেন, আশমি কথান আমানে।

অমানের মতো অপূর্ণকাম্যান, বারা পূর্ণকাম, উন্নের জনা

কি করতে পারে। তথানি, হে প্রির প্রাদার, দায় করে

আমার জীকাকে সার্থক করানা। তিনি কেমকা নিঃশাদে

করারমন রইদেনর এবং অন্য প্রান্ধানে প্রমা করারেন।

করারমন রইদেনর এবং অন্য প্রান্ধানে প্রমা করারেন।

করারমন রইদেনর এবং অন্য প্রান্ধানে প্রমা করারেন।

্ৰাইবার শ্ৰীনারদ দর্শন করকেন যে, ছেচমর পিতার মতে নীকক উমা শিতপুত্রকে লালনে কুক সমেধেন। দেশুন থেকে তিনি খনে একটি প্রানামে প্রকেশ করে দেশবেন যে, জীকক্ষ তার প্লানের ক্ষন্য প্রস্তুত হলেন। **अक्षि शामात्म श्रीष्ठशयान बदक चारुकि मिर्वशम** করছিলেন্ড আরেকটিতে পঞ্চ মহাবন্ধ বারা আরাধন কর্মাইশেন, অন্য আরেকটিতে ব্রাক্তবর্গণকৈ ভোকন করাজিলেন এবং জন্য কোম একটিতে ব্রাহ্মণগণের উচ্ছিট্রংশ ভোজন করছিলেন। কোবাও বা শ্রীকৃষ্ণ মৌনভাবে সূর্বাভেয় উপাসনরে আচার বিধি গালন করছিলেন এবং শান্তভাবে গায়ত্রীমন্ত স্কাস করছিলেন আন অনা কোনাৰ বা ভাগৰাই ও চাল নিত্ৰে অসিচালন কিনাৰ আগজন বৃহত্তিনে। একস্থানে প্রিভগনন কর্মান কর গঞ্চ ও রথে আরোলে করচিকেন এবং ক্ষম একটি ছানে তিনি বখন ভাঙ্গ শথ্যার বিশ্রাম কর্ডিলেন, স্থাবন চারণগণ তার মহিমা কীর্তন করম্বিল। কোথাও আউভারের মতেন রাজমারীদের সঙ্গে তিনি মন্ত্রণা কর্মন্ত্রিকে এবং কর্মা

हालांत वह वातावना अवर धनामा गुरुठी विवेद्छ हाह ক্রমের মধ্যে আনন্দ উপডোগ করছিলেন। ক্রেয়েও ক্ৰিক্ল ৰেষ্ট ক্ৰাক্ষণকৈৰ সুন্দৰভাবে বিভূষিতা গাড়ী প্ৰদান ক্লাভিয়ের এবং কোখাও বা তিনি মহাকাভিয়ে ইভিনাস श्रद्धशामिक प्रमाणनक देवी। अवन कविद्दश्य। ভোষাও জ্যোনও একজন পত্নীর সঙ্গে জীক্ষাকে ক্রাক্তরপূর্ণ বাকা বিনিময়ের মাধামে উপভোগ করতে দেশ লোগ। কোথাও বা হিনি উরে লাডীর সঙ্গে বহীর আচাৰ জনুষ্ঠানে ক্লব্ড কেবটেত পেলেন। বোগাও ক্রিকারক পাওয়া পেল অর্থনৈতিক উষ্ণানের বালারে নিয়েভিত এক কেখাও বা শান্তীয় বিধিনিয়ম অনুসাৰে আৰু প্রিবারিক জীবন উপজেপ করতে দেবা গেল। করব।" ভোগাও তিনি একাকী উপক্ষেদ্য করে জভা-প্রকৃতির অতীত প্রমেশর ভগবানের ধ্যার কবছিলেন এবং কোষাও বা তিনি টার আোইগণকে ভারা বস্তু নিবেনন ও সম্ভন্ন পূলা হারা ওজনা করছিলেন। একস্থানে গ্রন্থ করেককন উপনেটার সঙ্গে পরামর্শক্তমে তিনি বডের পরিকরনে করছিলেন একং অন্যন্ত তিনি দান্তি স্থাপন কৰ্মছেল। কোপাও বা শ্ৰীকেশ্য ও প্ৰীবসবাহ একলে সাধ্যপের কল্যার চিক্স করছিলেন। সার্থ জীক্ষকে देशपुक्त का क बहार महा कथार्थ मधार केर कर क क्नारमत निवाद जनारन निर्द्धाविष्ठ (मचरूठ रभाजन अक সেই বিবাহ অনুষ্ঠানতালি বিশেষ জীকভামকের সঙ্গে সম্পন্ন হয়েছিল। মারদ লক্ষ্য করলেন কিভাবে সকল বোগেরবর্গনের ইবন শ্রীকৃষ্ণ তার কন্যা ও জানাতাকের পাঠানে এক কহামহোৎদকো সমরে আবল ভালের পূহে আল্যায়ৰ জানানের বাবস্থা করেছিলেন। এইসকল উপেৰামি সেৰে পুৰুৱালীয়া বিশ্বিত হয়েছিল। কোথাও তিনি বিশ্বসভাবে বজানির মাধ্যমে দেখভাবের প্রা ক্যান্ট্রিলন এক অধ্যাত্র তিনি কুপ, ছম উদ্যান, ও মঠানি নিৰ্মাণ করে আনকল্যাণমূলক কাজে তান ধৰ্মীয় কৰ্তনা পূর্ণ কর্মছিলেন। অন্য একটি স্থানে তিনি মুগরারত ছিলেন। তাঁরা দিল্লী করে আরোহণ করে এবং ক্রেষ্ঠ বদু বীরবর্গ পরিবেটিত হলে তিনি বালে নিবেদনের উদেশের গভরণ জ্যাছিলোন। জোখাও বেবলেন জীকৃষ্ণ মন্ত্রীপর্য ও পুরুষাদীরা কি ভাবছেন, ডা ছাবল্লসম করার

ভানা ভাগের বাড়িতে ৰহুবেশে প্রথণ কর্ছিলেন।
এইভাবে প্রীভগরানের এই থোপদারার অভিব্যক্তি দর্শন
করে নারৰ মৃদু হালকেন এক ভারশার সানুহী আচরণে
লীলারও ওগারার শ্রীহারীকেনকে বললেন—হে
পরমান্তরে, হে বোরগন্তর, একন আমরা মহাবোনীদেবও
দুর্ভার আপনার প্রায়শক্তিকে হনদক্ষম করাই।
কেনল্যার আপনার প্রীচরশ্যুগলের স্বেবার বারা আমি
আপনার পতিরাজি উপশক্তি করতে নমর্ঘ হরেছি। হে
দেব, আমাকে প্রস্থানের অনুমতি প্রশন্ত কমন। জন্ম
প্রিক্রারী আপনার লীলাসমূহ উত্তেশ্বরে বান করতে
করতে আমি আপনার বলে আগ্রত ভুক্রমণ্ডল পরিপ্রবল
করব।"

গর্মেশ্র তগবান ফালেন—"হে ব্রাহ্মণ, আর্মিই থর্মো থড়া, কর্তা ও অনুযোদনকারী। আগতে ধর্ম-নীতি শিকা প্রদানের অন্য আর্মি তা আচরণ করি, হে পুন, তাই বিকার হয়ো না।"

শ্রীল ওকদের গোখায়ী কালেন—"এইভাবে প্রতিটি প্রাসামে নারণ শ্রীভগবানকে তার একই স্করণে গৃহস্তদের পৰিষ্ণালী ধ্যীয় পারমার্থিক আচরপরিধি পালন করতে লকা করেন। জনস্তুপন্তি ভূগবান জীকৃত্থের মন্ত্র-বোগমায়ার প্রকাশ ব্যৱস্থার শর্লন করে মুলি বিশ্বিত ও কৌতহলী হয়েছিলেন। বর্ম, অর্থ, কাম সম্পর্কিত উপহাৰ সামগ্ৰী আন্তরিকভাবে ন্যুবদক্তে প্ৰদান করে ব্রীকৃত সম্যকরণেই ওাকে সম্মানিত করলের। *এই*ভাবে পরিত্ত হলে মুনিধর শ্রীভগবানকে নিরখন স্থান করতে করতে প্রস্থান করলেন। এইভাবে ভগবান নরোধণ जायात्रम मानुरवंद्र गथ जन्कतन् करत् अकल कीर्रवंद्र কল্যাপের জন্য তার দিবা শক্তি ফেল্ডা করেছিলেন ৷ হে রাজন, এইডাবে বারা ভাগের সধাক্ষতা, সৌহার্নময় গৃষ্টিশতে ও হাস্য বাদ্রা শ্রীক্তগরনের সেবা করেছিলেন, তার সেই বেড়েশ সহয় মেও পারীর সমে, তিনি জানক উল্ভেম করেছিলেন। ভগরান শ্রীহরি বিশ্বের সৃষ্টি, ব্রিভি ও সরের পরম কারেন। হে রাজন, বিনি ভার স্বাস্থানিত चनुकरवीत धानमा चाउतव कीर्डन करतन सरव करतन ধা কেকামত অনুযোগৰ করেন, তিনি নিভিত্তত্ত্বপ লোক্তানারক ভগবানের ক্লন্য ভতি লাভ করেন।"

সপ্রতিতম অধ্যায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের দৈনন্দিন কার্যকলাপ

শ্রীল কেম্বের গোস্থামী কালেন, "উমাকাল নিকটে উপস্থিত হলে ত্রীমাধবের মহিনীকণ প্রত্যেকে ভালের শতির কটনায় হয়ে কল্বরবরত মোরগাদের অভিশাপ দিতে কাগৰেন। ব্ৰহণীগণ থে একা পতিবিবহ জেগ করকে, তা ভেবে উপ্লা কতা হলেব। পারিকাত উসান থেকে জাগত সুবাসের প্রভাবে কমরের ওঞ্জনে পাথিকা মিলা থেকে জেগে উঠেছিল এবং ভারা বৰ্ণন সভা কবিনের স্থানা জনবানের মহিমা কীর্তনের মতো উল্লে: ষরো পাল করতে ওফ করণ, গুৰুই ফারা প্রীকৃষ্ণকে স্থানিয়ে দিল। বেহেত এখন তিনি তথ্য আলিক থেকে। निक्ष एरका, छदि छै।त शिक्षण्टमा पूरे नासा प्रदेश শারিত রাশী কৈলভী এই পরম পরিত্র সময়তিকে পছন কর্ছেলেন নাঃ শ্রীমাধব ব্রাক্ত-মুহূর্তে গ্রহ্রোক্তন করে चम न्नर्न करटक। चरान्य छिन, बंध चनन उट्टर पात जनम नग्र हिड-नुडीस्ट रहा तक विनि ऐस औ ইক্টেরে সৃষ্টি ও বিনাশের করেণখরণ নিঞ্চ পশ্চিনারিত হারা তার কাপন স্ক্রিসমন্দর্গে প্রকাশ করেন, সেই খনেত, খৰাৰ, ঋথও খুপ্ৰকাশ নিঞ্জ কুন্তংগ বিমল চিত্তে ধ্যানমধ্য হতেন। সেই সংগ্ৰহণ লিজেমলি অভ্যাপর শুদ্ধ মলে সন করলেন। শহুং উর্বাণ্ড নির বছ দুখিত পরিধান করলের এবং প্রাভ্যকাশীন পূজা থেকে ভক্ত করে স্থাপ্তিক পর্যায়ক্তবে নাম্র-নির্নিষ্ট ধর্মীর আচরেসমূহ সম্পাদন কর্মেন। পবিত্র অধিতে আছতি প্রদান করার। পর প্রীকৃষ্ণ মৌনভাবে গার্বরী মন্ত্র রূপ করলেন। প্রতিনিন শ্রীশুনারান উলিও সূর্বের পুরার করতেন এবং শ্রের অংশতৃত দেবতা, কৰি ও লিডু পুরুষদাণের ভর্মব করতেন। বিবেকী প্রীন্তগরাম ভারণর বস্তুসহকারে তার হিত্যবিত ব্ৰাক্ষণপথতে তিনি কৰিছ-পুল ও মুক্তা-কঠন্তার এই গমন্ত বাঠানেও সুকরে সন্ধিত থাকত এবং ভাষেত্র

अनुसी कादा दिन अच्छ अमुखा धारा मरूरमा। श्रीकृतस्य প্রতিদিন ১৩,০৮৯টি গাভীর বহু দলকে ক্ষেত্র বস্তু, হস-তৰ্ম ও তিল সই পতিত প্ৰাক্ষণগৰে প্ৰদান কয়তেন গাড়ী, প্রাথণ ও দেবতানের প্রতি, জেষ্ট্রবর্গ ও শুরুগরের প্ৰতি এক কৰা পৰ্যমেশ্বরত্বৰ অংশপ্রকাশ—সেই সকল শ্বীৰণক্তে শ্ৰীকৃষ্ণ নমস্বায় নিৰেদন কয়তেন। ভারপর তিনি মাহলিক চক কৰা করতেন। মনুবা সমক্ষেত্র विक्रमनकाल, चीत निकार विरूप करन, जनवात, विवा পুশ্পমাল্য ও অনুগোপন বারা তিনি তার দেহটি গোভিত করতেন। ভারণত তিনি বি, ভররনা, গাওঁী, বৃষ, প্রায়াধ ও দেবতা মর্থন করতেন এবং প্রামানে ও সারা নগরে বাসকারী নবাজের সকল শ্রেণীর সদস্যধন হাতে উপহার বারা সপ্তার্ট হর, ভারা প্রতি মজর রাখতেন। করলেবে: भवरत्वत काकश्यम नृक्ष्म कदाव क्रमा ठिमि छीत प्रशिरमञ् অভিনাদিত করতেন। প্রথমে গ্রাহণাদের পুশ্বমালা, পান ও চন্দদ বিভাগ করার পর তিনি এই সকল উপহার খান বাছৰ, মন্ত্ৰী ও পদ্দীলেরও প্রদান করতেন এবং অবশ্যে তিনি বাং এই সমস্ত কিছু প্ৰহণ কমণ্ডন। সেই সময় স্থাৰ কৰু তাৰ জন্মৰা কৰা যুক্ত জীভগৰানেৰ প্ৰয় বিচিত্র প্রবাটি তার সার্যাধি নিয়ে আসত। তার সার্যাধ ভাবে প্রধান নিবেদন করে ভার নামনে গাঁড়িয়ে। খাকভ। ক্রিক ফ্রেমন পূর্বের পর্বন্তে সূর্ব উদিও হয়, তেমনিভাবে ান স্বাধ্য হত ধরণ করে ভগতন শ্রীক্ষ সভাকি ও উদ্ধবের সঙ্গে ছথে আরোহণ করভেন। প্রাসাদের রফ্রীগণ জীকুজের হাতি সলক্ষ প্রেমনত্রী দৃষ্টিগাড়ের স্বার নির্বাচন করতের আর তাই তিনি জনেয় কাছ খোক অতি করে মৃক্ত হতেন। অভ্যান্তা তিনি তার হাস্যমত ক্ষ্যেট কর্মের ও প্রাক্ষণগণের পূজা করতেন। সুবছে মুখ্যতক ছাত্রা ভাষের ফ্রন্টে মুগ্ত করে চলে থেছেন।"

িছে রাজ্ম, জীভগবান সকল বুবিলাণ পরিকৃত হ**ে** মৃত একদল শান্ত ও পৃহপালিত কাজী প্রধান করতেন। সুবর্মা নামে যে সভাপুছে প্রবেশ করতেন, সেখানে প্রবেশকারী সকলেই ঋও জীবনের হুগ্নটি তর্ম থেকে খুরের অহাত্যে রৌণ্ট করে। আবছ প্রকত। শুরু দুঙ্ক। রক্ষা পেত। সেকানে সেই সভাগৃহে সর্বশন্তিমান

শ্রাপ্তারবার তার প্রেট সিংহানতে উপরেশন করকে, তিনি । অধির্ভত হন এক এই স্বাধ্যতে করেও দীর্ঘ জীয়ানের জন্ম রক্তর মধ্যে চাল্লের মতে। উত্তাসিত হতেছিলেন। আর সেখানে, তে রাক্তন, বিশ্বকেরা লান পরিহাসকর ভার প্রদর্শন করে ঐকিপবানের মনোরন্ধন করতেন, সক্ষ চিত্রবিনোদনকারীয়া তারে জন্য অনুষ্ঠান কর্তমে এবং মর্ভকীরা উৎসাহের মঞ্চে নতা করছেন। এই সকল শিরীগাণ মুদল, বীগা, মুরজ, কেনু, করতাল ও শহরোনির সভা মাতা-গীত করতের কবং পেলাগায় কবি, ইতিহাস ভথক ও ছতি-পাঠকগণ জীওগবানের মহিলা কীর্তন কালে। কেল কেল প্রাক্তা সেই সভাগ্রে উপস্থিত হয়ে আনৰ্বলভাবে বৈদিক মহাবদী উচ্চাৰৰ কম্বাড়ন এবং অন্যানরো অতীতের পূশ্যবাদ রাজানের কল্প স্থিপের काना कदरहरू।"

"(इ ग्रांकन, धकरात राजन श्रांक चार्नर्रमान नामक সভার উপস্থিত হতেছিল। ছাতু রক্ষক ভার কথা প্রীক্তগরানকে আগদ করার পর তাকে মিরে ভিতরে প্রতেশ করেছিল। নেই পুরুষ পরত্রেশ্বর ভরবান কৃষ্ণত্রক নম্মান করল এবং কিভাবে আসংক্ রাজানের জবাসক चनी करत कानाई काला कड़े हकान करहिरात्य. কৃত।#মিপুটে জীতগবানকে আ কানা ক্ষমণ। কৃতি সহস রাজা যাল্য জন্মগোরে বিশ বিজ্ঞানে সমর ভার প্রতি পূর্ণ অনুগতা বীলার করতে প্রত্যাহান করেছিল, ভারা পিরিপ্রক্ষ সামক দূর্বে জন্মসন্ধ দারা বলপূর্বক বনী হবে খ্যাকে।"

रविंड रहाहित]—"(६ कृष्ण, कृष्ण, दर चलागत-व्यापा, হে মাৰণাগতক্ষনের ভয় বিনাশৃক। আমাদের ভিন্ন মনোভার সভেও আমরা সংসংধ্যে ভারণত আপনার শরণাগত হরেছি। এই ফগডের মানুকের সর্বাধ পালকর্মে কড এবং এইভাবে ভারা আপুনার নির্দেশ অনুশারে আলমার অর্টনা করার ভাগের প্রকৃত কর্টনা সহছে বিহার। প্রকৃতনকো, এই অভরণের মাধ্যমেই অবেদ সৌভাগ্য পাশু হবে। আছবা সেই সর্বশক্তিবান ভগবানকে আমাদের প্রণাম নিবেদন করি বিনি কলেরেলে

প্রস্তা অন্তর্ননা দীপ্রিয়ত দিওমণ্ডলে আলে বিকীর্থ করে। দুর্ঘার আলাকে সহস্যা টোনম করেন। আপনি ভাগতের স্থাপালান কৰে বিভাগ কৰ্মাৰ্থকে। মান্ত্ৰের মধ্যে বিচ্ অধীপার এবং সাধান্ত্রক ব্যক্ত ও বৃত্তনিবার সমস করার প্রের মতে। বনুপশ পরিস্থাত হলে সেই কলুলেও আসংস্কা করা আপনার নিয়ার শক্তিসহ আপনি এই উপতে অবতীর্ণ হরেছে। হে ভগবন, আমর। বৃথতে পার্রাই মা কিভাবে কৰে কেট আপনার বিধান কালে করেও অধিয়ত ভার কর্মকুলের আনন ভোগ কর্মতে গারে। তে ভাষাৰ, সৰ্বাদ আছে পূৰ্ব, মৃত্যুবং এই দেহ নিয়ে আমরা चथार, विवस्ताया काळ्ल्ट्स्ट द्यावा स्टम कति। এটভাবে আমরা আদার প্রথড সুধ পরিত্যাগ করেছি, বা কালনার প্রতি নিয়াম সেবার বাবা লাভ করা যায়। অভান্ত দীনহীন হওচার কলে, অমেরা এই জীবনে আপনার প্রায়া পাঁচের অধীনে কেবলই ক্লেপ তোপ করাই। স্তর্গে বেহেড় আপনার পদযুগদা পরশাগতের শ্যেক দুয়া করে, ভাই সদাধ রাজ-রাপ কর্মের শৃথ্যদের কৰিত মতে আমানের হুকু করুন। দশ সহত মত হতীব বিক্রম এককৌ ধরেণ করে, ঠিক বেভাবে কোনও সিংহ মেবদের আবদ্ধ করে, সেভাবে সে আয়োগের ভার বৃহে ক্ষী করে জেলেছে। হে চক্রধারী: আপনার শক্তি অসীম, খার তাই সপ্তাস্পবার আগমি বৃত্তে জরাসমূকে পৰাজিত কৰেছিলেন। কিন্তু তখন, মনুব্যক্তনোচিত কাৰ্ছে সম্প্ৰায়ৰে অভিনিবিট হয়ে আপনি ভাৰে একবার আপন্তকে প্রাক্তিত করতে সুযোগ প্রথম করেছিলেন। এখন তাই সে এতটাই অহকারে পূর্ণ থে, আপনার প্রকারণে সে আমানের উৎপীড়ন করার সাহস করছে। হে খাৰিত, কৃপা করে এই অবহুদা প্রতিকার করান।" ণুড থারও কাল—"এই সকল জরাসভার কাছে

दाखातो करराम (फीएनर मुख्य माथाम राजन राजी जानाएमा और एक कार्यन कार्यना स्वरम्भारकार শরণামত যুৱে, সকলেই আননার মর্লনাভিসাধী। এই সকল দীনজনকে কুলা করে সৌচাগ্য প্রথমে করুন।"

গ্ৰিল ওকৰেৰ গোকালী কালেল—"বাজানের কুড ক্ষম এইজনে কর্মজন, তথ্য দেবতালের অধিকর সীমারত সহস্য আবির্ভুত হলেন। সাধার পিরস আটার্টধারী পরার জ্যোতির্ময় সেই কবি উচ্চল সূর্যের হতো প্রবেশ কবলেন। কথবান জীকৃষ্ণ ক্রমা ও শিক্ষে হয়ের স্বাধ্ পালকদেৰত কাছে জালীয় ঈশ্বৰ, ভবুও নামুখ মুনিকে উপস্থিত হতে লক্ষ্য করা হয়ে তিনি তীয় হল্লী ৬

সচিবদের নিয়ে মহান পবিকে জভাপনাত করা জানগিতে হামে দতার্থন হলেন এবং খাত মন্ত্রক ক্ষতনত করে খাত अक्षा मिरक्षम अन्द्रराजन । भारत पुनि छै।एक निट्रपिछ আহন গ্ৰহণ করন্য পর ফ্রীকৃষ্ণ পান্তীর বিধান করুসারে मुनित्क नगरानित कारणन क्षेत्रर क्षेत्रा नदकारत छीरक সন্তুষ্ট করে সভানিষ্ট ও মধুর বাকা কলনে—স্বেজার মাণংশরিক্তমণকারী খ্যাপনার মতো একল মধ্যন কভিত্তের গ্রভাবে ভিত্তম আৰু অবস্থাই সকল ভর হতে মুক্ত ইল। শ্রীভগবানের সৃষ্টি বিহুরে কিছুই আপন্যর করে অঞ্চান্ত नतः। जुरुतार व्यमास्त्रं कृषा कर्त् कृषा—शास्त्रत्त्व कि कर्वान्ड आर्थ।"

জীনবেদ খলালেং—"আৰি কংবাৰ আগনৰে মাহাত মূর্লাক্স লক্ষি ক্ষান্স করেছি, যে সর্বলন্তিমনে, বার হাবা আপনি বিশ্বস্থা প্রসাকেও মোহিত করেবঃ হে সর্বব্যাপক ভগবান, ভাই আমার কাছে আকর্ব নয় খে. ধুম হারা অতি বেমন নিজেও আলো আক্তর রাখে, তেম্মি সর্বভূতে বিচরপশীল আগনিও আগনায় নিজ শক্তিরাশি দিয়ে নিক্ষেকে স্থোপন করে ব্রাক্তের। আপনার উদ্দেশ্য কে दशायकार्थ क्षारक्य करास शहद श আপনায় ঋড়া শক্তি বাবা আপনি এই সৃষ্টিতে বিস্তান মবেন এবং প্রভারতেও করেন, বা এইভাবে প্রকণ্ড বিদ্যমান হয়ে থাকে। বাচ চিত্ৰর অবস্থান অচিত্রীয়, সেই আগনাকে প্রবাহ নিকোন করি। ঋত্ব-মৃত্যু চঞে ধর্ড জীব জানে মা কিছাবে যে জড়ান্ড ফ্রেশনারক এই কড় সেহ কেকে উত্থার খেতে পারে। কিছু আপনি শ্রীভয়ন্তন, আপনার বিভিন্ন নিজন কলে এই ক্ষরতে चनरतन करत चानरात सीमा जन्मामन करात सन्धरम আপনার মনোরাণ প্রকলিত প্রনীণ দিয়ে আন্তার প্রম আলোকিত করেন। তাই, আমি আগনার শরণাগত হলাম। তথানি, হে পরম হকে, আপনার পিনিয়ার পুত্র, আপনার ভক্ত বুধিন্তির মহারক্তে মানবরতেও জীলারত

আপনাকে কি কান্তে চান, আমি আপনাকে ডা কান্ত্ৰাশ

"এক্সৰে সাজক্ষেক অভিনামী গাজা বৃধিন্তিত রাজসর মহাবঞ্জ স্বায়া আপনার পূজা করতে চান। মহা করে জার উদায়কে জানীর্বদ করন। হে ভগ্নান আপ্নাথে দর্শনের জন্য কতার আগ্রহী সকল বেট দেবতা ও বশ্পী রাজারা দেই মহাবজ্ঞে জাগমন করকে। হে ভগবান, গরম ব্রক্ষ করাগ লাপনার চ্যান এবং আপনার মহিমারাজি কীওঁন ও প্রবংগর মাধ্যমে অব্যক্ষ জাতিয়াও পৰিত্ৰ হয়। তাহলে কলা ক্ষাপন্যক্ৰে मर्पन करत क न्यार्च करत, धारमत कथा थात कि क्यार আছে। হে কুমবান, জাপনি সকল সোঁডাগ্যের প্রতীক। আপনার দিব্য নাম ও কা, মর্গ, মর্ত্য এবং পাডালমঙ সময় ব্রক্ষাণ্ডের উপর প্রকটি চল্লাতপের বড়ের বিশ্বত রবেছে। অগ্রাকৃত যে জল আগনার চরত-কুগুল বৌদ্ধ করে, ডা বর্গে মধ্যকিনী নদী, পাতাকে ভোগবতী এক এই মর্ভ্যে পঙ্গা নাবে পরিচিত। এই পবির দিবা জল সমগ্র প্রকাশ্ত ব্যাপী প্রবাহিত হরে সেই সমস্ত স্থানকে পবিত্র করছে।"

শ্ৰীল ওকদেৰ গোলামী বললেন—"কৰন ভগৰান ত্রীকেববের সমর্থক বাদকের জরাসক্তকে পরাজিত করাত আগ্রহকাত এই প্রস্তাবের বিরোধিতা করলেন, করু তিনি ঠার অনুগত উদ্ধবের দিকে ভাকালের একং সহালো সুমধ্য বচৰে ভাৰে বলকেন—বেহেভু ভূমি বিভিন্ন ব্যালের পরামর্শের আপেন্দিক মৃদ্যু কথার্করণে জ্ঞাত, ভট্টি প্ৰকৃতপক্ষে কৃমি আহাদের শ্ৰেষ্ঠ চন্দ্ৰ স্বরূপ ও খনিষ্ট यह। छदि वस्थर कत कामास्त का—और वरशाव আমাদের কি করা উঠিত। আমর তেমেরে বিচারকে শ্রক্ত করি এবং তুমি যা কগৰে, তাই আমরা করও।"

"সর্বন্ধ হয়েও, ধেন মুখ একন কাৰ ক্ষকাখন করে তান বভাৰ বাবা এইভাবে অনুক্ৰম হয়ে উচ্চৰ এই নিৰ্চোপ উন্ধ শিরোধার্য করে উত্তর প্রদান করলেন।"



একোসপ্রতিতম অধ্যার

শ্রীভগবানের ইক্সপ্রস্থে গমন

দীল ভক্ষেৰ পোসামী বললেন—"এইভাবে দেবৰি ন্তব্যের বস্তুন্ম প্রথণ করে এবং সভা ও ভগবান প্রীকৃষ্ণ উভতের মভামত হাদরক্ষম করে মহামতি উপ্তব ক্রালেন-হে প্রকৃ, যুনিবর বেমন উপদেশ প্রদান ¥বেছেন, সেইমধ্যে আপনার আদ্বীরকে ভার রাজস্ जात जनभागरमा भविकामा भूताभत कम जाभनंद माध्य করা উচিও এবং যে সথ রাজারা অংগনার অংগর প্রার্থী আক্ষার উদ্দেশ্রর রখন খন্যা উচিত। হে সর্বশক্তিয়ান, তিনিই কেবলনাত্র রাজস্ব যথা সম্পাদন করতে পারেন हित्रि विचशक्त गरम विशक्त कर करहरून। এটভাবে প্রাসম্ভব্দে জয় করলে, আমার মতে, উভয় উন্দেশ্যই সাধিত হবে। এই দিয়াক্তের ফলে আমানের হল লাভ হবে একং আপনি রাঞ্চাদের রক্ষা করবেন, এইভাষে, হৈ গোবিস, আগদার র্যাহ্মা কীর্তিত হবে। অপরাজের রাজা জন্তাসক দল হাজার হাতির সমান শক্তিশালী। গুড়তপক্ষে অন্যান্য শক্তিশালী বোষারঃ প্ৰকে প্রাজিত করতে পারে মা। কেবলমার তীব তার প্রভিন্ন সমানঃ যথন সে তার অঞ্চেটিশী সেন্দ্রে সঙ্গে থাকৰে, ভখন ভাৱে পত্ৰাজিত করা যাবে মা, সে একক রখের ক্রীভার পরাব্দিত হবে। এখন প্ররাপন্ধ ব্রাক্ষণ্য দল্ভেডির প্রতি এতটাই অনুরক্ত বে, সে কখনও ক্রন্দান্দের ভার্থনা প্রভ্যাখ্যান করবে না। এক গ্রাক্ষণের ভারেশে তীয় ভার কাছে যাকো এবং ডিব্ল প্রার্থনা ক্ষরেন। এইভাবে তিনি জন্মদের সঙ্গে একক বুছের সুবোগ পাৰেন এবং আপনার উপস্থিতিতে ভীয় নিঃ সংখ্যত ভাকে বধ করবেন ("

"বাৰ্য এবং শিবও জগৎ সৃষ্টি ও সংহারে আপনাত্র মা কৰে কাজ করেব হাত্র, হে জনবান, প্রেরণনত ভা কাপনার কলেবলে ভারাপতা হারা সাধিত হয়। কিস্তাবে আপনি কৰী ব্যক্তাদের দেৱী সুলক্ত পত্নীদের সমস্ত পতিদের প্রাকে বধ করে ছালের উদ্ধার করকো, আপনার সেই মহৎ কর্ম বিষয়ে আদের যতে যতে থান করবে। গোণীরাও আপনার মহিমা কীর্তন করবে---কিয়াহে আপনি গলেন্তর শত্রুকে, জনক কন্যা সীত্যর শুক্রকে, এবং আপনার নিজ মতা-লিতার শুক্রকেও নিধন করেছিলেরঃ তেমনিভাবে আপনার অন্সেরলর ভবিরাও আপনার মহিমা কীর্ডন করতে, ধেমদ আমরা করছি। হে ক্তা, ক্লাসকো নিধন, বা নিক্তিভাগে ভার অভীত লালতার্মত কল, জা লভীর মলল সাধন করবো धक्रमारक, चानमात देवह, अहे तथानुकेन्सक अजन करा ওলবে।"

প্রীল ভক্তনর পোলামী কালেন--"হে রাকন, দেবর্বি नाइम, दृष्ट वानदश्य अवर शिक्ता मकरमारे छेकरचढ সামপ্রিক্তাবে জেন্ডন্ড ও বৃতিবৃক্ত প্রস্তাবটিকে স্বাগত প্রদালের। সর্বশক্তিখান ভগবলে মেবকী-নন্দর্শ বার্ত্তার প্রনা উরে জন্মনদের কাছে অনুমতি প্রার্থনা করলেন। ভারণরে তিনি দক্ষেত্র ও জৈয়ে প্রমূব ভারে ভূতাদের রহানো কর প্রস্তুত হতে নির্দেশ দিলেন। ছে শত বিনালন, জীকৃষ্ণ প্রথমে তার স্ত্রী পুরদের এবং পোলাক পরিজনের যাত্রার আহোজন করে এবং সকর্বণ ও রাজা উপ্রস্তের করে থেকে বিশায় গ্রহণ করে, উপ্লে সার্রবির মিত্রে আসা ব্রাহ্ম আরোহন করকেন। বেখানে গঞ্চাডের প্রতীক চিক্তিত পতাকা উডছিল। আকাশের সমস্ত দিক মূলা, ভেরী, মৃশুভি, শহা ও গোমুগের ধ্বনিতে প্রতিধ্বনিত হরে উঠনে জীকৃষ্ণ উর বাঞ্চল নির্গত হলেন। উল্লে সৈনাবাহিনীর রখ, হস্তী, পদাতিক ও অন্যরোধী নৈনাচন্দ্র তিনি সাকে নিয়েছিকেন এবং জ্ঞান্ত মূর্বর্ব বালী স্থারা চড়মিকে পরিবেটির হুড়েছিলেন। ভগৰন অচাতেই বিশ্বর মহিবীয়া তাঁকে সন্তানপের নিয়ে পক্তিমান বাহক বাহিত খৰ্গ নিবিকার শ্রীভগবানের অনুনামন করলেন। রাশীরা কুমর বহারি, অলভার, সুনারী তেল ও কুলের আলার সুসন্দ্রিতা ছার্যছিলের এবং জল-তরোলালধারী কৈনগণ তালের পরিবেউন করেছিল। সকল বিষয়ে সুময়ভাবে সন্ধিতা রমধীয়া—রাজকীয় গৃহস্থানীয় পরিচারিকা এবং বারবনিভারাও সলে বাভিংশ। জারা গলেকি, উট, পো, মহিৰ, গর্গড, গাধাণোড়া, শক্ট ও হাভিতে আরোহণ করেছিগেন। ভাষের বানওকি, সম্পূর্ণকর্ণে জীনু, কথাল, বায় ও বারার জন্য কনামা। সংস্থানে বোকাই কিল।"

"প্ৰীক্ষাবালের শৈলাবাহিনী রাজ-ছত্র, চামর ও প্রচর উজীৱমন প্তাকানহ পঢ়াকা বতে সক্ষিত হল रेम्मारस्य कृरशतः क्षत्र महा, फलकार, निरुद्धमं । सर्वे উন্দানত্তে সূৰ্ব কিন্তু প্ৰতিকলিত ছবিল। এইভাবে ভয়ন ফোলহেলের দাবে শ্রীক্ষের সৈন্যবাহিনীকে ক্স ভাল ও তিমিলিল মংসামার এক সময়েও মাজে মনে হছিল। বৰুপতি শ্ৰীক্ষা স্বারা সম্বানিত সমস শ্বনি প্রীক্রমানকে প্রদায় নিবেদর কালেন। ক্রমান শ্রীকরেন সন্দর্শনে নার্থের সকল ইপ্রির ভগ্ন হয়েছিল। এইভাবে, ইতিগবালের সিভার্ড প্রবণ করে এক ঠাই ছারা পজিত হয়ে নারণ ব্যাতাবে তাঁকে কাল্যে স্থাপন করে আকাশ মার্লে প্রস্তান করলেন। রাজানের পাঠানের পৃত্রকে মধুর বচরে সভোধন করে মীতগবাস মগলেন—'রে হত, ভোপার ইমল হাউক। জামি মগধরাক্সকে মিংনের আয়োজন করব। তর করে। না।' এইভাবে সংস্থাবিত। হবে ৭% প্রখনে ক্ষরণ এবং ক্রিডগরানের বার্ড। মধ্যকভাবে রাজাদের কাছে কান্য করল। স্থানিক প্রন্ত আগ্রহী হরে ভারা তথন ভগবনে জীককের দলে ভাগের সম্প্রের জালার প্রতীকা করতে থাকা। জানার্ড, (मीतीत, मक्रामण क विनयम पारकात मक्ष विस्त सम्ब করতে করতে কুলবান বাঁহেরি মনী, পর্বত, সমর, প্রায়, মার ও বনিওলি পেরিয়ে গেলের। গুলবাড়ী ও সরবাড়ী। মদী দৃটি পার হওয়ার পায়, তিনি গঞ্জাল ও সংসাদেশ অভিক্রম করে অবশেষে ইন্তরন্তে আগমন করলেন।"

"বনুবা সমাক্ষের দুর্গত-নর্থন ঐন্ডিগবান এখন উপস্থিত করেকে ওনে বাজা বুধিনির আনন্দিত হলেন। ভগবান ঐক্তার সলে মিনিত হওয়ার জনা তার পুরোহিত ও প্রিয় পার্যদর্শন নিয়ে হাজা নির্গত হলেন। ইলিয়াওলি বেমন প্রান্তে সলে নিপানের জন আকুল হর, তেননই উজিঃসারে বৈনিক মন্ত্রখনির সঙ্গে শীত ও বাধ্যসমূহ সহকারে জনার তেতিহুক্ত চিত্তে ভগবান হ্যবিকেশের সঙ্গে বজা ক্ষিত্রভ হবার জনা গ্রমন

করলেন। স্বৰণ তিনি ভার প্রিয়ত্য বন্ধু শ্রীকৃত্যকে ইপ্র বিচেচের পর ফর্নন করলেন, ডব্ন রাজ্য বৃথিছিরের ক্রমে মেছে বিগলিত হয়েছিল এবং তিনি এটাওগবানকে বাবে বারে আলিকন করতে সাগদেন। জীওগবানের নিজা কল लबी(मरीत निज व्यागतः य भूरार्क तावा र्याधिक তাকে আলিক্স কললেন, তদনই তিনি সংসংজ্ঞ সকল করের থেকে মুক্ত হারদ। তিনি তৎক্ষণাৎ চিপ্তার ভারত খন্তৰ করে সুৰ সাধনে নিম্প্রিত হলেন। বিহলতার মঞ্জলৰ নয়ন উল্লাপৰ কম্পিত ইজিল। তিনি যে এই আৰু ৰাস্যতে ৰাগ করছিলেন, তা তিনি সম্পর্ণরাংশ বিক্তত হরেছিলেন। অভ্যাপর অঞ্চপর্য লোচনে আনকে হাসতে হাসতে ভীন ভার মামতে। ভাই জীকুমকে আলিয়ন করলেন। অর্থন এবং ইমজ—নকুল ও সহথেবত প্রভাত ক্রমন করে আনন্দের সলো উচ্চার প্রিয়তহ স্থাতে আলিকা করেছিলেন। অর্থন জাতে আরও একবর আলিখন স্ববার পরে নকুত ও সহতের তাকে ভাষের প্রকাম নিবেলন করবোন, প্রীকৃষ্ণত উপরিভ ভ্ৰাহ্মণ ও বয়ংকেটেবের প্রণাম নিবেদন করে মাননীত কক্ত, সঞ্জৰ ও কৈকত্ববলী সকলকে যথাত্য সন্মান নিকেনে করলেন। কৃত, হাগৰ, গন্ধর্ম, বন্দি, বিশ্বক ও ব্রাক্ষণগণ সকলে ভাষানাম্য শ্রীভাগানের মহিমা ভীর্তন कर्तालम-अन्त्र, क्या, मृत्युखि, वीशा, श्रेग्य & लाज्ञ्य প্রতিফানিত হল-কেট প্রার্থনা আর্যন্তি করেছিলেন, কেট পুতা ও গীত করেছিলেন। এইভাবে র্ডার ওভালাপরী আধীনবৰ্গে পৰিবেটিত হয়ে এক সৰ্থদিক হতে ছত হয়ে পুণায়োক শিশুমেশি ভগৰান শ্ৰীকৃঞ্চ সুশোভিত নগৰীতে প্রবেশ করকেন (*

"ইলপ্ৰছের পথওলৈ হাডিলের পুগতি সদক্ষন-বৰ্ণণ সৈক্ত হয়েছিল এবং রঙীন পতাকা, সুবর্ণ ডোনাণ ও কামপূর্ণ কলসভালি দিয়ে নগরীয়ে পোকা বৃত্তি হয়েছিল। পুরুষ ও বৃহতী রঙ্গণীয়া উত্তয় নবীন বছে, পুন্প মালো ও অলকাত্তে বিভূ বিভ হয়ে ও সুগতি চন্দন ধারী অনুমোণিত হতে সুন্দরভাবে সন্দিত্ত হয়েছিল। প্রতিটি গৃহ প্রকৃতি শীল ও প্রায় উপ্রয়নানি প্রদর্শন করছিল গ্রহ গরাক্ষ লগ মিত্তে বুলোর গছ নির্গত হয়ে নগরীকে আরও মনোরম করে ভুলেছিল। স্থানভালি ইওভ্ত গতাকা ও বৃহৎ রৌগ্য গরিসারের মধ্যে কর্ণভূত করা প্রারো হয়েছিল। এইতাবে ত্রীকৃষ্ণ কৃষ্ণ রাজার ক্রজনীর কর্মের ফর্পন কর্মেছেলন। হবন কর্মের হবটো ক্রানীয়ে কুমলেন খে, মানক সংক্রের সূথের আধার করুপ ভারন প্রকৃষা এলেছেন। তথন ঠার। সহর তাকে ক্রান্তর ক্রমা রাজপথে পেলেন। ভারে ভারের গৃহস্তারী সম্ভাৱ ঋঠবা এবং শয্যার ভাষের গতিবেরও ছেত্তে চলে এনেছিল এবং ভাদের ক্ষাপ্রহবদে ভাদের চল ও বপ্রের কালে শিথিক হয়ে গিয়েছিল। হাজি, যোডা, রখ ও «লোডিক নৈনের রাজগথে পুন ভিড ছবোছিল, মহিলারা _{কালেই} ব্যক্তির **যা**ণে উঠেছিলের এবং লেকন থেকে শুয়া প্ৰথকৰ প্ৰীক্ষা ও উন্ত পদ্মীদের দেখছিলেন। প্ৰautha প্রিক্রাবানের উপর কুল র্যন্তরে মধ্যে মধ্যে ভাকে আনিয়ান করেছিলেন ও উদার ব্যাহার্ড সরচে ভালের ভাষ্ট্রিক স্থাপত সহামণ প্রকাশ করেছিলেন। ওলবান ফুরুলার সাথে টিক চন্দ্রের সহচরী **থা**রকালের মান্তা কর পর্বাচনর প্রমন পরিমধ্যে দর্শন করে রমশীরা বিশ্বিভালাবে कारकर, 'और नहिंग्ला स्कान कर्म्स प्रश्न और शुरुकाओं ওঁয়ে নীলানা কটাক দৃষ্টিগাত ও উদার হালের আলপ फोरनक नवरने द्यांगत **अवस्त**ार र^{े क}

বিভিন্ন স্থানে নগরবাদীরা মাকলিক অর্থা ধারণ করে

ক্রীকৃষ্ণের কাছে এগিনে এগোনিগোল এবং জীকৃষ্ণ-সর্পদে

নিকাশ নিষ্টী সম্প্রনারের প্রধানকণ জীক্ষাবারের পূজা
নিকোনে প্রদিরে এসেছিলেন। বিকারিত নেত্রে প্রায়

অব্যাপুরের সামস্যাপ ভগরার মুকুলকে শ্রীতিপূর্বভাবে
অভিনন্দিত করার জন্য সমন্ত্রের এগিরে এলেন আর

এইভাবে ভগরার রাজপ্রাসাদে প্রকেশ কর্মনেন। রাণী
পূজ্য করার উল্লাপ্তর্য, রিকুমনেনার জীকৃষ্ণারে ফর্মন

ক্রাক্ষাব্রের প্রথম উল্লাপ্তরার বিক্রানেনার জীকৃষ্ণারে ফর্মন

গালছ থেকে উবিত হয়ে তার পুত্রবধূর সঙ্গে একছে, তিনি ইতিগ্রামকে আলিকন করলেন। কালা বুনিটির মন্ত্রাপৃতিয়ের পরমেশ্য ভগবান গোবিলকে তার নিজে আবাসে নিয়ে এলেছিলেন। রাজা আনক্ষে এতই আউক্ত হর্মেছলেন যে, তিনি পুভার সকল আচার মনে করতে গার্মামকেই না।"

"হে নামান, শ্রীকৃষ্ণ কার পিলি ও কার জ্যেকসংশ্র পর্বীদের প্রশাম নিরেমে করলেন এবং ভারপর টেপেনী ও প্রভাগরকের ভাগী তাবে প্রধান করলেনঃ টোপনী তার পাতকী করীদেবীর পরামর্শে ক্রমিণী, সভ্যকাষা, ভারা, কাক্ততী, কালিনী, শিবির বংশনর মিন্রবিন্দা, সতী মায়জিতী সহ উপস্থিত জনবান শ্রীকৃত্যের সকল পর্টাদের অর্চন্য কালেন। তিনি তাঁলের সকলকে বস্তু, পুস্পমাল্য ও ক্ষমালভার উলহার ক্রেন করকোন। রাজা বুধিচিব वैक्ट्रिक्ट विकासने चारवाचन क्राविस्थान अवर केल जरूर হাতা প্রসায়ন প্রধানত তার সাণীরা, ক্ষেন্তা, মন্ত্রাবর্গ ও সচিবৰৰ্গ বাড়ে সাজনে অবস্থান কয়েন, তাৰ তত্ত্বিধান কর্মেকর। লাওবদের ছাতিথিরপে বাস করার সমবে তারা ক্ষতে হাতিদিন অভ্যর্থনার নব নব বৈশিষ্ট্যের অভিযাত। লাভ করেন তিনি হার আরোজন করেছিলেন। রাজ্য ব্ধিক্তিরকে সম্ভাই করার ইন্সার উপবাদ ইপ্রভাছে কড়েকজন বাদ করলেন। সেখানে অবস্থান কলে তিনি कर्ज त्वन माहारम भारत्य वन निरंदमत्त्व भाषास्य चर्चित्रवटक मध्य बन्नातम अवर व्यवसायवटक दुका করকের, বে অভ্যাপর রাজা হবিতিরকৈ এক নিত্ত সকংগৃহ। প্রথত করে নিহেছিল। এই সুযোগে অর্জনকে পরে নিরে काराम देख ग्राप चाद्वारण करत, अन पन रहन शहर পরিবেটিক হয়ে কমণে বেরিখেছিলেন।"



দ্বিসপ্ততিতম অধ্যায়

জরাসন্ধ বধ

হীত ভক্ষেৰ গোখাৰী কলকোন—"একেদিন ব্ৰাঞ্জা ছবিভিন্ন কথন বিশিষ্ট অবিকর্ম, এক্ষাণ, ক্ষত্তির ও কৈশ্বকণ কাৰা এবং জাৰ আন্তৰ্গ, ওঞ্চেদৰ, পরিবারের বাজেগণ, ক্ষাতি, কুটুৰ ও বন্ধ কছৰে পরিবেষ্টিত হতে রাজসভাব উপবিষ্ট ছিলেন, জন্ম প্রত্যেকে শ্রকা করেছিলেন থে, তিনি শ্রীকৃতকে উন্দেশ্য করে বদলেন—হে গোলিব, আৰি বৈদিক অনুষ্ঠানসমূহের মধ্যে তেওঁ রাজসূত্র করা হারা আগনরে মললমহ ঐশর্য প্রকাশসমূহের আরাধনা করতে অভাবন করি। হে প্রকু, মরা করে আমদের উদায় সকল করন। যে পথনাত বিভন্ন পুরুব, ছারা নিরন্তর সকল অমান বিনালী আপনার পাদ্ধা বুগলের শেষ্য করেন, খানে করেন ও মহিল্য কীর্তন করেন, গুনার নিভিডরাগে সংসার থেকে মৃতি প্রাপ্ত হল। হে ভগবান, যদি ভারা এই ৰাগতের কিছু অভিযান করেন, ভারা ভা লাভ করেন। বেখানে জন্যনেরো—বারা জাপনার আময় প্রহণ করে মা--তার কথনট সভাট হত না। স্তবাং **८६ त्वरत्वर, भाभनात इत्रमक्याम मिरतमिछ एकि भूग** সেবার কবি। এই স্বাগতের জনসং দর্শন কলন। হে प्रदेशक्तियान, वशा करते कुछ ७ शृक्षदेशराई साहा আপ্রাঠে ভক্ষণা করে, ভাদের অবস্থান এবং বারা আপনতে কলনা করে না ভারের অবস্থান, কুল ও স্কুরুরপতে প্রমর্থন করুন। আপনার মনের মধ্যে ওটা ष्यायतः, और षात्रका अस्य त्यान एएए (संदे। काराप काशनि नवम इस, मध्य सीएरव खाका, नर्दमा সাম্যাবস্থার বিরক্তিমান ও আখানখী। ঠিক কর্তকর মতে, আপনাকে যার কথাবদভাবে অর্জনা করে, আপনায় প্রতি ভালের শেবার ক্ষানুপাত্ত ক্ষানুসারে ক্ষাপনি জানের আকাশিকত কল অনুযোগন করে আশীর্বাদ প্রদান করেন। **ब्लेंट विरास (काल्क प्रम रहा ता।**"

পরনের কাবান কালেন—"হে রাজন, আপনার সিছাত বথার্থ এবং হে শত্রকিলেন, এইভাবে আপনার মহৎ কাঁটি সমগ্র জবতে পরিবাধে হবে। হে গ্রন্থ, প্রকৃতপক্ষে মহান ভবিগণ, পিতৃপুক্তর, মেবহাগণ ধ

আমানের গুরুকারকী সুহানগগের জন্য এবং নিঃসালুবাই সবাল জীবের জন্য, বৈশিক শক্ষমনূত্রের রাজা, এই বজের অনুষ্ঠান বাজ্বীয়। প্রথমে সমান্ত মাজানের জন্ম করনা, পৃথিবীকে আকানার নিয়ন্ত্রণাধীনে আনামান করনা প্রথম সকল প্রয়োজনীয় উপকরণ সংগ্রহ করনা, আভানের এই মহায়ক্ত সম্পান করনা। হে রাজন, জাপনার এই জাতারণ জ্যাকপাল কেবলা। হে রাজন, জাপনার এই জাতারণ জ্যাকপাল কেবলা। কেবলানি এতটাই আভানবারী বে, অভিত্তেলিরগানের জন্মজ্যের জামাকের জন্ম করেছে। এই জগতের কেউই, একজন কেবলার আনাক্রিক করতে পরে মান্তি, সৌলার্ক কর বা সম্পান হারা প্রাক্তিক করতে পরে মান্ত স্বিধীর ক্ষেত্রের রাজ্যর কর্মা আর কী ক্যার আছে।"

নীল ভকতের গোষামী কনলেন—"ভগবান ছার।
নীত এই সকল করা জন্দ করে রাজা বুলিনির ভানেনিত
ছকে উঠাল তার মুখমতল লাগের মতো প্রস্কৃতিত হল।
ভাতঃপর তিনি ভগবান বিকৃত্র হারা লাজি প্রসন্ত তার
বাতাগণকে বিভিত্রে হোরল করলেন। তিনি স্কুরন্তর
সহ সহলেনকে হাজিব নিকে, ভংসাধার সহ নকুলকে
লাজিয় নিকে, কেন্দ্রন্থন সহ অর্জুনকে উত্তর নিকে প্রাক্ত

"হে বাজন, তাঁদের শক্তি দারা বহু রাজাকে পরাজিত করার পরা এই বীর লাভাগণ প্রচুর সম্পদ্ধ জানরন করে বজাভিদাবী মুথিতির বছারাজের কাছে, বা প্রদান করলেন। রাজা মুথিতির বছন কেলেন বে জরানত জগরাজিত মরে গোড়ে, তিনি চিন্তাময় হলে আদিপুরুষ ভগরান হরি জরানতের পরাজারের জনা উদ্ধন বে উপার ফর্না করেছিলেন ভা তাঁকে করলেন। হে রাজন, এইছাবে তাঁমসেন, অর্জুন ও কৃষ্ণ, দিক্ষেরা রাজাগের ছয়াকে ধারণ করে বেখালে মুহুরুবের পুরুত পাওলা হাবে, সেই গিরিরজে রামন করলেন। প্রাজ্ঞনপ্রক্রির ছয়িতগাক আতিখা কেলার জরাসক্ষের গুরু জালমন করলেন। বাজকীয় ছয়িতগাক আতিখা কেলার জরাসক্ষের গুরু জালমন করলেন। বি

स्रकानील, स्मर्थ कर्ण्यानंदायन गृहर्वयीत्र कार्य छीता छारमत श्राचमा निर्दरम्य कराकर, रह ताकर, कर्नुव (क्ष्रक साध्रक कान्यमंत्र कान्यमंत्र मित्रक कर्णक्षि वरण कान्य। क्षाध्रता कान्यमंत्र कान्यमंत्र कान्यमं करि। वस्र कर्ष्य कार्यायम् या कान्यमंत्रक कान्यसंग्रह कान्य। मित्रक कि स्म महा कराक नार्यमा कान्यमः। मित्रक कि स महा कराक नार्यमा मान्यमंत्री कन्यम्थ कार्यक कार्योव वरण कर्मम कराव कि १ (व मान्य राजक कार्यकोव वरण कर्मम कराव कि १ (व मान्य राजक कार्यकोव वरण कर्मम कराव कि १ (व मान्य राजक कार्यक कराक वर्ष्य कार्यक मान्यमंत्र करित्रीत्र वर्ष कार्यम कराक वर्ष्य कार्यम मान्यमंत्र करित्रीत्र वर्ष्यका कराक वर्ष्य कार्यम क्ष्यमंत्र कराव कार्यक कार्यका भावता कराक वर्ष्यक्ष प्रतिक्रम, क्ष्यमंत्रक कार्यक कार्यक कार्यक व्यक्तिक भावता वर्ष्यक कराक कराक कराव कार्यक कार्यक कार्यक व्यक्तिक भावता वर्ष्यक कराक कराव कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक व्यक्तिक

क्षेत्र ७कत्त्रय माचारी कारम्भ--- "वंतरस्य क्षेत्रप्रसा क्षिन, कैएन्ड टेरिक गर्दन अवर फिएन्ड श्वासा कर्नाहर চিক্ হতৈ জগাসন বৃষ্টেও পালে যে, তার অভিথিয়া हित्तन कविए। तम किन्न कारण मानन, देखिनूरई त्म ভাষের কোথাও ফেন বেবেছিল। এরা নিশ্চরই ব্রাক্তাধর কোধারী করিয়, কিন্তু ভবুত আমি পরস্থিতমূর্য ভাগের প্রার্থনা পুরুপ করব, যদি ভাষা আমার নিজ সেহও ভিজা করে, ভবুও। বস্তুত ৰূপি মুহারাজের নির্মণ মহিমারাশি সময় জগৎ জুড়ে শোমা বার। ভগবান বিশ্ব ইঞ্ছের এখর্বরাশি বলির কার খেকে উভারের ইছেরে এক রাক্ষণের হ্রবেশে ভার কাছে উপস্থিত ইয়েছিলের এক ভাবে ভার ক্ষাতাশালী গম খেকে চ্যুত করেছিলেন। বলিও ছলমা সম্বন্ধে সচেতন ছিলেন এবং ভার ওরুদেন্তে িকের অনুধার গোমেছিলেন, সৈত্যেরাকা বলি ভবুও নিযুক্ত সমত্র পৃথিবী দলে করেছিলেন। প্রশানগণের কালেব জন্ম তার পত্নশীল নেহ জন্ম কর্ম করে যদি শিগুল বৰ প্ৰান্ত ন্য হয় ভবে নেই ক্ষীবিভ এক আহোগ্য **कडिराम कि शरशासन :"**

বীল তক্ষের সোখাই। আরও বললেন—''এইজার ভার মনকে প্রস্তুত করে উদার আগ্রাস্থ কৃথ, আর্থা ও ভীমকে সামোধন করে বলল 'হে আনী প্রামাণসং, আগনানের আক্যাবল বজে ক্যাম। বনি সেটি ভাষার মার্থাক হয়, আমি স্তা আগনানের প্রসান করব।' " ভগবান বলগেন—"হে রাজেশ্র, আমরা করিয়া এবং
বৃদ্ধ প্রার্থনা করতে এবসছি। ভালাড়া ভোমার কাছে
আমানের কার অন্য কোন প্রার্থনা নেই। ভনি তৃত্রি ভা
বগালখ মনে কর ভাইতে আমানের বন্ধুন্ধ প্রধান কর।
এখানে ইনি হজেন কুলা পুত্র ভীম, একা এইজন ভার
বাভা অর্থনা। আমাকে ভানের মামানের ভাই, ভোমার
শক্ত কৃত্যা বলে জনাবে।"

শ্রীণ ওক্ষের গোন্ধারী বলে চন্টেন্য—"এইজারে অভিমন্তিতার আমন্ত্রিত হরে মগধরাক উচ্চেন্তের হাসল একা অবজ্ঞাতরে কাল, 'ওছে মুগুলণ, ঠিক আছে, আমি ভোমানের সংক বৃদ্ধ করব।" "

"কিন্তু কৃষ্ণ আমি তেমের সঙ্গে যুদ্ধ করব না, করণ তৃষি থাকজন জীক। মুদ্ধের মাধে ভোষার পক্তি তোমাকে পরিভাগ করেছিল এবং সমূতে আরত গ্রহণের শনা তোমার নিজ মণুরাপুরী থেকে ভূবি পলরতন करङ्गितन। चार्च और चर्चन, तम बराटन च्यायान मधान ना अवर ता भूव महिनालीक मय। (यदाक ता सामाद সমতুল্য নত্ৰ, সে আমার প্রতিহাণী হতে পারে না। কিন্তু, ভীম শতিতে আমারই মতো। এই কথা বলে, জরদের ভীষ্ট্রেনকে একটি বিশাস গল অর্থণ করুল, আর একটি निरम शहभ करण अन्य अन्यतीत सहैरत स्वस क्यल। এইভাবে লগনীয় কইরে বৃদ্ধাদনে বীরম্বর পঞ্চপর হয় করতে ওক কলে। ভুলুক্তের প্রচন্দ্র উদ্বন্তভার ভারা এতি বাশব্দে ভাগের বছতেলা গদা স্থানা প্রতান করতে লাগদ। মঞ্জের অভিনেতার মৃত্যের মতো ভাষা বধন দক্ষতার সলে বাথে ও ডালে হতার রচনা করেছিল তথ্য বৃদ্ধ এক চমংকার প্রদর্শন উপস্থাপন করেছিল। স্থান জরাসক ও জীমসেনের পদার উক্তন্তে সংবর্গ হকিল, হে রাজন, সেই শব্দ যুদ্ধনত দুটি হাতীর বড় বাঁহতর সংখ্যতের মতেঃ অথকা খাড়ো বিদ্যুতাপোকে বন্ধনাদের মতো শোনাজিল। এমন বিশ্বাচা ও বেগে ভার ভাবের পদাকে পরস্পরের প্রতি নিকেশ করছিল যে গলা ভাদের থছ, ঋটি, পাদ, হস্ত, উৰু ও জক্তদেশে আজত করে চূর্ব হতিহল এবং কর্ম কুম্পের দাখার মতো কর্ম হতিহল, গার বারা ফুর হজীয়া একে অপনকে প্রচেওচারে আক্রমণ করে: এইফাৰে জালের গলা দৃটি বিনষ্ট ছলে মনুবাগৰ সংখ্য সেই সহাবীবৰ্ধ ফুডডাবে ভালের

(লাহ্ভটিন মৃত্তি খালা একে অপনকে যুখি নারতে লাপল। তার পরস্পর্যাক করতের স্বারা আঘাত করলে দুটি হাতীর সংঘৰ্ষ জনিত শব্দের মতো বা বঞ্চপাত তুলা কৰ্মশ শব্দ হচিংল। এইভাবে ভারা হবন মৃদ্ধ করছিল। দৃই প্রতিপ্রক্রেম মধ্যে এই প্রতিধন্দিতার সম দিকা, শাক্ত ও ক্ষমতার কলে ভারে কোন হার পরাভারের সিদ্ধারে পৌছলিদ না। অন্ত তেই হৈ রাখন, ফ্লার্ডিইলভাবে ভারা বৃদ্ধ করে *ব্যক্তি*।"

ভাবে জনা রকেনী জীকা দান করেছিল, প্রীকৃঞ্চ জা ক্ষানতেন। 🐗 নগত কিছু বিকেশা মতে শ্রীকৃত্য ভীমের মধ্যে তার বিশেষ শক্তি সঞ্চারিত করদেন। কিভাবে। শতকে বন্ধ করতে হবে সেই বিষয়ে ক্লির করে আমোন-দর্শন ভগরন একটি বৃক্তের তেটি দাখাকে মারবান দিয়ে চিরে ভীমকে সংকেত দিলেন। সেই সংকেত হুদবন্নস করে যোজ্য শ্রেষ্ঠ কলবাদ তীম তার প্রতিপক্ষের পদস্কর

থারণ করে তাকে ভূমিতে নিক্ষেপ ভর্মেন। স্থানার্ভের একটি পাকে তাঁম তার পা দিয়ে চেপে ধরে আর এতটা পা তাঁর হাত দিয়ে আকর্ষণ করে একটি বছং চকী বেভাবে একটি বৃশ্বের শাখাকে ভগ্ন করে সেভাবে জীয় ভারতাতে পায়ু থেকে ৩ক করে উনায়ুখে ছিল করকেন ভুকা মানার প্রমাণণ তরে একটি পা, উক্ কাঠকার करि, क्षक, सथ, त्या, क्ष, कर्ग, मुक्टेरमम् क सक्तास्थ বিশিষ্ট দুটি ভিত্ৰ খণ্ডে তাকে শানিত দৰ্শন করন। "উন্ত শত্রু অবনিমান ধলা ও মৃত্যুর রহস্য এবং - মগতের অধীন্দরের মৃত্যুর নামে নামে, এক মহা লোকার্ড ক্রমণ উথিত হল, তথম অর্থ্য ও কৃষ্ণা ভীমতে আশিদনের বারা অভিনশিত করপের। সকল জীবের পালক ও ওভাকাশকী কাহমেন্ত প্রয়েশার ভগরান कदानाकत भूज नर्रभवरकं मध्यत्र अञ्च भानकतरन অভিবিক্ত করকেন। স্টাবেল অতঃগর জন্তসমূহ কঠক কথী সকল ক্রমানের মুক্ত করে দিলেন*া*"







গ্রিসপ্রতিতম অধ্যায়

মুক্ত রাজাগণের প্রতি শ্রীকৃষ্ণের কৃপা

শ্রীপ ওকরের খোরামী কালেন—"জন্মসম্ভ ২০, ৮০০ রাজাকে খুত্তে পরাজিত করে ভানের কারাগারে নিজেগ कर्दास्त। अहे अक्न सकात यथन वितिरक्षणी पूर्व व्यक्त বেরিয়ে বল, ভারা মলিন ও জীর্ণ পোলাকে উপস্থিত स्म । काम कृथात कृथ २०० त्रितिष्ठित, काराना पुत्रमधन तक इट्टाइन, अवर छात्मत्र नीर्च क्यीनन्त्र बना छात्रा ভতাত দুর্বল হয়ে গিয়েছিল। স্বাক্তারা ভতঃগর ভাগের সম্মুখে জনবানকে দর্শন করল। তার কাঁ ছিল কলেরও এবং তিনি একটি শীত রেলমী বস্ত্র পরিধান করেছিলেন। ষ্টার বক্ষের শীবেস চিহ্ন দ্বারা ন্টার পার্থকা নিরুপিত হচ্ছিল, তিনি চতুর্ভন, তার নরমন্ত্র অকলবর্ণের, যা পদ্মকোৰ সন্ত্ৰ, ঠার মনোরম, প্রসন্ন বদন, ঠার ছিল

উজ্জাল মাল্ডাপৃথি কুওল এবং উন্ন হাতসমূহে তিনি পদ্ধ গল, শব্দ ও চক্র ধারণ করেছিলেন। একটি মুকুট, একটি স্বস্থহার, একটি সোমার কোমর বছনী, স্বর্ণ বদর ও অসম তার স্থাপকে বিভূবিত মধ্যেছিল এবং ঠার গলায় তিনি অনুনাধান উজ্জ্বল কৌন্তত মলি ও কামাল্য উচ্চাই ধারণ করেছিলেন। রাজ্যপা ধেন ভাগের চন্দু দিরে তাঁব সৌন্দৰ্য পান করছিল, তাবের ছিন্তা স্বালা ডাকে দোহন করছিল, অন্দের নাসিকা স্বারা শুরু ক্রাণ আবাদ্য করছিল, এবং তাদের বাহ হারা তাকে আলিকন করছিল। তাদের অতীতের পাপ এখন বিনষ্ট হয়েছে, সকল রাজাগণ তামের মধক তাঁর পাদরের স্থাপন করে জনকান চরিকে প্রদাস নিবেদন কর**ল। প্রীকৃষ্ণতে দর্শনের আনন্দ ভা**দের লুটাতের ক্লান্তিকে পুরীকৃত করতে, রাজাগল কৃত্যভলি সভকাৰে দভায়মান ইংগন এবং ফ্ৰীকেণ্ডে স্বৃতি ক্ৰক क्षा/रमन कर**्**ष्ट्रा

রাজাপণ কললেন—"হে লেখদেকেন, হে আলনার **ন্রণাগত ডাক্টের শুঃববিনাশকারী, আপনাকে প্রণা**য় विद्यान कवि। (बदरकु धामत धालनात महलावट क्टरिक् ছে অধ্যত খলাপ কৃষ্ণ, নৰা করে এই ভয়ত্ব সংসার লীবন থেকে, বা আমাদের এত বিবল্প করছে, ক্রমা क्ष्मद । (इ. अस्. वस्तुन्त, चामदा धरे मन्द्रश्व द्वाकहरू দ্যোগ্রেপ করি বা, বেহেডু, হে সর্বশক্তিমান, প্রকৃতপক্তে জাগনার অনুপ্রই জনাই রাজানা ভাষের রাজনান থেকে পতিত হরেছে। কার ঐথর্য ও শাসন কমতাত মোহিত হয়ে একমান রাজা ভার সকল আবসংখ্যা হারিটে ফেলে এবং ভার প্রকৃত ক্ষাণে প্রাপ্ত হতে পারে না। ভাই আপনার মারা শক্তি ছারা বিপ্রান্ত হয়ে সে তার অনিতা সম্পদ্ধে নিষ্ঠা থকে যনে করে। শিক্তসুলভ বৃদ্ধিবন্ধা সম্পন্ন সানুষেরা বেম্ম মক্তভূমিতে একটি মর্রাচিকারে এক জলাপর রহণে বিবেচনা করে, তেমনি অবিবেকীলা মারার বিভারকে প্রকৃত বস্তু রূপে দর্শন করে। অভীতে সম্পদের নেশার আন হয়ে অসেরা এই পৃথিবীকে কর कराफ क्रांतिकाम व्यवस व्यवस्था विकास वर्षात्मः कना আমার আপন প্রকাশের নির্ময়ভাগে পীড়িত করে একে व्यत्मत विकास युद्ध करति। मुल्लाला मन्द्राय मलाह्यान আপনাকে, হে ভগবান, আমরা উদ্বতভাবে উপেকা করেছি। কিন্তু এবন, হে কৃষ্ণ, মূর্ণম ও কৌশলী, এই কার নামক আপনার পক্তিপালী রূপ হারা আমরা আমাদের ঐশর্কসমূহ খেকে বঞ্চিত হয়েছি। এবন কুলা করে আগনি আমানের অহংকারকে বিনষ্ট করেছেন, আমরা কেবল আপনার পাদগুরের শারণ প্রার্থনা করছি। यान्या यक्ष कथन्छ स्वीतिकासन् आर्थात बन्। नामासिक देव स्त—एव अस्कारक और अञ्चलीक, वृह्धित चाकन-कत्त्रभ এবং হাতিকবে ক্ষরিত ও পীড়িড় মেহ দ্বারা ক্রীতমান সুগভজবে সেম্ব করছে হয়। হে সর্বশক্তিমান ভগরান, আনর গরণতা জীবনে পুন্ত বহর্মন ফল স্বরলে কর্ম জেন করার অধ্যাক্ষাও করব বা, কারণ একেল পুরস্কারের সং क्क कर्नारका कम केवा शहराख्य मात्र। और सभए আহল জন্ম ও মৃত্যুর চঞ্চে আবচিত হত্তেও কিন্তাৰে

নিরের আখনরে পাদেশয়ের স্থরণ করতে পারি, দরা করে স্তা বৰ্ণনা কলে। আহের বসুদেব পুত্র, হবি, ঞীকৃষ্ণকৈ বারুপার আহাদের প্রশাস মিরেমন করি। প্রমাশা, গোকিৰ, তার শরণাগতজনের সকল ক্রেশকে বিদাশ करतन ("

জীল ভক্তৰে গোৰামী কালেন—"এইভাৰে এখন কাল থেকে মুক্ত প্রজাগণ জগব্যনের ছতি করেছিলেন। অত্যপর, য়ে তির পরীকিং, কুগামর শরণাগত-বংসল মণ্ড বচনে ভাগের বলগেন—এবন খেকে, যে প্রির अक्षानन् अकरमा मैचन ७ नतमाचा चलन व्यामान अधि তোমাদের অনুসা ছক্তি হৰে। আমি তোমাদের নিশ্চিত করলাম, ভোমরা কেরুকম ইন্সা করেছ সেরকমট ভটবে।"

"হে রাজাগণ, সৌজাগান্ততে আপনারা সঠিক সিদ্ধা**ে** এমেন্টো এবং আপনারা **যা বলেন্টো** তা সতা। আমি দেখতে পারন্ধি যে কমতা ও ঐপর্যের প্রতি মান্যের সাদকতা হতে উলিত ভাষের আয়সংখ্যার व्यक्तारम् वनारे जाता जैवन इता ४८३। देश्स, मस्थ, বেশ, ব্যবস্, মরক ও দেবতা, দৈতা ও ধানবদের বছ শাসকত বার ঐশর্যের প্রতি তালের আসন্তির ভান্য তালের উপ্রত অবস্থান থেকে পতিত হর্মেছিলেন। এই জড দেনো এবং এর সঙ্গে সম্পর্কিত সমস্তবিদ্ধা ওঞা ও শের আছে হলগলম করে বৈনিক বজের খালা আমাকে পুজা কর এবং কছে বুজিমন্তার সঙ্গে বর্মনীতি অনুসারে তোমার প্রসামের রক্ষা কর। সন্তান উৎপাচন পূর্বক এবং जुर, मृत्र, बन्न ७ मृद्युत मृत्युर्वीन एटा मुर्वत धामारङ জোমানের মন স্থির রাখবে। মেহ ও ওং-সম্পর্কিত नभक्ष विवाद त्याक निवंद १७, ध्वाक-नवडे दरह, ध्वाभाएड তোমাদের মনকে নিবন্ধ করে, গৃতভাবে তোমাদের ব্রত সম্পাদন কর। এইভাবে করণেরে ভেমেরা পরয় ব্রক্ষ ক্রণ আমুকে লাভ করবে।"

बीन एकरमय (भाषायी बलर्जन---"अहे छार्य রাজাণের নির্মেদ প্রদান করে, জপদীখন স্তীকৃষ্ণ, প্রকল 🏓 🕏 ভৃতাদেরকে ভাদের প্রভা 🐞 পরিচর্যার জন্য নিযুক্ত করবেনঃ হে ভরতকুলনমন্ ভগবান তথন রাষ্ট্রা সহসেবকৈ দিয়ে রাজার পক্ষে উপযুক্ত স্কল বস্তু, অন্তার, পৃষ্ণমালা ও চপান পিষ্টক অর্থণ ছারা ভাগের সম্মানিত করপেন। তারা বধাববভাবে স্থাত ও শেভিও

হওয়ার পর, ভারা বাডে উত্তম ডোজা সহকারে ভেলেন **করে জীক্ষ ভা বর্ণন করলেন। তিনি রাজাদের** সুখোগবোদী বিভিন্ন একও, বেমন ভাশুল ইত্যাদি প্রদান করকেন। ভারতন মূক্ত ভারা সন্মানীত এবং উঠোর দুৰ্মনা হকে মুক্ত রাজ্ঞান্য দীপ্তিমান জলে শোভা পাছিল, ছালের কুওলসমুহ চকচক করছিল, ঠিক যোলন চন্দ্র ও অন্যান্য প্ৰথময়ম বৰ্বা ৰভায় পেৰে আতাৰে শীতিমান ছাগে খেতিত হয়।"

"অতঃপর ভগবান কুলাদের উত্তথ্ন আৰু ভাষা ছাকর্ষিত এবং বন্ধু ও স্থাপে বিভূবিত রূপে উপধেশকের আরোজন করে, তিনি ভাষের যার বার নিজ রাজ্যে প্রেরণ কালে। এইভাবে কৃষ্ণ দাবা সকল কটা থেকে ভুক্ত भवार प्रशास शाकांत्रन बार्यन कर्याल, एरटमक सामानीय ভারা কেবল স্বাদীবর ও তার আচরধানমূহের ভারনার निक्षा विरमन । भद्रसमात एक्स्यान या करविद्यमन राजाधन ভালের হল্তী ও অনায়ত পার্বনগের ভা কর্মনা করকের এক তিনি ভাষের জা নির্দেশ প্রথম করেছিলের জালা জা

অধাবসায়ের সঙ্গে তা পালন কর্মেছল। ভীমকেন _{ভালে} জনাগৰকে নিহত করার আয়োজনের পার, ভাগবান ক্রেন্ড বাৰা সহদেকে কছে থেকে পূজা কলে করে পথার ৮৮ প্ত সহ প্রভাগ ভারপেন। কিন্তবী বীরুগণ ইন্দ্রন্তর আগল করে, সেনের তভাকাকীদের আনক ও ভারের প্রক্রানর দুংখ আনর্মকারী স্থাধ্যতি কর্মেন। 😘 বর্মন করে ইপ্রেরজ্যে অধিবাসীলং অভার আন্তরিত হংগতিকো কারণ তারা খাদরক্ষ কর্মোক্তকর যে এখন সহথের রাজা নিহার হয়েছে। রাজা বৃথিতির আনভ্রত করেছিকে। যে তার আকাশন একন পূর্ব বল। ভীত্র कर्बर ७ क्नालंग, प्राकारक छोएमा क्या निरवस्त नर्वक উল্লাখ্য করেছিখন তার ধ্বাত সম্পূর্ণভাবে তাঁকে করিছ করলেন। গুরুত্ব কুপাপূর্বক প্রথমিত ক্ষমবান কেলংকঃ মহানকশ্পিত ভালের কর্মনা প্রবাদ করে বর্ময়েক আমাধ্যক্র মেচন কনদেন। তিনি এখনই প্লেম খন্ডব করচেন ৰে তিনি কোন কৰা কলতে প্ৰকলেন না 🖺



চতঃসপ্ততিতম অধ্যায়

রাজসূয় যজ্ঞে শিশুপাল উদ্ধার

জীল শুক্তাৰ গোপানী কালেন-"এইভাবে স্বান্ত্ৰত বৰ ও সর্বশক্তিমান করেন্দ্র অপর্ব প্রভাব প্রবণ করে. বাজা ৰ্থিটিৰ অভাৱ আন্তেৰ সমে ভগবানকে বলকোন-বিলোকো সকল জেট পারবার্তিক গুরুসপ্সাহ বিভিন্ন প্রবেদ অধিবাসীলার ও লোকপারারর দুর্লভ করা चालनात मिटार्न्य फारम्स मन्त्ररक वहन करवन। दर क्रमन. (गर्वे चाननि, अधनामाध्य क्षत्रवान, यात्रा निर्व्हापन শাসক্ষাপে যনে করে সেই দীন, মর্বরণের আদেশ দীব্যর করেন স্বাংখাপনার পক্ষে এক পরম হল মার। কিছ অবলাই আছিতীয় প্রমান্তা, পর্য ব্রাছের দ্ভিত্ত, তার কার্কের বালা কোন ব্রান বৃদ্ধি হয় সা, ঠিক থেমন

সূর্বের প্রতিবেশ হয়ে। তার শক্তির কেনে ভারতেন হর মা। হে অক্রিড, হে মাধব, আপনার ওক্তবৃক্ষও 'আমি' ও 'আমার', 'আগনি' ও 'আগনার' এট ধ্বনের ভেদ করেন মা, কারণ এটি পশুসের বিক্ত মানসিকতা।"

"এইডাৰে বলে ক্লো ব্যক্তির বজেন জনা হাতে থাকা ৰথাৰ্থ সহত্য কৰিছ অংশক্ষা কৰুকো। অভ্যালয় क्ष्मवान काश्रव कानमधि निरंत एक मान्यवास्त बाना गर्क কো-ডম্ববিদ্ সকলকে তিনি ছোগা পুরোহিতকার্গে নির্ণাচিত করকোন। ডিনি কৃষ্ণ-দৈশারন, করবার্ল, সুমন্ত, গৌতম, অনিত সহ বলিষ্ঠ, তাবন, কৰা, মৈত্ৰেৰ, কৰৰ, ক্রিভবে মনোনীত করপেন। তিনি কিথামিত্র, বামদেশ,

ভাষত রূপদেরও মনোনীত করলেন।^ল

शिवत क्षण प्रकारत कर सम्बन्, पर्वतात, देशन क्षण मुक्तपन, गारा अकरमहे एक धराक काल करा बातही हिस्ता: প্রভাতপত্ন, সকল রাজরো ডামের অনুগামীলর সহ এমেডিকেন। ভ্রমণ পুরোহিতাল অভ্যাপত **মর্ণ নাজ**ন धारा प्रसारमाक कर्पन करत गरकार विशि प्रश्नागरक सत्ता क्षीतिहरू वैक्थित करायाः। भूतांकाम करपा सम्बन्ध বিলাধর্যণ, ম্রানাপ্রণ, মৃশিগণ, যাক্ষণ, ব্রাক্তর, দিব্র সামান জ্ঞাপন করা ।" शकीनमध्, किश्वनथन, हार्यनथन, धार्यर भएकाँड सम्बन्ध-এতটক বিশ্বিত হনটা, কালে গ্রীকৃত্তের একজন চত্তেন ক্ষরা আ সু-উপর্ক্ত ছিল। সেবতুলা শক্তিশালী नुकारिकान रेवनिक विधि चनुमाल जाका गुनिविद्धा कर বাজসুর বার সম্পাদের করকোন, ঠিক কেন্দ্র অতীতে ्रमासदन निर्मात कहात भिन्, प्राचन युधितित वचावधकारव वनर भागत मत्तारांश महकात, श्राहरिक 🛊 महार পরফোরত ক্রক্তিপদাকে পূজা করলেন। আদের মত্তে কে অশ্রমার বোগা তথ্য সভার সংস্থাপ তা বিচার করতে লাগলেন, কিছু কেতেও সেখানে এই সম্মানের শোলতাসক্ষার জনেক ব্যক্তি দিলেন, তারা সিদ্ধান্ধ প্রহণ क्दरक चारको स्टा^म

হাধান পরমেশ্বর জগবান অচ্যুক্ত এই সর্বোচ্চ পদের যোক। প্রকৃতগকে, ডিনি করং দেশ, কাল ও প্রকাশি ম্বরণ বজে পৃত্তিত সকল দেকটার মূল। সম্রা প্রস্থানের থান উপর প্রতিষ্ঠিত, বেহুল এই হলা বল্ল অনুষ্ঠান,

সমতি, জোমনি, জাই, গৈল ও পরাশর, সেই সমে স্বর্গ, ভাগের পরিত্র হান্তি, আছতি ও মার ভারা তাঁর উপত্র २_{व्य}न्तारात, जन्म , रूपान, स्थित, कार्यनगरमक आह. व्यथितिक। जारक ७ त्यान केट्टरहरेंडे **राज्य व्य**क्तिया কালে বি., বীডিংমান, মধ্যমালা, বীঙ্গেল এবং তিনি। তে সভাস্থন্থ, সেই ভব্দ, বহুতিই ভাবনে তীন নিজ শান্তিসভাহ কাটা এই জনাৎ সৃষ্টি ককেব, পালন কৰেব <u>শরে হাজান, আন্যান্য বারা নিমন্ত্রিত ইরেছিলেন করে। এক চিনান করে। আর এইভারে এককরে তাঁর উপর্বেই</u> রবালা লোগ, ভীয়া, কৃপ, ভার পৃথ্যপাসহ ধৃতরাষ্ট্র, জানী । এই রুজাতের অধিত নির্ভন কাছে। তিনি এই স্বাসাতের क कार्कराती गृष्टि करता अन्य अनेकर्प छात कानुवार वार्व न्यस सन्द शार्थप ७७७अ, वादीनविक क्रियन, ইলিরতবি ও মৃত্তির কর উদ্যোগ গ্রহণ করে। সুতরম আহানের ভগবান কুমত্তে সংগ্রেছ সামান প্রদান করা উচিত। আমরা ধদি তা করি, তাহলে আমরা সমস্ত चौथरक क्या सम्मारका निर्धारमञ्ज मन्त्राम क्षमर्पन स्था। ব্ৰম্ম সম্পাদনের মতেই যাজের ব্যবহাত উপকরণসমূহ যে কেটেই, যিনি কামনা করেন যে করা প্রবাস সম্মান ৰুধ নিৰ্মিত ছিল। ইন্দ্ৰ, ক্লয়া, দিব এবং অন্য অনেক আক্ৰম কৰেই, তাব উচিত পূৰ্ণভাবে পাতা, সকল (मार्क्सामधन, खापित प्रसन्धन गर गिष्ट च वहर्यमन, भीर्यव भवप जाना क्षर खन्नामर्थि सम्बान स्थापन

প্রীল প্রস্তান গোরামী বলে চললেঞ্--"এই থলে, प्रकरताहे बाम्बिए इस्सिएम्स अन्त नलक छात्रा मकन । शिक्ताह श्रकार क्रायाभ्यकारी महस्य भारत दर्शन धरर ভিন্ন থেকে পাল্পপুত্র দ্বালা কৃষিভিবের রাজসূত্র কলে। তার কণা তারণ করার পর উপস্থিত সকল সক্ষম আগমন করেছিলেন। তাম বজের ঐশর্ব দর্শন করে। ভাতিপণ সাধ্য কনিছে তাকে অভিনক্তর প্রদান কালেন। রাজ্য ব্রাথাধনের এই ঘোষণা প্রবর্গ করে অদশিত হুগেন, বার খেকে তিনি সহত সভার ভাব হন্দবক্ষম করবেন। প্রেমে অভিভন্ত হয়ে তিনি সর্বত্যেন্ডারে প্রবীকেশ শ্রীকৃষ্ণের পূজা করকেন। জনবান বেবভাগৰ বক্তবের জন্য তা সম্পাদন করেছিকের। প্রক্রের পাদপর প্রক্ষাক্তর করার পর মহারাজ হতিটির অনুস্থিতভাষে ভার মুক্তকে সেই ভল বিটালের এবং অভ্যাপর ভার পার্থী, প্রাভাগে 🛊 পরিবারের জন্যান্য সদস্য ও মার্টাগণের মস্তবে তা ভিটাতে নিকেন। সেই কল সমগ্র ক্ষাং পবিত্রকারী। স্বধন তিনি স্কাবানকে পীত বেশমী বন্ধ ও সহস্পোধান ব্যৱস্থাৰ কৰা সম্মানিত কর্মাইকেন, খার নেক্তম মারুপর্ব ছবে উঠে তাকে সন্তাসনি ভগবানকে দর্শন করার থেকে বাধা শেষ পৰ্যন্ত সহক্ষের বললেন—"নিশ্চিতরূপে কাষ্য নিজিল। ভায়ে বন্ধন এইভাবে ভাষাের কৃষ্ণকে স্থানিত হতে দৰ্শন করলেন, উপস্থিত হারে সকলেই ভানের কুলাঞ্চলপুটে আপনাকে মমকার করি। আপনার কর হোক !' ধর্মন নিপোন এবং আত্যাপার ভাবে প্রধান নিবেশন भगरका। चार्र रहा भूमनं वर्षन् इस ("

"শুক্তিকতের ভিষয় গুণাবনীর মহিমা কীর্তন প্রবণ করে দমধ্যেকো অস্থিক পুর ক্রেছ হরে উঠল। সে তার আসন থেকে উঠে ফুব্ছভাবে ভার বাজার উর্যোলিত করে মিউয়ে সভাষব্যে ভগবানের বিরুদ্ধে এইসব কর্কণ কথা বলতে লাগল, সমত হলে সকলের দুর্লব্য নির্ব্যা. বেলের এই বন্ধন্য নিসেলেহে সভা প্রমাণিত হল, করেণ জানী বৃদ্ধদের কৃদ্ধি এখন বালক মাতের বাকা দ্বারা বিচলিত হয়ে উঠা। হে সভাপতিলণ, আগনায়ে নেউডঃ শ্ববগশু যে জে সম্মানীত ছওবনে শ্বলা যোগ্য প্রার্থী। সূতরাং একটি শিশু কথা দাবী করছে যে কৃষ্ণ পুজিত ছণ্ডমান যোগ্য, তথ্য কৰা আপনামের কর্ণপাত করা উচিত নয়। এই সভার পরমেক্ত সমস্য তপশ্চর্যার ক্ষমশু সম্পদ্ধ, দিব্য দৃষ্টি ও প্রতনিষ্ঠ, আন বারা নউপাপ, লোকণালকা ব্যৱাও পুজিত পর্যত্তপো উৎস্কীকৃত পর্য **অভিনশকে জাগনি কিভাবে অভিন্তাম করতে পারেন** চ কিন্তাৰে এই কুলমুৰণ গোপবালৰ একটি কাকো পৰিত্ৰ প্রোডার্গ খাঁওয়ার যোগাওরে মতে। আপনালের প্রান্থ পাওয়ার যোগাঃ কিভাবে একস্থন, বে সম্বাস্থ ও পদাসাধিক আরমের অথবা পারিবারিক লৈতিকভার কোন সূত্রই অনুসরণ করে না, যে সকল ধর্মীয় কঠবা নির্বাজিত, যে তার ইচ্ছামত আচরণ করে এবং যার কোন ভাগ তৰ নেই-লে পৃথাৰ বোদ্য হবেঃ এই সকল যাদকালের বলেকে থকাতি অভিনাল দিয়েছিল এক সেই থেকে তারা সক্ষমণৰ বারা সমাজ পরিত্যক্ত এবং শানাসক। ভারতে, কিন্তাবে এই কৃষ্ণ প্রথমে খোলা হতে পারে । এই সকল ফানবলণ সাধু থবিসপের পরিত্র অধিবাসকল পরিত্যাগ করেছিল এবং পরিবর্তে সমূহের মধ্যে একটি দুর্গে আত্রয় প্রথন করেছিল, যে স্থানে কোন ক্লাৰাগেটিত নীতিসমূহ পালিত হয় না। সেখানে ঠিক দস্যর মতো তারা ভাদের প্রকাশের পীড়ন করেছিল।"

শ্ৰীল ওকদেৰ গোন্ধমী বলৈ চললেন—"সকল সৌদাগা বহিচ্ছ লিওগাল এই সমস্ত এবং আরও অপ্যানজনৰ কথা খলেছিল। কিছু ঠিক কেমন একটি সিংহ একটি শৃথানের ফ্রন্সনকে উপেক্স করে সেইডাবে ভগবান কিছু কলপেন না। এরেশ আগছা ভগবং-নিশা শ্রবৰ করে সভার কিছু সংখ্যক সদস্য ভাষের কর্ণভূত্র আজ্যাদন করে কুপ্রভাবে চেলি-রাগ্রাকে অভিনাপ দিতে

দিতে বেরিরে একেন। বে কেউই অথবা তার বিরুদ্ধ ভক্ত, যে ভারবং নিশা মান্য করেও তৎক্ষশাং সেই স্থান ত্যালা করতে কর্ম হয়, অবশাই ভার পূব্য কল ক্ষতা সংখ্যের সে পতিত হবে। তবল পাতৃর পুত্রবাদ বৃদ্ধ হয়ে। किंद्राज्ञ अवर अरमा, क्लिक अवर मुख्य वरणकामाम्ब বোদ্ধানের সলে উত্থক অর নিয়ে তানের আসন থেকে উপিত হয়ে পিওপালকে হত্যাই জন্য শ্রন্তত হলেন। 🔉 ভালত, অফিলিড, শিওপাল ডখন সমবেড সৰক বাজক प्रात्त एक करवावि क वर्ग छहत करण अन्य ক্ষাপ্তীরগ্রহত অপমান করতে সংগল। সেই সংয ভাগাম উঠে ভার ভারত্ত্ত্ত্ত নিবৃত্ত করলেন। ডিনি ভালে তাল ভাক্ষিমার সম্পন্ন চক্রকে ক্রভভাবে প্রেরণ করলেন এবং তাঁর আক্রমনেল্যাও শক্রর মন্তক জেন কালেন। এইভাবে শিশুপাল কৰা নিহত হল, জীতে। মধ্য থেকে এক মহা কোলাছল উঠল। *তে*ট শোরগোলের সুযোগ গ্রহণ করে শিশুগালের সমর্থক অভিপন্ন রাজা সম্ভব ভালের জীবনের করে সভা ভরগ করণ। এক জ্যোতির্মন আলো শিশুপালের মেহ খেকে উপিত হল এবং সৰ্বসমঙ্গে তা আকাশ থেকে পৃথিবীতে একটি উদ্ধার পতিও হওখার মতো জীকুবেলা মধ্যে প্রবেশ করল। তিন আন্ত জীকুকের প্রতি বিভেন্ন স্বাধানায় হরে শিংশাল ভগরানের চিক্তর ভার প্রাপ্ত হয়েছিলেন। প্ৰকৃতপৰে চেতৰ বাৰাই জীকো তবিকাং জীকা নিৰ্বাচিত হয়। স্বাট বৃথিতির মজের পুরোহিত ও স্কালন্দ্র নেদ নিৰ্দিষ্টভাবে সম্মান স্থাপন করে উদারভাবে উপহার প্রদান করলেন। অভ্যাপর তিনি অবক্রম রান করলেন।" "এইডাবে গোলেবরগবেরও ঈশর জীকৃষ্ণ প্রাচা

ব্যিতিরের হতে এই মহাব্যক্তর সকল সম্পাদন করিবেছিলেন। অভ্যালর ভালের বিনীত প্রার্থনরে ভাগন তার অভবদ সুহাদগণের সলে সেখানে করেকমান অবস্থান করবেন। অভ্যোগ্য ভাগবান দেবকী-পুর, রাজার অনিচাপত অনুযোগন গ্রহণ করে ভার মহিবী ও মন্ত্রীগণসম ভার নগবীতে প্রভাবর্তন করলেন।"

"আমি ইতিমধ্যে জাননাকে বিজ্ঞাবিতভাবে বৈকৃটের গৃই অধিবাসীর প্রাক্ষণকা খারা অভিশগ্র হরে কড় কগতে বারবার অপ্যাহণ করার ইতিহাস কর্মন করেছি। সফলতার সংক্র রাজসূর করের সমাধ্য হওয়া বা চিহিত

Gran दिवा गाउँका मूर्य पापन कारामन। क्रिया चारणसङ्ख्यः प्रतंशाश व्यवक क्रुक इस ("

করে সেই চুড়ার অবরুষা অনুষ্ঠানে ওছ হতে রাজা ও কুজবংশের স্ব্যাধি ব্যর্জণ পাশিষ্ঠ দুর্বোধন ব্যতীত ক্রান্তির সভাগে সমকেত প্রাক্ষণ ও করিবদাশের মধ্যে বরং সকলেই সম্ভন্ত ছিল। সে পাওপুরের ঐবর্যের সমৃতি बाबदाहरूल महाज क्यांका कार्किस्तानः। स्थितस्य कार्य स्थाः मर्कत करत महा कतरक शादन नतः। विनि नियमान देश, শেচবুগুণ সকলে ব্ৰহ্মা ইয়া ইথাবখনতে সম্বানিত হবে ব্ৰাক্ষাদের উদ্ধার এবং ব্ৰাচ্চসুত্র বজােৰ অনুষ্ঠান সং ্বালা হালা ও প্রীকৃত্তের স্থাতি ক্ষান গাইতে গাইতে ভানের তাগবাদ বিকৃষা এই সমস্ত কার্যাবলী কীর্তন করেন তিনি

卐 卐

74.5

পঞ্চসগুতিত্য অধায়

দুর্যোধন অপমানিত বোধ করলেন

মচাবাৰ পৰীকিং বললেন—"হে ব্ৰাহাণ, আমি আপনার কাছ থেকে বা প্রবণ করেছি সেই জনুসারে একহানে ব্যৰ্থখন বাফীত সমবেক সকল রাজা, কৰি ও দেবতারা অভাতশক্ত বৃধিতিরের রাজসূত্র বজের অপূর্ব উৎসব্ধরতা দর্শন করে আনন্দিত হলেইলেন। মে প্রভূ, मधा करता चामारक कनून, रकने अधन शरपहिल।"

শ্রীব্রকারণি কালেন—"মাণনার মহারা পিতামহের ব্যক্তপুত্র কলে উল্লেখনিবারের সকলের তীর সেই করনে আবদ্ধ হয়ে নিজেখেরকে ভার বিনীত সেবার নিযুক্ত क्टबिलान। कीम तामापहार प्रमाक्ता कारणन, पूर्वधन কোৰালার দেবালেশনা করতেন এবং সহাদেব প্রকাল সালে সহাৰত অভিখিনগড়ে অভাৰ্থমা করতেন। নকুল शासक्तीय ज्ञानि नरधर् कवरकम्। अर्जून सास्त्र (कार्कराज क्या शहर कहरूका बावर कृष्ण झंटकारका গাল্ডর প্রকাশন করতেন আর টোপদী করে পরিবেশন ক্রভেন ও ব্যক্তা কর্ন উপহার প্রধান করতেন। আরও चामरक राज्यस चुनुधान, जिसमी, हासिका, विभूत, चुरिका ७ वाट्टीरक्त बनाम्न शृक्षता अवः महर्गम अक्ट्रेशर्य মহাব্যক্তের সময় ক্ষেত্রের বিভিন্ন কর্তব্য করেছিলেন। এই অক্ষেত্ৰ, মহারাক্ত বৃধিতিয়কৈ সম্ভুষ্ট কথাৰ আগ্ৰহের কান্ট্ ডারা ভা করেছিকে। পুরোহিতরা, বিশিষ্ট প্রতিনিধিরা, শান্তব্য কাহ হাজার পরম ফলেরই ওভাকার্কীরা

সকলে কার কান, গবিত্র নৈবেদ্য ও পারিক্রমিকরণে বিভিন্ন উপহারটি দ্বারা কথাককরাগে সম্মানিত হলে এবং সাক্তদের প্রকৃত্র পাদপারে চেনিরাক্ত প্রবেশ করলে পরে নিবা নদী বহুনার অবভাগ ক্লান অনৃতিও হয়েছিল।"

"स्टब्स्य केरमहस्त मधक मुनन, मच, नगर, पुक्री, আনক ও লোমুখ শিঙা সহ নামা ধরমের বাদ্যযন্ত্রের সুক্রীত ধানিত হুরেছিল। নর্ভকীরা আনকে নৃত্য করছিল এবং পায়কের ফাবগুডাবে পান করছিল আর বীশা, বেশু ও করতালের উচ্চ ধ্বনি কর্মরাজ্যে পৌছে নিরেছিল। ज्ञान शास्त्रका पूर्व करेडान अधियाम क्या प्राटश्या समुमान উদ্দেশে ব্যব্ধ করলেন। তাদের সঙ্গে ছিল বিভিন্ন রঞ্জের এক মণ্ড ও দৃষ্টি মণ্ডের পাডাকা এবং ভারো সুসন্দিত রাজকীয় হল্টী, রখ ও অভারোহী সৈন্য আর পদাতিক वाहिनी नवविश्व हिर्मान। क्षेत्र, मुक्षत्र, कारवाल, कुक् কেন্দ্ৰ ও কোশলদের সৈন্যবা পৃথিবী কম্পিত করে (माकाराज्ञात क्लान्केलकाती पृथिकेत प्रधातारकात अनुभयन ক্যালেন। সভার পারিবদ, পুরোহিত ও অন্যান্য উত্তর ব্রাআপেরা পুনঃ পুনঃ বৈনিক মন্ত্রসমূহ কানিত করছিলেন এবং দেবতা, দিবা কৰি, পিতৃপুত্ৰৰ ও গছৰ্বনা প্ৰতি গাম क्टब्रिका के भूष्ण वर्षण क्टब्रिका। उत्तम, भूष्ण पाला, রত্বালন্ধার ও সুস্তর বসলে সুশোভিত সকল নর-নারীর গরক্ষার গরক্ষাকে বিভিন্ন রসে অভিবিক্ত ও অনুস্থিত

करा। औक्षा करविश्वास । भूकरवता संधानमारमक **वर्**षष्ठि তেল, ধৰি, সুনাত্ৰী কল, হলুক ও ওড়ো কৃত্য লেপন कदा वितनम् धार खात्रजनलातः क्रीकामराम द्वारे धार्यर মন্তব্যুহ পুরুষদের লেপন করলেন। প্রহুটী পরিবৃত হয়ে রাজা যুথিভিক্তের রালীরা উৎসব দর্শন করার জন্য ভাগের ইংগ আরোহণ করে নির্গত হলেব, ঠিক বেভাবে মেৰতাদেৰ পথীয়া মিৰা আকলবানে আকালে উপস্থিত হন। যাতৃন পুত্র ও অন্তরন্ধ সধারা রাণীদের র**ে**শ অভিবিক্ক করলে পর সকলা হাস্তত্ত্ব প্রকৃষ্ণ করন, রাণীদের দীন্তিমান দৌ-দর্যকে বর্ধিত কর্মানা। স্থাণীরা পিচকারী ব্যৱা অন্যের কেলা ও অন্যান্য পুরুষ সর্বাদেরতে অভিবিক্ত করতে ভাগের নিজ কান ভাগের কাবছর, স্তুন্ধর, উক্ত ও খোদ্ধাধ্যে প্রকাশিত করে সিক্ত হয়ে উলৈ। উত্তেজনাধণত আমে। শ্রমিত বৌধা থেকে মুক পতিত হল। এই সকল মধুব ক্রীড়া পরে ভারা কলুব চেতনা সম্পরণের ক্রোভিত করেছিলেন।"

"সমাট ভার সুখর্গ গলকানী পরিহিত শ্রেষ্ঠ কর্বসমূহ দারা অকর্ষিত রখে আরোহণ পূর্বক স্বীর মহিবীদের সঙ্গে, ঠিক যেন বিভিন্ন ক্রিয়া দ্বায়া পরিষ্ঠ উপস্থা ब्राजन्त्र वरण्या न्हार पीरिकान करण रनास्त्रिक एरम्बरसन। পুরোহিতরা পদ্দী সংযাজ ও অবভূত্ত নামক লেব ক্রিয়া সম্পাদনের মাধ্যমে ভাজাকে জতংগর রাশী টৌপদী সহ আচমন বিবা ও গলাত খান করালেব। বানুবের দুপুতির সলে দেবতাদের সুস্তিও ধানিত হলঃ দেবতা, কবি, পূর্বপূরুষ ও মানুষেরা সকলে পূঞা বৃষ্টি করলেন। মর্ণাশ্রেমের অধ্যর্গত সকল পুরুরাসীরে ভারপার সেই স্থানে স্থান করলেন বেখানে ত্মান করে চরম পালীও ভবফবাব সকল পাণতর্মকার খেকে মুক্ত হতে পারেঃ অভংগর য়াশা নৃত্য রেশ্যী বস্তু পরিধান করকেন এবং নিজেকে সুন্দর রয়াগখারে বিভূষিত কর্মোন। তারণর তিনি প্ৰোহিত, সভাসৰ, গতিত স্থান্ধৰ ও জন্মনা অতিবিক্তকে অলভার ও বরু প্রকাশ করে স্বাহানিত কণ্ডলেন। বিনি সর্বভোজাবে তার জীবন ভগধান নারাম্বকে উৎসর্গ করেছেন, সেই মালা ব্রিকির বিভিন্নভাৱে প্ৰক্ষিত হয়ে আৰীছ, জাতি, প্ৰন্যান্য রাজা, ভার নিজ ও সুগদ এবং উপস্থিত অন্যান্য সকলকে সন্মান প্রকাশি করেছিলেন। সেখানকার সকলা পুরুত্তনের তাগবান মধুপতির সহয়ে রাগীরাও সেই প্রাসারে করিছান

মেবতার মতো কেবাভিক। ভারা মণিমই কুতাল नुष्नयाता, उसीव, कथ्क, जनरी वृष्टि । मुनावार মুক্তার কঠহারে শোভিত ছিলেন। নারীরা মান্যনার কুণ্ডল ও অনক হারা ভালের সুন্দা মুখমতলকে আক্র দুখন করে তুগেছিকের এবং ভারা সকলেই স্বর্ণ-মেবার পরিধান করেছিলেন।"

"হে রাজন, তখন উচ্চ-কৃতিসম্পর পুরোহিতরা, স্কঃ रेननिक छण्विरमञ्जा बाजा वरक्षक मार्कीकरन स्था করছিলেন, বিশেবভাবে আমন্ত্রিত রাজারা, রাজণ, ক্ষতির বৈশ্ব, দেবতা, মাৰি, পূৰ্বপূঞ্চৰ ও ভাষেৱা এবং চহসকলে প্রধান লাসকলন ও তানের অনুচরেরা—রাজা স্বিভিত্র বলা পৃথিত সকলেই তার অনুমতি প্রথণ পূর্বক ভাষের নিত্র নিজ জালরে প্রস্থান করলেন। ভগবান ক্রির সেভা ও পরম মহাক্রম রাজা দ্বারা সম্পাদিত অপূর্ব রাজস্ব यरकता महिमा कैंग्रिंस करते छ छाएन एडि छोंका ना क्रिक বেমন একজন সাধারণ সান্য অমৃত পান করে করেও ভূপ্ত হন না। সেই সমগ্র রাজা বৃথিতির ভদ্তান কুমানত ভার কিছু সংখ্যক সূত্রং, আতি ও অন্যান্য ভাগীয়নেরতে গ্রন্থান থেকে বিরশ্র করলেন। প্রেম্বরণত বৃথিতির ভাগের বেতে নিতে পারছিলেন মা কাওগ ডিনি আলা নিক বেগনা অনুভব করছিলেন। বংস পরীকিং, প্রথমে সাধ ७ व्ययास रप्रीधास बादकात ध्यान कवात क्षा अवाहक সভাষ্ট করার জন্য ভাগবান লেখানে কিছনিনের জন্য অবস্থান করলেন। এইভাবে ধর্মপুত্র রাজা ত্তিতির অবশেৰে জীক্ষেত্ৰ কণাৰ ভাৱ বিশাল ও ভাৰতৰ কামনার সমূদ্র স্ফলতার সঙ্গে পার হরে ভার ক্লও আকাশ্স থেকে মুক্ত ব্যৱস্থিতন।"

"अक्रिन मुर्शिक बाका विश्वित्वत सामात्वर ঐশর্যসমূহ নিরীক্ষণ করণ্ডে করতে রাজস্ম কর ও ভার অনুষ্ঠানকারী অচ্যত-আত্মন প্রাঞ্জা, উভারেই মহিমা জগ্ন অভ্যন্ত সভাপ অনুভৰ করেছিলেন। সেই প্রাসাণে विचन्द्रों प्राप्तनाव साता थानीं व्यानव, पानव ६ व्यवकारक নালাদের সকল সংগৃহীত ঐশ্বর্যসমূহ উচ্চুলভাবে শিরাক শত্তবিশ। সেই সকল ঐনুৰ্বেশ্ব মধ্যে টোপদী ভাৰ भिक्तिमा (मया क्विहित्सन क्वर त्यदश्कु कृक्षणका मृदर्शयम তার হাতি অভান্ত আসক বিশেন, তিনি সন্তানপ্রস্থ বলেন।

_{প্রস্থিতি}লা। ভাগের নিতখন্তারে ভাগের চরণারর হীরে _{অবাহিতে} বচিত্ত আর মধ্যভাবে চরপের নুগুর আনিত sferm। ভাগের মধ্যভাগ ছিল সুরুল, ভাগের স্ত**া**ন্ত করে থেকে ভাদের মুক্তার কাহার বঞ্জিত হরেছিল এবং আমের লোপালমান কৃওল ও উড়স্ত জনকরাশি ভাষের মনমণ্ডলোর অসাবারণ সৌন্দর্যকে বর্ষিত কংছিল।"

"_{এক্টিন} এমন ঘটল যে ধর্মপুর সভাট বৃচিতির **গ্রহানার নির্মিত সফাগৃহে টিক ইন্দের মতের দ্বর্প কিং** লামনে উপরিষ্ট ছিলেন। তার সঙ্গে তার অনুচরেরা, তার লভিব্যব্যক্ত সমস্পেরা এবং 'ভার বিশেষ চক্ষু স্থরাপ ক্ষাব্যন ক্ষা উপস্থিত ছিলেন। স্বরং ব্রহ্মার ঐথর্য প্রকাশ করে। शासा वृधिष्ठित नका कविराद धाता खन्ड क्विएनमः हा বাজন, আহুকোরী দুর্বোধন ভার ছাত্তে একটি ভরবারি বারণ করে একং একটি মুকুট ও ঞ্চাহার পরিধান করে ভার ভাতাবের সংখ কৃষ্ণভাবে বাম-রাকীবের অপহান कवरतं कहारतं शामाम भीती शिर्तम कहारमध । महाहतरहार জানুর বংখনে সৃষ্ট মারা দায়ে বিখেছিত মূর্বেখন শক্ত

মেথেকে জ্ঞা বলে জন করেছিলেন এবং তাল বড়েব প্রান্তরাগ উল্লোখন করেছিলের এবং করা এক স্থানে ডিমি केनरक नास आहम प्राप्त करत स्थल करत सर्वाची प्राप्ती পতিত হলেন। বংস পরীক্তিং, ডা রেলে ভীক হেসে উটেডিনে এবং রমনীরা, বাজারা ও জনাসরাও হেসে উর্বেছিলেন। রাজা ব্যবিভিত্র ভাগের নিবভ কবার চেটা করেছিলের বিজ্ঞ প্রীকৃষ্ণ ওঠা অনুযোগন প্রদর্শন করলেন। অপ্যক্রিত হয়ে লেখে ক্লাতে ক্লাতে দুর্যোধন ভাই মুখ নীচু করে, কোন কৰা উচ্চারণ বা করে নির্গত হলেন এবং হতিমাণুরে কিরো খেলেন। উপস্থিত সাধ ব্যক্তিগণ फ्रिकाचरम "हाज। हाक!" करड फ्रिक्स अंगर हाका বৃধিটিরও কো বিঘর্ষ হলেব। কিছু জগবলে, গাঁও দৃষ্টিপান্ড বুৰ্যোধন্ড বিভাৱ কর্তোহল মাত্র, তার ভূ-ভাব स्तरका केरणरक्ता कना मिन्द्रम अदेशमा । ३१ असम, राजन मुर्गाधन वराम खळात्र यक कन्त्रेत्व कन्त्रहे वित्तन राहे বিষয়ে তুমি বা জিজানা করেছিল, আমি তার উত্তর श्रमान कदलाय ।"

ষ্টসপ্রতিতম অধ্যায়

শাল্ব ও বৃষ্ণিগণের মধ্যে যুদ্ধ

দীন্দ উপডোগের জন্য বিনি তাঁর অনুধাতুলা মেহে আবির্ভূত হরেছেন, সেই শ্রীকৃষ্ণের ছারা সম্পর্যান্ত কর अक्षि चातुष्ठ कर्रात्र कथा अध्य क्षत्र करा। एसर. কিলাৰে তিনি সৌভগতিকে নিহত কৰেছিলেন।"

"শাস্থ্য ছিল নিওপালের বস্তু। সে বধন ক্রন্তিনীর বিবাহে উপস্থিত হলেছিল ভাৰন স্বানাসম্ভ ও অন্যান্য बाक्सारवर महत्र छाएकथ यह श्वाकारो अवस्थित ক্ষেত্রিলেন। পাল্য সভার মাজানের উপস্থিতিতে প্রতিকা করেছিক—'আমি পৃথিবীকে বাদকপুনা করব। জাপনাবা ক্ষেত্র ক্রেডার ক্রেডার করন। ^কর্মার ভার

বীল ওকলের ব্যোগামী বললেন—"হে রাজন, চিয়ে । প্রতিক্ষা করে সেই মূর্ব রাজ্য প্রতিনিত একদৃষ্টি বৃলি ছাভা অনা কিছু না ভক্ষণ করে ফেরানিবের্য গতপতিকে (শিব) তার ঈশ্বরবারের পূজা করতে বঞ্চ করক। সহালেব উমাপতি 'জাওত্যেক' ব্লাপে পরিচিত, ওবুও এক বংসারের শেৰে তাৰ সংগাসত সাম্ভকে একটি হয় প্ৰাৰ্থনা কৰতে বলে তিনি ভাকে সম্ভাষ্ট কংগ্ৰেছিকেন। শাল্য একটি হান आर्थना काल क शास्त्रका, शासर, काला, शक्कर्, आज 👁 ক্লাক্ষদদের ভারাও ক্ষরিনালী, সে যেখানে যেতে ইচ্ছা কৰবে সেখানেই ভা জমৰ করতে পারুৰে এবং বা বুকিল্বে আডকিন্ত কাৰে: বেবাট্ৰেৰ পিছ কাৰেন. 'ভাই হেলে i' ভার নির্বেশে ময়খনত, বিনি ভার শাহন

নগরীওলি ভার করেছেন, সৌত নামক একটি উড়ার্ড লৌহনগরী নির্মাণ করলের এবং ডা শাসবকে প্রদান করলেন।[™]

"এই नुर्धर्व दासकि कालकात्व भूगे दिन अक्त (बरकान ছালে থেকে পারত। সেটি পেয়ে ডাঙ্কে মতি বৃদ্ধিদের শক্রতা স্করণ করতে করতে লাম্থ হারকার গীরেছিল। ছে ভবতপ্ৰেষ্ঠ, প্ৰান্তিক উপক্ষ ও উদায়ে, নিবীকণ কেন্দ্রনার প্রাসাধ, অট্রালিকা, প্রহার এবং চড়বিঁকের প্রাচীর ও জনগণের জীভাকেন্সও নিনট করে লাগে এক বিশাল সৈন্যবহিনী নিয়ে কারী অবরোধ করেছিল। ভার অনবন্ধ অবধানকে থেকে সে নীকে প্রবন্ধ, গৃঞ্চতীন্ধি, বস্তু, সর্গ ও শিলাবৃটি সহ অন্তের বর্ষণ করেছিল। একটি প্রচন্ড পূর্ণিবাড্যা উঠে সমস্ত দিক ধূলিতে জাঙ্গম করেছিল। এইভাবে লৌড বিমান দারা ভরতররূপে বিশর্যন্ত ছওরাম কলে হে রাজন, ঠিক কেনে পৃথিবী যখন এপুরাসুর হরে। অক্রোর ইরেছিল সেইভাবে क्षिकरका नगरीएक एका माखि भावन मा। शामारत অস্তে উৎপীড়িত হতে দেখে মহিমাছিত বীর ভগরন अनुष जारूर करायन, "स्व श्राद्धा मा" अरा केन्न उत्प তিনি আহোহত করকে।"

"বাড়াকি, চাক্ৰেঞ্চ, সাৰ, অঞ্চৰ ৰ ভাৰ কনিষ্ঠত্রাভাগণ হ্যালিক্য, ভানুবিদ্ধ, গম, ওক ও সারণ সহ इष्ट्रताकाङ शक्ष्म निर्माणकभग, धनाम्ना ध्वमरन्त धनुर्वाही। সহ, বর্ম ও ব্রথানার সৈন্যমণ্ডলী, প্রস্ক, কার ও প্রস্তিত বাহিনী দারা দুরক্তিত হছে সদরী থেকে থের হলেন। ভখন পশ্বর বাহিনী ও খুপুপুরে মধ্যে এক ভুমুল রোমহর্ষক কুর ওঞ্চ হল। সোটি ছিল সামর ও দেবভাগের মধ্যে মহাবৃদ্ধের সমান। সূর্কের উষ্ণ কিরপরাশি বেমন প্রাবিধ অকসার দুর করে, রিক সেইয়ারে তাঁর দিয়া অস্থ चारा द्वाराच एरफनार भारत्यक नकन बाराजान किन्हें করলেন। ভগনান প্রদানের ভীরকণি সকলই ছিল কামত, দৌহে মন্তৰ এবং মাল এই বিশিষ্ট। সেইভদির পাঁচিপট দিয়ে তিনি পয়পেরা হার্যন সেনাপতি স্থাননকে এবং একনত বাদ দিয়ে তিনি বৃদ্ধ শাদবকে বিদ্ধ ক্রলের। অভগের তিনি এক-একটি তীর দিয়ে ভালের। সৈলদেশ্ব, দল দলটি তীর দিরে তার সার্রাধনের এবং

ভিন তিনটি তীর দিয়ে ভার কার ও কায়ানা আহনাচত বিদ্ধা করকোন।"

শ্টিভয় পক্ষের সমস্ত সৈনার। বখন মহিমান প্রস্থারের সেই অবুড ও কলালী দীবড় গলা কলা ভাষা ভাষা ভাষা প্রশংকা করেছিল। স্বযুর্ভের সংস্থা মরদানকের তৈনি সেই জাদ্বিমান করেলে প্রকাশিক इक्तिन जनर नम पुरुष्ट का नुननात जकरात प्राप्त প্রকাশিত হল। ক্ষরত ক্ষরত তা দুশামাম ছিল _{ক্রম} কৰ্মত কৰমত ভা ছিল অদৃশ্য। এইভাবে লাভেব প্রতিপক্ষর কথনও নিশ্চিত হতে পারেনি বে, লেটি ঠিঞ জোখার ছিল। সুতুর্ত খেকে মুবুর্তে নৌক বিদানটি ছত্তি चाकान, नर्वछङ्का या खर्म धकानित इक्तिन। व्यामाञ्डलामा न्याय का क्यान विशेष्टात अरु ब्याननार অবহান কর্মিল হা। বেগানে শেখানে লাল্য ভাও সৈন্দৰ ও গৌতখন নিবে উপস্থিত ইছিল, মন্দেরপতিয়া সেখানেই ভালের জীর নিকেল সর্বাচিত্রের তার সৈমাবাহিনী ও আঞ্চাব ন্যারীকে এইভাবে শক্র থায়ি ও সূর্যন্তকা এক সপনিবের ন্যার কুসেই তীর বন্য পীতিত হতে বেখে শ্রুপ বিভাত হরে কেন। বেডেড বৃত্তিকলের বীনার ঐতিক ও পার্যারক স্বাগৎ বিভাগের জন আহাইী ছিলেন, ভাই লাম্বের দেনাগতিকো নিজিপ্ত ভার বৰ্ষৰ উল্লেখ্য বিপৰ্যন্ত করা সংক্রেও উল্লেখ্য বৃষ্ণক্ষেত্রে উল্লেখ নিৰ্বিষ্ট নিৰাম অভিনাৰ পরিজ্ঞান করেননি। ইভিপূর্বে প্রিপ্রসূত্র হারা আহত হরে শাশ্বর মন্ত্রী দামাল এখন উর দিকে উচ্চান্থরে পর্জন করতে করতে থেনে বাদে ভাঁকে ভার কৃত্যলীহের পদা দ্বারা আঘাত করব। স্বাক্তবের পুর প্রস্তুমের সার্ভনি ভেবেন্ট্রেস যে, তার সাহসী প্রস্তুম বন্ধ পদার হারং কিন্দি হয়েছিল। তার ধর্মীর কঠন বিষয়ে ভালভাবে অবগত ছিলেন বলে ডিনি ভাই বৃদ্ধক্ষেত্র থেকে প্রভাগতে সরিয়ে নিলেন 🖰

"শীয়া সংক্ষা করে করে জীকুকের পুর প্রধান তার সার্থিকে ক্যালেন, 'ছে সার্থি, আখাকে বৃদ্ধক্ষের খেকে সরিয়ে আমা কবন্য করে ছয়েছে।" বৃদ্ধকের পরিভাগ করেছে এমন কেউ ক্রবংশে আমি স্বাড়া স্বলাহকা করেছে বলে কথনও জানা বায়নি। একজন সারবির ব্রীবের মতো চিতার কলে এখন আমার কা কর্মান্ত ভারতে

ক্ষুদ্রা করে থানি কি কাবং ক্ষান্ত মর্যাদর উপজেনী এক বাণ্ডের পরিশত করক অয়েনের ভা কল*ি* " সাত্তি উত্তর করল—"হে চিরতীবিন, আমার নিনিষ্ট

রভালের থেকে কেবলগোর পলায়ন করে কান আমি। কর্তনা ভালভাতে অভগত হতে আমি তা করেছি। 🗷 কাৰের কাৰে কিবে বাব তালৰ পানায় পিতা, নাম ও প্রস্তু, সার্যাধ আমনাই বিশাস্তান্ত রাধের রাধীকে রক্ষা করবে এবং র্থীও অবশাই ভার স্বর্জনৈ ক্রমা করনে। এই ্রেল কবা উপ্লেখ আমি আৰু কলতে পানিঃ ক্ষান্তই হৈবি মনে রেখে, বেছেড় আগনি আপনার করেনা স্থান অনুনৰ আতুৰপুৱা আনাৰ লিকে চেনে হাসৰে আন কলকে. আখাতে অচেতন হয়েছিলেন, তেই আপনি ওকতন আহত াত হীয়, স্থাগতে কিভাবে জোনার শক্ষর কুছে ভোষকে - হরেছের মনে করে আমি বৃদ্ধক্ষেত্র থেকে আগনাকে भवित्यः निरम्भिनामः।"



<u> সপ্তসপ্ততিতম অধ্যায়</u>

ভগবান শ্রীকৃষ্ণ দানব শাল্বকে বধ করলেন

টিল ভারণের গোখামী বললেল—"কান করার পর ক্ষান্ত আ পরিধান করে একং তাঁর ধনুক গ্রহণ করে প্রক্রের উরে স্যর্থিকে কালেন, 'বেখানে বীর শ্রামান নাজিৰে বয়েছে, আফটে শেখানে দিবিৰে নিয়ে চল ট গুলালের অনুপস্থিতিতে দ্বামান তাঁর দৈনাদের ধানে কর্মাল, কিন্তু এখন প্রদাস দ্যানাকে প্রতি আক্রমণ করে হাসতে হাসতে তাকে আটটি সারত বাব দিয়ে বিভ করলেন। এই সকল ভীজো চানটি ছাল তিনি সুমানের চারটি অবকে, একটি তীর ছারা তার সামধিকে আবও মৃটি তীয় নিয়ে তাৰ ধনুৰ ও মধ্যে ধৰলকে এবং শেৰ তীরটি নিয়ে তিনি দ্যমানের মন্তবে আঘার্ড করলেন। গদ, সাড্যকি, সাম ও জন্মান্যরা শাস্ত্র দৈনাদের ইউন ক্ষাক্তি **ওঞ্জ করল এবং এই**কাবে বিষয়েনা কিতবের সকল সৈনেরা তানের শ্বন্ধ জিল জুর সমুদ্রে গতিত হতে স্থাপন। এইভাবে বাদর এবং শাশ্রের অনুগামীদের অধ্য একে অপ্তকে আক্রমণ করে ভারল, ভারতর বুকটি সাকাশ দিয় ও বারি থঙ্কে চলেখিল। ধর্মপুত্র মুখিটি বের আৰম্ভৰে শ্ৰীকৃষ্ণ ইয়েহাছে নিয়েছিলেন। একা সেই राज्यभूग कहा जमान्य श्रामण्ड अकर लिखनामः एक स्टान्स्ड হীভগৰাম অশুন্ত লক্ষণাধি কৰা কলাভ লাগদেশ, তাই

हिन्ने कुम्बद्धान् प्रश्नमुनिवर्ष ७ जुवा तकर दीत जुडावरपत কাছ খেকে বিদায় প্রহণ করে ছারকায় প্রভ্যাকর্তন

প্রীভগবাদ বাং কালেদ—"বেহেড় কানার প্রক্রের (साई शालाध मान चाबि अवास अरमहि, छाई লিচপালের গণেকর রাজার। হতত আমার রাজধানী আরুমণ করে প্রকরে 🐔

জীল ভক্তেৰ পোলামী আগ্ৰও কালেন—"ভারকার উপস্থিত হওয়ার পর তিনি লক্ষ্য করকেন হে, কিলাবে ধ্ববে দেখে উন্ন জনগৰ ভবাৰ্ত হয়েছিল এবং পালৰ ও ভার সোঁত বিষয়নকেও লক্ষ্য করলেন। স্পারীর সূরক্ষর আয়োজন করার পর প্রীকৃষ্ণ সারুক্তকৈ কর্মানেন, হে महाचि, महार जामार स्थाप नारम्बर निकटी मिटड छन। এই সেঁডেগতি এক শক্তিশালী আদৃষ্যা; অক্টে ভোষাকে নিমোহিত করতে বিও না। এইভাবে অদিষ্ট হয়ে পারুক क्षेत्रकारम्य अस्य प्रदेशे था अभन्य करात्मर । अन्यद्वि क्या বৃত্যকরে প্রবেশ করছিল ভবন সেখানে উপস্থিত হাড়োকে, বৰু ৬ শত্ৰ উভয়েই পঞ্চপ্তের প্রতীক চিক্টি লেখতে পেরেছিল। ইতভার কৈন্যদের অধীনা স্কান্ধ খনা ভগবান জীকুমারে প্রবেশ করতে মেধল, ভগন লে

ডার ভারটি শ্রীভগবানের সার্যথিব দিকে নিকেশ করা। বৃদ্ধক্ষেরের উপর দিরে উত্তে আসতে আসতে ভপ্রটি ভয়নবভাবে গর্জন করছিল। শাসকা নিকিল্প ভল্ল সম্প্র আকাশকে এক শক্তিশালী উদ্দার মতো আলোকিত করণ, বিশ্ব শ্রীভাবন শৌরি সেই মহা থান্তকে ঠার খণ খারা শত শত বতে দিয় করলেন। খ্রীকৃষ্ণ প্রথম শাশ্বকে খোলটি তীর দ্বারা বিদ্ধ করকো এবং আকাশে বিচরণদীল সৌজ বিমানকে অকল জীরের প্রাক্তম বিদ্ধ করকোন তীয় নিজেপরত শ্রীভগবান কো তার কিলুপ দিরে আকাশ প্লাকিডকারী সূর্বের মধ্যে প্রকাশিত ব্রুলন। শাল্য তথ্য শ্রীকৃষ্ণের লার্ড ধনুক ধরেশকারী ক্সম বাহুকে বিদ্ধ কাতে সক্ষম হল এবং অন্ততভাবে তীয় হাত থেকে শার্ম পতিও হয়েছিল। প্রত্যক্ষদর্শীরা সকলে হাহাকর করে উঠনেস। ওখন সৌভগতি উচ্চেম্বরে নিনাদ করে क्ष्मवान अनार्मनाक वालस्मि, छुप्ति भूची- भारत जामास्तर সামনে ভূমি আমাদের বন্ধ, তোহার নিঞ্চ লাভা, শিরপালের বধুকে অলহকণ করেছিলে একং থেকেন্তু ভূমি পরে ডার অপ্রকৃত অবস্থার ভাকে পরিত্র সভার মধ্যে হত্যা কবেছ আজকে আধার তীক্ত বাদ দিয়ে আমি তোমাকে বমাক্ষে গাঠাব। বনিও ভূমি নিজেকে ক্ষণমাজের বংক মধ্যে করা, কিন্তু তুনি বাদী আমার সামনে ধৰ্কন দাঁড়াৰানা সাহস কর, তা হলে আমি প্রোমাকে বড়া करावंदे ("

बीटशयम समहाम-"ता पुर, छूपि वृत्रा सक्त कराह, কারণ ডোমার কাছে দীড়ালো মৃত্যুকে ভূমি দেখতে পাছে না। ৰখাৰ্থ বীজের ধেলি কথা বলে না, কাং ভালের কাজের মধ্যেই পৌকুষ প্রদর্শন করে।"

"এই কথা বলে কৃষ্ণ হীভগবান তাঁর গণটি ভরকর পতি ও বেগে সজানিত করে শাসের জরদেশে আগত কর্মেন যার কলে পালেবর রক্ত ব্যন হরে সর্বল্যীর প্রকশ্দিত করেছিল। কিন্তু স্কথনান অনুষ্ঠ ভার পদা প্রভাহার করার দঙ্গে সঙ্গে শাশ্ব অন্তর্হিত হল এবং এক মুহর্ত পরে একটা লোক প্রভিপবানের কাছে এল। ভার যাগ্য নত কৰে। তাৰে প্ৰশতি নিজেন করে সে ছোবলা कराम, 'स्मरकी जामारक शाठिरवाहम' अवर (कामन कराए कत्रहार भत्रवर्धी क्याश्ची ज काउ मानन-ए क्या কৃষ্ণ, যে মহানাহো, তে লিভু-মাতৃবংসলঃ কহাই বেমন

পত্ৰে হত্যা কৰাৰ জন্য নিয়ে বাব, সেচাৰে শাল্ড আগনত শিত্যকে কৰী করে নিত্রে গোছে। সংগ্র ভিত্রি और वादिश मारवाम समायान, एक्स क्या भानुरस्त पूर्वप्रकार सीमा चक्तिरतकारी सीकृष्ण मृद्ध्य **च**ाता शर्मान कराकः এবং ভার পিতামাভার ঋণা হেমবলত সাধারণ বছ জীবাদ্ধার মতো তিনি কথাওলি বাসেছিলেন—বলসার চিরস্তর্ক এবং কোন দেবতা বা শানবই গুংকে প্রাক্তিত কংকে পারে না। ভা হলে কিভাবে এই তথ্য সাল্য ঠাকে প্রাক্তিত করে আমর পিততে অপ্রেপ করে। মিঃসংখ্যে, ভাগাই সর্বশক্তিমান। সোকিব এই সকল কথা কারে পর, গুলাভ কা্তেখকে প্রীভগবানের সামান আন্তা করে, সৌভগতি জনার আবির্ভূত হল। স্থান্ত তবল কাতে লাগল—এই হচে কোনার প্রির লিভা, বে তোমাকে কথা বিয়েছে এবং মাগ্ৰ কৰা ভূমি এই ক্ষপতে ৰ্জীকা বালে কৰে। কোমাৰ টোখের সামকে আমি একা জকে হত্যা কৰব। গুয়ে দুৰ্বল, যদি পায় ভাকে সক। কা। শ্রীকাবানকে এইবাবে ভাসের কাল পা, সান্তব শাল্প খেন তার ভারবারি খানা কপুনেবের সভাক বিচ করার। সক্তকটি ভার সঙ্গে প্রহণ করে আকাশে পরিহামপরত সৌভযানে সে প্রবেশ করন।"

"প্রকৃতিদতভাবে ভগবন প্রকৃষ্ণ হয়েন স্বতঃসিদ্ধ कानवान क्या प्रशासका। एउन क्या प्रशासका, देख ত্রিরজনের প্রতি পরত্র ক্রেবেশত, তিনি এক সাধারণ মানুৰেয় ভাবে নিগৰ হতে ভাবস্থান কৰেছিলেন। শীহুই তিনি সাধাৰ কংকোন বে, এই সমস্তা কিবুই মন্নবানৰ পাৱা নির্মিত ও শাস্থ ধারা প্রয়োগিত এক স্থাস্রিক মধ্যা। এখন প্রকৃত অবস্থান সহজে সচেকন ক্ষাবান অচুত যুদ্ধক্ষেরে ভার সামধ্যে মা দৃত, মা ভার গিতার দরীর কিবুই লক্ষ্য করলেন ম। এটি কেন ছিল তার কুচ থেকে জ্যেপ ওঠারই মতেঃ। উধো ভার শত্রুকে গৌভবিয়ানে উচ্চীরমান কল করে, শ্রীতগরন তথন ভাকে হত্যা করার জন্য প্রস্তুত ছলেন।"

"হে রাজর্বি, কতিপর কবি এমনট্ বটনা বর্ণনা করেছেন। কিছু বারা নিজেরা এমন অবৌতিকভাবে পরস্পরবিরোধী কণ্ডা কলে, গুলা তালের নিজেদের পূৰ্বের বক্তব্য থিকৃত হয়েই থাকেন। অথও জান বিজ্ঞান-ঐপর্যশালী পূর্বক্রম শ্রীভসন্মনের উপর কিন্তাবে ব্যপ্ততাবশত ভাত সকল শোক, যোহ, সেহ বা ভর আবেশিত হতে পারে? তার পাদছবের সেবা প্রনাদের ৰান্ত্ৰ উৎকৰ্ষিত আংখ্যালকাৰিক শক্তি স্বাৰ্থ্য, জীভগবাঢ়েক ভক্তপণ অনাধিকাশ হতে আন্যাকে বিশ্রান্তকারী জীবনের _{কেন্দ্রমন্ত} ভারনাওলি দুর্গীভূত করেন। এইজনে **উ**রো উর বাজিগার সঙ্গের মহিষা অর্থন করেন। তা হলে, ক্রিভাবে, সকল প্রকৃত সাধুগণের পতি সেই পরম ক্রম. মারার বিবন্ধ **কডে পারেন** ।"

শ্বেদৰ বৰ্ষ ক্ৰমণত উন্নে প্ৰতি বিশাল বাহিনী স্বায় লেভের মধ্যে আরু নিকেশ কর্মানা, কবন অযোক্তিকর ক্ষাব্যা শ্রীকৃষ্ণ স্মানেকা প্রতি তার তীরসমূহ নিক্ষেপ করে ভাবে আহত করে, ভার বর্ম, ধনুক ও শিরোপরি प्रति इन् कारणा। चारदाना श्रीक्षपदान देश भग निर्देश প্রায় পঞ্জর সৌভবিষ্যানটি কালে করলেন। প্রীকৃষ্ণের গুলার আমতে সহত বতে কির্প হরে সৌড বিধানটি জনের মধ্যে পতে সেল। লাল্য সেটি হেডে বরং ভূমিতে হৈমে ভার গলা গ্রহণ করল এবং ভগবাস

অচ্যতের দিকে (ধরে এল। শাল্য ক্ষম তার দিকে ধাৰিত হল তখন জীভগণনে একটি ভল্ল নিক্ষেপ করে বে হাতে গলা ধারণ করেছিল সেটি ছেলন করলেন। অবশ্বেৰে নাশ্বৰে হত্যার ক্ষিত্রত প্রহণ করে শ্রীকৃষ্ণ প্ৰশৰকাশীৰ সূৰ্বের মতো গ্রার সুদর্শন চঞা ধারণ করবেন। উচ্ফলকাপে লেভিত শ্রীভগবান উদয়াচনের মতো আবির্ভত হয়েছিলেন। ঠিক কোন ব্রাস্থের মন্তব্য ছেননের জন্য পুরুষর ভার বস্ত্রকে ব্যবহার করেছিল, তেমনি তার চন্দ্রকে নিযুক্ত করে শ্রীহরি কলস 🗣 মুকুটসহ সেই মহা-মায়াবীর মকুক ক্লেন করলেন। ভা দেখে শালেখন সকল অনুগামী 'যার, হয়ে।' করে কেঁলে উঠল। পালিষ্ঠ দালব এখন মৃত, এবং ভার मिडिवियम करण श्रहरह (संदर्शन सर्व पुन्ति निर्वातिक করলেন। ভারন দন্তবক্র, তার বছর মৃত্যুর প্রতিশোধ প্রচলের উদ্দেশ্যে ক্রাডাভাবে প্রতিপ্রসানকে আক্রমণ



অষ্ট্রসপ্ততিতম অধ্যায়

দন্তবক্র, বিদূরথ ও রোমহর্ষণ বধ

পদ্দেশে এবং ভার হাতে একটি কর ধারণ করে সেই বলালী বেছা সম পদক্ষেণ খারা পৃথিবীকে কশ্নিত করেছিল। খরুবক্রকে সমাগত কর্মন করে শ্রীকৃষ্ণ সহয় ভাষা গৰা ভূলে নিৰে ভাষা বস্ত লেকে লাক বিয়ে নেমে সমূহতেই ঘেডাৰে সমূহকে কথা প্ৰদান করে সেভাবে তাঁব উন্ধিত করে করুবের সেই বেগরোরা রাজা ভগবান

নীল গুৰুৰের গোলালী সললেন—"হে রাজন, সুকুৰকে কলে, ভি সৌভাগ্য। ভি সৌভাগ্য।—গ্রাভ বরবেকেগত শিশুপাল, বালব ও পৌপ্রকের জন্য ভূমি আমার সামনে এনেছঃ কৃষ্ণ, ভূমি আমার মাহাজে ক্ষমোচিত আচনৰ পূৰ্বক দুৰ্বতি ৰণ্ডবক্ত অভান্ত ক্লম্ম ভাই, কিন্ত ভূমি আমান বন্ধদের বিক্লমে হিংলা ব্যাচনৰ হতে বৃষ্ণক্ষেত্রে উপস্থিত হক। সম্পূর্ণরূপে একা, করেছিলে এবং এখন তুমি আমাকেও হত্যা করতে হাও। অভএৰ, রে মুর্ব, আহরে বঞ্চতুকা গদা ছারা আমি তোমাকে বাং করব। হে আয়ে, ঘাতাপার বছদের প্রতি কৃতকা আমি, আমার দেহের এক ব্যাধির ন্যার, এক ছমবেলী আধীয়রূলী আমার শত্রু ভোমাকে হতামে হারা ভাষের কা পোধ করব।' এইভাবে শ্রীকৃষকে কর্মণ অপ্রসরক্ষা প্রতিপক্ষকে প্রতিরোধ করলেন। তার গল। বাজের মাধ্যমে নিরক করার চেন্টা করে তীক্ষ ভারত দিয়ে হাতীকে বিদ্ধ করার মতো দত্তবক্ত প্রীভগবানের মন্তবেদ তার পদা দিয়ে আখাত কবেছিল এবং সিংছের মতো পর্জন করেছিল। দতনত্ত্বের সদার আখাত পেলেও বদুকুলোজারী জীকৃ কা তার কুছকেনোর স্থান থেকে একটুকুও বিচলিত হলেন না। বরুর জীতবারুর জার ওকটার কৌনোদকী গলা হারা দত্তবক্তেনা কজহলে আহাত করলেন। পদার আহাতে তরা হলার বিনীর্ন হলে সত্তবক্তে রক্ত করান করণ এবং অবিন্তু চুল ভার বিভিন্ত কর ও বৃই পা নিরে প্রাণহীন হরে ভূমিতে পতিত হল। এক অভি সুত্ম ও অভ্যুত আলোর হার তথা হেলবের থের প্রকাশ, ঠিক বেরুর নিত্তবার মধ্যে প্রকাশ, ঠিক বেরুর নিত্তবার মধ্যে প্রকাশ, ঠিক বেরুর নিত্তবার মধ্যে হলেন কর্তবার মধ্যে হলোছল। কিন্তু তথান কর্তবার মধ্যে হলেন কর্তবার মধ্যে হলেনের ক্রিয়ার মধ্যে হলেন কর্তবার মধ্যে হলেনের ক্রিয়ার মধ্যে হলেনের নিত্তবার মধ্যে হলেনের ক্রিয়ার মধ্যে হলেনের নিত্তবার মধ্যে ক্রিয়ার হলেনের নিত্তবার মধ্যে হলেনের নিত্তবার মধ্যে হলেনের ক্রিয়ার হলেনের ক্রিয়ার হলেনের ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়

"হে রাজেয়, কিনুরথ ছাঁতে অফ্রমণ করলে, শ্রীকৃষ্ণ উরে কুরধার সুদর্শন চফ্র ব্যবহার করে কিরীট ও কুওল সহ ভার মন্তত ছেদদ করলেন। সকল বিশক্ষণের কাছে বারা অপরাধের ছিল সেই শ্রান্থও ভার সৌভ বিমান সহ দল্ভমান ও ভার কনিউপ্রাক্ত এইভাবে কিনাশ প্রাপ্ত হলে, দেব, মানব, থবি, সিভ, কর্ডের, কিন্তাগর, মহানাগ, অপরা, শিকুপুরুব, ক্রম, কিন্তা ও চারপাণ সকলেই প্রীভগবানের ছাতিগান করলেন। ওারে বধন উরে ইছিমা কীর্তির ও ওার উদ্যোক্ত পুশ্রুবর্শ করিলেন, তথ্য বৃত্তীপ্রবহরণের সঙ্গে স্তীভগবান তার সুসন্ধিত উল্লেখ্য রাজধানী নগরীতে প্রবেশ করলেন। এইভাবে যোগোরর ও জন্মনিকা গরবোর ভারবল শ্রীকৃষ্ণ ভির-বিশ্বারী। কেন্সমাত্র হারা প্রথম করলে প্রাক্তিত হল।

"শ্রীবল্রার ভবন শ্রুবণ ভবলের যে, কুরুণণ গাওলাগের সঙ্গে মুক্টের প্রভৃতি নিজে। নিরণেভ বাও, তিনি তীর্যকুনসমূহে প্রান করতে বাওলার হলে প্রকৃত ভরলেন। প্রভালে প্রান, দেখ, খবি, লিচুপুত্রর ও বিশিষ্ট মানবংশর ভর্পন ভরার পর তিনি ব্রাক্ষণণের সজে শল্ডিমানিকের সমূত্রে প্রবাহিত সরক্ষীর ভালে ক্ষন কর্মগোন। জীবলারার বৃহৎ বিশু স্থোবর, বিভযুগ, সুমর্থন, বিশাল, ব্রাতীর্থ, চক্রতীর্থ এবং পূর্বনিকে প্রকৃতিত সরস্থতীতে শম্প করলোনা হে ভারত, তিনি পাল ও বনুনার তীব ধরাবর সকল পবিত ভানতগিতেও পিতেন্ট্রেন এবং ভাষপর তিনি নৈমিবারবো একেন বেখাকে কয়ান ভবিধাণ এক মহাবজা সম্পাদন কর্মাইনেন।"

"শ্রীভনতনা অগমনে তাঁকে চিনতে পেরে, গ্রীপ্র
ক্রিকের আন্ তাঁকের ক্ষাপালনে নিয়োজিত মুনিগণ উঠে
এগে প্রশ্নর নিকোন করে তাঁকে ক্ষাবেগভাবে অভিনশন
আপন করলেন ও তাঁম পূজা করলেন। এইভাবে তাঁক
অনুগানীদের পূজা পাওরার পরে, শ্রীভগরান সম্মানিত
আন্দা ক্রেপ করলেন। তথা চিনি সালা করলেন যে,
ব্যাসলেকে নিব্য ব্যেমহর্তার জাননে কলে আছে। তেভাবে
এই সূত জাতির সমস্য উলিত হতে এবং প্রশাম নিকোন
করতে কিবা বুল্ট কর্ম হতে শুর্থ ইরেছিল এবং হৈছেবে
লে সকল বিজ্ঞ প্রশাসপেরে উত্তে উপরিষ্ট ছিল ভা বর্ণ্ডা
করে ভারমন ক্ষারাম জভান্ত ক্রুক্ত হতেছিলেন।"

ভগবান কারাই কালেন—"যেহেতু প্রতিলামধাত এই বৃহতি এই সকল ভালাগগগের এবং ধর্মপালক আমারও উত্তে উপকেশন করেছে, ভাই সে বধ্যোগ। ঘলিও সে স্থাস্থেকালে ধর্মনীতি, পৌরাশিক ইতিহাস ও পুরাশ সহ কা লাভ্র অধায়ন করেছে, কিন্তু এই সকল অধায়ন তার মধ্যে সন্ ওপানলী উৎপদ্ধ করেছি। বরং ভার সাল্ল অধ্যায়ন একজন অভিনেতার পাঠ অধ্যায়নর ইতে, কারণ সে ভিতেলির কা বিনীত না। সে ভার নিজের মনকে জন্ম করেছে বার্থ হয়েও কৃথাই নিজেকে পতিত মনে করেছে। এই স্বান্তে আমার অবভরণেই উল্লেশ্য হল্কে এই ধরনের ধার্মিকভার ভানকারী অধ্যায়ন কা করে। প্রকৃতপক্ষে ভারা অধ্যন্ত পাতকী।"

নীল ওক্ষেব লোডামী আরও বললেন—"যদিও ভণবান কণরার গাণীপের হত্যার নিবৃত্ত ছিলেন কিছ রোমহর্তপো মৃত্যু ক্ষমপুরাবী ছিল। তাই, এইভাবে বলে, শ্রীজনবাল একটি কৃশ তুলে নিয়ে তার অপ্রভাগ নিয়ে ক্ষাপিক হরে তাকে বম ক্রালেন। সকল মুনিগণ অত্যত গীজিত হরে উচ্চেল্লের 'হার, হার' বহর উঠকেন। তার ভণবান সক্র্যণতে ক্যলেন, 'হে প্রকু, জাপনি একটি অধ্যোচিত অচেবশ ক্রালেন।' শতে বানুক্তনা, আন্তর্যা তাকে ওক্তনেকের আন্তর প্রধান কর্মেরিকান এবং ব'তদিন এই বঙ্গা চলবে তর্তনান পর্বন্ত তাকে শীর্থ আঁকন ও নৈহিক পীলে হতে মুক্তি প্রদান করেছিলান: আগনি না কেনে এক ক্রাক্তগতে হত্যা করেছিলান: আগনিই, লাজের বিধিনন্ত্রণ কেংগত্তর ক্রান্তর্যা উপর ফর্ট্য করতে পারে না। তা সংক্রে কনি ব্যেলার এই এক প্রাক্তব ক্রেমা কন্য নিষ্টি প্রবেশিক লাক্তন কর্মেন, হে জন্মং পারেন, আপন্তরা মৃষ্টাত হরেন সাধারক আনুব পর্যন কন্যাব ক্রম্ভ করতে।"

জাবান কণকে—"কেন্ডে আহি স্থানণ সানুহতে অনুহাই প্রদর্শন করার কাননা করি, তাই আনি অবশাই এই প্রত্যাধ জান্য প্রাকৃতিক সম্পানন করাব। আন্তর্গন, গ্রামে বা আ আচার পালন করতে হবে জাধাকে তা বিধান করান। যে মুনিগল, অপন্তরা তার কাছে আ সং কল করেছিলেন—বীর্ম আরু, কা ও ইরিছে প্রত্যা— ধামাকে কেবল তা কল্ম, আমার বোল শক্তি ভারা সমস্ত কিন্তই ভানি পুনকভার করব।"

থাবিগৰ বলানেল—"হে রাম, ম্যা করে গেবুন বাতে আগনার সন্তি ও আগনার কুব অন্ত এক সেই সংস व्यानास्थतं भरकव । क्रानाश्रदेशसः मृह्यः, मकसरे यक्ट पारुः।"

ভগতান বলালেন—"বেদ আমানের নির্দেশ প্রদান করেছন বে, জারও আলা পুনরার পুরস্কাপ জনমাইশ করে। তাই লোমহর্তদের পুরা পুরাণ কলা হাসেন এবং তিনি নীর্ব জীবন, গৃড় ইলিবসমূহ ও শক্তি প্রাথ হবেন। হে যুনিপ্রেক্তনা, আপনায়েন্দ্র আভিলাব আমাকে বলুন, আমি অধানাই তা পূর্ব করব। হে জানী আভাগন, বেহেডু অন্তম নাজিক জানি না তাই বস্তুসক্রাক্তে আমান ব্যাহন্য প্রায়নিক্তর বিধান কর্মন।"

विश्वा कार्यान—"हैन्यरानत नृत कन्यम नामण अव करकर नाम अवस्त श्रीह भवितान वालमान करते अवस् वामारमत केथा नृत्यक करते। (म नगाई करना, मया करते वामारमत केथा नृत्यक करते। (म नगाई करना, मया करते वामारमत केथा नृत्यक क्या, मया, मया अवस्था करिया स्था का वालि वामारमत करते कराय गार्टान। व्यव्य भा, व्यव्य भागत का व्यव्यक्ति ममारिक क्रिया कार्यक कृति गवित्यका करते कृत्यनासन कत्रायम से विश्वित गवित्र ठीर्यक्रमा क्या कारका। अर्थकारन क्यांचनि विश्वक स्ट्रांन। "

একোনাশীভিতম অধ্যায়

শ্রীবলরামের তীর্ষে গমন

বীলে ওক্ষেত্র পোসামী বললেন—"লডংগছ,
পর্যদিনে, হে রাজন, লব্র গুলি বিভিন্ত করে ও পুঁজের
পর্য ছড়িয়ে এক প্রচণ্ড ও ভারতা বাহু উবিভ হল।
অফালা, মজারুলে কন্দদ বাল প্রেনিড ভূল বা সমূলের
এক বর্ষণ আ্লান্ডন করল, এরগরে বালন করে তিপ্লা
হাতে আবিভূত হল। সেই বিশাল কানবটি কিল কর
কান্য সমূল কালো। ভার শিলা ও আন কিল ভব ভারার মতো একা ভার সূত্র হিল ভ্যানক বিহনীত ও
বাজানুক লা। ভাবে কর্মন করে জনবান কারার উব

শতেবৈন্দ্ৰেক বভ বভ করে বিনিশ্ভারী তীর পদা এবং লাক্ষের পারিপালকারী উপ্লে লাক্ষ্য আরের অনুধ্ কর্মেন। এইভাবে আহত হয়ে তীর অনুধ্য তৎক্ষাথ উল্লামন্থ্য উপস্থিত হল। জীকারাম তার কামসের প্রভাগ লিয়ে আকাশচারী লাম্য কামসেকে আবর্ত কর্মেন এবং তার পথা লিয়ে কুজভাবে সেই প্রাথনখনের উৎপীক্ষেকারীয় বরকে আহত কর্মেন। মৃথ্য অনুধার কর্ম্যা ক্রম্মন করে উঠে ভূপাতিত হল, তার ক্রপ্রাণ বিনীশ্ হরেছিল এবং প্রচুর রক্ত কর্মা হতিকে তাকে

বছাছত অৰুণবৰ্ণের পর্বতের মতে। মনে ইচিংল। মুন্তিভ্রষ্টণাণ আছেবিক ছাতি ইরো হীবামের পূজা করলেন এবং তাঁকে ব্যৱত আশীবাদ প্রদান করণেন। **স্বত্য**পর তারা ভার অভিধেক অন্টান করপেন, ঠিক হেমন ব্রাসুরকে থথের পর দেবভারা আনুষ্ঠানিকভাবে ইঞ্জের খণ্ডিকে করেছিলেন। বেখানে সন্ধানেনী বাদ করেন मिर्वे अञ्चल-नारबद्ध अरू देवबावर्तीयांचा छोवा श्रीकातास्टर्क প্রদান করনেন এবং ভারা ঠাকে এক জোভা দিয়া করন ও আভরণও প্রথম কর*লেন* (*

"অতঃপা, কবিলা ধারা অনুয়োত হতে, কাবান মাক্ষণগণের সঙ্গে ভৌশিকী নদীতে গমন করে প্রান ক্ষালেন। সেধান থেকে ডিনি সেই সরোবরে গমন করলের থেখন থেকে সরগু নদী প্রবাহিত বরেছে। क्षत्रकार जारु नहीत उत्तर चानुजान करत श्रास्त्र अस्त्रन् শেখানে তিনি স্থান করলেন একা ভারেলর কেবতা ও खनाना औरका कर्मन जन्मानन क्यान्त । बारनव दिनि পুলহ কবির জালামে গ্রাম করলেন। স্তাপক্ত কলরাম (भाषकी, शक्तकी के विनाना नहीं मध्य का कारणन जबर তিনি শোল নদীতেও ভুন দিয়েছিলেন। তিনি গায়ে গ্ৰহন করে সেবালে উন্ন পূর্বপূর্ণবর্গণের পূজা করলেন এবং গঙ্গার লক্ষ্ম ছলে তিনি গুদ্ধ দ্বান সম্পাদন করলেন। মাহন্ত পর্বতে ভিন্নি শ্রীপরওরামকে দর্শন করলেন একা ছাঁতে প্রার্থনা নিবেদন করতেন। অভঃপর তিনি গোলকেরী নদীর সাতটি শ্রাথরে স্থান করলেন একং বেশা, পশ্লা ৰ ভীয়েৰী নদীসমূহেৰ তিনি স্থান করলেন। এরণ্ড ভগরেন কলরাম কলমেবের মঙ্গে মিলিভ হলেন ক্ষেত্র করিলের বাহ শ্রীশৈল দর্শন করণেন। হাবিত দেশ নামে পরিচিত দক্ষিণ অঞ্চলে ভগবল পরিত্র বেছা পর্যন্ত এবং কামকোকী ও কাকী সগরী, নহীলেকা কাবেরী ও ভগবাধ ঈঠা বেধানে নিজেকে প্রভাগ কথেছিলেন সেই পথায় পৰিব্ৰ ক্ষেত্ৰ জীৱন দৰ্শন কণ্ডতান। ক্ষেত্রত তিনি ক্ষত পর্বতে ও ভগবান ক্ষেত্র ক্ষেত্র, ক্ষেত্র সংখ্যার পরন করকোন। আন্তঃপর ভিনি লেডবাই আলমন করলেন, খেনানে অভার ভটিন পাপসমূহত বিনাপপ্রাপ্ত হয়। সেখানে সেতৃকছে [सहस्रकार] भागवान समायुक्त आधानामहरू मन महरू सही। শান করণেন। তিনি অভানার ক্তরালা ও তাহান্দী নদী।

a বিশাল মলর পর্বতে গমন করেছিলেন। মানুর পর্বভাষালয় ভগ্রার বলরমৈ অপজা ভাষ্ট্রে লাতে क्षात्रीत क्षात्र इस्त्रत। चरिएक श्रेषाम निर्देशन कराह श्रुक्ष ভগবান তার কাছে প্রার্থনা নিবেশন করলেন এবং ভারতে কার জানীবাদ গ্রহণ করলেন। অগত্যের অনুরাঞ্জত তিনি বলিশ সমূহের তীতের নিকে অধ্যনর ভালের যোগে তিনি দেখীপূর্ণাকে তার কলাকুমারী ক্রপে ফর্মন ক্রুকোন ।"

"ভারপর তিনি ফাছুদ তীর্থে থখন করকেন এবং পরিত্র পঞ্চালরা সরেবলৈ আবসায়ন করলেন, যেলানে ভাগবাস বিষয় প্রত্যাক্ষরতে নিজেকে প্রকাশ করেছিলেন। (मोरे शास दिनि चाहर मण महत पानी मन कटाहिस्सर) ভগত্তম অভ্যাপর কেরল ও য়িগর্ড কেশ ব্রমন করে বেখানে জগবান ধৃষ্ণটি (শিব) সক্রমবিভাবে নিজেকে প্রকাশ ভরেছিলেম, স্কণবান শিবের সেই পরিও গোলা ৰগতী গ্ৰহৰ কৰলেব। শীপৰাসিনী দেবী পাৰ্বভীকেও মর্লন করার পরা জীবলরাম পবিত্র কেলা পূর্ণারকে পরন ক্যালেন এবং শুলী, পরোজী ও নির্নিট্যা স্পীসমূহে স্থান করলেন। অত্যাপর তিনি দওক অর্থের রাকের করলেন এবং সহিখতী প্রতিষ্ঠিত করেঁটি সহ, রেবা নদীতে প্রম করকেন। তরেশর তিনি মনু-তীর্থে সাম করকেন এক सरातार अस्तान अस्तानर्थन क्यामन । किसार ५० ७ লাওবংগের হারে বস্তু সরকা ব্রাজ্ঞানণ হত হয়েছিল ক্ষেত্ৰত ব্ৰাহ্মপের কাছে ভাগবান তা কাল করণেন। তা থেকে ডিনি সিদ্ধান্তে এলেন গে পৃথিবী এখন ভার ভার মুক্ত হবেছে। তথা জীবলরাম মুছকেনে মুছরও ভীম ও দুর্বোধনের গণকেরকে নিবৃত্ত করায় উদ্দেশ্যে কুল্ডেরে প্রান্ত করলেন। করন মুর্মিন্টর, প্রীকৃষ্ণা, আর্কুন, নক্ষা ও সহায়ের শ্রীবলরামকে কর্নন করলেন ভারে ভারে 'क्किन्नं राप्तम निरंतसम् कर्तासन्, किन्तु किन्नु स्वारामा स. ভাৰকেন 'তিনি এখানে আমানের কি কলতে এসেকো?' শ্রীবন্দরাম দুর্যোধন ও ভীমকে, ভাগের হাতে পদা সং মেনপের এবং ভারো উভনে ক্রমনেরে একে অন্টো বিক্তম বিজয়ী চওৱার জন্ম সংগ্রামরত দক্ষতার সংখ মধলাকারে পরিক্রমন্ত্রীল ছিলেন। ভালে ভালেন ভালের क्लात्म्य-आसा पूर्वाध्यः । तयः कीषः। स्वयं क्यः। পুরের বিজয়ে ডোমরা দুই কেডাই সমান। আমি **ভা**নি

ে ভোষানের মধ্যে একজন দৈহিকভাবে ফলকে-চানী আৰু ক্ষাৰ্থন প্ৰকোধেনীশলগত শিক্ষাৰ তেওঁ। তেন্তের জেনো বৃদ্ধ বিজ্ঞান প্রতিটো সমানভাবে তুলা, ভাই আরি দেখাতে পাৰ্যাহ না যে, কিতাবে তেমোলের দুইজনের একদা করী বা পরাজিত হবে। সুতরাং এই নিজন शह शह करा।"

वनिश्व श्रीवनवारम्यं चन्रतायि दिन वृक्तिएक, किन्न লানের পারস্পতিক সক্রতা ছিল অপনিবর্তনীয়, ভাই ভারা তা গ্ৰহণ কৰন হয়। উম্বেখ্য ক্ৰান্তাকে নিজন্ত কৰে। অগরের কার খেকে প্রাপ্ত অপমান ও করিসাধনের করে প্রকা করতে লাগন। পুরুটি ছিল ভাগোর আয়োজন, এট নিয়ার করে, শ্রীকারাম স্বানাকার প্রভাবর্তন করলেন। সেখানে ভাকে দর্শনে প্রীভ উপ্রসেম ও বারে জনারের ভাৰীরথণ ব্যর ভিনি অভিনশিত হরেছিলেন। আন্তর তিনি পুনরার নৈমিবক্ষেত্রে উপস্থিত হলে ভবিগণ

অধিকর্ত্ত বিশ্রহ হতে নিব্যুচিত এবং বজন্ত্রিকরণ स्मारंगरवत् शाता थक्षः अध्रहत्वत् स्वयुक्तेत्रं करविषरम्भ। সর্বশক্তিয়াম জ্ঞাবান করেছে ছঞ্চিলকে বিশুক্ত পরেমার্থিক 🖦 প্রধান কর্মেন, বয়ে বারা উল্লাস্থ্য বিশ্বকৈ উচ্চ मस्य अवर कीएकत नमक्रिक्ट मध्या गान्त मर्पन कराउ পারবেন। তার পত্নী সহ অবস্থার বান সম্পাদকের পর প্রান্ত ওক্তেম পোলামী বলে চলালেন—"হে প্রাক্তন, সুন্দরস্তাপে কাম পরিহিত ও অলম্ব্রত শ্রীকলবার্য তার পৰিবাৰের নিকট আপীর ও বস্থপণ জন্ম পরিবেটিত হয়ে নিক্স ক্ষোতির্ময় বুলি পরিবৃত চল্লের মতের দীর্গ্রিমান রূপে প্রতিভাগ হয়েছিলেন। অসর ও অপ্রথমের ভগরান, বাঁছ মারালক্তি ভাকে এক অনুষ্ঠাতে প্রকাশিত করেছে, সেই कल्यांनी करवाथ चारा क चंडहराड चारांना चारांचा লীকা সম্পাদিত *হয়েছিল* । অমন্ত ভগৰান কল্*যা*খেও সকল কাৰ্যকলাপই অন্তত্ত। বিনি নিংমিত প্ৰভাৱে ও সরেকোনে তা ভারণ করেন, তিনি প্রথেশ্ব ভগরান শ্রীবিদ্ধার অভাগ্ত হিয়ে হল 🖰



অশীতিতম অধ্যায়

ব্রাহ্মণ সুদামার দ্বারকায় শ্রীকৃষ্ণ পরিদর্শন

करामा वीत्रकपूर्व कर्म अवन कराठ देख्या । 💢 शक्तर শিক্তাৰে কেউ, বিনি জীবনের সার অকাণ্ড ও ইয়িংগ फ़रित सन्त छैरमान अध्य अत्रह कत्राक विषय, गृन्द পুনি ক্ষাৰ্ম উভানতোকের চিন্না কথাসমূহ প্রথ করতে ण, व फेर कर्च कर्ज करत, दश्रि शक्ट का रण (गरें) के अर्थन काम जाम समाह विकास माध्य कामकारी केंद्रक ^{पेद्रम} करा, क्षर (गरे मकन कभी रहा शकुछ कर्ष या ঠার বিকরে পুণা কথাসমূহ প্রবণ করে। গ্রন্থত মন্ত্রক

ব্যক্তা পরীক্ষিক কললেন—"হে প্রস্তু, গরমেশর হঙ্গে সেটি বা ভগবানকে, স্থাবর ক্ষম জীবের মধ্যে ভসবান মুকুন্দ, বায় শৌর্ব অনক, আমি তাঁর সম্পাদিত । তাঁর প্রকাশকে প্রধান নিকেন করে, প্রকৃত চকু হতেই তা, বা কেবল ভগবানকে দৰ্শন ভত্তে একং সেই সমস্ত অগ্ৰই হতে প্ৰকৃত অদ বা নিহমিত ভগবান কিবা তাঁৱ 'তক্ষরবের পাদর্থেটিত **মাল্যকে সম্ভা**র করে।"

সূত গোলামী কালেন—"এইভাবে রাজা বিষয়াত পান জা পরিজ্ঞান করতে পারেন? প্রকৃত কান্য হচেছ বারা বিশ্বাসিত হরে, পরমেশন ওপরান কপুণেরের পারেন জ, বা ক্সবানের ওপসমূহ বর্ণনা করে, প্রকৃত হক্ত হচ্ছে সম্পূর্ণরহণ নিমগ্রচিত পতিশালী পবি বানরহণি উত্তর द्यंताल केन्द्राज्यन ।"

> বীল শুক্ষের গোহামী কোলে:—"বীকৃষ্ণের কোন এক মাঞ্চল বন্ধ বিদেন (সুদায়া নামক), হিনি বৈদিক" জ্ঞানে অভাব পবিভ এক সকন ইন্ডিয় উপডোন খেৰে

নিরসম্ভ ছিলেন। অধিকন্ত, তিনি ছিলেন প্রশাস্ত চিত্ত ক্লিফেলিরঃ গৃহস্কাণ ক্লীকে বাপনকারী ভিনি न्यताधामभक् वस पात्रा मिरकारक अफिलाकार कंत्रएक। সেই জীৰ্ম বসন পরিহিত ব্রহ্মণের পতীত ওঁলে সঙ্গে ক্ষম তেখে হেড় কুলকারা ছিলেন। মারিপ্র শীড়িত গ্রাক্ষণের পবিভ্রম্ব পত্নী একবিন জার ক্লেলকনিত মদিন মূখে উন্ন ক্যমে আগমন করে তরে ফম্পিতা হরে ক্যালেন, হে প্রাক্তণ, এটা কি সভিত্র নর বে কর্মীশতি হাজেন আগন্যর याकिनस्य त्रवा । त्रांचे सामस्त्रातंत्रं समस्य व्यवस्थान्त्र প্রতি অনুগ্রহানীল এবং ভালেরকে ভার আগরে প্রদান ক্যতে অত্যন্ত ইন্দ্ৰক। হে মহাকাৰে, দলা করে সকল সাধুদের প্রকৃত আবর ভারে কাছে গ্রহণ করন। তিনি নিশ্বিতরূপে আপনার মধ্যে এরাপ এক পীড়িত গুড়স্বকে शहर की क्षेत्राने करदवने। जेशवाने कुछ अधन (काळ, বৃক্তি ও অন্তব্যপ্রের শাসক এবং তিনি ভারকার অবস্থান করছেন। বেহেও কেবলগার ভার পাদপদ্বের শ্বরণভারীকে তিনি নিজেকে পর্যন্ত দান করেন ভাই তার ঐকাজিক ভক্ষয়কারীকে, জগদশুক তিনি বে সৌভাগা ও অনতীষ্ট জাণ্ডিত সুধ প্ৰদান কংকে ভাতে আৰ माध्यक कि.१^ल

শ্রীল ওকদের ক্ষেত্রামী বলে চললেন—"এইভাবে থাঁৰে পদ্ধী কৰা ব্যৱসায় তাঁকে বিভিন্ন ভাবে প্ৰাৰ্থনা ক্ষেত্রিকেন, প্রাক্তা ভাষা ভাষানার, ভাষানা ক্ষান্তে দর্শন করা প্রকৃতগক্তে জীবনের মেঠ প্রতি ে এইভাবে তিনি বাওয়ার সিদ্ধান্ত প্রকাশ করলেন, কিছু প্রথমে তিনি ঠার পট্টাকে কালেন, ক্লালী, উপহার জাপ নিয়ে স্বাধয়ার ছলে গুতে যদি কিছু পাকে আমাকে জা প্ৰদান কর।' সুদ্দানে পত্নী অভিকেশী বান্ধণগণের খেকে চার মৃষ্টি চিডা ভিন্দ করলেন এবং ডা একটি মীর্ণ বন্ধ করে বছন করে জীকুকের করা উপচার রাগে ভার পভিকে প্রধান স্বর্গের। ডিয়া প্রহণ করে সেই সাধু রাজণ সর্বজন কিভাবে আহি কুকের দর্শন লাভে সহর্থ হয় গ চিন্তা कश्रुष्ट कृष्ट्रांस शहरूनाच प्रतिकाल बाजा कृष्ट्रांम। करतकान हानीड बाक्षपश्रापत गरम कुछ इरा (अहे পঞ্জিত ব্ৰাক্ষণ ডিনটি বাকী স্থান ও ডিনটি বমা অভিক্ৰম ক্ষ্যকোন এবং ভারত্তা সাধারতের ক্ষমন ক্ষরতান কৃষ্টের তিখন্ত ভালনাপ আছক ও ব্যৱসাধনের পুরের মধ্য নিয়ে

হেঁটে, ব্যাপর প্রীর্চারর ব্যান্তর সমূদ্র প্রাণীর প্রাসাদসভাষ্ট্র মধ্যে এক ঐশর্ষময় প্রানাদে প্রবেশ করলেন আর তথ্য किनि राम मुक्तिन सामन शास शरास्त सम्बद्ध করকেন ^শ

"বেই সময় ভগৰান অচ্যুত ওঁরে হিয়ার খ্যাত উপৰিষ্ট ছিলেন। বিশ্বটা বৃহ খেকে প্ৰাথানকে লকা করে। ভদক্তৰ তৰকণাৰ উঠে তাঁৱ সঙ্গে মিলিত হওৱাৰ ক্ষা এনিয়ে নিয়ে মহানলৈ তাকে জানিস্থল করলেন। ক্রান প্রিয় বছ বিঞ্চ হাপাবের দেহ স্পর্শ করে ক্ষয়সংক্র ভাষান অভ্যন্ত জানক অনুষ্ঠা করলেন আর তাই তিনি প্ৰেমাক ধৰ্মণ করলেন। ক্ৰীকৃষ্ণ তাঁর বন্ধ সুনামাকে পর্বত্বে উপবেশন করালেন। অভঃপর সমগ্র জগত পবিত্রকারী ভগবান, ব্যক্তিগড়ভাবে তাঁকে বিভিন্ন ক্রছার্য নিবেশন করলেন ও জিল পালবর বৌতে করলেন, রে রক্ষেত্র ভারপর তিনি তার নিক মন্তবে নেই কল নিটারে দিলেন। তিনি তাকে নিয় সুগৰী, সাল, আগ্রচ ও কৃষ্ম দেশন করবেন এবং আনন্দিতভাবে সুগন্ধী বুন ৬ माजिक्द की भ दाता भूका कदायान। कस्तार्थ छात्क সুপুরি নিবেশন ও একটি পাতী উপহার প্রদান করার পর তিনি মধুর বুকো জাকে স্বাগত জন্মালেন। জার চানর निटा कारक बालाम कारत जनहीं हमनी चरार, बीर्ज ७ प्रतिन বস্ম পরিহিত, অভান্ত কুশকার ও শিরাজালভাগুলের मिक्ट द्वाचापक स्थित कडरमन। प्रशिन कान भरितिक এই ব্রাক্তপথে নির্মল কীর্তি ঋগবান শ্রীকৃষ্ণ দাবা অভ্যন্ত ত্ৰীতিপূৰ্ণভাবে পৃঞ্জিত কুড দেখে রাজভাসাদের মানুদের বিশ্বিত হয়েছিল।"

প্রাদেশের অধিবাসীরা কলজেল—"এই মালন ব্যঞ্জ আশ্বৰ কৰি পুশ্ৰকৰ্ম করেছেন ? জনসংগ্ৰাল ভাৱে অখ্য ও নিশিত বিকেনা করলেও ত্রিভুকাণ্ডক, শ্রীনিবাস ভাকে হাছার সঙ্গে সেবা করছেন। ভার পর্যকে উপবিষ্ট শক্ষীদেবীকে তাগে কৰে জগবান এই ব্ৰাহ্মণকৈ ব্যানকাবে জালিকন করণেল ক্ষে ডিনি টার জোট माठी। (ह द्राविन, क्या ७ जुनामा श्राप्तानम् ३७ साल्प পূর্বক জীলের ওরজুকে এক স্বয়ন জীয়া কিভাবে একসংখ বাস করতেন সেই বিবরে জানভের সঙ্গে কথা কাতে

এনে তুনি এক সুৰোগ্যা পদ্ধীকৈ বিবাহ করেছ বি না চ মনিও তোমাকে পুৰুষ্ কৰ্মে প্ৰায়ই যুক্ত থাকৰে হয়, কিন্তু তোমার মন আগতিক জাকাপনা দারা প্রচাবিত নর। তে বিহান, মাড সম্পাদ বিষয়েও ডুমি বুৰ একটা সুখ লাভ as মা এটা আহি জলভাবে জানি। ক্ষমানের হারা ৰাজি থোকে উত্তৰ সকল জাগতিক প্ৰবৃত্তি পৰিত্যাৰ পর্বত, অন্তক্ষমন্য ক্ষার অবিচলিত চিত্তে কোন কোন প্রচাষে ভাষের কার্ডবাসমূহ পালন করেন। সাধ্যাধ মানবের শিক্ষার নিমিত্ত আমি থেকাকে অন্তর্গ করি, ওলা ादेशस्य चारतम् करामः। (र उन्हर, चाप्रज विकास ৩০-০নে একসঙ্গে বাস কালাম তথি যে জাল কর কি ৷ হথ্য কোন বিশ্ব ছাত্ৰ তাত প্ৰকৃত কাছ খেকে সকল भिक्तीत विवय निकातक्त करते. त्य मकन धरसाउत খাতীত পারমার্থিক জীবন উপত্যোগ করতে পারে। তে তির সবা, বিনি কোন বাজিকে দৈহিক কর প্রদান করেন তিনি ভার প্রথম ওক্তদের এবং বিনি ভাকে বিজ প্রাক্ষণভাগে পাঁকিও করে ভাকে ধরীর কর্তাতে বন্ত করেন, তিনি আরো সাক্ষাব্যেশে ভার ওক্তদেব। কিন্তু বিদী সকল আপ্রমিগণকে অপ্রাকৃত জান প্রদান করেন, ভিনি চড়ান্ত ওজনেব। প্রকৃতগলে তিনি জ্যামার আগন স্কলণ হৈ ব্ৰাহ্মণ, কালেম পহার সংক্র অনুগামীদের মধ্যে খারা ওকরণে কবিত আমর কলসমূহের স্থোগ গ্রহণ করেন নিশ্চিতরূপে তারাই ভাগের নিম গ্রহত क्नाल क्षत्रवक्रमध्येती बदा बहेजान नरहकरे छाता गर সার সমূত অভিক্রম করেন। আমি, সমন্ত জীকো জালা, ধর্মীয় আচার অনুষ্ঠানতত পুষা, উপনেত্রন, তপশ্লমী বা व्यासम्बद्धाः कार्याः कार्याः मध्ये व्या मध्ये स्टातः कार्याः कार्याः প্ৰতি বিশ্বস্তা দেৱা প্ৰদানের হারা তথনি সমষ্ট হই।"

"হে ব্রাক্ষণ, আমরা যখন আমেনের গুরুমেরের সক্ষে বাস করতার, তথম আমানের কি কটেছিল ভোষার তা মনে পড়ে কিং একনিন আমাদের গুরুপারী আমাদের **चानानी कांके अध्यादन क्रमा ८५४४ क्यांक्टिनम अवर** আমরা বিশাল অন্যোগা প্রবেশ করার পর, ছে বিশ্রকর,

ভুগ্রাম বিকলেন—"হে প্রাক্ষণ, হর্মের উপায় সকলে। প্রচণ্ড অনুপ্রকাত, বর্ষণ ও করেনে মেযগলন সহ করা প্রমি ভালোভাবে অবগত। আমানের ওকদেবকৈ উবিত হল। অভগের সূর্য অভাতে হলে অরপের সমস্ত _{তেন্ত্ৰ}ভিন্তা নিবেদনেৰ পৰ প্ৰস্তুত্ৰ খেকে গৃহহ ফিবে জিক ক্ষত্ৰকবোচনা চৰেছিল এবং সমাজ কিছু ক্ষণানৰ ব্ধবার আহর উচ নীচু স্থানের পার্থকে করতে পারিনি। অবিরাধ পজিপালী মঞা ও বর্ষণে অবসক হয়ে क्रमधावत्नव प्रदेश भावतः जाभारमञ्ज निक स्टिटर ফেলেছিলয়ে। আহরা কেবল পরস্পরের হাত ধরে ছিলার এবং কতাত গাঁড়িত হয়ে উল্লেশ্যর্টানভাবে করের মধ্যে পরিপ্রমণ কর্মাছলার। জামানের প্রদেশের সাধীপনি अनि, च्यारामा मरक्रोदश क्षमानम करत, मूर्याम्यक ना ভার ভিন্ন, জামানের আছেবংশর জনা গমন করভৌন ও चारात्मा नीडिए भरता शाद सामा

সামীপনি যুমি বলকোন—"হে প্রথণ, তেয়বরা चानत बना चारत्व को जीकत करत्य (यह राज्य সকল জীবনা অভার প্রিয় কিন্তু ভোমরা আহার প্রতি এতই অনুহত তে তোমরা সম্পূর্ণকরে তোমানের কাশন স্বাঞ্চলতে ওপ্রাহা করেও। বিতর চিত্তে তাগের সম্পন এনৰ কি জীৱনত ওঞ্চলেবকে অৰ্থণ করার বাধ্যমে शास्त्र **स्था**रहरूव श्रहानकात माध्य कहा निःमरन्दर সকল প্রকণ্ড লিখের কর্তন্ত। তোমরা বলেকের প্রথম শ্রেণীর ব্লাকাণ এবং অনি ভোমাদের উপর সম্ভই। তোলাগের সকল খাসনা পূর্ব হোক এবং তোলাগের অধীত বৈদিক মন্ত্ৰসমূহের অৰ্থ যেন তেয়োলের ক্ষম্ ইহকাল বা শরকালেও অনুট খাকে 🗠

ত্ৰীকঞ্চ বলে চললেন—"আমানের গুড়েলেবের পুরে খাকাবালীন আহ্মদের এখন অনেক অভিজ্ঞাতা ছিল। ভক্তমেরে কৃপায় স্বারাই কেবল একজন পরুব জীবনের উদ্দেশ্য পূর্ব করতে পারে একং নিতা শান্তি প্রশ্ন হয়।"

बाकन क्लाराम-"दह सम्बद्धन, दह अन्यक्ताहरू, হেতেত আমি আহলের বন্ধ-পরে ব্যক্তিগতভাবে পর্ব মনোরৰ ডোমার সঙ্গে বাস করতে সমর্থ হয়েছিলাম, জামার জন্মান্তির আর কি সমোছে? তে সর্বশক্তিয়ান কবরের জীবনের সকল মঙ্গলারর উল্লেশ্যে উৎস প্রোমার মেহ', কেন মাপে পরম প্রকাকে ধারণ করছে। সেই ভরি ওক্রকাল বাদ করেছিলে এটি ভোমার ভবেরেশে অভিনয়কারী একটি দীলা হরে।"

একাশীতিত্য অধ্যায়

সুদামা ব্রাহ্মণকে ভগবান আশীর্বাদ করলেন

ত্রীল শুক্তবেশ খোগারী বাদ্রেন্স—"ভগখন হরি,
কৃষা, ষ্পার্থনেশ সকল জীনো হল্যকে জানেন এবং
তিনি বিশেষভাবে রাজ্পবের প্রতি অনুরক্ত। নর্বকশ
হাস্ট্রেশ ও ভাকে প্রীতির নকে নিরীকল করে সকল
সংগুপশের গতি ভগবান যুখন এইভাবে বিভালেতের সলে
কথা কাছিলেন, কিনি হাসতে হাসতে তার নেই প্রিয়
সাধা রাজ্পতে কর্যনের, হে রাজ্যশ, বৃহ থেকে ভূমি
জামার জন্য কি উপহার এর্নছং ওছ প্রেয়ে আমার
ভক্ত প্রত্যা উপহারও অনুরি কচ্ বলে সম্মান
করি, কিন্তু জাভান্টের ঘারে প্রচুর পরিমাণ নিবেদনও
আমাকে করিই করে না। তে বিভক্ত চিন্ত নিয়ার ভক্ত
আমাকে ভক্তিপূর্বক করে, পুশ্ব, কল ও জল অর্পন
করেন, আনি ভার সেই ভক্তিপুত উপহার প্রীতি সহকারে
হালে করি।"

"হে বাক্তন, এইভাবে সম্বোধিত হয়েও, সেই **গ্রাহ্ম**ণ ভার মৃতিপূর্ণ টিডা লক্ষীপতিকে নিবেয়ন করতে অন্যন্ত সক্ষা অনুভৰ করছিলেন। সক্ষায় তিনি কেবল তার মতক অকনত ভাগলেন। সকল ক্রীবের হলেয়ের প্রাচ্য কর্মনী কুওরার স্থান্য কেন উাকে দর্গন করতে এসেজেন, জনবান আ সম্পূৰ্ণনালে আবদত ছিলেন। ভাই তিনি ভাবলেন, জতীতে আগ্ৰন্ন সৰা ক্ষমত জাগতিক শ্রীশার্কে অভিনার কর্মত জন্মর পূজা করেনি, ক্রিব্ধ এখন সে ভার গতিরভা পরীকে সন্তুট করার জন্য আমার কাছে এক্ষেত্র। জামী ভাগে মেবঙানেরও দূর্বাভ সম্প্রদ क्षणा करतः। अञ्चलका विश्वः करतः अवस्य सीर्थः यहत কর ভিছের পুরুসীটি প্রাথপের পরিধের হতে কেডে নিলেন এবং জিল্পানা কালেন এটি কিং হে গৰা, তুমি कि सामाद कमा अहि बाराहर सामाद का संक्षा আনক নিল। প্রকৃতপক্ষে, এই সামনে) চিড়া কেবসমূৱে আমাকেই সম্ভৱ করক না, তা সমগ্র জগতকেও সম্ভৱ কাল। এই কথা কনার পর, ভগরান ভা একমৃত্তি ভালন করণের এবং বশন ডিনি বিতীয় মৃষ্টি গ্রার ভক্ষণ করডে

মতের সেই সময় ভক্তি পরারতা কবিবলৈনী ভার হত

রাণী কাঁক্ষণী কালেন—"হে বিশাছা, এই জগৎ গু পর জগতে সকল ধরনের প্রের সম্পদ প্রের হওয়ার মন্ত এটি যথেষ্টর চেবেও বেশী। প্রকৃতপক্ষে কারোর সমৃদ্ধি কোলমান্ত আগবরর সমৃষ্টির উপর বির্তার করে।"

ত্রীল ওখনের গোষামী বলে চলেক্সে—"তার পূর্ণ সন্তুটি মতো ভোজন ও পানাহারের পর ক্রাঞ্চপ সেই রাক্রিটি গুগলন অনুসতের প্রসাদে অতিবাহিত করলেন। তিনি অনুভব করলেন কেন তিনি চিমার জনতে পৌর্ছেল্নন। গর্মদিন আছ-সন্তুট্ট বিধ গর্মদে প্রীকৃষ্ণের ছারা পূজিত হরে সুবামা পৃথের উত্তেশে বারা করলেন। হে রাজন, পথে ইটাতে ইটিতে ক্রাজন অতান্ত ভানান অনুভব করেছিলেন। বলিও তিনি দৃশ্যত ভারান ক্ষত্রের কার্ থেকে ক্ষেম্ন সম্পন্ন প্রত্য করেনিন। সুসামা ভার নিজের জন্ত প্রার্থনা করতে অতান্ত লাজিত ছিলেন। তিনি কেবলমার প্রমেশ্বর ভববানের মর্পন লাভ করে, সম্প্রার্থনে সাজ্যের অনুভব করে, ভার পৃত্তে প্রত্যাবর্তন করলেন।"

নুষারা ভাষালন—"গ্রাক্ষণদের প্রতি অনুগ্রক্তরণে প্রীকৃত্য পরিচিত এবং এখন আমি এই ছাজিকে বাজি গভঙাবে দর্শন করলাম। প্রকৃতপক্ষে, যিনি লক্ষ্মীদেবীতে তার বাজে বহুন করেন, তিনি এই দরিপ্রতম তিখারীকে আবিজন করেছিলেন। কোবার আমি গলিত দরিপ্র ও বোগাতারীন ব্রাক্ষণ সভান হলেও তিনি আমাকে আনিজন করলেন, এটি অভি আল্ডর্যের বিষয়। আমাকে আনিজন করলেন, এটি অভি আল্ডর্যের বিষয়। আমাকে তালিক করলেন। এটি ওলি অন্যার সক্ষেত্রিক করিছে তিনি অন্যার সক্ষেত্রিক করিছে তালি ক্ষেত্রেক করলেন। ক্ষেত্রেক করলেন ক্ষেত্রেক করলেন। ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্র ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্র ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রিক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্রেক ক্ষেত্র ক্ষেত্রেক ক্ষেত্র ক্ষেত্

তিই তিনি আনার পাদসক্ষন ও অন্যানা তিনীত সেবা পূর্বক আনাকে পূজা করেলন ক্ষেম আমি বছা একজন লেকা। তার পাদপাছের চক্তিপূর্য সেবাই হর্মে একজন পূর্বকর ছার্য, ঘটো, পাতালে ও মুক্তিনারত প্রান্ত সকল নিছিল মূল করেল। "বলি এই নিজক নবিত্র সকলা ধনী হয়ে ওঠে, ভাগলো ভার সূত্র অন্তর্যার সে আমাকে মূলে যাবে" এই মানে করে কার্নেশক কলবন জ্মনাকে ভিনিচৰ চনও প্রকান করেন নাই।"

শ্রীল ওকনের গোলামী বলে চলগেন—"নিজের মনে এইভাবে জানতে ভানতে সুদানা অংশেরে সেই রানে ক্রম পৌছলেন বেখানে উল্লেখ্য ক্ষমান। কিন্তু সেই ক্ষম এখন চতুৰ্নিকে সূৰ্ব, অধি ও চড়েন তুলনামূলক বিশ্ৰ উজ্জনতামৰ সুউচ্চ দিবা প্ৰাসাদসমূহে পূৰ্ব। সেবানে বিক দীপ্রিয়ান চম্বর ও উদ্যানসমূহ, বা গালীরামের কল্লামে পূর্ব এবং জলাপার সংব্য কল্লাম, ছারোক, করার ও প্রক্রাটিত উৎপল পরানমূহে কেকিছ। সুন্ধা ভাবনে বিভাগিত পুরুষ ও ব্রিনীচকু রফ্টানেল ছারে प्रशासनाः जुलाया विश्वित इटल्पे, 'ब्राज्य कि १ व कार्य সম্পত্তি? এই সমস্ত কিছু কিন্তাৰে এল।" এইভাবে ডিনি বৰন চিত্তা কংছিলেন, শেবভালের মতো জ্যোতিসম্পদ্ধ সুন্দর দাস দাসীর এগিরে এনে উচ্চ দীত ও বাল্য ছালা ভামের মহাভাগ্যক্তন প্রভবে অভিনশিত ক্ষরক। বৰ্ম ডিমি ভামলেন যে ভার পতি আগমন করেছেন, প্রাক্ষণের পঞ্জী অন্তান্ত আনাধ্যের সঙ্গে সভার প্র হতে নিৰ্মাত হলেন। ভাকে দেখে মনে হছিল কো স্বয়ং সন্তীদেরী উরু দিব্য অভ্যার সেকে নির্গত হলেন। পতিব্ৰতা বুমণী কৰা ভাব পতিকে দৰ্শন কয়লেন ভাৱ নেত্রঘার প্রেয় ও উৎকঠার অঞ্জনতে পূর্ব হল। তিনি নিমীলিত কেনে একা সহকারে তাঁতে প্রণাম নিকেন কর্মেন ও পরে। ভাল উত্তে অপিয়ন কর্মেন। সুনামা তান পদ্বীকে দর্শন করে বিশ্বিত হালেন। রত্মঘতিত পদক यात्रा लाफिक पानीत्स्य मत्था फारक किया विभागकाविणी এক দেবীৰ মতো জেনতিৰ্ময় দেখাদিল। সানস্বের সঙ্গে তিনি তার পতীতে করে নিয়ে স্থাবান মহেন্দ্রর প্রাসামের ন্যার শত শত মণ্ডিত্ববৃদ্ধ তার গুয়ে প্রবেশ কর্যান। সুদামার প্রের পায়ালম্বহ ছিল দুখের ফেনার মতো নরম ও সাধা, পরিক্ষাসমূহ বিদ্য ছাতীর গাঁতের এবং কর্ণ কারা

অনক্ত। সেমার পারাবৃত্ত টোপারা, রাঞ্জনীর সমর, বর্ণ সিংচাসন, নতম বলেন ও ঝুলার বৃত্তমানাবৃত্ত উল্লেখন চন্ত্রতেগও ভিলা। দেওবালালবৃত্তে ছিলা মুলাবান মধ্যমত্মণি বভিত বিস্মৃতিত আপোর শালীক, উল্লেখ বঙ্গালিক দীল এবং প্রামানের সকল তম্পীলা ভিলেন মুলাবান মহিলে বিভূলিক। এই বিলাশবৃত্তন ঐতত্তের বিভিত্ততা কর্মম করে প্রাম্মণ করে লাভাতাকে।

সঙ্গামা কাব্যলন—"আনি মৰ্বলই দ্বিছ। আমার बरका अक्टाब मुख्यानुमानीत महामा दनी चटवाद अक्टाब নিশ্বিত কাৰণ এই যে, বহাবিভতিশালী, বদুবলৈ প্রধান ভগবান কৃষ্ণ আমার প্রতি সৃষ্টিপাত করেছেন। সেধ नर्शत, पानाईगाना प्रश्ता नदम स्टाई क्या प्रजीव সম্পদের ভোজ্য আমার সৰা কঞ্চ গ্রন্থা করেছিলেন বে আমি পোপনে ওঁার ভাই থেকে প্রার্থনা করতে চেয়েছিলাম। ভাই ইদিও বজা কৰি ভার সম্পূৰ দক্ষায়না ছিলান তিনি সে সহতে কিছু কলেননি ভিছ প্রকৃতপক্ষে তিনি আমাকে পরর প্রচর্মার সংকাদ সম करात्मा। अप्रैशास रिमि अक कन्टर्नेमा दर्शर मिएस मरका चाहरूप करविष्टलका 'छणदान, फेरव भटम আশীর্নাদকেও তক্ত বলে মনে করেন, করেচ তান প্রতি ষ্ঠার ওভারেশকী ভারেশ কর সেবা জনানকেও থিনি প্রচুর মধ্যে করেন। ভাই ভার জন্য করেনা আমার এক মৃত্তি ঠিয়া, প্রমান্তা প্রীতির সচে প্রচন করেছিলেন। জগরন হচেনা সকল ভিত্তর গুণাকলীর পর্য অনুপ্রচের আধার বরণ। ক্ষমে করে আমি বেন প্রেম, সংযুক্ত ও নৈত্রী ধারা তার সেক্ত করতে পারি এবং করে ভক্তবংশক মুলাবান সঙ্গের দ্বারা গ্রীর মন্য এক গ্রন্থ আসন্তির অনুধীকা করতে পারি) জা পারমার্থিক অনুসূতি কম একা ভক্তকে ভগরন এই জনতের বিচিত্র ঐবর্থসহত---রাজকীয় ক্ষমতা ও জাগতিক সম্পদ জন্মেলন ক্রেন নাঃ প্রকৃতগক্ষে করা ভগরনে তার অনীয় কান হারা মাসভাবে ব্যবহাত যে কিভাবে ধনহতে ধনীয়ের পাতন হয়।"

ত্রীল তকদেব গোৰামী বলে চললেম—"এইডাবে তার পারমার্থিব বৃদ্ধিমন্তা নিয়ে তার সিদ্ধানে আনে থেকে সুনাধা সকল ক্রীকো আগ্রের ক্রীকৃষ্ণের প্রতি ভাঙ্কিতে অবিচল অকলেন। সর্বলা প্রায়ন সকল ইলিয় ভৃত্তি পবিভাগে করার ভাব বারা আসন্তি শূন হবে তাঁকে প্রণয় ইলিখ কৃথির বিষয়সমূহ চিনি উন্ন পদ্ধী সহযোগে জেগ কর্মান্তেন। অসধান হরি সকল ইখারেরও ইখার, সকল হাজের পতি ও পরর প্রতু। কিছু ডিনি সাদু প্রাক্তপাণতে উন্ন প্রভু রূপে প্রকৃত করেন আর তাই তাদের চেনে কোন পরের পেবতা বিদ্যান বেই। অপরাজের হতরা সভেও কিতাবে ভগবান তার নিজ কৃত্যবেদ্ধ করে অপরাজিত হন তা দর্শন করে ভগবান তার বিজ্ঞান হালা দর্শন করে ভগবানের তিয়া প্রাক্তির বিদ্যান করে ভগবানের তিয়া প্রাক্তির বিশ্বার

ভাষানের ধানাবেশ যারা তাঁর হানার মধ্যক জড়া আর্মান্তন্থ ভাষানার সভাসসমূহ ছিল ভাষার মধ্যক ভাষানার। আনিবাই ভিনি মহান সাধ্যাপের গতি, অপবান কৃষ্ণের পারা প্রাথ প্রাথ হর্মেছিলেন। আগবান সর্বলা আন্দাধের প্রতি ভিন্নের অনুগ্রহ প্রদান করেন। বিনি আন্দাধনের প্রতি ভাষানারের অনুগ্রহের এই আখান প্রবণ করেন, ভাষানারের প্রতি ভাষা প্রেয় বৃদ্ধি পারে একং এইভাষে ভিনি ভারের কর্মণ খেকে মুক্ত হ্বেন।



দ্বাশীতিতম অধ্যায়

কৃষ্ণ ও বলরাম বৃন্দাবনবাসীদের সঙ্গে মিলিত হলেন

হীল ওকদেব গোন্ধানী কংলেন—কোন এক সময়ে, বলরাম ও কৃষ্ণ বর্তন স্বাহ্নকরে খাল কর্মছলেন ঠিক কেন শুগরাল প্রকার একদিনের অনসালের মতের এক মধ্যন मुर्बद्रश्य मरपछिठ इर्रवाहन । पूर्व इराउ और उद्दर्शन कवा व्यक्तार हता, (इ ताकर, जुन) कर्वात्मर करा यह प्रश्निक স্যামত-পক্ষক নামক পবিত্র স্থানে পরন করেছিলেন। লেষ্ট্রোন্থ্য ভগবান পরভ্রাম পৃথিবীকে করিছ পুন করার পর রাজাদের রক্ত থেকে স্যামন্ত-পঞ্চকে এক বিশাল প্রদের সৃষ্টি করেছিলেন। বলিও তিনি কথনও कर्मकल दाख्य कर्णारंख दन नह, সংখ্যান प्रान्तदक निका मार्जन कर्ना कर्मको भवकता राजाल क्या मण्यामन কর্মোছদেন। এইভাবে নিজেকে পালমুক্ত করার চেষ্টারত একখন স্বাধান ফ্রাছের ছড়ো ভিনি আসেশ কর্মেট্রলন। ভারতবর্ষের সকল খলে খেকে এক বিবাট সংখ্যক জনসাধারণ এবন ফীর্নের জন্য নেই সামন্ত-পঞ্জক সমাণত হলেন। হে ভাগের কলেবর, ভালের পাপ হাস্ত হওয়ার আশার শেই পবিত্র তীর্ষে আগরনকারীগ্রনের মধ্যে অনেক বৃষ্ণিসদও ছিলেন, কেমন কৰ, প্ৰয়ায় ও भार्य, चाकुन्द्र, बमुरस्य, चास्त्र ७ कतांना हाकादान সেকানে ক্ষমন কর্মেন্দ্রেকন। ভানের ক্ষেত্রণতি কৃতবর্মার

সঙ্গে নগরীকে রকার জন্য সূচজ, শুক ও সারবের সংখ্ অনিকল্প স্থারকার অনস্থান করেছিলেন।"

"পক্তিপালী বাদ্ধেরা পরম মর্যানার সঙ্গে পর অতিক্রম করেছিলেন। মেধের মধ্যে বিশাল কংগ্রহত পৰা, এক চনময় চলন ভালমায় গতিলীল আৰ ও কৰ্মের বিমানের সলে প্রতিফদীভাকারী রখনমূহে আয়েহণকারী ভাষের সৈনাদারা ভাষা গ্রহরারত ছিলেন। সংগ্র বিদ্যাধরগণের মতো স্থাতিসম্পন্ন বহু পলাতিক কৈন্ত ভালের সঙ্গে ছিলেন। বাহকাশ স্বৰ্গ কঠাতাৰ, কুলমালা ধারা শোভিত হয়ে এবং সুব্দত্ত বর্ম পরিধান করে অভার দিব্যভাবে শব্দিত হয়েছিলেন। তাই ঠারা কল ঠানের भट्टीभरमध् भएव अपन क्यक्तिमा डाएवर्ट व्यकारम বিচরণশীল দেবতাদের মতো মতে হজিল। সাধুভাকার যামক্রেল সামস্ত-পঞ্চকে স্থান করলেন এবং ভারণর সমতে উপবাস পালন কংগোল। এরণের র্তারা প্রাক্ষণগ্রনকে বর্ত্ত, ফুলমালা ও বর্গ ভর্তহার হার। লোভিড গাড়ী প্রদান করলেন। লান্তীর বিধি অনুসারে দৃষ্টি বংশীকরণ ^{ব্যান্ত} পর আরেকবার উপবান পরশুর্মের হুমে ক্রান করলেন এবং উপ্তম প্রাহ্মণগণকে সুস্থাদ আর ভেরজন করালেন। র্তারা নকলেই প্রার্থনা করলেন, "কুন্দের প্রতি কেন

আলাকের ভক্তি হয়।" আতঃপর, তীলের প্রম আরহে। ক্ষাব্যা ক্ষেত্ৰ আজানুসারে বৃদ্ধিগণ উপবাস তথ্ করে **ाशका कारणम अधा भूगी अस सुधा क्षेत्रों। कुळमधुरूर** र মানে উপ্তেশন করে বিভাগ প্রচণ করালেন। ভারবারণ বেখালেই যে উপস্থিত বন রাজারা ছিলেন জানের প্রানো का क चानोता, स्वक्थ-- ४९मा, विनीन्ता, स्वान्तात, विवर्त. कहा, महरा, कारधाम, किका, यश, कृती, धार्म्स ब ভেত্তব্যক্তগণ। ভাষা ভাষের পক্ষ ও প্রতিপঞ্জ केस्ट्रन्टका ध्रमामा रह शकासद स्वरंड (भरका) ভাষিত্রত, যে মহারাজ পরীকিং, তারা ভাষের প্রির সক্ষ ল্লা মহারাজ ও দীর্ঘকাল যাবং উৎকরিত খোপ-গোলীদেরও দেখতে গেলেন। এবে অগরতে দর্শন কথাৰ মহা-আনশ ভাষের হাষর ও মুখ-লভাকে নাক-্রৌজর্মে বিকলিত করল। প্রয়েখনা একে অপর্যুক উৎসাহতত্তে আদিকেন করলেন। তাঁলের নবন থেকে क्षां-वर्षन कराएड काएड क्लांच्ड क्लांच्ड गांटन छ क्षा करहे ঠান্ত সকলে। গভীর আনন্দ অনুভব করেছিলেন। রমনীয়া গরাপারের প্রতি শ্রীডিমার কর্মারের নির্মান বাসাবস্থ ৰাইপাত করলেন। আর বখন তারা পরস্পরকে ক্যালিক। করলেন উদ্দের কুত্বমর্জিত প্রদাসমূহ পীতিত হয়েছিল ও উদ্বেদ্ধ নয়ন প্রেমাক্রেডে পূর্ণ হয়েছিল। স্থারপর ভারা द्याला (काहेर्स्स्ट धनाय नियमन करायन धना शतिवार्ड ভানের কনিষ্ঠ আন্ট্রীয়নের থেকে প্রশাম প্রহণ করনের। একে অপরের কাছ থেকে তামের যাত্রার সাক্ষণা ও কুশল জিলাসা করার পর তারা কৃষ্ণকথা বলতে লাগলেন। স্বাণী কৃতী উন্নে প্রাণ্ডা ভাগিনী ও ভালের পুত্রনার সক্ষে, শুরু পিতামান্তা, গুরু প্রাতবধ এবং করবান মুক্তদের সক্ষেত্র মিলিড ছলেন। স্টালের সঙ্গে কথা বলার সমতে তিনি তার পোক নিশ্বত হয়েছিলেন?"

নাদী কৃতী বললেন—"হে বাছেন বাছা, আমি মনে
করি বে আমার আকাক্ষাসমূহ অপূর্ণ জ্বন বদিও
ভামরা সকলে অতি সজন কিন্তু আমার বিশংকালে
ভামরা আমার বিশ্তুত হয়েছিলে। যার নৈব জার
কাকুকা নাম এরলে বজনকে ভার বভ্রণ ও পরিবারের
সদলাল্য—এমন ভি পূত্র, ভাতা ও লিভা-বাভাল্যত
বিশ্বত হন।"

দ্বীবসুদেৰ বন্ধলেন—"প্ৰিয় ডগিনী, আমাদের উপর

রাণ কর না। খানের দাধারণ বান্ট বার, উাগের ক্রিয়ের দাবলী। প্রকৃতল্কে, খানুব ভার নিজের খতো করেই ধার্ব কক অথবা অন্যানর থারে বাথা হয়েই কর্ম ককে, নে সর্বনাই ভগবানের নিয়েশাধীন: হে ক্রিনী, করে ভাষা গাঁডিত হতে আন্তা সকলেই বিভিন্ন দিকে প্রধানন করেছিলাম, কিন্তু দৈবানুগ্রহে অবশেষে একা আন্তান আনাদের ক্রে প্রভাবত্নি সমর্থ হয়েছি।"

জীল ওকলেব লোভাতী কালেন—"বসুদেব, উপ্লেন ও অন্যান্য কৃপাশ ভগতাৰ অনুভকে দৰ্শন করে প্রমানস ও নাজি লাভকারী বিভিন্ন রাজাদের সম্মানিত ভর্মেছিলেন। ভীন্ম লোশ, ধৃতবাই, নামারী ও তার প্রস্কা, গাতবদশ ও জামের পদ্দীগণ, কৃষ্টী, সম্ভার, কিশুং, কুলচাৰ্য, কুড়ীভোজ, বিবাট, ভীত্তক, কামে নাম্মিৎ, পুরুজিং, দ্রুপদ, পুরুর, ধুষ্টকেডু, ফলীরাজ, সমযোধ, নিশ্বস্থাৰ, মৈথিক, মান, কেকৰ, বৃধামন্য, সুশাৰ্ম, ভার পাৰ্থমকৰ্ম ও ভাষের প্ৰথম সহ ব্যক্তিক এবং মহাবাল ব্যিটিতের অন্যত্ত জন্যন্য রাজ্যণের সহ উপস্থিত সকল রজোগণ, হে রাজেন্তা, ভারা সকলেই, তাঁর মহিবীগণ সহ তাৰের সম্পর্যে সভারমান সকল সৌম্পর্য ও ঐশ্বর্যের আলা ভাৰন্য কুৰেন চিত্ৰৰ ছমাণ দৰ্শন কৰে বিশ্মিত হরেছিলেন । শ্রীবলরাম ও শ্রীকৃষ্ণ উপরভাগে তাদের স্থানিত করার পর অভান্ত আনশ ও উৎসাহের সঙ্গে এই সকল রাজারা প্রীকৃতকর নিজ পার্বদ, ব্যঞ্চিগ্রেলর শ্বন্যাদের প্রশংসা করতে তক্ত করতোন।"

আনার কালে—"হে ভোলবার, মনুবাগণের মধ্যে আপমি একথার এক প্রকৃত উত্তম রূপ প্রাপ্ত হরেছেন, করেন আপনি মহান কোলে। কো হারা কীর্তিত তার কা, তার চলবার বৈতি আপ এবং লালেকে কবিত তার কা, তার চলবার বৈতি আপ এবং লালেকে কবিত তার করে। কবিত বালে তারা পৃথিবীয় সৌক্তারা মন্ধ হরেছিল, কির তার পালেকে করেছে এবং তাই বারিটী আমানের উপর আমানের সকল আকালকর পরিপ্রতি করেছে এবং তাই বারিটী আমানের উপর আমানের সকল আকালকর পরিপ্রতিক করেছে। সেই একটা অগ্রনার বিশ্বিক করেছে আর তার বিলিক করেছে আর তার বিলিক করেছে আর বিলিক করেছে আর্কিক করেছে আর্কিকর করেনে, প্রকৃত আলিকারেক করেন, বিলিক করেন, প্রকৃত আলিকারেক করেন, প্রকৃত্ব আলিকারেক করিবের গারকীয়ে পথ্যে বিতরণ করেন, প্রকৃত্ব আলিকারেক করিবের গারকীয়ে পথ্যে বিতরণ করেন, প্রকৃত্ব আলিকারেক করিবের গারকীয়েক প্রকৃত্ব ও বৈবাহিক সম্বন্ধে

कुछ श्रारका। अवस्थातक अहे जयस जम्मार्क प्रानगाती তাকে প্রত্যক্ষভাবে দর্শন ও স্পর্শ করেন, করে অনুপমন করেন, উল্ল কলে কলে বলেন এবং বিভাবের স্থানা তার সঙ্গে একসংখ্য পথন করেন, সহকেই উপ্রেশন করেন अवर का॰नायम् क्लाका संदर्भ करान हैं

গ্রীল ভক্ষবেশ পোষায়ী কালেন—"লব মহারাজ হথাৰ অৰণত হলেন যে কৃষ্ণ প্ৰদূৰ মনুগৰ উপস্থিত इट्डरहर, किनि करमनार कीरनंत्र कर्नदनंत्र कर्ना नमन করলেন। ভালের বিভিন্ন সম্পত্তি ভালের **শক**টে চালিরে পোলসকও ভার সঙ্গী হলেন। তথ মহারাক্তকে দর্শন করে বৃথিপথ জাননিত হ্রেছিলেন এবং মৃতদেরে প্রাণ ক্রিতে পাওয়ার মতো উপিত হয়েছিলে। দীর্ঘদিন উচ্চক দৰ্শন মা কৰাৰ অভ্যন্ত কাভয় অনুভৰ হেন্ত উল্লা উহক ষ্ট্য জালিক্সমে ধারণ করলেন। বসুদেব অভাপ্ত আনশের সহে নাৰ মহারাজকে আলিখন করলেন। প্রেমানশে বিহুল হয়ে, তার প্রতি কলে কৃত উৎপীয়ন হৈছে তিনি থে ভার পুরন্ধের সূত্রকার গুলা ভালের গোল্পেলে ছেডে বেতে কান্ত হরেছিলেন, বসুদেব তা স্মান করলেন।"

°CE কুৰুবোষ্ঠ, কৃষ্ণ ও বলগ্ৰাম তামের পালক পিতা-মাতাকে আলিকন ক্রতেন এবং ভাবের প্রণান নিবেদন করলের, কিছু ভালের কঠ প্রেমাক্ত ছারা এতটা লক ছিল বে, নেই জাবানদ্বর কিছুই বলতে পারগেন না। ভাষের মুক্ত প্রভাকে ভাষের কোলে ভালে নিয়ে ভাষের यात्र महत्व चेहराज भारत गरह सम्बन्ध आयों भारत वहनाम फीएका त्याक विश्वास अस्तान। काराना साहिती च अस्तिहै। উত্তরে প্রজেপ্ত তাপীকে আলিক্ষ্ম করে ভাসের প্রতি প্রসর্ভিত ভার বিশ্বত স্বাভার কথা স্বর্থ কর্মেন। তালে অঞ্চলৰ কৰে তাৱা তাকে কলতে লাগলেন, হে মুক্তেশন্তি, আলমি ও কৰ মহাব্যক্ত যে অধিরাম মৈনী আফাদের গুড়ি প্রদর্শন করেছেন কোন রমণী জা বিস্মৃত হতে পাৰে ৷ এজন কি ইপ্ৰেয় সম্পদ জনাও ইহ জগতে ख •क्रि**रनार**क्त **नथ** (बहे ! बहे मूरे यानक छाएक अकृष्ठ পিতা-মাত্রকে দর্শন করের পূর্বে আপনারা তাদের পিতা-মতো রালে আচল করেনে এবং ডানের সকল প্রীতিপূর্ব সেররোম চন্দুকে রক্ষা করে সেভাবে আনুমারা তামের । থেকে হাতানিত হয়, তেয়েরা ভা কর্মাং কর।"

वृक्त करविशामा। धन्य परक कालनासन प्रत्या স্থানকা আপন পরের মধ্যে ভেদ করেন না "

শ্ৰীল ওকৰেৰ পোৰাৰী কললেন—"কালের প্রিভারে ক্ষমন্ত্রে ফর্লন করের সময় গোপীগের ভারের মেন্তরোক্তর (श बदार्क बुदार्क केरक सर्वम कराठ कारमह वाल विविद्या) क्षेत्रेरक (कावारदान कराएअन। अपन क्रेस বিজেবের পর কৃষ্ণকে জাবার দর্শন করে ভাবের নাম ৰাৱা ভাৰা ভাকে ভাগের হাদনে প্রহণ কমবেন এক নেখানে ভালের পূর্ব সন্তুষ্টি পর্বন্ধ জন্য ভাকে আলিকর করলেন। এইভাবে ভারা সম্পূর্ণত ভার ভাবে ভারত হয়েছিলেন, যদিও এলেন মগ্নতা বোদীগণেরও দুর্গন্ত। তালের ভাবাবিট কবছার গোপীবৰ বধন কলায়নত क्रिक्ट क्रमवान अक निर्धन श्राप्त केर्रापन अधीनकरी ধ্বেন। উালে প্রত্যেক্ত আলিমন করার পর উালের কৃপল জিলাসা করে তিনি হাসতে হাসতে ফালেন, ঞ প্রির স্বীনশ, তেমেরা কি এখনও আমাকে শুরুণ করুং আনার অর্থীকর্ণের কলা, আমার শতকের বিধান করার প্রসম্ভলে আমি গীর্থনির মূরে অবস্থান কর্ম্বিলাম। ভোমরা কি সক্তবত মনে করছ বে, আমি অঞ্চল এক ভটে আমাকে অবজা করেং বস্তুত ভাগোনট জীৱাৰ একরিত করেন এবং ভারণর ভালের বিভিন্ন করেন। ক্রিক ক্রেমন বাবু ক্রেক্যালি, ফুব, ফুব্যা এবং মুলিকগালে পুনরার বড়িরে দেবার জনাই একরিত করে, ঠিক তেমনি বন্ধাও ষ্ঠার সৃষ্ট জীবের সঙ্গে একইভাবে আচাল করেন। আমার প্রতি ভতির আনাই জীব জনতারের যোগাতা সান্ত করে। কিন্তু ডোফদের সৌভাগা স্থারা ডোমরা খামার প্রতি এক বিশেষ প্রেমমনী মানাভাব লাভ করার करन जागरक श्राप्त करतक। अर तमनीता, ठिक स्वमन মাটি, কল, অধি, বাছ ও আকলে সকল ভৌডিক পদার্থের আদি ও অনু এবং ভালের ভিতর ও বাহির উভরক্ষেত্রে কর্তহান, আমিও তেমনি সমস্ত সৃষ্ট জীবের আদি ও অন্ত এবং ভানের করের ও কহিব উভয় কেত্রেই বর্তমনে। এইভাবে আক্ষাসমূহ বৰন ভাষের আগন ক্রমণে অবস্থান করে সৃষ্টিকে পরিবাধ্যে করে, সকল সৃষ্ট বার, লিক্সা, পোষণ ও সূরক্ষা প্রদান করেছেন। হে বন্ধা বৃতির মূল উপাধানসমূহের মধ্যে বাস করে। কর্ত স্ভয়ে, তারা বিল অনুভোতত, কারণ ঠিক যেভাবে - সৃষ্টি ও আত্মা উভয়েই অবিনধর প্রথ রক্ষা আমার

त्रीत सकरका (भाषात्री सकरकान—"अदेखारा कृरसद কুনা পাৰমাৰ্থিক বিষয়ে শিক্ষিত হবে ঠার প্ৰতি হোদের **⊋ন্তুত্তন খ্যানের করে নিখ্যা বাহ্যকারের সকল চিহ্ন থেকে** গোনীলব মুক্ত হয়েছিলেন। তাঁর প্রতি তানের গভীর র্বেশ্বতা দার। কারা ভিত্তে পূর্ণকালে হামসক্ষম করলেন।"

গের্নেকারা কল্পেন, "(ই কম্পন্তত। সংসাধকুপৈ পতিত মানুহদের উদ্ধানের একমারে অবলায়ন স্বাস্থাপ তোমার শ্রীপদেশক বা অসীম কান সম্পন্ন মহান যোগীরা সর্বদাই ভাগের হলেতে ধ্যান করেন, তা প্র সেবার নত আমানের প্রক উদিও হোক।"



ত্রাণীতিতম অখ্যায়

দ্রৌপদী কৃষ্ণমহিষীদের সঙ্গে মিলিত হলেন

প্রাল কফলের ধ্যাতারী নলপ্রেন—"এই ভাবে গোলীদের ওরুদের ও ভালের জীবনের গতি জগবান কৃষ্ণ ভালেরতে উপ্লেখনুক্তর জ্ঞাননি করেছিলেন। ভারণের তিনি ব্যবিষ্ঠিত ও তাঁর সকল আতীয়বর্গের সঙ্গে মিলিত হলেন এবং ভাবের কাছে ভাবের কুমল ভিক্ষাসা করলেন। খাতাত সম্মানিত বোধ করে রাজা যুখিতির ও অন্যানারা হাগদীবলো পাদকা বৰ্ণনের হারা সকল পাপ কর্মকল মৃক্ত হয়ে আনশিকভাবে উল্ল প্রধানমূহের উত্তর প্রদাস ক্রকেন।"

ভগৰুত কুকেৰ আৰ্থীয়েয়া কালেন—"হে প্ৰভূ, বিনি একবারত অংশনার চরপানর থেকে নির্মাত মধু পান करराष्ट्रम काल कि करत पूर्वारकात केमध शरक भारत है মহান ক্ষকদের হুনত খেকে প্রবাহিত হয়ে জানের মূখ नि:गुफ और यथु छोएसड कर्पनृटंड धर्मिन रव। शरीत দেহতত অভিযুক্ত ফটার বিশ্বরণকৈ তা বিনট করে। আপার নির স্থানের অনক-নীতি করু চেতনার বিবিধ প্রভাব দুর্নীত্রত করে এবং অপেনার কুলার আমর্য় পূর্ব আনংশে নিমন্দ্রিত হই। জ্ঞাপনার জান অবিভাজা ও অবারিত। কাপের গুড়াবে ভীও ফোনমুহকে রক্ষর কর্ন আগমান বোগমানা শক্তি ব্যৱ আগমি এই মনুধ্যমণ প্রহণ করেছেন। হে ৩% সম্বাদের পরম পতি, আমরা चानुनारक शनाम निरदयन कति।"

মহর্বি ভক্তের গোখানী কলকেল—"বুধিছির ও খনানারা এইভাবে ক্তমন্তোক-চূড়ামণি ভগবান কৃষ্ণের স্তুতি করতে থাকলে আছক ও কৌরব কলেব ব্যাণীয়া পরস্পার নিশিত হতে স্মেকিম বিষয়ক ডিলোক কীর্তিত কথা আলেচনা কথ্ৰতে শুকু করনেন। সেই সকল কথা আত্রি অংগনাকে বর্ণনা করছি, গল্প করে প্রবর্ণ করুন।"

টোপদী কল্যে:-- হৈ কোডী, কল্প ও লাখবতী, হে কৌলনা, সভাজমা ও কালিবী, হে শৈক্য, রোহিনী, লক্ষণ্য ৰ জীকুৰের অধ্যান্য মহিনীবা, কিতাৰে ভগবান অচ্যত উন্ন বোগশতি বারা এই জগতের পদা অনুকরণ করে আপনাদের প্রত্যেককৈ বিধাহ করতে আগমন করেছিলেন, গরা করে আমাকে ভা কর্মিন কর্মন 🐣

কৃত্রিণী কালেন—"নিওগালের কাছে অর্গিত হব তা নিশ্চিত করার জন্য সকল বাজারা বর্থন কালের ধনুক ধাৰণ কলে প্ৰকৃত হল, জনসাম শ্ৰীকৃষ্ণ, খাঁল পদৰ্বমন্ত্ৰ ধুলি অপ্রাজিত জেভামার আধ্যে মরুকে ধারণ করে, তিনি ঠিক কেন্টাকে একটি সিংহ কলপূৰ্বক ছাণাল ও ভেওলের মধ্য থেকে ভার ভাগ হলে করে ঠিক লেভাবে ভালের মধ্য থেকে আয়াকে হরণ করকেন। আমি বেন সকল সমর জীনিবাসের সেই চরণত্ব পূজা করার चन्यामन शांख हरे 🗗

সত্যভাষা কালেন—"সিংক্টো দাবা কামধ্যে আমার পিতৃষা নিহত মধ্যে মাতৃক্যহেত পীড়িত হানা আমার 1 m 18 mm

পিতা মেই হত্যার মান জীক্ষাকে দারী করেছিলেন। ভাগবাল জীব সেই কলছ যোচনের জন্য ভারুকবাককে প্রাঞ্জিত করে সামশুক মাগিট ফিরিকে জানপেন, স্ব স্বত্য পর তিনি আমার পিভাকে ফিরিছে দিয়েছিলেন। তার অপরাধের কলাফলের ঋন্য তীত হয়ে আমার পিতা আফাকে ক্ষমবানের কাছে নিকেন করকেন, ক্ষিও আমি हेरियरचा खनानाहरू निकं**ड अधिकार दिलाय।**"

লাখবতী কালেন--"শ্ৰীক্ষা যে ভার নিল প্রস্তৃ ও আবাধ বিশ্রহ সীতাপতি দ্বাড়া আর কেউ মন, ভা জানতে ৰ পেৰে আমতে পিতা তাঁর সঙ্গে সাংস্থা দিন বাবং বৃদ্ধ করেছিকে। ভাতদেশে তিনি তার সন্থিৎ লাভ করলেন এবং ক্ষরবানকে চিনতে পরেলেন : তিনি তাব পাদবত ছাভিবে ধরলেন এক সামগ্রক মণিস্থ জামাকৈ উপ প্রছার প্রতীক করেল ভাকে উপহার প্রদান করলেন। আমি ভগবানের দাসী যাত্র।"

कालिको रक्तामन--"खशदान सानगुरुन, बाध्यसि देश গাদলত লগৰ্ণ কৰুৰ এই আলায় আমি কঠোর ভগকৰা পালন কর্বছলাছ। ভাই তিনি ঠার সৰা অর্থনের সংশ আমার কাছে আগমন করে আমার পাণিগ্রহণ করলেন। क्षम च्यानि केल भागार व्यक्तम मार्जनसन्तिनी उद्दश मुख सरवक्ति ।"

মিত্রবিদ্যা নাংলেন--"প্রাত্তার স্বত্তার সভার তিনি উপস্থিত হয়েছিলের, ওাকে অধ্যক্তর করার স্পর্বাসস্পন্ন আমার প্রান্তা বহু উপস্থিত সমস্ত রাজ্যনের পরাধিত করে, ঠিক যোজ একটি সিহে একমল কুকুরের মধ্য থেকে তার শিকাৰ ছবৰ কলে, সেইজাৰে তিনি আমাকে হতৰ করকেন। এইভাবে সন্দীদেবীর আশ্রার রগবান ক্ষ আমানে শ্ৰম রাজধানীতে আনরন করেছিকেন। আমি তেন আছে ভাষে জীয়ে চরগছর প্রকাশনের দারা ভারে সেধার অন্যক্ষেম লাভ করি :"

मठा। कार्याम-"यठास का स वीर्व मण्या घरवव তীক্ত বৃদ্ধ বিশিষ্ট সাতটি বৃষকে আমার পাণিপ্রার্থী য়াজানের বিশ্রুম পরীকার জন্য আমার শিক্তা এনেছিলেন। रमिश्व और जकन व्यमध्य का वीर्त्रत पर्नमान क्रहाईल। কিছু ব্রীকৃষ্ণ কলয়ানে ভালের দানে করে, লিও বেচন ক্রীডাঞ্চলে স্থাপ শিশুকে বছম করে মেইডারে ভাগেব বন্ধন করকেন। এইভাবে ঠার বীরতের মুচ্ছে তিনি

আনতে ক্রম করলেন। ভারতর তিনি কানার মার্কিক ও চত্যবাহিনীর এক পূর্ব কেববাহিনীসহ আরাকে নিচে ব্যওয়ার সময় পথিমগে উন্ন বিরোধী সকল ব্যঞ্জাতে পরাক্তিত কারেন। আদি কো সেই ভগনানের সেনত সংযাগ পাত করি।"

ভদ্ৰ বৰ্ণদোল--"হে শ্ৰৌপদী, ভার নিজ সঞ্জীত ইছের আমার শিক্ত তরে ভাগীনের ক্থাকে আমান করবেন, বাঁকে আমি ইতিসংখাই আমার হলের উৎসো করেছিলাম। আমার শিকা এক অংকারিলী ক্রেলারকী এক আমার অনুগামী স্থীপণ সহ আমাকে ভ্রমানের কাছে প্ৰদান করলেন। আমি কর্মকল কণ্ড ভাছে ভাছে লগৰ কালেও সৰ্বশ কেন জীক্তভাত পালপত স্পৰ্ণ ভাৰত चम्प्यामन सांड कहि, और चामल भवन धार्खाः"

লক্ষণা বললেন—"হে রাখী, আমি মার্দমনিতে ব্যৱস্থা অনুয়ত্য আবির্ভাগ ও আচরণসমূহ কীর্ভন করতে जन्म करविद्याम, छात्र करण चामात्र अस्तर अपे स्थानक মুকলের প্রতি আবস্ত ইবেছিল। প্রকৃতগক্তে, রেবী প্রত্যন্ত বিভিন্ন প্রহ শাসনকারী হয়েন মেহতাদেও পরিত্যাদ করে, সমত বিকেনাপূর্বক ভাঁকে ভার পতি রূপে বরণ করেছিলেন। হে সাধিত কন্যাবৎসল ভাষার লিডা বৃহৎসেন আমার কনোভাব জানতে পেরে, আমার আকারকা প্রথের কাই ব্যক্তা একা কর্মেন। হে রাগী ঠিক বেয়ান আপুনার স্বয়স্থা সভার অর্থনকে স্থাপনার পতিরূপে নিশ্চিত করতে একটি মংস্য তথ্যত করা হুয়েছিল, তেমলি আননা অনুষ্ঠানেও একটি মংস্য ক্ষেত্ৰ হয়েছিল। কিন্তু আমার ক্ষেত্রে, তা চতুর্বিক থেকে লোপন ছিল এবং কেবলমার নীচে এখটি পায়েন ছপের মধ্যে ভার প্রতিকলন দেখা দাজিল। এই কথা একা করে অর্থান্তে পক্ষ সহত্র সহত্র অক্তরে তালের সেনা-আচার্বাণ সহ সকল দিক থেকে আমার পিতার সারীতে আগমন কালেন। আমার শিক্ষা প্রত্যেক রাজাকে ভাগের শক্তি ও ব্যোজ্যেষ্ঠতা অনুসারে বধারকভাবে সম্মান কর্বেন। অতংশর আমাতে নিবছ জনত রহজারা ধনুর্বাণ প্রহণ করলেন এবং একে একে সভাযথে লক্ষ্যভেন করার চেষ্টা করকোন। ভালের কেউ কেউ ধনুক গ্রহণ করেও অতে জ্যা রোপণ করতে পারকোন খা এবং ডাই ছতাশার তারা তা নিজেপ করেছিলেন। ভেউ কেউ ধনুকের অবস্থান পর্যাপ্ত পদুক্রের ছিলকে আকর্ণা করাত পর্যাপ্ত েট নাবের মিলা বিশ্ব এনে তামের ভালত করে। ৰপ্তিত করণ। করেকজন ধার-প্রথমত করাসক, भिक्ताम, क्षीय, मुद्रवीधन, कर्न धाराः जनाकेत साक्ष काहरू লব বোৰণ করতে সফল হলেন, ফিছু ভাতুনৰ কেইট লালের অবস্থান জানাতে প্যাক্রমনি। তারপর আর্থন জলে। access चालाम करिन करत छात्र ध्यानून निर्देश कट्टाना (ভিট্ৰ ভাৰৰ সময়ে সেখালে উল্ল ভীল নিভেগ করলেন, বিজ্ঞা সভাবভাকে বিশ্বা করতে পায়কেন হয়, সেটি স্পর্ন ক্রতাহিকের মার। সকল গণিত রামারা ইতথা হয়। নিবস্ত ছওলার পর পরমেশ্বর ভগবান ধন্ত তলে নিছে ক্ষনায়ালে ভাতে জ্ঞা আবোপ করলেন এবং ভাবপর মেটি বিশ্ব করে দ্বনাজিত করণেন। আকালে দুখুতি এক বৰ্ণ ও বন্ধে নিৰ্মিত একটি উচ্ছল কঠচার বহন কর্মছিলার। আহমে মুখমগুলে ছিল সলক্ষ্ম হাস্য এবং উরেচন ক্যাণাম, যা আমার কা কেল রালি ধারা অব্ত ছিল এবং আমার উজ্জ্বল ফুওলছারের দীব্রি আমার গতপুণ হতে প্রতিফলিত হল। সুনীওল হালে আমি চতুৰ্লিকে কৃষ্টিপাড করলাম। ভারপথ সকল রাজাতে নিরীক্ষা করতে করতে জামি বীরে বীরে আমার হুময় হরণকারী মুরারীর পদায়েশ কাঁহাবটি অর্পন করণাম। ঠিক ভবন সেখানে লয়, যুসক, পটেছ, ভেরী, আনক शक्षि रामारा करिक श्राहिम । अतः वाहीशा नका कराउ তক করেছিলের এবং গাছেকেরা গান গাইতে ওক क्राक्ट ("

°হে টোপদী, সেখানে মুখা রাজারা আমার গরবেশব ভিগৰানকৈ বংশ করা সহা করতে পারেগ না। করে হারা শব্দতে শ্বন্তে ভাষা কলহপরাস্থ হতে উঠেছিল।

ভগবান তথন আমাকে তাঁরে উত্তথ অবচতুটির ছারা অক্তর্নিত রুখে আনোহণ কলাদেন। তার বর্ম পরিধান করে এবং টার নার্ল ধ্যুক্ত প্রস্তুত করে তিনি ব্যুপ সভারমান বৃষ্টাঞ্চন, ভাষানেরে বৃদ্ধকেটে ডিনি তাঁর চতুর্ভুক্ত প্রাণাধ্যে প্রকাশ করেছিকো। হে বাশী, সুন্ত পশুরা কেডাবে অসহায়তাতে একটি সিংহকে মর্থন করে, দারক চ্যুলিত স্তানানের সুকর্ন পরিক্রম-ভূষিত রখ রাজ্যে সেই মানে কর্মন করেছিল। প্রায়ের পুরুরের ক্ষেম একটি সিংভের পশ্চাতে ধাবিত হয়, সেভাবে রাজরা ভগবানের গশ্চাতে ধাবিত হ'ল। কোন কোন বাকা ভালের ধনুকসমূহ উদাত করে, কার গ্রহন পথে উচ্চে বাধা ক্রমনের জন্য পথিমধ্যে নিরেরঃ অবস্থান কর্মেল। এই মুদ্রেন্য নিকে তার তীর নিগত করনেন। সূর্ব করন। সকল বোদ্ধারা ভাগবালের নার্স ধনুক থেকে নিজেলিত चिकित अवदार सरहाने करोहित, जिनि अकरात हात्र जीतार कारण शामिल हर्रहोहन। हाकारण कि कि জনের মধ্যে যানের নিকে অবলোকন করে, উল দিয়ে । বছ ধ্ব ও মান্ত বিভিন্ন বরে কুমুক্তের পতিত হয়েছিল, অবশিষ্ট রাজারা যুদ্ধ পবিত্যাস করে পলারন করেছিল। ক্ষমিত হল এবং পৃথিবীর সমূহের। "লব । কর ।" ধর্মে । বসুপতি আওঃপর তর্গে ও মর্তেন বশ্বিত তাও রংগুধানী। নিল। আনকে অভিন্তত দেবতায়া লুক্টার্থক কর্মেন। কুলফুলীতে প্রবেশ কর্মেন। সেই নগরী করে গট ও ঠিক তথ্য আমি আমার পারের মধুর নুপুর ধামি সহ বিচিত্র তোরণ হারা সূর্যকে আছাদিত করে বিভ্যুত্তাবে দেই খ্যাগর সভায় প্রকো করণায়। আমি কোমর কানী । লোভিত হ্যোছিল। খ্রীকৃক কানে প্রকো ভরকো, ঠাকে पाल कारक मृज्य अपूर्ण (सन्ध्री) रहा शरिधान करतिस्ताम । प्रद्रा श्रीकरण (यन मुर्वेटस्य केल व्यानस्य अस्यन्य करतास्य । আনার লিডা ফুলুবান বস্তু, অনুকার, রাজনীর লাখ্যা, সিংহাসন ও অন্যান্য আশবাধনতে হারা তার বছ, পরিবারের কাল্য অমার চলে ছিল কলের মালা। আমি আহার য়ব ও বনিষ্ঠ আখীয়ানের প্রকা করেছিকেন। বহার্থপালে পবিপূর্ণ স্তথ্যব্যাবকে ভক্তি সহকারে ভিনি মহামূল্যবান অলভাৱে শোডিত দাসীবৃদ্ধ প্রদান কর্মেন। এইসকল দাশীদের সঙ্গে ছিল পদাভিক, বজারোহী, রখারোহী ও ব্বৰারোহী প্রহরীগণ। তিনি ভগবানকে বাতার মূলাক্ষম অন্ত্ৰসমূহও প্ৰদান কৰেছিলেন। এইভাবে, স্বৰুদ্ অপাতিক সম পরিত্যাপ করে একং তপশ্চর্যা পালন করে, আমরা ্রশীরা সকলে আন্মারাম স্তপবানের নিম্ব হাসী হয়েছি।"

জন্যানা মহিবীদের পক্তে কাতে গিয়ে জেছিনীদেবী বৈশ্বেদ—"টৌয়াসূর ও তার অনুচরদের নিহত করার পর স্কর্ণবান, অসুরের করোগারে জামানের প্রান্ত হলেন क्षर क्षमध्यम् कत्राप्त भारतका (व. खादरा हिनाप ভৌলাসুরের পৃথিবী নিজ্ঞারর সময় তার দ্বারা প্রাটিও রাজানের কল্য। ভগকান জামানের মুক্ত করে দিলের

এবং বেরেণ্ড আমরা নিরন্তর জাগতিক বন্ধন থেকে: পদ, মুন্তিপদ বা কাৰেং রাজের প্রান্তিও চাই মাঃ আমর করেন, আমরা সেই একই স্পর্ণ রাজঃ করি।"

কেবলমনে লক্ষ্মীদেবীর বক্ষের কৃত্য গছ বারা সমূদ্র মুক্তির উৎস্থালন তার পাদপ্রের ধানে ক্যাছিলার, তাই - শ্রীকৃত্তের পানব্যের মহিমামর বুলি আমানের মন্ত্রের আপ্রকাষ হওরা সংখ্যে ডিনি আমাদের বিবাহ করতে। বহুন করতে ইচ্ছা করি। রবা রানশীরা, গোলবালকেন্স সম্মত হলেন। হে সাহিত রমনী, আমতা সার্বভৌষ গদ, এমন কি আদিবাসী পুলিম্ব রমণীরা তার গোচারশ্রের ইলে পদ, উদুদ্ধার ভোগো পদ, অনিয়াদি নিছি, শ্রীরেকার সমায় ভূগকতার পরিতাক্ত কে বৃলি সমূহের পদর্শের বারণ



চড়রশীভিতম অধ্যায়

কুরুক্ষেত্রে ঋষিদের শিক্ষা

জীল ওকমেৰ গোহাতী বললেন—"অধিলাছা পরমেশ্বর ওপবান ব্রীকৃথের প্রতি রাশীনের পভীর প্রশতের কথা এবৰ করে পুন্ধ, গাছালী, টোপলী, সূভৱা, ক্ষাবল রাজানের পরীবা এবং লোগীরা বিশ্বিত হরেছিলেন। তাদের যে। আৰু পূর্ণ হয়ে উঠেছিল। এইভাবে নারীক। वर्षन नारीत गरम अभर शुक्ररकता शुक्ररकत गरम निरक्षरण मर्रा क्या काव्सिम श्रीकृष । श्रीरशस्यक पूर्वान খাল্ডটী কো ক্রেক্ডন মহান করি সেলানে আগমন করলেন : তারা হলেন হৈণ্যরন, নরল, চাবন, দেবল, অসিত, বিশামিও, শভানন, ভরগ্নার, গৌতম, ভগবান শরতরাম ও তার শিক্ষণ, বশিষ্ঠ, গাগাই, ভণ্ড, গুলস্তা, কশ্যপ, করি, মার্করে হ, বৃহস্পতি, বিভ, বিভ, একত কুমার চড়াইর, অলির, অগন্তা, যাক্তবন্ধা ও বামদেব। থবিদের আগমন করতে ফর্না করা মাত্র পাত্র বাভারা, কুৰ্ম-বজৰাম সহ উপবিষ্ট রাজারা ও জন্যান্য ভ্রমহোদরের ভংকনাং উবিত হলেন। ওয়া সকলে তথন বিশ্ববিদ্যত সেই কৰিলেবকে প্ৰদান নিবেশন कंत्रतनः। क्षेत्रसः, श्रीयनतात्र अवर कताना शका । म्बद्धाः साम्यः कन, चामम, भागा, चर्चा, भूभगासमा, मुन र्थ योग इन्धन निर्वरहात संस्ट्राट क्यावस्टाह्य प्रवित्तव পুজা কালেন: ধর্মীয় নীতিসভূতক বাঁৰ চিশ্বর গেছ রক্ষা করে। সেই ভগবন কৃষা, খনিবা সূথে উপবিষ্ট ছওরার

পৰ সেই সহলেজা মধ্যে জীলের উদ্দেশ্যে বলতে লাগলেনঃ প্রভাকেই তা গভীর মনোবোলের সংস নীয়বে শ্রবণ কথছিলেন।"

ভগৰাৰ ৰণালেস---"বেহেডু আমহা জীয়নেৰ প্ৰয় केरचन्छ, त्यय-पूर्णक, प्रदास कारणबाहायद्व वर्णन शास হবেছি, প্রকৃতপক্ষে এখন আমাদের স্থীবন সার্থক হল। অহু ওলস্যা পরাহণ সেইসব মানুদেরা যারা ভগবাসকে কেবল যদ্দিরের বিপ্রহেই চিনতে পারে, তারা একা किछार्य कामनारमञ्जू मर्मन, न्यार्गन, श्रम, श्रमात्र, शासाईना ও অন্যভাবে অপ্নাদের সেবা করবেঃ জন্ময় তেৱসমূহ প্ৰকৃত পৰিব তীৰ্থ নৰ, মৃত্যা ও শিলাময় বিত্রত্ সকলও প্রকৃত আরুব্য বিগ্রহ্ নয় । এইসমন্ত কিছু কাউকে কেবলমার দীর্ঘ সময় পটো থাক করে কিছা সাধু-অধিরা কর্মে মাত্রে একবংকে ওছ করে। স্বাধী, সূর্য, हत:, छात्रका, बाहि, **सन्,** खाकान, राष्ट्र, शुक्त **ও** शस्त দারিত্বপ্রথে নেবতারা, তাদের ডেগবৃদ্ধিকারী উপাসকদের পাপসমূহ বুর করতে পারে না। কিন্তু কানী কবিষের প্রতি মুহর্তের সম্রম্ভ সেবাও কারোর পাপ বিনাপ করে। বে ব্যক্তি কক, শিশু ও বাধু—ঐট্ ত্রিখাড়-বিশিষ্ট মেধ্যাণ র্যালটকে আরা বলে মনে করে, প্রী-পুরাদিকে বছন বলে মনে করে, ক্ষমভূমিকে পুঞা বলে মনে করে, তীর্গে পিত্রে তীর্ধের জলকেই তীর্থ বলে মনে করে তাতে সান

श्रीत ७४ (भ्य (गायामी क्लालन--- समीय **सा**नी -क्षात्म कृरक्ता जाव (बरक अक्रम कृरवंदा वाकामधर आक्षात्क मर्वाच्यवंदी, काकास्थ व वरव निरुक्तारण প্রধান করে তাঁবা বিভাগ্ন চিত্ত হয়ে নীয়ের রউলেন। কর্ম স্ক্রন্মতে বাবে না। ভালের কাছে জাগনি মারার বর্তনিকা ক্রীরের মতো ভগবানের ব্যবহারে পবিয়া বিশ্ব স্মরের স্থান ভালতে রবেছন। একজন নিচিত ব্যক্তি, স্বয় খেকে ক্ষা বিভাগে হয়েছিলেন। উল্লেখিয়াকে এলেন বে, পৃথক হার জন্তেও পরিচর ভূলে বিবে, নিজেকে বিভিন্ন সাধারণ মানুষের শিক্ষার জন্য তিনি একারে আচরণ ক্রবভিনের। তাই ভারা হাসলেন এক প্রীকৃষ্ণতে ক্রাক্সে--আপনার মারাশন্তি প্রকাপতিকের অধীবর e ভাষান্ত্ৰান মধ্যে কেট আমাদেরও সম্পূর্তনতে বিমেচিত লবেছে। অন্তে, পর্মেশনের আচকা কি অন্তর। আগনি নিক্রেকে অপেনটে মনুবাড়ন্য অভরণ বারু অত্তর প্রথেন এবং পরম নিয়ন্তপর বিশ্বর হওয়ার ভান করেন। ভরি ছন্তাগন্ত এক হলেও খ্যা প্রভৃতি বিকারভেষে ফেলেগ দিবিধ নাম ও আকৃতি ধানণ করে, সেইরূপ সাপনি প্রতাপত এক এবং অফিল হয়েও নিমা মুক্তপ দারা ক্ষরতে এই বিশ্বের সৃষ্টি, পালন ও সংহার করে থাকেন, অধ্যত নিজে কমজলে বন্ধ হন না। সেইবৰত প্ৰিপূৰ্ণ ব্যাপ আপনার স্বাস্থা-চরিত আদি অনুকরণ মাত্র, বস্তুত সভা নয়। তথাপি, উপযুক্ত সময়ে অপনার ভক্তদের সুরক্ষা ও সৃষ্টের হমনের জন্য আগদি ওক্তসভ্যর রাগ धारण करहर । अहेन्द्रास्य चालनि, क्लांट्राक वस्पत चाला, প্রয়েশর ভগবান, জাপনার অনেক্ষর জীলাসমূহ উপভোগের মধ্যমে বেজের নিজ পথটেকে পালন করেন। বেশসমূহ ছালে আপনার অমলিন হলত এক ভাগের মাধ্যকে তপভৰ্ম, অধ্যৱন ও আৰু সংখ্য ৰাজ কেউ বাঞ্চ, পাবাঞ্চ এবং উভয়ের মধ্যেই চিমান্ত অভিছের ওছতা অনুভ্য করতে পারেন। অভ্যাহ, হে পরম 🕬, আপনি ব্রাহ্মণক্রের সমস্যান্ত্র সম্মান জ্ঞাপন করেন স্পারণ উরোই স্থোন্য প্রতিমিধি বাঁচের মাধ্যমে কেন্সমূহের যমাণের স্বারা কেউ আপনাকে হলকেম করতে পারে। সেই কার্যের অনুসলি প্রাক্ষণকো অনুসী পুরুত। আর আমরা মাধ্যতেকা পরম কতি জাপনার সমপাত করে বিধ্যা, তপস্যা, চক্ষ রাক্ষ অব্দের সাকলা প্রাপ্ত হয়েছি। বেহেন্ত জাপনি নিবিল মনকাসমূহের পরাকাটাকরাপ। আময়া অকৃষ্ঠ বৃদ্ধি গুৱুমান্তাস্থরতা গুরুমেশ্ব ভগবন

ত্তে অধ্যুত্ত স্থাৰ্থনাসী অভিনয় সাধুদের সাম করে বা সে কুখাকে নকছার করি, বিনি তার আইতিয়া বোগনায়াদারা একটি ধর বা পাধা পোরে ক্ষেম অংশেই উৎপৃষ্ট নয়।" তার অভিনাতে আছের করেছে। এই সকল বাকরো অথবা আপনার বার্তম সম উপভোগ্রত বৃক্তিয়াও নাম ও কলে দর্শন করে এক পরিবর্ত প্রস্তুবভার নিঞ্ছেকে কলনা করে। একইভাবে, সারাধ্যরা কর চেফনা বিসাব সে কেবল জগতিক বিবয়সমূহের নাম ও রূপসমূহ খারণা কবতে শারে। এইভাবে এরণ ব্যক্তি তার স্মৃতি হাবিতে কাপ্নাকে জানতে পাটে না। আৰু আমরা সর্বপাপ টোডকারী গবিত্র দঙ্গার উৎস আপনায় চালকুকাকে প্রত্যক্ষকাকে দর্শন করেছি। সিন্ধ বোদীরা কম লোৰে ভালেৰ ক্ৰমণ অভাবেৰে মাপনাৰ চৰপাঁণুপালৈৰ ধ্যম করতে পারে। কিন্তু বারা সর্বতোভাবে আপনাকে ভতি প্ৰদান কৰে কেবলয়াত ভাবাই এইভাবে আৰাম আপ্রাচন জ্বাহিত ভাকে-পরাক্তিত করে এবং ভালের পর্ম গতি রূপে অপেনাকে প্রাপ্ত হয়। তাই দরা করে আগনের ভক্ত, আয়াদের উপর কৃপা প্রদর্শন করুল।"

> क्षेत्र क्ष्यास्य शाकायी वनामम-"ह्य दाक्षि. এইডাবে কাবার পয় বুমিরা জড়ংপর ভাগবান দাপাই, ধতরাষ্ট্র ও বৃধিষ্টিরের কাছ খেকে বিদায় প্রচণ করকেন এবং ভাগের আভাষসমূহে প্রস্থান করার জন্য প্রস্তুত হলেনঃ ভাগের প্রস্তানোল্ড সর্গন করে মহাযাল্য কগুলেব মুনিবের সমীলাই ইকোন। উানের পালয়র স্পর্ণ করে উদ্দের প্রণাম নিকেনে করার পর মতুসহকারে নির্বাচিত শব্দ দ্বারা তিনি ডাঁলের বললেন—হে কবিগণ, সকল দেৰতার আবাস খবংগ জাপনাথের সমস্কার করি। व्याननाता पदा करहे कामस कथा संवर्ग कड़न । कर्म धाता বিভাবে কর্মের প্রতিক্রিয়া থেকে মৃত্যু হওয়া বার, সরা করে আমাকে আ বলুন।"

শ্রীনারদ মুনি ক্যাপেন—"হে ব্রাক্থেরা, এটি ভেমন বিচিত্ৰ কিছু নয় বে, বেহেড বস্তুপৰ ক্ষমৰে একটি ব্যাহক মার বিক্রেনা করছেন, ভাই ভার কানবার আগ্রহ বশন্ত তিনি তাঁর পরম মলল সমূহে আমানের রাম করেছেন। এই স্ক্রমতে মানুবের মহন বস্তুর নিকটে অবস্থান কর্মেট

তার অনাগব করে পাকে। উলাহরৰ কংগে, যিনি প্রসার তীৰে মূল কৰেন ভিনি কথাতার মানা কনা কোন তীৰ্থ मिल्ला **शास करका। जार**श्चरक चानुकृष्टि कला वाता. জনভেন সৃষ্টি ও প্রকার খাবা, জনতের গুণ সমূহের পথিকেনের স্বাক্ত কথক আত্ম-উত্তত বা কাঁচাক কন্য কোন কিছুত ভাতটি ককাও উপদেশ্য নয়। কিছু যদিও অফিতীৰ পৰমেশৰ ভগৰনেৰ চেতৰা জগতিক কেশ ছারা, জাগতিক কর্মের প্রতিক্রিয়া করে অথবা প্রত্তির धनमञ्जू कार्यस्य अवह क्षा कवरव अक्षानित हत না, তব সাধারণ মানুষেরা মনে করে যে ভগবান তার সৃষ্টি, প্রাণ ও অন্যান্য জড় উপাদান বানা কলেচ্নালিড, ঠিক বেশন কেউ মনে করতে পারে বে সূর্ব মেব, হিম ঝ প্রথম পারা অক্রেণ্ট্র চর 🗂

ঠীল ওকদেৰ গোলামী বলতে লাগলেন—"ছে बाकर, बाट्ड गृहे मुनिया शूनकार अनुसारक सहवाका करत বদতে পাগদেন, যা ত্রীত্যুক্ত ও জীবাছ সহ সকল রাজাগদ কাদ করেছিলেন।"

মনিয়া বদলেন—"এটি সঠিকভাবে নিয়পিত হয়েছে হৈ কৰ্মের ভারা কর্ম করুল নাই হার ভাঙ্**নট্র হাধন কে**উ সর্বসঞ্জের বিশ্বক্ত প্রকার জন্ম হথার্য বিদ্যাসের সঙ্গে বৈদিক বজ্ঞসমূহ সম্পাদ্ধ করে। তথকা প্রিভের পার চকু বারা সমানকালে হিতাহিত নিরীক্ষণপূর্বক প্রদর্শন করেছেন যে চকল ফন্ডে পদ্ধন করার ও যোক প্রাপ্ত হবম এটিই সহক্ষতৰ পছা। এটিই পৰিত্ৰ কৰ্ডল স্বা दिसर्व कानमे भागमन करत। जरफारत शाध जन्ना वाता निरमार्थकार्थ भन्नरसम्बद्ध समयास्मा नृज्या कराहि शार्थिक विष्टे पुरस्कृत कर्ना वताव अधिवार्टक अव।"

"হে বসুমেৰ, একজন বৃদ্ধিয়ন ব্যক্তিয়া বন্ধা সম্পাধন, পানের হলে সম্পদ্ধের আকাশনা, গুড়ম্ব জীবন প্রাপ্ত হওয়ার মাধ্যমে তার পত্নী ও পুর লাগ্ডের কমেনা এবং সমতের প্রধান অধ্যয়ন শ্বার পরবারী জীবনে এক উচ্চতর হতে উন্নত হবৰ আকা**তকা** ভাগে কলৰ শিক্ষা কল উচিত। আন্তুলকে কৰিল বান্য এইভাবে আৰের পুরুত্ব ছাঁবনের প্রতি আমন্তি পরিজ্ঞার করেছেন, ভগক্ষর্যা সম্পাদক্রর কবা তারা থলে গমন করেছেল। যে প্রাভূ, दक्कम हैक दिन बंदाहर कर नित्र क्षेत्रप्रश्न कर्या। সেওপো হল দেবভাগের কাড়ে অগ, ছবিনের কাছে অগ

এবং তার পিতৃপুর্ববের কারে কণা স্থানি যে চল স্পাদন, পার অধারন ও সপ্তন উৎপাদন দারে প্রথম অন্থানে দা করে তার দেহ তামে করে, সে এক নাক্রীক অবস্থাৰ পতিত হৰে। কিন্তু আপনি, ছে মতানতে ইতিমধ্যে থবিরা ও পিড়পুরুবদের হাতি, আগনার 🕪 কা থেকে মুক্ত। এখন বৈদিক বজসমূহ সম্পাদন কলা মাধ্যমে দেখডাদের প্রতি কর্ম থেকে নিজেকে মৃক্ত কর্মন এবং এইভাবে নিজেকে সম্পূর্ণরূপে কবস্তুত করে সকল জাগতিক আত্ৰায় ভাগে ককন। হে কানের, নিগেনেটে অৰণাই আগমি অতীতে সময় জনতের অধীকা, শ্রীতবিদ্ধ আরাধনা করেছিলে। আপনি ও আপরের পত্নী ঔচনে নিভয়ই বধাবধভাবে পরম ভক্তির সঙ্গে ভার আরাধ্যয় করেছিলেন, সেইছেড় ডিনি আপন্যকের পুরের ভারিক গ্রহণ করেছেন।⁶

बील क्वराख शाक्षामा कारण---वरितास और अवस কথা প্রকা করার পর মহামনা কানুদের ভূমিতে ঠার মন্তর্ খনেত করে প্রণাম নিবেদন করনের এবং ভাঁসের ছত্তি পূৰ্বক আমেরকে পুরোহিত হওয়ার কন্য অনুবোহ করলেম। হে রাজন, এইভাবে ভার ধারা অনুক্রছ হয়ে শ্বিষণ পবিশ্ৰভূমি কৃতকেত্তে পান্তীয় বিধানন্দ্ৰতে সর্বোত্তম ধর্মীয় ব্যবস্থাপনার সঙ্গে ধার্মিক বসুমেবকে অভিবল্প সম্পাদনে নিয়োজিও কর্মেনঃ যে রাজন, মহায়কৈ বসুদেব যথন হলে দীখিও ছওয়ার জন্য প্রশৃত হলেন, ভবন বৃথিয়া সাদের পর সুদর ধর ও পর মালা পরিধান করে সেই দীক্ষা মতপে আলমন করলেন। অন্যালা সু-অলম্বত রাজারাও সুমার করে লোভিড 🕏 কঠে নিৰু ধাৰিও ভাঁমের আনন্দিত সকল মহিনী সহ আগমন করেছিলেন। রাগীরা চক্ষর অনুলেশন করেছিলের এবং পৃথার ধান্য পরিত্র প্রয়াসমূহ করে কংহিপেন। মূদক গটহ, শখ্য, ভেনী, জানক ও জনাস্য বাদ্যবা ধানিত হয়, নর্তক ও মর্ভকীরা নৃত্য করাকন এবং সূত ও মানধেরা ছতি পাঠ করদেন। গুঁদের শতিগণসহ মধুর করী লছর্য রমধীয়া খান খাইলেন। वमुद्रम् चर्च सरमप्त खक्षम निरङ्ग लाक्षिक । स्वर নকনীকিন্তু কারার পদ্ধ পুরোধিকেরা শান্তবিধি অনুসাঙ্গে তাঁতে ও তাঁর অন্তাদল পরীকে পরিত্র জল সিভান করে দীক্ষিত করকেন। তার পর্যাদের দ্বারা পরিবৃত ভাকে

ক্রমত্রতালী পরিবারন্তিও বাজকীতে চাল্লের মাত্রো মাত্র बार्व द्वाची नाडी शविधान कर्त्राचरनम अवध साथ. कार्याद नुगुत क कृतन याता विश्वनिक्ष हिल्लान। कार्राज লালা আবৃত দৈয়ে বসুদেৰ দীবিষদেকালে পোডিত fittere ("

াছে মহাবাম পরীপিৎ, রেশনী ধৃতি ও রত্তর্যনিত _{আলমানে} সন্মিত বস্তেবের প্রোহিত এবং সভাসদদের এতট জ্যোতিটাই দেখাছিল কেন জানা ব্যাপ্রবিদানী হাজার মভাহতের করেবামান হিলেন। সেই সময় সকল এতের উপত বলগায় ও কৃষ্ণ তাদের ঐপত্রের প্রকাশক। হৈছা নিয়া পুনা, পদ্ধী ও পরিবারের অন্যান্য সংসাদের अपन अक्टीन में शिर्ड किएक कर्रायरम्भ , क्यांगम दिवि অনুসারে বিভিন্ন কালের বৈধিক বজ্ঞসমূহ সম্পাচন করে। ব্যাহের সকল বাল উপকরণ, মন্ত্র ও ক্রিয়ার অনীকরক লকা করলেন। অধিহোত ও মন্তারাধনার অম্যানা বিবয়সমূহ সম্পাদন করে তিনি প্রাকৃত ও কৈছত উত্তর যুৱাই সুস্পাদন করাদেন। তারদার, যদিও পুরোহিতরা সু-অসম্ভত ছিলেন, তথ স্থাসমূহে এবং শাস্ত্র অনুসারে বসকেৰ প্ৰোহিতদেৱ মৃদ্যবান অলকাৰ বাস্তা কৰিও ক্ষালের এক বহুমূল্য পান্ধী, ভামি ও ক্ষারা উপহার দিয়ে प्रक्रिक्त शामन करामन। भड़ी मश्याक ७ करहवा कर्य সম্পাদন করার পর সেই মধ্যন রাখ্যণ থবিবা বঞ্চয়ন বনুগেবকে অপ্রবাহী করে জগরান পর্যবাহের হলে সাম ক্রানের। পরিও লান সম্পূর্ণ হলে বস্তান্থ উল্ল পরীক্রের সক্ষে পেলাদার অভিনাঠকদের পরিবের ও বসন প্রদান करका। चकानत राम्याच सर-शत गरियम करामत। ভারপর তিনি সকল শ্রেণীর সানবদের, এমনকি কুলিদেরও সম্মানের সাকে ভোজন কমার্শেন। ভাবের স্বৰু দ্বী-পুঞ্জ সহ ভাৱে আদীবৰগদেব, বিদৰ্ভ, কোলা, কুক, কাশি, কেকম্ব ও সঞ্জয় রাজ্যের রাজ্যদের, সভার র্যার্ডনিধিত্বকারী সমস্যাদের এবং প্রোছিত, প্রস্তাক্তর্মনী দেবকা, মানুৰ, ক্বত, পিত ও চারণদের তিনি ঐথার্যময় উপহার প্রদান করে সম্পানিত করলেন। অভঃপর সম্পীদেবীর জালার প্রদানার কুরেরর কার থেকে অনুযতি াইশ করে বসুদেবের যজের ছাতি কীর্তন করতে করতে বিভিন্ন আঁডবিরা প্রস্তান করপেন। সকল জ্বাণ, ভালের

সুসাদ, সাহায়ী, ব্যৱসায়ী ও উদ্দ্ৰ কবিউ জাকা বিস্তুত, পূখা প্রকাশ বসুমের ইয়ে পট্টাগলসভূ দীক্ষা প্রহণ কর্মক্ষা, ও সামা প্রশাস, স্থান্ত, ক্রেন্, গ্রহণ কর্মণ ও সভ্যেন, करण & स्थाराज हरान्यान नह स्थापना साईप्रधान स्था আলিলিত ক্ৰেডিলেন। তেনে উল্লেখ ফান্ড আৰ্ড इटबहिन, शाह दीता करर कताना बाँडवियर्ग विद्रह **च्याना वीरत वीरत करण्या श्राप्टान काराना**। छोड (সাপধ্য সহ এক মহালাভ কর কিছুতান ধেনী। ঠাই चार्डीहर्स, सन्तम सहस् चनका करावे भारतस्य अग्रहार প্রতি তীর অনুয়ার প্রকর্মন করকেন। তীর করপুনাকালে क्क, रमशाय, इंडरमा । धनाव्याता केएक दिएसर ঐথবঁহর পজার সাধারে স্থানিত করলেন। অভি नवरकरे देश देकाकारकाट ब्रह्ममानव वेदीर्ग राज वनुस्वय मन्त्रभी भारतार चन्छन करातन। चीर का धारानानकीर সাহচর্ম মধ্যে তিনি ঠার হাড দিয়ে নাম্পর হাড প্রহণ করে ঠাকে কালেন- কামার তিব আতা, ভাগনৰ স্বয়ং **एक्ट नामक यहन काना कार्द्राइम का धानुवर्गाय क्षेत्र(है** मुख्यात करण करवाह। सामक्ष मान यह एवं व्यवसायक ধ মহাবেলীয়াও নিজেনের এই থেকে মুক্ত করতে অভার শ্রমধান্তা প্রাপ্ত হল। নিমেন্সেছে, উগবান व्यक्ताहे वीरिटन सकत मुद्रि करदाहान, स्वयंत्र साधनारसद মতো সক্ষম প্রবাহনৰ কথাও ব্যবহরত্বরূপ প্রতাপকার প্ৰাপ্ত না হলেও অক্তমা আমাদের প্ৰতি কথনও অনুপান ৈয়েই ক্লব্ৰু নিবৰ হননি। জে কান্তা, আমতা ইতিপূৰ্বে স্থাপদানের হলদের জন্ম কিছু কলিন। কাংগ আমরা स्तर्भ दिलाय, बयनकि श्रेष्ट्रक और 🕫 सानुनाहा আমানের সম্পুর্বে উপস্থিত, কিন্তু আমানের চকু আগতিক বৌভাগের ছারা এতই মদাছ যে আমরা এখনও चार्यभारमञ् केरनाका करति। द्वा प्राप्ता रिनि कीराज পরম কল্যাপ কামো করেন, ঠার কেন কলেও সাক্ষকীয় ঐশর্ম লাভ না হয়, জালা হা ঠাকে তার আগন বছ ও পৰিবাৰের প্রবোজন বিবার **কর করে** তেনে।"

শ্ৰীপ তক্ষেৰ গোখাৰী বলাগ্ৰ—"ভাতবিত সমবেদনা বালা তার হাদর কোহল হলে, বসুদেব স্থোদন করেছিলেন তার প্রতি প্রদানত নালের বিরোধা ডিমি क्षत न्यस्य अविद्यालन, क्षेत्र हक्ष्यत काळाल्यं प्रदेश উঠেছিল। ফলও কাৰ পদ্ধ থেকে বন্ধ বস্থাবের ক্লার नुर्व चैंग्टिश्यारम् हिट्यन। छाहे विद्नता नंद्र क्रिन सम

দশম ছব্ৰ

ধাববাৰ ফোকৰা কংগ্ৰছিলেন, "আমি আৰু পৰে পদন তরৰ" এবং "কমি স্থাগামীকাল প্রমা করব"। কিন্তু কুষা ও ক্ষরতমের প্রতি প্রেমকশৃত ডিনি সেখানে সকল খনগণ হারা সম্মানিত হয়ে তিন মাস অবস্থান করলেন। ভারগর বসুবেব, উপ্রসেব, কৃষ্ণ, উদ্ধার, বলরাম ও धनालाक जाव जाकरकार्यक भूग कराने अंदर फारक মুদ্যালন অলভান, ক্ষেত্ৰৰত ও বিভিন্ন আমুদ্যা পৰিছেদ উপহার প্রদান করলে নক মহারক্তে সেই সকল উপহার প্রহণ করে তার বিদরে প্রহণ করলেন। সকল মদগণের দ্বারা বিদার প্রহণ করে তিনি তার পরিকার ও ব্রজবাসীগণ সহ প্রস্থান করলেন। বেখানে ভারে উচ্চের সমর্পশ

করেছিলেন, ইইলেমিনেক সেই চরপক্ষক থেকে প্রাচন মনকে প্রতাহার করতে অসমর্থ নক এবং গোল ও পোলীয়ে মধুরের প্রভাবর্তন করলে। উচ্চের আগ্রীয়ন্তর এইন্ডাৰে প্ৰস্থান কৰলে একা কৰিছত সম্ভাগত দৰ্শন কৰে ক্ষাই বাদের একমার উপবান সেই বৃত্তিবল দাবস্তাত श्राजां अहाजन। अनुभक्ति यहरस्य दाहा जानाविक উৎসব্যন্ত বন্ধাসমূহ সম্বন্ধে, তানেও তীর্থসন্তার সমতে স্বা যা মটেছিল ভার সমবাধিকু বিবারে, বিশেষত কিভাবে গুরা তাদের সকল প্রিয়ক্তনের সঙ্গে বিশিষ্ট ইয়েছিলেন সেই সৰ ভারা নগৰীৰ জনসাধাৰণেৰ কাছে কৰিব



পঞ্চশীতিত্য অধ্যায়

বসুদেবকে শ্রীকৃষ্ণের উপদেশ প্রদান ও দেবকীর পুত্রদের উদ্ধার

क्षीनाभजात्रनि कलाकान-"अकमिम वनुस्मरदत्र पृष्टे भूत কৃষ্ণ-বল্যাম ভার পালবন্ধে প্রদাম বিবেদন করে ভাকে শ্রম্ম ক্লাপনের কর আগমন করলেন। বসুমের তাঁদের অভান্ত প্রতির সঙ্গে অভিনশিত জনকেন এবং ভারের বললেন, ভার দৃষ্ট পুরের শক্তি সম্বর্জে মহান মুনিদের হাকা ভাবন ভবে এবং উংশের শৌর্যকর্মসমূহ দর্শন করে। सनुरम्भ कारमा क्षेत्रक विश्वत का विश्वामी शराविरणम। ভাই ভাষের বাম সংখ্যাধনপূর্বক ডিনি ভাষের ফললেন, হে কৃষ্ণ, কৃষ্ণ, ইংয়েনারী, হে সন্যতন-স্বরূপ সন্বর্ষণ, আনি জান বে আপনার দুজন হচ্চেন প্রজাতের সৃষ্টি 🕏 সৃষ্টির উপাধান সমূহের করেণ করেলঃ আপনি প্রধ্যাক্তর ভাগবান হিনি প্রকৃতি ও প্রকৃতিয় প্রস্তা (মহাবিকু) উভয়ের অধীধরতাপে প্রকাশিত হন। খা কিছু ৰতমান, ৰেডাৰে এপ ৰখনই ডা উৎপদ হয়, ডা আপনর মধ্যে, আপনর হারা, আপনার থেকে, আপনার

উন্দেশ্যে এক আপনার সক্ষে দৃষ্ট হয়। হে আধানক, আপনত্ত বেকে আপনি এই সমগ্র বিচিত্র বিশ্বকে সৃষ্টি করেছেন এবং ভারপর আপনার পরমান্তা স্বরূপে ওয় মধ্যে আগনি বাবেশ করেছেন। হে ফলরহিত প্রমান্থা, এইভাবে সকলের প্রাণ ও জানমাণে জাগনি সৃষ্টিকে भागम करहरू। शाप के विश्वपृष्टित प्रान्ताना भागार्थनपुर ৰে শক্তিই প্ৰদৰ্শন ৰঞ্জ না কেন প্ৰকৃতপক্ষে য়ে সকলই পরমেশ্বর ওপরানের নিজ পতি কালে প্রাণ ও বার উভাই তার অধীন ও উরে উপর নির্ভরশীল এবং পরস্পর হতে ভিন্নও। এইভাবে, মভজনতে সক্রিয় সমত্ত কিছুই পরমেশ্বর ভবধান ভারা পরিচালিত হচ্ছে। চন্দ্রের দীন্তি, অধির তেক, সূর্বের প্রভা, নকজসমূহের ক্রিকিমিকি, বিশ্বতের কলকানি, পর্যতের স্থিবত্ব এবং ভূমির আধার শক্তি ও গছ--এই সমত কিছু প্রকৃতলক্ষে আগনি।"

ুমে বাস্ত, আলমি কবা ও জালের বাদ এবং তৃষ্ণা

ভাল্ডিজনক শক্তি ও জীবন প্রদান্ত। আলমি ধার্ব ওল, সেং বিহুধে বিবেচনা করে, ভারা মনে করে বে "এই কল, টেই। ও পতিক্রপে কর্মাণিত হওয়ার মাধ্যমে নিষের । আমি^ল এবং বছন ভারা তাকের সন্তান ও অন্যান। সক্তিসমূহ রাশনি করেন। আগনি দিকসমূহ ও তাদের সমারকারী শক্তি, সর্বব্যাপ্ত থাকাশ ও তদাশ্রর লক্ষ-তন্ত্ৰে। আপনি আদি নাৰ, বৰ্ণ, ধাৰ এবং প্ৰাব্য ভাষা ৰে পৰা হাল্য নিৰ্মিষ্ট বিষয়সমূহ বাজ্যলগ প্ৰাণ্ড হয়। धाशनि हेक्किनम्दरस्य विश्व अभानिक निष्के, फारमक অধিকাত দেবতা একং এই সকল দেবতাদের অধিকাদ শক্তি। আপনি বৃদ্ধির মীয়ালে। শক্তি এবং জীবের কথার্য প্রতিসন্ধান শক্তি। আগনি কড় উপাধন সমূহের করের বরণ ভারসিক অহজার, অংগনি দেহজ ইপ্রিরসমূহের কার্থ-খন্তপ রাজনিক অহমায়, আপনি সকল মেবভাসের ভারণকরণ দাবিক অহতর এবং আপটা সমস্ত কিছুর ভিত্তিপদ্ধান অপ্রকাশিত ক্ষমপ্রিক ছড়াশন্তি। সূল হয়। থেকে প্রকাশ রাশাব্যবিত মধ্যের উপাদানসমূহ যোচন অপন্নিক্তির দৃশ্যাক্তর হয়, তেমনই আপনিও এই স্তাপ্তর जरून स्थान स्वतः वर्था । अवस्था चरित्रशत अस्त। असू হছ, তম নামত জন্ম প্রকৃতির গুণসমূহ তানের সামপ্রিক কাৰ্যসমূহ সহ আপনাৰ ধোণনাৱাৰ সুধিনাকতা দাবা পর্যাইকাক্রাপ আগনার হথ্যে সাকাৎ প্রকাশিত। उद्देशास अदेगसम गृष्टे स्था, बाजाध्यमिता प्रामादा मगुरू, রক্ষাত্র কর্মন জভাগ্রকৃতি ভাগেরকে জাগনার মধ্যে প্রকাশ করে ভখন ছায়ে বিদ্যবাদ থাকে না, সেই সময় আপনিও ভাষের মধ্যে নিজেকে প্রকাশ করে। বিশ্ব শৃষ্টির এরাণ একরে সমর ব্যতীত, আপনিই একহার পরমার্থকরণ রূপে বিরাজিত থাকেন। এই জগতের জাগতিক ওগাংলীর অনবরত প্রবাহ হয়ে আবদ্ধ হয়ে যারা আপনাতে, সমস্ত কিছুর পরমাতা, ভালের পরম বেষ্ট গতিরূপে জনতে ধার্য হয়, তথা প্রকৃতপক্ষে ছঞা। ভানের অঞ্চতার জন্য স্থাগতিক কর্মক্ষেত্র এরল আস্থানের ক্ষা-মৃত্যুত্ত হকে ব্যব্দ করতে কথা করে। সৌভাগরেশ্য আৰা এক দুখ জনৰ জীকা আৰু হবাৰ দুৰ্গত সুধোগ হাও হাতে পারে। কিন্তু ও সপ্তেও তার পক্ষে কোনটি লেয় সেই নিবৰে খনি সে বিভাগে হয়, হে জনবাম, আংশনার মোহিনী সামা ভার সমগ্র জীবন নট করার জন্য ককে প্ৰস্তাৰিত কয়ৰে। আগমি এই সমগ্ৰ স্বৰণতকৈ খেত কৰ্ম কৰে কৰে কৰে কৰি মানুহ কৰা ভাগে কড়

সম্পর্কিত বিবরে হিরেন) করে ভালা মনে করে "এই সকলই আমার"৷ অনননো গৃইক্তন বস্তুত আমানের পুত্র নন, পরস্ত ভূতারভূত ভত্তিবহের বিনালার্থ আপদারা প্রকৃতি পুরুষের ইশ্বর হয়েও মনুবারতা অবতীর্গ হয়েছেন, যা আগনি জন্মসমেরে বলেছিকেন। অভএব, হে দীনবন্ধু, একা আদি আকারে পাদপরের করণাগত হয়েছি—কে গালিপাৰ সকল নাংগালভকটের সংগালভার দুর্বীভূত করে। যথেষ্ট ইজির উপভোগের লালসা, বা আমাকে এই মর্তাপরীরে আরবৃদ্ধিয়ক্ত করেছে। তাই হে স্কগবান, স্বাপনাকে আগতে পুত্র বলে মতে করেছি। প্রকৃতপক্ষে সৃতিকাগ্তে करकार्यन সময়ে जाननि बासास्मर বলেছিলেন বে, আপনি জন্মবহিত ভগৰান, পূৰ্ববভী ব্লেও ক্তেকবার আমানের পুর্কালে ক্ষরহার্ণ क्रिक्लिन। जालनात निक वर्ष द्रकार्ष और अवन प्रिक (मध्ममूर क्रक्श्ना भड़ कार्नी जातन्त्र क्राइटिंड कहत्र এইসেবে আগনি মেনের মতে প্রকাশিত ও আর্লুইট হন। বে প্রে-ক্তিত সর্ববাধে ভাবান, আপনার ঐথর্যময় বিরারের অর্থান্ডির মেহিনী-শক্তিকে কে প্রবাসর করতে

শ্রীল কর্মকের লোভাষী কারেন্স—"তার পিতার কণ্ড ইনণ করে সাত্তত শ্রেষ্ট ভগরান কিনরের সঙ্গে ভাঁর মন্তব্দ ধ্বনত করে এক শান্ত করে হাস্য সহকারে প্রভারতে বদবেদ, হে পিতা, বেহেতৃ আপনি আপনাম পুত্র, আমানের উক্তেশ্যে এই ভবসমূহ করি কংগ্রেক ভাই আপনার বক্তবাকে আবি বজার্থ বলে বলে কবি। বে क्टूबर्ड, रक्तामात्र चामि महे, किन्नु चामल महस्त जाटा **६ धरे मध्य शतकार्यांत्रम मृद् धार्यांट और वर्ध्ये** দর্শনের আলোকে বিধেয়াঃ প্রকৃতলক্ষে, সচল আচল উভয়ন্ত্ৰ জ কিছু বৰ্তমন সমজ কিছুকেই যুক্ত করা উচিত। শ্রহাল প্রকাশে এক। তিনি স্থাকাশ, নিয়া, চিমর এক ৰাড্ডশ্যকনীপুৰ। কিছ জান সৃষ্টি সেই ওণাবলীর মাধাতে পরমত্রক সেই সকল ওপাবলীর प्रकार्मक प्राप्त कारण शकानिक हम। जानम्म, बाह् অন্নি, ক্ষল ও মাটিত পদার্থসমূহ বেমন তানের বিভিন্ন বৰতে প্ৰকাশ অনুসাত গুলামাৰ, অগুলামান, কৃত্ৰ অথবা

বহুৎ হ'ছ, তেমনই পদ্মাত্ম ধনিও এক, বহুলপে বলে আনতেন, তাই ভার হালর জনতে উপতে উঠল। दशीयमान क्षा।"

ক্ষিত ভগৰানেৰ এই স্কল নিৰ্দেশসমূহ ক্ষাণ করে বসুদেব ডেনবৃত্তির সভাল ধারণী হৈছে। যুক্ত হলেন। সভাই ক্রমতে তিনি নীরব থাকলেন। হে কুরুপ্রেষ্ঠ, সেই সময় সর্বজন পুজনীয়া মেবকী ডার দুই পুত্র কৃষ্ণ-करनारम्य के(करण) तसवात मृत्याच अस्य कतरमन। छिनि । अञ्चन बाह्या----पृत्याम वहा, पानवात, कृशकी हत्यान ইতিপূর্বে বিশ্বিত হয়ে ভানেছিলেন বে জারা তালের ভাষাবের পূত্রকে মৃত্যু থেকে ফিবিরে এনেছিলেন। করলেন। এইভাবে তিনি ভাষের তার পরিবারের সমত এখন কলে ছারা নিহত নিম্ম পুরুমের কথা পানৰ করে। তিনি অভ্যন্ত হুংৰ অনুভব করলেন, অন্ন ভাই অপ্ৰাণ্ नवद्य किने कुक-कलतारुपत शक्ति शनिर्वेष शार्थना बाल्प्य করলেন 🖺

কে কৃষ্ণ, সকল কেঞ্ছেৰ্যমের ঈশর। আমি জানি থে আর্গনিই হাজন সফল কাপ প্রটার পরম নিয়ন্ত, অধি नुकरवेश्वयः। आत्मव श्राप्तात नप्रध्यावनी विनद्र स এইভাবে শাল্পের কর্তৃত্ব অর্থীকার করে পৃথিবীর ভার হয়ে ওঠা রাজানের ইউয়ার জন্য আননারা এখন আমার কাছ খেকে এই ভগতে অবতীর্ণ হয়েছে। হে বিধ আরুব, জগতের সৃষ্টি, দ্বিতি ও প্রশার সকলাই আপনায় অংশেরও অংশের অংশপ্রকাশ হারা সম্পাদিত হয়। টে উপতথ্য আৰু আমি আশম্যা শ্রণাগত হলাম ৷ আপনামেও ওক্তবে বৰ্ম দীৰ্ঘকাল পূৰ্বে মৃত ভাৱ প্ৰভে পুনৱস্কান कतात करा चालनारभद निर्दाण क्षमन करहिंद्दानन, তক্তকিরা সামাণ আপনারা পিত্রোঞ্চ থেকে জাকে ফিবিয়ে এনেছিলেন। ছে য্যোগেলরাধিপতি, দরা করে একটভাবে আমার অক্সপল্যর পূর্ব করন। মহা করে एकाकताचा बहुत निश्च व्यासत्त शुक्रासत्त किदिएत चानून, বাতে আমি পুনরার তাদের দর্শন করতে গারি।"

জীল ওক্ষেৰ পোন্ধামী বলবেন—"হে ভারত, এইজাবে ভাবের মাত্রের অনুরোধে কৃষ্ণ-বলরমে ভালের যোগমাত্রা দক্তি প্রয়োগ করে সূতল লোকে প্রথেশ করলের। বর্তন থৈতারাজ বলি মহারাজ, ভগ্রনহরের আপমন কর্মন করকেন, যেহেত তিনি তাঁকের পরয়াছা র সমগ্র কণ্ডতের বিলেবত তার নিক্ষের পরম আরাও

তিনি তৎকণাৎ উথিত হয়ে তার সমগ্র অনুধানীবৃশ্যত শ্রীক ওকনের গোহামী বললেন—"হে রাজন, তাঁকে। সম্রন্ধ প্রণাম নিবেমন করতোন। বলি আনক্ষের সংস্ক তামের তেওঁ স্থাসন নিকোন করণেন। তারা উপ্রেচ হলে তিনি উন্নার পাশ্বর টোড কর্মেল। তারপর তিনি সেই ক্ষপ্তৰ পৰিক্ৰকারী কল গ্রহণ করে নিকোকে ও ঠান অনুধার্মীদের নিঞ্চিত করণেন। তার অধীন_{ী সভাৰ} ভাষ্য, দীপ, সুখাণু খাল্য তৈনাদি খানা তিনি খানের প্রা अन्तर्भ अतर निर्वारक निरंतरम कडराम । अध्यानक পাদপন্ধ ব্যৱস্থায় ধারণ করে ইন্দ্রসেনাবিভারী বলি পভীত প্রেমবশন্ত বিগলিও ইন্সার কথা বর্লাচলেন। হে স্লাঞ্জন, আনকাশ্রপূর্ণ নয়নে, পুলক্তিত কলে ও পর্যাদ করে তিনি শেককী কালো—"হে পাম, রাম, অপ্রয়ের পরানার।। কলতে সাগলো—আবি মধান কণবান জনতকে প্রায় निरम्भ पति। स्थार वर्षेत्र श्रीकृषा विनि मारपारवास्त्रत দর্শন বিস্তারের জন্য ব্রহ্মগর্মাস্থারেশে অবিভিত চন ভাকে প্রশাম দিকোন করি। অধিকাশে জীবের কাছে काभगरक मर्गन क्या अर्थ पूर्णक बालाह । किन्तु चाराहमत মডো রক্ষ ও ভাগ্রেশ ক্রপুনের্ড ব্রভিরাও সহতেই আপনাতে দর্শন করতে পারে করন আপনার নিজ হধুর देखाराच्या चार्यने निरक्षक शकल करतन। चानकर মরা আননার প্রতি ক্রমাণত কৈবীভাবত্তত অবশেষে ভার সাকাৎ বিশুদ্ধ সম্ভাৱার এবং লাজ্যেক্ত স্থাতিদানক্ষয় পরীরধারী আপনার প্রতি আলভ হব। এই সকল সা শোধিত শত্রকা হতে দৈতে, মানব, পার্চ্ব, সিন্ধ, বিভাষ্য, চারণ, বন্ধ, রাখস, লিশাচ, ভাত, প্রমণ, নায়ক এবং আমরাও আর আমাদের মধ্যে অনেকে। আমাদের কেউ কেই ব্যক্তিক্রমী বৈবীভার জন্য আপনার প্রতি আসক হরেছে, যখন জন্যান্যরা আলেক হরেছে ভাগের কামন্য নির্ভর ভক্তিভাবের মন্য। কিছু দেবতা ও সম্ভণগের ঘার্র আবিষ্ট খন্যান্যরা আপনার ক্ষান্ত এরংগ ক্ষেত্র আকর্ষণ অনুভাষ করে না।"

িছে স্কল ওছযোগীদের ঈশন, আপুনার চিশ্বই মেহিনী শক্তিটি কি এবং ডা কিভাবে ক্রিয়া করে সেটি মহাযোগীরাও জানে না, তো জাসনের জান কি কথা। পরা করে আমার প্রতি অনুকং করম কতে আমি পরিবর্ত্ত

এলনের অধকুল, আমার মিখ্যা দৃহ খেকে মির্গত ছতে असि असे निरकार्य करिया अर्थमा या आकारका करान কালনার সেই পাদপরের প্রকৃত ভারত প্রাপ্ত হয়। _{প্ৰচাৰত} একা কিছা সূৰ্বজন বন্ধ মহান কৰিবেত সংক क्षीत्रात्मा इद्रांसनमपुर समेर हिर्फिनी कुम्मूल शाह स्थ _{অবি} ধেন মুক্তভাবে ত্রমণ করতে পারি। হে খীবেন _{बारी} ब्रह्म कन्न कामहरूते कि कर्डन्ड गाउँ जक्त श्रांश ধ্যেক আমরা সৃষ্ঠ হতে পারি। হে প্রাপ্ত, মন্ত্রা সহকারে। _{বে আগনান} নিয়েশ পালন করে, সে আন কৰ্মণ সাধানৰ र्श्यक्त भारतामम् कर्मनार्ग कराज याथा करक सा^क

७वराम फलरमन—"द्यंषध सन्द अध्यकारम स्वि এটার ও তার পর্বী উর্ণার হারদে পুর ছিল। ঠার আন্তেই বিলেন উম্বৰ্ড কেবলা, কিন্তু একবাৰ ঠাৱা anice ऐस निकं क्यांस गढ़ने (पीने नकट्ड केस्ड इटड wie wer grund Charles (Sein Gebilleren Gerne াই অনুচিত আচরপের জন্য তারা ভংকদাং জাসুবিভ ক্লীবনে প্রবেশ করলেন এবং এইভাবে ওয়া হিলোকপিওর भक्तारम् बाध्यस्य करायम् । स्थानमञ्ज कर्म छैएसा হিম্পাকনিশার কাছ থেকে আনমন কমপের এবং উলো পুনরার দেবকীর পর্তে রাভে ছলেন। হে রাজন, এরগর ৰূপে ঠানের হত্যা করস। দেবকী ঠানেরকে নিম্ন গ্রহ মনে করে একাও ভারের জন্য শোক্ষ করছেন। মরীচিত্র সেই সকল পুত্রেরা একন এখানে আপনার সংগ বাস कारास्थ । योद्यत्र (माक एत क्यार धारा चारात बाधार এই স্থান ক্ষেক্তে নিজে বেতে চাই। ভারপর, ভালের অভিশাপ এবং সকল সন্তাপ থেকে মৃক্ত হয়ে ভাষা जासक परर्गत कामरक किरत चारत। आभारत कमूत्रक पात টাৰ্কা বিভন্ন সাধানে আগতে কিনে যাকে।"

জীল ভকৰেৰ পেচুম্বামী বলে চলেচুল—একৰা বলাব

पत्र क्षित्रक **छ जीवमताम वनि प्रश्तास वद्या गृ**क्षिक स्**त** সেই ছা পুরদেব মিছে ছারকার প্রভাবের্ডম করে ভাগের व्यक्तः सारः धर्मन करतानः। तावनी वस्य द्वार शहराजा পুরক্ষে দর্শন করলেন, তিনি ভালের জন্য একন বেহ ক্ষ্যুতৰ কালেন হে, তার স্তুন খেকে দৃত কবিত হাও লাপল। তিনি চাদের আশিক্ষম করলেন এবং তার কোলে উত্থা করে পুনংপুনং তাকের মন্তক আলো করতে লাগদেন: প্রীতিকরে তিনি তার প্রথের তান খান ক্যালেন, বা কেবগুয়ের ভাষের ক্রান্ ধারা বৃত্তে নিক্ত হয়ে উঠেছিল: স্বান্ধ্যাতের সৃষ্টিকে প্রবর্তিক করে चनवान विकास राष्ट्रि अवदेरै साता नाकि कहा। दिनि स्वाहित ছিলের। ইতিপূর্বে প্রীকৃষ্ণের পান করা দেকতীর স্বাস্থত-দুয়ের অবনিষ্ট পাম কয়ার কলে এবং ভগবাদ নারায়শের চিন্তর কেই "পার্শ করার করে ভারা ভালের মূল পরিচয় অবলও হলেন। তারা লোকিককে, দেবকীকে, তানের जिलाक अवर बनदायक अनाम जिल्लाम कंग्रहान अवर উরিপর সকলেও সমক্ষে হয়ে। দেবলোকে গমন করলেন। হে রাজন, তার প্রদের মতা খেকে প্রভাবর্তন করতে ও পরে পুনরার প্রস্তুল করতে মর্থন করে দেবী বেধকী অভান্ত বিশিষ্টো ইয়েছিলেন। ভিনি নিভাজে এলেন থে এই সকলই বিল কৃষ্ণ দায়া ব্ৰচিত এক মহলা মাত্ৰ। হে **च्युच्युमनस्य, धारीप्र भ्योद्धंत स्थापन, श्रदशाया,** विकृत्य, वर्षे भारता धारता होगा मण्यास्य कारहात्।"

বীসূত গোহামী বল্লো—"ভালাম মূরারি কৃত এই ক্ষক-কীতি দীলা সম্পূৰ্ণজন্মে ক্ষপ্তের পান বিনাপ করে এবং তার ভক্তদের কর্মের কুম্প রূপে পরিবেশিত হর। বিনি যথসহকারে ব্যাদের শ্রহের পুত্র বারা করিত শর, উন্পীপ, পরিবৃদ্ধ, পতাস, ক্ষয়ত্বৰ ও ঘণী এই । এই দীক্ষ জব্দ হা মান্তা করে তিনি কাবানের চিন্তার তার মনকে ছিল ক্ষাতে স্মার্থ প্রকা এবং পরম সক্ষমত ভাৰতভাৰ প্ৰাণ্ড হবেন।⁷⁷







ষডশীতিতম অধ্যায়

অর্জুনের সুভদ্রা হরণ ও তাঁর ভক্তবৃন্দকে শ্রীকৃষ্ণের আশীর্বাদ প্রদান

নাজা পরীক্তিং ক্লাগেন—"হে প্রাঞ্চন, ক্তিভাবে অর্থন আমার পিতাবহী, শ্রীবলয়াম ও শ্রীকুরের ভরিনীকে विवाह करहरितमा प्राप्तका था सामारक हैका करि।"

লীপ কৰাদৰ গোলাহী বদলেন—"বিভিন্ন পৰিত্ৰ তীর্ষে রমণ করতে করতে এক সমর কর্মন প্রকরণ স্মাপনৰ ৰৱকেও। কেখানে তিনি ওনতে খেলেন বে, पैता जाएम कता मुख्यात महत्र क्षेत्रज्ञार, पूर्वाधानत বিবাহ দিতে ইচ্ছক, কিন্তু জন্য কেউই এই পরিকলনাম रुच्छ बन्ध चर्चार चरेश छाएक दिवाह कहाछ চের্ফের্ডেন, ভাই তিনি এক ব্রিগতি স্বলসীর ছথকো চাহুশ করে স্বারকার গমন করলেন। স্কার উপেনা পূর্ণ করন্তে জন্য বর্তার মাসসম্ভ তিনি সেখানে অংশুনে **प्रात्मः। वैक्सराय अवस् क्षमाना नगरकारीया छारक** চিনতে হ পেতে, থাকে সকল আভিযোগত ও সম্মান নিবেলন কৰেছিলেন। একদিন নিমন্ত্ৰিত কভিথি কৰে জীবলগ্রাম তাঁকে তার গুড়ে আনরম করলেন। প্রস্কার সতে ভাৰে নিবেদিত জগ্ন কর্ন ভাকণ করলেন। **लियात दिनि वीतरका पर्तारतिनी यश्र्व-सर्वाद कृता** সুকলকে কর্মা কালেন। ওঁয়ে চকুরত জনকে বিকারিত इन, ऐस क्रिन निकृत इरह फेरन अवर जिने चीत क्रिन्न भग्न इरलन। चर्चन हिल्लन क्षत्रनी मत्त्राहत अवर छैरक ব্যনিমাত্র সূভ্যা উক্তে গভিনাগে লাভ কমতে চাইলেন। স্টাস্ট দৃষ্টিপাতে গলক্ষ হাসাপূৰ্বত তিনি তাঃ চকু ও হালা তাকে নমর্থণ করকেন। কেবলমার ভাকে ভিত্ত কলতে করতে এবং ভাকে হরণ কলার স্থাোগর আপোন করতে করতে অর্জুন কোন শান্তি পাজিলেন না। প্রকা কামনত তার চিন্ত কশ্পিত ছড়িক।। একগায় কোন দেক উৎসধ উপলক্ষ্যে সুভাগ্ন দুৰ্গাস্থ প্ৰান্তক বেকে রুখে चाटमस्य व्यक्त सहैदा अरम प्रशति चर्चन (गेरे नक्दत ভাকে অপহরণ করার স্থোগ গ্রহণ করণেন। স্ভারার শিক্ত-মাত্য এবং কৃষ্ণ ভা অনুযোগন করেছিলেন। তাব

রখে বতারমান হরে অর্জুন জার ধনুক প্রহণ করে জাতে অবলেবে সচেষ্ট দুলট বৌদ্ধা ও প্রাসাধ রক্ষাদের সরাভত করবেন। সৃত্তপ্রর আধীরকা বধন নোগে চিংকার করছিলেন, ভবন ঠিক কেডাকে নিবে অন্যান্য প্রধান মধ্য থেকে ভার শিকার গ্রহণ করে সেইভাবে ডিটা স্বরাকে হরণ করণেন : স্ভরার অপহরণের কলা ভিটা यचन धमरफ श्रितन, श्रीयनवाम भृतिभाद अब মহালাগরের মতো কুর হয়ে উঠালেন, কিছু ভগরেন কছ লভার দলে তার ছরণ ধারণ করে পরিবারের অন্তরা সমসাদের সংখ্ একতে, বিষয়টি স্বিস্তারে বর্ণনা করে ঠাকে শান্ত কমপেন। ভারপর বীকলরাম ভারতের সভে बन-वद्रां दा**डी, इथ् (घाडा क सम-मा**नी नप्रक्रिक সহামূল্যকা কিবাই উপহারসমূহ টোরণ করলেল।"

প্রিল ওকদেব গোড়ামী কাডে লাগালে—"মাডানে নামে খ্যাত এক শ্ৰেষ্ঠ প্ৰাক্ষণ জীকবেনা ভঞ্চ বিলেন। শ্রীক্ষের প্রতি অচলা ভক্তি বারা পূর্ণ সন্তাঃ তিনি ছিলেন শার, জানী এবং ইপ্রির ভুল্লিতে খনাসক্ত। ভিনি নিয়েছ বাজ্যের মিথিলা সন্ধরীকে বার্মিক প্রভারতে কম করে अनागानमञ्जू थाना धाता निरकत धीविका निर्दाष्ट कराउन। নৈৰ ইঞ্চৰ তিনি প্ৰতিদিন ঠিক তার জীবিকা-নিৰ্বাহের श्रात्मकर्नपृष्ट् मात शास एएका, बाग करक राजी नह। সেইটুকুডেই সন্তুষ্ট ডিলি কথাৰণভাৱে ভাৰ ধৰ্মীয় কর্তবাসমূহ স™ামন ক্ষতেম ı**

"হে পরীক্ষিৎ প্রতমেবের মতো একইভাবে ध्यरकारम्भा विधिना असरारम्य स्थान्य राज्यस्य नामन সেই রাজ্যের এক শাসক রিপেনঃ এই উভর ভতই ছিলেন ভগবান অচ্যতের অভ্যন্ত চির: ওাদের উত্তরের মতি সেরে পরখেবর ভগরনে মারুক করা কর্মীত তার दर्भ कारवार्थ करत भूनिवय जड़ विरुद्ध श्राका क्टिन्स्र যারা করলেন। এই স্বৰু মনিলের মধ্যে ছিলেন নালে। বামদেৰ, ঋরি, কৃষ্ণবৈলালৰ ব্যাস, লয়ভয়ান, ঋসিত,

ত্রমাল, আনি নিজে, বৃহস্পতি, কথা, হৈতের ও চাবন। তে ব্যাঞ্জন, প্রতিটি নগর ও লছকের লখ ঋণবান খখন আত্রকার কর্মেকালা, কো প্রছ ছারা বেন্টিত উলিত সূর্বের প্রস্তুত মতো জনস্থারেশ হাতে নিবেদনীর **জক-পূর্ণ কর্ব**্য সত তাঁৰ পুৰা করন ক্ষম এপিনে এলেপিনেন। জ্বনেই, श्रह क्या-कारण, क्या क्या, श्रामा, ग्रामान, क्यी, वर्ष, टक्का, (GENE) कर्ष अभर कालक कालाम्ह काइनक शास्त्राच मोही। 🐞 লক্ষ্যাল ভালের নাম বারা উদার ভালে ও প্রীতিময় লায়তে বিভবিত ভগৰান ক্ষেত্ৰ প্ৰামন্ত্ৰ মুখ্যওবের সৌকর্য সুধা পাল করেছিলেন। গ্রাকে স্পানে আগতাবের প্ৰতি কেবলমান পৃথিপাৰ্ড কৰেই ন্ৰিলোকওক জনবাৰ ভারবারের অক্তন্য থেকে তামের উদ্ধান কালেন। অনুষ্ঠা আজা ও দিবা দৃষ্টি প্রদান করলে পর তিনি মেবজা ও ভনুহারণ গাঁত হুলং পবিত্রকারী ও সকল পাপ বিলাগত বাবে মহিমা কীওঁন কনতে পেলেন। এইভাবে হীতে হীরে তিনি বিসেহে পৌছলেন।"

新州河 海城

* ক্লে ব্যক্তন ভগবান অন্যতের আগমন আনং করে। বিদেরের মার ও প্রাথবার্নীরে খালের হাতে বার্থ নিরে। আনব্দের সভ্যে উচ্চের বংগত জানাতে উপস্থিত হল। ভাৰতাৰ উত্তয়ালাককৈ কৰ্মধান্ত ভাগেৰ হ'ব 🐞 ইলাই গ্রীতি প্রকৃত্রিত হতে উঠল। মন্তকোপার তাঁলের হাত एकि कुछ करत काला सभावानरक से भूदि सामन करत ল্লখন করেছিলেন মাত্র, ফুগবারের সঙ্গে আগত সেইসন হনিগপুৰে প্ৰদান নিকোন কবলেন। অপদাণ্ডৰ এখানে কেলেয়ার থাকে কথা প্রধানের করা অলাক্ষ করেছেন फेल्टाई औ क्या हिला करा विधितात ग्रांसा ६ करानर তপৰাচন্দ্ৰ চৰলে পতিও হলেন। ঠিক একই সময়ে বাৰা মৈখিল ও প্রান্তবের প্রত্যেকে যুক্ত করে গামন করে প্রাক্তন মুলিগৰ সত্ত লগাইলের অধিপতিকে নিজ অভিশি হততার কল আন্তাল জানালেন। ভাগের উত্তরকেই সন্তুট করার ইজার, ওগবান তাগের উভরের অমেরণ গ্রহণ করকেন। এইভাবে তিনি স্থপথ একইসলে উভরের পূরে পঞ ক্ষালের বিজ্ঞ উভজের কেউই ভারে অলজের পুরু প্রকেশ করতে দেখতে করেল না। যখন ছনক বংশোগ্রন্ত বাজা ক্ষাৰে মৃত্ত থেকে কাহান্ত্ৰান্ত মুনিলগ মহ জীকুককে ভান পূর্বে আগত দর্শন করকেন, তিনি তৎকপাৎ ভাষের মান। শব্দানজনক আনন আন্যানের ক্রপুর করলেন। ভারা

সকলে সূথে উপনিষ্ট কুওয়ার প্র, বিজ্ঞ রাজ্য, অরুপন উচ্চাসিত জনতে ও উল্লেখ্যক সকলা নতনে আলের প্রশাস নিবোৰ মুহদেন এখা গতীয় তণ্ডিয় সমে আনের চারণ ধ্যেত করকেন। সমগ্র জগৎ পৃথিতভারী সেই (বীত কল প্রকৃষ্ণ করে তিনি ভারে ও তরে পরিসারের সংস্থাপানর সম্ভাবে ভিটিয়ে দিলেন। গুরুপর সুসন্ধী চন্দন, সুসাধানা, कृषक सद्भ क फानकार, युग, गीथ, कर्वा, शासी क तृष নিধ্যেন করে তিনি সকল হাতুদের পূজা করলেন। পূর্ব পরিতব্রি সহকারে জ্যারা ভোডান কলের গর উদ্দেশ্ব আরও নশ্বতির জন্য ভালবান বিষ্ণুর প্রাপ্তত তার জেয়ড়ে ধারণ करत कारकत महस्र माणिन कारक कराक जाना मधुन करते হীৰে হাতে ক্লাডে লাগলেন—হে সৰ্বশক্তিমান কাৰান. আগমি সকল সৃষ্ট জীকের আন্তা, ভালের স-প্রকাশ সাকীবরণ এক একা নিবের আপনার পাশগর চিক্তারত ভাষাদের ভাগনি কর্মন প্রদান করবেন। ভাগনি ব্লেছিলের, "আমার একার উত্তের ক্রেরে ভারতার আনত্ত, লক্ষ্মানেরী কিয়া প্রকাশে প্রিয়ন্তর নম।" অলকার নিক্ষেব তক্তার সভাি প্রমাণ করতে আপনি এখন নিজেকে बाबाहरह मृद्दिरक शकान अहरहरू। बानमि वसम নিজেকেও নিজিক্ষম শান্ত ছমিগশকে প্রদান করতে প্রস্তুত ভৰন এই সভা লাভ কোন পুৰুষ কৰনও আপনার পাৰপত্ম পরিভাগে করতে? জন্মপুড়ার আবর্তে कारकशनक केंद्राटट बना वर्षकरण वर्षकीर्व हाह আপমি আপনার কা বিজ্ঞান করেছেল, জা ব্রিভূবলের সমস্ত পাপ স্থাতিও করতে পারে। আপনি চির-অকৃষ্ঠ জন সম্পন্ন পরমেশ্বর ভগবান জীকৃষ্ণ, আপনাকে নবজার করি। সর্বদা পূর্বপান্তিতে ভগস্যারত করি মান-महारागरक सम्बद्धा करि। ८६ कुम्म, और जनन हाल्कानाव সহ সরা করে আমানের পুরু করেকমিন থবেরান করন এবং আপনার পাদহমের ধুলি ছারা এই নিবি কৃতকে প্ৰিয় ক্রমন (^M

মীল প্ৰকলেৰ গোৰামী বলে চললেল—"এইজাৰে রাজার ধারা আমরিত হয়ে জন্ম পালক ভগরান নিবিলার মর-নারীমের সৌতাগ্য প্রথমের্থে কিছু সমর সেবানে অবহান করতে সাম্বত হলেন। ব্রামন কলোকের মতে প্রতাদেশত ভাগবান অন্তাতকে আন্তার উৎসাহের সত্তর উরু পূৰ্বে সাক্ত জন্মকোন: স্তথনাৰ ও মনিমেরতে প্রথম

নিকোনের পর জনতাবে তার উত্তরীয় সকালিত করে মৃত্যু জ্বানশ্বে নৃত্যু করতে লাগলেন। ছাসের মানুর ও সুন্দুন জানবনের পর ভাতে জার অভিথিবের উপবেশন করিছে স্থানত বচন হাবা তিনি ছাগেৰ অভিনালত করলেন। ভারতার তিনি তার পর্যাসহ পাতার আনক্ষেত্র সঙ্গে উদ্বের চরণ বৌত করকেন। সেই বৌত বল ভার বার্টিক ক্রান্তদের বাপেটরাপে নিজেকে তার পৃহ ও পরিবার্ড অভিবিক্ত করনেন। আনম্পে উদ্বেসিত হতে তিনি অনুক্ৰম কালেন আৰু সকল আকাৰণা এখন পূৰ্ব হতেই। জনমাসক পরিত্র প্রবাসমন্ত্রীন কর্ম বারা তিনি फेरमंत्र भूका करणान, (१६६८ २४१, केनीह सून, निरुष অর্গড়ন্ত জন, সুনারী মৃতিকা, তুলসী পাতা, কুল ও পদাকল। ভার-নর তিনি তানের সহতেশ বৃদ্ধিকারী আন প্রথম কবলেন। তিনি বিশিষ্ঠ হলেম---কিভাবে গারিবারিক জীবনের অন্ধক্রে গতিত এই আমি ইড়িকের সঙ্গে মিলিত ছাতে সমর্থ হসামঃ এবং किसार समस्ताक प्रवंश सामग्र शास्त्र वस्तकारी वहें সকল মহান ব্ৰাক্ষণদের সঙ্গে মিলিও হতেও আমি অনুমোনিত হলায়ঃ প্রকৃতপকে, জাদের চরপের পুলি সকল তীর্থ স্থানের আহার স্থলেগ। তারে স্বতিথিদশ হতেতে ৰণাবোল্য অভাৰ্থনা প্ৰচুণ করে সূৰে উপনিষ্ট ছলে পর শ্রুতদের ভার পত্নী, পুত্র ও অন্যান্য পোব্যসপ अञ् छोएएड कारक केनश्चिक श्राह मिकांत केनारवन्त করকো। ভারপর ভাগবাদের পাদবর ফর্নন করতে করতে हिनि कुक च चविरमत क्रियान्त क्रालम-अपन नह (व কেবদানত আৰু আহল প্ৰথমেশ্বর ভগবাটের দর্শন সেন্ত ইংমহি প্ৰকৃতপক্ষে তাঁও শক্তি খানা এই প্ৰসাংগ্ৰ সৃষ্টি ধ কালের তার মধ্যে তার চিম্মর রালে প্রবিষ্ট হওয়ার সথর খেকেই আমর তার সম করছি। ভগতন কেন এক নিমিত বাতিনা মডেং, গিনি তাঁর কলনার এক পৃথক कानर मृष्टि करतम अया शहरमद छोड़ निक्र करधार घरण क्रांचन करको अवर निरक्षाक छोत्र प्रार्थ पर्णन करकर। (व সকল বিভন্ন জেনে ব্যক্তিগণ, বীরা নিরন্তর আগনার কল ধ্বৰ করে, আপনাং বিবয়ে কীৰ্তন করে, আপনাকে चर्टना करत, च्यांगनाड क्यांग करत धरत धरत चरपात স্থে আপান বিবরে কথা বলে, আপনি উচ্চার অন্ধ্রে ক্লিকের প্রকাশ করেন। জ্বাননি ধনিও ফ্রাম্যের অভ্যন্তরে

বাদ করেন কিবা বাদের মন ভালের জড় কর্মের আলকতা থারা উপপ্রত, ভাষের কাছ থেকে দুরে বাদ করে। বস্তুত কেউই তরে আগতিক পতি কাল আগনাকে প্রত হতে পারে মা, কারণ বারণ আপদরর চিবার ওপারজা লুনবৃদ্ধ করার শিক্ষা গ্রহণ করেছেন, কেবলমার ভাবের কাছেই আপুনি নিজেকে প্রকাশ করেন। আপনাকে कामान धनाम विरायन कंद्रि। अंत्रम अभावाशन वादा আপলি পর্মায়ারূপে উপলব্ধ এবং অলক্রণে আপনি বিশ্বত আত্মাদের উপর মৃত্যু আরোপ করেব। কুলপ্ত একইসলে জাপনি জাপনার ডকের চজুর জারতুর **खेट्याइम करने धन्य यानस्थानम मृद्धितक इन्छ। करन** काञ्चल परिवृत्ती विषय अन् ७ और अकारपर मुँहे अन् উভয়সপেই আপনি প্রকাশিক হন। হে দেব, আপনি পরম আন্ধ্র এবং আমরা আপনার ভূতা। আমরা কিডারে আপন্য সেবা করবং হৈ হড়, কেবলমার আপনাতে দৰ্শন করে মানৰ জীবনের সকল ক্লেশের সমান্তি হয়।"

ঞ্জীল ক্ষকদেব গোস্থামী বললেন—"ক্ষজদেব কৰিও এই সকল কথা এবৰ করার পর, শরণাগতকানের পুরু যোচনকারী পর্যেশার জগবান শ্রুতদেকো ছাত্রী তার নিজের হাতে গ্রহণ কলে হাসতে হাসতে জাতে বলতে লাগলেন—হে রাম্মণ, ভোমার জানা উচিত যে, এই দকল মহান মুনিরা কেবলমাত্র তেখোকে আশীর্বাং প্রথানের খান্ড এখানে খান্যমন করেছেন। ভাঁনের চরণের ধূলি বারা সমগ্র জগতকে পরিত্র করে তাঁরা আমার সঞ্চে সমগ্র ক্ষরতে ভ্রমণ করছেল। মলিরের বিগ্রহ, তীর্বস্থান ও পবিত্র নদীসমূহ আরাধনা করে, শর্পে করে ও কর্ণন করে কেউ দীয়ে দীয়ে শুদ্ধ হকে পারেন। কিছ কেউ কেক্ষেটা শ্রেষ্ঠ কবিলের দৃষ্টিপাত প্রহলের করা তৎক্ষণাৎ একই কর প্রাপ্ত হতে পারেন। আন্তর্গতভাবে একজন ত্রাক্ষণ এই মগতের সমস্ত জীকো মধ্যে থেওঁ এক তিনি বৰ্জ ভদস্যা, বিন্যু ও আগ্রসন্তৃতি বৃক্ত হন, তিনি আনও উন্নক হরে থঠেন, আগর প্রকি ভতিত্ব আর कি কথা। এমনকি আমার আপন চতুর্মুম্ব রালত একজন ক্রাক্সসের চেয়ে আমার কাছে অধিক প্রিচ মন। একজন বিহান ব্রক্ষের সকল কোকে উরে যাগে বারল করেন, ঠিক কেমন भक्त (भवजातार भाषि भाषात घरण वात्र कति। *व*र्षे সংজ্য করা, মূর্ব মানুবেরা আনা থেকে অভিন, ভাসের ব্রুলের ও নিজ কর্মা ক্রুপ বিধান ব্রাক্তগকে অভান্ত করে ও উর্যাপরারণভাবে অসন্তুট্ট করে। ভারা কেবল আসায় বিগ্রহরণকে একমনে দিব্য প্রকাশরণে প্রভা विद्राप्त करने। त्यारण थिने खामारक क्लाइकर करतरामा, अकळाव आयान छाई वाहे च्याप न्छतारन क्रिड त्व और स्तास्त्र सामर अवर अस मुद्धित मुध्य केलासनमध्य প্রয়ন্ত কিন্দুই আমার গেকে বিস্তারিত রাগের প্রকাণ। অন্তএৰ য়ে ত্ৰান্তৰ, আমাৰ প্ৰথি ডোহাৰ ৰে বিখাস हरहाइ लिए अक्टे कियान नरकात और नक्का दान्यन খবিদেরকৈ ভোমর পূজা করা উচিত। ভূমি বলি ভা ক্সন ভাছলে সাক্ষাৎ আমার পূজা করা হথে, আ অল্য

বেনবর্তন, এফার্কে প্রকৃত সম্পর্যন্ত অর্থা ব্যর্থাও সঞ্জ বর ।

क्षित्र एकस्य (शायामी समस्तान—"ठीव असूव कार থেকে এই নিৰ্দেশ প্ৰাপ্ত হয়ে একান্ত ভক্তিৰ সংস ক্রম্বের প্রীকৃতকে ও উর স্কী পর্যমেগত প্রাক্তবন্ধক পূজা কথালেন এবং রাজা বছলাকও আ করেছিলেন। এইভাবে শ্রুড়বের ও রাজা উত্তেই সদ্পতি লাভ করেছিলেন। হে রাঞ্চন, এইবংৰে ভক্ত-ভক্তিমান প্ৰয়েশ্য ভাবেন ভার দুই হয়ন ভাক ক্রাচনের ও ব্যালাথের সঙ্গে কিছু সুমর অবস্থান করে কালো ওজ-সাকৃষ্ণে। আচরণ শিক্ষা প্রদাম করপেন। ভারণা ভারনে স্বারকার কিরে গেলেন।"

क्षांत्र स्वयं

সপ্তাশীতিত্য অধ্যায়

মৃর্তিমান বেদসমূহের প্রার্থনা

লৱীকিং কালেন—^শহে ৱাখান, মাকে মাকে প্ৰকাশ করা হার বা লেই পরম ইকাকে বেদসমূহ প্রত্যক্ষরাবে কিন্তাৰে কৰিব কয়তে পাৰে ৷ কেলসমূহ জ্বন প্ৰকৃতির ধন্যমূহত কর্মন করার জন্য সীমানত, কিছু পরম-রক্ষ সকল স্বাগতিক প্রকাশ ও জানের কারণসমূহের অভীও হওরার, তিনি হচেন্ন নিওব।"

क्षील चयरस्य (माथायी कार्यन-"क्रमचम बार्गाटक वृद्धिमध्य, देखिन नमुर, मन ७ औरक श्रम नृष्टि करवरकः ব্যান্ত ভারা ভালের ইন্দ্রির ভৃত্তির কামনাসমূহ চরিতার্থ করতে পারে, কর্মকলে বুক্ত হতে পুনঃ পুনঃ কক্ষাংলা করতে পারে, ভবিষাত জীবনে আরো উন্নত ইড়ে পারে এবং চরতো মৃক্তি লাও করছে পারে। বীরা **আ**মানের शाहीन भूर्वभूक्ष्यरकात भूर्य जागमम अर्माक्रमान केरतरह न्यम द्वरणाव अहे कहा-कारमत शाम कंपरणन। উল্লেখ্য আগজিনমূহ থেকে মুক্ত হয়ে মীবনের পরত্র সতি প্রাপ্ত হল। 🐗 বিকরে আমি স্কাব্যন মারাফণ বিকরক একটি ক্ষতিনী আগনার কাছে বর্গনা করব। এটি একটি।

ক্থোপ্তথন হা একবায় শ্রীনাবাহন কবি ও নারক মূলির মাৰে সংঘটিত হয়েছিল। একবার ক্রকান্ডের বিভিন্ন তহুসমূহে ভাৰে করতে করতে ভাৰতদেও প্রির তক্ত নারে স্নাতন কৰি ন্যায়ণ্ডে কৰ্মন কল্প কন্য উন্ন আশ্ৰমে গমন করলেন। ক্রমার প্রথম দিনটের শুরু থেকে ভাগবান । মারারণ কবি এই কলং ও পর কনতে সকল মনুবাগণের কল্যানের নিমিত্র ব্যায়করণে বর্ষপ্রদান, পর্যার্থিক জান 🖷 আত্মারেয়ের উমহানে প্রবর্ণন পূর্বক 🐗 ভারতভূমিতে ভলস্তারত রয়েছেন ৮ সেখানে কলাপ প্রায়ের কলিপথ মধ্যে উপৰিষ্ট প্ৰসংখ্য নারাজণ কৰিত করে নামৰ প্ৰথ कार्यामा (१ कृतनारक, क्रभवानरक श्रमाव निर्वेतरान्द्र नार और शब्दे था। महाच केएक किव्याना करहरिएमा एव धन्त्र व्यानि व्यापादक कटनश्यमः। अवित्रम् अवन করেছিলেন যে জনলোকবাসীমের মধ্যে সংঘটিত পরম তকৃতপক্তে, খারা প্রভার সঙ্গে 💐 কানের খান করেন । এক বিষয়ক একটি প্রাচীন আলোচনা ভগরন নারাংশ वर्षि आतत्रमंभिक् वर्गमा कन्नरकाः"

> कवराम कारमा—"(इ करचू इकात शृह, कर्मकवित चारा अक्ता समस्याकतियांनी चर्चनन विका स्वतिनम्ह

নিনালিত করে পরার ব্রজ্ঞের উন্দেশে এক মহাযজ্ঞ সম্পাদন করেছিলেন। ব্রজ্ঞার স্থানসপুত্র এই সকল ধরিপদ সকলেই জিনেন শুদ্ধ ব্রজ্ঞারী। প্রলয়কালে বঁলে কাছে কোলমূহ করেছান করেন, সেই গুলখানকে দর্শন করার জনা ভূমি বকর খেতাবীপে পমন করেছিলে, সেইসমার জনলোকবানীপালের মধ্যে পরার ব্রজ্ঞার প্রকৃতি বিষয়ে ওকটি সুজ্জর জালোচনা শুক্ত হয়েছিল। প্রকৃতপজ্ঞে, ভূমি এবল জালাকে যে প্রশ্ন করছ সেই একই প্রশ্ন প্রকৃতি হয়েছিল। বলিও এই স্থান ধরিপণ কল অধ্যায়ন ও ভাগভর্ষার নিরিম্বে প্রত্যাকে প্রত্যোক্তর ভূলা বিলেন এবং শক্ষ ভিত্র নিরপ্রভাবন বিশ্বেষ সকলকেই সমস্ভাবে দর্শন কর্মেন, ভালা ভালেন একজনকে বন্তালালে নির্বাহিত করে জনশিষ্ট্রপণ ভাগ্রহী ব্যোতা হলেন।"

সন্ত্র উদ্ধা ক্রানে শইতিপূর্বে তিনি বে কার সৃষ্টি করেছিলের জা প্রত্যাহার করার পর জগবান জার নিজারত ক্রাপে কিছু নাম শান করেছিলেন এবং উলে সমস্ত শক্তিই তার মধ্যে সুপ্ত হল। ইখন পরবর্তী সৃষ্টির সময় হল, ঠিক বেভাবে করিগণ প্রত্যাবে রাজার সমীপার্থী হয়ে কার বিরুমসান্ত আঞ্জির মাধ্যমে রাজাকে আগবিত করে রাজার সেবা করে, সেইভাবে মৃতিমান বেনসকল ভানবানেই মহিমা কীর্ডনের করা তাকে

ক্রতিকা ক্রানেন—"হে অক্রিত, আগনার হার হৈতি,
ক্রার হোকঃ আগনার ক্রানের অবানি সকল ঐথর্ব থানা
ক্রার্থকানের পূর্ব, ক্রাই করা করে ক্রারার নিজ্য লভিকে
করাজিত করান বিনি কর্মেনিকে আসুবিধা সৃষ্টির উপেপ্রে
প্রকৃতির ওবসমূহের উপর নির্মান হাপন করেন। হে
ক্রার্থক ক্রান্থকার ব্যাপ্তিক ও আগ্রন্থক লভিকার্থকারী, কর্মনও
ক্রান্থক আগনার ক্রার্থকিক ও আগ্রন্থক লভিসাক্তর করে
ক্রান্থক আগনার ক্রান্থকিক ও আগ্রন্থক লভিসাক্তরে করে
ক্রান্থক আগনার ক্রান্থকিক ও আগ্রন্থক প্রাণার্থক ব্যান্থকার
ক্রান্থক আগনার হিন্দুক প্রাণার্থক ব্যান্থকার
ক্রান্থকিক ক্রান্থকার ব্যান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার
ক্রান্থকার ক্রান্থকার ব্যান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার
ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার
ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার
ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থকার
ক্রান্থনার
ক্রান্থ

ছাভিধানসমূহ নিশাৰ করেছেন, কিন্ত যিতিয়া বিধান সমূহের উদ্দেশ্যে তা নিশ্ত করেননি। থেংছে মানুবেরা মার্ম পাধর, ইট ইতালি যে ছানেই পদার্পণ করে সে স্থান বেখন ভূমিতেই নিহিত হয়, তেইনেই বেদমধ্যে কোন স্থান বিকারি দেবগণের সাহাত্য বর্ণিত ভাকলেও জা বস্তুত সর্বত্যক্রের কারপক্ষাপ আপনারই প্রতিপাদক হয়ে পাৰে: অভাবে হৈ ক্রিকুলগতি, জানীগাণ, জাগতের সকল কল্ব মুখকরী আপন্য নিষয়ক কথায়ত সাধ্যের शकीता कुन निता मकन पूर्ण (शत्क मुख हन। ता জগবান, তাহকে বারা পারমার্থিক শতিক ধারা ভাকের মনের কু-জভ্যান দুর্নৈকেও করে ও নিজেনেকে কাল মুক্ত करत, अत्र महश्च जरिविहरू जून शाद्ध दश्य जानमात तथा প্ৰকৃতিকে আন্তংল করতে সমর্থ হয়, জনের সমতে আৰু কি কলা আছে? জন্ম জীবিত প্রাণীবের মতো খান-প্রধান প্রহণ করে তথু যাত্র ভারত আপনার অনুগায়ী হাং ভা নাহলে ভাষের বাস-প্রবাদ কমিবেট হালবের ন্যাত **१(व शहक। ७४ भागन्यत कृता बर्लरे ३२०-७५ ७** মিখ্যা অহংকরজাত উপাদানসমূহ এই বিখ-রাজাও সৃষ্টি करताह : कक्षप्रवानिकरण निर्वाहर, कीरका जान कीरका মতেই কড় হেছ ধারণকারী আবির্ভূত সকলেন মধ্যে আপনিট পরম প্রথ। সুধা ও সৃধ্ধ পরার্থ থেকে বতঃ আপ্নিই প্ৰকৃত সত্য-প্ৰাৰ্থ কৰে জ্বাখ্যত। মহান ঋষিদের ছারা স্থাপিত পদ্ধতির অনুসারীদের মধ্যে স্থান্তিসম্পন্ন ব্যক্তিগৰ উন্নর্ভিত ক্রমের উপসেব করে ধাকেন, কিছু আচনি সন্তানায় জনতীয় নাড়ীসমূহের উৎসক্ষরণ হলতে অর্বস্থিত সৃক্ষ্ণ বস্তুবই উপাসনা করেন। হে জনত ত্ৰথ, এই স্থল উপ্যানক সেই প্ৰবন্ন খেকে পর্ম জ্যোতির্মর বস্তুকে ভালের বিকেবকে জাপ্রত করে, বেশনে ভারা আপনাকে প্রত্যক্ষভাবে উপলব্ধি করতে পারে। ভারপর রক্ষরছের ভিতর মিরে চরম লক্ষ্যগুলের দিকে দিরে সেই স্থলে পৌজুর বেশান থেকে ভারা আর মৃত্যমুখে প্তিত হয় না। আপনতে সৃষ্ট উচ্চ ও নিস্কানি সমূত বিভিন্ন প্রজাতির জীবদেহে প্রবেশ করে ভাদের মতো করে আপনি নিজেকে প্রকাশ করে ভাগের কাৰ্যে উৎসাহ দান করেন, ক্লি আন্ত্ৰি কেৱাণ দাহ্যবন্ধা আকাং অনুসারে বিভিনন্তে নিজেকে প্রকাশ করে। ভাই নিৰ্দেশ্ব বৃদ্ধি সম্পূৰ্ণ জড় আস্তি বৃক্ত জীবেৱা সকৰ

নাধর ছাঁরেক মধ্যে অংশনার অভিন্ন, অপরিষ্ঠানীয় সারাকে ছান্নী সভা বলে উপলব্ধি করেন। মারেকে জীব বিভিন্ন করিছে অবছনে করে বছত ছুল বা সুন্ধু করারের বারা আক্রপশৃত্য হার নিছ কর্ম বলে কেন্দ্র স্থানিক কর্মানিক করি সর্বাধিক বিভাগ করে প্রায়ালী করেনে অবল্যানিক মনীকিবল কিবলৈ সাহকারে এই পৃথিতীতে অবভিন্ন বৈশিক কর্মান্যক্রের অর্থানিক বার্থিক করেনি সাহকারে এই পৃথিতীতে অবভিন্ন বৈশিক কর্মান্যক্রের অর্থানিকার করেনি বিভাগ বার্থিক বার্থিক বিভাগ বার্থিক ব

"ত্রে সভার, বীরা ভীবকুলকে পূর্বোধ্য **আখ-জন্ম-জা**ন লানের জনা আপনার বকাপ চকাপ করে জাপনার লীলাজন বিশাল অন্ত-সন্তে অবসাহনের ধারা কড় ক্রীবনের প্রান্তি মুক্ত করেছেন এবং আগনার শ্রীপাদপরে इर्अकृत्वतः सहस्र विष्ठदेषनीम श्रेष्टभूपते महत्र सुरुश्रुच ভ্যাৰ কৰেছেন, ভেষন মহাভাকা মুক্তিৰ্মও ভামনা कर्तन में। (र डॉस्फ, वर्षे मानव (सर वर्धन चाननात সেবার ব্যবহাও হয়, তথন এই বিনার বেহ আগ্রা, সুহাৎ श्रक्त शिक्रकातमा नाम चारतमा करते। किन्नु पूर्वात्राहण्यात, খনিও আপনি কর আখানের প্রতি সর্বল কুলা প্রদর্শন করেন, প্রেরুলাও ভাগের সকল নিক নিরেই সাহাত্য করেন এবং আপনি ভালের সক্ত আৰা হলেও সাধারণ লোকেরা আন্সনতে আনন্দ পার না। পরিবর্তে তারা সামার উল্লেখন করে আল্লবাতী হয়। হার, বেহেড় ভারা অসতের উপাদনর আসভ হতে কৃতকর্য লডের আশা করে, তাই তারা বিভিন্ন রক্তম নীচলেম ধারণ করে মধ্যভবসভূপ সংসাতে কাৰ কৰে: বুনিলৰ আৰম্ जन क्षमा देखियानि निवाल मध्य पुरुक्तानवृक्त शहर क्रमहर বে পর্ম তত্ত্বের উপাসনা করেব, অসমটের সরুগণত ওৰ আপনাকে অৰুণ কৰেই সেই এডই তথ্ লাভ করেছে। ভেমনই, আমরা প্রতিগণত, বরা সাধারণভাবে আপনাতে সর্ববাহে দেখি, অংগনার চরণ কমল খেকে क्षेत्रहे व्यक्ति जुना साह कर्ना व्यक्तिक प्रतिपृत বাফাতার প্রতি জাতৃষ্ট হতে প্রধান্যালণ সেই সূধা উপজ্ঞেৰে সকল, কাল জাপনি আমাৰেই ও প্ৰজনবীংশং প্ৰতি একইভাবে দৃষ্টিকেন করেন। এই বিৰে সম্প্ৰতি गामा क्षण इरहरू, नीवरे काल युक्तका कहरू। अव्हिं

্বাক্ষা আদি ক্ষানান্য কৃষ্ণ-সূত্ৰ দেববাৰ ক সকল প্ৰাৰ্থীয় পূৰ্ব থেকেই বিনি বিদ্যমান সেই পূৰ্বসিদ্ধ পূচাৰোগ্ডম আপনতে কোন বাজি জানতে পরবেঃ তিনি ববন ফাবতীর সৃষ্ট প্লার্থ সংখ্যার করে হোর্মানজার মন্ত্র মার্কেন, উবন কুল ও সৃত্যু পদার্থের সৃষ্ট ভুল শহীর, কলেবেগ অধনা প্ৰকাশিত পাৰ্-ডিচুই অৰ্থনিট থাকে ন। ভণ্ড অধিকারিকণণ জেবন্য করেন হে কলর্ব থেকে জাঁতের উৎপত্তি, আৰুৱে নিতাওশ বিনাশনীলা, ব্যক্তিৰ হল আছা ও পদার্থের পুথক বৈশিষ্টেরে মিবাণ, আ করে কর্মানিট্ট বাক্তব সভাৰো সৃষ্টি করে-এই বাণ সকল श्वाधिकाविकवरनवर्षे केन्द्रमनायसी क्रम बादनात श्वनद প্ৰতিষ্ঠিত, যা নাৰি সভ্যকে জোপন করে। কৈচবাদীদের ধাৰণা ব্ৰিপ্ৰমন্ত্ৰী প্ৰকৃতিজ্ঞাত জীৰ গুৰুমাত্ৰ অজ্ঞান্তার ফল। আননার ভিতর এরাল ধারণার কোন প্রকৃত ভিত্তি নেই, কেনৰ জ্বাপনি সকল প্ৰান্তিত জতীত একং সৰ্বশাই সম্পূর্ণ সড়েন্ডন। সরল ইন্দ্রিরপোচর অসং ব**ন্ধ** থেকে জটিল সানৰ কেই পৰ্বস্ত এই মিতৰাপ্তৰ কড়া প্ৰকৃতিয় मकराहे और विरक्षा चलुकुंछ। और मचन चलर वस् সং বলে প্রতীয় ছলেও, জালনার রূপর মনের প্রবল চনাৰ কাড এওলি সং নিৰ সতেমা মিলা চতিকলন মাত্র। তবুও, পরমান্তাভক্তম বাজিপা সমগ্র জড় সৃষ্টিকে भवश्यक कुल जनवन्त्र कार्य वर्ताहे ब्रह्म करवेर । (यस्त्र) সোনার তৈরি হয়কে মিশ্চমই পরিত্যাল করা হয় না। কারণ তার ভিতনের বৃদ্ধ বন্ধুও প্রকৃত কোন। সূতরাং चाननात गृष्टे च कता किका और चन्त्रविष्टे क्रिका दिः সম্পেট্ আপনার বেকে পৃথক নতাঃ বাঁরা আপনাকে নিবিদ জীবো আন্তথ্যমেশে দেবা কমেন, জানাই মৃত্যুকে অধ্যা করে তার লিয়ে পাচারপপূর্বক সহকেই আর্কে অভিক্রম করেন। বারা ফলিশুক, ভারা পাঁওত ইংগত বেদ বাক্যের দাব্য লক্তর লগের আপনি ভাগের এই कर्यप्रारुष्टि श्वायक करत कारकत। योजा श्वाभनात अठि প্রোমভাবাণার, ভারতী নিরেকে এবং অপরকে পরির করে থাকেন। জাপনার বিরোধী কর কেট একারে সক্ষয

"ছে প্রত্যে, জাপনি জডাবৃদ্ধির্যাহন্ত হপেও সকলেব বারতীয় ইপ্রিয় শ্কিন্ত পরিচালক। বঙ্গাজ্যের অধিপতিয়া ধেকণ তাদের অবীবহনে কর প্রথম করেন troir

এবং নিজ নিজ প্রকাশপের প্রমন্ত উপহার ভোক করেন, তেহনই দেখণাগৰ ও জড়া প্ৰকৃতি বন্ধ আপন্দকে উপটোকন প্রদান করেন। এইন্ডানে স্কল দেবগণ বিষ্ণাট্টকর্মা আপনায় ভবে ভীত হয়ে নিজেনের ওপর খ্যারোশিত কর্ম সম্পাদন করছেন। যে বিভাযুক অতীত্রির ভগবান, আখনার দটিকেন মার মারা বনন হারের মাস আগনার গীলাবিলাস হর তথন আগনার ক্ষাত্ম শক্তির হাত্র চরচেরথক বিভিন্ন প্রকাতির জীবের আবিঠাৰ হয়। প্ৰমুকাকণিক আপনি আৰুপুণর ইত্যে সর্বার সমানকারে অবস্থিত বলে কাউল্ডে আগনি বনিষ্ঠ ধন্ধ এবং কংউল্লে আভালা ভিন্ন গোর্তীক প্রাণীকরের (महस्य मा। बाँदे फार्च कार्यान अन्तामर्ख मनुर्य। उद নিভাস্থলন, অনন্ত জীব যদি সর্বব্যাপ্ত হর এবং নিভা কপের অধিকারী হয় আপনি তবে সম্ভবত থেকের চুড়ার শাসক হতে পারেন না। কিছু বেহেত ভারা আপনার নিৰ্দিষ্ট আৰু থেকে জাত, এবং ভাগের রাণ পরিকর্তনশীল বলে অংশনার দারা তালের নিয়ন্তর সম্ভব। নিশ্চকই কোন বংশের উপদেশ সম্ভবরাহকারী অপরিহার্যভাবে তার হিয়ামক, কাৰণ উপাদান ব্যতিধ্যকে উৎপাদন সম্ভব নয়। যে হনে করে যে সে কানে কগবলের সকলকাপের মাৰ্কেই তিনি সমভ্যুহে বৰ্তমান ভাৱ কাছে কটি ওয়ুই মায়া, কেনবা আগতিক উপায়ে যে আনই সে দক্ত ক্ষক সেটি অবশ্যই অসম্পূর্ণ। তথু প্রকৃতি বা পুরুষ্কের शांक भौरका मृष्टि एवं ना। भाग ६ साहत विकास स्वयन কুলবুলের সৃষ্টি হয়, তেমনই প্রকৃতি ও পুরুষের সংযোগে : হালিগণের সৃষ্টি হয়ে থাকে। নদীসকল কোন সমূতে বিদীন হয়। অথবা বিভিন্ন কুলের রল মিলিত ছুরে বেনন মধুর সৃষ্টি হয়, তেমনই সকল বন্ধ আছা ভাবের विकिक नाम के राज जार पश्चिम भूतक चार्चनारण सीम स्टा কিন্তাৰে আপনাৰ মায়াশকৈ জীৱখনকে ক্ষুদ্ৰ পৰে চালিত 'ক্তে, জানিপ্ৰ সেটা ধ্যতে পেতে জাগনায় প্ৰতি প্রীতিপূর্ব দেবা খান করেন, বাস্ত-মৃত্যু-রেক খোলে মৃত্যির উৎস জ্বপনি। কিচাধেই হা সংসাধ জীবনের ভীতি আপনাত বিশ্বক্ত সেবকদের প্রতি কার্যকরী হয়? ক্ষপদেশকৈ আলনার জাকৃটি—সময়ের বিকর কেইবৃত টাকা—বারা আগনার শাংগ রহণে অনীতা প্রকাশ করে ভাগো ৰঙ কা ভা বেখা। ফা হল বেগনেও জেড়াও

হতে। হারা তাঁটোর ইপ্রির ও প্রাক্তে জর করেনে। ঠারও মারাব ঘোড়াকে নিরাপ করতে গারেন না। ব্রন ওম্বরনের আপ্রয় স্থাকে এই অশান্ত ফরতে শান্ত করতে त्रकी करतम, केरता विकिथ कामस पुरत्यत मारव माठ माठ ব্যবহার সংস্কৃতীন হল। হে ভালা, উরো সমূদ্রমায়ে কর্ণনার विदेश औरकार वनिकरण भरका। व्यानना भरकाम ব্যক্তিদের কাছে আপনি পরমানখনে প্রমাজারাণ धकाभित। अतार क्षकामत्र कारह काल, मूठ, (मह. क्री ধন, পুৰ, ভূমি, প্লাপ এবং অনপাক্তানিক কী প্ৰবেশনত আন্দার পরমার্থ উপলব্ধিতে ব্যর্থ ইছিল ভর্গণ সুস্কে পিন্ধনে বাবিত, এই সভাবত জিলার ও অভ্যানকাল্য সং সারে কেন কিন্তুই ভাসের আনন্দ নিতে গান্তা কিং যিখা গরস্কু মুনিগণ বহু তীর্থকের ও জীলামর প্রায় প্রায়ে দীলাক্ষেত্রসমূহের সেধা করেন। এরেপ করেন্দ্র আগমত রীপ্রপথ হলরে ধ্রেপ্তেড় ভাবের পালেন্ড স্থান্ত বিনাশ করে। কেউ যদি এখনার মাত্র ভার মন খালেরত প্রক্তি উদাধ করে, তবে নিভাসুধনায় পরস্কৃত্য ভাত ভাকে ভার সংসার জীবনে নিমায় হ'ত দেন যা, কেনা (अदे कीयम ७५ मानूरवर मन्धनायनी शत्र कात्र। **ऐथानम क्या त्याच नारत त्य, और क्यि विद्या अ**र কেনৰ, এটি নিভ্য সভা খেকে উত্তত খ্যোছে, কিছ এলং যুক্তি ভর্কপাশ্বের হারা বিচার। কবনও কবনও কার্য-अज्ञान्त्र कानार चलिएका मुख्य क्षाप्त्रम् सूर्व हता, चारह অন্য নমটো কোন প্রকৃত সভ্যের ফলত ভার হয়। বাছড়াও এই বিশক্ষণৎ নিজ সন্তা হতে গায়ে না, কেনা এটি ওয়ু পরম সভোর প্রকৃতিই প্রহণ করে না, কতা-আকৃতকারী মিগ্যাকেও প্রহণ করে। প্রকৃতপক্তে, এই - অগতের মূলারাণ কেবল অভগরস্পারা করিও বিনাস मानाः यक्षक रकान रेविडना स्तरे। बरामन विकित् वर्ण व चान शंकारभव गुना, काभना। (वन-वानी वर्श-मधानक ধর্মীয় অনুষ্ঠানের জাধুবিদায়ে কথা ওলে ওলে বাদের কা অন্যন্ত হয়ে খেখে, ভাটের সংখ্যকে হতবৃদ্ধি করে শিল্প এই জগৎ যেহেড় সৃষ্টিয় পূর্বে কর্তমান ছিল না, নিনাশের পরেও থাকরে না, সুসরাং জ্ঞারা সিভান্ত নিঙে পারি ৰে মধ্যবৰ্তী সময়েও বান চিমানৰ কলেও পৰিমৰ্থিত হয না সেই আপনার হয়ে। ভারাত্রিভ রিখ্যাক্রপে এটা এই কথাতের প্রকাশ বই আর কিছু নর। এই বিভিন্ন জড়

এট করিও নিধানক্তকে সভাব্যপে বারা প্রথমে করে ওরো হলাবই কা বৃদ্ধির লোক। এই সায়ামর জড়া প্রকৃতি **মুদ্র প্রতিবাদে ভালে জালিসান করাতে আকৃষ্ট করে, এবং** প্রতি তাই প্রকৃতির জনের ছারা কৃষ্ট রূপ ধারণ করে। লৰে কেতাৰ সমস্ত দিবা শক্তি হাবিছে করাবাহ হতা ভোগ করেঃ সাপের খেলস কালের মতো একইভাবে অবিদ্যাকে ভাগে করতে হবে। আট প্রকার বিভাতেরক তেবে করছে। ^ক

"ৰে ক্ষৰবাৰ: যে বতিগণ হলৱন্থিত কামের হল ন্দ্রধাৎ বাসনাক্ষালয়েক কমি উৎপাটিক না করে তবে সেই কলাবনের হান্যান্তিত হলেও আপনি ভানের দুব্বান্য হন। ভোন ব্যক্তিত কটে মলি পাকলেও সেকথা ভার হৈছত। হুওতার ভার গল্পে সেই মণি দুখ্যাপ্ত হয়। সেইবক্ত আপনি ভালে। সাক্ষাং অনুস্তুত হন না। ইপ্রিয় জেল-পরায়ণ যোগীদের ইংকাল ও পরকাল এই উভয়কালেই অসুর অর্থাৎ ইহকালে মৃত্যু ভয় ও পরকালে অপুনারত অপ্রতি জন্য কর হরে থাকে। হে ইট্ডেমর্ফরাল, আপনত সম্বৰে উপনতি হলে অতীতের পাপ ও পুন্দ ব্যর্কের কলে উত্তব্ধ সৌভাগ্য ও দুর্ভাগ্য সময়ে আর কোন চিপ্তা থাকে না, কেননা আপনিই কথন এই সৌভালা ও পূর্ভাগ্যের নিয়ন্ত্রণ করে বাকেন। সাংরেশ জীৰ ভাব নিজের সক্ষে বা বলে থাকে এইজন (बाकार्यक्रक श्राद श्रादयानमा क्रायम ना। प्रमुख উভয়াধিকারিখনের রাজা বলে বলে আপনার তদ কীউনকারী ব্যক্তিগণের আৰু বেকে আপুনার মহিয়া প্রকা , করার কলে জাপনি ভালের অন্তিম জাগ্রর কুল বা মুক্তিরূপে পরিগণিত হন। যেহেও আপনি অসীম, তাই মর্গের দেবনার বা আগনি স্বরং কেউ আগনার মহিমার অন্ত পদ্ম বা। ভাষাবাদ আবন্ত অনত প্রকার আকালে ধূলিকশার ব্যায় কালচন্ত্রের ছারা জ্বাপনায় মধ্যে পরিবাসণ ক্ষান্তে বাধ্য হতে। ভগবান ভিন্ন সম কিছবই আপনার মধ্যে লয় পাওয়ার পদ্ধতি অনুসরণ করে শ্রুতিগাণ তালের শেব নিভাররেও আপনার প্রকাশে সকর হর **ে**

ভগবান শ্ৰীন্যৱাহণ খবি বললেন—"প্ৰয়ে প্ৰকৃষ পর্যদেশ্যর ভাগবান সভতে এই সকল নির্দেশ ককা করে

_{বাজার} বিবিধ রেলে রালার্ডবিত বিশ্বকে আমরা পাচন করি। হাজার প্রধান উদ্দেশ্ধ পরম লক্ষ্য উপক্ষি কয়লেন। উল্লেখ্যপূৰ্ণ ভূষ্ট হছে সমন্ত্ৰক প্ৰছা সহকলে প্ৰছা কর্মেন। এইজেশে আকল্ডানী প্রাচীন মুনিপ্র নিবিচা কো ও প্রার্থসমূহের গোলন রহুসের ভাৎপর্যসূত আৰুজ্ঞান সংগ্ৰহ করেছে। হে এখার হিম পুত্র বারদ, প্রবিধ ছাত্রির সঙ্গে মানুক্যে বিষয় বিষয় বিষয়প্রকারী এই প্রভাস্থ উপালে ধারণপূর্বক স্বেক্সয় পৃথিবীতে বিচরণ কর।

প্রদা ভক্তাবে লোকামী কানেন্দ্র—"এইভাবে করন eggi ঐবর্থনতে আসীন হয়ে আপনি অপরিয়ের ঐতুর্ব ইানারারণ কবি তাঁকে আলেন করলেন, তবন সেই আছ-জনগত, বঁপত্ৰত সামাধ্যনি স্টু কিবাসে তাৰ আনেশ প্ৰথ করাগের। 🚜 রাজন, সকল বিষরে কুওত্তা মুনি তথন " তার ক্রত বিবরে চিন্তা করে উত্তর করকেন-থিনি मर्रपुरका मामत पृक्तित क्या मर्राकर्षक सभागपुर थावन करत्य, েই নিচাৰে পশ্যােশ ভগরান শ্রীক্তবে প্রথম কবি।"

> শ্ৰীদ ওকলৰ গোৱামী সগতে থাকলেন—"এই কথা কলত পৰা মায়ৰ শ্ৰীনারায়ণ কৰি এবং তার সাধৃত্বা পিয়াগণৰে প্ৰণাম কংলেন। ভাকণৰ তিনি কাবার পিতা উপায়ন তাসমেকের জারমে ফিব্রে গেলেন। পরযোগর ভগবানের অবভার প্রীবাদেশের প্রায় সহকারে নাবদ স্মিতে সংবর্ণন জানিয়ে খনত অসম নিলে খুনি ভা প্রহণ করবেন। তারপর নারণ মনি জীনারারণ ভবির মুখ বেকে বা ওনেছিকেন ব্যাসদেবকৈ তা বৰ্ণত করলেন ট

"হে রাজন, এইরবেগ **ভা**গতিক ভাবার অবর্গনীর निर्वन आभ कि सारन भग शहरून करता, अ नियरता एवि ৰে প্ৰথ করেছিলে তার উত্তর আমি নিয়েছি। তিনি এই বিশ্বকে নিতা পর্যবেক্ষা করেন, বিনি সৃষ্টির আদি, মধ্য ভ অন্তে বর্তমান ছিলেল, তিনিই সর্বব্যাপী ভগরান। তিনি ব্ৰড়াশক্তি 🛊 চিনান্ধার প্রস্তু, তিনি এই বিবের সৃষ্টি করে ব্যবের সঙ্গে তাঁর সৃষ্টির মাথে প্রবেশ করেছে। কেবারে তিনি কড় দেহসমূহের সৃষ্টি করে ভালের নিজ্ঞত ভিসাবে অবশ্বান করছেন। নিজিত ব্যক্তি থেছন ভার নিজ শনীবের কথা ডলে বায়, তেমনই কেউ ভার পরশাসত হলে ফারার কবল মৃক্ত হতে পারে। ভর-মৃক্তিকামী ব্যক্তির অবিয়ান স্কাবনে হবির খানে করা উঠিত, কেন্সা হরি সর্বহা পূর্ণতার করে করন্তান করছেন এবং তাঁক কথনও কড কাগতে কৰা হয় লাগ









অন্তাশীতিত্য অধ্যায়

ৰ্কাসূরের কাছ থেকে দেবাদিদেব শিব রক্ষা পেলেন

রাজা পরীক্ষিৎ বলভেনা—"বে সকল বেবতা, কালব ও মানুবেরা কঠোর ভোনারহিত কেরামিকে শিকে অর্চনা করেন, তারা সংধারকত ধন ও ইন্দ্রিয়-তৃত্তি উপভোগ কথেন, অনানিতে সংগ্রীকৃতি ভগাবান শ্রীহ্ বিত্ত অর্চনকারীক্ষণ ভা করেন লা। অত্যন্ত বিত্রাভিতর এই বিব্রাটি সম্পর্কে আন্তর্না বধারকভাবে ভালকেন করতে ইচ্ছা করি। বন্ধত শীতগবানের এই দুই বিগরীত কঠাকো অর্চনাকারীকের কল প্রান্তি আলাতীতভাবেই অন্য ধারনের করে থাকে।"

क्षेत्र १५४(मद शांचामी कातान—"(मनाभित्रन निर সর্বদা উর নিজ শক্তি, জড়া প্রকৃতির সঙ্গে যুক্ত ররেছে। শ্বকা প্রকৃতির ভিনটি ভংগর স্বারা সংগ্রভ হয়ে ভিনি নিজেকে ডিনটি রহণ প্রকাশ করে সমু, রম্বা ও তথ, এই লৈবিধ স্বাড় অহকারের মূল উৎসকে মূর্ত্র করেন। সেই অহ্যার হতে যোলটি কিনার পদার্থ উৎপর হরেছে। रचन (सरामितन नित्ता त्यानक एक और मकन गनार्थत বে কোনও একটির মধ্যে উন্ন প্রকাশকৈ খালেখনা করেন, তথ্য সেই ভক্ত অনুরূপ সকল প্রকার উপভোলা ঐথর্য প্রাপ্ত হব। কিন্তু ভরবান শ্রীহরির ক্ষড় ওপসমূহের সঙ্গে **रम**ा भाग्य (तरे) जिले बाह्य धक्षित कठीड, नर्वरणी নিতা সংক্ৰী স্বস্তুপ পর্মেশ্বর ভগবান। বিনি তাঁকে আরাধনা করেন, তিনিও জড় ওণসমূহ থেকে একইভাবে মুক্ত হ'ব। আপলার পিতামহ বাজা বুধিচিত তার অস্থেধ-বল সমান্তির পর জীতগবানের কাছ খেকে ধর্মনিতিসমূহের ব্যাখ্যা শ্রক্ষ করার সমরে প্রীঅচ্যুত্তকে এই একই প্রশ্ন জিলাস্য করেছিলেন : জগদীদার প্রীকৃষ্ণ विनि जनकारमर अस्य क्यारमर निमिश्च अमुकृत्व करवडीर्च श्रविशान, फिनि हाचाद और श्राप श्रीफ श्रानः। चात्रररूक वनभवंठ खबारक बीजावाम वरे छेत्रा धनाव कतरक्षेत्र (" 🐣

প্রযোগর ভগবান কলনেন—"বসি আদি কাউকে নিশেক অনুহাত্ করি, ডগন বীলে বীরে আমি তাঁর বন

ছবৰ কৰি। কৰৰ বালেৰ এক দানিয়াৰীড়িক খানকে আরীয় সম্বাদ ভাকে পরিত্যাগ করে। এইভাবে নে এক্টের পার এক দুর্নপর ভোগে করে। যখন সে ভার ভার উলার্জনের প্রচেটারে হড়াশ হয় এবং পবিবর্তে আয়ার ভক্তবৃৎদার সঙ্গে মিক্তম স্থাপন করে, আমি ভালে আছে বিশেষ অনুশ্ৰহ প্ৰধান কৰি। এইজাৰে একজন ধীর স্তান্তি পরম-রক্তে পরর সভ্যে, পরম সৃত্যু ও আছার বিচছ প্রকাশ, অনত্র চিত্রক অভিত্য কাশে সম্পূর্ণত হলয়ত্রত করেন। এইভাবে প্রথ-রক্ষতে গুল আপন ভাইতের ভিত্তিরূপে হুম্মর্থম করার মাধ্যমে তিনি লংকল চক্ত হতে पुष्ठ इन। साराष्ट्र चानाव आवास्त्रा कहा कठिन. সাধারণত মালুব ভাট অমোকে পরিত্যাগ করে পরিবর্তে व्यरभारे जन्महे कानाभर जनकारमत भूकर करता। जन्म औ সকল দেবতানের কাহ থেকে মানুৰ ব্যক্তকীয় ঐবর্ধ লাভ করে, তবন তারা উত্তত, অহস্তারে মধ্য হয় এবং ভাষেত্র কৰ্তব্যে উপেকাকাৰী হয়ে থটে। ভাৱা ভাষেত্ৰ ব্যাপ্রদানকারী কেবস্তাকেও অপানন করতে ভর পাছ ন।"

শ্ৰীল ভৰণেৰ গোলামী কালেন-"শ্ৰীব্ৰখা, শ্ৰীবিৰু, বেবাদিৰেৰ শিব ও অন্যান্যৰা কাউকৈ ছডিলাল স্ক আশীৰ্বাদ প্ৰদানে সুহৰ্য। হে প্ৰিয় প্ৰকান, দেবাদিলেৰ লিব ও বীধুয়া জত্যত সভ্য শাপ বা ধা প্রদান করেন, কিছু ভগবান অন্তঃও তেজন ননঃ এই প্রসংখ এক প্রাচীন ঐতিহাসিক ঘটনা, কিভাবে বৃকাসুরকে ভার পছৰ মড को निरकान करत रेकनाआधिनकि मक्ट्रों नरफ़क्तिना, छ र्सना कड़ा स्टारम्। अकवात भविष्ठाश मकृत्सि भूत दृष नामक ध्रक चामूत नातएस्त्र महत्र विभिन्न क्ष्म । हाई पृथि তাঁকে কিব্যালা করল প্রধান ছিন দেখতাক্ষে মধ্যে কার্কে অতি শীপ্ৰই সন্ধান্ত কৰা বাৰ। দাৱদ ভাকে কালেন-रनवासित्तव भिरवड भूका कत्, था घरम कृति नीधरे সক্ষাত্য অর্থনে করবে। তিনি কার আরাধনকারীর সামানা ৩৭ দর্শনের ফলেই শীব্র সন্মন্ত হন একং সাংক্র নোৰ দৰ্শনের হারা পাঁতেই ক্লম্ম হল। *কৰিবলা কাতা* ভারা প্রভ্যেকে ববন ভার মহিমা কীর্তন করেছিল, ভবন

তিনি দল খানত দিনিট বানে ও বানেই চতি সমুষ্ট সংগ্রিকান। স্বোদিনের শিব অত্যাপন ভানের প্রক্রেকক অভুনা ক্ষমতা হাবান করেছিলেন এবং উভয়াকেরেই স্বায়ন্ত্রাপ তাকে মহাসকটে পড়াত হ্যেকিল।"

ন্ত্রাল ক্ষানের গোলামী আরও বলাকেন—"এইতাবে ওলালে লাভ করে অসুন তার নিজ সেই থেকে অং স্থান প্রহার করে তা দেবানিকের দিবের মুখ করক। অভিতে আরতি নিধেনে করে তার পূজা এক করল। ক্রেনিকের বিবের দর্শন লাভে কর্ম হরে বৃদ্ধানুর হতার করে ক্রেন্সের সপ্তম দিবে ক্লোননাক্ষা পরির অবে হলঃ অবেশ্যের সপ্তম দিবে ক্লোননাক্ষা পরির অবে হল করে তার মাজক বিল করতে উপতে হল। কিছ তিও সেই মুহুর্তে পরম কাকনিত খেবানিকের দিব বজানি থেকে বছা অভিনেরের মাজেই উবিত হরে, ঠিক ক্ষেত্র আমর ভাউরে নিবৃত্ত করি, সেইখারে অসুরকে আখ্যেতর থেকে নিবৃত্ত করের ক্লানের মুক্তির প্রকাশ করকেন। লেবানিকের নিবের শ্লাপে ক্লাস্কর প্রথমে পরি পূর্ণ ক্রেন্সের হরে উঠল।"

মেতানিয়েব শিব ভাবে বলালেন—"ছে বংস, গাঁড়াও, ধামো! আমার কাছ (গাঁকে পুনি ছা ইছা) প্রাৰ্থন কর, আমি ভোমাকে সেই বরই প্রদান করব। হায়, পুনি আবলা ভোমার ফেইনো অভ্যান্ত গীভন করেছ, কারশ আমার প্রশাগতজনের সাধ্যান্ত কল নিবেশনেই আমি সমষ্ট হই।"

विश्व एक रूप व (भाषाणी वार्ष के स्थापन--"(अंचािरस्ट्रिय काइ (शंदक मान्याहा कुक वा शार्थमा
कर्तिक, यह जरून की देश महिल करून। कुक क्यान,
वार्षाण हाल विराह वाणि शहा बक्दक म्पार्थ करून वाल (कर मृद्धा कार्य या श्रम कर्दा, (स्वािरस्य ज्याद का किन्द्रिय किलिए शहा रहा। क्यू थे, वर एक एक क्याद का किन्द्रिय किलिए शहा रहा। क्यू थे, वर एक एक क्यादम क्यें खाद व्याद्धाम जर कुक के कार्ति कर्त्यामन कर्द्य का ज्यादि व्याद्धाम जर कुक के कार्ति कर्त्यामन कर्द्य का ज्यादि व्याद्धाम जर कुक कार्ति कर्त्यामन कर्द्य का ज्यादि व्याद्धाम क्याद क्यादिक व्याद्धाम क्याद कार्ति व्याद्धाम क्याद क्यादिक क्यादिक क्यादिक क्यादिक अव्यवदे कार्त्य क्याद क्

কশিশত হয়ে উন্তর্গতে প্রকাশন কর্মেন। বিজ্ঞা পর্যন্ত পৃথিবী, আকলে ও কথাতের নিক্সমূহের সীমা, তিনি ততন্ত্র ধাবিত হলেন। এই ব্যের প্রতিকার কালা না থাকার শ্রেষ্ঠ দেকভালথর নীবে গ্রহলেন। অতথপর নিব সকল অর্থান্তরের অতীত বৈকুঠের সমুক্তাল কালো উপতি হলেন, বেখানে জনাক্রন নারারণ অবস্থান করেন। সেই রাজ্য অন্যানা কীবের প্রতি রাগতের পরিত্যালী, শান্ত, নাধুখনের পত্রসমূহা। সেখানে থাকা করালে, কেউ জান কিছে আসে না। ভক্ত পত্রসমূহার অসমান দূর খেতে নিবকে সম্ভানার কর্মান করার করালেন। ওই তার অর্থানির যোগমাধাবলে তিনি মেখলা, অভিন, ম্বর, কাল্যানা মার্থিত রক্ষ প্রশানারির কাল করাল করে ক্লান্তরের সামুখ্য আগমান করালেন। ভগ্তানার করালেন করালেন। ভগতানের ক্লোভিন করালের সম্ভান্তর সামুখ্য আগমান করালেন। ভগতানের ক্লোভিন করালেন। তার্থানের ক্লোভিন করে করেনেন। তার্থানের ক্লোভিন করেনেন করেলেন। তার্থানিক্সমান করালেন করে তিনি অস্তর্গতে বিভিন্নিক করলেন।

ভাগনে কালেন—"হে লকুনি নগান, আক্নাকে ক্লান্ত মনে হঙে। আপনি কোন এক সুরে আগ্রমন কবেছেন। বাল করে ভলিক নিপ্রায় করন। লেখ পর্যন্ত এই সেইই সকল অভিনাম পুরুষ করে। হে শক্তিয়ান, আন্তর বনি অপনি কি করতে চান তা ওনবার বোগা বই, বারা করে। আয়ালের ভা কলুন। সাধারণতঃ কেউ অনের সাহথে। প্রহণ করেই ভাল উক্লেক্সমূহ স্থাধন করে।"

শ্রীল গুড়াবের বেলোয়ী বলগেন—"এই ভাবে প্রথমবার ভগবালের অনুভ বর্তবকারী বচন ভারা ভিজাসিত হরে, বৃক নিজেকে ক্লান্তিনুক অনুভব কাল। সে উগবালের ভাবে ভার কৃত কর্মো সমস্তবিদ্ধী কান্য করব।"

শীভগবাদ বলাদেন—"এই যদি হলে থাকে তাহলে শিক্ষা কৰা আমন্ত্ৰা বিদ্যাস করতে পারি না। কক বাকে শিক্ষাচ হওলে অভিনাগ নির্মেছিল, সেই দিব হতে প্রত । নিশাচাপো অনীকর। হে সানবেজ, যেহেতু তিনি কালতক, ভাই তোমান কবি তার উপর কোন বিশ্বাস থাকে, আ হলে অন্ত দেরী না করে তোমার হাত ভোনার মন্ত্রকে স্থাপন করে লেখ কী হব। যদি কোনিকের শহুর কর্মান কোনে বিদ্যান সম্বানিত হয়, হে শানব ক্রেট, ভা হলে সেই মিখ্যানালীকে হত্যা কন বাতে গে পুনপ্তার বিশ্বা কলতে না পারে।"

ক্লিচ্চ ওঞ্চেৰ গ্ৰেম্বামী হয়ন্ত্ৰও কালেল—"এইডাবে প্রবেশ্বর উপকালের মানোরত কথালৈলী ভারা মোহিত হয়ে মূৰ্য কৃষ্ণ সে কি করছে তা হলবলম ল করে তাই নিমা প্রকৃত্তে ভার হাত স্থাপম করবা। ওংকশাং ভার মঞ্চত কেন ব্যৱস্থাতেই আফত প্ৰান্ত হয়ে বিচুৰ্গ হল এবং দানৰ নিহন্ত হয়ে ভূপতিত হল। আকাশ হতে 'কয়।' 'ফল্মা' ও 'হাধা' কৰিসমূহ লোক ব্যক্তির। পাণাত্তা বৃক্তানুদ্রের-মিন্নতা ইওয়াকে উদ্যাল্য কমটে সেব-পরিগণ, পিত্ৰ পুৰুষণাৰ ও পদ্ধৰ্যপথ পুৰুষ্ণবৰ্ষণ করবেল। এখন দেবাদিদেশ-শিব কর মৃক্ত ইলেন।"

"পরম প্রযোজ্য ভগবান অভঃপর সম্ভয়ত

লেবাদিদেৰ সিবিশকে সম্বোধন করে কালেন-"_{কি} মহাবেৰ, আমার প্রকৃ, কিভাবে এই বৃষ্ট লোকটি ভার আপদ পূল কৰ্মের যাত্র নিহত হয়েছে আ কর্মা করত . প্রকাশকে, জেন জীয় তার দৌভাগের জ্ঞান করার পারে বলি সে কোন মহাখার প্রতি অপরাধ করে। অব্যাহক অগবানের হাতি অগবাধের আন কি করা 🕫 क्षश्याम यति हरूकन माध्यार भक्षय द्वारा, भरपाया 🐷 অচিত্তনীর শক্তিসমূহের অমত সামর তরাণঃ ভিট নিবকে মাল করার করা এই দীলা কালী করেন বা স্টার্কত ভব্রম তিনি সকল শঞ্জ ও ভন্ম-মৃত্যুর পুনরাবৃত্তি ভোতে

একোননথতিতম অধ্যায়

খ্রীকৃষ্ণ ও অর্জুন ব্রাহ্মণপুত্রকে উদ্ধার করলেন

একবার সরস্থতী নদীর ভীরে কম সম্পাদনরত একমস चरीचनप्रतासन्त प्रश्चा एक दक्षके। और श्रद्धान मधायात्मन সাহতে, হে রাজন, কবিগণ ব্রহতে পুত্র হণ্ডকে বধার্থ केंग्रज कर्मकारमा कर्गा स्थलन करान क्रमध्य सिम कार পিতার সভার গামন করলেন। জীরকা কতথানি সম্বর্ভণে অধিভিত ভা নৱীকার হল ভও ভাকে প্রদায় বা ভাব উক্তেৰে প্ৰথ নিবেদন করলের না। প্রজা বীর তেখে প্রথমিত হরে তাঁর প্রতি ক্রন্ত হরে উচ্চেন। ব্যঞ্জি তাঁর পুরের মান্তি জোন জার জালঃ হতেই উপিত হুমেছিল, হালা করে বৃদ্ধি হারেশের ধারা জে সংবরণ করতে সমর্থ হলেন, ঠিক যেন্ডাৰে তাই জার নিজ উৎপাদন, কল স্বারা নিৰ্বালিত হয়।"

"এরপর ছণ্ড কৈলাগ পর্বতে গ্রম করলেন। ব্যাস্তাকে আনিখন করতে এনিয়ে এতেন। কিছু ভূমি দলা করে আমানের মার্কনা করন।"

ক্ৰিল শুক্তবৰ পোৰামী বলগেন—"হে স্কালন, উন্দাৰ্থনামী" গ্ৰাকে এই মলে ভাও গ্ৰান জানিছন প্রত্যাখ্যান করলেন। এর কলে শিব ক্রম্ম হয়ে উঠলেন কৰিছে মধ্যে একটি বিতৰ্ক উপস্থিত হল মে, প্ৰধান তিম , এক ভয়ভয়ভাবে তার নয়ন স্থলতে জ্বৰুছ। তিনি উন্ন ত্রিপুল উত্তোলন খরে ভ্রগুলে করন হত্যা করতে উদাত হকে, তথ্য দেবী পার্বতী তার পদহতে পতিত হয়ে ত্যাকে শান্ত করাও জন্ম কিছু কথা কলকোন। শুন ভানন **ारे जार जान करत अनवार जनार्गरमा निवास देकर** है शमन कराचन।"

"ভংকন কেবানে তার পত্নী পক্ষীদেবীর কোলে মাখা রেখে শায়িত ছিলেন, কণ্ড যুদ্দি লেখনে নিয়ে কগবানের বক্ষে পদাবাত করলেন। ভগবান ভগা লগীদেবী সহ শ্রহার সাদে উবিভ হাকে। উপ্ল পথ্যা হতে অবভাগ করে সকল বন্ধভন্তের পরম গতি, ভমিতে মন্তক অকাত করে মুনিকে প্রদায়পূর্বক ফলকো, "স্থাপ্তম, প্রকো। সর করে এই পরসাম উপকোন করন এক ক্ষণকাল বিধান সেখানে ভগরান শিব আনক্ষের সঙ্গে উথিও ইয়েই তাঁর। করন। হে গ্রভু, আগনার আগখন ক্ষেদ্র না করার জন্য

দেশা করে আপনার পাদেশৈত জন বারা আগতে, कार्याह्य क्षेत्रशासक कार्य योगाकामत्र अवर भाषाय क्रकाट्य _{এবিয়া} ক্ষান। এই পৰিব জন নিলেক্ছে স্মন্ত ত্তীৰ্মসানকে পবিত্ৰ কয়ে। যে প্ৰভু, আৰু আহি _{প্রকা}নেরীর রাকার আর্রার হপাম, কারণ আক্রান্ত প্র _{কামান} ব্যালয় পাপসমূহ কিন্ট করেছে, তাই তিনি কায়ের রা**ক্ষ হাস করতে সম্প্রত হবেন** (*

ব্লাল ওকদেৰ খোদামী কালেন—"কৈকুটনাথ ছালা ুলির গরীর বাক্যসমূহ প্রবণ করে ছও আনদ ও अरहान चनुस्थन कनरणन। चर्तकसार विद्युत इरन छिन्नि Asia ब्रोहरणन, जीव नवम चाटकपूर्व एरव केंक्स क _{নামন} ছও এবগর জানী বৈশিক চন্দ্রবেলানুদ্র যঞ প্রচার প্রভারতীন করলেন এবং জানের কাছে জার সমস্ত প্রতিজ্ঞতা কর্মন করলেন। ভূতর কর্মনা ধকা করে রিশ্বিত মুনিখণ সকল সংশব্ধ হতে মুক্ত হয়ে নিশ্চিত कारान (व. विश्वाद श्वकं काशीयतः क्षेत्र स्थरकडे नातिः चारता. वर्ग दिलाचा, ध्यान ও चाहेरिय ह्यान-जेपार्ट्य छेत्रव সংযাদ এক তার মহিমা কীর্তন মনের সকল অপবির্ভাগ মার্ভন করে। শার ও সমজ্যবাশম নিম্বোর্থ রাখহেকান। ক্ষনী সাধ্বলের পরম্মতিরাণে তিনি পরিচিত। বিওছ সম্ভাৱ দেহ তার অভান্ত তির এবং রাজ্যপঞ্চ তার ব্যবাদ্য বিষয়। পারমার্থিক শান্তি প্রস্থে বৃদ্ধিনান ব্যতিপ্রণ নিংকর্মকাবে উরু অর্চনা করেন। রাক্স, অসুর ও সুর, **धरे जिरिश पृष्टिएड एकाराम असमिक शत--कार नकरनरै** ভগবানের ভিতশম্মী মায়া শক্তি বাবা সৃষ্ট। এই তিনটি ওপের মধ্যে সম্বর্থনই জীবামের চরম সকলতা প্রান্তির উপায়। সমস্থতী নদীর জীরবাসী পণ্ডিড প্রাধাননা সকল স্পূরের সপের দৃশীকৃত করার জন্য এই সিশ্বারে এলেন। অরপর তারে ভগবানের পাদপন্ধে ভতিপূর্ণ সের নিকেন করে ওার জালার প্রাপ্ত হিলেন।"

বীসুক্ত গোপাই। ক্লানেন—"এইভাবে খনি ব্যাসদেব প্ৰ চৰুদেৰ গোৱাহীয় মুৰন্ধ্য থেকে এই সুগতি আয়ত নির্মন্ত মরেছিল। পরম পুরুষের এই অপূর্ব মহিল্প কীর্তন দলোরের সমস্ত কর বিমাপ করে। বে পথিত তারে বর্ণা গইনের মানুমে এই অহত দির্ভা পদ করেন, তিনি স্বাস্তিক জীবন পথের ভ্রমণক্ষমিত ক্লান্তি নিস্তুত হন।"

জীপ তক্ষৰ গোখামী কালেন—"কোনও এক

শমরে, স্বরকার এক প্রাক্তরে পত্নী একটি প্রথমে কর দিয়েছিলেন, কিন্তু হো ভারত, নবালত শিশুটির ভূমিত र्थम महरे मुझ रून। जाना (महे मुटारहरी निष्ट अध्य ताका छेटा/महानः श्रांत महात द्वारत द्वारत करणानः। তারপর পীত্তিত ও দুর্নভিতভাবে বিলাপ করতে করতে তিনি বলতে লাগলেক-এই সকল পঠতাপৰ্ণ, লোভী. ব্রাদাশদের শক্ত, বিষয়েসক্ত অযোগ্য লাসকের কর্তবা সম্পাদনের কিছু লেবের জন্য আমার পুরের মৃত্যু হরেছে। হিংলার আনন্দ লাভ করে এবং নিজের ইত্রিকর্পে সংবাদ্ধ করতে কারে সা, এফা কল রাজার আবিত প্রজাপুণার নিয়ন্তা সুক্তা ও মারিন্তা ভাগে করাই নিষ্ঠি। জ্বানী রাজ্যর জার বিতীর ও ভূতীর পুরের ক্ষেত্রত সেই একই মুখেল্ডক ঘটনা ভোগ করলেন। প্রত্যেকবার তিনি ভার হত পরকে রাজয়ারে পরিত্যাগ করে সেই একই ছিলাল সমীত গাইছেন। খবন নবন শিশুটির মৃত্যু করে, জনর জনবান কেলকের করেছ উপাইড অর্থন প্রাক্তনের বিধাপ ওনতে পেলেন। তাই অর্থন প্রাক্ষণকে কালেন, "হে প্রাক্ষণ, কি হায়েছে? কোনও আধ্য করিকও কি কেউ সেই যে অন্তও আগনার গছের সামনে ধনক প্রতে বীভাঙে পারেশ এই সকল ক্ষরিবাপ এমন আচরণ করছেন কেন তারা নিতারট করে নিবৃত্ত অধান প্রাথম ৷ যে সকলা মাজ্য লাসকের কাছে প্রাক্ষণাল ধন পদী পুত্র হাবিরে বিলাপ করে, ভাষা শ্রীবিকা নির্বাহের খানা রাজার ভূমিকার অভিনয় করা ভঙ্ আর। হে হাড়, এরণ বৃহধ ডোগমত আপনার সন্তান ও পত্নীকে খারি রক্ষ করব। কার, যদি আমি এই প্রতিক্ষা পালনে ব্যর্থ হট, তথে আমরে পাপের প্রথমন্তিক করার জন্য আমি অগ্নিতে প্রকো করব।"

राष्ट्रण स्मारतम-"नकर्षन, वामुखन, श्रमुख, ह्यांड ধনুৰ্ববৰণ কেউই অথবা অপ্ৰতিবৃদ্ধী বোদ্ধা অনিকৰ আমার পুরণাশকে বন্ধা করতে পারেনি। ভা হলে কেন তুমি মূর্খের মতো এই বীনত্বপূর্ণ কার্বের চেটা করছ বা সর্বদক্তিমান জন্দীবন করতে পারেন নি ৮ ভাই আহরে তোমাৰ ওপতে উন্নস্য করতে পারত্বি না।"

অর্জুন কালেন—"হে ব্রাহাণ, আমি শ্রীকলরাম নই কিয়া শ্রীকৃষ্ণ নই, এমন কি শ্রীকৃষ্ণের পরত নই। বরং আমি গাণ্ডীর ধনুকের পরিচালক কর্মন। হে জারুখ গুণবাম শিবকে সন্তুষ্ট করার জন্য বংগট, আমার भागर्श्वत अथस्य कहरका छ। दह राष्ट्र, वृष्टि वृष्ट् बहार মৃত্যুকেও আমার পরাজিত করতে হয়, তবু আমি ছাপন্য। পুরবের ভিত্তির জানব। হে শক্তবভাপকর, এইডাবে অঞ্নের কড়ে কাসা পেরে, নিচ্চ বিক্রম নিবর্মে অভ্নের বোষণা কাণ্ডে সভাই হয়ে, ক্লাকথ গুড়ে প্রন করকেন। বন্ধন কভ্যেন্ত সং সেই ফ্রান্সপের পার্ট্রীর পুনরার স্পন্তনে প্রসার হল, প্রাক্তপ কভান্ত উদির চিত্তে प्यकृतिस कार्ड् श्रम कता धार्यमः कतत्त्वतः, पदा कदा আমার সম্ভানকে মৃত্যুর হাত থেকে তথ্য কর। তথ্য আর্দ্রন আচম্বন করে স্কাননার মহেকরকে প্রগাম নিবেশর খনে তার নিয় অন্তার মন্তাবলী অরণ করে উর গাতীব समूरक क्या मश्रदान करूरमा । क्या विकित ক্ষেপনস্তেত্ত বাদ নিকেশ করে সৃতিকা-গৃহকে বেড়া দিয়ে থিঙে কেললেন। পৃথাপুত্র দৃহের নিমন্ত্রণ, উপায়ুক ও পার্থদিকসমূহ আন্সাদিত করে তীরের একটি সুর্বাক্ত খীচা নির্মাণ করলেনঃ ফ্রান্ডাণ পাত্রী ভারণর কর লাম ক্যালেন কিন্তু নবজাত শিশুটি কিছুকণ ক্লমন ক্যায় পর সহস্য সে সমরীতে অধ্যালে অপ্তর্হিত হল। ব্রাক্তন তথন প্রীকৃষের সম্পূত্র অর্ধুনকে তংগনর কবলেন, 'আমার पूर्वज्ञ भर्मन करून, चानि अक क्रीएक परशक्तिक विशास कर्र्याध्यामः। जन्मे श्रमात्र, व्यन्तिकत्, ग्राम किया राज्यन কেটিট একজনকৈ বন্ধা কৰতে পাৰেন না, তখন অদা তে তাতে কলা করতে সমর্থ ছতে পালেন। সেই विश्वादानी धार्म्माक रिक् । छात त्यत्रे अनुरक्त प्रशासित्क বিষয় সে এটাই দুৰ্ব যে, মোহবলত সে ভাবছিল---দৈৰ কৰে নিৰে গেছে, ভাকে যে ভিন্নিরে সামতে পারবে।' বিভা প্রাথম কর তার উপর অপমান পূর্বীভৃত করছিলেন, তথন অর্জুন ভগবান ব্যব্যক্তের নিধাস দিবা মগরী সংব্যানীয়ের ভ্রমন্ত্রাং ব্যবহার করা এক কটাল্লির বিধ্যার প্রক্রোগ করকোন। প্রাক্তবের পুত্রকে সেখানে শেখতে না পেরে অর্জন অস্থি, নির্বতি, সোম, বস্তু ও বঞ্চলের নগরী ওলিতেও সিরেছিলেনঃ উদ্যত আদ্র নিয়ে পাতাল থেকে স্বৰ্গ পৰ্যন্ত প্ৰকাশের সকল প্ৰহলোক ক্ৰয়ে তিনি অনুসক্ষম করকেন। শ্রের পর্বন্ত ব্রাধানের প্রব্রেক শোখাও ল' সেয়ে, অৰ্থন উল্ল প্ৰতিখন প্ৰদায় বাৰ্থ হয়ে, পৰিত্র অভিতে প্রবেশ করার সিদ্ধান্ত প্রকাশ করেলে। কিন্তু তিনি বৰ্ণন জা করতে বাকো, তৰ্ণন জীককা ঠাকে নিবস্ত

b)8

করে বলুলের—জারি ভোগাকৈ ব্রাক্তবের পুরন্তের প্রকর্তন করতে, তাই ভূমি এইওচৰে নিষেকে অংকা করে। না বারা এখন আমাধের সমালোচনা কবছে, শারেই ভারাট আমাৰের নিয়ন্ত কৰ গতিতা করবে। আৰ্থ_{নাক} এইভাবে উপদেশ প্রদান করে পরমেধন ভাগেন ভাগেন गुप्र श्रीत मिना नरभ कारतास्य करते, श्रीता वाकरत शांकात शिरक शाह्य करारमा। क्षेत्रवरिना क्षेत्र क्षेत्रवरिका क्षेत्र সাধার ও মতেটি প্রধান পর্বত সহ সত্ত দীপকে জাভক্র করন্ধেন। ভারপর তা লোভালোকের সীমার ভাতক্রম করে ব্যের অন্ধকারের বিশাল ক্ষেত্রে প্রবেশ করারের। সেই অন্নকারে শৈকা, সৃতীৰ, খেবপুন্দর ও কলাহক নায়ত্ত রখের অব্যক্ত পথএট হল। তাদের এই অব্যান Drev. হে ভরতকলপ্রেষ্ঠ, বোপেশরেশর ভাগবল শ্রীকৃত্য উল সহজ সুর্বসম উব্দেশ সুনর্শন চক্রকে অথর সন্মারভাগে প্রেরণ করকেন। জীভদবানের সুদর্শন হক্ত উর প্রজাবিত জ্যোতি ছারা অছকরে তেই করতে লাগল। মানের গতিবেধের মতেই সে সৃষ্টির আদি বস্তু থেকে প্রকাশিত সেই গতীর, ভয়কর আভাগারকে ছেনন করতে লাগান, যেন মীরফেন্ডের থকুক থেকে নিক্ষেপিত তীর ইয়া স্ক্র रिमसारमध रहमन कराहिता।"

"जुल्ली ठेकर्क चलुमत्रम कर्त तम चास्टारदर् অতীও জনম্ভ দিবা আলোকময় সর্ববাধে ক্লভাতিতে উপস্থিত হল। এই অধ্যক্ষক জোতি কর্মন করা মাত্র अर्थुत्तर ६% धारप रम, बात दिनि काथ यह कारणन। হেবল থেকে ভারা প্রকা বারু বেরে সঞ্চালিভ মহাভব্যস্থালী কলমথে প্রবেশ করপেন। সেই স্পরমধ্যে অর্জুন তারে ইতিপূর্বে দর্শন করা যে কোন বিদ্ধা চেয়েও অধিকতর উত্তম দৃতি বিশিষ্ট এক অত্তর্ত প্রাম্যে দর্শন করলেন। দীপ্রিমত প্রশিমণিকা পরিত সহর শোভন গুৰু বারা ভার সৌন্ধর্য নিকলিও হছিল। সেই প্রাস্যাদের মধ্যে ছিলেন সপ্রম জাগনেক বিশাল অনন্ত লেব নাগ। তাঁর সহত্র কথার অর্বাইড হণিসমূহ ও তাঁক রিসহল ভাষর নয়নের প্রতিকলন খেকে প্রকাশিত দৃষ্টি দ্বারা তিনি উচ্ছলরেলে বিরাক্ত করছিলেন। তাঁকে তথ रिक्शाम क्रिएम प्रदेश प्राप्त प्राप्त प्रक्रिय अपर केरा क्रि क ভিয়া বিশ বন নীল কৰেঁছ। অৰ্থন ভবন সৰ্পৰ্যায় সুখাসনে উপবিষ্ট সৰ্বস্থান্ত ও সর্বশক্তিমান প্রমেশ্র

জনবাল মার্লালকুলকে কর্মন করকেন। তীর নীলাত কর্ম ভিল ধর্মার ক‡ মেণের মধ্যে, ভিনি কীত কলে পরিধান প্রতেশ্বিকার, তারে প্রসায় করে, আরত নারন ছিল অভারে প্রভারতীয় এক ডিলি সুরায় মন্টরাছ সম্বিত ছিলেন। ক্ষা জনবিনিত কেপ-কৃত্তণে ভার মৃক্ট ও কণ্ডগের তলোভিক মহামূলাকৰ বন্ধবাজির প্রভা প্রতিফলিত ্রন্থিক। তিনি কৌন্তভ মণি, জীবতা ভিক্ত ও কামুক্তর প্ৰালা পরিগান করেছিলেন। সুনৰ ও নক প্ৰথৰ প্ৰাৰ টাভ পার্যালগণ, মুঠিফান তাঁর চক্র ও অন্যান্ অন্তসমূহ, এই জী, কাঁতি ও অকা নামক তাঁর নিকৃতিসকল এবং ক্রম জন্যান্য বিভিন্ন অভীত্রিত শক্তিসমূহ সেই পর্যাধ্বর, क्षेत्र (नक् कर्राहरमम् । और प्रम्वकानी निर्वरक श्रीकाः। श्रमध्य निरम्पर कर्तराज्ञ अवर चार्क्क फंगदान प्रश्न-विकास র্মানে বিশ্বিত হয়ে তাঁকে প্রথম করকেন। ভারপর ক্লাতো সকল উদ্বেশকার উদ্যা সর্বশক্তিয়ার মহাবিদ্যার সম্মাণে কৰকোড়ে বভাৰমান উল্লেখ উল্লেখ ডিড্ৰি হামলের এবং গভীর করে কন্তার—কামি রাজ্য शृक्षामञ्ज क्षाचारम कारती, कारतन का क्रकार्य मुखियीएड অবতীর্ণ আমার অংশপ্রকাশ জোমানের মুক্তনতে আমি দর্শন করতে চেয়েছিলাম। পৃথিবীর করে বরুল অসুরচের হত্যা করা মার সভর এখানে আমার কাছে কিন্তে বাস। যদিও জোমাবের স্বৰ্ণ আবাপল সর্বভোজারে পর্ণ হলেছে, ছে কৰ্মলেডেল্ডমভন, সাধাৰণ ছানুহের কল্যানের कर्प वर्धावतत्त्रम् मुधिक ज्ञान्यत्त्रम् वेटकरमा स्व 🕏 माताद्रम **খবি রূপে ভোজো জাচরণ কর**ে

"সর্বল্যেকেশর প্রেশের ক্রমনানের নির্মেশ এইভাবে গ্ৰহণ করে প্ৰীক্ষা ও অন্তৰ্ন 'ওম' কাঁঠন ছারা সম্মতি প্রমানের মাধানে সর্বশক্তিমান ভগরান মহা-বিবৃত্তক প্রশাম নিক্ষেত্র করকের। ক্রান্তব্যে প্রস্থাকে উল্লেখ্য সলে এইগ করে উলো তে পথ ধরে আগতা করেছিলেন সেই পথ ধরে অভ্যার অন্যক্ষের সঙ্গে খারকার প্রভারতন কর্মেন। মেখানে উল্লে প্রসালের পুরুষের টিক ফেরকম শিব সেহে ডারা হারিরে পিরেছিল, সেই রকম অবস্থার ব্রাহ্মণকে প্রদান করছেন 🖺

"छनवान विकास प्राप्ता करी। करत व्यक्ति मन्न्यूर्ग বিশ্বিত ছিলেন। তিনি সিদ্ধান্তে উপনীত হলেন বে, য কিছু অসাধারণ দক্তি জেনত মানুষ প্রদর্শন করতে পারে, তা তেবল প্রীক্তেনটে করুপার প্রকাশ হার। ভগ্রান श्रीकृष्ट श्राम करामा कर वीत्रकृष्टमक जीवा और स्वरूट ध्यपंत्र करतरहरू। रिजि न्लिएंड माधातम प्रमुख कीवरनत्र সুৰ উপভোগ কৰেছেন এবং তিনি মহাসন্থ বজসন্ত সম্পানন করেছেন। ভগতন উল্ল শ্রেষ্ঠড় প্রদর্শন করে বধানমরে রাজ্ঞপথ্য ও জন্ম জনান্য প্রজাবর্গের উপর, ঠিক ধেমন ইন্দ্ৰ বাত্তি বৰ্ষণ করেন, স্পেভাবে সকল আকাপিকত করা কর্মন করেন। এখন দেই তিনি বহু কল রাজানের হত্যা করছেন একং অর্জুনের মতে। ভঞ্জানের अन्द्रमारमञ् श्रेटा कराव कम निर्देश करवरहर, चाच মহত্যের বৃথিতিকে মতে পুশ্রকান ক্ষমকগণের ভারা ধর্ম সম্পাদম নিশ্চিত করেচেল।"

নবতিত্য অধ্যায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের মহিমাসমূহের সংক্ষিপ্তসার

জীল ভাৰতেৰ খোলালী কালেন—"গংখ্ৰীপতি সকল সুখে বলে কংছিলেনঃ এই সকল প্ৰাকৃতিত বৌহনা এবার্যে সমৃত, মেট বৃদ্ধিপুদ ও জন্মের উপ্তম কোসম্পান । সুন্ধরী রমধীকা কলা নগরীর জন্মানের উপর স্থানে কল পদ্বীসের স্বার্য়ে বিদায়ান, গুলা ব্যালখানী নগরী স্বারকার - ও জন্যান্য খেলনা পই খেলা করতেন, ভখন স্তায়েক

বিদুদ্ধকর দুর্ভির হাকে উচ্ছল মনে হস্ত। সংবীর প্রবান পথ সর্বণা মদশ্রনী হাতী, ক্ষরালেহী সৈত, স্ভূবিত পদাতিক সেনা ও সর্বস্থারা উল্পেন্ডরেশ সুস্ঞিত রখারেটী সৈনহার জাকীর্ণ ক্ষকতঃ কৃষ্টিভ ক্ষরাজি যুক্ত নগরীর সৌকর্য বর্তনকারী বছ উদানে ও উপরন ছিল, কেবাৰে মৌহান্তি ও পানিবা সমকেত হয়ে চতুৰ্দিকে চাদের বানে মুখ্য করে ভূপত। ঐক্ত দ্বিকে বার বেল হাজার পত্নীর একমাত্র প্রিয়তম। নিজেকে বেলা হাজার বিজ রাখে বিজয় করে তিনি তার প্রত্যেক সামীর সংগ্ৰ ভাষেত্ৰ নিজ সংশংক সমূভ পুৰীতে আনক ট্রপড়োগ করতেন। এই সকল প্রাসন অসনে ছিল প্রশ্বটিত উৎপদ, করার, কুমুল ও অব্যাক্ত প্রদানুহের সৌবতে স্বতিত এক ক্ষলতে পদী কলে পূৰ্ব ক্ষ হম। সর্বশক্তিমান ভাগবান সেই সকল হবে ও নিভিন্ন মদীয়ে প্রকেশ করে রাগাঞ্জীতা উপভোগ করতেন এবং ঠার পত্নীরা হবন ভাকে আলিয়ন কয়তেন, তথন ভার কেছ ভালের প্রভার করমে ছারে লিগু হতঃ প্রতর্গনা করন আনক্ষেত্ৰ সভে মদক, পথৰ ও আনৰ বাদ্য কা প্রকানে করত এবং সত, মধ্য ও বন্ধি নামক পেশানার ফবিয়ালকৰ বীৰা কাৰন সহ তাঁৱ উন্দেশ্যে কবিতা আবৃত্তি করত। প্রীকঞ্চ ভার পড়ীবের সংগ্র কলে জীড়া। করতেন। হাসতে হাসতে ওার রাগীরা পিচকারি দিয়ে। ষ্ঠাৰ বাবে ২৮ বিখন কাতেই এক ভিনিও ডানের প্রতি প্রতিস্থিতন করতেন। ককরার খেতাবে কর্মীদের সংক ক্রীড়া করেন, শ্রীকৃত ঠিক সেইতাবে তার রুণীলের সঙ্গে ফ্রীড়া করতেন। বালীদের সিক্ত বসনের অভান্তর থেকে। তানের উক্ত 🐞 স্থান স্পষ্ট হরে উঠত। তারা বখন তাদের প্রিমতমকে ফল সিক্স করন্তেন, গ্রানের বৃত্তৎ কবরীতে আবছ ফুলঙলি স্থানিত হত এবং ঠাব শিচকর্মেট অপকরদের করা উরো উপ্তৰ অঞ্চিক্তন করলে টার স্পর্যে উাধের কামভার বর্তিত হওয়ার উাদের মুখ্যখন হাসিতে উজ্জ্ব হত। এইডাৰে ভগনান শীকৃত্যের রাশীরে দীরিয়ান গৌপর্বে উন্থানিত হতেন। कारतम श्रीकटका कुमानाम केरमा करना कुमार केर হতে উঠত এক ভার কুলারালি প্রতিভিত্তির বেল বেড

প্রাধানার স্বাং তার বৃবতী পত্নীদের প্রতি কল সিক্ষা করে এবং তারেও জীওগবানের দিকে জলস্কিত বতে প্রামন উপভোগ করতেন। পরে, ইটকুক ও ওর পঠার ঠানের জন্মনিয়ে কালীন পরিধের অলভান ও বছসমত पाम करत स समायद्व विकास पास प्रीतिका निर्वाह करता সেটসর মট ও মটীলের প্রদান করতেন। এইভারে গ্রীকম ওরে রাণীদের সঙ্গে ক্রীড়া করে ভার ইপাল ক্ষেত্রক্ষণন, দৃষ্টিপাত এবং হাস্য পরিহাসযুক্ত ক্রীড়া প্র অভিন্তনের হারা সামগ্রিকভাবে তাঁনের চিত্তকে মেডিভ করতেন। কৃষ্ণগৃতটিতা রাগীরা ভার্যাবহুলতার হতাবৃদ্ধি ছয়ে কেনে। তখন, তাদের পরক্ষেদ্রম প্রভাবে ছিল্ল ৬২তে করতে তারে উপ্তত্যে মতো কথা কাতেন। খাতি ডালের সেই সকল কথা কর্মনা করছি, বতা করে প্রকা कत्रम्।"

রাণীরা হলদেন—"হে কুরবী গাবি, ভূমি বিলাপ ভরত। এখন রাত্রিকাল এবং পৃথিবীর কোনও এক ৬র স্থান ভগবান নিলা কলেন। কিন্তু হে সহি নিলার অসমর্থ হয়ে তুরি জেগে আছে। কমপ্রমান ভগবানের উপার, শীলমের হাসাস্ক দৃষ্টিপাতের বারা আফারের माजा, एसमात काराव कि विश्व महाग्रहण काची हवा-वाकी, তোমার চোখ বন্ধ করার পরও ভূমি সারা রামি ধরে ভোষার অদর্শিত পতির অদ্য করণভাবে ক্রণন করছ। অথবা এটা কৈ ঠিক ৰে তুমি আমানের কডো অচ্যতের দাসী হয়েছ এবং তার পাদ-স্পর্লে হন্য কর জলাকে তোমার খৌলায় পরিধনে করার জন্য লালারিত হতেছ। হে সাগার, তমি সর্বদা রামে না ছমিতে গর্মন করছ। তুমি কি অনিহায় স্থগছং অথবা আমাদের সঙ্গে, মুকুন্দ তোমারও চিক্ত সকল অপহওপ করেছে কি এবং ভূমি ভাগের পুনরাজারের থিখনে নিরাপ কিং হে চন্দ্র, ভরকা কররোগে আক্রান্ত হরে ভূমি এতটাই কীণ হরেছ যে, ভোষার কিরণ হারা আছকার দূর করতে পারছ না। অথবা আমানের মতো কোন এক সময় ভোষর প্রতি মুকুশকৃত উৎসাহজনক সভয়গমূহ তুলি কাল করতে পরেছ বা বংশ আমানের কাছে তামি ক্তর্থাক কাপে প্ৰতীয়মান হল কিং হে মলর পৰে, ডোমাকে অসভট অবিনাক বৰে পড়ত। ছত্তিকাক কোন কার ছড়িনী। করার জন্য আনহা কি এমল করেছি বে, গোবিশের দলের সত্তে আনশ উপভোগ করে, তেখনিভাবে কটকে দৃষ্টিপতে ছাল ইতিমধ্যে বিদীর্গ আমানের কমনে

≥রি কামকে প্রেরণ করছ? তে হীয়ান মেব, ভূমি হিং ক্রমতে ত্রীবর্তন চিত্রধারী বাদব প্রধানের অতি প্রিছ। ক্রমানের মতে। তুমি প্রেম করে তার প্রতি আবদ্ধ হয়ে ঞ্চতক পারণ করছ। ভোমার হানর আমানের হলত্ত্তের ভ্ৰম্ম জন্তান্ত উৎকটার পীড়িত এবং পুনঃ পুনঃ উন্তে ভাগ করতে করতে তুমি আশ্রধারা বর্ষণ করছ। ক্র**ভ** 🗯 এনেই ৭:খ নিয়ে আসে। হে যধুর কঠা ভোকিল, মতসঞ্জীবনী সামে তুমি সেই একই লগ কানিত করছ ছ জ্বার একসার পরম ক্রমণীর বকা, আমাদের প্রিয়তমের _{মান} থেকে প্রকা করেছিলাম। দায় করে কা, জেনেক লভাই কলনা জনা আন্ধ আমি কি কলতে পারি। 😥 @vel शर्वक, दृति ग्रहन्त में बना कथात कथात काह जा। তমি নিক্টেই মহান ওজাবপূর্ণ কিছু বিষয়ে প্রতীকভাবে চিতা করত। অথবা, তুমি কি আমাদের মতের কর্দেরের ত্রির পানের পানের ভোমার ভানে ধানণ করতে জাকাল্যা করছ ঃ হে সামরগড়ী নদীগান, তোমানের মুখ একন শুরু शरहरू । सहस्र, क्ष्मियता कल मुनाहरूल देन शरहरू करा তেয়েলের পরের সম্পদ অনুশ্য হয়েছে। ভা বলে ভি তোমহা আমাদেরই মতে।, যে আমলা আমাদের হুদর প্রবন্ধনাকারী, মধুপতি, আমাপের প্রিরতম স্থামীর প্রেম্মর বৃষ্টিপাতের অভ্যানে পূল হয়ে ফলিং হে হলে, স্কান্তর। क्षपाटन केन्द्रदेशन करा अवर किन्द्र गुन्न शाम करा। भूत वरनाम चामारणस शिवासरमात किंदू भरदान शाहार क्या। আমল জানি তুমি জার দুও। সেই অনুশ্য ইপর ভাল আছেন তো এবং আমাদের সেই অধিবক্ত সধা দীর্ঘদিন পূর্বে জামাধের ধলা উন্ন কথাওলি এখনও স্থান করেন कि: कांक्वा त्यम कीत कार्क यांच अवर कीत शुक्रा করবং ওচে পুরু মন্তর সেবক, যাও, লম্ব্রীদেবী ব্যক্তীত উহক এক্সনে এনে আমাদের অকোওকা পুরুষ করতে বন। লন্ধীদেশীই কি ভার প্রতি একনিউচিতা একমাত্র রমনী গ্

बीन क्षण्टमभ (भाषाणी बनासम-"अहे जारूक ৰেপেখনেশ্বন জীকুকের জন্য প্রেমময়ী কাৰ করে আচকা করে এবং কথা বলে উন্ন প্রিয়তমা লম্বীরা জীবনের পরম ঘতি প্রাপ্ত হরেছিলেন। অসংখ্য সঙ্গীত অসংখ্যনাবে শ্রিভগবানকে স্তৃতি করেছেন, খাঁর কথা ধাবণ করা সাত্র সকল রমণীনের জনম ফলপূর্বক আকর্বিত হয়। তাহলে

ৰে এপীনা ঠাকে প্ৰত্যক্ষরতে দর্শন করেন ভাচনে আর কি কথাত যে সকল বালীয়া ওছ পাবেলককা প্লেমের সলে নেই ভাগদখনত উপবৃক্তরতো সেবা করেছেন, ভাষের সেই পরম ভলতর্ভার বর্ণনা করা কাবও পক্ষে কিভাবে সম্ভব হয়েও পাতে ? তাকে উরো স্বামীকানে তার श्यका वर्षतमः वरका भारतमः भाषा कटर्राहरूमन । वाशास বেদে উল্লেখ্ড কর্ডকের সূত্রসমূহ পর্ববেশশ করে সাধু ভাৰতে পতি প্ৰীক্ষা কিভাবে কেউ গতে অবস্থান করেও বৰ্ষের উদ্দেশ্যসমূহ, আর্থনৈতিক উল্লেখ ও সংবাধ কার অর্জন করেতে পারে, তা বরুবার প্রদর্শন করেছেন। ধার্মিক ্প্ৰহয় ৰীংক্ৰে প্ৰহ মান পূৰ্ব কৰে জীকুল বোণ হালান এক শতাধিক লগাকৈ প্রতিপাকন করেছিলেন। এই जंबन इस्त्रामना इपनीरमत ब्रह्मा क्रांसनी ध्रम्भ पार्टकन हिरामा श्रधामा । तह शासन, चानि देखिन्दर्ग छात्र পুরণাবদহ পর্বায়ক্রমে ভাষের কর্মনা প্রদান করেছি। যীর প্রভেষ্ট কর্মনত কর্ম হয় না নেই ভাগরন শ্রীকৃষ্ণ জার বং পড়ীর প্রভাবের গর্মে রশন্তী করে পুরের হ্বাম निर्दाहरभन। अहेनकम भूजभागा भाषा नकरवाँ विरामन चन्छ विकास अधिकती, एस अश फाठासाकन दिलन মহাতীতিশালী মহারখা একা আমার কাছ থেকে স্ঠানের নাম ধাৰণ কৰুন। ভাঁৱা ছালেন প্ৰদান, অনিকল্প, मीडियाम, चानु, नाच, वर्षु, कुरुडानु, डिज्डानु, कुरु, फारून, नुबन्ध, त्याताच, श्रान्टरस्य, जुल्लाम, क्रियाच, विक्राण, कवि क बारकाथ हैं।

"হে প্রজেন্স, মধুদ্বির স্কীকৃত্বের এই সকল পুরুদের মধ্যে অন্তম হিলেন করিণীর পুর প্রদূরে। তিনি वित्तान क्रिक केल निवास महाता। यहारकास अनुहर क्रमीत क्नाहरू (क्रवरडी) विवाद करविहरूक, विनि स्त प्रदक्ष হওঁর নার কলানী অনিকন্তের **দেশ**নে করেন। করীর ক্ষেত্রির অনিক্রশ্ব ক্লব্রীর পৌত্তী রোচনাকে বিবাহ করেছিলে। তার খেকে কলের জন্ম হল, বিনি ফুগুগুরু পদা বৃদ্ধের পর স্বীর্মিত করা করেকজানের মধ্যে একজন हिरमतः। यह त्यस्य अस्तियाका सन्त्र हरतक्तिः, येता शृज ছিলেন সুবার। সুবারর পুর সাহেসেন, বারে থেকে শতবেশনের জন্ম হতেছিল। এই কুলে কোন মরিয় বা অন্ন সন্মনত্ত্ত, সমাত্র, ভূমিন এবং ইক্ষণ্য সংস্কৃতির প্রতি উন্নাসীন একা কেউই ৰক্ষাহন করেন নি

াক্ত রাজন, মুদুধালে অভাত্য নীলম্মান মানুহম্য माध्यांत्रण कर्त्वाहान । अवनांक क्ष्म माह्या क्षणातन । देग्नार মবালে ক্লা কেই কলব শেহ ক্রতে পদ্ধ না দিবত সূত্র থেকে স্বাধি থানেছি যে, ওালেও সম্ভানানা निकित क्यार क्या को बेटल कंकन्द्रका निकल bulle bargatere i aufer almunitered nicht fallt. विशेषक कामध्ये दक भट्ट (३० सहकार रिवार प्रशेष \$0,000,00 x00) मरशक श्रीकार श्रीरवित श्री হিচাত করেন তানে সেই সকল মধ্যে ব্যাবস্থাক (ক ক্ষম করতে গরের। নিচিত কপেধারণ করা অভাতে দেশতা ও অনুবাদের মারা বৃহত্ত নেকত জ্যোছিল তারা মানুহতে ভারা কর প্রথণ করে উত্ততারি সাধারণ समाहित देवकी हम कार्यक्षण अहे कारण चामुक्ति प्रदेश कार्य कर्ण उत्तरम होत (अवशासन गण्ड राह्न मयर्ड) इंग्ड कराज्य । य शब्द होरा ५०० वर्गान्य चार्नुन হাতান্ত্ৰত আৰু কৰ্মাৰত ভাৰান মাৰ্লক हैएक इंग्लंड भए, मड़ी कार्थ तहर कार्राहरून वर्ग প্রাক্তে মধ্যে ব্যব্ধ উল্ল অক্সাক্ত পার্যন বিশ্বান বিশ্বা হিত্যসভাত সমূহি কাচ করেছিলেন বুলেল কৃত্ ,চ বনার এবটার ২৬ থাকাতের যে ইবল লয়ের ই লাবল এ সন্তাপ কাবাপক্ষার ক্রীড়ার ক্রাম enginera Economia notes with seneral in fine state BARN WICK GUILD- WILL GIVE ON ENGINE WHICH क्षा करें हैं है जे के किया में के क्षा कर कार कर कर्य

way to him to you store for you have लाकरायन - एडे के हर राजर है। - - पत्र इन्द्र इन्द्राच्याः भीत्व भागः इत्यां सामः । इत्यां द्रित भक्त बाधमहारे अहे वाक्ष्मां की गीर दुव्या समापन करा अकरताहै अध्यक्ष केरदेश देल यक्ष व लेक्ट्सन अवस्था सम्दामात साथ गुरुत गाउँ हर ६०० केरन्द्र करा हर फूबर जरम युक्तम दिल्ल हरू हिल्ह ביישוב ולוסף אינייויים משימון שניייור ב אינייאני भारते व्यवस्था वार क्षित्र वार क्षत्र काम करा है। ক্তাৰ কৰে আৰু সিচিত্ৰ কিং সামৰ জীবনৰ আৰু क्लम (करवेग्नुद्धांम नार्गात्र गुम्राम मधामीत् विक পুরুষ বুংবা অধ্যক্ষ ব্যক্তর্থনী স্থাননা অসম সংখ্যা স্থীতের स्वयन्त्रकारी वृद्ध शाना बृद्धन दाना इक्पानिहाहन्त काइनर्कत्रवादी डीकाकारक कायुक्त हाम चम्राक्षरे জিকক নাম তাঁত ভাত্তৰ ধৰাক সক্ষা কথাৰ জনা সংগ এবনে প্রায়েশকতে কাঁকিত পাঁলা বিভাগনার পারণ কালে বিভিন্ন সংখ ঠার পাদপাকের সেবা করতে ইঙ্কুক ওঁপে নেই সকল প্রতিটি অনতাবিং টুল্লুন্ত কল্পানী ভ্ৰমান্ত কট্মান্ত প্ৰকা কলা টাচ্ছ। এই সমাকু ক্ষালের কানা প্রবল কান্সক্ষসমূহ বিনাম তত্ত্ निक संबंद निष्टाद आहें। स्थायन मुकुरम्म विकास भिवायन हरन के देन व परायत भागा , एकडे करणाकारी মুদ্রার প্রভাগ বহিন্ত বিশ্ব ভাগবিদ্ধান আরু ২০না এই গাত কাৰে বিশ্ব ভাগতান তথ্য বৰ্ণালত তথ্য উচ্ছেলে মহান ভাজালে সত্ত বহু বাজি তিখুনির কার্ডাত পরেত্রকে করে হয়ে বাহন করণভিজ্ঞেন।

प्रमाम खब्द जमारी

(সাধারণ ইতিহাস)



যদুবংশের প্রতি অভিশাপ

শ্রীল ওখাংগব ক্ষেত্রামী কল্যালন—"বাদকরণ পরিবৃত হলে, শ্রীবশরতমর সহ্তেগিতার গুগবান শ্রীকৃষ্ণ বহ দৈতা কা করেছিলেন। ভারপরে, পৃথিবীর ভার আরও লায়ব্রে উদেশ্যে, কুরু ও গাণ্ডবদের মধ্যে অককাং যে প্ৰকা হিয়ে কগড়ের উৎপত্তি ঘটে, তা থেকে ঐডগ্ৰন কুণকেন্তের মহাযুদ্ধের কারোকন করেন। কুর্যোধন প্রকৃতি শক্রদের কণট পৃতিক্রীড়া, বিবিধ ক্ষরাহলা ভিরন্ধার, শ্রেংশদীর কেশ আকর্মণ, এবং ক্ষত্যান সানাপ্রকার নিচুয় গুৰ্ব্যবহাৰে পাণ্ডুপুৱেৱা বিশেষভাৰে কুন্দ হংরছিলেন বলেই পরখেবর ভাগান পাণুপুরণের নিহিত করে তাঁর অভিদাৰ কাৰ্যকরী করতে উদ্যত হন। কুরুক্টেরের বৃত্তকে উপদক্ষা করেই, ভগবনে নীকৃষ্ণ যে সমস্ত নালনা পৃথিবীর ভার জনকণ্ড বৃত্তি করছিল, ভালের সকলকে সৈমাসামভ নিংব মুছকেন্ত্ৰেৰ সাবে প্রশাস্ত্রবিরোধী শক্তিস্থলণ উপস্থিত করেন, এবং শ্রীভাগন কাম সেই যুদ্ধকে উপ**ল**কা করে ভালের বিনাদ করলেন, তথন পৃথিবী ভারমুক্ত হল। বে সমত রাজার্য় তাদের সৈন্দেশমন্ত নিরে এই পৃথিবীর ভারস্কলপ হত্তে উঠেছিল, ভাগের নিশ্চিক্ করার উদ্দেশ্যে, পরম পুরুষোক্তম ভাগান তার নিজ বাববলে সুগলিত ক্রুবলেকে উপবোপ করেছিলেন। তথ্য অধ্যয়েরস্থাপ ভগবান শ্ৰীকৃষ্ণ চিন্তা করেন, 'অনেকে যদিও কাছে বে, এখন পুথিবী ভারমুক্ত হয়েছে, কিছ দুর্বর্ধ বাদবকুল এখনও রবো মেটে বলেই, আনমা হতে, এখনও আ সম্পূর্ণ নিরাপর হয়নি। সিরগুর আমার প্রতি পরিপূর্ণভাবে আৰুসমৰ্শিত এবং উাদের বীৰ্ণ ক্রমণ বৈভবাদির ফলে **केन्द्रभग और** वनुवरात्का अनगतका समितन (कान**ः** अकि পরাকৃত করতে ককাই পারণে নাঃ কবে খাদ এই বংশের মধ্যে শল্হ-বিবল সৃষ্টি করে নিই, আ হলে बैन्नस्ट्राम बर्धा दीनस्त्रीत नवन्त्रमा अस्पर्यक्षत करन বেহন আত্স সৃষ্টি হয়, তবে জানের অনুর্বলয় ঠিক সেইভাবে জাবলে ধানে করতে পারবে এবং ডখনই

আনার নথার্থ উদ্দেশ্য সাধিত হতে তার আনি নিজধানে किरत याव।"

শহে নর্বাক্তিৎ মহারাজ, পরম নিচরঃ সভ্যস্তর প্রীভগবান করন এইভাবে ফর্নছির করকোন, ভগন চিনি কোনও এক ব্রক্ষেশ্যকর্ণীয় অভিশালের স্থাননত উর নিয়া যাদক্ষণ বিলুপ্ত করেছিলেন। পরত পূক্তবেহত ভগৰ্ত নীকুল লিখন বিশেষ সকল সৌংগর্কের আধারকাল। য বিভূ মনেরই, ভা সবই টোর খেবেই উৎস্কৃতিত হয়, এক ওঁল অন্তল্য এনেই সুখন যে, খনে সকল বিশ্বর যেতে আ দৃষ্টি আফর্যণ করার কলে সব কিছুই তাঁর সৌলর্বের ভূলনার হতনী খনে যায়। গুণবান জীকুকা কর प्रश्रामात्क विशासमात्र हिरमन, एचन लिनि मकन মানুবেরই দৃষ্টি আকর্ষণ করেন। হবন জীকুলা কথা ব্যস্তের, গুৰুষ উল্ল স্থানমূদ্ধ সকল খানুষ্ণেই হন তাওে আকৃষ্ট হত। ভগাৰান শ্ৰীকৃথের পদচিক দর্শন করে ঠার প্রতি ভারা প্রহাণিত বেংব করত, এবং ভার কলে ভার অনুসামী হতে সীউপ্যানের উদ্দেশ্যে ভাষের স্থল ক্রিয়াকর্মানি সমর্গণ করতে অভিনাদী হও। এইভাষেই त्रीकृष्क करावारमेरे ऐस नृगाकीर्ति विस्तारक कथारव **व**रि মনেরম এক জনরিহার বৈদিক ক্ষরোধাণা সৃষ্টি করে বিশ্ববিশ্ব হয়েছিলেন। জনকান শ্রীকৃষ্ণ বিক্রেনা করেছিলেন বে, ভবিবাৎ প্রক্রান্ত্রের বছজীবকুল ঐ সকল माराचा च्युमान करण अर्थः कीर्डस्तः मानाराहे चकानराह আকৃত্যুসম সংসাম সমূহ উতীৰ্থ হতে গামৰে। এই অন্তেরভাবে সম্বন্ধ হরে, তার আউডি করমে তিনি হলে জন।"

মহারাল প্রীকিং জানতে চেনেছিলেল—"রে मुनिस्ताः बाग्यन्थक, यनामा, वृष्ट्यन्यस्यवाहक, कृष्ट्यग्राहरू ব্যবহুদর উপরেও প্রস্থাপ কি জন্য সংঘটিত হয়েছিল, ভা অনুসহ করে কলো করন। এই অভিনাপের উলোগ की दिला एर विजयत, धरे खिलनात्व की यना হয়েছিলঃ আল, জীবনের একই লাখে উপনীত ছওবার बन्त शक्तमा अकतिक एएमा मत्त्वक क्रिकार से महाना মতেকে সৃষ্টি হতে পেরেছিলং কুনা করে ক্যাতে এই अब विकटा वस्ता।"

প্রীল ওক্ষের গোলামী বললেন—"প্রীতগরান নিকিলবিশ্বের সমার কিছু সুস্পর বিধাবন্তুর সমাবেশাপ্রিত ন্তাৰ বুলনীয়ে গেছবিয়াহ ধালে করে পৃথিবীকে ফটোৰ জেই সালেশন ক্রিয়াকর্ম নিষ্ঠাকরে সম্পন্ন করে করা সংযক এবং তার সকল অভিলাব পুরুৎ ছলেও, জার ধামে প্রবস্থাকালে এবং জীকনধারা উপজ্ঞান করতে স্বাস্থানত, প্রভাগনাদ, বার মহিমা সভঃ উত্তালিত, এবার তার অর্চনাকর্ম ভাষনত নিষ্টা অবশিষ্ট আছে নিকেনা করে क्षेत्र निकारण मरशास्त्र मचन करदन ("

শ্বিভামিত, অসিত, কর, দুর্যাস্থ, ড্রুচ, অসিতা, কর্ণাণ, कामराज्य, पानि अपर बनिष्कं, अक्रमा श्रीनाक्ष्मानि अपर ভন্যন্যমের সহবোগিডার, ক্লান্ররী কিছু বল্লকর্যনি चन्छेन क्रांटर, कारूप अध्याद साध्यस कार्या गाउँ हर क्षर भूगायम चर्मम कहा दार। मृद्धा, क्षेत्रके कलियुरशह গাগালি হরণ করে সার্থক জীকাথান্ত সৃষ্টির উম্মেশ্যে লবিগনিত হত। অবিধর্গ কথাৰখভাবে বিবিধ শাস্ত্রীয় ক্রিয়াকর্ম অনুসাতে বস্বাংশের প্রধান কর্মের তথা क्षिक्रकार क्षत्रकार कम्यामार्थ प्रकारि गण्या क्राउत्ह **छत्रकार केंद्रिक रमुग्यस्का गृह्य प्रदश्चातक शहा है अध्य** বজানুষ্ঠানাদির শেৰে মুনিবর্গ বিদার গ্রহণ করে দাঁরা निवासक्टीएर्च सक्त करतन। दुन्हें कुन्नस्थित, बन्नरएका কুমরে ব্যাক্তরা জাহণতীর পুত্র সাম্বাক স্থীবেশ সন্ধিত। करत निरक्त अरमिक्त । रमधान मधानक प्रकृत धरिनार्गत সামনে জীড়াজনে উপস্থিত হয়ে উপ্পতপভাগ ইলেও বালকেরা মুনিবর্গের পাসম্পর্ণ করে কণট বিনয় সহকারে विकाल करवित, "तह अधिक दावानन, बाहे সূর্বীপনরবা পর্তবতী নারী আপনামের কিছু প্রশ্ন করতে म्हापूनि, कार्र कृता करत रुक्तु--हेनि नृत यह करता की सनुरशसन करतिहरून।" যুদ্ধ করকো।"

"হে নহাধাল, এইজাবে ছদনার মাধ্যমে উপহাস-বাকো কৃপিত ছতে খুনিবর্গ বলাদেন, "ওরে নির্বেশকা। धेरै क्रथेरी स्टाम्यस्ट क्रम्य क्रमेरि स्टाइस पुरुष क्षमव কর্বে, আরু নেটাই ভোফাদের সম্পূর্ণ বংশটিকে ধাংস করে লেবে।" মহিবলের অভিদান গুরু, ভীতসম্ভর বালকণ্ডালী ভাড়াতাড়ি স্যাপের উদরের আধ্যান উল্লেচন শরদ, এবং কর্তবিকই তারা সেইখনে একটি লেহার भूकम (मनएड (नाम । समृत्यानी कृष्यात्रमेन करान, "ब्यार्थ, আমরা কী করণামঃ আমরা কী যুতভাগাঃ আমানের পরিবার-পরিক্রান আহানের ক্রী ফ্রানের ^{ক্} এইভাবে ক্রাডে বলতে লক্ষা বিচলিত হয়ে, হয়ে। মুক্রাটিকে নিয়ে বাড়ি কিয়ে সেল। সম্পূৰ্ণ ভানসূত্ৰ কাবালকোন মুক্তটিকে ক্রাজসভার নিয়ে এপেছিল, এবং সমস্ত বাদসদের সামেরে ভারা রাজা উভাকেকে কাল—কী ঘটনা ঘটেছিল।"

°মে মহারাজ পরীকিং, ধারকাবাসীরা বঙ্গন অবার্থ মুক্তাল্যালের করা ওনল এবং মুবলটি বেবতে পেল, ডবন তারা ওরে বছরে এবং নিশ্বিত হরে উঠল। ব্যুবংশের রাল্যা আহর (উরসেন) স্বরু সেই সুবলটিকে চর্গ*-*হিতৃর্গ करह अबल (नीहर्नक्कि) मध्यक अध्यक्त करन हैर ह কেলে দিলেন। জোনত একটি বাছ তথন সহত্রে নিশিস্ত দোহার খণ্ডটিকে প্রাস করেছিল এবং লোহার চুর্বগুলি সমূহ ভাজে নিশিপ্ত হলে তীয়ে এনে একো নামে এক श्चकात अभवातका काठित खाल मृष्टि कवना। अध्याकीनीटका कारत व्यवस्था गरफ गरदात वर्षा সেই মাছটি থকা গড়েছিল। মাছটির পেটের মধ্যে দে লোহার ৰক্টি ছিল, সেটি নিছে জগ্ন নামে একজন ব্যাদ ভাগ কৰেৰ অভ্ৰতাৰে ভীৱের ফলায় মতো আটকিৰে মিয়ে ছিল। পরমেশর ভালবান এই সমস্ত গটনাকান্তির বৃত্তার এবং ভাংপর্ব সম্পূর্ণভাবে অবগত হওয়া মহেও টান। তিনি বুরং জিল্পাসা করতে লক্ষিতা হঙ্গেন। তিনি ব্রক্ষাণ নিবারণ করতে সমর্থ হলেও, বিভূ করতে তিনি আসম্প্রদার এবং পুরুস্থার সাক্ষে বিশেষভাবে চাইলেন মা। বরং, জীরপবান তার মহাকালজলী ইজ্ক। মেছেড আগমূলে সকলেই জন্মৰ্থ দৃষ্টিসম্পন্ন অভিপ্ৰকাশের আধানে নানকে ঐ সমত ঘটনাকলী

দ্বিভীয় অধ্যায়

নিমি মহারাজের সাথে নবযোগেন্দ্রের সাক্ষাৎ

শ্ৰীল শুক্ৰেৰ গোৰামী কালেন, "হে কুক্তোষ্ঠ, স্তগবাদ শ্রীঞ্জের দর্শনলাভের লাগনা নিয়ে শ্রীনবদমূনি নিংক্তন জীপেনিক্ষের কাষ্য স্থানা সুরক্ষিত স্বারকাপুরীতে নিবপ্তর বাস করতেন।" হে রাজন্। কড় জগতে बीरत्यतः श्रीतः भवत्यत्यत्यदे वदः कीराणः मृष्ट्रातः असूरीन হাছে। সূহী, মহান মুক্তপ্ৰাণ গুৱাৰা ব্যক্তিদেৱও উপাস্য ছগৰান প্ৰীমৃক্তের পনার্ববেশ কোন্ প্রাণী আরাধনা না করে অধ্যতে গারেং একনা দেবর্থি নারণ হসুদেবের ব্যক্তিতে এসেছিলেন। শ্রীনারন মুনিকে স্থায়ণভাবে শ্রন্থান ক্রানিরে, তাঁকে সুবে উপবেশন করিছে, বিনীভঞ্জাৰে প্ৰশাস নিবেৰদেৱ পৰ বসুদেব উচ্চে ক্বিজ্ঞাসা ক্ৰেছিৰোন---ছে গ্ৰন্থ, সন্তানদেৰ কাছে গিতাছ পরিসর্গনের মতেঃ আপনার এই পরিসর্গন সকল জীবেত কল্যনের নিমিশ্ব : ভগকন উন্তম্মেকের মার্গগাতী উভ্য ভক্তবংশ্য সঙ্গে সংখ হয়। কুখ্যগণকেও আপনি বিশেয়েলে সহায়র প্রদান করেন ে গেলভানের আচবণে প্লানীনের জীবনে সুধ-দুগে উত্তরই ঘটে থাকে, নিজ আপনার মতো মহতিদের কার্যকনাপের কলে সকল कीरकारे मूच उँरशासन रह, करत्र वालनाता वित्र व्यक्त ক্রিকাবানকেই খাদনদের একাশব্যাশ বীকর করেছেন মানুৰ বেভাবে মেনগুলো অংলাধনা করে, দেবভারাও সেইভাবে অনুসাণ কর প্রধান করে থাকেনঃ মানুহের चायात्र मरक्षारे, (स्वधन्छ कर्मात्र करावतम् कनुमार्यः कृशा ক্ষয়েন, কিন্তু সাধুদৰ ব্যস্তবিৰই সকল ক্ষেত্ৰেই পণ্ডিত দীনজনের ততি কৃপায়ের থাকেন। হে রাক্ষণ, বনিও ওপুমার অপদাৰে বৰ্ণন করেই আমি কৃতাৰ্থ হয়েছি, আ সম্বেড পরম পুরুষোভম শ্রীডগবানের স্থাতি বিধানের উদ্দেশ্যে যে সকল কৰ্তব্যকৰ্ম আছে, সেইংগী সম্পৰ্কে খ্যাপনার কাছ থেকে প্রথম করতে ইংছা করি। যে কোনও প্রত্যান্তীন প্রকা-বিশাস সহকারে ঐ সকল বিগয়ে त्रवर कटाल जरून त्रकात का शत भौरातन करक वरह। এই পুলিবীয়ত আমার বিসত এক হাবো আমি পারনেশর

ভগবাদ জীঅনতদেকের আরাধনা করেছিলান, করব তিনি একটি সন্তান লাভের আকাশন করেছিলান, আই মৃতি একটি সন্তান লাভের আকাশন করেছিলান, আই মৃতি লাভের জনা তাঁকে আরাধনা করতে পারিনি। ঐভাবে প্রীজন্মানের মারায় আমি বিহাত হরেছিলান। তে পরম প্রির সূরতধারী, আপনার প্রতিজ্ঞা পালানে আপনি সর্বন্ট অবিচলা আবেন। কৃপা করে সুস্পতিভাবে আপনি আমাকে প্রামর্থ প্রদান করন্দ যাতে কানাবিধ বিপদসভূপ রেবং বিবিধ প্রকার জ্যাবহ জাগতিক পরিকো ক্রেক আগনার কৃপার আমি মৃতি লাভ করে অন্যানে জাপনির সামলাতে বিচ্নাত লা ইই।"

প্ৰীল শুক্তমেৰ গোড়ামী বলগেন—"হে য়াজা, বিশেষভাবে বৃদ্ধিয়ান কালেৰের প্রথাকনি করে কেবর্নি মাধ্য খুশি হড়েছিলেন। স্বারণ সেই কথাওলির ফবানে পর্য পুরুষোধ্য শ্রীভগনাচন দিব্য ওপাকশীর কর্মনা আঅসিত হয়েছিল, সেইওলির মধ্যনে জাধান জীসুকের প্রসাম শ্রীনারবস্থানির স্বরণে এনেছিল। ভাই শ্রীনারবস্থানি তথ্য ক্রুদেবকে এইভাবে উপ্তর নিরেছিলে—হে সাহত टार्क, भारतका कावात्मा केलात्मा बीरका निस्न कर्रव বিবরে আগনি ববার্থ প্রবাই করেছেন। ঐভিগবানের উদ্বেশ্যে সেই ভড়িসেরা নিবেষদের মূল্য এতই গভীর বে, ভা অনুশীসদের কলে সমগ্র বিশ্ববাধাও পরিওছ খ্যা উঠতে পারে। পরফেশ্বর জগবানের উদ্দেশ্বে নির্বেচিত বছ ভক্তিমূলক সেবা অনুষ্ঠান এমনই আধাৰ্যিক ওণসম্পদ্ধ বে, ঐ ধহনের অধ্যাকৃত পারমার্থিক সেবাধর্মের বিষয়ে ওখুমাত্র প্রবংশর সাধান্যেই, সেই বিষয়ে আগ্রহ প্রকাশের স্বাধ্যয়ে, সেই প্রসঙ্গে মনোনিকেশের যাধ্যমে, নেই সকল কথ্যাকণী হাছা ও নিধান সহকারে শীকারের যাধ্যমে, কিবো অনাসকলের ভাবত্তকির কথা প্রশংসার মাধানে, এমন কি যারা দেবতাদের খুনা করে. তারা এবং অনা সমস্ত জীবও অচিরে ওছতা অর্জন করতে পারে। আরু আগনি প্রমানক্ষয়ে প্তবোত্র প্রভাগবানের কথা আমাকে শাক্তর করিতে নিরেছেন।
পারকেশন ভগবান এফনই ওডনত কলাগেশ্রন যে, গাঁর
পানল যে কেউ লাক্তর বাং মলোকীওঁনের মাধাতে
পরিনুর্গতারে পুলাপবিত্র হরে ওঠে। ভাগবার্তিনের যাধাত ভাগর উল্লেখ্য মূলি-পবিত্রা মহান্তা বিনেশ্রকাল জনত এবং ভাষতপুরুগণের মধ্যে যে কথোপকথনের হাটান ইতিহাস্ ধর্মর করেছেন, যে আপনি প্রবণ করুল।"

"बायहर कन्त्र धक भूटवंत्र नाम बंशतास छित्रहरू अरः विकारकः भूगरम्त्र मरशः हिरुन चाडीशः चाडीरका পত্ৰ ছিলেন নাভি, খাঁম পুৰ ববভনেৰ দায়ে পৰিচিত ভিত্তের। প্রথমন্ত্র ভগবান কল্লেবের কলেপ্রকাশররে দ্রীখনতদেবকে পশ্য করা হরে থাকে। যে সুর শাস্ত্র ধর্মসক্ষত বিধিনিয়াবদি সকল জীক্ষে মুক্তির পথ সুসম তৰে বাবে, সেই শাপ্তবিধিওলি এই মদতে প্ৰচারের উদ্রেল্টে তিনি অবির্ভূত হরেছিলেন। তার বৃত্ত বৃত্ত ছিল, তারা সভাগেই বৈদিক শাস্ত্রে রখার্থ আনবাদ विराजन। अवस्थारायक भारतभूतका महश्रा करोकांके स्वयस শ্রীনারারেশের একার ভক্ত ছিলেন। ভরতের নাম কা অনুসার্থেই এখন এই প্রহের প্রসিদ্ধি হয়েছে ভারতবর্ণ নাৰে। য়াৰা ভগত এই ৰাভ ৰগতেৰ সকল প্ৰকাৰ ্রেলসুমই অস্থারী এবং অনর্থক বিষ্ফেনা করেন। তার স্ত্রী-পর-পরিবারসহ এই সংসারের সম কিছু পরিতাল করে, তিনি কঠোর কলতো সহকারে ভগদ্যার মাধ্যতে ভগবান প্রীষ্টবির আরাধনা করতে থাকেন এক ডিন ক্ষেত্রে পরে গুলবড়াই প্রাপ্ত হন। ক্ষরতদেকো শ্রপত নহজন পুর ভারতকর্বের নয়টি বীপের অধিপত্তি एरबस्टिनन, अबर कांका और शृथियाँ धर्कि मन्तूर्य শাসনাধিকার ভোগ করতেন ে একাশী জন পুর বিজ ব্ৰাৰণ হয়েছিলেন এবং বৈলিক যাগয়নোর কর্মকাণ্ড অনুষ্ঠানে সাহাক্য সহযোগিতঃ করতেন। স্বক্তদেকো অবশিষ্ট নয়জন পুত্র মহাপুশ্ববাদ, এবং পরম ওড়বিবরক জ্ঞান বিভারে তংগৰ ছিলেন। তাঁগা দিগখন হয়ে निर्देत्रहम खंधन कहाएडम खबर नातमार्थिक विकारन कटीव সুস্থিত ছিলেন। জানের নাম ছিল কবি, মুনিঃ, ভারতীক, धरुष, भित्रमायन, चाविट्रांब, क्रियन, हमन अवर করভাজন। এই মুনিগুর সমগ্র বিশ্বহলাওকে তার পর্বপ্রকার স্থাল ও স্ক্রান্তক সামগ্রী সংগঠ পর্য

भूकरशाहत काराहत्वहै बार्ड - विकास वारा निकं महा ध्याक व्यांत्रत विकास करा, भूषियी भयीन करायम। सम स्वार्डशाधन दृष्ठ भूकर किरान, कहि वेता व्यापम सम्बद्धाः वारात्र ना व्याः मृत, मिन्न, माध, भवर्य, सक, विकास, साथ, दृष्टि, काराम, कुट्यीमार्डि, विवासक, विक्र वायर भाकीरमा वारा, निर्मित शहरामान्यक निरास स्वार्डिंग महिरायम कराया। अक्ना केता देखायाल व्यान करायक कराया वहें कारायाय (भूषा व्यानमान व्यान्तिमान, स्वार्ड केर्यहर्य स्वार्ड निर्मित वक्त सम्मानन क्यान्तिमान, स्वार्ड केर्यहर्य स्वार्ड

"হে মাজন, তথ্য সূর্বের মাজা অতি তেমাবী ঐ
সংকা মহাভাগনতদের দর্শন করে, যাজক, রাজানের।
এমন কি বাজের অন্নিও সসত্তরে উটে বাড়িয়ে বিলেন।
কিনেহরাজ [নিমি] জানতের যে, ঐ নাজন করি প্রমান্তরে ভাগনানের মহান ভাগনান। আই, আন্নের
আসমনে পরম রাখিসহকারে তিনি উন্নের বার্যায়বাধানের
আসম প্রায় জাতার এবং প্রমান্তর ভাগনানাকে
কেনারে মানুর পূজা করে থাকে, সেইভাবেই কথাকা
পরতি অনুসারে উন্নের পূজা-আনা মরালেন। মহারাজা
নিমি অপ্রাক্ত নিয়া আনক্ষে উৎকৃত্র হবো নভানিরে
কিনারনার হয়ে ঐ মাজন মুনিকে প্রমান্তর আহারী
বলেন। এই মাজন মহারা উন্নের মেহকারি নিরে
প্রায়েমন হরেছিলেন এবং সনক্ষুমার প্রভৃতি প্রস্কার
প্রায়েমী মাজন প্রভিত্তাত জিলেন।"

दिशस्त्राक निर्दे कारणन—"स्थू शान्त्रस निधनकारी व्यवाद भारत मुक्रत्यास्त स्वयादन माम्याद नार्यप्रादण निकारी व्यवादन स्वयादन माम्याद नार्यप्रादण निकारी व्यवि व्यवप्रादम स्विटिक (गाँउदि) व्यवप्राद्ध व्यवद्ध व्यवद्ध

মাথে কশার্থকালের জনাও কোন শুদ্ধ কগবড়ান্ডের সংস্থা লাভ করা লেগে, বে কোনও মানুবের জীবনেই তা প্রমানিধি লাভ করাপ আন্দক্ষনক হয়। এই সক্ষ বিবর ম্বায়থকারে প্রবংশর জন্য যদি জামাকে আশাকরের কোপা বিবেচনা করেন, জা হালে কথা করে আশাকে কানুন পরমেশার জগবানের ভঙ্গিমুগক সেবাকর্মে জিফাবে আছমিরোপ করাও হয়। প্রমেশার জগবানের উদ্দেশ্যে প্রমাক্তিম্বাক সেবা নিবেশনে ক্ষন কোনও জীব উপ্যোগী হয়, তথা অচিত্রেই শ্রীভাগবান শ্রীকিলাভ করেন, এবং তার বিনিমরে শ্রণাগত জীবতে নিজ ক্রাপ পর্বত্ত প্রদান করে ব্যাকেন।"

শ্রীনারদ মূনি কলকোন—"হে বসুদেব, বর্ণন মহারাজ নিমি এই ভাবে সর্বাসন বোণোয়া কবিবর্গের কাছে ভগবন্ধতি সেরা সম্পর্কে অবগত হতে চেরেছিলেন, ভগন মহাপ্রভাবশালী মুনিগণ শ্রীভিসহভারে মাজাকে অভিনন্দিত করলেন এবং মজে স্কর্বেড সক্ষনমধ্যলী ও মাজাশ অভিকাশকে কাতে লাগলেন।"

প্রীক্রি কালেন—"হে রাজন। এই জগৎ-সংসারে দেহাদি অসং বিবাহে নিবন্তর অন্যবৃদ্ধি অলগ নিহান্তির জন্যই হাণুবের কল্যালার্থে আমি মনে করি যে, মানুব তবুমার অচ্যুত অক্ষর পরম পুরুবোন্তম উগবানের পালগন্তের আরাধনা করলেই সর্ব্যকরে ভর জীতির কবল থেকে মথার্থ মুক্তি অর্জন করতে পরে। এই ধরনের ভালবান্তি সেরা অনুশীলানের মধ্যমেই গকল তর সম্পূর্ণ দূর হয়। পরমেশর জগবান হয়ং যে সকল পরতি নিরাপণ করেছেন, তা অনুসরণ করেলে অল্প অনও পরমেশর ভগবানকে অনায়নে উপলব্ধি করতে পারে। পরমেশর ভগবানকে আরাহানে উপলব্ধি করতে সাংল

"হে রাজা, নরম পুরুষোন্তম ভাগবানের উদ্বেশ্য পরিজন এবং ক্রেন্ডাটি স্থানন সমস্ত জড় স্থাগতিক চিত্রমূলক সেবা নির্দেশের পদ্ধতির মাধ্যমে কে-মানুর আসন্তি বর্জন মহার রখান্তপানি রীভগবানের পবিত্র নাম আমার খৌলে, এই পৃথিবীতে সে কথাই তার গান্তবান্ত বর্জন মহার নিরোদ্ধিত হারে আনাসক্ত এবং বিচারে হবে মা। এমন কি, টোখ বন্ধ করে পথ চললেও অচক্ষাকারে সর্বত্র বিচারণ করকো। পবিত্র কৃষ্ণনাম তার কথাই পদস্থানন হবে না। বন্ধ জীকনমানার মানে স্বাস্থানাম, ইন্তির, বৃদ্ধি বা শুলু তার পের, মন্ কর্মান্ত তিনি ক্ষাক্ষাক্র ও বিবিহ্ন লীলা বিলাস যেতাবে বাকা, ইন্তির, বৃদ্ধি বা শুলু চেলার মধ্যমে বর্ণনা

তা সুবই "জনকর জীকরয়েশের প্রীতি সাধনের উদ্যোজ করছি", এই ভাবনার উৎসর্গ করা উচিত। শ্রীভগরানের বহিরুলা স্বায়াবলে আঞ্চ হয়ে কথন জীব দেহাব্যবাদিন কলে ব্ৰড স্বল্যতিক দেহটিকে স্বল্প সিদ্ধান্তে বিভাৱ হার পতে, তথ্য ভার জাগে। যথন এইডাকে পর্যোগত सनवादना गार्च मण्यर्व-मच्छ विवस विभूष हत्। एका ত্রীভগবনের কেবকরণে তার পরাপ্তবহুও বিহার _{সার ।} মাহা মায়ে অভিহিত বিভাতিৰ প্ৰভাবেই এক বিপর্যাহণক করাকক পরিস্থিতির সৃষ্টি হয় ৷ সুভারাং বিকেক্ডিসম্পন্ন মানুৰ মাটেই জীওকনেবকৈ আৰুলে-দেবতা এবং একান্ত প্রিয়তক জ্ঞানে জনন্য ভঙ্গিসহকারে প্রীভগরানের আরাধ্য করবেল। **ক্ষ**ড়কগতে গ্রৈডভার যদিও লেখ পর্বন্ধ থাকে না, তা সংক্রেও বন্ধ জীব ভার নিজের সমীর্ণ বৃদ্ধিবৃদ্ধির প্রভাবে সেই হৈও সন্তাতেই প্ৰকৃত সভা কৰে মনে করে। ভগবান প্ৰীকৃক্ষা সভা বেকে পৃথক বলে প্রতিভাত এই স্বাস্তটির কর্মাঞ্জিত অভিযান্তকে স্বপ্নদর্শন একং কাছনিক অভিলান্যদির সঙ্গে ভালনা স্বরা বেভে পারে। বন্ধ জীব কথন সাতে কোনও অঞ্চলিত কিংক ভবনর স্বপ্ন দেখতে থাকে, কিংবা স্থান সে নিবাৰণ্ড দেখড়ে থাকে হে, কোন বিষয়টি সে গেডে চার অথবা বর্জন করতে চার, তথন সে এমন একটি বাস্তবভা সৃষ্টি করতে থাকে, যেটি তার নিধের করনার বাইরে একেবারেই অভিতর্হীন। মনের প্রবণতাই এমন যে, ইপ্রির পরিভণ্ডির অনুকলে নানা বিষয় প্রহণ কিবো বর্জনের চিকা চলতে থাকে। সুভরাং মন যাতে व्यक्किरोन (कानेक किंदू हिसा करवन) मर्गाएस (आर्थास থেকে নিরাসক্ত হতে পারে, বৃদ্ধিয়ান মানুষ সেইডাকেই মনকে নিয়ন্ত্ৰণ কৰাৰে একা খবন মন এইভাবে নিয়ন্ত্ৰিত হয়, তখন মানুৰ ৰথাৰ্থ ভয়শূন্যতার আনন্দ আধানন করতে পারে। ক্রিডবৃদ্ধি নির্ভীক মানুধ শ্রী-পুর-পরিবার পরিকান এবং দেশ-ছাতি স্থান সমস্ত্র জন্ত স্থাগতিক আসকৈ বৰ্জন করে ব্যালগানি জীভগবানের পৰিত্ব নাম स्वन कीर्जर निर्दाकिए इस धनामक अवः অচক্ষমভাবে সর্বত্র বিচরণ করবেন। পবিত্র কৃষ্ণনাম সুসস্ত্রময়, কারণ বন্ধ জীবকুলের মৃত্যুর উদ্দেশ্যে এই স্কপতে তিনি কল্প-কর্ম ও বিবিধ লীলা বিলাস বেতারে

कता १एत थाएक। बार्रे डाएवरे माता भृष्टिरीएड कनवाह्न्य প্রতির মাম কীর্তম প্রচার করা হচেছ। পর্যান্থর ভব্যানের পৰিত্র নাম কীঠেনের কলে মানুষ ভগবং প্রেয়ের পর্যায়ে উর্নাত হয়। তথ্য ফানুব ভগতেক হয়ে উঠে, জ্রীন্তগবানের নিতাবেক রূপে প্রতিক্রকের হয়, এবং ক্রমণ প্রম প্রথমেরের ভগরানের বিশেষ নাম ব অপের চিক্ত অনুশীলনে বিশেষভাবে আকৃষ্ট হয়ে বঠে। এইভাবে তার হাদত যতই প্রেমের ভাবোরেসে বিশ্বরিভ প্ৰতে থাকে, তথ্য উদাদের মতো উচ্চয়দ্য কিংবা জেন তথা চিংকার করে জীতগক্তনকৈ স্থাপ করতে থাখে। कामक या जेकारम विरक्षता हरता अभग्रहमूह प्ररक्षा मानुक লোকনিশায় অবিচল খেকে নৃত্যাধীত সংতে বাকে। ভগৰততে কোনও কিছুকেই পরম পুরুবোর্য ভগবান প্রীকৃষ্ণ থেকে ভিন্ন মনে করেন না। আকাশ, করু, ছাছি क्रम, फ्रिंग, इक्ट-नुर्वामि (ल्याकिक्रमध्यो, नक्स क्षरी) विश्वयुक्त कुक्कश्रमानि, नगी अवर मञ्जाबि--- किन्द्री ভাৰ দেবতে গাদ, ডা সকই জীককোর অবরক-প্রকাশ বলেই বিবেচনা করা উচিত। এইভাবে সৃষ্টির মারে 📽 কিছু কিন্যমন ভা লক্ষা করে সেওলিতে পর্যুক্তে ভগরান শ্রীচারির শরীররূপে স্টাকার করে, শ্রীভগরানের সম্প্র শরীর প্রকাশকে তার অন্তরের ভক্তিপ্রতা নিজেন করটে ভগৰত্বভেদ্ধ কৰ্তবা। ভোজনকারী মানুবের প্রত্যেক গ্রামের সমেই যেমন ডৃষ্টি, উদয়পুরুর এবং কুয়ানিবৃত্তি क्षकरे भाष्य मध्यम् १ए७ धारक, एउपने भवन भुकत्यास्य ভগবানের শ্রেশাগড মদাবর জাবং-ডঞ্চনর সমতে একই সঙ্গে প্রোমনাক্ষাকৃত্য ভব্তি, প্রোমাশনা ভাগানের ক্রাণ উপদ্দিয় স্কুর্তি এবং জন্মন্য নিক্ট বিববাদি তেতে বিবর কৈরাগোর ভাগ উপলব্ধি করতে থাকে। যে রাজন, শ্বমেশ্বর অচ্যত অক্ষর শ্রীভগতনের চরশক্ষণ বে শুরু নিতা প্রয়াসে স্বায়াধনা করতে থাকে, তার কলেই তিনি নিবন্ধা ভতিভাব, অন্যসন্তি এবং প্রথমবার ভগবানের ভত্তান অর্থন করেন। এইভাবে ভরানশীল ভাবহুত পর্যয় দিব্য শান্তি লাভ করতে পারেম।"

মহারাজ নিমি বলকোন-"প্রয়েশন ভগবানের ভতবৃদ্দের সম্পর্কে বিশ্বসভাবে একা আফরে কৃণা করে সথ কলুন। ভিভাবে আমি উত্তম ভত, মধ্যম ভত এবং কনিও ভত্তবৃদ্দের মধ্যে পার্থকা নির্বায় করতে পারি, সেই সকল স্বাভাবিক কলগানি বিবাহে আমাকে বলুন। কৈকলেনের বিশেষ ধরনের ধর্মাচরগানি কি লকার হয় এবং কিনি কিজনে বাজালাপ করে থাকেন। বিশেষত, প্রয় পূক্তবাত্তম ভগবানের কাছে কিজাবে বৈকারের ভিয়ন্তন হত্তে ওঠেন, সেই ক্ষণানি এবং বৈশিষ্ট্যগুলি আমাকে করি। কজন।"

শ্রীহবি হানি কালেন—"কাতি উত্তম মোণীর ভক্ত সকল বন্ধর ছবেটে সকল আখার প্রমাত্রাস্থাল প্রম প্রবেশ্বের ভব্রার শ্রীক্ষের অবস্থান রপন করতে পারেন। ভার করে, তিনি সর কিছুকেই প্রমেশ্বর चनवारमा जन्मकान वर्ग विकास कारान अवर वैभगनि কবেন যে, আ কিছু বর্তমান, স্বাই শ্রীকারানেরই মধ্যে বিবাজিত রবেছে। বিনি পরম প্রবেশন্তম ভগবানের উদ্দেশ্যে প্ৰেম নিবেদন কৰে অকেন, সকল ভগবছাডের প্রতি মৈত্রিভাবাপর হন, নিরীহ প্রকৃতির অক্সম্বাদক কুলা প্রদর্শন করেন এবং পরম পুরুষোন্তম ভগবানের বিয়েখী স্বৰুতে উপেক্ষ করেন, তাকে মধ্যম অধিকারী ভাগবত ব্যক্তিরূপে মধ্যে তথা মিতীয় পর্যায়ের ভক্ত বলা হরে বাবে। বে ভক্ত ভদ্ম সহকারে মন্দিরে শ্রীমর্চাবিগ্রহের नकार भिरतिक्षित शास्त्रम, किन्न चनाना उत्पन्नक्षी किरुक करमाधादरनत शक्ति वयायय चाहदूब करहन ना. তাকে প্রকৃত ছক্ত তথা নিমাধিকারী বিকোল করা হতে चाल । वैक्तियास नवन विवाद प्रातारका निव्यंत, रिनि এই সমগ্র ভগতটিকে ভগবান শ্রীবিকার মাত্রপত্তির অভিপ্রকাশকাণে বর্ণন করে বাকেন, তিনি কোনও किस्ट उरे हान या प्रश्नेष्ठ सन मा। दिलि भारताहै छन्त সমাজে উত্তৰ ভাগৰত ব্যক্তি। ভাভ কলতের মাধে মানুকো দেহ নিতাই করা এবং করাবার্যির নির্মাধীন হয়ে হলে। ভেজাই, প্রাণশন্তিও কথা ও ভাষার বিশ্রত হয়, জন নিবত উদ্বিধ হয়, মুর্গত বিবহাসি আর্প্রান বৃদ্ধি আকাশ্স পোৰল করতে থাকে, এবং সমস্ত ইন্দ্রিহারি ভড়া প্রকৃতির মাঝে অবিরাম সংগ্রহের মধ্যে দিখে অবদেৰে হডেন্দম হয়ে পড়ে। যে মানুহ কডজাগতিক चलिएका चनिवार्य मुक्त्यकारि विकास मा एक, आवर स्थापाड পর্য পুরুষেত্র ভগবানের শীচরদক্ষক শারনের মাধায়ে ঐ সংকিছু থেকে নিশ্বাহ থাকে, ভাবেই ভাগবতপ্রদান, অর্থাৎ রেষ্ট ভগবঙ্ক করে যান্য করা উচিত। যিনি

প্রমেশ্বর ভাগবান প্রীবাস্থাবের একার আধ্বর প্রহণ করেছেন, তিনি অভকাগতিক কামনা-বাসনাদির উপর নির্ভবুদীর স্কলপ্রকার ফলান্রয়ী ক্রিয়াকর্মের প্রবদ্ধা বেভে মৃক্ত খ্যকেন। বস্তুত, জীভগবানের গমগবে বিনি খ্যানত প্ৰচৰ করেন, স্বাভজাগতিক আকাৰণা খেকেও মুক্তিদাত করে থাকেন। বৌনস্থতিভিত্তিক জীবনবাগন, সমেজিক মান-মৰ্থালা এবং অৰ্থ লাভেৰ কোনও প্রিকল্পার ভার মনে লাগে মা। ভাই, ভাকে ভাগহতোশ্বেম, অর্থাৎ সর্বোক্ত পর্যায়ের ওয় ভগবয়ন্ত কলে বিবেচনা করা হয়ে থাকে। সম্রায় পরিবারগোচীতে ওভাগ্র এবং পবিত্র ৩% ধর্মাচরপের কলে মানুকের মনে অবশ্রে গর্ববোধ সৃষ্টি হয়ে খালে। তেমনই, বনি কারও পিতা-যাতা বৰ্ণাপ্ৰয় সমাজ ব্যবস্থার মধ্যে অতীব উচ্চত্তকে সম্মানিত ব্যক্তিবৰ্গ হওৱাৰ কলে সমাজে বিশেষ মুর্যাদ্য কান্ত করে থাকে, ভা হলে ভার পক্ষে বিশেষ আম্বরভিতা সৃষ্টি হওয়াই সাভাবিক। তবে এই ধরনের বিশেষ অভকাগতিক বৈশিষ্ট্য থাকা সংক্রেও যথি তেওঁ বিন্দুমানত অহুমিকা বোধ না করে, তা হলে তাকে পর্ম পরবোত্তম ভগবাদের পরম প্রীতিভালন করে মান্য হরতে হবে। যে কমন্ত ভার্থতিক্রয় মাধ্যমে মান্য মনে ২নে "এটা আহার ব™াতি, আর ওটা ভার", নেই সমত ভাবনা কম্ম ক্ষেত্ৰও ভগবন্তভ বৰ্জন করেন, এবং হখন তিনি উন্না নিৰোৱা পাৰ্থিৰ দেহটিৰ সুৰ স্বাচ্ছন্য-আনন্দ বিবানের ব্যাপারে জার আগ্রহী হন না কিবো অনোরও খাবাছেখ্যের বিষয়ে বিষয়ে থাকেন দা, ভাল ভিনি পরিপূর্ণ শাবিষয় এক সুখ্যর হয়ে থঠেন। ভখন ভিনি নিজেকে পরম প্রবাদ্যর ভদবানেরই অবিজেদ্য বিভিন্নবেরণে कन्। ज्ञ्चन औरदाहे नवान धर्यानाज्ञाना वाल करतन এমনই ভৃত্তিময় বৈশ্ববৃত্তে শুরুবভুত্তির পর্য উৎকর্ষতার নিবৰ্ণন বলে বিবেচনা করা হরে খাকে। পরর পরবোর্ডম

ভাগবাহুক নিজেপের জীবালাগরণ আন করে প্রক্রা এক শিৰ প্ৰমুখ মহান দেবতাগণও সেই প্রমোধ ভগবাকে চর্পরমল অভিসামে করে আকো। সেই চর্পরমার কোনও তথ্য জানভড় কোনও অবস্থায় কথনই বিশ্বস্ত চতে পারে মা। সমত বিশ্বস্থাতের ঐপর্য অধিকার এবং উপভোগের আশীর্বাদ লাভেরত বিনিহরে জ্যোক ভগবছক প্রীক্তগবানের চরণকমনাত্রম ত্যাগ করবে মান एकार भगवाकर टाई विकन्तार्थ भग रहा चरकत। গরমেশ্বর ভগবানের স্বারাধনা বিনি করেন, ওচে জনহয়ৰে ৰাড কাৰ্যভিক সভাপ বছণ্ড থাকতে পাৰে (कम्मत करत: क्षेष्ठधवारम्य भाषभग्न संश्विष्ट प्रकृतिग्रन्थलम् कार्य समाधा करवरहरू, धवर छ। । হীওরগারের সুম্বর নখণ্ডলি মহার্থা মধিরতুসম। ঐ নখার থেকে বিজ্ঞতি জ্যোতি কো সুশীতৰ চন্দ্ৰলোকেন্দ্ৰ মতে, ওছডভের প্রদা-সভাগ অভিনেই দুর করে, বেয়ন চল্লের সুশীভাগ কিরবে সুর্বের প্রচাত ভাগবল্রনা প্রশহিত হয়। পরাম পুরুহারের স্কপবান কর জীববাংশা প্রতি এফাই কুপানর খে, উল্লেখনির নাম উচ্চারণের সাধ্যয়ে বৰি তাকে অনিজ্ঞায় কিবো জনবধ্যসভার জানুন করা হয়, তা হলে তাবের অন্তবের আগণিত পালমর ভর্মচন বিনালে তিনি উলোগী হন। স্তরাং, বখনই কোনও ভগবন্তত প্রতিসবাদের চরপক্ষকারের স্থাবন্ধ করেন এক বধার্থ প্রেম৬কি সহকারে পরিম ক্রমার কীর্তন করেছ তথ্য পরম পুরুবোধ্যম ভাগনে কথনই ডেমন ভাওলনের হানদাসন পরিত্যাপ করে হলে বেভে পারেন না। এইডাৰে খনাবাদে বিনি তাঁক ফ্লাৰখাৰে প্ৰয়েশ্বৰ ভগবানকে ধারণ করে রেখেছেন, ভাঁকেই ভাগবহুহাধান, তথা শ্রীভগবানের মহন্তম ক্ষক্তরণে শ্রীকার করা হয়ে MEM IN



তৃতীয় অধ্যায়

মায়ার কবল থেকে মুক্তি লাভ

লেনীমেরত বিভাগ করে পর্যন পুঞ্জেরম ভাগবালের বে _{প্ৰাৰ}েট সিহতে এখন আমনা ভিত্ৰ আন লাভ কলতে ভবা করে কিছু কলুন। পরম পুক্রেছের ভ্রুবারেছ র্ক্তমা বিবরে আপনরে অমৃতবাশী কারি বৃথিও প্রম নার্ছি, তবু আমার ভূমর একবও ভৃত্তিলাও করেনি। উপাদানগুলিও ডিনাপ স্থাস্থ বুলে, পর্য পুরুষোধ্য স্মান্তব্যৰ এবং তার ভতত্বতালী সম্পর্ভিত 🖨 ধ্যুনের আহতসত বিবরণী আমান মতের বারা আক্রমার্গতক সৃষ্টির ভৈওপাকনিত দুঃখ-বুৰ্যপাত অৰ্থনিত, সেই সকল খড় कीरास्त वयार्थ छेरवि सक्तन।"

क्षिप्रगृहीक बनारान--"(ह घटारनमानी अस्त, नार्रित উপাহানওলিকে সভিন্য করার মাধ্যমে, সকল সৃত্তির नव्यास मध्य सीथरू केंद्र अवर नीड श्रमण्यक्तिएल **१९७५ करताकर, यारश जे यह कीयमन आमंद्र पाकिशा**व অনুসাত্তে ইল্লির উপভোগ অথবা পর্য মুক্তিলাডের অন্শালন করতে গারে। এইডাবে স্ট জীবের গার্থিব भरीक्कालिक सर्था भड़साचा अस्त्रम कराव, छाएउ सन अवर देखिशापि माजिक करवन, करा देखिय एडि. बैभएकारभन মান্য অভ্যানতিক প্রকৃতি ত্রিবিধ গুণবৈশিট্যের প্রতি বন্ধ পরসাধার বালা উচ্চীবিত পার্থির ইপ্রিয়াদির সাহাব্যে পাৰ্থিৰ পৰীবেদ্ধ প্ৰাপ্ত ছাৰে জীৰ ফড়া প্ৰকৃতির বিশুপ নর্মাণ্ড ইন্তিতাদির সাহায়ের ইন্ত্রির-উপডেলা বস্তুওলি ভোগ করবার চেউরে প্রবৃত্ত হয়ে থাকে। এইভাবে প্রপূর্তির সৃষ্ট পার্থির পরীরটিকে সে ক্লফুর্ন্থিত নিজ্ঞ জ্ঞাপ তারি বোধ করে একং শ্রীভগরানের মারাপতির কংকে বারছ হরে থাকে। উত্তরেশ্রের পার্থিব আশা-আকাক্ষার क्लावडी हरत. नदीवधादी कीव मध्य धरानव समाध्यी। কাককরে তার মক্রিয় ইপ্রিয়ণ্ডলি নিয়েজিও করে . चम्म (म मुक्ष अवर मृह्य कम्पूछ या (वासाह, (छपन অনুভূতি নিয়ে সারা জগতে বিচরণ করতে করতে তার শার্ষিক ক্রিয়াকর্মের কল ভোগ করতে থাকে। এইভাবেই

্রেরিরাজ ক্রালেন—"প্রকা মারাপত্তির অধিকরেঁ। তদ্ধ শ্লীন বারে বারে দ্রার এবং সূতার অভিয়াতা লাভ করতে বাধা হয়। তার নিজেবই বর্মাকলের বছনে আবার্ছ হবে, সে বাধা হয়ে এর অভ্যন্ত পরিস্থিতি থেকে অন্য অভিনয়েরী হরেছি। হে মুনিবৃশ্ব, সেই বিষয়ে আন্তরের এক জণ্ডত পরিবেশের মধ্যে অসহায় করিলমণ করতে থাকে--স্টির স্বর্ত থেকে বিশ্ব প্রলয়ের সময় পর্যন্ত দুর্যনা ভোগ সে করতেই থাকে: পার্থিব ভগবান তার জনানি জনত মহাকালের গঠে সর্বপ্রকার অভিবাক্ত সৃষ্টি রূপই সুল এবং সৃষ্টা বৈশিষ্ট্যাদিসই আকৃষ্ট করে থাকেন এবং সমগ্র বিশ্বস্থাও তথন অব্যক্ত অবস্থার তিলীন হরে বায়। বখন বিশ্বরুলাথের প্রলরকাল উপস্থিত হয়, তথন প্ৰিবীতে একশতবৰ্ষবাদী অনাদৃষ্টির প্রবেষণ হয়। একশত বর্ষ সূর্বের তাপ ক্রমণ বৃদ্ধি পেতে থাকে, এবং তার অধিবর তাগে রিভুকা মধ্য হতে এক করে। পাতাল পোক খেকে শুরু করে, সেই জাখণ ভাগবান শ্রীসমর্থনের মুখ থেকে উপগীরণ হতে বাকে। উৰ্জ্যুৰী সেই আৰ্থালখা প্ৰবলবেগে বাৰ্থানিক হয়ে স্বাদিকে দশ্ধ প্রবাহ বিস্তান করতে থাকে। স্বর্বেঠক নামে প্রশয়স্কর মেন্দরাশি একশন্ত বর্ধব্যালী বৃষ্টি ধারা বর্ধণ করতে থাকে। হাতির ওঁডের যতো সুদীর্য এক-একটি জীবতে অপ্রস্তুর হওরার করেণ সৃষ্টি করে অকেন। বৃদ্ধিবিদ্ধুর ভালবহ প্রকা ধারার সমগ্র বিশ্ববাহাও জলমগ্ন एटड चीड ः

"ছে নিমিরাক, তখন বিশ্ববৃদ্ধাওজনের অভ্যাব্য প্রীক্রেজ রক্ষা তার প্রকাতরূপী পরীর ভাগে করেন, এবং আওনের ইন্ধন নিংশেষিত হওয়ার ফলে বেমন হয়, সেইভাবেই তিনি সুন্ধা অধ্যক্ত 'প্রধান' প্রকৃতির মাঝে অনুভাবেশ করে পাকেন। বাহুর দ্বারা ক্রিডির স্থান্তি ওপ অপহাত হলে, ডা লালে পরিপত হয়, এবং সেই বায়ুর ৰাত্ৰ ৰূপের বসাকানৰ অপহাত হলে, তা অগ্নিতে গরিবত হয়। আন্ধনারের ব্যৱ্র অভিন স্থরূপ অপহনত হলে তা বাহুতে পরিণত হয়। মহাশুনোর প্রভাবে বায়ু যথম ছারু স্পর্শানভতি হারিয়ে কেলে, তথম তা মহাপ্রো বিলীন হরে বরে। কমা মহালুলোর কথার্য ওপাংকী পরহার্য

অগহরণ করে নেন, ডখন মহাকালের প্রভাবে সেই মহাপুনা ভাষেদ অহস্কারে পরিপত হয়।"

াহে বহাক্তা, ভাগোওপের প্রভাবে উৎপদ্ধ মিথাঃ অহম থেকেঃ ফৰে সকল প্ৰকান্ন পাৰ্থিৰ জনভতি এবং যুদ্ধিবৃত্তি বিগীন হতে থায়: এখা দেবতালের সঙ্গে মনও সক্তবের বিধ্যা অহম বেধের মারে বিকীন হয়ে যার। তারশরে সমগ্র মিধ্য অহম বোধ তার সমস্ত বৈশিষ্ট্যাদি সমেত মহৎ-তত্তের মাথে কিনুত হয়। এখন আমি পরম প্রবোজন জীড়গাঞ্চনের বাংগাশক্তির করিনা করন্তি। অধ্য প্ৰকৃতির তিন প্ৰকৃষ্ণ তপ সমন্ত্ৰিত মাৰায় এই প্ৰকৃষ্ণ প্ৰতাপ বীভগবানের ছারাই ভার কড় জাগতিক বিশ্বকাণ্ডের সৃষ্টি, ছিভি এবং প্রদান দীবা সম্পন্ন করার উদ্দেশ্যে তেন্দ্রেসম্পন্ন করা হরে খাবে। এখন, আগনি অন্তর্ভ বেলি কী ওনতে অভিগৰে কলেনা^ল

मिमिताक कारमा-"(ह प्रहर्वि, वाता करकारश्मी) নছ, ভাষের পাকে সর্বলাই অন্তিক্রমার পরফেরা ভগবানের হে ব্যৱস্থান্তি, তা কিভাবে কেন্সৰ নিৰ্বোধ ৰদ্ধবাদী মানুবও অনামেদে অতিক্রম করতে গামে, কুলা করে ভা

वीधरुक वनलम—"यान्त्वत जमास्य नाती **व** প্রস্থানের ভবিকা অনুনারেই বছ জীবলন মিখন সম্পর্ত আবছ হ'ছে বাকে। তাই খনো অনবরতই ভাগতিক প্রচেটার অধ্যক্ত অন্যে দুংখ-অলাতি দুর করতে হয়ে এবং ভাষের সুখ অনুরক্ত করতে ইকা করে। ভিশ্ব সমূরের লক্ষ্য করা উচিত হে, অনিবার্যভাবেই জারা ঠিক বিপরীক চপই লাভ করে বাকে। পকাণ্ডরে, অনিবার্য ক্লরণেট্ कारमत मूच व्यवस्थि हत, अवर चाता एकरे वह इरफ থাকে, ভতই ভানেত স্থাগতিক খাৰজি কেছে চলে। ধনসম্পদ নিত্য সুংখ্যে কারণ, সেই সম্পদ আহরণ কার पूर्व कठिन, क्षवर का कापनिमान पंठातः। जानुक छात्रः ধনসম্পন থেকে কী সূব কথাৰ্যভাবে পার? তেলনী, মানুৰ ভার কট্মেশার্জিত অর্থ দিয়ে যে নমক্ত ব্যবাড়ি, সন্তানাদি, আৰ্শ্বাৱৰ্জন প্ৰবং গৃহপালিত পশুপাৰিদের প্রতিপাদন করে, ভা থেকে কেমন করে চরম ভখা ফ্রিয়াকর্মানর তালে লগ্রছমে কেউ যদি স্বর্গলাক্তর করে, তত্ত্ব দেবালে চিত্তে সুখলারি সে গেতে পারে না।

এমনকি বৰ্গদোকেও যে সকল জীব বাস করে, ভারাত জ্বলাতক হন্দ্-বিশ্বেবের মানে একং ব্যৱস্থানর প্রতি ইন্যান পরিপায়ে বিচলিক বোধ করে। আর বেংগ্রে তাথের পুৰুষক কর হতে থাকে, তথন কর্মবানের সুখোগ হসে পায় এবং তার ফলে কর্মকানীয়ে ভালের কর্মীত ক্রীকা ধারা নম্ভ হরে যাওয়ার জাতকে ভীতিহান্ত হরে থাকে। ভাই সাধারণ নাগরিকদের কাছে প্রশংসিত বাজানের মতেই তার নিজ শত্রুজবাশহ রাজদের কারে নিগৃহীত হয় এবং তার ফলে তারা কথনই লাত্তি লাহ জা

"সুভয়াং বধার্থ সুধলাবি এবং কল্যাণ আহলংগ পরমাপ্রতী যে কোনও মানুবধেই সম্ভানৰ আনার কার্নাট গ্রহণ করতে হবে এবং শীক্ষাগ্রহণের মাধ্যমে ওঁরে ক্রত आयमिर्देशमें कहा अस्ताबन । मन्धका स्थापका रूप वरे বে, গভীরভাবে অনুধানের সাধ্যমে তিনি শাস্তাদির নিভারতার উপদান্তি করেছেল এবং অন্য সহস্পেত এই সকল সিভারতাশি সম্পর্কে দৃচবিখালী করে ভূলতে স্ক্ষা অমন মহাপুরুষগদ খারা প্রমেশ্বর ভগবানের আনা গ্রহণ করেছেন এবং সকল কাপতিক বিচার-বিষ্ণেচনা কর্মন করেছেন, তালেরই বধার্থ পারুমার্থিক সন্তক্ষাণে বিষেচনা করা উচিত। পরামার্থিক সন্তব্যক্ত আপন জীবনের পরম আশ্রের এবং আরাধ্য শ্রীবিগ্রহ বৰূপ বীকার করার মাধ্যুৰে, তার কাছ থেকে ওছ ভৰবছতি সেৱা অনুশীলনের পছতি প্রক্রিয়াদি শিক্ষা পাত করাই শিব্যের কর্তক। পরস পুরুষেশ্রম জগবান জীহরি সকল শ্রীবাদ্ধার পরসাধারতের ভার ওয় ভক্তমধ্বলীর মধ্যে নিখেকে কিচলিত করতে আত্রহী ছবে থাকো। অভঞ্য, খেনেও রক্তম ছলচাতুর্ব বর্ত্তন করে খ্রীভারানের সেবার উক্তেন্তে পরেমার্থিক সন্তর্গর কাছ থেকে গ'ভতি প্ৰক্ৰিয়ানি শিক্ষালয়ত কৰাই শিব্যের কৰ্তব্য এবং সেইভাবে নিউভেত্তে প্ৰথ আনুৰ্গত্ত সহকাৰে ভাৰবৰ্ডি সেখা চটা ক্ৰণে প্ৰমেশ্ব ভাৰাৰ প্ৰতি লাভ করেন এবং ডখন তিনি নিষ্ঠাবান শিব্যের কাছে ধরা (मन। निर्दायाम निया जमक नार्थिय विवत (बारक मनद-ন্যোগ জি করতে অবলাই নিখৰে এক করে লারমার্থিক চিত্ত্তীে সূৰ ভোগ করতে পারে? বাগবজ- ওঞ্জেৰ আর অনান্য ওত্তাবাগর ভজ্জেৰ সদ অনুশীলন করতে গৃঢ়ভাবে সচেট হবে। তার ছেবে নিয়াতর মর্থনাসম্পদ্ধ সকলের প্রতি ভাতে কুলামর হতে

_{লাব,} সমর্থনাসম্পন্ন কফলের প্রতি সধ্যরে গড়ে তুলুতে চৰে এক উচ্চতৰ পারমার্থিক মর্যানাশপায় স্বর্জন প্রতি ভিন্তে দেবা মনেভাগাগা হওয়া উচ্চিত। এইভাবৌ সভেল জীবের সালে ফরাইপভাবে আচরণ করতে ভার লেখা উচিত। পারমার্থিক শুরুর মেবার উত্তদেশা ভালতে অবশাই শীত ভাগ, সুখ-গুলুকা মতো সমাতিত क्रिक-स्टब्स अधिरवटना मार्च क्रिका, क्रमन्दर्ग, रेसर्ट-ভিডিজ, ক্ষে অধ্যান, সামলতা, প্ৰসামৰ্থ, অহিংজ, এবং সমস্তাৰ কৰা কৰাকে হৰে। নিকেকে নিতাপুৰাণ নিশিষ্ট दिवार का बातराज विद्यालया काल अर्थमा किलान कालाओ अवर भवन पुरुष्याचन अन्यानहरू नर्दरियहरू व অভিনয়দিত নিয়ন্তকণে দীকার করে ধানময় হওয়ার অনুস্থীকন করা উচিত। খ্যানচর্চা বৃথির উন্নেল্ডে, নির্মান প্ৰত্যে ৰসন্ধান করা উচিত এবং নিজগুৰ ওখা গৃহস্থালীর ক্রিয়াকর্মে অনাবদাক আগতি বর্জন করতে হবে। অমিত্য অস্থানী পাৰ্থিৰ শরীরটিকে সাঞ্চলোপাকে কবিত করা পরিকাশে করে, মানুক্রে উচিত ক্রমণুনা স্থান থেকে লবিতাক সমুখত এনে ভাই দিয়েই নিজের স্বীর থাজ্যন করা কিবে গাছের মূপ দিবে দেব আবত রাধা। এইভাবেই যে কোনও পার্থির অবস্থার মারে সম্ভন্ত থাকবার শিক্ষা লাভ করা মানবের উচিত।"

"লরম পুরুষোত্তম জীওপধানের মহিমা-কনির বে সকল শাহাদির মধ্যে ধর্ণিত হয়েছে, সেইওলি অনুসরকের यभारत कीवान मकन मार्चक्छ। चर्कन क्या शार, त्रहे বিবলৈ কড়ীর বিধাস মানুবের থানা উচিত। সেই সলে অন্যান্য পাত্ৰানির নিশাস্থ পরিহার করতেও হবে: মানুবাকৈ ভানে সকল কাঞ্চকমই কার্মনোবাকো কবেড कदरक भूरें करो मान कथा वनाएं हात और सिर्व छ মন সম্পূর্ণ নির্মন্তিত সাধতে হবে। জীলগবাচনর পরসাপ্তর্শ চিত্রর অপ্রাক্ত লীগাবিশ্বরে সম্পর্কিত কহিনী नकरमदाहे रामाना, कीर्यन कहा अवर धान विका कवा উচিত। প্ৰম প্ৰথোগ্ৰ ভগবানের অবিৰ্ণাৰ, বীলাবিজ্ঞান, ক্রিয়াকলাল, গুণবৈশিষ্টাদি এবং দিয়া পরিত্র भाग गरियात चारणाहरूमा विलयखात्य शतानितम कन्न উচিত। সেইভাবে অনুপ্রেরত্ব লাভ করবার মাধ্যমে, সানুষ ভার গৈমখিন সকল কাজকর্ম জীওগবালেরই বীতিসাধনের উল্লেখ্যে উৎসর্থ করবে। কেবলমাত

জীভগবানেকেই সন্থাটি বিধানের ক্ষম্যা মানুৰ সকল প্রকার भुका-स्वर्धना, मान-धान, याशयका अनर क्रेड-शार्थणन्त नगरे নিবেদন করতে। তিক ভেমনই, পরম পুরুবোরক कीक्शवादनाई अध्यात प्राकृत्वा ठठारतङ कना वंधावध বছাৰি উচ্চাৰণ করবে। আর মানুকের সমস্ত ধর্মচরণ महानात क्रियाकर्य शिक्षपद्धार केरकरण मिरवपद्धार करा। সাধন করনে। মধ্যক হা কিছু স্থকর কিবো উপলোগ্য মনে কবৰে, তা অবশাই অন্তিবিকাকে প্রয়েখট ভগবানকে নিবেশন করতে, এবং প্রম প্রবেত্ম প্রিরুপর্যনের পাদপথের এখনকি ভার স্থা-পুর-পুর-সম্পদ এবং প্রদেবারও সমর্থণ করে চলাবে। মিনি উরে চরম স্বাৰ্থ সিদ্ধি ২০তে অভিগাহী, গ্ৰহৰ অহনাই এমন धानस्तरका नारच नचाडा नएक छमएक इत्य, त्व नव मानुब প্রিপুরুকেই উচ্চার জীবনের প্রস্তু ক্রলে দীকার করেছে। ভাষেত্ৰাও মানুবকে সকল আঁতের হাতি সেবার মনোকাব গছে ভুলতে হবে। বিশেষ করে হয়ে যানৰ জীবন লাড করেছে জরে জনেরও মধ্যে যারা ধর্মাচরণের নীতি হাংশ করেছে, ভালের বিশেষভাবে সাহায্য-সহকারিতা করতে क्षतानी क्षता भागमभाद्धतार क्रिकित। कार्येक मानुगरमत মধ্যেও বিশেষত পরম প্রত্যোক্তম ভাগবাদ জীকুজের ওছভন্তদের প্রতি দেখা নিখেনা করা প্রত্যেক মানুবেরই উচিত। ঐভগরতার মহিমা কীঠানের উদ্দেশ্যে শুব্যবস্থানের সাথে মিলিড হয়ে কিভাবে ভাষের সমলাভ कत्रारु १३, छ। मानव मारद्वार है (भवा ६७७) अहै ধন্যকে সমস্যাভ প্রক্রিয়া বিশেষভাবে ওছার সৃষ্টি করতে পারে। এইডাবে ভারম্বস্থানা ভালের মধ্যে প্রেরম্ব সব্যবা বড়ে চুলতে থানাৰে, তীয়া পালস্কতিক সুৰ এক সভোৰ বোধ করতে থাকেন। আৰু এইভাবেই পরস্পরকে উর্থা করার মাধ্যমে তারা গৃহত-দর্শনার কারণ হরণ বাগতিক ইন্দ্রিয় উপত্যেশের অভ্যাস বর্মন করতে সক্ষম হন। ক্ষমবারকেশ্য সদাসবদাই নিক্রেনের হলে। **अतरमध्य फन्यराज प्रतिथा चारणाञ्जा करत बारका** । এইভাবেই তারা নিয়ত বীভগবানকে স্থাপ করেন এবং পরস্পাকে উর ওশবেলী ও লীলামহোকা করন করিবে মেন। এইডাবেই, ডক্তিবোল অনুস্থালনের প্রতি জানের নিষ্ঠান কলে, ভালাগা প্রয়েশ্বর ভালগ্রনকে সম্ভাই কললে चांद्रान अवर पहल धरण, शिक्रणका द्यांतम औरता एक्टक

সর্বপ্রকার জনতে বিবরাদি হরণ করে থাকেন। সকল প্রবাহ বিশ্ব থেকে ওছ হয়ে, ভতত্বদ ওছ ভগবড়ভি অনুশীকনে উদ্বুদ্ধ হয়ে উঠেন, এক এই আন্তের স্থাবেও, উল্বেই দিশাল ভারাপার শবীরে রোমাঞ্চ প্রভৃতি অপ্রাকৃত ভারোদ্রাস সংখ্যা করা বাধ।"

"ইভিগৰানের প্রেমশ্বর্শ সাত করার কলে, ভক্তপশ অনেক সময়ে অচাও অঞ্চয় ভগবানের চিতার বিভার **एटड प्राटन प्राटन फॅटिक्ड बटड कन्यन कटत केंद्रके**न। কংনৰ ভাত্ৰ হালেই মহোপ্তাস বোৰ করেন, স্বাব্যনের উদ্দেশ্যে উক্তৰতে কথা ফলেন, নৃষ্ণ্য বা গীত কৰেন। ঐ ধহনের ভাতনুগ জাগতিক বন্ধ জীবনধারার উধ্বে অবস্থানের মধ্যের ক্রমণ্ড-বা অচ্যত জন্মত্তিত শ্রীভগবানের ব্রিচাকসাগের অনুকরণে অভিনয় করে থাকেন। আর কথনও-যা, উমা সাক্ষাৎ পর্ণন লাভের খলে, জারা শরে ও নীরৰ হরে থাকেন। এইভাবে প্ৰসংহতি সেৱা অনশীগনের বিশেষ প্রকার জাম আহলে করে এবং শ্রীভগবানের উল্লেখ্যে ভক্তিমূলক সেবা লিবেদ্যে বাকবিকই আখনিয়োগ করে, ভক্ত মাতেই ভূপবং-প্রেমের পর্যাবে উপনীত হন। আর পরত পুরুহোপ্তম ভগবান জিনাবারণের উদ্দেশ্যে পূর্ণক্রজি নিকেনের মধ্যমে, ডক্ত খড়ি জনারাসেই সুরতিক্রমা মায়ার বিভারিকর শক্তির **আন্ত** কঠিক্রম করে।"

মহারাজ নিমি কললেন—"কুণা করে প্রমেখন জাবানের নিম্ন অবস্থান সম্পর্কে আমাকে বুকিরে নিন, বিনি পরস্কতক এবং হত্যেক জীবের প্রমান্তা করণ। আপন্যরাই এই বিষয়টি আমাকে বুকিছে নিকে পারেন, করেশ এই নিক্ত জানে আপনারাই সর্বাধিক অভিজ্ঞ।"

শীলিয়নারন বনলেন-"পরত্র প্রবাধ্যর জগবান এই বিশ্বরশাতের সৃষ্টি, দ্বিতি এক প্রথারের পরত্র কারণ, যে সঞ্চেও তার আনুপ্রিক তেনেও আরল ছিল না। তিনি জানারণ, কল এবং স্থাতির বিভিন্ন পর্যায়ের মাধ্যতে কালকেশ করে থাকেন অথক সেই সকল পরিস্থিতির প্রভাগ থেকে মৃত্ত থাকেন। পর্যান্যা রূপে তিনি প্রভাগ জাঁকের বাধ্যে প্রকেশ করে মেহ, প্রাণবানু, ইলিয়ামি ও মানসিক ক্রিয়াকলাপ সঞ্জীবিভ করেন এবং ঐভ্যাবই নেমের সকল সৃষ্ট্য আর মুল অলপ্রভাগানি সেওলির কাল ওক করে। যে রাজা, সেই প্রমেশনা ভাগবানকেই

প্রমত্ব বলে জানবেন। মূল আনি থেকে যে সহক **ভার অধিকণ্য সৃষ্টি হয়, আ হেমন র্জানে উৎসরালিতে** সন্তিত্ত হতে উঠতে গাবে, তেখনি মন, বাকা, দৃষ্টি, বৃদ্ধি প্রাণক্তম কিংবা কেনেও ইপ্রিকই পরম তথে জনপ্রবেদ করতে সক্ষম নত। এমনকি বেদগায়ের প্রামান্য ভারাও প্ৰয় ছাৰের বধাৰৰ বৰ্ণন সিচ্চে পানে না, হোচ্ছে ব্যেসভারের খংগ্রাই প্রমতত্ত্বের অভিবাজি প্রকাশ जन्मार्क रहामादे कारात चन्नामस बीतमा कता स्टराहा किक दिनिय जन मण्यामा गाउरक शकार्य भारतस्था গ্রমণ সম্পর্কে অভাস সেওয়া সম্ভব হতেছে বেচেন্ড পর্যাতকের অভিন্দ বাতীত ক্ষেণাক্রসভারের করে। বিভিন্ন चम्नामानव एकाने हवर देखना शक्क हा। महिल আনিতে একমাত্র প্রথমার প্রথমার প্রিবিধনাপে খড়ো প্রকৃতির क्षित्रहै क्ष्म-- मच्च, राज अवर एएका नाम चाननाहरू প্ৰভটিত কৰেন, প্ৰস্তা আমাও নানাভাবে আপনাৰ পঞ্জি প্ৰসাৱিত কৰেন, এবং এই ভাবে কৰ্মশক্তি ও চেতনাপত্তি প্রকটিত হয় আরু সেই সঙ্গে বিধয় আহ্বার বন্ধ জীবনার করণ ভাবত করে রহেব। এইপ্রাক্তে, পরম হলের করে। দক্ষিত প্ৰসাৰ হওৱাৰ মাধ্যমে দেখভাগৰ জানেত আধারকালে, আগতিক ইন্মিমাদি সহ সেইওলির দক এবং অভাগতিক ক্রিয়াকর্মের কলাফল---যথ্য, সুধ ও দংগ সংগ্ৰহ আবিষ্ঠাত হল। এইভাবে সন্ম কাৰণকলে এবং খল থাড় জাগতিক সামগ্রীর রূপ নিরে অফলার্গতক চাক্ত কারণরবৈ জন্ত জনতের প্রকাশ বটে। সংক সৃত্যু এবং মূল সৃষ্টি প্রকালের উৎস প্রকাশ একই সাথে পরম সক্ষ রাপে ঐ সব কিমুরই অতীত। প্রভারণে শাখত আত্মার কথাই জন্ম হত্তনি এবং কথনই সূত্য হৰে रा, अयर छात्र एकि किरम करा एक मा। रेमरे हिन्दर আবাহী প্রকৃতপক্ষে রাভ জাগতিক পরীরের পরিবর্তনালি বৌকন, শ্লৌঢ়তা এবং মৃত্যুর তথা সম্পর্কে অবহিত। ভাই আত্মকেই শুল্ক চেতনা বন্ধল সৰ্বন্ধ সৰ্বকালের क्षनाहै किरायान अवर चन्कर मचा बरण बानरत रहे। শরীকো মধ্যে প্রশবার একটি হলেও তা বেমদ বিভিন্ন কডেপ্রিয়াদির সংস্পার্শ কলোরশে অভিযাক্ত হয়ে অকে. তেমনই একটি আছা ফড় বেছের সংস্পর্লে এসে বিকিন ভড় স্বাগতিক অভিধ্য প্রহণ করে থাকে। পার্থির বাগতে চিম্মর আৰা বিভিন্ন প্রকার জীব প্রজাতির মাবে 👫

পালে করে থাকে। কতকগুলি প্রজাতি ডিয়ানি থেকে ক্রেন্ডাল করে, অন্যত্তির বাল থেকে, আরও অনেকণ্ডলি সক্ষোত্তার বীজ খেকে, এবং বানি সব বর্মকরা খেকে লাপ নিয়ে খাকে। তবে জীব-প্রজাতির সকল ক্ষেত্রেট প্রাণায়ে অগতিবর্তিতই পাকে এবং এক শরীর খেকে অন্ত প্রত লরীরে চিত্রর আতার অনুসর্গ ভরতে গাভে। োইভাবেই, চিকা আশ্বা সকলগতিক জীকনাবার মধ্যে লাকা সংখ্য নিত্যকাশ নির্বিধার অপরিবর্তনীর ভাবেই ভিত্তভিত থাকে। এই সম্পর্কে সামানের বাতের প্রভাক व्यक्तिकारात सरप्रदर्श वयन चामस वथ न मार्चर पठीव ব্যয় মর্য হয়ে থাকি, ভবন স্বভুকাগতিক ইন্মিয়ানি নিভিন্ন शहर बाहक, अवर अन क बाहकावक मृत्रीत करणात प्रदेश অবস্থান করতে আকে। কিন্তু ইপ্রিয়ানি, হল এবং থিবর অহম বেখে মবিও নিছিত্ত হয়ে থাকে, তবুও জাগুত হয়ে মানব নিতা খেকে উপানের পরে মনে করতে পারে বে. আধারতের সে শাবিতে নিয়ামঘট ছিল। স্বথম মানুষ লীবনের একমাত্র পক্ষা করেণ তার ফানখের ছাবে शिक्तवादात्व और वर्गक्षमा हिलास महनाभित्वन कहत्. প্রমেশ্বর ভগবানের উন্দেশ্যে ভতিমূলক কেবা নিবেদনে খচান্তাবে আক্রনিয়োগ করে বার্ডে, তথন ক্রডাপ্রকৃতির देशकाम मनास चार बच्छ न्त्रंक क्यानही क्यांत পবিশাস পরাপ সঞ্জিত অসংখ্য অতত্ত্ব বসনামি সে বিনষ্ট করতে পারে। যথন এইডাবে ছব্রে পরিওছ হব, তথন যানৰ প্ৰত্যক্ষভাবে প্ৰমেশ্বৰ স্তপবানকে এবং মিজের শ্বরূপকে দিবা সন্তা ক্রাপে উপদক্তি করতে পারে। এইভাবেই জনৰ বেমন স্থা হাভাবিক দটির মাধ্যমে প্ৰভাকভাৰে সুৰ্বকিন্নপেঃ আডজাতঃ লাভ কৰতে পানে, টিক ডেম্মন্ট প্রত্যক অভি≅তার মাধ্যমে চিমার দিক উপলবির ক্ষেত্রেও সার্থক সামস্য অর্থন করে।"

নিমিরাক খললেন—"মে মহায়নিগণ, তৃপা করে
কর্মব্যেনের পৃথাতি-প্রক্রিয়া কুপার্কে আমানের অবহিত
কুপার। প্রমেশরের উন্দেশ্যে বান্তব জীবনের ক্রবল
ক্রিয়াকর্মের কুপারকল জার্পন করার মান্যারে এই প্রক্রিয়া
ইংজীবনের ক্রবল ক্রাক্রমে প্রক্রিয়া করে তোলে এবং
তার কলে মানুল দিবারারে প্রক্রমিন উপতোগ করে।
অতীতকালে অমার লিতা ইঞ্চুকু মহারাক্রার সমক্রে
ক্রার চারপুর মহার্বির্নের করে এমনই এক প্রশা আমি

উত্থাপন করেছিলাম। তবে ওঁরে আমার প্রত্যের উরব দেননি। কুলা করে আপনি তার করেল করিন করন।"

শ্রীআবির্কোর উত্তর দিলেন—"নির্ধাবিত কর্তবাকর্ম পালন এবং সেই বিষয়ে বার্থতা ও নিবিশ্ব ক্রিয়াকদাণে নিবোঞ্জিত থাকরে বিষয়ে বৈদিক শাস্তানি থেকে প্রামাণ্য পাঠ চৰ্চাপ্ত হাধ্যমে হাত্ৰৰ বধ্যমণভাবে সৰ্বাকিছু জানতে পারে! বেদেও প্রকার জাগতিক কজনার মাধ্যমে এই দুৱাহ তথা কৰনই উলাদৰি কাৰ্য হয়ে নাৰ প্ৰমোগা বৈনিক শাস্ত্রসম্ভার স্বরং প্রয়েশ্বর স্কণ্যনেরই বাগী-অবতার সক্ষণ, এক সেই কাবলেই বৈদিক ঝান অভার। মহা বিভাগ পরিভেরাও বৈদিক জানের প্রামাণিকতা অবহেলা করাল কর্মনিভান সম্পর্কে ভাগের উপলভিব প্রতেটা বিবাস্ত হতে স্বাকে। পিওসুলম্ভ এবং মূর্খ মানুবেরা স্বাদতিক কলাপ্রতী ফ্রিয়াকলাপের মধ্যেই অসেক হরে খাকে, যদিও ঐ ধরনের সকল প্রভার কাক্ষকর্ম থেকে মক্ত ছওরাই জীবতনা বধার্থ লক্ষ্য। সুতরাং, বৈদিক অনুশাসনালি পরোক্ষভাবে প্রথমে কলাশ্রতী ধর্মাচারণের বিধান কেওয়ার মাধ্যমে মানুবকৈ পরম মুক্তিপাড়ের পথে অপ্ৰদান হতে উদ্ধন্ধ কৰে থাকে, ঠিক ফেডাৰে শিতা উন্ন লিকসমানৰে মিউছৰা দেওৱাৰ প্ৰতিপ্ৰতিক মাধামে শিওকে উদধ প্রহণে কাগ্রহাধিত করে ভোগেন। যদি ক্ষেত্ৰত অভিতেন্তিয় অন্ধ মানুৰ বৈদিক অনুলাসনগুলি শালন না করে, ভাহলে অবশ্যই সে পাশকর্ম এবং অধার্মাচিত কার্যকলাপে লিপ্ত হবে। এইভাবেই লক্ষ ও মৃত্যুর আবর্তে পতিও হওয়াই ভার পরিশাম হবে। নিরাস্ভভাবে বৈদিক অনুদাসন অনুসারে বিহিবছ কল্পকর্ম সম্পন্ন করে, ভার কলাভল প্রয়েশ্র ভাষানেরই রীতিবিধানের উদ্দেশ্যে সমর্থণ করলে, মানুক জডলাগতিক জিয়াকলাপের বন্ধন থেকে মুক্তিলাডের সার্থকত। জর্মন করে। দিবা শাস্ত্রাদির মধ্যে বে সকল রুণাতিক কলাপ্রায়ী ক্রিয়াকর্মের বিধান লেওয়া হয়েছে, সেওলি বৈদিক জানসম্পাদের থকার্থ লক্ষ্য নয়, বয়ং সেইওলির মাধ্যমে কর্মরত মান্বের আগ্রহ সঞ্চারের উন্দেশ্যই সাধিত হয়ে থাকে। চিশ্বর আত্মকে বছনে অবেদ মাৰে বে মিখ্যা অহম বেচাং, সেই বন্ধন হাত ছিব করতে বে ব্যক্তি আগ্রহী হন, তিনি তন্ত্রদির মজ্যে বৈদিক শারসমূহে বর্ণিত বিধিনিরমাধি অবলয়নে প্রয়েশ্র

ভাগরন শ্রীকেশবো পৃঞ্জা-বারাধনা করপাই করে অকেন। বৈদিক পান্তসভাকের অনুস্থাসনাথি সিব্যের কাছে প্রকাশ করেন কে পারফার্কিক ওক্লদেব, উদ্ধা কুপজালের মাধামে ভব্ত ভাৰ নিজের কাছে স্থাকর্থক জীবিগ্রহলাপে श्रीक्षणकारमञ्जू विस्तान प्रकाश विरंताना करत अंतरअपर धनवारमञ्जू चालाभमा करका। श्रीवेदार-शर्विक्ट रहत. প্রাপায়ার, ভূতত্তি এক জন্যান্য প্রক্রিরানির মাধ্যমে অভিকেত্রণর পরে, এবং আধ্বরকার্যে দেহে পরিত্র তিলক िक खब्दनक भारतस्य शक्क हर्द, नवरभवत क्यारामा ঐবিপ্ততের সমেলে বলে আবাধনা করা উচিত। হীবিপ্রতের অঠনরে জন বা কিছ উপকংগ প্রবেজন, নেইয়াক ভারের সংগ্রহ করা উচিত, নৈবেদা প্রস্তুত করা উচিত, ভূমিতল, ভার দন এবং জীবিতার গুলুত করা উচিত, উপবেশ্যার প্রামে ঋণ নিক্ষা করে গুড়িকরণ श्राद्धान कर प्राप्त सन कर करान छन्। प्राप्त श्राह করা উচিত। ভারণরে ভভের প্রীবিগ্রহটিকে বথাছালে হথারূপে এবং ব্যোলহন্ত মানসিকভার স্থাপন করা প্রয়োজন, এবং ভিককের ছারা জীবিয়াহের হানর এবং শ্রীরের বিভিন্ন স্থান পবিত্রভাবে অবন করা উচিত। ভারত্ত্বে কথাকা হয় সহত্যার পথা নিজেন করা উচিত। প্রীবিশ্রহের নিবা শবীবের প্রভাক অন-প্রভাক সহ, তার স্বৰ্ণৰ চত্ৰনদি অন্তলক্ষমত, উন্ন অন্যান্য উপায় বৈচিত্ৰা সত্র এক শ্রম পার্কবর্ণাসভেত সকল বিবরেই প্রভাগ আর্থ নিকোৰ করা উচিত। নিজ যা সহসাধে শ্রীভাগসামের এই সকল নিব্দ আভরদের প্রত্যেক্তির আরাধনা করতে हा अवर (मेरे माम भाग शामागात्मा समा सन् विराह्य क्काश रह, मुगबि कन, पूर्व अन्तरशहार कन, सामन क्रम क्रम, मुक्त रहास्त्रण ए समस्त्राति, मुन्हा रेक्सि प्रकारात कंद्रशासमध्य, पूर्व भागामाना, पुष्पाधानाती, अवदि मूज अवर जीवपाला भाषी श्रमात क्याएँ इस। विशिवक होचि चनुमाद्ध बेखस्य मकन विचतः गुका ममान्य करा ক্ষমবান প্ৰতিবিধ শ্ৰীবিশ্ৰাহের কাছে যাত্ম নিবেদন সভযাতে शार्कनामि कानिस्ट मध्यर अगरि कानास्य एवं। निस्कृत शिक्षत्रवादवत्र निकामात्र विद्यवन्त करव शृक्षावीदक পরিপূর্ণভাবে অবয়সূ হতে এবং জীবিতার তার অন্তরেও অবস্থান করছেন, তা অরণ করে যথার্থভাবে প্রীবিশ্রত অবাধনা করতে হয়। ভারগরে শ্রীবিহারের আধাধনার উপকরণাদি ভাষা নৈবেলের অবশিষ্টাংশ, বধা, পুল্পমান্য, ভাষে মাধ্যর ধারণ করতে ইউ এবং বাদ্ধা সহকারে শ্রীবিশ্রহ উনা বধাস্থানে স্থাপন করে, পূজা সমাপন করতে হয়। সভরং পর্যেশর শ্রীকগব্দরে আরাধ্যকারীর উলচারি করা উচিত যে, পরমেশর ভগবান সর্ববঢ়লী সন্ত এক সেই কারণে ডাঁকে অধি, সূর্ব, জল এবং জন্যান্য সকল উপালানের মধ্যে, পতে আগত অতিথিয় জনতেয় प्रत्या, अवर निक शुमदावतक शास्त्र ध्वाशायना करा। प्रेतिए। এইভার্টে আর্মনকারী অচিরে মৃতিকাত করে।"

চতর্থ অধ্যার

নিমিরাজকে ক্র•মিল

শ্রীভগবানের অবতারসমূহের ব্যাখ্যা শোনান

নিমির্জ বল্লেন—"প্রয়েশর ভদকা তার অভ্যান শক্তিৰ সাহাছে। এবং তীয় নিজ অভিনাৰ অনুসাৰে এই কর ক্ষরতে অবতীর্ণ হন। সূতরাং, ভগবান শ্রীহরি चार्टीएड त्व जनम मीमा दिसाद कर्राहरूका, अपन ता

সকল লীলা প্রথপনি করকেন এবং ভবিবাংও এই কর্ণতে বে সকল জীলা জীয় বিবিধ অবভার রূপে উপস্থাপন করকের, সেই সকল বিবন্ধে আমাপের বলুন।"

প্রীষ্কৃত্রিল বলুলেন—"অসন্ত পর্যোগর জীভগবার্লের

অনেধ ওপরাশিব পূর্ণভাষিকা অথক কর্মন মিডে সচেই প্রান্তবরা শিওসুলক বুকিসখনার হলে থাকে। মহি কথাও মারা রেশবান কেনেও ভাবে কাকালের প্রচেটার পরে, পথিবী পৃষ্টের সকল ধুলিকথা খণনা করে কেল্ডেও নায়ে, তব্ও সেই মনীবী ককাই সর্বপন্তির উৎস অবার ধরমেশ্বর কথবানের চিত্তাকর্বক গুলুবলী কথাই পুরুত্ব ক্তৰে উঠতে পানৰে না। কৰা আধিকে **নী**নাৱাৰণ ভাৰ খেলেই গৃষ্ট পক্ষতুতাৰি দ্বায়া উন্নত উল্লাইকাল্য দায়ৈ পৃষ্টি ক্ষালেন এবং ভারণরে ভারট্ **আন্**য ক্ষা**ন্য**কালের माशाया प्राप्ते बन्नाक्ष्मनं नहीं दता घटन शक्ति स्टानर তথ্য সেইভাবেই তিনি পুৰুষ ক্ৰণে অভিবিত হলেনঃ কার পরীরের মধ্যে এই নিশ্বস্থাতের ভিত্তক মণ্ডলের সুবিনাক্ত আহোজন করা হতেছে। তার দিবা ইপ্রিক্সিক স্নাধ্যমে সকল দেহবারী জীবের জনে ও কর্ম সম্পর্কিত ইন্তিক্তলি সঞ্জিয় হয়ে উঠে। তার বন্ধ চেতনা থেকে বৰ কীৰো কান, এক তীয় শভিষাৰ কান-প্ৰধান প্ৰতিয়া रश्रक (मरुधारी की गावाद भारीतिक क्रमणा, ইন্তিরানুড়তির ক্ষরতা এক কেবছ শীমারিত ক্রিয়াকদ্বর সৃষ্টি হতে পাকে। জড়া প্ৰকৃতিৰ সভু, বন্ধ একং एरबाधनामित काशास्त्रह मान्द्रश किनिये अक्याज গতিনির্বারক সম্রে। আর সেইভারেই কিয়াভারতর সৃষ্টি, মিটি এবং প্রভার সাধিত হয়ে খাকে।"

"প্রথমে, এই বিশ্বরক্ষাও সৃষ্টির উদ্বেশ্যে কড়া প্রকৃতির রজোওণের মাধ্যমে রক্ষারূপে আবি পরম পুরুষোত্তম ভাগরান প্রকাশিত হন। কিবল্লখাও পালনের উদ্দেশ্যে শ্রীপ্রপরম উদ্দা বজাকেবডাকলে জীবিষ্ণ হবে विक अध्यानशाली आला अन्य छोटम्ब धर्ममहर्मक (भागभावत पर्यात्रकान करका। यहा यका विध्यावस्था বিনাশ হারোজন, স্কান্স নেই একই পরমেশ্বর ক্ষমকা অযোগণের প্রয়োগের মধারে কমবলে অভিবর্ত হন। সৃষ্টি মধ্যে সকল জীবনাবই সর্বায় এইজাবে সৃষ্টি, ছিভি क्षपर शनरहात्र भक्तिकालिक स्वयोज्य बार्ट्स वर्गात्रक क তার স্থী সক্ষণনা মুর্তির পুত্র মুলে অতি প্রশান্ত কবিয়েষ্ট শীনক্রাত্মক ক্ষরপ্রকর করেছিলে। পরি নরনারায়ণ দক্ষ জাগতিক কৰে বিশ্বত হয়ে ভগৰভাক্তি মেকা चन्नीमान्त्र निका द्रापान करवन अन्य ठिमि चरार और

জাঁবিত জারুছের এবং মচর্তিগল তাবে শ্রীচরলতমলের সেবা করে প্রকেন। জীনধনারাত্রণ কমি টার কঠের তপসার বারা অভিশব শক্তিয়ান হতে উঠে দেবরাক ইজের पर्शराका परिकार कार जारको, और चानचार (मनदाक আপ্রকিত হল। তাই ইয়া জগবালের অবভারের দিখা মহিদ্য হৈ জোন কৰা ও তাৰ পাৰিকাশণকৈ কানীকালাহে কৰিব জনভাগৰে পাঠিছে দেব। থেকেত বসভালকো মুদ্দাৰ সমীপ্ৰশে অভি কলেৱৰ পৰিবেশ বচিত হয়েছিল, ভাই কথন ফলনদের করু সেই সহবিধি সুন্দরী নারীদের অপ্রতিরোধ্য কটাক মুখাল ওার বাণওলি নিয়ে আক্রমণ করেছিলেন। আদি পরমেশ্বর জগবান তথন ইচ্ছের দ্বার্থা অনুষ্ঠিত অপবাৰ উপলব্ধি কয়লেও বিশ্বিত হলেন নাঃ কাং তিনি সহালো জননকের ও তার কম্পায়ন ভরতীত অনুচরদের বলেছিলেন, "হে শক্তিমান সদনদেব, হে প্ৰকাশৰ এবং কেবপত্নীগৰ, ভীত হংকৰ দাৰ্গ ৰয়ং আমন্ত্রে এই সকল উলগ্রহসামতী কলা করে গ্রহণ করুল এবং আননামের অধিকারে জায়ার আত্রয় পরির করন 🖰

"য়ে ত্রির নিমিরাক্ত, বখন খবিপ্রকর শ্রীনতনারারণ এইজাবে কালেন, বাড়ে দেবতাদের ভর হর হতে যায়, তথা উল্লেখ্যমন্ত হার নিচ করে শ্রীভগবানের কুলা লার্ডন করে তাঁতে কলুনেন--'ছে ভগন্যন, আগনি মাহার অতীয় দিন্ধ শাৰত সমা, তাই আগনি নিত্য অবিকৃত প্রবেশ। স্বাস্থ্যে অপরাধ সম্বেশ্ব আপনি আমানের বেভাবে আহতুকী করণা প্রদর্শন ভনাক্রম, ডা আন্সার পক্ষে কিছুই বিচিত্ৰ নয়, বেহেড় জগণিও বছৰিণণ আৰম্ভ বীন্তিৰ মূত্ৰ আপনাৰ পামপন্তে প্ৰণতি জানিয়ে বাকেন। ক্রেন্ডালে অনিক ধার বাতিকের করে আপনার পরস্থাতে উপস্থিত হওজার জন্য স্বীরা স্থাপনার স্থানাধনা কলে, বেৰভাগৰ ভালের পৰে নৰে। বিশ্ব সৃষ্টি কলে থাকেন। বাঁতা বজান্ট্যনানির যাখাতে দেবতাবের ক্ষন্য নির্ণারিত অর্থ্য নিকোন করে বাংগন, গ্রান্ত কোনও প্রকার বাবনিয়ের সন্থবীন হন না। কিছু হেহেডু স্বাপনার ভালপুৰকে আলমি নাক্ষাৎ প্ৰতিৱন্ধা করে বাংকন, ভাই দেকতাখণ যে কোনও প্রকার ঝবাবিত্রই ভড়েন সামদে সৃষ্টি করেন, তা সুবাই সে কংকা মধ্যে যেতে গ্রামে। অনত সহক্রের সীমাইল ভরজের মতো কথা, তথা, লীত, আনের বধার্থ অনুশীলন সম্পন্ন করেন। তিনি আঞ্চ প্রীয় এবং অন্যান্য পরিস্থিতি হা নান্য সময়ে কামন,

100 40

বাসনা, জিগু ও টোনাচার আন্দশ্সর মাধ্যমে আর্থানে উপত্ৰে প্ৰকাৰ বিকাৰ কৰে, আ সনই আভিক্ৰম কৰাৰ কৰা কিছু খানুৰ কঠোৰ কুন্দুও) সাধন করে থাকে। স্বা সকেও, কঠোর সাধনার মাধ্যমে এইকাৰে ইজিব উপড়োগের সমূহ অভিত্রতা করলেও, নির্বোধের মতে ঐ মানুবেয়া কৰক জোৰের কণীভূত হলে সামান্য স্যোলার যতে দৈবদূর্নিগরক নিমক্ষমন হয়। এইভাবে অংগের কঠেরে সাকনার সুকল ভারা বৃধা অপচয় করে থাকে । এইভাবে কথন দেবতারা পরমেশার ভগবানের শ্বতিবাদে নিয়েজিত ছিলেন, জখন অধ্যক্ষণ, সর্বশক্তিয়ান बीखनवान केरम्ब कंग्ररचा नामक वर महीत नृष्टि शकान क्तरमन, योश मुमन्दिक, मुख्य बद्धारि थ जनकर है শোভিত হবে, সকলে প্রভিগকানের সেবার পর্য বিৰক্তকাৰে নিয়োজিত হয়েছিলে। সেখতার অনুচারক यक्त बीनवन्त्रवातम् अस्ति गृष्ठे सहीदस्य व्यवतान द्वीवदर्व এবং ভাষের পরীরের সৌরতে আকৃষ্ট ছরে পুলকে রোমাজিত হলেন, কথন জানের হন বিচলিত হতে উঠপ। অবশ্যই, ঐ সকল স্নাগদী নাবীদের ধর্শন করে দেবতাদের অনুচরকৃষ ঠালের রাগের মহিমার একেবারেই হতসৌদর্য ছরে পড়লেন। ভখন সকল দেবতারপের প্রমেশ্বর ঠীস্তগদান উবং হাসলেন একং তার সমেনে প্রপত সর্কোর প্রতিনিধিদের করলেম, আপ্রাদের মনোমত একজন ন্রিকে জাপনারা এই সকল নাবীদের মধ্যে থেকে স্মন্ত্রহ করে নির্বাচন করে দিন। তিনি স্বর্গনাক্ষের স্থাকণ **इ**हा बाक्टका। भूगा **गम र्ज के**क्काम कहा, हारकाहणत ক্ষমূচস্থুত অলমেনের মধ্যে সর্বঞ্জের উর্বদীকে মদেসীত কর্মেন । এতা সহকারে উচ্চে উচ্চের সামনে রেখে, তারা স্বর্গথানে কিন্তে গেলেন। সেবরাজ ইজের স্ফার দেবতাদের অনুচত্তবৃদ্ধ পৌছলেন, এবং কখন, সেখানে সমবেশ্র প্রভূতনের সকলের সামকে তনিকে, জনা ইতকে **श्री**नारायरथक शहम थिएक श्रीवेषण बाह्या करत শোনালেন। স্বৰ্ণন ইক এইডাবে শ্ৰীনানারারণ কবিয় বিৰয়ে অবণত হলেন এক তাঁৱ বিৰ্ৱাণ্ডন কথা গুনালেন, তথা ভিনি বিশ্বিত হলেন "

5008

"অচ্যত পরমেশ্বর ক্ষাধান ইবিকু এই পুলিবীতে জন বিবিৰ অপোৰতাৰ, কথা—জীনসিংগ্ৰেৰ, জীলভাৱেই, চতুকুমার এবং জালাদের নিক লিঙা বহাপজিয়ান

প্রীকরভাবের রাপে। এই সকল অবভারসমূহের ফল্ড সমগ্র বিবরখাতের কল্যাপার্থে আত্মতন্ত উপপত্নির বিকাস अन्तर्क निका ध्यान करवत। धाव केंद्र शोध चार्कातवा(भ किति प्रथुमानवर्क वेथ कराने वागर नवकारत প্রভাগবেশক থেকে বেগগ্রহাকলী উদ্ধন করে খ্যানেন। জীতগবান তার মংস্য-অবতারক্রপে সভারত মনু, পৃথিকী গ্রহ এবং উন্ন মাণভীয় উবনি সামগ্রী রক্ষা করেছিলেন। মহারে**লরের অগ্**রণশি থেকে তিনি ঐকব রক্ষা করেই। ব্যাহ অবভাররতে জীভগবান, দিকির পুত্র হিরণচন্দ্রক বৰ করে প্রদান সমূদ্র থেকে পৃথিকী উদ্ধান করেন। স্বার কুৰ্য অৰ্ডাৱকাশে ডিনি মন্দাৰ পৰ্বতটিকে টাৰ পৃষ্ঠদেন ধানৰ করেছিলেল বাতে সমূদ মহান করে অনুত উল্লেখন করা হরে। ইপ্রিরাজ গজেজ খখন কৃমিকের প্রান্তে জীবন কট্ট পাছিল, তথন প্রভাগন ভাকে রক্ষা করেন। স্বথন ব্যল্পিলা নামে কঠি পুমাকৃতি বামন কৰিবৰ্ব গোপুৰের গর্ভের কলে গড়ে গেগে ইমে পরিহাস করছিলেন ভখনও প্রীপ্রবাসন খ্রানের উদ্ধান করেছিলেন। ভারণতে ইন্ত হংম ব্রাস্রকে বধ করে পাপের কলে ভয়সার অধ্যে প্রবিষ্ট হয়ে গড়েছিলেন, তখনও শ্রীভগবান উচ্চে ক্ষম করেন। কর্ম কেলেক্টাগণ নির্রাহ্রভারতে অসুরদের প্রালাদে বনিনী হয়েছিলেন। শীক্ষণবানই তথন উচ্চেঃ উদ্ধাৰ করেছিলেন। শ্রীনৃসিংছ অবভারের লাগ্যমে ইভিগ্ৰাহ হৈছাবাৰ বিখণ্ডশিশুকে খণ কৰে সাধৃতভাবৃত্তকৈ কয় থেকে মৃত্য করেন।"

"প্রেমেশ্র শ্রীভগবান অসুর্দের নেতাগণ্ডে বধ করবার উদ্দেশ্যে দেকতা ও অসুরদের মধ্যে বৃদ্ধ বিরদের সুযোগ সর্কাই প্রহণ করে আকেন। এইভাবে প্রীক্তবতন প্রত্যেক মনুর রাজওকালে তাঁর বিক্রি অবভাররপের মাধ্যমে বিশ্বস্তন্মাণ্ড রক্ষা করে দেকতানের উৎসাক্ প্রদান করে থাকেন। প্রীভগবান বামন রূপেও আরির্ভূত হয়েছিলেন এবং বঙ্গি মহারাজের কাছে বিলাদ পরিমাণ ভূমি ভিক্ষার ক্ষমের পৃথিবী অধিকরে করেন। স্বরণরে শ্ৰীভগৰান সময় পৃথিবী অদিভিন্ন পুত্ৰপদক্ষে সমৰ্থৰ করেন। স্কণবান শ্রীপরওরাম স্বরিফরাণ শ্রীকৃওবর্ডা আবিৰ্ভূত হলে হৈহন বংশ ভাষীভূত করেন। এইভাবে জীপরওরাধ একুশবার পৃথিবীকে স্কল ক্ষরিরগণের আধিপতা খেকে মুক্ত করেছিলেন। সেই গুণকানই

প্রিরামচন্দ্রকালে সীভাবেধীর স্বামী হরে দশালা রাবশতে শ্রীলভার সমত দৈন্যসমেও নিয়ন্ত করেন। পৃথিবীয় একার হলাকারী। বীরোমচয়ের কর হোক। পৃথিবীর ভার কাৰ কাল কৰা, কালাইড জাভগৱন বৰুবাৰে কালাইড প্রত্যকা একং দেবতাদেরও জনাধা কীর্তি সংখ্যা করবেন। নাল্ড ক্ষতবাদের ক্ষকভারণার মধ্যমে জীভদবাদ বৃদ্ধবাদে ডিনি বৈনিক ক্ষাকর্তাদের জ্বেনায়তা প্রমাণ করে তানের

বিয়েহিত করকো। আর কবি অবস্তারকণে শীশুগবান শুক্রমেশীর শাস্করণকে কলিবুলের অবসামে নিখড करारकः। (इ काकानामी बलावन, विशेद पापि वर्षन কবলার, সেউভারেট কিংবেলারে প্রথেশন ইন্দিশনানের অগণিত আহিত্যি ও জীলা প্রকরণ আছে, আ আমি श्रथनहे वर्धना करतिहै। कर्तावकरें, गहरमपत श्रीकावातना यदिया जनदाः"



পঞ্চম অধ্যায়

বসুদেবের প্রতি শ্রীনারদ মুনির উপদেশের শেষাংশ

ধোলেন্দ্রবর্গ, আপনারা সকল্টে আরতম বিজ্ঞানে বিশেষ প্রদেশী। তাই, যারা শীবনের অধিকালে সময়েই প্রমেশ্বর ভগবান শ্রীহরির ভঞ্জন্য করেনি এক ব্যরা ভাষের স্বাগতিক কামখা-বাসনার প্রকা মেটাতে সক্ষয় হতনি একং বাহা ভাষের আত্মসংক্ষ করতে শেবেনি, কাচের পতি कি ববে, সেই বিষয়ে আমাতে কুপা করে। থবাইড কলন।"

शिष्ठमम् मृति वलालन---"श्रदायश्व छणवात्तवः বিধবাৰে মাত্যমে তাঁয় খুৰ, হাত, উক্ত এবং পদৰ্শল থেকে প্রকৃতির বিভিন্ন ওপের সংমিশ্রণে সৃষ্ট প্রাথণ প্রমুখ নেইভাবেই চার প্রভার পারমার্থিক সমাজ চতুরাপ্রম ব্যবস্থাত প্রচলিত হয়েছিল। চাতুর্বর্ণ ও চতুরালমের क्कान्छ स्कृत स्वि 'छास्तर भृष्ठित मृग मराज्ञास्तरण गरायस्त क्रमनान्दक लुका-काडाधना सानारक गुर्व इत्र किरया रेक्ट्र-वृद्धक करवाकत करत, छात्र छात्र कीय वर्गमात অবস্থান খেকে পথন হয়ে নারকীয় জীবন বাপন করে। বহু লোক আছেন বারা প্রথেবর ভগবনে ঐহরির

নিমিরাক্স আরও কানতে চাই লেন---"হে প্রিয় প্রেক্স মুক্তমাধ্য হয়। েনই বরনের নারী, শুরু এবং অন্যান প্তিতমানের সর্ববাই আপনার মতো মহানুভব ব্যক্তিদের क्षा चिन्त्रकी इस्त शहक। चनानित्क, हावास्त्रहा, व्यवनावर्ग अवर देवनावन देवनिक वीकानुकारना माधारम ছিলার প্রহণের পাষেও পর্যান্ধর ভারতার জীহতির চরশক্ষালে আনার প্রহণের জন্য উল্যোগী হতে পারলেও, বিবার হরে কল প্রকার জড়জাগতিক ফর্ণনাদির পস্থা অবসমন কনতে পারে। কলাশ্ররী কার্যকর্মের বিবরে অন্তল এই গরনের গর্বোদ্ধত মুর্থগোলের বেদসভাতের মধ্যম ব্যক্তে উজাঁকিত হয়ে নিজেদের মহাণতিত মনে ৰূত্ৰে আৰম্ভাৱিতা ৰেখ্যৰ একং দেবতামেৰ প্ৰীতিসাধনের বিভিন্ন সামাজিক চাতুৰ্বৰ্ণ ব্যবস্থা উত্তত ব্যেছিল। উদ্দেশ্যে চাটুকরী প্রার্থনাদি নিবেদন করে খাকে। ্বজোগুৰের প্রকাবে, বৈদিক শাবের স্বাভন্তাগতিক অনুসর্বীদের মধ্যে উপ্ত মার্নমিকতা জাগে এবং ভারা পাড়াও কাম্প্রকা হরে থাকে। ভাষের ফ্রেন্ড সালের भरण केंद्र रहा। शरकक, करकारी अक नानागरी और াৰ মানুকের ভগকন জীব্দ্যাভাত তিয় ভাতনের পরিহান কংব থাকে। থৈনিক বাৰবজানির জড়জাবডিক অনুসর্বকারীরা ইভিগ্নানের উপাসন কর্মন করে, ভার নশ্লবে আলোচনার অংশ প্রহণ করতে প্রয়েম বা এবং - পরিবর্তে প্রকৃতপক্ষে করবে জীবনে ভাষের স্তীদেরই তাই জীলাগানের ক্ষত্তর কীর্তি গাখা উচ্চালা উদ্দের ক্ষমন ক্যতে থাকে, এম ভার কলে ভালে গুয়ব্বীকা

अध्यक्तरको रेमधुनामकियद हरत केठेरक माना कर। अरि *মাটোর রাডরাপ্রতিক গৃহস্থ পরিবারবর্গ পরশ্বরকে এবই* হক্তমের অধিনাক্ত জীকনগারার অভান্ত হতে করেছনা पिटा पादकः वाजवरकात अनुष्ठानावि नववे देवदिक शक्तिभागातव समादि धारमस्य शहरासमीय क्रियानम् महन भवात गरण, जे नर गृहाङ्गा अञ्चन शतरात घरेरथ छैरनर অন্টানলি পালন করতে থাকে, যেখানে ব্রাহ্মণনের একং অন্যান্য সম্মানিত ব্যক্তিদের মধ্যে বাল্য কিংবা দল বিত্যালর কোনই ব্যবস্থা থাকে নং। ভার পরিবর্তে, ভারা নিষ্ঠক্তাৰে ছাগু ইত্যামি নিরীয় পণ্ড হত্যা করে থাকে acu: प्रदासन (अंड काउन्स काव्य-प्रदर्भत विवाधन अस्टिप्टनाइनस হুখা কোনওভাবেই বৃথাতে পারে না। বিপুল সম্পদ, ঐশ্বর্য, পারিবারিক অভিজ্ঞান্তা, শিকানীকা, ত্যাগ, রাগ-**्रीभर्त, (महत्तम क्या दिनिक प्रियाकार्य महत्त्व मार्थक** ঋনভানাপির মাধ্যমে বিখ্যা অহমিকার খল চরিয়ের মানুবদের বৃদ্ধি লোপ পার। এইরকম বৃধা পর্ববোধের ফলে, খলবছিসক্ষার লোকেরা পর্যালের ভাগরান এবং তার স্বক্তমধ্যনীর নিকামক করতে থাকে। পরমেশর क्षायान श्राकाय (महस्योदी कीएक चलात निक्र विदाक्षण्यन পাকেন; ডা সক্তেও ভগবান পূথকভাবেও বিহাৰ করেন, हिक रहाम चाकान अर्ववाश हरत शकरतन, रकास्व किर्मार आप रहार नरक वरकवारत मिल वाद मा। এইডাকেই শ্রীভগবাদ পর্য অরোধ্য এবং সম কিছুনই পরম সিয়ন্ত। বৈদিক শান্তসভারে তাঁকে বিশক্ষাৰে। ওণাৰিত করা হারছে, কিন্তু বাবা বৃদ্ধিরাই, ভারা ঠ্রীতগরাম সম্পর্কিত ঐ সব ওগাবলী ভারতেই চার মা। ডাবের নিজেবের মানসিক কলনাগুস্ত জালেচেনার প্রসঙ্গাদি কা অবধাবিভভাবেই মৈধুনাছার এবং আমিবাহারের মতে মুদ্দ ঋডবাগতিক ইন্দ্রির পরিভৃত্তি সংক্রান্ত কথাবার্তা, সেইওলি নিমেই ভাগের সময়ের অপবার করা তারা গছল করে। এই জডজাগতিক পৃথিবীতে বন্ধ ঋীৰ সৰ্বদাই মৈধুন অভ্যাস, আমিৰ আহল এবং লোভাং বিষয়ে প্রবর্গতা লাভ করে পারে। चल्यव वर्भभावामित्र कचनहे वहरू से बदरमव ক্রিয়াকলাপের উৎসাম্ভ দেওয়া হয় নাঃ বলিও সামীর অনুশাসনাদির কার্য প্রিত্র বিবাহরীতির মাধ্যুরে মৈশুনাচ্যকের সুবোধ, বজার্যান্ডর আধ্যুক্ত নিবেণিভ

পভয়ংসের আহারের বীতি, এবং বজ্ঞানেরে শারসক্ষ োমরস পালের রীতি অনুমোদিত হয়েছে, তবে ঐ সকল অন্ট্রান্থি কোনও মতেই নিরাগড় কৈয়গা সাধনের চরছ উদ্দেশ্য সংখনে সহায়কজনে অনুমোদিত হয় মা। a হর্ম হতে বিজ্ঞান ও মেক্সেসাধক জ্ঞান উৎপাই হয়, ভাগাল হর্মকত্য সম্পাদনোপযোগী ধনকে হারা কেনেয়ার আছেভিয়-কৃত্তিসাধনের জন্য ব্যবহার করে, চাতাতা পুরন্তবীর্য স্বত্যর কথা চিন্তা করে না।"

"दिक्षिक चनुनामन चनुमारक, यथन वसानुकारनक উংসক্রদিতে সূরা নিকেন করা হয়, তা বজের নতে ছালের মাধানে আতাদন করতে হয়, পান করা হয় না। সেইভাবেই, পতকে আছতিখন্তাপ নিবেমন ক্ষান্ত বিধান দেওয়া আছে, কিছু নিৰ্বিচাহে খ্যাপকভাবে প্ৰাপিহত্যাৰ কোনও ব্যবস্থাই নেই। ধর্মচারণের মাধ্যমে মৈথন बीदनवान्द्रनवे चनुर्यके स्थवा द्दवर्थ किन्न जा ख्यात दिवार खनकृत संशास म्लाभाषित कारकरहे करा এবং দৈহিক সুৰত্তি উপডোগের জন্য অনুমেদিত হরনি। পূর্তাগারণত, অবন্য বন্ধবৃদ্ধি সম্পন্ন জড়বাদীরা কুৰতে পাত্ৰে না যে, বস্বভাবে পারমার্থিক ক্রারেই ভানের শ্রীকাধরো পরিচালনা করাই উচিত সেই সমস্ত পাপাচাত্ৰী মানুষ ৰখাৰ্থ ধৰ্মনীতি বিবাহে অঞ্চ হাজেও নিজেশের সম্পূর্ণ ধার্মিক যনে করে, ভাই নিবিচারে ঐ সং নিবীহ পণ্ড বারা তালের উপরে পূর্ণ বিধাস নিরে থাকে, ভাষের উপর হিলোক্তর আচরণ করে থাকে। ভালের পরজ্ঞানে, এই সমন্ত স্পলাচারী মানুবভলিকে এই পতওলিট আবাৰ হত্যা করে ভক্ষণ করে থাকে। বছলীবলণ সুদ্ধ হেছবছনে ভাবের নিজেদেরই মৃতদেহকৎ জন্ত শরীরটির সাহে একং হোনের আর্থীয়কলন ও পরিবারবর্গের সাথে আবদ্ধ হয়ে থাকে। এই ধরনের बरानगर अर वृद्धिक व्यवसार, यह सीरानग व्या नकन चीर, दयन कि नकन चीरदन चतुर्गायी अहरमध्य ভাগকন শ্রীহরির প্রতিও ইর্বান্থিত হয়ে উঠে। তার ফলে ইববিশে সকলকে মনোকট দেওৱাৰ কলে, বছলীবগণ ক্রমশই নরকে অধ্যপতিত হাতে থাকে।"

"বারা পরুম ভরজান কর্মনে সক্ষম হয়নি, কর্মত সম্পূৰ্ণ অঞ্জানতার অস্থকার অভিক্রম করেছে, তারা সাধারণত বর্ষ, অর্থ ও কাম নামে অভিহিত পুণা পবিত্র

ল্লড়জাগতিক স্বীকনযাপঢ়ার ত্রিবিধ মার্গ অনুসক্ত করে আৰে। অন্য কোনও প্ৰকাৰ উক্ত পৰ্যায়ের উল্লেখ্য সাধনে ভাকনচিতা করবার মতো সময় ভাবা পায় বা বলেই আপনার আকার ওছতা হনদকরে। জীব হরে বাচ। আত্মনকারী জীব কথাই সুখী হব না, কারণ ভারা রনে করে বে, ভড়জাগতিক জীবনবাব প্রসারিত করার উদ্দেশ্যেই মূলত অনুক্রে বৃদ্ধি কলে স্কানতে হয়। তাই ভবার্থ চিমার পারমার্থিক কর্তবাহালিকে অবংক্ষে করে ভাবা সৰ্বদা দুৰেভোগ কয়তেই থাকে। বিশুল ক্ষাৰা এন হথে ভারা পরিপূর্ণ থাকে, কিছু দুর্ভাগ্যবদত নিয়তই এই त्रव किंदूरै कारणव वृष्धनीत अवरकरन भारत रख गा। খ্রীন্তগবানের মারাশক্তির প্রভাবানিত হয়ে ব্যর পর্যেকর क्षत्राम कामूरमरवद शक्ति विमुच इरध करवरह जाक পরিশামে ভাষা কথা হতে ভাষেত্র করবাছি, সজনাদি, বন্ধবাৰৰ, খ্ৰী-শ্ৰেমিকা কলতে বা কিছু কেণ্ডাৰ, পৰকোন ক্তাবানের মানাশক্তির মাধ্যমে সৃষ্ট সেই সম কিন্তুই মেরা পরিক্যাপ করতে বাধ্য হয়, এবং বিশ্বস্থাতের মৃতীর তথসাধর প্রদেশে উল্লো ইক্সর বিরুদ্ধেই প্রনিষ্ট হতে খাকে 🖺

"নিমিন্তম প্ৰথা কনকেন, বিভিন্ন বুলের প্ৰায়েকটিতে পর্যযেশ্বর শুগবান कি कি বর্গে এবং কোন কোন স্কল निदा स्थायिक्षंत्र इस, अवर कि कि नाटा छ कि शहरना। বিধিনিয়মানি সংখ্যারে খানৰ সবাৰে শ্রীক্তব্যন পুঞ্জিত सम्बद्धाः १

শ্রীকণাভাষান উত্তর দিলেল—"সভ্য: মেতা, খাল্যা तरर क्लि--धेरे अर्जकपुरन क्षमक बीरक्नर कारवार्ग, নামে এক আকারে আবির্ভূত হন এক সেইভাবে নিবিং প্রক্রিয়ার আরাধ্য হরে খাকেন। সভাবুদে ভরবান বেতক ও চতুর্ভুঞ্জনে কটাধারী ব্যৱস্থিতিত হন। তিনি ক্ষাহ্মিকের চর্য, পরিব উপনীত, ক্লপঞ্চাক, কত ও ব্ৰশাচারীর কমওল বহন করেনঃ সভ্যকুল মানুৰ পাও चक्छित्रच्या, देवीयर्किंट, वर्वकेंद्रव विज्ञकाराच्या अवर वर्व বিবরে সৃষ্টির থাকে। **ওছ** ভলস্যা এবং বহিরিভিবাদি ও অন্তরিপ্রিয়াদি সংখ্যের মাধ্যমে প্রমেশ্বর ভাগবানের আরাধনা করেন। বীভগবান সভাবুগে হলে, সুপর্ণ, रेरकृष्टे, वर्ग, रवारमधन, चमन, जेबह, वृक्तव, कराक अवर পরসাঝা নামে মহিমাধিত হন। রেজায়ুগে ইটভাবনে করন।"

বন্ধ বেচবৰ্গে আবিষ্ঠাই হন। তাৰ চতুৰ্ভুল, স্বৰ্গৰৰ কেশরাভি থাকে একং তিনটি বেদদায়ের প্রত্যেকটিতে ইনিক্ত হওয়ার লক্ষণ করণ তিন্তি মেখলা পরিধান कर्तान । क्यानि चनुस्तित्त श्राधारम कारता विनामना সম্মাত ঋক, সাম ও বজুঃ কেলাপ্রওলির প্রতীকন্ধরণ वक छैनकानावि सर्ग वृक्, सूच अवर कनामा माध्यी তিনি ধারণ করে বাকেন। ত্রেতাকুমে বে সকল মানুহ ধর্মচরণে অভাত হর এবং আনুরিকভাবে পরমতম্বন্ধান অর্জনে আগুরী হয়, তারা বে ওগবান জীহরির স্বাথে নকল দেবতা অবহিত বাকেন, তাকেই পূজা করে। তিনটি বেদশান্তের ভাধ্যমে নির্দেশিত বঞ্চারিদভাবি অনুষ্ঠানের স্বারা শ্রীভগবানের অরাকনা করা হয়ে পাকে। মেতাবৃদ্ধে জীভগবানকে বিষ্ণু, কল, পৃথিগৰ্ড, সৰ্বদেব, উক্তরুক, বৃহাক্তি, জরও একং উল্লেখ্য লামে স্থানিত হয়ে श्रीर कर ।"

্রিপর বৃধ্বে পরফেরর ভগবান লীত বস্ত্র পরিধান করে শ্রাম বর্গে অবচরণ করেন। এই অবচরশে কাবানের দেহ খ্রীকসে ও জন্যান্য কৈনিষ্টামূলক অসম্ভাৱ যায় চিহ্নিত খাকে এক তিনি তান নিশ্বৰ অৱসমূহের প্ৰকাশ ঘটনা। হৈ রাজন, পরম ভোজা প্রমেখার ভাবনেকে থাগর খুগোর যে সকল মানুব অবগত হতে অভিলাকী হতেৰ, জারা বৈদিক দান্তাৰি একং ভব্ৰখন্তাকি উক্তৰের বিধানটো অনুসরণে পরম ছোক্তার মর্বাদার জনবানকে মহারাজের সারাও জানিরে পূজা করে থাকেন।

^করে পরজেবর ভাবান প্রীবাস্থাব, আপনাকে প্রবৃত্তি ভানাই, এবং আগনার অভিপ্রকাশ-রূপ প্রিসংকর্মণ, ৰীবদ্যম এবং শ্রীমনিজকে উদ্দেশ্যে প্রদাম কানটে। তে পরম প্রবেশ্যম জ্রীভাগনান, আপনার উন্দেশ্যে সর্বশাসক হণতি জানাই: হে জীনারারণ কবি, হে দিশরকাণ্ডের জন্ম, পরম পুরুষোত্তম, বিশ্বরক্ষামন্ড্যা প্রভু, এবং স্থার্থ বিশ্বরণ বিশেষর, হে সর্বভূতাকা, আগনাকে সর্বপ্রকারে নমকাৰ জানাই।" হে রাজন, এইভাবে ভাপরবুগের ফনুবেরা বিশ্বপ্রভাতের অধিপতিত কলনা করতেন। क्रियुर्व बानुब विद्या नाजापित विदिध विधिनित्रमापि चानुमतरमार प्रांचारम भागारमधा चम्मारमा चाताधमा करत আকো। এখন কৃপ্য করে আহার কাছে এই বিবরে হাবণ

"কলিবুলে বেশব বৃতিমান মানুবেরা ভাগবৎ-আরাধনার উল্লেখ্য স্থীতন বন্ধান্তান কলেন, ভারা অবিয়ান ইক্তের ন্ম্যানের স্বধামে ভাবং-আকভারের জারাধনা ৰতা থাকেন। যদিও উল সেহ কৃষ্ণাৰণ নয়, তা হলেও ভিনিই বরং প্রীকৃষ্ণ। তার সঙ্গে পর্যধরণে রচেকে **छतः सन्दर्भ गरीकः, (मरकनः), सञ्च अवर मह्**र्यारीक्**य**। য়ে প্ৰকৃ, জাগনি মহাপুৰুৰ, প্ৰায় পুৰুবোত্তৰ প্ৰীভগৰাৰ, এবং ব্যালয়ের হওয়ার একমাত্র নিতা বিবস্থয়াপ আপনার क्षेत्रवनम्ब व्यापि कपन्त कति। अहे इतन मुचानि অভ্যান্তিক জীনচার বিজাতিকর পরিস্থিতির অধ্যান খনৈত একং জীবাজাৰ সংবাচচ বীসনা আৰু ভাবেছজিক অভিনাৰ পুরুষ করে। প্রির প্রড, আপনার স্ত্রীচরগঞ্জন সভাগ তীর্থ এক ভাগড়বিদা সকল তীর্থনেক ও সকল মহাপ্রকর্মার ভঞ্জিসেরার আপ্রার প্রদান করে এবং দেবদিৰেৰ শিৰ ও ক্লয়ে হতো শক্তিয়ন শেকথানেরও প্ৰছা আকৰ্ষণ করে খাকে। তে প্ৰভ, আগনি এমনই কৃপানর বে, বে স্থাল মানুধ প্রকাভিত্র আগনার করেছ প্রণত হয়, ভাষের সক্ষাকেই আগনি সানবে সুরক্ষিত রাকের এক আপন্তর সেবকনের সকল দুরুদর্শনা আগনি প্রভাষন করে প্রাকেন। পরিশেবে, যে প্রভ, স্বাস্থাসভার ক্তবসাসর পাড়ি দিয়ে হলে আপনার ক্রীচরনকম্পটি বর্ণর ভবনীক্ষেত্রণ, জাই দেবাদিলের শিব এবং প্রশাও আপনার শ্ৰীচৰণ কালের আপ্রত অভিশাৰ করে পারেন। হে क्यानक्त्व, चानवार क्रिक्र्यनग्रविक चावि क्यारा करि। (व হালাপারীর সাম এবং তাঁর সকল ঐবর্থ ত্যাগ করা অভীব কঠিন লাভ একা কেবতাগণও যা অৰ্জন করণ্ডে আগ্রহী, খাপনি সেই সকলই বর্জন করেছেন। ধর্মনাথের একনিট অনুসারী হয়ে অলমে তাই প্রাক্তরে অভিনাপ অনুধারী কাগ্যান করেছেন। একান্ত কুপারণে আক্রি মাতামুখ সম অধ্যক্তিত বন্ধ জীবনাধের অনুধানন করে চলেন্ডেন, এবং সেই সভে স্বাপনার ইন্দিত লক্ষ্য ভারান विनाममुख्यात अनुमहातः निरशक्तित गुरुर्ह्णः। ध्येकार्वरे, १२ वासा, भन्नरमध्य क्रमश्रम श्रीवृति जीवर्गना স্থান আকাশ্যিত কল্যাপপ্রদাস। বিভিন্ন মূপে শ্রীভগবান जनम वित्तव अन अदर नाध्यत वाध्यत शकांनेक हुन्। ব্দিমান মানুকো তাঁক আবাধনা করেন। যথার্থ জ্ঞানকান केंत्रस (सनीव भान्तरदा तहे कांनवानद वशार्थ महा

and by

इन्सिक् कराउ प्रकार होते। यह स्वर्गन कानमूर মানুষের কলিবুগের প্রশাসেই করে সাবেন, ফেন্ডেডু এট ध्यसभाजरमञ् भूरम् मारं महीर्त्तरम् यासास्य ध्यमासारा জীবনের শকল বাঞ্চিত সক্ষ্য অর্জন করা খন। জন্মাই এই ৰত্ব ক্ৰমতেৰ সৰ্বত্ৰ প্ৰায়মোণ থাকতে বাধ্য বছ জীবাস্থাদের পক্ষে পর্যেশ্বর জীতগ্রাদের সভীর্তন আন্দোলনের মাধামে সিজের পরম শান্তি লাভ এবং কর ৰুভুৱে আবৰ্ড খেকে মুক্তিলাক করতে গারার চেক্তে অধিকতর জাতের সম্ভাবনা কেই।"

"(ह ब्राक्टन, अफायून अकर फोन्समी यूटमा मानस्कत। পরমাশ্রহে এই কলিবুগে জন্ম এহল করকে চাব, যেতেত এই হলে প্রবেশর উগবাদের অনেক ভক্ত হরেন। বিভিন্ন সামে এই সকল ভক্তপণ আবির্ভ্ত করে, কিছ বিশেষভাবে ৰক্ষিণ ভায়তেই ক্ষপণিত ভক্ত থাককে। তে নৱগতি, কলিবুৰে যে সকল মানুৰ ভাৱপানী, কুচুৰুল্য প্রতিনী, অতীর পবিত্র কাবেরী এবং প্রতীকী মহান্দীর জন পাস করেন, তারা অধিকাংশই পরম পুরুষোর্য ভগবান প্রীবাসুপেবের নির্মনহন্দর ডাভ হবেন। তে রাজন, বিনি সকল প্রকার কড়ভাগতিক কড়বার্ডর পরিত্যাথ করেছেন এবং সকলের আপ্ররদান্তা প্রীকৃত্থের শ্রীচরণকমনে আশ্রর প্রথম করেছেন, তিনি কোনও সেও-মেবজ, মুনিকৰি, সাধারণ জীব, লোকজন, আৰীয়বজন বন্ধবাদ্ধৰ, সামকলাতি কিংবা প্ৰয়ালকগত লিভপ্ৰদানৰ কাষ্টের কেনবভাবে পদী হয়ে খারেন না। বেচেড ঐ সমত রোগীর জীবাংশই পর্যায়েশ্বর প্রদারনের তবিজেল বিভিন্নাংশমার, তাই বীভন্নবানের কেবার আভনিবেদিত মানুষকে আর ঐ সমস্ত মানহমের পথকভাবে শেব ক্রবার প্ররোজন থাকে লা। এইভাবে যিনি জন স্কর্ম প্রকার নিশাকর্ম কর্মন করে পরমোশর ভাগরন শ্রীহরির চরণকমলে পূর্ণ আত্রার গ্রহণ করেছেন, চিনি ঋগবালে অতীব চিবজন। তত্ত্ব, বলি ঐ ধরনের কেনত অন্তেসমর্গিত জীব শুটনাচত্তে কোনও পাপকর্ম করে থাকে, তা হলে সকলের সময়াসনে বিরাজিও পর্যোগী ভগৰান অচিত্ৰেই শেই ধরনের গাণের কর্মকন ইংশ কর निरंद चारकनः"

জীনাত্রথ অনি বলাজন —"এটজাবে ভাগবন্তাওনসভা বিজ্ঞান কথা অবণ করে হিথিলার ব্রাজা জীবিহি

বিশ্বসভাবে প্রীতিশান্ত করেন, এবং কজের শুরোফিডানের সপে নিছে, তিনি গ্রহ বছা সংকারে জীলচখীর প্রবিত্না প্রমের প্রতি পূজা নিধেন করনে তথ্য স্তুলভিত সকলের তোৰের সামনে খেকে সিভপ্রসাল অর্থার্থত ছলেন। তীয়ের করে থেকে নিমিলাক প্রমাণিক জীবনধানার যে সকল নীতি শিক্ষা লাভ করেছিলেন, ছা নিষ্ঠা লক্ষারে পালনের যাগ্যকে তিনি জীবনের পরত্র লক্ষ্যে উপনীও হতে পেরেছিলেন। তে প্রম জাধারান প্রীকসুদেশ, আগমি ভাগবছন্তি কোনামূলক নীতিকথা ল किह क्षारामा, का विनाककारत (काल कान्यतम कान्य कार তা হলেই, অভ্যাগতিক সদ মুক্ত হতে আগনি প্রদেশকার উদ্দেশ্যে গমন করকে। অবশ্যই, সমগ্র জনৎ আপনার এবং আপনার পড়ীর মহিমার পরিপূর্ণ इस्य केंद्रेट कालम् भारम मुक्टबालम समयान क्षेत्रति আপনার পুরু মতে অবতীর্ল হরেছেন। হে তির বস্থাবে, অপন্যনের পুর্বাপে প্রিকৃষ্ণকে প্রশে করার কলে, আপনি এবং আপনার পদ্ধী দেবতী অবশাই ভগবান জীকুংকর প্ৰতি বিশ্বভাবে দিব গ্ৰেমভাৰ অভিব্যক্ত করেছেন) ৰাভবিকই, আপনায়া সকল সময়ে শ্ৰীভগৰানাক দেখেছেন, তাঁকে আলিকন করছেন, তাঁর সাংখ কথা बनाइम, छात्र भारच विज्ञाय श्रद्भ कंतरहर, छात भारच উপ্ৰেশন করছেন এবং তাঁর সাংগ্র আহার ভোঞ্জন করছেব: এই জীভগবানের সাধে ভেহতন নিবিভ্ मेनकाएको करन विकासनाम् जानवासां केलस बानवासम् ক্ষাব্যক্তি সম্পূর্ণভাবেই **ওছ** করে নিয়েছেন পদ্মান্তর क्ष्मा इत्म, काशनाया देशियरश मार्थक द्वार केटिंग्स्न। লিওপাল, লৌভুক এনং শাস্থ অমুখ শক্রভাবাল*য় রাজা*র নকন সময়ে ওমবান শ্রীকৃত সমূহে প্রতিকৃত চিপ্রাধানর

ইতে। এফনক তবন তাবা বহুনে, উন্বেশনে কিংবা অন্য কোনত ভাৰতাৰ্য নিয়োজিত থাকত, প্ৰথমত প্রীক্রবানের শারীবিক প্রতিবিধি, উপ স্থ্রীড়া কিনেকন, देख क्छन्त्रका श्रीट क्षाममा नृष्टिनाछ, अवर कानामा আকর্ষণীয় ভাববিশাদের প্রতি মন উর্বাভয়ে আকৃষ্ট এবং বছ হত। এইভাবে সকল সময়ে প্ৰিক্জতিকত ভালেত मन यथ शांकात करण, उस्ता कनवहारम विश्व पूक्ति कार्यन करविति। जो वृत्ति वाहा चानुकृतकाद्व cenna ফানিকভার স্কল্পকা শ্রীকৃষ্ণে চিক্তর ভাগেও হল সকল সময়ে মহা রাখে, সেই সকক অনুরকী ভাতজনের কথা আর কী বলার আছে । জীকুককে সাধারণ লিও হবে ক্যানে না, করুব ভিনি পরম পুরুবোর্য্য শ্রীভগরান, অব্যয় অনুতে, সর্বজনেই পর্মাশ্বাসকল। শীক্তগরান অচিক্সীর ঐশ্বর্য ক্ষেপন রেখে, সাধালর মানুবের মধ্যেই দাবিভূত হয়ে বাকেন। পৃথিবীর কার বৃদ্ধিকারী দাস্ত্রিক রাজ্যদের বধ করে ছবিতৃশ্য হুক্তদেও জন্য প্রথ भूमरवास्त्रम् बीखनवान स्वयंशीर्ग द्वा । सर्वनाः, सामूद्र व्यवर গুড়বুৰ উভৱকেই জীড়গৰং-কুপায় মৃক্তি হাদান কলা रहा। धारेखारवरे, चेल भिना मन विश्वज्ञारका नर्वत প্রসালোভ করে থাকে।"

শ্ৰীল ওক্তাৰ গোৱামী আমত কল্পন্য —"এই কৰ্মনা কৰে, মহাজগায়কান জীকাপুদেৰ বিশাৰে সম্পূৰ্ণ কভবাৰ হলেন। এইডাবে তিনি এবং তার মহাজাপ্তবতী ব্রী बीवडी (मदनी मध्य केंद्रश के दिवालि स्त्रीन करन তাদের দ্বলয় শান্ত করলেন। এই পুনা কথি। ঐতিহাসিক के शाकारन विनि अकाश गाम शानजध इम, किनि ইংজীবনের সমন্ত কল্পকতা থেকে নিকেকে মূল্য করেন এবং পর্যা পারমার্বিক সিদ্ধি লাভ করতে থাকেভ:"

Callen CAUSE College

ষষ্ঠ অধ্যায়

যাদবদের প্রভাসে প্রস্থান

শ্রীল কুকদের গোরোমী বললেন—"ওখন শ্রীরন্ধা ভার আলন প্রদেশ নিয়ে দেবতাহর ও মহান প্রজাপতিদের সালে ছারকা অভিমুখে ছাত্রা কর্পোন। সকল জীবের প্রতি শুভগুনায়ী দেবাদিদেব শিবও বছ ছতপ্রেতাবি পরিবেটিত হরে গিরেছিলেন। পরম শক্তিয়ান দেবতাথ ইয়ে ভখন বভংগৰ, আদিতাগৰ, ত্যুক্তব্যাশ, অকিনীসপু, অলিরাধি বিশ্বদেশগুণ, সাধানণ, बद्धर्यभाग, समायासन, माध्यन, शिद्धश्रम, हार्यसम् শুহাকরণ, মহর্বিরণ, পিতৃপুরুরগণ এবং বিদ্যাধরণা ও কির্যাণ সমন্তিব্যহারে ভারতন রীক্তের দর্শনামতের আশার হারকা নগরীতে উপস্থিত হলেন। পর্যেশর ভগবান শ্রীকৃক্ষ তাঁর লিভারতো সকলকে নিয়ন্ত্র করলেন ध्येदर मध्य दिच्छकार्थ निक यन रहारना कंतरनन। ইতিগবানের গৌরবলাথার মহিমা সমগ্র বিশ্বর্থাতেই কল্বতা হরণ করে থাকে। সর্বপ্রকার শ্রেষ্ঠ ঐপর্যমন্তিত অতি সমৃদ্ধিশালী সেই বারকা নগরীতে, দেকতাগণ ভাষেত্র ব্যকৃত নরনে শ্রীকৃত্বের আন্তর্য রাণ অবলোকন করলেন। कार्यव উभवन्त्रको एवएक जाना चन्नामानाधिएक स्वरूपान পর্যেশ্ব ভগবানকে আঙ্গাদিত করে। ভারপরে তাঁরা তার গুণদান করেন, ক্রুবংশের থেষ্ঠ পুরুষ রূপে বিভিন্ন মনোবর বাকা এবং ভাবসংশিক্তণের সহাতে।¹⁷

দেবতাপৰ কলতে লাগলেন—"আমানেই তিয় ভসক্তন,
কঠোর অভনাগতিক কর্মেনেই থেকে মৃতির প্ররাদে উন্নত
ধোনীয়া তাঁদের ভারতে আগনার পানপারে গতীর তিতি
নিবেনে সহকারে থান অরে থানেনা; আমারা, দেবতারা
আমানের বৃত্তি, ইন্সিয়ানি, প্রথবারু, ফা ও বাকোর বারা
অপনার ত্রীচরণনামলে প্রণতি আগন করি। হে অব্যান্ত
শ্রত্তং আহং আগনারই মধ্যে প্রকৃতির মৈতাগার সৃষ্টি
মান্যাপিনর মাধ্যমে অভাবনীয় রাগে প্রভাশিত বিভাগোত্ত
আগনি সৃষ্টি, রাজ এবং বিল্ব করে থাকেনা। মাধ্যমিতির
পরা অধিকার্তারাধে সেই অন্তা প্রকৃতির ধান্যানিত্ব
পারশাবিক ক্রিয়াকর্মের মধ্যে আগনি অধিকিত ব্যাহান্তে

বলেই প্রতিভাত হত্তে থাকে, তবে, ককাই আগতি ক্ষভন্মগতিক ক্রিরাকর্মাদির মারে ক্ষতিত হরে প্রভেন _{মার} বন্ধত, আপনি বিনাবাধার সদাসর্বদা আপনার মিছ সচিধানক সূত্ৰ নিময় বাবেশ এক ভাই কে জনসায় থীভগৰাম, কোনৰ প্ৰকাৰ অভ্যমাগতিক নিয়াকটোৰ ফলাফলে আপনি কথনই নংপ্রেমিত হল না। হে প্রাক্রীয় ত্রেইপুরুষ, বালের রেডনা মায়ার বারা কপুরিত হারেছে তারা কেবলমার সাধারণ পূজা-আলখনার মাধায়েট निरकरमत नविरुद्ध करत छुमारक नारत मां, किरवा (कानाञ्चनि भाठ-व्यक्षतन, रामधाम, कृत्यता गामन क्रक्र বাগবাৰ করেও ভারা ওছ হয়ে উঠতে পারে না। 🙃 ভগবান, যে সভল ওখাবাপুটার আপনার ওপমহিনার সুদৃঢ় দিব আস্থা পোৰণ করতে শিখেছে, ভারাই প্রভা বিশাস সহকারে প্রথশ হাক্রিয়ার সংখ্যমে আপনার ওছ সহার অধিঠিত হতে সক্ষ হয়। জীগনে সর্বশ্রেষ্ঠ কল্যাণ প্রান্তির আশান্ত মহাব খ্যনিবর্গ সদাসর্বদাই ত্রেদের ভগবং-হোমার্ব অবরে আপনার জীচরণকমলের সামনা করে থাকেন। ভেমনই স্থাপনার আতুসংবামী ভারুৰ আপনার সমপর্যারের বিভণ্ডি নাডের জন্য স্বর্গের জভজাগতিক রাজা অভিক্রম করে বাওয়রে অসনায় প্রতিদিন থাডকোলে, দ্বিপ্রহারে এবং অপরাক্টের বিস্করন আপনার প্রীচরগকমন কবনা করে থাকেন। ঐভাবে আপ্নার চতুর্বক অব্যেক্তরালের রাণের রাধ্যমে আপ্নার **अकृत्यत (क्र'ठेनाव ध्रांनथथ जुंजी चाडायंग करवन)** জাগতিক ইঞ্জিয় উপজেলের উলোলো সকল প্রকার অণ্ডপ্ত বাসনা ভাগীপুত করে বে কুলার অণ্ডি, আঞ্চনত শ্রীচরপক্ষণ ভাষাই মডো। কক, সাম এবং কলুবিন অনুসারে হজের অভিতে র্যারে আছতি প্রদানে উদ্যুত হব, তীয়া জাপনারই বীচরণকমলের যাতে করে থাকেন। তেমনীই, কয়োকত বোনাল্যাসকারীলগত আগনার বিবা যোগালন্দির বিষয়ে জান কর্মনের আনায় আখনরে শ্রীরেশনম্বে ধ্যানমধ্য হন, এবং অতি উত্তম ৩৯ ডক্তগণ

জাননাম সামার বছন অভিক্রমের অভিনাহে বগ্রেষভাবে আননামই জীপাদগড়েও অন্নাধন্য করে বাকেন

"হে সর্বশক্তিয়ান থড়, আপনি জামানের হতে। ভজানের ক্ষতি এমনই কুলামত যে, মালনান বক্ষে আজা হে গুৰুজীৰ্ণ পূষ্পমাল্য স্থাপন করেছি, ভাই স্থাপনি প্রবুদ ক্ষরেছে। কেহেতু পর্কাদেরী আগনার দিয় বলেগরি বাল অধিকান সুন্ধিত করে জনোনে, আই তিনি নিসেলের ভর্মজীর্থ উপপত্নীর মতোই সেই স্থানে জায়ানের विह्यालस्य कराष्ट्रीन नाका करत शकातु त्यार कारका। क्षा जरपन कामनि धवनदे कृशास्त्र है, कामनाव এত্যসন্থিনী ভ্রীষতী কর্ম্বীদেবীকেও অবহেন্দ কর**্**ছা এবং আমানের নৈবেল্ড পুশ্পামাল্য কড়ীব চয়ধনার পুরুর অর্থাররাণ এবশ করেছেন। ছে কাল্যমন্ত প্রভু, স্পুলনার প্রতালকমল কেন নিভালাল স্বলন্ত ব্যক্তের মতেই থায়োদের হুদেরের মধ্যে অওপ্ত কামদা-স্থানানি প্রাস করতে খাবে। হে সর্বশক্তিমান ইভিস্কল, আপনার स्रीविविक्षण धारणस्तरम्, चाभनि भणनगरस्य अस्य আপন্যায় পালপন্ধ উত্তোচন করে ব্রক্ষায়তের আবরণ প্রেম करविश्वान, यास्त्र नविज्ञ श्रवानशैव क्षत्रधाः। বিজয়গতাকার মতো সমগ্র বিভবনের সর্বর রিধারার প্রবাহিত হতে লারে। আপনার পাদগরের তিনটি नगरकरनात्र बाजा कारणी यति महावाकात अकारण्यानी शासा मध्या करत निरहित्तन। जाननार भागभन দৈত্যক্ষনধনের মনে প্রাংশর সঞ্চার করে এবং ভাগের নয়কে হোৱৰ করে, আগনার ভঞ্চমভানিক স্বানীয় ক্ষীবনক্ষরর সার্বকথা উত্তীপ করে এক নির্ভয় সৃষ্টি করে। হে ভগৰান, আহ্বা ভাগনাতে কানার ভনা লাভনিক থয়াস করে থাকি, স্বান্ধাং আপনার জীতরণকর্মণ কেন আমানের স্কল পাপকর্মকল থেকে মৃত করে। আপুনি পরম পুরুষোধ্য শ্রীভাগার আগনি অভা প্রকৃতি এবং প্রকৃতি ভোগকারী জীবদদেরও থেক দিবা সভা। व्यक्ताह क्षेत्रकार्य निष्ठ च्यूनप बायास्त्र केश्व विदेश কঞ্চন) রক্ষা প্রমুখ সমস্ত বহাস শেকটারা সকলেই ৰীবসন্তঃ। আপনার কান্সের গড়িতে কঠোর সিহস্কোর্যানে তারা হেন বালয়মধ্যে কল্পনিকর কাকের মতেই আঙুই হরে সংগ্রাহ করে চলেছে। আপনি এই বিশ্বাক্ষাণের गृष्ठि, विकि धन्त श्रमास्त्र कार्यः। बरुक्तमात्रानं, श्रम्

প্রপৃতির সৃত্য ও অভিযান্ত অধকা এবং প্রত্যেক লীবের আচরণ আপনি বিভয়ণ করে থাকেন। মহকোলের জিনাতি কৃত চক্রমেশে অসমার অন্তিগনা ক্রিডাকলাপের অধ্যয়ে সকল কর্ম কিনান স্কংন করে থাকেন এবং আই আপনি পরম পুরুষোক্তম শ্রীভগরন।"

"হে প্রভু, আদি পুরুদ্ধতার বহাবিকু আপনাইই সৃষ্টিশক্তি খেকে কমজ প্রাপ্ত হয়। এইডারে ক্ষকর শক্তির সংখ্যাহ্য তিনি ভয়া প্রকৃতিকে বীর্থবতী করেন এবং তাতে মহন্তৰ সৃষ্টি হয়। ভারণয়ে মহন্তৰ অর্থাৎ সন্মিলিত কড়াপ্রকৃতি ভবরানের শক্তি সম্পন্ন হরে, ব্ৰহ্মাণ্ডের স্বৰ্গমণ্ড আদি অশুকোৰ উৎপুত্ৰ করেব, জ থেকে জড়া ভাৰতিৰ বিভিন্ন উপাদানের জাবরণে বিশ্ববেশাও প্রতিভাৱ হতে করে। হে ভাগান, জাপনি बाँदै विश्वक्रकार का भूतम कहा आहा महत्व हा समय शानीत श्रेक निवर्षा । जानी मुक्न देखिए श्रीकराव পরম নিবন্ধ শ্রীধারীকোন। ভাই, শ্রাড়া সৃষ্টির অভারতে অসংখ্য ই জিয়জাত ক্রি-ডাক্সালের আছে আপলার পর্যবেক্ষণের মাঝেও অনপনি কবনই কোনও প্রকারেই কল্বিড কিংবা সংক্রিট হন না। পক্ষান্তরে, অন্যান। ब्रोटमन, वचा (शामिनन क्षत् शामिनकचन्छ छै।एसर জানাবেরথের সময়ে পবিভাল স্কাগতিক বিষয়ওলি ওংমাত্র করণের কলেই ভাঁতে এবং সম্ভাক্ত হয়ে বাকেন। हर क्षत्रका, बाधनि ह्यान शकात्र क्षतिकानुक्ती महन्त्रश्री মহিবীকের সঙ্গে খাস করছেন। তাঁদের মনোহারী প্রাকারী, विकटानी, कक्षकिरताथा काशानन माधाव चीएमन ঐকান্তিক মধুৰ বস আভাগনের আকৃলতা জানিয়ে থাকেন। কিন্তু জ্যানত নিক্তিও অনুস্থাপের আবাজে আপনার বন এবং ইন্দ্রিয়াদি বিচলিও ক্যান্ডে একেখারেই বার্থ হয়ে থাকেন। অংশনার সম্পর্কিত অগভক্ষার ক্রুখারা, এক আগসম জীচনগ্রুকা ক্রান্ত হতে উৎসামিত পৰিত্ৰ নদীধাত্ৰাওলিও, ত্ৰিভুখনো সকল কলুৰতা বাল করতে গারে। খারা ওকতা অর্থনের কাট সচেউ হন, উল্লে প্রবাদের মাধ্যকে জাপনার ওপমবিধার পুশ্র বর্ণনার সাৰে পৰিচয় গাড়ের বারা খানসিক ভক্তা লাভ করেন, তারা আপনার মীচরণকমল থেকে প্রবাহিত পবিঞ নদীগুলিতে অকসংবাহনের বাধ্যতে পার্থারিক ওড়িতা আর্থন করে থাকেন।"

984

প্ৰীল কৰ্মন গোদায়ী আরও বললেন—"ব্ৰহা সহ দেৱাদিনের লিব এবং অন্যান্য ফেবঙাগৰ এই ভাবে পৰ্যেশৰ ভগৰান জীলোবিশের উত্তরশো প্রার্থনা জানানের পরে, ক্রমা স্বরং জাকালমার্গে কর্বস্থিত হলেন अवर समवाद्या केटकटण्ड वन्तरमान-४३ कनवान, शृद्ध আহল আপনকে পথিবীর ভার পাহারের জনা অনুবোধ করেছিলয়ে। যে অনত পরমেধর ভগস্তন, সেই অনুরোধ সুনিশ্চিতভাবে পরিপূর্ণ হয়েছে। হে ভগবান, নিরত সভাসকলী ৰে সকল বৰ্মপ্ৰাণ হানৰ, ভালের হথো আপলি ধর্মনীতি পুনকত্বাপন করেছেন। সময় পথিবীতে আপনার महिमाध जाननि शहस करतरहर, जन्द छाहै जन्म नमग्र ক্ষপৎ আপনাৰ বিষয় নাবলের ভাষায়ে পবিত্র হয়ে উঠতে পরিবে। বলুরাখের কলে ভারতর্থ করে, ভারণার অতুলনীয় দিবলেগ আগমি প্রকাশ করেন, এবং সমগ্র বিশরকাতের কল্যাবের্থ প্রাপনি সহিমাধিত দিবা ক্রিরাকলার সম্পন্ন করেছিলেন।"

"হে ভগবান, কলিবলের যে সকল সাধু সম্মান ক্রন্তি আপনার দিন্ত ফ্রিক্সকলাপের কথা পোনেন এবং সেই সকল বিষয়ের মাহানা প্রচার করেন, উল্লেখনায়াসেই কলিবংশর অভনারমর অঞ্চানতা অতিক্রম করে যান। হে পরম পুরুবোন্তম জীওগবান, হে আমার গ্রন্থ, আপনি चेन्दरम् करहरून करहरून, अबर छाँहे जेकारक चानसाह ভাককুলের সাথে একল্ড পতিশুটি শসংকাল অভিবাহিত করেছে। হে জগবান, এই মুহুর্তে দেবতাদের জনুকৃতে আপন্ত পক্তে আৰ কিছুই ক্যাধাৰ দেই। খ্যাপনি ইতিমধ্যেই প্রাক্ষণদের অভিনাপে আগনার বলে বিস্তুর করে দিকেছেন। হে জগবান, আপনি সৰ বিকুল মূল ওখু, এবং যদি অৱগনি তেয়ন অভিনাধ করেন, কৃপা করে হিদ্রুগতে আপুনার নির্মাধ্যমে এখন আগনি প্রত্যাবর্তন ক্ষম। সেই সঙ্গে, আময়া বিনীতভাবে প্রার্থনা করি যেন भागति प्रतंश चामार्थक तका करका। कार्यता सामनात দিনত সেবকবৃদ্ধ, এক, জাগনার ততিভূপরাণ আমরা বিশ্বব্ৰহ্মাণ্ডের পরিবৃত্তি সামাল সিরে ধাকি। আযানের মহলোকসমূহ এক অনুগামীদের নিয়ে আমরা নিঙা আপনার বৃহক্ত প্রার্থনা করে থাকি 🖰

প্রক্রেক্স শ্বন্থক কল্পেন—"যে কেবাপের নির্ম্ন প্রকা, আমি আপনার প্রার্থন কবং অনুমেন উপলব্ধি कार्याह । शृशियोत कांत्र जावारतत शरा, काश्माहात शराक वा किंदू अर्राज्यम हिल, का अन्ये कार्य माण्यत्र करती। ।
त्य वस्तराम कार्यि कार्यकृष्ट करमांक्रमान, म्रिकेट अन्ये कार्यि कार्यकृष्ट करमांक्रमान, म्रिकेट अन्ये कार्यक्रमान, म्रिकेट अन्ये कार्यक्रमान, कार्यक्रमान कार्य

গ্ৰীল ওক্ষেৰ গোলামী কংকেন—"মহন্ত হল্যা এইফাৰে বিশাভক্ষাণ্ডের অধিশতি লোকনাংগর ব্যুক্তন। প্রবাদের পরে ভারতানের প্রতিরপকমালে মণ্ডবং প্রাধিলাত জানাগেন। ভারণেরে সমস্ত দেকজাণুণ গতিবৃত হারে মহান ব্ৰহা তাৰ নিজধানে প্ৰত্যাকৰ্তন কৰাকেন। অভ্যাপন न्त्रदश्यक कनवान नविज बातका नगतील वर्षा विन्त्र উপত্রব সৃষ্টি হতে দেখালেও। ভাই ভাগবাদ বদুবংশের সমবেত বরোবন অধিকসীয়ের ক্লানেন - ক্রক্টায়ের বার चामारवर ताकारव काकियश करवाद। बहै वहरतन অভিনাপ অংডিরোধা। ভাই আমানের চতুর্নিকেই বিশ্বর উপন্তৰ উপন্থিত হচেছ। হে প্ৰদ্বাশ্পন বৰ্জোগৃছ ব্যক্তিখন যদি আমান বেঁতে স্বাক্ত স্বাহহী বাকি, স্বা স্থান এই আরগার আর আমাদের অস করা উচিত নর। চলুই, আৰুই আমল প্ৰস্তাদতীৰ্ণেই মতে পুশা পৰিত ধানে চলে যাই। আর দেরি কল আমানের উচিত নর। একন রক্ষার অভিনাপে চন্ত্র কল্পারোগে আরুগত হয়েছিলেন, কিন্তু কেবলমার প্রভাসক্ষেত্রে অবলাহত স্নানের কলেই চল্ল উৎক্ৰণং তীৰ পাপকৰ্মকল বেকে মৃক্তিলাও क्रवंदिशन अवर भृत्यात छैन विक्रित सभ्जावना किर्द সেবেছিলেন: প্রকাশক্তে সান করে, সেধানে পিতৃনিভারে এক দেবজনের উদ্দেশে ভর্নন প্রদানে সূখী হ'বে, আহাধ্য ব্ৰাহ্মপ্ৰস্থাক বিবিধ প্ৰকাশ উপাদেও

স্কৃতিকর খাদানান্ত্রী ভোজনে পরিত্ত করে এবং গ্রামের দানগাদের উত্তর্গ বোল্য বাজি বিক্রেন করে এখার্যারিও দাননাথ্ডী বিতরপের মাধ্যমে, জার্যা ঐ ধর্মের পুশাকর্মের করে, সুনিশ্চিতভাবে এই সকল বিশ্বসাগদিই অভিনাম করক, ঠিক বেভাবে ধ্যোপযুক্ত মৌকার সাহাব্যে সানুধ মহাসালর অভিত্যায় করে থাকে।

শ্রীল ওকদেব গোমামী বস্তুল্ন—হে ক্রুলেগ্র এটাভাবে প্রমেশ্র উপবাদের আদেশ লাভ করার পরে লাক্ষেত্র পুশ্বতীর্থ প্রভাবক্ষেত্রে চালে স্বাভারে কাছ মন্ত্র করেছিল, এবং ভাই ভালের রম্বালিতে অব গোলনা করল। যে তির রাজন, ভাগবান জীকুজের নিত্য বিশ্বর चन्नामी दिश्यम कीউपन । नावयस्तर्या शहान चामह লক্ষ্য করে, ভাগের কাছে ভগবানের নির্দেশানির কথা প্রকা করে এবং কর্মড় সক্ষণারি অন্ধারম করে, তিনি गरकाशान शहरकात कमवात्त्व निकटेटडी हरहवित्तन। কিব্যাস্থাতের পরম নিয়ন্তার প্রীচরপ্রমধ্যে নতম্বাক্ত করজেন্ডে প্রশুত হলে তিনি কুডাঞ্চলিপুটে ভাকে কালেন—হে শ্রন্থ, হে পরফোর ভগরান, দেরপিদেব, কেবলমার আপনার দিব্য বহিষা প্রবণ ও ভীর্তারের माश्रास्ट्रे क्यार्ट धर्मकार साधाठ হয়ে वाट्य। ८१ करावार, মনে হয় যে, একন জ্বাপন্তর রাজা আগনি সংবরণ করে। নেৰেন, এবং গেইভাবেই জাপনি অবশেৰে এই বিশ্বপ্ৰায়ে আপনাৰ লীলাবিকাৰ পরিত্যাপ করবেন। আপনি প্রয় নিছতা এবং স্কল্ যৌগিক দক্তির कविन्छि। किन्न जानवात्र बाक्रश्रानव विक्रास ব্রাক্ষণবর্গের অভিন্যাপের প্রতিবিধান করতে অপেনি সম্পূর্ণ সক্ষম হলেও, আগমি তা করছেন না, এবং তাই আগনার অনুর্বান আদার হতেছে। হে ভাগবান কেশব, আমার তিয় থড়, এক মুখ্যুর্তর জন্যও আরি জাণনার জীচরণকমল পরিভয়ের করে ব্যক্তা সহা করতে পারি না। আমি প্রার্থনা করি, কণ্য করে জাননি আয়কে জাননর নির ধারে নিৰে চলনঃ হে প্ৰিয় কৃষ্ণা, আপনাৰ দীলাবৈচিত্ৰ্য মানব্যের গলের একারে ভারতার এবং ফাবলের গলের পরার

কল্যালময় অনুভঃ ঐসকল কীলার আভাগনের মাধামে, थाना अनुभा विकास धारपाई याजनामि वर्धन करते। 💢 ভগুৰান, আপমি পৰফাৰ্ড, ভাই ব্যাপনি আমাদের পরম তিয়। আমরা আপনার জক্তকুৰ, তাই কিডাৰে আমরা আপনাকে বর্তম করে কিংবা আপনাকে জড়া এক সুত্তিও ব্যের খাততে পারিং করনট কেচাবে আমরা পথমে, **डिशर्टनर्टन, कमरन, मध्यवयान इरव, जारम, विकास,** খাহারে, কিন্তু বে কোনও কালে মার পাকি, আমরা সান সর্বসাই আপনাত্ত কেবার নিবোজিত রয়েছি। আপনি (क जकन भव्यक्षता, जुलकि देखन, बद्धानि, ≜दः অলভারাণি ইতিপূর্বে উপভোগ করেছেন, চধুমান সেইওলির কার্যা স্থামানের সন্ধিত করে, এবং স্থাপনার ভোকনের অর্থনিষ্ঠালে ভাষার করে, আমরা আপনার লালের সুনিশ্চিতভাবেই আলমবর মারলেক্তিকে মার করব। যে সকল দিবতা সভাসীরা পারমার্থিক অনুশীলনে कटोत डाइन्डा करात, बोला फीएमर वीर्य केवांशायी कटान. খানা সমাসে আরমের খাড় এক বিশোগ, তাঁরা ঐছলোক লাভ করে থাকেন। হে বোগীখেন্ঠ, বদিও আমরা क्लालवी कर्पात भाष क्लिकोर्ट्स मरहारे विज्ञान कर्डाई, তবও মানি আপনার জড়ারওলীর সাহিত্যে ওধুমার আপ্নার লীজাকথা প্রবংগর মাধ্যমেই এই জাত জগতের অন্নবার আমর অকটে উঠার্শ হব। তেই আন্রয় সর্বসাই আপলার লীলাকথা ও বিভাগনার নানী প্রথন এবং মহিখা প্ৰচাৰেৰ অধ্যমে দিনাতি লাভ কৰে পাকি। আমৰা পর্যোক্রানে আপনার শ্রেক্তর র্নীক্রাবিলান স্বরুপ করে থাকি এবং আপনার ফন্ডবুলের স্বাথে ডা আলোচনা কৰিঃ হে ভগবান, আপনাৰ সুমধ্য লীলা এই অভ্যাণতেরই সাধারণ সানুবদের কার্যকল্যপের ফতোই আশ্চর্যভাবে সমল বলে মানে হতে খাকে ৷"

শ্রীল ওকাদের সোধানী কলনেন—"হে মহারাজ পরীক্ষি, এইডারে শেলার পরে, পরেমধার স্থাপনে শ্রীকৃষা, দেকনিপুর, তার ওক্ত দেকত প্রিপ্ত শ্রীউদ্ধান্ত গ্রন্থার বিশ্বর দিকে লাগলেন।"



সপ্তম অধ্যায়

উদ্ধবকে ভগৰান শ্রীকৃষ্ণের উপদেশ

পরমেশ্বর ভাগান কর্তন—"হে মহাভাগ্যবান উদ্ধন্ পৃথিবী থেকে যদুবলে উৎখাত করে বৈতৃওখায়ে আমার নিজবামে কিৰে যাওৱাৰ কৰা অভিসাৰেৰ কথা তৃথি বধাৰ্থই লক্ত করেছ। তাই ব্রহ্ম, দেবাদিদেব শিব এবং অন্য সকল প্রছমগুলীর অধিপতিত্র এখন কৈচুঠে আমার নিক্তধানে প্রভাবেউনের জন্য প্রার্থনা করছেন। রাগ্যার শ্রার্থনানুসারে, অনি এই পৃথিকীতে অবতরপঞ্চাল আমার অপেশ্রকাশ শ্রীকাদেকের সঙ্গে অন্তর্জণ করেছিলায়, এবং দেবতাদের পক্তে বিকিন্ন ক্লিবাকর্ম সম্পন্ন করি। এখানে " সেইভাবে মদকে অধ্যমিত করে, ভূমি সমগ্র পৃথিবীক্তি चामत विविष्ठे काम अपन त्यंत्र स्टब्ट्रः अपन हामानसन অভিনালে ক্ৰান্ত অকন্তই নিজেনের মধ্যে কলতের ফলে কাদে গুয়ে বাবে, এবং আৰু থেকে সন্তম দিনে সমুদ্রোর बन छिरिक श्रद क्रक क्षेत्र वाजका नगरी शाविक श्रद ফাবে। হে স্কান উছৰ, অদুর ভবিব্যতে আমি এই পৃথিবী পরিজ্ঞাপ করখা তথ্য, কলিবুণের প্রভাবে পরিপূর্ণ হরে পৃথিবী সকল প্রকার সংগুপাবালী বর্জিত স্থান হতে উঠবে।"

"হে প্ৰিছ উত্তৰ্ আমি এই আগৰ পৰিভাগ কৰলে ছোমান পক্ষে আর এইছানে থাকা উচিত হবে না। হে হিন্দ ভক্ত, ভূমি কিলাপ, কিছু কলিগুলে মানুধ সকল अकेस भागकर्द्य कामक स्टब्स् करूल क्षणान त्याका मा। একা তোৰার সকল বছবছর ও আধীরবন্ধনদের প্রতি সকল প্রকার স্নেহ-জ্যালক্ষ্যার আশক্তি বর্জন করা উচিত এবং আমার প্রতি হল সমর্পণ করা প্রয়োজন। এইভাবে ভূমি আমার প্রতি নিতা আবিষ্ট হয়ে তুমি সব কিছু সমদ্যিতে দর্শন করতে থাক্ত্রে এবং পৃথিবীর সর্বত্ত বিচনশ করবে। হে তির উদ্ধর, তোমার মন, বাবদ, চন্দু, কর্ম ক্রম্যান্য ইন্ডিরেনির মাধ্যমে যে জডজাগতিক বিশ্বস্থাও সক্ষা করছ, ডা নিয়ান্তই মাত্রমত সৃষ্টি, বাঞ্চে মদূৰ মাৰার প্রভাবে সভা বলে যনে করে। প্রকৃতগকে, তোৰার জ্বানা উচিত্ত যে, অভনাগতিক ইন্দ্রিয়াদির মধামে স্থাত সৰ্বভাূই অধিঞা অস্থানিয়ে। যে মানুষের চেতন্ত

মারার বারা বিভাগ্ত হতেতে, তার কাছে সব বিভুর মুলা এবং ব্যাখ্যা নাকভাবে প্রতিভাত হতে থাকে। আর করে। সে জাগতিক ভাল-মন্দের চিত্তরে মধ্য হরে পড়ে এবং (मदे क्षकांत्र शांतमांच **कावच** शतः चारक। (माहे पताःमा জাগতিক উচ্চর প্রকার ভাকনচিন্তার কলে যানুর বিধিকত্ কর্মে অবহেলা (অকম), নিবিদ্ধ কর্মে আহুং (বিক্রম) এবং কর্ম (অবন্য কর্তন্ত) সম্পাদনেকও চেষ্টা করে চলে। অজ্ঞপর, তোমার সকল ইতিয়েদি নিবস্থাধীন করে এবং তোমার নিক আত্মর মধ্যে বিজাবিত রাহেছে দেখাত भारत, त्रिष्टे चाचा गर्वत विदायन, त्रवर गर्डे संक्रिक्तन আখাবে পরম পুরুবোদ্ধর ক্ষাবান আমার মধ্যেও দেখতে পাৰে। বৈদিক জানের সংরত্ত আহরণ করে এবং আনের উদ্দেশ্য সম্পর্কে বান্তব উপলব্ধি অর্জন করে, তারপরে আছার সাক্ষাৎ অনুসৃতি লাভ করা সম্ভব হবে, এবং এইভাবে মন সভাও হয়ে থাকে। তথ্য ভূমি সকল (मयकाक्षम् भीरकारे क्षित्रकाष्ट्रम स्टब्स् अवर कीवरास কোনত বাধাবিগতি ভোষার প্রগতির গাবে বিশ্ব সৃষ্টি থমতে পারবে না। জড়জাগতিক তাল-মন্দের উধের্য বে **छेडीर्ग ब्रह्मरङ, क्छावछ्डे म्य धर्मा**छत्र**एस अमृना**गमापि মতে। কাজ করে থাকে এবং নিবিদ্ধ কর্ম পরিহার করে। নিশাপ শিবর মতেই আত্মানসশ্বর মানুব সভ্যক্তিভাবে এই প্রানের কাছ করতে বাবে, এবং জড়জাগতিক ভাল-মশেল বিচারের মাধ্যমে সে ঐতাবে করে করে, জ নয়। विनि न्दंबीत्वर अठि महत्त्व श्रश्लाकांक्षी, दिनि श्वाह्न এবং আৰু উপদ্ধিত কোঞা শৃচনিভিত, তিনি আমাকে সর্বব্যাপ্ত জব্দ করে ব্যক্তে। তিনি কখনই দেখা এবং মৃত্যুর আবর্ডে আর পতিত হন না 🖰

শ্ৰীপ ওক্দেৰ গোন্ধায়ী বললেন—"হে হাজা, পরমেশ্বর ভগবান প্রীকৃষ্ণ এইভাবে তার তন্ধ ততে উছন ভগবং-তব্ সম্পর্তিক ক্লম অর্ননে আগ্রহী হলে ভাকে পরামর্শ দিয়েছিলেন। উদ্ধব তথন ভদবানকে গওবং

প্রশিক্ত জানিতে বল্পেন—হে জগবান, এক্যাত্র আননিই বোদচর্চার সুকল প্রনান করেন, এবং আননিই ক্ষা করে আপনার ক্ষমভাবলে যোগ অনুনীল্মের পার্বকতা ধরণনার ভাতকৈ অর্ণনি করেন। সুভারে আগনি ৰোগের মাধানে উপলব্ধ পরমধ্যা, এবং আপনিই সকল বেংগ শক্তির উৎসং আহল পরম কল্যাশর্মে, সম্যাস জ্ঞান্তর গ্রহণের স্থানাথে জড়জার্যান্তক পৃথিবী পরিত্যান করে বাধবার পদ্ধতি আগনি ব্যাখ্যা করেছে। হে অধ্যান, তে প্রমানা, কাবের খন ইতির উপজ্ঞানে আসজ, এবং বিশেষত কৰা আপন্তা প্ৰতি ভবিস্ভাসপুন, ত্যাদের পক্ষে ঐভাবে আগতিক ভোগ-উলভোগ বর্চন ক্ষরা অতীব কটসাধ্য। এটাই আমার পভিমতঃ তে ক্তৰবাদ, আদি নিজেই জতীৰ নিৰ্মেণ, কাৰণ আহাত স্বান্তমাণ্ডিক বেছ এক কেহসম্পর্কিত বিব্যানুক্তর আরি चा॰भातं मात्रावरण जव एरतं त्राराहि। कारे, चारि वरन করছি, "এই দেহটি আনি, এক এই পনত মানুবই আমার আন্ট্রীর স্বাক্তর 🗗 স্বান্তএর, হে ভাগবান, অংগনার দাস্কে কথা করে উপদেশ প্রদান করন। কথা করে আমাকে শিক্ষা প্ৰদান কৰুল বাতে জনাৱাকে আপনৱে নিৰ্মেণ পালন করতে পারি। হে ভগকন, অপনি প্রমতন, পরম পুরুষোত্তর জগবান এবং আগনার ভত্তমগুলীর কাছে আগমাকে প্রকাশিও করে অকেন। আগমার উপবস্থা বাতীত জন্য কোনও বিষয়ে আহি কথাকা জন কথাই মনে ধরি না-জনা কেউ জ্বাসকে ব্যার্থ জন ব্যেকাতে পারে না। এমন নি কর্মের দেকভানের মারে ভেমন ৰধাৰ্য শিক্ষক সক্ষ্য করা কৰে না। বান্তবিকই, ক্রমাণ্ডায়ৰ শেবভাগো সকলেই আলনার মারাশভিতে আচার ইরো थारका । फांबाक कह कीएका घटका निरक्रामंत्र कहरणह ধারণ করেল এবং উচ্চের হৈছিত আল্পেকানট সর্বোত্তর बर्ग महा करता। जुरुवार हर कवनार, कक्काश्रीरक জীবনে বিপর্যন্ত হয়ে এবং তার মধ্যে দৃঃধকটে স্বর্জনিত रता. अपन चाप्रि चाननार करक धावनपर्भ करहि। प्राथित दवार्थ एस. चाननि चनत, गर्यम भड़म भूकरवासम सन्वास, अक्स मृत्यमहे (धर्क विवर्षिण বৈকুটগালে আপনার চিনার আবসে। বস্তুত, আপনি बैनिदादम सार्थ जक्त औरवय प्यार्थ विकारण স্থিনিত।"

প্রমেশ্য ভগবান উত্তর মিলেন--"সচরচর যে স্ব यान्य मक्कार मुख्य कड़ बाधराज्य कथार्थ ऑर्जाहरिंड किस्त বিদ্রোবদ করতে পাবে, তরে তক্ত ছাডারাগতিক ভোগ-উপভোগমর অভত জীবনবারার উর্ধে নিজেপের উর্নীত করে উল্ভে স্কন্ম হয়। কোনও বৃদ্ধিমান মানুষ স্টার **कार्यमिक्ट समर नर्यरकारन एक इरल अवर संधार्य** পিচায়বন্ধি প্ৰয়োগ কয়তে সক্ষম হলে, উঠা নিজ বৃদ্ধিবলৈ ৰথাকে উপকার লাভ করতে পারেন। এইভাবেই ক্ষেত্রত কোনও কোনেও মানুৰ নিকেই নিকের পারমার্থিক শিকারকরণে জীকতবার সক্ষম হয়ে উঠতে প্ররেন। मानव जीकान वीता आजनस्वयी अवर भारवारवार्य ছতিক, তারা প্রভাকভাবে আমার সকল শক্তির মাধানে ক্ষমাকে কৰি করতে পারেন। এই জগতে নাম ধানের শরীর সাহি হতেছে--কোনটি একলম, অন্যোরা হিপাস, ত্রিলয়, চত্তপায় কিবল ক্রলয়বিশিয়, আবার আরও অনেকের কোন পা থাকে না--ভবে এই সকলের মধ্যে, যানব রূপই আহরে কাছে সর্বাপেকা প্রির। বদিও পর্মেশর ভববানক্রে আমাকে নাধারণ ইক্রিয়ানির অনুভূতির মাধ্যমে কখনই বিবৃত করা বার বা, তব্ भागवर्णियन माएक (गोरमानाका कीयमन कारमा विदर्गर এবং অনুভৃতির জনান্ত বৈশিষ্ট্য দিয়ে প্রভাক্তাবে আমাৰে কৰ্ম কথাত এবং প্ৰেক্তিয়াৰ বিভিন্ন কৰণানির যাধাৰে আহাৰে উনলঙি কৰে বাকে। এই প্ৰসংগ, मनिक्षिकाम महाकालाजी बनुहास अंदर अब संस्कृतिक ভাগেণকৰা বিষয়ে একটি ঐতিহাসিক কাহিনী ক্লি করেন। এককর মহারাজ জ্ব এক ঋতি শুরুণ এক কাদবাৰ, নিজীকভাবে ভাষণৰীৰ প্ৰাক্ষণ ক্ষৰণ্ড সামানীকে বেবেছিলেন: রাজা ভবং ভাগাভবিজ্ঞানে भारतनी विद्रान बरन से धकरनद कारह निवसन शब উত্থাপনের সুযোগ প্রহণ করেছিলেন ট

বীদ্যু ফালেন—"হে ক্ৰমণ, আমি লক্ষ্য করছি যে, আপমি কোনও প্রকার ব্যবহারিক ধর্মচরণে নিয়োজিত নম, এবং তা সংখ্যে এই জগতের সৰ কিছু এবং সৰ মানুদের সম্পর্কেই আগনি অতি উদার আন আহরণ করেছোঃ মহালা, জাগনি কলা করে আগতে বলুক---ক্ষেন করে এমন অসাধারণ বৃদ্ধি আপনি লাভ কর্লেন এবং টিক একজন শিশুর মধ্যে সারা পৃথিবীয়র ক্রমুকে

প্ৰতিন কাছেন কোন চ সাধারণত মানুহ বৰ্মচনলৈৰ জন্ম, আঠিত প্ৰবৃত্তিৰ উদ্দেশ্যে, ইপ্ৰিয়ৰ উপভোগের বাসনায় এক প্রমার্থিক আক্তর্ভাগ লাভের অসনার কঠোর পরিশ্রম করে থাকে। আর, ভাগের সাধারণত উম্পেশ্য থাকে আৰু বৃদ্ধি, ৰূপোবৃদ্ধি এবং জাগতিক ঐপৰ্য বৃদ্ধি ম্বা সেইওলির পরিপূর্ণ উনভোষ। অবন্য, আগনি মণিও কর্মকন্ম, সুলিক্ষিত্র, সুত্রী এবং সুবস্তর, তথু আগনি **(कान्ड कार्ड्स निधाविक (मी. (कान्ड किन्**रे वाजना बराज क्ष. ५३१ च्यंभतातक बास्त्रविश™ता, क्षेत्राम वास মনে হয়, কে অংশনি তত পিশাচের মতে প্রাণী ছিলেন। যদিও মাড্ডাগতিক পৃথিবীয় মধ্যে সর্বত্র লমস্ত মানুব ক্ষেত্ৰ-বাস্ত্ৰাৰ মহা ক্ষাধিতে ক্ষত্ৰ, তথন আপনি মুক্তভাবে বিচরণ করছের এক অধিকালার মধ্য ব্যাহন না। আগনি কেন ঠিক দাবাতি থেকে বেরিটো এলে গালানদীর জন্মে শান্তিয়ে থেকে আনার এলে করেছেনঃ হে ব্ৰাহ্মণ, আমন্ত কৰা কৰাই যে, আগনি ৰাভজাগতিক কোণৰ প্ৰকাৰ ভোগ-উপভোগের সম্পর্কপ্রর এবং আপনি নিংসক্ষয়ের কোনও সাবী-সহবোগী কিংবা পরিবার-পরিকার বর্জন করেই প্রকা করছেন। ভাই, আমনা তেহত আকৃণভাৱে আপনার কর্মছ অনুসভান কাৰি, সেই কাজৰে আপনার মধ্যে যে পরৰ ভাবেরেরস স্মাণনি উপভোগ করছেন, কুপা করে জাগনি সেই বিবয়ে ছার কাংগহৈত বর্ণনা করাং ।"

ভগৰাৰ প্ৰাকৃত আৰুও বলবেন—"বৃদ্ধিমান মহাব্ৰাছ বৰ প্ৰাঞ্চৰদেৰ প্ৰতি অতীৰ প্ৰছালীক ছিলেৰ মূলে, মত্যভাৰে প্ৰতীক্ষা কাছিলেন এবং বহানাৰের আচহাৰ সম্ভষ্ট কৰে, সেই প্ৰাৰণ কথতে গুৰু কৰকোন—ছে চিন্দ धरांद्राच्य, च्यामात्र वृद्धि झरसारात्रत्र माश्राह्य वक्ष नासमार्थिक ওক্তর্পের আধার আমি প্রচুপ করেছিঃ জালের কাছ एएक नामार्वार्थक मिस्र काउस डेन्स्नाहे कर्दन करत. একা **আ**হি হুক্তভাবে কগতে কিন্তুণ করন্ধি। আমি विकास तरि तर क्या गाँना काहि, कुना काल का अवन करूल (**

करतिह, क्षेत्रा क्ष्म्य-नृथिकी, वाकान, काकान, क्षम, चाराम, हेम, जुर्ब, भारता जार चक्काल मान: भवत,

ব্যক্তহারী, কুলা পার্লি এবং শিশু; এবং বালিকা, উইবলাঞ্জ, সাল, সাকড্যা ও ব্যার। হে রাজা, ডালের কার্ডকর্ম লক্ষ্য কৰে আমি আত্মতব্যান লাভ কংগ্ৰেণ _{টে} মহায়েশ্ৰ ব্যাক্তি, হে ব্যাহ্ৰসম পুগৰ, এই সকল গুড়াত হাছ খেৰে আমি কি শিকা পাড করেছি, তা আপনাতে বৰ্ণনা কবছি।"

"খংনেই জেনও ধীরভিন্ন কতি অন্যানা জীবের ছাত্ত আক্রন্ত হয়, কথা তার বোঝা উচিত বে, আক্রমণকারীরা ভাগালেকট নিজ্ঞান অসংয়েভাবে কাল কালে, ভাই ভাৰ পক্ষে উরতির পথ থেকে বিচাত হওলা অনুচিত। পথিৱী থেকে এই নিকা আৰি লাভ করেছি। অনোর সেবার নিৰেপ্ত সৰুষ প্ৰচেষ্ট্য উৎসৰ্গ করা একং নিয়ের ছবিল রকার হল উক্লেণ্ডরেগ অন্য সকলের কল্যাণ সাধ্য করার আবর্শ পর্বতের কার থেকেই সাধুপ্রয়েত্র শিকালাত করা উচিত। তেমনই, বন্ধের শিবা জপেও, খন্য সকলেরই সেবার নিজেকে উৎসর্গ করা ঠাতে লিখতে হবে। কেনও জানবান মুদি সংল্ভাবে জীবন-বাদনে সভাই স্বাক্তন এবং স্বাড়েন্সিয়-ওলিকে সভাই করার মাধ্যমে তাখি মুখ পেতে চান না। গরোকভারে, অড-আগতিৰ পৰ্যানটিকে বামনভাবে সন্তই বাৰতে জাত धरक वधार्ष केळकारकां। विभाग्य मा इरक माख अवर গ্ৰন ও বাক্য কথনই আথজান উপলব্ধির পথ থেকে বিচাতি না ঘটাতে পারে। পরমার্থ বিধরে কানী এবং আৰুসংবহী অভিনত চতুৰ্বিকে অগণিত ভাগ এবং মাৰ क्रफ निरमानि अतिरवष्टम करत्रदे थाएक। क्रक्नांक, विनि আগতিক ভাল একং হল বিবয়াদির প্রভাগ অভিক্রম করেছেন, তিনি কোনও মতেই মধ্যবিষয়ে সংশিষ্ট হন মা: ব্যাং তিনি কে। কভাগের সভৌই নির্পিশ্ব হয়ে চলেন। মদিও আৰ্চ্যানসম্পন্ন জীবাধা এই জনতে নিজিয় অভ্যাগতিক দ্বীরের মধ্যে অধিষ্ঠিত মরে, লেওলির মিধিৰ গুলাকৰী ও কাৰ্যপ্ৰভিন্ন অভিন্নতঃ লাভ কাহত থাকে, জা সংস্থা সে কখনও ভাতে জড়িত হলে পড়ে না, টিক কেনেবে বাতাস বিবিধ গন্ধ বছন করকেও বন্ধত িছে কংলোজ, আমি চাইশজন কাল জাতার এহণ। তাকের কাণে মিশে কাল লা। স্থানকীক মুনিক্ষি জড়স্কাণতিক কেন্দ্ৰবী হলেও নিফেকে গুৰু চিখন আৰু মণেই ষ্ঠান উপদত্তি ধনা উচিত। সেইভাবেই, প্রভাক পতত, যৌথাছি, হাছি এবং মধুচোত, ছবিশ, মছে, লিলবা । মদুবেরই বোকা উচিত বে, চিম্মর আন্মা সচল একং

_{विकास} जनका जनात कीरतात्थात करवाई अरक्य करता, जनत লাভাক আন্মাই এই কানৰে সৰ্বব্যাপী। সুনিক্ষির পক্ষে ক্ষরও উপদক্তি করা উচিত বে, পরমাধ্যরতে, গরমেধ্র अध्यक्षत अवन्दे गार्थ जनन रखन घरण किराजार शासना। अध्यक्त अपर शतमाचा केक्ट्रावरे बद्ध ५००० कता (बट्ड _{বাবে} আকাশের প্রকৃতির সঙ্গে—বাঁধের অকাশ সর্বয়াগী এবং সব কিছুই আকাশের মধ্যে বিয়াল করে আছে, তব ব্যালা কোনও বিষয়ে সঙ্গে যিলে যায় না, বিবের কোনও _{কিল্পু} বারা ভাকে বিউক্ত করাও সম্ভব হয় বা। বৃদিও পাতে বাজেনে যৌৰ এবং বাড় বনকালের প্রান্তে উত্তে জয়, তৰ এই সৰ ক্ৰিয়াকৰ্মের ব্যৱ আকাশ কৰনও ভারারণত ভিবে কৰা হয়ে ওঠে না। তেমনই, চিন্তৱ আৰু স্বাড়া প্রকৃতির সংস্পর্শে খান্তবিকই পরিবর্তিত কিবো প্রভাবিত চর না। যদিও জীব কিন্তি, অগ ও তেজ হার পঞ্জিত «বীরের মধ্যে প্রবেশ করে খাকে, এবং মহাকালের করা সৃষ্ট প্রকৃতির ত্রৈওগোর মধ্যমে জ প্রভর্মিত হয়, জ প্ৰকেশ্ব ভাষা নিজ্য শাৰত চিমায় সভূতি বাস্তবিকই কথনও কুল্বিড হয় সা।"

"दा प्रश्ताब, त्यामक मुनिश्री ठिक करनद बर्छ, ভারণ তিনি সকল প্রকার কল্মন্তান্ত, শারমধুর প্রকৃতির प्रात्तव, अवर बिष्ठे कांद्रस्य मानाटव कन श्रवादक भएज মনোরত ভাবতরক সৃষ্টি করেন। এই ধ্যানের সাধু পুরুষ্টের নর্মন, স্পর্শ কিবে ক্রমণ্ডে সংখ্যমেই জীব গ্রন্থ হার ওঠে, ঠিক বেডাবে পরির কলম্পর্যে মানুষ ওখাতা ভাৰত কৰে থাকে। ভাই ঠিক কোনও ভীৰ্বস্থানের মতেই, ক্ষেত্ৰও সাধুপুরুষ তার সঙ্গে আই সম্পর্ক স্কৃত হছ, ভাগের নকলকেই পরিত্র করে তোলেন, কারণ তিনি নিচতই জাবানের মহিমা কীর্তম কয়তে থাকেন 🖺

ীলাধুসুক্রেরা ওপসার মাধ্যমে **ডেলো**নী**র** হয়ে উঠেন। উদ্বেদ্ধ চেতনা অবিচল থাকে, কারণ জারা घण्यानएका किंद्रहे देनएकारभव धारमी का मा। अपि ধ্যনের স্বভাবসিদ্ধ মুক্ত ব্যবিদা জাগ্যবলে স্বতল্প তাঁলের কৰে উপস্থাপিত হয়ে থাকে, সেইমার অহার্য প্রতা করে पारका, जबर की चीनाक्राय क्यूरिक चेना कैरमेर अर्थ কমতেও হয় তাদের কোনই ক্তি হয় আ, কেন তারা আগুনের হাতেই সমস্ত কলুবিড নামগ্রী বহব করে কেলে। সাধু পুরুষ, শ্রেম ক্রিক জাওলের মডের, কম্পত

হৈছেহতাৰে আৰ্থণ্ডকাৰ ক্ষেত্ৰ আহতে কথনও নিজেকে গোপন করে রাখেন। যথ্যর্থ পুরশান্তির অভিনামী যক জীবগণের কল্যানে, সাধু গুরুর গারমার্থিক সম্বাকর পুৰুমীয় হৰ্মান্তৰ অধিষ্ঠিত হাতে পাৱেন, এবং সেইভাবে रिनि देख पेरमत्या जुडा निर्देशनकारीरम्य वर्षा चौकार করে ভাদের সকল প্রকার অতীত এবং ভারবাতের পাপময় কর্মকল আগুনের মতো শুস্তীকৃত করেন। বিভিন্ন সাক্ষরের ও প্রকৃতির স্বাধানী কারের টুকরোর মধ্যে আবাদ বেমন বিভিন্নভাবে প্রকাশিত হয়, ভেমনই সর্বশক্তিমান গরমান্তাও উত্তম লেখী ও নিম্নটোলীয়ে বিভিন্ন জীবলালের মধ্যে প্রকেশ করে তারে নিজ পরিবরের, প্ৰভাবেদা স্বাস্থ পৰিচিতি ধাৰণ কৰে থাকেন।"

'ভাষু থেকে ওক্ত করে মৃত্যুতে ফিনান নর্বন্ধ এই ৰত জীবনের বিভিন্ন অবস্থাতদির স্বাই কেন্ট্রে বিকার মাত্র কার কা আত্মাকে কোনভাবে প্রভাবিত করে না। ঠিক ব্যেম আগতে প্রতীয়খন চল্ডের হুলে বৃদ্ধি বর্ম চন্দ্রতে কর্মনী প্রভাবিত করে মা। কংগ্রের অব্যক্ত পতির হারা এই পরিবর্তন সকল হটে বাকে। অমিশিখা প্রতিমুখ্যের ক্ষুবে এবং মেডে, তবু এই সৃষ্টির আন বিনালের কান্ত সাধানদ খানুবের দৃষ্টিতে লাভ্য করা বার ম। তেহনট মহাকালের শক্তিপানী ভরসওলি মধীর লোডৰ মতেই নিভা প্ৰবছমান ময়েছে, একা সকলের शामाक चत्रिक बाह्र शरहत बाब, वृद्धि बात्र कुट्टाव কারণ সৃষ্টি করে চলেছে। আর কা সক্তেও, আকা প্রতিনিয়ত তার অবস্থান মর্যাধা পরিবর্তনের জন্য বাধা হয়ে থাকলেও, ভালের গতি উপলব্ধি করতে সক্ষম হয় না। টিক কেভাৰে সূৰ্ব তার হচও জ্যোতিপ্ৰভাগ প্ৰচুব পরিমাণে অলয়ালি ফালীড়াড় করে নের এবং পরে বৃষ্টিধানাম আক্ষরে সেই জল পৃথিবীকে ভিনিক্তে গের, তেমনই থকিত্বৰ খানুৰ তাঁক জডেজিলাদির মাধ্যমে সকল প্ৰথমে জড়খাগতিক বিষয়াদির সংক্ৰম প্ৰতন কৰে থাকেন, এবং ব্যালয়য়ে, মধ্যেপত্ত মানুষ তাৰ কাছে এনে ইবনট্ৰ সেই সৰজ বিব্যুত্ত প্ৰাৰ্থনা জানাত, ভখন তিনি নেই সৰুধ সামবন্ধর আকারে ভাকে প্রভার্শন করে থাকেন। এইভাবে, ইলিয়ন্ডোগ্য অভকাৰ্যাঠক বিৰহাৰি গ্রহণ এবং প্রভাগনের সময়ে তিনি কোনও নিবতে অসক হন না। বিভিন্ন বন্ধান মধ্যে সূৰ্ব প্ৰতিবিভিন্ন হংগাও, তা মাধনই নিজ্ঞ হা বা কিবো প্রতিবিশ্বের মধ্যে আ বিশে হার না। নানের মুলপুছি, ভারাই সূব্যুক্ত এইজাবে ধারণা মধ্যে থাকে। ঠিক ডেমনই বিভিন্ন কভদেহের মালামে আন্তা প্রতিবিশ্বিত হলেও, আলা সর্বদাই অবিভালা এবা আন্তাধিক ভারে থাকে। জোনও কিছু স্বা কারও জনা থাতাধিক ভারে ক আসন্তি পোরণ করা কারও উচিত নাচ, সা হালে বুভিহীন কপোতের মতো অনেও দুংখ প্রেক্ত হয়।

"একটি কংগতে ভার কংগাতীর স**লে** বনে বাস करेड: अवधि भारत मि क्या व्हेरविक अवर कररक ৰছঃ ব্যবং কলোচীয় সঙ্গে সেখানে থাকভ। দুই স্বালেড-কলোডী জনের গার্হপ্ত কাঞ্চকর্মে থকা আগত ছলে উঠেছিল। ফা ও বৃদ্ধি লিয়ে তারা পরস্পারকে দৃষ্টি বিনিমরে, পরীর ও মনের আদানহানানের মাধ্যমে আকৃষ্ট बरा दारपश्चि । औरचार, चला मन्पूर्णजार पतन्तरक প্রীণ্ডিবন্ধনে আৰম্ভ করেছিল। সরল মনে ভবিষাতের বিশ্বাস নিবে, বনের পাছপালার হাবে প্রেমমর বাংগতির মতে ভারা বিবাম, আহার-বিহার, চলাফেরা, কথাবার্ডা, (चनायुम्प अवर भर किहू कतक। (ह प्रशासक, करनाडी খনাই কোনও ভিছু বাসনা করত, তখন অনুকল্পার মাধ্যমে কলেডকে সম্বাই করের করে, বং কট স্থীকার করা সংৰও সং কিন্টু কলেত তাকে এটো দিত। তার ফলে, ৰূপোঠীর সংসর্গে ৰূপোন্ত তার ইন্দ্রিবালি সংবয় করতে পারত না। ভারপরে ঋণোতী ভার প্রথম শাবক नेकारना व्यर्थन अंतरण। क्यून नमा क्यू, छचन आसी স্থীও মতেই কতকলে ভিন্ন তাৰ গতির উপস্থিতিতে बामान प्रत्ये क्षेत्रच कर्रहिम। बचाम्यस्य ननस्थान ভগবাদের অভিন্তনীয় শক্তির মাধ্যমে সেই ডিমগুলি থেকে কোমল অনুপ্ৰতাদ এক পালক সামেল কলেও শাবকের জন্মদত করল। গৃই কলেন্ড-বংগাতী ভানের শাবকদের নিয়ে সভাই হতে ভাসের কলরত ওলে আনেবলার করও। ভট্টে ভালখানার হাধানে ভাগের মবজাত ছেট পাৰিওলিকে নিয়ে খড় করে ভূলতে শাসন। কপোড-কপোতী পিরসারে ভাগের পারকদের কোমল জানাওকি গেলে, ভালের কলাবে ওবে, খানার মধ্যে চারনিকে ভানের সুক্তকাবে নরল অঞ্চরকী আর भाजिता फेटडं केटड़ उभात क्रकी मध्य क्रा क्रोरे छैशकूत

ছয়ে উঠল। ফানের শাবকদের প্রকৃত্তা দেখে পিতামাভাও প্ৰকল্পতি হল: সূৰ্ব গাখিওলি ভাগেও অব্যাহত লেহবছনে ভগৰান বিভূগ মামাশতি বলে সম্পূৰ্ণ বিভাগ হয়ে ভাষের প্রজাতি করণ নবজাত শাবকণ্ডলিতে সহাত লামান-পোষেশ ক্ষরতে সাগস। একদিন কংলাত-সম্পর্যত পাবকলের আহার-ভারেবণে দুজনে মিলে বেরিরেভিন। ভাষের শাৰকামের ভালভাবে আহার জ্বোপানের উল্লেখ্য বিশেব উৰিপ্ন হয়ে, ভারা জনেককণ পর্যন্ত বনের সর্বাচ विष्ठतम कर्राक्षेत्र। एउँदै नभस्त बरम्ब भएषा विष्युक्षणीकः কোনও এক লিকারী সেই উপোত্ত লাককণ্ডলিকে ভারেক কুলার কাছে বোরাফোরা করতে *দেখন*। তার স্থান इफिट्ड मिरा कारमन मकमरक रन बरब निरहिता। কপোড এবং তার কপোতী তাদের বাচ্চাদের পালন লোহণের জন্য নিত্য উবিধ হয়ে থাকড, এবং সেই উদেশে কনের মধ্যে ভারা মূরে বেড়াত। স্বয়াহর খাদ্যদি পেশে, ভারা তখন ভাদের বাসার ফিরে জাসভ। হবন কপেতী শিকারী জালের মধ্যে তার নিভ শ্রবজন্তর মানী অবহায় দেখতে পেল, ডাখন লে নুচৰে কাজর হয়ে ভাষের দিকে ছটে খেল, এখা লাবকরাও ছিংলার করাজে লাগল। কপোতী নিয়তই গভীর জাগতিক মহোমধ লেহবছনে আবদ্ধ পাকতে চাইত, এবং তাই ভার ফা ক্ষোভে আধাবিশ্বত হল। ভগবানের হায়াবলৈ কান্ত হয়ে, সে সম্পূর্ণ বিজ্ঞান্ত হয়ে ভার অসহার সাহকদের দিকে উদ্ধে পেল আর অচিরেই শিকারীর জালে কেও আবদ্ধ হয়ে গড়ল। প্রাণাধিক প্রির শাবকংলর সঙ্গে হির্থান কলেওীকে শিকারীর জাপে মরণাশর হরে আবছ থাকডে দেখে, হতভাগা কপোত দুংখের সঙ্গে আকেশ করতে থাকণ i^m

কপোক বলগা—"হার, আমার কী স্থানাল হার লেল! আমি অবশাই মহামূর্য, কারণ আমি বলার্য পূলাকর্ম লালন করি নি। আমি নিজেকে সন্তুষ্ট করভেও পাবিনি এবং জীবনের কাল পূরণ করভেও পারলাম না। আমার জীবনের ধর্ম, অর্থ এবং কাম চরিতার্থের ভিতিত্বলাপ বার্ছন্ত পরিধানই আমার সমূলে কাংস হারে কোন। আমার কী এবং আমি আদর্শ কুনাল বিলাম। সে সনাসর্বনা আমাকে মান্য করে চলাও এবং ফারুবিকই আমাকে তার আরাষ্য দেবভার মতোই মেনে নিরেছিল। विश्व तीयम, जात नारवरणमा शतिया तावर एस वामा पानि

हता याए प्राच्च, व्यासारक मा क्लान शाम तावर

बासारका माधुमस नामकरमत मिरा स्टर्स अस्म शाम तावर

बासारका माधुमस नामकरमत मिरा स्टर्स अस्म शाम क्लान

बामा वासी तावस नीमशिक्त मरण तरहित्। जासीत

वासाय प्राच्च वासाय नावरक्ता मुख। ज्ञान क्लान

बीसम बातन करण पानर जासाय सामाय समय त्यारी

वासाय स्टान्स वरणाह सामाय समय स्टान्स त्यारी

वासाय स्टान्स वरणाह मा सामाय समय त्यारी

वासाय स्टान्स वरणाह मुख्या मिरान करेका हरम

बीसमाय स्टान करणाह मा करणाह करणाह सम्मान

क्रान्स स्टान (मन्स, व्यार एस) मिरान करणाहरू सम बिमान स्टान (मन्स, व्यार एस) मिरान करणाहरू सम बालमा सरणाहरू नफ्न। निष्ट्रंस विश्वती (मरे सर्थारू
करी, छात करणाही-ती वास मय करार गावसरक करी।

करव निर्देश कान जाकानका नृतन करते स्थार, छोते पृष्ट व्यक्तिप्रस्थ काना करना। अहेराहर्वरे, भाईका मैंप्स्त रह कर्णाहरू करना हह, करात मि काराक्षण स्थाय कराय कारत। भावता बर्टारे, एक स्थ्य मुख्य जाकार्य। मि कार्कीतन्तिकारमा इकिनामस्य निर्दाक्षिक वाकार मि कार्कीतन्तिकारम्य इकिनामस्य निर्दाक्षिक वाकार मान, छोत्र मंग्रज निर्देशकार्य निर्दाक्षिक वाकार मान, छोत्र मंग्रज निर्देशकार्य क्षित्र मिनाक्षण कर्छ कार्य कमा पृथित मक्षण बात क्ष्यारिक मुक तरहरह। किस् और कार्यनीत पूर्व नाचित्र मरका यनि कारत्य मिन्न क्ष्रमात कार आईका कीरास्त्र क्षाक्तिसांग करत बारतः, स्थारण महार कराक इत्य स्थारत क्ष्यक्तिसांग करत बारतः, स्थारणिक मुख्यां क्षाहर्वे क्ष्य व्यक्तिसांग करता स्थारतः, स्थारणिक मुख्यां क्ष्यार क्ष्यक्तिस्य क्ष्यकारे क्ष्यविक हरत्य व्यक्ष्यक्तिक मुख्यां क्ष्यार क्ष्यक्तिस्य व्यक्तिस्थां क्ष्यक्तिक हर्द्य व्यक्ष्यक्तिक मुख्यां क्ष्यार क्ष्यक्ति क्ष्यकार क्ष्यक्तिक हर्द्य व्यक्ष्यक्तिक मुख्यां क्ष्यार क्ष्यक्ति क्ष्यकार क्ष्यक्तिक हर्द्य व्यक्ष्यक्तिक मुख्यां क्ष्यकार क्ष्यक व्यक्तिक क्ष्यक्तिक स्थारक व्यक्तिक मुख्यक्तिक स्थारक क्ष्यक्तिक मुख्यक्तिक स्थारक क्ष्यक्तिक मुख्यक्तिक म्याविक स्थारक क्ष्यक्तिक म्याविक स्थारक क्ष्यक्तिक म्याविक स्थारक क्ष्यक्तिक म्याविक स्थारक क्ष्यक्तिक म्याविक स्थारक क्ष्यक व्यक्तिक म्याविक स्थारक व्यक्तिक म्याविक स्थारक व्यक्तिक म्याविक म्याविक स्थारक व्यक्तिक म्याविक स्थारक व्यक्तिक म्याविक स्थारक व्यक्तिक म्याविक स्थारक व्यक्तिक स्थारक व्यक्तिक स्थापित स्थायक स्थारक स्थारक स्थापित स्थ



অস্ট্রম অধ্যায়

পিঞ্চলা কাহিনী

জনমুত ব্রাক্তার বালনেনালালে মহারাজ, দেহধারী জীব হাত্রই বর্ণে বা নরকে আপনা হতেই দুহব ভোগ করতে বাকে। তেমনই, কেউ না চাইলেও, সুবের অভিজ্ঞান হছে থাকে। সুতরাং বৃদ্ধিয়ান বিক্রেক মানুব এই ধরনের জাগতিক সুব লাভের কেনও প্রচেটাই করে না। অজ্ঞান সংগোর পৃষ্টাক্ত অনুসরশের মাধ্যমে, জড়জাগতিক প্রচেটা পরিত্যাগ করে এবং অনায়ানে বতটুকু প্রাসাজানন লব্ধ হয়, তা প্রহণ করা উচিত, সেই বালা সুকারু যা বিজ্ঞান হাই হোক, কম কিবো বেলি বেমনই হোক। ক্ষথমেও বুলি আহরে লাও জোটে, তা হলে সায়ু পুরুষ ক্ষেত্রও চেটা না করেই ক্রিন জনহাত্রের থাকেন। ক্রির বোনা উচিত হে, ক্যথানেবই ক্রমন্ত্রা জনমে জাকে অনুসর্বা করে উর্ন ক্যানেবই ক্রমন্ত্রা জনমে জাকে অনুসর্বা করে উর্ন প্রাম্ব শান্ত হয়ে থাকাই

উচিত। সাধ্য পক্তে শক্ত এবং জাগতিক ক্রিয়াকর্মে গ্রহিত হয়ে থাকা উচিত, তার নগ্রীর অভ্যাধিক প্রচেষ্টা স্বাভাই প্রতিদালন করা প্রক্রোজন। সম্পূর্ণভাবে ইন্দ্রির, মন ও শরীকের কমস্রে খাকলেও, জড়জাগতিক প্রাপ্তির উত্তেশ্যে সাধ্য কথনই উন্যোগী হওয়া উচিত নগ্ন, কেবল সর্বলাই ক্যার্থভাবে নিজ পারমার্থিক স্বার্থে মনোনিকেন করা কর্তবা।"

বতটুকু প্রাসাজ্যনন লব্ধ হয়, ডা প্রথম করা উচিত, সেই
বালা সৃত্যাকু যা বিশ্বাম হাই হোক, কম কিবো বেলি
ক্ষেত্রট ভাব প্রকাশ করে মাকেন, তবে অন্তরে ডিনি বিশেষ
ক্ষেত্রট ভাব প্রকাশ করে মাকেন, তবে অন্তরে ডিনি বিশেষ
ক্ষেত্রট ভাব প্রকাশ করে মাকেন, তবে অন্তরে ডিনি বিশেষ
ক্ষেত্রটা ক্ষামার করে ক্ষেত্রটা না করেই বর্তনি অন্যাহরে
ক্ষাম্বেন। প্রায় হোকা উচিত বে, গুণবানেবই ব্যবহা
ক্ষাম্বের প্রকাশ করে ডিনি করেই বিচলিত
ক্ষাম্বের প্রকাশ করে জাকেন করতে হবে। ডাই অবলার
ক্ষাম্বের প্রশাহ ক্ষামার ক্ষামারিক মাকেন হবের থাকেন।
ক্ষাম্বের স্থান্তর অনুকাশ করে ডার পালে শান্ত হয়ে থাকাই

বাকে, এবং শ্রীপ্রকালে ক্ষীককার মনীওলির জলধারা অভ্যন্ত হান পাং: আ সংৰ্থা কৰিবলৈ সমূৱ শীত হৰে **७८ई या किश्वा द्वीचकारण एक इरव वाद गा।** সেইভাবেই, গুরুসান্ত্রিক ভগবন্তুক্ত ভারে জীবনে পরম পুঞ্জোন্তর ভগবানকে গরাই ক্ষণা করে পরিকার कारपाइन वालाई कथनक अनवर कुलाई विज्ञा অভ্যানতিক উদাৰ্থ লাভ কাতে পাকেন, এবং কখনও স্বাথতিক সম্প্রশূন্য হয়ে বেতেও পারেলঃ তবে এই ধ্যুনের গুড় ভাগবড়ত ককাই ঐবর্থবান হুগোও উৎযুদ্ধ হন লা, ভেগ্ননই দারিমনীভিত হলেও লিমর্থ হন লা।"

"ৰে মানুৰ ভাৱ ইলিয়াৰি হয়ন কৰতে বাৰ্থ হয়েছে<u>.</u> লে প্রমেশ্বর ভগবানের বাহাবলৈ সৃষ্ট নারীজন বেশাস্ত্রই তংকশাং আকর্ষণ বোধ করে। অবশাই মধন नकी मुजारकाक कथा वरत, भननाथकी कृति शास्त्र अवर ভাৰে কংমোদীপৰ পানীয়ে সকালন কৰে, তথনই তায় মধ হণ্ড হয়, এবং খাটিশিখার নিকে অঞ্চানে গতক বেমন উৰুপোন ৰতের ধাবিত হয়, সেই ভাবেই সেই মানুব ক্ষতকাতিক অভিবাস অভনাঞ্জ গছতা মহানাই পঠিত হয়।"

"ৰে কোনও অবিবেচক নিৰ্বোধ মানুৰ বৰ্ণালকার শোডিতা, সন্মা বস্তু পরিহিৎস এবং অন্যান্য প্রসাধনে হনেরহভাবে সুসন্দিতা কোনও লনোহরী রথীকে দেশদেই ভংকণাৎ উদ্দীপ্ত ধ্যেষ করে। ইলিয भरिङ्ख्यि पाध्य नित्त, और ध्यापन निर्दिष मानुष नाम्ड বৃদ্ধি হারার এবং ভুগন্ত অমি অভিমুখে ধারমান পতকের মতেই ধ্যাতে হতে খান , শরীয় এখা আছা সজীন গ্রাথরা উদ্দেশ্যে খাং সামান্য আহার প্রান্ত করাই সাধ্যের কর্তব্য। গহরুদের বাবে থাবে নিরে প্রত্যেকর করে বংসারানা আহার্য সংগ্রহ করটৈ তার উচিত। এইভাবে যৌমাছির ঘতো ভীবিকা অর্জনের অভ্যাস করা তাঁহ ভর্তব্য। শৌমান্ধি বেভাবে ক্ষা একং বৃহৎ সমস্ত কল খোকেই মধু আহলদ করে থাকে, বৃদ্ধিয়ান মানুদেরত তেমনট সকল ধৰ্ম শাক্তাদি থেকে সাকজৰ সংগ্ৰহ কৰা উচিত। সাধুবাভিন চিন্তা করা অনুচিত, 'এই বালা আনি রাজে খাওয়ার জন্য তেখে কেব কৰং 🗟 জন্য খাবারটি আমি আপানী কাশ খাওমার জন্ম সভাত করে রাখব।" পালাররে সাধ্বান্তি কৰ্মই ডিকাল্ড গাদাসামতী স্কান্ত কৰে রাপকে না। বরং তাঁর নিজের হাতথ্যকি করের কালিছে

ভাতেই ৰত্যাৰ ধরা বাব, তথ্যাকু খালা রহন করা উচিত। ঠাৰ একমাত্র ভাতার হওয়া উচিত তার উদর, এক মতটক সময়ের উর উনতে স্থান পোতে পারে, উভটকট তার সভার করা উচিত। চাই বে লোভী যৌহাচি পরস্প্রের কেবলই আরও বেশি মধু সংগ্রহ এবং সভাত ভরতে থাকে, তাকে অনুকরণ করা মানুবের *গা*ভ জনচিত্ত কর্মে ছবে। ক্ষেত্রক পরিবাচনক সাধ্যে পরের মিনের স্থেবে কিবো সরের নিনে আওয়ার উলোল্যে আভার সংক্রম করাও অনুচিত। তিনি বলি এই অনুশাসন আমান করের এবং মৌমাছির মধ্যে কেকটে বেলি বেলি সুস্তান। বালা সংগ্ৰহ করতেই থাকেন, ভাইলে সেই সংগ্ৰহ ভথা সকরের ফলে ভার জীবনে ধানে দেবে জাসবে।"

"কেন্ত্ৰ সভ্য সভ্যৰ অনুবেরই ভরণী বলিকাতে স্পর্য কলেও উচিত নর। এমন কি, নারীকংশার কোনও কঠের প্তক্রের হেন উরে চরণ পর্যন্ত স্পর্ন বা করে। নারীর শরীর স্পর্যের ফলে অবশাই তিনি মারাজ্যনে चारक हाथ नकरका, ठिक स्वकारक इंडिनीय नवीत স্পর্যের আকাল্যার কলে চরি রবিনশা জল করতে বাধা হয়। বৃদ্ধি বিচায় সম্পন্ন বানুৰ কথনট তান ইপ্ৰিয় পরিত্তির উদ্দেশ্যে নামীর মনোরম রূপ উপভোগ করতে প্ৰেয়া কৰে মা। জোনও হক্তি যথন কেলও হত্তিনীকে উপজেল ক্যতে চেটা করে, ডাকা ফাটার যে সকল হতি থেই ইভিনীকেই সঙ্গিনী রূপে লেডে চার, তার ৰে কোনও মহতে হাতিটিকে হতা করতে পারে। তেজনী, কেনও যানুৰ বৰ্ণ নারী বল লাভ করতে চার, ভালে সেই সারীর প্রতি আসক্ত জন্যান অধিকতর নাথান প্রকারের ভাকে হত্যা করতেও পারে।^ম

"লোডী মান্ত বিপুল সংগ্রাম এবং শ্বষ্ট স্বীকারের যাধ্যমে বিনট পরিমাণ কর্ম সঞ্চর করে থাকে, কিছু এই সম্পদ্ধ আহমবের জন্য যে মানুষ এক সংগ্রাম করে, সে সং সহতে তা নিজে ভোগ করতে পাঙে বা কিংবা অনকে সন বাম করতেও পারে না। লোভী মধুব ঠিক শৌমাছিনই মতে হেন বিপুল পরিমাণে মধু সংগ্রহ ক্ষাভেই থাকে, ভাষালৰে ভা এখন কেউ চৰি কৰে নিটে লাব, যে নিজে ভোগ করে কিবো অন্যের কাছে বিঞি ৰঙে পো। যেভাবেই যতু সহকারে মানুৰ তার কটানিত ধনসম্পদ প্ৰকিন্তে প্ৰাথতে কিংবা সঞ্জিত ক্ষাতে টেটা

ক্ষাত্ৰ, তেখনই আবও কিছু চতুৰ অনুৰ ভাল সন্ধান লোৱে ঠিক কেওলি অনহন্দ করে কেছ। সৌনাছিদের লারপ্রতা তৈরি মধু বেমন শিকানী নিয়ে চলে বারু, তেখনই ব্ৰহ্মচাৰী ও সন্তাসীদেৱ মতেটে সাধ্ ুরিরাক্সকেরাও গৃহমেণী সুহস্থদের কটার্ন্তিত সম্পন্ন **টলাভাগের যোগ্যতা লাভ করেন** €"

নিয়নের উপযোগী গান বাছনা শোনা অনুচিত। অকন্যই সাম ব্যক্তি মাতেরই মনোবোগ সক্তরে হরিখের স্টাঙ स्टरमदरका द्वारान क्या केंद्रिक, कारण निकारीय निकार बाब क्षारा विकास हो। अवर फार्ट महा चारक शहर शहर होता। সাধরী স্ত্রীলোকদের জাগতিক গান, নচ এবং বাজনার অনুষ্ঠানে আকৃষ্ট হলে মুগীমুনির পুঞ্জ মহর্তি কর্মপুক্তও থালিত পশুর মতো ভাষের কণীতভা হতে পড়েছিলেন (*

"প্রান্থ বেডাবে তার জিহার **আবাদনের লোভে** টাকবের বঁডলিতে মারাপাসভাবে আবদ্ধ হতে প্রতে, ভেমনই মূৰ্ব লোকেও জিহান খতি লেভমৰ আকাওকার रिक्रांकर श्रुप्त निगडि श्रा। जिनवास्था बकारम कानी मान्य অতি শীয় জিহা ছাটা অন্যান্য সমস্ত ইন্সিয়ণ্ডনিকে সম্বেচ कहार भारत कारण जाहारानि नरकामद मधारम है धरानच মানুৰ রামনেজিয়া ভৃত্তির আকাশকার কিলিড হয়ে পাঙে। एकि। मानव कार कमा जमक देखिए। निएक कर कराए পাৰে, ভবু ৰভক্ষণ মা ভার জিহাকে কয় কয় যাকে. জন্তকৰ ভাকে জিতেন্দ্ৰিয় কথা চলে হয়। অবশ্যই জিহুম সংবাদ করতে যে সক্ষম হয় ভগনই কুমতে হবে সকল वैक्टिएकारे भर्न गरयमी दन बराहरू।"

"য়ে রাজপুরা, পুরাকালে বিদেহ নগরে লিক্ষনা নামে अर्थ क्रानाती राज कराउ। अपन कृता कराव छन्न, त्येरे নাবীর কাছ থেতে আমি কি শিকা লাভ করেছি। একবা সেই ব্যৱনারী ভার বরে প্রাহতকে নিবে আসার জন্য যানি কলে তার মনোহারী রাপ গৌশর্ব নিরে দরকার करेख मौकिरहरिका। एक शत्रन्दाक्ष्यं, करे अवस्ती पृथेरे অর্থলোক্তী বিশ্ব এবং কথন মে রাজিকের পরে সাঁথিয়ে থাকড়, ভৰম পৰা দিয়ে যাও হানৰ কেউ, ভালেই সকলকেই দেখত আৰু মনে ৰঙ্ড, "আহা, এই লোকটার লিশ্চরই টাকা আছে। স্থানি, ঐ লোকটা পরসা ধরত করতে গরে, করে আমর নিশ্চিত মনে হয় আমরা সংখ

থাবলৈ ধৰ ধুৰ আনন্দ হবে।" এই ভাবে পথের সব মানুষ্টেনা নিয়ে ভিন্তা করন্ত। কারনারী শিক্ষা পৃথয়ারে নাড়িয়ে থকার নহয়ে বহু লোক ভার কভিত্র কছে দিটো আসত তেওঁ। তার একমান্ত জীবিক ছিল কেন্দাবৃতি, এবং ভটি লে উমিপ্ন হয়ে মনে করত, 'এখন যে পোকটা আসহে, ওর নিভার জনেক টাকা পরনা আছে, আহা, "কাবানী নাবু সম্যাসীদের পক্ষে জাগতিক আমন্ধ ত-তো প্রয়ন মা, কিছু অন্য কেউ নিশ্চরই আমৰে। এই বে জ্যেকটা আসতে, এখন সে আমাৰ আসর ভালতদার কলে নিকরই ছাত্রে ট্রাকাপ্তসা সেবে। এইডাবে কৃষ্ণ আশা নিয়ে সমাজত হেলান লিয়ে গাড়িবেই থাকত, ভার কাল হত মা এবং বুমানোও হত थ।। উত্তেগ উৎক্ষান্ত কৰ্মাণ্ড সে প্রান্তান্য নিকে ক্ষেত্র আবার कर्माता सहा प्रकार पार्था ग्राह (क्या) और अरवेरे, क्यान মধ্যনাত বাসে গড়ত। সাত্রি পর্তীয় ছলে অর্থাকাল্টী মারমারী বিষয় রতলো ভেঙ্গে করতে লাখল এবং ওস্ক থৰ শুকিরে গোল। এইজাবে অর্থের আলার ভার মনে গতীর ইংকার জাগল এবং সেই অবস্থা থেকে ভার মনে বিশ্বস নিরাসন্থিত সৃষ্টি হয়েছিল, এবং ভার কলে ভার যনে শাবি জাগে। সেই বারনারী তার জীবনের অভ্যাণতিক দ্বৰস্থান বিহও হয়ে বিশেষভাবে নিরাপত বোধ করতে লাখল। বাঙাবিকই, নিরাসন্তি কেন হুমবানির মতেই জড়জাগতিক আশা আকাশকার জাল ভিন্ন কৰে কেয়া সেই অবস্থায় বাহনাত্ৰী যে পাশটি সেয়েছিল আমার ভাছে তা প্রবণ করন।"

"হে ব্যক্তা, পারমার্থিক প্রথক্তান ব্যক্তিট মানুব কেচ**ন** ভার বাং জাগতিক বিষয়ানির নিখ্যা অধিকার বর্জন করতে চার না, তেমনই, বে মানুবের নিরাসন্তির বনোভাব জাপেনি, নে কখনই ছাড় যেহের বছন পরিত্যাপ করতে চার মা (*

ব্যৱসায়ী শিক্ষা কলে--"বেপুন, আৰি কতথানি বিবাত হরে আছি। বেহেও আমি ফা সংৰও করতে পারিনি, ভাই আমি নামানা মানুবের কাছ থেকে মূর্যের মজে ক্যমনুৰ কালা করে থাকি: আমি এতই নিৰ্বোধ বে, আমার কথার্থ প্রির বে পরুর আমার জন্তরে নিতা বিংকে করছেন, ভার সেবার আহি অবছেলা করেছি। সেই পরম প্রিয় পুরুষ বিশ্বাস্থ্যের অবিপত্তি, বিনি ইয়ার্ছ সূব ও পাত্তির প্রদান্তা এবং সকল সমন্তির উৎস। স্করিও

ভিনি জানম ব্যস্তরে বিরাজ করছেই, তা সংগ্রের ডীকে আনি সম্পূর্ণ করছেল। করেছি। আর পরিবর্গে থে সময় নগণ্য সন্মত্তি কোনত দিনই আমার বথার্থ কাননা পরিভুগ্ন করতে পারবে দা এবং বারা কেবলই জামকে ক্লান্তি ক্লা, আডার, বুংগ আর বিভান্তি এনে দিলেছে, আমি অস্ত্রাস্থান মাধ্যমে ভালেকট সেবা পরিকৃত্তি প্রকাশ ৰুৱেদ্বিঃ আহা, আমার আশ্বাকে আমি কডই না জনর্থক बाधा मिरलहै। काशार्ट कार्यी सनुध बाता करूगत भाग, ভাষের কাছে আমার লবীত আমি বিক্রি করেছি। এইছাৰে অতি পূৰ্ভাগাজনক ব্যৱনায়ী বৃত্তি অকলন্তন করে, আমি কৰ্ম ৰেং মৈখুন সুৰ লাভের আশা করেছিলাম। এই ক্ষুদ্রলাভিক মেচ্টি এলটি গুরুর মধ্যে, যার ক্ষুক্ प्राप्ति चान दलहि। जामात क्षांपण, मननिवार, शास अवर পাওলি প্রথম কড়ি, বরণ্য ও কামেটে মতো, এবং কন ও মুলে পরিপূর্ণ কমত অবহবটি চর্ম, চুল ও বৰ বাবা আনুত ররেছে। এই মেটের নরটি ছার খেকে নিরত দুখিত गरार्थ निवारण १८७। आपि सका त्यम् सात्री अमनदे मूर्व, (व ब्लेंट कक् नहींताहित्य बल पूजा प्रशंना चारतान करत, कारण दम चटर करत हम, और कमार्की का त्यांकरें অসক ও প্রেমকার্থীশা পাওয়া বারা

"অবশ্যই এই বিদেহ সগরের মধ্যে আমিই সংপূর্ণ নিৰ্বোধ। বিনি আমাদের সব কিছু এমনকি আমাদের যথার্থ চিত্রর স্কাগটিও হাদান করেছেব, শেই পর্য পুরুষোত্তম জীতল্যানকেই আনি জনহেলা করেছি, এবং ভার পরিবর্তে বহু পুরুত্তের মঙ্গে ইজির উপভোগ বাসনা করেছি। পরৰ পূরুষোধ্য ভগবাদ সম্পূর্ণভাষেই সকল ৰীবের পরম ওড়াকাপ্টা মিত্র, কারণ ডিনি প্রড়োগ্রেই হিত্যকালকী এবং প্রকৃ। তিনি প্রভাকের হানরে অধিক্তিত প্রমায়া। সূত্রাং ছামি এখন সম্প্রতাবে काक्शभर्भावत पूना शहान कहत, अवर अहे कारव ভগবানকে কো এক করে নিয়ে আমি কার সংস্থ শক্ষীদেবীর মতেই আনন্য উলতোগ কাবে। পুরুবেরা নারীনের ইন্ডির সুখ প্রদান করে খাকে, কিন্তু এই সকল পুরুষদেরও এবং বর্ণের দেবভাবেরও ওর এবং দেব আছে। তার সকলেই আগ্রামী সৃষ্টি, যারা সমরেও প্রেতে शक्रिक बार्य। मुख्यार फारपत श्रीएमा विवकार स्थापक সুৰ শান্তি কজন নিচে পারে 🖰

"য়নি জড় রাশতাতিকে উপভোগের জন্য আরি _{নির্মিত} আলা ক্রেছিলান, কিন্তু থেনেও প্রকারে আমার জ্যাত অনাসকি কেপেছে, আর ভাতে আমি খুব সৃতী হরেছি? অত্তরণ, পাচেমধন স্থানের জীনিমু অবশাই আমার প্রতি সভাই হয়েছে। তা আ আনদেও তাঁকে সভাই ক্রতার ক্ষনা আহাকে কিছু করণেই হতে। অনাসন্ধি জাগালে মানুৰ অভুজাগতিক সমাজ, বছুত্ব এবং ভালবাল সচ ভাগে করতে পারে, এবং বিশুল বুংগ ভোগের পরে মান্ত ক্রমণ হতাশালয় হয়ে অভ্যাগতিক বিষয়নি ছেতে विक्रिय क्या निर्दिकात शरह भएए। छाँहै, चाशश्च विक्रय দুঃৰ ভোগের কলে, তেমনই নিরাপত্তি আমার প্রসার ক্ষেত্ৰতে ভা সংখও বাক্তবিকই আমি হবি দুৰ্ভাঞী হতাম, জা হলে কেন কৃপামর আমাকে দুংবকট ভোৱ করাক্ষেরঃ সুতরা, বাস্তবিকৰী আমি ভাস্যবতী এবং ভগবংকুলা লাভ করেছি। কেনেও ভাবে নিভাই ভিনি আমার প্রতি সন্তট হরেছেন। ভগবান আমার প্রতি যে মহা কুলা প্রদর্শন করেছেন, অক্টি সহকারে আ আরি এল করেছি। ছাত্তি ভুজা ইপ্রিক উপজোগের পাপমর স্কান্ हेका कार्यन्ता करण सामि अनुरम्भन सभवरना सामार গ্রহণ করেছি। এখন আমি সম্পূর্ণ তথ্য এবং সুখী, এবং ভাগবালের কুলার আমাত পূর্ণ বিধাস হয়েছে। সুভয়াং সংক্ষাবে বা কিছু ঘটে, আমি তার বারাই কীকা ধারণ করে থাকা। শুরুমার ভাগবানকে নিয়েই খারি জীবন যাপন করব, করাণ ডিনিই সকল শ্রেম ভালবাসা এবং সুৰ সমৃতির বভার্ব উৎস। ইন্দির উপভোগের অধ্যয়ে খীবের বৃদ্ধি ব্যাপালত হলে খার, এবাং খার কলে সে জড়ভাগতিক অছকুণে পতিত হয়। সেই কুপের মধ্যে মহাকাল সর্গ থাকে প্রাস করে ছাকে। এই কুডালাব্যক্ত পরিছিটি থেকে দুর্ভাগ্ন জীবকে একমাত্র পরমেশ্বর प्रभवनि खेला क्षाप्त (क सक्त कार्यक नगरतन । अंबल सीव नक्त करने (व. मुप्तक्ष दिव क्यांक इश्तकल मध्येत वकरने খাবন হরে রয়েছে ডখন সেই উপপঞ্জির কলে, সে সকল প্রকান ইজির পরিভৃত্তির বাসনা থেকে নিরাস্ট হতে শান্তিলাভ করে। সেই পরিস্থিতিতে জীব নিজেন ৱাতা মালে যোগতো অর্চার করে।"

चार्यक शाक्षान कार्यान--"अर्थाट्स, निजनी সম্পূৰ্ণভাগে করা কাছিল করে নিয়ে, করা শ্রেফিক্রের প্রক্রে সৈথ্য সুখ উপভোগের সকল প্রকার পাশমন ইক্স (क्षम कर्रहांचन क्षमः (म चथार्थ मृजवस भरितास) रितास ক্ষরতে পেরেছিল। তথন উরু শ্বারে যে উপ্রেশন নিশ্বর ভার প্রেমিক্রের সঙ্গে সকল প্রবার উপ্রেটাণের ক্রেছিল। অভয়াগতিক কানবা নিলেভেয়ে কিপুল

শ্বীনাথর কারণ হয়, এবং সেই বাসনা থেকে মৃতিনাক কর্মে পাবলেই বিপুল সুধ লাভ করা হার। সুতরাং न्यममा पर्यम अस्त मूटर विज्ञा देशरकार बरतविम ।"



নবম অধ্যায়

জড় জাগতিক সবকিছু থেকে নিরাসক্তি

সাধু ব্রাক্ষণ কল্লেন—"ইমডাকেই এই স্কণ্ডমাণ্ডের খ্যাখে কোনও কোনও জিনিসকে ভার পুরই হির কল बरन करते थाएक, शर्वा, जैनन बिक्रिएम्स श्रीठे काराजिन कर्म, भविनारम मानुष पृथ्य भाग। और निवदान 🐠 কুমতে পারে, সে জড়জাগতিক স্থা অধিকরেখন পরিভাগে करत अपर जवन द्राव्यत चार्जिक कर्यच्या वर्श्य 🗷 करता সুৰ পাত্তির অধিকারী হয়। একলা এক কারু মত বড় বাঞ্চপাৰি শিকার বুঁলে বা পেত্রে অন্য একটি দুর্বল ব্যক্ষণাখির বশহে কিছুমানে ময়েছে শেখতে পেরে, ভাবে অৱস্থেৰ কৰেছিল। ভখন সেই ব্যৱসাধিট তাৰ ক্ষীকা বিনায় হাজেছে কুম্বে ভালে মাংলের টুকরোট বর্জন কর্মেছিল अपर छनन (म रकार्य मूच चनुसर स्टाहिन) आर्रश জীবনে, নিভামাভারা সর্বদ্য উদের ভূত, সঞ্চানানি একং মান কৰু নিয়ে উদ্বিধ থাকেন। কিছু এই সৰ ব্যাপাতে লমোর কিছুই চিকা নেই। কোনও গরিবারের চিক্তা चार्थत्र (मार्टिने) (महे, ध्वर च्हारि मान न चारमध्य मारा করি মা। আমি ওপুমাত্র আস্থার ক্রীকাধারা উপজের করে থাকি, এবং চিন্মর জনের গুরো আনি গ্রেকো কথার্থ অভিজ্ঞতা অনুভৱ করে থাকি। এইজাকেই পৃথিবীতে আমি শিশুৰ হজে বিচরণ করে আনি। এই জনতে ৰূ'ৰথনের মানুৰ সর্বপ্রকার উবেগ-উবেকাং বেকে মুক্ত হয়ে পৰ্য আনকে মধ্য থাকে—ৰে থাকবৃত্তি লিখন মডো নিৰ্বোধ এবং ক্ষান্তাকৃতিয় মৈতংখ্যা অতীত প্রদেশক ভগবাদের উদ্দেশ্যে যে মনগ্রাণ অর্থণ করেছে।"

"अक्रमा (कार) अरू विवाहत्वाचा कृषाते व्यक्तिक एस ৰাদ্বিকে একা ছিল, ফাৰৰ ছাৰ লিভা-মাভা ও আশীরহলকের সেইদিন করা কোবাও চিরেছিলেন। সেই সময়ে করেকজন জোক বাভিত্তে এনে বিশেব করে ভাকে বিধায় করতে ইন্সে জানিরেছিল। সে সকল প্রকরে আডিবা সহকাতে ভাগের গ্রীতি সম্পাদন করেছিল। বালিকাটি ক্ষমগ্রমহলে কিন্তে প্রস্তুত হতে লাগল যাতে ক্ষামত অভিনিত্ৰ কিছু আহাত্ত করতে পারেন। সে করন চাল ঝাড়বিল, ছখন তার যাতের শাখা চ্রাড়তালি পাচশ্যা স্বৰায় পুৰ শাল হজিল। থালিকাটি আশাৰা কারেছিল ছে, লোকণ্ডলি হয়ত আদের পরিবারকান্ত্রীক মরিট মনে করছে নারে মেহেতু অন্যাটি চাল খাড়বার মতো সামান্ত করে কল খংগছে। তাই পুৰ বৃদ্ধিমতী আনই, লক্ষিতা হয়ে বালিকাট আৰু হাতের শীপাবলি তেকে কেল্ড, তথুকর প্রত্যেক হাতে দুটি করে শীর্মা বেছে দিল বাতে ব্যৱ (कारचे भेक से देत्र। काठश्ता, कुमारी क्षाम कुमेशक থাকলে তার উভর হাতের দুটি করে কবলের ক্রমানত ধৰ্মণে শব্দ হতে লাগগ্যে। ভাই সে উভৱ হাত বেকে একটি করে কৰুৰ বুলে রাখলে পত্ত উত্তর হাতের একটি भाव क्यम १८७ व्यक्त रकान मुक्त विश्वा एम ना। रह শত্রসমনসতী, এই জগৎ তড়ডি সম্পর্কে নিজ শিক্ষা প্যান্তের মাধ্যমে আইন সারা আবং পরিপ্রমণ করে চারুছি এবং তাই আমি শতং এই বালিকাটির কাছ থেকে শিক্ষালাভ করবি। বান্স বহু লেকে এক আয়সমা হাস

একামণ স্বস্থ

করে, তথন সেখানে নিমেনেতে কনাং-বিবাদ ছবৈ। আর হলি দু'লান হাত ব্যাক্তর একসাথে বাস করে, তা হলে চটুল বাক্যালাল এবং মতকেন হবে। অভএব, সংখ্যত বর্জনের জনাই, একাকী বসবাস করা উচ্চিত, হা আমরা ভক্ষণী ব্যালিকার শাধার দুইনত থেকে শিখতে পারি।"

"বোগাসন প্রক্রিয়া কথাকথভাবে অভ্যানের মাধামে এক শাসক্রিয়া নিয়েপের লাহাজে, বিধিবশ্ব প্রক্রিয়ার যোগচর্চার মধ্যে অনাস্তির সংহাত্তে মন স্থির করতে পারা ধার। এইভারেই সবছে যোগাভ্যাসের একমাত্র দক্ষের মনোনিবেশ করা উচিত। পরমেশ্বর স্কণকরের উদ্দেশ্যে মন শ্লিকভ হলে তথদ তা নিয়ন্তিত হয়। সৃষ্টির অবস্থা লাভ খবার কলে, অভ্যালতিক ফ্রিয়াকর্ম সম্পাদ্ধনের হাবাবে কল্বিড ব্যসনাথি থেকে মন মজিলাভ করে: এইভাবে সম্বতক্ষে প্রভাব শক্তিশালী ছলে তবং রুলোওণ ও ভামেওপের প্রভাব সম্পর্ণভাবে কর্মান করতে পারে, এবং ক্রমণ সরগ্রণে উন্নীত হতে পাকে। যথন মা কড়াগ্রকৃতির ইন্ধন থেকে নিয়তিলাভ করে, তথন তমা কডকংগতিক অভিয়ের আওন নিজে যাখ। ভখন মানুষ ভারে ধানের মুখ্য লক্ষ্য করাপ পর্যেশ্যর ভগবালের সাথে সাক্তং সম্পর্ক লাতের দিবান্তর প্রাপ্ত হর। এইভাবে, স্বঞ্চই পরসভয়স্বার্জাণ পরহেশর ভগবানের ধ্যানে সম্পূর্ণভাবে মানুৰ অভিনিবিষ্ট ধর, তথন সে খার কোনও ভাবেই খান্তরে কিবে, বাহিত্রে किर्मात राज्या वा राजनाथ विश्व चन्छ्य करा गा। **छरि अधारमं अञ्चल कीशणहबाद पृष्ठाच निर्द्ध वन्त्र स्टाहरू** বে, সেই মানুবটি একটি তীয় মধ্যবধ সোজাভাবে তৈরি ক্ষান্ত কাজে এফাই অভিনিবিট হয়ে কাজ কাছিল হৈ, चर्चर राष्ट्राच कार क्षेत्र नाम निरंत हरत कावण भएकड সে ঠাকে দেখতে কিংব অনুভৰ করতে গারেনি (*

"কোনত খবিতুসয় মানুক অবশ্যই একাকী দিনবাপন করেন একং সর্বদাই নিনিষ্ট কাগ্যাশ না রেকেই নিয়ত পরিত্রমণ করতে থাকেন। সদাসতর্ক হরে তিনি নিম্নের্ছ দিনবাপন করেন এবং সকলের অন্যাহ্যের করে করে থাকেন। স্ক্রীবিহীন হরে মানুণ করেন মানুহ, তাকে প্রয়োজনের বেলি কথা নগতে হও না। হথন কেনেও মানুধ একটা জন্মানী অনিতা কথা বেছের মধ্যে বাস করে সংখ্যে একটা সুখী গৃহকোশ তৈরী করতে চার, তথন

তা নিজন হয় ধাবং দুংখ-দুর্গলারই সৃষ্টি করে। অসন্দ্র সাল করা করেও ভৈতি কড়িতে চুকে সুংগই নিন্ধাপর করতে থাকে।"

"কিৰ ক্ৰমাণ্ডেৰ অধিপতি জীলবামণ সৰকা জীবেবট প্রারাধ্য দেবতা। কোনও প্রকার সাহাযা স্বভাই, প্রার নিজ শক্তি বলে তিনি এই বিশ্ব ব্ৰহ্মাণ্ড সৃষ্টি করেছেন এবং প্রভারতালে তান ব্যাকাশকাশ মহাকালের মাধারে বিশ্বক্রশ্বাতের বিনাশ সাধন করেন এবং তিনি হয়ং সকল ক্রীপ্রগণসূহ প্রস্নাপ্রের সবকিছু নিশ্ব বংগাই জাবার বিশীন करतन। अहे कांद्र(न्हें, फेर्क्ट करत महा मकन मध्य-উरम जन्द शाक्षक चलल विवासमान स्टाएए। मनम विश হল্পাণ্ডের মাল সন্তঃ বক্ষাপ সূক্ষা হাবান কভি ভাগবানের মার্থেই সরক্তিত থাকে এবং এইভাবেই তাঁয় সভা চাত এই শক্তি ভিন্ন সন্তা নর। প্রলম্বণর্কের শেবে ভঙ্গবান একমান্ত সত্তা জগে বিরাজিত **গালেন।** বর্ণন পরমেশন্ত ভগবাদ মহাকালের স্থাপ পরিপ্রক করে তার আগম শক্তির অভিপ্ৰকাশ কৰেন এবং সম্বৰ্ণনানিত মতো ভাষ জড়জাগতিক শক্তিসমূহ পরিমালিত করেন, তথম তিনি প্রকৃতির নির্বিকার 'প্রধান' রাশ নামে অভিবিত শক্তিরাকির পরম নিয়ক্ত হতে থাকেন। ভাস্তভা নমক মুক্ত পুরুষ, মেবজারণ ও সাধারণ জীরাজাসম সকল সভারই তিনি পরসারাধা লক্ষ্য হয়ে খাবেন। স্তপ্তবার সর্ব প্রকার মড়মাগতিক উপাধি থেকে নিজ বিবর্জিত সংগ্র মনে বিরাজ করেন, এবং চিদানন্দের পর্ণতা নিরেট জির সেট गरा. चेत्र भर्गटना फेर्फरमा मानुक छात निरहका भत्र शिरु দৃষ্টিপাতের ঋনুশীকন করে। এইজাবেই কগবাদ 'হস্তি' শক্ষ্যির সম্পূর্ণ ভাষার্থ উদ্যাটিত করে থাকেন।"

"হে অন্নিম্ম, সৃষ্টির সমরে পরমেশর জগবান উরে
নিবাশন্তিকে মহাকলে রহণ প্রসারিত করেল, এবং রাড়া
প্রকৃতির রৈওণা বার রচিত উরে অন্তা শক্তিকে উক্তীবিত
করার সাধায়ে মহারাখ সৃষ্টি করেন। মহার্শিনপের
মতানুসারে, জড়া প্রকৃতির হৈওপোর বা ভিত্তি, এবং
বৈচিত্রাপূর্ণ বিশ্বরক্ষাও বা বেকে অভিযাক্ত হয়, তাকে
কলা হয় সূত্র কিবে মহারখ। বাভাবিকট, এই বিশ্বসক্ষাও
সেই মহাতান্তর উপরেই নির্ভিত্র করে বরেছে, এবং এর
প্রতিবশেই জীন জড়জালারিক অভিন্ত উপজোল করে
ব্যক্তিবশেই জীন জড়জালারিক অভিন্ত ইপজোল করে
ব্যক্তিবশেই জীন জড়জালারিক অভিন্ত মধ্য থেকে তার

দুল দিবে জালের সূতা দিরার করে, কিছুলাল তাই নিয়ে লেলা করে এবং অবলেবে তা হাসে করে নের, তেহনাই, প্রমেশক ক্ষমবনত তাঁক নিজ সভার ভিতর থেকে তার আগন শক্তি বিভাগে করে অকেন। সেইভাবেই ভগবান মহাবিশের অভিবাভি শিরে সৃষ্টিজাল বিভাগে করেন, তাঁর উল্লেখ্য বিধানে তার উপযোগ করেন এবং অভিয়ক্তালে সম্পূর্যভাবে তা তিনি আপনার মধ্যে প্রভাহার করে

শ্বনি প্রেয়, গুণা কিবো করের যথে কোনও কর্ত্তীর
তার ক্লা ও বৃদ্ধি সহকারে কোনও বিশেষ সারীরিত
কাবর বারশের অসবায় মনেনিবেশ করে জাতে, ওা হলে
ক্রেম রূপ লাভের জন্য সে অভিনিবিট্ট হয়েতে, জনশাই
কেই রালটি সে অর্ভন করে বাকে। হে রাজা, একদা
একটি প্রয়র কাল্পুর্বক একটি দুর্বল ঐতিকে ভার বাসার
মধ্যে প্রবেশ করতে বাধ্য করেছিল এবং সেবানে তাকে
কর্তী করে কেশেছিল। নিবালশ ভারে দুর্বল ইটিটি নিবজন
ভার বন্দীয়ের জন্য অনবটির করা গৃতীর ভাবে ভিত্তা
করতে, এবং ভার শ্বীরুটি ভাগে বা করা সত্তেও, সে
ক্রমণ সেই রামবাটির মাতেই জীক্ষধারার অভাত্ত হয়ে
নিয়েছি । এইভাবে মানুর যে ভারধারা নিরে নিবজন
চিত্তা করতে থাকে, ক্রমণ সেই রক্তম ভীকনই সে লাভ
করে।"

শহে রাজা, এই সকল ওকবর্গের কাছ থেকে আমি
বিপুল জান অর্জন করেছি। এখন কুপা করে চনুত্র,
আমার নিজ দারীর থেকে আমি বে লিজা লাভ করেছি,
তা বর্ণনা করে বোকাছি। জড় দেইটিও আমার
দাহমার্কিক ওক জানা এবই মাধ্যমে আমি অন্যাতি
লিখ্যলাত করে থাকি। সৃষ্টি এবং বিনাশের অবীনস্থ
বলেই, এই দেহটি শেষ পর্বন্ধ নিমন্তই কইন্ডোগ করড়ে
থাকে। তাই, শিকাদীকা লাভের জন্য আমার শরীর
নিয়েজিত করা হলেও, আমি সর্বদা করণে রাখি বে,
এই দেহটিতে শেষ পর্বন্ধ জন্য সকল উপাদানেই
আস্থান করে নেবে এবং তাই নিরাকত হরে, আমি এই
জগতে করণ করতে থাকি। দেহের প্রতি আনতে মানুব
বিপুল সংগ্রামের মাধ্যমে জর্ব সংগ্রহ করে যাতে তার
হী, প্রকলার, সম্পত্তি, গৃহপানিত করে, ইন্সে ধারী,
বাসগ্র, আগীরকজন, বছুবারব, এক অন্যান্য স্ব তিমুর

মর্যালা গ্রহণ করে ব্যার। এটা সমস্থাই সে নিজের স্বর্নীনাটির প্রীতিলাধনের জনাই করে থাকে। বন্ধ যেতাকে মৃত্যুর পূৰ্বে ভবিষ্যান্তৰ ৰক্ষতিৰ জন্ম বীক্ত সৃষ্টি কৰে, তেমনই মৃত্যুম্বী দেহটিও নিজের স্থিত কর্মগুলের মাধামে गतकारचर क्रम्म (मन्द्रित वीक महि करन भारतः। अदेशास्त्र অভযাগতিক অভিড সুনিভিত কাল্য হাধ্যমে অভ শেহটি অবসায় হতে মৃত্যু করণ করে। কংগড়ী থাকলে মানুবকে তাদের জনা নিতা বিভাগ হতে হয়। ভাগের ভাগে-পোষপের ঋনা ভাকে ছারী থাকতে হয়, এবং সমর্বা পত্নীয়া ভাতে বিভিন্ন বিকে নিডা বিবাধ করতে পার্কে, নিজ নিজ স্বার্থে বিবাসে রাড হয়। ঠিক সেইভাবেই মডেব্রিয়তমিও একট সঙ্গে ব্যৱস্থীবটিকে বিভিন্ন নিকে আকর্ষণ বিকর্ষণের মাধ্যমে বিভান্ত করতে বাকে। একদিকে জিতা স্থাৰ আহারানিক আয়োজনের জন্য তাকে আকৃষ্ট করতে থাকে, তামপারে তৃত্ব তাকে মনের মতো পানীর প্রয়াপর জন্ম টোলে নিয়ে স্বায়। একেই সাথে টোনাসকলি ভবিদেশের ধান্য ভ্রিত করতে থাকে: আৰু স্পাৰ্শন্তির পেড়ে চাম কোমল, ইল্লিছ সুখৰত বিবরবস্তুর সমন্তে। উদর বতক্ষ পূর্ণ না হয়, ততক্ষ তাকে বিচলিত করতে থকে, ক্লণ্ডলি অনামুখকা কৰি ভারণের পারি জানাতে থাকে, প্রাণেন্ডির কর হয় তিও তৃত্তিকর সুগধের প্রতি, আর চক্ষল চেত্তালী লালায়িত दर महनामध्यकत भृष्युक्ष सन्तः। अवेद्यहरूचे देखिलानि, अवर অস্প্রভাসগুলি সকলেই ভৃত্তিপুখের ব্যসন্তে জীবকে চতুৰ্দিকে টেনে নিকে বাছ।"

"বঙ্গ জীবাজা সকলেও বসবাসের জনা পরম
পূরবোরম শীভগবান ওয়া আপান মারামর শক্তি বিশুরের
মাবামে জনংখ জীব-রাজাতি সৃষ্টি করেছিলেন। কুজানি,
সরীস্পকুরা, গতা পাবি, সাপ ইত্যামি নানা রাপ সৃষ্টি
করবার পরেও তগবান তার অভ্যান পরিকৃত্তি লাভ করতে
পারেননি। তথা তিনি মানবজীবন সৃষ্টি করেন, কর
মাধ্যমে বজলীব যথার্থ যুদ্ধি অর্ভানের করে। বছ
বং জার ও মৃত্যার পরে এবং পরিকৃত্তি লাভ করে। বছ
বং জার ও মৃত্যার পরে কেনেও জীব অতি পূর্লভ মানব
রাপ লাভ করতে পরের, আর ঘদিও এই মানব জার
অন্থারী, আ হলেও এই মানব জার্জারের সুবোল লাভ করে।

থাকে। ভাই যে কোনও বিরবৃত্তি মানুষেরই ইপানীয় সঞ্চর উন্দোর্থী হবে এই অনিতা অহায়ী দেইটির গতন এবং মৃত্যুর পূর্বেই জীবানের পরম সর্থেকতা জর্মনের জন্য উতিত। বাস্তবিকই, অতি জন্মা জীবন প্রভাবেও ইপ্রিয়ে উপভোগের সুযোগ, থাকে, কিন্তু ক্ষতক্রমানুতের আহানের একমান্ত সম্পর্কার ক্ষতক্রমানুতের আহানের একমান্ত সম্পর্কার ক্ষতিত ক্ষতির ক্ষতিত ক্ষতির ক্ষতিত ক্ষতির ক্ষতিত ক্ষতির ক্ষতিত ক্ষতির প্রথম পার্মানিক আহাতক্রমান উপলব্ধির পরিপ্রেক্ষিতে সম্পূর্ণভাবে নিরামন্ত অর্থনি করে, নিরামন্ত অর্থনি করে। পরিপ্রতির বিরহ্মার হবে পৃথিবীতে বিচরণ করেছি। পর্যান্তর্থ ইবিও এক এবং

অনিতীর, তা সম্বেও ঋষিবর্গ সেই গবসভারকে বিভিন্ন উপাত্তে বর্ণনা করেছেন। সেই কারণেই কোনও একজন মান্তা ওপার কাছ থেকে সুদৃঢ় অর্থাৎ সুসম্পূর্ণ জান আহরণ করা করেও পক্ষে সন্তব না হতেও গারে।"

পর্যেশ্র ভগবান কালেন—"এইভাবে বদুরাক্তাক কার্ম পরে, জানবান গ্রাপণ সেই বাজার প্রপতি ও বদর প্রহণ করে, প্রতিলাভ করমেন। ভারপ্রে বিলায় জানিয়ে ভিনি বেভাবে এনেছিলেন, নেইভাবেই হলে গোলেন। তে উত্তর, জাবধৃতের শাবাধানি ওলে, জামান্তের পূর্বপুরুষদের প্রতিভাহে ববিভূতা স্কুরাজ নকল প্রকার জাগতিক জাসভি থেকে মুক্ত ইলেন, এবং ভাই ওরি মন পারানার্বিক করে বধাবেশভাবে স্থিত হল।"



দশম অধ্যায়

সকাম কর্মের প্রকৃতি

প্রমেশ্বর ভগবার বললেন-শ্বামার ঝাছে পূর্ণ ভারর নিরে, আমি যেভাবে বলেছি সেইভাবে ভতিমুগক रनवार कराड् महानित्यरम्त भाषाह्म, वर्गावम श्रेषा नाहर কভিছিত সামাজিক ও বৃতিমূলক ব্যবস্থায় মধ্যে কোনও প্রথমে ব্যক্তিগত বাসনা বর্জন করে মানুহকে জীকন্যাপন करएड स्टा श्राप्ता पुकरका साम्रा करा केहिक रहे. বন্ধ জীবনা বেহেডু ইত্রির উপভোগের দিকে জীবন উৎসর্গ করে, ভাই তার ইনিয়ে সুখ ডোগের সব বিষ্কৃতিই খনর্থক সভ্যরহেপ খীকার করে বাকে, যায় কলে ভাগের সকল হকার প্রচেটাই ক্ষবস্থায়নী দার্থতার পর্ববসিত হতে বাধ্য। সুমার মানুৰ স্বপ্নের মধ্যে ইন্দ্রিয়াভোগ্য বহু জিনিস বেগতে পারে, কিছ ঐসকল সুখকর সব কিছুই নিতাত মানগ্ৰিক কৰনা মান এবং তাই লেবপৰ্যন্ত অহেতুক। স্ট্রেলাবেই, জীবনারই ভার চিত্তর পারমার্থিক সভা সম্পর্কে নিয়ামধ্য হতে থাকে, ভার বৃষ্টিভেও বহ रैंजियटकारा विश्वापि चाहर, किन्नु जैरावस चत्राही।

উপতোগের অগণিত বিষয়বন্ধ নিত্যন্তই ভগবানের মারাবলে সৃষ্টি হরে থাকে এবং সেওলির কেনই স্কারী সতা নেই। ঐতদি নিমে যে যান্য ফলসংযোগ করে থাকে, ইন্সিয়াধির উচ্চেনার মে অনর্থক তার বৃদ্ধি বৃত্তির অপব্যর করতে থাকে। জীবনের একমাত্র পদ্ধ প্রয়ণ আমাকে সুদ্রভাবে মনের মধ্যে বে স্থান লিভে পেরেছে, তার শক্ষে ইপ্রিয় উপ্রভাগের সকল ফারতর্ম বর্জন কর উচিত এবং ভার পরিবর্ধে বিধিবছ নিরমনীতি অনুসারে উন্নতি সংখ্যনার জন্য কাজ করা কর্তব্য। স্বাকন্য হথন আৰাৰ পৰ্যকৰ সম্পৰ্কে মানুধ কৰাৰ অনুসন্ধিংসু হয়, তৰন ভাতে সকাহ কৰ্ম সম্পৰ্কিত খান্ত্ৰীয় অনুনাসংখনি করে পালন কর্মার প্রয়োজন হয় না। জীবানের পর্য লক্ষ্য রূপে আমাকে যে স্বীকার করেছে, ভার পঞ্চে পাপকর্মানি পরিহার সংক্রমন্ত শান্ত্রীয় অনুশাসনওগি অবশাই নিটাডরে পলেন করা উচিত এবং কথাসত্তব ওচিতা রক্ষার মড়ো সামান্য বিধিনিবেগওলিও প্রতিপালন

করা প্রয়োজন ৷ আবংশৰৈ, মানুষকে অবশ্যই কোনও প্রায়ার্থিক সন্প্রকার সমীগবড়ী হতে হবে, বিনি আমাব প্রত্যেই সর্বজ্ঞানে গুলাছিত, যিনি প্রদান্ত এবং বিনি -এরমার্থিক দিব্য তেতন্যর মাধ্যমে আমা হতে অভিযা ব্যবহার্থিক সন্তর্গর স্বেক্ত জর্বাৎ নিয়াকে জকলাই রিখা অহমিকামুক্ত ইতে হবে এবং কথনই নিজেতে সকল কর্মের ফর্ডা বিবেচনা করা চল্গের না ভাকে সকল সমতে কর্মানক এবং নির্দাস হতে হতে আর ভার স্তী, ধরে, পরিবার, খৃহ ও সমাজ সকল বিবয়ে মুক্তাপুন্র ও প্রভূত্ববের্থনী কথম প্রয়োজন। তার পারমার্থিত গুরুর প্রতি প্রেমমর সমাভাবানর হতে হবে এবং কর্মট বিভাগ स विनयभाषी एक इन्हर में। त्यवक स्था निशास्त्रम ভাৰে পারমার্থিক উপক্ষির পথে আসর হতে হবে, জাৰও প্ৰতি ঈৰ্বাহিত ইলৈ চলৰে হা এন ক্ষায়ক স্থতন প্ররোজন। জীবনের সকল পরিবেশের মধ্যেই মানুককে चान्य क्यार्थ एक पार्थित शिंह राज्यील शरह एव कार মেই উদ্দেশ্যেই স্ত্রীপুত্র, পরিবার পরিক্রণ, হরসংসার, समियापि, वाचीतप्रसम, बद्धासर, श्रमण्यम अयः স্ববিদ্ধ খেকেই অনাসক্ত থকা উঠিত।"

"वास्त्र रूपमे पेर्टिड मधार्थ चालांक हाला करते. অথচ আ দাহা কঠে কেকে ডিয়া, তবু কঠে নহনের মান্তমে উচ্ছল্য প্রদান করে, ছেমনই শরীরের মধ্যে যে দর্শক तरद**्ध स** चाककारन™क हिन्दद धाषा अश का कक শরীর খেকে ভিত্র হলেও চেডনার বারা সর্রীবিত হতে ররেছে। তাই চিশ্বর আশ্বা এবং শরীর তির সন্তার্বিশিষ্ট এবং ভিছ বৈশিষ্টা সম্পন্ন। বেমন আন্তন নিভিত্তভাবে সূপু, উপ্র, কীপু, উচ্ছল এবং আরও নান্যভাবে দায় পদর্যের অবস্থাভেরে প্রকাশ লেন্ডে পরের, তেমনই, চিমর चाशा रकानक बाह्न रहराख ग्रहण शरका बाह्न व्यव विराग দৈহিক ওপাৰলী যান্ত করে। পর্য পুরুষোগ্রম ভগবানের শক্তি থেকে বিজ্ঞায়িত কড়া প্ৰকৃতির হৈওপ্ৰের মধ্যমে সুঠ হয়ে আৰু সুন্ধ ও কুচ অভ দেহওলি। বধন জীব হল এবং সৃষ্ধ নেহওলিকে তার নিজেরই ব্যক্তৰ প্রকৃতি সমত বাধে প্রান্ত ধারণা করে ডখনই ঋড়মানতিক অভিন্ন প্রকাশিত হয়। কথার্থ জাতের মাধ্যমে করণাই এই মানামা পরিছিতির কিবল ঘটানো ঘেতে গারে। বুতরাং, জার অনুশীক্ষরের যাধ্যমে মানুবকে তার অভবে

বিগ্রাক্তমান পরস্থা পুরুষোন্তম ভানবানের উপাসৰি আর্থন করতে হবে। ভাগবানের শুক্ত পারমার্থিক দিখা সন্তা উপাসৰির শ্বাধায়ে জড় প্লগতটিকে স্বতম করেন সভা অপে প্রান্তধারণা প্রথম বর্জনের চেন্তা করা উচিড।"

"পারমার্থিক শুরুদেবকে কজানিতে ব্যবহাত অর্থনি কার্যের আদি কর্ম্ভ অর্থন হলে করা উচিত, নিবাকে সর্বোলরি জালানী করি এবং শুরুদেবের উপক্রোবলীকে এই পুইরের মানে অবস্থিত ভূতীয় সজিতার্ভ মানে বিবেচনা করা চলে। জিশুকানেরে কাছ খেতে প্রস্থা পারমার্থিক জান নিব্যের কাছে আসে কেন যভের উপর নিচে কার্ছের সংঘর্বজনিত আশুকোর মাতে, বে অতন অজনেতার জজনার পৃতিরে বৃহি করে সের, ভূগে শুরু ওজনোরের কাছ বেকে বিনীতভাবে করণের মাধ্যমে, সুদক্ষ নিবা শুদ্ধ জান বিহুলিত হওরার করে, জড়া প্রকৃতির ত্রৈপো থেকে উৎপর জড়জানতিক মানার আক্রমণ প্রতিরোধ কর্মের পারে। অবশেষে এই শুদ্ধ জান জপনা হতেই নিয়েশবিত হয়ে বার, বেভাবে জনানী করে পের হয়ে স্থানে আশুনও বিভে বার শি

"টে উছব, এইডাবেই ভোগাৰ কাছে আমি শুল कारनंत्र व्याचाः करतिहै। चाक्याः किंदू वार्यानेक चाराइन, বঁটা অযার নিদ্ধান্তের বিরোধিতা করে থাকে। তার বলে থাকেন খে, সকাম কাজকর্মে নিয়োঞ্চিত থাকাই লীকো স্বাভাবিক ঋবস্থা, এবা ভান্ত জীবকে তথা নিজের কৰ্ম থেকে উপদত্ত সুধ ও দুংখের জ্যোকা বলে মনে रत चरका। और कड़कामिक क्लंग कनुमाख, नृथिरी, সময়, নিজ শাহ্রাদি এবং আখা সর্বই বৈচিত্রময় এবং নিত্যস্থিত সন্তা, বেগুলি অবিবাস পরিবর্তনের ধারার অধ্যাহত থাকে। তা ঘুড়া আদ কৰনই একমাত্ৰ বিহত কিংবা নিতাছিত হতে গাবে বা, কারণ ভা বিভিন্ন <িবর্তনশীল বিবরবস্থ থেকে উৎসারিত হতে কাকে; হাই ক্ষাশ হাত্রই নিজ্য পরিবর্তন স্মাণেক হয়। যদিও ভূমি এই ধরনের বাশনিক মতবাদ বীকার কর, হে উত্তর, ভা समय निअवस्था सन, मृष्ट्र, बता अवर वाणि बाकरवेट, বেহেতু ৰংলের প্রভাব মতো জড় বেহু অকনাই সকল জীবকে শীকার করতেই হবে। যদিও সভার কর্মী আনতা সূত্রণা বাসনা করে, ভা সক্তেও লক্ষ্য করা হায় হে,



ছড়জাগতিভ ক্ষাীনা প্ৰায় অসুখী হয়ে আৰু এবং ফেবল भारत बारवरी नरखानमान करत, का श्वरत श्रमाणिक रहें যে, তাগের লাক্ষ্য পূরণের ক্ষেত্রে তারা স্বাধীন স্বত্য নর কিংবা পরিশাম নিয়ন্ত্রণ করতেও অক্তম; যখন কেনেও মানুৰ কান্য কাৰও প্ৰাকৃত্বময় নিয়ন্ত্ৰণে সৰ্বদ। চলতে পাৰে, ভবে সে কেমৰ ভাবে ভার নিজের সকথে ফ্রিয়াকর্মের মাধ্যমে কেনও মৃল্যকা সৃষল কাশ করতে পরেঃ कक्कामध्य गुरियीत बाह्य सका कता वाद हा, धानक সমতে বৃদ্ধিমান মানুকও সূৰী হয় নাঃ ডেমনই, কখনও এক মহামূৰ্যও সূৰী হয়। অভ্ৰন্তাগতিক কাজকৰ্ম সম্পাদনের সক্ষতার সাধ্যমেই সূখী হলে ওঠার ধারণা নিতাত্তই মিখ্যা অহমিকার অনর্থক অভিপ্রকাশ মাত্র। यिक भानुम साहर किछात्व पूच चर्चन कराउ इस धक्र শৃংৰ পরিহায়ে করতে হয়, তবু ভারা জানে বা কোন শছতির মাধ্যমে মৃত্যু ভালের উপত্রে প্রভাব বিস্তার করতে পারবে বাং মৃত্যু কখনই সুখকর নর, এবং থেহেতু প্রত্যেক মানুহকেই ঠিক কেন স্থপ্নাথ্য অপরাধীর মতেই বধ্যভূমিতে নিয়ে স্বভা হচ্ছে, তাই স্কলাগতিক বিষয়বন্ধভালি খেকে বা সুখড়ব্রি ভোগ লগা খেতে পারে, তা থেকে কডখানি সুখই বা মানুব গেতে গাবেং যে কড়জগতিক সুখের কথা শোনা ধরে, কেন্দা, স্বর্গলোকে সুখনোগ, আ সবই আময়া যে সকল অভজাগতিক সুখোৱ পরিচর পেরেছি, ভারই মডো। সবই ঈর্বা, ছেব, জরা এবং মৃত্যুর দারা কলুবিত। অতএব ভেমনই শস্য আহবদ করাও বৃধা হয়, যদি দলোর ব্যাধি, জীটের আক্রমণ কিংবা আনবৃত্তির মতো বহু সমস্য থাকে, আর সেই রকর্মই পৃথিবীয়ে কিবো কর্মলোকে যেখানেই হ্যেক, অগলিত বাধাবিপজিত কারলেই সর্বলট কেনেওখানেই ক্ষড়কাণতিক সূব কাহরণের চেটা ব্যর্কভার পর্ববসিত **হা**ছে থাকে।"

"বলি কেউ নৈদিক অনুনাসংবলি মধ্যে নিধিবৰ ভাবে যাগদকাৰি পালন করে, ভা হলে গরকারে তার কর্মনুখ লাভ হয়ে খাকে। কিন্তু এমন সুকল দাভ সংক্রে, স্কাম याशवकानि मुहाक्रकारक मान्नुष्ट कडा हरलक, कार्ल्य श्राह्म का नवहें विजीन हरह बाहा। क्षेट्रे विश्वास संवर्ध ৰুৱ। যদি লেউ এই পৃথিবীতে ক্ষেত্ৰতালের প্রীভিসাধ*নের* **উল্মেশ্যে याभयकाभित्र कनुष्टीन करत, स्त्रं वरण कर्तलाटक**

गध्म भट्ने, दमकारम, दमकाटमन घटलाई, छ।उ বন্ধানুষ্ঠানের স্বাধ্যমে অভিত কর্মপুর ভোগের সোভাগ্য উপভোগ করতে থাকে। কর্মলোক লাভ করবার করে<u>।</u> যাগয়েকার অনুষ্ঠাতা পৃথিবীতে তার পুণা কর্মো করে। शास मध्याम विभाग सभ्य कराक भारक। शक्रकेशास्त्र श्वातः वाना गीराज्य माधारम व्यक्तविक हरता, वावश मध्यातम কোভূষা পরিধান করে, শে কর্মের দেবীসদ প্রিকৃত হতে জীবন সুৰ উপভোগ করতে থাকে : বৰুমংলের জ্যোতা কটা মালনে সুশোভিত বইজ্যার লফরতে বিমানে স্কর্যক্ত মারীগণের বাবে প্রমেদ কাননওলিতে আহুদিত, বিশ্বাসন্ত এবং মহাসুখে অতিবাহিত করার সময়ে, স্তারা विद्याला कराना (व, फार पूर्णक्या (म वार करा दकशहर এবং অর্নাতবিদা**রে জড় জনতে সে অবঃপতিত হ**বে। पक्कर्रात भूगाचम जयाद ना एउना भर्यस, कर्मालाहरू ্ৰে জীবন উপভোগ করতে থাকে। অবশ্য বৰন भूगामम कीय दरह कड़, छचन दन चटर्नद श्रदशक কাননওলি থেকে অধ্যাপতিত হয়, এবং অনৱ কালের প্রভাবে ভার ইঞ্চার বিরুত্তেই ভাকে পরিচালিত হতে

"यहि कामल बानुह भानवतं, धर्मवितादी काळकहाँ शिक्षं चारक, चारदामा किरवा देशिकामासान प्राप्तायात <u>क</u>ारा. ভাহৰে তাকে অবশাই অভুজাগতিক কামনা বাসনায় পরিপূর্ণ ব্যক্তিক নিজে চলতে হয়। তার কলে কন্য সকলো প্রতি তার আচৰণ হর আপাদীন লোভযার এবং সর্বদাই মারীদেহ সজ্ঞোগে উদ্প্রীব হয়ে বাকে। সা কল্পিত হলে মানুৰ হিংয়াৰক এবং আক্ৰমণাত্মক হয়ে ওঠে আর বৈদিক অনুসামন ব্যতিরেকেই ইরিনে ভৃত্তির জন্য নিরীহ প্রাণীদের হত্যা করে। স্বতপ্রেতাদির পূজা করার কলে, বিলাভ স্নন্ত অনুযোগিত কালকর্মে পঢ়িছলাভ করে এবং আর কলে ভার নরকগতি হয়, বেখ্যনে সে উমোওণারিত অড়জানভিক শরীর লাভ করে। তেমন নিরন্তরের শরীর নিয়ে দে দুর্ভাগ্যবশত অতত ক্রিয়াকর্ম সাধন করতে থাকে বার করে ভবিবতের অগান্তি ক্রমণ বৃদ্ধি লেতে থাকে, এবং তাই সে আবার একটি অনুরূপ শতীর অর্ঞন করে। এই *पत्रत्मत्र (याच*न का**ककर्यत्र साधारम कराधानिञ्**कारम मृङ्गान মাখে ইহজীবনে পর্যবসিত হবে, আনু মধ্যে কি ধরনের

সংখ্যা আশা করা দত্তর ইটে পাথে : সমার প্রহলেকে ম্বা থেকে নাকে পৰ্বাছ, এবং সমস্ত মহান নেবতাগণ বীৰে এক হাজার বুগকমাকল জীনিত থাকেন, ভালের মনে আমার মহাকাল সম্পর্কে বিলক্ত্র ভয়ন্ত্রতি রয়েছে। প্রকাঠ বার পরত আছিলে ৩,১১০,৪০,০০,০০,০০,০০০ বস্তা, তিমিও সামাকে ভর ভৱেন। ভতেজিয়তলি পাশ অথবা পূশ্যমর ভতেগের্নড়ক ক্রিবাকর্মের উত্তব করের এবং জড়াপ্রকৃতিত হৈওপ্য ধারার ছাড়েব্রিয়ণ্ডলি সঞ্জিয় হয়ে খাকে। জড়েব্রিয়ণ্ডলি এবং লডাগুৰুতির বাক্স পরিপূর্ণভাবে নির্মোজত হরে জীব স্বাস্থ ক্রিয়াকণ্যপের বিবিধ কলের অভিজ্ঞান্তা ভোগ করতে বাকে। বতক্ষ বীন মনে করে ছে, বভাগ্রহার ওপাহলীর প্রকৃত অক্সিছ রবেছে, ওতদিন তাকে বিভিন্ন রাণে জন্মাহণ করতে হতে এবং বিবিধ জড়ভাগতিক অন্তিত্ত্বের অভিযানত সে অর্থন করনে। ভাই প্রকৃতির ওব্যবদীর অধীনত্ব হতে সক্ষে জিতাকলাপের উপরেই ক্রীয়কে সম্পূর্ণ ভরসা করে চলতে হয়। জভাগুর্নতর क्रिक्सात भारीय अकाम कर्म जन्मानस्य स्व वयसीय নির্ভাগৌল হয়ে বাঙে, তার পরম পুরুষোত্তম উদবান রূপ আমাকে সমীক কমতে কাকবেই, কেনেতু আমিই সকল ৰীকের সকাম ক্রিয়াকর্মের ক্রনামল অর্গণ করে থাকি। বার প্রকৃতির বৈশুশোর বৈচিত্রাসমত্যকে বারবরাপে জান করে, অড়বাগতিক ব্রীকনধারা বীকার করে নের, তারা জড়জার্নাতক ভোগে উপড়োগের মাঝে আল্লোৎসর্গ করে

भारक रहनहें ऋर्वनहें मृतक मूर्यनात आहब आर्थ शर्फ वाथा হয়ঃ প্রকৃতির ভারুওগাবর্লার প্রতাবে এবং নিন্তা-অতিক্রিয়ার কলে জার আক্রকে নানাভাবে বর্ণনা করতে **थारक, कदनत प्रश्नाकाल, काश्रा, त्यां, डाकात, वेडारा,** धार्मिन्ड अबर चात्रक मानाहारव हैं।

ঠীউছৰ কালেন—"হে ভগবান, কও গেহেৰ মধ্যে অবস্থিত জীবনে বিভে আৰু জড়াচকৃতির ওপানলী এবং এই সকল গুণাবলীর খারা সৃষ্ট কর্মান্তরে সুখ ও পু:খ। তাহলে এই কড়ভাগতিক আর্থতের মধ্যে সে আবছ খাকে না, ভা কেমন করে সন্তব হতে পারে ৷ আরও বল্য হেন্তে পারে বে, জীব বকার্থই দিবা সঞ্জা এবং কড় ক্ষগতেৰ মাৰ্যে ভাল কংগাঁর কিছুই দেই। ভাৰে কেন टम विस्कान सक्त संकृतित पास पारक स्टार पारक ? ভগবান আচ্যত, একই জীখনে কখনও নিতাৰৰ এবং ক্ষমণ নিজ্যুক্ত ক্রণে কর্মর করা হয়ে থাকে। ভাই টাবের বধার্থ কবছা আমি উপক্তি কবতে প্রস্তি না। হে ভগবনে, দলনিক প্রধানির উত্তর প্রদানে আপনিই সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ পুৰুষ। নিভামৃত শ্ৰীৰ এক নিভাবন্ধ শ্ৰীবের মধ্যে পাৰ্থতা উপলব্ভিত পঞ্চপণ্ডলি কুপা কলে আমাৰ্কে বৃতিৰে নিনঃ ভংগা কি কি বিভিন্ন উপাৰে ক্ৰীকন উপভোগ করে, আহন্ত প্রহণ করে, ক্লম বর্তান করে, পরন করে, উপকেশন করে কিবল কিবল করে, জ সবই কর্ণনা



একদেশ অধ্যয়ি

বদ্ধ ও সুক্ত জীবের লক্ষণাদি

কখনট বন্ধ কিংবা মুক্ত হয় বা, এবং জড়াপ্রকৃতির প্রসৃত সৃষ্টি, কিন্তু বাতুৰে তার কোনই সত্যকা নেই,

পরমেশর ভাগক্তন কালের—"হে টার উদ্ধব, জানার তপাবদীর ফুল করেশকলেশ মারাশভিত্র জানিই বেচেপু নিজ্মশাধীন জড়াপ্রকৃতির ওপাফাঁর প্রভাবে জীব কখনও সর্বামশ্ব, ডাই আয়াকেও কখনই মৃক্ত কিংবা বছ বলে বস্ত একং কৰণও মূক্ত জ্যান্য পান। কয়ত, আছে। মধ্যে করা চলে না। সাম ধ্যেন মানুকের নিভাত বৃত্তি তেমনই, জড়জাগতিক শোকদুংশ, মায়ামোহ, সুব, বিবাদ
এবং মাহার অধীনে জড়দেহ ধারণও সতই জামার
মারালভিরেই সৃষ্টি। অনাভাবে বলা চলে, মারামর
অধিকের কোনই বাজব উপরোগিঙা নেই। তে উদ্ধর,
জান এবং জজানতা উভরেই মাহার সৃষ্টি, ভা জামারই
সভিব জড়িপ্রকাশ। জান এবং জজানতা উভরেই
অনাবি জনত বরুপে এবং বছন কমা ছোগা করার। ধ্রু
মহাবৃদ্ধিয়ান উদ্ধর, ধ্রীৰ আমারই অবিজেলা বিভিন্নাশে,
কিন্তু অঞ্চানতার প্রভাবে আকে জনাধিকাল মাবং
জড়জাগুড়িক বছনাশার কট্টভোগ করতে হছে। জকলা
জানের সাহারো সে মুক্তিকাড করতে গারে।"

"द्र शिव्र केंद्रन, अवेशास्त्रहे अकडे कपरमास्त्र प्राप्त আমরা বিপুল সুখ এবং দৃংখ দুর্দশার মতো বিদরীতবর্মী বৈশিষ্ট্য দক্ষ্ম করে থাকি। ভাষা কারণ এই বে, পরত পুরবোশ্তম ঐভ্যাবান বিনি নিত্যমুক্ত দিন্ত সক্ষা, আর সেই সঙ্গে বন্ধ জীবান্ধা উভৱেই সেবের মধ্যে ররেছে। এখন আমি ভোষার কালে তাঁলের বিভিন্ন বৈশিষ্ট্যামিত কথা বলব। বটনাক্রামে দুটি পাখি একট পাছে একসংখ বাসা করেছে। দৃটি পাবিই বন্ধু আর সমস্তকৃতি। অসপ্যু তাদের মধ্যে একজন গাছটির কল বাচেছ, আন্টবিকে ক্ষান্ত পার্থিটি বে কর বাচের না, সে নিক শক্তির কলে উত্তয় যর্থানার অবস্থান করছে। যে গালিট প্রয়টির কর ভক্ত করে মা, সেটি পরম পুরুষোভ্য ঐতিগবান, বিনি তাঁর স্ব্লতার মাধ্যমে তার আপন মর্বাল স্মাকভাবে উপলব্ধি করেখ এবং খল ভক্ষদলতী গানিটির যতের रक्षमें एका मुख्य केमलिक करता। समात विरक्त में मेरिय নিৰেকে উপলব্ধি করে না কিংবা কগবানকেও অনুভাগ করে না। সে অক্টানতার খারা আবৃত ইয়ে আছে এবং তাই জাকে নিত্য বন্ধ কৰা হতে থাকে, আৰা প্ৰয়েক্ত ভগৰান পূৰ্ণজাৰ সম্পন্ন কৰেই তিনি বিভা মুখ্য পুৰুব कारन विवासमान भारतातः। सन्द्र श्राटना गरश करितिस খানেলেও, আৰুজ্ঞানসন্দাম মানুৰ মেনেল বাইরেও বিজ্ঞো অভিৰ উপদৰ্ভি কৰতে পাৰে, ঠিক ৰেফা স্বধা খেকে উলিভ মনুৰ বামে দেখা শ্রীরের সাথে আরছ হয়ে খালা কর্মান করতে লারে। অবশ্ব, নির্বোধ মানুধ ভার স্কুৰ গেবনিৰ সাথে প্ৰকাশ্ব না হলেও, ডা খেকে স্কাচীত

গন্ধা হওৱা সংক্রও, মানে করে লে শরীবটির মধ্যেই রাজেছে ঠিক বেমন শ্রামার মানুব নিজেকেই একটা করেছিক লাইনের মধ্যে দেখার পার। জন্ডলাগতিন বাসনার কলুকার থেকে মুক্ত বে কোনও বিহান বালি দৈহিক মিন্যাকলাগের কর্মানার লিকালে বে, তা বাধানের সকল প্রকার বাং কাব সে মধ্যেই অধুমার জাড়াগ্রকৃতির ওপাবলী থেকে উত্ত ইলিরাকলিই ইলিরাজান্য বাহুওলির সঙ্গে সংযোগ সাধান করছে। প্রারম্ভ কর্মাকলের পরিধায়ে মেহমার আগতে কুন্তিইনি মানুর মনে করে, "আগ্রি সকল কাজের কর্জা।" অংকিবার বিশ্বার ক্যেন নির্বোধ মানুর মনে করে, "আগ্রি সকল কাজের কর্জা।" অংকিবার বিশ্বার ক্যেন নির্বোধ মানুর মনে করে, "আগ্রি সকল কাজের কর্জা।" অংকিবার বিশ্বার ক্যেন নির্বোধ মানুর কর্মি সকল ক্রিয়াকলাল প্রকৃত্তগতে প্রকৃতির ওপাবলীর মাধ্যামেই সম্পন্ন রতে ভাকে।"

"বিভাগ জানতন মানূৰ অনাস্তিত অভ্যাসে গৃচ্চিত্ত হলে উন্ন পরীরটিকে শেরা, বসা, চলাকোর, সাম করা, দেখা, স্পূৰ্ণ কল্প, জৰ দেখলা, আহার কলা, পোলা এইং बोरे धतरमा जय करकोरे केंगरवान करका, किन्नु कंपारे সেই খরনের মধ্যকর্মে আসক্ত হয়ে পড়েন না। অবশ্য, সকল প্ৰকাৰ শাৰীয়িক কিয়াকলাপের সাকী ব্যা থাকলেও তিনি সেই সকল কাঞ্চের বিবয়বস্তুওলির সঙ্গে তিনি তথুজন জার শারীরিক ইপ্রিরণসিকেই নিমেজিত রাখেন এবং কৃতিহীন মানুবদের মতো সেই সকল কাজের মধ্যে বিকড়িত হয়ে পড়েন না। বনিও আকাশ, অর্থাৎ মহপেনা সৰ কিছুৱই আশ্রম্ভন, তা হলেও আকশ কোনও কিছুৰ সঙ্গে মিশে ব্যৱ না, কিবে আগগু হয়ে नएक ना। एकमनरे, चनश्या कनानरवन्न मध्या नूर्य প্রতিকলিত হলেও জ জনের মধ্যে মোটেই অসেভ হয় না, শক্তিশালী ৰাডনে সৰ্বত্ৰ ৰাম চলচে থাকলেও আনবিভ প্রথমে গংখন হারা ভা বিকৃত হয় না, বা বে সৰ পরিবেশের কথো দিকে বাডাল প্রবাহিত হরে করে, **मिछनित बावा ध्रकाविक एक मा।** मिष्टेशारवरे আৰ্থ্যানালৰ মানুৰও কডাৰেছ থেকে এবং চায়পাংশক অঙ্গ ভগং থেকে সম্পূৰ্ণভাবে নিরাসক থাকেন। তিনি का वरशाविक मानुराम भरशिक बार्कन। कामानिका পানা সুতীয়া সুৰক্ষ দৰ্কা শক্তির সাহাধ্যে আগতব্যক্ষনী অনুৰ আৰুপ্ৰধানের সাহায়ে সকল প্ৰকরে বিধাবন্দ জি

ক্ষরেম এবং ক্ষানুলগতিক বৈচিত্রের প্রশারের থেকে উর চেডনা সম্পূর্ণভাবে প্রভাবার করে থাকেন। করন কোনও মানুষের কোনও প্রধার ক্ষমভাগতিক কামনা-রাসনা ছাতাই তার প্রশালি, ইলিফানি, কর ও বৃদ্ধির কাক্ষা চলতে খাকে, করম খাকে বৃগ ও সৃষ্ট্র রাজ্যাগতিক শ্রীরানি থেকে সম্পূর্ণ মুক্ত হলে সদা করা হয়ে থাকে। সেই বর্মনা কার্য শ্রীয়ের ছথে কর্মনা রাজ্যাত কামে ব্যতিরেকেই হিলে মানুহ কিবে গতের ছার কারও শরীর আক্রান্ত হরে থাকে। করা কোনও সম্প্রে রা জন্যক্ষেত্রে, অভস্মান মানুহ কিবুল সম্পান কিংলা ক্ষমনার ভূষিত হতে গারে। কে মানুহ অনুনার হলেও কুল্ক হয় না কিবে কননা লাভ কর্মনাও উপ্লিক হয় মা, তাকেই কথাপ বৃদ্ধিমান স্কান্ত করা চলে।

"কোনও সুনিবৰি সমণ্টিসম্পন্ন বন একং ভাই প্রভাগতিক বিচারে বা ভাগ বা থক, ভাবে বিচলিত इन मो। अंदर्भ, जत्मुल कान क्य काव कराई, अवर তারা অবধ্য ও বধার্থ ক্ষর্যালাল করছে আ তিনি লক্ষ্ क्सरनंद कविज्ञा मान्य कार्यरकरे अन्तरा किरब मिना করেন সা। মৃক্ত পুরুষ কবিতৃতা মানুষের পক্ষে তার শরীর রক্ষার হায়েজনে, কম্ম স্বাগতিক ক্ষান ক্রিকে ক্রম किरता माराध्य रकारत कथ करा, कथ का किरता চিন্তা ভাবনা করা অনুচিত। বরং অংশ্যই তাঁকে সকল প্রকার অভজাগতিক পরিকো খেকে জনাসভ খাকতে হবে এবং আন্ধ-উপলব্ধির প্রবাদে আনন্দসূব অনুভবের মাধ্যমে তাঁকে এই বরনের মৃক্ত জীবনধারার হথ্যে আধুনিয়োগ করে পরিকল্ম করে চলতে হবে, খেন তিনি ৰাড়বৃদ্ধি মাণুৰের মধ্যে খন্য সকলের কাছে প্রতীরমান হতে থাকেন। সবছে কো শান্তলি কথারনের হাধায়ে पनि दक्षा विरमवध्य वटा छटं क्षित्र नंतरमन्त्र सनवाजन চিজার জনোনিকেশ না করে, তা হলে যে গাড়ী দুদ্ধ খন केल ता, कारा प्रकशासकारण करतेल विश्वयी यानुस्तर মতেই করে অবস্থা হয়। অল্কেবে করা চলে বে, रिविषक काम वर्षात्मक काम कर्दात्र अस्तिसामाना वास्त्रसम ক্ষাকে তা ভাই পশুধান হয়। ডা থেকে অনু কোনও কাৰ্থকৰী কললাত হয় মা।"

"তে প্রিত্ন উপলে, তে মানুষ এমন এক গ্যাতীর বর্গ করে, বে দম বের বা, এমন স্থার ভাগোপামণ করে, বে অস্তী, এবং অনোর উপরে নির্ভয়শীল, অকর্মধা সক্ষনাৰি কৰা মিয়ে জয়নপোধৰ কৰে কিংবা যথ্যযোগ্য সেবার ধনসভাল কাজে বাগ্যার না, তেয়ার খানুব অবশ্রে অতি দুর্ভাগা। তেমনই আমার নাহার। বর্জিত বৈদিক মানের হঠা যে করে লেও অভি পূর্তাপা। যে হির উত্তৰ, জামার যে সকল ক্রিয়াকল্যপের বর্ণনা সমগ্র বিশ্বস্থাতকে পরিভান্ন করে ভোলে, সেইওপির বর্গনা বে সং শাস্ত্রদিতে নেই, সেইওলি বৃদ্ধিমান মানুহ কথনই সমর্থন করে না। আনিই তো সমগ্র স্কান্তবাগতিক অভিব্যক্তির সৃষ্টি, দ্বিতি এবং ধানে সাধন করে থাকি। আমার সকল লীলাবভারসালের মধ্যে সর্বজনপ্রির হলেন কৃষ্ণ ও বলরায়। আহলে এই সকল ক্রিয়াকলাল যে জ্ঞানসম্পদ্ধে মধ্যে প্রাহ্ম হয়নি, তা নিতারই অসার এবং বধার্ন বৃদ্ধিমান সানুষদের কাছে তা প্রহশ্যোগ্য হয় না। সকল জানের এই সিভাতে উপনীত হতে ভাতভাগতিক বৈচিয়েক যে বাড় ধরণা মানুৰ আক্ষায় উপত্নে প্রয়োপ করে, স্বা কর্মন করা উচিত একা সেইভাবেই তার অভ্যাগতিক অভিন্য বিভৱ হবে। তথা আমাতে মনোনিবেশ করা উভিত কারণ আমিই সর্ববাধে সংগ্র। হে তির উদ্ধা, বদি তুমি সকল প্রকার স্বাভুজারতিক বিশর্যর থেকে ভোমার কা সম্পূর্ণভাবে মুক্ত করতে না পার এবং পারমার্থিক চিন্তাভাবনার পর্যারে মন্ত্র হতে না পার, তা হলে ডেমের সকল ক্রিরেকল্লগ আমার উদ্দেশ্যে নিকেন্দ করে এক তার কল ভোগের চেন্টা করে মার্ল

প্রেয়মর্থী ভড়িমূলক সেবা নিকেনের সামর্থা লাভ করে। জামার ভক্তমত্তলীর মারিবো ওছ ভগবড়জি সেবং चनुनीतम करत मनुब सामात देशामनात मिछ बुक्ट दरा থাকে। এইজ্যান স্থামার ৩৬৬কনের বারা অভিনাত জায়ার পরুৰ বাবে লে অন্যয়ানে গমন করে।^ম

গ্ৰীউদ্ধৰ ৰূপলেন-"হে ভগবান, তে প্ৰথ পুরুষোত্তম, কি ধরনের মানুবকে আপনি মথার্থ ভব্দরূপে বিবেচনা ফরেন, এবং মহান শুদ্ধশুলপ বৃত্তে পারেন কেন্দ্ৰ বানের মানুৰ ৩ কি ধরনের ভগবড়াক্তি শেবামুক্ত স্ক্রমণ আপনার উদ্দেশ্যে নিবেদিত হতে পারে বলে ক্রম্ভেশ্ব বিকেনা করে থাকেন গ্রে বৈকৃষ্টপতি, হে বিধারজাতের অধ্যক্ষ, আমি আপনার ভাত, এবং শ্রেমান্ত, ভাই আপনি ব্যতীত অস্ম কোথাও আমার খাত্রর নেই। ভাই কৃণা করে এই বিবলে আমাকে কলুন। হে জগবান, প্রমতম্ব স্থান্ত আপনি স্বাড়া প্রকৃতির প্রভাবের অভীত, এবং আকাশের মতো আগদি কোনও কিন্তু সাথে জোনও ভাবেই সম্পূত হন ন। ভা সংখ্য আপনার ভারত্বের প্রেমবর্তনে আবিষ্ট হয়ে, আপনায় कक्त नत्मन वामनायरक वद विकित्त कान वातन करत शास्त्रज्ञ (*

পরমেশ্রর জগরান বললেন—"হে উভব, সাধ্বাজি कुनामतः इस अवर काराटक मर्याहरू क्टरान ना। कारनाता উপ্রথান হলেও, তিনি সহনশীল হন এবং সর্বভাবে কহা প্রদর্শন করে থাকেন। তার জীখনের দান্তি ভ সামৰ্থ্য আদে পরম সভ্য থেকে, তিনি সঞ্চল সৰ্থা হেব মুক্ত হন, একং তার মন সুখে-দুখে সমভাবাধা থাকে। फाँग हिक्के पाना नकरमह कम्मारंग भाग कराँह कन्। नवन উপ্ৰোগ কলে। ক্ষুজাগতিক কামধ-বাসনার উল্লামন 🔊 বৃদ্ধি ক্ষামণ বিভাগ্য হয় ক. এক তিনি তাঁর ইন্তিকার্দি কমন ক্ষতে পেবেজেন। তার আচরণ সদা নরে, धीकि नुर्व, कवनत कर्कन हर मा अदर अर्था। অনুসরপুরোগ্য, ফিনি লোড বর্ত্তি ছনঃ ডিনি साम्यानिक माधातम कावकार्य कथनत উल्लानी का ना এবং কঠোরভাবে ভিন্নি আস্থারাদির সংবম করে থাকেন। তাই ডিনি সলসর্বদাই শান্ত এবং ধীরত্বির হরে থাকেন। সাধুবাঞ্জি চিজানীক হল এবং ধামাকেই ভার একমাত্র चाटाइ राज्ञ पीरवाद सात भारतन। और शहरात स्थान

সন্সের্বদাই তার কঠেব্যকর্ম সম্পাদনে বিশেষ সভও 🖼 अरा करन्छ मरकीर्धनमना स्टाम महत्त्वास्थ्य भरितर्धन स्टास्ट ন্যু কারণ তিনি ষ্টুটিড এবং উলার মধ্যেভাবাপার মান্যক্র মাজাই জটিল পরিস্থিতিতেও সঞ্জির খালেন। তিন্তি कुर्य, कुरुब, मृत्ये, स्मार, केंद्र च मुख्यूत मरका एक (ब्रह्म) किलिए इन मा। फिलि भाग नावादना मनन वामन থেকে মুক্ত থাকেল এবং অন্য সকলকে সম্পান, মাৰ্থাল श्चमन्त्र करत शास्त्रमः। किनि खना प्रकाशक श्राह्म कुकार्क्सवनाम् अनक्ष्महीवद्भन्न स्कृत्व विस्तान कुक्क उत्तर ডটে কখনও কোন ধানুককৈ প্রবঞ্চনা করেন না। ব্যাহ তিনি সকলেরই হিভাকাশ্টী বন্ধ হন থাকা ক্লালক্রম इन। और धडान्त्र नक्कम यनुकरक संर्थित कामी शुक्रा বলেই মনে করা উচিত। তিনি ৰথাবই উপলব্ধি করেছ বে, বিভিন্ন বৈশিক শাস্ত্রাদির মধ্যে আমাত করে। অনুমোধিত সাংলেশ ধর্মাতরপশুনির মাধ্যমে যে সকল সদত্যাবলীর অভ্যাস নির্দিষ্ট হরেছে, সেইওলি সানহতে পরিশুদ্ধ করে জোগে এবং তিনি ছানেন বে, সেই কর্তব্যকর্মগুলিতে অবহেলা প্রদর্শন করলে মানুছের জীবনে বিদ্যা সৃষ্টি হবে থাকে। অবশ্য জ্যায় शिव्यवभाषा जन्मार्थ चावार श्रद्धातक माधारक माध ज्ञास्त्रका सदर्भार से जन्म जानाम धर्माहरूको सर्व করে এবং খারাকেই ওধুমার ভালনা করে বাছে। এইভারেই সঞ্চল জীবকলের মধ্যে ভারে বেও জীবরূপ পুণা করা হয়। আমার ভক্তবৃদ্দ ধ্রত জানতে পারে কিংবা ৰখাৰ্থজনে বা জানতেও পাৰে—আমি কি, আমি **एक धारेश काणि किश्वास विकास करि। किन्दु छन् पनि का**ल ক্ষমনা প্রেমন্ডব্রি সহকারে ক্ষমের ক্ষমন করে, ক্ষম আমি ভানের ভভংত্রক্তরণে মনে করে থাকি "

"হে উত্তৰ, নিম্নতাপ ভক্তি সেধামূলক ক্ষর্যকলালের মাধ্যমে মানুৰ ভাৰ মিখ্যা অব্যাহকা ও মৰ্থ্যমাৰোধ পরিতামে করতে পরে। প্রীবিজহের আকরে আমার রাপের প্রতি এবং আহার তথ্য জন্তমণ্ডলীর প্রতি কর্মন क्लार्सन, क्यून, (अदी खरा अवकीर्दन ७ अनिमार्डन মাধ্যমে নিজেকে তথ্য করে তুলতে পারে। তা যাক্ত-कारात निस् ७९१वनी अयर क्रियाकनाटनंत्र प्रदिमा कैंकि করা, আমার ওপগথে হোম ও ফিরেস সহকারে প্রবং কর একং আমার চিন্তার নিহে সথ পাকা উচিত। 🗷 जिन्

ভার্ত্তনি করা ধার, উং সবই জামার উক্তেশ্যে নিবেদন করা হুচিত এবং নিজেকে আমার নিজ সেবকরতে বীকার করা কর্তবা, বাভে আমার উদ্দেশ্যে নিক্সে নবকিছু এংসর্গ কর। বেতে পারে। আমার কম ও কর্ম বিষয়ে সন্দৰ্শন আলেচনা ও খ্যান করা এক ক্ষাইশী প্রভৃতি ে সকল উৎসব অনুষ্ঠানের বারা আমর লীলা পরিচয়ের স্থান্ত প্রচারিত হয়, সেইওলিডে আশেরহণের মাধ্যমে ল্লীকা উপত্রেশ করা উচিত। আমার মন্দিরেও জনানা বৈধ্ববৃশ্বের সাথে সন্মিলিভভাবে আসার বিবচে অধ্যেচনার মাধ্যমে এবং নৃত্যু গীত ক্রম্বরাদি সহস্যাত্র डेरमन-वनुष्ठेरम्म वारशकत्न धरन्**राम नवार उ**रिए। **छरमञ-कानुष्ठेल, ठीर्थञ्चन ध्याः पृका विद्यनना**नित स्वसास নিচমিতভাবে কাৰ্যিক জনসমাবেশের উদবাপন করা উটিত। একাদনী তিথি উদ্যাপনের মতো ধর্মানুষ্ঠানতলিও পালন করা প্রয়োজন এবং বৈদিও শান্তাদি, প্ৰায়না ভাষা অনাদ্য শান্তে উল্লিখিত প্ৰতি অনুসাত্তে দীক্ষাগ্রহণাদি অনুষ্ঠান পালন করা উচিত। विश्वाम स्टब्स, अवर (एममस्कात सामात शैनिज्ञह अस्तिहार সমর্থন জান্যনো উচিত, এবং জামার লীলাবিলসে উদযাপদের উদ্দেশ্যে একজ্ঞাতে কিংলা অনা সকলেও সমে সহযোগিতার যাধ্যমে কৃষ্ণভাবনামর মন্দির পঠনের कार्स फेरमानी २७हा करा नुष्पमञ्जू भरतह यामान আমার শীলাবিলাদ উদবাশনের উপবোগী বিশেষ অকল গঠন করা উচিত। কেলও প্রকার বিচারিতা। ব্যতিবেকে, আময়ে বিনীও সেবৰরূপে শিক্সেকে চিন্তা করতে শ্বেশ উচিত, এবং সেইজবে আমান প্রবাসন মন্দির মার্কনার সহকোলিতা করাও কর্তব্য। প্রথমে ग'भार्जमा ७ पणि नविकास कहा देशिक बारा कात शाउ পোমার ও জন দিয়ে আরও পরিচয়ে কর উচিত। মধির ঘৰ কথার পরে, মন্দিরে সুগন্ধি জল সিক্স করা উচিত রক্ষ সভগতির তথ্য, জালপনা অকনের ব্যরা যদির শোভিত করা প্রয়োজন। এইস্তাবেট আমার সেবকরণে কাম করা উচিত। কোনও ছগবত্ত কংনই ভার শুক্তিমূলক জার্মকলাপের প্রচার বিজ্ঞাপিত করবে লা: াইভাবেই ভার সেলা ধ্বর্য খেকে মিখ্যা অহ্যিকা সৃষ্টি ইবে না। আহার উন্নেশ্যে নিবেশিত প্রদীপথলি অন্য **्कान केरकरना चारमा श्वांगारमात क्या** श्वंशा हरन

ৰা, সেইভাবেই অনা অক্তিকে নিবেদিত বা ফন্য খনের অবহাত কোনও সাহতী কথনই আমাকে নিয়েক কৰা উঠিত নায়। এই জগতে বা কিছু নিজের কাছে সবচেয়ে काकाश्यिक. अवर या किंद्र अवस्तरत शिक्ष, या जन्दे আমাকে নিবেদন কর উচিত। সেই ধরনের উৎসর্গের কৰেই মালুৰ নিত্তা পাশ্বত শুশ্ব জীবন লাভের বেশ্যতা अर्थन करत ।"

"মে সক্ষন উদ্লব, স্থমি জেনে রুখো বে, সূর্ব, অগ্নি, প্রাক্ষণগণ, পাতীকৃষ্, বৈধ্যক্ষর, আন্তান, রাত্যন, ক্ষল, मार्ड, कीवाका अवर मक्क कीवनरभव प्राधारम छन्नि আমাকে আধাধনা কৰাতে পাব। তে প্ৰিয় উদ্ধৰ, নিৰ্নিষ্ট বৈদিক মন্ত্ৰদলী উচ্চারদের মাধ্যমে এবং পূকা ও অর্থা নিবেদন সহকারে সর্কো আলোকের মধ্যে জ্বানা ককর করা উচিত। অভির মধ্যে শুভারতি অর্পদের মধ্যেত্রত আমান্টে পূঞ্জা করা বার, এবং ব্রাহ্মণেরা অনায়ত হলেও অভিথিয় মতোই উচ্ছের হয়ে সহকারে অভার্তনা জানিয়ে ঠানের মাকেও আমাকে পরা করা চলে। সভীগের তুন अवर प्रभाग्य भगापि गरे छाएला नहरि । तुवारश्चात উদ্দেশ্যে উপকরণটো প্রদানের মাধায়ে ভাষের মাঝেও আমার পূজা অর্টনা করা হলে, এবং বৈক্ষবদের হাতি মেমমর সংযো জানিরে এবং সর্নপ্রকার স্বন্ধাসহকারে ভাষের মানাতা প্রদানের মাধায়ে আমাকে ককনা করতে नावा गांवे। विकेत्सरक कंत्रकश्चारत थान करनत सथरय. रमरेश्वर प्रजारत चारात पर्वना चता हता. क्या शान বার সকল উলাদানের মধ্যে জভাত ওঞ্চওপূর্ণ ভা विकास करा राजार्थ सारमा मानाम याता घरण सामा বদন কর ব্যব। হলের মাকেও আমাকে ওধ্যার কল এক খুল-ডলসী নিকেনের সাহায়েও পূজা করা চলে, এবং নাটির বংগ্রও ক্রোপযুক্ত বীভ্রমন্ত উচ্চারণের মাধানে আফাতে অর্জনা কবন্তে লাবে। খালা সামর্জী 📽 ভোগ্য বিষয়াদি অৰ্পদের মাধ্যমে যে কোনও জীকের प्रदेशके गतपादा करूने व्याधादक क्लाना कहा वात, अन्द जनक श्रीत्वा प्रत्य जमारि जेल्ला हता. प्रत्या जनता মধ্যে প্রক্রার অবস্থান উপলভির মাধ্যমে সকল জীবের माशह चामात भूका कहा केरिक: बहैकार्य भूटर्व উল্লিখিত অৰ্চনাকেন্দ্ৰগুলিতে এবং স্ফলন বৰ্ণিত পছতি कन्माति, काराह नवं, हके, भग, नवश्री शनाव अर्नर

ধ্যানে মধ্য থাকা উচিত। এইভাবেই, একাছ ছনোবোলে আমান পূজা অৰ্চনা করা বিংধা ৷ আমান প্রীতিবিধানের উদ্দেশ্যে কলকত পুজাল্যবঁপাদি এবং পুশাবর্ত সাধন বিনি করেন এবং সেইভাবে অননাচিত্তে আধাকে ভারাধনা করে স্বাক্ষের, ডিমি আহার প্রতি অবিচন ভক্তি লাভ করেন। ভাষেত্রক ঐভাবে তার সেধার অনন্য ওপাকনীর কলে স্বামার সম্পর্কে আত্মতম্বন্ধান উপলব্ধি করেন। হে উদ্ধব্ আমিই সাম্য সংগ্রভাবাণার মুক্তবন্ধা প্রকারণের পর্ম আত্তর এবং জীবনের গতি এবং ভাই যদি জ্যানার প্ৰতি ভাষা প্ৰেময়ৰ ভভি-মূলক সেবা অনুশীলনে নির্বেশিত না হয়, অনার ভক্তব্যাের নাথে সকলাভের जाशहर वरि छात्र धानुनीनन मा कवा दश, छ। जाम অন্তব্যক্তরে, অভ্যান্তিক জীবনধারার অন্তিক থেতে মতিকাতের কোনই কথার্থ পশ্ব তার কানা দাকে না। हि जिन फेक्न, हि वहनकर, व्यवस्थ पृथि चामल करके. লভাকাৰকী এবং সূত্ৰং, ভাই এখন আমি ভোমাকে অভীব গুড় ভত্তান প্ৰদান করব। এই সকল মহা হতারচন্দ্রালি সম্পর্কে আমি তোমাকে ব্যাখ্যা শোকর ^{শে}



দ্বাদশ অধ্যায়

সন্ন্যাস ও তত্ত্বজ্ঞানের উধ্বের্

পরমের ভগবন কালেন-"হে তিত্র উত্তর, অমের ৩ছ ভতবুৰের সক্ষমন্ত্রীয় সাভের মাধ্যমে মডকাগতিক ইন্সিয় উপজেগের সকল বিবরবস্তর গ্রন্থি আসন্তি বিনাপ **করা হয়। ঐভাবে ওছ সহলতের মাধ্যমে আঘাকে** আমার ভাতের নিয়ন্ত্রণাধীন হতে হয়। অইনে যোগ প্রক্রিয়া অভ্যাস, ক্লডাপ্রকৃতির উপাদান সমূহের বার্শনিক रिकास विरक्षपत्तव धर्माक चाक्रमिरवाल, चार्टरमाजक উপৰাপ্ত এবং প্ৰভাৱনের অন্যান্য সাধারণ নীতিনিরমানি উদ্যাপন, কোশাল্লাদি উচ্চারণ, দ্রতাদি উদযাপন, সন্মাস স্বাহ্রমে জীবন বাগন, বজানিপালন এবং কপ বনন, বৃশ্বেশে এবং অন্যান্য জনকল্যাণকর অনুষ্ঠানাথি वित्रयानाम्, धर्मातताः, कटातः शब्दिकाः भागान्, त्यरावशस्तः পুরা অর্চনা, শুপ্তমন্ত্রাই উচ্চারণ, জীর্যস্থান দর্শন কিংগু ७क्टबर्क्न अवर शास्त्रात्र निप्रधनिकानि विवयक व्यक्ताप्रनाति পাকন, ইত্যাদি মানা বিবলে মানুৰ অভ্যান অনুশীলন করতে পারে, কিছু 🖟 ধরকো ক্রিয়াকলাপ অনুষ্ঠানের মাধ্যেও কেউ আধারে তার নিয়ন্ত্রণাধীন করতে লাও না। প্রভাক বুগেই রজে এক ত্যেতগালিত বহ কীৰ আমার ভক্তবৃধ্ধের সঙ্গলাভ করে খাকে। সেইভাবে, ফৈডালে, রাশ্বনেরঃ, পশুপাধি, গছর্ব, অব্যরা, সর্পেরা সিত্তস্থ, চারশেরা, ওচ্যকেরা এবং বিদ্যাধ্যপথ, ভাছাড়া, दिना, भूत, नारी क्षेत्र कानाना निक्रक्वनीत प्रानुद्वज्ञान আমার পরমধাম লাভ করে থাকে। ব্রাসর, প্রহাদ মহাবেজ একং উলের মতের অন্যোরাও আমার ভালেরের মাধ্যমে আমার ধার প্রাপ্ত হয়েছে, তা ছড়া ব্যপর্বা, বলি भशावाक, बानानुस, अज्ञमानव, विकीयन, नृशीव, इनुधान, জাপবান, গজেরা, জটার, তলাধার, ধর্মব্যাধ, কলা, বন্দাকনের লোপীগৰ একং ৰজ্ঞান্তানকারী প্রাদাধদের পদ্দীগ্রহণ সেইডাবে উদ্ধান লাভ করেছে। বে সকল মানবদের বিবত্তে আমি উল্লেখ করেছি, তারা মনোবোগ স্থকারে বৈদিক শান্তাধি চর্চা করেনি, ভারা মহা मनिकविएनतक कात्राक्ष्मा करत्रनि, किरवा निकास्तर अप সাক্ষাদিও করেনি। ওখনার আমার সঙ্গে একং আনার ভক্তমন্ডলীর সকলভের প্রধানে ভারা আমাকে লাউ ৰুৱেছিল 🖑

"জীবৃদ্ধবনধ্যমের ব্যোলীগদ, পাতীগল, ব্যাল আর্দ্ধন খুক্তবির মধ্যে স্থানর নিক্তন প্রাণীনণ, জড়বুর্ডিসম্পর্ম লতাওলাসকল, এবং কালির প্রভতি সংগরা সকলেই

আনার প্রতি মানন্য প্রেমের মাধ্যমে শ্রীবনের পরস্ব সার্থকতা অর্থন করেছিল এবং তার কলে তারা কতি সহত্যে আমানে পাত করতে পেরেছিল। ফ্রন্ট কেউ প্রথ কাধাবসার সহকারে অন্তৌকিক ফোগচর্চা, নাশ্নিক চিপ্তান্তাবনা, কানধ্যান, ইতাদি পালন, কৃছু সাধন, शक्षास्त्रामि चानुकैन, जननारक देवनिक प्रकृतनी निकासन লৈদিক শান্তাদি স্বাধ্যাত চর্চা, কিংবা সহ্যাদ অভেনের क्षीरमधाता जनुभीनमध करत, एन्छ धारास्य काट उत्तरह পাবে না। গোনীকন প্ৰমুখ খুদাকাবাসীরা গতীৰ গ্ৰেমবৰ্মনে আমাৰ প্ৰতি সম্পূৰ্ণ আসভ হয়েছিলেন। তাই, যখন আমার লিডুব্য অঞ্চল আমার ভাই বলরাম এবং আমাকে মধুরা নারীতে দিয়ে এগেছিলেন, ওবন কুৰদেনপ্ৰাসীরা আমার বিবছে গভীর মনোক্ষা পেরেছিলেন এবং জন্য কোনও ভাবে শাবিসুৰ উপভোগ করতে পারেদনি। হে বির উছৰ, প্রিবৃশাক ধামে গোলিকাপ অদের পরম গ্রিকতমক্রণে আমাকে পেরে বে গ্রারিক্সি অতিবাহিত করেছিল, সেইগুলি সবই ভালের করে ক্পার্থের মতোই মনে হরেছিল। অঞ্চাই, আহার সম্বিহনে গোপিকারণ ঐ ক্রব্রিগুলিকেই ব্রহ্মার এক-अक्री मिलाइ भएठाई जुनीर्चकाम क्रान करतीरूम । इह উদ্বৰ, মহামুনিশৰ কেলাৰে যোগময় হয়ে, সমুদ্ৰে সাজ মধীর মিলিত হওরার মড়োঁ একাকার হবে আর্ডঙ উপসৰি করতে থানেন, এবং কড়জাগতিক নাম ও প্রকান কলেসের সঙ্গে কলে ভাগ সৃষ্টি হয়, একং স্ত্ৰপাদি সম্পূৰ্ত সচেওম থাকেন না, কেমনভাবেই, বন্ধবনের গোলিকাগনও ভাঁনের ফরসংবেদের অধ্যয়ে আমায় প্ৰতি এমনই একাৰ্ডাৰে অসক হয়ে নিৰ্বেছিলন किश्या अवे कारास्त्र अभ्यातं अक्राई निर्देकाः हार শিয়েছিলেন বে, উাদের নিজেদের শরীরের কল্প, কিংবা এই খাসতের করে, কিংবা উদ্দের পরকালের কথাও চিগ্র করতে পারেননি। উপদের সমগ্র চেতনা একারভাবেই আমাৰ মাৰে জাবত হয়ে গিৱেছিল। সেই সমগ্ৰ শতসহয়ে গোপীরঃ আমাতে তাঁদের পরত রুমণীত প্রধান কর্মাৎ করা প্রকৃতির ক্রিয়াকসংগ ও ত্রৈওগোর মেনিকরণে আক্রমন করে কলে আক্রম কলে উপলব্ধি করতে অক্সম হধেছিলেন। তথ্ও আমার সাথে। রূপ বলে আনতে হবে। রুখন বর বীর একটি একারভাবে সমস্যতের মাধ্যমেই গোলিকারণ আমাকে - কৃষিক্ষেত্রে করম করা হয়, গুরুল ঐ একটি উৎস্, মাটি পরসভন্তরাগে জ্নয়সম করতে পেরেছিলেন। সূতবাং, খেকেই জনংখ গছিণালা, ভোগধান্ত, শাক্ষ ক্রঞ্জি, এবং ছে প্রিয় উদ্ধন; বৈদিক মন্ত্রাকটী ওবা বৈদিক শাস্ত্রানির কন্ত কিছুর উত্তব ঘটে বাকে। সেইভাবেই, পরম

অনুবাদক পছতিওলি এনং সেওলিব অশ্বর্ণত নেতিবাচক हेरियक्क चनुनामाग्री मग्डे वर्णन कर। या विकृ अरुप्रकार अवर वा निवु अरुप करता, मनरे भनिजान কর। তবুমটো আমারই আগ্রয় গ্রহণ কর, কারণ সকল বছ জীবের জবতে জবস্থিত আমিই পর্যার পুরুবোর্ডম ঐভিদ্যবন। স্বাস্থ্য ভাষ্টিভয়ে আমার আমার ক্রনে কর, क्वा कामार्टरे कृगावल मर्वित्यक निर्केत्र मारू कर।"

শ্রীউদ্ধর বলনের—"হে সকল বেরগেশকে প্রয়েশক আপনার কাণী আমি কাৰে কাৰেছি, কিছু আমান অসনোর বিবাহি এখনও দুর হরদি, ভাই আমি এখনও সংগ্রেকুল वृद्धि सामृष्टि।"

প্ৰয় পুৰুষোৱ্য জীভগৱান কললেন—"তে শ্ৰিয় উৰণ, প্ৰদেশৰ কাশকা প্ৰত্যেক জীবন্ধে প্ৰাণ জেন এবং প্রত্যেকের অভারে প্রদেশার ও শাক্ষান্য সহকারে ভবছান করে থাকেন। মনের সাহাব্যে প্রত্যেকেবই অন্তরে ভগবানকে তার সৃত্যু রূপে উললাই করে যায়, ৰেহেতু মেৰাদিমেৰ শিবের মতো মহাল দেবতাদেরও प्रत्नेत माथ अवर नकरनत मानव माथा प्रदेशन करत তিনি নিরন্তুপ করে থাকেন। বৈদিক শাস্ত্রানির বিভিন্ন শক্ষের মধ্যে দীর্ঘ এক ১খ বরকর্ণ ও ব্যৱস্থকের বিভিন্ন ক্ষমানের প্রমেশন ভগবান রূপ লাভ করে **গালে**ন। वक्त कृत्यामी कार्डात कठावील अधनकारत कर्तन कहा हर, একটি অভিন্যুলির দেখা দের। একথার অন্তি প্রস্থালিত হলেই, ভাতে হি নিতে হব এবং ভঞ্চন আগুল ছলে প্রটে। রিক সেইভারেই, কৈনিক শাহালির শব্দতরক্রের মাৰে আমি অভিবাক্ত হয়ে থাকি। কমেন্দ্ৰিয়তালৈ আৰু ইপ্রির, হাড, বহ, উপস্থ ও পাহুর ক্রিরাকনাল—এবং আনেজিরওলি—রক্, কর্ব, নাসিকা, জিন্তা ও স্থাকের क्रियाकमान---कार महत्व प्रम, दृष्टि, विश्व क्षेत्र चारकार ব্যাল মনের সংস্কৃ চেডনার ফ্রিয়াকলাপ, তার মনে সংস্ক প্ৰভাৰ--এই স্বকিছুই আমাৰ জড়ভাগড়িক অভিথাক

পুরুষোত্রত প্রীভাগবান, বিনি সকলকে জীবন প্রদান করেন अंदर विनि निष्ठा दितकान्य, मृत्राष्ट छिनि विकामाध्यात অভিনেক্তাশের আরহন্তার বাইরে ক্ষমস্থান করে থাকেন। কালের প্রভাবে, কবশ্য কাব্যন জকা প্রকৃতির বৈওপের আধার এবং মহাবিধয়াশ পরকৃষ্ণের উৎস, বার মাজে বিক্সমাত অভিযান্তাশ হয়েছে হিনি তার কড়কাগতিক পঞ্জিকে বিভারিত করেন, এবং ডিমি একই সভাব অধিকারী হলেও জনবিত রূপে অভিযান্ত ছকে একেন। क्षांत औरवर्ष देशके व शर् केम-लाएक कृष्टमा সাহালে তৈরি হলে পরে, শুেমনই সমগ্র বিশ্বস্থাতও শরমেশর ভাষরবারে দৈর্ঘ্য ও প্রস্থার্থানী। সুপ্রসারিত শক্তির উপরে বিজারিত হয়ে রয়েছে এবং ভা সবই ভারই भारत विकास कराइ। 'ऋत्मारीस्ट काल (भारती वह चीत অভজানতিক শরীরাদি ধারণ করে চলছে, এবং এই লৱীরওলি ঠিক কেন বিশাল বৃষ্ণাদির সভোই ছাড়ালাডিক ছালিড কলা করে থাকে। ঠিক কেলবে কোনত বৃদ্ধ প্রথমে পুলোগেনিত হয় এবং গরে বল সৃষ্টি করে, ভেমনই ঝড়জাগতিক অভিজ্ঞের বৃক্তবন্তপ প্ৰত্যেৰ জীৱের জড়জাগতিক শরীয়টিও সভজাগতিক

অভিনেত্র বিবিধ কল সৃষ্টি করে থাকে। অভ্যাসন্তিক জীবনধারার এই কুকটির বৃটি বীজ, লত খত নিকল তিনটি তাঁটি কা কাও এবং গাঁচটি শাখা আছে: এই তাক পাঁচটি সুগৰ সৃষ্টি হয় এবং ভার এগাবাটি সন্দান্ধ আছে वावः गृष्ठि भाषित देवति वक्षी वाता चारहः। बुक्कि हिन ব্যানের বাহলে আকৃত আছে, বৃটি কল প্রদান করে একং সূর্বলোকের অভিমূবে প্রবাধিত ছবে থাকে। বারা জ্বভাগ্যতিক ভোগ-উপডেবেল লোভী খানং গাৰ্হস্ত স্বীক উপতভাগে বৃক্ষটির কলভাগির একটি কল আহ্বালনে প্রবুত্ত हर, अवर नहारंग कीशत चाकाल गंतभवर**ग**ंदुग्य अगुरस्क ক্ষত ফলটো ভারনান করে। পরমার্থিক সন্তর্ভাবনের সহায়তা দিয়ে বে ঝঝি এই বৃদ্ধট্যিক বিভিন্ন রূপ নিয়ে অভিব্যক্ত একমান প্রায়তক্ষেত্রই শক্তিক অভিহানাশ ব্যক্ত উপলব্ধি করতে পাবেন, তিনিই বথার্যভাবে বৈথিক লাপ্তানির অর্থ বুকেছেন। পারামার্থিক সদশুক্রর একনির্ভ উপাদন্তে মাধ্যমে এবং ধীবস্থিয় বৃদ্ধির প্রয়োগ্ধে বিক ক্ষানের কুঠার দিয়ে আধার সৃত্যু অঞ্চ বন্ধন ছিন্ন করতে হবে। পরম প্রবোজম জীক্ষগবালের উপলব্ভির মাধ্যমে প্তথন সেই সকল আন্ত পরিভাগে করে উচিত।"



ত্ৰয়োদশ অধ্যায়

হংসাবতার ব্রহ্মার পুত্রদের প্রশ্নের উত্তর প্রদান করছেন

नेहरियनो चार्याम सनातन-"गंध, यक अवर एटि জড়া প্রকৃতির এই ভিনটি ৫৭ জড় বৃদ্ধির ক্রেটেই গ্রবেজ্য, তা ভাষার প্রতি নয়। আর্থতিক সক্তব্য কর্তির। **রার্য আমরা রক্ষোত্রণ এবং ভাষোত্রণকে কর করতে** পারি। তম্ব সম্বাচনে আচনন করের মাধ্যমে আমার আড় সম্বত্ত থেকেও মৃক্ত মৃতে পারি। জীব কর কুডোবে সভাচাৰ অধিভিত হয়, ভাষৰ ধাৰ্যেন নিবফাধলী, বা আন্তান প্রকি সেবর মাধ্যমে কোনা কর, ভা সুস্কে হয়ে কঠে। সভাবে অবিধিও আচরণাচলি অনুশীলন করার মাধ্যমে

আমারা সম্বাচন বর্তন করতে পারি। এইভাবে ধর্মীয় নিবমাবলীর উচ্চি সাধিত হয়। ধর্মীর নিবমাবলী সম্বৰ্গণর ছারা শক্তি প্রাপ্ত হয়ে, রক্ত ও ডমেডিগের शकार विनाम करते। एका तक व्यक्त एटपाएम महत्व হয়, তখন ভামের সুল কালে, অবর্থ, বুধ সম্বন বিদুরীত হয়। ধর্মপাল্র, জল, নিজ সভানাধির দল বা क्रमश्राधात्रद्वत मूल, निर्मात कृति, काल, सर्व, क्राय, स्था, মন্ত্রোধনালে এক প্রথম শ্রামের হাজিরা অনুসারে প্রপৃতির ত্ববাদী বিভিন্ন ভাবে হাখলা কতে করে। বে ^{কর্মান}

विका में घटक कामि अहेगाड स्टाफि एक नित मादा स्व সমন্ত কৰিয়া বৈদিক আন উপলব্ধি করেছেন তাঁরা, সান্ত্ৰিক বিকাশুলি সাধ্যক্ষ প্ৰান্তম ও অনুমোদন করেছেন্ ভারতিক বিবরওলিকে উপসাস ও প্রতমধ্যে করেছেন, এবং রাজনিক বস্তুভনিকে জীরা উপেকা করেছেন। अप्रथम से बारियां क्षेत्राक सम्बद्धान नेस्त करत करा প্রকৃতির বিশুপ সৃষ্ট কাড়দেহ আর হন হার মিধা পরিচয় বিদ্ধিত করতে গরেছি তওকাই আরাদের সক্তপের সময় কিছু অনুশীলন কলতে ছবে। সম্বাদ বৰ্ণনের মধ্যে ক্ষামত্র আগন্য থেকেই মর্মের উপলব্ধি করে অনুনীক্ষা कारक गावि। अवैदानं चानुनीनात्का पात्रं निवासनं बाह्यक इतः। बील्यस्य यात् क्षमारका **करन** नमा नमा सैन्द्रकी একটিত ইয়ে ইবা কালে। এই ধরনের বর্বপের কলে। गर्वाचेत्र गृष्टि करत, य छाट छैदा केन्द्रमारको नगहर करताः अधेकारम कान्ने कार्य कार्यतः कार्यना (कार्यने वन्त्रिक रत्न । (कमन्द्रे, बद्धा वक्तिक स्टब्स व्हितिका এবং প্রতিমন্দ্রিকার কলে। সৃক্ষা ও সুন আৰু দেব্ উৎপত্র रत। एक वचन छोत्र क्षण तिह च मनत्त्र कान অনুশীলনের জন্য জ্বাহার করেন, তথন ভার থেতের ইংস প্রকৃতির জংগা প্রভাবকে এই জান বিনাশ করে। এইতাৰে অধ্যনের মধ্যে এই ধেম ও মন ভাবের প্রতিক্রিকার ফলে ভালের উদেকেই ধানের করে শান্ত হয়।"

ক্ৰিউন্ধৰ বল্গেন—"চিত্ৰ কুৰু, মানুৰ সাধারণত আদে, ভৌতিক জীবন কৰিব্যুতে কট্য দুচৰ আনক্ৰ কৰে, তৰ্ও ভারা ভৌতিত জীকা উপজেস করতে চার। হে াদ, জ্বানী ব্যক্তি জীজন্তৰ কৃত্যু, গাল্প বা স্কল্পান মজে আচনৰ করতে পারে?"

প্রথেশ্য ভগ্নের ক্রক্রেন-- ত্রির উদ্ধর্ কৃতিইন অনুৰ প্ৰথমেই জনৰ্মক নিজেকে সেই আৰু কন কৰে কৰে পরে। ক্থন ভার জেনের এইরেন অধ্যনভার উৎস্থ হয়। তথ্য মত শৃহত্থের করেশ করাণ করেতিক মকেওশ অহকে আৰক্ষে করে। ব্যবিও ক্ষতাৰক মন সভগ্যাল পান্তর করা। একা, বিনি ক্রপন্তরের দেই থেকে স্বাস্থিতাকে উৎপত্ত কারণর রজোণ্ডণ করা কলুবিত খল জাগতিক উমতিক জন্ম কং পরিকল্পনা করে আর ভা পরিবর্তন করতে হয় বয়: এইদেনে প্রতিনিয়ত প্রকা প্রকৃতির ওপের কথা বিশ্ব ক্ষাতে ক্ষতে মূৰ্য বান্য অসহা স্বামতিক কালায়ে থার ভাত্তিত হয়। যে ভক্তি ঋত ইন্দ্রিক সংক্ষা করে

भा, 🕒 जान शकात वर्गीकृष्ट इत चात क्षरण ब्रह्माश्चरतः काकृतास विद्याविक देश। जो साराना स्वाटना संवित्र क्या मुहथबंड शहर (कारतक आहे कर्ज कहा हरूमा। जन ও ত্ৰেওণ হাল বৃদ্ধি বিমেহিত হলেও বিধান ব্যক্তির कर्जन्त भारतान्छात नदक सनदक भारता करा। प्रकृतिन ওবের কল্প স্পর্টরোগে মর্পন করে, তিনি আগক্ত কর ने। फ्रेंट्स इएए इस्त अन्यस्तानी व वजीत कार्व किनि ক্ষণাও ক্ষান্য আ নিবাঃ ছবেন মা। জিত খান ও ক্ষিত্ আদ্য হয়ে জেব-প্রতির মাধ্যমে সভাল, মুপুর ও নঝার করকে আয়তে প্রবিষ্ট খ্যে অভ্যান করতে হলে। এইফারে বীরে বীরে কাকে কম্পূর্ণকালে আমাতে নিকয় কলতে হবে। স্থকটো আমার ককনা তে যোগ পছতি শিক্ষা প্ৰদান কৰেছে তা বাজে ওপু তাৰ অন্য সমস্ত বিদান বেকে ফাকে নিমত করে, প্রকাশ এবং বংগাপবৃদ্ধ ভাবে व्यवस्य निविष्ठे कहा।"

নীউছৰ ৰদলেল--"চিব কেশৰ, কথন এবং কী ক্সণে ভূবি ক্সকামি হাত্ৰণকে বোল লছজির বিজ্ঞান **७**भरमन करतहिरमा और मण्डा विरक्त साथि याचन बानएड चाइरी 🖰

পরম পুরুষোক্তম ভগকন কালেন—"একনা জীৱসার क्षानमन्द्र जनकानि करियान, घारामक निकास जिनके स्थान পদ্ধতির শরম সতি বিষয়ক কট্রিন **গর্ম** করে।"

करकामि स्थितम् कल्लानः—"(सं राष्ट्रः कानुस्तरं कम ব্যক্তবিক্তাবেই ইজিব জেখা বন্ধ প্রতি জভূমী, আর নেইতাৰে ইন্দ্ৰিয় ভোগা বছতলৈ কাকা জাগে জনে মাধ্য প্রকেশ করে। সুভরত যে ব্যক্তি সুক্তিকারী, বিমি ইবিবেডগলে কিয়া-কৰাণ থেকে মৃক্ত বডে চল, তিনি কীভাবে ইপ্ৰিছতোগ্য বন্ধ জাৰ জনের বাধা বে नाज्ञान्तिक मानकं क्टरटक् का सरम काटका । कृत्य क्टब के निवदक भागाएक सिक्के राज्या करून 🗸

প্রমণ্ডর ভগবান কাল্ডেন—"তিয় উদ্ধান কথং एउराइम बंक्ट गिनि और बाढ़ बनाएका मध्या बीएका क्वीर, (स्वर्क्षके, किमि कीड मान्सकि पुत्रवापत शक निरव वर्षीवकारक विहाद-वित्वहमा कवरमम। क्रीत मिरक्ष সৃষ্টিকার্যের হার। তথ্ন গ্রীব্রখার বৃদ্ধি প্রভাবিত হরেছিল, बात अरेकारन विभि अरे धरना एकर्प केवा निर्मेश कराय

গাক্তেনিঃ প্রীপ্রসার জানতে চেয়েছিলেন, বে প্রশ্নগুলি ওঁলে ফাকে বিভাৱ করছে তাম উত্তৰ, ভাই ভিনি ওঁরে মন আয়াতে অর্থাৎ পরমেশর ভগবানে নিবিষ্ট করেন। সেই সময় স্থীপ্ৰসাম নিকট আমি হংসকলে দুশামান হতেভিলার। এইফারে আমাকে পর্ণন করে, রাগাকে অপ্রভাগে নিয়ে কবিগণ আমার নিকট এনে আমার পারপর্য কর্মনা করে। তারপথ তার সরসভাবে প্রশ্ন করে, "আপুনি কো" প্রিয় উত্তব, বোগপ্রতির পরম লক্ষ্ সম্বাদ্ধ কানতে আগ্রহী হয়ে, গবিরা আগার কাছে এটভাবে ভিক্তাের করে। ছবিয়ের করে যা বলেছিলাম, আমি তা ব্যাধ্যা করন্তি এখন তমি আ প্রবাদ কর।"

শঠির প্রভাবন্ধর, আধার রখন জিল্পারা ধরত আমি কে, তোমহা বিশাস কর বে, জামিও জীবারা, **অরে** সর্বোপরি আয়ানের উভারের মধ্যে কোনও পার্থকা নেই--বেহেড সমস্ত আদাই সর্বোপরি পূথক সম্ভা বিচীন-ভাচলে ভোমানের প্রবা করা কীতাবে সম্বর স্থ হথোপহাক কৰেনিক, ভোমানেৰ এবা আমাৰ উত্ততেই প্ৰকৃত পৰিস্থিতি বা বিশ্ৰমে-কল কীঃ 'আপনি কে " আমাকে এই প্রথ করার মাধ্যমে তোমহা হণি ঋত দেহটিকে কেলাও, ভাহলে আমি করব থে, সমস্ত লড় সেইই ভনি, জল, আমি, বার এবং আকাশ এই পাঁচটি উপাশ্বন তৈরী। তাহলে, তোমানের বিক্ষাস্থ করা উচিত ভিল 'এই পাঁচটি খাপন্যরা কেং' তেমেরা খনি মনে কর সমস্ত আড় শরীর সর্বোপরি এক, বস্তুওঃ একট উপাদানে গঠিত, তা হলেও তেমোদের ধর অনৰ্থক। কেন্দ্ৰ একটি দেৱ খেকে অপরটিকে ভিঙ্ক সেখার কোনও পভীর উলেলা থাকে মা। এইভাবে পরিচর জিব্দালে করার মধ্যে হচ্ছে, ভোমানের কথান কোনও প্ৰকৃত আৰ্থ বা উদ্দেশ্য দেৱৈ। এই জগতে মন, বাক্য, চম্মু ক অন্যান্য ইপ্ৰিয় দিয়ে বা কিছু অনুভঙ হয় ছা সৰই আমি। আমি ছাড়া কিছুই নেই। জোময়া সকলে বটনাবলীর প্রভাক নিমেধণের দার উপলব্ধি কর। ত্রির প্রায়শ্ব, মনের একটি সাভাবিক প্রবেশ্রের মত্তে অন্ত ইভিয়ভোগা বস্তুতে প্রবেশ করার, আর সেইভাবে ইন্দ্রিরভোগ্য বন্ধ সমহ প্রবেশ করে মনে। কিছু আছাকে আৰ্ডকাৰী লড মন এবং ইছিৰেখেলে বস্তু উভযই আমাৰ কংশ আহাৰ উপাধিমাত। এইভাবে বিনি

উপরেরি করেছেল যে, তিনি আমার খেকে অভিন এক এইভাবে আমার্কে প্রাপ্ত হরেমেন, ভিনি ব্যেরেন যে, ক্ষার अन देखिशास्त्रामा क्यान भरशाहे तरहारहे यात कावन प्रशास আবিরত ইপ্রিয়তৃন্তি, আর জড়ভোগ্য বস্তুগুলি কর মনের মধ্যে ব্যৱস্থা হয়ে মধ্যেছে। আমার দিবা শভাব উপল্লি করে তিনি অভ মগ এবং এর ভোগা বন্ধ উন্তয়কেট ভাগে করেন ৷ বৃদ্ধির তিনটি অবস্থা, জাগ্রত, স্বপ্ত 🚜 সহবিং। এওলি সংঘটিত হয় স্বাধা প্রকৃতির ওপের হয়। এসকে সাক্ষীকণে অবস্থানকারী দেহ মধাছিত জীৱালা এই তিনটি অবস্থা থেকে নিল্ডিডয়াপে ভিন্ন স্বভাষেত্র। ক্ষত বৃহিত বছনে জীবাৰা আৰম্ভ, আ আৰু মানায়ত প্রকৃতির ৫পে প্রতিনিয়ত বাবে রাখে। কিছু খারি ১ক্তি তেডার চতর্প পর্যার, জ জাগ্রত, সম্ব এবং স্বহিনের উর্মো। আমতে অবস্থিত মলে জীন কড় চেতনার বছন ভাল করতে গাবে। ভালা, দ্রীর জাগনা থেকেট ক্রম ইন্দ্রিয় ভোগাবছ এবং ছাত হল পরিস্কাশ করবে। বিধা অংক্ষের জীবকে আবর্ড করে জার সে বা বসনা কার ঠিক ভার বিপরীভটি ভাকে উপহার দের। স্তরাং বৃদ্ধিমান ব্যক্তিৰ উচিও প্ৰতিনিয়ত জড় শীবন উলভোলের উন্নেপ পরিত্যাপ করা এবং লড্ডতেতনার জিলাকলাপের অতীত জনবানের ভিতর শিশু রওরা। জীবের উচিত আমার নির্দেশ অনসাধে কেবল আমাতে জনোনিকে। করা। অ্যার সধ্যে সম কিছু দর্শন না করে, কেউ যদি জীবনের বিভিন্ন মুগ্য এবং বিভিন্ন গান্ধ্য দেখতে গুলে, ভাহলে, তিক বেমন কেউ যথে দেখতে পারে, সে খেগে উঠেছে, তেমনই অসম্পূৰ্ণ জানের কলগুৱান আপাতদৃষ্টিটে বদিও জাগ্ৰন্ত বলে মনে হয় বাস্তাৰ দে স্বপ্নই দেখছে। পর্যোশ্বর ভগবান থেকে ভিরভাবে মবেছে বলে ৰে সমান্ত ক্ষমন্ত্ৰ আমন্ত্ৰ ধাৰুৱা কৰি, যাধাৰে তার কেনেও অভিত্ব দেই। ঠিক বেমন কেউ স্বাস বিভিন্ন কাৰ্যকলাৰ এবং তাৰ প্ৰস্তাৱ কাত কৰা কৰি করতে পারে, তেখনট জগবান বেকে ভিরম্পারে অবস্থানের ধারণা হৈছে জীব খ্যাবথা সভান কর্ম করে চলে। সে মনে করে সেগুলি হবে ভার ভবিবাতের প্ৰকাৰ এবং অক্সিম গতিৰ কাৰণ। স্থান্তত ভাবস্থাৰ দ্বীৰ ভার সমস্ত ইপ্রির দিয়ে ঋদ্ধ মেচ আর অনের সমষ্ট ভারতী বৃত্তিওলি উলজের করে। স্থানপ্রান সে মনে

প্ৰান খেকেই অভিনাতা অনুভৱ কৰে। নাৰ স্থানিইন ৰতীৰ নিচাৰ এই *বানে*ৰ সমত অভিনতা অক্লানে লাখসিত হয়। আহাত, খণা ও সুবুজির বৃত্তিকী ক্রাম্পারাক্তরে কর্মে এবং মন্ত্রা কর্মের জীয় বৃহত্ত পারে ৰে তার চেতনা তিনটি পর্যায়ে কাঞ্জ করলেও নে এতই রান্তি, সে চিম্মা। এইভাবে সে গোখারী হতে পারে আমার মায়া শক্তির প্রভাবে, মতুনর এই তিনটি পর্বার্ প্রকৃতির **ওপ থেকে সৃষ্ট** হয়ে, সেওলি আমাতে রয়েছে। নুনিশ্ভিকাশে আশ্বতত্ব নির্ধানন করে, প্রেমরা শার্মক আমের ডলোরাও ব্যবহার করে, বৌতিক বিচারের ল্লধানে এবং থবিদান ও বৈদিক শাল্পের উপক্ষেশ মতো রিখ্যা অহংকারকে সাল্পুর্বরূপে ছেনন কর, কেন্দ্র সেটিই সেখা লগীরের মধ্যে।" এতে সমস্ত লম্পেকের উৎলতিপুল। ভারপর ভোমানের ইতিও হালহাভ্যক্তরে অবস্থিত ভাষার ভজনা করা। ধারাদের দেখা উচ্চিত জড়জগংটি হতে জনের মধ্যে ট্রনিত একটি স্পাই মানা। কেনাম স্লড় বন্ধা অবস্থিতি অভ্যক্ত কণছায়ী, আৰু আছে কাল নেই। এওলিকে অধিবক্ত শ্লাকাকৈ জেনালে বেমন লাল কেবল সৃষ্টি करत. छात्र महत्र पुरुष्यो कदा मारा। कीयाचा चलाकछ একটি পর্বায়ে তন্ত চেতনার থাকে। তবে সে এ কগতে বিভার মূপে ও বিভার কবস্থার কাবিপুত হয়। প্রকৃতির ওপথলি আছার ভেতনকে সাবারণ কারত, স্বয় এবং ক্পবিহীন নিয়া কাপ বিভিন্ন পর্বাদে বি**ভঞ্চ ক**রে। এই সমশ্ব বৈচিত্রাময় অনুভূতি বস্তুতা মায়। এবেৰ অবস্থিতি কথেন সভো। স্বাভ্যবন্তর ক্ষাপ্তারী মানামর কভাব *কোন* কাল থেকে দৃষ্টি কিবিয়ে নিয়ে আমাদের কান্ত বাসনা পূন্য। একং পূজনীয় কয় পূঁকা সাম। প্রিয় উদ্ধান, এইভাবে হওরা উচিত। আগ্নানন অনুভা করে আমাধের উচিত ছড় বার্ডাল্যাপ ও ক্রিয়া-কলাপ ত্যাপ করা। যদি রাড় লাগং দর্শন করতেই হয় করে আমাদের খনে বাধা উচিত যে, এটি সর্বোগরি হাজক নত, ভাই **মা** ভাগে করেছি। অনুস্তা এইরেল সর্বন শহরণ ধারতে আমন্ম আর মারায় প্ৰকাশ। একেখন সভাপ বেমন ব্যাস জন্ম সন্দিত কি না নিজে লক্ষ্য রাখে না। তদ্রংগ বিনি আখোলনারির নান্যমে নিশ্ব হয়ে কলতে অধিচিত করেছেন, তিনি লক্ষ্য

करका मा क्षेत्र १९६५ (स्टारी वटन स्टायर्ट्स मा केंक्ट्रिस) বাজকে ভগবানের ইজার কেহ খনি শেষ মতে বার ক্ষথক क्षमचात्मा देखात्र किने वनि नद्भ त्यद् माध करतन, আৰোপলৰ ব্যক্তি তা লকা করেম না, ঠিক বেমন একজন মুদ্যাপর বাদ্য কাবরবের চেক্টন বাকে মা তেমনই। প্রম নির্ভয় কর্তারে পড় দের কাভ করে ভেবে সেখ, কৃত্তিসভাবে কীন্ধাৰে কৰামা করা হয়েছে যে, সুভাগে ব্যৱস্থা তার কর্ম শেব শ্ব হয় ভতক্ষই তাকে देशिक के शानसात् मार केंग्लिक शाकात सरवा। कारणा আংশালক ব্যক্তি বিনি প্রায় মতো উপনীত হয়েছেই একং বোলাম সংগ্রিক করে আগতিত হত্যেক্ত্রে তিনি কর দেহের প্রতি বা ভার বিভিন্ন প্রকাশের নিউট প্রবার व्यक्तप्रश्रांत कराइन न। रक्तना जिले कार्यन औँ करा

িহিত্ত ব্রাঞ্চলগুল, আতি তেলেয়েলর মিকট **৬%** 🔞 विकार काला भार्यका भित्रानुष्काती महरवादाना, अवर चारीक বোগ, বার বারে প্রয়েশক্তার সক্তে সম্পর্কিত বওরা বার, সে সমক্রে কবিঃ করণায়। তোমক্য থোকার চেক্টা কর আৰি প্ৰয়েশ্বৰ জগণান হিঞ্চ ৰখাৰ্থ ধৰ্ম সকৰে কাশ্য कवात देखा विश्व (सामाहमा निवाई चारिएंट स्टब्सि। (ह বিজ্ঞান্ত লগ জেনে কেখো কে, জানিই বজি বোৰপভতির, সাংখ্য কাঁচের, ধর্মকর্মের, সভ্য ধর্মের, কেছ, দৌশর্ব, খ্যাতি এবং আৰু সংবাহের পরৰ আগ্রহ। সমত উক্লড নিব্য ওগানলী বেমন, ওগালীত, অনাসঞ্চ, ওড়াকাল্টা, প্রিরভয়, প্রথমার, সর্বত্ত সমভাবে অবস্থিত, ছাত বন্ধা খেলে মৃত্য এবং কড় ওপাবলীর পরিবর্তন বেকেও যুক্ত—এই সমন্তই আনার মধ্যে তালের আশ্রহ আমান কথাৰ সমস্তাৰি অধিবংশৰ সমস্ত সংখ্য বিদ্যীত ইরেছিল। খিক প্রেম ব ডক্তি সুহকারে তারা আনায় পূচা করে, আমার মহিয়া নহছিত অনেক সুকর সুকর ত্তৰ পাঠ করেছিলঃ এইভাবে সমকাদি মহবিদিন বৰ্ণাহৰকাৰে আমাৰ পূঞা ও ক্তৰ-প্ৰতি কবল, হুখা (करान कर्मन करायक कारण, चारा कारण कारण कारण ্রত্যন্ত্র করনাম।"

চতুৰ্দশ অধ্যায়

শ্রীউদ্ধবের নিকট ভগবান শ্রীকৃষ্ণের যোগপদ্ধতি বর্ণন

শ্রীউদ্ধান বলালেন—"প্রিয় কুন্তা, বৈদিক শাস্ত্র
ব্যাপ্তাকারী বিধান কবিস্থা জীবন সার্থক করার জনা
কবিধ গছারি অনুমোধন করেছো। হে গুড়ু, এই সমত্ত্র
বিভিন্ন বৃত্তিকোশ থেকে বিচার করে আমাকে কর্ন, এই
গছাহিতালির স্বাই সমানভাবে ওলারগুর্ন যা কি আনের
মধ্যে কোনও একটি সর্বমেন্ত। হে ভগবান, ভক্ত করে
ভার জীবনের সমস্ত্র জন সকরেছিত করে, জাপনতে তার
মনোনিকো করেছে গারেন, সেই ঐকাভিক ভক্তিতেগার
প্রতি আগনি স্পত্তিরাশ ব্যাহার করেছেন।"

প্ৰযোগৰ প্ৰগ্ৰনে বললেন—ইক্লের প্ৰভাবে, প্রদারকালে বৈদিক জানের দিব্য কণ্টী হারিরে নিরেছিল। সূততাং কৰু পর্বতী সৃষ্টি খ্রেছিল, ভঙ্গ জানি ব্রস্থার নিকট কেলো জান প্ৰদান করি, কেননা জানিই কেলে বোনিত ধর্মনীতিঃ শ্রীরক্ষা কেশ্যে এই স্কান প্রথমে তাঁর কোওঁ পুত্র মনুকে হলেন, এবং ভূও আদি সন্ত কার্বিসা সেই একই জ্ঞান মনুর নিকট খেকে গ্রহণ করেন। ইকেলৰ পূব ভূও খানি পিতৃপুক্তবাদ এবং অন্যান। अधानानि (चटक वर्ष वर्षका चाविकुंक रने। केंग्रा (नवका, ছানৰ, মনুষ্য, ওহাক, সৈত, গছৰ, বিদ্যাধন, চানুগ, क्रिकर, किन्नु, माश्र. किम्भुक्य-अन्छि विकित्रसम ষ্ট্রিয়ার্ করেন। এই সমস্ত মহাজাগতিক প্রজাতি ও তানের দেকুকুৰ, মাড়া প্রকৃতির গুণ অনুসারে বিভিন্ন স্বস্তাহ এক, কাসনা নিয়ে আবিষ্ঠৃত ব্যোদিলেন। সুভনাং ব্ৰহ্মতের মধ্যে বিভিন্ন নৈশিষ্টাবৃক্ত জীব থাকার বং প্রকার বৈদিক অনুষ্ঠান, মন্ত্র এবং তার কলও ররেছে। এইভাবে মানুৰের কাবিধ ধাননা ও বাভাব থাকার কলে भावित वाधिक बीवन वर्गन तटारह। १९७७ वेधिया विभारत, निवंश चनुभारत अवर श्रम्भतन्त्रतात शताह इरण আগছে। অনুস্থা নিক্ষকাশ ময়েছেন, বাধা দাবিকাধানের দর্শনকেই প্রভাকতাবে সমর্থন স্বর্জন ।"

"হে পুরুষপ্রেষ্ঠ, আহার মাতা শক্তির ছাল মানুগের বৃদ্ধি বিজ্ঞাহিত হলে তালের নিজেনের কার্যকলাল এবং

বেরাল মতো জনকলানের জন্য থাকি বহনের মন বৃদ্ধ করে। কেউ কেউ বলেন যে, ধর্মীয় পূশ্যকর্মের মধ্যে মানুব সুখী হবে। অনেরা বলেন, বল, ইপ্রিমচ্বি, সভ্যবাদিতা, আছ-সংবহ, লাবি, ছার্থসিতি, রাজনৈতিক প্রতিপতি, ঐথর্ব, বৈরালা, উপতোপ, বল, তপস্যা, দান, মড, নিয়মিত কর্তব্য বা কঠেল বিশ্নিরস পাপন করছে সুখ লাভ হয়। প্রতিটি পছতিল প্রবহন বিশ্নিরস পাপন করছে সুখ লাভ হয়। প্রতিটি পছতিল প্রবহন বিদ্যাহিত্য বাহেন। মে সামন্ত লোকেল কথা আমি এইমান্র কলপান, তাল থাকে জান্তিক বর্মের কলম্বারী কল লাভ করে। কাজবে, তাল বে ক্ষুম্ব এবং গ্রেকারক করন্ত্র লাভ করে। কাজবে, তাল ভারতের ফল। এক্সকি, তার্ম্ব কথা অনুনোচনার পূর্ব জাতোর করে, তথাকে ভারের কর্মের অনুনোচনার পূর্ব জাতোর করে, তথাকে ভারের ক্রুমের অনুনোচনার পূর্ব জাতোর

"হে বিহাল উত্তৰ, সমন্ত জড় অসনা পরিত্যাগ করে বলা তানের চেতনা আমাতে নিবিট করেছে, তরা আমার নামে এমন এক আনজ উপভোগ করে, যা পড় ইন্দিয়ভোগীয়া কমনও জনুতন করতে পারবে না। যে হাতি এই আনতে কোন কিনুই আজনা করেন না, নিনি সংবেতাহির হত্যার তালে পাত, বিনি সর্বাবহার সমান্ত এবং বার মন আমাতে সম্পূর্ণ সক্ষাই, তিনি সর্বাবহার স্থা জনুতন করেন। জার কিন্ত আমাতে নিবিট হলেছে, সে প্রকার পদ বা ধান, ইন্দেশক, বিধনতাই, নির সোক সম্বাহের উপর আধিপতা, অউনিটো বা জার মৃত্যু বেন্দে মুক্তি, এসারের কোনটিই চার না। এইক্রণ বান্তি কোনা আমাকেই চার।"

শ্রিয় উত্তৰ, আমার নিকট জীবলা, জীমহানে,
জীসংকর্মণ, জীললী, এফাকি আরি নিজেও ডোমন
সমান শ্রিয় নই। আমার মধ্যে অবস্থিত ক্ষম
ক্ষাতসমূহকে আমি আমার ভক্তপদরেণু হারা পরিব করতে চাই। এইজাকে বাজিগত বাসনা মহিত, সর্কা আমার দীলা সমাল মার, নাম, নির্কের এক সর্বার সমানী ওছতকের পদার্থ আমি সর্বদা অনুসরণ করি। কারা ইপ্রিয় তৃত্তির ইক্স রহিত, বাংগর হল আবংত মর্বগ জালক, জার করে, মিথা। আহংকারগৃত, সকত জীবনা প্রতি কৃপাশারাকা, বাংলা ফা ইপ্রিয় তৃত্তির সুবোপের বারা প্রভাবিত মান এইরূপ ব্যক্তি আহরে যথে হে আনক জনুত্র করে আহে, তা হাক কপ্রতের প্রতি বৈরাজ্যের অনুত্র করে আহে, তা হাক কপ্রতের প্রতি বৈরাজ্যের অনুত্র করে আহে, তা হাক কপ্রতের প্রতি বৈরাজ্যের

শতির উক্তৰ, আমার ভক্ত বৃদ্ধি পূর্বজ্ঞা ইত্রিয় কর করতে সক্ষম বা হয়, সে হয়তো করু অসনার হলো উভাক হবে। কিছু আমার প্রতি তার ঐকান্তিক ছতির প্রভাবে সে ইন্সিয়তন্ত্রির মারা পরান্ত হতে লাঃ প্রিয় উত্তৰ, ঠিক বেমন ক্ষপন্ত থানি স্থালানী কঠেকে কংগ্ৰ ভ্রশান্তরিত করে, তেন্দেই ডব্রি, আয়ার ভারের কৃত কর্প সমূহকে সম্পূর্ণরূপে ক্ষতে পরিশত করে। তির উদ্ধ্ আমার প্রতি আমার ঐতান্তিক ব্যক্তির অর্গিত সেহা আমাকে ভাষের ফণীয়ত করে। অইনেবোগ সাধ্য সাংখ্য দৰ্শন, পুণা কৰ্ম, কো অধ্যয়ন, তলসা; যা কৈলগ্য এসকো কোনওলির বারাই আমি ডেফা ক্ষ্মীতত হই সা। লুৰ্ণ বিশ্বাস সহকারে ঐকান্তিক প্রেয়মন্ত্রী ভাষক-সেঞ্জা মাধ্যমেই কেঞ্চৰ আমাকে লাভ করা হয়। ভাষি আমার ডক্তের নিকট স্বাভাবিকভাবেই প্রিয়। ভাই ভারা লামকেই ভালের প্রেমমন্ত্রী সেবরে একমন্তর লক্ষ্য রিসাবে প্রধা করে। এইরাগ ওছ ভাবং-সেরার রভ হরে, এফনকৈ চণ্ডালৰ ভাৱ নীচকলে জন্মে কলৰ থেকে তথ হতে পরে। আমার প্রতি শ্রেমমনী সের বাভিরেকে. সভতা ও দ্যা সম্বাহিত ধর্ম-কম্বী হোক জ কঠোৰ তপল্ডৰ্বার বারা লক্ত জানই হোক, কোনটিই মানুবেৰ চেতনকে সম্পর্ণরূপে ওছ করতে পারে শা। বনি বোমাক বা কালে, খাবে হানত কীকাৰে নিৰ্যালিক বৰে চ আর হানর বনি নিগলিত লা হার, তবে কীভাবে প্রেঞ্জক शता गेरेटर शिक्ष कानरण यनि (क्ये अन्यन मा कड़ा, তবে লে কীজাৰে ভাগাটোৱা প্ৰেমময়ী সেৱা সংগালৰ করবেঃ আর এইজন সেবা না করতে দীখানে তার চেতন্য পৰিত্ৰ হৰে ৷ যে ডাড়েন বাবেই পৰ্যা খন নির্ণত হয়, অর হুলর কিন্দেতি হয়, যে রোদন করেই টলে, অহন্তর কানেও কানেও হাসে, যে সাজা বোধ করে, त्व क्रिकाचरत शान करत अवर मुका करत—अवेकारव

আনার প্রতি প্রেমমন্ত্রী সেখার মন্ন ভক্ত সারা ভক্তাণক পরির করে। ক্রেনাকে জাওনে কলনোর কলে যেমন তার অভান্নতা দুর হার এবং তার উজ্জাপতা কিলে পাত, ঠিক ছেমনই ভবিস্বাধের আওনে নিমন্ত্রিত আছা, পূর্বের সংখ্য কর্মের কল্বর থেকে যুক্ত হব এবং সিমর জনতে আমার মেকুর হবার্থ করতার পুনরার প্রত্যাবর্তন করে। ব্যাধিপ্রক চকু করন অঞ্জন থারা চিকিৎসিত হয়, ारे क्या करता सेता सेता जात कार्य कारात किया नाम। ভালে, জীয় কল জালর এব মহিন্দ্র প্রবাদ কীঠানের যাধামে ৰাড কল্যৰ কেকে ফুক্ত হয়, তখন পৌ আমার নিবা প্রশ সমস্বিত পরম সভাকে কর্মন করত করতে কিরে পার। বার মন ইন্সিরত্তাপ্ত বন্ধর চিন্তার মধ্য সেই খন অবশাই এই সকল বৰুত্ত মধ্যে অভিনত, কিছু কেউ যদি প্রতিনিক্ত ভাগার স্থান করে, তা হলে ভাগ কণ আগতে নিমপ্ত থক। সূত্রাং কথাস্ট কবংপাল-কর্মিড উন্নরনের শনর প্রকার স্বান্ধ পদ্ধতি পরিভাগে করে সানুষের উঠিও সম্পর্ণরূপে আমার ভাকনর তাবিত হওর। প্রতিনিক্ত খানার চিন্তা করার কথ্যনে সে ৩% হয়। আৰু সঞ্চেতন বাজিব উচিত ত্রীসক বা জীসকলৈ সভ জ্যাগ করা। নিৰ্বাদ হানে নিৰ্ভয়ে উপফোল কৰে পৰাম বহু সহকান্তে ধনকে আমাতে নিবিষ্ট করা উচিত। বিভিন্ন প্রকার আস্তিস কলে যে সমস্ত গুলে এক বছন উৎপদ্ধ হয়, ভাষের কোনটিই ব্রীলোকো প্রতি আসন্তি একা স্থীনসীর প্ৰতি আসন্তিৰ কলে থেৱাৰ দুংখ ও বছৰ উৎপৰ্য হয়, তলপেকা অধিক নর।"

শ্রীউছৰ বাংগেন—"প্রির জনবিশাক কৃষ্ণ, মুক্তিকামী কৃষ্টি কী পদ্ধতিতে জনগার ধান করকো। উদ্ধ ধান বিশেষ কী ধরনের হত্যা উচিত, এবং ক্ষেম্ রুক্তে বান কিনি করকো। জনুহত্ত করে জ্ঞানি জ্যাকে এই শ্রানের বিষয়ে করি। কর্ত্য।"

শরমেশ্য জগনন বললেন— অভিবিক্ত উচু স্থা নীচু বন্ধ, সমতল বিশিষ্ট একটি আসনে উপবিষ্ট ছবে, পরীরটিকে আরামধানক এবা লক্ষাবে উপবেশা করিছে হাত দুটিকে কোগের উপর স্থাপন করে এবা নাগায়ে দৃষ্টি নিবছ করে পুরক, কুম্বাক ক ক্রেন্সে হাব্যৰে স্বাস্থ্য পর্বতিনি শুলা করতে হাত, ভারপতা ঐ পদ্ধতি বিপরীসভাবে জভ্যাস করতে হতে (বেচ্ছ, কুম্বাড়,

পুৰক)। ইপ্ৰিয় তলিকে সম্পূৰ্ণভাগে ৰূপে এনে, পথা, প্ৰা এবং ধনমাধা ছাঙা বিভূমিত। © আন পর্যাধক্তরে প্রাশাহাম অভ্যাস করা উচিতঃ সুলাবার হক্ত থেকে ওক্ত করে, হান্ত্রের যে ছালে ঘণ্টা ধর্মনর মতে। কৌপ্রত মণি ও ক্ষোতির্যা চুডা সর্মাধত। কোমতে পৰিম ও অবস্থিত মনোছে, সেখান পৰিছ, পৰের নাগের ভদ্ধর মতো প্রাপ্রায়ুকে ফ্রমাছরে উপরের ছিকে নিছে যেতে হবে। এইভাবে পৰিব ওয়ায়কে অবেও দ্বাংশ আসুগ উৰ্বে উপনীত কয়লে, ভা সেখানে অংখিত। সম্বিত। ইন্সিয়ভোগ্য বন্ধ থোক ইন্সিয়ভুলিকে বিনয় অনুসারম্ভাত পনেরটি ধ্বনির সঙ্গে মিলিত হয়। একারে করে, গর্তীয় ও আত্মাবেত হয়ে বুদ্ধিনতার দাবা ফন্তুক মিবিষ্ট হরে, সূর্যোদকে, মূপুরে একং সূর্বান্তে স্পাধার করে । সুদ্ধানে আমার দিবারাপের অভসমূদের প্রতি নিবিষ্ট যার সংকারে প্রাণারাম অভানে করা উচিত। এইভাবে করতে হবে। এইভাবে আমার পরব কমনীর দিবারম্বরত একমাস পরে তিনি প্রাধকন্তকে **বলে** আনতে পারকোঃ ধ্যান করা উচিত।" মামানের উচিত কংনিমীলিত গেয়ে নাসায়ে দৃষ্টি নিবছ করে, উপলীবিত ও সভেতনভাষে হাৎপ্ৰের ধান করা। এই পরের আটটি পাপড়ি মনেছে এবং এটি একটি মতারমান পথের বংশের ওপর অবস্থিত। এই পজের সুধমগুলের খ্যানে অধিচিত হলে, ভাত চেডনাকে কপিকার গুণার সূর্ব, চন্দ্রা একং অভিক্রে একের পর এক। প্রজ্ঞাহার করে, আকাশে নিবিষ্ট করতে ধ্বে। ক্রারণর আধিষ্ঠিত করে, ভালের ধান করতে হবে। আমার দিব্য ক্রপতে করির মধ্যে স্থাপন করে, সমস্ত ধ্যানের সক্ষময় । সমস্ত প্রকার ধ্যানই ত্যাগ করতে হবে। যে তার মনতে দক্ষ্য হিসাবে ধান করবে। সেই রূপ হচ্ছে সম্পূর্ণ সম্পূর্ণরূপে আমাতে নিবিষ্ট করেছে, ভার উচিত নিয়ের সমানুপাতিক, ভার একং অলেপনার। ভারে থাকবে সুকর। আছার মধ্যে অমাকে দেখা, এবং প্রমণুরুষ ভগবানের দীর্থ চতুর্ভুঞ্জ, একটি মনোরম, সুন্দর জীবা, সুন্দর কাশটি, সধ্যে ভার নিজের আখারে দেখা। এইভাবে সূর্বের ০ছ মৃদু হাস্যমুক্ত, উজ্জ্বল মকত্রাকৃতি কুওল কর্ণায়কে - কিরণ বেমন সূর্যের স্থান ঐত্যানছ, তেমনই লে দেখাবে বিভবিত করবে। সেই সুন্দর রাণ হবে কল্যাম কর্ণের আত্মা পরম আত্মার সলে ঐত্যবদ্ধ। বোগী হথ্য ঐইরন এবং তার পরিধানে বাক্রে কর্ণান হপুন বডের ক্রেন্য পভীর মনোনিবেশ সহবারে ধ্যানশ্ব হয়ে ফর্জে নিয়ন্ত্রণ ৰন্ত। সেই ক্ৰাণেৰ ৰক্ষণেশ হ'লেই জীবংস এবং করে, তথ্য তার ক্ষড় হ'বা জান এবং ক্রিয়াকুড় সিধ্য

পাদপক্ষম মুপুর ও বলয় পোভিড, আর তা চাত শোকো পালে ভূপ নির্মিত কোমরবন্ধ, এবং হস্তথ্য মুন্তবাদ কারসমূহ থারা গোড়িও। তার সুন্তর অসসমূহ ব্দরকে আঙ্ঠ করে এবং উল্ল মুখমণ্ডল সুন্দর কলাদরি

"ভগবানের নিধারতপর অসসমূহ থেকে ভার ভেতনাকে কিরিয়ে নিয়ে, তখন ভার উচিত ভাগবানেত অপূর্ব ছাস্তবৃক্ত মুখমগুলের খ্যান করা। ক্সবানের এইরূপ ধান পরিতাস করে, আমাতে অবিভিন্ন হরে সক্ষীদেবীয় নিয়াবস্থল, ক্ষান সেই মাল পাকৰে লাখ, চক্ৰ, পৰিচিতি পুৰ সভাৱ ভিয়োহিত হয়।"







প্রকাদশ ভাষ্যায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণ কর্তৃক যোগসিদ্ধি বর্ণন

कृतिका अपने, अने अरुगंध करेर माज्ञक्षताम निरुग्तम करते. ক্রমাকে আনাতে লিন্টি করেছে, সেই যোগানিছি লাভ ক্তান্ত পাতে ¹

ৰুম্মতিতে যোগ নিছি লাভ করা যায়, সেই নিছিওলি জী জনঃ কত প্রকার অনৌতিক সিদ্ধি রয়েছে? এগুলি প্রায়াকে কর্মন। কন্তত্য, আগন্তীই হুছেন সংক্র ব্যোগনিছির প্রদাস্থ।"

পুরুষ পুরুষ ভাগবান বলগেন—"যোগপারদর্শী করিলপ বোষণা করেছেন বে, আটারো প্রকারের বোগসিতি ও ধান ব্রেছে। ভার মধ্যে সামেকে আর্বর করের কলে আটটি হচ্ছে মুখ্য। আর দশটি হচ্ছে টোপ, বেওলি জাগতিক সম্বত্তপ থেকে উৎপন্ন। আট প্রকারের মুখ্য মিছির মধ্যে, তিনটির ছারা নিজের শরীবকে পরিবর্তিত কর কর, বেমন, অপিয়া বা ক্লাভিকুত হওল, মহিমা ब रहरूर चटनका रहर दश्या, यात मधिया स अर्थारनका হালকা অলেক্স হাকা হওয়া। প্রান্তি নিদির মাধ্যমে বা ইব্য ভা-ই প্রের হওবা বার, ভার প্রাক্তমে নিদ্ধির মাধ্যমে তিনি যে কেম ভোগা বস্তুর অভিয়েতা লাভ করতে পাৰেন। ইপিতা সিদ্ধির মাধামে মারার আনুস্থিক। শক্তি গুলিকে ইজা মতের প্রয়েগে করা যায়, অমে নিয়েশ ক্ষার শক্তি, যাকে বলে বলিতা-সিদ্ধি, তার বারা তিনি কড়া প্রকৃতির ওপগুলির হার্য বিশ্বিত হল না। বিনি শ্বমাবসায়িত্য সিদ্ধি লাভ করেন, তিনি সম্ভাবা ক ভিছুই, বে কোনও স্থান থেকে লাভ কংগতে গারেন। প্রির কর উছৰ, এই অষ্ট সিদ্ধি স্বাভাবিকভাবেই এখানে ররেছে শীমানতঃ অভা প্রকৃতির গুণজাত গৃশটি গৌণ धानोकिक निष्कि इराह, निरक्षाक कृशा, कृतन अंतर

লয়ুক্তব ভাগবান বলপেন—"প্রিয় উদ্ধুব, যে বোগী ক্ষমতা, মনের বেশে শ্রীরতে চালিত করা, ইন্ছামতো রূপ পরিবাহ করা, অন্যানের পরীরে প্রবেশ করা, ইচ্ছান্তা, (मरटा क्ष्य प्रशीद क्रडी कमदारमः मीना पर्मा करा, নিজের সময় সম্পূর্ণ রূপে সম্পাদন করা এবং প্রদর্শন্ত প্রাটাভার বলালেন—"হে ভাগবান অনুঃত, তী আনুদেশ নিহিছে পূর্বক্রাে পালিভ হ্ওয়াঃ আনীত, ভবিবাৰ এবং কর্তমান সকলে জানার কমতা, শীত, উক अयर चनाना चण्डलि तहा कराव क्यांडा: चनारमड মনের কথা কানতে পারং থাওি, সূর্ব, জল, বিষ ইত্যাদির প্রতার প্রীকা করার ক্ষমতা, এবং অন্যাদের ছারা অপর্যান্তির থাকা-এট পাঁচটি হলে যোগ এবং ধ্যানের দিন্ধি। আমি ওখুয়ার এওলির সাম এবং বৈশিক্ট্য অনুসাহে ভালিক ভালন করলাম। নিনিষ্ট খ্যানের অধামে নিনিষ্ট সিদ্ধি কীভাবে লাভ হয় খনে তার পথতিই বা কী, এই সকল বিষয় এখন আমার নিকট থেকে কোনে

"ৰে আমাৰ সমন্ত সূত্ৰ উলাগানেৰ উলৱ ব্যাপ্ত আপবিক রুপের উপাসনা করে এবং ভাতেই কেবল যনেনিকো করে, সে অধিয়া দিছি লাভ করে। যে তার মনকে বহুৎ ভাষের নিশিষ্ট আপে বাহ করে এবং সমগ্র कड करिएटल नवस्त्वा झरन कामल धाल करत, रन মহিমা নিজি প্রাপ্ত হয়। এর পরেও আকাশ, বায়ু, ছবি, ইড্যাদি অড় উপাদ্যনের পরিস্থিতির উপায় পৃথক পুথকড়াবে মনকে নিবিট করার মাধ্যমে সেই সেই জঙ উপাদনের উপার একর্বিপ্রত্য প্রাধান্য লাভ করে। আমি সং কিছুর মধ্যে বর্তমাধ, তাই আমি হৃছি জভ উপাদ্যানের আপ্রতিক সারস্করণ। জন্তে আহার এই স্তাপে সংযক্ত করে, যোগী শবিষা সিদ্ধি গভে করতে পারে, আর তার বলৈ যদে করা হয় এবং এথনি এই বিশ্বের মধোই । মাধ্যমে লে কালের সৃষ্ধু আগতিক সারবস্তুকে উলুলাই करता। नार्थानकाठ चार्थातात् व नामाह्नत प्रशास আহাতে সম্পূৰ্ণকংশ মনোনিকো করে কোনী প্রাপ্তি সিদ্ধি प्रभावना विश्विक क्षेत्रक्रम् (शहक प्रकृत करता, वर महत्वत वस्त्र । मान करते । अत सता रहाती क्षान सीरिया है सिरायत বর্শন করার ক্ষমতা, সুনুরবতী কোনও কথা প্রবদ করার । অধিকারী হয়। কেন্তে ভার কন আয়াতে যথ খাকে, ছাই

লে এইজগ সিদ্ধি দাত করে। ঘহতত্ত্বের বে কালে সকাৰ কৰ্মেৰ পৃথাৰ প্ৰকাশিও হয়, আমাঞ্চে ভাৰ পরমান্তারূপে ক্ষেমে দখন খোগী ভার সমন্ত মানসিক মিরাকলাপকে সেই আঘাতে নিবিষ্ট করে, অব্যক্তকল্ম আমি ভাৰু সেই যোগীকে সৰ্বতেও প্ৰাকাম্য সিদ্ধি প্ৰদান করি। যে ব্যক্তি প্রমান্ত, পরম চালক, মিওপাত্তিক। ৰহিবল শক্তিৰ অধীশহ প্ৰীনিকৃতে তাত চেতনকে মিনিষ্ট করে, সে এমন এক অলৌকিড শিদ্ধি পাত করে, হার बाता करा का कीशास्त्र, कारण कड़ नहीत अंशर कारण দৈহিক উপাধিকেও নিয়ন্ত্ৰণ করতে সক্ষম হয়। বে থোগী আমান সৰ্বৈশ্বৰ্যপূৰ্ব, ভূমীৰ নায়ে খ্যান্ত, নায়ানপ ক্ষপে ক্ৰম্মে নিৰ্বিষ্ট করে, সে আমার বতাল প্রাপ্ত হয়, খার এইভাবে বলিতা সিভি লাভ করে। যে ব্যক্তি ভার হন্ধ খনকে জামার মির্বিশেষ ব্রহারাপ প্রকাশে নিবিষ্ট করে, সে প্রমানন লাভ করে, তথ্ন তার সমত অসনা नम्हरूकारण नुर्व इस। ता सुक्ति खामारक धरमंत्र तकनः, বছতার মূর্ত প্রতীক থকা কেতবীলাধিপতি রূপে জেনে ভাৰ ফাকে আমাতে নিবিট করে, সে কুখা, ভাষা, অবশ্যম, মৃত্যু, শোক একং মোহদল খড় উর্মি অর্জৎ ভা প্ৰকাৰ জামতিক উপায়ৰ খেকে মুক্ত হয়ে গুৰু আৰম্ভা গ্ৰাপ্ত হয়। বে সমস্ত তৰ জীৰ ভালের মনকে মুডিমান আকাশ এক সুস্পূর্ণ প্রাশবার রুপে, আমার মধ্যে সংঘটিত অসাধানণ পথা কনিতে মনোনিবেশ করে, তারা আফালের माल नगर मीएका क्या कनुरूव कराय भारत। निरमत সৃষ্টিশক্তিকে সূৰ্যলোকে সংকোষ করে এবং সূৰ্যকে চোনে সংযোগ করে, উভয় সংবোদের মধ্যে আমি রয়েছি কেনে ভার উচিত অংশার খ্যান করা। এইভাবে সে 🔫 দূরের ভিনির ফর্নন করার শক্তি জন্ত করে। যে বোগী তার अगरक मान्युर्वकरन जागारक भश्र करत, क्रम्न महीतरक ক্ষমান্তে হল করতে হলের অনুসরশ্বাসী বার্কে ব্যবহার করে, সে আমার গ্রন্তি খ্যানের ক্ষমতা বলে একটি অনৌতিক নিছি লাভ কৰে, খাব কলে ভার খন বেখানেই বাহ তার শরীর তৎক্ষাৎ তাকে অনুসরণ করে। জেনী ববন ভার খনকে কোনও নির্দিষ্টভাবে প্রয়োগ করে, কোনও একটি নিশিষ্ট রূপ লাভ করতে ইচর করে, সেই রূপ ওংক্ষণাৎ উৎপন্ন হত। খ্যানর অচিত্র অংশীকিছ শক্তির আপ্রাচ্নে মনকে বত্ত করে

এইবাণ সিদ্ধি সাভ করা সত্তৰ, এই শক্তির বারা আছি অসংখ্য রূপ পরিপ্রহ করি। কোনও সিদ্ধবোধী হয়ত অলোর নরীতে চবেশ করতে ইঙ্গা করে, ভার উঠিত অনের শরীরে নিজের আক্ষর ব্যান করাঃ ভারণত মৌমাছি বেমল পুৰ সহজে এক ফুল খেকে ভান্য ক্ৰান **উট্টে বার, ভেমনই নিজের মুগ দেহ ভাগে করে.** বাৰ্ণৰে দে অনোর শরীরে প্রবেশ করে। ক্রেছায়কা নামক নিজি প্রাপ্ত যোগী ভার ওহাবার পালেরী দিয়ে কৰা করে, তারপার কাবে থেকে আত্মতে থকা আনাম করে, ভারগর কঠে এবা পেরে মন্তাকে উপনীত করে। প্রকারত্বে অবস্থিত হয়ে বোগী তার থের ভালা কতে এবং ৰাঞ্ছিত পাৰে। আত্মাৰে চালিত কৰে। যে বোগী দেবতাসের প্রমোধ উপ্যানে উপরেশন করতে চাম, তার উঠিত আমাজে কর্মস্থিত তার সন্ধোন ধান করা। তা হলে সম্বরণভার স্বর্গীয় রাম্বীগণ বিভারে চেলে ভার নিকট উপস্থিত হবে। বে বোগীর আমাতে বিধান সংহত্ আমাতে মনোনিবেশ করেছে এবং আমাকে সভা সক্ষা বলে ভাতে, মে পছা অনুসরণ করতে সে সকল কংলছে ভার বারাই ভার উদ্দেশ্য সর্বদ্য নিম্ম হবে। যে যান্তি বর্ষাবথভাবে আমার খানে করে, সে আমার মতেইে পরম শাসক একং নিরামধ্যের ভাব প্রাপ্ত হল। আমার মতো ভার আদেশও কখনই বিকল হয় মা। বে ব্যক্তি আমার প্রতি ভক্তি করার মাধামে নিজের অন্তিত্তে বিভদ্ধ করেছে, ৰে ধ্যানেয় পদ্ধতি সম্বাদ্ধ নিপুণ, সে ফাটাত, বৰ্তমান अवर फिरिकारका आभ मार्क करता। छोडे हम एका निरमत এবং অব্যানের জন্ম এবং মৃত্যু দর্শন করতে পারে। জলজ প্ৰাণীয় দেহকৈ কেবন ঋণ দ্বারা আহত কল খাব না, ট্রিক তেজনীই বে খোগীয়া চেতনা আমাই প্রতি ভতির প্রভাবে শরত, যোগ বিজ্ঞানে বে প্রকৃত উরস্ত, তার শরীরকে আতম, সূর্ব, কল, বিব ইন্ড্যাদির দানা কভিত্ত করা বার হয়। শ্রীকলে, বিভিন্ন প্রকার করোদি এবং পভাষা, মাজকীয় হয় ও ব্যৱসাদি রাভকীয় উপকরণে সক্ষিত আমার ঐবর্বমন্তিত অবতার্শের ধাল করে. আমার ভক্তরা অকের হয়।"

"ৰে বিহান ভক্ত যোগধানের মাধ্যৰে আমার উপাসনা করে, সে নিভিডকালে আমি বে সব বোগ সিছির কলা কালাম সে সমস্তই লাভ করে। সে মুদি তার ইন্তির, আসাধার্য ও মনকে জর করেছে, আনসংগত এবং সর্বার আমার ধারে মার, তার কাছে কি খোন সিছি মূর্লত হতে পারের ভাউজারের নিপুণ বিশ্বম নাজিপার বালেন বে, আমি যে সমস্ত যোগনিছির কথা কল্পায়, এ সবই শহুতঃ প্রতিবছক, আর তা সহয়ো অপান্ত মার। কেনক ভাজিযোগ অনুনীজনতারী আমার বাছ থেকে প্রত্যাক্ষরের ভাগনের সমস্ত নিছিই লাত করতে লারে। ভাল আহ, উর্যাই, তপদ্যা এবং ব্যাহার জনা বা কিছু আসৌক্ষিক সিতি লাত করা বার,

আমার প্রতি ভক্তিবোগের ছারা সে সমন্তই লাভ করা যার, নজরা, জার কোনও উপারে জারত যোগসিছি পাড় করা যার লা। প্রির উদ্ধান, আমিই সকল নিছি, যোগ, নাংখা, নিরামকর্ম এবং প্রজনানীদের কারণ, রক্তি এবং প্রভাগ কারণ, রক্তি এবং প্রভাগ কারণ, রক্তি এবং প্রভাগ কারণ বাইবে যোগন একই জার্ড উপানান বর্তমান, তেমনই অনাবৃত পরমাধা রাগে করেই সার কিছুর যাইরে অবস্থান করি।"



ষোড়শ অধ্যায়

পরমেশ্বর ভগবানের ঐশ্বর্য

ম্বীউজৰ বল্পেন—"হে ভলবাৰ, আপনাৰ অপিও নৌ এবং অবাও নেই, জাগনি স্ববং গওম সভা, কোনও কিন্তু হাত্র দীনিত নদ। জাগনিই রাজ্য এবং প্রদ থাকা, আপ্রিট সমস্ক কিছুর সৃষ্টি এবং প্রদর। হে ভারনে, আগদি যে উৎকৃষ্ট এখা নিকৃষ্ট সভত সৃষ্টিতে জনস্থিত, লে কথা আহার্মিকালো পাকে তেকা কঠিন হলেও, বৈদিত সিদ্ধান্তে নিপুৰ ৰখাৰ্থ জানী ক্ৰাৰণগৰ বাধাৰে আপনার আরাধনা করেন। সহান কবিরা ভাতি বৃত্তভাবে আপনার সেকা কৰে ৰে সিভি লকে কৰেন জা অনুগ্ৰহ কৰে অমান্টে বকুলঃ অংগনাম বিভিন্ন রূপের কোনটি জারা উপাসনা করেন ডাও কর্মন করন। 🗷 ভগবান, চে ভূতভাৰা, সমস্ত জীবের পরসাক্ষরণে আপনি পুরারিত থাকেন। এইজাবে আগনার বালে বিমোহিত হয়ে, জীবের স্থাপনাকে ক্লেডে পার না, হনিও জাপনি তালের কর্মন ক্যাছে। হে পরম শক্তিমান জনবাদ, পৃথিবী, কর্ম, নরক এবং বন্ধুতঃ সমস্ত লিঙে প্রকাশিত আগনার অসংখ্য শতি সমতে অনুগ্রহ করে আমার নিকট ভাগা; করন। সমস্ত তীর্থের আন্তর্যবস্তাপ আপনার পাদপারে আমি আমাত বিনীক প্রবাম জারাই।"

নরম পুরুষ ওগবাদ কালেন—"তে বের্চ প্রের্ম কর্তা,
তৃমি একা বে প্রশা করছ, সেই একই প্রশ্ন কৃষ্ণকেরের
রণাদাপে মৃক্তকারী অর্জুন আমার নিকট উপস্থাপন
করেছিল; সুক্তকেরের রলামণে অর্জুন তেবেছিল বে,
তার আর্থীর সক্তনা নিহত হলে, আ হবে এক সুপ্ত,
পাপকর্ম, মা কেবলাই রাজ্য সাতের মুরালার করা। তাই
সে বৃদ্ধে অনিম্যা প্রকাশ করেছিল। সে তেবেছিল,
ভাবি আমার আর্থীয় সঞ্জানের হতারে কারণ হব। তার
কিনাপ হবে " এইভাবে অর্জুন ক্রানাতিক চেতনার লারা
আমার হার্টেছল। সেই সময় নার্যায়ে অর্জুনকে যুক্তি
তর্কের হারা প্রবাধিত করেছিলায়, আর তবনই সেই
রণায়নে অর্জুন ক্রানারে অনুনাশ রাম করেছিল, বেমানটি
ত্রি একান করছ।"

শ্লির উত্থা, আমি সমক জীবের পরমানা, আর তাই সাভাবিকভাবেই অমি ভাষের ওভাকাশকী একং পর্ব নিয়ামক। সমক জীবের অন্তা, পালন কর্তা এবং প্রদার কর্তা হওয়ার কলে আমি ভাষের ক্ষেক্ত অভিনঃ আমিই হাছি প্রস্তিক্ষীদের অভিন কক্ষা, নিয়ন্ত্রশকামীদের মধ্যে আমি কাল। জড়া প্রশৃতির ওপণন্তের সারা আমিই

এবং পুণাবানদের মধ্যে আমিই স্নাত্যবিক সমগুল। ধনসমধ্যে বস্তুসমূহের মধ্যে আমি প্রকৃতির মুখ্য প্রকাশ, धवर यहान वश्चनभूदव्य यहा सामि नगर सम् मृष्टि। সৃন্ধবন্তুসমূহের মধ্যে আমি আত্মা, এবং মুর্জয় কন্তু সমূহের মধ্যে আমি মন। বেলসমূহের মধ্যে, আমি প্রতি তাদের আনি শিক্ষক ব্রক্ষা, এবং সমস্ত মধ্রের মধ্যে তামি রি-অক্স সমধিত ওঁকর। অক্সদস্তের মধ্যে আমি প্রথম অক্ষর, "জ," এবং পবিত্র হুপের সংস্থা জায়ি পায়রী হয়। বেকাপের মধ্যে আমি ইন্স, একং কুপ্রথের মধ্যে আনি অন্নি। অধিতিপুত্রগণের মধ্যে আনি বিবৃহ এবং ক্রমণান্য মধ্যে আমি লিব। ব্রহ্মবিগণের মধ্যে चानि कुछ अरः वासर्विशत्त्व मध्या चानि मन्। শেববিগদের মধ্যে আমি নারণ এবং গাড়ীগণের মধ্যে আহি কামধ্যে। সিদ্ধাংশ্যে মধ্যে আমি কলিনাংখ্য, এবং भागीभरतत पर्ध्य प्रक्रफ। यानुरात वर्ष शुक्रवाहरका प्रदेश আমি দক্ষ, এবং বিডেপুরুষসংশ্রে মধ্যে আমি কর্মন 🖰

"তির উত্তর, দৈত্যদের মধ্যে আমাকে প্রস্তুদ বলে জনেবে, যিনি হুজেন অস্বদেরও গুরু। সক্ষর এবং ধ্যৰি সমূহের কথো আমি তহদের গ্রন্থ চন্দ্রানের, এবং যক ও রাজসালের মধ্যে থারি হতিহ মনেশ্রর কাহের। (अर्थ प्रतिभागद माध्य भाति बोदायक, अयर सम्बन्ध প্রাণীসকলের মধ্যে আমি সমুদ্রের ক্ষেত্র বঞ্চশাংব। एरन धवर चारनाक श्रमानकारी वसुन्नश्रदह श्रद्ध जाति সূর্ব, আর মনুবাদশের মধ্যে আরি রাজা। অবগণের মধ্যে আমি উজেমের এবং বাসসহক্ষে মধ্যে আমি কর্ণ। সংখ্যকারী ও শান্তি প্রদানকারীক্ষের মধ্যে আন্তি ব্যবাজ এক সর্গগণের মধ্যে আমি বাস্থকি কল।"

^লহে নিষ্পাপ উদ্ধৰ, শ্ৰেষ্ঠ সৰ্পবাংশর মধ্যে আমি আন্তর্নের, এবং ধারালো শিং এবং দাঁতবিশিষ্ট পশুনের मरथा जामि निर्देश खादास्थ मरथा चामि नहारत बक ধর্মের মধ্যে আনি লাভাগ। পরিত্র এখা প্রবহুমান বস্তুসমূহের মধ্যে আমি পবিত্র প্রদানদী এবং দ্বির ক্ষুল্যালির মধ্যে আমি সমুস্তঃ অন্তেসমূহের মধ্যে আমি **ধনুক এবং অন্ত**ধারীগণের মধ্যে আহি নিব। নিবাসস্থান সম্বেদ্ধ মধ্যে আমি সুমেক পর্বত্ত এবং দুর্ভেন। স্থানসমূহের মধ্যে আমি হিসাধার। মুখসমূহের মধ্যে আমি শবিষ বটবৃষ্ণ এবং উদ্ভিদসমূহের হথ্যে আমি হব। এবং সান্তিকগণের মধ্যে আমি সম্ত্রাবলী।

পুরুর্বাহতগালে মধ্যে আমি বাঁস্টমুনি এবং বৈভিক সংক্রানের সবোচ্চ করে আঁগচিতালো মধ্যে আমি বৃহস্পতি। মহান সেমপতিদৰের মধ্যে আমি কাউকের এবং জীবনে যাত্র মেডতর পরে এমিছে চলেছেন, ডালের মধ্যে আনি क्षणा। जान्य गर्भात गर्भा काणि दक्षि स्थलाभावत वास् সমস্ক এতের কথে আনি অহিংসা। নিশোধকসমূহের मस्य चानि दक्ति वर्, चनि, गूर्न, क्षण करा वाका। रवारशङ कांग्रेष्ठि अन्यन्यारसङ मरश कामि श्रमान, रव करहात्र काका मृष्णुकरण साम्र मृष्ण रह। बारसम्प्रात्त्र মধ্যে আমি হজিং পরিপামনশী রাজনৈতিক উপদেশ এবং निश्व विधावस्यास्यत नक्षि मगुरस्य मह्या भाषि আশ্ববিজ্ঞান, খার স্বারা কড় থেকে ভিংকত্বর পার্থকা নিকল্ম করা বার। সমত মনেধরী দাশনিকগণের মধ্যে আমি হক্তি বিসমূপ অনুভৃতি। নারীদের মধ্যে আমি শতরূপা এবং পুরুষদের মধ্যে তার স্বামী, স্বায়ন্ত্র হন। অবিদেয়া মধ্যে আমি নারারল এবং ব্রস্থচারীদেয়া মধ্যে আমি সনংকৃষ্ণর। ধর্মীর নিয়ন্তবনীয় সংগ্র আমি স্ল্যাস क्षपर मध्या क्षप्ताः मितानसात मध्या चानि एकि क्षप्रकृत নিজ আশ্বচেডনা। শোপনীয়ভার মধ্যে শামি মনোয়ম বাকা ও মৌন এবং মিথুনগণের মধ্যে আমি প্রসা। সভৰ্ক কালচ্যা-সমূহের মধ্যে আমি কংলয়, অভগণের সংখ্য আমি কলন্ত। মালের মধ্যে আমি মার্কলীর্য এবং নকরসমূহের মধ্যে আমি মনসমর অভিনিধ। বুগের মব্বে আমি সভাগুৰ, এবং ধীর কবিগণের মধ্যে আমি দেবল ও অসিত। বেদের বিভারনকারীদের মধ্যে আমি কৃষ্ণবৈপায়ন কোন্তাল এখং বিভান পণ্ডিওগণের মধ্যে আমি পারমার্থিক বিজ্ঞানের জ্বতা ওঞাচার্থ। বাঁরা ভদক্ত নামে আধ্যানিত, ভাসের মধ্যে আমি বাসুদেব এবং ভক্তদের মধ্যে উত্তব ভূমিই বৃদ্ধ আমার প্রতিনিধি। किञ्जूक्षमभरमा मरश्र चाचि रुजुमान क्रार विशाधक्षमरमत बर्स जानि जुनर्नत। सद्वतपुरस्त घरण जानि श्रदान स চুনি এবং সুস্থা বস্তুসকলের মধ্যে আমি প্রকোশ। সমস্ত আসের মধ্যে আমি পবির কুপ এবং সমস্ত আর্ছান্তর মধ্যে আমি কৃত এবং গাড়ী খেকে প্রাপ্ত সমগ্র উপকরণ। ব্যবসারীনদের মধ্যে আমি সৌদ্ধাগ্য এবং প্রভয়েকদেব মধ্যে আমি ম্যুতক্রীয়ঃ। সহিষ্ঠানের মধ্যে আমি ক্ষমা

তেরস্থীগণের মধ্যে আমি দৈহিক এক জনস্থিত কল এবং কানার ভক্তদের ভব্তিবৃক্তকর্ম আনি। আমার ভক্তবা অন্যাতে সমটি বিভিন্ন জগে উপাদনা করে থাকে, ভার प्रत्या साथि प्रथम वान्त्रक। अवर्तम्भव स्था साथि নিবালে থাকং দ্বানি ক্লোনদাশের মধ্যে আমি পূর্বাচন্তি। লর্চনেমহের মধ্যে হৈছে, আর পৃথিবীর সূগত আমি। **লাল্য নিষ্ট বাল আমি এবং উজ্জ্বল ব্যালমহের মধ্যে** আনি সর্ব। সূর্য, চন্দ্র এবং তারকার জ্যোতি আহি এবং खाकरणत धानित भएक भिक्त भक्त धार्मित दिविक मरपाटित এতি উৎস্থাকৈত ব্যক্তিগণের মধ্যে আমি বিরোচনগর রাজ এবং বীরগণের মধ্যে আমি কর্মন। বস্তুতঃ সমস্ত জীবের সৃষ্টি, স্থিতি ও লয় আমিই 🖰

"আমি গমন, সত্তাবদ, উৎসর্গ, গ্রহণ, স্থানকক্রিয়া, न्मर्ग, प्रर्गत, चारायन, स्वरंग अवर चाहानस्कर्म। (व শক্তির বারা প্রতিটি ইন্দ্রির তার বিশেষ ডোগ্য বস্তুর অভিজ্ঞতা লাভ করে সেই শক্তিও আমি। আমি রূপ, বস, গছ, স্পর্শ ও পাল, আহকোর, মহকার, ভাই, জন, चरि, शह अवर काकान, अकामन देखित, कीद, कहा প্রকৃতি, সন্ধ, কৃষ্ণা, ভাষোওৰ এবং ক্ষপবাল। এই देनामानद्वति, एरएनत्र निक निक क्षेत्रस्य सानगर कृत् নিশ্মতা—এই সমর্থই এই স্বানের কল, জামর প্রতীক। লর্মেশর ভগবান ফুলে জীব, প্রকৃতির ওপ এবং মহাতথ্যের ভিত্তি আমি। এইভাবে আমিই স্ববিদ্ধ এবং

আমি ছাত্র কোন কিবুলী অভিতর থাকতে পারে না। যদিও বেল কিছুবাল চেটা কংগো হয়তো প্রথাতের সমীয় অপুণ্ডলিকে ওপতে পারব, কিন্তু কোটি কোটি ব্রস্থাতে প্রকাশিত আমার বিভৃতি সমূহ আমি সশনা করতে পার্থব না। বেখানেই ভেজ, সৌত্মর্য, খ্যাতি, ঐকর্য, বিনর, বৈরাপা, মানসিক জানবা, সৌভোগ্য, বল, সহিকৃতা বা नावमार्थिक कान नक्छिल एटच, का कामानरे जेबरर्यंत প্রকাশ। জামার সমস্ত চিশার ঐপর্য এবং আমার শৃতির অসাধারণ স্বন্ধ করে মন নিয়ে অনুভব করা যার এক পরিস্থিতি অনুসারে বিভিন্ন সংখ্যার সংখ্যিত করা বার, ভা আমি ভোমার নিকট সংক্রেপে বর্ণনা করলমে। गुटतार, अका, का, शान ७ देखिराधनिएक मरवाड कर. এবং ৩% বৃদ্ধিমন্তার ছারা স্বাচাবিক প্রবেশহাওলিকে নিয়ন্ত্ৰণ করঃ এইডাবে তৃমি আর কথনও জড় জাগতিক ক্রীকা পূথে পভিত ছবে মা কে পর্যার্থবাদী উরস্ত दृष्टिमलाव काला छाड़ काला ७ मनाइक मान्न्नीलाइन मरयाट না করে, তার পাবমার্থিক ব্রস্ত, ডপদার এবং দান সমস্তই না-পোড়ালো মাটির পারে রক্ষিত জলের মতো নির্গত হয়ে বাবে। আমার মিকট শ্রনাগত হয়ে, তত্তের উচিত রক্ষু ক্রন এবং প্রাণবাহুকে সংবত করা। এইভাবে হোমালী ভারিবক্ত বৃদ্ধিসভার খারা সে তার জীবনের উদ্দেশ্য সম্পূর্ণরহার সকল করতে পারবৈ।"

卐 乐

সপ্তদশ অধ্যায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণ কর্তৃক বর্ণাশ্রম পদ্ধতি বর্ণন

गार्भव समृतासीरमय, अवर अवनकि जानावन সমর্প্র মনুযাসমাজ, ভালের নিজ নিজ কর্তব্য সম্পাদন

বীউদ্ধৰ ফালেন—"হে প্ৰজু, পূৰ্বে জাগনি বৰ্ণাধ্বৰ করে, কীঞাৰে জাপনায় প্ৰেমমন্ত্ৰী সেবান নিয়োজিত হতে भारत हम मचरक जनन भारतक कृषाभूर्वक गांभा करून। নিষমশৃখালাবিহীৰ মানুবংগৰ জন্ত অনুশীলনীয় হে প্ৰভু, হে মহাক্ষের, পূর্বে আপনি আপনের হংসবতার-ফতিব্যোগের পদ্ধতি কর্মনা করেছেন। যে অরধিদাক, সালে শ্রীব্রকার নিকট পরর সুধ প্রদানকারী ধর্মের কথা ्यत्महित्सन। एवं याथव, एवं माक्र निधनकारी, सहकाश

অতীত হয়ে নিয়েছে, পূর্বে জাগনি যে সমস্ত উপক্রেপ প্রদান করেছিলেন, যে অতি সম্বর বাজনিকই অবস্থা হয়ে অৰে। হে কণবাৰ আচ্যত, এই পৃথিনীতেই হোৰ স্বাধবা বেল সমূদেও নিবসস্থান জীৱনায় সভাস্থল চেকে না কেন্ মতু আপনি ব্যতীত প্রথ নর্মের প্রবন্ধা ঘটা এবং রাজক কেউ মেই: জিব মধুসুদৰ, এইজানে কথন পারামার্থিক জ্ঞানের প্রবন্ধা, রক্ষক এবং প্রকৃত হাইর জ্ঞাননি পৃথিবী পরিত্যাপ করে চলে কাকেন, ডাকা পুনরায় কে এই বিনাপ হাও আনো কথা করব। খণ্ডএব, হে প্রকু, জাগনিই रमरम् वर्षत्र काला, स्तृषागनं वारक काननात्र ध्यवपती শেবা স্পাদন ক্ষতে পাৰে, আৰু ডা কীকাৰে স্পাদিত स्त, ज कर्मनि काक्ष्मपूर्वक कामार निवह वर्गन करान।"

শ্ৰীল ওক্ষেৰ গোহামী কালেক—"এইভাবে কাৰান মীকৃষ্ণ তাঁর পরম ভক্ত জীউছে কর্ড়ক জিম্মানিত হয়ে শ্ৰীতি সম্ভাৱে সমগু বছ জীবের কল্যানের জন্য সেই সন্তন ধর্মের কর্মনা করকেন।"

গরম পুরুষ ভাগবান বললেন—"ট্রিয় উত্তর, রখার্থ वर्ग कनुमारवरे कृषि शक्ष करतह, वा म्यकाल मानूब वागः কর্ণারম ধর্মের অনুগামীদের ওছভতির দেয়াকর একং আ बीयतना भक्ता निक्ति क्षमान करता। अपने प्रमुख्य भक्ता चामत करह टाउँ भाग धर्म क्या संदन का है

"ভক্তে, সত্তমুখে সমত মানুহার জন্য একটিই ক ছিল, বাঙে ৰলে হংস। সেই বুগের মানুৰ বাক্সাতভাবেই ঐকান্তিক ভগৰতক, তাই বিহান গতিওকৰ এই প্ৰথম বুণকে বলেন কৃতধুৰ, বা যে বুলে ধরীর আচরণতবি কথাক্তরতে। পালিত হয়। সভাবুৰে ওঁকারের মাধ্যমে অবিভক্ত কে প্রকাশিত হয়, এবং ককা আমিই সমগ্র যানসিক ক্রিয়াকন্যপ্রে একখনে সক্ষা। আমি বুবলুগী চতুম্পাল ধর্ম রূপে প্রকাশিত হয়। এইভাবে সভাবুশের অপোনিষ্ঠ নিশ্যাল মানুষেয়া হলে ক্রণে অয়েয়ে আয়াধনা क्छा /"

"হে মহলদেশেন, জেতাবুশের ওরতে প্রশ্বরুর निवासक्त, जामस रहस्त (५८% ४५, जार, अंदर कब्रुकर्स তিনটি বিভাগে বেনের জনে প্রকাশিত হয়। জনগা সেই আন খেতে আৰি মিবিধ বজনতে আবির্ভত হই। নেতাবুলে ভগবানের বিমটি মাণ থেকে চতুর্বর্ণ প্রকাশিত চুর। **রাক্তনর ভগবানের মুখমণ্ডল খেকে, ক**রিয়র্য

ভগবাদের উচ্চত থেকে, বৈশ্যরা ভগবাদের উল্লাথেকে ঞ্জবং শুদ্ররা জার বিবাট কাগের চক্রণ থেকে আবির্ভুক্ত इरकटक्। विरामन माशिष अनर कानकारतन साकारत প্রত্যেকের বর্গ নির্বারিত হয়। পুরুত্ব আতার আয়র বিরুট মধের স্বাহ্যবাদ থেকে প্রকাশিত, এবং উপচারীরা এলেছে জায়ার জনগ থেকে। কাবাসী জবসা প্রাপ্ত জীবন এসেংছ আমার বন্ধবুল খেলে এবং সম্যাস জীবনটি অবস্থিত জামার বিয়াট কলের মন্তকে।"

"প্রত্যেকের অধ্যয় পরিছিত্তি অনুসারে উৎকৃষ্ট এবং নিকৃষ্ট কভাৰ প্ৰকাশিক হয় আন সেই অনুসারেই মনুষা नमारक वर्ग अवर चालम शकानिक स्टारक। मासि काच-সংখ্যা, তলস্যা, পরিমারখা, সন্তব্ধি, সহনশীসভা, সরলভা এবং সকতা, জ্বামার প্রতি ফকি, ধরা এবং সভাবাদিতা— এইওলি হচ্ছে ব্রাহ্মগ্রহের স্বাতাবিক কথকটা। তেন্ত, নৈহিক শক্তি, দুঢ়নিষ্ঠা, বীরত্ব, সহিকুতা, উপারতা, পূর্ব উদ্যয়, স্থৈৰ্ব, প্ৰাক্ষপদের প্ৰকি কন্তি এবং নেতৃপা, এচনি হতে ক্তিমনের হতোবিক গুণাবলী। বৈতিক সংস্কৃতির প্রতি বিশ্বাস, ব্যানগরেরণপ্রে, স্বর্গুনাতা, রাক্ষণ সেরা এবং অধিক ধন সংগ্ৰহের বাদনে, এইণেলি হতেই বৈশ্যুদের সভাবিক ওপাবলী। স্তামাণ, গাখী, সেবতা এবং অন্যাস পূজ্য থাজিদের প্রতি অক্টাম সেবা এবং এই সমস্ত সেবার বারা বা কিছু কর্ম দাভ হর ভাতেই পূর্ণসন্তৃত্তি হতে শুদ্ৰবেও কভাবিক ওপাবলী। অওচিতা, অসকতা, क्रीर्न, करियाल, क्यार्थक कमाई, काम, क्यार अवर আকাল্যা, এতলি হলে কান্তম বহিত্ত অভাজনের জন্য সাভাবিক। অহিলো, সভ্যবাধিপ্তা, সভ্যবা, সুংগলা, আর সকলের কল্যান, কাম-রোধা ধাবং লোকশুনাতা, এই সমগু ওশ্বকী সরামের সমগু সমস্যদের থাকা উচিত। ত্রাক্ষানের অক্টিকরণ সংক্রাতের পর্যায়ক্রকে গায়তী দীক্ষর মাধ্যমে বিৰুদ্ধ লাভ করে। ইইওক্সদেকো ভারা আতৃত হতে, সে আর আন্তংহ অবস্থান করে মন ও আভসংবর্থ करत वर्षण्यकारत दिविक्यांच ठर्छ। करारत।"

"ব্ৰক্ষচারী নির্বিভিছাৰে মুগচর্মের বসন এবং কুলবালের কোমানক পরিধান করবে। তার জানৈ থাকাবে, दर्स्ड श्रान्थ्र का अनर कमस्त्रमु, शमात्र स्वक्रमाना असर উপবীত বারণ করবে। হতে কুশ ধারণ করে, সে কমনও বিসংস্কৃত ও আন্তঃস্থায়ক আসুন প্রহণ কাংবে না। সে

ক্রাৰ্কর বাঁত মাজবে না বা বহুকে বেশি উচ্চল বা ইন্তি। অনুশীলনে ব্রতী হতে হবে। এইভাবে বৈশিক জ্ঞানে कार मां। द्वचाधारीएमतं जान, धार्मा, वक्ष मण्यासन् করা বা সলমূত্র ড্যাপের সময় মৌন অবলখন করা व्यक्ति। छात्र नथ काँगे अवर वनश थ छेन्छ मूर (कामध ব্যালা লোগ থা চুন্দ কাটা উচিত নব। বে প্রাক্ষারী ক্ষা ভারতারন করেছে, তার ক্ষমনত বীর্থগান্ত করা উচিত all বৰি হঠাৎ আপনা খেকেই বীৰ্ধগান্ত হয়ে যায়. তার ভার তৎকশাৎ কলে কম করে, প্রাণারগ্রেম হাধ্যুত্র _{পানে} নিয়ন্ত্ৰণ একং গায়ন্ত্ৰী মন কল করা উচিত। ১ছ 🚁 নিবিট ভিতে অখ্যানীর অখি, সূর্ব, আগ্রের, গাড়ী, arme, ওক, বরক থাছের ব্যক্তি ককা দেবতানের প্রা का बेहिन। मूर्यालय अन्यः मुर्गाएक फेलावन मा करत्. ⊿ानकारक का यान चरत संशासर पद सभ कता केंकिल।"

'আচাৰ্যকে আমার থেকে অভিন বলে হলে করা ৯৪৬ এবং কথনও কোনভাবে ভাকে **অপ্রত্ম** কল উচিত এর। প্রকে একজন স্থারেশ মানুষ বলে মনে করে তার গুড়ি ইবার্ডিড হওয়া উচিড নর, কেন্সা সে সমস্ত বেহার প্রতিনিধিকজন। সকালে ও সন্ধার খান্তব্য এবং বারে বা বিচ্ছু ভিবল করে এনে ভার উচিত ভার বহুদেকের নিবট অর্পণ করা : ভারণর, আন্দ্রসংকত হয়ে चक्रार्ट्स निक्छ थ्यंटक निरम्बर मन्द्र चनुरमाधित श्रवाहे প্রহণ করা উচিত। ভক্তদেকো সেবার সময় আমাদের বিনীক সেবক জালে থাকা উচিত, ওরবের বধন পদন বরেন, নিবের উচিত বিনীতভাবে ওরা অনুবয়ন করা। ওরতার বখন বিশ্রামের জন্ম শরুন করেন, কথন শিষ্ট্রের উচিত নিকটেই শয়ন কৰে, তীয় পাণসম্বাহনাদি সেৱা কর। ওকারে ছখন জার আনারে উপরেশন করপেন, লিয়া ভাৰৰ শুক্লানেৱে আগেনের অংশখনৰ ভার নিকটেই ক্যুক্তে দেৱমান থকৰে। অমানের উঠিত এইভাবে নৰ্বদা ওৱালেবের থার্চন করা। বডকা না বৈদিক শিকা নশ্পূর্ণ হয়, ছালের উচিত প্রকলেকের জালতে নিরোজিত ক্ষল। ভাকে অংশাই (ব্ৰহ্মচৰ্য) প্ৰত ভল না কৰে, লড় বৈত্রিকভর্ণন থেকে সম্পূর্ণ মুক্ত বাকতে হবে। কোনব क्षेत्रकाडी भूनि प्रशास्त्रक वा क्षेत्रस्थातक केश्मील वृत्त्र हारा, খৰে ভাৰে খাৰ সমস্ত কাৰ্যকলাগ ওক্ৰেবের নিকট বর্ণা করে স্বত্যার্থনে তার ব্যাহারত হতে হাব। তাকে অপন্ত ব্ৰস্কাচৰ্য এন্ত ধাৰণ কৰে উপ্ৰভাৱৰ বৈনিক শিক্ষা

উত্তাদিত হতে, ভক্তদেবের সেবা করার স্বাধ্যমে সমস্ত গ্ৰকার পাপ এবং কৰা খেকে মুক্ত হতে, কাকে জায়ির मत्या, जनरमत्वर मत्या, छात्र मित्कार मत्या अवर नमन জীবের মধ্যে পরমান্তা রূপে অর্থাস্থত জাতার উপাসনা कारक शरर। बीजा विचारिक मग्न-जागाजी, बन्दाङ् अवर রক্ষানরীদের—কমনও স্ত্রীলোকদের প্রতি নির্মাক্ষা করে, স্পর্ন করে, মার্ডালাপ, পরিহাস আ খেলাবুলা করে সঙ্গ কর উচিত্ত না। আবার হৈথেনরত কেলও প্রাণীর সঙ্গ ব্দরাও ত্যমের উচিও নর।"

"তিয় উদ্ব, ভটিতা, আচমন, স্থান, সূর্যোদরে, भधारक अबर नुर्वारक कर्तनीत धर्मकर्म, खामरत चर्डन, कीरोग्ने, क्षण क्षा, चण्णण, चणार अवर चचछा वर्षन করা ও প্রমান্তা রূপে সর্বজীবে আমার অভিন অবশ কর--এইওরি সমাজের সমন্ত সদলের কারমনেবাকে পালন করা উচ্চিত। যে ব্রাহ্মণ রাহ্মচর্যের মহাব্রান্ত পালন করে, সে অধির মতো উচ্চল হয়, আর তীর খণস্যা ক্ষন্ত কর্ম সম্পানের প্রবশতাকে জন্মীতৃত করে। ক্ষত্ ব্যসনার কল্পর স্বস্ত হয়ে সে আমার কল্ড হয় 🖺

"ভাষ্টারী বৈলিক শিক্ষা সম্পূর্ণ করে গৃহত্ব আরমে श्राप्त के के का कारण, स्वरूप्तर के के वर्क प्रक्रिया उपन করে, স্থান, ভৌরকর্ম, ও হথাবধ বসনাধি পরিবাদ করাই। ভারণর ওরুদেকে ছাল্লা অনুমোদিত হলে গ্রাহ প্রত্যাকর্তন করবে। আন্ত বাসনা চমিতার্থ করতে ইক্ষ্ ই কাচারীর উচিত পরিবারের সঙ্গে গৃহে অস করা, যে গৃহত্ব তার চেডনাৰে তথ্য কংডে ইকুক সে বনৈ থকা কংৰে, আয় ওছ প্রাক্তান্যে উঠিত সন্মাস আপ্রথ অবলব্ধ করা। বে আমার প্রতি শরলাগত নর, তরে উচিত পর্বার ক্রমে এঞ্চ আপ্রম খেকে জন্য আপ্রমে উটাত হওছা, কখনও অন্যথ্য আচরণ করা উচিত নয়। যে গুবছ জীবন স্বাপন করতে গ্ৰহ, ভার উচিত সবর্গা এবং হার অংশকা বহুলে কমিষ্টা, অনিন্দনীয়া কনাচক বিবাহ করা। কেউ হবি বহু গ্রী বিধাহ করতে চায়, তবে তার প্রথমা স্ত্রীর পরবর্তী স্ত্রীরা চৰে ক্ৰমাছৰে মিমডৰ বৰ্ণৰে।"

"প্ৰাক্ষণ, ক্ষরিয় এবং বৈদ্য-সমক্ত বিজ্ঞাণ--অবশ্যে যাত্ৰ সম্পানৰ করবে, বৈনিত স্থান চৰ্চা একা স্থান করতে। কেবল রাক্তবর, দান প্রবল করতে, তৈনিক জ্ঞান

न्तिक स्मार्ट अयर कानाराचे हरत राक्ष जण्याना कडार्ट। **टर डाक्टन घटन करते हुए, ब**हराहम्स निकडे हुन्हरू भाग গ্ৰহণ কথলে খাব ভলমর, ব্রক্তের এবং কণ কিন্টে ইবে, হাল উদ্দিদ্ধ সামান্তের স্থানা দৃটি পোলা অর্থাৎ বৈধিক স্থান ध्यान कता अवर यस जन्मापन करत कीविका निर्देश सन्त যদি সেই প্রাক্ষণ মনে করে বে, এই দৃটি পেশাও খার পারমার্থিত প্রের পক্ষে জাপদ করার মতো, গুরে ভার বানা কলও উপৰ নিৰ্ভিত না করে ক্ষেত্তে পবিভাক্ত পদা সংগ্রহ করে জীবিকা নির্বাহ করা উচিত। প্রাশবের শরীর अभाग क्या हे दिख्यकृत्तित करण नया, वहर काम चौरदन কটিন তলকা প্রহার করার মাধ্যমে ব্রাক্ষণ থেছ ভাগে করার পর অসাম আলল উপডোগ করবে। কৃতিকেরে ৰা ব্যৱস্থা পনিতাক শ্ৰহ্য দানা সংগ্ৰহ করে গৃহস্থ হাস্থ্যপুৰ মানসিক ভাবে সহাই থাকা উচিত। ব্যক্তিগত বাসনা থেকে নিয়েকে মুক্ত রেখে, উদার ধর্মনীতি ক্ৰীপন বল্লে আমতে ওলে চেতনা নিষ্টি রাজ উচিত। এইজারে গৃহত্ব রূপে ফ্রন্সন অভ্যাধিক আগন্ত না হলে পুরে খেকে সে মৃতি লাভ করে।"

ভোহাত হেমন সমূহে পণ্ডিত ব্যক্তিকে উদ্ধন্ত করে, তেফাই পরিমতিই কবছ খেকে কেনও একৰ বা হুপ্ত'কে বানা উদ্ধান করে, ভালেরকে আমি সমস্ত বিপর্যর ছেকে অচিরেই উদ্ধার করি। প্রধান পুরুষ চাতি যেমন দলের অন্ত সমস্ত হাতিদের রক্ষা করে, এবং নিজেকেও গাঁচাই, তেফাই, নিওঁই টোলা, পিতার যতেঃ, বিপদ খেকে সমস্ত প্ৰজালেকক কলা কলে এক নিজেকেও স্বাক্তিত रायदर। अरेप्टार्टर एक वाजा द्यालाश्यक अवर विरामक তার হাজা খেকে সমস্ত্র পাপ দুর্নাকৃত করে সুর্নাকত বাংখ, সে অবশ্যই সূর্বের মতে। উৎকো বিহানে আলোহন করে ইন্ডাদেরেও সঙ্গে আনশ্য উপত্তোপ করে। বলি শোনও দ্রাপাণ তার জাতাবিক কর্তবা সম্পানন করে। कॅरिनक निर्दाह कमाराज या नारता, क्षवर कहें, भाव, छार লে বাবনা করে, কড় বন্ধা ক্লম-বিপ্রত করে এই গ্রহবন্ধা থেকে ইন্টাৰ্ব হতে লগতে। অধ্যানী হয়েও চলি লে চ্চত লাবিছো ভূমতে খাবে, তবে সে ভ্রেন্ডের ধারণ করে **অ**ভিয়ের বৃত্তি অবলম্বন করতে পারে। কিছু লে ক্ষেত্র অবস্থাতেই একজন সাক্ষরণ প্রস্তু প্রতণ করে, কুকুবেৰ মহতা হৈছে পাৰে না*া*

"যা**না বা নাক** পরিবারের পোক, তার সাধানন বুলি দাবা জীবিকা নিবলৈ তথ্যত সমর্থ না জাল, বৈলা প্রতঃ পারে, বিকার করে জীবিক নির্বাচ করতে পারে, ভাকর armens were western balant forms spens where পারে। বিশ্ব দে যেন কোনত অন্যাতেট পুরের ব্যব क्ट**मध्**न जा करता"

অমল প্রণ

ेट्ड देवना, चानीर वादमानी, निरुवान कीर्ननक जिल्हा করতে পারে না, দে শুরের বৃধি অবলখন করতে গালে আব বে শুদ্র ফালিক পার মা, সে কৃষ্টি বানালো বা মানত ভৈবির জভো কেনও সাধানৰ কার্য করন্তে পারে। ভত্তে বে সমস্ত মানুৰ বিপৰ্যক হয়ে পড়ার ফলে নিক্ষ্ট একটা বিকৰা পেলা প্ৰবাদ কৰে, ভাষেও উচিত বিপৰ্যয় অভিজ্ঞান ইলেই ভা ভাগ করা।"

"পুরস্থ জীবনে মানুষের উচিত প্রতিদিন বেদাধারন क्टत धर्मम्बर, यथा रहा सार्थन अस्ट निष्ठानुस्तरमञ्ज, यहाः মানু কার্পণ করে দেবতাদের, নিজের কাহারের কিছু আল অৰ্পণ করে সমন্ত জীবেদেই, সম্যা এবং জল অৰ্পণ করে प्रान्द्रक लुका करा। क्षेट्रकाटक स्ववश्व, क्षेत्रिया निज्नुश्राप्ताम्, सीरदश अवर मनुवारागरक काराहः विद्य প্রকাশ রূপে জেনে, ডার প্রতিধিন এই প্রথমি কল বম্পানে করা উচিত। পুরুষ্ট ভার অন্যোগ লভ ক সদৃপতে অর্কিড অর্থের হারঃ পরিবার পরিজনকে ভালভাবে পান্তন করবে। ক্ষমভা অনুসারে, ভাষ কর এবং অনাদ্য ধর্মীয় অনুষ্ঠান সম্পাদন করা উচিত। তে গৃহস্থ জনেক পোষা পরিকরে পরিজনের গালন করছে সে যেন ভারের প্রতি জার্গাতিক ভারে আসম্ভ হরে না গড়ে, আবার নিজেকে মালিক মনে কবেও সে কেন মানসিক ভাবসামা হারিয়ে না কেংল। বুজিমন পৃহস্থ শেশহৈ যে, সে যে সমস্ত সুৰ ইতিমধ্যেই অৰ্ডন কাউছে এবং ভবিবাতে বা লাভ হবে, এ সমূলই হতে কলন্তাৰী। अधारमि, श्री, धार्योग्र-प्रकान तावर क्यूबाबरवर प्रक्र आध হতে একটি পশিকের কবিত সমলাভের মতো। স্বর্গ শেষ হলে যেমন পথের সমস্ত কিন্তুই হাবিরে যায়, তেমনই দেহ পথিবর্তনের সঙ্গে গঙ্গে এই সমস্ত সক খেকে বিভিন্ন হয়ে পড়াও হয়। প্রকৃত পরিস্থিতিব সম্বন্ধে পভীবভাবে মন্ত করে, মুক্তাকার উচিত টিক धकवन चरितित गएस ममध्यक्तिन्त अनः नितर्यन्ति

हात गृहि वाम कड़ा: धाँरेशाद एम गाँउवानिक शानालः । ৰঙ হৰে বা অভিনে পড়াৰ বা। যে গৃহস্কত ভান -रिकामि गारिक भागन काई कामान कानस्म करन Or গাটেই থাকতে পারে, তীর্ষপূচন বেতে পারে, ভাবর ভার _{বলি লাবিক্সাল} পুত্র খাকে, তাহলো সে সভ্যাস প্রহণ আনতে পাতে। কিন্তু বে গৃহছের ফা তার পুরের প্রতি লামজ, টাজা পরসা এবং সক্তনাদি নিজে উপড়োগ কলান ৰূপ উপ্তীৰ, কামানকে, দুৰ্গণ মনোভাৰ সম্পন্ধ, আৰু ভাৰ পৰিবাৰেৰ চিন্তাহ মৃত্যুবৰণ কৰে সে আক্ৰডাই त प्रदर्श प्राप्त किया करता, "अवहे सामात यहत यात्रिके सक्तादा प्रदर्भ करता" अविका", एव जूर्निन्छ एकारून आधान साम कहा। धारहा,

আনার দবিত কর পিতানাতা, পিওসভান কোলে আমার हैं।, भाषात्र खनामा भाषात्रक अनुस्तरा। बाहि हाड़ी থানো রন্ধ কররে মতো কেউ নেই, অর ওরা অসংনীর মুকে ভোৰ করবে। জামাকে ছাড়া আমার ইতভাগা আৰীয়-সমান কী করে বাঁচখেণ এইভাবে মূর্ণ মন্তেভাবের কলে যে গৃহস্থের হামর পরিবারের প্রতি অস্তিকে বিহুল, সে কৰাৰ সন্তুষ্ট নৱ। প্ৰতিনিয়ত



বর্ণাশ্রম ধর্মের বর্ণনা

অফাসন করতে চার, ভার উচিত শ্রীকে যোগ্য প্রমের হাতে ন্যন্ত করে কথকা শ্রীকে সভে নিরেই পার্ড মনে ক্তন প্রবেশ করা। বানগ্রন্থ আশ্রম অবলম্বন করে মানুষ কদ, মূল ও করে কল আহার করে জীবন ধানে করবে। নে পরিবাধ করবে পাক্ষের ব্যবস্থা দাস, পাতা অথবা গত-চর্ম : ব্যানপ্রাস্থ অবলামনকারী আর চুলা, সাঞ্চি, লেনে बांकर राज कांग्रेटर रहे, कामप्रदाह भावधाना को अवाद कांग्रेटर সিয়ে তিন বার লালে খান করে বুলি থাকবে, খার जी अविक्रिक करत अवद मूर्वत छार्थ करहान कहरू, বৰ্ণকোলে প্ৰচল্ড বৰ্ষণের সময় বাইনো থাকাৰে, আগ শীতকালে প্ৰচৰ শীতে নিৰেকে শীতলকলে আকট নিগজ্ঞিত রাখারে। বানহাত্ব আশ্রমে মানুৰ এই তাবে ७१मा करात। भ चारता द्वाचा क्या कम् वस्त स्था সময়ে পঞ্চ কল আহরে করতে পারে। সেই গান্য সে ক্ষেত্ৰত বিদ্ধু বিশ্বে প্ৰেবাই করে অথয় নিজের গাঁঠ দিরে

প্রমেশ্বর ভাগবান বললেন—"য়ে বান্ডি বানপ্রস্থ পেবাই করেও শেতে পারে; বানপ্রস্থ অবলবনকারীর উচিত, হথ সহতারে দেশ, কাল এবং নিজের ক্ষমতা অনুসাৰে তাৰ শ্ৰীয় নিৰ্বাহের জনা নিজেই সংকিছু সংগ্ৰহ কর। ভবিষ্যাধ্যে জন্য তরে কোনও কিছু সংগ্রহ করা উচিত নত্ত্ব বে ব্যক্তি কাল্ডছ ভালম অধ্যক্ষণ করেছে, নে কৰা শন্য এবং সাল দিয়ে পিউন্ন বানিয়ে, চক্র সহ ৰত অনুসায়ে বলে অবৈতি প্ৰদান করবে। সেই ব্যক্তি কভাও আমাৰে প্ৰয়ন্ত কৰ্মণ করবে না, এমনকৈ ভা ন্ম ও গাঁতের পরিচারির জন্য বিশেষ প্রচেষ্টা করবে না। তবি বেবেও উপ্রেখ থাকে। বানগুছে আগ্রহ खरमचनकारी खरिएरमा, मर्न अवर (भोर्नमान वक ভূমিতে শ্বান কাৰে। প্ৰচণ্ড হীৰের দিনে চতুপার্শে সম্পাদন কাৰে, বেফাট লে গৃহত্ আন্তনে কাত। সে হাত্মান্য ব্ৰড সম্পদ্ধৰ কৰাৰে, বেহেতু একলি সম্ বেদকালের খারা বানগ্রহালম অবলগ্রকারীর জন্য নিংনিত ম্বেছে। এইভাবে কঠোৰ ভগাৰী বানগ্ৰন্থ খাবলস্থনভারী, ধ্রীকা ধারণের জন্য অতি সামানাই বেনত কিছু গ্রহণ করে। লে এড শীর্ণকরে হয়ে আছ ছে, ভাৰে কেবল আছি চৰ্মদান বলে মান হয়। এইভাবে কঠোৰ ভদ্যাৰ হাতা আমাৰ আৱাধনা কৰে, সে

মহর্লেকে গমন করে আর ভারণর সরাসরি আমাকে প্রাপ্ত হয়। যে ব্যক্তি তথুনাত্র লগন্য ইপ্রিরতবি লাতের জন্য দীর্ঘ প্রচেটার মাজমে কবিম মৃতিভাগ এই কটুলাও কিন্তু উৎকৃষ্ট ভগসর সাধন করে, সে একটি মহাফুর্ব। সেই মানগ্ৰন্থী যদি শাৰ্থক্যের বার্য আক্রান্ত হয়, এবং ভার পরীরে কম্পন হেড ভার গারিত সম্পাদমে অসমর্থ হয়, ছার উচিত ছালো যাগ্রমে ককাহিকে তার কাতে রাপা করা। ভারণর ভার ক্ষাভে আমাতে নিবিষ্ট করে, সৌ অখিতে প্রকেশ করে দেহত্যাগ করেব।"

"সেই বানগ্ৰন্থী যদি বুৰুতে পারে ছে, এফনকি মুখালোকে উপনীত হলেও কটদায়ক পরিস্থিতি বজার থাকে, ভখন সে ভার সমন্ত সন্তান্য সকাম কর্মের ফল থেকে অনাসভ হয়, তথনই তথা সন্ত্ৰাস আন্তৰ অকাৰন করা উচিত। শান্তবিধি অনুসারে আনার পূলা করে, সমন্ত সম্পদ মধ্যপুরোহিডদের মান করে, তার উচিত সঞ্জায়িকে নিজের মধ্যে স্থাপন করা। এইভাবে সম্পূর্ণ খনাসভ মনে তার সহাসে থাক্সমে হাকেন করা উচিত। "সায়াস অবস্থানভাৱী এই ব্যক্তি আয়ানেরকে অভিক্রম করে ভগবন্ধার গোলোক বৃন্ধাবনে প্রভারতল করতে हरनट्रम् ^{(*} अवेजल हिन्त करत, राभकाश ग्राहे नवानीव সামনে তার প্রের বী বা কর কেন বীলেক এবং আকর্মনীয় বন্ধ রূপে উপস্থিত হতে বিদ্ব সৃষ্টি করে। দেবতা এক ভাদের সৃষ্ট কোনও কিছুর প্রতি সেই সম্যাদীর ক্রফেল বা করা উচিত। সম্যাদী বুলি ওধ কৌশীন ছড়া কোন কিছু গঠিখন করতে চার, তবে কৌশীনকে আবৃত করার জন্য একবণ্ড বস্তু ছায়া সে ভার কোমর এক নিতম আবন্ধ কারে। খানামার, কোনও বিশেষ হাজেকন না থাকলে দও আন কমওল ছাডা লে খার কিছুই রাধ্যে না। সাধু ব্যক্তি ভূমিতে পদক্ষেপ করার পূর্বে ভার চন্দ্ দারা পুনিশ্চিত মুদ্র, মাতে সেখানে কোনও পোকা-মাক্ত না থাকে, অন্যথার ভারা ক্ষতিহাস্ত হবে। ভার ব্যৱস্থল হারা পবিশ্রম্ভ করেই কেবল সে ছল পান করবে, কেবল সভা পুত কথাই বগবে। প্রজাপ, ভার মন ছারা থক্ত সহকালে সুনিশ্চিত ওছ আচকাট ভার করণীয়। ভারর্থক বার্ডাকাপ বর্জন, অসর্থক कार्यकमान वर्षान अवर धानवाद निराद्यो, और किन धकारत আত্মনবের বা করে কেবল কপেদও বছন কথুনেই কেউ

মধ্বৰ্থ সন্মানী বলে স্বীকৃত হয় লা। কনুষিত কল चान्ना इष्ट्राणि सर्वत करत, भूवं भएकत सा करती है সাভটি পুরে যাবে এবং সেখানে জিন্দা করে হা সংগ্রহ হবে তাই নিয়ে সভাই হবে। প্রয়োজন অনুসাতে যে সমাজের চারটি বর্ণের প্রতি পুথেও বেতে পারে। ভিন্দালৰ পাদাবন্ত সঙ্গে নিয়ে সে ক্ষমবন্তা এলাকা ভাগে করে একটি নির্মান জলাপারের নিকট গামন করবে। সেখানে তান করে, ভালভাবে হাত ধুয়ে কেউ অন্তেম করলে সেই খাদোর কিছু অংশ ভালের নিবট বিভরণ করবে। সে এসর করবে মৌনাবলখন করে। ভারনার অবশিষ্টাশে ভালভাবে ধুয়ে ভবিষ্যতে আহার করার জন্ম কিছুই না রেখে তার থালার সম্পূর্ণটাই আহরে করতে। অভ আসক্তিশুনা সংখতেজিয় হরে, উৎসাহের সংখ ভাবেং উপদক্তি এবং আধোপদক্তির ছাত্রা সভাই হতে. সাৰ বাক্তি পৃথিবীতে একা বিচরণ করবে। সর্বন্ধ সহকেই। ছয়ে সে ভিশ্বর স্তারে অবিচল থাকবে। নিরাপল এক নির্মান ছানে অবস্থান করে, নিরন্তর আমার চিন্তার হল হতে গুড় মনে, মুনি কেন্ডল আন্টেনিট হতে, এবং উপল্ভি করবে যে, আন্তা আমা খেকে ভিন্ন নঃ। অনিচলিত আনের বারা মুনি আবার বখন এবং মুক্তির বভাব স্পট্রাপে নির্বারণ করবে। ইত্রিয়ত্তী করন ইত্রিয় ভর্গদের দিকে ধাবিত হয়, ভাষন আন্তার বছৰ, এবং সম্পূৰ্ণরলে ইন্দ্রির সংবধ হছে মৃতি। অভ্যান কা এক গলেন্ডিয়কে কৃষ্ণভাবনার হারা সমাকরণে নিয়ন্ত্রণের মধ্যযে, মুনি অন্তরে দিও আনন্দ অনুভব করে নাগু বড ইন্ডিয়েড়প্তি থেকে অনাসভ হরে কিয়াৰ কাবে। সাং পবিত্র স্থান, প্রবহমান নদী, পর্যন্ত এবং বনের নির্মান স্থানে অমল করবে। ভার একান্ত দারীর নির্বাচের ক্ষান্য লে শহর, প্রাম ও চারগভূমিকে ভিশার জন্য প্রবেশ করবে।"

্বানপ্রত্ব আশ্রমীকে সর্বশ অন্যদের নিকট থেকে দান গ্রহণ করা অভ্যাস করতে হবে, কেননা ভার ঘরা সে মেহ থেকে মুক্ত হয় এবং সভুৱ পারমার্থিক জীবনে শিষ্ক হয়। প্রকাতপক্ষে যে এইরূপ বিনীত উপারে বাদালস্য সংগ্ৰহ করে জীবন ধারণ করে, সে ওছতা লাভ করে। বিনাশশীল জাভ বঞ্জবে আত্মাদের কবনই পরম কাউব রূপে শেখা উঠিত নয়। **আ**ড় আসন্তিপুরু চেতনার স্থারা ইহলেকে এবং পরলোকে জাগতিক উর্থির সকল

আর্বকলাপ থেকে আমাদের বিরও ছওয়া উচিত। বৃত্তি ভার্তের সাধানে কামাদের বিচার করা উচিত ভাগবানে অবস্থিত এই প্রস্কাত, এবং মদ, ধাকা এবং প্রাণব্যয় সম্মিত নিজের কড় দেহ, স্থাই হল্ছে স্বোপরি অব্যক্তি সারাশক্তি সমুত। এইডাবে আক্তম হতে এই সম্ভন্ন করে প্রতি বিশাস তাথে করা এবং এইসর করকে «নেজুর ক্ষমণও আমাদের খেয়ে বলে মনে করা উচিত মর*ে*

"জ্ঞানানুশীলন রঙ এবং ব্যব্তিক উপাদানের প্রতি অবস্থা কিন্তুন পরমার্থবাদী, এবং মৃতি কামনার্ভিত ক্ষান্তার ক্ষক্ত—এরা উভয়েই বাহ্যিক আনুষ্ঠানিকজ অধ্যয় সামনী ভিত্তিক কর্তব্যগুলিকে অবহেলা করে। এইভাবে আদের সমত্ত আচরণই বিধিনিষেধ্যে উর্চ্চো। পরমহতে, লবম জানী হয়েও মান-অপমান বোধপুন্য হয়ে লিওর ছতো জীকা উপডোগ করকো, পরম দক হওয়া সভেও ভিনি ছড় এবং অক্ষমের মতো আচরণ করবেন, অভার নিভিত হওয়া সন্থেও, তিনি অন্তের মতো ঋণ্য কলনেন; এক বৈদিক বিধি-বিধান সম্বদ্ধে শিক্ষিত পশ্চিত হয়েও, তিনি অবাধ আচরণ করতে থকেকো। ভতেও কথকে বেদে বর্ণিত কর্মকাণ্ডীয় সকাম আনুষ্ঠানিকতার রত হওছে, न महिन एउड़ा, अथवा (ब्राप्त निकाल दिहारी कार्य করা, এমনকি কথা কলাও উচিও নহ। ভারাপা, ভার নিতার তার্কিক অথবা সন্দেহবাদী, কিথো কোনও ভানর্থক তর্বে কোনজণ পঙ্গণাতিত করা কথনও উচিত নয়। সাৰু যাজির কারও নিকট থেকে কখনও জীত বা বিরঙ হওরা উচিত নাম, তেখনই অন্য শোকদের ভীত বা বিরুত করাও তার উচিত নয়। সে অন্যানের খারা অপমানিত হলে খা সহ্য ৰূপতে এবং কাউকে কমনও ভূচ্ছ-তাছিল্য করবে না। নিজের ছাড়া শরীরের ছন্য সে কারও সংখ বিরোধিতা করনে না বেহেতু সেটি গণ্ডর অচরণ অপেক উৎকৃষ্ট কিছুই হবে না। পর্যোশন ভগবান সমস্ত জড় শেহে এবং প্রত্যেকের আবাস্য করেক্টিড। একই চন্দ্র বেষদ খাসংখ্য জালের পারে প্রতিবিধিত হয়, তেমনি এক পর্যাহনর জ্যাবান প্রত্যেকের মধ্যে উপস্থিত। এইভাবে র্যাভিটি ক্ষম্ভ দের্ছাই নির্মিত হয়েছে সর্বোপনি পরশেষবের শক্তির হার। কখনও কখনও সে বনি উপযুক্ত খাদ্য ুসে পতিত এবং জন্ন ইহলোক ও পরলোক উভাই বিনষ্ট ৰা পাল, বিৰম্ভ ছবে না, এখং উপাদের খাদা পেলেও সে উৎকৃত্র হবে না। বুঢ়নিই হতে সে উপলঙ্কি করবে, অহিংসা, অব্যায় অন্তর্শীয় প্রথম ধর্ম হচ্ছে ওপলা এবং

উত্তর পরিস্থিতিই ভগকনের নিয়ন্তদে। প্রয়োজনহোধে বংগ্টে খালা বস্তু লাডেৰ চেণ্টা করা উচিত, কেননা তা व्यक्षात्म बाह्य क्लाहे वादएडं कर्मन अट्टासन। वर्षने আমানের ইপ্রির, মল এবং গ্রাণবাছ সৃত্ব থাকে, তথন আমরা পারমার্থিক সভেরে হনল করতে পারি, এবং এই সত্য উপদক্ষি করে আমলা মৃত্তি লাভ করি। সাধু ব্যক্তির পক্ষে খালা, বন্ধ এবং শব্যা উৎকৃতিই হোক ভাগবা নিকৃষ্ট মানের গ্রেড, যা অনায়াদে দাভ করে, তাই প্রহণ কর উচিত। পরমেশ্বর হতেও আমি থেনক বেজার অমার নিতাকৃত্য সম্পাদম করি, জ্ঞাপ বে আমাকে উপদক্তি করেছে ভারও সাধারণ পরিজ্ঞাতা, আচমন, সান अवर धनाना निराक्काशंने चरान्यरंकात नन्नासर करा উচিত। আৰু উপলৱ ব্যক্তি হল্য আমগ্ৰ থেকে নিজেকে ভিন্ন কৰে দেখে বা। কেমনা আমার সহাৰে ভার উপলব্ধ কানের দারা তরা এইরূপ মান্তিক অনুভৃতি বিনষ্ট एरतरह। ऋक राष्ट्र अपर यन चूर्त राएशकु अदेशन অনুভৃতিতে জভাত ছিল, সময় সময় আ পুনবার লক্ষিত হতে পাত্ৰে: কিন্তু মত্যৱ সময় আৰু উপকৃত্ব ব্যক্তি আমাৰ সমান ঔপৰ্য লাভ কৰে।"

"ৰে ব্যক্তি ইন্নিয়ত্তির কল দুংবঞ্জনক কেনে, ভা থেকে জনাসক্ত হরেছে এবং যে পারমার্থিক জীবনে দিন্দ্রি লাভে ইন্তুক, কিন্তু আমাকে লাভ করার পছাতি সকলে কৰা, ভাৰ উচিত জানী এবং কথাৰ্থ ওঞ্চদেবের নিকট গমন করা। ভক্ত বতক্তব না স্পট্রতে দিয়া স্থান উপদক্তি করতে পারে ভতকনই তার উচিত পরম বিশ্বাস এক প্রছা সংকরে, সম্পূর্ণ অহিংস হরে জন্ম হতে অভিন্ন ঞ্ৰীগুৰুদেশকে বাজিগতভাবে দেৱা করা। বে ব্যক্তি তলা কড়বিন মারা (কাম, শ্লেখ, লোভ, মোহ, খল এবং মাংসৰ), এবং সমস্ত ইক্সিয়ের সেতা ব্যৱক্রে সংঘত কংগনি, কণ্ড কন্তৰ হাউ অভাগ্ত আগক, জান ও বৈলাপুৰ্বাহিত হওয়া সংস্তৃত জীবিকা নিৰ্বাহেও ঋষ্য সামাস धानभक्त भए, नुका रूपछा, निक चाचा, अंगर छात्र महान অবস্থিত পরমেশবকে আহীকার করে, ধর্মের বিধাংস ডেকে আনে এবং ৰক্ত ক্সুবের বারা প্রভাবিত বাতে, হন। সম্যাদীর মূল ধনীর কর্তব্য হচ্ছে সমতা এবং

দের ৬ আবার মধ্যে পার্থকা নির্ধারণকারী বার্ণনিক জ্ঞান মাহরণ করা। প্রস্থানের প্রধান কর্তব্য হচ্ছে সমস্ত धीरर कार्याः अनान कता कार वक्त मण्यानन कता. चात ক্রমান্ত্রীর নরিত হচে প্রধানত প্রীওরখেবের সেবার করী। 환영점! (**

"পুত্তু ব্যক্তি স্থান উৎপাদনের জনাই কেবল অনুমোদিত সময়ে ভাষ শ্ৰীর মিকট বৌন সঙ্গের জন্ত গ্ৰমন করবে। অন্যথার সেই গৃহত্ত্বের কর্তন্ত হচ্ছে **ব্রা**লাচর্য পালনে, তপস্যা, লেহ ও ব্যান্ত ভাষ্টভা কলার রাখা, সাধারণ ক্ষরতার সম্ভষ্ট এবং সমস্ত জীবের হাতি বছতাবালয় খাবা। দর্গাল্রম নির্বিশ্বের সমস্ত মানুবের উচিত আমার আয়োধনা করা। যে ব্যক্তি ভার কর্তবা কর্মের মাধ্যমে আমার ককনা করে, মার আন্ত কোন উপাস্য নেই এবং আমি সর্বনীয়ে উপস্থিত কোনে আমার সম্বাচ্ছে সচেত্ৰম থাকে, সে আমাৰ প্ৰতি ক্ষাল্য ভতি नांच 'करह।"

"প্রির উত্তর, জামি সর্বগোধের পরস ঈশর এতঃ আমিই এই রক্ষাণ্ডের সৃষ্টি, লয়ের অভিম কার্ব। এইডাবে আমিই হচ্ছি পরম সভা আর বে কাভি ক্ষকর্যভাবে আমার প্রেমহটী সেবা সম্পাদন করে, কে আমার নিষ্ঠ আগমন করে। এইভাবে, বে ভার স্বর্ধ্ব পালনের দ্বাবা নিজের অভিন্যকৈ গুল্প করেছে, ডে সম্পূৰ্ণমাণে আহার প্রমণ্য উপদৃত্তি করেছে এবং শালীর জান ও বিজ্ঞান কর্তন করেছে সে অচিবেট আমাকে হাত হয়। বৰ্ণাহাম ধৰ্মেই অনুগামীয়া ধৰ্মকৈ বৰষেধ ব্যবহারের অনুমোদিত চরচেরিড ধারা রূপে গ্রহণ করে। বন্দ এই বর্ণাশ্রম ধর্ম আমার প্রতি প্রেমগরী সেবা জালে উৎসাধীকত হয়, তখন ডা জীবনের পরয় সিভি প্রদান করে? তির কম্ভ উদ্ধর, ডোমার প্রধানুসারে আমার ভক্ত, বে পদ্ধতির দারা তার ২৭মে্ম নিযক্ত হয়ে গরমেশন ভগবান আময় নিকট প্রত্যাবর্তন করতে পারে তা এখন আমি তোমার নিকট ধর্ণনা করদায়।"

উনবিশেতি অধ্যায়

পারমার্থিক জ্ঞানের পূর্ণতা

প্রথ প্রযোগ্য ভগন্ম বল্লেন—"বে আদ্দ উপদৰ ব্যক্তি, জ্বানে উন্তাসিত হওৱার জন্য শার क्यांनीतम करतरह अक्ट मिर्विटनकारमा प्रकार क्यांन পরিভাগে করে উপসন্ধি করেছে যে, অভ ব্রহ্মাও হঞে ক্ষেত্ৰদাই মারা, ভার উচিত তার সেই জান এবং काममाट्या नहानद् भागतः निक्षे चाष्ट्रमधर्मप् कता। বিশ্বাম আছ-উপলব্ধ লাপনিকের একমার উপাস্য, ভালের **খীবনের ইন্সিত লক্ষা, সেই সক্ষো উপনীত হওয়ার** পছতি এবং সমস্ত কালের অন্তিম সিভার হজি আমি। বস্তুত আমি যেখেড়ু ভালের সূপ এবং দূরণ মুক্তির করেণ, ছাই এরাণ বিদ্বান ব্যক্তিনের ছীখনে আমি ছাড়। আর কেনেও ভাৰ্যকৰী উদ্দেশ্য বা প্ৰিৰ বন্ধ নেই। যাবা

মাশনিক এক উপল্বভ জানের মাধ্যমে সম্পূর্ণতাপে লিছ হয়েছে ভারা আমার পাদপত্তকে পরর দিব্যবস্থা কাপে উপসন্ধি করে। এইভাবে বিহান পারমার্থবাদী আমার নিকট প্রম প্রিয় এবং সিছজানের মাধ্যমে আমার প্রীতিবিধান করে থাকে। প্রামার্থিক জ্ঞানের ক্রমার অনুশীলনের বারা যে দিছি প্রাপ্ত হওয়া বার ফা তলভৰ্ম, পৰিত্ৰ তীৰ্থ ভাগৰ, মিলেকে জন, দান অথবা পুশুকর্মের কলও তার সমকক নায়। স্বাত্ত্রাথ প্রির উচ্চা আনের মাধ্যমে কথার্থ আছে-উপকৃত্তি লাভ করে ভোমনি উচিত বৈদিক আনের স্পষ্ট উপদক্ষির মাধ্যমে প্রেমন্ডর্জি সহকরে আহার ভাষার করা। পূর্বে মুনিরণ বৈদিক **আ**ন ৰঙা এবং পারমার্থিক জানালোকের দারা আমাকে সমগু

হাজের ভোকো এবং হাডোবের হলতেই পরমান্ত করে। লেনে, ভানের অবরে ভারা আমার উপাসনা করেছে। এট্রতাবে আমার নিকট উপনীত হরে, এই সমস্ত মুদিকা লরম নিছি লাভ করেছে। প্রিচ উত্তর, করা প্রকৃতির তিন্তি এশ সম্প্ৰিত আড় সেই ও মন তোমায় সঙ্গে সম্পর্ক স্থাপন করে, কিন্তু এরা বেহেতু কেবল কর্তমানে আবির্ভত হয়, এদের তক্ত বা লেবে কেনও করিছ নেই, তহি বাজৰে এসমই মান। স্তা হলে কৰু বৃদ্ধি সংলবাধি केरनामम, शिक्ति, व्यसं अस्तर मुक्ता (मरएउ विकिस नर्वास কিডাৰে তোমার নিতা আত্মার সঙ্গে সম্পর্ক রাধ্যয়ে প্রা ক্রিভাবে সম্ভব? এই সমস্ভ পর্যনা কেবল ভোমার জন্ম নেয়ের সন্দে সম্পর্কিত, এর পূর্বে ছিল না এক অভিনেত খাবংৰ না। সেই কেবল বৰ্তমানেই খাবে।"

প্ৰীউদ্ধৰ বলবোৰ—"হে বিৰেশত। হে বিৰমূৰ্তে। অনুধার করে সেই জালের কথা বর্ণনা করেন, স্বা ব্যাপনা इराउँहै देशाना अवर गराजात शाजान चनुकृति शाना करते. क विन्तु, बन्दर का भागवार्थिक बदान भागनिकशरपुर निकट নিচনিত। আপনার প্রতি প্রেমমনী ভতিবৃক্ত লেবাফুক এই স্কান মহান বাজিগণ কৰেবণ করে থাকেবঃ প্রিত প্ৰকৃ, যে ব্যক্তি জন্মসূত্যৰ চঞে ভাৰতঃ ভাবে নিৰ্বাভিত হতে বিভাগ স্বার্য প্রতিনিয়ক বিহুত হয়ে প্রতহে ভাগের भमा प्रभारबंद समूठ वर्षचकारी स्टब्स् न्हाद नाविधन আপনত সাশযুগল ব্যতীত আর কোন আরব লক্ষিত হয় मा। एर नर्वनक्रियान शकु, चनुश्च भूर्वक और कड অজিন্তের অন্ধলার পর্তে পতিক্ত কলেরেণ সর্পের ব্যবা গলৈত হতদে জীবাকে কুপাপূর্বক উদ্ধান করন। তার এরণ মৃশ্য অবস্থা সবেও, এই হতকান্ত জীব নাগ্যতম ৰাড় সূৰ আবানন করার জন্য অন্যাধিক আগ্রহী। হে थकु, जानवात विकार मुख्ति श्रमानकारी छन्द्रशनाम् वर्तन करत सनुशह भूर्वक सामात प्रका कवन।"

পরমেশ্রর জগবান বললেন—"প্রির উভার, ভূমি শ্রেমর থাৰন আমাৰ নিকট প্ৰশ্ন কৰছ, পূৰ্বকালে জ্জাতনক ইয়ানাজ বুবিভিন্ন ঠিক সেইখনৰে ধর্মের মহান রক্ষক ভীনাদেকো কাছে এইরাপ প্রধা করেছিগুল। তথ্য আমর শক্ষে মনোনিকৈ সহকারে ভা প্রবণ করেছিলাম। ইফিফেনের মহাবুজের শেহে, যথন যুগিতির মহারাজ তার অনেক লেকের প্তার্গকীলের মৃত্যুত বিহুল হয়ে

পড়েছিলেন, ডাৰৰ ধৰ্মনীতি সম্বাস্থ্য বহু উপদেশ স্কাৰণ করার পার, অবশেষে তিনি মৃতিদ্ধ পদ্ম সময়ে শিক্ষাসা কলে। ভীনুদেকে শ্ৰীমূপ থেকে প্ৰভ্যকভাবে কে বৈদ্যি জানের ধর্মীন্ডি, বৈহাগ্য, আৰা উপলব্ধি, বিশ্বাস, বাব ভাতিবোৰের কথা ত্রবণ করেছিলাম আমি এখন টোয়কে 😾 ধর্ণনা করব 🗥

"(व क्यांत्रसा दात्रा नद, अभारता, नीठ अवर छिन्छि डिभामात्मस मञ्जून करा और साक्षेत्रपटित घटमा मटर्शाभिये একটির উপস্থিতি সমস্ত জীবের মধ্যে দর্শন করা হয় তা আমি স্বরু জনুমোদন করি। স্বরু কেউ একটি মার লকা বেকে উত্তত আঠগাট শ্রড উপাদানকে ভিত্রভাবে আর দর্শন করে ক. বরং সেই কারণটিকেই অর্থাৎ প্রমেশ্বর ভগরনেকে মর্শন করে, তথন যে প্রভ্যক অভিন্তা দাত হয়, তাকে বলে বিঞান, অধনা আখ-উপদারি। সৃষ্টি, দার এবং পালনের বিভিন্ন গুর হচেছ ভড় করণ-সভ্যুত। এক সৃষ্টির সময় ছেকে অপর সৃষ্টির সময় পর্যন্ত বিভিন্ন ভড় পর্যার্থনৈতে বা অবিচলিতভাবে সলে থাকে এবং এই সমস্ত জড় অবস্থাওলি যথম লেয হতে বার, ভাষাও অবশিষ্ট থাকে, সেটিই হচ্ছে নিতা। বৈনিক জন, প্ৰভাক অভিক্ৰতা, ঐতিহাসত জান এবং ভাঠিক অনুষ্ঠা,—এই চার প্রকার প্রমাণ থেকে মানুব ৰত মনতের কলভাৱীতা এক অস্তর্য উপস্থাই করতে গাৰে, খাৰ ভার হারা গে এই খগতের হ'ব খেকে জনসে**ভ** হয়। বৃদ্ধিমান ব্যক্তির দেখা উচিত, বে কোন মত কর্মই প্রতিনিয়ত পরিবর্তনশীল এবং এমন্কি ব্ৰহ্মলোকেও এইজেবে দুঃখ বৰ্তমান। বস্তুত বৃদ্ধিমান थांकि दुवराध भारत (व, च किंदू हम स्मर्गरह, हम ऋतेहैं বেষন কণহানী, তেমনই প্ৰয়াতছ সৰ কিছুনিই শুক্ত এখা শেক আছে)¹⁶

"হে নিশাৰ উত্তৰ, ভূমি বেহেড় আমার ভাগবাস, পূর্বে আহি ভোমার নিকট ভান্তিবোগের পদ্ধতি বর্ণন করেছিলার। একা আমি তেন্দার নিকট পুনবার আমার হাতি মেমনত্রী সেক্ত লাভ করার ভোও পদাতি বর্ণনা করবঃ আমার আনক্ষর দীলা কানে দ্বা বিধান, নিবপ্তর আসার কবিমা কীর্তন, উপধার সহকারে আমার অর্চনে অগুতিহত সাসকি, সুসৰ মহেই ইাখাৰে আমার প্রশংসা করা, আমার কভিবেয়েগর প্রতি পরম প্রকা, সর্বাক্ত বারো

প্রণাম জ্ঞাপন, পর্ম প্রদান সহকারে আমার ভর্তের অর্চনা कता, मर्वेडीएव बाधारा (उचना नाक) कता, मध्यातम हेर्गाइक কার্যকল্যণ আমার সেবার অর্ণণ করা, বংকার দারা আমার ওপতীর্তন করা, আমাডে হন অর্পণ করে, সমস্ত ঋড় বাসনা ডাগে করা, আনহা ডাড়েবক সেবার জন্য অর্থ লদ করা, জড় ইলিফতৃত্তি এবং সুধ বর্ধন করা, হত, দান, বৰা, ৰূপাদি, এবং গুলন্যা-আমাত্রে প্রার্থ ছওয়ার উদ্দেশ্যে সমস্ত কামাকর্ম সম্পাদন হচ্ছে কথার্থ ধর্মচরণ। এই সমস্ত আচরণের বারা ধারা কলমার প্রতি শহণাপত হয়, ভাষা স্বাভাবিকভাবে আমার প্রতি ভালবাসা অর্জন করে। আমার ভরতদের এ শ্বভা আর কী উল্লেখ্য যা দক্ষা থাকতে পারে ৮ বর্থন করেও লাভ চেভনা, সম্বর্তণ হারা কর্নীয়ান হরে পরমেশ্বর ভগগ্রনে নিবিষ্ট হয়, क्यम हम धर्म, भाग, देवराग्ड खबर खेलाई लाख करता। যথন আমাদের চেতনা স্বাস্ক গেছ, গৃহ এবং এইজেপ ইন্দ্রিরভোগা অন্যানা বন্ধর প্রতি নিবিষ্ট হয়, তব্দ আমরা আমানের জন্ত ইন্ডিয়ের সহায়তার, কভ বন্ধর নিম্বন ধাওরা করে জীবন কটাই। রজোগুশের ব্যরা প্রকাভারে প্রভাবিত হতে আমাদের চেতনা ডখন ক্পস্থারী বস্তুর স্কনাই উৎসূর্গীত হয়। এইজারে অধর্ম অঞ্চল, আর্সান্ড এবং দুর্ভাগ্য উৎপন্ন হয়। প্রকৃত ধর্ম করতে, যা আনার ভক্তিযুক্ত সেবায় উপনীত করে ভাকেই কেবার। বে চেতনা আমায় দৰ্ববাপ্ত উপস্থিতি প্ৰকাশ করে ভা-ই হচেছ প্রকাত জান। অনাসন্তি হজে, ইপ্রিরভাগের বন্ধর প্রতি সম্পূৰ্ণ অনীহা, এবং ঐশ্বৰ্য কল্যন্ত কেবছে, অশিক্ষ-আদি অইসিছি: 🗥

খ্রীউদ্ধৰ কালেন—"প্রিয় কৃষ্ণ, হে পরকা, আমার অনুগ্ৰহপূৰ্বক বধুন কন্ত প্ৰকাশ্ত সংবাহন বিধান এবং নিত্যকণ্ডা রয়েছে। হে প্রস্ত, এ ছাত্যত আমার করুন, মানসিক সাহা কী, আত্মসংহয় কী, সহিপুতা এবং সততার প্রকৃত অর্থ কী, দান কী, কণস্যা, বীরম্ব, বস্তবজা अवर जलाटक की शास वर्गना कता बारव । रेवदाना की क्षवर क्षेत्रय की है। काश की, वक्ष की, क्षवर धर्मीय नाविएछारिक की। दिश त्कनर, तह नवम औरछानावान, বল, ঐশর্য এবং কোন বিশেষ ব্যক্তির লাভ আমি कैं। हार्य कुरव है (अर्थ निष्क की, वधार्य किरव की, शक्छ । श्रमन्त्रकाती, शब्दप्रधान कुनवानक्षानी प्राधान निर्धान সৌলর্থ কীঃ সুখ এবং দুংগ কী, পণ্ডিত কে, মূর্খ কে। স্বভাব। স্ক্রীবনের পরস্ক প্রাপ্তি চক্ষে আমার প্রতি

ভীবনের ঠিক এখা ভল পথ কী, স্বর্গ এবা নরত জী। প্ৰকৃত বন্ধু কে, এবং প্ৰকৃত পৃহ কীং খলাল কে, মহিন্ত (कर पूर्णाचा एक, अवर धक्छ मेचन एकर (क ভারতার পতি, এই সমন্ত বিষয় এবং এর বিপরীত বিষয়ওশিক অনুপ্রত্পূর্বক আমার নিকট ব্যাখ্যা করনে 🗥

পরস্থাকর জগবান কালেন--"আহিসো, সভাবাদিতা অন্তের সম্পদ অলহরণ বা চুরি না করা, অনুসংক্তি, কিনৱ, কৰ্জন্ব কোন খেলে মুক্ত, ধর্মের প্রতি বিশাস, क्षकर्व, त्यान, रेप्पर्य, क्या, क्या निर्ध्यका—क्षेत्र वास्ताहि হচ্ছে দৰেমের মুখা বিখান। আন্তরিক শুদ্ধতা, বাহ্যিক ওছতা, ভথজোম হুপ করা, তপসা, বন্ধ, প্রছা, অভিথিপরারণতা, আহার উপাসনা, তীর্থস্থান দর্শন, ভন্নবালের স্বার্থেই কেবল আচরণ এবং বাসনা করা, সন্ততি, এবং গুৰুদেবের সেব্য-এই বারোটি হচে নিরমিত অনুম্যেদিত কর্তক। এই চরিপটি নিষর করে সর্বান্ত্যকরণে পালন করে, তানের ওপর সমস্ত কামা আশীৰ্বাদ বৰ্নিত হয়।"

"माननिक नामा अवर नच्थ्र देखिय नरपम करत বৃদ্ধিকে আয়োড়ে নিবিষ্ট করাই হতে আতসংযয়। সহিকৃতার কর্ম হতে লুগে সহা করা, এবং যথন তেউ বিহার এবং উপায়কে বার করতে পারে তথনট খাকে বলং হর সং। সর্বালেক্স হোষ্ট হান হতের অন্যাণের উপর আগ্রাসন বা করা, এবং কামবাসনা পরিত্যাপ করাকেই প্ৰকৃত ভণ্যন্ত বলে। প্ৰকৃত বীৰত্ব হচ্ছে সাধাৰণ জডজীকা উপভোগের প্রকাতাকে ছবে করা, এবং বাস্তবতা হচেছ পরতাপরে ভারবানকে সর্বত্র দর্শন করা। সভাবনিতার অর্থ হচ্ছে সমেবন্ধনক ভাবে সভা কথা বলা মুনিগণ এইর:পই বলেছেন। পরিচ্ছলতা হতেছ সক্ষম কর্মের প্রতি অনাসন্তি, আবস্তা বৈরোগ্য হচ্ছে সম্যাস জীবন। মানুৰের জন্য বধার্থ কাম্য সংশান হলে ধর্মপরারপজ্য একং পরাম পুরুষ ভাগতান, আমিই মক্ষ। দক্ষিণা ছচ্ছে আচার্যের নিষ্ট থেকে প্রাপ্ত পারমার্থিক উপদেশ অনাধের প্রধান করা, এবং সর্বস্থেষ্ঠ শক্তি ইলে প্রাক্ররের মাধ্যমে খাস নিবরণ।"

"প্ৰকৃত ঐশ্বৰ্গ হলে অসীয় মাত্ৰাথ বড়ৈশ্ব

ভব্তিবোগ, এবং প্রকৃত শিক্ষা হয়েছ ঋীবের স্বশ্বরর ক্রিব্যা প্রনত্তি বিদুরীত করা। প্রকৃত শালীনতা হছে অসং कार्व (शर्क शृथक श्रोकां, अवर द्रियार्च इत्त्व, दिवाशामि आर्थगावनी मन्नात एउता। क्ष्मुख मूच एटम् क्षम् मूच এবং বুলে থেকে উতীৰ্ণ হওৱা, এবং প্ৰকৃত কট হচেছ প্রান্ত সুধারেবর্গে কড়িরে পড়া। কথন মুক্তির পড়তি প্রবাদ্ধ অবগত ব্যতিই পণ্ডিত, আয় বে করু দেহ আয় আকে নিজের শরিচর বলে মনে করে, সেই সুর্ব। আমার নিবট উপনীত হওবার গছতিই প্রকৃত ক্রীয়নগ্ ভাব ইন্সিয়তর্গণ হতে ভূলাগর, কেননা আন হারা চেতন विवास रहा। जन्नजरभन शायान रहत थन्न पर्न, वान्स প্রয়োগ্রন্থের প্রাথনির ইটেছ নয়ক। সরো স্বাথন্তের ওক্তরণে कारतन करत आमिरे दक्षि शरप्रतकत मधार्थ रहा, बहर

মানৰ দেহই হচ্ছে নিজাগ্য। প্ৰিচ সধা উভব, ৰে সন্তশাননী করা তৃবিত, ত্যাক্ট বলা হর প্রকৃত ধনী, আর যে জীবনে সম্ভট মর, সেই প্রকৃত দরিষ। যে নিক্ষেত্র ইন্ডিত সংবাদ করতে পারে হয়, সে হতভাগা, পাকাররে যে ইপ্রিবতর্গনো প্রতি আগতে মন, তিনিই প্রকৃত ঈশর। যে নিজেকে ইন্দ্রিরতুরির বলে বৃক্ত রাখে, লে ভার বিপরীত, ঐতিহান। যে উদ্ধৰ, এইভাবে তুমি ৰে সৰ বিষয়ে প্ৰশ্ন করেছ ভার বিশন ব্যাখ্যা করলাম। এই সমন্ত ভাল এক কম ওপাক্ষীর আরও বিস্তারিত বিবরণ রাদ্যর করার প্রয়োজন নেই, কেননা সর্বদা ভাল चाढ रूप १५ वर्षन कहाणेड् बक्छ परवान ११। বেটাংশ হতে কড ভাল-ফছ থেকে উত্তীৰ্ণ হওৱা 🖺

বিশেতি অধ্যায়

শুদ্ধভক্তিঃ জ্ঞান ও বৈরাগ্য অপেক্ষা শ্রেষ্ঠ

ব্রীউদ্ধন বললেন—"হে অর্কেলাক কৃষ্ণ, আগমি হক্ষেন পরমেশ্বর, বিধি এবং নিবেধাক্ষক করণনার বিধান বৈদিক শারে রয়েছে। এই সত্তর শান্ত কর্মের সং এক অসং গুণাবলীর ওপর আলোকগাত করে। বৈথিক সাহিত্য অনুসারে বর্ণাশ্রম নামক মনুব্য সমাজে উৎকৃষ্ট बाक मिक्टे अन रेकिया भाग बाक्र भूगाव्यमितः भतिकात पतिकथना धनुष्ठाः अपन्न चेनामान, ज्ञान, वहन, नारत ইড্যাদি সমন্বিধ্ব একটি পরিস্থিতির ব্যাপারে বৈদিক বিশ্লেষণ করতে নিয়ে, পাপ এবং পুশ্চ হচ্ছে সর্বক্ষণের আশোচা বিষয়। বাজেৰে বেদট সূৰ্ব এবং নয়কেয় বিষয়ে বৈদ্য করেছেল, বা হজে অবধারিতভাবে পাপ-र्ग्शिकिक। (बर्क भूनाकर्ज कड़ाक विधान करर প্রপর্করে ওপর নিধেবদকা প্রদান করা হরেছে। পুশ भार भारता मध्य नार्यका सर्वन मा करत, मानुव कीनारव

তোমার নিজের কোকলী নির্দেশ বুখাতে পারাবে, হা পাপকর্ম থেকে বিরম্ভ এবং পুণাকর্মে রুভ করবেং বন্ধান্তাও, সর্বোপরি মৃত্তিশুদ এইরূপ অনুমোদিত বৈদিক সাহিত্য ব্যতিরেকে কীজার মনুধা জীবন সার্থক হবে।"

°হে প্রস্তু, প্রস্তাক অভিক্রাপ্তার অভীত মুক্তি অধব্য স্বৰ্গদান্ত এবং ক্ষম্ভ ভোগা, এ সমন্ত উপলব্ধি করা হচ্ছে, জামানের বর্তমান ক্ষমভার বাইত্রে—অর বাধানণ ভাবেও সব কিবুর অভিধেপ্ত এবং প্রয়োজন উপলব্ধি করতে পিওপুরুত্ব, ক্ষেত্রর একং ক্রারাপগ্রেক অরপাট বৈদিক পারে অলোচনা কয়তে হবে, কেনবা সেওমি আপনার নিজৰ विधन, यहा सा श्राक्ष गर्याक प्रमान धरा तकान गर्याकि। হে গ্রন্থ, আপনার গ্রন্থ বৈদিক কানের মাধামে পাল এবং পুশোর মধ্যে যে পার্থক) লক্ষ্য করা হয়, সেওঞি ্বাপনা খেকে আসেনি। একই বৈদিক লাভ খৰি পাল

ও পুলার অধা পার্থকাকে বন্ধন করে, তা হলে অবল্যই বিজ্ঞান্তির সৃষ্টি হরে।"

পরমেশর ভগবান বলকোন—"গ্রির উদ্ভব, আমি प्रानुस्का अञ्चन मारक्षत्र সৃधिधारचं स्वानगर्गन्, कर्पभानं अवर ভাঙিমার্গ এই তিনটি পছা প্রদর্শন করেছি। এই ডিনটি পদ্ম বাতিরেকে অপ্রগতি সাভের আর অন্য কোনও উপায় নেই। এই তিনটি মার্গের মধ্যে যারা মডার্ফীখনের প্রতি বীতপ্রক এক সংখ্যারণ সকাম কর্মের প্রতি অনাসক, फीरणव क्रम सामस्याभ अनुस्थानित हरतरक्। जीवा करू ৰ্ষীবনের প্ৰতি বীতভাৱ হননি, এখনও বহু বাননা অপূৰ্ব রাবেছে, উল্লের উচিত কর্মকেন্ডের মাধ্যমে সিদ্ধিলাডের ভবেষণ করা। ধ্যেন না কোন গৌডাগোর কলে কেউ মদি আমার ওপ-মহিমা একা কীর্তনের প্রতি প্রদ্ধা অর্জন করে আৰু জীবনের প্রতি কড়ান্ত বীতথ্যত বা করসন্ত হয়, জনের উচিক আমার প্রতি প্রেমনটা সেবার মধ্যমে পিছি লাভ করা। যথক্তথ না কেউ সক্ষম কর্ম থেকে বিরও হরে আমার কথা শ্রবণ কীর্তনের মাধ্যতে ভগবং-শেখার ফুটি অর্জন করতে পারছে, ততক্ষণই ভাকে रिकिन निरामानुमारत विथि-विधान नामान वनारह इस्त।"

"ত্রির উত্তব, যে ব্যক্তি স্বথর্মে অবস্থিত হরে বৈনিক **মন্তে**ৰ মাধ্যমে উপাসনা করছেন কিছু এইরাণ প্রায় কোনও কল আলা করেন বা, তিনি খর্গে গমন করবেন না, ভারতা, নিবিদ্ধ কর্ম না করার ফলে তিনি নাকেও যাকে ন। যে ব্যক্তি খনর্মে অবস্থিত হয়ে দিলাল এক হাড় কলুৰ খেকে মৃক্ত, লৈ এই ছগোই দিবাজান লাভ কৰে স্বথন সৌভাগ্যবলে আমার প্রতি ভড়িবোগ কভ করে। সর্ববাসীশাগ এবং সরকবাসীগণ উভয়েই ভলেকে মনুধ্য ৰাজ কামনা করে। কেননা মনতা স্থাকা নিক্তৰান ধন্য ভদক, প্রেম সাম্ভ সহারতা করে, পঞ্চাররে করীর ক্ষথত্ব নারকীয় কোন দেইই কর্মকরীভাগে একণ সুযোগ প্ৰদান করে না। কোন বিচক্ষণ ৰাজির স্বৰ্গ অখন। নরকবালের জ্বসনা করা উচিত না। এই পৃথিবীর স্থারী মানিকা হতেও কারও বাসনা করা উচিত নাং, কোনা এইখানে মান্তদেহে মধ্য ছওৱার কলে তিনি তার প্রকত कारपंड श्रांड श्रुपंड मरका कराइका भजाउप करा। कहा দেহ ভিনাপনীক হওৱা সংয়ও খা আমানের জীবনের সিদ্ধি অন্তের সক্ষম ক্ষেত্রে জানী বাজির মৃত্যুর পূর্বেই

এই সুকোৰোৰ স্বানহার করার ব্যান্থারে, মুর্নের মতো অবংক্রে করা উচিত নর। বসতুলা নিষ্ঠুন অনুষ্ কোনও কুমকে ছেন্দ্র করালে, কে সমস্ত পাকী ভাতে স্থান্য বেথেছিল ভারা অনাসক্তভাবে ভা ভালে করে জনর সুখ লাভ করে। একইভাবে নিল এবং রাজি অভিনাত হওয়ান নকে সলে অব্যানের জীবনের আয়ুখানও করা হাছে, এই ব্যাপার অবগত হবে আয়ানের জীত-ক্ষিণ্ড হওয়া উচিত। এইভাবে সমস্ত কর আসক্তি এবং বাসনা ভাগে করে প্রক্রেখনেক উপলব্ধি করার মাধ্যমে আমরা প্রম

"জীবনের সূর্ব কল্যাণ্যার অভ্যন্ত পূর্বাও মনুবা হৈছে প্রকৃতির নিয়ন অনুসারে আপনা খেকেই লাভ হয়ে থাকে। এই মনুষ্যাহেত্বে অভান্ত সুঠুলাখে নিমিত একবানি নৌকার সঙ্গে ত্লনা করা বাব, খেখানে ত্ৰীওক্ষণেৰ ব্যৱহাৰ কাণাৰীতাগৈ এবং প্ৰয়েশ্য ভারতের উপদেশ্যবদীরেশ বারু ভাতে চলতে সহায়তা করতে এই সমার সুবিধা সংক্রে বে করি তার মন্ব্য জীবনকে ভবসমূহ বেকে উত্তীৰ্ণ হতে উপজেগ মা কৰে। ভাকে অবশ্যই আছঘাতী বলে মনে করতে হবে। আগতিক সুখের করা সমস্ত প্রচেষ্টার প্রতি বিরক্ত এক হতাৰ হয়ে, পরমার্থকাদী সম্পূর্ণকালে সংবতেজিয় একা অসমন্ত হয়: পারমার্থিক অনুশীদনের মাধ্যমে তার মনকে দিও ভর খেন্দে বিচাত না হওয়ার খান্য নির্বিষ্ট করা উচিত। সক্ষে পারমার্থিক ভবে নিবিষ্ট করের সময়, বৰ্মই ভা অক্সাং নিবন্ধা থেকে বিশ্বধায়ী হয়, তৰা বিধি-বিধান অনুসাৰে বন্ধ সহকামে ভাকে বলে আনা উচিত। মনুনা কার্যকলাপের প্রকৃত ক্ষুদ্র থেকে কক্ষর ত্ৰষ্ট ইণ্ডয়া উচিত নৰ, বলং প্ৰাণকৰ এবং ইচিয়াওলিকে জর করে, সম্বত্তপ হারা শোধিত বৃদ্ধিমন্তার উপবোগ কলে, মনকে নিজের নিয়ন্ত্রণে আনা উচিক। সঞ্চ অধারোহী দুর্ঘান্ত অধকে বলে আনতে কিছুখালো জন্য অন্যট্রিক ভার কেন্দ্র ইচ্ছা চলতে দেবু, আর ভারণর লাগাম টেনে বীরে বীরে ভাতে অভীয় পরে আনে। **তপ্ৰাপ, মেট** জোগ পদাতি ভাগেই মূলে ময় বায়া যোগী ' তার মনের প্রতিপ্রকৃতি এখং বাসনা বত্রসহকারে শব্দা করে ইণ্ডার ভাকে পূর্বজনে নিয়ন্তবে আনতে সক্ষম হন। यस्त्रमा मा यम भावपार्थिक विवरत मिन्डम्हा मास क्यार्थः

ভতক্ৰণই মহাজাগতিক, জাগতিক অধব্য পার্মাণবিক, সাধ্য ক্লড বন্ধা ক্লপন্থারী স্বভাব বিপ্রকাশ করে দেখতে রবে। স্থান্ত্রণ প্রশতিশীল কার্বের মধ্যমে সৃষ্টির পদ্ধতি এবং পুন্সংসামী কার্যের দারা প্রকারের প্রকৃতি প্রতিনিয়ন্ত অন্ধাৰন কয়া উচিত। যখন কোন বাভি এই স্কুল্ডের ভাৰায়ী সাহানৰ সভাবের শ্রতি বীতলভ এক ভা থেকে আনসভ হয় এবং তার মন তীওকলেকো উপলেশ মতে নবিচালিত করে, ভাষা সে এই স্কানতের সভাব স্বর্জে ত্তার বার চিন্তা করে, অবসেবে তার স্কল্প পরিচিত্তি ভাগে প্রবে। বোগ প্রভাতির বিভিন্ন ক্য-নির্মানি এবং লচভরপের মাধ্যমে শুর্ক এবং পরেমার্কিক শিকার শুধুরা আখার প্রতি উপাসকা এবং প্রস্তাদি সারা তার উচিত शहर जुक्रम क्रमराहम्य गातर्थ प्रभएक मिरवात निरशक्तिक রাধা। এই উদ্দেশ্যে অনা কোনধ পছতি প্রয়োগ করা অভিড বর। সামবিক অনবধানভাহেত হোলী যদি ভাকত্মিকভাবে সহিত কর্ম করে, তবে সেই পালের প্রতিক্রিয়াকে যোগাত্যাদের স্বারাই ভস্কীতত করা উচিত। কথনও খান্য কোনও পায়া অবসাহন করা ভার উচিত না। দুচতার সঙ্গে খোকিত হয়েকে যে, পরমার্থবাদীদের নিম্ন নিম্ন পারমার্থিক পরে অবিচলিতভাবে অধিষ্ঠিত বাকাই যথার্থ পুরা, আর হখন প্রমার্থনাথী তার অনুযোগিত কর্তথ্যে অবহেলা করে সেটিই হচ্ছে পাপঃ আপ্তবিকভার সলে ইন্সিয়ভৃত্তিগরক সমস্ত সর্গ ভ্যাপ করার মানতে যে ব্যক্তি পাপ এবং পুগোর এই মানকে গ্ৰহণ করে, সে শ্বভাগতাই অভান্ধ অভা কর্ম দলে করতে 可便知 要注:"

"আমার গুণকীর্তনের প্রতি বিনাদ অর্জন করে, দমন্ত্র
জাগতিক ক্রিণাকজালের প্রতি বিনাদ হলে, সমন্ত্র প্রকার
ই প্রিরতপ্রিক করে কুলেজনাক জেনেও সর্বপ্রকার
ইবিনাকর্পর ভাগের অসমর্য হলে, আমার ভালের উচিত
পানম বিধান ও প্রভার সহকারে আমার উজনা করে সুখী
থাকা; সামনিকভাবে ইবিনা ভোগে রভ আমার ভাল,
সমন্ত ইপ্রিয়ভর্গপের কল দুরোগারক জেনে এই ধাননের
ক্রিনাকলাপের জন্য আন্তরিকভাবে অনুশোচনা করে।

কোন বৃদ্ধিমান ব্যক্তি যধন জনোর মত অনুসারে সর্বাণ র্জনেশে আমার দেয় করে, তথ্য তার কুন্যা আঘাতে শুনিক হয়। এইভাবে ভার হান্যাছ জাগতিক বাসনার বিনাশ হর। প্রয়েশর ভগবান রূপে আমি বখন দৃষ্ট হই, তথ্য হাদ্যপ্রতি নির্দীর্থ হয়, সমস্ক সংগম ছিল তির रंग, अवर ज्ञाम कर्षात क्यून बिक्ट द्या। जुलहार, শে ছক্ত নিবিষ্ট চিছে জানার প্রেয়মতী সেবার রুড ইরেছে, ইহরেন্ত্রেক সর্বোক্ত সিভি লাভের ক্রমা সাধারণত আন এবং বৈরাপ্ত অনুশীসনের পছা তার কন্য নর। দকার কর্ম, ভগনাা, জানচর্চা, বৈরাখ্য অনুশীখন, বোগান্তকে, দান, ধর্মকর্ম একং স্ক্রীবনে সিন্ধি লাভের আর ৰতসৰ প্ৰায় নাধায়ে বা কিছু লড়ে করা ব্যয়, থা স্বামার খব্দ খামার হাতি মেকমনী সেরমে মাধারে সহকেই আগ্র হতে পারেন। কোনও কাবে অনুমার কক্ত খদি বর্গনাঞ্চ, মৃতি অথবা আমার গ্রামে বাস করতে ইচ্ছা কর্তেই, তবে তিনি সহজেই এইজগ আশীর্বাদ লাভ করেন। আমার ভক্তরা সাধু ব্যবহার সংশার এবং তারা গভীর ভাবে বৃদ্ধিলান, তারা সম্পূর্ণরূপে আফার নিকট সমর্পিড রূপে, বার আধারে মুড়া ডারা ফোন কিছুই কামন করে না। সেইজনা আমি ভাগেরকে জন্ধ-মভা থেকে মৃত্তি প্রদান क्रार्थिक, काहा की शब्ध थएड ला। चना इस एक, धूर्व বৈরাণ্য হচ্ছে মুক্তির সর্বোচ্চ পর্যায়। সুভরাং ব্যর বাভিগত বাসনা নেই এবং বাভিগত পুরস্কারের অসনাও করে বা, সে আমার প্রতি ভতিযুক্ত প্রেমমন্ত্রী সেধা লাভ করে। আমার তত্ম ভক্তের মধ্যে এই ক্ষণতের ভাল এবং মল খেকে উত্তম্ভ করু পুণ্য এবং লাল বাকতে পারে না, কেননা সে কড় আকাশকা রহিত, সর্বমা থিক চেতনার অধিচিত। এক কথার, এই সমস্ত ভত্তার জড় কৃষ্ণিত্রপ্ত সমস্ত কিন্তুর অতীত প্রমেশ্বর আয়াকে প্রাপ্ত হয়েছে। বে সমন্ত ব্যক্তি আমাকে লাভ করার পছতি ৰম্বং আমায় নিকট থেকে শিংখাৰ এবং জানুবিকভাৱ সংখ থা পালন করে, থারা মারা থেকে মুক্ত হয় এবং অমাৰ নিমধাৰে উপনীত হয়ে প্ৰম সভাকে বভাষধন্তলে উপলব্ধি করে।"





একবিংশতি অধ্যায়

শ্রীকৃষ্ণ কর্তৃক বৈদিক পথের ব্যাখ্যা

পরমেরের জনবান কলকেন-"য়ারা আমাকে প্রাপ্ত হণ্ডরার পদ্ধা, বেমন ভাক্তিবোগ, বিশ্লেকণাক্ষক দর্শন এবং নির্মিতভাবে নিঞ্চ বর্ম গাদন-এই সবই ভ্যাগ করে, খায় খায় পরিবর্তে জড় ইন্সিয়ের দ্বারা চালিত হয়ে সন্ত কড় ইভিন্তৃতিতেই ত্রতী হয়, সে নিভাগ একাদিরখ্য ক্ষাণতিক জীকাচক্রে চলতে খাশবে। নিয়া অধিকারের ইতি নিষ্ঠানরবশতাই বথার্থ পুন্ধ কমে খ্যাত। পদান্তরে निक व्यक्तिमा स्थाम विहारिके इताह भाग। और पृति नियस और कारवेरे जुमिनिक स्ता"

"হে নিশাপ উত্তৰ, জীবনে কোনটি বৰাৰ্থ, ভা উপলব্ধি করতে প্রথম্ভ সমান বস্তুত মধ্যেও মুলায়েন করতে হবে। এইভাবে ধর্মনীতি বিশ্লেষণে শুক্তি কণ্ডাছির বিচার অকবে। তেমন্ট, আখানের সাধারণ ব্যবহারের ক্ষেত্রে ভাল-মন্দের যথো পার্থক্য নিরূপণ করা, এবং দেহবারা নির্বাহের জন্য তাত অভান্ত বিচার করতেই হবে। ব্যব্দ অন্নতিক ধর্মনীতির ব্যবদা বহন করছে, আদের জন্য আমি এই কীবন পথ প্রদর্শন করেছি। প্রধানগতি ক্রকা থেকে ৩৯ করে স্থান জীব পর্যন্ত সমস্ত হত জীবের (मह हरक कृति, सन, कवि, सन् अवर कानान, अहे শাঁচটি অর্থনিক উন্মান সমনিত। এই সমস্ত উপাদানই এনেতে পরক্রের ভগবনে থেকে।"

"প্ৰিয় উদ্ধৰ্ সমস্ত জড় দেহ একই গঞ্জ উপাদানে পঠিত আন এইভাবে সংই এক হওৱা সংক্ৰা লেকে সঙ্গে সম্পর্ক অনুসারে বৈনিক শান্ত ভালের বিভিন্ন সাম এবং এপের কমনা করেছেন, যার মাধ্যমে জীব ভাদের ষ্ঠীকদের লক্ষ্যে উপনীত হবে। হে মহাব্যা উদ্ধব, অফ্ কাৰ্যকল্পাল সংবাদ করার জন্য সমধ্য আৰু বস্তু, কাল, কেল এবং সমস্ত ভৌতিক উপাদানের মধ্যে আমিই ভাগা ও সন্দের বিকার স্থাপন করেটি। স্থানের মধ্যে, কুকানার মূল বিহীন, প্রাক্ষণের প্রতি ভঞ্জিব্ন, আকার যেলানে কৃষ্ণনাল মৃগ রবেছে, কিন্তু শক্ষের কভি নেই, কীকটের মড়ের প্রাক্তা এবং বেবানে ওছারে ও ওছিন্দর্শ পছতি

व्यवदर्गित रहा, मोध्याशहरी व्यक्षांक व्यवसा (व स्ट्लिस ক্ষমি বঙ্কা, এ স্বাই কপুবিত স্থান বলে পরিগণিত। নিজের কর্তন্ত সম্পাদন করার জন্য বাভাবিকভাবেই হোক অথবে উপযুক্ত সামগ্ৰী লাভ ক্যার সাধ্যমেই স্থেক বে নিৰ্নিষ্ট সময় কথোপবুড, তাকেই ৩ছ বলে মনে কয় स्तः द नमा निध कर्डन् नन्नानस्न विश्व चौना छात्क्दे মনে করা হর খণ্ডঃ (কান হবের ভছতা অধ্য प्रतक्का निर्वातिक एक बादमात स्था, व्यक्तीरमा साता, কালের প্রভাবের বারা অথবা আপেন্ডিক মহত্ম অনুসারে অপর একটি মব্যের প্রয়োগের মাধ্যমে ৷ কোন কুজির ক্ষমতা বা দুৰ্বলতা, বৃদ্ধিমতা, সম্পদ, স্থান এবং দৈহিক অবস্থা অনুসারে কোন অওম বস্ত তার ওপর পাপের প্রতিক্রিয়া আরোগ করতে পারে, অবের বা করতেও পারে। শস্ত, কার্চনির্মিত বাসনাদি, অস্থি নির্মিত বছ স্থা, জল পদার্থ, অধিকাত দ্রুত, চর্ম এবং মৃতিকালত प्रया, **और मञ्ज विस्ति धना, कान, वाद्, याचि, मृ**स्तिक এবং ৰূপ বাব্ৰ ভিন্নভাবে অথবা সংমিত্তশ্বে বাবা ওক্তভা প্রাপ্ত বর। কোল ওড়িসারক উপালানের প্ররোধ্যে হবন কোন অওছ করা মুর্গছ মূর হয়, অথবা নোরো মন্তর আবরণ দূর করে ভার আদি স্বরূপ দূনঃপ্রকাশ করে, তৰনই ওয়ক উপবৃক্ত বলে মতে কমা হয়। মান বান, তপদ্যা, বন্ধ, ক্তিপ্ত ক্ষতা, ভঙ্কিবন্ধ অনুষ্ঠান, অনুমোণিক কর্তন্ত এবং সর্বোগরি, জামার ভরণের মান্তমে অক্সতিৰ লাভ করা যায়। ত্রাকাণ একং জন্যান্য विसम्पत्तः निक्ष निक्ष कर्त्यः मन्नावत्त्व भूत्वं वधाविति 'বদ্ধ হওৱা উচিত। বধাৰৰ জ্ঞান স্ত্ৰাৱে উঞাৱিত মন্ত্ৰই গ্ৰন্থ, এবং আমতে কৰিত হলে কৰ্ম ৩% হয়। এইডাৰে ছাৰ, ফাল, হৰা, কৰ্তা, মন্ত এবং কৰ্মের एकिन्द्रायक पाना मानुव धर्मनतावन इस, ध्रवर और क्रांके বিষয়ে অবহেলা প্রারশ ক্তিকে অধার্মিক কণা হয়।"

'ক্ৰনত ক্ৰনত পূথ্য পাণ হবে হাৰ **আ**বাৰ সংখ্যারপভাবে বা পাপ, छ। বৈদিক বিধানবলে পুণা রূপে

_{প্রিমণি}ত হর: এইংরপ কিশেষ বিধান কার্বকরী হলে লা লাগ এবং পুলোর স্পষ্ট পার্থকা দুরীভৃত করে। _{ইংকে ক্রে} অধিষ্ঠিত ব্যক্তির ক্ষন হে কার্য পতনের কাৰে, সেই কাৰ্য পতিত ব্যক্তির কান ভা নার বাস্তবে, বে মাটিডে শার্যিত, তার আরও নীচে বাওয়ার সম্ভাবনা _{প্রত্}ক হা। ভার কোটো নিজের স্বভাবকাত জাগতিক **महारको** क्रम्थन यान यान कन्ना इत। विराम स्थान ক্রমর্ম থাবর আগতিক কর্মকল্যাণ থেকে নিরত ছওয়ার মান্ত্ৰে মানুধ ভার বছন থেকে মুক্ত হয়। এইরাপ _{বিবোধ্য} সাম্পন্ন ক্রীবন পথ হচেছ মানুবের ধার্মিক এবং প্রকারত জীবনের তিন্তি করণ, আর ডা সমক্ত প্রকার **ंटर्स (प्राप्त क्या क्या प्रमाण करता"**

প্রার করে, সে মিশ্চয় তার প্রতি জ্যালক হবে। এইরূপ আস্তি বেকে কামের উত্তব হয়, আর এই কাম মানুষের প্রধা কলছ সৃষ্টি করে। ফলহ খেকে অসহা ফ্রেন্ধ উৎপদ্ধ হব, ভার পরেই আনে অঞ্চতার অন্ধকার। যানকো প্ৰশাস্ত বৃদ্ধিকে এই অজন্য কৰি নীয় প্ৰাস কৰে।"

"হে বহাৰা উত্তৰ, প্ৰকৃত জান বহিত ব্যক্তিকে সর্বহার্য বলে মনে করা হয়। তার জীবনের প্রকৃত উদ্দেশ্য থেকে বিহাত হরে গে ঠিক মৃত ব্যক্তির মতের ভক্ত হয়ে যাত। ইক্ৰিয় ভৰ্গদে মধ্য থাকার জন্য, জীৰ নিক্ষেকে অথবা অন্য কাউকে চিনতে পাৰে না। সে বৃক্ষের মধ্যে অভ্যত্যপূর্ণ কর্ম জীকা অধ্যন করে, আর হাপক্রে মতো খাস-প্রথমে গ্রহণ করে। শহন্তে সকাম কর্মের কে সমস্ত কলগুড়ির প্রদান করা হরেছে, ভাতে सन्दर्भ भरत केमारिय कथा दमा इस्ति, बहर मिछनि ইক্ষে শিওকে ভাল ওখ্য সাওলতে যিখ্ৰি লেওৱার প্রতিশ্রমতির মাডেটি কল্যাগরনক বর্মকর্ম সম্পাধনের জলা প্রশোভন প্রদর্শন মার। কেবল জাগতিক কর লাভ করে। শানুৰ বলে মনে নিজের ইক্রিরড়ব্রি, দীর্যার, ইক্রিড কর্ম, নৈহিৰ বল, বৌন ক্ষমতা এবং বছবাৰন ও আৰীয় वसंद्रमा शक्ति बाज्यक एता। या किन्द्र शीवदन्त अकृष्ठ বার্শকে প্রতিকৃত করে, সেই সবের প্রতি ভবন ভাদেব মন বাধ হয়ে থাকে। যারা প্রকৃত খার্থ নামকে আরু সারা क्षक जीवन भाष ज्यान करता, ज्ञानन चरककारक मिरक প্রায়েছ। মূর্ব হলেও, ভারা হলি থেলের বিধানতলি

বিনীতভাবে লব্দ করে, তবে কেন্দার ধেন ভাদেরকে भूनवात देखिङ्काचित क्रम् **छैर**माहिङ करकार विकृष्ट বুদ্ধি সম্পন্ন সমূতেবা বৈনিক স্থানের প্রকৃত উদ্দেশ্য ক্ষানে না, ভারা প্রচার করে বে, স্কান্ত কল ক্ষাভের র্হাতর্কতি প্রকাশক্ষী পুলিনত মাক্টে হলে খেলে সর্বোক আন। প্রতৃত লেজা ব্যক্তিরা কথনত এই ধরনের কথা বলে না বারা কাম বাসনা, ধনজিকা এবং গোড়ে পূর্ণ, ভাষা কেবল কুলকেই জীলনের হথার্ড কল মনে করে ভূল করে। অধিন থেকে বিধার হরে এক ভার ধৌনার পম বন্ধ হওবার উপক্রমে ভারা ভাগের নিজের প্রকৃত भविकिस्टिरे दूरवा बार्क ना।"

ेलिश **छेड्द, रेवरिक जान्**हानिक**छ। वह दे**लिएट गरेन "ৰে ব্যক্তি জন্ত ইপ্ৰিয়াভোৱা সামগ্ৰীকে কান্ধ বলে। বভী মানুৰেয়া বুখতে পাৰে যা বে, আনি প্ৰত্যেক্তি হাণরে অংক্তিত, তার সমগ্র প্রকাশ্য হামা থেকে অভিন এবং আৰা হতে উৎলয়। ব্যস্তবে, ব্যবের দৃষ্টি কুরাশার দ্বারা আছের হবেছে এরা হাছে ভালের মতো। করী ইপ্রিয়টপ্রির জন্য উৎসর্গিকত প্রাপ, ভারা আমার বারা বর্ণিত থৈনিক জ্ঞানের গোপনীর সিন্ধান্ত বৃষ্ণতে পারে লা। হিলেজর অধ্যয়ে আনশ পেতে নিজেনের ইন্ডিয়ড়ন্ত্রির ক্ষম নিষ্ঠবতাৰে নিবীত পথাকে যক্তে বলি দেৱ। আর এইভাবে ভারা দেবতা, পিতৃপুরুব, এবং ভূতপ্রেতের নেতানের পূজা করে। বৈদিক করা পথ্যতিতে এইজপ হিল্পেডার জন্য রজোওপকে কখনই উৎসাহিত করা হরনি। মূৰ্য ব্যৱসায়ী বেমন অনৰ্থক মনগড়া ব্যৱসায়ে তার আসল অর্থ বার করে, তেমনই মূর্থ লেন্ডেরা প্রীবনের যথার্থ মুন্যবাদ সমস্ত কিছু ত্যাগ করে, বরে ভার ভারবর্তে স্বর্গে উপনীত হতে চেষ্টা করে। সেই সম্বন্ধে অবন ক্ষতে বুব সুম্মত হলেও বাজৰে ভা অসভা, সংগ্ৰের भएका। बरेक्स विश्वात सन्त्र कारम्य श्रुक्ट बन्धना करत হে, তারা সমস্ত প্রকার হাত আশীর্বাদ লাভ করবে। যারা জাগতিক সন্ত, ৰক্ষ এবং তয়েওপে অধিকিত, তালা সন্ত, इस अस अध्यातन प्रकानकारी देखानि (प्रवर्ग अवर অলান্য বিশেষ বিপ্ৰয়ের উপাদনা করে বাকে। তবে, সুষ্ঠকলৈ আমার উপাসনা কলতে কিবা ওয়া বার্থ হয়। দেবতা উপাসকরা ভাবে, আমরা এই জীবনে দেবতা পুঞ্জা করব, আর আমাদের সম্পাদিত বজের হলে আমরা কর্মে বর্মন করে দেখানে উপজেল করবঃ ইখন

ভোগ পেৰ হয়ে বাবে, তথন পৃথিবীতে কিনো এসে সম্ভাৱ কলে মহান গৃহত্ব জাগে কৰা এইণ করব।" অতাক্ত পৰ্বিত এবং লোড়ী হওৱার জন্য এই সমস্ত লোকেয়া বেলেৰ পুলিগত ব্যক্তার ৰাখ্যা বিপ্রাপ্ত হয়। পর্যোশ্বর ক্ষমনান হিসাবে আমার বিষয়ে ভারা আকট নয়। তিনভাগে বিভক্ত বেদ প্রবাদ করে যে, জীব হচ্ছে ৩ছ চিম্মর আশ্বর। কো- তথ্যস্থান্য এবং হয়, কিছ এই বিবরে পরোক্ষভাবে মালোচনা করে, আর এইরূপ গোপনীয় বৰ্ণনাৰ আমিও পশি। বেমের নিব্য পদ ইপদাৰি কলা অভান্ত দুনাত এবং তা প্ৰাপ, ইপ্ৰিয় এবং মনের বিভিন্ন বারে প্রকাশিত হয়। বেদের এই পদ অসীয়, অভ্যন্ত পড়ীর এবং ঠিক সমূহের যতো অপরিমের। অসীয়ে, অপরিবর্তনীয় এবং সর্বপঞ্জিমান পর্যেশ্বর ভগরান রূপে সর্বজীবেয় ভাগরে নিয়ের করে. ব্যক্তিগতভাবে আমি সমস্ত জীবের মধ্যে ওঁকার রূপী বৈদিক লাভকানি প্রতিষ্ঠিত করি। পায়াবালের তন্তর সভার মতে, সম্মান্তথে একে অনুভব করা কান। ঠিক একটি মাকভুসা বেফা ভার চাময়োখিত লালা ছারা মধ্বের মাধ্যমে আল বিস্তার করে, তেমনই পরমেশ্বর ভগতন দিবা আনব্দপূর্ণ এক সমস্ত বৈদিক ছক সমস্থিত আমি প্রাণবাহর অনুরবম ভাগে নিজেকে প্রকাশ করেন। এইতাবে ভগতন হাঁয় হাল্য আহাপ থেকে মন্যে সাহাত্র মহান একং অসীম বৈধিক শব্দ সৃষ্টি করেন, বা হজে স্পূর্লাদি দিল্ল শব্দ সমন্তিত। ওঁকরে খেকে ব্যঞ্জন, শ্বর,

ভব্ন এবং অধ্যার বর্ণমালা সম্বিত বৈদিক লাভ সতত শাসরে বিস্তৃত। তারপর বেদকে অনেক বিচিত্র বাক্ত पिरम विस्तातिक कता क्रायह, का जावन विस्ति हाना প্রভোকটি পূর্বেরটির অপেকা চারটি করে আকর কালমভিত। ভারপেকে ভগবান তার নিজের মধ্যে বৈভিত্ত লাক্ষর প্রকাশকে পুনরায় সাবেরণ করে কেন। বৈভিত্ত ছবসমূহ হলে গায়নী, উকিন্ত, অনুষ্টুণ, বৃহতী, পঙ্কি হিষ্টপ, জগতী, অভিমেদ, অভ্যতি, অভিমাণতী এক অতিবির্টে। সারা বিশ্বে একমান অমি জভা বৈদিত্ত জ্ঞানের ওপ্ত উল্লেশ্য বাজ্যক কেউ বোজে ৯০০ ভর্মজাতের স্বান্টানিক বিধানে বেলে প্রকৃতলক্ষে কী বলা হতেছে, বা উপাসনা কাতে বে পুজা পথটি পাওৱা নিয়েছে ভাতে কী বস্তুকে আসলে সূচিত করছে, খাওৱ (यतन्त्र सानक्षक विचारन विकिय चनुमादन्त्र संचारन रकान निरहि रिस्ट्रिकिकार वार्याज्य कहा स्टब्स्ट मान्य का ব্যানে মা। আমিই কে কর্তক আদিট ব্যানভান, এক আমিই উপাস্য বিচাহ ৷ বিভিন্ন গাসনিক অনুমান রূপে আমাকেই উপস্থাপন করা হয়, এক আমিই ক্লেনিক বিপ্রেরণের বারা বণ্ডিত হই। নিব্য শব্দতরন, এইভাবে সমন্ত বৈদিক জান সাকার্য রাগে আমাকেই প্রতিতিত করে। বেদসমূহ সময় কর্ম বাশ্বকে আমার মারালভি ছাভা কিছুই খয়, এই লাগে বিক্তাবিত বিরোধণ করে, অধনেৰে এই সমস্তকে সম্পূৰ্ণকৰে প্ৰত্যাধ্যম করে তাদের নিজ নিজ সন্তুষ্টি লাভ ৰুগুন।"







দ্বাবিংশতি অধ্যায়

জড় সৃষ্টির উপাদান

উক্স হার করকেন--"হে তগবান, হে কাগংগতি, গাঁডটি খুল উপাদান, দগটি ইন্সিয়, মন, অনুভূতির পাঁচটি মবিশ্বর সৃষ্টির কড়গুলি বিভিন্ন উপাদান গদানা করেছেন। সুন্দা উপাদান, এবং প্রকৃতির ভিনটি গুল। কোন কোন আমি কংং জাপনাকে কর্মনা করতে প্রনেছি লেওলি হুটেছ মহাজনগণ বলেনা বে, ছাবিলটি উপাদান রয়েছে, কেউ সংখ্যেত আন্তর্নাট—উপার, ক্রীয়াছা, মহাবছ, মিখ্যা কাংকার, বালের পতিশাটি, নায়টি, ছারটি, চারটি কাথবা এগারোটি,

আবার কেউ কেউ বলেন, সডেয়ো, বোল, আগরা তেকোটিঃ কৰিখৰ বৰন এত ভিত্ৰভাৱে সৃষ্টিত মালানাগুলির হিসাবে করলেন, তথন তাঁনের নিজ নিজ व्यत की विना पर नंतन निका, चनुश्रह करत व्यक्ति আমার খ্যাখ্য করণ ("

অন্তান জিকুফ উড়র দিলেন-"মত উপাধানতনি ক্রার বর্ডমান থাকার জন্য, বিভিন্ন নিজান ব্রাক্ষণদের নিভিন্নভাবে ভার বিশ্লোধণ করাও বৃত্তিযুক্ত। এইজন সাধ্য দাৰ্শনিকরা আমার অপৌকিক শক্তির আরহ (बारको कथा बारमान, धाँदै फेला माराजात विराह्म स्व बारक स्र क्रिकेट क्लाएक भारतम । शामिनकता क्या एक करत _{"ट्रिट्रे} ट्वकरन करत करण, अहेशाय भावि की विस्तृत ্ৰতঃ বিশ্লেষণ করা গছৰ কবি না": কেবলমার আহ্বৰ দ্যতিক্রামনীয়া শক্তিসমূহ ভাদেয়কে বিরোধনাক্ত বিরোধ ৰামত প্রশোধিত করে। আমার শতিক মিধন্তিকার করে। বিভিন্ন মতের উৎপত্তি হর। কিন্তু বালের বৃদ্ধি আমতে शिक्षि बार गरवरणकिया, **फारमय निक**र्ड द्वारण शुथक গ্রন্থতি নিদুরীত হয় এবং তার কলে তর্কের কানপত্রি शिक्षादिक इंड। (३ मदाबर्ध, मृत्रा बरु इस উপাদানতালি পরস্থারের মধ্যে প্রবেশ করার ফলে, হান্দ্রিকাণ উল্লেখ ব্যক্তিগত ইচ্ছা অনুসারে প্রাথমিক অভ উলাগ্য-তলির সংখ্যা বিভিন্ন ভাবে হিসাম করতে পারেন। জড় বৃত্তির স্চলা হয় ক্রমাখতে সুক্ষা থেকে সুক উপাধানের প্রকালের মাধ্যমে, ভাই সমত সৃত্ম ভড় উল্লেখন কর্মেন্ডা ভূলে কার্মের মধ্যে কর্মেন, আর সমস্ক স্থান উপলোধ আদের সৃষ্ধা কারণের মধ্যেই ব্যাহত। এইডাৰে যে কোন একক উপালানের মধ্যে সমর্ব 🕬 উপাধন আমরা পেতে পারি। অতএম এই সমস্ত ভিজবিদ্দের বারাই বলুন, ভার তাদের হিসাবের মধ্যে অৰু উপাদানকে পূৰ্বের সৃত্যু কায়েশুর মধ্যে অথবা ওঁচার পরবর্তী প্রকাশের উৎপাদনের মধ্যেই সক্ষমিও রাধুন না (क्न. फेल्क्स निकासक साथि यथार्थ कान मान कति. ৰেন্দা প্ৰতিষ্টি নিভিন্ন ভাৰের জন্য ভার্কিক ব্যাপ্তা সর্বনাই প্রদান করা হয়ে। যে ব্যক্তি অনাদিকাল থেকে অঞ্চতর ঘান্ত নায়েছে ভার পক্তে আছোপলাকি লাভ করা সভব হয় বা অন্য কোন ডায়প্রতী পুরুষ ভাকে পরম শক্তির আন প্রদান করে থাকে। জাগতিক সম্বাচনো

জ্ঞান অনুসারে ক্রীন একং পরমেশবের মধ্যে ক্ষেম গুপনত পার্থকা নেই। উভয়ের মধ্যে গুলমত পার্থক্যের কারণা হকে অনর্থক করের মার। আরু রিভাগের ক্ষমরেলে ওই খেকেই প্ৰকৃতি বৰ্তমান, স্বা কেবল প্ৰকৃতিৰ স্বান্ট धरवाका, विचार कीशासाय कमा नद। जन्म, संस्थ, अवर ত্য-এই ওপথলি এই ব্রহ্মাণ্ডের সৃষ্টি, দ্বিতি এবং লামের জন্ত কার্যকরী কারণ। এই হেগতে সম্বত্তপত্তে জ্ঞানকপে, दक्षाचनक प्रकार कर्षकारन करा उरमाचनक অভাতরেশে বোঝা যার। কাল অনুত্ত হয় প্রকৃতির ক্ষণতালর বিক্তম নিগতিয়া মানে, এবং সমগ্র কার্যকরী ত্ৰকান্তা গুলি হতে জাদিসুৱ কাণৰ সহৎ তথা সময়িত। আমি নরটি প্রথমিক উপাদানের কর্মনা করেছি, সেওলি হতে জেডারগী আছা, প্রকৃতি, প্রকৃতির আদি প্রকাশ भरूक्ष, भरूकात, व्याकान, शाह, व्यक्ति, जन अवर सुन्नि।"

াঁহে হির উত্তর। চকু, কর্ব, ব্যসিকা, কিন্তা এবং কর্ব, चेरे नेठाँउ शहर का(महिन्द, चात सन्, नानि, चेनच, नाह् अवर नमन्त्रम, अहे नीठिंग स्टब्स् करमञ्जित। सन छेखा विकार केट अटडर है। नक, न्यान, जल, जल, जल, अनर नक क्ली रहा कार्राक्षिक्षरकाह विषय, कर गाँठ, काम, मनाम्य कान, बक्त निर्मान बक्तनि व्हाव्य कार्मीसाहरू কার্য। সৃষ্টির প্রারম্ভে প্রকৃতি সন্থ, রক্ত এবং তমোওপের মানুমে ব্ৰহ্মানের সমন্ত সৃত্যু করেব এবং তুল প্রকাশের মূর্ত রূপ পরিপ্রহ করে। পরমেশ্বর ভাগবান আন্ত প্রকাশের বিধক্তিয়ার মধ্যে প্রবেশ বা করে কেবল মাত্র প্রকৃতির গ্ৰতি ইক্ষা করেন। মহৎ তথু জানি অভ উপায়নাওনি পরিবর্তিত হয়ে পরমেশ্বরে উক্স কেন্ডে জরা বিশেষ বিশেষ শক্তি প্রাপ্ত হয়, একং প্রকৃতির শক্তির বারা মিপ্রিড হয়ে প্রজাতের সৃষ্টি করে।⁴

"কোন কোন দার্শনিকের মতে সাতটি উপাদান हाराष्ट्र, दिसल-पृथि, सन्, पश्चि, ताव अवर काकान, তাৰ সংখ নয়েছেন চেতান জীবাতা এবং পরসাধা, বিনি হলেন অভ উপাদান সমূহ এবং সাধারণ জীবাস্থা উভয়েই ভিত্তি ছয়ল। और তথ অনুসাতে দেহ, ইপ্ৰিন, প্ৰাণ বাৰ একা সমস্ত কড় প্ৰাণক উৎপদ্ম গ্ৰহেছে এই সাতটি উপায়ান থেকে। অন্যান্য দার্শনিকাশ বলেন হে, 'ছুংটি উপাদান রায়েছে—পাঁচটি ভৌনিউক উপাদান (ভানি, कल, व्यति, वार्यु अवर चांकान) अवर वर्ष छैनानार शतका

নামেশ্বর ভাগজন। উপাদলসমূহ সমন্ত্রিত সেই পর্যানের মিয়ের স্থীর খেতে উপাধানগুলিকে প্রকাশ করে, এই ক্রজাতের সৃষ্টি করেন এবং ভারপথ তিনি করং ভার মধ্যে প্রকের কর্মনা করে কোন দার্শনিক চারটি প্রাথমিক উপাদ্যনের অভিনের প্রভাব দিয়ে থাকেন, খার ভিনটি হল্লে-অভি রল এবং ভবি--সেওলি চতুর্থ বর্তাং শ্বহা থেকে প্রকাশিত। এই উপাদানতালির অভিযুক্ত करनेदे अन्यका अकल जावन करत शास्त्र, योद वर्गा সমস্ত জড় সৃষ্টি সংঘটিত হয়। কেউ কেউ সভেরটি প্রাথমিক উলালানের অভিয়ের হিসাব করে থাকেন, কোন পাঁচটি বুল উপায়স, পাঁচটি অনুভূতির উপাদান, পাঁচটি सान-वेश्विव, यन अवर धारा शरू जलमन छैनामन। মোলটি উপাধানের হিসাব অনুসারে, পূর্বের ওল খেকে পার্থকা হচ্ছে, কেবলমাত্র মনকে আত্মার মধ্যে একিতৃত করা হরেছে। আমহা বলি পাঁচটি ভৌতিক উপ্যানন, भौठि देखिया पर अकब व्यक्त धारा भग्नामन-अहे খনসারে চিন্ত করি ভাহলে ফেরোট উলাদান পাওয়া বার। এলালেটির প্রশান, ব্যোধে অথবা, বুল উপাধান এবং ইজির সকল। আটটি সৃদ্ধ এবং ভূম উপান্যনের সঙ্গে পরমেশর বৃদ্ধ হয়ে নবটি হয় এইভাবে সহল পাশনিকগণ জড় উপাদনকে কবিধ পদ্ধতিতে নিরেকা कटारहर । काएस नामक शकावर माध-ननक काम নে সম্ভই বাখন্ত বুজিনহকারে উপত্যুপিত। করতে, যথাৰ্থ বিভাগৰণের নিকট খেখে এই লগ বাৰ্ণনিক বৃদ্ধিমধাই কায়।"

আন্তল প্রাণ

শ্রীউদ্ধন বিজ্ঞানা করলেন--"হে কৃষ্ণা, প্রকৃতি এবং জীবন্ধা করণতর পৃথক হলেও, মনে হয় উভরের মধ্যে **रकान भार्यका हारे, रकम्बत (१४४) यात्र हा, शाला अरक** ব্দগরের মধ্যে করের। এইভাবে মনে হর প্রবৃতির मरथा जाचा उदर काचात मरथा अकृति वर्षमान। दर পুওরীকাক কুকাঃ হে সর্বাচ্চ ভাগবাদঃ আপনি অনুহত্ করে অমেরি হুদরত্ব মহা সম্পেচকে আপনার মারে নিচারে মতের দৈশুগ্য প্রকাশক নিজ বাকা বারা জেন করন। **(क्यम चा**र्गनात मिकी इर्डि सेरिक **सा**रमा सेम्ब रूप् আবার আপনার শক্তির দারা নেই জান অপহাত হয়। যাস্তবে, আপনিই কেবল আপনার মাতা শতিক প্রকৃত **ই**টাৰ বুজাতে সক্ষয়।"

পর্মেশ্র ভগ্রান বললেন—"বে পুরুষভার, ভারা প্রকৃতি এবং ভার ভোকো হকে সম্পূর্ণ পৃথক। প্রকৃতি তংকর বিজ্ঞোভয়ণতা এই মুখ্যমান ক্ষাৎ প্রতিনিয়ত পতিবভিত বাছে। তিয় উদ্ধৰ, আমাৰ বিশুগান্তিকা স্বাম শক্তি, ওপ সমূহের মাধ্যমে কবিখ সৃষ্টি, আৰু গুল অন্যন্তর ষয়ার জন্য বহবিষ চেতনার প্রকাশ করে। 🐲 পৰিবৰ্তনের হারে প্রকাশিত ফলকে অব্যাহিক, ভাইদৈতিক এক অভিভৌতিক এই ভিনন্তাবে বোৰা বার। দরি শক্তি, দশ্যমান রূপ, এবং চক্ষু রক্ষের মধ্যে প্রতিক্রনিত সর্বের রূপ, এই সকলে একরে ভার তরে একে অপরাত্ত প্রকাশিত করে। কিন্তু করে সূর্ব ক্যাঞ্চল করে। অক্রানে বিনায়ার থাকে। তেমনই সমত জীবের জানি করে। পর্যাথায় বিনি সকলের থেকে ভিন্ন, তিনি তাঁর নিজের দিব্য অভিজ্ঞতার আলোকে পরশ্বর প্রকাশমনে বস্তু সমধ্যে প্রকাশের অভিম উৎস। তেমনই, মানেন্তির বেহন ত্বক, কৰ্ম, চকু, জিহা, এবং নামিকা—সেই সংস मुख्य (मरहर) जिप्सा, स्थाम रुद्ध (हरूना, कन, नृद्धि क्षेत्र) অহংকার-এই সমস্তকেই ইন্ডিড, অনুত্তির নিবর এক ভার অধিষ্ঠান্ডা দেখ, এইরূপ ত্রিবিধ লার্থকা অনুসারে বিশ্লেকা করা যায়। প্রকৃতির তিন ৩৭ বিশ্বর খণ্ডয়ার কলে, ভা পরিবর্তন হয়ে সন্ধ, রক্ষ এবং তম-এই ত্রিবিধ পর্যাতে অহংকার নামক উপাদান উৎপন্ন হয়। অপ্রকাশিত প্ৰধান থেকে মহৎ তত্ত্ব, আৰু এই মহৎ তথ্য থেকে অহংকার উৎপায় হরে সমস্ত প্রকার জন্ত মারা এবং ছম্পের সৃষ্টি করে। সাপনিকরের ক্রানজ্ঞা বৃত্তি-ভর্ক---'এই জগৎ সভা,' না, এটি সভা নয়'—হচ্ছে গরমান্বা সম্বন্ধে অপূর্ণ জানভিত্তিক, আর এর উদ্দেশ্য হচ্ছে জড় ষাধ্যক উপলব্ধি করা। এইরূপ তর্ক অর্থহীন হলেও, জনা আখন প্রতি বিমূখ হয়ে আছবিস্থত হরেছে, ভারা ভা ভাগে করতে হকেম।"

শ্ৰীউদ্ধৰ বলগেন—"হে পত্ৰম প্ৰস্তু, বাংখৰ বৃদ্ধি সকাম কর্মের প্রতি উৎসূর্নিত, ভারত নিক্রম আগনার প্রতি বিষুধ হয়েছে। এইরূপ ব্যক্তিরা ভাষের জড়কর্মের জন্য কীতাৰে উৎকৃষ্ট এবং নিকৃষ্ট দেহ খালা করে এবং গেই সমস্ত সেত্ ভ্যাপ করে ভা আমরে নিকট অনুগ্রহ করে वर्गमा करान। (र शादिन, वृर्व (मारकरस्य समा और সমস্ভ বিষয় বেখা অভাগ্র কঠিন। ইহজাগতের মারার ৰদ্যা প্ৰতাবিক হয়ে, ভাৱা দাধাৰণত এই সমৰ স্বাপাৰে সতেতন হয় না।"

ভারবার শ্রীকৃষ্ণ বদাবের—"মানুখের জড় ফা ভৈরি রর সক্ষম কর্মের প্রতিক্রিয়ার দ্বারা। গক্ষেত্রির সহ সে এর মার্ক সের থেকে অন্যত্র বাধার করে। চিম্বর কর্মা, 🚜 🛪 (थरक लिए एका! मार्थक कारक व्यानका करत) जनाव कर्रात श्रीरुक्तिकात यह क्रम प्रदेश राजनी ब क्षत्राह्य हान्या बार्च ध्येन्ट (यमनिस्मात्मत निक्के ह्याटक स्माह ত্রতর প্রকার ইন্ডির বিবরেরই ধ্যান করে। ভার কলে ফা ভার অনুভূতির বিবর সহ সৃষ্টি হর এবং বিনাশের ক্ষের করে করে মনে হয়, আর এইভাবে ভার श्रहीत अबर कविदासक अधिका मिसलाबर कवता অগতে হয় ৷ জীব ৰখন কৰ্তমান শ্রীন খেকে নিজ কর্ম সৃষ্ট পরবর্তী শরীরে শব্দ করে, তথ্য সে সতুন तरहा जानच्या अवर पृत्यक्ष अनुकृष्टिए यह रह अवर न्तं (भारतः चलिकका गण्णुर्गकाः) विग्रह रहा। एका ন ক্ষেম কারণে সংঘটিত পূর্বের জড় পর্বিচিতির সার্বিক বিশ্বতিকে কর হর মৃত্যু।"

"हर त्यक्षे रापन चेंघार, सदम श्राहत महन कीरका সমাক পরিচিতিকেই কেবল জন্ম বলে। স্বপ্ন জ উল্লা वाःनात्राक मञ्जूर्व दास्य दास ग्रहन करात्र मास्त्र सीव নতুন দেহ প্রহালের অভিপ্রস্রাকে স্বীকার করে খাকে। কোন ব্যক্তি বেমন বশ্ব বা দিবকেখের অভিনাত্য লাভ क्टा भूरवंत प्रश्न वा निवापारशत रकत्र विकृष्टे प्रस्त तार्थ ন, কেমনই বৰ্জমান খেছে অবস্থিত ব্যক্তির পূর্বে অভিত্ব খান্য সক্তে সে মনে করে খে, তার অনির্ভাব অতি সাক্ষতিক। ইজির সমূহের বিভাগ ভুল ফা একটি নতুন নেবের সঙ্গে পরিচিতির সৃষ্টি করেছে, যা খতেং বিবিধ कड़ दिक्तिया वचा केंक्र, अधाम धारा निम्न द्रवरी नमिन्छ, चार को (मर्च महर हत, चारहात संस्कृतकात मर्या का উপস্থিত। এইজন্তে ভা স্বাই নিঞ্চ সৃষ্ট অসং পুরের ৰাৰ পুন করনে মতেন, বাহ্যিক এবং আভ্যন্তরীল ৰাৰ লি

"তিম উছৰ, কলের প্রবাহে কড়দেহের প্রতিনিয়ন্ত সৃষ্টি এবং খাসে হয়ে চলেছে, বার পণ্ডি অনুভব বোন্য ^{নার}। বিশ্ব কালের সৃশ্বতা হেতু, কেউ জ দেখতে পার ন্দ। সোধবাতির শিখা, নদীর লোভ ঋথবা বৃষ্ণের কলেন মতো সমন্ত ভাঙ দেকের বিভিন্ন পর্বে পরিবর্তম সংঘটিত

হয়। দীপের আলোক অসংখ্য কিরণের প্রতিনিয়ত সৃষ্টি, পরিবর্তন এবং কানে প্রান্ত হওল সংস্থেও যে ব্যক্তি মারান্তর বৃদ্ধি সম্পন্ন, আলোক মেনেই অনর্থক হলে উঠৰে, 'এই তো দীলের আলোক ৈ চলমান নদীর দিকে লক্ষ্য করলে গেখা যাবে, প্রতিনিয়ন্ত নতুন স্থল আসহে আর ব্যব্ধে চলে যাছে কিছু রোজা লোকেরা সদীর একটি জায়না দেখে অনর্থক বলে উঠবে, 'এই তেঃ নদীর बर्भ। ' एउटनहैं, मानुरात सर (४३ श्रांश्रामिक शक्तिकीं) रूठ शक्तक, दावा छाएएड भीकारक धनर्थक खन्नछ। कर्ताकः छात्रा कारतः आहे रहन हतः, शानुरवन्ने हरहरू র্মাতটি অবস্থাই ধারক পরিচয় জাপক। বাস্তবে মানুষ ভার অতীত কর্মের বীঞ্চ খেকে জন্মত না, জাবার কামর হওল নকেও মারা খার, ভা-এ নার। ঠিক কেচন ছালানী कार्जन मरन्नरम् व्याधमाक तराच महा दन कान एक रूप আৰু জারপর পেৰ হয়ে দেব, তেজনই মাধার বারা জীব জনাকে এবং নারা সালে এইজন প্রতিভাত হয়। পর্ভসঞ্চার, পর্ভধারণ কাল, আছ, শৈশব, কৌমার, বৌকন, मध वतन, वर्षका अभ प्रका और नगी। स्टब्स् (महरूव পর্বাহ। ঋত দেহ আখা থেকে ভিন্ন হলেও জড় সঙ্গ প্রভাবে অঞ্চপ্তা হেতু জীব নিজেকে উৎকৃষ্ট এবং নিকৃষ্ট দেহ বলে মনে করেন। কমাচিৎ কোন ভাগ্যবান ব্যক্তি এইরাণ মনকেরিত ধারণা ত্যাগ করতে সক্ষয় হন। নিজের পিতার বা পিতামহের মৃত্যুর দারা নিজের মৃত্যু भग्नरक चनुभार कता याच, क्या निरक्तर नृत सन्ध संस्थ করতে প্রাধ্যমে আমেনের নিজের ক্ষান্তের ক্ষাবস্থা উপস্থারি করতে পারি। যে ব্যক্তি জড়বেহের সৃষ্টি এবং বিনাপ সম্বন্ধে ব্যবহারিক আন লাভ করেছেন তিনি আর এই সমস্ত কৰে প্ৰভাবিত হন মা। বে খ্যক্তি বীল খেকে বৃষ্ণের আরু এবং স্ববস্থের পরিপঞ্চ অবস্থার স্কুট্র মৃত্যু পর্বন্ধ কর্মন কর্মের পারেল, তিনি নিশ্চিতরূপে সেই বৃষ্ণটি থেকে পৃথক এবং স্পষ্ট পর্যবেক্তর হতে পারেন। একইতাৰে বিনি অভ্যেত্যে স্থান্ন এবং মৃত্যুর সাকী হতে শারেন, তিনি জা খেকে পৃথক খাবেন। বৃদ্ধিহীন মনুষ নিফেকে জড়া প্ৰকৃতি থেকে ভিন্ন রূপে বুৰতে অক্স হয়ে ভাবে প্রকৃতিই বারত। প্রকৃতির সংস্পর্শে এসে সে সম্পূর্ণনাপে বিপ্রান্ত ধ্যা এক আগতিক জীবন চল্লে প্রবেদ করে। সক্ষম কর্মের জন্য বছফৌবকৈ বিভিন্ন হোনিতে

8750

হয়ণ করতের হয়, সমূতধ্বের সংযোগে সে ছবি বা দেবতাদের মধ্যে, রজেভবের সংবোগে দেবতা অথবা মানুবর্মাণ এবং ভলোওলের কম প্রভাবে সে ভূতপ্রেত ছাপ্তা পাত স্থাপা সাভ কৰে। কাউকে মৃত্য করণ্ডে বা গাইতে বেশে কেজৰ মানুৰ অনুকরণ করতে পারে, তেজন্ত, অবস্থা কৰনই জড় কৰ্মের কৰ্তা নর, ভা সংৰও সে আয় বৃদ্ধি কলকটা হয়ে, সেই ওপওলির অনুকরণ **বলতে বংগ হ**ৰ।"

"হে দশার্হ কলেজ, আন্দোলিত জলে প্রতিফলিত ৰূকের কম্পামান ছারা, জনবা নিজে ছুরতে বাকলে পৃথিবী বুরছে বলে সংগ হওল, অথবা করনা বা বপ্ন জনতের হতের আত্মার জড় জীবন এবং তার ইত্রিরতৃতির ছভিজ্ঞতা, এ সবই ৰাজৰে বিখ্যা। বে ব্যক্তি ইলিবড়ব্রি ধ্যারন, আৰু জীবনের ভাবনার মধ্য, সেই ব্যালারওদির বাত্তব অভিছে সা থাকা সংখ্যে, ঠিক , গণ্ডের অভান্ত দুসের হয়। কেবলমার আগনার ভক্তরা দুরেস্থের অভিশ্বভার মতো ভা ভার মন থেকে বিদুরীত হয় না। সুভয়াং, হে উদ্ধব, ৰূড় ইঞ্জিয় দিয়ে ইঞ্জিয় তৃত্তি করতে চেটা কলে লা। থেক জড় দক্ষ ভিত্তিক এইরাণ জগরার সহা করতে সক্ষম।"

মায়া কীভাবে আমানের আনোপলবির প্রতিবদ্ধকতা সৃষ্টি করে। স্বস্থ লোকেদের থারা কর্তেলিড, স্থপমানিড, উপ্রাসিত অ্থবা হিংসিত হলেও, অথবা অঞ লোকেদের বাবা বার বার প্রহারের কারা ক্ষোভিত, বন্ধনান্ত হয়ে, অথবা নিকের পোনা খেকে বব্দিক হয়ে, बू जू वा शकारका काता कन्तिक करमक, विनि कीयान्स চরম লক্ষে উপনীত হতে বাসন করেন, এই সমস্ত স্মন্যা সভেও উাকে তাৰ বৃদ্ধিৰতা ব্যবহাৰ কৰে नात्रवार्थिक सहके निरामक निरामक त्रापटक हरत।"

প্রীউক্তর বলকো—"হে শ্রেষ্ঠ মবকা, অনুগ্রহ করে আমার কান, কীভাবে আমি এটি কম্বনভাবে উপস্থি করতে গারব। যে বিখাক, বড় জীবনে ব্যক্তিগড বভাব পতান্ত কাবান, ভাই কৰা কড়িয়া ওাদের বিলছে অপ্রাধ করণে, তা সহা করা, এমনকি বিধান ব্যক্তির বারা আপনার প্রেমমন্ত্রী সেবার মধ, এবং বারা আপনার পাদপত্তে আত্রর প্রহণ করে শান্তি লাভ করেছেন, তারাই

ত্রয়োবিংশতি অধ্যায়

অবস্তী ব্রাহ্মণের গীত

শ্ৰীল ওকদেৰ গোলামী কালেন—"মুখ্য দালাই, প্রধান মুকুলকে জার মেই ভক্ত উত্তব, এইজগ স্ত্রভাগের অনুরোধ করণে, ডিনি ডার সেববের খাকের কথাৰ্থতা বীকাৰ করেন। তথন ভগবান, খাৰ বীৰ্ব গাথা শ্ৰেষ্ঠ প্ৰকণীয়, তিনি ডাকে উত্তও দিতে ওক্স করলেন:"

ভাবেন শ্ৰীকৃষ্ণ কালেন—"হে বৃহস্পতি শিব্য, আঞ্চরিক অর্থে এ স্বগতে এমন কোন সাধু নেই, বিনি অসভা লোকেনের অপমানজনক কলায় বিপ্রত ইওয়ার পায় জার মনতে পুনরার সুস্থিত করতে সক্ষম। তীক্ষ খাৰ বন্ধ ভেদ করে হলেরে প্রথম করলে বে বছলর

সৃষ্টি হয় অসজা সোকের জগমানকনক কড় ক্কাবাশ জনতে অবস্থান করে ভলগেনা অধিক জ্ঞানা করণ হয়। शिव छेवन, और नागप्तत अवस्ति कुत पूनातम कहिसी বয়েছে, আমি এখন ভোষাকে সেটি কৰি করণ। তুমি चनुश्रह करते बरमारखेल जरूकारत संरक्ष करे।"

"এখনা ছানেক সন্নাসী অসং কোকেনের ছারা বহুভাবে অংঘানিত হুবেছিলেন। ডিন্নি কিন্তু দুঢ় নিষ্ঠার স্কে শারণ করছিলেন হে, তিনি কতীতের নিজতর্মের খল ভূনছেন। তিনি কী কলকেন, ভারই কাহিনী আনি এখন তোহার নিকট কাব। এক সময় অবদী সগবে একমান সমস্য ঐক্তর সমবিত পুর ধনী ব্যবসায়ী ভ্রান্ত্রণ বাদ কমতেন) কিন্তু তিনি ছিলেন কুলাণ কামুক, লোডী লাল ক্লোমণ্ডলা। তার ধর্মকর্ম এবং বৈধ ইভিন্নতর্গণ র্বাহত গুরু, তাঁত পরিবারের সদস্যগণ ও অভিথিৱ ক্ষাৰ, এফাৰি মৌৰিকভাবেও স্থান্ত স্থান লাভ _{ক্রেন্সি}। বধা সময়ে ভার নিজের গৈছিক পরিতৃত্তিও हिर्द्ध बनुत्यास्य कहरूका स्ता िक्षि प्रच करहेल इत्था कार कृतान विरुक्त त्व. छीत नृज्ञभग, कट्टेपमन, जी, कन्ता এর ভূতারা তথ্য প্রতি শক্তজ বোধ করতে ওক করেন। ক্রিচাবে বিষয় হরে ভারা কবনও জন সঙ্গে মেহবৃত্ত রমন্ত্র ক্ষত না। এইভাবে সেই বক্ষের সম্পদ রকির इक्ता कृत्रन बारवरणत केन्द्र नातियातिक नक्षत्रहरू ব্যবিদেশকা কৃত্য হল, তার জাকা সেই প্রাক্ষণ ইহলোক क्षा भारतात्मात्क रकामक्ष्मण माराधि शास मा स्टा धर्मकर्म এবং সংস্ত প্ৰকার ইঞ্জির ভর্গদে বঞ্চিত হলঃ হে গ্রহান্তৰ উদ্ধান, তার এইক্সংগ দেবতাগণের প্রতি क्रवाहरताह बन्ध किनि नमस धकात गुग्त क्वर मण्याम বহিত হরে পড়েছিলেন। তার পুনংপুন অক্রান্ত প্রচেটার গায় সঞ্চিত সমস্ত কিছুই বিনষ্ট হয়েছিল। হে উত্তৰ, েট ভগতেখিত ব্ৰাখ্যাপৰ সম্পানের কিছু অংশ ভার सारीत एकम मध्य करतिहरू, कि इ अर्थ निरामित চোরেরা, কিছু অংশ কৈঞ্পুর্বিপাকে নাই হরেছিল, বিছুটা মা হ্ৰেছিল কাপের প্রভাবে, কিছু অংশ নিমেছিল क्रमानाज्ञ चात्र विश्व चारण निर्दाशिक धनामनिक करी ব্যক্তিরা। ক্ষবশেষে সেই ধর্মকর্ম ও ইন্সিরভৃত্তি রহিত ব্যক্তির সমস্ত সম্পাদ বিনষ্ট হলো, তিনি তাঁর আদীয় বজনের হারা উপেক্ষিত হ'ছে বুংসার উবেলে পড়িড श्रामिस्तान । अर्ववाश्व श्राम जिलि निपाकन सहना जनर অনুশোচনা ক্রের করভিয়েন। অভ্যানারার তার কট কর एता, তিনি ঠার জাগা নিরে দীর্ঘ সময় বরে চিন্তা করতে भारका। फेक्ट फीर भारता तक कींग्र दिशासित छेपा रहे।"

সেই ব্রাহ্মণ কর্মক্র--"হার, ভি মহাদুর্ভাগ্য জ্বমার! অর্থের জন্য কটোর সংগ্রাহ করে নিজেকে কেবল বুধা পট্ট প্ৰদান কৰেছি, আন লে ভাৰ্ব কিছু আমাৰ ধৰ্মকৰ্ম ষ্প্ৰ ৰাণতিয়া ভোগের প্ৰমাণ্ড উনিট ছিগ না। সাধারণত, কুগণের ধন কথনও ভাকে সূপ প্রদান করে মা। ইহমগতে তা আবাকেরের কারণ হয়, আর তারা

মরো গেলে সেই কন ভাদেরকে নরকে প্রেরণ করে। একটুপানি খেত কুষ্টের দারে তেনন ফানুবের আকর্ষণীর দৈহিক মৌপর্যাকে নষ্ট করে দেয়, ঠিক তেয়নই প্যাতিয়ান মানুবের বাবতীর সুখ্যাতি এবং ধর্মপরারণ বাজির মধ্যে যা কিছু প্রশংস্কার ওপারেরী জেখা হার, তা সবই নট হরে যার কেবল এখটুখানি লোভের জন। সংগদ र्वेशार्कान, का लाक करत, क्ष्मंत्र करता, क्षमा क्षेत्रएक, बाग করতে, খ্রায় লোকসার হলে একং ভা ভোগা করতে নিয়ে, সমক্ত মানুকই প্রচাত পরিপ্রাম, ভার, উরোধ এবং বিভার্তি অনুক্তর করে থাকে। সম্পাদের স্বোহত অনুষ্ পর্নরটি অবাছিত ওলের বাবে বলুনিত হয় বেঞা, চৌর্য, বিয়েতা, মিধ্যু ভাষণ, কণ্টতা, ক্য়ে ছামন, ক্লোধ, বিপ্ৰান্তি, পৰ্ব, ক্ষাই, সক্রতে, অবিধাস, হিংসা, এবং স্ট্রীল্যেকের ছারা সংখটিত বিপদসমূহ। এই সমস্ত ওগাবলী অধ্যঞ্জিত হালও যানুৰ ক্ষাৰ্থক সেতালয় প্ৰতি মূল্য আবোপ কৰে। স্তরাং বিনি জীবনের প্রকৃত কল্যাণ কামনা করেন, তার কর্তব্য হচের অবাফুনীর কড ঐশ্বর্ব থেকে দুরে থাকা। মান্তবের হাতা, ভার্বা, পিডামাতা এবং বন্ধবার্কর, যারা প্তার সঙ্গে ক্লেন্ডের সম্পর্কে আবদ্ধ, এফর্মাক ভারাও একটি মুল নিয়ে শক্তম কটে ভংকলং জনের রেহের সম্পর্ক প্লি করে। সামানা কিছু অর্থের জনাও এই সমস্ত আশ্বীয়-করন ও বন্ধ-বাছর অতাত কিন্তু হরে তাদের ক্রোধারি কলে ওঠে। প্রতিকন্দীন মতো পুন সভগ ভারা প্রতিষ্ঠিত সম্পর্কের জাবাকো, সব তালে করে মুহর্তমধ্যে একে অপরকে প্রত্যাব্যাদ করে, হভ্যা পর্যন্ত করতে পারে 💾

"হারা দেবগণের প্রার্থনীর মনুব্য জীবন লভে করে প্রথম শ্রেণীর ব্রাহ্মণ ব্রহেণি প্রতিষ্ঠিত হতে পারেন তারা অভান্ত লৌজগ্যনান। তাল বলি এই ওকতপূর্ণ সুযোগের অবহেলা করেন, তবে উচ্চ নিতর উদের প্রকৃত সার্থ বিনট্ট করছেন, আর এইভাবে খাঁকা চরৰ দুর্ভাগ্য লাভ करका। चर्च करा मुख्य बारलन, वरे मनुश कीवन লাভ করে কোন্ মরগনীক ব্যক্তি জড় সম্পদ সাপ, অনর্থময় স্রগতের প্রতি বেজার আগন্ত হবেন চ কে ব্যক্তি ভার সম্পতির হৈব অংশীগার, কেমন--দেবণণ, चरित्रम, कुर्वनुक्रमान अवर मध्यतन कीएनता, चात (महे মঙ্গে ভান্ন জ্ঞাতিগোড়ী, কুটুৰ এবং সেই বাভি স্বাং—

ফাদের নিকট সৃষ্ঠভাবে বিভরণ করতে অসমর্থ হয়। সে তার সম্পত্তি কেবল বংগন মধ্যে সক্ষা কছছে হার স্বারা ভার পতন হবে। সুফেল সম্পন্ন ক্রডিরা ওঁচ্ছের কর্ম, বৌৰন এবং দৈহিক শক্তি সিদ্ধি লাডের জন্য উপজেগ স্বরতে সক্ষ। কিন্তু আমি বিবশ হয়ে, আরও অর্থের क्या शक्तीर करत और जनतार बुधा क्षणान करताहि। এখন আমি বৃদ্ধ, জার কী লাভ করতে গারব। যুদ্ধিমান বাজি অর্থ লাভের প্রচেটার ঝেন প্রতিনিয়ত কুগা ক্রেশ ভোগ করকোঃ বাস্তবে, সারা জগতই কারও মাদ্রা শক্তির পারা অভাক্ত বিহারঃ বে ব্যক্তি মৃত্যুর দারা কবলিত ভাৰ কৰু ধন অংবা ধন দাতার, ইনিয়েতৃত্তি অধব ইনিফেড়ির দক্তে, অধব সেই বস্তু, বা কেন প্রকার সকার কর্ম, আ ভার এই জগতে পুনরতে আরু প্রচণের कारण भाग हत, कार और जशक किशून की शहराकर !"

শৈৰ্বদেৰ সমন্বিভ পরৰ পুরুষ ক্বাংনে জীহুরি নিশ্চয় আমার প্রতি সন্তুষ্ট মূরেছেনঃ প্রকৃতপক্ষে তিনিই আমাকে এই ক্লেন্সায়ক অবহার আনলে করেছেল এবং আমাকে বৈবাগ্য অনুভব করতে বাধ্য করেছেন, যে বৈরাগ্য হচে আমাতে ভবসাগর থেকে উত্তীর্থ করার জন্য মৌকাররাপ। আমণ্ড জীবনের বনি কোনও সময় বাকী থাকে ভবে আমি ভণস্যা করে জোরপূর্বক একান্ত অপরিহার সৈহিক প্রক্রেম্পনের মাধ্যমে জীবন ধারণ করব। আর বিশ্রান্ত না হতে আমি আমার ক্রীবনের সর্বাসীন আক্রকল্যাপের জন্য প্রচেষ্টা করে। আত্মতাই থাকন। এইভাবে ব্রিভবন্ধে অধিষ্ঠাতাদেশনা বেন আনার প্রতি অনুপ্রধার্থক করাণা **প্রদর্শন করেন। কালেবে, বটাল মহারাজ মুহর্তমধ্যে চিম্মর ছণতে উপনীত হয়েছিলে।**"

ভগৰান শ্ৰীকৃষ্ণ কলকে অকলেন—"এইভাবে দুচ্চিত্ৰ হতে অবস্থী নগড়ের নেই পরম পুশ্যবান ত্রাহ্মণ তার হাবরগ্রহী সধল উল্লেচন করতে সক্ষ হরেছিলেন। তিনি তথ্য একজন বাস্তু মৌনী ভিকুক সন্ত্যাসীয় ভূমিকা च्यकाचन कर्लाहरूमा। दिनि कीर दुवि, देखिरायदम धरार প্রাণবারকে নিজেপে তেখে সারা বিশে করণ করেছিলেন। ক্রিকা প্রচালর জন্ম তিনি বিভিন্ন নগর ও প্রান্তা একা হয়ের ক্রান্তের। তিনি গুলি উল্লন্ত পরেমার্থিক পালের কোন क्रफा मा करार करा, धानराख निनय चनिकाठ दिवस ("

"হে কুলালু উদ্ধৰ, তাঁকে কৃত্ৰ, অৰ্থানচম চিলাৰ মেশে, অন্তর মেত্রেকরা ঠাকে মিডিরগুলে সমস্থান করন অপ্রধান করত। এই স্বত্ত ক্লেকেছের কেউ উপ্র স্থানের দণ্ড, **আখার কেউ** তাঁর ভিক্ষাপার রূপে কারলত কনওব ঋণহরণ করত। কেউ তার অভিন জ্বসন, কেট জনের মালাটি, আবার কেউ উল্ল ছেডা কাম্যা-কম্মল চুবি ক্রান্ত। তাকে এই সমস্ত লেখিয়ে জানার তিরিয়ে দেওয়ার মাত্র করে, সেওলো অবের দুকিয়ে রাখত। খখন তিনি ভান ডিক্সকৰ প্ৰসাৰন্ত আহাজের জনা নদীর ভীরে উপধেন্ত কাতেন, তথ্ন সেই সমস্ত পাণিষ্ঠ ফ্রান্তা এসে ভাগে গ্রহার করে নিত, আন্ত একনকি তার মান্তকে তারা পত দিতেও বিধাবোধ করত না। তিনি সৌনত্রত অনসংখ্য ক্যালেও, ভারা তাঁকে কথা ক্যাতে ডেটা ক্যাতে, ডিটা কথা সা বললে কায়া উনকে লাঠি লিয়ে প্রহার করতো। অন্যেরা তাঁকে 'এই লোকটি আগলে চোর'—বলে ভৰ্বেনা ক্যানো। আৰাৰ আনোৱা, 'থকে বাঁধ। প্ৰায়ে বাঁব।' কলে ভিংকার করে দক্তি দিয়ে কাখতো। এট লোকটি আসলে একটি ডঙ এবং প্রভাবক। ধা-সম্পত্তি হারতে, তর পরিবারের শোকেরা তাকে পরিতরের করার. সে এখন ধর্মের বৃত্তি অবলখন করেছে। এই গণ বলে তার। তাঁকে উপহাস এবং অপমান করতো। হেখ তিনি একলম মহা তেলারী মুনি। হিমালর পর্বতের মতো থৈবনীল। বক্ষের মতো প্রবল শৃতনিষ্ঠার সঙ্গে মৌন অবলম্বন করে তিনি তান লাখ্যে উপনীত হতে চেট্টা করছেন ।—এইকাপ বলে ভারা তাকে পরিহাস করতো। অন্যেরা ঠার প্রতি অধ্যেক্য ভালে করতো। থানার কেউ কেউ নেই বিজ ব্রাহ্মণকে পালিত প্রথম মতো তাঁকে লেকল দিয়ে বেঁধে রাখছো।"

"ব্রাহ্মণ বুরেছিলেন বে, কন্যান্য জীন কেন্দে প্রাপ্ত ঞ্জেন, প্রফৃতির উধর্বতম শক্তি থেকে এবং ঠার নিজ দেব থেকে—ৰা কিছু ক্লেল লাভ হচ্ছে, এ সকট জনিবৰ্ব, **दर्भमा के गर्दे दीव सार्थाव शिक्त। या गर्भत निव्न** শ্রেণীর সোকেরা ভার পত্ন ঘটানের চেটা করছিল, ভাষের দারা অপমানিত হলেও তিনি তার পারমার্থিক কর্তারো অবিচলিত বিলেন। সর্বতাবে কার নিটা বিদি কৰে তিনি এই পানটি গোয়েছিলেন।"

_{বাশ্বা}ৰ কালোম—"এই সমস্ত লোভেল আমাৰ সুখ ast হাতের কাগল নত। আবাত কেবছৰ, আমার কেলেই, গ্ৰহ নক্ষ্ম, আমার অভিতে কর্ম, স্বাধনা কাল্য অসীয়ে অস্কুলারে স্বমণ করে।" (कार्तीक तथा। येक्ट, मूच-मृत्य कीराज्य करा कार कीराज्य রাক্তর একমার কারণ হলে মন। পতিপালী মন প্রচতির ওপাবলীর কার্য সংক্রান করে, বা থেকে স্থা _{तम} क्रम स्टामकरमा सिविध भारतमा स्टाइ कर्यात क्षेत्रमहित আ। প্রতিটি জাপের প্রভাব হৈছে সেই কেই প্রকার জীতা। লালার উৎপত্তি হয়। আৰু সৈতে সংগ্রামী মনের সঙ্গে ব্ৰুক্তিত থাকণেও প্ৰমান্ত। কিন্তু নিশ্চেই, কেনে। চিন্তি ষ্ঠতিরব্যেট দিয়া জানমলোকে উল্লাসিত রয়েছেন। আমার এই ধরনের আচরণ করে এবং আচরিত হওরা হচ্ছে ৰছ মূপে আচনণ করে, তিনি গুরু মিব্য গগে থেকে কেংলই সাকী থাকেন, আৰি অতীৰ কৃত্ৰ চিত্ৰা সাহা, নভাত্তৰ আৰু ক্ষপানের প্রাণ প্রতিফলনকারী কর্মনের মতে মনতে আলিকন করে সংগ্রহ। এটাভাবে আমি করে উপর ক্রুত করেন। আধ্যা নিয়েই বনি সুখ-পূর্যের ভাষাবন্ধ ভোগে রঙ হয়ে প্রকৃতির ওপ সংসংগ ভড়িয়ে । কারণ হতে, তবে আমরা অন্যদের *ধোব নিতে পারতা*র পছেছি। জন কল্প, কঠাৰ সম্পাদন, মুখ্য এক সৌধ। না, বেহেতু ভাতে সুখ দুংখ হতো আছাল ৰভাব। এই বিধি-বিধান পালন, শাস্তব্যবণ, পুণা কর্ম এবং ওছি। সূত্র অনুসারে, একময়ে আরা ছড়া কোন ভিছুইই অভিড করনের জন্য ব্রস্ত—এই সকলেরই অভিন এবং চরম। কেই। কামশ্র বৃদ্ধি আলা শ্রন্থা করে করের অনুভব করার क्रम श्रम प्रयक्त प्रमान करते। वांश्रांत, प्रमान भवरमधात । क्रोंचे कति, प्रांत हा क्रूप हाता। मुख्यार, अर्थे धारणाध নিবিট্ট কর্মাই হচ্ছে সর্বচন্ত বোগ। মন বাঁদ সুগরভাবে। সুখ-দুঃখ বলি বাভবে মা-ই আছে, তবে আহরা একের নিবিষ্ট এবং লাভ বাতে, উত্তে আনুষ্ঠানিক দান এবং - উপর ক কগরের উপর ক্ষেত্র ক্রছ চুবাঃ প্রতেপ্তি রচের चनाना चुना चनुष्ठात्मत की अदयकन सदरहरू ? साह प्रम বনি অসংযতই খেকে বার, অজ্ঞান অস্বকারে মার থাকে, অনুমানের বিচার কালে, তা কলেও আয়ানের নিডা ডৰে জন্ম জন্ম এই সমস্ত ব্যবহাপনার কী প্রয়োজন। আত্মার সঙ্গে সম্পর্ক কোংলা। বস্তুতপক্ষে বা তিছু অনাদিকার খেকে সমস্ত ইন্তিরগুলি রাহেছে যনের ष्मवीति, बात का निह्न कवनत करात कर्ययाचीन एक না। সে পরম শতিকান ব্যেত্তত শক্তিশালী, আর তার। ভগবকুলা শক্তি ভবভর। সুভক্তা যে ব্যক্তি মনকে বশে আনতে পারেন, তিনি গোহামী হতে পারেন। হানর বিদারক, অসম্য বেগবান, দুর্বার শক্ত, মনকে বলে আনতে ন পেত্রে বছ লোক সম্পর্ণ বিভান্ত হলে জনানের সঙ্গে অনৰ্থৰ ৰক্ষৰ কৰে। এইভাবে ভাৱা সিদ্ধান্ত কৰে বে. অব্য পোষ্টের। হয় তাদের বন্ধু, নয়ডো তাপের শত অধন ভালের প্রতি উলাসীন। যে সভাল ব্যক্তি আড় মন থেকে সৃষ্টি দেহকে আমি বলে মনে কংগ্ৰ, ভাষের বৃদ্ধি প্রাণ নেই, বেছ সুক-মুগ্রবের প্রকৃত প্রাহক হতে পারে বা, অক্সে মতো, ভারা কেন্দ্র "আমি" আর "আমার"— আবার জড় থেব থেকে পৃথক, সর্বোপরি সম্পূর্ণ চিপ্নর

এই অনুসারেই ভিক্ত করে। মাহার কন্ °এইটি আমি বিশ্ব এটি অনা কেউ" এই কলে চিন্তা করের কলে ভারা

ঁথনি বল, এই লোভেরা কাখার পুথ বা পুরণের कारण, एस और शहलाह चारणह सुन (कारणह र और मुच-দুঃৰ আক্ৰাকে নিয়ে নৱ, য়া বছ কক কেছ সন্ধেয় মিপড়িরার জনা। তেওঁ হছি নিজের গাঁত নিবে নিজের জিহার কামত কো, তখন হলে কটের জন্য কার উপর সে কৃষ্ণ হবেণ কৰি কল—ইলিকেল অধিষ্ঠাত দেবকৰ দুয়াৰ্য কাৰে, তবে আছার উপর জা কিংহার বর্তার ং ক্ষেত্ৰতাৰ পৰিবৰ্তনশীল ইছিৰ এবং ভাৰেই অধিষ্ঠান্ত দেবগণের নির্ধন্তিকার কল। করম কেকো একটি কল অপর অসকে আক্রমণ করে, থকা ঐ কের দ্বিত ব্যক্তি আহাদের সুধ এবং বৃংখের প্রাথমিক কারণ—এই ৰূপাগ্ৰহণ করে, তার উপারেই তেবল প্রহৈত প্রভাব কার্যকরী হয়। এ ছডাও, অভিন্ন জ্যোতিহীকা কর্মন করেনে, কীভাবে এ৮০নিই একে অপজে যালার করেন হছে। সূতরাং, কীবান্ধা, প্রহণণ এবং কর বের থেকে ভিন্ন ইতহার কব্য, সে কার প্রতি ক্রোব আরোপ করবে চ 'खामता गनि धातना कति हैं। तकात कमेरी भूच अंधर দুংখের কালে, তথুও আ অংকা ছাড়াই বিচার করা হছে। হখন চিমার টেতন কর্মা এবং জড় দেহ এইবলৈ কর্মের মাধামে সুৰ একং দুংগোর ছারা পরিবর্তিত হতে পাকে, छचनेरे कड कटर्मर शामात छेडन घर**े। ११**११मा स्टार्ट

আস্বাও তা হতে পারে না। মেহে অথকা আসার কর্মের সর্বোপরি কোন ভিত্তি না খাকার, কার প্রতি ভবে সে কুন্দ্র হবে ৫ কালকে যদি আমতা সুখ-মু:খের কারণ হিসাবে প্রহণ করি, সেই ধারণতে চিন্তর ভাষের প্রতি श्रदाका गर, राज्या कार्य शरक कंपवादक विकट मेखिन প্রকাশ, আধান জীবন্ধ হয়েছে কালের মধ্যের প্রকাশিত ভাগবানের চিশ্বর শক্তি। অগ্নি নিশ্চর ভার নিজের শিখা মাথবা স্ফলিখকে পোড়ার না আবার লৈড্য তার নিজের কোমণ ওয়ার অথবা শিশা বৃষ্টির কতি স্থান করে না। राज्यत, सीम जन्म इराष्ट्र द्विजा, बाह्य का हराह सक जुन-ম্যানের উর্বো। ভাহলে কর রক্তি লে ক্রম লবে। নিজ্য অহকোর মায়ামর বন্ধ দলাকে বাস্তবাহিত করে, আর এইভাবে জাগতিক সুখ এবং মুখে অনুভূত হয়। জীব সন্ধা ভাৰণা অপ্ৰাকৃত, সে কথনই জোনও ছানে, কোন অবস্থার অথবা কোন ব্যক্তির মাধ্যমে জন্তবে জন্ত সুখ এবং পুথবের দ্বারা প্রভাবিত হর না। বিনি এই ব্যাপারটি উপদ্ধতি করেছেন, তার আর জড় সৃষ্টিকে ভার পাওয়ার ক্ষেত্রত করেশ নেই। আমি শ্রীকৃক্ষের শালগারের সেরায় দুটভাবে নিবিষ্ট হরে দুরতিক্রমা অকিন্য সমূত অতিক্রম করব। যে সমস্ত পূর্বাচার্য পরমালা, পরে পুরুষ

ভাগবালের ভাঙিতে মুচ নিষ্ঠ হরেছিলেন, তাঁদের খারা এট পদ্ধতি অনুমোদিত।"

ভগতান জীকৃষ্ণ কালেন—"সম্পদহারা হওয়ার প্র জনাসক্ত হয়ে এই খবি তাঁর বিষয়তা পরিভাগে করেছিলেন। পুহত্যাদ করে, সম্মাস গ্রহণ খারে তিনি পৃথিবী পৰ্যান করতে জন করেন। মূর্ব অসং সোলোচন করা অপমানিত হলেও তিনি ঠার কর্তবো অবিচলিত বেকে এই গানটি বেয়েছিলেন। নিজের মনের বিজ্ঞান্তি বাতীত সার কোন শক্তিই জীবকৈ সুখ-পূংগ অনুস্তর করার না। ভার বছর, নিরপেক দল এবং পঞ্জ জ্ঞালত অনুভৃতি ও ভার অনুভৃতি সৃষ্ট সমত সভবাদী জীবন হতেই কেবলই অঞ্চল্ড প্ৰসৃত।"

"প্রিয় উত্তব, তোমার বৃদ্ধিকে আফাতে সম্পূর্ণরূপে निविद्ये करत, बनरक जन्मभूतिर्थ निवदार्थ जानका कर। এতিই হলে জেল বিজ্ঞানের নির্বাস। বিজ্ঞান সম্বাত পরত জন, এই ভিন্দু গাঁত, গে কেউ নিজে প্রবণ করকে। বা অন্যদের নিকট পাঠ করে প্রবণ করকেন, এবং পর্ণ মনোনিকেশ এর ধ্যান করবেন, তিনি কথনও পুনরার স্থাত সুখ-পুঃশের মুক্তে বিমোহিত হবেন না 🗗

অধন প্রাণ

চতুর্বিংশতি অধ্যায়

সাংখ্য দর্শন

ভাৰেন ক্ৰিক্স কালেন—"এখন প্ৰাচাৰ্যসৰ কৰ্ত্ৰ সুষ্ঠভাবে প্রতিষ্ঠিত সাংখ্য বিজ্ঞান আমি ভোমনা নিকট ধর্মনা করব। এই বিভানে উপলব্ধি করে মানুষ ভবদ্ধপাব। ঋষ্ট বল্পের বিবাম ভাগে করতে পারে। আদিতে, কৃত্যুংগ, বখন সমস্ত মানুহই গারমার্থিক পার্থকা নিয়ালগে ब्याञ्च सक हिल, अन्तर छात्र शृद्ध शमरदात मध्या, मृन्। বয় থেকে অভিন্ন, দৰ্শক একা বিদ্যমান ছিলেন। কড

নিজেকে জড়া প্ৰকৃতি এবং সেই প্ৰকৃতিৰ প্ৰকাশকে ভোগকরী জীবরাপে বিধা বিভক্ত করেন। এই দুই প্রকার প্রকালের, একটি হক্ষে জড়া প্রকৃতি, যা হক্ষে সুন্ম কারণসমূহ এবং পদার্থের প্রকাশিত উৎলাগন সম্বিত। खनाडि शक्ष, ७७५ सीय जला, शक्ष खता शा (कारण)। ৰাড়া প্ৰকৃতি যথন আহার ইক্ষরে কোভিতা ইয়েছিল, তথন বন্ধ জীবেদের অবশিষ্ট বাসনাওলি পূর্ণ করার জন্য 🕶 শুনা এবং অবাঃ মানসপোচৰ সেই পরম সত্য । সরু রক্ত এক তম এই তিনটি ক্তাওৰ প্রকাশিত হয়।

্ৰাই সমত্ত তৰ থেকে মহৎ তত্ত্ব সময়িত আদি সূত্ৰ ক্রংর হয়। সহৎ তাৰের পরিবর্তনের মাধ্যমে জীবের रिवाडिय कारान, विथान आएशकात छैदना करविवन। সাধিক, রাজসিক ও ভামসিক এই ট্রিবিৰ চিম্বর এক का चार्यकात, मिरिक चनुकृति, देखित्रमध्य कार प्राना প্রকাশ ঘটার। ভাষসিক আহংকার থেকে উৎপর হয় লালা দৈহিক অনুভৃতি, তা থেকে উৎপত্ন হয় সুধ্ প্রকাশক্ষি। রাজসিক অহংকার থেকে ইপ্রিয়সকল ক্ষা সাধিক আহংকার থেকে এবংক্রণ কেবগরের উৎপত্তি টো। আমরে বারা কোভিড হবে এই সমত উপদান র্বার্থনিতভাবে সুঠরাশে কার্য করে ব্রহ্মাণ্ডের সৃষ্টি করে. বেটি হক্ষে আমার উত্তম নিবাস ভূল।"

"_{জামি} স্বরং কারণ **কলে** ভাসমান সেই অণ্যটির মধ্যে থাবিওঁত হঁই, এবং আমার নাডি থেকে শ্বন ক্রমার ভাষান বিধনামক গলের উৎপত্তি হয়। রজেওৰ ভারা গলাবিত ব্রক্ষাতের আত্মা প্রথম আমার কৃপার কঠেবে प्रथमा जन्माका करत एवं, सून्य धवर का नामक डिलाक এবং ভাষের অধিমেবগণের সৃষ্টি করেন। বর্গ প্রতিষ্ঠিত হয়েছিল দেশগণের নিয়াসের ক্ষান্ত ভূবর্ত্যেক ভূতপ্রেরদের बन्। चार प्राचाक शाक् भानुभ क्षा चनाना प्रका वीरवास्त सना, मुभुक्तन और जिल्लान डेरर्स डेनरीट হন। মীরেকা পৃথিবীর নীচের অংশটি সৃষ্টি করেছেন অসুর এবং নাগ্যায়েশয় জন্য। এইভারে প্রকৃতির বিশ্বশ বারা প্রভাবিত হয়ে, সম্পাদিত বিভিন্ন বরনের কর্মের সংশ্ৰিষ্ট প্ৰতিট্ৰিকা অনুসায়ে ব্ৰিত্বনের বিভিন্ন স্থানে শ্বীবের শতি নির্ধারিত হয়। বোগ, কঠোর তপদ্যা এবং সহাসে আশ্রম অবলম্বনকারীদের ওক্ত পতি বৃদ্ধ মহর্লোক, सनरनाक, श्राटभारमाक अवर जलारकारक। किय ভলিয়োগের করা জন্ত আমার দিও ধারে উপনীত হয়। খালকংশ আচরশকারী, পরম কর্তা আমার বারা এই কগতে সমস্ত্র সক্ষম কর্মের কল ব্যবস্থাপিক হরেছে। धरेजात कीन शक्जित अवस सनाहारका स्मीएड, कबनत কেশে ৩ঠে, আবার কথনত নিমক্ষিত হ**ই**।"

"এ জগতে কুপ্ত অধন বৃহত্ কুপ অধন বুল, জ कि मिक्ट एस-जब किन्दे हराद कड़ा अवृद्धि बनर তাৰ ভোকা জীবাৰা সমন্বিত। আদিতে কৰ্ণ এবং মৃতিকা উপাদান স্নাপে ব্যৱছে। স্বৰ্ণ থেকে জামরা বাজু, वर्णकृष्ठमानि वर्णमाचात निर्माण कारक नाति धवर पृष्टिका থেকে আমরা মৃৎ পাত্র বা রেকাবী ইত্যাদি তৈরী করতে পারি। আদি উপাদান কর্ম এবং মৃতিকা, আদের কারা चेरशांबित का गूर्व (शतको अरवस्, शांवात धनन উৎপদানশুলি কালক্ৰেকে নউ হয়ে যাবে, ভাৰন আদি উপাদ্দ, কর্ব এক, মৃত্তিকা থেকে মাথে। এইভাবে আমিতে এবং ছাতে বন্ধা উপাদ্যনগুলি বৰ্তমান থাকে, তার মধ্যেও অর্থাৎ হে সমতে তা থেকে বিশেষ কেন উৎপালন, বাকে আনন্ন সুবিধায়তো বাজু, কর্ণকৃতল, পার বা মেকাবী ইন্ড্যাদি বিশেষ কোন নাম প্রদান করি, সেইজনে নি-চর থাকবে। অভনার আমরা কুমতে পারি (व. Фरनामन मृद्धित गृद्ध्वं अवर काल विनात्मत गहरूव यपि উপাদান কাৰণ বৰ্তমান খাকে, তবে প্ৰকাশিত পৰ্যায়েও নিশ্চয় ভা উৎপাদনটির প্রকৃত ভিন্তি রুপে উপস্থিত বাকৰে। মূল উপাদেনে নিৰ্মিত একটি জন্ত বন্ত, জনান্তরের মাধাকে জন্য একটি কড় বন্ধ সৃষ্টি করে। এইভাবে একটি সৃষ্ট কর অন্য একটি সৃষ্ট করের করেব এক ভিত্তি হয়ে খাতে। আদি-অন্ত সমন্বিত অন্য একটি বস্তুত মুগ্ৰ স্বাভাবহন্ত কোনও বিলেৰ বস্তুকে ব্যস্ত্ৰৰ কৰা বার। আদি উপাদান এক ভারিন পর্যাবের স্বভার বিশিষ্ট ক্ত ইক্ষাণ্ডকৈ বাস্তব মনে করা বেতে গারে। কলেশন্তির ছাত্র প্রকাশিত প্রকৃতির বিহাম বুল হচ্ছেন ভগবান মহাবিকাঃ এইভাবে প্রকৃতি, সর্বশক্তিমান বিকৃ এবং কাশ, পরম অনিমিশ্র সভ্য, আমা হতে অভিন।"

. 200

"পরা পুরুষ ভগরান বতাকা প্রকৃতির প্রতি ইক্স করে চলেন, অভকাই কৃষ্ণ এবং বৈচিত্রামর জাগতিক সৃষ্টি প্ৰবাহ একামিক্ৰাৰে প্ৰকাশ কৰাৰ মাধ্যমে কড জগতের অভিৰ বর্তমান থাকে। বিভিন্ন লোক সমূহের नुमाः नुमाः मृतिः पुरिष्टे अवर शास्त्र माधन करात साधारमः অসীয় বৈচিত্রা প্রদর্শনকারী, বিবাটকাপের আধার হর্মি আরি। মুশতা সূত্র পর্বাচে সমস্ত লোক সমস্বিত আমার বিবটিকার, পাক উপাদ্ধনের সময়েরে সামঞ্চলা বিধান করে স্ট ভাগতের বৈচিত্রা প্রকাশ করে: প্রসারের সময় खीरवर प्रचंदमध् चर्चा विनीन इस: चता नरमा विनीन হয়, এবং শস্য ভূমিকে বিনীন হয়। ভূমি সৃষ্ট্ অনুভূতি परंच किरीय इतः मृतक करन रिनीन इत, अरर कन আবার তরে নিজ তৎ, বলে বিলীন হয়। রুগ বিলীম 303

হয় অগিতে, তা আকা কলে বিলীন হয়। রাল বিশীন হয় স্পর্লে, এবং স্পর্লে বিলীন হয় আকালে। আকাশ শেবে বিলীন হয় সম্পানুষ্ঠাকতে। তে মহানুক্তর উজ্জন, সমস্ত ইপ্রিরগণ ভালের নিজ নিজ উৎস অভিনেশগরের সঙ্গে, আল ভারা নিয়ামক মনো সঙ্গে বিলীন হয়, ভা আবার সাছিত ভারবকারে বিলীন হয়। স্পন্ন ভারদিক অহংকারে এবং প্রথম ভৌতিক উপাদান সর্বশন্তিমান অহংকার এবং প্রথম ভৌতিক উপাদান সর্বশন্তিমান অহংকার সমগ্র অভা প্রকৃতিক বিলীন হয়। মিণ্ডলো প্রথমিত আধার, সমগ্র জড়া প্রকৃতি ওপের মধ্যে বিলীন হয়। প্রকৃতির এই ওপভলি ভারপার প্রকৃতির অঞ্জানিত রাগে বিলীম হয়। এবং সেই অপ্রকৃতির অঞ্জানিত রাগে বিলীম হয়। কাল বিলীন হয় গর্মেকরের সঙ্গে, বিনি

সংক্র থয়াপুরুষ, সমস্ক শীকো আদি কার্যকারক প্রত্নপ্র কর্যকা। সমস্ক কার্যকের আদি—অর্থা, পরমাধা, একাই আছাই হলে আদিত আমাতে কিনীন হল। ওলি জেকেই সমস্ক সৃষ্টি একং ধানে প্রকাশিত হল। সূর্যোলয় কেমন আকাশের অকাশার দূর করে, তেমনই, দুলামান কথাতের প্রদায়ক বিজ্ঞানসমতে জান ঐতাত্তিক করেণ মানার মারামার কর কিনুত্রীত করে। ওলৈ ইনরে কথানও মারা প্রকেশ কর্যকার, যা সেখানে বাক্তিক করে। ওলি ইনরে কথানও মারা প্রকেশ কর্যকার, যা সেখানে বাক্তিক করে। এইতাতে করে এবং তিশনে সমস্ক কিনুত্রী করে। ওলি ইনরে কথানও মারা প্রকেশ কর্যকার, যা সেখানে বাক্তি করে। তার ক্রিক এবং প্রদায়ে বাক্তি ইন, সেই সৃষ্টি এবং প্রদায়ের বিজ্ঞানিক বিল্লেবদের বানা সম্প্রেকর প্রতি বিল্ল হয়।"

* * *

পঞ্চবিংশতি অধ্যায়

প্রকৃতির ত্রিগুণ ও তদুর্ধের্ব

প্রমেশ্র ভগবার কাল্যে—"টে প্রথপ্তেট, এক একটি ৮৬ ওপের সংখ্যমের হারা জীন কীভাবে বিশেব কোন স্বতাৰ লাভ করে, ভা এখন আমি ভোমার নিকট বর্ণনা করব, অনুত্রহ করে তা কবেশ কর। ফলসংযায়, সহিষ্ণতা, পার্থকা মিরুপল, নিজ কর্তব্য-নিষ্ঠা, সভ্যবাদিতা, মা, আঠাত এক ভবিবাজ্যে সভর্ক অনুশীলন, ৫ে কেন অবস্থার সন্তটি, উদারতা, ইত্রিরভৃতি বর্জন, ওরুদেকের প্রতি বিশাস, খরোল কাজের জন্য কল্ডিড বোধ করা, मान, नदमला, किन्द्र क्रांक चाचलडि क्रोडे मामले बर्राव्ह সম্বর্ধণের লক্ষ্য। স্বভারনের, ছতিরিক প্রচেষ্টা, স্পর্যা, লাভ কর সন্তেও অসন্তাট, বিধ্যা পর্ব, জাগতিক উল্লভির ছব্য প্রার্থনা, সিজেকে জনাদের থেকে ভিন্ন এবং **इ**स्कृष्टेडर वर्ग पट्ट क्या, देखिएशर्ट्स, गुरका श्रीठ शहर । আচহ, আৰু প্ৰশংসা ভাৰতে ভালো লাগা, জনানের প্রতি উপপ্রস করার প্রবণতা, নিজের স্বামতার প্রচার করা এবং নিজপত্তি সম্পাদিত কর্মের ওপগদ করা—এই সমঞ

হাছে গ্রেভাগণের কার্যণ। অসহা কোষ, কৃণাগা, লান্তর্বহর্তৃত কথা কলা, হিলো বিছেম, পরগাছের মধ্যে জীকা ধানন, বাহথেয়ালী, ক্লারি, কলা, অনুশোচনা, মেহ, অসহারি, হতাশা, অতিবিক্ত নিলা, মিবা, আন্ব, ভলা এবং আনসা—এই সমত হলে ত্যোওগার ইখন প্রথম গালা। এবার ক্লিডাগার বিরাণ সংক্ত কবা করা।

"তির উদ্ধ্ "আমি" এবং "কর্মার" এই মনোভাবের মধ্যে মিগুণের সমধ্যর বর্তমান। এই মাণ্ডের সাধারণ আদান প্রমান, বা মন, ভাষার, ই নিয়ে সকল এবং ভৌতিক লেহের প্রাণ বায়ুর দারা সাধিত হয়, এই সবই ভণাবলীয় সময়ব ভিত্তিক। যাখন কোন বাজি নিজেকে দর্মকর্ম, আর্থিক উন্নয়ন এবং ইপ্রিয়ভর্গলৈ নিয়েজিত করে এবং ছার কলে যে বিভান, সম্পদ্ধ এবং ইপ্রিয় উপজোগ লাভ হয়, ভা জড়া প্রকৃতির মিগুলের সংযিত্রপার কল প্রদর্শন করে। যথন কেউ পারিবারিক জীবনের প্রতি ভাসক্ত হয়ে ইন্সিয়ভূতির বাসনা করে, ভারে সেইজনোই ধ্রীত এবং পেলাগত কর্ত্বো অধিতিত হত, শুক্তর ধ্রুতির ভগবেলীর সমসম প্রকালিও হয়। বে ব্যক্তি ধ্রুতির ভগবেলীর সমসম প্রকালিও হয়। বে ব্যক্তি ধ্রুতির ভগবেলী প্রদর্শন করেন তাকে সমুক্তপ্রধান করে বুলাগতে হবে। তেমনই, রাজাগত গোকার হেন করা আর কমে বাসনার হারা, এবং ক্রোথানি ওপাবলীর বালা ভামাওলে আছের মনুহাকে আরা হার। বে জেল বালিকর্তিক হয়ে তার আনুমোলিত কর্তবা আমার প্রভা করে বালিকর্তিক হয়ে তার আনুমোলিত কর্তবা আমার প্রভা করে প্রাক্তিক বিশ্বানের অনুমানিক কর্তবা আমার প্রভাব করে প্রাক্তিক বালা করে তারে মানুমানিত ফার্তব্যের হারা জাগতিক বালের হারা আমার ভালার করে করের আমার ভালার করে তাকে রাজানিক করেবের হার বালার আমার ভালার করেবের হার আমার ভালার করেবের হার বালার বালার হার করেবের হার বালার বালার বিশ্বান বালার বালার বিশ্বান বালার বালার বিশ্বান বালার বালার বালার বালার বালার বিশ্বান বালার বিশ্বান বালার বালার বালার বালার বিশ্বান বালার বালার বিশ্বান বালার বালার

"मह, इस कार का-शकृष्टिम करें दिवन क्रीरमशास्त्र श्रमारिक करा, किन्नु व्यामास्त्र स्त्र । अस्त्र ছাও প্রকাশিক হয়ে সেওলি জীবালাকে জড়গেছ এবং ক্ষমনা সৃষ্ট বন্ধর প্রতি জ্ঞাসন্ত হতে বন্দেভিত করে। এইতাৰে জীবাধা আৰম্ভ হয়। কমা প্ৰকাশক, তাফ এবং হালানা সৰ্বাণ, রঞ্জ এবং ভয়োগ্রাণার উপর বিভাগ প্রাপ্ত रह, रूपन शानुष সूष, नाप्तमीरिंड, खांध द्वर खनाम कर् ওবাকনীর খলা ভূতিত হয়। যাকা আসন্তি, বিকেন এবং কর্ম সৃষ্টিকারী রয়োতণ, অমেতণ এলং সম্বতদের উপত নিজৰ মাধ্য হয়, তখন মানুৰ সম্মান একা সৌচ্চাধ্য কৰ্মনে জন্য কঠোৰ পৰিত্ৰথ কৰতে ওৱা কৰে। গ্রহীকারে মাজাগুলের প্রভাবে সে উদ্বেশসূক্ত সংলাম করে চলেঃ বৰুৰ ভাষেত্ৰৰ, কল এক সমূত্ৰণকে পক্ষত কৰে, কল কা মানুবের শুভনকৈ আবৃত করে তাকে নিরেট ভ মূর্য পরিণত করে। মাত্র এবং অনুপোচনাত্রও ইরে কল সে ত্মোওণে অতিহিক নিজা আৰু, হিখ্যা আশা क्टा हरण, क्ष्य करातम्ब श्रन्धि विरुक्ता शमकी कटा ।"

তিতনা বধন কর এবং ইপ্রিয়ণ্ডনি কড়ের প্রতি ভাষণত হয়, তথন তিনি কড়লেহে তর্মশূলাতা এবং মনে ভাষণতি তনুভূব করেন। এই অবস্থাকে চুনি সর্বতাল্ড প্রভাব কলে জানকে, বার মাধ্যমে আমাকে উপলব্ধি ক্ষার সুযোগ লাভ হয়। তাতিরিক কার্যের জনে বৃথির

বিকৃতি, জড় বল্ল খেলে বিজেকে হুক্ত ৬ গড়ে ইপ্রিয়নুভূতির অক্ষাত্তা, কৈতিক কর্মেন্তিত্যনির খাসুহ অবহা, এবা আছির মনের তিহান্তি—এই সকল লক্ষণকে ভূমি মানোওখ বলে জানারে। যাকা কারও উপ্ততের চেতনা বার্থ হয়ে বিকৃত্ত হয় এবং প্রকাশকে মনোনিবেশ কারতে অক্ষম হয়, তর্কা ভার মন বিজেক হয়ে অক্ষাতা এবাং হুড়াশা হাকাশ করে। এই অবস্থাকে ভূমি উমেণ্ডশের হাধান্য কলে জানারে।"

"ছে উভাই, সভাওৰ বাৰ্ষিত ছাওৱার সংস্থা সঙ্গে নেবগণের বল বৃদ্ধি হয়। বর্থন রয়েরাগ্রন্থ নঠিত হয় তথ্স অসুরাদের পরি বর্বিত হা।। আর ভাষেতক্ষে বৃদ্ধির সংগ সঙ্গে পাপিষ্ঠ লোকেনের পঞ্জি বৃদ্ধি হয়। আমাদের বৃথাতে চরে যে, সচেওম মারের অধকা আনে সক্তম থেকে, স্বপ্ন সহ নিয়ে আনে মুলোকৰ থেকে, এক পতীৰ বধারীন নিয়া আনে ভনোত্তর থেকে। এওনার চতুর্য পর্যারটি এই তি-টিকে বাধ্র করে এবং ওা হতে দিবা। বৈদিক সংশ্বতিৰ প্ৰতি নিৰ্মেণিত প্ৰাণ বিভান ব্যক্তিগৰ সম্বর্জের হারা উক্ত থেকে উচ্চতর পর্যারে উপনীত হুন। পক্ষাপ্তত্ত অসমগুৰ কীমকে মিছ খেকে মিছকা মোনিছে প্রিত হতে বাধ্য করে। আর স্কুঞাওণের হারা সে অনুষা কেছের আধানে পরিবর্তিও হতে আকে। আরা মন্বতলে ইহ কাৰং ভাগো করে, ভাবা শর্মলোকে গমন करत, बांदा श्रक्तांत्रात (पश्काप करत काता बन्दा জনতেই অংশুল করে, এবং হারা উম্পেশুল সৈত আগ বৰো জাৰ অধনাই এবকে গ্ৰাম করে বাকে। কিন্তু মরা প্রকৃতির এই দ্বিওপো প্রভাব খেকে বৃক্ত, ভারা আমান নিকট আশবন করে। ফলাকাশকা বা করে জামার उत्तरमा निरमिक कर्मक गाविक स्टम कुंबरक रहेंगे। কল কোণ্ডের বানৰা নিয়ে সম্পানিত কার্য হচ্ছে तामाधनी। चार दिखना कार दिश्यक समा चाहित स्ट সম্পাদিশু কর্মা সবিভ হয় ওয়েওলে? অবিনিধ অস হতে সাধিক, ক্পডিডিক আন হাত্ৰ প্ৰজেপৰ সমূত এবং মুর্থ, জাগতিক জান হতে, তনোকগভাত। আমার স্প্রতিত জান, কিছু, অপ্রাকৃত হবে জানাবে। বনে বাস করা সাহিত, নহরে বাসক্ষে ব্যেতেণ স্পাছ, পুত্রেনিজ্ঞান ভতেতার প্রদর্শন করে, এখা আমি যে স্থান যাস মন্ত্ৰ লেখানে জন মরা ধ্যমে ওপাতীত। আনন্তি

মুক্ত কৰ্ম্য। সাহিত্য, যান্তিগত ৰাসনাৰ দ্বাৰা কৰু কৰ্ম্য। হলেণ্ডণী এক বে কঠা কীভাবে ভুল খেকে ঠিকভাবে বলতে হয় তা সম্পূর্ণ ভূলে গেছে যে তমেওলে প্রয়েছে। কিন্তু যে কঠা আমার আত্রর প্রশে করেছে আকে প্রভৃতিব তবের উর্বে বলে কুমতে ছবে। পারমার্থিক জীবনের প্ৰতি পৰিচালিত জ্বছা সন্বওগ সমন্তিত, সক্ষা কৰ্ম ভিত্তিক শ্রাছা হলেই রজেন্ডের সম্পন্ন, অংগমিক কর্মে রত প্ৰথা হলেই ভয়োওৰ সম্পন্ন, কিন্ধু আমাৰ প্ৰতি ভতিবোগে বুক্ত থকা হর্মে বিশ্বস্ক রূপে গুণালীত। বাছ্যকর, ৩% এবং জনারাস লঙ্ক খাদা বস্তু সম্বতণ সম্পন্ন, বে খলা ইত্রিয়ওলিকে ভাংকবিক সূব প্রথম করে তা বঙ্গে রক্ষোওগ সম্পান, এবং অপরিক্ষা ও পুঃশক্ষক খাণাবস্তু হচ্ছে ভয়োওণ সম্পন্ন। খালা থেকে উৎপন্ন সুখ সম্বওশ সম্পন্ন, ইন্দ্রিয়তৃত্তি ভিত্তিক সুথ হছে রাজসিক, এমং মের ও মধ্যপত্তন মূলক সুধ ইক্ষে উয়োগৰ সম্পন্ন ৷ কিন্তু আমায় মধ্যে যে সূত পাৰু করা যার ভা হকে ওপাঠীত। সুতরাং জড় হবা, হুন, কর্মের কল, কলে, জাল, কর্ম, ফণ্ডা, স্লাখ্যা, চেতন্তর স্কর্ ষ্ঠাকের প্রকাতি এবং মৃত্যুর পর গতি—এ সমন্তই স্কল প্রকৃতির ডিঙৰ ভিডিক।"

এবং জন্ম প্রকৃতির মিখন্তিরা সম্পর্কিতঃ দৃষ্ট, ১৯০০ অথবা তার মনে মনেও এই রূপ ভেবের সমশ বা মনং चक्का (ककाई भाग सहा कानुशिक, याँदे शाक ना रका, करत सा।"

নেওমি নিমেশেরে প্রকৃতির তা সমার্ত। মে শ্বন উদ্ধা, ৰাড়া প্ৰকৃতির ওপ সমূত কর্ম গোকে কয় জীগনের বিভিন্ন পর্যায় উৎপত্ন হর। বে জান মন সম্বত, 🚵 ওপাক্ষীকে জর করতে পারে, সে জান্তবোগের জনায়ে নিজেকে আমান প্রতি নিকোন করে, আমার ক্বল চচ য়েম অর্থন করতে পারে। সুভরত, পূর্ব কান অর্থনের সুৰোগ সম্বিত এই মনুহা জীবন লাভ করে বিচক্তা ব্যক্তিদের উচিত নিজেনের থক্তির ওপজত সমস্ত কর্ম্বর থেকে মুক্ত করে ঐক্যন্তিকভাবে আমার প্রেমার্থী) দেখার বিরোজিত ক্থার। অবিহার, সমস্ত জড় সম মৃত, জানী ৰাজিৰ উচিত ভার ইজির দক্ষ করে আহার উপাসনা ক্ষা। নিজেকে কেবলমান সান্তিক কর্মে নিজেজিত করে রজোওর এবং ভয়োওবকৈ হার করা ভার কর্তবা। ভারণার, ভক্তিবোগে নিবিষ্ট হরে গুণাবলীর প্রতি উলসীন হওয়ন্ত্র মাধ্যমে সংখু ব্যক্তির জাগতিক সম্বত্তশক্তে জয় করা উচিত। এইভাবে শক্ত মনে প্রকৃতির ওপ থেকে মক্ত হতে জীবাদ্যা, তার কম মশ্যম কানেটিকেই পরিত্যান करत चांत्रारक शांध हुए। सक् छ्राटना साट सन अस अकृष्टित स्थायलीत मृष्कु यसन (धरक मृश्व रू.स. सीन পাথর দিব্য রূপ অনুভ্য করে সম্পূর্ণরূপে সহাত্তি লাভ "হে পুৰুষ ক্ৰেষ্ঠ, স্বাগতিক সৰ্ব জাই ভোজা আৰু। কৰে। সে বহিলেল শক্তির মধ্যে আন ভোগের অনুসক্ষা



বড়বিংশতি অধ্যায়

ঐল গীত

প্রফেশ্রর ভগানে ধললেন—"কেট আমাকে উপল্ভি করার স্থানার সম্পন্ন এই ফর্যা জীবন লাভ করে, জানার প্রতি ভবিত্যালে অধিভিত হলে যে সমস্ত আনস্থের আধার, প্রতিটি জীবের হনেরে অবস্থিত সমস্ত কিছুর পরহার। আমাকে হার হয়। বিনি নিরাক্ষানে অধিষ্ঠিত

হয়েজে, তিনি জড়াগুক্তির ওপসমুভ মিধ্যা পরিচিতি পরিতারে করে বছজীকা থেকে মুক্ত হবঃ এই সকর উৎপাদনগুলিকে কেবল মান মানাসকত হিসাবে দর্শন করে তিনি সে সমন্তের মধ্যে প্রতিনিয়ত অবস্থান করেও প্রকৃতির ওপসম্বাত করন থেকে মুক্ত **পা**রেন। প্রকৃতির

entaff এবং আ খেকে উংগত্ত কোন ভিত্নই যেত্রত ক্রপ্রব নয়, তিনি স্থেলি ইংকার করেন না। বারা ভারেন हन्य अन्य केन्द्रांक पृत्त कटाड केन्स्सीकृष्ठ, कन्नात নের সমন্ত্র প্রভারতীকের সংস্থা মেলা উচিত নব। তারের क्ष्मात्रम् कराण अक्षम्य चर्चत चात्रं अक्षमः चत्र्म অনুসরণ করার মতো সে গভীরতম অঞ্চার মতে পতিত হৰে।"

লের্জেপেন। প্রথমে তিনি তার স্থী কিলীর সম থেতে ৰ্যাধান হৰে বিভান্ত করে পড়েছিলেন। কিন্তু ঠার শোভ সংবরণ করে তিনি জনামান্ত অনুচ্ব করতে ৩ঞ করেছিলেন। উর্বশী কথম তাঁকে তাগে করে চলে হাজিলেন, তথন রাজা পাশলের মতো নাং অবস্থার উন্ন পিছু পিছু ধাওল কৰে জাঁকে গাওঁৰ আৰ্তি সহকাতে, 'হে बाबी, दर करावसी अपनी। जन्मात् कट्ट बोकाव। बट्टा (कटकहिट्नान) देव बच्छत बाह्रा होता भूतहेव असूत बहुत বৌন আনৰ্ক উপচোৰ করেও ডিনি এই ক্লগ কৰা ভোগে ভূপ্ত হতে প্যক্রেননি। শুর মন উর্বনীর প্রতি क्षव्ये व्यक्ति हिन (व. कीकान बादि कामाई क्या बाटक তিনি কিছুই কুমতে পারেননি।"

धानता इत्तरिकाम। यहे एन्दी धामात चालिका करत আমার প্রদর্শে ভার করণে রেখেছিল। অসমর হারত ক্ষমকাশনার দ্বারা প্রতই কব্যবিত হয়েছিল বে, কীতাবে আমার স্থাবিক অভিবাহিত হতে, সে সম্বন্ধে কোন রক্ষাকে সর্গরণে দর্শনকারীর মধ্যে হতেছে।" ধারণাই ছিল নাঃ সেই রমণী আমাকে এফনই ভাবে প্রকারিত করেছে বে, আমি সুর্যোগয় অথবা সূর্বান্তও করেছ र्काजि। शतः, कर वस्त रहतः, प्रापि चामातः विस्तृति वृक्ष অভিবাহিত করেছি। হার, আমি একশ্রন মহান সপ্রাট, বিশের সমস্ত রাজাদের মৃকুটমনি প্রমেও মেহ্ জানাকে কীতাৰে সমনীয় হাতের ক্রীড়ামূপে পরিবত করেছিল: পরৰ ঐশ্বৰ্যনালী, ভেজৰী সম্রাট হওয়া সংৰও সেই রবনী আরক্তে ভূলবন্ড অপেকা নগণ্য জনে পরিভাগ করেছে। তবুও আমি নির্লক্ষ হরে নগু অবস্থায় পাগলের মতের কল্পন করে তার অনুসরণ করছিলাম। খেলে কেলবে, তাদের সম্পত্তি। এটা কি অভাবে পৰ্ণতী খেমৰ পৰ্বতেই যুগে পাৰি মানে, তেমনী সেই রথণী আমাকে ত্যাপ করে থেলেও আমি তার পশ্লেমকে

শ্বেভিলান আমার তথাকথিত রাজার বিবটি প্রভাব, এ সমন্ত দক্তি তোগায় ৷ উচ্চ লিক্ষা, তপশ্চর্যা, বৈবাগা, শাক্তর্যা, নির্মনে বাস মৌন ইতাদি পজেন করা সংহও, मन र्राव दक्षीत द्वाता चलकाड क्षत्र, टर्ड ६७ मध्य কলৰ কী প্ৰয়োজনং আমাকে ধিকং কৰি এতেই মুৰ্ব বে, কিসে আমার কল্পে হয় তাও জানতার বা, অধ্য নিজেকে প্রবৃত্তরে অভ্যন্ত বৃদ্ধিমান বলে ভারতাম। শনিস্বার্ণিক সানটি বিখ্যাক সমটি পৃষ্ণকথা ভগবানের মতো উর্ত পদ প্লান্ত হয়েও বলদ বা গাধার মতে আমি মিজে রমশীগণের বারা সকত্ত হতে হাজী ইংছে। অধিশিবার বৃত্তাকৃতি লিয়ে কেন্স অধিকে ক্তনত নির্বাণিত করা যাত্র না, তেমনই টুক্লীর অধ্য নিস্ত তথ্যক্তিত অনৃত, বহু বংসর ধরে পান করেও, আমাই হাদরে কাম বাদনা কার কার কেশে উঠেছে, আই তা কৰনও সন্তুষ্ট হচনি। সার্বনিতার করা জলহাত লাম্য চেতনাকে একমান আভানান শবিগদের প্রতু, লাচু ইছিলটাত পরম পুরুষ ভরতা ছাড়া আর কে রক্ষা করতে সক্ষমঃ আফি আমার বৃদ্ধিকে বিশংগ চালিত হতে অনুযোগন করার ফলে এবং ইন্ডির সংযুদ্ধে ছাঞ্চত্র ইওরার, উঠনী বয়ং আনাকে সুক্রর বাক্সে জনী পরায়র্গ চলান করা সংখ্যে, আমার মল খেকে মার মোহ বিনুদ্রীত য়াজা ঐশ বদকোন—িব্যার, আমি কত গভীর মেতে । হানি। আমিই কমা আমার প্রকৃত পারবর্গিক কঠাব দম্পর্কে অঞ্জ, তখন আমার দুংখের জনা ভারে (উর্বনীকে) কাঁজেরে ধোনারোগ করবং আরি আনার ইন্সির স্বেম্ তরিনি, ভাই আমার অবস্থা একন, অহিংস

্ত্ৰই কৰ্মুবিত শ্ৰমীনটিই বা কী—জীকা নোৱো সাহ দুৰ্গছমৰ, তাই মাং আমি ৰমণীদেহের সুগতে আর সৌশর্মে আকৃষ্ট হরেছিলাম, কিন্ধু সেই সমস্ত ভগাকবিত निक्कति की की। शक्ति इस्क अला गृह अक्न আবরণ হয়ে। সেহটি বাস্তবে করে সম্পত্তি, তা কথাই নিৰ্বাচন করা বাব ম। এই কি ক্লম বাতা লিভানাতার, তার আনন্দ প্রদায়িশী স্থাঁর কাবক ভার মানিত্তর হিছি ইঙ্গামত দেহটিকে আনেশ করেন : এটি কি চিতার অভেনের অথবা কৃত্ত ও শুগালামের, করা শেষে সেটি ধনবাসকারী আকার, যে ভার সুখ-সুঃখ্রে ভারী হয়, অথবা এই দেহটি কি উৎসাহ এবং সহারতা প্রদানতারী তনিষ্ঠ ক্রুণেরং নিশিস্তভাবে দেছের অধিকারী নির্থারণ মা করেই, মানুৰ এই বেছটির প্রতি জীবলভাবে আগভ হয়ে পতে। ভৌতিক লেহটি হছে একটি নিম্নতি সম্পার, কলুবিত ভৌতিক রূপ মান, তবুও বধন কোন পুরুষ মানুৰ, কোন রামণীর মুখমওলের নিকে দেখতে আকে, তথন নে ভাবে, "মেয়েটি দেখতে কত সুন্দর। ভার নাকটি বভই মনোহর, আর দেখ কত সুন্দর ভার মৃশু ছালা!" বে সমন্ত মানুষ বর্ম, মানে, মভা, ছার, চর্মি, মজান, অছি, বিষ্ঠা, মূল এবং পুঞ্জ সমন্থিত ক্রুদেহতে ভোগ করতে চেটা করে তাপের মধ্যে ভার সাধারণ কৃমিকীটেন মধ্যে পার্থকা কোধানাং"

"দেহের বথার্থ স্বভাব ভাত্তিকভাবে উপনাধি করকেও, আমাদের কথাও শ্রীলোর অথবা ক্রৈনের সলে ইন্ডিরভোগা ইচিত নর। মোটের ওপর, ইন্সিরের সলে ইন্ডিরভোগা বস্তুর সংযোগ হলে মন অনিবার্যভাবে ভোভিত হয়। অদৃষ্ট যা অক্ষত কোন কিছুর দ্বারা মন বেহেতু কিলিত হল মা, তাই যে বাজি বারা অত হৈল্রেরভাকিলাও থেকে করেন, তার মন আপন্য থেকেই জড়ভার্যকলাও থেকে বিগত হয়ে শান্ত হথে। অতএথ ইন্ডিরগুলিকে কথনও অধারে দ্বীকোক অথবা ক্রৈণ্ডের সাথে ঘনিও হতে পেওয়া উচিত নয়। জানী ব্যক্তিরাও বানের মনের বড়বিপুকে বিশ্বাস করতে পারের না, ভবে জানার মতো মুর্বলোকেনের আর কি কথা।"

পরমেশ্বর ভগবান বলগেন—"এইজাবে বানটি পেরে দেই এবং মনুবাগানের মধ্যে বিশ্বাত মহারাজ প্রার্থ, তার উর্গনীলোকে লবলা পরিতাগে করে। বিরাজ্ঞানের হারা তার মোহ বিধীত হলে সে তার হানরছ পরমান্তা রূপে আমানে উপপত্তি করে অবশেষে শান্তি লাভ করে। অভন্য বৃদ্ধিয়ান মানুহের উচিত সমস্ত প্রকার অনং মূল পরিবার করে গুল্প ভারতের সঙ্গ বাভ করা, বাতে তাদের বাকোর করে গুল্প আমার প্রতি মনোনিকেশ করে জাগতিক কোন কিছুর উপন নির্ভয় করে না ৷ ভারা নর্যনা লাশু, সমানশী, থারা ভারা মামকরুছি, মিখ্যা অহকোর, দৃশ্ব প্রবং লোভ পেকে মৃক্ত।"

"ছে মহাভাগ্যবান উপ্তব, আমাত এই রূপ ৩৬ ভারুদের স্থােলনে সর্বদা আনার বিষয়ে আলোচনর কর যারা জামার মহিমা এবদ কীর্তনে অংশগ্রহণ করে, ভারা মিরেনেরে সমা পাগ থেকে মুক্ত হয়। যে কেট আমার বিধনে আন্তবিক্তা এবং বিধান সংকারে প্রকা ৬ ভার্তন করণে, সে হাডা সহকারে আমার প্রতি নিবেদিত প্রাণ হয়ে আহার প্রতি ভতিবোগ প্রাণ্ড হয়। সর্ব জনন্দ মৃতি, অনত ওপসম্পান, পরম অবিমিশ্র সভা অমান প্রতি ভড়িযোগ প্রায় হলে, আবর্ণ ভড়ের ক্রম লাভ করার আর কী থাকী রাইল ে ব্যক্তের অধির নিকট উপনীত ব্যক্তির বেহন পীত, যর এবং অপ্রকার বিন্তীত হয়, তেমনই নীরা ভগবছন্তাদের সেবাছ রত জা ভীমেন ধড়তা, ভর এবং জনতা বিধবন্ত হয়। ভাসতিক রীবনের ভরতর সমূলে করা ব্যবহার পতিত এবং উবিত रहार छश्यत नर्दायय जास्य रहार वत्रमकाननिष्ठे, भारत ভাৰৰ ভাজপাণ। এইরাল ভাজণাপ ভূবন্ত মানুবাদর উদ্ধার করতে আন্য একখনি শক্তিশালী নৌকার বতো। কানাই বেমন সমস্ত জীবেদের প্রাণ, আমিট বেমন আইদের কনা অন্তিম আহার, এবং ধর্মই বেমন প্রলোকগামীগণের সম্পদ, ঠিক ডেমনট আমার ভাজনা হতেই দুংখননক জীবনে পতিত হওয়ার ভারে ভীত ব্যক্তিগের জন্য একমাত্র আর্বার। অ্বসরু উত্তপদ দিবা চন্দু প্রবান করে, আর সূর্য জাকালে উবিভ হলেই কেবল বাহা দুল্য কর্দন করার। আমার ভক্তপদ হচ্ছে সকলের উপাসা বিপ্রয এবং প্রকৃত বক্তন, ভারাই সকলের আবাসকল, এবং সর্বোপরি আমা থেকে অভিন। এইভাবে উর্বলী কেকে অবস্থান করার বাসনার প্রতি নিম্পুর হয়ে মহারাজ পুরুত্তর সমস্ত অভসন্ধ পরিভাগে করে সম্পূর্ণরূপে আস্থাতৃষ্ট হয়ে সমগ্র পৃথিবী ত্রমণ করতে ওর করেব।"







সপ্তবিংশতি অধ্যায়

শ্রীবিগ্রহ অর্চন বিষয়ে ভগবান শ্রীকৃষ্ণের উপদেশ

গ্রীউছৰ বাংলোল—"তে প্রভূ, ছে উক্তগণের ইন্ধ্ আপনি আমার নিকট আপনার শ্রীবিগ্রহ মার্চনেত অনুমোদিত শদ্ধতি অনুশ্ৰহ পূৰ্বক কৰিন কলে। বাঁহা প্রতিষ্ঠ আরাধনা করেন, তামের তী বোগ্যতা থকে উটিত, কিসের উপর ভিত্তি করে ঐইজন অন্তাধন্য করা হয় এবং এই আরাধনার বিশেষ পছতি কীং সমস্ত মহর্বিগণ করবার ছোকনা করেছেন বে, এইবাল আবাহন ফার্য জীবনের পরম কল্যাপ সাধন করে। এটিই ইক্ষে दीमातनपूर्णि, मध्यिं लागरमय अवर चामात ७७९मय ঐবংশ্পতির অভিয়ত। হে মহাবদ্দা প্রভু, নীহিশ্রহ খ্যারাধনার লক্ষতি বিষয়ক উপ্দেশ প্রথমে আপনার দুখনৰ খেকে নিস্ত হয়েছে। তারগর তা মহাগ্রভু ব্রন্ধা, ত্বত আমি তার পূর্যাগকে এবং মহামের তার সহধ্যিশী পার্বতীকে মলে। এই পদ্ধতি সমাজের সমস্ত কর্ণ এবং আপ্রমের মানুবের জন। স্থীকৃত এবং উপযুক্ত। সূতরাং আমি মনে করি আপনার শ্রীবিগ্রহের আলাধনা হচেং বী श्रास्त्र मृह्यानामञ् मकरमत् कार्य गर्मम वक्तानाम भारामारिक জনুদীলন। বে পথানের, যে সমগ্র ব্রক্তাতের ঈশংগাদের ইবন, আগনার ডাক্তসেককথণের নিকট অনুগ্রহপূর্বক এই কর্মকরন খেকে মৃতিক উপার কাঁনা করন।"

পরমেশ্বর উগবাস বল্যানে—"প্রির উদ্ধার, শ্রীবিগ্রহ
আর্চানের জনা জনাগো বিধানের কেনেও অন্ত নেই, তাই
আমি জোনার নিকটা এই বিবরে পর্যানেরত্বর সংগ্রেশে
বর্ণনা করব। বৈদিক, ভাত্মিক ও মিশ্র—এই ত্রিনিখ
পদ্ধতির মধ্যে একটি বেছে নিকে, মণ্ডুমরকারে
প্রাণ্ডেকেই আমার আরাধনে করা উঠিত, যাতে সেই ফল
আমি রহণ করি। বিজন্ম প্রথম করিত কথার্থ বৈদিক
বিধান অনুসারে ভল্ডিমুক্ত হতে ঠিক কীভাবে আমার
আবাহনা করবে, সে বিষয়ে আমি একন বর্ণনা করব, তৃত্তি
ক্ষম সহকারে তা অনুপ্রহ করে প্রবণ কর।"

"রাজানের উচিত নিম্নগটে শ্রেম ও ভতিযুক্তভাবে উপবৃক্ত উপকরণের মাধ্যমে ভূমিতে, অন্মিতে, সূর্বে, জনে অথবা উপাসকের নিজ হলরে উলিত আমার
লীবিত্রতার ইউদেব রূপে আরাধনা করা। প্রথমে তার
পর্যার্জন এবং রান করের মাধারে দেই ওজি করা
উঠিও। তারপর নে তার দেহে বৈদিক এবং তারিক
মানার্লি উচ্চারের করে, মৃতিকা লেখন করে, তার দেহতে
ভিতীয় বার ওজ করেব। মনকে আমাতে নিবিষ্ট করে
নিশালা পার্ন্তী মা জ্বপানি করে বিভিন্ন অনুমোধিত
কর্তবার করা তার উঠিত আমার আরাধনা করা। এরেশ
আরাধনা কেনবিহিত এবং তা সকাম কর্মের প্রতিদিয়া
নিরসন করে। লিলা, শক্ত, যাতু, ভূমি, আলোবা, বালুকা,
মন এবং মনি এই আইগ্রকারে ভগরতারের শ্রীবিগ্রহ

"প্রির উত্তর, সমস্ত জীবের আরর, ভগবানের অঠাতিত দুইবাৰে প্ৰতিষ্ঠিত হতে পাঙ্গেল--কণ্যাৰী রথক হারী। কিন্ধু, স্থারী নির্মাংকে আহুদে করে আদার পর তাঁকে আর বিসর্জন কেওয়া ফর নাঃ কপস্থারী বিহারেণাকে আহুন কথার এবং বিসর্জন দেওয়ার সুযোগ থাকে, তথে তেকসমাত্র ভূমিতে আছিত বিভাহের ক্ষেত্রেই নে সহত্ত বাহা অনুষ্ঠান সর্বম। সম্পাদন করা মন্তব। মৃতিকা নিমিত, আনেখ্য অথবা দাকমধী বিশ্রহ ব্যতীত জাদেবকে দ্বল হারা সান করানো উচিত্র, তবে এই সমস্ত কেরে জন ছাড়াই ওাদের মার্জন করার বিধান আছে। ছকের উচিত সর্বলেষ্ঠ উপ্চার অর্পন্থে যাখামে আমার বীবিচাৰে পালে কর। কিন্তু কর্ব প্রকার জনতিক স্বাসন থেকে সম্পূর্ণকাশে মৃক্ত কক, নথকে তা কিছু পাছ, ভা দিয়ে আমার অর্চনা করে, এবং এমনকি অনসিকভাবেও বিভিন্ন উপকরণের মাধ্যমে তার ক্ষান্যভাতরে আমার অৰ্চন কৰতে পাৱে।"

'প্রিয় উদ্ধব, মন্দিকের বিশ্বর আঠনে সাল এবং শুসার কলানো হচ্ছে সর্বাপেকা সাধ্যেকজনক লৈবেদা। পরিপ্ত ভূমিতে আঁছত বিশ্ববের জন্য তব্যক্ষিনাস পদ্ধতি হক্ষে পরম প্রিয়। কলানিতে সৃত্যিক তিল এবং বব আহতি

इस्ता क्या छेश्क्षे, व्यवस्तरत, छैलक्षात अवर चार्च सर्वाप्त হঠন সূর্যের জন্য উৎকৃষ্ট। ক্ষলরপ্রথ আমাকে জন অৰ্পণ কৰেই জাজধনা কল উচিত। ৰাজ্যৰ, আমার ভক্ত **अक्षामहकार्ड मा किन्**डे—बाग्नकि कक्षे बलक सर्भम কলে—তা আমার কথান্ত প্রিয়। অভ্যন্তর হারা অণিত ঐশর্বমন্তিত উপহারও আমানে সমষ্ট করে না। কিছু আমার গ্রেমারী ভক্ত কর্তক অপিত নগণা কেন্দ্র ভিছর মাল আমি সন্তাই হট, মার যথন সুপর প্রায়ী কেন্দ্র मून, नुन्न, अवर फेमारमय बामा वक्क खामारक फारमारदरन ছৰ্পণ করা হয় ভবন আমি অবশাই অভান্ত প্রীত হই। নিজেকে পরিওছ করে সমস্ত উপকরণ সংগ্রহ করে উপসেৰ স্থাসতে উপবেশন করবে। সে আসনট এমনভাবে স্থাপন কর্মে বাতে আসনের ক্লের অপ্রভাগতালি পূর্ব নিজে খাতে। ভারপর সে পূর্ব অখবা। উত্তরহুখী হয়ে অন্যথায়, মীনিশ্রাহ একস্কানে স্থানী থাকলে সরাসরি হীবিহুছের দিকে হার্য করে উপকোন কাবে। ভক্ত ভার নিজের বিভিন্ন অস স্পর্ল করে এবং সেই অনুসারে মন্ত্রোক্তারণ করে, দেহওছি করবে। স্বাহার বিশ্রব্যে কলাও আ করতে হবে, আরপর সে নিজে হাতে পূর্বের অর্চনার অর্থনিষ্ট পূম্প আদি অপসারণ করে করেন করে। প্রেম্পের জনা সে ক্যাবমভাবে মুলল মটে। कर्म द्राध्यकः। स्टारभतं विश्वह-वर्तमः श्वारम्, रेमरवर्त-श्वनमः স্থানৈ এবং তাৰ নিৱা আৰু প্ৰেলেশীয় পাৰে খেকে থকা নিয়ে তা দিখান কবৰে। ভারণের লে বিভিন্ন মাসল্যাকা দিরে তিনটি পূর্ণমট সনিহত করবে। ভারণর উপদেক খট তিনটি কছ কৰে। 'জনয়ায় নাখা' হল উচ্চাল করে। তথ্যবানের পাল ভলের ঘটওলি, অর্থ্য জলের পারটি শীরুসে সামা মছে, এবং অভ্যমনীর জালের পারটি শিখারে বয়ট' হয়ে ওছ করবে। এলভাও তিনটি খটেই দাহতী হয় উজারণ করতে হবে। এখন বাহু এক ঘটি হাল শুদ্ধ হয়ে, অন্নৈকারী নিঞ্ক দেহাভান্তর অবহিত সমন্ত জীবের উৎস রূপে আমার সৃত্যু রূপের খান করবে। ভগবানের এই জাল পরিত্র ওঁতার উচ্চারণের শেৰে আৰোগনৰ খুনিগদ কঠক অনুস্থ ইয়। নি উপদক্তি অনুসায়ে ভাক্ত প্রমান্তার সাধার করে তার উপপ্রিতিত ভক্ষা হরে বার। এইভাবে ভক্ত সর্বভোজার ष्ट्रशासान्त चालधन बद्ध अच्चूर्वकान प्रथ ह्य। प्रेनपुरः

মান্ত্রান্তরেশ এবং প্রীবিপ্তরের অক্সনার্থের মাদ্যাতে লব্যালাকে বিহাছের মধ্যে আবুনি করে ভারতের জানত আনার আরাধন করা। অর্চনকারী রাধানে আনার নর্বচন্ত্র খিৰা দক্তি সময়িত ধৰ্ম, জান, বৈবাগা ও ঐপত্যত श्चरिरमद्वर्गण कर्डेक अक्तिक खाधात्र खानन कदना कररत। নে কৰিবনা মধান্তিত গৈনিক কেপলেন কাৰ জ্যোভিয়েন অইনের সম্বিত প্রের মতো আমার আস্ত্রের ভিত করবে। ভারণার, বেদ এবং ভারের বিধান আনুসারে खापाहरू भागः, डेभून्यमं ७ व्यर्गमर् बनामः नकः উপকরণ অর্থণ জনবে। এই পদান্তির মাধ্যমে সে জনাতিক ভেলে এক মৃতি উডরই লাভ করতে।"

"ভব্জের উচিত পর্যায়ক্রমে ভগবানের সুপর্ণন চক্র জন্ত পাঞ্চাল্য পায়, গান, ভানোরের, মনুক, বাব এবং কর ত্যার মূদল অনু, তার কৌত্তত মলি, তার পুশারাকা এবং फीड क्षण्य कीराम नामक (जामकुधनील फाईना कता, ভগবাংকা পার্বদ সক্ষ ও সুনক, পারুত, প্রচও ও চও प्रकृतिम ७ वस्, यात्र कृत्य अवर कृत्युरमञ्जरभद्ग भूका क्या উচিত। ভত্তের উচিত প্রোক্ষণাদি অর্থণ করে দর্গা विभागक, बाम, विक्कृत्मन, कल्लाक अवर विकिन পেৰণালের পূজা করা। এই সমস্ক ব্যক্তিত্ব ভগবানের প্রীবিশ্রহের নিকে মুখ করে নিক্স নিক্স স্থান অধিষ্ঠিত হবেল। অৰ্ক্তনকৰী শ্ৰীবিপ্ৰহতে চম্বনের স্থাপত্ত লক্ষ্ উনীয় মৃশ, কর্ণুর, কৃষ্ণ ও অওক সহকারে যথা সভা ঐশব্যাতিসভাবে প্রতিদিন শ্বাম করাবে। সে বিভিন্ন প্রকার বৈশিক মান্ত্র, বোমন-স্বর্গধর্ম লামে পরিচিত ক্ষরকার, মহাপুকুববিধার, পুরুবস্কু এবং সংখ বেদেন্ত বিভিন্ন দীত, কেম্ম---ভালন এবং রোহিশা থেকে পাঠ এবং পান করবে। আতার ভান্ত আমোকে হারপর স্থেম সংকারে হয়, উপৰীত, বিভিন্ন অলম্ভার, ভিলক চিচ্চ একা মালা দাবা সফ্রিন্ড করতে ভার হথা বিধানে, আমার ভাষে সুগন্ধী তেল লেখন করবে। অর্চনকারীর উচিত প্রায় সহকারে আমাতে চরণ এক হল প্রকাশনের জল, সুগতী তেল, পুলা ও অঞ্চ পদা, ভার সামে ধুপ, দীপ এবং ক্ষম্যান্য নৈকের অর্থন করা। নিজের ক্ষমতার মধ্যে ভক খ্যামার করা মিজি, পারোগ, বি, পদ্ধানী (চাপের মর্যান শিঠে), আশৃশ (বিভিন্ন প্রকার মিষ্টি শিঠে), যোলক (চিনি দিয়ে হালা করা নাবকেল কোরাকে ভাগানে চালের

প্রধানর আনবাদ দেওরা এক প্রবন্ধ (ছটি পিটে), সংবাধ (চিনি আন মণালা আনুত বি আর দুখ নিতে তৈরি পাছের प्रकार निर्देश), पर्दे, मन्त्री-मूच धन्त कार्याम द्वेनारमञ् बान्।प्रत्येत बारका कारत। विरूप्त विभागरक जन्द नक्ष इत्ता द्रांटिंगल विश्वहरक **सङ्गत दाता मानित्य सद्ध,** सर्वन अर्थन करते, वंद पास्टमंत्र कत् रेडिकालिक्टिएनंत कार्ति ভূৰ্মণ করে, পখামতে অভিবেদ করিরে সমস্ক প্রকারের द्वभारमञ्ज्ञ नामा अन्य कार्नन करत कीच जीजार्स क्या अवर বীত করা উচিত। সামে বিধান অনুসতে ক্লম নির্মাণ करत, गरिक (प्रथम), मरकत कुछ तथर (क्वीरक करकत উচিত হল সম্পাদন করে। নিজ হতে কণ্ঠ অর্থন করে ভক্ত বকাৰি প্ৰথমিত করৰে:"

ামটিতে কুণ খাস বিভিন্নে তার উপায় কল সিপ্তন্ করে বিধান অনুসারে অভাধান সম্পাদন করা ইতিও। অফরে আর্যতির প্রবাদি কবন্ধ করে আচমন গার খেকে ৰাম দিকৰ কৰে কেওলিকে শুদ্ধ কৰা উচিত। অৱগ্ৰহ वर्कनकारी वश्वाधित प्रत्या व्यानास ग्राम कंत्रस्य। बुव्हिप्सन ভঞ্জাংকা উচিত উপ্ৰকাশন কা বিনিষ্ট, শব্ধ, চক্ৰ, গদ কর পর কৃত চতুর্ভুক্ত, **স্পর্ক, পরকে**নর **কা বন্ধ প**রিহিত क्षत्रकात्मा थान कडा। छोत्र मृतूर्ण, राजकात, (कारहरक् ধার সুকর বাজুব**র অভ্যন্ত উল্পুল। তার বাক র**য়েছে গ্রীকান ছিক্, তার সঙ্গে করেছে দীন্টিমান কৌক্স মণি এবং ৰুকুগের মাধ্য। ভারগর ভক্ত ভবকারে গৃত লিক কাঠকত বজানিতে নিকেশ করে পূজা করবে। ভর উঠিত যুক্ত সিক্ত **আর্থ**তির বিভিন্ন দ্রন্য অভিতে অর্পন করে, আবার অনুষ্ঠান সম্পাতন করা। ভারণার কেল হ্নের পুরুষপুঞ্জ এবং প্রতি বিশ্রহের মূল মন্ত্র উচ্চারণ क्टब, वस्त्राकाणि त्यान सम (भवकाटक विकि-कृष साधक আর্বতি প্রদান করা উচিত। পূরুব সূত্তের এক এক হয় উচ্চারণ করে ও জার সলে এক একজন বিগ্রহের নামেক্রারণের মাধ্যমে একবরে করে কুচাহতি প্রদান कारत। बारेसारक कमाधिएस कनवानस सामाध्या करत. ভক্তের উচ্চিত্ত ভগবানের পার্বদশ্বকে সায়াল প্রশতি ভবপদ কৰে দৈবৈদ্য অৰ্থন কলা। ভাবপদ কে পৰম मरु, संस्थानम् माद्राजनस्य गाउन कात्र निःगरम् सम्बर् নিজহের মৃত্যন্ত ক্রপ করতে। পুনরার সে ক্রীবিগ্রহকে আচন্দীর অর্পন করে, ভবন্ধং ভুক্তাবশেষ বিবৃক্তনতে

প্রদান করবে। ভারপর যে পান-সুপারী দিরে তৈরি সুগৰী সুৰবাস জীবিচছকে অৰ্থণ কৰাৰ।"

অন্যানের নাম পান করে, উত্তোহারে উভ্যানে করে, नृष्टा करत, चामात्र हो।लाहिनक करत, चामात्र करिनी अंतर्ग करने क्षेत्र चामहरूक बर्गन कदिएत करनाव छितिछ विकृत्यत्वत् बना बरेकम् छैरमस्य यश्च स्टहा। स्टल्स উচিত পুরাল, অন্যান্য প্রাচীন শাস্ত্র, এবং সাধারণ প্রথা (बार्क्क क्यांच शंकाह व्य अवर शार्थना केंक्रावत करते কগবানকে প্রশাষ জনোকো। 'ছে ভগবান, অনুতহ পূর্বক আমার প্রতি কুপাপরকা হোন।' বনো প্রার্থন করে তার উচিত গণ্ডের হাতো সাইছে প্রণতি নিরেমন করা। ব্রী-আহর প্রশানুগরে মন্তক ছাগন করে, সে তারপর কর্মেন্ডে ভগন্নের স'দুবে দওবেম্ন হতে প্রাথনা করবে, গ্রে ভগবান, আপনর প্রতি প্রশাসক আগ্রাক অনুগ্ৰহ কৰে কথা কৰেন। স্তাৰ মূখ গছৰে কণায়নান আমি তৰ সমূত্ৰে গতিত হয়ে কঠার জীত জেগ করছি। এইকশে প্রথমে করে ভক্তের ইচিত আমার বানা গ্রহর নিৰ্মাণৰ প্ৰকা সহকাৰে জান মন্তব্দে ধানৰ কলা। সেই বিশেষ বিশ্লেছ অৰ্চনের শেলে তাঁকে বিসৰ্থন কেওছার কথা থাপণে, চন্তু পুনরার বিহাছের উপস্থিতির আলোধানে ভার নিয়া হৃৎপঞ্জের অলোকের মধ্যে স্থাপন করে সোটি সাম্পান করবে।

"बाधार बीरिश्य अत्व सक्या सम्माना रथार्थ অভিব্যক্তির হধ্যে—বন্ধাই কেউ আমার বৃতি হছা অর্জন করে—ভার উচিত জামারে সেইরেপে জাগ্রাহনা কর। আমি সমগ্র সৃষ্ট জীবের মধ্যে জ্ববের জমার আদিয়নে, ভিন্নভাবেও, ককাই অবস্থিত, থেকেতু জামি হবিছ সকলের প্রয়ায়া। তেও এবং ভারের বিভিন্ন অনুমোনিত প্রতির অধ্যমে আমার অর্চনা করলে সে আহলে নিষ্টা খেকে এই জাখে এবং গানজাতে হলে বাসনা অনুসারে অন্তীষ্ট সিদ্ধি লাভ করৰেং ভলের উচ্চিত সুন্দর উনরল সমধিত পূর্বার অনির আরও দুভারতে নির্মাণ করে ভাতে আমার বিশ্বর প্রতিষ্ঠা করা। এই ইন্দোওলিকে আনালা আলানাভাবে নিবনিত প্রতাহিক শূজার জন্ম, বিশ্রাই নিয়ে বিশেষ শোভাষাত্রা, প্রবং পরিত্র তিৰি টণ্যাপনের জন্য ক্ষতে কুল পাওঁরা বার তার জন্য নিৰ্দিষ্ট ক্লাৰ্যতে হবে। **যে ব্যক্তি জীবিতা**হেৰ বিয়মিত

প্রতাহিক পুঞা করে বিশেষ উৎস্থ যাতে ভিরকাল চলতে থাকে ভাই জন্ম বিগ্রহকে ভূমি, ব্যক্তার, শহর এবং প্রাম উপহাররত্রপ অর্পণ করে, সে ধরমার সমান ঐপর্য লাভ करतः विश्वव शर्मक्षेत्र करण भारत विरुपत हात्रा १ए७ পারে, স্বাকানের মন্দির নির্মাণ করণে রিভবনের শাসক ছर्ड भारत, निश्चरक्ष जिया-भूका कारण रह प्रभारमारक গফা কৰে, অম যে ব্যক্তি এই তিনটি কাৰ্যই সম্পানন করে সে আমরে নিজের মতে। দিবা রূপ ব্যক্ত করে। কিছু যে সকাম কৰ্মের ফলাকালক মহিত হয়ে কেবলই ভগৰং সেধ্যা নিবৃক্ত হয়, সে আয়াকেই লাভ করে। সে, সেই অনুনারে উপযুক্ত প্রতিফল ভোষে করবে।"

অমার ধারা ব্রতিত পদ্ধতিতে যে আমার অঠনা করতে অবলেরে মে আমার প্রতি গুরু ভাঙিকোগ লাভ করবে। নিছে অথবা জন্য করেও প্রদন্ত দেবতা অপবা রাজগদেন সম্পত্তি হবি কেউ অগহরণ করে, সে বাভি কর কোট বংসর বাংলী বিষ্ঠার কীট রাগে যাস করবে। কেবলয়াএ নেই ট্রেইনমের কর্ডাই নর, যে ব্যক্তি ভাকে সহার্ত্তা ভরবে নেই কনমে প্রয়েচিত করবে, অথবা কেন্সা ভার অনুমোনে করবে, পরবর্তী জীবনে ভাকেও প্রতিক্রিয়ার কাৰী হতে হবে। যে, বে পরিমাপে আতে কড়িও হবে,

অট্টাবিংশতি অধ্যায়

জ্ঞানযোগ

প্রমেশ্বর ক্ষণবান কালেন-- "অন্য ব্যক্তিদের বক্ প্রভাব এবং ভার্যকলাপের প্রশাসা অথবা উপহাস কেনেটিই কলা উচ্চিত নার। বর্গাং এই স্বাপ্তত্ক আমানের হেবল এক পত্ৰৰ সভাতিত্তিক জড়া প্ৰকৃতি এক্ ভোগী খ্যান্তার সমন্তর হিসাবে দর্শন করা উচিত। বে কেউ অন্যের ওপাবলী এবং বাবহারের প্রশংস্য অথক নিশা क्सरत, माराधा धरण कडिया गड़ात घरन त्र करनाहे শ্বৰ শীপ্ৰ নিজের পরম স্বার্থ থেকে বিচাত হবে। हैक्टिक्क मध्यक यादा व मुठावर कडीद निजालक दरन দেহধারী জীবা**রা বেফন বাস্ত** চেডনা হারার, তেফনই **ভতবত্তে অভিনিকোতারী ব্যক্তি খামার প্রভাবে সুত্রের** মতে। অটেওনা অবস্থা প্রাপ্ত হয়। স্বান্ত বাংকার হার্বা का क्रिक क्रम का बाब अध्यक्त पाता पा विश्व करा दय, का পৰত সভা নত। তা হলে এই মন্দ্ৰম্য অবাত্তৰ ভগতে ভোনটি মধাৰ্থ ভাল বা ফৰ, আৰু এইণ্ডলি কটান ভাল কা মন্দ্ৰ ডা কীভাবে পরিয়াপ করা বাবেং ছাবা. প্রতিমানি এবং মনিচিকা শুরুত বস্তুর মারামর প্রতিক্ষবি इरल्थ और कन्त्रल श्रुटिक्सि वर्षपृष्ठ अगर भारतारकार

অনুভূতিৰ সৃষ্টি করে। একইভাবে বছকীৰ মন্ত মেহ, মন এবং অহংকারের মাধ্যমে নিজের পরিচয় জাপন কবার হালে ভা তার মধ্যে আমৃত্যু ভরের উত্তেক করে। পরমান্তাই কেবল এই স্বাগতের অভিন নিরামক এবং তাই। আবার তিনি একাই সৃষ্ট। তেমনাই, সর্বাস্থা স্ববং পালন করেন এবং পালিত হন, প্রভাক্তর করেন এবং প্ৰত্যাহনত হন। প্ৰসংখ্যা, যিনি প্ৰতিটি বন্ধ এবং ব্যক্তি থেকে পুথক, অন্য কেউ নিজেকে স্থাব্যবাদে প্রকল্পের নির্ধারণ করতে পারে না। তার মধ্যে ত্রিবিদ ক্ষা প্রকৃতির উদ্ভব রূপে বা অনুভূত হয় তা ভিত্তিহীন। ব্যাং, জেমার বোৰা উচিত যে, ডিগুল সমৰ্মত এই স্কড়া প্রকৃতি হাছে কেবদটে উর মারানভি সক্তঃ যে ব্যক্তি এবানে আমার হারা বর্ণিত দার জ্ঞান এবং উপদত্ত জানে দ্যুপ্রভাবের অধিষ্ঠিত ইওমার পদ্ধতি বধানগভাবে জনরসম করতে প্রেরছে সে জগতিকভাবে করও নিদা বা প্রথলো কোনটিই করে না। প্রত্যক্ষ অনুভূতি, অবরোহ প্যা, শাস্ত্ৰ-নিদ্ধান্ত এবং বাক্তিগত উপস্থিত মাধ্যমে তাকে জানতে হবে যে, এই জগতের খাদি এবং অত পুরেছে, আর তাই গা চরুমে কাস্তব নই। তাই ভারে এই লগতে আসতি খুভ হয়ে চলতে হবে।"

প্রতিশ্বর বলকেন—"হে জনবান, লাতি আত্মা অথবা _{স্পান্তৰ} দেহ, কানত প্ৰেই এই কড় ঘটিক অনুদৰ ৰৱা সন্তৰ নার। এক নিকে আবা হকে সহস্রাতভাবে রধার্থ আনে সমৃদ্ধ, আর অপরবিকে দেহটি চেতন মর। ভাহলে স্কড় আইছের অভিনাতা করা উপর বর্তাবেং हिन्द्रा काका शब्द श्रवता, मिया, उस, क्षत्रकान दशर লড়ের করে কর্মনও আকৃত না। সেটি আওসের ফ্রান্ড। बला शांगरीन चए तार बटाई बानामी कालंड बटांड থাটেনে এবং অঞ্চ। তা হলে এই ক্ষমতে প্রকৃতগকে সংস্কৃত যাতনা কে ভোগ করে থাকে?"

भद्रप्रश्व **स्थायन काला—** पूर्व **छीवाचा क**रनित নৰ্যৰ ভাৰ অভ নেহ, ইজিৰ এবং প্লাপনাৰুর প্লতি আকৃষ্ট ব্যবহে, চরতে অর্থহীন হলেও, ততদিনই হায় সংসায়-লীবন বৰ্তিত হতে বাকৰে। ৰক্তৰে, মীৰ হতে হত অবিশ্বের উর্ফো। কিন্ধ জড়া প্রকৃতির উপর আধিপতোর মনেভাবহেতু জর সংগারকা দশা নিবৃদ্ধ হয় না, আর স্থা সেখার মতো সে তথ্য সমস্ত প্রকারের অস্বিধার দ্বরে আঞ্রান্ত হয়। স্বাধানস্থার ফোন ব্যক্তি বহু অব্যক্তিত পরিস্থিতি ভোগ করলেও, জেবে ওঠার পর স্বপ্রের প্রতিক্ষত। হয়ে তাকে বিহাত করে না। মিধা গ্রহকের শেৰ, হৰ্ম, কয়, ক্লোৰ, লোভ, বিমায়ি এবং আকাশ্যা, বার কাম-মৃত্যুও খানুভব করে, ৫% আশ্বা নহ। বে कीवाका निरम्भएक छात्र स्वयु हेलिक, डांक्याकु अवर बर्स्स সঙ্গে একীকৃত করে। সেই আকরণের মধ্যে বাস করে, সে তথ্য ভার নিজের স্কড় বন্ধ গুণ এবং কর্ম অনুসারে রূপ পরিশ্রহ করে। সমগ্র জড়া শক্তির দারা বিভিন্ন উপর্য়ে প্রাপ্ত হলে লে এইভাবে সংসার চর্টে মহাকালের কটোৰ নিবছৰে বেখানে লেখানে থাকিত হ'ডে কথা হয়। বিশ্বা অহকোর ভিতিতীন হলেও তা মন, মত্যু প্রাণকর এক ইন্সিয়াদির ফ্রিয়াকস্যাগের মাধ্যমে বিভিন্নভাবে অনুভূত হয়। ভিন্ত যথার্থ গুরুছেরের সেবার সাধ্যমে বিশীয়ান হয়ে, দিবা জানবালে অসির ছারা প্রাঞ্জ মূলি এই মিখ্যা পরিচিতি ক্রি করে সমস্ত প্রকার কড় আসম্ভি মুক एति को समारक किन्नम अस्तर ।"

িৰখাৰ্থ পারমার্থিক **জ্ঞান হচ্ছে জড় এবং চি**বজুর নাধা পার্থকা নিজগণের উপম আধারিত, আর ভা সামীর প্রমাণ, তপায়া, প্রত্যক্ষ অনুভূতি, পুরাশের ঐতিহাসিক কিবল ৰক্ত তাৰ্কিক অনুমানের মাধ্যমে অনুনীকার কর। হয়। রক্ষাণ্ডের সৃষ্টির পূর্বে এবং থালরের পরেও বিনি धका वर्दमान शास्त्रम, (अदे भाग गठा शामन काम करा র্ফাতৰ কারণ। এফাকি সৃষ্টির অভিকের মধ্য পর্বাবেও পরৰ সভাই হচ্ছেন ৰখাৰ্থ বাত্তৰ বন্ধ। কৰ্ণ-নিৰ্মিত বন্ধ নির্মানের পূর্বে করি কাকে, নেই নির্মিত বক্তপদি এট বরে বেকেও কর্ব থেকে যাত; কাবার বিভিন্ন নামের যাধ্যে ক্ষত্ত হওয়ার সময়েও সেওলি মূলত ভাই থাকে। তেমনই ব্রুছাজের সৃত্তির পূর্বে, তার ফলসের পত্রে এবং স্থিতিকান্দেও একমাত্র আমি বর্তমান থাকি। ৰাজত, কম একং সুবৃত্তি—চেতদান এই ফিনটি কৰে ৰাড় জনো অভিবাভি যটে—কেচলি হতে প্রকৃতির বি-৫৭ থেকে উৎপন্ন। মন পুনরার তিনটি ভূমিকরে প্রতিভাত হয়—বিনি অনুভব স্বারেন, অনুভুত এবং অনুভবের দিরামক করে। এইভাবে ক্রিবিধ উপাধির সর্বক্রই মন বিভিন্নভাবে অভিযাক হয়। তিন্ত চতুর্থ বিদয়ট এই সহত থেকে ভিত্তাৰে অবস্থিত, অন্ন সেইটিই কেবল পর্য সভা স্থবিত। যার কান্তিক পূর্বে ছিল সা, छरिराहरू बारुएर न असः और मृष्टित प्रधानकी नेपरक्ष বার অভিন্ত থকে না, তবে তার ওধুমাত্র বাহ্যিক छेनारियात वर्रमान थारक। स्वामान मर्स्स करू किश्व सान्ना অ-কিনুই সৃষ্ট এক প্রকাশিত হয়, বাড়নে সেটি হক্ষে ক্ষা কিছুমার। বাজনে অন্তিম সা বানলেও মুলোওণ স্ট বিসারের প্রকাশকে বাজব বলে মনে হয়, কেনো বচকাৰ, বত-উদ্ৰাসিত পরম সত্য—ইন্ডির, ইন্ডিরডোক वक्त. यन अवर बाजा धक्छित वें नाशन-कानी बाज বৈচিজ্যের মধ্যে নিষ্মেতক প্রদর্শন করেন। এইভাবে বিবেকসম্পদ্ধ মৃত্তিতর্কের মাধ্যকে, পরত্র সভ্যের সর্বোৎকৃষ্ট পদ, স্পট্টরূপে উপলব্ধি করে মানুছের উঠিত জভ্যে মলে মিখ্য পরিচিতি দক্ষতন্ত মলে খণ্ডন করে আরগরিচর সম্বন্ধ সমস্ত সন্দেহ সম্পূর্ণনারণ বিচ্ন করা। আন্থার কভোবিক আনক্ষে সম্বাট হতে, মানুবের কড় ইছিলের সমস্ত কার্যকলাপ থেকে বিরুদ্ধ হওয়া উচিত 🖺

"মৃতিকা নিৰ্মিত অভ দেখু, ইন্দ্রিবালী, তাদের व्यक्षित्रकाल, शालवाडू, वाहिश्क बागू, कल, व्याधन, व्यववा নিকের মন, কোনটিই কথার্থ আখ্যা নর। এই সমস্তই হলে কণ্ড। তেমনই, নিজের কৃত্বিয়ন্তা, কড় ভেলো, কহংকার, জাকাশ, ভূমি, ভন্মার, এমনকি প্রকৃতির আদি অভ্ৰক্তলিত পৰ্বায়কেও আন্তার বধার্য পরিচয় বলে মনে করা তার না। যে কভি পরমেশা ভাগনান্তপে স্নামার ব্যক্তিগত পবিচয় যথাবৰভাবে উপদৰি করেছে, তার জড় ওপজান্ত ই জিল্পুলী বলি পুসমাহিত হ'ব, ভাঙে কৃতিছের স্বী আছে? আন পক্ষান্তরে ভার ইন্দ্রিরওলি খৰি বিক্লিপ্ত হয়, ভাতেই বা তাব দোখ কী ে প্ৰকৃতপক্ষে মেবের যাতারান্তে 🗣 সূর্যের কিছু ঘার আনে ? আকাশ থেকে বায়ু, অবি, কল এক ভূমি ইন্ডালি বিভিন্ন গুলাফৰ্ণী প্রকর্মনত হয়ে, জন্ম মধ্যে দিরে থেতে পারে, সেই সঙ্গে অতু পরিবর্তনের সঙ্গে সঙ্গে শীত এক উধ্বের মতো খনকৌ প্রতিনিয়ত আনে আরু আর। তব্ও জ্ঞান্ত্রণ এই সমস্ত ওপারলীর ছারা কখনও আবদ্ধ হয় না। তেমনই, विशा प्रश्रकात्वर कड शतिर्र्डनकारी मह, उस धरः তথ্যেত্যপদ্ধ কলুৰ খারা প্রায় অহিমিল সভ্য কথনও হুড়িটো গড়েন না। তবুও, আমার কতি মুচকারে **হতিবেগ অনুশীলনের রাধ্যমে বতথ্য না ভার মন** বেকে জড় রজোওপের ব্যৱস্ত কল্বর সম্পূর্ণরলে ধুরীভূত হয়, ততক্ষ্ম পর্যন্ত ভাবে আমার মারাণতি সহতে রুড় ক্যাবলীর সঙ্গ, অত্যন্ত সাবধাসভার দক্ষে এডিয়ে চলডে হবে। কোন ব্যাধির ঠিকমত চিকিৎসা না হলে যেমন পুনরার তা প্রকাশিত হয় এবং বোগীকে বার্থায় কট প্রদান করে, তেমনই দায় ফন বিকৃত প্রকাতা থেকে मान्तर्गराम एक इसमि, या बाध रखत शक्ति कारस रहत থাকৰৈ এবং বায়বায় সেই জলক ভণ্ড ভায় বায়া আক্ৰান্ত হবে। পরিধার পরিজনের প্রতি আসন্তি, নিবা-শিবা। অখন অনেত্রা, বানেরকে শ্বর্যাপন্নানে দেবতারা উক্ষেশ্য প্রাণেদিভভাবে শ্রেরণ করেন, ভাদের দ্বারা অসিদ্ধ প্রজার্থবানীদের অপ্রথতি কম্পণ্ড ক্রমণ্ড বিভিড হতে পারে। কিন্তু তাদের সন্ধিত অপ্রবৃতির বলে, এইবাল অসিত পরমার্থবালীয়া পরবতী জীবনে পুনরার তাদের যোগাধ্যাস ওঞ্চ উত্তেন। ভারী আর কংনও কর্মেই বাছনে আবছ হন না।"

'সাধারৰ জীবালা জড় কর্ম সম্পাদন করে ভাত অতিবিভাগে কাম পৰিবৰ্তিও হয়। এইভাবে লে মতাৰ পর্বমধর্ত পর্বন্ধ বিভিন্ন অসমান হারা ভাড়িত হয়ে, স্বর্জায় কর্ম করে হলে। জানী কবি বিদ্ধ নিজের ব্যালয়ত্ত আৰুৰ অনুত্ৰৰ করে সমজ জড় বাসনা আগা করে এবং সকলে কর্মে নিয়েজিত হয় লা। আগাছ আনী সভি निरंबर रेपरिक वार्थक्यारमञ्जल (चरान जार्थन ना: प्रकार তিনি বঙায়মান থাকেন, উপবেশন করেন, বিচন্নদ করেন শক্ষ ক্ষেত্, সূত্রতাগে ক্রেন, আহাত্র অথবা জনানে দৈহিক কৰ্ম সম্পাদন কৰেন, তখন ডিনি উপল্ভি কৰেন **তে লেছ করে নিজ বভাব অনুসারে আচরণ করছে।** খাৰোপদৰ বাজি কৰনও কৰনও অগ্ৰহ বন্ধ ল কাৰ্যকলাৰ দৰ্শন করলেও লেটিকে বাক্তৰ বলে মনে করেন থা। নিরা থেকে কেন্দে উঠে মানুহ তার স্বান্ধর স্তপ্তকে বেভাবে কর্মন করে, ঠিক সেইভাবে ক্বানী ব্যক্তি তাৰ্কিক জানের মাধ্যমে অতথ ইপ্রিণ্ডোপ্র বস্তুকে মারামা, অন্ত বাদ্ব ভিত্তিক, বান্তবতা থেকে ভিত্ত এক विद्यारी करण पर्यम करता। अञ्चलित स्टला क्रियाकसङ्ख्य থারা করেনে বিহুত অধিবাকে বঞ্চনীবেরা হল ৯০৯ আধার মতেই ডেবে তা প্রবদ করে। কিন্তু হে উত্তর, পারমার্থিক জানানুশীলনের মাধ্যানে মৃত্যির সমত সেই একই অধিদা। নালগ্ৰান্ত হয়। পক্ষান্তরে, নিজ্ঞ আৰু। কখনও গৃহীত আ পরিতাক হয় না। সূর্য উদিত হয়ে মানুষ্টে চেখনে আক্তকারী অঞ্চলন বিপ্রতি করে, কিন্তু ভাষের সম্প্রথের দুশাবগুণুলি সৃষ্টি করে না, স্বাস্তবে সেওলি ভাগে থেকেই ছিল। ক্রেমনই, খামের সক্ত সমর্থ এবং বারের উপদক্ষি প্রানুবের পরার্থ চেডনা আহ্বাদনকারী অন্বক্ষারকে বিধক্ত করে।"

"পদমেশর ভগবান ছলেন বরং উন্তাসিত, অব্ধ এবং অগরিমের। তিনি হাছেন পবিত্র দিন্ত চেতনা এবং সমত কিছু অনুভব করেব: তিনি অধিতীর, প্রকার বন্ধ করার শরেই কেবল উরেক উপলব্ধি করা হার। তার শতিতে বাকলক্তি এবং প্রাণবারু বাতি প্রাণ্ড হয়। বা কিছু আপেক্ষিক ধাব নিজের হারে অনুভূত হয়, তা কেবল মনের বিলান্ডি। বন্ধত এইবল সপ্রাব্য হল্ম নিজের আশা বাতীত ভিতিহীন। বেবল নাম এবং কর্প অনুসারে লীচার্টি ক্ষাড় উপাসানের বৈত্তবে অনুভূত হয়। জারা

রূপ, এই বৈতভাব বাস্তব, তথ্য হলে তথ্যকথিত শণিত, তার কেমল বারুপ নির্বিষ্টান, সৃধ্য ক্ষায়নিক তথ্যের প্রকাব করেছ।"

"अनुनीलां शांश्वाणीम संशव दातीम छिडिक नतीन कंपने कंपने विधित्रकार विधानिक तांती सर्वाण राज गांता। मिरेक्स वर्ष शक्कि जन्दानिक राजर्य के मध्य शिंदनकरम विश्व कि महामा राजिक याम से सामानक कांता भाग निरात्त्रक छैन्छ गांत कंपामान साथाय, जन्द समानाकित्व विस्तर क्रिक्स छन्मा, मक्के संश्वा केर्यय वर्षा गृहीत्रक कता सन। शिंदनिक व्यापत महाने कर्ड, सामान स्थित नांच मार्किक व्याप स्थान कर्डा, स्थान महान वांत्र मार्किक गांत्रक भागक स्थान कर्ड, सामान स्थान वांत्र प्रतिक्रित वांत्र स्थान कर्जात संश्रात्म, स्थल महान वांत्र प्रतिक्रकार्यक्ष मिर्ग स्थान कर्ड कर्ड स्थल स्थला प्रतिक्रकार्यक्ष विश्व वीरत स्थानिक मार्वाण कर्डाल्ड (स्थल व्याप्त वांत्र सर्वक्ष क्रू करत मर्वनाई वीन्त्र

সম্পান বাবে। এই তাবে ভারা জাগতিক অলোঁকিক নিভি
লাগতের উপেবেলু যোগাকানে বাত হয়। তারা নিবাজানে
পতিরা, ভারা এই রূপে লৈহিক অলোঁকিক সিভিকে
ততবেলি ধুনা দের মা। বারুহে, তারা এইরূপ সিভিকে
যাকেইকে জনপ্রক বলে মনে করে, থেননা আছা হচ্ছে
বৃক্তের মতো ছারী, আর মেহটি হক্তে সেই বৃক্তের
কিনালকীন উপের মতো। বিভিন্ন প্রকার বোল লছাতির
নালা ভৌতিক পেছের উরতি ইপের জামার প্রতি
নিবেলিড প্রাণ বৃদ্ধিমান কভি, ধ্যার লছাতির মাধামে
ভৌতিক সেহকে সিল্ল করার বিবল্ল কোনকাল জালা
বাপন করে না, আর কার্ডার, যের কার্ডার মাধামে
ভৌতিক সেহকে সিল্ল করার বিবল্ল কোনকাল জালা
বাপন করে না, আর কার্ডার, যের করে সাক্তাত
পরিলাণ করে। আমার জারের মহল করে আনাক্তান্ত
ক্রেনী জন্তরে আন্তুর্গ অনুভব করে। এইতানে ক্রেন পরিভিন্ন ক্রেন্ট্র জারেন্ট্র অনুভব করে। এইতানে ক্রেন পরিভিন্ন ক্রিন্ট্র ক্রেন্ট্র অনুভব করে। এইতানে ক্রেন পরিভিন্ন ক্রিন্ট্র ক্রেন্ট্র অনুভব করে। এইতানে ক্রেন

8 8

উনব্রিংশক্তি অধ্যার

ভক্তিযোগ

হিছে কোলেন—"য়ে ওণবান অনুত, অনুবাহ তর হতে বে, অসংবেতমান ব্যক্তিদের জন্য আপনার অরা বর্ণিত বোগ পদাতি বছাই বুনসন্দা। সেইজন্য জানুৰ বাতে অমার সহকে পালেন বারা বর্ণিত বোগ পদাতি বছাই বুনসন্দা। সেইজন্য জানুৰ বাতে অমার সহকে পালেন বারা করান মারুল। য়ে ভগবান শৃত্যবিদ্যাল, যে সমন্ত বোলী মন্যসংখ্যক চেটা বহুন উলা আনই সমাধিকাতে নিছ হতে না পেরে হতাল হল। বহুজাবে মন্যসংক্রের প্রচেটার চারা ক্লাভিবোদ করেন। কতান হে কমলনান বিশেষর, পালম হংসকা সমন্ত নিজ আনক্ষেত্র উৎস্থালানার বারাক্তির সমাধিকাত বারা কর্ম এবং হোগালুশীকানে বর্ব ক্ষেত্র করে, তারা অমাননার অনুবার প্রহণে আসমর্থ হয়ে করে, তারা অমাননার অনুবার প্রহণে আসমর্থ হয়ে করেন করে, তারা অমাননার অনুবার প্রহণে আসমর্থ হয়ে অনুবার অনুবার আমান্য আমান্ত হয়।"

ত্বে ভবরান অনুতে, যে সমন্ত সেবক ঐকাভিকভাবে অবশার ভারার প্রহণ করেছেন, ভানের নিকট আপনি ভারার তবিকভাবে গান্স করেছেন, ভানের নিকট আপনি ভারার তবিকভাবে গান্স করেছেন, সোট ভোনা আপনকরি কিছু না। সর্বোগরি আপনি করন ভারার মতার মাহার দেবকা আবিকৃত হয়েছিলেন, উত্থান করার মতার মাহার দেবকা আপনার চরণ রাখার আসনে পর্যন্ত ভারার বেতেন না। সেই সমারত আপনি আপনার ক্রমান্ত সাহার বেতেন না। সেই সমারত আপনি আপনার ক্রমান্ত আরিত ক্রমানের মতো বানরনার প্রতি বিশেব ছেছ প্রদর্শন করেছেন। জানিত অভারনার স্বাসিছিপ্রদাতা, সকলের পর্যন্ত প্রত্ন প্রব্ধ আন্তর্গাই উপান্য বন্ধ করা আরু হবের আপনারে ছারা আনতানিত করার করার করার সাহার হবের আপনারে ছারা আনিত করার সমারত করার সাহার হবের আপনার ছারা আনিত করার সমারত করার রাহ্য হবের জ্বানার করার করার সমারত ব্যবহার ক্রমান্ত করার সাহার হ্যারত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করার সাহারত ক্রমান্ত ক্রমান্

Married Str.

হতে পারে। জনক বিশ্বতিশ্রম জন্য ভোগের জনা
আপনাকে প্রত্যাদন করে জন্য কিছুকে কে গ্রহণ করে।
আর জামরা, যারা জাপনার পাদপতের সেবার রতী
হরেছি ভাসের কি কোনও অভ্যব আছে। হে ভগবান।
রক্ষার মতো দীর্ঘ জীকা লাভ করলেও পারমার্থিক
বিজ্ঞানে দক্ষব্যতিগ্রম এক নিবার্ডকের কবিগ্রম জাপনার
রাতি বে কতটা কণী, তা পূর্ণরাবে প্রকাশ করতে
পারেননি, কেনর আপনি বাইরে আচার্যরাপে এবং অন্তরে,
পারমান্তর্নাপে এই দুইভাবে জাবির্ভূত হয়ে জাপনার নিকট
বীভাবে উপনীত হতে হথে, সেই বিবরে নির্দেশ প্রদান
করে দেহখানী কীবনের উভার করেন।

722

শ্রীল ওক্ষের গোলানী কালেন—"পরম আগরণীর উদ্ধারের স্থান এই ডাবে জিঞালিত হবে সমন্ত ইম্পর্যবেশ্ব ইম্পর্যবেশ্ব ইম্পর্যবেশ্ব ইম্পর্যবেশ্ব ইম্প্রে করে ইম্প্রের ইম

পর্মেশ্বর ভগবান কাল্ডো—"হ্যা, আমি তোমার নিকট আমার গ্রন্তি ভক্তির নিত্রমাকলী বর্ণনা করব, বা গলেন করে মরশ্বীল মানুৰ দুর্জায় মৃত্যুকে জন্ম করতে भारति। सार्वम् श्रेष्टा स रहा प्रवेश यामार्क सार्व করে ভাক্তর উচিত তার সমস্ত কর্তন আমার স্থানা भाष्यासम् करा । अन् ७ वृद्धि धार्यार्छ अवर्गंध करत, छात्र মনকে আমার প্রতি ভাউবোগের আকর্মণে নিবিষ্ট করা উচিত। দেখালা, অসুরালা এবং মনুবাসনের মধ্যে আমার ছক্ত গণ আবিৰ্ভত হয়ে বাকে। স্বানুকের উচিত, সেই সমশ্র ভঞ্জপদ যে স্থানে বাদ করে, সেই দমক্ত পবিত্র স্থানে আশ্রম্ভ প্রহণ করে উক্ত ভক্তগণের দুটান্তস্থাক কর্বেকটার ধারা পরিচালিত হওরা। আমার অরাধনার ক্ষা বিশেষভাবে সংরক্ষিত পবিত্র তিথি, আমার অনুষ্ঠান क्षा छेरनरर्शन, कनकी थयन समन्याभाषा प्राप्त, कीर्डन भरत, नष्टा अक्त कनान्त सककीत जेपर्य शर्माहन्त মাধানে উদ্বাগনের ব্যবস্থা করা উচিত। ছালের উচিত গুদ্ধ কারে করে এবং বাইরে সর্ববারে আকাশের মতো, নিজের মধ্যে ও সমত জীবেড মধ্যে বর্তমান ক্ষভবন্দালা পরমাভারাণে ফার্মারে দর্শন করা।"

"হে দ্যুডিয়ান উত্তৰ, যে বাজি প্ৰতিটি জীৱে আয়াহ উপস্থিতি দর্শন করে, আর এই নিশ্ব আনের আল্রয় প্রচম করে প্রত্যেককে প্রদান করে, ভাতেই প্রকৃত জানী হলে महत्र कता इस। अहेका शक्ति अस्मान धारः शुक्रम, हाड ও ব্ৰহ্মণ্য সংস্কৃতিত পৃষ্ঠপোষক দাতা, সূৰ্য এবং ক্ষম অধি-স্ফুলিক ভার আর নিষ্ঠুর সকলের প্রতি সমধ্যী। বে ব্যক্তি সমস্ত মানুকের মধ্যে আমার উপস্থিতি অনুভৱ করে প্রতিনিয়ন্ত আমার শ্রেপ্র-মনন করে, তার প্রায়ং থেকে প্ৰতিৰশ্বিতাৰ স্পৰ্বা, টাৰ্বা, ডিবাছাৰ কল্ল জাৰ ल्टिशक विश्वा चवरकात श्रुप मध्य दिन्हे हता। विश्वाद সঙ্গী-সাধীদের উপহাস উপেক্স করে ভারের উচিত দেহাত্বৰত্তি আৰু আনুসন্থিক বজোচবোধ পরিভাগে করা। সকলকে-এফাকি কুকুই, চওমা, গাতী এবং গৰ্মতকের ভমিষ্ঠ হয়ে সঞ্চলের সামনে শশুকং প্রণতি নিবেদন করা উচিত। সর্বভীবের মধ্যে আমার কর্ণন বতক্তা না সর্বত হয়, ভতপণই ভড়ের উচিত কারমনোবাকো এট প্রতিতে আমার উপাসনা চালিরে মাওয়া। সর্ববাল ভগকন সম্বাদ্ধে এইকল নিখা আনের মাধানে মানুৰ কঠাঃ পর্য সভাকে মর্পন করতে সক্ষম হয়। সমস্ত সংস্ক মন্ত হরে তার সভাম কর্ম কর্ম কাল উচিত। বারুবে, আমি মনে করি—সর্বস্থীবে অন্সেকে উপপত্তি করাঃ জন্য কায়, মন ও ফালোর বৃত্তিভাগি ক্যক্যারের--এই পদ্ধতিই हरू भारतमार्थिक **का**नवारध्य मकावा मर्गटाई भारा ।"

दिश केवन करिस्तालं धेर नकि राजिनकारि वामि अविकी करात करन का हाल मिन धनर मधन धनात कर केराना तिखा। और नकि वास्तावन करात करन कर मिन्नालं विद्या और नकि वास्तावन करात करन करा मानालं अनुव विनकालं नातिविविध क्षणान करा कर नाम अवर बनुत्नालं करान-और नमर्थ धनवं कारार्वालं करन निर्माणं करान-और नमर्थ धनवं कार्यार्वालं करन निर्माणं करात अविध धनिं कर्य, विश्वकार निर्माणं करा शक्ति, का स्वार्थ पर्यार्थ मानुन्ता। और नकि शक्त प्रक्रिक कर्या विध्यान पर्यार्थ मानुन्ता। और नकि शक्त प्रक्रिक क्षा क्ष्यार्थ पर्यार्थ मानुन्ता। अर्थ नकि शक्त करात स्वार्थ करात क्ष्यार्थ क्ष्यार्थ कर करावन क्षा व्यवस्त्र करात स्वार्थ करात क्ष्यार्थ पर्यार्थ क्षा करावन क्षा व्यवस्त्र करात स्वार्थ करात स्वार्थ करात क्ष्यार्थ

ভোষার নিকট সংক্ষেপে এবং বিজারিতভাবে পরম সভা হিলানের সম্পূর্ণ বিবরণ প্রদান কর্মায়। এম্মক্রি শেষতালের জনাও এই বিজ্ঞান অতার দুর্যোধ্য। লান্তৰ্জি সহকারে বাহ বার আমি ভোষার নিকট এই बार्टिंड कथा कर्मना करमात्र। त्व (कव्हें धेहे दिवस्त সষ্ঠতাৰে উপলব্ধি কয়তে পানলে, সমস্ত সংগত শুনা হয়ে সে মৃতি কাৰ কলবে। ভোমার প্রক্রের এই সমস্ত সুস্পষ্ট উপজ্যে প্রতি যে কেন্ট মনোনিবেশ করতে, সে সমাত্র ব্যানর গোপনীর উক্ষেক্স--পরর অধিমির সভাকে লাভ করে। বিনি আমার ভারণের যথে এই মান প্রদান করেল, ডিলি **২তেখ**ন প্রাক্ষাল হালতো, আর তার নিকট আছি নিজেকেই প্রদান করি। বে ব্যক্তি উচ্চে:ছবে এই পর্ম নির্মন, এবং শুদ্ধস্থাপ্রথ পরম আন প্রচার করে, সে বিদ্যবাচনার বর্তিকার হারা অন্যক্ষের নিকট আমাকে প্রকাশ করাৰ কংগ দিলে পরিত্র হয়। যে কেউ সর্বাক্ষণ আমার ওছ ভক্তিতে নিয়োজিও হয়ে একা এবং মানাবোগ সহকারে নিয়মিতভাবে এই ঋনে প্রবণ করে, সে কথনও জন্ত কৰ্মবন্ধনে আবন্ধ হবে না।"

"প্রিয় সাধা উদ্ধার, তুমি কি এই বিষয়েমা সম্পূর্বরূপে উপলব্ধি করেছা কেমার বনে উত্তপ্ত পোক এবং মেহে কি এন্দা বিদুরীত হতেছে? দান্তিক, নাড়িক, আসং অথবা য়ে প্রস্কা সককারে প্রথম করের ঝা, অভক্ত, অথবা বিনীত না, তোমার উচিত আদের কারও নিবট এই উপদেশ धनत मा करा। या जमक शक्ति এই जनग অসন্দের্ভিত, প্রাক্তর কলরণে উৎসমীকৃত, কুলালু, সাধু এবং ওছ, ভাদেরকে এই জান প্রথম করা উচিত। আর বলি সাধারণ কথী এবং শ্রীলোকরা ভগবানের প্রতি ভতিবৃক্ত হয়, ভবে ভালেডকেও বোগ্য শ্রোভা হিসাবে উল্লেখ্য হবে। বৰন কোন জিলাসু ব্যক্তি এই জান উপদক্তি করতে গারে, ভার জন্য আতব্য আর কিছুই খাকে না। প্রকৃতগক্তে বে ব্যক্তি গরম উপাদের অমৃত পান করে, সে আর ভৃত্তর্ক থাকে মা। সংখ্য বোগের बान, बाध बानुकानिक कार्र, वाल्गोकिक स्थान माधन, জাগতিক ব্যৱসা এবং বাজনৈতিক শাসন—এসংবৰ অপ্রদান্তি লাভ করতে চরে। কিছু ভূমি যেত্তে আমার

ভূমি আমার মধ্যে কৃষ সহতে বা প্রাপ্ত হবে। যে থান্ডি আমার প্রভি দেবা সম্পান্তনের বাসনার সমস্ত সকাম কর্ম পরিভাগে করে নিজেকে সম্পূর্ণনার আমারে অর্থন করে, সে কক্ষ-মৃত্যু থেকে মৃত্তি করে করে আমার নিজের ঐপর্বের অংশীদার ছওয়ার পর্যাবে উপনীত হয়।"

ত্রীল ভারনের গোজারী কালেন—"সমগ্র রোগমার্গ यमर्गनकाडी सनवान बीक्टबस और अध्य केन्द्रि संवप করার পর প্রদায় জ্ঞাপন করার জন্য টেখন কডাগুলিংছে **३८० किरमन**। कि**स श्रियमण्ड छै। इं क्रिक्स ३८३** অমেবিসর্ভান হওয়ার হলে তিনি কিছুই বলতে পারলেন না। শ্রেমবিহুপ ফাকে ছিব্ন করে ব্যবংশের বীবপ্রেষ্ঠ ভাবান জীকৃজের প্রতি উদ্ধন অভ্যন্ত কৃতরোজা বোধ করলেন। তির মহাবাজ পরীক্ষিৎ, উদ্ধান ভগবানের চরশারবিন্দে তার মন্তক স্পর্ণ করে নাইঙ্গে প্রদিপান্ত করার পর কৃতাপ্রালি পুটে কালেন—হে অঞ্জ, আমি প্রক, আমি মহা খোহাছকাৰে গতিত হালও অভিমাৰ ককণায়ত সংস্থা প্রভাবে এখন আমার বাজ্ঞানতা বিশ্বীত ব্রুচের। বস্তাও, যে ব্যক্তি উৎস্থাল সূর্তের কিবট পামন করেন, জার উপর শীত, প্রছকার এবং শুরু কীপ্রাবে তাদের ক্ষমতা আরোপ করবেং আকার নমণ্য শরপাগতির প্রতিমানে, আগনি আশন্তর সেবক আমার উপর ককণা প্রবশ হয়ে দিবাৰকে রূপ প্রদীপ প্রদান করেছে। সুভরাং, এতটুকুও কৃতক্রতা বোধ সম্পন্ন আপনার এমন কোন ভূতা থাকাত গারে, যে আগনার প্যারবিক ভাগে করে অন্য কোন अपूर्व भारत अर्थ कररव । चालनाव मुख्य वर्धन्त्र উদ্দেশ্যে আনিতে আপনি আমার উপর আপনার মায়ালন্তি বিভাগ করে বালার্ছ, বৃক্তি, আছক এবং সাভুত পরিবার ওলির প্রতি পৃত কোল-কানের রক্ষ্ণ হারা হয়য়ক্ষে বছন করেছেন। সেই বছন একন দিব্য আত্তান রূপ ভরবারি হারা জি হয়েছে। হে পরম যোগী, আপনাকে প্রথতি নিবেদন করি। কীভাবে আপনার পাদপছে আমি খারী রতি অর্জন করতে পাবি, সে বিষয়ে জাপনার এই শরণাগত সেককে অনুগ্রহণুর্বক উপক্ষেপ প্রদান করুল (*

 অলকানকা নদী দৰ্শন করে সমস্ত পাপের প্রতিক্রিয়া থেকে মুক্ত ছও। ফল্ডল পরিধান করে বলে জনারালে হা পাওলা বার তাই আহার কর। এইভাবে ডুবি स्वित्वान स डिभवकि मधारित, भारत, व्याच-भरवड, मुनील, নিৰ্দেশ্য এবং বাসনা মুক্ত ছবে সম্ভুষ্ট থাক। নিবিষ্ট চিষ্ট ছয়ে ভোষার নিউট প্রগত্ত জামায় নির্দেশাকনীর প্রতিনিয়ত মান্য করে, সেওলির বধার্য তত্ত উপলব্ধি করা। তোমার ক্ষত্য এক চিন্তাবার্য় আমাতে নিবিষ্ট করে, আনার দিবা ক্রণাফলীর উপলব্ধি বর্ধন করতে সর্বদা চেটা কর। এইভাবে ভুন্নি প্রাঞ্ড নিভাগের পতি অভিনাম করে, **करापात कार्यात मिक्डे श्रहातर्जन कताव**ा

979

শ্রীল ওকদেব গোৰামী বলকো—"ভবদুঃখহারী ভগতন প্রীকৃষ্ণের হারা এইতাবে উপলিট্ট হয়ে, মিউছব ভগবানকৈ প্রবন্ধিশ করে, ভগবানের চরণে মন্তব্দ স্থাপন ৰয়ে প্ৰশিশাই করেন। স্বাড় ছল্মের প্ৰভাগ খেকে মৃত হওয়া সম্বেধ উদ্ধর্ণের হুদের বিদীর্ণ হচিলে এল ভার সমনের মুহুর্ছে তিনি অঞ্চ ছারা ছলকানের গাদপর সিও করেছিলেন। বার অন্য এরাগ অবিনাশী হেছে তিনি অনুভব করছিলের জার বিরহজনিত মধ্যভাচে, উত্তব মানসিক করে উম্মন্ত থার হরে ভগবানের সক পরিতাপে

করতে পারেননি। অবশোষ ভীষণ জ্বাদা অনুতৰ করে তিনি ভাগবানকে বার মার প্রশতি জ্ঞাপন করেন এবং তীর প্রভূত পাণুকারর মককে ধারণ করে প্রভূতি করেন। ভারণার ভগবানকে স্থানামভাবরে পতীরভাবে স্থাপন করে পরম জাধকত উদ্ধা ব্যবিকাশ্রমে গমন করেন। শেখানে তিনি খাণসা খবে কাবাদের নিখাধ্য প্রাপ্ত ক্রেক্টিকেন যেই ধানের কথা কণ্যতের একমাত্র বন্ধু ক্ষান্তন জীকুনা श्रद्धर श्रीत निक्छ वर्णन करतास्त । जमन महारवारणवास्त्रक টার পাদপক্ষের সেবা করেন, সেই ভগবান প্রীকৃষ্ণ, তাঁও তখের নিকট সমগ্র নিবা আনক্ষম্প সময়িত এই অনুতর্মর জ্বান প্রধান করেন। এই রক্ষাণ্ডের বিনিই পরম শ্ৰছা সহকাৰে এই বৰ্ণনা মাধ্ৰ কৰাবন, ডিনি নিশ্চিতত্তপে মৃতিকাভ করকো। সর্ব শ্রীকের মধ্যে আমি ধনং মহত্য, পর্মেশার উপনাম শ্রীকৃত্যকে আমি প্রশাহ জ্ঞাপন করছি। তিনি হজেন সমস্ত বেনের প্রশেক্তা। তার ভাজদের তার ভার হরণ করার জনাই ভিনি সমস্ত জান এবং আছোপদানির সারার্থ সময়িত এই অস্ত সংগ্রহ ক্ষেত্র। এইভাবে ডিনি তার বহু ভারতে আনৰ সমূত্রের অনুভ প্ৰদান করলে, তার কৃপার আগব্যক্তবা ভা পান হরেছেন।"



ব্রিংশতি অধ্যায়

যদুবংশের অন্তর্ধান

প্রীক্তিং মহারাধা বললেন—"মহাভাগরত উদর বনে প্রমন্ত্রে বর সর্বস্থীবের রক্ষা, পরমণুক্রর স্থাবান হাবকা अवदीर्क की करतहिरुवान । आक्रमारमञ्ज व्यक्तिमारमञ्ज सर्वा তার নিজকুল বিধ্বক হওরার পর সকলের সহনমণি যুদ্ধেট কীডাবে অভর্ম ইন্সেন্ট ভালানের বিব্যরশে দৃষ্টি নিবৰ হলে নারীগণ ভা প্রভাগের করতে সমর্গ হত না, অধিবক্ষে কর্লে সেইজল প্রকেল করণে উলের হানরে থ্য দুৰেছ হত, তা কখনও দুর হত না। ব্যতি ফর্মনের चात्र कि कथा, इव जनक भराभ कवि चलवाइन्स कार्यक

কানা করেছেন, তারা প্রীক্তিপ্রদ দিবা আকর্ষণে মধ্য যমে क्षेत्रक नक भरावाकन कारताकः। जात कार्युटना तकातक রূপ কর্পন করে কুরুকেটো যুদ্ধকেটো ব্যব্ধ বেক্ষারা সঞ্জগ্য ইজিবাদ্ধ করেছিল।"

প্ৰীল ওকদেৰ গোৰামী কললেন—"আকালে, ভূমিতে এবং মহাকাশে অনেক উৎপাত জনক ব্যক্ত দৰ্শন করে সুধর্মা সভাপুত্র সমাগত যদুবব্দীরগণের নিকট ভগবন শ্রীকৃষ্ণ এইরূপ বস্তব্য রাবলেন।"

পরমেশর ভগবান কর্মেন—"হে ক্রুমেটগণ, অনুগ্রহ

করে লকা কর, বারকার মৃত্যুপতাকার মতো ভরতর _{দেশ}ৰ সমূহ উপস্থিত ইয়েছে। আৰু এক মৃত্তিও ब्राह्मस्य अवस्ति कराष्ट्रात कता उठित स्वः सादी, लिख ধ্বং বৃদ্ধান এই শহও পরিত্যাগ করে শংখাদারে সমন ৰ্ণুক। আমনা পশ্চিম অভিমূখে প্ৰবাহিত সৱস্ঠী নাইৰ জীবে অবস্থিত প্রভাসক্ষেত্রে গমন করব। সেধানে আমন ±িছর জন্য তান করে, উপবাস করে, আমানের ক্রাক্ত সমাহিত করব। ভারপর আমরা দেবদৃতিগণতে আন করিছে, চন্দন লেখন করে, এবং বিভিন্ন নৈকের জর্মন बर्द छीएमड व्यर्डम कड़दर भशाचानाका हाव्यनद्वत সহায়তার আরক্তিবাদি কৃত্য সম্পাদন করে আমার পাতী, इति, पर्व, वज्ञ. शक्के, कथ, तथ अवः निवामकुलाने सर्वव করে সেই সমস্ত ব্রাক্ষণদের পূক্ষা করব। এইটিই হচ্ছে লালদের আসল প্রতিশ্বাক্তা দ্বীকরণের কলা উপায়ুক প্ৰতি, আর জা নিক্তর প্রম সৌভাগ্য আনরন করবে। এইবাদ দেও, দিল এবং গাড়ীর আরাধনার কলে সমস্ত ৰীৰ সৰ্ববেষ্ঠ ক্ৰছ লাভ করতে গাৰো "

"मर् दक्ता फलकान बीक्टकमा और गमक शक्त बर्ग দরে বরত অধুবংশীয়রা 'তা-ই হোক' বলে সংগতি ছানিরেছিলেন। নৌনধ্য করে সমূচ পেরিয়ে করে চেংল র্করা প্রকাশ অভিযুক্তে অপ্রসর হয়েছিলেন। সেখানে উবের প্রভু পরক্ষেক্ত ভারতে প্রীকৃতকা নির্বেশয়তো নদৰকা পুরুষ ভণ্ডি সহকারে ধর্মীয় অনুষ্ঠানতারি न^{्ना}नामन करतन। चनाहाना भावानिक खनुकान**क** छंता নশ্বর করেছিকেন। ভারপর, উরো অদৃশ্য ঐথরিক শক্তির হারা ভটবৃদ্ধি হয়ে ফনকে সম্পূর্ণরূপে নেলাগ্রন্থ ক্রতে পারে এফা মৈকের দামক মিটি পানীর প্রচুর विवादः शाम करविष्टित्वः। वर्ष्वरशीम वीवनन অভিযাত্ত্রার পানের ফলে নেশায়ন্ত হরে গর্বোগ্রভ হরে ওঠেন। এইভাবে ভগবান শ্রীকৃবের স্বীয় মারাশ্ভির क्षत विवास हता केरमन घरण तक कारका कार गृष्टि

ইবি বৈমন ভাগের করের করে একরকে আক্রমণ भरत जिल्लाहे अस्य भागवरक नागमपूर्वात वाडा क्तरज्ञास्य चार्क्यम् क्टास्ट्रियम् । नाचत् निकटक् शसूत्र ভাষারভাবে যুদ্ধ করলোন, কৃত্যিভাজেন বিশ্বছে অঞ্বর, সাত্যকীয় বিজতে অনিক্তন, সংলাম ভিত্তের বিকতে मुक्ता, मृद्धका विकास मुक्ति जार मुक्ता शह, आक्रा বিক্র**ছে অপরে পরুপর গ**ঞ্জা উৎপন্ন করেছিলেন। বরং ভগরান মৃত্যুদ্ধ কর্তৃক সম্পূর্ণ ক্রমে বিয়োহিত একং নেশ্যব ছারা আৰু হয়ে, নিশাঠ, উপুত, সহস্রজিৎ, পাহজিৎ এবং ভানু, থালা সভাই করে একে অপান্তৰ হত্যা করে। দাশ্যর্ক, বৃক্তি এবং অঞ্চলগর, তোজনগ, সাম্বত, মধু এবং व्यर्जनमम्, प्रावृत्त, मृत्रातमः, विनादीः, कृतून धावर कृष्टिनम-এই সমস্ক বদুবংশের খোডীসক্ষরণণ ওাদের পরস্পরের মধ্যে স্বাজ্যকিত সৌহর্ষে সম্পূর্ণরাগে বিস্ফান দিয়ে, সকলেই একে ছপরতে হত্যা করেন। এইভাবে বিজ্ঞান হরে পুত্রগদ পিতার সাকে, ক্রাড়গণ বাতাদের সংক্র বাতুম্পুরসদ পিতৃবংশা এক মাতুলসংগর সঙ্গে একা পৌত্রপণ পিতারহগণের সঙ্গে কৃত্র করেন। বঞ্জুগণ বন্ধুগাণের সক্ষে এবং গুবহুকাকীপুৰ গুড়াকাক্ষীপুৰের সঙ্গে বৃদ্ধ করেন। এইভাবে ছনিও বন্ধুগণ এবং আৰ্থীরবন্ধন সকলেই একে অপনকে হত্যা করেন। केरपत्र मध्य अनुक कम शतम अवर वायमभूद ও कानामा কেলগাত্ৰসমূহ শেৰ হতে কেন্দ্ৰে জাতা কেন্দ্ৰসমূহ মুক্ত বল্লে উঠিরে নেন। এই সময় এরকাদণ্ড উর্বের মৃষ্টিতে ধানৰ করা মাত্রই কডওলি বজের মতে কঠোর গৌহকও পরিবর্তিত হয়। সেই সমত্ত করের দাবা যোক্তগণ পুনঃপুনঃ একে অপ্রংক আক্রমণ করতে ওক च्छान्त्रिका, क्या बका छक्ता श्रीकृत छात्राहरू निरुष করেন, তথ্য তারা তাকেও অফেনৰ করেন।"

্ধে রাজন, বিভান্ত অবস্থার তারা শ্রীবলরামকেও একজন শক্তমাণে তেবে, জন্মগন্ন হাতে নিয়ে তাঁকে হত্য খ্য। কুছ ব্যুর জারা ঠানের জীর-ধনুক, জনোজর, জনা, করার অভিশ্রায়ে জার দিকে ধারিত হব। হে কুরুসমন্ ^{ন্তা}, ব্যাস, এবং ধর্ণা আদি উল্লোলন করে সেই অভ্যাপন জীকৃষ্ণ এবং কাল্যন ভীচনভাবে পুল্ক হন। সমূমতীৰে একে অপরক্তে আক্রমণ করেছিলেন। এরকা দহা হাতে নিবে মুক্তের মধ্যে বিচনশ করে তাঁরে ইতিসমূহ এবং উচ্চীয়মান পতাকানুক সংখ, জাবার এই সমস্ত একৰা দত কৰ ক্যায় করা করতে ওক গর্নজ, উট, বুব, মহিব, বচ্চর, এফনকি মানুবের উপর করেন। বীশবনের পাবনিক কমন সমগ্রবনকে কানে আনেহেশ করে, অভ্যন্ত কুন্ধ ব্যোধাণাশ একত্রিত হত্তে কর । করে, তেমনাই ভাগনান জীকুকোর ফ্রালাকের স্বায়া বিভ্রান্ত

এবং প্রাক্ষণগণের দ্বারা অভিশাণগ্রন্ত হল্পে এই সমস্ত ट्याचाम् क्ष्यानक रकारक फारबंद विरक्षतक विराम খটিয়েছিলেন। এইভাবে ঠার বিজেন বংশের সমস্ত अनुसाराम दिन्हें हरत, कवदान क्षेत्रक यहन यहन कानराजन যে, অবশেষে পৃথিবার ভাব বিদুরীত ছবেছে। আহপত ভগবান বলবাম সময়তটে উপবেশন করে নিজেকে পরফোরে ভগবানের খালে সম করেছিলেন। নিক্তরে নিকের মধ্যে বিলীন করে তিনি এই মর ক্ষণৎ পরিতাগে করেন ("

224

"छप्रवान द्वाराम् **चल्**रीन मर्चन **करत** एएकवीनका ভগবান প্রীক্ষা নিশেকে একটি অধ্যা বক্ষের ভলে ভূমিতে উপবেশন করেন। জনকন ওখন চতভূজ পরম উচ্ছল রূপ প্রদর্শন করছিলেন। উন্না দেহ নির্গত পুতি ছিল ঠিক ধোঁৱাহীন অগ্নির মতো, আর ভাতে সমস্ত पिट्य प्राप्तका पुरीक्ष इस्साहित। क्षेत्र पावर्ग हिन क्य नीम स्मरका मरजा, क्यर छात्र एक निर्मक स्थारिक ছিল গণিতখনের মতো, তার সর্বাধ্যনামত জাল ছিল শ্রীবংস সমাধিত। বুখপত সুদরম্ভুত্যক সম্পিত, মকুক গাড় নীলকেশবাম শোভিত। খাঁব প্ৰকাৰকাই অভাব আকর্ষনীয় এবং কার মকরক্তম অভ্যক্ত উজ্জ্বল, তার পবিবালে ক্ষেত্রে এক্টোড়া রেখন বস্তু, অলহত কোমরবছ, উপবীত, হস্কবলর এবং বাক্তবছ। সভাবে চচা, বান্ধ কৌল্ডমণি, হায়, দুগৰ খার সেইদলে তার আছে ছিল রাজকীর চিহ্নসকল। তার স্থানি ছিল প্লামলা পরিবত এবং তার নিজ'ব আন্তামই ভালের ক স্থ বলে বিশেষমান ছিল। তিনি তাঁর পরবোহিত গণতব সম্বিত বামচকা, তাঁও বঞ্চিল উক্তর উপরে স্থাপন করে উপক্রের করেছিলেন। জনবানের শ্রীচনগড়ে হবিশের মুখ মনে করে প্রমক্তি করা নামক এক শিকারি, তথন সেট স্থানে উপনীত হয়। শিকার গ্রান্ত হয়েছে কেবে, সাম্বর মুবলের অবলিষ্ট টোবেশত থেকে নির্মিত ঝণটি ঐ শিকারি কর্ডক জগবানের চকাপ বিশ্ব হয়। ভারপর, চতর্ভন্ত পুরুষকে দর্শন করে সেই লিকাবিটি ভার ধারা কৃত অপবাধের জন্য অভার তীত হতে সে অগবানের চরণে পতিত হয় এবং অসুরধানে বক্রর বীপমগনে তার মতক তাপন করে।"

করা কাল -"হে ভগবান মণুসুদন --আমি ক্রণ-ক্রা পাতার পাণিষ্ঠ বাহিত। স্বাধানখাবপথ্য আছি করে weather the manufact where, the Bighteria অন্যাহলকৈ এই পালিপ্তিক কমা কলেও হৈ প্ৰত, আন্ত धाननात्र निक्षं धानताय करशीकः। (६ धानान विका পতিও অভিশব বলেন যে, নিরপ্তর স্বাপনার স্বর্গতারী বাক্তির অক্ষান-অন্ধকার অচিবেই বিনাশ প্রাপ্ত ৯৮ অচনৰ, হে বৈকুঠগতি অন্তহপূৰ্বক এই প্ৰাণিক প্রশাসনিকে অবিদারে হত্যা করুন, মাতে সে পুনরায় সাধ ব্যক্তিদের বিকল্পে এইরূপ অপর্যধ না করে। শ্রীরক্ষা, ভার রুপ্রামি প্রথাশ, বা কোন বেদমগ্রবিৎ মার্চার কেইই অপনার অসের্টকেক শক্তির কার্যকলাল উপলত্তি করতে পারের হা। আপনার মারাশান্তি জানের দ্বন্ধি আবৃত করে রাখার কীভাবে আপনার অন্টোভিক সভি কার্য করে, সে সম্বর্গে উলো জন্ম থাকেল। সূত্রাং, নিক্টকুলজাত আমার মতো থাকি, কি আর কলতে পাবে 🗥

পরমেশ্বর ক্রণবান বললেন—"প্রির করা, ভর পেরের মা। কৃষি ওঠো। মা কিছু সংঘটিত হয়েছে, ভা প্রকৃতপক্তে আমারই অভিগ্রার। আমার অনুমতিরুদ্ধ ভূমি এখন সুক্তিগণের ধাম কৈবুঠ ঋপতে পামন কয়। নিজের ইচ্ছামতো দিব্য দেহধারী পরমেশর ভগবান ঞ্জিকুঞ্চ কর্তৃক আদিষ্ট হয়ে, সেই নিকারি ভগবানকে তিনবার প্রদক্ষিণ করে, তাঁকে ভূমিট হয়ে প্রদতি জ্ঞাপন করে। ভারপর তার জন্য আগত বিমানে আরোহণ করে শিকারি বৈকণ্ঠ জনতে প্রথম করণ। সেই সময় দাকক আর প্রকৃ, প্রীকৃষ্ণের অংকের করছিল। যে ব্যাসে ভগকা উপন্তি ছিলেন ভার নিকটবতী হতেই সেখন থেকে প্রবাহিত হণু ৰাহতে ভুজনী মঞ্জরীর সূত্রাণ অনুভব করে সক্তৰ সেই দিকেই খনন কৰে। সাক্তৰ ভাৰ প্ৰভু, ভগ্নাম শ্রীকৃষ্ণতে তার উল্পান আছ-শর পরিবৃত হরে অৰ্থ মূলে বিভাররত অবস্থার দর্শন করে, ভগবানের প্রতি ভার হাময়ত্ব প্রেছ সংবর্গ করতে পারল না। অঞ্চপূর্ণ নরনে দীয়ে রথ থেকে অবভারণ করে সে ভগবানের শ্রীচরণে পভিঙ হল ."

দারুক কলল—"চন্দ্রবিহীন রাব্রে অঞ্চলরে বিলীন হরে ফানুর বেমন জক্তা পুঁজে পাম না, তেমনই আমি একে আপনার চরকাপুরের কর্মন বাবিছে, যে প্রস্তু, ম্বিলাক হাবিয়ে আমি অককারে অকের মতে সুরে ৰেডাজি। আমি কোধার বাব জানি না, কাবাৰ স্বায়িত 可随 料門

अवि कथा रमार्क रमार्टरे, छाट क्रारवह मागान জারনের সরভ্যাত চিঞ্জি, করে এক আবদাস্থ নার্ট্ট লাভাবে উবিত হল। ঐবিদ্যান সমত দিবা কর ভবিত जात तरक्षा कनुभाग **भगन। धरे गामक पर्न**त करत शहर লাক্রবাণিত রখের সার্বাব্যক ভবন ভগবান জনার্থন আক্রেন—হে সারখি, তুমি ব্যরকার গমন করে কাঁচাবে ত্যার প্রিয়ক্তদের একে অগরকে বিশেশ করেছে সেওখা অস্তানৰ আধীৰক্ষনকে কাৰে। সেই সাম ভানেৰক

ঐসংকর্তন্ত অন্তর্গন এক আমার কর্তমান অধস্থা কলনে। कृत्रानीतमस्यक काक्षवानी वाजकात, कृति अन्तर तथायात আর্থার প্রথমগণের থকা উচিত নর, কেননা আমি ঐ নগর পরিচয়ের করনেই সমূদ্র তাকে প্রার্থিত করবে। প্রান্ত ক্রকাশের লোকামী কললেন—"তে রাজেন্ত, তোলর তোনালের পতিনার এক আমার পিতানাতা সহ, অৰ্থনো বৰুবাবেশ্বৰে উল্লেখ্যৰ পমন কৰবে। পাঞ্চক, ভোমার উভিত দিল্ল জ্বানে নিনিষ্ট এবং রুড় বিচারের হাতি খনাসক খেন্ডে আমার প্রতি হয় খক্তিতে অধিতিত क्षता। को नवस जीवाटक बावाद प्रातानरिक्ट शार्मन অপে কেনে তেখের শান্ত ধাকা উচিত। এইভাবে আদিট্র করে, দারুক ভারনেতে প্রদক্ষিণ করে, বার বার তাকে প্রশাস করেছিল। জগতান জীকুৰেছা পাদপদ্ধ তার মন্তব্দে वातम करन पर्राचन समस्य भागता श्रम्भावर्धम वरद्राहिन।"



একব্রিংশতি অধ্যায়

ভগবান শ্রীকৃষ্ণের অন্তর্ধান

জীল ওকদের গোসামী বলগেন—"তথন মহাদের, জনকে নিবিষ্ট করে তাঁর সমুদেরতার মুদ্রিত করেন। সর্ব তার সঙ্গিনী ভবানী, সবিগৎ, প্রজাপতিগ্র এবং ইস্ক यम् गर्भ स्वयंग्यक गर्म निर्दे वैदिया सहारम উপনীত হন। পর্যাপর ভাষরতের অন্তর্গন-জীকা দর্শনের অভিনাৰে পরায় আগ্রহী হয়ে লিচপুরুষগুণ, নিছ, গছর্ব কিবাধর এক মহাসর্গ, আরু সেই সঙ্গে চারলগণ, ক্ষুসাণ, द्रोष्ट्रमन्त्र, किञ्चयक्ष्य क्षान्यराध्य अवर प्रकृष्ट्रपट्य আৰীহণৰ সেবানে এলে উপন্তিও হুংহছিলেন। আগমনকালে এই সমস্ত ব্যক্তিগণ বিভিন্নভাবে ভগবান শীপৃথের জন্ম এবং কর্মের মহিন্য কীর্তন করছিলেন। হে রাজন, ভারা বিহানসমূহে একরিত হতে পর**ং** উভিসহকারে জীয়া দেখানে আকাশ থেকে পূলা বর্ষণ কর্মানের। তার সম্বর্থে প্রথাতের শিতামহ ক্রমার সংখ कीत निरक्त केमर्राध्य श्रमान, चामाना श्रमानास्य प्रार्थन

ক্ষাতের সর্বাকর্যক বিশ্রাম কল এবং সমস্ত প্রকার খ্যান अक्ट मन्द्रगढ विषय, कश्यात्मक निया गरीद, च्यारश्रही नामक च्यालीकिक शास्त्रा असाराय मध्य वा कार्य, खनदान শ্ৰীকৃষ্ণ ওঁয়ে স্থীৰ ধামে প্ৰবেশ করলেন।"

"ভগৰান শ্ৰীকৃষ্ণা পৃথিবী ভ্যাস করার সলে সঙ্গে সত্য, ধৰ্ম, বিশ্বকৃত্ৰ, খ্যাতি এবং সৌন্দৰ্য অবিদৰ্শে ঠাকে অনুসরৎ করেছিল। বর্গে দুক্তি শব্দিন্ত এবং আরুক থেকে পুন্দা বৰ্ষিত ছচিলে। সংখ্যা শ্ৰীকভের স্বীরধায়ে शरान, व्यक्तिमान स्वयंत्र अवर अवाधि कारावा केल्लास्त्र ধীৰণৰ বৰ্ণন কয়তে পাৱেননি, কেন্দ্ৰা তিনি তাঁৱ গায়ন প্রকাশ করেননি। বিদ্ধা জানোর কেউ কেউ আ দর্শন বড়ে অভান্ত চৰংকত হয়েছিলেন। সাধারণ মানব বেমন মেব নিসভ বন্ধপাতের গতিপথ নির্বাহণ করতে পারে না ^{ক্}রে সর্বশক্তিয়ের পর্যালয় ভ্রমান বিজের মধ্যে তার তেমনই, ভ্রমান জীকু ক্ষের স্বীরধার প্রভাবেত্সের

भागमध्य (मयसंग निर्नेत कराएंड भारकानि । द्वीवामा जायाः প্রীয়হাদের জানি করেকখনে মান্ত ভগবানের আনৌনিক্ট শক্তি কীবাৰে কাল করছে, তা নিৰ্ধানৰ করতে পেরে ক্ষান্ডর্যাধিত ইয়েছিলেন। সমস্ত বেধনৰ ভগবানের অনৌতিৰ দক্তির প্রশংসা করে তাঁরে নিজ নিজ লোকে প্রভাবের্ডন করেছিলেন 🖰

250

"প্রিয় রাজন, তোমার বোঝা উচিত বে, শেহধারী ক্ষজীকো মতো প্রমেশবের আনির্ভাব এবং তিরোভাব হল্লে অভিনেতার অভিনয়ের মতো তার মারাশক্তি কর্তৃক शानिक बावरी क्या। अहे कार मृष्टि काता शह, जिले अत माथा अस्तम करतन, किक्कारलय प्रन्त आहि निरह ক্রীড়াবত থাকেন, এবং পেরে জ গুটিরে নেন। ভরেপর ভগবান প্রাপঞ্চিক অভিবান্তির ক্রিরাতলাপ থেকে বিরত হয়ে তার স্বীর দিবা মহিমার অধিভিত থাকেন। জাবান শ্ৰীকৃষ্ণ কান্ত ওৰপুত্ৰকে সেই মেনেই ব্যবসাৰ খেকে বিভিন্নে এনেছিলেন, এবং ভন্নি বখন ভাগখানের প্রভাৱ দ্বারা দদ্ধ হজিলে ওখন পরম রক্ষকরণে তিনি তোমার রকা করেছিলেন। ব্যস্তর্গের মৃত্যু ব্রহণ ভগবান শিবকেও তিনি হছে হার করেছিলেন এবং হারা নামক শিকারিকে তিনি মনুষা সেংইই কৈবুরে প্রেলণ করেছিলেন। ভাষনে এইবাল ব্যক্তি স্বয়া কীতাবে নিজেকে কম ক্যাতে ব্যর্থ হকে। তথ্যবাদ ক্রিকঞ্চ অসীম শন্তির অবিকারী, ডিনি বাহং সৃষ্টি, স্থিতি এবং অসংগ্র গ্রীবের বিনাশের এতমাত্র কারণ হওয়া সংকও, ডিনি কেবল এই জন্মত আর দেহধরণ করে থাকতে চাননি। এইভাবে ডিনি ष्टापतिष्ठे दाकिरान्त गठि अनाम कर्दाप्तरान वदः वहे জড়কার বে অস্তাবশ্যকভাবে মৃত্যকন কোন কিছু নর । প্রবেজনীয় অনুষ্ঠান সম্পাদন করলেন।" ভা প্রদর্শন করেছিলেন। যে ব্যক্তি প্রাভ্যকালে গারেলখন করে নিয়মিতভাবে হতু ও ডক্তি সহকারে ভগবন हैक्ट्रक्ट लेगा बल्डर्क्स परिमा अपर धीत रेक्के शहर প্রতাদর্ভন জীলা পাঠ করকেন, তিনি অবলাই নেই প্রথ গতি লাভ করতেন। স্বায়কার পৌলানো রাজই দাকত ধন্দের এবং উপ্রসেমের চরণে লচিত হতে ভগবান শ্রীক্ষকে হারানের শোকে প্রশান করে বার বার। ষ্ঠাদের চরণ সিক্ত করেছিল লে

ক্ষরতাপ্তির ব্যাপন্তর বিশ্বরণ প্রদান করলে, স্থা প্রথম করে। করেন।"

ক্ষমধন্যে ভাষর বাভীর পুংবে উন্মন্ত প্রায় হয়ে বেছনার बाउवर इता नरक। क्षत्रकार श्रीकृतका निग्रहानुक्रशित्य বিহুল হয়ে উল্লে তালের নিজেনের মূখ্যওলে আগতে হেনে, যে স্থানে উল্লেখ আখীরতের প্রবর্তাল পর্যায়ত জিল সেই স্থাবের উদ্দেশ্যে অতি দীয় পায়ন করনের। দেবকী, জোহিশী এবং বসুদেব উচ্চের পুত্রবয় কথা ও বলরামের কর্ণন কা পেতে, সহাধুঃখে অতৈভন্য হতে পচেছিলেন: অপবানের বিবাহে বিদীর্ণ হয়ে ভার নিতামতা নেই স্থানেই ডাম্মে প্রাণ জ্যাপ করেব। প্রিত পরীকিং, বাদব রহণীগণ ভালে প্রভিন্ন দ্বলন্ত চিভার আরোহণ করে, নিজ নিজ মৃত পতিকে আনিয়ন করেছিলেন। ভাগবান বলরামের পদ্বীগণও অভিতে প্রবেশ করে তারে হেছ আলিছন করেছিলেন, এখা বসুদেকের পদ্ধীপশ তার অধিতে প্রবেশ করে তার সেহতে আলিক্সন করেন। ভগবান শ্রীহরির পুত্রবয়গণ এক এখ করে প্রশ্নাম আদি নিক নিক পতির চিতার অগ্নিতে প্রবেশ করেন। এরপর ছবিবাবেরী এবং ক্ষাবান প্রীকৃত্যের ্বক্ষরী পদ্দীনণ তাম অভিতে প্রবেশ করেন।"

"অর্জন তার পরাম হির বন্ধ ওপবান শ্রীক্রের বিরয়ে অভ্যন্ত কাতর হয়ে পড়েছিলেন। কিন্তু ভার নিকট ভগরান কর্তক থীতের যাধ্যমে প্রদন্ত দিবা বাশী শারণ করে নিজেকে সাধানা প্রদান করেছিলেন। ভারালয় অর্থন, ৰে পরিবারের কোন পুরুষ সদস্য অবলিষ্ট ছিল বা. ভাষের মৃত ক্তিপথের অন্তেটিক্রিয়া বাতে সুঠভাবে সম্পাদিত হয়, সেই বিষয়ে তত্বাহয়ান করলেন। তিনি अरकत नत अरू शरहाक रहरानीत नगरमात धना

"হে রজেন, পরম পুরুবোত্তম তগবান যেই মাঞ বারকা পরিত্যাগ করলেন, ভংকশাং তার নিযাসস্থান প্ৰাসাদট্ট ব্যতীত সমস্ত নিৰ সমুদ্ৰের জঙ্গে প্লাণিত হয়। পর্যাদের ভাগরান প্রীমধ্যাদন ভারকার নিতা কর্তমান। সমস্থ মন্ত্ৰপময় স্থানের মধ্যে এটি লয়ম মন্ত্ৰময়, এবং কেবলমার ভার পারণ করনে সমস্ত কল্ব কিটে হয়। নানী, শিশু এবং বৃদ্ধণণ--বনুবছেলর খারা তথ্যত জীবিত ছিলেন, কর্জন উচ্চেরকে নিয়ে ইন্ডয়াছে পানন করেন, "হে পর্বাক্তির পরেক এইভাবে সমগ্র ক্রিন্সংশের পূর্ণ সেবালে তিনি বসুবংশের শাসকরতে বছরে অভিনিত

"हा जिया तासम, इंटामात निटायक्शन वार्कृतस विकेट বেকে তালের নিজগণের মৃত্যু সংবাদ লবন করে ডোমাকে বংশধনকাশে প্রতিষ্ঠিত করে, এই পৃথিবী থেকে রপুর করার জন্য গমন করেছিলেন। যে বাকি সমস্ত প্রমাণেরও প্রভু ভগবান জীনিমুখ্য বিভিন্ন লীলা ভবং

সমত গাণ থেকে মৃতি লাভ ভরবেন। গরমেশ্বর ক্ষণকাৰ প্ৰীকৃষ্ণেৰ সৰ্বাধনকৈ আবস্তানগৰের সূৰ্বামন্তনাময় হাঁবলাধা এক তাল লৈপকলৈ প্রীনায়ানত এক কলেন শালে ধর্ণিত হয়েছে। যে কেউ ঠার লীলা কথা স্পষ্ট কলে কীঠন করকেন, তিনি পরমহকেরণের গতি, জগবান অংতারগণের মহিমা প্রকালয়কারে জীঠন করেন তিনি। ইক্তিকা প্রতি মিন্ত তোমতকি লাভ করকে।"

একাদৰ স্বন্ধ সমাপ্ত

দাদশ স্কন্ধ

(অধঃপতনের যুগ)



কলিযুগের অধঃপতিত রাজবংশ

প্রীল ওক্তবের গোলামী কালোন—"আমানের পূর্ববর্তী প্ৰনার মধ্য রাজ্যের শেষ হাজা হিসেবে প্রঞ্জের কথা क्ला शराहिल, रिनि वृश्वशका करन प्राथशक कराउन, পুরস্কারের মন্ত্রী ভালক ভাকে হত্যা করকো এবং নিজেও পুত্র প্রশোভকে সিংহাসনে অধিষ্ঠিত করকে। প্রসোতের পুত্র কলে অস্প্রাহণ করাবের পালক একা পালকের পুত্র হকে। বিশাধযুগ, আর বিশাধবুগের পুর হকে। রাজক। রাজকের পুত্র হবেন নশিবর্ধন এক এইভাবে প্রচ্যোতন সামে পাঁচখন দৃশতি একশত ঘাটারিশ কংসর পৃথিবীতে রাজ্যক করকে। শিশুনার নায়ে নশিকানের একটি পুর इत्स अवर निचनारमञ्ज नक्ष काकवर्ग मारम नरिविक प्रस्का। কাকবর্ণের পুত্র হাকো কেন্দ্রধার্য এবং ক্ষেত্রধার্য পুত্র চ্বেন ক্ষেত্রজার ক্ষেত্রজ্ঞার পুরা হবেন বিবিসার, এবং র্তাহার পার হকে। অফাতশক্ত। সর্ভক নামে জনাতশক্তর একটি পুর হবে, এবং দর্ভকের পুর ছকেন কালর। কালে হকে दिटीর गणिवर्यका लिख, यह श्रुव হরেন মহসন্থি। হে কুকুপ্রেষ্ঠ, কলিয়ুগে লিওনাল কংশের এই দশকন নুপতি তিনাও ঘট বছর যাবং রাজপু করকো। হে পরীকিং, এক শৃত্রাপীর গর্মে রাজ্য মহসন্দির উরসে একটি বলবান পুর ক্লব্র নেবে। তিনি নাম নামে পরিচিত ইকে। এবং তাঁও অভিথানা প্রচর ধনসক্ষা ও বং কর সৈব খাকৰে। তিনি ক্ষত্ৰিয়দের মধ্যে ক্ষতান্ত প্রতিহিংসা পরায়ের ছবেন। সেই সময় খেতেই জ্বালানৰ শুগুলার 🛾 অধার্মিক হরে উঠাকে। মহাপরের গতি 🖚 হিতীয় পরভারামের মতো অপ্রতিক্ত প্রভাবে একজন ভাবে সমগ্র পুনিবাঁতে রাজত করকে। তার উরবে সুমান্ত গ্রহতি আটেট পুত্র ক্ষায়ন্তেদ করেবে, বারা শক্তিশালী রাজা বালে একণত বছর পথিবীতে রাজত করতেন। চাপকা নামের এক প্রাঞ্জন সম্বর্জন এবং তার আট পুরের সঙ্গে বিশাসভাতকতা করকেন, এবং তাঁদের রাজ্য ধাংস কর্মেন। ত্রীদের পতনের পত্র কলিয়ুগে নৌর্মল রাজত্ব শহরেন। সেই ব্রাহ্মণ চাপকাই চন্দ্রওপ্তকে রাজগরে আহিবিত করকো। এরণর চলতত্ত্বে পুত্র ব্যবিসর ও वर्षिकार्यः नृत्र चरणकर्यने सका सुरुवः चरणकर्यःस्य

প্রা হবেন স্বাধা, ধার পুর হবেন সভত। সভাতের পুর इरका भारिताक, भारिताहरका पूज शरका रामामार्था, अवर নোলবার পর হকে। শতধ্যা। শতধ্যার প্র হকে। ব্যৱস্থা ছে ক্রুয়েট, এই মুশুমন মৌর্থ নুল্ডি কলিবুণে একণত সাইত্রিশ ৰৎসর পৃথিবীতে ব্যক্তভ TORKEN 1

"হে মহারাজ পরীক্ষিৎ, ভারণার রাজা হতেন অধিনিতে अवर कावभारत मुख्याके। मुख्याकेत भार कावन इत्यम যথাক্তৰ কণ্ডিব, উত্তৰ্ক এবং ভতকেৰ পুত্ৰ পুলিছে। ভারপরে পুলিশের পুর যেখে রাজা হবেন। যোগের পরবর্তী রাজার হবেন কথাজনে বছামির, ভাগবত এবং (स्वकृति। अकारंब, व्ह कुकरतांचे, मनसान शाम हासा भठ কাবের অভিত থকা পৃথিবীতে রাজত্ব করবেন। এরপর পুৰিবী অঞ্চল বিশিষ্ট কৰ-বংশীৰ ডাজানের হন্তগত হৰে। পরস্থীকামক শেষ অন্ধ রাঞ্চা দেবভডিকে ঠার ক্ষরশীর বৃদ্ধিয়ন মন্ত্রী কদুদের হত্যা করকো এবং হয়ং রাজা হবেন। ক্যুলেকে পুত্র হবেন ভূমিত্র, এবং ভবিত্রের পুর হকেন নারারণ। কথবলীয়ে এই সকল রাধার কলিবুণে ৩৯৫ কলের পৃথিবীতে রাজত করকে। শেষ কথ-নৃগতি সুনর্যাকে বলী নামে তার এক আছ জাতীর প্রস্তৃত্য হত্যা করবে। এই মহাদুর্জন কর্ণী কিছুবাল পৃথিবীতে রাজত কাবে। বলীর ভাই কম পুর্বির পরবর্তী রাজা হকে। ভার পুরু জীপাঞ্চর্য এবং জীনাক্তকর্মের পুত্র হকেন পৌর্নযানে। পৌর্মযানের পুত্র লবোলর, ভার পুত্র চিবিলক। চিবিলকের পুত্র মেথখাতি এক মেবস্থতির পর হবেন কটমান। অটমানের পুর অনিউকর্যা, তার পুর হালের এবং হালেরর পুর হরেন তলক। তলকের পুর পুরীষ্টীক এবং তার পুত্র হবেন जाका मृतकात्। मृतकाता शृत हरकार । हरकार्ड्ड गंड আরও আটকন রাজা হবেন। ভানের মধ্যে শিবস্থাতি হতেন প্রকল শক্ত কমনকারী রাজা। শিবস্থাতির পুত্র হাকন পেমেতী। তার পর প্রীয়ান, প্রীয়ানের প্র ছবেন (यर्गानंदा) (यर्गानंदात श्रुव निरुद्धण, निरुद्धणम् श्रुव यक्षजी, शक्तजीत श्रा विकास विकास प्रेटि श्रा श्री

_{চমা}নিজ ও লোমনি। চে কৃকাকেই, এই বিশ্বন সুপত্তি स्टब्बर स्थाप करमत मूर्वरोत्तर सम्बद्ध करतार। एक्स्स প্রবর্তি মগরীয় সাও জন আউসকোঠার নৃশতি রাজ্য লব্বেন, এবং তারপর জন্তম ধর্মত রাজা রাজত্ব **अत्**रदम्। अवश्रत स्थानका चटिएगती कह दा**छ**। ব্যারাত্র করবেন। অটেরান ক্রড্যাগতি রাজ্য করবেন। এমের পর টৌনভান উক্তমন্পতি, মণ্ডান গুরুও নৃপতি এবং এগারো জন মেন্স বংশীর নরগতি রাজ্য করতে। জাতীর, গদীত এবং কৰ নৃপতিকা একহাজায় নিমেনুই বার পৃথিবীতে রাজ্য করকে, এবং একাদৰ টোলরাজ্য ভিনাপ বছর ভাজার করবেন। ভালের অবলার হতে ভতনৰ, যদিন্তি, শিশুনৰি, শিশুনৰিয় জাতা জানানি, প্ৰচাৰ হোজালো বাজত কংগুন, এবং শ্ৰীয়া সকলেই श्रदेशक-धेता किनकिमा समग्रीएड अक्टर पत करना ব্যুক্তার্য করবেন। কিন্তিলা নগরীতে এবলয় রাজত कर्मा विद्वितिम (१८८४। जन विद्या श्रीति भूत विद्या পুষ্পমিত্র, তার পুত্র সুমিত্র, অভ্যেতীয় সাতভার রাজ্য কৌপদা দেশীয় সাডেজন ক্রজা, বিদুর মেশ্রে অবিপতিরণ এক নিবৰ দেশের অধিগতিগণ একই সময়ে পৃথকভাবে ভিন্ন ভিন্ন পণ্ডবাজ্য সমূহে ব্রাজত করকে। ভার-ব विवन्यक्ति नाम नवकारक मध्या मध्य वामान कर স্তাহার আকির্ভাব হবে। তিনি সমস্ত ব্রাহ্মপাদি উচ্চবর্গকে রেছতুলা পুলিক, বহু, মন্তক আদি হীনভাতিকৰে পরিশত করকো। পুরতি রাজা বিশক্ষমি কং অধানিক পরস্কার ও রাজানের হারা পাঁড়িত হরে কিন্ট হতেন।" दक्षापद दक्षिणानम् अवर परिता निका कार्र देश प्रयक्ष

धरराम करएका। दिसि देख साक्रमधी भदारकी नगरीएड অংশন করে ব্যাস উৎস থেকে প্রয়াপ পর্যন্ত নিজ ভূতবালত বাজা ভোগ করকো। সেইসারে সৌবাই, कर्ती, काठींत, नृत, कर्दन क्रक्त प्रानरहरूनीय हाकननन ভাষের সমস্ত ওছাচার ছেকে ভাই হকেন একা এই সমস্ত স্থানের ব্যক্তার শহন্তার হারে হারেন। সিহুনাদের ভীর मालक्ष यक्का, इल्लाहा, (बीडी ६ कार्याहरूका साम, পতিত রাম্মণ এবং শপ্রয়ের হার লাগিত হবে। বৈনিক সভাতার পদাকে বর্জন করার ভালে তারা সম্পূর্ণনার পারনর্ভর্কক শক্তি পলা হতে পভারে।"

"ছে মহারাজ পরীক্তিৎ একই সমূহে নামাপ্তানে অধার্তিক, অসতাপ্রতেশ, অরুসালনীক ও জাও জেবংযুক্ত क्यारतः शत्याः करियराकश्रेणी वहे जिल्लान प्रकानीरून करहरू, ही, यमक, शांधी च डाव्यपट पटप्र कर्यका अस्त भराषी । भराका एक्स कर्यका। संवादनार विक विराद क्या चर्चाच्या शर्माका, ठाँडीडरम्बार करि पूर्वन क्का काल श्रुटन। वज्रुटनाक, दिन्क भरकृटिविदेन বিধিনকে।র অনুশীলন ব্রমিত হরে তরে সম্পূর্ণরূপে বজ এবং ডমোডাবে ছারা আবঙ হরে গডাবে। এই ক্ষেত্ৰ ব্যৱসায়ৰ আহিত প্ৰজাৱন প্ৰায়েৰ চাইত, ব্যবহাৰ **७ छाटादिटरा चिटिस इर्टन। धरे नकन दाणांडी**



দ্বিতীয় অধ্যায়

কলিযুগের লক্ষণ

क्षेत्र ७करस्य (शाचामी यहारहर---*रह दाळ≥), ভারণরে থেকে কলিয় প্রবল প্রভাবে ধর্ম, সভ্যমিতা, ওচিতা, কমা, দয়া, আয়ু, দৈহিক কা এবং স্করণপত্তি দিনে নিমে হ্রাস পাবে। কলিবুগে ধনদৌলভই কেবল

जान्द्रिय ७% जन्म, यदार्थ सावदार अवर मध्छ সম্প্রকারীর চিন্দু বলে বিবেচিত হবে। মানুকো গাড়ের জ্যেত্রের তিরিতেই ধর্ম এবং আইন প্রয়োগ করা হবে তা বাহা ভাকবাদের কলেই নারী এবং পুরুষ একরে

বসবাস কাৰে। বাণিজ্ঞা সাখপ্য নির্ভন কববে প্রভাবনার উপর। বাঁতক্রিয়ায় দক্ষতা অনুসারে নারীয় ও পুরুষজ্ঞা বিচায় হবে এবং ওগুমার গৈতা ধারণের মাধানে কোন মানুষ ক্লাখন ঘলে পরিচিত হবে। শুধ্যার বাহা প্রভীক অনুসারে ব্যক্তির আশ্রম নির্বারণ করা হয়ে এবং এই ভিন্তিতেই মানুহ এক আধাহ খেকে পান্ততী প্ৰাপ্ৰমে শ্বানান্তবিত্ত হবে। বথেষ্ট উপার্চ্চার অক্ষম ব্যক্তির নৈতিকজ্ঞ সম্পূৰ্বে শুকুজন্ত সম্পেছ আরোণ করা ছবে, ধবং বিনি খুব বাৰু চাতুৰ্য প্ৰদৰ্শন করতে পারতেন, ভাকে বিশা পণ্ডিত বলে পণ্য করা ছবে। কোন মানুকের ছাতে यति ठाका ना भारक, फारक भाराध वरत भगा कता हरत। ছাণ্ডামিকে ওপ কলে খীকৃতি গেওৱা হবে। গুণুমাত্র মৌদিক স্বীকৃতির ছিপ্তিকে বিধাহ অনুষ্ঠিত হবে এবং মানুৰ মধে করুষে যে ওখুময়ো খান করনেই ডিনি স্থানসমাজে উপস্থিত হওলান বোগ্য হরেছেন। পুরে অবস্থিত জলাদরকেই তীর্থরূপে পথ্য করা হবে এবং शनुरका रक्≠ किसामरकोई (मीश्वर्य वर्षण प्रका करा शरव। উদর্গর্ডিই হবে জীবনের লক্ষ্য এবং ধর্ট হাজিকে সভানিষ্ঠ বলে স্বীকার করা হবে। পরিবার ভরণগোকরে সক্ষম ব্যক্তিকে স্থক বলে গণ্য করা হবে এবং ভগ্নাত্ত चाछि चर्छत्ता कराई धर्म चनुष्ठार क्या रूज। अरेकार च्यिकी बचन पुरे श्रकालक चारा चनाकीन दरव केंद्रेए. ভখন সমাজের বিভিন্ন বর্ণের মন্তবের মধ্যে বিনিই নিজেকে সবচেয়ে দক্ষিণালী বলে প্রদর্শন করতে পরকো, তিনিই রাজনৈতিক ক্ষমতা লাভ করকোঃ ঐ সমস্ত কোতী, নিষ্ঠর দস্য হভাব রাজারা প্রকালের স্ত্রী সম্পতি অপহরণ করনে এবং প্রধারা পর্বত-ক্রমদে পদায়েন করবে। অভিনিক্ত কর এবং দূর্ভিকের মনো পীড়িত হতে মানুষ পাক পাতা, বৃক্ষমূল, মাংগ, বনামধূ, ফল, কুল, এবং ফলের বীজ খেতে গুল করবে। খরার লীচিত হয়ে ভারা পূর্বরূপে আংস ছবে। ভূমারপাত, প্ৰকল্প বৰ্ণৰ, প্ৰথম ভাল, ৰাজ এবং ঠাণ্ডায় মানুৰ আলোৰ ষ্পষ্ট ছোগ ক্ষাবে। ঝগড়া, শৃধ্য, ভৃষণ, রোগ এক জ্ঞাত উদ্দেশ উৎকর্তার ভারা আরও সভগু ছবে। কলিযুগে মানুবের সর্বোক্ত পরবার হবে পক্ষাশ করে।"

496

"কলিযুগ স্বথন লেখের পথে, তথন সমস্ত জীবের লৈতিক আকৃতি বিপুলভাবে কমে আগৰে এক কৰিন্দ

ধর্মের ধর্মীয় বিভিনিধের সর কালে ইবে। মানক সমাজে বৈদিক পদা সম্পূর্ণকাপে থিম্মতির অভনে তলিয়ে বাবে এবং ভথাকথিত ধর্মওলি ছবে প্রধানতঃ নারিক্যানারী: বাজারা হবে পসাওম্বর শ্রার, টৌর্ববৃত্তি, মিথ্যাভাকা এক অনাকণ্যক হিলে ছবে যানুবের পেশা। সমস্থ করে মানুৰ বিশ্বতম শগ্ৰন্তরে অধ্যাণতিও হবে। গাভীতলি হবে প্রায় স্থাখনের মতো, আরম উপেরনওলির সঙ্গে बाउराकी राफीबटम (काम नार्थक) भाकरद स. फारकनिक বিবাহ কান্ট হবে পাবিবাহিক বছনঃ অধিবাংশ ব্যৱহাতা হবে কৃত্ৰ, সমন্ত্ৰ পাছতলি দেখতে হবে বৰ্ষাকৃতি সত্ৰী গাংখ্যে মতেন। মেষে শুধু বিদ্যুৎ চহকানি ৰেখা বাবে, বাডীখর হবে ধর্মহীন এবং সমর্ব মানুৰ গাধার মতো হবে যাবেং সেই সময় প্রথেক্ত ভগবান এই পৃথিবীতে অবতীর্ল হরেন। গুরু সম্বর্গণের ব্যক্তিকে কার্য করে ভিনি সনাতন বর্মকে ক্লা কর্বেন (*

"চলচর সমস্ত জীবের **৩**ই ও পরমার্থা পরমেশর छश्यम जैतिक धर्मतकात करा क्षार मान्-छछरात कर অপাতিক কৰ্মবন্ধন খেকে ত্ৰাণ কয়েছ জনা ও জগতে আনির্ভাগ হল। ভারনান কব্দি শস্তুল প্রায়ের মুখ্য প্রকল্প মহাপা বিশ্বকশার পূহে আবির্ভ্ত হকে। স্বৰ্গৎপতি ভদবান কৰি ভার প্রফগামী দেকত নামৰ্থ যোভার চড়ে, হাতে অনি নিয়ে জীর আট প্রকার বোণেশর্য এবং আট প্রকার বিশেষ ভগবং-ঐবর্থ প্রকট করে পৃথিবীর উপর विज्ञान करायन। चीत्र चार्याच्या शका धानर्गन करा। धार অতি ৯-৪ বেৰে ব্ৰহণ কৰে তিনি কোট কোট রাজ্যশোক্ত পরিহিত দস্য ওত্তরকো হতা। করকো। দশ্য র্জাপন নির্ভ হলে পরবাদী এবং জনপদ বাদীরা ভগন্ন বাস্থেরে অসরাগ তথা চন্দ্র শেপনের অতি পৰিত্ৰ সুগছ বছনগারী বাবুর গছ আনুভব করকেন এক এর ফলে ভাগের মন দিবাভাবে পরিত্র হয়ে উঠবে। ভগৰান বাসুদেৰ কৰ্ম উন্ন কৰা সাধিক নিব্য চিত্ৰয়ক্ষণে তানের ভ্রমনে আবিভূত হতেন কর্নশিষ্ট নাগনিকের তথন পুনবার এই পুনিবীতে বিশ্বসভাবে প্রথা সৃষ্টি করকে। कविकारन वर्धनांकि निरामक क्षेत्रका स्थल नृष्टिवीएक অবতীর্ণ হরের তথম সভ্য যুগের সূচনা হবে এবং মানন সমাঞ্চ তথ্য সভত্য বিশিষ্ট স্কান্তের জন্ম দান কর্বে: যথন চলা, সূর্ব এবং দুরুল্পতি যুগণ্য কর্মট রাশিতে क्षत्रकृत कराद्य धारा धारे क्रिकेटि क्षत्रपादम भूगा नासक চাৰা সকলে প্ৰবেশ করবে ঠিক সেই মুহূর্তে সভ্য কৰা ক্তব্ৰেগৰ সূচনা হবে। এইজনে খাতীত, বৰ্তমান এবং ভবিষ্যাতের সমস্ত প্রাক্তাদের সম্পর্কে আমি কর্ন্ম ক্রলাম क्षेत्रा व्हिनन छ्या थवर भूवं वरनीय। कालता साथ एक মূল মধ্যমধ্যের অভিয়েক পর্যন্ত ১,১৫০ কলের উত্তিয়ানত वृत्तः। मर्खर्येत मारकी नकरात प्रत्न भूमद् कर कर्हे নাজির অভেমন প্রথম উনিত হয়। ভালের বধাবিন্দুত क्ष क्षेत्रमूरी कार विश्वमूरी कार्क द्वार केन सा, ে কোন চাল নক্ষর বখন এই রেখার হব্য নিত্রে অভিনাম করে এই নক্ষত্রকৈ সেই সময়কার ভারামণ্ডলের অধিগতি বলে গণ্য করা হয়। সংবিধিশ ধানুবের अपन्छ चरमत मार्थ से विरमय मक्तात महरू महरूक প্রকালে। অধুনা, আগনার জীবকনার, তারা রক্ষা নকরে स्रक्षांत्र कराइन ("

বীকৃতসম্যে পরিচিত। বখন তিনি চিনাকালে প্রত্যবর্তন कराहार, करेंगे उपन के बांगांड शराब कराह करा খেকে জনসং পাপকর্মে আনস্থ দাও করতে গুরু করা। বতনিন পর্বস্ত সাজীপতি শ্রীকৃষ্ণ তার স্বেশকমন নিছে প্ৰিবীয় মন্ত্ৰী স্পূৰ্ণ করেছিলেন, ভতদিন পৰ্যস্ত ৰুলি এই গ্ৰহতে পরাভূত করতে আক্রম হবেছিল। ছবল সন্তর্জিনে। ক্ষরওসি এই মন্দ্র ক্ষর ক্ষরিক্স করে, ভবন কলিবুখের ওলা হয়। দেবতানের বাদণ শতানি ব্য बार्क्ष । भश्चिम्यकाना मालाक प्रदान वर्षि भवत वर्षा 🛊 জান্ত বলে থেকে ৩ঞ্চ করে কলি ভার পূর্বপরক্রের লাভ করবে। পুরাবিদগণ হলেন যে ফেন্সি থেকে **भगका श्रीकृष्ट विराधार शहर कारकार, तर्द मेन १९८०** क्लिपुरमा शास्त्र चाराख श्रेटसंस्ह । क्लिप्रशास अक शामान দিব কংস্যা অভিযোগ হলে পুনৱার সহাযুক্তা প্রকাশ ইবি। ঐ সময় সমধা মলুৱের মন বরং উদ্ধানিত হবে। **व्हें आर्थ काथि कृथियोहरू कुछ अनुव उप्रकार की** ক্ষানাৰ। অনুসাণভাৱে বিভিন্ন হুগে বসবাৰকারী কৈছে, শৃষ্ট এবং ব্রাক্তব্যানর ইতিহাসের পর্যাগোটনা করা বেতে

পারে। এই সকল মহাবাদেশ এখন শুরু নামে মার পরিচিত আছো। তথু অধীতের ইতিহাসেই ওয়নন অবস্থান এবং এই পৃথিবীতে তথু ভালের কীতিই বর্তমান আছে। সহবৈদ্ধে শহসুর তাই মেকাশি এবং ইকৃক্বলেকাত 'নত-তারা বৃহ্পনেই মহা হোগবলে বলীরান এবং অমনকি একনও ভাব। কলাপগ্রায়ে বাস করছেন। কলিব্বের শেষভাগে এই দুয়ার লাজা প্রত্যক্ষভাবে পর্মেশর শুগুরুষ বাবুদেবের বারা উপনিত্ত হয়ে মানব সমাজে কিরে আসকের এবং পূর্ববং বর্ণাক্তম সমস্থিত স্নাতন ধর্ম পুন প্রবর্তন করকে। সভা, ক্রেডা, রাপর থবং কলি—এই চারটি বুগের চক্র নাথবেণ বটনা प्रमादन भूमतादृति करा होरे भृथितीस कीयरम् पर्या অবিরয়ে গরিতে চলতে বাকে।"

"হে মহারক্ত গঠাভিত, বে সমন্ত কর্তা এক অনাাস) মানুবের কথা আরি কলি করলাম, ওঁরো এই পৃথিবীতে প্রয়োগর ভগরান জীবিকু সূর্যের জাগ্র উজ্জ্ব এবং আদে এবং জাদের মালিবাশ্য চিহ্নিত করেন, বিস্ত শেষ পর্বত্ত তাবের সকলকেই এই কির অবস্থাই পরিত্যাগ করতে হয় এবং নিধনগতি বাভ করতে হয়। বলিও এখন কোন ব্যক্তির উপরি 'রাজা' হতে পাতে, পরিপানে এর নাম হবে "ক্রিমি", 'মধা' জ্ব 'ভার'। বিনি ভার দেরের স্থনা অনু জীবকে আঘাত করেন, তিনি তাঁক স্বাৰ্থ সম্পর্কে কী জানতে পারেন। কারণ ঠার কর্মসময় ত্যকে তবু নরকের অভিযুখেই বাবিত করছে। (মাডবাদী ভাষা বিশ্বা করেন) "এই ছখত পৃথিবী আমাত পূর্বপুরুষদের অধিকারে ছিল এবং এবং ভা আমার বেকে পূর্ববারে সক্ষরে উল্নিটিড হার, তথন মহারক্ষা নক আধিপতে। আছে। এটি যাথে আনায় পুর, পৌর একা অন্যান্য উন্তরসূতীকের হাতে খাকে কিন্তাবে আনি সেই ব্যবস্থা করতে পারি?" খনিও মুর্বরা ক্রিডি, অণ এবং তেক নিৰ্মিত এই দেহকে 'আমি' এক এই পৃথিবীকে 'আমার' খণে প্রহণ করে, কিন্তু প্রতিটো ক্লেটেই ভারা প্রিণামে ভালের কেছ এবং পৃথিবী—উভয়কেই ভাগে করে বিশ্বতির **শতলে তলিয়ে গেছে।** হে মহারাম লবীকিং, যে সমন্ত রাজারা তামের শক্তির দারা এই পৃথিবীকে জেৰু কান্য চেষ্টা ক্ষেত্ৰিকা, কালের প্রভাবে क्षेत्रा एवं देविद्यातम् कथा माउदे इता इदेलान् ("

তৃতীয় অধ্যায়

ভূমি গীতা

খ্রীল ওকদেব গোখামী ফালের—"কাঁকে লয় করার হাচেষ্টার হাত্র পৃথিবীক এই রাজাদের দেখে কর্মনা নিকেই হেসেছিলেন, ডিনি ক্যালেন, 'ভনু দেখ, বস্তুত मृश्राव शास्त्र कीएनक वर्षे मक्छ बाजानन किछारन আমাকে জর করার আকাশা করছে।" মহান নারেলগণ বাসন কি পণ্ডিত হলেও জড় কামের বংকেই হয়ে হডালা এক ব্যর্থতাকে করণ করেন। কামনার দারা ভাভিত হরে এই সমস্ত প্রজাপণ দেহ নামক মৃত মাংস্পিতের উপর অতিরিক্ত বিশ্বাস স্থাপন করেন, বলিও এই জন্ত শরীর बार्मित रक्ष्मान मरकार क्षण्याही। नाका बन्ध মাজনীতিবিদ্যাৰ কলনা কৰেন—"প্ৰাৰ্থনৈ কৰি ক্ষায়ায় ফা এবং ইপ্রিয়সমূহকে জন্ন করণ, ভারণার আমি আমার প্রধান মন্ত্রীগাগকে সফা করব এবং আমার উপদেষ্টামওলী, श्रमा, यह च चापीयरस एथा एउँप्रकारस करेक থেকে নিম্নেকে মৃক্ত করব। এইভাবে ক্রমে ক্রমে আমি সমগ্র পৃথিবীক্তে জর করব। মেহেন্ড এই সমল নেভানের ছাবে বিপুৰ প্ৰভাগার বছনে আবছ, তাই ভারা নিকটে অপেক্ষমান মৃত্যুকে দর্শন করতে বার্থ হর। আহার সমস্ত স্থলতাপ ভূমি ধায় করার পর, এই সকল গর্বিত রাফারা সমূদ্র ভাগকেই জর করার জন্য সকলে সমূদ্রে প্রকো করে। যে আমানংখ্যের উদ্দেশ্য হচ্ছে রারটেনতিক শোবৰ, তাদের সেই আখসংখ্যের কী মূল্য আছে? আত্রসংবনের প্রকৃত উন্দেশ্য হচ্ছে পারমার্থিক মক্তি।"

"হে কুমতেই, বন্ধয় কাতে লাগালেন—'অতীতে বনিও মহান থাকি এবং তানের উত্তরসূরীপৰ আমাকে পরিতাশ করেছেন, ঠিক যেমন অসহায়তহবে তারা এই জগতে এসেহিকেন ঠিক তেমনভাবেই তারা এই জগত থেকে বিদার নিমেছিলেন, তবুও এফাকি আজও মুর্থ মানুবেরা আমাকে জয় করার চেটা করছে। আমাকে জয় করবার জন্য জড়বানী মানুবেরা পরকার মুক্ত করে। লিকুলা তাদের পুরুষের সঙ্গে বিরোধিতা বর্তন, আনাক পরকার জব্ব করে, বিরোধিতা বর্তন, আনাক পরকার জব্ব করে, বিরোধিতা ব্যক্ত রাজনৈতিক

क्रमण क्थानम ठाँछ क्छ इस बारक। सामरेगाँउन দেতাগৰ প্ৰশাসকে প্ৰতিবৃদ্দিতার আহান করে—'_{এই} সব ভনি আমার। হে মূর্ব, এটি তোমার নর।' এইভাবে ভার পরস্পারকে আক্রমণ করে মৃত্যুবরণ করে। সুধু পুরুত্বা, পাধি, নাবে, ভরত, কার্ডবীর্থ অর্জুন, মাকাতা, সপর, স্তান, বটুকে, যুদ্ধহা, রযু, ডুগবিপু, বরাতি, পর্যাতি, শন্তন, গর, ভগীরণ, কুবলরাথ, করুংস্থ, নৈষ্য, নগু, হিবস্তৰপূপ, ৰুড, সময় জগতে প্ৰেক সৃষ্টিকারী ব্যাবন শবর, ভৌম, হিরণ্যাক্ষ এবং ভারকের মতো ব্রভাগর ধবং অনুদের নিয়ন্ত্রণের ব্যাপারে মধ্যম ক্ষমতার অধিকারী অন্যান্য কৰ অনুৱ এবং রাজ্যাপ সকলেই ছিলেন স্ববিদ वीत, नर्वकडी अवर चरकत। किन्छ छ। नरवार दर সর্বশক্তিমার ভগবান, যদিও ভারা আয়াকে স্কর করার चना मुटीड अराज्यात यथा मिरत बीचन यानम करताहरतात. তবঙ এই সকল মাজানা কাল প্রবাসের অবীন প্রয়েন্তিকের বে কাল ভালের সকলকেই ভগুমার ইভিডাসের কথার রূপান্তরিত করে শিয়েছে। তাঁথের কেউই স্থারীভাগে ষ্টারের শাসনক্ষমতা প্রতিষ্ঠিত করতে গারেনি।"

ক্রীকিং, আমি ভোমার কাছে সেই সমঞ্জ মহান রাজ্যদের কথা কর্ণনা করেছি ধারা ক্রাং জুড়ে ঠানের রাজ্যদের কথা কর্ণনা করেছি ধারা ক্রাং জুড়ে ঠানের প্রাতির প্রসার করে এই ক্রমং থেকে বিসার নিয়েছিলেন আমার প্রকৃত উদ্দেশ্য ছিল নিয়াক্রান এবং বৈরাগ্য সম্পর্কে শিক্ষা মেওয়া। স্রাভ্যদের ক্রাংনী এই সমস্ত করে কিছু সেওলি ক্রানের প্রাম বিষর নার। বিনি প্রমেশক ক্রপনা শ্রীকৃত্যের প্রতি তক্ষ ভতিমূলক সেবা লাভ করতে আক্রপনা করেন, তার পাক্ষ উত্তর্জাক ভগবানের প্রামার কথা প্রবং ক্রাম গতিত, বাঁর অবিয়াম নাম স্বামীর্ভন সর্ব অমানক বিনাশ করে। ভতের কর্তব্য প্রথম সাধানকে নিরমিত ইরিকথা প্রবং নিয়ক্ত থাকা এবং সারাদিনীই এই প্রকণ চালিক্রে বাওয়া বিষ্কৃত্য থাকা এবং সারাদিনীই এই প্রকণ চালিক্রে বাওয়া বি

মহারাজ পরিবিশ কালেন—"হে ভাগনা, কনিবৃধে ব্যাসাস্থানী মানুদেরা কিন্তাবে এই বুগের পূর্তাভূত কর্ব থেকে নিজেনেরকে মৃত্ত করবে? হে মুনিবর, অনুস্তহ করে একথা আমার কাছে ব্যাখ্যা করন। অনুস্তহ করে কিন্তেলাথের বিভিন্ন কুলসমূহের ইতিহাস, প্রতিটি মুসার বিশ্বে প্রশাস্থানী, প্রকাশ্ত পালানের ছিতিকাল, প্রভার এবং প্রমেশ্যা ভাগবান বীবিকৃত্র প্রভাক প্রতিনিধি কাল প্রবাহ সালাকে ব্যাখ্যা করন।"

ঞ্জ ওকদেব গোৰামী কালেন-"হে ব্যক্ত ন্ত্রতে সভ্যবুলে ধর্মের চারটি পা অঞ্চত ছিল এবং क्टबारीम अनुब क गर्वाङ् स्था कर्काहरून। महिन्दनी লার্মন এই চারটি পা হচ্ছে সভা, দতা, তপালা এক ছান। जठायक्षत मानुद्धता धारमन्द्रे चाकुर्य, परानील, नकरानु গতি কছভাবাপত, প্রশার, ধীব একং সহিস্থা স্থায়া बाबाताम, जममनी क्षेत्र अर्दशरे भारमाधिक भूगेल आहरत ক্রা অধ্যবসাথের সঙ্গে প্রচেটা করেন। সেথাবুলে ধর্মের প্রতিটি লা অধর্মের চারিটি করের প্রভাবে ক্রমে ক্রমে এল চতর্বাদে করে কয়ে আসবে। অধর্মের এই চারটি গা হাছে--মিধ্যা, বিংনা, অনজ্যেই এবং কলত। ক্রেভাবণে মানুধ বঞ্জ-অনুষ্ঠান এবং ভগসারে প্রতি নিষ্ঠা পরারণ। ভারা অতি হিহে আঅতি লম্প্ট নর। তাদের বার্থ সালত ধর্ম, জর্ম এবং নিরন্তিত কামের মধ্যেই নিহিত। তিনটি বেদের নির্দেশ অনুসরণ করে ভারা সমৃদ্ধি লাভ করে। হে রাজন, এই ভ্রেতাবণের সমাজ বলিও চারটি পৃথক বর্গে কিকলিত, ভবুও অধিকাংশ मानुस्टे द्वाच्यन। बान्स यूर्ण कन्ना, मठा, एवा अरर মান-এই সকল ধর্ম লক্ষ্যতাল ভানের প্রভিলকীয় অধর্ম नक्न चमरधार, भिष्ठा, दिरमा अवर विस्तरनत्र वातः অর্থের পরিমাণে প্রাস্ত পার ৷ স্বাপরবৃধের মানুষ কণ নাডে উৎসাহী এবং ছাতি মহান প্রকৃতির ৷ তামা কো অধ্যরনে রত হয়, মহা সমন্তিশালী, বহ ফুটুছে পূর্ব বিশাল পরিধারের জরপালেরণে রত এবং প্রাণমন্ত উৎকৃত্য দীবন উপজেল করেন। চারিটি বর্ণের মধ্যে, রক্ষণ একং कवित्रस्त्रहे शाधना बारक। क्रिक्टन व्हर्क अक इकुपीरन ভাগই ওছ অবশিষ্ট থাকে। নিজ্য কৰ্মেন অধ্যেত প্রভাবে সেই অবলিষ্ট ছাল্টিও অবিরাম হাস পেতে प्यंतर्य क्षेत्रर धारामार्थः अस्त शास्त्र अस्त वृत्यः। कलिवृत्य वानुव

লোভগুৰৰ, দুৱাচাৰ ও নিৰ্মিত এবং ভাষা কোন উপযুক্ত কাৰণ স্থানতি পঞ্চলৰ কলকে নিশ্ৰ হয়। ঋণ্ড বাসনায় কৰ্মনিত কলিবুগেয়া দুৰ্ভাগা মানুবসেয় অধিকাংশই পুত্ত এবং কৰিবেলীয়ে।"

"সঙ্জ, রক্ষ এবং ভয়---এই কড় ওপ্তলি, মানুবের मत्मक बर्ल्स वारामा नविवर्धन मुद्दे दश-कारामा श्रास्त्रवरे गठिनोंम हरत छेर्छ। इनम सन, वृद्धि क्षरा ইश्वित्रमपृद দুড়ভাবে সঞ্চল্যে ভিড হয়, সেই সময়কে সভাবুদ বলে दुवर्ट इंद्रव । (मई महात्र भानून ब्राम अवर छनन्। ह অনন্দগতে করে। হে বৃদ্ধিমান, দেহবছ জীব রখন বাভিগত হল লাভের অভিশ্যারে নিষ্ঠা সহকারে ভাদের কর্তব্যকর্ম সম্পাদন করে, তখন ভাকে রেভা বুগের পরিশ্বিতি কলে ব্যান্ত হবে। এই বৃধ্বে ব্রক্তাওপ্রে য়ভাৰই প্ৰথম। পরে। খখন পোত্ত, অসপ্তোৰ, অহকেন্দ্ৰ, কণ্টতা ও ইর্ম প্রাধান্য পার এবং সেই সঙ্গে হার্থপর কর্মের প্রতি জাসজি বৃদ্ধি পার, মিতা তম ও রজোওগ প্রধান দেই ভূগতিই ছক্ষে স্থাপর বুগ। কান প্রভারণা, विवास्तवन, प्रसा, निया, हिरमा, विवान, मार्क, रकह, स्वर এবং দৰিদ্ৰ প্ৰাধান্য পায়, ভয়োওপ প্ৰধান সেই যুগই ছাঞ্ क्लिद्याः क्लिद्द्यतः चलमञ्जायमीय सन्। यान्य **प्**रस्तृष्टिम**ा**त्र, पूर्वात्रा, स्विरकाकी, कामक अवर मतिश হবে। স্ত্রীজাতি অসতী হবে জেলচারিণী ভাগে এক পুরুষ থেকে অন্য পুরুষে গমন করবে। জনপদশুলি ধস্তেশ্বরে অধাবিত হবে, নাজিকদের কার্যনিক ব্যাখ্যার কে দ্বিত হবে, রাজনৈতিক নেতারা বস্তুতগক্ষে প্রজাতনর ভক্তৰ কৰাৰ, জাৰ ভথাকথিত বৃধিন্ধীৰী ব্ৰাক্ষণ পুরোহিতের হবে শিৰোদর প্রায়প। ব্রহ্মচারীরা ভাগের ব্রভগালনে অকম হবে এবং তারা ওচিতা বর্কিত হবে। গৃহস্কা ভিকা করতে থাকবে। বানপ্রদীরা গ্রামে বান করবে এবং সমানীর ছতিশার অর্থনোলুগ হবে। স্ত্রীদের দেহ হবে বর্বাকৃতি, তারা অভিনিক্ত আহমে করবে, লাসন পালনে অক্স ইসেও তারা বই সক্তম লাভ করবে এবং সম্পূর্ণভাবে নির্মক্ষ হবে। ভারা সর্বদা কর্কশভাবে কথা কাৰে এবং টোৰ্যচৰণতা, প্ৰভাৱনা এবং অনিমন্ত্ৰিত ধৃষ্টতা शालीन कराय। कारणाडीया कर पायमादा मिश्र श्रेष धरा প্রভাগণার স্বারা ভাষের কর্ম উপার্কন করবে। এমন কি মধন কোনও ঋণারী প্রয়োজন খাকবে মা, তখনও মানুহ

বে কোন হব্য কাজকে সম্পূৰ্ণ গ্ৰহণীৰ বলেই বিবেচনা कत्रत्य। त्य क्षक् मार्ग्याकरीन वृद्ध त्यात्वर, कृष्ट्य कात्क পরিত্যাগ করবে, এফন কি প্রভু বনি স্মৃ পুরুষও হন এবং উজ্জ্বল চারিট্রিক দুর্টাক্তর স্থাপন করেল। অভরাও ক্ষকম কৃত্যকে পরিত্যাশ করবে, সেই ভূত্য যদি সম্পর্কে প্রায় অন্তেখন, তবুও সে বদি পরমেশ্বর বংশানুক্রমেও সেই পরিবরভূক্ত হয়। গাডীরা ববন দুখ দিতে অক্ষ হৰে, ফনুৰ জেদেৰ পবিভাগে কর্মে কিংবা হত্যা কৰৰে। শ্ৰণিবুলে অনুবেজ হবে চনম দুৰ্নপাগ্ৰস্ত এবং হৈল। ভাষা ভাষের লিভাযাতা, ভাই জাতি এবং क्यूटन्त्र नतिज्ञान करते नामिका, बतन अवर नामकरमत সম করবে। এইভাবে বছড় সম্পর্কে ভারের বারুনা সৰ্বতোজ্ঞাৰে যৌন ৰন্ধনের ভিভিত্তে প্রতিষ্ঠিত হবে : সংস্কৃতিনিহীন ব্যক্তিয়া ভগজনের গব্দে স্থান গ্রহণ করে। চিক্তর ফেল ধরেন করে এবং ভগস্যার অভিনয় করে **छात्रा छाएरह की**दिका निर्दाष्ट कडरर। याज धर्मछच मान्यदर्व किन्द्रे चाला जा, छाता डेव्हामहत चला धर्मकथा আলোচনা করার স্পর্ধা করবেঃ কলিযুগে মানুবের মন **अर्रगरे डे**एडक्किंड पाकरत। १६ प्रश्ताच, पृष्टिक धारा কর পাঁড়িত হয়ে ভাতা করগার হবে এবং সর্বদাই অনাবৃষ্টির করে উরিগ্ন হবে। পর্বাপ্ত আর, যায় ও লানীরের অভাব হবে এবং ভারা উপযুক্ত বিপ্রায়, কাম উল্ভেশ কিংবা সান করতে অকম হবে। তামের দেহকে সন্দ্রিত করার কোনও অলহার যাকবে না। স্থা কালো দেকল-উপদেনা, অপস্থা, প্রাণারাম, মৈটী, বস্তুতগক্তে ফ্রান্থে ক্রান্ত্রের মানুবদের দেখতে পিশাতের মতেই হবে। কলিয়ুরে মনুব এফাকি কয়েক পরসার জন্যও পরস্পারের প্রতি পরন্তর করবে। সমস্ত প্রকার বন্ধুভূপুর্ব সম্পর্ক পরিভাগে করে ভারা নিজেনের দ্বীকা বিসর্জন দিতেও প্রক্ত থাকরে এক ভারা এমনকি निरक्तरमतं चार्योतः क्वम्यस्थतः रूखाः कारणः। अत्य चारमतः नास कतरकः।" বয়ন্ত শিতায়াতাকে, সক্তম সমুত্তি কিংবা সংক্রময়াঙা পতীক্ষের আর রক্ষাবেক্ষর করবে না। সম্পূর্ণরালে অধ্যাপতিত হতে ভারে ওয় নিজেদের উদর এবং উপস্থকে ড়েষ্ট করতেই জ্বরণ হবে।"

"इ प्रकारक, कनियुक्त भागुरवड वृद्धि वास्त्रिकायास्य ছারা বিপথপামী হবে এবং ভারা প্রায় কথনই পরম লুগাংকক প্রথেশ্য ক্ষাবানের উদ্দেশ্যে কোন বজ নিবেদ্য করণে না। যদিও জিলোকের নিয়ক্ত মধান

দেবতাগৰও সকলেই প্রামেখারের হরণে প্রথত হয়, তথ্ এই যুগের ভুক্ত এবং আওঁ মন্ত্রাবাসীবন ডা কর্বে না। মত। পথবাত্ৰী কাল ব্যক্তি ভাৰ শ্ৰয়ৰ পতিও হয়। যদিও তার কঠ বুলিও হয় এবং সে বা বলে সে তগৰানের পৰিত্র নাম উচ্চাৰণ করে, ভাহতে ভার সবসম কর্মের বন্ধন থেকে মুক্ত হতে পারকে এবং পরমনকে; শৌজতে পারবে। কিছু তা সংখণ কলিয়পের মানহ भवरभवत कनवरमङ कालक्ष्म वनारव जा। कमिपुरन, प्रकारपुर, ज्ञानं आराः असने कि प्रभूतका वाशिन्य-जकतहे কল্বিড। ভা সবেও ৰে মানুৰ উচ্চ ভিত্ত ভাগোচা প্ৰিয় করেছেন, সর্বশক্তিমান প্রমেশ্বর ভগবান তার জীবন থেকে এই প্রকার সময় কলুখই বিপুরিত করে খাজেন। কোম ব্যক্তি বনি উলে হলেৰে অবস্থিত প্ৰচ্নেত্ৰে एभवाइनद्र कथा खरन करहर, कीर्टन करहर, धान करहर, উপ্ল আগ্রাখনা করেন কিংক ওখ্যার তাকে গভীর স্রাভ্র নিবেশন করেন, ভারতো ভারতন ভার সহজ সহজ জাতের অৰ্জিড কলুৰ বিদূরিত করকো। ঠিঙ বেজা সর্গের হঙ্গে আন্তন প্রয়োগ করলে কলা থাতুক বর্ণের কলার বিদ্বিত হয়, ঠিক তেমনি হালতে অবস্থিত ভগবান শ্রীবিদ্ধা যোগিদের মন পবিত্র করেন। ছদারে অনর ভগবান অবিভূত হলে মনে যে পরম পবিপ্রতা লভে করা সক্ষয় তীর্যপ্রমান, প্রস্ত, দান এবং নানাবিধ বছ স্বরণের ছারা লাভ করা বেতে পারে। খা। সুতরাং, ছে মহারাজ, পরমেশর শ্ৰীকেশৰকে আলনাৰ হলতৰে ধাৰণ কৰাৰ কৰা সর্বতোভাবে প্রভেষ্টা করুন। জগবানে ক্রাকে এইডাবে নিবন্ধ করুল এবং মৃত্যুর সময় আগনি নিভারই পরস্বর্গাউ

"হে রাজন, পরফোরে ভগবান হচ্ছেন পরত্র নিয়ন্তা। তিনিই পরম আশ্বা এবং সমস্ত জীতো আশ্রম। সিরম্বন বাঞ্চিত্রা করন জন্ত ধানে করেন, তিনি ওখন ওঁলের কাছে তাদের নিজ্য চিত্রর শ্বরূপ বান্ত করেন। যে রাজন, যদিও কলিবুগ হচ্ছে এক লোকের সাগর, তবুও তার একটি মহান ওব আছে—ওধুমার হবেকৃকা মহামত্র कीर्जन कराव बाधारम मानुष क्रफ्टबन एएएक मूक्त घरत প্রথেগ্যনে উর্বাচ্চ হতেন। সত্যবৃত্তে জীবিশ্বর বাল করে. ব্ৰতা বুলে যজা অনুষ্ঠান করে এবং বাপর কুবে ভাষানের চন্ত্ৰ পৰিচৰ্যাল মাধ্যমে যা কিছু থকা লাভ হয়, কলিযুদ্ধে

তধুমাত্র হয়েতৃকা মহাত্র কীর্তন করার মধ্যমেই সেই



চতুৰ্থ অধ্যায়

ব্রক্ষাণ্ডের চতুর্বিধ প্রলয়

্রাক্তি প্রমাণুর মতির ভিতিতে পরিমিতি কালের সুষ্ঠতম লগ্ৰহণ থেকে শুকু করে প্ৰসায় জীককেন পৰ্বন্ত সময়ের _{পরিমতি} সুস্পার্ক ইতিমধ্যে আপতা করে করি করে। বিশ্বসাধের ইতিহাস সংক্রেন্ড বিভিন্ন যুগো পরিমিতি সুন্দার্কেও আপুনাকে বলেছি। এবন ব্রকার বিবসবাদ এবং প্রদার সম্পর্কে এবং করম। এক সহজ চতুর্বনে हकात अंक नियम एक या उन्हें नाएं। श्रीतिष्ठिः। 🗷 মধ্বার, সেই সমরের মধ্যে টোকজন মনু গমনানমন ক্ষেন। ব্রহ্মার একলিকসের অবসালে একই ব্রহম সময় সীয়া বিশিষ্ট তাঁর রাত্রি কালেও প্রদার সংঘটিত হয়। সেই সময় ত্রিপোক ধানে হয়ে বায়। বৰু আদি এইঃ शब्दास्थ्यते महाराज्ये कामसार्थ्य भाषात्र भारतः कर्डने क्यर সমগ্র ব্রহ্মাওকে আত্মসাৎ করেন ডব্দা একে বলা হয় নৈমিতিক প্ৰদান। এই সমৰ ব্ৰথা নিদ্ৰাময় থাকেন। যথৰ পর্যাতি ক্লার দুই পরার্থ কলে অভিফ্রাড হয়, एका मृतित मारुदि (प्राक्षिक देशामहत्त्व अभा रहे। 🗷 त्रासन्, क्षण्न केशानाम अभूरत्व शनक हरन गत्र, गृष्टित উপাদান সমূহের সংঘাত থেকে উত্তত এই ভ্রমাণ্ড ধনকের সন্মুখীন হয়।"

"হে মহারাজ, প্রকর সমাধ্য হলে পরে এই 'विवेरण अक्षणक वरमत वृत्ति हर सः। चनवृत्ति व्यक् ত্ৰিক হবে। কুবাৰ্ড জনগৰ আঞ্চলিক আৰ্থই একে ছপরতে ভক্ত করবে। পৃথিবীর বানিদানৰ কালের धंकार विश्वाद ब्रह्म क्राप्ट क्राप्ट कारण करन। जूर्यस्मय তার প্রদায়কর পাশ্বর্তকরতের জীয় কোরতের রাখি কারা

क्रील स्कामन (गांचामी क्यानन—"(ह महावाल, नमूध क्रीतापर अन्द चत्रर कृतिर नमक्ष कर बार क्राट। কিছ সেই কানোত্বৰ সূৰ্য প্ৰতিমানে জেনত বৃষ্টি দান করবে না। ভারণার ভালবান শ্রীসন্তর্বদের মুখ থেকে মহা সম্বৰ্তম বৃদ্ধি উলিও হৰে। প্ৰমল মানুৱ শক্তিতে প্ৰবাহিত হয়ে নিআৰ ব্ৰখাও কোহকে উত্তপ্ত করে সেই বহি जयश विश्वहाड अव्हिष्ठ शहर वेन जिन विव দহনশীল সূৰ্ব এক নিবাদিক খেকে জনবাদ প্ৰীসভৰ্বণের মুখ-নিগ্ৰেড আওন-এইডাবে সমস্ত নিশ্ব থেকে কর হয়ে এই ব্ৰহ্মাণ্ড লোলৰ এক কলম গোহর লিওবং প্রতিভাত হবে। এক মহান ও প্রচণ্ড সাবেটক আই একপত বংসারেরও অধিক সমর খারে প্রবাহিত হাতে শুক্ত করবে একা ধলির দারা আঞ্চাদিত হতে আকাশ বুলকর্ণ ধরেশ করকে?"

"(র্যাহারাকা, ভারণার প্রচণ্ড বল্লপাতের শৃক্ষ কর্মন করতে করতে বিভিত্তবর্ণের মেক্ট্রুল প্রতীকৃত হবে এবং এক শত বংসর হয়ে জনতকে ধর্মণে প্রাবিত করবে। সেই সমায়, একটি বার মহাজাগতিক সমূহ সৃষ্টি করে। ल्हें तथाविद्यामक करन निर्माकर हरन। नमन विश् হবন প্লাবিত হবে, সেই জল তক্তা ভিতির অনুপর গছ গুণ্টিকে গ্রাস করবে এবং গর্ভ খেকে বন্দিন্ত হয়ে এই কিতিরাণ উপাদানটি বার প্রাপ্ত হবে। তেম তথ্য অপ-এর রস ওগটকে প্রাস করে, ঝ ভার বিশিষ্ট বন খেকে রুহিত হরে তেকে ফিলীন হত। জনু ডেজের অন্তর্ভুক্ত জুল প্রণাটকে প্রাস করে এবং ডেম্ম মান্তপর প্রণ রহিত হরে বায়ুতে নির্দাধ হয়। বেয়ার বায়ুর ওব গুলা স্পর্ণকে প্রাস করে এবং সেই বারু ব্যোহে গ্রবেশ করে। জারণার,

হে রাম্বন, তথোওগালিত অহংকার জোকো ওপ শৃদকে হরণ করে। হার পর ব্যোম অপ্রকারে বিলীন হরে। যায়। মলোওপানিত অহাকার ইপ্রিয়সসহতে গ্রহণ করে এক সম্পর্ণালিত আহকোর দেবতাদের প্রান করে। ভারগর সময় মহুহ তথু তার বিচিত্র কার্যাকট্ট সহ অভ্যকারকে প্রাস করে এবং সেই মহৎ প্রকৃতির ভিনটি হৌলিক ওপ সাধ, রক্ষ এবং তক্ষের বারো গ্রান্ত হয়। যে মহারাজ পরীকিং, এই সকল ৩৭ওলি পুনরার কলে প্রেরিড হরে প্রকৃতির আদি এবং অব্যক্তরূপ প্রথানের বারে প্রক হয়। সেই অবাক্ত প্রকৃতি কালের প্রভাবে সংঘটিত ছব্র প্রকার পবিবর্তনের অধীনক হয় না। কাং, এর কোন আদি ব খন নেই। এই বল্পে সৃষ্টির অবক্তে, নিডা এবং জনার কারণ। জভা প্রকৃতির অব্যক্ত প্রধান রূপে কোন ব্যক্তের ধকাৰ হয় না, মহৎ তৰ আদি সৃক্ষা উপাদানসমূহের धंकान का या अपर भएना तकाल व्यक्तिय तारे। तारहत শা ৰ্ছির কোনও অভিন্ত নেই, ইপ্রির স্থৃত্ বা দেবতাগণত নেই। অংগ্রেম নিণ্টি কোনও সন্নিলে। শেই এবং চেডাৰ্বর নিজা, স্বান্নাত ও সৃৰ্ত্তি আদি ক্বৰও নেই। ব্যাহ, কথ, কিন্তি, মন্ত্ৰণ, তেজা অথবা সূৰ্যত অবহা। বস্তুতগকে তা অবদনীর। পরমর্থ জরবিদান बाना करत्व स लोडे शबाने स्टब्स्ट चाले डेनानान, ভাই এটিই হতে জন্তা সৃষ্টির যান্তব ভিন্তি। এই প্রলামক প্রাকৃতিক প্রদার বলে, যে সময় গরম গুরুষ ভগবানের বিশুখলিত হয়ে শক্তিরহিত খলদুনা সামগ্রিকভাবে একরে विजीत हरड करता और रनके भवन मध्य हिन कुछ; ইপ্রির সমূহ এবং ইপ্রিরজ্জার বিবল্লালে প্রকাশিক ছব अवर विनि और मक्षांत्र भाग किथि। नैविष्ठ देखिएक ছারা উপলব্ধ বিষয় হওয়ার ফলে এবং তাঁর সীয় করেছ থেকে অভিন হথকার কলে বা কিছুই আদি এক অভাৰ

পরার সভা সম্পূর্ণলাপে এদের থেকে কতন্ত্র থাকেন। বৃদ্ধির তিনটি ক্লাকে জাজত, নিজা এবং সৃত্তি কলা হয়। কিছ হে রাজন, এই সকল বিভিন্ন ডারের চেতনার জল **७६ कीराचा र**व राजा वक्रका वर्षक्रकाड़ा भाष कार সেওলি মাল ছাড়া আর কিছুই নছঃ ঠিড যেয়ন আকালের মেমপুর ভাষের করপণত উপান্না সমতের সংক্ষেত্र এবং বিবেশের কলে সৃষ্ট এবং ভার্কুন্তি হয়, তেমনি এই জড় ব্রহ্মাণ্ড তার খরাণগতে উপ্যালন সমতের অংশের সংযোগ এবং বিয়োগের যারা পরর সচ্চোত बरशरे नहें अबर श्रांत रहा।"

"হো রাজন, (বেলান্ড সূত্রে) কলা হয় যে এই প্রসায়তে डेनामान-कारन वा किंदू श्रेष्ठ वरात शृष्टि करत, छात्व পুথক সভারপ্রে অনুভব করা বেতে পারে, ঠিক যেমন বন্ত সৃষ্টি করে যে সূজা, সেওলিকে ভাদের উৎপাদিত वक् (चटक नृष्यवस्थान चानुस्य वसा यारः। जावरस्य कार्यः সন্থ, রক্ত, তম ওণেরও অভিত্য সেই। সেধানে প্রথমায় এবং নিশের ধর্মের পরিয়েক্তিতে বা কিছু উপন্তর ভয छ। धरमारे दय, रकनना धरे कार्य धरर कारण जगर তথ্যার প্রশার সাপেকে বিদাযান। করতগকে হা বিশ্বা আদি এবং আন্ত আছে। তা-ই অবাত্তৰ। স্তাপানসক পর্ববেশন করা সঞ্জব হালেও, পরমাধ্যর সঙ্গে সম্পর্কত্ত নেই। ভা যেন টিক এক গতীর নিরুময় বা শ্লাময়। মা ছলে জড়া প্রকৃতির এমন কি একটিমার প্রমণ্ডর রূপান্তরেরও কোন পরম সংজ্ঞা থাকতে পারে সা। বান্তবিক গালে অন্তিভূশীল বলে স্থীকার করতে ছগো যে কোন বস্তুকে অবশাই ৩% আছার মতোই নিতা অগরিবর্তিত টিংগুণকে বরণ করতে হবে। পরম সাত্যে শক্তিসমূহ এবং তারে অব্যক্ত কড়া প্রকৃতি কাল প্রভাবে। কোন কড়ীর দৈতভাব নেই। প্রকাশন কালা ব্যক্তি বে বৈতভাব দর্শন করে, তা হচ্ছে একটি শুনাপারে অগন্থিত আকাশ এবং পারের বাইরে অবস্থিত আকাশের পার্থকোর মতো, কিৰে ফলে প্ৰতিভাত সূৰ্য এবং আৰুণে কৰছিত चकर गृहर्वत भावीत्काक महान्य, चायवा ह्यांन सीवरमहरूत অভান্তরে স্থিত একং অন্য সেহে শ্বিত প্রাণবায়ুর পার্থকের মতোঃ উদ্দেশ্যের ভিত্রতা অনুসারে খানুষ বিচিত্ররাপে তা-ই হতে ভাবত। একটি প্রদীপ, সেই প্রদীপের ভর্মের ক্রচার করেন এবং ডাই স্বর্গকে বিভিন্নরেশে দর্শন আলোকে দৰ্শন করে যে চাকু এক বৃট বন্ধা যে রাগ— করা হব। অনুরূপভাবে, ক্ষড় ইন্সিরের অভীত বে এতলি সবঁই তেজসাগ উপাদান খেকে মুলত অভিত। প্রয়েখন ভগবদং, তাকেও বিভিন্ন প্রদার বেদ**া** এবং অনুরূপভাবে, বৃদ্ধি, ইলিয় এবং ইপ্রিয়ন্ত্র –পরৰ সত্য সাধারণ মানুদের। বিভিন্ন পরিভাষার ব্যাখ্যা করেন। থেকে এণ্ডলির পৃথত কোনও অভিন্ধ নেই, যদিও সেই । যদিও মেঘ হাঙ্গে সূর্বেনাই সৃষ্টি এবং সূর্বের ছারাই গৃষ্ট

हव, छ। मरक्थ मूर्त्यहरे चारहरूहि चरन विजान और बर्बनकारी हसून भएक का खड़काब मृष्टि करन। बामुलनकारन, नातम नरस्टारहे कानी विरूपन गृष्टि की कान् এবং মিখ্যা অহতোর পরম সভ্যের ছারাই দৃষ্ট হয়, এবং প্রস সতেরই আর একটি অংশ প্রকাশ জীরাদার পঞ্চ পত্ন সভাৱ উপস্থিত পথে ভা বাধার সৃষ্টি করে। छन्न मूर्रास शक्छ आभरक मर्नन क्रवट भारत। অনুরূপভাবে, শ্রীবাদ্ধা কবন দিন্য বিজ্ঞানের জিজাসার মাধ্যমে তার বিখ্যা অহংকারের জাবরণকে ধ্যংস করতে লারে, ভবন তিনি ভার আদি বরুণ চেতনকে অনুসরণ করতে পারেন।⁷⁷

"হে মহারাজ পরীকিং, বিবেক বিচারের জানজাণ হাতিরার দিয়ে আশ্বার করন সৃষ্টিকারী শুনাকৃষ্ণ এই মিখ্যা सहरकांत राज्य हित एक, अनर कान्य पता अंतरप्रशाह ভগবান অচ্যাতের উপদান্তি বিকশিত করেন, তথন স্বয়ক বভ কণতের জাতান্তিক প্রদান বলে। হে প্রস্তুপ্ প্রকৃতির সুস্ম কার্যাকলী সম্পূর্কে অভিন্ন ব্যক্তির জেলা करहाइल (य अभा कानि नमस्त मुद्दै सीतहे धविताम मृद्दि अस्र धमराम करील इत। माख कड़-बाग्डिक सह মাণাত্তিত হয় এবং অধিয়াম ও মান্ত প্ৰকল কাল-প্ৰনাজ্যে দারা কর প্রাপ্ত হর। খাড় বর্র সমূহ তাদের ছরিতের দৈর্বাতিক প্রতিনিধি আদি অন্তর্গন কলের ছার সৃষ্ট এই কীর্তন করকে।"

অবস্থাওলি দৃশ্ব লয়, ঠিক বেমল বাহা আকালে প্রচ্ নক্ষের অংকার অভিস্কু তাংক্ষণিক পরিবর্তমকে স্থাসরিভাবে প্রত্যক্ত করা বাছ মাঃ এইভাবে কালের গৰিকে নিজ, থৈমিভিক, প্ৰাকৃত এক আত্যতিক—এই চার রাধার প্রদানের ভিভিত্তে কবিন করা হল।"

"হে কুলবেওঁ, অনি <u>তথু সংকেশে</u> তোমার কাছে গ্লেক সূর্য থেকেই সৃষ্টি যের করন বিভিন্ন মৃত্রে কার, চকু ক্রমণ প্রতীয় একে সমস্ত অবিভানন পরম উৎস ভাগবান বীনারায়ণের এই সকল গীলাকখা কর্মন করণাম। এমন कि बच्चा चेतर जन्मुर्वत्रदश बहैम्कन शीना वर्षना कहाए ভক্ষ। তে মানুৰ জাগিত দুয়**ের আন্তনে ম**র্জারিত হতে এবং বিলি এই জড় অভিজেন দুর্যতিক্রম্য সাগরকে অভিক্রম করতে আহুতী, তার গলে পরমেশ্বর ভগবানের শীপাকধার দিন্ত বনের প্রতি ভক্তি অনুশীলন স্কুড়া আর ক্লে উপযুক্ত মৌকা মেই। কাৰমল পূৰ্বে সমান্ত পুরাদেই এই দার সংহিতা অচ্যুত ওপবান খ্রীনরনারারণ কবি নারদম্নিতে বলেছিলেন, বিনি ভা প্রবর্তীকালে কুকারেশারন বেলব্যানের কাছে পুনরাবৃত্তি কর্মেছিলেন। হে পরীক্ষিত মহারাজ, সেই মহান বাক্তিকুসম্পন্ন শ্রীল ব্যাসদেৰ চাহিতেকে সকল গুৰুত্ব সম্পন্ন এই একই শাস্ত্ৰ ডথা প্রীমন্তাগরত আফাকে লিকা বিরেছিলেন। হে কুজনেউ, আমাদেউ সম্প্ৰ আসীল এই সেই সূত গোসামী বিনি নৈমিকরেশ্যের সুদীর্থ মহাবঞ্জে সমবেড থে সকল ব্যৱ প্রকাশ করে, সেওলি হাছে তাদের সৃষ্টি । মুনির্মাধদের কাছে প্রীমন্তাদেরত কথা বর্ণনা করবেন। এবং প্রসায়ের নিত্যকরেব। পর্যেশক ভগবানের শৌনকাদি সভাবদদের দারা জিঞ্চাসিত হয়ে তিনি ভা



মহারাজ পরীক্ষিতের প্রতি গ্রীল শুকদেব গোস্বামীর চরম উপদেশ

হীল শুক্ষাৰ গোলাহী কালেন--"এই শ্ৰীমন্তানকভ পর্যেশ্বর ভগবান বিশ্বাস্থা ঐচেরির বিচিত্র লীলাকথা বিভারিতভাবে ফর্ননা করা হয়েছে, যীয় ভৃষ্টি থেকে বলা এবং ফ্রেন্থ থেকে করের স্বাস্থ্য হয়। হে রাজন, "আমি মৃত্যুবরণ করতে বাঞ্চি"--এই পর্যুক্ত মুদ্রেরতি ভাগে কর। দেহের বেরকর কর হয়, তুমি সেরকম কর্মসংখ করনি। অতীতে এমন কোন সময় ছিল মা খনম তমি ছিলে না, এবং তোমার বিনাশণ হবে না। বীয়া খেকে যেমন আছুর উৎপায় ইয় এবং পুনরার তা নতন বীক উৎপত্ন করে সেই রক্তম ভোমাকে পুন্যার ভোমার পুরের পুররূপে স্বাধ্যয়ত্ব করতে হবে হয়। বল্প ভূমি এই স্বভ দেহ এবং খার খানুবলিক বিবর খেকে সম্পূর্ণ করে, ঠিক বেমন কবি ভাগ জালানী খেকে বভন্ন হয়। সংখ মানুষ দেখতে পারে যে তার নিজেবই মন্তক দির হয়ে মেছে এবং এইভাবে সে বুনতে পারে বে ভার প্রকৃত অধ্যে এই স্থান্ত অভিজ্ঞতা থেকে সহয়। অনুরপতাবে, জাগ্রত অবস্থার মানুষ দেখতে পারে যে তার কেই হচেছ পাঁচটি জন্ত উপাদানে গঠিত। সুভরাং একবা হুমেরসম করা হার যে প্রকৃত আতা প্রত দৃষ্ট দেহ খেকে সংগ্র क्षर ज्ञास के जायता। क्षेत्रहैं की यक्षर (स्ट्रांट यात, चरित्र ক্ষভান্তরন্থ জাকানের জংশটি পূর্ববং ব্যোহক্রপ উপলেনকাপেই থেকে জার। আনুরাপভাবে, যাধ্য ভূপ ध्यकः मुक्त (मरदव मुट्टा इत्त, (मराकाल्डरक् बीटान्ड कार् চিমার স্বরূপে পুল প্রতিষ্ঠিত হয়। জীবান্ধার ফড় কেছ १ श्री कार्यभग्न कड़ भटना पान मुद्दे रत। त्यदे प्रभ चढर मुक्तै दश नवरमध्य छनवात्मव मावानशिन्त चावा এবং এইডাৰে আছা ছাড় অভিছকে বালে করে। প্রদীপ - বিষয় থেকে ছাঙ্রয়। ছে প্রিয় মহারাজ পরীক্ষিৎ, ভূমি প্রদীপরতে কাম করে ওপুমার খালানী, তৈলাধার, বিভাষা পর্যেশার জনধ্যে শ্রীচ্ট্রিয় লীলাকথা সম্পর্যে পলিতা এবং অভিন সর্বমন্তবে। অনুরূপভাবে, আছার প্রথমে আমাকে হা প্রথ করেছিকে, আমি জ ডোমাকে দেহাস্ববোধের ভিডিতে প্রতিষ্ঠিত জড়জীবন, দেহের কর্মনা করে চনলায়। এখন ভূমি বছা কী মধ্য কাতে সংগ্রী

উপাধান স্বৰূপ কড় সন্ধ, রক্ষ গ্র তম গ্রহণর কাল্ড ছারাই বিকলিত এবং কিন্ট হয়। সেহের অভাররত আদ্ধা করং জ্যোতির্মন। তা বাঞ্চ ফুলদেহ এবং অব্যক্ত সৃত্যু কেই কেকে বডাই। জাকাশ যেমন জড পরিবর্তনের দ্বারী ডিভি, ঠিক তেখনি এই আস্থাও সেহগত পরিবর্তনের রির ভিন্তি। তাই আছা হচ্ছে জনর এন কোন কড় বক্তঃ সঙ্গে তার তুলনা হয় না।"

"হে রাজনু অধিবাদ পরসেশন বাসুদেবের ধ্যান করে এবং বাছ ও বৃক্তিগর্ভ বৃদ্ধি প্রয়োগ করে সভর্কভাবে তোমার প্রকৃত আবা সম্পর্কে একা বিভাবে ভা 🚓 মেহের মধ্যে অবস্থিত, সেই সম্পর্কে চিগ্রা করা উচিত। ব্রাখানে অভিশান প্রেরিত সেই নাগগদী ভক্ষক ভোনার প্ৰকৃত আন্মাকে দহন কৰাতে পারবে না। ভোমার মতো আৰু নিয়ন্ত্ৰণকাত্ৰী প্ৰভূকে মৃত্যুত্ৰ দৃতেৱা কথনাই মহন कर्त्रात भारत मा, कमना क्षत्रवद्धारम अञ्चानर्कतन भाष বাবতীর বিপদক্ষে তুমি ইতিমধ্যেই **বা**র করেছ। তেমের নিচার করা উচিত--আমি পরম সভা এবং পরম ধার থেকে অভিত্র একং সেই পরম সতা তথা পরম ধাম আমাৰ বেকে অভিন্য "

"এইভাবে সমস্ত প্রকার ঋত উপাধি থেকে মৃত পরমাঝার চরুণে নিজেকে সমর্গণ করে ভূমি এমন কি লক্ষ্যও করতে পরেবে না যে কথন সেই নাগপদী তঞ্জ তোমার সম্বান হরে তরা বিধান্ত দাঁত দিয়ে তোমার পারে কলেন করবে। ভূমি ভোমার মরণশীল দেবকে কিবো ভোমার চতপার্বছ জড় জগৎকেও দেখতে পারে া, কেনৰ ভূমি উপলব্ধি কৰে বাতবৈ যে ভূমি ঐ সময

মহারাজ পরীক্ষিতের দেহত্যাগ

শ্রিদত গোদামী কালেন—"জিল দাস্দেরের সফর্মা এবং আৰ্ডব্ৰম পুত্ৰ জীল গুৰুদেৰ গোলায়ী কঠক প্ৰচন্ত मार्क वर्गना सर्ग कराइ शर, महादास श्रदीकिए এটাতভাবে তারে চরণকমলের সমীলবর্তী চলেন। এল ভক্তাৰ গোস্থানীর চরশে অবনত হস্তুতে হয়রাজ বিষয়াত, সমগ্ৰ জীবৰ বিনি শ্ৰীবিক কৰ্তৃক সুবুক্তিত গ্রেছেন, তিনি অঞ্চলি বন্ধ করণ্ডার নিপ্লেক কথাওলি इस्ट्रांसने 🛗

মহারাজ পরীক্ষিত কাল্ডেন—"আমি একা ব্যানার লীবনের লক্ষ্য স্থান্ড করেছি, কেননা আগবর হয়ের হয়ন। ক্রালামর ব্যক্তি আমাকে এরকম কণ্য প্রদর্শন করেছে। আদি অন্তহীন পরমেশ্বর ভগবান শ্রীহরির এই ওপরস্ক ব্যক্তিগভভাবে আপনি আমাকে বলেছেন। প্রয়েশ্বর ধ্বাবান অচ্যতের খ্যানে সক্ষ নিমুখটিত আপনার মতে মহাধার পক্ষে আমাদের মতের কড় জীবনের সমস্যা পীড়িড মূর্ব দেহবছ জীবকে করুবা প্রদর্শন করকে আহি অভি অত্তত কিছু বলে মনে করি না। আমি আপনার কাছে এই শ্রীমন্তাগকছ, বা প্রথেশর উভাগল্লেক कथरानाक मुठाकता(शे वर्षना करडे अवेर के दर्शक मधक गुराएक निर्देख महत्वथा, या अवन कहलाय*ि*

"হে প্রভু, এখন আমার ভক্ষক বা অনু হে কোন দ্বীৰ, থামন কি পুনাপুনা মৃত্যুক্তাৰ করার প্রতিও ভার त्नरे, तन्त्रा मक्स शका छा विनानकारी व विश्व টিয়া ব্রম্মের কথ্য আগনি আমার কাছে প্রকাশ করেছেই 'দাৰ্থি আমাকে সেই পথা সতে। নিমাধ কৰেছি। হে बाक्तम, अनुसार्भ्यं सामाद्र शाका अवर समान्त नमक ইপ্রিয়ের কার্যবাদীকে ভগবান আধাকতে স্থাপন করার অনুমতি দিন। কামবাসনা থেকে মুক্ত এবং পৰিন হতে नामात्र मन एका छोत्र मध्या निवास इत अवर अवेखादवे বেন প্রাণ ভ্যার করতে গারি, সেই অনুমতি দিন। আপনি আমার কাছে ভগবানের পরম কলাপমর পরম ব্যক্তির সম্পর্কিত বিজ্ঞান প্রকাশ করেছেন। আমি এখন

वास्टब् विकारम हिए शराहि बदा कामात सकाम प्रदेशिक क्रायाहरी

বীসুত খোলানী কালেন—"এইভাৰে প্ৰাৰ্থিত হয়ে নীৰ স্বাসনেবের সংখু পুত্র জীল ওকদেব গোকানী পরীকিৎ মহারাজকে তাঁর অনুমতি ধান করলেন। ठाइनड बाज अवर डैनस्टिट कन्यामा मूनि-वरिटरक द्वादा পুরিত হতে, তিনি সেই স্থান পরিত্যার করকেন। মহানের পরীক্ষিতত তথা বলা কুলে, মর্কারনের বেটার প্রাক্তরণ পূর্বমুখী করে নির্মিষ্ট আসনে, স্বরং উত্তরমুখী হত্তে উপনিষ্ট হতেন। পূর্ণমধ্যে বোগসিক্তি লভে করার পৰ, তিনি পূৰ্ণ ব্ৰহ্মকৃত ভুৱ অনুভৰ কংলেন এবং সমগ্ৰ প্ৰকাৰ ভাত আগতি ও সংগত থেকে মুক্ত থকোন। বাজবি পরীক্তিত ভার বিশুদ্ধ বৃদ্ধির সাহাব্যে উল্লেখনেক আবার নিবছ করলেন এবং পরম সত্ত্যের খ্যানে নিম্নপ্র হলে। তার প্রাণরের নিশেক হল এবং তিনি একটি গাড়ের মতে। ছিবতা লাভ করলেন।"

"য়ে বিজ্ঞা প্রাক্ষণগণ, তারণার ক্রন্ত বিজ্ঞাপ্তরের দ্বাবা প্রেরিত ভাষক বাবন ব্রাক্তাকে হত্যা করছে ব্যক্তিক, ভাষন গহৈ তার সঙ্গে কলাপ বুনির সাক্ষাৎ হয়েছিল। তক্তক মুলাবাল উপহার স্থান্তী করা বিধ হরণে সুদক্ষ কশ্যপ খুনির ভোষায়েল করে, মহত্রেল পরীক্ষিতের সুরক্ষা দ্বন করে ব্যাপতে তাকে নিয়ন্ত কলে। তারপর কামরূপী সেই নাপপকী ডক্ষক, প্রাক্ষণের ম্বাবেশে রাজার সমীপনতী হয়ে ঠাকে মন্দের করব। সমস্ত ব্রহ্মাতের প্রবৈদণ কর্ম্ম ফর্লন কর্মমানে, সেই সময় মহান আত্তব্ব বাজৰির দেহটি মুখুর্ভের মধ্যে সালের বিধানকে স্বাস্থানাৎ হতে গোল। তথ্য পৃথিবী এবং স্বর্গের সমন্ত দিকে এক মহা হাছালার বধ উবিত হল এবং সমশ্র খেনতা, অসুর, অনুষা একং জনানো জীবগদ বিশ্বিত হারেছিকেনঃ বেৰ সমাজে মুখুতি বেলে উঠেছিল এবং স্থানীর থার্কে ও অব্দর্যাপর পান পেরেছিলেন। দেবতাকা नुष्ण वृद्धि बद्धा माध्यान केळातन बद्धिस्तन्तः। अश्वास

ক্রমেজর তার পিতা মারাত্বতারে নাগলকী ওকবের বারা কথিত হারছে, একথা তান গ্রুডভাবে কুল হারেছিলেন এক প্রাধাপনের বারা এক মহাপজিশালী মজের অনুষ্ঠান করেছিলেন বাতে তিনি বাগতের সমগ্র সর্পতে বাব্রের অভিতে আত্ততি প্রধান করেছিলেন। তক্ষক বান দেশল বে সরচেরে পভিপালী সর্পত সেই সর্পর্যালর বাগত অভিতে ভক্তিভূত হাছিল, তখন লে ভারে ভীত বার অন্যায়ের কাল ইল্লেন পানাগর হারছিল। মহারাক্ত ক্রমেজর খখন লেখালেন বে তাকক তার যাক্তর আতার প্রবেশ করেনি, তখন তিনি প্রাক্তাশনের প্রশ্ন কর্মালেন, 'কেন উর্গাধিয় তাক্ষক এই অগ্রিতে দশ্ম হাছেন, 'কেন উর্গাধিয় তাক্ষক এই অগ্রিতে দশ্ম

ব্রাহ্মণাল উত্তর নিলেন—"হে রাজেন্দ্র, তাফক এবনো যজের অনিতে পতিত হয়নি কারণ আপ্রয়োর জন্য ইল্লের শরণানত ইওয়ার ফলে সে এবল ইল্ল কর্তৃক সর্বেক্ষিত হারতে।"

এই সমস্ত কথা ওলে যুদ্ধিয়ান ব্ৰাক্তা জনমেকর পুলেছিডামে উত্তম দিলেন—"হে মির ব্রাক্তাণাণ, চাহলে ভার মাজক ইশ্র সাহ ভারতকে অনিতে পতিত হতে আধ্য করমেন না কেনং"

এই কথা তনে পুরেহিতগণ তথ্য ইন্দ্র সহ ভক্তকে যঞ্জান্দিতে আগতি প্রদান করার জন্য এই হয় উচ্চারণ করণেন-"হে ভক্ক, সমগ্র থেকতাকুল সম্ভিখ্যাহারে ইন্দ্ৰ সহ শীঘুই তুমি এই ব্যৱস্থিতে পভিত হথা: ফ্রক্ষপুদের এই অপ্যানজনত নাত্যে ইক্স কবন ঠান বিমান একে ভক্তৰ সহযোগে ঠার পদ খেকে অৰুণ্যাৎ নিক্ষিপ্ত হলেন, ভব্দ তিনি অভান্ত বিচলিত হতেছিলেন। অনিয়া মুনির পুর বৃহস্পতি যথন কেবলের যে ইন্দ্র ওার বিমানে তক্ষর সহযোগে আকাশ থেকে শস্তিত ইচ্ছেন, তখন তিনি মধারাক্ষ জনমেক্ষতের সমীপক্ষী হয়ে নিখ্রোন্ত ষ্কবাণ্ডলি মললেন। হে মরেন্দ্র, ভোমার হাতে এই সর্পর্যক্রের মৃত্যু হওয়া বংখাচিত নর, কেনদা সে *(सर्वराम्ब चाम्ड चाम कर्ता*ः) *स्वव*ः, *(स* वर्षकः अरा মতার সাধারণ লক্ষণগুলির অধীনস্থ নত। জীকে জন্ম-মৃত্যু এক ভার পরস্থান্ত গতি সবই নির্ধারিত হয় ভার খীর কর্মের হারা। অভ্যান হে রাজন, কেন জীবের সুৰ বা বুঃৰ সৃষ্টির জন্য অন্য কেউ বস্তুতপৰে দায়ী নয়।

ক্ষা কেনে কেছকে জীব সর্পায়তে, চেনা, আয়, বিদ্যুৎ
কুধান্ত্বৰ্ধ, বাহি বা অনা কোন করেব থেকে স্বভালন
করে, তথন সে ভার শীর অতীত কর্মের কর তোন
করে। শতএব, হে মাকন, অন্যের কতি সম্পাদন কর্মে
উলেশ্বে প্রেমান্তিত এই ক্যান্তিন কর করেব। ইতিমধ্যে
কা নির্দোব সর্পা অন্যিতে ভারীত্বত হরেছে। কল্পতনাত্ব
সকল জীবই ভাষের অতীত কর্মের অনুণা কল অন্যাই
ডোগ করবে।"

প্ৰীস্ত গোষামী বলতে লাগলেন—"এই ভাৱে উপদিষ্ট হয়ে মহাবাৰ জনখেকৰ উত্তর বিজেন, স্কার ভাই হোক।' মহান সাধু বৃহস্পতির বাক্যের থর্যালা দাত করে তিনি সর্পরকানুষ্ঠান থেকে বিরস্ত হলেন একং বচস্পতি বৃহস্পতির পূজা করলেন। বাস্তবিধই স্তা সাক্ত भद्रसम्बद्ध क्षत्रकार श्रीविद्धन्त्र जनका जन्म क्षत्रिक्तान मरामाल। विनेश कटा कीटवर्डा इस्ट्रा छशवास्त्रहे छ। म दिरमा एवं वाँ महामात्रात शहाद छात्स विवित्र का দেহাকবেধ্যে হারা তারা বিভান্ত হকে। কিছু এক প্রত ভদ্ধ ৰয়েছে বেখানে সাধাদেবী আমি এই ভাভিকে নিবস্তুদ করতে পারব, কেননা সে কপট'--এপ্রকথ চিন্তা করে নির্ভয়ে তার অধিপত্য রাণ্ড করতে পারে स। সেই পরায় তত্তে মোহাত্মিকা নিতর্কবরতা দর্শনের কোনও इस ८ दे । कार भारतमधिक विकारमा छन्-सिन्धान यथार्थ শিক্ষাধীপৰ দেখালে অধিয়াৰ প্ৰামানিক প্ৰকলিকাণ্যৰ নিবৃক্ত হয়। সেই পথ্ন তত্ত্বে সংকর এবং বিৰুদ্ধ ধর্মী स्राह अरमत (कमां शकान (मेरे) मृष्टे स्राह वर्त मञ्द **धारमंद्र मुख्य कार्ट्स भग्दे जैवर छाएएत श्रास्त्र में** ভোগরাণ যে লক্ষ্য—সেওলিও সেখানে নেই। অধিকদ্ধ নেই পরম তথে আহবেনর এবং কব্ন প্রকৃতির তিন ৩৫৭ আচ্ছালিত বন্ধ আন্মাও নেই। সেই পরম জন্তু সমস্ত मौक्रिक क मीम सिर्वाशयकारी विवयरक वर्जन बद्ध। বিজ্ঞানের কঠক জড় জীবনের তরদকে প্রেম করে সেই পরত সভো রমণ করা। মূলত অবাত্তব বিবছকে পরিত্যাগ করতে আকাঞ্চী ব্যক্তিপণ সুনিঘরিতভারে 'দেভি নেভি' বিচাতের দারা কথ্য বিবয় পরিজ্ঞাপ করে ভগবাদ শ্রীবিদুলা পরম পদে প্রণত্তি করেন। ভূচাং ক্ষতবাদ কর্মন করে, তারা গ্রামের করেরে সেই পরম সত্ত্যার হাতি ভারের প্রেম ঝর্গণ করেন এবং সংক্রিত ভিত্তে সেই পরম সভাতে আলিক। করে। সেই প্রকার
ভাজগণ পর্বযোগর ভাগনার প্রতিবৃদ্ধর দিয়া পরম পদ
ভালগতি করতে পারেন করেশ উরো পৃহ এবং দেছ
ভিত্তিক 'আমি' 'কামার' আথের বারা বার করালিত হর
নাঃ মানুবের কর্তবা সমজ বারমানক মহা করা করা
বার আলা বার্তিকে মধাবোগ্য সন্ধান চার্লের করাবাই
বার্ল বা হতান। এই করু দেহ আবার করে করেও সঙ্গেই
বৈরিকা সৃত্তি করা উচিত নর। পরমেশ্য ভালবান করে।
তথুমার ভার চরশক্ষরের ধান করেই আমি এই মহান
ভাগবতী সংহিতা অনুধানৰ করতে সক্ষম হরেছ।"

क्षित्मेनक वनि वनास्म्य—"एर मिश्व म्ह एतथायै, रुनम क्ष्य क्षीण गामर्परस्य धनान्य मदान निवानन योज्ञ रुक्तिक स्वारन्य कार्र्मि न्यून अर्तिल्ड, फेड्र किटास स्म वर्गम क्ष्यर मण्यापन करविहानन, स्म मण्यरक स्वामर्पन्य कार्म ।"

প্রীস্ত গোষ্ট্রী বলনেন—"হে রামাণ, প্রথমে লানমার্থিক উপসভিতে পূর্বকংগ সমাহিত মন পর্মেষ্টি প্রমান হলনাকাশ থেকে নিয় শব্দের সৃষ্ণু প্রনা উবিত লাকে কিন্তু বিশ্ব বিশ্ব প্রবাহন করে করে, প্রধান লে সেই সৃষ্ণু করম অনুক্রব করেও পারে।"

"হে ব্রাহ্মণ, বেদের এই সুস্থারুপের আরাধনা করে যোগিদশ হবা, ক্রিয়া এবং কার্ডের কলুর থেকে উত্ত च्याच्य जनारका समञ्ज प्रक्रमा (शिट बरवन अपर अरेडार्स ভারা জন্মসূত্রর পুনরাবৃদ্ধি থেকে মুক্তি কাঠ করেন। সেই সুক্ষা এবং নিব্য শ্বন তথ্য থেকে তিনটি শব্দ নিশিষ্ট র্কমার উপিত হল। এই ও কারের অবান্ত শক্তি রয়েছে এবং হল বিভন্ন হলতে স্বভই প্রকাশিত হয়। এই ওঁকার रक्ष भवम मुख्यत दिन्ही स्था-निरायस द्वार, भवमात्रा এক প্রয়েশ্য ভগবাদ—এই সককেরই প্রতিত। পর্য ক্তে অৱদ্য এবং অব্যক্ত এই ওঁকার অভকর্ণ ও অন্যান্য ৰত ইন্দ্ৰির বৃহিত পরমান্ত কর্তক ঋত হয়। সমগ্র रेवनिक स्नात्मत्र विख्छितै इत्याः श्वनतानमात्त्र सामा (शरक প্রকাশিত এই ওতিরেরই সম্প্রসারিত রূপ। এই **হ**চ্ছে **হতঃ উৎসারিত পরম সতা ভাষ প্রমাধার প্রতা**ভ উপাতি এবং সমস্ত বৈনিক মন্ত্রের গুড়া সরে এবং নিজ বীজ বারূপ। ওঁকার আ, 🖥 এবং স এই তিনটি আদি বৰ্ণকে প্ৰকাশ কৰেছিল। যে ভণপ্ৰেষ্ঠ, এই ভিনটি কৰ্ণ ক্রমা প্রকৃতির তিনটি প্রশাহ সংখ্য করে করিবরের তির कित किरोहि खान, करू, राजुः असर जात्र त्यांग्य मार्गणम्ह, हैं, कुन्द अनर का काल नरिकिक शहरामधूर अवर ক্ষারত, নিজিত ও স্বৃত্তিরূপে চেতনার তিনটি সফির ক্তরতে ধানদ করে। সেই ওঁকার থেতে প্রশা সাথ, ব্যঞ্জন, चाउड़ वर्ग, येख वर्ग अवर काताला अवन वर्गतम् इच 🖷 नीर्थ रकरम मृष्टि करडाइरमान । विद्य द्वाचा अदि मधन শব্দের সংযোগে তার চারিটি মুখ খেকে ওঁকার সহ চারিট কেন এক সভা বঙ্গেতি আবরেন উৎপন্ন করলেন। চরি বেলো পুরোহিতদের ধারা সম্পাদিত বিভিন্ন অনুষ্ঠান चनुत्रातः दिनिक वृत्तात् श्रद्धतः क्यारे हिन छाउ অভিযার। ক্রমা বৈদিক আবৃত্তি শাস্তে পার্রনী প্রথপকে এই বৈদিক জান শিকা দিয়েছিলেন। পত্ৰবাসী কাপে তানাই আচাবের ভাষিতা নিয়ে ভালের স্বীর প্রাণপ্ত वर्षे तम अगम करहित्यमा। वरेस्टार्स, इक्सकारम আবর্তিত চাহিটি কুল এরে পারমার্থিক জীবনে পুট্রত ব্যক্তিগৰ যাশ্যনক্ৰমে প্ৰকৃপৰাশ্যবাৰ ৰাল্যৰ এই সকল কো লাভ করেছিলেন। প্রতিটি ছাপর বুগের শেকভাগে মহান কৰিপণ এই জেকে ভিন্ন ভিন্ন বিভাগে সম্পাদন करतन। कालाइ शकार कीनवल, कीनवाह अवर ক্ষীৰমেধা সম্পন্ন মানুবদের ক্ষেত্রে মহান ক্ষরিমৰ ত্যাদের হাদরে অবস্থিত পর্যোশন জ্ঞাধান কর্মণ অনুপ্রাণিত হরে, স্মানেছভাৰে কোকে বিভক্ত করেছিলেন।"

"হে ক্রান্তব্ বহ্নান এই বৈবন্ধত মন্তব্য নিব প্রজা প্রমূপ প্রজাবের নেড্বর্গ নমস্ত জগতের রক্ষাকর্তা পর্যান্তব্য নেড্বর্গ নমস্ত জগতের রক্ষাকর্তা পর্যান্তব্য ক্রান্তব্য পর্যান্তব্য ক্রান্তব্য কর্মান্তব্য কর্মান্তব্য করে ক্রান্তব্য করে ক্রা

"হে প্রাক্তণ, মহান শক্তিগর মহামতি, ব্যাস্থানৰ উন্ধ - সম্পাদন কারেছিলেন কলে গুরো চরক লাহে খ্যাতি স্থান চাবজন শিবালে জাহান করে ভাঁমের প্রভাবের উপর এই চার সংখিতার একটি করে অর্থণ করেছিলেন। জীল বাদেশের শৈল করিকে প্রথম সংহিত্য প্রস্থানের শিকা বিরেছিলেন এবং এই সংগ্রহকে বছরত নামে আখ্যায়িত করেছিলেন। নৈশস্থানে কবিকে তিনি নিগদ মানক যক্রবেনের মানের সংহিত্য সম্পর্কে উপদেশ করেছিলেন। লৈমিনিকে ছম্পেন সংহিতা নামক সামবেদের মন্ত্র সমুহের भिक्त निराहित्यन क्यर कीत दिव भिक्त नुमश्चरक चवर्न কো বলেছিলেন। ভার সংখিতাকে দুই ভারে বিভক্ত করে প্রাক্ত পৈল কবি ইন্মগ্রমিতি এবং বাছলকে তা বলেছিলেন। হে ভাগৰ, বাৰুল উমা সংহিতাতে আরও চারতালে ভাগ করে শেশুলি তারে শিব্য বোধা, ফক্রবর্তা, পরাশর এবং অগ্রিমিত্রকে উপদেশ করেছিলেন। আছদংগত কৰি ইলেগ্ৰমিডি বিভা ধোপী মাধ্যকেন্ত্ৰক তার সংহিত্য শিক্ষা দিয়েছিলেন, গরবর্তীকালে যার শিক্ষা (नवाइक कथ्रावरमञ् भागा अवृद्ध स्त्रीकृषि अवर অন্যান্যদের কাছে ইস্তান্তরিত করেছিলেন। সাওকের অবিয় পত্ৰ শংকত শীয় সংহিতাকে পঁচ ভাগো বিভক্ত करतिशिक्षक अवर वाच्या, प्रमानन, मालीह, शांभना अवर লিলির নামক লিয়াদের প্রত্যেককে একটি করে উপদাবা অর্পন করেছিলেন। কবি স্বাফুকর্ণুও পাবারোর শিক্ত ছিলেন এক লাকদেরে কাছ থেকে প্রাপ্ত সংহিতাতে তিনভাগে ভাগ করার পর, তিনি একটি চতুর্থ বিভাগ---একটি বৈনিক পরিভাবদা অভিধান সংখ্যুক্ত করেন। এই সকল অংশের প্রত্যেকটি অংশ তিনি বলাক, দিতীয় रेशन, भारतन जन्म दिवळ---टांड और ठाउ निराद निर्मा দিয়েছিকেন। বাছবি কাবেনের সমস্ত করা থেকে তথ্য সংগ্রহ করে খলেবিলাসংথিতা বচনা করেছিলেন। বালাবনি, ভলা এবং কৃষ্ণাৰ এই সংহিতা খাপ্ত হারেছিলেন। এই ফরেগ এই সকল ইন্মর্বিগণ ওক পরস্পরার ধারার ক্ষাবেধের এই সকল বিভিন্ন সংহিত্যকে সংক্রেকিত করেছিকেন। ওপু বৈধিক ময়ের এই বিভাকন সান্তিত কৰি অবৰ কৰেই মানুৰ সমস্ত পাপ থেকে মুক্ত হৰে। কৈশুশায়নের শিষ্যপণ অথর্ব বেদের আন্ত পুরুষে পৃথিকত ছুরেছিলেন। এক্স-ছুত্যা জনিত পাপ খেকে খানের ওককে মড় করার ঋন্য কঠোর হস্ত

कर्राहरमा। बक्ना रेन्य्याप्रस्ता तक निया शासनका বংশন্তিবেদ-হে গ্রন্থ, আপনায় এই সকল দুর্বল শিব্যারন ক্ষীৰ প্ৰচেষ্টা থেকে কডটুকু সুফল লাভ হৰে। আন্তি ব্যক্তিগতভাবে কিছু সুদৃষ্ট্ৰ উপস্থাত অনুষ্ঠান কুত্ৰ। এইরবে উড়ে হলে পর ৩৯ বৈশম্পার্থ ক্রছে চরে व्यवप्राम्याकाडी लिए। ग्राथंड श्राप्ताः क्रिकिक वाधार কাছ থেকে ভূমি বা কিছু নিকেছ-এই মুহূৰ্তে স্ব পৰিভাগে কৰ। কেব্যাতের পুর বাক্ষণতা ভখন যান্ত্রের মন্ত্রসমূহ বামি করে সেবান থেকে চলে লিয়েছিলে। সঞ্জেত লিয়ার এই সকল বন্ধবেটীয় হয় ওলিকে প্রজুত্ত ভিত্তে দর্শন করে ভিত্তির পানীর স্থান পরিপ্রত করে সেখাল সর্বাই ভূলে নিয়েছিলেন। ভাই কথ্য বেদের এই শাখাটি ভিত্তির পাবী হারা সংগঠিত অতি সুস্থা তৈতিবীর সংহিত্যক্তেশ পরিচিত্তি লাভ ক্ষেছে। হে টাব্ৰণ দৌনক, বাজবহা তথা এছন কি তার ওকরও অভ্যত নতুন করু: মন্ত্রের গ্রেবরণা করতে जाकानक क्राइटिन्स । अस्तर अस्य और वामना निर्द তিনি বছড়ে শভিশানী সুব্দৈকে অৱখন করেছিলের 🖰

প্রীবাক্সবন্ধা ক্রলেন-"সূর্যবেক্রণে প্রকাশিত পরমেশর ভগরনকে আমি আনার সমান্ত প্রশাম নিকোন করি। রক্ষা থেকে তদ করে তুল কর্বন্ত প্রসারিত চার প্রকার জীবের নিয়ন্তারূপে আগনি উপস্থিত আছেন। আকাশ বেমন সমস্ত জীবের অন্তরে এক বাইরে নিগমের ঠিক তেমনি পরমান্তারূপে আগনী সমস্ত শীবের ইমতে এবং কালনাপে বাহাত বিদায়ান সহেছেন। ঠিক বেজন অকেশে বিদায়ান মেৰ আকাশকে আছাদিত করতে পারেনা, ঠিক ডেমনি কোনও ঋত উপাধি কখনই আপনতে আঞাদিত করতে পারে ন। কালের কা. লৰ এবং নিমেকজন ক্ষম্ৰ ভখাংল ছালা গঠিত সংকংসৰ প্রবাহের মাধ্যমে ঋণ শোষণ করে এবং বৃটিরাণে সা প্রভার্নর করে আপনি একাই এই ফগতের ভরণ পেমান करतन (**

"হে জোডির্ময়, হে শক্তিশালী সূর্যদেব, আগনিই সমস্ত দেবজদের প্রধান। আমি সতর্ক মনোবোগের সংগ আশন্তম অভিমন্ত গোলকের খ্যান করি, করেব প্রামালিক

es-পরস্পরার ধারার প্রবাহিত বৈদিক পরা অনুসারে 'বারা প্রতিবিদ জিনবার আপনার করে প্রার্থনা নির্বেদন ক্রাকে, আপনি ভাষের সমস্ত্র শাপ কর্ম, পরিবাহ মুহদ এবং এজন কি বাসনার কালি বাঁজাকেও কাবে করেন। হারা সর্ব্যোভাবে আপনার আশ্রন্থে নির্ভিয়নীর, সেই जुका कृष्णि अयर काम कीवरंगत वास्तुत कार्यामी शकु রাবে আপনি বরং উপস্থিত আছেন। বস্তুতপ্তে আপনিই তাদের কড় কং ইত্তিত এবং প্রদত্তভূতে করে এতিন্সিত কজে। এই স্কাৎ অন্তর্গর নামক অন্তগত্তে ভৱতৰ মুখ্যবুৰের বাল ক্ষাক্রত এবং নিসিত হতে মৃতকং चक्रिकम् राज भएएरह। किन्नु चनुकन्मारमण्डः वहे লানকো নিপ্রত মদুক্ষের প্রতি দৃষ্টি নিজেন করে আনত্রি আমের মানি শক্তি মান করে মায়েড করে। এইভাবে আপনিই হতেৰে মহা কদন্ত। প্ৰতিটি দিনের পবিত্র গ্রিলন্ধার আপলি পৃথানান ব্যক্তিমের ধর্মকর্মে পরিচালিত করে ভার্মেরকৈ গতম কল্যাপের গরে নিবৃত্ত করেন হা ঠানের চিম্মর ছিভি কান করে। ঠিক একজন পার্থিব क्रवान मर्ज्य, चामानुरस्त क्रम छिरभासम करत चाननि मर्द्य পরিপ্রমণ করেন এবং সেই সময় স্কুড়শ্লী দিকপাঞ্চন क्षक्रिकेट हर ए जानमारक भव अवर जनामा हैनहाड উৎসর্গ করেন। অভঞ্জ আমি প্রার্থনা নিবেছনের সাধায়ে ত্রিলোকের গুরুবর্গ কর্তৃক অভিনন্দিত জাগন্ত চরণ ৰমল সমীপে সমাসত হলাৰ, কেনল আৰি আপনার কছ থেকে যা অন্যোর অজ্ঞান বন্ধুর্বেনের স্ক্রুপমূহ বাভ করার আকা**শলা** করন্তি।"

कीमृठ (गावामी कलाका--"अरे क्रका चारिएड अन्त्र । एराहिल।" হৰে শক্তিশালী সূৰ্যদেৰ একটি খোডালনাল পৰিচাই করে,

पूर्व जानर नगरक जागार पहुन सहमन्द रास्तनकाटन भाग कर्राव्यक्षामाः। अव्यक्तिमा अवे मध्यम् कालिट भट শত বহু থেকে শক্তিপানী কৰি হাজকভঃ কৈলিও কান্তেত পদেরটি মতুন শাখা গণিত খনদেন। দেভার কেশর থেকে উৎপদ্ধ মহেছিল কলে এগুলি বাঞ্চলনেত্ৰী সংখিতা ক্সপে পরিচিতি **লাভ** করে এবং কাছ, মধ্যেদিন এবং খনান্য খৰিং অনুধানীয়ের শুশু-পরশদবার এই সকল সংহিতা স্বীকৃত হয়েছিল। সাম্যেকের আন্তপুরুষ কৰি জৈনিনিয় স্থান্ত নামে এক পুত্র ছিলেন একং সুমন্তর পুত্র ছিলেন সুভান। খৰি কৈমিনি আদের প্রায়েককে সামকো স্বাহিত্যর ভিন্ন ভিন্ন আপে বলেছিলেন। কৈনিনির আপর শিষ্য সূত্রমা হিলেন এক সহান গতিভা তিনি নামকেব্যাদী মহাকৃষ্ণকে এক সহস্র সংহিত্যক নিচক্ত করেইলেন। ভারগর, হে ত্রান্তব্, ভৌগর পুর হিলোনাত, লৌব্যত্তি এবং পরম মুক্তবিদ্ আরগ্য নামে সুকর্ম কবির এই তিনয়ন দিখা গানকেনীয় সাক্রমমূহের শারিতার প্রহণ করেছিলেন। সৌবারি এবং আবস্তোর পাঁচ শত শিষ্য সামবেশের উলাঁচী গারককংশ পরিচিতি লাভ করেছিলেন এক পরবর্তীকালে ভালের কেউ ভেউ প্রচা পার্ডরপেও ব্যাতি বাল করেছিলে। সৌগানি, মাদলি, কুলা, কুলীয় এবং কৃষ্ণি নামে লৌবাঞ্চির খন্য পাঁচমন লিগের প্রভাবেই এক পাঁচ করে সাহিত্য কান্ত করেছিলেন) ছিত্রপুনাজের নিবা কুলা ভারে সীব শিকাসগঠে চরিশটি সংহিতা বলেভিলেন এবং অধনিষ্ট সংহিতাওলি আক্তাশী আবস্তা কৰি বৰ্ডক বাহিড



সপ্তম অধ্যয়ে

পৌরাণিক গ্রন্থাবলী

হীসত স্মেশ্বামী কালেন—"অথৰ্ব বেনের প্রাথানিক ভাৰতিৰ সমান্ত কৰি ভানে বিদ্যা কৰমতে ভানা সংহিতা धाराजन करिएकिएनन, विनि भए का भया करा বেদদর্শকে বলেছিলেন। শৌক্রায়নি, ক্রন্থবলি, মোনেক এবং পিঞ্চলায়নি ছিপেন বেদখর্শের শিষা। পথোর। লিধ্যবহারি নামও আমার কাছে মাকা কর। টে রাকাণ, তারা হাজেন কমন, শুনক এবং জাজালী খালের সকলেই ছিলেন অবর্থ বেনের অভান্ত পরেণশী ভারবিদ। ওনাজে। শিষ্যা বন্ধা এবং সৈত্বধারন উপ্লেম্ব প্রকাশন কর্তক প্রথিত " বিতক্ত অহংকারট পরবর্তীকালে সৃষ্টা ভাত, ইপ্রিয় এবং অথর্ব বেদের মুইটি ভাগ অধ্যয়ন করেছিলেন। रिमहदायुराव निका भावन अवर धनामा प्रक्षितिमत শিব্যবর্গত অথর্ব বেলের এই সংস্করণটি অধ্যয়ন कट्डिस्टिस्स । चार्क्वरायस चार्कार्यस्य अस्य नकडक्या, শান্তিকল, কণাপ, আসিরস আদি অনান্য কবিরাও ছিলেন। এখন, হে মুনিবর, অর্থার পৌরালিকদের নাম दमहि, अस्य क्ट्रमाः अवादानी, कमान, मार्की, चदावर्गा, टेक्यनभावन अवर शार्तीष-अहे ५७ सन शामन শৌরাণিক। এবের প্রত্যেকই জীপ বাসংগবের শিখা এবং আমার লিভা রোমাংর্যগের করে খেকে পুরাণের ছয়ট সংহিত্যর এক একটি করে অধ্যয়ন করেছিলেন। আমি এই হয় জন পৌরাশিকের শিক্তম প্রহণ করে ভাষের পৌরাধিক জানের সমগ্র সংগ্রহকে সমাককণে स्रधाका कार्याकनाम। क्षीन वाग्रस्मरक निमा हामदर्गः পরাগকে চারটি মল সংহিতার বিভক্ত করেছিলেন। সাবৰ্ণি এবং গ্ৰামের শিষ্য অকৃতৱংগর সঙ্গে কৰি কল্যল এবং আমি এই চার ভাগ সংহিতা লিকালাভ করেছি।"

"হে শৌনক, ফোলান্ত অনুসারে শ্রেষ্ঠ ব্রহারিগণ কর্তক নিজপিত প্রাপের লক্ষণসমূহ অন্প্রচুপ্রক মনোবোগের সংখ জবন করন।"

"হে ব্রাহ্মণ গৌবানিক তত্তবিদরণ পুরাণকে হলটি কৰণ সংযুক্ত কৰে জানেন। সেগুলি হল্লে—এই द्वाचारक्त मृद्धि, सीव अवर समस्या (मीन मृद्धि, सीरवन

শালন, রক্ষণ, মঘন্তর, মহান রাজধংশ, উক্ত খংশীর ताबारपत इतिक, अभग, अस्थियात अवर भन्ना कालन সম্পর্কিত বর্ণনা। অন্যান্য পঠিতগ্রাপ বলেন বে মহাপুরুব এই দশবিধ বিষয় নিয়ে জলেচন্য করে, কেবানে উপপ্রাণগুলি পাঁচ প্রকার বিষয়ের জালোচনা করতে লারে। অবান্তা প্রকৃতির মূল গুণসমূহের বিজ্ঞান্ত থেতে धरुष्ठव छेड्ड हो। प्रश्ति (थर्क कश्कार नाधक উপাদান সৃষ্টি হয় যা তিম ভাগে বিভক্ত হয়। এই ভিত कुल विवयत्रार्थ ध्वानिक इतः और अक्स विवरहर উৎপত্তিকে করা হয় সৃষ্টি। ভগবানের অনুগঠীত সৌধ ু সৃষ্টি হচ্ছে জীবের বাসনারই বাক্ত সমহার। বীঞ্চ ছেছে বেমন মতুন বীয়া উৎপন্ন হয়, ঠিক তেমনি অনষ্ঠাতার छाड बाजना विकासकारी कर्मनगर सावश क्षेत्र । প্রাণীর উৎশাদন করে। বৃত্তি কথাটির অর্থ হচ্ছে পালন, বার বারা অসম জীবফা স্থানর জীবদের উপর নিঠা করে জীবন ধারণ করে। মানুবের পঞ্চে বৃত্তি বলতে বিশেষভাবে ভার ব্যক্তিগত সভাবের অনুক্স জীবিকা অর্ক্তন্ত কর্মকেই বৃথার। সেইজন কর্ম স্বার্থকৈন্তিক কামনার বারাও চালিত হতে পারে বা ঈশর প্রদন্ত নিরম অনুসারেও চালিত হতে পারে।"

"প্রতিটি বঙ্গে, অচ্যন্ত স্থাবান এই স্কাতে পত, मनुषा, वर्षि क्षर मिक्टाएस्ट मध्य चक्टीर्य एन। क्षेर् ক্ষম অবভাৱে উন্ন কার্যবেলীর মধ্যমে তিনি ব্রভাওকে इका कार्यन क्षेत्र का विश्ववी मिलासक राजा कार्यन। প্রতিটি ফরন্তরে, ভগবান শ্রীহরির প্রকাশরূপে হয় প্রদের বাক্তির প্রকাশ হয়। তারা হচ্ছেন—শাসনকারী মনু প্রধান দেবতালণ, মনুপুরগণ, ইলু, মহর্ষিণণ এবং পরভোগর ভগবানের অশোরভারগণ। ব্রন্ধা থেকে প্রসূতি রাজবংশের ধারা আতীভ, বর্তমান এবং ভবিষাতের মধ্য बिट्स करियाम अमातिक मृह्या। और मकल परत्नव বিশেষত মুখা সদস্যদের চরিত কথাই বংশ চরিতের

অন্তল্যান বিবর : বিশারক্ষাণ্ডে চারপ্রকার প্রদার সংবাটিত হয়। সেওলি কচে দৈমিভিক, প্ৰাকৃতিক, নিত্য একং আভাত্তিক-বাদের সকলেই পথ্যেশ্ব ভগবাদের প্রার্কেক শক্তির দারা প্রভাবিত হয়। বিজ্ঞ পরিত্যাপ এই বিবাহকে প্রকার কারে আবার্যয়িত করেছেন। নিয়ন্তিত লারস্থার্থক অন্ত্যায়েক মধ্যনেই হোক—মানুকের আন্তংকণতঃ জীব জড়কার্মের অনুষ্ঠান করে এবং এটভাবে এক আর্থে এই প্রস্কাণ্ডের সৃষ্টি, বিভি এবং প্রকারের কারণ হয়। কোনও কোনও আগুণুকর এই জীবনে সৃষ্টির নেপথা ব্যক্তিত্ব বলে উল্লেখ করেন আবার ক্তাৰ কেউ মনে করেন কে তিনি হাজেন অন্যক আছা। করেছেন বে, পুরাণতলিকে ভাষেত্র বিচিত্র বৈশিষ্ট্য পরব সভা জাগ্রত, নিশ্র এবং সুবৃত্তি—চেতনার এই रिनिष्ठ करवड घटना, शासायत धेरे क्रांस्ट्रेड न्यतः প্রকাশের মধ্যে, এবং সমস্ত জীবের জার্বাবেলীর মধ্যে। রখা, পর, বিকু, লিব, লির, গরুড়, নামে, গুলবন্ত, অমি, ভগতিত জালো। এই সকলের উদর্যত তার পুধক অধিৰ আছে। এইজনে তার দিব্য ভারে অবস্থিত হরে, কুর্ম এবং ক্রভাওপুরুদ। হে ব্রাক্তপ্র সহাযুদি আসংগেরের তিনিই হচ্ছেন স্বকিছুর পর্য এবং অনুপম আশ্রম। এই বেদ-প্রাণ শাখাকিন্তরে আপনায় নিকট বর্ণনা যদিও জড় বস্তু বিভিন্ন নাম এবং রাগ পরিচাহ করতে। করনাম। বারা দিখা প্রশিবারণৰে এই বর্ণনা প্রবণ করেন পারে, তবুও তার মূল উপাদনে সর্বদাই তার সন্তার গ্রানের পারতার্বিক শক্তি বিবর্ধিত হবে।"

তিবিজনে বর্তমান করেও তেমনি বীক্ত সক্ষার কলে থেকে বন্ধ কৰে মৃত্যু পৰ্যন্ত সৃষ্ট কড় লেহের বিভিন্ন ज्य कुछ, एक अस विवृत्त--ध्ये केटदवर गये शहा বতা সদ্য বৰ্তমান আছেন। নিজে নিজেই হোক বা मन बाह्यत, निहा तका मुद्रान्तित बाद उसने क्याँ कहा থেকে বিবঙ হতে পারেঃ তথ্য মানুর পরসায়াকে উপদৰ্ভি করতে পেরে নিজেকে জন্ত প্রচেষ্টা খেকে নিবর্তিত করেঃ সুদক্ষ শৌরাধিক ভবিগৰ হোহণা অনুসতে আঠানোটি মুখ্য পুরুষ এবং আক্রারোট গৌৰ পুরাধ্যমেশ আন কর করে। আঠেনটি মুখ্য পুরাণ হচ্ছে---ক্ষম, ভবিবা, এজ-বৈবৰ্ত, সাৰ্বগ্ৰহ, ব্যৱস্থ কলছ, মৎসা,

অন্টম অধ্যায়

নরনারায়ণ ঋষির প্রতি মার্কণ্ডেয় ঋষির প্রার্থনা

পূৰ্বক ৰুখা বলে চন্দ্ৰ। বন্ধতগকে আগনিই কেবল ঘৰতার অন্ধ্রনারে ভ্রমণশীল মানুহদের মুক্তির পথ প্রশাস করতে প্রাক্তের। প্রায়াণিক ব্যক্তিপুশ ব্যাসন বে বুক্ত পুরু মার্কতের কবি ছিলেন এক অসাধারণ बीपंकीती चरित क्रमांव विक्तारह नमर्थ क्रमांच वचन অসমবারিকে নিম্নিক্তিত হরেছিল, তথ্য তিনিই ছিলেন ৰক্ষাত্ৰ জীবিভ হান্তি। কিছু শ্ৰেষ্ঠ ভাৰ্মৰ সেই মার্কতের অধি বর্তমান প্রজার জীবন্দশার আমার খাঁর **पविचारत अन्यस्था करतिहरूलन क्रवर क्राप्त भगेत अन्या**त्र

নীলৌনক কালেন--"ছে সুত গোষামী, খাগনি এই দিবনে আহরা ভোনও পূর্ব প্রবার বর্গন করিনি। চিন্নবিটী হোন। হে সাধু হে শ্রেষ্ঠতম বাগী, অনুক্রম এক বাও সর্বজন বিদিন্ত যে সংক্তের কৰি যাক। অসমারভাবে সেই মহা ক্লার সময়ে প্রমণ করছিলেন তথন তিনি সেই ভবৰর জলে বটগর সম্পূটে একারী শাহিত চফংকম এক নবীন শিশুকে খর্ণার করেছিলেন। হে সৃত গোলামী, এই মন্ত ভনি মাৰ্ডতের সম্পর্কে আমি অভ্যায় নিজায়ি এবং কৌড্ছন বোধ কথাই। এচ प्रदृश्यानी, सम्क न्यार्थिय अकसन श्रामानिक েশিরাশিকরলে আপনি সার্বজনীনভাবে শীকত। অভ্যান অনুগ্ৰহপূৰ্বক আহার বিহুৰ দুৱা করাম।"

গ্ৰীস্ত গোৱাটী ফালেন—"হে মহা কৰি শৌনক,

चानमान करे शबरे शरशास्त्र स्मार निमृतिक कतार সহারক হবে, কেনসা তা এই কলিছগের মলিনতা শোধনকারী স্থাগন শ্রীনাব্যরশের কথাতেই পর্ববসিত ছয়। মাৰ্কণ্ডের কবির প্রাক্তণ দীক্ষার অনকলে, তার পিতা ক্তৰ অনৃতিত সমশ্ৰ বিধিবত আচাৰ ভাৱা পৰিব ছওমাৰ পর হিনি বৈদিক মন্ত্রসমূহ অধ্যয়ন করেছিলেন এক कारोपकाराय दिवि निरवध भागन करदिहरूको। स्थिने বৈদিক পাত্ৰ অধারনে এবং তপস্যায় প্রগতি সাধন कार्यक्रिका करः चाकीका उत्पादर्य नामन कार्याधानन। মটা বন্ধন খবল মধ্রে, খতি প্রশাররূপে প্রতিভাও ২য়ে, ভিকর কমতল, দত, উপবীত, ব্যাচারী মেবলা, क्ष्मक्रिम, नगरीरमा सन्भाना क्षा कुनश्च गरपुरु ছতে, তিনি তাঁর পারমার্থিক প্রগতি সাধন করেছিলেন। দিনের পরিষ্ক সন্ধিক্ষণতলিতে তিনি গাঁচটিক্যপে নিয়মিত পরমেশর স্কণধানের জারাধনা করেছিলেন। সেওলি इत्य-वकाधि, प्रयोगय, बीच ७३% क्षायन अवर यंगरह অংখিত গ্রমানা। সকাল সন্ধাব তিনি তিকার জন্য মির্গত হতেম, এবং ভিকা খেকে ভিত্তে অসের পর তিনি উনা সংগঠীত সমস্ত বাল উনা ওঞ্জেবকে উৎসর্গ করতেন। যদি ভার ওকদেব তাঁকে আমেরণ করতেন, কেবল ভখনট তিনি সিবসে একবার মান্র ভোজন প্রহণ কবন্ডেন। অমাধার উপবাস করতেন। এইভাবে স্বাধার ও তপদায়ে নিরও হরে মার্কবেয় কবি অগনিত লক লক বঁছর ধরে হারীকেশ পর্যান্থর ভগবানের আর্থনা ক্ষেত্রিকন এবং এইডাবে তিনি অবেনা মৃত্যুকেও ছব করেছিলেন। ভগবান ক্রন্তা, ভরুমনি, লিব, প্রজাপতি শক্ত, ব্রখ্যার মহান পুত্রগর্গ, দেবার্জ, লিপ্তপুরুষ, প্রেডালা, এবং মানুবদের মধ্যে অনেকেই মার্কণ্ডের অধির এই প্রাভিতে অতি বিশ্বিত হয়েছিলেন। এইজনে ভভিন্নেরী মার্কভের কৰি ভার ভগ্নায় কেই অধ্যান এবং আছ সংযামর মাধ্যমে কঠোর ব্রহ্মার্য পালন করেছিলেন। এইডাবে সমস্ত ক্লেশ খেলে মনকে মক্ত করে, অন্তর্মণী হবে ডিনি অধোক্ষয় প্রমেশ্র ভগবানের গান ক্তেছিলেন। এই খেলিপুরুষ ববন ভার প্রবল যোগাস্ত্যানের ছরো তাঁর ফনকে ছির করেছিলেন, সেই সময় ছাটে মধারতের স্থীর্থ মহাকাল অভিজ্ঞান্ত হুতেছিল।^শ

"তে *আৰুণ, বৰ্তমান সময়* তথা সংখ্য সংখ্যাৰ ইক্সেৰ মাৰ্কবেৰ খবিৰ ভগস্য সম্পৰ্কে অৰ্থত চ্ছেছিকেন এবং উন্ন ক্রমবর্ষমান যোগ শহিততে পরিত প্রার্থানের। এইডাবে তিনি মার্কতের থবির ভলসায়ে জাঘাত সৃষ্টি করের চেটা করেছিলেন। স্বার্কাণ্ডর গঠিব লাৰফাৰ্তিক অনুশীলনকে ধাংস করবার উপেলে ট্রন লোভ এবং মণের মুঠ বিপ্রহ সমন্টিবাহাতে কামদেব প্তার্থ, অঞ্চল্ল, বস্তুর পান্ত এবং মানর পর্বতের চাদনের मृत्रक मरद्रक बायुरक स्थानन करत्रविशान। रह মহান্তিশালী শৌনক, ফারা হিমালর পর্বতের উত্তর পার্নো, কেখানে বিখ্যাত চিত্রা নামক পর্বতশক্ষেত্র পাল দিয়ে প্ৰশাস্ত্ৰা নদী প্ৰবাহিত হয়, সেখানে মাৰ্কডেফ ভবির আগ্রমে উপনীত হয়েছিলন। পুণ্যবৃক্ষের কুঞ্চসমূহ মার্কতের কবির পবিত্র আশ্রমকে সক্ষিত করেছিল এবং কা সংখ্যক পরিত্র জন্যাপর উপটেচাল করে বহু প্রাঞ্চল -সভাগ সেখানে বাস করতেন। উৎস্থা মর্মদের ন্তোর সময়, উপাত অলিকলের ওঞ্জন এবং উত্তেজিত ক্যেকিল্যের কৃষ কৃষ রূবে আশ্রমন্থলী প্রতিধ্যমিত হহৈছিল। বস্তুতলক্ষে বহু উত্থপ্ত পঞ্চিকল সেই আন্তর্ম সমবেত হয়েছিল। ইন্দ্র চেরিত খসন্ত বার নিকটকটা নিৰ্বাৰের শীতল জলকণ্য বছন কৰে লেখানে প্ৰৱেশ करतिक। कानुरम्भव चानिका मधाठ मुधकरायु एउँहै খালমে প্রকেশ করে কামদেবের রতিবাসনা জয়তে করতে খারের করেছিল। অভ্যাপর, মার্কণ্ডের কবিব আতামে বসন্ত করের সমাধ্য হলঃ বস্তুতপকে উদীর্যনে চন্দ্রের খালোকে উত্তাসিত সাছ্য আকাশ বসৰ ভতুর युवयश्रमकार गर्दै भविषक स्टास्नि। जनासूत अवर পৃষ্পমূক্ল সমূহ ব্যুতপ্কেই বৃক্ষণতার জালকে আচ্চাপিত করেছিল। বহু সংখ্যক স্থগীর রমশীদের পণ্ডি ভাষ্টেব তথন তাৰে তীবধনুক ধাৰণ কৰে সেখালে উপস্থিত হয়েছিলেন। সঙ্গীত এবং বাদ্যবাদ্যে রঙ गक्टर्वत वर्ण छैत्रक खन्मवर्ग काउन्तिम। हैन्तरमस्यव ভতাৰৰ মাৰ্কভেছ ৰবিকে হজাপ্ৰিতে আছতি নিকেন করার পর ধ্যানে সমাসীর অবস্থাৎ মর্লন করল। জীর চক্ষম্ম সাম্প্রিতে নিমীলিত হয়েছিল এবং উচ্চক সেখতে মৃতিয়ান অভিযোগের মতোই মজের বঙ্গে মনে হচিলে। সেই কৰিছ সম্ভাবে ব্ৰহ্মীলগ নতা করেছিল, পদাৰ্থগণ নুনর, করতাল এবং বীলার মনোরম করার সংক্রেপে গান প্রেছিল। কথন রক্ষণ্ডশের পুর লোভ (লেম্ভন বুর্ত হিপ্তাই), বসায় কৰু, এবং ইজের জনাচন্ত ভূতালৰ সকলেই প্রার্থতের অধির মনকে উত্তেজিক করার চেটা করেছিল। আন্তানৰ তৰৰ তার প্ৰামুখী শ্বা তাঁল ধৰুৰে সংবৃত্ত হয়ে প্রশ আকর্ষণ করেছিলে। পুঞ্জিকছনী বলে ভবনে ভত্ততলি খেলার শা নিয়ে ক্রীড়া করমা অভিনয় করতে পার্য। তার ওক স্থানভারে কটিনেশকে স্থানানার ও ক্ষাত্ত বলে মনে হয়েছিল। তার কেনে কিবন্ত পূলায়াকা খাবিনাক্ত হয়ে সিয়েছিল। ইতক্তত দৃষ্টি নিকেশ করে ্যে হথম বলের পেছতে খাবিত হয়েছিল, ভবন ভার সৃষ্ট্ ফ্রানের কটি বছন স্থলিত স্থানন্দি এক অকলাং করু ত্তপ্ৰ কানকে হলশ কৰেছিল। কাননেৰ সেই কৰিকে জয় করেছেল যলে যদে করে তথা তার তীর নিজের ব্যক্তেন। কিন্তু ঠিক বেজন একজন নাভিকের সমগ্র প্রচেষ্টাই কর্ম হয়, তেমনি মার্কণের কবিকে এই করার মুনিবর শৌনক, কামদের একা জান অনুনারীগণ করা খবির ক্ষতি করার চেটা করেছিলেন, তথ্য গাঁৱা লাভ করেছিলেন। ঠিক বেজন নিচার একটি বুসপ্ত তাদের অপকর্ম কর করেছিল।"

মার্কণ্ডের ক্ষরিকে জরুনামণ করেছিল, কিন্তু ভা সংস্থেও শক্তিশালী ইক্স কৰন মহান ফাৰ্কতের কবিও বোগ শক্তি

প্রস্পুৰ, উল্লা কুফাজিব, বঙ্গে এবং তিন প্রথবিনিট উপবাঁত ব্যৱধ কর্তেছিক্ষনঃ তাবের পরম পবিত্র হয়ে ভারা সন্মানীর অম্বন্ধ, বংশদত, প্রতীক নির্মিত क्षणात्म कर नका केंद्रा र्जावक्षणी गर्छ जान छएला शरीकमार्थ शहर कराक्तिमा। देखा किलार मुदेश अवर তাদের হলুদ বর্ণের অসলোতি ছিল বিভিন্নশাল তড়িৎ কর্ণের মডোঃ ভগস্যার মূর্ত বিলহজণে আবির্ভূত হয়ে জীয় মুখ্য দেবতাৰের দায়া পূঞ্জিত হজিকো। নর এবং নারারণ এই মুদ্ধন করি ছিলেন সাক্ষাৎ প্রমেশ্বর ভথবানের মূর্ভজন। সার্কতের ঋষি বর্জ তাদের মেক্টেকেন প্ৰথম তিনি ভংকণাৎ উপিত হয়ে পর্য মানার সঙ্গে তিনেবকে মণ্ডবং প্রশাস নিবেদন করেছিলেন। আদর দর্শন করের নিব্য আনক পূর্ণনালে সার্বচ্চার করিব দেহ, মন এবং ইপ্রিয়নসূত্রকৈ কুপ্ত করেছিল, তার লোম শমূহ রোমাভিত এবং চকুবছ অঞ্চ প্রাবিত হুর্ছেল। আন্তব্দ অভিযুক্ত হয়ে ফাৰ্কণ্ডের কবি তাদের প্রতি দৃষ্টি এই সকল প্রচেটাই নিকাল কলে প্রমানিত হতেছিল। কে নিকেন করতেও অক্ষমতা বোধ কর্মান্তনেন। অঞ্চলিব**ত** অবস্থার উলিত হয়ে কিনট চিয়ে মন্তক থকনত করে सर्वरणा वर्षि असमेरे वेशमुका चामुक्त कर्राहरता रव নিজেনই কৰিয় তেকে জীকা পাহামান হওয়া অনুভৃতি তিনি কলনাত চোধে উত্তৰ ইমাৰকেই আজিসন কংছিলেন। আনকে গদ্ধন ছবে ডিনি পুন পুন দাপতে স্বাণিয়ে তোলে পরে নিরত হয়, ভেন্সনি আবাও । বলেছিকেন, 'অন্তম আক্লাণেয় বিনীতভাবে প্রধান করি।' তিনি আনেবকে আন্সন প্রদান করে আনের চয়প খৌত "বে রাক্ষণ, ইজের অনুগারীগণ নির্মক্ষভাবে করেছিলেন। ভারণর অর্থা, চন্দনারি উপ্লেপনভব্য, সুগন্ধি তৈক, ধুপ এবং যাল্য সহতারে তাঁলের পূজা তিনি মিখ্যা অহংকারের প্রভাবে অটেন ক্লিড়াড ফ্লেন। করেছিলেন। সুবে সমাসীন, বর প্রদানে উদাত পর্য মহান্ধানের পক্তে এইরকম সহিকৃত। আশুর্কের কিছু নয়। প্রানীর সেই দুজন করির চালে মার্কণ্ডের করি পুনরার প্রথম নিবেশন করকেন। ভারণের তিনি ভাঁদেরকে সম্পর্কে প্রথম কর্মানের একং কেখানের যে কিভাবে তার সমাক্রেন-ছে কর্মনান্তমান ভাগনের, তী করে আগনের উপস্থিতিতে কামদেব এবং তার পার্থদের নিজেক হতে। বর্ণন করবং। আপনি প্রাণবাস্থকে সর্জাবিত করেন যা গেছে, তখন তিনি অতীৰ আক্ৰৰ্যাৰত হতেছিলেন। জীয়েয়া হল, ইন্দ্ৰিৰ একং ব্যঞ্চান্তিতে স্পলিত করে। ত পস্যা, স্বাধ্যায় এবং সংবদ পাৰনের ভারঃ একও সমস্ত করমেণ কর জীবের পক্ষে সভা এবং এজন আছোপদ্ধিতে পূর্ণরূপে হিরটিত ফর্কণের থবিকে কৃপা - কি রখ্যা এবং শিকের মতো মহার মেক্টাটের ক্ষেত্রেও প্রদর্শন করার বাসনার প্রয়েশ্ব জগবান প্রবং কবির সভাঃ সুভারং আমার পক্ষে ভা অবশ্যই সভা। ভা সম্পূর্ণে নয়-নারাছণ ঋবিকাশে জানির্ভূত ইয়েছিলেন। সংস্কৃত, বাঁরা আপনার জারাধনা করেন, জাপনি ভাঁবের ত্তীমের একজন ছিলেন শুরুবর্ণ, অগরেজন কৃষ্ণবর্ণ, একং অন্তরন বছুতে গরিণত হল। মে প্রমেশর ভগবান, উভয়েই ছিলেন চতুৰ্ভক। তানের চকু ছিল প্রাকৃতির আগনার এই বিপ্রবেড জড় বুংখের নিবৃত্তি একং মৃতুত্বক

-দাৰ অধ্যায়

মার্কণ্ডেয় ঋষি ভগবানের মায়াশক্তি দর্শন করলেন

ঠাসুত্ত গোস্থামী ৰক্ষক্তম—"নৰ স্থা গলমেনত প্ৰকল জীলনায়শ মধানতি দৰি মাৰ্কণ্ডের কৰ্তৃত প্ৰকল প্রকৃতিতে প্রসাম হরেভিকেন। এইবার্শ ক্রাখনে স্রেক্ট ভাৰ্যক্ত সংখ্যাধন কৰেছিলে। ^ল

দ্যুক্তেমার ভাগবান কালেন—"হে প্রির ফর্কণ্ডার, প্রতি নত্তবিকপদেই সমস্ত ক্ষমিন্তির মধ্যে বেউত্তম अवसम्बद्ध थाएँ। जनानि चरुत्रहात संज्ञा क्रम स्वामन स्वि জ্বেজ্ঞা অধিমন্তিক ভতিত্যের, কলমা, রাধান এবং সংক্রমা । কথা বিশ্বত হয়ে বেতেন।" থাত্ৰ তৃত্ৰি তোমার জীকাকে সকল করেব। তেজের वासीक उपार्थ दे प्रकारमा द्वरि चामा स्थारन প্ৰকাশ পুৰি কোনৰ ইকাষত বা প্ৰাৰ্থন কৰে। কেনব লৌভান্ত উপডোল কর*ি*

আপ্ৰৰ জয় হোক। হে চলবান কয়ত, আপনি পাৰেনার শালাগত ভক্তাদের সমস্ত আর্তি চরণ করেন। আলুনি যে আমাকে জাগনার বর্ণন লাভের অধিকার মান করেছেন, এটিই হাছে আমার উলিত সমস্ত বছঃ ভ্রন্তার মতে সেবহাৰ্যৰ উদেৱ মন ৰোগাধানে প্রিণকত ব্যক্ত ক্রার পুর ওর্থ আপনার মুন্দর চরপক্ষক কর্ম করেছ মহামে তাঁলের মহিমানিত পদ লাভ করেছিলেন। স্বাত এখন, হে প্রস্তু, জালনি স্বর্ধ আমার সম্প্রতা উপস্থিত হরেছেল। হে কমললোচন, হে কর্মের ব্যক্তিসের শিরোমনি, বাদিও আছি ওখমার জাননাকে কর্মন করেই পরিত্ত, তা সংখ্যে আমি জাগনার মরাপত্তিকে করি काद कामा करि, का धकाद नाजमकारी सरदास्य গৰু সময় ঋগৰ সভ্যকে কড বৈচিয়ে গতিকুৰ্ব কৰে বনে नगरता हो।

वरेशास्त्र मार्करश्च करित दार्थना वया जुनार दाया सङ পরমেশ্বর ভাগবান পিতবালে উত্তর বিপেন, "ভবে তাই হোক্" এবং ভারুপর তিনি কারিখার**মের উদ্দেশে** খরা

ক্রলেন। ভগনানের সামার্শক্তিকে কর্মন করবার বাসনার ক্ষা সর্বস চিক্ত করে, অধিয়াম অভিতে, সূর্বে, চরে, करन, करन, यहरह, श्रीप्तर अवहर अवह श्रीप करहा ভগবানকে ধানে কৰে এখা ভাৰ হল্য সহাতে তাব অবৈধনা করে কবিৰণ ভারে আশ্রমে অস করতে লাগদেন। কিন্তু ভাগদে কথাৰে স্তথ্যত-গ্ৰেম্ভ জন্ম মানিত হয়ে, মাৰ্কতের কবি ঠার নিজ পুজা অনুষ্ঠানেত

"হে কৃতহেক প্রকাশ পৌনক, এতহিনা মার্চত্ত্রর করন পুশ্বভার করি কিবরে তার সভা পুজার অনুষ্ঠান কর্মিকেন, একা সময় এক খীরণ বারু মতামাধ উপিত অনি ডোমার ইঞ্চা পূর্ণ করতে দক্ষম। তুনি করেও ব্যোক্তম। সেই বন্ধু প্রশাহ প্রচণ্ড করু সৃষ্টি করেছিল। এর অব্যবহিত করেই তাতির একে বঞ্চলতের দর্ভন প্ৰীমাৰ্কটের কৰি বললেন—"য়ে মেৰ-কেবেশ, সমন্তিত ভবতর মেৰ আনহন করেছিল এবং সেই মেছপুঞ্জ সমস্ত সিতে মালগাড়ির চাকার যতে ক্রমা খার वानि वर्षण कर्डाञ्च । काराना वर्ष निक स्थाप हारिएँ। ঘটনা সমূহ ভালের বারু তার্যিত ভারত্মের বারা ভুপুট প্রাণ করতে ভরতে আহিছিত হল। এই সকল সমূদ্রে উপ্র সমৃতিক কৈচারা ছিল, ভাষের বৃশি ভার জাতত পর্ভাবের रिट्रांच क्या विद्वादित। क्रीमार्करकथ स्वीद स्टब्स्ट्राम स्व ঠাৰ সংখ্য সম্প্ৰ লগংকালী তীয় বাৰু চকত, ভতিংপুৰ্ণ বঞ্চপার এবং আরমেন্তের অভিন্তার করে যে মহাতর্জ র্তিকত হরেছিল, জালের বারা অন্তরে বাহিরে প্রচণ্ড ব্যোগার পাঁড়িত হার্লেকে। বঞ্চ সমস্ত প্রিবী প্রার্থিত হল, विमि स्वयं दिए। अदर न्यास रहत गाउरता। अस्म कि হাৰ্কণ্ডেৰ হৰন এইসৰ দৰ্শন ক্ৰাহিন্দেন, সেই সমৰ হেখের বর্ষণ সেই মহাসমূহকে অধিক খেকে অধিকতর পূর্ব করেছিল, এর জন স্থাবিক্টের আরা ভরকর তরকে জীস্ত গোৰামী সময়েন-"হে শৌনক মুনি, তীত্ৰ কৰাবাত কংলি এবং পৃথিবীয় সমস্ত হীপপুঞ্জ. পর্বন্ত একা অনুদেশ সমূহকে আন্তেপিয় কর্বেছিল। এই ভল পুনিবী, চায়ুরীক, স্থার্গ এবং উপ্পান্তকারে পরিয়াবিত করেছিল। বস্তুতপক্ষে সমগ্র ব্রুজাও সর্বাধিক থেকে

জন্ন করার মাধামে ত্রিলোবের পর্য কল্যাপ সাকা কবার নিমিন্ত আবিঔড হবেছেন। হে ভগকন ব্যাণক আগনি। এই রক্ষাত সৃষ্টি করেন এবং একে কলা করার জনা বিবিধ দিয়ারাল পরিশ্রম করেন, তবও ঠিক বেমন একটি মাকডসা জাল বৃদয়ে পর সেটি আখালং করে থাকে. আপনিও সেইভয়ৰে এই স্কণাভৱে আস্থাসাৰ করে থাকেন। বেছেত আপনিই সমস্ত স্থাবর এবং ক্ষমম ক্রীবনের পরখ রক্ষক ও নিয়ন্তা, তাই লে কেউ আপনার চরণকমলে অপ্রিত হলে কংনই কড় কর্ম, জড় ৩গ ও আনের কপুৰে কপুৰিত হয় না। কোনার হজান্তম করেছে। যে সব মহার পবিগণ, তাঁবা আপনাকে তাঁদের প্রার্থনা निरुपन कर्डन। चानन्स्य मन नारकर कना द्यारा मुरुपता লেকেই আপনার উজেল্যে প্রশাধ নিবেশন করেন, অধিরাম আশনর আরাধন্য এক খ্যান করেন।"

206

"কে ভগৰান, এফাকি প্ৰকা খিনি প্ৰকাণ্ডের সমগ্ৰ আরম্বান বরে তার মহিমান্নিত পদ ডোগ করেন, তিনিও কলে প্রবাহকে জন্ন করেন। 'তাছলে প্রকার সৃষ্ট বন্ধ ভীবনের আৰু কী ভবা। তারা তো জীবনের প্রতিটি পদক্ষেপেই নিগমের সম্পৌন হল। আমি অপথপর হর্ত বিশ্রকলমের আপনার চরুর কালের আনার ছাড়া এই ভর হেকে ঘুড়ির অন কোনৰ উপায় দেবি না। বডেএব, ক্তু দেহাইবেং এবং প্রকৃত আছাতে আছাদনকারী সমার উপার্টি পরিত্যাপ করে আমি জ্বাপনর চরণক্মক্রের আরাধ্যে করি। এই সকল আধীন, আসং এক ক্ষান্ত্রটো আক্লাহনতলিকে সর্বস্তা ধারণকারী মনীবা সমবিত আপনার খেতে বিভিন্ন করেই গল্য করা হয়। পরমেশ্বর স্থপানা তথ্য জীবাস্থার প্রস্তু আপনাকে লাভ করার খারা মানুষ সমস্ত কমোবন্ধই লাভ করতে পারে।"

"হে প্রস্ত, ছে বছ জীবের পরম সূক্ষণ, যদিও এই ভগতের সৃষ্টি, ভিতি এবং তপক্ষে ক্ষনা আপনি আপনার মায়ামরী সন্থ, রক্ত এবং তার গুণকে বীশার করেন, তবঙ আপনি বিশেষত সম্বরণকেই বন্ধ স্তীবের মুক্তি প্রদানের

মানা নিবক করেন। 'জন্য প্রটো কর্ণ ভালের হৃচ্ছে, ডেড এবং ভরাই কেবল নিয়ে আলে। যে ভগবান, বেছেও ওছ সম্বত্যাক মাধ্যমে অভার, চিদানন্দ, ভালেছায় সৰ্ভ লাভ করা যাত্র তাই আপনার ভাকারণ এই ওপতেই আপনার বাক্ষাৎ প্রকাশ পর্যেক্ষর ভগবান করে বিক্রেডন কলো। কিন্তু কথনী বৃদ্ধ এবং তথোগুৰুতে সেডতঃ বলে পৰা করেন না। বৃত্তিকান ব্যক্তিখণ তাই জাননার ৩ছ ভাকুলের টিশ্বর রহণন পাশাপাশি আপনার ৩৬ সম্বর্জনাত্রিত প্রেম্মন দিবা ক্রাপেটে আর্থনা কারন। আমি প্রয়েশ্বর ভগরনেকে আমার বিনীত প্রশাস নিব্রেন কৰি। তিনিই ছজেন সৰ্বব্যাপক এবং স্বাধ্যক বিশ্বন্ত এবং ব্ৰহ্মণ্ডের ওকা অধিকাশে অবতীৰ্ণ লবত আবাধানে ভগকা শ্ৰীনবারণ কৰিছে আমি প্ৰদান কৰি এক বৈদিক শান্তের সচারক, পূর্বরাগে সংবতবাক, শুরু সম্বৰ্জণ আন্থিত, নরোজম সন্তপ্তম শ্রীনর অভিনেত্র ष्यात्रि व्यापता द्वरात नित्तवन कृति। वद्यातकाती देखिर्पत्र কৰ্ম হাত্ৰা বিক্তবৃদ্ধি অভ্যন্তী হনুৰ স্মাণনাকে সনাক্ত করতে পাত্তে না, যদিও আপনি কর্মনাই তার স্বীত ইন্সিয়ে, হদরে এক ডার কভিক্ততাহাত্য বন্ধ সমূহের মধ্যেও উপস্থিত আছেন। তবে বলিও আখনার সায়ংশতি মানুহের উপস্থাভিতে আছের করে, তবুও পর্য বিশ্বতঞ্চ আপনার কাছ থেকে বৈনিক ক্লান লাভ করার কলে. সেও আপনাতে সাকাৎ উপলব্ধি করতে পারে*। তে* ভগরুত কেবল বৈদিক শাস্তই আপনার বার্তিসরোপনা নিশ্য তৰ প্ৰকাশ কথে এবং এইরংগ ব্রহ্মার মতো মধ্যন তত্ত্বিদ পুরুষগণৰ অভিজ্ঞতামূলক পছার আপনাকে উপলব্ধি করার প্রচেষ্টার বিহান্ত হয়। প্রচোক সাশ্রনিক তালের নিজ নিজ বিশিষ্ট কথনা ভিত্তিক সিয়াত অনুসারে আপনাকে উপলব্ধি করে। আমি সেই পরম পুরুষ ভগবানের আর্থনা করি তর ভান বছকীব্যবার চিত্রা প্রকারে আছোলনকারী গৈহিক উপাধির বারা আবত হয়ে আছে।"



প্রান্তিও চরেছিল একং সমস্ত ব্যসিদ্দাদের মধ্যে কেবলমার প্রীয়ার্কাশের অবিট অবশিষ্ট ছিলেন। তার ফটাব্রট रिक्शि श्राहित, क्षर मिरे मश्मित भिरे करना मध्य ছাত এবং অন্ধৰণ একাকী পরিপ্রহণ করেছিলেন। স্কুথার এবং ডফার পীডিড হরে, ক্যাকার মকর এবং ডিমিলিশ মান্তের ছারা আছেল্ড হরে এবং ভরত ও বায়ুপ্রবাহের বারা পুনঃ পুনঃ আহত হয়ে অসীয় অন্ধনায়ে গতিত পেই খবি লকাহীনভাবে পরিভাগ করেছিলেন। যতই তিনি পরিক্রমে নিংশেষিত হঞ্জিলেন, ভতই তিনি নিকনার হয়ে পড়ছিলেন এবং পৃথিবী থেকে আকালকে পৃথক কাতে পারছিলের বা। কখনো কখনো তিনি প্রচণ্ড বর্তির ক্ৰাণীড়ত হয়েছিলেন, ক্ৰানো ৰা শক্তিশালী ভৱকে আগত হয়েছিলেন কাৰ্যন কথনো কলকার জলক প্রাণীরা পরাশ্বরের অন্তেম্পর করার সময় টোকে ভাগন করবর তম দেখিয়েছিল। কথাৰে কথাৰে ডিমি অনুভাগ, বিশ্ৰহ, বঃখ, সুখ বা ভার অনুভার করেছিলেন। অরকার কথলো ষা এমন ভব্তত কাধিকলো অনুভৰ করেছিলেন বে জার মনে হরেছিল থে তিনি মৃত্যুবরণ করছেন।"

"প্রীমার্কতের ভবি খবন সেই জন্ম প্রাবনে প্রমণ কর্মন্থেপন, তথন অবত অবত কলের অভিরণত হয়েছিল এবং তার মন পরমেশর স্তথবাদ ঐবিধুনা মোহমরী মায়াশক্তির বারঃ বিভান্ত হয়ে। পড়েছিল। একবার, সেই ছলে হয়ৰ করতে সময় প্রাথার মার্কণের একটি ছীগ আবিদ্বার করেছিলেন বার উপত্র কল পাচৰ সময়িত এক নবীন বটবৃক্ত দশুরমান ছিল। সেই বুক্তের উভরপুর্বাংশের একটি বাধার ডিনি একটি লিওকে গাতার অভাতরে শারিত অবছার দেবলেন। সেই শিশুর অসন্যোগি আছকারকে প্রাস করেছিল। সেই শিবের কনগাম বর্ণটি ছিল এক নিবাদ বংকত যদির মতো। তার স্থপত সৌন্দর্য সম্পদে উত্তাহিত হরেছিল এবং তার কঠে ছিল मध्यद्रवात्र अच्छा विज्ञादाचा । छैत्र वक्ष क्रिन विक्रष्ठ. मानिका नृभिर्मित, काकाम नृष्यः। धाँत प्रदातम कर्गकृत्य দাড়িত্ব ফলসদৃশ, যার অভান্তরে ছিল শব্দিল রেখা। তার আঁথির প্রান্তভাগ পদ্ম গর্ভের মডো রক্তিম, তার প্রবাল সদুৰ অব্যোষ্টের দ্যুতি তার শ্রীরখের মনোরম অমৃতময় শ্বিত হাসাকে ইবং রক্তিমার করে তলেছিল। খাস প্রহণ করার সময় তাঁ: উজ্জ্ঞা কেশরাশি কশ্পিত হয়েছিল

এবং উন্ন কমনীগরে সকুপ উলয়ে ছাকের চক্ষপ ভারতসমূত ষ্টার গভীর নাভিদেশকে সংবিদ্ধ কর্মোছল। সেই নিক बचन केंद्र कमरीज अञ्चलनम्ट्रिक बाला केंद्र अविध চরণকমল ধারণ করে, শেই চরণের বৃদ্ধান্ত তার মধ্যে অভাগ্রের দ্বাধন করে চুবতে আরম্ভ করেছিল, সেই বছান প্ৰাৰণ ভাৰা বিভিন্ন চাক সেই মৃশ্য মৰ্শন করেছিলেন। ভবি হাৰ্কণ্ডের কৰন সেই বালকটিকে কৰ্মন করচেন প্রকা ঠার সমস্ত পরিত্রম প্রপুমিত হয়েছিল। বল্লভগতে তাৰ অনুসৰ এতই তীয় ছিল যে তাঁর ফলাংগতের সভে নয়নেত্রও পর্বমানে প্রাকৃতিত হবেছিল এবং তাঁর কেন্ত্রের জেমরাজি রোমাজিও হয়েছিল। সেই চমংকার শিশুর ভবাপ সম্পর্কে বিপ্রান্ত হয়ে, সেই ছবি তার সমীলে সমাধ্য হলেন। টিক সেই সময় লিগুটি প্রথম প্রহণ करतिक अरा अक्षि क्रमारक भारत करि कार्बरश्चारक ঠার দেহের থাভারতে আকর্ষণ করেছিল। সেখানে ভিনি দেশদেন বে প্রদারের পূর্বে বিশ্বক্রমাণ্ডের অবস্থা ঠিক বেরকম ছিল, লেখানেও সমগ্র শ্রহ্মাণ্ড টিক সেইগুরেট सिमाच विज्ञ । जा मार्थ पवि अर्थरक्ष पाठीव विज्ञात এবং বিশ্বিত হয়েছিলেন ("

"লাৰ্কণ্ডৰ কৰি কোন্তে সমগ্ৰ ক্লৰাণ্ডকে কোন্ড (गराम--- व्यायम, पूर्व अवर श्रविदी, सक्का, नर्वछ, सम्रह, মহান দ্বীপাসমূহ এবং মহাদেশসমূহ প্রতিটি নিযুক্ত, সূত্র क्षा चन्नु कारी, अन्, मरी, माह क्षा पनिन्नुह, ক্ষিক্ষেত্ৰয়ৰ প্ৰাথসভূহ গাড়ী কিমণুক্ষে এক সমাজের ফারম কর্ম্যা--স্কর্টে সেখানে উপস্থিত। তিনি সেখনে সমগ্ৰ উৎপন্ন বছসৰ এনের মূল উপাদান সমূহকেও (१९४८) (१९७२ वर्ष प्रतः कान, य त्रकात निवन मध्दर খগৰিত কসেন্তে গতিকে নিয়ন্ত্ৰণ করে, ভাকের সেখতে গেলেন। এই সকলই তিনি তার সন্মধ্যে প্রকৃত সভ্য বন্ধর মতেই বান্ড দেখন্ডে পেরেন। তিনি তার সম্পূর্ণ হিমালর পর্বতমালা, পুষ্পভন্তা নদী, একং তার নিজের থাশ্রম, বেখানে তিনি নর-নারারণ থবির ধর্মন লাও করেছিলেন, সরই দেখতে পেনের। ভারপর মার্কতের বৰৰ এভাবে সম্ভা ব্ৰহ্মাণ্ড দৰ্শন করছিলেন, লিণ্ডটি ভাল নিখোস ভাগে করলেন এবং ভবিকে ভার দেহ থেকে বহিছার করে প্রবাহ জাকে প্রলভ সময়ে নিকেপ করকেন। সেই মহাসমতে তিনি পনজর সেই কৃষ্ণ দীর্শে ক্টবৃদ্ধটিকে বিকলিও হাতে দেখলেন এবং সেই লিগুটিকে লুভার মধ্যে শার্কিত অবস্থার দেবকেন। শিক্তী তাঁর প্রেমানত সিক্তিত শিক্ত হাস্তে চেতের প্রান্তভাগে কবির প্ৰতি বৃষ্টি নিক্ষেপ করলেন এবং কৰি মাৰ্কবের তার প্ৰতিশ্বে শিশুটিকে স্থতে ধারণ করলেন। অভ্যন্ত সকলই অদৃশ্য হয়ে গেল, এবং মৃতুৰ্ভকালের মধ্যে কৰি টুরেন্ডিত হরে কবিবর সেই নিবা পর্নেশ্বর ভাগবানকে সার্বতের নিজেকে পূর্ববং তার স্বীর আশ্রনে উপস্থিত আলিকান করতে ধানিত হরেছিলেন। সেই নুহুর্তে, পরন দেখতে লেকোন।" নোগেশন, প্রতিটি জীবের জনত ওহার ওপ্ত পর্যেশনা

ভনকা সেই থবির কচের অকল্ডাং অদৃশ্য হরে গেকেন, ঠিক বেমন অংকনা ব্যক্তির প্রাপ্ত সম্পাদ অকস্মাৎ অদৃশ্য হরে মার। হে ব্রাহ্মণ, ভগবান কর্মেইত ইওয়ার পর, সেই কটবৃন্ধ, মহান জলরাশি এবং রন্ধাতের প্রকার



দশম অধ্যায়

ভগবান শিব এবং উমা কর্তৃক মার্কণ্ডেয় ঋষির প্রশংসা

প্রীস্ত সোমামী বলগেন—"পর্যেশর ভগবনে ইনারারণ ভার এই বৈভবগালী মোহমারী মারাপঞ্জি প্রদর্শন করেছিলেন। শ্রীমার্কণ্ডের করি এই অভিক্রাপ্ত লাভ করার পর ভাগবানের শরণাপর হারছিলের 🗂

बैयर्कर उद्य कारहान--"(ह एकका दीवरि, शनकान्य ব্যুত্ত প্রদানকারী জাপন্যর জীচরপ্রথমন ভালে আরি শরণাপত হট। মহান থেকরাগণত তাঁগের কাছে আন কৰে ততিভাত আপনক মোহমনী মানপঞ্জির ধারা विकास इस 🖰

জীসত খোলাইী কালেন—"খল পরিবেটিত ভালনে শিৰ পাৰ্বতীসহ কৰে উপবিষ্ট হয়ে আকাশ মাৰ্গে পৰ্যান ক্ষাতে করতে শ্রীয়ার্কণের কবিকে ধ্যানময় কবিয়ার শেশতে পেলেন। দেবী উত্তা সেই ছবিকে দৰ্শন কৰে নিবকে সম্বোধন করে কালেন--'হে প্রভু, সমাধিতে নিগতক দেহ, ফল ও ইপ্রিধবিশিষ্ট এই বিজ্ঞ ভাকণকে ाषु पर्णन कक्रम । यार्क्षश्रीक निरुष्ठ श्रीण गाउँ मामुराज्य वन क्षा वरमामगृह स्वयन स्वय हरत गरह, फिलिस ारेक्कधरे धनात अनुसन ब्राह्मका मुख्या (र अपू.

আগমি হেত্তে ওপতীকের মিছি দান করেব, অনুপ্রহ করে এই ববিকেও সিদ্ধি দান কলে, বা স্পট্টভই ওার

ভগবান শিন উত্তর দিলেন—"নিশ্চয়ই এই ত্রপার্বি জেনও বন আকান্তক্ষ করেন বা, এখন কি যুক্তি পর্যন্ত, কেননা ডিনি অবার পরম পুরুষ প্রীভগবানের প্রতি ওছ ভতিমূলক শেব লাভ করেছে। ভা সংবঙ, হে ভবানী, চল, এই সংধুর সঙ্গে সংলাপ করি। সংর্যাপরি, সাধু সালই श्राम् मानुरवद्ग नार्याक शासिः"

শ্রীসূত সোরামী কালেন—"এইরক্স কথা বলে, ওছ ৰীবের আন্তর, সমস্ত পরমার্য তথা বিজ্ঞানের অধীপর এবং সমস্ত শেহকত জীবের নিক্তা ভগরাম শহর সেই শ্ববিদ্ন সম্পাদ কৰে। বেহেড় শ্রীফর্কণ্ডের অধিন আৰু মনের বৃত্তি কর্ম হরে পড়েছিল, ভাই সেই ভবি স্বানাতেই পারেননি বে বিশ্বনিয়ন্তা স্বপ্রধান শিব এক: তার দত্তী স্বাহ তাকে দেখতে এসেছেন। প্রীয়ার্কণেত ক্ষরি এতই খ্যানসায় ছিলেন কে তিনি ক্ষেত্র আনুবিস্মৃত হয়েছিলেন, তেমনি বহিবিশকেও বিশ্বত হয়েছিলেন। ৰ্মাইর অবস্থা পুৰ ভালভাৱে খ্যুনগায়ম মতে জগবান লিব শ্রীয়ার্কভোরে ক্লায়ের আকাশে প্রথম করের উপেশ্রে ষ্ঠার যোগফা প্রবোগ করনের, ঠিক যেমন ছিপ্ত পথে ৰায়ু প্ৰবাহিত হয়। শ্ৰীমাৰ্কতের ভগবান নিবকে অকলাং সমানু, কড় সক থেকে মুক্ত, সভা প্ৰশাস্ত এবং সভাস্থভান ষ্ঠার হলতে আবির্ভত হতে দেখলে। শিবের শিকন ফটা ভড়িতালোক সদুল, উন্ন ভিনটি লোচন, দুপটি বাই, উদীয়মান সূর্বেঃ মডো উজ্জন সুসীর্থ দেছ। তিনি ব্যায়চর্ম পরিধান করেছিলেন এবং জনমালা, ভারক, करवाड़ि अवर कुठाव जब अवड़ि जिल्ल, कीवधनुक, প্রলোরার এবং বর্ম ধালে করেছিলেন। বিশ্বিত ছবে সেই অবি তথ্য সম্মানি কেন্দে নিৰ্গত হলেন এক ভাবলেন, 'কে তিমি এবং কোখা খেকেই ৰা একেছেন ৮' খবি উন্ন চক্ উন্মীলিড করে, উমা এবং কা সহ ত্রিলোকের ওক क्षराज वैद्वियक पर्यंत्र करावन। प्रार्वरका एका नए হরেকে জ্রীকে জীর সভার প্রণতি নিবেদন করেছিলেন। বীমার্কভের অগতক্তকে, অসন, পাদা, অর্থা, গছ, মাল্য এবং প্রদীপ নিরেমন করে খলসছ লিব এবং উমার পদ্ধা करविष्टलन ("

284

ইমার্কতের কালেন—"হে বিভেচ্ আপনার শীধ আন্দে প্ৰকলে আছকাম আনসত কৰা আমি কী-ই ক করতে পারিং করতগকে আপনরে কুপার আপনি সমগ্র জগতকে তথ্য করেন। হে পরম করুণামর দিব। পুরুষ, অমি পুরু পুরু আপুরুতে প্রশ্নম করি, সরওপের প্রভরতে আগনি আন্তর্ম কর করেন, মুফ্রোওপের সংস্পর্যে ডমোবদেরও সঙ্গভারী।"

ব্রীসেড গোখানী কালেন-"কেরমিকে এবং সাধ্যমের আত্রর মধ্যবাদ শ্রীপির শ্রীমার্কতেরের প্রার্থনরে পরিভাষ্ট হয়েছিলেন। প্রসাম হয়ে, স্মিতহাস্যে তিনি শ্বিকে। সংখ্যাধন কয়লেন।"

শুরকা শ্রীনির কালেন—"অনুগ্রহ করে আন্তর কাছে তিম ক্ষম সমস্ত করবলেকারীবের মধ্যে প্রেষ্ঠতম। चामारमञ्ज कर्मन कन्मन्त सार्थ एवः ना. रक्षनमा छश्मातः श्राभारमय नर्गन करतहे अवभौत वाकि चारतह माछ করতে পারেম। সমস্ত লোকের বাসিকাগণ এবং লোকপালগণ ১ জা, পর্যাক্তর স্কর্মান শ্রীহরি এবং ছামি

সহ সকলেই সেই সমত প্রাক্ষণদের কথনা করি ভারত করি এবং সহবোগিতা করি, বারা সমধ্বী, নির্মাৎসর আমানের প্রতি গুরু ভবিশনায়ণ, সময় শ্রীবের প্রতি বিশিষ্টা এই সকল ভারণা ভাগবান শ্রীবিষ্ণা, প্রাথা এক অমার মধ্যে কোনও পার্থকা করেন না এবং নিজেদের সঙ্গেও আন্তান ক্ষীরদের পার্থকা করেন মা। স্তর্জা, ভত্তি যেহেতু সেরতহ সাবু ভক্ত, আম্রা তোমার পুরা করি। তথু জন্মপর মাউই জীর্থ বয়, কিংকা দেবতাগের প্রাণান্য মুর্তিতলিও প্রকৃত আরাধ্য বিহার নত। কেনর বাহা মন্ত্রি পবিত্র নদী এবং দেবতাদের উচ্চতর সার হাণচহতে কর্ম্ব হর। স্থাই কলে সেধা করার পরই ৩০লি মানুবকে পৰিত্র করে। বিদ্ধ ভোমার মতো ভারতার তথ্ কর্ম মাট্রেই তহক্ষণাৎ পবিশ্র করে খ্যাকন। পরমান্তর ধ্যানের भाषात्म, क्रम भारतेल कता, साधाता नियक रहा अक गरदम भागात्मर माधारन द्वाचनभन निरक्षास्त्र भरमा उच्चा বিষ্ণ এবং আমাৰ থেকে অভিন্ন তিন বেগকে ধ্যাৰ করেন। তাই আমি ক্রান্তগরের প্রশাস কবি। এমন বি মহাপাতকী একা অন্তাভ ককিয়াও ওধমার আননামের সম্পর্কে প্রবণ করে কিংবা আপনাদের মতো ব্যক্তিদের দর্শন করে পবিত্র হারে যায়। তাহকো করনা করন, আপনার মঙ্গে সাক্ষাৎ সভাষণে উরো কীবকম পরিত্র ুহবে ।"

ব্রীসূত গোষামী কালেন—"ধর্মভন্ন নির্বাহন পরিপূর্ণ আপনি সহচেয়ে ভারতে বলে প্রতিভাত হন এবং আপনি । অস্তমর কথা শিকের করু থেকে প্রকণ করে ঘার্কটের কৰি পূৰ্ণজনে কলু হতে পাৰেননি। প্ৰীয়াৰ্কণ্ডেছ কৰি विक्रमास्त्र धन्य मैधिकान शनक्तितिए जन्म करा एक হরে, অভার ক্লার হরে পভেছিলেন। কিন্ত কণবান শিবের কথায়ত তীর সন্ধিত ক্রেশকে নির্মুদ্র করেছিল। তিনি নিবকে সংখ্যক করে কালেন—দেহক জীবের পক্ষে কিৰ্দেশ্বস্তাদের ক্রীকা অনুধানন করা বাস্তবিকই ঘতীৰ কঠিন, কেননা, সেই নিহন্তাথৰ ভাঁমের স্থানী निविद्यक्त सीवासर्थे अनाम कार अन्तरमा कार भारत्य। সাধারণত ক্ষান্তে কথার্থ করেছারে উৎসাহ সল একং धनरमा करात (कटा आधानिक वर्ध-अवस्तान (व स्वार्श আচরণ প্রদর্শন করেন, ভারে উদ্দেশ্য ছাক্স থেছবন্ধ জীবতে ধর্মনীতি প্রহণে অনুপ্রাণিত করা। এই খাণাও

এলতা তথ্ ভাঁতের কুপাওট প্রদর্শনী মার। স্থাঁর প্রারাপত্তির হারা সম্পাদিত ভগরন ও উঠে ভররেছ शार्वनरमत और रव बाहतम, छा कदनी छेल महिन्दक नहें করতে পাতে বা, টিক ধেমন কৌশল প্রদর্শকের সাধ্যমে যাপুক্তের ক্ষমতা নউ হতে হার নাঃ কর্মে সেই পর্মেশন ওপবানকে অমার প্রধান নিক্ষের করি, বিনি ওধুমাত্র তার ইক্ষার আধ্যমে এই সমগ্র বিশ্বকে সৃষ্টি করেছেন এবা ভারণর প্রমান্ত্রণ তার অভারতে প্রবেশ করেছেন। জড়া প্রকৃতির চলকে করেছে করেছ মাধ্যমে তিনি এই স্কগতের প্রত্যক্ষ বন্ধী বলে প্রতিস্কাত হন, ঠিক যেনন একজন সময়টাকে ভাব সংগ্ৰে মধ্যে স্মিদা বলে মনে হয়। তিনিই হয়েন জড়া প্রকৃতির তিনটি ওপের অধীশন্ত একং পরর নিজে, তা সংস্থে তিনি একক একে গবিত্র, কেবলাহিতীয়া তিনিই হুমেন সমস্ত জীবের পরম ওজ, গরম সভ্যের আদি মূর্ত रिश्चन्न (

"হে সৰ্ববাপক প্ৰস্তু, আৰি ব্যেৱস্তু আন্দান্তে কৰ্ম করার বর লাভ করেছি, ক্ষন্য হার কী হয় থানি চাইণ্ডে পারি । ওধুমার আপনকে বর্ণন করেই জনুর পূর্বকায় হতে পাৰে এবং ভার ইঞ্জিত বে কোন বিবয় লাভ করতে পারে। তা সত্তেও সমস্ত মাজ্যুত বিশ্বর ধর্যগে সক্ষম এবং সর্বতোভাবে পূর্ব জাপনার কাছ খেকে একটি व्य थापि धार्पना कति। शहरशात स्थवत वनः छेत তংগর ভভষেত্র প্রতি, বিশেষত জগতার প্রতি আমি অবিচলিও ভক্তি লাভের বর প্রার্থন করি।"

(শিব) তার পদ্ধী শর্মার স্থানা উৎসাহিত হতে তাঁকে (খবিকে) উত্তর দিলেন, হে মহর্বি, হুরি কেহতু ভাগবাদ হাতে হথে না "

অধ্যেক্তমে ভড়ি প্রাংশ, ভাই ভোমার সমন্ত ধাসনাই পূর্ব হবেঃ করাজ পর্যন্ত তুনি পুনাকণ একা আলম্ভ ও অবস্থা ভেল কথকে। হে প্রাক্তন, বৈধানর সম্পর্যে সমূত পরমেশ্বর ভাগবানের দিবা উপক্রমি সম্ ভোমার অতীত, বর্তমান এবং ভবিবাৎ কলে সম্পর্কে পূর্ণ আন লাভ যোক। আদর্শ প্রাক্ষণের প্রতি কোনার মধ্যে কাচেছ এবং এইরাপে তোসার পুরাশাচার্কেঃ পদ লাভ হোক।"

নীশৃত গোলামী কালেন—"এইভাবে মার্কণেড র্থান্ত কা হল করতেও। ভারণার দেবী পর্ণতীকে चरित कर्ममञ्ह ७ छनवात्मा बाज्ञानिक व मानार অনশনী তিনি অনুকর করেছেন, সে সম্পর্কে কর্মন করতে করতে ভগবান শিক তার গগে প্রস্থান করেছিলেন। ভত বংশের উত্তম বংশবর প্রীমার্কণ্ডের খনি উলে তোর সাধনার পূর্ব সিদ্ধি লাভের জন্য মহিমামত্রিক হরেছেন। এখন কি আঞ্চও পরমেশ্বর জগবানের প্রতি পূর্বকরে বিভন্ন ভাতিতে নিময় হয়ে ডিনি এই জগতে নিচৰণ উর্বেন। এই সংগে করি জাপনালের কাছে বীমান খ্রীমার্কতের খব্দির ধর্মসমূহ এবং বিশেষত কিভাবে তিনি প্রথেশর ভাগোনের অন্তত সামাশক্তির অভিনাতা লাভ করেছিলেন, তা বর্ণনা করলাম। যদিও এই বান্নাটি ছিল सम्बद्ध करा सहस्वभून, किहू संस्थ वास्ति कारण वह জীবের জন্য ভগরান কর্তৃক সৃষ্টি জ্ঞান্তমন কন্দ্র সংসার চক্র—স্ব স্বরণাতীত কল খেকে অন্তর্হানভাবে আবর্ত্তিত হলে, তার সামে ভুকনা করেন। হে ভোটাতম ভার্মাব, ইয়োঠাওয় যবি সম্পর্কিত এই বর্ণনা প্রয়েশ্বর শ্বীস্ত গোলামী কালেন—"ভাৰ্কতের গৰিব সুখব। ভগবানের দিব্য দক্ষিকে বাক্ত কয়ে। যে কেউ কৰোর স্বান্না ক্রীভিড এবং পৃথিত হয়ে জনবান শর্ম কথাবথভাবে এই কার্ক্টো প্রকা হা কীর্ত্তন করকেন, জাকে কৰনেই সকাৰ কৰ্ম ভিডিক জড় সংসাৰ চক্ৰে আৰ্মভিড

একাদশ অধায়ি

বিরাট পুরুষের সংক্ষিপ্ত বর্ণনা

শ্ৰীশৌনক বললেন—"হে সত, আপনি হাছেন সর্বোলম ভতবিদ করে পরামেরে ভগবারের মহার ওও। তাই আমতা এখন আপনার কাছে সমত তার শানোর নিশীত সিদ্ধান্ত সম্পর্কে প্রদা করছি। জাগনার স্বদ্ধাণ হোক। লক্ষ্মীপত্তি পরমেখনের আরাধনার মধানে বে क्रिकारवारभव चन्नीजन कहा एवं, अनुशह नुर्यक অন্তাৎসাহী শিক্ষার্থী আমাদের কাছে সেই পদ্ম বাাদ্য ককল। বিশেষ বিশেষ **অন্ত** প্রতিভঙ্গ পরিপ্রেক্তিতে ভগবানের ভাক্তরা বেভাবে ভার অল, পার্বদ, অল্ল এবং অসভাৰ সম্পৰ্কে বাংলা কৰেব, তাও অনুতৰ কৰে ব্যাখ্যা করন। মকতার সঙ্গে পর্যমেশরের আরাধন করে, মরশ্বীল শ্বীবঙ অমরত কান্ত কগতে গাবে।"

শ্রীসত গোস্থামী কাজেন--"আমি আম্যা ভালেকক প্রণাম নিবেজন পূর্বক প্রকালি মহান প্রাচার্থবর্গ কর্ডুক কেন এবং ভত্তশালে প্রদন্ত ভাগরাম শ্রীবিষ্ণা ঐপর্যের বর্ণনা क्षानन्त्राध्य कार्य नन्त्राद्धवि कार्य। व्यवस्थ अकृति व्यवस ওক করে নয়টি মৌলিক উপাদান একা ভানের পরবর্তী বিক্রেসমূহ প্রয়েশ্বর ক্ষণবানের বিরটেরপের অতর্ভুক্ত। এটা বিরাটকালে এককার চেতনা অনপ্রথিট হওয়ার পর, তার মধ্যে ত্রিভূবন প্রকাশিত হল। এই হচ্ছে পরমেন্দর क्षप्रदारमध दिवारे क्रथ बाब मध्य नृथिये स्टब्स छै।व চনব্যুগল, অংকাশ ভারে বাভি, সূর্য তাঁর চকু, বায়ু তাঁর নাসিকা গছর, প্রকাপতিলগ করে জননেন্দ্রির, মৃত্যু তাঁর পাছ এবং চন্দ্র হঞে তার মন। স্বর্গ তীর মকত. নিকসমূহ তান্ত ফর্ল, বিভিন্ন লোকগালগণ তান বিভিন্ন বাং। কম্মান তাঁর ক্রম্মণ, পকা তার কংব, লোভ ষ্ঠার ভার্চ, তাম গ্রার স্থিতহাস্যু, এবং চন্ত্রকিরণ তাঁর সন্তর্গন্তি, যেখানে বৃক্ষ সমূহ তানি হোম এবং মেখপুঞ্জ প্রার মারকের কেপরাশি। ঠিক থেমন মানুধ এই কলতের ক্ষেন সাধারণ ব্যক্তির ক্ষম সংস্থান পরিয়াণ করে তার পরিমাণ নির্ধারণ করতে পারেৎ, ঠিক তেমনি নির্নাটনবের **অনু∮ভ প্রহসংল্লন পরিমাপ করে মহাপুরুবের আনাতন**

নিৰ্দাৰণ কল কেন্তে পাৰে। সৰ্বলন্ডিয়ান ভাল প্ৰক্ৰোৱ ভগবান উল ক্ষে কৌঞ্জ মণি ধানণ কমেন, যা হতে তত্ব জীবাদার প্রতির্ভা ভার সঙ্গে ধারণ করেন জীবতা চিত্ত, আ হতের সেই মধিরে পরিবাধে জ্যোতির সংক্রাৎ প্রকাশ । তার পৃষ্ণামাধাটি ইচেই ওপ সমূহের বিভিন্ন সমাহারে নির্মিত তার ক্ষড়া প্রকৃতি। তার শীত ওসং হচের বৈনিক হল একং তীয়া পবিত্র উপবীত হচ্ছে 🗈 অকর বিশিষ্ট ওঁকরে। তার মকরাকৃতি কর্ণকুরুরুর ভিনি সংখ্য ও বোগ বাৰ্গকে খালা করেন এক বিক্লগতে অভয় প্ৰদানকারী তাঁৰ মুক্ট হছে প্ৰস্থালোকের পরত পদ। ভাগবানের আমন অনত হলে ভাডা প্রকৃতির খবাভ ভার এবং তার পদ সকুপ মুক্ট হচ্ছে বর্ম ভার সম্বিত সঞ্চৰ। স্থাপান হৈ গল স্থান কৰেন আ হলে হৈছিক, সাংসিক এবং ইপ্রিয় কণ নবেত মুখ্য তব প্রাণ। তার উৎকৃষ্ট শুখা হয়েছ জল তথা, তার স্ফর্ণন চঞা হয়েছ তেজ ভার, এবং আক্রেনর মতের নির্মল তাঁর অসি হাঙ্ ব্যের ভাষ। তার বর্ম হচ্ছে অমোগ্রণের মূর্ত প্রকাশ উল শার্ম কা ভাগের প্রকাশ এবং উর ভীরুনমূহে পরিপূর্ণ তুনীর হাছে কর্মেন্ত্রির তত্ত। তাঁর তীর সমূহকে ইঞ্জিত কর্মা হয়। তার রথ হতে সঞ্জিয় ও প্রবদ কর। তার বহু অভিযুক্তি হতে ইপ্রিয়ানুভূতির সৃত্তা বিয়া তথা তথার এবং তার হস্তমূল হতে সমস্ত উদ্দেশ্যপূর্ণ কর্মের সারাপে। সূর্ব মণ্ডল হতের সেই স্থান বেখানে পরক্রেপন পুলিত হন, শীকা হচে জীবজার ওড়ির উপার এক গর্মেশ্রর ভগবানতে ভক্তিমুগত সেবা হলে করা হতে মানুৰের সমস্ত্র পাপের প্রতিকলকে নির্মূল করার উপরে। ত্যা শংক নিৰ্দেশিত বিচিত্ৰ ঐক্তৰ্ব্য প্ৰতিভূষকণ একট শীলাভমন ধারণ করে পরমেধন ওগবান ধর্ম এক কা অন্তৰ্গ চামৰ বুগলের সেৱা প্রহণ করে বাকেন

^{*}হে স্লাক্ষণাৰ, ভগবানের কর হচ্ছে তার চিত্রত খান তথ্য বৈশুষ্ঠ বেখানে কোন ভার নেই এবং সঞ্চাপ্রবেট বাহন প্ৰত্য হতেই তিন প্ৰকাশ বেদ। সৌভাগেন অধিষ্ঠানী দেবী সম্প্রী বিনি কথনাই ভগবানতে পরিসাগ । বর্ণনা কাঁঠন করকেন, তিনি তাঁকে ক্লকে অংহানকারী করের না, তিনি এই জগতে তার অন্তরসংক্তির প্রতিভূমণে তাঁর সঙ্গে আবির্ভূত হন। তার ভতরত পার্বসাদের প্রধান বিধৃকাসের পঞ্চারার এবং অন্যান্য ওল্লের पूर्व विश्रम् ऋरण् भतिष्ठिक। क्यान् सम्ब क्याकरम्ब আটকান ছার রক্ষক হচ্ছেন গুটার অলিমানি জেগনিছি ে

स्मिक्क एएक् चर्चर भवस्यभङ्ग स्थवस्यः अविस्थव বাহিনাপের প্রত্যক্ষ বিভারের কাম। বাহাদিকা, কা এবং ক্ষালুব্দির মাধ্যমে ক্রিকাশীল ক্ষায়ত চেতার, নিয়া এবং পরিক্রমণ করেন এবং এইভাবে ক্রান্তে গতিকে নিয়ন্ত্রশ সূৰ্ব্তিক পরিয়েক্ষিতে এবং চেতনার চতুর্ব কর ওখা করেন। সমস্ত জীবের পরমান্তা গরফেবন খগবাদ विकास कामाना विवासातक अमिटाकिएक प्रमुख अस्त्रका ভগৰাৰ সম্পৰ্কে ভাষৰা করতে পাবেন। এইপাপে পরফেবা ভগবান বীহাই চফুর্বিধ স্বিশেষ ক্ষতিকালে প্রকাশিক মুন খানের মধ্যেকে ভগবামের কল, উপাধ, তাদের জানি এটা। বেদে নির্দেশিক সমস্ত জানুঠানিক বাহ এবং কল্লের কার্শন করে অকেন। এই সকল পুথক বৈশিষ্ট্যের মাধ্যমে ঋগবান এই অভিত্নশীল হুপতের চারটি স্করতে পালন করেন।"

জ্যোতির্যার, বেনের আমি উৎস, এবং ওার স্থীত মহিমার স্থানে—কাল, সুনে, প্রচেস্থা, কর্তা, করণ, বিশেষ পরিপূর্ণ। তাঁরে কড়া শক্তির মাধ্যমে তিনি সমধ রুপাওকে সৃষ্টি করেন, ভালে করেন এবং পানন করেন। সূর্যদের প্রথম প্রথম থানে জানপঞ্জি প্রকাশ করে পর্যাহন্ত তেহত তিনি বিভিন্ন ভঙ্ক আগতিক কাৰ্য খন্টান করেছ কৰ্মত কৰমত তাঁকে ছাভ ছাগতিকভাবে বিভক্ত কলে। করতে মধ খালি ছাগ্য মানের প্রভাকটিতে পরিবাদন वर्गना कता द्वर । किन्न का गर्या अर्थनीर टिनि निराह আনে চিম্মর স্তব্ধে স্থিত আমেন। বারা উল প্রতি ভক্তিতে ভংগর, ভারাই ভাকে ভারের প্রকৃত वर्ष्-अर्थ, हर नृक्ति बारहा हा प्रश्नेष्ठ राष्ट्रोत्स्टिक सन এই পৃথিবীর উপস্থেপুরুদ্ধ আপনি তামের সভােঃ কঠা। আপনার বীর্য কথনটৈ করগ্রেছে হয় সা। অপনিই দিব গ্যমের অধীবার। কুদাবনের কেপগোলী এক ভাগের ভূডাবৰ্ণ কৰ্তৃক শীত আনাৰাম অতি পৰিত্ৰ মহিন্স কীৰ্তন তপুমার প্রথণ করনেই সর্বতেন্ডোবে কল্যাশ হয়। 🗷 क्षेत्रकर् कर्यर् करा खानका संकारत प्रमा करून। (व কেই ভেন বেলার উপিত হরে বিতন্ধ চিতে মহাপুরুষো গানে সমাহিত হয়ে শান্তভাবে ঠার এই সমন্ত কল

পরম সভারতে উপলব্ধি করতে পার্ডেন 🏲

ব্রীলৌনক কল্লের—"আপনার বাজে৷ হজানীক আমাদের কাকে অনুস্তহপূর্বক প্রতি বালে প্রদর্শিত नुर्वामस्यत्र विकित्र कुछिन्नक नार्मभ मधुकरमञ्ज कथा कैएन्ड नाम धावर कार्याक्की अह वर्गम कवम। जूर्राजस्का स्थवक শহে প্রাথাণ শৌনক, তাসুনেও, সংকর্ষণ, প্রস্তুত্র এবং তথা পার্বদশ্ব রচেনে মূর্বের অভিচেতভারণে পরক্রেকর ভগধন শ্রীহরির সবিশেষ ব্যক্তিরদের বিভার ।"

শ্ৰীসুত কোনামী ৰাপ্তেল—"সূৰ্ব সমান্ত প্ৰচলের মধ্যে জীবিক উল্ল জনান জড়া পত্তির মাধ্যমে এই সুর্বতে সৃষ্টি করেছেন। পরবেশর ভগবান জীহুরি থেকে অভিয় সূর্যদেন সমস্ত স্কণ্যভের একমাত্র আত্মা এবং তিনিই জিবারও উৎস হচ্ছেন তিনি এক বৈনিক অবিদণ তাঁকে নানা নামে ভবিত খনেল। স্বাধা প্রিক্তর উৎস হওরর কলে সূর্বদেবরূপে পরমেশ্বর জ্ঞানান শ্রীহরির বিস্তারকে "ছে ব্রাক্ষণ-শ্রেষ্ঠ, একবার তিনিই হচ্ছেন বছং- সংবিধ ভাবে কনি করা ছয়েছে। যে শৌনক, সেওলি আনুষ্ঠানিক ব্ৰিন্ত, শাখ্ৰ, আৱাধনার মাৰ একং কাল্লা কৰা। ভগবান প্রকাণ্ডের অনুসতি প্রচ্পুঞ্জের গতিকে নিয়ন্ত্রণ করে। এই বাদল যানের প্রত্যেকটিতে ভুগটি পার্কে বরং দর্যদেবের মধ্যে পরিবাদন করেন গ

"ह्ह चूनिका, मुर्वरस्य कारण काठा, खन्मदाकरण প্রমাধারতে উপলব্ধি কাতে পারেন। হে কৃষ্ণ, হে কৃতবুলী, রাজসরতে হেতি, মাসরতে বাসুদি, বজরতে রুক্ত্, ব্যবিকাশে প্রান্ত্য এবং প্রবঁজাপে ওাপ্ত মধ্যাসকে নিবছৰ করেন। সূর্বদের জালে অর্থসা, থকিয়াণ পুলব্, সক্ষমণে আগীকা, সাক্ষ্যমণে গ্রাহতি, খালরাক্তন পৃত্তিকস্থলী, গভাবিদ্যাল নাক্ত, মাগলতা ক্ষানীর মাধ্য মানতে নিয়োগ করেন। সর্বপেনরপু মিত্র পরিরূপে অন্তি, রাক্ষণরূপে পৌরুসের, নাগরাপে ভারুক, समाजात करता, महर्रवाल हारा वयर वक्तरण রগকা গুলু মানকে নিয়প্তণ করেন। পবিরাপে বলিই, সর্বধেররেশ কলে, অঞ্চরতেশ রক্তা, রাজসরতেশ সক্তর-র

পদ্ধবরণে হুতু, মাসকাপে শুক্ত একং ফুডুরুপে চিত্রখন তচিমাসকে নিবাল করেন। সুর্যানেররূপে ইয়া, পদবিরূপে বিশাবসু, বন্ধরূপে হোড, নাগরুপে রুলাপর, থবিরূপে অফিরা, অধ্বরারণে প্রয়োগ্র এবং রাক্সরূপে বর্য মতো भागरक नियान करतन । सूर्यासकारण विरक्ता, प्रसर्वतारण উপ্তাসন, রাক্ষণকংগ ব্যাহ্র, ফক্ষরতে আসারণ, ক্ষিরতে **ড়ও, অপরারণে অনুমোচা এবং নাগরুলে পথাপাল** মত্তস্য মাসকে নিয়ন্ত্ৰণ করেন। সূর্যদেবকাণে পুরা, भीगंकारण धनक्षत्र, तरकमकारण बाठ, शक्यवंकारण मृहत्य, বন্ধরণে সুরুচি, অবহারূপে দুখেটী এক কবিরূপে গৌতম ভগো মানকে নিয়ন্ত্রণ করেন। ককরণে করু, এবং মনুর্বেনীর মন্ত্র সহযোগে সূর্বভাবের করণ প্রকাশক রাক্ষসরবেশ বর্চা, অধিরতার ক্রমান্তা, সূর্বাদেররবেশ পর্যানা, প্রবাহতিয়া কীর্তন করেন, সেই সময় পদর্বেগণও শুরু ভব অপরারাণে ক্রেমিশ, গছর্বকাণে কিলা এবং নাগকাণে ঐরবিত তপস্থ মাসকে নিয়ন্ত্রণ করেন। সূর্যলেবরূপে আণ্ডে, পরিরবেশ কশাপ, বজরতেশ ভার্মন, প্রথকরেশ মতাসন, অপরায়েশে উর্বলী, রাক্ষসায়েশ বিদ্যালয়ে এবং মাগব্যপে মহাশ্বা সহোহাস্তে নিচপ্ত করেন। नुर्यरमध्यातम् सन्, जाकमञ्ज्ञरम् न्यून्सं, बसर्वकारम् अन्यूर्य अधन करास्य नद्रस्य कालीनम् नारम् वहस्य सहे ष्मतिष्टरम्यि, वक्ततरम् 🖫 विकास्य चार्यः, मानकास्य কর্কেটক এবং অব্যায়কে পূর্বচন্তি পুরামাসকে নিয়ন্ত্রণ করেন। সূর্যদেবরূপে হাইছে অভিন্যাপ কটিভনুত্র জনদন্তি, । রক্ষা করবার জন্য জনাদি জনত এবং অঞ্চলতাপ পর্যোগর मानकार्थ कंपन, चनवाकार्थ जिलासम्, संचनकार्थः हाचारशक, बावतर्भ मक्तिश बावर भक्षवंतर्भ गुरुतहे देव মাসকে পালন করেন। সূর্বদেবরূপে বিষ্ণু, নামকাংশ

क्षरच्या, क्षभवाकरण रखा, प्रवर्तकरण भूगवर्धा, क्षक्तरभ সভাবিত, বাঁবল্লপে বিশ্বমিত্র এক রাক্ষস রূপে মধ্যদেও **উর্জ মাদকে নিয়েল করেন। এই সথকা** থান্ডগল চাল্লন সর্যদেব কাপে পরমেশ্বর ভগকনের ঐপর্যমন বিভার। যারা ভোর এবং সূর্যাকের সময় এই সকল বিভারে করা नावप करवन, फीड़ी फीएरड़ मजल भारत करने क्षेत्र অরেম। এইডাবে বাদশ মান ধরে ইহ জীবন এবং পর धीवरात्र करा हकाकवारी कीवनावड कवरद विश्वक চেতনার সভার করে সূর্যদেব তার হয় প্রকার পার্রণ সভ সূর্ব দিকে পরিজমণ করেন। অবিখণ করন সাম, ঋদ কীর্তন করেন এবং অপরাপণ জন্ম রূপের অপ্রভাগে নতা করেন। মাপথৰ রখের রক্ষ্ণ বছন করেন এবং ফালেগ যোড়াওলিকে ৰখে সংযুক্ত করেন এবং সেই সময় শক্তিশালী ব্ৰাক্ষস গণ সেই রহকে গোলে বিক খেকে ধারু। দিরে থাকেন। সেই রখের অভিমূবে দাঁড়িরে হালার ব্রাক্ষণ বৈদিক সত্র সহকোগে সর্বলভিমান স্ব্দৈক্ষে প্ৰতি প্ৰাৰ্থনা নিকেন্দ করেন। সমস্ত জগংকে শুপবান শ্রীহরি এইরুপে ব্রহ্মার প্রতিটি বিবাসে গ্রাড বাভিগত প্ৰতিভৱনে এই সকল বিশেষ বিশেষ মান নিজেকে বিজ্ঞার করেন।"



द्यापना प्यथाय

শ্রীমন্তাগবতের সারসংক্ষেপ

শ্রীস্ত গোসামী কালেন—"পরম ধর্ম ভড়িম্লক সেবাকে, পরম মন্তা ভগকান নীকৃষ্ণকে এবং সমস্ত ক্লাক্ষণুবেরকে প্রশাস নিবেদন করে এখন আমি সনাতন ধর্ম সম্পর্কে কর্মের করব। তে মহান অধিপণ, আগনাদের জিল্ঞাসা অনুসারে আমি গরমেশর ভগরন প্রীবিবৃদ্য प्राप्तक मीलाकथा धाननातस्य कार्यः वर्णना करति। अर्थे হরিকথা প্রথণ করাই হচ্ছে প্রকৃত মানুকের উপযুক্ত কর্ম। এই হয় পূর্ণজ্বলে প্রয়েশক ভগবান শ্রীহনির ওপমবিশা ্বার্ডন করে, খিনি তার ভারত্তার সমস্থ পাল হলে করে। ধংলধ্যমের কথা, লক যায় হিমাপ, প্রায় চরিত, মানার ভাষান শ্রীনারায়ণ, কর্মাকেল এবং বনুপতিকলে কর্মিট্ড হয়ে থাকেন। এই গ্রহ পরতে মধ্যের বহস্য, সৃত্তির মুক कुर्म अवर प्रमारका सम्मारक गर्नन करता विस्तान তথা মানুৰের দিয়া উপস্থান সংস্কৃত ভাগতং তথ্যমান এবং মহারাজ নামি, ভাগনান খবভাবের এবং মহারাজ তরতের তা অনুশীলনের পছাও এই প্রহে উলছাপিত ছবেছে। নিম্নোক বিৰয়তালিও বৰ্ণত হতেছে—কভিম্নাক সেবা এবং ভার আন্তিত কৈলগালকৰ, মহাবাল পঠাকিৎ এবং প্রনারদমূলির আখ্যান। সেখানে বিচলালে প্রাথবি প্রীক্তিতের প্রয়োপবেশন, বিকোর্য শ্রীল ওক্সেব গোষামী এবং পরীকিৎ নহারাজের সংজ্ঞাপও ক্রিত হরেছে: শ্রীমক্সগরতে ব্যাশ্বা করা হরেছে কিভাবে যোগ সমাবিত অভ্যাস করে মানুহ মৃত্যুর সমত মৃতি পাত থবতে পারে। এই হছে রক্ষা ও নার্থের সংলাপ, ধর্মেশ্র উপনালের অবভার ভানিকো, ক্রমিক পর্বারে থবাক প্রধান থেকে ওক করে প্রকারের সৃত্তির কথাও वर्षिक सम्मद्धाः"

"এই প্রস্থারর সাম উদ্ধর এবং মৈরেরের ক্রোণকথন, এই পুরাদ সংহিত্যর বিষয়ে সম্পর্ভিত প্রধ প্রসামের সামর পরমেশ্বর ভাগনানের নেছে সৃষ্টি সংবরণ ইত্যাদি বিষয়েরও বর্ণনা করে। **জ**ভা প্রতৃতির ওণের বিকোত থেকে সঞ্জাত সৃষ্টি, ভৌতিক বিবাহের ছারা সাতেটি করের ক্রমবিকাশ এবং ক্রমণ্ডের নির্মাণ, বা থেকে প্রমেশ্বর ভগবানের বিরাটকণের প্রকাশ—এই সমস্ত বিবরগুলি বিস্তারিতভাবে বর্লিত হয়েছে। অন্যাস্য বিষয়ের यास प्रातास कारनत मुख्य क्षयर चून भठित दर्गना, গর্ভেমককারী বিশ্বমা নাভি থেকে গলের উত্তব, পুথিবীকে গর্ভোপক সমস্র খেকে উদ্ধান করে হিবদাকে বাংল বর্ণন। দেবতা, প্ত এবং অসর প্রকাতির সৃষ্টি, রুল্লের লগ্ন, অর্থনারীশার স্থারভার মানুর আবির্ভাক—ইভান্দি নিবরেরও বৰ্ণনা রয়েছে। প্রথম বয়নী তথা ফার উভসা পত্নী শতরূপার আবির্ভাব এক প্রকাশতি কর্মমের ধর্মপত্নীদের महानाम्बर मण्यातिक और अरह वर्षम कता शरहरह।"

"শ্রীমন্ত্রাগবতে পরমেশন ভগবানের অবভারনাপ মহান্ধা কলিল মুনির জনতার সম্পর্কে এক সেই ধীমান থহাখার সূত্রে জীয় হাজা হেতহুতিত সংল্যাণ সম্পর্কেও ধর্ণনা করা ইরেছে। সেখানে নাকেন মহান ভাষাধের

পৃথ করে হাটানবর্তি হরিছ, জীনরের করে প্রতীনবর্তির সংশাপ, মহানার চিন্তুতের ক্রীকে ইতিহাস ইত্যানিও ধর্ণিত হরেছে। ভারপর, হে প্রাক্তণাণ, জীমহাগ্রত र्शतप्र कथाल समझ करत। जुलिसीत प्रसारमानगृह, অঞ্চল, সমূত্ৰ, পৰ্বত এবং মধী সম্পত্তিও জীমছাগবড বিভারিত করি। করে। করকাশীর জোপিনিতকের স্মানিতি সংক্রান্ত বর্ণনা, লাতাল এবং মরকের অবস্থা, ইত্যাদি বিষয়ের বর্ণনাও দেখানে রয়েছেঃ গ্রেচহাকের পুরুজ্ঞাপে एक्टर कुर्राज्य स्थापना स्थापना निवास स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्य 'वानुत्र, मा, भक्त, मर्ग, भक्की अवः चातान्छ सःवधादाव নুৱপাত কর্মেছিলন---এ সকলেও কথাই ভাতে বর্ণিত FORCE I"

"হে ব্যক্ষণগণ, বুয়াসুরের করে ও মৃত্যুর কথা, নিতির পুর হিরণ্যাক ও হিরণ্যকশিপর কথা এবং বৈত্যের महाना श्रद्धारम्य हरिष्ठ कथा**७ औ**र इस्त् दर्निट दरस्य ।"

"প্রত্যেক করে শাসনকাল, গরেন্ডারেক্সন এবং প্রতিটি মন্ত্রে গুপবান জীবিষ্ণর বিশেব অবহার, মেমন इश्नीर्वापि--१७॥पित स्थाप्त दर्भिट इएटरइ। शिमहाभवछ कुर्म, प्रथम, नविशह धवर वामनकाल # বংগতির আফিঠাবের কথা এবং অমৃত লাভের क्षित्राम् (भवकारमञ्जू महान प्रश्नुतन कथाक दर्भन दर्धः) দেবাসুর মহাসংগ্রামের কাহিনী, বিভিন্ন রাজবংশের আনুক্রমিক কর্ণন, ইক্ষাকুর জন্ম কথা, তার বংশ এবং मराचा मृतुर्द्रत दशन्त्र कथा—बर्टे मवरे बरे द्राइ উপস্থাপিত হয়েছে। ইলা এবং ভারার উপাধান, শশাস धवर नुनामि समा मह मूर्यदरायत दिख्डि डाक्सावट क्यान এবানে বর্ণিত হয়েছে। সুকলার উপাধ্যন, স্থাতি, বীমান ককংৰ, বটাক, বাজাতা, সৌভেত্তি মুনি এবং সগরের কাহিনীও বর্ণিত হবেছেং"

"শ্রীমন্তাগবন্ত ভগবান শ্রীপ্রায়চালের পুণা কাহিনী, कान्त्र अञ्चल काहिनी कवर घराटास निर्देश सन्दर्भर চাাগের কাহিনীও বর্ণনা করে। জনক লাজবংশীত রাল্লানের আবিঠার কাহিনীও সেখানে বর্ণিও হয়েছে। গ্রীমধ্যগরত বর্গনা করে কিন্তাবে শ্রেষ্টভর ভাগর ভাগরন পর্তরাম ভূপুটের সম্বা ক্ষত্রিয়নের সংহল করেছিলে। चरिक्य और यदा एलक्सन चार्किन क्रेन, क्यानि, महरू, দুম্মানুর ভরত, শান্ত্র এবং শান্তরপত্র তীপ্থাবেরে মতে মহিমামণ্ডিত রাজন্যদের কথাও বর্ণিত ছরোছে। ব্যাতির জ্যেষ্ঠ পুত্র মহাবাদ্ধ বনুকর্তক প্রতিষ্ঠিত মহাব বংখের কৰাও এই হয়ে বৰ্ণিত হয়েছে। কিভাবে অগদীশার পরমেশ্বর ক্ষথবাদ জীকৃষ্ণ কর্বালে অবতীর্ণ হাচান, विभारत छिनि वनुरावनगरह बन्नाधन् कारतान, छात्रशत কিভাবে তিনি গোঞ্জে যবিত হলেন-এ সহ কথাই বিবারিত ভাবে বর্ণিত হরেছে। পুতনার ক্রন্থপানের সঙ্গে তার প্রশ্বাব্যকে লোকা করা, শক্টেডঞ্জন, তথ্যবর্ত সলন, ববাসূর, বংসাসূর এবং অধ্যাসূত্র বব, প্রস্তাকর্তৃক গোণসথা अवर शायरमध्य चनश्तर रहा नद्र क्रम्यास्त्र चन्छित লীলা—ইত্যাদি খাল্যলীলার সঙ্গে জনুরারি জনবাম

"মীমাণেকত করি করে কিভাবে ভগবান শীক্ষা নাবং কারাম খেলুকানুর ও তার সমীনের বধ করেছিলেন, চেনিরাজের গরারতে ও মৃত্যুর কর্মা, পৌপ্রক, শান্ত কিভাবে প্রভ কারাম জনস্বাদরকে বধ করেছিলেন, এবং কিডাবে ডগকন শ্রীকৃষ্ণ তীর গাবাধি পরিবেষ্টিড গোপসংখ্যের রাকা করেছিলেন। কালির নাগ দমন, মহাদৰ্গ থেকে কৰ মহাবাজের উদ্ধান, গোপথালিকাকে কঠোৰ ভণস্যা—বাৰ বাবা ভাষা ভণবান জীকুফাকে পরিভুট করেছিলেন, অনুভগু বাজিক প্রাথপদের লতীক্ষের হাতি ক্ষমতন্ত্রে কুলাপ্রমর্পন, পোর্থন পর্যন্ত ধারণ এবং ভারলয় সরভী গাড়ী এবং ইস্লা কর্তক ভগবানের প্রাক্তিবেক, গোপীদের সঙ্গে ভগবান শ্রীক্ষেত্র নৈশ লীলা, মূর্ব অসুর লখচড়, অরিষ্ট এবং ক্ষেমীর নিক্র-এই সমস্ত লীলাই বিস্তারিভভাবে বর্ণিত ছতেছে। অফ্রেরের আগ্যান, ভারণের কৃষ্ণ ও বলরাবের মধ্যা প্রস্তান, গোলীদের বিলাপ এবং কৃষ্ণ-বলরাকো মধুক্ত ভ্রমণামির করা বর্লিত হরেছে। কৃষ্ণ ও বলরাম কিডাবে কুবলরালীক নামক হস্তীকে, চাপুর মৃষ্টিকানি बहादीहरूक अवर कश्मापि खनाका चमुद्राप्तव वर মর্প্রাচলের এবং কিডাবে জীকুক্ষ তার ওকদেব সাধীপনি মুনির মৃতপুঞ্জের কিরিয়ে এনেছিলেন-এ সকল কথাও খৰ্শিত হয়েছে?"

িতে ব্রাক্তণরাণ, ভারাপর **উদ্ধান এবং বলরা**মের সর্বে স্থরার বাস করন্ত স্থার, ভগবাস শ্রীহমি কিভাবে

यम् वरानं । ए द्विविधारमय केंग्स्ट्रां कीलाविकाल করেছিলেন, এই গ্রন্থ তলা কর্নন দেব। ক্রেন্ত জরাসভ কর্তক আনীত দৈন্যসমূহের নিধ্ন, কর্মে জাতির বাজ কালৰকনের হত্যা এবং স্বাক্তনগরীর প্রতিষ্ঠার কথাক বর্ণিত হরেছে। এই এছ আরও বর্ণনা করে যে বিকারে ক্ষাবান প্ৰীকৃষ্ণ কৰ্ম খেকে পারিফাতবৃক্ত ও স্থার্য নায়ত্র সভাগহ আনকা করেছিলেন, এবং কিস্তাবে তিনি ক্রছ খার বিশ্ববী প্রতিক্ষরীনের পরান্ধিত করে কভিনীদেনীলে বৰণ করেছিলে। বাধাসকের সলে হন্দ্র করার সময় কিন্তাবে ভাবেন প্রীকৃষ্ণ শিবের প্রবল করণ উৎপন্ন করে তাকে পরাজিত করেছিকেন, কিভাবে ভাগান রাশ্যসকে बाएशके कर्डन करविस्त्रम करा किछारव क्रिक्र প্রচারতাতিবপরের অবিপতিকে বর্ম করেছিলের এক বীকৃষ্ণের অপান সীলাক্ষাও দেখানে কীর্তিত হতেছে।" ভারপর ভার নগরীতে আবদ্ধ সাক্ষকনাদের উত্তাত अरहितिसार, और जरुक काविनीय वर्षिक प्रशाहन। দুর্মতি বস্তবক্ত, শব্দর, ছিবিল, পীঠ, দুর, পঞ্চায়ন এক चनाना चमुद्रक वर्षना, अवर उरमदम बादानमी मनही কিভাবে ভাগাঁতত হয়ে ভূমিন্যাৎ হয়েখিল-এই সকল বিষয়ের ফান্য করা হয়েছে। জীমবাগবতে জনের তর্গিত হতেতে বে কিভাবে কগবান শ্রীকৃষ্ণ কুলকের বৃদ্ধে গাওববের নিয়ক্ত করে ভাতার হরণ করেছিলেন। ফ্রান্সাল্য অভিনাল্যে ছলে ভাগরান কিডাবে নিজ বলেকে সংবাদ করণের, ভারদের সঙ্গে বসুদেরের সংলাগ, উদ্ধর क खीकरकार करक करणानकथा वा नर्गावदारन चाच्छच-रिस्मात्क धकान करत करर मानव गमास्त्र ধর্মনীতি নির্বার্থ করে, ইভাগি বিহুয়ের করে। এবং ভারণর ক্ষিতাবে ভগবান ক্রিকার তার বোলবলে স্বভাগততে পত্তিভাগে কর্তেন, সে সৰ কথাও ব্ৰীমৱাননতে বৰ্ণিত হাতেছে।"

"এই প্ৰছ বিভিন্ন ৰূপের মানুষের চামিট্রিক বৈশিষ্ট্য এবং ব্যবহার, কলিব্যার উপদ্রব সম্পর্কে মানুবের অভিজ্ঞতা, চড়বিঁধ প্ৰবন্ধ কৰং তিম প্ৰকার সৃষ্টি সম্পূর্কেও কর্ণনা করে। ধীমান রাজার্বি বিক্রান্ত তথা প্রীক্ষিতের শেহতাাগ, জীল ব্যাসমের কিন্তাবে বের শাখার প্রবাস কর্মেন, খ্যার স্বাখ্যা, জীমার্কতের স্ববিদ भूभाक्तवा, विश्वाचा সূর্যদেবরতে এবং বিরটি পুরুষর**ে**শ ভাষাদের বিশ্বসংশ্য বিভাগিত কিন্তুস সম্পর্কিত কনিও তা সং ও নির্মণতির সাধুরা কলে, কীর্ত্তম এবং প্রচণ

ব্যাখ্যা আমি একানে উপস্থালিত করদাম। এই হয় ভাহতো ভা শোড়া গলে নঃ। তেজনী অতি সৃষ্ঠতাবে क्षतात्मद मीमा खन्छारत्म मीमाद पश्चिम पूर्वकारण ক্ৰীৰ্ডন করেছে। গতিত, ছলিড, ব্যবিত হয়ে কিবা হাঁট দেওখার সময় কেউ বলি অনিকাকৃতভাবেও উজ্জবন্তে ভতিযুক্ত সেবার উলেশ্যে সাধিত বা হয়, ভাহতো আর বলেন—ভগৰান জীহরিকে প্রদার', তাহলে তিনি ছতঃ কি প্রয়োগনঃ কাল্লিম ব্যবস্থার সামাজিক এবং ধর্মীর শ্বুর্তভাবেই সমস্ত পাগের কল থেকে যুক্ত হংকে। কর্তন্ত সম্প্রমান করে কেনে, ভগস্তার অনুশীলানে একং প্রানুধ কর্মন কর্মের পরমেরে ভাগানের শুনকীর্তা কেন করণে মানুধ যে সকল প্রচেটা করে ধারক, সেওলি করে কিংবা ভগুমার ভাঁর শক্তি সম্পর্কে কলে করে, চরমে ভগু ক্বাড় ভাগতিক কণ এবং ঐথর্বলাভেই গুনবান স্বয়া শুক্তর জীয়াক। হানত্রে প্রবেশ করে জীয়ের পর্যবসিত হর। কিছু মনোবোলের সামে এবং সামরে। মুহৰ ও পূর্তিংখ্যা প্রতিটি টিশ্বে টোড করে, ঠিক যেয়ন সম্প্রীগতি পরফেবর ভগবানের নিবাভশাক্ষীর কথা সূৰ্য অভকাৰ পূথ কৰে কিংবা প্ৰবন্ধ বাৰ্যবাৰ্ প্ৰবন্ধীৰ্তন কয়ে মনুৰ তীয়ে চলক্ষ্যালৰ কৰা প্ৰব মেধপুঞ্জকে ভাড়িত করে। বে সমত করা অংথামক। করতে পাগে। কানবাম জীকৃত্যের চারকমধ্যের স্মৃতি পরবেশরে ভাগবান জীকৃত্যের ওপরহিয়া কীওঁল করে মা, সমস্ক অভড মূর করে মানুবকে পরর সৌভাগ্যে পুরকৃত ওপু ক্ষাহারী অঞ্চ বিবর সক্ষার্কে আলোচনা করে, সে করে। এটি হানরকে পবিত্র করে এক পরমান্তার প্রতি সকল কথা কেকাই মিখ্যা এক নিভাবোজনীয়। যে জান, বিজ্ঞান এক বৈরাগ্যসত্তে ভক্তি কৰি করে। সমস্ত কথা পরমেশর উমকনের নিক ওপকৌতে ব্যক্ত करह, ७५माम रम मकम करावे भक्त, एक अस जुनामा । (कन्मा मर्कगाँ भद्रायमा धनवार, भाग विश्वा, महस्र যে সময় কথা পরম কর্মী ক্ষরবানের ওপর্যায়ন করি। স্ত্রীমের পরমাধা, কর উর্বো খার কেনও ইনার নেই— क्षा. तारे तमन क्या श्राम च्यवसीय, चाराधनीय असः । तारे सीनतारम्यक चाननाता चाननारमय स्थाद ज्ञानन নিতা নাম নাবায়নাম। স্বৰ্জপৰ্যে সেই সমস্ত কথা মনেয় । কৰেয়েন। কৰে প্ৰতি আপনালেৰ প্ৰেয় আহতিহাও এবং পক্ষে এক নিয়া উৎসৰ হয়প এবং সেই সমস্ত কথা মানুষের মুখ্য সম্প্রারে শেরণ করতে পারে। একটি করছি। সম্প্রতি স্বামিও ভারতং তত্ত্ব বিভারের কথা সমগ্র ভব্ততে পবিত্র করতে সক্ষম যে প্রমেশ্ব শুগবাৰ, যে সময়ে কথা সেই ভগবানের গুণমহিনা কীৰ্তন করে মা, সেই সমস্ত কথকে কাকো উপলেম বলে গণ্য করা হয় একা বিজ্ঞানে কারিও স্থান্য কথাই ঐ সমস্ত কথার আন্তর প্রচণ করেন না। আনল প্রকৃতির সাৰু ভক্ত পৰ শুধ্যমন অনুভ প্রমেশক ভগবানের ব্ৰণমহিমা শ্ৰহণ কীঠনেই আহাহ বোধ কৰে। পঞ্চাবৰৈ বে সাহিত্য অনুষ্ঠান পরক্রের জগবানের নমে, রূপ, রূপ, नीका चामित वर्षका नुर्ग, का विश्व भव कारक नतिनुर्ग धक कार्न गृष्टि, स और काराउड डेड्रांड कनगाशवारना গাণপথিক ধ্বীবনে এক বিচাৰে সূচনা করে। এই অপ্রাশৃত সাহিত্য বলি নির্বুলভাবে হতিত নাও হয়, তবুও

কলে। আৰু-উপগ্ৰিয় জান সৰ বৰ্তমে জড় সংসাহিতীৰ "ব্ৰে নিকলেট, এইভাবে আণ্দাংশ্য নিজাগিত প্ৰথম । হংগও আ বণি আচ্চত ভগবালের মহিমা কৰি৷ না কঙে, সম্পাদিত হলেও, বে সকার কর্ম ওক থেকেই क्रमपारक व धनिष्ठा, छा यनि भन्नत्मक क्रथतातन

"হে বিজাগুলৰ, আপনাত্ৰ ব্যস্তবিকই প্ৰথ ভালাবাস, তাই তার ভারতনা করের জনা আমি আপনাদের অন্যত্রের পর্বরূপে অনুস্থান করার স্থানের পেরেছি আপর্বে আদি গরম কৰি ত্রীল গুৰুদের ক্ষেত্রাটার প্রীয়ন ক্ষেত্রে প্রকা করেছিলাবঃ মহারাজ পরীক্তিত কবন ভারতঃ উপক্ষে উপৰিষ্ট হয়েছিলেন, সেই সময় জীল ওককে গোলাইট केएक व्यक्तिकथा करन कतिरहित्यम बाबर शिष्टै प्रवर्तिएक সভাৰ আমিও উপস্থিত খেতে ভান্ত কথা মাৰণ

"হে ব্রাক্ষণদথ, আমি এইজনে অলেনামের কাছে शहरवादा सारवाम केंवान्यास्था अववश्यि वर्गन कालाव, বার অসাধারণ সাঁপ্য কাঁতিত হওলে সকচেতে উপরক্ত বিবর। এই কানা সমস্ত অভান্ত কিবল করে। বিনি অন্যাটারে অধিয়ার প্রতি কটার প্রতি মৃত্তে এই প্রয় স্থাপুতি করেল এবং দিনি ক্ষতা সংক্রাপ্তে প্রমন্তি একটি এরক, কিংবা অংশ্রেক, শ্বহুষা একটি পাদ, এমনকি भागार्थक स्थव करवन, निम्मकतरण किनि वीस धारहारक পরিত্র করেন। যিনি একানশী বা দাপনী ভিথিতে এই শ্ৰীমন্তাগৰত প্ৰকা কমেন, তিনি অংশুই দীৰ্ঘ জীৱন লাভ করতেন এক বিনি উপবাসের সময় হয় সহকারে তা ধ্বংশ করকে, তিনি অংশাই সমন্ত পাপ থেকে মৃক্ত হয়ে भवित्र शरका। विभि का मश्यक करत श्रुवत, प्रधुक स ম্বলকা সংগ পৰিব তীৰ্থে উপৰাস পূৰ্বক এই লাভ পাঠ করেন, তিনি সমন্ত ভর খেকে হক্ত হকে। বিনি প্রবণ धारः केंद्रित्सा याधारम और शतालमा स्थानीर्द्रण करतम. দেবতা, কৰি, সৈছ, পিতৃপুক্তৰ, হৰু এবং পৃথিবীর नृत्रिक्षा केलावरक नमञ्ज काम, विश्व सन वर्तन। सक. যক্তঃ এবং সামকে পঠে করে একজন প্রাত্তপ বেরকম प्रमु, वि अन्तर मृत्यत मनिर छटार च्यामान करत, श्रेर শ্রীমন্তারত পাঠ করেও তিনি অনুরূপ আনন্দ আহলেন করতে পারেন। বে ব্রাফাশ অধ্যবসারের সঙ্গে সমর্থ পুরাপের বাহাতিবার এই বংগিতা পাঠ করেন, তিনি পরম भाग मार्क केराध्या, हा क्या श्रद्धारचंत्र स्वायाम अवस्ति কলা করেছে। যে হাজা শ্রীরপ্রারণত পঠে করেন, তিনি ভডিত্ৰত দেবাৰ দুচ্বুদ্ধি লাভ করেন, যে প্রায়া তা পাঠ করেন, হিনি পৃথিবীর উপর সার্বভৌম ক্যান্তা স্থাত করেন, বৈশ্য মহা সম্পত্তি লাভ করেন এবং স্থায় সমন্ত্র পালের কল থেকে যুক্ত হল। সমস্ত্র জীবের পর্যয়

নিয়েল্ড ভগগান টাহিল কলিয়াগের পর্যান্তত পালাক জালে কৰে। কিছু বা সংহও অন্যান্য গ্ৰহণাৰ হাবিবায় ঠাব প্রপর্কীর্তন করে না। কিন্তু সেই পান পুরুবোরন ভাগের অসংখ্য স্বরূপে আর্নিভূতি হবে সমগ্র শ্রীমভারন্তের বিভিন্ন কাহিনী ক্ষাড়ে অধিকান এবং পর্যাপ্তরাপে ব্যক্তি হয়েছেন। আমি মেই অভ অনন্ত পর্বনান্ততে প্রধান कदि, योज वीह भांक क्षण क्षणाटन मृति, हिर्गठ शक প্রসায়কে কার্যকর করে। এফনকি প্রায়া, ইয়ে, শহর এবং অন্যান্য সুর্বার্থিণপথ আচাত পর্যেশ্বর ভাগবাটোর আনা মহিমা ভাষাসৰ করতে পারেন না। আমি নেই পরামেশ্র ভগতনকে আমার প্রশাম নিকেন্দ করি বিনি সকতন প্রস্ত অমান্য সমস্ত অধিবেবতালের অধীনর, বিনি ভার নতটি ভাত্ত শক্তিকে বিকশিত করে নিচ্ছের মধ্যে সমস্ত স্থান্তর ७ कृत्र्य कीवरनंत्र वरमञ्जून द्राज्य करतरान क्या हिन्न সর্বদাই দিবা ওছ ভেতনার অধিকিত। শ্রীল ব্যাসায়েরের পুত্র শ্রীল ওকাদের প্রোক্তার্যাকে আহি আহার প্রণাত্র নিবেদন করি। তিনিই এই জগতের সমস্ত অধ্যতক পরাকৃত করেন। বহিত প্রথমে তিনি ফ্রামনুবে ছয় ছিলেন এবং অনন্যক্তে হয়ে নিকতে কল ক্যাছিলেন, তবৃৎ তিনি স্কগবাদ শ্রীকৃতেশ্ব আনন্দদারক পরম সুপ্রাব্য সীলার আকৃষ্ট হরেছিকেন। তিনি তাই কুলালুর্বক লরম সভের উম্মন জোতিজ্ঞা ভারতের নীলা প্রাকারী এই পরম পরাপ শ্রীমন্তাগরত বলেছিলেন।"



ত্রযোদশ অধ্যায়

শ্রীমন্তাগবতের মহিমা

ক্ষা ও ফ্রন্তবাল বিশ্ব অভিন্ন মাধামে এবং উপনিবদ, - বাঁতে দর্শন করেন, দেবতা এবং অসুরুপণ বাঁয় বার পুঁজে পদান্তম ও বেলাল সত্র বেলকানি উচ্চারকের মাধ্যমে কথ निर्देशमा घटना, नामहरास्य कीर्टनकारीयन चेत्र मचरक अनुक्रि निरंतास करकि।"

শ্রীসূত জ্যেকারী কল্কেন—"বাঁকে প্রকা, ফলে, ইন্স্র, কীর্তন করেন, সিভারানিগদ খ্যানারন্থিত ভদ্গত চিত্তে পান না, সেই পরক্ষের জনবানকে আমি আমার বিনশ্র

শন্রমেশত ভগবান হত্য কুর্যুর্গে জ্বতীর হর্মেছিলেন, তথ্য গ্রহণ্ড ভারি চুর্গার্থনে ক্রমন্ত পর্বতে धर्मापुर भाषालय बाजाम क्या देख गृहेत्सम् वर्ग्यन করা হয়েছিল এবং সেই কণ্ডুলে ভাবসাধে নিস্তাপু করে। ততিভূলক সেবা লাভ করা। তোলও মানুব বনি ভাত তুলেছিল। তাঁর সেই নিজাক্ত অবস্থায় তিনি বে আনের পূর্ণিমা তিথিতে ইতিহুল্যবতকে কর্ম নিয়োগনে খাসপ্রখাসের করু প্রবাহ সৃষ্টি করেছিলেন, সেই প্রবাহ স্থাসন করে দান করেন তিনি পরম পতি পাত করকেন। ক্ষে মাপনাদের সকলকে ক্রমা করেন। সেই সমত আনাদা পুরালয়ণি সাধু ভক্তদের সভার ওতনিনই দীপ্তি খেলে এমন কি আৰু পৰ্যন্ত সমুলের ভাষতাতি ভাগ বিকীয়েশ করে বতনিব পর্যন্ত অনুতের মহাসাগর এই পুন্যার প্রনাদময়ের রাধারে গুরুহানের সেই নিংখান। শ্রীমন্তাগরত হতে না হয়। শ্রীমন্তাগরতকে সমস্ত বেশক त्रशास्त्रकी चनुनर्दन करत प्रधासन। अपन चनुन्दरपूर्वन প্রতিটি পুরাশের জেক সংবারে সমষ্টি সম্পর্কে প্রবণ ভবল ৷ ভারণার এই ভারবত পুরাকের প্রধান আলেচ্যে निवह अपर क्षेत्रचना, वाणि मान करात कराई नाग, ताहे मार्ट्स प्रीरमा, अवर चयरनार और इस खरून कीर्टरस्य রহিমা সম্পর্কে প্রকা করন। ক্রজাপুরাণে কর হাজার লোক ব্যাহে, পাল্পারাকে পঞ্চার প্রাক্তর, প্রতিষ্ঠ প্রাপে তেইশ হাজার, দিব পুরাবে চবিশ রাজার এবং প্রীমপ্রাণাবতে আঠারো হাজার জ্বেক হরেছে। ব্যৱস পুরাবে পাঁচিশ হাজার, হার্কতের পুরাবে নর হাজার, আন্তপুরাশে পনেরে হাজার ভার শন্ত, ভবিত্যপুরালে টোক হাজার পাঁচ শত, ব্লকট্রবর্ত প্রাণে আরন্তের হাজার এক লিক পুরাণে এগারো হাজার একক রয়েছে। করার পুরাণে চবিদ হাজার, কম্ম পুরালে একলি হাজার একশত, যাম্ম পরাশে মল হাজার, কর্মপ্রাশে সতেয়ে হাজার, মংসা পুরাধে টোক হাজার: গলত পুরাধে উনিক হাজার একা একাণ্ড প্রাংগ বারো ক্রমার লোক ক্রেছে। এইসংগ সমগ্র পুৰাপে সর্ব যেটি হার কক্ষ জেক বরেছে। পুনরার উল্লেখ কর্ছি, শ্রীমত্রাগরত প্রশ্নে আঠারো হাজার টোক বাছে। প্ৰস্ৰাৱ কাছেই প্ৰয়েশ্ব ভগবান এই প্রীমন্ত্রগবত পূর্বরূপে ব্যক্ত করেছিলেন। সেই সময় প্রথা ছড সমোরের ভারে ভীত হরে ভগবালের মাতি সঞ্জাত পরের উপর উপবিষ্ট ছিলেন। তক্ত থেকে পের পর্যস্থ শ্ৰীমন্ত্ৰাগবত সেই সমস্ত কৰ্মনান পতিপূৰ্ণ বা মানুমৰ্কে বাড় খীবনে বৈয়াগা কান্তে উৎসাহিত করে এবং সেখানে বৰ্ণিত ভাগবাদ শ্ৰীহতিৰ অস্তয়ত বিশ্ব লীলাসমূহ সাধু **एक क्या (नक्ठाएक क्रिस्ट कानक वान करते। ये**रे শীমন্ত্রাগনত হতে কেন্দ্র পর্শনের স্পরতিসাম, কেন্দা কা

থালেড্য বিবাহ হলে প্রায় সভা হা একট সামে চিম্মর यादा (१९१७ क्षांत्र), नदम दान्य दक्त व्यक्तिक। अर्थे ইয়ের দক্ষা হাজ সেই পানে সহস্রে প্রতি কেবলা দর্শদের সার বলে হোবপা করা হয়। বিনি এই শ্রীমন্তাগধনের স্থাসনতে শুন্তি লাভ করেছেন, তিনি কথনী আৰু আনা কোনও প্ৰশ্ৰেৰ প্ৰতি আকৰ্মণ বোধ কর্বেন বা। ঠিক ছেমন সমস্থ নবীর মধ্যে পছা হেট্ডেম্ সমস্ত অলোধ্য বিশ্বকের কথো অচাতই পরম. বৈশ্ববাদের মধ্যে শিবট প্রেষ্ঠতম, তেমনি এই ভীমত্রাগরত ইটে পুরাপের মধ্যে ভোটভার।"

कार्यक जान

^{*}হে ব্রাক্তগণৰ, ভীর্বন্তেত্রসমূতের মধ্যে কাশী বেজন প্রেইডার অনতিক্রার, ঠিক তেমনি সমস্থ প্রেপের মধ্যে শ্রীমন্ত্রাগরত হলে শ্রেষ্টতর। শ্রীমন্ত্রাগরত হতে আমদ পুরাগ। এই প্রা বৈষ্ণান্ত্রণ হাতি প্রিয় কেন্দ্র রুতে शरपंदरमास्य द्वादा गराव व्यास व्यास वर्तित वरादाव। बाहे ত্রীয়াপ্রদান দিবা আন, বৈরাগ্য এবং ভতির সহিত জড় রাগৎ থেকে মুক্তির উপার বান্ত করে। যে ক্ষেম ব্যক্তি যদি কার্ত্রতভাবে জীমহাগবত উপলভি করার চেটা করেন, ভত্তিত্বন্ত চিত্তে যথাবমতাবে প্রবণ কীর্তন করেন, হিমি পর্ণরালে মৃতি লাভ করেন। আনি সেই নির্মণ বিওছ পরম সতেরে বাদ্য করি বিনি মৃত্যু ও সুংখ, লোক থেকে নিৰ্মৃত্য একং যিনি আদিতে হতে এই আনুস্থানীয় নিবারানের প্রতীশ রক্ষার করে বাড় কর্বেচকেন। রক্ষা তমান্য তা নরসম্নিকে কলেছিলেন একা নরসম্নি তা ক্ষাহিশায়ন ফেবাসকে বলেছিকে। জীন বাসদেব এই প্রীমন্ত্রগবন্ত মহামুদ্দি জীল গুৰুকের সোকামীর কাছে ব্যক্ত করেছিলের এবং জীল ওকলের প্রেক্ষামী কৃশাপুরক और शह भरीकित बहाराज्ञाक गालकिरमा। बायदा स्मेरे পর্মেশ্র ভগকা সর্বসাকী ভাস্বের্ডে আরাদের প্রশান নিবেলন করি, বিনি জুলালুকে এই ভব্বিজ্ঞান মুমুক্ প্রদার নিকট ব্যাখ্য কবেছিলেন। আমি সেই কোবীবার

এবং বাবে সভার মুঠ প্রকাশ স্থান প্রীয়ে শুক্রনের আনমার চ্যুদ্রকান্ত আন্তর্মের পুরু প্রতিমূলক সুস্থা आयादीहरू कामार रिनीड उनाम निर्दरन करि दिनि कराड चरिकार क्षान करन जाम अहे शहरास्ट्र সংমাধ-সংগ দই পৰীভিত মহাভাজতে মৃতি বান ভাগান নীয়াঁৱকে মামান মন্ত্ৰৰ প্ৰণতি নিৰ্দেশ কৰি গাঁৱ कर्ताध्यमः।"

"মে সেবেশ, হে নাম, অনুমানপুৰ্বৰ ক্ষা-ক্ষান্তৰ কৰে। কৰে সমন্ত আৰু মূহৰ খোলে মৃতি পাত হয়।"

নৰে সংক্ৰীইন সংবাদ কৰে কৰে কে বাঁকে প্ৰধান্ত

বাদশ বন্ধ সমাপ্ত

অমল পুরাণ মাহাত্ম্য (স্কন্দ পুরাণে বর্ণিত)



শাণ্ডিল্য মুনিকর্তৃক ব্রজভূমির বর্ণনা

ইনাসেদের ক্যানেই—"ভগবং সেনার রুসাবাদনের মন্য আমন। সাম ও আনৰ পূৰ্ব নিচাৰকাৰ ভগতন ফ্রীকৃষ্ণকে অধিরাম প্রশৃতি নিজেন করছি। তিনি লয়ম অকর্যক ও সকল সৌলবের সারঃ তিনি সকল জীবকে টাৰ গৌলৰ্য ও মাধূৰ্য ওপেঃ দাৱা দাবুটা কৰে আদেৱ **६**५५ मर्दन जनम सारम वर्षन करान। स्थापन विश्वत ন্ত্ৰী, স্থিতি ও কালের কারণ চিনিই।"

"বৌদক কৰিব নেড়ডে নৈষিক্ষণ্যের স্থানিগদ ক্রীমস্কাগরডের অমৃডভুকা বিষয়ের রুসামাদনে নিপ্র সর্বজ্ঞানাধার প্রীসৃত লোম্বানীকে প্রধান স্থানিয়ে প্রধ কংকে--'বে মুনিবেট, মহারাক্ষ বুধিতির ব্যানাভাকে (প্রদাসের পৌর) মধুবার সিংহাসনে এক প্রীক্তিংক (নিজ পৌর) ইন্ডিনাপ্রের নিংছাসনে বসিরে ভলবদ্ধাহে কিলে সেলেম, প্রাক্ষা বছনতে ও মহারাজ পরীক্ষিক তথন S GRUNGEPF H

বলৈ সূত্র গোসামী আলেন—"গুরলাভের উপার স্থান জীবন্তাগৰত গাঠের পূর্বে গরমেশর ভগবান माताक्ष्य, महाअर्थ कवि नह-माराक्ष्य, विभाव (भरी) या गतकडी अप: शहरका दील कागाएकाक मजह द्वराध কাল্যতে ছবে? শৌনক অনুগামী হৈ মহা মুলিবৰ, ম্বিটির মহায়াজের ভাগবছামে কিন্তে ক্ষরার পর মহারাজ পর্বাভিৎ বস্তুনাভাকে কেবতে ইচ্ছক হয়ে একদিন সভুৱা পদৰ করলেন। বছনকে খনন ওমলেন যে তাঁই নিতৃস্থ মহারেজ পরিপ্রিক তার সঙ্গে দেখা বরতে জাসকো তথন ষ্টার হালর ছেহাবেশে পরিপুরিত হল। তিনি নগরের বাইতে এসে মহারক্তা পরীক্ষিতের জীচরাপ পতিও হলেন এবং তারশর তাঁর জনাতে নিয়ে ছেলেন। সর্বল ভারতন ক্ষ-চিত্ৰৰ ইয় মহাবীৰ মহায়ক পৰীক্ষিৎ বছনাত্ত্ সহেছে আধিকণ করবের। উরো প্রায়ানের ক্ষমতে প্ৰবেশ করে ভগৰান শ্ৰীকৃষ্ণের একশো আট যহিবীর क्षतान त्वाविकारक विश्व क्षतान निरंद्यम कश्रासन। প্রথনেসারে তিনি রাক্ত্যক অভ্যর্থনা জনাকেন। সহারাধা প্রীক্তিং তথ্য সাক্তা আরামদরেক আসনে উপবেশন बरह किङ्कान दिखान कहात की बङ्कारकर मूल कथा रकटके काभारतन (*

মহাবান পরীক্ষিৎ কার্যান—"হিয়ে বাছনাত। তেখের পিতা ও বিভাগত আমত্তা বিখ্যা ও পিতাগতকে মতা বিশ্বন থেকে কলা করেছেন। আমিও তোমের প্রলিভয়েত প্রগরন কুরুর হার সম্পূর্ণরূপে সুর্যক্তি হরেছি। আরি যদি জানের হল কথনও পরিশোধ করতেও চাই, ছাত্র কৰ্মট ভা করতে সমর্গ হব না। সুভরাং ভোমার রাজেও ধিবন্ধে ভোষার অধীনত্ব সকলকে নিযুক্ত করতে অর্থায় অনুবোধ করছিঃ তোনাকে তোনার সম্পদ্ধ স্বেক্তর সৈনাকা বৃদ্ধি মা তোহার শতনামৰ সমতে কৰাও চিভিত হতে হবে নাঃ শুমি ওপু টোমার যাওপালে সেবার নিজেকে নিবন্ত হাৰ। তোমার দুঃখের কারণ কি বন্ত করে অন্যতে কং : আমি কোয়াকে স্থিয় নিশ্চয়তা নিয়ে ষণান্ধি যে জোহার সম কটি আমি দুর করব।"

মধ্যমান পরীক্ষিতের কথা শুনে যালনার পৃথাই পুনি हेंदर कालम-"महाताल। या किंद्र चालम कालम মবই ঠিক। খনবিজ্ঞানে নির্দেশ দান করে আপনার পিয়ে। আমতে অতীৰ কথিত করেছো। অতএব আমার বিদ্যার দৃশিয়ে নেই। ওঁয়ে কণা বলেই আনি করিয়ের नार्याक विकास एक इस्ति। चामक वर्ष क्वरी संबर्ध সমস্যা। অনুপ্ৰহ কৰে মনেয়েখনে সকে সেটা বিকেন করন। মধ্যার বিবোসনে মাজা হিসাবে অধিটিও হলেও আহল কলে হয় আমি নির্মণ জনাশ্য কল কর্মছ। স্কার্জ কাৰাসকারী লোকজনকের নিয়েই রাজবের সুধ। কিছ এই সানের অধিবাসীরা কোপার চলে গেছে সে সকরে **अत्यात त्याम शाकृत त्यार ।**"

"বছনাডের কব্দ ওলে মহানাজ পরীক্ষিৎ উন্ন সংশ্ব পুর করার কান্য লাভিন্য কবিকে জেকে পাঠালেন। পূর্বে শাতিকা ধবি নশ মধারায় ও গোপদের পুরোহিতেঃ কাল করতেন। পরীকিৎ মহারাজের ভল্ পেরে শান্তিলা কৰি আত্ৰম ছেছে রাজনে সামনে হাজির হলেন। মথাবোগ্য অনুচানের সচে বস্তানক সুনি প্রবাহে সাকর সভাষণ জানিতে উচ্চ জাসনে বসালেন। বঙ্গনাভের সকল কথা গরীকিং মহারাজ শতিলা কবিকে অবসভ ক্রাদেন। নিমের কথাওলি যারা মুনিবর ঠানের সংগ্রহ भावना कानांक्ष्मर ("

শাহিত্যা থবি কান্যাল—শাহিত্য পরীক্ষি ও বছলতে: সম্পর্কে কুমানী নাইনমান একাছে সামবেত হয়ে এই ধরাত হার্টির ব্রজাভূমির ব্রসা আলংগদের করে। মনেহার্গের চিত্রন প্রকাশ, আচীল মত অনুনারী এই ভূমণের নাম রয়া ছুওয়ার করেল, এটা নর্ব-ব্যাপক। এই সূর্ব-ব্যাপক চিত্রত হুন।" ক্তৰভাট জন্ম প্রস্থাতর ফিনট গ্রীতির বাইরে। তাই একে অধিনশ্বর এবং মুক্ত আছার অধ্যসমূল। প্রির নুসহিস্বত্ इक्सार्थर और पान्न छालर-एटावानकसरी बरकानक क्छन। घराडाक युराठाणु व्यक्ती द्वीरकी जारिका एरापुत ঐনত্য নতন ভাগবান প্রীকৃষ্ণের আতা। হিনি জীকৃষ্ণের মৰে নিত্যশীলা উপজোগ কলে এবং সেই ৰাজনৈ দিবা ক্রম উপ্তেশে করু ভাতনা একে কৃষ্ণ আন্তান্ত ব্যাসন। কাম শংগর অর্থ হল কামনা। প্রকে কৃষ্ণের প্রতমান কালনা হাল খেন এবং গোপনালক ও নালিকালের লীলায় লত থাকা। কারণ ডিনি সর্বদা তাত এই ফারের পরিপ্রদ भवन मीना बढ़ा शक्तित सहिता कारण कर वह কোকেনাও উপদৃত হয়। এই কৰু কৰছের সূত্রী, স্থিতি क नम् माथिक इस वधानस्य च्यातव, त्रेष्ट्रं क स्थानस्य ৰাগ। এইণ্ডাৰে দিয়া ও সাধানত—গোহিংদৰ এই দুই এর তার্য হল প্রেম বিনিমারের সেরা কুগলী জীকৃষ্ণ কর্তৃক क्सा और मध्या दन मामामा मीनात प्यक्र्य । नियु-বিশ্যাও ব্রক্তমণ্ড এই অঞ্চলন্থিত এবং এখানেই

অবস্থাৰ্থ হল, ঠিক কেনে স্থাত্তাতিক কালে ভাগান মূকে অংশ করন। 'র্ড' শংকর হর্ষে কর্ম-প্রিয়োগক এখানে পাঁকা করে সেছেন। সেই সময় সকল দেবতা ও অন্যান ভাততা ক্রমকনের সকে কেবেরোও আনিউত

্বতী সভ বীলাত তিম প্ৰথমের উপ্ত বৰ্তমান বিশ্বেন। এক বলা হয়। এই স্থানটি সাল জালোমার, আসুমের্কা, এতে কোন সন্দেহ দেই। এই তিন কৌশা ভাক্তেশন মধ্যে প্রথম প্রেশীর হস্তের হলেন ভগবাদের অন্তর্জ मिठा प्रकार, विटीए खानीत चलता शरणा शीरा আরা ও ভক্তপৰ অবিসাম সজিদানক্ষয় কৃষ্ণ-ধর্মন। স্তবজনের নিতা সংস্ক হতে আকৃত এবং তৃতীয়ে কেনীয়ে ভক্তর হলেন দেবতা ও খামের বিভাগ আনের তিনি পূর্ব ভারকার পাঠিবেছেন। প্রথমান্ত এখন বাদং ছিলাবে উপত্তিত হত্যেকে: টোসগ-গাঁলয় প্রাক্তরে অভিনাপের কলে ভগৰান দিব্য-গ্ৰহে তানের কর্তব্য-কর্মে কেরুৎ পরিটানেন: করা ভাবানের নিজ দারী হাতে আকুল সেইসৰ ভাজনের ভাগবান নিবা রূপ খান ভারেন। ভাগবান क्ष्म अहेनद क्षरपट द्रोश निया भीताद चक्रक निया ক্ষেন, তাই তাকে আগুকাৰ কল হয়। ভলবাদের এই পার্বছ রুপে আনত্র কলেন এবং এজপান্তাবেই তাঁরা मानातम (मारकड मृष्टि स्थारक मृश्य हरत पान) मृहदार বিশে উার দীক্ষা উপজেল করেন, তথ্য অতি সাধারণ । ব্যবহাকিক সীলাত মন্ত মানা সাধারণ লোকদের ভাষকানের निधा मीलाइ शहर कराय के मत्त्वदी मीलाइ जिल्ह পার্বসন্ধের মর্শনের বোধ্যায় নেই। মেইরালা এই স্থানটি ৰদপুৰা বলে যদে হয়। কাৰেই ব্যানাতের বিশ্বয়ায় প্রকার লীলা প্রকশিত হয়। উন্ত দিন্দ দীলা ছত্যানিক। পুলিস্কার করেশ নেই। আমার নির্দেশ মতার কথানে नम्हादनीत भक्त करत सागभात मकन वामम् भूनं कासः। রকে এই সঞ্চল লীলা আখানিও হয়। পতিত আক্রর কেবানে ছেবানে ছবানে কৃষ্ণা লীলা করেছেন সেই উভাৰ ও এক, মধুৰা ও স্থানকৰে পৃথিবীয় কেন্দ্ৰ ছাত্ৰা বিশেষ ছাত্ৰে বিশেষ জীলা অনুসাৱে নগৰ পদ্ধন কৰতে ছবে। এইভানে সেই জনার্থিক ব্রজানুমির সুন্দর সেবা লীলা বাতীত সাধারণ লীলা হতে পারে বা। দিবা করতে পারেন। সোকল, দীর্ঘপুর (বীর), মপুর, মহাকন, ৰীলার সাধানৰ লীগার প্রকেশধিকার নেই। ভোমানের নন্দক্ষম (নন্দগাঁও) ও কুংসমূতে (বর্ণনা) আপনান বাল নুজনের ছারা উপভূচ্চ নীলা হল সাধারণ দীলা। স্থাধ্য কর্মন। ভাবনে কৃষ্ণের এই সকল ক্রিল্ডেন্ডেরে স্বধারণ দীলার সীয়া হল এই প্রছ থেকে দিও এর পর্যন্ত, বাস করে হলের নদী, পর্বত, কুণ্ড, সরোকা ও কুতের আর মধুরা-মণ্ডল এই হরের পভাতরেই অবস্থিত। সেবার রস্ত ছোন। এবে জাপনি ভূট হবেন আর चाभमत आकारामीराक्य केविंग हरू। उटका वहें विका च्यायाम् (भागननीमः दिवियक इतः। भारतः बारतः वर्षे লকংত লামপুশুৰ বামের কথাসাব্য সেৱা করা উচিত। শীলা ভতি পূর্ণ ভত্তের হনতা প্রবটিভ হয়ং আনিংশতি আহর অশীবাদে অপনি ভাগনে কুকের লীলাকেরওনি पूर्व-कर्राकृत सरश्च कालम दूर्वता स्थाप क्रमवास्था श्रमक अठिककार्य निर्मेश कदाक शावहस्था। तह राष्ट्रांसकः

Water Street

এইভাবে হজের ছবিরাম সেবার কলে একদিন আলনার শ্ৰীউছবেৰ সাক্ষাং লাভ হবে। তথন তিনি জাগনাকে ও আপনার মাতমগুলীকে ব্রন্ধের বহুস্য ও ভগবানের লীবার নির্দেশ গদ্দ করকে।"

"এই*ক্র*ণে বছনায় ও রাজা পরীক্রিংকে মির্মেল দেবাৰ পৰ কৰিছেট শাতিকা ভগতন শ্ৰীকভাক কৰে করে নিক অংশনে প্রত্যাবর্তন করলেন। রাজ্য পরীক্ষিত ও বছুনভে তার নির্দেশ তনে মহানশ অনুভর করুলেন।"



দ্বিতীয় অধ্যায়

ভগবানের মাহাত্ম্য কীর্তনকারী পরীক্ষিৎ ও কৃষ্ণ-ভার্যাগণের উদ্ধবের সাক্ষাৎ লাভ

মুনিগণ কললেন-"হে দুও গোলামী, মহাবাজ পরীক্ষিৎ ও রাজা বছনাভ মুনিপ্রেষ্ঠ সাতিলোর জারামে প্রত্যাকর্তন করে কি করেছিলেন কণা করে আহাকে रुधुन ۴

শ্রীল স্ত গোগামী বললেন—"মহারাক পরীকিং ইলপ্রের থেকে হাজার হাজার বিশিষ্ট প্রাক্ষণ ও ক্ষরির এতে মথবা নগৰীতে পুনৱার বসতি ছাপন কমলেন। মহারাম পরীকিং সেখানে কাকাসকরী প্রাথণ ও বানরকের প্রতি প্রকা নিকেন করকেন, করল ডিনি কুমতে পার্যের যে ডারা ভগবারের প্রিত পার। সহায়াক পরীক্ষিতের সহারতার একং শান্তিলা কবির কুপার কুঞ হে হে কালে তার ভিন্ন রাখাল সভা ও স্থীদের সঙ্গে দীলা করেছেন ক্রমে ক্রমে কেই সকল ক্রম বংক পেনে। শীলান্তলঙাই সঠিকভাবে নিশেলিত হত্যা পর ৰে স্থানে বে দীলা সংঘঠিত হয়েছিল, নেই গীলা चनुमारत द्वारी शास्त्रत माधकान कहा रक्त। बहेरारण विनि বহু নগত, কণ্ড, কণ্, কল্প ও উদ্যানের প্রতিষ্ঠা ও নামকরণ করকেন এবং বছ পিন মন্দির স্থাপন করলেন। তিনি শ্রীভগবানের বিশ্রর বথা, গোবিশানের ও ইরিনেরের বিপ্রস্থ প্রতিষ্ঠা করলেন। তার গোটা বাজা জানবে পরিপরিত হল কালে, কৃষ্ণ-ভত্তি সর্বন্ন প্রচারিত হয়েছিল। জিল কা। জীকুকোর মুরলী রূপে উালের প্রেম প্রকালিত। ভগবান কাজের পূজা কার্বে নাগবিকরা সলা মভ। এইডাবে তারা আনন্দ সাগরে নির্মাক্ষণ্ড হয়ে রাজা

वक्रन्यराज्य मान्यरस्य द्यमरमा करत्यः। अकप्रिय छन्।वास জীকুকের বিরহকভেরা ব্যেক্তা বছল মহিবীবৃদ্দ অস্থ্য শুন্য মনে ভাসের সপত্নী কালিশীকে সৃথী দেখে তার কাছে এর কারণ **জানতে চাইলেন।**"

ক্তমের মহিবীগণ বললেন—"হে রূপবতী কালিনী। ভোষার ইতের আহরতে কৃত্রের পরিতা। আহরে সকলেই অবিরাম বিরহানবো দার হজি। প্রাধ-সখরে অমণস্থিতিতে আহালের স্থার নিরনকে পীড়িত। তোহার অবস্থা এরূপ নয়, ভাই ভানি সুখী। খেল এফা খলং দায়া করে এর কারগটি আমাদের বল 🖺

ন্তার সল্বভীবের বিবছ-বেদ্যা অনুদ্রথ করে অভি সমবেদনার সঙ্গে মুদু ছেলে কালিকী বনলেন---"শ্ৰীর্থিকা হলের শ্ৰীকৃষ্ণের আছা, বিনি আদারাম ছিলাবে পরিচিত। আমি লয়া তার লেকার রত। এই সেবার প্রভাবে বিবহ-বেদনা আমাকে স্পর্শ করতে প্রেমিঃ ক্রের স্কল্ স্কিনীরাই শ্রীরাধিকরে সম্প্রসারিত জল, এবং যেহেড় শ্রীকন্দ সদা শ্রীরাধিকার সক্তে আনশ্ব উপভোগে রড. ডাই ক্রেড অপরাপর সনিনীরাও স্বভাবতটে কমা কর্ডক উপভক্ত। শ্রীকৃষ্ণ ও শ্রীরাধিকা অভিয়ন্ত্রণ এবং শ্রীরাধিকাও শ্রীকৃত বেকে दीठव्यक्यी भरी दीक्कारका इक्काम् माथा धकान। ব্যব্য-কৃষ্ণ সেবায় খাড়াধিক লোভ বেড় চলাবলী জন্য কোন কাপ প্রথম করেননি। আহি কিছু নীক্তিশী একং কিছু নিবা-চর্চার কলেও মূর্ত কাল মানের জন্য ভাসক্ত জন্য স্থানের শ্রীবাধিকার স্থিতের জনস্থিত লেখেন্ট্ এবং কুনা শ্রীটাই এতান ভাগে করেছেন। উচ্চালেও আর তোমরাও কৃষ্ণ থেকে কখনও পৃথক হওনি। এই ক্সা; একানে দেখা থাকে না। একো ধুনার সমে নিশিত তোমানের অঞ্চানা বলে তোমরা অভিত্ত। পূর্বে অঞ্চুদ্র হবন কুপাবনে এসেভিলেম পোপীয়া তথন একই কলম विराक्तान चनुकृष्टि डेजलींब करविहरूका, स्थित छाउ शक्छ विश्वाम दिन सा। वहीं किन छन् विश्वासन প্ৰতিক্ৰমন মাত্ৰ। কিন্তু উদ্ধৰ এলে কৰন ভালের সাধুন নিলেন, তাদের বিলহ-বোনমা তথন বিদ্রিত হল। একন তোমরা যদি উদ্ধবের সাহচর্য লাভে সক্ত হও, তবে

द्यीन मृङ (भाषामी समहानः—"(इ भूनिधन। कुरस्का भविरीतम राष्ट्र अवैकार निर्मिन्ड स्टबन, उपा टीवा আবার সদা জানশম্মী কালিনীকে সবোধন করলেন। সকলেই তথন যেকোনভাবে উন্নবের সৃদ্ধে সাক্ষাং লাডে অভিশৱ লালায়িত হলেন, বাতে সকলেই ভাঁনের

কৃষ্ণ-মহিবীগণ কৃষ্ণকেল—"হে সমি, তোমায় জীবন बाधावाणीय भविष्ठाविका इस्ट देखा करि। विक्, स् কলিনী, ভূমি আমানের বলেছ যে উন্নরের সংগ সাকাং राजरे बाबारसर तकन करना पूर्व शतः। मुख्यर बग्र করে ৰূপ কিভাৱে আনত্র তাঁর সাকাৎ কেতে পারি।"

জীপ সৃত সেখানী কালেন—"সপরীকের কলা ওনে কলিন্দী টোবট্টি গুশের পূর্ণ অধিকারী প্রীকৃষ্যকে স্মান ক্সলেন। ক্যাবান কৃষ্ণ সর্বোচ্চ লোকে প্রত্যাকর্তন কর্ম শূর্বে ডিনি তার দেবক উদ্ধবন্ধ কালেন বে পর্যাহবিক কালে মধ্য হওয়ের উপবৃক্ত ছান হল কারিকথেম। সেই নিৰ্তাশানুসারে উদ্ধা সেখানে খেকে খেকের এক ক্ষরতান উদ্ধ্যকে যে লিকা গদ করেছেন সেই একই লিকা শাভের জন্য যায়া দেখানে জানে জানে নির্দেশ নিতে ইলখামের রহস্য সম্বন্ধে ভগবান উদ্ধানে শিক্ষ নিলেন। পূর্ব করলেন।"

হতরার অভিনাধী হয়ে উদ্ধব মিশ্চিতই সংগ্রেপ গোনবঢ়ির করে স্বীক্ষীতে কর করছেন। ভগবন কৃষ্ণের উৎস্বের মুর্ত রূপ ছলেন উদ্ধন। তাই বন্ধনাতের মধ্যে কৃত্যু মরোবারে বিজে দেখানে একটি **छेटारका फोरहाका कर। काराहक कक्षान कर कार** वीमा, वॉनी क मृत्रक अञ्चलका क्षत्रकारम्य भवित आध क मीना बीर्डन करा। এक वित्रत्ने वैध्यत्सा मृहमा करा। ভোননাও ভোনাদের দয়িত ইন্দ্ৰেল্য সাথে দিয়া কীদাৰ এই ভাবে উৎসক্ষে সন্মাসায়ৰ হলে উভৰ অধনাই নেবাৰে উপস্থিত হতেন এবং তাৰ স্থপাত ভোনাদের সভল অপন চরিতার্থ যুবে। কালিকীর এই সবল কথা ক্ষেত্র। পর ভাগরত কুরের হাইবলৈণ অতীন তুট হলে। কালিশীকে মান্ত জানিয়ে তথ্য চলে গেলেন এবং ভারা ৰ ওচনকে সৰ বন্ধনত প্ৰাক্তিতকে কালেন।"

^শতহদের বভাগ্র পোনার পার পারীক্ষিৎ মহারাজ মহা প্রিরজ্ঞের নিতা স্থানিধ্য লাভের সৌচাধ্য কর্মান করতে সম্ভাষ্ট করে আদের সলে কুসুম-সংরোজনে নিবে সেখানে এক ইংস্ব উদ্যাগনের ব্যবস্থা করেন। গোংকা থেকে আৰু দূরে স্থীকুলীতে ভারা নাম সংকীঠন উৎসৰ ওক মহিমমত্র, কারণ তুমি ভোমার জীবনে কথাও প্রভুর করেন। কবলে কৃষ্ণ উল্ল প্রণায়নীর ব্যক্তনে সন্দিনীর নিয়হ-বেদনা উপদাৰি কর মি। আনরা ভোষক ছতে। সমে বেখানে দীলা উপভোগ করেছেন সেবানে ভারা ভগৰনের পূজা করনে স্থানট এক অস্থাভাবিক স্থান্ জগরবরিত হল। কাংখান কৃষ্ণ আরাধনার তারা স্পর্ণ নিমন্দিত হলে। তথ্য পুৰ-৫০ছ, হাক্স কের ও গতা-কুম্বের ভিতর খেকে সমার সামনে শ্রীউদ্ধা উপস্থিত হলে। তার সাম্রক নীলাভ এক পরিবানে পীত বসন। ক্রমুকা ও ওঞ্জার মধ্যে হাল্লা তিনি সবিছত। তিনি আংবর গোণী-কাভের পূজা করছে। তারপর স্পতিক প্রবেশ রপর চতালোক পভিত হলে সংকীর্তন উৎসক্তর সৌন্দর্য কণ্ডেশ বৃদ্ধি পেল। সেখানে ওঠা আগমনের কলে প্রত্যেকেই আনক সাধার ভূবে প্রেকেন, ভারা কি কর্মাধ্যকা অ কুলে জেলেন। ভাগের বাহ্য-কাল কিয়ে আসরে পর ভার ভারনে কৃষ্ণ সন্থ উভবকে বেগতে লাগদেন। বেখানে নিব্য চর্চার ফল লাভ করা আঃ সেই পেলেন। ওার পূলা করে ভারা ভাগের সঞ্চল বাসংগ্



ততীয় অধ্যার

বক্তা ও শ্রোতার গোলোকধাম প্রাপ্তি

প্ৰসাহ বৃত্ত লেখে বিউল্লব প্ৰস্থা আগন করে ভালের আনিয়ন করে পরীক্ষিৎ মহারাজের সঙ্গে কথা বালভুন ("

প্রীউদ্ধা কালেন—"হে রাজন, আপুনি নিশ্চিতই মহান। জানতার চিন্ত এই সংকীর্তন উৎসবে নিবিষ্ট ছওয়াৰ ভগৰান কামেণৰ প্ৰতি আপনাৰ অৰ্থ ভতিযোগের করে আপনার বাসনা পূর্ব হয়েছে। এটা আপনার মহা লৌডগা নে বছনাত ও কৃষ্ণ-মহিবীদের প্রতি আগনার অসুন্দনীর শ্রেছ বর্তমান। এটা সম্পর্ণ সঠিক, কালে ভালান কৃষ্ণ আপন্তেক এই তন ও ভালত দিহেছেন। অভকাবাদীদের মধ্যে তারা সর্বাপেকা মহান। এতে বেনা সংশ্বৰ মেই। ভাগোন কথা ব্যক্তিকাণে সঙ্গে গিছে ভাবের হলে পৌছে দিতে অর্ভনকে আদেশ করছেন, বাতে জারা সেখানে বসবাস করতে পারেন। শ্রীমতী ভাগারাধীর আননের অভ্যক্তম আলোর ফালোকিত ভগবাম ক্ষেয় ইন্দ্-সদৃশ চিত অবিরাম শ্রীবাধার শ্রীল্যানের শ্রীবৃশাকাকে আলোকিত করছে। হীকৃষ্ণতম্ভ নিতাগতভাৱে পূর্ব। হাজার হাজার চিৎ-কণ ক্ষেদ্র টোবার ওব থেকে নির্গত হয়ে সকল দিকে আনোলিত হতে। চৌবট্রটি মুখ্য ওণের অধীধর পূর্ণচন্দ্র সমূপ কৃষ্ণ অবিরাধ এই প্রকড়মিকে আলোকিত करण्डा। (११ हासन्, चनवान क्रथना पश्चिमनन पारीहना ভার নাশকারী বাছুলান্তের আসভুল। এই অবভারে জগভন তীক্ষা বোগনানার মাধামে সঞ্চলকে বিভান্ত করেছেন। মায়ার প্রভাবে সকলে তামের স্বাভাবিক অবস্থান ভবে লোচনীয় স্কল খারণ করেছে। এটে কোন সম্পেহ নেই। হামৰো কাষ্টের প্রকাশ মা হলে কেন্দ্র কান্তানিক অবস্থান উপদান্তি করতে গায়ে না। স্বীবের ফলতে পারা হায়।" ক্ষেত্র প্রকাশ মায়ার ছারা আরও। ছাপর বুগের শেষে অষ্ট-বিংশতিভান বুল চাক্রে ভগবান হরি বখন বরং উপস্থিত হয়ে মারার আবরণ উল্লেচন করেন, ওখন তিনি প্রথাপিত হল। যে মহারাজ পরীক্ষিৎ, সেই সম প্রকট-নীকা সংগতি পের হয়েছে। অভ্যান এখন আমি করে।

হীল সূক্ত পোলামী কল্পোন—"প্ৰভোক্তক কৃষ্ণ প্ৰদায় ক্ষেত্ৰ প্ৰণাশের উপান সংক্ষে আপনাকে কল্ড। বীমরগেরত থেকেই ভাগান ক্রের অনির্ভাগ হয়। ভাত হবৰ এক হেখানেই শ্ৰীমন্তাগৰত শ্ৰৰণ-কীৰ্তন কৰেন ওবনই এবং দেখানেই ভগবান মতং উপস্থিত হয়। বেবানে প্রীমন্তাপবতের একটি বা অর্থ-প্রোক্ত পাঠ হয় ভৰক্ত কৃষ্ণ উল্ল কতি হিব গোলীদের নদে ওখার আবির্ভত হল। ভারত-ভূমিতে ফানব রূপ লাভ করার পর বারা পাশকণত প্রীমন্তাগকত প্রবণ করে মা ভারা আৰু হনদের পথ দেয়। যে ব্যক্তি নির্মানত নীমপ্রাগকত প্ৰকাশ ৰ কীৰ্তন করে সে ভার স্ত্রী ও পিডা-খাডার भर्वभूक्षणस्य पृष्टि *द*ारा ("

শ্রীমন্তাগরত পাঠ ও জবণের কলে রাক্ষণের<u>:</u> অধ্যালোকিত হয়, করিয়েরা শত্র-বিজয় করে, তৈপেরা বনার্জন করে এবং শুদ্রেরা রোগসুক্ত হর। নারী ও নীচ কর্মের লোকনের আন্দ্র পূর্ব হয়। কারেই কোন ভাগ্যবান ব্যক্তি নিয়মিত শ্রীমন্ত্রগাবত প্রবদ ও কীর্তন কংকে মাং বৰ জীকা সমচার করার পর হবল কারও পর্যতা প্রাধি হয়, তথ্য তার শ্রীমহাগ্রত লাভ হয়। স্তীমভাগ্রত পার্মের ফলে ভগবং-জনুত্তি জাগরিত হয় এবং অনুত্রে ভগবান ক্ষেত্র আবিষ্ঠাব হয়। বহু পূর্বে ক্রেবডক বৃহস্পতি সাংখ্যায়ন ঋষির কুলারা শ্রীমহানবত প্রথৎ করেছিলেন। ৰহস্পতি সেই একই বিষয় আমাতে বর্ণনা করেছেন তাই আমি ভগবান ককের প্রির সবা হতে ক্তম হয়েছি। হে মহারাজ পরীকিং দেবওক **আ**মার্কে একটি কাহিনী বলেছে। আপনি অনুসহ করে সেট আমার কাঙে ওসন। এই কাহিনী থেকে উপবৃত্ত কণ্টপক্ষের কাছে শ্রীমন্ত্রাগত প্রবল্ধে প্রতি জানতে

দেব-৩কু বৃহস্পতি বলকে--"তে উদ্ধা, ভগবান ্রক্ত বন্ধন পুরুষাবভার গ্রহণ করে সৃষ্টির অভিশ্রমে জড়া প্রকৃতির মিকে দক্ষণান্ত করবেন তথন ফিন মহান ব্যক্তিক প্রকা, বিশ্ব ও মহেখন করা প্রকৃতির ভিনটি ৩৭—সতু, রজা ও তথ্য সহ অবিওত হলেন। ভগবান প্রীকৃত্য তথন তিন প্রভাবনার্কী। দেবতার মধ্যে সৃষ্টি, প্রিভি ও লয় কার্ডের ভার কর্টন করে নিগেন। ক্রকা ভারতন বিশ্বরা কতিপয়া পেকে আনির্ভৃত হলেন।"

ব্ৰহ্ম। বৰ্ণলেন—"হে প্ৰভু। আলনাকে ভঙ্গিলুৰ প্ৰশাম নিৰেদন কৰ্মি। 'নান' নামে দিবা ধাৰিতে শানিত মূলে আগনি নারারগঞ্জপে গরিচিত। আনার স্কল কারণের মূল কলে আশ্রমি আদি-পুরুষ। তে ভলবান, काबि भागी अवर २६७ जाइनभ भूग, छन्। काशनि আমাকে সৃষ্টিৰ কৰে নিয়োগ করেছেন, ভাই আপন্তত কাছে অপীর্বাদ প্রার্থনা যে আগনার শ্রীপাদপর করেশ धाम्बद्ध और मुस्तित काळ (का दाना एएट ना नीकृत्व 🖰

নেখণ্ডৰ কলকো—"ব্ৰহ্ম ভগবান বিষ্ণুত কৰে এই সকল প্রার্থন্য করার পর ভদ্বান বিষ্ণু রক্ষাকে প্রীমন্ত্রাপকত এর দান করে ঠেকে কালেন 'ভোমরে ইক্স প্রপের জন্য সর্বসা এই খ্রীমত্নাগন্তর সেবা কয়। শ্রীমপ্রাগবত গ্রহুখনি পেয়ে ক্রনা অভীব সন্তুষ্ট হলেন কুক প্রান্তি এবং সন্ত লোক ভেদের আলরে ভিনি সাতদিন ধরে শ্রীমশ্রাগকত পঠে করনেন। সাতদিন হোম-যজের মাধ্যমে শ্রীমন্ত্রাগবত সেবার পর রক্ষার সকল বাসনা পূর্ব হল। ভবন থেকে তিনি সর্বান সৃষ্টির বিস্তান জার্বে কড হলেন এবং বারখার শ্রীমন্তাগবত পাঠ করতে বাকলেন। ব্রহ্মার ফতো ভগকন বিকৃত টার কাননা পুরপের জন্য প্রার্থন করণেন, বাতে তিনি সৃষ্টি-পালন কাৰ্বে নিযুক্ত পাৰতে পাৰেন?"

ভাগজন বিষ্ণু বলসেও—"হে প্রতু, ফলপ্রসূ করে এবং দার্শনিক জ্বানের জন্য আমি প্রবৃত্তি ও নিকৃতি-মার্গ প্রকৃৎ কাৰ: আপনার আধেশক্রমে আমি মধাব্যভাবে জীবের পালন করব। কালক্রমে কনাই ধর্মের অধ্যালক্তন ঘট্টের তৰনই সেই ধৰ্ম সংস্থাপনের কনা বিভিন্নরূপে অবভীৰ হব। বার কম্ম জাগতিক উলম্বেগের প্রত্যালী আমি ध्वननादे छारमञ करका कम मान करत अवर राजा छ।।नी র্থ মূস্তি প্রজ্ঞানী ভাষের আমি সালোক্য খেকে ওর করে পাঁচ প্ৰকালের মুক্তি বাদ কৰে। অনুহাই করে আমাকে ব্দুন কিডাৰে আমের প্রেমমন্ত্রী লক্ষ্মী এবং গাঁচ প্রকর মৃক্তির প্রতি জনাগ্রহীদের পালন করি।"

বিষয়ে প্রার্কম শোনার পম বিধের আদিন বুলের প্রভূ নারারণ উংকে কলাকোন--"তোমার সকল বাসনা প্রদের

सन् (करण 'टी.ग्रामन'ड शांत्र बढ़। एत्रवाम दिक् कार नाराष्ट्रपत्र कार (प्राप्त वह निर्माण (भारत पुरहे दृष्टे ছলেন। তিনি লাই্ট্রেবীর সঙ্গে প্রতি বানে প্রীমন্ত্রাধবত পাঠে বয় হলেন। এইভাবে তিনি সৃষ্টি পালনে সক্ষয় করেছিলেন। বঙাই ভাষান বিষ্ণ প্রীমন্ত্রাগরত পাঠ করেন, লক্ষ্টানেবী প্রথণ করেন। এতে পুরো এক স্থাস সমর লাগল। আবার কথম লক্ষ্মীদেরী শ্রীনশ্রাসকত পাঠ करता, अध्य विकृ (पारातः) आस्य क्रीप्रशासरस्य ইনাখাদনে সময় লাগে দুমাম। তথম সেই সং বিষয় नुबंदे क्रिक्ट क्रांच करते। यह भारत हम दिकू मृद्धि পালতে। নিৰ্ভ বলে বহু ভাবনাই তীয়ে খাকে। কিছু ক্ষরীদেবীর ক্ষেত্রে এফে ধর না। তিনি পরিপূর্ণ শাস্ত। তাই শ্রীনত্বাদবভের বিষয় বিশদভাবে তার অধ্যয় विक्लिंट हरा।"

"তারণর শ্রীনারাক্ত শিবকে কাংলের কালে নিযুক্ত করকে। দিকের ক্ষমতা বিস্তারে লিবও জীলারারকের कारक शर्थना कदरका ।"

শ্রীক্তম বলবেল—"হে ঈশবের উপরে, চিরস্থারী, খাকত্বিক ও আংশিক--এই তিন প্ৰকার কাংকে কাংক নিজেকের বরপারে আমার কমতা আলে। কিন্তু তে প্রস্তু, চৰৰ ধাংলোৱ ক্ষমতা আমাত কেই ৷ এই কান্তেৰ আৰি पुरदे चनुनी। छाँदे खामि साननात सरह शर्थना करहि।"

বেবন্দ্র বৃহস্পতি কালেন—"রয়নেকের প্রার্থন ওরে ভাষান নারারণও প্রীমহাগবত বিবাহে তাঁকে নির্দেশ নিলেন। গ্রিক্তাসের ভারন প্রীমন্তান্তরের সেবা করে অজ্ঞানতাকে প্রায় করখেন। তারপর স্পানির কর কলেরাধিক কাল জীমন্তাগবড় পাঠ করেন। এইভাবে তিনি চয়ৰ ধাংগেৰ ক্ষতা কৰ্মন কালে।"

জীউচন কালেন—"আমার গুক জীবৃহস্পতির মুখে আমি শ্রীমন্ত্রাপবতের লাহাত্য প্রবণ করেছি: তাঁকে আমাৰ সম্ৰন্ধ প্ৰণাম নিংবদৰ ভবন্ধি, কাধণ আমি জীয়ন্তাগৰতের নির্দেশ ওলে সম্বন্ধ হরেছি। বৈকার ঐতিহ্য অনুসারে এক মাস শ্রীমন্তাসবতের সেরা করেছি। এই সেধ-প্রভাবে আমি ওগবান কুকেই প্রিয় সাধা হয়েছি তাই তিনি তার তির গোপীবের সেবার কবা জায়াতে कृषावत्व शाहेत्समः। वृष्यावत्य कृषः चरिवास शीलाः উপজেদ কংগেও গোপীয়া বিক্ষে আলয়ার ইমাকং

क्रमम भूतान मारास्थ

ব্যাপা ভোগ করেন। তাই তিনি আয়াকে গোপীয়ের প্রীয়ন্তাগরত বিকা নিতে এবানে সাঠিবেকে। এইভাবে এজের গোপীতা ভালের নিজ নিজা বৃদ্ধি অনুসারে শ্রীমন্তাগরতের শিক্ষা প্রচুণ করে বিশেক-কোনা খেকে হেরাই পেলেন। জীমজাগবডের রহস্য জারি ব্যান্তে সা পরকের এই মহান সাহিত্যের অলৌকিক ব্যাপার সক্ষেত্র আগ্নায় অভিয়াতা লাভ হল। ব্রহ্মাকে গুখলার করে মেবভারা কান ভাগজন কৃথেক কাছে প্রার্থনা ক্যাঞ্চন কে ष्टिनि (पन फील निवा धारम निरंत मेंन)। उन्हें नगर अन বটকে ভাগে জগৰম আমাৰে সীমন্তাগৰকে বুচসা লিখিয়েছিলেন। শেই নির্দেশ্যে করে আমার বৃদ্ধিবৃত্তি প্তা বিশাস কুল এবং আহি সাহিত্যাল্ডমে নিয়ে পূৰ্ণজ প্রাপ্ত হলার। করুর থেকে এই প্রকাশ্যমে আমি কভারতা বাস করছি। হে নরীকিৎ, আমি তাই এবানে নারখ-কণ্ডে বাস কর্মন। প্রীমন্তাগথতের সেখা করে ভাতাদের ভগবান ক্ষেত্র উপলব্ধি হবে। স্ভরাং ভগবানের ভাজানের বাবদের জন্মই আমি শ্রীমন্তাগণান্তর ব্যাখ্যা করব। তথ আগনার সাহাবেটি এটা বছক হবে।"

হ্রীল দুড় ধ্যোক্তায়ী বল্লানে—"এ কবা লোনার পর, মহারাজ পরীক্ষিৎ উদ্ভাৱকে প্রশাস জানিতে উপলেই 'তে ছব্রিদেরক উত্তর। আপনার অংশাই শ্রীমন্তাগরত কর্মন করা উচিত। এই বিষয়ে আমার কি করণীয় কুপা করে क्षा चरारम्य कर्वन्य ("

পরীক্ষিত্র মধ্যবাহারর এই ধরনের কথার উচ্চর আতান্ত প্ৰীত হয়ে স্বাহ্যে—"হে ডাজন, ভগৰান কৃষ্ণ এই মুখ্যাত ভ্যান্ত করের পর কলিবুগের প্রভাই খুব প্রকট হয়ে উঠেছে। ইবনট কোন শুক্ত মঙ্গাকনক কাঞ্চ করা হয়। কলৈ ভৰনই বিশুখলার সৃষ্টি করে। সেইখলা আপনাকে বেরিছে এনে সর্বত্র কলির প্রভারতে বল্প করতে হবে আপনার ব্যবহা হতে আমি এখানে থেকে বৈহুলীয় ধারদুসারে একফার প্রীয়ন্ত্রপাকত পাঠ করে। ঐতিহনে শ্রোতাগর শ্রীমন্তাগরতের রুলারাদন করে ভগরনের নিডাধার প্রাপ্ত হবে।"

"শ্রীউভবের নির্দেশ ওয়ে পরীতির মহারাম কলি। সমনের ভাকোর খুলি হলেন, আবার বিষ্টা দৃশ্চিন্তার কথাও উছবাৰে বগলেন।*

নিৰ্দেশ মতেঃ কৰিবুগকে আমাৰ বলে আমতে আছেটা কিন্তু সম্ভাৱ বিভাবে আমি ইয়েকুগৰত ওবৰ ৷ আমি আনমার শ্রীপাদপলে শরুর নিতেও এসেছি, ভাই ব্যানার প্রতি জাপনার কথাল করেনে উচিড (*

बाकार कथा चटन, केंचन समारमान-"एक सावान অ্যপনাত চিন্তিত হওয়ার কোন কাবৰ নেই, কারণ প্রীমন্তাগরত প্রহণের আপনিই ব্রালম স্বচেকে ব্রোলা প্রাধী। এই প্রফাতে লোকেরা দর্বদা বিভিন্ন প্রভাব কলনারী কর্মে নিবুক্ত। তারা শ্রীমন্ত্রাণাক্ত মাধ্যপর ওকত ব্যেকোড মা । যে রাজান, পর্যানার কুপার এই ভারত-ভূমির অনেক লোক বীমন্তাগতত শ্রবণে নিতা সুধ দাত কারে। সক্ষ-সূত ভগরদ কুকো প্রতিনিধি মহামুদি জীল ওখনেৰ গোত্তামী আলনাকে জীমন্তাগৰত লাঠ কৰে (पानारकः। अरह रकान त्ररपष्ट् (नरे। रह जावन, শ্রীমন্ত্রাগরত ব্রবণ করে পার্গনি ব্রজনার স্বাগনৰ কাজের নিভাষাৰ প্ৰাপ্ত হৰেন এবং পত্ৰবভীকালে সাৰা বিজে প্রীয়ন্ত্রাগরত প্রচারিত হবে। অভাবে, টে রাজন, কলিকে প্রমন করতে নিম্নে নিম্নে গ্রন্থত ইন। এইভাবে উদ্ধরের বলতে পর, মহারাজ পরীক্ষিৎ উত্তরকে প্রশাস্ত ভানিত্তে তাকে প্ৰদক্ষিণ কৰে চতুৰ্বিকে কৰিব প্ৰভাব বিদ্বিত করতে বেরিয়ে পডশেন।"

"বস্থনাড় তথন পুত্র প্রতিবাছকে মধ্যার সিহোসনে বনালে। আর ডিনি ওব্যাত প্রিমন্তার্থত প্রবাদ্ত উদ্দেশ্যেই নিভামহীদের দক্ষে থেকে গেলেন। ভারপর নেইভানে গোবর্ধন সরিকটে ব্রীউছন একমান কাল শ্রীমস্থাগরত পাঠ করেন। শ্রীমন্তাগরতের বিবর উপজ্যোগের সময় জ্যোজ্যপথ জীককাকে তাঁর নিজ-লীলা নছ দৰ্বৰ প্ৰকাশিত হতে ও নিজেনের সেই দিব্য-দীলার ব্যংশ প্রহণ করতে দেখা। ব্যাহনান্ত নিকেকে ভগবান প্রীকৃত্যার দক্ষিণ জীপাদপরে অবস্থিত বেখলেন। এইডাবে বিজেন কেন্দান হাত থেকে মুক্তি লেলেন এবং जे मुना-स्मानवर्ष कल इस्तान। स्वर्शितीस्क व्यक्षी कर्ड তার সকল পিতামহীবাই নিজেপের বাস-নৃত্য রাজির ইব্যেধক ইন্দু সূদ্ধ প্রীক্ষেত্র মৃত্তি ও অংশরুংগ কর্মান্ত দেশে কুই বিশ্বিক হলেন, জানের জাঁকন-সৰুপ প্ৰিরতমের বিবহু রোগ থেকে মৃত্যু হতে তারা লইনিক মহারাজ বলালন-"হে প্রকু, আপনার জানের লয়ের লক্ষে প্রবেশ করেন। উপস্থিত খানা প্রকলেও অনুশ্য করে ভগবানের নিজ্ঞানীলয়ে প্রকল श्तरण कृरकार नरक बीमाविकान करवर। विदा শ্রেমাঞ্চলেই কোন্তাকুর ভক্তপণ সর্বদা এই দীলা দর্শন ∓রতত পারে (^

ক্রেন। বৃশ্ধবনেত বেশ্চারশভূমি গোবর্থন কুলে করে। গাতের লীফ্লেছিনী যে কাঁঠন ও প্রকা করে, নিশ্চিওই প্রিপে সৃত গোন্ধারী কালেন "ভগরনের শ্রীপালপত্ত তার সেই চরদক্ষণ প্রাধ্যি হতে এবং স্কালন্ট্রতি কাল থেকে সঞ্জিত তার সব বুলোকট চির্নিদ্দের মধ্যে কিন্ত चटन 🐣



চতুৰ্থ অধ্যায়

শ্রীমন্তাগবতের বৈশিষ্ট্য, বক্তা ও শ্রোতার লক্ষণ এবং শ্রবণ পদ্ধতির প্রতিষ্ঠা

শৌনক কৰিব মেতৃত্বে মুনিধৰ কাংগেল---"হে मृठमृति, चान्नि वीर्वकीरी द्वाम सब्द चाराहण्ड निट्र्यन দিতে থাকুন। আৰু আমত্তা আপনার মুখ খেকে শ্ৰীসভাগবঢ়ের অপূর্ব মহিমার কথা ওনলার। হে সৃতমূদি, কৃপা করে এক্স এর বৈশিষ্টা, ফামাধ্কিতা, এবন-পদ্ধতি এবং বস্তা ও রোগার লক্ষ্য করি করন।"

বীল সৃত খোগাৰী কালেন—"জীমহাৰত এবং শরমেশর স্থানান উভারের দৈশিষ্টাই শাস্ত, জ্ঞান ও আনশে পরিপূর্ব : আগনাদের জান থকা উঠিত যে

পর্যক্তিৎ মহামাজ ও ওকদেব গোকামীর ক্যোপকথানে মাধ্যমে স্ক কিছু কৰিনা করেছেন সে সর্বই বক্তবৃদ্ধি সুস্থান ব্যক্তিমের উপকাধার্থে, আর সেটাই শ্রীমন্ত্রাগবভরতে প্রিচিত। আচারো হালার শ্লোক স্বলিত এই জীবন্ধাপনত প্রস্তৃতি কলিও কৃতিরে ধরা লোকদের প্রকল্পন

্রত্তক আহি প্রকৃত প্রোজ্ঞানের কার্কেই প্রীমক্তানতে বর্ণনা করব। দুই প্রকারের রোজ আছে—উৎকৃষ্ট o অপকৃষ্ট। উৎকৃষ্ট লোভা আবনে চার প্রধার—হস্ত, কুৰেন্দ্ৰ সঙ্গে হানের মন-প্রাণ বৃদ্ধ, ওচেলা মূখ থেকেই । চাতক পাখি, রাজহাঁস, তেন্তোপাধি এবং মীন। জপকৃষ্ট অলার্থির মধুর বুলি নির্গন্ধ হয়, আন এই দর বাধ্যই লোভাও আবার চার প্রকাশ—হেমন, কেবছে, ভুলার্থ শ্ৰীমন্তাপৰত। আপনাদের স্বারও স্থানা উঠিত হে জান, পাৰি, বৃহ ও উট। চাতক পাৰি কেন্দ্ৰ বৃষ্টির স্থাপ স্থান্ত উপলব্ধ আন এবং প্রবণ-কীর্তম ইত্যাদির দলে চতুরক আন্ত জেন জলাশয়ের জল পান করে লা তেমনি জলবান ভাবেৎ সেবা শ্রীমন্ত্র্যাবভের ভাতুর্ভুত। এই শ্রীমন্ত্রাপনতই সুবেদ্য সঙ্গে সম্পর্কহীন জ্যেন নাম বা হাই বীয়া প্রবন মারার প্রভাব, আনীক শক্তি মূর করতে স্থক। করেন বা তাদের কর হয় চাতক-ব্যোহা। রাজটান মুখ জীমতাগৰান্তর প্রামানিকরা কে যুখতে পারে, যা কিনা ও জাগের বিপ্রণ থেকে কেন্সে সুবর্কেই নিয়াবল করে, ভগবানের অমীয় শৃক্তপ্রতিভূ। সৃষ্টির প্রান্তর ভগবান তেমনি থে জ্যেতা বিভিন্ন বিবন ছেকে ভগবান কুম হরি রক্ষাকে চারটি প্লোক বলেন। হে প্রাক্তশাশ, ক্ষান্ত বিষয়ক সারাৎসার প্রহণ করেন প্রাক্ত সাক্ষাংস-ক্ষেত। কেউ নর, গুৰু ব্রস্থা, বিষ্ণু ও মহেশরের মতো ব্যক্তিত্বই কর হয়। তোজপানি বেমন ভার মান্তিক একং জনাদের জীমতাপ্রতের অসীয় সমুয়ে নিম্ভিক্ত হরে ওাদের । কাছে আ শেবে তাই আবৃত্তি করে, তেমনি হে ব্যক্তি আৰুতিক্ষত সক্ষে পৌন্ততে সক্ষয়। শ্ৰীল বেংখাসে পাছতছ থেকে হা ওনেছে আৰু গ্ৰন্থ বা অন্যক্ষে কাছে

পুনরতাবে ভারই *যদি পুনরাবৃ*ত্তি করে, চনে ভাবে বলে তোগা- হোতা। স্পান সমূলে মাধ কোন পলকহীন চোলে নীবৰে দুখ পান করে, ডক্লপ যে ব্যক্তি বভার শিকে মিশাগড় নেত্রে তাড়িয়ে নীয়েরে প্রীমপ্রাগরত প্রবধ করে তার রসাবাদন করে, ভাকে মীন-প্রেভা হলা হয়। ক্যাঞ্জে সুমিষ্ট মুরগী ধ্বনিতে আকৃষ্ট মধ বেলন নেকডের ভাকে ভীতমন্ত হয়, তেমনি মূর্ব খ্যেতার উজারিত শব্দ যদি শ্রীমন্তাগবতের মধুর বিবৰ প্রবংশ রঙ ভাজেন মানে মর্মবেদনার সৃষ্টি করে, ভবে সেই ল্রোভাকে মেকডে-মোডো বলে। হিমালয়ে বাসকারী ভক্ত পাণি যেমনটি নির্দেশবার্কা লোগে নিজে আচরণ মা করে তেমন নিৰ্দেশ বাকা অপরকে বলে, যে ব্যক্তি নিজে যে সকল নিৰ্মেশ মানে না. বিশ্ব, অনাকে ভাই শিক্ষা সেৱ. ভাকে কুলত-লোভা বলে। যতের কাছে সুমিষ্ট আৰুও বা মট পদ বুক্ত থোলের কোম পার্থক্য নেট্র আছেরও সকল 🛎ত বিবরের মধ্যে ভাল ফন বিচার করার বৃদ্ধি নেই বলে এলন প্রোভাতে যও বা বুব প্রোভা বলে। থিট আন পাৰৰ পরিত্যাপ করে উষ্ট ভিক্ত নিৰ পর চর্বপ করে, তেমনি ভগবান সগতে মধ্য করা বর্জন করে সাগতিক বিষয় প্রবণে আগ্রহী ব্যক্তিকে উট্ট বা উট-মোঠা বলা হয়। এই বৃষ্ট শ্রেণীর প্রোচা ছাড়াও আরও য়ানেক উপজেবী আছে। যেমন, ভাষর ও গার্গও—বালের শ্বান্তাবিক আচবপের প্রক্ষণ বারাই চোনা যায়। কডারা। বলেন যে তিনিই হলেন সর্ব্যোষ্ঠ জোতা, দিনি বন্তার भाग्रदा जटन फेट्स प्रधारमञ्जू क्षामा निर्दासम् कट्सम जस्स যিনি সব রক্তমের জাগতিক বিষয় বর্জন করে জগবান इविड लीलाकचा अवरन चालही च मक। छिनि বিশীতভাবে শিবেদা ন্যায় জ্যোতকক্তে ভগৰৎকথা প্ৰবৰ্ণে নিজেকে ব্যস্ত রাখেন। ভগবানে তার পূর্ণ আছা আছে। বিভিন্ন প্ৰায় কৰতে তাৰ আসন্তি আছে এবং আভিনি শোনের গভীরভাবে তার চিন্তা করেন। ভগবানের ভক্তদের তিনি একজন প্রিয় সধা। ভারটে হলেন শ্রেষ্ঠ रका, प्रति-करिया शासक श्रद्धा करवम अवर बावा বাসনাপুনা হলে ভগলানের সত্তে । তারা সকলের মন্ত্ৰণাকান্তকী, পতিতের প্রতি কঞ্পন্মের এবং বিভিন্ন বৃক্তিখারা সত্য অবপত হতে সারা দক।"

*হে রাক্ষণমণ্ডলী, ভারত ভারে প্রীমন্ত্রানতে প্রকারে ।

পর্যাত কলা করে জনগ করুন। এই সব নিয়ন্ত্রপর্নী জনগ कररान्छे किराधारी सब नास क्या गाव । कार धानाव्यक ভাগৰত সেবা আছে--সাহিক, ব্যক্তমিক, স্তামসিক এলা নির্ভাগ। বিভিন্ন প্রকার প্রকার উপক্রণ ও কটোর পরিপ্রান্তর হাবা জীকজনগুপুর্ণ ক্রের ন্যার সাওলিনে সামন্দে সম্পাদিত কথাপাওঁ সেবাকে করা হয় রাখসিক ভাগবত-দেব। যে সেবা একমাস বা পুনান বাংগী প্রসায় উলগতি সহ অভিপূৰ্ণভাবে সম্পাদৰ কল হয় এবং এইভাবে মারও থানান বৃদ্ধি পায়, ভাবে বলে সাধিক फाल्ड-लब। ४क सह घटा मा स्था विस्त বিশক্তার সঙ্গে চনতে থাকে, যে সের ফল্ফ দের এক বেবানে শতি ও বিশ্বতি উভয়ই বর্তমান, নেই সেবা হল ভার্মসিক-সেব। আর যে সেবার সমরের কোন হিসাব নেই--শ্ৰেম ও ভজিতে অনিবাম অনুবৰ্তিত হতে থাকে সেটা হল নির্ভণ ভাগেক-সের। নিশ্চিত জেলো যে মহারাজ পরীক্ষিৎ ও ওকাষ্টের গোলামী নির্ভন ভাগবভ-দেবা করেছিলেন, বাস্তবে বদিও মহারাভ পরীক্ষিতের হাত্র স্থাতনির এই ভাগবত ক্রবণের স্থানির হয়েছিল, কারণ তার আর এই সাতনিম মান্তই অবলিষ্ট ছিব। তে কোন স্থানে বা ইচ্ছামানো যে কোন স্থাবে ্ৰেড ভানাৰত প্ৰবন কয়তে পাতে-সাত্তিত, বাজাসক, ভাষ্ঠিক বা নিৰ্ভণ কেচাবেই হোক মা কেন। প্রীমন্ত্রাগরত ভাগের কাছেই একমার সম্পদ বারা সম্পূর্ণরূপে জড় বাসনাশন এবং ভগরন কলের সীলা কীর্তন ও জাগর রুদাখদনে লোডী। জন্ম অভিয়ের দংশ-কট ও মুখ্যির বাসনার প্রতি নির্নিপ্রতাই জাগতিক রোগারোগোর বর্ধ। কার্কেট প্রত্যেককেট সতর্কভার সঙ্গে শ্রীমন্ত্রাগবত দেবা করতে হবে। কলি বুগে জড় উপভেন্নে ও ৰাভ ৰাণ্ডিক জীবনে উন্নতি-অভিলামী কর্মীরা শ্রীমন্তাপরতের সেবা করে তারের অভিক্রত সকল বস্তুট লাভ করবে। সাধীবিক অঞ্চহতা, সম্পদ গ্র ল্লানের অভাবে কলি কুলে কর্মের গণে পূর্ণতা প্রস্তি খবই ৰিৱল। সুত্ৰাং বাবা সকলকামনা প্ৰভাগী ভালেব সর্বতোভাবে ভাগবত-সেবা করা উচিত। জনাবত প্রসঙ্গ কাউকে সম্পদ্ন সম্ভৱ-সম্ভূতি, কগর, হান্তি, আৰু কণ ব্রভগ্রসাম এবং প্রতিহন্দীবিহীন নিবছৰ সাম্রাজ্য গালে সক্ষম। প্রীমন্তাথবডের দেবা মধ্যে কেউ অভবাসন

্রিটেই এট শিৰে হাব সকল বাসনা উপদ্যাস করতে সমাধানাতে ভগবান শ্রীহারির চরবান্ত শ্রমণ করতে হবে। লাবে এক ক্ষেত্রাপল পর পরে পুরুষ ভাগবছার লাভ তাপের বন্ধা বা জোতাকে উপায়ুক্ত উপাতরদানি নিয়ে কৰে। জীমন্তাগৰতেও আলোদনত নিময় হ'বে। তাদের ওক্তের এক শ্রীমন্ত্রগরতের পূঞা করতে ইবে। কার্যন্দেশাকে অনুসর সেবা করা উড়িত। জীমছাগক্ত আনক্ষপূর্ণ মান্সিকতকা শ্রীমন্তাগকত প্রকাশ ও কীর্তন ্রিনেট ব্যক্তিপের সেবা করেও শ্রীনেটাগরত সেবার করা। করতে হবে। মৌনব্রত করেলখন করে তথু দুধ আগবা सास्त्र करा यातः। दीवाद्वानवर्टन मृहे शामीत भारतः o লোভা আছে। কেউ কৃতকে হয়ে, কেউ চার জাগতিক উর্লাভ। কৃষ্ণ-সম্পর্কাইনে যে জেনে প্রকাম উর্লাইকেই অনুনীকান করতে হবে।" জাগতিক উমতি কলা হয়। সৃত্তম পাঠক ও খোজা ৰেছে যায়। পাঠক ও জেজা একই ফেণীভূক না হলে। পরিস্থিতিকেই রন্মভান ধলে। কিছু কৃথ্যকারকী কোন যাতি-বৰ্তাই হোক ৰ জেতাই হোক—বিলাৰে হলেও সে নিল্ডিট্ শুর ক্ষে গৌরবে। নিয়েন্বর্তির ক্রেন ভাগের সক্ষাস্থলে পৌধারেন, করের ভাগের প্রেমই উলের কাছে একমার নিরম। কড়-আকারকী ব্যক্তিকে পূর্ণত टास्ट्रिक करा एकम निवय-कानुव चरणा पूप मुख्याद्य

মিষ্টার ভোজন করা উচিত। ভাতে ভূমিপায়ার শহন কৰে, ফোৰ ও লোগ পৰিহাৰ করে ব্ৰহ্মাণ্ড-ব্ৰড

"নীমন্ত্ৰণৰত পাঠ লেৱে অধিৱাম ভগৰাদেও ৰাম যদি একটা প্রেণীকৃত হয়, তবে শ্রীমন্তানবত-লেকর সুখ । কীঠন করতে হবে এবং শেধনিন তাকে বিনিয় রঞ্জনী বাপন করে রাজগদের ভোগেন ও মান-ক্রিলার বাব্য ভুট খনেলতি দেখা দেৱ এবং কেন ফল লাভ হত লা। এক। করতে ইতে। ওকানেবকে পূজার্চনা করে তাঁকে বসু, অলংকর ও গোলাম করা কঠব। বে যান্তি এই স্থাস নিধি-নিয়ম মেনে হীমন্তাগৰতের নেবা করে নিন্চিত্রই তার সকল আসমে পূর্ব ছবে। জ্বপতিক বলেনাসূক্ত তেনে কাঞ্জ কালে সম্পদ অভিসাহী কন্তা এক লোগে ভাসে: কাকি ইন্ধা কালে সুদারী ভার্যা, সন্তান-সভতি রাজা ক ছালিত লালের পৌহাবে। কিন্তু অপার্থির বস্তুর ও ক্রোতা সম্পন্ন পেতে পায়ে। কিন্তু এইরাশ বাসনা শ্রীমন্ত্রণবাচের ধান কৃষ্ণকেই পোতে চাৰ, ঠানা নিবৰ-সমূদ বা মানলেও কানোকের কানো উপহালের সামিল। বী'মন্তাগৰত হল বৈদিক সাহিত্যের ক্ষমা-হাজের সুগরু কর। প্রীওবদের গোবানী কলিবুগে এই কলটি বিষয়ে অর্পন করেছেন। উল্লেখ্যত স্পর্যে এটি সুধাতৃত্ব হতেছে। গুগরান অনুসরণ করতে হবে। অবে প্রতিদিন সংখ্যে নির্মাত স্ত্রীকৃষ্ণকে লাভ করার এটি হল প্রতাক উপায় এবং এটি প্রত্যেশ্রম করতে হবে এবং রোজকরে পূজা-পার নিত্য ভগবং প্রেম প্রদান করে থাকে।"







পঞ্চম অধ্যায়

শ্রীমন্তাগবত শ্রবণের ফলাফল ও এই শ্রবণ-বিরোধীদের অবস্থার বর্ণনা

পরম পুরুষোত্তর ভগবান কালেন—"হে লিতাময় স্তীমন্তাগরত পাঠ করে লিস্ক্রর্থের গো-দানের কল সে রকা, বিবাসের মতে এই বিবাহ শ্রীময়ানবর প্রহটি প্রকা অক্সার আক্তরে লাভ করে থাকে। যে প্রতিদিন করা উচিত। নিশ্চর জেনো যে এরলে প্রকাই আমাকে। প্রীনন্তাগবড়ের কর্ম ব্য এক চতুর্থাকে প্রোক্ত পাঠ ব্য পুঁট করারা একমাত্র পছা। প্রতিনিন নিয়মিতভাবে যে প্রবণ করে, এক সংব গো-দান জনিত হল সে লাভ

হরে। তির কলে, যে সম্পূর্ণ মনোবোগের সঙ্গে প্রতিদিন প্রিমন্ত্রগবত পঠে করে, অধ্যাদশ প্রাদ পাঠের কল ভার ৰাত হয়। প্ৰপ্ৰাণ মহায়াৰের ন্যার বৈষ্ণৰ বেখানে ভাগৰত প্ৰসন্দেহ আলোচনা হয় সেখানে নিবেই ছাজিও প্ৰবণের পর সুখ প্রকাশ করে না, সে যুমরাজের ছন। শ্রীমরাপক্ত অলেকারীরা কলিব প্রতিনার বহির্ভত। নিজ বৃদ্ধে বলে বারা বৈকাং সাহিত্য শ্রীমন্ত্রাগবচ্চের পূজা करत राज्य अर्थनान पुरु १३, व्यव्य कि जावा (क्ट्यामरक প্রাই হরে বাবে। এই কলিবুসে করা নিবা পুরে নিয়মিত শীনভাগনত পূজা করে এক নিপেছ চিতে মৃত্য করে, ভালের প্রতি জারি অতীব ভাষ্ট।"

কারও পুরে করে, ততনিম পর্যন্ত তার পূর্বপূর্ণকোর দুব, কর্মন করা যায় না।" বি, মণু ও হল উপজেম করে। ভক্তিসক্ষরে বে ব্যক্তি শ্ৰীমন্ত্ৰাপ্তত কোন বৈধানকৈ দান কৰে, দাক দাক কয় - বংস্কে খানুসৰুণ কৰে আন্দিও ভোষনাই বেধানে সে আমার আলয়ে বাস করে। নিজ গুরু বে ভাতি সর্বদা শ্রীমন্তাদ্রবন্ধ অর্চনা করে, এক করবনল ধরে সে দেবতালের ভূষ্ট করে। কারও পূরে প্রীমন্ত্রাগবতের অর্থ কারনও পরিস্ত্রাগ করি না। পরিব্র ভাগবত গ্রন্থ দেবে বা এক চতুৰ্বাংশ জোকও বদি থাকে ভাষে সেটা সৌরবের। অন্য সাহিত্যের হাজার হাজার বন্ধু সংগ্রহের কী প্রজ্যেক্তন কলি-যুগে ফেউ যদি ভার গৃহে সাঁড়িরে এই প্রস্তুর ততি প্রশাস নিক্ষেন করে স্থানিয়ে শ্রীমন্তাগরত প্রস্থাটি না রাখে তবে সে কবনও বমরাজের আমি ভার প্রতি সম্ভাই হই। শ্রীমন্তাগরত প্রস্থাক ব কংশ যুক্ত হতে পাৰে না। নীমন্ত্ৰগথৰ প্ৰয়ট ৰে । निकार्य साल ना कनि-इट्रा ट्रा कि कहा देवका राज বিবেচিত হতে পারে? সে চন্ডাল আপেকার স্বল্ল "

"তির কলা, বিশপতি, আমার ও বৈষ্ণকার আনক্ষের জন্ম শ্রীসভাগনত প্রস্থাটি ছান্তিসহকারে করও সংক্রেক। করা উচিত। কলি-যুগে ছেখানেই পবিন্ন শ্রীনন্তাগরত পঠে হয়, কেখানেই সকল দেশ-দেকী সমন্তিয়াহয়ের আমি বাস করি। প্রির কংস, বেখানে শ্রীমন্ত্রাগবত কথা चालाक्त्य १३, भ्राप्त्रेर जनम भवित्र सम्बरी, कृत, হুব, সকল বন্ধ, সপ্ত তীর্থ ক্ষেত্র--অব্যোধ্য, ক্ষুৱা, মধ্য (हक्सित), कानी, काकि, चरुही (डेब्बविन) व बाहका-একং পৰিত্ৰ পৰ্যভাষ্ট্ৰহ উপস্থিত উক্তে। এই বিশ্বপতি, হল, বাৰ্মিকতা, নিজয়, পাণমূলির জন্মই শ্রীমন্ত্রাগরত ৰাবং করা উচিত। ভাগবর শ্রবণের কলে থর্মিক হয়।

এবং দর্ব রোগ ও লাল মৃক্ত হরে গীর্ড-জীবন লাভ করে। হে বিশ্বপতি, আমি সভা কাছি ঃ হারা শ্রীমন্ত্রাপবতের घरका अर्वध्वके माहिका अर्थ करत ना, ध्वथना व्यक्ति একিয়ারে আবন্ধ থাকে। তে প্রিয় বংগ, বে ব্যক্তি প্রীচন্তাপ্তত প্রবণ করতে বিশেষত একাদশীর দিলে অন্য কোথাও বেড়ে ন্যু পারে ভান মতো পানী আর ভেট্র েনেই। শ্রীসন্মান্যতের একটি, আর্থ, বা এক চতুর্বালে ্রোকও বার গুড়ে আর্হে আমি সেখানেই যাস করি। ভাগৰত ধৰণে যে বিভাছত কৰ্মন কৰা বাব, বাৰ্থনিকাশ্ৰম "হে ত্ৰিছ কংস, বতদিল পৰ্যন্ত জীমন্তাসকল প্ৰস্থাটি। দৰ্শনে সা প্ৰচাপ-সঙ্গাহে কৰণাহন কৰেও সেই গ্ৰন্থয়ে

> "হে চতুরামন ব্রহ্ম, অভী কেমন সভল্পেভাবে ভার জীমপ্রাপথত প্রসঙ্গের আন্যোচনা হয় সেধানেই গায়ন করি। শীমস্থাগৰত কৰন ও জবন উপজোগৰাতীকে আহি বে তাঁকে শ্রন্থা করে মা ভার খাতীভের সঞ্চিত পদা সে হারিরে কেনে। ভাগনতো প্রতি সম্মান দেখিখে যে পারে টেটে পরিক্রমা করে, গুডি পদক্ষেপ থার অধ্যমেধ বজের ফল লাভ হর। এ-সম্বন্ধে কোন সংশব্ধ নেই। বে ব্যক্তি প্রয়োহ দাঁভিতে জীমন্তাগবন্ধ প্রছকে প্রদাম शिकान करत, चानि चारक सम-जन्मम, छार्वा, जचानानि াও ভান্টিপূর্ব লেবা দল করি।"

"প্রিয় কর্ম, বারা ব্যোজন্মগর্ভার শ্রীমন্তাপ্রভাগ পূজা ৰুৱে ও ভক্তি সহকাত্তে ভাগতত ধানৰ করে ভাগের দারা ব্যামি নিয়ন্ত্রিত। হে প্রবাহ, হে পুরাত, সর রক্তম উৎসবের মধ্যে श्रीमञ्जाभवट-चारमाञ्च উৎস্বই সর্বভ্রেষ্ঠ। খামার সন্তুমির জন্য থাকা এই উৎসবে অপেগ্রহণ করে ও ভঙ্জিসহকারে শ্রীমন্তাশকত প্রবণ করে একং করা বত্ত, खनरकात, भूग्य, द्वनीन ७ धृन-धूमा देखानि मुगती हरा দিরে শ্রীমন্তাপরতের পূজা করে তারা সতীনারী তার পতিকে নিয়াল করার মধ্যে আমাকে নিয়াল করে থাকে ("

অমল পরাধ মাহাদ্যা স্থাপ্ত

বংশপরম্পরা সার্গী

```
क्लेबार
স্কুত্রণ
মহা সকেৰ্বণ
মহা বিভূ
প্রতিলকশারী বিক্
य भेगा
স্থায়ত্বৰ মন্-পত্ৰপ
           উন্তান-নাম-সক্তি ও সুনিতী
                                                 চন-কমি ও ইন্য
                                 বংসর প্রবীধি
                                                      क्या द्वेरकम
                               ডিশ্বকেত্
   ₹च :
       33
                  47
                         報と
                                            भूष्णार्व-स्राप्ता च प्रका
                                 নিবিপ সৃষ্ট-পৃথলিশী
                                                          ধ্বতঃ মধ্যমিনহ সাধ্য
                                             সর্বাতেরা-প্রাকৃতি
                                                    हाकुत्र अनुभरपूर्ण
                                                                           व्यक्षित्हाम
                                 केन्यूक - जूब तिनी
                ਬਿਨ
                                                    मुख्यान
                                                               ৰাউ প্ৰভ
                                     फ्ल • नुनीधा
                                                   245
                                                               ভাৰত
              मुख्या
                                वास्य (निवास) सामा नृथ-पार्कि
     অন্তৰ্গন (বিভিন্তাৰ)-সমূৰতী ও দিবভিনী
                       হৰিধান- ছবিধানী
                                            4748
                                                               शर्वमान
                                                              ক্তিতভাত কণ্-প্রমোচা
     वर्दिवर (शहीनवर्डि)-भटक्रकि भंग
                                        737
                                                440
                       খন কম প্রচেতা মারিয়া পঞ্চান প্রকাপতি
                                       দক্ষ - অসিক্রী
                                                       👐 कंग कहा (शहरकी शहरक प्रदेश)
                              ১১ হাজার পুর
```

. Bull Sufe was finite

```
कुक
                      \Rightarrow কোটি বাছ। এয়ের মধ্যে এগারকন প্রধান। (রৈবত, আরু, কার, কার, কার, কার,
২জন পটা
                            বুৰ্কেলি, আক্ৰমণাৎ, আহিবলৈ, সংলগ এবং গ্ৰহদ্ৰ,)
               য়াল পদ্মী → গ্ৰেপ্ত, বিনায়ক
ক্ষিত্র
                        🗝 সমন্ত দিয়ে
২লন পরী
                        🕶 অপর্বাসিনার জে
२सम भन्नी
                      अर्थनिक, (स्थार, सङ्ग अवर क्रम्
                कृतिका चारि नकासन
 ३५वट भग्नी
                             দেবখৰত্ব-পদী
                              বিগ্যোক পদী
                                            → अपनवस्
                                                                           🛶 দুর্গা নামক (মধহা
                 平野

⇒ কীঠ6-পদ্দী

                 Per
                         → সাধাণব-লবী → জবসিছি
                  সাধ্য
 मार्गशक(चरवाकी)

→ মুকুরান, আছে (অবহা ভাগরান বাস্চালক। আংশ, তিনি উল্লেছ নামে পরিচিত)

 (20mm HM)
                         🛶 খৌহুর্ডিক নামক মেবজা
                          🖚 সময়+পত্নী
                              গ্লোপ-ক্ষতিমন্তি
                  179
                               প্রাণ-উর্জনতী

⇒ সত্ অসু পুরোক্তর

                               Bert serie
                                              নিংহিৰ পুরদেম্থ
                                             → छई अस् वस्तुड
                               ষ্ঠার্ক - বচননা
                               करिंग निर्देश
                                              → हरियक कारि का गृह
                                   কৃত্যিক
                                              → কাঠিকের (স্কন্দ)+পারী
                                                                             🛶 विनाय
                               সোধ+শবরী
                                              🛶 স্কুলার প্রান্থবির আপেসস্কৃত লিওমান
                               বাব-অসিরসী
                                              → নিয়েচার্থ বিশকর্মানবাকৃতী
                                                                             🛥 इत्कृष अनु 🗝 दिख्यान
                                                                                          क्षर माधारम
                                              → বুট, বেডিৰ এবং আভগ-পত্নী → পঞ্চত্তৰ বা বিবন
```

```
मक्तकनगरमञ्जू अल्म (शहनकी धारन)
            विनया
                     → গ্ৰহ, আর্প
            435

    사한편

            70
            चरिनी
                   — ব্লান্তব্যান
                     🗝 কৰে আদি পত, বাজেৰ কুৰ বিভাৱ নত
            क्षतिका
                    - গৰ্মৰ
            1.1.
                    ~ ব্রাক্তস
            100
                    → वृक्त-सर्ग
            भूमि
                    나 막히죠!
            व्याध्यम्। → कर्तेम् च, मर्च द्या क्या

    लान, मंतृति अकृष्ठि विशास भिवारी भाकी

১৭জন প্রা

    प्रतिव, ताकी अवर मुद्दे मुख्यिभिक खल्हाला आह.

                    → निरह बाह जानि हिर्द्ध स्था
रूपी निरह बाहि जानि हिर्द्ध स्था
रिरहोनि-कृति
            41.4
            Series.
            THE .
                    - दिर्देशक
                                            অনুত্রম • সূর্ক
                                                          → कहन, अधिव
                                                           🛶 খতালি ইম্বল
                         हिन्तुवन्तिभू स्वराष्ट्र 🗝
                                             ङ्गास + क्रायी
                                             अञ्चाम-भन्नी
                                                           → বিভেচন-প্রবী → বলি-কাদ্র → বাব্ ১১৯৮
                          মক হলৰ
                                            जिरिका-विक्रिक - बार बना बनाव क्रम
            व्यवित्रि → विरकान-সংক্রা → व्याद्धान्य वस्त्रात्य ७ वर्षमा • व्यक्तिकृताक्षण
                                         🗝 ब्रोतका जावनि अनु कन्छी-करवतन
                                 PIDI
                         অৰ্থম-মতৃত্
                                         → अनुवा च्यारिः
                          प्रकेश-गठना
                                         🤏 সরিকেন, বিধরুক
                         সবিকা+পৃথি

    অভিযোগ, পত, সেম চাত্রান্য, গহহাকর, নাবিট্টা করেনি, প্রাট্টা

                          ক্তপ ৰসিধি
                                         ··· महिमा, विकृ, उक्, खानी
                          व्यवस्थ
                                         ~ महाय
                              निनीवाली 🗝 पर्च
                                224

→ 2152

                              অনুষ্ঠী 🥌 পূর্ণমাস
                         বিশ্বাহা ইঞ্জয়

    পুরীরা নামক পাঁচজন অন্তিমেব

                         বৰুণ- চৰ্মী
                                        → তও (বিতীয় জ্ঞা)
                          হলাক
                                       → বলহাতি
                          ——(মান্তা নেই)→ আনতা বলিষ্ঠ (বকল ও মিহের স্থান্তৰ পুর)
                         মিন-বেবতী
                                         → উৎসর্গ, অৱিষ্ট, গিরুপ
                         শত্র-পৌলোমী 😽 স্বয়ন্ত, বসত, মীত্রব
                         উক্তর-কীর্তি → স্বধ্যেক-শারী → সৌভগ অন্তি কং শুর
                         विनृदी, नयत, क्रांति, हमशीव, विकारम्, करमामृब, नक्तित्रा, कशिम,
                         सन्त, पुरमाता, बक्डक, कन्सानन, ध्वारकम् निसनास, धूर्वाह
                         76E
                                         🛨 সুর্জালমূচি
                         ने व नार्वा
                                        → শ্রমিষা-ম্বাভি
                        বিশ্লেকি সিংবিকা 🗝 রাছ এবং একশন্ত কেছু
                                        🗝 हिनमहन्दी हित्रगाक
                         (नवानक
                                            হর্মশরা - ইম্ফু
                                            भूरकार्ज -कन्युन
                                            কঃসকা
```

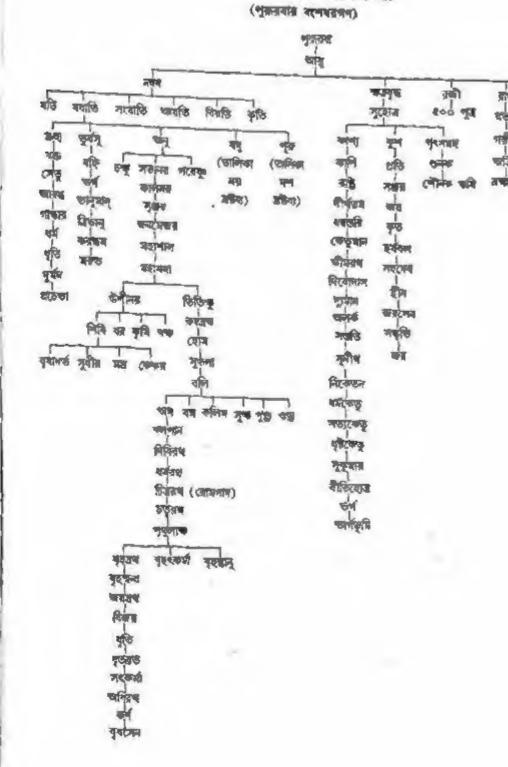
राषु गंगम समि पान	ৰ পৃষ্ট নুগ ন≨বছঃ নতং	कि ट पर िट	ইন্ট্ (মৃত্যু
	ल पार गुर्गाढ अक्टनन नाक	negative .	
gura .	ভূতকোতি কৰা অনুৱাৰ	च्यान्यनं प्रसानगारं बरागरं व	हरिस् र क्त
रूप इस्मी		्राह्म । स्टब्स्	
ज्ञा भू	क्या में प्रमा विकास एकडू	क्षा भर् धारत	
क्षांक्र समिक्र	প্ৰতীক 🖓 পূৰ্বনৰ	া গুমুছি	MANUFACTURE .
erife.	ভ্ৰমনান ইন্সদেশ ব্ৰহ্মনাৰ	affre from	
	वैदिरहाड जिल्हा	পুরুত্রবা '	डेरक्स ग र दि
	ক্ষত্যক্ষৰ	গ্ৰমূপ	
্ ভূম া	केन्द्राच	বিবিংশতি	
व्यव इनेन्द्र विकास	Compres	अंखा	
	অন্তিকশ্য	कील्य	
क स्तिलास सहाय	च्यक्तित्वन्तुरस्य	47.53	
P4	with mit Auf 1 Aug 1 Aug	चरीकिर,	
Par .		मन्ड	
तान्द		Q.Z.	
PIL L Time		सम्बद्धिः	
र्तिकद		मु ^{ब्} डि	
- Time		न्द	
্যন্তা		(কবন)	
म्प्रित याच्यात आकृत्		प्रभा न	
	en dell's Navoid Abi	<u>বেশবান</u>	
Note Base		(
		কুব কুন্ <i>বি</i> ন্মূ	
\$4 2m			
		ইনবিলা বিশাস শূন্যবন্ধ ধুলকেন্ত	
STATE (Florida)		भूरका दश्यक्य	
क्षांट (क्रिन्स्)		ASSLAR.	
ñ-5 œ		नर्वय	
নিত্ ত		(स्टब्स कृतीश	
র ত		CHIPPE	
7-1 7-1		<i>সূ</i> খন্তি	
er it.		WALLES	

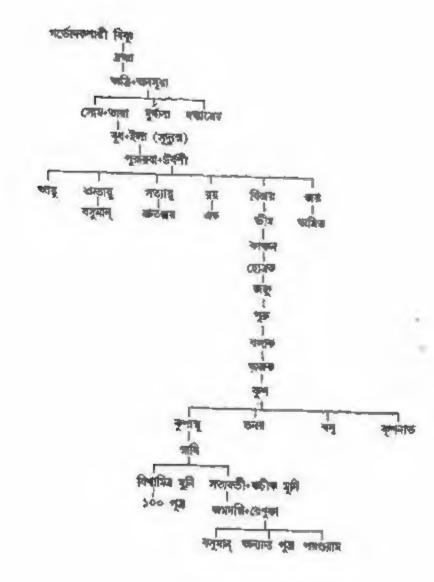
(वनवर मन्त बर्गावसी (शहरही	सर्व)	
19.6) পর্বেশযাত্র	আঁ- এডিব
यान	न्द्रातं जूवम्	শুক ছাজ
স্কৃত্	ব্যুক্তাত	বহি
क्लभं श्रम	সন্দৰ্	1
ब्र ्च या	1845 Pis	学 公司 3
मिलीं ज	विजगानत्त्व	वर्षाट
থানীবৰ	Algel MCA-Illucia	不養さ
380	क्ष श्चित	wite)
ब्रांक	भूकक्त	कारकाम स्थापनम्
निवाही भ	ক্ষাধ্যৰ	क्रमंत्रिक
व्यक्त	Pin	474
बार्ड अर्थ	No.	現代事
1	থাসূত্রতে	मृतं व
শূর্যকার	সন্ম	
मुनाम -	অথৰ্বণ	शुमित (त्या गाल)
स्मिम्। नवस्यकी (निर्मातम् निर्मातम् वाह्या)	KETSIN	
Suite.	विक् रा व	
বালিক	SOUTH-	
traffers	Separate Sep	
बेसर्विङ	दृष्ट्यंग	
Repre	বৃহত্তৰ	
भट्टिंग	Gelara	
मार्थास	मध्येद्व	
AT S	হা তিব্যাস	
चंद्र	खन्	
শশরণ-বৌশন্যা, কৈকেয়ী ও স্থািতা	পিবাক	
	সহাকে	
ম্বণক্র প্রাণামচন্দ্র-সাঁতা তবঁত সম্মূল	বৃহন্দ	
লব কুল হক পুঞ্জ অসম চিত্রতৈত পুথাৰ প্রতক্ষেত্	ভ ট্ৰান	
অভিধি	প্রতীক্ষর	
নিৰুখ	প্রতীকার সূত্রতীক	
**p	प्रकारनय	
আতিথি নিৰ্থ ক্ষি প্ৰথ ক্ষেত্ৰখন্য দেবনীক অন্	ales and	
Can-19641	न्युक्तर	
Cपर्यस्तिक	অত্যবন্ধ	
स र्वेज्ञ	মক্তেব স্থান্তর পৃথ্য অপ্রবিক্ষ সূত্রণা	

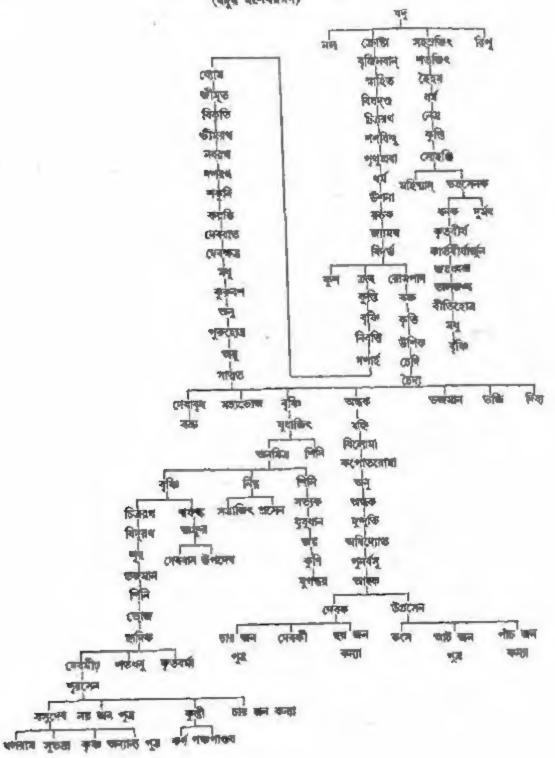
বিবস্তান বৈশ্বত মনু ইকাকু নিবি জনত (নিবিদা) উপাধস্ **ন**শিক্ষান স্কৈত ্ৰেক্যান্ত -বৃহত্তৰ बर्ग्दीर নতীনক 40314 (নক্ষীয় रिकड महापृष्टि कृष्टित्राक वर्गर्वाम वर्गतस्य हर्चदाम नीतशस्य (सन्तर) नीजारमधी-कन्धन समस्य धर्मसम्बद्ध

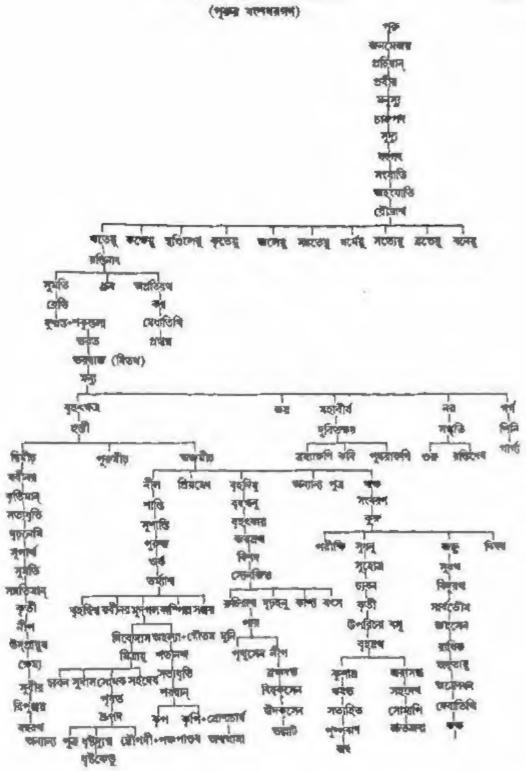
नुक्रकिर অরিষ্ট্রেনি करायू সুপাৰ্থক िसंत्रप কেম্বৰি नुसंत्र्य

তার্চ তার্চ চিতকুং

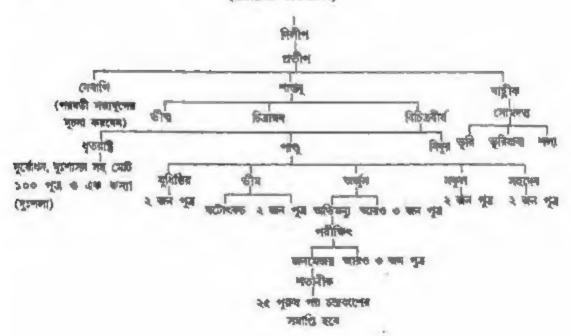








ৰংশগরুপৰা সাহৰী—জালিকা এগাৰো (धर्कीटमा कलंबत्रमन)



শ্রীল প্রভূপাদের সংক্ষিপ্ত জীবনী

শ্রীল অভয়তরণারতিক ভক্তিবেদার সামী প্রভুগান কণর্মকহীন অবস্থার আমেরিকার নিউ ইগর্ক শহরে ১৮৯৬ সালে কলিকান্যা আনিষ্ঠত হরেছিলেন। ১৯২২ সামে খলিকান্তার তিনি ঠার গুরুদের জ্রীল ভাড়ি দিয়ান্ত সরবর্তী গোডামী প্রভুগানের স্মান্তং করে করেবং শ্রীক ভতিনিদ্ধান্ত সমস্কটী ইকুল ছিলেন ভতিমাৰ্থের বিদদ্ধ পতিত এবং ৬৪টি গৌড়ীর মঠেন (বৈদিক সংকেন) হাডিটাতা। ডিনি এই বৃদ্ধিনীয়, ভেন্নবী ও নিচ্চিত যুক্তটোক বৈনিক জান প্রচালের কালে জীবন উৎসর্ব করতে উত্তর করেন। জিল প্রভূপান এগান করে বরে তাঁর আনুগতের বৈনিক শিকা গ্রহণ করেন এবং পরে ১৯৬০ সালে এলাহানালে উন্ন কাছে দীকালার হন।

১৯২২ সলে জীল ভড়িসিছৰে সময়তী ঠাকুর জীল विदुर्गामस्य है(ताबी धारात मानहरू दिनिय बान काव করতে নির্দেশ দেন। পরবর্তীকালে জ্রীল প্রভূপান ভাবদ্বীজন ভাব্য দিখে বৌড়ীর মঠের প্রচারের কাজে সহায়ক। করেছিলেন। ১৯৪৪ সালে তিনি এককভাবে একটি ইংয়ালী পাক্ষিক পত্রিকা প্রকাশ করতে ৬৯ করেন। এফা কি তিনি নিজে ছাতে গঞিবাটি বিভাগত করতেন। পত্রিকাটি এখনও সারা পৃথিবীতে ভার শিবাৰুশ কৰ্তৃক মৃত্ৰিক ও প্ৰকাশিত হতে।

১৯৪৭ সালে জীল প্রভুগানের খার্লনিক স্কান ও ভব্তির উৎকর্বতার স্বীকৃতিরশে 'বৌদ্ধীর বৈকশ সমাজ' তাঁকে "ভক্তিকোর" উপাধিতে ভূমিত করেন। ১৯৫০ নালে তাঁম ৫০ কর ব্যানে শ্রীল প্রভূপান নগোর জীক থেকে অবসর গ্রহণ ক'রে চার বছর পর ক্রতেছ আবাহ श्रदेश करतेन क्षेत्र भाव चर्याच्या, श्रद्धात के श्रत्र सद्भाव कारक अप्रातिरका करतन। ठिप्ने कुणाबद्धा शिक्षेत्राथा-দামোগর মনিবে কাবাদ করতে বাকেন এবং বাতি সাধারণভাবে জীকারাপম করতে শুরু করেন। ১৯৫৯ সালে তিনি সন্মান প্রথম করেন। ঐতিন্যাধা-সংযোগ্য मनिरवरे कीन अञ्चलातन व्यक्तं करनारमा मूक्लाड दक्त। এখানে বসেই তিনি শ্রীমন্ত্রাগরতের ভাষা ও ভাৎপর্যসহ আঠার হাজার প্রোক্তের অনুবাদ করেন একা পরক্রেকে সুগম ব্যত্তা' নামক প্রস্তৃতি বচনর করেন।

১৯৬৫ সালে ৭০ বছর বয়সে তিনি সম্পূর্ণ সংয়তির অনুশীলন করছেন।

পৌষ্টন। হার এক কলে ধরে কঠোর পরিভাম করার পর তিনি ১৯৬৬ সালের স্থপাই মানে প্রতিষ্ঠা করেব चातुर्वारिक कृष्णणस्मावृक्ष भरू वा देशका। छीत समृद् নিৰ্মেশনায় এক সমকের মধ্যে গতে ৩ঠে বিশ্বসাপী সভাবিক আশ্রম, বিদ্যালয়, মন্দিয় ও পল্লী-আশ্রম।

১৯৭৪ সালে জীল প্রস্তুপাদ পশ্চিম ডাজিনিরার भार्वका-कृतिएड भएक एकारकाम सब कृताका, या एक दिसिक সমাজের প্রতীক। এই সকলতার উবুদ্ধ হয়ে ওয়ে শিব্যকুদ গরবাতীকালে ইউরোগ ও আমেরিকার আরও অনেক পর্য়ী-আশ্রম গড়ে ত্যোকেন।

क्षेत्र शकुनारमा धानवम् चावपाम ३४१ छीत् अञ्चारती। कीव बहुनारेन्सी नाबीर्जभूष ध शाहन बनर শাহানুৰোদিত। সেই কারণে বিদদ্ধ সমজে তার क्रमारमी वरीत मशमुख बका कर निका-वरिकेशन खास সেতালি গাঠারতে ক্রক্তের হকে। বৈনিক দর্শনের এই প্রকাশনী প্রকাশ করছেন স্টারই প্রতিষ্ঠিত বিশ্বের অন্যতম বৃহৎ প্রস্কৃতকাশনী সংস্কৃ ভিভিবেদন্ত বুক ট্রাস্টা জীল প্রভূপান ব্রীচেডমাচরিভামুডের সংক্রমণ করের ভাশপর্বসহ ইরোভী অনুবাদ আঠার মানে সম্পূর্ণ করেছিলেন।

১৯৭২ সালে আমেরিকার ভালাসে ওক্তবুল বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠার মাধ্যমে জ্রীল গ্রন্থপাল প্রথমিক ও সাধ্যমিক করে বৈদিক শিক্ষা-খ্যবহুরে প্রচলন করেনঃ ১৯৭২ সঙ্গে মত্র ভিনধন ছাত্র নিয়ে এই ওক্তবুলো সুত্রপাত হয় ৰক্ষ আৰু দলো পৃথিবীৰ ১৫টি গুৰুতুল বিদ্যালয়ে कदार मरश्त शह गत्मा मंद्र।

शिक्तपरामा स्मीता (कामात क्षेत्राम मात्राभूता व्योग প্রকুশান সংখ্যা কুল কেন্দ্রটি স্থাপন করেন ১৯৭২ সালে। এখানে থৈনিক শিক্ষা ও সংস্কৃতি চৰ্চায় জন্য একটি কর্বাক্তর কহাবিদ্যালয় স্থাপনের পরিকর্মনাও ডিনি দিয়ে পেছে। জীল প্রভূপাদের নির্দেশে বৈদিক ভারধারার উপর প্রতিষ্ঠিত এই রকম আর একটি আন্তম পতে উটেছে সুপাবনো শ্রীপ্রীকৃক্ষ কারাম মনিয়ে, বেখানে আৰু ক্লে-দেশাস্ত্ৰ থেকে আগত বা প্রথাপী বৈদিক

পূর্বে শ্রীল প্রভূপান সমগ্র জগতের কাছে ভগতকের বাশী ধর্ম ও সংস্কৃতি সমন্তিত বহু প্রহাবলী রচনা ক'রে গেছেন, শৌৰে দেবার কল তার বৃদ্ধাবস্থাতেও সমগ্র পৃথিবী সার মধ্যমে এই কলতের মানুহ পূর্ণ আলন্দমর এক দিব্য চোদবার পরিক্রমা করেন। মানুক্রে মসলার্থে এই প্রচার- জগতের সঞ্জান লাভ করবে।

১৯৭৭ সালে এই ধর্যাম থেকে অপ্রকট হওয়ার স্চির পূর্বতা সাধন করেও তিনি বৈশিক দর্শন, সাহিত্য